उत्पत्ति

संसार क उत्पत्ति
पहिला दिन उजियारा

1 सुरु मँ परमेस्सर अकास अउ भुइँया क रचेस। 2भुइँया सुनसान रही; अउ भुइयाँ प कछू भी नाहीं रहा। समुद्दर प अँधियारा छावा रहा, अउ परमेस्सर क आतिमा पानी प मँड़रात रहा। 3तब परमेस्सर कहेस, "उजियारा होइ" अउ उजियारा होइ गवा। 4परमेस्सर उजियारा क लखेस अउ उ जानि गवा कि इ नीक बाटइ। तबहिं उ उजियारा का अँधयारा से अलग कई दिहेस। 5परमेस्सर उजियारा क नाउँ "दिन" अउ अँधियारा क नाउँ "रात" दिहेस।

साँझ भइ अउ भिन्सार भवा। इ पहिला दिन रहा।

दूसर दिन-अकास

6तब्बइ परमेस्सर कहेस, "पानी क एक ढेर क दूसर ढेर स अलगावइ बरे वायुमण्डल* होइ जाइ।" 7एँह बरे परमेस्सर वायुमण्डल क बनएस अउ पानी क अलग्ग किहेस। कछू पानी वायुमण्डल क ऊपर रहा अउ कछू वायुमण्डल क नीचे। 8परमेस्सर वायुमण्डल क "अकास" कहेस। तब साँझ भइ अउ भिन्सार भवा। इ दूसर दिन रहा।

तीसर दिन-झुरान भुइँया अउ पेड़-पौधा

9अउर तब परमेस्सर कहेस, "भुइँया क पानी एक ठउरे प बटुर जाइ जेहसे झुरान भुइँया देखाइ देइ" अउ अइसा ही भवा। 10परमेस्सर झुरान भुइँया क नाउँ "धरती" धरेस अउ जउन पानी बटुरा रहा, ओका "समुद्दर" क नाउँ दिहेस। परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ।

11तब परमेस्सर कहेस, "भुइँया, घास अउ पौधा जउन अन्न पइदा करत हीं अउर फलन क बिरवा उगावइ। फलन क बिरवा जेकरे फलन क भीतर बिया होइ अइसा फल पइदा करइँ अउ हर एक ठु पौधा आपन जाति क बिया बनावइ। इ पौधन क भुइयाँ प निकरइ द्या।" अउ अइसा ही भवा। 12भुइयाँ घास अउ पौधा पइदा किहस जउन अनाज पइदा करत हीं अउ अइसा बिरवा अउ पौधा उगाएस जेनके फलन क भीतर बिया होत हीं। हर एक ठु पौधा आपन आपन जाति क मुताबिक बिया पइदा किहस अउ परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ। 13तब साँझ भइ अउ भिन्सार भवा। इ तीसर दिन रहा।

चउथा दिन-सूरज, चाँद अउ तारा

14तब परमेस्सर कहेस, "अकास मँ जोतियन होइ द्या। इ जोतियन दिन क रात स अलगाइ देइ। इ जोतियन खास त्यौहार क दिनन क अवइ अउर दिन अउ रात होइ एँकरे बरे मँ एक चीन्हा होब्या। 15इ जोतियन भुइयाँ प प्रकास देइ बरे अकासे मँ ठहारि जाइँ।" अउर अइसा ही भवा।

16तब परमेस्सर दुइ बड़की जोतियन बनएस। परमेस्सर ओहमाँ स बड़की जोति क दिन प राज करइ बरे बनएस अउ छोटकी जोति क राति प राज करइ खातिर बनएस। परमेस्सर तारा भी बनएस। 17परमेस्सर इ जोतियन क अकासे मँ एँह बरे धरेस कि पृथ्वी पइ चमकइ। 18परमेस्सर इ जोतियन क अकासे मँ एँह बरे धरेस कि उ दिन अउ राति प राज करइ। इ सबइ जोतियन उजियारा क अँधियारा स अलगाइ दिहन अउ परमेस्सर इ लखेस कि इ नीक बा।

19तब साँझ भइ अउ भिन्सार भवा। इ चउथा दिन रहा।

पँचवा दिन-मछरियन अउ पंछिन

20तबहीं परमेस्सर कहेस, "पानी बहोत सारी जीब जन्तूअन स भरि जाइ अउ पंछी भुइयाँ क ऊपर वायु मँ बिचरइँ।" 21एँह बरे परमेस्सर समुद्दर मँ बड़वार बड़वार जलजन्तु बनएस। परमेस्सर ओन सबहिं परानियन क बनएस जउन समुद्दर मँ बिचरत हीं। सागर मँ किसिम किसिम क जलजन्तु बाटेन। परमेस्सर इ सबन क रचना किहेस। परमेस्सर हर तरह क पंछी भी बनएस जउन अकासे मँ उड़त हीं। परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ।

22परमेस्सर इ जनावरन क आसीर्बाद दिहेस, अउ कहेस, "जा अउ बहोत स बच्चन क पइदा करा अउ सागरे क आपन सन्तानन स भरि द्या।" उ पंछी क भी कहेस कि आपन सन्तानन क कइ गुना बढ़ावा।

23तब साँझ भइ अउ भोर भवा। इ पँचवा दिन रहा।

छठाँ दिन-भुइँया क जीव जन्तु अउ मनई

24तब परमेस्सर कहेस, "भुइँया हर जाति क जीव जन्तु पइदा करइ। बहोत स अलग अलग जाति क जनावर होइँ। हर जाति क बड़का जनावर अउ नान्ह नान्ह रेंगइवाला जनावर होइँ अउ इ जनावर आपन जाति क मुताबिक अउर जनावर बनावइँ" अउ इहइ सब भवा।

25तउ, परमेस्सर हर जाति क जनावर बनएस। उ जंगली जनावर, पालतू जनावर, अउ सबहिं नान्ह नान्ह रेंगइवाला जीउ बनाएस अउर परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ।

26तब परमेस्सर कहेस, "अब मनई क आपन सरुप अउर आपन जइसा बनाएँ मनई हमरी तरह होइ। उ सागर क सब मछरियन प अकासे क पंछियन प राज करी। उ भुइँया क

वायुमण्डल हिब्रू भाखा मँ एकर अरथ अहइ "फइलाव" या "मण्डल।"

सब बड़वार जनावरन अउ सब नान्ह रेगंइवालन जीउ प राज
करी।"
27एँह बरे परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनएस।
परमेस्सर मनई क आपन ही सरुप मँ सिरजेस। परमेस्सर
ओनकइ नर अउ नारी बनाएस। 28परमेस्सर ओनका असीसेस।
परमेस्सर ओनसे कहेस, "बहोत सारे संतानन पइदा करा,
नसलन क बढ़ावा अउर भुइँया क भरि द्या। भुइँया पइ
कब्जा कर ल्या। अउ ओह प राज करा। सागर क
मछरियन प अउ अकासे क पंछिन प राज करा। भुइँया क
हर जीउ-जन्तु प राज करा।"
29परमेस्सर कहेस, "लखा, मइँ तू पचन क सब किसिम
क बिआदार बृच्छ पौधा अउ सारा फलदार बृच्छ दिहेउँ ह।
इ सबइ अन्न अउ फल तोहार भोजन होइ। 30मइँ हर एक
ठु हरिअर पेड़ पौधा गोरु बरे देत अहउँ। इ सबइ हरिअर
बृच्छ पौधा ओनकइ चारा होइ। भुइँया क हर एक ठु
जनावर, अकासे क हर एक पंछी अउ भुइँया प रेंगइवाला
सब जीउ जन्तु इ चारा क खइहीं।" इ सबइ बातन भइँन।
31परमेस्सर अपने जरिये हर एक ठु चीज लखेस जेका उ
बनाएस रहा। अउ उ निहारेस कि हर चीज बहोतइ नीक
बाटइ। साँझ भइ अउ भोर भवा। इ छठवाँ दिन रहा।

सतवाँ दिन-आराम

2 इ तरह धरती, अकास अउ ओकर हर एक चीज क
रचब पूर होइ गवा। 2परमेस्सर आपन कीन्ह जात काम
क पूरा कइ लिहेस। एँह बरे सतएँ दिन परमेस्सर अपने
काम मँ अराम किहेस। 3परमेस्सर सतएँ दिन क असीसेस
अउ ओका पवित्र दिन बनइ दिहेस। परमेस्सर उ दिना क
पवित्र दिन एँह बरे बनएस कि संसार क बनवत समइ जउन
उ काम करत रहा उ सबहिं कामे स उ दिन उ अराम
किहेस।

मनई जाति क सुरुआत

4इ धरती अउ अकास क इतिहास अहइ। इ कथा उ
चिजियन क अहइ, जउन परमेस्सर क जरिये धरती अउ
अकास बनवत टेम प भइन। 5तब धरती प कउनो बृच्छ
पौधा नाहीं रहा। अउ खेतन मँ कछू भी नाहीं उगत रहा।
काहेकि यहोवा तब तलक धरती प बरखा नाहीं पठए रहा
अउ बृच्छ पौधन क देखइ भालइ वाला कउनो मनई भी
नाहीं रहा। 6मुला कुहिरा भुइँया स उठत रहा अउ पानी
समूचइ धरती क सींचत रहा।
7तब यहोवा परमेस्सर भुइँया स धूरि उठाएस अउ मनई
क बनएस। यहोवा मनई क नाके मँ जिन्नगी क साँस
फूँकेस अउ मनई एक ठु जिअत परानी बन गवा। 8फुन
यहोवा परमेस्सर पूरब मँ अदन नाउँ क ठउरे मँ एक बाग
लगाएस। यहोवा परमेस्सर आपन बनावा भवा मनई क इहइ
बगिया मँ राखेस। 9यहोवा परमेस्सर हर एक सुन्नर बृच्छ
अउ खइया बरे सबहिं किसिम क नीक बृच्छ क उ बगिया
मँ उगाएस। बगिया क बीचउ बीच यहोवा परमेस्सर जिन्नगी
क बृच्छ क धरेस अउ उ बृच्छ क भी राखेस जउन
अच्छाई अउ बुराई क जानकारी देत रहा।
10अदन स होइके एक ठु नदी बहत रही अउ उ बाग
क सींचत रही। उ हुवाँ स अगवा जाइके चार ठु नान्ह नान्ह
धारा मँ बदल गइ रही। 11पहिली नदी क नाउँ पीसोन रहा।
इ नदी हवीला पहँटा क चारिहुँ कइँती बहत रही। 12(उ
पहँटा मँ सोना अहइ अउ उ सोना नीक बाटइ। मोती अउर
गोमेदक रतन उ पहँटा मँ अहइँ।) 13दूसरी नदी क नाउँ
गीहोन अहइ जउन इथोपिया देस क चारो तरफ बहत ह।
14तीसरी नदी क नाउँ दजला बा। इ नदी अस्सूर क पूरब मँ
बहत ह। चउथी नदी फरात अहइ।
15यहोवा परमेस्सर मनई क अदन क बाग मँ रखेस।
मनई क काम पेड़-पौधा लगाउब अउ बगिया क रखवारी
करब रहा। 16यहोवा परमेस्सर मनई क हुकुम दिहेस। यहोवा
परमेस्सर कहेस, "तू बगिया क कउनो भी बृच्छ स फल
खाइ सकत ह। 17मुला तू नीक अउ खोट क गियान
देइवाला बृच्छ क फल नाहीं चख सकत ह। अगर तू उ
बृच्छ क फल खाइ लेब्या तउ तू मरि जाब्या।"

पहिली मेहरारु

18तब यहोवा परमेस्सर कहेस, "मनई क अकेले रहब
नीक नाही। मइँ ओकरे तरह एक मनई ओका मदद बरे
बनउब।"
19यहोवा परमेस्सर धरती क हर एक जनावर अउ अकासे
क हर पंछी क भुइँया क माटी स बनएस। यहोवा परमेस्सर
इ सबहिं जीउन क मनई क समन्वा लइ आवा अउ मनई
हर एक क नाउँ राखेस। 20मनई पालतू गोरु, अकासे क
सब पंछिन अउ जंगल क सबहिं जनावर क नाउँ रखेस।
मनई ढेर क जनावर अउ पंछिन क लखेस। मुला मनई
कउनो अइसा मदद करइया नाहीं पाइ सका जउन ओकरे
जोग्ग होइ। 21एँह बरे यहोवा परमेस्सर मनई क गहरी नींदे
मँ सुवाइ दिहेस अउ जब उ सोवत रहा; यहोवा परमेस्सर
मनई क तन स एक पसुली निकारि लिहस। तब यहोवा
मनई क चाम क बन्द कइ दिहस जहाँ स उ पसुली निकारे
रहा। 22यहोवा परमेस्सर मनई क पसुली स मेहरारु क
बनएस। तब यहोवा परमेस्सर मेहरारु क मनई क लगे
लिआवा। 23अउर मनई कहेस,
"आखिर मँ! हमरे तरह एक मनई। एँकर हाड़ मोरे हाड़
मँ स आवा एँकर तन मोरे तन स आवा। काहेकि इ मनई
स निकारी गइ, एँह बरे मइँ एँका मेहरारु कहब।"
24इहइ कारण स मनई आपन महतारी-बाप क तजिके
आपन मेहरारु क संग रही अउ उ दुइनउँ एक तन होइ
जइहीं। 25मनई अउ ओकर मेहरारु बगिया मँ नंगा रहेन;
मुला उ पचे लजात नाहीं रहेन।

पाप क सुरु होब

3 यहोवा परमेस्सर जउन जंगली जनावरन क बनएस
ओहमाँ स सरप सबन त जिआदा होसियार अउर
धोखेबाज रहा। उ मेहरारु क धोखा देइ चाहत रहा। सरप
मेहरारु स कहेस, "हे मेसरारु! का फुरइ परमेस्सर तोहसे
कहेस ह कि तू बगिया क कउनो फल जिन चख्या?"

2मेहरारु सरप स कहेस, “नाहीं परमेस्सर इ नाहीं कहेस।
हम बगिया क पेड़े स फल खाइ सकित ह। 3मुला एक ठु
बृच्छ बाटइ जेकर फल हम पचे नाहीं खाइ सकित। परमेस्सर
हम पचन स कहेस ह, ‘तोहका उ बृच्छ क फल नाहीं खाइ
चाही जउन बगिया क बीच मँ बाटइ। तोहका उ बृच्छ क
छुअइ तलक नाहीं चाहीं नाहीं तउ मरि जाब्या।’”
4मुला सरप मेहरारु स कहेस, “तू मरिब्या नाहीं।
5परमेस्सर जानत ह कि तू पचे उ बृच्छ स फल खाब्या तउ
नीक अउ बुरा क बारे मँ जानि लेब्या। अउर तब तू उहइ
होब्या जइसे परमेस्सर अहइ।”
6फुन मेहरारु निहारेस कि बृच्छ सुन्नर बाटइ। उ लखेस
कि फल खाइ बरे नीक बाटइ अउ उ बृच्छ ओका बुद्धिमती
बनाइ। तउ बृच्छ स कछू फल तोड़ेस अउ खाएस भी। तब
उ अपने भतार क कछू फल खाइ बरे दिहस जउन ओकरे
संग रहा।
7तब ओनकइ अखियाँ खुलि गएन। दुइनउँ जानेन कि उ
पचे नंगा बाटेन। उ दुइनउँ क लज्जा अनुभव भवा। तउ उ
पचे अंजीरे क पत्ता लिहेन अउ ओका सिएन अउ आपन
नंगापन क ढाँपि लिहेन।
8तब मनसेधू अउ मेहरारु साँझ क ठंडी बयार मँ यहोवा
परमेस्सर क आवइ क अवाज बगिया मँ अनकेन। उ पचे
बगिया मँ बृच्छन क बीच लुकाइ गएना। 9यहोवा परमेस्सर
गोहराइके मनई स पूछेस, “तू कहाँ बाट्या?”
10मनई जवाब दिहेस, “मइँ तोहरे टहरइ क अवाज
बगिया मँ सुनेउँ अउ मइँ डेराइ गएउँ काहेकि मइ नंगा
रहेउँ। एँह बरे मइँ लुकाइ गएउँ।”
11यहोवा परमेस्सर मनई स पूछेस, “तोहका कउन बताएस
ह कि तू नंग धड़ंग अहा? तू कउने वजह स सरमाइ गया
ह? का तू उ बिसेख बृच्छ क फल चख्या ह जेका मइँ
तोहका न खाइ बरे हुकुम दिहेउँ ह?”
12तब मनई कहेस, “तू जउन मेहरारु मोरे बरे बनया ह उ
उहइ बृच्छ स मोका फला दिहस ह, अउर मइँ ओका
खाएउँ ह।”
13फुन यहोवा परमेस्सर मेहरारु स कहेस, “इ तू का
किह्या ह?” मेहरारु कहेस, “सरप मोका बगदाइ दिहस। उ
मोका मूरख बनाएस अउर मइँ फल चखि लिहेउँ।”
14तब यहोवा परमेस्सर कीरा स कहेस,
“तू इ बहोतइ बुरा किहा। एँह बरे तोहार बुरा ही होइ।
दूसर जनावर क बनिस्बत तोहार बहोतइ बुरा होइ। तू आपन
पेट क सहारा रेगंइ बरे बेबस होब्या। अउर तू धूरि फाँकइ
क बेबस होब्या जिन्नगी क सब दिन मँ।
15मइँ तोहका अउ मेहरारु क एक दूसरे क दुस्मन
बनाउब। तोहार गदेलन अउ एँकर बच्चा आपस मँ दुस्मन
होइहीं। तू एँनकइ गदेलन क गोड़े मँ डसब्या अउ उ तोहार
मूँड़ कुचल देइहीं।”
16तब यहोवा परमेस्सर मेहरारु स कहेस,
“मइँ तोहका गाभिन होइ क हालत मँ बहोतइ दुखी
करब। अउर जब तू लरिका पइदा करिबिउ, तोहका बहोत
जियादा पीरा होइ। तू आपन भतार क बहोतइ चहिबिउ, मुला
उ तोह प प्रभुताई करी।”
17तब यहोवा परमेस्सर मनई स कहेस,
“मइँ हुकुम दिहेउँ रहे कि तू बिसेख बृच्छ क फल जिन
खाया। मुला तू आपन मेहरारु क बात सुन्या अउर उ बृच्छ
क फल खाया ह। एँह बरे मइँ तोहरे कारण इ भुइँया क
सराप देत हउँ आपन जिन्नगी क पूरे टेमँ तलक उ भोजन
बरे जउन धरती देत ह तोहका कठिन मेहनत करइ क पड़ी।
18मुला धरती तोहरे बरे काँटन अउर खर-पतवार पइदा
करी। अउर तू ओन पौधन क खाब्या जउन खेत मँ उगत
ह।
19तू आपन खइया बरे कठोर मेहनत करब्या। तू तब
तलक मेहनत करब्या जब तलक माथा प पसीना न आवइ।
तू तब तलक कठोर मेहनत करब्या जब तलक तोहार मउत
न आइ जाइ। उ टेमँ तू दूसरी दाईं माटी बन जाब्या। जब
मइँ तोहका बनए रह्यों, तबहिं तोहका माटी स बनए रह्यों
अउर जब तू मरिब्या तब तू उहइ माटी मँ फुन मिलि
जाब्या।”
20आदम आपन मेहरारु क नाउँ हव्वा राखेस, काहेकि
सब मनइयन क उ आदि महतारी रही।
21यहोवा परमेस्सर मनई अउ ओकरे मेहरारु बरे जनावर
क चाम स पोसाक बनाएस। तब यहोवा इ सबइ पोसाक
ओनका दिहस।
22यहोवा परमेस्सर कहेस, “लखा, मनई हमरे जइसा होइ
गवा अहइ। मनई अच्छाई अउ बुराई जानत ह अउर अब
मनई जिन्नगी क बृच्छ स भी फल लइ सकत ह। अगर
मनई उ फले क खाई तउ सदा ही जिअत रही।”
23तब यहोवा परमेस्सर मनई क अदन क बगिया तजइ
बरे बेबस किहस। जउने माटी स आदम बना रहा उ भुइँया
प आदम क कठोर मेहनत करइ क पड़ी। 24परमेस्सर आदम
क बाग स बाहेर खदेर दिहस। तब परमेस्सर करूब
सरगदूतन क बगिया क फाटक क रखवारी बरे राखेस। उ
एक आगी क तरवार भी राखेस। इ तरवार जिन्नगी क
बृच्छ क राह क रखवारी करत भइ चारिहुँ कइँती चमकत
रही।

पहिला परिवार

4 आदम अउ ओकर मेहरारु हव्वा क बीच मँ तने क
रिस्ता भवा अउ हव्वा एक ठु बच्चा जन्मेस। बच्चा
क नाउँ काबील रखा गवा। हव्वा कहेस, “यहोवा क मदद
स मइँ एक मनई पाएउँ ह।”
2एँकरे पाछे हव्वा एक ठु दूसर बच्चा क जन्मेस। इ
लरिका काबील क भाई हाबिल रहा। हाबिल गड़रिया बना।
काबील किसान बना।

पहिला कतल

3-4फसिल क टेमँ काबील एक ठु भेंट यहोवा क लगे
लइ आवा। जउन अनाज काबील आपन जमीन मँ उपजावत
रहा, ओहमाँ स तनिक अन्न उ लइ आवा। मुला हाबिल
आपन जनावरन क झुण्ड मँ स कछू जनावर लावा। हाबिल
आपन सबन त नीक भेड़ी क सबन त बढ़िया हींसा लइ
आवा। यहोवा हाबिल अउ ओकरी भेंट क अंगीकार

किहस। 5मुला यहोवा काबील अउ ओकरे जरिये लाइ गइ
भेंट क अंगीकार नाहीं किहस। ओकर चेहरा उदास होइ
गवा। 6यहोवा काबील स पूछेस, “तू काहे कोहान अहा?
तोहार चेहरा काहे बहोत उदास भवा देखात बाटइ? 7अगर
तू नीक काम करिब्या तउ तू मोरी निगाह मँ ठीक रहब्या।
तब मइँ तोहका अपनाउब। मुला अगर तू उ काम नाहीं
करिब्या जउन कि नीक अहइ तउ पाप तोहार दरवाजे पइ
घात मँ रहब्या। इ तोहका तबाह करइ चाहत ह। मुला
तोहका ऍका आपन बस मँ रखइ चाही।”

8काबील आपन भाई हाबिल स कहेस, “आवा हम मैदान
मँ चली।” ऍह बरे काबील अउ हाबिल मैदान मँ गएन। तब
काबील आपन भाई प हमला कइ दिहस अउ ओका मारि
डाएस।

9पाछे यहोवा काबील स पूछेस, “तोहार भाई हाबिल कहाँ
बा?”

काबील जवाब दिहेस, “मोका नाहीं मालूम। का इ मोर
काम अहइ कि मइँ आपन भाई क चउकसी अउ देखभाल
करउँ?”

10तब्बइ यहोवा कहेस, “तू इ का किहा? तोहरे भाई क
रकत जमीन स बोलत अहइ कि का होइ ग अहइ? 11तू
आपन भाई क कतल किहा ह, भुइँया तोहरे हाथे स ओकर
रकत लेइ बरे खुल गइ अहइ। ऍह बरे तोहका अगिया
नाही अहइ कि तू धरती स कउनो लाभ उठावा। 12बीता
जमाना मँ तू फसल लगाया अउ उ अच्छी जामी। मुला
अब तू बढ़िया फसल बोउब्या अउ जमीन तोहार अच्छी
फसल होइ मँ मदद न करी। तोहका भुइँया प घर न मिली।
तू जगह-जगह भटकत रहब्या।”

13तब काबील कहेस, “इ सजा ऍतनी जियादा अहइ कि
मइँ सह नाहीं सकत हउँ। 14लखा, तू आज मोका धरती स
तजि दिहस मइँ न तउ तोका देख पाउब अउर न ही तोर
निकट रह पाउब। मोर घर नाहीं बा। मोका जगह-जगह
भटकइ प बेबस कीन्ह जाई। अउर जदि कउनो मनई मोका
पाइ तउ उ मोका मारि डाइ।”

15तब यहोवा काबील स कहेस, “मइँ इ नाहीं होइ देब।
जदि कउनो तोहका मारी तउ मइँ उ मनई क बहोत कठोर
सजा देब।” तब यहोवा काबील प एक चीन्हा बनाएस। इ
चीन्हा उ बतावत रहा कि काबील क कउनो न मारइ।

काबील क परिवार

16तब काबील यहोवा क तजि क चला गवा। काबील
नोद देस मँ रहइ लाग।

17काबील आपन मेहरारु क संग तने क रिस्ता किहस।
उ गाभिन होइ गइ। उ हनोक नाउँ क बच्चा जन्म दिहस।
काबील एक सहर बसाएस, अउर ओकर नाउँ आपन पूत क
नाउं प हनोक ही राखेस। 18हनोक स ईराद पइदा भवा,
ईराद स महूयाएल पइदा भवा, महूयाएल स मतूसाएल पइदा
भवा अउर मतूसाएल स लेमेक पइदा भवा।

19लेमेक दुइ मेहरारु स बियाह किहस। एक मेहरारु क
नाउँ आदा अउ दूसर क नाउँ सिल्ला रहा। 20आदा याबल
क जन्मेस। याबाल ओन मनइयन क बाप रहा जउन तम्बू मँ
रहत रहेन अउ गोरु क पाल पोस क आपन गुजर बसर
करत रहेन। 21आदा क दूसर पूत यूबाल भी रहा। यूबाल,
याबाल क भाई रहा। यूबाल ओन मनइयन क बाप रहा
जउन बीणा अउ बाँसुरी बजावत रहेन। 22सिल्ला तूबलकैन
क जन्म दिहस। तूबलकैन ओन मनइयन क बाप रहा जउन
काँसा अउ लोहा क पेसा करत रहेन। तूबलकैन क बहिन
क नाउँ नामा रहा। 23लेमेक आपन मेहररुअन स कहेस:

“ऐ आदा अउ सिल्ला मोरउ बात सुना। लेमेक क
मेहररुओ! जउन बतियन मइँ कहत हउँ, सुना। एक मनई
मोका चोट पहुँचाएस, मइँ ओका मारि डालेउँ। एक जवान
मोका चोट पहुँचाएस ऍह बरे मइँ ओका मारि डाएउँ।

24जदि काबील क कतल करइ क सजा सात गुना अहइ
तउ लेमक क कतल क सजा सतहत्तर गुना होब्या!”

आदम अउ हव्वा क नवा पूत पइदा भवा

25आदम अउ हव्वा क संग पुन तने क रिस्ता भवा अउ
हव्वा एक ठु अउर बच्चा क जन्म दिहेस। उ पचे इ लरिका
क नाउँ सेत राखेन। हव्वा कहेस, “परमेस्सर मोका एक
अउर पूत दिहेस ह। काबील हाबिल क मारि डाएस मुला
सेत अब मोरे लगे अहइ।” 26सेत क भी एक पूत रहा।
एकर नाउँ एनोस रहा। उ टेमँ लोगन यहोवा क आराधना
करई लागेन।*

आदम क परिवारे क इतिहास

5 इ अध्याय मँ आदम क परिवार क बंसज क बारे मँ
अहइ। परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनाएस।
2परमेस्सर ओनका नर अउर मादा बनाएस। जउन दिन
ओनका बनाएस उहइ दिन उ ओनका असीसेस अउर
ओनका नाउँ “आदम” राखेस।

3जब आदम एक सौ तीस बरिस क होइ गवा तब उ
एक अउर बचवा क बाप भवा। इ पूत ठीक आदम क
तरह देखाइ देत रहा। अदम आपन पूत क नाउँ सेत राखेस।
4सेत क जन्म क पाछे आदम आठ सौ बरिस जिअत रहा।
इ दिनन मँ आदम क दूसर बेटवन अउ बिटियन भइन। 5इ
तरह आदम पूरा नौ सौ तीस बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

6जब सेत एक सौ पाँच बरिस क होइ गवा तब ओका
एनोस नाउँ क पूत पइदा भवा। 7एनोस क जन्म क पाछे सेत
आठ सौ सात बरिस जिअत रहा। इहइ सेत क दूसर बेटवन
अउ बिटियन पइदा भइन। 8इ तरह सेत पूरा नौ सौ बारह
बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

9एनोस जब नब्बे बरिस क भवा, ओका केनान नाउँ क
पूत पइदा भवा। 10केनान क जन्म क पाछे एनोस आठ सौ
पन्द्रह बरिस जिअत रहा। इ दिनन एकर दूसर बेटवन अउ
बिटियन पइदा भइन। 11इ तरह एनोस पूरा नौ सौ पाँच बरिस
जिअत रहा, तब उ मरा।

12जब केनान सत्तर बरिस क भवा, ओका महललेल
नाउँ क पूत पइदा भवा। 13महललेल क जन्म क पाछे
केनान आठ सौ चालीस बरिस जिअत रहा। इ दिनन केनान

उ टेमँ ... लागेन इ सब्द क अरथ अहइ यहोवा क गोहरावइ लागेन।

क दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 14इ तरह केनान पूरा नौ सौ दस बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

15जब महललेल पैंसठ बरिस क भवा, ओका येरेद नाउँ क पूत पइदा भवा। 16येरेद क जन्म क पाछे महललेल आठ सौ तीस बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ ओका दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 17इ तरह महललेल पूरा आठ सौ पंचान्नबे बरिस जिअत रहा। तब उ मरा।

18जब येरेद एक सौ बासठ बरिस क भवा तउ ओका हनोक नाउँ क पूत पइदा भवा। 19हनोक क जनम क पाछे येरेद आठ सौ बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ ओका दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 20इ तरह येरेद पूरा नौ सौ बासठ बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

21जब हनोक पैंसठ बरिस क भवा, ओका मतूसेलह नाउँ क पूत पइदा भवा। 22मतूसेलह क जन्म क पाछे हनोक परमेस्सर क संग तीन सौ बरिस रहा। इ दिनन ओकर दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 23इ तरह हनोक पूरा तीन सौ पैंसठ बरिस जिअत रहा। 24एक दिना हनोक परमेस्सर क संग चलत* रहा अउ अछन्न होइ गवा काहेकि परमेस्सर उठाइ लिहस।

25जब मतूसेलह एक सौ सत्तासी बरिस क भवा, ओका लेमेक नाउँ क पूत पइदा भवा। 26लेमेक क जन्म क पाछे मतूसेलह सात सौ बयासी बरिस जिअत रहा। इ दिना ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 27इ तरह मतूसेलह पूरा नौ सौ ओनहत्तर बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

28जब लेमेक एक सौ ब्यासी बरिस क भवा, उ एक ठु पूत क बाप बना। 29लेमेक आपन पूत क नाउँ नूह धरेस। लेमेक कहेस, "हम किसान लोग कठोर मेहनत करित ह काहेकि परमेस्सर भुइँया क सरापे अहइ। मुला नूह हम पचन क अराम देब।"

30नूह क जन्म क पाछे, लेमेक पाँच सौ पंचान्नबे बरिस जिअत रहा। इ दिनन ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 31इ तरह लेमेक पूरा सात सौ सतहत्तर बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

32जब नूह पाँच सौ बरिस क भवा, ओकरे सेम, हाम अउर येपत नाउँ क पूत पइदा भएन।

लोग पापी होइ गएन

6 भुइँया प मनइयन क गनती बाढ़इ लाग। इ मनइयन क बिटियन पइदा भइन। 2अब परमेस्सर क पूतन लखेन कि मनई क बिटियन सुन्नर अहइँ। एँह बरे परमेस्सर क पूतन आपन आपन इच्छा क मुताबिक जेसे चाहेन ओसे बियाह किहेन।

3तब यहोवा कहेस, "लोग सिरिफ मानव अहइ। मइँ हमेसा आपन आतिमा क इ सबन स दु:खी न होइ देब। मइँ ओनका एक सौ बीस बरिस क जिन्नगी देब।"

4ओन दिनन अउर ओकर पाछे भी हुआँ नेफिलिम लोग* उ धरती मँ रहत रहेन। जब परमेस्सर क पूतन मनइयन क बिटियन सादी किहेन तउ ओन स बच्चे पैदा भएन। उ पचे मसहूर लोग रहेन। उ पचे पुराने जमाने स बहादुर रहेन।

5यहोवा लखेस कि भुइँया प मनई बहोत जिआदा पापी अहइँ। यहोवा लखेस कि मनई लगातार बुरी बात ही सोचत ह।

6यहोवा क इ बात क दु:ख भवा कि मइँ भुइँया प मनई क काहे बनाएउँ? यहोवा इ बात स बहोत दु:खी भवा। 7एँह बरे यहोवा कहेस, "मइँ आपन बनई भइ भुइँया क सब मनइयन क खतम कइ देब। मइँ हर एक मनई, जनावर अउ भुइँया प रेगंइवाला हर एक जीउ जन्तु क नास करब। मइँ अकासे क चिरइयन क भी खतम कइ देब। काहे? काहेकि मइँ इ बात स दु:खी अहउँ कि मइँ इ सबहिं चीजन क बनएउँ।"

8मुला भुइँया प यहोवा क खुस करइ वाला एक मनई रहा-नूह।

नूह अउ जल क प्रलय

9इ नूह क जिन्नगी क कहानी बाटइ। उ आपन समइ मँ एक बहोत ही अच्छा मनइ रहा। अउर उ हमेसा परमेस्सर क अनुसरण किहेस। 10नूह क तीन पूत रहेन, सेम, हाम अउ येपेत।

11-12परमेस्सर धरती प निगाह दउड़ाएस अउ उ निहारेस कि भुइँया क मनइयन बर्बाद कइ दिहे अहइँ। हर एक ठउरे प मारकाट फइला रहा। मनई पपियाइ ग रहेन अउ क्रूर होइ ग रहेन, अउर उ पचे धरती प आपन जिन्नगी बर्बाद कइ दिहे रहेन।

13एँह बरे परमेस्सर नूह स कहेस, "सब मनइयन धरती क किरोध अउ हिंसा स पाट दिहे अहइँ। इ खातिर मइँ सबहिं जिअत प्राणियन क नास कइ देब। मइँ ओनका भुइँया स हटाइ देब। 14गोपेर क काठ बइपरा अउ आपन खातिर एक ठु जहाज बनावा। जहाज मँ कमरन बनावा अउ जहाज क राल स भीतरे अउ बाहेर लीपि द्या।

15"जउन जहाज मइँ बनावइ चाहत हउँ ओकर नाप जोख तीन सौ हाथ लम्बा, पचास हाथ चौड़ा, तीस हाथ ऊँच अहइ। 16जहाज बरे छत स करीब एक हाथ खाले खिरकी बनावा। जहाज क बगल मँ फाटक बनावा। जहाजे मँ तीन मंजिल बनावा। ऊपर क मंजिल, बिचकउ मंजिल अउ तरखाले क मंजिल।

17"तू पचन क जउन बतावइ चाहत हउँ ओका धियान स सुना। मइँ धरती प बड़वार भारी पानी क बाढ़ लिआउब। अकासे क नीचे सबहिं जीउन क नास करब। धरती क सब जीउ मरि जइहीं। 18मुला मइँ तू सबन क बचाउब। तब मइँ तोहसे एक खास करार करब। तू, तोहार पूतन, तोहार मेहरारु अउ तोहार पतोहुअन सबहिं जहाज मँ सवार होइहीं। 19संग मँ तोहका जिअत प्राणी क जोड़ा भी लइ आवइ क

हनोक चलत सब्द क अरथ अहइ "हनोक परमेस्सर क संग संग चलत रहा।"

नेफिलिम लोग नेफिलिम लोग उ दिना उहइ देस मँ रहत रहेन। इ सबइ एकरे पाछे भी हुआँ रहत रहेन जब परमेस्सर क पूत लोग मनई क बिटियन स बियाह किहेन अउ इ मेहररुअन लरिकन क जन्म दिहना। इ लरिकन मसहूर भएन। इ सबइ पुराना जमाना स बहादुर रहेन।

होइ। हर एक प्राणी क नर अउ मादा जोड़ा जहाजे मँ लिआवा। आपन संग ओनका जिअत राखा। 20धरती क हर किसिम क चिरइयन क जोड़ा भी हेरा। धरती क हर किसिम क जनावरन क जोड़ा हेरा। धरती प रेंगइवाला हर एक जीउ क जोड़ा क भी हेरा। धरती प हर किसिम क जनावरन क नर अउ मादा तोहरे संग होइहीं। जहाजे प ओनका जिअत राखा। 21धरती प सब किसिम क भोजन भी लइ जहाजे प लइ आवा। इ भोजन तोहरे बरे अउ जनावरन बरे होइ।"

22नूह इ सब कछू किहस। नूह परमेस्सर क सब हुकुम क मान लिहस।

जल प्रलय सुरु होत ह

7 तब यहोवा नूह स कहेस, "मइँ लखेउँ ह कि इ समइ क बुरे मनइयन मँ तू ही एक नीक मनई अहा। एँह बरे तू आपन परिवार क बटोरा अउ तू पचे सबहिं जहाजे मँ चला जा। 2हर एक सुद्ध जनावर क सात जोड़ा, (सात ठु नर अउ सात ठु मादा) संग मँ लइ ल्या अउ धरती क ऊपर दूसर असुद्ध जनावरन मँ स एक एक जोड़ा नर अउ मादा लिआवा। इ सबहिं जनावरन क आपन संग जहाजे मँ लइ आवा। 3हवा मँ उड़इवाला सब पंछिन क सात ठु जोड़ा (सात ठु नर अउ सात ठु मादा) लिआवा। एहसे इ सबइ जनावरन भुइँया प जिअत रइहीं, जब कि दूसर जनावरन मिटि जइहीं। 4अब स सतएँ दिन मइँ भुइँया प बहोतइ भारी बर्खा पठउब। इ बर्खा चालीस दिन अउ चालीस रात रही। पृथ्वी क सबहिं जिअइवाले प्राणी मर बिलाइ जइहीं। मोर बनई सब चिजियन नस्ट होइ जइहीं।" 5नूह ओन सबहिं बतियन क मानेस जउन यहोवा हुकुम दिहे रहा। 6बर्खा आवइ क टैंम नूह छ: सौ बरिस क रहा। 7नूह अउ ओकर परिवार बाढ़ क पानी स बचइ बरे जहाजे मँ चला गवा। नूह क मेहरारु, ओकर पूतन अउ ओनकइ मेहररुअन ओकरे संग रहिन। 8पृथ्वी क सब सुध्द जनावरन अउ असुध्द जनावरन, पंछियन अउ भुइँया प रेंगइवाला सब जीउ। नूह क संग जहाजे मँ चढ़ेन। 9इ सबइ जनावरन क नर अउ मादा जोड़ा परमेस्सर क हुकुम स जहाजे मँ चढ़ेन। 10सात दिना पाछे बाढ़ सुरु भइ। धरती प बर्खा होइ लाग।

11-13दूसर महीना क सतरहें दिन, जब नूह छ:सौ बरिस क रहा, धरती क नीचे क सब सोता फूट पड़ेन अउ धरती स पानी बहब सुरु होइ गवा। उहइ दिन धरती प भारी बर्खा होइ लाग। अइसा लाग माना कि अकासे क खिड़की खुल गइ होइ। चालीस दिन अउ चालीस रात तलक बर्खा धरती प होत रही।" ठीक उहइ दिन नूह, ओकर मेहरारु, ओकर पूत, सेम, हाम अउ येपेत अउर ओकर मेहररुअन जहाजे प चढ़ेन। 14उ पचे अउ धरती प हर किसिम किसिम क जनावर जहाजे मँ रहेन। हर तरह क गोरु, धरती प रेंगइवाले हर किसिम क जीउ अउ हर तरह क पंछी जहाजे मँ रहेन। 15इ सबइ जनावरन नूह क संग जहाजे मँ रहेन हर जाति क जिअत जनावरन क इ सबइ जोड़ा रहेन। 16परमेस्सर क हुकुम क मुताबिक सबहिं जनावरन जहाजे मँ चढ़ेन। ओकरे भीतर जाए क पाछे यहोवा दरवाजा बन्द कइ दिहस।

17चालीस दिना तलक भुइँया प पानी क प्रलय होत रहा। पानी बाढ़ब सुरु भवा अउ उ जहाजे क धरती स ऊपर उठाइ दिहस। 18पानी बाढ़त रहा अउ जहाज धरती स बहोतई ऊपर तैरत रहा। 19पानी एँतना ऊँच उठा कि ऊँचा त ऊँचा पहाड़ भी पानी मँ बूड़ गएन। 20पानी पहाड़े क ऊपर बहत रहा। पानी सब स ऊँच पहाड़े स पन्द्रह हाथ ऊँच रहा।

21-22धरती क सब जीउ मारा गएन। हर एक मेहरारु अउर मनई मरि गएन। सबहिं पंछी अउ सबहिं तरह क जनावर मर गएन। सबहिं तरह क जनावरन अउर रेंगइवालन जनावरन मरि गएन। धरती क हर एक जीउ, सांस लेइवालन परानी मरि गएन। 23इ तरह परमेस्सर धरती क सब जिअत हर एक मनई, हर एक जनावर, हर एक रेंगइवाला जीउ अउ हर एक पंछी क नास कइ दिहस। इ सबइ धरती स खतम होइ गएन। सिरिफ नूह, ओकरे संग जहाजे मँ चढ़े मनइयन अउ जनावरन क जिन्नगी बची रही। 24अउर पानी एक सौ पचास दिना तलक भुइँया क बोरे रहा।

पानी क प्रलय खतम होत ह

8 मुला परमेस्सर नूह क नाहीं बिसरा। परमेस्सर नूह अउ जहाजे मँ ओकरे संग रहइवालन सब पसुअन अउ जनावरन क सुमिरे रहा। परमेस्सर धरती प हावा चलाएस अउ सारा पानी घटइ होइ लाग। 2अकासे स बर्खा थमि गइ अउ धरती क नीचे स पानी बहब रुकि गवा। 3धरती क बोरइवाला पानी लगातार घटत चला गवा। एक सौ पचास दिन पाछे पानी एँतना उतरि गवा कि जहाज फुनि स धरती प उतरा। 4जहाज अरारात क पहाड़न मँ स एक प आइके टिक गवा। इ सतएँ महीना क सत्रहवाँ दिन रहा। 5पानी उतरत गवा अउ दसवें महीना क पहिला दिन पहाड़न क चोटी पानी क ऊपर देखाँए देइ लाग।

6जहाजे मँ बनी खिड़की क नूह चालीस दिन पाछे खोलेस। 7नूह एक कौआ क बाहेर उड़ाएस। कौआ उड़िके तब तलक फिरतइ रहा जब तलक धरती पूरी तरह झुराइ न गइ। 8नूह एक ठु फ़ाक्ता भी बाहेर पठएस। उ इ जानइ चाहत रहा कि पानी धरती प घटि गवा या नाहीं।

9फ़ाक्ता क कहूँ बइठइ क ठउर नाहीं मिला काहेकि अबहुँ तलक पानी धरती प फइला रहा। एँह बरे उ नूह क निअरे जहाजे प पुनि लौटि आवा। नूह आपन हाथ फइलाइके फ़ाक्ता क जहाजे प वापस भितरे लइ लिहेस।

10सात दिन पाछे नूह फुनि फ़ाक्ता क पठएस। 11उ दिन दुपहर क पाछे फ़ाक्ता नूह क लगे आवा। फ़ाक्ता क मुँह मँ एक ठु ताजी जइतून क पाती रही। इ चीन्हा नूह क इ बतावइ बरे रहा कि अब धरती प झुरान भुइँया अहइ। 12नूह सात दिन पाछे फुन फ़ाक्ता क पठएस। मुला इ टेम फ़ाक्ता लौटा ही नाहीं।

13ओकरे पाछे नूह जहाजे क दरवाजा खोलेस। नूह लखेस अउ पाएस कि भुइँया झुरान बा। इ नूह क छ: सौ एक बरिस क पहिले महीना क पहिला दिन रहा। 14दूसर महीना क सत्ताइसवाँ दिन तलक भुइँया पूरी तरह झुराइ गइ।

15तब परमेस्सर नूह स कहेस, 16“जहाज क तजा। तू,
तोहार पत्नी तोहार पूत लोग अउ ओनकइ मेहररुअन सब
अब बाहेर आवा। 17हर एक जिअत प्राणी, सब पंछी,
जनावरन अउ भुइँया प रेंगंवालन सबहिं क जहाज स बाहेर
लिआवा। इ सबइ जनावरन बहोत स जनावरन पइदा करिहीं
अउ भुइँया क भरि देइहीं।”

18एँह बरे नूह आपन पूतन, आपन मेहरारु, आपन पूतन
क मेहरारुअन क संग जहाज स बाहेर आवा। 19सबहिं
जनावरन, सब रेंगइवाला जीउ अउ सब पंछी जहाज क तजि
दिहेन। सब जनावर जहाज स नर अउ मादा क जोड़ा क
संग बाहेर आएन।

20तब नूह यहोवा बरे एक वेदी बनाएस। उ कछू सुध्द
पंछियन अउ कछू सुध्द जनावरन क लिहेस अउ ओनका
वेदी प परमेस्सर क भेंट क रुप मँ बारेस।

21यहोवा इ सब बलिदानन क सुगन्धि पाइके खुस भवा।
यहोवा मन-ही-मन कहेस, “मइँ फिन कबहुँ मनई क कारण
भुइँया क न सरापब। मनई छोटी उम्र स ही बुरी बात सोचइ
लागत ह। एँह बरे जइसा मइँ अबहिं किहेउँ ह। इ तरह
अब मइँ कबहुँ सब प्राणियन क सजा न देब। 22जब तलक
इ भुइँया रही तब तलक यह पइ फसल पइदा करइ अउ
फसल काटइ क समइ हमेसा रही। भुइँया प गरमी अउ
जाड़ा अउ दिन अउ रात हमेसा होत रइहीं।”

नई सुरुआत

9 परमेस्सर नूह अउ ओकर पूतन क असीसेस अउ
ओनसे कहेस, “बहोत स बच्चा पइदा करा अउ आपन
लोगन स भुइँया भरि द्या। 2भुइँया क सब जनावरन तोहरे
डरे स थरथरइहीं अउ अकासे क हर एक पंछी तोहसे
डरिहीं। भुइँया प रेंगइवाला हर एक जीउ अउ समुद्दर क
हर एक मछरी तू मनइयन क अदब करी अउ तू पचन स
डेराइ। तू इ सबहिं क ऊपर हुकुम चलउब्या। 3बीते भए
समइ मँ तू पचन क मइँ हर एक ठु पेड़-पौधा खाइ बरे
दिहेउँ रहेउँ। अब हर एक जनावर भी तोहार भोजन होइ।
मइँ भुइँया क हर चीज तू पचन क देत हउँ-अब इ सबइ
तोहार अहइँ। 4किन्तु मइँ तू पचन क एक हुकुम देत अहउँ
कि तू कउनो जनावरन क तब तलक न खाया जब तलक
ओहमा ओनका रकत बाटइ। 5मइँ तोहरी जिन्नगी क बदले
तोहार रकत माँगब कहइ क अरथ अहइ मँइ उ जानवरे क
जिन्नगी माँगब जउन कउनो मनई क मारी। अउर मँइ उ
मनई क जिन्नगी माँगब जउन दूसरे मनई क मारी।

6“परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनाएस ह। एँह बरे
जउन कउनो मनई क खून बहाइ, ओकर खून मनई क
जरिये बहावा जाइ।

7“नूह तोहका अउ तोहरे पूतन क ढेर लरिका होइँ अउ
धरती क मनइयन स भाँठि द्या।”

8तब परमेस्सर नूह अउ ओकरे पूतन स कहेस, 9“अब
मइँ तोहका अउ तोहरे सन्ताने क बचन देत हउँ। 10मइँ इ
बचन तोहरे संग जहाजे स बाहेर आवइवालन सबहिं पंछिन,
सब गोरुअन अउ सब जनावरन क देत हउँ। मइँ धरती पइ
रहइवालन सबहिं वस्तुअन क बचन देत हउँ। 11मइँ तोहका
बचन देत हउँ, “पानी क बाढ़ स धरती क सब जिन्नगी
बर्बाद होइ गइ मुला अब इ कबहुँ न होइ। अब बाढ़ फिन
कबहुँ धरती क जिन्नगी क बर्बाद न करी।”

12अउर परमेस्सर कहेस, “इ सिद्ध करइ बरे मइँ तोहका
इ बचन दिहेउँ ह कि मइँ तोहका कछू देब। इ सबूत बताइ
कि मइँ तोहसे अउ भुइँया क सबहिं जिअत प्राणियन स एक
ठु करार किहेउँ ह। इ करार भविस्स मँ सदा बनी रही जेकर
सबूत इ अहइ। 13कि मइँ बदरन मँ इन्द्र धनुख बनाएउँ ह।
इन्द्र धनुख मोरे अउ भुइँया क बीच करार क सबूत अहइ।
14जब मइँ भुइँया क ऊपर बदरे क लिआउब तउ तू बादरन
मँ इन्द्र धनुख देखब्या। 15जब मइँ इ इन्द्र धनुख क निहारब
तबहि मइँ तोहरे, भुइँया क सबहिं जिअत प्राणियन अउ
आपन बीच भई करार क सुमिरब। इ करार इ बात क
बाटइ कि बाढ़ फुन कबहुँ भुइँया क प्राणियन क नास न
करी। 16जब मइँ धियान स बादरन मँ इन्द्र धनुख क निहारब
तब मइँ सदा बनी रहइवाली करार क सुमिरब। मइँ आपन
अउ भुइँया क सब जिअत प्राणियन क बीच भइ करार क
सुमिरब।”

17इ तरह यहोवा नूह स कहेस, “उ इन्द्र धनुख मोरे अउ
भुइँया क सब जिअत प्राणियन क बीच भइ करार क सबूत
बाटइ।”

समस्या फुन सुरु होत हीं

18नूह क पूत लोग ओकरे संग जहाज स बाहेर आएन।
ओनकइ नाउं सेम, हाम अउ येपेत रहेन। (हाम तउ कनान
क बाप रहा।) 19इ तीनउ नूह क पूतन रहेन अउ संसारे क
सबहि मनई इ तीनउ स पइदा रहेन।

20नूह किसान बना। अंगूर क बगिया लगाएस। 21नूह
अंगूर क दाखरस बनाएस अउ पिएस। उ दाखरस पीके मस्त
होइ गवा अउ तम्बू मँ लोटि गवा। उ कउनो ओढ़ना नाहीं
पहिरे रहा। 22कनान क बाप हाम अपने बाप क नंगा
देखेस। उ तम्बू स बाहेर आपन भइयन क बताएस। 23तबहिं
सेम अउ येपेत एक ठु ओढ़ना लिहस। उ दुइनउँ ओढ़ना क
पीठ प डाइके उलटे मुहँ तम्बू मँ गएन। उ पचे आपना बाप
उ नंगापन क ढाँक दिहस जबकि उ समइ ओकर मुहँ क
रुख तम्बू क समन्वा रहा। इ तरह उ पचे आपन बाप क
नंगापन नाहीं लखेन।

24पाछे नूह सोइके उठा। (उ दाखरस क नसा क कारण
सोअत रहा।) तब ओका पता लाग कि ओकर सब त नान्ह
पूत हाम ओकरे संग का किहे रहा।

25एँह बरे नूह सराप दिहेस,

“इ सराप कनान बरे होइ कि उ आपन भइयन क दास
होइ।”

26नूह इ भी कहेस,

“सेम क परमेस्सर यहोवा धन्न होइ! कनान सेम क दास
होइ।

27परमेस्सर येपेत क जिआदा भुइँया देइ। परमेस्सर सेम
क तम्बू मँ रहइ अउर कनान ओकर दास बनइ।”

28बाढ़ क पाछे नूह साढ़े तीन सौ बरिस जिअत रहा।
29नूह पूरा साढ़े नौ सौ बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

रास्ट्र बाढ़इ अउ फइल जाइ

10 नूह क पूत सेम। हाम अउ येपेत रहेन। बाढ़ क
पाछे इ तीनउँ बहोत स पूतन क बाप भएन। हिआँ
सेम, हाम अउ येपेत स पइदा होइवालन पूतन क सूची दीन्ह
जात अहइः

येपेत क संतानन

2येपेत क पूत रहेनः गोमेर, मागोग, मादै, यावान, तूबल,
मेसेक अउ तीरास।
3गोमेर क पूत रहेनः असकनज, रीपत अउ तोगर्मा
4यावान क पूत रहेनः एलीसा, तर्सीस, कित्ती अउ दोदानी।
5भूमध्य सागर क चारिहुँ कइँती तटे प जउन मनई रहइ
लागेन उ पचे येपेत क संतान ही रहेन। हर एक पूत क
आपन अलग प्रदेस रहा। सब परिवार बाढ़ेन अउ अलग
अलग रास्ट्र बन गएन। हर एक रास्ट्र क आपन आपन
भाखा रही।

हाम क संतानन

6हाम क पूत रहेनः कूस, मिस्र, फूत अउ कनान। 7कूस
क पूत रहेनः सबा, हवीला, सबता, रामा, सबूतका। रामा क
पूत रहेनः सबा अउ ददान। 8कूस क एक पूत निम्रोद नाउं
क भी रहा। निम्रोद भुइँया प बहोत बरिआर मनई भवा रहा।
9यहोवा क समन्वा निम्रोद, एक बड़का सिकरी रहा। एँह बरे
लोग दूसर मनइयन क बराबरी निम्रोद स करत हीं अउर
कहत हीं, "इ मनई, यहोवा क समन्वा बड़का सिकारी निम्रोद
क तरह अहइ।"
10निम्रोद क राज्ज सिनार देस मँ बाबुल, एरेख, कलना
अउ अक्कद प्रदेस स सुरु भवा। 11निम्रोद अस्सूर मँ भी
गवा। हुवाँ उ नीनवे, रहोबोतीर, कालह अउ 12रेसेन नाउँ क
नगरन क बसाएस। (रेसेन, नीनवे अउ बड़का सहर कालह,
क बीच क सहर बाटइ।)
13मिस्रप (मिस्र) - लूद, अनाम, लहाब, नप्तूह, 14पत्रूस,
कसलूह अउ कप्तोर देसन क लोगन क बाप रहा।
(पलिस्ती लोग कसलूह लोगन स आए रहेन।) 15कनान
सीदोन क बाप रहा। सिदोन कनान क पहिला पूत रहा।
कनान, हित क भी बाप रहा। हित, हित्ती लोगन क बाप
रहा। 16अउर कनान, यबूसी, एमोरी, गिर्गासी, 17हिव्वी,
अर्की, सीनी, 18अर्वदी, समारी, हमाती लोगन क भी बाप
रहा। कनान क परिवार संसार क अलग अलग हींसा मँ
फइला रहेन,
19कनान लोगन क भुइँया उत्तर मँ सीदोन स दक्खिन मँ
गरार तलक, पच्छिम मँ अज्जा स पूरब मँ सदोम अउ
अमोरा तलक, अदमा अउ सबोयीम स लासा तलक रहा।
20इ सबइ लोग हाम क संतानन रहेन। उ पचे
परिवारन, भाखान, देसन अउर रास्ट्रन क अनुसार व्यवस्थित
रहेन।

सेम क संतानन

21सेम येपेत क बड़का भाई रहा। सेम क एक संतानन
एबेर हिब्रू लोगन क बाप रहा।
22सेम क पूत एलाम, अस्सूर, अर्पखद, लूद अउ अराम
रहेन।
23अराम क पूत ऊस, हूल, गेतेर अउ मस रहेन।
24अर्पखद सेलह क बाप रहा। सेलह एबेर क बाप रहा।
25एबेर क दुइ पूत रहेन। एक पूत क नाउँ पेलेग रहा।
ओका इ नाउँ एँह बरे दीन्ह गवा काहेकि जिन्नगी क टेम मँ
धरती क बटवारा भवा। दूसर भाई क नाउँ योक्तान रहा।
26योक्तान अल्मोदाद, सेलेप, हसर्मावेत, येरह, 27यदोरवाम,
ऊजाल, दिक्ला, 28ओबाल, अबीमाएल, सबा, 29ओपीर
हवीला अउ योबाब क बाप रहा। इ सबहिं लोग योक्तान क
संतान भएन। 30इ सबइ लोग मेसा अउ पुर्बिहा पहाड़ी प्रदेस
क बीच क भुइँया मँ रहत रहेन। मेसा सपारा प्रदेस कइँती
रहा।
31उ लोग सेम क परिवारे स रहेन। उ सबइ परिवार,
परिवार क आधार पइ, भाखा क आधार पइ, देस क
आधार पइ अउर रास्ट्र क आधार पइ बँटा भवा रहा।
32नूह क पूतन स चलइ वाला परिवारन क इ सूची
अहइ। उ पचे आपन आपन रास्ट्र मँ बँटा भवा रहत रहेन।
बाढ़ क पाछे सारी भुइँया प फइलइवाला लोग भी एनही
परिवारे स निकरि आएन।

संसार बँटि गवा

11 बाढ़ क पाछे संसार एक ही भाखा बोलत रहा। सब
लोग एक ही सब्द-भण्डार बइपरत रहेन। 2लोग
पूरब कइँती स बढ़ेन। ओनका सिनार देस मँ एक मइदान
मिला। लोग हुवाँ बसइ गएन। 3लोग कहेन, "हम पचन क
ईंटा बनउब अउ ओका पजावा मँ तपावइ चाही, ताकि उ
सबइ पक्की होइ जाइँ।" एँह बरे मनइयन आपन घर बनावइ
बरे पाथरन क जगह ईंटा क बइपरेन। अउ मनइयन चूना क
गारा क जगह राल क प्रयोग किहेन।
4लोग कहेन, "हम पचे आपन खातिर एक ठु सहर बनाई
अउ हम सबइ एक बहोत ऊँच इमारत बनाउब जउन अकासे
क छुइ। हम पचे नामी होइ जाब। अगर हम पचे अइसा
करब तउ पूरी धरती प बिखरेब नाहीं। हम पचे एक ही
ठउर प एक संग रहब।"
5यहोवा सहर अउ बहोत ऊँच इमारत क लखइ बरे
तरखाले आवा। यहोवा मनइयन क इ सब बनावत लखेस।
6यहोवा कहेस, "इ सबइ लोग एक भाखा बोलत हीं अउर
मइँ निहारत हउँ कि उ पचे इ काम खतम करइ बरे एकउटा
अहइँ। इ तउ, इ सबइ जउन कछू कइ सकत हीं ओकर,
सिरिफ सुरुआत अंहइ। हाली ही उ पचे सब कछू करइ
जोग्ग होइ जइहीं जउन इ पचे करइ चइहीं। 7एँह बरे आवा
हम तरखाले चली अउ एनकइ भाखा क गड्डमड्ड कइ
देइ। तब उ पचे एक दूसर क बात न बूझि पइहीं।"
8यहोवा मनइयन क समूचइ धरती प फइलाइ दिहस।
एँहसे मनइयन सहर क बनाउब पूरा नाहीं किहेन। 9इहइ उ
ठउर रहा जहाँ यहोवा समूचइ संसार क भाखा क गड्डमड्ड
कइ दिहस। एँह बरे इ ठउर क नाउँ बाबुल धरा गवा। इ
तरह यहोवा उ जगहिया स मनइयन क पृथ्वी क सब देसन
मँ फइलाएस।

सेम क परिवार क कहानी

10इ सेम क परिवारे क कहानी बाटइ। बाढ़ क दुइ बरिस
पाछे जब सेम सौ बरिस क रहा ओकर पूत अर्पखद क
जनम भवा। 11ओकरे पाछे सेम पाँच सौ बरिस जिअत रहा।
ओकरे दूसर पूत अउ बिटियन रहीं।
12जब अर्पखद पैंतीस बरिस क रहा ओकर पूत सेलह क
जनम भवा। 13सेलह क पइदा होइ क पाछे अर्पखद चार सौ
तीन बरिस जिअत रहा। इ दिन ओकर दूसर पूतन अउ
बिटियन पइदा भइन।
14सेलह क तीस बरिस होइ क पाछे ओकर पूत एबेर क
जन्म भवा। 15एबेर क जन्म क पाछे सेलह चार सौ तीन
बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ ओकरे पूतन अउ बिटियन
पइदा भएन।
16एबेर क चौंतीस बरिस क होइ क पाछे ओकरे पूत
पेलेग क जन्म भवा। 17पेलेग क जन्मे क पाछे एबेर चार
सौ तीस बरिस अउर जिअत रहा। इ दिनन मँ ओकरे दूसर
पूतन अउ बिटियन पइदा भइन।
18जब पेलेग तीस बरिस क भवा, ओकर पूत 'रु' क
जन्म भवा। 19'रु' क जन्म क पाछे पेलेग दुइ सौ नौ बरिस
अउर जिअत रहा। उ दिनन मँ ओकरे दूसर बिटियन अउ
बेटवन क जन्म भवा।
20जब रु बत्तीस बरिस क भवा, ओकरे पूत सरुग क
जन्म भवा। 21सरुग क जन्मे क पाछे रु दुइ सौ सात बरिस
अउर जिअत रहा। इ दिनन ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन
पइदा भएन।
22जब सरुग तीस बरिस क भवा, ओकरे पूत नाहोर क
जन्म भवा। 23नाहोर क जन्म क पाछे सरुग दुइ सौ बरिस
अउर जिअत रहा। इ दिनन मँ ओकरे दूसर पूतन अउ
बिटियन क जन्म भवा।
24जब नाहोर उनतीस बरिस क भवा, ओकर पूत तेरह क
जन्म भवा। 25तेरह क जन्म क पाछे नाहोर एक सौ उन्नीस
बरिस अउर जिअत रहा। इ दिनन मँ ओकरे दूसर बिटियन
अउ बेटवन क जन्म भवा।
26तेरह जब सत्तर बरिस क भवा, ओकरे पूत अब्राम,
नाहोर अउ हारान क जन्म भवा।

तेरह क परिवार क कहानी

27इ तेरह क परिवार क कहानी अहइ। तेरह अब्राम,
नाहोर अउ हारान क बाप रहा। हारान लूत क बाप रहा।
28हारान आपन जन्मभूमि कसदियन क उर सहर मँ मरा। जब
हारान मरा तब ओकर पिता तेरह जिअत रहा। 29अब्राम अउ
नाहोर दुइनउँ आपन आपन बियाह किहन। अब्राम क मेहरारु
सारै रही। नाहोर क मेहरारु मिल्का रही। मिल्का हारान क
बिटिया रही। हारान मिल्का अउ यिस्का क बाप रहा। 30सारै
क कउनो बच्चा नाहीं रहा काहेकि उ कउनो बच्चा क जन्म
देइ जोग्ग नाहीं रही। 31तेरह आपन परिवार क संग लिहेस
अउ कसदियन क उर सहर क तजि दिहस। उ पचे कनान
क जात्रा करइ क मन मँ ठान लिहन। तेरह आपन पूत
अब्राम, आपन पोता लूत (हारान क पूत), आपन पतोहू
(अब्राम क मेहरारु) सारै क संग लिहस। उ पचे हारान
तलक जात्रा किहन अउ हुआँ ठहराउब तय किहन। 32तेरह
दुइ सौ पाँच बरिस जिअत रहा। तब उ हारान मँ मरि गवा।

परमेस्सर अब्राम क बोलावत ह

12 यहोवा अब्राम स कहेस, "आपन देस अउ आपन
लोगन क तजि द्या। आपन बाप क परिवारे क
तजि द्या अउर उस देस जा जेका मइँ तोहका देखाउब।
2मइँ तोहका आसीर्बाद देब। मइँ तू पचन स एक महान
रास्ट्र बनाउब। मइँ तू सबन क नाउँ मसहूर करब। लोग
तोहरे नाउँ क प्रयोग दूसर लोगन क आसीर्बाद देइ बरे
करइहीं।
3मइँ उ पचन क असीसब, जउन तोहका असीसिहीं। मुला
मइँ ओनका सराप देब जउन तोहका सराप दिहेस। मइँ धरती
प सब मनइयन क असीसइ बरे तोहका बइपरब।"

अब्राम कनान जात ह

4तउ अब्राम यहोवा क हुकुम मानेस। उ हारान क तजि
दिहस अउ लूत ओकरे संग गवा। इ समइ अब्राम पचहत्तर
बरिस क रहा। 5अब्राम जब हारान तजेस तउ उ अकेल्ला
नाहीं रहा। अब्राम आपन मेहरारु सारै, भतीजा लूत अउ हारान
मँ ओनकइ संग जउन कछू रहा, सबक संग लइ आवा।
अब्राम क जउन सब दास लोग मिला रहेन, उ सबइ भी
ओकरे संग गएन। अब्राम अउ ओकर दल छारान क तजि
दिहेस अउ कनान देस तलक जात्रा किहेस। 6अब्राम कनान
देस मँ सकेम क सहर अउ मोरे क बड़का बृच्छ तलक
जात्रा किहस। उ समइ कनानी लोग हुआँ रहत रहेन।
7यहोवा अब्राम क समन्वा परगट भवा। यहोवा कहेस,
"मइँ इ देस तोहरे संतानन क देब।"
यहोवा अब्राम क समन्वा जउने जगह प परगट भवा उ
जगह प अब्राम एक वेदी यहोवा क आराधना बरे बनाएस।
8तब अब्राम उ जगह क तजि दिहेस अउ बेतेल क पूरब
पहाड़े प जात्रा किहस। अब्राम हुवाँ आपन तम्बू गाड़ेस। बेतेल
सहर पच्छिम मँ रहा। आइ सहर पूरब मँ रहा। उ जगह
अब्राम यहोवा बरे दूसर वेदी बनाएस अउ अब्राम हुवाँ यहोवा
क उपासना किहेस। 9एकरे पाछे अब्राम फुन जात्रा किहस।
उ नेगव कइँती जात्रा किहस।

मिस्र मँ अब्राम

10इ दिनन भुइँया बहोतइ झुरान रही अउ कउनो खाइ क
चीज नाहीं जमत रही। एँह बरे अब्राम जिअत रहइ बरे मिस्र
चला गवा। 11अब्राम लखेस कि ओकर मेहरारु सारै बहोत
सुन्नर रही। एँह बरे मिस्र मँ आवइ क पहिले अब्राम सारै स
कहेस, "मइँ जानत हउँ कि तू बहोतइ सुन्नर अहा। 12जब
मिस्र क लोग तोहका निहरिहीं तउ उ पचे कहिहीं, 'इ
मेहरारु एकर पत्नी अहइ।' तब उ सबइ मोका मारि डइहीं
काहेकि तोहका बइठाइ लेइहीं। 13इ खातिर तू मनइयन स
कह्या कि तू मोर बहिन अहा। तब उ पचे मोका नाहीं
मरिहीं। उ पचे मोहे प दया करिहीं काहेकि उ पचे बूझि
लेइहीं कि मइँ तोहार भाई अहउँ। इ तरह तू मोर जिन्नगी
बचउबिउ।"

14इ तरह अब्राम मिस्र मँ पहोंचा। मिस्र क लोग लखेन, सारै बहोत सुन्नर मेहरारु अहइ। 15कछू मिस्र क अफसर लोग ओका लखेन। उ पचे फिरौन स कहेन कि उ बहोतइ सुन्नर मेहरारु अहइ। उ सबइ अफसरन सारै क फिरौन क घर लइ गएन। 16फिरौन अब्राम क ऊपर दया किहेस काहेकि उ पचे बूझ गएन कि उ सारै क भइया बाटइ। फ़िरौन अब्राम क भेड़ी, गोरु अउ गदहन क दिहस। अब्राम ऊँटन क संग मनसेधु अउ मेहरारु नउकरन पाएस।

17फिरौन अब्राम क मेहरारु क रखि लिहस। एहसे यहोवा फिरौन अउ ओकरे घरे क मनइयन मँ खराब बेरामी सँचराइ दिहस। 18तउ फिरौन अब्राम क बोलाएस। फिरौन कहेस, "तू मोरे संग बड़ा खोट किहा ह। तू इ नाहीं बताया कि सारै तोहार पत्नी अहइ। काहे? 19तू कह्या, 'इ मोर बहिन अहइ।' तू अइसा काहे कह्या? मइँ ऍका ऍह बरे राखा कि इ मोर मेहरारु होइ। मुला अब मइँ तोहार मेहरारु क तोहका लउटावत अहउँ। ऍका ल्या अउ जा।"

20तब फिरौन आपन मनइयन क हुकुम दिहस कि उ पचे अब्राम क मिस्र क बाहेर पहोंचाइ देंइ। इ तरह अब्राम अउ ओकर मेहरारु उ जगह तजेन अउर उ पचे सब चिजियन क संग लइ गएन जउन ओनकइ रही।

अब्राम कनान लउटा

13 अब्राम मिस्र तजि दिहस। अब्राम आपन मेहरारु अउ आपन सबहिं सामान क संग नेगव स होइ के जात्रा किहस। लूत भी ओकरे संग रहा। 2इ टेम अब्राम बहोतइ धनी रहा। ओकरे संग ढेरिके जनावर, बहोत सी चाँदी अउ ढेर क सोना रहा।

3अब्राम चारिहुँ कइँती जात्रा करत रहा। उ नेगेव क तजेस अउ बेतेल वापस गवा। उ बेतेल अउर आइ क बीच क जगह मँ पहोंचेस। इ उहइ ठउर रहा जहाँ अब्राम अउ ओकर परिवार पहिले तम्बू लगाइके ठहरा रहा। 4इ उहइ ठउर रहा जहाँ अब्राम एक वेदी बनाए रहा। ऍह बरे अब्राम इहाँ यहोवा क आराधना किहस।

अब्राम अउ लूत अलग भएन

5इ टेम लूत भी अब्राम क संग जात्रा करत रहा। लूत क लगे ढेरिके जनावर अउ तम्बू रहेन। 6अब्राम अउ लूत क लगे ऍतना जिआदा जनावर रहेन कि भुइँया एक लागे ओनका चारा नाहीं दइ सकत रही। 7अब्राम अउ लूत क गड़ेरिया या आपुस मँ तखड़ावइ-बखड़ावइ लागेन। (उ दिनन मँ कनानी लोग अउ परिज्जी लोग भी इहइ पहँटा मँ रहत रहेन।)

8अब्राम लूत स कहेस, "हमरे अउ तोहरे बीच कउनो तखड़ा बखड़ा न होइ चाही। हमार अउर तोहार गड़ेरियन क बीच मँ झगड़ा नहीं होइ चाही। हम पचे सबहिं भाई अही। 9हम पचन क अलग होइ जाइ चाही। तू जउन चाहा ठउर चुन ल्या। अगर तू बाईं कइँती जाब्या तउ मइँ दाहिन कइँती जाब। अगर तू दाहिन कइँती जाब्या तउ मइँ बाईं कइँती जाब।"

10लूत द्रिस्टी दउड़ाएस अउ यरदन क घाटी क निहारेस। लूत निहारेस कि हुवाँ बहोत पानी अहइ। (इ बात उ टेम क बाटइ जब यहोवा सदोम अउ अमोरा क नास नाहीं किहे रहा। उ टेम यरदन क घाटी सोअर तलक यहोवा क बगिया क नाईं पूरे राह क संग संग फइली रही। इ भुइँया मिस्र देस क भुइँया क नाईं नीक रही।) 11ऍह बरे लूत यरदन क घाटी मँ रहब अंगीकार किहस। इ तरह दुइनउँ मनई अलग अलग होइ गएन अउ लूत पूरब कइँती जात्रा सुरु किहेस।

12अब्राम कनान प्रदेस मँ रहा अउ लूत घाटी क सहरन मँ रहा। लूत सदोम क दक्खिन मँ बढ़ा अउ रुकि गवा। 13सदोम क मनई बहोत पापी रहेन। उ पचे सदा यहोवा बरे खिलाफ पाप करत रहेन।

14जब लूत चला गवा तब यहोवा अब्राम स कहेस, "आपन चारिहुँ कइँती निहारा, उत्तर, दक्खिन, पूरब अउ पच्छिम कइँती लखा। 15इ सारी भुइँया, जेका तू लखत अहा, मइँ तोहका अउ तोहरे पाछे जउन तोहार लोग रइहीं ओनका देत अहउँ। इ प्रदेस सदा तोहार अहइ। 16मइँ तोहरे लोगन क धरती क धूल क कण क नाईं अनगिनत बनउब। अगर कउनो धरती क कण क गन सकइ तउ उ तोहरे मनइयन क भी गन सकी। 17ऍह बरे आवा। आपन धरती प चला। मइँ एका अब तोहका देत अहउँ।"

18इ तरह अब्राम आपन तम्बू हटाएस। उ मम्रे क बड़का बृच्छ क लगे रहइ लाग। इ हेब्रोन सहर क निचके रहा। उ ठउरे प अब्राम एक वेदी यहोवा क आराधना बरे बनाएस।

लूत धरा गवा

14 अम्रापेल सिनार क राजा रहा। अर्योक एल्लासार क राजा रहा। कदोर्लाओमेर एलाम क राजा रहा। तिदाल गोयीम क राजा रहा। 2इ सबहिं राजा लोगन मँ सदोम क राजा बेरा, अमोरा क राजा बिर्सा, अद्मा क राजा सिनाब, सबोयीम क राजा सेमेबेर अउ बेला। (बेला सोअर भी कहा जात रहा।) क राजा क संग एक जुद्ध भवा।

3सिद्दीम क घाटी मँ इ सबहिं राजा आपन आपन फउज स मिलेन। (सिद्दीम क घाटी आजुकल नून क समुद्दर अहइ।) 4इ सबइ राजा लोग कदोर्लाओमेर क सेवा बारह बरिस तलक किहन। मुला तेरहवाँ बरिस उ सबइ ओकरे खिलाफ होइ गएन। 5ऍह बरे चौदहवें बरिस मँ राजा कदोर्लाओमेर दूसर राजा लोगन क संग ओनसे लड़इ आवा। कदोर्लाओमेर अउ ओकरे संग क राजा लोग रपाई लोगन क असतरोत्कनम मँ हराएन। उ पचे हाम मँ जूजि लोगन क भी हराएन। उ पचे एमि लोगन क। उ सबइ एमि लोगन क साबेकियतैम मँ हराएन। 6अउर उ पचे होरीत लोगन क सेईर क पहाड़ी पहँटा स हराइके एल्पारान कइँती खदेरेन। (एल्पारान मरुभूमि क निचके बाटइ।) 7तब राजा कदोर्लाओमेर पाछे कइँती घूमा अउ एन्मिसपात क गवा। इ कादेस कहा जात ह। अउर सबहिं अमालेकी लोगन क हराएस। उ एमोरी लोगन क भी हराएस। इ पचे हससोन्तामार मँ रहत हीं।

8उ समइ सदोम क राजा, अमोरा क राजा, अदमा क राजा, सबोयीम क राजा, अउ बेला क राजा, (बेला सोअर ही अहइ।) सबहिं एक संग मिलिके आपन दुस्मनन स लड़इ

बरे गएन। 9उ पचे एलाम क राजा कदोर्लाओमेर, गोयीम क
राजा तिदाल, सिनार क राजा अम्रापेल, अउर एल्लासार क
राजा अर्योक स लड़ेन। इ तरह चार राजा पाँच राजा लोगन स
लड़त रहेन।

10सिद्दीम क घाटी मँ राल स भरा भवा ढेरिके गड्डा
रहेन। सदोम अउ अमोरा क राजा अउ ओकर फउजियन
पराइ गएन। ओकरे बहुत सारे फउजियन ओन गड्डन मँ
गिर गएन। मुला दूसर लोग पहाड़ी मँ पराइ गएन।

11सदोम अउ अमोरा क लगे जउन कछू रहा ओका
ओनकइ दुस्मनन लइ लिहन। उ पचे ओनकइ सब भोजन-ओढ़ना
क लइ लिहन अउ उ पचे चला गएन। 12अब्राम क भाई
क पूत लूत सदोम मँ रहत रहा, ओका दुस्मन कैद कइ
लिहन। उ पचे ओका अउर ओकरे लगे जउन कछू भी रहा
लइ लिहेन। 13एक ठु मनई जउन धरा नाहीं जाइ सका उ
हिब्रू मनई अब्राम क इ सबइ सारी बातन क बताएस। एमोरी
मम्रे क बृच्छन क लगे अब्राम आपन डेरा डाएस। मम्रे
एस्कोल अउ आनेर एक समझौता एक दूसरे क मदद करइ
बरे किहे रहेन अउर उ पचे अब्राम क मदद खातिर एक
समझौता किहे रहेन।

अब्राम लूत क छोड़ावत ह

14तब अब्राम क पता लाग कि लूत धरा ग अहइ। तउ
उ आपन पूरा परिवार क बटोरेस अउ ओनमाँ स तीन सौ
अठारह प्रसिच्छित फउजियन क अब्राम दान नगर तलक
दुस्मनन क पाछा किहस। 15उहइ रात उ अउर ओकर
मनइयन ओनका खिलाफ धावा बोलि दिहन। उ पचे दुस्मनन
क हराएन अउ दमिस्क क उत्तर मँ होवा तलक ओनकइ
पाछा किहन। 16तब अब्राम दुस्मनन क जरिये चोरॉइ गइ सब
चिजियन लइ आएन। अब्राम लूत, ओकर मेहरारुअन अउर
ओकरे नउकरन अउर ओकरे सबहिं चिजियन क लइ आवा।
17कदोर्लाओमेर अउ ओकरे संग क सब राजा लोगन क
हराए क पाछे अब्राम आपन घरे लौटि आवा। जब उ घर
आवा तउ सदोम क राजा ओसे भेटंइ सावे क घाटी मँ
पहोंचा। (एँका अब राजा क घाटी कहत हीं।)

मेल्कीसेदेक

18सालेम क राजा मेल्कीसेदेक भी अब्राम स भेटंइ गवा।
मेल्कीसेदेक, सर्वोच्य परमेस्सर क याजक रहा। मेल्कीसेदेक
रोटी अउ अंगूरे क दाखरस लइ आवा। 19मेल्कीसेदेक
अब्राम क आसीर्बाद दिहस अउ कहेस:

"अब्राम, सर्वोच्य परमेस्सर तोहका आसीर्बाद देइ। परमेस्सर
भुइँया अउ अकास बनाएस।

20अउर हम सर्वोच्य परमेस्सर क उपासना करित ह।
परमेस्सर दुस्मनन क हरावइ मँ तोहार मदद किहेस।"

तबहिं अब्राम लड़ाई मँ मिली हर चीज क दसवाँ हींसा
मेल्कीसेदेक क दिहस। 21तब सदोम क राजा कहेस, "तू इ
सब चीजन क अपने लगे रखि सकत ह, मोका सिरिफ
ओन मनइयन क दइ द्या जेनका दुस्मन धइ ल गए रहेन।"

22मुला अब्राम सदोम क राजा स कहेस, "मइँ सर्वोच्य
परमेस्सर यहोवा जउन भुइँया अउ आकास क बनएस ह:
ओकरे समन्वा इ किरिया खावा ह 23कि जउन आप क चीज
बाटइ ओहमाँ स कछू भी न लेब। हियाँ तलक कि एक ठु
धागा व पनही क फीता भी न लेब। मइँ इ नाहीं चाहित कि
आप कहइँ, 'मइँ अब्राम क धनी बनाएउँ।' 24मइँ सिरिफ उ
भोजन क अपनाउब्या जेका हमार जवान लोग खाएस ह।
मुला तू दूसर मनइयन क भी ओकर हींसा देइँ। हमरी लड़ाई
मँ जीती भइ चीजन्क आप लइ लेइँ अउ एहमाँ स कछू
आनेर, एस्कोल अउ मम्रे क दइ देइँ। इ मनइयन लड़ाई मँ
हमार मदद किहेन रहेन।"

अब्राम क संग परमेस्सर क करार

15 इ बातन क होइ जाए क पाछे यहोवा क हुकुम
अब्राम क एक ठु दरसन मँ आवा। परमेस्सर
कहेस, "अब्राम, डेराअ, नाहीं। मइँ तोहार रच्छा करब अउ
मइँ तोहका बड़का पुरस्कार देब।"

2मुला अब्राम कहेस, "हे यहोवा अइसा कछू भी नाहीं
अहइ जेका तू मोका देब्या अउर उ मोका खुस करी।
काहेकि मोरे पूत नाहीं अहइँ।। एँह बरे मोर दास दमिस्क क
बसइया एलीएजेर मोरे मरइ क पाछे मोर सब कछू पाइ।"

3अब्राम कहेस, "तू ही लखा, तू मोका कउनो पूत नाहीं
दिहा ह। एँह बरे मोरे घरे मँ पइदा भवा एक ठु दास मोर
सबहिं चिजियन क पाइ।"

4तब यहोवा अब्राम स बात किहस। परमेस्सर कहेस,
"तोहरी चीजन क तोहार इ दास न पाइ। तोहरे एक ठु बेटवा
होइ अउर तोहार पूत ही तोहार चिजियन क पाइ।"

5तब परमेस्सर अब्राम क बाहेर लइ गवा। परमेस्सर
कहेस, "आकास क लखा। अनगिनत तारन क निहारा। इ
सबइ एँतना अहइँ कि तू गन नाहीं सकत्या। भविस्स मँ तोहार
परिवार अइसा ही होइ।"

6अब्राम यहोवा पइ बिस्सास किहेस अउर उ ओका नीक
समझेस।

7परमेस्सर अब्राम स कहेस, "मइँ ही उ यहोवा अहउँ
जउन तोहका कसदियन क ऊर स बाहेर लइ आएउँ। इ मइँ
एँह बरे किहउँ कि इ पहँटा मइँ तोहका दइ सकउँ, तू इ
पहँटा क आपन कब्जा मँ कइ सका।"

8मुला अब्राम कहेस, "हे यहोवा, मोर सुआमी, मइँ कइसे
पतियाउँ कि इ पहँटा मोका मिली?"

9परमेस्सर अब्राम स कहेस, "हम पचे एक करार करब।
तू मोका तीन बरिस क एक ठु गइया, तीन बरिस क एक
बोकरी, अउ तीन बरिस क एक भेड़ा लिआवा। एक ठु
फ़ाक्ता अउ एक कबूतर क बच्चा भी लिआवा।"

10अब्राम इ सबहिं चिजियन क परमेस्सर क लगे लइ
आवा। अब्राम इ जनावरन क मारि डाएस अउ हर एक क
दुइ टुकड़ा कइ डाएस। अब्राम एक आधा टूक एक कइँती
अउ दूसर आधा टूक दूसर कइँती ओकरे ठीक आमने-सामने
धरेस। अब्राम पंछिन क दुइ टूका नाहीं किहेस। 11तनिक देर
पाछे मांसाहारी पंछी मरे भए जनावरन क खाइ क बरे खाले
आइ गएन मुला अब्राम ओनका खदेरेस।

12पाछे सूरज बूड़इ लाग। अब्राम क गहरी नींद आइ
गइ। खौफनाक अँधियारा ओका चारिहुँ कइँती स घेरि

लिहस। 13तब यहोवा अब्राम स कहेस, “तोहका इ सबइ
बातन क जानइ चाही। तोहार संतानन बिदेसी बनिहीं अउर उ
पचे देस मँ जइहीं जउन ओनका न होइ। उ पचे हुआँ दास
होइहीं। चार सौ बरिस तलक ओनके संग बुरा बिउहार होइ।
14मइँ उ रास्ट्र क निआव करब अउ ओका सजा देब जउन
ओन लोगन क गुलाम बनाएस अउर जब तोहरे सन्तानन उ
देसे क तजि देइहीं तउ आपन संग ढेर नीक चीज लइ
जइहीं।

15“तू बहोत लम्बी उमर तलक जिअत रहब्या। तू सान्ति
स मरब्या अउ तू आपन पुरखन क लगे दफनावा जाब्या।
16चार पीढ़ीयन क पाछे तोहार लोग इहइ पहँटा मँ फुन
अइहीं। इ टेम तोहार लोग एमेरियो क हरइहीं। हिआँ क
बसइयन एमोरियन क, सजा देइ बरे मइँ तोहरे लोगन क
बइपरब। इ बात भविस्स मँ होइ काहेकि एमोरियन सजा
पावइ लायक बुरा अबहिं नाहीं भवा अहइँ।”

17जब सूरज बूड़ि गवा, तउ बहोत अँधियारा छाइ गवा।
मरा भवा जनावर अबहिं तलक जमीन प ओलरा भए रहेन।
हर एक जनावर दुइ हींसा मँ कटा भवा बहावा रहेन। उहइ
समइ धुआँ अउ आगी क एक खम्भा जनावरन क टूक क
बीच स गवा।

18इहइ तरह उ दिन यहोवा अब्राम क बचन दिहस अउ
ओनके संग करार किहस। यहोवा कहेस, “मइँ इ पहँटा
तोहरे संतानन क देब। मइँ मिस्त्र क नदी अउ बड़की नदी
परात क बीच क पहँटा ओनका देब। 19इ देस केनी,
कनिज्जी, कदमोनी, 20हित्ती, परीज्जी, रपाई, 21एमोरी,
कनानी, गिर्गासी अउ यबूसी लोगन क अहइ।”

दासी हाजिरा

16 सारै अब्राम क मेहरारु रही। अब्राम अउ ओकरे
कउनो लरिका नाहीं रहा। सारै क लगे एक ठु
मिस्त्र क दासी रही। ओकर नाउँ हाजिरा रहा। 2सारै अब्राम स
कहेस, “लखा, यहोवा मोका कउनो बच्चा नाहीं दिहे अहइ।
एँह बरे मोरी दासी क संग सारीरिक संबन्ध करा होइ सकत
ह कि ओकर बच्चा मोर अपना बच्चा होइ जाब।”

अब्राम आपन मेहरारु क कहब मान लिहस। 3कनान मँ
अब्राम क दस बरिस रहइ क पाछे इ बात भइ अउ सारै
आपन भतार अब्राम बरे हाजिरा क दइ दिहस। हाजिरा मिस्त्र
क दासी रही।

4हाजिरा, अब्राम स गाभिन भइ। जब हाजिरा इ देखेस तउ
ओका बहोत गरब भवा अउ इ महसूस करइ लाग कि मइँ
आपन मालकिन सारै स बढ़िया अहउँ।

5मुला सारै अब्राम स कहेस, “मोर दासी अब मोसे घिना
करत ह अउ एकरे बर मइँ तोहका दोखी मानत हउँ। मइँ
ओका तोहरे बरे दिहेउँ। उ गाभिन भइ अउर तब उ महसूस
करइ लाग कि उ मोसे बढ़िया बा। मइँ चाहत हउँ कि
यहोवा सही निआव करी।”

6मुला आब्राम सारै स कहेस, “तू हाजिरा क मालकिन
अहा। तू ओकरे संग जउन चाहा कइ सकत ह।” एँह बरे
सारै आपन दासी पइ अत्याचार किहस अउर ओकर दासी
पराइ गइन।

हाजिरा क पूत इस्माएल

7यहोवा क सरगदूत रेगिस्तान मँ पानी क सोता क लगे
हाजिरा क पाएस। इ सोता सूर जाइवाला राहे प रहा।
8सरगदूत कहेस, “हाजिरा, तू सारै क दासी अहा। तू हिआँ
काहे अहा? तू कहाँ जात अहा?”

हाजिरा कहेस, “मइँ आपन मालकिन सारै क हिआँ स
पराइ जात अहउँ।”

9यहोवा क सरगदूत ओसे कहेस, “तू आपन मालकिन क
घर जा अउर ओका सोंप द्या।” 10यहोवा क सरगदूत ओसे
फुन कहेस, “तोहसे बहोत स लोग पइदा होइहीं। इ सबइ
लोग एँतना होइ जइहीं कि गना नाहीं जाइ सकिहीं।”

11यहोवा क सरगदूत अउर भी कहेस,

“अबहिं तू गर्भ धरे अहा अउर तोहका एक पूत होइ। तू
ओकर नाउँ इस्माएल राख्या। काहेकि यहोवा तोहका देइ भए
कस्ट क सुनेस ह।

12इस्माएल एक ठु जंगली गदहा क तरह जंगली अउ
अजाद होइ उ सब क खिलाफ होइ अउर सबहीं ओकर
खिलाफ होइ जाइ। उ आपन भाइयन क लगे आपन डेरा
डाइ मुला उ ओनके खिलाफ होइ।”

13तब हाजिरा परमेस्सर क जउन ओसे बात करत रहा,
एक नवा नाउँ स यहोवा क पुकारेस। उ कहेस, “तू परमेस्सर
ह जउन मोका लखत ह।” उ ओसे उ नाउँ एँह बरे दिहस
काहेकि उ आपन आप स कहेस, “मइँ महसूस करत हउँ
कि उ मोरे ऊपर निगाह राखत ह।” 14एँह बरे उ कुआँ क
नाउँ लहैरोइ पड़ा। उ कुआँ कादेस अउ बेरेद क बीच मँ
बाटइ।

15हाजिरा अब्राम क पूत क जन्म दिहस। अब्राम पूत क
नाउँ इस्माएल धरेस। 16अब्राम उ टेम छियासी बरिस क रहा
जब हाजिरा इस्माएल क जन्म दिहस।

खतना करार क सबूत

17 जब अब्राम निन्यानबे बरिस क भवा, यहोवा ओह
पइ परगट भवा। यहोवा कहेस, “मइँ सर्वोच्च
परमेस्सर अहउँ। मोरे आगे चला अउर इमानदार रहा। 2जदि
तू इ करा, तउ मइँ आपन अउ तोहरे बीच एक करार
करब। मइँ तोहका बचन देत हउँ कि मइँ तोहका बहोत
सारा संतान देबउ।”

3अब्राम परमेस्सर क समन्वा आपन मुँह जमीन कइँती
निहुराएस। तब परमेस्सर ओहसे बात किहस अउ कहेस,
4“हमरे करार क इ हींसा मोर अहइ। मइँ तोहका कइउ
रास्ट्र क बाप बनाउब। 5मइँ तोहरे नाउँ क बदल देब। तोहार
नाउँ अब्राम नाहीं होइ। तोहार नाउँ इब्राहीम होइ। मइँ तोहका
इ नाउँ एँह बरे देत अहउँ कि तू बहोत स रास्ट्रन क बाप
बनब्या। 6“मइँ तोहका बहोत संतानन देब। तोहसे नवा रास्ट्र
अउर राजा लोग पइदा होइहीं। 7अउर मइँ आपन अउ तोहरे
बीच एक करार करब। इ करार तोहरे सबहिं संतानन बरे
होइ। मइँ तोहार अउ तोहरे सबहिं संतानन क परमेस्सर रहब।
इ करार सदा बनी रही। 8अउर मइँ इ प्रदेस तोहका अउ
तोहरे सबहिं संतानन क देब। मइँ उ प्रदेस तोहका देब जेहसे
होइके तू जात्रा करत रहब्या। मइँ तोहका कनान प्रदेस देब।

मइँ तोहका इ प्रदेस सदा बरे देब अउर मइँ तोहार परमेस्सर
रहब।"
9परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, "अब करार क इ हींसा
तोहार हींसा अहइ। मोर इ करार क मानब तू अउ तोहार
संतानन करिहीं। 10इ उ करार अहइ कि जेका तू मनब्या। इ
करार मोरे अउ तोहरे बीच अहइ। इ तोहरे सबहिं संतानन बरे
अहइ। हर एक लरिका जउन पइदा होइ ओकर खतना जरूर
होइ। 11तू बाहरी चाम क एक निसान बरे कटब्या कि तू
आपन अउ मोरे बीच क करार क मानत रहब्या। 12जब
लरिका आठ दिन क होइ जाइ तब तू ओकर खतना कर्‌या।
हर एक लरिका जउन तोहरे मनइयन क बीच पइदा होइ या
कउनो लरिका जउन विदेसी स खरीदइ भवा तोहार दास स
पइदा होइ, ओकर खतना जरुर होइ। 13इ तरह तोहरे रास्ट्र
क हर एक लरिका क खतना होइ। जउन लरिका तोहरे
परिवारे मँ पइदा होइ या दास क रुप मँ बसेहा जाइ ओकर
खतना होइ। 14इहइ मोर नेम अहइ अउर मोरे अउ तोहरे
बीच करार अहइ। जउन कउनो मनई क खतना नाहीं होइ उ
आपन मनइयन स अलगाइ दीन्ह जाइ। काहेकि उ मनई मोरे
करार क तोड़ दिहस।"

इसहाक प्रण क पूत

15परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, "मइँ सारै क जउन तोहार
मेहरारु अहइ, नवा नाम देब। ओकर नाउँ सारा होइ। 16मइँ
ओका असीस देब। मइँ ओका पूत देब अउ तू बाप होइ। उ
बहोत स नए रास्ट्रन क महतारी होब्या। ओहसे रास्ट्रन क
राजा लोग पइदा होइहीं।"
17इब्राहीम आपन मूँड़ी परमेस्सर क भगति देखावइ बरे
जमीन कइँती निहुराएस। मुला उ हँसा अउ आपन स बोला,
"मइँ सौ बरिस क होइ ग अहउँ। मइँ पूत नाहीं पइदा कइ
सकत हउँ अउ सारा नब्बे बरिस क बुढ़िया बाटइ। उ
लरिकन क जन्म नाहीं दइ सकत।"
18तउ इब्राहीम परमेस्सर स कहेस, "मोका उमीद अहइ
कि इस्माएल जिइहीं अउ तोहार सेवा करइहीं?"
19परमेस्सर कहेस, "नाहीं, मइँ कहेउँ कि तोहार मेहरारु
सारा पूत क जन्म देइ। तू ओकर नाउँ इसहाक रखब्या। मइँ
ओकरे संग करार करब। इ करार अइसा होइ जउन ओकरे
सबहिं संतानन क संग सदा बनी रही।
20"तू इस्माएल क नाउँ लिहस अउर मइँ तोहार बात
सुनेउँ। मइँ ओका असीसब। ओकरे बहोत स सन्तानन
होइहीं। उ बारह बड़का राजा क बाप होइ। ओकर परिवार
एक बहोत बड़ा रास्ट्र बनी। 21मुला मइँ आपन करार इसहाक
क संग करब। इसहाक ही उ पूत होइ जेका सारा पइदा
करी। इ पूत अगला बरिस मँ इहइ टेम मँ, पइदा होइ।"
22परमेस्सर जब इब्राहीम स बात करब बन्द किहस,
इब्राहीम अकेल्ला रहि गवा। परमेस्सर इब्राहीम क लगे स
आकास कइँती उठि गवा। 23परमेस्सर कहे रहा कि तू अपने
परिवार क सबहिं लरिकन अउ मनइयन क खतना कराया।
एँह बरे इब्राहीम इस्माएल अउ आपन घरे मँ पइदा भए सबइ
नउकर लोगन क एक संग बोलाएस। इब्राहीम ओन नउकर
लोगन क एक संग बोलाएस जउन धने स बेसहा ग रहेन।
इब्राहीम क घर क सबहिं मनसेधू अउ लरिकन बटुरेन अउ
ओन सबहिं क खतना उहइ दिन ओनकइ बाहरी चाम
काटिके कइ दीन्ह गवा। इब्राहीम ओन लोगन क खतना
ठीक उहइ तरह स किहेस जे तरह परमेस्सर कहे रहेन।
24जब इब्राहीम क खतना भवा उ निन्यानबे बरिस क रहा।
25अउर ओकर पूत इस्माएल आपन खतना होइके टेम तेरह
बरिस क रहा। 26इब्राहीम अउ ओकरे पूत क खतना उहइ
दिन भवा। 27उहइ दिन इब्राहीम क सबहिं मनइयन क खतना
भवा। इब्राहीम क घरे मँ पइदा भए सबहिं मनइयन क अउ
बेसहा गए सबहिं दासन क खतना उहइ दिन भवा।

तीन ठु मेहमान

18 पाछे यहोवा फुन इब्राहीम क समन्वा परगट भवा।
इब्राहीम मम्रे क बलूत क बृच्छन क लगे रहत
रहा। एक दिन, इब्राहीम दिन क सब स गर्म पहर मँ तम्बू
क दुआरे बइठा रहा। 2इब्राहीम आँखि उठाइके लखेस अउ
आपन समन्वा तीन मनइयन क खड़ा निहारेस। जबहिं इब्राहीम
मनइयन क लखेस, उ ओनके लगे गवा अउ ओनका
पैलगी किहेस। 3इब्राहीम कहेस, "साहेब लोगो! आप आपन
इ सेवक क संग तनिक देर रुकि जाइँ। 4मइँ आप लोगन
बरे गोड़वा पखारइ खातिर पानी लइ आवत अहउँ। आप
बृच्छन क खाले सुहताइ लेइँ। 5मइँ आप पचन क कछू
खइया के लिआवत अहउँ अउ आप लोग जेतना चाहइँ खाइ
लेइँ। एँकरे पाछे आप सबइ आपन जात्रा प जाब सुरु कइ
सकत हीं।"
तीनउँ कहेन, "इ बहोतइ बढ़िया बा। तू जइसा कहत
बाट्या, करा।"
6इब्राहीम हाली स तम्बू मँ घुसा। इब्राहीम सारा स कहेस,
"हाली हाली तीन ठु रोटी बरे आटा साना"। 7तब इब्राहीम
आपन गोरुअन कइँती भागा। इब्राहीम सबन त नीक एक ठु
जवान बछवा लिहस। इब्राहीम बछवा नउकर क दिहस।
इब्राहीम नउकर स कहेस कि तू हाली हाली करा, इ बछवा
क मारा अउ खइया खातिर तइयार करा। 8इब्राहीम तीनहुँ क
खाइ बरे गोस दिहस। उ दूध अउ माखन भी दिहस। जब
तलक तीनहुँ मनई खात रहेन तब तलक इब्राहीम बृच्छ क
खाले ठाड़ रहा।
9उ मनइयन इब्राहीम स कहेस, "तोहार मेहरारु सारा कहाँ
बा?"
इब्राहीम कहेस, "उ तम्बू मँ बा।"
10तब यहोवा कहेस, "मइँ बसन्त मँ फुन आउब। उ टेम
तोहार मेहरिया सारा एक ठु पूत क जन्मी।"
सारा तम्बू मँ अनकत रही अउर उ इ बातन क सुनेस।
11इब्राहीम अउ सारा बहोत बुढ़ाइ ग रहेन। सारा लड़कोर होइ
क उमिर क पार कइ चुकी रही।
12सारा आपन आप प हँसी। उ आपन स कहेस, "मइँ
अउ मोर भतार दुइनउँ बुढ़ान बाटेन। मइँ लरिका जन्मइ बरे
ढेर बुढ़ाइ गइ अहउँ।"
13तब यहोवा इब्राहीम स कहेस, "इ सोचत भवा सारा
काहे हँसेन कि, 'मइँ एँतना बूढ़ी हउँ कि लरिका नाहीं पइदा
कइ सकत हउँ?' 14का यहोवा बरे कछू भी असंभव बाटइ?

नाहीं, मइँ फुन बसन्त मँ आपन बताए भए टेम प आउब
अउ तोहार मेहरारु सारा पूत क जन्म देइ।"
15मुला सारा कहेस, "मइँ हसेउँ नाहीं।" उ अइसा कहेस,
काहेकि उ डेरान रही।
मुला यहोवा कहेस, "नाही, मइँ जानत हउँ कि तोहार
कहब सही नाहीं अहइ। तू जरुर हँसिउ ह।"
16तब उ मनईयन जाइ बरे उठेन। उ पचे सदोम कइँती
लखेन अउ उहइ कइँती चल पड़ेन। इब्राहीम ओनका बिदा
करइ बरे कछू दूर तलक ओनके संग गवा।

परमेस्सर क संग इब्राहीम क सौदा

17यहोवा मन मँ कहेस, "का मइँ इब्राहीम स कहि देउँ
जउन मइँ अबहुँ करब? 18इब्राहीम एक बड़का सक्तीवाला
रास्ट्र बन जाइ। इ कारण स धरती क सारे मनइयन आसीर्बाद
पइहीं। 19मइँ इब्राहीम क संग खास करार किहेउँ ह। मइँ इ
एँह बरे किहेउँ ह कि उ आपन लरिकन अउ आपन संतानन
क तरह जिन्नगी बितावइ बरे हुकुम देइ जउने तरह जिन्नगी
बिताउब यहोवा चाहत ह। मइँ इ एँह बरे किहेउँ ह कि उ
पचे सच्चाई स रइहीं अउर इन्साफ पसन्द बनिहीं। तब मइँ
यहोवा प्रण कीन्ह गइ चीजन क देब।"
20तब यहोवा कहेस, "सदोम अउर गमोरा का चीख-पुकार
बहोत जबरदस्त अहइ। ओनका पाप बहोत गम्भीर अहइ।
21एह बरे मइँ हुँवा जाब अउर देखब कि जउन कूछ मइँ
सुन्या ह, यदि उ सही बा तब मइँ जानब कि उ सही बाटइ
या गलत।"
22तब उ मनइयन घूमेन अउ सदोम कइँती चल पड़ेन।
मुला इब्राहीम यहोवा क समन्वा खड़ा रहा। 23तब इब्राहीम
यहोवा स बोला, "हे यहोवा, का तू खोट मनइयन क नास
करइ क संग भले मनइयन क नास करइ क बात सोचत
अहा? 24जदि उ सहर मँ पचास भला मनई होइँ तउ का
होइ? का तब भी तू सहर क नास कइ देब्या? फुरइ ही तू
हुँआ क बसइया पचास भले मनइयन बरे उ सहर क बचाइ
लेब्या। 25फुरइ ही तू उ सहर क नास न करब्या। खोट
मनइयन क मारइ बरे तू पचास भले मनइयन क नास न
करब्या। अगर अइसा भवा तउ भला अउ खोटा लोग एक
ही होइ जइहीं। दुइनउँ क ही सजा मिली। तू समूचइ भुइँया
क निआव देइवाला अहा। मइँ जानत अहउँ कि तू निआव
करब्या।"
26फुन यहोवा कहेस, "जदि मोका सदोम सहर मँ पचास
भला लोग मिलइँ तउ मइँ समूचइ सहर क बचाइ लेब।"
27तब इब्राहीम कहेस, "हे यहोवा, तोहरे अगवा, मइँ
सिरिफ धूर अउ राख अहउँ। मुला तू मोका फुन तनिक
कस्ट देइ क मौका द्या अउ मोका इ प्रस्न पूछइ द्या कि:
28जदि पाँच नीक लोग कमती होइँ तउ का होइ? जदि सहर
मँ पैंतालीस ही नीक लोग होइँ तउ का होइ? का तू सिरिफ
पाँच लोगन बरे समूचइ सहर क नास करिब्या?" तब यहोवा
कहेस, "जदि मोका हुआँ पैंतालीस नीक लोग मिलइँ तउ
मइँ सहर क नास न करब।"
29इब्राहीम फुन यहोवा स कहेस, "जदि तोहका हुआँ
सिरिफ चालीस नीक लोग मिलइँ तउ का तू सहर क नास
कइ देब्या?" यहोवा कहेस, "अगर मोका चालीस बढ़िया
लोग हुआँ मिलइँ तउ मइँ सहर क बर्बाद न करब।"
30तब इब्राहीम कहेस, "हे यहोवा कृपा कइके मोहे प
किरोध जिन करा। मोका इ पूछेइ द्या कि अगर सहर मँ
सिरिफ तीस नीक लोग होइँ तउ का तू सहर क नास कइ
देब्या?"
यहोवा कहेस, "जदि मोका तीस नीक लोग मिलइँ तउ
मइँ सहर क बर्बाद न करब।"
31तब इब्राहीम कहेस, "हे यहोवा, का मइँ तोहका फुन
कष्ट देउँ अउ पूछ लेउँ कि जदि बीस ही सहर मँ नीक
लोग हुआँ होइँ तउ?"
यहोवा जवाब दिहस, "अगर मोका बीस बढ़िया लोग
मिलइँ तउ भी मइँ सहर क नास न करब।"
32तब इब्राहीम कहेस, "हे यहोवा तू मोहे प गुस्सा जिन
करा। मोका आखिरी दाईं कस्ट देइ क मौका द्या। जदि
तोहका हुआँ दस बढ़िया लोग मिलइँ तउ तू का करिब्या?"
यहोवा कहेस, "जदि मोका सहर मँ दस नीक लोग मिलइँ
तउ भी मइँ सहर क नास न करब।"
33यहोवा इब्राहीम स बोलब बंद कइ दिहस, एँह बरे
यहोवा चला गवा अउ इब्राहीम आपन घर लउटि आवा।

लूत क अतिथि

19 ओनमाँ स दुइ सरगदूत संझा क सदोम सहर मँ
आएन। लूत सहर क दुआर प बइठा रहा अउ उ
सरगदूतन क लखेस। लूत विचारेस कि उ पचे सहर क
बीचउ बीच स जात्रा करत अहइँ। लूत उठा अउ सरगदूतन
क लगे गवा अउ भुइँया तलक निहुरा। 2लूत कहेस,
"महोदय, कृपा कइके मोरे घर चलइँ अउर मइँ आप लोगन
क सेवा करब। हुआँ आप लोग आपन गोड़ धोइ सकत हीं
अउर रात मँ रुकि सकत हीं। तब भियान आप लोग आपन
जात्रा सुरु कइ सकत हीं।"
सरगदूतन जवाब दिहन, "नाहीं, हम पचे सहर क चौराहे
मँ रुकब।"
3मुला लूत आपन घर चलइ बरे बार बार कहत रहा। इ
तरह सरगदूत लूत क घर जाइ बरे तइयार होइ गएन। जब
उ पचे घरे पहोंचेन तउ लूत ओनका कछू पिअइ बरे लइ
आवा। लूत ओनके बरे रोटी बनाएस। लूत क बनावा भवा
भोजन सरगदूत खाएन।
4उ संझा क सोवइ क टेम स पहिले ही उ सबइ मँ स
सदोम क जवान अउर बूढ़े दुइनउँ मनइयन लूत क घरे
आएन। सदोम क मनइयन लूत क घर घेरि लिहन अउ
पूछेन। 5उ पचे कहेन, "आज राति क जउन लोग तोहरे लगे
आएन, उ सब दुइनउँ मनई कहाँ बाटेन? उ मनइयन क बाहेर
हमका दइ द्या। हम ओनके संग संभोग करइ चाहत ह।"
6लूत बाहेर निकरा अउ आपन पाछे स दरवाजा बंद कइ
दिहस। 7लूत मनइयन स कहेस, "नाहीं मोर भाई लोगो, मइँ
बिनती करत हउँ कि आप इ बुरा कर्म न करइँ। 8लखा,
मोरे दुइ बिटिया अहइँ, उ सबइ एँकरे पहिले कउनो मनई क
संग नाहीं सोई अहइँ। मइँ आपन बिटियन क तू मनइयन क
दइ देत अहउँ। तू लोग ओनके संग जउन चाहा कइ सकत

ह। मुला इ मनइयन क संग कछू न करा। इ सब लोग
हमरे घरे आवा अहइँ अउर मइँ ऍनकइ रच्छा जरुर करब।"
9घरे क चारिहुँ कइँती क मनइयन जवाब दिहन, "राहे स
हटि जा।" तब मनइयन आपन मने मँ बिचार किहन, "इ
मनई लूत हमरे सहर मँ मेहमान क रुप मँ आवा अहइ।
अब इ सिखावइ चाहत ह कि हम पचे कैसे जिन्नगी गुजारइ
चाही।" तब उ पचे लूत स कहेन, "हम पचे ओनसे भी
जियादा बुरा तोरे संग करब।" ऍह बरे उ मनइयन लूत क
घेरि क ओकरे निअरे आउब सुरु किहन। उ सबइ दरवाजा
क तोड़िके खोलइ चाहत रहेन।
10मुला लूत क संग क ठहरे भए मनइयन दरवाजा
खोलेन अउ लूत क घरे क भीतर हींच लिहेन। तब उ पचे
दरवाजा बंद कइ दिहन। 11दुइनउँ मनइयन दरवाजे क बाहेर
क मनइयन क आँधर कइ दिहन। इ तरह घरे मँ घुसरइ क
जतन करइ वालन जवान अउ बुढ़वा सबइ आँधर होइ गएन
अउर दरवाजा न पाइ सकेन।

सदोम स बच निकरब

12दुइनउँ मनइयन लूत स कहेन, "का इ सहर मँ अइसा
कउनो मनई अहइ जउन तोहरे परिवारे क बाटइ? का तोहार
दामाद, तोहार बिटिया या दूसर कउनो तोहरे परिवारे क मनई
अहइ? जदि कउनो दूसर इ सहर मँ तोहरे परिवार क बाटइ
तउ तू अबहिं सहर तजि देइ बरे कहि द्या। 13हम पचे इ
सहर क बर्बाद करब। यहोवा ओन सबहिं बुराइयन क सुनि
लिहे अहइ जउन इ सहर मँ अहइ। ऍह बरे यहोवा हम
मनइयन क ऍका नास करइ बरे पठए अहइ।"
14ऍह बरे लूत बाहेर गवा अउ आपन दूसर बिटियन स
बियाह करइ वालन दामादन स बात किहेस। लूत कहेस,
"हाली करा अउ इ सहर क तजि द्या।" यहोवा ऍका फउरन
बर्बाद कइ देइ। मुला उ मनइयन समझेन कि लूत मजाक
करत बाटइ। 15दूसर दिन भिन्सारे भोर क टेम ही सरगदूत
लूत स हाली करइ क कोसिस किहस। उ पचे कहेन,
"लखा इ सहर क सजा मिली। ऍह बरे तू आपन मेहरारु
अउ तोहरे संग जउन दुइ बिटियन जउन अबहिं तलक
अहइँ, ओनका लइके इ जगह तजि द्या। तबहिं तू सहर क
संग बर्बाद न होब्या।"
16मुला लूत देर करइ लगा अउ सहर तजि देइ क उ
हाली नाहीं किहेस। ऍह बरे सरगदूतन लूत, ओकर मेहरारु
अउ ओकर दुइनउँ बिटियन क हाथ धइ लिहन, काहेकि
ओन पइ यहोवा क द्या रहा। उ दुइनउँ लूत अउ ओकरे
परिवार क सहर क बाहेर पहोंचाएन। लूत अउ ओकरे
परिवार प यहोवा क कृपा रही। 17ऍह बरे दुइनउँ लूत अउ
ओकरे परिवार क सहर क बाहेर पहोंचाइ दिहन। जब उ पचे
बाहेर होइ गएन तउ ओनमाँ स एक कहेस, "आपन जिन्नगी
बचावइ बरे पराइ जा। सहर कइँती घूमिके जिन लखा। इ
घाटी मँ कउनो जगह जिन रुका। तब तलक परात रहा जब
तलक पहाड़े मँ न जाइके पहोंचा। अगर तू अइसा नाहीं
करत्या, तउ तू सहर क संग नस्ट होइ जाब्या।"
18तब लूत दुइनउँ स कहेस, "श्रीमान लोगो, कृपा कइके
ऍतना दूर दौड़इ बरे बेबस जिन करा। 19आप लोग मो सेवक
प ऍतनी कृपा किहा ह। आप लोग मोका बचावइ क कृपा
किहा ह। मुला मइँ पहाड़ी ताईं नाहीं दौड़ि सकत हउँ। अगर
मइँ जरुरत स जियादा धीमे धीमे दौड़उँ तउ कछू बुरा होइ
अउ मइँ मारा जाब। 20मुला लखइँ हिआँ निअरे एक बहोत
छोटा सहर बाटइ। हम पचन क उ सहर तलक दौड़इ द्या।
तब हमार जिन्नगी बचि जाइ।"
21सरगदूत लूत स कहेस, "ठीक बाटइ, मइँ तोहका
अइसा ही करइ देब। मइँ उ सहर क नास नाहीं करब जेहमाँ
तू जात अहा। 22मुला हुआँ तलक तेज दउड़ा। मइँ तब
तलक सदोम क बर्बाद नाहीं करब जब तलक तू उ सहर मँ
सुरच्छित नाहीं पहोंच जात्या।" (इ सहर क नाउँ सोअर अहइ
काहेकी इ छोट अहइ।)

सदोम अउ अमोरा बर्बाद कीन्ह गएन

23जब लूत सोअर मँ घुसत रहा, भिन्सारे क सूरज
चमकइ लाग 24अउर यहोवा सदोम अउ अमोरा क बर्बाद
करब सुरु कइ दिहस। यहोवा आगी अउ बरत भवा गन्धक
क अकासे स खाले बरसाएस। 25इ तरह यहोवा उ सहरन क
अउर समूची घाटी क बर्बाद कइ दिहस अउ सबहिं जिअत
मनइयन अउ सबहिं पेड़-पौधन क बर्बाद कइ दिहस। 26जब
उ पचे परात रहेन, तउ लूत क मेहरारु घूमिके सहर क
निहारेस। जब उ घूमिके लखेस तब उ एक नोन क भीटा
होइ गइ।
27उहइ दिना बहोत तड़के इब्राहीम उठा अउ उ ठउरे प
गवा जहाँ उ यहोवा क समन्वा ठाड़ होत रहा। 28इब्राहीम
सदोम अउ अमोर सहरन कइँती निगाह दौड़ाएस। इब्राहीम उ
घाटी क समूची भुइँया कइँती लखेस। इब्राहीम उ पहँटा स
उठत भए घना धुआँ क लखेस। बड़ी खौफनाक आगी स
उठत धुआँ क तरह उ देखाइ पड़ा।
29परमेस्सर घाटी क सहरन क नास कइ दिहस। परमेस्सर
इब्राहीम क याद किहस अउर लूत क नास नाहीं किहेस।
जब उ ओन सहरन क नास किहेस जेहमा लूत रहत रहेन।

लूत अउ ओकर बिटियन

30लूत सोअर मँ लगातार रहइ स डेरान। ऍह बरे उ अउ
ओकर दुइनउँ बिटियन पहाड़न मँ गएन अउर उ हुवँइ रहइ
लगेन। उ पचे हुवाँ एक गुफा मँ रहत रहेन। 31एक दिना
बड़की बिटिया छोटकी बिटिया स कहेस, "भुइँया प चारिहुँ
कइँती मनसेधू अउ मेहरारु बियाह करत हीं। मुला हिआँ
आसपास कउनो मनसेधू नाहीं जेहसे हम बियाह करी। हम
पचन क पिता बुढ़ाइ ग बाटेन। 32ऍह बरे हम पचे आपन
पिता का प्रयोग लरिकन क जन्म देइ बरे करी जेसे हम
लोगन क बंस चलि सकइ। हम लोग आपन पिता क लगे
चलब अउ अंगूरे क दाखरस पिआउब अउ ओका नसा मँ
बुत्त कइ देब। तब हम ओकरे संग सोइ सकित ह।"
33उहइ राति दुइँनउँ बिटियन आपन पिता क लगे गइन
अउ ओका उ पचे दाखरस पिआइके नसा मँ बुत्त कइ
दिहन। तब बड़की बिटिया पिता क बिछउना मँ गइ अउ
ओकरे संग सोइ गइ। लूत जियादा नसा मँ बुत्त रहा। ऍह
बरे इ न जानि सका कि ओकरे संग कउन सोएस।

34दूसर दिन बड़की बिटिया छोटकी बिटिया स कहेस,
"पिछली राति मइँ आपन पिता क संग सोएउँ। आवा इ रात
फुन हम ओका दाखरस पिआइके नसा मँ बुत्त कइ देइ। तब
तू ओकरे बिछउना मँ जाइ सकत ह अउर ओकरे संग सोइ
सकत ह। इ तरह हम पचन क आपन पिता क प्रयोग
लरिकन क जन्म दइके आपन बंस चलावइ बरे करइ
चाही।" 35एँह बरे उ दुइनउँ बिटियन आपन पिता क दाखरस
पिआइके नसा मँ बुत्त कइ दिहन। तब छोटकी बिटिया
ओकरे बिछउना मँ ओलरी अउ ओकरे संग सोएस। लूत इ
दाईं भी न जानि सका कि ओकर बिटिया ओकरे संग
सोएस।

36इ तरह लूत क दुइनउँ बिटिया गर्भ धारण किहेन।
ओनका पिता ही ओनके लरिकन क पिता रहा। 37बड़की
बिटिया एक पूत क जन्म दिहस। उ बेटवा क नाउँ मोआब
धरेस। मोआब ओन सबहिं मोआबी लोगन क पिता रहा,
जउन अब तलक रहत अहइँ। 38छोटकी बिटिया भी एक
पूत जन्मेस। इ आपन पूत क नाउँ बेनम्मी धरेस। बेनम्मी
ओन सबहिं अम्मोनी लोगन क पिता अहइ जउन अब
तलक रहत बाटेन।

इब्राहीम गरार जात ह

20 इब्राहीम उ ठउरे क तजि दिहस और नेगेव क
जात्रा किहेस। इब्राहीम कादेस अउ सूर क बीच
गरार मँ बस गवा। 2गरार मँ इब्राहीम मनइयन स कहेस कि
सारा मोर बहिन अहइ। गरार क राजा अबीमेलक इ बात
सुनेस। अबीमेलेक क सारा चाहत रहा एँह बरे उ कछू
नउकर ओका लावइ बरे पठएस। 3मुला एक रात परमेस्सर
अबीमेलेक स सपन मँ बात किहस। परमेस्सर कहेस, "देखा,
तू मरि जाब्या। जउने मेहरारु क तू लिहा ह उ सोहागिन
अहइ।"

4मुला अबीमेलेक अबहिं सारा क संग नाहीं सोवा रहा।
एँह बरे अबीमेलेक कहेस, "हे यहोवा, मइँ दोखी नाहीं
अहउँ। का तू बेदोखी मनई क मरब्या? 5इब्राहीम मोसे खुद
कहेस, 'इ मेहरारु मोर बहिन अहइ' अउ मेहरारु भी कहेस,
'इ मनई मोर भाई अहइ।' मइँ बेदोखी अहउँ। मइँ नाहीं
जानत रहेउँ कि मइँ का करत हउँ?"

6तब परमेस्सर अबीमेलेक स सपन मँ कहेस, "हाँ, मइँ
जानत हउँ कि तू निर्दोख अहा अउर मइँ इ भी जानत हउँ
कि तू इ नाहीं जानत रह्या कि तू का करत रह्या? मइँ
तोहका बचाएँउ। मइँ तोहका आपन खिलाफ पाप नाहीं करइ
दिहेउँ। इ मइँ ही रहेउँ जउन तोहका ओकरे संग सोवइ नाहीं
दिहेउँ। 7एँह बरे इब्राहीम क ओकर मेहरारु लौटाइ द्या।
इब्राहीम एक ठु नबी बाटइ। उ तोहरे बरे पराथना करी अउर
तू जिअत रहब्या मुला जदि तू सारा क नाहीं लौटउब्या तउ
मइँ सरापत हउँ कि तू मरि जाब्या। तोहार सारा परिवार तोहरे
संग मरि जाइ।"

8एँह बरे दूसर दिन बहोत भिंसारे अबीमेलेक आपन सबइ
नउकरन क बोलाएस। अबीसेलेक सपने मँ भइ सारी बातन
क ओनका बताएस। नउकर बहोतइ डेराइ गवा। 9तब
अबीमेलेक इब्राहीम क बोलाएस अउ ओसे कहेस, "तू हम
पचन क संग अइसा काहे किहा? मइँ तोहार का बिगाड़ेउँ
ह? तू इ झूठ काहे बोल्या कि उ तोहार बहिन अहइ। तू
हमरे राज्ज प बहोत बड़ी बिपत्ति लइ आवा ह। इ बात
तोहका मोरे संग नाहीं करइ चाही। 10तू कउने बात स डेरात
अहा? तू इ सबइ बातन मोरे संग काहे किहा ह?"

11तब इब्राहीम कहेस, "मइँ ससान रहेउँ। काहेकि मइँ
सोचेउँ कि हिआँ कउनो भी परमेस्सर क आदर नाहीं करत।
मइँ बिचारेउँ कि सारा क पावइ बरे कउनो मोका मारि डाइ।
12उ मोर मेहरारु अहइ, मुला उ मोर बहिन भी अहइ। उ
मोरे पिता क बिटिया तउ अहइ मुला मोरी महतारी क
बिटिया नाहीं अहइ। 13परमेस्सर मोका मोरे पिता क घरे स
दूर पहोंचाए अहइ। परमेस्सर कइयऊ अलग अलग पहँटा मँ
मोका भटकाएस। जब अइसा भवा तउ मइँ सारा स कहेउँ,
'मोरे बरे कछू करा। जहाँ कहुँ भी हम जाइ तू मनइयन स
कहा कि तू मोर बहिन अहा।'"

14अब अबीमेलेक जान लिहेस कि का होइ चुका बाटइ।
एँह बरे अबीमेलेक इब्राहीम क सारा लौटाइ दिहस। अबीमेलेक
इब्राहीम क कछू भेड़िन, जनावर अउ दास भी दिहस।
15अबीमेलेक कहेस, "तू चारिहुँ कइँती लखि ल्या। इ मोर
देस अहइ। तू जउने ठउर चाहा, रहि सकत ह।"

16अबीमेलेक सारा स कहेस, "लखा, मइँ तोहरे भाई क
एक हजार चाँदी क टूक दिहेउँ ह। मइँ इ एँह बरे किहेउँ ह
कि जउन कछू भवा ओहसे मइँ दु:खी अहउँ। मइँ चाहत हउँ
कि हर एक मनई इ लखइ कि मइँ नीक काम किहेउँ ह।"

17-18परमेस्सर अबीमेलेक क ओकर पत्नी क अउर
ओकर मेहरारु नउकरन क लरिका जन्मइ क अयोग्ग
बनाएस। परमेस्सर उ एँह बरे किहस कि उ इब्राहीम क
मेहरारु सारा क बइठाइ लिहे रहा। मुला इब्राहीम परमेस्सर स
पराथना किहस अउ परमेस्सर अबीमेलेक, ओकर मेहररुअन
अउ दास-कन्या क चंगा कइ दिहस।

आखिर मँ सारा क एक लरिका

21 अब यहोवा सारा लगे आएन काहेकि उ कहेस
रहा, अउर उ सारा बरे उहइ किहेस जउन उ
करइ क वादा किहे रहा। 2सारा गरभ धरेस अउर इब्राहीम
बरे ओकर बुढ़ापे मँ एक लरिका क जन्मेस। सही टेम प
जइसा परमेस्सर वचन दिहे रहा वइसा ही भवा। 3सारा पूत
जन्मेस अउ इब्राहीम ओकर नाउँ इसहाक राखेस। 4परमेस्सर
क हुकुम क मुताबिक इब्राहीम आठ दिन होए प इसहाक क
खतना किहस।

5इब्राहीम सौ बरिस क रहा जब ओकर पूत इसहाक पइदा
भवा 6अउ सारा कहेस, "परमेस्सर मोका सुखी बनाइ दिहस
ह। हर एक मनई जउन इ बारे मँ सुनी उ मोहसे खुस होइ।
7कउनो भी इ नाहीं सोचत कि मइँ सारा इब्राहीम बरे पूत
देबउँ। मुला मइँ इब्राहीम क ओकरे बुढ़ापे क उमर मँ एक
ठु पूत दिहेउँ ह।"

घरे मँ परेसानी

8अब बचवा एँतना बाढ़ गवा कि महतारी क दूध तजिके
ठोस भोजन सुरु करइ। जउने दिन ओकर दूध छोड़वावा गवा

उ दिन इब्राहीम एक बहोत बड़का भोज दिहस। 9बीते भए टेम मँ मिस्र क दासी एक ठु पूत क जन्मेस। इब्राहीम उ पूत क बाप रहा। सारा लखेस कि हाजिरा क पूत इसहक क तंग करत ह। 10एँह बरे सारा इब्राहीम स कहेस, "उ दासी मेहरारु अउ ओकरे पूत क हिआँ पठइ द्या। जब हम पचे मरब हम पचन क सबहिं चिजियन इसहाक क मिलिहीं। मइँ नाहीं चाहत कि ओकर पूत इसहाक क संग ओन चिजियन मँ हींसा लेइ।"

11इस्माएल क बरे इ कीन्ह जाना एका सोच इब्राहीम क बहोत ज्यादा दु:खी कइ दिहन। 12मुला परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, "उ लड़का क बारे मँ दु:खी जिन ह्वा। उ दासी क बारे मँ दु:खी जिन ह्वा। जउन सारा चाहत ह तू उहइ करा। तोहार बंस इसहाक क बंस स चली। 13मुला मइँ तोहरे दासन क पूतन क असीसब। उ तोहार पूत अहइ एँह बरे मइँ ओकरे परिवार क भी एक बड़ा रास्ट्र बनाउब।"

14दूसर दिन बहोत भिन्सारे इब्राहीम कछू भोजन अउ पानी लिहस। इब्राहीम इ चीजन हाजिरा क दइ दिहस। हाजिरा उ सबहि चीजन क लिहस अउ बच्चा क संग दूर चली गइ। हाजिरा उ ठउर तजि दिहस अउर उ बेर्सोबा क रेगिस्तान मँ भटकइ लाग।

15कछू टेम पाछे हाजिरा क सारा पानी खतम होइ गवा। पिअइ बरे कछू पानी भी नाहीं बचा। एँह बरे हाजिरा आपन लरिका क एक झाड़ी तरे राखेस। 16हाजिरा हुआँ स कछू दूर गइ। तब उ रुकी अउ बइठि गइ। हाजिरा सोचेस कि ओकर पूत मरि जाइ काहेकि हुआँ पानी नाहीं रहा। उ ओका मरता भवा नाहीं देखइ चाहत रही। उ हुआँ बइठि गइ अउ रोवइ लाग।

17यहोवा लरिका क रोउब सुनेस। सरग स एक दूत हाजिरा क लगे आवा। उ पूछेस, "हाजिरा, तोहका का तकलीफ अहइ। डेराउ नाहीं काहेकि परमेस्सर हुवाँ लरिका क रोउब सुन लिहेस। 18जा, अउर आपन पूत क सँभारा। ओकर हाथ धइ ल्या अउ ओका संग लइ चला। मइँ ओका बहोत बड़का रास्ट्र क पिता बनाउब।"

19परमेस्सर हाजिरा क आँखी इ तरह खोलेस कि उ एक पानी क कुआँ निहारि सकी। एँह बरे हाजिरा कुआँ प गइ अउ उ थैला क पानी स भरि लिहस। तब उ बच्चा क पानी पिअइ बरे दिहस। 20बच्चा जब तक बाढ़ा नाहीं तब तलक परमेस्सर ओकरे संग रहा। इस्माएल रेगिस्तान मँ रहा अउ एक सिकारी बन गवा। उ बहोत बढ़िया तीर चलाउब सीख लिहस। 21ओकर महतारी मिस्र स ओकरे बरे दुल्हन लइ आइ। उ पचे सबइ पारान रेगिस्तान मँ रहइ लागेन।

इब्राहीम अबीमेलेक स सौदा करत ह

22तब अबीमेलेक अउ पीकोल इब्राहीम स बात किहन। पीकोल अबीमेलेक क फउज क सेनापति रहा। उ पचे इब्राहीम स कहेन, "तू जउन कछू करत अहा, परमेस्सर तोहार साथ देत ह। 23एँह बरे तू परमेस्सर क समन्वा इ बचन द्या कि तू मोरे अउ मोरे बच्चन बरे भला रहब्या। तू इ बचन द्या कि तू मोरे बरे अउ जहाँ तू रह्या ह उ देस बरे दयालु रहब्या। तू इ भी बचन द्या कि मइँ तोहरे बरे जेतॅना दयालु रहा ओतॅना तू मोहे प दयालु रहब्या।" 24इब्राहीम कहेस, "मइँ बचन देत हउँ कि तोहसे मइँ वइसा ही बिउहार करब जइसा तू मोरे संग बिउहार किया ह।" 25तब इब्राहीम अबीमेलेक क ओराहना दिहस। इब्राहीम एँह बरे ओराहना दिहस कि अबीमेलेक क नउकरन पानी क कुआँ प कब्जा कइ लिहन।

26अबीमेलेक कहेस, "एँकरे बारे मँ मइँ इ पहिली बार सुनेउँ ह। मोका पता नाहीं बाटइ, कि इ के किहेस ह अउर तू भी एँकर चर्चा मोहसे एँहसे पहिले कबहुँ नाहीं किह्या।"

27एँह बरे इब्राहीम अउ अबीमेलेक एक समझौता किहन। इब्राहीम समझौता क सबूत क रुप मँ अबीमेलेक क कछू भेड़िन अउ गोरु दिहस। 28इब्राहीम सात ठु मादा भेड़ी क बच्चा भी अबीमेलेक क समन्वा लावा। 29अबीमेलेक इब्राहीम स पूछेस, "तू इ सबइ सात ठु भेड़ी क मादा बच्चन क काहे अलगाइ कइ दिह्या?"

30इब्राहीम कहेस, "जब तू इ सातहु* भेड़ी क बच्चन स मोहसे लेब्या तउ इ सबूत रही कि इनारा मइ खनेउँ ह।" 31एँह बरे एँकरे पाछे उ इनारा बेर्सेबा कहवावा गवा। उ पचे इनारा क इ नाउँ दिहन काहेकि इ उ ठउर रहा जहाँ उ पचे एक दूसर क बचन दिहे रहेन।

32इ तरह इब्राहीम अउ अबीमेलेक बेर्सेबा मँ एक समझौता किहन। तब अबीमेलेक अउ सेनापति दुइनउँ पलिस्तियन क पहँटा मँ लौटि गएन।

33इब्राहीम बेर्सेबा मँ झाऊ क एक बृच्छ लगाएस। उ ठउरे प इब्राहीम परमेस्सर, जउन हमेसा रहत ह स पराथना किहस। 34अउर इब्राहीम पलिस्तियन क देस मँ बहोत समइ तलक रहा।

इसहाक क बलि क रूप मँ देन

22 इ बातन क पाछे परमेस्सर इब्राहीम क पतियाइ क परीच्छा लेब तय किहस। परमेस्सर ओसे कहेस, "इब्राहीम!" अउ इब्राहीम कहेस, "हाँ!"

2परमेस्सर कहेस, "आपन पूत ल्या, आप इकलौता पूत, इसहाक जेका तू पिरेम करत ह मोरिय्याह प जा। तू उ पहाड़े प जा जेका मइँ तोहका देखॅाउब। तू हुआँ आपन पूत क बलिदान देब्या अउ ओका होम बलि क सरुप मँ मोका अर्पण करिब्या।"

3भिन्सारे इब्राहीम उठा अउ उ गदहा क तइयार किहस। इब्राहीम इसहाक अउ दुइ नउकरन क संग लिहस। इब्राहीम बलि बरे काठ काटिके तइयार किहस। तब उ पचे उ ठउरे प गएन जहाँ जाइ बरे परमेस्सर कहेस। 4उ पचे तीन दिना तलक जात्रा किहेन। ओकरे पाछे इब्राहीम ऊपर लखेस अउ दूरी प उ ठउरे क निहारेस जहाँ उ पचे जात रहेन। 5तब इब्राहीम आपन नउकरन स कहेस, "हिआँ गदहा क संग ठहरि जा। मइँ आपन पूत क उ ठउरे लइ जाब अउ आराधना करब। तब हम पाछे लौटि आउब।"

6इब्राहीम बलि बरे लकड़ी क आपन पूत क काँधे प धरेस। इब्राहीम एक खास छुरी अउ आगी लिहस। तब

सात बरे हिब्रू सब्द या बचन दे जइसा अहइ। यह बरे सात गोरु ओका बचन देइ क सबूत रहेन।

इब्राहीम अउ ओकर पूत दुइनउँ आराधना बरे उ ठउरे प एक
संग गएन।
7इसहाक आपन बाप इब्राहीम स कहेस, "पिताजी!"
इब्राहीम जवाब दिहस, "हाँ, बेटवा।" इसहाक कहेस, "मइँ
ईंधन अउ आगी तउ लखत हउँ, मुला उ भेड़ा कहाँ बाटइ
जेका हम बलि क रुप मँ बारब?" 8इब्राहीम जवाब दिहस,
"बेटवा, परमेस्सर बलि बरे भेड़ा अपने आप जुटावत बाटइ।"

इसहाक बचावा गवा

इ तरह इब्राहीम अउ ओकर पूत उ ठउर संग संग
गएन। 9उ पचे उ ठउरे प पहोंचेन जहाँ परमेस्सर पहोंचइ क
कहे रहा। हुआँ इब्राहीम बलि क एक वेदी बनाएस। इब्राहीम
वेदी प काठ धरेस। तब इब्राहीम आपन पूत क बाँधेस।
इब्राहीम इसहाक क वेदी क काठे प धरेस। 10तब इब्राहीम
आपन छुरी निकारेस अउ आपन पूत क मारइ क तइयारी
किहस।
11तब यहोवा क सरगदूत इब्राहीम क रोक दिहस। दूत
सरग स गोहराएस अउ कहेस, "इब्राहीम, इब्राहीम।" इब्राहीम
जवाब दिहेस, "हाँ।"
12सरगदूत कहेस, "तू आपन पूत क जिन मारा या ओका
कउनो तरह क चोट जिन पहोंचावा। मइँ अब लखि लिहउँ
कि तू परमेस्सर क सम्मान करत ह अउ ओकर हुकुम
मानत ह। मइँ लखत हउँ कि तू आपन इकलौता पूत क मोरे
बरे मारइ क तइयार बाट्या।"
13इब्राहीम ऊपर निगाह किहेस अउ एक भेड़ा क लखेस।
भेड़ा क सींगन झाड़ी मँ अरझ गइ रहिन। एँह बरे इब्राहीम
हुआँ गवा अउर भेड़ा क धइ लिहस अउ ओका मारि डाएस।
इब्राहीम भेड़ा क आपन पूत क जगह प बलि दिहस। 14एँह
बरे इब्राहीम उ जगह क नाउँ "यहोवा यिरे" राखेस। आज भी
लोग कहत हीं, "इ पहाड़े क चोटी प यहोवा क लखा जाइ
सकत ह।"
15यहोवा क सरगदूत सरग स इब्राहीम क दूसरी दाईं
गोहराएस। 16सरगदूत कहेस, "तू मोरे बरे आपन पूत क
मारइ बरे तइयार रह्या। इ तोहार इकलौता पूत रहा। तू मोरे
बरे अइसा किहा ह एँह बरे मइँ, यहोवा तोहका वचन देत
अहउँ कि 17मइँ तोहका सचमुच ही असीसब। मइँ तोहका
ओतना ही संतानन देब जेतना अकासे मँ तारा बाटइँ। इ सबइ
एँतना जियादा लोग होइहीं जेतना समुद्दर क किनारे बालू क
कण अउ तोहार लोग आपन सबहिं दुस्मनन क हरइहीं।
18संसार क सबहिं रास्ट्र तोहरे परिवार क जरिये आसीर्बाद
पइहीं। मइँ इ एँह बरे करब काहेकि तू मोर हुकुम क मान्या
ह।"
19तब इब्राहीम आपन नउकरन क लगे लउटा। उ पचे
बेर्सेबा तलक वापसी जात्रा किहन अउ इब्राहीम हुअँइ रहइ
लाग।
20एकरे पाछे, इब्राहीम क इ समाचार मिला। समाचार इ
रहा, "तोहार भाई नाहोर अउ ओकर मेहरारु मिल्का क अब
गदेलन अहइँ। 21पहिला पूत ऊस अहइ। दूसर पूत क नाउँ
बूज अहइ। तीसर पूत अराम क बाप कमूएल अहइ।
22एकरे अलावा केसेद, हजो, पिल्दास, यिदलाप अउ बतूएल
बाटइ।" 23बतूएल रिबका क बाप रहा। मिल्का इ सबइ
आठहु पूतन क महतारी रही अउ नाहोर पिता रहा। नाहोर
इब्राहीम क भाई रहा। 24नाहोर क दूसर चारि लरिकन
ओकरी मेहरारु नउकर स रहेन। इ सबइ पूत तेबह, गहम,
तहस अउर माका रहेन।

सारा मरत ह

23 सारा एक सौ सत्ताईस बरिस जिअत रही। 2कनान
पहँटा क किर्यतर्बा (हेब्रोन) सहर मँ मरी। इब्राहीम
बहोत दुःखी भवा अउ ओकरे बरे हुआँ रोएस। 3तब इब्राहीम
मरी भइ मेहरारु क तजेस अउ हित्ती लोगन स बात करइ
गवा। उ कहेस, 4"मइँ इ पहँटा मँ नाहीं रहत। मइँ हिआँ
सिरिफ एक राही अहउँ। एँह बरे मोरे लगे आपन मेहरारु क
गाड़इ क कउनो जगह नाहीं बाटइ। मइँ कछू भुइँया चाहत
हउँ जेहमाँ आपन मेहरारु क दफनाइ सकूँ।"
5हित्ती लोगन इब्राहीम क जवाब दिहेन, 6"साहेब, आप
हम पचन क बीच परमेस्सर क सक्तीसाली राजकुमार अहइँ।
आप आपन मरे भए क दफनावइ बरे सबन त नीक ठउरे
प, जउन हम पचन क पास अहइ, लइ सकत हीं। आप हम
पचन क कब्रिसतानन मँ स कउनो भी जगह, जउन आप
चाहत हीं, लइ सकत हीं। हम लोगन मँ स कउनो भी
आपक आपन मेहरारु दफनावइ स नाहीं रोकी।"
7इब्राहीम उठा अउ मनइयन कइँती मूँड़ि निहुराएस।
8इब्राहीम ओनसे कहेस, "जदि आप लोग सचमुच मोर मरी
भइ मेहरारु क दफनावइ मँ मोर मदद करइ चाहत हीं तउ
सोहर क पूत एप्रोन स मोरे बरे बात करइँ। 9मइँ मकपेला
क गुफा क बसेहब पसन्द करब। एप्रोन एकर मालिक
अहइ। इ ओकरे खेत क सिरहने प बाटइ। मइँ एकरे दाम
क मुताबिक ओका पूरी कीमत देब। मइँ चाहत अहउँ कि
आप लोग इ बात क साच्छी रहइँ कि मइँ इ भुइँया क
कब्रिस्तान क रुप मँ खरीदत अहउँ।"
10एप्रोन हुअँइ मनइयन बीच बइठा रहा। एप्रोन इब्राहीम
क जवाब दिहस, 11"नाहीं, साहेब। मइँ आपन सबइ लोगन
क समन्वा इ भुइँया तोहका देब। मइँ आपक उ गुफा देब।
मइँ इ आप क एँह बरे देब कि आप एहमाँ आपन मेहरारु
क दफनाइ सकइँ।"
12तब इब्रहीम हित्ती मनइयन क समन्वा आपन मूँड़ि
निहुराएस। 13इब्राहीम सबहिं लोगन क समन्वा एप्रोन स
कहेस, "मुला मइँ तो खेते क पूरा दाम देइ चाहत अहउँ।
मोर धन अंगीकार करइँ। मइँ आपन मरे भए क एहमाँ
गाड़ब।"
14एप्रोन इब्राहीम क जवाब दिहेस, 15"साहेब, मोरहु सुनइँ।
चार सौ चाँदी क सेकेल। हमरे अउ आप क बीच मँ इ धन
कछू भी नाहीं। भुइँया ल्या अउ आपन मरी भइ मेहरारु क
गाड़ द्या।"
16इब्राहीम समझेस कि एप्रोन ओका भुइँया क दाम
बतावत अहइ। एँह बरे हित्ती लोगन क गवाह मानिके,
इब्राहीम चाँदी क चार सौ सेकेल एप्रोन बरे तौलेस। इब्राहीम
पइसा उ बइपारी क दइ दिहेस जउन इ भुइँया क बेचइ क
धन्धा करत रहा।

17-18इ तरह एप्रोन क खेत क मालिक बदल गएन। इ
खेत मम्रे क पूरब मकपेला मँ रहा। इब्राहीम उ खेत क,
गुफा क अउर उ खेत क बृच्छन क मालिक होइ गवा।
सहर क सबहिं लोग एप्रोन अउ इब्राहीम क बीच भए
समझौता क लखेन। 19एँकरे पाछे उ आपन मेहरारु सारा क
कनान देस क मम्रे क निअरे जउन कि हेब्रोन मँ अहइ
मकफेला क क निअरे उ खेते क गुफा मँ गाड़ेस।
20इब्राहीम खेत अउ ओकरे गुफा क हित्ती लोगन स
खरीदेस। इ ओकर संपत्ति होइ गइ, अउ उ एँकर बइपरब
कब्रिस्तान क रुप मँ किहस।

इसहाक बरे मेहरारु

24 इब्राहीम बहोत बूढ़ा होइके भी जिअत रहा। यहोवा
इब्राहीम क आसीर्बाद दिहेस अउ ओकरे हर एक
काम क सफल होइ दिहेस। 2इब्राहीम क एक सबन त पुरान
नउकर रहा जउन इब्राहीम क जउन कछू रहा ओकर प्रबंधक
रहा। इब्राहीम उ नउकर क बोलाएस अउ कहेस, “आपन
हाथ मोरे जाँघे क नीचे धरा। 3अब मइँ चाहत हउँ कि तू
मोका एक बचन द्या। धरती अउ आकास क परमेस्सर
यहोवा क समन्वा तू बचन द्या कि तू कनान क कउनो
बिटिया स मोरे पूत क बियाह नाहीं होइ देब्या। हम पचे उ
कनानियन क मध्य मँ रहित ह, मुला कनानी लड़की स
ओकर बियाह न करइ द्या। 4तू मोरे देस अउ मोरे आपन
मनइयन मँ लउटिके जा। हुआँ मोर पूत इसहाक बरे एक
दुलहिन हेरा।”

5नउकर ओसे कहेस, “इ तउ होइ सकत ह कि उ
दुलहिन मोरे संग इ देस मँ लौटब न चाहइ। तब, का मइँ
तोहरे पूत क तोहरी जन्म भूमि मँ लइ जाऊँ?”

6इब्राहीम ओसे कहेस, “नाहीं! तू हमरे पूत क उ देस मँ
न लइ जा। 7यहोवा, सरग क परमेस्सर मोका मोरी जन्म
भूमि स हिआँ लिआवा। उ देस मोर बाप अउ परिवार क घर
रहा। मुला यहोवा इ बचन दिहस कि इ नवा प्रदेस मोरे
परिवार वालन क होइ। यहोवा आपन एक सरगदूत तोहरे
समन्वा पठएस जेहसे तू मोरे पूत बरे दुलहिन चुनि सका।
8मुला अगर बिटिया तोहरे संग आउब मना करइ तउ तू
आपन बचन स छुटकारा पाइ जाब्या। मुला तू मोरे पूत क उ
देस मँ वापिस जिन लइ जा।”

9इ तरह नउकर आपन मालिक क जाँघे तरे आपन हाथ
धइके बचन दिहेस।

खोज सुरु होत ह

10नउकर इब्राहीम क दस ठु ऊँट लिहेस अउ उ जगह
स उ चला गवा। नउकर कइउ तरह क सुन्नर भेंट आपन
संग लइ गवा। उ नाहोर क सहर मेसोपोटामिया गवा।

11उ सहर क बाहर क कुआँ प गवा। इ बात साँझ क
भइ जब मेहररुअन पानी भरइ बाहेर आवति हीं। नउकर
हुवँइ ऊँटन क गोड़े क घुटना क बल बइठाएस।

12नउकर कहेस, “हे यहोवा, तू मोर सुआमी इब्राहीम क
परमेस्सर अहा। आज तू ओकरे पूत बरे मोका एक दुलहिन
दिआवा। कृपा कइके मोर मालिक इब्राहीम प दाया करा।
13मइँ हिआँ इ पानी क कुआँ क लगे ठाढ़ अहउँ अउर
पानी भरइ बरे सहर स बिटियन आवति अहइँ। 14मइँ एक ठु
खास चीन्हा क बाट जोहत अहउँ जेहसे मइँ जान सकउँ कि
इसहाक बरे कउन सी बिटिया नीक होइ। इ बिसेख चीन्हा
अहइ। मइँ बिटिया स कहब कि ‘मेहरबानी कइके आपन
गगरी क खाले धरइँ जेहसे मइँ पानी पी सकउँ।’ मइँ तब
समझब कि इ नीक लड़की अहइ जब उ कही, ‘पिआ,
अउर मइँ तोहरे ऊँटन बरे भी पानी देब।’ जदि अइसा होइ
तउ तू साबित कइ देब्या कि इसहाक बरे इ बिटियन नीक
बाटइ। मइँ बूझब कि तू मोरे सुआमी प कृपा किह्या ह।”

एक दुलहिन मिली

15तब नउकर क पराथना पूरी होइ स पहिले ही रिबका
नाउँ क एक लड़की इनारा प आइ। रिबका बतूएल क
बिटिया रही। बतूएल इब्राहीम क भाई नाहोर अउ मिल्का क
पूत रहा। रिबका आपन काँधे प पानी क गगरी लइके इनारा
प आइ रही। 16लड़की बहोत सुन्नर रही। उ कुआँरी रही। उ
कउनो मनई क संग कबहुँ नाहीं सोइ रही। उ आपन कूँड़ा
भरइ बरे इनारा प आइ। 17तब नउकर ओकरे नगिचे तलक
दौड़िके आवा अउ बोला, “मेहराबानी कइके आपन कूँड़ा स
पिअइ बरे तनिक पानी द्या।”

18रिबका हाली हाली काँधे स कूँड़ा क खाले उतारेस अउ
ओका पानी पिआएस। रिबका कहेस, “महासय, इ पिअइँ।”
19जइसेन ही उ पिअइ बरे कछु पानी देब खतम किहेस।
रिबका कहेस, “मइँ आप क ऊँटयन क भी पानी पिअइ बरे
दइ सकत हउँ।” 20एँह बरे रिबका फउरन कूँड़ा क सब पानी
ऊँटयन बरे बना भवा हउदा मँ उड़ेरेस। तब उ अउर पानी
लइ आवइ बरे इनारा क दौड़ गइ अउ उ सब ऊँटियन क
पानी पिआएस।

21नउकर ओका चुपचाप धियान स लखेस। उ इ तय
करइ चाहत रहा कि यहोवा साइद इ बात क मान लिहेस ह
अउ ओकरी जात्रा क सुफल बनाइ दिहस ह। 22जब ऊँटियन
पानी पी लिहन तब उ रिबका क आधा सेकेल जोखिके एक
ठु सोना क मुनरी दिहेस। उ ओका दुइ बाजूबंद भी दिहेस
जउन जोखे मँ हर एक दस सेकेल रहेन। 23नउकर पूछेस,
“तोहार बाप कउन अहइ? का तोहरे बाप क घरे मँ एँतनी
जगह बाटइ कि हम पचन क रहइ अउ सोवइ क सरंजाम
होइ सकइ?”

24रिबका जवाब दिहेस, “मोर बाप बतूएल अहइँ जउन
मिल्का अउ नाहोर क पूत अहइँ।” 25तब उ कहेस, “अउर
हाँ हम पचन क लगे तोहरे ऊँट बरे चारा बाटइ अउ तोहरे
सोवइ बरे जगह अहइ।”

26नउकर मूँड़ि निहुराएस अउ यहोवा क आराधना किहेस।
27नउकर कहेस, “मोरे सुआमी इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा
क धन्न हो। यहोवा हमरे सुआमी प दयालु अहइ। यहोवा
मोका आपन सुआमी क पूत बरे सही लड़की दिहे अहइ।”

28तब रिबका दौड़ी अउ जउन कछू भवा रहा आपन
परिवार क बताएस। 29-30रिबका क एक भाई रहा। ओकर
नाउँ लाबान रहा। रिबका ओका उ बातन क बताएस जउन
ओसे उ मनई किहे रहा। लाबान ओकर बातन अनकत रहा।

जब लाबान मुनरी अउ बहिनी क बाँहे प बाजूबन्द निहारेस
तउ उ धाइके इनारा प पहोंचा अउर हुआँ उ मनई इनारा क
लगे, ऊँटियन क बगल मँ ठाढ़ रहा।

31लाबान कहेस, “साहेब, आप पधारइँ आप क सुआगत
अहइ। आप क हिआँ बाहेर खड़ा नाही रहब बाटइ। मइँ
आपक ऊँटियन बरे एक जगह बनइ दीन्ह ह अउ आप
सोवइ बरे एक ठु कमरा ठीक कइ दीन्ह ह।”

32एँह बरे इब्राहीम क नउकर लाबन क घर गवा। लाबान
ऊँटन पइ स बोझ उतारइ मँ ओकर मदद किहस अउ ऊँटन
क खाइ बरे चारा दिहस। तब लाबान पानी दिहस जेहसे उ
मनई अउ ओकरे संग आए भएन दूसर नउकरन आपन गोड़
पखारि सकइँ। 33तब लाबान ओका खाइ बरे दिहस। मुला
नउकर खइया क खाइ स मना कइ दिहस। उ कहेस, “मइँ
तब तलक भोजन न करब जब तलक मइँ इ नाहीं बताइ देउँ
कि मइँ हिआँ काहे बरे आवा अहउँ।”

एँह बरे लाबान कहेस, “तब हम पचन क बतावा।”

रिबका इसहाक क मेहरारु बनी

34नउकर कहेस, “मइँ इब्राहीम क नउकर अहउँ। 35यहोवा
हमरे सुआमी प हर एक जगह कृपा किहेस ह। मोर मालिक
महान मनई होइ ग अहइँ। यहोवा इब्राहीम क कइउ भेड़िन
क झुण्ड अउ गोरुअन क झुण्ड दिहे अहइ। इब्राहीम क
लगे ढेरि क सोना, चाँदी अउ नउकर अहइँ। इब्राहीम क
लगे बहोत स ऊँट अउ गदहा अहइँ। 36सारा, मोर सुआमी
क पत्नी अहइ। जब उ बहोतइ बुढ़ाइ गइ उ एक पूत क
जन्म दिहेस अउ हमार सुआमी आपन सब कछू उ पूत क
दइ दिहस ह। 37मोर सुआमी मोका एक बचन देइ बरे बेबस
किहस। मोर सुआमी मोसे कहेस, ‘तू मोरे पूत क कनान क
लरिकी स कउनो भी तरह बियाह नाहीं करइ देब्या। हम पचे
ओनके बीच रहित ह, मुला मइँ नाहीं चाहित कि उ कउनो
कनानी लरिकी स बियाह करइ। 38एँह बरे तोहका बचन देइ
क होइ कि तू मोरे बाप क देस जाब्या। मोरे परिवार मँ जा
अउ मोरे पूत बरे एक ठु दुलहिन चुना।’ 39मइँ आपन
सुआमी स कहेउँ, ‘इ होइ सकत ह कि उ दुलहिन मोरे संग
इ देस मँ आवइ स इन्कार करेस।’ 40मुला मोर मालिक
कहेस, ‘मइँ यहोवा क सेवा करत हउँ अउ यहोवा तोहरे संग
आपन सरगदूत पठई अउ तोहार मदद करी। तोहका हुआँ
मोरे आपन लोगन मँ स मोरे पूत बरे एक दुलहिन मिली।
41मुला जदि तू मोरे पिता क देस जात ह अउर उ पचे मोरे
पूत बरे एक ठु दुलहिन देब मना करत हीं तउ तोहका इ
बचन स छुटकारा मिलि जाइ।’

42“आजु मइँ इ इनारा प आवा हउँ अउर मइँ कहेउँ ह,
‘हे यहोवा मोर सुआमी क परमेस्सर कृपा कइके मोर जात्रा
सुफल बनावा। 43मइँ हिआँ इनारा क लगे रुकब अउ पानी
भरइ बरे आवइ वाली नवखिल मेहरारु क जोहब। तब मइँ
कहब, “कृपा कइके आप आपन कूँड़ा स पिअइ बरे पानी
द्या।” 44नीक बिटिया ही खास तरह स जवाब देइ। उ कही,
“इ पानी पिआ अउ मइँ तोहरे ऊँटियन बरे पानी लावत
अहउँ।” इ तरह मइँ जानब कि इ उहइ मेहरारु अहइ जेका
यहोवा मोर सुआमी क पूत बरे चुने अहइ।’

45“मोर पराथना पूरी होइ क पहिले ही रिबका इनारा प
पानी भरइ आइ। पानी क कूँड़ा उ आपन काँधे प लइके धरे
रही। उ इनारा तलक गइ अउ उ पानी भरेस। मइँ एहसे
कहेउँ, “कृपा कइके मोका तनिक पानी द्या। 46उ फउरन
काँधे स कूँड़ा क निहुराएस अउ मोरे बरे पानी उड़ेरेस अउ
कहेस, ‘इ पिअइँ अउ मइँ आप क ऊँटियन बरे पानी
लिआउब।’ एँह बरे मइँ पानी पिएउँ अउ आपन ऊँटन क भी
पानी पियाएउँ। 47तब मइँ एहसे पूछेउँ, ‘तोहार पिता कउन
अहइँ?’ इ जवाब दिहस, ‘मोर पिता बतूएल अहइ। मोरे पिता
क महतारी-बाप मिल्का अउ नाहोर अहइँ।’ तब्बइ मइँ एँका
मुनरी अउ बाँहे बरे बाजूबन्द दिहेउँ ह। 48उ टेम मइँ आपन
मूँड़ी निहुराएउँ अउ यहोवा क धन्न कहेउँ। मइँ आपन
सुआमी इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा क प्रसंसा किहा। मइँ
ओका धन्न कहेउँ काहेकि उ सोझेइ मोरे सुआमी क भाई
क नतिनी तलक मोका पहोंचाएस। 49अब बतावा कि तू का
करब्या? का तू मोरे सुआमी प दयालु अउ स्वामिभक्त होब्या
अउ आपन बिटिया ओका देब्या? या तू आपन बिटिया देब
मना करब्या? मोका बतावा, जेहसे, मइँ इ समुझ सकउँ कि
मोका का करइ क बाटइ।”

50तब लाबान अउ बतूएल जवाब दिहन, “हम पचे इ
लखत अही कि इ यहोवा कइँती स बाटइ। एँका हम सबइ
टारि नाहीं सकित। 51रिबका तोहार अहइ। ओका ल्या अउ
जा। आपन सुआमी क पूत स एका बियाह करइ द्या। इहइ
अहइ जेका यहोवा चाहत ह।”

52इब्राहीम क नउकर सुनेस अउ उ यहोवा क समन्वा
भुइँया प निहुरा। 53तब उ रिबका क उ सबइ भेंट दिहस
जउन उ संग लिआवा रहा। उ रिबका क सोना अउ चाँदी
क गहना अउ बहोत स सुन्नर ओढ़ना दिहस। उ, ओकरे
भाई अउ महतारी क कीमती भेंट दिहस। 54नउकर अउ
ओकरे संग क मनई हुआँ ठहरेन अउ खाएन अउर पिएन।
उ पचे हुआँ राति भइ ठहरेन। उ पचे दूसर दिन भिन्सारे
उठेन अउ बोलेन “अब हम आपन मालिक क लगे जाब।”

55रिबका क महतारी अउ भाई कहेन, “रिबका क हम
लोगन क लगे कछू दिन अउ ठहरइ द्या। ओका दस दिन
तलक हमरे संग ठहरइ द्या। एँकरे पाछे उ जाइ सकत ह।”

56मुला नउकर ओनसे कहेस, “यहोवा मोर जात्रा सफल
किहेस ह। अब मोसे जिन जोहावा। मोका आपन मालिक क
लगे लौटि जाइ द्या।”

57रिबका क भाई अउ महतारी कहेन, “हम पचे रिबका
क बोलाउब अ ओसे पूछब कि उ का चाहत ह?” 58उ पचे
रिबका क बोलाएन अउ ओसे कहेन, “का तू इ मनई क
संग अबहिं जाइ चाहत अहा?” रिबका कहेस, “हाँ, मइँ
जाब!”

59एँह बरे उ पचे रिबका क इब्राहीम क नउकर अउ
ओकरे संगी लोगन क साथे जाइ दिहन। रिबका क धाई भी
ओनके संग गइ। 60जब उ जाइ लाग अउ उ पचे रिबका
स बोलेन,

“हमार बहिनी, तू लाखन मनइयन क महतारी बना अउ
तोहार संतान आपन दुस्मनन क हरावइँ अउ ओनके सहरन
क हड़प लेइँ।”

61तब रिबका अउ धाई ऊँट प सवार भइन अउ नउकर अउ ओकरे संगी लोगन क पाछे चलइ लागिन। इ तरह नउकर रिबका क संग लिहस अउ घरे लउटइ बरे जात्रा सुरु किहस।

62इ टेम इसहाक बेर लहैरोई क तजि दिहे रहा अउ नेगेव मँ रहइ लाग। 63एक संझा क इसहाक मइदान मँ टहरत रहा। इसहाक नजर दउड़ाएस अउ बहोत दूर स ऊँटन क आवत लखेस।

64रिबका लखेस अउ इसहाक क निहारेस। तब उ ऊँट स कूदि पड़ी। 65उ नउकर स पूछेस, "हम मनइयन स मिलइ बरे खेतन मँ टहरत उ मनई कौन अहइ?"

नउकर कहेस, "इ मोरे सुआमी क पूत अहइ।" एँह बरे रिबका आपन मुँह क पर्दा मँ छिपाइ लिहस।

66नउकर इसहाक क उ सबइ बातन क बताएस जउन घटि गइ रहिन। 67तब इसहाक बिटिया क आपन महतारी क तम्बू मँ लिआवा। उहइ दिन रिबका इसहाक क मेहरारु होइ गइ। इसहाक ओसे बहोत पिआर करत रहा। एँह बरे इसहाक क आपन महतारी क मउत क पाछे भी धीरज अउ दिलासा मिली।

इब्राहीम क परिवार

25 इब्राहीम फुन बियाह किहस। ओकर नई मेहरारु क नाउँ कतूरा रहा। 2कतूरा जिम्रान, योच्छान, मिधान, मिदान यिसबाक अउ सूह क जन्म दिहेस। 3योच्छान, सबा अउ ददान क बाप रहा। ददान क संतानन अस्सूर, लुम्मी अउ लतूसी लोग रहेन। 4मिद्यान क पूत एपा, एपेर, हनोक, अबीदा अउ एल्दा रहेन। इ सबहिं पूत इब्राहीम अउ कतूरा स पइदा भएन। 5-6इब्राहीम मरइ स पहिले आपन मेहरारु नउकरन क पूतन क कछू भेंट दिहस। इब्राहीम पूतन क पूरब पठएस। उ एँनका इसहाक स दूर पठएस। एँकरे पाछे इब्राहीम आपन सबहिं चीजन इसहाक क दइ दिहस।

7इब्राहीम एक सौ पचहत्तर बरिस क उमर तलक जिअत रहा। 8इब्राहीम धीमे धीमे दुबराइ गवा अउ संतुट्ठ जीवन बिताइ क पाछे चल बसा। उ लम्बी भरपूर जिन्नगी बिताएस अउर ओका दफना दीन्ह गवा रहा। 9ओकर पूत इसहाक अउ इस्माएल ओका मकपेला क गुफा मँ दफनाएन। इ गुफा सोहर क पूतन एप्रोन क खेते मँ अहइ। इ मम्रे क पूरब मँ रही। 10इ उहइ गुफा अहइ जेका इब्राहीम हित्ती लोगन स बेसहे रहा। इब्राहीम क ओकर मेहरारु सारा क संग गाड़ा गवा। 11इब्राहीम क मरइ क पाछे परमेस्सर इसहाक प कृपा किहेस अउ इसहाक बेर लहैरोई मँ रहत रहा।

12इस्माएल क परिवार क इ सूची अहइ। इस्माएल इब्राहीम अउ हाजिरा क पूत रहा। (हाजिरा सारा क मिस्र देस क दासी रही।) 13इस्माएल क पूतन क इ सबइ नाउँ अहइँ पहिला पूत नबायोत रहा, तब केदार पइदा भवा, तब अदबेल, मिबसाम, 14मिस्मा, दूमा, मस्सा, 15हदद, तेमा, यतूर, नापीस अउ केदमा भएन। 16इ सबइ इस्माएल क पूतन क नाउँ रहेन। हर एक पूत क आपन गाँव या सिबिर रहेन। आपन कबील क उपचे बारह राजकुमार रहेन। 17इस्माएल एक सौ सैंतीस बरिस जिअत रहा। तबहीं उ मर गवा अउ दफना दीन्ह गवा रहा। 18इस्माएल क सन्तानन हवीला स लइके सूर क लगे मिस्र क चौहद्दी अउ ओसे भी आगे अस्सूर क किनारे तलक, बसे रहेन अउ आपन रस्तेदारन पइ हमला करत रहेन।

इसहाक क परिवार

19इ इसहाक क कहानी बाटइ। इब्राहीम क एक पूत इसहाक रहा। 20जब इसहाक चालीस बरिस क रहा तब उ रिबका स बियाह किहस। रिबका पद्दनराम क रहइवाली रही। उ अरामी बतूएल क बिटिया रही अउ लाबान क बहिन रही। 21इसहाक क बसही बच्चा नाहीं पइदा कइ सकी। एँह बरे इसहाक यहोवा स आपन मेहरारु बरे पराथना किहस। यहोवा इसहाक क बिनती सुनेस अउ यहोवा रिबका क गरभ धारण करइ दिहस।

22जब रिबका गरभ धारण किहे रही तब ओकरे गर्भ मँ बच्चे एक दूसर क संग धक्का धक्की करत रहेन। रिबका यहोवा स पराथना किहेस अउ बोली, "मोरे संग अइसा काहे होत अहइ।" 23यहोवा कहेस "तोहरे गर्भ मँ दुइ रास्ट्र अहइँ। दुइ परिवारन क राजा तोहसे पइदा होइहीं अउ उ पचे अलगाइ जइहीं। एक पूत दूसर स बलवान होइ। बड़का पूत छोटके पूत क सेवा करी" 24अउर जब टेम पूरा भवा तउ रिबका जुड़ौधा लरिकन क जन्मेस। 25पहिला लरिका लाल भवा। ओकर खाल रोवाँदार ओढ़ना क नाईं रही। एँह बरे ओकर नाउँ एसाव पड़ा। 26जब दूसर लरिका पइदा भवा, उ एसाव क एँड़ी क मजबूती स धरे रहा। एँह बरे उ लरिका क नाउँ याकूब पड़ा। इसहाक क उमिर उ टेम साठ बरिस क रही। जब याकूब अउ एसाव पइदा भएन।

27लरिकन बड़ा भएन। एसाव एक होसियार सिकारी भवा। उ मइदानन मँ रहब पसन्द करइ लाग। मुला याकूब सान्त रहा। उ आपन तम्बू मँ रहत रहा। 28इसहाक एसाव क पिआर करत रहा। उ ओन जनावरन क खाब पसन्द करत रहा जेका एसाव मारि क लइ आवत रहा। मुला रिबका याकूब क पिआर करत रही।

29एक दाईं एसाव सिकार स लउटा। उ भूख स थका अउ कमजोर होइ गवा रहा। याकूब कछू दाल पकावत रहा। 30इ कारण एसाव याकूब स कहेस, "मइँ भूख स कमजोर होत अहउँ। तू उ लाल दाल मँ स कछू मोका द्या।" (इहइ कारण अहइ कि लोग ओका एदोम कहत हीं।)

31मुला याकूब कहेस, "तोहका पहिलौठी होइ क अधिकार मोका आज बेचइ करइ क होइ।"

32एसाव कहेस, "मइँ भूख स मरा जात अहउँ। अगर मइँ मरि जात अहउँ तउ मोरे बाप क सब धन मोर मदद नाहीं कर पाइ। एँह बरे तोहका मइँ आपन हींसा देब।"

33मुला याकूब कहेस, "पहिले बचन द्या कि तू इ मोका देब्या।" एँह बरे एसाव याकूब क बचन दिहस। एसाव आपन पिता क धन क आपन हींसा याकूब क बेच दिहस। 34तब याकूब एसाव क रोटी अउ भोजन दिहस। एसाव खाएस, पिएस अउ तब चला गवा। इ तरह एसाव इ देखॉएस कि उ पहिलौटा होइ क आपन अधिकार क परवाह नाहीं किहेस।

इसहाक अबीमेलेक स झूठ बोलत ह

26 एक दाँई अकाल पड़ा। इ अकाल वइसा ही रहा
जइसा इब्राहीम क टेम मँ पड़ा। एँह बरे इसहाक
गरार सहर मँ पलिस्तियन क राजा अबीमेलेक क लगे गवा।
2यहोवा इसहाक स बात किहस। यहोवा इसहाक स इ कहेस,
"मिस्र क जिन जा। उहइ देस मँ रहा जेहमाँ रहइ क हुकुम
मइँ तोहका दिहेउँ ह। 3उहइ देस मँ रहा अउर मइँ तोहरे
संग रहब। मइँ तोहका आसीर्बाद देब। मइँ तोहका अउ तोहरे
परिवार क इ सब पहँटा देब। मइँ उहइ करब जउन मइँ
तोहरे बाप इब्राहीम क बचन दिहेउँ ह। 4मइँ तोहरे परिवार क
आकास क तारा समूह क तरह बहोत स बनाउब अउर मइँ
सारा पहँटा तोहरे परिवारे क देब। धरती क सब रास्ट्र तोहरे
सन्तानन क कारण मोर आसीर्बाद पाइ जइहीं। 5मइँ इ एँह
बरे करब कि तोहार बाप मोर हुकुम क मानेस अउ मइँ
जउन कछू कहेउँ, उ किहस। इब्राहीम मोरे हुकुमन, मोर
कानूनन अउ मोरे नेमन क पालन किहस।"

6इसहाक रुका अउ गरार मँ रहा। 7इसहाक क मेहरारु
रिबका बहोत सुन्नर रही। उ जगह क मनइयन इसहाक स
रिबका क बारे मँ पूछेन। इसहाक कहेस, "इ मोर बहिन
अहइ।" इसहाक इ कहइ स डेरान कि रिबका मोर मेहरारु
अहइ। इसहाक डेरात रहा कि मनई ओकर मेहरारु क पावइ
क ओका मारि डइहीं।

8जब इसहाक हुआँ बहोत टेम तलक रहि चुका, तउ एक
दिन अबीमेलेक आपन खिड़की स बाहेर झाँकिस अउ लखेस
कि इसहाक, रिबका क संग हँसी अउर खेल करत अहइ।
9अबीमेलेक इसहाक क बोलाएस अउ कहेस, "इ मेहरारु
तोहार पत्नी अहइ। तू हम पचन स इ काहे कह्या कि इ
मोर बहिन अहइ।"

इसहाक ओसे कहेस, "मइँ डेरात रहेउँ कि तू ओका पावइ
बरे मोका मारि डउब्या।"

10अबीमेलेक कहेस, "तू हम पचन क बुरा किह्या ह।
हम पचन क कउनो भी मनई तोहरे पत्नी क संग सोइ
सकत रहा। तब उ बड़के पाप क दोखी होत।"

11एँह बरे अबीमेलेक सबहिं मनइयन क चिताउनी दिहस।
उ कहेस, "इ मनसेधू अउ इ मेहरारु क कउनो चोट नाहीं
पहोंचाई। अगर कउनो एँनका चोट पहोंचाइ तउ उ मनई जान
स मारि दीन्ह जाइ।"

इसहाक धनी बना

12इसहाक उ भुइँया प खेती किहस अउ उ बरिस ओकरे
बहोतइ फसिल भइ। यहोवा ओह प बहोतइ कृपा किहेस।
13इसहाक धनी होइ गवा। उ जियादा स जियादा धन तब
तलक बटोरत रहा जब तलक बहोत धनी नाहीं होइ गवा।
14ओकरे लगे बहोत स झुण्ड अउ गोरुअन क झुण्ड रहेन।
ओकरे लगे ढेर दास भी रहेन। सबहिं पलिस्ती ओसे डाह
राखत रहेन। 15एँह बरे पलिस्तियन ओन सबहिं इनारन क
बर्बाद कइ दिहन जेनका इसहाक क बाप इब्राहीम अउ
ओकर साथी लोगन कइउ साल पहिले खने रहेन। पलिस्तियन
ओनका माटी स पाट दिहन 16अउर अबीमेलेक इसहाक स
कहेस, "हमार देस तजि द्या। तू हम पचन स बहोत जियादा
सक्तीवाला होइ गवा अहा।"

17एँह बरे इसहाक उ जगह तजि दिहस अउ गरार क
छोटी नदी क लगे पड़ाव डालेस। इसहाक हुँवइ ठहरा अउ
हुवँइ रहा। 18एकरे बहोत पहिले इब्राहीम कइउ इनारा खने
रहा। जब इब्राहीम मरा तउ पलिस्तियन माटी से इनारा पाटि
दिहन। एँह बरे हुँवइ इसहाक लौटा अउ ओन इनारन क फुन
खनेस। उ इनार क उहइ नाउँ दिहेस जउन नाउँ ओकर पिता
दिहे रहा। 19इसहाक क नउकरन छोटी नदी क लगे एक
इनारा खनेन। उ कुआँ स पानी क एक सोता फूट पड़ा।
20तब गरार क गड़रिया लोग उ इनारा क कारण इसहाक
क नउकरन स झगड़इ लागेन। उ पचे कहेन, "इ पानी हमार
अहइ।" एँह बरे इसहाक ओकर नाउँ एसेक राखेस। उ इ
नाउँ एँह बरे दिहस कि उहइ जगह प उ मनइयन ओसे
झगड़ा किहे रहेन।

21तब इसहाक क नउकरन दूसर इनारा खनेन। हुआँ क
मनइयन उ इनारा बरे भी झगड़ेन। एँह बरे इसहाक उ इनारा
क नाउँ सित्ना राखेस।

22इसहाक हुआँ स हटा अउ दूसर इनारा खनेस। उ इनारा
बरे झगड़ा करइ कउनो नाहीं आवा। एँह बरे इसहाक उ
इनारा क नाउँ रहोबोत राखेस। इसहाक कहेस, "यहोवा हिआँ
हमरे बरे जगह दियाएस ह। हम पचे प्रगति करब अउर
बढ़ब अउ इहइ भुइँया पइ पूरी तरह सफल होइ जाब।"

23उ जगह स इसहाक बेर्सेबा क गवा। 24यहोवा उ रात
इसहाक स बोला, "मइँ तोहरे पिता इब्राहीम क परमेस्सर
अहउँ। जिन डेराअ। मइँ तोहरे संग अहउँ अउ मइँ तोहका
आसीर्बाद देब। मइँ तोहरे परिवार क महान बनाउब। मइँ
आपन सेवक इब्राहीम क कारण इ करब।" 25एँह बरे
इसहाक उ जगह यहोवा क आराधना बरे एक वेदी बनाएस।
इसहाक हुआँ पड़ाव डालेस अउ ओकर नउकर लोग एक
इनारा खनेन।

26अबीमेलेक गरार स इसहाक क लखइ आवा। अबीमेलेक
आपन संग सलाहकार अहुज्जत अउ सेनापति पीकोल क
लइ आवा। 27इसहाक पूछेस, "तू मोका लखइ काहे आया
ह? तू एकरे पहिले मोरे संग दोस्ती नाहीं राखत रह्या। तू
मोका आपन देस तजि देइ क बेबस किहा।"

28उ पचे जवाब दिहन, "अब हम पचे जानित ह कि
यहोवा तोहार संग अहइ। इ बरे हम चाहित ह कि हम पचे
तोहरे संग एक समझौता करी। हम चाहित ह कि तू हमका
एक बचन द्या। 29हम पचे तोहका चोट नाहीं पहोंचावा, अब
तू पचन क इ बचन देइ चाही कि तू हम लोगन क चोट
नाहीं पहोंचउब्या। हम पचे तोहका पठवा ह। मुला हम पचे
तोहका सान्ति स पठवा ह। अब इ बात साफ अहइ कि
यहोवा तोहका आसीर्बाद दिहेस ह।"

30एँह बरे इसहाक ओनका दावत दिहस। सबहिं खाएन
अउ पिएन। 31दूसर दिन भिन्सारे हर एक मनई बचन दिहस
अउ किरिया खाएस। तब इसहाक ओनका सान्ति स बिदा
किहस अउ उ पचे कुसल स ओकरे निचके स चला आएन।

32उ दिना इसहाक क नउकर आएन अउ उ पचे आपन
खना इनारा क बारे मँ बताएन। नउकरन कहेन, "हम पचे उ

इनारा स पानी पिआ ह।" 33एँह बरे इसहाक ओकर नाउँ
सिबा रखेस अउ उ सहर अबहिं भी बेर्सेबा कहवावत ह।

एसाव क मेहररुअन

34जब एसाव चालीस बरिस क भवा उ हित्ती मेहररुअन
स बियाह किहस। एक बेरी क बिटिया यहूदीत रही। दूसर
एलोन क बिटिया बासमत रही। 35इ सबइ बियाहे स इसहाक
अउ रिबका क मन दुःखी भवा।

उत्तराधिकार क झगड़ा

27 जब इसहाक बुढ़ाइ वा तउ ओकर अँखियन नीक
नाहीं रहिन। इसहाक साफ-साफ नाहीं लखि सकत
रहा। एक दिन उ आपन बड़का पूत एसाव क बोलाएस।
इसहाक कहेस, "बेटवा!"
एसाव जवाब दिहस, "हाँ, पिताजी!"
2इसहाक कहेस, "लखा, मइँ बुढाइ गवा अहउँ। होइ
सकत ह कि मइँ हाली ही मरि जाउँ। 3अब तू आपन तीरन
अउ धनुख लइके, मोरे खातिर सिकार प जा। मोरे खाइ बरे
एक ठु जनावर मारि लिआवा। 4मोर मनचाहा खइया क
बनावा। ओका मोरे लगे लिआवा, अउर मइँ एका खाब। तब
मइँ मरइ स पहिले असीसब।" 5एँह बरे एसाव सिकार करइ
गवा।

याकूब इसहाक स छल-कपट किहस

रिबका उ सबइ बात सुनि लिहे रही, जउन इसहाक आपन
पूत एसाव स कहेस। 6रिबका आपन पूत याकूब स कहेस,
"सुना, मइँ तोहरे बाप क, तोहरे भाई स बतियात सुनेउँ ह।
7तोहार पिता कहेस, 'मोरे खाइ बरे एक जनावर मारा। मोरे
बरे भोजन बनावा, अउ मइँ ओका खाब। तब मइँ मरइ क
पहिले तोहका आसीर्बाद देबा' 8एँह बरे पूत सुना। मइँ जउन
कहति अहउँ, करा। 9आपन बोकरियन क बीच जा अउ दुइ
नई बोकरी लिआवा। मइँ ओनका वइसा बनाउब जइसा तोहरे
पिता क सोहाइ। 10तबइ तू उ भोजन आपन पिता क लगे
लइ जाब्या अउ उ मरइ क पहिले तोहका ही आसीर्बाद
देइ।"
11मुला याकूब आपन महतारी रिबका स कहेस, "मुला
मोर भाई रोंवादार अहइ अउ मइँ ओकरी जगह रोवांदार नाहीं
अहउँ। 12जदि मोर बाप मोका छुअत हीं, तउ जान लेइहीं
कि मइँ एसाव नाहीं अहउँ। तब उ पचे मोका आसीर्बाद नाहीं
देइहीं। उ पचे मोका सरापिहीं काहेकि मइँ ओनके संग
छल-कपट करइ क जतन किहेउँ ह।"
13यह पइ रिबका ओसे कहेस, "जदि कउनो परेसानी होइ
तउ मइँ आपन दोख मान लेब। जउन मइँ कहति हउँ करा।
जा, मोरे बरे बोकरियन लिआवा।"
14याकूब एँह बरे बाहेर गवा अउ उ दुइ बोकरियन क
धरेस अउ आपन महतारी क लगे लइ आवा। ओकर
महतारी इसहाक क पसंद क अनुसार विसेख तरीका स
पकाएस। 15तब रिबका उ पोसाक क उठाएस जउन ओकर
बड़का पूत एसाव पहिरब पसंद करत रहा। रिबका आपन
छोटका पूत याकूब क ओढ़ना पहिराइ दिहस। 16रिबका
बोकरियन क चाम क लिहस अउ याकूब क हाथे अउर
गला प बाँध दिहस। 17तब रिबका आपन पकावा भोजन
उठाएस अउ ओका याकूब क दिहस।
18याकूब पिता क लगे गवा अउ बोला, "पिता जी।"
अउर ओकर पिता पूछेस, "हाँ पूत, तू कउन अहा?"
19याकूब आपन पिता स कहेस, "मइँ आप क बड़का
बेटवा एसाव अहउँ। आप जउन कहेन ह, मइँ कर दिहेउँ ह।
अब आप बइठइँ अउ ओन जनावरन क खाइँ जेनकइ
सिकार मइँ आप क बरे किहेउँ ह। तब आप मोका
आसीर्बाद दइ सकत हीं।"
20मुला इसहाक आपन पूत स कहेस, "तू एँतनी हाली
सिकार कइके जनावरन क कइसे मार्‌या ह?"
याकूब जवाब दिहस, "काहेकि आप क परमेस्सर यहोवा
मोका हाली ही जनावरन क दियाइ दिहस।"
21तब इसहाक याकूब स कहेस, "मोर पूत मोरे लगे
आवा जेहसे मइँ तोहका छुइ सकउँ। जदि मइँ तोहका छुइ
सकउँ तउ मइँ इ जान जाब कि तू असलियत मँ मोर पूत
एसाव अहा।"
22याकूब आपन बाप इसहाक क लगे गवा। इसहाक
ओका छुएस अउ कहेस, "तोहार आवाज याकूब जइसी
अहइ। मुला तोहार बाँहन एसाव क रोंवादार बाहन क नाईं
अहइँ।" 23इसहाक इ नाहीं जान पावा कि इ याकूब अहइ
काहेकि ओकर बाँह एसाव क बाँह क नाईं रोंवादार रहिन।
एँह बरे इसहाक याकूब क असीसेस।
24इसहाक कहेस, "का सचमुच तू मोर पूत एसाव अहा?"
याकूब जवाब दिहस, "हाँ, मइँ अहउँ।"

याकूब बरे आसीर्बाद

25तब इसहाक कहेस, "भोजन लिआवा। मइँ एका खाब
अउ तोहका असीर्बाद देब।" एँह बरे याकूब ओका भोजन
दिहस अउ उ खाएस। याकूब ओका दाखरस दिहस, अउर उ
ओका पिएस।
26तब इसहाक ओसे कहेस, "पूत, मोरे निचके आवा अउ
मोका चूमा।" 27एँह बरे याकूब आपन बाप क लगे गवा
अउ ओका चूमेस। इसहाक एसाव क ओढ़ना क गन्ध पाएस
अउ ओका असीसेस।
इसहाक कहेस, "अहा, मोर पूत क सुगन्ध यहोवा स
बरदान पाइ गए खेतन क सुगन्धि क नाईं बाटइ।
28यहोवा तोहका बहोत बर्खा देइ। जेसे तोहका बहोत
फसिल अउ दाखरस मिलइ।
29सब लोग तोहार सेवा करइँ। रास्ट्र तोहरे समन्वा निहुरइ।
तू आपन भाई लोगन क ऊपर राज्ज करब्या। तोहरी महतारी
क पूत तोहरे समन्वा निहुरिहीं अउ तोहार हुकुम मनिहीं।
हर एक मनई जउन तोहका सरापी, सराप पाइ
अउ हर एक मनई जउन तोहका आसीर्बाद देइ, आसीर्बाद
पाइ।"

एसाव क "आसीर्बाद"

30इसहाक याकूब क आसीर्बाद देब पूरा किहेस। तब
जइसेन ही याकूब आपन बाप इसहाक क निचके स गवा,

वइसेन ही एसाव सिकार कइके भीतर आवा। 31एसाव आपन
पिता क मनचाहा भोजन बनाएस। एसाव ऍंका आपन पिता क
निचके लिआवा। उ आपन पिता स कहेस, "पिता जी, उठइँ
अउ उ भोजने क खाइँ जउन आपका पूत आप क बरे मारेस
ह। तब आप मोका आसीर्बाद दइ सकत हीं।"
32मुला इसहाक ओसे कहेस, "तू कउन अहा?"
उ जवाब दिहस, "मइँ आप क पहिलौठी पूत एसाव
अहउँ।"
33तब इसहाक बहोतइ परेसान होइ गवा अउ बोला, "तब
तोहरे आवइ स पहिले उ कउन रहा? जउन भोजन बनाएस
अउ मोरे संग लावा। मइँ उ सब खाएउँ अउ ओका
आसीर्बाद दिहेउँ। अब आपन आसीर्बाद क लउटावइ क टेम
निकरि गवा अहइ।"
34एसाव आपन पिता क बात सुनेस। उ बहोतइ गुस्साइ
गवा अउ करुआइ गवा। उ चिचियान। उ आपन बाप स
कहेस, "पिताजी, तब मोका भी आसीर्बाद देइँ।"
35इसहाक कहेस, "तोहार भाई मोका धोखा दिहेस। उ
आवा अउ तोहार आसीर्बाद लइके गवा।"
36एसाव कहेस, "ओकर नाउँ ही याकूब अहइ। इ नाउँ
ओकरे बरे ठीक ही अहइ। ओकर इ नाउँ बिल्कुल ठीक ही
रखा गवा अहइ। उ फुरइ चालबाज अहइ। उ मोका दुइ दाईं
धोखा दिहेस। उ पहिलउठी होइ क मोरे अधिकार क लइ
ही चुका बाटइ अउर अब उ मोरे हींसा क आसीर्बाद क भी
लइ लिहस।" तब एसाव कहेस, "का आप मोरे बरे कउनो
आसीर्बाद बचाइके रख्या ह?"
37इसहाक जवाब दिहस, "नाहीं, अब बहोत देर होइ गइ।
मइँ याकूब क तोहरे ऊपर राज्ज करइ क अधिकार दइ
दिहेउँ ह। मइँ इ भी कहि दिहेउँ ह कि सब भाई ओकर
सेवक होइहीं। मइँ ओका बहोत जियादा अन्न अउ दाखरस
क आसीर्बाद दिहेउँ ह। पूत तोहका देइ क कछू नाहीं बचा
अहइ।"
38मुला एसाव आपन पिता स माँगत रहा। "पिता जी, का
आप क लगे एक भी आसीर्बाद नाहीं बाटइ? पिताजी, मोका
भी असीसा।" अइसेन एसाव रोवइ लाग।
39तब इसहाक ओसे कहेस,
"तू अच्छी भुइँया प नाहीं रहब्या। तोहरे लगे बहोत
जियादा अन्न नाहीं होइ।
40तोहका जिअइ बरे संघर्स करइ क होइ अउर तू आपन
भाई क दास होब्या। मुला तू अजादी बरे लड़ब्या, अउ
ओकरे राज्ज स अजाद होइ जाब्या।"
41एकरे पाछे इ आसीर्बाद क कारण जउन ओकर पिता
दिए रहे एसाव याकूब स घिना करत रहा। एसाव मन ही मन
सोचेस, "मोर बाप हाली ही मरि जाइ अउ मइँ ओकर दुःख
मनाउब। मुला ओकरे पाछे मइँ याकूब क मारि डाउब।"
42जब रिबका याकूब क मारइ बरे एसाव क जोजना क
सुनेस। तउ उ याकूब क बोलाएस अउर कहेस, "सुना,
तोहार भाई एसाव तोहका मारि डावइ बरे जोजना बनावत ह।
43एँह बरे पूत जउन मइँ कहति हउँ, करा। मोर भाई लाबान
हारान मँ रहत ह। ओकरे पास जा अउ लुकान रहा।
44ओकरे लगे तनिक टेम तलक रहा जब तलक तोहरे भाई
क किरोध नाहीं उतरत। 45तनिक समइ पाछे तोहार भाई
भूलि जाइ कि तू ओनके संग का किहा? तब मइँ तोहका
लउटावइ बरे एक ठु नउकर क पठउब। एक ही दिन
दुइनउँ पूतन क मइँ खोइ देइ नाहीं चाहित।"
46तब रिबका इसहाक स कहेस, "तोहरा पूत एसाव हित्ती
मेहरारुअन स बियाह कइ लिहस ह। मइँ इ मेहररुअन स
तंग भए गवा अहउँ काहेकि इ सबइ हमरे परिवार क
लोगन मँ स नाहीं अहइँ। अगर याकूब भी इ मेहररुअन मँ
स कउनो क संग बियाह करत ह तउ मइँ मरि जाइ
चाहबिउँ।"

याकूब मेहरारु क खोज करत ह

28 इसहाक याकूब क बोलाएस अउ ओका आसीर्बाद
दिहस। तब इसहाक ओका हुकुम दिहस। इसहाक
कहेस, "तू कनानी मेहरारु स बियाह नाहीं कइ सकत्या। 2एँह
बरे इ ठउर क तजा अउ पद्दन-अराम क जा। आपन नाना
बतूएल क घराना मँ जा। हुआँ तोहार मामा लाबान रहत ह।
ओकरी कउनो एक बिटिया स बियाह करा। 3मइँ पराथना
करत हउँ कि सब स सर्वसक्तीमान परमेस्सर तोहका आसीर्बाद
देइ अउ तोहका बहोत स पूत देइ। मइ पराथना करत हउँ
कि तू एक बड़का रास्ट्र क पिता बना। 4मइँ पराथना करत
हउँ कि जउने तरह परमेस्सर इब्राहीम क बरदान दिहे रहा
उहइ तरह उ तोहका भी आसीर्बाद देइ। मइँ पराथना करत
हउँ कि परमेस्सर तोहका इब्राहीम क आसीर्बाद देइ, मइँ
पराथना करत हउँ कि तू जहाँ भी रहा उ धरती तोहार
कब्जा मँ होइ। इ उहइ धरती अहइ जउन परमेस्सर इब्राहीम
क दिहे रहा।"
5इ तरह इसहाक याकूब क पद्दन-अराम क पहँटा क
पठएस। याकूब आपन मामा लाबान क लगे गवा। अरामी
बतूएल लाबान अउ रिबका क पिता रहा अउ रिबका याकूब
अउ एसाव क महतारी रही।
6एसाव क पता चला कि ओकर बाप इसहाक याकूब क
आसीर्बाद दिहेस ह अउ याकूब क पद्दन-अराम मँ एक ठु
मेहरारु क खोज बरे पठएस ह। एसाव क इ भी पता लाग
कि इसहाक याकूब क आदेस दिहेस ह कि उ कनानी
मेहरारु स बियाह न करइ। 7एसाव इ समझेस कि याकूब
आपन महतारी बाप क हुकुम मानेस अउ उ पद्दन-अराम क
चला गवा। 8एसाव एहसे इ समझेस कि ओकर बाप इ नाहीं
चाहत कि ओकर पूत लोग कनानी मेहररुअन स बियाह
करइँ। 9एसाव क दुइ मेहररुअन पहिले स ही रहिन। मुला उ
इस्माएल क बिटिया महलत स बियाह किहस। इस्माएल
इब्राहीम क पूत रहा। महलत नबायोत क बहिन रही।

बेतेल - परमेस्सर क घर

10याकूब बेर्सेबा क तजि दिहस अउ उ हारान क चला
गवा। 11याकूब क जात्रा करत समइ मँ सूरज बूड़ गवा रहा।
एँह बरे याकूब रात बितावइ बरे एक जगह ठहर जाइ बरे
गवा। याकूब उ जगह एक ठु चट्टान लखेस सोवइ बरे
आपन मूँड़ धरेस। 12याकूब सपन देखेस। उ लखेस कि एक
सिड्ढी भुइँया स सरगे तलक पहोंची अहइ। 13याकूब

सरगदूतन क सिढ्ढी प चढ़त उतरत लखेस अउ यहोवा क
सिढ्ढी क लगे खड़ा निहारेस। यहोवा कहेस, “मइँ तोहरे
पितामह इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा अहउँ। मइँ इसहाक क
परमेस्सर अहउँ। मइँ तोहका उ भुइँया देब जेह प तू अब
सोवत अहा। मइँ इ भुइँया तोहका अउ तोहरे संतानन क
देब। 14तोहार संतानन ओतना ही होइहीं जेतना भुइँया प माटी
क कण बाटेन। उ पचे पूरब, पच्छिम, उत्तर अउ दक्खिन
चारिहूँ कइँती फइलिहीं। धरती क सबहिं परिवार तोहरे
संतानन क कारण बरदान पइहीं।

15“मइँ तोहरे संग अहउँ अउर मइँ तोहार रच्छा करब।
जहाँ भी जाब्या अउ मइँ इ भुइँया प तोहका लउटाइ
लिआउब। मइँ तोहका तब तलक नाहीं तजि देब जब तलक
मइँ उ नाहीं कइ लेब जउन मइँ करइ क बचन दिहेउँ ह।”

16तब याकूब आपन नीदं स उठा अउ बोला, “मइँ जानत
हउँ कि यहोवा इ जगह प अहइ। मुला हिआँ जब तलक
मइँ सोएउँ नाहीं रहे उ मइँ नाहीं जानत रहेउँ कि उ हिआँ
अहइ।”

17याकूब डेरान। उ कहेस, “इ बहोत महिमा क जगह
अहइ। इ तउ परमेस्सर क भवन अहइ। इ तउ सरग क
दुआर अहइ।”

18याकूब दूसर दिन बहोत भिन्सारे उठा। याकूब उ सिला
क उठाएस अउ ओका किनारे स ठाड़ कइ दिहस। तब उ
यह पइ तेल चढ़ाएस। इ तरह उ ऍका परमेस्सर बरे एक
स्मृति पाथर बनाएस। 19उ जगह क नाउँ लूज रहा मुला
याकूब ओका बेतेल नाम दिहस।

20तब याकूब एक बचन दिहस। उ कहेस, “जदि परमेस्सर
मोरे संग रही अउ अगर परमेस्सर, जहाँ भी मइँ जात अहउँ,
हुआँ मोर रच्छा करी। अगर परमेस्सर मोका खाइ क भोजन
अउ पहिरइ क ओढ़ना देइ। 21अगर मइँ आपन पिता क
लगे सान्ति स लउटब, जदि परमेस्सर इ सबहिं चिजियन
करी, तउ यहोवा मोर परमेस्सर होइ। 22इ जगह, जहाँ मइँ इ
पाथर स्मृति पाथर क रुप मँ खड़ा किहेउँ ह, परमेस्सर क
पवित्र ठउर होइ, अउ परमेस्सर जउन कछू मोका देइ
ओकर दसवाँ हीसां मइँ तोहका देब।”

याकूब राहेल स मिलत ह

29 तब याकूब आपन जात्रा जारी रखेस। उ पूरब क
देस मँ गवा। 2याकूब निगाह किहेस, उ मइदान मँ
एक इनारा लखेस। हुआँ इनारा क नगिचे भेड़ी क तीन झुण्ड
पड़ी रहिन। इहइ एक इनारा रहा जहाँ इ सबइ भेड़िन पानी
पिअत रहिन। हुआँ एक बड़ी सिला स इनारा क मुँह मूँदा
रहा। 3जब सबहिं भेड़िन हुआँ बटुर जात रहिन तउ गड़रिया
चट्टान क इनारा क मुँहे प स हटावत रहेन। तब सबहिं
भेड़िन ओकर जल पी सकत रहिन। जब भेड़िन पी चुकत
रहिन तब गड़रिया सिला क फुन अपनी जगह प रख देत
रहेन।

4याकूब हुआँ गड़रिया स कहेन, “भाईयन, आप लोग
कहाँ क अहइँ?”

उ पचे जवाब दिहन, “हम पचे हारान क अही।”

5तब याकूब कहेस, “का आप लोग नाहोर क पूत लाबान
क जानत हीं?” गड़रियन जवाब दिहेन, “हम पचे ओका
जानित ह।”

6तब याकूब पूछेस, “उ कुसल स तउ अहइ?”

उ पचे कहेन, “उ सबइ ठीक अहइँ। सब कछू बहोत
नीक अहइ। लखा, उ ओकर बिटिया राहेल आपन भेड़िन क
संग आवति अहइ।”

7याकूब कहेस, “लखा, अबहिं दिन अहइ अउ सूरज
बूड़इ मँ अबहिं, काफी देर बाटइ। रात बरे जनावरन क
बटोरइ क अबहिं टेम नाहीं बा। ऍह बरे ओनका पानी द्या
अउ ओनका मइदान मँ लौटि जाइ द्या।”

8मुला उ गड़ेरियन कहेन, “हम पचे इ सबइ तब तलक
नाहीं कइ सकित जब तलक सबहिं झुण्ड नाहीं बटुरि
जातिन। तब हम पचे सिला क इनारा स हटाउब अउ सब
भेड़िन पानी पीइहीं।”

9याकूब जब गड़रिया लोगन स बात करत रहा तब राहेल
आपन बाप क भेड़िन क संग आइ। (राहेल क काम भेड़िन
क देख रेख करब रहा।) 10राहेल लाबान क बिटिया रही।
लाबान, रिबका क भाई रहा, जउन याकूब क महतारी रही।
जब याकूब राहेल क लखेस तउ जाइके सिला क हटाएस
अउ भेड़िन क पानी पियाएस। 11तब याकूब राहेल क चूमेस
अउ भोंकारा मारिके रोएस। 12याकूब बताएस कि मइँ तोहरे
बाप क खानदान स अहउँ। उ राहेल क बताएस कि मइँ
रिबका क पूत अहउँ। ऍह बरे राहेल घर क पराइ गइ अउ
आपन बाप स कहेस।

13लाबान आपन बहिन क पूत याकूब क बारे मँ खबरिया
सुनेस। ऍह बरे लाबान ओसे भेटंइ परान। लाबान ओसे गले
मिला, ओका चूमेस अउ ओका आपन घरे लइ आवा।
याकूब जउन कछू भवा रहा, ओका लाबान क बताएस।

14तब लाबान कहेस, “बहोत अच्छी बात अहइ तू हमरे
खानदाने स अहा।” ऍह बरे याकूब लाबान क संग एक
महीना तलक रहा।

लाबान याकूब क धोखा देत ह

15एक दिन लाबान याकूब स कहेस, “इ ठीक नाहीं अहइ
कि तू हमरे हिआँ बे पगारे क काम करतइ रहा। तू नातेदार
अहा, नउकर नाहीं। मइँ तोहका का पगार देउँ?”

16लाबान क दुइ बिटिया रहिन। बड़की लिआ रही अउ
लहुरी राहेल।

17राहेल सुन्नर रही अउ लिआ क आँखियन कमज़ोर अउ
धुँधरी रहिन। 18याकूब राहेल स पिरेम करत रहा। याकूब
लाबान स कहेस, “जदि तू मोका आपन बिटिया राहेल क
संग बियाह करइ द्या तउ मइँ तोहरे हिआँ सात बरिस तलक
काम कइ सकत हउँ।”

19लाबान कहेस, “इ ओकरे बरे नीक होइ कि कउनो
दूसर क बजाय उ तोहसे बियाह करइ। ऍह बरे मोरे संग
ठहरा।”

20ऍह बरे याकूब ठहरा अउ सात बरिस तलक लाबान बरे
काम करत रहा। लेकिन इ समइ ओका बहोत कम लगा
काहेकि उ राहेल स पिरेम करत रहा। 21सात बरिस क पाछे
उ लाबान स कहेस, “मोका राखेल क द्या जेहसे मइँ

बियाह करउँ। तोहरे हिआँ मोरे काम करइ क टेम पूर होइ
गवा।"

22एँह बरे लाबान उ जगह क सब लोगन क एक भोज
दिहस। 23उहइ राति लाबान आपन बिटिया लिआ क याकूब
क लगे लावा। याकूब अउ लिआ अपुस मँ तन क संबंध
जोड़ेन। 24(लाबान अपन बिटिया बरे, दासी क रुप मँ आपन
नउकरानी जिल्पा क दिहस।) 25भिन्सारे याकूब जानेस कि उ
लिआ क संग सोवा रहा। याकूब लाबान स कहेस, "तू मोका
धोखा दिहा ह। मइँ तोहरे बरे कठिन मेहनत एँह बरे किहेउँ
कि मइँ राहेल स बियाह कइ सकउँ। तू मोका धोखा काहे
दिहा ह?"

26लाबान कहेस, "हम पचे आपन देस मँ लहुरी बिटिया
क जेठ बिटिया स पहिले बियाह नाहीं करइ देइत। 27मुला
बियाह क रस्म क पूरा हफता तलक मनावत रहा अउ मइँ
राहेल क भी तोहका बियाह बरे देब। मुला तोहका सात
बरिस तलक मोर सेवा करइ क पड़ी।"

28एँह बरे याकूब इहइ किहस अउ हफ्ता क बिताएस।
तब लाबान आपन बिटिया राहेल क भी ओका आपन मेहरारु
क रुप मँ दिहस। 29(लाबान आपन बिटिया राहेल क दासिनी
क रुप मँ आपन नउकरानी बिल्हा क दिहस।) 30एँह बरे
याकूब राहेल क संग भी तने क सम्बंध किहस अउ याकूब
राहेल क लिआ स जियादा पियार किहस। याकूब लाबान बरे
अउर सात बरिस तलक काम किहस।

याकूब क परिवार बाढ़त ह

31यहोवा लखेस कि याकूब लिआ स जियादा राहेल क
पिआर करत ह। एँह बरे यहोवा लिआ क इ जोग्ग बनाएस
कि उ बच्चन क जन्म दइ सकइ। मुला राहेल क कउनो
लरिका नाहीं भवा।

32लिआ एक पूत क जन्म दिहस। उ ओकर नाउँ रूबेन
राखेस। लिआ ओकर नाउँ एँह बरे राखेस काहेकि उ कहेस,
"यहोवा मोरे कष्टन क लखत ह। मोर पति मोका पिआर
नाहीं करत, एँह बरे होइ सकत ह कि मोर भतार अब मोसे
पिआर करइ"।

33लिआ फिन गरभधारण किहस अउ उ दूसर पूत क
जन्म दिहस। उ इ पूत क नाउँ सिमोन रखेस। लिआ कहेस,
"यहोवा सुनेस कि मोका पिआर नाहीं मिलत, एँह बरे उ
मोका इ पूत दिहस।"

34लिआ फुन गरभधारण किहस अउ एक ठु अउर पूत
क जन्मेस। उ पूत क नाउँ लेवी धरेस। लिआ कहेस, "अब
फुरइ मोर भतार मोका पिआर करी। मइँ ओका तीन पूत
दिएउँ ह।" 35तब लिआ एक अउर पूत क जन्मेस। उ इ
लरिका क नाउँ यहूदा धरेस। लिआ ओका इ नाउँ दिहस
काहेकि उ कहेस, "अब मइँ यहोवा क स्तुति करब"। तब
लिआ क बच्चा होब बन्द होइ गवा।

30 राहेल लखेस कि उ याकूब बरे कउनो बच्चा क
जन्म नाहीं देति अहइ। राहेल आपन बहिनी लिआ
स जलन करइ लाग। एँह बरे राहेल याकूब स कहेस,
"मोका बच्चा द्या, वरना मइँ मरि जाब!"

2याकूब राहेल प किरोध किहस। उ कहेस, "मइँ
परमेस्सर नाहीं अहउँ। उ परमेस्सर ही बाटइ जउन तोहका
बच्चन क जन्मइ स रोक दिहस ह।" 3तब राहेल कहेस, "तू
मोर दासी बिल्हा क लइ सकत ह। ओकरे संग सोआ अउ
उ मोरे बरे बच्चा क जन्मी। तब मइँ ओकरे जरिये महतारी
बनब।"

4इ तरह राहेल आपन भतार याकूब बरे बिल्हा क दिहस।
याकूब बिल्हा क संग तने क संबंध किहस। 5बिल्हा गरभ
धारण किहस अउ याकूब बरे एक पूत क जन्मेस।

6राहेल कहेस, "परमेस्सर मोर पराथना सुनि लिहेस ह। उ
मोका एक पूत देइ क ठान लिहस ह।" एँह बरे राहेल इ पूत
क नाउँ दान राखेस।

7बिल्हा दुसरी दाईं गरभ धारण किहस अउ उ याकूब क
दूसर पूत दिहस। 8राहेल कहेस, "मइँ आपन बहिनी क संग
कठोर संघर्स किहेउँ अउर मइँ जीत गएउँ ह।" एँह बरे उ इ
पूत क नाउँ नप्ताली धरेउँ ह।

9लिआ सोचेस कि उ अउर जियादा बच्चन क जन्म नाहीं
दइ सकित। एँह बरे उ आपन दासी जिल्पा क याकूब बरे
दिहस। 10तब जिल्पा एक पूत क जन्म दिहस। 11लिआ
कहेस, "मोर भाग्य बाटइ। अब मेहररुअन मोका भाग्यवती
कइहीं।" एँह बरे उ पूत क नाउँ गाद राखेस। 12जिल्पा दूसर
पूत क जन्मेस। 13लिआ कहेस, "मइँ बहोतइ खुस अहउँ।
मेहरारू मोका "खुस" नाउँ स पुकारब्या।" एँह बरे उ लरिका
क नाउँ आसेर धरेस।

14गोहूँ कटनी क समइ रूबेन खेतन मँ गवा अउ कछू
दूदाफल* न क लखेस। रूबेन इ दूदाफलन क आपन
महतारी लिआ क लगे लिआवा। मुला राहेल लिआ स
कहेस, "कृपा कइके आपन पूत क दूदाफलन मँ स कछू
मोका दइ द्या।"

15लिआ जवाब दिहस, "तू तउ मोरे भतार क पहिले ही
लइ लिहे ह। अब तू मोरे पूत क दूदाफलन क भी लइ लेइ
चाहत अहा।"

मुला राहेल जवाब दिहस, "अगर तू आपन पूत क
दूदाफल मोका देब्या तू आज रात याकूब क संग सोइ सकित
ह।"

16उ रात याकूब खेते स लउटा। लिआ ओका लखेस
अउ उ ओसे मिलइ गइ। उ कहेस, "आज राति तू मोरे संग
सोउब्या। मइँ आपन पूत क दूदाफलन क तोहरे दाम क रुप
मँ दिहेउँ ह।" एँह बरे याकूब उ रात लिआ क संग सोवा।

17तब परमेस्सर लिआ क फुन गरभधारण करइ दिहस।
उ पाँचवें पूत क जन्म दिहस। 18लिआ कहेस, "परमेस्सर
मोका इ बात क ईनाम दिहेस ह कि मइँ आपन दासी क
आपन भतार क दिहेउँ ह।" एँह बरे लिआ आपन पूत क
नाउँ इस्साकार धरेस। 19लिआ फुन गरभधारण किहस अउ
उ छठवें पूत क जन्म दिहस। 20लिआ कहेस, "परमेस्सर
मोका एक ठु सुन्नर भेंट दिहस ह। अब सचमुच ही याकूब

दूदाफल (मैनडरेक्स) इ इब्रानी सब्द क अरथ अहइ पिरेम क
पौधा। उ समइ मँ लोगन क धारना रही कि मेहररुअन क गर्भ
होवइ मँ इ सहायता करत ह।

मोका अपनाई, काहेकि मइँ ओका छ: लरिका दिहेउँ ह।"
ऍह बरे लिआ पूत क नाउँ जबूलून धरेस।
21एकरे पाछे लिआ एक बिटिया क जन्म दिहस। उ
बिटिया क नाउँ दीना राखेस।
22तब परमेस्सर राहेल क पराथना सुनेस। परमेस्सर राहेल
बरे बच्चा पइदा करब संभव बनाएस। 23राहेल गरभ धारण
किहेस अउ एक पूत क जन्म दिहस। 24राहेल कहेस,
"परमेस्सर मोर लाज खतम कइ दिहस ह अउ मोका एक
पूत दिहस ह।" ऍह बरे राहेल आपन पूत क नाउ यूसुफ
राखेस। अउर उ कहेस, "परमेस्सर मोका एक अउर पूत
देइ।"

याकूब क धन दोलत बढ़त ह

25यूसुफ क जन्म क पाछे याकूब लाबान स कहेस, "अब
मोका आपन घर लौटइ द्या। 26मोका मोर मेहररुअन अउ
बच्चा द्या। मइँ चौदह बरिस तलक तोहरे बरे काम कइके
ओनका कमावा ह। तू जानत ह कि मइँ तोहार नीक सेवा
किहेउँ ह।"
27लाबान ओसे कहेस, "मोका कछू कहइ द्या। मइँ
महसूस करत हउँ कि यहोवा तोहरे कारण मोहे प कृपा
किहेस ह। 28बतावा कि तोहका मइँ का देउँ अउर मइँ उहइ
तोहका देब।"
29याकूब जवाब दिहस, "तू जानत अहा कि मइँ तोहरे बरे
कठिन मेहनत किहेउँ ह। तोहर भेड़िन क झुण्ड बाढ़िन ह
अउर जब तलक मइँ ओनकइ देख भाल किहेउँ ह, ठीक
रहिन ह। 30जब मइँ आवा रहेउँ, तोहरे लगे तनिक रहिन।
अब तोहरे लगे बहोत जियादा अहइँ। हर दाईं जब मइँ तोहरे
बरे कछू किहेउँ ह यहोवा तोहे प कृपा किहस ह। अब मोरे
बरे समइ आइ ग अहइ कि मइँ आपन बरे काम करउँ, इ
मोरे बरे आपन घर बनावइ क टेम अहइ।"
31लाबान पूछेस, "तब मइँ तोहका का देउँ?"
याकूब जवाब दिहस, "मइँ नाहीं चाहत कि तू मोका कछू
द्या। मइँ सिरिफ चाहत हउँ कि तू जउन मइँ काम किहेउँ ह
ओकर दाम चुकाइ द्या। सिरिफ इहइ एक काम करा। मइ
लउटाउब अउर तोहरी भेड़िन क देखरेख करब। 32मोका
आपन सबहिं भेड़िन क झुण्ड क बीच स जाइ द्या अउ
दागवाली या धारीदार हर एक भेड़ी क बच्चा अउ करिया
बोकरी क बच्चा क मोका लइ लेइ द्या। मोका हर एक
दागवाली या धारीवाली मादा बोकरी क लइ लेइ द्या। इहइ
मोर पगार होइ। 33भविस्स मँ तू असानी स लखि लेब्या कि
मइँ ईमानदार अहउँ। तू मोर भेड़ी क झुण्ड लखइ आइ
सकत ह। जदि कउनो बोकरी दागदार नाहीं होइ या कउनो
भेड़ी करिया नाहीं होइ तउ तू जान लेब्या कि मइँ ओका
चोराएउँ ह।"
34लाबान जवाब दिहस, "मइँ ऍका अंगीकार करत अहउँ।
हम तोहका जउन कछू तू मँगब्या देब।"
35मुला उ दिन लाबान दागीदार बोकरन क छुपाइ दिहस
अउ लाबान सबहिं दागीदार या धारीदार बोकरियन क छुपाइ
दिहस। लाबान सब करिया भेड़िन क छुपाइ दिहस। लाबान
आपन बेटहनन क इ सबइ भेड़िन क देखरेख करइ कहेस।
36ऍह बरे पूत लोग सबहिं दागीदार जनावरन क लिहन अउ
उ पचे दुसरे ठउर प चला गएन। उ पचे तीन दिना तलक
जात्रा किहन। याकूब रुक गवा अउ बचे भए जनावरन क
देखरेख करइ लगेन। मुला ओहमाँ कउनो जनावर दागदार या
करिया नाहीं रहा।
37ऍह बरे याकूब चिनार, बादाम अउ अर्मोन बिरवन क
हरियर डारिन क काटेस। उ ओकर छाल इ तरह उतारेस कि
सबइ डार उज्जर धारीदार बनि गइन। 38याकूब पानी पिआवइ
क जगह प डारिन क भेड़िन क झुण्ड क समन्वा धइ
दिहस। जब गोरु पानी पिअइ आएन तउ उ जगह प गाभिन
होइ बरे मिलेन। 39तब बोकरियन जब डारिन क समन्वा
गाभिन होइ बरे मिलिन तउ जउन बच्चन पइदा भएन उ
सबइ दागीदार, धारीदार या करिया भएन।
40याकूब दागीदार अउ करिया गोरुअन क भेड़ी क झुण्ड
क गोरुअन स अलगाइ दिहस। तउ इ तरह, याकूब आपन
गोरुअन क लाबान क जनावरन स अलग किहस। उ आपन
भेड़िन क लाबान क भेड़िन क लगे नाहीं भटकइ दिहस।
41जब कबहुँ गोरुअन क खरका मँ हिट्ठ पुट्ठ जनावर
गाभिन होइ बरे मिलत रहेन तब याकूब ओकरी अँखिन क
समन्वा डारिन क रख देत रहा, ओन डारिन क निचके ही इ
सबइ जनावरन धनाइ बरे मिलत रहेन। 42मुला जब कमजोर
जनावर धनाइ बरे मिलत रहेन, तउ याकूब हुआ डार नाहीं
धरत रहा। इ तरह मरटुट जनावरन स पइदा भएन बच्चन
लाबान क रहेन। हिट्ट पुट्ठ गोरुअन स पइदा भए बच्चन
याकूब क रहेन। 43इ तरह याकूब बहोत धनी होइ गवा।
ओकरे लगे बहोत स रेवड़, बहोत स नउकर लोग, ऊँट
अउ गदहन रहेन।

बिदा होइ के टेम याकूब परात ह

31 एक दिन याकूब लाबान क पूतन क बतियात
सुनेस। उ पचे कहेन, "हम पचन क बाप क सब
कछू याकूब लइ लिहे अहइ। याकूब धनी होइ गवा अहइ,
अउर इ सारा धन उ हमरे पिता स लिहेस ह।" 2याकूब इ
देखेस कि लाबान पहिले क तरह पिरेम भाव नाहीं रखत ह।
3यहोवा याकूब स कहेस, "तू आपन पुरखन क
देस क लउटि जा जहाँ तू पइदा भए रह्या। मइँ तोहरे संग
रहब।"
4ऍह बरे याकूब राहेल अउ लिआ स उ मइदान मँ मिलइ
बरे कहेस जहाँ उ बोकरियन अउ भेड़िन क खरका रखत
रहा। 5उ ओन स कहेस, "मइँ लखेउँ ह कि तोहार बाप
मोसे गुस्सान अहइँ। ओन क मोरे बरे उ पहिले जइसा
पिरेम-भाव अब नाहीं रहा। मुला मोर बाप क परमेस्सर मोर
संग रहब। 6तू दुइनउँ जानत ह कि मइँ तू लोगन क पिता
बरे ओतनी कर्री मेहनत किहेउँ, जेतना कइ सकत रहेउँ।
7मुला तू लोगन क बाप मोका धोखा दिहस। तोहार बाप मोर
पगार दस दाईं बदलि दिहस। मुला इ पूरे टेम मँ परमेस्सर
लाबान क सब धोखा स मोका बचाएस ह।
8"एक दाईं लाबान कहेस, 'तू दागवाली सबहिं बोकरियन
क रख सकत ह। इ तोहार पगार होइ।' जब स उ इ कहे

रहा तब स सबहिं जनावरन दागवाली बच्चन क जन्मेन। इ
तरह उ सबइ मोर रहेन। मुला लाबान तब कहेस, 'मइँ
दागवाली बोकरियन क राखब। तू सारी दागवाली बोकरियन
क लइ सकत ह। इहइ तोहार पगार होइ।' ओकरे इ तरह
कहइ क पाछे सबहिं गोरुअन धारीदार जनावरन क जन्म
दिहेन। 9इ तरह परमेस्सर जनावरन क तू पचन क पिता स
लइ लिहस ह अउ मोका दइ दिहस ह।

10"जउन समइ जनावर गाभिन होइ क बरे मिलत रहेन
मइँ एक सपन देखेउँ। मइँ देखेउँ कि सिरिफ नर जनावरन
जउन गाभिन करइ बरे मिलत रहेन धारीदार अउ चितकबरा
रहेन। 11सपन मँ परमेस्सर क सरगदूत मोसे बातन किहस।
सरगदूत कहेस, 'याकूब।' "मइँ जवाब दिहेउँ 'हाँ!'

12"सरगदूत कहेस, 'लखा, सिरिफ दागदार अउ धरिदार
बोकरियन भी गाभिन होइ बरे मिलत रहिन। मइँ अइसा
करत अहउँ। मइँ उ सब बुरा लखेउँ ह जउन लाबान तोहरे
बरे करत ह। मइँ इ एँह बरे करत हउँ कि बोकरियन क
सबहिं नई बच्चन तोहार होइ जइहीं। 13मइँ उहइ परमेस्सर
अहउँ जउन तोहार लगे बेतेल मँ आइ रहा। उ जगह तू
एक वेदी बनाए रह्या अउर जइतून क तेल स ओका नहवाए
रह्या अउ उ जगह तू मोसे एक प्रण किहे रहा। अब, उठा
अउ उ जगहिया तजि द्या अउ वापिस आपन जन्म भूमि क
लौटि जा।'"

14-15राहेल अउ लिआ याकूब क जवाब दिहेन, "हम
पचन क पिता क लगे मरइ प हम सबन क देइ क कछू
नाहीं अहइ। उ हम पचन क संग अजनबी जइसा बेउहार
किहस ह। उ हम पचन क तोहार लगे बेच दिहस अउ उ
सारा धन खरच कइ दिहस जउन हम पचन क होतेन।
16परमेस्सर इ सब धन हमरे पिता स लइ लिहस ह अउ इ
हमार अउ हमार सनतानन क अहइ। एँह बरे तू उहइ करा
जउन परमेस्सर करइ बरे कहेस ह!"

17एँह बरे याकूब जात्रा क तइयारी किहस। उ आपन
मेहररुअन अउ पूतन क ऊँटे प बइठाएस। 18तब उ पचे
कनान कइँती लउटइ लागेन जहाँ ओकर बाप रहत रहा।
जनावरन क भी सब झुण्ड, जउन याकूब क रहेन, ओनके
अगवा चलत रहेन। उ उ सबइ चिजियन क संग लइ जात
रहा जउन उ पद्दन अराम मँ रहत भए पाए रहा।

19इ टेम लाबान आपन भेड़िन क ऊन काटइ गवा रहा।
जब उ बाहेर गवा तब राहेल ओकरे घरे मँ घुसी अउ आपन
बाप क घरे क देवतन क चोराइ लइ गइ।

20याकूब अरामी लाबान क धोखा दिहस। उ लाबान क इ
नाहीं बताएस कि उ हुआँ स जात अहइ। 21याकूब आपन
परिवार अउ आपन सबहिं चीजन क लिहस अउ हाली स
चला गवा। उ पचे फरात नदी क पार किहन अउ गिलाद
क पहाड़ी देस क ओर जात्रा किहन।

22तीन दिना पाछे लाबान क पता लाग कि याकूब पराइ
गवा। 23एँह बरे लाबान आपन मनइयन क बटोरेस अउ
याकूब क पाछा सुरु किहस। सात दिन पाछे याकूब क
गिलाद पहाड़े क लगे पाएस। 24उ रात परमेस्सर लाबान क
समन्वा सपन मँ परगट भवा। परमेस्सर कहेस, "होसियार
रहा कि तू याकूब क कछू भी अच्छा या बुरा जिन कहा।"

चोराए भए देवतन क खोज

25दूसर दिन भिन्सारे लाबान याकूब क जाइ धरेस। याकूब
आपन तम्बू पहाड़े प लगाए रहा। एँह बरे लाबान अउ ओकर
मनइयन आपन तम्बू गिलाद पहाड़े प लगाएन।

26लाबान याकूब स कहेस, "तू मोका धोखा काहे दिहा? तू
मोर बिटियन क अइसे काहे लइ जात अहा माना कि उ
सबइ जुद्ध मँ धरी गइ होइँ? 27मोसे बगैर कहे तू काहे
परान्या? जदि तू कहे होत्या तउ मइँ तोहका भोज देतेउँ।
ओहमाँ बाजा क संग नाचब अउ गाउब होत। 28तू मोका
आपन नातियन क चूमइ तलक नाहीं दिहा अउ न ही
बिटियन क बिदा कहइ दिहा। तू इ कइके भारी बेवकूफी
किहा। 29तोहका फुरइ चोट पहोंचावइ क सक्ती मोहमाँ
बाटइ। मुला पाछे क राति मँ तोहरे बाप क परमेस्सर मोरे
सपन मँ आवा। उ मोका चिताउनी दिहस कि मइँ कउनो
तरह तोहका चोट न पहोंचावउँ। 30मइ जानत अहउँ कि तू
आपन घरे लउटइ चाहत बाट्या। इहइ कारण अहइ कि तू
हुआँ स चल पड्या ह। मुला तू मोरे घरे स देवतन क काहे
चोरॉया ह?"

31याकूब जवाब दिहस, "मइँ तोहसे बिना कहे भए चल
पड़्या, काहेकि मइँ ससान रहेउँ। मइँ सोचेउँ कि तू आपन
बिटियन क मोसे लइ लेब्या। 32मुला मइँ तोहरे देवतन क
नाहीं चोराएउँ। जदि तू हिआँ मोरे लगे कउनो मनई क,
जउन तोहरे देवतन क चोरॉए अहइ, पावा, तउ उ मारि दीन्ह
जाइ। तोहरे लोग ही मोर गवाह होइहीं। तू आपन कउनो भी
चीज क हेर सकत ह। जउन कछू भी तोहार होइ, लइ
ल्या।" (याकूब क इ पता नाहीं रहा कि राहेल लाबान क घरे
क देवतन क चोराएस ह।)

33एँह बरे लाबान याकूब क सिबिर मँ गवा अउ ओहमाँ
हेरेस। उ याकूब क तम्बू मँ हेरेस अउ लिआ क तम्बू मँ
भी हेरेस। तब उ तम्बू मँ हेरेस जेहमाँ दुइनउँ दासिन ठहरी
रहिन। मुला उ ओकरे घरे मँ देवतन क नाहीं पाएस। तब
लाबान राहेल क तम्बू मँ गवा। 34राहेल ऊँट क काठी मँ
देवतन क छुपाइ राखे रही अउ उ ओनही प बइठी रही।
लाबान पूरा तम्बू मँ हेरेस उ देवतन क न हेरि सका।

35अउ राहेल आपन पिता स कहेस, "पिता जी, मोह पइ
जिन कोहाआ। मइँ आपक समन्वा ठाड़ होइ मँ समर्थ नाहीं
अहउँ। इ टेम मोर मासिक धरम चलत बाटइ।" एँह बरे
लाबान पूरा सिबिर मँ हेरेस, मुला ओका हुआँ स देवतन क
नाहीं पाइ सका।

36तब याकूब बहोतइ कोहान। याकूब कहेस, "मइँ का
बुरा किहेउँ ह? मइँ कउन सा नेम तोड़ेउँ ह? मोर पाछा करइ
अउ मोका रोक देइ क अधिकार तोहका कइसे अहइ?
37मोर जउन कछू अहइ ओहमाँ तू हेरि लिहा ह। तू अइसी
कउनो चीज पाया जउन तोहार अहइ। जदि तू कउनो चीज
पाया ह तउ मोका देखॉवा। ओका हिअँइ धरा जेसे हमार
संगी लखि सकइँ। हमरे संगियन क तय करइ द्या कि हम
दुइनउँ मँ कउन ठीक अहइ। 38मइँ तोहरे बरे बीस बरिस
तलक काम किहेउँ ह। इ पूरा समइ मँ बच्चा जनमत समइ
कउनो भी नान्ह भेड़ी अउ बोकरी क नाहीं मरी अउर न ही
मइँ कउनो मेमना तोहरे झुण्ड मँ स खाएउँ। 39जदि कबहुँ

जंगली जनावरन कउनो भेड़ी क मारेन मइँ फउरन ओकर
दाम खुद दइ दिहेउँ। मइँ कबहुँ मुर्दा जनावर क तोहरे लगे
लइके इ नाहीं कहेउँ कि एहमाँ मोर दोख नाहीं। मुला
रात-दिन मोका लूटा गवा। **40**दिन मँ सूरज मोर सक्ती छोरत
रहा अउ रात क जाड़ा मोरी अँखियन क नीद चोराइ लेत
रहा। **41**मइँ बीस बरिस तलक तोहरे बरे एक दास क तरह
काम किहेउँ। पहिले क चौदह बरिस मइँ तोहरी दुइ बिटियन
क बियाहइ बरे काम किहेउँ। तउ पाछे क छ: बरिस मइँ
तोहरे जनावरन क पावइ बरे काम किहेउँ अउ इ बीच तू
मोर पगार दस दाईं बदल्या। **42**मुला मोरे पुरखन क परमेस्सर
इब्राहीम क परमेस्सर अउ इसहाक क भय मोरे संग रहा।
जदि परमेस्सर मोरे संग नाहीं होत तउ तू मोका खाली हाथ
पठइ देत्या। मुला परमेस्सर मोर दु:खे क लखेस। परमेस्सर
मोरे किए काम क लखेस अउ पिछली रात परमेस्सर प्रमाण
दइ दिहस कि मइँ नीक अहउँ।"

याकूब अउ लाबान क मेल

43लाबान याकूब स कहेस, "इ सबइ लरिकियन मोर
बिटिहनियन अहइँ। ओनकइ बच्चन मोर बाटेन। इ सबइ
जनावरन मोर अहइँ। जउन कछू भी तू हिआँ लखत अहा,
मोर अहइ। मुला मइँ आपन बिटियन अउ ओनके बच्चन क
रखइ बरे कछू नाहीं कइ सकत। **44**एँह बरे मइँ तोहसे एक
करार करइ चाहत अहउँ। हम पचे पाथर क ढेर लगाउब
जउन इ बताइ कि हम पचे सन्धि कइ चुका अहइ।"

45एँह बरे याकूब एक बड़की चट्टान हेरेस अउ ओका इ
पता देइ बरे हुआँ राखेस कि उ सन्धि किहेस ह। **46**उ आपन
मनइयन क अउर जियादा चट्टानन क हेरइ अउ चट्टानें क
ढेर लगावइ क कहेस। तब उ पचे चट्टानन क लगे भोजन
किहन। **47**लाबान उ जगह क नाउँ यग्र सहादूथ राखेस। मुला
याकूब उ जगह क नाउँ जिलियाद धरेस।

48लाबान याकूब स कहेस, "इ चट्टानन क ढेर हम
दुइनउँ क हमार करार क सुमिरावइ मँ मदद करी।" इ
कारण अहइ कि याकूब उ जगह क नाउँ गिलयाद कहेस।

49तब लाबान कहेस, "यहोवा हम पचन क एक दूसर स
अलग होइ क गवाह रहइ।" एह बरे उ जगह क नाँउ
मिजपा भी होगा।

50तब लाबान कहेस, "अगर तू मोर बिटियन क चोट
पहोंचउब्या तउ याद राखा, परमेस्सर तोहका दण्ड देइ। अगर
तू दूसर मेहरारु स बियाह करब्या तउ याद राखा, परमेस्सर
तोहका लखत बाटइ। **51**हिआँ इ सबइ चट्टानन अहइँ, जउन
हमरे बीच मँ धरी अहइँ अउ इ खास चट्टान अहइँ जउन
बतइहीं कि हम सन्धि कीन्ह ह। **52**चट्टानन क ढेर अउ इ
खास चट्टान हमका सन्धि क सुमिरन करावइ मँ मदद करी
तू मोहसे लड़इ बरे इ चट्टानन स आगे मोर कइँती कबहुँ न
अउब्या। **53**जदि हम पचे इ सन्धि क तोड़ देइ तउ इब्राहीम
क परमेस्सर, नाहोर क परमेस्सर अउ ओनके पुरखन क
परमेस्सर हम पचन क निआव करी।"

याकूब क पिता इसहाक परमेस्सर क "भय" नाउँ स
गोहराएस। एँह बरे याकूब वाचा बरे उ नाउँ क प्रयोग
किहेस। **54**तब याकूब एक जनावर क मारेस अउ पहाड़े पइ
बलि क रुप मँ एँका भेंट चढ़ाएस अउ उ आपन मनइयन
क भोज मँ सामिल होइ बरे बोलाएस। भोजन करे क पाछे
उ पचे पहाड़े प राति काटेन। **55**दूसर दिन भिन्सारे लाबान
आपन नातियन क चूमेस अउ बिटियन क बिदा किहस। उ
ओनका असीसेस अउ घर लउटि गवा।

एसाव क संग फुन मेल

32 याकूब भी उ जगह तजेस। जब उ जात्रा करत
रहा। उ परमेस्सर क सरगदूत क लखेस। **2**जब
याकूब ओनका लखेस तउ कहेस, "इ परमेस्सर क पड़ाव
अहइ।" एँह बरे याकूब उ जगह क नाउँ महनैम धरेस।

3याकूब क भाई एसाव सेईर नाउँ क पहँटा मँ रहत रहा।
इ एदोम क पहाड़ी पहँटा रहा। याकूब एसाव क लगे दूत
पठएस। **4**याकूब दूत स कहेस, "मोर सुआमी एसाव क इ
खबर द्या, 'तोहार नउकर याकूब कहत ह, मइँ इ सबइ
बरिस मँ लाबान क संग रहेउँ ह। **5**मोरे लगे गोरु, गदहन,
झुण्ड अउ बहोत स नउकरन अउ मेहरारु नउकरन अहइँ।
मइँ एनका तोहरे लगे पठवत अहउँ अउ चाहत अहउँ कि तू
हमका अंगीकार करा।'"

6दूत याकूब क लगे लउटा अउ बोला, "हम तोहरे भाई
एसाव क लगे गए। उ तोहसे भेंटइ आवत अहइ। ओकरे
संग चार सौ अउजार धारी वीर अहइँ।"

7उ संदेसा याकूब क डेराइ दिहस। उ आपन सबहिं
संगियन क दुइ दले मँ अलगाइ दिहस। उ आपन सबहिं
भेड़िन क खरका, गोरुअन क झुण्ड अउ ऊँटन क दुइ
हींसा मँ बाँटेस। **8**याकूब सोचेस, "अगर एसाव आइके एक
हींसा क नास करत ह तउ दूसर हींसा पराइ सकत ह अउ
बचि सकत ह।"

9याकूब कहेस, "हे मोरे पुरखा इब्राहीम क परमेस्सर। हे
मोरे पिता इसहाक क परमेस्सर। यहोवा, तू मोका आपन देस
मँ लउटइ अउ आपन परिवारे मँ आवइ बरे कह्या। तू
कह्या कि तू मोर भलाई करिब्या। **10**तू मोहे प बहोत दयालु
रह्या ह। तू मोरे बरे बहोत नीक चीज किह्या ह। पहिली
दाईं मइँ जरिदन नदी क लगे जात्रा कीन्ह, मोरे लगे टहरइ
क कुबरी क अलावा कछू भी नाहीं रहा। मुला मोरे लगे
अब एँतनी चीजन बाटिन कि मइँ ओनका पूरा दुइ दलन मँ
बाँटि सकउँ। **11**तोहसे पराथना करत अहउँ कि कृपा कइके
मोका मोरे भाई एसाव स बचावा। मइँ ओसे ससान अहउँ।
एँह बरे कि उ आइ अउ सबहिं क, हिआँ तलक कि बच्चन
क संग महतरियन क भी जान स मारि डाइ। **12**हे यहोवा, तू
मोसे कह्या, 'मइँ तोहार भलाई करब। मइँ तोहरे परिवार क
बढ़ाउब अउ तोहरे संताने क समुद्र क बालू क कणन क
तरह बाढ़इ देब। उ सबइ एँतना बेसी होइहीं कि गना नाहीं
जाइ सकिहीं।'"

13याकूब रात क उ जगह ठहरा। याकूब कछू चीजन
एसाव क भेंट देइ बरे तइयार किहस। **14**याकूब दुइ सौ
बोकरियन, बीस ठु बोकरन, दुइ सौ भेड़िन अउ बीस भेड़ा
लिहस। **15**याकूब तीस ठु ऊँट अउ ओनकइ बच्चन, चालीस
ठु गइयन अउ दस ठु बर्धन, बीस ठु मादा गदहन अउ दस
नर गदहन क लिहस। **16**याकूब जनावरन क हर झुण्ड

नउकरन क दिहस। तब याकूब नउकरन स कहेस, “सब
जनावरन क हर झुण्ड क अलग कइ ल्या। मोरे अगवा -
अगवा चला अउ हर झुण्ड क बीच कछू दूरी राखा।”
17याकूब ओनका हुकुम दिहस। जनावरन क पहिले झुण्ड
वाला नउकर स याकूब कहेस, “मोर भाई एसाव जब तोहरे
लगे आवइ अउ तोहसे पूछइ, ‘इ केकर जनावर अहइँ? तू
कहाँ जात अहा? तू केकर नउकर अहा?’ 18तब तू जवाब
दिहा, ‘इ सबइ जनावरन आप क सेवक याकूब क अहइँ।
याकूब एनका आपन सुआमी एसाव क भेंट क रुप मँ
पठएस ह, अउ याकूब भी हम लोगन क पाछे आवत
अहइ।’”

19याकूब क दूसर नउकर, तीसरा नउकर, अउर सबहिं
दूसर नउकरन क इहइ बात करइ क हुकुम दिहस। उ
कहेस, “जब तू पचे एसाव स भेट्या तउ इहइ एक बात
कहब्या। 20तू पचे कहब्या, ‘इ आप क भेंट अहइ, अउर
आप क सेवक याकूब भी लोगन क पाछे आवत अहइ।’”

याकूब सोचेस, “जदि मइँ भेंट क संग इ मनइयन क
आगे पठवत हउँ तउ इ होइ सकत ह कि एसाव मोका
छिमा कइ देइ अउ मोका अंगीकार कइ लेइ।” 21एँह बरे
याकूब एसाव क भेंट पठएस। मुला याकूब उ रात आपन
पड़ाव मँ ही ठहरा।

22पाछे उहइ रात याकूब उठा अउ उ जगह क तजि
दिहस। याकूब आपन दुइनउँ मेहररुअन, आपन दुइनउँ दासिन
अउ आपन ग्यारहु पूतन क साथ लिहस। घाटे प जाइके
याकूब यब्बोक नदी क पार किहस। 23याकूब आपन परिवार
क नदी क उ पार पठएस। तब याकूब आपन सबहिं
चिजियन क नदी क ओह पार पठइ दिहस।

परमेस्सर स मल्ल जुद्ध

24याकूब नदी क पार करइवाला आखिर मनई रहा। मुला
पार करइ स पहिले जब तक उ अकेला ही रहा, एक ठु
मनई आवा अउ ओसे कुस्ती लड़इ लाग। उ मनई ओसे तब
तलक कुस्ती लड़ेस जब तलक सूरज न निकरा। 25मनई
लखेस कि उ याकूब क हराइ नाहीं सकत। एँह बरे उ
याकूब क गोड़ क ओकरे कूल्हा क जोड़ प छुएस। उ टेम
याकूब क कूल्हा क जोड़ आपन जगह स हट गवा।

26तब उ मनई याकूब स कहेस, “मोका छोड़ द्या। सूरज
ऊपर चढ़त बाटइ।”

मुला याकूब कहेस, “मइँ तोहका न छोड़ब। मोका तोहका
असीर्बाद देइ क होइ।”

27अउर उ मनई ओसे कहेस, “तोहार का नाउँ अहइ?”

अउर याकूब कहेस, “मोर नाउँ याकूब बाटइ।”

28तब मनई कहेस, “तोहार नाउँ याकूब नाहीं रही। अब
तोहार नाउँ इस्राएल होइ। मइँ तोहका इ नाउँ एँह बरे देत हउँ
कि तू परमेस्सर क संग अउ मनइयन क संग जुद्ध किहा
ह अउ तू हरावा नाहीं जाइ सक्या।”

29तब याकूब ओसे पूछेस, “कृपा कइके मोका आपन नाउँ
बतावइँ।”

मुला उ मनई कहेस, “तू मोर नाउँ काहे पूछत अहा?” उ
टेम उ मनई याकूब क असीसेस।

30एँह बरे याकूब उ जगह क नाउँ पनीएल राखेस। याकूब
कहेस, “इ जगह मइँ परमेस्सर क साच्छात दरसन किहेउँ
ह। किन्तु मोर जिन्नगी बच गइ।” 31जइसे ही उ पनीएल स
गुजरा, सूरज निकरि आवा। याकूब आपन गोड़े क कारण
लँगड़ाइ के चलत रहा। 32एँह बरे आजु भी इस्राएल क
लोग पुट्ठा क मांस पेसी क नाहीं खातेन काहेकि इहइ मांस
पेसी प याकूब क चोट लागि रही।

याकूब आपन बहादुरी देखावत ह

33 याकूब निगाह उठाएस अउ एसाव क आवत
लखेस। एसाव आवत रहा अउ ओकरे संग चार
सौ मनई रहेन। याकूब आपन परिवार क चार टोली मँ
बाटेस। लिआ अउ ओकर बच्चन एक दल मँ रहेन, राहेल
अउ यूसुफ एक दले मँ रहेन, दासी अउ ओकर लरिकन दुइ
दले मँ रहेन। 2याकूब दासियन अउ ओनके बच्चन क
अगवा राखेस। ओकरे पाछे ओनके पाछे लिआ अउ ओकरे
बच्चन क राखेस अउर याकूब राहेल अउ यूसुफ क सब क
आखिर मँ राखेस।

3याकूब एसाव की ओर बढ़ा। एँह बरे उ पहिला मनई
रहा जेकरे संग एसाव मिलेस। अपने भाई कइँती बढ़त टेम
प याकूब सात दाईं भुइँया प निहुरिके पैलगी किहेस।

4जब एसाव याकूब क लखेस, उ ओसे भेटंइ दौड़ गवा।
एसाव याकूब क आपन बाँही मँ भरि लिहस अउ छाती स
चिपकाएस तब एसाव ओकर गरदन स चिपकाएस अउ
ओकर चुम्बन लिहस। अउ दुइनउँ आनन्द स रोइ पड़ेन।
5एसाव निगाह उठाएस अउ मेहररुअन अउ बच्चन क
लखेस। उ कहेस, “तोहरे संग इ सबइ कउन लोग अहइँ?”
याकूब जवाब दिहस, “इ सबइ उ बच्चन अहइँ जेका
परमेस्सर मोका दिहे अहइ। परमेस्सर मोहे प दयालु रहा ह।”

6तब दुइनउँ दासियन आपन बच्चन क संग एसाव क
लगे गएन। उ पचे ओका निहुरिके पैलगी किहन। 7तब
लेआ आपन बच्चन क संग एसाव क समन्वा गइन अउ उ
पैलगी किहस अउर तब राहेल अउ यूसुफ एसाव क समन्वा
गएन अउ उ पचे भी पैलगी किहन।

8एसाव कहेस, “मइँ जउन सब मनइयन क हिआँ आवत
समइ देखेउँ उ सबइ कउन रहेन? अउ उ सबइ गोरुअन
काहे बरे रहेन?”

याकूब जवाब दिहस, “उ सबइ तोहका मोर भेंट अहइँ
जेहसे तू मोका अंगीकार कइ सका।”

9मुला एसाव कहेस, “भाई, तोहका मोहे बरे कउनो भेंट
नाहीं देइ चाही काहेकि मोरे लगे सब कछू इफरात बाटइ।”

10याकूब कहेस, “नाहीं! मइँ तोहसे बिनती करत अहउँ।
जदि तू फुरे मोका अपनावत ह तउ कृपा कइके जउन भेंट
देत अहउँ तू अपनावा। मइँ तोहका दूसरी दाईं लखि के
बहोत खुस अहउँ। इ तउ परमेस्सर क लखइ जइसा बाटइ।
मइँ इ लखिके बहोत खुस अहउँ कि तू मोका अपनावत ह।
11एँह बरे मइँ बिनती करत हउँ कि जउन भेंट मइँ देत
अहउँ ओका भी अंगीकार करा। परमेस्सर मोरे ऊपर बहोतइ
कृपालु रहा ह। मोरे लगे आपन जरुरत स बेसी अहइ।” इ

तरह याकूब एसाव स भेंट अंगीकार करइ के बिनती किहेस। एँह बरे एसाव भेंट अपनाइ लिहस।

12तब एसाव कहेस, “अब तू आपन जात्रा जारी किहे रहि सकत ह। मइँ तोहरे संग चलब।”

13मुला याकूब ओसे कहेस, “तू इ जानत ह कि मोरे बच्चन अबहिं दुर्बल बाटेन अउर मोका आपन झुण्ड अउ ओनके बच्चन क खास देख-रेख करइ चाही। अगर मइँ ओनका बहोत दूर एक दिन मँ चलइ बरे मजबूर करत हउँ तउ सबहिं गोरु मरि जइहीं। 14एँह बरे तू आगे चला अउ मइँ रसे रसे तोहरे पाछे आउब। मइँ गोरुअन अउ दूसर जनावरन क रच्छा बरे धीमे बढ़ब अउ मइँ बहोतइ रसे-रसे एँह बरे चलब कि मोर गदेलन बहोत जियादा थक न जाइँ। मइँ सेइर मँ तोहसे मिलब।”

15एँह बरे एसाव कहेस, “तब मइँ आपन कछू संगियन क तोहरी मदद बरे छोड़ देब।”

मुला याकूब कहेस, “इ तोहार बिसेस दाया बाटइ।” मुला अइसा करइ क कउनो जरुरत नाहीं बा।”

16एँह बरे उ दिन एसाव सेईर क वापसी जात्रा प चल पड़ा। 17मुला याकूब सुक्कोत क गवा। हुआँ उ आपन बरे एक ठु घर बनाएस अउर आपन गोरुअन बरे एक नान्ह नान्ह गोसालन क बनाएस। इहइ कारण इ जगह क नाउँ सुक्कोत राखेस।

18याकूब सुरच्छा क साथ आपना जात्रा पद्दन-अराम स सुरू कई क कनान पहँटा मँ सकेम सहर तलक समाप्त किहेस। याकूब सहर क निचके मइदान मँ डेरा डाएस। 19याकूब उ भुइँया क सकेम क बाप हमोर क परिवारे स बेसहेस। याकूब चाँदी क एक सौ सिक्का दिहस। 20याकूब परिवार क आराधना बरे हुआँ एक ठु वेदी बनाएस। याकूब जगह क नाउँ “एले, इस्राएल क परमेस्सर” राखेस।

दीना क संग कुकर्म

34 दीना लिआ अउ याकूब क बिटिया रही। एक दिन दीना उ पहँटा क मेहररुअन क लखइ बाहेर गइ। 2उ पहँटा क राजा हमोर क पूत सकेम दीना क निहारेस। उ ओका धइ लिहस अउ आपन संग तने क सम्बंध राखइ बरे ओका बेबस किहस। 3तउ सकेम याकूब क बेटी दीना स पिरेम करइ लाग। एँह बरे उ ओकर दिल जीतइ क कोसिस किहेस। 4सकेम आपन बाप स कहेस, “कृपा कइके इ लउँडिया क मोका दिआवा जेहसे मइँ एकरे संग बियाह कइ सकउँ।”

5याकूब इ जान लिहेस कि सकेम ओकरी बिटिया दीना क संग बहोत बुरा कर्म किहस ह। मुला याकूब क सबहिं पूत आपन गोरुअन क संग मइदान मँ गएन। एँह बरे उ सबइ जब तलक नाहीं आएन, याकूब कछू नाहीं किहस। 6उ टेम सकेम क बाप हमोर याकूब क संग बात करइ गवा। 7खेतन मँ याकूब क पूतन जउन कछू भवा रहा, ओकर खबर सुनेन। जब उ पचे इ सुनेन तउ उ पचे बहोत कोहाइ गएन। उ पचे पगलाइ स गएन काहेकि सकेम याकूब क बिटिया क बलात्कार कइ के इस्राएल क बदनाम किहस। सकेम बहोतइ घिनौनी बात किहे रहा। एँह बरे सबहिं भाई लोग खेतन स घर लउटेन।

8मुला हमोर भाइयन स बात किहेस। उ कहेस, “मोर पूत सकेम दीना स बहोत पिरेम करत ह। मेहरबानी कइके ओका एकरे संग बियाह करइ द्या। 9इ बियाह इ बात क प्रमाण होइ कि हम पचे खास सन्धि कीन्ह ह। तब हमार लोग तू पचन क मेहररुअन स अउ तोहार लोग हम पचन क मेहररुअन क संग बियाह कइ सकत हीं। 10तू लोग हमरे संग एक पहँटा मँ रहि सकित ह। तू भुइँया क सुआमी बनब्या अउर हिआँ बइपार करइ बरे अजाद होब्या।”

11सकेम याकूब अउ दीना क भाइयन स भी बात किहस। सकेम कहेस, “कृपा कइके मोका अंगीकार करा अउ मइँ जउन किहेउँ ओकरे बरे छिमा करा। 12मइँ तोहका जउन कछू उपहार तू चाहत ह देब, अगर तू मोका सिरिफ दीना क संग बियाह करइ द्या।” मोका जउन कछू आप लोग करइ क कइहीं करब, मुला दीना क बियाह मोर संग होइ द्या।“

13याकूब क बेटहनन सकेम अउ ओकरे बाप स झूठ बोलइ क ठान लिहन। भाइयन अबहुँ भी पागल होत रहेन काहेकि सकेम ओनकइ बहिन दीना क संग अइसा घिनौना बेउहार किहे रहेन। 14एँह बरे भाइयन ओसे कहेन, “हम लोग तोहका आपन बहिन क संग बियाह नाहीं करइ देब काहेकि तोहार खतना अबहिं नाहीं भवा अहइ। हमरी बहिनी क तोहसे बियाह करब ठीक न होइ। 15मुला हम पचे तोहका ओकरे संग बियाह करइ देब अगर तू इहइ एक काम करा कि तोहरे सहर क हर मनई क खतना हम पचन क तरह होइ जाइ। 16तब तोहरे मनई हमरी अउरतन स बियाह कइ सकत हीं अउर हमार मनई तोहरी अउरतन स बियाह कइ सकत हीं। तब हम पचे एक ही लोग बन जाब। 17जदि तू खतना कराउब नाहीं कबूल करब्या तउ हम लोग दीना क लइ जाब।”

18इ सन्धि हमोर अउ सकेम क बहोत खुस किहस। 19दीना क भाइयन जउन कछू कहेन ओका करइ मँ सकेम बहोत खुस भवा।

बदला

सकेम परिवार क सबसे जियादा मर्जादी मनई रहा। 20हमोर अउ सकेम अपने सहर क सभाघर क गएन। उ पचे सहर क लोगन स बातन किहन अउ कहेन 21“इस्राएल क इ सबइ लोग हमार मीत होवा चाहत हीं। हम लोगन क पास हम सबहिं लोगन बरे संतुट्ठ भुइँया अहइ। एह बरे उ लोगन क हम लोगन क भुइँया रहइ द्या अउर एहमाँ बइपार करइ द्या। हम पचे एँनकी मेहररुअन क संग बियाह करइ क अजाद अही अउ हम लोग आपन मेहरारुअन ओनका बियाहे बरे देइ मँ खुस अही। 22मुला एक बात अहइ जेका करइ बरे सबहिं क सन्धि करइ क होइ। ताकि उ पचे हम लोगन क बीच रही सका अउर हम पचे एक ही लोगन होइ सकब। हमार सबइ लोग भी उपचन्क क नाईं खतना करावइ बरे राजी हो जाब। 23जदि हम अइसा करब तउ ओनके गोरुअन अउ जनावरन स हम धनी होइ

जाब। ऍंह बरे हम लोग ओनके संग इ सन्धि करी अउर उ
पचे हिआँ हम लोगन क संग रइहीं।" **24**सभाघरे प जउन
लोगन इ बात सुनेन उ पचे हमोर अउ सकेम क संग राजी
होइ गएन अउ उ टेम हर एक मनई क खतना कइ दीन्ह
गवा।

25तीन दिना पाछे, खतना कइ दीन्ह गए मनइयन क
अबहिं जख्म रहेन। याकूब क दुइ पूत सिमोन अउ लेवी
जानत रहेन कि टेम लोग कमजोर होइहीं, ऍंह बरे उ नगर
क गएन अउर उ पचे सबहिं मनइयन क मारि डाएन। **26**दीना
क भाई सिमोन अउ लेवी हमोर अउ ओकरे पूत सकेम क
मारि डाएस। उ पचे दीना क सकेम क घरे स बहियाइ दिहेन
अउ उ पचे चला गएन। **27**याकूब क दूसर पूतन सहर मँ
गएन अउ उ पचे हुआँ जउन कछू रहा, लूटि लिहन। सकेम
जउन कछू ओनकइ बहिनी क संग किहे रहा, ओसे उ
सबइ तब तलक कोहान रहेन। **28**ऍंह बरे भाइयन ओनकइ
सबहिं जनावरन लइ लिहेन। उ पचे ओनकइ गदहन अउ
सहर अउ खेतन मँ दूसर जउन कछू रहा, सब स लइ
लिहन। **29**भाइयन ओन सबन क सब कछू लइ लिहन।
भाइयन ओनकइ मेहररुअन अउ बच्चन तलक क लइ
लिहन।

30मुला याकूब सिमोन अउ लेवी स कहेस, "तू पच मोर
बरे मुसीबत खड़ी कइ दिहा ह। अउ इ प्रदेस क बसइयन क
मन मँ घिना पइदा कराया ह। सबहिं कनानी अउ परिज्जी
लोग हमरे खिलाफ होइ जइहीं। हिआँ हम बहोत तनिक
अही। अगर इ पहँटा क लोग हम पचन क खिलाफ लड़इ
खातिर बटुरि जइहीं तउ हम पचन बर्बाद होइ जाब। अउ
हमरे संग हमार सबहिं लोग नस्ट होइ जाइहीं। अउर मइँ
अउ मोरे घरे क सबहिं लोगन बर्बाद होइ जाइहीं।"

31मुला भाइयन जवाब दिहन, "कम हम पचे ओंन
मनइयन क आपन बहिनी क संग पतुरिया जइसा बेउहार
करइ देइ? नाहीं हमरी बहिनी क संग वइसा बेउहार करइ
वाला लोग बुरा रहेन।"

याकूब बेतेल मँ

35 परमेस्सर याकूब स कहेस, "बेतेल सहर क जा,
हुआँ बस जा अउ हुवँइ "एल," परमेस्सर बरे
जउन तोहरे समन्वा परगट भवा रहा जब तू आपन भाई
एसाव स बचि के परात रह्या एक वेदी बनावा।"

2ऍंह बरे याकूब आपन परिवार अउ आपन सबहिं नउकरन
स कहेस, "काठ अउ धातु क बना जउन बिदेसी देवतन तू
पचन क लगे अहइँ ओनका नस्ट कइ द्या। अपने क
पवित्र करा। ओढ़ना साफ पहिरा। **3**हम पचे इ जगह क तजि
देब अउ बेतेल क जाब। उ जगह मँ आपन परमेस्सर बरे
एक वेदी बनाउब। इ उहइ परमेस्सर अहइ जउन मोरे कस्ट
क समइ मोर मदद किहस अउ जहाँ कहूँ मइँ गवा उ मोरे
संग रहा।"

4ऍंह बरे मनइयन क लगे जउन बिदेसी देवता रहेन, ओन
सबहिं क उ पचे याकूब क दइ दिहन। उ पचे आपन काने
मँ पहिरी भइ सब बालियन क भी याकूब क दइ दिहन।
याकूब सकेम नाउँ क सहर क नगिचे एक बलूत क बृच्छ
क तरे इ सबहिं चिजियन क गाड़ दिहस।

5तउ उ पचे तजि गएन अउर परमेस्सर ओनका चरीहू
कइँती क सभी सहरन पइ भयंकर डर डाल दिएन। ऍंह ठू
बरे उ पचे याकूब क पूतन पाछा नाहीं किहस। **6**ऍंह बरे
याकूब अउ ओकर लोग लूज पहोंचेन। अब लूज क बेतेल
कहत हीं। इ कनान प्रदेस मँ बाटइ। **7**याकूब हुआँ एक ठु
वेदी बनाएस। याकूब उ जगह क नाउँ "एल बेतेल" राखेस।
याकूब इ नाउँ क ऍंह बरे चुनेस कि जब उ आपन भाई क
हिआँ स परात रहत रहा, तब पहिली दाईं परमेस्सर हिअँई
परगट भवा।

8रिबका क धाई दबोरा हिअँइ मरी रही, उ पचे बेतेल मँ
सिन्दूर क बृच्छ क खाले ओका गाड़ दिहन। उ पचे उ ठउर
क नाउँ अल्लोनबक्कूत रखेन।

याकूब क नवा नाँउ

9जब याकूब फद्दान आराम स लउटा तब परमेस्सर फुन
ओकरे समन्वा परगट भवा। परमेस्सर याकूब क असीसेस।
10परमेस्सर याकूब स कहेस, "तोहार नाँउ याकूब अहइ। मुला
मइँ उ नाउँ क बदलब। अब तू याकूब नाहीं कहवउब्या।
तोहार नवा नाउँ इस्राएल होइ।" ऍंह बरे एकरे पाछे याकूब क
नाँउ इस्राएल भवा।

11परमेस्सर ओसे कहेस, "मइँ सर्वोच्च परमेस्सर अहउँ
अउ तोहका मइँ इ आसीर्बाद देत हउँ तोहरे बहोत संतान होइँ
अउर तू एक महान रास्ट्र बनी जाब्या। बहोत सारे रास्ट्र
तोहसे अइहीं अउर राजा लोग तोहसे आइहीं। **12**मइँ इब्राहीम
अउ इसहाक क इ भुइँया दिहे रहेउँ। अब मइँ इ भुइँया
तोहका अउर तोहार सन्तानन क देत अहउँ।" **13**तब परमेस्सर
उ जगह तजि दिहस। **14-15**याकूब इ ठउरे प एक स्मृति
चट्टान खड़ी किहस। याकूब ओह चट्टान पइ दाखरस अउर
तेल क भेंट उड़ेरेस। इ एक खास ठउर रहा काहेकि
परमेस्सर हुआँ याकूब स बात किहस अउर याकूब उ ठउर
क नाउँ बेतेल राखेस।

राहेल जन्म देत समइ मरी

16याकूब अउ ओकर दल बेतेल क तजि दिहन। एप्राता
आवइ स ठीक पहिले राहेल आपन बच्चन क जन्म देइ
लाग। **17**मुला राहेल क इ जन्म स बहोत तकलीफ होइ
लाग। ओका बहोत दर्द होत रहा। राहेल क धाई ओका
लखेस अउ कहेस, "राहेल, डेराअ जिन। तू एक अउर पूत
क जन्म देति अहा।"

18पूत क जन्म देत समइ राहेल मरि गइ। मरइ क पहिले
राहेल बच्चा क नाउँ बेनोनी राखेस। मुला याकूब ओकर नाँउ
बिन्यामीन राखेस।

19एप्राता क आवइवाली सड़क प राहेल क दफनावा गवा।
(एप्राता बेतलेहेम अहइ।) **20**अउर याकूब राहेल क सम्मान
मँ ओकरी कब्रे प एक ठु चट्टान धरेस। उ खास चट्टान
हुआँ आजु तलक बाटइ। **21**तब इस्राएल आपन जात्रा जारी
राखेस। उ एदेर बुर्ज खम्भा क ठीक दक्खिन मँ आपन
सिबिर डाएस।

22इस्राएल हुआँ तनिक समइ ठहरा। जब उ हुआँ रहा तब
रूबेन इस्राएल क मेहरारु नउकरन बिल्हा क संग सोएस।
इस्राएल इ बारे मँ सुनेस अउ बहोत कोहाइ गवा।

इस्राएल क परिवार

याकूब क बारह पूत रहेन।
23ओकरी मेहरारु लिआ स ओकरे छः पूत रहेनः रूबेन,
सिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, जबूलून।
24ओकरी मेहरारु राहेल स ओकरे दुइ पूत रहेनः यूसुफ
अउ बिन्यामीन।
25राहेल क दासी बिल्हा स ओकरे दुइ पूत रहेनः दान
अउ नप्ताली।
26अउर लिआ क दासी जिल्पा स ओकरे दुइ पूत रहेनः
गाद अउ आसेर। इ सबइ क पूत अहइँ जउन पद्दनराम मँ
पइदा भए रहेन।
27मम्रे क किर्यत-अर्बा अर्थात् हेब्रोन मँ याकूब आपन
पिता इसहाक क लगे गवा। इ उहइ जगह अहइ जहाँ
इब्राहीम अउ इसहाक रहि चुका रहेन। 28इसहाक एक सौ
अस्सी बरिस क रहा। 29इसहाक बहोत बरिस तलक जिअत
रहा। जब उ मरा, उ बहोत बुढ़वा रहा। ओकरे पूत एसाव
अउ याकूब ओका हुअँइ दफनाएन जहाँ ओकरे पिता क
दफनावा गवा रहा।

एसाव क परिवार

36 एसाव अर्थात् एदोम क परिवार क इतिहास अहइ।
2एसाव कनान देस क मेहररुअन स बियाह किहस।
एसाव क मेहररुअन रहिनः आदा, हित्ती एलोन क बिटिया।
ओहोलीबामा हिव्वी सिबोन क नतिनी अउ अना क बिटिया।
3बासमत इस्माएल क बिटिया अउ नबायोत क बहिन। 4आदा
एसाव क एक पूत एलीपज दिहस। बासमत क रूएल नाउँ
क पूत भवा। 5ओहोलीबामा एसाव क तीन पूत दिएस यूस,
यालाम अउ कोरह इ सबइ एसाव क पूत रहेन। इ सबइ
कनान पहँटा मँ पइदा भए रहेन।
6-8याकूब अउ एसाव क परिवार अब बहोत बाढ़ि गएन
अउ अउ कनान मँ इ बड़ा परिवार क खाइ-पिअइ क जुटाइ
पाउब कठिन होइ गवा। एँह बरे एसाव कनान तजि दिहस
अउ आपन भाई याकूब स दूर दूसर पहँटा मँ चला गवा।
एसाव आपन सबहिं चीजन क आपन संग लिआवा। कनान
मँ रहत भवा उ सबहि इ चीजन क पाए रहा। एँह बरे एसाव
आपन संग आपन मेहररुअन, पूतन, बिटियन सबहिं नउकरन,
गोरु अउ दूसर सबहिं जनावरन क लिहस। एसाव अउ
याकूब क परिवार एँतना बाढ़त रहेन कि ओनका एक जगह
प रहब कठिन रहा। उ भुइँया दुइनउँ परिवारे क पेट पालइ
बरे जियादा नाहीं रही। ओनके लगे बहोत जियादा गोरु रहेन।
एसाव पहाड़ी पहँटा सेईर कइँती बढ़ा। (एसाव क नाउँ एदोम
भी अहइ।)
9एसाव एदोम क मनइयन क आदि बाप रहा। सेईर क
पहाड़ी पहँटा मँ बसइयन एसाव क घराने क इ नाउँ अहइँ।
10एसाव क पूत रहेनः एलीपज, आदा अउ एसाव क पूत।
रूएल बासमत अउ एसाव क पूत।
11एलीपज क पाँच पूत रहेनः तेमान, ओमार, सपो, गाताम
अउ कनज। 12एलीपज क एक तिम्ना नाँउ क उपपत्नी भी
रही। तिम्ना अउ एलीपज अमालेक क जन्म दिहन।
13रूएल क चार पूत रहेनः नहत, जेरह, सम्मा, मिज्जा।
इ सबइ एसाव क मेहरारु बासपत स ओकरे पोता रहेन।
14एसाव क तीसर मेहरारु अना क बिटिया ओहोलीबामा
रही। (अना सिबोन क पूत रहा।) एसाव अउ ओहोलीबामा
क पूत रहेनः यूस, यालाम, कोरह।
15एसाव स चलइ वाला बंस इ सबइ ही बाटेन।
एसाव क पहिला पूत एलीपज रहा। एलीपज स तेमान,
ओमार, सपो, कनज, 16कोरह, गाताम, अमालेक भएन।
इ सबहिं परिवार एसाव क मेहरारु आदा स भएन।
17एसाव क पूत रूएल इ परिवारन क आदि पिता रहाः
नहत, जेरह, सम्मा, मिज्जा।
इ सबहिं परिवार एसाव क मेहरारु बासमत स भएन।
18अना क बिटिया एसाव क मेहरारु ओहोलीबामा यूस,
यालाम अउ कोरह क जन्म दिहन। इ सबइ तीनउँ आपन-आपन
घराने क बाप रहेन। 19इ सबहिं परिवार एसाव स चलेन।
20एसाव क पहिले एदोम मँ सईर नाँउ क एक ठु होरी
मनई रहत रहा। सेईर क पूत इ सबइ अहइँः लोतान,
सोबाल, सिबोन, अना 21दीसोन, एसेर, दिसान। इ सबइ पूतन
आपन परिवार क मुखिया रहेन।
22लोतान, होरी, हेमाम क बाप रहा। (तिम्ना लोतान क
बहिन रही।) 23सोबल, अल्वान, मानहत एबल सपो, ओनाम
क पिता रहा।
24सिबोन क दुइ पूत रहेनः अय्या अउर अना। (अना उ
मनई अहइ जउन आपन पिता क गदहन क देखरेख करत
समइ रेगिस्तान मँ गरम पानी क झरना हेरेस।)
25अना, दीसोन अउ ओहोलीबामा क पिता रहा।
26दीसोन क चार पूत रहेनः हेमदान, एस्बान, यित्रान,
करान।
27एसेर क तीन पूत रहेनः बिल्हान, जावान, अकान।
28दीसान क दुइ पूत रहेनः ऊस अउ अरान।
29इ होरी परिवारन क मुखियन क नाउँ अहइँ। लोतान,
सोबाल, सिबोन, अना। 30दिसोन, एसेर, दीसान। इ सबइ
मनइयन ओन परिवारन क मुखिया रहेन जउन सेईर पहँटा मँ
रहत रहेन। 31उ टेम एदोम मँ कइउ राजा रहेन। इस्राएल मँ
राजा होइ के बहोत पहिले एदोम मँ राजा रहेन।
32बोर क पूत बेला एदोम मँ राज्ज करइ वाला राजा रहा।
उ दिन्हाबा सहर प राज्ज करत रहा। 33जब बेला मरा तउ
योबाब राजा भवा। योबाब बोस्रा क जेरह क पूत रहा। 34जब
योबाब मरा, हूसाम राज्ज किहस। हूसाम तेमानी लोगन क
देस क रहा। 35जब हूसाम मरा, हदद उ पहँटा प राज्ज
किहस। हदद बदद क पूत रहा। (हदद उ मनई रहा जउन
मिद्यानी लोगन क मोआब देस मँ हराए रहा।) हदद अबीत
सहर क रहा। 36जब हदद मरा, सम्ला उ प्रदेस प राज्ज
किहस। सम्ला मस्रेक क रहा। 37जब सम्ला मरा, साऊल उ
पहँटा प राज्ज किहस। साऊल फरात नदी क किनारे रहोबोत
क रहा। 38जब साऊल मरि गवा, बाल्हानान उ देस प
हूकूमत किहस। बाल्हानान अकबोर क पूत रहा। 39जब

बाल्हानान मरा, हदर उ प्रदेस प राज्ज किहस। हदर पाऊ
सहर क रहा। मत्रेद क बिटिया हदर क मेहरारु क नाउँ
महेतबेल रहा। मत्रेद क बाप मेजाहब रहा।
40-43एदोमी परिवारन, तिम्ना, अल्बा, यतेत, ओहोलीबामा,
एला, पीपोन, कनज, तेमान, मिबसार, मग्दीएल अउ ईराम
आदि क बाप एसाव रहा। हर एक परिवार एक ठु अइसे
प्रदेस मँ रहत रहा जेकर नाउँ उहइ रहा जउन ओनकइ
परिवारे क नाउँ रहा।

सपन क देखइवाला यूसुफ

37 याकूब ठहरि गवा अउ कनान पहँटा मँ रहइ
लाग। इ उहइ प्रदेस अहइ जहाँ ओकर बाप
आइके बसा रहा। **2**याकूब क परिवार क इहइ कथा अहइ।
यूसुफ एक सत्रह बरिस क जवान रहा। ओकर पेसा भेड़ी
बोकरियन क देखरेख करब रहा। यूसुफ इ काम अरथ अहइ
कि बिल्हा अउ जिल्पा क पूतन क संग करत रहा। (बिल्हा
अउ जिल्पा ओकरे बाप क मेहररुअन रहिन।) यूसुफ आपन
बाप क आपन भाइयन क बुरी बातन बतावत रहा। **3**यूसुफ उ
टेम पइदा भवा जब ओकर पिता इस्राएल बहोत बुढ़वा रहा।
एँह बरे इस्राएल, यूसुफ क आपन दूसर पूतन स बेसी पिआर
करत रहा। याकूब आपन पूत क एक खास कोट बनवाएस।
इ कोट लम्बा अउ बहोत सुन्नर रहा। **4**यूसुफ क भाइयन
लखेन कि ओनकइ बाप ओनसे बेसी यूसुफ क जियादा
पिआर करत ह। उ पचे इहइ कारण आपन भाई स घिना
करत रहेन। उ पचे यूसुफ स अच्छी तरह बात नाहीं करत
रहेन।
5एक दाईं यूसुफ एक खास सपन लखेस। पाछे यूसुफ
आपन इ सपना क बारे मँ आपन भाइयन क बताएस। एकरे
पाछे ओकरे भाई पहिले स भी जियादा ओसे घिना करइ
लागेन।
6यूसुफ कहेस, "मइँ एक सपना देखेउँ ह। **7**हम पचे
सबहिं खेते मँ काम करत रहे। हम पचे गोहूँ क एक साथ
बोझ बाँधत रहेन। मोर बोझा खड़ा होइ गवा अउ तू पचन क
बोझ मोरे बोझे क चारिहुँ कइँती घेरि लिहस। तब तोहार
सबहिं बोझ मोरे बोझे क निहुरिके प्रणाम किहस।"
8ओकर भाइयन कहेन, "का, तू सोचत ह कि एँकर
अरथ अहइ कि तू राजा बनब्या अउर हम पचन प राज्ज
करब्या?" ओकर भाइयन यूसुफ स अब अउर बेसी घिना
करब सुरु किहेस काहेकि उ ओकरे बारे मँ सपना देखत
रहा।
9तब यूसुफ दूसर सपना देखेस। यूसुफ आपन भाइयन स
इ सपना क बारे मँ बताएस। यूसुफ कहेस, "मइँ दूसर सपना
लखेउँ ह। मइँ सूरज, चन्द्रमा अउ गियारह नछत्रन क आपन
क प्रणाम करत लखेउँ।"
10यूसुफ आपन बाप क भी इ सपना क बारे मँ बताएस।
मुला ओकर पिता ओका डाँटिस। ओकर पिता कहेस, "इ
कउने तरह क सपना अहइ? का तोहका बिस्सास अहइ कि
तोहार महतारी, तोहार भाई अउ हम पचे तोहका प्रणाम
करिबइ?" **11**यूसुफ क भाई ओहसे बराबर जलन करत
रहा। मुला यूसुफ क पिता इ सबहिं बातन क बारे मँ बहोत
गहराई स बिचार किहस अउ सोचेस कि ओनकइ अरथ का
होई?
12एक दिन यूसुफ क भाई आपन बाप क भेड़िन क
देखरेख बरे सकेम गएन। **13**याकूब यूसुफ स कहेस, "सकेम
जा। तोहार भाई मोर भेड़िन क साथ हुआँ अहइ।"
यूसुफ जवाब दिहस, "मइँ जाब।"
14यूसुफ क बाप कहेस, "जा अउ लखा कि तोहार भाई
सुरच्छित बाटइ। लौटिके आवा अउ बतावा कि का मोर
भेड़िन ठीक अहइँ?" इ तरह यूसुफ क पिता ओका हेब्रोन
क घाटी स सकेम क पठएस।
15सकेम मँ यूसुफ हेराइ गवा। एक मनई ओका खेतन मँ
भटकत भवा पाएस। उ मनई कहेस, "तू का हेरत अहा?"
16यूसुफ उत्तर दिहस, "मइँ आपन भाइयन क हेरत
अहउँ। का तू बताइ सकत ह कि उ सबइ आपन भेड़िन क
संग कहाँ अहइँ?"
17मनई जवाब दिहस, "उ पचे पहिले ही चला गवा
अहइँ। मइँ ओनका कहत भवा सुनेउँ कि उ पचे दोतान क
जात अहइँ।" एँह बरे यूसुफ आपन भाइयन क पाछे गवा
अउ उ ओनका दोतान मँ पाएस।

यूसुफ गुलामी बरे बेचा गवा

18यूसुफ क भाइयन बहोत दूर स ओका आवत लखेन। उ
पचे ओका मारि डावइ क कुचाल बनावइ क ठान लिहन।
19भाइयन एक दूसर स कहेन, "इ सपना लखइवाला यूसुफ
आवत अहइ। **20**मौका मिलत ही हम पचे ओका मारि डाइ।
हम ओकरे तने क झुरान भए इरनन मँ स कउनो एक मँ
लोकाइ सकित ह। हम आपन पिता स कहि सकित ह कि
एक ठु जंगली जनावर ओका मारि डाएस। तब हम पचे
ओका देखाउब कि ओकर सपना बेकार अहइँ।"
21मुला रूबेन यूसुफ क बचावइ चाहत रहा। रूबेन कहेस,
"हम पचे ओका मारी नाहीं। **22**हम लोग ओका बिना चोट
किहे एक ठु इनारा मँ नाइ सकित ह।" रूबेन यूसुफ क
बचावइ अउर ओकरे बाप क लगे पठवइ क जोजना
बनाएस। **23**यूसुफ आपन भाइयन क लगे आवा। उ पचे ओह
प धावा बोल दिहन अउ ओकरे लम्बे अउ सुन्नर कोट क
फाड़ डाएन। **24**तब उ पचे ओका खाली झुरान इनारा मँ बहाइ
दिहन।
25यूसुफ इनारा मँ ओकर भाइयन क भोजन करइ बरे
बइठइ तलक रहा। तब उ पचे नजर उठाएन अउ बइपारियन
क एक दल क लखेन। जउन गिलाद स मिस्र क जात्रा प
रहेन। ओनकइ ऊँटन कइउ तरह क मसाला अउ धन लइ
जात रहेन। **26**एँह बरे यहूदा आपन भाइयन स कहेस, "अगर
हम लोग आपन भाई क मारि देब अउ ओकरी मउत क
छुपाउब तउ ओहसे हमका का लाभ मिली? **27**हम सबन क
बेसी फायदा तब होइ जब हम ओका बइपारियन क हाथ
बेचि देइ।" दूसर भाई लोग मान गएन। **28**जब मिद्रयानी
बइपारी लोग लगे आएन, भाई लोग यूसुफ क इनारा स
बाहेर निकारेन। उ पचे बीस ठु चाँदी क टूका मँ ओका बेचि
दिहन। बइपारियन ओका मिस्र लइ गएन।

29इ पूरा टेम रूबेन भाइयन क संग हुआँ नाहीं रहा। उ
नाहीं जानत रहा कि उ पचे यूसुफ क बेचि दिहे रहेन। जब
रूबेन इनारा प लौटिके आवा तउ उ लखेस कि यूसुफ हुआँ
नाहीं अहइ। रूबेन बहोत जियादा दुःखी भवा। उ आपन
ओढ़ना क फाड़ेस। 30रूबेन भाइयन क लगे गवा अउ उ
ओनसे कहेस, "लरिका कुआँ प नाहीं अहइ। मइँ का
करउँ?" 31भाइयन एक बोकरी क मारेन अउ ओकरे खून
क युसुफ क सुन्नर कोट प डाएस। 32तब भाईयन उ कोट
क आपन पिता क देखाएन अउ कहेन, "हमका इ कोट
मिला बाटइ, का इ यूसुफ क कोट अहइ?"

33बाप कोट क लखेस अउ पहिचानेस कि इ यूसुफ क
अहइ। पिता कहेस, "हाँ, इ उहइ क बाटइ। होइ सकत ह
कि ओका कउनो जंगली जनावर मारि डाए होइ। मोरे पूत
यूसुफ क कउनो जंगली जनावर खाइ गवा।" 34याकूब
आपन ओढ़ना फाड़ि डाऐस अउर सोक क ओढ़ना पहिर
लिहेस। याकूब लम्बे समइ तलक आपन बेटवा क दुःख
अउ सोक मँ पड़ा रहा। 35याकूब क सबइ बेटवन, बिटियन
ओका धीरे बँधावइ क जतन किहन। मुला याकूब कबहुँ धीरे
न धरि सका। याकूब कहेस, "मइँ मरइ क दिन तलक
आपन पूत यूसुफ क दुःख मँ डूबा रहब।" अउर याकूब
आपन पूत क दुःख परगट करना जारी रखा।

36ओनँ मिद्यानी बइपारियन जउन यूसुफ क बेसहे रहेन,
पाछे ओका मिस्र मँ बेचि दिहन। उ पचे फिरौन क
अंगरच्छकन क सेनापति पोतीपर क हाथ ओका बेचेन।

यहूदा अउ तामार

38 ओनही दिनन मँ यहूदा आपन भाइयन क तजि
दिहस अउ हीरा नाउँ क मनई क संग रहइ चला
गवा। हीरा अदुल्लाम सहर क रहा। 2यहूदा एक कनानी
मेहरारु स हुआँ मिला अउ ओसे बियाह कइ लिहस। मेहरारु
क बाप क नाउँ सूआ रहा। 3कनानी मेहरारु एक पूत क
जन्म दिहस। उ पचे ओकर नाउँ एर धरेन। 4पाछे दूसर पूत
क जन्म दिहस। उ पचे लरिका का नाउँ ओनान धरेन। 5पाछे
ओका दूसर पूत सेला नाउँ क भवा। यहूदा तीसर बच्चा क
जन्म क टेम कजीब मँ रहत रहा।

6यहूदा आपन पहिले पूत एर बरे बहू क रुप मँ एक ठु
मेहरारु क चुनेस। मेहरारु क नाउँ तामार रहा। 7मुला एर
बहोत सी बुरी बातन क किहेस। यहोवा ओसे खुस नाहीं
रहा। एँह बरे यहोवा ओका मारि डाएस। 8तब यहूदा एर क
भाई ओनान स कहेस, "जा अउर मरे भाई क मेहरारु क
संग सोआ।*। तू ओकरे भतार क नाईं बना। अगर लरिका
होइहीं तउ उ पचे तोहरे भाई एर क होइहीं।"

9ओनान जानत रहा कि जोड़ा स पइदा भए लरिकन
ओकर नाहीं होइहीं। ओनान तामार क संग तने क सम्बंध
किहस। मुला उ ओका आपन गरभ धारण करइ नाहीं
दिहस। 10एहसे यहोवा कोहाइ गवा। एँह बरे यहोवा ओनान
क भी मारि डाएस।

11तब यहूदा आपन पतोहू तामार स कहेस, "आपन बाप
क घरे लौटि जा। हुअँइ रहा अउर तब तलक बियाह जिन
करा जब तलक मोर लहुरा पूत सेला बाढ़ न जाइ।" यहूदा
क डर रहा कि सेला भी आपन भाइयन क तरह मारि डावा
जाइ। तामार आपन बाप क घर लौटि गइ।

12पाछे सुआ क बिटिया यहूदा क मेहरारु मरि गइ। यहूदा
आपन दुःख क टेम क पाछे अदुल्लाम क आपन मीत हीरा
क संग तिम्ना गवा। यहूदा आपन भेड़ी क ऊन कतरइ
तिम्ना गवा।

13तामार क इ मालूम भवा कि ओकर ससुर यहूदा आपन
भेड़िन क ऊन कतरइ तिम्ना क जात अहइ।

14तामार हमेसा अइसे ओढ़ना पहिरत रही जेहसे मालूम
होइ कि इ राँड़ अहइ। एँह बरे उ कछू दूसर ओढ़ना पहिरेस
अउ मुँह क पर्दा मँ ढाँकि लिहस। तब उ तिम्ना सहर क
लगे एनैम क जाइवाली सड़क क किनारे बइठि गइ। तामार
जानत रही कि यहूदा क लहुरा बेटवा अब बाढ़ि ग अहइ।
मुला यहूदा ओसे ओकरे बियाहे क कउनो योजना नाहीं
बनावत अहइ।

15यहूदा उहइ सड़क स जात्रा किहस। उ ओका लखेस,
मुला बिचारेस कि उ पतुरिया अहइ। (ओकरे मुँह पतुरिया क
तरह ढका भवा रहा।) 16एँह बरे यहूदा ओकरे लगे गवा
अउ बोला, "मोका आपन संग तने क सम्बंध करइ द्या।"
(यहूदा नाहीं जानत रहा कि उ ओकर पतोहू तामार अहइ।)

तामार बोली, "तू मोका केतना देब्या?"

17यहूदा जवाब दिहस, "मइँ आपन भेड़ी क झुण्ड स
तोहका एक नई बोकरी पठउब।"

उ जवाब दिहस, "मइँ एका अंगीकार करत अहउँ मुला
पहिले तू मोका कछू रखइ क द्या जब तलक तू बोकरी
नाहीं पठउत्या।"

18यहूदा पूछेस, "मइँ बोकरी पठउब एकरे सबूत बरे मोसे
का लेइ चहुबिउ?"

तामार जवाब दिहस, "मोका तोहार मोहर अउर धागा द्या
अउ मोका आपन टहरइ क कुबरी द्या।" यहूदा इ सबइ
चीजन ओका दिहस। तब यहूदा अउ तामार तने क सम्बंध,
किहन अउ तामार गोड़े स भारी होइ गइ। 19तामार घरे गइ
अउ मुँह क ढाँपइ वाला पर्दा क हटाएस। तब उ फुन आपन
क राँड़ बतावइ वाला खास ओढ़ना क पहिरेस।

20पाछे यहूदा आपन मीत हीरा क पतुरिया क बोकरी देइ
एनैम पठएस जेका उ जबान दिहे रहा। यहूदा हीरा स खास
मोहर अउ टहरइ क कुबरी भी ओसे लेइ बरे कहेस। मुला
हीरा ओका न पाइ सका।

21हीरा एनैम सहर क कछू लोगन स पूछेस, "सड़क क
किनारे जउन पतुरिया रही, उ कहाँ बाटइ?" मनइयन जवाब
दिहन, "हिआँ कबहुँ कउनो पतुरिया नाहीं रही।"

22तउ यहूदा क मीत यहूदा क लगे लौटि गवा अउ ओसे
कहेस, "मइँ उ मेहरारु क पता नाहीं लगाइ सकेउँ। जउन
मनइयन उ जगह बसत अहइँ उ पचे मोका बताएन कि हुआँ
कबहुँ कउनो पतुरिया नाहीं रही।" 23एँह बरे यहूदा कहेस,

जा ... सोआ इस्राएल मँ इ रिवाज रहा कि जदि कउनो मनई बे सन्ताने क मरि जात रहा तउ उ राँड़ क भाइयन मँ स कउनो एक ओका बइठाइ लेत रहा। अगर कउनो लरिका पइदा होत रहा तउ उ मरे मनई क लरिका समझा जात रहा।

“ओका उ सबइ चीजन राखइ द्या। मइँ नाहीं चाहत कि
लोग हम पचन प हँसउआ करइँ। मइँ ओका बोकरी देइ
चाहेउँ, मुला हम ओकर पता नाहीं लगाइ सके। इहइ बहोत
अहइ।”

तामार लड़कोर होइवाली अहइ

24लगभग तीन महीना पाछे कउनो यहूदा स कहेस,
“तोहार पतोहू तामार एक पतुरिया क नाईं पाप किहे अहइ
अउ अब उ गरभ धारण किहे अहइ।”
तब यहूदा कहेस, “ओका बाहेर निकारा अउ ओका जराइ
के मार डावा।”
25ओकर आदमी तामार क मारइ गएन। मुला तामार
आपन ससुर क लगे सँदेसा पठएस। तामार कहेस, “जउन
मनई मोका गरभधारण कराएस ह उहइ क इ सबइ चीजन
अहइँ। इ सबइ चीजन क लखा। उ सबइ केकर अहइँ?
केकर इ खास मोहर अउ इ धागा अउर इ टहरइ क कुबरी
अहइ?”
26यहूदा ओन सबहिं चीजन क पहिचानेस अउ कहेस, “इ
ठीक कहत बाटइ। मइँ गल्ती किहेउँ। मइँ आप क बचन
क अनुसार आपन बेटवा सेला क एँका नाहीं दिहेउ” अउ
यहूदा ओकरे संग फुन नाहीं सोवा।
27तामार क लरिका जन्मइ क टेम आवा अउ उ पचे
लखेन कि उ जुड़ौधा बच्चन क जन्मी। 28जउन टेम उ
जन्मत रही एक लरिका बाहेर हाथ निकारेस। धाई हाथे प
लाल धागा बाँधेस अउ कहेस, “इ बच्चा पहिले पइदा भवा।”
29मुला उ बच्चा आपन हाथ वापिस भितरे हींच लिहस। तब
दूसर बच्चा पहिले पइदा भवा। तब दाई कहेस, “लखा तू
कैसे निकरइ आएस।” एँह बरे उ पचे ओकर नाउँ पेरेस
राखेन। 30एँकरे पाछे दूसर बच्चा पइदा भवा। इ उहइ बच्चा
रहा जेकरे हाथे प लाल धागा रहा। उ पचे ओकर नाउँ जेरह
राखेन।

यूसुफ क मिस्र क पोतिपर क बेचा गवा

39 बइपारी लोग जउन यूसुफ क बेसहे रहेन उ
ओका मिस्र लइ गएन। उ पचे फिरौन क
अंगरच्छक क नायक पोतीपर क हाथ ओका बेच दिहन।
2मुला यहोवा यूसुफ क मदद किहस। यूसुफ एक सफल
मनई बन गवा। यूसुफ आपन मिस्र क मालिक पोतीपर क
घरे मँ रहा।
3पोतीघर लखेस कि यहोवा यूसुफ क संग अहइ। पोतीपर
इ भी लखेस कि यहोवा जउन कछू करत ह, ओहमा ओका
सफल बनवइ मँ सहायक बाटइ। 4एँह बरे पोतीपर यूसुफ क
पाइके बहोत खुस रहा। पोतीपर ओका आपन बरे काम करइ
अउ घर क सासन मँ मदद करइ बरे राखेस। पोतीपर क
आपन हर एक चीज क यूसुफ अफसर रहा। 5जब यूसुफ घरे
क अफसर बनइ दीन्ह गवा तब यहोवा उ घर अउ पोतीपर
क हर एक चीज क असीसेस। यहोवा इ यूसुफ क कारण
किहेस अउ यहोवा पोतीपर क खेतन मँ उगइवाली हर चीज
क असीसेस। 6एँह बरे पोतीपर घर क हर चीज क
जिम्मेदारी यूसुफ क दिहस। पोतीपर कउनो चीज क चिन्ता
नाहीं करत रहा। उ जउन खइया क खात रहा सिरिफ ओकर
ओका फिकिर रही।

यूसुफ पोतीपर क मेहरारु क अस्वीकार करत ह

यूसुफ बहोत सुन्नर अउ रुपवान रहा। 7कुछ टेम पाछे
यूसुफ क मालिक क मेहरारु यूसुफ स पिरेम करइ लाग।
एक दिन उ ओसे कहेस, “मोरे संग सोआ।”
8मुला यूसुफ मना कइ दिहस। उ कहेस, “मोर मालिक
घर क हर चीज बरे मोहे प बिस्सास करत ह। उ हिआँ क
हर चीज क जिम्मेदारी मोका दिहेस ह। 9मोर मालिक आपन
घर मँ मोका लगभग आपन क बराबर सम्मान दिहेस ह।
मुला मोका ओकरी मेहरारु क संग नाहीं सोवइ चाही। इ
गलत अहइ। इ परमेस्सर क खिलाफ पाप अहइ।”
10उ मेहरारु हर दिन यूसुफ स बात करत रही मुला
यूसुफ ओकरे संग सोवइ स मना कइ दिहस। 11एक दिन
यूसुफ आपन काम करइ घरे मँ गवा। उ टेम उ घरे मँ
अकेल्ला मनई रहा। 12ओकरे मालिक क मेहरारु ओकर
कोट धइ लिहस अउ ओसे कहेस, “आवा अउ मोरे संग
सोवा।” मुला यूसुफ घरे स पराइ गवा अउ उ आपन कोट
ओकरे हाथे मँ छोड़ दिहस।
13मेहरारु लखेस कि यूसुफ आपन कोट ओकरे हाथे मँ
छोड़ दिहे अहइ अउ उ जउन कछू भवा ओकरे बारे मँ झूठ
बोलइ क ठान लिहस। उ बाहेर दौड़ी। 14अउर उ घरे क उ
मनइयन क गोहराएस। उ कहेस, “लखा, इ हिब्रू दास हम
पचन क मजाक करइ हिआँ आवा रहा। उ भितरे आवा अउ
मोरे संग सोवइ क कोसिस किहस। मुला मइँ जोर स
नरियाइ पड़ी। 15मोर नरियाब ओका ससाइ दिहस अउ उ
पराइ गवा। मुला उ आपन कोट मोरे लगे छोड़ गवा।”
16एँह बरे उ यूसुफ क मालिक आपन भतारे क घर लौटइ
क समइ तलक ओकरे कोट क आपन लगे राखेस।
17अउर उ आपन भतार क कहानी सुनाएस। उ कहेस,
“जउन हिब्रू दास क तू हिआँ लिआया उ मोह प हमला
करइ क कोसिस किहस। 18मुला जब उ मोरे लगे आवा
तउ मइँ चिचियाई। उ पराइ गवा, मुला आपन कोट छोड़
गवा।”

यूसुफ कारगार मँ

19यूसुफ क मालिक जउन ओकरी मेहरारु स कहेस,
ओका सुनेस अउ उ बहोत रिसियाइ गवा। 20हुआँ एक जेल
रही जेहमाँ राजा क दुस्मन रखा जात रहेन। एँह बरे पोतीपर
यूसुफ क उहइ जेल मँ धाँध दिहस अउ यूसुफ हुआँ पड़ा
रहा। 21मुला यहोवा यूसुफ क संग रहा। यहोवा ओह पइ
कृपा करत रहा। 22कछू टेम पाछे जेल क रच्छक क
मुखिया यूसुफ स सोनेह करइ लाग। रच्छकन क मुखिया
सबहिं कैदियन क अफसर यूसुफ क बनाएस। यूसुफ
ओनकइ मुखिया रहा, मुला काम उहइ करत रहा जउन उ
पचे करत रहेन। 23रच्छकन क मुखिया जेल क सबहिं
चीजन क बरे यूसुफ प पतियात रहा। इ एँह बरे भवा कि
यहोवा यूसुफ क संग रहा। यहोवा यूसुफ क, उ जउन कछू
करत रहा, सुफल होइ मँ मदद करत रहा।

यूसुफ दुइ सपना क अरथ बतावत ह

40 पाछे फिरौन क दुइ नउकरन ओकर संग कछू
गलत किहेन। इ नउकरन मँ स एक ठु रोटी
पोवइया अउ दूसर दाखरस देइ क सेवा करत रहा। 2फिरौन
आपन रोटी पोवइया अउ सरब देइवाला नउकर पर रिसियाइ
गवा। 3एँह बरे फिरौन उहइ जेल मँ ओनका पठएस जेहमाँ
यूसुफ रहा। फिरौन क अंगरच्छक लोगन क नायक पोतीपर
उ जेल क अफसर रहा। 4नायक दुइनउँ कैदियन क यूसुफ
क देखरेख मँ राखेस। दुइनउँ कछू टेम तलक जेल मँ रहेन।
5एक रात दुइनउँ कैदियन सपना देखेन। दुइनउँ कैदी मिस्र क
राजा क रोटी पोवइया अउ दाखरस देइवाला नउकर रहेन।
हर एक कैदी क आपन-आपन सपना रहेन अउ हर एक
सपना क अलग अलग अरथ रहा। 6यूसुफ दूसर भिन्सारे
ओनकइ लगे गवा। यूसुफ लखेस कि दुइनउँ मनई परेसान
रहेन। 7यूसुफ पूछेस, "आजु तू पचे एँतना परेसान काहे देखाइ
पड़त ह?"

8दुइनउँ मनई जवाब दिहन, "पिछली रात हम पचे सपना
देखा, मुला हम लोग नाहीं बूझित कि सपना क का अरथ
अहइ? कउनो मनई अइसा नाहीं अहइ कि जउन सपना क
अरथ बतावइ या हम पचन क साफ साफ बतावइ।"

यूसुफ ओनसे कहेस, "सिरिफ परमेस्सर ही अइसा अहइ
जउन सपना क बूझत अउ अरथ बतावत ह। एँह बरे मइँ
निवेदन करत हउँ कि आपन सपना मोका बतावा।"

दाखरस देइवाला नउकर क सपना

9एँह बरे दाखरस देइवाला नउकर यूसुफ क आपन सपना
बताएस। नउकर कहेस, "मइँ सपना मँ अंगूरे क लता
देखेउँ। 10उ अंगूरे क लता क तीन ठु डारियन रहिन। मइँ
डारियन मँ फूल आवत अउ ओनकइ अंगूर बनत लखेउँ।
11मइँ फिरौन क पिआला लिए रहेउँ। एँह बरे मइँ अगूंरन
क लिहेउँ अउ पिआला मँ रस निचोड़ेउँ। तब मइँ पिआला
फिरौन क दिहेउँ।"

12तब यूसुफ कहेस, "मइँ तोहका सपन क अरथ
बताउब। तीन ठु डारियन क अरथ तीन दिन अहइ। 13तीन
दिन बीतइ क पहिले फिरौन तोहका छिमा करी अउ तोहका
तोहरे कामे प लौटे प देइ। तू फिरौन क बरे उहइ काम
करब्या अउर जउन पहिले करत रह्या। 14मुला जब तू
अजाद होइ जाब्या तउ मोका सुमिर्‍या। मोर मदद किह्या।
फिरौन स मोरे बारे मँ कह्या जेहसे मइँ इ जेल स बाहेर होइ
सकउँ। 15मोका हिब्रू लोगन क देस स लावा गवा रहा। मइँ
हियाँ कउनो अपराध भी नाहीं किहेउँ ह। एँह बरे मोका जेल
मँ न होइ चाही।"

रोटी पोवइया क सपना

16रोटी बनावइ वाला लखेस कि दूसर नउकर क सपना
अच्छा रहा। एँह बरे रोटी पोवइया यूसुफ स कहेस, "मइँ भी
सपना देखेउँ। मइँ देखेउँ कि मोरे मूँड़े प तीन ठु रोटी क
टोकरी बाटइ। 17सब त ऊपर क टोकरी मँ हर किसिम क
पका भवा भोजन रहेन। इ भोजन राजा बरे रहा। मुला खइया
क चिरइयन चुगत रहिन।"

18यूसुफ जवाब दिहस, "मइँ तोहका बताउब कि सपना क
का अरथ अहइ? तीन टोकरी क अरथ तीन दिन बाटइ।
19तीन दिन बीतइ स पहिले राजा तोहका इ जेलि स बाहेर
निकारी। तब राजा तोहार मूँड़ काटि डाइ। उ तोहरे तने क
एक ठु खम्भा स लटकाइ अउ चिरइयन तोहरे तने क
खइहीं।"

यूसुफ क भुलाइ दीन्ह गवा

20तीन दिना पाछे फिरौन क जन्म दिन रहा। फिरौन आपन
सबहिं नउकरन क दावत दिहस। दावत क टेम फिरौन
दाखरस देइवाला अउ रोट पोवइया नउकरन क जेल स
निकसइ दिहस। 21फिरौन दाखरस देइवाला नउकर क अजाद
कइ दिहस। फिरौन ओका नउकरी प लौटाइ दिहस अउ
दाखरस देइवाला नउकर फिरौन क हाथे मँ एक ठु पिआला
दिहस। 22मुला फिरौन रोटी पोवइया क मार डाएस। सब
बातन जइसे यूसुफ होइ बरे बताए रहा वइसेन ही भइन।
23मुला दाखरस देइवाला नउकर क यूसुफ क मदद करब
याद नाहीं रहा। उ यूसुफ क बारे मँ फिरौन स कछू नाहीं
कहेस। दाखरस देइवाला नउकर यूसुफ क बारे मँ बिसरि
गवा।

फिरौन क सपना

41 दुइ बरिस बाद फिरौन सपना लखेस। फिरौन सपने
मँ लखेस कि उ नील नदी क किनारे खड़ा अहइ।
2तब फिरौन सपने मँ नदी स सात गइयन क बाहेर आवत
लखेस। गइयन मोटी अउ सुन्नर रहिन। गइयन हुआँ खड़ी
रहिन अउ घासे प चरत रहिन। 3तब सात दूसर गइयन नदी
स बाहेर आइन, अउर नदी क किनारे मोटी गइयन क
निचके ठाड़ होइ गइन। मुला इ गइयन दूबर अउ देखन मँ
बीमार लगत रहिन। 4इ सातउ दूबर अउर बीमार गइयन,
सुन्नर मोटी सात गइयन क खाइ गइन। तब फिरौन जाग
उठा।

5फिरौन फुन सोवा अउ दूसर दाईं सपना लखेस। उ सपने
मँ अनाज क सात बाल एक ही पउधा प लखेस। अनाजे क
बालन मोटी अउ अच्छी रहिन। 6तब उ उहइ अनाज क
पाछे सात अनाजे क बालन क जमी लखेस। अनाजे क इ
बालन पातर अउ गरम हवा स नस्ट होइ गइ रहिन। 7तब्बइ
सात पातर बालन सात ठु मोटवार अउ बढ़िया बालन क
खाइ लिहन। फिरौन पुन जागि उठा अउ उ समझेस कि इ
सिरिफ सपना ही बाटइ। 8दूसर भिन्सारे फिरौन इ सपनन क
बारे मँ परेसान रहा। एँह बरे उ मिस्र क सबहिं जादूगर लोग
अउ सबहिं गुनी लोगन क बोलाएस। फिरौन ओनका सपना
बताएस। मुला ओन लोगन मँ स कउनो भी सपना क साफ
या ओकर अरथ न बताइ सका।

नउकर फिरौन क यूसुफ क बारे मँ बतावत ह

9तब दाखरस देइवाला नउकर क यूसुफ याद आवा।
नउकर फिरौन स कहेस, "मोरे संग जउन कछू भवा रहा उ
मोका याद आवत अहइ। 10आप मोह प अउ रोटी पोवइया
प कोहान रहेन अउ आप हम दुइनउँ क जेलि मँ धाँध दिहे

रहेन। 11जेल मँ एक ही रात हम दुइनउँ सपना देखेन। हर
एक सपना अलग अरथ रखत रहा। 12एक ठु हिब्रू नउजवान
हम पचन क संग जेल मँ रहा। उ अंगरच्छकन क नायक
क नउकर रहा। हम पचन आपन आपन सपना ओका बतावा,
अउ उ सपना क अरथ हम लोगन क बुझाएस। उ हर
सपना क अरथ हम पचन क समझाएस। 13जउन अरथ उ
बताएस उ सबइ ठीक निकरेन। उ बताएस कि मइँ अजाद
होब अउ आपन काम मँ वापस लउट आउब। अउर इहइ
भवा उ कहेस कि रोटी पोवइया क मार कइ टाँग दीन्हा
जाइहीं। अउ उहइ भवा।"

यूसुफ सपन क अरथ बतावइ बरे बोलावा गवा

14एँह बरे फिरौन यूसुफ क जेल स बोलाएस। रच्छक
हाली स यूसुफ क जेल स बाहेर लिआएन। यूसुफ हजामत
बनावइके अउर कपड़े बदल के फिरौन क समन्वा खड़ा
भवा। 15तब फिरौन यूसुफ स कहेस, "मइँ एक सपना लखेउँ
ह। मुला कउनो अइसा नाहीं अहइ जउन सपना क अरथ
मोका समझाइ सकइ। मइँ सुनेउँ ह कि जब कउनो सपना क
बारे मँ तोहसे कहत ह कि तब तू सपन क अरथ अउ
ओनका फरियाइ सकत ह।"
16यूसुफ जवाब दिहस, "मोर आपन बुद्धि नाहीं अहइ कि
मइँ सपनन क बूझ सकउँ। सिरिफ परमेस्सर ही अहइ जउन
अइसी सक्ती राखत ह अउर फिरौन बरे परमेस्सर ही इ
करी।"
17तब फिरौन कहेस, "अपने आप क, मइँ नील नदी क
किनारे ठाड़ लखेउँ। 18मइँ सात गइयन क नदी स बाहर
आवत लखेउँ अउ घास चरत देखेउँ। इ गइयन मोटी अउ
सुन्नर रहिन। 19तब मइँ दूसर सात गइयन क नदी स बाहेर
आवत देखेउँ। इ सबइ गइयन पातर अउ भद्दी रहिन। मइँ
मिस्र देस मँ जेतनी गइयन देखेउँ ह ओनमाँ स उ सबइ सब
स जियादा बुरी रहिन। 20अउ एँन भद्दी अउर पातर गइयन
पहिली सुन्नर सात गइयन क खाइ डाएन। 21मुला सातउ
गइयन क खाए क पाछे भी उ पचे पातर अउ भद्दी रहिन।
तू ओनका लखा तउ नाहीं जान सकत्या कि उ पचे दूसर
सात गइयन क खाया ह। उ पचे ओतनी ही भद्दी अउ पातर
देखाइ पड़त रहिन जेतना सुरु मँ रहिन। तब मइँ जाग गवा।
22"तब मइँ आपन दूसर सपना मँ अनाज क सात बालन
एक ही पउधा प उगी भइ देखेउँ। इ सबइ अनाज क बालन
अच्छी अउ दानन स भरी भइ रहिन। 23तब ओनके पाछे
सात दूसर बालन उगिन। मुला इ सबइ सात बालन पातर,
भद्दी अउ गरम हवा स नस्ट भइ रहिन। 24तब सात पातर
बालन सात अच्छी बालन क खाइ डाएन।
"मइँ इ सपना क आपन जादूगर लोगन क बताएउँ मुला
कउनो सपने क अरथ मोका नाहीं समझाएस। एकर अरथ
का अहइ?"

यूसुफ सपना क अरथ बतावत ह

25तब यूसुफ फिरौन स कहेस, "इ दुइनउँ सपना एक ही
अरथ रखत हीं। परमेस्सर तोहका बतावत ह कि उ हाली
का करइ क जात अहइ। 26सात अच्छी गइयन अउ सात
अच्छी अनाजे क बालन सात बरिस अहइँ-दुइनउँ सपना एक
ही अहइँ। 27सात दूबर अउ भद्दी गइयन अउ सात बुरी
अनाजे क बालन देस मँ भुखमरी क सात बरिस अहइँ। इ
सबइ सात बरिस, बढ़िया सात बरिस क पाछे अइहीं।
28परमेस्सर आप क इ देखाइ दिहस ह कि हाली ही का
होइवाला अहइ। इ वइसा ही होइ जइसा मइँ कहेउँ ह।
29आप क सात बरिस मिस्र मँ अच्छी पइदावार अउ भोजन
इफरात होइहीं। 30मुला इ सात बरिस क पाछे पूरे देस मँ
भुखमरी क सात बरिस अइहीं। जउन समूचइ मिस्र मँ पइदा
भ अहइ ओका लोग बिसरि जइहीं। इ अकाल देस क
बर्बाद कइ देइ। 31काहेकि अकाल एँतना भयानक होइ कि
लोग प्रयाप्त खइया खाइ का होत ह इ बिसरि जाइहीं।
32"हे फिरौन, आपन एक ही बारे मँ दुइ सपना लखे
रहेन। इ इ बात क देखावइ बरे भवा कि परमेस्सर फुरइ ही
अइसा होइ देइ अउर इ बताएस ह कि परमेस्सर एँका हाली
ही होइ देइ। 33एँह बरे हे फिरौन आप एक अइसा मनई
चुनइँ जउन बहोत चुस्त अउ बुध्दिमान होइ। आप ओका
मिस्र देस क निगराँकार बनावइँ। 34तब आपन दूसर मनई क
जनता स भोजन बटोरइ बरे चुनइँ। लोगन क सात अच्छे
बरिस मँ जेतँना अनाज पइदा करइँ, ओकर पाँचवाँ हींसा
ओनका देइ चाही। 35ओनका हुकुम देइँ कि जउन अच्छे
बरिस आवइँ ओहमाँ भोजन बटोरइँ। उ सहरन मँ भोजन क
जमा करइँ। तब उ पचे भोजन क रच्छा उ टेम तलक
करिहीं जब ओनकइ जरुरत होइ। 36उ भोजन मिस्र देस मँ
आवइवाली भुखमरी क सात बरिस मँ मदद करी। तब मिस्र
मँ सात बरिस मँ लोग भोजन क कमी स मरिहीं नाहीं।"
37फिरौन क इ नीक बिचार मालूम भवा। एहसे सबहिं
अफसर राजी रहेन। 38फिरौन आपन अफसरन स पूछेस,
"का तू लोगन मँ स कउनो इ काम क करइ बरे यूसुफ स
अच्छा मनई हेरि सकत ह? परमेस्सर क आतिमा इ मनई क
फुरइ बुध्दिमान बनाइ दिहस ह।" 39फिरौन यूसुफ स कहेस,
"परमेस्सर इ सबहिं चीजन क तोहका देखॅाएस ह। एँह बरे तू
ही सबन त जियादा बुध्दिमान अहा। 40एँह बरे मइँ
तोहका आपन महल क निगराँ अधिकारी बनउब। जनता
तोहरे हुकुम क मानी। सिरिफ मइँ राजा ही तोहसे बड़वार
रहब।"
41एक खास जलसा अउ नुमाइस रही जेहमाँ फिरौन यूसुफ
क नवाब बनाएस। तब फिरौन यूसुफ स कहेस, "मइँ अब
तोहका पूरे देस क राजा बनावत अहउँ।" 42तब फिरौन आपन
सरकारी मोहरवाली अंगूठी यूसुफ क दिहस अउ यूसुफ क
एक सुन्नर रेसमी ओढ़ना पहिरइ क दिहस। फिरौन यूसुफ क
गले मँ एक ठु सोना क हार डाएस। 43फिरौन दूसर रथे प
यूसुफ क सवार होइ क कहेस। ओकरे रथे क अगवा खास
रच्छक चलत रहेन। उ पचे लोगन स कहत रहेन, "हे
मनइयो, यूसुफ क निहुरिके पैलगी करा।"
इ तरह यूसुफ पूरे मिस्र क राज्पाल बना। 44फिरौन ओसे
कहेस, "मइँ सम्राट फिरौन अहउँ। एँह बरे मइँ जउन करइ
चाहब, करब। मुला मिस्र मँ कउनो दूसर मनई हाथ गोड़
नाहीं हिलाइ सकत ह जब तलक तू ओसे न कहा।"

45फिरौन ओका दूसर नाउँ सपन तपानेह दिहस। फिरौन
आसनत नाउँ क मेहरारु जउन ओन क पुजारी पोती पर क
बिटिया रही, यूसुफ क मेहरारु क रुप मँ दिहस। इ तरह
यूसुफ समूचइ मिस्र देस क राज्जपाल होइ गवा।
46यूसुफ उ टेम तीस बरिस क रहा जब उ मिस्र क
सम्राट क सेवा करइ लाग। यूसुफ पूरा मिस्र देस मँ जात्रा
किहस। 47अच्छे सात बरिसन मँ देसे मँ पइदावार बहोतइ ढेर
क भइ 48अउर यूसुफ मिस्र मँ सात बरिस खइया क चीजन
क बचाएस। यूसुफ खइया क सहरन मँ बटोरेस। यूसुफ सहर
क चारिहुँ कइँती क खेतन मँ पइदा भवा अनाजे क हर सहर
मँ बटोरेस। 49यूसुफ बहोत अनाज बटोरेस। इ समुद्दर क
बालू क नाईं रहा। उ एँतना अनाज बटोरेस कि ओकर वजन
क भी न कूत कीन्ह जाइ सकइ।
50यूसुफ क मेहरारु आसनत ओन क याजक पोतीपरा क
बिटिया रही। भुखमरी क पहिले बरिस क आवइ स पहिले
यूसुफ अउ आसनत क दुइ पूत भएन। 51पहिले पूत क नाउँ
मनस्से धरा गवा। यूसुफ ओकर इ नाउँ राखेस काहेकि उ
बताएस, "मोका जेतना सारे कस्ट भएन अउ घरे क हर बात
परमेस्सर मोसे बिसराइ दिहस।" 52यूसुफ दूसर पूत क नाउँ
एप्रैम रखेस। यूसुफ ओकर नाउँ इ राखेस काहेकि उ
बताएस, "मोका बहोतइ दु:ख मिला, मुला परमेस्सर मोका
हर एक चीज मँ सफलता दिहेस।"

भुखमरी क समइ सुरु होत ह

53सात बरिस तलक लोगन क लगे खाइ बरे उ सब
कछू भोजन रहा जेनकइ ओनका जरुरत रही अउर जउन
चिजियन ओनका जरुरी रहिन उ सबइ सबहिं जमत रहिन।
54मुला सात बरिस बाद भुखमरी क दिन सुरु भएन। इ ठीक
वइसा ही भवा जइसा यूसुफ कहे रहा। उ पहाँटा क कउनो
भी देस मँ अन्न पइदा न भवा। मनइयन क लगे खाइ क
कछू न रहा। मुला मिस्र मँ खाइ बरे इफरात रहा, काहेकि
यूसुफ अनाज बटोरे रहा। 55भुखमरी क टेम सुरु भवा अउ
मनइयन भोजन बरे फिरौन क समन्वा रोवइ लागेन। फिरौन
मिस्र क मनइयन स कहेस, "यूसुफ स पूछा। उहइ करा
जउन उ कहइ क कहत ह।"
56एँह बरे जब देस मँ सब ठउरे प भुखमरी रही, यूसुफ
अनाजे क गोदाम स मनइयन क अन्न बाँटेस। यूसुफ बटोरा
भवा अन्न क मिस्र क लोगन क बेचेस। मिस्र मँ बहोत
भयंकर अकाल रहा। 57मिस्र क चारिहुँ कइँती क देसन क
लोग अनाज बेसहइ मिस्र आएन। उ पचे यूसुफ क लगे
आएन काहेकि हुआँ संसार क उ हींसा मँ सब ठउरे प
भुखमरी रही।

सपना फुरइ भवा

42 इ समइ याकूब क प्रदेस मँ भुखमरी रही। मुला
याकूब क इ पता लाग कि मिस्र मँ अनाज
अहइ। एँह बरे याकूब आपन बेटवन स कहेस, "हम लोग
हिआँ हाथ प हाथ धरे काहे बइठा अहइ? 2मइँ सुनेउँ ह कि
मिस्र मँ खरीदइ क अनाज बाटइ। एँह बरे हम पचे हुआँ
चली अउ हुआँ स आपन खाइ क बरे अनाज बेसही, तब
हम लोग जिअत रहब, मरब नाहीं।"
3एँह बरे यूसुफ क भाइयन मँ स दस अन्न खरीदइ बरे
मिस्र गएन। 4याकूब बिन्यामीन क नाहीं पठएस। (बिन्यामीन
यूसुफ क एक ही सगा भाई रहा।) याकूब एह बरे डरा भवा
रहा कि बिन्यामीन पइ कउनो तरह क खतरा आवइ सकत
ह।
5कनान मँ भुखमरी क समइ बहोत खौफनाक रहा। एँह
बरे कनान क बहोत स लोग अन्न बेसहइ मिस्र गएन।
ओनहीं लोगन क संग मँ इस्राएल क पूतन भी रहेन।
6इ टेम यूसुफ मिस्र क राज्जपाल रहा। सिरिफ यूसुफ ही
रहा जउन मिस्र आवइ वालन लोगन क अन्न बेचइ क
हुकुम देत रहा। यूसुफ क भाई ओकरे लगे आएन अउ उ
पचे ओकर निहुरिके पैलगी किहेन। 7यूसुफ आपन भाइयन
क लखेस अउ उ ओनका पहिचान लिहेस कि उ पचे कौन
अहइँ। मुला यूसुफ ओनसे इ तरह बात करत रहा जइसे उ
ओनका पहिचानत नाही। उ ओनके संग कड़ाई स बात
किहस। उ कहेस, "तू लोग कहाँ स आया ह?"
भाइयन जवाब दिहन, "हम कनान देस स आए अहइँ। हम
पचे अनाज बेसहइ आवा अही।"
8यूसुफ ने पहिचान लिहेस कि उ पचे ओकर भाई अहइँ।
मुला उ पचे नाहीं जानत रहेन कि उ कउन अहइ? 9यूसुफ
ओन सपनन क याद किहेस जेनका उ आपन भाइयन क बारे
मँ लखे रहा।

यूसुफ आपन भाइयन क जासूस कहत ह

युसुफ आपन भाइयन स कहेस, "तू पचे अनाज बेसहइ
नाहीं आया ह। तू लोग जासूस अहा। तू लोग इ पता
लगावइ आया ह कि हम कहाँ कमजोर अही?"
10मुला भाइयन ओसे कहेन, "नाहीं। महोदय! हम तउ
आपक सेवक क रुप मँ आइ अही। हम पचे सिरिफ अनाज
बेसहइ आइ अही। 11हम सबहिं लोग भाई अही, हम पचन
क एक ही पिता अहइ। हम लोग ईमानदार अही। हम लोग
सिरिफ अनाज बेसहइ आइ अही।"
12तब यूसुफ ओनसे कहेस, "नाहीं! तू लोग इ पता
लगावइ आया ह कि हम पचे कहाँ कमजोर अही?"
13भाइयन कहेन, "नाहीं! हम सबहिं भाई भाई अही। हमरे
परिवारे मँ बारह भाई अहइँ। हम सब क एक ही पिता
अहइ। हम लोगन क सब स लहुरा भाई अबहुँ भी हमरे
पिता क संग घरे प बाटइ अउ दूसर भाई बहोत समइ
पहिले मरि गवा। हम लोग आप क समन्वा सेवक क नाईं
अही। हम लोग कनान देस क अही।"
14मुला यूसुफ कहेस, "नाहीं! मोका पता अहइ कि मइँ
ठीक अहउँ। तू भेदिया अहा। 15मुला मइँ तू लोगन क इ
साबित करइ क मौका देब कि तू लोग फुरइ कहत बाट्या।
तू लोग इ जगह तब तलक नाहीं तजि सकत्या जब तलक
तू पचन क लहुरा भाई हिआँ नाहीं आवत। 16एँह बरे तू
लोगन मँ स एक ठु लउटइ अउ आपन लहुरे भाई क
हिआँ लइ आवइ। उ समइ तलक दूसर हिआँ कैद मँ रइहीं।
हम देखब कि का तू लोग फुरइ बोलत अहा। मुला मोका

बिस्सास अहइ कि तू पचे जासूस अहा।" 17तब यूसुफ ओन सब क तीन दिना बरे जेल मँ नाईं दिहस।

सिमोन बन्धक क रुप मँ रखा गवा

18तीन दिन बाद यूसुफ ओनसे कहेस, "मइँ परमेस्सर क भय मानत हउँ। एँह बरे मइँ तू लोगन क इ सिद्ध करइ क एक मौका देब कि तू लोग फुरइ बोलत अहा। तू लोग इ काम करा अउर मइँ तू लोगन क जिअइ देब। 19अगर तू लोग ईमानदार मनई अहा तउ आपन भाइयन मँ स एक क जेल मँ रहइ द्या। दूसर भाइयन जाइ सकत हीं अउ आपन लोगन बरे अनाज लइ जाइ सकत हीं। 20तब यदि तू आपन सब स लहुरा भाई क लइके हिआँ मोरे लगे आवा। इ तरह मइँ पतियाब कि तू लोग फुरइ बोलत अहा।"

भाइयन इ बात क मान लिहन। 21उ पचे आपुस मँ बतियानेन "हम पचन क सजा दीन्ह गइ ह। काहेकि हम पचे आपन सब स लहुरा भाई क संग बुरा किहे अही। हम पचे ओकरे मुसीबत क निहारा जेहमाँ उ रहा। उ आपन रच्छा बरे हम पचन स बिनती किहस। मुला हम सबइ ओकर एकहु न सुना। एँह बरे हम पचे दु:खन मँ अही।"

22तब रूबेन ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे कहेउँ रहा कि उ लरिका क कछू भी बुरा जिन करा। मुला तू पचे मोरउ एक न सुन्या। एँह बरे अब हम ओकरी मउत बरे सजा पावत अही।"

23यूसुफ आपन भाइयन स बात करइ एक ठु दु भासिया स काम लेत रहा। एँह बरे भाइयन नहीं जान पाया कि यूसुफ ओनकइ भाखा जानत बाटइ। मुला उ पचे जउन कछू कहत रहेन ओका यूसुफ सुनत अउ समझत रहा। 24ओनकइ बातन स यूसुफ बहोत दु:खी भवा। एँह बरे यूसुफ ओनसे अलग हटि गवा अउ रोइ पड़ा। तनिक देर मँ यूसुफ ओनके लगे लउटा। यूसुफ उ भाइयन मँ स सिमौन क धरेस अउ ओका बाँधेस जब कि दूसर भाई लखत रहेन। 25यूसुफ कछू सेवकन क ओनकइ बोरा मँ अनाज भरइ क कहेस। भाइयन इ अनाजे क दाम यूसुफ क दिहन। मुला यूसुफ उ धने क नाहीं लेइ क फइसला किहस। उ उ धने क ओनकई अनाज क बोरन मँ धरइ बरे सेवकन क हुकम दिहस। तब यूसुफ ओनका उ सबइ चीजन क दिहस, जेनकइ जरुरत ओनकइ घरे तलक लउटइ वाली जात्रा मँ होइ सकत रही।

26एँह बरे भाइयन अनाजे क आपन गदहन प लादेन अउ हुआँ स निकरि पड़ेन। 27उ सबइ सबहिं भाइयन राति क ठहरेन अउ भाइयन मँ स एक कछू अनाजे बरे आपन बोरा खोलेस अउ उ आपन धन बोरा मँ पाएस। 28उ दूसर भाइयन स कहेस, "लखा, जउन दाम मइँ अनाजे बरे चुकाएउँ ह, उ हिआँ अहइ। कउनो मोरे बोरा मँ इ धन लौटाइ दिहे अहइ!" उ सबइ सबहिं भाई बहोत जियादा डेराइ गएन। उ पचे आपुस मँ बतियानेन, "परमेस्सर हम पचन क संग का करत अहइ?"

भाइयन याकूब क सूचना दिहेन

29उ सबइ भाई कनान देस मँ आपन पिता याकूब क लगे गएन। उ पचे जउन कछू भवा आपन पिता क बताएन। 30उ पचे कहेन, "उ देस क राज्जपाल हम लोगन स बहोत रुखा होइके बोला। उ सोचेस कि हम पचे जासूस अही। 31मुला हम लोग कहेन कि हम पचे ईमानदार अही। अउर हम पचे जासूस नाहीं अही। 32हम पचे ओका बतावा कि हम लोग बारह भाई अही। अउर हम लोगन क सब स लहुरा भाई अब भी कनान देस मँ हमार बाप क संग बाटइ। अउर हमार दूसर भाई मरि गवा ह।"

33"तब देस क राज्जपाल हम लोगन स इ कहेस, 'इहइ सिद्ध करइ बरे कि तू ईमानदार अहा इ रस्ता अहइ: आपन भाइयन मँ स एक क हमरे लगे हिआँ छोड़ि द्या। आपन अनाज लइके आपन आपन परिवारन क लगे लउटि जा। 34आपन सब स लहुरा भाइ क हमरे लगे लिआवा। तब मइँ समझब कि तू लोग ईमानदार अहा या तू लोग जासूस अहा। जदि तू पचे फुरइ बोलत अहा तउ मइँ तोहरे भाई क तोहका दइ देब। अउर तू लोग हमार देस स अनाज खरीदइ बरे आजाद होइ जाब्या।'"

35तब सब भाई आपन बोरन स अनाज लेइ गएन अउ हर एक भाई आपन धने क थइली आपन अनाजे क बोरा मँ पाएस। भाइयन अउर ओनकइ पिता धन क लखेन, अउर उ सबइ बहोत डरि गएन।

36याकूब ओनसे कहेस, "का तू लोग चाहत ह कि मइँ आपन सबहिं पूतन स हथवा धोइ बइठउँ। यूसुफ मरि गवा, सिमोन भी चलि गवा अउ तू लोग बिन्यामीन क भी मोसे दूरि लइ जावा चाहत ह!"

37तब रूबेन आपन पिता स कहेस, "पिता जी आप मोरे दुइनउँ पूतन क मारि डाया जदि मइँ बिन्यामीन क आप क लगे न लउटावउँ। मोहे प बिस्सास करा। मइँ आप क लगे बिन्यामीन क लउटाइ लिआउब।"

38मुला याकूब कहेस, "मइँ बिन्यामीन क तू लोगन क संग नाहीं जाइ देब। ओकर भाई अउर महतारी मरि गवा अहइँ अउर मोर मेहरारु राहेल क उहइ अकेल्ला पूत बचा बाटइ। मिस्त्र तक क जात्रा मँ जदि ओकरे संग कछू भवा तउ उ होनी मोका मारि डाइ। तू लोग मोका एक दु:ख स भवा अउ बूढ़ा मनाई क कब्र मँ पठउब्या।"

याकूब बिन्यामीन क मिस्त्र जाइ क आग्या दिहस

43 उ देस मँ अकाल बहोत भयंकर रहा। 2मनइयन उ सारा अन्न खाइ गएन जउन उ पचे उ सबइ मिस्त्र स लिआइ रहेन। जब अनाज खतम होइ गवा, याकूब आपन बेटवन स कहेस, "फुन मिस्त्र जा। हम लोगन क खाइ बरे कछू अउर अनाज बेसहा।"

3मुला यहूदा याकूब स कहेस, "उ देस क राजा हम लोगन क चिताउनी दिहस ह। उ कहेस ह, 'जदि तू लोग आपन भाई क मोरे लगे वापिस नाहीं लउब्या तउ मइँ तू लोगन स बात करइ स मना भी कइ देब।' 4जदि तू हम लोगन क संग बिन्यामीन क पठउब्या तउ हम पचे जाब अउ अनाज खरीदब। 5अन्यथा, हम लोग नाहीं जाब। उ मनई चिताउनी दिहस कि हम लोग बिन्यामीन के बिना वापस न आइ।"

6इस्राएल कहेस, “तू लोग उ मनई स काहे कह्या, कि तोहार दूसर भाई भी अहइ। तू पचे मोरे संग अइसी बुरी बात काहे किह्या?”

7भाइयन जवाब दिहन, “उ राज्जपाल हुसियारी स हम पचन स प्रस्न पूछेस। उ हम लोगन अउ हम लोगन क परिवार क बारे मँ जानइ चाहत रहा। उ हम लोगन स पूछेस, ‘का तू पचन क पिता अबहिं जिअत अहइ? का तू लोगन क दूसर भाई घरे प बाटइ?’ हम लोग सिरिफ ओकरे प्रस्न क जवाब दीन्ह। हम लोग नाहीं जानत रहे कि उ हमरे दूसर भाई क आपन लगे लइ आवइ क कही।”

8तब यहूदा आपन पिता इस्राएल स कहेस, “बिन्यामीन क मोरे संग पठवा। मइँ ओकर देखभाल करब। हम पचे मिस्र जरुर जाब अउ भोजन लिआउब। अगर हम पचे नाहीं जाई तउ हम सबहीं लोग आपन गदेलन क संग मरि जाबइ। 9मइँ बिस्सास दियावत अहउँ कि उ सुरच्छित रही। मइँ एकर जिम्मेदार रहब। जदि मइँ ओका तोहरे लगे लउटाइके न लिआवउँ तउ तू सदा बरे मोका दोखी ठहराइ सकत ह। 10जदि तू हमका पहिले जाइ दिहे होत्या तउ भोजन बरे हम लोग दुइ जात्रा अबहिं तलक कर चुके होतेन।”

11तब ओनके पिता इस्राएल कहेस, “अगर इ फुरइ सही अहइ तउ बिन्यामीन क आपन संग लइ जा। मुला राज्जपाल बरे कछू भेंट लइ जा। ओन चीजन मँ स कछू लइ जा जउन हम पचे आपन देस मँ बटोरि सका अही। ओकरे बरे कछू सहद, पिस्ता, बादाम, गोदं अउ लोहबान लइ जा। 12इ टेम, पहिले स दुई गुना धन भी लइ ल्या उ धन क भी लइ ल्या जउन पिछली दाईं दिहे क पाछे लउटाइ दीन्ह गवा रहा। होइ सकत ह कि राज्जपाल स गलती भइ ह। 13बिन्यामीन क संग ल्या अउ उ मनई क लगे लइ जा। 14मइँ पराथना करत हउँ कि सर्वसक्तिमान परमेस्सर तू पचन क उ टेम मदद करी जब तू उ राज्जपाल क समन्वा ठाड़ होब्या। मइँ इ पराथना भी करत हउँ कि उ बिन्यामीन अउ सिमोन क भी सुरच्छित आवइ देइ। अगर नाहीं तउ मइँ आपन पूतन स वंचित होइ जाब।”

15एँह बरे भाइयन राजा क देइ बरे भेंट लिहन अउ उ पचे जेतँना धन पहिले लिहे रहेन ओकर दुइ गुना आपन साथ लिहन। बिन्यामीन भाइयन क संग मिस्र गवा।

भाइयन क यूसुफ क घर निमंत्रण मिलत ह

16मिस्र मँ यूसुफ ओनके संग बिन्यामीन क लखेस। यूसुफ आपन सेवक स कहेस: “ओन मनइयन क मोरे घरे लिआवा। एक ठु जनावर मारा अउ पकावा। उ सबइ मनई क आजु दुपहरिया मोरे संग भोजन करइ द्या।” 17नउकर क जइसा कहा गवा रहा वइसा किहस। उ ओन मनइयन क यूसुफ क घर लइ गवा।

18भाई लोग ससान रहेन जब उ सबइ यूसुफ क घर गएन। उ पचे कहेन, “हम पचे हिआँ उ धन बरे लिआवा ग अही जउन पिछली दाईं हम लोगन क बोरन मँ रखि दीन्ह ग रहा। उ पचे एँका हम लोगन क बिरुद्ध प्रयोग करिहीं। तब उ पचे हम पचन क गदहन क लइ लेइहीं अउ हम लोगन क गुलाम बनइहीं।”

19एँह बरे यूसुफ क घरे क देख रेख करइवाला नउकर क लगे सबहिं भाई गएन। 20उ पचे कहेन, “महोदय हम सपथ लइके कहत हउँ कि पिछली दाईं हम लोग हिआँ भोजन खरीदइ बरे आए रहेन। 21-22घर लउटत समइ हम पचे आपन बोरन क खाली कीन्ह अउ हर एक बोरा मँ आपन धन पावा। हम पचे नाहीं जानत रहेन कि ओनमाँ धन कइसे पहोंचा। मुला हम उ धन आप क लउटावइ बरे साथ लाए अहइँ अउ इ समइ हम लोग जउन अनाज बेसहइ चाहित ह ओकरे बरे धन लाए अही”

23नउकर जवाब दिहस, “डेराअ जिन, मोहे प पतिआ। तोहरे पिता क परमेस्सर तू लोगन क धन क तोहरे बोरवन मँ भेंट क रुप मँ धरे होइ। मोका सुमिरन अहइ कि तू लोगन पिछली दाईं अनाज क दाम मोका दइ दिहे रह्या।”

तब नउकर सिमौन क जेल स बाहेर लिआवा। 24नउकर ओन लोगन क यूसुफ क घरे लइ गवा। उ ओनका पानी दिहस अउ उ पचे आपन गोड़ पखारेन। उ ओनके गदहन क खाइ बरे चारा दिहस।

25भाइयन सुनेन कि यूसुफ क संग खइया क खइहीं। एँह बरे ओकर भाई आपन भेंट तइयार करइ मँ उ पचे दुपहर तलक लगा रहेन।

26यूसुफ आपन घर गवा अउ भाइयन ओका भेंट दिहन जउन उ पचे आपन संग लइ आए रहेन। तब उ पचे धरती प निहुरिके पैलगी किहन।

27यूसुफ ओनकइ कुसल पूछेस। यूसुफ कहेस, “तू पचन क बुढ़वा पिता जेकरे बारे मँ तू लोगन क बताया, ठीक तउ अहइ? का उ अब तलक जिअत अहइ?”

28भाइयन जवाब दिहेन, “हम पचन क बाप नीक अहइँ। उ सबइ अब तलक जिअत अहइँ” अउर उ पचे फुन यूसुफ क समन्वा निहुरेन।

यूसुफ आपन भाई बिन्यामीन स मिलत ह

29तब यूसुफ आपन भाई बिन्यामीन क लखेस। (बिन्यामीन अउ यूसुफ क एक ही महतारी रहिन।) यूसुफ कहेस, “का इ तू लोगन क सब स लहुरा भाई अहइ जेकरे बारे मँ तू बताए रह्या?” तब यूसुफ बिन्यामीन स कहेस, “परमेस्सर तोह प कृपालु होइ।”

30तब यूसुफ कमरा स बाहेर दौड़ि गवा। आपन भाइ बिन्यामीन क सहानुभूति मँ बेकाबू होइ गवा रहेन। एँह बरे उ रोवइ वास्ते गुप्त ठउर खोजेस। उ आपन कमरा मँ गवा अउर हुवाँ रोवा। 31तब यूसुफ आपन मुँह धोएस अउ बाहेर आवा। उ आपन आप पइ काबू रखेस अउर कहेस, “अब खइया क खाइके टेम बाटइ।”

32यूसुफ अकेले एक ठु मेज प खइया खाएस। ओकर भाइयन दूसर मेज प एक साथ भोजन किहन। मिस्र क लोगन दूसर मेज प एक संग खाएन। ओनकइ बिस्सास रहा कि ओनके बरे इ ठीक नाहीं कि उ पचे हिब्रू लोगन क संग खाइँ। 33अब उ पचन्क यूसुफ क समन्वा मेज पइ पहलोठा स लइ क सबन त छोटा क तरतीब मँ बइठा गवा रहेन। एँह बरे सबइ भाइयन अचरज करत भए रहेन। 34नउकर लोग यूसुफ क मेज प ओनका भोजन लइ जात

रहेन। मुला अउरन स अपेच्छा नउकर लोग बिन्यामीन क
पाँच गुना बेसी दिहन। यूसुफ क संग उ सबहिं भाई तब
तलक खात रहेन अउ दाखरस पिअत रहेन जब तलक उ
पचे नसा मँ मस्त नाहीं होइ गएन।

यूसुफ जाल बिछावत ह

44 तब यूसुफ आपन नउकरन क जउन कि घर क
निगराँकार रहेन। हुकुम दिहेस। यूसुफ कहेस,
“ओन मनइयन क बोरियन मँ एँतना अनाज भरि द्या जेतॅना
उ पचे लइ जाइ सकइँ। तउ हर एक मनइयन क पैसा
ओकरे बोरा मँ उपर रख द्या। 2मुला सब स लहुरा भाई क
बोरा मँ उपर ओकरे आनाज क पैसा क संग मोर चाँदी क
पियाला भी रख द्या।” नउकर यूसुफ क हुकुम पूरा किहस।
3दूसरे दिन भिन्सारे सब भाई लोग आपन गदहन क संग
अपने देस क वापिस पठइ दीन्ह गएन। 4जब उ पचे सहर
बाहर कछू ही दूर गए रहेन तउ यूसुफ आपन नउकर क
हुकुम दिहेस, “जा अउर ओन लोगन क पाछा करा। ओनका
रोका अउ ओनसे कहा, ‘हम लोग आपन लोगन बरे नीक
रह्या! मुला आप सबन हम लोगन बरे बुरा काहे रहे?
5हमार मालिक यूसुफ इहइ पियाला स पिअत हीं। उ पचे
राज क बात जानइ बरे इहइ पियाला क प्रयोग करत ह। इ
पियाला क चोराइके आप लोगन काहे अपराध किहेन?’”
6एँह बरे नउकर हुकुम क मानेस। उ सवार होइ के
भाइयन तलक गवा अउ ओनका रोकेस। नउकर ओनसे उ
ही बातन किहेस जउन यूसुफ ओनसे कहइ बरे कहे रहा।
7मुला भाइयन नउकर स कहेन, “राज्जपाल अइसी बातन
काहे कहत हीं? हम पचे अइसा अपराध कबँहू नाहीं करब!
8लखा हम पचे उ पैसा कनान देस लउटाइके लाए रहेन
जउन पहिले हम लोगन क आपन बोरन मँ मिला रहा। एह
बरे हम लोगन तोहार मालिक क घरे स चाँदी या सोना नाहीं
चोरावइ चाही? 9जदि आपन कउनो बोरा मँ चाँदी क उ
पियाला पाइ जाइँ तउ उ मनई क मारि दीन्ह जाइ। तू ओका
मार सकत ह अउर हम लोग तोहार नउकर होब।”
10नउकर कहेस, “जइसा तू कहत ह हम वइसा ही करब,
मुला मइँ उ मनई क मारब नाहीं। जदि मोका चाँदी क
पियाला मिली तउ उ मनई मोर नउकर होइ। दूसर भाई लोग
जाइ बरे अजाद होइहीं।”

जाल बिछावा गवा, बिन्यामीन धरा गवा

11तब सब भाई आपन आपन बोरा क हाली हाली भुइयाँ
प खोलेन। 12नउकर बोरन मँ लखब सुरु किहेस। उ सब स
जेठ भाई स सुरु किहस अउ सब स लहुरा भाई प खतम
किहस। उ बिन्यामीन क बोरा मँ पियाला पाएस। 13सबइ भाई
लोग बहोत दुःखी भएन। एँह बरे उ पचे आपन ओढ़ना फारि
डाएन। तउ आपन आपन गदहन पइ बोरन क लादेन अउर
सहर क लउट पड़ेन।
14यहूदा अउ ओकर भाई यूसुफ क घर लौटि गएन।
यूसुफ तब तलक हुआँ रहा। भाइयन भुइँया तलक निहुरिके
प्रणाम किहेन। 15यूसुफ ओनसे कहेस, “तू पचे इ काहे
किहा? का तू लोगन क पता नाहीं अहइ कि छिपी बातन क
फरियावइ क मोर खास ढंग बाटइ। मोहसे बढ़िके अच्छी
तरह कउनो दूसर इ नाहीं कइ सकत।”
16यहूदा कहेस, “महोदय, हम पचन क कहइ बरे कछू
नाहीं अहइ। एँका फरियावइ क कउनो दूसर तरीका नाहीं बा।
इ देखावइ क कउनो तरीका नाहीं बा कि हम पचे अपराधी
नाहीं अही। हम पचे अउर कछू किहे होइ जेकरे बरे
परमेस्सर हमका अपराधी ठहराएस ह। एह बरे, हम सबहिं
बिन्यामीन क साथ, आपका दास होब।”
17मुला यूसुफ कहेस, “मइँ तू पचन्क सबहिं क आपन
दास न बनाउब। सिरिफ उहइ मनई जेकर बोरा मँ पियाला
पावा गवा रहा, मोर दास होइ। तू दूसर लोग आपन पिता क
लगे जाइ बरे अजाद अहइँ।”

यहूदा बिन्यामीन क बारे मँ सिफारिस करत ह

18तब यहूदा यूसुफ क लगे गवा अउ उ कहेस,
“महोदय, मेहरबानी कइके मोका खुद आपसे साफ कहि लेइ
द्या। कृपा कइके मोसे नाखुस न ह्वा। मइँ जानत अहउँ कि
आप खुद फिरौन जइसे अहइँ। 19जब हम लोग पहिले हिआँ
आए रहे, आप पूछे रहेन कि ‘का तोहार पिता या भाई
अहइँ?’ 20अउर हम आप क जवाब दीन्ह, ‘हमरे एक ठु
पिता अहइँ, उ बुढ़ान अहइँ अउ हम लोगन क एक लहुरा
भाई अहइ। हमार पिता ओसे बहोत ज्यादा पियार करत हीं
काहेकि ओकर जन्म ओकरे बुढ़ापे मँ भवा रहा, अउर लहुरा
बेटवा क भाई मरि गवा एह बरे इ सिरिफ अकेला बचा
अहइ जउन उ मेहरारु स जनमे रहा। हम पचन क पिता
ओका बहोत पियार करत हीं।’ 21तब आप हमसे कहे रहेन,
‘उ भाई क मोरे लगे लिआवा। मइँ ओका लखइ चाहत
हउँ।’ 22अउ हम लोग कहे रहे, ‘इ नान्ह लरिका नाहीं आइ
सकत। उ आपन बाप क नाहीं तजि सकत। अगर ओकरे
पिता क ओसे हाथ धोवइ पड़इ तउ ओकर पिता एँतना दुःखी
होइ कि उ मरि जाइ।’ 23मुला आप हमसे कहेन, ‘तू लोग
आपन छोटका भइया क जरुर लिआवा, नाहीं तउ मइँ फुन
तू लोगन क हाथे अनाज न बेचब।’ 24एँह बरे हम लोग
आपन पिता क लगे लउटे अउ आप जउन कछू कहेन,
ओनका बतावा।
25“पाछे हम पचन क पिता कहेन, ‘फुन जा अउ हम
लोगन बरे कछू अउर अन्न खरीदा।’ 26हम लोग ओसे
कहा, ‘हम लोग आपन सब स लहुरा भाई क बिना नाहीं
जाइ सकित। राज्जपाल कहेस ह कि उ तब तलक हम
लोगन क अनाज नाहीं बेची जब तलक उ हमरे सबन त
लहुरे भइया क नाहीं लखि लेत।’ 27तब मोर पिता हम
लोगन स कहेस, ‘तू लोग जानत ह कि मोर मेहरारु राहेल
मोका दुइ पूत दिहस। 28मइँ एक पूत क दूरी जाइ दिहेउँ
अउ ओका जंगली जनावर मारि डाएन अउ तब स मइँ
ओका नाहीं लखेउँ ह। 29अगर तू पचे मोर पूत क मोसे दूर
लइ जाइ चाहत बाट्या अउ ओका कछू होइ जात ह तउ
मोका एँतना दुःख होइ कि मइँ मरि जाब।’ 30एँह बरे अब
हम लोग आपन छोटका भाई क बिना घरे जाब तब हम
पचन क पिता क इ निहारइ क पड़ी। उ छोटका बेटवा हमरे
पिता क जिन्नगी मँ सबसे बेसी मानता रखत ह। 31जब उ

पचे लखिहीं कि छोटका बेटवा हम लोगन क संग नाहीं
अहइ उ पचे मरि जइहीं अउर इ हम लोगन क दोख होइ।
हम पचे आपन पिता क घोर दु:ख अउ मउत क कारण
होइ जाब।
32"मइँ छोटके बेटवा क जिम्मेदारी लीन्ह ह। मइँ आपन
पिता स कहेउँ, 'जदि मइँ ओका आप क लगे लउटाइके न
लावउँ तउ आप सारी जिन्नगी भइ मोका दोखी ठहराइ
सकत हीं।' **33**एँह बरे मइँ आप स माँगत अहउँ, अउर आप
पराथना करत हउँ कि कृपा कइके छोटके लरिका क आपन
भाइयन क संग लौटि जाइ देइँ अउ मइँ हिआँ रुकब अउ
आप क दास होब। **34**मइँ आपन पिता क लगे लौट नाहीं
सकत जदि हमरे संग छोटका भाई नाहीं रही। मइँ इ बात स
बहोत ससान अहउँ कि मोरे बाप क संग का घटी।"

यूसुफ आपन क परगट करत ह कि उ कउन अहइ

45 यूसुफ आपन क अउर जियादा न संभारि सका। उ
हुआँ हाजिर सबहिं लोगन क समन्वा रोइ पड़ा।
यूसुफ कहेस, "हर एक स कहा कि हिआँ स हट जाइँ।"
एँह बरे सबहिं लोग चला गएन। सिरिफ ओकर भाई ही
यूसुफ क संग रहि गएन। तब यूसुफ ओनका बताएस कि उ
कउन अहइ। **2**यूसुफ रोवत रहा, अउर फिरौन क महल क
सब मिस्र क मनइयन सुनेन। **3**यूसुफ आपन भाइयन स
कहेस, "मइँ आप लोगन क भाई यूसुफ अहउँ। का मोर
पिता अब भी जीवित अहइँ?" मुला भाइयन ओका जवाब
नाहीं दिहेन। उ पचे डेरान अउ उलझन मँ रहेन।
4एँह बरे यूसुफ आपन भाइयन स फुन कहेस, "मोरे लगे
आवा।" एँह बरे यूसुफ भाई क निअरे गएन अउ यूसुफ
ओनसे कहेस, "मइँ आप लोगन क भाई यूसुफ अहउँ। मइँ
उहइ अहउँ जेका मिस्री लोगन क हाथे आप लोग गुलाम
क रुप मँ बेचे रहेन। **5**अब परेसान न होइँ। आप लोग
आपन किहे भए पइ गुस्सा न करइँ। उ तउ मोरे बरे
परमेस्सर क योजना रही कि मइँ हिआँ आवउँ। मइँ हिआँ तू
लोगन क जिन्नगी बचावइ बरे आवा हउँ। **6**इ खौफनाक
भुखमरी क समइ दुइ बरिस ही अबहिं बीता अहइ अउर
अबहिं पाँच बरिस बे पौध लगावइ या उपज क अइहीं। **7**एँह
बरे परमेस्सर तू लोगन स पहिले मोका हिआँ पठएस जेहसे
मइँ इ देस मँ तू लोगन क बचाइ सकउँ। **8**इ आप लोगन
क दोख नाहीं रहा कि मइँ हिआँ पठवा गवा। इ परमेस्सर
क जोजना रही। परमेस्सर मोका फिरौन बरे पिता क समान
बनाएस। ताकि मइँ ओकर सारा घर अउ समूचइ मिस्र क
राज्जपाल बनि सकउँ।"

इस्राएल क मिस्र बरे आमन्त्रण मिला

9यूसुफ कहेस, "एँह बरे हाली मोरे पिता क लगे जा।
मोरे पिता स कहा कि ओकर पूत यूसुफ इ सँदेसा पठएस
ह।"
परमेस्सर मोका समूचइ मिस्र क राज्जपाल बनाएस ह। मोरे
लगे आवइँ। इन्तजार न करइँ। अबहिं आवइँ। **10**आप मोरे
निचके गोसेन प्रदेस मँ रइहीं। आप क, आप क बेटवन
क, आप क सबहिं जनावरन अउ झुण्ड क सुआगत
अहइ। **11**भुखमरी क अगले पाँच बरिस मँ मइँ आप क
देखरेख करब। इ तरह आप क अउ आप क परिवारे क
जउन चीजन अहइँ ओनसे आप क हाथ धोवइ क न होइ।

12यूसुफ आपन भाइयन स बात करत रहा। उ कहेस,
"अब आप लोग निस्चित रूप स लख सकत अहइँ कि इ
फुरइ मइँ ही यूसुफ अहइँ" अउर आप लोगन क भाई
बिन्यामीन जानत ह कि इ मइँ ही आप लोगन क भाई
अहउँ जउन आप लोगन स बात करत हउँ। **13**एँह बरे मोरे
पिता स मोका मिस्र क जउन सम्मान प्राप्त अहइ क बारे मँ
कहइँ। आप लोगन जउन हिआँ लखेन ह उ हर एक चीज
क बारे मँ मोरे पिता क बतावइँ। अब हाली करा अउ मोरे
पिता क लइके मोरे लगे लौटा।" **14**तब यूसुफ आपन भाई
बिन्यामीन क गले लगाएस अउ रोइ पड़ा अउ बिन्यामीन भी
रोइ पड़ा। **15**तब यूसुफ सबहिं भाइयन क चूमेस अउ ओन
कइ बरे रोइ पड़ा। एँकरे पाछे भाई ओकरे संग बतियाइ
लागेन।
16फिरौन क पता लाग कि यूसुफ क भाई ओकरे पास
आवा अहइँ। इ खबर फिरौन क पूरे महल मँ सँचर गइ।
फिरौन अउ ओकर नउकर इ बारे मँ बहोत खुस भएन।
17एँह बरे फिरौन यूसुफ स कहेस, "आपन भाइयन स कहा
कि ओनका जेतना खइया क चाही, लइ लेइँ अउ कनान देस
क लौटि जाइँ। **18**आपन भाइयन स कहा कि उ पचे आपन
पिता अउ आपन परिवार क लइके हिआँ मोरे लगे आवइँ।
मइँ तोहका रोजी बरे मिस्र मँ बढ़िया धरती देब अउ तोहार
परिवार सब स अच्छा खइया क खाइ जउन हमरे लगे हिआँ
अहइ।" **19**तब फिरौन कहेस, "हमरी सबन त बढ़िया गाड़ियन
मँ स कछू आपन भाइयन क द्या। ओनका कनान जाइ अउ
गाड़ियन मँ स आपन पिता, मेहररुअन अउ गदेलन क हिआँ
आवइ द्या। **20**ओनकी सबइ चिजियन क हिआँ लावइ बारे
मँ चिन्ता जिन करा। हम ओनका मिस्र मँ जउन सबन त
बढ़िया अहइ, देब।"
21एँह बरे इस्राएल क पूतन इहइ किहेन। यूसुफ फिरौन
क बचन क मुताबिक नीक गाड़िन क दिहस अउ यूसुफ
जात्रा बरे ओनका भरपूर भोजन दिहस। **22**यूसुफ हर एक
भाई क एक एक जोड़ा सुन्नर ओढ़ना दिहस। मुला यूसुफ
बिन्यामीन क पाँच जोड़ा सुन्नर ओढ़ना दिहस अउ यूसुफ
बिन्यामीन क तीन सौ चाँदी क सिक्का भी दिहस। **23**यूसुफ
आपन पिता क भेंट पठएस। उ मिस्र स बहोत स बढ़िया
चीजन स भरा बोरन स लदा दस ठु गदहन क पठएस अउ
उ आपन पिता बरे अनाज, रोटी अउ दूसर भोजन स लदी
भइ दस ठु गदहियन क ओनकी वापसी जात्रा बरे पठएस।
24तब यूसुफ आपन भाइयन क जाइ बरे कहेस। जब उ पचे
जाइ क रहेन यूसुफ ओनसे कहेस, "सोझइ घरेजा अउ रस्ता
मँ जिन लड्या।"
25इ तरह भाइयन मिस्र क तजेन अउ कनान देस मँ
आपन पिता क लगे गएन, **26**भाइयन ओनसे कहेन, "पिता
जी यूसुफ अबहिं जिअत अहइ अउ उ पूरा मिस्र देस क
राजा अहइ।"

ओनकइ पिता असमंजस मँ पड़ि गवा। उ ओन पइ नाहीं
पतियान। 27मुला यूसुफ जउन बातन क कहे रहा, भाइयन हर
एक बात आपन पिता स कहेन। तब याकूब ओन गाड़ियन क
लखेस जेनका यूसुफ मिस्र क वापसी जात्रा बरे पठए रहा।
तब याकूब भाव बिभोर होइ गवा अउ बहो बहोतइ खुस
भवा। 28इस्राएल कहेस, "अब मोका बिस्सास अहइ कि मोर
पूत यूसुफ अबहिं जिअत अहइ। मइँ मरइ स पहिले ओका
देखइ जात अहउँ।"

परमेस्सर इस्राएल क पतियावत ह

46 एँह बरे इस्राएल मिस्र क आपन जात्रा सुरु
किहस। पहिले इस्राएल बेर्सेबा पहोंचा। हुआँ
इस्राएल आपन पिता इसहाक क परमेस्सर क आराधना अउर
बलि भेंट किहस। उ बलि दिहेस। 2राति मँ परमेस्सर
इस्राएल स सपना मँ बोला। परमेस्सर कहेस, "याकूब,
याकूब"
अउ इस्राएल जवाब दिहेस, "मइँ हिआँ अहउँ।"
3तब परमेस्सर कहेस, "मइँ यहोवा तोहरे बाप क परमेस्सर
अहउँ। मिस्र जाइ स डेराअ जिन। मिस्र मँ मइँ तोहका महान
रास्ट्र बनाउब। 4मइँ तोहरे संग मिस्र चलब अउ मइँ तोहका
फुन मिस्र मँ स बाहेर निकारि लाउब। तू मिस्र मँ मरिब्या।
मुला यूसुफ तोहरे संग रही। जब तू मरब्या तउ उ खुद
आपन हाथन स तोहार आँखी बन्द करी।"

इस्राएल मिस्र क जात ह

5तब याकूब बेर्सेबा तजेस अउ मिस्र तलक जात्रा किहस।
ओकर बेटवन, अर्थात इस्राएल क बेटवन अउ बाप, आपन
मेहररुअन अउ आपन सबहिं बच्चन क मिस्र लइ गएन। उ
पचे फिरौन क जरिये पठई गइन गाड़ियन मँ जात्रा किहेन।
6ओनके लगे, ओनकइ गोरु अउ कनान देस मँ ओनका
आपन जउन कछू रहा, उ भी संग रहा। इ तरह इस्राएल
आपन सबहिं लरिकन अउ आपन परिवारे क संग मिस्र
गवा। 7ओकरे संग ओकर बेटवन अउ बिटियन अउ पोतन
अउर पोतिन रहिन। ओकर सारा परिवार ओकरे संग मिस्र
गवा।

याकूब क परिवार

8इ इस्राएल क ओन पूतन अउ परिवारन क नाउँ अहइँ
जउन ओकरे संग मिस्र गएन।
रूबेन याकूब क पहिला पूत रहा। 9रूबेन क पूत रहेनः
हनोक, पल्लू, हेस्रोन अउ कर्म्मी।
10सिमोन क पूतः यमूएल, यामीन, ओहद, याकीन अउ
सोहर। हुआँ साऊल भी रहा। (साऊल कनानी मेहरारु स
पइदा भवा रहा।)
11लेवी क बेटवनः गोर्सोन, कहात अउ मरारी
12यहूदा क पूतनः एर, ओनान, सेला, पेरेस अउ जेरह।
(एर अउ ओनान कनान मँ रहत समइ मर ग रहेन।) पेरेस
क पूतनः हेस्रोन अउ हामूल।
13इस्साकार क पूतनः तोला, पुब्बा, योब अउ सिम्रोन।
14जबूलून क पूतनः सेरेद, एलोन अउ यहलेल।
15रूबेन, सिमोन लेवी, यहूदा, इस्साकार अउ जबूलून
जउन याकूब क मेहरारु लिआ क पूतन रहेन। लिआ क उ
पूतन पद्दन-अराम मँ रहेन अउर ओकर संग दीना नाउँ क
एक ठू बिटिया भी रही। इ परिवारे मँ तैंतीस मनई रहेन।
16गाद क पूतनः सिय्योन, हाग्गी, सूनी, एसबोन, एरी,
अरोदी, अउर अरेली।
17आसेर क पूतनः यिम्ना, यिस्वा, यिस्वी, बरीआ अउ
ओनकइ बहिन सेरह अउ बरीआ क पूतनः हेबेर अउ
मल्कीएल रहेन।
18इ सबइ याकूब क मेहरारु क दासी जिल्पा स ओकरे
पूत रहेन। (जिल्पा लाबान क दुआरा ओकरे बिटिया लिआ
क दीन्ह गवा रहेन।) इ परिवारे मँ सोलह मनई रहेन।
19याकूब क संग ओकर मेहरारु राहेल स पइदा भवा पूत
बिन्यामीन भी रहा। (यूसुफ भी राहेल स पइदा रहा, मुला उ
पहिले स ही मिस्र मँ रहा।)
20मिस्र मँ यूसुफ क दुइ पूतन रहेन, मनस्से अउ एप्रैम।
(यूसुफ क मेहरारु ओन क याजक पोतीपेरा क बिटिया
आसनत रही।)
21बिन्यामीन क पूतः बेला, बेकेर, अस्बेल, गेरा, नामान,
एही, रोस, मुप्पीम, हुप्पीम अउ आर्द।
22उ पचे याकूब क मेहरारु राहेल स पइदा भए ओकर
दुइ पूत रहेन। इ परिवार मँ चौदह मनई रहेन। 23दान क पूतः
हूसीम। 24नप्ताली क पूतनः यहसेल, गूनी, सेसेर, अउर
सिल्लेम।
25उ पचे याकूब अउ बिल्हा क पूत रहेन। (बिल्हा राहेल
क नउकरानी रही। जेका लाबन ओका दिहे रहेन) इ परिवारे
मँ सात मनई रहेन।
26इ तरह याकूब क सन्तानन मिस्र मँ पहोंचिन। ओनमाँ
छाछठ ओकर सोझ संतान रहिन। (इ गनती मँ याकूब क
बेटवन क मेहररुअन सामिल नाहीं रहिन।)
27यूसुफ क भी दुइ पूत रहेन। उ पचे मिस्र मँ पइदा भ
रहेन। इ तरह मिस्र मँ याकूब क परिवार मँ सत्तर मनई
रहेन।

इस्राएल मिस्र पहोंचत ह

28इस्राएल पहिले यहूदा क यूसुफ क लगे पठएस। यहूदा
गोसेन प्रदेस मँ यूसुफ क लगे गवा। जब इस्राएल अउ
ओकर लोग उ प्रदेस मँ गएन। 29यूसुफ क पता लाग कि
ओकर पिता नगिचे आवत अहइ। एँह बरे यूसुफ आपन रथ
तइयार कराएस अउ आपन पिता इस्राएल स गोसेन मँ भेटंइ
चला। जब यूसुफ आपन पिता क लखेस तब उ ओकरे
गटइया स लपटि गवा अउ देर तलक रोवत रहा।
30तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, "अब मइँ सान्ति स मरि
सकत हउँ। मइँ तोहार मुँह देखि लिहेउँ ह अउर मइँ जानत
हउँ कि तू अबहिं जिअत अहा।"
31यूसुफ आपन भाइयन अउ आपन पिता क परिवार स
कहेस, "मइँ जाब अउ फिरौन स कहब कि मोरे पिता हिआँ
आइ ग अहइँ। मइँ फिरौन स कहब, 'मोर भाइयन अउ मोर
पिता क परिवार कनान देस तजि दिहे अहइ अउर हिआँ मोरे
लगे आइ ग अहइँ। 32इ गड़रिया क परिवार अहइ। उ पचे

हमेसा गोरु अउ खरका राखे अहइँ। उ पचे आपन सबहिं
जनावर अउ ओनकइ जउन कछू आपन अहइ ओका आपन
संग लइ आए अहइँ।' 33जब फिरौन आप लोगन क
बोलइहीं अउ आप लोगन स पूछिहीं, 'आप लोग का काम
करत हीं?' 34आप लोग ओनसे कह्या, 'हम पचे गड़रिया
अही। हम सबइ पूरी जिन्नगी जनावरन क देखरेख मँ बितावा
ह। हम लोगन स पहिले हमार पुरखन भी अइसे रहेन।' तब
फिरौन तू लोगन क गोसेन प्रदेस मँ रहइ क आग्या दइ
देइ। मिस्र क लोग गड़रिया क पसन्द नाहीं करतेन, एँह बरे
बढ़िया उहइ होइ कि आप लोग गोसेन मँ ही ठहरइँ।"

इस्राएल गोसेन मँ बसत ह

47 यूसुफ फिरौन क लगे गवा अउ उ कहेस, "मोर
पिता, मोर भाई अउ ओनके सबहिं परिवार हिआँ
आइ ग अहइँ। उ सबइ आपन सबइ जनावर तथा कनान मँ
ओनकइ आपन जउन कछू रहा, ओकरे संग अहइ। इ टेम
उ सबइ गोसेन प्रदेस मँ अहइँ।" 2यूसुफ आपन भाइयन मँ स
पाँच क फिरौन क समन्वा हाजिर होइ बरे चुनेस। 3फिरौन
भाइयन स पूछेस, "तू लोग का काम करत अहा?"

भाइयन फिरौन स कहेन, "महोदय, हम पचे गड़रिया
अही। हम लोगन स पहिले हमार पुरखन भी गड़रिया रहेन।"
4उ पचे फिरौन स कहेन, "कनान मँ भुखमरी क इ टेम
बहोत बुरा बाटइ। हम लोगन क गोरुअन क घास वाला
कउनो खेत बचा नाहीं रहि गवा बाटइ। एँह बरे हम लोग
इस देस मँ बसइ आवा अही। आप से हम पचे बिनती करत
अही कि आप कृपा कइके हम लोगन क गोसेन प्रदेस मँ
रहइ देइँ।"

5तब फिरौन यूसुफ स कहेस, "तोहरे पिता अउ तोहार
भाई तोहरे लगे आवा अहइँ। 6तू मिस्र मँ कउनो भी जगह
ओनके रहइ बरे चुन सकत ह। आपन पिता अउ आपन
भाइयन क सबसे अच्छी भुइँया द्या। ओनका गोसेन पहँटा मँ
रहइ द्या अउ अगर उ सबइ कुसल गड़रिया अहउँ, तउ उ
पचे मोरे जनावरन क भी देख भाल कइ सकत हीं।"

7तब यूसुफ आपन पिता याकूब क भितरे फ़िरौन क
समन्वा बोलाएस। याकूब फिरौन क आसीर्बाद दिहस। 8तब
फिरौन याकूब स पूछेस, "आप क उमिर का अहइ?"
9याकूब फिरौन स कहेस, "बहोत स कस्टन क संग मोर
छोटी जिन्नगी रही। मइँ सिरिफ एक सौ तीस बरिस जिन्नगी
बिताएउँ ह। मोर पिता अउ ओनके पुरखन मोसे बेसी उमिर
तक जिअत रहेन।"

10याकूब फिरौन क आसीर्बाद दिहस। तब फिरौन स बिदा
लेइके चल दिहस। 11यूसुफ फिरौन क हुकुम मानेस। उ
आपन पिता अउ भाइयन क मिस्र मँ भुइँया दिहस। इ
रामसेस सहर क निअरे मिस्र मँ सबसे बढ़िया भुइँया रही।
12यूसुफ आपन पिता, भाइयन अउ ओनके आपन लोगन क,
जउन भोजन ओनका जरुरी रहा, दिहस।

यूसुफ फिरौन बरे भुइँया खरीदत ह

13भुखमरी क समइ अउर भी जियादा बुरा होइ गवा। देस
मँ कहीं भी भोजन न रहा। इ बुरा समइ क कारण मिस्र
अउ कनान बहोत गरीब होइ गएन। 14देस मँ लोग जियादा
स जियादा अनाज बेसहइ लागेन। यूसुफ धन बचाएस अउ
ओका फिरौन क महल मँ लिआएस। 15कछू समइ पाछे
मिस्र अउ कनान मँ लोगन क लगे पइसा नाहीं रहा। उ पचे
आपन सारा धन अनाज बेसहइ मँ खर्च कइ दिहन। एँह बरे
लोग यूसुफ क लगे गएन अउ बोलेन, "कृपा कइके हम
पचन क खइया क द्या। हम पचन क धन खतम होइ ग
अहइ। अगर हम लोग नाहीं खाब तउ आप क लखत
लखत मरि जाब।"

16मुला यूसुफ जवाब दिहस, "आपन गोरु मोका द्या
अउर मइँ तू लोगन क भोजन देब।" 17एँह बरे लोग आपन
गोरु, घोड़ा अउ दूसर सबहिं जनावरन क भोजन बेसहइ बरे
प्रयोग मँ लावइ लागेन अउ उ बरिस यूसुफ ओनके गोरुअन
क लिहस अउ भोजन दिहस।

18मुला दूसर बरिस लोगन क लगे जनावर नाहीं रहि
गएन अउ भोजन बेसहइ बरे कछू न रहा। एँह बरे मनई
यूसुफ क लगे गएन अउ बोलेन, "आप जानत हीं कि हम
लोगन क लगे धन नाहीं बचा बाटइ अउ हमार सबहिं गोरु
आप क होइ गए अहइँ। एँह बरे हम लोगन क लगे कछू
नाहीं बचा अहइ। उ बचा अहइ सिरिफ, जउन आप लखत
हीं, हमार तन अउ हमार भुइँया। 19आप क लखत भए ही
हम फुरइ मरि जाब। मुला जदि आप मोका भोजन देत हीं
तउ हम फिरौन क आपन भुइँया देब अउ ओकर गुलाम
होइ जाब। हमका बिआ द्या जेनका हम बोइ सकी। तब हम
लोग जिअत रहब अउ मरब नाहीं अउ भुइँया हम लोगन
बरे फुन अनाज उगाई।"

20एँह बरे यूसुफ मिस्र क सारी भुइँया फिरौन बरे बेसहेस।
मिस्र क सबहिं लोगन आपन खेतन क यूसुफ क हाथ बेंचि
दिहन। उ पचे इ एँह बरे किहन काहे कि उ पचे बहोत
भुखान रहेन। 21अउर सबइ लोग फिरौन क दास होइ गएन।
मिस्र मँ सब जगह लोग फिरौन क दास रहेन। 22एक
सिरिफ उहइ भुइँया यूसुफ नाहीं बेसहेस जउन याजकन क
कब्जा मँ रही। याजकन क भुइँया बेंचइ क जरुरत नाहीं
रही। काहेकि फिरौन ओनके काम बरे ओनका पगार देत
रहा। एँह बरे उ पचे इ धन क खाइ बरे भोजन बेसहइ मँ
खरच किहन।

23यूसुफ लोगन स कहेस, "अब मइँ तू पचन क अउ
तोहरी भुइँया क फिरौन बरे बेसहेउँ ह। एँह बरे मइँ तू पचन
क बिआ देब अउ तू लोग आपन खेतन मँ पौध लगाइ
सकत ह। 24फसल काटइ क समइ तू लोग फसल क
पाँचवाँ हींसा फिरौन क जरूर दिहा। तू पचे आपन खातिर
पाँच मँ स चार हींसा रखि सकत ह। तू लोग उ बिआ क
जेका भोजन अउ बोवइ बरे रखब्या ओका दुसरे बरिस प्रयोग
कइ सकब्या। अब तू आपन परिवारन अउ गदेलन क
खिआइ सकत ह।"

25मनइयन कहेन, "आप हम लोगन क जिन्नगी बचाइ
लिहन ह।" हम लोग आप क अउ फिरौन क दास होइ मँ
खुस अही।"

26एँह बरे यूसुफ उ समइ देस मँ एक नेम बनाएस अउ
उ नेम अब तलक चला आवत अहइ। नेम क मुताबिक

भुइँया स हर एक उपज क पाँचवाँ हींसा फिरौन क बाटइ।
फिरौन सारी भुइँया क सुआमी अहइ। सिरिफ उहइ भुइँया
ओकर नाहीं जउन याजकन क बाटइ।

“मोका मिस्र मँ जिन दफनाया”

27इस्राएल मिस्र मँ रहेउँ। उ गोसेन पहँटा मँ रहा। ओकर
परिवार बाढ़ा अउ बहोत बड़वार होइ गवा। उ पचे मिस्र मँ
उ भुइँया क पाएन अउ अच्छी जिन्नगी बिताएन। **28**याकूब
मिस्र मँ सत्रह बरिस रहा। इ तरह याकूब एक सौ सैंतालीस
बरिस क होइ गवा। **29**उ समइ आइ गवा जब इस्राएल
समझ गवा कि उ हाली ही मरी, एँह बरे उ आपन पूत
यूसुफ क आपन लगे बोलाएस। उ कहेस, “अगर तू मोसे
पिरेम करत ह तउ तू आपन हाथ मोरी जाँघे क तरे धइके
मोका बचन द्या कि तू, जउन मइँ कहब करब्या अउ तू
मोरे बरे सच्चा रहब्या। जब मइँ मरब तउ मोका मिस्र मँ
जिन दफनाया। **30**उहइ जगह मोका दफनाया जउने जगह मोरे
पुरखन दफनावा गए अहइँ। मोका मिस्र स बाहेर लइ जा
अउ मोरे पुरखन जहाँ दफनाए गवा अहइँ उहइ जगह मोका
दफनावा।”

यूसुफ जवाब दिहस, “मइँ बचन देत हउँ कि उहइ करब
जउन आप कहत हीं।” **31**तब याकूब कहेस, “मोसे एक प्रण
करा” अउर यूसुफ ओसे प्रण किहेस कि उ एँका पूरा करी।
तब इस्राएल आपन मूँड़ी खटिया प पाछे धरेस।*

मनस्से अउ एप्रैम क असीस

48 कछू टेम पाछे यूसुफ क पता लाग कि ओकर
पिता बेराम अहइ। एँह बरे यूसुफ आपन दुइनउँ
बेटहनन मनस्से अउ एप्रैम क संग लिहस अउ आपन पिता
क लगे गवा। **2**जब यूसुफ पहोंचा तउ कउनो इस्राएल स
कहेस, “तोहार पूत यूसुफ तोहका लखइ आवा ह।” इस्राएल
बहोत दुर्बल रहा, मुला उ बहोत जतन किहेस अउ खटिया प
बइठि गवा।

3तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, “कनान देस मँ लूज क
जगह प सर्वसक्तीमान परमेस्सर मोका खुद दर्सन दिहस।
परमेस्सर हुआँ मोका आसीर्बाद दिहस। **4**परमेस्सर मोसे
कहेस, ‘मइँ तोहार एक बड़वार परिवार बनाउब। मइँ तोहका
बहोत स बच्चन क देब अउर तू एक महान रास्ट्र बनब्या।
तोहरे लोगन इ भुइँया प सदा बना रहीं।’ **5**अउर अब तोहार
दुइ पूत बाटेन। मोरे आवइ स पहिले मिस्र देस मँ हिआँ इ
सबइ पइदा भए रहेन। तोहार दुइनउँ पूत एप्रैम अउ मनस्से
मोरे आपन बेटवन क तरह होइहीं। उ पचे वइसेन होइहीं
जइसे मोका रूबेन अउ सिमोन अहइँ। **6**इ तरह इ दुइनउँ
मोर पूत होइहीं। उ पचे मोर सबहिं चीजन मँ हिस्सेदार
होइहीं। मुला अगर तोहार दूसर पूत होइहीं तउ उ सबइ
तोहार बच्चन होइहीं। मुला उ पचे भी एप्रैम अउ मनस्से क
बेटवन क नाईं होइहीं। अरथ अहइ भविस्स मँ एप्रैम अउ
मनस्से क जउन कछू होइ, ओहमाँ हिस्सेदार होइहीं।
7पद्दनअराम स जात्रा करत समइ मँ राहेल मरि गइ। इ बात
मोका बहोतइ दु:खी किहस। उ कनान क भुइँया मँ मरी।
हम पचे अबहिं एप्राता कइँती जात्रा करत रहे। मइँ ओका
एप्राता कइँती जाइवाली सड़क प दफनावा।” (एप्राता बेतलेहेम
अहइ।)

8तब इस्राएल यूसुफ क पूतन क लखेस। इस्राएल पूछेस,
“इ सबइ लरिकन कउन अहइँ?”

9यूसुफ आपन पिता स कहेस, “इ सबइ मोर बेटवन
अहइँ। इ सबइ उ पचे लरिकन अहीं जेनका परमेस्सर मोका
दिहस ह।”

इस्राएल कहेस, “आपन बेटवन क मोरे लगे लइ आवा।
मइँ ओनका असीसब।”

10इस्राएल बुढ़वा रहा, अउर ओकर आँखिन ठीक नाहीं
रहिन। एँह बरे यूसुफ आपन बेटहनन क अपने बाप क
निचके लइ गवा। इस्राएल बच्चन क चूमेस अउ गले स
चिपकाएस। **11**तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, “मइँ कबहुँ
नाहीं सोचेउँ कि मइँ तोहार मुँह फुन लखब मुला देखा।
परमेस्सर तोहका अउर तोहरे गदेलन क मोका निहारइ
दिहस।”

12तब यूसुफ बच्चन क गोदी स लिहस अउ उ पचे
ओकरे पिता क समन्वा पैलगी करइ क निहुरेन। **13**यूसुफ
एप्रैम क आपन दाहिन कइँती किहस अउ मनस्से क आपन
बाईं कइँती इ तरह एप्रैम इस्राएल क बाईं कइँती रहा अउ
मनस्से दाईं कइँती रहा। **14**मुला इस्राएल आपन हाथ क
पहला बदलिके आपन दाहिन हाथ क लहुरा लरिका एप्रैम क
मूँड़े प धरेस अउ तब बाएँ हाथ क इस्राएल जेठ लरिका
मनस्से क मूँड़े प राखेस। उ आपन बाएँ हाथ क मनस्से प
धरेस, तउ भी मनस्से क जन्म पहिले भवा रहा। **15**अउर
इस्राएल यूसुफ क आसीर्बाद दिहस अउ कहेस,

“मोरे पुरखा इब्राहीम अउ इसहाक हमरे परमेस्सर क
आराधना किहस अउ उहइ परमेस्सर मोर पूरी जिन्नगी क
रास्ता क देखँवइया रहा बाटइ।

16उहइ सरगदूत रहा जउन मोका सबहिं कस्टन स
बचाएस अउर मोर पराथना अहइ कि इ सबइ लरिकन क
उ असीसइ। अब इ सबइ बच्चन मोर नाम पइहीं। उ पचे
हमरे पुरखा इब्राहीम अउ इसहाक क नाउँ पइहीं। मइँ
पराथना करत हउँ कि उ पचे धरती प महान परिवार अउ
रास्ट्र बनिहीं।”

17यूसुफ लखेस कि ओकर पिता एप्रैम क मूँड़े प दाहिना
हाथ रखेस ह। इ यूसुफ क खुस न कइ सका। यूसुफ आपन
पिता क हाथे क धरेस। उ ओका एप्रैम क मूँड़े स हटाइके
मनस्से क मूँड़ प रखइ चाहत रहा। **18**यूसुफ आपन पिता स
कहेस, “आप आपन दाहिन हाथ गलत लरिका प धरे अहा।
मनस्से क जन्म पहिले अहइ।”

19मुला ओकर पिता नकारेस, अउ कहेस, “पूत, मइँ
जानत हउँ। मनस्से क जन्म पहिले अहइ अउर उ महान
होइ। उ बहोत स लोगन क पिता भी होइ। मुला लहुरा भाई
जेठ भाई स बड़ा होइ अउ लहुरे भाई क परिवार ओसे

तब ... धरेस या तब इस्राएल लाठी क सहारा लइके पराथना मँ आपन मूँड़ि निहराएस। डंडा बरे हिब्रू सब्द “बिछउना” सब्द क तरह बाटइ अउ पराथना बरे बइपरा सब्द का अरथ “पैलगी करब” “ओलरब” होत ह।

बहोत बड़ा होइ।” **20**इ तरह इस्राएल उ दिन ओनका आसीर्बाद दिहस। उ कहेस,

“इस्राएल क लोग तोहरे नाउँ क प्रयोग आसीर्बाद देइ बरे करिहीं, उ लोगन कहब्या: ‘परमेस्सर तोहका एप्रैम अउ मनस्से क तरह बनावइ।’”

इ तरह इस्राएल एप्रैम क मनस्से स बड़वार बनाएस।

21तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, “लखा मोरी मउत क टेम निचकाइ ग अहइ। मुला परमेस्सर तोहरे साथ अब भी रही। उ तोहका तोहरे पुरखन क देस तलक लउटाइ लइ जाइ। **22**मइँ तोहका अइसा कछू दिहेउँ ह जउन तोहरे भाइयन क नाहीं दिहेउँ ह। मइँ तोहका उ पहाड़े क देत अहउँ जेका मइँ एमोरी लोगन स जीतेउँ ह। उ पहाड़ बरे मइँ आपन तरवार अउ आपन धनुख स जुद्ध किहेउँ रहे अउर मोर जीत भइ रही।”

याकूब आपन पूतन क असीसत ह

49 तब याकूब आपन सबहिं बेटवन क आपन लगे बोलाएस। उ कहेस, “मोर सबइ बेटउनो, हिआँ मोरे लगे आवा। मइँ तोहका बताउब कि भविस्स मँ का होइ।

2“याकूब क पूते, एक साथे आवा अउ सुना, आपन पिता इस्राएल क सुना।”

रूबेन

3“रूबेन, तू मोर पहिलउटी क बेटवा अहा। तू मोर पहिलउटी क बेटवा अउ मोरी सक्ती क पहिला सबूत अहा। तू मोर सबहिं बेटवन स जियादा इज्जतदार अउ बरिआर अहा।

4मुला तोहार उमंग बाढ़े का लहर क नाईं बेकाबू रहा। इसलिए तू मोर सबहिं पूतन स जियादा सम्मानित पूत अउर नाहीं रहिसकब्या। तू आपन बाप क बिछाउना पइ चढ़्या अउ ओकर पत्नियन मँ स एक क संग सोया। तू आपन पिता क बिछाउना क लज्जित किहेस ह।”

सिमोन अउ लेवी

5“सिमोन अउ लेवी भाई अहइँ। ओनका आपन तरवारे स लड़ब पियारा अहइ।

6उ पचे छुपे रूप बुरी योजना बनाएन। मइँ ओनकइ योजना क कउनो हींसा नाहीं चाहत हउँ मइँ ओनकइ छुपी बइठकन क अनुमोदन नाहीं करब। उ पचे मनइयन क कतल किहन जब उ सबइ किरोध मँ रहेन। अउ उ पचे सिरिफ मजाक बरे जनावरन क चोट पहोंचाएन।

7ओनकइ किरोध एक सराप अहइ। इ सबइ बहोत जियादा कठोर अहइ जब उ सबइ पगलात हीं। याकूब क देस मँ ओनके परिवारन क आपन भुइँया न होइ। उ पचे पूरा इस्राएल मँ फइलि जइहीं।”

यहूदा

8“यहूदा, तोहार भाईयन तोहार प्रसंसा करिहीं। तू आपन दुस्मनन क हरउब्या। तोहरे भाई तोहरे समन्वा निहुरिहीं।

9यहूदा उ सेर क नाईं अहइ जउन कउनो जनावर क मारे होइ। हे मोर पूत, तू उ सेर क तरह अहा जउन आपना सिकार क बाद अराम करई बरे सोइ जात ह। अउर कउनो एँतना बहादुर नाहीं कि ओका छेड़ि देइ।

10यहूदा क परिवार क मनई राजा होइहीं। ओकरे परिवार क राज-चीन्हा सीलो* क अवाई स पहिले खतम न होइ। तब अनेक लोग ओकर हुकुम मनिहीं।

11उ आपन गदहा क अंगूरे क लता स बाँधत ह। उ आपन गदहा क बच्चन क सबसे बढ़िया अंगूरे क लता मँ बाँधत ह। उ आपन ओढ़ना क धोवइ बरे सबसे बढ़िया दाखरस क बइपरत ह।

12ओकर आँखिन दाखरस पिए स ललछउँड़ रहत हीं। ओकर दँतवन दूध पिए स उज्जर अहइँ।”

जबूलून

13“जबूलूब समुद्दर क निअरे रही। एँकर समुद्दर क किनारा जहाजन बरे सुरच्छित रही। एँकर पहँटा सीदोन तलक फइला होइ।”

इस्साकर

14“इस्साकर उ गदहा क तरह अहइ जउन बहोत जियादा कठोर काम किहे अहइ। उ भारी बोझ ढोवइ क कारण पस्त पड़ा अहइ।

15उ लखी कि ओकरे आराम क जगह अच्छी अहइ। अउर इ कि ओकर भुइँया आनन्दायक ह। तब उ भारी बोझा ढोवइ क तइयार होइ। उ गुलाम क रुप मँ काम करब अंगीकार करी।”

दान

16“दान आपन लोगन क निआव वइसे ही करब्या जइसे इस्राएल क दूसर परिवार क संग करत हीं।

17दान सड़क क किनारे सरप क तरह अहइ। उ रास्ता क लगे ओलरा भवा खौफनाक सरप क तरह अहइ, जउन घोड़न क गोड़न क डसत ह, अउ सवार भुइँया प भहराइ पड़त ह।

18“यहोवा, मइँ मुक्ति क जोहत अहउँ।”

गाद

19“डाकुअन क एक ठु गिरोह गाद प हमला करी। मुला गाद ओनका मार भगाई।”

आसेर

20“आसेर क भुइँया बहोत बढ़िया उपज देइ। ओका उहइ खइया क मिली जउन राजा लोगन बरे जोग्ग होइ।”

नप्ताली

21“नप्ताली एक अजाद मादा हिरन क तरह अहइ जेका अजाद कीन्ह गवा ह। उ सुन्नर सब्द कहत ह।”

सीलो एक कठिन इब्रानी सब्द, सम्भवत: एक नाउँ, जेका अरथ होसकत ह, “उहइ एक जेका अधिकार मँइ अहइ।”

यूसुफ

22“यूसुफ बहोत सुफल अहइ। यूसुफ फलन स लदी भइ
गवा क तरह अहइ। उ झरना क लगे जमी अंगूरे क गवा
क तरह बाटइ, बाड़ा क सहारे जमी अंगूरे क गवा क तरह
अहइ।

23ढेर मिला ओकरे खिलाफ भएन अउ ओसे लड़ेन।
धनुर्धारी मनइयन ओकर दुस्मन होइ गवा।

24मुला उ आपन सक्तीवाला धनुख अउ फुर्तीला बाँहें स
जुद्ध जीतेस। उ याकूब क सक्तीवाला परमेस्सर गड़रियन,
इस्राएल क चट्टान, स सक्ती पावत ह।

25अउर आपन पिता क परमेस्सर स सक्ती पावत ह।
परमेस्सर तोहका आसीर्बाद देइ। सर्वसक्तीमान परमेस्सर तोहका
आसीर्बाद देइ। उ तोहका ऊपर स आसीर्बाद देइ अउर खाले
गहिर समुद्दर स आसीर्बाद देइ। होइ सकत ह उ तोहका
छाती अउ गरभ स आसीर्बाद देइ।”

26मोरे महतारी-बाप क बहोत स बढ़िया चीजन होत रहिन।
अउर मइँ तोहार पिता बहोत जियादा आसीर्बाद पावत रहा।
अब मइँ आपन आसीर्बाद क यूसुफ पइ जमा करब जउन
पहाड़ क समान ऊँचा होइ, हाँ ओकरे सिर पइ जेका ओकरे
भाईयन स अल्गाइ दीन्ह गवा रहेन।”

बिन्यामीन

27“बिन्यामीन एक अइसा भूखा बड़का कूकुर क समान
अहइ। जउन भिन्सारे मारत ह ओका खात ह। संझा क उ
बचा खुचा स काम चलावत ह।”

28इ सबइ इस्राएल क बारह परिवार अहइँ। अउर उहइ
चीजन अहइँ जेनका ओनके पिता ओनसे कहे रहा। उ हर
एक पूत क उ आसीर्बाद दिहस जउन ओकरे बरे ठीक रहा।
29तब इस्राएल ओनका एक हुकुम दिहस। उ कहेस, “जब
मइँ मरउँ तउ मइँ आपन लोगन क बीच रहइ चाहत हउँ।
मइँ आपन पुरखन क संग हित्ती एप्रोन क खेतन क गुफा
मँ दफनावा जाइ चाहत हउँ।

30उ गुफा मम्रे क नगिचे मकपेला क खेते मँ अहइ। इ
कनान देस मँ अहइ। इब्राहीम उ खेत क एप्रोन स एँह बरे
बेसहेस जेहसे ओकरे लगे एक ठु कब्रिस्तान होइ सकइ।
31इब्राहीम अउ ओकर मेहरारु सारा उहइ गुफा मँ दफनावा
गए अहइँ। इसहाक अउ ओकर मेहरारु रिबका उहइ गुफा
मँ दफनाए गएन। मइँ आपन मेहरारु लिआ क उहइ गुफा मँ
दफनावा। 32उ गुफा उ खेत मँ अहइ जेका हित्ती लोगन स
बेसहा ग रहा।” 33आपन पूतन स बातन खतम करइ क पाछे
याकूब ओलर गवा, गोड़वन क आपन बिछउना प धरेस अउ
मरि गवा।

याकूब क आखिरी किरिया करम

50 जब इस्राएल मरा, यूसुफ बहोत दु:खी भवा। उ
पिता स लपटि गवा, ओह प रोवा अउ ओका
चूमेस। 2यूसुफ आपन नउकरन क हुकुम दिहस कि उ पचे
ओकरे बाप क ल्हासे क तइयार करइँ। (इ सबइ नउकर
वैद्य रहेन।) वैद्य लोग याकूब क ल्हास गाड़इ बरे तइयार
किहन। उ पचे मिस्र क लोगन क खास तरीका स ल्हासे
क तइयार किहन। 3जब मिस्र क लोग खास तरह स ल्हास
तइयार किहन तब ओका गाड़इ क पहिले चालीस दिन
तलक जोहेन। ओकरे पाछे मिस्री लोगन दु:ख क खास
समइ राखेन। इ समइ सत्तर दिन क रहा।

4सत्तर दिन पाछे दु:ख क समइ खतम भवा। एँह बरे
यूसुफ फिरौन क अफसरन स कहेस, “कृपा कइके फिरौन
स इ कहा, 5‘जब मोर पिता मरत रहेन तब मइँ ओनसे एक
प्रण किहेउँ रहेउँ। मँइ प्रण किहेउँ रहे कि मइँ ओनका
कनान देस क गुफा मँ गाड़ब। इ उ गुफा बाटइ जेका उ
अपने खातिर बनाएस ह। एँह बरे कृपा कइके मोका जाइ देइँ
अउर हुआँ पिता क गाड़इ देइँ। तब मइँ आपक लगे वापिस
लउटि आउब।’”

6फिरौन कहेस, “आपन प्रतिग्या पूरी करा। जा अउर
आपन बाप क गाड़ा।”

7एँह बरे यूसुफ आपन पिता क गाड़इ गवा। फिरौन क
सबहिं अफसरन यूसुफ क संग गएन। फिरौन क बुजुर्गन
अउ मिस्र क बड़कवा लोग यूसुफ क संग गएन। 8यूसुफ
अउ ओकरे भाइयन क परिवार क सबहिं मनई ओकरे संग
गएन अउ ओकर पिता क परिवार क सबहिं लोग भी
यूसुफ क संग गएन। सिरिफ बच्चन अउ जनावरन गोसेन
पहँटा मँ रहि गएन। 9यूसुफ क संग जाइ बरे लोग रथन
अउ घोड़न प सवार भएन। इ बहोतइ बड़ा मनइयन क झुण्ड
रहा।

10उ पचे गोरन आताद क गएन। जउन यरदन नदी क
पूरब मँ रहा। इ ठउर प इ पचे इस्राएल क अखिरी संस्कार
किहन। इ सबइ आखिरी संस्कार सात दिन तलक होत रहा।
11कनान क बसइयन गोरन आताद मँ आखिरी संस्कार क
लखेन। उ पचे कहेन, “उ पचे मिस्र क लोग फुरइ बहोतइ
दु:ख भरा संस्कार करत अहइँ।” एह बरे उ जगह क नाउँ
यरदन नदी क पार तलक अब आबेलमिस्रैम अहइ।

12इ तरह इस्राएल क बेटवन उहइ किहन जउन ओनके
पिता हुकुम दिहे रहेन। 13उ पचे ओकरे ल्हासे क कनान लइ
गएन अउ मकपेला क गुफा मँ ओका गाड़ेन। इ गुफा मम्रे
क निचके उ खेते मँ रही जेका इब्राहीम हित्ती एप्रोन स
खरीदा हा। इब्राहीम उ गुफा क कबरिस्तान बरे खरीदा रहा।
14यूसुफ क आपन पिता क दफनाइ क पाछे उ, ओकरे
भाईयन अउर ओकरे संग झुण्ड क हर एक मनई मिस्र क
लौट गवा।

भाई यूसुफ स डेराएन

15याकूब क मरइ क पाछे यूसुफ क भाई चिन्ता मँ पड़ेन।
उ पचे आपन स कहेन, “होइ सकत ह जउन कछू हम
कीन्ह ह ओकरे बरे यूसुफ अब भी हमसे घिना करत ह
अउर जउन बुरा काम हम लोगन ओकर संग किहस ह
ओकर बदला लेब।” 16एँह बरे भाइयन इ सँदेसा यूसुफ क
पठएन:

तोहार पिता मरइ क पहिले हम लोगन क हुकुम दिहे
रहा। 17उ कहेस, ‘यूसुफ स कह्या कि मइँ निवेदन करत
हउँ कि कृपा कइके उ अपराधे क छिमा कइ देइँ जउन

उ पचे ओकरे संग किहेन।' एँह बरे अब हम तोहसे पराथना करित अही कि उ अपराध क छिमा कइ द्या जउ, हम कीन्ह ह। हम लोग सिरिफ तोहरे पिता क परमेस्सर क सेवक अही।

यूसुफ क भाइयन जउन कछू कहेन ओसे ओका बड़ा दु:ख भवा अउर उ रोइ पड़ा। **18**यूसुफ क भाई ओकरे सामने गएन अउ ओकरे समन्वा निहुरि के पैलगी किहन। उ पचे कहेन, "हम लोग तोहार सेवक होब।"

19तब यूसुफ ओनसे कहेस, "डेराअ जिन मइँ परमेस्सर नाहीं अहउँ। **20**इ फुरइ अहइ कि तू मोका नोस्कान पहुँचावइ बरे जोजना बनाए रहा, मुला परमेस्सर फुरइ अच्छी योजना बनवत रहा। परमेस्सर क योजना बहोत स लोगन क जिन्नगी बचावइ बरे मोर प्रयोग करइ क रही अउर आजु भी ओकर इहइ योजना अहइ।

21एँह बरे डेराअ जिन। मइँ तू लोगन अउ तोहरे बच्चन क देखरेख करब।" इ तरह, यूसुफ ओनका समझाइ बुझाइ क बात किहस अउ नम्र होइके बोला।

22यूसुफ आपन पिता क परिवार क संग मिस्र मँ रहत रहा। यूसुफ एक सौ दस बरिस होइके मरा। **23**यूसुफ क जिन्नगी मँ एप्रैम क पूतन अउ पोतन भएन अउ ओकर पूत मनस्से क एक पूत माकीर नाउँ क भवा। यूसुफ माकीर क बच्चा क लखइ बरे जिअत रहा।

यूसुफ क मउत

24जब यूसुफ मरइ क भवा, उ आपन भाइयन स कहेस, "मोरे मरइ क टेम आइ गवा। मुला मइँ जानत हउँ कि परमेस्सर तू लोगन क रच्छा करी। उ इ देस स तू लोगन क बाहेर लइ जाइ। परमेस्सर तू लोगन क उ देस मँ लइ जाइ जेका उ इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क देइ क बचन दिहे रहा।"

25तब यूसुफ आपन लोगन क एक प्रण करइ क कहेस। यूसुफ कहेस, "मोसे प्रतिग्या करा कि तब मोर हड्डी आपन संग लइ जाब्या जब परमेस्सर तू लोगन क नवे देस मँ लइ जाइ।"

26यूसुफ मिस्र मँ मरा, जब उ एक सौ दस बरिस क रहा। वैद्य लोग ओकरी अर्थी क गाड़इ बरे तइयार भएन अउ मिस्र मँ ओकरी अर्थी क एक ठु ताबूत मँ धरेन।

मलाकी

1 परमेस्सर क सँदेसा। इ सँदेसा यहोवा क अहइ। इ सँदेसा
क मलाकी इस्राएल क दिहस।

परमेस्सर इस्राएल स पिरेम करत ह

2यहोवा कहेस, "लोगो, मइँ तू पचन्स पिरेम करत हउँ।"
मुला तू कह्या, "कइसे पता लागइ कि तू हम स पिरेम
करत अहा?"
यहोवा कहेस, "एसाव याकूब क भाई रहा। ठीक? मुला
मइँ याकूब क चुनेउँ 3अउर मइँ एसाव क अंगीकार नाहीं
किहेउँ। मइँ एसाव क पहाड़ी प्रदेस क नस्ट किहेउँ। एसाव
क देस नस्ट कीन्ह गवा अउर अब हुआँ सिरिफ जंगली
कूकुर रहत हीं।"
4संभव अहइ एदोम क लोग कहइँ, "हम पचे नस्ट
कीन्ह गएन। मुला हम लोग वापस जाब अउर आपन सहरन
क फुन बनाउब।"
मुला सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "अगर उ पचे ओन
सहरन क फुन बनावत हीं तउ मइँ ओनका फुन नस्ट
करब।" लोग एदोम स कहब, दुट्ठ प्रदेस अउर लोग जेहसे
यहोवा सदा बरे घिना करत रहेन।
5हे लोगो, तू पचे इ सबइ लखब्या अउर कहब्या,
"यहोवा इस्राएल स बाहेर भी समानित भएस ह।"

इ सबइ याजक परमेस्सर क सम्मान नाहीं देतेन

6सर्वसक्तीमान यहोवा कहेस, "गदेलन आपन बाप क
सम्मान करत हीं। नउकरन आपन सुआमियन क सम्मान
करत हीं। मइँ तोहरे बाप क जइसा हउँ, किन्तु उ सम्मान
कहाँ बाटइ जेका तोहका मोका देइ चाही? मइँ तोहार
सुआमी हउँ, किन्तु उ सम्मान कहाँ बाटइ जेका तोहका
मोका देइ चाही? यहोवा इ सबइ प्रस्न ओन याजकन स
पूछेस जउन ओकरे नाउँ क अपमान किहेस।"
मुला तू पचे कहत अहा, "हम पचे का कीन्ह ह, जउन
परगट करत ह कि हम पचे तोहरे नाउँ क सम्मान नाहीं
करत्या?"
7यहोवा कहेस, "तू पचे मोर वेदी पइ असुद्ध रोटी क
भेंट चढ़ाइके मोर अपमान किहेस ह।" मुला तू पचे कहत
अहा, "उ रोटी असुद्ध कइसे बाटइ?"
यहोवा कहेस, "तू पचे मोर वेदी क सम्मान नाहीं करत्या।
8तू पचे आँधर जनावर बलि बरे लिआवत ह अउर इ गलत
अहइ। तू पचे बलि बरे रोगी अउ विकलांग जनावर
लिआवत ह। इ गलत बाटइ। तू पचे आपन सासन
करइवालन क ओग रोगी जनावरन क भेंट देइ क जलन
करा। का उ एन जनावरन क भेंट क रूप मँ अंगीकार
करी? नाहीं। उ ओन भेंटन क अंगीकार नाहीं करी।"
सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहत ह।
9"याजक लोगो! तू पचन्क यहोवा स हमरे बरे नीक बना
रहइ क पराथना करइ चाही। मुला उ तोहार पचन्क नाहीं
सुनी अउर इ सारा दोख तोहार सबन्क अहइ।" सर्वसक्तीमान
यहोवा इ सब कहेस।
10"तोहका मोर मन्दिर क दुआरन क बन्द कइ देइ चाही
रहा अउर मोरे वेदी पइ बेकार मँ, बलि क आगी क जराइ
बन्द कइ देइ चाही रहा! काहेकि तउ मइँ तू लोगन स खुस
नाहीं हउँ अउर न ही तोहार भेंट अंगीकार करब।"
सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहत ह।
11"संसार मँ सब जगह लोग मोरे नाउँ क सम्मान करत
हीं। संसार मँ सब जगह लोग मोरे बरे नीक भेंट लिआवत
हीं। उ पचे अच्छी सुगन्धि मोरे बरे भेंट क रूप मँ बारत
हीं। काहेकि मोर नाउँ ओन सबहिं लोगन बरे महत्व स भरा
अहइ।" सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहेस।
12"मुला लोगो! तू पचे इ सब परगट करत अहा कि तू
पचे मोरे नाउँ क सम्मान नाहीं करत्या। तू पचे कहत अहा
कि यहोवा क वेदी पवित्तर नाहीं अहइ। 13अउर तू पचे उ
मेज स खइया क खाब पसंद नाहीं करत्या। तू पचे भोजन क
सूँघत अहा अउर ओका खाइ स इनकार करत अहा कि इ
बुरा अहइ। मुला इ फुरइ नाहीं। तू पचे रोगी, विकलांग अउ
चोट खाए भए जनावर मोरे बरे लिआवत अहा। तू पचे रोगी
जनावर क मोका बलि क रूप मँ भेंट करइ क जतन करत
अहा। मुला मइँ तू पचन्स ओन रोगी जनावरन क अंगीकार
नाहीं करब। 14कछू लोग मोरे लगे नीक जनावर क बलि
देइ क प्रतिग्या करत हीं। किन्तु उ पचे छिपे रूप स ओन
नीक जनावरन क बदल देत हीं अउर मोका रोगी जनावर देत
हीं। ओनकर संग बुरी बातन घटिहीं। मइँ महान राजा हउँ।
संसार मँ सब जगह लोग मोर सम्मान करत हीं।" सर्वसक्तीमान
यहोवा इ सब कहेस।

याजक लोगन बरे नेम

2 "याजक लोगो! इ नेम तोहरे पचन्क बरे बाटइ। मोर
सुना। जउन मइँ कहत हउँ ओह पइ धियान द्या। मोर
नाउँ क सम्मान करा। 2अगर तू पचे मोरे नाउँ क सम्मान
नाहीं करत्या तउ तोहरे सबन्क संग बुरा घटित होइ। तू पचे
आसीर्वाद देब्या, मुला उ पचे अभिसाप बनिहीं। मइँ बुरा घटइ
क कराउब काहेकि तू पचे मोरे नाउँ क सम्मान नाहीं
करब्या।" सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहेस।
3"लखा, मइँ तू पचन्क बंस मँ जनम लेइवालन क सजा
देब। याजक लोगो, तू पचे पवित्तर दिनन क मोका बलि भेंट

करत अहा। तू पचे गोबर अउ मरे जनावरन क अंतड़ियन क
लेत अहा अउर ओन हीसंन क लोकाइ देत अहा। मुला मइँ
ओन गोबर क तू पचन्क चेहरन पइ मलब अउर तू पचे
एकरे संग लोकाइ दीन्ह जाब्या। 4तब तू पचे समुझब्या कि
तू पचन्क इ आदेस काहे देत हउँ? मइँ तू पचन्क इ सबइ
बातन एह बरे बतावत हउँ कि लेवी क संग मोर वाचा
चलत रही।” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहेस।
5यहोवा कहेस, “मइँ इ वाचा लेवी क संग किहेउँ। मइँ
ओका सान्ति स भरि जिन्नगी देइ क प्रतिग्या किहेउँ अउर
मइँ ओका उ दिहेउँ। लेवी मोका सम्मान दिहेस। उ मोरे नाउँ
क सम्मान दिहस। 6लेवी सच्ची सिच्छा दिहस। लेवी लबार
उपदेस नाहीं दिहस। लेवी ईमानदार अउ सान्ति चाहइवाला
मनई रहा। लेवी मोर अनुसरण किहस अउर अनेक मनइयन
क पाप करमन स बचाएस। 7याजक क परमेस्सर क
उपदेसन क जरूर जानइ चाही। लोगन क याजक क लगे
परमेस्सर क उपदेसन सुनइ बरे जाइ क जोग्ग होइ चाही।
याजक क लोगन बरे परमेस्सर क दूत होइ चाही।”
8यहोवा कहेस, “याजक लोगो, तू पचे मोर अनुसरण
करब तजि दिहा। तू पचे सिच्छन क उपयोग लोगन स बुरा
करम करावइ बरे किहा। तू पचे लेवी क संग कीन्ह गए
वाचा क भ्रस्ट किहा।” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहेस।
9“काहेकि तू मोरे आदेसन क पालन नाहीं किहे अउर तू
लोगन क बिस्सास स मोर नेम क सिच्छा नाहीं दिहेस एह
बरे तू पचन्क बिना महत्व क बनाउब। लोग तोहार पचन्क
सम्मान नाहीं करिहीं।”

यहूदा परमेस्सर बरे सच्चा नाहीं रहा

10हम सबइ क एक ही परमेस्सर अहइ। उहइ परमेस्सर
हम सबन्क बनाएस। एह बरे लोग आपन भाइयन क ठगत
हीं? उ सबइ लोग परगट करत हीं कि उ पचे वाचा क
सम्मान नाहीं करतेन। उ पचे उ वाचा क सम्मान नाहीं करतेन
जेका हमार पुरखन परमेस्सर क संग किहन। 11यहूदा क
लोग दूसर लोगन क ठगेन। यरूसलेम अउ इस्राएल क
लोग खउफनाक काम किहन। यहूदा क निवासी लोग यहोवा
क पवित्तर मंदिर क सम्मान नाहीं किहन। परमेस्सर उ जगह
स पिरेम करत ह। यहूदा क लोग ओन बिदेसी मेहररूअन स
बियाह किहन जउन लबार देवतन क पूजा करत रहिन।
12यहोवा ओन लोगन क यहूदा क परिवार स दूर कइ देइ।
उ सबइ लोग यहोवा क लगे भेंट लिआइ सकत हीं, मुला
ओहसे कउनो मदद नाहीं मिली। 13तू पचे रोइ सकत ह
अउर यहोवा क वेदी क आँसुअन स ढाँकि सकत ह, मुला
यहोवा तोहार सबन क भेंट अंगीकार नाहीं करी। यहोवा ओन
चिजियन स खुस नाहीं होइ, जेनका तू पचे ओकरे लगे
लिअउब्या।
14तू पचे पूछत अहा, “हमार भेंटन यहोवा क जरिये
अंगीकार काहे नाहीं कीन्ह जातिन?” काहेकि यहोवा तोहरे
सबन्क बुरे करमन क लखेस, उ तोहरे सबन्क खिलाफ
गवाह अहइ। उ लखेस कि तू पचे आपन पत्नियन बरे
अविस्सासी रहा ह। तू पचे उ आपन पत्नी क संग तबहिं स
ब्याहा अहा जब स तू पचे जवान भए रह्या। उ तोहार
प्रेमिका रही। तब तू पचे आपुस मँ एक दूसर बरे किरिया
खाए रहा। अउर उ तोहार पत्नी होइ गइ। मुला तू ओकरे
बरे अविस्सासी रहा ह। 15परमेस्सर चाहत ह कि मनसेधू
अउ मेहररू एक बदन अउ एक आतिमा होइ जाइँ। काहे?
ताकि ओनकर गदेलन पवित्तर होइँ। एह बरे उ आध्यात्मिक
एकता क रच्छा करा। आपन पत्नी क बिसस्साघाती जिन
बना। उ तोहार पत्नी तब स अहइ जब स तू जवान भवा।
16इस्राएल क परमेस्सर यहोवा कहत ह, “मइँ बियाह-विच्छेद
स घिना करत हउँ। मइँ मनसेधुअन क क्रूर करमन स घिना
करत हउँ। एह बरे आतिमा क एका क सुरच्छा करा। आपन
पत्नी का धोखा जिन द्या।”

निआव क खास समइ

17तू पचे गलत सिच्छा दिहा ह। अउर ओन गलत
सिच्छन यहोवा क बहोत दुःखी किहन ह। तू पचे इ सिच्छा
दिहा कि परमेस्सर ओनका पसंद करत ह जउन बुरे करम
करत हीं। तू पचे कह्या कि परमेस्सर ओनका नीक लोग
समुझत ह अउर तू पचे इ सिच्छा दिहा कि परमेस्सर लोगन
क बुरा करम करइ बरे सजा नाहीं देत।
3 सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, “लखा, मइँ आपन दूत
पठवत हउँ। उ मोरे बरे मारग तइयार करी। यहोवा
जेकरी खोज मँ तू पचे अहा, उ एकाएक आपन मंदिर मँ
आइ। वाचा क सँदेसा लेवइया फुरइ आवत बा!
2“कउनो मनई उ समइ बरे तइयारी नाहीं कइ सकत।
कउनो मनई ओकरे खिलाफ खड़ा नाहीं होइ सकत, जब उ
आइ। उ बरत आगी क नाईं होइ। उ बढ़िया रेह क तरह
होइ जेका लोग चिजियन क स्वच्छ करइ उपयोग मँ
बइपरत हीं। 3उ लेवीबंस क संतानन क पवित्तर करी। उ
ओनका अइसे सुद्ध करी जइसे आगी चाँदी क सुद्ध करत
ह। उ ओनका सुद्ध सोना अउ चाँदी क समान बनाइ। तब
उ पचे यहोवा क भेंट लइहीं अउर उ पचे ओन करमन क
ठीक तरिके स करिहीं। 4तब यहोवा यहूदा अउ यरूसलेम मँ
भेंटन क अंगीकार करी। इ बीते काल क समान रही। इ
पुरान लम्बा समइ क तरह होइ। 5तब मइँ तोहरे लगे निआव
बरे आउब। मइँ उ गवाह क तरह होब जउन लोगन क
जरिये कीन्ह गए बुरे करमन क बारे मँ निआव क जज स
कहत ह। कछू लोग बुरा जादू करत हीं। कछू लोग
बिभिचार क पाप करत हीं। कछू लोग झूठी प्रतिग्यन करत
हीं। कछू लोग आप मजदूरन क ठगत हीं। उ पचे आपन
वाचा क कीन्ह गइ रकम नाहीं देतेन। कछू लोग विधवा
अउरत अउर अनाथन क मदद नाहीं करतेन। कछू लोग
बिदेसियन क मदद नाहीं करतेन। कछू लोग मोसे नाहीं डरतेन
अउर मोर सम्मान नाहीं करतेन।” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब
कहेस।

परमेस्सर क हिआँ स चोरी

6“मइँ यहोवा हउँ, अउर मइँ बदलत नाहीं। तू पचे याकूब
क सन्तान अहा। सिरिफ मोर बिस्सासहीनता क कारण तू
पचे पूरी तरह स नस्ट नाहीं कीन्ह जात्या। 7मुला तू पचे मोरे
नियमन क कबहुँ अनुपालन नाहीं किह्या। हिआँ तक कि

तोहार सबन्क पुरखन मोर अनुसरण करब बंद कइ दिहन।
मोरे लगे वापस लउटा अउर मइँ तोहरे पचन्क लगे वापस
लउटब।” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहेस।

तू पचे कहत अहा, “हम पचे वापिस कइसे लउटि सकित
ह?”

8परमेस्सर क लूटब बंद करा। लोगन्क परमेस्सर क
चिजियन नाहीं चोरावइ चाही!

मुला तू पचे मोर चिजियन चोराया?

“तू पचन्क मोका आपन चिजियन क दसवाँ हींसा देइ
चाही रहा। तू पचन्क मोका खास भेंट देइ चाही रही। मुला
तू पचे उ सबइ चिजियन मोका नाहीं दिहा। **9**इ तरह तोहार
पचन्क समूचा रास्ट्र मोर चिजियन क चोराएस ह। एँहसे तू
पचन्क समूचा रास्ट्र मोर चिजियन क चोराएस ह। एँहसे बुरी
सबइ घटना तू पचन्क संग घटति अहइँ।” सर्वसक्तीमान
यहोवा इ सबइ कहत ह।

10सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, “इ परीच्छा क जाँचा।
आपन चिजियन क दसवाँ हीसां मोका लिआवा। ओन
चिजियन क खजाने मँ रखा। मोरे घरे खइया क लिआवा।
एहका परखिके तउ लखा। तू पचे अगर ओन करमन क
करब्या तउ मइँ, फुरइ ही, तू पचन्क आसीर्वाद देब। तू
पचन्क लगे नीक चिजियन वइसे ही होइ जइहीं जइसे गगन
स बर्खा होत ह। तू पचे हर चीज जरूरत स जियादा पउब्या।
11मइँ कीड़न क तू पचन्क फसलन क नस्ट नाहीं करइ
देब। तोहरे पचन्क अंगूरे क सबहिं बेलन अंगूर पइदा
करिहीं।” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सबइ कहत ह।

12“दूसर रास्ट्रन क लोग तू पचन्क बरे भले रइहीं। तोहार
सबन्क देस फुरइ अचरजे स भरा देस होइ।” सर्वसक्तीमान
यहोवा इ सबइ कहत ह।

निआव क खास समइ

13यहोवा कहत ह, “तू पचे मोहसे ओछी बातन कह्या।”

मुला तू पचे पूछत अहा, “हम पचे तोहरे बारे मँ का
कहा?”

14तू पचे कह्या, “यहोवा क उपासना बेकार अहइ। हम
पचे उ सबइ करम किहेन जउन यहोवा करइ क कहेस,
मुला हम लोगन्क कछू नाहीं मिला। हम पचे आपन पापन
बरे वइसे ही दु:खी रहेन जइसे मइयत मँ रोवत लोग। मुला
एहसे कछू काम नाहीं निकरा। **15**हम समुझत रहेन कि घमंडी
लोग सुखी रहत हीं। दुस्ट लोग सफल होत हीं। उ पचे
परमेस्सर क धीरज क परीच्छा करइ बरे बुरे करम करत हीं,
अउर परमेस्सर ओनका सजा नाहीं देत।”

16उ लोगन क बीच मँ जउन ओकरे नाउँ क सम्मान
किहेन आपुस मँ बतियानेन अउर यहोवा ओनका सुनेन।
ओकरे समन्वा एक पुस्तक अहइ। उ किताबे म उ लोगन
क नाउँ अहइ जउन यहोवा क नाउँ क सम्मान करत हीं।

17यहोवा कहेस, “उ सबइ लोग मोर अहइँ। मइँ ओन
पइ कृपालु रहब। मनई आपन ओन लरिकन पइ जियादा
कृपालु रहत ह जउन ओकर आग्याकारी होत हीं। उहइ तरह
मइँ आपन मनवइयन पइ कृपालु रहब। **18**हे लोगो, तू पचे
मोरे निअरे वापिस लउटब्या अउर तू पचे नीक लोगन अउ
बुरे लोगन क फरक जानब्या। तू पचे परमेस्सर क लोगन
अउर दूसर लोगन क बीच क फरक समुझब्या।

4 “निआव क समइ आवत ह। इ गरम भट्ठी जइसा
होइ। सबहिं घमण्डी मनई उ समइ सजा पइहीं। उ पचे
सबहिं बुरा करम करइवाले लोग सूखी घास क तरह बरिहीं।
उ पचे उ पेड़ क जइसा बरत होइहीं, जउन सिखर स ठुँठ
तलक बिना कछू छोड़े बारत हीं” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब
कहेस।

2“मुला, तू सबइ जउन मोर नाउँ क सम्मान किहेस ह, तू
पचन पइ अच्छाई उदय होत भए सूरज क तरह चमकी। इ
सूरज क किरणन क तरह तन्दुरुस्ती लिआब्या। तू पचे
अइसे ही अजाद अउ खुस होब्या जइसे अपने थान स
अजाद भए बछवन। **3**तब तू पचे ओन बुरे लोगन्क कुचरि
डउब्या, उ पचे तोहरे सबन क गोड़े क नीचे राखी जइसे
होइहीं। मइँ निआव क समइ इ सबइ घटना क घटित
कराउब।” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहेस।

4“मूसा क व्यवस्था क सुमिरा अउर अनुपालन करा। मूसा
मोर सेवक रहा। मइँ होरेब पर्वत पइ ओन कानूनन अउ नेमन
क ओका दिहेउँ। उ सबइ नेम इस्राएल क सबहिं लोगन बरे
अहइँ।”

5यहोवा कहेस, “लखा, मइँ नबी एलिय्याह क तोहरे लगे
पठउब। उ यहोवा क हिआँ स उ महान अउ खउफनाक
निआव क समइ स पहिले आइ। **6**एलिय्याह महतारी-बाप
अउर गदेलन क बीच पुन: रिस्ता कायम करी। वरना, मइँ,
परमेस्सर आउब अउर तोहरे सबन क देस क पूरी तरह नस्ट
करब।”

जकर्याह

यहोवा आपन लोगन क वापसी चाहत ह

1 दारा क राज्काल क दूसर बरिस क अठएँ महीना मँ,
यहोवा क सँदेसा बेरेक्याह क पूत जकर्याह नबी क लगे
आवा। बेरेक्याह इद्दो क पूत रहा। सँदेसा इ अहइ:
2यहोवा तोहरे पुरखन पइ बहोत कोहान रहा। 3एह बरे
लोगन स कहा: इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तिीमान यहोवा
कहत ह: "मोरे लगे वापस आवा अउर मइँ तोहार लगे
वापस आउब।" इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा
कहेस।"
4यहोवा कहेस, "आपन पुरखन क नाईं न बना जेनका
बीते भए समइँ मँ नबी उपदेस दिहेस। उ पचे कहेन,
'सर्वसक्तीमान यहोवा चाहत ह कि तू पचे आपन बुरा
रहन-सहन क तजि द्या। बुरा काम बंद कइ द्या।' मुला
तोहार पचन्क पुरखन मोर नाहीं सुनेन।" यहोवा इ सबइ बातन
कहेस।
5परमेस्सर कहेस, "अब तोहार पचन्क पुरखन कहाँ
बाटइ? का नबी हमेसा जिअत रहतेन? 6नबी मोर सेवक
रहेन। मइँ ओनकर उपयोग तोहरे पचन्क पुरखन क आपन
व्यवस्था अउर आपन सिच्छा देइ बरे किहेस। आखिरकार
तोहार पुरखन सिच्छा ग्रहण किहेन। उ पचे पस्चाताप किहेन
अउर कहेन, 'सर्वसक्तीमान यहोवा हमार मारग अउ कामन
क अनुसार ठीक वइसा ही जइसा उ निर्णय किहे रहा,
किहेस ह।' इ तरह उ पचे परमेस्सर क लगे वापस लउटेन।"

घोड़न क दर्सन

7दारा क दूसर बरिस क सबित क ग्यारहनें महीना क
चउबीसवें दिन यहोवा क इ सँदेसा बेरेक्याह क पूत जकर्याह
नबी क लगे आवा। बेरेक्याह इद्दो क पूत रहा।
8रात मँ मइँ लखेउँ कि एक मनई लाल घोड़े पइ सवार
अहइ। उ एक घाटी मँ कछू मेंहदियन क बृच्छ क बीच
खड़ा रहा। ओकरे पाछे लाल, भूरा अउ सफेद रंग क घोड़न
रहेन। 9मइँ पूछेउँ, "महोदय इ सबइ घोड़न क का मतलब
अहइँ?"
सरगदूत जउन मोहसे बात करत रहा, मोका जवाब दिहेस,
"मइँ तू पचन्क देखॉउब कि ओकर का मतलब अहइँ।"10एह
बरे मेंहदियन क बृच्छ क बीच रहत भवा मनई जवाब
दिहेस, "इ सबइ यहोवा दुआरा पृथ्वी प गस्त लगाइ बरे
पठएस ह।"
11तब उ पचे यहोवा क सरगदूतन जउन मेंहदियन क
बृच्छ क बीच खड़ा भवा रहा कहेन, "हम पचे पृथ्वी गस्त
लगाइ चुका अहइ। फुरइ समूचा धरती सान्त अउ सुख-चैन
मँ अहइ।"
12तब यहोवा क सरगदूत कहेस, "हे सर्वसक्तीमान यहोवा,
आप यरूसलेम अउ यहूदा क सहरन पइ केतॅना दिना तलक
दाया नाहीं करब जेकर संग तू सत्तर बरिस तलक किरोधित
रहा ह।"
13तब यहोवा नीक अउ सान्तिदायक सब्दन स उ सरगदूत
क जवाब दिहेस जउन मोसे बात करत रहा। 14एह बरे
सरगदूत जउन मोसे बाप करत रहा मोसे कहेस, "इ घोसणा
करा:
"सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह: मइँ यरूसलेम अउ
सिय्योन स बहोत जलन अहइ।
15अउर मइँ ओन रास्ट्रन पइ बहोतइ कोहान हउँ जउन
आपन क ऍतना सुरच्छित अनुभव करत हीं। हालाँकि मइँ
कछू कोहाइ गवा हउँ, ओकर जगह उ सबइ रास्ट्र तोड़ा
जियादा झेलस ह।"
16इसलिए, यहोवा इ तरह कहत ह: "मइँ दाया क संग
यरूसलेम मँ लउटब।" सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह,
"यरूसलेम क निर्माण फुन होइ। अउर हुआँ मोर मन्दिर
स्थापित होइ।"
17सरगदूत कहेस, "लोगन स इ भी कहा: सर्वसक्तीमान
यहोवा कहत ह, 'मोर सहर फुन संपन्न होइहीं, मइँ सिय्योन
क आराम देब। मइँ यरूसलेम क आपन खास नगर चुनब।'"

सींगन क दर्सन

18तब मइँ ऊपर नजर उठाएउँ अउर चार सींगन क
दिखेउँ। 19तब मइँ उ सरगदूत पूछेस कउनो मोसे बातन
करत रहा, "इ सींगन क अरथ का अहइ?"
उ जवाब दिहेस, "इ सबइ उ सब सींगन अहइँ, जउन
इस्राएल, यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क रास्टन क बीच
छितराइ दीन्ह गवा ह।
20तब यहोवा मोका चार सिल्पकारन क देखाँएस। 21मइँ
ओनसे पूछेउँ, "इ सबइ का करइ बरे आवत अहइँ?"
उ जवाब दिहेस, "सींगन यहूदा क अइसा तितर-बितर
कइ दिहे रहा कि कउनो आपन सिर न उठाइ सकी। परन्तु
कारिगर ओका आतंकित करइ बरे अउ ओन जातियन क
सींगन क काटन बरे आव ह जउन यहूदा लोगन देस क
विरुद्ध आपन सींगन एह बरे उठाएस ह कि उ तितर-बितर
हो जाइ।"

यरूसलेम क मापइ क दर्सन

2 तब मइँ आपन निगाह उठाएउँ अउर मइँ एक मनई क
लखेउँ, अउ उ आपन हाथ मँ नापइ क डोरी लिए भए
रहेन। 2तउ मइँ पूछेउँ, "तू कहाँ जात अहा?"

उ मोका जवाब दिहेस, “मइँ यरूसलेम क नापइ बरे जात हउँ कि उ केतॅना लम्बा अउ केतॅना चउड़ा बाटइ।”

3तब उ सरगदूत जउन मोसे बातन करत रहा, चल गवा अउर ओसे बातन करइ बरे दूसर सरगदूत बाहेर आवत रहा। 4उ ओसे कहेस, “दउड़िके जा, नउजवान स बात करा। अउर ओसे कहा यरूसलेम ऍतना बिसाल बाटइ कि ओका नापा नाहीं जाइ सकत। ओसे इ कहा,

‘यरूसलेम बगैर चहारदीवारी क सहर क नाईं निवास करी काहेकि हुआँ असंख्य लोग अउर जनावर रइहीं।’

5यहोवा कहत ह, ‘एकर जगह पइ मइँ खुद ओकर चारिहुँ कइँती आगी क देवार रहब, अउ मइँ ओकरे बीच मँ गौरव रहब।’”

परमेस्सर आपन लोगन क घरे बोलावत ह

6यहोवा कहत ह, “उठा! उठा! उत्तर भूइँया स दउड़ जा। काहेकि मइँ तू पचन्क चारिहुँ कइँती बिखेरेउँ।

7सिय्योन क लोगो, तू पचे बाबुल मँ बन्दी रह्या। मुला अब पराइ निकरा। उ सहर स पराइ जा।” काहेकि सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह (इ महिमा क मोका पठइ क पाछे) उ रास्ट्रन क बारे मँ जउन तोहका लूटेस ह।

8उ तू पचन्क प्रतिस्ठा देइ क मोका पठएस ह।” मुला ओकरे पाछे, यहोवा मोका ओनके खिलाफ पठइ। काहेकि अगर उ पचे तू पचन्क चोट पहोंचइहीं तउ तउ यहोवा क आँखी क पुतरी क चोट पहोंचावइ क होइ। ओन रास्ट्र आपन सम्मान पाएन।

9काहेकि फुरइ मइँ ओन लोगान्क खिलाफ आपन हाथ उठाउब अउर उ पचे आपन दास लूट लेइ जाइहीं। तब तू पचे जान जाब्या कि सर्वसक्तीमान यहोवा मोका पठएस ह।”

10यहोवा कहत ह, “सिय्योन, प्रसन्न ह्वा। काहेकि मइँ आवति हउँ अउर मइँ तोहरे सहर मँ रहब।

11उ समइ अनेक रास्ट्रन क लोग यहोवा क लगे अइहीं। उ पचे मोर लोग होइहीं। किन्तु सिय्योन, मइँ तोहार बीच रहब।” तउ तू पचे जान जाब्या कि जउन मोका तोहमाँ पठएस ह सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ।

12यहोवा यहूदा क पवित्तर भूइँया मँ आपन निवासी बनाउब। अउर उ फुन दोबारा यरूसलेम क चुनब।

13हे सब प्राणियन, यहोवा क समन्वा चुपु रहा। काहेकि उ आपन पवित्तर निसवास स्थान स जागकर निकालेस ह।

महायाजक क बारे मँ दर्सन

3 तब उ मोका महायाजक यहोसू क दिखाया। उ यहोवा क सरगदूत क समन्वा खड़ा भवा रहा। सइतान हुआँ यहोसू क जरिये कीन्ह गए बुरे करमन बरे दोख देइ बरे ओकर दहिना कइँती खड़ा रहा। 2तब यहोवा क सरगदूत कहेस, “सइतान, यहोवा तोहका फटकाराइ। यहोवा जउन यरूसलेम क चुने रहा, तोहका फटकाराइ। का इ मनई आगी स निकरा भवा बरत काठे क नाईं नाहीं बाटइ?”*

3यहोसू सरगदूत क समन्वा खड़ा रहा अउर ओकरे ओढ़नन गन्दा रहेन। 4तब आपन निअरे खड़े भए दूसर सरगदूतन स सरगदूत कहेस, “यहोसू स गन्दा ओढ़नन क उतारि ल्या।” तब सरगदूत यहोसू स बातन किहेस। उ कहेस, “मइँ तोहरे अपराधन क छोरि लिहेउँ ह अउर मइँ तोहका नवा ओढ़ना देइउँ ह।”

5तब उ कहेस, “ओकरे मूँड़ी पइ एक ठु साफ पगड़ी रखइ द्या।” यह बरे जब यहोवा क सरगदूत हुवाँ खड़ा रहा, उ पचे एक ठु साफ पगड़ी ओकरे मुँड़ी पइ रखेस अउर उ पचे ओका नवा ओढ़ना पहिराएन। 6तब यहोवा क सरगदूत यहोसू स अधिकार क संग कहेन:

7इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह: “अगर तू मोर आदेसन क पालन करब्या अउर ओन बातन क करब्या जेका मइँ आदेस दिहेउँ ह, तउ तू मोर घरे पइ सासन करब्या अउर तू मोर मन्दिर क आँगन क अधिकारी होब्या। अउर मइँ तोहका ओन लगोन मँ आवइ-जावइ देब्या जउन हिआँ खड़ा अहइँ।

8हे महायाजक यहोसू, सुना! तू अउर तोहका मीतन जउन तोहार समन्वा बइठा अहइ इ बात क प्रतीक अहइ कि इ सबइ बात होब्या! सच ही, मइँ आपन सेवक क लइ आउब जउन “साख” कहा जात ह।

9उ पाथर हिआँ अहइ जेका मँ यहोसू क समन्वा राखेउँ। इ पाथर मँ सात आँखन अहइँ। मइँ एह पइँ एक लेख खोदब। एक दिना मइँ ओह भूइँया प स पापन क खत्म करब” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहत ह।

10सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, “उ दिना तोहमाँ स प्रत्येक आपन पड़ोसियन क आपन दाख-लता अउर अंजीर क बृच्छ क नीचे आमंत्रित करब्या।”

दीपाधार अउ दुइ जइतून क बृच्छ

4 तब ओकर पाछे जउन सरगदूत मोहसे बातन करत रहा, वापिस आएस अउर मोका जगाएस। मोका अइसा लाग जइसा कउनो क नींद जगाया जात ह। 2उ मोसे पूछेस, “तू का लखत अहा?”

मइँ जवाब दिहेउँ, “मइँ एक ठु ठोस सोना क डीबट लखत हउँ। हुवाँ ओकरे सिरे पइ एक ठु पिआला अहइ। पिआले मँ स सात ठु दीपक अहइँ। इ सबइ दीपक डीबट पइ अहइ अउर उ सबइ नाली क जुड़ा भवा अहइ।” 3अउर दुइ जइतून क पेड़ पिआला क पीछे मँ अहइ एक ठु पिआल दाहिने तरफ अउर दूसरा पियाले क बाये तरफ अहइ।” 4तब मइँ, उ सरगदूत स जउन पूछेस जउन तोह स बातन करत रहा, “महोदय, एन सबन्क अरथ का अहइ?”

5तब सरगदूत जउन मोहसे बातन करत रहा जवाब दिहेस, “का तू नाहीं जानत्या कि इ सबइ चिजियन का अहइँ?”

मइँ कहेउँ, “नाहीं, महोदय।”

6तब उ मोहसे कहेस, “इ यहोवा क सँदेसा जरूब्बाबेल बरे बाटइ: ‘तोहरी सक्ती अउ प्रभुता स मदद नाहीं मिली। वरना तोहका मदद मोरी आतिमा स मिली।’ सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहत ह। 7उ ऊँचके महान पर्वत, तू का अहइ? जरूब्बाबेल समन्वा तू एक समतल भुइँया क नाईं

का...बाटइ यहूसू हिआँ यहूदी जिलावतन क प्रस्तुत करत ह जेका (बारत काठे क नाईं आगी स निकारा गवा रहा) उद्देस क पूरा करइ बरे बचावा गवा रहा परमेस्सर क।

अहइ। उ मंदिर क बनाई। जब आखिरी पाथर इ पइ रखा
जाइ तब लोग नरियाइ उठिहीं, 'वाह केतॅना सुन्नर, वाह
बहोत सुन्नर!'"
8तउ यहोवा वचन मोर लगे आवा, **9**"जरूब्बाबेल क
हाथन इ मंदिर क नींव पाथर राखब्या अउर ओकर हाथन इ
मन्दिर क पूरा करब्या। हे लोगो तब तू पचे समुझब्या कि
सर्वसक्तीमान यहोवा मोका तू लोगन क लगे पठएस ह।
10जउन कउनो भी जउन उ दिन क मजाक उड़ावत ह जब
छोटे स्तर पइ निर्माणकारी कार्य सुरू कीन्ह गवा रहा तउ
जब उ पचे जरूब्बाबेल क हाथ मँ समारोह क पाथर जउन
कि अन्तिम पाथर होइ तउ आन्दित होइ। इ सात दीपक
यहोवा क आँख अहइ। सचमुच भुइँया पइ खोजइ बरे उ
पचे आगे पीछे फिरत।"
11तब मइँ ओहसे कहेउँ, "इ दुइ ठु जइतून क बृच्छ
अहइँ। एक दीपाधार क दाईं अउर एक बाईं कइँती अहइ। इ
सबइ का अहइँ?" **12**मइँ ओहसे इ भी कहेउँ, "मइँ जइतून
क दुइनउँ साखा सोने क रंग क तेल लइ जात, सोना क
नलन क सहारे लखेउँ। एन चिजियन क अरथ का अहइ?"
13तब सरगदूत मोसे कहेस, "का तू नाहीं जानत्या कि एन
चिजियन क अरथ का अरथ का बा?"
मइँ कहेउँ, "नाहीं महोदय।"
14एह बरे उ जवाब दिहेस, "इ दुइ अभिसिक्त कीन्ह भवा
मनई क प्रस्तुत करत ह जउन कि समूचइ धरती क सुआमी
क बगल मँ खड़ा अहइ।"

उड़त भवा गोल लपटा पत्रक

5 मइँ फुन निगाह ऊँच किहेउँ अउर मइँ एक ठु उड़त
भवा लपटा पत्रक लखेउँ। **2**सरगदूत मोहसे पूछेस, "तू
का लखत अहा?" मइँ जवाब दिहेउँ, "मइँ एक ठु उड़त
भवा लपटा पत्रक लखत हउँ जउन तीस फुट लम्बा अउ
पन्द्रह फुट चउड़ा अहइ।"
3तब्बइ उ मोहसे कहेस, "उ लपटा पत्रक पइ एक सराप
लिखा बा जउन पूरा धरती पइ फेंलिहीं। लपटा पत्रक क
एक कोना मँ लिखा अहइ, 'हर कउनो जउन चोर अहइ
भेज दीन्ह जाब्या।' दूसर कइँती लिखा भवा अहइ, हर
कउनो जउन लबार प्रतिग्या करिही भेज दीन्ह जाब्या।
4सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, मइँ इ सराप भेजेउँ ह। इ
मोर नाउँ लेइके हर चोरन क घरे अउर ओन लोगन क घरे
जउन गलत प्रतिग्या करत ह, घुसब। इ सराप ओकरे घरे मँ
रहब अउर ओकरे घरे क पाथर अउ काठ दुइनउँ क बरबाद
करब।"

मेहरारू अउ टोकरी

5तब मोर संग बात करइवाला सरगदूत बाहेर आवा। उ
मोहसे कहेस, "नज़र उठा अउ लखा। का तू जानत ह कि
हमार कइँती का अवात ह?"
6मइँ कहेउँ, "इ का अहइ?"
उ कहेस, "उ मापक टोकरी अहइ।" तउ उ कहेस, "उ
टोकरी समुचइ धरती क दोख क प्रस्तुत करब।"
7तब टोकरी क ढकना जउन सीसा बना रहा उठावा
गवा, अउर हुवाँ टोकरी क भितरे एक मरेहरारू बइठी रहा।
8अउर उ कहेस, "इ मेहरारू बुराई प्रस्तुत करत अहइ।" एह
बरे उ ओका टोकरी मँ धकेल दिहस अउ सीसा क ढकना
स ओकरे मुँहे बन्द कइ दिहेस। **9**तब मइँ नज़र उठाएस अउ
लखेस कि दुइ मेहररूअन हमार कइँती आवत हीं। उ सारस
क नाईं पखना रखेत रहा। उ पचे आपन पखनन क हवा क
पड़करइ बरे फइलाएस। उ पचे टोकरी क लिए भए हवा मँ
उड़त रहिन। **10**तब मइँ सरगदूत स पूछेउँ कि कउन मोसा
बात किहे रहेन, "उ पचे टोकरी क कहाँ लइ जात अहइँ?"
11उ मोहसे कहेस, "उ सबइ एका सिनार मँ लइ जात ह।
हुवाँ उ पचे एक ठु घर बनाब। जब घर तइयार होइ जाइ,
तउ उ पचे उ टोकरी क ओकरे जगह पइ धरिहीं।"

चार ठु रथ

6 तब फुन मइँ घूमाएउँ अउ आपन निगाह क उठाएउँ
अउर मइँ चार रथन क लखेउँ। उ सबइ काँसे क दुइँ
ठु पर्वतन क बीच स निकरत रही। **2**प्रथम रथ क लाल
घोड़न हीचंत रहेन। दूसर रथ क करिया घोड़न हीचंत रहेन।
3तीसर रथे क उज्जर घोड़न हींचत रहेन। **4**तब मइँ सरगदूत
स पूछेउँ कि कउन मोस बात किहेस।, "महोदय, एन
चिजियन क तात्पर्य का अहइ?"
5सरगदूत कहेस, "इ सबइ चारिहुँ दिसा क हवा क प्रतीक
अहइँ। उ सबइ सबहिं सारे संसार क सुआमी क हिआँ स
आएन हँ। **6**करिया घोड़न उत्तर कइँती जइहीं। लाल घोड़न
पूरब कइँती जइहीं। उज्जर घोड़न पच्छिम क जइहीं अउर
भोरा धब्बादार घोड़न दक्खिन क जइहीं।"
7तब ताकतवर घोड़न बाहेर आएन। उ सबइ पृथ्वी क
गस्त लगाइ बरे उत्सुक रहेन। एह बरे उ ओनसे कहेस,
"जा, पृथ्वी क गस्त लगावा!" एह बरे, उ पचे पृथ्वी क
गस्त किहेन।
8तब उ जोर स गोहरात भए कहेस, "लखा, उ सबइ
जउन उत्तर कइँती जात रहेन। उ सबइ उत्तर कइँती मँ मोर
आतिमा क सान्त कइ दिहन।"

याजक यहोसू एक ठु मुकुट पावत ह

9अउर यहोवा क बचन मोर लगे आएस, उ कहेस:
10"ओन लोगन स चाँदी अउर सोना ल्या जेनका बन्दी बना
गवा अहइ। हेल्दै, तोबिय्याह अउर यदायाह स ल्या जउन
बालेल स आवा रहा। अउर उहइ दिन सपन्याह क पूत
योसियाह क घर जा। **11**सोना अउर चाँदी ल्या अउर एक ठु
मुकुट बनावा। अउर उ मुकुट क यहोसादाक क पूत महा
याजक यहोसू क मूँड़े पइ राखा।
12अउर तू ओसा कहा, इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान
यहोवा कहत ह: हिआँ एक मनई अहइ जेकर नाउँ "साख"
अहइ। ओका साख कहा गवा काहेकि उ हुवाँ स जहाँ उ
अहइ साखा निकारब अउर यहोवा क एक मन्दिर बनाई।
13उ उहइ अहइ जउन यहोवा क मन्दिर क बनाई अउर
उ उहइ अहइ जउन सम्मान पाई। उ आपन राजसिंहासन पइ
बइठी, अउ सासन करिहीं। अउर हुवाँ ओकरे सिंहासन क

बगल मँ एक ठु याजक होइ अउर इ दुइनउँ मनई एक संग
सद्भावना क साथ काम करिहीं।
14“उ मुकुट यहोवा क मन्दिर हेल्दै, तोबिय्याह, यदायाह
अउ सपन्याह क पूत योसियाह बरे स्मृति चिन्ह होइ। 15लोग
जउन दूर रहिहीं यहोवा क मन्दिर क निर्माण करइ बरे
आइहीं। तउ तू पचे समुझब्या कि सर्वसक्तीमान यहोवा मोका
तू लोगन क लगे पठएस ह। इ सब कछू घटित होइ जदि
तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क ठीक तरह स पालन
करब्या।”

यहोवा दाया अउ करूणा चाहत ह

7 फारस मँ दारा क राज्काल क चउथे बरिस, जकर्याह
क यहोवा क एक सँदेसा मिला। इ नउवें महीना
अर्थात् किस्लव क चउथा दिन रहा। 2बेतेल क लोग सरेसेर,
रेगेम्मेलेक अउ आपन साथियन क यहोवा स एक ठु सवाल
पूछइ क पठएस। 3उ पचे यहोवा क मंदिर मँ नबियन अउ
याजकन क लगे गएन। ओन लोग ओनसे इ सवाल पूछेन:
“हम लोग कई बरिस तलक मंदिर क नेस्त नाबूद होइ क
सोक मनाए अही। हर बरिस क पाँचवें महीना मँ, रोवइ
अउर उपवास राखइ क हम लोगन क खास समइ रहा। का
हमका एका करत रहइ चाही?”
4तब सर्वसक्तीमान यहोवा क इ बचन मोह पइ आएस
अउ कहेस: 5“याजकन अउ इ देस क अन्य लोगन स इ
कहा: जउन उपवास अउर सोक पाछे क सत्तर बरिस स
बरिस क पाँचवें अउ सातवें महीना मँ तू पचे करत आवत
अहा का उ उपवास, सच ही, मोरे बरे रहा? नाहीं। 6अउर
जब तू पचे खाया अउ पिया, आपन बरे जिन खाया अउ
पिया रहा। 7का इ उहइ बचन नाहीं अहइ जेका यहोवा
आपन पहिले क नबियन दुआरा उ समइ घोसना किहे रहेन
जब यरूसलेम आबाद रहा, अउर अपन चरिहुँ कइँती क
नगरन सहित समृद्ध रहा, अउर जब नेगव सकेला अर्थात
नीचे क देस भी आबाद रहा?”
8जब यहवा बचन जकर्याह आवा अउ कहा:
9इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह: ‘जब
तू निआव करी सही फइसला देइ। एक दूसर बरे दयालु अउ
करूणा दिखावा। 10राँड़ अउरतन, अनाथन, बिसेसियन या
दीन लोगन पइ अत्याचार जिन करा। एक दूसर क बुरा
करइ क विचार भी हिरदइ मँ न आवइ द्या।’
11मुला उ पचे अनसुनी किहेन। उ पचे बिद्रोह किहेन
अउ आपन पीठ घुमाइ दिहेन। उ पचे सुनइ स आपन कान
बंद कइ लिहेन।
12उ पचे बड़का हठी रहेन। उ पचे परमेस्सर क व्यवस्था
क पालन करब नामंजूर कइ दिहन। आपन आतिमा क सक्ती
स यहोवा नवियन क जरिये आपन लोगन क सँदेसा पठएस।
मुला लोग ओका नाहीं सुनेन, एह बरे सर्वसक्तीमान यहोवा
नबियन क जरिये आपन लोगन क सँदेसा पठएस। मुला
लोग ओकर नाहीं सुनेन, एह बरे सर्वसक्तीमान यहोवा बहोत
कोहाइ गवा। 13जब ओनका पुकारेउँ उ पचे नाहीं सुनेन। एह
बरे ठीक इसी तरह मइँ भी ओनका नाहीं सुनब जब उ
मोका पुकारब्या।” यहोवा सर्वसक्तीमान परमेस्सर इ कहत ह।
14तब मइँ ओनका जातियन क बीच तितर-बितर कइ
दिहेस। उ पचे जेकर बारे मँ नाहीं जानतेन। ओकर अनुपस्तिथ
मँ भुइँया क अइसा उजाड़ दीन्ह ग रहा, ताकि न कउनो आ
सकतेन अउर न ही कउनो जा सकतेन। उ पचे इ सुहावना
देस घटिया भुइँया बनाइ दिहेन।”

यहोवा यरूसलेम क आसीर्बाद देइ क प्रतिग्या करत

8 फुन सर्वसक्तीमान यहोवा क बचन मोर लगे आएन
अउ कहेन: 2इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा
कहत ह: “सिय्योन बरे मोका अत्यधिक जलन भवा। मइँ
ओहसे बहोत जियादा जलन करत हउँ।” 3इ उहइ अहइ
जउन यहोवा कहत ह: “मइँ सिय्योन क लगे वापस आवत
हउँ अउर मइँ यरूसलेम मँ रहबउँ। यरूसलेम बिस्सास सहर
कहा जाइ। मोर पर्वत, पवित्तर पर्वत कहा जाइ।”
4इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह: “एक
बार फुन एक बूढ़ मनसेधु अउर एक बूढ़ा मेहरारू
यरूसलेम क चौराहे पइ बइठब। लोग एँतनी लम्बी उमर
तलक जिअत रइहीं कि ओनके सहारे क छड़ी क जरूरत
होइ। 5सहर क चौराहे लरिकन अउ लड़िकियन स भरा
होइ।’ 6इ उहइ अहइ जउन यहोवा सर्वसक्तीमन कहत ह:
‘भले ही इ जिअत लोगन क नज़र मँ असम्भव लगे, का
एका मोर नज़र मँ भी असम्भव लगइ चाही? यहोवा
सर्वसक्तीमान कहत ह।
7इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह,
“लखा, मइँ पूरब अउ पच्छिम क देसन स आपन लोगन क
बचाउब, 8अउर मइँ ओनका यरूसलेम मँ रहइ बरे लिआउब।
उ पचे मोर लोग होइहीं अउर मइँ ओनकर बढ़िया अउ
बिस्सास क जोग्ग परमेस्सर होबउँ।”
9सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, “उ जउन इ सब्दन क
नबी क मुँहे स सुन्या ह, सक्तीसाली बना! तू पचे उ नबियन
स सुने रहा जउन जब सर्वसक्तीमान यहोवा आपन मंदिर क
फुन स बनावइ बरे नेवं डाएस। इ मन्दिर सर्वसक्तीमान यहोवा
क अहइ। 10अउर उ समइ क पहिले, हुवाँ लोगन क या
जानवर क किराया पइ लेइ बरे धन नाहीं रहा। हुवाँ दुस्मनन
क कारण आवागमन सुरच्छित नाहीं रहा। कहेकि उ मइँ रहा
जउन एक दूसरे क खिलाफ कइ दिहे रहेउँ। 11मुला अब
मइँ वइसा नाहीं करब जइसा इ बचा भवा लोगन क संग
बीते दिना मँ किहे रहेउँ ह,” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सबइ
कहेस ह।
12“काहेकि हुवाँ सान्तिपूर्वक खेती-बारी होइहीं। अंगूरे क
लता फल देइहीं: भुइँया अच्छी पइदावार देइ, अउ अकास
आपन ओस देइहीं। मइँ इ सबहिं चिजियन लोगन क देब
जउन जिअत रहब। 13हे यरूसलेम अउ यहूदा लोग, मइँ
तोहका बचाउब। बीते समइ मँ तू लोग जातियन क बीच मँ
सराप क उदाहरण बनि ग रहेन। मुला अब मइँ तू लोगन
क जातियन क बीच मँ आसीर्बाद क उदाहरण बाउब। जिन
डेराअ। सक्तीसाली बना।”
14फुरइ इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा कहत
ह: “जब तू सबन क पुरखन मोका कोहाइ दिहन, मइँ ओन
पइ विपत्तियन लावइ क जोजना बनाएउँ, अउर मइँ आपन

इरादा क न बदलेउँ।" सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहत ह, **15**"ठीक उहइ तरह, अब मइँ यरूसलेम अउ यहूदा क लोगन बरे नीक करइ क जोजना किहेउँ ह। जिन डेराअ। **16**मुला तू सबन क इ करइ चाही, "एक दूसर क संग तोहका सिरफ फुरइ बोलइ चाही: जब तू पचे आपन अदालतन मँ निर्णय ल्या, तउ लोगन क उचित निआव प्रदान करा। **17**अपन हिरदइ मँ दूसर बरे बुरा योजना जिन बनावा अउर लबार प्रतिग्या जिन करा। काहेकि मइँ ओन बातन स घिना करत हउँ।" यहोवा इ सबइ कहेस।

18सर्वसक्तीमान यहोवा क इ सँदेसा मोर लगे फुन आएन अउर कहेन: **19**इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह: "चउथे महीना पचाँए महीना सतएँ महीना मँ तोहार सोक मनावइ अउर उपवास क दिन यहूदा क लोगन बरे गावइ, अनन्द मनाइ, अउ खुस होइ क होइ। एह बरे तू पचन्क सच्चाई क अउ सान्ति क पिरेम करइ चाही।"

20इ उहइ अहइ जउन सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह: "भविस्स मँ, जातियन अउ अनेक सहरन स लोग यरूसलेम अइहीं **21**अउर एक सहर क निवासी दूसर सहर क निवासियन लगे जाइहीं, अउर कइहीं, 'हम लोगन क सर्वसक्तीमान यहोवा क लगे परार्थना करइ बरे अउर ओहसे मदद माँगइ बरे अउर ओकर उपासना करइ बरे चलइ चाही। दूसर मनई कहिहीं मइँ भी आउब।'"

22अनेक लोग अउ अनेक सक्तीसाली रास्ट्र यरूसलेम आइहीं अउ सर्वसक्तीमान यहोवा क उपासना करिहीं अउ उ पचे ओसे मदद मागिहीं। **23**इ उहइ अहइ जउन सर्वस्क्तीमान यहोवा कहत ह: "उ दिना मँ, अलग अलग रास्ट्रन स अलग-अलग भाखन क बोलइया दस ठु मनई एक ठु यहूदी क कोट क पल्ला धरिहीं अउर कइहीं, 'हम पचे तोहार संग आवइ चाहत हउँ, काहेकि हम पचे सुना ह कि परमेस्सर तू पचन्क संग अहइ।'"

दूसर रास्ट्रन क संग निआव

9 एक ठु भविस्सबाणी: यहोवा क सँदेसा हद्राक क देस अउ ओकर राजधानी दमिस्क क खिलाफ अहइ। इ सँदेसा इ बिदेसी देस क बारे मँ दीन्ह ग रहा। "काहेकि न सिरफ इस्राएल क परिवार समूह बल्कि सबइ मानव जाति यहोवा क मदद बरे ओकरी कइँती लखत अहइँ। **2**इ भविस्सबाणी भी हामात क खिलाफ अहइ जउन हद्राक क चउहद्दी मँ अहइ। इ भविस्सबाणी सोर तथा सीदोन क भी खिलाफ अहइँ भले ही उ बहोत बुद्धिमान अहइँ। **3**सोर एक ठु किला क नाई बना अहइ। हुआँ क लोग चाँदी एँतना बटोर लिहे अहइँ, कि उ धूलि क नाई सुलभ बाटइ अउर सोना एँतना साधारण अहइ जइसे माटी। **4**मुला अब यहोवा ओकरे सबइ अधिकार क लेइ बरे जात ह। उ पचे ओकर सक्तीसाली नौसेना क नस्ट करी अउर उ सहर आगी स नस्ट होइ जाइ।

5"अस्कलोन मँ रहइवाले लोग इ सबइ घटना क लखिहीं अउ उ पचे डेरइहीं। अज्जा क लोग काँप उठिहीं अउ एक्रोन क लोग समूची आसा क तजि देइहीं, जब उ पचे ओन घटनन क होब होत लखिहीं। अज्जा मँ कउनो राजा बचा नाहीं रही। कउनो भी मनई अब अस्कलोन मँ नाहीं रही। **6**अस्दाद मँ बहोत सारा लोग इ भी नाहीं जानिहीं कि ओनकर पिता कउन अहइँ, अउ मइँ पलिस्ती लोगन घमण्ड क हटाइ देब। **7**मइँ उ पचन्क मुँह स उ पचन्क गोस क लइ लेब जेहमाँ खून अहइ; मइँ उ पचन्क क उ घृणित भोजन क लइ लेब जउन ओकर दाँतन क बीच होइ। सबइ जिअत बचा भवा प्राणियन मोर परमेस्सर स सम्बन्धित होइ। तउ उ यहूदा क बंसज क नाईं होइ जाब्या, अउर एक्रोन क लोग यबूसी लोग क जइसा होइ जाइ। **8**मइँ आपन मन्दिर पइ सिबिर लगाउब। मइँ ओकर रच्छा सिपाही ह रूप मँ ओन लोगन स करब जउन आइ अउर हमला करइ बरे जाइ। कउनो अत्याचारी मोर लोगन क खिलाफ अउर नाहीं बढ़ सकब, काहेकि मइँ ओका निहारत हउँ।"

भविस्स क राजा

9हे बिटिया सिय्योन, खुश ह्वा! हे बिटिया यरूसलेम, आनन्द क चिल्लावा! लखा, तोहार राजा तोहरे लगे आवत बाटइ। उ विजय पावइवाला नीक अहइ। उ विनम्र स गदहा पइ, एक ठु गदहा क बच्चा पइ सवार अहइ।

10राजा कहत ह, "मइँ एप्रैम मँ रथन क अउ यरूसलेम मँ घुड़सवारन क बर्बाद किहेउँ। मइँ जुद्ध मँ प्रयोग कीन्ह गए धनुसन क नस्ट किहेउँ।" दूसर रास्ट्र सान्ति - सन्धि क बातन सुनेन। उ राजा सागर स सागर तलक राज्ज करी। उ नदी स लइके पृथ्वी क दूरतम जगहियन पइ राज्ज करी।

यहोवा आपन लोगन क रच्छा करी

11यरूसलेम हम आपन वाचा क खून स मूहरबन्द किहेउँ। एह बरे मइँ तोहरे पचन्क बन्दियन क अजाद कइ दिहेउँ, तोहार लोग अब सूनी जेल मँ अब नाहीं रहि गएन।

12बन्दियो, अपने घरे जा। अब तोहरे लगे आसा करइ बरे कछू अहइ। अजु मइँ तू पचन्क दुई गुणा आसीर्बाद देब।

13यहूदा, मइँ तोहार पचन्क उपयोग एक धनुस-जइसा करब। एप्रैम मइँ पचन्क उपयोग बाणन जइसा करब। इस्राएल, मइँ तोहार पचन्क उपयोग यूनान स लड़इ बरे मजबूत तरवार जइसा करब।

14यहोवा ओह पइ परगट होइ, अउर ओकर बाण बिजुली की तरह चलाई। यहोवा, मोर सुआमी तुरही बजाई। फउज मरुभूमि क तूफान क नाईं आगे बढ़ी।

15सर्वसक्तीमान यहोवा ओनकर रच्छा करी। फउजी पाथर अउ गुलेल क उपयोग दुस्मन क हरावइ मँ करिहीं। उ पचे आपन दुस्मनन क खून बहइहीं, उ दाखरस जइसा बही। इ वेदी क कोनन पइ फेंके गए खून जइसा होइ।

16उ समइ, ओनकर परमेस्सर यहोवा आपन लोगन क वइसेन ही बचाइ, जइसे गड़रिया भेड़िन क बचावत ह। उ पचे ओकरे बरे बहोत मूल्यवान होइहीं। उ पचे ओनके हाथन मँ जगमगात रतन स होइहीं।

17हर एक चीज नीक अउ सुन्नर होइ। हुआँ अद्भुत
फसल होइ, मुला हुआँ केवल अन्न अउ दाखरस नाहीं होइ।
हुआँ युवक अउ युवतियन होइहीं।

यहोवा क प्रतिग्यन

10 बसन्त ऋतु मँ यहोवा स बरखा बरे पराथना करा।
यहोवा बिजुरी पठइ अउ बरखा होइ। उ हर एक
मनई क खेते मँ अनाजन उगाइ।
2मूर्तियन स प्राप्त कीन्ह गवा सँदेस बेकार अहइ जादूगर
लबार दर्सन रखत हीं; सपन दर्सी व्यर्थ बात करत हीं; उ
पचे कउनो एक क भी आराम नाहीं पहोंचाइ सकत। एह बरे
परमेसस्र क लोग भेड़िन क तरह एहर-ओहर भटकत अहइँ
अउर ओनका राह देखावइवाला कउनो गड़रिया नाहीं।
3यहोवा कहत ह, "मइँ गड़रियन (प्रमुखन) पइ बहोत
कोहान अहउँ। मइँ ओन प्रमुखन क आपन भेड़िन क
(लोगन) देखरेख क जिम्मेदारी सौंपे रहेउँ।" यहूदा क लोग
परमेस्सर क खरका अहइँ अउर सर्वसक्तीमान यहोवा, फुरइ,
आपन खरका क देखरेख करत ह। उ ओनकर अइसी
देखरेख करत ह, जइसे कउनो फउजी आपन घोड़ा क राखत
ह।
4"कोने क पाथर, डेरा क खूँटी, युद्ध क धनुस अउ
अगवा बाढ़त फउजी सबहिं यहूदा स एक संग अइहीं।
5जुद्ध मँ उ पचे जोद्धन क समान होइ जउन दुस्मनन क
गलियन क कीच मँ रौंद देत हीं। उ पचे युद्ध करिहीं, अउर
यहोवा ओनके संग अहइ। एह बरे उ पचे घोड़सवारन क भी
हरइहीं। 6मइँ यहूदा क लोगन क सक्तीसाली बनाउब अउ
मइँ यूसुफ क लोगन क रच्छा करब। मइँ ओनका वापिस
लइ आउब काहेकि मइँ ओह पइ दाया महसूस करत हउँ।
मइँ ओकर संग अइसा बेउहार करब जइसा कि मइँ कभी
ओका नाहीं तजेउँ ह। काहेकि मइँ यहोवा, ओनकर परमेस्सर
हउँ अउर मइँ ओनकर पराथना क जवाब देब।' 7एप्रैम क
लोग जोद्धन क नाईं होइ। उ पचे आपन हिरदइ मँ अइसा
खुसी महसूस करब जइसा कि उ दाखरस स भरा गवा
अहइ। ओनकर सन्तानन एका लखेहीं अउर उ पचे आनंद
मनइहीं अउर ओनकर हिरदइ यहोवा मँ खुस होइ।
8"मइँ ओनका सीटी दइके सबन क एक संग बोलाउब।
काहेकि मइँ ओनकर रिहाई बरे धन देइ चुका अहउँ, उ
सबइ लोग अनगिनत होइ जइहीं जइसा उ पहिले रहेन।
9मइँ सबहिं रास्ट्रन क बीच मँ स ओका छिरताइ देब, मुला
मोका दूर क देसन मँ याद करिहीं। उ पचे अउर ओनकर
सन्तानन बची रइहीं। अउर उ पचे वापस अइहीं। 10मइँ
ओनका मिस्र वापस लिआउब अउर मइँ ओनका अस्सूर मँ
एकट्ठा करब। मइँ ओनका गिलाद अउ लबानोन क भूइँया
मँ लिआउब अउर हुआँ ओन लोगन बरे काफी जगहिया
नाहीं होइ।" 11उ गुर्रत भवा समुद्दर क पार करब अउ
लहरन पइ चोट करब। तब नील नदी क सबइ घहरा भाग
सूख जाई, अस्सूर क घमण्ड नीचा होइ जाई, अउ मिस्र
सक्ती छीन लीन्ह जाई। 12यहोवा आपन लोगन क सक्तीसाली
बनाइ अउर उ पचे ओनके अउ ओनके नाउँ बरे जिअत
रइहीं। यहोवा इ सब कहेस।

परमेस्सर यहूदा क चारिहुँ कईंती क रास्ट्रन क सजा देइ

11 लबानोन, आपन दुआर खोला, काहेकि आगी भितरे
आइ अउर उ तू पचन क देवरारू क बृच्छन क
बारि देइ।
2साइप्रस क बृच्छ रोइहीं काहेकि देवदारू क बृच्छ
भहराइ गएन। बासान क ओक बृच्छ रोवा काहेन जगल
जउन काटि डावा गवा।
3रोवत गड़रियन क सुना! काहेकि ओनकर भव्य चरागाह
तबाह कइ दीन्ह गएन। सुना! सेरन दहाड़त हीं काहेकि यरदन
नदी किनारे क जंगल-झाड़ी नस्ट कीन्ह गवा अहइ।
4इ उहइ अहइ जउन यहोवा मोर परमेस्सर कहत ह:
"ओन भेड़िन क झुण्ड क चढ़वाह होइ जा जेनका जब़ह
करइ बरे नियुक्त कीन्ह गवा रहा। 5जउन लोग ओनका
खरीद लेत हीं अउर ओनका ज़बह कइ देत हीं अउर उ
सज़ा नाहीं पावत हीं। अउर जउन उ भेड़ियन क बेचत हीं
कहत ह, 'यहोवा क धन्य होइ काहेकि हम पचे धनी होइ
गवा हउँ।' ओनका आपन गड़रियन ओह पइ दाया नाहीं
करतेन 6एह बरे मइँ इ देस मँ रहइवालन पइ कछू दाया
नाहीं करब।" यहोवा कहत ह।' "लखा, मइँ हर एक क
ओकर पड़ोसी अउ राजा क हाथ पकड़वाइ देब। उ पचे
ओकर भूइँया रौंद देइहीं, लेकिन कउनो एक क भी ओकर
सक्ती स मुक्त नाहीं करब।"
7एह बरे मइँ ओन भेड़िन क देखरेख किहेउँ, जेनका
ज़बह करइ क वास्ते बेचइ बरे रहेन। सचमुच मँ मइँ ओन
बेचारा भेड़ियन क चड़वाही किहा तउ मइँ दुइ ठु छड़ियन
लिहेस: एक ठु छड़ी क नाउँ "अनुग्रह" राखेउँ अउ दूसर
छड़ी क नाउँ "एकता" राखेउँ अउर तब मइँ भेड़िन क
देखरेख किहेउँ। 8एक महीने मँ मइँ ओकरे तीनउँ गड़ेरियन
क हटाइ दिहे रहा, काहेकि मइँ ओन स आपन धेर्य खो
दिहे रहा, अउर उ मोसे घिना भी किहे रहा। 9एह बरे मइँ
कहेउँ, "मइँ तू पचन्क अउर गड़ेरिया नाहीं रहब। भेड़ जउन
मरह ह, मरि द्या; भेड़ जउन नस्ट होइ बरे जात ह, नस्ट
होइ द्या। भेड़ जउन बचिहीं, ओनका एक दूसर क गोस
खाईके मरि जाई द्या।" 10तब मइँ अनुग्रह नाउँ क छड़ी
लिहेउँ अउर एक तोड़ दिहेउँ। मइँ इ बात क परगट करइ
बरे किहेउँ कि सबहिं रास्ट्रन क संग परमेस्सर क वाचा टूट
गइ। 11एह बरे इ उ दिना तोड़ दीन्ह ग रहा। ओन बेचारे
भेड़िन जउन मोर कईंती लखत रहिन, जान लिहन कि इ
सँदेसा यहोवा क अहइ।
12तब मइँ ओसे कहेउँ, "अगर इ तोहार नज़र मँ ठीक
बाटइ, तउ मोका मोर भुगतान करा; अगर इ तोहार नज़र मँ
ठीक नाहीं बाटइ, तउ मोका भुगतान जिन करा।" एह बरे उ
पचे मोका चाँदी क तीस टूकन मजदूरी क रूप मँ दिहन।
13तब यहोवा मोहसे कहेस, "उ बड़का धन क जेका उ पचे
मोरे बरे कीमत ठेहराएस ह खजाना मँ डाइ द्या।" एह बरे
मइँ चाँदी क तीस टूकन क लिहेउँ अउर ओनका यहोवा क
मन्दिर क खजाना मँ डाइ दिहेउँ। 14तब मइँ "एकता" नाउँ क
दूसर छड़ी क इ परगट करइ बरे कि इस्राएल अउ यहूदा क
बीच क एकता टूटि जाई, तोड़ि दिहेन।

15तब यहोवा मोहसे कहेस, “एक बार फुन मूरख गड़ेरिया क समान लइ ल्या।” 16काहेकि मइँ इ भुइँया मँ एक गड़ेरिया नियुक्त करइ बरे जात हउँ। उ एक अइसा गड़ेरिया होब जउन खोया भवा क चिन्ता न करब, जउन जवान क न खोजब, जउन घायल क चंगा न करब, जउन तन्दुरुस्त क खाइया न खिलाब। एकर जगह पइ, उ मोटे भेड़िन क गोस्त खाउब, अउर जउन ओकरे खुरन क तोड़ देब।”

17हे मोर व्यर्थ गड़ेरिया, कउन झुण्ड क तजि दिहा! तरवार क ओकर भुजा अउ दाहिनी आँखी पइ चोट करइ द्या! ओकर दाहिनी भूजा क झूरान होइ जाइ द्या! ओकर दाहिनी आँखी क पूरी तरह स आँधर होइ द्या!”

यहूदा क चारिहुँ कइँती क रास्ट्रन क बरे मँ दर्सन

12 एक भविस्सबाणी: इ इस्राएल क बारे मँ यहोवा क सँदेसा अहइ: इ उहइ अहइ जउन यहोवा कहत ह, कउन आकसे क बनाएस, कउन पृथ्वी क स्थापना किहेस, कउन मनई क भीतर आतिमा क रचेस, 2“लखा, मइँ यरूसलेम क पिअइ क ज़हरीला पिआला बनाइ बरे जावत हउँ जउन कि ओकरे चारिहुँ कइँती क रास्ट्रन बरे मूसीबत झेलइ क कारण होइ। यहूदा क भी ओन रास्ट्रन क बीच जउन कि यरूसलेम क घेरत ह होवइ बरे मजबूर कीन्ह जाब्या। 3उ दिना मइँ यरूसलेम क सबइ जातियन बरे भारी चट्टान क नाईं बनाउब। अउर जउन कउनो एका उठावइ क कोसिस करी जोर स चोट खाइ, अउर पृथ्वी क सारे रास्ट्रन यरूसलेम क खिलाफ होइहीं। 4यहोवा कहत ह, उ दिना मँ, मइँ हरेक घोड़न क डराउब अउर हरेक घोड़सवार क पागल बनाइ देब; किन्तु मइँ यहूदा क लोगन पइ धियान देब, अउर मइँ जातियन क सबइ घोड़न आँधर कइ देब। 5तब यहूदा क प्रमुखन आपन आप स कहिहीं, ‘यरूसलेम क निवासिन सर्वसक्तीमान यहोवा का करण मज़बूत अहइ अउर उ ओकर परमेस्सर अहइ।’ 6उ दिना मँ, मइँ यहूदा क प्रमुखन क काठ मँ बरत भइ अंगठी, अउ बारत भवा अनाज क गुच्छा क नाईं बनाइ देब। उ पचे आपन चारिहुँ कइँती क जातियन क नस्ट कइ देब साथ ही जउन ओकर दाहिनी तरफ अउ जउन ओकर बाइ तरह होइ। किन्तु यरूसलेम क निवासी फुन यरूसलेम क जगह पइ होइहीं।”

7पहिले यहोवा यहूदा क परिवार समूहन क विजय दिलाइ, एह बरे दाऊद क परिवार समूह क महिमा अउ यरूसलेम क निवासियन क महिमा यहूदा क बंसज स जियादा होइ। 8उ दिना मँ, यहोवा यरूसलेम क निवासियन बरे ढाल होइहीं। जउन कउनो आदमी ओनकर बीच मँ दृढ़ता स रही उ दाऊद क समान बड़वार जोधा बन जाइ। लोगन क समन्वा, दाऊद क परिवार देवता क समान या यहोवा क आपन सरगदूतन क नाईं होइहीं।

9“उ दिना मँ, मइँ ओन रास्ट्रन क नस्ट करइ बरे रवाना होब जउन यरूसलेम क खिलाफ जुद्ध करइ बरे आवत अइहीं। 10मइँ दाऊद क परिवार पइ अउ यरूसलेम क निवासियन पइ महिमा क आतिमा अउ पराथना क उड़ेर देब। उ पचे मोर कइँती लखिहीं, जेनका उ पचे छेद डाए रहेन। उ पचे ओकरे बरे अइसा रोवइ जइसा उ अपने इकलौता पूत क मउत पइ रोवइवत ह। उ पचे अइसा गहिरा दु:ख मँ होइ जइसा व्यक्ति आपन पहिलौटी पूत क मउत पइ रोवइवत होइ। 11उ दिना मँ, यरूसलेम मँ विलाप बहोत भयंकर होइहीं, इ उ समइ क नाईं होइ, जब मगिद्दो घाटी मँ हदद्रिमोन क मउते पइ विलाप होत रहेन। 12समपूर्ण भूइँया खुद ही विलाप करिहीं, अउर हरेक परिवार खुद ही विलाप करिहीं; दाऊद क परिवार खुद ही रोइहीं, अउर ओनकर पत्नियन खुद ही रइहीं। अउर ओनकर पत्नियन आपन आप ही विलाप करिहीं। 13लेवी क परिवार खुद ही विलाप करिहीं, अउर ओनकर पत्नियन आपन आप ही विलाप करिहीं; सिमाइ क परिवार क खुद ही विलाप करिहीं, अउर ओनकर पत्नियन आपन आप ही विलाप करिहीं। 14सबहिं परिवार समूहन क हर कउनो जउन जिअत ह खुद ही विलाप करिहीं, अउर पत्नियन आपन आप स विलाप करिहीं।”

13 उ दिना, दाऊद क परिवार अउ यरूसलेम मँ रहइवाला लोगन बरे एक ठु सोता ओकरे पापन बरे क धोइ देइ अउर लोगन क सुद्ध करइ बरे फूटब।

लबार नबी भविस्स मँ नाहीं

2सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, “उ दिना, मइँ पृथ्वी प स सबहिं मूर्तियन क नाउँ हटाइ देब। अउर लोग ओनकर नाउँ भी याद नाहीं रखिहीं। अउर मइँ लबार नबियन अउर असुद्ध आतिमा क इ भुइँया स हटाइ देब। 3जदि कउनो मनई भविस्सबानी करत ह तउ ओका सजा मिली। हिआँ तलक कि ओकरे माता-पिता, ओकर आपन महतारी अउर आपन बाप ओहसे कइहीं, ‘तू यहोवा क नाउँ झूठ बोल्या ह। एह बरे तोहका मरि जाइ चाही।’ ओकर आपन महतारी अउर ओकर आपन बाप भविस्सवाणी करइ क कारण ओका छूरी भोकं देइहीं।

4“उ समइ नबी आपन भविस्सवाणी अउर आपन दर्सन क खातिर लज्जित होइ जइहीं। उ पचे लोगन क धोखा देइ बरे रोंएदार चोग़ा नाहीं पहरिहीं। 5उ सबइ लोग कइहीं, ‘मइँ नबी नाहीं हउँ मइँ एक किसान हउँ। मइँ बचपना स किसान क रूप मँ काम किहेउँ ह।’ 6दूसर लोग कइहीं, ‘मुला तोहरे हाथन पइ घाव कइसे अहइँ?’ उ कही, ‘इ चोट मोका अपने मित्र के घरे लगी।’”

7सर्वसवतीमान यहोवा कहत ह, “तरवार, गड़रिया पइ चोट करा। मोरे मित्र क मारा। गड़रिया पइ वार करा अउर भेड़िन पराइ जइहीं अउर मइँ ओन छोटन क सजा देब। 8सर्वसक्तीमान यहोवा करत ह, “पूरी धरती क दुइ तिहाई लोग हटाइ जाइहीं अउर उ पचे मरिहीं, मुला एक तिहाई लोग बचा रइहीं। 9मइँ इ एक तिहाई लोगन क आगी मँ डाइ देब। मइँ ओका उहइ तरह स सुद्ध करब जइसा चाँदी क सुद्ध कीन्ह जात ह। मइँ ओका अइसा परखब जइसा सोना क जाँचा जात ह। तउ उ पचे मोका आपन नाउँ स पुकारिहीं अउर मइँ ओका जवाब देब। मइँ कहब, ‘उ पचे मोर लोग अहा,’ अउर उ पचे कइहीं, ‘यहोवा मोर परमेस्सर अहइ।’”

निर्णय क दिन

14 लखा, यहोवा क एक दिन आवत ह जब तोहार
कीमती चीज तोहरे समन्वा तोड़ि जाइहीं। 2मइँ
सबहिं रास्ट्रन क यरूसलेम क खिलाफ लड़इ बरे एक संग
लिआउब। सहर पइ अधिकार कीन्ह जाब्या, घरन क लूट
लीन्ह जाब्या, मेहररुअन क बलात्कार होब्या; आधा लोग
बन्दी क रूप मँ देस निस्कासन मँ जाइहीं, किन्तु बचा भवा
लोग सहर स हटावा नाहीं जाब्या। 3तब यहोवा जाब अउ
ओन रास्ट्रन क विरुद्ध वइसा ही जुद्ध करब जइसा उ
पहले किहे रहेन। 4उ दिना, उ जइतून क पहाड़ पइ खड़ा
होइ, जउन यरूसलेम क पूरब अहइ। जइतून क पर्वत एक
गहिरा घाटी क दुआरा दुइ ठु हींसा मँ पूरब स पच्छिम
तलक बटि जाइँ। एह बर आधा पर्वत उत्तर कइँती अउर
आधा ढक्खिन कइँती बढ़िहीं। 5जइसे-जइसे उ पहाड़ी घाटी तू
पचन क निगचे आइ, तू पचे पराइ जाइ क जतन करब्या।
तू पचे उहइ समइ क नाईं पराब्या, जइसे तू पचे यहूदा क
राजा उज्जियाह क सासन क समइ मँ भुइँडोल स पराइ ग
रह्या। जब यहोवा, मोर परमेस्सर आइ, अउर ओकर सबहि
पवित्तर ओकरे संग होइहीं।

6उ दिना न गर्मी या न ठंडा या न ही पाला होइ। 7उ
लगातार दिन होइ। एक दिन जउन सिरिफ यहोवा ही जानत
ह। हुवाँ न ही दिन होइ न रात। हुवाँ हमेसा उजियारा होइ
हिवाँ तलक कि साँझ मँ भी। 8उ समइ, यरूसलेम स
लगातार पानी बही। उ धार बँटि जाइ अउर एक हींसा पूरब
कइँती बही अउर एक हींसा पच्छिम क भूमध्य सागर तलक
जाइ अउर पूरे साल गर्मी अउ सर्दी मँ बही 9अउर यहोवा उ
समइ संसार क राजा होइ। यहोवा एक अहइ। ओकर नाउँ
"एक" अहइ। 10समूचई भूइँया गेब स लइके रिम्मोन तलक
जउन यरूसलेम क दक्खिन कइँती बाटइ, रब्बा मइदान क
नाईं सपाट होइ जाब। किन्तु यरूसलेम आपन ऊँचा जगह
पइ ही बिन्यामीन दुआर स पहिले दुआर जउन कोना क
दुआर अहइ, अउर हननेल क मीनार स राजा क दाखरस
निकारइवाला तलक रहब्या। 11प्रतिबंध उठाइ
लीन्ह जाइ अउर लोग हुआँ आपन घर बनइहीं। यरूसेलम
सुरच्छित होइ।

12मुला यहोवा ओन रास्ट्रन क सजा देइ जउन यरूसलेम
क खिलाफ लड़ेन। उ ओनका भयंकर बीमारी लगाइ देइ।
खड़ा खड़ा ओनकर बदन गलि जाइ। ओनकर आँखिन
ओनके कोटरे मँ गलिहीं अउर ओनकर जीभ ओनके मुँहना
मँ गली। 13-15उ खउफनाक बेरामी दुस्मनन क डेरन मँ होइ
अउर ओनकर घोड़न, खच्चरन, ऊँटन अउर गदहन क ड
खउफनाक बेरामी लगि जाइ।

उ समइ, उ सबइ लोग, फुरइ, यहोवा स डेरइहीं। उ पचे
एक दूसर क गटइ दबइहीं। उ पचे एक दूसर पइ वार करइ
बरे हथवा उठइहीं। यहूदा क लोग यरूसलेम मँ जुद्ध
करिहीं, मुला उ पचे सहर क चारिहुँ कइँती क रास्ट्रन स
धन पइहीं। उ पचे बहोत जियादा सोना, चाँदी अउर ओढ़ना
पइहीं। 16अउर सबइ रास्ट्रन स बचा भवा कछू लोग जउन
यरूसलेम क खिलाफ जुद्ध करइ अइहीं, हर बरिस उ पचे
राजा क अराधना करइ बरे, सर्वसक्तीमान यहोवा क उपासना
क करइ बरे जइहीं, कुटीर क त्यौहार मनावइ जाइहीं।
17अउर अगर पृथ्वी क कउनो परिवार क लोग राजा क,
सर्वसक्तीमान यहोवा क उपासना करइ यरूसलेम नाहीं जइहीं,
तउ उ पचे बर्खा स बंचित होइ जाइहीं। 18अउर जदि मिस्र
क कउनो परिवार नाहीं उठिहीं अउर नाहीं आइहीं, तउ
ओनका उहइ महामारी जउन यहोवा दूसर रास्ट्रन बरे भेजे
रहा जउन कुटीर क त्यौहार मनावइ बरे नाहीं आवत रहा,
कस्ट पहोंचाउब। 19इ सज़ा मिस्र बरे होइहीं अउर इ सज़ा उ
समूचइ रास्ट्र बरे जउन कटीर क त्यौहार मनावइ नाहीं आइ।

20उ दिना, "यहोवा बरे पवित्तर" घोड़ा क घंटियन पइ भी
खुदा होइ। अउर यहोवा क मन्दिर पकावइ क बर्तन वेदी क
समन्वा रखा भवा पियाला क समान होइ। 21यहूदा अउ
यरूसलेम क हर बर्तन सर्वसक्तीमान यहोवा बरे पवित्तर होइ।
जउन कउनो बलिदान चढ़ावइ बरे आइ ओनमाँ स लेइ लेब
अउर ओह मँ ही पकाउब्या। उ दिना, सर्वसक्तीमान यहोवा
क मन्दिर कउनो वइपारी नाहीं होइ।

हाग्गै

मंदिर बनावइ क समइ

1 परमेस्सर यहोवा क सँदेसा नबी हाग्गै क जरिये
सालतीएल क पूत यहूदा क सासक जरुब्बाबेल अउर
यहोसादाक क पूत महायाजक यहोसू क मिला। इ सँदेसा
फारस क राजा दारा क दूसर बरिस क छठएँ महीना क
पहिले दिन मिला रहा। इ सँदेसा मँ कहा गवा रहा:
2सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह, "इ सबइ लोग कहत हीं
कि यहोवा क मंदिर क पुन:निमार्ण क समइ नाहीं आवा
अहइ।"

3तबहिं एकरे बारे मँ यहोवा इ निम्न लिखित सँदेसा
हाग्गै नबी क जरिये स पठाएस ह, जेहमाँ कहा गवा रहा,
4"का इ तू पचन क खुद खातिर काठे स मढ़ा मकानन मँ
रहइ क समइ अहइ जबकि इ मंदिर अबहिं खाली पड़ा
अहइ? 5इहइ कारण अहइ कि सर्वसक्तीमान यहोवा कहत
ह:

'जउन कछू तोहरे पचन क संग घटत बाटइ ओकरे बारे
मँ सोचा। 6तू पचे बोवा बहोत ह, मुला तू पचे काटत्या नाहीं
क बराबर। तू पचे खात अहा, मुला तोहार पचन क पेट
भरत नाहीं। तू पचे पिअत अहा, पर तू पचन्क नसा होत
नाहीं। तू पचे ओढ़ना पहिरत अहा, किन्तु तू पचन्क काफी
गरमाहट मिलत नाहीं। तू पचे जउन थोड़ा बहोत कमात अहा
पता नाहीं कहाँ चला जात ह; लागत इ जइसे जेबन मँ छेद
होइ ग होइ।'"

7सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "जउन कछू तू पचन क
संग घटत बाटइ ओकरे बारे मँ सोचा। 8पर्वते पइ चढ़ा।
लकड़ी लिआवा अउर मंदिर बनावा। तब मइँ मंदिर स प्रसन्न
होबउँ, अउर सम्मानित होबउँ।" यहोवा इ सब कहत ह।

9सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "तू पचे बहोतइ जियादा
पावइ क चाह मँ रहत ह, मुला तू पचन्क नाहीं क बराबर
मिलत ह। तू पचे जउन कछू भी घरे पइ लिआवत अहा मइँ
एका उड़ाइ लइ जात हउँ। काहेकि मोर मंदिर खंडहर पड़ा
अहइ। मुला तू लोगन मँ हर एक क आपन आपन घरे क
पड़ी बा। 10इहइ कारण बाटइ कि आसमान आपन ओस तक
लइ लेत ह, अउर इहइ कारण भुइँया आपन फसल नाहीं
देत। अइसा तू पचन क कारण होत ह।

11यहोवा कहत ह, "मइँ धरती अउ पर्वतन बरे सूखा पड़इ
क हुकुम दिहेउँ ह। अनाज, दाखरस, जइतून क तेल अउर
उ सबइ कछू जेका इ धरती पइदा करत ह, बरबाद होइ
जाइ। सबइ लोग अउर सबइ जनावरन क कारज कउनो
चीज नाहीं पइदा करइ सकी।"

नवा मंदिरे क कारज क सुरुआत

12तब सालतीएल क पूत जरुब्बाबेल अउ यहोसादाक क
पूत महायाजक यहोसू अउर सबइ दूसर लोगन यहोवा आपन
परमेस्सर क सँदेसा अउर ओकर पठए भए हाग्गै नबी क
बचनन क अंगीकार किहेस। अउर लोग यहोवा स डेराइ
गएन।

13परमेस्सर यहोवा क सँदेसा वाहक हाग्गै लोगन क
यहोवा क सँदेसा दिहस। उ इ कहेस, "मइँ तोहरे संग हउँ।"

14तब परमेस्सर यहोवा सालतीएल क पूत यहूदा क
सासक जरुब्बाबेल क प्रेरणा दिहस अउ परमेस्सर यहोवा
यहोसादाक क पूत महायाजक यहोसू क भी प्रेरणा दिहस
अउ परमेस्सर यहोवा बाकी सबहिं लोगन क प्रेरणा दिहस।
तब उ पचे आएन अउ आपन सर्वसक्तीमान परमेस्सर यहोवा
क मंदिर क निर्माण मँ काम करइ लागेन। 15उ पचे इ
परसिया क राजा दारा क दूसरे बरिस क छठएँ महीना क
चौबीसवें दिन किहन।

यहोवा क लोगन क प्रेरणा देब

2 यहोवा क सँदेसा सतएँ महीना क इक्कीसवें दिना हाग्गै
क मिला। सँदेसा मँ कहा गवा, 2अब यहूदा क सासक
सालतीएल क पूत जरूब्बाबेल, यहोसादाक क पूत महायाजक
यहोसू स बातन करा अउ जउन लोग बचा अहइँ ओनसे
कहा: 3"का तू पचन मँ कउनो अइसा बचा अहइँ जउन उ
मंदिर क आपन पहिले क बैभव मँ देखेस ह। अब तू
पचन्क कइसा लागत ह? का खण्डहर भवा इ मन्दिर ओ
पहिले बैभववाला मंदिर क मुकाबले कहूँ ठहर पावत ह?
4मुला जरूब्बाबेल, 'अब तू हिम्मती बना!' अउर यहोसादाक
क पूत महायाजक यहोसू, 'तू भी हिम्मती बना।' अउर तू
सबइ लोग जउन हिआँ रहत ह, हिम्मती बना। यहोवा इ भी
कहत ह, 'काम करा, काहेकि मइँ तोहारे संग अहउँ।'
सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह।"

5यहोवा कहत ह, "जहाँ तलक मोरी प्रतिग्या क बान
अहइ, जउन मइँ तू पचन क मिस्र स बाहेर निकाराइ क
समइ तू पचन स किहेउँ, उ मोर आतिमा तू पचन मँ अहइ।
डेराअ जिन। 6काहेकि सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह: एक
दाईं फुन मइँ हाली ही भुइँया अउ आसमान अउ समुद्दर
अउ सूखी भुइँया क कँपकँपाइ देबउँ। 7मइँ सबहिं रास्ट्रन क
कँपाइ देब, अउर उ सबहिं रास्ट्र आपन सम्पत्तियन क संग
तू पचन क लगे अइहीं। तब मइँ इ मन्दिर क महिमा स
भरि देबउँ। सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह। 8ओनकर चाँदी
मोर अहइ अउर ओनकर सोना मोर अहइ।' सर्वसक्तीमान
यहोवा इहइ कहत ह। 9इ मंदिर क परवर्ती गौरव पहिले

मंदिर क गौरव स बढ़िके होइ। सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत
ह अउर इ ठउर पइ मइँ सान्ति क ठहराउब। सर्वसक्तीमान
यहोवा इ कहत ह।"

कारज सुरू होइ चुका अहइ बरदान मिली

10यहोवा क सँदेसा दारा क दूसर बरिस क नौवें महीना क
चउबीसवें दिना नबी हाग्गै क मिला। सँदेसा मँ कहा ग रहा,
11सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह, अब याजक स पूछा कि
इ बिसय क बारे मँ व्यवस्था का कहत ह। **12**होइ सकत ह
कउनो मनई आपन ओढ़नन क तहन मँ पवित्तर मांस लइ
चलइ। होइ सकत ह कि उ ओढ़ना जउन मँ उ पवित्तर मांस
लइ जात रहा होइ, रोटी या पका भोजन, दाखरस, तेल या
कउनो दूसर भोजन क छुइ लेइ। का उ चीज जेकर छुअब
ओढ़ना स होत ह पवित्तर होइ जाइ?"

याजकन जवाब दिहस, "नाहीं।"

13तब हाग्गै पूछेस, "का होइ अगर कउनो मनई कउनो
जउन कि ल्हासे क छुइ क कारण असुद्ध होइ गवा ह, इ
चिजियन मँ स कउनो चीज क छुवत ह? का इ भी
अपवित्तर होइ जाब?"

तब याजकन जवाब दिहस, "हाँ, उ अपवित्तर होइ जाइ।"

14तब हाग्गै जवाब दिहस, "परमेस्सर यहोवा कहत ह,
'मोर नज़र मँ, इ ऍन लोगन अउर इ रास्ट्र बरे नेम अहइ।
जउन कछू उ करी अउर जउन कछू उ मोका भेंट करिहीं
उ अपवित्तर होइ।

15अब सोचा आज क पहिले का भवा। यहोवा परमेस्सर
क मन्दिर मँ तोहार जरिये एक पाथर पइ दूसर पाथर रखइ
स पहिले चिजियन कइसा रहेन? **16**एक मनई बीस माप
अनाज क ढेर क निअरे आवत ह, मुला हुआँ ओका सिरिफ
दस ही मिलत ह अउर जब तलक एक मनई दाखरस क
पीपा क निअरे पचास माप निकारइ आवत ह तउ हुआँ उ
सिरिफ बीस ही पावत ह! **17**मइँ, तू पचन क अउर तू पचन
क काम क सजा दिहन। मइँ तोहार पउधन क नास करइ
बरे जेका तू उगाएस ह बेरामियन क भेजा हउँ। मइँ फफूँदी
अउर ओलन क भेजेस जउन कि तोहार सारे पइदावान क
तबाह कइ दिहेस। मुला तू पचे फुन भी मोरे लगे नाहीं
आया।' यहोवा इ कहत ह।"

18यहोवा कहत ह, "इ दिना स अगवा सोचा अर्थात नौवाँ
महीना क चौबीसवें दिन जउने दिन यहोवा, क मंदिरे क नेंव
तइयार कीन्ह गइ। सोचा। **19**का बिआ अबहुँ भी भण्डार-गृह
मँ बाटइ? का अंगूरे क बेलन, अंजीर क बृच्छ, अनार अउ
जइतून क बृच्छ अब तलक फल नाहीं दइ पावत अहइँ?
नाहीं। मुला आजु क दिन स, अगवा क बरे मइँ तू पचन क
आसीर्वाद देबउँ।"

20तब महीन क चौबीसवें दिन हाग्गै क दूसरी दाईं यहोवा
क सँदेसा मिला। सँदेसा मँ कहा गवा, **21**"यहूदा क प्रसासक
जरुब्बाबेल स कहा, 'मइँ आसमान अउ भुइँया क कँपावइ
जात हउँ

22अउर मइँ राज्जन क सिंहासनन क लोकाइ देबउँ अउ
रास्ट्रन क राज्जन क सक्ती क बरबाद कइ देबउँ अउर मइँ
रथन अउर ओनके सवारियन क नीचे फेंक देबउँ। तब घोड़न
अउर ओनके घुड़सवार भहरइहीं। भाई, भाई क दुस्मन होइ
जाइ।

23सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, मइँ उ दिना सालतीएल
क पूत, आपन सेवक, जरुब्बाबेल क लेबउँ। यहोवा इ
कहत ह अउर मइँ तू पचन क मुंद्रा स छापी भइ अंगूठी
बनाउब। काहेकि मइँ तू पचन क चुनेउँ ह।"

सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहेस ह।

सपन्याह

1 इ सँदेसा अहइ जेका यहोवा सपन्याह क दिहस। सपन्याइ
इ सँदेसा तब पाएस जब आमोन क पूत योसिय्याह यहूदा
क राजा रहा। सपन्याह कूसी क पूत रहा। कूसी गदल्याह क
पूत रहा। गदल्याह अमर्याह क पूत रहा। अमर्याह हिजकिय्याह
क पूत रहा।

लोगन क निआव करइ क यहोवा क दिन

2यहोवा कहत ह, "मइँ देस क हर चीज क पूरी तरह
नस्ट कइ देबउँ। **3**मइँ सबहिं लोगन क अउर सबहिं
जनावरन क नस्ट करबेउँ। मइँ अकास क चिरइयन अउ
सागरे क मछरियन क नस्ट करबेउँ। मइँ पापी लोगन क
अउर ओन सबहिं चीजन क जमीन पइ स नाउँ निसान मेट
देबउँ।" यहोवा इ सब कहेस।
4यहोवा कहेस, "मइँ यहूदा अउ यरूसलेम क वासिइयन
क खिलाफ आपन हाथ उठाउब। मइँ इ जगहन स उ सबइ
क हटाइ देब जउन अबहुँ तलक लबार देवता बाल क पूजा
करत ह। अउर उ याजकन क नाउँ क जउन बाल क सेवा
करत ह। **5**मइँ ओन सबहिं लोगन क हटाइ देब जउन
आपन छते स तारन क पूजा करत ह, अउर उ लोगन क
जउन यहोवा क नाउँ क किरिया खात हउँ, किन्तु फुन उ
पचे लबार देवता मोलेक क किरिया खात ह। **6**कछू लोग
यहोवा स विमुख होइ गएन। उ पचे मोरे पाछे रहब तजि
दिहेन। उ पचे यहोवा स मदद माँगब भी बंद कइ दिहेन। एह
बरे मइँ ओन लोगन क उ जगहिया स हटाउब।"
7मोर सुआमी यहोवा क समन्वा चुप रहा! काहेकि लोगन
क निआव करइ बरे यहोवा क दिन हाली ही आवत अहइ।
यहोवा आपन भेंट बलि तइयार कइ लिहस ह अउर उ
आपन बोलाए भए मेहमानन क तइयार कइ लिहस ह।
8यहोवा कहेस, "यहोवा क बलि क दिन, मइँ राज पुत्रन
अउर दूसर प्रमुखन क राजा देबउँ। मइँ दूसर देसन क
ओढ़नन क पहिरइ वालन क सबहिं लोगन क सजा देबउँ।
9उ दिना मइँ ओन सबहिं लोगन क सजा देबउँ जउन
अन्धविस्सास क देहलीज़ पइ कूदत हीं। मइँ ओन लोगन क
सजा देबउँ जउन सुआमी क घरे क कपट अउर हिंसा स
बटोरे भए धने स भरत हीं।"
10यहोवा इ भी कहेस, "उ दिना, लोग यरूसलेम मँ
मछरी-दुआरे पइ मदद बरे गोहरावत रहा होइहीं। सहर क
दूसर हींसन मँ लोग नरियात रहा होइहीं अउर लोग सहर क
चारिहुँ कइँती क पहाड़ियन मँ चिजियन क नास होइ क
जोरदार आवाज अनकत रहा होइहीं। **11**तू खाले नगर क
निवासियो विलाप करा! काहेकि बइपारियन क रोक दीन्ह
जाइहीं। अउ धनी बइपारी बरबाद कइ दीन्ह जइहीं।
12"उ समइ, मइँ दिआ लइके समूचई यरूसलेम मँ
ओनका खोजत रहब। मइँ ओन सबहिं लोगन क हेरब जउन
कि दाखरस क तलछट क नाईं अहइँ। उ पचे कहत ह,
'यहोवा कछू नाहीं करत ह, न अच्छा अउर न ही बुरा।'
13तब दूसर लोग ओनकर सारी सम्पत्ति लइ लेइहीं अउर
ओनकर घरन क बरबाद करिहीं। उ समइ जउन लोग घर
बनाए होइहीं, उ पचे ओनमाँ नाहीं रइहीं अउर जउन लोग
अंगूरे क बेलन क खेते मँ रोपे होइहीं, उ पचे ओन अगूंरन
क दाखरस नाहीं पीइहीं, ओन चीजन क दूसर लोग लइ
लेइहीं।"
14यहोवा क निआव क दिन हाली आवति अहइ। उ दिन
निअरे अहइ, अउर तेजी स आवति अहइ। यहोवा क निआव
क खास दिन लोग चिचिआन भवा सुर सुनिहीं। हिआँ तलक
कि वीर जोधा भी चिचिअइहीं। **15**उ समइ परमेस्सर आपन
किरोध परगट करी। उ खौफनाक विपत्तियन क समइ होइ।
उ विध्वंस क समइ होइ। उ करिआ, भए बादर अउर
तूफानी दिन क अँधियारा क समइ होइ। **16**इ दिन सैनिकन
क किलाबंध नगरन अउर रच्छा-मीनारन पइ हमला क
अलार्म स भरा भवा होब्या।
17यहोवा कहेस, "मइँ लोगन क जिन्नगी बहोत दूभर
कइ देबउँ। लोग ओन आँधरन क नाईं चारिहुँ कइँती जइहीं
जेनका इ भी मालूम नाहीं कि उ पचे कहाँ जात अहइँ?
काहेकि उ सबइ लोग यहोवा क खिलाफ पाप किहेन।
अनेक लोग मारि डावा जइहीं। ओनकर खून जमीने पइ
बही। ओनकर ल्हासियन गोबरे क नाईं भुइँया पइ पड़ी भई
सड़त रही। **18**ओनकर सोना चाँदी ओनकर मदद नाहीं कइ
पाई। उ समइ, यहोवा बहोतइ छुब्ध अउ कोहान होइ। यहोवा
पूरे संसार क आपन किरोध क आगी मँ बारिके बरबाद कइ
देइ। यहोवा पूरी तरह भुइँया पइ सब कछू बरबाद कइ देइ।"

यहोवा लोगन क प्रेरित करत ह

2 निर्लज्ज लोगो, मुरझात अउ मरत फूलन क नाईं होइ
क पहिले, **2**आपन जिन्नगी क बदलि द्या। दिन क
गर्मी मँ कउनो फूल मुरझाई अउर मरि जाइ। तू पचे वइसेन
होब्या जब यहोवा आपन खउफनाक किरोध परगट करी। एह
बरे आपन जिन्नगी क, यहोवा क जरिये तोहरे पचन क
खिलाफ किरोध परगट करइ क पहिले, बदल डावा। **3**तू
सबहिं विनम्र लोगो, यहोवा क लगे आवा। ओकर नेमन क
माना। नीक काम करब सीखा। विनम्र होइ सीखा। होइ सकत
ह तब तू पचे सुरच्छित रहि सकब्या जब यहोवा आपन
किरोध परगट करी।

यहोवा इस्राएल क पड़ोसियन क सजा देइ

4अज्जा सहरे मँ कउनो भी नाहीं बची। अस्कलीन बरबाद कइ दीन्ह जाइ। दोपहरे तलक लोग असदोद तजइ क मजबूर कइ दीन्ह जइहीं। एक्रोन सूना होइ। 5हे समुद्दर-तट पइ बसइया लोगो अउर करेती लोगो, यहोवा क इ संदेसा सिरिफ तोहरे बरे अहइ। हे कनान देस, पलिस्ती देस, मइँ तू पचन्क बर्बाद कइ देब। हुआँ कउनो नाहीं रही। 6समुद्दर क किनारे क तोहार पचन क भुइँया बिना किसी नगरन या खेतन क बंजर रहीं। तोहार भुइँया सिरफ गड़ेरियन अउ भेड़िन बरे खुला चरागाह रहीं। 7तब उ भुइँया यहूदा क बचे भए लोगन क बरे होइ। यहोवा यहूदा क ओन लोगन क याद रखी। 5सबइ लोग बिदेस मँ बंदी अहइँ। मुला यहोवा ओनका वापस लिआइ। तब यहूदा क लोग ओन खेतन मँ अपनी भेड़िन क घास चरइ देइहीं। साँझ क उ पचे अस्कलोन क खाली घरन मँ ओलरिहीं।

8यहोवा कहत ह, "मइँ जानत हउँ कि मोआब अउ अम्मोन क लोग का किहेन। उ सबइ लोग हमरे लोगन क लज्जित किहेन। उ सबइ लोग आपन देस क अउर जियादा बड़वार करइ बरे ओनकर भुइँया लिहेन। 9एह बरे जइसा कि मइँ सदोम अउर अमोरा क सज़ा दिहेस ह। मइँ मोआबी अउ अम्मोनी क भी सज़ा देब। मइँ सर्वसक्तीमान यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर अहउँ। मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि उ सबइ देस सदा क खातिर पूरी तरह बरबाद कइ दीन्ह जइहीं। ओनकर भुइँया मँ जंगली घास जमिहीं। ओनकर भुइँया मृत सागर क नोन स ढकी भइ भुइँया जइसी होइ। मोरे लोगन मँ स बची भइ उ भुइँया क अउ एहमाँ तजी गइ हर चीज क लेइहीं।"

10उ सबइ बातन, मोआब अउ अम्मान बरे घटित होइहीं काहेकि उ पचे सर्वसक्तीमान यहोवा क लोगन क लज्जित किहेन। 11उ सबइ लोग यहोवा स डेरइहीं। काहेकि यहोवा ओनकर देवतन क बरबाद करी। तब सबहिं दूर-दराज क देस यहोवा क उपासना करिहीं। 12कूस क लोगो, एकर अरथ तू पचे भी अहा। यहोवा क तरवार तोहरे लोगन क मारि डाइ। 13अउर यहोवा उत्तर कइँती आपन हाथ बढ़ाई अउ अस्सूर क सजा देइ। उ नीनवे क बरबाद करी, उ सहर खाली झुरान रेगिस्तान जइसा होइ।

14तब सिरिफ भेड़िन अउ जंगली जनावर उ बरबाद सहर मँ रहीं। कुचकुचवा अउर कउआ ओन खंभन पइ बइठिहीं जाउन खड़ भएन तजि दीन्ह ग अहइँ। ओनकर आवाज खिड़कियन स आवति भइ सुनाइ पड़ी। कउअन, दुआरे क सीढ़ियन पइ बइठिहीं। ओन सूने घरन मँ करिआ पंछी बइठिहीं।

15नीनवे एन दिनन एँतना जियादा घमण्डी अहइ। उ अइसा खुस सहर अहइ। लोग समुझत हीं कि उ पचे सुरच्छित अहइँ। उ पचे समुझत हीं कि नीनवे संसार मँ सब से बड़का ठउर बाटइ। मुला उ सहर बर्बाद कीन्ह जाइ। इ एक ठु सूनी जगहिया होइ, जहाँ सिरिफ जंगली जनावर आराम करइ जात हीं। जब लोग ओहर स गुजरिहीं अउर लखिहीं कि केतनी बुरी तरह सहर बरबाद कीन्ह ग अहइ, तब उ पचे सीटी बजइहीं अउर मूँड़ि हिलइहीं।

यरूसलेम क भविस्स

3 यरूसलेम, तोहार पचन क लोग परमेस्सर क खिलाफ लड़ेन। तोहार पचन क लोग दूसर लोगन क चोट पहोंचाएन अउर तू पचे पापे स कलंकित अहा। 2तोहार लोग मोर एक ठु नाहीं सुनतेन। उ पचे मोर सिच्छा क अंगीकार नाहीं करतेन। यरूसलेम यहोवा मँ बिस्सास नाहीं राखत। यरूसलेम आपन परमेस्सर क लगे नाहीं आवत ह। 3यरूसलेम क प्रमुख गुर्रत भवा सिंहन जइसेन अहइँ। एकर निआव क जज अइसे भुखान भेड़ियन क तरह अहइँ जउन भेड़िन पइ हमला करइ साँझ क आवत ह, अउर भिंसारे कछू बचा नाहीं रहत। 4ओकर नबियन जिम्मेदार अउर बिस्सासयोग्य नाहीं अहइ। ओकर याजकन पवित्तर चिजियन क अपवित्तर करत हीं। उ पचे परमेस्सर क नेम बरे हिंसा किहेन ह। 5मुला परमेस्सर अबहुँ भी उ सहर मँ बाटइ अउ उ ओनके बरे लगातर निआव स भरा रहा ह। परमेस्सर कछू भी बुरा नाहीं करत। उ अपने लोगन क भलाइ करता चला आवत ह। लगातार हर भिंसारे उ आपन लोगन क संग निआव करत ह। मुला बुरे लोग आपन कीन्ह भए बुरे करमन बरे लज्जित नाहीं होतेन।

6परमेस्सर कहत ह, "मइँ समूचे रास्ट्रन क बरबाद कइ दिहेउँ ह। अइँ ओनकर रच्छा-मीनारन क नस्ट किहेउँ ह। मइँ ओनकर सबइ सड़क क नस्ट किहेउँ ह अउर अब हुआँ कउनो नाहीं जात। ओनकर नगरन सूना अहइँ, ओनमाँ अब कउनो नाहीं रहत। 7मइँ तू पचन्स इ एह बरे कहत हउँ ताकि तू पचे सिच्छा ल्या। अगर तू पचे अइसा करब्या तउ तोहार पचन क घर नस्ट नाहीं होइ। अगर तू पचे अइसा करब्या तउ मइँ आपन बनाई भइ योजना क अनुसार तू पचन क सजा नाहीं देबउँ।" मुला उ पचे बुरे लोग वइसेन ही बुरे करमन अउर जियादा करइ चाहत हीं जेनका उ पचे पहिले ही कइ रखे अहइँ।

8यहोवा कहेस, "एह बरे तनिक प्रतीच्छा करा। मोर खड़ा होइ अउ निआव कीन्ह जाइ स पहिले मोर प्रतीच्छा करा। अनेक रास्ट्रन स लोगन क लिआवइ अउ तू पचन क सजा देइ बरे ओनकर उपयोग आपन किरोध तू पचन क खिलाफ परगट करइ बरे करब। मइँ ओनकर उपयोग इ देखावइ बरे करबउँ कि मइँ केतना छुब्ध हउँ, अउर यहूदा क समूचा प्रदेस नस्ट होइ। 9तब मइँ दूसर रास्ट्रन क लोगन क बदल देब एह बरे उ साफ-साफ बोलइ सकब अउर यहोवा क नाउँ क तारीफ कर सकब। उ पचे सबइ एक संग मोर अराधना करब। 10लोग कूस मँ दूसर कइँती स पूरी राह तय कइके अइहीं। मोरे बिखरे भए लोग मोरे लगे अइहीं। मोर उपासक मोरे लगे अइहीं अउर आपन भेंट लइहीं।

11"यरूसलेम, तब तू अगवा चलिके ओन बुरे करमन बरे लजाब होइ बंद कइ देब्या। काहेकि मइँ यरूसलेम स ओन सबहिं बुरे लोगन क निकारिके बाहेर करब। मइँ ओन सबहिं घमण्डी लोगन क दूर कइ देबउँ। ओन घमण्डी लोगन मँ स कउनो भी मोरे पवित्तर पर्वत पइ नाहीं रही पाइ। 12मइँ सिरिफ सोझ अउ विनम्र लोगन क आपन सहर मँ रहइ देबउँ अउर उ पचे यहोवा क नाउँ मँ बिस्सास करिहीं। 13इस्राएल क बचे भए लोग बुरे करम नाहीं करिहीं। उ पचे

लबार नाहीं बोलिहीं। उ पचे लबार बोलिके लोगन क ठगइ
नाहीं चइहीं। उ पचे ओन भेड़िन क नाईं होइहीं जउन खात
हीं अउर सान्त ओलरत हीं, अउर कउनो भी ओनका तंग
नाहीं करी।"

आनन्द सँदेसा

14हे यरूसलेम, गावा अउ खुस ह्वा! हे इस्राएल, खुसी
स घोस करा! यरूसलेम, प्रसन्न ह्वा, तमासा करा।

15काहेकि यहोवा तोहार पचन क सजा रोकि दिहस। उ
पचे तोहरे पचन क दुस्मनन क वापिस मोड़ द्या जउन तोहार
तरफ आवत रहेन। हे इस्राएल क राजा, यहोवा तोहरे संग
अहइ। अब तू पचन्क अउर कउनो बुरी घटना बरे चिन्ता क
जरूरत नाहीं।

16उ समइ, यरूसलेम स कहा जाइ, "मजबूत बना, डेराअ
जिन!

17तू पचन क परमेस्सर यहोवा तू पचन क संग अहइ। उ
सक्तीसाली फउजी क नाईं अहइ। उ तू पचन क रच्छा
करी। उ देखाई कि उ तू पचन स केतना पियार करत ह।
उ देखाई कि उ तू पचन स केतना प्रसन्न अहइ। उ हँसी
अउर तू पचन क बारे मँ अइसे खुस होइ।

18जइसे लोग दावत मँ होत हीं।" यहोवा कहेस, "मइँ तू
पचन्क लज्जा क दूर करब। मइँ तू पचन्क दुर्भाग्य क तू
पचन्स दूर करब।

19उ समइ, मइँ ओन लोगन्क सजा देबउँ जउन तू
पचन्क चोट पहोंचाएन। मइँ आपन घायल लोगन्क रच्छा
करब। मइँ ओन लोगन्क वापस लिआउब, जउन पराइ क
बेबस कीन्ह ग रहेन अउर मइँ ओनका प्रसिद्ध करब। लोग
सब जगह ओनकर तारीफ करिहीं।

20उ समइ, मइँ तू पचन्क वापस लिआउब। मइँ तू
पचन्क एक साथ वापस लिआउब। मइँ तू पचन्क प्रसिद्ध
बनाउब। सब जगह लोग तू पचन्क तारीफ करिहीं। इ तब
होइ जब मइँ तू पचन्क अँखियन क समन्वा तू सबइ बन्दी
लोगन्क लिआउब।"

यहोवा इ सबइ कहेस।

हबक्कूक

हबक्कूक क परमेस्सर स सिकाइत

1 इ उ संदेस अहइ जउन हबक्कूक नबी क दीन्ह ग रहा।
2हे यहोवा, मइँ लगातर तोहार दोहाइ देत रहत हउँ। तू
मोर कब सुनब्या? मइँ इ हिंसा क बारे मँ तोहरे अगवा
नरियात रहत हउँ मुला तू कछू नाहीं किहा। 3लोग लूट लेत
हीं अउर दूसर लोगन क नोस्कान पहोंचावत हीं। लोग
तहत्तुक करत हीं अउर झगड़त हीं। हे यहोवा! तू अइसी
भयानक बातन मोका काहे देखॉवत अहा? 4व्यवस्था बगैर
सहारा क होइ चुकी अहइ अउर लोगन क संग निआव
नाहीं कइ पावति अहइ। दुट्ठ लोग सज्जन लोगन क संग
आपन लड़ाइयन जीतन बाटेन। तउ, व्यवस्था अब निस्पच्छ
नाहीं रहि गई बा।

हबक्कूक क परमेस्सर क जवाब

5यहोवा जवाब दिहस, “दूसर जातियन क लखा। ओनका
धियान स देखा। तू अचरज होइ जाब्या। मइँ तोहरी जिन्नगी
क समइ मँ कछू अइसा करब जउन तोहका चकित कइ
देइ। अगर तोहका ओकरे बारे मँ बतावा जाइ तउ तू ओह
पइ भरोसा नाहीं कइ पउब्या। 6मइँ बाबुल क लोगन क एक
ठु बलवान जाति बनाइ देबउँ। उ सबइ लोग बड़कवा दुट्ठ
अउर सक्तीसाली जोधा अहइँ। उ पचे अगवा बाढ़त भए
सारी धरती पइ छाइ जइहीं। उ पचे ओन घरन अउ ओन
सहरन पइ कब्जा कइ लेइहीं जउन ओनकर नाहीं अहइँ।
7बाबुल क लोग दूसर लोगन क ससाइ देइहीं। बाबुल क
लोग जउन चइहीं, तउन करिहीं अउर जँहा चहिहीं, हुआँ
जइहीं।

8ओनकर घोड़न चीतन स भी तेज दउड़इवाला होइहीं
अउर सूरज क लुकाइ जाइ क पाछे बड़का कूकुर स भी
जियादा खूँखार होइहीं। ओनकर घोड़सवार फउजी सुदूर ठउरन
स अइहीं। उ पचे आपन दुस्मनन पइ वइसे टूटि पड़िहीं
जइसे अकासे स कउनो भूखा गिद्ध झपट्टा मारत ह। 9उ
पचे सबहिं हिंसा करइ बरे आइहीं। ओनकर फउज रेगिस्तान
क हवा क तरह नाके क सोझ मँ अगवा बढ़िहीं। बाबुल क
फउजी अनगिनत लोगन क बंदी बनाइके लइ जइहीं।
ओनकर गिनती एँतनी जियादा होई जेतॅनी रेत क कणन क
होत ह।

10“बाबुल क फउजी दूसर देसन क राजा लोगन क हँसी
उड़इहीं। दूसर देसन क राजा ओनके बरे चुटकुला बन जइहीं।
बाबुल क फउजी ऊँचा सुदृढ़ मीनारवाले सहरन पइ हँसिहीं।
उ पचे ओन किलन क बदले मँ बालु क रास्ता बनाइके
ओन सहरन क आसानी स हराइ देइहीं। 11फुन उ पचे दूसर
जगहन पइ जुद्ध बरे ओन जगहन क तजिके अइसेन ही
अगवा बढ़ि जइहीं जइसे आँधी आवति अहइ अउर अगवा
बढ़ि जात ह। बाबुल क उ सबइ लोग बस आपन सक्ती क
ही पूजिहीं।”

परमेस्सर स हबक्कूक क सवाल

12फुन हबक्कूक कहेस, “हे यहोवा, तू अमर अहा। तू
मोर पवित्तर परमेस्सर अहा। हम नाहीं मरब। हे यहोवा, तू
बाबुल क लोगन क दूसर लोगन क सजा देइ क रच्या ह।
हे हमार चट्टान, तू ओनका यहूदा क लोगन क सजा देइ
क रच्या ह।

13तोहार भली आँखिन कउनो दोख नाहीं लखति हीं। तू
पाप करत भए लोगन क नाहीं लखि सकत ह। तउ तू ओन
पापियन क जीत कइसे लख सकत ह? तू कइसे लख सकत
ह कि सज्जन क दुर्जन हराइ देइ।

14तू ही लोगन क अइसे बनाया ह जइसे सागरे क
अनगिनत मछरियन जउन सागर छोटा जीव अहइँ बगइर
कउनो मुखिया क।

15दुस्मन हुक अउ जालि डाइके ओनका पकड़ि लेत ह।
आपन जालि मँ फँसाइके दुस्मन ओनका हींच लइ जात ह।
दुस्मन बहोत खुस होत ह जउन उ पकड़त ह।

16इ फंदा अउर जाल ओकरे बरे अइसी जिन्नगी मँ जउन
धनवान क होत ह अउर उत्तिम भोजन खाइ मँ ओकर
सहायक बनत हीं। एह बरे उ दुस्मन आपन ही जाल अउ
फंदन क पूजत ह। उ ओनका मान देइ बरे सबइ बलि देत
ह अउर उ ओनके बरे धूप बारत ह।

17का उ आपन जाल स इहइ तरह लगातार पकड़त
रहब? का बाबुल क फउज इहइ तरह निर्दय होइके जातियन
क नास करत रहब?

2 “मइँ पहरे क मीनारे पइ जाइके खड़ा होबउँ। मइँ हुआँ
आपन जगह लेब अउर रखवारी करब। मइँ इ लखइ
क इंतजार करब कि उ मोसे का कहत ह। मइँ इंतजार
करब अउर इ जान लेब कि मोरे सिकाइत क बारे मँ मोका
का जवाब देइ चाही।”

परमेस्सर क जरिये हबक्कूक क सुनवाई

2यहोवा मोका जवाब दिहस, “मइँ तोहका कछू देखावत
हउँ, तू ओका लिख ल्या। सूचना पट्टी पइ एका साफ़-साफ़
लिख द्या ताकि लोग आसानी स ओका बाँचि सकइँ। 3इ
संदेस अगवा आवइवाला एक खास समइ क बारे मँ अहइ।
इ सँदेस आखिरी समइ क बारे मँ अहइ अउ इ सच्च सिद्ध
होइ। अइसा लग सकत ह कि वइसा समइ तउ कबहुँ आइ
हीं नाहीं। मुला धीरा क संग ओकर इंतजार करा। उ समइ

आइ अउर ओका देर नाहीं लागी। 4इ संदेस ओन लोगन क
मदद नाहीं कइ पाइ जउन एह पइ कान देइ स इनकार करत
हीं। मुला सज्जन इ संदेस पइ बिस्सास करी अउर आपन
बिस्सास क कारण सज्जन जिअत रही।"

5परमेस्सर कहेस, "दाखरस मनई क गुमराह कइ सकत
ह। इहइ तरह कउनो सक्तीसाली मनई क ओकर घमण्ड
मूरख बनाइ देत ह। उ मनई क सान्ति नाहीं मिली। मउत क
नाईं कबहुँ ओकर पेट नाहीं भरत उ हर समइ जियादा स
जियादा इच्छा करत रहत ह अउर मउत क नाईं ही ओका
कबहुँ तृप्ति नाहीं मिली। उ दूसर देसन क हरावत रही। उ
दूसर देसन क ओन लोगन क आपन परजा बनावत रही।
6निहचय ही, इ सबइ लोग ओकर हँसी मसखरी उड़ावत भए
इ कहिहीं, 'ओह पइ हाथ पड़इ जउन एतने दिनन तलक
लूटत रहा ह। जउन अइसे ओन चिजियन क हथियावत रहा
ह जउन ओकर नाहीं रहिन। जउन केतने ही लोगन क
आपन कर्जे क बोझे तरे दबावत रहा ह।'

7"का तू नाहीं जानत कि उ सबइ जउन तोहका ऋण
दिहेस ह तोहार खिलाफ उठिके खड़ा होइहीं? उ पचे उठिहीं
अउर तोहका क कपाइहीं अउर उ तोहार चिजियन मँ स
जउन कछू उ चाहत ह लेइ जाइहीं। 8तू बहोत स देसन क
चिजियन लूट्या ह। तउ उ पचे तोहसे अउर जियादा लेइहीं।
तू बहोत स लोगन क हत्तिया किहा ह। तू खेतन अउर
सहरन क बर्बाद किहा ह। तू हुआँ सबहिं लोगन क मार
डाया ह। 9सुना! जउन गलत तरीके स धन जमा किहेस ह!
ओनका ओकर परिणाम भुगतइ क होइ। तू पचे सोचा करत
ह कि तू आपन चिजियन चोरावइ स दूसर मनई क रोक
सकत ह। मुला इ तोहार बरे बहोत बुरा होइ।

10"तू बहोत स लोगन्क नास करइ क जोजना बनाइ
रख्या ह। ऐसे तोहार आपन लोगन ही लज्जित होइ अउर
तोहका भी आपन जान स हाथ धोवइ क पड़ी। 11तोहरे घरे
क देवारन क पाथर तोहरे खिलाफ गवाही देइहीं। हिआँ
तलक कि तोहार घरे क छते क सहतीरन भी इ घोसणा
करइहीं कि तू बुरा महई अहा। 12हाय लागइ उ बुरे
अधिकारी पइ जउन खून बहाइके एक सहर क निर्माण करत
ह अउर दुट्ठता क जरिये चहारदीवारे स मिला एक ठु सहर
क सुदृढ़ बनावत ह। 13सर्वसक्तीमान यहोवा इ ठान लिहस ह
कि ओ लोग जउन कछू बनाए रहेन, उ सब कछू क एक
ठु आगी भसम कइ देइ। ओनकर समूचा स्रम बेकार होइ
जाइ। 14फुन सब कहूँ क लोग यहोवा क महिमा क जान
जइहीं अउर एक खबर अइसे सँचर जाइ जइसे समुद्दरे मँ
पानी फइला होइ। 15तू जउन आपन पड़ोसियन क दाखरस
पिलावत ह, सुना! तू आपन ज़हर क मिलावत ह अउ
ओका पिलावत ह ताकि तू ओकरे नग्नता क लखि सकी।

16"तू पचे सम्मान क जगह लज्जा स भरि जाब्या। तू पचे
जरूर पीउब्या तउ तू पचे आपन नग्नता क प्रदर्सित करब्या।
उ पियाले स पिआ जउन यहोवा क दाहिने हाथे मँ अहइ।
तउ तू पचे सम्मान क जगह पई लज्जा पाउब्या।

17"लबानोन मँ तू बहोत स लोगन क हत्तिया किहा ह।
तू हुआँ बहोत स गोरु लूट्या ह। तउ जउन लोग मारा गवा
रहेन, तू ओनसे ससाइ जाब्या अउर तू उ देस बरे जउन बुरी
बातन किहेन, ओनके कारण तू डेराइ जाब्या। ओन सहरन क
संग अउर ओन सहरन मँ बसइयन क संग जउन कछू तू
किह्या ह, ओनसे तू डेराइ जाब्या।"

मूर्तियन क निरर्थकता क सँदेस

18ओकर इ लबार देवता, ओकर रच्छा नाहीं कइ पाइ
काहेकि उ तउ बस एक अइसी मूर्ति अहइ जेका कउनो
मनई धातु स मढ़ दिहेस ह। उ सिरिफ एक ठु मूरति अहइ।
एह बरे जउन मनई खुद ओका बनावत ह, ओसे मदद क
अपेच्छा नाहीं कइ सकत। उ मूर्ति तउ बोल तलक नाहीं
सकत। 19धिक्कार अहइ उ मनई क जउन एक ठु
काठपुतरी स कहत ह- "ओ देवता, जागि उठा।" उ मनई
क धिक्कार अहइ जउन एक ठु अइसी पाथर क मूरति स
बोल तलक नाहीं पावत, कहत ह, "ओ देवता, उठि बइठा।"
काहे उ कछू बोली अउर ओका राह देखाइ। उ मूरति चाहे
सोना स मढ़ी होइ, चाहे चाँदी स, मुला ओहमाँ परान तउ
बाटइ ही नाहीं।

20मुला यहोवा एहसे अलग अहइ। यहोवा अपने पवित्तर
मँदिर मँ रहत ह। एह बरे यहोवा क समन्वा संपूर्ण पृथ्वी क
चुपचाप रहिके ओकरे बरे आदर परगट करइ चाही।

हबक्कूक क पराथना

3 हबक्कूक नबी बरे सिग्योनीत पराथनाः
2हे यहोवा, मइँ तोहरे बारे मँ सुनेउँ ह। हे यहोवा, बीत
गए समइ मँ जउन सक्ती स भरा कारज तू किहे ह, ओन
पइ मोका अचंभा अहइ। अब मोर तोसे बिनती बाटइ कि
हमरे समइ मँ तू फुन ओनसे बड़का कारज करा। मुला तू
गुस्सा मँ भी हम पचन पइ दाया क देखाउब सुमिरा।

3परमेस्सर तेमान कइँती स आवत अहइ। उ पवित्तर परान
क पहाड़े स आवत अहइ। ओकर महिमा आकासे क छाइ
लेई। ओकर स्तुति धरती क भरि देइ।

4उ महिमा अइसी अहइ जइसे कउनो उज्जर जोति होइ।
ओकरे हाथे स जोति क किरणन फूटति अहइँ अउर ओकरे
हाथे मँ ओकर सक्ती लुकान अहइ।

5ओकरे समन्वा सबइ महामारी चलत हीं अउर ओकरे
पाछे बिध्वंसक नास चला करत ह।

6यहोवा खड़ा भवा अउर धरती क निआव किहस। उ
दूसर जातिन क लखेन अउर उ पचे काँपि उठेन। अतीत
कालीन पहाड़न ढही गएन अउर चकनाचूर होइ गएन। पुरान
बहोतइ पुरान पहाड़ ढहि गएन। परमेस्सर सदा अइसा ही
करत ह।

7मइँ कुसान क तम्बुअन क दुःख मँ लखत ह। मिद्यान
क तम्बुअन क पर्दन काँपत रहेन।

8हे यहोवा, का तू नदियन पइ कोहान अहइ? का
जलधारन पइ तोहका किरोध आवा ह? का समुद्दर तोहार
किरोध क पात्र बन गवा? जब तू आपन बिजय क घोड़न
पइ आवत रहा अउर बिजय क रथन पइ चढ़ा रहा, का तू
किरोध स भरा रह्या?

9तू आपन धनुस तान लिहा अउर तीरन आपन लच्छ क बेध दिहन। जल क धारन क चीरइ बरे फूट पड़िन।

10पहाड़न तोहका निहारेन अउर उ सबइ काँपि उठेन। जल धरती क फोरिके बहइ लाग। धरती स ऊँचा फव्वारा जोर स गर्जत भए फूटइ लागेन।

11सूरज अउ चाँद आपन प्रकास तजि दिहन। उ पचे जब तोहार भालन बिजुरी क तरह चमकत लखेन, तउ चमकब तजि दिहन। बिजुरियन क उ सबइ चमकन बिजुरियन अइसी रहिन जइसे भालन अउ तीरन हवा मँ लटकत अहइँ।

12तू धरती पइ किरोध मँ चलेन अउर तू आपन किरोध मँ जातियन क रौंद दिहेन।

13तू ही एक अहइ जउन आपन लोगन क बचावइ रह्या। तू ही आपन चुना भए राजा क मार्गदर्सक रह्या। तू प्रदेस क हर बुरा परिवारे क मुखिया लोगन क, सबन्त कम महत्व वाले मनई स लइके बहोत महत्व स भरा मनई तलक मार डाया।

14दुस्मन क सिपाहियन हम लोगन क खिलाफ लड़इ बरे सक्तीसाली आँधी क तरह आएन। उ पचे खुसी मँ सोचत रहेन क उ पचे एक बेसहारा मनई पइ हमला करइ क जइसा जब न कउनो एका लखत ह अउर न ही कउनो ओकरे मदद बरे आवत ह, क नाईं हम लोगन क आसानी स हरा सकत ह। मुला तू ओनका मूँड़े क आपन भाला स छेद कइ दिहेन।

15मुला तू सागरे प आपन घोड़न पइ सवार होइके चलत रह्या, सक्तीसाली जल क उत्तेजित कइ दिह्या।

16मइँ इ सबइ बातन सुनेउँ अउर मोर पेट डर स काँपि उठी। जब मइँ इ आवाज़ क सुनेउँ, मोर होंठ काँपइ लागेन। मोर हड्डियन दुर्बल होइ गइन। मोर टाँगियन काँपइ लागिन। एह बरे मइँ बिनासे क दिन क बाट जोहब जउन ओन लोगन पइ आई जउन हम पई हमला किहेस।

यहोवा मँ सदा आनन्द स रहा

17अंजीर क बृच्छ चाहे अंजीर न उपजावइँ, अंगूरे क बेलन पइ चाहे अंगूर न उपजावइँ, जइतून क बृच्छ चाहे जइतून न पइदा करइँ, अउर चाहे इ सबइ खेत अनाज पइदा न करइँ, बाड़न मँ चाहे एक भी भेड़ न रहइ अउर चाहे पसुसाला मँ एक भी पसु न रहइँ।

18मुला फुन भी मइँ यहोवा मँ मगन रहबउँ। मइँ आपन रच्छक परमेस्सर मँ आनन्द लेबउँ।

19यहोवा, जउन मोर सुआमी अहइ। मोका सक्ती स भर दिहस ह। उ मोका हिरना क नाईं पराइ मँ सहायता देत ह। उ मोका सुरच्छा क संग पहाड़न क ऊपर लइ जात ह।

संगीत निर्देसन बरे मोर तारदार उपकरणन क संग।

नहूम

1 इ नीनवे क बारे मँ एक ठु दुःखद समाचार अहइ। इ किताब नहूम क दर्सन क किताब अहइ। नहूम एल्कोस स रहा।

यहोवा नीनवे स कोहान अहइ

2यहोवा ईस्यालु अउर प्रतिसोधी परमेस्सर अहइ। यहोवा बदला लेत ह। यहोवा बहोतइ कोहान अहइ। यहोवा आपन दुस्मनन क खिलाफ बदला लेत ह। उ आपन दुस्मनन पइ कोहात रहत ह।

3यहोवा धीरा राखत ह। मुला उ बहोतइ सक्तीसाली अहइ। यहोवा अपराधी लोगन क सजा देत ह। उ ओनका आजाद चला जाइ नाहीं देइ। लखा, यहोवा दुट्ठ लोगन क सजा देइ आवत ह। उ आपन सक्ती देखॉवइ बरे चक्रवात अउर तूफानन क काम मँ लिआब। बादर ओकरे गोड़न क नीचे धूरि क समान अहइ।

4जदि यहोवा सागर क घुड़कइ तउ सागर भी झुराइ जाइ। उ सारी नदियन क झुराइ सकत ह। बासान अउ कर्मेल क हरी-भरी भुइँया झुराइके मरि जात हीं। लबानोन क फूल मुरझाइके गिरि पड़त हीं।

5यहोवा क अवाई होइ अउर पहाड़ डर स कँपिहीं अउर इ सबइ पहाड़ियन टेघराइके बहि जइहीं। यहोवा क अवाई होइ अउर इ धरती डर स काँपि उठी। इ जगत अउर जउन कछू एहमाँ अहइ जउन जिअत अहइ, डर स काँपी।

6यहोवा क महाकोप क मुकाबला कउनो नाहीं कइ सकत, कउनो भी ओकर भयानक कोप नाहीं सहि सकत। ओकर किरोध आगी क नाईं धधकी। जबहिं उ पधारी तबहिं चट्टानन चटकि जइहीं।

7यहोवा संकट क काले मँ उत्तिम अहइ। उ सुरच्छित सरन अइसे ओन लोगन क अहइ जउन ओकरे भरोसे अहइँ। उ ओनकर देख-रेख करत ह।

8मुला उ आपन दुस्मनन क पूरी तरह बर्बाद कइ देइ। उ ओनक बाढ़ क तरह बहाइ के लइ जाइ। अँधियारा क बीच उ आपन दुस्मनन क पाछा करी।

9का तू पचे यहोवा क खिलाफ सड्यंत्र रचत अहा? उ तोहार पचन क अंत कइ देइ। फुन अउर कउनो दूसरी दाईं कबहुँ यहोवा का खिलाफत नाहीं करी।

10तोहरे पचन्क दुस्मन अरझ गए काँटन स बर्बाद होइहीं। उ पचे झुरान घासे जइसे हाली ही जरि जइहीं।

11हे अस्सूर, एक मनई तोहसे ही आवा अहइ। जउन यहोवा क खिलाफ सड्यंत्र रचेस अउर पापे स भरी सलाह दिहस।

12यहोवा यहूदा स इ सबइ बातन कहे रहा: "अस्सूर क जनता पूरी सक्तीसाली अहइ। ओकरे लगे बहोत स फउजी अहइँ। मुला ओन सबन्क काटिके लोकाइ दीन्ह जाइ। सबन्क अन्त कीन्ह जाइ। हे मोर लोगो, मइँ तू पचन्क बहोत स कस्ट दिहेउँ मुला अब आगे तू पचन्क अउर कस्ट नाहीं देबउँ।

13अब मइँ तोहरे पचन क काँधे स उ जुआ उतारि देब। तोहार सबन्क जंजीरन जेनमाँ मँ तू पचे बँधा अहा मइँ अब तोरि देब।"

14हे अस्सूर क राजा, तोहरे बारे मँ यहोवा इ आदेस दिहस हः "तोहार नाउँ लेवइया कउनो भी संतान न रही। तोहार खुदी भइ मूर्तियन अउ धातु क मूर्तियन क मइँ बर्बाद कइ देब जउन तोहरे देवतन क मन्दिरन मँ रखा भवा अहइँ। मइँ तोहरे बरे कब्र बनावत हउँ काहेकि तोहार अंत आवति अहइ।

15लखा यहूदा। लखा हुआँ, पहाड़े क ऊपर स कउनो आवत अहइ। कउनो हरकारा सुसंदेस लइकि आवत अहइ। लखा उ कहत अहइ कि हिआँ पइ सान्ति अहइ। यहूदा, तू आपन खास छुट्टी क दिन मनाइ ल्या। यहूदा, तू आपन मन्नतन मनाइ ल्या। अब फुन कबहुँ दुर्जन तोह पइ वार न करिहीं अउर उ पचे फुन तोहका हराइ न पइहीं। ओन सबहिं दुर्जनन क अन्त कइ दीन्ह ग अहइ।

नीनवे क विनास होइ

2 नीनवे, बिनासकारी तोहरे खिलाफ जुद्ध करइ बरे आवत अहइ। आपन सहर क मज़बूत ठउर सुरच्छित कइ ल्या! राहन पइ आँखी धरा, जुद्ध बरे तइयार रहा, लड़ाई क तइयारी करा।

2काहेकि यहोवा याकूब क महिमा लउटावत अहइ जइसे इस्राएल क महिमा। अस्सूर क लोग इस्राएल क प्रजा क नास किहेन अउर ओनकर अंगूरे क बेलन क रौंदि डाएन ह।

3ओन जोधन क ढार लाल बाटइ। ओकरे फउजियन क वर्दियन चमलीला लाल कपड़ा स बना अहइँ। जब उ जुद्ध बरे तइयार होत हीं, ओकरे रथन पौलिस कीन्ह भवा लोहा क जइसा चमकत अहइँ। ओनकर भालन जुद्ध बरे तइयार रहत अहइँ।

4ओनकर रथन गलियन मँ बहोत तेजी स भागत परात अहइँ। उ सबइ नगर क चउराहन मँ आगे पीछे भागत हीं। उ सुलगत मसालन स देखाँत हीं अउर अइसे लगात हीं जइसे बिजुरी हिआँ-हुवाँ चमकत होइ।

5राजा आपन ओन फउजियन क बोलावत अहइ जउन
सर्वश्रेष्ठ अहइँ। मुला उ पचे आपन रास्ते मँ ठोकर खात
अहइँ। उ पचे किला क कइँती दउड़त अहइँ, अउर उ पचे
सुरच्छा अवरण बनावत अहइँ।
6मुला उ सबइ दुआर जउन नदियन क किनारे अहइँ,
खुला अहइँ। दुस्मन ओनमाँ स जात अहइ अउर राजा क
महल क गलाइके बैठाइ देत ह।
7लखा, इ दुस्मन रानी क उठाइ लइ जात ह अउर
ओकर दासियन बिलखत हीं जइसेन दु:खे स भरी भइन
कबूतरिन होइँ। उ पचे आपन दु:ख परगट करइ बरे आपन
छाती पीटति अहइँ।
8नीनवे अइसे तलाब जइसा होइ ग अहइ जेकर पानी
बहिके बाहेर निकरत होइ। उ सबइ लोग पुकारिके कहत
अहइँ, “रुका! रुका! ठहरे रहा, कहूँ पराइ जिन जा।” मुला
कउनो न ही रुकत बाटइ अउर न ही कउनो ओन पइ
धियान देत ह!
9हे फउजियो, तू पचे जउन नीनवे क बिनास करत अहा।
तू पचे चाँदी लइ ल्या अउर इ सोना लइ ल्या। हिआँ पइ
लेइके बहुतेरी चिजियन अहइँ। हिआँ पइ बहोत स खजाना
भी अहइँ!
10अब नीनवे खाली अहइ, सब कछू लुटि ग अहइ।
सहर बर्बाद होइ ग अहइ। लोग आपन हिम्मत खोइ दिहे
बाटेन। ओनकर मन डर स टेघरत बाटेन, ओनकर घुटना
आपुस मँ टकरात अहइँ। ओनकर तन काँपत अहइ, ओनकर
मुँहना डरे स पिअर पड़ि गवा अहइँ।
11नीनवे जउन कबहुँ सिंह क माँद रहा, अब उ कहाँ
अहइ? जहाँ सिंह अउ सिंहिनी रहा करत रहेन। ओनकर
बच्चन बेडर रहेन।
12जउन सिंह (निनवे क राजा) आपन बच्चन अउ सबइ
मादा क तृप्ति देइ बरे केतना ही सिकार मारे रहा। उ माँद
अउर आपन गुफा क ओसे भरेस जेनका मारे रहा।
13सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, “नीनवे, मइँ तोहरे
खिलाफ हउँ। मइँ तोहरे रथन क जुद्ध मँ बारि देब। जुद्ध
मँ मइँ तोहरे ‘जवान सिंहन’ क हत्या करब। तू फुन कबहुँ इ
धरती पइ कउने भी आपन सिकार नाहीं मारि पाइ। लोग फुन
कबहुँ तोहरे सँदेसवाकन क वाणियन क नाहीं सुनिहीं।”

नीनवे बरे बुरा समाचार

3 उ हत्तियारन क सहर क धिक्कार अहइ। नीनवे अइसा
सहर अहइ, जउन लबारन स भरा अहइ। इ दूसर देसन
क लूट क माले स भरा अहइ। इ ओन बहोत सारे लोगन
स भरा अहइ जेनकर उ पाछा किहस अउर जेनका इ मारि
डाएस ह!
2लखा, कोड़न क फटकार, पहियन क सोर, अउर घोड़न
क टाप सुर्नाइ देति अहइँ, अउर साथ-साथ उछरत रथन क
सब्द सुनाइ देत अहइ।
3घोड़सवार हमला करत अहइँ अउर ओनकर तरवारन
चमचमाति अहइँ। केतॅना ही लोग मरि गएन। ल्हासन क ढेर
लगि गवा अहइँ। लोग अनगिनत ल्हासन पइ भहराइ
भहराइके चलत बाटेन।
4इ सब कछू नीनवे क कारण घटा अहइ। नीनवे उ
रण्डी जइसी अहइ जउन कबहुँ अघात नाहीं, ओका अउर
जियादा, अउर जियादा चाहे रहा। उ आपन क ढेर सारे देसन
क बोचे दिहे रहा अउर उ ओनका आपन दास बनावइ क
जादू चलाए रहा।
5सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, “हे नीनवे, मइँ तोहरे
खिलाफ अहउँ। मइँ तोहरे ओढ़ना क तोहरे मुँहना तलक
उठाइ देब। तोहरी नंगी देह क सारे देसन क देखाउब। मइँ
तोहार लज्जा राज्जन क देखाउब।
6मइँ तोहरे ऊपर घिनौनी चीज लोकाउब। मइँ तोहसे घिना
क संग बर्तीव करब। लोग तोहका लखिहीं अउर तोह पइ
हँसिही।
7जउन कउनो भी तोहका लखी तोहसे दूर पराई। उ पचे
कहब, ‘नीनवे नस्ट होइ गवा, मुला कउन ओकरे बरे
रोब्या?’ मइँ कहाँ देखउँ जउन तोहका सुख चैन देइ?”
8नीनवे, का तू नील नदी क किनारे पइ बसी नौ अमोन*
स उत्तिम अहा? नाहीं अमोन क चारिहुँ कइँती भी पानी हुआ
करत रहा। नाहीं अमोन इ पानी क इस्तेमाल खुद क दुस्मन
स बचावइ बरे खाई क रूप मँ करत रहत रहा। इ पानी क
उपयोग उ एक ठु किला क रूप मँ भी करत रहा। 9कूस
अउ मिस्र अमोन क बहोत सक्ती प्रदान करत रहा। ओका
पूत अउ लोबी क भी समर्थन मिला रहा। 10मुला नाहीं
अमोन हार गवा। ओकरे लोगन क बंदी बनाइके कउनो
पराए देस मँ लइ जावा गवा। गली क हर कोना पइ
फउजियन ओकरे नान्ह गदेलन क पीटि पीटिके मार डाएन।
उ पचे पाँसा लोकाइ इ लखेन कि कउन महत्वपूर्ण मनई क
कउन अपने हिआँ दास बनाइके राखइ। उ पचे सबहिं
महत्वपूर्ण मनइयन क जंजीरन डाइ दिहे रहेन।
11तउ नीनवे, तोहार भी कउनो नसे मँ धुत मनई क तरह,
पतन होइ। तू लुकात फिरब्या। दुस्मन स दूर, तू कउनो
सुरच्छित जगह हेरत फिरब्या। 12मुला नीनवे, तोहार सबहिं
मजबूत गढ़ अंजीरे क पेड़े जइसा होइ जइहीं। नई अंजीरन
पाकत हीं। एक ठु मनई आवत ह अउर पेड़ क झकझोर
देत ह तउ अंजीरन उ मनई क मुँहे मँ गिरत हीं।
13नीनवे, तोहार लोग तउ मेहररूअन जइसे अहइँ अउर
दुस्मन क फउजी ओनका लइ लेइके बरे तइयार बइठा
अहइँ। तोहरी धरती क दुआर खुला पड़ा अहइँ कि तोहार
दुस्मन भितरे आइ जाइ। तोहरे दुआरन मँ काठे स बनी
आँगल क आगी बारिके बर्बाद कइ दिहस ह।
14आपन सहरे क भितरे पानी जमा कइ ल्या, काहेकि
दुस्मन क फउजी तोहरे सहर क घेरि लेइहीं। आपन सुरच्छा
क मजबूत बनावा। ईंटा बनावइ बरे जियादा माटी लिआवा।
गारा बनावा अउर ईंटा बनावइ बरे साँचा लिआवा। 15तू पचे
इ सबइ काम कइ सकत ह। मुला फुन भी आगी तोहका
पूरी तरह बर्बाद कइ देइ अउर तरवार तोहका मारि डाइ।
तोहार धरती अइसे देखाँइ देइ जइसे कउनो टिड्डियन क दल
ओका चट कइ गवा ह।

नौ अमोन ऊपरी मिस्र क प्राचीन राजधानी जउन कि येबेस
भी कहलावत ह।

आपन आप क टिड्डियन क दल जइसा बढ़ावा। फुन
अइसा होइ जा जइसे टिड्डियन क झुण्ड। 16तोहरे हिआँ
अनेक अनेक बइपारी होइ गएन जउन अनेक ठउरन पइ
जाइके चिजियन खरीदा करत रहेन। उ पचे एँतना अनगिनत
होइ गएन जेतना अकास मँ तारा अहइँ। उ पचे टिड्डी दल
क जइसे होइ गएन, जउन खात ह, अउर सब कछू क उ
समइ तलक खात रहत ह जब तलक उ खतम नाहीं होइ
जातिन अउर फुन छोड़िके चला जात ह।

17तोहरे सरकारी अधिकारी भी टिड्डियन जइसा ही अहइँ।
इ पचे ओन टिड्डियन क नाईं अहइँ जउन ठण्डा क दिन
एक ठु चट्टाने पइ बइठि जात हीं, मुला जब सूरज चढ़इ
लागत ह अउर चट्टान गरम होइ लागत ह तउ उ कहूँ
दूरि उड़ जात ह। कउनो नाहीं जानत, उ पचे कहाँ चली
गइन। तोहार अधिकारी भी अइसा होइहीं।

18हे अस्सूर क राजा, तोहार चरवाहन (मुखिया लोग)
सोइ गएन। उ सबइ सक्तीसाली मनई नीदं मँ पड़ा अहइँ।
अउर तोहार भेड़िन (परजा) अब पहाड़न पइ भटकत अहइँ।
ओनका वापस लिआवइवाला कउनो नाहीं अहइ।

19नीनवे, तू बुरी तरह घायल भवा ह अउर अइसा कछू
नाहीं अहइ जउन तोहरे घाव क भरि सकइ। हर कउनो
जउन तोहरे बिनास क खबर सुनत ह, ताली बजावत ह। उ
पचे सबइ खुस अहइँ। काहेकि ओ सबइ उ पीरा
क महसूस किहन ह, जेका तू सदा ओनका पहोंचावा करत
रह्या।

मीका

सोमरोन अउ इस्राएल क सजा दीन्ह जाइ

1 यहोवा क सँदेस मीका लगे राजा योताम, आहाज अउ हिजकिय्याह क समइ मँ आवा। इ सबइ पुरुस यहूदा क राजा रहेन। मीका मोरेसेती स रहा। मीका सोमरोन अउर यरूसलेम क बारे मँ इ सबइ दर्सन देखेन।

2हे लोगो, तू पचे सबहिं सुन ल्या! हे धरती अउर जउन कछू धरती पइ अहइ, सुना। मोर सुआमी यहोवा इ पवित्तर मन्दिर स आइ। मोर सुआमी तोहरे विरोध मँ एक साच्छी क रूप मँ आइ।

3लखा, यहोवा आपन जगह स बाहेर जात अहइ। उ धरती क ऊँच जगहियन पइ चलइ बरे उतरिके तरखाले आवत अहइ।

4परमेस्सर यहोवा क गोड़े क नीचे पहाड़ टेघर जइहीं, घाटियन चरमराइ जइहीं। जइसे आगी क समन्वा मोम टेघर जात ह, जइसे ढालू जगह स पानी उतरत भवा बहत ह।

5अइसा काहे होई? इ एह बरे होई कि याकूब अपराध किहेस ह। काहेकि इस्राएल क लोग पाप किहेस ह।

सोमरोन, पापे क कारण

कउन याकूब स पाप कराए रहेन? इ सोमरोन अहइ! यहूदा मँ कउन ऊँच ठउरन अहइ? उ सबइ यरूसलेम मँ अहइ।

6एह बरे मइँ सोमरोन क खाली मइदान अउर खंडहरन क ढेर बनाउब। इ अइसी जगह क नाईं होइ जब जेहमाँ अंगूर क बाग लगावा जात हीं। मइँ सोमरोन क पाथरन क घाटी मँ फेंकि देब। मइँ ओकरी सबहिं नेंव क प्रर्दसित कइ देब।

7ओकर सबइ मूरतियन टूकन मँ तोरि दीन्ह जइहीं। सारा धन जेका इ रण्डीबाज़ी दुआर कमाएस ह, आगी स भसम होइ अउर मइँ एकर लबार देवतन क मूरतियन क नस्ट कइ देब। काहेकि उ सबइ लाभ रण्डीबाज़ी दुआरा हासिल किहेन ह, अउर ठीक वइसा ही रण्डी क मजूरी मँ खर्च कीन्ह जाब।

मीका क महान दुःख

8मइँ इ हाली आवइवाला बिनास क कारण बियाकूल होबउँ अउर हाय-हाय करिहउँ। मइँ पनही न पहिरब अउर न ओढ़ना धारण करब। सियारन क जइसे मइँ जोर स चिल्लाब। मइँ विलाप करब जइसे सुतुर्मर्ग करत हीं।

9सोमरोन क घाव नाहीं भर सकत ह। ओकर बियाधि यहूदा तलक फइलि गवा अहइ। इ मोर लोगन्क नगर-दुआर तलक पहोंच गवा बल्कि इ तउ यरूसलेम तलक आइ गवा ह।

10एकर बात गात क नगरी मँ जिन करा। अको मँ जिन रोआ। विलाप करा अउर बेत-आप्रा क माटी मँ लोटा।

11हे सापीर क निवासिन, तू अपने राहे नंगी अउर लज्जा होइके चली जा। उ सबइ लोग, जउन सानान क बसइया अहइँ, बाहेर नाहीं निकरिहीं। बेतेसेल क लोग रोवत बिलखिहीं अउर तू पचन्स सहारा लेइहीं।

12अइसा उ मनई जउन मारोत क बसइया अहइ, सुसमाचार आवइ क बाट जोहत भवा दुर्बल होत जात अहइ। काहेकि यहोवा स तरखाले यरूसलेम क मगर-दुआर पइ विपद उतरि अहइ।

13हे लाकीस क बसइयो, तेज घोड़न क रथन मँ जोरा। सिय्योन क पाप लाकीस मँ सुरू भए रहेन। काहेकि तू इस्राएल क पापन्क पाछे चलति अहा।

14तउ तोहका गात मँ मोरेसेत क बिदाई क उपहार देइ क अहइ। अकजीब क घराना इस्राएल क राजा लोगन क निरास करिहीं।

15हे मारेसा क बसइयो, तू पचन्क विरोध मँ मइँ एक ठु मनई क लिआउब जउन तू पचन्क सबइ चिजियन्क छोरि लेइ। इस्राएल क महिमा अदुल्लाम मँ आइ।

16एह बरे तू पचे आपन बार कटवाइ ल्या अउर तू गंजा बनि जा। काहेकि तू पचे आपन गदेलन बरे जेनसे तू पचे पियार करत रह्या रोउब्या चिल्लउब्या। आपन मुड़ँन क गिद्ध क नाईं गंजा होइ द्या। काहेकि उ पचे तू पचन्क छोड़ि देइ अउर बाहेर निकरि जाइ बरे मजबूर होइ जइहीं।

लोगन्क बुरी योजनन

2 ओन लोगन क बुरा होइ, जउन पाप स भरी योजना क बनावत हीं। अइसे लोग बिछउना मँ सोवत भए सड्यंत्र रचत हीं अउर पौ फाटत ही आपन सड्यंत्रन पइ चलइ लागत हीं। काहेकि ओनके लगे ओनका पूरा करइ क सक्ती अहइ।

2ओनका खेत चाही तउ उ पचे ओन सबन्क लइ लेत हीं। ओनका घर चाही तउ उ पचे ओन सबन्क लइ लेत हीं। उ पचे कउनो मनई क छलत हीं अउ ओकर घर छोरि लेत हीं। उ पचे कउनो मनई क छलत हीं अउ ओसे ओकर चिजियन छोरि लेत हीं।

लोगन्क सजा देइ क यहोवा क योजनन

3इहइ कारण अहइ कि यहोवा इ बातन क कहत ह: "देखा, मइँ इ परिवारे पइ बिपदन ढावइ क योजना रचत हउँ। तू पचे आपन सुरच्छा नाहीं कइ पउब्या। तू पचे घमण्ड स चलि छोड़ देब्या। काहेकि उ एक बुरा समइ होइ।

4उहइ समइ लोग तू पचन्क हँसी उड़इहीं। तू तोहार बारे
मँ लोग करुणा क गीत गइहीं अउर उ पचे कइहीं: 'हम
पचे बर्बाद होइ गए। यहोवा मोरे लोगन्क धरती छोरि लिहस
ह अउर ओका दूसर लोगन्क दइ दिहस ह। हाँ उ मोर धरती
क मोसे छोरि लिहस ह। यहोवा हमार धरती हमरे दुस्मनन
क बीच बाँटि दिहस ह।'
5"यहोवा क परिसद मँ कउनो मनई अइसा नाहीं होइ
जउन भुइँया क बाँटइ बरे पासा फेंकिहीं।

मीका क उपदेस देइ क मना करब

6लोग कहा करत हीं, "तू हम पचन्क उपदेस जिन द्या।
ओनका अइसे नाहीं कहइ चाही, हम पइ कउनो भी बात
बुरी नाहीं परी। 7याकूब क लोगो, का तू आपन-आप स
कहत अहइ, 'का यहोवा हमार संग आपन सब्र खो रहा
अहइ? अगर उ सही मँ अइसा करत ही?' किन्तु मोर सब्द
उ लोगन बरे नीक होइ जउन उचित तरीका स जिअत ह।
का उ नाही अहइँ?"

परमेस्सर क लोग परमेस्सर क दुस्मन होइ गएन

8मुला अबहीं अबहीं, मोर ही लोग मोर दुस्मन होइ गवा
अहइँ। तू पचे राहगीरन क ओढ़ना उतारत अहा। जउन लोग
सोचत हीं कि उ पचे सुरच्छित अहइँ, मुला तू पचे ओनसे
ही चिजियन क छोरि लेत ह जइसे उ पचे जुद्ध बंदी होइँ।
9मोरे मनइयन क मेहररूअन क तू पचे ओनके घरन स
निकरि जाइके मजबूर किहा जउन घर सुन्नर अउ आरामदेह
रहेन। तू पचे मोरी महिमा क ओनके नान्ह नान्ह गदेलन स
हमेसा-हमेसा बरे छोरि लिहा ह।
10उठा अउर हिआँ स भागा। इ आराम क जगह नाहीं
अहइ। काहेकि इ ठउर असुद्ध होइ ग अहइ, इ बर्बाद होइ
जाइ। इ खउफनाक विनास होइ।
11अगर कउनो लबार नबी आवइ अउर उ लबार बोलइ,
"तउ मइँ तोहका दाखरस अउर मदिरा क बारे मँ उपदेस
देब" तउ उ तरह उ ओकर नबी बन जाइ।"

यहोवा अपने लोगन्क बटोरी

12हे याकूब क लोगो, मइँ तू सबन्क बटोरब। मइँ
निहिचइ ही तू सबन क एक जगह बटोरब। मइँ इस्राएल क
बचे भए लोगन क बटोरब। मइँ ओनका वइसा बटोरब
जइसे बाड़ा मँ भेड़िन बटोरी जात हीं। तउ उ पचे एक बड़ा
भीड़ स जियादा हल्ला-गुल्ला करिहीं।
13तब कउनो एक जउन रास्ता खोलत ह लोगन क
समन्वा जाइ। उ दुआरन तोड़ब अउर इ सबइ लोगन क
नेतृत्व करब। उ सबइ लोग अजाद होइके उ सहर क
तजिके निकरिहीं। ओनके समन्वा ओनकर राजा चली।
लोगन्क समन्वा ओनकर यहोवा होइ।

इस्राएल क मुखिया बुराई क अपराधी अहइँ

3 फुन मइँ कहेउँ, "हे याकूब क मुखिया लोगो, अब
सुन ल्या। हे इस्राएल क प्रजा क सासक लोगो, अब
सुन ल्या। तू पचन्क जानइ चाही कि निआव का होत ह।
2किन्तु तू पचन्क नेकी स घिना अहइ अउर तू पचे
लोगन्क खाल तलक उतारि लेत अहा। तू पचे लोगन्क
हाड़न स माँस नोच लइ लेत अहा।
3तू पचे मोरे लोगन्क बर्बाद करत अहा। तू पचे ओनकर
खाल तलक ओनसे उतारत अहा अउर ओनकर हाड़ तलक
तोड़त अहा। तू पचे ओनकर हाड़न अइसे तोड़त अहा जइसे
हाँड़ी मँ माँस चढ़ावइ बरे।
4तू पचे यहोवा स बिनती करब्या मुला उ तू पचन्क
जवाब नाहीं देइ। नाहीं, यहोवा आपन मुँहना तू पचन्स छुपाइ।
काहेकि तू पचे बुरा करम किहे अहा।"

लबार नबी

5इ उ अहइ जेका यहोवा लबार नबियन क बारे मँ
बतावत ह जउन ओकर लोगन क गलत तरीका स निर्देसित
करत ह: "अगर लोग एँन नबियन क खाइ क देत हीं, उ
पचे ओकरे बरे सान्ति क कामना करी। मुला अगर लोग
ओनका खाइके नाहीं देतेन, तउ उ पचे ओकरे बरे जुद्ध क
कामना करी।
6एह बरे इ तू पचन बरे राति सा होइ। तू पचे कउनो
दर्सन नाहीं लख पउब्या। तउ तू पचे इ अचरज कारज नाहीं
करइ पाउब्या। एह बरे इ तू पचन्क अँधियारा जइसा लागी।
नबियन पइ सूरज छुप जाइ अउर ओनके ऊपर दिन करिया
पड़ि जाइ। 7भविस्स क द्रस्टा लजाइ जइहीं। उ सबइ लोग,
जउन भविस्स लखत हीं, ओनकर मुँहना करिया होइ जइहीं।
हाँ, उ सबइ सबहिं आपन मुँहना बंद कइ लेइहीं काहेकि
हुआँ परमेस्सर कइँती स कउनो जवाब नाहीं होइ!"

मीका परमेस्सर क सच्चा नबी अहइ

8मुला यहोवा क आतिमा मोका सक्ती, नेकी अउर
सामरथ स भरि दिहेस रहा। मइँ याकूब क ओकर अपराधन
क बताउब। मइँ इस्राएल क ओकरे पापन क बारे मँ कहब।

इस्राएल क मुखिया दोखी अहइँ

9हे याकूब क मुखिया लोगो, इस्राएल क सासक लोगो,
तू पचे मोर बात सुना! तू पचे निआव स घिना करत अहा।
जउन चीज सोझ होइ तू पचे ओका टेढ़ी कइ देत अहा।
10तू पचे सिय्योन क निर्माण लोगन क हत्तिया कइके
किहा; तू पचे यरूसलेम क भयंकर अपराधन क जरिये
बनाए रह्या।
11यरूसलेम क निआवधीस झूठे फैसले देइ बरे घूस लेत
रहेन। यरूसलेम क याजकन क धन देइ पड़त ह, एँकरे
पहिले कि उ पचे लोगन्क सीख देइँ। लोगन्क नबी लोगन्क
धन देइ पड़त ह। एँकरे पहिले कि उ पचे भविस्स मँ झाँकइ
अउर फुन भी उ सबइ मुखिया सोचत हीं कि ओन पइ
कउनो दण्ड नाहीं पड़ सकत। उ सबइ सोचा करत हीं,
यहोवा ओनका बचाइ लेइ अउर उ पचे कहत हीं, "यहोवा
हमरे बीच मँ रहत ह। एह बरे हमरे संग कउनो बुरी बात
नाहीं घटि सकत ह।"
12हे मुखिया लोगो, तू पचन्क कारण सिय्योन क बिनास
होइ। इ कउनो जोते भए खेत क तरह सपाट होइ जाइ।

यरूसलेम पाथरन क टीला बन जाइ अउर मन्दिर क पहाड़ झाड़ियन स ढका भवा एक ठु सूनी पहाड़ी होइ।

विवस्था यरूसलेम स आई

4 अगवा आवइवाली समइ इ घटना घटी। यहोवा क मन्दिर क पहाड़ सबहिं पहाड़न मँ बहोत ही महत्व स भरा भवा होइ जाइ। ओका पहाड़न क ऊपर उठाइ दीन्ह जाइ। दूसर देसन क लोग एँकरी कइँती उमड़ि पड़िहीं।

2अनेक दूसर रास्ट्र आइहीं अउर कइहीं, "आवा! यहोवा क पहाड़े पइ ऊपर चलइँ। याकूब क परमेस्सर क मन्दिर चलइँ। परमेस्सर हम पचन्क आपन राह सिखाइ। तउ हम पचे ओकरे पथ पइ चलब।" काहेकि परमेस्सर क नेमन सिय्योन स आइ अउर यहोवा क बचन यरूसलेम स आइ।"

3परमेस्सर बहोत स जातियन क निआव करी। परमेस्सर ओन ससक्त देसन क फइसला करी, जउन बहोत-बहोत दूर अहइँ अउर फुन उ सबइ आपन तरवारन गलाइके अउर ओनका पीटिके हरे क फार मँ बदल देइहीं। उ सबइ देस आपन भालन क पीटि पीटिके अइसे औजारन मँ बदलि देइहीं, जेनसे बृच्छन क काट छाँट होत रहत ह। देस तरवारन क उठाइके आपुस मँ नाहीं लड़िहीं। अब उ सबइ जुद्ध क सबइ विद्या अउर जियादा नाहीं सीखिहीं।

4मुला हर कउनो आपन अंगूरे क बेलन क तरखाले अउर अंजीर क पेड़ क नीचे बइठा करी। कउनो भी मनई ओनका डेराइ नाहीं पाइ। काहे? काहेकि सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहेस ह।

5दूसर देसन क सबहिं लोग आपन देवतन क अनुसरण करत हीं। मुला हम पचे आपन परमेस्सर यहोवा क सदा-सर्वदा अनुसरण करत ही।

उ राज्ज जेका वापिस लिआउब अहइ

6यहोवा कहत ह, "उ समइ मँ मइँ जउन लँगड़ा होइ गवा ह एक संग बटोरब। मइँ ओन लोगन क बटोरब जउन भेजा ग अहइ अउर ओन लोगन क जेकरे संग मइँ बुरा काम किहे रहउँ ह।

7उ "ध्वस्त नगरी" क लोग बचा भवा लोग होइहीं। उ सहर क लोगन क तजिके भाग जाइके मजबूर कीन्ह गवा रहा। मुला मइँ ओनका एक ठु सुदृढ़ जाति क रूप मँ बनाउब।" यहोवा ओनकर राजा होइ अउर उ सिय्योन क पहाड़े पइ स सदा सासन करी।

8हे रेवड़ क पहरा क मीनार, हे ओपेल, सिय्योन क पहाड़ी, तू फुन स सरकार क जगह पइ बइठब्या। हे बिटिया यरूसलेम,* उ राज्ज तोहमाँ ही रहब जइसा अतीत मँ रहा।"

इस्राएलियन क बाबुल क लगे काहे जाइ चाही?

9अब तू पचे काहे एँतनी ऊँच आवाज मँ गोहरावत अहा? का तोहॅार सबन क राजा जात रहा बाटइ? का तू पचे आपन मुखिया खोइ दिहा ह? तू पचे अइसे तड़पत अहा जइसे कउनो मेहरारू बच्चा पइदा करइ क समइ मँ तड़पत ह।

10सिय्योन क बिटिया, तू पीरा क झेला। तू उ मेहरारू जइसा होइ जा जउन बच्चा पइदा करइ क समइ मँ फड़फड़ात ह। काहेकि अब तोहका नगर (यरूसलेम) क तजइ क बाटइ। तोहका खुले मइदान मँ रहइ क बाटइ। तोहका बाबुल जाइ क होइ किन्तु उ जगह स तोहार रच्छा होइ जाइ। यहोवा हुँआ आइ अउर उ तोहका तोहरे दुस्मनन स वापिस लइ आइ।

दूसर जातियन क यहोवा बर्बाद करी

11तोहसे लड़इ बरे अनेक जाति अइहीं। उ पचे कहत हीं, "सिय्योन क लखा। ओह पइ हमला करा!"

12लोगन्क ओनकर आपन योजनन अहइँ, मुला ओनका अइसी ओन बातन क पता नाहीं जेनके बारे मँ यहोवा योजना बनावत अहइ। यहोवा ओन लोगन्क कउनो खास प्रयोजन बरे हिआँ लिआवा। उ सबइ लोग वइसे कुचुर दीन्ह जइहीं जइसे खरिहाने मँ अनाज क पूरी कुचरी जात हीं।

इस्राएल आपन दुस्मनन क पराजित कइके विजयी होइ

13"हे सिय्योन क बिटिया, खड़ी होइ जा अउर तू ओन क कुचरि द्या। मइँ तोहका सक्तीसाली बनाउब। तू अइसी होउबिउ जइसे तोहरे सींग लोहा क अउर तोहरे खुर काँसा क होइँ। तू बहोत स जातियन क नस्ट करब्या। तू ओनके धने क यहोवा क अर्पित करा। तू ओनकर खजानन क समूची धरती क सुआमी क समर्पित करब्या।"

5 हे सुदृढ़ सहर, अब तू आपन फउजियन क बटोरा। दुस्मन हमला करइ क हम पचन्क घेरत अहइँ। उ पचे इस्राएल क जज क मुँहना पइ आपन सोंटा स प्रहार करिहीं।

बेतलेहेम मँ मसीह जन्म लेइ

2हे बेतलेहेम एप्राता, तू यहूदा क छोटा सहर अहा अउर तोहार परिवार गनती मँ बहोत कम अहइ। किन्तु "इस्राएल क सासक" मोर बरे तोहसे आइ। बहोत पहिले सुदूर पुराने जमाने मँ ओकरे घराने क जड़न बहोत पहिले स होइहीं।

3यहोवा आपन लोगन्क ओनकर दुस्मनन क हाथे मँ सौंपि देइ। उ पचे उ समइ तलक हुअँइ पइ बना रइहीं जब तलक उ मेहरारू आपन लरिका क नाहीं जन्म देत। फुन ओकरे बचा भवा भाईयन इस्राएल क लोगन्क लगे लउटिके अइहीं।

4तब इस्राएल क सासक खड़ा होइ अउर भेड़िन क झुंड क चराइ। यहोवा क सक्ती स उ ओनका राह देखाँइ। उ यहोवा आपन परमेस्सर क अजूबा नाउँ क सक्ती स ओनका राह देखाँइ। हुआँ सान्ति होइ, काहेकि उ समइ मँ ओकर महानता धरती क छोरन तलक पहोंच जाइ।

5हुआँ सान्ति होइ, अउर अस्सूर क सेना हमार बिसाल भवन तोड़ी, तउ इस्राएल क सासक सात ठु गड़रियन चुनी। नाहीं, हम पचे आठ मुखिया लोगन्क पाउब।

6उ पचे अस्सूर क लोगन पइ आपन तरवारन स हुकूमत करिहीं। ओनका राज्ज तरवारन क सक्ती स नम्रोद क धरती

बिटिया यरूसलेम यरूसलेम नगर क सीर्सक। हिब्रु सब्द क अरथ अहइ 'बिटिया' अउर 'उपनगरी'। यरूसलेम क पर्वत क बिटिया क रूम मँ दिखाया गवा ह जउन बना गवा अहइ।

पइ सासन करिहीं। फुन इस्राएल क सासक हम पचन्क
अस्सूर क उ सबइ लोगन्स बचाइ जउन हमरी धरती पइ
अइहीं अउर उ पचे हमरी चउहद्दी क आपन पैड़ तले
रौंदिहीं।
7फुन बहोत स रास्ट्रन क बीच मँ याकूब क बची भइ
सन्तान ओस क बूँदन जइसी होइहीं जउन यहोवा कइँती स
आइ होइँ। उ पचे घासे क बरखा जइसी होइहीं। उ पचे
लोगन पइ आसरा नाहीं रखिहीं। उ पचे कउनो मनई क
इंतजार नाहीं करिहीं।
8बहोत स लोगन क बीच याकूब क बचे भए लोग उ
सेर जइसे होइहीं जउन जंगल क पसुअन क बीच होत ह।
जब सेर बीच स गुजरत ह तउ उ हुवँइ जात ह, जहाँ उ
जाइ चाहत ह। उ पसू पइ टूटि पड़त ह अउर उ पसू क
कउनो बचाइ नाहीं सकत ह। ओकर बचे भए लोग अइसे
ही होइहीं।
9मइँ तू पचन क हाथ तोहारे दुस्मनन क खिलाफ उठउब
अउर तू पचे ओनकर बिनास कइ डउब्या।

लोग परमेस्सर क भरोसे पइ रइहीं

10यहोवा कहत ह: "उ समइ मइँ तू पचन्स तोहार सबन्क
घोड़ा छोरि लेबउँ। तोहार सबन्क रथन क बर्बाद कइ देबउँ।
11तोहार सबन्क नगरन उजारि देबउँ। मइँ तोहार सबन्क
सबहिं गढ़न क ढहाइ देबउँ।
12मइँ तोहार जादूगरन क नस्ट कइ देब। अउर तोहार
लगे अइसा एक भी मनई नाहीं होब्या जउन भविस्सवक्ता
होइ।
13मइँ तोहार पचन्क लबार देवतन क मूर्तियन क बर्बाद
करब। ओन लबार देवन क पाथरन क स्मृति-स्तंभ मइँ
उखारिके लोकाँउबउ जेनका तू पचे आपन हाथन स बनाया
ह। तू पचे ओनकर पूजा नाहीं कइ पउब्या।
14मइँ असेरा क पूजा क खम्भन क नस्ट कइ देबउँ।
मइँ तू पचन्क नगरन क तहस-नहस कइ देबउँ।
15मइँ आपन बदला किरोध स लेबउँ अउर ओह पइ तीव्र
होबउँ जउन मोर नाहीं सुनिहीं।"

यहोवा परमेस्सर क सिकाइत

6 जउन यहोवा कहत ह ओह पइ तू पचे कान द्या। तू
पचे पहाड़न क समन्वा खड़ा होइ जा अउर आपन
मुकद्मा क पैस करा। पहाड़न क तोहार सिकायत सुनइ द्या।
2यहोवा क आपन लोगन स सिकाइत अहइ। पहाड़ो, तू
सबइ यहोवा क सिकाइत क सुना। धरती क नेंव, यहोवा क
सिकाइत क सुना। उ साबित करी कि इस्राएल दोखी अहइ।
3यहोवा कहत ह: "हे मेरे लोगो, का मइँ कबहुँ तोहार
सबन्क कउनो बुरा किहेउँ ह? मइँ कइसे तोहार सबन्क
जिन्नगी कठिन किहेउँ ह? मोका बतावा, मइँ तोहरे सबन्क
संग का किहेउँ ह?
4मइँ तू पचन्क बतावत हउँ जउन मइँ तोहरे सबन्क संग
किहेउँ ह, मइँ तू पचन्क मिस्र क धरती स निकारि लियाएउँ,
मइँ तू सबन्क गुलामी स मुक्ति दियाएउँ रहे। मइँ तू पचन्क
निअरे मूसा, हारून अउ मरियम क पठए रहेउँ।
5हे मोर लोगो, मोआब क राजा बालाक क बुरा जोजना
क सुमिरा। उ सबइ बातन क सुमिरा जउन बोर क पूत
बिलाम बालाक स कहे रहेन। उ सबइ बातन क सुमिरा
जउन सित्तीम स गिल्गाल तलक घटी रहिन। तबहिं समुझ
पउब्या कि यहोवा उचित अहइ।"

परमेस्सर हम पचन्स का चाहत अहइ?

6जब मइँ यहोवा क समन्वा जाबउँ अउर परणाम करँउ,
तउ परमेस्सर क समन्वा आपन संग का लइके जाबउँ? का
यहोवा क समन्वा एक बरिस क बछवा क होमबलि लइके
जाबउँ?
7का यहोवा एक हजार भेड़न स या दस हजार तेल क
नदियन स खुस होइ? का आपन पापे क बदले मँ मोका
आपन पहली संतान क अर्पित करइ चाही? का मोका पइदा
होआ बच्चा आपन पापन क बदले मँ दे देइ चाही?
8हे मनई, यहोवा तू पचन्क उ बातन बताएन ह जउन
उत्तिम अहइँ। इ सबइ उ सबइ बातन अहइँ, जेनकर यहोवा
क तू सबन्स अपेच्छा अहइ: उ सब करा जउन दूसर लोगन
बरे नीक रहा। दयालु रहा, अउर आपन जिन्नगी परमेस्सर क
संग विनम्रता स आगे बढ़ावा।

इस्राएल क लोग का करत रहेन?

9यहोवा क वाणी यरूसलेम क गोहरावत अहइ। बुद्धिमान
मनई यहोवा क नाउँ क मान देत हीं। सजा क डण्डा पइ
धियान द्या। ओह पइ धियान द्या जउन भाग्य अहइ!
10का अबहुँ भी दुट्ठ आपन चोराँए खाजाना क छुपावत
अहइँ? का उ पचे अबहुँ भी तउल मँ ओन खोटा टोकरियन*
क प्रयोग करत हीं, जेसे यहोवा घिना करत हीं?
11का मइँ ओन दुट्ठ लोगन क दोस मुक्त कइ देबउँ
जउन अबहुँ भी गलत बाँटन अउर खोट तराजू लोगन क
ठग लेइ क कामे मँ लियावत हीं? का मइँ ओन दुट्ठ
लोगन क दोस मुक्त कइ देबउँ, जउन अबहुँ भी अइसी
गलत तउल क इस्तेमाल करत हीं?
12उ सहर क धनी मनई अबहुँ भी क्रूर करम करत ही।
उ सहर क बसइया अबहुँ भी झूठ बोला करत हीं। हाँ, उ
पचे लोग मनगढ़ंत झूठ क बोला करत हीं।
13तउ मइँ तू पचन्क सजा देब सुरू कइ दिहेउँ ह। मइँ तू
पचन्क तोहार पचन्क पापन बरे बर्बाद कइ देबउँ।
14तू पचे खइया क खाब्या मुला तोहार पेट नाहीं भरी। तू
पचे फुन भी भूखा रहब्या। तू लोगन्क सुरच्छित जगह पइ
लियावइ बरे जतन करब्या किन्तु मइँ ओनका तोहारे दुस्मनन
क तरवारे क देब।
15तू पचे आपन बिया बोउब्या किन्तु तू पचे ओका नाहीं
काटब्या। तू पचे घानी मँ पेरिके आपन जइतून क तेल
निचोरब्या, मुला तू पचन्क उ तेल क इस्तेमाल नाहीं करिहीं।
तू पचे आपन अंगूरन क खूँदिके निचोरब्या मुला तू दाखरस
नाहीं पिअइहीं।

खोटा टोकरियन बाट टोकरियन जउन कि असल मँ छोटा रहेन ताकि ओन लोगन क धोखा दीन्ह जाइ सकी जउन उ समान खरदत ह जउन कि वजन या मात्रा क अनुसार बेचा जात अहइँ।

16अइसा काहे होइ? काहेकि तू पचे ओम्री क नेमन पर चलत अहा। तू पचे ओन बुरी बातन क करत अहा जेनका आहाब क परिवार करत रहा। तू पचे ओनकर सिच्छन पइ चलत रहत अहा एँह बरे मइँ तू पचन्क नस्ट भ्रस्ट कइ देबउँ। तू पचन्क सहरे क लोग क हँसी होइ। तू पचन्क दूसर राज्जन क घिना झेलइ क पड़ी।

लोगन्क पाप आचरण पइ मीका क बियाकुल होब

7 मइँ बियाकुल अहइँ। काहेकि मइँ गरमी क उ फले जइसा अहउँ जेका अबहुँ तलक बिन लीन्ह ग अहइ। मइँ ओन अंगूरन जइसा अहउँ जेनका तोरि लीन्ह ग अहइ। अब हुआँ कउनो अंगूर खाइ क नाहीं बचा अहइ। सुरूआती क अंजीर जउन मोका भावत हीं, एक भी नाहीं बची अहइँ।

2एकर इ अरथ अहइ सबहिं सच्चे लोग जात रहत अहइँ। कउनो भी सज्जन मनई इ पहँटा मँ नाहीं बचा अहइ। हर मनई कउनो दूसर क मारइ क घात मँ रहत ह। हर मनई आपन ही भाई क फँदा मँ फँसावइ क जतन करत बाटइ।

3लोग दुइनउ हाथन स बुरा करइ मँ होसियार अहइँ। अधिकारी लोग रिसवत माँगत हीं। निआव क जज अदालतन मँ फइसला बदलइ बरे घूस लेत रहत हीं। "महत्वपूर्ण मुखिया" खरा अउ निस्पच्छ निर्णय नाहीं लेतेन। ओनका जइसा भावत ह उ पचे वइसा ही काम करत हीं।

4हिआँ तलक कि ओनकर सर्वोच्च काँटन क झाड़ी जइसा होत ह। हिआँ तलक कि ओनकर सबन त जियादा धर्मी मनई भी काँटन क झाड़ी स जियादा टेंढ़ होत ह।

सजा क दिन आवत बा

उ दिना जेका तू अपेच्छा किहे रहा जउन तोहार सज़ा बरे होइ, आवत हीं। अब तू पचन उलझ जाब्या।

5तू पचे आपन पड़ोसी क भरोसा जिन करा। तू पचे मित्र क भरोसा जिन करा आपन पत्नी तलक स खुलिके बात जिन करा।

6आपन ही घरे क लोग एक दूसरे क संग दुस्मन जइसा बेउहार करिहीं। पूत आपन बाप क आदर नाहीं करी। बिटिया आपन महतारी क खिलाफ होइ जाइ। पतोहू आपन सास क खिलाफ होइ जाइ।

यहोवा बचइया अहइ

7मइँ मदद बरे यहोवा क निहारब। मइँ परमेस्सर क इंतजार करब कि उ मोका बचाइ लेइ। मोर परमेस्सर मोर सुनी।

8मोर पतन भवा ह। मुला हे मोरे दुस्मन, मोर हँसी जिन उड़ावा। मइँ फुन स खड़ा होइ जाबउँ। यदपि आजु मइँ अँधियारा मँ बइठा हउँ यहोवा मोरे बरे प्रकास होइ।

यहोवा छिमा करत ह

9यहोवा क खिलाफ मइँ पाप किहे रहेउँ। एँह बरे उ मोह पइ कोहान रहा। मुला अदालत मँ उ मोरे अभियोग क वकालत करी। उ, इ सबइ ही काम करी जउन मोरे बरे उचित अहइ। फुन उ मोका बाहेर प्रकास मँ लइ आइ अउर मइँ ओकरे छुटकारा का लखब।

10फुन मोर बैरिन इ लखी अउर लजाइ जाइ। मोर बैरिनि इ मोसे कहे रही, "तोहार परमेस्सर यहोवा कहाँ बा?" उ समइ, मइँ ओह पइ हँसब। लोग ओका अइसे कुचरि डइहीं जइसे गलियन मँ कीचं कुचरि डाइ जात हीं।

यहूदी लउटइ क अहइँ

11उ समइ आइ, जब तोहरे देवारन क फुन निर्माण होइ। एक दिना तोहार देवार बहोत दूर तलक बढ़िहीं।

12तोहार लोग तोहरी धरती पइ लउटि अइहीं। उ सबइ लोग अस्सूर स अइहीं अउर उ सबइ लोग मिस्र क सहरन स अइहीं। तोहार लोग मिस्र स अउर परात नदी क दूसरी छोर स अइहीं। उ सबइ पच्छिम क समुद्दर स अउर पूरब क पहाड़ी स अइहीं।

13धरती ओन लोगन क कारण जउन एकर बसइयन रहेन बर्बाद भइ रही, ओन करमन क कारण जेनका उ पचे करत रहेन।

14आपन लोगन ऊपर आपन साही राजदण्ड स हुकूमत करा। आपन लोगन क रेवड़ पई हुकूमत करा। लोगन क उ रेवड़ जंगलन मँ अउर कर्म्मेल क पहाड़े पइ अकेल्ले रहत ह। उ रेवड़ बासान मँ रहत ह अउर गिलाद मँ बसत ह जइसे उ पहिले रहा करत रहा।

इस्राएल आपन दुस्मनन क हराइ

15जब मइँ तू पचन्क मिस्र स निकारिके लइ आए रहेउँ, तउ मइँ बहोत स चमत्कार किहे रहेउँ। वइसेन ही अउर चमत्कार मइँ तू पचन्क देखाँउब।

16उ सबइ चमत्कारन क सबइ जाति लखिहीं अउर लजाइ जइहीं उ सबइ जातियन लखिहीं कि ओनकर "सक्ती" मोरे समन्वा कछू नाहीं अहइ। उ सबइ चकित रहि जइहीं अउर उ सबइ आपन मुँहे पइ हाथ रखिहीं। उ पचे कान क ढाँपि लेइहीं अउर कछू नाहीं अनकिहीं।

17उ पचे धूरि चाटत साँपन क नाईं अउर रेंगत भए जीव क नाईं धरती पइ रहइँ। उ पचे अइसे किरवन नाईं रेगंत रहइँ आपन बिलन स निकरत हीं। उ पचे डेरात-काँपत भए हमरे परमेस्सर यहोवा क लगे जइहीं। परमेस्सर, उ पचे तोहरे समन्वा डेरइहीं।

यहोवा क स्तुति

18तोहरी नाईं कउनो परमेस्सर नाहीं अहइ। तू पापी लोगन्क छिमा कइ देत अहा। तू आपन बचे भए लोगन क पापन क छिमा करत अहा। यहोवा सदा कोहान नाहीं रही, काहेकि ओका तउ दयालु ही रहब भावत ह।

19ओका हम पचन पई फुन दया करि द्या। ओका हमरे पापन स छुटकारा पावइ द्या। उ हमरे पापन क दूर गहिर सागरे मँ लोकाइ देब्या।

20याकूब बरे तू फुरइ रहब्या। इब्राहीम बरे तू दयालु रहब्या। तू अइसी ही प्रतिग्या बहोत पहिले हमरे पुरखन क संग किहे रह्या।

योना

परमेस्सर क बोलाउब अउ योना क भागब

1 अमित्तै क पूत योना स यहोवा कहेस। यहोवा कहेस,
2"नीनवे* एक ठु बड़का नगर अहइ। हुआँ क लोग
जउन पाप करम करत अहइँ, ओनमाँ बहोत स पापन क
बारे मँ मइँ सुनेउँ ह। एह बरे तू उ सहरे मँ जा अउर हुआँ
क लोगन्क बतावा कि उ पचे ओन बुरे पापन करब तजि
देइँ।"

3योना परमेस्सर क बात नाहीं मानइ चाहत रहा, तउ योना
परमेस्सर स कहूँ दूरि पराइ बरे जतन किहेस। तउ योना
यापो* कइँती चला गवा। योना एक ठु नाव लिहेस जउन
सुदूर सहर तर्सीस* कइँती जात रही। योना आपन जात्रा बरे
धन दिहस अउर उ नाव पइ जाइके चढ़ा। योना चाहत रहा कि
इ नाव पइ उ लोगन्क संग तर्सीस चला जाइ अउर कहूँ दूरि
पराइ जाइ।

खउफनाक तूफान

4मुला यहोवा सागरे मँ एक ठु खउफनाक तूफान उठाइ
दिहस। आँधी सागरे क बहोत असान्त कइ दिहेन इ अइसा
लागत रहा कि जहाज क टूका-टूका होइ जाब्या। **5**तूफान
एँतना प्रबल रहा कि नाव क बूड़इ स बचावइ बरे ओका
तनिक हलका कइ दीन्ह जाइके निर्णय कीन्ह गएस। तउ
मल्लाह नाव क सामान क उठाइके सागरे मँ बहावइ
लागेन। उ पचे बहोतइ ससाइ ग रहेन। हर मनई अपने
अपने देवतन स पराथना करइ लागेन।

योना सोवइ बरे नाव मँ खाले तलघरा चला गवा रहा,
अउर उ सोवत रहा। **6**नाव क प्रमुख खेवइया योना क इ
रूपे मँ लखिके कहेस, "उठा! तू काहे सोवत अहा? आपन
परमेस्सर स पराथना करा। होइ सकत ह, तोहार परमेस्सर
तोहार पराथना सुनि लेइ अउर हम पचन्क बचाइ लेइ।"

इ तूफान काहे आवा?

7मनइयन फुन आपुस मँ कहइ लागेन, "हम पचन्क इ
जानइ बरे कि हम पचन्पइ बिपदा कउने कारण पड़ति अहइँ,
हम पचन्क पाँसन लोकाँवइ चाही।"
तउ लोगन पासन्क लोकाँएन। पाँसन्स इ परगट भवा कि
बिपदन योना क कारण आइ अहइँ। **8**एह पइ मनइयन योना
स कहेन, "इ केकर दोख अहइ, जेकरे कारण इ सबइ
बिपदन हम पचन पइ पड़ी अहइँ? हम पचन्क बतावा तोहार
काम धंधा का अहइ? तू कहाँ स आवत अहा? तोहार देस
कउन स बाटइ? तोहार आपन लोग कउन अहइँ?"

9योना मनइयन स कहेस, "मइँ एक ठु हिब्रू अहउँ अउर
सरगे क परमेस्सर यहोवा क उपासना करत हउँ, उ उहइ
परमेस्सर अहइ, जउन सागरे अउ धरती क दुइनउँ क रचेस
ह।"

10योना मनइयन स कहेस कि उ यहोवा स दूरि भागत
अहइ। जब मनइयन क इ क पता लगि तउ उ पचे बहोतइ
ससाइ गएन। मनइयन योना स कहेन, "तू इ पाप आपन
परमेस्सर क खिलाफ काहे किह्या ह?"*

11ओहर आँधी अउ तूफान अउर समुद्दर क लहरियन
तेज स तेज होत भइ जात रहिन। तउ मनइयन योना स
कहेन, "समुद्दर क सान्त करइ बरे हम पचन्क तोहरे संग
का करइ चाही?"

12योना मनइयन स कहेस, "मइँ जानत हउँ कि मोरे
कारण ही समुद्दर मँ इ तूफान आवा ह। तउ तू पचे मोका
समुद्दरे मँ लोकाइ द्या। एहसे तूफान सान्त होइ जाइ।"
13मुला उ पचे योना क समुद्दर मँ लोकावइ नाहीं चाहत
रहेन। मल्लाह नइया क किनारे वापस लिआवइ बरे ओका
खेवइ क जतन करइ लागेन। मुला उ पचे वइसा नाहीं कइ
पाएन, काहेकि आँधी, तूफान अउ समुद्दर क लहरियन
बहोत ताकतवर रहिन। अउर उ सबइ तेज स तेज होत जात
रहिन।

योना क सजा

14तउ मनइयन यहोवा क गोहँरावत भए कहेस, "हे
यहोवा, इ मनई क हम पचे एकर ओन बुरे करमन बरे
समुद्दर मँ लोकावत अही, जउन इ किहेस ह। किरपा
कइके, तू हम पचन्क कउनो बेकसूर मनई क हत्तियारा जिन
कह्या। एकरे हत्तिया बरे तू हम पचन्क जिन मारि डाया। हम
पचे जानित ह कि तू यहोवा अहा अउर तू जइसा चहब्या,
वइसा ही करब्या। मुला किरपा कइके तू हम पचन्प दयालु
ह्वा।"

15तउ मनइयन योना क समुद्दरे मँ लोकाँइ दिहन। तूफान
थम गवा, समुद्दर सान्त होइ गवा। **16**जब मनइयन इ
लखेन, तउ पचे यहोवा स डेराइ लागेन अउ ओकर सम्मान

नीनवे असीरिया क राजधानी। असीरिया क फउज उत्तरी इस्राएल क बर्बाद 723-721 ई पू मँ किहस।

यापो भूमध्य सागर स लगा इस्राएल क समुद्री तट क एक ठु कसबा।

तर्सीस साइद इ स्पेन मँ एक सहर। इ पच्छिम मँ बहोतइ दूर रहा जहाँ योना पहोंच सका। नीनवे इस्राएल क पूरब मँ रहा।

तू इ … किह्या ह साब्दिक "तू का किहस ह।"

करइ लागेन। मनइयन एक ठु बलि दिहन, अउर यहोवा स
बिसेस मन्नतन क माँगेन।
17योना जब समुद्दर मँ गिरा, तउ यहोवा योना क लील
जाइ बरे एक ठु बहोत बड़की मछरी पठएस। योना तीन दिन
अउ तीन राति तलक ओ मछरी क पेटे मँ रहा।

2 योना जब मछरी क पेटे मँ रहा, तउ उ आपन
परमेस्सर यहोवा क पराथना किहेस। योना कहेस,
2"मइँ गहिर विपदा मँ रहेउँ। मइँ यहोवा क दोहाइ दिहेउँ
अउर उ मोका जवाब दिहस। मइँ गहिर कब्र क बीचउ बीच
रहेउँ। हे यहोवा, मइँ तोहका गोहॅराएउँ अउर तू मोर पुकार
सुन्या!
3"तू मोका समुद्दरे मँ लोकॉइ दिहे रह्या। तोहार ताकतवर
लहरियन मोका थपेड़ा मारेन, मइँ समुद्दरे क बीच मँ मइँ
गहिरा स गहिरा उतरन चला गएउँ। मोरे चारिहुँ कइँती
सिरिफ पानी ही पानी रहा।
4"फुन मइँ सोचेउँ, 'अब मइँ, जाइ क मजबूर हउँ, जहाँ
तोहार दृस्टि मोका देख नाहीं पाइ।' मुला मइँ सहायता पावइ
क तोहरे पवित्तर मन्दिर कइँती निहारत रहब।
5समुद्दर क जल मोका लील लिहेस ह। पानी मोर मुँह
बंद कइ दिहस, अउर मोर साँस घुटि गइ। मइँ गहिर
समुद्दरे क बीच उतरत चला गएउँ मोरे मूँड़े क चारिहुँ ओर
खरपतवार लपट गएन ह।
6मइँ समुद्दरे क तलहटी पइ पड़ा रहेउँ, जहाँ पर्वत जन्म
लेत हीं। मोका अइसा लाग, जइसे इ बन्दीघरे क बीच सदा
सर्वदा बरे मोह पइ ताला जड़ा अहइँ। मुला हे मोर परमेस्सर
यहोवा, तू मोका मोर इ कब्र स निकारि लिहा। हे परमेस्सर,
तू मोका जिन्नगी दिहा।
7जब मइँ बेहोस होत रहेउँ। तब मइँ यहोवा क सुमरन
किहेउँ हे यहोवा, मइँ तोहसे बिनती किहेउँ अउर तू मोर
पराथनन आपन पवित्तर मन्दिर मँ सुन्या।
8लोग जउन बेकार मूरतियन क पूजा करत हीं यहोवा क
छोड़ दिहेस जउन कि ओन लोगन बरे दयालु रहेन।
9मुक्ति तउ बस सिरिफ यहोवा स आवत ह! हे यहोवा,
मइँ तोहका सबइ बलि देब, अउर तोहार गुन गाउब। मइँ
तोहार धन्यवाद करब। मइँ तोहार मन्नतन माँगब अउर आपन
मन्नतन क पूरा करब।"
10फुन यहोवा उ मछरी स कहेस अउर उ योना क झुरान
धरती पइ आपन पेटे स बाहेर उगलि दिहस।"

परमेस्सर क बोलाउब अउर योना क आग्या पालन

3 एकरे पाछे यहोवा योना स फुन कहेस। यहोवा कहेस,
2"तू नीनवे क बड़के नगर मँ जा अउर हुआँ जाइके,
जउन बातन मइँ तोहका बतावत हउँ, ओनकर सिच्छा द्या।"
3तउ यहोवा क आग्या मानिके योना नीनवे क चला गवा।
निनवे एक ठु विसाल नगर रहा। उ ऍतना विसाल रहा, कि
उ नगरे मँ एक किनारे स दूसर किनारे तलक मनइयन क
पैदल चलिके तीन दिन क समइ लागत रहा।
4तउ योना सहर क जात्रा सुरू किहस अउर सारे दिन
उपदेस दिहस। योना कहेस, "चालीस दिन पाछे नीनवे तबाह
होइ जाइ।"
5परमेस्सर कइँती मिले भए इ सँदेस पइ, नीनवे क लोग
बिस्सास किहन अउर उ सबइ लोग कछू समइ बरे खइया
तजिके पापन पइ सोच-बिचार करइ क निर्णय लिहन। लोग
आपन दुःख परगट करइ बरे खास तरह क ओढ़ना धारण
किहेन। सहरे क सबहिं लोग चाहे उ पचे बड़कवा या
बहोतइ छोट होइँ, अइसा ही किहन।
6नीनवे क राजा इ सबइ बातन सुनेन अउर उ भी आपन
बुरे करमन क सोक मनाएन। एकरे बरे राजा आपन सिंहासन
तजि दिहस। उ आपन राजसी वस्त्र हटाइ दिहस अउर आपन
दुःख परगट करइ बरे सोक वस्त्र धारण कइ लिहस। एकरे
पाछे उ राजा धूरि मँ बइठि गवा। 7राजा एक खास सँदेस
लिखवाएस अउर उ सँदेस क सारे सहर मँ ढिंढोरा पिटवाएसः

राजा अउर ओकर बड़कन सासक लोगन कइँती स
आदेस रहा:
लोगन क कउनो समूह क अउ न ही कउनो
जनवारन क झुण्ड क चरागाहे मँ जाइ दीन्ह जाइ।
अउर न ही कछू खइहीं अउर न जल पिइहीं। 8बल्कि
हर मनई अउ हर गोरू टाट पहिरही जेहसे इ देखाँइ
देइ कि उ सबइ दुःखी अहइँ। लोग ऊँची अवाज मँ
परमेस्सर क गोहरइहीं। हर मनई क आपन जिन्नगी
बदलइ क होइ अउर ओका चाही कि उ बुरे करमन
क तजि देइ।
9तब होइ सकत ह कि परमेस्सर क इच्छा बदलि जाइ
अउर उ जउन योजना रचे बाटइ, वइसी बात न करइ।
होइ सकत ह कि परमेस्सर क इच्छा बदलि जाइ अउर
कुपित न होइ। तब होइ सकत ह कि हम पचन्क सजा
न दीन्ह जाइ।
10लोग जउन बातन किहे रहेन, ओनका परमेस्सर लखेस।
परमेस्सर निहारेस ह कि लोग बुरा करम करब बंद कइ
दिहेन। तउ परमेस्सर आपन मन बदल दिहस अउर जइसा
करइ क उ योजना रचे रहा, वइसा नाहीं किहस। परमेस्सर
लोगन क सजा नाहीं दिहस।

परमेस्सर क करूणा स योना कोहाइ गवा

4 योना इ बात पइ खुस नाहीं रहा कि परमेस्सर नगर क
बचाइ लिहे रहा। योना कोहाइ गवा। 2उ यहोवा स
सिकायत करत भवा कहेस, "मइँ जानत रहेउँ कि अइसा ही
होइ। मइँ तउ अपने देस मँ रहेउँ, अउर तू ही मोहसे हिआँ
आवइ क कहे रह्या। उहइ समइ मोका इ पता रहा कि तू
इ पापी नगर क लोगन क छिमा कइ देब्या। मइँ एह बरे
तर्सीस जाइ क सोचे रहेउँ। मइँ जानत रहेउँ कि तू एक
दयालु परमेस्सर अहा! मइँ जानत रहेउँ कि तू करूणा
देखाँवत ह अउ मनइयन क सजा देइ नाहीं चहत्या। मोका
पता रहा कि तू करूणा स पूर्ण अहा। मोका गियान रहा कि
इ सबइ लोग पाप करब तजि दिहेन तउ तू एँनकर बिनास
क योजनन क बदल देब्या। 3तउ हे यहोवा, अब मइँ तोहसे
इहइ माँगत हउँ, कि तू मोका मारि डावा। मोरे बरे जिअत
रहइ स मरि जाब उत्तिम अहइ।"

4एह पइ यहोवा कहेस, "का तू सोचत अहा कि बस एह
बरे कि मइँ ओन लोगन क कस्ट नाहीं दीन्ह, तोहार किरोध
करब नीक बाटइ?" 5इ सबइ बातन स योना अबहुँ कोहान
रहा। तउ उ सहर क बाहेर चला गवा। योना एक ठु अइसे
जगह पइ चला गवा जउन सहर क पूरब प्रदेस क निअरे
रहा। योना हुआँ आपन बरे एक पड़ाव बनाइ
लिहस। फुन ओकर छाया मँ हुवँइ बइठे-बइठे उ इ बाते क
बाट जोहइ लाग कि देखी इ सहरे क साथ का घटति ह।

रेंडी क पउधा अउ किरवा

6ओहर यहोवा रेंडी क एक ठु अइसा पउधा लगाएस
जउन बहोत तेजी स बाढ़ि गवा अउ योना पइ छाइ गवा।
एँहसे योना क बइठे बरे एक ठंडी जगह बनाइ दिहस। योना
क एहसे अउर जियादा आराम मिला। इ पउधे क कारण
योना बहोत खुस रहा।
7अगले दिन भिंसारे उ पउधे का एक ठु हींसा खाइ लेइ
बरे परमेस्सर एक ठु किरवा पठएस। किरवा उ पउधे क
खाब सुरू कइ दिहस अउर उ पउधा मुरझाइ गवा।
8सूरज जब अकासे मँ ऊपरि चढ़ि चुका रहा, परमेस्सर
पुरवइया क गरम हवा चलाइ दिहस। योना क मूँड़े पइ सूरज
चमकत रहा, अउर योना एक दम्मइ निर्बल होइ गवा रहा।
योना परमेस्सर स चाहेस कि उ ओका मउति दइ देइ। योना
कहेस, "मोरे बरे जिअत रहइ स नीक बाटइ कि मइँ मरि
जाउँ।"
9मुला परमेस्सर योना स कहेस, "बतावा, तोहरे विचार मँ
का सिरिफ एह बरे इ पउधा झुराइ गवा अहइ, तोहार किरोध
करब उचित अहइ?"
योना जवाब दिहस, "हाँ, मोर किरोध करब उचित ही
बाटइ। मोका एँतना किरोध आवत ह कि जइसे बस मइँ
आपन परान ही दइ देउँ!"
10एह पइ यहोवा कहेस, "लखा, उ पउधे बरे तू तउ
कछू भी नाहीं किहा! तू ओका उगाइ दिहा तलक नाहीं। उ
राति मँ फूटि गवा रहा अउर अगले दिना उ नस्ट होइ गवा
अउर अब तू पउधे बरे एँतना दु:खी अहा।
11अगर तोहका उ पउधे बरे एँतना चिन्ता अहइ तउ का
मोका नीनवे जइसा बड़ा सहर पइ दाया नाहीं राखी चाही
जेहमाँ बहोत स लोग अउर बहोत स जनावरन रहत हीं?
जहाँ 1,20,000 स जियादा लोग रहत हीं, जउन इ भी नाहीं
जानतेन कि का उ पचे गलत काम करत अहइँ? का मोका
ओन लोगन क बचाइ नाहीं चाही?"

ओबद्याह

एदोम दण्डित होइ

इ ओबद्याह क दर्सन अहइ। मोर सुआमी यहोवा एदोम क
बारे मँ इ कहत ह: हम यहोवा परमेस्सर स इ संदेस पाइ गए
ह। रास्ट्रन क एक ठु दूत पठवा गवा ह। उ कहेस, "हम
पचन क एदोम क खिलाफ लड़इ बरे चलइ द्या।"

यहोवा एदोम स कहत ह

2"एदोम, मइँ तोहार सबन त नान्ह रास्ट्र बनाइ देब। लोग
तोहसे बहोत घिना करिहीं।
3तू आपन घमण्ड क जरिये छला गवा अहा। तू उँचकी
पहाड़ियन क गुफन मँ रहत बाट्या। तोहार घर पहाड़ियन मँ
उँचाई प बाटइ। तू आपन मने मँ कहत अहा, 'मोका कउनो
भी धूरी नाहीं चटाइ सकत।'"

एदोम नीच कीन्ह जाइ

4परमेस्सर यहोवा इ कहत ह: "जदपि तू उकाब क तरह
ऊपर उड़ा, अउर आपन धोसला तारन क बीच बनाइ ल्या,
तउ भी मइँ तोहका हुआँ स खाले उतारबउँ।
5तू फुरइ बरबाद होइ जाब्या। देखा। कउनो चोर तोहरे
हिआँ आवत हीं। जब, राति मँ डाकू आवत ही। तउ उ पचे
भी ओतना ही चोराइके या लूटिके लइ जात ही जेतँना लइ
जाइ सकत ही। तोहार बगियन मँ जब मजदूर अंगूर तोरइ
आवत हीं तउ अंगूर तोरइ क पाछे उ पचे कछू न कछू अंगूर
छोड़िके जात हीं।
6मुला हे एदोम। तोहसे तोहार सब कछू छोर लीन्ह जाइ।
लोग तोहरे सबहिं खजानन क हेरि लेइहीं अउर हथियाइ
लेइही।
7उ सबइ लोग जउन तोहार मीत अहइँ, तोहका देस स
बाहेर जाइ का मजबूर करिहीं। तोहार संग सान्ति स रहइवालन
तोहका धोखा देइही अउर तोहका हरइहीं। उ सबइ लोग
जउन तोहार रोटिन्क तोहार संग खावात ह तोहार बरे फंदा
डावइ क जोजना बनाव ह। 'तू एँका नाही समुझ सकब्या।'"
8यहोवा कहत ह: "ओह दिन, मइँ सदोम क बुद्धिमान
लोगन्क बरबाद करब अउ मइँ एसाव पहाड़े स समुझदारी क
नास करब।
9तबहिं, हे तेमान, तोहार सक्तीसली लोग भयभीत होइहीं
अउर एसाव पहाड़े क हर मनई मारि जाब्या।
10तू सरम स धँसि जाब्या, अउर तू हमेसा बरे बरबाद होइ
जाब्या। काहेकि आपन भाई याकूब बरे तू पचे एँतना क्रूर
निकरया।
11ओह समइ, तू इस्राएल क दुस्मन होइ गवा। अजनबी
याकूब क खजाना लइ गया। बिदेसी लोग इस्राएल क
नगर-दुआर मँ घुसेन। उ बिदेसी लोग गोट डाइके इ निहचय
किहेन कि उ पचे यरूसलेम क कउन स हीसा लेइही। तउ उ
समइ तू ओन लोगन क दुस्मनन क नाईं रह्या।
12तू आपन भाई क बिपत काल मँ हँस्या, तू इ नाही करइ
चाही रह्या तू पचे तबहिं खुस रह्या जबहिं लोग यहूदा क
बरबाद किहेन। तू वइसा नाहीं करइ चाही रह्या। ओनकर
बिपत क समइ तू ओनकर खिल्ली ओड़ाँया।
13तू मोरे लोगन्क नगर-दुआर मँ घुस्या अउर ओनकर
समस्यन पइ हँस्या। अउर तोहका अइसा नाहीं करइ क चाही
रहा। तोहका ओकरे खजानन क दूसर दुस्मनन क नाईं नाही
लेइ चाही रहा।
14तोहका ओन लोगन्क चोराहे पइ नाही धइ चाही जउन
बचिके निकरत चाहत रहा अउर तोहका ओका ओकरे
दुस्मनन क वापिस नाही देइ चाही रहा।

सब रास्ट्रन क निआव होब

15सबहिं रास्ट्रन पइ हाली ही यहोवा क दिन आवत अहइ।
तू दूसर लोगन क संग बुरा किहा। उ सबइ ही बुरइयन तोहार
संग घटिहीं। उ सबइ बुरइयन तू तोहार कपारे पइ उतरि
अइही।
16काहेकि तू दाखरस पीके मोरे पवित्तर पहाडे पइ खुसी
मनाया। वइसेन ही सबहिं जातियन लगातार मोरे सजा क
पीइही अउर ओका निगरि जइही अउ ओनकर लोप होइ
जाइ।
17सिय्योन पहाड़ी पइ रहत रहा जिअत बचा भवा लोग
मोर खास लोग होब्या। याकूब क रास्ट्र ओन चिजियन क
वापस पाई जउन ओकर रहिन।
18याकूब क परिवार बरत आगी जइसा होई। यूसुफ क
रास्ट्र बरत लपटन जइसा बनि जाइ। सिरिफ एसाव क रास्ट्र
राखी क नाईं होइ। यहूदा क लोग एदोमी लोगन क बरबाद
करिहीं। एसाव क रास्ट्रन मँ कउनो जिअत नाही रही।"
काहेकि परमेस्सर यहोवा अइसे कहेस।
19तब नेगव क लोग एसाव पर्वते पइ रइही अउर पर्वतन
क तराइयन क लोग पलिस्ती प्रदेस क लइ लेइही। परमेस्सर
क उ सबइ लोग एप्रैम अउ सोमरोन क भुइँया पइ रइही।
गिलाद, बिन्यामीन क होइ।
20इसाएल क लोग जउन आपन घर तजि देइ क मजबूर
कीन्ह ग रहेन कनान क भूइँया पइ सारपत तलक कब्जा
करिहीं। यरूसलेम क लोगन जउन कैद कीन्ह ग रहेन
अउर सपाराद लई गए रहेन उ पचे नेगेव सहर पइ कब्जा
करिहीं।
21बिजयी लोग सिय्योन पर्वते पइ होइही। उ सबइ लोग
एसाव पहाड़े क बसइयन पइ सासन करिही अउर राज्ज यहोवा
क होइ।

आमोस

प्रस्तावना

1 आमोस क सँदेसा। आमोस तकोइ नगर क गड़रिया
रहा। यहूदा क राजा उज्जियाह क सासन काल अउ
इस्राएल क राजा योआस क पूत यारोबाम क सासन काल
मँ आमोस क इस्राएल क बारे मँ दर्सन भवा। इ भूकम्प क
दुइ बरिस पहिले भवा।

अराम क खिलाफ सजा

2आमोस कहेसः "यहोवा सिय्योन मँ सेर क तरह दहाड़ी।
यहोवा क दहाड़ यरूसलेम मँ होइ। गड़रियन क हरिअर
मइदान झुराइ जइहीं। हिआँ तलक कि कर्मेल पर्वत भी
झुराई।"
3इ सबइ यहोवा कहत हः मइँ दमिस्क क लोगन क
ओनके जरिये कीन्ह गए अपराधन क सजा जरूर देब।
काहेकि उ पचे गिलाद क, अन्न भूसा स अलग करइवाले
लोहा क औजारन स पीटेस। 4एह बरे मइँ हजाएल क घर
(सिरिया) मँ आगी लगाउब, अउर उ आगी बेन्हदद क
ऊँच किलन क नस्ट करी। 5मइँ दमिस्क क दुआर क
मजबूत छड़न क भी तोड़ देब। आवेन क घाटी मँ सिंहासन
पइ बइठइवाले मनई क भी मइँ नस्ट करबउँ। अराम क
लोग हार जइहीं। लोग ओनका बंदी बनाइके कीर देस मँ
लइ जइहीं। यहोवा उ सबइ कहेस।"

पलिस्तियन क राजा

6यहोवा इ कहत हः "मइँ निहचइ ही अज्जा क लोगन
क जरिये कीन्ह गए अनेक पापन बरे ओनका सजा देब।
काहेकि उ पचे लोगन क एक समूचे रास्ट्र क पकड़ेन अउ
दास क रूप मँ एदोम क पठए रहेन।
7"एह बरे मइँ अज्जा सहर क देवारे पइ आगी लगाउब।
इ आगी अज्जा क महत्व स भरे भए किलन क नस्ट करी।
8मइँ असदोद मँ राजसिंहासन पइ बइठइवाले मनई क नस्ट
करबउँ। मइँ अस्कलोन मँ राजदाण्ड धारण करइवाले राजा
क नस्ट करब। मइँ एक्रोन क लोगने क सजा देबउँ। तब
अबहिं तलक जिअत बचे भए पलिस्ती मरिहीं।" परमेस्सर
यहोवा इ सब कहेस।

फनसिया क सजा

9यहोवा इ सब कहत हः "मइँ निहचइ ही सोर क लोगन
क ओनके जरिये कीन्ह गए अनेक अपराधन बरे सजा देब।
काहेकि उ पचे लोगन्क एक समूचे रास्ट्र क पकड़ेन अउर
एदोम क दास क रूप मँ पठए रहेन। उ पचे उ वाचा क
याद नाहीं रखेन जेका उ पचे आपन भाइयन
(इस्राएल) क संग किहे रहेन। 10एह बरे मइँ सोर क
देवारन पइ आगी लगाउब। उ आगी सोर क ऊँच मीनारन
क नस्ट करी।"

एदोमियों क सजा

11यहोवा इ सब कहत हः "मइँ निहचइ ही एदोम क
लोगन क ओनके जरिये कीन्ह गए अनेक अपराधन बरे
सजा देबउँ। काहेकि एदोम आपन भाई क पाछा तरवार
लइके किहस। एदोम तनिक भी दाया नाहीं देखाँएस। एदोम
क किरोध बराबर बना रहा। उ जंगली जनावर क तरह
इस्राएल क चीर-फाड़ करत रहा। 12एह बरे मइँ तेमान मँ
आगी लगाउब। उ आगी बोस्रा क ऊँच किलन क नस्ट
करी।"

अम्मोनियन क सजा

13यहोवा इ सबइ कहत हः "मइँ निहचइ ही अम्मोन क
लोगन क ओनके जरिये कीन्ह गए अनेक अपराधन बरे
सजा देब। काहेकि उ पचे गिलाद मँ गर्भवती मेहररूअन क
मार डाएन। अम्मोनी लोगन एह बरे किहन कि उ पचे उ
देस क लइ सकइँ अउर आपन देस क बड़का कइ सकइँ।
14"एह बरे मइँ रब्बा क देवार पइ आगी लगाउब। इ
आगी रब्बा क ऊँच किलन क नस्ट करी। जुद्ध क दिन इ
आगी लागी। इ आगी एक अइसे दिन लागी जब तुफानी
दिन मँ आँधियन चलत रही होइहीं।
15"तब एनकर राजा अउर प्रमुख धइ लीन्ह जइहीं। उ
सबइ एक संग बंदी बनाइके लइ जावा जइहीं।" यहोवा उ इ
सब कहेस ह।

मोआब क सजा

2 यहोवा इ सब कहत हः "मइँ मोआब क लोगन क
एनके जरिये कीन्ह गए अपराधन क जरूर सजा देबउँ।
काहेकि मोआब एदोम क राजा क हड्डियन क बारिके चूना
बनाएस। 2एह बरे मइँ मोआब मँ आगी लगाउब अउर उ
आगी करिय्योत क ऊँच किलन क नस्ट करी। हुआँ
खउफनाक चिचियाहट अउ तुर्रही क अवाज होइ, अउर
मोआब मरि जाइ। 3एह बरे मइँ मोआब क राजा लोगन क
समाप्त कइ देबउँ अउर मोआब क सबहिं प्रमुखन क मारि
डाउब।" यहोवा उ सबइ कहेस।

यहूदा क सजा

4यहूदा इ कहत हः "मइँ यहूदा क ओकरे जरिये कीन्ह
गए अनेक अपराधन बरे जरूर सजा देबउँ। काहेकि उ पचे

यहोवा क आदेसन क माइन स इन्कार किहन। उ पचे ओनके आदेसन क नाहीं मानेन। ओनकर पुरखन झूठ पइ बिसवास किहेन अउर ओन लबार बातन यहूदा क लोगन स परमेस्सर क अनुसरण करब छोड़ाएन। **5**एह बरे मइँ यहूदा मँ आगी लगाउब अउर इ आगी यरूसलेम क ऊँच किलन क नस्ट कइ देइ।

इस्राएल क सजा

6यहोवा इ कहत ह: "मइँ इस्राएल क ओनके जरिये कीन्ह गए अपराधन बरे सजा जरूर देबउँ। काहेकि उ पचे चाँदी क टूकन बरे नीक अउ भोले-भाले लोगन क दास क रूप मँ बेचेस। उ पचे एक जोड़ी जूता खातिर गरीब लोगन क बेचेन। **7**उ पचे गरीब लोगन क धक्का दइके मुँहे क बले गिराएन अउर उ पचे ओनका कुचरत भए गएन। उ पचे कस्ट भोगन भए लोगन क एक ठु नाहीं सुनेन। पिता लोगन अउ पूतन एक ही जवान मेहरारु क संग तने स संबंध कायम किहेन, उ पचे मोरे पवित्तर नाउँ क अपवित्तर किहेन ह।

8"उ पचे गरीब लोगन क ओढ़नन क लिहन अउ उ पचे ओन पइ गलीचन क तरह तब तलक बइठेन जब तलक उ पचे वेदी पइ पूजा करत रहेन। उ पचे गरिबन क ओनकर ओढ़नन क रेहन रखिके सिक्कन उधार दिहन। उ पचे लोगन क जुर्माना देइ क मजबूर किहन अउर उ जुर्माने क रकम स आपन परमेस्सर क मन्दिर मँ पिअइ बरे दाखरस खरीदेन।

9"मुला मइँ ही ओनकर पहिले एमोरियन क नस्ट किहे रहेउँ। एमोरी लोग ऊँच बरगदे क बृच्छ क नाईं रहेन। उ पचे ओतने सक्तीवाले रहेन जेतने बांज क बृच्छ। मुला मइँ ओनके ऊपरे क फल अउ ओनके खाने क जड़न क नस्ट किहेउँ।

10"उ मइँ ही रहेउँ जउन तू पचन्क मिस्र देस स निकारिके वाएउँ। चालीस बरिस तलक मइँ तू पचन्क रेगिस्ताने स होइके लाएउँ। मइँ तू पचन्क एमोरियन क भुइँया पइ कब्जा कइ लेइ मँ मदद दिहेउँ। **11**मइँ तू पचन्क कछू पूतन क नबी बनाएउँ। मइँ तोहरे सबन्क नउजवानन मँ स कछू क नाज़ीर बनाएउँ। इस्राएल क लोगो, इ फुरइ अहइ।" यहोवा इ सबइ कहेस।

12"मुला तू लोग नाज़ीर लोगन क दाखरस पियाया। तू पचे नबियन क भक्स्सिवानी करइ स रोक्या। **13**तू लोग मोरे बरे भारी बोझा क नाई अहा। मइँ उ गाड़ी क तरह हउँ जउन बहोतइ जियादा अनाजे से लदी होइके कारण निहुरी होइ। **14**कउनो भी मनई बचिके नाहीं निकरि पाइ, हिआँ तलक कि सब स जियादा दौड़इवाला भी। सक्तीवाले मनसेधू भी काफी सक्तीवाला नाहीं रहिहीं। फउजियन आपन क बचाइ नाहीं पइहीं। **15**धनुस अउ बानवाले भी नाहीं बचि पइहीं। तेज दउड़इवाले भी नाहीं बचि पइहीं। घुडसवार भी जिअत पराइ नाहीं पइहीं, **16**उ समइ, बहोतइ बीर जोधा भी नंगे हाथन भाग खड़ा होइहीं। ओनका आपन ओढ़ना तलक पहिरइ तलक क समइ भी नाहीं मिली।" यहोवा इ सबइ कहेस ह।

इस्राएल क चितउनी

3 इस्राएल क लोगो, इ संदेसा क सुना। यहोवा तोहरे पचन्क बारे मँ इ सब कहेस ह। इ सँदेसा ओन सबहिं इस्राएलि परिवारन बरे अहइ जेनका मइँ मिस्र देस स बाहेर लियाएउँ ह। **2**"पृथ्वी पइ अनेक परिवार अहइँ। मुला तू पचे अकेल्ले अहा जेका मइँ बिसेस धियान देइ बरे चुनेउँ। मुला तू पचे मोरे खिलाफ होइ गया। एह बरे मइँ तू पचन्क सबहिं पापन्बरे सजा देबउँ।"

इस्राएल क सजा देइ क कारण

3दुइ मनइयन एक संग नाहीं चल सकतेन जब तलक उ पचे कउनो वाचा नाही करइँ। **4**जंगल मँ सेर आपन सिकार क धरइ क पाछे ही गरजत ह। अगर कउनो जवान सेर आपन माँद मँ ही गरज होइ तउ ओकर सकेत इहइ अहइ कि उ आपन सिकार क धइ लिहस ह। **5**कउनो चिरइया भुइँया पइ जालि मँ तब तलक नाहीं पड़ी जब तलक ओहमाँ कउनो चुग्ग न होइ अउर अगर जालि बन्द होइ जाइ तउ उ चिरइया क फँसाइ लेइ। **6**अगर कउनो तुर्रही खतरा क चितउनी देइ तउ लोग डर स जरूर काँपि उठिहीं। अगर कउनो मुसीबत कउनो सहर मँ आवइ तउ ओका यहोवा पठएस। **7**मोर सुआमी यहोवा कछू भी करइ क निहचइ कइ सकत ह। मुला कछू भी करइ स पहिले उ आपन सेवक नबियन क आपन छुपी योजना बनाइ। **8**अगर कउनो सेर दहाड़ी तउ लोग डेराइ जइहीं। अगर यहोवा कछू भविस्सवक्ता स कही तउ भविस्सवाणी करी।

9-10असदोद अउ मिस्र क ऊँच किलन पइ जा अउर इ सँदेसा क घोसणा करा: "सोमरोन क पर्वतन पइ जा। हुआँ तू पचे बहोत गड़बड़ी पउब्या। काहेकि लोग नाहीं जानतेन कि धर्मी कइसे रहा जात ह। उ पचे दूसर लोगन क बरे क्रूर रहेन। उ पचे दूसर लोगन स चिजियन लेत रहेन अउर ओन चिजियन क आपन ऊँच किलन मँ छुपावत रहेन। ओनकर खजानन चोरी अउर जबर दस्ती लीन्ह गइ ओनकर चिजियन स भरा अहइँ।"

11एह बरे यहोवा कहत ह, "उ देस मँ दुस्मन आइ। उ दुस्मन तोहार पचन्क सक्ती लइ लेइ। उ ओन चिजियन क लइ लेइ जेनका तू पचे आपन किलन मँ छुपाइ रख्या ह।"

12यहोवा इ कहत ह, "जइसे जब कउनो सेर कउनो मेमना पइ झपट्टा मारत ह तउ गड़रिया उ मेमना क सिरिफ कउनो हीसां ही बचाइ सकत ह। उ सेर क मुँहे स ओकर दुइ गोड़, या ओकर काने क एक हींसा क ही खेंच सकत ह। ठीक इहइ तरह इस्राएल क जियादा लोग नाहीं बचाइ जाइ सकिहीं। सामरिया मँ रहइवाले लोग आपन बिछौना क कउनो कोना या आपन चौकी क पाया ही बचाइ पइहीं।"

13मोर सुआमी सर्वसक्तीमान परमेस्सर यहोवा इ कहत ह: "याकूब (इस्राएल) क परिवारे क लोगन क इ सबइ बातन क चिताउनी द्या। **14**इस्राएल पाप किहेस अउर मइँ ओनकर पापन बरे ओनका सजा देब। मइँ बेतेल क वेदी क भी नस्ट करब। वेदी क सींगन काटि दीन्ह जइहीं अउर उ सबइ भुइँया पइ भहराइ जइहीं। **15**मइँ गर्मी क घरे क संग सर्दी

क मौसम क घरे क भी नस्ट करब। हाथी दाँत स सजा घर
भी नस्ट होइहीं। अनेक घर नस्ट कीन्ह जइहीं।" यहोवा इ
सबइ कहत ह।

आनन्द प्रिय मेहरारू

4 सोमरोन क पहाड़े पइ मोटी गइयन मोर बात सुना। तू
पचे गरीब लोगन क दबावत अहा। तू पचे ओन
गरीबन के ऊपर गुज़र जात ह। तू पचे आपन भतारन स
कहति अहा, "पिअइ बरे हमरे बरे कउनो दाखमधु लिआवा।"
2मोर सुआमी यहोवा आपन पवित्तर नाउँ स प्रतिग्या
किहेस, कि तू पचन पइ मुसीबतन अइहीं। दुस्मन तोहमाँ स
हर एक मछरी क नाईं लेइ जाब्या जेका काँटन स पकरइ
जाइ तलक कछू पता नाहीं रहत ह। 3उ तोहार पचन्क सहर
नस्ट होइ। तू पचे देवारन क छेदन स सहर क बाहेर जाब्या।
तू पचे आपन आपका ल्हासन क ढेरन पइ लोकउब्या।
यहोवा इ सबइ कहत ह: 4"बेतेल जा अउ पाप करा।
गिलान जइ अउर जियादा पाप करा। आपन बलियन क भेंट
भिंसारे करा। तीन दिन वाले पवित्तर दिनन मँ अपनी फसल
क दसवाँ हींसा लिआवा। 5अउर खमीर क संग बनी
धन्यवाद भेंट चढ़ावा। हर एक क स्वेच्छा भेंट क बारे मँ
बताया। इस्राएल, तू पचे ओनका करब पसन्द करत अहा।
एह बरे जा अउर उहइ करा।" यहोवा इ कहेस
6"मइँ तू पचन्क अपने लगे बोलावइ बरे कई काम
किहेउँ। मइँ तू पचन्क खाइ क कछू नाहीं दिहेउँ। तू पचन्क
कउनो भी सहर मँ खइया क नाहीं रहा। मुला तू पचे मोरे
लगे वापस नाहीं लउट्या।" यहोवा इ सबइ कहेस।
7"मइँ बर्खा भी बन्द किहेउँ अउर इ फसल पाकइ क
तीन महीना पहले भवा। एह बरे कउनो फसल नाहीं भइ।
तब मइँ एक सहर पइ बर्खा होइ दिहेउँ मुला दूसर सहर पइ
नाहीं। बर्खा देस क एक हींसा मँ भइ। मुला देस क दूसर
हींसन मँ भुइँया बहोत सुखाइ गइ। 8एह बरे दो या तीन
सहरन स लोग पानी लिआवइ बरे दूसर सहरन क लड़खड़ात
भए गएन। मुला हुआँ भी हर एक मनई बरे काफी जल
नाहीं मिला। तउ भी तू पचे मोरे लगे मदद बरे नाहीं
आया।" यहोवा इ सबइ कहेस।
9"मइँ तू पचन्क फसलन क गर्मी अउ बेरामी स मारि
डाएउँ। मइँ तू पचन्क बागन अउ अंगूरे क बगीचन क नस्ट
किहेउँ। टिड्डियन तू पचन्क अंजीरे क बृच्छन अउ जइतून
क बृच्छन क खाइ डाएन। मुला फुन भी तू पचे मोरे लगे
मदद क नाहीं आया।" यहोवा इ सबइ कहेस।
10"मइँ तू पचन्क खिलाफ महामारियन वइसे ही पठएउँ
जइसे मइँ मिस्र मँ पठए रहेउँ। मइँ तू पचन्क नउजवानन क
तरवार क घाट उतारि दिहेउँ। मइँ तू पचन्क घोड़न लइ
लिहेउँ। मइँ तू पचन्क डेरन क ल्हासन क दुर्गन्धि स भरेउँ।
मुला तबहुँ भी तू पचे मोरे लगे मदद क वापस नाहीं
लउट्या।" यहोवा इ सबइ कहेस।
11"मइँ तू पचन्क वइसे ही नस्ट किहेउँ जइसे मइँ सदोम
अउ अमोरा क नस्ट किहेउँ। इ दुइनउँ सहरन पूरी तरह
नस्ट किन्ह गए रहेन। तू लोगन मँ स बचा भवा आगी स
हींची गइ बरत छड़ी तरह रह्या। मुला तउ पइ भी तू पचे
फुन भी मदद बरे मोरे लगे नाहीं लउट्या।" यहोवा इ सबइ
कहेस।
12"एह बरे इस्राएल मइँ तोहेर सबन्क संग इ सब करब।
मइँ तोहरे साथ इ करब। इस्राएल आपन परमेस्सर स मिलइ
बरे तइयार होइ जा। 13मइँ कउन हउँ? मइँ उहइ हउँ जउन
पर्वतन क बनाएउँ। मइँ तोहार परान बनाएउँ। मइँ लोगन क
आपन विचार बताएउँ। मइँ ही भिंसारे क साँझे मँ बदलत
हउँ। मइँ पृथ्वी क ऊपर क पर्वतन पइ चलत हउँ। मइँ
कउन हउँ? मोर नाउँ यहोवा, फउजन क परमेस्सर अहइ।"

इस्राएल बरे सोक संदेसा

5 इस्राएल क लोगो, इ सँदेसा क सुना, इ सोक सँदेसा
तोहेर पचन्क बारे मँ अहइ।
2इस्राएल क कुँवारी गिर गइ अहइ। उ अब कबहुँ नाहीं
उठी। उ धूरि मँ पड़ी अकेल्ली तजि दीन्ह ग अहइ। ओका
उठावइवाला कउनो मनई नाहीं अहइ।
3मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: "हजार फउजियन क
संग सहर स जाइवाले अफसर सिरिफ सउ फउजियन क
संग लउटिहीं। सउ फउजियन क संग सहर तजइवाले
अफसर सिरिफ दस फउजियन क संग लउटिहीं।"

यहोवा इस्राएल क अपने लगे लउटइ बरे बढ़ावा देत ह

4यहोवा इस्राएल क घराने स इ कहत ह: "मोर खोज
करत आवा अउ जिअत रहा।
5मुला बेतेल मँ न खोजा। गिल्गाल जिन जा। सीमा क
पार न करा अउर बेर्सेबा न जा। गिल्गाल क लोग बन्दी क
रूप मँ लइ जावा जइहीं अउर बेतेल नस्ट कीन्ह जाइ।
6यहोवा क लगे जा अउर जिअत रहा। अगर तू पचे
यहोवा हिआँ नाहीं जाब्या, तउ यूसुफ क घरे मँ आगी
लगी। आगी यूसुफ क परिवारे क नस्ट करी अउर बेतेल मँ
कउनो भी रोक नाहीं पाई।
7-9तू पचन्क मदद बरे यहोवा क लगे जाइ चाही। इ
उहइ अहइ जउन कचपचिया अउ मृगसिरा क बनाएस। उ
अँधियारा क भिंसोर प्रकास मँ बदल दत ह। उ दिन क
अँधेरी रात मँ बदल देत ह। उ समुद्दर द जल क उठाइके
ओका पृथ्वी पइ बरसावत ह। ओकर नाउँ यहोवा अहइ उ
सक्तीवाले सहरन क मजबूत किलन क ढहाइ देत ह।"

इस्राएलियन क जरिये कीन्ह गए बुरे करम

लोगो, तू पचन्क बरे इ बहोतइ बुरा होइ। तू पचे
अच्छाई क कड़ुवाहट मँ बदल दिहा। तू पचे अच्छाई क
मार डाया अउर एका धूरि मँ मिलाइ दिहा।
10नबी समाज क ठउरन पइ जात हीं अउर ओन बुरे
करमन क खिलाफ बोलत हीं जेनका लोग करत रहत हीं।
मुला लोग ओन नबियन स घिना करत हीं। नबी फुरइ कहत
हीं, मुला लोग ओन नबियन स घिना करत हीं।
11तू पचे गरीबन स गैर मुनासिब कर वसूलत अहा। तू
पचे ओनसे ढेर क गोहूँ लेत ह अउ इ धने क उपयोग तू
पचे तरासे भए पाथरन स सुन्नर महल बनावइ मँ करत
अहा। मुला तू पचे ओन महलन मँ नाहीं रहब्या। तू पचे

अंगूरन क बेलन क सुन्नर खेत बनावत अहा। मुला तू पचे
ओनसे पाई दाखरस क नाहीं पीब्या।
12कहेकि मइँ तू पचन्क अनेक पापन्क जानत हउँ। तू
पचे, फुरइ ही, कछू बुरे करम किह्या ह। तू पचे मुनासिब
काम करइवालन क चोट पहोंचाया। तू पचे घूस क रूप मँ
धन लिहा। गरीब लोगन क संग अनेक मुकदमन मँ तू पचे
निआव नाहीं किह्या।
13उ समइ बुद्धिमान चुप रइहीं। काहे? काहेकि इ बुरा
समइ अहइ।
14तू पचे कहत अहा कि परमेस्सर मोरे संग अहइ। एह
बरे नीक करम करा, बुरा नाहीं। तब तू पचे जिअन रहब्या
अउ सर्वसक्तीमान परमेस्सर यहोवा फुरइ ही तोहेर सबन्क
संग होइ।
15बुराई स घिन करा। अच्छाई स पिरेम करा। कचहरी मँ
निआव वापस लिआवा अउ तब संभव अहइ कि सर्वसक्तीमान
परमेस्सर यहोवा यूसुफ परिवारे क बचे भए लोगन पइ दयालु
होइ।

बड़के सोक क समइ आवत अहइ

16इहइ कारण अहइ कि मोर सुआमी सर्वसक्तीमान
परमेस्सर इ कहत अहइ, "लोग सबहिं समाज क ठहरन मँ
रोइहीं, लोग सड़कियन पइ रोइहीं। लोग पेसेवर रोवइवालन
क भाड़ा पइ रखिहीं।
17लोग अंगूरे क सबहिं खेतन मँ रोइहीं। काहेकि मइँ
हुआँ स निकरब अउर तू पचन्क सजा देबउँ।" यहोवा इ सब
कहेस ह।
18तू पचन मँ स कछू यहोवा क निआव क खास दिन
क लखइ चाहत हीं। तू पचे उ दिन क काहे लखइ चाहत
अहा? यहोवा क खास दिन तोहरे पचन्क बरे अँधियारा
लिआई उजियारा नाहीं।
19तू पचे कउनो सेरे क समन्वा स बचिके पराइ
निकरइवाले अइसे मनई क नाईं होब्या जेह पइ भागत समइ
रीछ हमला कइ देत ह अउर फुन जब उ रीछ स भी
बचिके निकरिके कउनो घरे मँ जाइ घुसत ह तउ हुआँ देवारे
पइ हथवा धरत ही, साँप डसि लेत ह।
20एह बरे यहोवा क खास दिन अँधियारा लिआई,
उजियारा नाहीं, इ सोक क समइ होइ उल्लास क नाहीं।

यहोवा इस्राएलियन क आराधना क अंगीकार नाहीं करत अहइ

21"मइँ तोहार पचन्क पवित्तर दिनन स घिना करत हउँ।
मइँ ओनका कबूल नाहीं करब। मइँ तोहार पचन्क धर्म क
सभन क आनन्द नाहीं लेतेउँ।
22अगर तू पचे होमबलि अउ अन्नबलि अउ भी देब्या
तउ मइँ अँगीकार नाहीं करब। तू पचे जउन मोटवार
जनावरन क सान्ति-भेंट क रूप मँ देब्या ओनका मइँ भी
लखब भी नाहीं।
23तू पचे हिआँ स सोरगुलवाले गीतन क दूर करा। मइँ
तोहरी पचन्क वीणा क संगीत क नाहीं सुनब।
24तू पचन्क आपन सोर देस मँ निआव क नदी क तरह
बहइ देइ चाही। अच्छाई क सदा नदी क धारा क नाईं बहइ
द्या जउन कबहुँ झुरात नाहीं।
25इस्राएल, तू पचे चालीस बरिस तलक रेगिस्ताने मँ
मोका बलि अउ भेंट नाहीं चढ़ाया।
26तू पचे आपन देवता सक्कुथ अउ नछत्र देवता कैवन
क मूर्तियन क लइके चल्या। एन देवतन क मूर्तियन क तू
पचे अपने बरे बनाये रह्या।
27एह बरे मइँ तू पचन्क बन्दी बनाइके दमिस्क क पार
पहोंचाउब।" इ सब यहोवा कहत ह। ओकर नाउँ सर्वसक्तीमान
परमेस्सर अहइ।

इस्राएल स नीक समइ क लइ लीन्ह जाइ

6 सिय्योन क तू पचन्क मँ स कछू क जिन्नगी बहोत
आराम क अहइ। सामरिया पर्वत क कछू लोग अपने
क सुरच्छित महसूस करत हीं। मुला तू पचन पइ अनेक
मुसीबतन अइहीं। रास्ट्रन क सब स उत्तिम नगर क तू पचे
"सम्मानित" लोग अहा। "इस्राएल क लोग" निआव पावइ
बरे तोहरे पचन्क लगे आवत हीं।
2जा अउ कलने क लखा। हुआँ स बिसाल नगर हमात
क जा। पलिस्ती सहर गत क जा। का तू पचे इ सबइ
राज्यन स बढ़िया अहा? नाहीं। ओनकर पहँटा तोहरे पचन्क
देसे स बड़का अहइँ।
3जब तू हिंसा क जरिये सासन करत ह तउ तू सज़ा क
दिना बरे सोचइ स इन्कार करत जउन कि आवत ह।
4मुला तू पचे सबहिं बिलासन क भोगा करत अहा। तू
पचे हाथी दाँते क सेज पइ सोवत अहा अउर अपने बिछौना
पइ आराम करत अहा। तू पचे गोरूअन क झुण्ड मँ स नरम
मेमनन अउ बाड़न मँ स नवा बछवा खात अहा।
5तू पचे आपन वीणन क बजावत अहा अउर राजा दाऊद
क नाईं संगीत क धन बनावत ह।
6तू पचे सुन्नर पिआलन मँ दाखरस पिआ करत अहा। तू
पचे सब स उत्तिम तेलन मँ स आपन मालिस करत अहा
अउर तू पचन्क एकरे बरे घबराहट भी नाहीं कि यूसुफ क
परिवार नस्ट कीन्ह जात अहइ।
7उ सबइ लोग अब बिछउना पइ अराम करत अहइँ।
मुला ओनकर नीक समइ खतम होइ। उ पचे बन्दी क रूप
मँ विदेसन मँ पहोंचावा जइहीं अउर उ पचे पहिले पकड़ा
जाइवालन मँ स कछू होइहीं। 8मोर सुआमी यहोवा आपन
नाउँ स इ प्रतिग्या किहे रहा। सर्वसक्तीमान परमेस्सर यहोवा
प्रतिग्या किहस ह:
"मइँ ओन बातन स घिना करत हउँ जेन पइ याकूब क
गर्व अहइ। मइँ ओकर मजबूत मीनारन स घिना करत हउँ।
एह वरे मइँ दुस्मन क सहर अउर सहर क हर एक चीज
लेइ देबउँ।"

तनिक इस्राएली जिअत बचिहीं

9उ समइ, कउनो घरे मँ अगर दस मनई जिअत बचिहीं
तउ भी उ पचे मरि जइहीं। 10जब कउनो मरि जाइ तब
कउनो संबंधी ल्हास लेइ आइ, जेहसे उ ओका बाहेर लइ
जाइ सकइ अउर बारि सकइ। संबंधी घरे मँ हाड़न क लेइ

आइ। लोग कउनो भी उ मनई स जउन घरे क भितरे छुपा
होइ, पूछिहीं, "का तोहरे पचन्क लगे कउनो दूसर ल्हास
अहइ?"
उ मनई जवाब देइ, "नाहीं..."
तब मनई क संबंधी कइहीं, "चुप। हम पचन्क यहोवा क
नाउँ नाहीं लेइ चाही।"
11लखा, परमेस्सर यहोवा हुकुम देइ अउर बिसाल महल
टूका-टूका कीन्ह जइहीं अउर नान्ह घर नान्ह नान्ह टूकन मँ
तोरा जइहीं।
12का घोड़न सिलाखंडन पइ दउड़त हीं? नाहीं। का लोग
समुददर क बर्धन स जोत सकत हीं? नाहीं। तउ भी तू पचे
हर चीज क उलट-पलट देत अहा। तू पचे अच्छाई अउ
निआव क जहर मँ बदल देत अहा।
13तू पचे लौ-देवरे मँ खुस अहा, तू पचे कहत अहा,
"हम पचे करनैम क आपन सक्ती स जीता ह।"
14"किन्तु इस्राएल, मइँ तू पचन्क खिलाफ एक रास्ट्र क
पठउब। उ रास्ट्र तोहरे पचन्क समूचे देस क, लेबो-हमात स
लइके अराबा नाले तलक मुसीबते मँ डइहीं।" सर्वसक्तीमान
परमेस्सर यहोवा उ सबइ कहेस।

दर्सन मँ टिड्डियन

7 यहोवा मोका इ देखाएसः उ दूसर फसिल उगर क
समइ टिडडी दलन क बनउब सुरू किहेस। राजा क
जरिये पहिली फसल काट लीन्ह जाइके पाछे इ दूसर फसल
रही। 2टिड्डियन देस क सारी घास खाइ डाएन। ओकरे पाछे
मइँ कहेउँ, "मोर सुआमी यहोवा, मइँ पराथना करत हउँ,
हम पचन क छिमा करा। याकूब जी नाहीं सकत, ओकर
लगे बहोत सक्ती नाहीं अहइ।"
3तब यहोवा एकरे बारे मँ विचार बदलेस। यहोवा कहेस,
"अइसा नाहीं होइ।"

दर्सन मँ आगी

4मोर सुआमी यहोवा मोका इ चिजियन देखाएसः मइँ
लखेउँ कि यहोवा परमेस्सर आगी क नाईं बरसइ बरे
बोलावत बाटइ। आगी बिसाल गहिर समुद्दर क नस्ट कइ
दिहस। आगी भुइयाँ क चट करइ लाग। 5मुला मइँ कहेउँ,
"हे परमेस्सर यहोवा, मइँ तोहसे पराथना करत हउँ, ठहरा।
याकूब बच नाहीं सकत। उ बहोतइ नान्ह अहइ।"
6तब यहोवा एकरे बारे मँ आपन विचार बदलेस। परमेस्सर
यहोवा कहेस, "अइसा नाहीं होइ।"

दर्सन मँ साहुल

7यहोवा मोका इ देखाएसः यहोवा एक ठु देवारे क सहारे
एक साहुल हाथे मँ लइके खड़ा भवा रहा। देवार साहुल स
सोझ कीन्ह गइ रही। 8यहोवा मोसे कहेस, "आमोस, तू का
लखत अहा?"
मइँ कहेउँ, "साहुल।"
तब मोर सुआमी कहेस, "लखा मइँ आपन इस्राएल क
लोगन पइ साहुल क उपयोग करब। मइँ अब अउर अगवा
ओनकर टेढ़ेपने क नजरन्दाज नाहीं करब। मइँ ओन बुरे
हींसन क काट लोकाउब। 9इसहाक क ऊँच ठउर नस्ट
कीन्ह जइहीं। इस्राएल क पवित्तर ठउर चट्टाने क ढेर मँ
बदल दीन्ह जइहीं। मइँ हमला करब अउर यारोबाम क
परिवारे क तरवारे क घाट उतारब।"

अमस्याह आमोस क भविस्सवाणी करइ स रोकइ क जतन करत ह

10बेतेल क याजक अमस्याह इस्राएल क राजा यारोबाम
क इ सँदेसा पठएसः "आमोस तोहरे खिलाफ सडयंत्र रचत
अहइ। उ इस्राएल क लोगन क तोहरे खिलाफ जुद्ध बरे
भड़कावत ह। उ एतना जियादा कहत अहइ कि ओकर सब्द
पूरा देस मँ भी समाइ नाहीं सकतेन। 11आमोस कहेस ह,
"यारोबाम तरवारे क घाट उतरी अउ इस्राएल क लोगन क
बन्दी बनाइके आपन देस स बाहेर लइ जावा जइहीं।"
12अमस्याह भी आमोस स कहेस, "हे दर्सी यहूदा जा
अउर हुअँइ आपन भोजन करा। आपन उपदेस हुअँइ द्या।
13मुला हिआँ बेतेल मँ अउर जियादा उपदेस जिन द्या। इ
यारोबाम क पवित्तर ठउर अहइ। इ इस्राएल क मंदिर
अहइ।"
14तब आमोस अमस्याह क जवाब दिहस, "मइँ पेसेवर
नबी नहीं हउँ अउर मइँ नबी क परिवार क नाहीं हउँ। मइँ
गोरू पालत हउँ अउर गूलर क बृच्छन क देखरेख करत
हउँ।
15"मइँ गड़रिया रहेउँ अउर यहोवा मोका भेड़िन क
चरावइ स अजाद किहेस। यहोवा मोहसे कहेस, 'जा मोर
लोग इस्राएलियन मँ भविस्सवाणी करा।' 16एह बरे यहोवा
क सँदेस क सुना। तू मोहसे कहत अहा, 'इस्राएल क
खिलाफ भविस्सवाणी जिन करा। इसहाक क परिवारे क
खिलाफ उपदेस जिन द्या।' 17मुला यहोवा कहत ह, 'तोहार
पत्नी सहर मँ रण्डी होइ हीं। तोहार पूतन अउ बिटियन
तरवारे स मारा जइहीं। दूसर लोग तोहार भुइँया क खिलाफ
आइहीं अउर एका कब्जा कइ लेइहीं। अउर आपुस मँ
बँटिहीं अउर तू बिदेस मँ मरब्या। इस्राएल क लोग निहचइ
ही, इ देस स बन्दी क रूप मँ लइ लीन्ह जइहीं अउर देस
स निस्कासित कीन्ह जाइ।'"

दर्सन मँ पके भए फल

8 यहोवा मोका इ देखाएसः मइँ गर्मी क फलन क एक
टोपा लखेउँ: 2यहोवा पुछेस, "आमोस तू का लखत
अहा?"
मइँ कहेउँ, "गर्मी क फलन स भरा भवा एक ठु
टोकरी।"
तब यहोवा मोहसे कहेस, "मोर लोग इस्राएलियन क अंत
आइ मँ अहइ। मइँ ओनके पापन क अउर बर्दास्त नाहीं
कइ सकतेउँ। 3मन्दिर क गीत सोक गीत बन जइहीं। मोर
सुआमी यहोवा इ सब कहेस। सब जगह ल्हासन ही होइहीं।
सन्नाटे मँ लोग ल्हासन क लइ जइहीं अउर ओनकर ढेर
लगाइ देइहीं।"

इस्राएल क बइपारी सिरिफ धन बनाबइ मँ लगे रहब चाहत हीं

4मोर सुना। लोगो तू पचे बेसहारा क कुचरत अहा। तू पचे इ देस क गरीबन क नस्ट करइ चाहत अहा।

5बइपारियो तू पचे कहत अहा, "नवा चंदा कब बीती जेहसे हम पचे अन्न बेचि सकी? सबित कब बीती, जेहसे हम पचे आपन गोहूँ बेचइ क लिआइ सकी? हम कीमतन क बढ़ाइ सकी, बाटन क हल्का कइ सकी, अउर हम पचे तराजुअन क अइसा इंतजाम कइ लेइ कि लोगन क ठगि सकी।

6गरीब आपन कर्जा वापस नाहीं कइ सकतेन। एह बरे हम ओनका दास क रूप मँ खरीदब। हम ओन गरीबन क एक जोड़ी पनही क कीमत मँ खरीदब। अहो! हम पचे ओन खराब गोहूँ क भी बेंचि सकित ह, जउन फर्स पइ छितराइ गवा होइ।"

7यहोवा प्रतिग्या किहेस। उ "याकूब क गर्व" क आपन नाउँ बरे उपयोग किहेस अउर इ प्रतिग्या किहेस कि: "मइँ ओन लोगन क कीन्ह करमन बरे ओनका छिमा नाहीं कइ सकत।

8तोहार ओन करमन क कारण पूरा देस काँपि जाइ। इ देस क हर एक निवासी मरे भए के लिए रोइ। पूरा देस मिस्र मँ उड़त होइ नील नदी क तरह कपकपाहीं। पूरा देस उठिहीं अउर फुन गरिहीं।"

9यहोवा इ सबइ बातन भी कहेस: "उ समइ मइँ सूरज दुपहर मँ ही बूड़ि देब। मइँ उजियारा भरे दिन मँ पृथ्वी क अंधियारा स भरि देब।

10मइँ तोहार पचन्क पवित्तर दिनन क मरे भए लोगन बरे सोक दिवस मँ बदलब। तोहार पचन्क सबहिं मरे भए लोगन बरे सोक गीत बनिहीं। मइँ हर एक क सोक ओढ़ना पहिराउब। मइँ हर एक क मूँड़ मुड़वाइ देब। मइँ अइसा गहिर सोक स भरा रोउब बनाउब माना उ एकलौती क पूत क होइ। इ एक कड़ुआ अन्त होइ।"

परमेस्सर क संसार बरे भयंकर भुखमरी स भरा भविस्स

11यहोवा कहत ह: "लखा मइँ देस मँ भुखमरी लिआउब अउर उ सबइ दिन निचके आवत अहइँ। इ रोटी या पानी क भुखमरी नाहीं होइहीं बल्कि यहोवा क वचन क भुखमरी होइहीं।

12लोग एक सागरे स दूसर सागर तलक भटकिहीं। उ पचे उत्तर स दक्खिन तलक भटकिहीं। उ सबइ लोग यहोवा क सँदेसा बरे अगवा बढ़िहीं पाछे हटिहीं, मुला उ पचे ओका पइहीं नाहीं।

13उ समइ सुन्नर मेहररूअन अउ नउजवान पिआव क कारण बेहोस होइ जइहीं।

14ओन लोग सोमरोन क पाप क नाउँ पइ प्रतिग्यन किहेन। उ पचे कहेन, 'दान तोहरे पचन्क देवता क सत्ता निहचइ फुरइ बाटइ, एहसे हम पचे प्रतिग्या करत अही, अउर बेर्सेबा क सत्ता क सत्ता निहचइ फुरइ बाटइ, एहसे हम पचे प्रतिग्या करत अही' एह बरे ओन लोगन क पतन होइ अउर उ पचे फुन कबहुँ उठिहीं नाहीं।"

दर्सन मँ यहोवा क वेदी क सहारे खड़ा होब

9 मइँ आपन सुआमी क वेदी क सहोर खड़ा लखेउँ। उ कहेस,

"खम्भन क सिरे पइ प्रहार करा, अउर पूरी इमारत क डेहरी तलक काँप उठी। कम्भन क मनइयन क मूँड़े पइ गिरावा। अगर कउनो जिअत बचइ, तउ ओका तरवारे स मारा। कउनो मनई पराइ सकत ह, मुला उ बचि नाहीं सकी। मनइयन मँ स कउनो भी मनई बचिके नाहीं निकरी।

2अगर उ पचे पाताल मँ खनिके जइहीं, मइँ ओनका हुआँ स हींच लेबउँ। अगर उ पचे ऊपर आकासे मँ जइहीं मइँ ओनका हुआँ स खाले लिआउब।

3अगर उ पचे कर्म्मेल क घाटी पइ जाइके छुपिहीं, मइँ ओनका हुआँ हेरब अउर मइँ ओनका उ जगहिया पइ लइ आउब। अगर उ पचे समुद्दर क तले मँ छुपइ चाहत हीं, मइँ सरप क हुकुम देब अउर उ ओनका डसि लेइ।

4अगर उ पचे धरा जइहीं अउर आपन दुस्मन क जरिये लइ जावा जइहीं, मइँ आपन तरवार क हुकुम देब अउर उ ओनका हुअँइ मारी। हाँ, मइँ ओन पइ सावधानी पूर्वक निगाह रखब उहइ दौरान मइँ ओन पइ मुसीबत लिआवइ बरे रास्ता खोजब। ओनके बरे नीक काम करइ क तरीकन पइ नाहीं।"

देस क लोगन क सजा नस्ट करी

5मोर सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा, उ पहँटा क छुइ अउर उ टेघर जाइ तब उ देस क सबहिं निबासी मरे भए लोगन बरे रोइहीं। इ पहँटा मिस्र क नील नदी क नाईं ऊपर उठी अउर खाली गिरी।

6यहोवा आपन ऊपर क निवास अकासे क ऊपर बनाएस। उ आपन आकास क पृथ्वी पइ धरेस। उ सागरे क जल क बोलाइ लेत ह, अउर देस पइ ओकर बर्खा करत ह। ओकर नाउँ यहोवा अहइ।

यहोवा इस्राएल क नस्ट करइ क प्रतिग्या करत ह

7यहोवा इ कहत ह: "इस्राएल तू मोरे बरे कूसियन क नाईं अहा। मइँ इस्राएल क मिस्र स निकारिके लाएउँ। मइँ पलिस्तियन क भी कप्तोर स लाएउँ अउर अरामियन क भी कीर स।"

8मोर सुआमी यहोवा पापे स भरा राज्ज पइ दृस्टि रखे अहइ। यहोवा इ कहत ह, "मइँ पृथ्वी पइ स इस्राएल क नस्ट करब। मुला मइँ याकूब क परिवार क पूरी तरह नस्ट नाहीं करब।

9मइँ इस्राएल क घराना क तितर-बितर कइके दूसर रास्ट्रन मँ छितरावइ क आदेस देत अहउँ। इ उहइ तरह होइ जइसे कउनो मनई अनाजे क छननी स छान देत ह। नीक आटा ओहसे निकरि जात ह, मुला बुरा अंस फँस जात ह। याकूब क परिवारे क संग अइसा ही होइ।

10मोरे लोगन क बीच पापी कहत हीं, 'हम लोगन क संग कछू भी बुरा नाहीं घटित होइ।' मुला उ पचे सबहिं लोग तरवार स मारि दीन्ह जइहीं।"

परमेस्सर राज्ज क फुन स स्थापना क प्रतिग्या करत ह

11“दाऊद क डेरा गिर गवा ह, मुला उ समइ इ डेरे क
मइँ फुन खड़ा करब। मइँ देवारन क छेदन क भरि देब। मइँ
नस्ट इमारतन क फुन स बनाउब। मइँ एका अइसा बनाउब
जइसा इ पहिले रहा।
12फुन उ पचे एदोम मँ जउन लोग बचि गवा अहइँ,
ओनका अउर ओन जातियन क जउन मोरे नाउँ स जानी
जात हीं, लइ जाइ।” यहोवा इ सबइ बातन कहेस, अउर उ
सबइ ओनका घटित कराई।
13यहोवा कहत ह, “उ समइ आवत अहइ, जब हर तरह
क भोजन क बहोतयात होइ। अबहिं लोग पूरी तरह फसल
काटि नाहीं पाए होइहीं कि जोताइ क समइ आइ जाइ।
लोग अबहिं अंगूरन क रस निकारि ही रहा होइहीं कि
अंगूरन क रोपाइ क समइ फुन आइ पहोंची। पर्वतन स
दाखरस क धार बही अउर उ पहाड़ियन स बरसी।
14मइँ आपन लोगन इस्राएलियन क देस निकाराइ स
वापस लिआउब। उ पचे नस्ट भए सहरन क फुन स बनइहीं
अउर ओन सहरन मँ रइहीं। उ पचे अंगूरे क बेलन क बाग
लगइहीं अउर उ पचे ओन बागन स मिला भवा दाखरस
पीइहीं। उ पचे बाग लगइहीं अउर उ पचे ओन बागन क
फलन क खइहीं।
15मइँ आपन लोगन क ओनकी भुइँया पइ जमाउब अउर
उ पचे फुन उ देस स उखाड़ा नाहीं जइही जेका मइँ ओनका
दिहेउँ ह।” यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर इ सबइ बातन
कहेस।

योएल

टिड्डियन फसलन क खाइ लेइहीं

1 पतूएल क पूत योएल यहोवा स इ सँदेसा क पाएस:
2मुखिया लोगो, इ सँदेसा क सुना। हे इ देस क बसइया
लोगो, तू पचे सबहिं मोर बात सुना। का तु पचन्क सारी
जिन्नगी मँ पहिले कबहुँ कउनो अइसी बात घटी ह? का तू
पचन्क पुरखन क जिन्नगी मँ कबहुँ कउनो अइसी बात घटी
ह? 3इ बातन क बारे मँ तू पचे आपन लरिकन क बतावा
करब्या अउर तोहार पचन्क लरिकन इ सबइ बातन आपन
लरिकन क बतइहहीं अउर तोहार पचन्क नाती पोतन इ सबइ
बातन अगवा क पीढ़िन क बतइहीं।
4कुतरत भइ टिड्डियन स जउन कछू भी बच गवा, ओका
भिन्नात भइ टिड्डियन खाइ लिहन अउर भिन्नात भइ टिड्डियन
स जउन कछू बचा, ओका फुदकत भइ टिड्डियन खाइ लिहन
ह अउर फुदकत भइ टिड्डियन स जउन कछू रहि गवा,
ओका बिनास करइवाली टिड्डियन चट कइ डाइन ह।

टिड्डियन क आउब

5ओ नसाबाज लोगो, जाग्ग, उठा अउ विलाप करा। ओ
सबहिं दाखमधु पिवइया लोगो, विलाप करा। काहेकि तू
लोगन क लगे अब अउर कबहुँ पिवइ बरे मीठ दाखमधु
नाहीं होब्या।
6एक सक्ती साली रास्ट्र क नाईं जउन आपन अंगिनत
सिपाहियन क संग होइ भयंकर टिड्डियन क मोरे देस पइ
हमला करइ बरे आएस। ओनकर दाँत सेर क दाँत क नाई
रहेन, ओनकर जबरा सेरनी क जबरा क नाई रहेन।
7उ सबइ “टिड्डन” मोर अंगूरे क बगियन क बर्बाद कइ
दिहस। उ पचे मोरे अंजीरे क बृच्छ क तोड़ दिहस। उ पचे
मोरे बृच्छन टहनियन क छाल लक उधेड़ लिहेस अउर
ओनका भुइँया पइ लोकाइ दिहेस।

लोगन क विलाप

8अब तू उ जवान दुलहन जइसा जउन आपन होइवाली
मनसेधू (मंगेतर) जउन कि सादी स पहिले ही मारा गएस ह
क कारण सोक क ओढ़ना पहिरे होइ अहइ, रोआ।
9हे याजक लोगो! हे यहोवा क सेवक लोगो, विलाप
करा। काहेकि यहोवा क मदिर मँ स तू अब अउर न तउ
अन्न क भेंट अउर न ही पेय भेंट पाउब्या।
10खेत बर्बाद होइ गवा अहइँ। हिआँ तलक कि धरती भी
रोअत ह काहेकि अन्न बर्बाद होइ गवा ह। नवा दाखमधु नाहीं
होब्या काहेकि अंगूर क फसल बर्बाद होइ गवा ह अउर
जइतून क बृछ तेल दइ क काबिल नाहीं होब्या।
11हे किसान लोगो, तू पचे लाज करा। हे अंगूरे क
बागबान लोगो, जोर स विलाप करा। तू पचे गोहूँ अउर जउ
बरे भी विलाप करा। काहेकि खेते क फसल बर्बाद होइ गवा
ह।
12अंगूरे क बेलन झुराइ गइ अहइँ अउर अंजीर क बृच्छ
मुरझात अहइँ। अनारे क बृच्छ, खजूरे क बृच्छ अउ सेब क
बृच्छ-बगियन क इ सबइ बृच्छ झुराइ ग अहइँ। लोगन क
बीच खुसी मरि गइ अहइ।
13हे याजक लोगो, सोक क ओढ़ना पहिरा, जोर स बिलाप
करा। हे वेदी क सेवक लोगो, जोर स बिलाप करा। हे मोरे
परमेस्सर क दास लोगो, आपन सोक ओढ़ना मँ तू पचे सोइ
जाब्या। काहेकि अब हुआँ अन्न अउ पेय भेंटन परमेस्सर क
मंदिर मँ नाहीं होइहीं।

टिड्डियन स खउफनाक बिनास

14उपवास करइ बरे रास्ट्र क कहा, सभी लोगन क एक
खास सभा बुलाइ ल्या। सभी बुर्जुग लोगन अउर देस क
सभी निवासियन क एक साथ बटोर ल्या। ओनका आपन
यहोवा परमेस्सर क मंदिर मँ बटोर ल्या।
15यहोवा क भयंकर दिन हम लोगन क नजदीक आ गवा
ह। उ दिन सर्वसक्तीमान परमेस्सर तबाही लाइ। यह बरे
तोहका जरुर सोक मनाइ चाही। 16हमार खइया क हमरे
लखत-लखत चट होइ ग अहइ। हमरे परमेस्सर क मंदिर स
आनन्द अउ खुसी जात अहइ। 17हम पचे खेत मँ बिया तउ
बोए रहे, मुला उ झुराइके मरि गवा अहइँ यह बरे कोठियन
खाली अहइ। हमार खिलहान खाली पड़ा अहइँ काहेकि
फसल झुराइ गवा अहइँ।
18हमार गोरू भूख स कराहत अहइँ। हमार गोरू खोवा-खोवा
एँह कइँती ओह कइँती भटकत अहइँ। ओनके लगे खाइ क
घास नाहीं अहइ। भेड़िन मरति अहइँ। 19हे यहोवा, मइँ तोहार
दोहाइ देत अहउँ। काहेकि हमरी चरागाहन क आगी रेगिस्तान
बनाइ दिहे अहइ। बगियन क सबहिं बृच्छन लपटन स झउँसि
गवा अहइँ। 20जंगली पसु भी तोहार लगे हाँपत भवा आइहीं
काहेकि नदियन झुराइ ग अहइँ। आगी हमार हरी-भरी
चरागाहन क रेगिस्ताने मँ बदल दिहस ह।

यहोवा क दिन आइ

2 सिय्योन पइ नरसिंहा फूँका। मोरे पवित्तर पर्वते पइ
चिताउनी सुनावा। ओन सबहिं लोगन क जउन इ धरती
पइ रहत हीं, तू पचे डर स कँपाइ द्या। यहोवा क बिसेस दिन
आवत अहइ। इ बहोत ही लगे अहइ।
2उ दिन अँधियारा भरा होइ, उ दिन उदासी अउर सोक क
होइ, उ दिन करिया होइँ अउर उ दिन दुर्दिन होइ। भोरे क
पहिली किरन क संग तू पचन्क पहाड़े पइ फउज फइलत
भइ देखाँइ देइ। उ फउज बिसाल अउर सक्ती होइ। तू अइसा

फउज पहिले तउ कबहुँ भी नाहीं लखा रहा अउ अगवा भी कबहुँ भविस्स काल मँ अइसा नाहीं लखी।

3उ फउज इ धरती क धधकत आगी जइसे तहस-नहस कइ देइ। जब फउज उ धरती स होइ क आगे बढ़इ तउ उ धरती जउन कि एदेन क बगीचा जइसा रहा उ एक उजड़ भवा रेगिस्तान मँ बदल जाइ। ओनसे कछू भी नाहीं बचि पाइ।

4टिडिय घोड़न क तरह देखइ जात अहइ अउर अइसे दउड़त हीं जइसे सिपाही दोड़त हीं।

5का तू इ आवाज क सुनत ह। इ पहाड़े पइ चढ़त भए रथन क खड़-खड़ क आवाज क नााई आवाज करत ह। इ आवाज अइसा अहइ जइसे जलत भइ भूसा क चटपट आवाज। उ सबइ लोग सक्तीवाले अहइँ। उ पचे जुद्ध बरे तइयार अहइँ।

6इ फउज क अगवा लोग डर स काँपत हीं। ओनकर मुँर डर स पिअर पड़ि जात हीं।

7उ सबइ फउजी बहोत तेज दउड़न हीं। उ सबइ फउजी देवारन पइ चढ़त हीं। हर एक फउजी सोझइ ही अगवा बढ़ि जात ह। उ पचे आपन रास्ता स तनिकउ भी नाहीं हटतेन।

8उ पचे एक दूसर क आपुस मँ नाहीं धकियउतेन। हर एक अपने राहे पइ चलत ह। अगर कउनो फउजी जखमी हो अउर गिरि जात ह तउ भी उ पचे आपन राहे स नाहीं मुरत ह।

9उ पचे आचानक ही सहरे पइ चढ़इ जाब। उपचे सहरे क देवार पाइ दोरब। उ पचे खिड़कियन स होइके भवनन भितरे घुस जात हीं जइसे कउनो चोर घुसि जाइ।

10धरती अउ अकासे तलक ओनके समन्वा थर्रात हीं। सूरज अउ चाँद भी करिया पड़ि जात हीं अउर तारा चमकब तजि देत हीं।

11यहोवा जोर सँ अपनी फउन क बुलावत ह। ओकर छावनी बिसाल अहइ उ फउज ओकरे हुकुमन क मानब्या। उ फउज बहोतइ सक्तीसाली अहइ। यह बरे यहोवा क बिसेस दिन महान अउ खउफनाक अहइ। कउनो भी मनई ओक आइ स रोक नाहीं सकत।

यहोवा आपन लोगन स आपनी जिन्नगी बदलइ क कहत ह

12किन्तु अब भी यहोवा क सँदेसा इ अहइ: "पुरे मन स मोरे लगे वापस आवा। विलाप करा अउ चीख व पुकार करा अउर उपवास करा।

13अरे आपन ओढ़ना क बदले, तू पचे आपन सोक व दु:ख क देखाइ बरे आपन दिल क ही फारि डावा। तू पचे आपन परमेस्सर यहोवा क लगे लउटि आवा। उ दयालु अउ करूणा स पूर्ण अहइ। ओका हाली किरोध नाहीं आवत ह। ओकर पिरेम महान अहइ। होइ सकत ह जउन किरोध उ तू पचन्क बरे सोचे होइ, ओकरे बरे उ आपन मन बदल लेइ।

14कउन जानत ह, होइ सकत ह यहोवा आपन मन बदल लेइ अउर इ भी होइ सकत ह कि उ तू पचन क बरे कउनो वरदान छोड़ जाइ। फुन तू पचे आपन परमेस्सर यहोवा क अन्नबलि अउ पेय भेंट अर्पण कइ पावा।"

यहोवा स पराथना करा

15सिय्योन पइ नरसिंहा फूँका। उ बिसेस सभा बरे बोलावा द्या। उ उपवास क खास समइ क बोलावा द्या।"

16तू पचे, लोगन क बटोरा। बिसेस सभा बरे ओनका बोलावा। तू पचे बुढ़वा मनइयन क बटोरा अउर लरिकन क भी संग मँ बटोरा। उ सबइ नान्ह गदेलन भी लिआवा जउन अब भी महतारी क दूध पिअत अहइँ। नई दुलहिन क अउर दुलहा लोगन क ओनकर ओलरइ-कमरा स बोलावा।

17हे यहोवा क सेवक, याजक लोगो आँगन अउ वेदी क बीच विलाप करा। ओन सबहिं लोगन क इ प्रार्थना करइ द्या: "हे यहोवा आपन लोगन पइ दया करा। तू पचे आपन लोगन क लजाइ जिन द्या। दूसर रास्ट्र क हम लोगन पइ हँसत भए इ कहइ क मौका जिन द्या कि "ओनकर परमेस्सर कहाँ अहइ?"'

यहोवा तू सबन्क तोहरे पचन्क धरती वापस दियाई

18तउ यहोवा क आपन देस क बारे जलन होइ गवा। अउर आपन लोगन क बरे मँ अफसोस परकट किया।

19ओनके प्रार्थना क उत्तर मँ यहोवा आपन लोगन स कहेस।, "मइँ तोहरे पचन्क बरे भरपूर अन्न, दाखमधु अउर तेल पठउब। मइँ अब दूसर रास्ट्रन क तू पचन्क पइ हँसइ नाहीं देब।

20मइँ उत्तर क हमलाआवर फउजन क तू पचन्क धरती स वापस भेज देब। मइँ ओनका झुरान अउ उजड़ी भइ धरती पइ पठाउब। ओनमाँ स कछू पूरब क समूद्दरे मँ अउ ओनमाँ स कछू पच्छिम समूद्दरे मँ जइहीं। उ पचे मरि भए होइ ओनके सड़त भइ दुर्गन्ध आकासे तलक जाइ काहेकि उ पचे बहोत ही खउफनाक करम किहस। परमेस्सर बहोत महान काम किहेउँ ह।"

धरती क फुन नवा बनावा जाइ

21हे धरती, तू डर स जिन काँपा। खुस होइ जा अउर आनन्द स भरि जा। यहोवा बहोत महान काम किहेउँ ह।

22ओ मैदान क पसुओ, तू पचे जिन डरा। रेगिस्तान क चरागाहन मँ घास उगइहीं। फल क बृच्छ फल देइ लागिही। अंजीर क बृच्छ सबन्त नीक फल अउर अंगूरे क बेलन भरपूर फसल देइहीं।

23तउ, हे सिय्योन क लोगो, खुस रहा। आपन परमेस्सर यहोवा मँ आनन्द स भरि जा। काहेकि उ तू पचन्क संग भला करी अउर तू पचन्क बर्खा देइ। उ तू पचन्क अगवा क बर्खा देइ। अउर उ तू पचन्क पाछे क भी बर्खा देइ जइसे पहिले देत रहा।

24तोहार पचन्क इ सबइ खरिहान गोहूँ स भरि जइहीं अउर तू पचन्क कुप्पे दाखमधु अउर जइतून क तेल स उफनाइ लागिहीं।

25उ सबइ भिनभिनात भइ टिड्डियन, फुदकत भइ टिड्डियन, बिनास करइवाली टिड्डियन अउ कुतरत भइ टिड्डियन जउन कि तोहार पचन्क चिजियन खाइ गाएन मइँ ही पठए रहेउँ। मुला मइँ यहोवा ओन मुसीबतन क बरिसन क बदला तू पचन्क चुका देब।

26तू पचे भरपूर खाइब्या अउर खाइ क सन्तुट्ठ होइ जाब्या। आपन परमेस्सर यहोवा क नाउँ क तू पचे गुणगान करब्या काहेकि उ तू पचन्क बरे अद्भुत बातन किहेस ह। अब मोर लोग फुन कबहुँ लज्जित न होइहीं।

27तू पचन्क पता लग जाइ कि मइँ इस्राएली लोगन्क साथ हउँ तू पचन्क पता लगि जाइ कि मइँ तोहार सबन्क परमेस्सर यहोवा हउँ।। अउर कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ। मोर लोग फुन कबहुँ लजइहीं नाहीं होइहीं।"

सबहिं लोगन पइ आपन आतिमा उड़ेरइ क यहोवा क प्रतिग्या

28"एकरे पाछे मइँ तू सबन्पइ आपन आतिमा उडेरबउँ। तोहार पचन्क बेटवन-बिटियन भविस्सवाणी करिहीं। तोहार पचन्क बूढ़े सपनन लखिहीं अउर तोहार पचन्क नउजवान दर्सन लखिहीं।

29"उ समइ मइँ आपन आतिमा तोहार दास-दासियन तलक पइ भी उडेरब। 30धरती पइ अउ अकासे मँ जउन घटित होहीं ओकरे बरे मँ मइँ चेतावनी देब्या। हुआँ खून, आगी अउ गहिर धुआँ क स्तम्भ होइ।

31"सूरज अँधियारे मँ बदल जाइ अउर चाँद खून क रंग मँ बदली। तउ फुन यहोवा क दिन जउन कि सचमुच मँ महान अउ भयानक दिन अहइ आइ।

32"तब कउनो भी मनई जउन यहोवा स ओकरे नाउ लइ क प्रार्थना करइ ओका बचा लइ जाइ। काहेकि यहोवा वादा किहेस ह कि सिय्योन क पर्वत पइ अउर यरूसलेम मँ उ सबइ लोग होइहीं जेका बचावा गवा अहइँ। सिरिफ उहइ लोग बचिहीं जेका यहोवा बुलावत ह।

यहूदा क दुस्मनन क यहोवा क जरिये सजा दीन्ह जाइ क बचन

3 "हाँ इ सच अहइ कि मइँ उ समइ, मइँ यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क बंधन स आजाद कराइके वापिस लइ आउबउँ।

2मइँ सबहिं रास्ट्रन यहोसापात क घाटी मँ बटोरब। अउर हुअँइ मइँ ओनका निआब करबउँ। काहेकि ओन रास्ट्रन मोरे इस्राएली लोगन क तितर-बितर कइ दिहे रहा अउर ओनका दूसर रास्ट्रन क बीच रहइ बरे मजबूर किहे रहेन। मइँ ओन रास्ट्रन क सजा देबउँ जउन मोर धरती क बँटवारा कइ दिहे रहेन। 3उ पचे मोर धरती क आपन लोगन क बीच बँटवारा करइ बरे पाँसा लोकाए रहेन। उ पचे लरिकन क बेंचिके ओकरे बदले रण्डी खरीदेन अउर दाखमधु खरीदइ बरे लड़कियन बेंचि डाएन अउर इ दाखमधु पी लिहेन।

4"हे सोर, सीदोन अउर पलिस्तीन क सबहिं प्रदेसो। तू पचे मोरे बरे कउनो महत्व नाहीं राखत्या। का तू पचे मोरे कउनो बुरे करम बरे सजा देत रहत अहा? होइ सकत ह तू पचे इ सोचत अहा कि तू पचे मोका सजा देत रहत अहा मुला हाली ही मइँ तू पचन्क सजा देइवाला अहउँ। 5तू पचे मोर चाँदी, सोना लूट लिहा। मोर बहोतइ कीमती खजानन क लइके तू पचे आपन मन्दिरे मँ धइ दिहा।

6"यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क तू पचे यूनानियन क हाथे बेंच दिहा अउ इ तरह तू पचे ओनका धरती स बहोतइ दूर लइ गया। 7तू पचे मोरे लोगन क सुदूर देस मँ बेच दिहा। मुला मइँ ओनका लउटाइके वापिस लिआउब अउर तू पचे जउन कछू किहा ह, ओकर बरे तू पचन्क सजा देब। 8मइँ यहूदा क लोगन्क लगे तू पचन्क बेटवन-बिटियन क बेच देबउँ। अउर फुन उ पचे ओनका सबाइ लोगन्क बेच देइहीं जउन कि बहोत दूर रहत एहेन" इ सबइ बात होब्या काहेकि यहोवा इ सबइ बातन कहे रहा।

जुद्ध क तइयारी करा

9"लोगन क इ बताइ द्या-जुद्ध क तइयार रहा। सपहसालार लोगन क जगावा, सारे जोधन क नजदीक आइ द्या। ओनका हियाँ आइ द्या।

10आपन हरे क फारन क पीटिके तरवार बनावा अउ आपन हँसुआ क भाला मँ बदल द्या। दुर्बल लोग जरुर कहइ लागइँ कि "मइँ एक ठु सूरबीर हउँ।"

11हे सबहिं रास्ट्र क लोगो, हाली आवा। एक ठु जगह पइ बटुर जा। ये यहोवा, तू भी आपन बरिआर सिपाहियन क लइ आवा। 12हे रासट्र जागा! यहोसापात क घाटी मँ आ जा। मइँ सबहिं रास्ट्रन क जउन कि मोरे धरती क आसपास रहत अहइँ क निआउ करइ बरे बइठिहीं।

13तू पचे आपन संग हँसुआ लइ आवा, काहेकि फसल पक गवा ह। आवा, तू पचे अंगूर रौंदा काहेकि अगूंर क कोल्हू भरा भवा अहइ। घड़न भरि भवा अइहीं अउर बाहेर उफनिहीं काहेकि रास्ट्रन क पाप बहोत बड़का अहइ।

14उ फैसला क घाटी मँ बहोत-बहोत सारे लोग अहइँ काहेकि उ फैसले क घाटी मँ यहोवा क दिन आवइवाला अहइ। 15सूरज चाँद करिया पड़ि जइहीं। तारे चमकब तजि देइहीं। 16परमेस्सर यहोवा सिय्योन स गरजी। उ यरूसलेम स गरजी, अकास अउ धरती काँप-काँप जइहीं मुला आपन लोगन बरे परमेस्सर यहोवा सरण क ठउर होइ। उ इस्राएल क लोगन क सुरच्छा ठउर होइ।

17तब तू पचे जान जाब्या कि मइँ तोहार पचन्क परमेस्सर यहोवा हउँ। मइँ सिय्योन पइ बसत हउँ जउन मोर पवित्तर पर्वत अहइ। यरूसलेम पवित्तर बनि जाइ। फुन पराये लोग कबहुँ भी ओहमाँ स होइके नाहीं जाइ पइहीं।"

यहूदा बरे नई जिन्नगी क वचन

18उ दिन मधुर दाखमधु पहाड़न स टपकी। पहाड़न स दूधे क नदियन बहइहीं अउर यहूदा क सबहिं झुराइ नदियन बहत भए जले स भरि जइहीं। यहोवा क मन्दिर स एक फौआरा फूटी जउन सित्तीम क घाटी क पानी स सींची।

19मिस्र उजाड़ होइ जाइ अउर एदोम एक उजाड़ भुइँया मँ बदल जाइ। काहेकि उ पचे यहूदा क लोगन क संग निर्दयी रहेन। उ पचे ओनके ही देस मँ निरपराध लोगन क जान स मारि रहेन। 20मुला यहूदा मँ लोग हमेसा ही बसा रइहीं अउर यरूसलेम मँ लोग पीढ़ी दर पीढ़ियन तलक रइहीं।

21ओ लोग मरे लोगन क बध किहे रहेन एह बरे निहचय ही मइँ ओन लोगन स बदला लेब। मइँ कसूरवार लोगन क सजा दइ बिना नाहीं जाइ देब! काहेकि सिय्योन यहोवा क निवासे क ठउर अहइ।"

होसे

होसे क जरिये यहोवा परमेस्सर क सन्देस

1 इ यहोवा क उ सन्देस अहइ, जउन बेरी क पूत होसे
क जरिये मिला रहा। इ सन्देस उ समइ आवा रहा जब
यहूदा मँ उज्जियाह, योताम, आहाज अउ हिजकिय्याह क
राज्ज रहा। इ ओन दिनन क बात अहइ जब इस्राएल क
राजा योआस क पूत यारोबाम क समइ रहा।
2होसे बरे इ यहोवा क पहिला सन्देस रहा। यहोवा कहेस,
"जा, अउर एक रण्डी स बियाह कइ ल्या जउन आपन
रण्डीबाजी स संतान रखेस ह। काहेकि इ देस क लोग रण्डी
क तरह बेउहार करत अहइँ। उ पचे यहोवा बरे अबिस्सासी
रहेन ह।"

यिज्रेल क जनम

3तउ होसे दिबलैम क बिटिया गोमेर स बियाह कइ
लिहस। गोमेर गर्भवती भइ अउर उ होसे बरे एक ठु पूत
क जनम दिहस। 4यहोवा होसे स कहेस, "एकर नाउँ यिज्रेल
राखा। काहे? काहेकि मइँ हाली ही यिज्रेल घाटी मँ कीन्ह
गइन हत्या बरे येहू क परिवार क सजा देब फिन एकरे पाछे
इस्राएल क बंस क राज्ज क खतम कइ देबउँ। 5उहइ समइ
यिज्रेल घाटी मँ, मइँ इस्राएल क धनुस क तोड़ देब।"

लोरुहामा क जनम

6एकरे पाछे गोमोर फुन गर्भवती भइ अउर एक ठु कन्या
क जन्म दिहस। यहोवा होसे स कहेस, "इ कन्या क नाउँ
लोरुहामा राखा। काहेकि मइँ अब इस्राएल क लोगन पइ
अउर जियादा दाया नाहीं देंखाउब। मइँ ओनका छिमा नाहीं
करब। 7मुला मइँ तउ यहोवा क राज्ज पइ दाया देंखाउब। मइँ
यहूदा क लोगन क रच्छा करब। मुला ओकरी रच्छा बरे
मइँ न तउ धनुस अउर तरवार क प्रयोग करब अउर न ही
जुद्ध क घोड़न अउर फउजियन क। मइँ, यहोवा, खुद
आपन सक्ती स ओनका बचाउब।"

लोअम्मी क जनम

8गोमेर अबहीं लोरुहामा क दूध पिआउब तजे ही रही कि
उ फुन गर्भवती होइ गइ। तउ उ एक ठु पूत क जनम
दिहस। 9एकरे पाछे यहोवा कहेस, "एकर नाउँ लोअम्मी धरा।
काहेकि तू पचे मोर प्रजा नाहीं अहा अउर मइँ तोहार
परमेस्सर नाहीं अहउँ।"

परमेस्सर यहोवा क बचनः इस्राएली बेंगिनती क होइहीं

10"तउ पइ भी, भविस्स मँ, इस्राएल मँ अनगिनत लोग
होइहीं जइसा सागरे क रेत क कन जउन न तउ नापी जाइ
सकत ह अउर न ही जेकर गनती कीन्ह जाइ सकत ह।
अउर उहइ जगह पइ जहाँ ओनसे इ कहा ग रहा, 'तू पचे
मोर लोग नाहीं अहा।' उ पचन्क कहा जाईहीं, 'तू पचे
जिअत परमेस्सर क संतान अहा।'
11"तउ फुन यहूदा अउ इस्राएल क लोग एक संग
ऍकट्ठा होइ जइहीं। उ पचे आपन खातिर एक सासक क
चुनाव करिहीं अउर ओकरे लगे आपन पहँटा होइहीं। यिज्रेल
क दिन असल मँ एक महान दिन होइ।"

2 "आपन भाइयन स कहा: 'हम पचे एक ही लोग अहइ
(अम्मी) अउर आपन बहिनियन क कहा, 'यहोवा हम
पचन पइ दयालु(रूहामा) अहइ।'"

इस्राएल क जाति स यहोवा क कहब

2"आपन महतारी क खिलाफ एक सिकायत करा, काहेकि
उ मोर पत्नी नाहीं अहइ अउर न ही मइँ ओकर भतार
अहउँ। ओका अदालत मँ लइ जा, तउ उ रण्डी जइसा
बेउहार करइ छोड़ देइ अउर ओकरे प्रेमियन क ओकरे
छातियन क बीच स दूर हटाइ देइ। 3अगर उ आपन इ
रण्डीबाजी क छोड़इ स इन्कार करी, तउ मइँ ओका
एकदम्मइ नंगा कइ देब। मइँ ओका वइसा ही प्रदर्सित करब
जइसा उ पइदा भएका दिना रहेन। मइँ ओका सूखा रेगिस्तान
क जइसा बनाब अउर मइँ ओका पिआसा मार देब। 4मइँ
ओकरी संतानन पइ कउनो दाया नाहीं देंखाउब काहेकि उ
पचे रण्डीबाजी क संतान होइहीं। 5ओनकर महतारी रण्डी क
नाईं आचरण किहस ह। उ जउन ओनका गरभधारन किहेस
ह मोर बरे लज्जा लिआएस, काहेकि उ कहेस, 'मइँ आपन
प्रेमियन क संग चलब जउन मोका उ सबइ चिजियन देब
जेकर मोका जरूर अहइँ। उ पचे मोका रोटी, पानी, ऊन,
अउर सन, तेल अउ दाखरस देत हीं।'
6"एह बरे, मइँ तोहार रास्ता काँटन स बन्द करब! मइँ
ओकरे रास्ता क रोकइ बरे एक ठु देवार खड़ी करब, जेहसे
उ आपन रस्ता ही नाहीं पाइ सकिहीं। 7जदपि उ आपन
प्रेमियन क पाछे भागिहीं, लेकिन उ ओन तक नाहीं पहोंच
सकिहीं। जदपि उ ओनका हेरिहीं, लेकिन उ ओनका नाहीं
पाइ सकिहीं। फुन उ कहिहीं, 'मइँ आपन पहिले क भतार
क लगे लौटि जाब काहेकि मोर पहिले क जिन्नगी मोजूदा
जिन्नगी स बहोत अच्छा रहेन।'
8"किन्तु उ नाहीं जानत रही कि उ मइँ ही रहा जउन
ओका अन्न, दाखरस अउ तेल देत रहेउँ। मइँ ओका बहोत
सारा चाँदी अउ सोना देत रहत रहेउँ, किन्तु ओकर प्रयोग
बाल क मूर्तियन बनावइ मँ किहन। 9एह बरे मइँ वापस
आउब अउर आपन अनाज क उ समइ लइ लेब जब उ

काटइ बरे तइयार होइ अउर मइँ आपन दाखरस क काटइ क मोसम मँ लेब। अउर मइँ आपन ऊन अउ सन क ओढ़ना क भी वापस लइ लेब जेका मइँ ओकरे नंगेपन क ढकि बरे दिहे रहेन। 10अब मइँ ओका बेवस्त्र कइके नंगा कइ देब ताकि ओकर सबहिं पिरेमी ओका देखि सकइँ। कउनो भी मनई ओका मोर सक्ती स बचाइ नाहीं पाई। 11मइँ ओहसे ओकर सारी हँसी खुसी छीन लेब। मइँ ओकर सालाना उत्सवन, नवा चाँद क दावतन अउ हफ्ता क साबित क उत्सवन क खतम मँ लइ आउब। मइँ ओकर सबहिं खास दावतन क रोक देब। 12मइँ ओकर सबइ अंगूर क बेल अउर अंजीर क बृच्छन क भी नस्ट कइ देब। उ कहे रहेस, 'इ सबइ चिजियन मोर पिरेमी लोगन मोका दिहे रहेन।' मुला अब मइँ ओकरे बगियन क रेगिस्तान बदल देब। ओन बृच्छन स जंगली जानवर आइके आपन भूख मिटावा करिहीं।

13"उ बाल क सेवा किया करत रही, एह बरे मइँ ओका दण्ड देब। उ बाल देवतन क अगवा धूप बारत रही। उ गहनन स सजत अउर नथुनी पहिरा करत रही। फिन उ आपन पिरेमियन क लगे जात रही अउ मोका बिसर जात रही।" इ उ अहइ जउन यहोवा कहे रहा।

14"एह बरे, मइँ ओका लुभावइ बरे जात हउँ। मइँ ओका रेगिस्तान मँ लइ जाब अउर मइँ खुद ओह पइ जीतब। 15मइँ ओन रेगिस्तान मँ ओकरे बरे अंगूरे क बगियन बनाउब। मइँ आकोर क घाटी क आसा क दुआर बनाइ देब। फुन उ मोका उहइ तरह उत्तर देइ जइसे उ समइ दिया करत रही जब उ जवान रही अउर जब मइँ ओका मिस्र स बाहेर लिआए रहेस।" 16यहोवा कहत ह:

"उ अवसर पइ, तू मोका 'मोर भतार' कहिके पुकरब्या। तब तू जियादा समइ तलक मोका 'मोर सुआमी' नाहीं कहबू।* 17मइँ बाल देवतन क नामन क ओकरे मुँह पइसे दूर हटाइ देब। फुन एक भी मनई बाल देवतन क नाउँ नाहीं लिया करिहीं।

18"फुन, मइँ इस्राएल क लोगन बरे जंगल क जनावरन, आकासे क पंछियन, अउर धरती पइ रेंगइवालन प्राणियन क संग एक वाचा करब। मइँ धनुस, तलवार अउर जुद्ध क अस्त्रन क तोड़ फेंकब। कउनो अस्त्र-सस्त्र उ भुइँया पइ नाहीं बचि रहइँ। मइँ उ भुइँया क सुरच्छित बनाइ देब जेहसे इस्राएल क लोग सान्ति क संग विस्राम कइ सकिहीं। 19मइँ तोहका सदा-सदा बरे आपन दुलहिन क रूप मँ लइ लेब। मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि तोहका नेकी, खरेपन, पिरेम अउर दयालुता क संग आपन दुलहिन बनाइ लेब। 20मइँ तोहका आपन बिस्सासी दुलहिन बनाइ लेब अउर मइँ तोहार बिस्सासी होइ बरे प्रतिग्या करब। तब तू सचमुच यहोवा क जान जाबू।" 21यहोवा कहत ह, "उ दिना मइँ आकास क उत्तर देब अउर आकास धरती क उत्तर देब्या।"

22धरती अन्न, नवा दाखरस अउर उत्तिम तेल स उत्तर देइहीं। उ पचे यिज्रेल क उत्तर देइहीं।

23मइँ भूइँया मँ इस्राएल क आपन बरे लगाउब। मइँ लोरुहामा पइ दाया देखॉउब: मइँ लोअम्मी स कहब, 'तू मोर प्रजा अहा।' अउर उ पचे मोहसे कहिहीं, 'तू हमार परमेस्सर अहा।'"

होसे क गोमेर क गुलामी स छोड़ाउब

3 तउ यहोवा मोसे कहेस: "फुन जा अउर उ बिभिचारी मेहरारू स पिरेम कर जउन कउनो दूसर क प्रेमी अहइ। ठीक इसी तरह यहोवा इस्राएलियन क परिम करत ह भले ही उ पचे दूसर देवतन क तरफ मुरत हीं अउर किसमिस देइ पसंद करत हीं।"

2यह बरे मइँ ओका पन्द्रह चाँदी क सिक्कन अउर तीन सौ किलोग्राम जौ देइके खरीद लिहेस ह। 3तउ मइँ ओसे कहा: "तोहका मोरे संग बहोत अधिक समइ तलक रहइ चाही। तोहका कउनो रण्डी जइसा हरकत नाहीं करइ चाही अउर कउनो दूसर मनइ क संग नाहीं रहइ चाही। मइँ अकेल्ला ही तोहार भतार होब।" 4इहइ तरह, इस्राएल क लोग बहोत दिनन तलक बिना कउनो राजा या मुखिया क रइहीं। उ पचे बिना कउनो बलिदान क रहिहीं अउर उ पचे कउनो पाथर क खम्भा खड़ा नाहीं करिहीं। उ पचे भविस्सवाणी करइ बरे कउनो एपोद क प्रयोग नाहीं करिहीं अउर ओनकर लगे कउनो गृह देवता भी नाहीं होइहीं। 5एकरे बाद इस्राएल क लोग वापस लउटि अइहीं अउ यहोवा आपन परमेस्सर क खोजिहीं अउर आपन राजा जउन राजा दाऊद क परिवार समूह स आएस, खोज करिहीं। भविस्य मँ, उ पचे आपन आपका यहोवा समर्पित करिहीं अउर ओकरे आसीर्बादन क लेइहीं।

इस्राएल पइ यहोवा क किरोध

4 हे इस्राएल क लोगो, यहोवा क सँदेस क सुना। यहोवा इ देस मँ रहइवालन क अदालत लइ जात हीं काहेकि उ पचे परमेस्सर संग कीन्ह भवा करार क प्रति विस्सासी अउ वफ़ादार नाहीं रहेस ह। वास्तव मँ इ देस क लोगन परमेस्सर क जानतेन ही नाहीं। 2उ पचे सराप, झूठ, चोरी, बिभिचारी, अहिंसा अउर रक्तपात मँ मसगूल अहइँ। 3परिणाम, भुइँया विलाप करब्या, अउर एकरे सबहिं निवासियन नस्ट कीन्ह जाब्या। जंगल क जनावरन, आकास क पंछियन अउर सागर क मछरियन तलक भी नस्ट कीन्ह जाब्या।

पापी याजकता क खिलाफ यहोवा क बिरोध

4मइँ कउनो दूसर पइ आरोप जिन लगावत हउँ! हे याजकन, मइँ इ सबइ बातन बरे तोह पइ आरोप लगात हउँ। इहइ कारण मोर मुकद्दमा तोहार खिलाफ अहइ।*

मोर भतार ... मोर सुआमी इस्राएल क मेहररुअन इ दुइ सब्द क प्रयोग आमतौर स आपन भतार बरे किहे रहेन। हिब्रू भाखा मँ सब्द "सुआमी" बरे "बाल" सब्द रहा। बाल कनानियन क देवता भी रहा। होसे हिआँ बाल सब्द क प्रयोग इस्राएलियन क सरापइ बरे किहेस ह जउन बाल देवता क पूजा किहे रहेन।

इहइ ... अहइ साब्दिक अरथ "कउनो क भी न इलज़ाम लगाइ द्या। अउर न ही फटकाराइ द्या। तू ओन लोगन क नाईं अहा जउन याजकन पइ इलज़ाम लगावत ह।" इ पद समुझइ बरे बहोत ही कठिन अहइ।

5हे याजकन, तू दिना मँ ठोकर खाउब्या, किन्तू तू अउर नबी दुइनउँ रात क समइ मँ ठोकर खाउब्या। तू आपन लोगन क ही बर्बाद कइ दिहेस ह।*

6“मोर प्रजा क बिनास भवा काहेकि ओन लोग मोका यहोवा क रूप मँ स्वीकार नाहीं किहेस, कारण याजक मोका स्वीकार करइ स इन्कार किहेस। यह बरे मइँ तोहका आपन याजक क रूप मँ स्वीकार नाहीं करब। तू आपन परमेस्सर क बिसरि दिहा ह एह बरे मइँ तोहरी संतानन क बिसरि जाब। 7उ पचे मोर खिलाफ जेतँना पाप किहेस ओतँना ही घमण्डी होइ गएन। यह बरे मइँ ओनकर महिमा क लज्जा मँ बदल देब।

8“याजक क रूप मँ, उ पचन्क लोगन क पाप भेंटन क खाएस ह। उ पचे चाहेस कि लोग जियादा स जियादा पाप करी। 9याजकन अउर लोगन क संग एक ही तरह क बेउहार कीन्ह जाब्या। मइँ ओनका ओकरे पाप क कारण सजा देबउँ। मइँ ओनसे ओनकर बुरे करमन क बदला लेबउँ। 10उ पचे खइहीं मुला उ पचे संतुट्ठ न होइ। उ पचे रण्डीबाजी करिहीं, मुला ओनकइ आबादी न बढ़िहीं। काहेकि उ पचे यहोवा क तजेन ह, अउर उ पचे अबिस्सासी होइके आपन क दूसर देवतन क समर्पित कइ दिहेस ह।

11“नई दाखरस अउर पूराना दाखरस ओन लोगन स ओनकर तर्क-सक्ती क लइ लेत ह। 12मोर लोग काठे क मूरती स राय माँगत हीं। ओकर बिस्सास अहइँ कि जादूई छड़ी ओकरे भविस्य क बारे मँ बताई सकत ह। ओन देवतन क संग ओकरे बिभिचारी ओनका भटकइ दिहस ह। उ पचे रण्डी क रहइ बरे उ पचे आपन परमेस्सर क तजि दिहेन। 13उ पचे पहाड़न क चोटियन पइ बलि चढ़वत ह। उ पचे बलूत, चिनार अउ दूसर लम्बा बृच्छन क तरे धूप बारत ह। ओन बृच्छन क तरखाले क छाया नीक देखॉत रही। एह बरे तोहार बिटियन ओन बृच्छन क तरे खूद रण्डीबाजी करइ बरे सोअत ह अउर तोहार बहुअन हुआँ पापे स भरा यौनाचार करत हीं।

14“मइँ तोहार बिटियन अउ बहुअन क एह बरे सज़ा नाहीं देब कि उ पचे रण्डी क जइसा रहइ के बिभिचारी क काम किहेन ह। काहेकि मनइयन खुद ही रण्डियन क संग यौन सम्बंध बनाएस ह अउर मंदिर क रण्डियन दुआरा बलि चढ़ावत हीं। यह बरे इ कहावत सच अहइ: उ रास्ट्र जउन समझ नाहीं राखत ह ओका बर्बाद कइ दीन्ह जाब्या।

इस्राएल क लज्जा स भरा भवा पाप

15“हे इस्राएल, तउ प भी तू एक ठु रण्डी क नाईं रहत अहा, मोका आसा अहइ कि यहूदा कसूरवार भि नाहीं होइ। यहूदा, तू गिलगाल मँ दाखिल जिन भवा अउर बेतावेन तलक जिन जा। यहोवा क नाउँ पइ किरिया जिन खा इ जिन कहा: ‘यहोवा क जिन्नगी क किरिया, मइँ प्रतिग्या करत हउँ।’ 16इस्राएल एक ठु जवान हट्टी गाय क नाईं बिद्रोह किहेन ह। हाली ही यहोवा ओनका चरागाह मँ गरेड़िया क नाईं लेइ जाइहीं आपन मेमना क बिसाल घास क मइदान मँ चरइ देत ह। 17एप्रैम भी ओकर मूरतियन मँ ओकर संगी बन गवा। तउ ओका अकेल्ले तजि द्या।

18“जब उ पचे दाखरस पिअइ खतम कइ देब, उ पचे आपन रण्डीपन क प्रथा जारी राखब; उ पचे आपन लज्जावाला कामन स बहोत खुस होब। 19एक बवण्डर इस्राएल क आपन पाखन मँ उड़ाइ लेइ जाब, अउर ओका लेइ जाब काहेकि उ मूर्तियन क भेंट किहेस ह।”

मुखिया लोग इस्राएल अउ यहूदा स पाप करवाएन

5 “याजकन, सुना! इस्राएल क परिवार, धियान दे! साही परिवार, सुना!

“जदपि तू पचे अइसा लुकान रहा जइसा कि मिसपा क फंदा मँ अहा अउर तू पचे ताबोर क धरती पइ फइलावा गवा फँदन क तरह अहा, मइँ तू सबइ क खिलाफ निआव करब। 2मइँ तू सबन क सजा देबउँ जदपि तू पचे सित्तम क गहरा खाई क नाईं होइ। 3एप्रैम, मइँ जानत हउँ तू का करत ह। इस्राएल, तू मोसे छिपा भवा नाहीं बा। एप्रैम लखा, इस्राएल अपवित्तर अहइ काहेकि उ रण्डी क नाईं हरकत करत आवत ह। 4इस्राएल इ सबइ कुकरम कइके आपन क परमेस्सर क लगे लउटइ स रोकत अहइँ। उ पचे मूरती पूजा करइ क मज़बूत इच्छा रखत ह* उ पचे यहोवा क नाहीं जनतेन। 5जउन बातन इस्राएल क गोरव बनावत रही उ ही ओकरे बरे लज्जा लाइहीं। इस्राएल आपन अपराध क कारण ठोकर खावत ह। यहूदा भी ओकरे संग ठोकर खावत ह।

6“इस्राएल क लोग ‘भेड़िन’ अउर ‘गइयन’ क साथ लइके यहोवा क बलि चढ़ावइ बरे हेरइ बरे निकरि। मुला उ पचे ओका नाहीं पाइ सकिहीं। तउ जान जाइहीं कि उ ओनसे दूर चला गवा अहइँ। 7यहोवा ओन पइ बिस्सास किहेन, मुला उ पचे ओकर संग धोखा किहेस। लखा, उ पचे अवैध गदेलन क जन्म दिहेस ह। हाली ही यहोवा ओनकर समुचइ फसलन क एक ठु महीना मँ ही दुस्मन क जरिये खतम करइ देब्या।”

इस्राएल क बिनास क भविस्सबाणी

8“गिबाह मँ नरसिंगहा बजावा; रामा मँ तू तुरही बजावा। बेतावेन मँ जोरदार आवाज़ करा। हे बिन्यामीन, लखा!

9जब सज़ा क समइ आइ, एप्रैम पूरी तरह स बर्बाद कीन्ह जाब्या। तू निहचय होइ सकत ह कि मइँ इस्राएल क कबीला क बीच स जउन बोलत हउँ इ फुरइ अहइ।

10यहूदा क मुखिया उ मनई क तरह होइ जउन दूसर लोगन क भइँया क लेइ बरे चउहद्दी क निसान क पाथरन खिसकावत ह। तउ मइँ ओह पइ आपन किरोध पानी क तरह उण्डेलब।

11एप्रैम क सजा दीन्ह जाइ, ओका कुचरि दीन्ह अउ मसरि दीन्ह जाइ जइसे अंगूरे क पीस दीन्ह जात ह। काहेकि उ निकम्मा क अनुसरण करइ क निहचइ किहेस ह।

तू … दिहस ह मइँ तोहार महतारी क बर्बाद कइ दिहस ह।

उ पचे … रखत ह साब्दिक अरथ ओनमा रण्डीबाजी क आतिमा अहइ।

12मइँ एप्रैम क अइसे नस्ट करब जइसे कउनो घुन कउनो काठे क नस्ट करत ह। अउर मइँ यहूदा क वइसे नस्ट करब जइसे जंग कउनो धातू क नस्ट करत ह।

13एप्रैम जान लिहेस कि उ रोगग्रस्त अहइ; यहूदा आपन घाव लखेस। एप्रैम अउर यहूदा अस्सूर क "महान रजा" क लगे मदद बरे गएन। किन्तु महान राजा तोहार रोग क नीक करइ मँ या तोहार घाव भरि मँ असमर्थ रहेन।

14मइँ एप्रैम बरे एक सेर क नाईं होब। मइँ यहूदा क संग एक जवान सेर क नाईं हरकत करब। मइँ ओनका टुका मँ चीड़ देब अउर ओनका दूर लइ जाब। कउनो भी ओनका मोसा बचाइ नाहीं पाइ।

15फुन मइँ आपन जगह रहइ बरे लउट जाब जब तलक कि उ पचे आपन कसूर स्वीकार न करइ लेइ अउर मोका हेरत भए न आ जाइ। जब उ पचे विपदन मँ होइ, उ पचे मोका, मोह स मदद लेइ बरे हेरइहीं।"

यहोवा कइँती लउटि आवइ क प्रतिफल

6 "आवा, हम यहोवा कइँती लउटि आइ। जदपि उ हमका टुका मँ चीड़ दिहेस ह, किन्तु उ हमका चंगा करी। जिस तरह उ हमका चोट किहेस, उहइ तरह उ हमार घावन पइ मरहम भी लगाई।

2दुइ दिना मँ उ हमार जिन्नगी वापिस देइ सकत ह। तीसरे दिन उ हमका आपन गोड़ मँ खड़ा करी, तउ हम ओकर मोजूदगी मँ रहब।

3आवा, ओका परमेस्सर क रूप मँ स्वीकार करा; आवा, उ सबइ करी जेसे हम यहोवा स्वीकार कइ सकत हीं। ओकर आवइ ओतॅना ही निहचइ ह जेतॅना कि भोर क आवइ। ओकर आवइ ओतना ही निहचय अहा जेतॅना क जाड़ा क बोछार। अवस्य ही उ वइसे ही आई जइसे कि बसंत क बर्खा आवति अहइ जउन धरती क सींच देत ह।"

लोग सच्चा नाहीं अहइँ

4"हे एप्रैम, तोहार संग मोका का करइ चाही? हे यहूदा, तोहरे संग मोका का करइ चाही? तोहार पिरेम एँतना तेजी स गुजर गएन जइसा भिंसारे क कोहरा अउर भिंसारे क ओस तेजी स खत्म होइ जात ह।

5मइँ नबियन क प्रयोग किहेउँ अउर मनइयन बरे नेम बनाइ दिहेउँ। मोरे आदेस पइ मनइयन क कतल कीन्ह गवा मुला इ सबइ फइसलन स भली बातन पइदा होइहीं।

6मोका विस्सासी पिरेम खुस करइ सकत ह, बलियन नाहीं जब लोग मोका परमेस्सर क रूप मँ जानत ह तउ इ मोका होमबलि स जियादा आनन्दित करत ह।

7उ जगह पइ जउन आदम कहलावत अहइ उ पचे करार तोड़ दिहस। उ भुइँया मँ उ पचे मोरे बरे अबिस्सासी रहेन।

8गिलाद ओन लोगन क नगरी अहइ जउन पाप किया करत हीं। हुआँ क लोग चालबाज अहइँ अउर उ पचे अउरन क हत्या करत हीं।

9याजक लोग भयानक अपराध किहेन। डाकूअन क दल जइसा कउने पइ हमला करइ बरे घात मँ छुपा रहत हीं। लटेरन क जइसा उ पचे सकेम लोगन क राहे पइ हत्या किहेन।

10मइँ इस्राएल क मन्दिर मँ घृणित बात क लखेउँ ह। उहइ जगह पइ एप्रैम रण्डीबाजी किहेन अउर इस्राएल आपन क अपवित्तर किहेस।

11हे यहूदा, तोहार बरे भी फइसला क एक दिन तय कीन्ह ग अहइ।"

पमेस्सर इस्राएल क सज़ा नाहीं देइ अगर उ पस्चाताप करत ह

7 "जब मइँ आपन लोगन क सज़ा देइ बन्द करब अउर जब मइँ ओनका बन्दी स वापिस लिआउब अउर इस्राएल क चंगा करब। तब लोग एप्रैम क पाप जान लेइहीं। अउर हरकोइ सोमरोन मँ लोगन क कीन्ह भवा बुरा कामन क बारे मँ जानइ लेइहीं: उ पचे लबार देवतन बनाएन, चोरन घरे मँ घुसेन, लुटेरन क दल गलियन मँ लोगन क लुटेन।

2उ पचे इ नाहीं जान पावत ह कि मइँ ओनकर बुरा कामन क याद रखत हउँ। ओका बिस्सास नाहीं करत ह कि हर एक चीज जउन उ किहेस मइँ ओका साफ-साफ लखेत हउँ।

3उ पचे आपन कुकरमन स आपन राजा क खुस करत हीं। ओकर लबार ओकरे मुखियन क खुस करत हीं।

4रोटी पकावइवाला रोटी बरे आटा मढ़त ह। मुला उ आगी क तब तलक नाहीं दहकावत जब तक कि गोंधा भवा आटा फूल न जाइ। मुला इस्राएल क लोग उ रोटी पकावइवाला क नाईं नाहीं अहइ, उ पचे आपन उमंग हर समइ दहकावत ह।

5ओकरे राजा क उत्सव क दिन मँ, राजकुमार दाखरस पिअइ सुरु कइ दिहेस। राजा ओन लोगन क संग समझौता करत ह जउन ओकरे संग हँसी-मजाक करत हीं।

6उ पचे ओकरे लगे आवत ह। उ पचे ओनकर खिलाफ खुफिया साज़ि रचत ह। अउर उ तंदूर क नाईं दहकत रहत हीं। सारी रात ओकर गुस्सा धीरे-धीरे पाकत ह, अउर भिंसार होत होत उ भभकत भवा आगी क नाईं तेज होइ जात ह।

7उ पचे मूँड़ भभकत भए तन्दूर क जइसा अहइँ; उ पचे आपन ही मुखियन क नस्ट कइ दिहेन ह। ओनकर सबइ राजा लोगन्क पतन एक ही तरह स भवा रहा, मुला ओनमाँ स कउनो भी परमेस्सर क मदद बरे कोहाइ क जतन नाहीं किहे रहेन।"

इस्राएल आपन नास स बेखबर

8"एप्रैम दूसर जातियन क संग घुल-मिल गएन, मुला इ अइसा होइ जइसा कि रोटी सिरिफ एक ही तरफ स सेंका गवा ह।

9बिदेसयन एप्रैम क ताकत निगल गएस ह, किन्तु उ ओका नाहीं जान पाए। ओकरे बार भी सफेद होइ लाग, किन्तु ओका एकर पता नाहीं चला।

10इस्राएल क आपन क घमंड ही ओह पइ इलज़ाम लगावत ह, लेकिन फिर भी उ यहोवा आपन परमेस्सर क

लगे नाहीं लउट ह। जदपि इ सबइ बात घटिहीं, तउ प भी
उ यहोवा क नाहीं खोजिहीं।
11एप्रैम उ भोला कबूतरे क नाईं बन गवा अहइ जेकरे
लगे कछू भी समुझ नाहीं होत ह। लोग मिस्र स मदद
माँगेन अउर लोग अस्सूर क सरण मँ गएन।
12जहाँ कहूँ भी उ जाई, मइँ ओका आपन जाले मँ
फँसाउब अउर मइँ ओनका अइसे खाले हींच लेबउँ जइसे
अकासे क पंछी हींच लीन्ह जात हीं।
13ओह प हाय, काहेकि कि उ पचे मोका तजि दिहेस ह।
उ पचे नस्ट होइ काहेकि उ मोर खिलाफ बिद्रोह किहेन ह।
मोका ओनका बचाइ बरे कछू धन दीन्ह जाइ चाही रही
अउर ओकर धियान दीन्ह जाइ चाहत रही, मुला उ पचे मोर
बरे झूठ बोलत हीं।
14उ पचे पराथना मँ कबहुँ मोका पूरा हिरदइ स नाहीं
गोहॅरान। उ पचे आपन बिछउना मँ अनाज अउर दाखरस बरे
गोहॅरावत हीं, अउर उ पचे दूसर देवतन बरे रीतियन क पूरा
करत ह तउ आपन सरीर क घायल करत ह। उ पचे अपने
पीठियन क मोर कइँती मोड़ दिहेस हीं।
15मइँ ओनका अनुसासन दिहे रहेउँ ह अउर ओनकर
भुजा बलवान बनाए रहेउँ ह, मुला उ पचे मोरे विरोध मँ बुरा
सड्यंत्र रचेन।
16उ पचे पूजा बरे झूठे देवन कइँती मुड़ा भवा धनुस क
नाईं जउन फेंकइ क पस्चात वापस अवत हीं, क तरह मुड़
गएन ह। ओनकर मुखिया लोग आपन ही सक्ती क सेखी
बघारत रहेन, मुला ओनका एक तरवार मउत क घाट उतारा
जाइ। मिस्र मँ हर कोइ ओन पइ हँसिहीं।

मूरति पूजा स इस्राएल क विनास

8 "तुरही क आपन होंठन लगावा। यहोवा क भवन क
ऊपर गिद्ध जइसा बनि जा,* काहेकि उ पचे मोर
करार क तोड़ दिहन जउन ओकरे संग किहे रहेन। उ पचे
मोर नेमन क खिलाफ अपराध किहेन ह। 2उ पचे गोहरावत,
'हे इस्राएल क परमेस्सर, मइँ तोहका जानत हउँ।' 3मुला
इस्राएल हाय! उ भली बातन क नकार दिहस। इहइ स
दुस्मन ओकरे पाछे पड़ि गवा ह। 4उ पचे बिना मोसा
समपर्क किए भए आपन राजा चुनेन। मइँ उ मुखियन क
अनुमोदन नाहीं किहा जेका उ पचे चुने रहा। ओकर मुखियन
ओकरे बरे सोना अउ चाँदी स मूरतियन बनाए रहेन। एह बरे
उ पचे नास कीन्ह जाब। 5हे सोमरोन, तोहरे बछवा-मूरती
मोर बरे घृणित अहइ। मइँ एकर कारण बहोतइ कोहाइ हउँ।
तू पचन्क एकरे कारण केतॅना देरी तलक इ पाप क दोखी
रहब? 6बछवा-मूरती इस्राएल क एक कारीगर दुआर बना ग
रहेन अउर इ परमेस्सर नाहीं, एह बरे सोमरोन क बछवा-मूरती
क टूकन-टूकन मँ तोर दीन्ह जाइ। 7उ पचे बोइहीं जब हवा
बहत हीं, अउर उ पचे काहिहीं जब चक्रवात चलिहीं। खेतन
अनाज उगाइ मँ असमर्थ होइ। एह बरे हुवाँ खाइ बरे रोटी
नाहीं होइ। अगर भुइँया थोड़ बहोत अनाज उग भी तउ
ओका दुस्मन आइ अउर निगल जाइहीं।

तुरही क … बनि यहोवा क भवन क उपर रच्छक जइसा
बनि जा।

8इस्राएल क रास्ट्रन क जरिये निगल लीन्ह गवा ह।
ऍकर लोग एक ठु अइसा बेकार क पात्र क नाईं अहइ
जउन बाहेर फेंक दीन्ह ग अहइ। रास्ट्रन क बीच स छितराइ
दीन्ह गवा अहइ।
9इस्राएल अस्सूर जाइ बरे अइसा बल देत ह जइसे
कउनो जंगली गदहा स्वंय ही भटकत फिरत ह। एप्रैम
जातियन क बीच रण्डी क धन दिहेन।
10काहेकि इस्राएल जातियन क बीच रण्डी क धन दिहेन,
अब मइँ सबन क आपुस मँ कछू समइ बरे अस्सूर सम्राज
क मातेहत ओकरे अत्याचार क झेलइ बरे बटोरब।"

इस्राएल क परमेस्सर क बिसरब अउ मूरतियन क पूजब

11"जदपि पाप स छुकारा बरे एप्रैम जियादा स जियादा
वेदियन क बनाए रहा, मुला उ पचे इ वेदियन क प्रयोग
जियादा पाप करइ बरे करिहीं।
12जदपि मइँ एप्रैम क बहोत साफ-साफ नेमन लिख दिहे
रहेउँ, तउ भी इ ओकरे बरे बिचित्र लागत ह।
13उ पचे ओसे बलि भेंट किहेन जउन मइँ ओनका दिहे
रहा। उ पचे बलि भेंट किहेन अउर ओका खाएन जउन उ
बलि दिहे रहेन। यहोवा इ लोगन स खुस नाहीं अहइ। उ
पचे ओकरे पापन क याद राखब, एह बरे उ ओका सज़ा
देइहीं। ओनका बन्दी क रूप मँ मिस्र लइ जावा जाइ।
14इस्राएल आपन निर्माता क बिसरि गवा। इस्राएल
जियादा स जियादा महल क बनाइहीं जब यहूदा गढ़वाले
अनेक नगर बनाएन। एह बरे मइँ यहूदा क नगरी मँ ओकर
महलन क बर्बाद करइ बरे ओकर खिफाल आगी पठउब।"

देस स निकारे भए क दुःख

9 हे इस्राएल, दूसर जातियन क तरह बहोत जियादा
उत्सव पसन्द जिन करा। काहेकि तू मोर प्रति
अविस्सासी होइ गवा ह अउर तू आपन परमेस्सर क दूर
खड़ा होइ गवा ह। तू पचे लबार देवतन क वाचा क हर
खरिहाने क धरती पइ पूरा करइ चाहत ह। 2मुला ओन
खरिहानन स मिला भवा अनाज इस्राएल क पर्याप्त भोजन
नाहीं दइ पाइ। इस्राएल बरे पर्याप्त दाखरस भी नाहीं रही।
3इस्राएल क लोग यहोवा क धरती पइ नाहीं रहि पइहीं।
एप्रैम मिस्र क लउटि जाइ। अस्सूर मँ ओनका वइसा खइया
क खाइ पड़ी जइसा ओनका नाहीं खाइ चाही। 4उ पचे यहोवा
बरे अउर दाखरस क चढ़ावा नाहीं चढ़इहीं। ओनकर बलियन
ओका खुस नाहीं करब, उ पचे दाह-संस्कार क रोटी क
नाईं होइहीं जउन एका खइहीं अपवित्तर होइ जइहीं। ओनकर
रोटी सिरिफ ओकर भूख मिटाहीं, मुला यहोवा क मन्दिर मँ
बलि नाहीं होइहीं। 5नियत पर्व क दिन अउर यहोवा क
उत्सव क दिन तू पचे का करिहीं?
6इस्राएल क लोग पूरी तरह स नस्ट होइ क डरे स
अस्सूर क ग रहेन मुला मिस्र ओनका बटोरि क लइ लेइ।
मोप क लोग ओनका गाड़ देइहीं। चाँदी स भरे ओनके
खजानन पइ खरपतवार उगि आइ। ओनकर डेरन मँ, कॉटेदार
झाड़ी उगि अइहीं।

7निआव क दिन आइ गवा! सज़ा क दिन आइ गवा! इस्राएल क एका जरूर जानइ चाही!

इस्राएल सच्चे नबियन क नकारेस

मुला उ पचे सोचत हीं कि नबी मूरख अहइ अउर आतिमा स प्रेरित जन पागल अहइ। तू आपन बहोत सारे पापन क कारण अउर काहेकि तू नबी क संदेस स घिना करत ह तू अइसा सोचत ह।

8नबी क कारज परमेस्सर बरे अइसा ही अहइ जइसा कउनो पहरेदार एप्रैम बरे पहरेदारी करत ह। मुला रस्ता अनेक फँदन स भरा भवा अहइ, काहेकि परमेस्सर क लोग तउ प भी हम स घिना करत हीं।

9उ पचे बहोत भरस्ट होइ गवा ह, ठीक वइसा ही जइसा गिबा क दिनन मँ होत रहेन। बहरहाल यहोवा ओनकर अपराध क याद रखत ह अउर ओनकर पाप क सज़ा देत ह।

मूरति पूजा क कारण इस्राएल क विनास

10जब मइँ इस्राएल क पाएस, मइँ यहोवा बहोत खुस भाव जइसा कउनो मनई रेगिस्ताने मँ अंगूर पाएस ह। जब मइँ तोहार पुरुखन क लेखस, मइँ महसूस किह्या कि जइसा कि ऋतु क सुरुआत मँ अंजीर क बृच्छ पइ कउनो क अंजीर क पहिले फल मिलत हीं। मुला उ पचे तउ बाल-पेऑर* क लगे चला गएन अउर बाल देवतन क भक्त होइ गएन। उ पचे घृणित देवतन क जइसा होइ गएन जेका उ पिरेम करत रहेन।

इस्राएलियन क बंस नाहीं बाढ़ी

11एप्रैम क महिमा एक चिड़िया क नाईं उड़त हीं। उ पचे एकर पाछे न कउनो गरभ धारण करी, या न गरभवती होइ, या न कउनो गदेलन जन्म देइहीं।

12मुला भले ही इस्राएली आपन गदेलन पाल भी लेइहीं तउ भी सब बेकार होइ जाइ। मइँ ओनसे ओनकर गदेलन छोर लेब। ओकर लगे सिरिफ मुसीबतन ही रहइ काहेकि मइँ ओनसे मुड़ि जाब।

13मइँ लखत हउँ कि एप्रैम आपन सन्तानन क एक फँदा कइँती लइ जात अहइ। एप्रैम आपन गदेलन क इ हत्यारा क लगे बाहेर लइ जात अहइ।

14हे यहोवा, तू ओनका का देइ चाहत अहइ? ओनका अइसा गर्भ द्या, जेका गर्भपात होइ जात ह। ओनका अइसेन थन दइ द्या जउन दूध नाहीं देइ सकी।

15उ पचे गिलगल मँ बहोत सारा बुरा काम किहेन रहेन! मइँ ओनसे ओकरे काम क कारण घिना करइ सुरू किहे रहेउँ। मइँ ओनका आपन घरे स निकरि फेंकब, मइँ ओनसे अब पिरेम नाहीं करत रहब। ओनकर सबहिं मुखिया लोग मोर खिलाफ मुड़ि गवा अहइँ।

16एप्रैम पइ मसीबत आएस ह। उ पचे पूरी तरह उपजहीन होइ जाईं। जदपि उ कउनो गदेलन क जन्म देइँ, मइँ ओकरे कीमती गदेलन क मार डाउब जइसे ही उ ओका जन्म देब्या।

17मोर परमेस्सर ओका अस्वीकार करिहीं, काहेकि उ पचे मोका नाहीं सुनिही। इहइ कारण अहइ कि उ पचे जातियन क बीच मँ भटकत रहिहीं।

इस्राएल क बैभब इस्राएल स मूरति पूजा करवाएस

10 इस्राएल एक ठु अइसी दाख-लता अहइ जेह पइ बहोत सारा फल लागत हीं। उ जेतना फल देत हीं ओतना ही वेदियन बनत ही। जब भूइँया नीक फसल पइदा करत ह, तउ इस्राएल जियादा स जियादा महँगा स्मृति पाथर लबार देवतन क मान देइ बरे लगावत ह। 2इस्राएल क लोग आपन हिरदयन मँ परमेस्सर क धोखा देइ क जतन किहेस, यह बरे ओका ओकरे पाप क बदले मँ जरूर सज़ा दीन्ह जाइ चाही। यहोवा खुद ही ओकार वेदियन क तोड़े देब अउर अउर उ ओनकर स्मृति-स्तूपन क तहस-नहस करब।

यहोवा इस्राएलियन क राज्ज लइ लेब

3अब इस्राएल क लोग कहा करत हीं, "न तउ हमार कउनो राजा अहइ अउर न ही हम यहोवा क मान करित ह। अउर ओकर राजा हमार कछू बिगारि नाहीं सकत ह।"

4ओकर बचन सिरिफ एक सब्दन अहइँ। उ आपन प्रतिग्या क पूरा नाहीं किहेस अउर करार क तोड़ दिहेस। हिआँ बहोत स अदालत क मुकद्दमा अहइँ जइसा खेत मँ उगा भवा खरपतवार।

5सोमरोन क लोग बेतावेन मँ बछवन क पूजा करत हीं अइसे लोग क असलियत मँ विलाप करिहीं। ओन याजक लोग असलियत मँ विलाप करिहीं काहेकि ओकर सुन्नर मूरति खो गइ अहइ। काहेकि ओकर महिमामय मूरतियन क लइ लीन्ह जाब। 6उ पचे अस्सूर राजा क लगे उपहार क रूप लइ लेइ जाब्य जउन हमेसा ओकर संग जुद्ध करत हीं। एप्रैम लज्जित होइहीं, अउर इस्राएल आपन मूरतियन पइ लजाइ। 7सोमरोन क लबार देवतन क बर्बाद कइ दीन्ह जाइ। उ पानी पइ उतरात भए कउनो काठे क टूका जइसा होइ जाइ।

8जउन ठउरन पइ इस्राएल पाप किहेस नस्ट कीन्ह जाब्या। ओनकर वेदियन पइ काँटन अउ घास-फूस उगिहीं। उ पचे पहाड़न स कइहीं, "हमका ढाँपि ल्या" अउर पहाड़िन स कइहीं, "हम पइ भहराइ पड़ा।"

इस्राएल क आपन पापे क भुगतान करइ होइ

9हे इस्राएल, तू गिबा क समइ स ही पाप करत आया, अउर तू पचे वइसा ही हुआँ भी सुरु कइ दिहेस ह। का गिबा क जउन लोगन बुरा काम किहे रहेन फुरइ जुद्ध क चपेटे मँ नाहीं आहइँ? 10मइँ आउब अउर ओनका सज़ा देब। मइँ जातियन क ओनके खिलाफ बटोरब अउर ओनका ओकरे दुई ठू पापन कारण जंजीर स बाँधिहीं।

11एप्रैम एक ठू जवान प्रसिच्छत गइया क नाईं अहइ जउन खरिहाने मँ अनाज माँड़इ पसन्द करत अहइँ। मइँ ओकरे गटइ पइ जुआ राखब। किन्तु अब मइँ ओका खेत

बाल पेऑर इ भवा जब मूसा इस्राएलियन क रेगिस्ताने मँ अगुवाइ करत रहा। पढ़ा गनती 25:1-5

जोताई मँ जियादा कठिन काम देब। मइँ ओह पइ लसुरी
लगाउब। यहूदा भुइँया जोतब अउर याकूब कठोर धरती क
फोड़ब। **12**तोहका आपन प्रतिग्या क पूरा कइके नीक करम
बोइ चाही, तउ तू सच्चा पिरेम क फसल काटब्या। इ तोहार
बरे नई बात होब्या। इ अइसे धरती क जोतइ क जइसा होइ
जेका तू फसल बरे कबहूँ उपयोग नाहीं किहेस। यहोवा क
आसीर्बाद लेइ क समइ अहइ जब तक कि उ तोह पइ
बर्खा क रूप मँ नीक चिजियन नाहीं देइ।
13मुला तू तउ बदी क एक बिआ बोया ह; तू पचे आपन
झूठ क फल भोग्या ह। अइसा एह बरे भवा कि तू आपन
रथन पइ निर्भर रह्या अउर आपन फउजियन पइ बिस्सास
किहा। **14**जुद्ध क सोर तोहार लोगन क खिलाफ जियाद स
जियाद बढ़िहीं। तोहार सारे गढ़ियन वइसी भहराइ जइसे
बेतअरबेल सहर क जुद्ध क समइ सल्मन बर्बाद कइ दीन्ह
ग रहा। दुइनउँ महतारी अउर गदेलन क टूका कीन्ह ग
रहा। **15**हे बेतेल, इ तोहार संग होइ काहेकि तू बहोत स
कुकर्म किहा ह! भिंसारे ही इस्राएल क राजा क पूरी तरह
बिनास कीन्ह जाब्या।"

इस्राएल यहोवा क बिसरि गवा

11 "जब इस्राएल अबहीं गदेला रहा, मइँ, (यहोवा)
ओहसे पिरेम किहे रहेउँ। मइँ आपन गदेला क मिस्र
स बाहेर बोलाइ लिहे रहेउँ।
2मुला मइँ ओका जेतना जियादा बोलाएउँ उ पचे मोहसे
ओतना ही जियादा दूर होइ गए रहेन। उ पचे बाल देवतन क
बलियन चढ़ाए रहेन अउर मूरतियन क अगवा धूप बारे रहेन।
3उ मइँ ही अहउँ जउन एप्रैम चलब सिखाएस। मइँ
इस्राएल क आपन बाँहन मँ लिहे रहेउँ, मुला उ नाहीं जानत
ह कि कउन ओका तन्दुरुस्त किहेस ह।
4मइँ ओनका पिआर अउ स्नेह क "लसुरी" स अगुवाइ
किहे रह्या। मइँ ओकरे गटइ स जुआ क हटाइ दिहेस
अउर विनम्रता स खिलाएस ह।
5मुला उ पचे मोर कइँती नाहीं मुड़ब्या! नाहीं, उ पचे
मिस्र चला गएन या आपन राजा अस्सूर क राजा क लगे
गएन। उ पचे मोर कइँती वापिस आवइ स इन्कार करत ह।
6ओनकर सहरन क ऊपर लटकत भवा तरवार ओनकर
सबइ ताकतवार मनइयन क ओनकर बुरे जोजना क कारण
बर्बाद कइ देइहीं।
7"मोर लोग मोह स मुड़ि जाब अउर उ एका नाहीं रोक
सकब। उ पचे आपन मदद बरे बाल देवता क पुकारेस, का
उ ओका बचा सकेस?"

यहोवा इस्राएल क बिनास नाहीं चाहत

8"हे एप्रैम, मइँ तोहका तजि देइ नाहीं चाहत हउँ। हे
इस्राएल, मइँ चाहत हउँ कि मइँ तोहार रच्छा करउँ। मइँ
तोहका अदमा क तरह नाहीं कइ देइ चाहत हउँ। मइँ नाहीं
चाहत हउँ कि तोहका सबोर्यीम जइसा बनाइ देउँ। मइँ आपन
मन बदलत हउँ तोहरे बरे पिरेम बहोत गहिर अहइ।
9मइँ आपन भयंकर किरोध क जीतइ नाहीं देब। मइँ फुन
एप्रैम क बर्बाद नाहीं कइ देब। मइँ तउ परमेस्सर अहउँ, मइँ
कउनो मनई नाहीं। मइँ तउ उ पवित्तर हउँ, मइँ तोहरे संग
हउँ। मइँ आपन किरोध क नाहीं देखाउब।
10मइँ सेर क दहाड़ स गर्जन करब। मइँ गर्जन करब
अउर मोरी संतानन निचके अइहीं अउर मोरे पाछे चलिहीं।
मोर संतानन जउन डर स थर-थर काँपति अहइँ, पच्छिम स
अइहीं।
11उ पचे कँपकँपात चिड़ियन स मिस्र स अइहीं। उ पचे
काँपत कबूतरे क नाईं अस्सूर क धरती स अइहीं अउर मइँ
ओनका ओनके घर वापस लइ जाब।" यहोवा इ कहे रहा।
12एप्रैम मोर बरे बहोत सारा लबार बोलेस; इस्राएल क
घर मोर बरे बहोत सारा गलत बातन बोलेस। मुला अबहीं
भी यहूदा परमेस्सर क सेवा* करत रहेन अउर उ पवित्तर
क बरे बिस्सासी अहा।"

यहोवा इस्राएल क खिलाफ रहा

12 एप्रैम हवा पकड़इ क जतन करत ह। उ पचे सारे
दिन पूर्वी हवा क पाछा करत रहत ह। सारा रास्ट्र
बेईमानी अउर हिंसा मँ व्यस्थ अहइ, उ पचे अस्सूर क संग
संधि किहेन। उहइ समइ नज़राना क रूप मँ मिस्र क तेल
भेजत ह।
2यहोवा कहत ह, "इस्राएल क खिलाफत मँ मोर एक
अभियोग अहइ। याकूब जउन करम किहेन ह, ओका
ओनके बरे सजा दीन्ह जाइ चाही। आपन किए भए कुकरमन
बरे ओका निहचइ ही सजा दीन्ह जाइ चाही। **3**अबहीं याकूब
आपन माता क गरभ मँ ही रहा कि उ आपन भाई क संग
चालबाजी करब सुरू कइ दिहस। याकूब एक ठु सक्तीवाला
युवक रहा अउर उ समइ उ परमेस्सर क संग कुस्ती लड़े
रहा। **4**याकूब परमेस्सर क सरगदूत स कुस्ती लड़ेस अउ
ओका जीत लिहस। उ गोहराएस अउर कृपा करइ बरे
बिनती किहस। इ बेतेल मँ भवा रहा। उ जगह पइ उ
ओहसे बातचीत किहे रहा। **5**हाँ, यहोवा फउजन क परमेस्सर
अहइ। ओकर नाउँ यहोवा अहइ। **6**तउ आपन परमेस्सर
कइँती लउटि आवा। ओकरे बरे वफ़ादार रहा। निआव अउर
दयालुता कायम रखा। हमेसा आसावादी रहा कि परमेस्सर
आपन वाचा क पूरा करब्या।
7"याकूब अइसा व्यापारी क तरह अहइ जउन लोगन स
छल करइ बरे गलत तराजू क उपयोग करत ह। **8**एप्रैम
कहेस, 'मइँ धनवान हउँ। मइँ सच्ची सम्पत्ति पाइ लिहे
अहउँ। मोरे अपराधन क कउनो मनई क पता ही नाहीं
चली। मोरे पापन क कउनो मनई जान ही नाहीं पाई।'
9"मुला मइँ तउ तबहिं स तोहार परमेस्सर यहोवा हउँ जब
तू मिस्र क धरती स आवा रहा, जब मइँ तोहका रेगिस्तान
मँ तम्बुअन मँ राखे रहा, ठीक वइसा ही जइसा कि पनाह
क त्यौहार क समइ मँ रहा करत रहेन। **10**मइँ नबियन स
बात किहेउँ। मइँ ओनका अनेक दर्सन दिहेउँ। मइँ नबियन क
तू पचन्क आपन पाठ पढ़ावइ क बहोत स तरिका दिहेउँ।
11मुला गिलाद मँ अबहुँ भी पाप अहइ। हुआँ बियर्थ देवतन
अहइँ। गिलगाल मँ लोग बर्धन क बलियन क अर्पण करत
हीं। हुवाँ बहुत स वेदियन मँ जोते भए खेते क कतारन क

परमेस्सर क सेवा साब्दित परमेस्सर क साथ चलत ह।

नाईं अहइँ। 12याकूब आराम क भुइँया कइँती भाग गवा। उ
पचे दास क नाईं काम किहेन जे आपन दुई ठू पत्नियन
पावइ खातिर भेड़िन क निगरानी किहेस। 13तब यहोवा एक
ठु नबी क जरिये इस्राएल क मिस्र स बाहेर लाएस, अउर
पाछे दूसर नबी दुआरा इस्राएल क सुरच्छा किहेस। 14मुला
एप्रैम यहोवा क बहोत जियादा गुस्साइ दिहस, एह बरे
परमेस्सर यहोवा एका आपन अपराधन बरे भुगतवाएस।
ओकर सुआमी (परमेस्सर) ओहसे ओकर लज्जा बरदास्त
करइ देइ।"

इस्राएल आपन नास खुद किहस

13 "एप्रैम बंसज इस्राएल क तमाम जातियन क बीच मँ
बहोत जियादा सक्तीसाली बनि गवा। एप्रैम जब
बोला करत रहा, तउ लोग काँपात रहेन। मुला एप्रैम मरि
गवा, कहेकि उ बाल देवता क पूजइ क कारण पाप किहे
रहा। 2अउर अब उ पचे अपने बरे मूरतियन बनाइके
लगातार पाप किहेन। ओकर कुसल कारीगर आपन सबसे
अच्छा कुसला स ओकर चित्रन क तरासइ लागेन। तउ उ
पचे ओन चित्रन स बातन करइ लागेन अउर उ सबइ लोग
ओन बछवा क चित्रन चूमइ लागेन। 3इहइ कारण उ पचे
भिंसारे क उ कोहरा अउ भिंसारे क ओस क नाईं नज़र स
ओझल होइ जाइहीं। जउन गायब होइ जात ह। उ पचन्क उ
भूसा क तरह उड़ा लेजाइ चाही जेका खरिहाने स उड़ावा जात
ह। उ पचे उ धुआँ क समान होइहीं जउन कउनो चिमनी स
उठत ह अउर लुप्त होइ जात ह।
4"तू लोग जब मिस्र मँ भवा करत रह्या, मइँ तबहिं स
तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ। मोका तजिके तू पचे कउनो
परमेस्सर क नाहीं जानत रह्या। मोर इलावा तोहका कउनो
नाहीं बचाइ सकत ह। 5बयाबान मँ, हाँ, सूखा रेगिस्ताने मँ
जहाँ पानी नाहीं होइ, मइँ तू सबन्क धियान दिहे रह्या। 6मइँ
इस्राएलियन क खाइ क दिहेउँ। उ पचे उ भोजन खाएन।
आपन पेट भरिके उ पचे तृप्त होइ गएन। ओनका घमंड
होइ गवा अउर उ पचे मोका बिसरि गएन।
7"मइँ इहइ बरे सरे क तरह होइ जाबउँ। मइँ राहे पइ
घात लगाए भए चीता जइसा होइ जाब। 8मइँ ओन पइ उ
रीछनी क तरह झपट पड़ब, जेहसे ओकर गदेलन छोर लीन्ह
गवा होइँ। मइँ ओन पइ हमला करब। मइँ ओनकर छातियन
क चीर फाड़ देबउँ। मइँ उ सेर या कउनो दूसर अइसे
हिसंक पसु क तरह होइ जाबँउ जउन आपन सिकार क
फारिके खात रहत होत ह।"

परमेस्सर क किरोध स इस्राएल क कउनो बचाइ नाहीं सकत

9"हे इस्राएल, मइँ तोहार रच्छा किहे रहेउँ, मुला तू मोसे
मुँह मोड़ लिहा। तउ अब मइँ तोहार नास करब 10तोहार राजा
कहाँ बाटइ जउन तोहरे सबहिं नगरन मँ तोहका बचाइ?
कहाँ बाटइ तोहार सासक जेहसे तू आपन जरूरत क मागत
ही कि "मोका एक राजा अउर राजकुमार द्या।" 11मइँ
कोहाइ गएउँ अउर मइँ तू पचन्क एक राजा दइ दिहेउँ। मइँ
अउर जियादा कोहाइ गएउँ अउर मइँ तू पचन्स ओका छोरि
लिहेउँ।
12एप्रैम आपन अपराध छुपावइ क जतन किहस, उ सोचे
रहा कि ओकर पाप गुप्त अहइँ। मुला ओन बातन बरे
ओका सजा दीन्ह जाइ।
13ओकर सज़ा अइसी होइ जइसे कउनो मेहरारू एक
बच्चा क जमन देइ क जतन करत अहइ, मुला उ बच्चा
बुद्धिमान नाहीं होइ। हिआँ तलक कि जब समइ आइ, उ
गरभ स बाहेर नाहीं निकरी।
14का मइँ ओनका गढ़ा स बचाइ लेब? नाहीं, मइँ नाहीं
बचाब! का मइँ ओनका मउत क पकड़ स बचाइ लेब?
नाहीं! मइँ नाहीं बचाब! हे मउत, आपन महामारियन ओन
पइ लावा! हे कब्र, आपन तबाही ओन पइ लावा! मइँ ओह
पइ कउनो दया नाहीं देखाउब।
15सायद उ कछू समइ क लिए सरकण्डा क पउधा क
नाईं बढ़इ जारी रखिहीं। मुला गरम पुर्बी हवा आउब्या,
अउर यहोवा क कइँती स, रेगिस्तान स आउब्या। परिणाम
ओकर झरना सूख जाई; अउर पानी क स्रोत सूख जाई। उ
हवा ओकर सबइ खज़ाना उड़ा लेजाइहीं जेका उ आपन
गोदाम मँ जमा किहे रह्या ह।
16"सोमरोन क सजा दीन्ह जाइ काहेकि उ आपन
परमेस्सर स मुँह फेरे रहा। इस्राएलियन तरवारे स मार दीन्ह
जइहीं। ओनकर संतानन क चिथरा उड़ाइ दीन्ह जाइ। ओनकर
गाभिन मेहररुअन चीरिके खोल दीन्ह जइहीं।"

यहोवा कइँती मुड़ब

14 हे इस्राएल, तोहार पतन भवा अउर तू परमेस्सर क
खिलाफ पाप किहा। एह बरे अब तू पचे आपन
परमेस्सर यहोवा कइँती लौटि आवा। 2यहोवा कइँती लौटि
आवा अउर आपन जिन्नगी क बदल दे! यहोवा स कहा,
"हमरे तमाम पापन माफ़ करा, मोर पराथना क सुना।
बलिदान क जगह पइ हम पचे आपन मुँहे स तोहार स्तुति
कइके तोहका भेंट करत हउँ।
3अस्सूर हमका बचाइ नाहीं सकब, हम पचे जुद्ध क
घोड़न पइ सवार नाहीं होब्या। हम पचे तोहसे प्रतिग्या करत
हउँ कि तोहका उ मूरतियन क जइसा नाहीं समुझब जेका
हम आपन ही हाथन स बनाएस ह। काहेकि तू उहइ पमेस्सर
अहइ जउन अनाथ बच्चन पइ दाया देखॉवइवाला ह तू हम
पचन पइ भी दाया देखाउब।"

यहोवा इस्राएल क छिमा करी

4यहोवा कहत ह, "उ पचे मोका तजि दिहन। मइँ ओनका
एकरे बरे छिमा कइ देब। मइँ ओनसे मुक्त भाव स पिरेम
करबउँ। मइँ अब ओन पइ कोहान नाहीं अहउँ।
5मइँ इस्राएल बरे ओस क नाईं होइ जाब। चमेली क
नाईं खिलब। उ लबानोन क देवदार बृच्छन नाइ बढ़ब्या।
6उ नवा डारन निकारइ सुरू करब्या। उ जइतून क बृच्छ
क नाईं सुन्नर होब्या। अउ ओकर सुगंध देवदार बृच्छन क
नाईं होब्या।

7“इस्राएल फुन स उ लोगन क सहारा देइ जेका मदद
क जरूरत अहइ। उ पचे अन्न क नाईं या अंगूरे क बेल
क नाईं जउन कि बृच्छ क छाया मँ बढ़त ह। इस्राएल
लबानोन क दाखरस क तरह प्रसिद्ध होइहीं।”

इस्राएल क मूरतियन क बारे मँ यहोवा क चितउनी

8“हे एप्रैम, मोका मूरतियन क बराबर जिन समुझा। उ
मइँ ही अहउँ जउन सरग मँ स तोहका बचाएस। मइँ एक
सदाबहार सनोवार क बृच्छ क नाईं हउँ। तोहार फल मोहसे
ही आवत हीं।”

अन्तिम सम्मति

9बुद्धिमान कउन अहइ? ओन व्यक्ति क एन बातन समुझइ
द्या! कउनो समुझ रहत ह उ व्यक्ति क सच्चाइ क समुझइ
द्या। काहेकि यहोवा क राहन नीक अहइँ। अच्छे लोग
ओन पइ चलिहीं, लेकिन बिद्रोही लोग ओह पइ ठोकर
खाइहीं।

दानिय्येल

दानिय्येल क बाबुल लइ जावा जाब

1 नबूकदनेस्सर बाबुल क राजा रहा। नबूकदनेस्सर यरूसलेम
क चारिहुँ कइँती स घेर लिहस। इ तब भवा जब यहूदा
क राजा यहोयाकीम क हुकूमत क तीसर बरिस चलत रहा।
2यहोवा यहूदा क राजा यहोयाकीम क नबूकदनेस्सर क जरिये
पराजित कराइ दिहस। नबूकदनेस्सर परमेस्सर क मन्दिर क
कछू बर्तनन क भी हथियाइ लिहस। नबूकदनेस्सर ओन
वस्तुअन क बाबुल लइ गवा। नबूकदनेस्सर ओन वस्तुअन क
उ मन्दिर मँ रखवाइ दिहस जेहमाँ ओकर देवतन क मूरतियन
रहिन।

3एकरे पाछे राजा नबूकदनेस्सर असपनज क एक हुकूम
दिहस। (असपनज राजा क हिंजड़े-नौकरन क प्रधान रहा।)
राजा असपनज क कछू इस्राएली लड़कन क ओकरे महल
मँ लिआवइ क कहे रहा। नबूकदनेस्सर चाहत रहा कि
प्रमुख परिवारन अउ इस्राएल क राजा क परिवार क कछू
इस्राएली लड़कन क हुवाँ लिआवा जाइ।

4नबूकदनेस्सर क सिरिफ हट्टे कट्टे नउजवान इस्राएली
लड़कन ही चाही रहा। राजा क बस अइसे नउजवान लड़कन
क चाही रहा जेकरे तने पइ कउनो खरोंच या ओनकर तन
कउनो भी तरह क दोख स रहित होइ। राजा सुन्नर, चुस्त
अउ बुध्दिमान नउजवान लड़कन ही चाहत रहा। जउन बातन
क हाली स अउ आसानी स सीखइ मँ समरथ होइँ। राजा
क अइसे नउजवान लड़कन क जरूरत रही जउन ओकरे
महल मँ सेवा क काम कइ सकइँ। राजा असपनज क
हुकूम दिहेस कि ओन इस्राएली नउजवान लड़कन क
कसदियन क भाखा अउ लिपि क सिच्छा दीन्ह जाइ।

5राजा नबूकदनेस्सर ओन नउजवानन क हररोज एक
निहचित मात्रा मँ भोजन अउ दाखरस देत रहत रहा। इ
भोजन उहइ तरह क होत रहा, जइसा खुद राजा खावा
करत रहा। राजा क इच्छा रही कि इस्राएल क ओन
नउजवानन क तीन बरिस तलक प्रसिच्छण दीन्ह जाइ अउ
तीन बरिस क पाछे उ सबइ नउजवान राजा क सेवक बन
सकइँ।

6ओन नउजवानन मँ दानिय्येल, हनन्याह, मीसाएल अउ
अजर्याह सामिल रहेन। इ सबइ नउजवान यहूदा क परिवार
समूह स रहेन। 7तउ एकरे पाछे यहूदा क ओन नउजवानन
क असपनज नवा नाउँ रख दिहेस। दानिय्येल क बेलतसस्सर
क नवा नाउँ दीन्ह गवा। हनन्याह क नवा नाउँ रहा सद्रक।
मीसाएल क नवा नाउँ दीन्ह गवा मेसक अउ अजर्याह क
नवा नाउँ रखा गवा अबेदनगो।

8दानिय्येल राजा क उत्तिम भोजन अउ दाखरस क ग्रहण
करइ नाहीं चाहत रहा। दानिय्येल नाहीं चाहत रहा कि उ उ
भोजन अउ उ दाखरस स अपन आप क असुद्ध कइ लेइ।
तउइ तरह अपन आप क असुद्ध होइ स बचावइ बरे
असपनज स बिनती किहेस।

9परम्नउजवानोस्सर असपनज क अइसा बनाइ दिहस कि
उ दानिय्येल क बरे कृपालु अउर नीक विचार करइ लाग।
10किन्तु असपनज दानिय्येल स कहेस, “मइँ आपन सुआमी,
राजा स डरोत हउँ। राजा मोका हुकूम दिहेस ह कि तोहका
इ भोजन अउर इ दाखरस दीन्ह जाइ। जदि तू इ भोजन क
नाहीं खात अहा तउ तू दुर्बल अउ रोगी देखाइ लगब्या। तू
आपन उमिर क दूसर नउजवानन स भद्दा देखाइ देब्या।
राजा एका लखी अउ मोह पइ किरोध करी। होइ सकत ह,
तू मोर मुड़ँ कटवाइ देइ। जबकि इ दोख तोहार होइ।”

11एकरे पाछे दानिय्येल आपन देखभाल करइवालन से
बातचीत किहेस। असपनज उ रखवारे क दानिय्येल, हनन्याह,
मीसाएल अउ अजर्याह क ऊपर धियान रखइ क कहा भवा
रहा। 12दानिय्येल उ रखवारे स कहेस, “कृपा कइक तू दस
दिन तलक हमार परीक्षा ल्या। हमका खाइ क साग-सब्जी
अउर पिअइ क पानी क अलावा कछू जिन द्या। 13फुन
दस दिन क पाछे ओन दूसर नउजवानन क संग तू हमार
तुलना कइके लखा, जउन राजा क भोजन करत हीं अउर
फुन अपने आप लखा कि अधिक तन्दुरुस्त कउन देखाइ
देत ह। फिन तू अपने-आप यह निर्णया कर्‌या कि तू हमरे
संग कइसा बेउहार करइ चाहत ह। हम तउ तोहार सेवक
अही।”

14तउ उ रखवारा दानिय्येल, हनन्याह, मीसाएल अउ
अजर्याह क परीच्छा लिहेस। 15दस दिना क पाछे दानिय्येल
अउ ओकर मीत ओन सबहिं नउजवानन स जियादा हट्टा-कट्टा
देखाँइ देइ लागेन जउन राजा क खइया क खात रहेन।
16तउ उ रखवारा ओनका राजा क उ खास भोजन अउ
दाखरस देब बंद कइ दिहस अउर उ दानिय्येल, हनन्याह,
मीसाएल अउ अजर्याह क उ खाइ क जगह पइ साग-सब्जियन
देइ लाग।

17परमेस्सर दानिय्येल, हनन्याह, मीसाएल अउ अजर्याह क
बुध्दि प्रदान किहस अउ ओनक अलग अलग तरह क
लिपियन अउ विग्यानन क सीखइ क जोग्गता प्रदान किहस।
दानिय्येल तउ हर तरह क दर्सनन अउ सपनन क भी समुझ
सकत रहा।

18राजा चाहत रहा कि ओन सबहिं जवानन क तीन बरिस
तलक प्रसिच्छन दीन्ह जाइ। प्रसिच्छन क समइ पूरा होइ पइ
असपनज ओन सबहिं जवानन क राजा नबूकदनेस्सर क लगे
लइ गवा। 19राजा ओनसे बातन किहस। राजा पाएस कि
ओनमाँ स कउनो भी जवान ओतना नीक नाहीं रहा जेतना

दानिय्येल, हनन्याह, मिसाएल अउ अजर्याह रहेन। तउ उ सबइ चारिउँ जवान राजा क सेवक बनाइ दीन्ह गएन।

20राजा हर दाईं ओनसे कउनो महत्वपूर्ण बात क बारे मँ पूछत अउ उ पचे आपन प्रचुर गियान अउ समुझ-बूझ क परिचय देतेन। राजा लखेस कि उ पचे चारिउँ ओकर राज्ज क सबहिं जादुगरन अउ बुद्धिमान लोगन स दस गुणा जियादा उत्तिम अहइँ। **21**तउ राजा कुसू क सासन काल क पहिले बरिस तलक दानिय्येल राजा क सेवकाई करत रहा।

नबूकदनेस्सर क सपना

2 नबूकदनेस्सर आपन सासन क दूसर बरिस मँ एक सपना लखेस। उ सपना स बेचैन होइ गवा अउर सोइ नाहीं सका। **2**तउ राजा आपन जादूगरन, ओझन, भविस्स क बात बताइवालन अउर कसदियन* क आपन सपना क अरथ बतावइ बरे बुलाएन। एह बरे उ सबइ आएन अउर राजा क समन्वा खड़ा होइ गएन।

3तब राजा ओन लोगन स कहेस, "मइँ एक सपना लखेउँ ह जेहसे मइँ बियाकुल हउँ। मइँ इ जानइ चाहत हउँ कि उ सपना क अरथ का बाटइ?"

4यह पइ ओन कसदियन राजा स उत्तर देत भए कहेन। उ सबइ अरामी भाखा मँ बोलत रहेन। "राजा चिरंजीव रहइँ। हम पचे तोहार दास अही। तू आपन सपन हमका बतावा। फिन हम तोहका ओकर अरथ बताउब।"

5एह पइ राजा नबूकदनेस्सर ओन लोगन स कहेस, "नाहीं। उ सपना का रहा, इ भी तोहक ही बताउब अहइ अउर उ सपन क अरथ का अहइ, इ भी तोहका ही बताउब अहइ अउर जदि तू अइसा नाहीं कइ पाया तउ मइँ तोहार टूकन टूकन कइ डावइ क आग्या देब। मइँ तोहरे घरन क तोरिके मलवा क देर अउ राखी मँ बदल डावइ क आग्या भी दइ देब। **6**अउ जदि तू मोका मोर सपना बताइ देत अहा अउर ओकर व्याखया कइ देत अहा तउ मइँ तोहका अनेक उपहार, बहोत स पुरस्कार अउ महान आदर प्रदान करब। तउ तू मोका मोर सपना क बारे मँ बतावा अउर बतावा कि ओकर अरथ का अहइ?"

7ओन बुद्धिमान मनइयन राजा स फुन कहेन, "हे राजा, कृपा कइके हमका सपना क बारे मँ बतावा अउर हम तोहका इ बताउब कि उ सपना क फल का अहइ।"

8एक पइ राजा नबूकदनेस्सर कहेस, "मइँ जानत हउँ, तू लोग अउर जियाद समइ लेइ क जतन करत अहा। तू जानत अहा कि मइँ जउन कहेउँ, उहइ मोर अभिप्राय अहइ। **9**तू इ जानत अहा कि जदि तू मोका मोर सपना क बारे मँ नाहीं बताया तउ तोहका दण्ड दीन्ह जाइ। एह बरे तू पचे आपुस मँ जोजना बाएस क कि मोहसे झूठ बोलइ अउर गलत व्याखाय करब जब तलक कि स्थिति बदल न जाइ। अब बतावा कि मोका का सपना आवा रहा। इहइ एक रास्ता बाटइ पता करइ बरे कि का तू मोका मोरे सपना क सही अरथ बताइ सकत।"

10कसदियन राजा क उत्तर देत भए कहेन, "हे राजा धरती पइ कउनो अइसा मनई नाहीं जउन अइसा कइ सकइ जइसा आप करइ क आग्रह करत ह। बुद्धिमान मनइयन स या जादूगरन स या कसदियन स कउनो भी महान अउर सक्तिसाली राजा कबहुँ भी अइसा करइ क नाहीं कहेस। **11**महाराज, आप उ काम करइ क कहत अहा, जउन संभव नाहीं अहइ। बस राजा क ओकरे सपना क बारे मँ अउर ओकरे फल क बारे मँ देवता ही बताइ सकत हीं। किन्तु देवता तउ लोगन क बीच नाहीं रहतेन।"

12जब राजा इ सुनेस तउ ओका बहोत किरोध आवा अउर उ बाबुल क सबहिं बुद्धिमान मनइयन क मरवा डावइ क हुकूम दइ दिहस। **13**राजा क आदेस लागू होइ चुका रहेन। सबहीं बुद्धिमान मनइयन क मारा जाब रहा, एह बरे दानिय्येल अउ ओकर मीतन क भी मरवाइ डावइ बरे ओनकर खोज मँ राज पुरुस पठइ दीन्ह गएन।

14अर्योक राजा क रच्छकन क नायक रहा। उ बाबुल क बुद्धिमान मनइयन क मार अवइ बरे जात रहा, किन्तु दानिय्येल ओहसे बातचीत किहस। दानिय्येल अर्योक स बुद्धिमानी क साथ नम्र होइके बात किहेस। **15**दानिय्येल अर्योक स पूछेस, "राजा एतना कठोर दण्ड देइके आग्या काहे दिहेस ह?"

एह पइ अर्योक राजा क सपनावाली सारी कहानी कहि सुनाएस, दानिय्येल ओका समुझ गवा। **16**दानिय्येल जब इ कहानी सुन लिहेस तउ उ राजा नबूकदनेस्सर क लगे गवा। दानिय्येल राजा स बिनती किहेस कि उ ओका तनिक समइ अउर देइ। उ राजा स ओकार सपना क अरथ समेत बतावइ क वादा किहेस।

17एकरे पाछे दानिय्येल अपने घर क चल दिहस। उ आपन मीत हनन्याह, मीसाएल अउ अजर्याह क उ सारी बातन कहि सुनाएस। **18**दानिय्येल आपन मीतन स सरग क परमेस्सर स पराथना करइ क कहेस। दानिय्येल ओनसे कहेस कि उ पचे परमेस्सर स पराथना करइँ कि उ ओन पइ दयालु होइ अउर इ रहस्स क समुझइ मँ ओनकर मदद करइ जेहसे बाबुल क दूसर विवेकी मनइयन क संग दानिय्येल अउ ओकर मीत भी घाट न उतारि दीन्ह जाइँ।

19राति क समइ परमेस्सर एक दर्सन मँ दानिय्येल क उ रहस्स समुझाइ दिहस। एह पइ सरग क परमेस्सर क स्तुति करत भए। **20**दानिय्येल कहेस:

"परमेस्सर क नाउँ क सदा प्रसंसा करा। सक्ति अउ बुद्धिमान ओहमाँ ही होत ह।

21उ ही समइ बुद्धिमान क बदलत ह। उहइ राजा लोगन क हटावत ह अउर उहइ राजा लोगन क नियुक्त करत ह। उहइ बुद्धि देत ह अउर लोग बुद्धिमान बन जात हीं। उहइ लोगन क गियान देत ह अउर लोग गियानी बन जात हीं।

22उ गहिर अउ छुपे रहस्सन क जानत ह जेका समुझ पाउब कठिन अहइ। प्रकास ओकरे संग रहत ह। तउ उ जानत ह कि अँधियारा मँ अउ रहस्स भरे स्थानन मँ का अहइ।

23हे मोरे पुरखन क परमेस्सर, मइँ तोहका धन्यवाद देत हउँ अउ तोहार गुण गावत हउँ। तू ही मोका गियान अउ

कसदियन कसदी लोग ज्योतिस विद्या क उपयोग कइके व्याखिया बतावइ मँ माहिर होत रहेन।

बुद्धिमत्ता दिहा। जउन बातन मइँ पूछे रहे ओकरे बारे मँ तू
मोका बताया। तू हमका राजा क सपना क बारे मँ बताया।"

दानिय्येल क जरिये राजा क सपन क व्याख्या

[24]एकरे पाछे दानिय्येल अर्योक क लगे गवा। राजा
नबूकदनेस्सर अर्योक क बाबुल क बुद्धिमान मनइयन क
हत्तिया बरे नियुक्त कीन्ह रहा। दानिय्येल अर्योक स कहेस,
"बाबुल क बुद्धिमान मनइयन क हत्तिया जिन करा। मोका
राजा क लगे लइ चला, मइँ ओका ओकर सपना अउ उ
सपना क फल बताउब।"

[25]तउ अर्योक दानिय्येल क हाली ही राजा क लगे लइ
गवा। अर्योक राजा स कहेस, "यहूदा क बन्दियन मँ मइँ
एक अइसा मनई हेर लिहेउँ ह जउन राजा क ओकर सपना
क मतलब बताइ सकत ह।"

[26]तउ राजा दानिय्येल (बेलतसस्सर) स एक सवाल पूछेस,
"का तू मोका मोर सपना अउ ओकर अरथ क बारे मँ
बताइ सकत ह?"

[27]दानिय्येल जवाब दिहस, "हे राजा नबूकदनेस्सर, तू जउन
रहस्स क बारे मँ पूछत अहा, ओका तोहका न तउ कउनो
बुद्धिमान व्यक्ति न कउनो तान्त्रिक अउर न कउनो भविस्यवक्ता
क बताइ सका ह। [28]किन्तु सरग मँ एक परमेस्सर अइसा
अहइ जउन भेद भरी बातन क रहस्स बतावत ह। परमेस्सर
राजा नबूकदनेस्सर क आगे क होइवाला अहइ, इ दर्सावइ
बरे सपना दिहस ह। आपन बिछउना मँ सोते भए तू सपना
मँ जउन बातन लखे रह्या, उ सबइ इ सब अहइँ, [29]हे
राजा। तू अपने बिछउना मँ सोवत रह्या। तू भविस्स मँ
घटइवाली बातन क बारे मँ सोचब सुरू किहेस। परमेस्सर
लोगन क रहस्सपुर्ण बातन क बारे मँ बताइ सकत ह। तउ
उ भविस्स मँ जउन घटइवाला अहइ, उ तोहका दर्साइ
दिहस। [30]परमेस्सर उ रहस्स मोका भी बताइ दिहस ह।
अइसा एह बरे नाहीं भवा कि मोरे लगे दूसर लोगन स
कउनो जियादा बुद्धि अहइ। बल्कि मोका परमेस्सर इ भेद
क एह बरे बताएस ह कि राजा क ओकर सपना क फल
पता चल जाइ अउर इ तरह हे राजा, तोहरे मने मँ जउन
बातन आवति अहइँ, ओनका तू समुझ जा।

[31]"हे राजा, सपना मँ तू अपने समन्वा खड़ा एक ठु
बिसाल मूरति लख्या ह, उ मूरति बहोत बड़ी रही, उ
चमकदार रही अउर प्रभाव स पूरी रही। इ देखइ मँ डराउनी
रही। [32]उ मूरति क सिर सुद्ध सोना क बना रहा। ओकर
छाती अउ सबइ भुजा चाँदी क बनी रहिन। ओकर पेट
अउर जाँघन काँसा क बनी रहिन। [33]उ मूरति क गोड़न
लोहा क बनी रहिन। उ मूरति क पैर थोड़ा लोहा अउ थोड़ा
माटी क बने रहेन।

[34]"जब तू उ मूरति कइँती लखत रह्या, तउ तू एक ठु
चट्टान लख्या जउन कउनो मनई क मेहनत क कटी रहेन
अउर आइके मूरती क लोहे अउर मिट्टी क बनी गोड़न स
टकरा गएन। उ चट्टान क कराण ओन मूतियन क गोड़
चकनाचूर होइ गएन। [35]फुन फउरन ही लोहा, माटी, काँसा,
चाँदी अउ सोना सब चूर-चूर होइ गवा अउ उ चूरा गर्मियन
क दिनन मँ खरिहाने क भूसा जइसा होइ गवा। ओन टूकन
क हवा उड़ाइ लइ गइ। हुआँ कछू भी तउ नाहीं बचा।
कउनो इ नाहीं कहि सकत रहा कि हुआँ कबहुँ मूरति रही
भी। फुन उ चट्टान जउन मूरति स टकराइ रही, एक
बिसाल पर्वत क रूप मँ बदल गइ अउ सारी धरती पइ
छाइ गइ।

[36]"आपका सपना तउ इ रहा। अब हम राजा क इ
बतावत अही कि इ सपना क फल का अहइ? [37]हे राजा,
आप बहोत जियादा महत्वपूर्ण राजा अहइँ। सरग क परमेस्सर
तोहका राज्ज दिहे सह। सक्ति दिहेस ह। सामरथ अउ महिमा
दिहस ह। [38]आप क परमेस्सर नियन्त्रण क सक्ति दिहेस ह
अउर आप, लोगन पइ, बन क पसुअन पइ अउ पंछियन
पइ सासन करत अहा। उ सबइ चाहे कहूँ भी रहत होइँ,
ओन सबन पइ परमेस्सर तोहका सासक ठहराएस ह। हे राजा
नबूकदनेस्सर, उ मूरति क ऊपर जउन सोने क मूँड़ रहा, उ
आप ही अहइँ।

[39]"आप क पाछे जउन दूसर राजा आई, उहइ उ चाँदी
क हीसां अहइ। किन्तु उ राज्ज तोहरे राज्ज क समान बिसाल
नाहीं होइ। एकरे पाछे धरती पइ एक तीसर राज्ज क सासन
होइ। उहइ उ काँसे वाला भाग अहइ। [40]एकरे पाछे एक
चउथा राज्ज आइ, उ राज्ज लोहा क समान मजबूत होइ।
जइसे लोहे स वस्तुअन टूटिके चकनाचूर होइ जात ही,
वईसे ही चउथा राज्ज दूसर राज्जन क भंग कइके चकनाचूर
करी।

[41]"तू लखे रह्या कि उ मूरति क गोड़न अउर पंजे थोड़े
माटी क अउर थोड़े लोहे क बना अहइँ, ओकर मतलब इ
अहइ कि उ चउथा राज्ज एक ठु बटा भवा राज्ज होइ।
एहमाँ कछू लोहा क सक्ति होइ काहेकि तू माटी मिला
लोहा लख्या ह। [42]उ मूरति क गोड़न क पंजे क अगले
हींसा जउन थोड़ा लोहा अउ थोड़ा माटी क बना रहेन, एकर
अरथ इ अहइ कि उ चउथा राज्ज थोड़ा तउ लोहा क समान
सक्तिसाली होइ अउर थोड़ा माटी क समान दुर्बल। [43]आप
लोहा क माटी स मिला भवा लखे रह्या किन्तु जइसे लोहा
अउ माटी पूरी तरह कबहुँ आपुस मँ नाहीं मिलतेन, उ
चउथे राज्ज क लोग वइसे ही मिले जुले होइहीं। किन्तु एक
जाति क रूप मँ उ सबइ लोग आपुस मँ एक जुट नाहीं
होइहीं

[44]"चउथे राज्ज क ओन राजा लोगन क समय मँ ही
सरग क परमेस्सर एक दूसर राज्ज क स्थापना कइ देइ। इ
राज्ज क कबहुँ अन्त नाहीं होइ अउर इ सदा-सदा बना रही।
इ एक अइसा राज्ज होइ जउन कबहुँ कउनो दूसर समूह क
लोगन क हाथ मँ नाहीं जाइ। इ राज्ज ओन दूसर राज्ज क
कुचर देइ। इ ओन राज्जन क बिनास कइ देइ। किन्तु उ राज्ज
अपने आप सदा-सदा बना रही।

[45]"हे राजा नबूकदनेस्सर, आपन पहाड़ स उखड़ी भइ
चट्टान तउ लखेउँ। कउनो मनई उ चट्टान क उखाड़ेस
नाहीं। उ चट्टान लोहा क, काँसा क, माटी क, चाँदी क
अउर सोने क टूका-टूका कइ दिहे रहा। इ प्रकार स महान
परमेस्सर आप क उ देखाएस ह जउन भविस्स मँ होइवाला
अहइ। इ सपना सच्चा अहइ अउर आप सपना क इ
व्याख्या पइ भरोसा कइ सकत हीं।" [46]एकरे पाछे राजा

नबूकदनेस्सर दानिय्येल क निहुरिके नमस्कार किहेस। राजा
दानिय्येल क बड़कई किहेस। राजा इ आग्या दिहेस कि
दानिय्येल क सम्मानित करइ बरे एक भेंट अउ सुगन्ध प्रदान
कीन्ह जाइ। 47फुन राजा दानिय्येल स कहेस, “मोका निहचय
पूर्वक गियान होइ गवा ह कि तोहार परमेस्सर सब स
जियादा महत्वपूर्ण अउ सक्तिसाली परमेस्सर अहइ। उ सबहिं
राजा लोगन क परमेस्सर अहइ। उ लोगन क ओन बातन
क बारे मँ बतावत ह, जेनका उ पचे नाहीं जान सकतेन।
मोका पता अहइ कि इ सच अहइ। काहेकि तू मोका भेद
क इ सबइ गुप्त बातन क बताइ सका।”

48एकरे पाछे उ राजा दानिय्येल क आपन राज्ज मँ एक
बहोत महत्वपुर्ण पद प्रदान किहेस तथा राजा बहोत स
बहुमूल्य उपहार भी दानिय्येल क दिहेस। नबूकदनेस्सर
दानिय्येल क बाबुल क समूचे प्रदेस क सासक नियुक्त कइ
दिहेस। अउ उ दानिय्येल क बाबुल क सबहिं पण्डितन क
प्रधान बनाइ दिहेस। 49दानिय्येल राजा स बिनति किहेस कि
उ सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो क बाबुल प्रदेस क
महत्वपूर्ण हाकिम बनाइ देइँ। तउ राजा वइसा ही किहेस
जइसा दानिय्येल चाहे रहा। दानिय्येल खुद ओन महत्वपूर्ण
मनइयन मँ होइ गवा रहा जउन राजा क निअरे रहा करत
रहेन।

सोना क प्रतिमा अउ धधकत भट्ठी

3 राजा नबूकदनेस्सर सोना क एक ठु प्रतिमा बनवाइ
रखी रही। उ प्रतिमा साठ हाथ ऊँची अउ छ: हाथ
चउड़ी रही। नबूकदनेस्सर उ प्रतिमा क बाबुल प्रदेस क दूरा
क मैदान मँ स्थापित कइ दिहेस। 2अउर फुन राजा राज्ज क
राज्जपालन, मुखिया लोगन, अधिपतियन, सलाहकारन,
खजांचियन, निआवधीसन, सासकन अउ दूसर सबहिं छेत्र क
अधिकारियन क आपन राज्ज मँ आइके बटुरइ बरे बुलवाइ
पठएस। राजा चाहत रहा कि उ पचे सबहिं लोग प्रतिमा क
प्रतिस्ठा महोत्सव मँ सामिल होइँ।

3एह बरे पूरा राज्ज स राज्जपाल, नेत, सलाहकार,
खजानची, निआवधीस, प्रबंधक अउर बाकी सभी प्रान्तीय
अधिकारी समर्पन समारोह मँ आएन अउ उ प्रतिमा क
अगवा खड़े होइ गएन जेका राजा नबूकदनेस्सर स्थापित
कराए रहा। 4फुन उ डँडोरची, जउन राजा क सबइ सूचना
क घोसणा प्रसारित करत रहा, ऊँचे अवाजे मँ कहस,
“सुना, सबहिं लोगन, जातियन अउर भासा सुना। तू पचन क
जउन करइ क आग्या दीन्ह गइ अहइ, उ इ अहइ, 5“तू
पचे जब सबहिं नरसिंहन, बाँसुरियन, सितारन सात तारवाले
बाजन वीणा अउ सहनाई तथा दूसर सबहिं प्रकार क बाजन
क आवाज सुना, तउ तू पचन्क इ सोना क मूरती क जरूर
पूजा करइ चाही जउन राजा नबूकदनेस्सर दुआरा स्थापित
कीन्ह गवा ह। 6जदि कउनो मनई इ सोना क प्रतिमा क
निहुरिके प्रणाम नाहीं करी अउ एका नाहीं पूजी तउ उ मनई
क तुरंतइ धधकत भई भट्ठी मँ झोक दीन्ह जाइ।”

7तउ, जइसे ही उ पचे नरसिंहन, बाँसुरियन, सितारन, सात
तारउ वाले बाजन, सहनाइयन अउ दूसर तरह क संगीत
बाजन क सुनेन, सभी लोगन, जातियन अउर हर भाखा क
लोग राजा नबूकदनेस्सर क जरिये रखा गवा सोना क उ
मूरति क निहुरेन अउर पूजा किहेन।

8एकरे पाछे, कछू कसदी लोग राजा क लगे आएन।
ओन लोग यहूदियन क विरोध मँ राजा क कान भरेन।
9राजा नबूकदनेस्सर स उ पचे कहेन, “हे राजा, आप
चिरंजीवी हवा। 10हे राजा, आप एक ठु आदेस दिहे रहेन
आप कहे रहेन कि हर उ मनई जउन नरसिंहन, बाँसुरियन,
सितारन, सात तारउवाले बाजन, सबइ वीणा मसक सहनाइयन
अउर दूसर सबहिं तरह क वाद्य-यन्त्रन क ध्वनि क सुनत
ह, उ सोना क प्रतिमा क अगवा निहुरिके ओकर पूजा करइ
चाही। 11आप इ भी कहे रहेन कि जदि कउनो मनई सोना
क प्रतिमा क अगवा नेहुरिके ओकर पूजा नाहीं करी तउ
ओका कउनो धधकत भट्ठी मँ झोंक दीन्ह जाइ। 12हे
राजा, हिआँ कछू अइसे यहूदी अहइँ जउन आपक आदेस
पइ धियान नाहीं देतेन। आप ओन यहूदियन क बाबुल प्रदेस
मँ महत्वपूर्ण हाकिम बनाए भवा अहा। अइसे लोगन क
नाम अहइँ -सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो। इ सबइ लोग
आप क देवतन क पूजा नाहीं करतेन अउ जउन सोना क
प्रतिमा क आप स्थापित किहेन ह, उ सबइ न तउ ओकरे
अगवा निहुरत हीं अउर ही ओकर पूजा करत हीं।”

13एह पइ नबूकदनेस्सर किरोध मँ आग-बबूला होइ उठा।
उ सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो क बोलवाइ पठएस। तउ
ओन लोगन क राजा क समन्वा लावा गवा। 14राजा
नबूकदनेस्सर ओन लोगने स कहेस, “सद्रक, मेसक अउ
अबेदनगो। का इ फूर अहइ कि तू मोर देवतन क पूजा
नाहीं करत्या? अउर का इ भी सच अहइ कि तू मोरे जरिये
स्थापित कराइ गइ सोना क प्रतिमा क अगवा न तउ निहुरत
अहा, अउर न ही ओकर पूजा करत अहा? 15अब लखा,
तू जब नरसिंहन, बाँसुरियन, सितारन, सात तार क बाजन,
वीणा, सहनाइयन तथा हर तरह क दूसर वाद्य-यन्त्रन क
ध्वनि सुना तउ तोहका सोना क प्रतिमा क अगवा निहुरिके
ओकर पूजा करइ चाही। जदि तू मोरे जरिये बनवाइ गइ उ
मूरति क पूजा करइ क तइयार अहा, तब तउ नीक अहइ
किन्तु जदि ओकर पूजा नाहीं करत अहा तउ तोहका फउरन
धधकत भइ भट्ठी मँ झोंक दीन्ह जाइ। अउर कउनो भी
देवता तोहका मोहस बचाइ नाहीं सकत्या।”

16सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो उत्तर देत भए राजा स
कहेन, “हे नबूकदनेस्सर, हमका तोहका इ बिसय मँ जवाब
देइ क जरूरत नाहीं अहइ। 17जदि, हमार परमेस्सर जेकर
हम उपासना करित ह ओकर अस्तित्व अहइ तउ उ इ बरत
भइ भट्ठी स हमका बचाइ लेइ मँ समर्थ अहइ। तउ राजा,
उ हमका मोरी ताकत स बचाइ लेइ। 18किन्तु राजा, हम इ
चाहित ह कि तू एतना जान ल्या कि जदि परमेस्सर हमार
रच्छा न भी करइ तउ भी हम तोहरे देवतन क सेवा स
इन्कार करित ह। सोना क जउन प्रतिमा तू स्थापित कराया
ह हम ओकर पूजा नाहीं करिब।”

19एह पइ तउ नबूकदनेस्सर किरोध स भड़क उठा। उ
सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो कइँती घिना स लखा। उ
आग्या दिहेस की जेतना उ तपा करत ह, ओका ओहसे सात
गुणा जियादा दहकावा जाइ। 20एकरे पाछे नबूकदनेस्सर

आपन सेना क कछू बहोत मजबूत फउजियन क आग्या
दिहेस कि उ पचे सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो क बाँध
लेइँ। राजा ओन फउजियन क आग्या दिहस कि उ पचे
सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो क धधकत भट्ठी मँ झोकं
देइँ। 21तउ सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो क बाँध दीन्ह गवा
अउ फुन धधकत भट्ठी मँ धकेल दीन्ह गवा। उ पचे
ओकर कमीज़न, पतलून्न अउ टोप तथा दूसर ओढ़नन पहिर
रखे रहेन। 22जउनो समइ राजा इ आग्या दिहे रह्या उ समइ
उ बहोत कोहान रहा, एह बरे उ फउरन ही भट्ठी क बहोत
तपाइ लिहस। आगी एतना जियादा भड़कत रही कि ओकर
लपटन मँ स उ सबइ सक्तिसाली फउजी जर गएन, जब उ
पचे सद्रक, मेसक अउ अबदेनगो क भट्टी मँ ढकेले रहा।
23सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो आगी मँ भहराइ गए रहेन।
ओनका बहोत कसिके बाँधा भवा रहा।
24एह पइ राजा नबूकदनेस्सर उछरिके आपन गोड़न, पइ
खड़ा होइ गवा। ओका बहोत अचरज होत रहा। उ आपन
मंत्रियन स पूछेस, "इ ठीक अहइ न कि हम तउ बस तीन
मनइयन क बँधवाए रहे अउर आगी मँ ओनहीं तीन क
डलवाए रहे।"
ओकर मंत्रियन जवाब दिहन, "हाँ, महाराज।"
25राजा बोला, "लखा, मोका तउ आगी क भीतरे
इघर-उघर घुमत भए चार ठु मनई देखाई देत अहइँ। उ
सबइ बंधे भए नाहीं अहइँ अउर आगी ओनका कछू नाहीं
बिगाड़ बिगाड़ेस ह। लखा, उ चउथा मनई देवता क पूत
जइसा देखाई देत अहइ।"
26एकरे पाछे नबूकदनेस्सर उ बरत भइ भट्ठी क मुँहे पइ
गवा। उ जोर स गोहराइके कहेस, "सद्रक, मेसक अउ
अबेदनगो, बाहेर आवा। सर्वोच्च परमेस्सर क सेवको बाहेर
आवा।"
तउ सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो आगी स बाहेर निकरि
आएन। 27तब उ पचे बाहेर आएन तउ प्रान्त क राज्जपालन,
हाकिमन, अधिपतियन अउ राजा क मंत्रियन ओनके चारिहुँ
तरफ भीड़ लगाइ दिहन। उ पचे देख पावत रहेन कि उ
आगी सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो क छुआ तलक नाहीं
अहइ। ओनकर तन तनिकउ भी नाहीं जरा रहेन। ओनकर
बार झुलसा तलक नाहीं रहेन। ओनकर ओढ़नन क आँच
तलक नाहीं आई रहिन। ओनकर तन स अइसी गंध तलक
नाहीं निकरत रही जइसे उ पचे आगी क आस-पास भी
गवा होइँ।
28फुन नबूकदनेस्सर कहेस, "सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो
क परमेस्सर क स्तुति करा। ओनकर परमेस्सर आपन
सरगदूत क पठइके, आपन सेवकन क आगी स रच्छा
किहेस ह। एन तीनहुँ पूरखन क आपन परमेस्सर मँ आस्था
रही। इ सबइ मोरे आदेस क मानइ स मना कइ दिहेन अउर
दूसर कउनो देवता क सेवा या पूजा करइ क बजाय उ पचे
मरब कबूल किहेन। 29तउ आजु स मइँ इ नेम बनावत हउँ:
कउनो भी लोगन जातियन अउर भासा बोलइवाला कउनो
मनई जदि सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो क परमेस्सर क
विरोध मँ कछू कही तउ ओकर टूकन-टूकन कइ दीन्ह
जइहीं अउ ओकर घर क उ समइ तलक तोड़ा-फोड़ा जाइ
जब तलक उ मलवा अउ राखी क ढेर मात्र न रहि जाइ।
कउनो भी दूसर देवता आपन लोगन क इ तरह नाहीं बचाइ
सकता।" 30एकरे पाछे राजा सद्रक, मेसक अउ अबेदनगो
क बाबुल क प्रदेस मँ अउर जियादा महत्वपूर्ण पद प्रदान
कइ दिहन।

एक ठु बृच्छ क बारे मँ नबूकदनेस्सर क सपना

4 राजा नबूकदनेस्सर सबइ लोगन, जाति अउर भाखा
क, जउन सारी दुनिया मँ बसे भए रहेन, इ पत्र
पठएस तू सबइ क अधिक सान्ति मिली।

2सर्वोच्च परमेस्सर मोर संग जउन अचरज भरी
अद्भूत बातन किहेस ह, ओकरे बारे मँ तोहका बतावत
भए मोका बहोत खुसी अहइ।
3ओकरे कार्य केतँना अद्भुत अहइ। ओकरे चमत्कार
केतँना सक्तिसाली अहइ। परमेस्सर क राज्ज सदा टिका
रहत ह; परमेस्सर क सासन पीढ़ी दर पीढ़ी बना रहत ह।
4मइँ, नबूकदनेस्सर, आपन महल मँ रहेउँ। मइँ प्रसन्न
अउ सफल रहेउँ। 5मइँ एक सपना लखेउँ जउन मोका
डेराइ दिहेस। मइँ आपन बिछउना मँ सोवत रहेउँ। मइँ
तस्वीर अउर दर्सनन क लखेउँ। जउन कछू मइँ लखे
रहेउँ उ मोका बहोत डेराइ दिहस। 6तउ मइँ इ आग्या
दिहेउँ कि बाबुल क सबहिं बुध्दिमान लोगन क मोरे
लगे, लिआवा जाइ ताकि उ पचे मोका सपन क फल
बतावइँ। 7जब जादगर तान्त्रिक, कसदी अउर भविस्यवक्ता
मोरे लगे आबइँ तउ मइँ ओनका आपन सपना क बारे
मँ बताएउँ। किन्तु उ सबइ लोग मोका मोरे सपन क
अर्थ नाहीं बताइ पाएन। 8अंत मँ दानिय्येल मोरे लगे
आवा (मइँ आपन देवता क सम्मानित करइ बरे
दानिय्येल क बेलेतसस्सर नाउँ दिहे रहेउँ। पवित्तर देवतन
क आतिमा क ओहमाँ निवास अहइ।) दानिय्येल क
मइँ आपन सपन कहि सुनाएउँ। 9मइँ ओहसे कहेउँ,
"हे बेलतसस्सर, तू सबहिं तान्त्रिकन मँ सब स बड़का
अहा। मोका पता अहइ कि तोहमाँ पवित्तर देवतन क
आतिमा बास करत अहइ। मइँ जानत हउँ कि कउनो
भी रहस्स क समुझब तोहरे बरे कठिन नाहीं अहइ। मइँ
जउन सपना लखे रहेउँ, उ इ अहइ। तू मोका एकर
अरथ समुझावा। 10जब मइँ आपन बिछउना मँ ओलरा
भवा रहेउँ तउ मइँ दिव्य दर्सन लखे रहेउँ। मइँ लखेउँ
कि मोरे समन्वा धरती क बीचउ-बीच एक बृच्छ खड़ा
अहइ। उ बृच्छ बहोत लम्बा अहइ। 11बृच्छ बड़ा होत
भवा एक बिसाल मजबूत बृच्छ बन गवा। बृच्छ क
चोटी अकास छुअइ लाग। उ बृच्छ क धरती पइ कहूँ
स भी लखा जाइ सकत रहा। 12बृच्छ क पातियन
सुन्नर रहिन। बृच्छ पइ बहोत नीक फल बहोतयात मँ
लगे रहेन अउर उ बृच्छ पइ हर कउनो क लिए भरपूर
खाइ क रहा। जंगली जनावर बृच्छ क नीचे आसरा
पाए भए रहेन अउर बृच्छ क डारन पइ चिरइयन क
बसेरा रहा। हर पसु पच्छी उ बृच्छ स ही भोजन पावत
रहा।

13“अपने बिछउना पइ ओलरे-ओलरे दर्सन मँ मइँ
ओन वस्तुअन क लखत रहेउँ अउर तबहिं एक पवित्तर
सरगदूत क मइँ सरग स नीचे उतरत भए लखेउँ। 14उ
बड़े ऊँचे सुर मँ बोला। उ कहेस, ‘बृच्छ क कांट
लोकावा। एकर टहनियन क काट डाला। एकर पातियन
क नोंच डावा। एकर फलन क चारिहुँ ओर बिखेर
द्या। इ बृच्छ क नीचे आसरा पाए भए पसु कहूँ दूर
पराइ जाइँ। एकर आरन पइ बसेरा किए भए पंछी कहूँ
उड़ जाइँ।

15“किन्तु एकर तना अउर एकर जड़न क धरती मँ
रहइ द्या। एकरे चारिहुँ ओर लोहा अउ काँसे क एक
बंधेज बाँध द्या। अपने आस-पास उगी घास क संग
एकर तना अउर एकर जड़न धरती मँ रहिहीं। जंगली
पसुअन अउ पेड़ पौधन क बीच इ खेतन मँ रही। ओस
स उ नम होइ जाइ। 16उ जियादा समइ तलक मनई
क तरह नाहीं सोची। ओकर मन पसु क मन जइसा
होइ जाइ। ओकर अइसा ही रहत भए सात ऋतु चक्र
(बरिस) बीत जाई।’

17“एक पवित्तर सरगदूत इ दण्ड क घोसणा किहे रहा
ताकि धरती क सबहिं लोगन क इ पता चल जाइ कि
मनइयन क राज्जन क ऊपर परम प्रधान परमेस्सर सासन
करत ह। परमेस्सर जेका भी चाहत ह। एन राज्जन क
दइ देत ह अउर परमेस्सर ओन राज्जन पइ सासन करइ
बरे विनम्र मनइयन क चुनत ह।

18“बस मइँ (राजा नबूकदनेस्सर) सपना मँ इहइ
लखेउँ ह। अब हे बेलतसस्सर। तू मोका इ बतावा कि
इ सपना क अरथ का अहइ? मोरे राज्ज क कउनो भी
बुध्दिमान मनई मोका इ सपना क फल नाहीं बताइ
पावत अहइ। किन्तु हे बेलतसस्सर, तू मोरे इ सपना क
व्याख्या कइ सकत ह काहेकि तोहमाँ पवित्तर परमेस्सर
क आतिमा निवास करत अहइ।”

19तब दानिय्येल (जेकर नाउँ बेलतसस्सर भी रहा) थोड़ी
देर बरे एक दम चुप होइ गवा। जिन बातन क उ सोचत
रहा, उ सबइ ओका बियाकुल किहे डावत रहिन। तउ राजा
ओहसे कहेस, “हे बेलतसस्सर, तू उ सपना या उ सपना क
फल स भय भीत जिन हवा।”

एह पइ बेलतसस्सर राजा क उत्तर दिहेस, “हे मोर
सुआमी, कास इ सपना तोहरे दुस्मनन चइ पड़इ अउर एकर
फल, जउन तोहरे विरोधी अहइँ, ओनका मिलइ।” 20तू
आपन सपना मँ एक बृच्छ लखे रहेउँ। उ बृच्छ बड़ा भवा
अउर मजबूत बन गवा। बृच्छ क चोटी आसमान छुअत
रही। धरती मँ हर कहूँ स उ बृच्छ देखाई देत रहा। 21ओकर
पातियन सुन्नर रहित अउर ओह पइ बहोतयात मँ फल लगे
रहेन। ओन फलन स हर कउनो क पर्याप्त भोजन मिलत
रहा। जंगली पसुअन क तउ उ घर ही रहा अउर ओकर
डारन पइ चिरइयन बसेरा किया भए रहेन। तू सपना मँ
अइसा बृच्छ लखे रह्या। 22हे राजा, उ बृच्छ आप ही
अहइँ। आप महान अउर सक्तिसाली बन चुका अहइँ। आप
उ ऊँच बृच्छ क समान अहइँ जउन अकास छुइ लिहेस ह
अउर आप क सक्ति धरती क सुदूर भागन तलक पहुँची
भई अहइँ।

23“हे राजा, आप एक पवित्तर सरगदूत क अकासे स
नीचे उतरत लखे रह्या। सरगदूत कहे रहा बृच्छ क काट
डावा अउर ओका नस्ट करा। बृच्छ क तना पइ लोहा अउ
काँसे क बंधज डाइ द्या अउर एकर तना अउ जड़न क
धरती मँ ही छोड़ द्या। खेत मँ घास क बीच एका रहइ
द्या। ओस स ही इ नमी लेत रही। उ कउनो जंगली पसु
क रूप मँ रहा करी। एकर रहइ हाल मँ सात ऋतु-चक्र
बीत जइहीं।

24“हे राजा, आपक सपन क फल इहइ अहइ। सर्वोच्च
परमेस्सर मोर सुआमी राजा क बरे एन बातन क घटइ क
आदेस दिहस ह। 25हे राजा नबूकदनेस्सर, प्रजा स दूर चला
जाइ क बरे आप क मजबूर कीन्ह जाइ। जंगली पसुअन क
बीच आप क रहइ क होइ। मवेसियन क तरह आप घास
स पेट भरिहीं अउर ओस स भिगिहीं। सात ऋतु चक्र बीत
जइहीं अउर फुन ओकरे बाद तू इ स्वीकार करब्या कि
सर्वोच्च परमेस्सर मनइयन क साम्राज्यन पइ सासन करत ह
अउर उ जेका भी चाहत ह, ओका राज्ज दइ देत ह।

26“बृच्छ क तना अउ ओकर जड़न क धरती मँ छोड़ देइ
क आदेस क अरथ इ अहइ कि आप क साम्राज्य आप क
वापस मिलि जाइ। किन्तु इ उहइ समइ होइ जब तू इ जान
जाब्या कि तोहरे राज्ज पइ सर्वोच्च परमेस्सर क ही सासन
अहइ। 27एह बरे हे राज, आप कृपा कइके मोर सलाह
माना। मइँ आप क इ सलाह देत हउँ कि आप पाप करब
तजि देइँ अउर जउन उचित अहइ, उहइ करइँ। कुकरमन क
त्याग कइ देइँ। गरीबन पइ दयालु होइँ। तबहिं आप सफल
बना रहि सकिहीं।”

28इ सबहिं बातन राजा नबूकदनेस्सर क संग घटिन। 29इ
सपना क बारह महीना बाद जब राजा नबूकदनेस्सर बाबुल मँ
आपन महल क छत पइ घूमत समइ, 30तउ उ आपन आप
स किहा, “उ मइँ हउँ जउन कि इ महान बाबुल क निमार्ण
किहेउँ ह। इ महल मोर अहइ। मइँ आपन सक्ति स इ
बिसाल नगर क निर्माण किहेउँ ह। इ ठउर क निर्माण मइँ
इ देखाइ बरे किहेउँ ह कि मइँ केतना खुस हउँ।”

31इ सबइ सब्द अबहिं ओकरे मुँह मँ ही रहेन कि एक
अकासवाणी भई। अकासवाणी कहेस, “राजा नबूकदनेस्सर,
तोहरे संग इ सबइ बातन घटिहीं। राजा क रूप मँ तोहसे
तोहार सक्ति छोर लीन्ह गइ अहइ। 32तोहका आपन लोगन
स दूर जाब होइ। जंगली पसुअन क संग तोहार निवास
होइ। तू ढोरन क तरह घास खाब्या। एहसे पहिले कि तू
सबक सीखा कि मनई क राज्जन पइ सर्वोच्च परमेस्सर
सासन करत ह अउर सर्वोच्च उ जेका चाहत ह, ओका राज्ज
दइ देत ह सात ऋतु-चक्र बीत जइहीं।”

33फुन फउरन ही इ सबइ बातन घट गइन। नबूकदनेस्सर
क लोगन स दूर जाइ बरे मज़बूर कीन्ह गवा। उ गाइयन क
तरह घास खाब सुरू कइ दिहस। उ ओस मँ भीगा। कउनो
उकाब क पंखन क तरह ओकर बार बढ़ गएन अउर
ओकर नाखून अइसे बढ़ गएन जइसे कउनो पंछी क पंजन
क नाखून होत हीं।

34फुन उ समइ क अंत मँ मइँ, नबूकदनेस्सर ऊपर सरग
क कइँती लेखा अउर मोर सोचइ समुझइ क बुद्धि फिर स
ठीक होइ गवा। तउ मइँ सर्वोच्च परमेस्सर क स्तुति किहेउँ,
जउन सदा अमर अहइ, मइँ ओका आदर प्रदान किहेउँ
अउर ओका गुनगान किहेउँ।

परमेस्सर सासन हमेसा करत ह। ओकर राज्ज पीढ़ी दर
पीढ़ी बना रहत ह। 35इ धरती क सबइ लोग महत्वपूर्ण
नाहीं अहइँ। परमेस्सर सरग क सक्तियन अउर धरती क
लोगन क संग जउन चाहत ह उहइ करत ह। उ जउन
करइ चाहत ह ओका उ करइ स कउनो भी नाहीं रोक
सकत ह। ओकर ससक्त हाथ जउन कछू उ करत ह ओह
पइ कउनो नाहीं सवाल करत ह।

36तउ, उ औसर पइ परमेस्सर मोका मोर बुद्धि फुन
दइ दिहेस अउर उ एक राजा क रूप मँ मोर बड़ा
मान, सम्मान अउ सक्ति भी वापस लउटाइ दिहस। मोर
मंत्री अउर मोर राजकीय लोग फुन मोरे लगे आवइ
लागेन। मइँ फुन स राजा बन गएउँ। मइँ पहिले स भी
जियादा महान अउ सक्तिसाली होइ गवा रहेउँ। 37लखा,
अब मइँ, नबूकदनेस्सर सरग क राजा क स्तुति करत
हउँ तथा ओकर उपासना करत हउँ, ओका आदर देत
हउँ अउर ओकरे गुनगान करत हउँ। उ जउन कछू
करत ह, ठीक करत ह। उ हमेसा निआव स पूर्ण
अहइ। ओहमाँ अहंकारी लोगन क विनम्र बनाइ देइ क
छमता अहइ।

देवार पइ अभिलेख

5 राजा बेलसस्सर आपन एक हजार अधिकारियन क एक
बड़की दावत दिहेस। राजा ओकरे संग दाखरस पिअत
रहा। 2राजा बेलसस्सर दाखरस पिअत भए आपन सेवकन क
सोना अउ चाँदी क पियाला लिआवइ क कहेस। इ सबइ उ
सबइ पियालन रहेन जेनका ओकर पिता नबूकदनेस्सर यरूसलेम
क मन्दिर स लिहे रहा। राजा बेलसस्सर चाहत रहा कि
ओकर साही लोग, ओकर मेहररूअन अउ ओकर उप
पत्नियन इन पियालन स दाखरस पिअइँ। 3तउ सोना क उ
सबइ पियालन लिआवा गएन जेनका यरूसलेम मँ परमेस्सर
क मन्दिर स उठावा गवा। फुन राजा अउ ओकर अधिकारियन,
ओकर रानियन तथा ओकर उप पत्नियन, ओन पियालन स
दाखरस पिया किहेन। 4दाखरस पिअत भए उ पचे आपन
देवतन क मूरतियन क स्तुति करत रहेन। उ पचे ओन देवतन
क स्तुति किहेन जउन देवता सोना, चाँदी, काँसा, लोहा,
काठ अउ पाथर क मूरति पात्र रहेन।

5उहइ समइ एकाएक कउनो मनई क एक हाथ परगट
भवा अउ देवार पइ लिखइ लाग। ओकर अँगुरियन देवार
क लेप क कुरेदत भइ सब्द लिखइ लागिन। देवार क लगे
राजा क महल मँ उ हाथ देवार पइ लिखेस। हाथ जब
लिखत रहा तउ राजा ओका लखत रहा।

6राजा बेलसस्सर बहोत भयभीत होइ उठा। डर स ओकर
मुँह पिअर पड़ गवा अउर ओकर घुटनन इ तरह काँपइ
लागेन कि उ सबइ आपुस मँ टकरात रहेन। ओकर गोड़
एतना बलहीन होइ गएन कि उ खड़ा भी नाहीं रहि पावत
रहा। 7राजा तान्त्रिकन अउ कसदियन क अपने लगे
बोलवाएस अउर ओनसे कहेस, “मोका जउन कउनो भी इ
लिखावट क पढ़कर बताइ अउर मोका ओकर अरथ
समुझाइ देइ, मइँ ओका पुरस्कार देब। उ मनई क मइँ
बैंगनी पोसाक भेटं करब। मइँ ओकरे गले मँ सोना क हार
पहिराउब अउर मइँ ओका आपन राज्ज क तीसर सबसे बड़ा
सासक बनाइ देब।”

8तउ राजा क सबहिं बुद्धिमान मनई हुवाँ आइ गएन
किन्तु उ सबइ उ लिखावट क नाहीं पढ़ि सकेन। उ पचे
समुझ ही नाहीं सकेन कि ओकर अरथ का अहइँ। 9राजा
बेलसस्सर क हाकिम चक्कर मँ पड़े भए रहेन अउर राजा
तउ अउर भी जियादा भयभीत अउर चिंतित रहा। ओकर
मुँह डर स पीला पड़ा भवा रहा।

10तबहिं जहाँ उ दावत चलत रही, हुवाँ राजा क महतारी
आइ। उ राजा अउर ओकर राजकीय अधिकारियन क
आवाजन सुन रिहे रहिन, उ कहेस, “हे राजा, चिरंजीव रहा।
डेरा जिन। तू आपन मुँह क डर स एतना पीला जिन पड़इ
द्या। 11लखा, तोहरे राज्ज मँ एक अइसा मनई अहइ जेहमाँ
पवित्तर देवतन क आतिमा बसत ह। तोहरे बाप क दिनन मँ
इ मनई इ दरसयि रहा कि ओकरे लगे देवतन क बुद्धि क
नाईं बुद्धि अउर समुझ अहइ। तोहार पिता नबूकदनेस्सर इ
मनई क सबहिं बुद्धिमान मनइयन पइ, तान्त्रिकन अउ
कसदियन पइ मुखिया नियुक्त किहे रहा। 12मइँ जउन मनई
क बारे मँ बातन करत हउँ ओकर नाउँ दानिय्येल अहइ।
किन्तु राजा ओका बेलतसस्सर क नाउँ दइ दिहे रहा।
बेलतसस्सर बहुत चुस्त अहइ अउर बहुत स बातन जानत ह।
उ सपनन क व्याख्या कइ सकत ह। पहेलियन क समझाइ
सकत ह। अउर कठिन स कठिन हलन क सुलझाइ सकत
ह। तू दानिय्येल क बोलवा। देवारे पइ जउन लिखा बाटइ,
ओकर अरथ तोहका उहइ बताई।”

13तउ उ सबइ दानिय्येल क राजा क लगे लइ आएन।
राजा दानिय्येल स कहेस, “का तोहार नाउँ दानिय्येल अहइ?
मोर पिता महाराज यहूदा स जिन लोगन क बंदी बनाइके
लिआए रहेन, का तू ओनमाँ स एक अहा? 14मइँ सुनेउँ ह,
कि देवता क आतिमा क तोहमाँ निवास अहइ अउर मइँ इ
भी जानेउँ ह कि तोहमाँ महान अन्तदृस्टि अहइ। तू बहोत
चुस्त अउ बुद्धिमान अहा।

15“बुद्धिमान मनई अउ तान्त्रिकन क इ देवार क
लिखावट क समुझावइ बरे मोरे लगे लिआवा गवा। मइँ
चाहत रहेउँ कि उ सबइ लोग उ लिखावट क अरथ
बतावइँ। किन्तु देवार पइ लिखी इ लिखावट क व्याख्या उ
पचे मोका नाहीं दइ पाएन। 16मइँ तोहरे बारे मँ सुनेउँ ह कि
तू बातन क अर्थ क व्याख्या कइ सकत ह अउर तू अत्यन्त
कठिन समस्यन क उत्तर भी ढूँढ़ सकत ह। जदि देवार क इ
लिखावट क तू पढ़ द्या अउर एकर अरथ तू मोका
समुझाइ द्या तउ मइँ तोहका उ सबइ चिजियन देब। मइँ
तोहका बैंगनी रंग क पोसाक प्रदान करब, तोहरे गले मँ
सोना क हार पहिराउब। फुन तउ तू इ राज्ज क तीसर सब
स बड़का सासक बन जाब्या।”

17एकरे पाछे दानिय्येल राजा क उत्तर देत भए कहेस, “हे
राजा बेलसस्सर, तू आपन उपहार अपने लगे रखा, अथवा
चाहा तउ ओनका कउनो अउर क दइ द्या। मइँ तोहका
वइसे ही देवार क लिखावट पढ़ देब अउर ओकर अरथ का
अहइ, इ तोहका समुझाइ देब।
18“हे राजा, सर्वोच्च परमेस्सर तोहार पिता नबूकदनेस्सर क
एक महान सक्तिसाली राजा बनाए रहेउँ। परमेस्सर ओनका
बहोत अधिक स अधिक महत्वपूर्ण बनाए रहा। 19सबइ रास्ट्र
नबूकदनेस्सर स डरा करत रहेन काहेकि सर्वोच्च परमेस्सर
ओक एक बहोत बड़का राजा बनाए रहा। जदि नबूकदनेस्सर
कउनो क मार डावइ चाहत तउ ओका मार दीन्ह जात रहा
अउर जदि उ चाहत कि कउनो मनई जिअत रहइ तउ
ओका जिअत रहइ दीन्ह जात रहा। ओनका जेका उ उन्नती
देइ चाहत रहा तउ ओका उन्नती देइ दीन्ह जात रहा।
ओनका जेका उ विनम्र बनाइ चाहत रहा तउ ओका विन्रम
बनाइ दीन्ह जात रहा।
20“किन्तु नबूकदनेस्सर क अभिमान होइ गवा अउर उ
हठीला बन गवा। तउ परमेस्सर क जरिये ओहसे ओकर
सक्ति छोर लीन्ह गइ। ओका ओकर राज सिंहासन स उतार
फेंका गवा अउ ओका महिमा विहीन बनाइ दीन्ह गवा।
21एकर पाछे लोगन स दूर पराइ जाइ क बरे नबूकदनेस्सर
क मजबूर कीन्ह गवा। ओकर सोचइ समुझइ क बुद्धि
कउनो पसु क बुद्धि जइसी होइ गइ। उ जंगली गदहन क
बीच रहइ लगा अउर डोरन क तरह घास खात रहा। उ
ओस मँ भीगा। जब तलक ओका सबक नाहीं मिल गवा,
ओकरे संग अइसा ही होत गवा। फिन ओका इ गियान
होइ गवा कि मनई क राज्ज पइ सर्वोच्च परमेस्सर क ही
सासन अहइ। अउर साम्राज्जन क ऊपर सासन करइ बरे उ
जउन कउनो क भी चाहत ह, नियुक्त कइ देत ह।
22“किन्तु हे बेलसस्सर, तू तउ एन बातन क जानत ही
अहा। तू नबूकदनेस्सर क पूत अहा किन्तु फुन भी तु अपने
आप क विनम्र नाहीं बनाया। 23नाहीं तू विनम्र तउ नाहीं भया
अउ उल्टे सरग क सुआमी क खिलाफ होइ गया। तू
ओकरे मन्दिर क पात्रन अउर पिआलन क अपने लगे
लिआवइ क आग्या दिहा अउर फुन तू, तोहरे साही
हाकिमन, तोहार मेहरूअन, तोहार उप पत्नियन ओन पिआलन
मँ दाखरस पिएन। तू चाँदी, सोना, काँसा, लोहा, काठ अउर
पाथर क देवतन क गुण गाया। उ पचे फुरइ क देवता नाहीं
अहइँ। उ पचे लख नाहीं सकतेन, सुन नाहीं सकतेन तथा उ
पचे कछू समुझ भी नाहीं सकतेन। उ पचे जानइ क सामर्थ
नाहीं अहइ कि तू ओनका स्तुति करत ह। तू उ परमेस्सर क
आदर नाहीं दिहा, जेकर जिन्नगी या जउन कछू भी तू करत
अहा, ओह पइ अधिकार अहइ। 24तउ एह बरे, परमेस्सर उ
हाथे क पठएस जउन देवार पइ लिखेस। 25देवार पइ जउन
सब्द लिखा गवा अहइँ, उ सबइ इ सबइ अहइँ:

मने, मने तकेल, ऊपर्सीन।
26“एन सब्दन क अरथ अहइ, मने: अर्थात् परमेस्सर
तोहरे सासन क दिन गन लिहेस ह अउर उ ओकरे
अन्त लिआएस ह।
27तकेल: अर्थात् तराजू पइ तोहका तौल लीन्ह गवा
ह अउर तू पूरा नाहीं उतरा ह।
28ऊपर्सीन: अर्थात् तोहसे तोहार राज्ज छोरा जात अहइ
अउर ओकर बँटवारा होत अहइ। इ राज्ज मादियन अउ
फारसिदन क लोगन क दइ दीन्ह जाइ।”

29एकरे पाछे बेलसस्सर आग्या दिहेस कि दानिय्येल क
बैंगनी बेसभूसा पहिराइ जाइ। ओकरे गले मँ सोने क हार
पहिराइ दीन्ह जाइ अउर इ घोसणा कइ दीन्ह गइ कि उ
राज्ज मँ तीसरा सबस बड़कवा सासक होइ। 30उहइ रात,
बेलसस्सर, बाबुल क प्रजा क राजा बध कइ दीन्ह गवा।
31मादे क रहइवाला एक मनई जेकर नाउँ दारा रहा अउर
जेकर आयु कउनो बासठ बरिस क रही, हुवाँ क नवा राजा
बना।

दानिय्येल अउ सिंह

6 दारा राज्ज पइ हुकुमत करइ बरे ओकर मदद बरे एक
सौ बीस प्रान्तीय अधिकारियन क नियुक्त करइ क
निहचय किहा। 2अउर एकरे बरे उ एक सौ बीस प्रान्त-
अधिपतियन क ऊपर हुकूमत करइ बरे तीन ठु मनइयन क
अधिकारी नियुक्त कइ दिहस। इ तीनहुँ देख-रेख करइवालन
मँ एक रहा दानिय्येल। एन तीन मनइयन क नियुक्ति राजा
एह बरे किहे रहा कि कउनो ओकरे संग छल न कइ पावइ
अउर ओकर राज्ज क कउनो भी हानि न होइ। 3दानिय्येल इ
कइ देखाएस कि उ दूसर पर्यवेच्छकन स जियादा उत्तिम
अहइ। दानिय्येल इ काम आपन उत्तम मानिसक जागतन
अउर महान अन्तदृस्टि क कारण सम्पनन कइ सकेस। राजा
दानिय्येल स एतना जियादा प्रभावित भवा कि उ दानिय्येल
क सारी हुकूमत क हाकिम बनावइ क सोचेस। 4किन्तु जब
दूसर पर्यवेच्छकन अउ प्रान्त अधिपतियन एकरे बारे मँ सुनेन
तउ ओनका दानिय्येल स जलन होइ लाग। उ पचे ओका
कोसइ क बरे कारण ढूँढइ क जतन करइ लागेन। किन्तु
फुन भी उ पचे ओकरे काम मँ कउनो दोख या कउनो
भ्रस्ट नाहीं ढूँढ पाएन। तउ उ पचे ओह पइ कउनो गलत
काम करइ क दोख नाहीं लगाइ सकेन। काहेकि दानिय्येल
बहोत ईमानदार अउ भरोसेमन्द मनई रहा। उ पचे ओहमाँ
कउनो दोख नाहीं ढूँढ पाएन।
5आखिरकार ओन लोग कहेन, “दानिय्येल पइ कउनो
बुरा काम करइ क दोख लगावइ क वजह हम कबहुँ नाहीं
ढूँढ़ पाउब। एह बरे हमका सिकाइत क बरे कउनो अइसी
बात ढूँढ़इ चाही जउन ओकर परमेस्सर क नेमन स सम्बन्ध
रखत होइ।”
6तउ उ पचे दुइनउँ पर्यवेच्छक अउर उ सबइ प्रान्त-
अधिपति टोली बनाइके राजा क लगे गएन। उ पचे कहेन,
“हे राजा दारा, तू अमर रहा। 7हम सबहिं पर्यवेच्छक,
हाकिम, प्रान्त - अधिपति, मंत्री अउर राज्जपाल एक बात
पइ सहमत अहइ कि राजा क इ नेम बनाइ देइ चाही अउर
हर मनई क इ नेम क पालन करइ चाही। उ नेम इ अहइँ,
‘जदि अगले तीस दिनन तलक कउनो भी मनई, आपक
तजिके कउनो अउर देवता या मनई क पराथना करइ तउ उ

मनई क सेरन क माँद मँ डाइ दीन्ह जाइ। **8**अब हे राजा!
जउने कागज पइ नेम लिखा अहइ, तू ओह पइ हस्ताच्छर
कइ द्या। इ तरह स इ नेम कबहुँ बदला नाहीं जाइ सकी।
काहेकि मीदियन अउ फारसियन क नेम न तउ बदले जाइ
सकत हीं।" **9**तउ राजा दारा इ नेम बनाइके ओह पइ
हस्ताच्छर कइ दिहेस।

10हर दिन तीन दाईं दानिय्येल अपने घुटनन क बल
निहुरिके आपन परमेस्सर क पराथना करत रहेन अउर आपन
परमेस्सर क सुकरिया अदा किहेन। दानिय्येल जब इ नवे नेम
क बारे मँ सुनेस तउ उ अपने घर चला गवा। दानिय्येल
आपन मकान क छत क ऊपर, आपन कमरा मँ चला
गवा। दानिय्येल ओन खिड़कियन क लगे गवा जउन
यरूसलेम क तरफ खुलत रहिन। फिन उ आपन घुटनन क
बल निहुरा अउर जइसे सदा किया करत रहा, उ वइसे ही
पराथना किहेस।

11फिन उ सबइ लोग झुण्ड बनाइके दानिय्येल क हिआँ
जाइ पहुँचेन। हुवाँ उ पचे दानिय्येल क पराथना करत अउ
परमेस्सर स दाया माँगत पाएन। **12**बस फुन का रहा। उ
सबइ लोग राजा क लगे पहुँचेन अउर उ पचे राजा स उ
नेम क बारे मँ बात किहन जउन उ बनाए रहा। उ पचे
कहेन, "हे राजा दारा, आप एक नेम बनाए रहेन। जेकरे
अनुसार अगले तीस दिनन तलक जदि कउनो मनई कउनो
देवता स या तोहरे अलावा कउनो मनई स पराथना करत ह
तउ, हे राजा, ओका सेरन क माँद मँ फेंकवाइ दीन्ह जाइ।
बतावइँ का आप इ नेम पइ हस्ताच्छर नाहीं किहे रहेन?"

राजा जवाब दिहस, "हाँ, मइँ उ नेम पइ हस्ताच्छर किहे
रहेउँ अउर मादियन अउ फारसियन क नेम अटल होत हीं।
न तउ उ सबइ बदले जाइ सकत हीं, अउर न ही मिटावा,
जाइ सकत हीं।"

13एह पइ ओन राजा स कहेन, "दानिय्येल नाउँ क उ
मनई आप क बात पइ धियान नाहीं देत अहइ। दानिय्येल
यहूदा क बन्दियन मँ स एक अहइ। जउने नेम पइ आप
हस्ताच्छर किहेन ह, उ ओह पइ धियान नाहीं देत अहइ।
दानिय्येल अबहुँ भी हर दिन तीन दाईं अपने परमेस्सर क
पराथना करत ह।"

14राजा जब इ सुनेस तउ उ बहोत दु:खी अउ बियाकुल
होइ उठा। राजा दानिय्येल क बचावइ चाहत रहा। एह बरे
ओका बचावइ क कउनो उपाय सोचत सोचत राजा सारा
दिन बिताइ दिहेस अउर साम होइ गइ। **15**एकरे बाद उ
सबइ लोग एक झुण्ड बनाइके राजा क लगे पहोंचने। उ
पचे राजा स कहेन, "हे राजा, मादियन अउ फारसियन क
ब्यवस्था क अनुसार या हुकूम पइ राजा हस्ताच्छर कइ देइ,
उ न तउ कबहुँ बदला जाइ सकत ह अउर न ही कबहुँ
मिटावा जाइ सकत ह।"

16तउ राजा दारा आदेस दइ दिहेस। उ सबइ लोग
दानिय्येल क धइ लाएन अउर ओका सेरन क माँद मँ
लोकाइ दिहेन। राजा दिनिय्येल स कहेस, "मोका आसा
अहइ कि तू जउन परमेस्सर क हमेसा उपासना करत ह, उ
तोहार रच्छा करी।" **17**एक बड़ा सा पाथर लिआवा गवा
अउर ओका सेरन क माँद क दुआर पइ भेड़ दीन्ह गवा।
फुन राजा आपन अँगूठी लिहेस अउर उ पाथर पइ आपन
मुहर लगाइ दिहस। साथ ही उ आपन हाकिमन क
अंगूठियन क मुहरन भी उ पाथर पइ लगाइ दिहस। एकर
इ अभिप्राय रहा कि उ पाथर क कउनो भी हटाइ नाहीं
सकत अउर सेरन क उ माँद स दानिय्येल क बाहेर नाहीं
लाइ सकत रहा। **18**एकरे पाछे राजा दारा आपन महल क
वापस चला गवा। उ पूरी रात उपवास किहेस। उ नाहीं
चाहत रहा कि कउनो ओकरे लगे आवइ अउर ओकर मन
बहलावइ। राजा सारी रात सोइ नाहीं पाएस।

19दूसरे दिन भिन्सारे जइसे ही सूरज रोसनी फइलइ लाग,
राजा दारा जाग गवा अउ सेरन क माँद कइँती दउड़ा।
20राजा बहोत चिंतित रहा। राजा जब सेरन क माँद क लगे
गवा तउ हुवाँ उ दानिय्येल क जोर स अवाज लगाएस।
राजा कहेस, "हे दानिय्येल, हे जिअत परमेस्सर क सेवक,
का तोहार परमेस्सर, जेकर तू हमेसा उपासना करत ह,
तोहका सेरन स बचावइ मँ सामर्थ भवा ह?"

21दानिय्येल जवाब दिहेस, "राजा, अमर रहइँ। **22**मोर
परमेस्सर मोका बचावइ बरे सरगदूत पठए रहा। उ सरगदूत
सेरन क मुँह बन्द कइ दिहेस। सेरन मोका कउनो हानि नाहीं
पहोंचाएन काहेकि मोर परमेस्सर जानत ह कि मइँ निरपराध
हउँ। मइँ राजा क बरे कबहुँ कउनो बुरा नाहीं किहेउँ ह।"

23राजा दारा बहोत खुस रहा। राजा आपन सेवकन क
हुकूम दिहेस कि उ पचे दानिय्येल क सेरन क माँद स बाहेर
हींच लेइँ। जब दानिय्येल क सेरन क माँद स बाहेर लिआवा
गवा तउ ओका ओह पइ कउनो जखम नाहीं देखाइ दिहस।
सेरन दानिय्येल क कउनो भी तरह क हानि नाहीं पहोंचाए
रहा। काहेकि उ आपन परमेस्सर पइ बिस्सास किहेस।

24एकरे पाछे राजा ओन लोगन क जउन दानिय्येल पइ
अभियोग लगाइके ओका सेरन क माँद मँ डलवाए रहेन,
बोलवावइ क आदेस दिहस अउर ओन लोगन क, ओनकर
मेहररूअन क अउर ओनके गदेलन क सेरन क माँद मँ
फेंकवाइ दिहे रहा। एहसे पहिले कि उ पचे सेरन क माँद मँ
धरती पइ गिरतेन, सेरन ओनका दबोच लिहन। सेर ओनके
तनन क खाइ गएन अउर फुन ओनकर हाड़न क चूर-चूर
कइ दिहेन।

25एह पइ राजा दारा सारी धरती क लोगन, दूसर जाति
क अलग - अलग भासा बोलइवालन क इ पत्र लिखेस:

"सुभकामनाऐं
26मइँ एक ठु नेम बनावत हउँ। मोरे राज्ज क हर
भाग क लोगन क बरे इ नेम होइ। तू पचे सबहिं
लोगन क दानिय्येल क परमेस्सर क भय मानइ चाही
अउर ओकर आदर करइ चाहीं।

दानिय्येल क परमेस्सर जिअत अहइ। परमेस्सर सदा-सदा
अमर रहत ह। साम्राज्ज कबहुँ ओकर खतम नाहीं होइ
ओकरे सासन क अंत कबहुँ नाहीं होइ **27**परमेस्सर
लोगन क बचावत ह अउर रच्छा करत ह। सरग मँ
अउ धरती क ऊपर परमेस्सर अद्भूत अचरजे स भरा
करम करत ह। परमेस्सर दानिय्येल क सेरन स बचाइ
लिहेस।"

28इ तरह जब दारा क राज रहा अउर जिन दिनन फारसी
राजा कुसू क हुकूमत रही, दानिय्येल सफलता प्राप्त किहस।

चार पसुअन क बारे मँ दानिय्येल क सपना

7 बेलसस्सर क बाबुल पइ सासन काल क पहिले बरिस
दानिय्येल क एक ठु सपना आवा सपने मँ आपन
पलंग पइ ओलरे भए दानिय्येल, इ सबइ दर्सन लखेन।
दानिय्येल जउन सपना लखे रहा, ओका लिख लिहस।
2दानिय्येल बताएस, "राति मँ मइँ सपना मँ एक दर्सन पाएउँ।
मइँ लखेउँ कि चारिहुँ दिसा स हवा बहत अहइ अउर ओन
हवा स सागर उफनइ लाग। 3फुन मइँ तीन पसुअन क
लखेउँ। हर पसु दूसर पसु स भिन्न रहा। उ पचे चारिहुँ पसु
समुद्र मँ स उभरिके बाहर निकरे रहेन।
4"ओनमाँ स पहिला पसु सिहं क समान देखाइ देत रहा
अउर उ सिहं क उकाब क जइसे पंख रहेन। मइँ उ पसु क
लखेउँ। फुन मइँ लखेउँ कि ओकर पंख उखाड़ फेंका गवा
अहइँ। धरती पइ स उ पसु क इ तरह उठावा गवा जेहसे
उ कउनो मनई क समान आपन दुइ गोड़न पइ खड़ा होइ
गवा। ऍका मनई क दिमाग दइ दीन्ह गवा रहा।
5"अउर फुन मइँ लखेउँ कि मोरे समन्वा एक अउर दूसर
पसु मौजूद अहइ। इ पसु एक भालू क नाईं रहा। उ आपन
एक बगल पइ उठा भवा रहा। उ पसु क मुहँ स दाँतन की
बीच तीन पसलियन रहिन। उ भालू स कहा गवा रहा, 'उठा
अउर तोहका जेतना चाही ओतना माँस खाइ ल्या।'
6"एकरे पाछे, मइँ लखेउँ कि मोरे समन्वा एक अउर पसु
खड़ा अहइ। इ पसु चीते जइसा लगत रहा अउर उ चीता
क पिठिया पइ चार पंख रहेन। पंख अइसे लगत रहेन,
जइसे उ पचे कउनो चिरइया क पंख होइँ। इ पसु क चार
ठु सिर रहेन, अउर ओका हुकूमत क अधिकार दीन्ह गवा
रहा।
7"एकरे पाछे, सपना मँ रात क मइँ लखेउँ कि मोरे
समन्वा एक अउर चौथा जनावर खड़ा अहइ। इ जनावर
बहोतइ खूँखार अउर भयानक लगत रहा। उ बहोत मजबूत
देखाई देत रहा। ओकरे लोहे क लम्बे-लम्बे दाँत रहेन। इ
जनावर अपने सिकारन क कुचर कइके खाइ डावत रहा
अउर सिकार क खाइ चुकइ क पाछे जड़न कछू बचि रहत,
उ ओका आपन गोड़न क तरे कुचरि डावत रहा। इ पसु स
पहिले मइँ सपना मँ जउन पसु लखे रहेउँ, उ चउथा पसु
ओन स अलग रहा। इ पसु क दस ठु सींग रहेन।
8"अबहिं मइँ ओन सींगन क बारे मँ सोच ही रहेउ कि
ओन सींगन क बीच एक ठु अउर सींग जमि आवा। इ
सींग बहोत छोट रहा। इ छोटे सींग पइ आँखिन रहिन,
अउर उ सबइ आँखिन कउनो मनई क आँखिन जइसी
रहिन। इ छोटके सींग मँ एक मुँह भी रहा अउर उ खुद क
प्रसंसा करत रहा। इ छोटका सींग दूसर सींगन मँ स तीन ठु
सींग उखाड़ फेकेस।

चउथे पसु क निआव

9"मोर लखत ही लखत, ओनकी जगह पइ सिंहासन रखे
गएन अउर उ सनातन राजा* सिंहासन पर बिराज गवा।
ओकर ओढ़ना बहोतइ उज्जर रहेन, उ सबइ ओढ़नन बर्फ
जइसे सफेद रहेन। ओकर सिंहासन आगी क बना रहा अउर
ओकर पहियन लपटन स बना रहेन। 10प्राचीन राजा क
समन्वा एक आगी क नदी बहत रही। लाखों करोड़ों लोग
ओकर सेवा मँ रहेन। ओकरे समन्वा करोड़न दास खड़ा
रहेन। निआवधीस ओकर समन्वा बइठेस अउर पुस्तकन
खोली गइ होइँ।
11"मइँ लखत क लखत रहि गएउँ काहेकि उ छोटका
सींग डीगंन मारत रहा। मइँ उ समइ तलक लखत रहेउँ जब
अन्तिम रूप स चउथे पसु क हत्तिया कइ दीन्ह गइ। ओकरी
देह क नस्ट कइ दीन्ह गवा अउर ओका धधकत आगी मँ
डाइ दीन्ह गवा। 12दूसर पसुअन क सक्ति अउर राजसत्ता
ओहसे छीन लीन्ह गएन। किन्तु एक निहचित समइ तक
ओनक जिअत रहइ दीन्ह गवा।
13"राति क मइँ आपन दिव्व सपन मँ लखेउँ कि मोर
समन्वा कउनो खड़ा अहइ, जउन मनई जइसा देखाई देत
रहा। उ अकास मँ बादरन पइ सवार होइके आवत रहा। उ
उ सनातन राजा क लगे आवा रहा। तउ ओका ओकरे
समन्वा लइ आवा गवा।
14"उ जउन मनई क समान देखाई देत रहा, ओका
अधिकार, महिमा अउर सम्पूर्ण सासन सत्ता सौंप दीन्ह गइ।
सबहिं लोग, सबहिं जातियन अउर प्रत्येक भासा-भासी लोग
ओकर आराधना करिहीं। ओकर राज्ज अमर रही। ओकर
राज्ज सदा बना रही। उ कबहुँ नस्ट नाहीं होइ।

चउथे पसु क सपन क फल

15"मइँ, दानिय्येल बहुत विकल अउ चिंतित रहेउँ। उ
सबइ दर्सन जउन मइँ लखे रहेउँ, उ सबइ मोका विकल
बनाए भए रहेन। 16मइँ जउन हुवाँ खड़ा रहेउँ, ओनमाँ स
एक क लगे पहोंचेउँ। मइँ ओहसे पूछेउँ, "इ सब कछू क
अरथ का अहइ? "तउ उ बताएस, उ मोका समुझाएस कि
एन बातन क मतलब का अहइ। 17उ कहेस, 'उ पच इ
चार बड़के पसु, चार राज्ज अहइँ। उ सबइ चारिहुँ राज्ज धरती
स उ मरिहीं। 18किन्तु परमेस्सर क पवित्तर लोग उ राज्ज क
प्राप्त करिहीं जउन एक अमर राज्ज होइ।'
19"फुन मइँ इ जानइ चाहेउँ कि उ चउथा पसु का रहा
अउर ओकर का अभिप्राय रहा? उ चउथा पसु सबहिं दूसर
पसुअन स भिन्न रहा। उ बहोत भयानक रहा। ओकर दाँत
लोहे क रहेन, अउर पंजे काँसे क रहेन। उ पसु रहा, जउन
आपन सिकार क चकनाचूर कइके पूरी तरह खाइ लिहे रहा,
अउर आपन सिकार क खाइ क पाछे जउन कछू बचा रहा,
ओका आपन गोड़वन क तले रौंद डाए रहा। 20उ चउथे पसु
क सिर पइ जउन दस सींग रहेन, मइँ ओनके बारे मँ जानइ
चाहेउँ अउर मइँ उ सींग क बारे मँ जानइ चाहेउँ जउन हुवाँ
सींगन मँ स तीन ठु सींग उखाड़ि फेंके रहेन। उ सींग दूसर
सींगन स जियादा बड़का देखाई देत रहा। ओकर आँखिन
रहिन अउर उ आपन डींग हाँके चला जात रहा। 21मइँ

सनातन राजा साब्दिक "प्राचीन दिनन" मँ इ नाउँ परमेस्सर बरे इ दिखावत ह कि परमेस्सर बहोत पहिले स महान राजा रहत आवा ह।

लखत ही रहेउँ कि उ सींग परमेस्सर क पवित्तर लोग क
विरुद्ध युद्ध अउर ओन पइ हमला करब सुरू कइ दिहेस
ह अउर उ सींग ओनका मारि डावत अहइ। 22परमेस्सर क
पवित्तर लोग क उ सींग उ समइ तलक मारत रहा जब
तलक सनातन राजा आइके उ सींग क निर्णय नाहीं किहस।
उ निर्णय परमेस्सर क पवित्तर लोग क पच्छ मँ रहा। अउर
ओनका ओनके आपन राज्ज क प्राप्ति होइ गइ।

23"अउर फुन उ सपना क मोका इ तरह समुझाएस कि
उ चउथा पसु, 'उ चउथा राज्ज अहइ जउन धरती पइ आई।
उ राज्ज दूसर सबहिं राज्जन स अलग होइ। उ चउथा राज्ज
ससांर मँ सब कहूँ लोगन क बिनास करी। संसार क सबहिं
देसन क उ आपन गोड़न तले रौदी अउर ओनकर टूका-टूका
कइ देइ। 24उ सबइ दस सींग उ सब दस राजा अहइँ, जउन
इ चउथे राज्ज मँ अइही। एन दसन राजा लोगन क चले
जाइ क पाछे एक ठु अउर राजा आई। उ राजा अपने स
पहिले क राजा लोगन स अलग होइ। उ ओनमाँ स तीन
दूसर राजा लोगन क पराजित करी। 25इ बिसेस राजा
सर्वोच्च परमेस्सर क विरुद्ध बातन करी तथा उ राजा
परमेस्सर क पवित्तर लोगन क नोस्कान पहोंचाइ अउर
ओनकर बध करी। जउन पवित्तर उत्सव अउर जउन नेम इ
समइ प्रचलन मँ अहइँ उ राजा ओनका बदलइ क जतन
करी। परमेस्सर क पवित्तर लोग सोढ़े तीन बरिस तलक उ
राजा क सक्ति क अधीन रहिहीं।

26"किन्तु जउन कछू होब अहइ, ओकर निर्णय निआवालय
करी अउर उ राजा स ओकर सक्ति छोरि लीन्ह जाइ।
ओकरे राज्ज क पूरी तरह अन्त होइ। 27फिन परनेस्सर क
पवित्तर लोग उ राज्ज क हुकूमत चलइहीं। धरती क सबहिं
राज्जन क सबहिं लोगन पइ सासन होइ। इ राज्ज सदा सदा
अटल रही, अउर दूसर सबहिं राज्जन क लोग ओनका
आदर देइहीं अउर ओनकर सेवा करिहीं।'

28"इ तरह उ सपना क अंत भवा। मइँ, दानिय्येल तो
बहोत डेराइ गवा रहेउँ। डर स मोर मुँह पीला पड़ गवा रहा।
मइँ जउन बातन लखे रहेउँ अउर सुने रहेउँ, मइँ ओनके बारे
मँ दूसर लोगन क नाहीं बताएउँ।"

भेड़न अउ बोकरन क बारे मँ दानिय्येल क दर्सन

8 बेलसस्सर क सासन काल क तीसरे बरिस मइँ इ
दर्सन लखेउँ। इ उ पहिले वाल दर्सन क बाद क
दर्सन रहा। 2मइँ लखेउँ कि मइँ सूसन नगर मँ हउँ। सूसन,
एलाम प्रान्त क राजधानी रही। मइँ ऊलै नदी क किनारे पइ
खड़ा रहेउँ। 3मइँ आँखिन ऊपर उठाएउँ तउ लखेउँ कि ऊलै
नदी क किनारे पइ एक भेड़ा खड़ा अहइ। उ भेड़ा क दुइ
लम्बे सींग रहेन। जदपि ओकर दुइनउँ ही सींग लम्बे रहेन।
पर एक सींग दूसर स लम्बा रहा। लम्बा वाला सींग
छोटेवाले सींग क बाद मँ जमा रहा। 4मइँ लखेउँ कि उ
भेड़ा कबहुँ पच्छिम कइँती दउड़त रहा तउ कबहुँ उत्तर
कइँती, अउर कबहुँ दक्खिन कइँती अउर सींग मारत फिरत
रहा। उ भेड़ा क कउनो भी पसु रोक नाहीं पावत अहइ
अउर न ही कउनो दूसर पसुअन क बचाइ पावत अहइ। उ
भेड़ा सब कछू कइ सकत रहा, जउन कछू उ करइ चाहत
रहा। इ तरह स उ भेड़ा बहोतइ सक्तिसाली होइ गवा।

5मइँ उ भेड़ा क बारे मँ सोचइ लगा। मइँ अबहिं सोचत
ही रहत रहा कि पच्छिम कइँती स मइँ एक बोकरा क
आवत लखेउँ। इ बोकरा धरती पइ दौड़ गवा। किन्तु उ
बोकरा क गोड़ धरती पइ छुए तलक नाहीं। इ बोकरा क
एक लम्बा सींग रहा। जउन साफ-साफ दिखत रहा, उ सींग
बोकरा क दुइनउँ आँखिन क बीचउ-बीच रहा।

6फिन उ बोकरा उ दुइ सींगवाले भेड़न क लगे आवा।
इ उहइ भेड़ा रहा जेका मइँ ऊलै नदी क किनारे खड़ा लखे
रहेउँ। उ बोकरा किरोध स भरा भवा रहा। तउ उ भेड़ा क
तरफ लपका। 7बोकरा क उ भेड़े क तरफ परात भए मइँ
लखेउँ। उ बोकरा गुस्सा मँ आग बबूला होत रहा। तउ उ
भेड़ा क दुइनउँ सींग तोड़ डाएस। भेड़ा बोकरा क रोक नाहीं
पाएस। बोकरा भेड़ा क धरती पइ पछाड़ दिहस अउर फुन उ
बोकरा उ भेड़ा क गोड़न तले कुचर दिहस। हुआँ उ भेड़ा
क बोकरा स बचावइ वाला कउनो नाहीं रहा।

8तउ बोकरा बहोत सक्तिसाली बन बइठा। किन्तु जब उ
सक्तिसाली बना, ओकर बड़का सींग टूट गवा अउर फुन उ
बड़के सींग क तरह चार सींग अउर निकरि आएन। उ
सबइ चारिहुँ सींग आसानी स देखाई पड़त रहेन! उ सबइ
चार सींग अलग-अलग दिसा कइँती मुड़े भए रहेन।

9फुन ओन चारिहुँ सींगन मँ स एक छोटा सींग अउर
निकरि आवा। उ छोटा सींग बड़इ लाग अउर बड़त-बड़त
बहोत बड़ा होइ गवा। इ सींग दक्खिन-पूरब कइँती बढ़ा। इ
सींग सुन्नर धरती कइँती बढ़ा।

10उ छोटा सींग बड़िके बहोत बड़ा होइ गवा। उ बड़त
बड़त अकास छुइ लिहेस। उ नान्ह सींग, हिआँ तलक कि
कछू तारन क भी धरती पइ पटक दिहस अउर ओन सबहिं
तारन क गोड़न तले मसल दिहस। 11उ नान्ह सींग बहोत
मजबूत होइ गवा अउर फुन उ तारन क सासक (परमेस्सर)
क विरुद्ध हो गवा। उ नान्ह सींग उ सासक क अर्पित
कीन्ह जाइवाली बलियन क रोक दिहस। उ ठउर जहाँ लोग
उ सासक क उपासना किया करत रहेन, उ ओका उजाड़
दिहस 12अउर ओनकर फउज क भी हराइ दिहस अउर एक
विद्रोही कार्य क रूप मँ उ नान्ह सींग दैनिक बलियन क
ऊपर अपने आप क स्थापित कइ दिहस। उ सच क धरती
पइ पटक दिहस। उ नान्ह सींग जउन कछू किहस उ सब
कछू मँ सफल होइ गवा।

13फुन मइँ कउनो पवित्तर जन क बोलत सुनेउँ अउर
ओकरे पाछे मइँ सुनेउँ कि कउनो दूसर पवित्तर मनई उ
पहिले पवित्तर मनई क जवाब देत अहइ। पहिला पवित्तर
मनई कहेस, "इ दर्सन दर्सावत ह कि दैनिक बलियन क का
होइ? इ उ भयानक पाप क बारे मँ अहइ जउन बिनास
डावत ह। इ दर्सावत ह कि जब लोग उ सासक क पूजा
स्थल क तोड़ डइहीं तब का होइ? इ दर्सन दर्सावत ह कि
जब लोग उ समूचे ठउर क गोड़न तले रौदिहीं तब का
होइ। इ दर्सन दर्सावत ह कि जब लोग तास क ऊपर गोड़
धरहीं तब का होइ? किन्तु इ सबइ बातन कब तलक होत
रहीं?"

14दूसर पवित्तर मनई कहेस, "दुइ हजार तीन सौ दिन
तलक अइसा ही होत रही अउर ओकरे पाछे पवित्तर ठउर
क फुन स स्थापित कइ दीन्ह जाइ।"

दर्सन क व्याख्या

15मइँ, दानिय्येल इ दर्सन लखे रहेउँ, अउर इ प्रयत्न
किहेउँ कि ओकर अरथ समुझ लेउँ। अबहिं मइँ इ दर्सन क
विसय मँ सोच ही रहे रहेउँ कि मनई क जइसा देखाइवाला
कउनो अचानक आइके मोरे समन्वा खड़ा होइ गवा।
16एकरे पाछे मइँ कउनो मनई क वाणी सुनेउँ। इ वाणी
ऊलै नदी क ऊपर स आवति रही। उ अवाज कहेस,
"जिब्राएल, इ मनई क एकर दर्सन क अरथ समुझाइ द्या।"
17तउ जिब्राएल जउन कउनो मनई क समान देखाँत रहा,
जहाँ मइँ खड़ा रहेउँ, हुआँ आइ गवा। उ जब मोरे लगे
आवा तउ मइँ बहोत डेराइ गाएउँ। मइँ धरती पइ भहराइ
पड़ेउँ। किन्तु जिब्राएल मोहसे कहेस, "अरे मनई, समुझ ल्या
कि इ दर्सन अंत समइ बरे अहइ।"
18अबहिं जिब्राएल बोलत ही रहत रहा कि मोका नीदं
आइ गइ। नीदं बहोतइ गहरी रही। मोर मुख धरती कइँती
रहा। फुन जिब्राएल मोका छुएस अउर मोहसे मोर गोड़न पइ
खड़ा कइ दिहस। 19जिब्राएल कहेस, "लखा, मइँ तोहका
अब, उ दर्सन क समझावत हउँ। मइँ तोहका बताउब कि
परमेस्सर क किरोध क समइ क बाद मँ का कछू घटी।
20"तू दुइ सींगनवाला भेड़ा लखे रह्या। उ सबइ दुइ सींग
अहइँ मादी अउ फारस क दुइ देस। 21इ बोकरा युनान क
राजा अहइ। ओकर दुइ आखिन क बीच क बड़ा सींग उ
पहिला राजा अहइ। 22उ सींग टूट गवा अउ ओकरे ठउर
क चार सींग निकरि आएन। उ सबइ चार सींग चार राज्ज
अहइँ। उ सबइ चार राज्ज, उ पहिले राजा क रास्ट्र स
परगट होइहीं किन्तु उ सबइ चारिहुँ राज्ज उ पहिले राजा क
स मजबूत नाहीं होइहीं।
23"जब ओन राज्जन क अंत ओन लोगन क जरिये बुरा
करम करइ क पाछे निकट होइ, तब हुवाँ एक हटी राजा
जउन कि पहेलियन क समुझ सकत ह उठ खड़ा होइ। 24इ
राजा बहोत सक्तिसाली होइ किन्तु ओकर सक्ति ओकर
आपन नाहीं होइ। इ राजा भयानक तबाहीं मचाइ देइ। उ
जउन कछू करी ओहमाँ ओका सफलता मिली। उ सक्तिसाली
लोगन-हिआँ तलक कि परमेस्सर क लोग क भी नस्ट कइ
देइ।
25"इ राजा बहोत चुस्त अउ मक्कार होइ। उ आपन
कपट अउ झूठन क बल पइ सफलता पाइ। उ अपने आप
क सब स बड़कवा समुझी। लोगन क उ बिना कउनो
चितउनी क नस्ट करवाइ देइ। हिआँ तलक कि उ राजा
लोगन क राजा (परमेस्सर) स भी जुद्ध क जतन करी
किन्तु उ जफाकस राजा क सक्ति क खतम कइ दीन्ह जाइ
अउर ओकर अंत कउनो मनई क हाथन नाहीं होइ।
26"अउर साम अउ सुबह क दर्सन फुरइ अहइँ। किन्तु इ
दर्सन पइ तू मुहर लगाइके रख द्या। काहेकि उ सबइ
बातन अबहिं बहोत सारे समइ तलक घटइवाली नाहीं
अहइ।"
27उ दिब्ब दर्सन क बाद मँ मइँ दानिय्येल, बहोत कमजोर
होइ गवा अउर बहोत दिनन तलक बीमार पड़ा रहा। फुन
बेरामी स उठिके मइँ लउटिके राजा क कामकाज करब
सुरू कइ दिहस किन्तु उ दिब्ब दर्सन क कारण मँ बहोत
बियाकुल रहा करत रहा। मइँ उ दर्सन क अरथ समुझ ही
नाहीं पाए रहेउँ।

दानिय्येल क बिनती

9 मादी दारा क हुकूमत क पहिले बरिस मँ, जउन छयर्स
राजा क पूत रहा जउन कसदियन क राजा रहा। 2दारा
क राजा क पहिले बरिस मँ मइँ, दानिय्येल कछ् किताबन
पड़त रहेउँ। ओन किताबन मँ मइँ लखेउँ कि यहोवा यिर्मयाह
क इ बताएस ह कि यरूसलेम क पुन: निर्माण कितने बरिस
बाद होइ। यहोवा कहे रहा कि एहसे पहिले कि यरूसलेम
फुन स बसइ, सत्तर बरिस बीत जइहीं।
3फुन मइँ आपन सुआमी परमेस्सर कइँती मुड़ेउँ अउर
ओहसे पराथना करत भए मदद क याचना किहेउँ। मइँ
भोजन करब तजि दिहेउँ अउर अइसे ओढ़ना पहिर लिहेउँ
जेहसे इ लागइ कि मँइ दु:खी हउँ। मइँ अपने मूँड़ पइ धूरि
डाल दिहेउँ। 4मइँ आपन परमेस्सर यहोवा स पराथना करत
भए ओका आपन सबहिं पाप बताइ दिहेउँ। मइँ कहेउँ, "हे
यहोवा, तू महान अउ भयजोग्ग परमेस्सर अहा। जउन लोग
तोहसे पिरेम करत हीं, जउन तोहरे आदेसन क पालन करत
हीं, तू ओनके संग आपन पिरेम अउ दयालुता क करार क
निभावत ह।
5"मुला हे यहोवा, हम पचे पापी अही। हम पचे बुरा
किहे अही। हम पचे कुकरम किहे अही। हम पचे तोहार
विरोध किहा ह। तोहार निस्पच्छ निआत अउर तोहरे आदेसन
स हम पचे दूर भटक गए अही। 6हम पचे नबियन क बात
नाहीं सुनित। नबी तउ तोहार सेवक अहइँ। उ पचे तोहरे बारे
मँ हमारे राजा लोगन, सासकन अउ धरती क सारे लोगन
क बारे मँ भी बात किहेस।
7"हे यहोवा, तू नीक अहा, अउर तोहमाँ नेकी अहइ।
जबकि आजु हम आपन बुरे करम स लज्जित अही।
यरूसलेम अउ यहूदा क लोग लज्जित अहइँ-इस्राएल क
सबहिं लोग लज्जित अहइँ। उ सबइ लोग जउन निआरे
अहइँ अउर उ सबइ लोग जउन बहोत दूर अहइँ। हे यहोवा,
तू ओन लोगन क बहोत स देसन मँ फइलाइ दिहा। ओन
सबहिं देसन मँ बसे इस्राएल क लोगन क लज्जा आवइ
चाही। हे यहोवा, ओन सबहिं बुरी बातन क बरे, जउन उ
पचे तोहर विरुद्ध किहेन ह, ओनका लज्जित होइ चाही।
8"हे यहोवा, हम सब क लज्जित होइ चाही। हमरे सबहिं
राजा लोगन अउ मुखिया लोगन क लज्जित होइ चाही।
अइसा काहे? अइसा एह बरे कि हे यहोवा, हम तोहरे
विरुद्ध पाप किहे अही।
9"किन्तु हे यहोवा, तू दयालु अहा। लोग, जउन बुरे
करम करतेन तउ तू ओनका, छमा कइ देत ह। हम असल
मँ तोहसे मुँह फेर लिहा ह। 10हम आपन यहोवा परमेस्सर
क आग्या क पालन नाहीं कीन्ह। यहोवा आपन सेवकन,
आपन नबियन क जरिये हमका व्यवस्था क विधान प्रदान

किहस। किन्तु हम पचे ओकर व्यवस्थन क नाहीं माना।
11इस्राएल क कउनो भी मनई तोहरी सिच्छन पइ नाहीं
चला। उ पचे सबहिं राह स भटक ग रहेन। उ पचे तोहरे
आदेसन क पालन नाहीं किहन। मूसा, जउन परमेस्सर क
सेवक रहा क ब्यवस्था अउर विधान मँ सरापन अउ गम्भीर
चिताउनी क उल्लेख भवा ह। उ सबइ सराप अउ चिताउनी
ब्यवस्था अउर विधान पइ नाहीं चलइ क दण्ड क बखान
करत हीं अउर उ सबइ सबहिं बातन हमरे संग घट चुकी
अहइँ काहेकि हम यहोवा क विरोध मँ पाप किहा ह।

12"परमेस्सर बताए रहा कि हमरे संग अउ हमरे मुखिया
लोगन क संग उ सबइ बातन घटिहीं अउर उ ओनका
घटाइ दिहस। उ हमरे संग भयानक बातन घटाइ दिहस।
यरूसलेम क जेतना कस्ट उठावइ क पड़ा, कउनो दूसर
नगर नाहीं उठाएस। 13उ सबइ सबहिं भयानक बातन जउन
मूसा क व्यवस्था क विधान मँ लिखा अहइँ हमरे संग भी
घटिन। किन्तु हम अबहुँ भी यहोवा हमरे परमेस्सर स मदद
माँगइ नाहीं परत ह। हम अबहुँ भी आपन पाप करब नाहीं
तजा ह। अबहुँ तलक भी हम तोहस सच्चाई क अनुसार
रहना सीखइ मँ रूची नाहीं रखत हउँ। 14यहोवा उ सबइ
खौफनाक बातन तइयार रख छोड़े रहिन अउर उ हमरे संग
ओन बातन क घटाइ दिहस। हमार परमेस्सर यहोवा अइसा
एह बरे किहे रहा कि उ तउ जउन कछू भी करत ह,
निआव ही करत ह। किन्तु हम अबहुँ भी ओकर नाहीं
सुनित।

15"हे सुआमी हमार परमेस्सर, तू आपन महान सक्ति क
प्रयोग किहा अउर हमका मिस्र स बाहेर निकारि लिआया।
हम तउ तोहार आपन लोग अही। आजु तलक उ घटना क
कारण तू जाना जात अहा। हे सुआमी, हम पाप किहा ह।
हम खौफनाक पाप किहा ह। 16हे सुआमी, यरूसलेम पइ
किरोध करब तजि द्या। यरूसलेम तोहार पवित्तर पर्वतन पइ
टिका अहइ। तू जउन करत अहा, ठीक ही करत अहा। एह
बरे यरूसलेम पइ किरोधित होब तजि द्या। हमरे आसपास
क लोग हमार अपमान करत हीं अउर हमरे लोगन क हँसी
उड़ावत हीं। हम लोगन क पाप अउर हम लोगन क पुरखन
क पापन क कारण इ सबइ कछू भएस ह।

17"अब, हे यहोवा, तू मोर पराथना सुनि ल्या। मइँ तोहार
दास हउँ। मदद बरे मोर बिनती सुन ल्या। आपन पवित्तर
ठउर बरे तू अच्छी बातन करा। उ भवन नस्ट कइ दीन्ह
गवा रहा। किन्तु हे यहोवा, तू खुद आपन भले बरे इ भली
बातन क करा। 18हे मोर परमेस्सर, हम लोगन क सुना।
जरा आपन आँखिन खोला अउर हमरे संग जउन खौफनाक
बातन घटी अहइँ, ओनका लखा। उ नगर जउन तोहरे नाउँ
स गोहरावा जात रहा, लखा ओकरे संग का होइ गवा ह।
मइँ इ नाहीं कहत हउँ कि हम अच्छे लोग अही। मइँ
पराथना करत हउँ काहेकि मइँ जानत हउँ कि तू बहोत
दयालु अहा।

19"हे सुआमी मोर सुना, हे यहोवा, हमका छिमा करा। हे
सुआमी, हम पइ धियान द्या, अउर फुन कछू करा। अब
अउर प्रतीच्छा जिन करा। इहइ समइ कछू करा। ओका तू
खुद अपने भले बरे करा। हे सुआमी, अब तउ आपन नगर
अउर आपन ओन लोगन क बरे, जउन तोहरे नाउँ स
गोहरावा जात हीं कछू करा।"

सत्तर हफ्तन क बारे मँ दर्सन

20मइँ परमेस्सर स पराथना करत भए इ सबइ बातन
कहत रहेउँ। मइँ इस्राएल क लोगन क अउर आपन पापन
क बारे मँ बतावत रहेउँ। मइँ यहोवा हमार परमेस्सर क
पवित्तर पर्वत पइ पराथना करत रहेउँ। 21मइँ अबहिं पराथना
करत ही रहेउँ कि जिब्राएल मोरे लगे आवा। जिब्राएल उहइ
सरगदूत रहा जेका मइँ दर्सन मँ लखे रहेउँ। जिब्राएल हाली
स मोरे लगे आवा। उ साँझ क बलि क समइ आवा रहा।
22मइँ जउन बातन क समुझइ चाहत रहा, ओन बातन क
समुझइ मँ जिब्राएल मोर मदद किहेस। जिब्राएल कहेस, "हे
दानिय्येल, मइँ तोहका बुद्धि प्रदान करइ अउ समुझइ मँ तोर
सहायता क आवा हउँ। 23जब तू पहिले पराथना आरंभ
किहे रही, आदेस देइ दीन्ह गवा रहा अउ लखा मइँ तोहका
बतावइ आइ गवा हउँ। परमेस्सर तोहका बहोत पिरेम करत
ह। इ आदेस तहोरी समुझ मँ आइ जाइ अउर तू उ दर्सन क
अरथ जान लेब्या।

24"हे दानिय्येल, परमेस्सर तोहार प्रजा अउ तोहार पवित्तर
नगरी बरे सत्तर हफ्तन क समइ निहचित किहेस ह। सत्तर
हफ्तन क समइ एह बरे निहचित कीन्ह गवा ह ताकि बुरे
करम खत्म कइ दीन्ह जाइँ, अउर पाप करब बन्द कइ दीन्ह
जाइ, पापन बरे प्रायस्चित कीन्ह जाइ, हमेसा बरे निआव
स्थापित कीन्ह जाइ। सब लोगन क सुद्ध कीन्ह जाइ,
सदा-सदा बनी रहइवाली नेकी क लिआवा जाइ, दर्सन अउ
नबियन पइ मोहर लगाइ दीन्ह जाइ, अउर पवित्तर ठउरे क
समर्पित कीन्ह जाइ।

25"दानिय्येल, तू एन बातन क समुझ ल्या। एन बातन क
गियान रखा। जब वापस आवइ अउ यरूसलेम क पुन:निर्माण
करइ क आदेस दीन्ह गवा रहा क समइ स लइके
अभिसिक्त कीन्ह गवा क आवइ क समइ तलक सात
हफ्ता लगिहीं। सर्वजिनिक बाजार क निर्माण अउ नगर क
रच्छा करइ बरे नगर क चारिहुँ कइँती खाई खोदइ क संग
नगर क बासठ हफ्तन मँ निमार्ण कीन्ह जाइहीं। बासठ
हफ्ता तलक यरूसलेम क बसावा जाइ। 26बासठ हफ्ता
पाछे उ अभिसिक्त मनई क हत्तिया कइ दीन्ह जाइ। उ अउर
नाहीं रहब्या। फुन होइवाले नेता क लोग नगर क अउर उ
पवित्तर ठउरे क तहस-नहस कइ देइहीं। उ अंत अइसे आइ
जइसे बाड़ आवत ह। अंत तलक जुद्ध होत रही। उ ठउरे
क पूरी तरह तहस-नहस कइ देइ क परमेस्सर आदेस दइ
चुका ह।

27"एकरे पाछे उ भावी सासक बहोत स लोगन क
संग एक करार करी। उ करार एक हफ्ता तलक चली।
भेंटन अउ बलियन आधे हफ्ता क पाछे रुकी रहिहीं अउर
फुन एक विनासकर्ता आई। उ बहोत सारा घृणित काम
करिहीं। किन्तु ओनकर पूरा करइ स पहिले, जउन आदेस
दीन्ह गवा ह उ विध्वंस करइवालन क खिलाफ कीन्ह
जाइहीं।"

हिद्देकेल नदी क किनारे दानिय्येल क दर्सन

10 कुसू फारस क राजा रहा। कुसू क सासनकाल क
तीसरे बरिस दानिय्येल क एन बातन क दैवी संदेस
मिला। (दानिय्येल क ही दूसर नाउँ बेलतसस्सर रहा) इ
सबइ बातन फुरइ रहेन किन्तु समुझइ बरे बहोत कठिन
रहेन। किन्तु दानिय्येल ओन क समुझ गवा। उ सबइ बातन
एक दर्सन मँ ओका समुझाई गई रहिन।
2दानिय्येल क कहब अहइ, "उ समइ, मइँ दानिय्येल,
तीन हफ्तन तलक बहोत दुःखी रहा। 3ओन तीन हफ्तन क
दौरान, मइँ कउनो भी उत्तम खाना नहीं खाएउँ। मइँ दाखरस
नाहीं पिएउँ। कउनो भी तरह क तेल मइँ आपन मुँड़े पइ
नाहीं डाएउँ। तीन हफ्ता तलक मइँ अइसा कछू भी नाहीं
किहेउँ।
4"बरिस क पहिले महीने क चउबीसवें दिन मइँ हिद्देकेल
महानदी क किनारे खड़ा रहेउँ। 5हुवाँ खड़े-खड़े जब मइँ
ऊपर कइँती लखेउँ तउ हुँवा मइँ एक मनई क आपन
समन्वा खड़ा पाएउँ। उ सन क कपड़ा भवा रहा। ओकर
करिहाउँ मँ निखालिस सोना क बनी भइ कमर बंर रही।
6ओकर बदन चमचमात पाथर क जइसे रही। ओकर मुँह
बिजुरी क समान उज्जर रहा। ओकर बाँहन अउर ओकर
गोड़ चमकदार पीतर स झिलमिलात रहेन। ओकर अवाज
एतनी ऊँच रही जइसे लोगन क भीड़ क अवाज होत ह।
7"इ दर्सन बस मोका, दानिय्येल क भवा। जउन लोग
मोरे संग रहेन,उ सबइ जदपि उ दर्सन क नाहीं लखि पाएन
किन्तु उ सबइ फुन डर गए रहेन। उ पचे एतना डर गएन
कि पराइके कहूँ जाइ छिपेन। 8तउ मइँ अकेल्ला छूटि
गाएउँ। मइँ उ दर्सन क लखत रहेउँ अउर उ दृस्य मोका
भयभीत कइ डाए रहा। मोर सक्ति जात रही। मोर मुहँ
अइसे पिअर पड़ गवा जइसे माना उ कउनो मरे भए मनई
क मुँह होइ। मइँ बेवस रहा। 9फुन दर्सन क उ मनई क
मइँ बात करत सुनेउँ। मइँ ओकर अवाज क सुनत ही रहेउँ
कि मोका गहिर नींद घेरि लिहस। मइँ धरती पइ औधें मुँह
पड़ा रहेउँ।
10"फिन एक हाथ मोका छुइ लिहस। अइसा होइ पइ
मइँ आपन हाथन अउ आपन घुटनन क बल खड़ा होइ
गवा। मइँ डर क मारे थर थर काँपत रहेउँ। 11दर्सन क उ
मनई मोहसे कहेस, 'दानिय्येल, तू परमेस्सर क बहोत पियारा
अहा। जउन सब्द मइँ तोहसे कहउँ ओह पइ तू सावधानी से
पियार करा। खड़ा ह्वा। मोका तोहरे लगे पठवा गवा ह।
जब उ अइसा कहेस तउ मइँ खड़ा होइ गवा। मइँ अबहुँ
भी थर-थर काँपत रहेउँ काहेकि मइँ डेरान भवा रहा।
12एकरे बाद दर्सन क उ मनई फुन बोलन सुरू किहेस। उ
कहेस, 'दानिय्येल, जिन डेराअ। पहिले ही दिन स तू इ
निहचइ कइ लिहे रह्या कि तू परमेस्सर क समन्वा विवेक
पूर्ण अउर विनम्र रहब्या। परमेस्सर तोहार पराथनन क सुनत
रहत ह। तू पराथना करत रहा ह, मइँ एह बरे तोहरे लगे
आवा हउँ।
13"किन्तु फारस क जुवराज (सरगदूत) इक्कीस दिन
तलक मोर संग लड़त रहा अउर मोका तंग करत रहा।
एकरे बाद मिकाएल जउन एक बहोतइ महत्व पूर्ण जुवराज
रहा। मोर मदद बरे मोरे लगे आवा काहेकि मइँ हुवाँ फारस
क राजा क संग अरइ भवा रहा।'
14"हे दानिय्येल, अब मइँ तोहरे लगे तोहका उ बतावइ
क आवा हउँ जउन भविस्स मँ तोहरे लोगन क संग
घटइवाला अहइ। कहा सपना आवइवाले भविस्स क बारे मँ
अहइ।'
15"अबहिं उ मनई मोहसे बात ही करत रहा कि मइँ
धरती क तरफ़ खाले मुँह निहुराइ लिहेउँ। मइँ बोल ही नाहीं
पावत रहा। 16फुन कउनो जउन मनई क जइसा देखाइ देत
रहा, मोरे होठन क छुएस। मइँ आपन मुहँ खोलेउँ, अउ
बोलब सुरू किहेउँ। मोरे समन्वा जउन खड़ा रहा, ओहसे
मइँ कहेउँ, महोदय, मइँ दर्सन मँ जउन लखे रहेउँ, मइँ
ओहसे बियाकुल अउ भयभीत अहउँ। महँ अपने क बेसहारा
समुझत हउँ। 17मइँ तोहार दास हउँ। मइँ तोहसे कइसे बात
कर सकत हउँ? मोर सक्ति जात रहत ह। मोहसे तउ साँस
भी नाहीं लीन्ह जात ह।"
18"मनई जइसे देखात भए उ मोका फुन छुएस। ओकरे
छुअत स मइँ मज़बूत बनि गवा। 19फुन उ बोला, 'दानिय्येल,
डेराअ जिन। परमेस्सर तोहसे बहोत पिरेम करत ह। तोहका
सान्ति प्राप्त होइ। अब तू सुदृढ़ होइ जा। सुदृढ़ होइ जा।'
"उ मोहसे जब बात किहेस तउ मइँ अउर जियादा
सक्तिसाली होइ गवा। फुन मइँ ओहसे कहेउँ, 'सुआमी!
आप तउ मोका सक्ति दइ दिहा ह। अब आप बोल सकत
हीं।'
20"तउ उ फुन कहेस, 'दानिय्येल' का तू जानत अहा, मइँ
तोहरे पास काहे आवा हउँ? फारस क जुवराज स जुद्ध
करइ क बरे मोका फुन वापस जाब अहइ। मोरे चले जाइ
क बाद युनान क जुवराज हिआँ आइ। 21किन्तु दानिय्येल
आपन जाइ स पहिले तोहका सब स पहिले मोका इ बताउब
अहइ कि सच क पुस्तक मँ का लिखा अहइ। ओन बुरे
राजकुमारन क विरोध मँ मीकाएल सरगदूत क अलावा मोरे
संग कउनो नाहीं खड़ा होत। मीकाएल उ राजकुमार अहइ
जउन तोहरे लोगने पइ हुकूमत करत ह।"

11 मादी राजा दारा क सासनकाल के पहिले बरिस
मीकाएल क फारस क जुवराज क विरुद्ध जुद्ध मँ
सहारा देइ अउर ओका ससक्त बनावइ क मइँ उठ खड़ा
भवा।
2"'अब लखा, दानिय्येल मइँ, तोहसे सच्ची बात बतावत
हउँ। फारस मँ तीन राजा लोगन क सासन अउर होइ। इ
एकरे पाछे एक चउथा राज्ज आइ। इ चउथा राज्ज अपने
पहिले क फारस क दूसर राजा लोगन स कहूँ जियादा
धनवान होइ। उ चउथा राजा सक्ति पावइ बरे आपन धन क
प्रयोग करी। उ हर कउनो क युनान क विरोध मँ कइ देइ।
3एकर पाछे एक बहोत जियादा सक्तिसाली राजा आइ, उ
बड़की सक्ति क संग सासन करी। उ जउन चाही उहइ
करी। 4राजा क अवाई क पाछे ओकर राज्ज क टूका-टूका
होइ जइहीं। ओकर राज्ज चारिहुँ कइँती तितर बितर होइ
जाइ। ओकर राज्ज ओकर पूत पोतन क बीच नाहीं बँटी।
जउन सक्ति ओहमा रही, उहइ सक्ति ओकरे राज्ज मँ नाहीं

होइ। अइसा काहे होइ? अइसा एह बरे होइ कि ओकर
राज्ज उखाड़ दीन्ह जाइ अउर ओका दूसर लोगन क दइ
दीन्ह जाइ।

5“‘दक्खिन क राजा सक्तिसाली होइ जाइ। किन्तु एकरे
पाछे ओकर एक सेनापति ओह स भी जियादा सक्तिसाली
होइ जाइ। उ सेना नायक हुकूमत करइ लागी अउर बहोत
बलसाली जोइ जाइ।

6“‘फुन कछू बरिसन बाद एक समझोता होइ अउर
दक्खिनी राजा क बिटिया उत्तरी राजा स बियाही जाइ। उ
सान्ति कायम करइ बरे अइसा करी। किन्तु उ अउर
दक्खिनी राजा पर्याप्त सक्तिसाली नाहीं होइहीं। फुन लोग
ओकरे अउर उ मनई क जउन ओका उ देस मँ लाए रहा,
खिलाफ होइ जइहीं अउर उ सबइ लोग ओकरे बच्चे क
अउर उ मेहरारू क हिमाइती मनई क भी खिलाफ होइ
जइहीं। 7किन्तु उ मेहरारू क परिवार क एक मनई दक्खिनी
राजा क ठउर क लेइ बरे आई। उ उत्तर क राजा क
फउजन पइ हमला करी। उ राजा क सुदृढ़ किले मँ प्रवेस
करी। उ जुद्ध करी अउर विजयी होइ। 8उ ओनके देवतन
क मूरतियन क लइ लेइ। उ ओनक धातु क बने मूरतियन
अउर ओनकर चाँदी-सोने क बहुमूल्य वस्तुअन क हुवाँ स
मिस्र लइ जाइ। फुन कछू बरिसन तलक उ उत्तर क राजा
क तंग नाहीं करी। 9उत्तर क राजा दक्खिन क राज्ज पइ
हमला करी। किन्तु पराजित होइ अउर फुन अपने देस क
लउटि जाइ।

10“‘उत्तर क राजा क पूतन जुद्ध क तइयारी करिहीं। उ
पचे एक बिसाल फउज जुटइहीं। उ सेना एक सक्तिसाली
बाढ़ क तरह बड़ी तेजी स धरती पइ अगवा बड़त चली
जाइ। उ सेना दक्खिन क राजा क सुदृढ़ दुर्ग तलक सारे
रास्ते जुध्द करत जाइ। 11फिन दक्खिन क राजा क्रोध स
तिलमिलाइ उठी। उत्तर क राजा स जुद्ध करइ बरे उ बाहेर
निकरि आइ। उत्तर क राजा जदपि एक बहोत बड़ी सेना
जुटाइ किन्तु जुद्ध मँ हार जाइ। 12“उत्तर क सेना पराजित
होइ जाइ, अउर ओन फउजियन क कहूँ लइ जावा जाइ।
दक्खिनी राजा क बहोत अभिमान होइ जाइ अउर उ उत्तरी
सेना क हजारन-हजार फउजियन क मउत क घाट उतारि
देइ। किन्तु उ जुद्ध करइ बरे लगातार नाहीं रहिहीं। 13उत्तर
क राजा एक अउर सेना जुटाइ। इ सेना पहिली सेना स
जियादा बड़ी होइ। कई बरिसन पाछे उ हमला करी। उ सेना
बहोत बिसाल होइ अउर ओकरे लगे बहोत स हयियार
होइहीं।

14“‘ओन दिनन बहोत स लोग दक्खिन क राजा क
विरोध मँ होइ जाइहीं। कछू तोहार आपन लोग, जेनका
जुद्ध प्रिय अहइ, दक्खिन क राजा क खिलाफ बगावत
करिहीं। उ पचे जितिहीं तउ नाहीं किन्तु अइसा करत भए उ
दर्सन क फुरइ सिध्द करिहीं। 15फुन ओकरे बाद उत्तर क
राजा आई अउर उ नगर क परकोटे पइ ढलवाँ चउतरा
बनाइके उ सुदृढ़ नगर पइ कब्जा करी। दक्खिन क राजा क
सेना जुद्ध क उत्तर नाहीं दइ पाई। हिआँ तलक कि
दक्खिनी सेना क सर्वोत्तम सैनिक भी एतने सक्तिसाली नाहीं
होइहीं कि उ पचे उत्तर क सेना क रोक पावइँ।

16“‘उत्तर क राजा जइसा चाही, वइसा करी। ओका
कउनो भी रोक नाहीं पाई। उ इ सुन्नर धरती पइ नियन्त्रन
कइके सक्ति पाइ लेइ। ओका इ प्रदेस नस्ट करइ क सक्ति
पाइ लेइ। 17फुन उत्तर क राजा दक्खिन क राजा स जुद्ध
करइ बरे आपन सारी सक्ति का उपयोग करइ क निहचइ
करी। उ दक्खिन क राजा संग एक सन्धि करी। उत्तर क
राजा दक्खिन राजा स आपन एक बिटिया क बियाह कइ
देइ। उत्तर क राजा अइसा एह बरे करी कि उ दक्खिन क
राजा क हराइ सकइ। किन्तु ओकर उ सबइ योजना फली
भूत नाहीं होइहीं। एन सबइ योजना स ओका कउनो मदद
नाहीं मिली।

18“‘एकरे आगे उत्तर क राजा भूमध्य-सागर क तट स
लगत भए देसन पइ आपन धियान लगाई। उ ओन देसा मँ
स बहोत स देसन क जीत लेइ। किन्तु फुन एक सेनापति
उत्तर क राजा क उ अहंकार अउर उ बगावत क अंत कइ
देइ। उ सेनापति उ उत्तर क राजा क लज्जित करी।

19“‘अइसा घटइ क पाछे उत्तर क उ राजा खुद आपन
देस क सुदृढ़ किलन कइँती लउटि जाइ। किन्तु उ दुर्बल
होइ चुका होइ अउर ओकर पतन होइ जाइ। फुन ओकर
पता भी नाहीं चली। 20उत्तर क उ राजा क पाछे एक नवा
सासक आइ। उ सासक कउनो कर वसूलइ वालन क
पठइ। उ सासक अइसा एह बरे करी कि उ सम्पन्नता क
संग जिन्नगी बितावइ बरे पर्याप्त धन जुटाइ सकइ। किन्तु
थोड़े ही बरिसा मँ उ सासक क अंत होइ जाइ। किन्तु उ
जुद्ध मँ नाहीं मारा जाइ।

21“‘उ सासक क पाछे एक बहोत क्रूर एवं घृणा जोग्ग
मनई आइ। उ मनई क राज परिवार क बंसज होइ क
गौरव प्राप्त नाहीं होइ। उ चालाकी स राजा बनी। जब लोग
अपने क सुरच्छित समुझे हुए होइहीं, उ तबहिं राज्ज पइ
आक्रमण करी अउर ओह पइ कब्जा कइ लेइ। 22उ
बिसाल सक्तिसाली फउजन क हराई देइ। उ समुझौते क
मुखिया क संग सन्धि करइ पइ भी ओका पराजित करइ।
23बहोत स रास्ट्र उ क्रूर एवं घिना जोग्ग राजा क संग सन्धि
करिहीं किन्तु उ ओनसे मिथ्या स भरी चालाकी बरती। उ
मज़बूत होइ जाई किन्तु बहोत थोड़े स लोग ही ओकर पच्छ
मँ होइहीं।

24“‘जब उ प्रदेस क सर्वाधिक धनी छेत्र आपन क
सुरच्छित अनुभव करत रहे होइहीं; उ क्रूर एवं घिना स भरे
सासक ओन पइ हमला कइ देइ। उ ठीक समइ पइ हमला
करी अउर हुवाँ सफलता प्राप्त करी जहाँ ओकरे पुरखन क
सफलता नाहीं मिली रही। उ जउन देसन क पराजित करी
ओनकर सम्पत्ति छोरिके आपन पिछलगुअन क देइ। उ सुदृढ़
नगरन क पराजित करइ क सबइ योजना रची। उ कामयाबी
तउ पाई किन्तु बहोत थोड़े स समइ बरे।

25“‘उ क्रूर एवं घिना जोग्ग राजा क लगे एक बिसाल
फउज होइ। उ उ फउज क उपयोग आपन सक्ति अउर
आपन साहस क प्रदर्सन बरे करी अउर एहसे उ दक्खिन क
राजा पइ हमला करी। तउ दक्खिन क राजा भी एक बहोत
बड़की अउर सक्तिसाली फउज जुटाइ अउर जुद्ध बरे कूच
करी। 26किन्तु उ सबइ लोग जउन दक्खिन क राजा क

मीत समुझा जात रहेन छुपे-छुपे सबइ योजना रचिहीं अउर
ओका पराजित करइ क जतन करिहीं। ओकर फउज
पराजित कइ दीन्ह जाइ। जुद्ध मँ ओकर बहोत स फउजी
मारा जइहीं। 27ओन दुइनउँ राजा लोगन क मन इहइ बात
मँ लगी कि एक दूसर क नोस्कान पहोंचावा जाइ। उ पचे
एक ही मेज पइ बइठिके एक दूसर स झूठ बोलिहीं किन्तु
ओहसे ओन दुइनउँ मँ स कउनो क भला नाहीं होइ,
काहेकि परमेस्सर ओनकर अंत आवइ क समइ निर्धारित कइ
दिहेस ह।

28“‘बहोत स धन दौलत क संग, उ उत्तर क राजा अपने
देस लउटि जाइ। फिन उ पवित्तर वाचा क बरे उ बुरे करम
करइ क निर्णय लेइ। उ आपन जोग्गता क अनुसार काम
करी अउ फुन आपन देस लउटि जाइ।

29“‘फुन उत्तर क राजा ठीक समइ पइ दक्खिन क राजा
पर हमला कइ देइ। किन्तु इ बार उ पहिले क तरह
कामयाब नाहीं होइ। 30पच्छिम क जहाज अइहीं अउर उत्तर
क राजा क विरुद्ध जुद्ध करिहीं। उ ओन जहाजन क
आवत लखिने डर जाइ। फुन वापस लउटिके पवित्तर वाचा
पइ आपन किरोध उतारी। उ लउटिके, जउन लोग पवित्तर
वाचा पइ चलब छोड़ दिहे रहा, ओनकर मदद करी। 31फुन
उत्तर क राजा यरूसलेम क मन्दिर क असुद्ध करइ बरे
आपन फउज पठइ। उ सबइ लोगन क दैनिक बलि समर्पित
करइ स रोकिहीं। एकरे पाछे उ सबइ हुवाँ कछू अइसा
भयानक घिनौनी वस्तु स्थापित करिहीं जउन फुरइ विनास
करइवाला होइ। उ पचे अइसा खौफनाक काम करिहीं जउन
विनास क जनम देत ह।

32“‘उ उत्तरी राजा लबार अउ चिकनी चपड़ी बातन स
ओन यहूदियन क छली जउन पवित्तर वाचा क पालन करब
तजि चुका अहइँ। उ पचे यहूदी अउर बुरे पाप करइ लगिहीं
किन्तु उ सबइ यहूदी, जउन परमेस्सर क जानत हीं, अउर
ओकर अनुसरण करत हीं, अउर जियादा सुदृढ़ होइ जइहीं।
उ सबइ पलटिके जुद्ध करिहीं।

33“‘उ सबइ यहूदी जउन विवेकपूर्ण अहइँ जउन कछू
घट रहा होइ, दूसर यहूदियन क ओका समुझइ मँ मदद
देइहीं। किन्तु जउन विवेकपूर्ण होइहीं ओनका तउ मृत्यु दण्ड
तलक झेलइ होइ। कछू समइ तलक ओनमाँ स कछू
यहूदियन क तरवार क घाट उतारा जाइ अउर कछू आगी मँ
झोकं दीन्ह जाइ। अथवा बन्दी गृहन मँ डाइ दीन्ह जाइ।
ओनमाँ स कछू यहूदियन क घर बार अउर धन दौलत छोर
लीन्ह जइहीं। 34जब उ पचे यहूदी दण्ड भोग रहे होइहीं तउ
ओन विवेकपुर्ण यहूदियन साथ देइहीं, बहोत स केवल
देखावा क होइहों। 35कछू विवेकपूर्ण यहूदी मार दीन्ह
जइहीं। अइसा एह बरे होइ कि उ पचे अउर जियादा सुदृढ़
बनइँ, स्वच्छ बनइँ अउ अंत समइ क आवइ तलक निर्दोस
रहइँ। फुन ठीक समइ पइ अंत होइ क समइ आइ जाइ।’”

आत्म प्रसंसक राजा

36“‘उत्तर क राजा जउन चाही, सो करी। उ आपन बारे
मँ डींग हाँकी। उ आत्म प्रसंसा करी अउ सोची कि उ
कउनो देवता स भी अच्छा अहइ। उ अइसी बातन करी
जउन कउनो कबहुँ सुनी तलक न होइहीं। उ देवतन क
परमेस्सर क विरोध मँ अइसी बातन करी। उ उ समइ तलक
कामयाब होत चला जाइ जब तलक उ पचे सबहिं बुरी
बातन घट नाहीं जातिन। किन्तु परमेस्सर जउन योजना रची
ह, उ तउ पूरी होइ ही।

37“‘उत्तर क उ राजा ओन देवतन क उपेच्छा करी
जेनका ओकर पुरखन पूजा करत रहेन। ओन देवतन क
मूरतियन क उ परवाह नाहीं करी जेनकर पूजा मेहररूअन
करत हीं। उ कउनो भी देवता क परवाह नाहीं करी बल्कि
उ खुद आपन तारीफ करत रही अउर अपने आप क कउनो
भी देवता स बड़का मानी। 38अपने पुरखन क देवता क
अपेच्छा किले क देवता क पूजा करी उ सोना, चाँदी,
बहुमूल्य हीरे जवाहरात अउर दूसर उपहारन स एक अइसे
देवता क पूजा करी जेका ओकर पुरखन जानत तलक नाहीं
रहेन।

39“‘इ विदिसी देवता क मदद स उ उत्तर क राजा सुदृढ़
गढ़ियन पइ हमला करी। उ ओन लोगन क सम्मान देइ
जेनका उ बहोतइ पसन्द करी। उ बहोत स लोगन क
ओनके अधीन कइ देइ। अउर उ ओनका भुइँया बाँट देइहीं
जउन ओका एकर बरे पैसा भुगतान करिहीं बरे ओनसे
भुगतान लिया करी।

40“‘अंत आवइ क समइ उत्तर क राजा, उ दक्खिन क
राजा क संग जुद्ध करी। उत्तर क राजा ओह पइ हमला
करी। उ रथन, घुड़सवारन अउर बहोत स बिसाल जलयानन
क लइके ओह पइ चड़ाई करी। उत्तर क राजा बाड़ क नाईं
वेग स उ धरती पइ चढ़ आई। 41उत्तर क राजा ‘सुन्नर
धरती’ पइ हमला करी। उत्तरी राजा क जरिये बहोत स देस
पराजित होइहीं किन्तु एदोम, मोआब अउ अम्मोनियन क
मुखिया लोगन क ओहसे बचा लीन्ह जाइहीं। 42उत्तर क
राजा बहोत स देसन मँ आपन सक्ति देखाइ। मिस्र क भी
ओकर सक्ति क पता चल जाइ। 43उ मिस्र क सोने चाँदी
क खजानन अउ ओकर समूची सम्पत्ति क छोरि लेइ। लूबी
अउर कूसी लोग भी ओकरे अधीन होइ जइहीं। 44किन्तु
उत्तर क उ राजा क पूरब अउ उत्तर स एक समाचार मिली
जेहसे उ भयभीत होइ उठी अउर ओका किरोध आइ। उ
बहोत स देसन क तबाह कइ देइ क बरे उठी। 45उ आपन
राजकीय तम्बू समुद्र अउ सुन्नर पवित्तर पर्वत क बीच
लगवइ। किन्तु आखिरकार उ बुरा राजा मरि जाइ। जब
ओकर अंत आइ तउ ओका सहारा देइवाला हुवाँ कउनो
नाहीं होइ।’”

12 “दर्सनवाला मनई कहेस, ‘हे दानिय्येल, तउ उ
समइ मीकाएल नाउँ क सरगदूत तोहार लोगन क
रच्छा करइ बरे उठ खड़ा होइ। फुन एक बिपत्तिपूर्ण समइ
आइ। उ समइ सबन त भयानक होइ, जेतना भयानक उ
धरती पइ, जब स कउनो जाति अस्तित्व मँ आई बाटइ,
कबहुँ नाहीं आइ होइ। किन्तु हे दानिय्येल, उ समइ तोहरे
लोगन मँ स हर उ मनई जेकर नाउँ, पुस्तक मँ लिखा
मिली, बच जाइ। 2धरती क उ सबइ अनगिनत लोग जउन
मरि चुका अहइँ अउर जेनका दफनावा जाइ चुका अहइ,

उठ खड़ा होइहीं अउर ओनमाँ स कछू अनन्त जीवन जिअइ बरे उठि जइहीं। किन्तु कछू एह बरे जागिहीं कि ओनका कबहुँ नाहीं समाप्त होइवाली लज्जा अउर घिना प्राप्त होइ।
3अकासे क भव्यता क नाईं बुध्दिमान पुरुस चमक उठिहीं। अइसे बुध्दिमान पुरुस जउन दूसरन क अच्छी जिन्नगी क राह देखाए रहेन, अनन्त काल बरे तारन क समान चमकइ लगिहीं।

4"'किन्तु हे दानिय्येल! इ सन्देस क तू छिपाइके रख द्या। तोहका इ पुस्तक बन्द कइ देइ चाही। तोहका अंत समइ तलक इ रहस्स क छुपाइके रखब अहइ। सच्चा गियान पावइ बरे बहोत स लोग एहर-ओहर दउड़ करिहीं अउर इ तरह सच्चे गियान क विकास होइ।'

5"फुन मइँ, दानिय्येल निगाह उठाएउँ अउर दुइ अलग-अलग मनइयन क लखेउँ। ओनमाँ स एक मनई नदी क हरेक किनारे खड़ा भवा रहा।
6उ मनई जउन सन क ओढ़ना पहिर रखे रहा, नदी मँ पानी क बहाव क विरुद्ध खड़ा रहा। ओन दुइनउँ मँ स कउनो एक ओहसे पूछेस, 'एन अचरजे स पूर्ण बातन क खतम होइ मँ अबहुँ केतना समइ लागी?'

7"उ मनई जउन सन क ओढ़ना धारण किहे भवा रहा अउर जउन नदी क जल क बहाव क विरुद्ध खड़ा भवा रहा, उ आपन दाहिन अउ बायाँ-दुइनउँ हाथ अकासे कइँती उठाएस। मइँ उ मनई क अमर परमेस्सर क नाउँ क प्रयोग कइके एक किरिया बोलत भए सुना। उ कहेस, इ साढ़े तीन बरिस तलक घटी। पवित्तर जन क सक्ति टूट जाइ अउर फुन इ सबइ बातन अंतिम रूप स खतम होइ जइहीं।'

8"मइँ इ उत्तर सुनेउँ तउ रहा किन्तु वास्तव मँ मइँ ओका समुझेउ नाहीं। तउ मइँ पूछेउँ, 'हे महोदय, एन सबहिं बातन क फुरइ निकरइ क पाछे का होइ?'

9"उ उत्तर दिहस, 'दानिय्येल, तू आपन जिन्नगी जिअइ जा। इ सँदेसा गुप्त अहइ अउर जब तलक अंत समइ नाहीं आइ, इ गुप्त ही बना रही।
10बहोत स लोगन क सुद्ध कीन्ह जाइ। उ लोग खुद अपने आप क स्वच्छ करिहीं किन्तु दुस्ठ लोग, दुस्ठ ही बना रहिहीं उ सबइ दुस्मन लोग एका नाहीं समुझिहीं। किन्तु बुद्धिमान लोग एका समुझिहीं।

11"'उ दिना स लइके बलि रोक दीन्ह जाब्या एक हजार दुइ सौ नब्बे दिन होइ जाब्या जब तलक खउफनाक चीज़ जउन तबाह करत अहइ स्थापित कीन्ह जाब्या।
12उ मनई जउन प्रतीच्छा करत भए एन एक हजार तीन सौ पैंतीस दिनन क समइ क अंत तलक पहोंची, उ बहोत अधिक भाग्गसाली होइ।

13"'हे दानिय्येल! जहाँ तलक तोहार बात अहइ, जा अउर अंत समइ तलक आपन जिन्नगी जिआ। तोहका तोहार बिस्राम प्राप्त होइ अउर अंत मँ तू आपन हींसा पावइ बरे मौत स फुन उठ खड़ा होब्या।'"

यहेजकेल

प्रस्तावना

1 1-3मइँ बूज़ी क पूत याजक यहेजकेल हउँ। मइँ देस स
निकारा गवा रहेउँ। मइँ उ समइ बाबुल मँ कबार नदी
पइ रहेउँ जब मोरे बरे सरग खुला अउर मइँ परमेस्सर क
दर्सन किहेउँ। इ तीसवे बरिस क चउथे महीने जुलाई क
पाँचवा दिन रहा। राजा यहोयाकीम क देस स निकारे गए
पँचएँ बरिस अउर महीना क पँचए दिन यहेजकेल क यहोवा
क सँदेसा मिला। उ ठउरे पइ ओकरे ऊपर यहोवा क सक्ती
आइ।

यहोवा क रथ अउर ओकर सिंहासन

4मइँ (यहेजकेल) एक आँधी उत्तर स आवत लखेउँ। इ
एक बिसाल बादर रहा अउर ओहमाँ स आगी चमकत रही।
एकरे चारिहुँ कइँती प्रकास जगमगात रहा। इ आगी मँ
चमकत तपत धातु क तरह देखात रहा। 5बादरे क भीतर
चार प्रानी रहेन। उ पचे मनइयन क तरह देखात रहेन।
6किन्तु हर एक प्रानी क चार मुँह अउर चार पखना रहेन।
7ओनकर गोड़ सोझ रहेन। ओनकर गोड़ बछवा क गोड़
जइसे देखात रहेन अउर उ पचे झलकत भए पीतर क तरह
चमकत रहेन। 8ओनकर पखना क खाले मनई क हाथ
रहेन। हुआँ चार प्रानी रहेन अउर हर एक प्रानी क चार
मुँह अउर चार पखना रहेन। 9ओनकर पखना एक दूसर क
छुअत रहेन। जब प्रणियन चलत रहेन तउ उ पचे मुड़त नाहीं
रहेन। उ सबइ उ दिसा मँ चलत रहेन जेका लखत रहेन।

10हर एक प्रानी क चार मुँह रहेन। समन्वा कइँती
ओनकर चेहरा मनई क रहा। दाईं कइँती सेर क चेहरा रहा।
बाईं कइँती बर्धा क चेहरा रहा अउर पाछे कइँती उकाब क
चेहरा रहा। 11प्राणियन क पखना ओनके ऊपर फइले भए
रहेन। उ सबइ दुइनउँ पखनन स अपने लगे क प्रानी क
दुइ पखनन क छुए भए रहेन अउ दुइ क आपन तन क
ढाँपइ बरे उपयोग मँ लिहे रहेन। 12उ सबइ प्रानी जब
चलत रहेन तउ मुड़त नाहीं रहेन। उ सबइ उ दिसा मँ चलत
रहेन जेका उ पचे लखत रहेन। उ पचे हुँवइ जात रहेन जहाँ
आतिमा ओनका लइ जात रही। 13हर एक प्रानी इ तरह
देखात रहा। ओन प्राणियन क बीच क जगह मँ बरत भइ
कोयला क आगी सा देखात रही। इ आगी नान्ह-नान्ह
मसालन क तरह ओन प्राणियन क बीच चलत रही। आगी
बड़के प्रकास क संग चमकत रही अउर बिजुरी क तरह
कौंधत रही। 14उ सबइ प्रानी बिजुरी क तरह तेजी स पाछे
अउ अगवा कइँती दउड़त रहेन।

15-16जब मइँ प्राणियन क लखेउँ तउ चार चक्र लखेउँ।
हर एक प्रानी बरे एक ठु चक्र रहा। चक्र भुइयाँ क छुअत
रहेन अउर सबइ चक्र एक तरह क रहेन। चक्र अइसे देखात
रहेन माना पिअर सुद्ध मणि क बना होइँ। उ सबइ अइसे
देखात रहेन माना एक चक्र क भीतरे दूसर चक्र होइ। 17उ
सबइ चक्र कउनो भी दिसा मँ घूम सकत रहेन। किन्तु उ
सबइ प्रानी जब चलत रहेन तउ मुड़त नाहीं रहेन।

18ओन चक्रन क घेरन ऊँच अउर डेरावइवाला रहेन।
ओन चारिहुँ चक्रन क घेरन मँ आँखिन ही आँखिन रहिन।

19चक्र हमेसा प्राणियन क संग चलत रहेन। जदि प्रानी
ऊपर हवा मँ जातेन तउ चक्र भी ओनके संग जातेन। 20उ
सबइ हुवँइ जातेन, जहाँ आतिमा ओनका लइ जात चाहत
अउर चक्र ओनके संग जात रहेन। काहेकि प्राणियन क
आतिमा चक्र मँ रही।

21एह बरे जदि प्रानी चलत रहेन तउ चक्र भी चलत
रहेन। जदि प्रानी रूक जात रहेन तउ चक्र भी रूक जात
रहेन। जदि चक्र हवा मँ ऊपर जातेन तउ प्रानी ओनके संग
जात रहेन। काहेकि आतिमा चक्र मँ रही।

22प्राणियन क मूँड़ि क ऊपर एक अचरज करइवाली
चीज रही। उ एक ठु उल्टे खोरे क नाईं रही। खोरा
बिल्लोर की नाईं स्वच्छ रहेन। 23इ खोरा क खाले हर एक
प्रानी क सोझ पखना रहेन जउन दूसर प्रानी तलक पहोंचत
रहेन। हर एक क दूसर दुइ ठु पखना रहेन जउन ओकर तने
क ढाँपत रहेन।

24जब कबहुँ उ सबइ प्रानी चलत रहेन, ओनकर पखना
बड़की तेज अवाज करत रहेन। मइँ उ अवाज क सुनेस। इ
समुद्दर क गर्जना जइसी पइदा होत रही। उ सर्वसक्तीमान
परमेस्सर क निचके स निकरइ क वाणी क नाईं रही। उ
कउनो फउजे क जन-समूह क सोर क तरह रही। जब उ
प्रानी चलब बन्द करत रहेन तउ उ पचे आपन पखनन क
आपन बगल मँ नीचे कइ लेत रहेन।

25ओन प्राणियन चलब बन्द किहेन अउर आपन पखनन
क समेटेन अउर हुवाँ फुन भीसन अवाज भइ। उ अवाज उ
खोरे स भइ जउन मूँड़ि क ऊपर रहा। 26उ खोरे क ऊपर
हुवाँ कछू रहा जउन एक सिहांसन क तरह देखात रहा। इ
नीतमणि क तरह नीला रहा। हुवाँ कउनो रहा जउन उ
सिहांसने पइ बइठा भवा एक ठु मनई क तरह देखात रहा।
27अउर मइँ ओका ओकर कमर क ऊपर लखेउँ। वह तप्त
धातु की तरहा दिखा, मानो ओकरे चारिहुँ कइँती आगी होइ।
अउर नीचे स कमर तलक उ आगी क नाईं दिखावइ देत
रहा। अउर ओकरे चारिहुँ कइँती प्रकास जगमग करत रही।
28ओकरे चारिहुँ कइँती चमकत प्रकास बादरन मँ इन्दर धनुस
जइसा रहा। इ यहोवा क महिमा जइसा देखात रहा। जइसेन
ही मइँ उ लखेउँ, मइँ धरती पइ भहराइ गएउँ। मइँ धरती

पइ आपन माथा टेकेउँ। तब मइँ एक अवाज सम्बोधित
करत भए सुनेउँ।

2 उ वाणी कहेस, “मनई क पूत, खड़ा होइ जा अउर
मइँ तोहसे बातन करब।” 2तब आतिमा मोका गोड़न
पइ सोझ खड़ा कइ दिहस अउर मइँ ओका सुनेउँ जउन
मोहसे बातन करत रहा। 3उ मोहसे कहेस, “मनई क पूत,
मइँ तोहका इस्राएल क परिवार स कछू कहइ बरे पठवत
हउँ।” उ सबइ लोग कइउ दाईं मोरे खिलाफ भएन।
ओनकर पुरखन भी मोरे खिलाफ भएन। उ पचे मोरे
खिलाफ कइउ दाईं पाप किहेन अउर उ पचे आजु तलक
मोरे खिलाफ अब भी पाप करत अहइँ। 4मइँ तोहका ओन
लोगन स कछू कहइ बरे पठवत हउँ। किन्तु उ पचे बहोत
हठी अहइँ। उ पचे बड़के कठोर चित्तवाले अहइँ। किन्तु
तोहका ओन लोगन स बातन करब अहइ। तोहका कहइ
चाही, ‘हमार सुआमी यहोवा इ सबइ बातन बतावत ह।’ 5उ
सबइ लोग तोहार सुनिहीं या न भी सुनिहीं। काहेकि उ पचे
बहोत बिद्रोही लोग अहइँ, उ पचे सदा मोरे खिलाफ होइ
जात हीं। मुला तोहका उ सबइ बातन कहइ चाही जेहसे उ
पचे समुझ सकइँ कि ओनके बीच मँ कउनो नबी रहत
बाटइ।

6“मनई क पूत ओन लोगन स डेराअ नाहीं। जउन उ पचे
कहइँ ओहसे डेराअ नाहीं। इ फुरइ अहइ कि उ पचे तोहरे
खिलाफ होइ जइहीं अउर तोहका चोट पहोंचाउब चइहीं। तू
अइसा सोचब्या कि तू बीछियन क बीच रहत अहा। मुला उ
पचे जउन कहइँ ओनसे डेराअ नाहीं। उ पचे बिद्रोही लोग
अहइँ। किन्तु ओनसे डेराअ नाहीं। 7तोहका ओनसे उ बात
कहइ चाही जउन मइँ कहत हउँ। चाहे उ पचे तोहार सुनि
या ना सुनि। काहेकि उ पचे बिद्रोही लोग अहइँ।

8“मनई क पूत, तोहका ओन बातन क सुनइ चाही
जेनका मइँ तोहसे कहत हउँ। ओन बिद्रोही लोगन क तरह
मोरे खिलाफ जिन जा। आपन मुँह खोला जउन बात मइँ
तोहसे कहत हउँ, अंगीकार करा अउर ओन बचनन क
लोगन स कहा। एन बचनन क खाइ ल्या।”

9तब मइँ (यहेजकेल) एक भुजा क आपन कइँती बढ़त
लखेउँ। उ एक ठु गोल कीन्ह भवा लम्बा पत्र जेह पइ
बचन लिखे रहेन, धरे भए रहा। 10मइँ उ गोल कीन्ह भए
पत्र क खोलेउँ अउर ओह पइ समन्वा अउ पाछे बचन
लिखे रहेन। ओहमाँ सबहिं तरह क करूण गीत, सबइ
कथा अउर चितउनियन रहिन।

3 परमेस्सर मोहसे कहेस, “मनई क पूत, जउन तू लखत
अहा ओका खाइ जा। इ गोल कीन्ह गए पत्र क
खाइ जा अउर तब जाइके इस्राएल क लोगन स इ सबइ
बातन कहा।” 2एह बरे मइँ आपन मुँह खोलेउँ अउर उ
गोल कीन्ह गए पत्र क मुँह मँ रखेस। 3तब परमेस्सर
कहेस, “मनई क पूत, मइँ तोहका इ गोल कीन्ह गए पत्र
क देत अहउँ। एक लील जा। इ गोल कीन्ह गए पत्र क
आपन तने मँ भर जाइ द्या।”

एह बरे मइँ गोल कीन्ह गए पत्र क खाइ गएउँ। इ मोरे
मुँह मँ शहद क तरह मीठा रहा। 4तब परमेस्सर मोहसे
कहेस, “मनई क पूत, इस्राएल क परिवार मँ जा। मोर कहे
भए बचन ओनसे कहा। 5मइँ तोहका कउनो बिदेसियन मँ
नाहीं पठवत हउँ जेनकर बातन तू समुझ न सका। तोहका
दूसर भाखा सीखइ नाहीं पड़ी। मइँ तोहका इस्राएल क
परिवार मँ पठवत हउँ। 6मइँ तोहका बहोत स रास्ट्र मँ नाहीं
पठवत हउँ जहाँ लोग अइसी भाखा बोलत हीं कि तू समुझ
नाहीं सकत्या। जदि तू ओन लोगन क लगे जाब्या अउर
ओनसे बातन करब्या तउ उ पचे तोहार सुनिहीं। किन्तु
तोहका ओन कठिन सबइ भाखा क नाहीं समुझब अहइ।
7नाहीं। मइँ तउ तोहका इस्राएल क परिवार मँ पठवत हउँ।
केवल वे ही लोग ही कठोर चित्त चाले अहइँ - उ पचे
बहोत हठी अहइँ अउर इस्राएल क लोग तोहार सुनइ स
इन्कार कइ देइहीं। उ पचे मोर सुनब नाहीं चाहतेन। 8मुला
मइँ तोहका ओतना ही हठी बनाउब जेतना उ पचे अहइँ।
तोहार चित्त ठीक ओतना ही कठोर होइ जेतना ओनकर।
9हीरा आगी क चट्टान से भी जियादा कठोर होत ह। उहइ
तरह तोहार चित्त ओनकर चित्त स जियादा कठोर होइ। तू
ओनसे जियादा हठी होब्या। एह बरे तू ओन लोगन स नाहीं
डेराअ। तू ओन लोगन स नाहीं डेराब्या जउन हमेसा मोरे
खिलाफ जात हीं।”

10तब परमेस्सर मोहसे कहेस, “मनई क पूत, तोहका मोर
हर एक बात, जउन मइँ तोहसे कहत हउँ, सुनइ क होइ
अउर तोहका ओन बातन क याद रखब होइ। 11तब तू
आपन ओन सबहिं लोगन क बीच जा जउन देस-निकारा
अहइँ। ओनके लगे जा अउर कहा, ‘हमार सुआमी यहोवा इ
सबइ बातन कहत ह,’ उ पचे मोर नाहीं सुनिहीं अउर उ पचे
पाप करब बन्द नाहीं करिहीं। किन्तु तोहका इ सबइ बातन
कहब अहइ।”

12तब आतिमा मोका ऊपर उठाएस। तब मइँ आपन पाछे
एक आवाज सुनेउँ। इ बिजुरी क कड़क क तरह बहोत तेज
रही। उ कहेस, “ओकरे स्थान स यहोवा क महिमा क
गुनगान करा।” 13तब प्राणियन क पखना हिलब सुरू भएन।
पखनन, जब एक दूसर क छुएन, तउ उ पचे बड़की तेज
अवाज क अउर ओनके समन्वा क चक्र बिजुरी क कड़क
क तरह प्रचण्ड घोस करइ लागेन। 14आतिमा मोका उठाएन
अउर दूर लइ गइ। मइँ उ जगह तजेउँ। मइँ बहोत दु:खी
रहेउँ अउर मोर आतिमा बहोत असान्त रही किन्तु यहोवा क
सक्ती मोरे भीतर प्रबल रही। 15मइँ इस्राएल क ओन लोगन
क लगे गएउँ जेका तेलाबीब मँ कबार नदी क किनारे रहइ
क मजबूर कीन्ह ग रहेन। मइँ ओन लोगन क बीच मँ सात
दिना तलक सोक मँ बइठा रहा।

16सात दिना पाछे यहोवा क सँदेसा मोका मिला। उ
कहेस, 17“मनई क पूत, मइँ तोहका इस्राएल क सन्तरी
बनावत हउँ। मइँ ओन बुरी सबइ घटना क बताउब जउने
ओनके संग घटित होइहीं अउर तोहका इस्राएल क ओन
सबइ घटना क बारे मँ चितउनी देइ चाही। 18जदि मइँ कहत
हउँ, ‘इ बुरा मनई मरी।’ तउ तोहका इ चितउनी ओका देइ
चाही। तोहका ओहसे कहइ चाही कि उ आपन जिन्नगी
बदलइ अउर बुरा करम करब बन्द करइ। जदि तू उ मनई
क चितउनी नाहीं देब्या तउ उ मरि जाइ। उ मरी काहेकि उ

पाप किहस। किन्तु मइँ तोहका भी ओकर मउत क बरे उत्तरदायी बनाउब। काहेकि तू ओकरे लगे नाहीं गया अउर ओकरे जिन्नगी क नाहीं बचाया।

19“इ होइ सकत ह कि तू कउनो मनई क चितउनी देब्या, ओका ओकरे जिन्नगी क बदलइ बरे समुझउब्या अउर बुरा काम न करइ क कहब्या। जदि उ मनई तोहार अनसुनी करत ह तउ मरि जाइ। उ मरी काहेकि उ पाप किहे रहा। किन्तु तू ओका चितउनी दिहा, एह बरे तू आपन जिन्नगी बचाइ लिहा।

20“या इ होइ सकत ह कि कउनो नीक मनई अच्छा बनब रहइ तज देइ। मइँ ओकरे समन्वा कछू अइसा लाइके रख देउँ कि उ ओकर पतन करइ। उ बुरे करम करब सुरू करी। एह बरे उ मरी। उ मरी, काहेकि उ पाप करत अहइ अउर तू ओका चितउनी नाहीं दिहा। मइँ तोहका ओकर मउत बरे जिम्मेदार बनाउब, अउर लोग ओकरे जरिये कीन्ह गए सबहिं नीक कार्यन क याद नाहीं करिहीं।

21“किन्तु जदि तू उ नीक मनई क चितउनी देत अहा अउर ओका पाप करब बन्द करइ क कहत अहा, अउर जदि उ पाप करब बन्द कइ देत ह, तब उ नाहीं मरी। काहेकि तू ओका चितउनी दिहा अउर उ तोहार सुनेस। इ तरह तू आपन जिन्नगी बचाया।”

22तब यहोवा क सक्ती मोरे ऊपर आई। उ मोहसे कहेस, “उठा अउर घाटी मँ जा। मइँ तोहसे उ ठउरे पइ बात करब।”

23एह बरे मइँ खड़ा भएउँ अउर बाहेर घाटी मँ गएउँ। यहोवा क महिमा हुआँ परगट भइ ठीक वइसेन ही, जइसा मइँ ओका कबार नदी क सहारे लखे रहेउँ। एह बरे मइँ धरती पइ आपन मूँड़ि निहुराएउँ। 24किन्तु “आतिमा” आइ अउर उ मोका उठाइके मोरे गोड़न पइ खड़ा कइ दिहेस। उ मोहसे कहेस, “घर जा अउर आपन क अपने घरे क ताले क भीतर बन्द कइ ल्या। 25मनई क पूत, लोग रस्सी क संग अइहीं अउर तोहका बाँध देइहीं। उ पचे तोहका लोगन क बीच बाहेर जाइ नाहीं देइहीं। 26मइँ तोहार जीभ क तोहरे तालु स चिपकाइ देब, तू बात करइ जोग्ग नाहीं रहब्या। एह बरे तू लोगन क ओनकर मार्ग क सुधारइ बरे कछू कहइ क जोग्य नाहीं रहब्या। काहेकि उ पचे लोग सदा मोरे खिलाफ जात अहइँ। 27किन्तु मइँ तोहसे बातचीत करब तब मइँ तोहका बोलइ देब। किन्तु तोहका ओनसे कहइ चाही, ‘हमार सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहत ह।’ जदि कउनो मनई सुनइ चाहत ह तउ इ बहोत अच्छा अहइ। जदि कउनो मनई एका नाहीं सुनइ चाहत, तउ न सुनइ। किन्तु उ सबइ लोग सदा मोरे खिलाफ जात रहेन।

4

“मनई क पूत, एक ठु ईंटा ल्या। एह पइ एक चित्र खींचा। एक नगर क, अर्थात यरूसलेम क एक ठु चित्र बनावा 2अउर तब उ तरह कार्य करा माना तू उ नगर क घेरा डाए भए फउज अहा। नगर क चारिहुँ कइँती एक ठु माटी क देवार एह पइ हमला करइ मँ मदद बरे बनावा। नगर क देवार तलक पहोंचइ वाली एक ठु ढलान बनावा। तोड़ फोड़ करइवाले लट्ठन क लिआवा अउर नगर क चारिहुँ कइँती फउजी डेरन क खड़ा करा 3अउर तब तू एक ठु लोहा क कड़ाही ल्या अउर एका आपन अउर नगर क बीच रखा। इ एक लोहा क देवार क तरह होइ, जउन तोहका अउर नगर क अलग करी। इ तरह तू इ प्रदर्सित करब्या कि तू उ नगर क खिलाफ अहा। तू उ नगर क घेरब्या अउर ओह पइ हमला करब्या। काहेकि इ इस्राएल क परिवार बरे एक ठु उदाहरण होइ। इ प्रदर्सित करी कि मैं (परमेस्सर) यरूसलेम क नस्ट करब।

4“तब तोहका आपन बाईं करवट ओलरइ चाही। तउ तू इस्राएल क लोगन क पापन्क क घोसणा करा। तू ओनकइ पाप क सारे दिनन तलक ढोउब्या जेतने दिनन तलक तू आपन बाईं करवट ओलरब्या। 5तू इ तरह इस्राएल क पाप क तीन सौ नब्बे दिनन तलक घोसणा करब्या। इ तरह मइँ तोहका बतावत हउँ कि इस्राएल, एक दिन एक बरिस क बराबर क केतने लम्बे समय तलक दण्डित होइ।

6“उ समइ क पाछे तू आपन दाहिन करवट चालीस दिनन तलक ओलरब्या। इ समइ क दौरान तू यहूदा क पापन्क बरे घोसणा करब्या। इ तरह स मइँ तोहका बतावत हउँ कि यहूदा क केतने लम्बे बरिस बरे दण्ड देइ चाही। एक दिन एक बरिस क होइ।”

7परमेस्सर फिन बोला। उ कहेस, “अब, आपन आस्तानन क मोड़ ल्या अउर आपन हाथन क ईंटा क ऊपर उठावा। अइसा देखावा माना तू यरूसलेम नगर पइ हमला करत अहा। एका इ देखावइ बरे करा कि तू मोर नबी क रूप मँ लोगन स बातन करत अहा। 8एँह पइ धियान राखा, मइँ तोहका लसुरियन स बाँधत अहउँ। तू तब तलक एक बगल स दूसरी बगल करवट नाहीं लइ सकत्या जब तलक तोहरे नगर पइ हमला खतम नाहीं हो।”

9परमेस्सर इ भी कहेस, “तोहका रोटी बनावइ बरे कछू अन्न लिआवइ चाही। कछू गोहूँ, जौ, सेम, मसूर, तिल, बजरी अउर कठिया गोहूँ लिआवा। इ सबहिं क एक ठु खोरा मँ मिलावा अउर ओनका पीसिके आटा बनावा। तोहका इ आटे क उपयोग रोटी बनावइ बरे करइ क होइ। तू सिरिफ इहइ रोटी क तीन सौ नब्बे दिनन तलक आपन बगल क सहारे ओलरे भए खाब्या। 10तोहका सिरिफ एक पियाला उ आटा रोटी बनावइ बरे प्रतिदिन उपयोग करइ क होइ। तू उ रोटी क पूरे दिन मँ समइ समइ पइ खाब्या। 11अउर तू सिरिफ तीन पियाला पानी प्रतिदिन पी सकत ह। 12तोहका प्रतिदिन आपनी रोटी बनावइ चाही। तोहका मनई क झुरान मैला लिआइके बारइ चाही। तब तोहका उ जरत मैला पइ आपन रोटी पकावइ चाही। तोहका इ रोटी क लोगन क समन्वा खाइ चाही।” 13तब यहोवा कहेस, “इ प्रदर्सित करी कि इस्राएल क परिवार विदेसन मँ अपवित्तर रोटियन क खाइ अउर मइँ ओनका इस्राएल क तजइ अउर ओन देसन मँ जाइ क बिवस किहे रहेउँ।”

14तब मइँ (यहेजकेल) अचरज स कहेउँ, “किन्तु मोरे सुआमी यहोवा, मइँ अपवित्तर खइया क कबहुँ नाहीं खाएउँ। मइँ कबहुँ उ जनावरे क माँस नाहीं खाएउँ, जउन कउनो रोग स मरा होइ या जंगली जनावर मारि डाए होइ। मइँ बचपन स लइके अब तलक कबहुँ अपवित्तर माँस नाहीं

खाएउँ ह। मोरे मुँहे मँ कउनो भी वइसा बुरा माँस कबहुँ
नाहीं गवा ह।"
15तब परमेस्सर मोहसे कहेस, "ठीक बाटइ। मइँ तोहका
रोटी पकावइ बरे गइया क झुरान गोबर उपयोग मँ
लिआवइ देब। तोहके मनई क झुरान मैला क उपयोग नाहीं
करब होइ।"
16तब परमेस्सर मोहसे कहेस, "मनई क पूत, मइँ
यरूसलेम क रोटी क आपूर्ति क नस्ट करत हउँ। लोगन क
लगे खाइ बरे रोटियन नाहीं क बराबर होइहीं। उ पचे आपन
भोजन आपूर्ति बरे बहोत परेसान होइहीं अउर ओनके बरे
पानी नाहीं क बराबर अहइ। उ पचे उ पानी क पिअत समइ
बहोत भयभीत होइहीं। 17काहेकि लोगन बरे पर्याप्त भोजन
अउ पानी नाहीं होइ। लोग एक दूसर क लखिके भयभीत
होइहीं काहेकि उ पचे आपन पापन क कारण एक दूसर क
नस्ट होत भवा लखिहीं।

5 1-2"मनई क पूत आपन उपवास क समइ क पाछे
तोहका इ सबइ काम करइ चाही। तोहका एक तेज
तरवार लेइ चाही। उ तरवार क उपयोग नाऊ क उस्तरे क
तरह करा। तू आपन बार अउ दाढ़ी ओहसे काट ल्या। बारन
क तराजू मँ धरा अउ तउला। आपन बारन क तीन हींसा मँ
बाँटा। आपन बारन क एक तिहाई हींसा उ ईंटा पइ धरा
जेह पइ नगर क चित्र बना ह। उ नगर मँ ओन बारन क
जरावा। इ प्रदर्सित करत ह कि कछू लोग नगर की भीतर
मरिहीं। तब तरवार क उपयोग करा अउर आपन बारन क
एक तिहाई क नान्ह-नान्ह टूकन मँ काट डावा। ओन बारन
क उ नगर क चारिहुँ कइँती धरा। इ प्रदर्सित करी कि कछू
लोग नगर क बाहेर मरिहीं। तब आपन बारन क एक
तिहाई क हवा मँ उड़ाइ द्या। एनका हवा क दूर उड़ाइ लइ
जाइ द्या। इ प्रदर्सित करी कि मइँ आपन तरवार निकारब
अउर कछू लोगन क पाछा कइके ओनका दूर देसन मँ
भगाइ देब। 3किन्तु तब तोहका जाइ चाही अउर ओन बारन
मँ स कछू क लिआवइ चाही। ओन बारन क लिआवा,
ओनका ढका अउर ओनकर रच्छा करा। इ प्रदर्सित करी कि
मइँ आपन मँ स कछू क बचाउब 4अउर तब ओन उड़े भए
बारन मँ स कछू अउर जियादा बारन क लिआवा। ओन
बारन क आगी मँ झोंकि द्या। इ प्रदर्सित करत ह कि
आगी हुवाँ सुरू होइ अउर इस्राएल क पूरे खानदान क
बारिके नस्ट कइ देइ।"
5तब मोर सुआमी यहोवा मोहसे कहेस, "उ ईटां यरूसलेम
अहइ, मइँ इ यरूसलेम नगर क दूसर रास्ट्रन क बीच रखा
ह, इ समइ इस्राएल क चारिहुँ ओर दूसर देस अहइँ।
6यरूसलेम क लोग मोरे आदेसन क बरे विद्रोह किहन। उ
पचे दूसर कउनो रास्ट्र स जियादा बुरे रहेन। उ पचे मोरे नेमन
क ओहसे भी जियादा तोड़ेन जेतना ओनके चारिहुँ कइँती क
कउनो भी देस क लोग तोड़ेन। उ पचे मोरे आदेसन क
सुनइ स इनकार कइ दिहन। उ पचे मोर व्यवस्था क पालन
नाहीं किहन।"
7एह बरे मोर सुआमी यहोवा कहेस, "मइँ तू लोगन पइ
भयंकर विपत्तियन लिआउब। काहेकि तू मोर आदेसन क
पालन नाहीं किहा। तू लोग मोरे नेमन क आपन चारिहुँ
कइँती रहइवाले लोगन स भी जियादा तोड़्या। तू लोग उ
सबइ काम भी किहा जेनका उ सबइ लोग भी गलत कहत
हीं।" 8एह बरे मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "एह बरे मइँ
भी तोहरे पचन्क विरूद्ध हउँ, मइँ तू पचन्क इ तरह दण्ड
देब जेहसे दूसर लोग भी लखि सकइँ। 9मइँ तू लोगन क
संग उ करब जेका मइँ पहिले कबहुँ नाहीं किहेउँ। मइँ ओन
भयानक कामन क फिन कबहुँ नाहीं करब। काहेकि तू पचे
एँतना जियादा भंयकर काम किहा। 10यरूसलेम मँ लोग
भूख स एतना तड़पिही कि महतारी-बाप आपन गदेलन क
खाइ जइहीं अउर गदेलन आपन महतारी-बाप क खाइ
जइहीं। मइँ तू पचन्क कइउ तरह स दण्ड देब अउर जउन
लोग जिअत बचा अहइँ, ओनका मइँ हवा मँ बिखेर देब।"
11मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "यरूसलेम, मइँ आपन
जिन्नगी क किरिया खाइके कहत हउँ कि मइँ तू पचन्क
दण्ड देब। मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तू पचन्क दण्ड
देब। काहेकि तू पचे मोर 'पवित्तर ठउर' क खिलाफ भयंकर
पाप किहा। तू पचे उ सबइ भयानक काम किहा जउन एका
गन्दा बनाइ दिहन। मइँ तू पचन्क दण्ड देब। मइँ तू पचन्क
पइ दाया नाहीं करब। मइँ तू पचन बरे दु:ख क अनुभव
नाहीं करब। 12तोहार पचन्क एक तिहाई लोग नगर क
भीतर रोग अउ भूख स मरिहीं। तोहार पचन्क एक तिहाई
लोग नगर क भीतर रोग अउ भूख स मरिहीं। तोहार
पचन्क एक तिहाई लोग जुद्ध मँ नगर क बाहेर मरिहीं
अउर तोहार लोगन क एक तिहाई क मइँ आपन तरवार
निकारिके ओनकर पाछा कइके ओनका दूर देसन मँ खदेड़
देब। 13सिरिफ तब मइँ तोहरे लोगन पइ क्रोधित होब बन्द
करब। मइँ समुझ लेब कि उ पचे ओन बुरे कामन क बरे
दण्डित भएन ह जउन उ पचे मोर संग किहे रहेन अउर उ
पचे समुझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ अउर मइँ ओन लोगन क
बिरोध मँ आपन गैरत क कारण बात किहेउँ।"
14परमेस्सर कहेस, "यरूसलेम मइँ तोहका नस्ट करब तू
पाथरन क ढ़ेर क अलावा दूसर कछू नाहीं रहि जाब्या।
तोहरे चारिहुँ कइँती लोग तोहार हँसी उड़ाइ हीं। हर एक
मनई जउन तोहरे लगे स गुजरी तोहार हँसी उड़ई। 15तोहरे
चारिहुँ कइँती क लोग तोहार हँसी उड़इहीं, किन्तु ओनके
बरे तू एक सबक भी बनब्या। उ पचे लखिहीं कि मइँ
कोहान रहा अउर मइँ तोहका दण्ड दिहेउँ। मइँ बहोत कोहान
रहा। मइँ तोहका चितउनी दिहे रहेउँ। मोका, यहोवा तोहसे
कहे रहा कि मइँ का करउँ। 16मइँ कहे रहेउँ कि मइँ तोहरे
लगे भयंकर भुखमरी क समइ पठउब। मइँ तोहसे कहे
रहेउँ, मइँ ओन चीजन क पठउब जउन तोहका नस्ट करिहीं
अउर तोहसे कहे रहा कि मइँ तोहार भोजन क आपूर्ति छोर
लेब, अउर उ भूखमरी क उ समइ बार-बार आवा। 17मइँ
तोहसे कहे रहेउँ कि मइँ तोह पइ भूख अउ जंगली पसु
पठउब, जउन तोहरे लरिकन क मारि डइहीं। मइँ तोहसे कहे
रहेउँ कि पूरे नगर मँ रोग अउर मउत क राज्ज होइ अउर
मइँ ओन दुस्मन-फउजियन क तोहरे खिलाफ लड़इ बरे
लिआउब। मोका यहोवा इ कहे रहा, इ सबइ बातन घटित
होइहीं अउर सबहिं घटित भइन।"

6 तब यहोवा क बचन मोरे लगे फुन आवा। 2उ कहेस,
"मनई क पूत इस्राएल क पर्वतन कइँती मुड़ा। उनके
बिरूध नबूवत करा। 3ओन पर्वतन स इ कहाः 'इस्राएल क
पर्वतो, मोर सुआमी यहोवा कइँती स इ सँदेसा सुना। मोर
सुआमी यहोवा पहाड़ियन, पर्वतन, घाटियन अउर खार-खड्डन
स इ कहत ह। धियान द्या। मइँ (परमेस्सर) दुस्मन क तू
सबन्क खिलाफ लड़इ बरे लिआवत हउँ। मइँ तोहार सबन्क
उच्च ठउरन क नस्ट कइ देब। 4तोहार सबन्क वेदियन क
तोरिके टूका-टूका कइ दीन्ह जाइ तोहार सबन्क सुगन्धि
चढ़ावइ क वेदियन ध्वस्त कइ दीन्ह जइहीं। अउर मइँ तोहार
सबन्क ल्हासन क तोहार सबन्क गन्दी मूरतियन क समन्वा
लोकाउब। 5मइँ इस्राएल क लोगन क ल्हासन क ओनकर
देवतन क गन्दी मूरतियन क समन्वा लोकाउब। मइँ तोहार
सबन्क हाड़न क तोहरे पचन्क वेदियन क चारिहुँ ओर
बिखेरब। 6जहाँ कहूँ तोहार लोग रहिहीं ओन पइ विपत्तियन
अइहीं। ओनकर नगर पाथरन क ढेर बनिहीं। ओनकर उच्च
ठउरन नस्ट कीन्ह जइहीं। काहे? एह बरे कि ओन पूजा
ठउरन क उपयोग दुबारा न होइ सकइ। उ सबइ सबहिं
वेदियन नस्ट कइ दीन्ह जइहीं। लोग फुन कबहुँ ओन गन्दी
मूरतियन क नाहीं पूजिहीं। ओन सुगन्धि वेदियन क ध्वस्त
कीन्ह जाइ। जउन चिजियन तू पचे बनावत ह उ सबइ पूरी
तरह नस्ट कीन्ह जइहीं। 7तोहार लोग मारा जइहीं अउर तब
तू जनब्या कि मइँ यहोवा हउँ।'"

8परमेस्सर कहेस, "किन्तु मइँ तोहरे कछू लोगन क बच
निकरइ देब। उ पचे थोड़े समइ तलक विदेसन मँ रहिहीं।
मइँ ओनका बिखेरब अउर दूसर देसन मँ रहइ बरे मजबूर
करब। 9तब उ पचे बचे भए लोग बन्दी बनावा जइहीं। उ
पचे बिदेसन मँ रहइ क मजबूर कीन्ह जइहीं। किन्तु उ पचे
बचे भए लोग मोका याद रखिहीं। मइँ ओनकर आतिमा क
खण्डित किहेउँ। जउने पापन क उ पचे किहेन, ओकरे बरे
उ पचे खुद ही घिना करिहीं। बीते समइ मँ उ पचे मोहसे
विमुख भए रहेन। अउर दूर होइ ग रहेन। उ पचे आपन
गन्दी मूरतियन क पाछे लगे भए रहेन। उ पचे उ समइ
मेहरारू क नाईं रहेन जउन आपन भतार क तजिके, कउनो
दूसर मनई क पाछे धावइ लाग। उ पचे बड़े भयंकर पाप
किहन। 10किन्तु उ पचे समुझ जइहीं कि मइँ यहोवा हउँ
अउर उ पचे इ जनिहीं कि जदि मइँ कछू करइ बरे कहब
तउ मइँ ओका करब। उ पचे समुझ जइहीं कि उ पचे सब
विपत्तियन जउन ओन पइ आई अहइँ, मइँ डाएउँ ह।"

11तब मोर सुआमी यहोवा मोहसे कहेस, "हाथन स ताली
बजावा अउर आपन गोड़ पीटा। ओन सबहिं भयंकर
चिजियन क खिलाफ कहा जेनका इस्राएल क लोग किहन
ह। ओनका चितउनी द्या कि उ सबइ रोग अउ भूख स
मारा जइहीं। ओनका बतावा कि उ पचे जुद्ध मँ मारा
जइहीं। 12दूर क लोग रोग स मरिहीं। समीप क लोग
तरवार स मारा जइहीं। जउन लोग नगर मँ बचा रहिहीं, उ
पचे भूख स मरिहीं। मइँ तबहिं किरोध करब तजब, 13अउर
सिरिफ तबहिं तू जनब्या कि मइँ यहोवा अहउँ। तू इ तब
समुझब्या जब तू आपन ल्हासन क गन्दी मूरतियन क
समन्वा अउर वेदियन क चारिहुँ कइँती लखब्या। तोहार पूजा
क ओन हर ठउरन क निचके, हर एक ऊँच पहाड़ी, पर्वत
तथा हर एक हरिअर बृच्छ अउर पत्तेवाले हर एक बाँझ
बृच्छ क नीचे, उ सबइ ल्हास होइहीं। ओन सबहिं ठउरन
पइ तू आपन बलि-भेंट किहा ह। उ पचे तोहार गन्दी
मूरतियन बरे मधुर गन्ध रहिन। 14किन्तु मइँ आपन हाथ तू
लोगन पइ उठाउब अउर तोहका तोहरे लोगन क जहाँ कहूँ
उ पचे रहेन, सजा देब। मै तोहरे देस क नस्ट करब। इ
दिबला रेगिस्तान स भी जियादा सूनी होइ। तब उ पचे जनिहीं
कि मइँ यहोवा हउँ।"

7 तब यहोवा क बचन मोका मिला। 2उ कहेस, "मनई
क पूत, अब मोर सुआमी यहोवा क इ सँदेसा अहइ।
इ सँदेसा इस्राएल देस बरे अहइः

अन्त! अन्त आइ ग अहइ। पूरा देस नस्ट होइ जाइ।

3अब तोहार अन्त आइ ग अहइ। मइँ देखाउब कि मइँ
तोह पइ केतना कोहान हउँ। मइँ तोहका ओन बुरे कामन
बरे दण्ड देब जउन तू किहा। जउन भयंकर काम तू किहा
ओनके बरे मइँ तोहसे भुगतान कराउब।

4मइँ तोहरे ऊपर तनिक भी दाया नाहीं करब। मइँ तोहरे
बरे अफसोस नाहीं करब। मइँ तोहका तोहरे बुरे कामन बरे
दण्ड देत हउँ। तू भयानक कामन क किहा ह। अब तू
समुझ जाब्या कि मइँ यहोवा हउँ।"

5मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस। "एक क बाद
एक बिपत्तियन अइहीं। 6अन्त आवत अहइ अउर इ बहोत
हाली आइ। 7इस्राएल क लोगो, का तू सीटी सुन्या ह?
दुस्मन आवत अहइ। उ दण्ड क समइ हाली आवत अहइ।
दुस्मन क सोरगुल पर्वतन पइ जियादा स जियादा बढ़त जात
अहइ। 8मइँ हाली ही देखाइ देब कि मइँ केतना कोहान
हउँ। मइँ तोहरे खिलाफ आपन पूरे किरोध क परगट करब।
मइँ ओन बुरे कामन बरे दण्ड देब जउन तू किहा। मइँ ओन
सबहिं भयानक कामन बरे तोहसे भुगतान कराउब जउन तू
किहा। 9मइँ तोह पइ तनिक भी दाया नाहीं करब मइँ तोहरे
बरे अफसोस नाहीं करब। मइँ तोहका तोहरे बुरे कामन बरे
दण्ड देत हउँ। तू जउन भयानक काम किहा ह, अब तू
जानब्या कि मइँ यहोवा हउँ अउर मइँ दण्ड भी देत हउँ।

10"दण्ड क उ समइ आइ गवा। का तू सीटी सुनत
अहा? परमेस्सर संकेत दिहस ह। दण्ड आरम्भ होत अहइ।
डारी अकुंरित होइ लाग अहइ। घमण्डी राजा (नवूकदनेस्सर)
पहिले स ही जियादा सक्तीसाली होत जात रहा। 11उ हिंसक
मनई ओन बुरे लोगन क दण्ड देइ बरे तैयार अहइ। इस्राएल
मँ लोगन क गिनती बहोत अहइ, किन्तु उ ओनमाँ स नाहीं
अहइ। उ उ भीड़ क मनई नाहीं अहइ। उ ओन लोगन मँ
स कउनो महत्वपूर्ण प्रमुख नाहीं अहइ।

12"उ दण्ड क समइ आइ ग अहइ। उ दिन आइ
पहोंचा। जउन लोग चिजियन खरीदत हीं, प्रसन्न नाहीं होइहीं
अउर जउन लोग चिजियन बेचत हीं, उ पचे ओनका बेचइ
मँ बुरा नाहीं मानिहीं। काहेकि उ भयंकर दण्ड हर एक मनई
बरे होइ। 13जउन लोग आपन स्थायी सम्पत्ति बेचिहीं उ पचे
ओका कबहुँ नाहीं पइहीं। जदि कउनो मनई जिअत नाहीं भी
बचा रही तउ भी उ आपन स्थायी सम्पत्ति वापस नाहीं पाइ

सकत। काहेकि इ दर्सन लोगन क पूरे समूह क बरे अहइ।
कउनो भी मनई अन्याय कइके आपन क बलवान नाहीं कइ
पाइहीं।

14“उ सबइ लोगन क चितउनी देइ बरे तुरही बजइहीं।
लोग जुद्ध बरे तइयार होइहीं। किन्तु उ पचे जुद्ध करइ क
बरे नाहीं निकरिहीं। काहेकि मइँ पूरे जन-समूह क देखाउब
कि मइँ केतना कोहान हउँ। 15तरवार लिए भए दुस्मन नगर
क बाहेर अहइँ। रोग अउर भूख नगर क भीतर अहइँ। जदि
कउनो जुद्ध क मइदान मँ जाइ तउ सत्रु क फउजी ओका
मारि डइहीं। जदि उ नगर मँ रहत ह तउ भूख अउर रोग
ओका नस्ट करिहीं।

16“किन्तु कछू लोग बचि निकरिहीं। उ पचे बचे लोग
पराइके पहाड़न मँ चला जइहीं। किन्तु उ सबइ लोग सुखी
नाहीं होइहीं। उ पचे आपन पापन क कारण दुखी होइहीं। उ
पचे चिजियइहीं अउर कबूतरन क तरह दुःख भरी आवाज
निकारिहीं। 17लोग एतने थके अउर खिन्न होइहीं कि आपन
हाथन भी नाहीं उठाइ पइहीं। ओनकर गोड़ पानी क तरह
ढीला होइहीं। 18उ पचे सोक वस्त्र पहिरहीं अउर भयभीत
रहिहीं। तू पचे हर मुँहे पइ लज्जा पउब्या। उ पचे सोक
प्रदर्सन बरे आपन बार मुड़वाइ लेइहीं। 19उ पचे आपन चाँदी
क देव मूरतियन क सड़कन पइ फेंक देइहीं। उ पचे आपन
सोने क मूरतियन क गन्दा चिथरन क तरह समुझिहीं।
काहेकि जब यहोवा आपन किरोध परगाट किहस उ सबइ
मूरतियन ओनका बचाइ नाहीं सकिन। उ सबइ मूरतियन
लोगन बरे पतन क जालि के अलावा दूसर कछू नाहीं
रहिन। उ सबइ मूरतियन लोगन क भोजन नाहीं देइहीं उ
सबइ मूरतियन ओनके पेट मँ अन्न नाहीं पहोंचइहीं।

20“ओन लोग आपन सुन्नर आभूसण क उपयोग किहन
अउर मूरति बनाएन। ओनका आपन मूरति पइ गर्व रहा। उ
पचे आपन भयानक मूरतियन बनाएन। ओन लोग ओन गन्दी
चिजियन क बनाएन। एह बरे मइँ (परमेस्सर) ओनका गन्दा
चिथरन क तरह लोकाइ देब। 21मइँ ओनका अजनबियन क
लेइ देब। उ सबइ अजनबी ओनका लूट लेइहीं। उ सबइ,
अजनबी, आपन मने क मुताबिक सबइ कछू लइ लेइहीं
अउ पवित्तर स्थान अपवित्तर कइ देइहीं। 22मइँ ओनसे आपन
मुँह फेर लेब, मइँ ओनकर कइँती नाहीं लखब। उ सबइ
अजनबी मोरे मन्दिर क नस्ट करिहीं, उ सबइ उ पवित्तर
भवन क गोपनीय हींसन मँ जइहीं अउर ओका अपवित्तर
करिहीं।

23“बन्दियन खातिर जंजीर बनावा। काहेकि बहोत स लोग
दूसर लोगन क मारइ क कारण दण्डित होइहीं। नगर क हर
ठउरन पइ हिंसा भड़की। 24मइँ दूसर रास्ट्रन स बुरे लोगन
क लिआउब अउर उ सबइ लोग इस्राएल क लोगन क
सबहिं घरन क लइ लेइहीं। मइँ तू बरिआर लोगन क
गर्बीला होइ स रोक देब। दूसर रास्ट्रन क उ सबइ लोग
तोहरे पूजा ठउरन क अपवित्तर कइ देइहीं।

25“तू लोग भय स थर्राइ उठब्या। तू लोग सान्ति
चहब्या, किन्तु सान्ति नाहीं मिली। 26तू पचे एक क पाछे
दूसर दुःख कथा क सुनब्या। तू पचे बुरी खबरियन क
अलावा कछू नाहीं सुनब्या। तू नबी क खोज करब्या अउर
ओहसे दर्सन पुछब्या। किन्तु कउनो मिली नाहीं। याजक क
लगे तू पचन्क सिच्छा देइ क कछू भी नाहीं होइ अउर
अग्रजन क लगे तू पचन्क कउनो नीक सलाह नाहीं होइ।
27तोहार पचन्क राजा ओन लोगन बरे रोइ अउर मरि गएन।
प्रमुख सोक-वस्त्र पहिरहीं। साधारण लोग बहोत डेराइ
जइहीं। काहेकि मइँ ओकर बदल देब जउन उ पचे किहन।
मइँ ओनकर दण्ड निहचित करब। अउर मइँ ओनका दण्ड
देब। तब उ सबइ समुझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।”

8 एक दिना मइँ (यहेजकेल) अपने घरे मँ बइठा रहेउँ
अउर यहूदा क अग्रज हुवाँ मोरे समन्वा बइठे रहेन। इ
देस-निकारे क छठएँ बरिस क छठएँ महीने क पचँएँ दिन
भवा। अचानक मोर सुआमी यहोवा क सक्ती मोहमाँ उतरी।
2मइँ कछू लखेउँ जउन आगी क नाईं रहा। इ एक मनई
क सरीर जइसा देखाइ पड़त रहा। करिहाउँ स खाले उ
आगी जइसा रहा। करिहाउँ स ऊपर उ आगी मँ तपत धातु
क तरह चमकत अउर कान्तिवाला रहा। 3तब मइँ कछू
अइसा लखेउँ जउन बाहु क तरह रहा। उ बाहु बाहेर बढ़ी
अउर उ मोरे मुँड़ि क बारन स मोका धइ लिहस। तब
आतिमा मोका हवा मँ उठाइ लिहस अउर परमेस्सर क दर्सन
मँ उ मोका यरूसलेम क लइ गइ। उ मोका उत्तर कइँती
भीतर फाटक पइ लइ गइ। उ देवमूर्ति, जेहसे परमेस्सर क
ईर्स्या होत ह, उ फाटक क सहारे अहइ। 4किन्तु इस्राएल
क परमेस्सर क तेज हुवँइ रहा। उ तेज वइसा ही देखात रहा
जइसा दर्सन मइँ घाटी क किनारे कबार नहर क लगे लखे
रहेउँ।

5परमेस्सर मोहसे कहेस। उ कहेस, “मनई क पूत, उत्तर
कइँती लखा।” एह बरे मइँ उत्तर कइँती लखेउँ। अउर हुवाँ
प्रवेस मार्ग क सहारे वेदी-दुआर क उत्तर मँ उ देवमूर्ति रही
जेकरे बरे परमेस्सर क ईर्स्या होत रही।

6तब परमेस्सर मोहसे कहेस, “मनई क पूत का तू लखत
अहा कि इस्राएल क लोग कइसा भयंकर काम करत
अहइँ? हिआँ उ पचे उ चीज क मोरे मन्दिर क ठीक बगल
मँ मोका इ स दूर हटाइ बरे बनाएन ह। जदि तू मोरे संग
अउब्या तउ तू अउर भी जियादा भयंकर चिजियन लखब्या।”

7एह बरे मइँ अँगने क प्रवेस दुआर पइ गएउँ अउर मइँ
देवार मँ एक ठु छेद लखेउँ। 8परमेस्सर मोहसे कहेस, “हे
मनई क पूत। उ देवारे क छेद क चारिहुँ कइँती खोदेन।”
एह बरे मइँ देवार क उ छेद स होइके गएउँ अउर हुवाँ
एक दरवाजा लखेउँ।

9तब परमेस्सर मोहसे कहेस, “अन्दर जा, अउर ओन
भयानक दुट्ठ चिजियन क लखा जेनका लोग हुवाँ करत
अहइँ।” 10एह बरे मइँ अन्दर गएउँ अउर मइँ लखेउँ। मइँ
हर एक प्रकार क रेंगइवाले जन्तु अउर जनावरन क
देवमूरतियन क लखेउँ जेनके बारे मँ सोचइ स तोहका घिना
होत ह। उ सबइ देवमूरतियन अउ गन्दी मूरतियन रहिन
जेनका इस्राएल क लोग पूजत रहेन। हुवाँ ओन जनावरन क
तस्बीर हर देवारे पइ चारिहुँ कइँदी खुदा भए रहेन।

11तब मइँ एह पइ धियान दिहेउँ कि सापान क पूत
याजन्याह अउर इस्राएल क सत्तर अग्रज उ ठउर पइ पूजा

करइवालन क साथ रहेन। हुवाँ पइ उ पचे, लोगन क ठीक
समन्वा रहेन, अउर हर एक प्रमुख क हाथे मँ आपन
सुगन्धि क थाल रहा। बरत सुगन्धि क धुवाँ हवा मँ उठत
रहा। **12**तब परमेस्सर मोहसे कहेस, "हे मनई क पूत का तू
लखेस ह कि इस्राएल क नेता लोग अँधियारा मँ का करति
आवत हीं? हरेक मनई क आपन लबार देवता बरे बिसेस
कमरा अहइँ। उ पचे आपुस मँ इ बातन करत ह, 'यहोवा
हम लोगन क नाहीं लखइ सकब्या। यहोवा इ रास्ट्र क तजि
दिहस ह।'" **13**तब परमेस्सर न मोह स कहेस, "यदि तुम मोरे
संग आउब्या तउ तू ओन लोगन अउर भी जियादा भयानक
काम करत भए लखब्या!"

14तब उ मोका यहोवा क मन्दिर क प्रवेस-दुआर पइ लइ
गवा। इ दुआर उत्तर कइँती रहा। हुवाँ मइँ मेहररूअन क
बइठे अउर रोवत भए लखेउँ। उ पचे लबार देवता तम्मूज
क बारे मँ सोक मनावत रहिन।

15परमेस्सर मोहसे कहेस, "मनई क पूत, का तू एन
भयंकर चिजियन क लखत अहा? मोरे संग आवा अउर तू
एनसे भी बुरे करम लखब्या।" **16**तब उ मोका मन्दिरे क
भीतरी अँगना मँ लइ गवा। उ ठउरे पइ मइँ पच्चीस
मनइयन क खाले निहुरे भए अउर पूजा करत लखेउँ। उ
पचे पवित्तर स्थान अउर वेदी क बीच रहेन, किन्तु उ पचे
गलत दिसा मँ मुँह किए खड़े रहेन। ओनकर पीठ पवित्तर
ठउरे कइँती रहिन। उ पचे सूरज क पूजा करइ बरे खाले
निहुरा रहेन।

17तब परमेस्सर कहेस, "मनई क पूत, का तू एका लखत
अहा? यहूदा क लोग मोरे मन्दिर क एतना महत्वहीन
समुझत हीं कि उ पचे मोरे मन्दिर मँ इ भयंकर करम करत
हीं। इ देस हिंसा स भरा भवा अहइ। उ पचे लगातार मोका
पागल करइवाला काम करत हीं। लखा, उ पचे आपन
नाकन मँ लबार देवता क तरह चन्द्रमा क सम्मान करइ बरे
बालियन पहिर रखिन ह। **18**मइँ ओन पइ आपन किरोध
परगट करब। मइँ ओन पइ कउनो दाया नाहीं करब। मइँ
ओनके बरे दु:ख क अनुभव नाहीं करब। उ पचे मोका जोर
स गोहरइहीं, किन्तु मइँ ओनका सुवइ स इन्कार कइ देब।"

9 तब परमेस्सर जोर स पुकारेस, नगर क जल्लादन क
आवइ द्या। हर एक क आपन हाथन मँ बिध्वंसकारी
हथियार लेइ चाही। **2**तब मइँ ऊपरी दुआरे स छ: मनइयन
क सड़के पइ आवत लखेउँ। इ दुआर उत्तर कइँती अहइ।
हर एक मनई आपन घातक सस्त्र क आपन हाथे मँ लिहे
रहा। ओन मनइयन मँ स सूती ओढ़ना पहिर रखे रहा।
ओकरे लगे करिहाउँ मँ लिपिक क एक ठु कलम अउ
सियाही रही। उ सबइ लोग मन्दिर स काँसे क बेदी क लगे
गएन अउर हुवाँ खड़ा भएन। **3**तब इस्राएल क परमेस्सर क
तेज करूब सरगदूतन क ऊपर स, जहाँ उ रहा उठा। तब
उ तेज मन्दिर क दुआर पइ गवा। जब उ ड्योढ़ी पइ पहोंचा
तउ उ रूक गवा। तब उ तेज उ मनई क बोलाएस जउन
सूती ओढ़ना कलम अउ स्याही धारन किए भए रहा।

4तब यहोवा ओहसे कहेस, "यरूसलेम नगर स होइ के
निकरा। जउन लोग उ नगर मँ लोगन क जरिये कीन्ह गइ
घिनौना करम क बरे मँ गोहरावत अउर रोवत ह अहइँ,
ओन हर एक क ललाट पइ एक चीन्हा अंकित करा।"

5-6तब मइँ परमेस्सर क दूसर लोगन स कहत सुनेउँ कि
"तू लोग पहिले मनई क अनुसरण करा। तू पचे ओन
सबहिं मनइयन क मार डावा। जेनके ललाट पइ चीन्हा नाहीं
अहइ। तू पचे एह पइ धियान नाहीं द्या कि उ पचे अग्रज
जुवक, जुवतियन, गदेलन या महतरियन अहइँ। तू पचन्क
आपन सस्त्रन क उपयोग करब अहइ, ओन हर एक क
मार डाउब अहइ जेनके ललाट पइ चीन्हा नाहीं अहइ।
कउनो दाया जिन देखावा। कउनो मनई बरे अफसोस न
करा। हिआँ मोरे मन्दिर मँ सुरू करा।" एह बरे उ पचे
मन्दिर क समन्वा क अग्रजन स सुरू किहा।

7परमेस्सर ओनसे कहेस, "इ जगह क अपवित्तर बनाइ
द्या। इ अँगने क ल्हासन स भरि द्या।" एह बरे उ पचे
गएन अउर उ पचे नगर मँ लोगन क मारि डाएन।

8जब उ सबइ लोग, लोगन क मारइ गएन, तउ मइँ
हुवँइ रूका रहेउँ। मइँ भुइँया पइ आपन माथा टेकत भए
कहेउँ, "हे मोर सुआमी यहोवा, यरूसलेम क खिलाफ
आपन किरोध परगट करइ बरे, का तू इस्राएल मँ बचे भए
सबहिं लोगन क मारत अहइ?"

9परमेस्सर कहेस, "इस्राएल अउ यहूदा क परिवार बहोत
जियादा बुरे पाप किहेन ह। इ देस मँ सर्वत्र लोगन क हत्तिया
होत रहत अहइँ अउर इ नगर अपराध स भरा पड़ा अहइ।
काहेकि लोग खुद कहत हीं, 'यहोवा इ देस क तजि दिहेस।
उ ओन कामन क नाहीं लखि सकत जेनका हम करत
अहइँ।' **10**अउर मइँ दाया नाहीं देखाउब। मइँ ओन लोगन
बरे अफसोस अनुभव नाहीं करब। उ पचे खुद एका
बोलाएन ह, मइँ एन लोगन क सिरिफ दण्ड दइ देत हउँ
जेकर इ सबइ पात्र अहइँ।"

11तब सूती ओढ़ना, लिपिक क कलम अउर स्याही
धारण करइवाला मनई बोला। उ कहेस, "मइँ उ कइ दिहेउँ
जउन तोहार आदेस रहा।"

10 तब मइँ उ खोरे क लखेउँ जउन करूब सरगदूतन
क मूँड़िन क ऊपर रहा। खोरे नीलमणि क तरह
स्वच्छ नीला देखात रहा। हुवाँ खोरे क ऊपर कछू सिंहासन
क तरह देखात रहा। **2**तब उ मनई जउन सिंहासने पइ बइठा
रहा, सन क ओढ़ना पहिरे भए मनई स कहेस, "तूफानी
बादरे मँ आवा। करूब सरगदूतन क पहँटा मँ आवा। करूब
सरगदूतन क बीच स कछू अंगारन आपन हाथे मँ ल्या।
आपन हाथे मँ ओन कोइलन क लइ ल्या अउर जाइके
ओनका यरूसलेम नगर पइ लोकाइ द्या।"

उ मनई मोरे पाछे चला। **3**करूब सरगदूत उ समइ मन्दिर
क दक्खिन क पहँटा मँ खड़ा रहेन, जब उ मनई बादरे मँ
घुसा। बादर भीतरी अँगना मँ भरि गवा। **4**तब यहोवा क
तेज करूब सरगदूत स अलग होइके मन्दिर क दुआरे पइ
चला गवा। तब बादर मन्दिर मँ भरि गवा अउर यहोवा क
तेज क प्रखर जोति पूरे अँगना मँ भरि गइ। **5**तब मइँ
करूब सरगदूतन क पंखनन क फड़फड़ाहट पूरे बाहरी
अँगना मँ सुनी जाइ सकत रही। बाहरी अँगना मँ फड़फड़ाहट

बड़की प्रचण्ड रही, वइसी ही जइसी सर्वसक्तीमान परमेस्सर
क गरजत वाणी होत ह, जब उ बातन करत ह।
6परमेस्सर सन क ओढ़ना पहिरे भए मनई क आदेस दिहे
रहा। परमेस्सर ओका "तूफानी-बादर" मँ घुसुरइ क बरे
कहेस अउर करूब सरगदूतन क बीच स कछू अंगारन लेइ
क कहेस। एह बरे उ मनई तूफानी बादर मँ घुस गवा अउर
गोल चक्रन मँ स एक क सहारे खड़ा होइ गवा। 7करूब
सरगदूतन मँ स एक आपन हाथ बढ़ाएस अउर करूब
सरगदूतन क पहँटा क बीच स कछू अंगारन क लिहस। उ
अंगारन क उ मनई क हाथन मँ धइ दिहस अउर उ मनई
हुवाँ स चला गवा। (8करूब सरगदूतन क पंखन क नीचे
कछू ऐसा रहा जउन मनई क बाहन क तरह देखात रहा।)
9तब मइँ लखेउँ कि हुवाँ चार गोल चक्र रहेन। हर एक
करूब सरगदूत क बगल मँ एक ठु चक्र रहा, अउर चक्र
स्वच्छ पिअर रतन क तरह देखात रहेन। 10उ सबइ चार
चक्र रहेन अउर सब चक्र एक समान प्रतीत होत रहेन। उ
सबइ अइसेन देखात रहेन माना एक चक्र दूसर चक्रन मँ
होइ। 11जब उ सबइ चलत रहेन तउ कउनो भी दिसा मँ
जाइ सकत रहेन। जब कबहुँ उ सबइ चलत रहेन उ सबइ
चारिहुँ एक संग चलत रहेन। किन्तु ओनके चलइ क संग
करूब सरगदूत साथ-साथ चक्कर नाहीं लगावत रहेन। उ
सबइ उ दिसा मँ चलत रहेन, जेहर ओनकर मुँह होत रहा।
जब उ सबइ चलत रहेन, तउ उ सबइ उ सबइ एहर-ओहर
नाहीं मुड़त रहेन। 12ओनकर पूरे बदन पइ आँखिन रहिन।
ओनकर पीठ, ओनकर बाँह, ओनकर पखना अउर ओनकर
चक्र मँ आँखिन रहिन। हाँ, चारिहुँ चक्रन मँ आँखिन रहिन।
13मइँ ओन लोगन क पहिया क "चक्र कहत भवा सुना।"
14हर एक करूब सरगदूत चार मुँहेवाला रहा। पहिला
मुँह करूब सरगदूत क रहा। दूसर मुँह मनई क रहा। तीसर
सिंह क मुँह रहा अउर चउथा उकाब क मुँह रहा। 15तब
मइँ जानेउँ कि इ सबइ करूब सरगदूत उ जनावर रहेन
जेनका मइँ कबार नदी क दर्सन मँ लखे रहेउँ।
तब करूब सरगदूत हवा मँ उठेन। 16ओनके संग चक्र
उठेन। चक्रन आपन दिसा उ समइ नाहीं बदलेन जब करूब
सरगदूत पखना खोलेन अउर उ सबइ हवा मँ उड़ेन। 17जब
करूब सरगदूत हवा मँ उड़त रहेन तउ चक्र ओनके संग उड़
जात रहेन। जदि करूब सरगदूत सान्त खड़ा रहत रहेन तउ
चक्र भी वइसा ही करत रहेन। काहेकि ओनमाँ जीवधारियन
क आतिमा क सक्ती रही।
18तब यहोवा क तेज मंदिर क डेवढ़ी स उठा, करूब
सरगदूतन क ठउरे पइ ऊपर गवा अउ हुवाँ ठहर गवा।
19तब करूब सरगदूतन आपन पखना खोलेन अउर हवा मँ
उड़ गएन। मइँ ओनका मन्दिर क तजत लखेउँ। चक्र
ओनके संग चलेन। तब उ पचे यहोवा क मन्दिर क पूर्बी
दुआर पइ ठहरेन। इस्राएल क परमेस्सर क तेज हवा मँ
ओनके ऊपर रहा।
20तब मइँ इस्राएल क परमेस्सर क तेज क नीचे प्राणियन
क कबार नदी क दर्सन मँ याद किहेउँ अउर मइँ अनुभव
किहेउँ कि उ सबइ प्राणी करूब सरगदूत रहेन। 21हर एक
प्राणी क चार मुँह रहेन, चार पखना रहेन अउर पखनन क
खाले कछू अइसा रहा जउन मनई क बाँहन क तरह देखात
रहा। 22करूब सरगदूतन क उहइ चार मुँह रहेन जउन
कबार नदी क दर्सन क प्राणियन क रहेन अउर उ सबइ
सोझे अगवा उ दिसा मँ देखात रहेन, जेहर उ सबइ जात
रहेन।

11 तब आतिमा मोका यहोवा क मन्दिर क पूर्बी दुआर
पइ लइ गवा जहाँ सूरज निकरत ह। मइँ इ फाटक
क प्रवेस दुआर पइ पच्चीस मनई लखेउँ। अज्जूर क पूत
याजन्याह ओन लोगन्क संग रहा अउर बनायाह क पूत
पलत्याह हुआँ रहा। उ पचे लोगन क प्रमुख रहेन।
2तब परमेस्सर मोहसे कहेस। उ बताएस, "मनई क पूत,
इ सबइ उ सबइ मनई अहइँ जउन इ नगर मँ बुरी योजना
बनावत हीं। इ सबइ हमेसा लोगन क बुरे काम करइ क
कहत हीं। 3उ सबइ लोग कहत हीं, 'हम लोग हाली ही
फुन स आपन मकान नाहीं बनाउब। हम लोग बर्तन मँ धरे
माँस क तरह इ नगर मँ सुरच्छित अही।' 4उ पचे इ झूठ
फइलावत अहइँ। एह बरे तोहका मोरे बरे लोगन स बात
करइ चाही। मनई क पूत! जा अउर लोगन क बीच
भविस्सवाणी करा।"
5तब यहोवा क आतिमा मोहमाँ आइ। उ मोहसे कहेस,
"ओनसे कहा कि यहोवा इ सब कहेस ह: इस्राएल क
परिवार, तू पचे बड़की योजना बनावत अहा। किन्तु मइँ
जानत हउँ कि तू पचे का सोचत अहा। 6तू पचे इ नगर मँ
बहोत स लोगन क मारि डाया ह। तू पचे सड़कियन क
ल्हासन स पाटि दिहा ह। 7अब हमार सुआमी यहोवा, इ
कहत ह, 'उ सबइ ल्हास माँस अहइँ अउर इ नगर पात्र
अहइ। किन्तु नबूकदनेस्सर आइ अउर तू पचन्क इ सुरच्छित
पात्र स निकारि लइ जाइ। 8तू पचे तरवारे स भयभीत अहा।
किन्तु मइँ तू पचन्क खिलाफ तरवार लिआवत हउँ।'" हमार
सुआमी यहोवा इ सब कहेस ह। एह बरे इ सबइ घटित
होइहीं।
9परमेस्सर इ भी कहेस, "मइँ तू लोगन क इ नगर स
बाहेर लइ जाब अउर मइँ तू पचन्क अजनबियन क सौंप
देब। मइँ तू लोगन क सजा देब। 10तू पचे तरवारे क चाट
उतरब्या। मइँ तू पचन्क हिआँ इस्राएल मँ सजा देब जेहसे तू
पचे समुझब्या कि उ मइँ हउँ जउन तू पचन्क सजा देत
हउँ। मइँ यहोवा हउँ। 11इ जगह बासन नाहीं होब्या, अउर
नाहीं इ मँ तू मांस होब्या। मइँ तू पचन्क हिआँ इस्राएल मँ
सजा देब। 12तब तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा हउँ। उ मोर
नेम रहा जेका तू पचे तोड़्या ह। तू पचे मोरे आदेसन क
पालन नाहीं किहा। तू पचे आपन चारिहुँ कइँती क रास्ट्रन
क तरह रहइ क निर्णय किहा।"
13जइसेन ही मइँ परमेस्सर कइँती बोलब खतम किहेउँ,
बनायाह क पूत पलत्याह मरि गवा। मइँ धरती पइ भहराइ
पड़ेउँ। मइँ धरती पइ माथा टेकेउँ अउर कहेउँ, "हे मोर
सुआमी यहोवा, तू का इस्राएल क सबहिं बचे भएन क पूरी
तरह नस्ट कहइ पइ तुला अहा।"
14मुला तब यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस,
15"हे मनई क पूत, तोहार रिस्तेदार अर्थात इस्राएल क पूरा
घर जउन कि तोहार संग जलावतन मँ ह। तोहार भाइयन

अहइ। यरूसलेम मँ रहइवाले लोग ओन लोगन स कहेन,
‘यहोवा क पास से दूर होइ जा। इ भुइयाँ वरासत क रूप मँ
हमका दीन्ह गइ अहइ।’
16“एह बरे ओन लोगन स इ सब कहा: हमार सुआमी
यहोवा, कहत ह, ‘इ फुरइ अहइ कि मइँ आपन लोगन क
बहोत दूर क देसन मँ जाइ बरे मजबूर किहेउँ। मइँ ही
ओनका बहोत स देसन मँ बिखेरेउँ अउर उ भुइँया मँ जहाँ
उ पचे गएन ह ओनकरे बरे थोड़े समइ बरे पवित्तर मन्दिर
ठहरब। 17एह बरे तू पचन्क ओन लोगन स कहइ चाही कि
ओनकर सुआमी यहोवा, ओनका वापस लिआइ। मइँ तू
पचन्क, बहोत स देसन मँ बिखेर दिहेउँ ह। किन्तु मइँ तू
लोगन क एक संग बटोरब अउर ओन रास्ट्रन स तू पचन्क
वापस लिआउब। मइँ इस्राएल क पहँटा तू पचन्क वापस
देब। 18अउर जब हमार लोग लौटिहीं तउ उ पचे ओन
सबहिं भयंकर गन्दी देवमूरतियन क, जउन अब हिआँ अहइ,
नस्ट कइ देइहीं। 19मइँ ओनका एक संग लिआउब अउर
ओनका एक ठु मनई सा बनाउब। मइँ ओनमा नई आतिमा
भरब। मइँ ओनकर पाथर क हिरदय क दूर करब अउर
आनके जगह पइ सच्चा हिरदय देब। 20तब उ पचे मोरे
नेमन क पालन करिहीं। उ पचे मोरे आदेसन क पालन
करिहीं, उ पचे उ कारज करिहीं जेनका मइँ करइ क
कहब। उ पचे फुरइ मोर लोग होइहीं अउर मइँ ओनकर
परमेस्सर होबउँ।’”
21तब परमेस्सर कहेस, “किन्तु इ समइ ओनकर हिरदय
भयंकर गन्दी देवमूरतियन क होइ चुका अहइ। मोका ओन
लोगन क ओन बुरे करमन बरे सजा देइ चाही जउन उ पचे
किहेन ह।” मोर सुआमी यहोवा इ कहेस ह। 22तब करूब
सरगदूत आपन पखनन क खोलेस अउर हवा मँ उड़ गएन।
चक्र ओनके संग गएन। इस्राएल क परमेस्सर क तेज
ओनके ऊपर रहा। 23यहोवा क तेज ऊपर हवा मँ उठा
अउर उ यरूसलेम क तजि दिहस। उ छिन भर क बरे
यरूसलेम क पूरब पहाड़ी पइ ठहरा। 24तब आतिमा मोका
हवा मँ उठाएस अउर वापस बाबुल मँ पहोंचाइ दिहस। उ
मोका ओन लोगन क लगे लौटाएस, जउन इस्राएल तजइ
बरे मजबूर कीन्ह ग रहेन। तब परमेस्सर क आतिमा मोका
हवा मँ उठएस अउर मोका तजि दिहेस। मइँ ओन सबहिं
चीजन क परमेस्सर क दर्सन मँ लखेउँ। 25तब मइँ निर्वासित
लोगन स बातन किहेउँ। मइँ उ सबइ बातन बनाएउँ जउन
यहोवा मोका देखाए रहा।

12 तब यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस,
2“मनई क पूत, तू विद्रोही लोगन क संग रहत
अहा। उ पचे सदा ही मोरे खिलाफ होइ ग अहइँ। लखइ
बरे ओनकर आँखिन अहइँ जउन कछू मइँ ओनके बरे
किहेउँ ह। किन्तु उ पचे ओन चिजियन क नाहीं लखतेन।
सुनई बरे ओनकर कान अहइँ, ओन चिजियन क जउन मइँ
ओनका करइ क कहेउँ ह। किन्तु उ पचे मोरे आदेसन क
नाहीं सुनतेन। काहेकि उ पचे विद्रोही लोग अहइँ। 3उ एह
बरे, मनई क पूत आपन सामान बाँध ल्या। अइसा बेउहार
करा माना तू कउनो दूर देस क जात अहा। इ इ प्रकार करा
कि लोग तोहका देखत रहइँ। होइ सकत ह, कि उ पचे
लोग तोहे पइ धियान देइँ, किन्तु उ सबइ लोग बड़के
बिद्रोही लोग अहइँ।
4“दिन क समइ तू आपन सामान इ तरह बाहर लइ
आवा कि लोग तोहका लखत रहइँ। तब साँझ क अइसा
देखावा करा, कि तू दूर देस मँ एक बन्दी क तरह जात
अहा। 5लोगन क आँखिन क समन्वा देवार मँ एक छेद
बनावा अउर उ देवार क छेदे स बाहेर आवा। 6राति क
आपन सामान काँधे पइ धरा अउर उ ठउर क तजि द्या।
आपन मुँह क ढाँपि ल्या जेहसे तू इ न लखि सका कि तू
कहाँ जात अहा। एन कामन क तोहका इ तरह करइ चाही,
कि लोग तोहका लखि सकउँ। काहेकि मइँ तोहका इस्राएल
क परिवार क बरे एक ठु उदाहरण क रूप मँ बइपरत
हउँ।”
7एह बरे मइँ (यहेजकेल) आदेस क अनुसार किहेउँ। दिन
क समइँ मइँ आपन सामान उठाएउँ अउर अइसा देखावा
किहेउँ माना मइँ कउनो दूर देस क जात हउँ। उ साँझ मइँ
आपन हाथन क उपयोग किहेउँ अउर देवार मँ एक छेद
बनाएउँ। राति क मइँ आपन सामान काँधे पइ धरेउँ अउर
चल पड़ेउँ। मइँ इ सब इ प्रकार किहेउँ कि सबहिं लोग
मोका लखि सकइँ।
8अगले भिन्सारे मोका यहोवा बचन मिला। उ कहेस,
9“मनई क पूत, का इस्राएल क ओन विद्रोही लोगन तोहसे
पूछेन कि तू का करत अहा? 10ओनसे कहा कि ओनकर
सुआमी यहोवा इ सबइ बातन बताएस ह। इ दुःखद बचन
यरूसलेम क प्रमुखन अउर हुवाँ रहइवाले इस्राएल क सबहिं
लोगन क बारे मँ अहइ। 11ओनसे कहा, ‘मइँ (यहेजकेल)
तू सबहिं लोगन बरे एक ठु उदाहरण हउँ। जउन कछू मइँ
किहेउँ ह उ तू लोगन बरे फुरइ होइ।’ तू पचे फुरइ बन्दी
क रूप मँ दूर देस मँ जाइ बरे मजबूर कीन्ह जाब्या।
12तोहार पचन्क प्रमुख देवारे मँ छेद करी अउर राति क गुप्त
रूप मँ निकरि भागी। उ आपन मुँहना क ढाँपि लेइ जेहसे
लोग ओका पहिचनिहीं नाहीं। ओकर आँखिन, इ लखइ
लायक नाहीं होइहीं कि उ कहाँ जात अहइ। 13उ भाग
निकरइ क जतन करी। किन्तु मइँ (परमेस्सर) ओका धइ
लेब। उ मोर जालि मँ फँस जाइ अउर मइँ ओका बाबुल
लिआउब जउन कसदियन क लोगन क देस अहइ। किन्तु उ
उ भुइँया क लखि नाहीं पाई कि जहाँ उ जात अहइ। अउर
उ हुँआ मर जाइ। 14मइँ राजा क लोगन क मजबूर करब
कि इस्राएल क चारिहुँ कइँती बिदेसन मँ रहइँ। मइँ ओकरी
फउज क तितर-बितर कइ देब अउर दुस्मन क सैनिक
ओनकर पाछा करिहीं। 15तब उ सबइ लोग समुझिहीं कि
मइँ यहोवा हउँ। उ पचे समुझिहीं कि मइँ ओनका रास्ट्रन मँ
बिखेरेउँ। उ पचे समुझ जइही कि मइँ ओनका दूसर देसन मँ
जाइ बरे मजबूर किहेउँ।
16“किन्तु मइँ ओन लोगन मँ स थोड़ा स लोगन क
जिअत रखब। उ सबइ रोग, भूख अउ जुद्ध स नाहीं
मरिहीं। मइँ ओन लोगन क एह बरे जिअत रहइ देब, कि उ
पचे रास्ट्रन मँ लोगन स जहाँ पइ उ पचन्क क बिखर दीन्ह
ग रहेन ओन भयंकर कामन क बारे मँ कहि सकइँ, जउन

उ पचे मोरे बिरुद्ध किहेन। तब उ पचे जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।"

17तब यहोवा क बचन मोरे लगे आवा। उ कहेस, **18**"मनई क पूत! तोहका अइसा करइ चाही माना तू बहोत डेरान अहा। जब तू खइया खाब्या तब तोहका काँपइ चाही। तोहका पानी पिअइ क समइ चिन्तित अउर डेरान होइ क देखावा करइ चाही। **19**तोहका इ धरती क लोगन स कहइ चाही। तोहका कहइ चाही, 'हमार सुआमी यहोवा यरूसलेम क लोगन अउर इस्राएल क दूसर हींसन क लोगन स इ कहत ह। लोगो, तू भोजन करत समइ बहोत परेसान होब्या। तू पानी पिअत समइ डेरान होब्या। काहेकि तोहरे पचन्क देसन मँ सबहिं कछू नस्ट होइ जाइ। हुवाँ रहइवाले सबहिं लोगन बरे दुस्मन बहोत क्रूर होइ। **20**तोहरे पचन्क नगरन मँ इ समइ बहोत लोग रहत हीं, किन्तु उ सबइ सहर नस्ट होइ जइहीं। तोहार पचन्क पूरा देस नस्ट होइ जाइ। तब तू पचे समुझब्या कि मइँ यहोवा हउँ।"

21तब यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, **22**"हे मनई क पूत, इस्राएल क प्रदेस क बारे मँ लोग इ कहावत काहे सुनावत ही:

विपत्ति हाली न आई, हर एक दर्सन घटित होइ स
विफल होइ गवा।

23"ओन लोगन स कहा कि तोहार पचन्क सुआमी यहोवा तोहार सबन्क इ कहावत क कहइ बन्द कइ देइ। उ पचे इस्राएल क बारे मँ इ कहावत क अउर नाहीं कहिहीं। अब उ पचे इ कहावत सुनइहीं:

बिपत्ति हाली आई
दर्सन घटित होइहीं।

24"इ फुरइ अहइ कि इस्राएल मँ कबहुँ भी झूठे दर्सन नाहीं घटित होइहीं। अब अइसे जादूगर भविस्स मँ नाहीं होइहीं जउन अइसी भविस्सवाणी करिहीं जउन फुरइ नाहीं होइ। **25**काहेकि मइँ यहोवा अहउँ। मइँ उहइ कहब, जउन मइँ कहइ चाहब अउर उ चीज घटित होइ अउर मइँ घटना कल क लम्वा नाहीं खींचइ देब। उ सबइ विपत्तियन हाली आवति अहइँ। तोहरे पचन क आपनी ही जिन्नगी मँ। विद्रोही लोगो! जब मइँ कछू कहत हउँ तउ मइँ ओका घटित करत हउँ।" मोर सुआमी ओन बातन क कहेस।

26तब यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, **27**"मनई क पूत, इस्राएल क लोग समुझत हीं कि जउन दर्सन मइँ तोहका देत हउँ, उ सबइ बहोत दूर क भविस्स मँ घटित होइहीं। उ पचे समुझत हीं, कि जउन विपत्तियन क बारे मँ तू बातन करत अहा, उ सबइ आजु स बहोत बरिसन क पाछे घटित होइहीं। **28**एह बरे तोहका ओनसे इ कहइ चाही, 'मोर सुआमी यहोवा कहत ह: मइँ अउर जियादा विलम्ब नाहीं कइ सकत। जदि मइँ कहत हउँ, कि कछू घटित होइ तउ उ घटित होइ।'" मोर सुआमी यहोवा ओन बातन क कहेस।

13 तब यहोवा क वचन मोका मिला। **2**"मनई क पूत, तोहका इस्राएल क नबियन स मोरे बरे बातन करइ चाही। उ पचे नबी असल मँ मोरे बरे बातन नाहीं करत अहइँ। उ पचे नबी उहइ कछू कहत अहइँ जउन उ पचे कहइ चाहत हीं। एह बरे तोहका ओनसे बातन करइ चाही। ओनसे इ सबइ बातन कहा, 'यहोवा क हिआँ स मिले इ वचन क सुना। **3**मोर सुआमी इ वचन देत ह। मूरख नबियो! तू लोग गत पइ बिपत्तियन अहइीं। तू लोग आपन आतिमा क अनुसरण करत अहा। तू लोगन स उ नाहीं कहत अहा जउन तू पचे फुरइ दर्सन मँ लखत अहा।

4"'इस्राएलियो, तोहार पचन्क नबी सून्य खण्डहरन मँ दउड़ लगावइवाली लोखरियन जइसे होइहीं। **5**तू पचे नगर क टूटी देवारन क निअरे फउजी क नाहीं रख्या ह। तू पचे इस्राएल क परिवार क रच्छा बरे देवारन नाहीं बनाया ह। एह बरे यहोवा बरे, जब तोहका पचन्क सजा देइ क समइ आई तउ तू पचे जुद्ध मँ हार जाब्या।

6"'लबार नबी लोग कहेन, कि उ पचे दर्सन लखेन ह। उ पचे आपन जादू किहन अउर कहेन कि सबइ घटना होइहीं, किन्तु उ पचे झूठ बोलेन। उ पचे कहेन कि यहोवा ओनका पठएस किन्तु उ पचे झूठ बोलेन। उ पचे आपन झूठ क फुरइ होइ क प्रतीच्छा अब तलक करत अहइँ।

7"'लबार नबियो, जउन दर्सन तू पचे लख्या, उ सबइ फुरइ नाहीं रहेन। तू पचे आपन जादू किहा अउर कह्या कि कछू घटित होइ किन्तु तू लोग झूठ बोल्या। तू कहत अहा कि इ यहोवा क कथन अहइ, किन्तु मइँ तू लोगन स बातन नाहीं किहेउँ।'"

8एह बरे मोर सुआमी यहोवा अब फुरइ क छू कही, उ कहत ह "तू पचे झूठ बोल्या। तू पचे उ सबइ दर्सन लख्या जउन फुरइ नाहीं रहेन। एह बरे मइँ (परमेस्सर) अब तोहरे पचन्क खिलाफ अहउँ।" मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस। **9**यहोवा कहेस, "मइँ ओन नबियन क सजा देब जउन लबार दर्सन लखेन अउर जउन झूठ बोलेन। मइँ ओनका आपन लोगन स अलग करब। ओनकर नाउँ इस्राएल क परिवार क सूची मँ नाहीं रहिहीं। उ पचे फुन इस्राएल प्रदेस मँ कबँहु नाहीं अइहीं तब तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा अउर सुआमी अहउँ।

10"ओन लबार नबियन बार-बार मोर लोगन स झूठ बोलेन। नबियन कहेन कि सान्ति रही किन्तु हुआँ कउनो सान्ति नाहीं अहइ। जब कउनो कमज़ोर देवार बनावत ह, तउ उ पचे देवार क खामी छुपाइ बरे ओकरे ऊपर पतली लेप चढ़ावत ह। **11**ओन लोगन स कहा कि मइँ ओलन अउ मूसलाधार बर्खा (सत्रु-सेना) पठउब। प्रचण्ड आँधी चली अउर बौंड़र आई। तब देवार भहराइ जाइ। **12**देवार खाले भहराइ जाइ। लोग नबियन स पूछिहीं, 'उ लेप क का भवा, जेका तू देवार पइ चढ़ाए रह्या?'" **13**मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मइँ कोहान अहउँ अउर मइँ तू लोगन क खिलाफ एक तूफान पठउब। मइँ कोहान हउँ अउर मइँ आकास स ओलन बरसाउब अउर तू पचन्क पूरी तरह बर्बाद करब। **14**तू पचे लेप देवारे पइ चढ़ावत अहा। किन्तु मइँ पूरी देवार क नस्ट कइ देब। मइँ एका धरासायी कइ देब। देवार तोहे पइ भहराइ अउर तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा अहउँ। **15**मइँ, देवार अउर ओह लेप चढ़ावइवालन क खिलाफ आपन किरोध पूरी तरह देखाउब। तब मइँ कहब,

‘अब कउनो देवार नाहीं रही अउर न ही अब कउनो मजदूर
जो एह पइ लेप चढ़ावइवाला अहइ।’
16“इ सबइ कछू इस्राएल क लबार नबियन बरे होइ। उ
सबइ नबी यरूसलेम क लोगन स बातचीत करत हीं। उ
पचे नबी कहत हीं कि सान्ति होइ, किन्तु कउनो सान्ति नाहीं
अहइ।” मोर सुआमी यहोवा ओन बातन क कहेस।
17परमेस्सर कहेस, “मनई क पूत इस्राएल मँ मेहरारू
नबियन क हेरा। उ सबइ मेहरारू नबी मोरे बरे नाहीं
बोलतिन। उ सबइ उहइ कहत हीं जउन उ पचे कहइ चाहत
हीं। एह बरे तू पचन्क मोरे बरे ओनके खिलाफ कहइ
चाही। तू पचन्क ओनसे इ कहब चाही। 18मोर सुआमी
यहोवा कहत ह: मेहररूओ, तू पचन्पइ बिपत्ति आई। तू
लोगन क भूजन पइ पहिरइ बरे कपड़न क बाजूबन्द सिअति
अहा। तू लोगन क मूँड़ि पइ बाँधइ बरे खास दुपट्टा
बनावति अहा। तू पचे कहति अहा कि उ सबइ चिजियन
लोगन क जिन्नगी क नियन्त्रित करइ क जादुई सक्ती राखत
हीं। तू पचे सिरिफ आपन क जिअत रखइ बरे ओन लोगन
क जाल मँ फँसावत अहा।
19“तू पचे लोगन क अइसा समुझावति अहा कि मइँ
महत्वपूर्ण नाहीं अहउँ। तू पचे ओनका मूठी जौ अउर रोटी
क कछू टुकड़न बरे मोरे खिलाफ करति अहा। तू पचे मोरे
लोगन स लबार बोलति अहा। उ सबइ लोग लबार सुनब
पसन्द करत हीं। तू पचे ओन मनइयन क मार डावति अहा
जेनका जिअत रहइ चाही अउर तू पचे अइसे लोगन क
जिअत रहइ देइ चाहति अहा जेनका मरि जाइ चाही। 20एह
बरे यहोवा अउर सुआमी तू पचन स इ कहत ह: तू पचे
ओन कपड़न बाजूबन्दन क लोगन क जालि मँ फँसावइ
बरे बनावति अहा-किन्तु मइँ ओन लोगन क अजाद करब।
मइँ तोहार पचन्क भुजन क ओन बाजूबन्दन क फाड़
लोकाउब अउर लोग तू पचन्स अजाद होइ जइहीं। उ पचे
जाल स मुक्त पंछियन क तरह होइहीं। 21मइँ ओन
बाजूबन्दन क फारि डाउब अउर आपन लोगन क तोहार
पचन्क सक्ती स बचाउब। उ सबइ लोग तोहार पचन्क
जालि स पराइ निकारिहीं अउर तू पचे समुझबिउ कि मइँ
यहोवा हउँ।
22“‘मेहरारू नबियो। तू पचे लबार बोलति अहा। तोहार
पचन्क झूठ नीक लोगन क कस्ट पहोंचावत ह, मइँ ओन
लोगन क कस्ट पहोंचाउब नाहीं चाहत हउँ। तू पचे बुरे
लोगन क मदद करति अहा। तू पचे ओनका आपन जिन्नगी
बदलइ बरे नाहीं कहतिउ। तू पचे ओनके जिन्नगी क रच्छा
नाहीं करइ चाहतिउ। 23तू पचे अब भविस्स मँ लबार दर्सन
नाहीं लखबिउ। तू पचे भविस्स मँ अउर कउनो जादू नाहीं
करबिउ। मइँ आपन लोगन क तोहार पचन्क सक्ती स
बचाउब अउर तू पचे जान जाबिउ कि मइँ यहोवा हउँ।’”

14 इस्राएल क कछू अग्रज मोरे लगे आएन। उ पचे
मोहसे बात करइ बइठि गएन। 2यहोवा क वचन
मोका मिला। उ कहेस, 3“मनई क पूत, इ सबइ मनई
तोहसे बातन करइ आएन ह। उ पचे चाहत रहेन कि तू पचे
मोहसे राय ल्या। किन्तु उ सबइ मनई अब तलक आपन
गन्दी देवमूरतियन क राखे अहइँ। उ पचे ओन चीजन क
रखत हीं जउन ओनसे पाप करावत हीं। उ पचे अब तलक
ओन मूरतियन क पूजा करावत हीं। एह बरे मोरे लगे राय
लेइ काहे आवत ह? का मोका ओनकर सवालन क उत्तर
देइ चाही? नाहीं। 4किन्तु मइँ ओनका उत्तर देब। तू पचन्क
ओन लोगन्स इ कहि देइ चाही, ‘मोर सुआमी यहोवा कहत
ह: जदि कउनो इस्राएली मनई जउन गन्दी देवमूरतियन क
रखत ह जउन ओहसे पाप करावत ह अउर आपन हिरदय मँ
ओन मूतियन क पूजा करत ह, नबी क लगे मोहसे राय
पावइ बरे आवत ह तउ उ मनई क सवाल क जवाब मइँ
खुद देब। मइँ ओका कहब, “तू मदद पावइ बरे आपन ढेर
सारे गन्दी देवमूरतियन क लगे जा।” 5काहेकि मइँ ओनकर
हिरदय क छुअइ चाहत हउँ। मइँ देखावइ चाहत हउँ कि
ओनकर गन्दी देवमूरतियन ओन लोगन क मोसे दूर कइ
दिहस ह।
6“एह बरे इस्राएल क परिवार स इ सबइ कहा। ओनसे
कहा, ‘मोर सुआमी यहोवा कहत ह। मोरे लगे वापस आवा
अउर आपन गन्दी देवमूरतियन क तजि द्या। ओन भयंकर
लबार देवतन स मुँह मोड़ ल्या। 7जदि कउनो इस्राएली या
इस्राएल मँ रहइवाला विदेसी मोरे लगे राय लेइ आवत ह,
तउ मइँ ओका जवाब देब। मइँ ओका तब भी जवाब देब
जदपि उ उ गन्दी देवमूरतियन क रखेस ह, जदि उ ओन
चिजियन क रखत ह जउन ओहसे पाप करावत हीं अउर
जदि उ तब तलक ओन मूरतियन क पूजा करत ह अउर इ
जवाब अहइ जेका मइँ ओका देब। 8मइँ उ मनई क
खिलाफ होबउँ। मइँ ओका नस्ट करब। उ दूसर लोगन बरे
एक ठु उदाहरण बनी। लोग ओकर हँसी उड़इही। मइँ
ओका आपन लोगन स निकार बाहेर करब। तब तू पचे
जनब्या कि मइँ यहोवा अहउँ। 9जदि नबी एतना मूरख अहइ
कि उ आपन जवाब देत ह तउ मइँ ओका देखाँइ देब कि
उ केतँना बड़का मूरख अहइ, मइँ ओकरे खिलाफ आपन
सक्ती क उपयोग करब। मइँ ओका नस्ट करब अउर आपन
लोगो, इस्राएल स ओका निकार बाहेर करब। 10इ तरह उ
मनई जउन राय बरे आवा अउर नबी जउन जवाब दिहस
दुइनउँ एक ही दण्ड पइहीं। 11काहेकि इ तरह उ सबइ नबी
मोरे इस्राएली लोगन क मोहसे दूर लइ जाब बन्द कइ
देइहीं। इ प्रकार मोरे लोग आपन अपराधन स गन्दा होब
बन्द कइ देइहीं। तब उ पचे मोर बिसेस लोग होइहीं अउर
मइँ ओनकर परमेस्सर होब।’” मोर सुआमी यहोवा उ सबइ
बातन कहेस।
12तब यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, 13“मनई
क पूत, मइँ आपन उ रास्ट्र क दण्ड देब जउन मोका तजत
ह अउर मोरे विरूद्ध पाप करत ह। मइँ ओनकर भोजन
आपूर्ति बन्द कइ देब। मइँ अकाल क समइ उत्पन्न कइ
सकत हउँ अउर उ देस स मनइयन अउर पसुअन क बाहर
कइ सकत हउँ। 14मइँ उ देस क दण्ड देब चाहे इ तीनहुँ
मनई नूह, दानिय्येल अउर अय्यूब हुआँ कहान रहत ह। उ
सबइ लोग केवल आपन जिन्नगी आपन अच्छाइयन स
बचाइ सकत हीं, किन्तु उ पचे पूरे देस क नाहीं बचाइ
सकतेन।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ कहेस।

15परमेस्सर कहेस, “या मइ उ पूरे प्रदेस मँ जंगली जनावरन क पठइ सकत हउँ अउर उ सबइ जनावर सबहिं लोगन क मारि सकत हीं। जंगली जनावरन क कारण उ देस स होइके कउनो मनई जात्रा नाहीं करी। 16जदि नूह, दानिय्येल अउर अय्यूब हुवाँ रहे होतेन, तउ उ तीनहुँ धर्मी मनई केवल स्वंय आपन जिन्नगी ही बचाइ सकतेन। किन्तु मइँ आपन जिन्नगी क किरिया खाइके कहत हउँ कि उ सबइ दूसर लोगन क जिन्नगी नाहीं बचाइ सकतेन हिआँ तलक कि आपन पूत-बिटियन क जिन्नगी भी नाहीं। उ बुरा देस नस्ट कइ दीन्ह जाइ।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ कहेस।

17परमेस्सर कहेस, “या, उ देस क खिलाफ लड़इ बरे मइँ दुस्मन क फउज क पठइ सकत हउँ। उ सबइ फउजी उ देस क नस्ट कइ देइहीं। मइँ उ देस स सबहिं लोगन अउर जनावरन क निकार बाहेर करब। 18जदि नूह, दानिय्येल अउर अय्यूब हुवाँ रहतेन, तउ उ तीनहुँ धर्मी मनई केवल आपन जिन्नगी ही बचाइ सकतेन। किन्तु मइँ आपन जिन्नगी क किरिया खाइके कहत हउँ कि दूसर लोगन क जिन्नगी उ पचे बचाइ सकतेन हिआँ तलक कि आपन पूत-बिटियन क जिन्नगी भी नाहीं। उ बुरा देस नस्ट कइ दीन्ह जाइ।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ कहेस।

19परमेस्सर कहेस, “या, मइँ उ देस क खिलाफ महामारी पठइ सकत हउँ। मइँ ओन लोगन पइ आपन किरोध क बर्खा करब। मइँ सबहिं मनइयन अउर जनावरन क उ देस स हटाइ देब। 20जदि नूह, दानिय्येल अउर अय्यूब हुवाँ रहतेन, तउ उ तीनहुँ धर्मी मनई केवल आपन जिन्नगी ही बचाइ सकतेन। किन्तु मइँ आपन जिन्नगी क किरिया खाइके कहत हउँ कि दूसर लोगन क जिन्नगी उ पचे नाहीं बचाइ सकत रहेन हिआँ तलक कि आपन पूत-बिटियन क जिन्नगी भी नाहीं।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ कहेस।

21तब मोर सुआमी यहोवा कहेस, “एह बरे सोचा कि यरूसलेम बरे इ केतना बुरा होइ, मइँ उ नगर क विरूद्ध ओन चारिहुँ दण्डन क पठउब। मइँ सत्रु-सेना, भूखमरी, महामारी अउर जंगली जनावरन क निकारि बाहेर करब। 22उ देस स कछू लोग बचि निकरिहीं। उ पचे आपन पूत-बिटियन क लइहीं अउर तोहरे पचन्क लगे सहायता क बरे अइहीं। तब तू पचे जनब्या कि उ सबइ लोग फुरइ केतना बुरा अहइँ। तू पचे ओन विपत्तियन क सम्बंध मँ उचित होइक धारणा बनउब्या जेनका मइँ यरूसलेम पइ लिआउब। 23तू पचे ओनके रहइ क ढंग अउर जउन बुरे काम उ पचे करत हीं, ओनका लखब्या। तब तू पचे समुझब्या कि ओन लोगन क सजा देइ क उचित कारण मोरे बरे रहा।” मोर सुआमी इ सबइ बातन कहेस।

15

तब यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, 2“मनई क पूत, का अंगूरे क बेल क लकड़ी जंगले क कउनो बृच्छ क कटी नान्ह डार स जियादा नीक होत ह? नाहीं। 3का तू अंगूरे क बेल क लकड़ी कउनो उपयोग मँ लाइ सकत ह? नाहीं। का तू ओहसे तस्तरियन लटकावइ बरे खूँटयन वनाइ सकत है? नाहीं। 4लोग उ लकड़ी क सिरिफ आगी मँ डावत हीं। कछू झुरान लकड़ियन सिरन स जरब सुरू करत हीं, बीच क हींसा आगी स करिया पड़ जात ह। किन्तु लकड़ी पूरी तरह बरत नाहीं। का तू उ लकड़ी स कउनो चीज बनाइ सकत ह? 5जदि बरइ क पहिले तू उ लकड़ी स कउनो चीज नाहीं बनाइ सकत ह, तउ निहचय ही, ओकर बरइ क पाछे ओहसे कउनो चीज नाहीं बनाइ सकत्या। 6अंगूरे क बेल क लकड़ी क टूकन क जंगल क कउनो पेड़ क लकड़ी क टूकन स जियादा बारइ बरे उपयोग कीन्ह जात ह। लोग उ लकड़ी क टूकन क आगी मँ डावत हीं, अउर आगी ओनका बारत ह। उहइ तरह, मइँ यरूसलेम क निवासियन क आगी मँ लोकाउब।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस। 7“मइँ ओन लोगन क दण्ड देब। जदपि ओन मँ स कछू लोगन बच निकर आएस ह तउ पइ भी आगी ओनका भस्म कइ देब। तू लखब्या कि मइँ एन लोगन क दण्ड देब अउर तू समुझब्या कि मइँ यहोवा हउँ। 8मइँ उ देस क नस्ट करब काहेकि लोग मोका लबार देवतन क पूजा बरे तजेन।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

16

तब यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, 2“मनई क पूत, यरूसलेम क लोगन क ओन भयंकर बुरे कामन क समुझावा जेनका उ पचे किहेन ह। 3तोहका कहइ चाही, ‘मोर सुआमी यहोवा यरूसलेम क लोगन क इ सँदेस देत ह: आपन इतिहास लखा। तू कनान मँ पइदा भवा रह्या। तोहार पिता एमोस रहा। तोहार महतारी हित्ती रही। 4यरूसलेम, जउने दिन तू पइदा भवा रह्या, तोहार बोड़री-नाल क काटइवाला कउनो नाहीं रहा। कउनो तोह पइ नून नाहीं डाएस अउर तोहका स्वच्छ करइ बरे नहवाएस नाहीं। कउनो तोहका ओढ़ना मँ नाही लपेटेस। 5यरूसलेम, तू सब तरह स अकेल्ले रह्या। कउनो न तोहरे बरे खेद परगट करत रहा न ही धियान देत रहा। यरूसलेम, जउने दिन तू पइदा भया, तोहार महतारी बाप तोहका मैदाने मँ डाइ दिहन। तू तब तलक रकत अउ झिल्ली मँ लपटा रह्या।

6“‘तब मइँ (परमेस्सर) ओहर स गुजरेउँ। मइँ तोहका हुआँ खून स लथपथ पड़ा पाएउँ। तू खूने मँ सनी रहिउ, किन्तु मइँ कहेउँ, “लम्बी जिन्नगी जिअत रहा।” हाँ, तू खूने मँ सनी रहिउ, किन्तु मइँ कहेउँ, “जिअत रहा।” 7मइँ तोहार मदद खेते मँ पौधन क तरह बढ़इ मँ किहेउँ। तू बढ़त ही गइउ। तू एक जुवती विनउ, तोहार ऋतु-धरम सुरू भवा, तोहार वृच्छ-स्थल बढ़ेन, तोहार केस बढ़व सुरू भएन। किन्तु तू तब तलक वस्त्रहीन अउ नंगी रहिउ। 8मइँ तोह पइ निगाह डाएउँ। मइँ लखेउँ कि तू पिरेम बरे तइयार रहिउ। एह बरे मइँ तोहरे ऊपर आपन ओढ़ना डाएउँ अउर तोहर नंगा होइ क ढाकेउँ। मइँ तोहसे बियाह करइ क बचन दिहेउँ। मइँ तोहरे संग वाचा किहेउँ अउर तू मोर बनिउ।’” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

9“‘मइँ तोहका पानी स नहवाएउँ। मइँ तोहरे रकत क धोएउँ अउर मइँ तोहार चमड़ी पइ तेल मलेउँ। 10मइँ तोहका एक ठु सुन्नर पहिरावा अउर नरम चामे क पनही दिहेउँ। मइँ तोहका एक महीन मलमल अउर एक रेसमी ओढ़ना दिहेउँ। 11तब मइँ तोहका कछू आभूसन दिहेउँ। मइँ तोहरी बाहन मँ

बाजूबन्द पहिराएउँ अउर तोहरे गले में हार पहिराएउँ। 12मइँ
तोहका एक ठु नथ, कछू काने का बालियन अउर सुन्नर
मुकुट तोहार मुँड़े पइ पहिरइ दिहेउँ। 13तू आपन सोना चाँदी
क आभूसणन, आपन मलमल अउर रेसमी वस्त्रन अउर
कढ़ाई कीन्ह पहिरावे मँ सुन्नर देखात रहिन। तू उत्तिम आटा,
मधु अउर तेल क भोजन किहा। तू बहोत जियादा सुन्नर
रहिउ अउर तू रानी बनिउ। 14तू आपन सुन्नर होइ बरे
बिख्यात भएउ। इ सब कछू एह बरे भवा काहेकि मइँ
तोहका एतना जियादा सुन्नर बनाएउँ।’” मोर सुआमी यहोवा इ
सबइ बातन कहेस।

15परमेस्सर कहेस, “किन्तु तू आपन सुन्नर होइ पइ
बिस्सास करब सुरू किहेउ। तू आपन जस क दुरूपयोग
किहेउ। तू एक रण्डी क तरह काम किहेउ। तू आपन क उ
हर मनई क अर्पित किहेउ जउन हुआँ आवा। 16तउ उ
आपन सुन्नर वस्त्रन क लिहस अउर आपन आराधना ठउरे
क सजाएस। अउर ओन ठउरन पइ तू रण्डी क नाईं हरकत
किहस। इहइ तरह क कार्य पहिले कबहुँ नाहीं कीन्ह ग
रहेन अउ न ही आवइवाले समइ मँ कबहुँ होब। 17तब मोर
दीन्ह गवा सुन्नर आभूसण तू लिहेउ अउर तू उ सोना-चाँदी
क उपयोग मनइयन क मूरतियन बनावइ बरे किहेउ। तू
ओनके संग भी यौन-सम्बन्ध किहेउ। 18तब तू सुन्नर वस्त्र
लिहेउ अउर ओन मूरतियन बरे पहिरावा बनाएउ। तू इ तेल
अउ धूप बत्ती क लिहेउ जउन मइँ तोहका दिहे रहेउँ अउ
ओका ओन देवमूरतियन क समन्वा चढ़ाएउ। 19मइँ तोहका
रोटा, मधु अउर तेल दिहेउँ। किन्तु तू भोजन आपन
देवमूरतियन क दिहेउ। तू ओका आपन लबार देवतन क
प्रसन्न करइ बरे सुगन्धि क रूप मँ भेंट किहेउ। तू ओन
लबार देवतन क संग रण्डी जइसा बेउहार किहेउ।” मोर
सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

20परमेस्सर कहेस, “तू आपन पूत-बिटियन लइके जेनका
तू मोरे बरे जन्म दिहेउ, ओन मूरतियन क बलि चढ़ाएउ। का
तू इ नाहीं सोच्या कि तोहार बिभिचारी काफी नाहीं रहा कि
तोहका इ भयंकर पाप क भी करइ क रहा? 21तू मोर पूतन
क हत्तिया किहेउ अउर ओनका आगी क जरिये ओन लबार
देवतन पइ चढ़ाएउ। 22तू मोका तजिउ अउर उ सबइ
भयानक काम किहेउ अउर तू आपन उ समइ कबहुँ याद
नाहीं किहेउ जब तू बच्ची रहिउ। तू याद नाहीं किहेउ कि
जब मइँ तोहका पाएउँ तबइ तू नंगी रहिउ अउर रकत मँ
छटपटात रहिउ।

23“ओन सबहिं बुरी चीजन क पाछे, ओह यरूसलेम, इ
तोहरे बरे बहोत बुरा होइ।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ
बातन कहेस। 24“ओन सबइ बातन क पाछे तू उ लबार
देवतन क पूजा बरे उ टीला बनाएउ। तू हर एक सड़क क
मोड़ पइ लबार देवतन क पूजा बरे उ ठउरन क बनाएउ।
25तू आपन टीलन हर एक सड़क क छोर पइ बनाएउ। तब
तू आपन सुन्नरता क मान घटाएउ। तू एकर हर लगे स
गुजरइ वाले क फँसावइ बरे किहेउ। तू आपन अधोवस्त्र क
ऊपर उठाएउ जेहसे उ सबइ तोहार टाँगन लखि सकइँ
अउर तब तू ओन लोगन क संग एक ठु रण्डी क नाईं होइ
गइउ। 26तब तू उ पड़ोसी मिस्र क लगे गइउ जेकर यौन
अंग बिसाल रहा। तू मोका कोहाइ बरे ओकरे संग कइउ
दाईं यौन-सम्बंध कायम किहेउ। 27एह बरे मइँ तोहका सजा
दिहेउँ। मइँ तोहका अनुमोदित कीन्ह गइ भुइँया क एक
हींसा लइ लिहेउँ। मइँ तोहार दुस्मन पलिस्तिनियन क बिटियन
(नगरन) क उ करइ दिहेउँ जउन उ पचे तोहार करइ चाहत
रहिन। जउन पाप तू किहा ओहसे उ पचे भी लज्जित भएन।
28किन्तु तू कबहुँ संतुस्ट नाहीं भए रहा। एह बरे बिभिचारी
करइ बरे अस्सूर गएन, किन्तु तउ पइ तू पचे संतुस्ट नाहीं
भए रहेन। 29एह बरे तू बइपारियन क भुइँया बाबुल कइँती
मुड़ेस। किन्तु तबहुँ भी तोहका सन्तुस्टी नाहीं भएन। 30तू
एँतनी कमजोर अहा। तू ओन सबहिं मनइयन क पाप करइ
मँ लगइ दिहा। तू ठीक एक ठु रण्डी क तरह काम
किहा।” उ सबइ बातन मोर सुआमी यहोवा कहेस।

31यहोवा कहेस, “तू आपन टीला हर एक सड़किया क
छोर पइ बनाया अउर तू आपन पूजा क ठउरे हर सड़क क
मोड़ पइ बनाया। तू ओन सारे मनइयन स सारीरिक सम्बंध
किहे रहा। तू आपन बिभिचारी स कउनो लाभ नाहीं चाहा।
तू पैसा लइ स इन्कार किहेस। 32तू बिभिचारिणी मेहरारू। तू
आपन पति क तुलना मँ अजनबियन क संग सरीर क
सम्बंध करब जियादा नीक मानिउ। 33अधिकांस रण्डियन
सरीर क सम्बंध बरे मनई क भुगतान करइ बरे मजबूर
करत हीं। किन्तु तू आपन प्रेमियन क लुभावइ बरे खुद भेंट
देति अहा अउर ओनका सरीर क सम्बंध बरे आमन्त्रित
करति अहा। तू आपन चारिहुँ ओर क सबहिं लोगन क
अपने संग सरीर क सम्बंध बरे आमन्त्रित किहा। 34तू
जियादातर रण्डियन क ठीक भिन्न अहा। अधिकांस रण्डियन
मनइयन क आपन भुगतान बरे मजबूर करति अहा। किन्तु तू
मनइयन क अपने संग सरीर क सम्बंध क भुगतान करति
अहा।”

35हे रण्डी, यहोवा स आए वचन क सुना। 36मोर सुआमी
यहोवा इ सबइ बातन कहत ह: “तू आपन मुद्रा खर्च कइ
दिहा ह अउर आपन पिरेमियन अउर गन्दा देवतन क आपन
नंगा सरीर लखइ दिहा ह अउर आपन संग सरीर क सम्बंध
करइ दिहा ह। तू आपन बच्चन क मार्या ह अउर ओकर
खून बहाया ह। उ ओन लबार देवतन क तोहार भेंट रहिन।
37एह बरे मइँ तोहरे सबहिं पिरेमियन क एक संग बटोरत
हउँ। मइँ ओन सबहिं क लिआउब जेनसे तू पिरेम किहा
अउर जउने मनइयन स घिना किहा। मइँ सबहिं क एक संग
लइ आउब अउर ओनका तोहका नंगा लखइ देब। उ पचे
तोहका पूरी तरह नगन लखिहीं। 38तब मइँ तोहका दण्ड
देब। मइँ तोहका कउनो हत्यारिन अउर उ मेहरारू क तरह
दण्ड देब जउन बिभिचार क पाप किहेस। तू वइसे ही दण्डित
होउबिउ माना कउनो कोहान अउ इर्स्यालु भतार दण्ड देत
होइ। 39मइँ ओन सबहिं पिरेमियन क तोहका प्राप्त कइ लेइ
देब। उ पचे तोहार टीलन क नस्ट कइ देइहीं। उ पचे तोहार
पूजा ठउरन क जराइ उइहीं। उ पचे तोहार ओढ़ना फाड़ि
डइहीं अउर तोहार सुन्नर आभूसण लइ लेइहीं। उ पचे
तोहका वइसे वस्त्रहीन अउर नंगी छोड़ देइहीं जइसे तू तब
रहिउ जब मइँ तोहका पाए रहेउँ। 40उ पचे आपन संग
बिसाल जन-समूह लइहीं अउर तोहका मारि डावइ बरे तोहार

ऊपर पाथर फेंकिहीं। तब आपन तरवार स उ पचे तोहका
टूका-टूका कइ डइहीं। 41उ पचे तोहार घर जराइ देइहीं। उ
पचे तोहका इ तरह दण्ड देइहीं कि सबहिं दूसर मेहररूअन
लखि सकइँ। मइँ तोहार रण्डी क तरह रहब बन्द कइ देब।
मइँ तोहका आपन पिरेमियन क धन देइ स रोक देब। 42तब
मइँ कोहान अउर इर्स्यालु होब छोड़ देब। मइँ सान्त होइ
जाब। मइँ फुन कबहुँ नाहीं कोहाब। 43इ सबइ सारी बातन
काहे होइ? काहेकि तू उ याद नाहीं रख्या कि तोहरे संग
तोहार युवावस्था मँ का घटित भवा रहा। तू उ सबइ सबहिं
बुरे पाप किहा अउर मोका क्रोधित किहा। एह बरे ओन बुरे
पापन बरे मोका तोहका सजा देइ क रहा। अउर का ओन
सबइ भयंकर बुरा करमन स भी बुरा जेका तू किहा करम
करइ जोजना नाहीं बनावत रहेन।" मोर सुआमी यहोवा इ
सबइ बातन कहेस।

44"तोहरे बारे मँ बात करइवाले सब लोगन क लगे एक
ठु अउर बात भी कहइ बरे होइ। उ पचे कहिहीं, 'महतारी
क तरह बिटिया भी अहइ।' 45तू आपन महतारी क बिटिया
अहा। तू आपन पति या बच्चन क धियान नाहीं राखति
अहा। तू ठीक आपन बहिन क समान अहा। तू दुइनउँ
आपन भतारन अउर बच्चन स घिना किहा। तू ठीक आपन
महतारी-बाप क तरह अहा। तोहार महतारी हित्ती रही अउर
तोहार पिता एमोरी रहा। 46तोहार बड़की बहिन सोमरोन रही।
जउन तोहरे उत्तर मँ आपन बिटियन क संग रहत रही अउर
तोहार छोटकी बहिन सदोम रही। उ आपन बिटियन क संग
तोहरे दक्खिन मँ रहत रही। 47तू पचे उ सबहिं भयंकर पाप
किहा जउन उ पचे किहेन। किन्तु तू उ सबइ काम भी
किहा जउन ओनसे भी बुरे रहेन। 48मइँ यहोवा अउर
सुआमी अहउँ। मइँ सदा जिअत हउँ अउर आपन जिन्नगी
क किरिया खाइके कहत हउँ कि तोहार बहन सदोम अउर
ओकर बिटियन कबहुँ ओतने बुरे काम नाहीं किहेन जेतना तू
अउर तोहार बिटियन किहेन।"

49परमेस्सर कहेस, "तोहार बहन सदोम अउर बिटियन
घमण्डी रहिन। ओकरे लगे जरूरत स जियादा खाइ क रहा
अउर ओकरे लगे बहोत जियादा समइ रहा। उ पचे
दीन-असहाय लोगन क मदद नाहीं करत रहिन। 50सदोम
अउर ओकर बिटियन बहोत जियादा घमण्डी होइ गइन अउर
मोरे समन्वा भयंकर कार्य किहस। जब मइँ इ लखेस तउ
मइँ ओनका नास कइ द्या।"

51परमेस्सर कहेस, "सोमरोन ओन पापन क आधा किहरा
जउन तू किहा। तू सोमरोन क अपेच्छा बहोत जियादा पाप
किहा। तू आपन बहन क अपेच्छा बहोत जियादा भयंकर
पाप किहा ह। सदोम अउर सोमरोन क तुलना करइ पइ, उ
पचे तोहसे नीक लागत हीं। 52एह बरे तोहका लज्जित होइ
चाही। तू आपन बहिनन क, तुलना मँ आपन स नीक
लगइवाली बनाया ह। तू भयंकर पाप किहा ह एह बरे
तोहका लज्जित होइ चाही।"

53परमेस्सर कहेस, "मइँ सदोम अउर ओकरे चारिहुँ ओर
क नगरन क नस्ट किहेउँ। मइँ सोमरोन अउर एकरे चारिहुँ
कइँती क नगरन क नस्ट किहेउँ। यरूसलेम, मइँ तोहका
नस्ट करब। किन्तु मइँ ओन नगरन क फुन स बनाउब।
यरूसलेम, मइँ तोहका भी फुन स बनाउब 54मइँ तोहका
आराम देब। तब तू ओन भयंकर पापन क याद करब्या
जउन तू किहा अउर तू लज्जित होब्या। 55इ तरह तू अउर
तोहार बहिन समरिया फुन स बनाई जइहीं। सदोम अउर
ओकरे चारिहुँ कइँती क नगर फुन स बनावा जइहीं।"

56परमेस्सर कहेस, "अतीतकाल मँ तू घमण्डी रहिउ अउर
बहिन सदोम क हँसी उड़ावत रहिउ। किन्तु तू वइसा फुन
नाहीं कइ सकबिउ। 57तू अइसा दण्डित होइ स पहिले अउर
आपन पड़ोसियन क जरिये हँसी उड़ाउब सुरू कीन्ह जाइ स
पहिले किहे रह्या। अराम क बिटियन अउ पलिस्ती अब
तोहार हँसी उड़ावत अहइँ। 58अब तोहका ओन भयंकर
पापन बरे कस्ट उठावइ पड़ी जउन तू किहा।" यहोवा इ
सबइ बातन कहेस।

59मोर सुआमी यहोवा, इ सबइ चिजियन कहेस, "तू
आपन बियाह क प्रतिग्या भंग किहेउ। तू हमरी वाचा क
आदर नाहीं किहा। अब मइँ तोहार बरे भी उहइ करब।
60किन्तु मोका उ वाचा याद अहइ जउन उ समइ कीन्ह गइ
रही जब तू बच्ची रहिउ। मइँ तोहरे संग वाचा किहे रहेउँ
जउन सदा चलइवाली रही। 61मइँ तोहरी बहिनियन क तोहरे
लगे लिआउब अउर मइँ ओनका तोहार बिटियन बनाउब। इ
हमरी वाचा मँ नाहीं रहा, किन्तु मइँ इ तोहरे बरे करब। तब
तू ओन भयंकर पापन क याद करबिउ, जेनका तू किहा
अउर तू लजाइ जाबिउ। 62एह बरे मइँ तोहरे संग वाचा
करब, अउर तू जानबिउ कि मइँ यहोवा अहउँ। 63मइँ तोहरे
बरे नीक रहब जेहसे तू मोका याद करबिउ अउर ओन पापन
बरे लज्जित होइ जउन तू किहा। मइँ तोहका सुद्ध करब
अउर तोहका फुन कबहुँ लज्जित नाहीं होइ पड़ी।" मोर
सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

17 तब यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस,
2"मनई क पूत, इस्राएल क परिवार क इ कहानी
सुनावा। ओनसे पूछा कि एकर का मतलब अहइ? 3ओनसे
कहा मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह:

एक ठु बिसाल उकाब (नबूकदनेस्सर) बिसाल पखना
सहित लबानोन मँ आवा। उकाब क रंग बिरंगे पखना रहेन।
उ देवदार क बृच्छ क चोटी क तोड़ दिहस।

4उ उकाब उ बिसाल देवदार बृच्छ क साखा, क माथे
क तोड़ डाएस अउर ओका ब्यापारीयो देस को लइ गवा।
उकाब बइपारियन क नगर मँ उ साखा क राखेस।

5तब उकाब तोहार भुइँया क कछू बीजन क लिहस। उ
ओनका उपजाऊ भुइँया मँ बोएस। तब उ ओनका हुआँ
बोएस जहाँ पानी बहोत रहा, उहइ तरह स जइसे तू बैत क
बृच्छ बगावत ह।

6बिआ उगेन अउर उ सबइ अंगूर क बेल बनेन। इ बेल
अच्छी रही। बेल ऊँची नाहीं रही। किन्तु इ बड़के छेत्र क
ढकइ बरे फइल गइ। बेल क तने बनेन अउर नान्ह बेलन
बहोत लम्बी होइ गइ।

7तब दूसर पखनावाला उकाब अंगूरे क बेल क लखेस।
उकाब क लम्बे पखना रहेन। अंगूरे क बेल चाहत रही कि
इ नवा उकाब ओकर देख-भाल करइ। एह बरे इ आपन
जड़न क उ उकाब कइँती फइलाएस। एकर साखन इ

उकाब कइँती फइलिन। एकर साखन उ खेत स फइलिन
जहाँ इ बोइ गइ रही। अंगूर क बेल चाहत रही कि नवा
उकाब ओका पानी देइ।

8अंगूरे क बेल अच्छे खेते मँ बोइ गइ रही। इ प्रभूत
जले क लगे बोइ गइ रही। इ साखन अउ फल पइदा कइ
सकत रहिन। इ एक बहोत अच्छी अंगूरे क बेल होइ सकत
रही।"

9मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस, "का तू
समुझत अहा कि बेल सफल होइ? नाहीं। नवा उकाब बेल
क जमीन स उखाड़ि देइ। अउ पंछी बेल क जड़न क तोड़
देइ। उ सारे अंगूरन क खाइ जाइ। तबइ नई पत्तियन झुरइहीं
अउर मरि जइहीं। उ बेल बहोत कमजोर होइ। इ बेल क
जड़ स उखाड़इ बरे सक्तीसाली अस्त्र अउ सस्त्र या
सक्तीसाली रास्ट्र क जरूरत नाहीं होइ।

10का इ बेल हुवाँ बढ़ी जहाँ बोइ गइ अहइ? नाहीं,
गरम पुरवाई चली अउर बेल झुराई अउर मरि जाई। इ
हुवँइ मरी जहाँ इ बोई गइ रही।"

11यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, 12"इ कहानी
क बियाख्या इस्राएल क लोगन क बीच करा, उ पचे सदा
मोरे खिलाफ जात हीं। ओनसे इ कहा: पहिला उकाब
बाबुल क राजा अहइ। इ यरूसलेम आवा अउर राजा तथा
दूसर प्रमुखन क लइ गवा। उ ओनका बाबुल लिआवा।
13तब नबूकदनेस्सर राजा क परिवार क एक मनई क संग
सन्धि किहस। नबूकदनेस्सर उ मनई क प्रतिग्या करइ बरे
मजबूर किहस। इ तरह इ मनई नबूकदनेस्सर बरे राजभक्त
रहइ क प्रतिग्या किहस। नबूकदनेस्सर इ मनई क यहूदा क
नवा राजा बनाएस। तब उ सबहिं सक्तीसाली मनइयन क
यहूदा स बाहरे निकारेस। 14इ तरह यहूदा एक दुर्बल राज्ज
बन गवा, जउन राजा नबूकदनेस्सर क खिलाफ नाहीं उठ
सकत रहा। यहूदा क नवा राजा क संग नबूकदनेस्सर जउन
सन्धि किहे रहा ओकर पालन करइ बरे लोग मजबूर कीन्ह
गाएन। 15किन्तु इ नवा राजा कउनो भी तरह नबूकदनेस्सर क
खिलाफ बिद्रोह करइ क जतन किहस। उ मदद माँगइ बरे
मिस्र क दूत पठएस। नवा राजा बहोत स घोड़न अउर
फउजी माँगेस। इ दसा मँ, का तू समुझत अहा कि यहूदा
क राजा सफल होइ? का तू समुझत अहा कि नवा राजा क
लगे पर्याप्त सक्ती होइ कि उ सन्धि क तोड़िके दण्ड स बचि
सकी?"

16मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मइँ आपन जिन्नगी क
किरिया खाइके वचन देत हउँ कि इ नवा राजा बाबुल मँ
मरी। नबूकदनेस्सर इ मनई क यहूदा क नवा राजा बनाएस।
किन्तु इ मनई नबूकदनेस्सर क संग कीन्ह भइ आपन
प्रतिग्या तोड़ेस। इ नवा राजा सन्धि क उपेच्छा किहस।
17मिस्र क राजा यहूदा क राजा क रच्छा करइ मँ समर्थ
नाहीं होइ। उ बड़की गनती मँ फउज पठइ सकत ह किन्तु
मिस्र क महान सक्ती यहूदा क रच्छा नाहीं कइ सकी।
नबूकदनेस्सर क फउजन नगर पइ अधिकार बरे कच्ची
सड़कियन अउर माटी क बनइहीं। 18किन्तु यहूदा क राजा
बचिके निकर नाहीं सकी। काहेकि उ आपन सन्धि क
उपेच्छा किहस। उ नबूकदनेस्सर क दीन्ह आपन बचन क
तोड़ेस।" 19मोर सुआमी यहोवा इ वचन देत ह, "मइँ आपन
जिन्नगी क किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ यहूदा
क राजा क दण्ड देब। काहेकि उ मोर चितउनियन क
उपेच्छा किहस। उ हमार सन्धि क तोड़ेस। 20मइँ आपन
जाल फइलाउब अउर उ एहमा फँसी। मइँ ओका बाबुल
लिआउब तथा मइँ ओका उ जगह मँ दण्ड देब। मइँ ओका
दण्ड देब काहेकि उ मोरे खिलाफ उठा। 21मइँ ओकर
फउज क नस्ट करब। मइँ ओकर सर्वोत्तम फउजियन क
नस्ट करब अउर बचे भए लोगन क हवाँ मँ उड़ाइ देब। तब
तू जानब्या कि मइँ यहोवा हउँ अउर मइँ इ सबइ बातन
तोहसे कहे रहिउँ।"

22मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहे रहा:

"मइँ लम्बे देवदार क बृच्छ स एक डार लेब। मइँ बृच्छ
क चोटी स एक नान्ह डार लेब। अउर मइँ खुद ओका
बहोत ऊँच पहाड़े पइ बोउब।

23मइँ खुद एका इस्राएल मँ ऊँच पहाड़े पइ लगाउब। इ
डार एक बृच्छ बन जाइ। एकर डारन निकरिहीं अउर एहमाँ
फल लगिहीं। इ एक सुन्नर देवदार बृच्छ बन जाइ। अनेक
पंछी एकर डारन पइ बइठा करिहीं। अनेक पंछी एकर डारन
क खाले छाया मँ रहिहीं।

24तब दूसर बृच्छ ओका जनिहीं कि मइँ ऊँच बृच्छन क
भुइँया पइ गिरावत हउँ। अउर मइँ नान्ह बृच्छन क बढ़ावत
अउर ओनका लम्बा बनावत हउँ। मइँ हरे बृच्छन क झुनाइ
देत हउँ। अउर मइँ झुरान बृच्छन क हरा करत हउँ। मइँ
यहोवा हउँ। जदि मइँ कहउँ कि मइँ कछू करब तउ मइँ
ओका जरूर करब।"

18 यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, 2"तू
लोग इ कहावत क दोहरावत रहत ह। काहे? तू
कहत ह:

पुरखन खट्टा अंगूर खाएन,
किन्तु बच्चन क खट्टा स्वाद मिला।

3किन्तु मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मइँ आपन
जिन्नगी क किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ कि इस्राएल
क लोग अब भविस्स मँ इ कहावत क अब कबहुँ उपयोग
नाहीं करब्या। 4मइँ सबहिं मनइयन क संग समान बेउहार
करब। इ महत्वपूर्ण नाहीं होइ कि उ मनई महतारी बाप
अहइ अथवा सन्तान। जउन मनई पाप करी उ मनई मरी।

5"जदि कउनो मनई भला अहइ, तउ उ जिअत रही। उ
मनई लोगन क संग नीक बेउहार करत ह। 6उ भला मनई
पर्वतन पइ नाहीं जात अउर लबार देवतन क चढ़ाए गए
भोजन मँ कउनो हींसा नाहीं बाँटत। उ इस्राएल मँ ओन गन्दे
देवतन क मूरतियन क स्तुति नाहीं करत। उ आपन पड़ोसी
क मेहरारू क संग बिभिचार क पाप नाहीं करत। उ आपन
मेहरारू क संग, ओकरे मासिक धरम क समय, सरीर क
सम्बंध नाहीं करत। 7उ भला मनई लोगन स अनुचित लाभ
नाहीं उठावत। जदि कउनो मनई ओहसे मुद्रा रिण लेत ह

तउ उ भला मनई गिरवी धइके दूसर मनई क मुद्रा देत ह
अउर जब उ मनई ओका भूगतान कइ देत ह तउ भला
मनई ओका गिरवी वस्तु वापस कइ देत ह। भला मनई भूखे
लोगन क भोजन देत ह अउर उ ओन लोगन क वस्त्र देत
ह जेनकर ओनका जरूरत अहइ। 8जदि कउनो मुद्रा रिण
लेइ चाहत ह तउ भला मनई ओका उ रिण देत ह। उ रिण
क ब्याज नाहीं लेत। भला मनई कुटिल होइ स इन्कार
करत ह। उ हर मनई क बरे सदा भला रहत ह। लोग ओह
पइ बिस्सास कइ सकत हीं। 9उ मोरे नेमन क पालन करत
ह। उ मोरे निर्णयन क समुझत ह अउर भला एव बिस्सास
क जोग्य होब सीखत ह। काहेकि उ भला मनई अहइ, एह
बरे उ जिअत रही। यहोवा परमेस्सर इ कहत ह।

10"किन्तु उ मनई क कउनो अइसा पूत होइ सकत ह,
जउन ओन नीक कामन मँ स कछू भी न करत होइ। पूत
चिजियन क चुराइ सकत ह अउर लोगन क हत्तिया कइ
सकत ह। 11पूत एन बुरे कामन मँ स कउनो भी करम कइ
सकत ह। उ पहाड़न पइ जाइ सकत ह अउर लबार देवतन
क चढ़ाए गए भोजन मँ हींसा बटाइ सकत ह। उ पापी पूत
आपने पड़ोसी क मेहरारू क संग बिभिचार करइ क पाप
कइ सकत ह। 12उ गरीब अउर बेसहारा लोगन क संग
बुरा बेउहार कइ सकत ह। उ लोगन स अनुचित लाभ
उठाइ सकत ह। उ गिरवी चीज क तब्बइँ न लउटावइ जब
कउनो मनई आपन रिण क भुगतान कइ चुका होइ। उ
पापी पूत ओन गन्दी देवमूरतियन क पराथना कइ सकत ह
अउर दूसर भयंकर पाप भी कइ सकत ह। 13जब उ लोगन
क ऋण पइ धन देत ह तउ उ बियाज लेत ह। एह बरे उ
पापी पूत जिअत नाहीं रही। उ भयंकर पाप किहेस एह बरे
मार दीन्ह जाइ अउर आपन मउत बरे उ खुद ही जिम्मेदार
अहइ।

14"होइ सकत ह उ पापी पूत क भी एक पूत होइ।
किन्तु इ पूत आपन बाप क जरिये कीन्ह गए पापन क
लखि सकत ह अउर उ आपन पिता क तरह रहइ स
इन्कार कइ सकत ह। उ मनई लोगन क संग भला बेउहार
करत ह। 15उ मनई पहाड़न पइ नाहीं जात, न ही लबार
देवतन क चढ़ाए गए भोजन मँ हींसा बटावत ह। उ इस्राएल
मँ ओन गन्दी देवमूरतियन क पराथना नाहीं करत। उ आपन
पड़ोसी क मेहरारू क संग बिभिचार क पाप नाहीं करत।
16उ मनई लोगन स अनुचित लाभ नाहीं उठावत। जदि
कउनो मनई ओहसे रिण लेत ह तब भला पूत चीज गिरवी
धरत ह अउर उ मनई क मुद्रा देत ह अउर जब उ मनई
वापस भुगतान करत ह तउ भला मनई गिरवी चीज वापस
कइ देत ह। भला मनई भूखन क भोजन देत ह अउर उ
ओन लोगन क वस्त्र देत ह जेनका ओकर आवश्यकता
अहइ। 17उ गरीबन क सहायता करत ह जदि कउनो मनई
रिण लेइ चाहत ह तउ भला पूत ओका मुद्रा उधार दइ देत
ह अउर उ उ रिण पइ बियाज नाहीं लेत। भला पूत मोर
नेमन क पालन करत ह और मोरे नेमन क मुताबिक चलत
ह। उ भला पूत आपन पिता क पापन क कारण मारा नाहीं
जाइ। उ भला पूत जिअत रही। 18पिता लोगन क चोट
पहोंचाइ सकत ह अउर चिजियन चुराइ सकत ह। उ आपन
लोगन क बीच कबहुँ कछू नीक कारज नाहीं किहस। उ
बाप आपन पापन क कारण मरी। किन्तु पूत आपन पिता क
पापन बरे दण्डित नाहीं होइ।

19"तू पूछ सकत ह, 'बाप क पाप बरे पूत दण्डित काहे
नाहीं होइ?' एकर कारण इ अहइ कि पूत भला करत ह
अउर निआव क कार्य करत ह। उ बहोत सावधानी स मोरे
नेमन क पालन करत ह। एह बरे उ जिअत रही। 20जउन
मनई पाप करत ह उहइ मनई मारि डावा जात ह। एक पूत
आपन पिता क पापन बरे दण्डित नाहीं होइ अउर एक पिता
आपन पूत क पापन बरे दण्डित नाहीं होइ। एक भले मनई
क भलाई क प्रतिफल दीन्ह जाब्या अउर बुरे मनई क बुराई
क दण्ड दीन्ह जाब्या।

21"इ स्थिति मँ जदि कउनो बुरा मनई आपन जीवन क्रम
बदल देत ह तउ उ जिअत रही, मरी नहीं उ मनई आपन
किए करमन क फुन करब छोड़ सकत ह। उ बहोत
होसियारी स मोर सबहिं नेमन क पालन करब सुरू कइ
सकत ह। उ निआउ प्रिय अउर भला होइ सकत ह।
22परमेस्सर ओकर ओन सबहिं पापन क याद नाहीं राखी
जेनका उ किहेस। परमेस्सर सिरिफ ओकर भलाई क याद
करी, एह बरे उ मनई जिअत रही।"

23मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मइँ बुरे लोगन क मरइ
देब नाहीं चाहत। मइँ चाहत हउँ कि उ पचे आपन जिन्नगी
क बदलइँ, जेहसे उ पचे जिअत रहि सकइँ।

24"अइसा भी होइ सकत ह, कि भला मनई न रहि
जाइ। उ आपन जिन्नगी क बदल सकत ह अउर ओन
भयंकर पापन क करब सुरू कइ सकत ह जेनका बुरे लोग
बीते जमाने मँ किहे रहेन। का इ मनई जिअत रहब? नाहीं!
एह बरे जदि उ भला मनई बदलन ह अउर बुरा बन जात ह
तउ परमेस्सर उ मनई क कीन्ह नीक कामन क याद नाहीं
राखी। परमेस्सर इहइ याद राखी कि उ मनई ओकरे खिलाफ
होइ गवा अउर उ पाप करब सुरू किहस। एह बरे उ मनई
आपन पापन क कारण मरी।"

25परमेस्सर कहेस, "तू लोग कहि सकत ह, 'परमेस्सर
हमार सुआमी निआव स पूर्ण नाहीं अहइ।' किन्तु इस्राएल
क परिवारो, सुना। का इ मोर रास्ता अहइ जउन कि सही
नाहीं अहइ? नाहीं! तोहार रास्ता सही नाहीं अहइ। 26जदि
एक भला मनई बदलत ह अउर पापी बनत ह तउ ओका
आपन कीन्ह गए बुरे कामन क कारण मरब ही चाही।
27जदि कउनो मनई बदलत ह अउर भला अउ निआउ क
प्रिय होत ह तउ उ आपन जिन्नगी क बचाई। उ जिअत
रही। 28उ मनई लखेस कि उ केतना बुरा रहा अउर मोरे
लगे लउटा। उ ओन बुरे पापन्क करब तजि दिहस जउन उ
भूतकाल मँ किहे रहा। एह बरे उ जिअत रही। उ मरी
नाहीं।"

29इस्राएल क लोग कहेन, "इ निआउ स पूर्ण नाहीं
अहइ। मोर सुआमी यहोवा निआउ स पूर्ण नाहीं अहइ।"

परमेस्सर कहेस, "का इ मोर रास्ता अहइ जउन कि सही
नाहीं अहइ? नाहीं! तोहार रास्ता सही नाहीं अहइ। 30एह बरे
इस्राएल क परिवार, मइँ हर एक मनई क संग निआउ
सिरिफ ओनके ओन क करमन क अनुसार करब जेनका उ

मनई करत ह।" एह बरे मोर लगे वापिस आ अउर अपने सब अपराध स पस्चाताप करा अउर ओनका करइ बन्द करा। ओन भयंकर चिजियन क आपन बिनास क कारण बनइ नाहीं द्या। 31ओन सबहिं भयंकर मूरतियन क लोकाइ द्या जेनका तू पचे बनाया, उ सबइ तोहसे सिरिफ पाप करवावत हीं। आपन हिरदय अउर आतिमा क बदला। इस्राएल क लोगो, तू पचे आपन क काहे मरि जाइ देइ चाहत अहा? 32मइँ तू पचन्क मारइ नाहीं चाहत हउँ। तू पचे हमारे लगे आवा अउर रहा।" उ सबइ बातन मोर सुआमी यहोवा कहेस।

19 यहोवा मोहसे कहेस, "तू पचन्क इस्राएल क प्रमुखन क बारे मँ इ करूण गीत क गावइ चाही।

2"'कइसी सिंहिनी अहइ तोहार पचन्क महतारी? उ सिंहन क बीच एक ठु सिंहिनी रही। उ जवान सिहंन मँ घिरी रहत रही अउर आपन बचवन क लालन-पालन करत रही।

3उ आपन बच्चन मँ स एक ठु क लालन-पालन किहेस। उ एक ठु जवान सिंह होइ गवा ह। उ आपन भोजन पाउव सीख लिहस ह। उ एक मनई क मारेस अउर खाइ लिहेस।

4लोगन ओका गरजत सुनेन अउर उ पचे ओका आपन जालि मँ फँसाइ लिहस। उ पचे ओकरे मुँहे मँ नकेल डाएन अउर जवान सिंह क मिस्र लइ गएन।

5सिंह महतारी क आसा रही कि सिंह बच्चा प्रमुख बनी। किन्तु अब ओकर सारी आसा लुप्त होइ गइन। एह बरे आपन बच्चन मँ स उ एक दूसर क लिहस। ओका उ सिंह होइ क प्रसिच्छण दिहस।

6उ जवान सिंहन क संग सिकार क निकरा। उ एक ठु बलवान जवान सिंह बना। उ आपन भोजन क धरब सीखेस। उ एक ठु मनई क मारेस अउर ओका खाएस।

7उ महलन पइ हमला किहस। उ नगरन क बर्बाद किहस। उ देस क हर एक मनई तब भय स अवाक होत रहा। जब उ ओकर गरजत सुनत रहा

8तब ओकरे चारिहुँ कइँती रहइवाले लोग ओकरे बरे जालि बिछाएन अउर उ पचे ओका आपन जालि मँ फँसाइ लिहन।

9उ पचे ओह पइ नकेल लगाएन अउर ओका बंद कइ दिहन। उ पचे ओका अपने जालि मँ बंद रखेन। इ तरह ओका उ पचे बाबुल क राजा क लगे लइ गएन। अब, तू पचे इस्राएल क पर्वतन पइ ओकर गरजब सुन नाहीं सकत्या।

10तोहार पचन्क महतारी एक ठु अंगूरे क बेल जइसी रही, जेका पानी क लगे बोवा गवा रहा। ओकरे पास काफी पानी रहा, एह बरे उ अनेक सक्तीसाली बेलन पइदा किहस।

11तब उ एक बड़की डार पइदा किहस, उ डार टहरइ क छड़ी जइसी रही। उ डार राजा क राजदण्ड जइसी रही। बेल ऊँची, अउर ऊँच होत गइ। एकर ढेर डारन रहिन अउर उ बादरन क छुअइ लाग।

12किन्तु बेल क जड़ स उखाड़ दीन्ह गवा, अउर ओकर भुइँया पइ बहाइ दीन्ह गवा। गरम पुरवइया हवा चली अउर ओकरे फलन क झुराइ दिहस सक्तीसाली डारन टूट गइन, अउर ओनका आगी मँ फेंक दीन्ह गवा।

13किन्तु उ अंगूरे क बेल अब रेगिस्ताने मँ बोइ गइ अहइ। इ बहोत झुरान अउर पियासी धरती अहइ।

14बिसाल डारे स आगी फइली। आगी ओकर सारी टहनियन अउर फलन क बारि दिहस। एह बरे कउनो सहारा क सक्तीसाली कुबरी नाहीं रही। कउनो राजा क राजदण्ड नाहीं रहा।' इ मउत क बारे मँ करूणा-गीत रहा अउर इ मउत क बारे मँ करूणगीत क रूप मँ गावा गवा रहा।"

20 एक दिन इस्राएल क अग्रजन मँ स कछू मोरे लगे यहोवा क राय पूछइ आएन। इ देस-निकारे क सतवाँ बरिस क पाँचवा महीना क दसवाँ दिन रहा। अग्रज मोरे समन्वा बइठेन।

2तब यहोवा क बचन मोरे लगे आवा। उ कहेस, 3"मनई क पूत, इस्राएल क अग्रजन स बात करा। ओनसे कहा, 'मोर सुआमी यहोवा, इ सबइ बातन बतावत ह: का तू लोग मोर सलाह माँगइ आए रह्या? जदि तू लोग आवा हवा तउ मइँ तू पचन्क इ नाहीं देब। मोर सुआमी यहोवा इ बात कहेस।' 4हे मनई क पूत! का तू ओन लोगन क निणर्य करब? का तू ओन लोगन क परखब? तोहका ओनका ओन भयंकर पापन क बारे मँ बतावइ चाही जउन ओनकर पुरखन किहे रहेन। 5तोहका ओनसे जरूर कहइ चाही, 'मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: जउने दिने मइँ इस्राएल क चुनेउँ, मइँ आपन हाथ याकूब क परिवार क ऊपर उठाएउँ। मइँ आपन आपन क ओन पइ परगट किहेउँ। अउर मइँ मिस्र मँ ओनसे एक ठु प्रतिग्या किहेउँ। मइँ आपन हाथ उठाएउँ अउर कहेउँ: मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ। 6उ दिन मइँ तू पचन्क मिस्र स बाहेर लिआवइ के उ देस मँ लाएउँ जेका क वचन दिहे रहेउँ मइँ तू पचन्क देइ चाहत रहेउँ। उ एक सुन्नर देस रहा जउन दुध अउर मधु स भरा रहा। इ सबहिं देसन स जियादा सुन्नर रहा।

7"मइँ, इस्राएल क परिवार स ओनकर भयंकर देवमूरतियन के लोकावइ बरे कहेउँ। मइँ, ओन मिस्र क गन्दी देवमूरतियन क संग ओनका गन्दा न होइ बरे कहेउँ। मइँ तोहार पचन्क परमेस्सर यहोवा अहउँ।" 8किन्तु उ सबइ मोरे विरूद्ध होइ गएन अउर उ पचे मोर एक न सुनेन। उ पचे आपन भयंकर देवमूरतियन क नाहीं लोकाएन। उ पचे मिस्र क आपन घिनौनी देवमूरतियन नाहीं छोड़ेस। एह बरे मइँ (परमेस्सर) ओनका मिस्र मँ नस्ट करइ क निर्णय किहेउँ अर्थात मइँ आपन किरोध क पूरी सक्ती क ओनका अनुभव करवाइ चाहत रहेउँ। 9किन्तु मइँ ओनका नस्ट नाहीं किहेउँ। मइँ लोगन स जहाँ उ पचे रहत रहेन पहिले ही कहि चुके रहेउँ कि मइँ आपन लोगन क मिस्र स बाहेर लइ जाबउँ। मइँ आपन अच्छे नाउँ क समाप्त नाहीं करइ चाहत, एह बरे मइँ ओन लोगन क समन्वा इस्राएलियन क नस्ट नाहीं किहेउँ। 10मइँ इस्राएल क परिवार क मिस्र स बाहेर लिआएउँ। मइँ ओनका रेगिस्ताने मँ लइ गएउँ। 11तब मइँ ओनका आपन नेम दिहेउँ। मइँ ओनका सारे नेम बताएउँ। जदि कउनो मनई ओन नेमन क पालन करी तउ उ जिअब।

12मइँ ओनका बिस्राम क सबहिं बिसेस दिनन क बारे मँ
भी बताएउँ। उ सबइ पवित्तर दिन ओनके अउ मोरे बीच
बिसेस प्रतीक रहेन। उ सबइ इ संकेत करत रहेन कि मइँ
यहोवा हउँ अउर मइँ ओनका आपन बिसेस लोग बनावत
हउँ।

13“‘किन्तु इस्राएल क परिवार रेगिस्ताने मँ मोरे खिलाफ
उठ खड़ा भवा। उ पचे मोरे नेमन क अनुसरण नाहीं किहन।
उ पचे मोरे नेमन क पालन करइ स इनकार किहन अउर उ
सबइ नेम नीक अहइँ। जदि कउनो मनई ओनकर पालन
करी तउ उ जिअब। उ पचे मोर विसेस विस्राम क खास
दिनन क दूसित किहस माना ओनकर कउनो महत्व न होइ।
उ पचे ओन दिनन क अनेकन दाईं दूसित करत रहेन। मइँ
रेगिस्ताने मँ ओनका नस्ट करइ क निहचइ किहेउँ अर्थात
आपन किरोध क पूरी सक्ती क अनुभव ओनका करावइ
चाहेउँ। **14**किन्तु मइँ ओनका नस्ट नाहीं किहेउँ। दूसर रास्ट्रन
मोका इस्राएल क मिस्र स बाहेर लिआवत लखेन। मइँ
आपन अच्छे नाउँ क खतम नाहीं करइ चाहत रहेउँ, एह बरे
मइँ ओन रास्ट्रन क समन्वा इस्राएल क नस्ट नाहीं किहेउँ।
15मइँ रेगिस्ताने मँ ओन लोगन क एक अउर वचन दिहेउँ
कि मइँ ओनका उ प्रदेस मँ नाहीं लिआउब जेका मइँ
ओनका देत रहत हउँ। उ एक सुन्नर भुइँया रहा जहाँ दूध
अउर सहद क नदी बहत रहा। इ सबहिं देसन स जियादा
सुन्नर रहा।

16“‘इस्राएल क लोग मोरे नेमन क पालन करइ स
इनकार किहन। उ पचे मोरे नेमन क अनुसरण नाहीं किहन।
उ पचे मोरे विस्राम क दिनन क अइसे लिहन माना उ पचे
महत्व नाहीं रखतेन। उ पचे इ सबइ काम एह बरे किहन
कि ओनका हिरदय ओन गन्दी देवमूरतियन क होइ चुका
रहा। **17**किन्तु मोका ओन पइ करूणा आइ, एह बरे मइँ
ओनका नस्ट नाहीं किहेउँ। मइँ ओनका रेगिस्ताने मँ पूरी
तरह नस्ट नाहीं किहेउँ। **18**मइँ रेगिस्तान मँ ओनकर बच्चन
स बातन किहेउँ। मइँ ओनसे कहेउँ, “आपन महतारी बाप
जइसे न बना। ओनकर गन्दी देवमूरतियन स आपन आप क
दूसित न करा। ओनकर नेमन क अनुसरण न करा। ओनकर
आदेसन क पालन क करा।

19“‘मइँ यहोवा हउँ। मइँ तोहार पचन्क परमेस्सर हउँ।
मोर नेमन क पालन करा। मोरे आदेसन क माना। उ काम
करा जउन मइँ कहउँ। **20**इ प्रदर्सित करा कि मोर विस्राम
क दिन तोहरे बरे महत्वपूर्ण अहइँ। याद राखा कि उ सबइ
तोहरे अउर हमरे बीच विसेस प्रतीक अहइँ। मइँ यहोवा
अहउँ अउर उ सबइ पवित्तर दिन इ संकेत करत हीं कि मइँ
तोहार पचन्क परमेस्सर अहउँ।”

21“‘किन्तु उ सबइ बच्चन मोरे विरूद्ध होइ गएन। उ
पचे मोर नेमन क पालन नाहीं किहन। उ पचे मोर आदेस
नाहीं मानेन। उ पचे उ सबइ काम नाहीं किहेन जउन मइँ
ओनसे कहेउँ उ सबइ नीक नेम रहेन। जदि कउनो ओनकर
पालन करी तउ उ जिअब। उ पचे मोर बिस्राम क बिसेस
दिनन क दूसित किहेस माना ओनकर कउनो महत्व न होइ।
एह बरे मइँ ओनका रेगिस्तान मँ पूरी तरह नस्ट करइ क
निहचइ किहेउँ जेहसे उ पचे मोर किरोध क पूरी सक्ती क
महसूस कइ सकइँ। **22**लेकिन मइँ आपन क रोक लिहेउँ।
दूसर रास्ट्रन मोका इस्राएल क मिस्र स बाहेर लिआवत
देखेन। इसलिए मइँ इस्राएल क बिनास नाहीं किहेउँ एह बरे
दूसर रास्ट्रन क समवन्वा मोर नाउँ अपवित्तर नाहीं होइ।
23एह बरे मइँ रेगिस्ताने मँ ओनका एक अउर बचन दिहेउँ।
मइँ ओनका अलग-अलग रास्ट्रन मँ बिखेरइ अउ दूसर
अनेक देसन मँ पठवइ क प्रतिग्या किहेउँ।

24“‘इस्राएल क लोग मोरे आदेसन क पालन नाहीं
किहेन। उ पचे मोरे नेमन क मानइ स इनकार कइ दिहेन।
उ पचे मोर विस्राम क दिनन क अइसे लिहन माना उ पचे
महत्व न रखत होइ। उ पचे आपन पुरखन क गन्दी
देवमूरतियन क पूजेन। **25**एह बरे मइँ ओनका उ सबइ नेम
दिहेउँ जउन नीक नाहीं रहेन। मइँ ओनका उ सबइ आदेस
दिहेउँ जउन ओनका सजीव नाहीं कइ सकत रहेन। **26**मइँ
ओनका आपन भेंटन स अपने आप क गन्दा बनावइ दिहेउँ।
उ पचे आपन पहिलउटी क पइदा गदेला तलक क बलि
चढ़ाउब सुरू कइ दिहन। इ तरह मइँ ओन लोगन क नस्ट
करइ चाहेउँ। तब उ पचे समुझेन कि मइँ यहोवा अहउँ।’
27एह बरे मनई क पूत, अब इस्राएल क परिवार स कहा।
ओनसे कहा ‘मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहत ह:
इस्राएल क लोग मोरे खिलाफ बुरी बातन किहन अउर मोरे
खिलाफ बुरी जोजनन बनाएन। **28**किन्तु मइँ एकरे होत भए
भी, ओनका उ प्रदेस मँ लिआएउँ जेका देइ क बचन मइँ
दिहे रहेउँ। उ पचे ओन पहाड़ियन अउर हरिअर बृच्छन क
लखेन एह बरे उ पचे ओन सबहिं ठउरन पइ पूजा करइ
गएन। उ पचे आपन ओन बलियन क लिहेन जउन मोका
किरोधित करत ह अउर ओन सबइ ठउरन पइ चढ़ाएन। उ
पचे आपन उ सबइ बलियन चढ़ाएन जउन मधुर गन्धवाली
रहिन अउर उ पचे आपन पेय भेंटन ओन ठउरन पइ
चढ़ाएन। **29**मइँ इस्राएल क लोगन स पूछेउँ कि उ पचे
ओन ऊँच ठउरन पइ काहे जात अहइँ। एह बरे आजु तलक
उ ऊँचे स्थान कहलावत हीं।’”

30परमेस्सर कहेस, “इस्राएल क लोग ओन सबहिं बुरे
कामन क किहन। एह बरे इस्राएल क लोगन स बात करा।
ओनसे कहा, ‘मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: तू लोग ओन
कामन क कइके अपने क गन्दा बनाइ लिहा ह जेनका
तोहार पुरखन किहन। तू पचे एक ठु रण्डी क नाईं काम
किहा ह। तू पचे ओन भयंकर देवतन क संग मोका तजि
दिहा ह जेनकर पूजा तोहार पचन्क पुरखन करत रहेन। **31**तू
पचे उहइ तरइ क भेंट चढ़ावत अहा। तू पचे आपन बच्चन
क आगी मँ लबार देवतन क भेंट क रूप मँ डावत अहा।
तू पचे अपने क आजु भी गन्दी देवमूरतियन स गन्दा
बनावत अहा। का तू पचे फुरइ सोचत अहा कि मइँ तू
पचन्क अपने लगे आवइ देब अउर आपन सलाह माँगइ
देब? मइँ यहोवा अउर सुआमी हउँ। मइँ आपन जिन्नगी क
किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तोहरे पचन्क
प्रस्नन क जवाब नाहीं देबउँ अउर तू पचन्क सलाह नाहीं
देबउँ। **32**तू पचे कहत ह कि तू पचे दूसर रास्ट्रन क तरह
होवइ चाहत ह अउर काठ अउ पाथर क खण्डन क पूजा
करत अहा। इ नाहीं होइ चाही।’”

33मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "आपन जिन्नगी क किरिया खाइके मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तोहरे पचन्क ऊपर राजा क तरह सासन करब। मइँ आपन सक्तीसाली भुजन क उठाउब अउर तू पचन्क दण्ड देब। मइँ तोहरे पचन्क बिरूद्ध आपन किरोध परगट करब। 34मइँ तू पचन्क एन दूसर रास्ट्रन स बाहेर लिआउब। मइँ तू लोगन क ओन रास्ट्रन मँ बिखेरेउँ। किन्तु मइँ तू लोगन क एक संग बटोरब अउर एन रास्ट्रन स वापस लउटाउब। किन्तु मइँ आपन सक्तीसाली भुजन उठाउब अउर तू पचन्क दण्ड। मइँ तोहरे पचन्क खिलाफ आपन किरोध परगट करब। 35मइँ पहिले क तरह तू पचन्क रेगिस्ताने मँ लइ चलब। किन्तु इ उ ठउर होइ जहाँ दूसर रास्ट्र रहत हीं। हम आमने-सामने खड़ा होब अउर मइँ तोहरे पचन्क संग निआउ करब। 36मइँ तोहरे पचन्क संग वइसा ही निआउ करब जइसा मइँ तोहरे पचन्क पुरखन क संग मिस्त्र क मरूभूमि मँ किहे रहेउँ।" मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

37"मइँ तोहका आपन भेंड़ क नाईं आपन सज़ा क छड़ी क तेल स गुजारउब। मइँ तोहका आपन करार क पालन करइ बरे मज़बूर करब। 38मइँ ओन सबहिं लोगन क दूर करब जउन मोरे खिलाफ खड़े भएन अउर जउन मोरे खिलाफ पाप किहेन। मइँ ओन लोगन क तोहरे पचन्क जन्मभूमि स दूर करब। उ सबइ इस्राएल देस मँ कबहुँ नाहीं लउटिहीं। तब तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा हउँ।"

39इस्राएल क परिवार, अब सुना मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "जदि कउनो मनई मोरे सुनइ क बजाए आपन गन्दी देवमूरतियन क पूजा करइ चाहत ह तउ ओका उहइ करइ द्या। किन्तु तू पचे प्रतिस्ठा क भविस्स मँ आपन गन्दी देवमूरतियन क भेंट देब जारी रखइ क अउर जियादा नास नाहीं कइ सकब्या।"

40मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "लोगन क मोर सेवा बरे मोर पवित्तर पर्वत इस्राएल क ऊँच पर्वत पइ आवइ चाही। इस्राएल क सारा परिवार आपन भुइँया पइ होइ उ पचे हुवाँ अपने देस मँ होइहीं। इ उ जगह अहइ जहाँ तू पचे आइ सकत ह अउर तू पचन्क उ ठउरे पइ मोका आपन भेंट चढ़ावइ आउब चाही। तू पचन्क आपन फसल क पहिला भाग हुवाँ उ ठउरे पइ लिआवइ चाही। तू पचन्क आपन सबहिं पवित्तर भेंटन हुवँइ लिआवइ चाही। 41तब तोहार पचन्क मधुर गन्ध स मइँ खुस होबउँ। इ सबइ होइ जब मइँ तू पचन्क वापस लिआउब। मइँ तू पचन्क अलग अलग रास्ट्रन मँ बिखेरे रहेउँ। किन्तु मइँ तू पचन्क एक संग बटोरब अउर तू पचन्क फुन स आपन बिसेस लोग बनाउब। 42तब तू पचे समुझब्या कि मइँ यहोवा अहउँ। तू पचे इ तब जनब्या जब मइँ तू पचन्क इस्राएल देस मँ वापस लिआउब। इ उहइ देस अहइ जेका मइँ तोहरे पचन्क पुरखन क देइ क बचन दिहे रहेउँ। 43तउ तू ओन सबइ बुरे करमन क याद रखब्या जेनका तू किहस ह अउर जउन तोहका दूसित कइ दिह ह। अउर तू आपन आप स ही घिना करब ओन सबइ बुरे करम जेनका तू किहस ह। 44इस्राएल क परिवार! तू पचे बहोत बुरे काम किहा अउर तू पचे लोगन्क बुरे कामन क कारण नस्ट कइ दीन्ह जाइ चाही। किन्तु आपन नाउँ क रच्छा क बरे मइँ उ दण्ड तू लोगन क नाहीं देबउँ जेकर पात्र तू लोग अहा। तब तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा अहउँ। मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

45तब यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 46"मनई क पूत, दक्खिन कइँती लखा। नेगव-वन क विरूद्ध कछू कहा। 47नेगव-वन स कहा, 'यहोवा क संदेस क सुना। मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस: धियान द्या, मइँ तू पचन्क वन मँ आगी लगावइ वाला अहउँ। आगी हर एक हरिअर बृच्छ अउ हर एक झुरान बृच्छ क नस्ट करी। जउन लपटा जरिहीं ओनका बुझावा नाहीं जाइ सकी। दक्खिन स उत्तर तलक सारा देस आगी स जराइ दीन्ह जाइ। 48तब लोग जनिहीं कि मइँ अर्थात यहोवा आगी लगाएउँ ह। आगी बुझाई नाहीं जाइ सकी।'"

49तब मइँ (यहेजकेल) कहेउँ, "हे मोर सुआमी यहोवा। जदि मइँ एन बातन क कहत हउँ तउ लोग कहिहीं कि मइँ ओनका सिरिफ कहानियन सुनावत हउँ। उ पचे नाहीं सोचिहीं कि इ फुरइ घटित होइ।"

21 एह बरे यहोवा क बचन मोका फुन मिला। उ कहेस, 2"मनई क पूत, यरूसलेम कइँती लखा अउर ओकरे पवित्तर ठउरन क खिलाफ कछू कहा। मोरे बरे इस्राएल देस क बिरूद्ध कछू कहा। 3इस्राएल देस स कहा, 'यहोवा इ सबइ बातन कहेस ह: मइँ तू पचन्क खिलाफ हउँ। मइँ आपन तरवार मियान स बाहेर निकारब। मइँ सबहिं लोगन क तोहसे दूर करब, नीक अउ बुरे दुइनउँ क। 4मइँ नीक अउ बुरे दुइनउँ प्रकार क मनइयन क तू पचन्स अलग करब। मइँ आपन तरवार मियान स निकारब अउर दक्खिन स उत्तर तलक क सबहिं लोगन क बिरूद्ध ओकर उपयोग करब। 5तब सबहिं लोग जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ अउर उ पचे जान जइहीं कि मइँ आपन तरवार मियान स निकारि लिहेउँ ह। मेर तरवार मियान मँ फुन स नाहीं लउटी।'"

6परमेस्सर मोहसे कहेस, "मनई क पूत, टूट हिरदइवाले मनई क तरह सिसका। लोगन क समन्वा कराहा। 7तब उ पचे तोहसे पूछिहीं, 'तू काहे कराहत अहा?' तब तोहका कहइ चाही, 'काहेकि कछू कस्टदायक खबर मिलइवाली अहइ, एह बरे हर एक हिरदय भय स पिघल जाइ। सबहिं हाथ कमजोर होइ जइहीं।' हर एक अन्तात्मा कमजोर होइ जाइ। हर एक घुटना पानी जइसे होइ जइहीं। धियान द्या, उ बुरी खबर आवति बाटइ। इ सबइ घटनन घटित होइहीं।" मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।"

तरवार तइयार अहइ

8परमेस्सर क बचन मोका मिला। उ कहेस, 9"मनई क पूत, मोरे बरे लोगन स बातन करा। इ सबइ बातन कहा, 'मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह:

"'धियान द्या, एक तरवार, एक तेज तरवार अहइ, अउर तरवार चमकाई गइ अहइ।

10तरवार क जान लेइ क बरे तेज कीन्ह गवा रहा।
बिजुरी क समान चकाचौंध करइ बरे एका चमकइ गवा
रहा। या का हम लोग आपन पूत क राजदण्ड पइ खुसी
बनाउब? उ तरवार काठे क बना भवा हरेक हथयार स
जियादा मज़बूत अहइ।
11एह बरे तरवार क झलकावा गवा अहइ। अब इ
प्रयोग कीन्ह जाइ सकी। तरवार तेज कीन्ह गइ अउर
झलकाइ गइ रही। अब इ मानइवाले क हाथन मँ दीन्ह
जाइ सकी।
12"'मनई क पूत, चिचिआइ अउर नरियाअ। काहेकि
तरवार क उपयोग मोरे लोगन अउर इस्राएल क सबहिं
सासकन क खिलाफ होइ। उ सबइ सासक जुद्ध चाहत
रहेन, एह बरे उ पचे हमरे लोगन क संग तब होइहीं जब
तरवार आइ। एह बरे आपन जाँघन क पीटा अउर आपन
दुःख परगट करइ बरे सोर मचावा। 13काहेकि परीच्छा
आवत अहइ। तू काठे क छड़ी स दण्डित होइ स इन्कार
किहा का उ ओका आवइ स रोकब?'" मोर सुआमी यहोवा
इ सबइ बातन कहेस।
14परमेस्सर कहेस, "मनई क पूत, तालियन बजावा अउर
मोरे बरे लोगन स इ सबइ बातन करा:
"दुइ दाईं तरवार क वार करइ द्या, हाँ तीन दाईं। इ
तरवार लोगन क मारइ बरे अहइ। इ तरवार अहइ, बड़के
नर-संहार बरे। इ तरवार लोगन क धार पइ राखी।
15ओनकर हिरदय भय स टेघर जइहीं अउर बहोत स
लोग गिरिहीं। बहोत स लोग आपन नगर-दुआर पइ मरिहीं।
हाँ, तरवार बिजरी क तरह चमकी। इ लोगन क मारइ बरे
झलकाइ गइ अहइ।
16तरवार, धारदार बना। तरवार दाहिन काटा, सोझे समन्वा
काटा, बाएँ कइँती काटा, जा हर एक ठउरे मँ जहाँ तोहार
धार, जाइ बरे चुनी गइ।
17तब मइँ ताली बजाउब अउर आपन किरोध परगट
करब बन्द कइ देब। मइँ यहोवा कहि चुका हउँ।'"

यरूसलेम तलक क राहे क चुनब

18यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, 19"मनई क
पूत, दुइ सड़कन क नक्सा बनावा। जेनमाँ स बाबुल क राजा
क तरवार इस्राएल आवइ बरे एक क चुन सकइ। दुइनउँ
सड़किया उहइ बाबुल देस स निकरिहीं। तब नगर क
पहोंचावइवाली सड़क क सिरे पइ एक चीन्हा बनावा।
20चीन्हा क उपयोग इ देखावइ बरे करा कि कउन स सड़क
क उपयोग तरवार करी। एक सड़क अम्मोनी नगर रब्बा क
पहोंचावत ह। दूसर सड़क यहूदा, सुरच्छित नगर, यरूसलेम
क पहोंचावत ह। 21इ स्पस्ट करत ह कि बाबुल क राजा उ
सड़क क जोजना बनावत अहइ जेहसे उ छेत्र पइ हमला
करइ। बाबुल क राजा उ बिन्दु पइ आइ चुका अहइ जहाँ
दुइनउँ सड़कन अलग होत हीं। बाबुल क राजा जादू क
संकेतन क उपयोग भविस्स क जानइ बरे किहेस ह। उ
कछू बाण हिलाएस, उ परिवारे क देवमूरतियन स सवाल
पूछेस, उ गुर्दे क लखेस जउन उ जनावरे क रहा जेका उ
मारे रहा।
22"संकेत ओका बतावत हीं कि उ उ दाईं सड़क क
धरइ जउन यरूसलेम पहोंचावत ह। उ अपने संग बिध्वंसक
लट्ठन क लिआवइ क जोजना बनाएस ह। उ आदेस देइ
अउर ओकर फउजी जान स मारब सुरू करिहीं। उ पचे
जुद्ध-घोस करिहीं। तब उ पचे एक माटी क देवार सहर क
चारिहुँ ओर बनइहीं। उ पचे एक माटी क सड़क देवार
तलक पहोंचावइ वाली बनइहीं। उ सबइ नगर पइ हमला
बरे लकड़ी का मीनार बनइहीं। 23उ सबइ जादुई क चीन्हा
इस्राएल क लोगन बरे कउनो अरथ नाहीं रखतेन। उ सबइ
ओन बचनन क पालन करत हीं जउन उ पचे दिहेन ह।
किन्तु यहोवा ओनकर पाप याद राखी। तब इस्राएली लोग
बन्दी बनावा जइहीं।"
24मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "तू पचे बहोत स बुरे
काम किहा ह। तोहार पचन्क पाप पूरी तरह स्पस्ट अहइँ। तू
पचे मोका इ याद रखइ क मजबूर किहा कि तू पचे दोखी
अहा। एह बरे दुस्मन तू पचन्क आपन हाथन मँ कइ लेइ
25हे इस्राएल क बुरे लोगो, तू पचे मारा जाब्या। तोहरे
पचन्क दण्ड क समइ आइ पहोंचा अहइ।" अब अन्त निअरे
अहइ।"
26मोर सुआमी यहोवा इ संदेस देत अहइ, "पगड़ी उतारा।
मउर उतारा। परिवर्तन क समइ आइ पहोंचा अहइ। महत्वपूर्ण
प्रमुख खाले लिआवा जइहीं अउर जउन लोग महत्वपूर्ण
नाहीं अहइँ, उ सबइ महत्वपूर्ण बनिहीं। 27मइँ उ नगर क
पूरी तरह नस्ट करब। किन्तु इ तब तलक नाहीं होइ जब
तलक उपयुक्त मनई नवा राजा नाहीं होत। तब मइँ ओका
नगर पइ अधिकार करइ देब।"

अम्मोन क खिलाफ भविस्सवाणी

28परमेस्सर कहेस, "मनई क पूत, मोरे बरे लोगन स
कहा। उ सबइ बातन कहा, 'मोर सुआमी यहोवा इ सबइ
बातन अम्मोन क लोगन अउर ओनकर लज्जाजनक देवता स
कहत ह:
"'धियान द्या एक तरवार एक ठु तरवार आपन मियान स
बाहेर अहइ। तरवार झलकाइ गइ अहइ। तरवार मारइ बरे
तइयार अहइ। बिजुली क तरह चमकइ बरे एका झलकावा
गवा रहा।
29तोहार दर्सन बियर्थ अहइँ। तोहार जादू तोहार मदद नाहीं
करिहीं। इ सिरिफ झूठ क गुच्छा अहइ। अब तरवार
पापियन क गर्दन पइ अहइ। उ पचे हाली ही मुर्दा होइ
जइहीं। ओनकर अन्त समइ आइ पहोंचा अहइ। ओनकर
पाप क समाप्ति क समइ आइ गवा अहइ।

बाबुल क खिलाफ भविस्सवाणी

30"अब तू तरवार क मियान मँ वापस राखा। बाबेल, मइँ
तोहरे संग निआउ, तू जहाँ बना हवा उहइ ठउरे पइ करब
अर्थात उहइ देस मँ जहाँ तू पइदा भवा ह। 31मइँ तोहरे
खिलाफ आपन किरोध क बर्खा करब। मोर किरोध तू
पचन्क तपत हवा क तरह जराइ। मइँ तू पचन्क क्रूर
मनइयन क हाथन मँ देब। उ सबइ मनई मनइयन क मार
डावइ मँ कुसल अहइँ। 32तू पचे आगी बरे ईंधन बनब्या।

तोहार पचन्क खून भुइँया मँ गहिर बहि जाइ अर्थात लोग तू पचन्क फुन याद नाहीं करिहीं। मइँ अर्थात यहोवा इ कहि दिहेउँ ह।'"

यहेजकेल यरूसलेम क खिलाफ बोलत ह

22 यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, 2"मनई क पूत, का तू निआउ करब्या? का तू हलिसारन क नगर का संग निआउ करब्या? का तू ओहसे ओन सब भयंकर बातन क बारे मँ कहब्या जउन उ किहेस ह? 3तू पचन्क कहइ चाही, 'मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: नगर हत्तियारन स भरा अहइ। एह बरे ओकरे बरे दण्ड क समइ आइ। उ अपने बरे गन्दी देवमूरतियन क बनाएस अउर एन देवमूरतियन ओका असुद्ध बनाएन।

4"'हे यरूसलेम क लोगो, तू पचे बहोत लोगन क मार डाया। तू पचे गन्दी देवमूरतियन बनाया। तू पचे दोखी अहा अउर तू पचन्क दण्ड देइ क समइ आइ गवा अहइ। तोहार पचन्क अन्त आइ गवा अहइ। दूसर रास्ट्र तोहार मजाक उड़इहीं। उ सबइ देस तोह पइ हँसिहीं। 5दूर अउर निअरे क लोग तोहार पचन्क मजाक उड़इहीं। तू आपन नाउँ बदनाम किहा ह। तू हिंसा स भरा भवा अहइ।

6"'धियान द्या। यरूसलेम मँ इस्राएल क हर एक सासक अपने क सक्तिसाली बनइ द्या जेहसे उ रक्तपात कइ सकइ। 7यरूसलेम क लोग आपन महतारी-बाप क सम्मान नाहीं करतेन। उ पचे उ नगर मँ विदेसियन क सतावत हीं। उ पचे अनाथन अउर रांड़ मेहररूअन क उ ठउरे पइ ठगत हीं। 8तू लोग मोर पवित्तर चिजियन स घिना करत ह। तू पचे मोरे विस्राम क दिनन क अइसे लेत ह माना उ पचे महत्वपूर्ण न होइँ। 9यरूसलेम क लोग दूसर लोगन क बारे मँ झूठ बोलत हीं। उ पचे ओन भोले लोगन क मार डावइ बरे अइसा करत हीं। लोग पर्वतन पइ लबार देवतन क पूजा करइ जात हीं अउर उ पचे तोहार संग बूरी चिजन क करइ बरे एक संग जोजना बनावत हा।

"'यरूसलेम मँ लोग अनेक यौन-संबन्धी पाप करत हीं। 10यरूसलेम मँ लोग आपन पिता क पत्नी क संग बिभिचार करत हीं। यरूसलेम मँ लोग मासिक धर्म क समइ मँ भी नारियन स बलात्कार करत हीं। 11कउनो आपन पड़ोसी क पत्नी के विरूद्ध भी अइसा भयंकर पाप करत ह। कउनो आपन पतोहू क संग तने क सम्बन्ध करत ह अउर ओका अपवित्तर करत ह अउर कउनो आपन पिता क बिटिया अर्थात आपन बहिन क संग तने क सम्बंध करत ह।

12"'यरूसलेम मँ, तू लोग, लोगन क मार डावइ क बरे धन लेत ह। तू लोग रिण देत ह अउर ओह रिण पइ बियाज लेत ह। तू लोग तनिक धन क पावइ बरे आपन पड़ोसी क ठगत ह अउर तू लोग मोका बिसर गया ह।'" मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

13परमेस्सर कहेस, 'अब धियान द्या। मइँ आपन हाथ तोह पइ उठाउब। मइँ तू पचन्क लोगन क धोखा देइ अउर मार डावइ बरे दण्ड देब। 14का तब भी तू पचे वीर बना रहब्या? का तू पचे पर्याप्त बलवान रहब्या जब मइँ तू पचन्क दण्ड देइ आउब? नाहीं। मइँ यहोवा हउँ। मइँ इ कहि दिहे हउँ अउर मइँ उ करब जउन मइँ करइ क कहेउँ ह। 15मइँ तू पचन्क रास्ट्रन मँ बिखेर देब। मइँ तू पचन्क बहोत स देसन मँ जाइ क मजबूर करब। मइँ नगर क गन्दी चिजियन क पूरी तरह नस्ट करब। 16किन्तु यरूसलेम तू आपन क दूसित अउर दूसर रास्ट्रन एन घटनन क होत लखिहीं। तब तू जनब्या मइँ यहोवा अहउँ।'"

इस्राएल बेकार कचरे क तरह अहइ

17यहोवा क बचन मोह तलक आवा। उ कहेस, 18"मनई क पूत, काँसा, लोहा, सीसा अउ टीन, चाँदी क तुलना मँ बेकार अहइ। कारीगर चाँदी क सुद्ध करइ बरे आगी मँ डावत ह। चाँदी गल जात ह अउर कारीगर एका कचरा स अलग करत ह। इस्राएल रास्ट्र उ बेकार कचरे क तरह होइ गवा ह। 19एह बरे यहोवा तथा सुआमी इ कहत ह, 'तू सबहिं लोग बेकार कचरे क तरह होइ गवा अहा। एह बरे मइँ तू पचन्क इस्राएल मँ बटोरब। 20कारीगर चाँदी, काँसा, लोहा, सीसा अउर टीन क आगी मँ डावत हीं। उ सबइ आगी क जियादा गरम करइ बरे फुँकत हीं। तब धातुअन क गलब सुरू होइ जात ह। इहइ तरह मइँ तू पचन्क आपन आगी मँ डाउब अउर तू पचन्क टेघराउब। उ आगी मोर गरम किरोध अहइ। 21मइँ तू पचन्क उ आगी मँ डाउब अउर मइँ आपन किरोध क आगी क फूँकन मारब अउर तोहार पचन्क टेघरब सुरू होइ जाइ। 22चाँदी आगी मँ टेघरत ह अउर कारीगर चाँदी क ढालत हीं तथा बचावत हीं। इहइ तरह तू पचे नगर मँ टेघरब्या। तब तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा हउँ अउर तू पचे समुझब्या कि मइँ तोहरे पचन्क खिलाफ किरोध क उड़ेरेउँ ह।'"

यहेजकेल यरूसलेम क खिलाफ बोलत ह

23यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 24"मनई क पूत, इस्राएल स बातन करा। ओहसे कहा कि उ पचन्क एक भुइँया अहइ जेका सुद्ध नाहीं कीन्ह गवा अहइ। मइँ उ देस पइ कोहान हउँ एह बरे उ देस आपन बर्खा नाहीं पाएस ह। 25यरूसलेम मँ नबी बुरे जोजना बनावत अहइँ। उ पचे उ सिंह क तरह अहइँ जउन उ समइ गजरत ह जब उ आपन धरे भए जनावर क खात ह। ओन नबियन बहोत स जीवन नस्ट किहेन ह। उ पचे अनेक कीमती चिजियन लिहेन ह। उ पचे यरूसलेम मँ अनेक मेहररूअन क राँड़ बनाएन।

26"याजकन फुरइ मोरे उपदेसन क नोस्कान पहोंचाएन ह। उ पचे मोर पवित्तर चिजियन क दूसित किहेन। उ पचे पवित्तर चिजियन अउ पवित्तर चिजियन मँ भेद नाहीं करत हीं। उ पचे लोगन क सुद्ध अउर असुद्ध चिजियन क बीच क भेद क बारे मँ सिच्छा नाहीं देतेन। उ पचे मोर पवित्तर विस्राम क दिननन पइ धियान नाहीं देत ह। एह बरे मइँ ओन लोगन क जरिये दूसित कीन्ह गवा हउँ।

27"यरूसलेम मँ प्रमुख ओन भेड़ियन क समान अहइँ जउन आपन धरे जनावर क खात अहइ। उ पचे प्रमुख केवल आपन क धनवान बनावइ बरे आक्रमण करत हीं अउर लोगन क मारि डावत हीं।

28“नवी, लोगन क चितउनी नाहीं देतेन, उ पचे फुरइ क
ढाँक देत हीं। उ पचे ओन कारीगरन क समान अहइँ जउन
दीवार क ठीक-ठीक मजबूत नाहीं बतउतेन उ पचे केवल
छेदन पइ लेप कइ देत हीं। ओनकर धियान सिरिफ झूठ पइ
होत ह। उ पचे आपन जादू क उपयोग भविस्स जानइ बरे
करत हीं, किन्तु उ पचे केवल झूठ बोलत हीं। उ पचे
कहत हीं, ‘मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस। किन्तु
उ पचे सिरिफ झूठ बोलत अहइँ-यहोवा ओनसे बातन नाहीं
किहेस।’

29“सामान्य जनता एक दूसर क लाभ उठावत हीं। उ पचे
एक दूसर क धोखा देत अउर चोरी करत हीं। उ पचे गरीब
अउर असहाय मनई क संग अइसा बेउहार करत हीं। उ
पचे बिदेसियन क भी धोखा देत रहेन, माना ओनके खिलाफ
कउनो नेम न होइ।

30“मइँ लोगन स कहेउँ कि तू लोग आपन जिन्नगी
बदला अउर आपन देसन क रच्छा करा। मइँ लोगन क
देवारन क मजबूत करइ बरे कहेउँ। मइँ चाहत रहेउँ कि उ
पचे देवारन क छेदन पइ खड़ा रहइँ अउर आपन नगर क
रच्छा करइँ। किन्तु कउनो मनई मदद बरे नाहीं आवा। 31एह
बरे मइँ आपन किरोध परगट करब, मइँ ओनका पूरी तरह
नस्ट करब। मइँ ओनका ओन बुरे कामन बरे दण्डित करब
जेनका उ पचे किहेन ह। इ सबइ ओनकर दोख अहइ।”
मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

23 यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 2“मनई
क पूत, सोमरोन अउर यरूसलेम क बारे मँ इ
कहानी क सुना। दुइ बहिन रहिन। उ पचे एक ही महतारी
क बिटियन रहिन। 3उ पचे मिस्र मँ तब रण्डियन होइ गइन
जब छोटी लड़कियन ही रहिन। मिस्र मँ उ पचे पहिले पिरेम
किहन अउर लोगन क आपन चुचुक अउर आपन नवोदित
स्तनन क धरइ दिहन। 4बड़की बिटिया ओहोला नाउँ क रही
अउर ओकरी बहिन क नाउँ ओहोलीबा रहा। उ पचे मोर
होइ र गइन अउर ओनके बेटवा बिटियन पइदा भइन
(ओहोला असल मँ सोमरोन अहइ अउर ओहोलीबा असल
मँ यरूसलेम अहइ।)

5“तब ओहोला मोर बरे पतिव्रता नाहीं रहि गइ। उ एक
रण्डी क तरह रहइ लाग। उ आपन पिरेमियन क चाह राखइ
लाग। उ अस्सूर क फउजियन क ओनकर 6नीली वर्दियन मँ
लखेस। उ पचे सबहिं मन चाहे नव जवान घुड़सवार रहेन।
उ पचे प्रमुख अउर अधिकारी रहेन 7अउर ओहोला आपन
क ओन सबहिं लोगन क रण्डी क रूप मँ अर्पित किहस।
उ पचे सबहिं अस्सूर क सेना मँ चुना भवा विसिस्ट सिपाही
रहेन अउर उ ओन सबहिं क मोहित कइ लिहेस। उ
ओनकर गन्दी देवमूरतियन क संग असुद्ध होइ गइन।
8एकरे अलावा उ मिस्र स आपन पिरेम-ब्यापार क भी बन्द
नाहीं किहस। मिस्र ओहसे तब पिरेम किहेस जब उ किसोरी
रही। मिस्र पहिला पिरेमी रहा जउन ओकर नवजात स्तनन
क छुएस। मिस्र ओह पइ आपन झूठ पिरेम क बर्खा
किहेस। 9एह बरे मइँ ओकर पिरेमियन क ओका भोगइ
दिहेउँ। उ अस्सूर क चाहत रही, एह बरे मइँ ओका ओनका
दइ दिहेउँ। 10उ पचे ओकरे संग बलात्कार किहेस। उ पचे
ओकरे बच्चन क लिहेस अउर उ पचे तरवार चलाएन अउर
ओका मार डाएन। उ पचे ओका दण्ड दिहेन अउर
मेहररूअन अब तलक ओकर बातन करत हीं।

11“ओकर छोटकी बहिन ओहोलीबा एन सबहिं घटनन क
घटित होत लखेन। किन्तु ओहोलीबा आपन बहिन स भी
जियादा पाप किहेस। उ आपन बहिन ओहोला क तुलना मँ
जियादा बिभिचारी किहा। 12इ अस्सूर क प्रमुखन अउर
अधिकारियन क चाहत रही। उ नीली वर्दी मँ घोड़ा पइ
सवार ओन फउजिन क चाहत रही। उ पचे सबहिं चाहइ
जोग्य जुवक रहेन। 13मइँ लखेउँ कि उ पचे दुइनउँ
मेहररूअन एक ही गलती स आपन जिन्नगी नस्ट करइ
जात रहिन।

14“ओहोलीबा अपने बिभिचारी क जारी राखेस। उ बाबुल
क देवारन पइ खुदा भवा मनइयन क तस्बीरन क लखेस। उ
सबइ तस्बीरन कसदी लोगन क तस्बीरन ओनकर लाल
पोसाकन मँ रहिन। 15उ पचे करिहाउँ मँ पेटियन बाँध राखे
रहिन अउर ओनके मूँड़ि पइ लम्बी पगड़ियन रहिन। उ पचे
सबहिं रथ का अधिकारियन का तरह देखात रहेन। उ पचे
सबहिं बाबुल क जन्मभूमि मँ उत्पन्न पुरूस मालूम होत
रहेन। 16ओहोलीबा ओनका चाहेस। उ ओनका आमन्त्रित
करइ बरे दूत पठएस। 17एह बरे उ पचे बाबुल क लोग
ओकर पिरेम-सय्या पइ ओकरे संग तने क सम्बन्ध करइ
आएन। उ पचे ओकर उपयोग किहन अउर ओका एतना
गन्दा कइ दिहन कि उ ओनसे घिना करइ लाग।

18“ओहोलीबा भी बार-बार आपन नंगा सरीर क एक
बिभिचारियन क नाईं अर्पित किहेस। उ बहोत सारे मनइयन
क आपन नंगा सरीर स आनन्द लेइ दिहेस कि मोका ओहसे
वइसा ही घिना होइ गवा जइसा ओकरे बहिन स होइ ग
रही। 19उ बार-बार आपन बिभिचारी क बढ़ाएस। अउर तब
उ आपन पिरेम-ब्यापार क याद किहस जउन उ युवा
अवस्था मँ मिस्र मँ किहे रहा। 20उ आपन पिरेमियन पइ
मोहित भएस जेनका लिंग गदहन क लिंग क नाईं रहेन,
अउर जेनका वीर्य क प्रवाह घोड़न क वीर्य क प्रवाह क
नाईं रहेन।

21“ओहोलीबा, तू आपन ओन दिनन क याद किहा जब
तू जुवती रहिउ, जब तोहार पिरेमी तोहार चूचुक क छुअत
रहेन अउर तोहार नव जात स्तनन क धरत रहेन। 22एह बरे
ओहोलीबा, मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: ‘तू आपन
पिरेमियन स घिना करइ लागिउ। किन्तु मइँ तोहार पिरेमियन
क हिआँ लिआउब। उ पचे तोहका घेर लेइहीं। 23मइँ ओन
सबहिं लोगन क बाबुल स, खासकर कसदी लोगन क
लिआउब। मइँ पकोद, सो अउर कोआ स लोगन क
लिआउब अउर मइँ ओन सबहिं लोगन क अस्सूर स
लिआउब। इ तरह मइँ सबहिं प्रमुखन अउ अधिकारियन क
लिआउब। उ पचे सबहिं चाहइ जोग्ग, रथपति खास जोग्यता
बरे चुने घुड़सवार रहेन। 24ओन लोगन क भीड़ तोहरे लगे
आइ। उ पचे आपन घोड़न पइ सवार अउर आपन रथन पइ
अइहीं। लोग बड़की तादाद मँ होइहीं। ओनके लगे ओनकर
भालन, ओनकर ढालन अउर ओनके मूँड़े क सुरच्छा कबच

होइहीं। उ पचे तोहरे चारिहुँ कइँती बटुरिहीं। मइँ ओनका
बताउब कि तू मोरे संग का किहा अउर उ पचे आपन तरह
स तोहका पचन्क सजा देइहीं। **25**मइँ तू पचन्क देखाउब कि
मइँ केतना ईर्सालु अहउँ। उ पचे बहोत कोहान होइहीं अउर
तू पचन्क चोट पहोंचइहीं। उ पचे तोहार पचन्क नाक अउर
तोहार पचन्क कान लेइहीं। उ पचे तरवार चलइहीं अउर तू
पचन्क मार डइहीं। तब उ पचे तोहरे पचन्क बच्चन क लइ
जइहीं अउर तोहार पचन्क जउन कछू बचा होइ ओका बार
देइहीं। **26**उ पचे तोहार नीक ओढ़ना गहना लइ लेइहीं
27अउर मिस्र क साथ भए तोहरे पिरेम बइपार क सपना क
मइँ रोक देब। तू फून कबहुँ मिस्र क याद नाहीं करिबिउ।'"
28मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मइँ तोहका ओन लोगन
क देत अहउँ, जेहसे तू घिन करति अहा। मइँ तोहका ओन
लोगन क देत अहउँ जेनसे तू घिना करइ लागिउ रही
29अउर उ पचे देखइहीं कि उ पचे तोहसे केतनी घिना करत
हीं। उ पचे तोहार हर एक चीज लइ लेइहीं जउन तू कमाया
ह। उ पचे तोहका खाली अउ नंगा छोड़ देइहीं। लोग तोहरे
पापन्क स्पस्ट लखिहीं। उ पचे समुझिहीं कि तू एक रण्डी क
तरह बेउहार किहन अउर बुरे सपनन लखेन। **30**तू उ बुरे
करम तब किहा जब तू मोका ओन दूसर रास्ट्रन क पाछा
करइ बरे तजे रह्या। तू ओन बुरे करम तब किहा जब तू
ओनकर गन्दी देवमूरतियन क पूजा करब सुरू किहा। **31**तू
आपन बहिन क अनुसरण किहा अउर उहइ क तरह रहिउ।
एह बरे मइँ ओकर पियाला तोहार हाथ मँ दिहस। एह बरे तू
उहइ सज़ा झेलब जउन उ झेलत रहेन।" **32**मोर सुआमी
यहोवा इ कहेस,

"तू आपन बहिन क बिख क पियाला क पीबिउ। इ
बिख क पियाला लम्बा-चौड़ा अहइ। उ पिआले मँ बहोत
बिख आवत ह। लोग तोहे पइ हँसिहीं अउ व्यगं करिहीं।

33तू मदमस्त होइहीं अउर सोक स भरि जाइहीं। इ
पियाला बिनास अउ बिध्वंस क अहइ। इ उहइ पिआले क
तरह अहइ जेका तोहार बहिन पिएस।

34तू उहइ पिआले मँ बिख पीबिउ। तू ओकर आखिरी
बूँद तलक ओका पीबिउ। तू गिलासे क लोकउबिउ अउर
ओकर टूकन कइ डउबिउ। अउर तू पीरा स आपन छाती
विदीर्ण करबिउ। इ होइ काहेकि मइँ यहोवा अउ सुआमी
हउँ अउर मइँ उ सबइ बातन कहेउँ।

35"इ तरह, मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस,
'यरूसलेम, तू मोका बिसरि गया। तू मोका दूर लोकाया
अउर मोका पाछे छोड़ दिहा। एह बरे तोहका मोका तजइ
अउर रण्डी क तरह सजा भोगइ चाही। तोहका आपन दुट्ठ
सपनन बरे कस्ट जरूर पावइ चाही।'"

ओहोला अउ ओहोलीबा क खिलाफ निर्णय

36मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मनई क पूत, का तू
ओहोला अउर ओहोलीबा क निआउ करब्या? तब ओनका
ओन भयंकर बातन क बतावा जउन उ पचे किहेन। **37**उ
पचे बिभिचार क पाप किहन ह। उ पचे हत्तिया क अपराधी
अहइँ। उ पचे वेस्या क तरह काम किहन, उ पचे आपन
गन्दी देवमूरतियन क संग रहइ बरे मोका तजेन। उ पचे मोरे
बरे बच्चे पइदा किहेन किन्तु तउ उ पचे ओनका आगी मँ
होमबलि क रूप मँ चढ़ाएन। उ पचे आपन देवमूरतियन क
भोजन देइ बरे इ किहस। **38**उ पचे मोर बिस्राम क दिनन
अउर पवित्तर ठउरन क अइसे लिहन माना उ पचे महत्वपूर्ण
न होइँ। **39**उ पचे आपन भयंकर देवमूरतियन बरे आपन
बच्चन क बलि चढ़ाएन। अउर तब उ पचे मोरे पवित्तर ठउर
पइ गएन अउर ओका भी गन्दा बनाएन। उ पचे इ मोरे
मन्दिर क भीतर किहन।

40"उ पचे बहोत दूर क ठउरन स मनइयन क बोलाएन
ह। एन मनइयन क तू एक दूत पठया अउर उ सबइ लोग
तोहका लखइ आएन। तू ओनके बरे नहाइउ, आपन आँखिन
क सजाइउ अउर आपन गहनन क पहिरिउ। **41**तू सुन्नर
बिछउना पइ बइठिउ जेकरे समन्वा मेज धरी रही। तू मोर
सुगन्ध अउ मोरे तेल क इ मेजे पइ धरिउ।

42"यरूसलेम मँ सोर अइसा सुनाइ पड़त रहा माना दावत
उड़ावइवाले लोगन क होइ। दावत मँ बहोत लोग आएन। उ
पचे रेगिस्तान स बहोत सराबी लोगन क लइ आएन। उ पचे
मेहररूअन क बाजूबन्द अउ सुन्नर मुकुट देत रहेन। **43**तब
मइँ एक ठु मेहरारू स बातन किहेउँ, जउन बिभिचार स
ढीली होइ ग रही। मइँ ओहसे कहेउँ, 'का उ पचे ओकरे
संग बिभिचार करत रहि सकत हीं, अउर उ ओनके संग
करत रहि सकत ह?' **44**किन्तु उ पचे ओकरे लगे वइसे ही
जात रहेन जइसे उ पचे कउनो रण्डी क लगे जात रहे होइँ।
हाँ, उ पचे ओन दुट्ठ मेहररूअन ओहोला अउर ओहोलीबा
क लगे बार-बार गएन।

45"किन्तु अच्छे लोग ओनकर निआउ अपराधी क रूप
मँ करिहीं। उ पचे ओन मेहररूअन क निआउ बिभिचार
करइवालिन अउ हत्तियारिन क रूप मँ करिहीं। काहेकि
ओहोला अउ ओहोलीबा बिभिचार क काम किहेस ह अउर
उ रक्त स ओनकर हाथ अबहुँ भी रंगे अहइँ जेनका उ पचे
मार डाए रहेन।"

46मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस, "लोगन क
संग बटोरा। तब ओन लोगन क ओहोला अउर ओहोलीवा
क दण्ड देइ द्या। लोगन क इ समूह ओन दुइनउँ
मेहररूअन क दण्डित करी तथा एनकर मजाक उड़ाइ। **47**तब
उ समूह ओनका पाथर मारी अउर ओनका मारि डाइ। तब
उ समूह आपन तरवारन स मेहररूअन क टूकन करी। उ
सबइ मेहररूअन क बच्चन क मार डइहीं अउर ओनकर घर
बारि डइहीं। **48**इ तरह मइँ देस क लज्जा क धोउब अउर
सबहिं मेहररूअन क चितउनी दीन्ह जाइ कि उ पचे उ
लज्जाजनक करम न करइँ जउन तू किहा ह। **49**उ पचे
तोहका ओन दुट्ठ कामन बरे दण्डित करिहीं जउन तू पचे
किहा अउर तू पचन्क आपन गन्दी देवमूरतियन क पूजा बरे
दण्ड मिली। तब तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा अउर
सुआमी अहउँ।"

पात्र अउर माँस

24 मोर सुआमी यहोवा क वचन मोका मिला। इ
देस-निकारे क नवें क दसयें महीने क दसवाँ दिन

रहा। उ कहेस, 2“मनई क पूत, आजु क तारीख अउ इ टिप्पणी क लिखाः ‘आजु बाबुल क राजा क फउज यरूसलेम क घेरेस।’ 3इ कहानी उ परिवार स कहा जउन आग्या मानइ स इन्कार करइ। ओनसे इ सबइ बातन कहा। ‘मोर सुआमी यहोवा इ कहत हः

‘“पात्र क आगी पइ राखा, पात्र क रखा अउर ओहमा पानी डावा।

4ओहमाँ माँस क बोटिन डावा, हर नीक बोटिन क डावा, जाँघन अउ कंधन। पात्र क सर्वोत्तम हड्डियन स भरा।

5झुण्ड क सबस बढ़िया जनावर क उपयोग करा, पात्र क खाले ईंधन क ढेर लगावा, अउर माँस क बोटिन क पकावा। शोरबा क तब तलक पकावा जब तलक हड्डियन भी न पक जाइँ।’

6इ तरह मोर सुआमी यहोवा इ कहत हः ‘इ यरूसलेम बरे बुरा होइ। इ हत्तियारन स भरे नगर बरे बुरा होइ। यरूसलेम उ पात्र क तरह अहइ जेह पइ जंग क दाग होइँ, अउर उ सबइ दाग दूर न कीन्ह जाइ सकइँ। उ पात्र सुद्ध नाहीं अहइ, एह बरे माँस क हर एक बोटी, पात्र स बाहेर निकाला। उ माँस क खावइ बरे कउनो क जिन द्या। याजकन क उ बेकार माँस मँ स कउनो बोटी जिन चुनइ द्या।

7यरूसलेम एक जंग लगे पात्र क तरह अहइ, काहेकि हत्तियन क रकत हुवाँ अब तलक अहइ। उ रकत क खुली चट्टानन पइ डाएस ह। उ रकत क भुइँया पइ नाहीं डाएस अउर एका माटी स नाहीं ढँकिस।

8मइँ ओनकर रकत क खुली चट्टान पइ डावा। एह बरे उ ढका नाहीं जाइ। मइँ इ कहेउँ, जेहसे लोग क्रोधित होइँ, अउ ओका निरपराध लोगन क हत्तिया क दण्ड देइँ।’

9यह बरे मोर सुआमी यहोवा इ कहत हः ‘हत्यारन स भरे इ नगर क बुरा होइ। मइँ आगी बरे बहोत स काहे क ढेर बनाउब

10पात्र क खाले बहोत सा ईंधन डावा। आगी बारा। अच्छी तरह माँस क पकावा। मसाला मिलावा अउर हड्डियन क जरि जाइ द्या।

11तब पात्र क अंगारन पइ खाली छोड़ द्या। एका एतना तय जाइ द्या कि एकर दाग चमकइ लागइँ। सबइ दाग पिघल जाइ। अउर जंग जर जाइहीं।

12यररूसलेम आपन दागन क धोवइ क कठोर जतन कइ सकत ह। किन्तु उ जंग दूर नाहीं होइ। सिरिफ आगी उ जंग क दूर करी।

13तू मोरे खिलाफ पाप किहा अउर पाप स कलंकित भइउ। मइँ तोहका नहवाउब चाहेउँ अउर तोहका स्वच्छ करइ चाहेउँ। किन्तु दाग छुटेन नाहीं। मइँ तोहका फुन नहवावइ नाहीं चाहेउँ। जब तलक मोर तपत किरोध तोहरे बरे खतम नाहीं होत।

14“‘मइँ यहोवा हउँ। मइँ कहेउँ, तोहका सजा मिली, अउर मइँ एका दिआउब। मइँ सजा क रोकब नाहीं। मइँ तोहरे बरे दुःख क अनुभव नाहीं करब। मइँ तोहका ओन बुरे पापन्क क बरे सजा देब जउन तू किहा।” मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।

यहेजकेल क पत्नी क मउत

15तब यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 16“हे मनई क पूत, तू आपन पत्नी स बहोत पिरेम करत अहा किन्तु मइँ ओका तोहसे दूर करत हउँ। तोहार पत्नी एकाएक मरी। किन्तु तोहका आपन सोक परगट नाहीं करइ चाही। तोहका जोर स नाहीं रोवइ चाही। तोहका रोवइ नाहीं चाही अउर तोहार आँसू गिरि नाहीं चाही। 17किन्तु तोहका आपन सोक रूदन बहोत धीमा रखइ चाही। आपन मरी मेहरारू बरे जोर स न रोआ। तोहका साधारण रोज क ओढ़ना पहिरइ चाही। आपन पगड़ी अउ आपन जूता पहिरा। आपन सोक क परगट करइ बरे आपन मोंछन जिन ढाँका अउर उ भोजन जिन करा जउन अक्सर कउनो क मरे पइ लोग करत हीं।”

18अगले भिन्सारे मइँ लोगन क बताएउँ कि परमेस्सर का कहेस ह। उहइ साँझ मोर मेहरारू मरी। अगले भिन्सार मइँ उहइ किहेउँ जउन परमेस्सर आदेस दिहे रहा। 19तबई लोग मोहसे कहेन, “तू इ काम काहे करत अहा? एकर मतलब का अहइ?”

20मइँ ओनसे कहेउँ, “यहोवा क बचन मोका मिला। उ मोहसे, 21इस्राएल क परिवार क कहेस। मोर सुआमी यहोवा कहेस, ‘धियान द्या, मइँ आपन पवित्तर ठउर क बर्बाद करब। तू लोगन क ओह पइ गर्व अहइ अउर तू लोग ओकर तारीफ क गीत गावत अहा। तोहका उ ठउरे क लखइ क पिरेम अहइ। तू फुरइ उ ठउरे स पिरेम करत अहा। किन्तु मइँ उ ठउर क नस्ट करब अउर तोहरे पाछे छुटे भए तोहार गदेलन जुद्ध मँ मारा जइहीं। 22किन्तु तू उहइ करब्या जउन मइँ आपन मरी मेहरारू क बारे मँ किहेउँ ह। तू आपन सोक परगट करइ बरे आपन मोछँन नाहीं ढकब्या। तू उ भोजन नाहीं करब्या जउन लोग अक्सर कउनो क मरइ पइ खात हीं। 23तू आपन पगड़ियन अउर आपन जूतन पहिरब्या। तू आपन सोक नाहीं परगट करब्या। तू रोउब्या नाहीं। किन्तु तू आपन पाप क कारण बर्बाद होत रहब्या। तू चुपचाप आपन आहन एक दूसर क समन्वा भरब्या। 24एह बरे यहेजकेल एक उदाहरण अहइ। तू उहइ सब करब्या जउन इ किहेस। सजा क इ समइ आइ अउर तब तू जनब्या कि मइँ यहोवा अहउँ।’”

25“मनई क पूत, मइँ आपन सरणस्थल यरूसलेम क लोगन स लइ लेब। उ सुन्नर ठउर ओनका आनन्दित करत ह। ओनका उ ठउर लखइ क पिरेम अहइ। उ पचे फुरइ उ ठउर स पिरेम करत हीं। किन्तु उ समइ मइँ नगर अउर ओनकर गदेलन क ओन लोगन स लइ लेब। 26उहइ समइ बचइवाले लोगन मँ स एक यरूसलेम क बारे मँ बुरा सँदेसा लइके तोहरे लगे आइ। 27उ समइ तू उ मनई स बातन कइ सकब्या। तू अउर जियादा चुप नाहीं रहि सकब्या। इ तरह तू ओनके बरे उदाहरण बनब्या। तब उ पचे जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।”

अम्मोन क विरूद्ध भविस्सवाणी

25 यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 2“मनई क पूत, अम्मोन क लोगन क कइँती लखा अउर

मोरे बरे ओनके खिलाफ कछू बोला। 3अम्मोन क लोगन स
कहा, 'मोर सुआमी यहोवा क कथन सुना। मोर सुआमी
यहोवा कहत ह: तू तब खुस रह्या जब मोर पवित्तर ठउर
नस्ट भवा रहा। तू लोग तब इस्राएल देस क खिलाफ रह्या
जब इ दूसित भवा रहा। तू यहूदा क परिवार क खिलाफ
रह्या जब उ सबइ लोग बन्दी बनाइके लइ जावा गएन।
4एह बरे, मइँ तू पचन्क पूरब क लोगन क देब। उ पचे
तोहार सबन्क भुइँया लेइहीं। ओनकर फउजन तोहरे देस मँ
आपन डेरा डइहीं। उ पचे तोहरे पचन्क बीच रहिहीं। उ पचे
तोहार पचन्क फल खइहीं अउर तोहार पचन्क दूध पीइहीं।
5मइँ रब्बा अम्मोन नगर क ऊँटन बरे चिरागाह मँ बदल
देब अउर अम्मोन लोगन क देस भड़ियन क चिरागाह क
बनाउब। तब तू पचे समुझब्या कि मइँ यहोवा हउँ। 6यहोवा
इ कहत ह: तू पचे खुस रह्या कि यरूसलेम नस्ट भवा। तू
पचे तालियन बजाया अउर गोड़न पइ थिरक्या। तू पचे
इस्राएल प्रदेस क अपमानित करइवालन क मजाक किहा।
7एह बरे मइँ तू पचन्क दण्ड देब। तू पचे कइसी कीमती
चिजियन क तरह होब्या जेनका फउजी जुद्ध मँ पावत हीं।
तू पचे आपन उत्तराधिकार खोइ देब्या। तू पचे दूर देसन मँ
मरब्या। मइँ तोहरे पचन्क देस क नस्ट करब। तबइ तू पचे
जनब्या कि मइँ यहोवा अहउँ।'"

मोआब अउर सेइर क विरूद्ध भविस्सवाणी

8मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: "मोआब अउ सेईर
कहत हीं, 'यहूदा क परिवार ठीक कउनो दूसर रास्ट्र क
तरह अहइ।' 9मइँ मोआब क काँचे पइ प्रहार करब, मइँ
एकरे ओन नगरन क लेब जउन एकर सीमा पइ प्रदेस क
गौरव बेत्यसीमोत, बालमोन अउर कियर्तैम अहइँ। 10तब मइँ
एन नगरन क पूरब क लोगन क देब। उ पचे तोहार प्रदेस
लेइहीं अउर मइँ पूरब क लोगन क अम्मोन क नस्ट करइ
देब। तब हर एक मनई बिसरि जाई कि अम्मोन क लोग
एक रास्ट्र रहेन। 11इ तरह मइँ मोआब क दण्ड देब। तब उ
पचे जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।"

एदोम क विरूद्ध भविस्सवाणी

12मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "एदोम क लोग यहूदा
क परिवार क खिलाफ उठ खड़े भएन अउर ओहसे बदला
लेइ चाहेन। एदोम क लोग दोखी अहइँ।" 13एह बरे मोर
सुआमी यहोवा कहत ह: "मइँ एदोम क दण्ड देब। मइँ
एदोम क लोगन अउ जनावरन क नस्ट करब। मइँ एदोम क
पूरे देस क तेमान स ददान तलक नस्ट करब। एदोमी जुद्ध
मँ मारा जइहीं। 14मइँ आपन लोगन, इस्राएल क उपयोग
करब अउर एदोम क खिलाफ भी होब। इ तरह इस्राएल क
लोग मोरे किरोध क एदोम क लोगन क खिलाफ परगट
करिहीं। तब एदोम क लोग समुझिहीं कि मइँ ओनका दण्ड
दिहेउँ।" मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।

पलिस्तिनियन क खिलाफ भविस्सवाणी

15मोर सुआमी यहोवा इ कहेस, "पलिस्तिनियन भी बदला
लेइ क जतन किहन। उ पचे बहोत क्रूर रहेन। उ पचे आपन
किरोध क अपने भीतर बहोत जियादा समइ तलक जरत
रखेन।" 16एह बरे मोर सुआमी यहोवा कहेस, "मइँ पलिस्तिनियन
क दण्ड देब। हाँ, मइँ करेत स ओन लोगन क नस्ट करब।
मइँ समुद्र तट पइ रहइवाले ओन लोगन क पूरी तरह नस्ट
करब। 17मइँ ओन लोगन क दण्ड देब, मइँ ओनसे बदला
लेब। मइँ आपन किरोध क जरिये ओनका एक पाठ
सिखाउब तब उ पचे जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।"

सोर क बारे मँ दुखद खबर

26 देस-निकारे क गियारहवें बरिस मँ, महीना क
पहिला दिन, यहोवा क बचन मोका मिला। उ
कहेस, 2"मनई क पूत, सोर यरूसलेम क खिलाफ बुरी
बातन कहेस: 'आहा! लोगन क रच्छा करइवाला नगर-दुआर
नस्ट होइ गवा ह। नगर-दुआर मोरे बरे खुला ह। नगर नस्ट
होइ गवा ह, एह बरे मइँ एहसे बहोत स बहुमूल्य चिजियन
लइ सकत हउँ।'"
3एह बरे मोर सुआमी यहोवा कहत ह: "सोर, मइँ तोहरे
खिलाफ हउँ। मइँ तोहरे खिलाफ लड़इ बरे कइउ रास्ट्रन क
लिआउब। उ सबइ समुद्र तट क लहरन क तरह बार-बार
अइहीं।"
4परमेस्सर कहेस, "दुस्मन क उ सबइ फउजी सोर क
देवारन क नस्ट करिहीं अउर ओनके खम्भन क गिराइ
देइहीं। मइँ भी ओकर भुइँया स ऊपर क माटी क खुरच
देब। मइँ सोर क चट्टान मात्र बनाइ डाउब। 5सोर समुद्र क
किनारे मछरियन क जालन क फइलावइ क ठउर मात्र रहि
जाइ। मइँ इ कहि दिहे हउँ।" मोर सुआमी यहोवा कहत ह,
"सोर ओन बहुमूल्य वस्तुअन क तरह होइ जेनका फउजी
जुद्ध मँ पावत हीं। 6मुख्य भूइँया पइ सोर क चारिहुँ कइँती
क गाँव जुद्ध मँ तबाह कीन्ह जाइहीं। तब उ पचे जनिहीं
कि मइँ यहोवा हउँ।"

नबूकदनेस्सर सोर पइ हमला करी

7मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "मइँ सोर क खिलाफ
उत्तर स एक दुस्मन लिआउब। बाबुल क महान राजा
नबूकदनेस्सर दुस्मन अहइ। उ एक बिसाल फउज लिआइ।
ओहमाँ घोड़न, रथ, घोड़सवार फउजी, अउर बहोत जियादा
गिनती मँ दूसर फउजी होइहीं। उ सबइ फउजी विभिन्न
रास्ट्रन स होइहीं। 8नबूकदनेस्सर मूल-प्रदेस मँ तोहार बिटियन
(छोटे नगरन) क मारि डाइ। उ तोहरे नगरन पइ हमला
करइ बरे मीनारन बनाई। उ तोहरे नगर क चारिहुँ कइँती
कच्ची सड़क बनाई। उ एक कच्ची सड़क देवार तलक
पहोंचावइ वाली बनाइ। 9उ तोहार देवारन क तोड़इ बरे
लट्ठन लिआइ। उ कुदारियन क उपयोग करी अउर तोहार
मीनारन क तोड़ गिराइ। 10ओकर घोड़न एतनी बड़ी गिनती
मँ होइहीं कि ओकर टापन स उठी धूरि तोहका ढक लेइ।
तोहार देवारन घोड़सवार फउजियन, बन्द गाड़ियन अउ रथन
क आवाज स काँप उठी। जब बाबुल क राजा नगर-दुआर
स नगर मँ प्रवेस करी। हाँ, उ पचे तोहरे नगर मँ अइहीं
काहेकि एकर देवारन गिराई जइहीं। 11बाबुल क राजा तोहरे
नगर स घोड़ा पइ सवार होइके निकरी। ओकर घोड़न क

टाप तोहार सड़कन क कुचरत भइ आइ। उ तोहरे लोगन
क तरवार स मारि डाइ। तोहरे नगर क मजबूत खम्भे क
कतारन धरासाई होइहीं। **12**नबूकदनेस्सर क फउजी तोहार
सम्पत्ति लइ जइहीं। उ पचे ओन चिजियन क लइ जइहीं
जेनका तू बेचइ चाहत अहा। उ पचे तोहार देवारन क ध्वस्त
करिहीं अउर तोहार सुन्नर भवनन क नस्ट करिहीं। उ पचे
तोहार पाथरन अउ लकड़ियन क घरन क कूड़े क तरह
समुद्र मँ लोकाइ देइहीं। **13**इ तरह मइँ तोहार आनन्द गीतन
क स्वर क बन्द कइ देब। लोग तोहार वीणा क भविस्स मँ
नाहीं सुनिहीं। **14**मइँ तोहका नंगी चट्टान मात्र कइ देब। तू
समुद्दर क किनारे मछरियन क जालिन क फइलावइ क
ठउर रहि जाब्या। तोहार निर्माण फुन नाहीं होइ। काहेकि मइँ
यहोवा इ कहेउँ ह।" मोर सुआमी यहोवा उ सबइ बातन
कहेस।

दूसर रास्ट्र सोर क बरे रोइहीं

15मोर सुआमी यहोवा सोर स इ कहत ह: "भूमध्य सागर
क तट स लगे देस तोहरे पतन क आवाज स काँपि उठिहीं।
इ तब होइ जब तोहार लोग चोट खइहीं अउर मारा जइहीं।
16तब समुद्र तट क देसन क सबहिं प्रमुख आपन सिहांसने
स उतरिहीं अउर आपन दुख परगट करिहीं। उ पचे आपन
खास पोसाक उतरिहीं। उ पचे आपन सुन्नर वस्त्रन क
उतरिहीं। तब उ पचे आपन काँपइ क ओढ़ना पहिरिहीं। उ
पचे भुइँया पइ बइठिहीं अउर भय स काँपिहीं। उ पचे एह
पइ सोकग्रस्त होइहीं कि तू एतना जल्दी कइसे नस्ट होइ
गया। **17**उ पचे तोहरे बारे मँ इ करूण गीत गइहीं:

"'हे सोर, तू मसहूर नगर रह्या समुद्र पार स लोग तोह
पइ बसइ आएन। तू मसहूर रह्या, किन्तु अब तू कछू नाहीं
अहा। तू सागर पइ सक्तीसाली रह्या, अउर वइसे ही तोहमाँ
निवास करइवाले मनई रह्या। तू मुख्य भुइँया पइ रहइवाले
सबहिं लोगन क भयभीत किहा।

18अब जउने दिन तोहार पतन होत ह, समुद्र तट स लगे
देस भय स काँपित होइहीं। तू समुद्र तट क सहारे कइउ
उपनिवेस बनाया, अब उ सबइ लोग भयभीत होइहीं, जब
तू नाहीं रहब्या।'"

19मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "सोर, मइँ तोहका
नस्ट करब अउर तू एक पुराना नगर होइ जाब्या। हुवाँ
कउनो नाहीं रही। मइँ समुद्र क तोहरे ऊपर बहाउब। बिसाल
समुद्र तोहका ढकि लेइ। **20**मइँ तोहका खाले उ गहिर
अधोगर्त मँ पठउब, जउने जगह पइ मरे भए लोग अहइँ।
तू ओन लोगन स मिलब्या जउन बहोत पहिले मर चुकेन।
मइँ तोहका ओन सबहिं प्राचीन अउर खाली नगरन क तरह
पाताल लोक मँ पठउब। तू ओन सबहिं दूसर लोगन क
संग होब्या जउन कब्र मँ जात हीं। तोहरे संग तब कउनो
नाहीं रही। तू फुन कबहुँ जीवितन क पहँटा मँ नाहीं रहब्या।
21दूसर लोग ओहसे डेरइहीं जउन तोहरे संग भवा। तू खतम
होइ जाब्या। लोग तोहका हेरिहीं, किन्तु तोहका कबहुँ नाहीं
पइहीं।" मोर सुआमी यहोवा इहइ कहत ह।

सोर समुद्र पइ बियापार क महान केन्द्र

27 यहोवा क बचन मोका फुन मिला। उ कहेस,
2"मनई क पूत, सोर क बारे मँ इ करूण-गीत
गावा। **3**सोर क बारे मँ इ कहा:

"'तू समुद्र क दुआर अहा। तू अनेक रास्ट्रन बरे बियापारी
अहा, तू समुद्र तट क सहारे क अनेक देसन क जात्रा करत
अहा। मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह:

"'हे सोर तू सोचत अहा कि तू एतना जियादा सुन्नर
अहा। तू सोचत अहा कि तू पूरी तरह सुन्नर अहा!

4भूमध्य सागर तोहरे नगर क चारिहुँ ओर चउहद्दी
बनावत ह। तोहार निर्माता लोग तोहका पूरी तरह सुन्नर
बनाएन।

5तोहार निर्माता लोग, सनीर पर्वत स सनौवर क पेड़न क
उपयोग, तोहरे सबहिं पल्लन क बनावइ बरे किहन। उ पचे
लबानोन स देवदार क बृच्छन क उपयोग, तोहरे मस्तूल क
बनावइ बरे किहन।

6उ पचे बासान स ओक बृच्छ क उपयोग तोहरे पतवारन
क बनावइ बरे किहन। उ पचे सनौवर स चीड़ बृच्छ क
उपयोग, तोहरे जहाज क फर्स क कमरे बरे किहन, अउर
उ पचे इ निवास क हाथी-दाँत स सजाएन।

7तोहरे पाल बरे उ पचे मिस्र मँ बने रंगीन सूती ओढ़ना
क उपयोग किहन। पाल तोहार झंडा रहा। कमरे बरे तोहार
पर्दा नीले अउ बैंगनी रहेन। उ एलीसा क समुद्र तट स
आवत रहेन।

8सीदोन अउ अर्वद क मनईयन तोहरे बरे तोहरी नावन क
खेएन। सोर तोहार बुद्धिमान मनई तोहरे जहाजन क चालक
रहेन।

9गबल क अग्रज प्रमुख अउर बुद्धिमान मनई जहाज क
तखतन क बीच कल्किन लगावइ मँ मदद बरे जहाजे पइ
रहेन। समुद्र क सारे जहाज अउर ओनकर चालक तोहरे संग
बियापार अउर वाणिज्य करइ आवत रहेन।'

10"फारस, लूद अउर पूत क मनईयन तोहरी फउज मँ
रहेन। उ पचे तोहरे जुद्ध क फउजी रहेन। उ पचे आपन
ढालन अउ मूँड़े क कवच तोहरी देवारन पइ लटकाए रहेन।
उ पचे तोहरे नगर बरे सम्मान अउ जस कमाएन। **11**अर्वद
क मनईयन तोहरे नगर क चारिहुँ ओर क देवार पइ रच्छक
क रूप मँ खड़े रहेन। गम्मत क मनई तोहार मीनारन मँ
रहेन। उ पचे तोहरे नगर क चारिहुँ ओर क देवारन पइ
आपन ढालन टाँगेन। उ पचे तोहार सुन्नरता क पूर्ण किहन।

12"तर्सीस तोहरे सर्वोत्तम ग्राहकन मँ स एक रहा। उ पचे
तोहार सबहिं वस्तुअन क बदले सोना, चाँदी, लोहा, टीन
अउ सीसा देत रहेन। **13**यावान, तूबल, मेसेक अउ काले
सागर क चारिहुँ ओर क छेत्र क लोग तोहरे संग बियापार
करत रहेन। उ पचे तोहार बिक्रम चिजियन क बदले गुलाम
अउ काँसा देत रहेन। **14**तोगर्मा रास्ट्र क मनईयन घोड़न,
जुद्ध घोड़ा अउ खच्चर ओन चिजियन क बदले मँ देत रहेन
जेनका तू बेचत रह्या। **15**ददान क मनईयन तोहरे संग
बियापार करत रहेन। उ पचन्क तोहार चिजियन क आपन
जगहन प बेचत रह्या। लोग तोहका भुगतान करइ बरे
हाथी दाँत अउर आबनूस क लकड़ी लिआवत रहेन। **16**एदोम

तोहरे संग बियापार करत रहा काहेकि तोहरे लगे बहोत स अच्छी चिजियन रहिन। एदोम क लोग नीलमणि, बैंगनी कपड़ा, बारीक कढ़ाई क काम, बारीक सूती, मूँगा अउर लाल तोहार बिक्रय क चिजियन क बदले देत रहेन।

17"यहूदा अउर इस्राएल क मनईयन तोहारे संग बियापार
किहस। उ पचे तोहार बिक्रय चिजियन क बरे भुगतान मँ
गोहूँ, जैतून, अगाती, अंजीर सहद तेल अउर मरहम दिहेस।
18दमिस्क एक ठु नीक गाहक रहा। उ पचे तोहरे लगे क
अद्भूत चिजियन बरे बियापार करत रहेन अउर ओन
चिजियन बरे हेलबोन के दाखरस अउर सफेद ऊन देत रहेन।
19ऊजल स वादान अउर यूनानी लोग तोहार माल खरीदेस।
ओन चिजियन क भुगतान मँ लोहा, तैजपात, सुगन्धी अउर
गन्ना देत ह। 20ददान अच्छा बइपार करत रहेन। उ पचे
तोहार संग घोड़सवारी बरे जीन (काठी) क ओढ़ना क
बइपार करत रहेन। 21अरब अउर केदार क सबहिं प्रमुख
मेमनन, भेड़ी अउर बोकरियन तोहार बिक्रय कीन्ह गइ
वस्तुअन देत रहेन। 22सबा अउ रामा क बइपारी तोहरे संग
बइपार करत रहेन। उ पचे सर्वोत्तम मसालन हर तरह क
रतन अउर सोना तोहार विक्रय क चिजियन बरे देत रहेन।
23हारान, कन्ने, एदेन तथा सबा, अस्सूर, कलमद क
बइपारी तोहरे संग बियापार करत रहेन। 24उ पचे सर्वोत्तम
कपड़न, बारीक कढ़े भए अउ नीले ओढ़ना, रंग बिरंग
कालीन, अच्छी बटी रस्सियन अउर देवदार क लकड़ी स
बने सामान भुगतान मँ दिहन। इ सबइ उ सबइ चिजियन
रहिन जेनसे उ पचे तोहरे संग बइपार किहन। 25तर्सीस क
जहाज ओन चिजियन क लइ जात रहेन जेनका तू बेचत
रह्या।

"एह बरे सोर, तू ओन बइपारी बेड़न मँ स एक क तरह अहा, तू समुद्र पइ बहुमूल्य वस्तुअन स लदे भरा अहा।

26उ सबइ मनई जउन तोहार नावन क खेवत रहेन।
तोहका बिसाल अउर सक्तीसाली समुद्रन क पार लइ गएन।
किन्तु सक्तीसाली पुरवइया तोहरे जहाजन क समुद्र मँ नस्ट
करी।

27अउर तोहार सारी सम्पत्ति समुद्र मँ बूड़ि जाइ। तोहार
सम्पत्ति, तोहार बइपार, अउर बिक्रय चिजियन, तोहार मल्लाह
अउर तोहार चालक, तोहार मनई जउन, तोहरे जहाजे पइ
तख्तन क बीच मँ कल्किन लगावत हीं, तोहार मल्लाह
अउर तोहरे नगर क सबहिं फउजी अउर तोहार मल्लाह सारे
समुद्दर मँ बूड़ जई। इ उहइ दिन होइ जउने दिन तू नस्ट
होब्या।

28तोहार आपन बइपारियन क बहोत दूर क ठउरन मँ
पठएस। उ सबइ ठउर भय स काँपि उठिहीं, जब उ पचे
तोहरे चालकन क चिल्लाव सुनिहीं।

29तोहार सारे नाविक जहाजे स कूदिहीं। मल्लाह अउ
चालक जहाज स कूदिहीं, अउर तट पइ तैर अइहीं।

30उ पचे तोहरे बारे मँ बहोत दुःखी होइहीं। उ पचे रोइ
पड़िहीं। उ पचे आपन मूँड़न पइ धूरि डइहीं। उ पचे राखी मँ
लोटिहीं।

31उ पचे तोहरे बरे मूड़ पइ उस्तरा फिरइहीं। उ पचे सोक
ओढ़ना पहिरहीं। उ पचे तोहरे बरे रोएन-चिल्लिइहीं। उ पचे
कउनो अइसे रोवत भए क समान होइहीं, जउन कउनो क
मरइ पइ रोवत ह।

32"उ पचे आपन फूट-फूट क रोवइ क समइ तोहरे बारे
मँ इ सोक-गीत गइहीं अउर रोइहीं:

"'कउनो सोर क तरह नाहीं अहइ। सोर नस्ट कइ दीन्ह
गवा, समुद्र क बीच मँ। 33तोहार बइपारी समुद्रन क पार
गएन। तू बहोत सारे रास्ट्रन क आपन बियोल सम्पत्ति अउर
आपन माल स सन्तुट्ठ किहा। तू भुइँया क राजा लोगन क
धनी बनाएस। 34मुला अब तू समुद्दरन क जरिये टूटा अहा
अउर गहिर जल क जरिये भी। सबहिं चिजियन जउन तू
बेचत अहा, अउर तोहार सबहिं मनई नस्ट होइ चुका अहइँ।
35समुद्र तट क निवासी सबहिं मनई तोहरे बरे दुःखे मँ बूड़ा
अहइँ। ओनकर राजा भयानक रूप स डेरान अहइँ। ओनकर
चेहरा स सोक झाँकत अहइ। 36दूसर रास्ट्रन क बइपारी तोह
पइ सुसकारत हीं। जउन घटनन तोहरे साथ घटिन, लोगन
क भयभीत करिहीं। काहेकि तू अब खतम होइ गवा अहा।
तू भविस्स मँ नाहीं रहब्या।'"

सोर सोचत ह, उ परमेस्सर ह

28 यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 2"हे
मनई क पूत, सोर क राजा स कहा। 'मोर सुआमी
यहोवा इ कहत ह:

"'तू आपन बरे बहोत उच्च सोचत ह अउर तू कहत अहा, "मइँ परमेस्सर अहउँ! मइँ समुद्र क मध्य मँ देवतन क आसन पइ बइठन हउँ।"

किन्तु तू मनई अहा, परमेस्सर नाहीं। तू सिरिफ सोचत अहा कि तू परमेस्सर अहा।

3तू सोचत अहा तू दानिय्येल स बुद्धिमान अहा। तू
समुझत अहा कि तू सारे रहस्यन क जानि लेब्या।

4आपन बुद्धि अउ आपन समुझ स। तू सम्पत्ति खुद
कमाया ह अउर तू आपन कोसागार मँ सोना चाँदी राख्या
ह।

5आपन तीब्र बुद्धि अउ बइपार स तू आपन सम्पत्ति
बढ़ाया ह, अउर अब तू उ सम्पत्ति क कारण गर्वीला अहा।

6एह बरे मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: सोर, तू सोच्या
तू परमेस्सर क तरह अहा।

7मइँ अजनबियन क तोहरे खिलाफ लड़इ बरे लिआउब।
उ पचे रास्ट्रन मँ बड़े भयंकर अहइँ। उ पचे आपन तरवारन
बाहेर खिंचिहीं अउर ओन सुन्नर चिजियन क खिलाफ
चलइहीं जेनका तोहार बुद्धि कमाएस। उ पचे तोहरे गौरव
क मटियामेट करिहीं।

8उ पचे तोहका गिराइके कब्र मँ पहोंचइही। तू उ
मल्लाह क तरह होब्या जउन समुद्र मँ मरा।

9उ मनई तोहका मारि डाइ। का अब भी तू कहब्या,
"मइँ परमेस्सर हउँ?" उ समइ उ तोहका अपने अधिकार मँ
करी। तू समुझ जाब्या कि तू मनई अहा, परमेस्सर नाहीं।

10तू अजनबियन क हाथ बिदेसियन क जइसा मारि डावइ
जाइहीं। इ घटनन होइहीं काहेकि मोरे लगे आदेस-सक्ती
अहइ।'" मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

11यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 12“मनई क पूत, सोर क राजा क बारे मँ करूण गीत गावा। ओहसे कहा, ‘मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह:

“‘तू सम्पूर्णता क आर्दस रहेन। तू बुद्धिमानी स परिपूर्ण रह्या, तू पूरी तरह सुन्नर रह्या,

13तू परमेस्सर क बगीचा एदेन मँ रह्या। तोहरे लगे हर एक बहुमूल्य रतन रहेन जइसे: लाल, पुखराज, हीरा, फिरोजा, गोमेद, जस्पर नीलम, हरितमणि अउ नीलमणि। अउर इ सबइ हर एक रतन सोने मँ जुड़ा रहेन। तोहका इ सुन्नरता प्रदान कीन्ह गइ रही जउने दिन तोहार जनम भवा रहा। परमेस्सर तोहका सक्तीसाली बनाएस।

14तू चुने भए करूब सरगदूत रह्या। तोहार पखना मोरे सिंहासने पइ फइला रहेन अउर मइँ तोहका परमेस्सर क पवित्तर पर्वत पइ धरेउँ। तू ओन रत्नन क बीच चल्या जउन आगी क तरह कौंधत रहेन।

15तू नीक अउ ईमानदार रह्या जब मइँ तोहका बनाएउँ। किन्तु एकरे पाछे तू बुरे बन गया।

16तोहार बइपार तोहरे लगे बहोत सम्पत्ति लिआवत रहा। किन्तु उ भी तोहरे भीतर क्रूरपन पइदा किहेस अउर तू पाप किहा। एह बरे मइँ तोहरे संग अइसा बेउहार किहेउँ माना तू गन्दी चीज ह्वा। मइँ तोहका परमेस्सर क पर्वत स लोकाइ दिहेउँ। तू खास करूब सरगदूतन मँ स एक रह्या, तोहार पखना फइला रहेन मोरे सिंहासने पइ किन्तु मइँ तोहका आगी क तरह कौंधइवाले रतनन क तजइ क मजबूर किहेउँ।

17तू आपन सुन्नरता क कारण घमण्डी होइ गया, तोहार गौरव तोहार बुद्धिमानी क नस्ट किहेउ, एह बरे मइँ तोहका धरती पइ लिआइ लोकाएउँ, अउर अब दूसर राजा तोहका आँखिन फाड़िके लखत हीं।

18तू अनेक गलत काम किहा, तू बहोत कपटी बइपारी रह्या। इ तरह तू पवित्तर ठउरन क अपवित्तर किहा, एह बरे मइँ तोहरे ही भीतर आगी लिआएउँ, इ तोहका जराइ दिहस, तू भुइँया पइ राखी होइ गया। अब हर कउनो तोहार लज्जा लखि सकत ह।

19अन्य रास्ट्रन मँ सबहिं लोग, जउन तोह पइ घटित भवा, ओकरे बारे मँ दु:खी भए रहेन। जउन तोहका भवा, उ लोगन क भयभीत करी। तू खतम होइ गवा अहा।’”

सीदोन क खिलाफ सँदेसा

20यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 21“मनई क पूत, सीदोन पइ धियान द्या अउर मोरे बरे उ ठउरे क बिरूद्ध कछू कहा। 22कहा, ‘मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: सीदोन, मइँ तोहारे खिलाफ हइँ! तोहरे लोग मोरे सम्मान करब सिखिहीं, मइँ तोहार सीदोन क सजा देब, तब लोग समुझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ। तब उ पचे समुझिहीं कि मइँ पवित्तर हउँ।

23मइँ सीदोन मँ रोग अउर मउत पठउब, ओकरे नगर मँ मउत उ समइ आइ जब मइँ ओकरे खिलाफ चारिहुँ कइँती स तरवार लिआउब। तब उ पचे समुझिहीं कि मइँ यहोवा अहउँ।’”

रास्ट्र इस्राएल क मजाक उड़ाउब बन्द करिहीं

24“‘पुराने जमाने मँ इस्राएल क चारिहुँ ओर क देस ओहसे घिना करत रहेन। किन्तु उ दूसर देसन क बरे बुरी घटनन घटिहीं। कउनो भी तेज काँटन या कँटेहरी झाड़ी इस्राएल क परिवार क घाएल करइवाली नाहीं रहि जाइ। तब उ पचे जानिहीं कि मइँ ओनकर सुआमी यहोवा हउँ।’”

25मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, “मइँ इस्राएल क लोगन क अन्य रास्ट्रन मँ बिखेर दिहेउँ। किन्तु मइँ फुन इस्राएल क परिवार क एक संग बटोरब। तब उ सबइ रास्ट्र समुझिहीं कि मइँ पवित्तर हउँ। उ समइ इस्राएल क लोग आपन देस मँ रहिहीं अर्थात जउने देस क मइँ आपन सेवक याकूब क दिहेउँ। 26उ पचे उ देस मँ सुरच्छित रहिहीं। उ पचे घर कइहीं अउर अंगूरे क बेलन लगइहीं। मइँ ओकरे चारिहुँ ओर क रास्ट्रन क दण्ड देब जउन ओहसे घिना किहन। तब इस्राएल क लोग सुरच्छित रहिहीं। तब उ पचे समुझिहीं कि मइँ ओनकर परमेस्सर यहोवा हउँ।”

मिस्र क बिरूद्ध सँदेसा

29 देस निकारे क दसएँ बरिस क दसएँ महीने क बारहवें दिन मोर सुआमी यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 2“मनई क पूत, मिस्र क राजा फिरौन कइँती धियान द्या, मोरे बरे ओकर तथा मिस्र क बिरूद्ध कछू कहा। 3कहा, ‘मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह:

“‘हे मिस्र क राजा फिरौन, मइँ तोहरे खिलाफ हउँ। तू नील-नदी क किनारे विस्राम करत भए बिसाल मगरमच्छ अहा। तू कहत रह्या, “इ मोर नदी अहइ। मइँ इ नदी बनाएउँ ह।”

4किन्तु मइँ तोहरे जबड़न मँ हुक डालउब। नील नदी क मछरियन तोहरी चमड़ी स चिपक जइहीं। मइँ तोहका तोहार मछरियन क तोहरी नदियन स बाहेर कइके झुरान भुइँया पइ लोकाइ देब,

5तू धरती पइ गिरब्या, अउर कउनो न तोहका उठाई, न ही दफनाई। मइँ तोहका जंगली जनावरन अउ पंछियन क देब, तू ओनकर भोजन बनब्या।

6तब मिस्र मँ रहइवाले सबहिं लोग जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ। मइँ एन कामन क काहे करब? काहेकि इस्राएल क लोग सहारे बरे मिस्र पइ भरोसा किहस। किन्तु मिस्र सिरिफ दुर्बल घास क तिनका निकरा।

7इस्राएल क लोग सहारे बरे मिस्र पइ आस्रित रहेन अउर मिस्र सिरिफ ओनके हाथन अउ काँधन क छेद किहेस। उ पचे सहारे बरे तोह पइ आस्रित रहेन। किन्तु तू ओनकर पीठ क तोड़्या अउर मरोड़ दिहा।’”

8एह बरे मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: “मइँ तोहरे खिलाफ तरवार लिआउब। मइँ तोहरे सबहिं लोगन अउर जनावरन क नस्ट करब।

9मिस्र खाली अउ नस्ट होइ जाई। तब उ पचे समुझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।”

परमेस्सर कहेस, “मइँ उ सबइ काम काहे करब? काहेकि तू कह्या, ‘इ मोर नदी अहइ। मइँ इ नदी क बनाएउँ।’ 10एह बरे मइँ तोहरे विरूद्ध हउँ। मइँ तोहार नील नदी

कइउ साखन क विरूद्ध हउँ। मइँ मिस्र क पूरी तरह नस्ट
करब। मिग्दोल स सवेन तलक तथा जहाँ तलक कूस क
सीमा अहइ, हुवाँ तलक नगर खाली होइहीं। **11**कउनो मनई
या जनावर मिस्र स नाहीं गुजरी। कउनो मनई या जनावर
मिस्र मँ चालीस बरिस तलक नाहीं रही। **12**मइँ मिस्र देस क
उजाड़ कइ देब अउर ओकर नगर चालीस बरिस तलक
उजाड़ रहिहीं। मइँ मिस्रियन क रास्ट्रन मँ बिखेर देब। मइँ
ओनका बिदेस मँ बसाइ देब।"

13मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "मइँ मिस्र क लोगन
क कइउ रास्ट्रन मँ बिखेरब। किन्तु चालीस बरिस क अन्त
मँ फिर मइँ ओन लोगन क एक संग बटोरब। **14**मइँ मिस्र
क बंदियन क वापस लिआउब। मइँ मिस्रियन क पत्रास क
प्रदेस मँ, जहाँ उ पचे पइदा भए रहेन, वापस लिआउब।
किन्तु ओनकर राज्ज महत्वपूर्ण नाहीं होइ। **15**इ सबस कम
महत्वपूर्ण राज्ज होइ। मइँ एका फुन दूसर रास्ट्रन स ऊपर
कबहुँ नाहीं उठाउब। मइँ ओनका एतना घोटका कइ देब
कि उ पचे रास्ट्रन पइ सासन नाहीं कइ सकिहीं। **16**अउर
इस्राएल क परिवार फुन कबहुँ मिस्र पइ आस्रित नाहीं रही।
इस्राएली आपन पापन क याद रखिहीं। उ पचे याद रखिहीं
कि उ पचे मदद बरे मिस्र कइँती मुड़ेन, परमेस्सर कइँती नाहीं
अउर उ पचे समुझिहीं कि मइँ यहोवा अउ सुआमी अहउँ।"

बाबुल मिस्र क लेइ

17देस निकारे क सत्ताइसवें बरिस क पहिले महीने क
पहिले दिन यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस,
18"मनई क पूत, बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर सोर क
खिलाफ आपन फउज क भीसण जुद्ध मँ लगाएस। उ पचे
हर एक फउजी क बार कटवाइ दिहेन। भारी वजन ढोवइ
क कारण हर एक कंधा रगड़ स नंगा होइ गवा।
नबूकदनेस्सर अउर ओकर फउज सोर क हरावइ बरे कठिन
जतन किहस। किन्तु उ पचे ओन कठिन जतनन स कछू
पाइ न सकेन।" **19**एह बरे मोर सुआमी यहोवा कहत ह,
"मइँ बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर क मिस्र देस देब अउर
नबूकदनेस्सर मिस्र क लोगन क लइ जाइ। नबूकदनेस्सर
मिस्र क कीमती चिजियन क लइ जाइ। इ नबूकदनेस्सर क
फउज क मजदूरी होइ। **20**मइँ नबूकदनेस्सर क मिस्र देस
ओकर कठिन जतन के पुरस्कार क रूप मँ दिहेउँ ह।
काहेकि उ पचे मोरे बरे काम किहन।" मोर सुआमी यहोवा
इ कहेस। **21**"उ दिन मइँ इस्राएल क परिवार क सक्तीसाली
बनाउब अउर मइँ तोहका ओन लोगन क बीच मँ बोलइ क
अवसर देब। तब उ पचे जानिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।"

बाबुल क सेना मिस्र पइ हमला करी

30 यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, **2**"मनई
क पूत, मोरे बरे कछू कहा। कहा, 'मोर सुआमी
यहोवा इ कहत ह:

"'रोआ अउर कहा, "उ भयंकर दिन आवत अहइ।"
3उ दिन समीप अहइ। हाँ, निआउ करइ क यहोवा क
दिन समीप अहइ। इ एक दुर्दिन होइ। इ रास्ट्रन क संग
निआउ करइ क समइ होइ।
4मिस्र क विरूद्ध तरवार आइ। कूस क लोग भय स
काँपि उठिहीं, जउने समइ मिस्र क पतन होइ। बाबुल क
सेना मिस्र क लोगन क बन्दी बनाइके लइ जाइ। मिस्र क
नींब उखड़ि जाइ।
5अनेक लोग मिस्र स सान्ति-सन्धि किहेन। किन्तु कूस,
पूत, लूद, समस्त अरब अउर लिबया नस्ट होइहीं।
6मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: "हाँ, जउन लोग मिस्र
क मदद करत हीं मिस्र क पतन होइ। ओकर सक्ती क
घमण्ड खतम होइ। मिस्र क लोग मिग्दोल स लइके सवेन
तलक जुद्ध मँ मारा जइहीं।" मोर सुआमी यहोवा उ सबइ
बातन कहेस।
7मिस्र ओन देसन मँ मिलि जाइ जउन नस्ट कइ दीन्ह
गएन। मिस्र ओन खाली देसन मँ स एक होइ।
8मइँ मिस्र मँ आगी लगाउब अउर ओकर सबहिं
सहायक नस्ट होइ जइहीं। तब उ पचे जानिहीं कि मइँ
यहोवा हउँ!
9उ समइ मँ दूतन क पठउब। उ पचे जहाजन मँ कूस
क बुरी खबरन पहोंचावइ बरे जइहीं। कूस अब आपन क
सुरच्छित समुझत ह। किन्तु कूस क लोग भय स तब काँपि
उठिहीं जब मिस्र दण्डित होइ। उ समइ आवत अहइ।'"
10मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: "मइँ बाबुल क राजा
नबूकदनेस्सर क उपयोग करब अउर मइँ मिस्र क लोगन क
नस्ट करब।
11नबूकदनेस्सर अउर ओकर लोग रास्ट्रन मँ सब स
जियादा भयंकर अहइँ। मइँ ओनका मिस्र क नस्ट करइ बरे
लिआउब। उ पचे मिस्र क विरूद्ध आपन तरवारन निकरिहीं।
उ पचे पहँटा क ल्हासन स पाट देइहीं।
12मइँ नील नदी क झुरान भुइँया बनाइ देब। तब मइँ
झुरान भुइँया क बुरे लोगन क बेच देब। मइँ अजनबियन क
उपयोग उ देस क खाली करइ बरे करब। मइँ यहोवा, इ
कहेउँ ह।"

मिस्र क देवमूरतियन नस्ट कीन्ह जइहीं

13मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: "मइँ मिस्र मँ
देवमूतरियन क नस्ट करब। मइँ मूरतियन क नोप स बाहेर
करब। मिस्र देस मँ कउनो भी प्रमुख भविस्स बरे नाहीं होइ,
अउर मिस्र मँ भय भर देब।
14मइँ पत्रोस क खाली कराइ देब। मइँ सोअन मँ आगी
लगाइ देब। मइँ "नो" क दण्ड देब।
15अउर मइँ सीन नाउँ क मिस्र क किले क विरूद्ध
आपन किरोध क बर्खा करब! मइँ "नो" क लोगन क नस्ट
करब।
16मइँ मिस्र मँ आगी लगाउब। सीन नाउँ क सहर डर स
काँपिहीं, नो नगर मँ दुस्मन टूटि पड़िहीं अउर मेम्फिस पइ
दिना क समइ हमला कीन्ह जाब्या।
17आवेत अउ पीवेसेत क युवक जुद्ध मँ मारा जइहीं
अउर मेहररूअन धरी जइहीं अउर लइ जाई जइहीं।
18तहपन्हेस क इ काला दिन होइ, जब मइँ मिस्र क
अधिकार क खतम करब मिस्र क गर्वीली सक्ती खतम

होइ। मिस्र क दुर्दिन ढक लेइ अउर ओकर बिटियन धरी
अउ लइ जाइ जइहीं।
19इ तरह मइँ मिस्र क दण्ड देब। तब उ पचे जनिहीं कि
मइँ यहोवा हउँ।'"

मिस्र सदा बरे दुर्बल होइ

20देस निकारे क गियारहवें बरिस मँ पहिले महीने क
सतएँ दिन यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 21"मनई
क पूत, मइँ मिस्र क राजा फिरौन क भुजा तोड़ डाएउँ ह।
कउनो भी ओकर भुजा पइ पट्टी नाहीं लपेटी। ओकर घाव
नाहीं भरी। एह बरे ओकर भुजा तरवार धरइ जोग्य
सक्तीसाली नाहीं होइ।"
22मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "मइँ मिस्र क राजा
फिरौन क विरूद्ध हउँ। मइँ ओकर दुइनउँ भुजन, सक्तीसाली
भुजा अउर पहिले स टूटी भुजा क तोड़ डाउब। मइँ ओकर
हाथे स तरवार क गिराइ देब। 23मइँ मिस्रियन क रास्ट्र मँ
बिसेर देब। 24मइँ बाबुल क राजा क भुजन क सक्तीसाली
बनाउब। मइँ आपन तरवार ओकरे हाथे मँ देब। किन्तु मइँ
फिरौन क भुजा क तोड़ देब। तब फिरौन पीरा स चीखी,
राजा क चीख एक मरत भए मनई क चीख स होइ। 25एह
बरे मइँ बाबुल क राजा क भुजन क सक्तीसाली बनाउब,
किन्तु फिरौन क भुजन कटिके गिरिहीं। तब उ पचे जानिहीं
कि मइँ यहोवा हउँ।
"मइँ बाबुल क राजा क हाथन मँ तरवार देब। तउ उ
आपन तरवार क संग दाखिल होइहीं अउर मिस्र क ऊपर
तरवार चलाइहीं। 26मइँ मिस्रियन क रास्ट्रन मँ बिखेरब। तब
उ पचे समुझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।"

अस्सूर एक देवदार वृच्छ क तरह अहइ

31 देस निकारे क गियारहवें बरिस मँ तीसरे महीने क
पहिले दिन यहोवा क सँदेसा मोका मिला। उ
कहेस, 2"मनई क पूत, मिस्र क राजा फिरौन अउ ओकरे
लोगन स इ कहा:
"'तोहरी बड़कई मँ कउन तोहरे समान अहइ?
3मइँ तोहार तुलना लबानोन क देवदार क बृच्छ क संग
कइ सकत हउँ। एकर सुन्नर डारन अहइ जउन कि लगभग
पूरे वन क छाया देत ह। इ बहोत लम्बा अहइ। एकर
सिखर बादर भेदी अहइ।
4जल बृच्छ क उगावत रहा। गहिर नदियन बृच्छ क
ऊँचा करत रहिन। नदियन ओन ठउर क चारिहुँ कइँती बहत
रहिन, जहाँ बृच्छ लगा रहेन। केवल एकर धारन ही खेत क
दूसर बृच्छन तलक बहत रहिन।
5एह बरे खेते क सबहिं बृच्छन स ऊँच बृच्छ उहइ रहा
अउर इ कइउ साखन उगाइ राखी रहिन। हुवाँ काफी जल
रहा। एह बरे बृच्छ साखन बाहर फइली रहिन।
6बृच्छ क साखन मँ संसार क सबहिं पंछियन घोंसलन
बनाए रहेन। बृच्छ क साखन क नीचे खेत क सबहिं जनावर
बच्चन क जनम देत रहेन। सबहिं बड़े रास्ट्र उ बृच्छ क
छाया मँ रहत रहेन।
7एह बरे बृच्छ आपन बड़कइ अउर आपन लम्बी साखन
मँ सुन्नर रहा। काहेकि एकर जड़न यथेस्ट जले तलक
पहोंची रहिन।
8परमेस्सर क बगीचा क देवदारू बृच्छ भी, ओतने बड़े
नाहीं रहेन जेतना इ बृच्छ। सनौवर क बृच्छ ऍतना जियादा
साखन नाहीं रखतेन, चिनार बृच्छ भी अइसी साखन नाहीं
रखतेन, परमेससर क बगीचे क कउनो भी बृच्छ, एतना
सुन्नर नाहीं रहा जेतना इ बृच्छ।
9मइँ अनेक साखन सहित इ बृच्छ क सुन्नर बनाएउँ
अउर परमेस्सर क बगीचा अदन क सबहिं बृच्छ एहसे जलन
रखत रहेन।'"
10एह बरे मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "बृच्छ ऊँच
होइ गवा ह। इ आपन सिखरन क बादरन मँ पहोंचाइ दिहस
ह। बृच्छ गर्वीला अहइ काहेकि इ ऊँच अहइ। 11एह बरे
मइँ एक सक्तीसाली राजा क इ बृच्छ क लेइ दिहेउँ। उ
सासक बृच्छ क ओकरे बुरे कामन बरे दण्ड दिहस। मइँ उ
बृच्छ क आपन उद्यान स बाहेर किहेउँ ह। 12अजनबी-
बहोत जियादा भयंकर रास्ट्रन एका काट डाएन अउर छोड़
दिहन। बृच्छ क साखन पर्वतन अउ सारी घाटी मँ गिरिन। उ
प्रदेस मँ बहइवाली नदियन मँ उ सबइ टूट अंग बहि गएन।
बृच्छ क खाले कउनो छाया नाहीं रहि गइ, एह बरे सबहिं
लोग ओका छोड़ दिहन। 13अब उ गिरे बृच्छ मँ पंछी रहत
हीं अउर एकर गिरी साखन पइ जंगली जनावर चलत हीं।
14"अब उ जल लगे कउनो भी, बृच्छ गर्वीला नाहीं
होइ। उ पचे बादरन तलक पहोंचइ नाहीं चहिहीं। कउनो भी
सक्तीसाली बृच्छ, जउन उ जल क पिअत ह, ऊँच होइ क
आपन तारीफ नाहीं करी। काहेकि ओन सबहिन क मउत क
सामना करइ क होइ। उ सबइ कब्र मँ जाइहीं।"
15मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "उ दिन जब तलक
बृच्छ सेओल क गवा मइँ लोगन स सोक मनवाएउँ। मइँ
गहिर जल क, ओकरे बरे, सोक स ढक दिहेउँ। मइँ बृच्छ
क नदियन क रोक दिहेउँ अउर बृच्छ बरे जल क बहब
रूक गवा। मइँ लबानोन स एकरे बरे सोक मनवाएउँ। खेते
क सबहिं बृच्छ क सोक स रोगी होइ गएन। 16मइँ बृच्छ
क गिराएउँ अउर बृच्छ क गिरइ क ध्वनि क डर स रास्ट्र
काँप उठेन। मइँ बृच्छ क मउत क ठउरे पइ पहोंचाएउँ। इ
खाले ओन लोगन क संग रहइ गवा जउन उ नरक मँ नीचे
गिरे भए रहेन। अतीत मँ एदेन क सबहिं बृच्छ अर्थात
लबानोन क सर्वोत्तम बृच्छ उ पानी क पिअत रहेन। ओन
सबहिं बृच्छ पाताल लोक मँ सान्ति प्राप्त किहेन। 17हाँ, उ
सबइ बृच्छ भी बड़के बृच्छ क संग मउत क जगह पइ
गएन। उ पचे ओन मनइयन क संग धरेन जउन जुद्ध मँ मर
गए रहेन। उ बड़का बृच्छ दूसर बृच्छन क सक्तीसाली
बनाएस। उ सबइ बृच्छ, रास्ट्रन मँ, उ बड़के बृच्छ क छाया
मँ रहत रहेन।
18"एक बरे मिस्र, एदेन मँ बहोत स बिसाल अउ
सक्तीसाली बृच्छ अहइ। ओनमाँ स एक बृच्छ क संग मइँ
तोहार तुलना करब। तू एदेन क बृच्छन क संग पाताल
लोक क जाब्या। मउत क जगह मँ तू ओन बिदेसियन अउ
जुद्ध मँ मारे गए मनइयन क साथ मँ ओलरब्या।

“हाँ, इ फिरौन अउ ओकर सबहिं लोगन क संग होइ।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ कहे रहा।

फिरौन एक सेर या दैत्य?

32 देस निकारे क बारहवें बरिस क बारहवें महीने क पहिले दिन यहोवा क बचन मोरे लगे आवा। उ कहेस, 2“मनई क पूत, मिस्र क राजा फिरौन क बारे मँ इ करूण गीत गावा। ओहसे कहा:

“‘रास्ट्रन मँ गर्व क संग टहरत भए ‘तू सोचे रह्या तू सक्तीसाली युवा सेर अहा। किन्तु फुरइ समुद्र क दैत्य जइसे अहा। तू नदी प्रवाह क ढकेल के राह बनावत अहा, अउर आपन गोड़न स जल क मटमैला करत अहा। तू मिस्र क नदियन क उद्वेलित करत अहा।’”

3मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: “मइँ बहोत स लोगन क एक संग बटोरेउँ ह। अब मइँ तोहरे ऊपर जालि फेंकब। तब उ सबइ लोग तोहका हींच लेइहीं।

4तब मइँ तोहका झुरान भुइँया पइ गिराइ देब। मइँ तोहका खेते मँ लोकाउब। मइँ सबहिं पंछियन क तोहका खाइके बोलावाउब। मइँ हर जगह स जंगली जनावरन क तोहका खाइ अउर पेट भरइ बरे बोलवाउब।

5मइँ तोहरे बदन क पर्वतन पइ बिखेरब। मइँ तोहरे ल्हास स घाटियन क भरि देब।

6मइँ तोहार रकत पर्वतन पइ डाउब अउर धरती एका सोखी। नदियन तोहसे भरि जइहीं।

7मइँ तोहका लुप्त कइ देब। मइँ नभ क ढक देब अउर नछत्रन क करिया कइ देब। मइँ सूरज क बादर स ढकि देब अउर चन्दा नाहीं चमकी।

8मइँ सबहिं चमकत जोतियन क नभ मँ तोहरे ऊपर काला बनाउब। मइँ तोहरे सारे देस मँ अँधेरा कइ देब।

9बहोत सारे रास्ट्र किरोधित होइहीं। जब उ पचे सुनिहीं कि तोहका नस्ट करइ बरे मइँ एक दुस्मन क लिआएउँ। रास्ट्र जेनका तू जानत भी नाहीं, तिलमिलाइ जइहीं। 10मइँ बहोत स लोगन क तोहार कारण विस्मित कइ देब। जब मइँ आपन तरवार ओन लोगन क समन्वा चलाउब तउ ओनकर राजा लोग तोहार कारण डर स काँपिहीं। जउने दिन तोहार पतन होइ उहइ दिन, हर एक छिन, राजा लोग भयभीत होइहीं। हर एक राजा आपन जिन्नगी बरे भयभीत होइ।”

11काहेकि मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह: “बाबुल क राजा क तरवार तोहरे विरूद्ध जुद्ध करइ आई। 12मइँ ओन फउजियन क उपयोग तोहरे लोगन क जुद्ध मँ मार डावइ मँ करब। उ सबइ फउजी रास्ट्रन मँ सबस भयंकर रास्ट्र आवत हीं। उ सबइ ओन चीजन क नस्ट कइ देइहीं ओनकर गर्व मिस्र अहइ। मिस्र क लोग नस्ट कइ दीन्ह जइहीं। 13मिस्र मँ नदियन क सहारे बहोत स जनावर अहइँ। मइँ एन जनावरन क भी नस्ट करब। लोग भविस्स मँ, आपन गोड़न स पानी क गंदा नाहीं करिहीं। गइयन क खुर भविस्स मँ पानी क मइला नाहीं करिहीं। 14इ तरह मइँ मिस्र मँ पानी क सान्त बनाउब। मइँ ओनकर नदियन क मन्द बहाउब उ सबइ तेल क तरह बहिहीं।” मोर सुआमी यहोवा इ सबइ कहेस, 15“मइँ मिस्र देस क खाली कइ देब। उ हर चीज स रहित होइ। मइँ मिस्र मँ रहइवाले सबहिं लोगन क दण्ड देब। तब उ पचे जनिहीं कि मइँ यहोवा अउर सुआमी हउँ।

16“इ एक करूणागीत अहइ जेका लोग मिस्र बरे गइहीं। दूसर रास्ट्रन मँ बिटियन मिस्र क बारे मँ इ करूण-गीत क गइही। उ पचे एका, मिस्र अउर ओकर सबहिं लोगन क बारे मँ करूण-गीत क रूप मँ गइहीं।” मोर सुआमी यहोवा इ कहे रहा।

मिस्र क नस्ट कीन्ह जाब

17देस निकारे क बारहवें बरिस मँ, उ महीने क पन्द्रहवें दिन, यहोवा क सँदेसा मोका मिला। उ कहेस, 18“मनई क पूत, मिस्र क लोगन बरे रोआ। मिस्र क सक्तीसाली रास्ट्रन ओन बिटियन क, संग पाताल तलक पहोंचावा। ओनका उ पाताल लोक मँ पहोंचावा जहाँ उ पचे ओन मनइयन क संग होइहीं जउन उ गड़ा मँ गएन।

19“मिस्र, तू कउनो दूसर स अच्छा नाहीं अहा। मउत क ठउरे पइ चले जा। जा अउर ओन बिदेसियन क संग लेटा।

20“मिस्र क ओन सबहि दूसर लोगन क संग रहइ क होइ जउन जुद्ध मँ मारे ग रहेन। दुस्मन ओका अउर ओकरे सबइ लोगन क घसीट लिहस ह।

21“मजबूत अउ सक्तीसाली मनई जुद्ध मँ मारे गएन। उ सबइ बिदेसी मउत क ठउर पइ गएन। उ ठउरे स उ सबइ लोग मिस्र अउ ओकरे सहायकन स बातन करिहीं। उ सबइ जउन जुद्ध मँ मारा ग रहेन।

22“अस्सूर अउ अउर ओकर सारी फउज हुवाँ मउत क ठउर पइ अहइ। ओनकर कब्रन खाले गहिर नरक मँ अहइँ। उ सबइ सबहिं अस्सूर क फउजी जुद्ध मँ मारा गएन। 23ओकर कब्रन ओकरी कब्र क चारिहुँ ओर अहइँ। जब उ पचे जिअत रहेन तब उ पचे लोगन का भय भीत करत रहेन। किन्तु अब उ पचे सबहिं पूर्ण सान्त अहइँ उ पचे सबहिं जुद्ध मँ मारा गएन।

24“एलाम हुआँ अहइ अउर एकर सारी फउज ओकर कब्र क चारिहुँ ओर अहइ। उ सबइ सबहिं जुद्ध मँ मारा गएन। उ पचे बिदेसी गहिर खाले धरती मँ गएन। जब उ पचे जिअत रहेन, उ सबइ लोगन क भयभीत करत रहेन। किन्तु उ पचे आपन लज्जा क अपने संग उ गहिर नरक मँ लइ गएन। 25उ पचे एलाम अउर ओकर फउजियन बरे, जउन जुद्ध मँ मारे गएन ह, बिछावन लगाइ दिहन ह। एलाम क सारी फउज ओकरी कब्र क चारिहुँ ओर अहइँ। इ सबइ सबहिं बिदेसी जुद्ध मँ मारा ग रहेन। जब उ पचे जिअत रहेन, उ पचे लोगन क डेरावत रहेन। किन्तु उ पचे लज्जा क आपन संग उ गहिर नरक मँ लइ गएन। उ पचे ओन सबहिं लोगन क संग रखे गएन, जउन मारे ग रहेन।

26“मेसेक, तूबल अउर ओनकर सारी फउजन हुवाँ अहइँ। ओनकर कब्रन एनके चारिहुँ ओर अहइँ। उ सबइ खतनाहीन मनइयन रहेन जउन जुद्ध मँ मारे गए रहेन। जब उ पचे जिअत रहेन तब उ पचे लोगन क भयभीत करत रहेन। 27किन्तु अब उ पचे सक्तीसाली मनइयन क संग

ओलरा अहइँ जउन बहोत पहिले मर चुके रहेन। उ पचे आपन जुद्ध क अस्त्र-सस्त्रन क संग दफनावा गाएन। ओनकर तरवारन ओनके मूँड़े क खाले रखी जइहीं। किन्तु ओनकर पाप ओनकर हड्डियन पइ अहइँ। काहेकि जब उ पचे जिअत रहेन, उ पचे लोगन क डेराए रहेन।

28"मिस्त्र, तू भी नस्ट होब्या। तू ओन बिदेसियन क संग ओलरब्या। तू ओन दूसर फउजियन क संग ओलरब्या जउन जुद्ध मँ मारे जाइ चुका अहइँ।

29"एदोम भी हुवँइ अहइ। ओकर राजा अउर दूसर प्रमुख ओनके संग हुवाँ रहेन। उ सबइ सक्तीसाली फउजी भी रहेन। किन्तु अब उ पचे ओन दूसर लोगन क संग ओलरा रहेन। जउन जुद्ध मँ मारे गए रहेन। उ पचे ओन विदेसियन क संग आलग रहेन। उ पचे ओन मनइयन क संग खाले नरक मँ चले गाएन।

30"उत्तर क सबहिं सासक हुवाँ अहइँ। हुवाँ सीदोन क सबहिं फउजी अहइँ। ओनकर सक्ती लोगन क डेरावत रही। किन्तु उ पचे अब लज्जित अहइँ। उ सबइ बिदेसी ओन दूसर मनइयन क संग ओलरा अहइँ जउन जुद्ध मँ मारे गए रहेन। उ पचे आपन लज्जा अपने संग उ गहिर नरक मँ लइ गाएन।

31"फिरौन ओन लोगन क लखी जउन मउत पइ गाएन ओकर सबइ सेना बरे ओका सान्तवना दीन्ह जाइ काहेकि फिरौन अउर ओनकर सारी सेना जंग मँ मारि जाइ।'" मोर सुआमी यहोवा इ कहे रहा।

32"जब फिरौन जिअत रहा तब मइँ लोगन क ओहसे भयभीत कराएस। किन्तु अब उ ओन बिदेसियन क संग ओलरी। फिरौन अउ ओकर फउज ओन दूसर फउजियन क संग ओलरी जउन जुद्ध मँ मारे गए रहेन।" मोर सुआमी यहोवा इ कहे रहा।

परमेस्सर यहेजकेल क इस्राएल क पहरेदार चुनत ह

33 यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, 2"मनई क पूत, आपन लोगन स बातन करा। ओनसे कहा, 'मइँ दुस्मन क फउजियन क उ देस क खिलाफ जुद्ध बरे लइ जाइ सकत हउँ। जब अइसा होइ तउ लोग एक मनई क पहरेदार क रूप मँ चुनिहीं। 3जदि पहरेदार दुस्मन क फउजियन क आवत देखत ह, तउ उ तुरही बजावत ह अउर लोगन क सावधान करत ह। 4जदि लोग उ चितउनी क सुनइँ किन्तु अनसुनी करइँ तउ दुस्मन ओनका धरी अउर ओनका बन्दी क रूप मँ लइ जाइ। उ मनई आपन मउत बरे खुद जिम्मेदार होइ। 5उ तुरही सुनेस, पर चितउनी अनसुनी किहेस। एह बरे आपन मउत बरे उ खुद दोखी अहइ। जदि उ चितउनी पइ धियान दिए होत तउ उ आपन जिन्नगी बचाइ लिए होत।

6'"किन्तु इ होइ सकत ह कि पहरेदार दुस्मन क फउजियन क आवत लखत ह, किन्तु तुरही नाहीं बजावत। उ पहरेदार लोगन क चितउनी नाहीं दिहस। दुस्मन ओनका धरी अउर ओनका बन्दी बनाइके लइ जाइ। उ मनई लइ जावा जाइ काहेकि उ पाप किहेस। किन्तु पहरेदार भी उ आदमी क मउत क जिम्मेदार होइ।'

7"अब, मनई क पूत, मइँ तोहका इस्राएल क परिवार क पहरेदार चुनत हउँ। जदि तू मोरे मुँह स कउनो सँदेसा सुना तउ तोहका मोरे बरे लोगन क चितउनी देइ चाही। 8मइँ तोहसे कहि सकत हउँ, 'इ पापी मनई मरी।' तब तोहका उ मनई क लगे जाइके मोरे बरे ओका चितउनी देइ चाही। जदि तू उ पापी मनई क चितउनी नाहीं देत्या अउर ओका आपन जिन्नगी बदलइ क नाहीं कहत्या, तउ उ पापी मनई मरी, काहेकि उ पाप किहेस। किन्तु मइँ तोहका ओकर मउत क जिम्मेदार बनाउब। 9किन्तु जदि तू उ बुरे मनई क आपन जिन्नगी बदलइ बरे अउर पाप तजइ बरे चितउनी देत अहा अउर जदि उ पाप करब तजइ स इन्कार करत ह तउ उ मरी काहेकि उ पाप किहेस, किन्तु तू आपन जिन्नगी बचाइ लिहा।"

परमेस्सर लोगन क नस्ट करइ नाहीं चाहत

10"एह बरे मनई क पूत, इस्राएल क परिवार स मोरे बरे कहा। उ सबइ लोग कह सकत हीं, 'हम लोग पाप किहा ह अउर नेमन क तोड़ा ह। हमार पाप हमरी सहनसक्ती क बाहर अहइँ। हम ओन पापन्क कारण मारा होत अही। हम जिअत रहइ बरे का कइ सकित ह।'

11"तोहका ओनसे कहइ चाही, 'मोर सुआमी यहोवा कहत ह: मइँ आपन जिन्नगी क किरिया खाइके बिस्सास दिआवत हउँ कि मइँ लोगन क मरत लखिके आनन्दित नाहीं होत हउँ, हिआँ तलक कि बुरे लोगन बरे भी नाहीं। मइँ नाहीं चाहत कि उ पचे मरइँ। मइँ चाहत हउँ कि उ बुरे लोग आपन जिन्नगी क बदलइँ जेहसे उ पचे जिअत रहि सकइँ। एह बरे बुरे काम करब तजा। इस्राएल क परिवार, तोहका मरब ही काहे चाही?'

12"मनई क पूत, आपन लोगन स कहा, 'जदि कउनो मनई पुराने समइ मँ पूण्य कर्म किहेस ह तउ ओहसे ओकर जिन्नगी नाहीं बचिहीं जदि उ अपराध पाप करब सुरू करइ। जदि कउनो मनई पुराने समइ मँ पाप किहेस, तउ उ नस्ट नाहीं कीन्ह जाइ, जदि उ पाप स दूर हटि जात ह। एह बरे याद राखा, एक मनई क जरिये पुराने समइ मँ कीन्ह गाए पुण्य कर्म ओकर रच्छा नाहीं करिहीं, जदि उ पाप करब सुरू करत ह।'

13"इ होइ सकत ह कि मइँ कउनो नीक मनई क बरे कहउँ कि उ जिअत रही। किन्तु इ होइ सकत ह कि उ नीक मनई इ सोचब सुरू करइ कि पुराने समइ मँ उसके जरिये कीन्ह गाए करम ओकर रच्छा करिहीं। एह बरे उ बुरे करम करब सुरू कइ सकत ह। किन्तु मइँ ओकर पुराने समइ क पुण्य क याद नाहीं राखब। नाहीं, उ ओन पापन्क कारण मरी जेनका उ करब सुरू करत ह।

14"या इ होइ सकत ह कि मइँ कउनो दुस्ट मनई क बरे कहउँ कि उ मरी। किन्तु उ आपन जिन्नगी क बदल सकत ह। उ पाप करब तजि सकत ह। उ नीक अउ उचित होइ सकत ह। 15उ उ गिरवी क चीज क लउटाइ सकत ह जेका उ रिण मँ मुद्रा देत समइ रखे रहा। उ ओन चिजियन क भुगतान कइ सकत ह जेनका उ चोराए रहा। उ ओन नेमन क पालन कइ सकत ह जउन जीवन देत हीं। उ बुरे

काम करब छोड़ देत ह। तब उ मनई निहचय इ ही जिअत
रही। उ मरी नाहीं। 16मइँ ओकरे पुराने समइ क पापन्क
याद नाहीं करब। काहेकि उ अब ठीक-ठाक रहत ह अउर
उचित बेउहार रखत ह। एह बरे उ जिअत रही।
17“किन्तु तोहार लोग कहत हीं, ‘इ उचित नाहीं अहइ।
यहोवा मोर सुआमी वइसा नाहीं होइ सकत।’
“परन्तु उ सबइ ही लोग अहइँ जउन उचित नाहीं अहइँ।
उ सबइ ही लोग अहइँ, जेनका बदलइ चाही। 18जदि नीक
मनई पुण्य करब बन्द कइ देत ह अउर पाप करब सुरू
करत ह तउ उ अपने पापन्क कारण मरी। 19अउर जदि
कउनो पापी पाप करब छोड़ देत ह अउर ठीक-ठाक तथा
उचित रहब सुरू करत ह तउ उ जिअत रही। 20किन्तु तू
लोग अब भी कहत अहा कि मइँ उचित नाहीं अहउँ।
किन्तु मइँ फुरइ कहित हउँ। इस्राएल क परिवार, हर एक
मनई क संग निआउ, उ जउन करत ह, ओकरे अनुसार
होइ।”

यरूसलेम पइ अधिकार कइ लीन्ह गवा

21देस निकारे क बारहवें बरिस मँ, दसएँ महीने क पँचएँ
दिन एक मनई मोर लगे यरूसलेम स आवा। उ हुवाँ क
जुद्ध स बच निकरा रहा। उ कहेस, “यरूसलेम पइ
अधिकार होइ गवा।” 22अइसा भवा कि जउने दिन उ मनई
मोरे लगे आवा ओकर पूर्व साँझ क, मोर सुआमी यहोवा
क सक्ती मोह पइ उतरी। परमेस्सर मोका जउने समइ उ
मनई मोरे लगे आवा स पहिले सुहब मँ बोलइ जोग्य
बनाएस यहोवा मोर मुँह खोल दिहे रहा अउर फुन स मोका
बोलइ दिहस। 23तब यहोवा क बचन मोका मिला। उ
कहेस, 24“मनई क पूत, इस्राएल क ध्वस्त नगरन मँ
इस्राएली लोग रहत अहइँ। उ सबइ लोग कहत अहइँ,
‘इब्राहीम केवल एक मनई क रहा अउर परमेस्सर ओका इ
सारी भुइँया दइ दिहस। अब हम अनेक लोग अही। एह बरे
निहचय ही इ भुँइया क हम लोग आपन विरासत क रूप मँ
हासिल करब।’
25“तोहका ओनसे कहइ चाही कि मोर सुआमी यहोवा इ
कहत ह, ‘तू लोग खून स सना माँस खात अहा। तू लोग
आपन देवमूरतियन स मदद क आसा करत अहा। तू लोगन
क मारि डावत अहा। एह बरे मइँ तू लोगन क इ भुइँया
काहे देउँ। 26तू पचे आपन तरवार पइ भरोसा करत अहा। तू
पचन्मँ स हर एक भयंकर पाप करत ह। तू पचन्मँ स हर
एक आपन पड़ोसी क पत्नी क संग बिभिचार करत ह। एह
बरे तू भुइँया पाइ नाहीं सकत्या।’
27“‘तू पचन्क कहइ चाही कि सुआमी यहोवा इइ कहत
ह, “मइँ आपन जिन्नगी क किरिया खाइके प्रतिग्या करत
हउँ, कि जउन लोग ओन ध्वस्त नगरन मँ रहत हीं, उ पचे
तरवार क घाट उतारे जइहीं। जदि कउनो उ देस स बाहेर
होइ तउ मइँ ओका जनावरन स मरवाउब अउर खिआउब।
जदि लोग किले अउर गुफन मँ छिपे होइहीं तउ पचे रोग
स मरिहीं। 28मइँ भुइँया क खाली अउर बर्बाद करब। उ
देस ओन सबहिं चिजियन क खोइ देइ जेन पइ ओका गर्व
रहा। इस्राएल क पर्वत खाली होइ जइहीं। उ ठउरे स
कउनो गुजरी नाहीं। 29ओन लोग अनेक भयंकर पाप किहेन
ह। एह बरे मइँ उ देस क खाली अउ बर्बाद करब। तब उ
सबइ लोग जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।”
30“‘अब तोहरे बारे मँ, मनई क पूत, तोहार लोग देवारन
क सहारे निहुरे भए अउर आपन दरवाजन मँ खड़े अहइँ
अउर उ पचे तोहरे बारे मँ बात करत हीं। उ पचे एक दूसर
स कहत हीं, “आवा, हम जाइके सुनी जउन यहोवा कहत
ह।” 31एह बरे उ पचे तोहरे पचन्क लगे वइसे ही आवत
हीं जइसे उ पचे मोर लोग होइँ। इ लोग तोहरे पचन्क
समन्वा अइसे बइठत ह जइसे उ पचे मोर लोग अहइ। उ
पचे तोहार सँदेसा सुनत ह। किन्तु उ पचे उ नाहीं करिहीं
जउन तू कहब्या। उ पचे सिरिफ उ करइ चाहत हीं जउन
अनुभव करइ मँ अच्छा होइ। उ पचे लोगन क धोखा देइ
चाहत हीं अउर अधिक धन कमावइ चाहत हीं।
32“‘तू एन लोगन क दृस्टि मँ प्रेमगीत गावइवाले गायक
स जियादा नाहीं अहा। तोहार स्वर अच्छा अहइ। तू आपन
बाजा अच्छा बजावत अहा। उ पचे तोहार सँदेसा सुनिहीं
किन्तु उ पचे उ नाहीं करिहीं जउन तू कहत अहा। 33किन्तु
जिन चिजियन क बारे मँ ओन लोगन स कहत अहा, उ
सबइ फुरइ घटित होइहीं अउर तब लोग समझिहीं कि
ओनके बीच फुरइ एक ठु नबी रहत रहा।”’

इस्राएल भेड़िन क एक झुण्ड क तरह अहइ

34 यहोवा क वचन मोका मिला। उ कहेस, 2“मनई
क पूत, मोरे बरे इस्राएल क गड़रियन (प्रमुखन)
क बिरूद्ध बातन करा। ओनसे मोरे बरे बातन करा। ओनसे
कहा कि सुआमी यहोवा इ कहत ह: ‘इस्राएल क गड़ेरियो
तू पचे सिरिफ आपन पेट भरत अहा। इ तोहरे बरे बहोत
बुरा होइ। का गड़ेरियन क भेड़िन क पेट नाहीं भरइ चाही?
3तू मनई पनीर खावत अहा। अउर आपन ओढ़ना बनावइ
बरे भेड़िन ऊन क प्रयोग करत अहा। तू पचे मोटी भेड़ी क
मारत अहा, किन्तु भेड़िन क धियान नाहीं रखत ह। 4तू पचे
दुर्बल क बलवान नाहीं बनाया। तू पचे रोगी भेड़ी क परवाह
नाहीं किहा ह। तू पचे चोट खाइ भइ भेड़िन क पट्टी नाहीं
बाँध्या। कछू भेड़िन भटकिके दूर चली गइन अउर तू पचे
ओनका हेरइ अउर ओनका वापस लेइ नाहीं गया। नाहीं, तू
पचे क्रूर अउर कठोर रह्या, इहइ राह रही जउने पइ तू
भेड़िन क लइ जाइ चाह्या।
5“‘अउर अब, भेड़िन बिखरि गइ अहइँ काहेकि उ
पचन्क कउनो गड़रिया नाहीं रहा। उ पचे हर एक जंगली
जनावर क भोजन बनी। एह बरे उ सबइ बिखरि गइन।
6मोर भेड़िन क झुण्ड सबहिं पर्वतन अउ ऊँच पहाड़ियन पइ
भटकिन। मोर भेड़िन क झुण्ड धरती क सारी सतह पइ
बिखरि ग अइन। कउनो भी ओनकर खोज अउ देखरेख
करइवाला नाहीं रहा।’”
7एह बरे तू गड़रियो, यहोवा क बचन सुना। मोर सुआमी
यहोवा कहत ह, 8“मइँ आपन जिन्नगी क किरिया खाइके
तू पचन्क इ बिस्सास दियावत हउँ। जंगली जनावरन मोर
भेड़िन क धरेन। हाँ, मोर भेड़िन क झुण्ड सबहिं जंगली
जनावरन क भोजन बन गइन। काहेकि ओनकर कउनो ठीक

गड़रिया नाहीं रहा। मोर गड़रियन मोर भेड़िन क झुण्ड क खोज नाहीं किहन। ओन गड़रियन खुद ही भेड़िन क मारेन अउर खुद खाएन। उ पचे मोर भेड़िन क चारा नाहीं दिहन।"

9एह बरे तू पचे गड़रियो, यहोवा क सँदेसा क सुना। 10यहोवा कहत ह, "मइँ ओन गड़रियन क विरूद्ध हउँ। मइँ ओनसे आपन भेड़िन माँगब। मइँ ओन पइ हमला करब। उ पचे भविस्स मँ मोर गड़रियन नाहीं रहिहीं। मइँ ओनकर मुँहे स आपन भेड़िन क झुण्ड क बचाउब। तब मोर भेड़िन ओनकर भोजन नाहीं होइहीं।"

11मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मइँ खुद ओनकर गड़रिया बनब। मइँ आपन भेड़िन क खोज करब। मइँ ओनका हेरब। 12जदि कउनो गड़रिया आपन भेड़िन क संग उ समइ अहइ जब ओकर भेड़िन दूर भटकइ लगी होइँ तउ उ ओनका हरेइ जाइ। उहइ तरह मइँ आपन भेड़िन क खोज करब। मइँ आपन भेड़िन क बचाउब। मइँ ओनका ओन ठउरन स लउटाउब जहाँ उ पचे उ बदरी अउर अँधेरा मँ भटक गइ रहिन। 13मइँ ओनका ओन रास्ट्रन स वापस लिआउब। मइँ ओन देसन स ओनका बटोरब। मइँ ओनका ओनके आपन देस मँ, लिआउब। मइँ ओनका इस्राएल क पर्वतन पइ, जल स्रोतन क सहारे, ओन सबहिं ठउरन मँ जहाँ लोग रहत हीं, खियाउब। 14मइँ ओनका घासवाले खेतन मँ लइ जाब। उ पचे इस्राएल क सबन्त ऊँचे पर्वतन पइ जइहीं। हुवाँ उ पचे अच्छी चिरागाह पइ सोइहीं अउ अच्छी घास खइहीं। उ पचे इस्राएल क पर्वत पइ भरी-पूरी घास-वाली भुइँया मँ चरिहीं। 15हाँ, मइँ आपन झुण्ड क खिआउब अउर ओनका विस्राम क ठउर पइ लइ जाब।" मोर सुआमी यहोवा इ कहे रहा।

16"मइँ खोइ भेड़ी क खोज करब। मइँ ओन भेड़िन क वापस लिआउब जउन बिखर गइ रहिन। मइँ ओन भेड़िन क पट्टी करब जेनका चोट लगी रही। मइँ कमजोर भेड़ी क मजबूत बनाउब। अउर मइँ मोटा अउ सक्तीसाली भेड़िन स ओनकइ रच्छा करब। मइँ ओनकर चरवाही निआवपूर्ण तरीका स करब।"

17मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "अउर तू, मोर झुण्ड, मइँ हर एक भेड़ी क संग निआउ करब। मइँ भेड़न अउर बोकरन क बीच निआउ करब। 18तू अच्छी भुइँया पइ उगी घास खाइ सकत ह। तू उ घासे क काहे कुचरत अहा जेका दूसर भेड़िन खाइ चाहत हीं? तू काफी मात्रा मँ स्वच्छ जल पी सकत ह। तउ तू उ जल क हिलाइके गन्दा काहे करत अहा, जेका दूसर भेड़िन पिअइ चाहत हीं? 19अब मोर भेड़िन क झुण्ड उ घास क खाइ चाही जेका तू आपन गोड़न स कुचर्‍या अउर उ पानी पीअइ चाही जेका तू आपन गोड़न स हिलाइके गन्दा कइ दिहा।"

20एह बरे मोर सुआमी यहोवा ओनसे कहत ह: "मइँ खुद मोटी अउ पतरी भेड़िन क संग निआउ करब। 21तू आपन बगल स अउर आपन काँधन स धक्का दइके अउर आपन सींगन स सबहिं कमजोर भेड़िन क तब तलक मार गिरावत ह, जब तलक तू ओनका दूर चले जाइ बरे मजबूर नाहीं करत्या। 22एह बरे मइँ आपन भेड़िन क झुण्ड का बचाउब। उ सबइ भविस्स मँ जंगली जनावरन स नाहीं धरी जइहीं। मइँ हर एक भेड़ी क संग निआउ करब। 23तब मइँ ओनके ऊपर एक गड़रिया आपन सेवक दाऊद क राखब। उ ओनका अपने आप खिआई अउर ओनकर गड़रिया होइ। 24तब मइँ यहोवा अउर सुआमी, ओनकर परमेस्सर होब अउर मोर सेवक दाऊद ओनकर सासक होब। मइँ यहोवा इ कहेउँ ह।

25"मइँ आपन भेड़िन क संग एक ठु सान्ति-सन्धि करब। मइँ नोस्कान पहोंचावइवाले जनावरन क देस स बाहेर कइ देब। तब भेड़िन रेगिस्ताने मँ सुरच्छित रहिहीं अउर जंगल मँ सोइहीं। 26मइँ आपन भेड़िन क आपन पहाड़ी क चारिहुँ ओर क ठउरन क आसीर्बाद देब। मइँ ठीक समइ पइ बर्खा करब। अउर बर्खा ओनकर बरे आसीर्बाद होइहीं। 27खेतन मँ उगइवाले बृच्छ आपन फल देइहीं। भुइँया आपन फसल देइ। एह बरे भेड़िन आपन प्रदेस मँ सुरच्छित रहिहीं। मइँ ओनके ऊपर रखे जुअन क तोड़ डाउब। मइँ ओनका ओन लोगन क सक्ती स बचाउब जउन दास बनाएन। तब उ पचे जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।

28"उ पचे जनावरन क तरह भविस्स मँ दूसर रास्ट्रन क जरिये बन्दी नाहीं बनावा जइहीं। उ सबइ जनावर ओनका भविस्स मँ नाहीं खइहीं। अपितु अब उ सबइ सुरच्छित रहिहीं। कउनो ओनका आतंकित नहीं करी। 29मइँ ओनका कछू अइसी भुइँया देब जउन एक अच्छा बगीचा बनी। तब उ पचे उ देस मँ भूख स पीड़ित नाहीं होइहीं। उ पचे भविस्स मँ रास्ट्रन स अपमानित होइ क कस्ट पइहीं। 30तब उ पचे समुझिहीं कि मइँ ओनकर परमेस्सर यहोवा हउँ। तब उ पचे समुझिहीं कि मइँ ओनके संग हउँ। इस्राएल क परिवार समुझी कि उ सबइ मोर लोग अहइँ।" मोर सुआमी यहोवा इ कहे रहा।

31"तू मोर भेड़िन, मोर चरागाह क भेड़िन, तू सिरिफ मनई अहा अउर मइँ तोहार परमेस्सर हउँ।" मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।

एदोम क खिलाफ सँदेस

35 मोका यहोवा क बचन मिला। उ कहेस, 2"मनई क पूत, सेईर पर्वत कइँती धियान द्या अउर मोरे बरे एक खिलाफ कछू कहा। 3एहसे कहा, 'मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह:

"'सेईर पर्वत, मइँ तोहरे खिलाफ हउँ। मइँ तोहका दण्ड देब। मइँ तोहका खाली बरबाद छेत्र कइ देब।

4मइँ तोहरे नगरन क नस्ट करब, अउर तू खाली होइ जाब्या। तब तू समुझब्या कि मइँ यहोवा हउँ।

5काहेकि तू सदा मोरे लोगन क बिरूद्ध रह्या। तू इस्राएल क बिरूद्ध आपन तरवारन क उपयोग ओकर बिपत्ति क समइ मँ किहा, ओनकर आखिर दण्ड क समइ मँ।'"

6एह बरे मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मइँ आपन जिन्नगी क किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तोहरे बरे रक्तपात लिआउब। रक्त तोहार पिछा करिहीं। तोहका लोगन क रक्त बहावइ मँ घिना नाहीं भएस। एह बरे रक्त तोहार पाछा करी। 7मइँ सेईर पर्वत क खाली बरबाद कइ

देब। मइँ उ हर एक मनई क मार डाउब जउन उ नगर स आई अउर मइँ उ हर मनई क मार डाउब जउन उ नगर मँ जाइ क जतन करी। **8**मइँ ओकर पर्वतन क ल्हासन स ढक देब। उ सबइ ल्हास तोहार सारी पहाड़िन, तोहार घाटी अउर तोहार सारे नालन मँ फइले होइहीं। **9**मइँ तोहका सदा बरे नस्ट कइ देब। तोहरे पचन्क नगरन मँ कउनो जिअत नाहीं रही। तब तू समुझब्या कि मइँ यहोवा हउँ।"

10तू कह्या, "इ दुइनउँ रास्ट्र अउर देस (इस्राएल अउ यहूदा) मोर होइहीं। हम ओनका आपन बनाइ लेब।"

किन्तु यहोवा हुवाँ अहइ। **11**मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "तू मोरे लोगन बरे ईर्स्यालु रह्या। तू ओन पइ कोहान रह्या अउर तू मोहसे घिना करत रह्या। एह बरे आपन जिन्नगी क किरिया खाइके मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तोहका वइसे ही दण्डित करब जइसे तू ओनका चोट पहोंचाया। मइँ तोहका सजा देब अउर आपन लोगन क समुझइ देब कि मइँ ओनके संग हउँ। **12**तब तू भी समुझब्या कि मइँ तोहरे सबहिं अपमानन क सुनेउँ ह। तू इस्राएल पर्वत क खिलाफ बहोत स बुरी बातन किहा ह। तू कह्या, 'इस्राएल नस्ट कइ दीन्ह गवा ह। हम लोग ओनका भोजन क तरह चबाइ जाब।' **13**तू पचे गर्वीला रह्या अउर मोरे खिलाफ बातन किहा। तू अनेक दाइँउ कह्या अउर जउन तू कह्या, ओकर हर एक सब्द मइँ सुनेउँ। हाँ, मइँ तू पचन्क सुनेउँ।"

14मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "उ समइ सारी धरती खुस होइ जब मइँ तोहका नस्ट करब। **15**तू तब खुस रह्या जब इस्राएल देस नस्ट भवा। मइँ तोहरे संग वइया ही बेउहार करब। सेइर पर्वत अउर एदोम क पूरा देस नस्ट कइ दीन्ह जाइ। तब तू समुझब्या कि मइँ यहोवा हउँ।"

इस्राएल देस क फुन निर्माण कीन्ह जाइ

36 "मनई क पूत, मोरे बरे इस्राएल क पर्वतन स कहा। इस्राएल क पर्वतन क यहोवा क बचन सुनइ क कहा। **2**ओनसे कहा कि सुआमी यहोवा इ कहत ह, 'दुस्मन तोहार बिरुद्ध बोलेस ह। उ लोग कहेस, वाह! अब प्राचीन पर्वत हमार होइ।'

3"एह बरे मोरे बरे इस्राएल क पर्वतन स कहा। कहा कि सुआमी यहोवा इ कहत ह, 'दुस्मन तोहका खाली किहस। उ पचे तोहका चारिहुँ ओर स कुचल डाएन ह। उ पचे अइसा किहेन। एह बरे तू दूसर रास्ट्रन क अधिकार मँ गया। तब तोहरे बारे मँ लोग बातन अउ कानाफूसी किहन।'"

4एह बरे इस्राएल क पर्वतो, मोर सुआमी यहोवा क बचन सुना। मोर सुआमी यहोवा पर्वतन, पहाड़ियन, धारन, घाटियन, खाली खण्डहरन अउ छोड़े गए नगरन स, जउन चारिहुँ कइँती क दूसर रास्ट्रन क जरिये लूटेन अउ मजाक उडाए गएन कहत ह **5**मोर सुआमी यहोवा कहत ह: "मइँ किरिया खात हउँ कि मइँ आपन जलजलाहट क अपने बरे बोलइ देब। मइँ एदोम अउर दूसर रास्ट्रन क आपन किरोध क अनुभवा कराउब। ओन रास्ट्रन मोर भुइँया पइ कबजा कइ लिहेन। उ पचे उ देस क लइके बड़े खुस भएन। उ पचे उ भुइँया क लूटिके बहोत खुस भएन।"

6"एह बरे इस्राएल देस क बारे मँ इ सबइ कहा। पर्वतन, पहाड़ियन, धारन अउ घाटियन स कहा। इ कहा कि मोर सुआमी यहोवा कहत ह, 'मइँ आपन जलन अउ किरोध क आपन बरे बोलइ देब। काहेकि एन रास्ट्रन स तोहका अपमान क पीरा मिली ह।'"

7एह बरे मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ आपन हाथ उठाउब तोहरे चारिहुँ कइँती क रास्ट्र अपमान क कस्ट भोगिहीं।"

8"किन्तु इस्राएल क पर्वतो, तू मोरे इस्राएल क लोगन बरे नए बृच्छ उगउब्या अउर फल पइदा करब्या। मोर लोग हाली लउटिहीं। मइँ तोहरे संग हउँ। **9**मइँ तोहार मदद करब अउर तोहार देख-रेख करब। लोग तोहार भुइँया जोतिहीं। लोग बिआ बोइहीं। **10**तोहरे ऊपर अनगिनत लोग लहिहीं। इस्राएल क सारा परिवार अउर सबहिं लोग हुआँ रहिहीं। नगरन मँ, लोग रहइ लगिहीं। नस्ट ठउर नवे जगहन क तरह बनिहीं। **11**मइँ तोहका बहोत स लोग अउर जनावरन देब। उ पचे बढ़िहीं अउर ओनके बहोत गदेलन होइहीं। मइँ तोहारे ऊपर रहइवाले लोगन क वइसे ही प्राप्त कराउब, जइसे तू पहिले किहे रह्या। मइँ एका तोहरे बरे सुरूआत क बनिस्बत नीक बनाउब। तू फुन कबहुँ ओनका, ओनकर सन्तान स बंचित नाहीं करब्या। तब तू जनब्या कि मइँ यहोवा हउँ। **12**हाँ, मइँ आपन लोग, इस्राएल क तोहरी भुइँया पइ चलाउब। उ पचे तोह पइ अधिकार करिहीं अउर तू ओनकर होब्या। तू ओनका बगैर बच्चन क फुन कबहुँ नाहीं बनउब्या।"

13मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "हे इस्राएल देस लोग तोहसे बुरी बातन कहत हीं। उ पचे कहत हीं कि तू आपन लोगन क नस्ट किहा ह। उ पचे कहत हीं कि तू बच्चन क दूर लइ गया। **14**अब भविस्स मँ तू लोगन क नस्ट नाहीं करब्या। तू भविस्स मँ बच्चन क दूर नाहीं लइ जाब्या।" मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहे रहा। **15**"मइँ ओन रास्ट्रन क तोहका, अउर जियादा अपमाणित नाहीं होइ देब। तू ओन लोगन स अउर जियादा चोट नाहीं खाब्या। तू ओनका गदेलन स रहित फुन कबहुँ नाहीं करब्या।" मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

यहोवा आपन अच्छे नाउँ क रच्छा करी

16तब यहोवा क बचन मोका मिला। उ कहेस, **17**"मनई क पूत, इस्राएल क परिवार आपन देस मँ रहत रहा। किन्तु उ पचे उ देस क आपन कामन स दुसित बनाइ दिहन जउन उ पचे किहन। मोरे बरे उ पचे अइसी मेहरारू क समान रहेन जउन आपन मासिक धरम स असुद्ध होइ गइ होइ। **18**उ पचे जब उ देस मँ लोगन क हत्या किहन तउ उ पचे धरती पइ खून फइलाएन। उ पचे आपन देवमूरतियन स देस क गन्दा किहन। एह बरे मइँ ओनका देखाएउँ कि मइँ केतना कोहान रहेउँ। **19**मइँ ओनका रास्ट्रन मँ बिखेरेउँ अउर सबहिं देसन मँ फइलाएउँ। मइँ ओनका दण्ड उ बुरे काम बरे दिहेउँ जउन उ पचे किहन। **20**उ पचे ओन दूसर रास्ट्रन क गएन अउर ओन देसन मँ भी उ पचे मोर अच्छे नाउँ क बदनाम किहेन। कइसे? हुवाँ रास्ट्रन ओनके बारे मँ बातन

किहन। उ पचे कहेन, 'इ सबइ यहोवा क लोग अहइँ किन्तु
इ पचे ओकर देस तजि दिहन तउ जरूर यहोवा मँ कछू
खराबी होइ।'
21"इस्राएल क लोग मोरे पवित्तर नाउँ क जहाँ कहीं उ
पचे गएन, बदनाम किहन। मइँ आपन नाउँ बरे दु:ख
अनुभव किहेउँ। 22एह बरे इस्राएल क परिवार स कहा कि
सुआमी यहोवा इ कहत ह, 'इस्राएल क परिवार, तू जहाँ
गया हुआँ तू मोरे पवित्तर नाउँ क बदनाम किहा। एका
रोकइ बरे मइँ कछू करइ जात हउँ। मइँ इ तोहरे बरे नाहीं
करब। इस्राएल, मइँ एका आपन पवित्तर बरे करब। 23मइँ
ओन रास्ट्रन क देखाउब कि मोर महान नाउँ सच मँ पवित्तर
अहइ। तब उ सबइ रास्ट्र जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।'" मोर
सुआमी यहोवा इ सबइ कहे रहा।
24परमेस्सर कहेस, "मइँ तोहका ओन रास्ट्रन स बाहेर
निकारब, एक संग बटोरब अउर तोहका तोहरे देस मँ
लिआउब। 25तब मइँ तोहरे उपर सुद्ध जल छिछकारब
अउर तोहका सुद्ध करब। मइँ तोहार सारी गन्दगियन क
धोइ डाउब अउर ओन घृणित देवमूरतियन स पइदा भइ
गन्दगी क धोइ डाउब।" 26परमेस्सर कहेस, "मइँ तोहमें नई
आतिमा भी भरब अउर तोहरे सोचइ क ढंग क बदलब।
मइँ तोहरे तने स कठोर हिरदय क बाहेर करेब अउर तोहका
एक कोमल मानवी हिरदइ देब। 27मइँ तोहरे भीतर आपन
आतिमा प्रतिस्ठित करब। मइँ तोहका बदलब जेहसे तू मोरे
नेमन क पालन करब्या। तू सावधानी स मोरे आदेसन क
पालन करब्या। 28तब तू उ देस मँ रहब्या जेका मइँ तोहरे
पुरखन क दिहे रहेउँ। तू पचे मोरे लोग रहब्या अउर मइँ
तोहार परमेस्सर रहब।"
29परमेस्सर कहेस, "मइँ तोहका पचन्क बचाउब भी अउर
तोहका पचन्क असुद्ध होइ स रोकब। मइँ अन्न क उगइ
बरे आदेस देब। मइँ तोहरे पचन्क भुखमरी समइ नाहीं
लिआउब। 30मइँ तोहरे बृच्छन स फलन क बड़की फसलन
अउर खेतन स अन्न क फसलन देब। तब तू दूसर देसन मँ
भूखे रहइ क लज्जा फुन कबहुँ महसूस नाहीं करब्या। 31तू
पचे ओन बुरे कामन क याद करब्या जउन तू पचे स किहा।
तू पचे याद करब्या कि उ सबइ काम नीक नाहीं रहेन। तब
तू पचे आपन पापन अउर जउन भयंकर करम किहा ओनके
बरे तू खुद अपने स घिन करब्या।" 32मोर सुआमी यहोवा इ
कहत ह, "मइँ चाहत हउँ कि तू इ याद राखा: मइँ तोहरी
भलाई बरे इ सबइ कामन नाहीं करत हउँ। मइँ ओनका
आपन नीक नाउँ करत हउँ। इस्राएल क परिवार, तोहका
आपन रहइ क ढंग पइ लज्जित अउ बियाकुल होइ चाही।"
33मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "जउने दिन मइँ तोहरे
पापन्क धोउब, मइँ लोगन्क वापस तोहरे नगरन मँ लिआउब।
उ सबइ नगर फुन बनावा जइहीं। 34खाली पड़ी भुइँया फुन
जोती जाइ। हिआँ स गुजरइवाले हर एक क इ बरबादियन
क ढेर क रूप मँ नाहीं देखाइ। 35उ पचे कहिहीं, 'पुराने
समइ मँ इ देस नस्ट होइ ग रहेन। लेकिन इ सबइ अदन क
बगीचे जइसे अहइँ। नगर नस्ट होइ गए रहेन। उ पचे बर्बाद
अउर खाली रहेन। किन्तु अब उ सबइ सुरच्छित अहइँ
ओनमाँ लोग रहत हीं।'" 36परमेस्सर कहेस, "तब तोहरे
चारिहुँ ओर क रास्ट्र समझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ अउर मइँ
ओन नस्ट ठउरन क फुन बसाएउँ। मइँ इ पहँटा मँ जउन
खाली पड़ा रहा पेड़न क रोपेस। मइँ यहोवा हउँ। मइँ इ
कहेउँ अउर मइँ एका घटित कराउब।"
37मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "जब इस्राएल क मनई
मोहसे इ चिजियन करइ बरे कहब तउ मइँ सकारात्मक उत्तर
देउब। मइँ ओनका असंख्य लोग बनाउब। उ पचे भेड़िन क
झुण्डन क तरह होइहीं। 38यरूसलेम मँ बिसेस त्यौहार क
अवसर क समइ (बोकरियन, भेड़िन क खरकन क तरह,
लोग होइहीं।) नगर अउर बरबाद ठउर, लोगन क झुण्ड स
भरि जइहीं। तब उ पचे समुझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।"

झुरान हाड़न क दर्सन

37 यहोवा क सक्ति मोह पइ आयी। यहोवा क
आतिमा मोका नगर क बाहेर लइ गई अउर खाले
एक घाटी क बीच मँ राखेस। घाटी मरे लोगन क हाड़न क
भरी रही। 2घाटी मँ अनगिनत हाड़न भुइँया पइ पेड़ रहेन।
यहोवा मोका हाड़न क चारिहुँ कइँती घुमाएस। मइँ लखेउँ
कि हाड़त बहोत झुरान अहइँ। 3तब मोर सुआमी यहोवा
मोहसे कहेस, "मनई क पूत, का इ हाड़न जीवित होइ
सकत ही?" मइँ जवाब दिहेउँ, "मोर सुआमी यहोवा, उ
सवाल क जवाब सिरिफ तू जानत अहा।" 4मोर सुआमी
यहोवा मोहसे कहेस, "ओन हाड़न स मोरे बरे बातन करा।
ओन हाड़न स कहा, 'झुरान हाड़ो यहोवा क वचन सुना!
5मोर सुआमी यहोवा तू झुरान हाड़न स कहत ह: मइँ तू
सबइ क अन्दर साँस दाखिल करब। अउर तू पचे जीवित
होइ जाब्या। 6मइँ तोहरे पचन्क ऊपर नसन अउर माँस
पेसियन चढ़ाउब अउर मइँ तोहका पचन्क चमड़ी स ढक
देब। तब मइँ तोहार अन्दर साँस फूँकब। अउर तू पचे फुन
जीवित होइ उठब्या। तब तू पचे समुझब्या कि मइँ यहोवा
हउँ।'" 7अत: मइँ यहोवा बरे ओन हाड़न स वइसे ही बातन
किहेउँ कि जइसा उ कहेस। जब मइँ अभी बात करत ही
रहेउँ तबहिं मइँ प्रचण्ड ध्वनि सुनेउँ। हाड़न खड़खड़ाइ लागिन
अउर हाड़न हाड़न स एक संग जुड़िन। 8हुवाँ मोर आँखिन
क समन्वा नसन, माँस पेसियन अउर चमड़ी हाड़न क ढकब
सुरू किहस। किन्तु ओनमाँ साँस नाही रहा।
9तब मोर सुआमी यहोवा मोहसे कहेस, "साँस स मोरे बरे
कहा। मनई क पूत, मोरे बरे साँस स बातन करा। साँस स
कहा कि सुआमी यहोवा इ कहत अहइ: 'हे साँस, हर दिसा
स आवा अउर एन ल्हासन मँ साँस भरा। ओनमा साँस भरा
अउर उ पचे फुन जीवित होइ जाइहीं।'" 10इ तरह मइँ
यहोवा बरे साँस स बातन किहेउँ जइसा उ कहेस अउर
ल्हासन मँ साँस आइन। उ पचे जी उठेन अउर खड़े होइ
गएन। हुआँ बहोत स मनसेधू रहेन, उ पचे एक ठु बड़की
फउज रहेन। 11तब मोर सुआमी यहोवा मोहसे कहेस, "मनई
क पूत, इ सबइ हाड़न इस्राएल क पूरे परिवार क दर्सावत
अहइँ। इस्राएल क लोग कहत हीं, हमार हाड़न झुराइ गइ
अहइँ, हमार आसा समाप्त अहइ। हम पूरी तरह नस्ट कीन्ह
जाइ चुकी अहइँ। 12एह बरे ओनसे मोरे बरे बातन करा।
ओनसे कहा सुआमी यहोवा इ कहत ह, 'मोर लोगो, मइँ

तोहार पचन्क कब्रन खोलब अउर तू सबइ पचन्क कब्रन क
स बाहेर लिआउब। तब मइँ तू पचन्क इस्राएल क भुइँया
पइ लिआउब। 13मोरे लोगो, मइँ तोहार पचन्क कब्रन
खोलब अउर तोहार पचन्क कब्रन स तू पचन्क बाहेर
लिआउब। तब तू पचे समुझब्या कि मइँ यहोवा हउँ। 14मइँ
आपन साँस तू पचन्मँ डाउब अउर तू पचे फुन स जीवित
होइ जाब्या। तब तू पचन्क मइँ तोहरे पचन्क देस मँ वापस
लिआउब। तब तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा हउँ। तू पचे
जनब्या कि मइँ इ सबइ बातन कहेउँ अउर ओनका घटित
कराया।'" यहोवा इ कहे रहा।

यहूदा अउ इस्राएल क फिर एक होब

15मोका यहोवा क बचन फुन मिला। उ कहेस, 16"हे
मनई क पूत, एक कुबरी ल्या अउर ओह पइ इ सँदेसा
लिखाः 'इ कुबरी यहूदा अउर ओकर मीतन, इस्राएल क
लोगन क अहइ।' तब दूसर कुबरी ल्या अउर एह पइ
लिखा, 'एप्रैम क इ कुबरी यूसुप अउर ओकर मीत, इस्राएल
क लोगन क अहइ।' 17तब दुइनउँ कुबरियन क एक संग
जोर द्या। तोहरे हाथे मँ उ सबइ एक कुबरी होइ। 18तोहार
लोग इ स्पस्ट करइ क कहिहीं, कि एकर अरथ का अहइ।
19ओनसे कहा कि सुआमी यहोवा कहत ह, 'मइँ यूसुफ क
कुबरी लेब जउन कि एप्रैम अउर ओकर मीत इस्राएल क
काबिल क हाथन मँ अहइ। तब मइँ उ कुबरी क यहूदा क
कुबरी क संग रखब अउर एनकर एक ठु कुबरी बनाउब।
उ पचे मोरे हाथे मँ एक ठु कुबरी होइ।' 20ओनकर आँखिन
क समन्वा ओन कुबरियन क आपन हाथन मँ धरा। तू उ
सबइ नाउँ पइ ओन कुबरियन पइ लिखे रह्या। 21लोग स
कहा कि सुआमी यहोवा इ कहत हः मइँ इस्राएल क
लोगन क ओन रास्ट्रन स लिआउब, जहाँ उ पचे गवा
अहइँ। 'मइँ ओनका चारिहुँ कइँती स बटोरब अउर ओनके
अपने देस मँ लिआउब। 22मइँ ओनका इस्राएल क पर्वतन
क प्रदेस मँ एक रास्ट्र बनाउब। ओन सबहिं क सिरिफ एक
राजा होइ। उ पचे दुइ रास्ट्र नाहीं बना रहिहीं। उ पचे
भविस्स मँ राज्जन मँ नाहीं बाँटा जाइ सकतेन। 23उ पचे
आपन देवमूरतियन अउ भयंकर मूरतियन या आपन दूसर
कउनो पापन स आपन आपका अउर दूसित नाहीं करिहीं।
किन्तु मइँ ओन लोगन क ओनकर सबहिं पापन स जउन उ
पचे किहे रहा बचाउब, अउर मइँ ओनका सबहिं ठउरन
जहाँ उ पाप किहे रहेन एक संग बटोरब। मइँ ओनका
पवित्तर बनाउब। उ सबइ मोर लोग होइहीं। अउर मइँ
ओनकर परमेस्सर रहब।

24"'मोर सेवक दाऊद ओनके ऊपर राजा होइ। ओन
सबहिं क सिरिफ एक गड़रिया होइ। उ पचे मोर नेमन क
सहारे होइहीं अउर मोरे विधियन क पालन करिहीं। उ पचे
उ काम करिहीं जउन मइँ कहब। 25उ पचे उ भुइँया पइ
रहिहीं जउन मइँ आपन सेवक याकूब क दिहेउँ। तोहार
पुरखन उ ठउर पइ रहत रहेन अउर मोर लोग हुवाँ रहिहीं।
उ पचे, ओनकर गदेलन अउर ओनकर पोतन-पोतियन हुवाँ
हमेसा रहिहीं अउर मोर सेवक दाऊद ओनकर प्रमुख सदा
रही। 26मइँ ओनके संग एक सान्ति सन्धि करब। इ सन्धि
सदा बनी रही। मइँ ओनका ओनकर देस देब मंजूर करब।
मइँ ओनका बहुसंख्यक लोग बनाउब मंजूर करब। मइँ
आपन पवित्तर ठउर हुवाँ ओनक संग सदा बरे रखब मजूंर
करत हउँ। 27मोर पवित्तर तम्बू हुवाँ ओनके बीच रही। हाँ,
ओनकर परमेस्सर अउर उ पचे मोर लोग होइहीं। 28तब
दूसर रास्ट्र समुझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ अउर उ पचे
जानिहीं कि मइँ इस्राएल क, ओनके बीच सदा बरे आपन
पवित्तर ठउर रखिके, आपन खास लोग बनावत हउँ।'"

गोग क खिलाफ सँदेसा

38 यहोवा क सँदेसा मोका मिला। उ कहेस, 2"मनई
क पूत, मागोग प्रदेस मँ गोग पइ धियान द्या। उ
मेसेक अउर तूबल रास्ट्रन क सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रमुख
अहइ। गोग क विरूद्ध मोरे बरे कछू कहा। 3उ ओहसे
कहा कि सुआमी यहोवा इ कहत ह 'गोग तू मेसेक अउ
तूबल रास्ट्रन क सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रमुख अहा। किन्तु मइँ
तोहरे खिलाफ हउँ। 4मइँ तोहका धरब अउर तोहार पूरी
फउज क संग वापस लिआउब। मइँ तोहार फउज क सबहिं
मनसेधुअन क वापस लिआउब। मइँ सबहिं घोडन अउर
घुड़सवारन क वापस लिआउब। मइँ तोहरे जबड़न मँ हुक
डालब अउर तू सबहिं क वापस लिआउब। सबहिं फउजी
आपन सबहिं तरवारन अउर ढालन क संग आपन फउजी
पोसाक मँ होइहीं। 5फारस, कूस अउ पूत क फउजी ओनके
संग होइहीं। उ पचे सबहिं आपन ढालन अउर मूँड़े क
कवच धारन किहे होइहीं। 6हुआँ आपन फउजियन क सबहिं
समूहन क संग गोमेर भी होइ। हुवाँ दूर उत्तर स आपन
फउजियन क सबहिं समूहन क संग तोगर्मा क रास्ट्र भी
होइ। तोहार संग अनेक लोग होइहीं।

7"'तइयार होइ जा। हाँ, आपन क तइयार करा अउर
आपन संग मिलइवाली सेना क भी। तोहका निगरानी रखइ
चाही अउर तइयार रहइ चाही। 8बहोत लम्बे समइ क पाछे
तू काम पइ बोलावा जाब्या। आगे आवइवाले बरिसन मँ तू
उ प्रदेस मँ अउब्या जउन जुद्ध क बाद फुन निर्मित होइ। उ
देस मँ लोग इस्राएल क पर्वत पइ आवइ बरे बहोत स
रास्ट्रन स एकट्ठा कीन्ह जइहीं। अतीत मँ इस्राएल क पर्वत
बार-बार नस्ट कीन्ह गवा रहा। किन्तु इ सबइ लोग ओन
दूसर रास्ट्रन स वापस लउटे होइहीं। उ पचे सबहिं सुरच्छित
होइहीं। 9किन्तु तू ओन पइ आक्रमण करइ अउब्या। तू
तूफान क तरह अउब्या। तू देस क ढकत भए गरजत मेघ
क तरह अउब्या। तू अउर बहोत स रास्ट्रन क तोहरे
फउजियन क समूह, एन लोगन पइ आक्रमण करइ
अइहीं।'" 10मोर सुआमी यहोवा इ कहत हः "उ समइ तोहरे
दिमागे मँ एक विचार उठी। तू एक बुरी जोजना बनाउब
सुरू करब्या। 11तू कहब्या, 'मइँ उ देस पइ हमला करइ
जाब जेकर नगर बगैर देवार क अहइँ (इस्राएल)। उ सबइ
लोग सान्तिपूर्वक रहत हीं। उ पचे समुझत हीं कि उ पचे
सुरच्छित अहइँ। ओनकर रच्छा बरे ओनकर नगरन क
चारिहुँ कइँती कउनो देवार नाहीं अहइ। ओनके दरवाजन मँ
तालन नाहीं अहइँ, ओनके दरवाजे भी नाहीं अहइँ। 12मइँ
एन लोगन क हराउब अउर ओनकर सबहिं कीमती चिजियन

ओनसे छोर लेब। मइँ ओन ठउरन क खिलाफ लड़ब जउन
नस्ट होइ चुका रहेन, किन्तु अब लोग ओनमाँ
रहइ लागेन ह। मइँ ओन लोगन (इस्राएल) क खिलाफ
लड़ब जउन दूसर रास्ट्रन स एकट्ठा भए रहेन। अब उ सबइ
लोग मवेसी अउ सम्पत्ति वाले अहइँ। उ सबइ संसार क
चउराहे पइ रहत हीं जउने ठउर मँ सक्तीसाली देसन क
दूसर सक्तीसाली सबहिं देसन तलक जाइ बरे जात्रा करइ
पड़त ह।'

13"सबा, ददान अउ तर्सीस क बइपारी अउर सबहिं नगर
जेनके संग उ पचे बइपार करत हीं, तोहसे पूछिहीं, 'का तू
कीमती चिजियन पइ अधिकार करइ आया ह? का तू आपन
फउजियन क समूहन क संग, ओन नीक चिजियन क हड़पइ
अउर चाँदी, सोना मवेसी तथा सम्पत्ति लइ जाइ आवा
रह्या?'" 14परमेस्सर कहेस, "मनई क पूत, मोरे बरे गोग स
कहा। ओहसे कहा कि सुआमी यहोवा इ कहत ह, 'तू हमरे
लोगन पइ तब हमला करइ अउब्या जब उ पचे सान्तिपूर्वक
अउर सुरच्छित रहत अहइँ। 15तू दूर उत्तर क आपन ठउर स
अउब्या अउर तू बहुसंख्यक लोगन क साथ लउब्या। उ
पचे सबहिं घुड़सवार होइहीं। तू एक बिसाल अउर ताकतवर
फउज होब्या। 16तू मोरे लोग इस्राएल क विरूद्ध लड़इ
अउब्या। तू देस क गरजत मेघ क तरह ढकइवाले होब्या।
मइँ बाद मँ, आपन देस क विरूद्ध लड़इ बरे तोहका
लिआउब। तब हे गोग, रास्ट्र जनिहीं कि मइँ केतना
ताकतवर हउँ। उ पचे मोर सम्मान करिहीं अउर समुझिहीं
कि मइँ पवित्तर हउँ। उ पचे लखिहीं कि मइँ तोहरे संग का
करब।'"

17यहोवा इ कहत ह, "उ समइ लोग याद करिहीं कि
मइँ पुराने जमाने मँ तोहरे बारे मँ जउन कहेउँ। उ पचे याद
करिहीं कि मइँ आपन सेवकन इस्राएल क नबियन क
उपयोग किहेउँ। उ पचे याद करिहीं कि इस्राएल क नबी
लोग मोरे बरे पुराने जमाने मँ बातन किहन अउर कहेन कि
मइँ तोहका ओनके खिलाफ लड़इ बरे लिआउब।" 18मोर
सुआमी यहोवा कहेस, "उ समइ, गोग इस्राएल देस क
विरूद्ध लड़इ आइ। मइँ आपन किरोध परगट करब।
19किरोध अउ जलजलाहट मँ मइँ इ प्रतिग्या करत हउँ,
अउर इ कहत हउँ कि इस्राएल मँ एक प्रबल भूकम्प आई।
20उ समइ सबहिं सजीव प्राणी भय स काँप उठिहीं। समुद्र
मँ मछरियन, अकासे मँ पंछी, खेतन मँ जंगली जनावरन
अउर उ सबइ सबहिं परानी जउन धरती पइ रेगंत हीं, भय
स काँप उठिहीं। पर्वत भहराइ पड़िहीं अउर सिखर ध्वस्त
होइहीं। हर एक देवार धरती पइ आइ गिरिहीं।" 21मोर
सुआमी यहोवा कहत, "इस्राएल क पर्वतन पइ, मइँ गोग
क विरूद्ध हर प्रकार क भय उत्पन्न करब। ओकर फउजी
एतना भयभीत होइहीं कि उ पचे एक दूसर पइ हमला
करिहीं अउर आपन तरवार स एक दूसर क मार डइहीं।
22मइँ गोग क रोग अउर मउत स दण्ड देब। मइँ ओह पइ,
ओकर सेना पइ अउर अनेक रास्ट्रन क लोगन पइ जउन
कि ओकर संग अहइँ। ओलन, आगी अउर गंधक क
बर्खा करब। 23तब मइँ देखाउब कि मइँ केतना महान हउँ,
मइँ प्रमाणित करब कि मइँ पवित्तर हउँ। बहोत स रास्ट्र
मोका इ सबइ काम करत लखिहीं अउर उ पचे जनिहीं कि
मइँ कउन हउँ। तब उ पचे जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।"

गोग अउर ओकर सेना क मउत

39 "मनई क पूत, गोग क विरूद्ध मोरे बरे कहा।
ओहसे कहा कि सुआमी यहोवा इ कहत ह,
'गोग, तू मेसेक अउर तूबल देसन क सर्वाधिक महत्वपूर्ण
प्रमुख अहा। किन्तु मइँ तोहरे विरूद्ध हउँ। 2मइँ तोहका
घुमा देब अउर तोहार गवाइ करब अउर तोहका सुदूर उत्तर
स लिआउब। मइँ तोहका इस्राएल क पर्वतन क खिलाफ
जुद्ध करइ बरे लिआउब। 3किन्तु मइँ तोहार धनुस तोहरे
बाएँ हाथ स झटक के गिराइ देब। मइँ तोहरे दाएँ हाथ स
तोहार बाण झटकिके गिराइ देब। 4तू इस्राएल क पर्व-तन
पइ मारा जाब्या। तू, तोहार फउजी अउर तोहरे संग क दूसर
सबहिं रास्ट्र जुद्ध मँ मारा जइहीं। मइँ तोहका भोजन क रूप
मँ सबइ सिकारी पच्छियन वन जनावरन क देब। 5तू खुले
मइदानन मँ मारा जाब्या। मइँ इ कहि दिहे हउँ।'" मोर
सुआमी यहोवा इ कहेस। 6परमेस्सर कहेस, "मइँ मागोग
अउ ओन मनइयन क, जउन समुद्र-तट पइ सुरच्छित रहत
हीं, विरूद्ध आगी पठउब। तब उ पचे जानिहीं कि मइँ
यहोवा हउँ। 7मइँ आपन पवित्तर नाउँ इस्राएल क लोगन मँ
परगट करब। भविस्स मँ, मइँ आपन पवित्तर नाउँ क,
लोगन क जरिये अउर जियादा दूसित नाहीं करइ देब। रास्ट्र
जनिहीं कि मइँ यहोवा इस्राएल क परम पवित्तर हउँ। 8उ
समइ आवत अहइ। इ घटित होइ।" यहोवा इ सबइ बातन
कहेस। "इ उहइ दिन अहइ जेकरे बारे मँ मइँ कहत हउँ।
9उ समइ, इस्राएल क नगरन मँ रहइवाले लोग ओन खेतन
मँ जइहीं। उ पचे दुस्मन क अस्त्र-सस्त्रन क एकट्ठा करिहीं
अउर ओनका जराइ देइहीं। उ पचे सबहिं ढालन, धनुसन
अउर बाणन सबइ गदा अउ भालन क जलइहीं। उ पचे
ओन अस्त्र-सस्त्रन क उपयोग सात बरिस तलक ईंधन क
रूप मँ करिहीं। 10ओनका मइदानन स काठ एकट्ठी नाहीं
करइ पड़ी या जंगलन स बृच्छ नाहीं काटइ पड़ी, काहेकि उ
पचे अस्त्र-सस्त्रन क उपयोग ईंधन क रूप मँ करिहीं। उ
पचे ओन फउजियन क ल्हास क लूट लेइहीं जउन कि
ओनसे चोरावइ बरे आए रहेन। उ पचे ओन फउजियन स
अच्छी चिजियन लेइहीं जउन ओनसे नीक चिजियन लइ
लिहेन।" मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।"

11परमेस्सर कहेस, "उ समइ मँ गोग क दफनावइ बरे
इस्राएल मँ एक ठउर चुनब। उ मृत सागर क पूरब मँ
जात्रियन क घाटी मँ दफनावा जाइ। इ जात्रियन क मारग
क रोकी। काहेकि गोग अउ ओकर सारी फउज उ ठउर मँ
दफनाई जाइ। लोग एका 'गोग क सेना क घाटी' कहिहीं।
12इस्राएल क परिवार देस क सुद्ध करइ बरे सात महीने
तलक ओनका दफनाई। 13देस क साधारण लोग दुस्मन क
फउजियन क दफनइहीं। इस्राएल क लोग उ दिन प्रसिद्ध
होइहीं जउने दिन मइँ अपने बरे सम्मान पाउब।" मोर सुआमी
यहोवा इ कहेस। 14परमेस्सर कहेस, "लोग मजदूरन क,
ओन मरे फउजियन क दफनावइ बरे पूरे समइ क नौकरी
देइहीं। इ तरह उ पचे देस क पवित्तर करिहीं। उ सबइ

मजदूर सात महीने तलक कार्य करिहीं। उ पचे ल्हासन क
हेरत भए चरिहुँ ओर जइहीं। 15उ सबइ मजदूर चारिहुँ कइँती
हरेत फिरिहीं। जदि ओनमाँ स कउनो एक हाड़ लखी तउ उ
ओकरे पास एक ठु चीन्हा बनाइ देइ। चीन्हा हुवाँ तब तलक
रही जब तलक कब्र खोदइवाला आवत नाहीं अउर गोग क
सेना क घाटी मँ उ हाड़ क दफनावत नाहीं। 16उ मृतक
लोगन क नगर (कब्रिस्तान) हमोना कहवाई। इ तरह उ
सबइ देस क सुद्ध करिहीं।"

17मोर सुआमी यहोवा इ कहेस, "हे मनई क पूत, मोरे
बरे सबइ पंछियन अउ सबइ जंगली जानवरन स बात करा।
ओनसे कहा, 'हिआँ आवा। हिआँ आवा। इ बलि क चारिहुँ
कइँती एकट्ठा भवा जउन मइँ तोहरे बरे इस्राएल क पर्वतन
पइ तइयार किहेउँ। आवा, माँस खा अउर खून पिआ। 18तू
ताकतवर फउजियन क सरीर क माँस खाउब्या। तू संसार क
प्रमुखन क खून पीब्या। उ पचे बासान क भेड़न, मेमनन,
बोकरन अउर मोटे बइलन क समान होइहीं। 19तू जेतना
चाहा, ओतनी चर्बी खाइ सकत ह अउर तू उ समइ तलक
खून पी सकत ह जब तलक कि तू नसा मँ नाहीं आवत ह।
तू मोर बलि स खाब्या अउर पीब्या जेका मइँ तोहारे बरे
गारेउँ। 20तू मोरे मेज पइ तब तलक खाउब्या जब तलक तू
सन्तुट्ठ नाहीं होइ जाब्या। हुवाँ घोड़न अउर रथ सारथी,
सक्तीसाली फउजी अउर दूसर सबहिं लड़इवाले मनई होइहीं।"
मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।

21परमेस्सर कहेस, "मइँ दूसर रास्ट्रन क देखाउब कि मइँ
का किहेउँ ह। उ सबइ रास्ट्र मोर सम्मान करब आरम्भ
करिहीं। उ सबइ मोर उ सक्ती लखिहीं जउन मइँ दुस्मन क
विरूद्ध उपयोग किहेउँ। 22तब उ दिन क पाछे, इस्राएल क
परिवार जानी कि मइँ ओकर परमेस्सर यहोवा हउँ। 23रास्ट्र इ
जान जइहीं कि इस्राएल क परिवार काहे दूसर देसन मँ बन्दी
बनाइके लइ जावा गवा रहा। उ पचे जनिहीं कि मोर लोग
मोरे विरूद्ध होइ उठा रहेन। एह बरे मइँ ओनसे दूर हट
गवा रहेउँ। मइँ ओनके दुस्मनन क ओनका हरावइ दिहेउँ।
एह बरे मोर लोग जुद्ध मँ मारा गएन। 24उ पचे पाप
किहेन अउर आपन क गन्दा बनाएन। एह बरे मइँ ओनका
ओन कामन बरे दण्ड दिहेउँ जउन उ पचे किहन। एह बरे
मइँ ओनसे आपन मुँह फेर लिहेउँ ह।"

25एह बरे मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "अब मइँ
याकूब क परिवार क बन्धुवाई स निकारब। मइँ पूरे इस्राएल
क परिवार पइ दया किहेउँ ह। मइँ आपन पवित्तर नाउँ क
बरे बिसेस भावना परगट करब। 26लोग आपन लज्जा अउर
मोरे विरूद्ध विद्रोह क सारे समइ क बिसरि जइहीं। उ पचे
आपन देस मँ सुरच्छा क संग रहिहीं। कउनो भी ओनका
भयभीत नाहीं करी। 27मइँ आपन लोगन क दूसर देसन स
वापस लिआउब। मइँ ओनका ओनके दुस्मनन क देसन स
एकट्ठा करब। तब बहोत स रास्ट्र समुझिहीं कि मइँ केतना
पवित्तर हउँ। 28उ पचे समुझिही कि मइँ यहोवा ओनकर
परमेस्सर हउँ। काहेकि मइँ ओनसे ओनकर घर छोड़वाएउँ
अउर दूसर देसन मँ बन्दी क रूप मँ पठएउँ अउर तब मइँ
ओनका एक संग एकट्ठा किहेउँ अउर ओनका आपन देस
मँ वापस लिआएउँ। मइँ ओनमाँ स कउनो हवाँ अउर नाहीं
छोड़ब। 29मइँ इस्राएल क परिवार पइ आपन आतिमा उड़ेरब
अउर ओकरे पाछे, मइँ फुन आपन मुहँ आपन लोगन स
नाहीं छुपाउब।" मोर सुआमी यहोवा इ कहे रहा।

नवा मन्दिर

40 हम लोगन क बन्दी क रूप मँ लइ जावा जाइके
पच्चीसवें बरिस मँ, बरिस क सुरुआत मँ प्रथम
महीने क दसएँ दिन, यहोवा क आतिमा मोह पइ आई।
यरूसलेम क जीतइ क पाछे इ चउदहवाँ बरिस रहा। उहइ
दिना यहोवा क सक्ती मोका हुवाँ लइ गवा। 2दर्सन मँ
परमेस्सर मोका इस्राएल देस लइ गवा। उ मोका एक बहोत
ऊँचे पर्वत क समीप उतारेस। पर्वत पइ एक भवन रहा
जउन नगर क समान देखात रहा। 3यहोवा मोका हुवाँ लइ
गवा। हुवाँ एक मनई रहा जउन चमचमात गए काँसे क तरह
चमकत भवा देखात रहा। उ मनई एक कपड़ा नापइ क
फीता अउर नापइ क एक छड़ आपन हाथे मँ लिहे रहा। उ
फाटक स लगा खड़ा रहा। 4उ मनई मोहसे कहेस, "मनई क
पूत, आपन आँखिन अउ आपन कान क उपयोग करा। एन
चिजियन पइ धियान द्या अउर मोर सुना। जउन मइँ तोहका
देखावत हउँ ओह पइ धियान द्या। काहेकि तू हिआँ लाए
गवा अहा, एह बरे मइँ तोहका एन चिजियन क देखाइ सकत
हउँ। तू इस्राएल क परिवार स उ सबइ बतावा जउन तू
हिआँ लखा।" 5मइँ एक देवार लखेउँ जउन मन्दिर क बाहर
चारिहुँ कइँती स घेरत रहिन। उ मनई क हाथे मँ चिजियन
क नापइ क एक छड़ रही। इ एक छे हाथ लम्ब रहा।
(प्रत्यक हाथ साधारण हाथ स चार अगुँल लम्बा रहा।) एह
बरे उ मनई देवार क मोटाइ नापेस उ एक छड़ मोटी रही।
उ मनई देवार की ऊँचाई नापेस। इ एक छड़ ऊँची रही।
6तब मनई पूरबी दुआर क गवा। उ मनई ओकर सीढ़ियन पइ
चढ़ेस अउर फाटक क डेवढ़ी क नापेस। इ एक छड़ चौड़ी
रही। 7रच्छकन क कमरन एक छड़ लम्बे अउर एक छड़
चौड़े रहेन। कमरन क बीच क देवारन क मोटाई पाँच हाथ
रही। भीतर क ओर फाटक क डेवढ़ी जउन कच्छ क बगल
मँ रहा एक छड़ चौड़ी रही। 8तब उ मनई मन्दिर स लगे
फाटक क प्रवेस कच्छ क नापेस। इ एक छड़ चौड़ा रहा।

9तब उ मनई फाटक क प्रवेस कच्छ क नापेस। इ आठ
हाथ लम्बा रहा। उ मनई फाटक क दुइनउँ बगल क
देवारन क नापेस। हर एक बगल देवार दुइ हाथ चौड़ा रहा।
फाटक क ओसारा दरवाजा क भीतर क कइँती रहा।

10फाटक क हर कइँती तीन नान्ह कमरन रहेन। इ सबइ
तीनहुँ नान्ह कमरन हर कइँती स एक नाप क रहेन। दुइनउँ
कइँती क दुआर खमम्भन एक नाप क रहेन। 11उ मनई
फाटक क प्रवेसद्वार क चौड़ाई नापेस। इ दस हाथ चौड़ी
अउर फाटक क लम्बाइ तेरह हाथ रही। 12हर एक कमरा
क सामने एक नीची देवार रही। इ देवार एक हाथ ऊँची
अउर एक हाथ मोटी रही। कमरन वर्गाकार रहेन अउर हर
कइँती स छः हाथ लम्बे रहेन। 13उ मनई फाटक क हर
कमरे क छत स दूसर कमरे क छत तलक नापेस। इ
पच्चीस हाथ लम्बा रहा। एक दुआर दूसर दुआर क ठीक
विपरीत रहा। 14उ मनई प्रवेस कच्छ क नापेस। इ साठ

यहेजकेल क वर्णित कीन्ह गवा मन्दिर क पुन:र्निर्माण

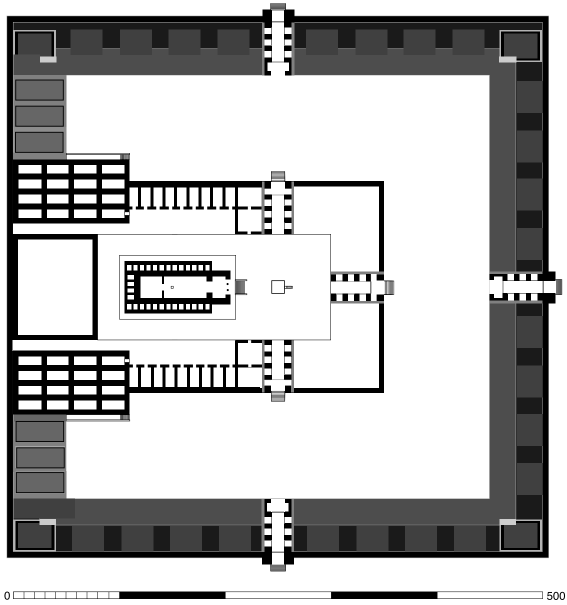

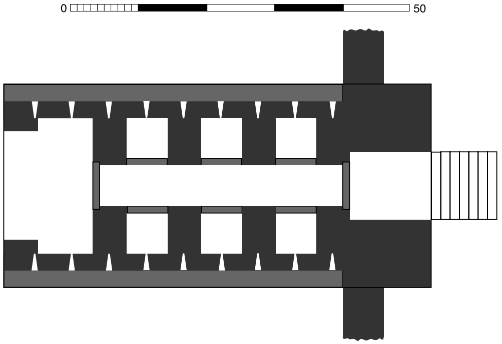

बाहेरी आँगन क पूर्वी फाटक

Copyright © 2005 by World Bible Translation Center

हाथ चउड़ा रहा। प्रवेस कच्छ क चारिहुँ ओर आँगन रहा।
15प्रवेस कच्छ क फाटक पूरे बाहर स, फाटक क भीतर
तलक नाप मँ पचास हाथ रहा। 16रच्छकन क कमरन मँ
चारिहुँ कइँती खिड़कियन रहिन। प्रवेस क कइँती खिड़िकियन
बहोत जयादा पातर हो ग रहिन। अउर अन्दर क कइँती
चउड़ा रहेन। प्रवेस कच्छ मँ भी चारिहुँ कइँती उहइ प्रकार
क खिड़कियन रहिन। हर एक दुआर खम्भन पइ खजूर क
बृच्छ खुदा रहेन।

बाहर क आँगन

17तब उ मनई मोका बाहरी आँगन मँ लिआवा। मइँ
कमरन अउर पक्के फर्स क लखेस। उ पचे आँगन क
चारिहुँ कइँती रहेन। पक्के फर्स पइ सामने तीस कमरन रहेन।
18पक्का रास्ता फाटक क बगल स गवा। पक्का फर्स
ओतना ही लम्बा रहा जेतने फाटक रहेन। इ खाले क रास्ता
रहा। 19तब उ मनई खाले फाटक क सामने भीतर कइँती स
लइके आँगन क देवार क समन्वा भीतर कइँती तलक
नापेस। इ पूरब अउर उत्तर क अउर सौ-सौ हाथ रहेन। 20उ
मनई बाहरी आँगन, जेकर सामना उत्तर कइँती अहइ, क
फाटक क लम्बाई अउ चौड़ाइ क नापेस। 21एकरे हर एक
कइँती तीन कमरा अहइँ। एकर दुआर खम्भन अउर
प्रवेस-दुआर क नाप उहइ रही जउन पहिले फाटक क रही।
फाटक पचास हाथ लम्बा अउर पच्चीस हाथ चौड़ा रहा।
22एकर खिड़कियन एकर ओसारा अउर एकर खजूर क
बृच्छन क नक्कासी क नाप उहइ रही जउन पूरब कइँती
मुखवाले फाटक क रही। फाटक तलक सात सीढ़ियन
रहिन। फाटक क प्रवेस कच्छ भीतर रहा। 23भीतरी आँगन
मँ उत्तर क फाटक तलक पहोंचइवाला एक फाटक रहा।
इ पूरब क फाटक क नाईं रहा। उ मनई एक फाटक स
दूसर तक नापेस। इ एक फाटक स दूसर फाटक तलक सौ
हाथ रहा।

24तब उ मनई मोका दक्खिन कइँती लइ गवा। मइँ
दक्खिन मँ एक दुआर लखेउँ। उ मनई दुआर खम्भन अउर
प्रवेस कच्छ क नापेस। उ पचे नाप मँ ओतने ही रहेन जेतने
दूसर फाटक। 25दुआरा रास्ता अउर एकर ओसारा पचास
हाथ लम्बा अउर पच्चीस हाथ चउड़ा रहा। एकर चारिहुँ
कइँती दूसर फाटकन क नाईं खिड़कियन रहेन। 26सात
पैड़ियन इ फाटक तलक पहोंचावत रहिन। एकर प्रवेस कच्छ
भीतर क रहा। हर एक कइँती एक-एक दुआर-खम्भा पइ
खजूर क नक्कासी रही। 27भीतरी आँगन क दक्खिन कइँती
एक फाटक रहा। उ मनई दक्खिन कइँती एक फाटक स
दूसर फाटक तलक नापेस। इ सौ हाथ चउड़ा रहा।

भीतरी आँगन

28तब उ मनई मोका दक्खिन फाटक स होइके भीतर
आँगन मँ लइ गवा। दक्खिन क फाटक क नाप ओतनी ही
रही जेतनी दूसर फाटकन क। 29दक्खिन फाटक क कमरन,
दुआर-खम्भा अउर प्रवेस दुआर क नाप ओतनी ही रही
जेतनी दूसर फाटकन क रही। खिड़कियन, फाटक अउर
प्रवेस कच्छ क चारिहुँ ओर रहिन। फाटक पचास हाथ
लम्बा अउर पच्चीस हाथ चउड़ा रहा। 30ओकरे चारिहुँ
कइँती प्रवेस कच्छ रहेन। प्रवेस कच्छ पच्चीस हाथ लम्बा
अउ पाँच हाथ चउड़ा रहा। 31दक्खिन फाटक क प्रवेस
कच्छ क समन्ना बाहरी आँगन कइँती रहा। एकरे दुआर
खमम्भन पइ खजूरे क बृच्छन क नक्कासी रही। एकर सीढ़ी
क आठु पैड़ियन रहिन। 32उ मनई मोका पूरब कइँती क
भीतरी आँगन मँ लिआवा। उ फाटक क नापेस। ओकर
नाप उहइ रही जउन दूसर फाटकन क। 33पूरबी दुआर क
कमरन, दुआर खम्भा अउ प्रवेस कच्छ क नाप उहइ रहेन
जउन अन्य फाटकन क। फाटक अउ प्रवेस कच्छ क
चारिहुँ कइँती खिड़कियन रहिन। पूरबी फाटक पचास हाथ
लम्बा अउ पच्चीस हाथ चउड़ा रहा। 34एकर प्रवेस कच्छ
क सामना बाहरी आँगन कइँती रहा। हर कइँती क
दुआर-खम्भन पइ खजूरे क बृच्छन क नक्कासी रही। एकरी
सीढ़ी मँ आठ पैड़ियन रहिन। 35तब उ मनई मोका उत्तरी
दुआरे पइ लिआवा। उ एका नापेस। एकर नाप उ रही जउन
दूसर फाटकन क नाप क समान रहि 36एकर दुआरपाल क
कमरन, खम्भन, प्रवेस कच्छ अउर ओसारा भी रहेन।
फाटक क चारिहुँ ओर खिड़कियन रहिन। इ पचास हाथ
लम्बा अउर पच्चीस हाथ चउड़ा रहा। 37दुआर खम्भन क
सामना बाहरी आँगन कइँती रहा। हर एक कइँती क दुआर
खम्भन पइ खजूरे क बृच्छन क नक्कासी रहिन अउर एकर
सीढ़ी क आठ पैड़ियन रहिन।

बलियन तइयार करइ क कमरें

38एक कमरा रहा जेकर दरवाजा फाटक क प्रवेस कच्छ
क लगे रहा। इ हुवाँ रहा जहाँ याजक होमबलि बरे
जनावरन क नहवावत हीं। 39फाटक क प्रवेस कच्छ क
दुइनउँ कइँती दुइ मेजन रहिन। होमबलि पाप बरे भेंट अउर
अपराध बरे भेंट क जनावरन ओनहीं मेजन पइ मारा जात
रहेन। 40प्रवेस कच्छ क बाहर, जहाँ उत्तरी फाटक खुलत ह,
दुइ मेजन रहिन अउर फाटक क प्रवेस कच्छ क दूसर
कइँती दुइ मेजन रहिन। 41फाटक क भीतर चार मेजन
रहिन। चार मेजन फाटक क बाहेर रहिन। सब मिलाइके
आठ मेजन रहिन। याजक एन मेजन पइ बलि बरे जनावरन
क मारत रहेन। 42होमबलि बरे कटी सिला क चार मेजन
रहिन। इ सबइ मेजन डेढ़ हाथ लम्बी, डेढ़ हाथ चउड़ी अउर
एक हाथ ऊँची रहिन। योजक होमबलि अउर बलिदानन बरे
जउन जनावरन क मारा करत रहेन, ओनका मारइ क
अउजारन क एन मेजन पइ धरत रहेन। 43तीन इंच लम्बा
हुक पूरे मन्दिर मँ लगाए गए रहेन। भेंट बरे माँस मेजन पइ
रखइ रहत रहा।

याजकन क कमरन

44प्रमुखन के लिए भीतरी आँगन क फाटक क दुइ
कमरन रहेन। एक उत्तरी फाटक क साथ रहा। एकर
सामना दक्खिन क रहा। दूसर कमरा दक्खिन क फाटक क
साथ रहा। एकर सामना उत्तर क रहा। 45उ मनई मोहसे
कहेस, "इ कमरा, जेकर सामना दक्खिन क अहइ, ओन
याजक क बरे अहइ जउन काम पइ अहइँ अउर मन्दिर मँ

सेवा करत अहइँ। 46किन्तु उ कमरा जेकर सामना उत्तर क अहइ, ओन याजकन बरे अहइ जउन आपन काम पइ अहइँ अउर वेदी पइ सेवा करत अहइँ। इ सबहिं याजक सादोक क बंसज अहइँ। सादोक क बंसज ही लेवी बंस क एकमात्र मनई अहइँ जउन यहोवा क सेवा ओनके लगे बलि लाइके कइ सकत हीं।" 47उ मनई आँगन क नापेस। आँगन पूर्ण वर्गाकार रहा। इ सौ हाथ लम्बा अउर सौ हाथ चउड़ा रहा। वेदी मन्दिर क समन्वा रही।

मन्दिर क प्रवेस कच्छ

48उ मनई मोका मन्दिर क ओसारा मँ लिआवा अउर दुइनउँ कइँती क हरे क नापेस। ओन मँ हर एक पाँच-पाँच हाथ मोटा अउर तीन-तीन हाथ चउड़ा रहा। प्रवेस क चउड़ाइ चौदह हाथ रहा। 49प्रवेस कच्छ बीस हाथ लम्बा अउर बारह हाथ चउड़ा रहा। प्रवेस कच्छ तलक दस सीढ़ियन पहोंचावत रहिन। दुआर खम्भा क सहारे दुइनउँ ओर खम्भा रहेन।

मन्दिर क पवित्तर ठउर

41 उ मनई मोका मन्दिर क बीच क कमरा मँ लिआवा। उ कमरा क दुइनउँ कइँती क देवारन क नापेस। उ सबइ मँ स हर एक, हर कइँती छ: हाथ मोटा रहेन। 2दरवाजा दस हाथ चउड़ा रहा। दुआर क बगलन पाँच हाथ हर कइँती रहिन। उ मनई बाहरी पवित्तर ठउरे क नापेस। इ चालीस हाथ लम्बा अउर बीस हाथ चउड़ा रहा।

मन्दिर क परम पवित्तर ठउर

3तब उ मनई अन्दर गवा अउर हर एक दुआर खम्भा क नापेस। हर एक दु आर खम्भा दुइ हाथ मोटा रहा। इ छ: हाथ ऊँचा रहा। दुआर सात हाथ चउड़ा रहा। 4तब उ मनई कमरा क लम्बाई नापेस। इ बीस हाथ लम्बा अउर बीस हाथ चउड़ा रहा। इ (प्रथम) परिसुद्ध कमरे क बाद रहा। उ मनई कहेस, "इ परम पवित्तर ठउर अहइ।"

मन्दिर क चारिहुँ कइँती क बाकी कमरें

5तब उ मनई मन्दिर क देवार नापेस। इ छ: हाथ चउड़ी रही। बगल क कमरन चार हाथ चउड़न मन्दिर क चारिहुँ कइँती रहेन। 6बगल क कमरन तीन अलग अलग मंजिलन पइ रहेन। उ सबइ एक दूसर क ऊपर रहेन। हर एक मंजिल पइ तीस कमरन रहेन। बगल क कमरन चारिहुँ कइँती क देवार पइ टिके भए रहेन। एह बरे मन्दिर क देवार खुद कमरन क टेकाए भए नाहीं रहिन। 7मन्दिर क चारिहुँ ओर क कमरन क मंजिल क खाले क मंजिल स अधिक चउड़ी रहिन। मन्दिर क चारिहुँ ओर ऊँच चबूतरा हर मंजिल पइ मन्दिर क हर एक कइँती फइला भवा रहा। एह बरे सब स ऊपर क मंजिल पइ कमरन अधिक चउड़ा रहेन। दूसर मंजिल स होइके एक सीढ़ी सब स नीचे क मंजिल स सब स ऊँच मंजिल तलक गइ रही।

8मइँ इ भी लखेउँ कि मन्दिर क चारिहुँ कइँती उठा भवा चबूतरा रहा। बगल क कमरन क नेंव एक समन्वा छड़ अरथात छ: हाथ क पूरे छड़ क रहा। 9बगल क कमरन क बाहरी देवार पाँच हाथ मोटी रही। मन्दिर क बगल क कमरन' 10अउर याजक क कमरन क बीच खुला छेत्र मन्दिर क चारिहुँ ओर रहा। इ खुला छेत्र मन्दिर क चारिहुँ कइँती बीस हाथ रहा। 11बगल क कमरन क दरवाजन खुला छेत्र क नेंव पइ खुलत रहेन जउन देवार क हींसा नाहीं रहिन। एक दरवाजा क मुँह उत्तर कइँती रहा अउर दूसर क दक्खिन कइँती। खुला छेत्र चारिहुँ कइँती स पाँच हाथ चउड़ी रहिन। 12पच्छिमी कइँती मन्दिर क आँगन क सामने क भवन सत्तर हाथ रहा। भवन क देवार चारिहुँ ओर पाँच हाथ मोटी रही। इ नब्बे हाथ लम्बी रही। 13तब उ मनई मन्दिर क नापेस। इ सौ हाथ लम्बा रहा। भवन अउ एकर देवार क संग आँगन भी सौ हाथ लम्बे रहेन। 14मन्दिर क पूर्वी मुँह अउर आँगन सौ हाथ चउड़ा रहा। 15-16उ मनई उ भवन क लम्बाई क नापेस जेकर सामना मन्दिर क पाछे क आँगन कइँती रहा तथा जेकर देवारन दुइनउँ कइँती रहिन। इ सौ हाथ लम्बा रहा। बीच क कमरे क भीतरी कमरे (सबन त पवित्तर ठउर) अउ आँगन क प्रवेस कच्छ पइ तखता लगी रहिन। तीनहुँ पइ ही चारिहुँ कइँती जालीदार खिड़कियन रहिन। मन्दिर क चारिहूँ कइँती डेवढ़ी स लगे, फर्स स खिड़कियन तलक काठे क तखता जड़ी भइ रहिन। खिड़कियन ढकी भइ रहिन।

17दुआरे क ऊपर क देवार, भीतरी कमरन अउर बाहेर तलक, सारी लकड़ी क चौखटन स मढ़ी गइ रहिन। मन्दिर क भीतरी कमरन तथा बाहरी कमरन क सबहिं देवारन पइ 18करूब सरगदूतन अउर खजूर बृच्छन क नक्कासी कीन्ह गइ रही। करूब सरगदूतन क बीच एक खजूर क बृच्छ रहा। अउर हर एक करूब क दुइ मुख रहेन। 19एक मुँह मनई क रहा जउन एक कइँती खजूरे क बृच्छ क लखत रहा। दूसर मुँह सेर क रहा जउन दूसर कइँती खजूर क बृच्छक लखत रहा। उ पचे मन्दिर क चारिहुँ कइँती उकेरा ग रहेन। 20बीच क कमरन पवित्तर ठउर क सबहिं देवारन पइ करूब सरगदूत अउर खजूरे क बृच्छ उकेरे ग रहेन।

21पत्तिर स्थान क दुआर ज ढाँचा वर्गाकार रहेन। सब स जियादा पवित्तर ठउरे क समन्वा अइसा कछू रहा जउन 22वेदी क नाईं काठे क बना देखात रहा। इ तीन हाथ ऊँच अउर दुइ हाथ लम्बा रहा। एकर कोनन, नेंव अउ पच्छ काठे क रहेन। उ मनई मोहसे कहेस, "इ मेज अहइ जउन यहोवा क समन्वा अहइ।"

23बीच क कमरा (पवित्तर ठउर) अउर परम पवित्तर ठउर दुइ दरवाजनवाला रहेन। 24एक दरवाजा दुइ नान्ह दरवाजन स बना रहा। हर एक दरवाजा फुरइ दुइ हिलत भए दरवाजन स रहा। 25बीच क कमरन (पवित्तर ठउर) क दरवाजन पइ करूब सरगदूत अउ खजूर क बृच्छ उकेरे ग रहेन। उ सबइ वइसे ही रहेन जइसे देवारन पइ उकेरे गवा रहेन। बाहेर कइँती प्रवेस कच्छ क बाहरी हीसें पइ काठे क नक्कासी रही। 26बाहेर तंग खिड़कियन अउर अन्दर चउड़ी खिड़कियन रहेन। अउर प्रवेस कच्छ क दुइनउँ कइँती, मन्दिर क बगल कमरन अउर देहली पइ खजूर क बृच्छ क तस्बीरन रहेन।

याजकन क कमरन

42 तब उ मनई मोका बाहरी आँगन मँ लइ गवा
जेकर सामना उत्तर क रहा। उ ओन कमरन मँ
लइ गवा जउन मन्दिर स आँगन क आर-पार अउर उत्तर
क भवनन क आर-पार रहेन। 2उत्तर कइँती क भवन सौ
हाथ लम्बा अउ पचास हाथ चउड़ा रहा। 3हुआँ भीतरी
आँगन क आगे बीस हाथ लम्बा खुला छेत्र अउर बाहरी
आँगन क आगे पक्का गल्यारा रहेन। ओन भवनन पइ तीन
तीन छज्जन रहेन। उ सबइ एक दूसर क आमने-समने रहेन।
4कमरन क समन्वा एक बिसाल कच्छ रहा। उ भीतर
पहोंचत रहा। इ दस हाथ चउड़ा, सउ हाथ लम्बा रहा।
ओकर दरवाजन उत्तर कइँती रहेन। 5ऊपर क कमरन जियादा
पातर रहेन काहेकि छज्जत बीच अउ निजली मंजिल स
जियादा जगाह घेरे रही। 6कमरन तीन मंजिलन पइ रहेन।
बाहरी आँगन खम्भन क तरह ओनकर खम्भन नाहीं रहेन।
एह बरे ऊपर क कमरन बीच अउ खाले क मंजिल क
कमरन स जियादा पाछे रहेन। 7बाहेर एक देवार रही। इ
कमरन क समानान्तर रही। इ कमरन क समन्वा बाहरी
आँगन तलक रहेन। इ पचास हाथ लम्बा रहा। 8कमरन क
कतार जउन कि बाहेरी आँगन कइँती गएन रहा पचास हाथ
लम्बी रही। मन्दिर क समन्वा क कमरन क कुल लम्बाई
सौ हाथ रहेन। 9एन कमरन क निचे एक प्रवेसपथ रहा जउन
बाहरी आँगन स होत भवा पूरब क लइ जात रहा। 10पूरब
क कइँती क आँगन क देवारन मँ, सटा भवा आँगन अउर
भवन क आपने-सामेन कमरन रहेन। 11हुआँ एक बिसाल
कच्छ रहा। उ सबइ उत्तर क कमरन क नाईं रहेन। ओन
सबइ क लम्बाइ अउ चउड़ाइ समान रहेन अउर उहइ तरह
दरवाजन रहेन। 12दक्खिन क कमरन क खाले एक दुआर
रहा जउन पूरब कइँती जात रहा। इ बिसाल कच्छ मँ
पहोंचावत रहा। दक्खिन क कमरन क आर-पार एक
विभाजक देवार रही।

13उ मनई मोहसे कहेस, "आँगन क आर-पार वाले
दक्खिन क कमरन अउ उत्तर क कमरन पवित्तर कमरन
अहइँ। इ सबइ ओन याजकन क कमरन अहइँ जउन यहोवा
क बलि-भेंट चढ़ावत हीं। उ सबइ याजक एन कमरन मँ
सबनत पवित्तर भेंट क खइहीं। उ पचे सब स जियादा
पवित्तर भेंट क हुवाँ रखिहीं। काहेकि इ जगाह पवित्तर
अहइ। सब स जियादा पवित्तर भेंटन इ सबइ अहइँः अन्न
भेंट, पाप बरे भेंट अउर अपराध भेंट। 14याजक पवित्तर छेत्र
मँ प्रवेस करिहीं। किन्तु बाहरी आँगन मँ जाइ क पहिले उ
पचे आपन सेवा-वस्त्र पवित्तर ठउर मँ रख देइहीं। काहेकि इ
समइ वस्त्र पवित्तर अहइँ। जदि याजक चाहत ह कि उ
मन्दिर क उ भाग मँ जाइ जहाँ दूसर लोग अहइँ तउ ओका
ओन कमरन मँ जाइ चाही अउर दूसर वस्त्र पहिर लेइ
चाही।"

मन्दिर क बाहरी हींसा

15उ मनई जब मन्दिर क बाहारी आगँन क नाप लेइ
खतम कइ चुका, तउ उ मोका उ फाटक स बाहेर लिआवा
जउन पूरब क रहा। उ मन्दिर क बाहेर चारिहुँ
कइँती नापेस। 16उ मनई नापदण्ड स, पूरब क सिरा क
नापेस। इ पाँच सौ छड़ लम्बा रहा। 17उ उत्तर क सिरे क
नापेस। इ पाँच सौ छड़ लम्बा रहा। 18उ दक्खिन क सिरे क
नापेस। इ पाँच सौ छड़ लम्बा रहा। 19उ पच्छिम क तरफ
चारिहुँ कइँती गवा अउर एका नापेस। इ पाँच सौ छड़ लम्बा
रहा। 20उ मन्दिर क चारिहुँ ओस स नापेस। देवार मन्दिर क
चारिहुँ ओर गइ रही। देवार पाँच सौ छड़ लम्बी अउर पाँच
सौ छड़ चउड़ी रही। इ पवित्तर स्थान क साधारण स्थान
अलागावइ बरे हुवाँ रही।

यहोवा आपन लोगन क बीच रही

43 उ मनई मोका फाटक तलक लइ गवा, उ फाटक
जउन पूरब क खुलत रहा। 2हुवाँ पूरब स इस्राएल
क परमेस्सर क महिमा उतरी। परमेस्सर क अवाज क
सोरमचावत भवा अधिक पानी आवाज़ क समान तेज रही।
परमेस्सर क महिमा स भुइँया प्रकास स चमक उठी। 3उ
दर्सन वइसा ही रहा जउन मइँ उ समइ लखेउँ जब उ नगर
विनास करइ बरे आवा रहा वइसा ही रहा। जइसा दर्सन मइँ
कबार नदी क किनारे लखे रहेउँ। अउर मइँ मुहँ क बल
धरती पइ गिर पड़इ गवा। 4यहोवा क महिमा, मन्दिर मँ उ
फाटक स आइ जउन पूरब क खुलत ह।

5तब आतिमा मोका ऊपर उठाएस अउर भीतरी आँगन मँ
लइ गइ। यहोवा क महिमा मन्दिर क भर दिहस। 6मइँ
मन्दिर क भीतर स कउनो क मोरे संग बातन करत सुनेउँ।
मनई मोर बगल मँ खड़ा रहा। 7मन्दिर मँ एक अवाज मोका
कहेस, "मनई क पूत, इहइ ठउर मोरे सिंहासन अउ पदपीठ
अहइ। मइँ इ ठउर पइ इस्राएल क लोगन मँ सदा रहब।
इस्राएल क परिवार मोरे पवित्तर नाउँ क फिन अपमान नाहीं
करी। राजा अउर ओनकर लोग मोरे पवित्तर नाउँ क
बिभिचारी स अउर आपन आपन उच्च ठउरे पइ राजा
लोगन क ल्हासन दफनाइके लज्जित नाहीं करिहीं। 8उ पचे
मोरे नाउँ क, आपन डवेढ़ी क मोर डवेढ़ी क संग बनाइके
अउर दुआर खम्भा क मोरे दुआर खम्भा क संग बनाइके
लज्जित नाहीं करिहीं। पुराने जमाने मँ सिरिफ एक देवार मोरे
घरे क ओनँस अलग करत रही। एह बरे उ पचे हर समइ
जब कबहुँ भी पाप अउर भयंकर कामन क किहेन तब मोरे
पवित्तर नाउँ क लज्जित किहन। इहइ कारण रहा कि मइँ
कोहाइ गएउँ अउर ओनका नस्ट किहेउँ। 9अब ओनका
बिभिचार क दूर करइ द्या अउर अपने राजा लोगन क
ल्हासन क मोका बहोत दूर लइ जाइ द्या। तब मइँ ओनके
बीच सदा रहब।

10"अब मनई क पूत, इस्राएल क परिवार स मन्दिर क
बारे मँ कहा। तब उ पचे आपन पापन पइ लज्जित होइहीं।
उ पचे मन्दिर क जोजना क बारे मँ सिखिहीं। 11उ पचे ओन
बुरे कामन बरे लज्जित होइहीं जउन उ पचे किहेन ह।
ओनका मन्दिर क आकृति समुझइ द्या। ओनका इ सीखइ
द्या कि उ कइसे बनी, ओकर प्रवेस दुआर, निकास दुआर
अउर एह पइ क सारी रूपकृतियन कहाँ होइहीं। ओनका
एकर सबहिं नेमन अउर विधियन क बारे मँ सिखावा अउर

एनका लिखा जेहसे उ पचे सबहिं एनका लखि सकइँ। तब
उ पचे मन्दिर क सबहिं नेमन अउर विधियन क पालन
करिहीं। तब उ पचे इ सब कछू कइ सकत हीं। 12मन्दिर
क नेम इ अहइ: पर्वत क चोटी पइ सारा छेत्र सब स
जियादा पवित्तर अहइ। इ मन्दिर क नेम अहइ।

वेदी

13“वेदी क नाप, लम्बा हाथ क नाप क अनुसार इ
अहइ: हाथ का नाप साधारण हाथ स चार अंगुल बड़ा राह।
वेदी क नेंव क चारिहुँ कइँती एक गन्दा नाला रहा। इ एक
हाथ गहिर अउर एक हाथ चउड़ा रहा। किनारा क चारिहुँ
कइँती एक बीत्ता ऊँचा पट्टी रहा। वेदी केतनी ऊँची रही, उ
इ रही। 14भुइँया स निचली किनारी तलक, नेवं क नाप दुइ
हाथ अहइ। इ एक हाथ चउड़ी रही। छोटी किनारी स बड़ी
किनारी तलक एकर नाप चार हाथ रही। इ दुइ हाथ चउड़ी
रही। 15वेदी पइ आगी क जगह चार हाथ ऊँच रही। वेदी
क चारिहुँ कोने सीगंन क आकार क रहेन। 16वेदी पइ
आगी क जगह बारह हाथ लम्बी अउर बारह हाथ चउड़ी
रही। इ पूरी तरह वर्गाकार रहा। 17किनारा भी वर्गाकार रही
अउर चौदह हाथ लम्बी अउर चउदह हाथ चउड़ी रही।
एकरे चारिहुँ ओर आधा हाथ चउड़ी एक पट्टी रही। (नेंव
क चारिहुँ कइँती गन्दी नाली एक हाथ चउड़ी रही।) वेदी
तलक जाइवाली सीढ़ियन पूरब दिसा मँ रहिन।”

18तब उ मनई मोहसे कहेस, “मनई क पूत, सुआमी
यहोवा इ कहत ह: ‘वेदी बरे इ सबइ नेम अहइँ। जउने दिन
इ होमबलि चढ़ावइ बरे अउर एह पइ खून बहावइ बरे
तइयार होइ जाइ तउ, 19तोहका लेवी कबीला क याजकन
क जउन कि सदोक क सन्तानन अहइ एक ठु जवान साँड़
देइ चाही। उ पचे ओन लोग अहइ जउन कि मोर बरे भेंट
क जराइके मोर सेवा किहेस।’” मोर सुआमी यहोवा इ
कहेस। 20“तू बैल क कछू खून लेब्या अउर वेदी क चारिहुँ
सींगन पइ, किनारे क चारिहुँ कोनन पइ अउर पट्टी क
चारिहुँ ओर डउब्या। इ तरह तू वेदी क पवित्तर करब्या अउर
एकरे बरे प्रायस्चित अदा करब्या। 21तू बैल क पाप बलि
क रूप मँ लेब्या। बैल, पवित्तर छेत्र क बाहेर, मन्दिर क
खास जगह पइ जरावा जाइ।

22“दूसर दिन तू बोकरा भेंट करब्या जेहमाँ कउनो दोख
नाहीं होइ। इ पाप बलि होइ। याजक वेदी क उहइ तरह
पवित्तर करी जउने तरह उ बैल स ओका पवित्तर किहस।
23जब तू वेदी क पवित्तर करब समाप्त कइ चुका तब
तोहका चाही कि तू एक दोख रहित जवान बैल अउर एक
दोख रहित भेड़ा बलि चड़ावा। 24तब याजक ओन पइ नून
छिछकारिहीं। तब याजक बैल अउर भेड़ा क यहोवा क
होमबलि क रूप मँ बलि चढ़इहीं। 25तू एक बोकरा हर रोज
सात दिन तलक, पाप बलि क बरे तइयार करब्या। तू एक
नवा बैल अउ झुण्ड स एक भेड़ा भी तइयार करब्या। बैल
अउ भेड़न मँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही। 26सात दिन
तलक याजक वेदी क पवित्तर करत रहिहीं। तब याजक वेदी
क समर्पित करिहीं। 27उ सबइ सात दिन पूरा होइ जइहीं।
अठएँ दिन अउर ओकरे आगे याजक क तोहार होमबलि
अउ मेलबलि वेदी पइ चढ़ाइ चाही। तब मइँ तोहका
अंगीकार करब।” मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।

बाहरी दुआर

44 तब उ मनई मोका मन्दिर क बाहरी फाटक, जेकर
सामना पूरब क अहइ, वापस लिआवा। अउर
बाहरी दुआर बन्द रहा। 2यहोवा मोहसे कहेस, “इ फाटक
बन्द रही। इ खोला नाहीं जाई। कउनो भी एहसे होइके
प्रवेस नाहीं करी। काहेकि इस्राएल क परमेस्सर यहोवा एहसे
प्रवेस कइ चुका अहइ। एह बरे इ बंद रहइ चाही। 3उ
लोगन क सासक इ जगह पइ तब बइठी जब उ यहोवा क
संग रोटी खाइ। उ फाटक क संग क प्रवेस कच्छ क
दुआर स प्रवेस करी तथा उहइ रास्ते स बाहेर जाइ।”

मन्दिर क पवित्तरता

4तब उ मनई मोका उत्तरी दुआर स मन्दिर क समन्वा
लिआवा। मइँ निगाह डाएउँ। अउर यहोवा क महिमा क
यहोवा क मन्दिर मँ भरत लखेउँ। मइँ मुँहे क बल धरती
पइ गिरि गवा। 5यहोवा मोहसे कहेस, “मनई क पूत, बहोत
सावधानी स लखा। आपन आँखिन अउर कानन क उपयोग
करा। एन चिजियन क लखा। मइँ तोहका मन्दिर क बारे मँ
सबहिं नेम-विधि बतावत हउँ। सावधानी क साथ मन्दिर क
प्रवेस-दुआर अउर पवित्तर ठउर स सबहिं निकासन क
लखा। 6तब इस्राएल क ओन लोगन क इ सँदेसा द्या
जउन मोर आग्या क पालन करइ स इन्कार कइ दिहे रहेन।
ओनसे कहा, मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, ‘इस्राएल क
परिवार, मइँ तोहरे जरिये कीन्ह गइ भयंकर करमन क
जरूरत स जियादा सहन किहेउँ ह। 7तू बिदेसियन क मोरे
मन्दिर मँ लिआया अउर ओन लोगन क फुरइ खतना नाहीं
भवा रहा। उ पचे पूरी हिरदय स मोरे बरे समर्पित नाहीं
रहेन। इ तरह तू मोरे मन्दिर क अपवित्तर किहे रह्या। तू
हमार करार क तोड़्या, भयंकर काम किहा अउ तब तू
आपन देवमूरतियन क मोर रोटी, चर्बी अउ खून चढ़ाएस।
किन्तु इ मोरे मन्दिर क गन्दा बनाएस। 8तू मोर पवित्तर
चिजियन क देखभाल नाहीं किहा। नाहीं, तू बिदेसियन क
मोरे मन्दिर बरे उत्तरदायी बनाया।’” 9मोर सुआमी यहोवा इ
कहत ह, “एक बिदेसी क जेकर खतना न भवा होइ, मोरे
मन्दिर मँ नाहीं आवइ चाही, ओन बिदेसियन क भी नाहीं,
जउन इस्राएल क लोगन क बीच स्थायी रूप स रहत हीं।
ओकर खतना जरूर होइ चाही अउर ओका मोरे बरे पूरी
तरह समर्पित होइ चाही, एकरे पूरब कि उ मोरे मन्दिर मँ
आवइ। 10पुराने जमाने मँ, लेबीबंसियन मोका तब छोड़
दिहन, जब इस्राएल मोरे खिलाफ होइ गवा रहा। इस्राएल
मोका आपन देवमूरतियन क अनुसरण करइ बरे छोड़ेस।
लेवी बंसी आपन पाप बरे दण्डित होइहीं। 11लेवी बंसी मोरे
पवित्तर ठउर मँ सेवा करइ बरे चुने ग रहेन। उ पचे मन्दिर
क फाटक क चौकीदारी किहन। उ पचे मन्दिर मँ सेवा
किहन। उ पचे बलियन तथा होमबलियन क जनावरन क
लोगन बरे मारेन। उ पचे लोगन क मदद करइ अउर

ओनकर सेवा बरे चुने गए रहेन। 12किन्तु ओन लेवी बंसियन
मोरे विरूद्ध पाप करइ मँ लोगन क सहायता किहन। उ
पचे लोगन क देवमूरतियन क पूजा करइ मँ सहायता
किहन। एह बरे मइँ ओनके विरूद्ध प्रतिग्या करत हउँ, 'उ
पचे आपन पाप बरे दण्डित होइहीं।'" मोर सुआमी यहोवा इ
बात कहेस ह। 13"एह बरे लेवीबंसी याजकन क रूप मँ मोर
लगे भेंट नाहीं लइहीं मोर सेवा करइहीं। उ पचे मोर कउनो
भी पवित्तर चीज या सब स जियादा पवित्तर वस्तु क नाहीं
चढ़ाइहीं। उ पचे आपन लज्जा क, जउन बुरे काम उ पचे
किहन, ओकरे कारण ढोइहीं। 14किन्तु मइँ ओनका मन्दिर
क देखभाल करइ देब। उ पचे मन्दिर मँ काम करिहीं अउर
उ सबइ काम करिहीं जउन एहमाँ कीन्ह जात हीं।

15"सबहिं याजक लेवी क परिवार समूह स अहइँ। किन्तु
जब इस्राएल क लोग मोरे विरूद्ध मोहसे दूर गएन तब
केवल सादोक परिवार क याजकन मोरे पवित्तर ठउर क
देखभाल किहेन। एह बरे केवल सादोक क बंसज ही मोका
भेंट लइहीं। उ पचे मोरे समन्वा खड़े होइहीं अउर आपन
बलि चढ़ाए गए जनावरन क चर्बी अउर खून मोका भेंट
करिहीं।" मोर सुआमी यहोवा इ कहेस। 16"उ पचे मोर
पवित्तर ठउर मँ प्रवेस करिहीं। उ पचे मोर मेज क लगे मोर
सेवा करइ अइहीं। उ पचे ओन चिजियन क देखभाल करिहीं
जेनका मइँ ओनका दिहेउँ। 17जब उ पचे भीतरी आँगन क
फाटकन मँ प्रवेस करिहीं तब उ पचे सन क वस्त्र पहिरहीं।
जब उ पचे भीतरी आँगन क फाटक अउर मन्दिर मँ सेवा
करिहीं, तब उ पचे ऊनी वस्त्र निहचित ही नाहीं पहिरहीं।
18उ पचे सन क पगड़ी अपने मूँड़े पइ धारण करिहीं, अउर
उ पचे सन क जाँघिया पहिरहीं। उ पचे अइसा कछू नाहीं
पहिरहीं जेहसे पसीना आवइ। 19उ पचे मोर सेवा करत समइ
क वस्त्र क, बाहरी आँगन मँ लोगन क लगे जाइ क
पहिले, उतारिहीं। तब उ पचे दूसर वस्त्र पहिरहीं। इ तरह उ
पचे लोगन क ओन पवित्तर वस्त्रन क छुअइ नाहीं देइहीं।

20"उ पचे याजकन क आपन मूँड़े क बाल मुड़वाइ नाहीं
चाही अउर न ही आपन बालन क बहोत बढ़इ देइ चाही।
याजक आपन मूँड़े क बालन क सिरिफ छँटाई कइ सकत
हीं। 21कउनो भी याजक उ समइ दाखरस नाहीं पी सकत
जब उ पचे भीतरी आँगन मँ जात ह। 22याजक क बिधवा
स या तलाक मिली मेहरारू स बियाह नाहीं करइ चाही।
नाहीं, उ पचे क सिरिफ इस्राएल क परिवार क कुँवारी
कन्या स बियाह करइ चाही। या उ पचे कउनो याजकन क
बिधवा स बियाह कइ सकत ह।

23"याजक मोरे लोगन क पवित्तर चिजियन अउर जउन
चिजियन पवित्तर नाहीं अहइँ, क बीच अन्तर क बारे मँ भी
सिच्छा देइहीं। उ पचे मोरे लोगन क, जउन सुद्ध अउर
जउन सुद्ध नाहीं अहइ, क जानकारी करइ मँ मदद देइहीं।
24याजक कचहरी मँ निआउ क जज होइ। उ पचे लोगन
क संग निआउ करत समइ मोरे नेम क अनुसरण करिहीं।
उ पचे मोर बिसेस दावतन क समइ मोरे नेम-विधियन क
पालन करिहीं। उ पचे मोर बिसेस विस्राम क दिनन क
सम्मान करिहीं अउर ओनका पवित्तर रखिहीं। 25उ पचे मनई
क ल्हास क लगे जाइके आपन क अपवित्तर करइ नाहीं
जइहीं। किन्तु उ पचे तब अपने क अपवित्तर कइ सकत हीं
जदि मरइवाला मनई पिता, माता, पूत, बिटिया, भाई या बिन
ब्याही बहिन होइ। इ सबइ याजक क अपवित्तर बनाई।
26सुद्ध कीन्ह जाइ क पाछे याजक क सात दिन तलक
प्रतीच्छा करइ चाही। 27तब इ पवित्तर ठउर क लउट सकत
ह। किन्तु जउने दिन उ भीतरी आँगन क पवित्तर ठउर मँ
सेवा करइ जाइ, ओका पाप बलि अपने बरे चढ़ावइ चाही"
मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।

28"लेवीबंसियन क आपन भुइँया क बारे मँ: मइँ ओनकर
सम्पत्ति हउँ। तू लेवीबंसियन क कउनो सम्पत्ति इस्राएल मँ
नाहीं देब्या। मइँ इस्राएल मँ ओनकर हीसंन मँ हउँ। 29उ
पचे अन्नबलि, पापबलि, दोखबलि खाइ क बरे पइहीं। जउन
कछू इस्राएल क लोग यहोवा क देइहीं, उ ओनकर होइ।
30हर तरह क तइयार फसल क पहिला भाग याजकन बरे
होइ। तू आपन साने आटे क पहिला हींसा भी याजक क
देब्या। इ तोहरे परिवार पइ आसीर्वाद क बर्खा करी।
31याजक क उ पंछी या जनावर नाहीं खाइ चाही जेकर
अपने आप मउत होइ या जउन जंगली जनावर क जरिये
टूका टूका कइ दीन्ह ग होइ।

पवित्तर काम क उपयोग बरे भुइँया क बटवारा

45 "तू इस्राएल क परिवार समूह बरे भुइँया क
विभाजन पाँसा लोकाइके करब्या। उ समइ तू
भुइँया क एक हींसा अलग करब्या। इ यहोवा बरे पवित्तर
हीसां होइ। भुइँया पच्चीस हजार हाथ लम्बी अउर दस हजार
हाथ चउड़ी होइ। इ पूरी भुइँया पवित्तर होइ। 2पाँच सौ हाथ
लम्बा अउर पाँस सौ हाथ चउड़ा वर्गाकार भुइँया मन्दिर बरे
होइ। मन्दिर क चारिहुँ कइँती पचास हाथ चउड़ा क एक ठु
खुला छेत्र होइ। 3बहोत पवित्तर ठउर मँ तू पचीस हजार
हाथ लम्बा अउर दस हजार हाथ चउड़ा नपब्या। मन्दिर इ
छेत्र मँ होइ। मन्दिर क छेत्र सब स जियादा पवित्तर ठउर
होइ। 4इ भुइँया क पवित्तर भाग मन्दिर क सेवक याजकन
बरे होइ जहाँ उ पचे परमेस्सर क समीप सेवा करइ आवत
हीं। इ याजकन क घरन अउर मन्दिर बरे होइ। 5दूसर छेत्र
पच्चीस हजार हाथ लम्बा अउर दस हजार हाथ चउड़ा ओन
लेवीबंसियन क बरे होइ जउन मन्दिर मँ सेवा करत हीं। इ
भुइँया भी लेवीबंसियन क, ओनके रहइ क नगरन बरे, होइ।
6तू नगर क पाँच हजार हाथ चउड़ा अउर पच्चीस हजार
हाथ लम्बा छेत्र देब्या। इ पवित्तर छेत्र क सहारे होइ। इ
इस्राएल क पूरे परिवार बरे होइ। 7सासक पवित्तर ठउर अउ
नगर क आपन भुइँया क दुइनउँ कइँती क भुइँया अपने
लगे रखी। इ परित्र छेत्र अउ नगर क छेत्र क बीच मँ
होइ। इ उहइ चउड़ाई क होइ जउन चउड़ाई परिवार समूह
क भुइँया क अहइ। इ लगातार पच्छिमी सीमा स पूर्वी सीमा
तलक जाइ। 8इ भुइँया इस्राएल मँ सासक क सम्पत्ति होइ।
इ तरह सासक क मोर लोगन क जीवन क भविस्स मँ
कस्ट देइवाला बनावइ क जरूरत नाहीं होइ। किन्तु उ पचे
भुइँया क इस्राएलियन क बरे ओनके परिवार समूहन क
देइहीं।"

9मोर सुआमी यहोवा इ कहेस, "इस्राएल क सासको,
बहोत होइ चुका। क्रूर होब अउर लोगन स चिजियन
चुराउब, छोड़ा। निआउवाला बना अउर अच्छे काम करा।
हमरे लोगन क आपन घरन स बाहेर जाइ बरे बलपूर्वक
मजबूर न करा।" मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।
10"लोगन क ठगब बन्द करा। सही बाटन अउ आपन
क उपयोग करा। 11एपा (सूखी चिजियन क बाट) अउ बथ
(दूत क मापक) एक ही तरह होइ चाही। एक बथ अउ
एपा दुइनउँ एक क दसवाँ भाग होमर क बराबर होइ चाही।
उ सबइ मापक होमर पइ आधारित होइहीं। 12एक सेकेल
बीस गेरा क बराबर होइ चाही। एक मिना साठ सेकेल क
बराबर होइ चाही। इ बीस सेकेल जमा पचीस सेकेल जमा
पन्द्रह सेकेल क बराबर होइ चाही।
13"इ खास भेंट अहइ जेका तोहका देइचाही। एक क
छठा भाग एपा गोहूँ क हर एक होमर गोहूँ बरे अउर एक
क छठा भाग एपा जउन क हर एक होमर जौ क बरे देइ
चाही। 14एक बथ क दसवाँ हींसा जइतून क तेल, हर एक
कोर जइतून क तेल क बरे द्या। याद राखा दस बथ क
एक होमरा अउर एक होमर क एक कोर होत ह। 15एक ठु
भेड़, हर एक दुइ सौ भेड़िन स इस्राएल क सबन्त अच्छा
घास क मनइयन स। "इ सबइ बिसेस भेंटन अन्नबलि,
होमबलि अउर मेलबलि क बरे अहइँ। इ सबइ भेंटन लोगन
क प्रायस्चित बरे अहइँ।" मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।
16"देस क हर एक मनई इस्राएल क सासक क बरे इ भेंट
देइ। 17किन्तु सासक क विसेस पवित्तर दिनन बरे जरूरी
चिजियन देइ चाही। सासक क होमबलि, अन्नबलि अउर
पेय भेंट क बियवस्था दावत क रिन, नवचन्द्र सबित अउ
इस्राएल क परिवार क सबहिं बिसेस दावतन बरे करइ
चाही। सासकन क सबहिं पापबलि, अन्नबलि, होमबलि,
मेलबलि जउन इस्राएल क परिवार क पवित्तर करइ बरे
उपयोग कीन्ह जात ह क समेत सबहिं बलियन देइ चाही।"
18मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन बताएस, "पहिले महीने
मँ, महीने क पहिले दिन तू एक दोख रहित भवा जवान बैल
लेब्या। तोहका उ बैल क उपयोग मन्दिर क पवित्तरीकरण
करइ बरे करइ चाही। 19याजक कछू खून पाप बरे भेंट स
लेइ अउर एका मन्दिर क दुआर खम्भन अउर वेदी क
किनारी क चारिहुँ कोनन अउ भीतरी आँगन क फाटक क
खम्भन पइ डाइ। 20तू इहइ काम महीने क सतएँ दिन उ
मनई बरे करब्या जउन गल्ती स या अनजाने मँ पाप कइ
दिहे होइ। इ तरह तू मन्दिर बरे प्रायस्चित करब्या।"

फसह पर्व क दावत क समय भेंट

21"पहिले महीने क चौदहवें दिन तोहका सात दिन तलक
फसह पर्व मनावई चाही। उ समइ मँ बेखमीरी रोटी खाइ
चाही। 22उ समइ सासक एक बैल अपने बरे तथा इस्राएल
क लोगन क बरे भेंट करी। बैल पापबलि बरे होइ।
23दावत क सात दिन तक सासक दोख रहित सात बैल अउ
सात भेड़न भेंट करी। उ पचे यहोवा क होमबलि होइहीं।
सासक उत्सव क सात दिन हर रोज एक बैल भेंट करी
अउर उ पाप बलि बरे हर एक दिन एक बोकरा भेंट करी।
24सासक एक एपा जौ हर एक बैल क संग अन्नबलि क
रूप मँ, अउर एक एपा जौ हर एक भेड़ा क साथ भेंट
करी। सासक क एक हीन तेल हर एक एपा अन्न क बरे
देइ चाही। 25सातवें महीनें के पन्द्रहवें दिन स सरण क
उत्सव अहइ। किन्तु सासक क इहइ काम उत्सव क सात
दिन तलक करइ चाही। इ सबइ भेंटन पापबलि, होमबलि,
अन्नबलियन अउ तेल-भेंटन जरूर चढ़ावइ चाही।"

सासक अउ त्यौहार

46 मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, "भीतरी आँगन
क पूर्वी फाटक काम क छ: दिनन मँ बन्द रही।
किन्तु इहइ सबित क दिन अउर नवचन्द्र क दिन खुली।
2सासक फाटक क प्रवेस कच्छ स अन्दर आइ अउर उ
फाटक क खम्भा क सहारे खड़ा होइ। तब याजक क
होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाई। सासक फाटक क डेवढ़ी पइ
उपासना करी। तब उ बाहेर जाई। किन्तु फाटक साँझ होइ
तलक बन्द नाहीं होइ। 3उ देस क लोग भी यहोवा क
सम्मुख जहाँ फाटक सबित क दिन अउर नवचन्द्र क दिन
खुलत ह, उहइँ उपासना करी। 4सासक सबित क दिन
यहोवा क होमबलि चढ़ाई। ओका दोख रहित छ: मेमनन
अउर दोख रहित एक भेड़ा देइ चाही। 5ओका एक एपा
अन्नबलि भेड़ा क साथ देइ चाही। सासक ओतनी अन्नबलि
मेमनन क साथ देइ, जेतनी उ दइ सकत ह। ओका एक
हिन जैतून क तेल हर एक एपा अन्न क साथ देइ चाही।
6"नवचन्द्र क दिन ओका एक बैल भेंट करइ चाही, जेहमाँ
कउनो दोख न होइ। उ छ: मेमनन अउ एक भेड़ा, जेहमाँ
कउनो दोख न होइ, भी भेंट करी। 7सासक क, बैल क
संग एक एपा अन्नबलि अउर एक एपा अन्नबलि भेड़ा क
साथ देइ चाही। सासक क हरेक मेमना क संग जेतना होइ
सकइ देइ चाही तथा हर एक एपा अन्न बरे एक हिन तेल
ओका जरूर चढ़ावइ चाही।
8"सासक पूर्बी फाटक ओसारा स होइके अन्दर जाइ
चाही अउर उहइ रास्ता स होइके वापिस बाहर जाइ चाही।
9जब देस क लोग बिसेस त्यौहार पइ यहोवा मिलइ बरे
आइहीं तउ जउन कउनो भी उत्तर फाटक स उपासना करइ
बरे अन्दर आवत हीं तउ ओका दक्खिन फाटक स होइके
बाहेर जाइ चाही। अउर जउन कउनो दक्खिन फाटक स
उपासना करइ बरे आवत हीं तउ ओका उत्तर फाटक स
होइके बाहेर जाइ चाही। कउनो भी उहइ मार्ग स नाहीं
लउटि जेहसे उ प्रवेस किहे रहेन। हरेक मनई क सोझे आगे
बढ़इ चाही। 10जब लोग अन्दर जइहीं तउ सासक अन्दर
जाइ। जब उ पचे बाहेर अइहीं तब सासक बाहेर जाइ।
11दावतन अउ बिसेस बइठकन क अवसर पइ एका एपा
अन्नबलि हर बैल क संग चढ़ाई जाइ चाही। एक एपा
अन्नबलि हर भेड़ा क संग चढ़ाई जाइ चाही अउ हर एक
मेमना क संग ओका जेतना जियादा उ दइ सकइ देइ चाही।
ओका एक हिन तेल हर अन्न क एक एपा क बरे देइ
चाही। 12जब सासक यहोवा क स्वेच्छा भेंट करत ह, इ
होमबलि, मेलबलि या स्वेच्छा भेंट होइ सकत ह, चढ़ाई तउ
उसके बरे पूर्व क फाटक खुली। तब उ आपन होमबलि

अउर आपन मेलबलि क सबित क दिन क तरह चढ़ाई। जब उ जाई ओकरे पाछे फाटक बन्द होई।

नित्य भेंट

13“तू दोख रहित एक बरिस का एक मेमना देब्या। इ प्रतिदिन यहोवा क होम बलि बरे होइ। प्रत्येक भिन्सारे तू एका देब्या। 14तू हर एक भिन्सारे मेमना क संग अन्नबलि भी चढ़उब्या। तू एक क छठा भाग एपा आटा अउ एक क तीसरा भाग हिन तेल नीक आटा क चिकना करइ बरे, देब्या। इ यहोवा क हमेसा अन्नबलि होइ। 15इ तरह उ पचे सदा ही मेमना, अन्नबलि अउ तेल, होमबलि बरे हर भिन्सारे देत रहिहीं।”

आपन सन्तान क सासक क जरिये भुइँया देइ क नेम

16मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, “जदि सासक आपन भुइँया क कउनो हींसा क आपन पूतन क मीरास क रूप मँ देत ह तउ उ ओकर पूतन क होइ। इ ओनकर सम्पत्ति अहइ। 17किन्तु जदि कउनो सासक आपन भुइँया क कउनो भाग क आपन गुलाम क मीरास क रूप मँ देत ह तउ उ मीरास ओकरे पास जुबली क बरिस तलक होइ। तब ओकरे पाछे मीरास सासक क वापस होइ जाइ। सिरिफ राजा क पूत ही ओकरी भुइँया क मीरास क अपने लगे रख सकत ही। 18अउर सासक लोगन क भुइँया क कउनो भी हींसा नाहीं लेइ अउर न ही ओनका आपन भुइँया छोड़इ क मजबूर करी। ओका आपन भुइँया क कछू हींसा आपन पूतन क देइ चाही। इ तरह स हमार लोग आपन भुइँया स बंचित होइ बरे मजबूर नाहीं कीन्ह जइहीं।”

विसेस रसोई घर

19उ मनई मोका दुआर स फाटक क बगल मँ लइ गवा। उ मोका याजकन क उत्तर मँ पवित्तर कमरन कइँती लइ गवा। मइँ हुवाँ बहोत दूर पच्छिम मँ एक ठउर लखेस। 20उ मनई मोहसे कहेस, “इहइ उ ठउर अहइ जहाँ याजक दोखबलि अउ पाप बलि क पकइहीं। हिअँइ पइ याजक अन्नबलि क पकइहीं। काहे? जेहसे ओनका ओन भेंटन क बाहरी आँगन मइ लइ जाइ क जरूरत न रहइ। इ तरह उ पचे ओन पवित्तर चिजियन क बाहेर नाहीं लइहीं जहाँ साधारण लोग होइहीं।” 21तब उ मनई मोका बाहरी आँगन मँ लिआवा। उ मोका आँगन क चारिहुँ कोनन मँ लइ गवा। आँगन क हर एक कोने मँ एक नान्ह आँगन रहा। 22आँगन क कोनन मँ नान्ह आँगन रहेन। हर एक नान्ह आँगन चालीस हाथ लम्बा अउर तीस हाथ चउड़ा रहा। चारिहुँ कोनन क नाप समान रही। 23भीतर एन नान्ह आँगनन क चारिहुँ कइँती ईंटन क एक देवार रही। हर एक देवार मँ भोजन पकावइ क ठउर बरे रहेन। 24उ मनई मोहसे कहेस, “इ सबइ रसोइयाँ अहइँ जहाँ उ पचे लोग जउन मन्दिर क सेवा करत ही, लोगन बरे बलि पकइहीं।”

मन्दिर स बहत जल

47 उ मनई मन्दिर क दुआर पइ मोका वापस लइ गवा। मइँ मन्दिर क पूर्वी डेवढ़ी क खाले स पानी आवत लखेउँ। (मन्दिर क सामना मन्दिर क पूर्वी कइँती अहइ।) पानी मन्दिर क दक्खिनी छोर क खाले स वेदी क दक्खिन मँ बहत रहा। 2उ मनई मोका उत्तर फाटक स बाहेर लिआवा अउर बाहरी फाटक क पूरब तरफ चारिहुँ कइँती लइ गवा। दक्खिन कइँती स पानी बहत रहा। 3उ मनई पूरब कइँती हाथ मँ नापइ क फीता लइके बढ़ा। उ एक हजार हाथ नापेस। तब उ मोका उ जगह स पानी स होइके चलइ क कहेस। हुवाँ पानी सिरिफ मोरे टकने तलक गहिर रहा। उ मनई दूसर एक हजार हाथ नापेस। तब उ उ जगह पइ पानी स होइके चलइ क कहेस। हुवाँ पानी मोरे घुटना तलक आवा। 4तब उ मनई दूसर एक हजार हाथ नापेस तउ उ मोका उ जगह पइ पानी स होइके चलइ क कहेस। हुवाँ पानी मोरे घुटनन तलक रहा। तउ मनई दूसर एक हजार हाथ नापेस अउर मोका उ जगह पइ पानी स होइके चलइ क कहेस। हुआँ पानी मोरे कमर तलक रहा। 5उ मनई दूसर एक हजार हाथ नापेस। किन्तु हुवाँ पानी एतना गहिर रहा कि पार न कीन्ह जाइ सकइ। इ एक नदी बन गवा। पानी तैरइ बरे पर्याप्त गहिर रहा। इ नदी एतनी गहिर रही कि पार नाहीं कइ सकत रहेन। 6तब उ मनई मोहसे कहेस, “मनई क पूत, का तू जउन चिजियन क लखेस, ओन पइ गहराई स धियान दिहेस?”

तब उ मनई नदी क किनारे क साथ मोका वापस लइ गवा। 7जइसे मइँ नदी क किनारे स वापस चला, मइँ पानी क दुइनउँ कइँती बहुत जियादा बृच्छ लखेउँ। 8उ मनई मोहसे कहेस, “इ पानी पूरब क अरबा घाटी क तरफ खाले बहत ह। पानी मृत सागर मँ पहोचत ह। उ सागर मँ पानी स्वच्छ अउ ताज होइ जात ह। 9इ नदी जहाँ भी बहत ह, जिन्नगी लावत ह। इ पानी मँ बहोत मछरियन अहइँ अउर जहाँ इ नदी जात ह हुवाँ बहोत प्रकार क जानवर रहत हीं। 10तू मछूआरन क लगातार एनगदी स एनेग्लेम तलक खड़ देख सकत ह। तू ओनका आपन मछरी क जाल फेंकत अउर कईउ तरह क मछरियन धरत लख सकत ह। मृत सागर मँ ओतनी ही प्रकार क मछरियन अहइँ जेतने प्रकार क भूमध्य सागर मँ। 11किन्तु दलदल अउ गड़हन क पहँटा क प्रदेस क नान्ह छेत्र अनुकूल नाहीं बनाइ जाइ सकतेन। उ पचे नमक बरे छोड़े जइहीं। 12हर तरह क फलदार बृच्छ नदी क दुइनउँ ओर उगत हीं। एनकर पत्तन कबहुँ झुरातेन अउ मरतेन नाहीं। एन बृच्छन पइ फल लगब कबहुँ रूकत नाहीं। बृच्छ हर महीने फल पैदा करत हीं। काहेकि बृच्छन बरे पानी मन्दिर स आवत ह। बृच्छन क फल भोजन बनी, अउर ओनकर पातियन औसधियन होइहीं।”

परिवार समूहन बरे भुइँया क बटवारा

13मोर सुआमी यहोवा इ कहत ह, “इ सबइ सीमन इस्राएल क बारह परिवार समूहन मँ भुइँया क बरे अहइँ। यूसुफ क दुइ भाग मिलिहीं। 14तू भुइँया क बराबर बँटब्या। मइँ इ भुइँया क तोहरे पुरखन क देइ क बचन दिहे रहेउँ। एह बरे मइँ इ भुइँया क तोहका देत रहत हउँ। 15हिआँ भुइँया क दुइ सीमा अहइँ। उत्तर कइँती इ सीमा भूमध्य सागर स हेतलोन होइके जात ह जहाँ सड़क हमात अउ

सदाद तलक 16बेरोता, सिब्रैम (जउन दमिस्क अउ हमात क
सीमा क बीच अहइ) अउर हसर्हत्तीकोन जउन हौसन क
सीमा पइ अहइ, कइँती मुड़त ह। 17एह बरे सीमा समुद्र स
हसरेनोन तलक जाइ जउन दमिस्क अउर हमात क उत्तरी
सीमा पइ अहइ। इ उत्तर कइँती होइ।
18"पूरब कइँती, सीमा हसरेनोन स हौरान अउ दमिस्क
जाइ अउ यरदन नदी क सहारे गिलाद अउर इस्राएल क
भुइँया क बीच पूरबी समुद्र तलक लगातार, तामार तलक
जाइ। इ पूरबी सीमा होइ।
19"दक्खिन कइँती, सीमा तामार स लगातार मरीबोत
कादेस क नखलिस्तान तलक जाइ। तब इ मिस्र क नाले क
सहारे भूमध्य सागर तलक जाइ। इ दक्खिनी सीमा होइ।
20"पच्छिमी कइँती, भूमध्य सागर लगातार हमात क
समन्वा क छेत्र तलक सीमा होइ। इ तोहार पच्छिमी सीमा
होइ।
21"इ तरह तू इ भुइँया क इस्राएल क परिवार क
समूहन मँ बँटब्या। 22तू एका आपन सम्पत्ति अउर आपन
बीच रहइवाले विदेसियन क सम्पत्ति क रूप मँ जेनकर
गदेलन तोहरे बीच रहत हीं, बँटब्या। इ सबइ बिदेसी निवासी
होइहीं, इ सबइ स्वाभाविक जनम स इस्राएली होइहीं। तू
कछू भुइँया इस्राएल क परिवार समूहन मँ स ओनका
बँटब्या। 23कउनो भी कबीला जेहमाँ बिदेसी नागरिकन
निवास करिहीं, ओनका ओनकर मीरास मिलइ चाही। मोर
सुआमी यहोवा इ कहेस ह।

इस्राएल क परिवारसमूह बरे भुइँया

48 1-7उत्तरी सीमा भूमध्य सागर स पूरब हेतलोन स
हमात दर्सा अउ तब लगातार हसेसोन तलक जात
ह। इ दमिस्क अउर हमात क सीमन क बीच अहइ। परिवार
समूहन मँ स इ समूह क भुइँया एन सीमन क पूरब स
पच्छिम क जाइ। उत्तर स दक्खिन, इ छेत्र क परिवार-समूह
अहइँ, दान, आसेर, नप्ताली, मनस्से, एप्रैम, रूबेन यहूदा।

भुइँया क खास भाग

8भुइँया क अगला छेत्र खास उपयोग बरे होइ। इ भुइँया
यहूदा क भुइँया क दक्खिन मँ अहइ। इ छेत्र उत्तर स
दक्खिन तलक पच्चीस हजार हाथ लम्बा अहइ अउर पूरब
स पच्छिम तलक, इ ओतना चउड़ा होइ जेतना दूसर परिवार
समूहन क होइ मन्दिर भूइँया क इ विभाग क बीच होइ।
9तू इ भुइँया क यहोवा क समर्पित करब्या। इ पच्चीस हजार
हाथ लम्बा अउर दस हजार हाथ चउड़ा होइ। 10भुइँया क
इ खास छेत्र याजकन अउ लेविबंसियन मँ बँटी। याजक इ
छेत्र क एक हींसा पइहीं। इ भुइँया उत्तर कइँती पचीस हजार
हाथ लम्बी, पच्छिम कइँती दस हजार हाथ चउड़ी, पूरब
कइँती दस हजार हाथ चउड़ी अउर दक्खिन कइँती पचीस
हजार हाथ लम्बी होइ। भुइँया क इ छेत्र क बीच यहोवा क
मन्दिर होइ। 11इ भुइँया सादोक क बंसजन क बरे अहइ। इ
सबइ मनई मोर पवित्तर याजक होइ बरे चुने ग रहेन।
काहेकि इ पचे तब भी मोर सेवा करब जारी राखेस जब
इस्राएल क दूसर लोग मोका छोड़ दिहन। सादोक क
परिवार मोका लेवी परिवार-समूह क दूसर लोगन क तरह
नाहीं छोड़ेस। 12इ पवित्तर भू-भाग क खास हींसा बिसेस
रूप स एन याजकन क होइ। इ लेवीबंसियन क भुइँया स
लगा भवा होइ।
13"याजकन क भुइँया स लगी भूमि क लेवीबंसी आपन
हींसा क रूप मँ पइहीं। इ पच्चीस हजार हाथ लम्बी, दस
हजार हाथ चउड़ी होइ। उ पचे उ पूरी भुइँया क जउन
पच्चीस हजार हाथ लम्बी अउ दस हजार हाथ चउड़ी होइ
पइहीं। 14लेवीबंसी इ भुइँया क कउनो हींसा न तउ बेचिहीं,
न ही बइपार करिहीं। उ पचे इ भुइँया क कउनो भी हींसा
क बेचइ क अधिकार नाहीं रखतेन। उ पचे इ भुइँया क
कउनो भी हींसा क अदल बदल नाहीं कइ सकत ह। एका
दूसर क हाथन क हस्तान्तरित नाहीं होवइ चाही। काहेकि इ
भुइँया यहोवा क अहइ। इ सब स परम पवित्तर अहइ।

नगर सम्पत्ति बरे हींसन

15"भुइँया क एक छेत्र पाँच हजार हाथ चउड़ा अउर
पचीस हजार हाथ लम्बा होइ जउन याजकन अउ लेवीबंसियन
क दीन्ह गइ भुइँया स अतिरिक्त होइ। इ भुइँया नगर,
पसुअन क चरागाह अउ घर बनावइ बरे होइ सकत ह।
साधारण लोग एकर उपयोग कइ सकत हीं। नगर एकरे
बीच मँ होइ। 16नगर क नाप इ अहइः उत्तर कइँती इ साढ़े
चार हजार हाथ होइ। पूरब कइँती इ साढ़े चार हजार हाथ
होइ। दक्खिन कइँती इ साढ़े चार हजार हाथ होइ। पच्छिम
कइँती इ साढ़े चार हजार हाथ होइ। 17नगर क चरागाह
होइ। इ सबइ चरागाहन ढाई सौ हाथ उत्तर कइँती, ढाई सौ
हाथ दक्खिन कइँती होइ। उ सबइ ढाई सौ हाथ पूरब कइँती
तथा ढाई सौ हाथ पच्छिम कइँती होइ। 18पवित्तर छेत्र क
संग जउन हींसा बची, उ दस हजार हाथ पूरब मँ अउर दस
हजार हाथ पच्छिम मँ होइ। इ भुइँया पवित्तर छेत्र क बगल
मँ होइ। इ भुइँया नगर क मजदूरन बरे अन्न पइदा करी।
19नगर क मजदूर एहमाँ खेती करिहीं। मजदूर इस्राएल क
सबहिं परिवार समूहन मँ स होइहीं।
20"इ भुइँया क बिसेस छेत्र वर्गाकार होइ। इ पचीस
हजार हाथ लम्बा अउर पचीस हजार हाथ चउड़ा होइ। इ
पवित्तर छेत्र अहइ, जेहमाँ नगर बरे दीन्ह गवा हींसा सामिल
अहइ।
21-22"इ खास भुइँया क एक हींसा देस क सासक क
बरे होइ। इ बिसेस भुइँया क छेत्र वर्गाकार अहइ। इ पचीस
हजार हाथ लम्बा अउर पचीस हजार हाथ चउड़ा अहइ।
एकर एक हींसा याजकन बरे, एक हींसा लेवीबंसियन बरे
अउर एक हींसा मन्दिर बरे अहइ। मन्दिर इ भुइँया छेत्र क
बीच मँ अहइ। सेस भुइँया देस क सासक क अहइ। सासक
बिन्यामीन अउर यहूदा क भुइँया क बीच क भुइँया पाइ।
23-27"बिसेस छेत्र क दक्खिन मँ उ परिवार-समूह क
भुइँया होइ जउन यरदन नदी क पूरब मँ रहत रहा। हर
परिवार-समूह उ भुइँया क एक हींसा पाइ जउन पूर्वी सीमा
स भूमध्य सागर तलक गइ अहइ। उत्तर स दक्खिन क इ
सबइ परिवार-समूह अहइँ: बिन्यामीन, सिमोन, इस्साकर,
जबूलून अउ गाद।

28“गाद क भुइँया क दक्खिनी सीमा तामार स मरीबोत-कादेस
क नखलिस्तान तलक जाइ। तब मिस्र क नाले स भूमध्य
सागर तलक पहोंची। 29अउर इहइ उ भुइँया अहइ जेका तू
इस्राएल क परिवार मँ बटँब्या। उहइ हर एक परिवार-समूह
पाई।” मोर सुआमी यहोवा इ कहेस।

नगर क फाटक

30“नगर क इ सबइ फाटक अहइँ। फाटकन क नाउँ
इस्राएल क परिवार समूहन क नाउँ पइ होइहीं। “उत्तर कइँती
नगर साढ़े चार हजार हाथ लम्बा होइ। 31ओहमाँ तीन
फाटक होइहीं। रूबेन क फाटक, यहूदा क फाटक
अउर लेवी क फाटक। 32पूरब कइँती नगर साढ़े चार हजार
हाथ लम्बा होइ। ओहमाँ तीन फाटक होइहीं: यूसुफ क
फाटक, बिन्यामीन क फाटक अउर दान क फाटक।

33“दक्खिन कइँती नगर साढ़े चार हजार हाथ लम्बा होइ।
ओहमाँ तीन फाटक होइहीं। सिमोन क फाटक, इस्साकर क
फाटक अउर जबूलून क फाटक।

34“पच्छिम कइँती नगर साढ़े चार हजार हाथ लम्बा होइ।
एहमाँ तीन फाटक होइहीं: गाद क फाटक, आसेर क
फाटक अउर नप्ताली क फाटक।

35“नगर क चारिहुँ ओर क दूरी अट्ठारह हजार हाथ
होइ। अब स आगे नगर क नाउँ होइ: यहोवा हिआँ अहइ।

विलापगीत

आपन बिनास पइ यरूसलेम क विलाप

1 यरूसलेम क अकेल्ला काहे छोड़ दीन्ह ग ह, इ नगर
जउन कि एक समइ लोगन क भीड़ स भरी पड़ा रहेन?
एक समइ उ रहा जब देसन क बीच यरूसलेम महान नगरी
रही। किन्तु आजु उहइ अइसी होइ गइ अहइ जइसी कउनो
राँड़ होत ह। उ समइ रहा जब देसन क बीच उ एक ठु
राजकुमारी स देखात रहे। किन्तु आजु उहइ नगरी दास बनाइ
दिन्ह ग अहइ।
2राति मँ उ बुरी तरह रोवत ह अउर ओकर आँसू गालन
पइ टिके भए अहाइँ। किन्तु ओकर कउनो भी प्रेमी ओका
दिलासा नाहीं देत ह। ओकर सबहि मीतन ओका दागा दिहस
ह। ओकर मीत ओकर दुस्मन बन गएन।
3बहोत कस्ट सहइ क पाछे यहूदा बँधुआ बन गइ। यहूदा
दूसर देसन क बीच रहत ह, किन्तु उ आराम नहीं पाएस ह।
जउन लोग ओकरे पाछे पड़ा रहेन, उ पचे ओका धइ
लिहन। उ पचे ओका सँकरी घाटियन क बीच मँ पकड़
लिहन।
4सिय्योन क राहन बहोत दु:ख स भरी अहइँ। उ पचे
बहोत दु:खी अहउँ काहेकि अब उत्सव क दिनन क बरे
कउनो भी मनई सिय्योन पइ नाहीं जात ह। सिय्योन क सारे
दुआर नस्ट कइ दीन्ह गएन ह। सिय्योन क सबइ याजक
कराहत हीं। सिय्योन क चारिहूँ कइँती क गाँव खाली अहइँ।
सबहिं लोगन क बंदी बना लीन्ह गएन ह। सिय्योन गहिर
दु:ख मँ अहइ।
5यरूसलेम क दुस्मन विजयी अहइँ। ओकर दुस्मन सफल
होइ गवा अहइँ, काहेकि यहोवा, ओका ओकर बहोत सारी
पापन बरे दण्ड दिहस। दुस्मन ओकर सन्तान क बंदी बना
लीन्ह ह।
6सिय्योन क बिटिया क खुबसूरती जात अहइ। ओकर
सबइ राजकन्या हरिनी सी भइन जेनके लगे चरह क
चरागाह नाहीं होत। उ पचे बेसहारा होइके ओहेसा पराइ
गएन जउन ओनकर पाछा किहे रहेन।
7यरूसलेम बीती बात सोचा करत ह, ओन दिनन क
बातन जब ओह पइ प्रहार भावा रहा अउर उ बेघर-बार भइ
रहो। ओका बीते दिनन क सुख याद आवत रही। उ पचे
पुराने दिनन मँ जउन नीक चिजियन ओकरे लगे रहिन,
ओका याद आवत रहिन। उ अइसे उ समइ क सुमिरत ह
जब ओकर लोग दुस्मनन क जरिये बंदी कीन्ह गएन। उ
अइसे उ समइ क याद करत ह जब ओका सहारा देइ क
कउनो भी मनई नाहीं रहा। जब दुस्मन ओका लखत रहेन,
उ पचे ओकर हँसी उड़ावत रहेन। उ पचे ओकर हँसी
उड़ावत रहेन काहेकि उ उजर चुकी रही।
8यरूसलेम भयंकर पाप किहे रहा। आपन पाप क कारण
ओका तबाह कीन्ह गएन ह। ओन पइ लोग आपन मूँड़
हिलाइके मजाक उड़ावत रहेन काहेकि उ पचे ओकर
नंगापन क लख लिहस रहेन। यरूसलेम कराहत ह अउर
आपन मुँहना लाज स फेरि लेत ह।
9यरूसलेम क वस्त्र गन्दा रहेन। उ नाहीं सोचे रहा कि
ओकरे संग का कछू घटी। ओकर पतन अजूबा रहा,
ओकरे लगे कउनो नाहीं रहा जउन ओका सान्ति देत। उ
कहा करत ह "हे यहोवा, लखा मइँ केतना दु:खी अहउँ।
लखा मोर दुस्मन कइसा सोचत अहइ कि उ केतना महान
अहइ।"
10दुस्मन हाथ बढ़ाएस अउर ओकर सब उत्तिम वस्तु लूट
लिहस। वास्तव मँ, उ पराये देस क अपने पवित्र ठउरे मँ
घुसत भए लखेस। हे यहोवा, इ हुकुम तू ही दिहे रहया कि
उ सबइ लोग तोहरी सभा मँ प्रवेस नाहीं करिहीं।
11यरूसलेम क सबहिं लोग कराहत अहइँ, ओकर सबहिं
लोग खइया क खोज मँ अहइँ। उ सबइ खइया जुटावइ क
आपन कीमती चिजियन बेंचत अहइँ। उ पचे अइसा करत हीं
ताकि ओनकर जिन्नगी बनी रहइ। यरूसलेम कहत ह,
"लखा यहोवा, तू मोका लखा। लखा, लोग मोका कइसे
घिना करत हीं।
12मारग स होत भए जब तू सबहिं लोग मोरे लगे स
गुजरत अहा तउ अइसा लगत ह जइसे धियान नाहीं देत
अहा। किन्तु मोह पइ निगाह डावा अउर जरा लखा, का
कउनो अइसी पीरा अहइ जइसी पीरा मोका अहइ? का
अइसा कउनो दु:ख अहइ जइसा दु:ख मोह पइ परा अहइ?
का अइसा कउनो कस्ट अहइ जइसा कस्ट क दण्ड यहोवा
आपन भयंकर किरोध क दिन पइ मोका दिहस ह।
13यहोवा ऊपर स आगी क पठएस ह अउर उ आगी
मोरी हाड़न क छेद दिहस। उ मोरे गोड़न क बरे एक फंदा
फेंकेस अउर उ मोका पाछे ढकेल इदहस ह। उ मोका
वीरान कइ डाएस ह अउर मइँ बीमार रहत हउँ।
14मोर पाप मोह पइ जुए क नाईं कसा गएन। यहोवा क
हाथन क जरिये मोर पाप मोह पइ कसे गएन। यहोवा क
जुआ मोरे कँधन पइ अहइ। यहोवा मोका दुर्बल बनाइ दिहस
ह। यहोवा मोका ओन लोगन क सौंपेस जउन ओतना
जियादा सक्तीसाली अहइ कि मइँ ओकरे संग लराइ नाहीं
कइ सकत।
15मोर सबहिं वीर जोधा क नगर क भीतर ठहिरइ क
रहेन काहेकि यहोवा ओनका मदद नाहीं किहस किन्तु नकार
दिहेस। यहोवा मोरे विरोध मँ फुन एक भीड़ पठएस, उ मोर
युवा फउजी क मरवावइ ओन लोगन क लिआए रहा।

यहोवा यरूसलेम क नोकरानियन क वइसे ही कुचर दिहस
जइसे लोग अंगूर कोल्हू मँ कुचरत ह।
16एन सबहिं बातन क लइके मइँ चिल्लाएउँ। मोर नैन
जल मँ बूड़ि गएन। मोरे लगे कउनो नाहीं मोका चैन देइ।
मोरे लगे कउनो नाहीं जउन मोका तनिक सान्ति देइ। मोर
संतानन अइसी बनिहीं जइसे उजाड़ होत ह। उ पचे अइसे
भवा कि दुस्मन जीत गवा रहा।"
17सिय्योन मदद बरे आपन हाथ पसारे अहइ। कउनो
अइसा मनई नाहीं रहा जउन ओका ढाढ़स देत। यहोवा
याकूब क दुस्मनन क ओका घेर लेइ क आग्या दिहे रहा।
यहोवा यरूसलेम असुद्ध मेहरारु क नाईं होइ गइ रहीं।
18यरूसलेम कहा करत ह, "मइँ यहोवा क खिलाफ
बिद्रोह किहस हउँ यह बरे उ जउन बात मोहे बरे करत ह
उ उत्तिम बाटइ। तउ, हे सबहिं लोगो, सुना। तू मोर कस्ट
लखा। मोर जवान मेहरारू अउर मनसेधू बन्दी बनाइ लइ
गवा अहइँ।
19मइँ आपन पिरेमियन क गोहराएउँ। किन्तु उ पचे मोका
धोका दिहस। नगर क याजक अउर बुजुर्ग मर गएन
काहेकि उ पचे खइया खोजेस किन्तु कछु नाहीं पाएन।
20हे यहोवा, मोका लखा। मइँ दुःखे मँ पड़ी अहउँ। मोर
अन्तरंग बचैने अहइ। मोर हिरदइ दुःखे मँ अहइ काहेकि मइँ
बिद्रोह किहा रहिउँ। गलियन मँ मोरे गदेलन क तरवार काट
डाए अहइ। घरन क भितरे मउत क बास रहा।
21मोर सुना, काहेकि मइँ कराहत हउँ। मोरे लगे कउनो
नाहीं अहइ जउन मोक ढाढ़स देइ, मोर सब दुस्मनन मोरे
दुःखन क बात सुनि लिहेन ह। उ पचे बहोत खुस अहइँ
काहेकि तू मोरे संग अइसा सलूक किहस। अब उ दिन क
लइ आवा जेकर तू घोसणा किहे रह्या। उ दिन तू मोरे
दुस्मनन क वइसा ही बनाइ द्या जइसी मइँ अब ही अहउँ।
22मोरे दुस्मनन क बुरा करम क आपन समन्वा आवइ
द्या। फिन ओनके संग तू वइसा ही करब्या जइसा मोरे
अपराध क बदले मँ तू मोरे संग किहा। अइसा करा
काहेकि बार बार कराहत रहेउँ। अइसा करा काहेकि मोर
हिरदइ निरास अहइ।"

यहोवा क जरिये यरूसलेम क बिनास

2 लखा यहोव सिय्योन क बिटिया क कइसे बादर मँ
ढाँपि दिहेस ह। उ इस्राएल क महिमा स्वर्ग स धरती
पइ लोकाइ दिहेस ह। यहोवा आपन किरोध क दिन मँ
आपन धरती पइ निवास स्थान बरे कउनो परवाह नाहीं
किहेस।
2यहोवा याकूब क चिरागाह क बिना दया क लील
लिहेस। उ आपन प्रिय यहूदा क सबहिं गढ़ियन क भरिके
किरोध मँ मेटेस। यहोवा यहूदा क राज्ज क धरती पइ पटक
दिहेस अउर ओकरे नेता लोगन क बर्बाद कइ दिहस।
3यहोवा किरोध मँ भरिके इस्राएल क सारी सक्ती उखाड़
फेंकेस। उ ओका ओकर दुस्मन स अउर सुरच्छा नाहीं
किहेस। उ याकूब मँ धधकत भइ आगी स भड़की। उ एक
अइसी आगी रहो जउन आस-पास क सब कछू चट कइ
जात ह।
4यहोवा सत्रु क नाईं आपन धनुस खींचे रहा। ओकरे
दाहिन हाथे मँ ओकरे तरवारे क मूठा रहा। उ आपन दुस्मन
पइ वार करइ बरे तैयार रहा। उ यहूदा क सबहिं आकर्सक
लोगन क मारि डाएस। यहोवा आपन किरोध क जंगल क
आगी क नाईं सिय्योन क खेमन पइ बरसाएस।
5यहोवा दुस्मन होइ गवा रहा अउर उ इस्राएल क लील
लिहस। ओकर सबहिं महलन क उ लील लिहस ओकर
सबहिं गढ़ियन क लील लिहे रहा। उ आपन प्रिय यहूदा बरे
बहोत जियादा रुलाएस अउर बहोत विलाप कराएस।
6यहोवा आपन ही मन्दिर नस्ट किहे रहा जइसे उ कउनो
उपवन होइ, उ उ ठाँव क नस्ट किहेस जहाँ लोग ओकर
उपासना करइ बरे जमा होत रहेन। यहोवा लोगन क अइसा
बनाइ दिहस कि उ पचे सिय्योन मँ खास मिलन अउर
आराम क खास दिनन क बिसरि जाइँ। यहोवा याजक अउ
राजा क नकार दिहस। उ बड़े किरोध मँ भरिके ओनका
नकारेस।
7यहोवा आपन ही वेदी क नकार दिहस अउर उ आपन
उपासना क पवित्तर ठउरे क नकार दिहे रहा। यरूसलेम क
महलन क देवारन क उ दुस्मन क सौंपि दिहस। यहोवा क
मन्दिर मँ दुस्मन सोर करत रहा। उ पचे अइसे सोर करत
रहेन जइसे कउनो छूट्टी क दिन होइ।

8उ सिय्योन क बिटिया क देवार नस्ट करब सोचेस ह।
उ कउनो नापइ क डोरी स ओह पइ निसान डाएस ह। उ
खुद क इका बिनास करइ स नाहीं रोकस। उ दुःख मँ
भरिके फसीलन अउर देवार क रोवाइ दिहस।
9यरूसलेम क दरवाजन टुटिके धरती पइ बइठ गएन।
फाटक क सलाखन क तोड़िके ओका तहस-नहस कइ
दिहस। सिय्यन क राजा अउर नेता लोगन दुसर देसन मँ
बिखेर दीन्ह गएन। ओनके बरे आजु कउनो धार्मिक सिच्छा
ही नाहीं रही। नबी भी यहोवा स कउनो दिव्य दर्सन नहीं
पउतेन।
10सिय्योन क बुजुर्ग अब धरती पइ बइठत हीं। उ पचे
धरती पइ बइठत हीं अउर चुप रहत हीं। आपन माथन पइ
फूल मलत हीं अउर सोक वस्त्र पहिरत हीं। यरुसलेम क
जुवतियन दुःख मँ आपन माथा धरती पइ नवावत हीं।
11जब मइँ रोवत हउँ तउ मोर नैन मँ दर्द होत ह। मोर
अंतरंग वियाकुल अहइ। मोरे लोगन क बिनास क कारण
मोर मन क अइसा लागत ह जइसे उ बाहर निकरिके धरती
पइ गिरा होइ। गदेलन अउर दूध पइ वाले बच्चे गलियन मँ
बेहोस पड़ा अहइँ।
12उ पचे बिलाखत भए आपन महतरियन स पुछत हीं,
"कहाँ बाटइ महतारी, कछू क खइया अउर पिअइ क?" उ
पचे इ सवाल अइसे पूछत हीं जइसे जख्मी सिपाही सहर क
गलियन मँ गिरत प्राणन क तजत, उ पचे इ सवाल पूछत
हीं। उ पचे आपन महतरियन क गोदी मँ लोटत भए प्राणन
क तजत हीं।
13हे यरूसलेम क बिटिया, मइँ केहसे तोहार तुलना
करउँ? तोहका केकरे समान कहउँ? हे सिय्योन क कुवाँरी
कन्या, तोहका केहसे तुलना करउँ? तोहका कइसे ढाढ़स

बँधावउँ? तोहार जख्म सगरे जइसा विसाल अहइ। अइसा
कउनो भी नाहीं जउन तोहार उपचार करइ।
14तोहार नबियन तोहरे बरे दिब्ब दर्सन लिहे रहेन। किन्तु
उ पचे सबहिं बियर्थ अउर लबार सिद्ध भएन। उ पचन्क
तोहका बिनास स दूर रखइ बरे, तोहरे पापन क खिलाफ
उपदेस दिन्ह चाही रहेन। किन्तु उ पचे अइसा नाहीं किहन।
उ पचे तोहका झूटे चिजियन क सिच्छा दिहन जउन कि
तोहका भटकइ दिहेस।
15बटोही राह स गुजरत भए स्तब्ध होइके तोह पइ ताली
बजावत हीं। यरूसलेम क बिटिया पइ उ पचे सीटियन
बजावत अउर माथा नयावत हीं। उ सबइ लोग पुछत हीं,
“का इहइ उ नगरी अहइ जेका लोग कहा करत रहेन, ‘एक
संपूर्ण सुन्नर नगर’ तथा ‘समुचइ संसार क आनन्द’?”
16तोहार सबहिं दुस्मन तोह पइ आपन मुँह खोलत हीं।
तोह पइ सीटियन बजावत हीं अउर तोह पइ दाँत पसित हीं।
उ पचे कहा करत हीं, “हम ओनका लील लीन्ह। फुरइ
इहइ उ दिन अहइ जेकर हमका प्रतीच्छा रही। अउर अब
हम पचे एँका घटत भए लाखि लीन्ह।”
17यहोवा वइसा ही किहस जइसी ओकर जोजना रही। उ
वइसा ही किहस जइसा उ करइ बरे कहे रहा। बहोत दिनन
पहिले जइसा उ आदेस दिहे रहा, वइसा ही कइ दिहस। उ
बर्बाद किहस, ओहका दाया तलक नाहीं आइ। उ तोहरे
दुस्मनन क खुस किहस कि तोहारे संग अइसा घटा। उ
तोहारे दुस्मनन क ताकत बढ़ाइ दिहस।
18ओनका दिल यहोवा क पुकारेस। सिय्योन क देवार
आँसुअन क नदी क नाईं बहइ दया। दिन अउर रात आपन
आँसुअन क गिरइ द्या। तू ओनका जिन रोका।
19जाग उठा। राति मँ विलाप करा। राति क हर पहर क
सुर मँ विलाप करा। आँसुअन मँ आपन मन बाहेर निकार
दया जइसा उ पानी होइ। आपन मन यहोवा क समन्वा
निकार राख। यहोवा क पराथना मँ आपन हाथ ऊपर
उठावा। ओहसे आपन संतानन क जीवन माँगा। ओहसे तू
ओन संतानन क जीवन माँग ल्या जउन भूख स हर कुचे
गली मँ बेहोस होइके गिर जात ह।
20हे यहोवा, मोह पइ निगाह करा। लखा कउन अहइ उ
जेकर संग तू अइसा किहा। तू मोहका इ सवाल पूछइ दया:
का महतारी क ओन गदेलन क खाइ जा नीक अहइ जेनका
उ जनत ह? का महतारी क ओन गदेलन क खाइ जा नीक
अहइ जेनका उ पोसत रही ह? का यहोवा क मन्दिर मँ
याजक अउ नबियन क प्राणन क लीन्ह जा नीक अहइ?
21लरिकन अउ बुजुर्गन नगर क गलियन मँ धरती पइ
पड़ा रहइँ। मोर जवान मेहररुअन अउर जवान मनसेधू तरवारे
क धार उतारे गए रहेन।
हे यहोवा, तू आपन किरोध क दिन पइ ओनकर बध
किहा ह। तू ओनका बगैर कउनो करुणा क मारा ह।
22तू मोह पइ हर एक जगह स दु:ख व मसीबत अइसे
बोलाया जइसे इ पर्व क दिन होइ। ओह दिन जब यहोवा
किरोध किहस अइसा कउनो मनई नाहीं रहा जउन बचिके
भाग पाया होइ। जेनका मइँ बढ़ाए रहेउँ अउर मइँ पालेउँ,
पोसेउँ ओनका मोर दुस्मनन मारि डाएन ह।

एक मनई क जरिये आपन सबइ यातना पइ विचार

3 मइँ एक अइसा मनई हउँ जउन बहोतेरी यातना भोगी
हउँ, यहोवा क किरोध क तले मइँ बहोतेरी दण्ड यातना
भोगी हउँ।
2यहोवा मोका लइके चला अउर उ मोका अँधियारा क
भीतर लावा न कि प्रकासे मँ।
3यहोवा आपन हाथ मोरे विरोध मँ कइ दिहस। अइसा उ
बारम्बार सारे दिन किहस।
4उ मोर आस, मोर चाम नस्ट कइ दिहस। उ मोर हाड़न
क तोड़ दिहस।
5यहोवा मोरे विरोध मँ, कड़ुआहट अउ आपदा फइलाएस
ह। उ मोरे चारिहुँ कइँती कड़ुआहट अउ बिपत्ति फइलाइ
दिहस।
6उ मोका अधियारा मँ बइठाइ दिहे रहा। उ मोका उ उ
मनई सा बनाइ दिहे रहा जउन कउनो बहोत दिनन पहिले
मरि चुका होइ।
7यहोवा मोका भितरे बंद किहेस, एहसे मइँ बाहेर आइ न
सकेउँ। उ मोह पइ भारी जंजीरन घेर रहा।
8हिआँ तलक कि जब मइँ चिल्लाइके दोहाइ देत हउँ,
यहोवा मोर विनती क नाहीं अनकत ह।
9उ पथरे स मोरी राह क मुँद दिहस ह। उ मोर राह क
टेढ़ा कइ दिहेस ह।
10यहोवा उ भालू सा भवा जउन मोह पइ आक्रमण
करइ क तत्पर अहइ। उ उ सिंहसा भवा ह जउन कउनो
ओटे मँ छिपा भवा अहइ।
11जहोवा मोका मोरी राहे स हटाइ दिहस। उ मोर
धज्जियन उड़ाइ दिहस। उ मोका बर्बाद कइ दिहस ह।
12उ आपन धनुस तैयार किहस। उ मोका आपन बाणन
क निसाना बनाइ दिहे रहा।
13मोरे पेट मँ बाण मार दिहस। मोह पइ आपन बाणन स
प्रहार किहे रहा।
14मइँ आपन लोगन क बीच हँसी क यात्र बन गएउँ। उ
पचे दिन भइ मोर गीत गाइ-गाइके मोर मजाक बनावत हीं।
15यहोवा मोका करवाहट स भर दिहेस ह। उ मोका जहर
पिलवाएस ह।
16उ मोर दाँत पाथरे क भुइँया मँ गडाइ दिहेस। उ मोका
माटी मँ मिलाइ दिहस।
17मइँ अब अउर सान्ति योग्य नाहीं अहउँ। अच्छी भली
बातन क मइँ बिसरि गवा रहेउँ।
18खुद अपने आप स मइँ कहइ लागे रहेउँ, “मोका तउ
बस अब अउर आस नाहीं अहइ कि यहोवा कबहुँ मोका
सहारा देइ।”
19मइँ आपन दुखिया पन क, मोर घर नहीं अहइ एका
कड़वे जहर क,
20अउर मोर सारी यातना क याद कइ क मइँ बहोत ही
दु:खी हउँ।
21किन्तु उहइ समइ जब मइँ सोचत हउँ, तउ मोका
आसा होइ लागत ह। मइँ अइसा सोचा करत हउँ।
22यहोवा क पिरेम अउ करूणा क अंत कबहूँ नाहीं
होत। यहोवा क सबइ कृपा कबहुँ खतम नाहीं होत।

23हर भिन्सोर उ सबइ नवा होइ जात हीं। हे यहोवा, तोर सच्चाई महान अहइ।

24मइँ आपन स कहा करत हउँ, "यहोवा मोरे हीसां मँ अहइ। इहइ कारण स मइँ आसा रखब।"

25यहोवा ओनके बरे उत्तिम अहइ जउन ओकर बाट जोहत हीं। यहोवा ओनके बरे उत्तिम अहइ जउन ओकर खोज मँ रहा करत हीं।

26इ उत्तिम अहइ कि कउनो मनई चुपचाप यहोवा क प्रतीच्छा करइ कि उ ओकर रच्छा करी।

27इ उत्तिम अहइ कि कउनो मनई यहोवा क जुए क धारण करइ, उ समइ स ही जब उ युवक होइ।

28मनई क चाही कि उ अकेला चुप बइठे ही रहइ जब यहोवा आपन जुए क ओह पइ धरत ह।

29उ मनई क चाही कि यहोवा क समन्वा उ दण्डवत प्रणाम करइ। होइ सकत ह कि कउनो आस बची होइ।

30उ मनई क चाही कि उ आपन गाल कइ देइ, उ मनई क समन्वा जउन ओह पइ प्रहार करत होइ। उ मनई क चाही कि उ अपमान झेलइ क तत्पर रहइ।

31उ मनई क चाही उ याद राखइ कि यहोवा कउनो क भी सदा-सदा बरे नाहीं बिसरावत।

32यहोवा दण्ड दण्ड देत भए भी आपन कृपा बनाए राखत ह। उ आपन पिरेम अउ दया क कारण आपन कृपा राखत ह।

33यहोवा कबहुँ भी नाहीं चाहत कि लोगन क दण्ड देइ। ओका नाहीं भावत कि लोगन क दु:खी करइ।

34यहोवा क इ सबइ बातन नाहीं भावत हीं: ओका नाहीं भावत कि कउनो मनई आपन गोड़न क तले धरती क सबहिं बंदियन क कुचरी डावइ।

35ओका नाहीं भावत ह कि कउनो मनई कउनो मनई क छलइ। कछु लोग ओकरे मुकदमे मँ परम प्रधान परमेस्सर क समन्वा ही अइसा किया करत हीं।

36ओका नाहीं भावत कि कउनो मनई अदालत मँ कउनो स छल भरइ। यहोवा क एनमाँ स कउनो भी बात नाहीं भावत ह।

37जब तलक खुद यहोवा ही कउनो बात क होइ क आग्या नाहीं देत, तब तलक अइसा कउनो भी मनई नाहीं अहइ कि कउनो बात कहइ अउर ओका पूरा करवाइ लेइ।

38बुरी-भली बातन सबहिं सर्वोच्च परमेस्सर क मुँहे स ही आवत हीं।

39कउनो जिअत मनई सिकाइत कइ नाहीं सकत जब यहोवा उहइ क पापन क दण्ड ओका देत ह।

40आवा, हम आपन करमन क परखइँ अउर लखइँ, फुन यहोवा क सरन मँ लौट आवइँ।

41आवा, अपना परारथाना करइ बरे सरग क परमेस्सर क समन्वा हम आपना हाथ उठाइ।

42आवा, हम ओहसे कही, "हम पाप कीन्ह ह अउर हम जिद्दी बना रही अउर एह बरे तू छमा नाहीं किहा।

43तू किरोध स अपने क ढाँप लिहा, हमार पीछा तू करत रहा ह, तू हम पचन्क बेरहमी स मार दिहा।

44तू आपन क बदरे स ढाँप लिहा। तू अइसा एह बरे किहे रहया कि कउनो भी विनती तोह तलक पहोंचे ही नाहीं।

45तू हम पचन्क दूसर देसन क तुलना मँ कुड़ा करकट क नाईं बना दिहेस।

46हम पचन्क सबहिं दुस्मन हम पचन स घमण्ड मँ बोलत ही।

47हम डेरान भए अही, हम गर्त मँ गिर गवा ही। हम बुरी तरह नोस्कान पावा ह। हम पचे टूटि चुका ही।"

48मोर नैन स आसूँअन क नदी बही ही। मइँ विलाप करत हउँ काहेकि मोर लोग तबाह होइ गवा ह।

49मोर नैन बिना रुके बहत रहिहीं। मइँ हमेसा विलाप करत रहब।

50हे यहोवा, मइँ तब तलक विलाप करत रहब जब तलक तू दिस्टि न करा अउ हमका लखा। मइँ तब तलक विलाप हो करत रहब जब तलक तू सरग स हम पइ दिस्टि न करा।

51जब मइँ लखा करत हउँ जउन कछू मोर नगरी क जुवतियन क संग घटा तब मोर नैन मोका दुखी करत हीं।

52जउन लोग बियर्थ मँ ही मोर दुस्मन बना हीं, उ पचे घूमत हीं मोरे सिकारे क फिराक मँ, माना मइँ कउनो चिड़िया हउँ।

53जिअत जी उ पचे मोका गढ़ा मँ लोकाएन जउर मोह पइ पाथर लुढ़काए रहेन।

54मोरे मूँड़े पइ पानी गुजर गवा। मइँ आपन आप मँ कहाँ, "मोर नास भवा।"

55हे यहोवा, मइँ तोहार नाउँ गोहराएउँ। उ गड़हा क तल स मइँ तोहार नाउँ गोहराएउँ।

56तू मोर अवाज क सुन्या। तू कान नाहीं मूँद लिहा। तू बचावइ स अउर मोर रच्छा करइ स नकार्‍या नाहीं।

57जब मइँ तोहार दोहाइ दिहेउँ, उहइ दिन तू मोरे लगे आइ गवा रह्या। तू मोहसे कहे रह्या, "भयभीत जिन ह्वा।"

58हे यहोवा, मोरे अभियोग मँ तू मोर पच्छ लिहा। मोरे बरे तू मोर प्राण वापस लइ आया।

59हे यहोवा, तु मोर विपत्तियन लख्या ह, अब मोरे बरे तू मोर नियाव करा

60तू खुद लख्या ह कि दुस्मनन मोरे संग केतन अनियाव किहन। तू खुद लख्या ह ओन समूचइ सड्‌यंत्रन क जउन उ पचे मोहसे बदला लेइ क मोरे खिलाफ रचे रहेन।

61हे यहोवा, तु सुन्या ह कि मोर अपमान कइसे करत हीं तू सुन्या ह ओन सड्‌यंत्रन क जउन उ पचे मोरे खिलाफ रचाएन।

62मोरे दुस्मनन क बचन अउ बिचार सारे दिन ही मोरे खिलाफ रहेन।

63लखा यहोवा, चाहे उ पचे बइठे होइँ, चाहे उ पचे खड़ा होइँ, कइसे उ पचे हँसी उड़ावत हीं।

64हे यहोवा, ओनके संग वइसा ही करा जइसा ओनके संग करइ चाही। ओनके करमन क फल ओनका दइ द्या।

65ओनकर मन हठीला कइ द्या। फिन आपन अभिसाप ओन पइ डाइ द्या।

66किरोध मँ भरिके तू ओनकर पाछा करा। ओनका
बर्बाद कइ द्या। हे यहोवा, तू ओनका इ धरती स खतम
कइ द्या।

यरूसलेम पइ हमले क आतंक

4 लखा, कउने तरह सोना चमक रहित होइ गवा।
लखा, सारा सोना कइसे खोट होइ गवा। चारिहुँ
कइँती हीरा-जवाहरात बिखड़ा पड़ा अहइँ। हर गली क सिर
पइ इ सबइ रतन पसरा अहइँ।
2सिय्योन क लोग अइसे ही मुल्यवान रहेन, जइसे
ओनका वजन सोना क बराबर रहा। किन्तु अब ओनके संग
दुस्मन अइसे बर्ताव करत हीं जइसे उ पचे कोमहार क बनाए
माटी क पात्र होइँ।
3हिआँ तलक कि सियार भी आपन बच्चन क थन देत
ह, उ आपन बच्चन क दूध पिअइ देत ह। किन्तु मोर लोग
निर्दय होइ ग अहइँ। उ पचे अइसे होइ गएन जइसे मरुभूमि
मँ निवासी-सुतुर्मुग।
4पिआस क मारे आबोध गदेलन क जीभ तालु स
चिपकति अहइ। इ सबइ नान्ह लरिकन रोटी क तरिसत हीं।
किन्तु कउनो भी ओनका कछू भी खाई क बरे देत नाहीं।
5अइसे लोग जउन सुआदिस्ट भोजन खावा करत रहेन,
आजु भूख स गलियन मँ मरत अहइँ। अइसे लोग जउन
उत्तिम ओढ़ना पहिरत भए पले बढ़े रहेन, अब कुड़न क
ढेरन पइ बिनत फिरत अहइँ।
6मोरे लोगन क पाप सदोम अउ अमोरा क पापन स
बड़ा रहा। सदोम अउ अमोरा क एकाएक नस्ट कीन्ह गवा।
ओनके बिनासे मँ कउनो भी मानव क हाथ नाहीं रहा।
7यहूदा क लोग परमेस्सर क समर्पित रहेन, उ पचे बरफ
स उज्जर रहेन, दूधे स धोवा रहेन। ओनकर तन मूँगा स
जियादा लात रहिन। ओनकर डाढ़ी नीलम स करिया रहिन।
8किन्तु ओनकर मुहँ अब धुआँ स करिआ होइ गवा
अहइँ। हिआँ तलक कि गलियन मँ ओनका कउनो भी नाहीं
पहिचान सकत ह। ओनकर ठठरी पइ अब झुर्रियन पड़ि गइ
अहइँ। ओनकर चाम अब लकड़ी जइसा होइ गवा अहइ।
9अइसे लोग जेनका तरवारे क घाट उतावा गवा ओनसे
जियादा भाग्गवान रहेन जउन लोग भूख-मरी क मउत मरेन।
खइया क कमी स मरिइ स खून क कमी स मरि जान
बहतर अहइ
10ओन दिन अइसी मेहररुअन भी जउन बहोत अच्छी
हुवा करत रहिन, आपन ही बच्चन क माँस पकाए रहिन। उ
सबइ गदेलन आपन महतारी क आहार बनेन। अइसा तब
भवत रहा जब मोरे प्रिय लोगन क बिनास भवा रहा।
11यहोवा आपन सब किरोध क प्रयोग किहेस; आपन
समूचा किरोध उ उड़ेर दिहस। सिय्योन मँ जउन आग
भड़काएस, सिय्योन क नेवन क खाले तलक बार दिहे रहेन।
12जउन कछू घटा रहा, धरती क कउनो भी राजा क
ओकर बिस्सास नाहीं रहा। जउन कछु घटा रहा, धरती क
कउनो भी लोगन क ओकर बिस्सास नाहीं रहा। यरूसलेम
क दुआरन स होइके कउनो भी दुस्मन भीतर आइ सकत ह,
एकर कउनो क भी बिस्सास नाहीं रहा।
13किन्तु अइसा ही भवा, काहेकि यरूसलेम क नबी
लोग पाप किहे रहेन। अइसा भवा काहेकि यरूसलेम क
याजक बुरे काम किया करत रहेन। यरूसलेम क नगर मँ उ
पचे नीक लोगन क खून बहावा करत रहेन।
14याजक अउ नबी गलियन मँ आँधे लोगन जइसे घुमत
रहेन। उ पचे रकत स रिती क अनुसार गंदे होइ ग रहेन।
यह बरे कउनो भी ओनकर ओढ़ना तलक नाहीं छुअत रहा।
15लोग ओन लोगन पइ चिचिआइके कहत रहेन, "दूर
हटा! तू पचे अपवित्तर अहा, दूर हटा, दूर हटा! हमका
जिन छुआ!" उ सबइ लोग बिना घर-बार क भटकत रहेन।
दूसर देसन क लोग कहा करत रहेन, "हम नाहीं चाहि कि
उ पचे हमरे लगे रहेन।"

16उ सबइ लोग खुद यहोवा क जरिये ही बिखेर दीन्ह
गए रहेन। उ ओनकी कइँती फुन कबहुँ नाहीं लखेन। उ
याजकन क आदर नाहीं दिहन। यहूदा क मुखिया लोगन क
संग उ दोस्ती स नाहीं रहा।
17मदद पावइ क बाट जोहत-जोहत आपन आँखिन काम
करब बंद किहन, अउर अब हमार आँखिन थक गइन ह।
किन्तु कउनो भी सहायता नाहीं आई। हम प्रतीच्छा करत रहे
कि कउनो अइसी जाति आवइ तउ हमका बचाइ लेइ। हम
आपन निगरानी बुर्जा स लखत रहि गए। किन्तु कउनो भी
हमका बचाएस नाहीं।
18हर समइ दुस्मन हमरे पाछे पड़े रहेन हिआँ तलक कि
हम बाहेर गली मँ भी निकर नाहीं पाए। हमार अंत निअरे
आवा। हमार समय पुरा होइ चुका रहा। हमार अंत आइ
गवा।
19हम लोगन क पाछा करइवालन क गति उकाब क
गति स तेज रही। ओ लोग पहाड़न क भीतर हम पचन्क
पाछा किहना। उ पचे हमका धरइ क रेगिस्तान मँ
लुका-छिपा रहेन।
20उ राजा जउन हमरी नाकन क भीतर हमार प्राण रहा,
गडढा मँ फँसाइ लीन्ह गवा रहा, उ राजा अइसा मनई रहा
जेका यहोवा खुद चुने रहा। राजा क बारे मँ हम कहे रहे,
"ओकरी छत्र-छाया मँ हम जिअत रहब, ओकरी छाया मँ
हम जातियन क बीच जिअत रहब।"
21एदोम क लोगो, खुस रहा अउर आनन्द मँ रहा। हे
ऊज क निवासी लोगो, खुस रहा। किन्तु सदा याद रखा,
तोहरे पास भी यहोवा क किरोध क पियाला आइ। जब तू
ओका पीब्या, धुत होइ जाब्या अउर खुद क नंगा कइ
डउब्या।
22सिय्योन, तोहार दण्ड पुरा भावा। अब फुन स तू कबहुँ
बंधन मँ नाहीं पड़बिउ। किन्तु हे एदोम क लोगो, यहोवा
तोहरे पापन क दण्ड देइ। तोहरे पापन क उ उघाड़ देइ।

यहोवा स विनती

5 हे यहोवा, हमरे संग जउन घटा ह ओका याद राखा।
हे यहोवा, हमरे तिरस्कार क लखा।
2हमार धरती परायन क हाथन मँ दइ दीन्ह गइ। हमार
घर परदेसियन क हाथन मँ दीन्ह गएन।

3हम अनाथ होइ गएन। हमार कउनो पिता नाहीं। हमार
महतरियन विधवा स होइ गइन ह।
4पानी पिअइ तलक हमका मोल देब पड़त ह, ईंधन क
लकड़ी तलक बेसहब पड़त ह।
5आपन काँधन पइ हमका जुए क बोझा उठाउब पड़त
ह। हम थकिके चूर होत ह किन्तु अराम तनिकउ हमका
नाहीं मिलत।
6हम पचन्क मिस्र अउर अस्सुर स खइया लेइ होब्या
काहेकि हम पचन्क लगे खइया नाहीं अहइ।
7हमार पुरखन तोहरे खिलाफ मँ पाप किहे रहेन। आजु उ
पचे मर चुका अहइँ। किन्तु ओनका बदले मँ हम पचन
विपत्तयन भोगत अहइँ।
8हमार दास हो सुआमी बना अहइँ। हिआँ कउनो अइसा
मनई नाहीं जउन हमका ओनसे बचाइ लेइ। 9बस भोजन
पावइ क हमका आपन जिन्नगी दाँव पइ लगावइ पड़त ह।
रेगिस्तान मँ अइसे लोगन क कारण, जेनके लगे तरवार
अहइ हमका आपन जिन्नगी दाँव पइ लगाउब पड़त ह।
10हमार खाल तन्दूर सी तपत अहइ, हमार खाल तपत
रही उ भूख क कारण जउन हमका लगी ह।
11सिय्योन क मेहररुअन क संग कुकर्म कीन्ह गवा ह।
यहुदा क नगरियन क कुँवरियन क संग कुकर्म कीन्ह गवा
अहइँ। 12हमार राज कुमार फाँसी पइ चढ़ावा गएन, उ पचे
हमरे अग्रजन क आदर नाहीं किहन।
13हमार दुस्मनन हमरे नउजवान मनसेधुअन स चक्की मँ
आटा पिसवाएन। हमार नउजवान मनसेधुअन काठे क बोझ
तरे ठोकर खाएन।
14हमार बुजुर्गन अब नगर क दुआरन पइ बइठा नाहीं
करतेन। हमार युवक अब संगीत मँ हीसा नाहीं लेतेन।
15हमरे मने मँ अब कउनो खुसी नाहीं अहइ। हमार खुसी
मरे भए लोगन क विलाप मँ बदल गवा अहइ।
16हमार महिमा अउर हमरार मान संमान खतम होइ गवा
अहइ। हम पचन्क सज़ा दीन्ह गएन ह।
17एह बरे हमार मन रोगी भए हँ, एन ही बातन स हमार
आँखिन मधिम भई हँ।
18सिय्योन क पहाड़ वीरान होइ गवा ह। सिय्योन क
पहाड़े पइ अब सियार घूमत हीं।
19किन्तु हे यहोवा, तोहार राज्ज तउ अमर अहइ। तोहार
महिमा स पूर सिंहासन सदा-सदा बना रहत ह।
20हे यहोवा, तू हम पचन्क क सदा बरे काहे भूला
देब्या? तू हम पचन्क क अकेल्ला लम्बे समइ बरे काहे
तजि देब्या?
21हे यहोवा, हम लोगन क तू अपनी कइँती वापिस ल्या,
अउर हम लोग लउटि आउब। हमार दिन फेर द्या जइसे उ
पहिले रहेन।
22का तू हम लोगन क पूरी तरह नकार दिहा ह? तू हम
लोगन स बहोत कोहान रहा ह।

यिर्मयाह

1 यिर्मयाह क इ सबइ सँदेस अहइ। यिर्मयाह हिल्कय्याह
नाउँ क मनई क पूत रहा। यिर्मयाह ओन याजकन क
परिवार स रहा जउन अनातोत नगर मँ रहत रहेन। उ नगर
उ पहँटा मँ अहइ जउन बिन्यामीन परिवारे क रहा। **2**यिर्मयाह
यहोवा क वचन ओन दिनन प्राप्त कइ सुरू किहस जब
आमोन नाउँ क राजा क पूत योसिय्याह यहूदा रास्ट्र क राजा
रहा। यिर्मयाह योसिय्याह क राज्काल क तेरहवें बरिस मँ
यहोवा क वचन प्राप्त करइ सुरू किहेस। **3**योसिय्याह क पूत
अउर यहोयाकीम क राज्काल मँ यिर्मयाह यहोवा क वचन
प्राप्त करत रहा। यहोवा क वचन, यहूदा क अगला राजा
योसिय्याह क पूत क सिदकिय्याह क राज्काल क ग्यारह
बरिस तलक, अउर सिदकिय्याह क राज्काल क ग्यारहवें
बरिस क पाँचवें महीना मँ यरूसलेम मँ रहत रहे लोगन क
देस-निकारा जाइ तलत प्राप्त होत रहा।

परमेस्सर यिर्मयाह क अपने लगे बोलावत ह

4मइँ यिर्मयाह इ सँदेस यहोवा स प्राप्त कइ रहा:
5"तोहरी महतारी क गरभ मँ रखइ क पहिले मइँ
तोहका जान लिहेउँ। तोहरे जनम लेइ क पहिले, मइँ
तोहका बिसेस कारज बरे चुने रहेउँ। मइँ तोहका रास्ट्रन
क नबी होइ क चुने रहेउँ।"
6तब मइँ अर्थात यिर्मयाह कहेउँ, "मुला सर्वसक्तीमान
यहोवा, मइँ तउ बोलब भी नाहीं जानत। मइँ तउ अबहिं
बालक ही रहेउँ।"
7मुला यहोवा मोहसे कहेस, "जिन कहा, 'मइँ बालक ही
हउँ।' तोहका हर ओन ठउरन पइ जाब अहइ जहाँ मइँ
पठवउँ। तोहका उ सब कहब अहइ जेका मइँ कहइ क
कहउँ।
8कउनो स जिन डेराअ। मइँ तोहरे संग अहउँ, अउर मइँ
तोहार रच्छा करब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
9तब यहोवा आपन हाथ बढ़ाएस अउर मोरे मुँह क छुइ
लिहस। यहोवा मोहसे कहेस, "यिर्मयाह, मइँ आपन सब्द
तोहरे मुँहे मँ देत अहइँ।
10आजु मइँ तोहका राज्जन अउ रास्ट्रन क अधिकारी,
एनका उखाड़ा अउ उजाड़ फेंकइ बरे, एका नस्ट अउ उठाइ
फेंकइ बरे, एका निर्माण करइ अउ रोपन बरे नियुक्त
किहेउँ।"

दुइ अन्तर्दृस्य

11यहोवा क सँदेसा मोका मिला। इ सँदेसा यहोवा क
रहा: "यिर्मयाह, तू का लखत अहा?" मइँ जवाब दिहेउँ,
"मइँ बादाम क काठे क एक छड़ी लखत हउँ।"
12यहोवा मोहसे कहेस, "तू बहोत ठीक लख्या। काहेकि
मइँ आपन बचन क होइ बरे ओहे पइ नज़र रखत
अहउँ।"*
13यहोवा क सँदेसा मोका फुन मिला। इ सँदेसा इ तरह
रहा: "यिर्मयाह, तू का लखत अहा?"
मइँ जवाब दिहेउँ, "मइँ खउलत पानी क एक बर्तन
लखत हउँ। इ बर्तन उत्तर कइँती स टपकत अहइ।"
14यहोवा मोहसे कहेस, "उत्तर कइँती स कछू भयानक
चिजियन ओन लोगन बरे जउन इ देस मँ रहत हीं आइ।
15बहोत ही जल्दी मइँ उत्तर क राज्जन क सबहिं लोगन
क बोलाउबा," यहोवा कहत ह। "ओन राज्जन क राजा
लोगन अइहीं। उ पचे यरूसलेम क दुआर क समन्वा आपन
सिंहासन जमइहीं। उ पचे यरूसलेम क सबहिं नगर देवारन
पइ आक्रमन करिहीं। उ पचे यहूदा क एलाके क सबहिं
नगरन पइ आक्रमन करिहीं।
16अउर मइँ यहूदा क लोगन क जरिये कीन्ह गवा बुरे
करम क बिरुद्ध आपन निर्णय क घोसना करब। मोर लोग
मोका छोड़एन। उ पचे दूसर देवतन क बलि चढ़ाएन जेका उ
पचे आपन हाथन स बनाएस।
17यिर्मयाह, जहाँ तलक तोहार बात अहइ, उठा, तइयार
होइ जा अउर लोगन स उ सब कछू कहा, जेका मइँ
तोहका हुकुम देत हउँ। लोगन स जिन डेराअ। वरना तउ
मइँ ओन लोगन क समन्व तोहका तबाह कइ देब। **18**जहाँ
तलक मोर बात अहइ, मइँ आजु ही तोहका एक दृढ़ नगर,
एक लौह खम्भा, एक ठु काँसा क देवार बनावइ जात हउँ।
तू देस मँ हर एक क खिलाफ खड़ा होइ क योग्ग होब्या,
यहूदा देस क राजा लोगन क खिलाफ, यहूदा क याजकन
क खिलाफ अउर यहूदा देस क लोगन क खिलाफ भी।
19उ सबइ लोग तोहरे खिलाफ लड़िहीं, मुला उ पचे
तोहका हरावइ क नाहीं करिहीं। काहेकि मइँ तोहरे संग हउँ,
अउर मइँ तोहार रच्छा करब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

यहूदा बिस्सास क जोग्ग नाहीं रहा

2 यहोवा क सँदेसा यिर्मयाह क मिला। यहोवा क सँदेसा
इ रहा: **2**"यिर्मयाह, जा अउर यरूसलेम क लोगन क
सँदेसा द्या। ओनसे कहा:
"'जउने समय तू नवा रास्ट्र रह्या, तू मोर बिस्सास क
योग्ग रह्या। तू मोर अनुसरण नई दुलहिन जइसा किहा। तू
मोर अनुसरण रेगिस्तान मँ स होइके किहा, उ प्रदेस मँ

नज़र रखत अहउँ इ सब्दन क खेल अहइ। "साकेद" एक इब्रानी सब्द अहइ जउन कि बादाम क काठे बरे अहा। अउर "सकूद" क अरथ अहइ लखत अहउँ।

अनुसरण किहा जेका कबहुँ खेती क भूमि न बनावा गवा रहा।

3इस्राएल क लोग यहोवा बरे एक पवित्तर भेंट रहेन। उ पचे ओकर फसल क पहिला फल रहेन। कउनो भी व्यक्ति जउन ओनका खाइ क जतन किहे रहेन ओका कसूरवार घोसित कीन्ह ग रहेन। ओन पइ बुरी आपत्तियन अइहीं,'" यहोवा कहत ह।

4याकूब क परिवार, यहोवा क सँदेसा सुना। इस्राएल क तू सबहिं परिवार समूहों, सँदेसा सुना।

5जउन यहोवा कहत ह, उ इ अहइः "तोहार पुरखन बरे मइँ का गलत किहउँ कि तोहार पुरखन मोहसे दूर होइ गएन? तोहार पुरखन निरर्थक देव मूरतियन पूजेन। अउर उ पचे खुद निरर्थक होइ गएन।

6तोहार पुरखन इ नाहीं कहेन, 'यहोवा हमका मिस्र स निकारेस। यहोवा मरूभूमि मँ हमार अगुअइँ किहेस। यहोवा हमका झुरान चट्टानी प्रदेस स लइके आवा, यहोवा हमका अँधियारा स पूर अउर भय से भरे देसन मँ राह देखाएस। कउनो भी लोग हुआँ नाहीं रहतेन। कउनो भी लोग उ देस स जात्रा नाहीं करतेन। मुला यहोवा उ प्रदेस मँ हमार अगुवाई किहेस। एह बरे उ यहोवा अब कहाँ अहइ?'"

7यहोवा कहत ह, "मइँ तू पचन्क अनेक चिजियन स भरे उत्तिम देस मँ लाएउँ। मइँ इ किहेउँ जेहसे तू हुआँ उगे भए फल अउर पइदावार क खाइ सका। मुला तू पचे आया अउर मोरे देस क 'गन्दा' किहा। मइँ उ देस तू पचन्क दिहे रहेउँ, किन्तु तू पचे ओका बुरा ठउर बनाया।

8याजक लोग नाहीं पूछेन, 'यहोवा कहाँ अहइ?' उ लोग जउन व्यवस्था क सिच्छा देत ह उहइ मोका नाहीं जानत ह। इस्राएल क लोगन क प्रमुख मोरे खिलाफ चला गएन। नबी लोग लबार बाल देवता क नाउँ भविस्सवाणी किहन। उ पचे निरर्थक देव मूरतियन क पूजा किहन।"

9यहोवा कहत ह, "एह बरे मइँ तू पचन्क फुन दोखी करार देब, अउर तोहरे पचन्क पोतन क दोखी ठहराउब।

10समुद्दर पार कित्तियन क द्वीपन क जा अउर लखा कउनो क केदार प्रदेसन क पठवा अउर ओका धियान स लखइ द्या। धियान स लखा का कउनो अइसा काम किहेसः

11"का कउनो रास्ट्र क लोग कबहुँ आपन पुरान देवतन क नवा देवतन स बदेलन ह? नाहीं। निःसंदेह ओनकर देवतन असल मँ देवतन अहइँ ही नाहीं। मुला मोर लोग आपन यसस्वी परमेस्सर क निरर्थक देव मूरतियन स बदलेन ह।

12आकास, जउन भवा ह ओहसे अपने हिरदइ क आघात पहोंचइ द्या। भय स काँप उठा।" इ सँदेसा यहोवा क रहा।

13मोर लोग दुइ पाप किहेन ह। उ पचे मोका तजि दिहन (मइँ ताजा पानी क सोता अहउँ।) अउर उ पचे आपन पानी क निजी हौद खनेन ह। (उ पचे दूसर देवतन क भक्त बनेन ह।) किन्तु ओनकर हउज टूटेन ह। ओन हउजन मँ पानी नाहीं रुकी।

14का इस्राएल क लोग दास होइ गएन ह? का उ पचे एक जन्मजात दास स होइ गएन ह? इस्राएल क लोग क सम्पत्ति दूसर लोग काहे लइ लिहेन?

15जवान सिंह (दुस्मन) इस्राएल रास्ट्र पइ दहाड़त हीं, गुर्रात हीं। सिंहन इस्राएल क लोगन क देस उजाड़ दिहेन ह। इस्राएल क नगर बार दीन्ह गएन ह। ओनमाँ कउनो भी नाहीं रहि गवा ह।

16नोप अउर तहपन्हेस नगर क लोग तू पचन्क मूँड़े क सीर्स क कुचरि दिहेन ह।

17इ परेसानी तोहार पचन्क आपन दोख क कारण अहइ। तू पचे आपन यहोवा परमेस्सर स विमुख होइ गया, जबकि उ सही दिसा मँ तू पचन्क लइ जात रहा।

18एकरे बारे मँ सोचाः का तू मिस्र जाइ समइ मँ सहायता पाएहस? का तू पानी पिअइ बरे नील नदी गएहस? नाहीं। क तू अस्सूर जाइ समइ मँ सहायता पाएस? का तू परात नदी क जल पिअइ बरे गएस? नाहीं।

19तू पचे बुरे करम किहा, अउर उ सबइ बुरी चिजियन तू पचन्क सिरिफ सजा देवइहीं। बिपदन तू पचन्पइ टूटि पड़िहीं अउर इ सबइ बिपदन तू पचन्क पाठ पढ़इहीं। इ विसय मँ सोचा; तब तू पचे इ समुझब्या कि आपन परमेस्सर स बिमुख होइ जाब केतना बुरा अहइ। मोहसे न डेराब बुरा अहइ।" इ सँदेसा मोर सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा क रहा।

20"तू बहोत पहिले आपन जुआ लोकाइ दिहे रह्या। तू उ रस्सियन तोड़ फेंक्या जेका मइँ तू पचन्क अपने लगे धरइ मँ काम मँ लिआवत रह्या। तू मोहसे कह्या, 'मइँ आप क सेवा नाहीं करब।' तू रंडी क नाईं हर एक ऊँची पहाड़ी पइ अउर हर एक हरियर बृच्छ क नीचे झुटे देवत क उपासना कइ के तू बेवफाइ किहा।

21मइँ तू पचन्क बिसेस अंगूरे क बेल क तरह रोपेउँ। तू सबहिं नीक बिया क समान रह्या। तू उ अलग बेल मँ कइसे बदल्या जउन बुरा फल देत हीं।

22अगर तू आपन क सज्जी* स भी धोवा, बहोत साबुन भी लगावा, तउ भी मइँ तोहरे दोख क दागे क लख सकत हउँ।" इ सदेस परमेस्सर यहोवा क रहा।

23"तू मोका कइसे कहि सकत ह, 'मइँ अपराधी नाहीं अहउँ। मइँ बाल क मूरतियन क पूजा नाहीं किहेउँ?' ओन कामन क बारे मँ सोचा जेनका तू घाटी मँ किहा। उ बारे मँ सोचा, तू का कइ डाया ह। तू उ तेज ऊँटिन क नाईं अहा जउन कि टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता पइ तेज दउड़त ह।

24तू उ जंगली गदही क तरह अहा जउन रेगिस्तान मँ रहत ह अउर सहभोग क मौसम मँ जउन हवा क सूँघत ह (गन्ध लेत ह।) कउनो मनई ओका काम क उत्तेजना क समइ लउटाइके लिआइ नाहीं सकत। सहभोग क समइ हर एक गद्धा जउन ओका चाहत ह, पाइ सकत ह। ओका खोज निकारब सहल अहइ।

25देवमूरतियन क पाछे दउड़ब बन्द करा। ओन दूसर देवतन बरे पियास रखाइ बंद करा। मुला तू कहत अहा, 'इ बियर्थ अहइ। मइँ तजि नाहीं सकत। मइँ ओन दूसर देवतन स पिरेम करत हउँ। मइँ ओनकर पूजा करइ चाहत हउँ।'

सज्जी धुलाई क घोल।

26“चोर लजात ह जब ओका लोग धइ लेत हीं। उहइ
तरह इस्राएल क परिवार लजात ह। राजा अउर प्रमुख
याजक अउ नबी लजान अहइँ।

27उ पचे लोग काठे क टूकन स बात करत हीं, उ पचे
कहत हीं, ‘तू मोर पिता अहा।’ उ सबइ लोग चट्टान स
बात करत हीं, उ पचे कहत हीं, ‘तू मोका जन्म दिहा ह।’
उ पचे सबहिं लोग लजाइ जइहीं। उ पचे लोग मोरी कइँती
धियान नाहीं देतेन। उ पचे मोहसे पीठ फेरि लिहन ह। किन्तु
जब ओन लोगन पइ बिपद आवत ह तब उ पचे मोहसे
कहत हीं, ‘आवा अउर हमका बचावा।’

28ओन देवमूरतियन क आवइ अउर तोहका बचावइ द्या।
उ सबइ देवमूरतियन कहाँ अहइँ जेनका तू अपने बरे बनाया
ह? हमका लखइ द्या, का उ सबइ मूरतियन आवत हीं
अउर तोहार रच्छा बिपत्ति स करत हीं? यहूदा क लोगो, तू
लोगोन क लगे ओतनी मूरतियन अहइँ जेतना नगर।

29तू पचे मोहसे बिबाद काहे करत अहा? तू सबहिं मोरे
खिलाफ होइ गवा अहा।” इ सँदेसा यहोवा क रहा।

30“मइँ तोहरे गदेलन क दण्ड दिहेउँ, मुला एकर कउनो
नतीजा नाहीं निकरा। तू पचे तब लउटिके नाहीं आया जब
दण्डित कीन्ह गया। तू पचे ओन नबियन क तरवार क घाट
उतार्‍या जउन तोहरे पचन्क लगे आए रहेन। तू पचे खूखार
सिंह क नाईं रह्या अउर तू पचे नबियन क मार डाया।”

31इ पीढ़ी क लोगो, यहोवा क सँदेसा पइ धियान द्या:
“का मइँ इस्राएल क लोगन बरे रेगिस्तान जइसा बन गएउँ?
का मइँ ओनका बरे अँधियर अउर खउफनाक देस जइसा
बन गएउँ? मोर लोग कहत हीं, ‘हम आपन राह जाइ क
अजाद अही, यहोवा, हम फुन तोहरे लगे नाहीं लउटब।’ उ
पचे ओन बातन क काहे कहत हीं?

32का कउनो नउजवान अउरत आपन गहना बिसरत ह?
नाहीं। का कउनो दुलहिन आपन रूप-संगार क लिबास बरे
आपन दुपटा बिसरि जात ह? नाहीं। मुला मोर लोग मोका
अनगिनत दिनन बरे बिसरि गएन ह।

33तू फुरइ पिरेमियन (लबार देवतन) क पाछे पड़ब जानत
अहा। तू ओन दूसर लोगन बरे जउन बुरा करम करत ह
नमुना बन गवा ह।

34तोहार पचन्क हाथ खून स रंगा अहइँ। इ गरीब अउ
भोले लोगन क खून अहइ। तू पचे लोगन्क मार्‍या ह अउर
उ पचे अइसे चोर भी नाहीं रहेन जेनका तू पचे धर्‍या ह। तू
पचे उ सबइ बुरे काम करत अहा।

35किन्तु तू पचे फुन भी कहत रहत अहा, ‘हम निरपराध
अही। परमेस्सर मोहे पइ कोहान नाहीं अहइ।’ एह बरे मइँ तू
पचन्क झूठ बोलइवाला अपराधी होइ क भी निर्णय देब।
काहेकि तू कहत बाट्या, ‘मइँ कछू भी बुरा नाहीं किहेउँ
ह।’

36तोहरे पचन्क बरे इरादा क बदलब बहोत आसान
अहइ। अस्सूर तू पचन्क निरास किहस। एह बरे तू पचे
अस्सूर क तज्या अउर मदद बरे मिस्र पहोंच्या। मिस्र तू
पचन्क निरास करी।

37अइसा होइ कि तू पचे मिस्र भी तजब्या अउ तू
पचन्क हाथ लज्जा स तोहार पचन्क आँखिन होइहीं। मुला तू
पचन्क ओन देसन स कउनो कामयाबी नाहीं मिली। काहेकि
यहोवा ओन देसन्क अस्वीकार कइ दिहस ह।

3 “अगर कउनो मनई आपन पत्नी क तलाक देत ह,
अउर उ पत्नी ओका तजि देत ह अउर दूसर मनई
बियाह कइ लेत ह तउ का उ मनई आपन पत्नी क लगे
फुन आइ सकत ह? नाहीं। जदि उ मनई उ मेहरारू क लगे
लउटी तउ देस पूरी तरह गन्दा होइ जाइ। यहूदा, तू रण्डी क
तरह अनेक पिरेमियन (लबार देवतन) क संग काम किहा
अउर अब तू मोरे लगे लउटइ चाहत अहा।” इ सँदेसा
यहोवा क रहा।

2“खाली पहाड़ी क चोटी क लखा। क कउनो अइसी
जगह अहइ जहाँ तोहार आपन पिरेमियन क संग सारीरिक
सम्बन्ध नाहीं चला? तू सड़किया क किनारे पिरेमियन क
प्रतीच्छा करती बइठी अहा। तू हुआँ रेगिस्तान मँ प्रतीच्छा
करत अरब क तरह बइठा। एँह बरे तू मोहसे बेवफाइ कइ
क अउर बहोत सारी बुरा करम कइ क धरती क अपवित्तर
बना दिहेस ह।

3तू पाप किहा एह बरे बर्खा नाहीं आई। बसन्त समइ क
कउनो बर्खा नाहीं भइ। मुला अबहिं भी तू लज्जित होइ स
इनकार करति अहा। तोहरे मुँहना पइ रण्डी क भाव अहइ
जब उ लज्जित होइ स इनकार करति अहा। तू आपन कीन्ह
करमन पइ लज्जित होइ स इनकार करति अहा।

4मुला अब तू मोका बोलावत अहा। ‘मोर पिता, तू मोर
बचपन स मोर प्रिय मीत रहा ह।’

5तू इ भी कह्या, ‘परमेस्सर सदैव मोह पइ कोहान नाहीं
रही। परमेस्सर क किरोध सदैव बना नाहीं रही।’ तू इ सब
कछू कहत अहा, मुला तू ओतने ही बुराई करति अहा
जेतना तू कइ सकत अहा।”

दुइ बुरी बहिनी: इस्राएल अउ यहूदा

6ओन दिनन जब योसिय्याह यहूदा रास्ट्र पइ हुकूमत करत
रहा। यहोवा मोहसे बातन किहस। यहोवा कहेस, “यिर्मयाह,
तू ओन बुरे करमन क लखा जउन इस्राएल किहस? तू
लख्या कि कइसे मोरे संग बिस्ससघात किहस। उ हर एक
पहाड़ी क ऊपर अउर हर एक हरियर बृच्छ क खाले झूठी
मूरतियन क पूजिके बिभिचार करइ क पाप किहस। 7मइँ
अपने स कहेउँ, ‘इस्राएल मोरे लगे तब लउटी जब उ
आपन बुरे करमन क कइ चुकी।’ किन्तु उ मोरे लगे नाहीं
लउटेस अउर ओका अबिस्सासी बहिन यहूदा लखेस कि
इस्राएल का किहेस ह? 8यहूदा लखेस कि मइँ अबिस्सासी
इस्राएल क दूर पठाइ दिहेस ह काहेकि उ बिभिचार किहे
रही। मइँ ओका तलाक पत्र लिखिके तलाक देइ दिहा।
किन्तु ओकरे अबिस्सासी बहिन यहूदा ओन बातन स नाहीं
डेराएस। यहूदा भी निकर गइ अउर उ रण्डी क तरह रहइ
लगेस। 9यहूदा इ धियान भी नाहीं दिहस कि उ रण्डी क
तरह काम करति बाटइ। एह बरे उ आपन देस क गन्दा
किहस। उ काठे अउर पाथर क बनी मूरतियन क पूजा
कइके बिभिचार क पाप किहस। 10इस्राएल क अबिस्सासी
बहिन (यहूदा) आपन पूरे हिरदइ स मोरे लगे लउटी नाहीं।

उ सिरिफ बहाना बनाएस कि उ मोरे लगे लउटी अहइ।" इ सँदेसा यहोवा क रहा।

11यहोवा मोसे कहेस, "इस्राएल मोर मनवइया नाहीं रही। मुला ओकरे लगे कपटी यहूदा क अपेच्छा नीक बहाना रहा। 12उत्तर कइँती लखा अउर इ सँदेसा बोला:

"अबिस्सासी इस्राएल क लोगो तू पचे लउटा।"' यहोवा कहत ह। मइँ तू पचन स आपन मुँह नाहीं फेड़ब। मइँ दयासागर हउँ, 'मइँ सदैव तू पचन पइ कोहान नाहीं रहब।' यहोवा कहत ह।

13तोहका सिरिफ एतना करब होइ कि तू आपन पापन क स्वीकारा। तू यहोवा अपने परमेस्सर क खिलाफ अपराध किहस, इ तोहार पाप अहइ कि तू दूसर रास्ट्रन क लोगन क देव मूरतियन क आपन पिरेम दिहा। तू आपन देव मूरतियन क पूजा हर एक हरियर बृच्छ क खाले किहा। तू मोर आग्या क पालन नाहीं किहा।"' यहोवा कहत ह।

14"अभक्त लोगो, मोरे लगे लउटि आवा।" इ सँदेसा यहोवा क रहा।

"मइँ तोहार सुआमी अहउँ। मइँ हर एक नगर स एक मनई लेब अउर हर एक परिवार स दुइ मनई अउर तू पचन्क सिय्योन पइ लिआउब। 15तब मइँ तू पचन्क नवा सासक देब। उ पचे सासक मोर मनवइयन होइहीं। उ पचे तोहार पचन्क मार्ग दर्सन गियान अउर समुझ स करिहीं। 16ओन दिना तू लोग बड़ी गनती मँ देस मँ होब्या।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

"उ समइ लोग फुन इ कबहुँ नाहीं कइहीं, 'मइँ ओन दिनन क सुमिरत हउँ जब हम लोगन क लगे यहोवा क करार क सन्दूख रहा।' उ पचे पवित्तर सन्दूख क बारे मँ फुन कबहुँ सोचिहीं भी नाहीं। उ पचे न तउ एका याद करिहीं अउर न ही ओकरे बरे अफसोस करिहीं। उ पचे दूसर पवित्तर सन्दूख कबहुँ नाहीं बनइहीं। 17उ समइ, यरूसलेम नगर 'यहोवा क सिंहासन' कहा जाइ। सबहिं रास्ट्र एक संग यरूसलेम नगर मँ यहोवा क नाउँ क सम्मान देइ अइहीं। उ पचे आपन हठी अउर बुरे हिरदय क अनुसार अब कबहुँ नाहीं चलिहीं। 18ओन दिनन यहूदा क परिवार इस्राएल क परिवार क संग मिलि जाइ। उ पचे उत्तर मँ एक देस स एक साथे अइहीं। उ पचे उ देस मँ अइहीं जेका मइँ ओनकर पुरखन क दिहे रहे रहेउँ।

19"मइँ यानी यहोवा अपने स कहेउँ, 'मइँ तू पचन स आपन बचवन क नाईं बेउहार करइ चाहत हउँ, मइँ तू पचन्क एक सुहावना देस देइ चाहत हउँ। उ देस जउन कउनो भी रास्ट्र स जियादा सुन्नर होइ।' मइँ सोचे रहेउँ कि तू पचे मोका 'बाप' कहब्या। मइँ सोचे रहेउँ कि तू पचे मोर सदैव अनुसरण करब्या।

20मुला तू पचे उ मेहरारू क नाईं भया जउन पतिव्रता नाहीं रही। इस्राएल क परिवार, तू पचे मोरे बरे बिस्सासघाती रह्या।" इ सँदेसा यहोवा क रहा।

21तू पचे नंगी पहाड़ियन पइ रोउब सुन सकत ह। इस्राएल क लोग कृपा बरे रोवत रहेन अउर पराथना करत अहइँ। उ पचे बहोत बुरा होइ ग रहेन। उ पचे आपन परमेस्सर यहोवा क बिसरी ग रहेन।

22यहोवा इ भी कहेस, "इस्राएल क अबिस्सासी लोगो, तू पचे मोरे लगे लउटि आवा, अउर मइँ तोहरे पचन्क अबिस्सासी होइ क अपराध क छिमा करब।" लोगन क कहइ चाहीं, "हाँ, हम लोग तोहरे लगे आउब तू हमार परमेस्सर यहोवा अहा।

23निहचय ही पहाड़ियन पइ देवमूरतियन क पूजा अउर पहाड़न पइ जमा होइ सिरिफ झूठी आसा देत ह। निहचय ही, इस्राएल क मुक्ति, यहोवा आपन परमेस्सर स आवत ह।

24उ मुरतियन हमरे पुरखन क हर एक चीज बलि क रूप मँ हम लोगन क बचपन क अमइ स ही खाएस। उ मूरितयन हमरे पुरखन क पसु, भेड़ी, पूत, बिटिया लिहस।

25हम पचन्क आपन लाज मँ, माथा टेकइ चाही, लज्जा हम लोगन क कम्बल क नाईं ढाँप लाइ। हम अउर हमार पुरखन आपन परमेस्सर यहोवा क खिलाफ पाप किहे अही। हम आपन परमेस्सर यहोवा क आग्या आपन बचपन स ही नाहीं माने अही।"

4 यहोवा कहत ह, "इस्राएल, जदि तू लउटि आवा चाहत ह तउ तू मोरे लगे जरूर लउटि आवा। जदि तू आपन देवमूरतियन क लोकावा अउर भटकना बन्द करा,

2जदि तू मोरे नाउ पइ सच्चाइ स, निआब स अउर ईमानदारी स इ कहत भए प्रतिग्या करब्या, 'यहोवा क जिन्नगी क किरया,' तउ रास्ट्र यहोवा क जरिये बरदान पाइहीं अउर उ पचे यहोवा क गर्व स बखान करिहीं।"

3यहोवा यहूदा अउर यरुसलेम क निवसियन स कहत ह, "उहइ खेत मँ हर चलावा जेका जोतइ स तू नकार दिहे रहा काँटा क बीच मँ बिया छिरकान बन्द करा! 4इ दिखावइ बरे कि तू यहोवा क अहइ खतना करइ लिहा। मोर अर्थ इ अहइ कि आपन आप क पूरी तरह स मोर बरे अर्पित कइ द्या! अउर आपन दिल स खिलरी हटा द्या। जदि तू इ नाहीं करा तउ मइँ बहोतइ कोहान होबउँ। मोर किरोध आगी क नाईं फइली अउर मोर किरोध तू पचन्क बारि देइ अउर कउनो मनई उ आगी क बुझाइ नाहीं पाइ। इ काहे होइ? काहेकि तू पचे बुरे करम किहे अहा।"

उत्तर दिसा स बिध्वंस

5"यहूदा क लोगन मँ इ सँदेसा क घोसणा करा: यरूसलेम सहर क हर मनई स कहा, 'सारे देस मँ तुरही बजावा।' जोर स नरियाअ अउर कहा, 'एक संग आवा, हम सबहिं रच्छा बरे मजबूत सहरन क भाग निकरी।'

6सिय्योन का सूचक झंडा क उठावा, कउनो जगह एक ठू सुरच्छा क जगह खोजा, प्रतीच्छा जिन करा। इ एह बरे करा कि मइँ उत्तर स बिध्वंस लिआवत हउँ। मइँ भयंकर बिनास लिआवत हुउँ।"

7एक ठु सेर अपनी गुफा स निकरा ह, रास्ट्रन क बिध्वंसक तेज कदम बढ़ाउब सुरू कइ चुका अहइ। उ तोहरे पचन्क देसन क बरबाद करइ आपन घर तजि चुका अहइ। तोहरे पचन्क सहर तहस नहस होइहीं। ओनमाँ रहइवाला कउनो मनई नाहीं बची।

8एह बरे टाट क ओढ़ना पहिरा, रोवा, काहेकि यहोवा हम पइ बहोत कोहान अहइ।"

9इ सँदेसा यहोवा क अहइ, "अइसे समइ इ होत ह। राजा अउर प्रमुख हिम्मत हार जइहीं, याजक डेरइहीं, नबियन क दिल दहली।"

10तब मइँ यानी यिर्मयाह कहेउँ, "मोर सुआमी यहोवा, तू फुरइ यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क धोखा मँ राख्या ह। तू ओनसे कह्या, 'तू पचे सान्तिपूर्वक रहब्या।' किन्तु अब ओनके गटइयन पइ तरवार हइँची भइ अहइ।"

11उ समइ एक सँदेसा यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क दीन्ह जाइ: "नंगी पहाड़ियन क चोटी स गरम आँधी चलाति अहइ। इ रेगिस्ताने स मोर लोगन कइँती आवति अहइ। इ उ मन्द हवा नाहीं जेकर उपयोग किसान भूसा स अनाज निकारइ बरे करत हीं।

12इ ओहसे जियादा तेज हवा अहइ अउर मोहसे आवति अहइ। अब मइँ यहूदा क लोगन क खिलाफ आपन निआउ क घोसणा करब।"

13लखा। दुस्मन बादर क नाईं उठत अहइ, ओकर रथ चक्रवात क तरह अहइ। ओकर घोड़ा उकाब स तेज अहइँ। इ हम सब बरे बुरा होइ, हम बरबाद होइ जाब।

14यरूसलेम क लोगो, आपन हिरदय स बराइयन क धोइ डाबा। आपन हिरदय क पवित्तर करा, जेहसे तू बच निकरा। बुरी योजनन जिन बनावत चला।

15दान देस क दूत क वाणी क धियान स सुना। कउनो एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस स बुरा खबर क घोसणा करत ह।

16"इ रास्ट्र क एकर विवरण द्या। यरूसलेम क लोगन मँ इ खबर क फइलावा। दुस्मन दूर देस स आवत अहइँ। उ सबइ दुस्मन यहूदा क नगरन क विरूद्ध जुद्ध उद्घोस करत अहइँ।

17दुस्मन यरूसलेम क अइसे घेरेन ह जइसे खेत क रच्छा करइवाले लोग होइँ। यहूदा, तू मोरे खिलाफ गया, एह बरे तोहरे खिलाफ दुस्मन आवत अहइँ।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

18"जउने तरह तू रह्या अउर तू पाप किहा उहइ स तोह पइ इ बिपत्ति आइ। इ तोहार पाप ही अहइँ जउन जिन्नगी क एतना कठिन बनाएन ह। इ तोहार पाप ही अहइ जउन उ पीरा क लिआएस जउन तोहरे हिरदय क बेधत ह।"

यिर्मयाह क रुदन

19आह, मोर दु:ख अउ मोर परेसानी मोरे पेट मँ दर्द करत अहइँ। मोर हिरदय धड़कत अहइ। हाय, मइँ एतना डेरान अहउँ। मोर हिरदय मोरे भीतर तड़पत अहइ। मइँ चुप नाहीं बइठ सकत। काहेकि मइँ तुरही क बजाउब सुनेउँ ह। तुरही सेना क जुद्ध करइ बोलावति अहइ।

20ध्वंस क पाछे बिध्वंस आवत ह। पूरा देस नस्ट होइ ग अहइ। अचानक मोर डेरन बरबाद कइ दीन्ह ग अहइँ, मोर परदन फाड़ दीन्ह ग अहइँ।

21हे यहोवा मइँ कब तलक जुद्ध पताकन क लखब? जुद्ध क तुरही क केतने समइ सुनब?

22परमेस्सर कहेस, "मोर लोग मूरख अहइँ। उ पचे मोका नाहीं जानतेन। बेवकूफ बच्चन अहइँ। उ पचे समुझतेन नाहीं। उ पचे पाप करइ मँ दच्छ अहइँ, किन्तु उ पचे नीक करइ नाहीं जानतेन।"

बिनास आवत अहइ

23मइँ धरती क लखेउँ। धरती खाली रही, एह पइ कछू नाहीं रहा। मइँ गगन क लखेउँ, अउर एकर प्रकास चला गवा रहा।

24मइँ पर्वतन पइ नजर डाएउँ, अउर उ पचे काँपत रहेन। सबहिं पहाड़ियन लड़खड़ात रहिन।

25मइँ धियान स लखेउँ किन्तु कउनो मनई नाहीं रहा, अकासे क सबहिं पंछी उड़ गवा रहेन।

26मइँ लखेउँ कि सुहावना प्रदेस रेगिस्तान बन गवा रहा। उ देस क सबहिं नगर नस्ट कइ दीन्ह ग रहेन। यहोवा इ कराएस। यहोवा अउर ओकर प्रचण्ड किरोध इ कराएस।

27यहोवा इ सबइ बातन कहत ह। "पूरा देस बरबाद होइ जाइ। (मुला मइँ देस क पूरी तरह नस्ट नाहीं करब।)

28एह बरे इ देस क लोग मरे लोगन बरे रोइहीं। अकास अँधियारा स भरा होइ। मइँ कहि दिहेउँ ह, अउर बदलब नाहीं। मइँ एक निर्णय किहेउँ ह, अउर मइँ आपन बिचार नाहीं बदलब।"

29यहूदा क लोग घुड़सवारन अउर धनुर्धारियन क उद्घोष सुनिहीं, अउर लोग पराइ जइहीं। कछू लोग गुफन मँ छिपिहीं; कछू झाड़ियन मँ अउ कछू चट्टानन पइ चढ़ि जइहीं। यहूदा क सबहिं नगर खाली अहइँ। ओनमाँ कउनो नाहीं रहत।

30हे यहूदा, तू बरबाद कइ दीन्ह गवा अहा, तू का करत अहा? तू आपन सुन्नरतम लाल ओढ़ना काहे पहिरत अहा? तू आपन सोने का गहना काहे पहिरे अहा? तू आपन आँखिन मँ आँजन काहे लगावत अहा। तू आपन क सुन्नर बनावत अहा, किन्तु इ सब बियर्थ अहइ। तोहार पिरेमी तोहसे घिना करत हीं, उ पचे मार डावइ क जतन करत अहइँ।

31मइँ एक चीख सुनत हउँ जउन उ मेहरारू क चीख क तरह अहइ जउन लरिका पइदा करत होइ। इ चीख उ मेहरारू क तरह अहइ जउन पहिलउटी क लरिका क पइदा करत होइ। इ सिय्योन क बिटिया क चीख अहइ। उ आपन हाथ पराथना मँ इ कहत भए उठावति बाटइ, "आह! मइँ मूर्छित होइवाली अहउँ, हत्तियारे मोरे चारिहुँ कइँती अहइँ।"

यहूदा क लोगन क पाप

5 यहूदा कहत ह: "यरूसलेम क सड़कियन पइ ऊपर
नीचे जा। चारिहुँ कइँती लखा अउर एन चीजन क बारे
मँ सोचा। सहर क सार्वजनिक चौराहन क खोजा, पता करा
कि का तू कउनो एक नीक मनई क पाइ सकत ह, अइसे
मनई क जउन ईमानदारी स काम करत होइ, अइसा जउन
सच क खोज करत होइ। जदि तू एक नीक मनई क हेरिके
निकरब्या तउ मइँ यरूसलेम क छिमा कइ देब। 2जब लोग
प्रतिग्या करत हीं अउर कहत हीं, 'जइसा कि यहोवा सास्वत
अहइ।' तउ तू निहचय कइ सकत ह कि उ पचे झूठ बोलत
रहइ।"

3हे यहोवा, मइँ जानत हउँ कि तू लोगन मँ सच्चाई
लखइ चाहत अहा। तू यहूदा क लोगन क चोट पहोंचाया,
मुला उ पचे कउनो पीरा क अनुभव नाहीं किहन। तू
ओनका बर्बाद किहा, मुला उ पचे आपन पाठ सीखइ स
इन्कार कइ दिहन। उ पचे बहोत हठी होइ गएन। उ पचे
आपन पापन बरे पछताइ स इन्कार कइ दिहन।

4मुला मइँ (यिर्मयाह) आपन स कहेउँ, "उ पचे सिरिफ
गरीब लोग ही अहइँ जउन मूरख अहइँ। इ सबइ उहइ
लोग अहइँ जउन यहोवा क मारग क नाहीं सीख सकेन।
गरीब लोग आपन परमेस्सर क सिच्छा क नाहीं जानतेन।

5एह बरे मइँ अमीर लोगन क लगे जाब। मइँ ओनसे
बातन करब। निहचय ही प्रमुख यहोवा क मारग क समुझत
हीं। मोका बिस्सास अहइ कि उ पचे आपन परमेस्सर क
सिच्छा क जानत हीं।" किन्तु सबहिं अमीर लोगन यहोवा क
सेवा करइ स इन्कार करइ देइन।

6उ पचे परमेस्सर क खिलाफ भएन, एह बरे जंगल स
एक सेर ओन पइ हमला करी। रेगिस्तान मँ एक ठु बिगवा
ओनका मारि डाई। एक ठु तेदुंआ ओनका सहरन क लगे
घात लगाए अहइ। सहरन क बाहर जाइवाले कउनो क भी
तेदुंआ टूकन मँ चीर डाइ। काहेकि यहूदा क लोग बहोत
अपराध किहेन ह। उ पचे यहोवा स दूर भटक गवा अहइँ।

7परमेस्सर कहेस, "यहूदा, मोका कारण बतावा कि मोका
तोहका काहे छिमा देइ चाही? तोहार सन्तानन मोका तजि
दिहेन ह। उ पचे ओन मूरतियन स प्रतिग्या किहन ह जउन
परमेस्सर अहइँ ही नाहीं। मइँ तोहरी सन्तानन क हर एक
चीज दिहेउँ जेकर जरूरत ओनका रही। किन्तु फुन भी उ
पचे बिस्सासघाती रहेन। उ पचे रण्डी क कोठन मँ बहोत
समइ बिताएन।

8उ पचे ओन घोड़न जइसे रहेन जेनका बहोत खाइ क
अहइ, अउर जउन जोड़ा बनावइ क होइ। उ पचे ओन
घोड़न जइसे रहेन जउन पड़ोसी क मेहररूअन पइ हिनहिनात
रहेन ह।

9का मोका यहूदा क लोगन क इ सबइ काम करइ क
कारण, सजा देइ चाही?" यहोवा कहत ह, "का मोका
ओनका उ दण्ड देइ नाहीं चाही जउन ओका मिलइ चाही?

10आवा, अउर यहूदा क अंगूर क बेलन क कतारन
नस्ट करी दिहा बेलन क काट डावा। किन्तु ओनका पूरी
तरह नस्ट जिन करा। ओनकी सारी डारन क छाँट द्या
काहेकि इ सबइ डारन यहोवा क नाहीं अहइँ।

11इस्राएल अउर यहूदा क रास्ट्र हर तरह स मोरे
बिस्सासघाती रहेन।" यहोवा कहत ह।

12"ओ लोग यहोवा क बारे मँ झूठ कहेन ह। उ पचे
कहेन ह, 'यहोवा हमार कछू नाहीं करी। हम लोगन क
कछू भी बुरा न होइ। हम कउनो फउज क हमला अपने
ऊपर नाहीं लखब। हम कबहुँ भूखा नाहीं मरब।'

13झूठे नबी मरे प्राण अहइँ। परमेस्सर क सँदेसा ओनमाँ
नाहीं उतरा अहइ। विपत्तियन ओन पइ अइहीं।"

14सर्वसक्तिमान परमेस्सर यहोवा इ सब कहेस, "ओ लोग
कहेन कि मइँ ओनका दण्ड नाहीं देब। एह बरे यिर्मयाह,
जउन सँदेसा मइँ तोहका देत रहत हउँ, उ आगी जइसा होइ
अउर उ सबइ लोग काठे जइसे होइहीं अउ आगी सारी
काठी क बार देइ।"

15इस्राएल क रास्ट्र, यहोवा कहत ह, तोह पइ आक्रमण
बरे मइँ एक रास्ट्र क बहोत दूर स हाली ही लिआउब। इ
एक ताकतवर रास्ट्र अहइ। इ एक पुरानी रास्ट्र अहइ। उ
रास्ट्र क लोगन उ भासा बोलत हीं जेका तू नाहीं जानत्या।
तू नाहीं समुझ सकत्या कि उ पचे का कहत हीं? 16ओनकर
तरकस खुली कब्र अहइँ, ओनकर सबहिं लोग वीर सैनिक
अहइँ।

17उ सबइ सैनिक तोहरे घरे लिआई फसल क खाइ
जइहीं। उ पचे तोहार सारा भोजन खाइ जइहीं। उ पचे तोहार
पूत-बिटियन क खाइ जइहीं (नस्ट कइ देइहीं) उ पचे तोहार
रेवड़ अउर गोरू क खरका क चट कइ जइहीं। उ पचे
तोहार अंगूर अउर अंजीर क चार जइहीं। उ पचे तोहार
मजबूत सहरन क आपन तरवारन स नस्ट कइ डइही। जउने
सहरन पइ तोहार बिस्सास अहइ ओनका उ पचे नस्ट कइ
देइही।" 18इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "किन्तु कब उ सबइ
भयानक दिन आवत हीं, यहूदा मइँ तोहका पूरी तरह नस्ट
नाहीं करब।

19यहूदा क लोग तोहसे पूछिहीं, 'यिर्मयाह, हमार परमेस्सर
यहोवा हमार अइसा बुरा काहे किहस?' ओनका इ जवाब
द्या, 'यहूदा क लोगो तू पचे यहोवा क, अउर तू पचे ही
आपन देस मँ बिदेसी देव मूरतियन क पूजा किहा ह। तू पचे
उ सबइ काम किहा, एह बरे तू पचे अब उ देस मँ जउन
तोहार नाहीं अहइ, बिदेसियन क सेवा करब्या।'"

20यहोवा कहेस, "याकूब क परिवार मँ, इ सँदेसा क
घोसणा करा। इ सँदेसा क यहूदा रास्ट्र मँ सुनावा।

21इ सँदेसा क सुना, 'तू सबइ मूरख लोगो, तू पचन्क
समुझ नाहीं अहइ: तू पचे लोगन का आँखिन अहा, किन्तु
तू पचे लखल्या नाहीं। तू पचे लोगन क कान अहा, किन्तु
तू पचे सुनत्या नाहीं।

22का तू मोसे नाहीं डरत ह?'" यहोवा कहत ह, "मोरे
समन्वा तू पचन्क डर स काँपइ चाही। मइँ ही उ हउँ, जउन
समुद्दर क तटन क मर्यादा बनाएउँ। मइँ बालू क अइसी
सीमा बनाएउँ जेका पानी तोड़ सकत ह। लहरन तटे क
कुचरि सकत ह, मुला उ एका बर्बाद नाहीं करी। चढ़त भइ
लहरन गरज सकत हीं, मुला उ सबइ तटे क मर्यादा तोड़
नाहीं सकत।

23मुला यहूदा क लोग हठी अहइँ। उ सबइ हमेसा मोरे
खिलाफ जाइ क जोजना बनावत हीं। उ पचे मोहसे मुड़ा
अहइँ अउर मोहसे दूर चला गवा अहइँ।

24यहूदा क लोग कबहुँ आपन स नाहीं कहतेन, 'हमका
आपन परमेस्सर यहोवा स डेराइ अउ ओकर सम्मान करइ
चाही। उ हमका ठीक समइ पइ पतझड़ अउ बसन्त क
बर्खा देत ह। उ इ निहचित करत ह कि हम ठीक समइ पइ
फसिल काटि सकी।'

25यहूदा क लोगो, तू पचे अपराध किहा ह। एह बरे इहाँ
बर्खा अउर पकी भइ फसिल नाहीं अही। तोहार पचन्क
पापन तू पचन्क यहोवा क ओन नीक चीजन क भोग नाहीं
करइ दिहस ह।

26मोरे लोगन क बीच पापी लोग अहइँ। उ सबइ पापी लोग पंछियन क फँसावइ बरे जाल बनावइवालन क तरह अहइँ। उ पचे लोग आपन जाल बिछावत हीं, मुला उ पचे पंछी क बदले मनइयन क फँसावत हीं।

27एन मनइयन क घर झूठ स वइसेन भरा होत हीं, जइसे चिरइयन स भरे पिंजरा होइँ। ओनकर झूठ ओनका धनी अउ सक्तीसाली बनाएस ह।

28जउने पापन क उ पचे किहन ह ओनही स उ पचे बड़के अउर मोट भएन ह। जउने बुरे करमन क उ पचे करत हीं ओनकर कउनो अन्त नाहीं। उ पचे अनाथ बच्चन क मामले क पच्छ मँ बहस नाहीं करिहीं, उ पचे अनाथ क सहायता नाहीं करिहीं। उ पचे गरीब लोगन क उचित निआव नाहीं पावइ देइहीं।

29का मोका एन करमन क कारण यहूदा क दण्ड देइ चाहीं?" यहोवा कहत ह, "का मोका ओनका उ दण्ड देइ नाहीं चाही जउन ओनका मिलइ चाही?"

30यहोवा कहत ह, "यहूदा देस मँ एक खउफनाक अउर हिरदय दहलावइ वाला घटना घटति अहइ। जउन भवा ह उ इ अहइ कि:

31नबी झूठ बोलत हीं, याजक अपने हाथे मँ सक्ती लेत हीं। मोर लोग इहइ तरह खुस अहइँ। किन्तु लोगो, तू पचे का करब्या जब सजा दीन्ह जाइ?"

दुस्मन क जरिये यरूसलेम क घेराव

6 बिन्यामीन क लोगो, आपन जान बचाई बरे पराअ, यरूसलेम सहर स भाग चला। जुद्ध क तुरही तकोआ सहर मँ बजावा। बेथेक्केरेम मँ संकेत चिन्ह लगावा। करा काहेकि, उत्तर कइँती स बिपत्ति अउर भयानक विनास आवति अहइ।

2सिय्योन क बिटिया, तू एक ठु सुन्नर हरा चरागाह क समान अहा।

3मुला गड़रियन आपन खरका क साथ आवत हीं। उ पचे तोहार चारिहुँ कइँती आपन डेरा डावत हीं। हर एक गड़रिया आपन खरका क अगुवाइ आपन हींसा तोहार चरागाह स खाइ बरे करत ह।

4"यरूसलेम नगर क खिलाफ लड़इ बरे तइयार होइ जा। उठा, हम लोग दुपहर क सहर पइ हमला करब, किन्तु पहिले ही देर होइ चुकी अहइ। साँझ क छाया लम्बी होत अहइ,

5एह बरे उठा। हम सहर पइ राति मँ हमला करब। हम यरूसलेम क मजबूत रच्छा-साधनन क बर्बाद करब।"

6सर्वसक्तीमान यहोवा जउन कहत ह, उ अहइः "यरूसलेम क चारिहुँ कइँती क बृच्छ काट डावा अउर यरूसलेम क खिलाफ घेरा डावइ क टीला बनावा। इ सहर क सजा मिलइ चाही।" इ सहर क भीतर दमन करइ क अलावा कछू नाहीं अहइ।

7जइसे कुआँ आपन पानी स्वच्छ राखत ह उहइ तरह यरूसलेम आपन दुट्ठता क नवा बनावइ राखत ह। इ सहर मँ हिंसा अउर बिध्वंस सुना जात ह। मइँ सिरफ यरूसलेम क बीमारी अउर दर्द क लख सकत हउँ।

8यरूसलेम, इ चितउनी क अनका। जदि तू नाहीं सुनबिउ तउ मइँ आपन पिठिया तोहरी कइँती कइ लेबउँ। मइँ तोहरे प्रदेस क सूना रेगिस्तान कइ देब। कउनो भी मनई हुआँ नाहीं रहि पाई।"

9सर्वसक्तिमान यहोवा जउन कहत ह, "उ इ अहइ, ओन इस्राएल क लोगन क बटोरा जउन आपन देस मँ बच गवा रहेन। ओनका इ तरह एकट्ठा करा, जइसे तू अंगूरे क बेल स आखिरी अंगूर बटोरत अहा। अंगूर एकट्ठा करइवाले क तरह हर एक बेल क जाँच करा।"

10मइँ केहसे बात करउँ? मइँ केका चितउनी दइ सकत हउँ? मोर कउनो सुनी? इस्राएल क लोग आपन कान क बंद किहेन ह। एह बरे उ पचे मोर चितउनी सुन नाहीं सकतेन। लोग यहोवा क सिच्छा पसन्द नाहीं करतेन। उ पचे यहोवा क सँदेस सुनइ नाहीं चाहतेन।

11किन्तु मइँ (यिर्मयाह) यहोवा किरोध स भरा हउँ। मइँ एका रोकत-रोकत थक गवा हउँ। "सड़किया पइ खेलत बच्चन पइ यहोवा क किरोध उड़ेरा। एक संग बटुरे नउजवानन पइ एका उड़ेरा। मनसेधू अउ ओकर मेहरारू दुइनउँ धरा जइहीं। बुढ़वा अउ बहोत बुढ़वा लोग धरा जइहीं।

12ओनकर घर दूसर लोगन क दइ दीन्ह जइहीं। ओनकर खेत अउर ओनकर मेहररूअन दूसर क दइ दीन्ह जइहीं। मइँ आपन हाथ उठाउब अउर यहूदा देस क लोगन क सजा देब।" इ सँदेसा यहोवा क रहा।

13इस्राएल क सबहिं लोग धन अउर जियादा धन चाहत हीं। कम महत्त्वपूर्ण स लइके ज्यादा महत्त्वपूर्ण तलक सबहिं निआवहीन धन बरे लालची अहइँ। हिआँ तलक कि याजक अउ नबी झूठ पइ जिअत हीं।

14मोर लोग बहोत बुरी तरह चोट खाए भए अहइँ। नबी अउर याजक मोरे लोगन क घाव भरइ क अइसा जतन करत हीं, माना उ पचे नान्ह स घाव होइँ। उ पचे कहत हीं, 'सान्ति! सान्ति! किन्तु हुआँ सान्ति नाहीं बाटइ।'

15नबियन अउ याजकन पइ ओह पइ लजाइ चाही, जउन बुरा उ पचे करत हीं। मुला उ पचे तनिक भी लजानेन नाहीं। एह बरे उ पचे दूसर क संग गिर जाइहीं। जब मइँ ओन लोगन क सजा देब, उ पचे ठोकर खाइहीं।" यहोवा कहत ह।

16यहोवा इ सब कहत हः "चउराहन पइ खड़ा ह्वा अउर लखा। पता करा कि पुरान सड़किया कहाँ रही। पता करा कि अच्छी सड़किया कहाँ बा, अउ उ सड़क पइ चला। जदि तू पचे अइसा करब्या, तू पचन्क आराम मिली। मुला तू लोग कह्या ह, 'हम, पचे सड़किया पइ नाहीं चलब।'

17मइँ तोहार पचन्क चौकसी बरे चौकीदारी चुनेउँ। मइँ ओनसे कहेउँ, जुद्ध-तुरही क अवाजे पइ कान राखा।' मुला उ पचे कहेन, 'हम नाहीं सुनब।'

18एह बरे तू पचे सबहिं रास्ट्रन, ओन देसन क तू सब लोगो, अनका धियान द्या। उ सबइ सुना जउन मइँ यहूदा क लोगन क संग करब।

19पृथ्वी क लोगो इ सुनाः मइँ यहूदा क लोगन पइ उ
विपत्ति ढावइ जात अहउँ। जउन ओनका दुस्ट जोजनन स
पइदा भएस ह। इ होइ काहेकि उ पचे मोरे सँदेसन कइँती
धियान नाहीं दिहन। ओ लोग मोरे नेमन क पालन करइ स
इन्कार किहेन ह।”
20यहोवा कहत ह, “तू पचे सबा देस स मोका सुगन्धि
क भेंट काहे लिआवत अहा? तू पचे भेंट क रूप मँ दूर
देसन स सुगन्धि काहे लिआवत अहा? तोहार पचन्क
होमबलि मोका खुस नाहीं करत। तोहार पचन्क बलि मोका
खुस नाहीं करत।
21एह बरे यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइः “मइँ यहूदा
क लोगन क समन्वा सबइ समस्या रखब। उ पचे लोगन क
गिरावइवाले पाथर स होइहीं। बाप अउर पूत ओन पइ ठेह
खाइके भहरइहीं। मीत अउ पड़ोसी मरिहीं।”
22यहोवा जउन कहत ह, “उ इ अहइः उत्तर क देस स
एक ठु फउज आवति अहइ, पृथ्वी क दूर ठउरन स एक
ठु सक्तीसाली रास्ट्र आवत अहइ।
23फउजियन क हाथे मँ धनुस अउ भालन अहइँ, उ पचे
क्रूर अहइ। उ पचे कृपा करइ नाहीं जानतेन। उ पचे बहोत
सक्तीसाली अहइँ। उ पचे सागर क तरह गरजत हीं, जब उ
पचे अपने घोड़न पइ सवार होत हीं। उ फउज जुद्ध बरे
तइयार होइके आवति अहइ। हे सिय्योन क बिटिया, फउज
तोह पइ हमला करइ आवति अहइ।”

24हम पचे उ फउज क बारे मँ खबर पाएउँ ह। हम पचे
डर स असहाय अही। हम खुद क बिपत्तियन क जाली मँ
पड़ा अनुभव करित ह। हम पचे वइसे ही कस्ट अही, जइसे
एक मेहरारू क प्रसव-बेदना होत ह।
25खेतन मँ जिन जा, सड़कन पइ जिन निकरा। काहेकि
दुस्मन क हाथन मँ तरवार अहइ, काहेकि खतरा चारिहुँ
कइँती अहइ।
26हे मोर लोगो, टाटे क ओढ़ना पहिर ल्या। राखी मँ
लोट-पोटा। फूटि-फूटि रोआ जइसे कि तू एकलउता पूत क
खोवइ देइ रह्या। इ सबइ करा काहेकि बिनासक बहोतइ
हाली स हमरे खिलाफ अइहीं।
27यिर्मयाह, मइँ (यहोवा) तोहका प्रजा क कच्ची धातु क
पारखी बनाएउँ ह। तू हमरे लोगन क जाँच करब्या अउर
ओनके बेउहार क चौकसी रखब्या।
28मोर लोग मोरे खिलाफ होइ ग अहइँ, अउर उ पचे
बहोत हठी अहइँ। उ पचे लोगन क बारे मँ बुरी बातन
कहत घूमत हीं। उ पचे काँसा क तरह हठी अउर बेचमक
लोहा क तरह अहइँ।
29उ पचे उ चाँदी बनावइया क तरह अहइँ जउन धातू क
सुद्ध करइ क कोसिस किहेस। ओकर धौंकनी तेज चली,
आगी भी तेज जरी, मुला आगी स निकरा अउर राँगा
रहा। जउन कछू चाँदी बनाइवया किहेस उ सिरिफ समइ
क बरबादी रही। ठीक इहइ तरह मोरे लोगन स बुराई दूर
करइ क जतन सिरिफ समई क बबादी रही।
30मोर लोग ‘खोटी चाँदी’ कहा जइहीं। ओनका इ नाउँ
मिली काहेकि यहोवा ओनका अंगीकार नाहीं किहस।”

यिर्मयाह क मन्दिर उपदेस

7 इ यहोवा क सँदेसा यिर्मयाह बरे अहइ। 2यिर्मयाह
यहोवा क मन्दिर दुआरे क समन्वा खड़ा ह्वा। दुआरे
पइ इ सँदेसा घोसित कराः
“यहूदा रास्ट्र क सबहिं लोगो, यहोवा क उपासना करइ
बरे जउन लोग एन दुआरन स होइके आवा, हिआँ यहोवा
क सँदेसा रहा। 3इस्राएल क लोगन क परमेस्सर यहोवा
अहइ। सर्वसक्तीमान यहोवा जउन कहत ह, ‘उ इ अहइ,
आपन जिन्नगी बदला अउर नीक काम करा। जदि तू
अइसा करब्या तउ मइँ तू पचन्क इ ठउरे पइ रहइ देब। 4इ
झूठ पइ जिन पतियाअ जउन कछू लोग बोलत हीं। उ पचे
कहत हीं, “इ यहोवा क मन्दिर अहइ। यहोवा क मन्दिर
अहइ! यहोवा क मन्दिर अहइ!” 5जदि तू पचे आपन जीवन
बदलब्या अउर नीक करम करब्या, तउ मइँ तू पचन्क इ
ठउरे पइ रहइ देब। तू पचन्क एक दूसर पइ निस्ठावान
होइ चाही। 6तू पचन्क अजनबियन क संग भी निस्ठावान
होइ चाही। तू पचन्क राँड़ अउर अनाथ लरिकन बरे उचित
काम करइ चाही। निरपराध लोगन क जिन मारा। दूसर
देवतन क अनुसरण न करा। काहेकि उ पचे तोहरे पचन्क
जिन्नगी क नस्ट कइ देइहीं। 7जदि तू पचे मोरी आग्या क
पालन करब्या तउ मइँ तू पचन्क इ ठउरे पइ रहइ देब। मइँ
इ प्रदेस तोहरे पचन्क पुरखन क अपने लगे सदा ही रखइ
बरे दिहेउँ।
8“‘किन्तु तू पचे झूठ मँ बिस्सास करत अहा अउर उ
झूठ बियर्थ अहइ। 9का तू पचे चोरी अउर हत्या करब्या?
का तू पचे बिभिचार क पाप करब्या? का तू फाइदा बरे
झूठी गवाही देब्या? का तू पचे लबार देवता बाल क पूजा
करब्या अउर दूसर देवतन क अनुसरण करब्या जेनका तू
पचे नाहीं जानत्या? 10जदि तू पचे इ सबइ पाप करत अहा
तउ का तू पचे समुझन अहा कि तू पचे उ मन्दिर मँ मोरे
समन्वा खड़ा होइ सकत ह जेहसे मोरे नाउँ स गोहरावा जात
होइ? का तू पचे सोचत अहा कि तू पचे मोरे समन्वा खड़ा
होइ सकत अहा अउर कहि सकत अहा, “हम सुरच्छित
अही?” सुरच्छित एह बरे कि जेहसे तू पचे घृणित कार्य कइ
सका। 11इ मन्दिर मोरे नाउँ स गोहरावा जात ह। का इ
मन्दिर तोहरे पचन बरे डकैतन क छिपइ क ठउरे क
अलावा दूसर कछू नाहीं अहइ? मइँ तोहार पचन्क चौकसी
रखत हउँ।’” इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
12“यहूदा क लोगो, तू पचे अब सीलो नगर क जा। उ
ठउरे पइ जा जहाँ मइँ पहिली बार अपने नाउँ क बरे मन्दिर
बनाएउँ। जा अउर लखा कि उ ठउरे क मइँ ओन पाप क
बरे का किहेउँ जउन एह बरे कि लोग किहन। 13तू लोग इ
सबइ सब पाप करम करत रह्या।” इ सँदेसा यहोवा क रहा।
“मइँ तू पचन्स बार-बार बातन किहेउँ, मुला तू पचे मोर
अनसुनी कइ दिहा। मइँ तू लोगन क पुकारेउँ पर तू पचे
जवाब नाहीं दिहा। 14एह बरे मइँ आपन नाउँ स गोहरावा
जाइवाले यरूसलेम क इ मन्दिर क नस्ट करब। मइँ उ
मन्दिर क जेहमाँ तू पचे बिस्सास करत अहा वइसे ही नस्ट
करब जइसे मइँ सीलो क नस्ट किहेउँ। अउ मइँ उ ठउरे
क नस्ट करब्या जेका मइँ तू पचन्क अउर तोहरे पचन्क

पुरखन क दिहेउँ। 15मइँ तू पचन्क अपने पास ह वइसे ही
दूर लोकाइ देब जइसे मइँ तोहरे सबहिं भाइयन क एप्रैम स
लोकाएउँ।

16"यिर्मयाह, जहाँ तलक तोहार बात अहइ, तू यहूदा क
एन लोगन बरे पराथना जिन करा। न ओनके बरे याचना
करा अउर न ही ओनके बरे पराथना। ओनकर सहायता बरे
मोहसे पराथन जिन करा। ओनके बरे तोहरी पराथना क मइँ
नाहीं सुनब। 17मइँ जानत हउँ कि तू लखत अहा कि उ पचे
यहूदा नगर मँ का करत अहइँ। तू लखि सकत अहा कि उ
पचे यरूसलेम क सड़कन पइ का करत अहइँ? 18यहूदा क
लोग जउन करत अहइँ उ इ अहइ: "बच्चन लकड़ी बटोरत
हीं। पिता लोग उ लकड़ी क उपयोग आगी बारइ मँ करत
हीं। मेहररूअन आटा गूँधत हीं अउर सरग क रानी क भेंट
बरे रोटियन बनावत हीं। यहूदा क उ सब लोग दूसर देवतन
क पूजा बरे पेय भेंट चढ़ावत हीं। उ पचे मोका क्रोधित
करइ बरे इ करत हीं। 19मुला मइँ उ नाहीं हउँ जेका यहूदा
क लोग फुरइ चोट पहोंचावत अहइँ।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ। "उ पचे सिरिफ आपन क ही चोट पहोंचावत अहइँ।
उ पचे आपन क लज्जा क पात्र बनावत अहइँ।"

20एह बरे यहोवा इ कहत ह: "मइँ आपन किरोध इ
ठउरे क खिलाफ परगट करब। मइँ लोगन तथा जानवरन
क सजा देब। मइँ खेते मँ बृच्छन अउ उ भुइँया मँ
जमइवाली फसलन क सजा देब। मोर किरोध प्रचण्ड आगी
क नाईं होइ अउर कउनो मनई ओका रोक नाहीं सकी।"

यहोवा बलि क अपेच्छा, आपन आग्या क पालन जियादा चाहत ह

21इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तिमान यहोवा इ कहत ह,
"जा अउर जेतनी भी होमबलि अउर बलि चाहा, भेंट करा।
ओन बलियन क गोस खुद खा। 22मइँ तोहरे पचन्क पुरखन
क मिस्र स बाहेर लिआएउँ। मइँ ओनसे बातन किहेउँ,
किन्तु ओनका कउनो आदेस होमबलि अउर बलि क बारे मँ
नाहीं दिहस। 23मइँ ओनका सिरिफ इ आदेस दिहेउँ, 'मोरी
आग्या क पालन करा अउर मइँ तोहार पचन्क परमेस्सर
रहब तथा तू पचे मोर लोग होब्या। जउन मइँ आदेस देत
हउँ उकरा, अउर तोहरे पचन्क बरे सब नीक होइ।'

24"किन्तु तोहार सबन्क पुरखन मोर एक नाहीं सुनेन। उ
पचे मोह पइ धियान नाहीं दिहन। उ पचे हठी रहेन अउर उ
पचे ओन कामन क किहन जउन उ पचे करइ चाहत रहेन।
उ पचे नीक नाहीं बनेन। उ पचे पहिले स भी जियादा बुरे
बनेन, उ पचे पाछे क गएन, अगवा नाहीं बढ़ेन। 25ओ दिन
स जउने दिन तोहरे सबन्क पुरखन मिस्र तजेन आजु तलक
मइँ आपन सेवकन क तोहरे पचन्क लगे पठएउँ ह। मोरे
सेवक नबी अहइँ। मइँ ओनका तोहरे सबन्क लगे बराबर
पठएउँ। 26मुला तोहार पचन्क पुरखन मोर अनसुनी किहन।
उ पचे मोह पइ धियान नाहीं दिहन। उ पचे बहोत हठी रहेन,
अउर उ पचे बहोत जिद्दी रहेन, अउर उ पचे आपन पुरखन
स भी बढ़िके बुराइयन किहन।

27"यिर्मयाह, तू यहूदा क लोगन स इ सबइ बातन
कहब्या। किन्तु उ पचे तोहार पचन्क एक न सुनिहीं। तू पचे
ओनसे बातन करब्या मुला उ पचे तू पचन्क जवाब नाहीं
देइहीं। 28एह बरे तोहका ओनसे इ सबइ बातन कहइ चाही:
इ उ रास्ट्र अहइ जउन यहोवा आपन परमेस्सर क आग्या क
पालन नाहीं किहस। इ सबइ लोग परमेस्सर क सिच्छन क
अनसुनी किहन। इ सबइ लोग सच्ची सिच्छन क नाहीं
जानतेन।

हत्या घाटी

29"यिर्मयाह, अपने बारन क काट डावा अउर एका
लोकाइ द्या। पहाड़ी क नंगी चोटी पइ चढ़ा अउर रोवा
चिचियाअ। काहेकि यहोवा इ पीढ़ी क लोगन क दुत्कार
दिहेस ह। यहोवा एन लोगन स आपन पीठ मोड़ लिहस ह
अउर उ किरोध मँ एनका सजा देइ। 30इ सबइ करा
काहेकि मइँ यहूदा क लोगन क पाप करत लखेउँ ह।" इ
सँदेसा यहोवा क अहइ। "उ पचे आपन देवमूर्तियन क
स्थापना किहेन ह अउर मइँ ओन देवमूर्तियन स घिना करत
हउँ। उ पचे देवमूर्तियन क उ मन्दिर मँ स्थापित किहेन ह
जउन मोरे नाउँ स अहइ। उ पचे मोरे मन्दिर क 'गन्दा' कइ
दिहन ह। 31यहूदा क उ सबइ लोग बेन हिन्नोम घाटी मँ
तोपेत क उच्च स्थान बनाए अहइँ। ओन ठउरन पइ लोग
आपन पूत-बिटियन क मार डावत रहेन, उ पचे ओनका
बलि क रूप मँ बार देत रहेन। इ अइसा अहइ जेकरे बरे
मइँ कबहुँ आदेस नाहीं दिहेउँ। इ तरह क बात कबहुँ मोरे
मन मँ आई ही नाहीं। 32एह बरे मइँ तू पचन्क चितउनी देत
हउँ। उ सबइ दिन आवत अहइँ।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ, "जब लोग इ ठउरे क तोपेत या बेन हिन्नोम क
घाटी फुन नाहीं कहिहीं। नाहीं, उ पचे एका हत्याघाटी
कहिहीं। उ पचे एका इ नाउँ एह बरे देइहीं कि उ पचे तोपेत
मँ एतने मनइयन क दफनइहीं कि ओनके बरे कउनो दूसर
क दफनावइ क जगह नाहीं बची। 33तब लोगन क ल्हास
जमीन क ऊपर पड़ा रइहीं अउर अकासे क पंछियन क
चारा होइहीं। ओन लोगन क तने क जंगली जनावर खइहीं।
हुआँ ओन पंछियन अउर जनावरन क भगावइ बरे कउनो
मनई जिअत नाहीं बची। 34मइँ आनन्द अउर खुसी क
कहकहन क यहूदा क नगरन अउर यरूसलेम क सड़कियन
पइ खतम कइ देब। यहूदा अउ यरूसलेम मँ दुलहिन अउ
दुल्हा क हँसी-ठिठोली अब स अगवा नाहीं सुनाई पड़ी।
पूरा पहँटा सूना रेगिस्तान बन जाइ।"

8 यहोवा कहत ह: "उ समइ लोग यहूदा क राजा लोग
अउर प्रमुख सासक लोग क हड्डियन क कब्रन स
निकारि लेइहीं। उ पचे याजकन अउर नबियन क हड्डियन
क ओनकर कब्रन स लइ लेइहीं। उ पचे यरूसलेम क
सबहिं लोगन क कब्रन स हड्डियन निकारि लेइहीं। 2उ
सबइ लोग ओन हड्डियन क सूरज, चाँद अउर तारन क
पूजा बरे खाले जमीन पइ फइलइहीं। यरूसलेम क लोग
सूरज, चाँद अउ तारन क पूजा स पिरेम करत हीं। कउनो
भी मनई ओन हड्डियन क बटोरी नाहीं अउर न ही ओनका
फुन दफनाई। एह बरे ओन लोगन क हड्डियन गोबर क
तरह भुइँया पइ पड़ी रहिहीं।

3"मइँ यहूदा क लोगन क आपन घर अउ प्रदेस तजइ पर विवस करब। लोग विदेसन मँ लइ जावा जइहीं। यहूदा क उ सबइ कछू लोग जउन जुद्ध मँ नाहीं मारा जाइ सकेन, चहिहीं कि उ पचे मार डावा गए होतेन।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

पाप अउर सजा

4ओन लोगन स कहा, जउन यहोवा कहत ह उ इ अहइ: "तू इ सब जानत अहा कि जउन मनई गिरत ह उ फुन उठत ह। अउर जदि कउनो मनई गलत राहे पइ चलत ह तउ का उ वापस नाहीं आवत ह?

5यहूदा क लोग गलत राह चला गवा अहइँ। मुला यरूसलेम क लोग गलत राह चलत ही काहे जात अहइँ? उ पचे आपन झूठ मँ बिस्सास रखत हीं। उ पचे मुड़इ अउर लउटइ स इन्कार करत हीं।

6मइँ ओनका धियान स सुनेउँ ह, मुला उ पचे उ नाहीं कहतेन जउन फुरइ अहइ। लोग आपन पापे खातिर पछतातेन नाहीं। लोग ओन बुरे करमन पइ विचार नाहीं करतेन जेनका उ पचे किहेन ह। हर एक अपने राहे पइ वइसे ही चला जात अहइ। उ पचे जुद्ध मँ दउड़त भए घोड़वन क समान अहइँ।

7अकासे क पंछी भी काम करइ क ठीक समइ जानत हीं। सारस, कबूतर, खञ्जन अउ मइना भी जानत हीं कब ओनका आपन नवे घरे मँ उड़िके जाब अहइ। किन्तु मोर लोग नाहीं जानतेन कि यहोवा ओनसे का कराउब चाहत ह।

8तू पचे कइसे कह सकत ह, 'हमका यहोवा क नेम मिली अहइ। एह बरे हम बुद्धिमान अही?' किन्तु जउन नेम क सिच्छा देत ह अहइ उहइ एका झुठलाइ दिहेस ह।

9ओन 'चतुर लोग' यहोवा क सिच्छा अनसुनी किहेन ह एह बरे फुरइ उ पचे असल मँ बुद्धिमान लोग नाहीं अहइँ। उ पचे 'चतुर लोग' जाल मँ फँसावा गएन। उ पचे काँप उठेन अउर लज्जित भएन।

10एह बरे मइँ ओनकर मेहररूअन क दूसर मनइयन क देब। मइँ ओनके खेते क दूसर मालिकन क दइ देब। इस्राएल क सबहिं लोग जियादा स जियादा धन चाहत हीं। कम महत्त्वपूर्ण स लइके ज्यादा महत्त्वपूर्ण सबहिं लोग निआवहीन धन बरे लालची अहइ। हिआँ तलक कि नबी स लइके याजक भी लबार बोलत हीं।

11नबी अउर याजक हमरे लोगन क घावन क भरइ क जतन अइसे करत हीं माना उ पचे नान्ह स घाव होइँ। उ पचे कहत हीं, 'सान्ति! सान्ति! किन्तु हुआँ सान्ति नाहीं अहइँ।"

12ओन लोगन क आपन किए बुरे करमन बरे लज्जित होइ चाही। किन्तु उ पचे बिल्कुल लज्जित नाहीं। एह बरे उ पचे दूसर सबहिं क संग गिर जाइहीं। जब मइँ ओनका सज़ा देब तउ उ पचे ठोकर खाइहीं।" यहोवा कहत ह।

13"मइँ आपन लोगन क इकट्ठा करइ बरे आउब्या" यहोवा कहत ह: "कउनो भी अंगूरे क बेलन मँ कउनो अंगूर नाहीं होइ। कउनो भी अंजीरे क पेड़न पइ कउनो अंजीर नही होइ। हिआँ तलक कि पातियन भी सूखिके झड़ि जाइहीं। अउर मइँ इ सारी बातन क ओन लोगन पइ होइ देब।

14हम हिआँ खाली काहे बइठा अही? आवा, मजबूत सहरन क भाग निकरी। जदि हमार परमेस्सर यहोवा हमका मारइ ही जात अहइ, तउ हम हुअँइ मरी। हम यहोवा क खिलाफ पाप किहा ह एह बरे परमेस्सर हमका पिअइ क पानी जहरीला पानी दिहेस ह।

15हम सान्ति क आसा करत रहे, किन्तु कछू भी नीक नाहीं होइ सका। हम अइसे समइ क आसा करित ह, जब उ छिमा कइ देइ। किन्तु बिपत्ति ही आइ पड़ी अहइ।

16दान क परिवार समूह क प्रदेस स हम दुस्मन क घोड़न क नथुनन क फड़फड़ावइ क आवाज सुनित ह, ओनकर टापन स पृथ्वी काँप उठी अहइ, उ पचे प्रदेस अउर एहमाँ क सारी चीजन क नस्ट करइ आवा अहइँ। उ पचे सहर अउर एकर निवासी सबहिं लोगन क जउन हुआँ रहत हीं नस्ट करइ आवा अहइँ।

17यहूदा क लोगो, मइँ तू पचन्क डसइ क जहरीला साँप पठवत अहउँ। ओन साँपन क सम्मोहित नाहीं कीन्ह जाइ सकत। उ सबइ ही साँप तू पचन्क डसिहीं।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

18परमेस्सर, मइँ बहोत दु:खी अउर भयभीत अहउँ।

19मोर लोगन क सुना। इ देस मँ उ पचे चारिहुँ कइँती मदद बरे गोहरावत अहइँ। उ पचे कहत अहइँ, "का यहोवा अब भी सिय्योन मँ अहइ? का सिय्योन क राजा अब भी हुआँ अहइँ?" किन्तु परमेस्सर कहत ह, "यहूदा क लोग, आपन देव मूरतियन क पूजा कइके मोका क्रोधित काहे करत अहा? उ पचे आपन बियर्थ बिदेसी देव मूरतियन क पूजा किहन ह।"

20लोग कहत हीं, "फसल काटइ क समइ अउर गरमी क मौसम चला गवा ह किन्तु हम बचावा नाहीं जाइ सके।"

21मोर लोग बीमार अहइँ, एह बरे मइँ बीमार हउँ। मइँ एन बीमार लोगन क चिन्ता मँ दु:खी अउ निरास हउँ।

22निहचय ही, गिलाद प्रदेस मँ कछू दवा अहइ। निहचय ही, गिलाद प्रदेस म बैद्य अहइ। तउ भी मोरे लोगन क घाव काहे नीक नाहीं होतेन?

9 कास मोर सिर पानी मँ डूबा होत, अउर मोर आँखिन आँसू क झरना होतिन तउ मइँ आपन नस्ट कीन्ह गए लोगन बरे दिन रात रोवत रहत।

2कास मोका रेगिस्तान मँ जगहिया मिल गइ होत जहाँ कउनो घरे मँ यात्री रात बितउतेन, तउ मइँ आपन लोगन क छोड़ सकत रहेउँ। मइँ ओन लोगन स दूर चला जाइ सकत रहेउँ। काहेकि उ पचे सबहिं परमेस्सर क बिस्सासघाती व बिभिचारी होइ गवा अहइँ।

3"उ सबइ लोग आपन जीभ क उपयोग धनुस जइसा करत हीं, ओनकर मूँह स झूठ बाण क समान छूटत हीं। उ पचे पूरा देस मँ प्रबल होत ह, उ सबइ लोग एक क बाद दूसर करम करत हीं। उ पचे मोका नाहीं जानतेन।" यहोवा कहत ह।

4"आपन पड़ोसियन स सतर्क रहा, आपन निज भाइयन
पइ भी बिस्सास जिन करा। काहेकि हर एक भाई ठग होइ
गवा अहइ। हर पड़ोसी तोहरे पीठ पाछे बात करत ह।
5हर एक मनई आपन पड़ोसी स झूठ बोलत ह। कउनो मनई
फुरइ नाहीं बोलत। यहूदा क लोग जीभ क झूठ बोलइ क
सिच्छा दिहन ह। उ पचे तब तलक पाप किहन जब तलक
कि उ पचे एतने थकेन कि लउट नाहीं सकेन।

6तू धोखा क बीच मँ निवास करत ह। लोग मोका
अपनावइ स इन्कार कइ दिहन।" यहोवा कहत ह।

7एह बरे सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "मइँ यहूदा क
लोगन क परीच्छा वइसे ही करब जइसे कउनो मनई आगी
मँ तपाइके कउनो धातु क परीच्छा करत ह। मोरे लगे दूसर
विकल्प नाहीं अहइ। मोर लोग पाप किहन ह।

8यहूदा क लोगन क जीभ तेज बाणन क तरह अहइँ।
ओनकर मुँहे स झूठ बरसत ह। हर एक मनई आपन पड़ोसी
स अच्छा बोलत ह। किन्तु उ छुपे आपन पड़ोसी पइ हमला
करइ क जोजना बनावत ह।

9का मोका यहूदा क लोगन क एन कामन क करइ बरे
सजा नाहीं देइ चाही?" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "तू जानत
ह कि मोका इ प्रकार क लोगन क सजा देइ चाही। मइँ
ओनका उ दण्ड देब जेकर उ पचे पात्र अहइँ।"

10मइँ पर्वतन बरे फूटि फूटिके रोउब। मइँ खाली खेतन
बरे सोक गीत गाउब। काहेकि जिअत बस्तुअन छोर लीन्ह
गइन। कउनो मनई हुआँ जात्रा नाहीं करत। उ जगह पइ
कउनो जनावर क ध्वनि नाहीं सुनाई पड़ सकत। पंछी उड़
गवा अहइँ अउर जनावर चला गवा अहइँ।

11मइँ (यहोवा) यरूसलेम नगर क कूड़े क ढेर बनाइ
देब। इ सियारन क माँदन बनी। मइँ यहूदा देस क सहरन क
बरबाद करब एह बरे हुआँ कउनो भी नाहीं रही।"

12का कउनो मनई अइसा बुदद्धिमान अहइ जउन एन
बातन क समुझ सकइ? का कउनो मनई अहइ जेका यहोवा
स सिच्छा मिली अहइ? का कउनो यहोवा क सँदेसा क
व्याख्या कइ सकत ह? देस काहे नस्ट भवा? इ एक ठू सूने
रेगिस्ताने क तरह काहे कइ दीन्ह गवा जहाँ कउनो भी नाहीं
जात?

13यहोवा एन सवालन क जवाब दिहस। उ कहेस, "इ
एह बरे भवा कि यहूदा क लोग मोर सिच्छा पइ चलब तजि
दिहन। मइँ ओनका आपन सिच्छा दिहेउँ, किन्तु उ पचे मोर
सुनइ स इन्कार किहन। उ पचे मोर उपदेसन क अनुसरण
नाहीं किहन।

14यहूदा क लोग आपन राह चलेन, उ पचे हठी रहेन।
उ पचे लबार देवता बाल क अनुसरण किहन। ओनकर
पुरखन ओनका लबार देवतन क अनुसरण करइ क सिच्छा
दिहन।"

15एह बरे इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा
कहत ह, "मइँ हाली ही यहूदा क लोगन क कडुवा फल
चखाउब। मइँ ओनका जहरीला पानी पिआउब।

16मइँ यहूदा क लोगन क दूसर रास्ट्रन मँ छितराइ देब।
उ पचे अजनबी रास्ट्रन मँ रहिहीं। उ पचे अउर ओनकर
पुरखन ओन देसन क कबहुँ नाहीं जानेन। हवाँ भी मइँ
तरवार लिए मनइयन क ओन लोगन क मारि डावइ बरे
पठाब। जब तलक उ पचे नस्ट नाहीं होइ जइहीं।"

17सर्वसक्तीमान यहोवा जउन कहत ह, "उ इ अहइः
"अब एन सबन्क बारे मँ सोचा। अन्त्येस्टि क समइ भाड़ा
पइ रोवइवाली मेहररूअन क बोलावा। ओन मेहररूअन क
बोलावा जउन बिलाप करइ मँ चतुर होइँ।"

18लोग कहत हीं, 'ओन मेहररूअन क हाली स आवइ
अउर हमरे बरे रोवइ द्या, तब हमार आँखिन आँसू स
भरिहीं अउर पानी क धारा हमरी आँखिन स फूट पड़ी।'

19जोर स रोवइ क अवाजन सिय्योन स सुनी जाति अहइँ।
'हम फुरइ बर्बाद होइ गए। हम फुरइ लज्जित अही। काहेकि
हम अपने देस क तजइ दिहे ह, काहेकि हमार घर नस्ट
अउर बर्बाद होइ ग अहइँ।'"

20यहूदा क मेहररूओ, अब यहोवा क सँदेसा सुना।
यहोवा क मुँहे स निकरे सब्दन क सुनइ बरे आपन कान
खोल ल्या। यहोवा कहत ह, "आपन बिटियन क जोर स
रोउब सिखाया। हर एक मेहरारू क इ सोक गीत क सीख
लेब चाही।"

21'मउत हमरी खिड़कियन स चढ़िके आई अहइ। मउत
हमरे महलत मँ घुसि गइ अहइ। सड़क पइ खेलइवाले हमरे
बच्चन क मउत आइ गइ अहइ। सामाजिक ठउरन मँ
मिलइवाले युवकन क मउत होइ गइ अहइ।'

22"ओन लोगन स कहा, 'जउन यहोवा कहत ह, उ इ
अहइः मनइयन क ल्हास खेतन मँ गोबर स पड़ा रहिहीं।
ओनकर ल्हास जमीन पइ उ फसल स पड़ा रहिहीं जेनका
किसान काट डाएन ह। किन्तु ओनका बटोरइवाला कउनो
नाहीं होइ।'"

23यहोवा कहत ह, "बुद्धिमान क आपन बुद्धिमान क डींग
नाहीं मारइ चाही। ताकतवर क आपन ताकत क बखान
नाहीं करइ चाही। धनवान क आपन धने क हवा नाहीं बाँधइ
चाही।

24किन्तु जदि कउनो डींग मारइ ही चाहत ह तउ ओका
एन चीजन क डींग मारइ द्या: ओका इ बात क डींग
मारइ द्या कि उ मोका समुझत अउर जानत ह। ओका इ
बात क डींग हाँकइ द्या कि उ इ समुझत ह कि मइँ
यहोवा हउँ। एका इ बात क हवा बाँधइ द्या कि मइँ
कृपालु अउर न्यायी हउँ। ओका इ बात क ढिंढोरा पीटइ
द्या कि मइँ पृथ्वी पइ अच्छे काम करत हउँ। मोका एन
कामन क करइ स पिरेम अहइ।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ।

25यहोवा कहत ह, "समइ आवत अहइ, जब मइँ ओन
लोगन क सजा देब जउन सिरिफ तने स खतना कराए
अहइँ।

26"मइँ मिस्र, यहूदा, एदोम, अम्मोन अउ मोआब क
रास्ट्रन क अउर ओन सबहिं लोगन क बारे मँ बातन करत
अहइँ जउन रेगिस्ताने मँ रहत हीं जउन दाढ़ी क किनारन क
बालन क काटत हीं। ओन सबहिं देसन क लोग आपन
सरीर क खतना नाहीं करवाएन ह। किन्तु इस्राएल क
परिवार क लोग हिरदइ स खतना क नाहीं ग्रहण किहन ह,
जइसे कि परमेस्सर क लोगन क करइ चाही।"

यहोवा अउर देव मूरतियन

10 इस्राएल क परिवार, यहोवा क सुना। 2जउन यहोवा कहत ह, उ इ अहइः

“अन्य रास्ट्रन क लोगन क तरह रहा। अकासे क खास संकेतन स जिन डेराअ। दूसर रास्ट्र ओन संकेतन स डेरात हीं जेनका उ पचे अकासे मँ लखत हीं। किन्तु तू पचन्क ओन चीजन स नाहीं डेराइ चाही।

3दूसर लोगन क रीति रिवाज ब्यर्थ अहइँ। ओनकर देव मूरतियन जंगल क लकड़ी क अलावा कछू नाहीं। ओनकर देव मूरतियन कारीगर क छैनी स बनी अहइँ।

4उ पचे आपन देव मूरतियन क सोना चाँदी स सुन्नर बनावत हीं। उ पचे आपन देव मूरतियन क हथौड़न अउर कीलन स लटकावत हीं जेहसे उ सबइ लटके रहइँ, गिर न पड़इँ।

5दूसर देसन क देव मूरतियो, ककड़ी क खेते मँ खड़े फूस क पुतले क समान अहइँ। उ सबइ न बोल सकत हीं, अउर न चल सकत हीं। ओनका उठाइके लइ जाब पड़त ह काहेकि उ सबइ चल नाहीं सकतिन। ओनसे जिन डेराअ। उ सबइ न तउ तू पचन्क चोट पहुँचाइ सकत हीं अउर न ही कउनो लाभ।”

6यहोवा तू जइसा कउनो दूसर नाहीं अहइ। तू महान अहा। तोहार नाउँ महान अउर सक्तिपूर्ण अहइ।

7परमेस्सर, हर एक मनई क तोहार सम्मान करना चाही। तू सबहिं रास्ट्रन क राजा अहा। तू ओनके सम्मान क पात्र अहा। रास्ट्रन मँ अनेक बुद्धिमान मनई अहइँ। किन्तु कउनो मनई तोहरे समान बुद्धिमान नाहीं अहइ।

8दूसर रास्ट्रन क सबहिं लोग बेहुदा अउर मूरख अहइँ। ओनकर देवतन क सिच्छा केवल लकड़ी क टुकड़ा अहइँ।

9उ पचे आपन मूरतियन क तर्सीस नगर क चाँदी अउर उफाज नगर क सोने क उपयोग कइके बनावत हीं। उ सबइ देव मूरतियन बढ़इयन अउ सुनारन क जरिये बनाई जात हीं। उ पचे ओन देव मूरतियन क अच्छा किसिम क कीमती नीले अउर बैंगनी वस्त्र पहिरावत हीं। इ सबइ “कुसल कारीगरन” दुआरा बनाए गए रहेन।

10किन्तु केवल यहोवा ही सच्चा परमेस्सर अहइ। उ एकमात्र परमेस्सर अहइ जउन चेतन अहइ। उ सास्वत सासक अहइ। जब परमेस्सर किरोध करत ह तउ धरती काँप जात ह। रास्ट्रन क लोग ओकरे किरोध क रोक नाहीं सकतेन।

11यहोवा कहत ह, “ओन लोगन क इ सँदेसा द्याः ‘ओन लबार देवतन पृथ्वी अउ सरग नाहीं बनाएन अउर उ पचे देवता नस्ट कइ दीन्ह जइहीं, अउर पृथ्वी अउर सरग स लुप्त होइ जइही।’”

12उ परमेस्सर एक ही अहइ जउन आपन सक्ती स पृथ्वी बनाएस। परमेस्सर आपन बुद्धि क उपयोग किहस अउर संसार क रचना कइ डाएस। आपन समुझ क अनुसार परमेस्सर पृथ्वी क ऊपर अकास क फइलाएस।

13परमेस्सर कड़कत बिजली बनावत ह अउर उ अकास स बड़े जल क बाढ़ क सिरावत ह। उ पृथ्वी क हर एक स्थान पइ, अकासे मँ मेघ क उठावत ह। उ बिजली क बर्खा क साथ पठवत ह। उ आपन गोदामन स पवन क निकारत ह।

14लोग एतना बेवकूफ अहइँ। सुनार ओन देव मूरतियन स मूरख बनावा गाएन ह जेनका उ पचे खुद बनाएन ह। इ सबइ मूरतियन झूठ क अलावा कछू नाहीं अहइँ, उ सबइ निस्क्रिय अहइँ।

15उ सबइ देव मूरतियन कउनो काम क नाहीं। उ सबइ कछू अइसी अहइँ जेनकर मजाक उड़ावा जाइ सकइ। निआउ क समइ आवइ पइ उ सबइ देव मूरतियन नस्ट कइ दीन्ह जइहीं।

16किन्तु याकूब क परमेस्सर ओन देव मूरतियन क समान नाहीं अहइ। परमेस्सर सबहिं वस्तुअन क सृस्टि किहस, अउर इस्राएल उ परिवार अहइ जेका परमेस्सर आपन लोग क रूप मँ चुनेस। परमेस्सर क नाउँ, “सर्वसक्तीमान यहोवा” अहइ।

बिनास आवत अहइ

17तू पचे जउन कि सहर रहत ह आपन सबहिं चिजियन जमा कइ ल्या अउर जाइ क तइयार हो जा।

18यहोवा कहत ह, “इ समय मइँ यहूदा क लोगन क इ देस स बाहेर लोकाइ देब। मइँ ओनका पीड़ा अउ परेसानी देब। मइँ अइसा करब जेहसे उ सबइ पाठ सीख सकइँ।”

19ओह, मइँ बुरी तरह घायल अहउँ। मइँ ठीक नाहीं होइ सकत। तउ भी मइँ खुद स कहेउँ, “इ मोर बेरामी अहइ, मोका एहसे पीड़ित होइ चाही।”

20मोर डेरा बर्बाद होइ गवा। डेरे क सारी रस्सियन टूट गइन ह। मोर बच्चन मोका तजि गएन। उ पचे चला गएन। कउनो मनई मोर डेरा लगावइ क नाहीं बचा ह। कउनो मनई मोरे बरे सरण ठउर बनावइ क नाहीं बचा ह।

21गड़रियन (प्रमुख) मूर्ख अहइँ। उ पचे यहोवा क पावइ क जतन नाहीं करतेन। उ पचे बुद्धिमान नाहीं अहइँ, एह बरे ओनकर रेवड़न (लोग) बिखर गइन अउर नस्ट होइ गइन ह।

22धियान स सुना। एक कोलाहल, कोलाहल उत्तर स आवत अहइ। इ यहूदा क नगरन क नस्ट कइ देइ। यहूदा एक सुनसान रेगिस्तान बन जाइ। इ गीदड़न क माँद बन जाइ।

23हे यहोवा, मइँ जानत हउँ कि मनई फुरइ आपन जिन्नगी क मालिक नाहीं अहइ। लोग फुरइ आपन भविस्स क जोजना नाहीं बनाइ सकत हीं। लोग फुरइ नाहीं जानतेन कि कइसे ठीक जिअत रहा जाइ।

24हे यहोवा, हमार अनुसान करा, किन्तु निआव स। किरोध मँ हमका सजा जिन द्या। नाहीं तउ तू मोका नस्ट कइ देब्या।

25जदि तू कोहान अहा तउ दूसर रास्ट्रन क सजा द्या। उ पचे, न तोहका जानत हीं न ही तोहार सम्मान करत हीं। उ सबइ लोग तोहार आराधना नाहीं करतेन। ओन रास्ट्रन याकूब क परिवारे क नस्ट किहन। उ पचे इस्राएल क पूरी तरह बर्बाद कइ दिहन। उ पचे इस्राएल क जन्मभूमि क नस्ट किहन।

करार टूटी

11 इ उ सँदेसा अहइ जउन यिर्मयाह क मिला। यहोवा
क इ सँदेसा आवा। 2“यिर्मयाह इ करार क सब्दन
क सुना। एन बातन क बारे मँ यहूदा क लोगन स कहा। इ
सबइ बातन यरूसलेम मँ रहइवाले लोगन स कहा। 3ओन
लोगन स कहा: इ उ अहइ, जउन इस्राएल क परमेस्सर
यहोवा कहत ह, ‘जउन मनई इ करार क पालन नाहीं करी
ओह सरापि जाइँ।’ 4इ उ करार रही जेका मइँ तोहरे पुरखन
क संग किहेउँ, जब मइँ ओनका मिस्र स बाहेर लिआएउँ।
मिस्र अनेक मुसीबतन क जगह रही इ लोहा क टेघराइ
देइवाली गर्भ भट्ठी क तरह रही। मइँ ओन लोगन स
कहेउँ, “मोर आग्या माना अउर उ सब करा जेकर मइँ तू
पचन्क आदेस देउँ। जदि तू पचे इ करब्या तू मोर लोग
होब्या अउर मइँ तोहार पचन्क परमेस्सर होब।”
5“मइँ इ तोहार पचन्क पुरखन क दीन्ह गए वचन क
पूरा करइ बरे करत रहेउँ ह। मइँ ओनका बहोत उपजाउ
भुइँया देइ क प्रतिग्या किहेउँ, अइसी भुइँया जेहमाँ दूध अउर
सहद की नदी बहत अहइ अउर आजु तू पचे उ देस मँ
रहत अहा।” मइँ जवाब दिहेउँ, “हे यहोवा, आमीन।”
6यहोवा मोहसे कहेस, “यिर्मयाह, इ सँदेसा क सिच्छा
यहूदा क नगरन अउर यरूसलेम क सड़कन पइ द्या। सँदेसा
इ अहइ, “इ करार क बातन क सुना अउर तब ओन नेमन
क पालन करा। 7मइँ तोहरे पचन्क पुरखन क मिस्र देस स
बाहेर लिआवइ क समइ एक चिताउनी दिहे रहेउँ। मइँ
ओनसे आपन आग्या क पालन करइ बरे कहेउँ। 8किन्तु
तोहरे पचन्क पुरखन मोर एकउ न सुनेन। उ पचे हठी रहेन
अउर उहइ किहन जउन ओनकर आपन बुरे हिरदय चाहेन।
तउ मइँ उ सबइ बिपत्तियन जउन मोर करार मँ लिखा भवा
ह ओह पइ लाएस, जउन कि मोर अवग्या करइ स मिलइ
चाही जे उ पचे किहेस ह।”
9यहोवा मोहसे कहेस, “यिर्मयाह, मइँ जानत हउँ कि
यहूदा क लोग अउर यरूसलेम क निवासी लोग गुप्त
जोजनन बनाइ राखेन ह। 10उ सबइ लोग वइसे ही पाप
करत अहइँ जेनका ओनकर पुरखन किहन ह। ओनकर
पुरखन मोर सँदेस क सुनइ स इन्कार किहेन। उ पचे दूसर
देवतन क अनुसरण किहन अउर ओनका पूजेन। इस्राएल क
परिवार अउर यहूदा क परिवार उ करार क तोड़ेन ह जेका
मइँ ओनके पुरखन क संग किहे रहेउँ।”
11एह बरे यहोवा कहत ह: “मइँ यहूदा क लोगन पइ
हाली ही भयंकर विपत्तियन ढाउब। उ पचे बच नाहीं पइहीं
अउर जब उ पचे मदद बरे मोका गोहरइहीं। मइँ ओनकर
एक न सुनब। 12यहूदा क नगरन क लोग अउर यरूसलेम
नगर क लोग जइहीं अउर आपन देव मूरतियन स पराथना
करिहीं। उ सबइ लोग ओन देव मूरतियन क सुगन्धि यहूदा
धूप वारत हीं। किन्तु उ सबइ देव मूरतियन क लोगन क
मदद नाहीं कइ पइहीं जब उ भयंकर विपत्ति क समइ आइ।
13“यहूदा क लोगो, तोहरे पचन्क लगे बहोत स
देवमूरतियन अहइँ, हुआँ ओतनी देवमूरतियन अहइँ जेतना
यहूदा नगर मँ अहइँ। तू पचे उ घिनौनी बाल क पूजा बरे
बहोत स बेदियन बनाइ राख्या ह यरूसलेम मँ जेतनी सड़कन
अहइँ ओतनी ही वेदियन अहइँ। 14यिर्मयाह, जहाँ तलक
तोहार बात अहइ, यहूदा क एन लोगन बरे पराथना न करा।
ओनके बरे याचना न करा। मइँ ओनका नाहीं सुनब जब उ
कस्ट मँ रहिहीं अउ मोहसे मदद बरे गोहारहीं।
15“मोर प्रिया (यहूदा) मोरे घरे मँ काहे अहा? ओका हुवाँ
रहइ क अधिकार नाहीं अहइ। उ बहोत स बुरे काम किहेन
ह, यहूदा का तू सोचति अहा कि खास प्रतिग्यन अउर पसु
बलि तोहका बर्बाद होइ स बचाइ लेइहीं? का तू आसा
करति अहा कि तू ओका बलि भेंट कइके सजा पावइ स
बच जाबिउ?”
16यहोवा तोहका एक ठु नाउँ दिहे रहा। उ तोहका हरा
भरा जैतून क बृच्छ कहे रहा जेकर सुन्दरता निहारइ क
जोग्य अहइ किन्तु एक प्रबल आँधी क गरज क संग,
यहोवा उ बृच्छ क आगी मँ झुलसाई देइ अउर एकर डारन
जरि जइहीं।
17सर्वसक्तीमान यहोवा तोहका रोपेस, अउर उ इ घोसना
किहेस ह कि तोहे पइ बर्बादी डाउब्या। काहेकि इस्राएल क
रास्ट्र अउर यहूदा क परिवार बुरे करम किहेन ह। उ पचे
बाल क बलि भेंट कइके मोका क्रोधित किहेन ह।”

यिर्मयाह क खिलाफ बुरी जोजनन

18यहोवा मोका देखाएस कि अनातेन क मनई मोरे
खिलाफ सड्यंत्र करत अहइँ। यहोवा मोका उ सब देखाएस
जउन उ पचे करत अहइँ। एह बरे मइँ जानेउँ कि उ पचे
मोरे खिलाफ रहेन। 19जब यहोवा मोका देखाएस कि लोग
मोरे विरूद्ध अहइँ एकरे पहिले मइँ उ भोले मेमने क समान
रहेउँ जउन काट दीन्ह जाइ क प्रतीच्छा मँ होइ। मइँ नाहीं
समुझत रहेउँ कि उ पचे मोरे खिलाफ अहइँ। उ पचे मोरे
बारे मँ इ कहत रहेन: “आवा, हम लोग पेड़ अउर ओकर
फल क नस्ट कइ देइ। आवा हम ओका मारि डाइ। तब
लोग ओक बिसरि जइहीं।” 20किन्तु यहोवा तू एक निआइ
निआवाधीस अहा। तू लोगन क हिरदय अउर मन क
परीच्छा करइ जानत अहा। मइँ आपन तर्कन क तोहरे
समन्वा प्रस्तुत करब अउर मइँ तोहका ओनका सजा देइ क
कहब जेकर उ पचे पात्र अहइँ।
21अनातोन क लोग यिर्मयाह क मार डावइ क जोजना
बनावत रहेन। ओन लोग यिर्मयाह स कहेन, “यहोवा क नाउँ
भविस्सवाणी न करा वरना हम तोहका मार डाउब।” यहोवा
अनातोत क ओन लोगन क बारे मँ निर्णय लिहस।
22सर्वसक्तीमान यहोवा कहेस, “मइँ हाली ही अनातोत क
ओन लोगन क सजा देब। ओनकर नउजवान जुद्ध मँ मारा
जइहीं। ओनकर पूत अउर बिटियन भूखन मरिहीं। 23अनातोत
नगर मँ कउनो भी मनई नाहीं बची। कउनो मनई जिअत
नाहीं रही। मइँ ओनका सजा देब। मइँ ओनके संग कछू बुरा
घटित होइ देब।”

यिर्मयाह परमेस्सर स सिकाइत करत ह

12 यहोवा। मइँ तोहसे तर्क करत हउँ, तू सदा सही
निकरत ह। किन्तु मइँ तोहसे ओन सब क बारे मँ
पूछइ चाहत हउँ जउन सही नाहीं लगतिन। दुट्ठ लोग

सफल काहे अहइ? जउन तोह पइ बिस्सास नाहीं करतेन,
ओनकर जीवन एँतना सुखी काहे अहइ?
2तू ओन दुट्ठ लोगन क हिआँ बसाया ह। जउन मजबूत
जरवाले पौधे अहइँ जउन बढ़त अउ फल देत हीं। आपन
मूँह स उ पचे तोहका आपन नजदीकी अउर प्रिय कहत हीं।
किन्तु आपन हिरदइ स उ पचे असल मँ तोहसे बहोत दूर
अहइँ।
3मुला मोर यहोवा, तू मोरे हिरदइ क जानत ह। तू मोका
अउर मोरे मन क लखत अउर परखत अह, मोर हिरदइ
तोहरे संग अहइ। ओन दुट्ठ लोगन क मारी जाइवाली भेड़ी
क नाईं घसीटा। बलि दिवस बरे ओनका चुना।
4कब तलक भुइँया पियासी पड़ी रहब? घास कब तलक
झुरान अउ मरी रही? इ भूइँया क जनावर अउर पंछी मर
चुका अहइँ अउर उ दुट्ठ लोगन क अपराध अहइ।
काहेकि उ सबइ दुट्ठ लोग किहा, "उ हम लोगन क अन्त
नाहीं लखिहीं।"

परमेस्सर क यिर्मयाह क जवाब

5"यिर्मयाह, जदि तू मनइयन क गोड़ दौड़ मँ थक जात ह
तउ तू घोड़न क मुकाबले मँ कइसे दउड़ब्या? जदि तू
सुरच्छित देस मँ थक जात ह तउ तू यरदन नदी क किनारन
पइ उहइ भयंकर कँटीली झाड़ियन मँ पहोंचिके का करब्य?
6इ सबइ लोग तोहार आपन भाई अहइँ। तोहरे आपन
परिवार क सदस्य तोहरे खिलाफ जोजना बनावत अहइँ।
तोहरे आपन परिवार क लोग तोह पइ चिचियात अहइँ। जदि
उ सबइ मीत जइसा बोलइँ, ओन पइ बिस्सास जिन करा।"

यहूदा आपन लोगन अर्थात यहूदा क तजत ह

7"मइँ (यहोवा) आपन घर तजि दिहे हउँ। मइँ आपन
बिरासत अस्वीकार कइ दिहे हउँ। मइँ जेहसे (यहूदा) पियार
किहे हउँ, ओका ओकरे दुस्मनन क दइ दिहे हउँ।
8मोर आपन लोग मोरे बरे जंगली सेर बन गवा अहइँ।
उ पचे मोह पइ गरजत हीं, एह बरे मइँ ओनसे घिना करत
हउँ।
9मोर आपन लोग गीधन स घेरा भवा, मरत भवा जनावर
बन गवा अहइँ। उ सबइ पंछी ओह पइ मँडरात अहइँ।
जंगली जनावरो आवा। अगवा बढ़ा, खाइ क कछू पावा।
10अनेक गड़रियन मोरे अंगूरे क खेतन क नस्ट किहेन
ह। अउ मोरे खेत क पौधन क रौंदेन ह। ओन गड़रियन मोर
सुन्नर खेत क सुनसान रेगिस्तान मँ बदलेन ह।
11उ पचे मोरे खेत क रेगिस्तान मँ बदल दिहन ह। इ
झुराइ गवा अउर मरि गवा। कउनो भी मनई हुवाँ नाहीं
रहत। पूरा देस ही सुनसान रेगिस्तान अहइ। उ खेते क
देखभाल करइवाला कउनो मनई नाहीं बचा ह।
12अनेक फउजी ओन सूनी पहाड़ियन क रौंदत गएन ह।
यहोवा ओन फउजन क उपयोग उ देस क सजा देइ बरे
किहस। समस्त देस बार्बाद रगिस्तान अहइ, किन्तु एकर
देख-रेख करइवाला कउनो नाहीं अहइ।
13लोग गोहूँ बोइहीं, किन्तु उ पचे सिरिफ काँटा ही
कटिहीं। उ सबइ बहोत जियादा थकइ तलक काम करिहीं,
किन्तु उ पचे आपन सारे कामन क बदले कछू भी नाहीं
पइहीं। उ पचे आपन फसल पइ लजाइ जइहीं। यहोवा क
किरोध इ सब कछू किहस।"

इस्राएल क पड़ोसियन क यहोवा क बचन

14यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइः "मइँ तू पचन्क
बताउब कि मइँ इस्राएल देस क चारिहुँ कइँती रहइवाले
सबहिं लोगन बरे का करब। उ सबइ लोग बहोत दुट्ठ
अहइँ। उ पचे उ देस क नस्ट किहेन जेका मइँ इस्राएल क
लोगन क दिहे रहेउँ। मइँ ओन दुट्ठ लोगन क उखाड़ब
अउर ओनके देस स ओनका बाहेर लोकाइ देब। अउ मइँ
यहूदा क ओकर बीच स उखाड़ देब। 15किन्तु ओन लोगन
क ओनके देस स उखाड़ फेकइ क पाछे मइँ ओनके बरे
अफसोस करब। मइँ हर एक परिवार क ओनकर आपन
सम्पत्ति अउर आपन भुइँया पइ वापस लिआउब। 16मइँ
चाहत हउँ कि उ सबइ लोग अब मोरे लोगन क तरह रहब
सीख लेइँ। बीते समइ मँ ओन लोग हमरे लोगन क सपथ
खाइ बरे बाल क नाउँ क उपयोग करब सिखाएन। अब,
मइँ चाहत हउँ कि उ सबइ लोग सीखइ ल्या कि मोर नाउँ
कइसे उपयोग करइ होइ। मइँ चाहत हउँ कि उ सबइ लोग
कहइँ, 'काहेकि यहोवा सास्वत अहइ।' जदि उ सबइ लोग
वइसा करत हीं तउ मइँ ओनका सफल होइ देब अउर
ओनका आपन लोगन क बीच रहइ देब। 17किन्तु जदि
कउनों रास्ट्र मोरे सँदेसा क अनसुना नाहीं करत ह तउ मइँ
ओका पूरी तरह नस्ट कइ देब।" यहोवा कहत ह।

अधो वस्त्र

13 जउन यहोवा मोहसे कहेस उ इ अहइः "यिर्मयाह,
आवा अउर एक ठु सन (कीमती सूती कपड़ा) क
अधोवस्त्र बेसहा। तब एक आपन कमर मँ लपेटा। अधोवस्त्र
क गीला न होइ द्या।"
2एह बरे मइँ एक ठु सन क अधोवस्त्र बेसहेउँ, जइसा
कि यहोवा करइ क कहे रहा अउर मइँ एका आपन कमर
मँ लपेटेउँ। 3तब यहोवा क सँदेसा मोरे लगे दुबारा आवा।
4सँदेसा इ रहाः "यिर्मयाह आपन बेसहा गए अधोवस्त्र क
ल्या अउर परात क जा। अधोवस्त्र क चट्टानन क दराइ मँ
छिपाइ द्या।"
5एह बरे मइँ परात गएउँ अउर जइसा यहोवा कहे रहा,
मइँ अधोवस्त्र क हुवाँ छुपाइ दिहेउँ। 6कइउ दिनन बाद
यहोवा मोहसे कहेस, "यिर्मयाह, अब तू परात जा। उ
अधोवस्त्र क ल्या जेका मइँ छुपावइ क कहे रहेउँ।"
7एह बरे मइँ परात क गएउँ अउर मइँ खोदके अधोवस्त्र
क निकारेउँ, मइँ ओका चट्टानन क दरार स निकारेउँ जहाँ
मइँ ओका छुपाइ राखे रहेउँ। किन्तु अब मइँ अधोवस्त्र क
पहिर नाहीं सकत रहेउँ काहेकि उ गलि चुका रहा, उ
कउनो भी काम क नाहीं रह गवा रहा।
8तब यहोवा क सँदेसा मोका मिला। 9यहोवा जउन
कहेस, उ इ अहइः "अधोवस्त्र गल चुका बा अउर कउनो
भी काम क नाहीं रह गवा ह। इहइ प्रकार मइँ यहूदा अउर
यरूसलेम क घमण्डी लोगन क बर्बाद करब। 10उ पचे मोरे

सँदेसन क सुनइ स इन्कार किहेन ह। उ पचे हठी अहइँ
अउर उ पचे सिरिफ उ करत हीं जउन उ पचे करइ चाहत
हीं। उ पचे दूसर देवतन क अनुसरण अउर ओनकर पूजा
करत हीं। उ पचे यहूदा क लोग इ सने क अधोवस्त्र क
तरह होइ जइहीं। उ पचे बर्बाद होइहीं अउर कउनो काम क
नाहीं रइहीं।"
11अधोवस्त्र मनई क कमर स कसिके लपेटा जात ह।
उहइ तरह मइँ पूरे इस्राएल अउर यहूदा क परिवारन क
आपने चारिहुँ कइँती लपेटेउँ।" इ सँदेसा यहोवा क हिआँ स
अहइ। मइँ वइसा एह बरे किहेउँ कि उ सबइ लोग मोर
लोग होइहीं। तब मोर लोग मोका जस, तारीफ अउर
प्रतिस्ठा प्रदान करिहीं। किन्तु मोर लोग मोर एक नाहीं
सुनेन।"

यहूदा क चेताउनियन

12"यिर्मयाह, यहूदा क लोगन स कहाः 'इस्राएल क
परमेस्सर यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइः 'हर एक
दाखरस क मसक दाखरस स भरी जाइ चाही। उ सबइ
लोग हँसिहीं अउर तोहसे कहिहीं, 'निहचय ही हम जानित ह
कि हर एक दाखरस क मसक दाखरस स भरी जाइ चाही।'
13तब तू ओनसे कहब्या, 'यहोवा जउन कहत ह उ इ
बाटइः मइँ इ देस क हर एक निवासी क ओन राजा क
जउन दाऊद क सिंहासने पइ बइठत हीं, याजकन, नबियन
अउर सबहिं लोगन क मदमत्त क नाईं बेसहारा करब। 14मइँ
यहूदा क लोगन क ठोकर खाइ अउर एक दूसरे पइ महराइ
देब। पिता अउ पूत एक दूसर पइ भहरइहीं।" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ। ""मइँ ओनके बरे अफसोस नाहीं करब
अउर न ओन पइ द्या। मइँ करूणा क, यहूदा क लोगन
क नस्ट करइ स रोकइ नाहीं देब।"'
15सुना अउ धियान द्या। यहोवा तू पचन्क सँदेस दिहे
अहइ। घमण्डी जिन बना।
16आपन परमेस्सर यहोवा क सम्मान करा, ओकर स्तुति
करा नाहीं तउ उ अँधियारा लाई। अँधेरी पहाड़ियन पइ
लड़खड़ाइ अउर गिरइ स पहिले ओकर स्तुति करा। यहूदा
क लोगो, तू पचे प्रकास क आसा करत अहा। किन्तु
यहोवा प्रकास क घोर अँधियारा मँ बदली। यहोवा प्रकास क
बहोत गहिर आँधियारा स बदल देई।
17यहूदा क लोगो, जदि तू पचे यहोवा क अनसुनी करत
अहा तउँ मइँ छुपि जाब अउर रोउब। तोहार पचन्क घमण्ड
मोका रोवाई। मइँ फूटि-फूटिके रोउब। मोर आँखिन आँसुअन
स भरि जइहीं। काहेकि यहोवा क रेवड़ धरी जाइ।
18इ सबइ बातन राजा अउर ओकर रानी स कहा,
"आपन सिंहासनन स उतरा। तोहार पचन्क सुन्नर मुकुट
तोहरे पचन्क मूँड़न स गिर चुका अहइँ।"
19नेगव रेगिस्ताने क नगरन मँ ताला पड़ चुका अहइ,
ओनका कउनो खोल नाहीं सकत। यहूदा क लोगन क देस
निकारा दिया जाइ चुका बाटइ। ओन सबहिं क बंदी क रूप
मँ लइ जावा गवा अहइ।
20यरूसलेम, धियान स लखा। दुस्मनन क उत्तर स आवत
लखा। तोहार पचन्क रेवड़ कहाँ अहइँ? परमेस्सर तू पचन्क
सुन्नर रेवड़ दिहे रहा। तू पचन्स उ रेवड़ क देखरेख क
आसा रही।
21जब यहोवा उ रेवड़ क हिसाब तू पचन्स माँगी तउ तू
पचे ओका का जवाब देब्या? तू पचन्स आसा रही कि तू
पचे परमेस्सर क बारे मँ लोगन क सिच्छा देब्या। तोहरे
पचन्क नेता लोगन स लोगन क अगुवई करइ क आसा
रही। लेकिन उ पचे इ कारज नाहीं किहन। एह बरे तू
पचन्क बहोत दुःख व पीरा भुगतइ होइ।
22तू पचे आपन स पूछ सकत अहा, "इ बुरी बिपत्ति मोह
पइ काहे आइ?" इ सबइ बिपत्तियन तोहरे पचन्क अनेक
अपराधन क कारण आईं। तू पचन्क निर्वस्त्र कीन्ह गवा
अउर तोहार संग हिसंक अउर सरमनाक बेउहार कीन्ह
गवा।
23एक ठु करिया मनई आपन चमड़ी क रंग बदल
दिहस। अउर कउनो चीता आपन धब्बन नाहीं बदल सकत।
ओ यरूसलेम, उहइ तरह तू भी बदल नाहीं सकत्या, नीक
काम नाहीं कइ सकत्या। तू सदा ही बुरे करम करत अहा।
24मइँ तू पचन्क आपन घर तजइ क मजबूर करब, जब
तू पचे पराब्या तब हर दिसा मँ दउड़ब्या। तू पचे उ भूसे क
तरह होब्या जेका रेगिस्ताने क हवा उड़ाइ लइ जात ह।
25इ सबइ उ सबइ चीजन अहइँ जउन तोहरे पचन्क संग
होइहीं, इ मोर जोजना क तोहार पचन्क हींसा अहइ।" इ
सँदेसा यहोवा क अहइ। "इ काहे होइ? काहेकि तू पचे
मोका बिसरि गया, तू पचे लबार देवतन पइ बिस्सास किहा।
26यरूसलेम मँ, मइँ तोहरे पचन्क वस्त्र उतारब लोग
तोहार नंगा होइ के देखिहीं अउर तू पचे लज्जा स गड़
जाब्या।
27मइँ ओन खउफनाक कामन क लखेउँ जउन तू किहा।
मइँ तोहका हँसत अउर आपन पिरेमियन क संग तने क
सम्बन्ध करत लखेउँ। मइँ जानत हउँ कि तू रण्डी क तरह
दुस्कर्म किहे ह। मइँ तोहका पहाड़ियन अउर खेतन मँ लखेउँ
ह। यरूसलेम, इ तोहरे बरे बहोत बुरा होइ। तू कब तलक
आपन गंदे पापन क करत रहब्या?"

सूखा पड़ब अउर लबार नबी

14 इ यिर्मयाह क सूखा क बारे मँ यहोवा क सँदेस
अहइः
2"यहूदा रास्ट्र ओन लोगन बरे रोवत अहइ जउन मरि
गवा अहइँ। यहूदा नगर क लोग दुर्बल, अउर दुर्बल होत
जात अहइँ। उ सबइ लोग भुइँया पइ लोटिके सोक मनावत
हीं। यरूसलेम नगर स एक चीख परमेस्सर क लगे पहोंचत
अहइ।
3लोगन क प्रमुख आपन सेवकन क पानी लिआवइ बरे
पठवत हीं। सेवक कुंडन पइ जात हीं। किन्तु उ पचे कछू
भी पानी नाहीं पउतेन। सेवक खाली बर्तन लइके लउटत हीं।
एह बरे उ पचे लज्जित अउर परेसान अहइँ। उ पचे अपने
मूँड़ क लज्जा स ढाँकि लेत हीं।
4कउनो भी फसल बरे भूँइया तइयार नाहीं करत। भूइँया
पइ बर्खा नाहीं होत, किसान हतास अहइँ। एह बरे उ पचे
आपन सिर लज्जा स ढाँपि लेत हीं।

5हिआँ तलक कि हिरनी भी आपन नवा जन्मत बच्चा क
खेत मँ अकेल्ला छोड़ देत ह। उ वइसा करत ह काहेकि
हुआँ घास नाहीं अहइ।
6जंगली गदहन नंगी पहाड़ी पइ खड़ा होत हीं। उ पचे
सियार क तरह हवा सूँघत हीं। किन्तु ओनकर आँखिन क
कउनो चरइ की चीज नाहीं देखाइ पड़त। काहेकि चरइ
जोग्ग हुवाँ कउनो पौधन नाहीं अहइँ।
7"हम जानित ह कि इ सब कछू हमरे अपराध क कारण
अहइ। अउर हम पचे एकर अधिकारी अहइ किन्तु हे
यहोवा, आपन अच्छे नाउँ बरे हमार मदद करा। हम
अंगीकार करित ह कि हम लोग तोहका कइउ दाईं तजा
ह। हम लोग तोहरे खिलाफ पाप किहा ह।
8परमेस्सर, तू इस्राएल क आसा अहा। विपत्ति क दिनन
मँ तू इस्राएल क बचाया। किन्तु अब अइसा लागत ह कि
तू इ देस मँ अजनबी अहा। अइसा प्रतीत होत ह कि तू उ
यात्री अहा जउन एक रात हिआँ ठहरा होइ।
9तू उ मनई क समान लगत अहा जेह पइ अचानक
हमला कीन्ह गवा होइ। तू उ फउजी सा लगत अहा जेकरे
लगे कउनो क बचावइ क ताकत न होइ। किन्तु हे यहोवा,
तू हमरे संग अहा। हम तोहरे नाउँ स गोहरावा जात अही,
एह बरे हमका बेसहारा जिन तजा।"
10यहूदा क लोगन क बारे मँ यहूदा जउन कहत ह, उ
इ अहइ: "यहूदा क लोग फुरइ मोका तजइ मँ खुस अहइँ।
उ सबइ लोग मोका तजब अब भी बन्द नाहीं करतेन। एह
बरे अब यहोवा ओनका नाहीं अपनाई। अब यहोवा ओनके
बुरे करमन क याद राखी जेनका उ पचे करत हीं। यहोवा
ओनका ओनके पापन बरे सजा देइ।"
11तब यहोवा मोहसे कही, "यिर्मयाह, यहूदा क लोगन
बरे कछू अच्छा होइ, एकर पराथना जिन करा।" 12यहूदा क
लोग उपवास कइ सकत हीं अउर मोहसे पराथना कइ
सकत हीं। मुला मइँ ओनकर पराथनन नाहीं सुनब। हिआँ
तलक कि इ सबइ लोग होमबलि अउर अन्न भेंट चढ़इहीं
तउ भी मइँ ओन लोगन क नाहीं अपनाउब। मइँ यहूदा क
लोगन क जुद्ध मँ नस्ट करब। मइँ ओनकर खइया क छोर
लेब अउर यहूदा क लोग भूखन मरिहीं अउर मइँ ओनका
भयंकर बीमारियन स बर्बाद करब।
13किन्तु मइँ यहोवा स कहेउँ, "हमार सुआमी यहोवा।
नबी लोगन स कछू अउर कहत रह्या। उ पचे यहूदा क
लोगन स कहत रहेन, "तू लोग दुस्मन क तरवार स दुःख
नाहीं उठउब्या। तू लोगन क कबहुँ भूख स कस्ट नाहीं
होई। यहोवा तू पचन्क इ देस मँ सान्ति देइ।'"
14तब यहोवा मोहसे कहेस, "यिर्मयाह, उ सबइ नबी मोरे
नाउँ पइ झूठा उपदेस देत अहइँ। मइँ ओन नबियन क नाहीं
पठएउँ मइँ ओनका कउनो आदेस या कउनो बात नाहीं
किहेउँ उ सबइ नबी लबार कल्पनन, ब्यर्थ जादू अउर
आपन झूठे दर्सन क उपदेस करत अहइँ। 15एह बरे ओन
नबियन क बारे मँ जउन मोरे नाउँ पइ उपदेस देत अहइँ,
मोर कहब इ अहइ। मइँ ओन नबियन क नाहीं पठएउँ।
ओन नबियन कहेन, 'कउनो भी दुस्मन तरवार स इ देस पइ
हमला नाहीं करी। इ देस मँ भुखमरी कबहुँ नाहीं होइ।' उ
सबइ नबी भूखन मरिहीं अउर दुस्मन क तरवारे घाट उतारा
जइहीं। 16अउर जउन लोगन स उ सबइ नबी बात करत हीं
यरूसलेम क गलियन पइ लोकाइ दीन्ह जइहीं। उ सबइ
लोग भूखन मरिहीं अउर दुस्मन क तरवारे क घाट उतारा
जइहीं। कउनो मनई ओनका या ओनकर मेहररूअन या
ओनकर पूतन या ओनकर बिटियन क दफनावइ बरे जिन्दा
नाहीं रही। मइँ ओनका ओनकइ बुरा करम बरे सजा देब।
17"यिर्मयाह, इ सँदेसा यहूदा क लोगन क द्या: 'मोर
आँखिन आँसुअन स भरी अहइँ। मइँ बिना रूके दिन-रात
रोउब। मइँ आपन कुँमारी बिटिया बरे रोउब। मइँ आपन
लोगन बरे रोउब। काहेकि कउनो ओन पइ प्रहार किहस
अउर ओनका कुचर डाएस। उ पचे बुरी तरह घायल कीन्ह
गवा अहइँ।
18जदि मइँ खेत मँ जात हउँ तउ मइँ ओन लोगन क
लखत हउँ जउन तरवार क घाट उतारि गवा अहइँ। जदि
मइँ नगर मँ जात हउँ मइँ बहोत स बीमारियन लखत हउँ,
काहेकि लोगन क लगे भोजन नाहीं अहइ।' याजक अउ
नबी दुइनउँ ही आपन सेवन क बेचत हीं, किन्तु उ ना समझ
अहइ।"
19"हे यहोवा, का तू पूरी तरह यहूदा रास्ट्र क तजि दिहा
ह? यहोवा, का तू सिय्योन स घिना करत ह? तू एका बुरी
तरह स चोट किहा ह कि हम फुन स नीक नाहीं बनाइ
जाइ सकित। तू वइसा काहे किहा? हम सान्ति क आसा
रखत रहे, किन्तु कछू भी नीक नाहीं भवा। हम लोग घाव
भरइ क समइ क प्रतीच्छा करत रहे, किन्तु सिरिफ त्रास
आवा।
20हे यहोवा, हम जानित ह कि हम बहोत बुरा लोग
अही, हम जानित ह कि हमरे पुरखन बुरे करम किहेन। हाँ,
तोहरे खिलाफ पाप किहा।
21हे यहोवा, आपन नाउँ क अच्छाई बरे तू हमका धक्का
दइके दूर न करा। आपन सम्माननीय सिंहासने क गौरव क
न हटावा। हमरे संग कीन्ह गइ करार क याद राखा अउर
एका जिन तोड़ा।
22विदेसी देवमूरतियन मँ बर्खा लिआवइ क सक्ती नाहीं
अहइ, अकासे मँ पानी बरसावइ क सक्ती नाहीं अहइ।
सिरिफ तू ही हमार आसा अहा, एक मात्र तू ही अहा जउन
इ सब कछू बनाया ह।"
15 यहोवा मोहसे कहेस, "यिर्मयाह, जदि मूसा अउ
समूएल भी यहूदा क लोगन बरे पराथना करइवाले
होतेन, तउ भी मइँ एन लोगन बरे अफसोस नाहीं करत।
यहूदा क लोगन क मोहसे दूर पठवा। ओनसे जाइ क कहा।
2उ सबइ लोग तोहसे पूछ सकत हीं, 'हम लोग कहाँ
जाब?' तू ओनसे कहा, यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ:
"मइँ कछू लोगन क मरइ बरे निहचित किहेउँ ह। उ
सबइ लोग मरिहीं। मइँ कछू लोगन क तरवार क घाट
उतारब निहचित किहेउँ ह, उ सबइ लोग तरवार क घाट
उतारा जइहीं। मइँ कछू क भूख स मरइ क निहचित किहेउँ
ह उ सबइ भूख स मरिहीं। मइँ कछू लोगन क बन्दी होब
अउर बिदेस लइ जाब निहचित किहेउँ ह। उ सबइ लोग
ओन बिदेसन मँ बन्दी रइहीं।

3यहोवा कहत ह कि मइँ चार तरह क बिनासकारी
सक्तियन ओनके खिलाफ पठउब।' इ सँदेसा यहोवा क
अहइ। 'मइँ दुस्मन क तरवार क संग मारइ बरे पठउब। मइँ
कूकुरन क ओनकर ल्हास घसीट लइ जाइ क पठउब। मइँ
हवा मँ उड़त पंछियन अउर जंगली जनावरन क ओनकर
ल्हास खाइ अउर बर्बाद करइ क पठउब।
4मइँ यहूदा क लोगन क अइसा दण्ड देब कि धरती क
लोग एका देखिके काँप जइहीं। मइँ यहूदा क लोगन क
संग इ, मनस्से यरूसलेम मँ जउन कछू किहेस, ओकरे
कारण करब। मनस्से, राजा हिलकिय्याह क पूत रहा। मनस्से
यहूदा रास्ट्र क एक राजा रहा।'
5यरूसलेम, तोहरे ऊपर कउनो दाया नाहीं करी। न कउनो
बिलाप करिहीं या नाहीं रोइहीं। कउन तोहार कुसल छेम
अउर काम क बरे पूछइ तोहरे लगे नाही आइ।
6यरूसलेम, तू मोका तज्या।" यहोवा कहत अहइ। "तू
मोका बार-बार तज्या। एह बरे मइँ तोहका सजा दिहेस अउर
तोहका बर्बाद किहेस। मइँ तोह पइ दाया करत थक गवा
हउँ। करार
7मइँ आपन सूप स यहूदा का लोगन क फटक देब। मइँ
देस क नगर दुआर पइ ओनका बिखेर दिहेस। मइँ आपन
लोगन क बर्बाद कइ किहेस अउर बच्चन क लइ लिहेन
फिर भी मोर लोगन बदलेस नाहीं।
8अनेक मेहररूअन आपन भतारन क खोइ देइहीं। सगरे
क बालू स जियादा हुवाँ राँड़ होइहीं। मइँ एक बिनासक क
दुपहरी मँ लिआउब। बिनासक यहूदा क नउ जवानन क
महतरियन पइ हमला करी। मइँ यहूदा क लोगन क पीरा
अउ डर देब। मइँ एका घटित किहेस।
9दुस्मन तरवारे स हमला किहेस अउर लोगन क मार
डाइएस। उ पचे यहूदा बचे लोगन क मारि डइहीं। एक
मेहरारू क सात ठु पूत होइ सकत हीं, किन्तु उ पचे सबहिं
मारा गवा। उ रोवत, अउर रोवत रही, जब तलक उ साँस
लेइ बरे भी बहोत दुर्बल होइ गएन उ लज्जा अउर बिना
निहचित मँ होइ, ओकर उजले दिन दुःखे स करिया होइ
गएन।"

यिर्मयाह फुन परमेस्सर स सिकाइत करत ह

10हाय महतारी, तू मोका जन्म काहे दिहा? मइँ उ मनई
हउँ जउन पूरे देस क दोखी कहइ अउर आलोचना करइ।
मइँ न कछू उधार दिहे हउँ अउर न ही लिहे हउँ। किन्तु हर
एक मनई मोका अभिसाप देत ह।
11यहोवा कहेस मइँ तोहका अच्छी तरह तइयार किहेस
ह। तोहर सुत्रन दुआरा लावइ गइ विपत्तियन क समइ मइँ
तोहार बरे बीच मँ दखल दिहेस ह।

परमेस्सर यिर्मयाह क जवाब देत ह

12"तू जानत अहा कि कउनो मनई लोहा काँसा उत्तर
वाले लोहे क सुत्रन क चकनाचूर नाहीं कइ सकत्या।
13यहूदा क लोगन क लगे सम्पत्ति अउर खज़ानन अहइँ।
मइँ उ सम्पत्ति क दूसर लोगन क देब। ओन दूसर लोगन
क उ सम्पत्ति बेसहइ नाहीं पड़ी। मइँ ओनका उ सम्पत्ति देब।
काहेकि यहूदा बहोत पाप किहेस ह।" यहूदा देस क हर एक
भाग मँ पाप किहेस ह।
14यहूदा क लोगो, मइँ तोहका तोहरे दुस्मनन क दास
बनाउब। तू उ देस मँ दास होब्या जेका तू कबहुँ नाहीं
जान्या। मइँ बहोत कोहान हउँ। मोर किरोध तपत आगी
जइसा अहइ अउर तू बारि दीन्ह जाब्या।"
15हे यहोवा, तू मोका समुझत ह। मोका याद राखा अउर
मोर देखरेख करा। लोग मोका चोट पहोंचावत हीं। ओन
लोगन क उ सजा द्या जेकर उ पात्र अहइँ। तू ओन लोगन
बरे सहनसील अहा। किन्तु ओनके बरे सहनसील रहत समइ
मोका बर्बाद न कइ द्या। मोरे बारे मँ सोचा। यहोवा उ पीरा
क सोच जउन मइँ तोहरे बरे सहन हउँ।
16तोहार सँदेसा मोका मिला अउर मइँ मोका निगल
गवा। तोहार सँदेसा मोका बहोत खुस कइ दिहस। मइँ खुस
रहेउँ कि मोका तोहरे नाउँ स गोहरावा जात ह। तोहार नाउँ
यहोवा सर्वसक्तीमान अहइ।
17मइँ कबहुँ ओकरे साथ नाहीं बइठा जउन उत्सव
मनावत अउ मज़ा करत ह। अपने उपर तोहरे प्रभाव क
कारण मइँ अकेला बइठा। तू मोरे चारिहुँ कइँती बुराइयन
पइ मोका किरोध स भर दिहा।
18मइँ नाहीं समुझ पावत कि मइँ काहे अब तलक घायल
हउँ? मइँ नाहीं समुझ पावत कि मोर घाव नीक काहे नाहीं
होत अउर भरत काहे नाहीं? हे यहोवा, मइँ समुझत हउँ कि
तू बदल गवा अहा। तू सोता क उ पानी क तरह अहा
जउन झुराइ गवा होइ। तू उ सोता क तरह अहा जेकर पानी
झुराइ गवा होइ।
19तबइ यहोवा कहेस, "जदि तू लउट आइ तउ मइँ
तोहका आपन लगे वापिस लउटाउब। अउर तू मोरे लगे
खड़ा होब्या। जदि तू महत्वपूर्ण बात कहत ह अउर उ बेकार
बातन क नाहीं कहब्या, तउ तू मोरे बरे कहि सकत ह।
यहूदा क लोगन क बदलइ चाही अउर तोहरे लगे ओनका
आवइ चाही। किन्तु तू जिन बदला अउर ओनकी तरह न
बना।
20मइँ तोहका सक्तीसाली बनाउब। उ सबइ लोग सोचिहीं
कि तू काँसे क बनी देवार जइसी सक्तीसाली अहा यहूदा क
लोग तोहरे खिलाफ लड़िहीं, किन्तु उ पचे तोहका हरइहीं
नाहीं। काहेकि मइँ तोहरे साथ हउँ। मइँ तोहार सहायता
करब, तोहार उद्धार करब।"
इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
21"मइँ तोहार उद्धार ओन बुरे लोगन स करब। उ सबइ
लोग तोहका डेरावत हीं। किन्तु मइँ तोहका ओन लोगन स
बचाउब।"

बिनास क दिन

16 यहोवा क सँदेसा मोका मिला। 2"यिर्मयाह, तोहका
बियाह नाहीं करइ चाही। तोहका इ ठउरे पइ बेटा
या बिटिया नाहीं पइदा करइ चाही।"
3यहूदा देस मँ जन्म लेइवाले बेटा-बिटियन क बारे मँ
यहोवा इ कहत ह, अउर ओन बच्चन क बाप-महतारी क
बारे मँ जउन यहोवा कहत ह, उ इ अहइ: 4"उ सबइ लोग

भयंकर मउत क सिकार होइहीं। ओन लोगन बरे कउनो रोई
नाहीं। कउनो भी मनई ओनका दफनाइ नाहीं। ओनकर
ल्हासन जमीन पइ गोबरे क नाईं पड़ी रहिहीं। उ सबइ लोग
दुस्मन क तरवार क घाट उतरिहीं या भूखन मरिहीं। ओनकर
ल्हास अकासे क पंछियन अउर भुइँया क जंगली जनावरन
क भोजन बनिहीं।"

5एह बरे यहोवा कहत ह, "ओन घरन मँ न जा जहाँ
लोग आखिरी क्रिया क्रम क दावत खात रहत हीं। हुवाँ
रोवइ या आपन सोक परगट करइ जिन जा। इ सबइ सब
काम जिन करा। काहेकि मइँ आपन सान्ति वापस लइ
लिहेउँ ह। मइँ यहूदा क एन लोगन पइ दाया नाहीं करब,"
यहोवा कहत ह।

6"यहूदा देस मँ महत्वपूर्ण लोग अउर साधारन लोग
मरिहीं। कउनो मनई ओन लोगन क न दफनइहीं न ही
ओनके बरे रोइ। एन लोगन बरे सोक परगट करइ क न
तउ कउनो आपन क काटी अउर न ही आपन मूँड़े क बार
साफ कराई। 7कउनो मनई ओन लोगन बरे भोजन नाहीं
लिआई जउन मरे बरे रोवत रहा होइहीं। जेनकर महतारी-बाप
मर गए होइहीं लोगन क कउनो मनई समझाई बुझाई नाहीं।
जउन मरे बरे रोबत रहा होइहीं ओनका सान्त करइ बरे
कउनो मनई दाखरस नाहीं पिआई।"

8"यिर्मयाह, उ घरे मँ न जा जहाँ लोग दावत खात रहत
होइँ। उ घरे मँ न जा अउर ओनके संग बइठिके न खा न
दाखरस पिआ। 9इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीसाली यहोवा
कहत ह: 'मजा उड़ावइ वाले लोगन क सोर क हाली ही
मइँ बंद कइ देब। बियाहे क दावत मँ लोगन क हँसी
मजाक क किलकारियन क मइँ बन्द कइ देब। इ तोहरे
जीवनकाल मँ ही होइ। मइँ इ सबइ काम हाली स करब।'

10"यिर्मयाह, तू यहूदा क लोगन क इ सबइ बातन
बतउब्या अउर लोग तोहसे पूछिहीं, 'यहोवा हम लोगन बरे
एतनी भयंकर बातन काहे कहेस ह? हम का गलत काम
कीन्ह ह? हम लोग यहोवा आपन परमेस्सर क खिलाफ
कउन-सा पाप किहा ह?' 11तू पचन्क ओन लोगन स इ
कहइ चाही, 'तू पचन्क संग भयंकर घटनन घटिहीं काहेकि
तोहार पचन्क पुरखन मोर अनुसरण करब तजेन अउर दूसर
देवतन क अनुसरण करब तथा सेवा करब सुरू किहन। उ
पचे ओन दूसर देवतन क पूजा किहन। तोहार पुरखन मोका
तजेन अउर मोर नेमन क पालन करब तजेन। 12किन्तु तू
लोग आपन पुरखन स भी जियादा बुरे करम किहा ह। तू
लोग बहोत हठी अहा अउर तू सिरिफ उहइ करत अहा
जेका तू करइ चाहत अहा। तू मोर आग्या क पालन नाहीं
करत अहा। 13एह बरे मइँ तोहका पचन्क इ देस स बाहेर
निकारि फेंकब। मइँ तोहका पचन्क बिदेस मँ जाइके मजबूर
करब। तू पचे अइसे देस मँ जाब्या जेका तू अउर तोहार
पुरखन कबहुँ नाहीं जानेन। उ देस मँ तू पचे ओन सबहिं
लबार देवतन क दिन अउ रात पूजा कइ सकत ह। अउर न
ही मइँ तोहरे बरे कउनो सहानुभूति देखाउब।'

14"लोग प्रतिग्या करत हीं अउर कहत हीं, 'यहोवा
निहचय ही सास्वत अहइ। केवल उहइ अहइ जउन इस्राएल
क लोगन क मिस्र देस स बाहेर लिआवा।' किन्तु समइ
आवत अहइ, जब लोग अइसा नाहीं कहिहीं।" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ। 15लोग कछू नवा कहिहीं। उ पचे कहिहीं,
'निहचय ही यहोवा सास्वत अहइ। उ ही केवल अइसा अहइ
जउन इस्राएल क लोगन क उत्तरी देस स लइ आवा। उ
ओनका ओन सबहिं देसन स लइ आवा जेहमाँ उ ओनका
पठए रहा।' लोग इ सबइ बातन काहे कहिहीं? काहेकि मइँ
इस्राएल क लोगन क उ देस मँ वापिस लिआउब जेका मइँ
ओनके पुरखन क दिहे रहेउँ।

16"मइँ हाली ही अनेकन मछुआरन क इ देस मँ आवइ
बरे बोलाउब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "उ सबइ
मछुआरन यहूदा क लोगन क धइ लेइहीं। इ होइ क पाछे
मइँ बहोत स सिकारियन क इ देस मँ आवइ बरे बुलाउब।
उ सबइ सिकारी यहूदा क लोगन क सिकार हर एक पहाड़,
पहाड़ी अउर चट्टानन क दरारन मँ करिहीं। 17मइँ उ सब
कछू जउन उ पचे करत हीं, लखत हउँ। यहूदा क लोग
ओन कामन क मोहसे छुपाइ नाहीं सकतेन जेनका उ पचे
करत हीं। ओनकर पाप मोहसे छुपा नाहीं अहइँ।" 18मइँ
यहूदा क लोग जउन बुरे करम किहेन ह, ओकर बदला
चुकाउब। मइँ हर एक पाप क बरे दुइ दाईं ओनका सजा
देब। मइँ इ करब काहेकि उ पचे मोरे देस क 'गन्दा'
बनाएन ह। उ पचे मोरे देस क भयंकर मूरतियन स गन्दा
किहेन ह। मइँ ओन देवमूरतियन स घिना करत हउँ। किन्तु
उ पचे मोरे देस क आपन देवमूरतियन स भरि दिहेन ह।"

19हे यहोवा, तू मोर सक्ती अउर गढ़ अहा। बिपत्ति क
समइ पराइके बचइ क तू सुरच्छित सरण अहा। सारे संसार
स रास्ट्र तोहरे लगे अइहीं। उ पचे कहिहीं, "हमार पिता
लबार देवता राखत रहेन। उ पचे ओन बियर्थ देवमूरतियन क
पूजा किहन, किन्तु ओन देवमूरतियन ओनकर कउनो मदद
नाहीं किहन।"

20का लोग अपने बरे सच्चे देवता बनाइ सकत हीं?
नाहीं, उ पचे देवमूरतियन बनाइ सकत हीं, किन्तु उ सबइ
देवमूरतियन फुरइ देवता नाहीं अहइँ।

21"एह बरे मइँ ओन लोगन क सबक सिखाउब, जउन
देवमूरतियन क देवता बनावत हीं। अब मइँ सोझ आपन
सक्ती अउर प्रभुता क बारे मँ सिच्छा देब। तब उ पचे
समुझिहीं कि मइँ परमेस्सर हउँ। उ पचे जनिहीं कि मोर नाउँ
यहोवा अहइ।"

हिरदय पइ लिखा अपराध

17 "यहूदा क लोगन क पाप हुआँ लिखा अहइ जहाँ
स ओका मिटावा नाहीं जाइ सकत। उ सबइ पाप
लोहे क कलम स पाथरन पइ लिखे ग रहेन। ओनकर पाप
हीरे क नोकवाली कलम स लिखा ग रहेन, अउर उ पाथर
ओनकर हिरदय अहइ। उ सबइ पाप ओनकर वेदी क सीगंन
क बीच काटे ग रहेन।

2ओनकर बच्चन लबार देवतन क अर्पित कीन्ह गइ
वेदिन क याद राखत हीं।

3उ पचे ओन चीजन क खुले ठउरे क पहाड़न पइ याद
करत हीं। यहूदा क लोगन क लगे सम्पत्ति अउर खजानन
अहइँ। मइँ ओन चीजन क दूसर लोगन क देब। मइँ तोहरे

देस क सबहिं उच्च ठउरन क नस्ट करब। तू ओन ठउरन
पइ पूजा कइके पाप किहा ह।
4तू उ भूइँया क खोउब्या जेका मइँ तोहका दिहेउँ ह।
मइँ तोहरे दुस्मनन क तोहका ओनके दास क तरह उ भूइँया
मँ लइ जाइ देब जेकरे बारे मँ तू नाहीं जानत्या। काहेकि मइँ
बहोत कोहान हउँ। मोर किरोध तपत आगी जइसा अहइ,
अउर जउन कि सदैव जरिहीं।"

जनता मँ बिस्सास एवं परमेस्सर मँ बिस्सास

5यहोवा इ सब कहत ह, "जउन लोग केवल दूसर
लोगन मँ बिस्सास करत हीं ओनकर बुरा होइ। जउन सक्ती
बरे सिरिफ दूसर क सहारे रहत हीं ओनकर बुरा होइ।
काहेकि ओन लोग यहोवा पइ बिस्सास करब तजि दिहन ह।
6उ सबइ लोग रेगिस्ताने क झाड़ी क तरह अहइँ। उ
झाड़ी उ भूइँया पइ अहइ जहाँ कउनो नाहीं रहत। उ झाड़ी
गरम अउ झुरान भुइँया मँ अहइ। उ झाड़ी खराब माटी मँ
अहइ। उ झाड़ी ओन अच्छी चीजन क नाहीं जानत जेनका
परमेस्सर दइ सकत ह।
7किन्तु जउन मनई यहोवा मँ बिस्सास करत ह, उ धन्य
अहइ। सिरिफ यहोवा ही ओका बिस्सास होइहीं।
8उ मनई उ बृच्छ क तरह होइ जउन पानी क पास
लगावा गवा होइ। उ बृच्छ क लम्बी जउन होत हीं जउन
पानी पावत हीं। उ बृच्छ गर्मी क दिनन स नाहीं डरत। एँकर
पातियन सदा हरी रहत हीं। इ बरिस क ओन दिनन मँ
परेसान नाहीं होत जब बर्खा नाहीं होत। उ बृच्छ मँ सदा
फल आवत हीं।
9मनई क दिमाग बड़ा कपटी होत ह। दिमाग बहोत
बीमार भी होइ सकत ह अउर कउनो भी मनई दिमाग क
ठीक-ठाक नाहीं समुझत।
10किन्तु मइँ यहोवा हउँ अउर मइँ मनई क हिरदय क
जान सकत हउँ। मइँ मनई क दिमाग क जाँच कइ सकत
हउँ। एह बरे मइँ निर्णय कइ सकत हउँ कि हर एक मनई
क का मिलइ चाही। मइँ हर एक मनइ क ओकर बरे ठीक
भुगतान कइ सकत हउँ जउन उ करत ह।
11कबहुँ कबहुँ उ एक ठु चिरइया उ अण्डे स बच्चा
निकारत ह जेका उ नाहीं दिहस। उ मनई क आधी उमर
खतम होइ तउ उ उ धने क खोइ देइ। आपन जिन्नगी क
आखीर मँ इ स्पस्ट होइ जाई कि उ एक मूर्ख मनई रहा।"
12सुरू ही स हमार मन्दिर परमेस्सर बरे एक ठु
गौरवसाली सिंहासन रहा। इ एक बड़ा महत्व क स्थान
अहइ।
13हे यहोवा, तू इस्राएल क आसा अहा। हे यहोवा, तू
अमृत जल क सोते क तरह अहा। जदि कउनो तोहार
अनुसरण करब तजी तउ ओकर जिन्नगी बहोत घटि जाइ।

यिर्मयाह क तीसरी सिकाइत

14हे यहोवा, जदि तू मोका तन्दुरूस्त करत ह, मइँ फुरइ
तन्दुरूस्त होइ जाब। मोर रच्छा करा, अउर मोर फुरइ रच्छा
होइ जाइ। हे यहोवा, मइँ तोहार स्तुति करत हउँ।
15यहूदा क लोग मोहसे सवाल करत रहत हीं, "यिर्मयाह,
यहोवा क हिआँ क सँदेसा कहाँ अहइ? हम लोग देखाइँ
कि संदेसा फुरइ साबित होत ह?"
16हे यहोवा, मइँ तोहसे दूर नाहीं भागा, मइँ तोहार
अनुसरण किहेउँ ह। तू जइसा चाह्या वइसा गड़रिया मइँ
बना। मइ नाहीं चाहत कि भयंकर दिन आवइ। यहोवा तू
जानत अहा जउन कछू मइँ कहेउँ। जउन होत अहइ, तू सब
लखत ह।
17हे यहोवा, तू मोका बर्बाद जिन करा। मइँ बिपत्ति क
दिनन मँ तोहरे सहारे हउँ।
18लोग मोका चोट पहोंचावत अहइँ। ओन लोगन क
लज्जित करा। किन्तु मोका निरास जिन करा। ओन लोगन क
भयभीत होइ द्या। मोर दुस्मनन पइ भयंकर बिनास क दिन
लिआवा ओनका तोड़ा अउर ओनका फुन तोड़ा।

सबित दिवस क पवित्तर रखब

19यहोवा मोहसे इ सबइ बातन कहेस, "यिर्मयाह, जा
अउर यरूसलेम क जन-दुआरे पइ खड़ा होइ जा, जहाँ स
यहूदा क राजा भीतर आवत अउर बाहेर जात हीं। मोर
लोगन क मोर सँदेसा द्या अउर तब यरूसलेम सबहिं
दुआरन पइ जा अउर इहइ काम करा।
20"ओन लोगन स कहाः 'यहोवा क सँदेसा सुना। यहूदा
क राजा लोगो, सुना। यहूदा क तू सबहिं लोगो सुना। इ
दुआर स यरूसलेम मँ आवइवाले सबहिं लोगो, मोर बात
सुना। 21यहोवा इ बात कहत हः इ बात मँ सावधान रहा कि
सबित क दिन बोझा लइके जिन चला अउर यरूसलेम क
दुआरन स सबित क दिन बोझा न लिआवा। 22सबित क
दिन आपन घरन स बोझा बाहेर न लइ जा। उ दिन कउनो
काम न करा। मइँ इहइ आदेस तोहार पुरखन क दिहे रहेउँ।
23मुला तोहार पुरखन मोरे इ आदेस क पालन नाहीं किहन।
उ पचे मोरी कइँती धियान नाहीं दिहन। तोहार पुरखन बहोत
हठी रहेन। मइँ ओनका सजा दिहेउँ मुला एकर कउनो
अच्छा फल नाहीं निकरा। उ पचे मोर एक नाहीं सुनेन।
24मुला तोहका मोर आग्या क पालन करइ मँ सावधान रहइ
चाही।'" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "'तोहका सबित क दिन
यरूसलेम क दुआरन स बोझा नाहीं लिआवइ चाही। तोहका
सबित क दिन क पवित्तर बनावइ चाही। तू इ, उ दिन
कउनो भी काम न कइके, करब्या।
25"'जदि तू इ आदेस क पालन करब्या तउ राजा जउन
दाऊद क सिहांसने पइ बइठिहीं, यरूसलेम क दुआरन स
अइहीं। उ सबइ राजा आपन रथन अउर घोड़न पइ सवार
होइके अइहीं। यहूदा अउर इस्राएल क लोगन क प्रमुख
ओन राजा लोगन क साथ होइहीं। यरूसलेम नगर मँ सदैव
रहइवाले लोग हिआँ होइहीं। अउर यरूसलेम क नगर
हमेसा बरे रहब्या। 26यहूदा क नगरन स लोग यरूसलेम
अइहीं। लोग यरूसलेम क ओन नान्ह-नान्ह गाँवन स अइहीं
जउन एकरे चारिहुँ कइँती अहइँ। लोग उ पहँटा स अइहीं
जहाँ बिन्यामीन क परिवार समूह रहत ह। लोग पच्छिमी
पहाड़े क तराइयन अउर पहाड़ी प्रदेसन स अइहीं अउर लोग
नेगव स अइहीं। उ पचे सबहिं लोग होमबलि, बलि

अन्नबलि, सुगन्धि अउ धन्यवाद भेंट लइके अहहीं। उ पचे
ओन भेंटन अउर बलियन क यहोवा क मन्दिर मँ लिआइहीं।
27“‘किन्तु जदि तू मोर बात नाहीं सुनत्या अउर मोर
आदेस क नाहीं मानत्या तउ बुरी घटनन होइहीं। जदि तू
सबित क दिन यरूसलेम क दुआरे स बोझा लइ जात ह तब
तू ओका पवित्तर दिन नाहीं रखत्या। इ दसा मँ मइँ अइसे
आगी लगाउब जउन बुझाई नाहीं जाइ सकत। उ आगी
यरूसलेम क दुआरन स सुरू होइ अउर महलन क भी
जराइ देइ।’”

कोमहार अउर माटी

18 इ यहोवा क उ सँदेसा अहइ जउन यिर्मयाह क
मिलाः 2“यिर्मयाह, कोमहारे क घरे जा। मइँ आपन
सँदेसा तोहका कोमहारे क घर देब।”
3एह बरे मइँ कोमहारे क घर गएउँ। मइँ कोमहार क
चाके पइ माटी स बर्तन बनावत लखेउँ। 4उ एक ठु बर्तन
माटी स बनावत रहा। मुला बर्तन मँ कछू दोख रहा। एह बरे
कोमहार उ माटी क उपयोग फुन किहस अउर उ दूसर
बर्तन बनाएस। उ आपन हाथन क उपयोग बर्तन क उ रूप
देइ बरे किहस जउन रूप उ देइ चाहत रहा।
5तब यहोवा स सँदेसा मोरे लगे आवा, 6“इस्राएल क
परिवार, तू जानत अहा कि मइँ (परमेस्सर) वइसा ही तोहरे
साथ कइ सकत हउँ। तू कोमहार क हाथ क माटी क
समान अहा अउर मइँ कोमहार क तरह हउँ। 7अइसा समइ
आइ सकत ह, जब मइँ एक रास्ट्र या राज्ज क बारे मँ बातन
करउँ। मइँ इ कहि सकत हउँ कि मइँ उ रास्ट्र क उखाड़
फेकब या इ भी होइ सकत ह कि मइँ कहउँ कि मइँ उ
रास्ट्र क उखाड़ गिराउब अउर उ रास्ट्र या राज्ज क नस्ट
कइ देब। 8किन्तु उ रास्ट्र क लोग आपन हिरदय अउर
जीवन क बदल सकत हीं। उ रास्ट्र क लोग बुरे करम
करब तजि सकत हीं। तब मइँ आपन इरादे क बदल देब।
मइँ उ रास्ट्र पइ बिपत्ति ढावइ क आपन जोजना क
अनुसरण करब तजि सकत हउँ। 9कबहुँ अइसा दूसर आइ
सकत ह जब मइँ कउनो रास्ट्र क बारे मँ बातन करउँ मइँ
इ कहि सकत हउँ कि मइँ उ रास्ट्र क निर्माण करब अउर
ओका स्थिर करब।
10“किन्तु मइँ इ लख सकत हउँ कि मोर आग्या क
पालन न कइके उ रास्ट्र बुरा करम करत अहइ। तब मइँ उ
अच्छाई क बारे मँ फुन सोचब जेका देइ क जोजना मइँ उ
रास्ट्र बरे बनाइ राखेउँ ह।
11“एह बरे यहूदा अउ यरूसलेम मँ जउन लोग रहत हीं
ओनसे कहा, ‘यहोवा जउन कहत ह उ इ अहइः अब मइँ
सोझ तू लोगन बरे बिपत्ति क निर्माण करत हउँ। मइँ तू
लोगन क खिलाफ जोजना बनावत हउँ। एह बरे ओन बुरे
करमन क करब बन्द करा जउन तू करत अहा। हर एक
मनई क बदलइ चाही अउर अच्छा काम करब सुरू करइ
चाही।’ 12किन्तु क लोग जवाब देइहीं, ‘अइसी कोसिस करइ
स कछू नाहीं होइ। हम उहइ करत रहब जउन हम करइ
चाहित ह। हम लोगन मँ हर एक उहइ करी जउन हठी
अउर बुरा हिरदय करइ चाहत ह।’”
13ओन बातन क सुना जउन यहोवा कहत ह, “दूसर रास्ट्र
लोगन स इ सवाल कराः ‘का तू कबहुँ कउनो क उ
अइसा बुराई करत सुन्या ह जउन इस्राएल किहेस ह।’
14तू जानत अहा कि चट्टानन कबहुँ खुद ही मैदान नाहीं
तजितेन। तू जानत अहा कि लबानोन क पहाड़न ऊपर बर्फ
कबहुँ नाहीं टेघरत। तू जानत अहा कि सीतल बहइवाले
झरना कबहुँ नाहीं झुरातेन।
15मुला मोर लोग मोका बिसरि चुका अहइँ, उ पचे
बियर्थ देवमूरतियन क बलि चढ़ावत हीं। मोरे लोगन क
ऊबड़ खाबड़ सड़कियन अउर तुच्छ राजमार्गन पइ चलब
जियादा पसन्द अहइ, एकरे अपेच्छा कि उ पचे मोर
अनुसरण अच्छी सड़किया पइ करइँ।
16एह बरे यहूदा देस एक सूना रेगिस्तान बनी। एकरे पास
स गुजरत लोग हर दाईं सीटी बजइहीं अउर मूँड़ि हिलइहीं।
इ बात स चकित होइहीं कि देस कइसे बरबाद कीन्ह गवा।
17मइँ यहूदा क लोगन क ओनके दुस्मनन क समन्वा
बिखराउब जइसा कि प्रबल पूर्वी आँधी बिखेरब। उ समइ उ
पचे आपन मदद बरे कउनो क भी आवत नाहीं लखिहीं।
नाहीं, उ पचे मोका आपन क तजत लखिहीं।”

यिर्मयाह क चउथी सिकाइत

18तब यिर्मयाह क दुस्मनन कहेन, “आवा, हम यिर्मयाह
क खिलाफ सड्यन्त्र रची। निहचय ही, याजक क जरिये
दीन्ह गइ बिवस्था क सिच्छा मिटी नाहीं अउर बुद्धिमान
लोगन क सलाह अब भी हम लोगन क मिली। हम लोगन
क नबियन क सँदेस भी मिलिहीं। एह बरे हम लोग ओकरे
बारे मँ झूठ बोली। ओहसे उ बर्बाद होइ। उ जउन कहत
हम कउनो पर भी धियान नाहीं देब।”
19हे यहोवा, मोर सुना अउर मोरे बिरोधियन क सुना, तब
तय करा कि कउन ठीक अहइ।
20याद करा मइँ कइसन तोहार समन्वा खड़ा होइके यहूदा
क निवासियन क भलाई बरे अउर ओहइ पइ स तोहार
गुस्सा उतारइ बरे बोले रहा। किन्तु अब उ पचे उल्टे बदले
मँ बुराई देत अहइँ। उ पचे मोका फँसावत अहइँ। उ पचे
मोका धोखा दइके फँसावइ अउर मार डावइ क जतन करत
अहइँ।
21एह बरे अब ओनके बच्चन क अकाले मँ भूखन मरइ
द्या। ओनके दुस्मनन क ओनका तरवार स हराइ डावइ द्या।
ओनकर मेहररूअन क बग़ैर गदेला क होइ द्या। यहूदा क
लोगन क मउत क घाट उतर जाइ द्या। ओनकर
मेहररूअन क राँड़ होइ द्या। यहूदा क लोगन क मउत क
घाट उतर जाइ द्या। नउ जवानन क जुद्ध मँ तरवार क
घाट उतार दीन्ह जाइ द्या।
22ओनकर घरन मँ रोउब-पिटब मचइ द्या। ओनका तब
रोवइ द्या जब तू अचानक ओनके खिलाफ दुस्मनन क
लिआया। एका होइ द्या काहेकि हमरे दुस्मनन मोका धोका
दइके फँसावइ क कोसिस किहेन ह। उ पचे मोरे फँसइ बरे
गुप्त जाल डाएन ह।
23हे यहोवा, मोका मार डावइ क ओनकर जोजना क तू
जानत अहा। ओनकर अपराधन क तू छिमा जिन करा।

ओनकर पापन क जिन धोवा। मोरे दुस्मनन क बर्बाद करा।
क्रोधित रहत समइ ही ओन लोगन क सजा द्या।

टूटी सुराही

19 यहोवा मोहसे कहेसः "यिर्मयाह, जा अउर कउनो
कोमहार स एक ठु माटी क सुराही बेसहा।
2ठीकरा-दुआरे समन्वा क लगे बेन हिन्नोम घाटी क जा।
अपने संग लोगन क अग्रजन अउर कछू याजकन क ल्या।
उ ठउरे पइ ओनसे इ कहा जउन मइँ तोहसे कहत हउँ।
3अपने संग क लोगन स कहा, 'यहूदा क राजा लोग अउर
इस्राएल क लोगो, यहोवा क हिआँ स इ सँदेसा सुना।
इस्राएल क लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा जउन
कहत ह, उ इ अहइः 'मइँ इ ठउरे पइ हाली ही एक
खउफनाक घटना घटित कराउब। हर एक मनई जउन एका
सुनी, चकित अउर भयभीत होइ। **4**मइँ इ सबइ काम करब
काहेकि यहूदा क लोग मोर अनुसरण करब तजि दिहेन ह।
उ पचे एका बिदेसी देवतन क ठउर बनाइ दिहेन ह। यहूदा
क लोग इ ठउरे पइ दूसर देवतन बरे बलियन बारेन ह। उ
हियाँ बेकुसूर लोगन क खून बहावत रहा। ओनकर पुरखन
या ओनकर राजा ओन देवतन क नाहीं पूजत रहेन। **5**उ पचे
बाल देवता का पूजा करइ बरे जगहन क चुनेस ह। उ पचे
ओन ठउरन क उपयोग आपन पूतन क आगी मँ बारइ बरे
किहेन। उ पचे आपन पूतन क बाल बरे होमबलि क रूप
मँ बारेन। मइँ ओनका इ करइ क नाहीं कहेउँ। मइँ तोहसे इ
नाहीं माँगा कि तू आपन पूतन क बलि क रूप मँ भेंट
करा। मइँ कबहुँ इ सम्बंध मँ सोचेउँ भी नाहीं। **6**अब लोग
उ ठउरे क हिन्नोम क घाटी तोपेत कहत हीं। किन्तु मइँ
तोहका इ चितउनी देतहउँ, उ सबइ दिन आवत अहइँ।'" इ
सँदेसा यहोवा क अहइ, "जब लोग इ ठउरे क बध क
घाटी कहिहीं। **7**इ ठउरे पइ मइँ यहूदा अउर यरूसलेम क
लोगन क जोजनन क बर्बाद करब। दुस्मन एन लोगन क
पाछा करिहीं अउर मइँ इ ठउरे पइ यहूदा क लोगन क
तरवार क घाट उतरि जाइ देब अउर मइँ ओनकर ल्हासन
क पंछियन अउर जंगली जनावरन क भोजन बनाउब। **8**मइँ
इ नगर क पूरी तरह बर्बाद करब। जब लोग यरूसलेम स
गुजरिहीं तउ सीटी बजइहीं अउर मूँड़ि हिलइहीं। ओनका
विस्मय होइ जब उ पचे लखिहीं कि नगर कउने तरह ध्वस्त
कीन्ह गवा अहइ। **9**दुस्मन आपन फउज क सहर क चारिहुँ
कइँती लिआइ। उ फउज लोगन क भोजन लेइ बाहेर नाहीं
आवइ देइ। एह बरे सहर मँ लोग भूखन मरिहीं। उ पचे
एतना भूखा होइ जइहीं कि आपन पूत अउर बिटियन क तने
क खाइ लगिहीं अउर तब उ पचे एक दूसर क खाइ
लगिहीं।'

10"यिर्मयाह, तू इ सबइ बातन लोगन क कहब्या अउर
जब उ पचे लखत रहत होइँ तबहिं तू उ सुराही क तोड़्या।
11उ समइ, तू इ कह्या, सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, 'मइँ
यहूदा रास्ट्र अउ यरूसलेम नगर क वइसे ही तोड़ब जइसे
कउनो माटी क सुराही तोड़त ह। इ सुराही फुन जोड़के नाहीं
बनाई जाइ सकत। यहूदा रास्ट्र बरे भी इहइ सब होइ। मरे
लोग इ तोपेत मँ तब तलक दफनावा जइहीं जब तलक
हिआँ जगह नाहीं रहि जाइ। **12**मइँ इ एन लोगन अउर इ
ठउरे क संग अइसा करब। मइँ इ नगर क तोपेत क तरह
कइ देब।' इ सँदेसा यहोवा क अहइ। **13**यरूसलेम क घर
तथा राजा क महल तोपेत क इ जगह क नाईं असुद्धता स
भरि जाब। काहेकि लोग ओन घरन क छत पइ लबार
देवतन क पूजा किहन। उ पचे ग्रह-नछत्रन क पूजा किहन
अउर ओनके सम्मान मँ बलि बारेन। उ पचे लबार देवतन
क पेय भेंट दिहन।'"

14तब यिर्मयाह तोपेत क तजेस जहाँ यहोवा उपदेस देइ
क कहे रहा। यिर्मयाह यहोवा क मन्दिर क गवा अउर
ओकरे आँगन मँ खड़ा भवा। यिर्मयाह सबहिं लोगन स
कहेस, **15**"इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा इ
कहत हः 'मइँ कहेउँ ह कि मइँ कि मइँ यरूसलेम अउर
ओकरे चारिहुँ कइँती क गाँवन पइ अनेक विपत्तियन ढाउब।
मइँ एनका हाली घटित कराउब। काहेकि लोग बहोत हठी
अहइँ उ पचे मोर सुनइ अउर मोर आग्या क पालन करइ
स इन्कार करत हीं।'"

यिर्मयाह अउर पसहूर

20 पसहूर नाउँ क एक मनई याजक रहा। उ यहोवा
क मन्दिर मँ उच्चतम अधिकारी रहा। पसहूर इम्मेर
नाउँ क मनई क पूत रहा। पसहूर यिर्मयाह क मन्दिर क
आँगन मँ ओन बातन क उपदेस करत सुनेस। **2**एह बरे उ
यिर्मयाह नबी क पिटवाएस अउर उ बिन्यामीन क ऊपरी
दुआरी पई ओका काठेक लट्ठन क बीच मँ जकड़ दिहेस।
3अगले दिन पसहूर यिर्मयाह क काठे क लट्ठन क बीच
स निकारेस। तब यिर्मयाह पसहूर स कहेस, "यहोवा क दीन्ह
तोहार नाउँ पसहूर नाहीं अहइ। अब यहोवा कइँती स तोहार
नाउँ सर्वत्र आतंक अहइ। **4**इहइ तोहार नाउँ अहइ, काहेकि
यहोवा कहत ह, 'मइँ हाली ही तोहका अपने आप बरे
आतंक बनाउब। मइँ हाली ही तोहका तोहरे मीतन बरे
आतंक बनाउब। तू दुस्मनन क जरिये आपन मीतन क तरवारे
क घाट उतारत लखब्या। मइँ यहूदा क सबहिं लोगन क
बाबुल क राजा क दइ देब। उ यहूदा क लोगन क बाबुल
देस क लइ जाइ। अउर ओकर फउज यहूदा क लोगन क
आपन तरवार क घाट उतारी। **5**यहूदा क लोग चीजन क
बनावइ मँ कठिन परिस्त्रम किहन अउर धनी होइ गएन।
किन्तु मइँ उ सबइ सारी चीजन ओनके दुस्मनन क दइ देब।
यरूसलेम क राजा क लगे बहोत स धन भण्डार अहइ।
किन्तु मइँ ओन सबइ धन-भण्डारन क दुस्मन क दइ देब।
दुस्मन ओन चीजन क लेइ अउर ओनका बाबुल देस क
लइ जाइ।

6"'अउर पसहूर तू अउर तोहरे घरे मँ रहइवाले सबहिं
लोग हिआँ स लइ जावा जाब्या। तोहका जाइ क अउर
बाबुल देस मँ रहइ क मजबूर कीन्ह जाइ। तू बाबुल मँ
मरब्या अउर तू उ बिदेस मँ दफनावा जाब्या। तू आपन
मीतन क झूठा उपदेस दिहा। तू कह्या कि इ सबइ घटनन
नाहीं घटिहीं। किन्तु तोहार सबहिं मीत भी मरिहीं अउर
बाबुल मँ दफनाया जइहीं।'"

यिर्मयाह क पाँचवी सिकाइत
7हे यहोवा, तू मोका बहका दिहा अउर मइँ निहचय ही
बहक गएउँ। तू मोहसे जियादा सक्तीसाली रहा एह बरे तू
मोका हराइ दिहा। मइँ मजाक बनिके रहि गवा हउँ। लोग
मोह पइ हँसत हीं अउर सारा दिन मोर मजाक उड़ावत हीं।
8जब मइँ भी बोलत हउँ, चीख पड़त हउँ। मइँ लगातार
हिंसा अउर तबाही क बारे मँ चिल्लात रहत हउँ। मइँ
लोगन क उ सँदेसा क बारे मँ बतावत हउँ जेका मइँ यहोवा
स प्राप्त किहेउँ। किन्तु लोग सिरिफ मोर अपमान करत हीं
अउर मोर मजाक उड़ावत हीं।
9कबहुँ-कबहुँ मइँ आपन स कहत हउँ: "मइँ यहोवा क
बारे मँ बिसरि जाब। मइँ अब आगे यहोवा क नाउँ पइ
नाहीं बोलाब।" किन्तु जदि मइँ अइसा कहत हउँ तउ यहोवा
क सँदेसा मोरे भीतर भड़कत ज्वाला स होइ जात ह। मोका
अइसा लागत ह कि इ अन्दर मोरे हाड़न क बारत अहइ।
मइँ अपने भीतर यहोवा क सँदेसा क रोकइ क जतन मँ
थक जात हउँ अउर आखीर मँ मइँ एका अपने भीतर रोकइ
मँ समर्थ नाहीं पावत हउँ।
10मइँ अनेक लोगन क दबी जबान अपने खिलाफ बातन
करत सुनत हउँ। सर्वत्र मइँ उ सब सुनत हउँ जउन मोका
भयभीत करत हीं। हिआँ तलक कि मोरे मीत भी मोरे
खिलाफ बातन करत हीं। चला हम अधिकारियन क एकरे
बारे मँ सूचित करी। लोग सिरिफ इ प्रतीच्छा मँ अहइँ कि
मइँ कउनो गलती करउँ। उ पचे कहत अहइँ, "आवा हम
झूठ बोली अउ कही कि उ कछू बुरे करम किहे अहइ।
संभव अहइ हम यिर्मयाह क धोखा दइ सकी। तब उ हमरे
संग होइ। आखीर मँ हम ओहसे छुटकारा पाउब। तब हम
ओका दबोच लेब अउर ओहसे आपन बदला लेब।"
11किन्तु यहोवा मोरे संग अहइ। यहोवा एक ठु मजबूत
फउजी जइसा अहइ। एह बरे जउन लोग मोर पाछा करत
ही मुँहे क खइहीं। उ सबइ लोग मोका पराजित नाहीं कइ
सकिहीं। उ सबइ लोग असफल होइहीं। उ सबइ निरास
होइहीं। उ सबइ लोग लज्जित होइहीं अउर लोग उ लज्जा
क कबहुँ नाहीं बिसरिहीं।
12सर्वसक्तीमान यहोवा तू अच्छे लोगन क परीच्छा लेत
ह। तू मनई क दिल अउर दिमाग क गहराई स लखत ह।
मोका भरोसा अहइ कि इ मोका निआव देब्या। कृप्या
कइके मोका उ तोहार सज़ा लखत देई जेनकर उ पचे पात्र
अहइँ।
13यहोवा बरे गावा। यहोवा क स्तुति करा। यहोवा गरीब
क जिन्नगी क रच्छा करत ह। उ ओनका दुट्ठ लोगन क
सक्ती स बचावत ह।

यिर्मयाह क छठी सिकाइत
14उ दिना क धिक्कार अहइ जउने दिन मोर जनम भवा।
उ दिना क बधाई जिन द्या जउने दिन मइँ महतारी क कोख
मँ आएउँ।
15उ मनई क अभिसाप द्या जउन मोरे बाप क इ सूचना
दिहस कि मोर जनम भवा ह। उ कहे रहा, "तोहार लड़का
भवा ह, उ एक लड़का अहइ।" उ मोरे बाप क बहोत खुस
किहे रहा उ ओनसे इ कहे रहा।
16उ मनई क वइसा ह होइ द्या जइसे उ पचे सहर
जेनका यहोवा बर्बाद किहे रहा। यहोवा ओन नगरन पइ कछू
भी दाया नाहीं किहेस। उ मनई क सबेरे जुद्ध क उद्घोस
सुनइ द्या, अउर दुपहरे क जुद्ध की चीख सुनइ द्या।
17तू मोका महतारी क पेट मँ ही, काहे नाहीं मार डाया?
तब मोर महतारी क कोख कब्र बन जात, अउर मइँ कबहुँ
जनम नाहीं लइ सका होत।
18मोका महतारी क पेट स बाहेर काहे आवइ क पड़ा?
जउन कछू मइँ पाएउँ ह उ परेसानी अउर दु:ख अहइ अउर
मोर जिन्नगी क आखीर लज्जा जनक होइ।

राजा सिदकिय्याह क निवेदन क परमेस्सर अस्वीकार करत ह
21 इ यहोवा क उ सँदेसा अहइ जउन यिर्मयाह क
मिला। इ सँदेसा तब आवा जब यहूदा क राजा
सिदकिय्याह मल्किय्याह क पूत पसहूर नाउँ क एक मनई
अउ याजक मासयाह क पूत सपन्याह नाउँ क एक मनई क
यिर्मयाह क लगे पठएस। उ पचे कहेस: 2पसहूर अउ
सपन्याह यिर्मयाह स कहेन, "यहोवा स हम लोगन बरे
पराथना करा। यहोवा स पूछा कि का होइ? हम जानइ
चाहित ह काहेकि बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर हम लोगन
पइ हमला करत अहइ। होइ सकत ह यहोवा हम लोगन बरे
वइसे ही महान कारज करइ जइसा उ बीते समइ मँ किहेस।
होइ सकत ह कि यहोवा नबूकदनेस्सर क हमला करइ स
रोक देइ या ओका चला जाइ दे।"
3तब यिर्मयाह पसहूर अउर सपन्याह क जवाब दिहेस। उ
कहेस, "राजा सिदकिय्याह स कहा, 4इस्राएल क परमेस्सर
यहोवा जउन कहत ह, इ उ अहइ: 'तोहरे पचन्क हाथन मँ
जुद्ध क अस्त्र-सस्त्र अहइँ। तू पचे ओन अस्त्र सस्त्रन क
उपयोग अपनी सुरच्छा बरे बाबुल क राजा अउर कसदियन
क खिलाफ करत रह्या। किन्तु मइँ ओन अस्त्रन क बियर्थ
कइ देब।
"'बाबुल क फउज सहर क चारिहुँ कइँती घेर लिहे
अहइ। उ फउज सहर क चारिहुँ ओर अहइ। हाली ही मइँ
उ फउज क यरूसलेम मँ लइ आउब। 5मइँ खुद यहूदा तू
लोगन क खिलाफ लड़ब। मइँ आपन सक्तीसाली हाथन स
तोहरे पचन्क खिलाफ लड़ब। मइँ तू पचन्कइ बहोत जियादा
कोहान अहउँ, एह बरे मइँ आपन सक्तीसाली बाहन स तोहरे
पचन्क खिलाफ लड़ब। मइँ तोहरे पचन्क खिलाफ घोर
जुद्ध करब अउर देखाउब कि मइँ केतना कोहान हउँ। 6मइँ
यरूसलेम मँ रहइवाले लोगन क मार डाउब। मइँ लोगन
अउर जनावरन क मारि डाउब। उ पचे उ भयंकर बीमारी स
मरिहीं जउन पूरे नगर मँ फइल जाइ। 7जब इ होइ जाइ तब
ओकरे पाछे,'" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "'मइँ यहूदा क
राजा सिदकिय्याह क बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर क देब।
मइँ सिदकिय्याह क अधिकारियन क भी नबूकदनेस्सर क
देब। यरूसलेम क कछू लोग भयंकर बीमारी स नाहीं
मरिहीं। कछू लोग तरवार क घाट नाहीं उतारा जइहीं।

ओनमाँ स कछू भूखन नाहीं मरिहीं किन्तु मइँ ओन लोगन
क नबूकदनेस्सर क देब। मइँ यहूदा क दुस्मनन क बिजयी
बनाउब। नबूकदनेस्सर क फउज यहूदा क लोगन क मार
डावा चाहत ह। एह बरे यहूदा अउर यररूसलेम क लोग
तरवार क घाट उतार दीन्ह जइहीं। नबूकदनेस्सर कउनो दाया
नाहीं देखाइ। उ ओन लोगन बरे अफसोस नाहीं करी।'
8"यरूसलेम क लोगन स इ सबइ बातन भी कहा।
यहोवा इ सबइ बातन करत ह, 'मइँ तोहका एक चुनाव देत
हउँ: जिअई या मरइ एक क चुन्या। 9कउनो भी मनई जउन
यरूसलेम मँ ठहरी, मरी। उ मनई तरवार, भूख या भयंकर
बीमारी स मरी किन्तु जउन मनई यरूसलेम क बाहेर जाइ
अउर बाबुल क फउज क समन्वा आत्म समर्पण करी,
जिअत रही। उ आपन जिन्नगी क जुद्ध क लूट क माल
क नाईं जीत लेब। 10मइँ यरूसलेम नगर पइ विपत्ति ढावइ
क निहचइ कइ लिहेउँ ह। मइँ सहर क मदद नाहीं करब।'"
इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "'मइँ यरूसलेम क नगर क
बाबुल क राजा क देब। उ एका आगी स बारी।'
11"यहूदा क राज परिवार स इ कहा, यहोवा सँदेसा क
सुना।
12दाऊद क परिवार यहोवा इ कहत ह, 'तू पचन्क रोज
लोगन क निस्पच्छ निआव करइ चाही। अपराधियन स
ओनके सिकारन क रच्छा करा। जदि तू पचे अइसा नाहीं
करत्या तउ मइँ बहोत क्रोधित होबउँ। मोर किरोध अइसे
आगी क तरह होइ जेका कउनो मनई बुझाइ नाहीं सकत।
इ घटित होइ काहेकि तू बुरे करम किहा ह।'
13यरूसलेम, मइँ तोहरे बिरुद्ध हउँ। तू पर्वते क चोटी
पइ बइठी अहा। तू इ घाटी क ऊपर एक रानी क तरह
बइठी अहा। यरूसलेम क लोगो, तू पचे कहत अहा,
'कउनो भी हम पइ आक्रमण नाहीं कइ सकत। कउनो भी
हमरे मजबूत नगर मँ घुस नाहीं सकत।' किन्तु यहोवा क
हिआँ स उ सँदेस क सुना:
14'तू पचे उ सजा पउब्या जेकर पात्र तू पचे अहा। मइँ
तोहरे पचन्क बनन मँ आगी लगाउब। उ आगी तोहरे चारिहुँ
ओर क हर एक चीज बारि देइ।'"

बुरे राजा लोगन क खिलाफ निआव

22 यहोवा कहेस, "यिर्मयाह राजा क महल क जा।
यहूदा क राजा क लगे जा अउर हुआँ ओका उ
सँदेसा क उपदेस द्या। 2'यहूदा क राजा, यहोवा क हिआँ स
सँदेसा सुना। तू दाऊद क सिंहासन स सासन करत अहा, एह
बरे सुना। राजा, तू पचन्क अउर तोहरे अधिकारियन क इ
अच्छी तरह सुनइ चाही। यरूसलेम क दुआरन स आवइवाले
सबहिं लोगन क यहोवा क सँदेसा सुनइ चाही। 3यहोवा
कहत ह: उ सबइ काम करा जउन नीक अउ निआव स
पूर्ण होइँ। उ मनई क रच्छा करा जेका डाकूअन क जरिय
लूट लीन्ह ग होइ। प्रवासी, अनाथ बच्चन अउ राँड़न क
जिन दुःख द्या। बेगुनाह लोगन क जिन मारा। 4"जदि तू एन
आदेसन क पालन करत अहा तउ जउन घटित होइ उ इ
अहइ: जउन राजा दाऊद क सिहांसने पइ बइठिहीं, उ पचे
यरूसलेम नगर मँ इ महल क दुआरन स आवत रहिहीं। उ
पचे राजा, ओनकर उत्तराधिकारी अउर ओनकर लोग रथन
अउर घोड़न पइ चढ़िके अइहीं। 5किन्तु जदि तू एन आदेसन
क पालन नाहीं करब्या तउ यहोवा कहत ह: मइँ प्रतिग्या
करत हउँ कि राजा क महल ध्वस्त कइ दीन्ह जाइ इ ध्वस्त
जगह क तरह रहि जाइ।'"
6यहोवा ओन महलन क बारे मँ इ कहत ह जेनमाँ यहूदा
क राजा रहत हीं:
"गिलाद वन क तरह इ महल ऊँचा अहइ। इ लबानोन
पर्वत क समान ऊँचा अहइ। किन्तु मइँ एँका फुरइ रेगिस्ताने
सा बनाउब। इ महल उ नगर क तरह सूना होइ जेहमाँ
कउनो मनई न रहत होइ।
7मइँ लोगन क महल क नस्ट करइ पठउब। हर एक
मनई क लगे आपन औजार होइहीं। उ सबइ लोग तोहार
सबन्त उत्तिम देवदार सहतीर क काट डइहीं। अउर ओका
आगी मँ लोकाइ देइहीं।
8"अनेक रास्ट्रन स लोग इ नगर स गुजरिहीं। उ पचे
एक दूसर स पूछिहीं, 'यहोवा इ महान नगर यरूसलेम क
संग अइसा भयंकर काम काहे किहस?' 9उ सवाल क
जवाब इ होइ, 'परमेस्सर यरूसलेम क नस्ट किहेस, काहेकि
यहूदा क लोग यहोवा आपन परमेस्सर स संग कीन्ह गइ
करार क मानब तजि दिहस। ओन लोग दूसर देवतन क
पूजा अउर सेवा किहन।'"

राजा यहोसाहाज क खिलाफ निआव

10उ राजा बरे जिन रोआ जउन मरि गवा। ओकरे बरे
जिन रोवा। किन्तु उ राजा बरे फूट-फूट के रोआ जउन
हिआँ स जात अहइ। ओकरे बरे रोआ, काहेकि उ फुन
कबहुँ वापस नाहीं आइ। सल्लूम (यहोसाहाज) आपन
जन्मभूमि क फुन कबहुँ नाहीं लखी।
11यहोवा योसिय्याह क पूत सल्लूम क बारे मँ जउन
कहत ह, उ इ अहइ (सल्लूम आपन बाप योसिय्याह क
मउत क पाछे यहूदा क राजा भवा।) "सल्लूम यरूसलेम स
दूर चला गवा। उ फुन यरूसलेम क वापस नाहीं लौटी।
12सल्लूम हुवँइ मरी जहाँ ओका मिस्त्री लइ जइहीं। उ इ
भुइँया क फुन नाहीं लखी।"

राजा यहोयाकीम क बिरूद्ध निआव

13राजा यहोयाकीम बरे इ बहोत बुरा होइ। उ बुरे करम
करत अहइ एह बरे उ आपन महल बनाइ लेइ। उ लोगन
क ठगत अहइ, एह बरे उ ऊपर कमरन बनाइ सकत ह।
उ आपन लोगन स बेगार लेत अहइ। उ ओनके काम क
मजदूरी नाहीं देत अहइ।
14यहोयाकीम कहत अहइ, 'मइँ अपने बरे एक ठु
बिसाल महल बनाउब। मइँ दूसर मंजिल पइ बिसाल कमरन
बनाउब।' एह बरे उ बिसाल खिड़कियन वाला महल बनावत
अहइ। उ देवदार क कड़ियन क दीवारन पइ मढ़ावत बाटइ
अउर एन पाइ लाल रंग चढ़ावत अहइ।
15यहोयाकीम, आपन घरे मँ देवदार क जियादा लकड़ी क
उपयोग तोहका महान सम्राट नाहीं बनावत। तोहार बाप
योसिय्याह भोजन पान पाइके सतुंट्ठ रहा। उ उ किहस

जउन ठीक अउर निआवपूर्ण रहा। योसिय्याह उ किहस, एह
बरे परमेस्सर ओका आसीस दिहा।
16योसिय्याह दीन-दीन लोगन क मदद दिहस। योसिय्याह
उ किहस, एह बरे ओकरे बरे सब कछू अच्छा भवा।
यहोयाकीम 'परमेस्सर क जानइ' क का अरथ होत ह? मोका
जानइ क अरथ, ठीक रहब अउर निआवपूर्ण होब अहइ।"
इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
17"यहोयाकीम, तोहार आँखिन सिरिफ तोहार आपन लाभ
क लखत हीं, तू सदा ही आपन बरे जियादा स जियादा
पावइ क सोचत अहा। तू निरपराध लोगन क मारइ बरे
इच्छुक रहत अहा। तू दूसर लोगन क चीजन क चोरी करइ
क इच्छुक रहत अहा।"
18एह बरे योसिय्याह क पूत यहोयाकीम स यहोवा जउन
कहत ह, उ इ अहइ: "यहूदा क लोग यहोयाकीम बरे
रोइहीं नाहीं। उ पचे आपुस मँ इ नाहीं कहिहीं, 'हे मोर भाई
यहोयाकीम क बारे मँ एतना दुःखी हउँ। हे मोर बहिन, मइँ
यहोयाकीम क बारे मँ एतना दुःखी हउँ। उ पचे ओकरे बरे
रोइहीं नाहीं। मइँ उ पचे ओकरे बारे मँ नाहीं कहिहीं, 'हे
स्वामी, हम एतने दुःखी अही। हे राजा, हम एतने दुःखी
अही।'
19यरूसलेम क लोग यहोयाकीम क एक ठु मरे गदहे
क तरह दफनइहीं। इ पचे ओकरे ल्हास क दूर घसीट लइ
जइहीं अउर उ पचे ओकरे ल्हास क यरूसलेम स दुआरे क
बाहेर एक खेत मँ लोकाइ देइहीं।
20यहूदा, लबानोन क पहाड़न पइ जा अउर चिल्लाअ।
बासान क पहाड़न मँ आपन रोउब सुनाई पड़इ द्या। अबारीम
क पहाड़न मँ जाइके चिल्लाअ। काहेकि तोहार सबहिं 'प्रेमी'
नस्ट कइ दीन्ह जइहीं।
21हे यहूदा जब तू आपन क सुरच्छित समुझा, किन्तु मइँ
तोहका चिताउनी दिहेउँ, परन्तु तु सुनइ स इन्कार किहा
अउर यहूदा जब स तू युवती रहिउ, तू मोर आग्या क पालन
नाहीं किहा।
22हे यहूदा, मोर सजा आँधी क तरह आइ अउर इ तोहार
सबहिं गड़रियन (प्रमुखन) क उड़ाइ लइ जाइ। तोहार प्रेमियन
क बन्दी बना लीन्ह जाइ। तब तू लज्जित होउबिउ। तू जउन
कछू बुरे करम किहा, ओनके कारण अपमानित होउबिउ।
23हे राजा, तू लबानोन स लीन्ह भवा ऐस व आराम क
सामन स घेरा भवा सुरच्छित रहत ह। किन्तु तू फुरइ तब
कराह उठब्या जब तोहका सजा मिली। तू बच्चा पइदा करत
मेहरारू क तरह पीड़ित होब्या।"

राजा कोन्याह क खिलाफ निआव

24इ सँदेसा यहोवा क अहइ: "मइँ आपन जिन्नगी क
किरिया खात हउँ यहोयाकीम क पूत अउर यहूदा क राजा
कोनयाह (यहोयाकीन) बरे कि जदि तू मोरे दाहिने हाथ क
मुहर क अँगूठी (राजमुद्रा) होतेन तउ भी मइँ तोहका बाहेर
निकार फेंकतेन। 25कोन्याह मइँ तोहका बाबुल अउ कसदियन
क राजा नबूकदनेस्सर क देब। उ पचे ही लोग अइसे अहइँ
जेनसे तू डेरात ह। उ सबइ लोग तोहका मार डावइ चाहत
हीं। 26मइँ तोहका अउर महतारी क अइसे देस मँ लोकाउब
कि जहाँ तू दुइनउँ मँ स कउनो भी पइदा नाहीं भवा रहा। तू
अउर तोहार महतारी उहइ देस मँ मरिहीं। 27उ पचे आपन
भुइँया मँ जाइ क इच्छा करब्या, किन्तु उ पचन्क कबहुँ
लउटइ नाहीं दीन्ह जाइ।"
28कोन्याह उ टूट बर्तन क तरह अहइ जेका कउनो
लोकाइ दिहेस ह। उ अइसे बर्तन क तरह अहइ जेका
कउनो मनई नाहीं चाहत। कोन्याह अउर ओकर सन्तानन
काहे बाहेर लोकाइ दीन्ह जइहीं? उ पचे कउनो भी बिदेस मँ
काहे लोकावा जइहीं?
29भुइँया, भुइँया, यहूदा क भुइँया। यहोवा क सँदेसा सुना।
30यहोवा कहत ह, "कोन्याह क बारे मँ इ लिख ल्या:
'उ अइसा मनई अहइ जेका भविस्स मँ अब बच्चन नाहीं
होइहीं। कोन्याह आपन जिन्नगी मँ सफल नाहीं होइ। ओकर
सन्तान मँ स कउनो भी यहूदा पइ सासन नाहीं करी।'"

23 "यहूदा क गड़रियो क बरे इ बहोत बुरा होइ। उ
सबइ गड़रियन भेड़िन क नस्ट करत अहइँ। उ पचे
भेड़िन क मोर चरागाह स चारिहुँ कइँती भगावत अहइँ।" इ
यहोवा क सँदेसा अहइ।
2उ सबइ गड़रियन मोरे लोगन बरे उत्तरदायी अहइँ अउर
इस्राएल क परमेस्सर यहोवा ओन गड़रियन स इ कहत ह,
"गड़रियो, तू मोर भेड़िन क चारिहुँ कइँती भगाया ह। तू
ओनका चला जाइ क मजबूर किहा ह। तू ओनकर देखरेख
नाहीं रख्या ह। किन्तु मइँ तू लोगन क लखब, मइँ तू
पचन्क बुरे करमन बरे सजा देब जउन तू किहा ह।" इ
सँदेसा यहोवा क हिआँ स अहइ। 3"मइँ आपन भेड़िन
(लोगन) क अलग-अलग देसन मँ पठउब। किन्तु मइँ
आपन ओन भेड़िन क एक संग बटोरब जउन बची रहि ग
अहइँ अउर मइँ ओनका ओनकर चरागाह (देस) मँ
लिआउब। जब मोर भेड़िन अपनी चरागाह मँ वापस अइहीं
तउन ओनकर बहोत बच्चन होइहीं अउर ओनकर संख्या
बढ़ि जाइ। 4मइँ आपन भेड़िन बरे नवे गड़रियन राखब उ
सबइ गड़रियन मोरे भेड़िन क देखरेख करिहीं अउर मोर
भेड़िन भयभीत या डेरइहीं नाहीं। मोर भेड़िन मँ स कउनो
हेरइहीं नाहीं।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

सच्चा अंकुर

5यहोवा कहत ह: "समइ आवत अहइ जब मइँ दाऊद क
कुल मँ एक ठु सच्चा "अंकुर" उगाउब। उ अइसा राजा
होइ जउन बुद्धिमानी स सासन करी अउर उ उहइ करी
जउन देस मँ उचित अउर निआउपूर्ण होइ।
6उ सच्चे अंकुर क समइ मँ यहूदा क लोग सुरच्छित
रहिहीं अउर इस्राएल सुरच्छित रही। ओकर नाउँ इ होइ
यहोवा हमार सच्चाई अहइ।"
7यहोवा कहत ह: "एह बरे समइ आवत अहइ जब लोग
पुरान प्रतिग्या नाहीं करिहीं। जउन उ पहिले किया करत रहेन
उ कहत रहे: 'यहोवा क किरिया, जउन इस्राएल क लोगन
क मिस्र देस स बाहेर लिआए रहा।' 8किन्तु अब लोग कछू
नवा कहिहीं, 'यहोवा जिअत अहइ, यहोवा ही उ अहइ

जउन इस्राएल क लोगन क उत्तर क देस स बाहेर
लिआवा। उ ओनका ओन सबहिं देसन स बाहेर लिआवा
जेनमाँ उ ओनका पठए रहा।' तब इस्राएल क लोग आपन
देस मँ ही रहिहीं।"

झूठे नबियन क विरूद्ध निआव

9नबियन बरे सँदेस अहइ: "मइँ बहोत दुःखी हउँ, मोर
हिरदय विदीर्ण होइ ग अहइ। मोर सारी हड्डियन काँपत
अहइँ। मइँ (यिर्मयाह) मतवाला क तरह अहउँ। काहे?
यहोवा अउर ओकर पवित्तर सँदेसा क कारण।
10यहूदा अइसे लोगन स भरा अहइ जउन परमेस्सर बरे
बिस्सासघाती अहइँ। यहोवा भुइँया क अभिसाप दिहस अउर
इ बहोत झुराइ गइ। पौधन चरागाहन मँ झुरात अहइँ अउर
मरत अहइँ। खेत रेगिस्ताने जइसा होइ ग अहइँ। नबियन
बुरा करम करत ह अउर ओनकर सक्ती नकली अहइ।
11नबी अउर याजक तलक भी पापी अहइँ। मइँ ओनका
आपन मँन्दिर मँ पाप करत लखेउँ ह।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ।
12एह बरे मइँ ओनका आपन सँदेस देब बन्द करब। इ
अइसा होइ माना उ पचे अंधकार मँ चलइ क मजबूर कीन्ह
ग होइँ। इ अइसा होइ माना नबियन अउर याजकन बरे
फिसलइवाली सड़किया होइ। उ अँधियारी जगह मँ उ सबइ
नबी अउ याजक गिरिहीं। मइँ ओन पइ बिपत्तियन ढाउब। उ
समइ मइँ ओन नबियन अउर याजकन क सजा देब।" इ
सँदेसा यहोवा क अहइ।
13"मइँ सोमरोन क नबियन क कछू बुरा करत लखेउँ।
मइँ ओन नबियन क लबार बाल देवता क नाउँ भविस्सवाणी
करत लखेउँ। ओन नबियन इस्राएल क लोगन स दूर
भटकाएन।

14"मइँ यहूदा क नबियन क यरूसलेम मँ बहोत भयानक
करम करत लखेउँ। एन नबियन बिभिचार करइ क पाप
किहन। उ पचे झूठी सिच्छन पइ बिस्सास किहन, अउर ओन
लबार उपदेसन क कबूल किहन। उ पचे दुट्ठ लोगन क
पाप करत रहइ क बरे उत्साहित किहन। एह बरे लोग पाप
करब नाहीं तजेन। उ पचे सबहिं लोग एदोप नगर क तरह
अहइँ। यरूसलेम क लोग मोरे बरे अमोरा नगर क तरह
अहइ।"
15एह बरे सर्वसक्तीमान यहोवा नबियन क बारे मँ इ
बातन कहत ह, "मइँ आव नबियन क दण्ड देब। उ सजा
बिख स भरा भोजन पानी खाइ पिअइ जइसा होइ। नबियन
आध्यात्मिक बीमारी पइदा किहन अउर उ बीमारी पूरे देस मँ
फइल गइ। एह बरे मइँ ओन नबियन क सजा देब। उ
बीमारी यरूसलेम मँ नबियन स आइ।"
16सर्वसक्तीमान इ सब कहत ह: "उ पचे नबी तू पचन
स जउन कहइँ ओकर अनसुनी करा। उ पचे तू पचन्क
मूरख बनावइ क जतन करत अहइँ। उ पचे नबी अन्तदर्सन
करइ क बात करत हीं। किन्तु उ पचे आपन अन्त दर्सन
मोहसे नाहीं पाउतेन। ओनकर अन्तदर्सन ओनकर मन क
उपज अहइ।
17कछू लोग यहोवा क सच्चे सँदेसा स घिना करत हीं।
एह बरे उ सबइ नबी ओन लोगन स अलग-अलग कहत
हीं। उ पचे कहत हीं, 'तू सान्ति स रहब्या।' कछू लोग
बहोत हठी अहइँ। उ पचे उहइ करत हीं जउन उ पचे करइ
चाहत हीं। एह बरे उ सबइ नबी कहत हीं, 'तोहार पचन्क
कछू भी बुरा नाहीं होइ।'
18किन्तु एन नबियन मँ स कउनो भी स्वर्गीय परिषद मँ
सामिल नाहीं भवा ह। ओनमाँ स कउनो भी यहोवा क
सँदेसा क न लखेस ह न ही सुनेस ह। ओनका स कउनो
भी यहोवा क सँदेसा पइ गंभीरता स धियान नाहीं दिहेस ह।
19अब यहोवा क हिआँ स सजा आँधी क तरह आइ।
यहोवा क किरोध बौंड़र क तरह होइ। इ ओन दुट्ठ लोगन
क मूँड़न क कुचरत भवा आइ।
20यहोवा क किरोध तब तलक नाहीं रूकी जब तलक उ
पचे जउन करइ चाहत हीं, पूरा न कइ लेइँ। जब उ दिन
चला जाइ तब तू पचे एका ठीक ठीक समुझब्या।
21मइँ ओन नबियन क नाहीं पठएउँ। किन्तु उ पचे आपन
सँदेसा देइ दउड़ पड़ेन। मइँ ओनसे बातन नाहीं किहेउँ। किन्तु
उ पचे मोर नाउँ क उपदेस दिहन।
22जदि उ पचे मोर स्वर्गीय परिषद मँ सामिल भए होतेन
तउ उ पचे यहूदा क लोगन क मोर सँदेसा दिए होतेन। उ
पचे लोगन क बुरे करम करइ स रोक दिए होतेन। उ पचे
लोगन क पाप करम करइ स रोक दिए होतेन।"
23इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "मइँ परमेस्सर हउँ, हिआँ
हुआ अउर सर्वत्र। मइँ बहोत दूर नाहीं हउँ।
24कउनो मनई कउनो छिपइ क ठउरे मँ आपन क मोहसे
छिपावइ जतन कइ सकत ह। किन्तु ओका लखि लेब मोरे
लिए सहल अहइ। काहेकि मइँ सरग अउ धरती दुइनउँ पइ
सर्वत्र हउँ।" यहोवा इ सबइ बातन कहेस।
25"अइसे नबी अहइँ जउन मोरे नाउँ पइ लबार उपदेस
देत हीं। उ पचे कहत हीं, 'मइँ एक सपन लखेउँ ह! मइँ
एक सपन लखेउँ ह।' मइँ ओनका उ सबइ बातन करत
सुनेउँ ह। 26इ कब तलक चलत रही? उ सबइ नबी झूठ ही
क चिन्तन करत हीं अउर तब उ पचे उ झूठ क उपदेस
लोगन क देत हीं। 27इ सबइ नबी जतन करत हीं कि यहूदा
क लोग मोर नाउँ बिसरि जाइँ। उ पचे इ काम क, आपुस
मँ एक दूसर स कल्पित सपन कहिके करत अहइँ। इ सबइ
लोग मोरे लोगन स मोर नाउँ वइसे ही बिसराइ देइ क
जतन करत अहइँ जइसे ओनकर पुरखन मोका बिसरि गए
रहेन। ओनकर पुरखन मोका बिसरि गएन अउर उ पचे
लबार देवता बाल क पूजा किहन। 28भूसा उ नाहीं अहइ
जउन गोहूँ अहइ। ठीक उहइ तरह ओन नबियन क सपन
मोर सँदेसा नाहीं अहइँ। जदि कउनो मनई आपन सपनन क
कहइ चाहत ह तउ ओका कहइ द्या। किन्तु उ मनई क
मोरे सँदेसा क सच्चाई क कहइ द्या जउन मोरे सँदेसा क
सुनत ह। 29मोर सँदेसा ज्वाला क तरह अहइ। इ उ हथौड़े
क तरह अहइ जउन चट्टान क चूर्ण करत ह।" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ।
30"एह बरे मइँ लबार नबियन क खिलाफ हउँ। काहेकि
उ पचे मोरे सँदेसा क एक दूसर स चोरावइ मँ लगा रहत

हीं।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। 31"उ पचे आपन बात
कहत हीं अउर देखावा इ करत हीं कि उ यहोवा सँदेसा
अहइ। 32मइँ ओन लबार नबियन क खिलाफ हउँ जउन
सपन क उपदेस देत हीं।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "उ
पचे आपन झूठ अउ झूठे उपदेसन स मोरे लोगन क
भटकावत हीं। मइँ ओन नबियन क लोगन क उपदेस देइ
बरे नाहीं पठएउँ। मइँ ओनका आपन बरे कछू करइ क
आदेस कबहुँ नाहीं दिहेउँ। उ पचे यहूदा क लोगन क
सहायता बिल्कुल नाहीं कइ सकतेन।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ।

यहोवा स दुःखपूर्ण संदेसा

33"यहूदा क लोग, नबी अथवा याजक तू पचन्स पूछ
सकत हीं, यहोवा क 'बोझ' का अहइ?' तू पचे ओनका
जवाब द्या, 'तू पचे 'बोझ' अहइ अउर मइँ तोहसे छुटकारा
पाउब।" यहोवा कहत ह।

34"कउनो नबी या याजक अथवा सायद लोगन मँ स
कउनो कह सकत ह, 'इ यहोवा स बोझ अहइ।' उ मनई इ
झूठ कहेस, एह बरे मइँ उ मनई अउर ओकरे पूरे परिवार
क सजा देब। 35जउन तू आपुस मँ एक दूसर स कहब्या उ
इ अहइः 'यहोवा का जबाव दिहस?' या 'यहोवा का कहेस?'
36किन्तु तू पचे फुन इ भाव क कबहुँ नाहीं दुहरउब्या।
यहोवा क 'बोझ' काहेकि 'बोझ' लोगन क खुद क सब्द
अहइ। एँह बरे तू पचे मोरे परमेस्सर, सजीव परमेस्सर,
सर्वसक्तीमान यहोवा क सब्द क 'बोझ' बदल ह।

37"जदि तू परमेस्सर क सँदेसा क बारे मँ जानइ चाहत
अहा तब कउनो नबी स पूछा, 'यहोवा तोहका का जवाब
दिहस?' या 'यहोवा का कहेस?' 38किन्तु इ न कहा, 'यहोवा
क हिआँ स 'बोझ' का अहइ?' जदि तू एन सब्दन क
उपयोग करब्या तउ यहोवा तोहसे इ सब कही, 'तोहका मोरे
सँदेसा क यहोवा क हिआँ स 'बोझ' नाहीं कहइ चाही रहा।'
मइँ तोहसे ओन सब्दन क उपयोग न करइ क कहे रहेउँ।
39किन्तु तू मोरे सँदेसा क बोझइ कहा, 'एह बरे मइँ तोहका
एक 'बोझ' क तरह उठाउब अउर आपन स दूर पटक देब।
मइँ तोहरे पुरखन क यरूसलेम नगर दिहे रहेउँ। किन्तु अब
मइँ तोहका अउर उ नगर क आपन स दूर लोकाइ देब।
40मइँ सदा ही तोहका कलंकित बनाइ देब। तू कबहुँ आपन
लज्जा क नाहीं बिसरब्या।"'

नीक अंजीर अउर बुरे अंजीर

24 यहोवा मोका इ सबइ चिजियन देखाइसः यहोवा
क मन्दिर क समन्वा मइँ सजी भइ दुइ ठु अंजीर
क टोकरियन लखेउँ। (मइँ इ अन्तदर्सन क बाबुल क राजा
नबूकदनेस्सर क जरिये यकोन्याह क बन्दी बनाइ लीन्ह जाइ
क पाछे लखेउँ। यकोन्याह राजा यहोयाकीम क पूत रहा।
यकोन्याह अउ ओकर बड़के अधिकारी यरूसलेम स दूर
पहोंचाइ दीन्ह ग रहेन। उ पचे बाबुल पहोंचावा ग रहेन।
नबूकदनेस्सर यहूदा क सबहिं बढ़इयन अउ धातुकारन क लइ
गवा रहा।) 2एक ठु टोकरी मँ बहोत नीक अंजीर रहेन। उ
सबइ ओन अंजीरन क तरह रहेन जउन मौसम क सुरूआत
मँ पकत हीं। किन्तु दूसर टोकरी मँ सड़े गले अंजीर रहेन।
उ सबइ एतने सड़े गले रहेन कि ओनका खावा नाहीं जाइ
सकत रहा।

3यहोवा मोहसे कहेस, "यिर्मयाह, तू का लखत अहा?"
मइँ जवाब दिहेउँ, "मइँ अंजीर लखत हउँ। नीक अंजीर
बहोत नीक अहइँ। अउर सड़े गले अंजीर बहोत ही सड़े
गले अहइँ। उ सबइ एतने सड़े गले अहइँ कि खावा नाहीं
जाइ सकतेन।"

4तब यहोवा क सँदेसा मोका मिला। 5इस्राएल क
परमेस्सर यहोवा कहेस, "यहूदा क लोग आपन देस स लइ
जावा गएन। ओनकर दुस्मन ओनका बाबुल लइ गवा। उ
सबइ लोग एन नीक अंजीरन क तरह होइहीं। मइँ ओन
लोगन पइ दाया करब। 6मइँ ओनकर रच्छा करब। मइँ
ओनका यहूदा देस मँ वापस लिआउब। मइँ ओनका चरिके
लोकाउब नाहीं, मइँ फुन ओनकर निर्णय करब। मइँ ओनका
उखाड़ब नाहीं अपितु रोपब जेहसे उ सबइ बाढ़इँ। 7मइँ
ओनका आपन क समुझइ क इच्छा रखइवाला बनाउब। उ
पचे समझिहीं कि मइँ यहोवा हउँ। उ सबइ मोर लोग होइहीं
अउर मइँ ओनकर परमेस्सर। मइँ इ करब काहेकि उ पचे
बाबुल क बन्दी पूरे हिरदय स मोर सरण मँ अइहीं।

8"किन्तु यहूदा क राजा सिदकिय्याह ओन अंजीरन क
तरह अहइ जउने एँतने सड़े गले अहइँ कि खावा नाहीं जाइ
सकतेन। अउर ओकर बड़के अधिकारी, जउन यरूसलेम
अउ मिस्र मँ रहत अहइँ ओन सड़े गले अंजीरन क तरह
होइहीं।

9"मइँ ओन लोगन क सजा देब। उ सजा पृथ्वी क
सबहिं लोगन क हिरदय दहताइ देइ। लोग यहूदा क लोगन
क मजाक उड़इहीं। लोग ओनके बारे मँ हसी उड़इहीं। लोग
ओनका ओन सबहिं ठउरन पइ सराप देइहीं जहाँ ओनका
मइँ बिखेरब। 10मइँ ओनके विरूद्ध तरवारन, भुखमरी अउर
बीमारियन पठउब। मइँ ओन पइ तब तलक हमला करब
जब तलक कि उ पचे सबहिं मर नाहीं जातिन। तब उ पचे
भविस्स मँ उ भुइँया पइ नाहीं रहिहीं जेका मइँ एनका तथा
एनकर पुरखन क दिहे रहेउँ।"

यिर्मयाह क उपदेस क सार

25 इ उ सँदेसा अहइ, जउन यहूदा क सबहिं लोगन
स सम्बन्धित, यिर्मयाह क मिला। इ सँदेसा
यहोयाकीम क यहूदा मँ राज्जकाल क चउथे बरिस मँ आवा।
यहोयाकीम योसिय्याह क पूत रहा। राजा क रूप मँ ओकरे
राज्जकाल क चउथा बरिस उहइ रहा जउन बाबुल मँ
नबूकदनेस्सर क पहिला बरिस रहा। 2इ उहइ सँदेसा अहइ
जेका यिर्मयाह नबी यहूदा क लोगन अउर यरूसलेम क
लोगन क दिहस।

3मइँ एन बीते तेईस बरिसन मँ यहोवा क सँदेसन क
तोहका बार-बार दिहेउँ ह। मइँ यहूदा क राजा आमोन क
पूत योसिय्याह क राज्जकाल मँ तेरहवाँ बरिस स नबी अहउँ।
मइँ सुबह होत ही यहोवा क सँदेसन क तोहका दिहेउँ ह।
किन्तु तू पचे ओका अनसुना किहा ह। 4यहोवा आपन सेवक
नबियन क तोहरे पास बार-बार पठएस ह। किन्तु तू ओनका

अनसुना किहा ह। तू ओनकी कइँती तनिक भी धियान नाहीं
दिहा ह।
5ओन नबियन कहेन, "आपन जिन्नगी क बदला। ओन
बुरे कामन क करब तजा। जदि तू बदल जाब्या, तउ तू उ
भुइँया पइ वापस लउट अउर रह सकब्या जेका यहोवा
तोहका अउर तोहरे पुरखन क बहोत पहिले दिहे रहा। उ इ
भुइँया तोहका सदैव रहइ क दिहस। 6दूसर देवतन क
अनुसरण न करा। ओनकर सेवा या ओनकर पूजा न करा।
इ सबइ कइके मोका किरोधित न करा, मोका तोहका सज़ा
मत देइ द्या।"
7"किन्तु तू मोर अनसुनी किहा।" यहोवा कहत ह। "आपन
करम स तू मोका आपन ही चोट बरे किरोधित किहा ह।"
8एह बरे सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह, "तू मोरे सँदेसा
क अनसुना किहा ह। 9एह बरे मइँ उत्तर क सबहिं परिवार
समूहन क हाली बोलाउब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
"मइँ हाली ही बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर क पठउब। उ
मोर सेवक अहइ। मइँ ओन लोगन क यहूदा देस अउर
यहूदा क लोगन क खिलाफ बोलाउब। मइँ ओनका तोहरे
चारिहुँ कइँती क पड़ोसी रास्ट्रन क खिलाफ भी लिआउब।
मइँ ओन सबहिं देसन क नस्ट करब। मइँ ओन देसन क
सदैव बरे सूना रेगिस्तान बनाइ देब। लोग ओन देसन क
लखिहीं अउर जउन बुरी तरह उ सबइ बर्बाद भएन ह ओह
पइ सीटी बजइहीं। 10मइँ ओन ठउरन पइ सुख अउर आनन्द
क किलोलन क बन्द कइ देब। हुआँ भविस्स मँ दुलहा-दुलहिनन
क उमंग भरी हँसी ठिठोली न होइ। मइँ चक्की चलावइ
लोगन क गीतन क दूर कइ देब। मइँ दीयकन क उजाला
खतम करब। 11उ समूचा पहँटा ही सूना रेगिस्तान बन जाइ।
उ पचे सारे लोग बाबुल क राजा क सत्तर बरिस तलक
दास होइहीं।
12"किन्तु जब सत्तर बरिस बीत जइहीं तउ मइँ बाबुल क
राजा क सजा देब। मइँ बाबुल रास्ट्र क सजा देब।" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ। "मइँ कसदियन क देस क ओनके पाप
बरे दण्ड देब। मइँ उ देस क सदेव बरे रेगिस्तान बनाउब।
13मइँ कहेउँ ह कि बाबुल पइ अनेक विपत्तियन अइहीं। उ
सबइ बातन घटित होइहीं। यिर्मयाह ओन बिदेसी रास्ट्रन क
बारे मँ उपदेस दिहे रहा अउर उ सबइ चितउनियन इ पुस्तक
मँ लिखी अहइँ। 14हाँ बाबुल क लोगन क कइउ रास्ट्रन
अउर कइउ बड़के राजा लोगन क सेवा करइ पड़ी। मइँ
ओनका ओकरे बरे ओनके उचित दण्ड देब जउन सब उ
पचे करिहीं।"

बिस्व क रास्ट्रन क संग निआव

15इस्राएल क परमेस्सर यहोवा इ सब कहेस, "यिर्मयाह,
इ दाखरस क पियाला मोरे हाथन स ल्या। इ मोर किरोध क
दाखरस अहइ। मइँ तोहका अलग-अलग रास्ट्रन मँ पठवत
अहउँ। ओन सबहिं रास्ट्रन क इ पियाला स पिआवा। 16उ
पचे इ दाखरस क पीइहीं। तब उ पचे उलटी करिहीं अउर
पागलन सा बेउहार करिहीं। उ पचे इ ओन तरवारन क
कारण अइसा करिहीं जेनका मइँ ओनके खिलाफ हाली
पठउब।"
17एह बरे मइँ यहोवा क हाथ स पियाला लिहेउँ। मइँ
ओन रास्ट्रन मँ गएउँ अउर ओन लोगन क उ पियाले स
पिलाएउँ। 18मइँ दाखरस क यरूसलेम अउ यहूदा क लोगन
क बरे ढालेउँ। मइँ यहूदा क राजा लोगन अउर प्रमुखन क
इ पियाले स पियाएउँ। मइँ इ एह बरे किहेउँ कि इ ठउर
ऍतनी बुरी तरह स बर्बाद होइ जाइ कि लोग एकरे बारे मँ
सीटी बजावइँ अउर इ ठउर क सराप देइँ अउर इ भवा,
यहूदा अब उहइ तरह क अहइ।
19मइँ मिस्र क राजा फिरौन क भी पियाले स पियाएउँ।
मइँ ओनकर अधिकारियन, ओकर बड़के प्रमुखन अउर
ओकर सबहिं लोगन क यहोवा क किरोध क पियाले स
पियाएउँ।
20मइँ सबहिं मिस्रित रास्ट्रन अउर अज़ देस क सबहिं
राजा लोगन क उ पियाले स पियाएउँ।
मइँ पलिस्ती देस क सबहिं राजा लोगन क उ पियाले स
पियाएउँ। इ सबइ अस्कलोन, अज्जा, एक्रोन अउर असदोद
नगर क बचे भाग क राजा रहेन।
21तब मइँ एदोम, मोआब अउर अम्मोन क लोगन क उ
पियाले स पियाएउँ।
22मइँ सोर अउ सीदोन क राजा लोगन क उ पियाले स
पियाएउँ। मइँ बहोत दूर क देसन क राजा लोगन क भी उ
पियाले स पियाएउँ। 23मइँ ददान, तेमा अउर बूज क लोगन
क उ पियाले स पियाएउँ। मइँ ओन सब क उ पियाले स
पियाएउँ जउन आपन गाल क बारन क काटत हीं। 24मइँ
अरब क सबहिं राजा लोगन क उ पियाले स पियाएउँ। इ
सबइ राजा रेगिस्ताने मँ रहत हीं। 25मइँ जिम्री, एलाम अउर
मादै क सबहिं राजा लोगन क उ पियाले स पियाएउँ। 26मइँ
उत्तर क सबहिं निचके अउ दूर क राजा लोगन क उ
पियाले स पियाएउँ। मइँ एक क पाछे एक दूसर क
पियाएउँ। मइँ पृथ्वी पइ क सबहिं राज्जन क यहोवा क
किरोध उ पियाले स पियाएउँ। किन्तु बाबुल क राजा एन
सबहिं दूसर रास्ट्रन क पाछे इ पियाले स पीइ।
27"यिर्मयाह, ओन रास्ट्रन स कहा कि इस्राएल क लोगन
क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा जउन कहत ह, उ इ
अहइ: 'मोर किरोध क इ पियाला क पिआ। ओकी पीइके
मत्त होइ जा अउर उलटियन करा। भहराइ पड़ा अउ उठा
नाहीं, काहेकि तोहका मार डावइ क मइँ तरवार पठवत
हउँ।'
28"उ सबइ लोग तोहरे हाथे स पियाला लेइ स इन्कार
करिहीं। उ पचे ऍका पिअइ स इन्कार करिहीं। किन्तु तू
ओनसे इ कहब्या, 'सर्वसक्तीमान यहोवा इ बातन बतावत ह:
'तू निहचय हीं इ पियाला स पीब्या। 29मइँ आपन नाउँ पइ
गोहरावा जाइवाले यरूसलेम नगर पइ पहिले ही बुरी
विपत्तियन ढावइ जात हउँ। होइ सकत ह कि तू लोग सोचा
कि तू पचन्क सजा नाहीं मिली। किन्तु तू पचे गलत सोचत
अहा। तू पचन्क सजा मिली। मइँ पृथ्वी पइ सबहिं लोगन
पइ हमला करइ बरे तरवार मँगावइ जात हउँ।'" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ।
30"यिर्मयाह, तू ओनका इ सँदेसा देब्या: 'यहोवा ऊँच
अउ पवित्तर मन्दिर स गरजत बाटइ। यहोवा आपन चरागाह

क खिलाफ चिचियाइके कहत अहइ। ओकर चिल्लाहट
वइसी ही ऊँच अहइ, जइसे ओन लोगन क, जउन अगूंरन
क दाखरस बनावइ बरे गोड़न स कुचरत हीं।
31उ चिल्लाहट पृथ्वी क सबहिं लोगन तलक जात ह।
यहोवा क रास्ट्र क खिलाफ सिकायत अहइ। उ सबहिं
लोगन क खिलाफ कानूनी दोख दर्ज करत ह। उ कसूरवार
क तरवार स मउत क सज़ा देब।'" यहोवा कहत ह।
32सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह: "एक देस स दूसर
देस तलक हाली ह बरबादी आइ। उ सक्तीसाली आँधी क
तरह पृथ्वी क सबहिं बहोत दूर क देसन मँ आइ।"
33ओन लोगन क ल्हासन एक देस क सिरे स दूसर सिरे
क पहोंचहीं। कउनो भी ओन मरन बरे नाहीं रोइ। कउनो भी
यहोवा क जरिये मारे गए ओनकर ल्हासन क बटोरी नाहीं
अउर बटोरी नाहीं। उ पचे गोबरे क नाईं भुइँया पइ पड़े
तजि दीन्ह जइहीं।
34गड़रियो, जोर स चिल्लाब सुरू करा। भेड़िन क
प्रमुखो, पीरा स तड़पत भए जमीन पइ लोटा। काहेकि अब
तोहरे सबन्क मउत क घाट उतारा जाइ क समइ आवत
अहइ। मइँ तू सबइ क टूट घड़न क ठीकरन क तरह
चारिहुँ कइँती बिखरिहीं।
35गड़रियो क छुपइ बरे कउनो ठउर नाहीं होइ। उ सबइ
प्रमुख बचिके नाहीं निकरि पइहीं।
36मइँ गड़रियन क सोर मचाउब सुनत हउँ। मइँ भेड़िन क
प्रमुखन क रोउब सुनत हउँ। यहोवा ओनकर चरागाह (देस)
क नस्ट करत अहइ।
37उ सबइ सान्त चरागाहन सूना रेगिस्तान जइसा अहइँ। इ
भवा, काहेकि यहोवा बहोत कोहान अहइ।
38यहोवा आपन माँद तजत भए सेर क तरह खतरनाक
अहइ। यहोवा कोहान अहइ। यहोवा क किरोध ओन लोगन
क चोट पहोंचाइ। ओनकर देस सूना रेगिस्तान बन जाइ।

मन्दिर पइ यिर्मयाह क सिच्छा

26 योसिय्या राजा क पूत यहोयाकीम क यहूदा पइ
राज्ज करइ क पहिले बरिस यहोवा क इ सँदेसा
मिला। 2यहोवा कहेस, "यिर्मयाह, यहोवा क मन्दिर क
आँगन मँ खड़ा ह्वा। यहूदा क ओन सबहिं लोगन क इ
सँदेसा द्या जउन यहोवा क मन्दिर मँ पूजा करइ आवत
अहइँ। तू ओनसे उ सब कछू कहा जउन मइँ तोहसे कहइ
क कहत हउँ। मोरे सँदेसा क कउनो हींसा क जिन तजा।
3होइ सकत ह उ पचे मोरे सँदेसा क सुनइँ अउर ओकरे
अनुसार चलइँ। होइ सकत ह उ पचे अइसी बुरी जिन्नगी
बिताउब तजि देइँ। जदि तू पचे बदल जाइँ तउ मइँ ओनका
सजा देइ क जोजना क बारे मँ, आपन निर्णय क बदल
सकत हउँ। मइँ ओनका उ सजा देइ क जोजना बनावत हउँ
काहेकि उ पचे अनेक बुरे करम किहेन ह। 4तू ओनसे
कहब्या, 'यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ: मइँ आपन
उपदेस तू पचन्क दिहेउँ। तू पचन्क मोर आग्या क पालन
करइ चाही अउर मोर उपदेसन पइ चलइ चाही। 5तू पचन्क
मोरे सेवकन क उ सबइ बातन सुनई चाही जउन उ पचे
तोहसे कहइँ। (नबी मोर सेवक अहइँ) मइँ नबियन क
बार-बार तोहरे पचन्क लगे पठ एउँ ह किन्तु तू पचे
ओनकर अनसुनी कइ दिहा ह। 6जदि तू पचे मोर आग्या क
पालन नाहीं करत्या तउ मइँ आपन यरूसलेम क मन्दिर क
सीलो क पवित्तर तम्बू क तरह कइ देब। समूची दूनिया क
लोग दूसर नगरन बरे बिपत्ति माँगइ क समइ यरूसलेम क
बारे मँ सोचिहीं।'"
7याजकन, नबियन अउर सबहिं लोग यहोवा क मन्दिर मँ
यिर्मयाह क इ सबइ कहत सुनेन। 8यिर्मयाह उ सब कछू
कहब पूरा किहेस जेका यहोवा लोगन स कहइ क आदेस
दिहे रहा। तब याजकन, नबियन अउ लोग यिर्मयाह क धइ
लिहेन। उ पचे कहेन, "अइसी भयंकर बातन करइ क
कारण तू मरब्या। 9यहोवा क नाँउ पइ अइसी बातन करइ
क हिम्मत तू कइसे करत अहा? तू इ कइसे कहइ क
साहस करत अहा कि इ मन्दिर सीलो क मन्दिर क तरह
नस्ट होइ? तू इ कहइ क हिम्मत कइसे करत अहा कि
यरूसलेम बिना कउनो निवासी क रेगिस्तान बन जाइ।"
सबहिं लोग यिर्मयाह क चारिहुँ कइँती यहोवा क मन्दिर मँ
बटुर गएन।
10इ तरह यहूदा क सासक लोग ओन सारी घटनन क
सुनेन जउन घटित होत रहीं। एह बरे उ पचे राजा क महल
स बाहेर आएन। उ पचे यहोवा क मन्दिर क गएन। हुआँ उ
पचे यहोवा क मन्दिर क नवे फाटक क प्रवेस क ठउरे पइ
बइठ गएन। नवा फाटक उ फाटक अहइँ जहाँ स यहोवा
क मन्दिर क जात हीं। 11तब याजकन अउर नबियन सासक
लोगन अउ सबहिं लोगन स बातन किहन। उ पचे कहेन,
"यिर्मयाह मार डावा जाइ चाही। इ यरूसलेम क बारे मँ बुरा
कहेस ह। तू ओसे बातन कहत सुन्या।"
12तब यिर्मयाह यहूदा क सबहिं सासकन अउ दूसर सबहिं
लोगन स बात किहस। उ कहेस, "यहोवा मोका इ मन्दिर
अउर इ नगर क बारे मँ बातन कहइ बरे पठएस। जउन
सब तू पचे सुन्या ह उ यहोवा क हिआँ स अहइ। 13तू
लोगन क आपन जिन्नगी बदलइ चाही। तोहका पचन्क
नीक काम करब सुरू करइ चाही। तू पचन्क आपन यहोवा
परमेस्सर क आग्या मानइ चाही। जदि तू पचे अइसा करब्या
तउ यहोवा आपन इरादा बदल देइ। यहोवा उ सबइ बुरी
बिपत्तियन नाहीं लिआइ। जेनके घटित होइ क बारे मँ उ
कहेस। 14जहाँ तलक मोर बात अहइ, मइँ तू पचन्क बस मँ
हउँ। मोरे संग उ करा जउन तू नीक अउ ठीक समुझत
अहा। 15किन्तु जदि तू मोका मार डउब्या तउ एक बात
निहचित समझा। तू एक निरपराध मनई क मारइ क अपराधी
होब्या। तू इ नगर अउर एहमाँ जउन रहत हीं ओनका भी
अपराधी बनउब्या। फुरइ, यहोवा मोका तोहरे पचन्क लगे
पठएस ह। जउन सँदेसा तू सुन्या ह, फुरइ, यहोवा क
अहइ।" 16तब सासक अउर सबहिं लोग बोल पड़ेन। ओन
लोग याजकन अउ नबियन स कहेन, "यिर्मयाह, नाहीं मारा
जाइ चाही। यिर्मयाह जउन कछू कहेस ह उ हमरे यहोवा
परमेस्सर क ही वाणी अहइ।"
17तब अग्रजन मँ स कछू खड़े भएन अउर उ पचे सब
लोगन स बातन किहन। 18उ पचे कहेन, "मीकायाह नबी
मोरसोती नगर क रहा। मीकायाह ओन दिनन नबी रहा जउने

दिनन हिजकिय्याह यहूदा क राजा रहा। मीकायाह यहूदा क
सबहिं लोगन स इ कहेसः सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत हः

“सिय्योन एक ठु जुता भवा खेत बनी। यरूसलेम
चट्टानन क ढेर होइ। जउने पहाड़ी पइ मन्दिर बना अहइ
ओह पइ बृच्छ उगिहीं।” *मीका 3:12*

19“हिजकिय्याह यहूदा क राजा रहा अउर हिजकियाह
मीकाय्याह क नाहीं मारेस। यहूदा क कउनो मनई मीकायाह
क नाही मारेन। तू पचे जानत अहा हिजकिय्याह यहोवा क
सम्मान करत रहा। उ यहोवा क खुस करइ चाहत रहा।
यहोवा कह चुका रहा कि उ यहूदा क बुरा करी। किन्तु
हिजकिय्याह यहोवा स पराथना किहस अउर यहोवा आपन
इरादा बदल दिहस। यहोवा उ सबइ बुरी विपत्तियन नाहीं
आवइ दिहस। जदि हम लोग यिर्मयाह क चोट पहोंचाउब
तउ हम लोग अपने उपर विपत्तियन बोलाउब अउर उ सबइ
बिपत्तियन हम लोगन क अपने दोख क कारण होइहीं।”
20अतीत काल मँ एक दूसर मनई रहा जउन यहोवा क
सँदेसा क उपदेस देत रहा। ओकर नाउँ ऊरिय्याह रहा। उ
समाय्याह नाउँ क मनई क पूत रहा। ऊरिय्याह, किर्यत्यारीम
नगर क रहा। ऊरिय्याह इ नगर अउर देस क बिरुद्ध उहइ
उपदेस दिहस जउन यिर्मयाह दिहेस ह। 21राजा यहोयाकीम
ओकर सेना अधिकारी अउर यहूदा क प्रमुख लोग ऊरिय्याह
क उपदेस सुनेन। उ पचे कोहाइ गएन। राजा यहोयाकीम
ऊरिय्याह क मार डावइ चाहत रहा। किन्तु ऊरिय्याह क पता
चला कि यहोयाकीम ओका मार डावइ चाहत ह। ऊरिय्याह
डेराइ गवा अउर उ मिस्र देस क पराइ निकरा। 22किन्तु
यहोयाकीम एलनातान नाउँ क एक मनई तथा कुछ लोगन
क मिस्र पठएस। एलनातान अकबोर नाउँ क मनई क पूत
रहा। 23उ सबइ लोग ऊरिय्याह क मिस्र स वापस लइ
आएन। तब उ सबइ लोग ऊरिय्याह क राजा यहोयाकीम क
लगे लइ गएन। यहोयाकीम ऊरिय्याह क तरवारे क घाट
उतार देइ क आदेस दिहस। ऊरिय्याह क ल्हास उ कब्रिस्तान
मँ लोकाइ दीन्ह गवा जहाँ गरीब लोग दफनाया जात रहेन।
24किन्तु साफान क पूत अहीकाम यिर्मयाह क साथ
दिहेस अउ ओका लोगन क हाथ स मरइ स बचाएस।

यहोवा नबूकदनेस्सर क सासक बनाएस ह

27 यहोवा क सँदेसा यिर्मयाह क मिला। यहूदा क
राजा सिदकिय्याह क राज्जकाल क चउथे बरिस उ
आवा। सिदकिय्याह राजा योसिय्याह क पूत रहा। 2यहोवा
मोहसे जउन कहेस, उ इ अहइः “यिर्मयाह छड़ अउर चमड़े
क पट्टियन स जुआ बनावा। उ जुआ क आपन गटइया
पइँ रखा। 3तब एदोम, मोआब, अम्मोन सोर अउर सीदोन
क राजा लोगन क कइँती ओनका पठवा। इ सबइ सँदेसन
एन राजा लोगन क राजदूतन क जरिये पठवा जउन यहूदा
क राजा सिदकिय्याह स मिलइ यरूसलेम आवा अहइँ।
4ओन राजदूतन स कहा कि उ पचे सँदेसा आपन सुआमियन
क द्या। ओनसे इ कहा कि इस्राएल क परमेस्सर
सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत हः ‘आपन सुआमियन स कहा
कि 5मइँ पृथ्वी अउर एँह पइ रहइवाले सबहिं लोगन क
बनाएउँ। मइँ पृथ्वी क सबहिं जनावरन क बनाएउँ। मइँ इ
आपन बड़की सक्ती अउर सक्तीसाली भुजा स किहेउँ। मइँ
इ पृथ्वी कउनो क भी चाहउँ दइ सकत हउँ। 6इ समइ मइँ
बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर क इ सबइ भुइँया दइ दिहेउँ।
उ मोर सेवक अहइ। मइँ जंगली जनावरन क भी ओकरे
आग्याकारी बनाउब। 7सबहिं रास्ट्र नबूकदनेस्सर ओकर पूत
अउर ओकर पौत्र क सेवा करिहीं। तब बाबुल क पराजय
क समइ आइ। कइउ रास्ट्र अउर बड़के सम्राट बाबुल क
आपन सेवक बनइहीं।
8“‘किन्तु इ समइ कछू रास्ट्र या राज्ज बाबुल क राजा
नबूकदनेस्सर क सेवा करइ स इन्कार कइ सकत हीं। उ
पचे ओकरे जुआ क आपन गटइया पइ धरइ स इन्कार कइ
सकत हीं। जदि अइसा होत ह तउ जउन मइँ करब उ इ
अहइः मइँ उ रास्ट्र क तरवार, भूख अउर भयंकर बीमारी
क सजा देब,’” यहोवा कहत ह। “‘मइँ उ तब तलक करब
जब तलक मइँ उ रास्ट्र क नस्ट न कइ देउँ। मइँ
नबूकदनेस्सर क उपयोग उ रास्ट्र क नस्ट करइ क बरे
करब जउन ओकरे बिरुद्ध करत ह। 9एह बरे आपन
नबियन क एक स सुना। ओन मनइयन क एक न सुना
जउन भविस्स क घटनन क जानइ बरे जादू क उपयोग
करत हीं। ओन लोगन क एक न सुना जउन इ कहत हीं
कि हम सपन क फल बताइ सकित ह। ओन मनइयन क
एक न सुना जउन मरन स बात करत हीं या उ सबइ लोग
जउन जादूगार अहइँ। उ पचे सबहिं तू पचन्स बातन करत
हीं, “तू पचे बाबुल क राजा क दास नाहीं बनब्या।” 10किन्तु
उ सबइ लोग तू पचन्स झूठ बोलत हीं। मइँ तू पचन्क
तोहरे पचन्क जन्मभूमि म दूर जाइ पइ बिबस करब अउर तू
पचे दूसर देस मँ मरब्या।
11“‘किन्तु उ सबइ रास्ट्र जउन बाबुल क राजा क जुआ
क आपन कंधन पइ धरिहीं अउर ओकर आग्या मानिहीं,
जिअत रहिहीं। मइँ ओन रास्ट्रन क ओनके आपन देस मँ
रहइ देब।’” इ सँदेसा यहोवा क अहइ। “‘ओन रास्ट्रन क
लोग आपन भुइँया पइ रहिहीं अउर ओह पइ खेती करिहीं।
12“‘मइँ यहूदा क राजा सिदकिय्याह क भी इहइ सँदेसा
दिहउँ। मइँ कहेउँ, “सिदकिय्याह, तोहका बाबुल क राजा क
जुआ क खाले आपन गटइ देइ चाही अउर ओकर आग्या
मानइ चाही। जदि तू बाबुल क राजा अउर ओकर लोगन क
सेवा करब्या तउ तू रहि सकब्या। 13जदि तू बाबुल क राजा
क सेवा करब कबूल नाहीं करत्या तउ तू अउर तोहार लोग
दुस्मन क तरवार क घाट उतारा जइहीं, तथा भूख अउर
भयंकर बीमारी स मरिहीं। यहोवा कहेस कि इ सबइ घटनन
होइहीं। 14किन्तु लबार नबी कहत अहइँः तू बाबुल क राजा
क दास कबहुँ नाहीं होब्या।
“‘ओन नबियन क एक न सुना। काहेकि उ पचे तोहका
झूठा उपदेस देत अहइँ। 15मइँ ओन नबियन क नाहीं पठएउँ
ह।’” इ सँदेसा यहोवा क अहइ। “‘उ पचे झूठ उपदेस देत
अहइँ अउर कहत अहइँ कि उ सँदेसा मोरे हिआँ स अहइ।
एह बरे यहूदा क लोगो, मइँ तोहका पचन्क दूर पठउब। तू
पचे मरब्या अउर उ सबइ नबी भी जउन झूठ उपदेस देत

अहइँ मरिहीं।" 16तब मइँ (यिर्मयाह) याजक अउर ओन सबहिं लोगन स कहेस, "यहोवा कहत ह: 'उ पचे लबार नबी कहत अहइँ, कसदियन बहोत स चिजियन यहोवा क मन्दिर स लिहन। उ सबइ चिजियन हाली ही वापस लिआइ जइहीं।' ओन नबियन क एक न सुना काहेकि उ पचे तू पचन्क झूठ उपदेस देत अहइँ। 17ओन नबियन क एक न सुना। बाबुल क राजा क सेवा करा अउर तू पचे जिअत रहब्या। तोहरे पचन्क बरे कउनो कारण नाहीं कि तू पचे यरूसलेम सहर क बर्बाद करवाआ। 18जदि उ सबइ लोग नबी अहइँ अउर ओनके लगे यहोवा क सँदेसा अहइ तउ ओनका पराथना करइ द्या। ओन चीजन क बारे मँ ओनका पराथना करइ द्या जउन अबहिं तलक राजा क महल मँ अहइँ अउर ओनका ओन चिजियन क बारे मँ ओनका पराथना करइ द्या जउन अबहिं तलक राजा क महल मँ अहइँ ओनका ओन चिजियन क बारे मँ पराथना करइ द्या जउन अब तलक यरूसलेम मँ अहइँ। ओन नबियन क पराथना करइ द्या ताकि उ पचे सबहिं चिजियन बाबुल नाहीं लइ जाइ जाइँ।"

19सर्वसक्तीमान यहोवा ओन सबइ चिजियन क बारे मँ इ कहत ह जउन अबहिं तलक यरूसलेम मँ बची रहि गइ अहइँ। मन्दिर मँ खम्भा, काँसा क बना सागर, हटावइ जोग्ग आधार अउर दूसर चिजियन अहइँ। बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर ओन चिजियन क यरूसलेम मँ तजि दिहन। 20नबूकदनेस्सर जब यहूदा क राजा यकोन्याह क बन्दी बनाइके लइ गवा तब ओन चिजियन क नाहीं लइ गवा। यकोन्याह राजा यहोयाकीम क पूत रहा। नबूकदनेस्सर यहूदा अउर यरूसलेम क दूसर बड़के लोगन क भी लइ गवा। 21इस्राएल क लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा मन्दिर मँ बची, राजमहल मँ बची अउर यरूसलेम मँ बची चिजियन क बारे मँ इ कहत ह, "उ सबइ चिजियन भी बाबुल लइ जाइ जइहीं। 22उ सबइ चिजियन बाबुल मँ तब तलक रहिहीं जब तलक उ समइ आइ कि मइँ ओनका लेइ जाब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "तब मइँ ओन चिजियन क वापस लिआउब। मइँ ओन चिजियन क इ ठउरे पइ वापस रखब।"

झूठा नबी हनन्याह

28 यहूदा मँ सिदकिय्याह क राज्काल क चउथे बरिस क पाँचवे महीना मँ अज्जू क पूत, गिबोन क हनन्याह नबी मोहसे बात किहस। हनन्याह यहोवा क मन्दिर मँ याजक अउर दूसर लोगन क समन्वा मोहसे बात किहेस। हनन्याह जउन कहेस उ इ अहइ: 2"इस्राएल क लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह, 'मइँ उ जुए क तोड़ डाउब जेका बाबुल क राजा यहूदा क लोगन पइ रखा ह। 3दुइ बरिस पूरा होइ क पहिले मइँ ओन चिजियन क वापस लइ आउब जेनका बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर यहोवा क मन्दिर स बाबुल लइ गवा ह। 4मइँ यहूदा क राजा यकोन्याह क भी वापस हिआँ स लइ आउब। यकोन्याह, यहोयाकीम पूत अहइ मइँ ओन सबहिं यहूदा क लोगन क वापस लि आउब जेनका नबूकदनेस्सर आपन घर तजइ अउर बाबुल जाइ क मजबूर किहस।' इ सँदेसा यहोवा क अहइ। 'एह बरे मइँ उ जुए क तोड़ देब जेका बाबुल क राजा यहूदा क लोगन पइ रखेस ह।'"

5तब यिर्मयाह नबी हनन्याह नबी स यहोवा मन्दिर मँ याजकन अउर ओन सबहिं लोगन क समन्वा जउन यहोवा क मन्दिर मँ उपस्थित रहब, कहब्या। 6यिर्मयाह हनन्याह स कहेस, "आमीन! मोका आसा अहइ कि यहोवा निहचय ही अइसा करी। मोका आसा अहइ कि यहोवा उ सँदेसा क फुरइ घटित करी जउन तू देत अहा। मोका आसा अहइ कि यहोवा आपन मन्दिर क चिजियन क बाबुल स उ ठउरे पइ वापस लिआइ अउर मोका आसा अहइ कि यहोवा ओन सबहिं लोगन क इ ठउरे पइ वापस लिआइ जउन आपन घरन क तजइ क बिवस कीन्ह ग रहेन।

7"किन्तु हनन्याह उ सुना जउन मोका कहइ चाही। उ सुना जउन मइँ सबहिं लोगन स कहत हउँ। 8हनन्याह हमरे अउर तोहरे नबी होइ के बहोत पहिले भी नबी रहेन। उ पचे भविस्सवाणी किहे रहेन कि जुद्ध, भुखमरी अउर भयंकर बीमारियन अनेक देसन अउर राज्जन मँ अइहीं। 9मुला उ नबी क जाँचा इ जानइ बरे होइ चाही कि ओका यहोवा फुरइ पठएस ह जउन इ कहत ह कि हम लोग सान्ति क साथ रहब। जदि उ नबी क सँदेसा फुरइ घटित होत ह तउ लोग समुझ सकत हीं कि फुरइ ही उ यहोवा क जरिये पठवा गवा ह।"

10यिर्मयाह आपन गटइ पइ एक जुआ धरे रहा। तब हनन्याह नबी उ जुआ क यिर्मयाह क काँधन स उतार लिहस। हनन्याह उ जुआ क तोड़ डाएस। 11तब हनन्याह सबहिं लोगन क समन्वा बोला। उ कहेस, "यहोवा कहत ह, 'इहइ तरह मइँ बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर क जुआ क तोड़ देब। उ उ जुआ क दुनिया क सबहिं रास्ट्रन पइ धरेस ह। किन्तु मइँ उ जुआ क दुइ बरिस बीतइ स पहिले ही तोड़ देब।'"

हनन्याह क उ कहइ क बाद यिर्मयाह मन्दिर क तजिके चला गवा।

12तब यहोवा क सँदेसा यिर्मयाह क मिला। इ तब भवा जब हनन्याह यिर्मयाह क गटइ स जुआ क उतार लिहे रहा अउर ओका तोड़ डाए रहा। 13यहोवा यिर्मयाह स कहेस, "जा अउर हनन्याह स कहा, 'यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ: तू एक ठु काठे क जुआ तोड़्या ह। किन्तु मइँ काठ क जगह एक ठु लोहा क जुआ बनाउब।' 14इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, 'मइँ एन सबहिं रास्ट्रन क गटइ पइ लोहा क जुआ धरब। मइँ इ बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर क ओनसे सेवा कराबइ बरे करब अउर उ पचे ओकर दास होइहीं। मइँ नबूकदनेस्सर क जंगली जनावरन पइ भी सासन क अधिकार देब।'"

15तब यिर्मयाह नबी हनन्याह नबी स कहेस, "हनन्याह, सुना! यहोवा तोहका नाहीं पठएस। यहोवा तोहका नाहीं पठएस किन्तु तू यहूदा क लोगन क झूठ मँ बिस्सास कराया। 16एह बरे यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ, 'हनन्याह मइँ तोहका हाली ही इ संसार स उठाइ लेब। तू इस बरिस मरब्या। काहेकि तू लोगन क यहोवा क खिलाफ

जाइ क सिच्छा दिहा ह।'" 17हनन्याह उहइ बरिस क सतएँ
महीने मरि गवा।

बाबुल मँ यहूदी बन्दियन बरे एक पत्र

29 यिर्मयाह बाबुल मँ बन्दी यहूदियन क एक पत्र
पठएस। उ एका अग्रजन, याजकन, नबियन अउर
बाबुल मँ रहइवाले सबहिं बन्दी यहूदियन क पठएस। इ सबइ
उ पचे लोग रहेन जेनका नबूकदनेस्सर यरूसलेम मँ पकड़े
रहा अउर बाबुल लइ गवा। 2इ पत्र राजा यकोन्याह,
राजमाता, अधिकारी, यहूदा अउर यरूसलेम क प्रमुख, बढ़ई
अउर ठठेरन क यरूसलेम स लइ जावा जाइ क पाछे
पठवा गवा रहा। 3सिदकिय्याह एलासा अउर गमर्याह क राजा
नबूकदनेस्सर क लगे पठएस। सिदकिय्याह यहूदा क राजा
रहा। एलासा सापान क पूत रहा अउर गमर्याह हिल्किय्याह
क पूत रहा। यिर्मयाह उ पत्र क ओन लोगन क बाबुल लइ
जाइ बरे दिहस। पत्र मँ जउन लिखा रहा उ इ अहइ:

4इस्राएल क लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा
इ सबइ बातन ओन सबहिं लोगन स कहत ह जेनका
बन्दी क रूप मँ उ यरूसलेम स बाबुल पठए रहा:
5"घर बनावा अउर ओहमाँ रहा। उस देस मँ बस जा।
पौधन लगावा अउर आपन आइ भइ फसल स भोजन
पावा। 6बियाह करा अउ बेटा-बिटिया पइदा करा।
आपन पूतन बरे मेहररूअन हेरा अउर आपन बिटियन क
बियाह करा। इ एह बरे करा जेहसे ओनके भी लरकन
अउ लड़कियन होइँ बहोत स बच्चन पइदा करा अउर
बाबुल मँ आपन गिनती बढ़ावा। आपन गिनती जिन
घटावा। 7मइँ जउने नगर मँ तू पचन्क पठउँ ओकरे बरे
नीक काम करा। जउने नगर मँ तू पचे रहा ओकरे बरे
यहोवा स पराथना करा। काहेकि जदि उ नगर मँ सान्ति
रही तउ तू पचन्क भी सान्ति मिली।" 8इस्राएल क
लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह,
"आपन नबियन अउर जादूगरन क आपन क मूरख मत
बनावइ द्या। ओनकर ओन सपनन क बारे मँ न सुना
जेनका उ पचे लखत हीं। 9उ पचे झूठा उपदेस देत हीं
अउर उ पचे इ इ कहत हीं कि ओनकर सँदेसा मोरे
हिआँ स अहइ। किन्तु मइँ ओका नाहीं पठएउँ।" इ
सँदेसा यहोवा क अहइ।

10यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ: "बाबुल सत्तर
बरिस तलक सक्तीसाली रही। ओकरे पाछे बाबुल मँ
रहइवाले लोगो, मइँ तोहरे पचन्क लगे आउब। मइँ
तोहका पचन्क वापस यरूसलेम लिआवइ क सच्ची
प्रतिग्या पूरी करब। 11मइँ इ एह बरे कहत हउँ काहेकि
मइँ ओन आपन जोजनन क जानत हउँ जउन तोहरे
पचन बरे अहइँ।" मइँ तू पचन्क चोट पहोंचावइ क
जोजना नाहीं बनावत हउँ। मइँ तू पचन्क आसा अउर
उज्ज्वल भविस्स देइ क जोजना बनावत हउँ। 12तब तू
लोग मोर नाउँ लेब्या। तू लोग मोरे लगे अउब्या अउर
मोर पराथना करब्या अउर मइँ तोहार पचन्क बातन पइ
धियान देब। 13तू लोग मोर खोज करब्या अउर तू पचे
मोका पउब्या काहेकि तू इमानदरी स मोर खोज करब्या।
14मइँ आपन क तू पचन्क प्राप्त होइ देब।" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ। "मइँ तू पचन्क तोहरे सबन्क बन्दीखाने
स वापस लिआउब। मइँ तू पचन्क इ ठउर तजइ क
विवस किहस। किन्तु मइँ तू पचन्क ओन सबहिं रास्ट्रन
अउ ठउरन स एकट्ठा करब जहाँ मइँ तू पचन्क
पठएउँ ह।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। मइँ तू पचन्क
इ ठउरे पइ वापस लिआउब।"

15तू लोग इ कहि सकत ह, "किन्तु यहोवा हमका
हिआँ बाबुल मँ नबी दिहेस ह।" 16किन्तु यहोवा तोहरे
पचन्क ओन सबंधियन क बारे मँ जउन बाबुल नाहीं
लइ जावा गए इ कहत ह: मइँ उ राजा क बारे मँ बात
कहत हउँ जउन इ समइ दाऊद स राजसिंहासन पइ
बइठा अहइ अउर ओन सबहिं दूसर लोगन क बारे मँ
जउन अब भी यरूसलेम नगर मँ रहत हीं। 17सर्वसक्तीमान
यहोवा कहत ह, "मइँ हाली ही तरवार, भूख अउर
भयंकर बीमारी ओन लोगन क खिलाफ पठउब जउन
अब भी यरूसलेम मँ अहइँ अउर मइँ ओनका उ सबइ
ही सड़े गले अंजीर बनाउब जउन खाइ जोग्ग नाहीं।
18मइँ ओन लोगन क पाछा जउन अभी भी यरूसलेम
मँ अहइँ, तरवार, भूख अउर भयंकर बीमारी स करब
अउर मइँ एका अइसा कइ देब कि पृथ्वी क सबहिं
राज्ज इ लखिके डेराब कि एन लोगन क संग का घटित
होइ ग अहइ। उ सबइ लोग बर्बाद कइ दीन्ह गएन।
लोग जब ओन घटित घटनन क सुनिहीं तउ अचरज स
सिसकारी भरिहीं अउर जब लोग कउनो लोगन बरे
अभिसाप करिहीं तउ उ पचे एका उदारहण रूप मँ
उपयोग करिहीं। मइँ ओन लोगन क जहाँ कहूँ जाइ क
बिबस करब, लोग हुआँ ओनकर अपमान करिहीं।
19मइँ ओन सबहिं घटनन क घटित कराउब काहेकि
यरूसलेम क ओन लोग मोरे सँदेसा क अनसुना किहन
ह।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "मइँ आपन सँदेसा
ओनके लगे बार-बार पठएउँ। मइँ आपन सेवक नबियन
क ओन लोगन क आपन सँदेसा देइ क पठएउँ। किन्तु
लोग ओनका अनसुना किहन।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ। 20"तू लोग बन्दी ह्वा। मइँ तू पचन्क यरूसलेम
तजइ अउर बाबुल जाइ क मजबूर किहेउँ। एह बरे
यहोवा सँदेसा सुना।"

21सर्वसक्तीमान यहोवा कोलायाह क पूत अहाब अउर
मासेयाह क पूत सिदकिय्याह क बारे मँ इ कहत ह: "इ
दुइनउँ मनई तू पचन्क लबार उपदेस देत अहइँ। उ पचे
कहेन ह कि ओनकर सँदेसा मोरे हिआँ स अहइ। किन्तु
उ पचे झूठ बोलत रहेन। ओन दुइनउँ नबियन क बाबुल
क राजा नबूकदनेस्सर क दइ देब अउर नबूकदनेस्सर
बाबुल मँ बन्दी तू सबहिं लोगन क समन्वा ओन नबियन
क मार डाइ। 22सबहिं यहूदी बन्दी ओन लोगन क
उपयोग उदाहरण बरे तब करिहीं जब उ पचे दूसर
लोगन क बुरा होइ क माँग करिहीं। उ सबइ बन्दी
कहिहीं, 'यहोवा तोहरे पचन्क संग सिदकिय्याह अउर
अहाव क नाईं बेउहार करइ। बाबुल क राजा ओन
दुइनउँ क आगी मँ बार दिहेस।' 23ओन दुइनउँ नबियन

इस्राएल क लोगन क संग घृणित कर्म किहे रहेन। उ
पचे आपन पड़ोसी क मेहरारू क घिनौना करम किहे
रहेन। उ पचे झूठ भी बोलेन ह अउर कहेन ह कि उ
सबइ झूठ यहोवा क हिआँ स अहइ। मइँ ओनसे उ
सब करइ क नाहीं कहेउँ। मइँ जानत हउँ कि उ पचे
का किहेन ह? मइँ साच्छी हउँ।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ।

समायाह क परमेस्सर क सँदेसा

24समायाह क भी एक सँदेसा द्या। समायाह नेहलामी
परिवार स अहइ। 25इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान
यहोवा कहत ह, "समायाह, तू यरूसलेम क सबहिं लोगन
क पत्र पठएस अउर तू यासेयाह क पूत याजक सपन्याह क
पत्र पठया। तू सबहिं याजकन क पत्र पठया। तू ओन पत्रन
क आपन नाउँ स पठया अउर यहोवा क सत्ता क नाउँ पइ
नाहीं। 26समायाह, तू आपन सपन्याह क आपन पत्र मँ जउन
लिखे रह्या उ इ अहइः 'सपन्याह यहोवा यहोयादा क ठउरे
पइ तोहका याजक बनाएस ह। तू यहोवा क मन्दिर क
अधिकारी अहा। तोहका उ कउनो क कैद कइ लेइ चाही
जउन पागल क तरह काम करत ह अउर नबी क तरह
बेउहार करत ह। तोहका उ मनई क गोड़न क लकड़ी क
बड़े टूकन क बीच रखइ चाही अउर ओकरे गले मँ
लौह-कटक पहिरइ चाही। 27अब यिर्मयाह नबी क तरह
काम करत ह। एह बरे तू ओका बन्दी काहे नाही बनाया?
28यिर्मयाह हम लोगन क इ सँदेसा बाबुल मँ दिहे रहाः
"बाबुल मँ रहइवाले लोगो, तू हुआँ लम्बे समइ तलक
रहब्या। एह बरे आपन मकान बनावा अउर हुवँइ जाइ बसा।
बाग लगावा अउर उ खा, जउन उपजावा।"'

29याजक सपन्याह यिर्मयाह नबी क पत्र सुनाएस। 30तब
यिर्मयाह क लगे यहोवा क सँदेसा आवा। 31"यिर्मयाह,
बाबुल क सबहिं बन्दियन क इ सँदेसा पठवाः 'नेहलामी
परिवार क समायाह क बारे मँ जउन यहोवा कहत ह, उ इ
अहइः समायाह तोहरे समन्वा भविस्सवाणी किहस, किन्तु
मइँ ओका नाहीं पठएउँ। समायाह तोहका झूठ मँ बिस्सास
कराएस ह। समायाह इ किहेस ह। 32एह बरे यहोवा जउन
कहत ह उ इ अहइः नेहलामी परिवार क समायाह क मइँ
हाली सजा देब। मइँ ओकरे परिवार क पूरी तरह नस्ट करब
अउर मइँ आपन लोगन बरे जउन नीक करब ओहमाँ
ओकर कउनो हीसा नाहीं होइ।"' इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
"'मइँ समायाह क सजा देब काहेकि उ लोगन क यहोवा क
बिरुद्ध जाइ क सिच्छा दिहेस ह।"'

आसा क प्रतिग्यन

30 इ सँदेसा यहोवा क अहइ जउन यिर्मयाह क
मिलइ। 2इस्राएल क लोगन क परमेस्सर यहोवा इ
कहेस, "यिर्मयाह, मइँ जउन सँदेसा दिहेउँ ह, ओनका एक
ठु किताबे मँ लिख डा़वा। इ किताबे क अपने बरे लिखा।"
3इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "इ करा, काहेकि उ सबइ दिन
अइहीं जब मइँ आपन लोगन इस्राएल अउर यहूदा क देस
निकाराइ स वापस लिआउब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
"मइँ ओन लोगन क उ देस मँ वापस लि आउब जेका मइँ
ओनके पुरखन क दिहे रहेउँ। तब मोर लोग उ देस क फुन
अपना बनइहीं।"

4यहोवा इ सँदेसा इस्राएल अउर यहूदा क लोगन क बारे
मँ दिहस

5यहोवा जउन कहेस, उ इ अहइः "हम भय स रोवत
लोगन क रोउब सुनित ह। लोग डेरान अहइँ। कहूँ सान्ति
नाहीं।

6इ सवाल पूछा एह पइ विचार कराः का कउनो पुरूख
बच्चा क जन्म दइ सकत ह? निहचय ही नाहीं। तब मइँ हर
एक सक्तीसाली मनई क पेट धरे काहे लखत हउँ माना उ
पचे पइदा करइवाली मेहरारू क पीरा सहत होइँ? काहे हर
एक मनई क मुँह ल्हास सा सफेद होत अहइ? काहेकि
लोग बहोत भयभीत अहइँ?

7इ याकूब बरे बहोत महत्वपूर्ण समइ अहइ। इ बड़की
बिपत्ति क समइ अहइ। इ तरह क समइ फुन कबहुँ नाहीं
आइ। किन्तु याकुब बच पाइ।"

8इ सँदेसा यहोवा क अहइः "उ समइ, मइँ इस्राएल
अउर यहूदा क लोगन क गटइ स जुआ क तोड़ डाउब
अउर तोहका जकड़इवाली रस्सियन क मइँ तोड़ देब। विदेसन
क लोग मोरे लोगन क फुन कबहुँ दास होइ बरे बिवस
नाहीं करिहीं। 9इस्राएल अउर यहूदा क लोग दूसर देसन क
भी सेवा नाहीं करिहीं। नाहीं, उ पचे तउ आपन परमेस्सर
यहोवा क सेवा करिहीं अउर उ पचे आपन राजा दाऊद क
सेवा करिहीं। मइँ उ राजा क ओनके लगे पठउब।

10"एह बरे मोर सेवक याकूब डेराअ नाहीं।" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ। "इस्राएल, डेराअ नाहीं। मइँ उ बहोत दूर
क ठउरे स तोहका बचाउब। तू उ बहोत दूर क देस मँ
बन्दी अहा, किन्तु मइँ तोहरी सन्तानन क उ देस स बचाउब।
याकूब फुन सान्ति पाइ। याकूब क लोग तंग नाहीं करिहीं।
मोरे लोगन क भयभीत करइवाला कउनो दुस्मन नाहीं होइ।

11इस्राएल अउर यहूदा क लोगो, मइँ तोहरे संग हउँ।"
यहोवा कहत ह, "अउर मइँ तोहका बचाउब। मइँ तोहका
ओन रास्ट्रन मँ पठएउँ। किन्तु मइँ ओन सबहिं रास्ट्रन क
पूरी तरह नस्ट करब। किन्तु मइँ तोहका नस्ट नाहीं करब।
किन्तु मइँ तोहका निआवपूर्ण अनुसासित करब ओन बुरे
कामन क सजा जरूर मिली जेनका तू किहा।"

12यहोवा कहत ह, "इस्राएल अउर यहूदा क तू लोगन
क एक घाव अहइ जउन नीक नाहीं कीन्ह जाइ सकत।
तोहका एक चोट अहइ जउन नीक नाहीं होइ सकत।
13तोहरे घावत क ठीक करइवाला कउनो मनई नाहीं अहइ।
एह बरे तू तन्दुरूस्त नाहीं होइ सकत्या।

14तू अनेक रास्ट्रन क मीत बना अहा, किन्तु उ पचे
रास्ट्र तोहार परवाह नाहीं करतेन। तोहार मीत तोहका बिसरि
गवा अहइँ। मइँ तोहका दुस्मन जइसी चोट पहोंचाएउँ। मइँ
तोहका कठोर सजा दिहेउँ। मइँ इ तोहरे बड़के अपराध बरे
किहेउँ।

15इस्राएल अउर यहूदा तू आपन घाव क बरे मँ काहे
चिल्लात अहा? तोहार घाव कस्ट देइवाला अहइ अउर एकर
कउनो उपचार नाहीं अहइ। मइँ, यहोवा तोहार बड़के

अपराधन क कारण तोहका इ सबइ किहेउँ। मइँ इ सबइ कछू तोहार अनेक पापन क कारण किहेउँ।

16ओन रास्ट्र तोहका नस्ट किहन। किन्तु अब उ सबइ नस्ट कीन्ह जइहीं। इस्राएल अउर यहूदा तोहार सत्रु बन्दी होइहीं। ओन लोग तोहार चिजियन चोराएन। किन्तु दूसर लोग ओनकर चिजियन चुराइहीं। ओन लोग तोहार चिजियन जुद्ध मँ लिहेन। किन्तु दूसर लोग ओनसे चिजियन जुद्ध मँ लेइहीं।

17मइँ तोहरी तन्दुरूस्ती क लउटाउब अउर मइँ तोहरे घावन क भरब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "काहेकि दूसर लोग कहेन कि तू जाति-बहिस्क्रत अहा। ओन लोग कहेन, 'कउनो भी सिय्योन क परवाह नाहीं करत।'"

18यहोवा कहत ह: "याकूब क लोग अब बन्दी अहइँ। किन्तु उ पचे वापस अइहीं। अउर मइँ याकूब क परिवारन पइ दाया करब। सहर अब बर्बाद इमारतन स ढका एक पहाड़ी सिरिफ अहइ। किन्तु इ नगर फुन बनी अउर राजा क महल भी हुआँ फुन बनी जहाँ एका होइ चाही।

19ओन ठउरन पइ लोग स्तुतिगान करिहीं। हुआँ हँसी ठठा भी सुनाइ पड़ी। मइँ ओनका बहोत सी सन्तानन देब। इस्राएल अउ यहूदा नान्ह नाहीं रहिहीं। मइँ ओनका सम्मान देब। कउनो मनई ओनकर अनादर नाहीं करी।

20याकूब क परिवार प्राचीनकाल क परिवारन सा होइ। मइँ इस्राएल अउर यहूदा क लोगन क सक्तीसाली बनाउब अउर मइँ ओन लोगन क सजा देब जउन ओन पइ चोट करिहीं।

21ओनहीं मँ स एक ओनकर अगुवा होइ। उ सासक मोरे लोगन मँ स होइ। उ मोरे निचके तबइ आइ जब मइँ ओनसे अइसा करइ क कहब। एह बरे मइँ अगुवा क आपन लगे बोलाउब अउर उ मोरे निअरे होइ।

22तू पचे मोर लोग होब्या अउर मइँ तोहार पचन्क परमेस्सर होब।"

23"यहोवा बहोत कोहान रहा। उ लोगन क सजा दिहस अउर सजा प्रचण्ड आँधी क तरह आइ। सजा एक चक्रवात सा, दुट्ठ लोगन क खिलाफ आइ।

24यहोवा तब तलक कोहान रही जब तलक उ पचे लोगन क सजा देब पूरा नाहीं करत उ तब तलक कोहान रही जब तलक उ आपन जोजना क अनुसार सजा नाहीं दइ लेत। जब उ दिन आइ तउ यहूदा क लोगो, तू पचे समुझ जाब्या।

नवा इस्राएल

31 यहोवा इ सबइ कहेस: "उ समइ मइँ इस्राएल क पूरे परिवार समूहन क परमेस्सर होब अउर उ पचे मोर लोग होइहीं।"

2यहोवा कहत ह, "जउन लोग दुस्मन क तरवार स बच गएन, उ सबइ लोगन क रेगिस्ताने मँ आराम मिला। इस्राएल आराम क खोज मँ रहा।"

3बहोत दूर स यहोवा आपन लोगन क समन्वा परगट भवा। यहोवा कहत ह, लोगो, "मइँ तोहसे पिरेम करत हउँ अउर मोर पिरेम सदैव रही। मइँ सदैव तोहरे बरे सच्चा रहब।

4मोर दुलहिन, इस्राएल मइँ तोहका फुन बनाउब्या। तू फुन लोगन स भरा सुन्नर देस बनबिउ। तू आपन तम्बूरा फुन सँभलबिउ। तू बिनोद करइवाले दूसर सबहिं लोगन क संग नचबिउ।

5इस्राएल क किसानो, तू अंगूरे क बगिया फुन लगउब्या। तू सोमरोन सहर क चारिहुँ कइँती ओन पहाड़ी पइ ओन अंगूरन क बाग लगउब्या अउर किसान लोग ओन अंगूरन क बागन क फलन क आनन्द लेइहीं।

6उ समइ आइ जब एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस क चौकीदार इ सँदेसा घोसित करी: 'आवा, हम आपन परमेस्सर यहोवा क उपासना करइ सिय्योन चली।' एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस क चौकीदार भी अहइ सँदेसा क घोसणा करिहीं।"

7यहोवा कहत ह, "खुस ह्वा अउर याकूब बरे गावा। सर्वस्रेस्ठ रास्ट्र इस्राएल क बरे उद्घोस करा। आपन स्तुतियाँ करा। इ उद्घोस करा, 'यहोवा आपन लोगन क रच्छा किहस ह। उ इस्राएल रास्ट्र क जिअत बचे भए लोगन क रच्छा किहस ह।'

8मइँ उत्तर क प्रदेस स इस्राएल क लिआउब। मइँ पृथ्वी क बहोत दूर ठउरन स इस्राएल क लोगन क बटोरब। ओन मनइयन मँ स कछू आँधर अउर लँगड़ा अहइँ। कछू मेहररूअन गर्भवती अहइँ अउ बच्चन क जन्म देइहीं। असंख्य लोग वापस अइहीं।

9लउटत समइ उ सबइ लोग रोवत रहा होइहीं। किन्तु मइँ ओनकर अगुवाई करब अउर ओनका आराम देब। मइँ ओन लोगन क पानी क नालन क संग लिआउब। मइँ ओनका बढ़िया रास्तन स लिआउब जेहसे उ पचे ठोकर खाइके न गिरइँ। मइँ ओनका इ तरह लिआउब काहेकि मइँ इस्राएल क बाप हउँ अउर एप्रैम मोर पहिलौटी क बेटा अहइ।

10"रास्ट्रन, यहोवा क इ सँदेसा सुना। सागर क किनारे क दूर देसन क इ सँदेसा द्या कहा: 'जउन इस्राएल क लोगन क बिखेरेस, उहइ ओनका एक संग वापस लिआइ अउर उ गड़रिया क तरह आपन झुंड (लोग) क देखरेख करी।"

11यहोवा याकूब क वापस लिआइ यहोवा आपन लोगन क रच्छा ओन लोगन स करी जउन ओनसे जियादा बलवान अहइँ।

12इस्राएल क लोग सिय्योन क ऊँचाइयन अइहीं, अउर उ पचे आनन्द घोस करिहीं। ओनकर मुँह यहोवा क जरिये दीन्ह गइ नीक चिजियन क कारण खुसी स झूमि उठी। यहोवा ओनका अन्न, नई दाखरस, तेल, नई भेड़िन अउ गइयन देइ। उ पचे उ बगीचे क तरह होइहीं जेहमाँ प्रचुर जल होइ अउर इस्राएल क लोग भविस्स मँ तंग नाहीं कीन्ह जाइँ।

13तब इस्राएल क जुवतियन खुस होइहीं अउर नचिहीं। जुवा, बुढ़वा मनई भी उ नाच मँ भाग लेइहीं। मइँ ओनके दु:ख क सुख मँ बदल देब। मइँ इस्राएल क लोगन क आराम देब। मइँ ओनकर उदासी क खुसी मँ बदल देब।

14याजकन बरे जरूरत स जियादा बलि भेंट दीन्ह जाइ अउर मोर लोग एहसे भरे पूरे अउर संतुट्ठ होइहीं जउन अच्छी चिजियन मइँ ओनका देब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

15यहोवा कहत ह, "रामा मँ एक चिल्लाहट सुनाई पड़ी।
इ कटु चिल्लाहट अउर जियादा उदासी भरी भवी अही।
राहेल आपन बच्चन बरे जोर-जोर स रोवत भवा ह। सान्त्वना
पावइ स इन्कार करी, काहेकि ओकर बच्चन मर गएन ह।"
16किन्तु यहोवा कहत ह: "रोउब बन्द करा, आपन
आँखिन आँसू स न भरा। तोहका आपन कामे क पुरस्कार
मिली।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "इस्राएल क लोग
आपन सत्रु क देस स वापस अइहीं।
17एह बरे इस्राएल, तोहरे बरे आसा अहइ।" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ। "तोहर बच्चन आपन देस मँ वापस
लौटिहीं।
18मइँ एप्रैम क रोवत सुनेउँ ह। मइँ एप्रैम क इ कहत
सुनेउँ ह: 'हे यहोवा, तू फुरइ ही, मोका सजा दिहा ह अउर
मइँ आपन पाठ सीख लिहेउँ ह। मइँ उ बछवा क तरह
रहेउँ जेका कबहुँ प्रसिच्छन नहीं मिला मेहरबानी कइके
मोका सजा देब बन्द करा, मइँ तोहरे लगे वापस आउब। तू
फुरइ ही मोर परमेस्सर यहोवा अहा।
19हे यहोवा, मइँ तोहका भटक गवा रहा। किन्तु मइँ
जउन बुरा किहेउँ ओहसे सिच्छा ल्या। एह बरे मइँ आपन
हिरदय अउर जीवन क बदल डाएउँ। जउन मइँ जवानी क
उमिर मँ मूरखता स भरे काम किहेउँ ओकरे बरे मइँ परेसान
अउर लज्जित हउँ।'"

20परमेस्सर कहत ह: "तू जानत अहा कि एप्रैम मोर
पियारा पूत अहइ। मइँ उ बचवा स पियार करत हउँ। हाँ,
मइँ अक्सर एप्रैम क खिलाफ बोलत हउँ, किन्तु फुन भी
मइँ ओका याद राखत हउँ। मइँ ओहसे बहोत पियार करत
हउँ। मइँ फुरइ ही, ओका आराम पहोंचावइ चाहत हउँ।" इ
सँदेसा यहोवा क अहइ।
21"इस्राएल क लोगो, सड़कन क संकेतन क लगावा।
ओन संकेतन क लगावा जउन तोहका घरे क मारग
बतावइँ। सड़किया क धियान स लखा। उ सड़किया पइ
धियान राखा जेहसे तू जात्रा करत अहा। मोर दुलहिन
इस्राएल घर लउटा, आपन नगरन क लउटि आवा।
22अबिस्सासी बिटिया कब तलक तू चारिहुँ कइँती मँडरात
रहबिउ? तू कब घरे अउबिउ?" यहोवा एक नबी चीज धरती
पइ बनावत ह, एक ठु मेहरारू, मनई क चारिहुँ कइँती।
23इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह:
"मइँ यहूदा क लोगन बरे जउन बन्दी बनाए गए रहेन, फुन
अच्छा काम करब। उ समइ यहूदा देस अउर ओकरे नगरन
क लोग एन सब्दन क उपयोग फुन करिहीं। 'ऐ जहाँ पइ
सच्चा निवास अहइ, ए पवित्तर पर्वत यहोवा तोहका आसीर्वाद
देइ।'
24"यहूदा क सबहिं नगरन मँ लोग एक साथ सान्तिपूर्वक
रहिहीं। किसान अउर उ मनई जउन आपन भेड़िन क
खरकन क संग चारिहुँ कइँती घूमत हीं, यहूदा मँ सान्ति स
एक संग रहिहीं। 25मइँ ओन लोगन क आराम अउर सक्ती
देब जउन थके अउर कमजोर अहइँ।"
26इ सुनइ क पाछे मइँ जगेउँ अउर आपन चारिहुँ ओर
लखेउँ। उ बड़की आनन्द दायी नींद रही।
27"उ सबइ दिन आवत अहइँ जब मइँ यहूदा अउर
इस्राएल क परिवारन क बढ़ाउब।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ। "मइँ ओनकर बच्चन अउर जानवरन क बढ़इ मँ भी
मदद करब। इ पौधा क रोवइ अउर देखरेख करइ जइसा
होइ। 28पुराने जमाने मँ मइँ इस्राएल अउर यहूदा पइ धियान
दिहेउँ, किन्तु मइँ उ समइ ओनका फटकारइ क निगाह स
धियान दिहेउँ। मइँ ओनका उखाड़ फेंकेउँ। मइँ ओनका नस्ट
किहेउँ। मइँ ओन पइ अनेक विपत्तियन ढाएउँ। किन्तु अब
मइँ ओन पइ ओनका बनावइ अउ ओनका सक्तीसाली करइ
क दृस्टि स धियान देब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।"
29"उ समइ लोग इ कहावत क कहब बन्द कइ देइहीं:

पुरखन खट्टे अंगूर खाएन अउर बच्चन एकर कारण
विपत्तियन झेलेन।"

30मुला हर मनई आपन पाप बरे मरी। जउन मनई खट्टे
अंगूर खाई उहइ एकर कारण विपत्तियन झेलिही।"

नवी करार

31यहोवा इ सब कहेस, "उ समइ आवत अहइ जब मइँ
इस्राएल क परिवार अउ यहूदा क परिवार क संग नवी
करार करब। 32इ उ करार क तरह नाहीं होइ जेका मइँ
ओनके पुरखन क संग किहे रहेउँ। मइँ उ करार तब किहेउँ
जब मइँ ओनकर हथवा धरेउँ अउर ओनका मिस्र स बाहेर
लिआएउँ। मइँ ओनकर सुआमी रहेउँ अउर उ पचे करार
तोड़ेन।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
33"भविस्स मँ इ करार मइँ इस्राएल क लोगन क संग
करब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "मइँ आपन सिच्छन क
ओनके दिमाग मँ रखब अउर ओनकर हिरदइ पइ लिखब।
मइँ ओनकर परमेस्सर होब अउर उ पचे मोर लोग होइहीं।
34लोगन क यहोवा क जानइ क बरे आपन पड़ोंसियन अउ
रिस्तेदारन क, सिच्छा देइ नाहीं पड़ी। काहेकि सबस बड़के स
लइके सबस छोटे तलक सबहिं मोका जनिहीं।" इ सँदेसा
यहोवा क अहइ। "जउन बुरा काम उ पचे कइ दिहन ओका
मइँ छिमा करब। मइँ ओनकर पापन क याद नाहीं राखब।"

यहोवा इस्राएल क कबहुँ नाहीं तजी

35यहोवा इ कहत ह: "यहोवा सूरज क दिन मँ चमकावत
ह अउर यहोवा चाँद अउ तारन क राति मँ चमकावत ह।
यहोवा सगरे क चंचल करत ह जेहसे ओकर लहरन किनारे
स टकरात हीं। ओकर नाउँ सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ।"
36यहोवा इ करार करत ह, "जइसा मइँ सूरज, चाँद,
तारन अउर समद्दर पइ नियन्तत्रन रखत हउँ, वइसा ही मइँ
इस्राएल क सन्तानन क ख्याल रखब।"
37यहोवा कहत ह: "मइँ इस्राएल क सन्तान क कबहुँ
तियाग नाहीं करब। इ तबहिं संभव अहइ जदि लोग ऊपर
आसमान क नापइ लागइँ अउर खाले धरती क समूचइ
रहस्यन क जान जाइँ। जदि लोग उ सबइ कइ सकिहीं
तबहिं मइँ इस्राएल क संतानन क तजि देब। तब मइँ
ओनका, जउन कछू उ पचे किहन, ओकरे बरे तजब।" इ
सँदेसा यहोवा क अहइ।

नवा यरूसलेम

38इ सँदेसा यहोवा क अहइ: "उ सबइ दिन आवत अहइँ जब यरूसलेम नगर यहोवा बरे फुन बनी। पूरा नगर हननेल क खमम्भा स कोनेवाले फाटक तलक फुन बनी। 39नाप क जंजीर कोनेवाले फाटक स सोझइ गारेब क पहाड़ी तलक बिछी अउर तब गोआ नाउँ क ठउरे तलक फइली। 40पूरी घाटी जहाँ ल्हास अउर राखी बहाइ जात ह। यहोवा बरे पवित्तर होइ अउर ओनमाँ किद्रोन घाटी तलक क सबहिं टीलन पूरब मँ घोड़ा-दुआर क कोने तलक सामिल होइहीं। सारा छेत्र यहोवा बरे पवित्तर होइ। यरूसेलम क नगर भविस्स मँ न ध्वस्त होइ, न ही बर्बाद कीन्ह जाइ।"

यिर्मयाह एक ठु खेत खरीदत ह

32 सिदकिय्याह क यहूदा राज्ज मँ राज्जकाल क दसएँ बरिस, यिर्मयाह क यहोवा क इ सँदेसा मिला। सिदकिय्याह क दसवाँ बरिस नबूकदनेस्सर क अठारहवाँ बरिस रहा। 2उ समइ बाबुल क राजा स सेना यरूसलेम नगर क घेरे भए रही अउर यिर्मयाह रच्छक आँगन मँ बन्दी रहा। इ आँगन यहूदा राजा क महल मँ रहा। 3(यहूदा क राजा सिदकिय्याह उ ठउरे पइ यिर्मयाह क बन्दी बनाइ राखे रहा। सिदकिय्याह यिर्मयाह क भविस्सबाणियन क पसन्द नाहीं करत रहा। यिर्मयाह कहेस, "यहोवा इ कहत ह: 'मइँ यरूसलेम क हाली ही बाबुल क राजा क दइ देब। नबूकदनेस्सर इ सहर पइ अधिकार कइ लेइ। 4यहूदा क राजा सिदकिय्याह कसदियन क फउज स बचिके निकर नाहीं पाइ। किन्तु उ निहचइ ही बाबुल क राजा क दीन्ह जाइ अउर सिदकिय्याह बाबुल क राजा स आमने-सामने बातन करी। सिदकिय्याह ओका आपन आँखिन स लखी। 5बाबुल क राजा सिदकिय्याह क बाबुल लइ जाइ। सिदकिय्याह तब तलक हुआँ ठहरी जब तलक मइँ ओका सजा नाहीं दइ देत।' इ सँदेसा यहोवा क अहइ। 'जदि तू पचे कसदियन क फउज स लड़ब्या, तू पचन्क कामयाबी नाहीं मिली।'")

6जउने समइ यिर्मयाह बन्दी रहा, उ कहेस, "यहोवा क सँदेसा मोका मिला। उ सँदेसा इ रहा: 7यिर्मयाह, तोहार चचेरा भाइ हननेल हाली ही तोहरे लगे आइ। उ तोहार चाचा सल्लूम क पूत अहइ। हननेल तोहसे इ कही, 'यिर्मयाह, अनातोत नगर क लगे मोर खेत बेसहि ल्या। एका बेसहि ल्या काहेकि तू मोर सबसे निचके क रिस्तेदार अहा। उ खेते क खरीदब तोहार अधिकार अउर तोहार जिम्मेदारी अहइ।'

8"तब इ वइसा भवा जइसा यहोवा कहे रहा। मोर चचेरा भाई रच्छक आँगन मँ मोरे लगे आवा। हननेल मोहसे कहेस, 'बिन्यामीन परिवार समूह क पहँटा मँ अनातोत नगर क लगे मोर खेत बेसहि ल्या। उ भुइँया क तू अपने बरे बेसहा काहेकि इ तोहार अधिकार अहइ अउर जिम्मेदारी अहइ कि तू एका आपन बरे बेसहा।'

"एह बरे मोका मालूम भवा कि इ यहोवा क सँदेसा अहइ। 9मइँ आपन चचेरा भाई हननेल स अनातोत मँ भुइँया बेसहि लीन्ह। मइँ ओकरे बरे सत्रह सेकेल चाँदी तउली। 10मइँ पट्टे पइ हस्ताक्षर किहेउँ अउर मोका पट्टा क एक प्रति मुहरबन्द मिली अउर जउन मइँ किहे रहेउँ ओकर साच्छी क रूप मँ स कछू लोगन क बोलाइ लिहेउँ अउर मइँ तराजू पइ चाँदी तउली। 11तब मइँ पट्टे क मुहरबन्द प्रति अउ मुहर रहित प्रति पाएउँ। 12अउर मइँ ओका बारूक क दिहेउँ। बारूक नोरिय्याह क पूत रहा। नोरिय्याह महसेयाह क पूत रहा। मुहरबन्द पट्टा मँ मोर बेसहइ क सबहिं सर्तन अउर सीमा रहीं। मइँ आपन चचेरा भाई हननेल अउर दूसर गवाहन क समन्वा उ पट्टा बारूक क दिहेउँ। ओन गवाहन भी उ पट्टे पइ हस्ताक्षर किहेन। उ समइ यहूदा क बहोत स मनई आँगन मँ बइठा रहेन जउन मोका बारूक क पट्टा देत लखेन।

13"सबहिं लोगन क साच्छी कइके मइँ बारूक स कहेउँ, 14इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह, 'मुहरबन्द अउर मुहर रहित दुइनउँ पट्टन क प्रतियन क ल्या अउर एका माटी क घड़े मँ धइ द्या। इ करा एह बरे काम बहोत अधिक समइ तलक रहइ।' 15इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "भविस्स मँ मोर लोग एक दाईं फुन घर, खेत अउ अंगूरे क बगिया इस्राएल देस मँ बेसहीं।'"

16"नेरिय्याह क पूत बारूक क पट्टा देइ क पाछे मइँ यहोवा स पराथना किहेउँ। मइँ कहेउँ:

17"परमेस्सर यहोवा, तू पृथ्वी अउ आकास बनाया। तू ओनका आपन महान सक्ती स बनाया। तोहरे बरे कछू भी करब बहोत कठिन नाहीं अहइ। 18यहोवा, तू हजारन मनइयन क बिस्सास पात्र अउर ओन पइ दयालु अहा। किन्तु तू मनइयन क ओनके पुरखन क पापन बरे सजा देत अहा। महान अउर सक्तीसाली परमेस्सर, तोहार नाउँ सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ। 19हे यहोवा, तू महान कारजन क जोजना बनावत अउर ओनका करत ह। तू उ सब लखत ह जेनका लोग करत हीं अउर ओनका पुरस्कार देत ह जउन अच्छे काम करत हीं तथा ओनका सजा देत ह जउन बुरे काम करत हीं, तू ओनका उ देत ह जेनकर उ पचे पात्र अहइँ। 20हे यहोवा, तू मिस्र देस मँ अत्यन्त प्रभावसाली चमत्कार किहा। तू आजु तलक भी प्रभावसाली चकत्कार किहा ह। तू इ सबइ चमत्कार इस्राएल मँ देखाया अउर तू एनका हुवाँ भी देखाया जहाँ कहूँ मनई रहत हीं। तू एन चमत्कारन बरे प्रसिद्ध अहा। 21हे यहोवा, तू प्रभावसाली चमत्कारन स आपन लोग क मिस्र स बाहेर लइ आएन। तू आपन चमत्कारन स आपन ताकत अउर अद्भुत सक्ती दिखाइ।

22"हे यहोवा, तू इ धरती इस्राएल क लोगन क दिहा। इ उहइ धरती अहइ जेका तू ओनके पुरखन क देइ क बचन बहोत पहिले दिहे रह्या। इ अइसा धरती अहइ जहाँ दूध अउर सहद क नदी बहत हीं। 23इस्राएल क लोग इ धरती मँ आएन अउर उ पचे एका आपन बनाइ लिहन। मुला ओन लोग तोहार आग्या नाहीं मानेन। उ पचे तोहरे उपदेसन क अनुसार चलेन। उ पचे उ नाहीं किहेन जेकरे बरे तू आदेस दिहा। एह बरे तू इस्राएल क लोगन पइ उ सबइ भयंकर विपत्तियन ढाया।

24"अब दुस्मन नगर पइ घेरा डाएस ह। उ सबइ ढाल
बनावत अहइँ ताकि उ पचे यरूसलेम क चहारदीवारी
पइ चढ़ सकइँ। आपन तरवारन क उपयोग कइके तथा
भूख अउ भयंकर बीमारी क कारण बाबुल क सेना
यरूसलेम नगर क हराइ। बाबुल क फउज अब नगर
पइ हमला करति अहइ। यहोवा तू कहे रह्या कि इ
होइ, अउर अब तू लखत अहा कि इ घटित होत
अहइ।
25"मोर सुआमी यहोवा, उ सब सबहिं बुरी घटनन
घटित होत अहइँ। किन्तु अब तू मोहसे कहत अहा,
'यिर्मयाह, चाँदी स खेत बेसहा अउ बेसहइ क साच्छी
बरे कछू लोगन क चुना।' तू इ उ समइ कहत अहा
जब बाबुल क सेना नगर पइ अधिकार करइ क तइयार
अहइ। मइँ आपन धन क उ तरह बर्बाद काहे करउँ?"
26तब यहोवा क सँदेसा यिर्मयाह क मिला: 27"यिर्मयाह,
मइँ यहोवा हउँ। मइँ पृथ्वी क हर एक मनई क परमेस्सर
हउँ। यिर्मयाह, तू जानत अहा कि मोरे बरे कछू असंभव
नाहीं अहइ।" 28यहोवा इ भी कहेस, "मइँ हाली ही
यरूसलेम नगर क बाबुल क सेना अउ बाबुल क राजा
नबूकदनेस्सर क दइ देब। उ सेना नगर पइ अधिकार कइ
लेइ। 29बाबुल क सेना पहिले स ही यरूसलेम नगर पइ
हमला करत अहइ। उ पचे हाली ही नगर मँ प्रवेस करिहीं
अउर आगी लगाइ देइहीं। उ पचे इ नगर क बारिके राखी
कइ देइहीं। इ नगर मँ अइसे मकान अहइँ जेनमाँ यरूसलेम
क लोग लबार देवता बाल क छतन पइ बलि भेंट दइके
मोका क्रोधित किहन ह अउ लोग दूसर देवमूरतियन क
दाखरस भेंट चढ़ाएन। बाबुल क सेना ओन मकानन क बारि
देइ। 30मइँ इस्राएल अउ यहूदा क लोगन पइ नगर रखेउँ
ह। उ पचे जउन कछू करत हीं; बुरा अहइ। उ पचे तब स
बुरा करत अहइँ जब स उ पचे नउ जवान रहेन। इस्राएल
क लोग मोका क्रोधित किहेन। उ पचे मोका क्रोधित किहेन
काहेकि ओन मूरतियन क पूजा किहन जेनका उ पचे आपन
हाथन स बनाएन।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। 31"जब स
यरूसलेम सहर बसा तब स अब तक इ नगर क लोग
मोका क्रोधित किहेन ह कि मोका एका आपन नजर क
समन्वा स दूर कइ देइ चाही। 32यहूदा अउर इस्राएल क
लोग जउन बुरा काम किहन ह, ओकरे बरे, मइँ यरूसलेम
क नस्ट करब। जन साधारण ओनकर राजा, प्रमुख, ओनकर
याजक अउ नबी यहूदा क मनई अउ यरूसलेम क लोग,
सबहिं मोका क्रोधित किहेन ह।
33"ओन लोगन क मदद बरे मोरे लगे आवइ चाही रहा।
लेकिन उ पचे मोहसे आपन पीठ मोर कइँती मोड़ेन। मइँ
ओन लोगन क बार-बार सिच्छा देइ चाही किन्तु उ पचे मोर
सुनइ स इन्कार कई दिहन। 34ओन लोग आपन देवमूरतियन
बनाएन ह अउर मइँ ओन देवमूरतियन स घिना करत हउँ। उ
पचे ओन देवमूरतियन क उ मन्दिरे मँ रखत हीं जउन मोरे
नाउँ पइ अहइ। इ तरह उ पचे मोरे मन्दिर क अपवित्तर
किहन ह।
35"बेनहिन्नोम क घाटी मँ ओन लोग लबार देवता बाल
बरे ऊँची जगह बनाएन। उ पचे लबार देवता मोलेक क
पूजा बरे ठउर क आपन बेटवा-बिटियन क सिसु बलि भेंट
क रूप मँ जराइ सकइ बरे बनाएन। मइँ ओनका कबहुँ
अइसे भयानक काम करइ बरे आदेस नाहीं दिहेउँ। मइँ इ
कबहुँ सोचेउँ तलक नाहीं कि यहूदा क लोग अइसा भयंकर
पाप करिहीं।
36"तू सबहिं लोग कहत अहा, 'बाबुल क राजा यरूसलेम
पर अधिकार कइ लेइ। उ तरवार, भुखमरी अउर भयंकर
बीमारी क उपयोग इ सहर क पराजित करइ बरे करी।'
किन्तु यहोवा इस्राएल क लोगन क परमेस्सर कहत ह,
37'मइँ इस्राएल अउर यहूदा क लोगन क आपन देस तजइ
क मजबूर किहेउँ ह। मइँ ओन लोगन पइ बहोत कोहान
रहा। किन्तु मइँ ओनका इ ठउरे पइ वापस लिआउब। मइँ
ओनका ओन देसन स बटोरब जेनमाँ जाइ क बरे मइ
ओनका मजबूर किहेउँ। मइँ ओनका इ देस मँ वापिस
लिआउब। मइँ ओनका सान्तिपूर्वक अउर सुरच्छित रहइ देब।
38इस्राएल अउर यहूदा क लोग मोर आपन लोग होइहीं
अउर मइँ ओनकर परमेस्सर होब। 39उ पचे एक उद्देस्स
रखिहीं फुरइ ही, जिन्नगी भइ मोर उपासना करइ चहिहीं।
ओनके बरे सुभ होइ अउर ओनके पाछे ओनकर परिवारन
बरे भी सुभ होइ।
40"'मइँ इस्राएल अउ यहूदा क लोगन क संग एक
करार करब। इ करार सदैव बरे होइ। इ करार क अनुसार
मइँ लोगन स कबहुँ दूर नाहीं जाब। मइँ ओनके बरे सदैव
अच्छा रहब। मइँ ओनका, आपन आदर करइ बरे इच्छूक
बनाउब। तब उ पचे मोहसे कबहुँ दूर नाहीं हटिहीं। 41उ पचे
मोका खुस करिहीं। मइँ ओनकर भला करइ मँ आनन्दित
होब अउर मइँ, निहचय ही, ओनका इ धरती मँ बसाउब
अउर ओनका बढ़ाउब। इ मइँ आपन पूरे हिरदय अउर
आतिमा स करब।'"
42यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ, "मइँ इस्राएल
अउर यहूदा क लोगन पइ इ बड़की बिपत्ति ढाएउँ ह। इहइ
तरह मइँ ओनका अच्छी चिजियन देब। मइँ ओनका अच्छी
चिजियन करइ क बचन देत हउँ। 43तू लोग इ कहत अहा,
'इ देस सूना रेगिस्तान अहइ। हिआँ कउनो मनई अउर
कउनो जनावर नाहीं अहइ। बाबुल क फउज इ देस क
पराजित किहस।' किन्तु भविस्स मँ लोग फुन इ देस मँ
भुइँया खरीदहीं। 44लोग आपन धने क उपयोग करिहीं अउर
खेत बेसहिहीं। उ पचे आपन सबइ करार पइ हस्ताच्छर क
साच्छी होइहीं। लोग उ प्रदेस मँ फुन खेत बेसहिहीं जेहमाँ
बिन्यामीन परिवार समूह क लोग रहत हीं। उ पचे यरूसलेम
छेत्र क चारिहुँ ओर खेत बेसहिहीं। उ पचे यहूदा प्रदेस क
नगरन, पहाड़ी प्रदेस, पच्छिमी पर्वत चरण, अउर दक्खिनी
रेगिस्तान क पहँटा मँ खेत बेसहिहीं। इ होइ, काहेकि मइँ
तोहरे लोगन क वापस लिआउब।" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ।

परमेस्सर क प्रतिग्या

33 यिर्मयाह क दूसरी दाईं यहोवा क सँदेसा मिला।
यिर्मयाह अबहिं भी रच्छक आँगन मँ ताला क
भीतर बन्दी रहा। 2यहोवा पृथ्वी क बनाएस अउर ओकर उ

रच्छा करत ह। ओकर नाउँ यहोवा अहइ। यहोवा कहत ह,
3"मोहसे पराथना करा अउर मइँ तोहका देई। मइँ तोहका
महत्वपूर्ण रहस्य बताउब। तू ओनका कबहुँ नाहीं सुन्या ह।
4इस्राएल क परमेस्सर यहोवा यरूसलेम क मकानन अउर
यहूदा क राजा लोग क महलन क बारे मँ जउन सत्रुन
दुआरा ढाल बनाइके हमला कइके तबाह कइ दीन्ह गवा ह,
इ कहत ह।

5"यरूसलेम क लोग बहोत बुरे काम किहन ह। मइँ
ओन लोगन पइ कोहान हउँ। मइँ ओनके बिरुद्ध होइ गवा
हउँ। एह बरे हुवाँ मइँ असंख्य लोगन क मार डाउब।
बाबुल क सेना यरूसलेम क बिरुद्ध लड़इ बरे आइ।
यररूसलेम क इ घरन मँ असंख्य ल्हास होइहीं।

6"मुला ओकरे पाछे मइँ उ नगर मँ लोगन क तन्दुरूस्त
बनाउब। मइँ ओन लोगन क सान्ति अउर सुरच्छा क आनन्द
लेइ देब। 7मइँ इस्राएल अउर यहूदा मँ फुन स सब कछू
अच्छा घटित होइ देब। मइँ ओन लोगन क पुराने जमाने क
तरह बरिआर बनाउब। 8उ पचे मोर बिरुद्ध पाप किहेन,
किन्तु उ पाप क मइँ धोइ देब। उ पचे मोरे बिरुद्ध लड़ेन,
किन्तु मइँ ओनका छमा कइ देब। 9तब यरूसलेम आस्चर्यचकित
करइवाला ठउर होइ जाइ। लोग सुखी होइहीं अउर दूसर
रास्ट्रन क लोग एकर तारीफ करिहीं। उ लोग ओन अच्छे
कामन क बारे मँ सुनब्या जे मइँ यरूसलेम बरे कइ रहत
हउँ अउर उ लोग मोर महानता क कारण डर स काँपिहीं।

10"तू लोग इ करत रह्या ह, 'हमार देस सूनी रेगिस्तान,
अहइ। हुआँ कउनो मनई या कउनो जनावर जिअत नाहीं
रहेन।' अब यरूसलेम क सड़कियन अउर यहूदा क नगरन
मँ निर्जन सान्ति अहइ। किन्तु हुआँ हाली ही चहल-पहल
होइ। 11हुआँ सुख अउर आनन्द क किलोलन होइहीं। हुआँ
दुल्हा-दुलहिन क उमँग भरी चहल होइ। हुआँ यहोवा क
मन्दिर मँ आपन भेंट लिआवइवालन क मधुर वाणी होइ। उ
पचे कहिहीं, 'सर्वसक्तीमान यहोवा क स्तुति करा। यहोवा
दयालु अहइ। यहोवा क दाया सदा बनी रहत ह।' लोग इ
सबइ बातन कहिहीं काहेकि मइँ फुन यहूदा बरे नीक काक
करब। इ वइसा ही होइ जइसा सुरू मँ रहा।" यहोवा कहत
ह।

12सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "इ ठउर अब सुना
अहइ। हिआँ कउनो लोग या जनावर नाहीं रहि रहेन।
किन्तु अब यहूदा क सबहिं नगरन मँ लोग रहिहीं। हुआँ
गड़रियन होइहीं अउर चरागाहन होइहीं जहाँ उ पचे आपन
खरकन क आराम करइ देइहीं। 13गड़रियन आपन भेड़िन क
तब गनत हीं जब भेड़िन ओनके अगवा चलत हीं। लोग
आपन भेड़िन क पूरे देस मँ चारिहुँ कइँती पहाड़ी प्रदेस,
पच्छिमी पर्वत चरण, नेगव अउर यहूदा क सबहिं नगरन मँ
गिनिहीं।"

अच्छी साखा

14इ सँदेसा यहोवा क अहइ: "मइँ इस्राएल अउर यहूदा
क लोगन क बिसेस बचन दिहेउँ ह। उ समइ आवति बाटइ
जब मइँ उ करब जेका करइ क बचन मइँ दिहेउँ ह। 15उ
समइ मइँ दाऊद क परिवारे स एक ठु नीक साखा पइदा
करब। उ नीक साखा उ सब करी जउन देस बरे अच्छा
अउर उचित होइ। 16इ साखा क समइ यहूदा क लोगन क
रच्छा होइ जाई। लोग यरूसलेम मँ सुरच्छित रहिहीं। उ
साखा क नाउँ यहोवा हमार धार्मिकता अहइ।'"

17यहोवा कहत ह, "दाऊद क परिवार क कउनो न
कउनो मनई सदा ही सिहांसने पइ बइठी अउर इस्राएल क
परिवार पइ सासन करी 18अउर लेवी क परिवार स याजक
सदा ही होइहीं। उ सबइ याजक मोरे समन्वा सदा रहिहीं
अउर मोका होमबलि, अन्नबलि अउर बलि भेंट करिहीं।"

19यहोवा क इ सँदेसा यिर्मयाह क मिला। 20यहोवा कहत
ह, "मइँ राति अउर दिन स करार कीन्ह ह। मइँ करार
कीन्ह कि उ सदा ही रही। तू उ करार क बदल नाहीं
सकत्या। दिन अउर राति सदा ठीक समइ पइ अइहीं। जदि
तू उ करार क बदल सकत ह 21तउ तू दाऊद अउर लेवी
क साथ कीन्ह गइ मोर करार क भी बदल सकत अहा।
तब दाऊद अउर लेवी क परिवारे क संतान राजा अउर
याजक नाहीं होइ सकिहीं। 22किन्तु मइँ आपन सेवक दाऊद
क अउर लेवी क परिवार समूह क अनेक संतान देब। उ
पचे ओतने ही होइहीं जेतना अकासे मँ तारे अहइँ, अउर
अकासे क तारन क कउनो गन नाहीं सकत अउर उ पचे
एतना होइहीं जेतना सागर किनारे पइ बालू कण होत हीं
अउर ओन बालू क कणन क कउनो गन नाहीं सकत।"

23यहोवा क इ सँदेसा यिर्मयाह प्राप्त किहस: 24यिर्मयाह,
का तू सुन्या ह कि लोग का कहत अहइँ? उ सबइ लोग
कहत अहइँ: यहोवा इस्राएल अउर यहूदा क दुइ परिवारन
क अस्वीकार कइ दिहस ह। यहोवा ओन लोगन क चुने
रहा, किन्तु अब उ ओनका रास्ट्र क रूप मँ भी अंगीकार
नाहीं करत।'"

25यहोवा कहत ह, "जदि मोर करार दिन अउर राति क
संग बनी नाहीं रहत, अउर जदि मइँ अकास अउ पृथ्वी क
बरे नेम नाहीं बनावत, तबहिं संभव अहइ कि मइँ ओन
लोगन क तजउँ। 26तबहिं इ संभव होइ कि मइँ याकूब क
संतानन स दूर हटि जाउँ अउर तबहिं होइ सकत ह कि मइँ
दाऊद क संतानन क इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क
संतानन पइ सासन करइ न देउँ। किन्तु दाऊद मोर सेवक
अहइ अउर मइँ ओन लोगन पइ दाया करब अउर मइँ फुन
ओन लोगन क ओनकर धरती पइ वापस लउटाइ लाउब।"

यहूदा क राजा सिदकिय्याह क चिताउनी

34 यहोवा क इ सँदेसा यिर्मयाह क मिला। इ सँदेसा
उ समइ मिला जब बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर
यरूसलेम अउर ओकरे चारिहुँ ओर क सबहिं नगरन स
जुद्ध करत रहा। नबूकदनेस्सर अपने सारी फउज अउर
सासित राज्जन अउ साम्राज्य क लोगन क मिलाए भए रहा।

2सँदेसा इ रहा: "यहोवा इस्राएल क लोगन क परमेस्सर
जउन कहत ह, उ इ अहइ: "यिर्मयाह, यहूदा क राजा
सिदकिय्याह क लगे जा अउर ओका इ सँदेसा द्या:
'सिदकिय्याह, यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ: मइँ
यरूसलेम नगर क बाबुल क राजा क हाली ही दइ देब
अउर उ ओका जराइ डाइ। 3सिदकिय्याह, तू बाबुल क राजा

स बचिके निकरि नाहीं पउब्या। तू निहचय ही पकड़ा जाब्या
अउर ओका दइ दीन्ह जाब्या। तू बाबुल क राजा क आपन
आँखिन स लखब्या। उ तोहसे आमने सामने बातन करी
अउर तू बाबुल जाब्या। 4किन्तु यहूदा क राजा सिदकिय्याह
यहोवा क दीन्ह ग वचन क सुना। यहोवा तोहरे बारे मँ
जउन कहत ह, उ इ अहइ: तू तरवारे स नाहीं मारा जाब्या।
5तू सान्ति पूर्वक मरब्या। तोहार स पहिले जउन राजा राज्ज
करत रहेन ओन पुरखन क सम्मान क बरे लोग आगी
तैयार किहन। उहइ तरह तोहरे सम्मान बरे लोग आगी
बनइहीं। उ पचे तोहरे बरे रोइहीं। उ पचे सोक मँ बूड़ा भवा
कहिहीं, 'हे स्वामी, मइँ खुद तोहका इ बचन देत हउँ,'"
यहोवा कहत ह।

6एह बरे यिर्मयाह यहोवा क सँदेसा यरूसलेम मँ सिदकिय्याह
क दिहेस। 7इ उ समइ भवा जब बाबुल क राजा क सेना
यरूसलेम क खिलाफ लड़त रही। बाबुल क फउज यहूदा
क ओन नगरन क खिलाफ भी लड़त रही जेन पइ अधिकार
नाहीं होइ सका रहा। उ सबइ लाकीस अउ अजेका नगर
रहेन। उ सबइ ही सिरिफ किलाबंद नगर रहेन जउन यहूदा
प्रदेस मँ बचा रहेन।

लोग करार मँ स एक क तोड़ेन

8सिदकिय्याह यरूसलेम क सबहिं निवासियन स इ करार
किहे रहा कि मइँ सबहिं यहूदी दासन क मुक्त कइ देब।
जब सिदकिय्याह उ करार कइ लिहेस, ओकरे पाछे यिर्मयाह
क यहोवा क इ सँदेसा मिला। 9हर मनई स आसा कीन्ह
जात ह कि उ आपन यहूदी दासन क अजाद करइ। सबहिं
यहूदी दास-दासी अजाद कीन्ह जाब रहेन। यहूदा क परिवार
समूह क कउनो भी मनई क दास रखइ क संभावना कउनो
भी मनई स नाहीं कीन्ह जाइ सकत रही। 10एह बरे सबहिं
प्रमुखन अउर यहूदा क सबहिं लोग इ करार क अंगीकार
किहे रहेन। हर एक मनई आपन दास-दासियन क अजाद
कइ देइ अउर ओनका अउर जियादा समइ तलक दास क
रूप मँ नाहीं राखी। हर एक मनई सहमत रहा अउर इ तरह
सबहिं दास अजाद कइ दीन्ह गएन। 11किन्तु ओकरे पाछे
ओन लोग जेनके लगे दास रहेन, आपन निर्णय क बदलाइ
दिहन। एह बरे उ पच अजाद कीन्ह गए लोगन क फुन धइ
लिहन अउर ओनका दास बनाएन।

12तब यहोवा क सँदेसा क यिर्मयाह क मिला: 13यिर्मयाह,
यहोवा इस्राएल क लोगन क परमेस्सर जउन कहत ह उ इ
अहइ: "मइँ तोहरे पचन्क पुरखन क मिस्र स बाहेर लाएउँ
जहाँ उ पचे दास रहेन। जब मइँ अइसा किहेउँ तब मइँ
ओनसे एक करार किहेउँ। 14मइँ तोहरे पचन्क पुरखन स
कहेउँ, 'हर एक सात बरिस क आखीर मँ प्रत्येक मनई क
आपन यहूदी दासन क अजाद कइ देइ चाही। जदि तोहरे
पचन्क हिआँ तोहार पचन्क अइसा यहूदी साथी अहइ जउन
आपन क तोहरे पचन्क हाथ बेच चुका अहइ तउ तोहका
ओका छ: महीना सेवा क पाछे अजाद कइ देइ चाही।'
मुला तोहार पचन्क पुरखन न तउ मोर सुनेन, न ही ओह पइ
धियान दिहेन। 15कछू समइ पहिले तू पचे आपन हिरदय क,
जउन उचित अहइ, ओका करइ बरे बदला। तू पचन्क मँ स
हर एक ओन यहूदी साथियन क अजाद किहेस जउन दास
रहेन अउर तू पचे मोर समन्वा उ मन्दिर मँ जउन मोरे नाउँ
पइ अहइ एक करार भी किहा। 16मुला अब तू पचे आपन
इरादा बदल दिहे अहा। तू पचे इ परगट किहे अहा कि तू
पचे मोरे नाउँ क सम्मान नाहीं करत्या। तू पचे इ कहेस
किहा? तू पचन्मँ स हर एक आपन दास दासियन क वापस
लइ लिहस ह जेनका तू पचे अजाद किहे रह्या। तू लोग
ओनका फुन दास होइ बरे मजबूर किहा ह।

17"एह बरे जउन यहोवा कहत ह, उ इ अहइ: 'तू लोग
मोर आग्या क पालन नाहीं किहा ह। तू पचे आपन साथी
यहूदियन क अजादी नाहीं दिहा ह। काहेकि तू पचे इ करार
पूरी नाहीं किहा ह, एह बरे मइँ तोहका "अजादी" देब। इ
यहोवा क सँदेसा अहइ। "तरवार स, भयंकर बीमारी स अउर
भूख स मारे जाइ क अजादी मइँ देब। मइँ तोहका पचन्क
अइसा कर देब कि जब उ पचे तोहरे पचन्क बारे मँ सुनिहीं
तउ पृथ्वी क समूचइ राज्ज भयभीत होइ उठिहीं। 18मइँ
ओन लोगन क दूसर लोगन क हाथ देब जउन मोर करार
क तोड़ेन ह अउर उ प्रतिग्या क पालन नाहीं किहन जेका उ
पचे मोरे समन्वा किहन ह। एन लोग मोरे समन्वा एक ठु
बछवा क दुइ टुकन मँ काटेन अउर उ पचे दुइ टुकन क
बीच स गुजरेन। 19जउन उ समइ बछवा क टूकन बीच स
गुजरेन जब उ पचे मोरे संग करार किहे रहेन: उ यहूदा
अउ यरूसलेम क प्रमुख, कचहरी क बड़के अधिकारी,
याजकन अउ उ देस क लोग। 20एह बरे मइँ ओन लोगन
क ओनकर दुस्मन क देब जउन ओनका मारि डावइ चाहत
हीं। ओन मनइयन क ल्हास हवा मँ उड़इवाले पंछियन अउर
पृथ्वी पइ क जँगली जनावरन क भोजन बनिहीं। 21मइँ
यहूदा क राजा सिदकिय्याह अउर ओकर प्रमुखन क
ओनकर दुस्मनन अउर जउन ओनका मारि डावइ चाहत हीं,
क देब। मइँ सिदकिय्याह अउर ओनके लोगन क बाबुल क
राजा क फउज क तब भी देब जब उ फउज यरूसलेम क
तजि चुकी होइ। 22मुला मइँ कसदी फउज क यरूसलेम मँ
फुन लउटइ क आदेस देब। इ सँदेसा यहोवा क अहइ। उ
फउज यरूसलेम क खिलाफ लड़ी। उ पचे एह पइ
अधिकार करिहीं, एहमाँ आगी लगइहीं अउ एका बारि
डइहीं अउर मइँ यहूदा क नगरन क बर्बाद कइ देब। उ
सबइ नगर सूना रेगिस्तान होइ जइहीं। हुआँ कउनो मनई
नाहीं रही।'"

रेकाबी परिवार क उत्तिम उदाहरण

35 जब यहोयाकीम यहूदा क राजा रहा तब यहोवा क
सँदेसा यिर्मयाह क मिला। यहोयाकीम राजा योसिय्याह
क पूत रहा। यहोवा क सँदेसा इ रहा: 2"यिर्मयाह, रेकाबी
परिवार क लगे जा। ओनका यहोवा क मन्दिर क बगल क
कमरन मँ स एक मँ आवइ बरे निमन्त्रित करा। ओनका
पिअइ बरे दाखरस द्या।"

3एह बरे मइँ (यिर्मयाह) याजन्याह स मिलइ गएउँ।
याजन्याह उ यिर्मयाह नाउँ क एक मनई क पूत रहा जउन
हबस्सिन्याह नाउँ क मनई क पूत रहा अउर मइँ याजन्याह
क सबहिं भाइयन अउ पूतन स मिलेउँ। मइँ पूरे रेकाबी

परिवार क एक संग बटोरेउँ। 4तब मइँ रेकाबी परिवार क
यहोवा क मन्दिर मँ लइ आएउँ। हम लोग उ कमरे मँ गए
जउन परमेस्सर क मनई यिग्दल्याह क पूत हानान क पूतन
क नाउँ स जाना जात ह। इ उ कमरा स अगला कमरा रहा
जेहमाँ राजा क अधिकारी ठहरत रहेन। इ सल्लूम क पूत
मासेयाह क कमरा क ऊपर रहा। मासेयाह मन्दिर मँ
दुआरपाल रहा। 5तब मइँ (यिर्मयाह) रेकाबी परिवार क
समन्वा कछू पियालन क संग दाखरस स भरे कछू कटोरन
धरेउँ अउ मइँ ओनसे कहेउँ, "थोड़ी दाखरस पिआ।"
6किन्तु रेकाबी लोगन जवाब दिहन, "हम दाखरस कबहुँ
नाहीं पीइत। हम एँह बरे नाहीं पीइत काहेकि हमार पुरखा
रेकाबी क पूत योनादाब इ आदेस दिहे रहा: 'तू पचन्क अउर
तोहरे सन्तानन क दाखरस कबहुँ नाहीं पिअइ चाही। 7तू
पचन्क कबहुँ घर बनावइ, पौधन रोपब अउर अंगूरे क लता
कबहुँ नाहीं लगावइ चाही। तू पचन्क ओनमाँ स कछू भी
नाहीं करइ चाही। तू पचन्क सिरिफ तम्बूअन मँ रहइ
चाही। जदि तू पचे अइसा करब्या तउ उ पहँटा मँ जियादा
समइ रहब्या जहाँ तू पचे एक ठउर स दूसर ठउरे पइ घूमत
रहत ह।' 8एह बरे हम रेकाबी लोग ओन सब चीजन क
पालन करित ह जेनका हमरे पुरखा योनादाब हमका आदेस
दिहस ह। हम अउर हमार मेहररूअन अउर गदेलन दाखरस
कबहुँ नाहीं पीतेन। 9हम रहइ बरे घर कबहुँ नाहीं बनाइत
अउर हम लोगन क अंगूरे क बगिचा या खेत कबहुँ नाहीं
होतेन अउर हम फसलन कबहुँ नाहीं उगाइत। 10हम
तम्बूअन मँ रहत अही अउर उ सब माना ह जउन हमरे
पुरखा योनादाब आदेस दिहेन ह। 11किन्तु जब बाबुल क
राजा नबूकदनेस्सर यहूदा देस पइ हमला किहस तब हम
लोग यरूसलेम क गए। हम लोग आपुस मँ कहा, "आवा
हम यरूसलेम नगर मँ सरण लेइ जेहसे हम कसदी अउर
अरामी फउज स बचि सकी।' एह बरे हम लोग यरूसलेम
मँ ठहर गए।
12तब यिर्मयाह क यहोवा क सँदेसा मिला: 13इस्राएल क
लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह: "यिर्मयाह,
जा यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क इ सँदेसा द्या:
लोगो, तू पचन्क सबक सीखइ चाही अउर मोरे सँदेसा क
पालन करइ चाही।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। 14"रेकाब
क पूत योनादाब आपन पूतन क आदेस दिहस कि उ पचे
दाखरस न पिअइँ, अउर उ आदेस क पालन भवा ह। आजु
तलक योनादाब क संतान आपन पुरखन क आदेस क पालन
किहस ह। उ पचे दाखरस नाहीं पीतेन। किन्तु मइँ तउ
यहोवा हउँ अउर यहूदा क लोगो, मइँ तू पचन्क बार बार
सँदेसा दिहेउँ ह, मुला तू पचे ओकर पालन नाहीं किहा।
15इस्राएल अउर यहूदा क लोगो, मइँ आपन सेवक नबियन
क तू पचन्क लगे पठएउँ। मइँ ओनका तोहरे पचन्क लगे
बार-बार पठएउँ। ओन नबियन तू पचन्स कहेन, 'इस्राएल
अउर यहूदा क लोगो, तू सबन्क बुरा करब तजि देइ चाही।
तू पचन्क अच्छा होइ चाही। दूसर देवतन क अनुसरण न
करा। ओनका न पूजा, न ही ओनकर सेवा करा। जदि तू
पचे मोर आग्या क पालन करब्या तउ तू पचे उ देस मँ
होब्या जेका मइँ तू पचन्क अउर तोहरे पचन्क पुरखन क
दिहेउँ ह।' किन्तु तू लोग मोरे सँदेसे पइ धियान नाहीं दिहा।
16किन्तु योनादाब क सन्तानन आपन पुरखन क आदेस क,
जउन उ दिहस मान ल्या। मुला यहूदा क लोग मोर आग्या
क पालन नाहीं किहन।"
17एह बरे इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा करत
ह: "मइँ कहेउँ कि यहूदा अउ यरूसलेम बरे बहोत स बुरी
घटनन घटिहीं। मइँ ओन बुरी घटनन क हाली ही घटित
कराउब। मइँ इ करब काहेकि मइँ ओन लोगन क बात
किहस, किन्तु उ पचे मोर एक न सुनेन। मइँ ओनका
पुकारेउँ, किन्तु उ पचे जवाब नाहीं दिहन।"
18तब यिर्मयाह रेकाबी परिवार क लोगन स कहेस,
"इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, 'तू
लोग आपन पुरखा योनादाब क आदेस क पालन किहा ह।
तू पचे योनादाब क सारी सिच्छन क अनुसरण किहा ह। तू
पचे उ सब किहा ह जेकरे बरे उ आदेस दिहे रहा। 19एह
बरे इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह:
रेकाब क पूत योनादाब क सन्तानन मँ स एक अइसा सदैव
होइ जउन मोर सेवा करी।'"

राजा यहोयाकीम यिर्मयाह क पत्रकन क बार देत ह

36 यहोवा क सँदेसा यिर्मयाह क मिला। इ योसिय्याह
क पूत यहोयाकीम क यहूदा मँ राजकाल क
चउथे बरिस भवा। यहोवा क सँदेसा इ रहा: 2"यिर्मयाह,
पत्रक ल्या अउर ओन सँदेसन क ओह पइ लिख डावा
जेनका मइँ तोहसे कहेउँ ह। मइँ तोहसे इस्राएल अउर यहूदा
क अउर बाकी रास्ट्रन क बारे मँ बातन किहेउँ ह। जब स
योसिय्याह राजा रहा तब स अब तलक मइँ जउन सँदेसा
तोहका दिहेउँ ह, ओनका लिख डावा। 3सायद, यहूदा क
परिवार इ सुनइ कि मइँ ओनके बरे का करइ क जोजना
बनावत हउँ अउर सायद उ पचे बुरा काम करब तजि देइँ।
जदि उ पचे अइसा करिहीं तउ मइँ ओनका, जउन बुरे करम
उ पचे किहन ह, ओकरे बरे छिमा कइ देब।"
4एह बरे यिर्मयाह नेरिय्याह क पूत बारूक नाउँ क एक
मनई क बोलाएस। यिर्मयाह ओन सँदेसन क कहेस जेनका
यहोवा ओका दिहे रहा। जउने समइ यिर्मयाह ऊँची आवाज़
मँ सँदेसा देत रहा उहइ समय बारूक ओनका पत्रक पर
लिखत रहा। 5तब यिर्मयाह बारूक स कहेस, "मइँ यहोवा
क मन्दिर मँ नाहीं जाइ सकत। मोका हुआँ जाइ क आग्या
नाहीं अहइ। 6एह बरे मइँ चाहत हउँ कि तू यहोवा क
मन्दिर मँ आवा। हुआँ उपवास क दिन जा अउर पत्रक स
लोगन क सुनावा। ओन सँदेसन क जेनका यहोवा तोहका
दिहस अउर जेनका तू पत्रक मँ लिख्या, ओनका लोगन क
समन्वा बाँचा। ओन सँदेसन क यहूदा क सबहिं लोगन क
समन्वा बाँचा जउन आपन रहइ क सहरन स यरूसलेम मँ
आएन। 7सायद, उ सबइ लोग यहोवा स मदद क याचना
करइँ। होइ सकत ह हर एक मनई बुरा काम करब तजि
देइ। यहोवा इ घोसित कइ दिहस ह कि उ ओन लोगन पइ
क्रोधित अहइ।" 8एह बरे नेरिय्याह क पूत बारूक क सबइ
किहस जेका यिर्मयाह नबी करइ क कहेस। बारूक उ पत्रक

जोर स बाँचेस जेहमाँ यहोवा क सँदेसन लिखा रहेन। उ एका
यहोवा क मन्दिर मँ बाँचेस।
9यहोयाकीम क राज्जकाल क पँचए बरिस क नवे महीना
मँ यहोवा क पराथना बरे एक उपवास घोसित भवा। इ
आग्या रही कि यरूसलेम मँ रहइवाले सबहिं लोग अउर
यहूदा क नगरन स यरूसलेम मँ आवइवाले लोग यहोवा क
समन्वा उपवास रखिहीं। **10**उ समइ बारूक उ पत्रक क
जेहमाँ यिर्मयाह क कथन रहेन उ सबहिं लोगन क समन्वा
जउन यहोवा क मन्दिर मँ बाँचेस रहेन। बारूक ऊपरी
आँगन मँ यमरिया क कमरा मँ खड़ा भवा रहा जब उ
पत्रक स पढ़त रहा। (इ कमरा सापान क पूत यमरिया क
रहा। उ मन्दिर मँ सास्त्री रहा अउर उसका कमरा मन्दिर क
नया प्रवेस दुआर क लगे रहा।)
11मीकायाह नाउँ क एक मनई यहोवा क ओन सारे
सँदेसन क सुनेस जेनका बारूक पत्रक स बाँचेस। मीकायाह
उ गमर्याह क पूत रहा जउन सापान क पूत रहा। **12**जब
मीकायाह पत्रक स सँदेसा क सुनेस तउ उ राजा क महल
मँ सचिव क कमरा मँ गवा। राजकीय सबहिं अधिकारी
राजमहल मँ बइठा रहेन। ओन अधिकारियन क नाउँ इ
सबइ अहइँ: सचिव एलीसामा, समायाह क पूत दलायाह,
अबबोर क पूत एलनातान, सापान क पूत गमर्याह, हनन्याह
क पूत सिदकिय्याह अउर दूसर सबहिं अधिकारी भी हुआँ
रहेन। **13**मीकायाह ओन अधिकारियन स उ सबइ कहेस
जउन उ बारूक क पत्रक स बाँचन सुने रहा।
14तबइ ओन अधिकारियन बारूक क लगे यहूदी नाउँ क
मनई क पठएन। यहूदी सेलेम्याह क पूत नतन्याह क पूत
रहा। सेलेम्याह कूसी क पूत रहा। यहूदी बारूक स कहेस,
"उ पत्रक तू लिआवा जेका तू बाँच्या अउर मोरे संग
चला।" नेरिय्याह क पूत बारूक पत्रक क लिहस अउर
यहूदी क संग अधिकारियन क लगे गवा।
15तब ओन अधिकारियन बारूक स कहेन, "बइठा अउर
पत्रक क हम लोगन क समन्वा बाँचा।"
एह बरे बारूक उ पत्रक क ओनका सुनाएस।
16ओन राजकीय अधिकारियन उ पत्रक स सबहिं सँदेसा
सुनेन। अउर डेराइ गएन। उ पचे बारूक स कहेन, "हमका
पत्रक क सँदेसा क बारे मँ राजा यहोयाकीम स कहब होइ।"
17तब अधिकारियन बारूक स एक सवाल किहन। उ पचे
पूछेन, "बारूक इ बतावा कि तू इ सबइ सँदेसन कहाँ स
पाया जेनका तू इ पत्रक पइ लिख्या? का तू ओन सँदेसन
क लिख्या जेनका यिर्मयाह तोहका बताएस?"
18बारूक जवाब दिहस, "हाँ, यिर्मयाह कहेस अउर मइँ
सारे सँदेसन क सियाही स इ पत्रक पइ लिखेउँ।"
19तब राजकीय अधिकारियन बारूक स कहेन, "तोहका
अउर यिर्मयाह क कहूँ जाइके छुप जाइ चाही। कउनो न
जिन बतावा कि तू कहाँ लुकान अहा।"
20तब राजकीय अधिकारियन सास्त्री एलीसामा कमरा मँ
पत्रक क रखेन। उ पचे राजा यहोयाकीम क लगे गएन
अउर पत्रक क बारे मँ ओका सब कछू बताएन।
21एह बरे राजा यहोयाकीम यहूदी क पत्रक लेइ पठएस।
यहूदी सास्त्री एलीसामा क कमरा स पत्रक क लिआवा। तब
यहूदी राजा अउर ओकरे चारिहुँ कइँती खड़े सेवकन क
पत्रक बाँचिके सुनाएस। **22**इ जउने समय भवा, नवाँ महीना
रहा, एह बरे राजा यहोयाकीम सीतकालीन महल खण्ड मँ
बइठा रहा। राजा क समन्वा अंगीठी मँ आगी जरत रही।
23यहूदी पत्रक स पढ़ब सुरू किहस। मुला जब उ दुइ या
तीन पंक्तियन बाँचत, राजा यहोयाकीम पत्रक क उससे धइ
लेता अउर उ भाग क जउन अभी पढ़ा गवा रहा एक नान्ह
चाकू स काट डारत रहा अउर ओनका आग मँ डाइ देत
रहा। आखिर मँ पूरा पत्रक आगी मँ जराइ दीन्ह गवा **24**जब
राजा यहोयाकीम अउर ओकर सेवकन पत्रक स सँदेसा सुनेन
तउ उ पचे डेरानेन नाहीं। उ पचे आपन ओढ़ना इ परगट
करइ बरे नाहीं फाड़ेन कि ओनका आपन बुरे कर्मन बरे
दुःख अहइ।
25एलनातान, दलइया अउर यिर्मयाह राजा यहोयाकीम स
पत्रक क न जरावइ बरे बात करइ क जतन किहस। किन्तु
राजा ओनकर एक न सुनेस **26**अउर राजा यहोयाकीम कछू
मनइयन क आदेस दिहस कि उ पचे सास्त्री बारूक अउर
यिर्मयाह नबी क बन्दी बनावइँ। इ सबइ मनई राजा क एक
ठु पूत अज्राएल क पूत सरायाह अउर अब्देल क पूत
सेलेम्याह रहेन। किन्तु उ सबइ मनई बारूक अउर यिर्मयाह
क न ढूँढ़ि सकेन काहेकि यहोवा ओनका छुपाइ दिहे रहा।
27यहोवा क सँदेसा यिर्मयाह क मिला। इ तब भवा जब
यहोयाकीम यहोवा क ओन सबहिं सँदेसनवाले पत्रक क
जराइ दिहे रहा, जेनका यिर्मयाह बारूक स कहे रहा अउर
बारूक सँदेसन क पत्रक पइ लिखे रहा। यहोवा क जउन
सँदेसा यिर्मयाह क मिला, उ इ रहा:
28"यिर्मयाह, दूसर पत्रक तइयार करा। एह पइ ओन
सबहिं सँदेसन क लिखा जउन पहिले पत्रक पइ रहेन। यानि
उहइ पत्रक जेका यहूदा क राजा यहोयाकीम जराइ दिहे रहा।
29यिर्मयाह, यहूदा क राजा यहोयाकीम स इ भी कहा,
यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ: 'यहोयाकीम तू उ पत्रक
क जराइ दिहा। तू कह्या, "यिर्मयाह काहे लिख्या कि
बाबुल क राजा निहचइ ही आइ अउर इ देस क बर्बाद
करी? उ काहे कहत ह कि बाबुल क राजा इ देस क
लोगन अउर जनावरन दुइनउँ क बर्बाद करी?" **30**एह बरे
यहूदा क राजा यहोयाकीम क बारे मँ जउन यहोवा कहत
ह, उ इ अहइ: यहोयाकीम क संतान दाऊद क राज
सिंहासन पइ नाहीं बइठहीं। जब यहोयाकीम मरी ओका राजा
जइसे अन्त्येस्टि नाहीं दीन्ह जाइ, बल्कि ओकर अर्थी
भुइँया पइ फेंक दीन्ह जाइ। ओकर अर्थी दिन क गर्मी मँ
अउर रात क ठंडे पाले मँ छोड़ दीन्ह जाइ। **31**मइँ,
यहोयाकीम, ओकर सन्तान अउ ओकरे अधिकारियन क
ओनकइ दुट्ठ करम बरे सजा देब। मइँ यरूसलेम क लोगन
पइ अउर यहूदा क लोगन पइ भयंकर विपत्ति ढावइ क
प्रतिग्या किहेउँ ह। मइँ आपन प्रतिग्या क अनुसार ओन पइ
सबहिं बुरी विपत्तियन ढाउब काहेकि उ पचे मोर चिताउनी
नाहीं सुनेन।'"
32तब यिर्मयाह दूसर पत्रक लिहस अउर ओका नेरिय्याह
क पूत सास्त्री बारूक क दिहस। जइसे यिर्मयाह बोलत जात
रहा वइसे ही बारूक ओनही सँदेसन क पत्रक पइ लिखत

जात रहा जउन उ पत्रक पइ रहेन जेका राजा यहोयाकीम
आगी मँ जराइ दिहे रहा अउर ओनहीं सँदेसन क तरह बहोत
सी दूसर बातन दूसर पत्रक मँ जोरी गइन।

यिर्मयाह जेलि मँ डावा गवा

37 नबूकदनेस्सर बाबुल क राजा रहा। नबूकदनेस्सर
यहोयाकीम क पूत यकोन्याह क ठउरे पइ सिदकिय्याह
क यहूदा क राजा तैनात किहस। सिदकिय्याह राजा योसिय्याह
क पूत रहा। 2किन्तु सिदकिय्याह यहोवा क ओन सँदेसन पइ
धियान नाहीं दिहस जेनका यहोवा यिर्मयाह नबी क उपदेस
देइ बरे दिहे रहा अउर सिदकिय्याह क सेवकन तथा यहूदा
क लोग यहोवा क सँदेसा पइ धियान नाहीं दिहन।

3राजा सिदकिय्याह यहूकल नाउँ क एक मनई अउर
याजक सपन्याह क यिर्मयाह नबी क लगे एक ठु सँदेसा
लइके पठएस। यहूकल सेलेम्याह क पूत रहा। याजक
सपन्याह मासेयाह क पूत रहा। जउन सँदेसा उ पचे यिर्मयाह
क बरे लिआए रहेन उ इ अहइः "यिर्मयाह, हमार परमेस्सर
यहोवा स हम लोगन बरे पराथना करा।"

4(उ समइ तलक, यिर्मयाह जेल मँ नाहीं डावा गवा रहा,
एह बरे जहाँ कहूँ उ जाइ चाहत रहा, जाइ सकत रहा।
5उ समइ ही फिरौन क फउज मिस्र स यहूदा क प्रस्थान
कइ चुकी रही। बाबुल फउज पराजित करइ बरे, यरूसलेम
सहर क चारिहुँ कइँती घेरा डाइ रखे रहा। तब उ पचे मिस्र
स ओनकी कइँती कूच कइ चुकी भई फउज क बारे मँ उ
सुन चुका रहा। एह बरे बाबुल क फउज मिस्र स
आवइवाली फउज स लड़इ बरे, यरूसलेम स हट गइ
रही।)

6यहोवा क सँदेसा यिर्मयाह नबी क मिला: 7"इस्राएल क
लोगन क परमेस्सर यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइः 'मइँ
जानत हउँ कि यहूदा क राजा सिदकिय्याह तोहका मोरे लगे
यहोवा स सलाह पूछइ बरे पठएस ह। राजा सिदकिय्याह क
इ जवाब द्या, फिरौन क फउज हिआँ तोहार मदद बरे
आवत ह, किन्तु उ फउज मिस्र क वापिस लौट जाइ।
8ओकरे पाछे बाबुल क फउज हिआँ लउटी। इ यरूसलेम
पइ हमला करी। तब बाबुल क उ फउज यरूसलेम पइ
अधिकार करी अउर ओका बारि डाइ।' 9यहोवा जउन कहत
ह, उ इ अहइः 'यरूसलेम क लोगो, आपन क मूर्ख जिन
बनावा। तू पचे आपुस मँ जिन कहा, "बाबुल क फउज
निहचइ ही, हम लोगन क सान्त छोड़ देइ।" उ नाहीं छोड़ी।
10यरूसलेम क लोगो, जदि तू पचे बाबुल क उ सारी
फउज क ह काहे न हराइ द्या जउन तू पचन पइ हमला
करत अहइ, तउ भी ओनके डेरन मँ कछू घायल मनई बच
जइहीं। उ पचे थोड़े घायल मनई भी आपन डेरन स बाहेर
निकरिहीं अउर यरूसलेम क जराइके राख कइ देइहीं।'"

11जब बाबुल फउज मिस्र क फिरौन क सेना क संग
जुद्ध करइ बरे यरूसलेम क छोड़ेस, 12तब यिर्मयाह
यरूसलेम स बिन्यामीन प्रदेस क जात्रा करइ चाहत रहा।
हुआँ उ आपन परिवार क कछू सम्पत्ति क बटवारे मँ भाग
लेइ जात रहा। 13मुला जब यिर्मयाह यरूसलेम क बिन्यामीन
क दुआर पइ पहोंचा तब रच्छन क अधिकारी कप्तान ओका
बन्दी बनाइ लिहन। कप्तान क नाउँ यिरिय्याह रहा। यिरिय्याह
सेलेम्याह क पूत रहा। सेलेम्याह हनन्याह क पूत रहा। इ
तरह कप्तान यिरिम्याह यिर्मयाह क बन्दी बनाएस अउर
कहेस, "यिर्मयाह, तू हम लोगन क बाबुल पच्छ मँ मिलइ
बरे, छोड़त अहा।"

14यिर्मयाह यिरिय्याह स कहेस, "इ फुरइ नाहीं अहइ। मइँ
कसदियन क संग मिलइ बरे नाहीं जात हउँ।" मुला
यिरिय्याह यिर्मयाह क एक न सुनेस। यिरिय्याह यिर्मयाह क
बन्दी बनाएस अउर ओका यरूसलेम क राजकीय अधिकारियन
क लगे लइ गवा। 15उ सबइ अधिकारी यिर्मयाह पइ बहोत
कोहान रहेन। उ पचे यिर्मयाह क पीटइ क आदेस दिहन।
तब उ पचे यिर्मयाह क जेल मँ डाइ दिहन। जेल योनातान
नाउँ क मनई क घर मँ रहा। योनातान यहूदा क राजा क
सास्त्री रहा। योनातान क घर जेल बनाइ दीन्ह गवा रहा।
16ओन लोग यिर्मयाह क योनातान क घर क एक कोठरी
मँ रखेन। उ कोठरी जमीन क खाले कूप-गृह रही। यिर्मयाह
ओहमाँ लम्बे समइ तलक रहा।

17तब राजा सिदकिय्याह यिर्मयाह क बोलवाएस अउर
ओका राजमहल मँ लावा गवा। सिदकिय्याह यिर्मयाह स
एकान्त मँ बातन किहस। उ यिर्मयाह स पूछेस, "का यहोवा
क कउनो सँदेसा अहइ?"

यिर्मयाह जवाब दिहस, "हाँ, यहोवा क सँदेसा अहइ।
सिदकिय्याह, तू बाबुल क राजा क हाथ मँ दइ दीन्ह
जाब्या।" 18तब यिर्मयाह राजा सिदकिय्याह स कहेस, "मइँ
कउन सा अपराध किहे हउँ? मइँ कउन सा अपराध तोहरे,
तोहरे अधिकारियन या यरूसलेम क खिलाफ किहे हउँ? तू
मोका जेल मँ काहे धाँध्या? 19राजा सिदकिय्याह, तोहार नबी
अब कहाँ अहइँ? ओन नबियन तोहका झूठा सँदेसा दिहन।
उ पचे कहेन, 'बाबुल क राजा तोह पइ या यहूदा देस पइ
हमला नाहीं करी।' 20मुला अब मोर यहोवा, यहूदा क राजा,
कृपा कइके मोर सुना। कृपा कइके मोर निवेदन अपने
तलक पहोंचइ द्या। मइँ आप स एतना माँगत हउँ। सास्त्री
योनातन क घर मोका वापस जिन पठवा। जदि आप मोका
हुआँ पठउब्या मइँ हुअँइ मरि जाब।"

21एह बरे राजा सिदकिय्याह यिर्मयाह बरे आँगन मँ
रच्छकन क संरच्छन मँ रहइ क आदेस दिहस कि यिर्मयाह
क सड़क पइ रोटी बनावइवालन स रोटियन दीन्ह जाइ चाही।
यिर्मयाह क तब तक रोटी दीन्ह जात रही जब तलक नगर
मँ अउर रोटी नाहीं रहे। इ तरह यिर्मयाह आँगन मँ रच्छक
क संरच्छन मँ रहा।

यिर्मयाह हउज मँ फेंक दीन्ह जात ह

38 कछू राजकीय अधिकारियन यिर्मयाह क जरिये
दीन्ह जात उपदेस क सुनेन। उ पचे मत्तान क पूत
सपन्याह, पसहूर क पूत गदल्याह, सेलेम्याह क पूत यहूकल
अउर मल्किय्याह क पूत पसहूर रहेन। यिर्मयाह सबहिं
लोगन क इ सँदेसा देत रहा। 2"जउन यहोवा कहत ह, उ इ
अहइः 'जउन कउनो भी यरूसलेम मँ रहिहीं उ पचे सबहिं
तरवार, भूख, भयंकर बीमारी स मरिहीं। किन्तु जउन भी
बाबुल क सेना क आत्मसमर्पण करी, जिअत रही। उ सबइ

लोग जिअत बचा जाइँ।’ 3अउर यहोवा इहइ कहत ह, ‘इ
यरूसलेम नगर बाबुल क राजा क फउज क निहचइ ही,
दीन्ह जाइ। उ इ नगर पइ अधिकार करी।’”
4तब जउन राजकीय अधिकारियन यिर्मयाह क उ कथन
क सुनेन जेका उ लोगन स कहत रहा, उ सबइ राजा
सिदकिय्याह क लगे गएन। उ पचे राजा स कहेन, “यिर्मयाह
क जरूर मार डावइ चाही। उ ओन सैनिकन क भी
हतोत्साहित करत अहइ जउन अब तलक नगर मँ अहइँ।
यिर्मयाह जउन कछू कहत अहइ ओहसे उ हर एक क
साहस तोड़त अहइ। यिर्मयाह यरूसलेम क लोगन क मदद
करइ मँ नाही बल्कि दु:खी करइ मँ रूची क दिखावत ह।”
5एह बरे राजा सिदकिय्याह ओन अधिकारियन स कहेस,
“यिर्मयाह तू लोगन ह हाथ मँ अहा। मइँ तू पचन्क रोकइ
बरे कछू नाहीं कइ सकत।”
6एह बरे ओन अधिकारियन यिर्मयाह क लिहन अउर
ओका राजकुमार मल्किय्याह क हउज मँ डाइ दिहन। उ
हउज आँगन मँ रहा जहाँ राजा क रच्छक ठहरत रहेन।
ओन अधिकारियन यिर्मयाह क हउज मँ उतारइ बरे लसुरी
क उपयोग किहन। हउज मँ पानी बिल्कुल नाहीं रहा,
ओहमा सिरिफ कीचड़ रही अउर यिर्मयाह कीचड़ मँ धँसना
सुरू होइ गवा।
7किन्तु कूस क निवासी, खोजा एबेदमेलेक नाउँ क एक
मनई सुनेस कि अधिकारियन यिर्मयाह क हउज मँ डाइ दिहेन
ह। राजा सिदकिय्याह बिन्यामीन दुआरे पइ बइठा रहा। 8एह
बरे एबेदमेलेक राजमहल स निकरा अउर राजा स बातन
करइ उ दुआरे पइ पहोंचा। 9एबेदमेलेक कहेस, “मोर
सुआमी अउ राजा उ अधिकारियन नबी क हउज मँ डाइके
एक ठू भयंकर काम किहेन ह। उ पचे ओका हुवाँ छोड़
दिहन ह कि उ मरइ जाई अउर सहर मँ रोटी बाकी नाहीं
बची।”
10तब राजा सिदकिय्याह कूसी एबेदमेलेक क आदेस
दिहस। आदेस इ रहा: “एबेदमेलेक राजमहल स तू तीन मनई
अपने संग ल्या। जा अउर मरइ स पहिले यिर्मयाह क हउज
स निकारा।” 11एह बरे एबेदमेलेक अपने संग मनइयन क
लिहस। किन्तु पहिले उ राजमहल क भंडारगृह क एक
कमरा मँ गवा। उ कछू पुरान कम्बल अउ फटा पुरान
कपड़ा उ कमरा स लिहस। तब उ ओन कम्बल क लसुरी
क सहारे हउज मँ यिर्मयाह क लगे पहोंचाएस। 12कूसी
एबेदमेलेक यिर्मयाह स कहेस, “एन पुरान कम्बलन अउर
चिथड़न क अपनी कखरी क खाले लगावा। जब हम लोग
तोहका हींचब तउ इ सबइ तोहरी बाँहन क खाले गद्दी
बनिहीं। तब लसुरियन तोहका चुभिहीं नाहीं।” एह बरे
यिर्मयाह उहइ किहस जउन एबेदमेलेक कहेस। 13ओन लोग
यिर्मयाह क लसुरियन क मदद स ऊपर क बाहेर निकार
लिहन यिर्मयाह रच्छकन क आँगन मँ रच्छकन क संरच्छन
मँ रहा।

सिदकिय्याह यिर्मयाह स फुन सवाल पूछत ह

14तब राजा सिदकिय्याह कउनो क यिर्मयाह नबी क
लिआवइ पठएस। उ यहोवा मन्दिर क तीसरे दुआर पइ
यिर्मयाह क मँगवाएस। तब राजा कहेस, “यिर्मयाह, मइँ
तोहसे कछू पूछत हउँ। मोहसे कछू भी जिन छुपावा, मोका
सब ईमानदारी स बतावा।”
15यिर्मयाह सिदकिय्याह स कहेस, “जदि मइँ आप क
जवाब देब तउ संभव अहइ आप मोका मारी डावइँ अउर
जदि मइँ आप क सलाह भी देब तउ आप ओका नाहीं
मानिहीं।”
16मुला राजा सिदकिय्याह यिर्मयाह स किरिया खाएस।
सिदकिय्याह इ गुप्त रूप स किहस। इ उ अहइ जउन
सिदकिय्याह किरिया खाएस, “यिर्मयाह जइसा कि यहोवा
सास्वत अहइ, जउन हम क परान अउर जिन्नगी दिहस ह
यिर्मयाह। मइँ तोहका मारब नाहीं अउर मइँ प्रतिग्या करत
हउँ कि मइँ तोहका ओन अधिकारियन क नाहीं देब जउन
तोहका मार डावइ चाहत हीं।”
17तब यिर्मयाह राजा सिदकिय्याह स कहेस, “इ उ अहइ
जेका सर्वसक्तीमान परमेस्सर यहोवा इस्राएल क लोगन क
परमेस्सर कहत ह, ‘जदि तू बाबुल क राजा क अधिकारियन
क आत्मसमर्पण करब्या तोहार जिन्नगी बचि जाइ अउर
यररूसलेम जराइके राख नाहीं कीन्ह जाइ, तू अउर तोहार
परिवार जिअत रही। 18किन्तु जदि तू बाबुल क राजा क
अधिकारियन क आत्मसमर्पण करइ स इन्कार करब्या तउ
यरूसलेम बाबुल फउज क दइ दीन्ह जाइ। उ पचे यरूसलेम
क जराइके राख कइ देइहीं अउर तू खुद ओनसे बचिके
नाहीं निकर पउब्या।’”
19तब राजा सिदकिय्याह यिर्मयाह स कहेस, “किन्तु मइँ
यहूदा क ओन लोगन स डेरात हउँ जउन पहिले ही बाबुल
फउज स जाइ मिला अहइँ। मोका डर अहइ कि फउजी
मोका यहूदा क ओन लोगन क दइ देइहीं अउर उ पचे मोरे
संग बुरा बेउहार करिहीं अउर चोट पहोंचइहीं।”
20किन्तु यिर्मयाह जवाब दिहस, “फउजी तोहका यहूदा क
ओन लोगन क नाहीं देइहीं। सादा सिदकिय्याह, जउन मइँ
कहत हउँ ओका कइके, यहोवा क आग्या क पालन करा।
तब सबहिं कछू तोहरे भले बरे होइ अउर तोहार जिन्नगी
बच जाइ। 21किन्तु यदि तू बाबुल क फउज क समन्वा
आत्मसमर्पण करइ स इन्कार करत अहा तउ यहोवा मोका
देखाइ दिहेस ह कि का होइ। इ उ अहइ जउन यहोवा
मोहसे कहेस ह: 22उ पचे सबहिं मेहररूअन जउन यहूदा क
राजमहल मँ रहि गई अहइँ बाहेर लिआई जइहीं। उ पचे
बाबुल क राजा क बड़के अधिकारियन क समन्वा लिआइ
जाइहीं। तोहार मेहररूअन एक ठु गीत क जरिये तोहार
खिल्ली उड़इहीं। जउन कछू मेहररूअन कहिहीं उ इ अहइ:

‘तोहार अच्छे मीत तोहका गलत राह लइ गएन अउर
उ पचे तोहसे जियादा बरिआर रहेन। उ पचे अइसे मीत
रहेन जेन पइ तोहार बिस्सास रहा। तोहार पाँव कीचड़ मँ
फँसा रहेन। तोहार मीतन तोहका छोड़ दिहन ह।’

23“तोहार सबहिं मेहररूअन अउर तोहार बच्चन बाहेर
लिआवा जइहीं। उ पचे बाबुल फउज क दइ दीन्ह जइहीं।
तू खुद बाबुल क फउज स बचिके नाहीं निकर पउब्या। तू
बाबुल क राजा क जरिये धरा जाब्या अउर यरूसलेम
जराइके राख कइ दीन्ह जाइ।”

24तब सिदकिय्याह यिर्मयाह स कहेस, "कउनो मनई स इ
जिन कह्या कि मइँ तोहसे बातन करत रहा। जदि तू कहब्या
तउ तू मारा जाब्या। 25अगर उ सबइ अधिकारियन क पता
चला कि मइँ तोहसे बातन किहेउँ। तब उ पचे तोहरे लगे
अइहीं अउर तोहसे कहिहीं, 'यिर्मयाह, इ बतावा कि तू राजा
सिदकिय्याह स का कह्या अउर उ तोहसे का कह्या? हम
लोगन बरे ईमानदार रहा अउर हमका सब कछू बताइ द्या,
नाहीं तउ हम तोहका मार डाउब।' 26जदि उ पचे तोहसे
अइसा कहइँ तउ ओनसे कह्या, 'मइँ राजा स पराथना करत
रहेउँ कि उ पचे मोका योनातन क घर क खाले कूप-गृह
मँ वापस न पठवइँ। जदि मोका हुआँ वापस जाइ पड़ा तउ
मइँ मरि जाब।'"

27अइसा भवा कि राजा क उ सबइ अधिकारी यिर्मयाह
स पूछइ ओकरे लगे आइ गएन। एह बरे यिर्मयाह उ सब
कहेस जेका कटइ क आदेस राजा दिहे रहा। तब ओन
अधिकारियन यिर्मयाह क अकेले छोड़ दिहन। कउनो मनई
क पता नाहीं चला कि यिर्मयाह अउर राजा का बातन
किहन।

28इ तरह यिर्मयाह रच्छकन क संरच्छन मँ आँगन मँ उ
दिन तलक रहा जउने दिन यरूसलेम पइ अधिकार कइ
लीन्ह गवा।

यरूसलेम क पतन

39 यरूसलेम पइ जउने तरह अधिकार भवा उ इ
अहइः यहूदा क राजा सिदकिय्याह क राज्काल
क नवें बरिस क दसएँ महीने मँ बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर
आपन पूरी फउज क साथ यरूसलेम क खिलाफ कूच
किहस। 2उ हरावइ बरे नगर क डेरा डाएस अउ सिदकिय्याह
क ग्यारहवें बरिस क चउथे महीने क नौवें दिन यरूसलम
क चहरदीवारी टूटी। 3तब बाबुल क राजा क सबहिं
राजकीय अधिकारी यरूसलेम नगर मँ घुस आएन। उ पचे
अन्दर आएन अउर बीच वाले दुआर पइ बइठ गएन। ओन
अधिकारियन क इ सबइ नाम अहइँः समगर जिले प्रसासक
नेर्गलसरेसेर एक बहोत उच्च अधिकारी नेबो-सर्सकीम दूसर
उच्च अधिकारी अउर बहोत स दूसर बड़के अधिकारी भी
हुवाँ रहेन।

4यहूदा क राजा सिदकिय्याह बाबुल क ओन पदाधिकारियन
क लखेस, एह बरे उ अउर ओकर फउजी हुवाँ स पराइ
गएन। उ पचे रात मँ यरूसलेम क तजेन अउर राजा क
बाग स होइके बाहेर निकरेन। उ पचे उ दुआर स गएन
जउन दुइ दीवारन क बीच रहा। तब उ पचे रेगिस्तान कइँती
बढ़ेन। 5मुला बाबुल क फउज सिदकिय्याह अउर ओकरे
साथ क फउज क पाछा किहस। कसदियन क फउज यरीहे
क मइदान मँ सिदकिय्याह क जाइ धरेस उ पचे सिदकिय्याह
क धरेन अउर मोका बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर क लगे
लइ गएन। नबूकदनेस्सर हमात प्रदेस क रिबला नगर मँ
रहा। उ ठउरे पइ नबूकदनेस्सर सिदकिय्याह क बरे निर्णय
सुनाएस। 6हुवाँ रिबला नगर मँ बाबुल क राजा सिदकिय्याह
क पूतन क ओकरे सामने मार डाएस अउर सिदकिय्याह क
समन्वा ही नबूकदनेस्सर यहूदा क सबहिं राजकीय अधिकारियन
क मार डाएस। 7तब नबूकदनेस्सर सिदकिय्याह क आँखिन
निकार लिहस। उ सिदकिय्याह क काँसा क जंजीर स बाँधेस
अउर ओका बाबुल लइ गवा।

8बाबुल क सेना राजमहल अउर यरूसलेम क लोगन क
घरन मँ आगी लगाइ दिहस अउर उ पचे यरूसलेम क
दीवारन गिराइ दिहन। 9नबूजरदन नाउँ क एक मनई बाबुल
क राजा क बिसेस रच्छकन क अधिनायक रहा। उ ओन
लोगन क लिहस जउन यरूसलेम मँ बचि ग रहेन अउर
ओनका कैदी बनाइ लिहस। नबूजरदन ओन लोगन क
लिहेस जउन यरूसलेम मँ रहत रहेन ओन लोगन क भी
लिहस जउन पहिले ही ओका आत्मसमर्पण कइ चुके रहेन।
अउर ओकर पाछे उ ओन सबइ क बन्दी बनाइके बाबुल
भेज दिहेस। 10मुला बिसेस रचच्छकन क अधिनायक नबूजरदान
यहूदा क कछू गरीब लोगन क आपन पाछे छोड़ दिहस। उ
पचे अइसे लोग रहेन जेनके लगे कछू नाहीं रहा। इ तरह उ
दिन नबूजरदान ओन यहूदा क गरीब लोगन क अंगूर क
बाग अउर खेत दिहस।

11किन्तु नबूकदनेस्सर नबूजरदान क यिर्मयाह क बारे मँ
कछू आदेस दिहस। नबूजरदान, नबूकदनेस्सर क बिसेस
रच्छकन क अधिनायक रहा। आदेस इ सबइ रहेनः 12"यिर्मयाह
क हेरा अउर ओकर देख-रेख करा। ओका चोट न
पहोंचावा। ओका उ सब द्या, जउन उ माँगइ।"

13एह बरे राजा क बिसेस रच्छकन क अधिनायक
नबूनरदान बाबुल क फउज क एक मुख्य पदाधिकारी
नबूसजबान एक ऊँचा अधिकारी नेर्गलसरेसेर अउर बाबुल क
फउज क दूसर सबहिं अधिकारी यिर्मयाह क खोज मँ पठए
गएन। 14ओन लोग यिर्मयाह क आँगन स निकारेन जहाँ उ
यहूदा क राजा क रच्छकन क संरच्छन मँ पड़ा रहा। कसदी
सेना क ओन अधिकारी लोग यिर्मयाह क सपान क पूत
अहीकाम, अहीकाम क पूत गदल्याह क सुपुर्द किहन।
गदल्याह क आदेस रहा कि उ यिर्मयाह क ओकरे घर
वापस लइ जाइ। एह बरे यिर्मयाह आपन घरे पहोंचाइ दीन्ह
गवा अउर उ आपन लोगन मँ रहइ लाग।

एबेदमेलेक क यहोवा स सँदेसा

15जउने समइ यिर्मयाह रच्छकन क संरच्छन मन्दिर क
आँगन मँ रहा, ओका यहोवा क एक सँदेसा मिला। सँदेसा
इ रहाः 16"यिर्मयाह, जा अउर कूस क एबेदमेलेक क इ
सँदेसा द्याः इ उ सँदेसा अहइ, जेका सर्वसक्तीमान यहोवा
इस्राएल क लोगन क परमेस्सर देत हः 'बहोत हाली ही मइँ
इ यरूसलेम नगर सम्बन्धी आपन सँदेसन क फुरइ घटित
करब। मोर सँदेसा बिनास लाइके फुर होइ। नीक बातन क
लाइके नाहीं। तू सबहिं इ फुरइ क घटित होत भवा आपन
आँखिन स देखब्या। 17किन्तु एबेदमेलेक उ दिन मइँ तोहका
बचाउब।' इ यहोवा क सँदेसा अहइ। 'तू ओन लोगन क
नाहीं दीन्ह जाब्या जेनसे तोहका डर अहइ। 18एबेदमेलेक मइँ
तोहका बचाउब। तू तरवारे क घाट नाहीं उतारा जाब्या,
अपितु बच निकरब्या अउर जिअत रह्ब्या। अइसा होइ,
काहेकि तू मोह पइ बिस्सास किहा ह।'" इ सँदेसा यहोवा क
अहइ।

यिर्मयाह अजाद कीन्ह जात ह

40 रामा सहर मँ अजाद कीन्ह जाइ क पाछे यिर्मयाह
क यहोवा क सँदेसा मिला। बाबुल क राजा क
बिसेस रच्छकन क अधिनायक नबूनरदान क यिर्मयाह रामा मँ
मिला। यिर्मयाह जंजीरन मँ बँधा रहा। उ यरूसलेम अउर
यहूदा क सबहिं कैदियन क संग रहा। उ पचे कैदी बाबुल
क बन्धुआइ मँ लइ जात रहेन। 2जब अधिनायक नबूजरदान
क यिर्मयाह मिला तउ उ ओहसे बातन किहस। उ कहेस,
"यिर्मयाह तोहार परमेस्सर यहोवा इ घोसित किहे रहा कि इ
बिपत्ति इ जगहिया पइ आइ उ 3अउर अब यहोवा सब कछू
उ कइ दिहेस ह जेका उ करइ क कहे रहा। इ बिपत्ति एह
बरे आइ कि यहूदा क तू सब लोगन यहोवा क खिलाफ
पाप किहा। तू लोग यहोवा क आग्या नाहीं मान्या। 4किन्तु
यिर्मयाह, अब मइँ तोहका अजाद करत हउँ। मइँ तोहरी
कलाइयन स जंजीर उतारत हउँ। जदि तू चाहा तउ मोरे संग
बाबुल चला अउर मइँ तोहार अच्छी देख-रेख करब। किन्तु
जदि तू मोरे संग चलब नाहीं चहत्या तउ न चला। लखा
पूरा देस तोहरे बरे खुला अहइ। तू जहाँ चाहा चला जा। 5या
सापान क पूत अहीकाम क पूत गदल्याह क लगे लउटि
जा। बाबुल क राजा यहूदा क नगरन क प्रसासक गदल्याह
क चुनेस ह। जा अउर गदल्याह क संग लोगन क बीच
रहा या तू जहाँ चाहा जाइ सकत ह।"
तब नबूजरदान यिर्मयाह क कछू भोजन अउर भेंट दिहस
तथा ओका बिदा किहस। 6इ तरह यिर्मयाह अहीकाम क
पूत गदल्याह क लगे मिस्पा गवा। यिर्मयाह गदल्याह क
संग ओन लोगन क बीच रहा जउन यहूदा देस मँ छोड़ दीन्ह
ग रहेन।

गदल्याह क अल्प काल क सासन

7यहूदा क फउज क कछू फउजी, अधिकारी अउर
ओनकर लोग, जब यरूसलेम नस्ट होत रहा, खुला मैदान मँ
रहेन। ओन फउजियन सुनेन कि अहीकाम क पूत गदल्याह
क बाबुल क राजा प्रदेस मँ बचे लोगन क प्रसासक तैनात
किहस ह। बचे भए लोगन मँ उ पचे सबहिं मेहररूअन,
मनसेधुअन अउर बच्चन रहेन जउन बहोत जियादा गरीब
रहेन अउर कैदी बनाइके बाबुल नाहीं पहोंचावा गए रहेन।
8एह बरे उ सबइ फउजी गदल्याह क लगे मिस्पा मँ
आएन। उ सबइ फउजी नतन्याह क पूत इस्माएल, योहानन
अउ ओकर भाई योनातान, कारेह क पूत तन्हूसेत क पूत
सरायाह, नतोयवासी एथै क पूत माकावासी क पूत याजन्याह
अउर ओकरे साथ स मनसेधुअन रहेन।
9सापान क पूत अहीकाम क पूत गदल्याह ओन
फउजियन अउर ओनके लोगन क जियादा सुरच्छित अनुभव
करावइ क किरिया खाएस। गदल्याह जउन कहेस, उ इ
अहइ: "फउजियो तू लोग कसदी लोगन क सेवा करइ स
भयभीत जिन ह्वा। इ प्रदेस मँ बस जा अउर बाबुल क
राजा क सेवा करा। जदि तू पचे अइसा करब्या तउ तोहार
पचन्क सब कछू भला होइ। 10मइँ खुद मिस्पा मँ रहब। मइँ
ओन कसदी लोगन स तोहरे पचन्क बरे मँ बातन करब
जउन हिआँ अइहीं। तू लोग इ काम मोह पइ छोड़ा। तू
पचन्क दाखरस गर्मी क फल अउर तेल पइदा करइ चाही।
जउन तू पचे पइदा करा ओका आपन बटोरइ बरे घड़न मँ
भरा। ओन नगरन मँ रहा जेह पइ तू पचे अधिकार किहे
अहा।"
11यहूदा क सबहिं लोग, जउन मोआब, अम्मोन, एदोम
अउर दूसर सबहिं प्रदेसन मँ रहेन, सुनेन कि बाबुल क राजा
यहूदा क कछू लोगन क उ देस मँ छोड़ दिहेस ह अउर उ
पचे इ सुनेन कि बाबुल क राजा सापान क पोता अउ
अहीकाम क पूत गदल्याह क ओनकर प्रसासक तइनात
किहेस ह। 12जब यहूदा क लोग इ खबर पाएन, तउ उ
पचे यहूदा प्रदेस मँ लउटि आएन। उ पचे गदल्याह क लगे
ओन सबहिं देसन स मिस्पा लउटेन, जेनमाँ उ पचे बिखेर ग
रहेन। एह बरे उ पचे लउटेन अउर उ पचे दाखरस अउर
गर्मी क बड़ी फसल काटेन।
13कारेह क पूत योहानन अउ यहूदा क फउज क सबहिं
अधिकारी, जउन अबहिं तलक खुले प्रदेसन मँ रहेन,
गदल्याह क लगे आएन। गदल्याह मिस्पा नगर मँ रहा।
14योहानन अउर ओकरे साथ क अधिकारियन गदल्याह स
कहेन, "का तोहका मालूम अहइ कि अम्मोनी लोगन क
राजा बालीस तोहका मार डावइ चाहत ह? उ नतन्याह क
पूत इस्माएल क तोहका मार डावइ पठएस ह।" मुला
अहीकाम क पूत गदल्याह ओन पइ बिस्सास नाहीं किहस।
15तब कारेह क पूत योहानन मिस्पा मँ गदल्यह स गुप्त
बाचचीत किहस। योहानन गदल्याह स कहेस, "मोका जाइ
द्या अउर नतन्याह क पूत इस्माएल क मार डावइ द्या।
कउनो भी मनई इ बारे मँ नाहीं जानी। हम लोग इस्माएल
क तोहका मारइ नाहीं देब। उ यहूदा क ओन सबहिं लोगन
क जउन तोहरे लगे बटुरा भए अहइँ, विभिन्न देसन मँ फुन
स बिखेर देइ अउर एकर इ अरथ होइ कि यहूदा क थोड़ा
स बचे-खुचे लोग भी नस्ट होइ जइहीं।"
16किन्तु अहीकाम क पूत गदल्याह कारेह क पूत
योहानान स कहेस, "इस्माएल क न मारा। इस्माएल क बारे
मँ जउन तू कहत अहा, उ फुरइ नाहीं अहइ।"

41 सतएँ महीना मँ नतन्याह (एलीसामा क पूत) क पूत
इस्माएल, अहीकाम क पूत गदल्याह क लगे
आवा। इस्माएल आपन दस मनइयन क संग आवा। उ सबइ
लोग मिस्पा नगर मँ आए रहेन। इस्माएल राजा परिवार क
सदस्य रहा। उ यहूदा राजा क अधिकारियन मँ स एक रहा।
इस्माएल अउर ओकर लोग गदल्याह क संग खइया क
खाएन। 2जब उ पचे साथ भोजन करत रहेन तबहिं इस्माएल
अउर ओकर दस मनई उठेन अउर अहीकाम क पूत
गदल्याह क तरवारे स मार दिहन। उ इ एह बरे किहेन
काहेकि बाबुल क राजा ओका यहूदा क राज्पाल नियुक्त
किहे रहा। 3इस्माएल यहूदा क ओन सबहिं लोगन क भी
मार डाएस जउन मिस्पा मँ गदल्याह क संग रहेन। इस्माएल
ओन कसदी फउजियन क भी मार डाएस जउन उ समइ
मिस्पा मँ रहेन।
4-5गदल्याह क हत्या क एक दिन बाद अस्सी मनई
मिस्पा आएन। उ पचे अन्नबलि अउर सुगन्धि यहोवा क

मन्दिर बरे लिआवत रहेन। ओन अस्सी मनइयन आपन दाढ़ी
मुड़वाइ राखी रही, आपन ओढ़वा फाड़ डावे रहेन अउर
आपन क काट राखे रहेन। उ पचे सकेम, सीलो अउर
सोमरोन स आए रहेन। एनमाँ स कउनो भी इ नाहीं जानत
रहा कि गदल्याह क हत्या कइ दीन्ह गई अहइ। 6इस्माएल
मिस्पा नगर स ओन अस्सी मनइयन स मिलइ गवा। ओनसे
मिलत जात समइ उ रोवत रहा। इस्माएल ओन अस्सी
मनइयन स मिला अउर उ कहेस, "अहीकाम क पूत
गदल्याह स मिलइ मोरे संग चला।" 7उ पचे अस्सी मनई
मिस्पा नगर मँ गएन। तब इस्माएल अउर ओकर मनइयन
ओनमाँ स सत्तर लोगन क मार डाएन। इस्माएल अउर
ओकर मनइयन ओन सत्तर मनइयन क अर्थियन क एक ठु
गहिर हउज मँ डाइ दिहस। 8मुला बचे भए दस मनइयन
इस्माएल स कहेन, "हमका जिन मारा। हमरे लगे गोहूँ
अउर जौ अहइ अउर हमरे लगे तेल अउर सहद अहइ।
हम लोग ओन चिजियन क एक खेते मँ छिपाइ राखी ह।"
एह बरे ओन मनइयन क छोड़ दिहा। उ दूसर लोगन क संग
ओनका नाहीं मारेस। 9(उ हउज जेहमाँ इस्माएल ल्हासन क
फेंकेस बहोत बड़ा रहा इ यहूदा क आसा नाउँ क राजा क
जरिये बनवावा गवा रहा। ओका एह बरे बनाए रहा कि
जुद्ध कि दिनन मँ जब इ इस्राएल क राजा बासा स लड़त
रहा तउ नगर क ओहसे पानी मिलत रहइ। इस्माएल उ
हउज मँ एतनी ल्हासन डाएस कि उ भर गवा।)

10इस्माएल मिस्पा नगर क दूसर सबहिं लोगन क भी
धरेस। (ओन लोगन मँ राजा क बिटियन अउर उ सबइ
दूसर लोग रहेन जउन हुवाँ बच गए रहेन। उ पचे अइसे
लोग रहेन जेनका नबूजरदान गदल्याह पइ नजर रखइ बरे
चुने रहा। नबूजरदान बाबुल क राजा क खास रच्छकन क
अधिनायक रहा। एह बरे इस्माएल ओन लोगन क धरेस
अउर अम्मोनी लोगन क देस मँ जाइ बरे बढ़ब सुरू
किहस।)

11कारेह क पूत योहानन अउर ओकर साथी क सबहिं
फउजी अधिकारियन ओन सबहिं दुराचारन क सुनेन जउन
इस्माएल किहेस। 12एह बरे योहानन अउर ओकरे संग क
फउजी अधिकारियन आपन मनइयन क लिहन अउ नतन्याह
क पूत इस्माएल स लड़इ गएन। उ पचे इस्माएल क उ
बड़के पानी क हउज क लगे धरेन जउन गिबोन नगर मँ
अहइ। 13ओन मनइयन जेनका इस्माएल बन्दी बनाए रहा,
योहानन अउ फउजी अधिकारियन क लखेन। उ सबइ लोग
बहोत खुस भएन। 14तब उ पचे सबहिं लोग जेनका
इस्माएल मिस्पा मँ बन्दी बनाए रहा, कारेह क पूत योहानन
क लगे दउड़ पड़ेन। 15किन्तु इस्माएल अउ ओकर आठ
मनई योहानन स बच निकरेन। उ पचे अम्मोनी लोगन क
लगे पराइ गएन।

16एह बरे कारेह क पूत योहानन अउ ओकर सबहिं
फउजी अधिकारियन बन्दीयन क बचाइ लिहन। इस्माएल
गदल्याह क हत्या किहे रहा अउ ओन लोगन क मिस्पा स
धइ लिहे रहा। बचे भए लोगन मँ फउजी, मेहररूअन,
बच्चन अउर अदालत क अधिकारी रहेन। योहानन ओनका
गिबोन नगर स वापस लिहस।

मिस्र क बच निकरब

17-18योहानन अउ दूसर फउजी अधिकारी कसदियन स
भयभीत रहेन। बाबुल क राजा गदल्याह क यहूदा क
प्रसासक चुने रहा। किन्तु इस्माएल गदल्याह क हत्या कइ
दिहे रहा अउ योहानन क डर रहा कि कसदी कोहान होइहीं।
एह बरे उ पचे मिस्र क पराइ निकरइ क निहचइ किहस।
मिस्र क रास्ते मँ उ पचे गेरथ किम्हाम मँ रूकेन। गेरथ
किम्हान बेतलेहेम नगर क लगे अहइ।

42 जब उ पचे गेरथ किम्हाम मँ रहेन योहानान अउ
होसायाह क पूत याजन्याह यिर्मयाह नबी क लगे
गएन। योहानन अउ याजन्याह क संग सबहिं फउजी
अधिकारी गएन। जियादा महत्त्वपर्ण स लइके कम महत्त्वपर्ण
तलक सबहिं मनई यिर्मयाह क लगे गएन। 2ओन सबहिं
लोग ओहसे कहेस, "यिर्मयाह, कृपा कइके सुना जउन हम
कहत अही। आपन परमेस्सर यहोवा स, यहूदा क परिवार क
एन सबहिं बचे मनइयन बरे पराथना करा। यिर्मयाह, तू लख
सकत अहा कि हम लोगन मँ बहोत जियादा नाहीं बचा
अहइँ। कउने समइ हम बहोत जियादा रहे। 3यिर्मयाह, आपन
परमेस्सर यहोवा स इ पराथना करा कि उ बतावइ कि
हमका कहाँ जाइ चाही अउ हमका का करइ चाही।"

4तब यिर्मयाह नबी जवाब दिहेस, "मइँ समुझत हउँ कि तू
मोहसे का करावइ चाहत अहा। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा
स उहइ पराथना करब जउन तू मोहसे करइ क कहत अहा।
मइँ हर एक बात, जउन यहोवा कही बताउब। मइँ तोहसे
कछू भी नाहीं छिपाउब।"

5तब ओन लोग यिर्मयाह स कहेन, "जदि तोहार परमेस्सर
यहोवा जउन तोहार जरिये हम पचन्क कहत ह ओका हम
नाहीं करित तउ हमका आसा अहइ कि यहोवा ही सच्चा
अउ बिस्सास क जोग्ग गवाह हमरे खिलाफ होइ। 6एकर
कउनो महत्व नाहीं कि हम सँदेसा क पसन्द करित ह या
नाहीं। हम लोग आपन परमेस्सर, यहोवा क आग्या क
पालन करब। हम लोग तोहका यहोवा क हिआँ ओहसे
सँदेस लेइ बरे पठवत अही। हम ओकर पालन करब जउन
उ कही। तब हम लोगन बरे उ नीक होइ। हाँ, हम आपन
परमेस्सर यहोवा क आग्या क पालन करब।"

7दस दिन बीतइ क पाछे यहोवा क हिआँ स यिर्मयाह क
सँदेसा मिला। 8तब यिर्मयाह कारेह क पूत योहानन अउर
ओकरे संग क फउजी अधिकारियन क एक संग बोलाएस।
यिर्मयाह बहोत नान्ह मनई स लइके बहोत बड़के मनई
तलक क भी एक संग बोलाएस। 9तब यिर्मयाह ओनसे
कहेस, "जउन इस्राएल क लोगन क परमेस्सर यहोवा कहत
ह, उ इ अहइः तू मोका ओकरे लगे पठया। मइँ यहोवा स
उ पूछेउँ, जउन तू लोग मोहसे पूछइ चाहत रह्या। यहोवा इ
कहत ह: 10'जदि तू लोग यहूदा मँ रहब्या तउ मइँ तोहार
निर्माण करब मइँ तोहका नस्ट नाहीं करब। मइँ तोहका
रोपब अउर मइँ तोहका उखाड़ब नाहीं। मइँ इ एह बरे करब
कि मइँ ओन भयंकर बिपत्तियन बरे दुःखी हउँ जेनका मइँ तू
लोगन पइ घटित होइ दीन्ह। 11इ समइ तू पचे बाबुल क
राजा स भयभीत अहा। बाबुल क राजा स भयभीत न ह्वाः
यहोवा कहत ह। काहेकि मइँ तोहरे पचन्क संग हउँ। मइँ

तोहका पचन्क बचाउब। मइँ तू पचन्क खतरे स बाहेर निकारब। 12मइँ तू पचन्पइ दयालु रहब अउर बाबुल क राजा भी तू पचन्क संग दाया क बेउहार करी अउर उ तू पचन्क तोहरे पचन्क देस वापस लिआइ।' 13किन्तु तू पचे इ कहि सकत ह, हम यहूदा मँ नाहीं ठहरब। जदि तू पचे अइसा कहब्या तउ तू पचे आपन परमेस्सर यहोवा क आग्या क उल्लंघन करब्या। 14तू पचे इ भी कहि सकत ह, 'नाहीं हम लोग जाब अउर मिस्र मँ रहब। हमका उ ठउरे पइ जुद्ध क परेसानी नाहीं होइ। हम हुआँ जुद्ध क तुरही नाहीं सुनब अउर मिस्र मँ हम भूखा नाहीं रहब।' 15अगर तू पचे इ सब कहत अहा, तउ यहूदा क बचे लोगो यहोवा क इ सँदेसा क सुना। इस्राएल क लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह: 'अगर तू पचे मिस्र मँ रहइ बरे जाइ क निर्णय करत अहा तउ इ सब घटित होइ: 16तू पचे जुद्ध क तरवार स डेरात अहा, किन्तु इहइ तोहका पचन्क पराजित करी अउर तू पचे भूख स परेसान अहा किन्तु तू पचे मिस्र मँ भूखा रहब्या। तू पचे हुआँ मरब्या। 17हर एक उ मनई तरवार, भूख अउर भयंकर बीमारी स मरी जउन मिस्र मँ रहइ बरे जाइ क निर्णय करी। जउन लोग मिस्र जइहीं ओनमाँ स कउनो भी जिअत नाहीं बची। ओनमाँ स कउनो भी ओन भयंकर बिपत्तियन स नाहीं बची जेनका मइँ ओन पइ ढाउब।

18"इस्राएल क सर्वसक्तीमान यहोवा, इ कहत ह: 'मइँ आपन किरोध यरूसलेम क खिलाफ परगट किहेउँ ह। मइँ ओन लोगन क सजा दिहेउँ जउन यरूसलेम मँ रहत रहेन।। उहइ प्रकार मइँ आपन किरोध हर एक उ मनई पइ उड़ेरब जउन मिस्र जाइ। लोग तू पचन्क स लज्जित होइहीं। तू पचे अभिसाप वाणी क समान होब्या। तू पचन्पइ जउन कछू भवा ओका लखिके लोग भयभीत होइहीं। लोग तोहार पचन्क अपमान करिहीं अउर तू पचे फुन कबहुँ इ देस क नाहीं लखि पउब्या।'

19"यहूदा क बचे भए लोगो, यहोवा तू पचन्स कहेस, 'मिस्र जिन जा।' मइँ तू पचन्क साफ चिताउनी देत अहइँ। 20तू लोग एक बड़ी भूल करत अहा, जेकरे कारण तू मरब्या। तू लोग यहोवा आपन परमेस्सर क लगे मोका पठया। तू मोहसे कह्या, 'परमेस्सर यहोवा स हमरे बरे पराथना करा। हर बात हमका बतावा जउन यहोवा करइ क कहत ह। हम यहोवा क आग्या क पालन करब।' 21एह बरे आजु मइँ यहोवा क सँदेसा तोहका दिहेउँ ह। किन्तु तू पचे आपन परमेस्सर यहोवा क आग्या क पालन नाहीं किहा। तू पचे उ सब नाहीं किहा ह जेका करइ बरे कहइ क उ मोका पठएस ह। 22तू लोग रहइ बरे मिस्र जाइ चाहत अहा अब निहचइ ही तू पचे इ समुझ गवा होब्या कि मिस्र मँ तू पचन्पइ इ घटी: तू पचे तरवार स या भूख स, या भयंकर बीमारी स मरब्या।"

43 इ तरह यिर्मयाह लोगन क यहोवा ओकरे परमेस्सर क सँदेसा देब पूरा किहस। यिर्मयाह लोगन क उ सब कछू बताइ दिहस जेका लोगन स कहइ बरे यहोवा ओका पठए रहा।

2होसाया क पूत अजर्याह, कारेह क पूत योहानन अउर कछू दूसर लोग घमण्डी अउर हठी रहेन। उ सबइ लोग यिर्मयाह पइ क्रोधित होइ गएन। ओन लोगन यिर्मयाह स कहेन, "यिर्मयाह, तू झूठ बोलत अहा। हमार परमेस्सर यहोवा तोहसे हमका इ कहइ क नाहीं पठएस, 'तू लोगन क मिस्र मँ रहइ बरे नाहीं जाइ चाही।' 3यिर्मयाह, हम समझित अही कि नेरिय्याह क पूत बारूक तोहका हम लोगन क बिरुद्ध होइ बरे हुस्कावत अहइ। उ चाहत ह कि तू हमका कसदी लोगन क हाथ मँ दइ द्या। उ इ एह बरे चाहत ह जेहसे उ पचे हमका मारि डावइँ या उ तोहसे इ एह बरे चाहत ह कि उ पचे हमका कैदी बनाइ लेइँ अउर बाबुल लइ जाइ।"

4एह बरे योहानन फउजी अधिकारी अउर सबहिं लोग यहोवा क आग्या क उल्लंघन किहन। यहोवा ओनका यहूदा मँ रहइ क आदेस दिहे रहा। 5किन्तु यहोवा क आग्या मानइ क जगह पइ योहानन अउर फउजी अधिकारी ओन लोगन क भी आपन संग लइ गएन जउन यहूदा मँ रहइ बरे आए रहेन। पहिले उ पचे सत्रुअन दुआरा दूसर रास्ट्रन मँ लेइ जवा गएन रहेन, किन्तु अब उ पचे वापिस यहूदा आइ गए रहेन। 6अब योहानन अउ सबहिं फउजी अधिकारी, सबहिं मनसेधू, मेहररूअन अउर बच्चन क मिस्र लइ गएन। ओन लोगन मँ राजा क बिटियन रहिन। (नबूजरदान गदल्याह क ओन लोगन क प्रसासक तैनात किहे रहा नबूजरदान बाबुल क राजा क खास रच्छकन क अधिनायक रहा।) योहानन यिर्मयाह नबी अउर नेरिय्याह क पूत बारूक क भी साथ लइ गवा। 7ओन लोग यहोवा क एक न सुनेन। एह बरे उ पचे सबहिं लोग मिस्र गएन। उ पचे तहपन्हेस नगर क गएन।

8तहपन्हेस नगर मँ यिर्मयाह यहोवा स इ सँदेसा पावा, 9"यिर्मयाह, कछू बड़के पाथर ल्या। ओनका ल्या अउर ओनका तहपन्हेस मँ फिरौन क राजमहल क प्रवेस दुआर क ईटंन क चबूतरन क लगे माटी मँ गाड़ा। 10इ तब करा जब यहूदा क लोग तोहका अइसा करत लखत रहा अहा, 'इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ: मइँ बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर क हिआँ आवइ बरे बोलावा पठउब। उ मोर सेवक अहइ अउर मइँ ओकर राज सिंहासन क एन पाथरन पइ रखब जेनका मइँ हिआँ गाड़ा ह। नबूकदनेस्सर आपन चँदोवा एन पाथरन क ऊपर फैलाई। 11नबूकदनेस्सर हिआँ आइ अउर मिस्र पाइ हमला करी। उ कछू लोगन मारिहीं अउर कछू क लोगन क कैदी बनावइ जाइ अउर उ कछू लोगन क तरवारे क घाट उतारी। 12नबूकदनेस्सर मिस्र क लबार देवतन क मन्दिरन मँ ओन देवतन क संग आगी लगाइ देइ। उ ओनका बार देइहीं अउ ओनका बन्दी बनाइ लेइहीं। नबूकदनेस्सर मिस्र क भुइँया क सबहिं चिजियन क वइसेन ही लइ लेत ह जइसे गड़ेरिया आपन ओढ़ना स चिल्लर क चुन-चुन कइ बाहेर फेंकत ह। अउर तउ उ सुरच्छा स मिस्र क तजि देइहीं। 13नबूकदनेस्सर ओन सुमिरन-पाथरन क नस्ट करी जउन मिस्र मँ सूर्य देवता क मन्दिर मँ अहइ उ मिस्र क लबार देवन क मन्दिरन क जराइ देइ।'"

यहूदा अउर मिस्र क लोगन क यहोवा क सँदेसा

44 यिर्मयाह क यहोवा क एक ठु सँदेसा मिला। इ
सँदेसा मिस्र मँ रहइवाले यहूदा क सबहिं लोगन
बरे रहा। इ सँदेसा यहूदा क ओन लोगन बरे रहा जउन
मिग्दोल, तहपन्हेस, नोप अउर दक्खिनी मिस्र मँ रहत रहेन।
सँदेसा इ रहाः 2इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा
कहत ह, "तू लोग ओन भयंकर घटनन क लख्या जेनका
मइँ यरूसलेम नगर अउर यहूदा क दूसर सबहिं नगरन क
बिरुद्ध लाएउँ। उ सबइ नगर आजु पाथरन क ढेर अहइँ।
हुवाँ कउनो नाहीं रहत ह। 3उ सबहिं जगह नस्ट कीन्ह गएन
काहेकि तू अउर ओनमाँ रहइवाले दूसर लोग बुरे करम
किहन। ओन लोग दूसर देवतन क बलि भेंट किहन, जेका
तोहार लोग अउर तोहार पुरखन पहिले नाहीं जानत रहेन।
अउर मोका क्रोधित किहस। 4मइँ आपन नबी ओन लोगन
क बार-बार पठएउँ। उ सबइ नबी मोर सेवक रहेन। ओन
नबियन मोर सँदेसा दिहन अउर लोगन स कहेन, "इ भयंकर
काम जिन करा जेहसे मइँ घिना करत हउँ। काहेकि तू पचे
देवमूरतियन क पूजा करत अहा। 5किन्तु ओन लोग नबियन
क एक न सुनेन। उ पचे ओन नबियन पइ धियान नाहीं
दिहन। ओन लोग दुट्ठता भरे करम करब नाहीं तजेन। उ
पचे दूसर देवतन क बलि भेंट करब बन्द नाहीं किहेन। 6एह
बरे मइँ आपन किरोध ओन लोगन क बिरुद्ध परगट
किहेउँ। मइँ यहूदा क नगरन अउर यरूसलेम क सड़कियन
क सजा दिहेउँ। मोर किरोध यरूसलेम अउ यहूदा क नगरन
क सूना पाथरन क देर बनाएस, जइसे उ सबइ आजु
अहइँ।"

7एह बरे इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा इ
कहत हः "तू पचे मनइयन, मेहररूअन, गदेलन अउर नान्ह
गदेलन क यहूदा क धरती स दूर ले जाइके अउर हिआँ पइ
कउनो क धोड़िके आपन क चोट काहे पहोंचावत अहा।
8लोगो देवमूरतियन बनाइके तू पचे मोका काहे क्रोधित करब
चाहत अहा? अब तू पचे मिस्र मँ रहत अहा अउर अब
मिस्र क लबार देवतन क भेंट चढ़ाइके तू पचे मोका क्रोधित
करत अहा। लोगो तू पचे आपन क नस्ट कइ डउब्या। इ
तोहार पचन्क आपन दोख क कारण होइ। तू पचे आपन क
कछू अइसा बनाइ लेब्या कि दूसर रास्ट्रन क लोग, तोहार
पचन्क बुराई करिहीं अउर पृथ्वी क दूसर रास्ट्रन क लोग
तोहार पचन्क मजाक उड़इहीं। 9का तू पचे ओन दुट्ठता भरे
करमन क बिसरि चुका अहा जेनका तोहार पुरखन किहन?
का तू पचे ओन दुट्ठता स भरे कामन क बिसरि चुका
अहा जेनका यहूदा क राजा अउर रानिनियन किहन? का तू
पचे ओन दुट्ठता स भरे करमन क बिसरि चुका अहा
जेनका तू पचे अउर तोहार मेहररूअन यहूदा क धरती पइ
अउर यरूसलेम क गलियन पइ किहन? 10आज भी यहूदा
क लोगन आपन क विनम्र नाहीं बनाएन। उ पचे मोका
कउनो सम्मान नाहीं दिहन अउर ओन लोग मोर सिच्छन क
अनुसरण नाहीं किहन। उ पचे ओन नेमन क पालन नाहीं
किहन जेनका मइँ तू पचन्क अउर तोहरे पचन्क पुरखन क
दिहेउँ।"

11एह बरे इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा
जउन कहत ह, उ इ अहइः "मइँ तू पचन्पइ भयंकर बिपत्ति
ढावइ क निहचइ किहे हउँ। मइँ यहूदा क पूरे परिवार क
नस्ट कइ देब। 12यहूदा क थोड़ा स लोग ही बचा रहेन। उ
सबइ लोग हिआँ मिस्र मँ आएन ह। किन्तु मइँ यहूदा
परिवार क ओन कछू बचे लोगन क नस्ट कइ देब। उ
सबइ तरवारे क घाट उतरिहीं या भूख स मरिहीं। उ सबइ
कछू अइसा होइहीं कि दूसर रास्ट्रन क लोग ओनके बारे मँ
बुरा कहिहीं। दूसर रास्ट्र ओहसे भयभीत होइहीं जउन लोगन
क संग घटित होइ। उ सबइ लोग अभिसाप बाणी बन
जइहीं। दूसर रास्ट्र यहूदा क ओन लोगन क अपमान
करिहीं। 13मइँ ओन लोगन क सजा देब जउन मिस्र मँ रहइ
चला गवा अहइँ। मइँ ओनका सजा देइ बरे तरवार, भूख
अउर भयंकर बीमारी क उपयोग करब। मइँ ओन लोगन क
वइसे ही सजा देब जइसे मइँ यरूसलेम नगर क सजा
दिहेउँ। 14एन थोड़े बचे भएन मँ स, जउन मिस्र मँ चला
गवा अहइँ, कउनो भी मोरी सजा स नाहीं बची। ओनमाँ स
कउनो भी यहूदा वापस आवइ बरे नाहीं बच पाई। उ सबइ
लोग यहूदा वापस लउटब अउर हुआँ रहब चाहत हीं किन्तु
ओनमाँ स एक भी मनई सायद कछू बचि निकरइ वालन क
अलावा वापस नाहीं लउटी।"

15मिस्र मँ रहइवाली यहूदा क मेहररूअन मँ स अनेक
दूसर देवतन क बलि भेंट करत रहीं। ओनकर भतारन एका
जानत रहेन किन्तु ओनका रोकत नाहीं रहेन। हुआँ यहूदा क
लोगन क मिस्र मँ एक बिसाल समूह बटुरा होत रहा। ओन
सबहिं मनइयन यिर्मयाह स कहेन, 16"हम यहोवा क सँदेसा
क नाहीं सुनब जउन तू पचे देब्या। 17हम सरगे क रानी क
बलि भेंट करइ प्रतिग्या कीन्ह ह अउर हम उ सब करब
जेकर हम प्रतिग्या कीन्ह ह। हम ओकर पूजा मँ बलि
चढ़ाउब अउर पेय भेंट देब। इ हम अतीत मँ कीन्ह अउर
हमार पुरखन, राजा लोग अउर हमार पदाधिकारियन पुराने
जमाने मँ इ किहस। हम सब यहूदा क नगरन अउर
यरूसलेम क सड़कियन पइ इ किहस। जउने दिन हम सरगे
क रानी क पूजा करत रहे हमरे लगे बहोत अन्न होत रहा।
हम सफल होत रहे। हम लोगन क कछू भी बुरा नाहीं
भवा। 18किन्तु तबहिं हम लोग सरग क रानी पूजा तजि
दीन्ह हम ओका पेय भेंट देब बन्द कइ दीन्ह। जब स हम
ओकर पूजा मँ उ पचे काम बन्द किहन तब स ही सबइ
समस्या पइदा भइन ह। हमार लोग तरवार अउ भूख स मरे
अहइँ।"

19तब मेहररूअन बोल पड़ी। उ पचे यिर्मयाह स कहेन,
"हमरे भतारन जानत रहेन कि हम का करत रहे। हम सरग
क रानी क बलि देइ बरे ओनसे मंजूरी लीन्ह रहे। दाखरस
भेंट चढ़ावइ बरे हम ओनकर मंजूरी पाए रहे। हमरे भतारन
इ भी जानत रहेन कि हम एक अइसी खास रोटी बनावत
रहे जउन ओनके तरह देँखाई पड़त रही।"

20तब यिर्मयाह ओन सबहिं मेहररूअन अउर मनसेधुअन
स बातन किहस। उ ओन लोगन स बातन किहस जउन उ
सबइ बातन अबहिं कहे रहेन। 21यिर्मयाह ओन लोगन स
कहेस, "यहोवा क याद रहा कि तू पचे यहूदा नगर अउर

यरूसलेम क सड़कियन पइ बलि भेंट किहे रह्या। तू पचे अउर तोहार पुरखन, तोहार राजा लोग, तोहार अधिकारियन अउर देस क लोग ओका किहन। यहोवा क याद रहा अउर उ तोहरे पचन्क कीन्ह गए करमन क बारे मँ सोचेस। **22**एह बरे यहोवा तोहरे पचन्क अउर जियादा चुप नाहीं रहि सका। यहोवा ओन भयंकर करमन स घिना किहेस जउन तू पचे किहा। इहइ बरे यहोवा तू पचन्क देस क सूना रेगिस्तान बनाइ दिहस। अब हुआँ कउनो मनई नाहीं रहत। दूसर लोग उ देस क बारे मँ बुरी बातन कहत हीं। **23**उ सबइ सबहिं बुरी घटनन तोहरे पचन्क संग घटित काहेकि तू पचे दूसर देवतन क बलि भेंट किहा। तू पचे यहोवा क खिलाफ पाप किहा। तू पचे यहोवा क आग्या क पालन नाहीं किहा। तू पचे ओकरे उपदेसन या ओकर दीन्ह नेमन क अनुसरण नाहीं किहा। तू पचे ओकरे संग कीन्ह गइ करार क पालन नाहीं किहा।"

24तब यिर्मयाह ओन सबहिं मनसेधुअन अउ मेहररूअन स बातन किहस। यिर्मयाह कहेस, "मिस्र मँ रहइवाले यहूदा क तू सबहिं लोगो यहोवा क हिआँ स सँदेसा सुना: **25**इस्राएल क लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह: 'मेहररूओ, तू पचे उ किहा जउन तू पचे करइ क कह्या। तू पचे कहिउ, "हम पचे जउन प्रतिग्या कीन्ह ह ओकर पालन हम करब। हम प्रतिग्या कीन्ह ह कि हम सरग क देवी क बलि भेंट करब अउर पेय भेंट डाउब।" एह बरे अइसा करति रहा। उ करा जउन तू पचे करइ क प्रतिग्या किहा ह। आपन प्रतिग्या क पूरा करा। **26**किन्तु मिस्र मँ रहइवाले सबहिं लोगो यहोवा क सँदेसा सुना: मइँ आपन बड़े नाउँ क उपयोग करत भए इ प्रतिग्या कीन्ह ह: मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि अब मिस्र मँ रहइवाला यहूदा क कउनो भी मनई प्रतिग्या करइ बरे मोरे नाउँ क उपयोग कबहुँ नाहीं कइ पाइ। उ पचे फुन कबहुँ नाहीं कहिहीं, "जइसा कि यहोवा सास्वत अहइ।" **27**मइँ यहूदा क ओन लोगन पइ नजर रखत हउँ। किन्तु मइँ ओन पइ नजर ओनकर देखरेख बरे नाहीं रखत हउँ। मइँ ओन पइ चोट पहोंचावइ बरे नजर रखत हउँ। मिस्र मँ रहइवाले यहूदा क लोग भूख स मरिहीं अउर तरवार स मारा जइहीं। उ पचे तब तलक मरत चला जइहीं जब तलक उ पचे खतम नाहीं होतेन। **28**यहूदा क कछू लोग तरवार स मरइ स बचि निकरिहीं। उ पचे मिस्र स यहूदा वापस लउटिहीं। किन्तु बहोत थोड़ा स यहूदा क लोग बचि निकरिहीं। तब यहूदा क बचे भए उ पचे लोग जउन मिस्र मँ आइके रहिहीं इ समझिहीं कि केकर सँदेसा घटित होत ह। उ पचे जानिहीं कि मोर सँदेसा अथवा ओनकर सँदेसा सच निकरत ह। **29**लोगो मइँ तू पचन्क एकर प्रमाण देब इ यहोवा क हिआँ स सँदेसा अहइ कि मइँ तू पचन्क मिस्र मँ सजा देब। तब तू पचे निहचइ ही समुझ जाब्या कि तू पचन्क चोट पहोंचावइ क मोर प्रतिग्या, फुरइ ही घटित होइ। **30**जउन मइँ कहत हउँ, इ उ अहइ, होप्रा फिरौन मिस्र क राजा अहइ। ओकर दुस्मन ओका मार डावइ चाहत हीं। मइँ होप्रा फिरौन क ओकरे दुस्मन क देब। सिदकिय्याह यहूदा क राजा रहा। नबूकदनेस्सर सिदकिय्याह क दुस्मन रहा अउर मइँ सिदकिय्याह क ओकरे दुस्मन क दिहेउँ। उहइ तरह मइँ होप्रा फिरौन क ओकरे दुस्मन क देब।'"

बारूक क सँदेसा

45 यहोयाकीम योसिय्याह क पूत रहा। यहोयाकीम क यहूदा मँ राज्जकाल क चउथे बरिस यिर्मयाह नबी नेरिय्याह क पूत बारूक स इ कहेस। बारूक एन तथ्यन क पत्रक पइ लिखेस। यिर्मयाह बारूक स जउन कहेस, उ इ अहइ: **2**"इस्राएल क परमेस्सर यहोवा जउन तोहसे कहत ह, उ इ अहइ: **3**'बारूक, तू कह्या ह: इ मोरे बरे बहोत बुरा अहइ। यहोवा मोर पीरा क संग मोका सोक दिहस ह। मइँ बहोत थक गवा हउँ। आपन कस्टन क कारण मइँ छीन होइ गवा हउँ। मइँ आराम नाहीं पाइ सकत।'" **4**यहोवा कहेन, "यिर्मयाह, बारूक स इ कहा: 'यहोवा जउन कहत ह, उ इ अहइ: मइँ ओका ध्वस्त कइ देब जेका मइँ बनाएउँ ह। मइँ जेका रोपेउँ ह ओका मइँ उखाड़ फेंकब। मइँ पूरे यहूदा क ध्वस्त करब। **5**बारूक, तू अपने बरे कछू बड़की बात होइ क आसा करत अहा। किन्तु ओन चिजियन क आसा न करा। ओनकी कइँती नजर न राखा काहेकि मइँ सबहिं लोगन क बरे कछू भयंकर बिपत्ति पइदा करब।' इ सबइ बातन यहोवा कहेस, 'तोहका अनेक जगहन पइ जाब पड़ी। किन्तु तू चाहे जहाँ जा मइँ तोहका जिअत बचिके निकर जाइ देब।'"

रास्ट्रन क बारे मँ यहोवा क सँदेसा

46 यिर्मयाह नबी क इ सँदेसन मिलेन। इ सँदेसन अलग अलग रास्ट्रन बरे अहइँ।

मिस्र क बारे मँ सँदेसा

2इ सँदेसा मिस्र क बारे मँ अहइ। इ सँदेसा निको फिरौन क फउज क बारे मँ अहइ। निको मिस्र क राजा रहा। ओकर फउज कर्कमीस नगर मँ पराजित भइ रही। कर्कमीस परात नदी पइ अहइ। यहोयाकीम क यहूदा पइ राज्जकाल क चउथे बरिस बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर निको फिरौन क फउज क कर्कमीस मँ पराजित किहस। यहोयाकीम राजा योसिय्याह क पूत रहा। मिस्र बरे यहोवा क सँदेसा इ अहइ:

3"आपन बिसाल अउर छोटकी ढालन क तइयार करा। जुद्ध बरे कुच कइ द्या।

4घोड़न क तइयार करा। फउजियन, आपन घोड़न पइ बइठ। जुद्ध बरे आपन जगहिया जा अउर आपन टोप पहन ल्या। आपन भालन क तेज करा। आपन कवच पहिर ल्या।

5मइँ इ का लखत हउँ? फउज डर गइ बाटइ। फउजी परात अहइँ। ओनकर वीर फउजी पराजित होइ ग अहइँ। उ पचे हाली परात अहइँ। उ पचे पाछे मुड़िके नाहीं लखतेन। सर्वत्र डर छावा अहइ।" यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

6"तेज धावक पराइके निकरि नाहीं सकतेन। ताकतवर फउजी बचिके पराइ नाहीं सकत। उ पचे सबहिं ठोकर खइहीं अउर उत्तर मँ परात नदी क किनारे पइ गिरब्या।

7नील नदी क नाईं कउन उमड़त आवत अहइ? उ बलवती अउ तेज नदी क नाईं कउन बढ़त बाटइ?

8इ मिस्त्र अहइ जउन उमड़त नील नदी जइसा आवति अहइ। इ मिस्त्र अहइ जउन बलवती तेज नदी जइसा आवत अहइ। मिस्त्र कहत हः 'मइँ आउब अउर पृथ्वी क पाट देब, मइँ नगरन अउर ओनकर लोगन क बर्बाद कइ देब।'

9घुड़सवारो, जुद्ध मँ टूट पड़ा। सारथियो, तेज हाँका। वीर फउजियो, अगवा बढ़। कूस अउर पूत क फउजियो, आपन ढालन ल्या। लूदीया क फउजियो, आपन धनुस सँभारा।

10किन्तु उ दिन, हमार सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा बिजयी होइ। उ समइ उ ओन लोगन क सजा देइ जेनका सजा मिलत ह। यहोवा क दुस्मन उ सजा पइहीं जउन ओनका मिलइ क अहइ। तरवार तब काटी जब तलक उ गोंठिल नाहीं होइ जात। तरवार तब तलक मारी जब तलक एकर खून क पियास बुझ नाहीं जात। इ होइ, काहेकि इ सबइ हमार सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा बरे बलि भेंट होत ह। उ बलि मिस्त्र क फउज अहइ जउन परात नदी क किनारे उत्तरी पहँटा मँ अहइ।

11मिस्त्र, गिलाद क जा अउर कछू दवाइयन लिआवा। तू अनेक दवाइयन बनउब्या, किन्तु उ सबइ सहायक नाहीं होइहीं। तू तन्दुरूस्त नाहीं होब्या।

12रास्ट्र तोहार सर्मनाक हार लखब्या। तोहार रोउब समूचइ पृथ्वी पइ सुना जाइ। एक वीर सिपाही दूसर सिपाही पइ टूट पड़ी अउर दुइनउँ वीर फउजी साथ भहरइहीं।"

13इ उ सँदेसा अहइ जेका यहोवा यिर्मयाह नबी क दिहस। इ सँदेसा नबूकदनेस्सर क बारे मँ अहइ जउन मिस्त्र पइ हमला करइ आवत अहइ।

14"मिस्त्र मँ इ सँदेसा क घोसणा करा, एकर उपदेस मिग्दोल नगर मँ द्या। एकर उपदेस नोप अउर तहपन्हेस नगर मँ भी द्या। 'जुद्ध बरे तइयार ह्वा। काहेकि तोहरे चारिहुँ ओर तरवारन स मारा जात अहइँ।'

15मिस्त्र, तोहार ताकतवर फउजी काहे मारा जइहीं? उ पचे मुकाबले मँ नाहीं टिकिहीं काहेकि यहोवा ओनका खाले धक्का देइ।

16उ सबइ फउजी बार-बार ठोकर खइहीं, उ पचे एक दूसर पइ भहरइहीं। उ पचे कहिहीं, 'उठा, हम फुन आपन लोगन मँ चली, हम आपन देस चली। हमार दुस्मन हमका पराजित करत अहइ।' हमका जरूर पराइ निकरइ चाही।'

17उ सबइ फउजी आपन देस मँ कहिहीं, 'मिस्त्र क राजा फिरौन सिरिफ एक नाउँ क गूँज अहइ। ओकरे गौरव क समइ गवा।'"

18राजा क इ सँदेसा अहइ। राजा सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ। "जदि मोर जिअब फुर अहइ तउ एक ताकतवर पत्र दर्सक आइ। उ सगरे क निअरे ताबोर अउर कर्मेल पहाड़न क नाईं महान होइ।

19मिस्त्र क लोगो, आपन चिजियन क बाँधा, बन्दी होइ का तइयार होइ जा। काहेकि नोप एक बर्बाद सूना पहँटा बन जाइ नगर नस्ट होइहीं अउर कउनो भी मनई ओनमाँ नाहीं रही।

20मिस्त्र एक सुन्नर गइया जइसा अहइ। किन्तु ओका पीड़ित करइ क उत्तर स एक गोमक्खी आवति अहइ।

21मिस्त्र क फउज मँ भाड़े क फउजी मोटके बछवन जइसा अहइँ। उ सबइ सबहिं मुड़िके पराइ खड़ा होइहीं। उ पचे हमला क खिलाफ मजबूती स खड़ा नाहीं रहिहीं। ओनकर बर्बादी क समइ आवत अहइ। उ पचे हाली ही सजा पइहीं।

22मिस्त्र साँप क जइसा फुँफकार क आवाज करत ह अउ आगे बढ़त ह। दुस्मन निचके स निचके आवत जात अहइ अउर मिस्त्री फउज पराइ क जतन करति अहइ। दुस्मन मिस्त्र क खिलाफ कुल्हाड़ियन क संग आइ, उ सबइ लकड़हारन क तरह अहइ।"

23यहोवा इ सबइ कहत ह, "दुस्मन मिस्त्र क बन क काट गिराइ। बन मँ असंख्य बृच्छ अहइँ, किन्तु उ सबइ काट डावा जइहीं। दुस्मन क सिपाही टिड्डी दल स भी जियादा अहइँ। उ पचे एतेन जियादा फउजी अहइँ कि ओनका कउनो गन नाहीं सकत।

24मिस्त्र लज्जित होइ उत्तर क दुस्मन ओका पराजित करी।"

25इस्त्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा कहत हः "मइँ बहोत हाली, थीबिस क देवता आमोन क सजा देब अउर मइँ फिरौन, मिस्त्र अउर ओकर देवतन क सजा देब। मइँ मिस्त्र क राजा लोगन क सजा देब। मइँ फिरौन पइ आखित लोगन क सजा देब। 26मइँ ओन सबहिं लोगन क ओनकर दुस्मनन स पराजित होइ देब अउर उ पचे दुस्मन ओनका मार डावइ चाहत हीं। मइँ बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर अउर ओकर सेवकन क हाथ मँ ओन लोगन क देब।

"बहोत पहिले मिस्त्र सान्ति स रहा अउर एन सब बिपत्तियन क समइ मिस्त्र फुन सान्तिपूर्वक रही।" यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

उत्तरी इस्त्राएल बरे सँदेसा

27"मोरे सेवक याकूब, भयभीत न ह्वा। इस्त्राएल, आतंकित न ह्वा। मइँ निहचइ ही तोहका ओन दूर-दराज क देसन स बचाउब। मइँ तोहरे बच्चन क हुआँ स बचाउब जहाँ उ पचे बन्दी अहइँ। याकूब क पुनःसुरच्छा अउर सान्ति मिली अउर कउनो मनई ओका भयभीत नाहीं करी।"

28यहोवा इ सब कहत हः "याकूब मोर सेवक, डेराअ जिन। मइँ तोहरे संग हउँ। मइँ तोहका अलग-अलग जगहन मँ दूर पठएउँ अउर मइँ ओन सबहिं रास्ट्रन क पूरी तरह बर्बाद करब। किन्तु मइँ तोहका पूरी तरह बर्बाद नाहीं करब। तोहका ओकर सजा मिलइ चाही जउन तू बुरे काम किहा ह। एह बरे मइँ तोहका सजा स बच निकारइ नाहीं देब। मइँ तोहका अनुसासन मँ लिआउब, किन्तु मइँ उचित ही करब।"

पलिस्ती लोगन क बारे मँ सँदेसा

47 इ सँदेसा यहोवा क अहइ जउन यिर्मयाह नबी क मिला। इ सँदेसा पलिस्ती लोगन क बारे मँ अहइ। इ सँदेसा, जब फिरौन गज्जा नगर पइ हमला किहस, ओहसे पहिले आवा।

2यहोवा कहत हः "धियान द्या, दुस्मन क फउजी उत्तर मँ एक संग मोर्चा लगावत अहइँ। उ पचे तटन क बारेत तेज

नदी क तरह अइहीं उ पचे देस क बाढ़ सा ढकि लेइहीं। उ
पचे नगरन अउर ओनमाँ रह रहे निवासियन क ढकि लेइहीं।
उ देस क हर एक रहइवाला मदद बरे चिल्लाई।
3उ सबइ धावत घोड़न क अवाज सुनिहीं, उ पचे रथन
क घरघराहट सुनिहीं। उ पचे पहियन क घरघराहट सुनिहीं।
पिता आपन बच्चन क सुरच्छा करइ मँ मदद नाहीं कइ
सकिहीं। उ पचे पिता मदद करइ मँ एकदम असमर्थ होइहीं।
4सबहिं पलिस्ती लोगन क नस्ट करइ क समइ आइ ग
अहइ। सोर अउर सिदोन क बचे सहायकन क नस्ट करइ
क समइ आइ ग अहइ। यहोवा पलिस्ती लोगन क हाली
नस्ट करी। कप्तोर द्वीप मँ बचे लोगन क उ नस्ट करी।
5गाज्जा क लोग सोक मँ बूड़िहीं अउर आपन सिर
मुड़ँइहीं। अस्कलोन क लोग चुप कइ दीन्ह जइहीं। घाटी क
बचे लोगो, कब तलक तू पचे आपन क काटत रहब्या?
6ओ! यहोवा क तरवार, तू रूकिउ नाहीं तू कब तलक
मार करति रहबिउ? आपन म्यान मँ लउटि जा, 'रूका, सान्त
ह्वा।
7किन्तु यहोवा क तरवार कइसे बिस्राम लेइ? यहोवा एका
आदेस दिहस ह। यहोवा एका इ आदेस दिहस ह कि इ
अस्कलोन नगर अउर समुद्र तट पइ हमला करइँ।"

मोआब क बारे मँ सँदेसा

48 इ सँदेसा मोआब देस क बारे मँ अहइ। इस्राएल
क लोगन क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा जउन
कहेस, उ इ अहइः
"नबो पहाड़ क बुरा होइ, नबो पहाड़ नस्ट होइ। कियर्तैम
नगर लज्जित होइ। एह पइ अधिकार होइ। सक्तीसाली जगह
लज्जित होइ। इ बिखरि जाइ।
2मोआब क पुनः तारीफ नाहीं होइ। हेसबोन नगर क
लोग मोआब क पराजय क जोजना बनइहीं। उ पचे कहिहीं,
'आवा हम उ रास्ट्र क अन्त कइ देइ।' मदमेन तू भी चुप
कीन्ह जाब्या, तरवार तोहार पाछा करी।
3होरोनैम नगर स रूदन अनका, उ पचे बहोत घबराहट
अउर बिनास क चीखेन ह।
4मोआब नस्ट कीन्ह जाइ। ओकर नान्ह बच्चन मदद क
पुकार करिहीं।
5मोआब क लोगो लूहीत क मारग तलक जा। उ पचे
जात भए फूटि फूटिके रोवत अहइँ। हेरोनैम नगर तलक
जाइवाली सड़किया स पीरा अउर कस्ट क रूदन सुना जाइ
सकत ह।
6पराइ चला, जिन्नगी बरे पराअ। जइसा झाड़ी रेगिस्ताने
मँ उड़त ह वइसा उड़ा।
7तू आपन बनाई चिजियन अउर आपन धन पइ बिस्सास
करत अहा। एह बरे तू बन्दी बनाई लीन्ह जाब्या। कमोस
देवता कैदी बनावा जाइ अउर ओकर याजक अउर पदाधिकारी
ओकरे संग जइहीं।
8बिध्वंसक हर एक नगर क खिलाफ आइ, कउनो नगर
नाहीं बची। घाटी बर्बाद होइ। उच्च मैदान नस्ट होइ। यहोवा
इ कहेस ह, एह बरे इ होइ।
9मोआब क खेतन मँ नमक फइलावा। देस सूना रेगिस्तान
बनी। मोआब क नगर खाली होइहीं। ओनमाँ कउनो भी
मनई न रही।
10जदि मनई उ नाहीं करत जेका यहोवा कहत ह जदि उ
आपन तरवार क उपयोग ओन लोगन क मारइ बरे नाहीं
करत, तउ उ मनई क बुरा होइ।
11मोआब क कबहुँ बिपत्ति स पाला नाहीं पड़ी। मोआब
सान्त होइ बरे छोड़ी गइ दाखरस सा बाटइ। मोआब एक
गगरी स दूसर गगरी मँ दाला नाहीं गवा। उ कबहुँ कैदी
नाहीं बनावा गवा। एह बरे ओकर सुआद पहिले क नाईं
अहइ अउर ओकर गन्ध बदली नाहीं अहइ।"
12यहोवा इ सब कहत ह, "किन्तु मइँ लोगन क हाली
ही तोहका तोहरी गगरी स ढालइ पठउब। उ सबइ लोग
मोआब क गगरी क छूँछ कइ देइहीं अउर तब उ पचे ओन
गगरियन क चकनाचूर कइ देइहीं।"

13तब मोआब क लोग आपन असत्य देवता कमोस क
बरे लज्जित होइहीं। इस्राएल क लोगन बेतेल मँ लबार
देवतन पइ बिस्सास किहे रहेन अउर इस्राएल क लोगन क
उ समइ ग्लानि भइ रही जब उ लबार देवता ओनकर मदद
नाहीं किहे रहा। मोआब वइसा ही होइ।
14"तू कइसे कह सकत ह, 'हम बढ़िया फउजी अही।
हम जुद्ध मँ बहादूर मनसेधू अहइ?'
15दुस्मन मोआब पइ हमला करी। दुस्मन ओन नगरन मँ
आइ अउर ओनका नस्ट करी। नरसंहार मँ ओकर स्रेस्ठ
जुवक मारा जइहीं।" इ सँदेसा राजा क अहइ। उ राजा क
नाउँ सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ।
16"मोआब क अन्त निचके अहइ। मोआब हाली ही नस्ट
कइ दीन्ह जाइ।
17मोआब क चारिहुँ कइँती बसइया लोगो, तू सबहिं उ
देस बरे रोउब्या। तू लोग जानत ह कि मोआब केतना
प्रसिद्ध अहइ। एह बरे एकरे बरे रोआ। कहा, 'सासक क
ताकत भंग होइ गइ। मोआब क ताकत अउ प्रतिस्ठा चली
गइ।'
18दीबोन मँ रहइवाले लोगो आपन प्रतिस्ठा क जगह स
बाहेर निकरा। धूरि मँ जमीन पइ बइठा। काहेकि मोआब क
बिध्वंसक आवत अहइ अउर उ तोहरे मजबूत नगरन क
नस्ट कइ देइ।
19अरोएर क बसइया लोगो, सड़क क सहारे खड़ा ह्वा
अउर सावधानी स रहा। मनई क परात लखा, मेहरारू क
परात लखा, ओनसे पूछा क भवा ह?
20मोआब बर्बाद होइ अउर लज्जा स गड़ि जाइ। मोआब
रोइ अउर रोइ। अर्नोन नदी पइ घोसित करा कि मोआब
नस्ट होइ गवा।
21ऊँच मैदान क लोग सजा पाइ चुके होलोन, यहसा
अउर मेपात नगरन क निआव होइ चुका।
22दीबोन, नबो अउर बेतदिबलातैम,
23किर्य्यतैम, बेतगामूल अउर बेतमोन।
24करिय्योत बोस्रा अउ मोआब क निचके अउ दूर क
सबहिं नगरन क संग निआउ होइ चुका।

25मोआब क ताकत काट दीन्ह गइ, मोआब क बाँहन
टूट गइ।" यहोवा इ सब कहेस।
26"मोआब समझे रहा उ यहोवा स भी जियादा महान
अहइ। एह बरे मोआब क सख्त पागल जइसा सजा द्या।
मोआब गिरी अउ आपन उलटी मँ चारिहुँ कइँती लउटी।
लोग मोआब क मजाक उड़इहीं।
27मोआब तू आपन इस्राएल क मजाक उड़ाए रह्या।
इस्राएल चोरन क गिरोह क जरिये धरा गवा। हर दाईं तू
इस्राएल क बारे मँ कहत रह्या। तू आपन मूँड़ हिलावत
रह्या अइसा अभिनय करत रह्या माना तू इस्राएल स स्रेस्ठ
अहा।
28मोआब क लोगो, आपन नगरन क तजा। जा अउर
पहाड़ियन पइ रहा, उ कबूतर क तरह रहा जउन आपन
झोंझ गुफा क मुँहे पइ बनवत ह।"
29"हम मोआब क गर्व क सुनि चुका अही, उ बहोत
घमण्डी रहा। उ समुझे रहा कि उ बहोत बड़ा अहइ। उ
हमेसा आपन मुँह मियाँ मिटठू बनत रहा। उ बहोत जियादा
घमण्डी रहा।"
30यहोवा कहत ह, "मइँ जानत हउँ कि मोआब हाली ही
कोहाइ जात ह अउर आपन तारीफ क गीत गावत ह। मुला
ओकर सेखी झूठ अहइँ। उ जउन करइ क कहत ह, कइ
नाहीं सकत।
31एह बरे मइँ मोआब बरे रोवत हउँ। मइँ मोआब मँ हर
एक बरे रोवत हउँ। मइँ कीर्हेरेस क लोगन बरे रोवत हउँ।
32मइँ सिबमा क लोगन बरे याजेर स लोगन स जियादा
रोवत हउँ। सिबमा पुराने जमाना मँ तोहार अंगूर क बेलन
सागर तलक याजेर जेतनी दूर तलक फइली रहिन। मुला
बिध्वंसक तोहार फल अउर अंगूर लइ लिहन।
33मोआब क बिसाल अंगूर क बगियन स सुख अउर
आनन्द बिदा होइ गएन। मइँ दाखरस निकारइ वाली जगहन
स दाखरस क बहब रोक दिहे हउँ। अब दाखरस बनावइ बरे
अगूंरन पइ चलइवालन क नाच-गाना नाहीं रहि गवा अहइँ।
खुसी क सोर गुल सबहिं खतम होइ गवा अहइ।
34हेसबोन अउ एलाले नगरन क लोग रोवत अहइँ।
ओनकर रूदन दूर यहस क नगर मँ भी सुनाई पड़त अहइ।
ओनकर रूदन सोआर नगर स सुनाई पड़त अहइ अउर
हेरोनैम अउ सेलिसिया क दूर नगरन तलक पहोंचत अहइ।
हिआँ तलक कि निम्रीम क भी पानी झुराइ गवा ह। 35मइँ
मोआब क उच्च ठउरन पइ होमबलि चढ़ावइ स रोक देब।
मइँ ओनका आपन देवतन क बलि चढ़ावइ स रोकब।"
यहोवा इ सब कहेस।
36"मोका मोआब बरे बहोत दुःख अहइ। सोक गीत
छेड़इवाली बाँसूरी क धुन क तरह मोर हिरदय रूदन कइ
रहा अहइ। मइँ कीर्हेरेस क लोगन बरे दुःखी हउँ। ओनकर
धन अउ सम्पत्ति सबहिं लइ लीन्ह ग अहइँ। 37हर एक
आपन मूँड़ मुड़ाए अहइ। हर एक स दाढ़ी साफ होइ ग
अहइ। हर एक क हाथ कटा अहइँ अउ ओनसे रकत
निकरत अहइ। हर एक आपन कमर मँ सोक स ओढ़ना
लपेटे अहइ। 38मोआब मँ लोग घरन क छतन अउर हर
एक सार्वजनिक चउराहन मँ सर्वत्र मरे भएन बरे रोवत
अहइँ। हुआँ सोक अहइ काहेकि मइँ मोआब क छूँछ गगरी
क तरह फोड़ डाएउँ ह।" यहोवा इ सब कहेस।
39"मोआब बिखरि गवा अहइ। लोग रोवत अहइँ।
मोआब आत्मसमर्पण किहेस ह। अब मोआब लजान अहइ।
लोग मोआब क मजाक उड़ावत हीं, किन्तु जउन कछू भवा
ह उ ओनका भयभीत कइ देत ह।"
40यहोवा कहत ह, "लखा, एक उकाब अकासे मँ खाले
टूट पड़त अहइ। इ आपन परन क मोआब पइ फइलावत
अहइ।
41मोआब क नगरन पइ अधिकार होइ। छुपइ क
सुरच्छित ठउर पराजित होइहीं। उ समइ मोआब क फउजी
वइसे ही आतंकित होइहीं जइसे प्रसव करत मेहरारू।
42मोआब क रास्ट्र नस्ट कइ दीन्ह जाइ। काहेकि उ पचे
समुझत रहेन कि उ पचे यहोवा स भी जियादा महत्वपूर्ण
अहइँ।"
43यहोवा इ सब कहत ह: "मोआब क लोगो, भय गहिर
गड़हन अउर जाल तोहरी प्रतीच्छा मँ अहइँ।
44लोग डेरइहीं अउर भाग खड़ा होइहीं, अउर उ पचे
गड़हन मँ गिरिहीं। जदि कउनो गहिर गड़हा स निकरी तउ
उ जाल मँ फँसी। मइँ मोआब पइ सजा क बरिस
लिआउब।" यहोवा इ सब कहेस।
45"ताकतवर दुस्मन स लोग भाग चला अहइँ। उ पचे
सुरच्छा बरे हेसबोन नगर मँ परातेन। किन्तु हुआँ सुरच्छा
नाहीं रही। सिहोन (हेसबोन) क नगर मोआबियन क बिरुद्ध
होइ गवा अउर उ मोआब क प्रमुखन क नस्ट करइ लाग।
इ ओन घमण्डी लोगन क नस्ट करइ लाग।
46मोआब इ तोहरे बरे, बहोत बुरा होइ। कमोस क लोग
नस्ट कीन्ह जात अहइँ। तोहार पूत अउ बिटियन बन्दी अउ
कैदी क रूप मँ लइ जावा जात अहइँ।
47"मोआब क लोग कैदी क रूप मँ दूर पहोंचावा
जइहीं। किन्तु आवइवाले दिनन मँ मइँ मोआब क लोगन क
वापस लिआउब।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।
हिआँ मोआब क संग निआव खतम होत ह।

अम्मोन क बारे मँ सँदेसा

49 इ सँदेसा अम्मोनी लोगन क बारे मँ अहइ। यहोवा
कहत ह, "अम्मोनी लोगो, का तू पचे सोचत
अहा कि इस्राएली लोगन क बच्चन नाहीं अहइँ? का तू
पचे समुझत अहा कि हुवाँ महतारी-बाप क मरइ क पाछे
ओनकर भूइँया लेइवाला कउनो नाहीं? फिर भी तू पचे
मल्कोम देवता क नाउँ पइ इस्राएल स गाद क भुइँया लेइ
क निहचय किहेन।"
2यहोवा कहत ह, "उ समइ आइ जब रब्बा अम्मोन क
लोग हमला स बचइ बरे तुरही बजाइहीं। रब्बा अम्मोन नस्ट
कीन्ह जाइ। इ नस्ट इमारतन स ढकी पहाड़ी बनी अउर एका
चारिहुँ कइँती क नगर बारि दीन्ह जइहीं। ओन लोग
इस्राएल क लोगन क उ भूमि तजइ क बिवस करी। अब
इस्राएल क लोग ओनका अम्मोन देस तजइ बरे बिवस
करिहीं," यहोवा कहत ह।

3"हेसबोन क लोगो, रोवा। काहेकि इ सबइ नगर नस्ट
कइ दीन्ह ग अहइ। रब्बा अम्मोन क मेहररूओ, रोवा।
आपन सोक ओढ़ना क पहिरा अउर रोवा। सुरच्छा बरे नगर
क पराअ। काहेकि दुस्मन आवत अहइ। उ पचे मल्कान
देवता क लइ जइहीं अउर उ पचे मल्कान क याजकन अउ
अधिकारियन क लइ जइहीं।
4तू आपन सक्ति क डींग मारत अहा। किन्तु आपन
ताकत क खोवत अहा? तोहका बिस्सास अहइ कि तोहार
धन तोहका बचाइ। तू समुझत अहा कि तोह पइ कउनो
हमला करइ क सोच भी नाहीं सकत।"
5किन्तु सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह, "मइँ हर कइँती
स तोह पइ बिपत्ति ढाउब। तू सब पराइ खड़ा होब्या, फुन
कउनो भी तू पचन्क एक संग लिआवइ मँ समर्थ नाहीं
होइ।"
6"अम्मोनी लोग कैदी बनाइके दूर पहोंचावा जइहीं। किन्तु
समइ आइ जब मइँ अम्मोनी लोगन क वापस लिआउब।"
इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

एबोम क बारे मँ सँदेसा

7इ सँदेसा एदोम क बारे मँ अहइः सर्वसक्तीमान यहोवा
कहत ह, "का तोमान नगर मँ बुद्धि बची नाहीं रह गई
अहइ? का एदोम क बुद्धिमान लोग अच्छी सलाह देइ क
जोग्य नाहीं रहेन? का उ पचे आपन बुद्धिमानी खोइ चुका
अहइँ?
8ददान क निवासियो, भागा छुपा। काहेकि मइँ एसाव क
ओकर कामन बरे सजा देब।
9"जदि अंगूर तोड़इवाले आवत हीं अउर आपन अंगूर क
बगियन स अंगूर तोड़त हीं अउर बेलन पइ कछू अंगूर छोड़
ही देत हीं। जदि चोर रात क आवत हीं तउ उ पचे ओतना
ही लइ जात हीं जेतना ओनका चाही सब नाहीं।
10किन्तु मइँ एसाव स हर चीज लइ लेब। मइँ ओकर
सबहिं छुपइ क जगह ढूँढ़ि डाउब। उ मोहसे छुपा नाहीं रह
सकत। ओकर, बच्चन, रिस्तेदार अउर पड़ोसी मरिहीं।
11कउनो भी मनई मनई ओनकर बच्चन क देख-रेख बरे
नाहीं बची। ओनकर मेहररूअन कउनो भी बिस्सासपात्र क
नाहीं पइहीं।"
12इ उ अहइ जउन यहोवा कहत ह, "कछू मनई सजा
क पात्र नाहीं होतेन, किन्तु ओनका कस्ट होत ह। किन्तु
एदोम तू सजा पावइ क जोग्ग अहा, एह बरे फुरइ तोहका
सजा मिली। जउन सजा तोहका मिलइ चाही, ओहसे तू
बचिके नाहीं निकर सकत्या। तोहका सजा मिली।" 13यहोवा
कहत ह, "मइँ आपन सक्ती स इ प्रतिग्या करत हउँ, मइँ
प्रतिग्या करत हउँ कि बोस्रा नगर नस्ट कीन्ह जाइ। उ नगर
बर्बाद चट्टानन क ढेर बन जाइ। जब लोग दूसर नगरन क
बुरा होइ चहिहीं तउ उ पचे इ नगर क उदारहण क रूप मँ
याद करिहीं। लोग उ नगर क अपमान करिहीं अउर बोस्रा
क चारिहुँ ओर क नगर सदा ही बर्बाद होइ जइहीं।"
14मइँ एक सँदेसा यहोवा स सुनेउँ। यहोवा रास्ट्रन क
सँदेसा पठएस। सँदेसा इ अहइः "आपन फउजन क एक
संग बटोरा। जुद्ध बरे तइयार होइ जा। एदोम रास्ट्र क
खिलाफ कूच करा।
15एदोम, मइँ तोहका महत्वहीन बनाउब। हर एक मनई
तोहसे घिना करी।
16एदोम, तू दूसर रास्ट्रन क आतंकित किहा ह। एह बरे
तू समझा कि तू महत्वपूर्ण अहा। किन्तु तू मूरख बनावा
गवा रह्या। तोहार घमण्ड तोहका धोखा दिहस ह। एदोम, तू
ऊँच पहाड़ियन पइ बसा अहा, तू बड़की चट्टानन अउर
पहाड़ियन क जगहन पइ सुरच्छित अहा। किन्तु जदि तू
आपन निवास उकाब क झोंझ क ऊँचाई पइ ही काहे न
बनावा, तउ भी मइँ तोहका पाइ लेब अउर मइँ हुआँ स
खाले लइ आउब।" यहोवा इ सबइ कहेस।
17"एदोम नस्ट कीन्ह जाइ। लोगन क नस्ट नगरन क
लखिके दुःख होइ। लोग नस्ट नगरन पइ अचरज स सीटी
बजइहीं।
18सदोम अउर अमोरा मँ तब स कउनो नाहीं रहत ह
बहोत पहिले जब स उ नस्ट कीन्ह गए रहेन, उहइ तरह
एदोम क सहर मँ कउनो नाहीं रहब्या जब मइँ ओका तबाह
करब," यहोवा कहत ह।
19"कबहुँ यरदन नदी क निचके क घनी झाड़ियन स एक
ठु सेर निकरी अउ उ सेर ओन खेतन मँ जाइ जहाँ लोग
आपन भेड़िन अउर आपन पसु रखत हीं। मइँ उ सेर क
समान हउँ। मइँ एदोम जाब अउर मइँ ओन लोगन क
आतंकित करब। मइँ ओनका भगाउब। कउनो भी मोरे
समान नाहीं अहइ। कउनो भी मोका चुनौती नाहीं देइ।
ओनकर गड़रियन (प्रमुखन) मँ स कउनो भी हमरे बिरुद्ध
खड़ा नाहीं होइ।"
20एह बरे यहोवा एदोम क खिलाफ जउन जोजना बनाएस
ह ओका सुना। तेमान मँ लोगन क संग जउन करइ क
निहचइ यहोवा किहस ह ओका सुना। उ पचे जउन कछू
किहन ओहसे एदोम क चरागाह खाली होइ जइहीं।
21एदोम क पतन क धमाका स पृथ्वी काँप उठी।
ओनकर रूदन लगातार लाल सागर तलक सुनाई पड़ी।
22यहोवा उ उकाब क तरह मँडराइ जउन आपन सिकार
पइ टूटत ह। यहोवा बोस्रा नगर पइ आपन पखना
फइलाइके उकाब क नाईं अहइ। उ समइ एदोम क फउजी
बहोत आतंकित होइहीं। उ पचे बच्चा पइदा करत मेहरारू
क तरह डर स रोइहीं।

दमिस्क क बारे मँ सँदेसा

23इ सँदेसा दमिस्क नगर क बरे अहइः "हमात अउ
अर्पद नगर भयभीत अहइँ। उ पचे डेरान अहइँ काहेकि उ
पचे बुरी खबर सुनेन ह। उ पचे साहसहीन होइ गएन ह। उ
पचे परेसान अउ आतंकित अहइँ।
24दमिस्क नगर दुर्बल होइ ग अहइ। लोग पराइ जाइ
चाहत अहइँ। लोग भय स तैयार बइठा अहइँ। बच्चा पइदा
करत मेहरारू क तरह पीरा अउ कस्ट महसूस करत अहइँ।
25"दमिस्क नगर प्रसिद्ध अउ बहोत खुस अहइ। अब इ
केतॅना अलग अहइ।

26एह बरे दमिस्क क जवान लोगन इ नगर क सार्वजनिक चउराहे मँ मरिहीं। उ समइ ओकर सबहिं फउजी मार डावा जइहीं," सर्वसक्तिमान यहोवा कहत ह।

27"मइँ दमिस्क क देवारन मँ आगी लगाइ देब। उ आगी बेन्हदद क मजबूत दुर्गन पूरी तरह बारिके खाक कइ देइ।"

केदार अउर हासोर क बारे मँ सँदेसा

28इ सँदेसा केदार क परिवार समूह अउ हासोर क सासकन क बारे मँ अहइ। बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर ओनका पराजित किहे रहा।

यहोवा कहत ह, "जा अउर केदार क परिवार समूह पइ हमला करा। पहिले क लोगन क नस्ट कइ द्या।

29ओनकर डेरन अउ भेड़िन क खरकन लइ लिहा। ओनकर डेरन अउर सबहिं चिजियन क आपन समझकर लेइ जा। ओनकर ऊँटन क आपन जगह पइ लेइ जा। लोग ओनके समन्वा चिल्लइहीं: 'हमार चारिहुँ ओर भयंकर घटनन घटति अहइँ।'

30हाली ही पराइ निकरा। हासोर क लोगो, छुपइ क ठउर हेरा।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ। "नबूकदनेस्सर तोहरे खिलाफ जोजना बनाएस ह। उ तू पचन्क पराजित करइ क चुस्त जोजना बनाएस ह।

31एक रास्ट्र अहइ, जउन खुसहाल अहइ। उ रास्ट्र क बिस्सास अहइ कि उ कउनो क नाहीं हराइ। उ रास्ट्र क लगे सुरच्छा बरे दुआर अउ रच्छा प्राचीर नाहीं अहइ। उ सबइ लोग अकेल्ले रहत हीं। यहोवा कहत ह, 'उ रास्ट्र पइ हमला करा।'

32दुस्मन ओनकर ऊँटन अउर पसुअन क बड़के झुण्डन क चोराइ लेइ। मइँ ओन लोगन क पृथ्वी क हर हीसा मँ पराइ जाइ पइ मजबूर करब जउन आपन बालन क कोनन क कटाइ राखे अहइँ। अउर मइँ ओनके बरे चारिहुँ ओर भयंकर बिपत्तियन लिआउब," यहोवा कहत ह।

33"हासोर क प्रदेस जंगली कुकुरन क रहइ क ठउर बनी। इ सदा ही क बरे सूना रेगिस्तान बनी। कउनो मनई हुआँ नाहीं रही कउनो मनई उ ठउरे पइ नाहीं रही।"

एलाम क बारे मँ सँदेसा

34जब सिदकिय्याह यहूदा क राजा रहा तब ओकरे राज्काल क सुरूआत मँ यिर्मयाह नबी यहोवा क एक सँदेसा प्राप्त किहस। इ सँदेसा एलाम रास्ट्र क बारे मँ अहइ।

35सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "मइँ एलाम क धनुस बहोत हाली तोड़ देब। धनुस एलाम क सब स सक्तीसाली अस्त्र अहइ।

36मइँ एलाम पइ चतुर्दिक तूफान लिआउब। मइँ ओनका अकासे क चारिहुँ दिसा स लिआउब। मइँ एलाम क लोगन क पृथ्वी पइ सर्वत्र पठउब जहाँ चतुर्दिक आँधियन चलत हीं अउर एलाम क कैदी हर रास्ट्र मँ जइही।

37मइँ एलाम क ओनके समन्वा तोड़ब गाजो ओनका मारि डावइ चाहत हीं। मइँ ओनपइ भयंकर बिपत्तियन लिआउब। मइँ ओनका देखाउब कि मइँ ओन पइ केतना कोहान हउँ," यहोवा कहत ह। "मइँ एलाम क पाछा करइ बरे तरवार पठउब। तरवार ओनकर पाछा तब तलक करी जब तलक मइँ ओन सब क मारि नाहीं डाउब।

38मइँ एलाम क देखाउब कि मइँ व्यवस्थापक हउँ अउर मइँ ओकर राजा लोग तथा पदाधिकारियन क नस्ट कइ देब।" उ सँदेसा यहोवा क अहइ।

39"किन्तु भविस्स मँ मइँ एलाम बरे सब नीक घटित होइ देबउँ।" इ सँदेसा यहोवा क अहइ।

बाबुल क बारे मँ सँदेसा

50 इ सँदेसा यहोवा क अहइ जेका उ बाबुल रास्ट्र अउ बाबुल क लोगन बरे दिहस। यहोवा इ सँदेसा यिर्मयाह क जरिये दिहस।

2"हर एक रास्ट्र क इ घोसित कइ द्या। झण्डा उठावा अउर सँदेसा सुनावा। पूरा सँदेसा सुनावा अउर कहा, 'बाबुल रास्ट्र पइ अधिकार कीन्ह जाइ। बेल देवता लज्जा क पात्र बनी। मरोदेक देवता बहोत डेराइ जाइ। बाबुल क देवमूरतियन लज्जा क पात्र बनहीं ओकर मूर्ति देवता भयभीत होइ जइहीं।'

3उत्तर स एक रास्ट्र बाबुल पइ हमला करी। उ रास्ट्र बाबुल क सूना रेगिस्तान स बनाइ देइ। कउनो मनई हुआँ नाहीं रही। मनई अउ पसु दुइनउँ हुआँ स पराइ जइहीं।"

4यहोवा कहत ह, "उ समइ, इस्राएल क अउर यहूदा क लोग एक संग होइहीं। उ पचे एक संग बराबर रोवत रहिहीं अउर एक संग ही उ पचे आपन यहोवा परमेस्सर क खोजइ जइहीं।

5उ सबइ लोग पूछिहीं सिय्योन कइसे जाइँ उ पचे उ दिसा मँ चलब सुरू करिहीं। लोग कहिहीं, 'आवा, हम यहोवा स जाइ मिलइँ, हम एक अइसी करार करी जउन सदा ही रहइ। हम लोग एक ठु अइसी करार करी जेका हम कबहुँ न बिसरी।'

6मोर लोग हेरान भेड़िन क तरह होइ ग अहइँ। ओनकर गड़रियन ओनका गलत राहे पइ लइ गवा अहइँ। ओनकर मार्गदर्सकन ओनका पहाड़न अउर पहाड़ियन मँ चारिहुँ कइँती भटकाएन ह। उ पचे बिसरि गएन कि ओनकर बिस्राम क ठउर कहाँ अहइ।

7जउन भी मोरे लोगन क पाएस, चोट पहोंचाएस अउर ओन कहेन, 'हम कछू गलत नाहीं कीन्ह।' वे लोग ही यहोवा क खिलाफ पाप किहेन। यहोवा ओनकर बिस्राम क ठउर अहइ। अउर परमेस्सर जेह पइ ओकर पुरखन पतियानेन।

8"बाबुल स पराइ निकरा। कसदी लोगन क देस क तजि द्या। ओन बोकरन क तरह बना जउन झूण्ड क राह देखावत हीं।

9मइँ बहोत स रास्ट्रन क उत्तर स एक संग लिआउब। रास्ट्रन क इ समूह बाबुल क बिरुद्ध जुद्ध बरे तइयार होइ। बाबुल उत्तर क लोगन क जरिये अधिकार मँ लिआवा जाइ। उ सबइ रास्ट्र बाबुल पइ अनेक बाण चलइहीं अउर उ सबइ बाण ओन फउजियन क समान होइहीं जउन जुद्ध भूइँया स खाली हाथ नाहीं लउटेन।

10दुस्मन कसदी लोगन स सारा धन लेइ। उ सबइ दुस्मन फउजी जउन चहिहीं, लेइहीं।" इ सबइ यहोवा कहत ह।

11"बाबुल, तू उत्तेजित अउ खुस ह्वा। तू मोर देस लिहा। तू अनाज क चारिहुँ कइँती गइया क तरह नाचत अहा। तोहार हँसी घोड़न क हिनहिनाहट जइसी अहइ।

12अब तोहार महतारी बहित लजाइ तोहका जन्म देइवाली महतारी क ग्लानि होइ बाबुल सबहिं रास्ट्रन क तुलना मँ सब स कम महत्व क होइ। उ एक सूना रेगिस्तान होइ।

13यहोवा आपन किरोध परगट करी। एह बरे कउनो मनई हुआँ नाहीं रही। बाबुल नगर पूरी तरह खाली रही। बाबुल स गुजरइवाला हर एक मनई डेराइ। उ पचे आपन मूँड़ हिलइहीं जब उ पचे लखिहीं कि इ कउने बुरी तरह नस्ट भवा ह।

14बाबुल क खिलाफ जुद्ध क तइयारी करा। सबहिं फउजियन आपन धनुस स बाबुल पइ बाण चलावा। आपन बाणन क न बचावा। बाबुल यहोवा क खिलाफ पाप किहस ह।

15बाबुल क चारिहुँ ओर क फउजियो, जुद्ध क उद्घोस करा। अब बाबुल आत्म समर्पण किहेस ह। ओकर दीवारन अउर गुम्बदन क गिराइ दीन्ह ग अहइ। यहोवा ओन लोगन क उ सजा देत अहइ जउन ओनका मिलइ चाही। रास्ट्रो तू बाबुल क उ सजा द्या जउन मिलइ चाही। ओकर संग उ करा जउन उ दूसर रास्ट्रन क संग किहस ह।

16बाबुल क लोगन क ओनकर फसलन न उगावइ द्या। ओनका फसलन न काटइ द्या। बाबुल क फउजी आपन नगर मँ अनेकन कैदी लियाएन ह। अब दुस्मन क फउजी आइ गवा अहइँ, एह बरे उ पचे कैदी आपन घर लउटत अहइँ। उ सबइ कैदी आपन देसन क वापस परात अहइँ।

17"इस्राएल भेड़ी क तरह अहइ जेका सेरन पाछा कइके भगाइ दिहन ह। ओका खाइवाला पहिला सेर अस्सूर क राजा रहा। ओकर हाड़न क चूर करइवाला आखिरी सेर बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर रहा।

18एह बरे सर्वसक्तीमान यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर कहत ह: "मइँ हाली ही बाबुल क राजा अउर ओकर देस क सजा देब। मइँ ओका वइसे ही सजा देब जइसे मइँ अस्सूर क राजा क सजा दिहेउँ।'

19मुला इस्राएल क मइँ ओकरे खेतन मँ वापस लिआउब। उ उहइ भोजन करी जउन कर्मेल पर्वत अउर बासान क भुइँया क उपज अहइ। उ भोजन करी अउर भरा पूरा होइ। उ एप्रैम अउर गिलाद भुइँया मँ पहाड़ियन पइ खाइ।"

20यहोवा कहत ह, "उ समइ लोग इस्राएल क अपराध क जानइ चहिहीं। किन्तु कउनो अपराध नाहीं होइ। लोग यहूदा क पापन क जानइ चहिहीं किन्तु कउनो पाप नाहीं मिली। काहेकि मइँ इस्राएल अउ यहूदा क कछू बचे भएन क बचावत अहउँ अउर मइँ ओनकर सबहिं पापन बरे ओनका छिमा करत हउँ।"

21यहोवा कहत ह, "मरातैम देस पइ हमला करा। पकोद क पहँटा क निवासियन पइ हमला करा। ओन पइ हमला करा, ओनका मार डावा अउर ओनका पूरी तरह नस्ट कइ द्या। उ सब करा जेकरे बरे मइँ आदेस देत हउँ।

22"जुद्ध क घोस समूचइ देस मँ सुना जाइ सकत ह। इ बहोत जियादा बिध्वंस क सोर अहइ।

23बाबुल पूरी भुइँया क हथौड़ा रहा। किन्तु अब हथौड़ा टूट गवा बिखराइ गवा अहइ। बाबुल सबन मँ सब स जियादा बर्बाद रास्ट्रन मँ स एक अहइ।

24बाबुल, तू एक जाल बिछाएउँ, किन्तु खुद ही तू एहमाँ आइ फँसा अउर तू लख भी नाहीं पाएस कि उ आवत रहा। तू यहोवा क खिलाफ लड़्या, एह बरे तू मिल गया अउर धरा गया।

25यहोवा आपन भण्डार खोल दिहस ह। अउर आपन किरोध क अस्त्र-सस्त्र निकारेस ह। सर्वसक्तीमान परमेस्सर यहोवा ओन अस्त्र-सस्त्र क निकारेस ह काहेकि ओका कसदी लोगन क देस मँ काम करब अहइ।

26बहोत दूर स बाबुल क खिलाफ आवा, ओकर अन्न भण्डार घरन क तोड़िके खोला। बाबुल क पूरी तरह नस्ट करा अउर कउनो क जिअत न छोड़ा। ओनकर ल्हासन क अनाजे क बड़के ढेर क तरह एक ढेर मँ लगावा।

27बाबुल क सबहिं नउ जवानन क मार डावा। ओनकर नरसंहार होइ द्या। ओनकर पराजय क समय आइ गवा अहइ। एह बरे ओनके बरे बहोत बुरा होइ। इ ओनके बरे दण्डित होइ क समइ अहइ।

28लोग बाबुल देस स परात अहइँ, उ पचे उ देस स बच निकरत अहइँ। उ सबइ लोग सिय्योन क आवत अहइँ अउर उ पचे सबहिं स उ सब कहत अहइँ जउन यहोवा करत अहइ। उ सबइ कहत अहइँ कि बाबुल क, जउन सजा मिलइ चाही यहोवा ओका देत अहइ। बाबुल यहोवा क मन्दिर क नस्ट किहस, एह बरे अब यहोवा बाबुल क नस्ट करत अहइ।

29धनुर्धारियन क बाबुल क खिलाफ बोलावा। ओन लोगन स नगर पइ हमला करइ क कहा। कउनो क बच निकरइ जिन द्या। जउन उ किहस ह ओकर उल्टा भुगतान करा। ओकरे संग उहइ करा जउन उ दूसर रास्ट्रन क संग किहेस ह। बाबुल यहोवा क सम्मान नाहीं किहेस। बाबुल इस्राएल क पवित्तरतम क बरे बड़ा घमण्डी रहा। एह बरे बाबुल क सजा द्या।

30बाबुल क नउ जवान सड़कन पइ मारा जइहीं, ओह दिन सबहिं फउजी मर जइहीं।" इ सबइ यहोवा कहत ह।

31"बाबुल, तू बहोत गर्वीला अहा, अउर मइँ तोहरे खिलाफ हउँ।" हमार सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा इ सब कहत ह। "मइँ तोहरे खिलाफ हउँ अउर तोहरे दण्डित होइ क समइ आइ गवा ह।

32गर्वीला बाबुल ठोकर खाइ अउ गिरी अउर कउनो मनई ओका उठावइ मँ मदद नाहीं करी। मइँ ओकरे नगरन मँ आगी लगाउब, उ आगी ओकरे चारिहुँ कइँती क सबहिं क पुरी तरह बारि देइ।"

33सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "इस्राएल अउ यहूदा क लोग दास अहइँ। दुस्मन ओनका लइ गवा अउर दुस्मन इस्राएल क निकरि जाइ नाहीं देइ।

34मुला परमेस्सर ओन लोगन क वापस लिआइ। ओकर नाउँ सर्वसक्तीमान परमेस्सर यहोवा अहइ। उ दृढ़ सक्ती स

ओन लोगन क रच्छा करी। उ ओनकर रच्छा करी जेहसे उ पृथ्वी क बिस्राम दइ सकइ। किन्तु उ बाबुल क लोगन क बिस्राम नाहीं देइ।”

35यहोवा कहत ह, “बाबुल क लोगन क तरवार स मार द्या। बाबुल क राजकीय अधिकारियन अउ ग्यानियन क भी तरवार स मर जाइ द्या।

36बाबुल क याजकन क तरवार स मार द्या। उ सबइ याजक मूरख लोगन क तरह होइहीं। बाबुल क फउजियन क तरवार स मर जाइ द्या, उ सबइ फउजी त्रास स भरि जइहीं।

37बाबुल क घोड़न अउर रथन क तरवार क घाट उतरइ द्या। दूसर देसन क भाड़े क फउजियन क तरवार स कट जाइ द्या। उ सबइ फउजी भयभीत अबला होइहीं। बाबुल क खजाने क खिलाफ तरवार उठइ द्या, उ सबइ खजानन लइ लीन्ह जइहीं।

38बाबुल क नदियन सूख जाइँ। उ सबइ नदियन सूख जइहीं। बाबुल देस मँ असंख्य देवमूरतियन अहइँ। उ सबइ मूरतियन परगट करत हीं कि बाबुल क लोग मूरख अहइँ। एह बरे ओन लोगन क संग बुरी घटनन घटिहीं।

39बाबुल फुन लोगन स नाहीं भरी जंगली कूकुरन, सुतुरमुर्ग अउर दूसर रेगिस्तान क जनावर हुआँ रहिहीं। किन्तु हुआँ कबहुँ कउनो मनई नाहीं रही।

40परमेस्सर सदोम, अमोरा अउ ओनके चारिहुँ कइँती क नगरन क पूरी तरह स नस्ट किहे रहा अउर जब ओन नगरन मँ कउनो नाहीं रहत। इहइ तरह बाबुल मँ कउनों नाहीं रही अउर कउनो मनई हुआँ रहइ कबहुँ नाहीं जाइ।

41लखा, उत्तर स लोग आवत अहइँ, उ पचे एक सक्तीसाली रास्ट्र स आवत अहइँ। पूरे संसार क चारिहुँ ओर स एक संग बहोत स राजा आवत अहइँ।

42ओनकी फउज क लगे धनुस अउर भालन अहइँ, फउजी क्रूर अहइँ, ओनमाँ दाया नाहीं अहइ। फउजी आपन घोड़न पइ सवार आवत अहइँ, ओकर दोड़इ क आवाज समुद्दर क गरजन क तरह अहइ। उ पचे आपन जगहियन पइ जुद्ध बरे तइयार अहइँ। बाबुल नगर उ पचे तोह पइ हमला करइ क तत्पर अहइँ।

43बाबुल क राजा ओन फउजन क बारे मँ सुनेस, अउर उ आतंकित होइ गवा। उ एतना डर गवा ह कि ओकर हाथ हल नाहीं सकतेन। ओकरे डर स ओकरे पेट मँ अइसी पीरा होत अहइ, जइसे उ बच्चा पइदा करइवाली मेहरारू होइ।”

44यहोवा कहत ह, “कबहुँ यरदन नदी क निचके क घनी झाड़ियन स एक ठु सेर निकरी। उ सेर ओन खेतन मँ आइ जहाँ लोग आपन जनावरन रखत हीं अउर सब जनावर पराइ जइहीं। मइँ उ सेर क तरह होब। मइँ बाबुल, स ओकर देस छोड़ाउब। इ करइ बरे मइँ केका चुनब? मइँ जेका चाहब चुनब। काहेकि अइसा कउनो मनई नाहीं जउन मोका चुनौती दइ सकइ। कउनो गड़रिया मोर समन्वा खड़ा नाहीं होइ सकत।”

45बाबुल क संग यहोवा जउन कछू करइ क जोजना बनाएस ह, ओका सुना। बाबुल लोगन बरे यहोवा जउन करइ क निर्णय लिहस ह ओका सुना। दुस्मन बाबुल क लोगन क खींच लेइ जाब्या जइसा एक बछड़ा क झुण्ड स खींच लइ जाइ जात ह। उ बाबुल क एक खाली खेत मँ बदल देब।

46बाबुल क पतन होइ, अउर उ पतन पृथ्वी क कँपकँपाइ देइ। सबहिं रास्ट्रन क लोग बाबुल क बिध्वंस होइ क बारे मँ सुनिहीं।

51 यहोवा कहत ह, “मइँ एक प्रचण्ड आँधी उठाउब। मइँ एका बाबुल अउ बाबुल क लोगन के खिलाफ बहाउब।

2मइँ बाबुल क ओसावइ बरे लोगन क पठउब। उ पचे बाबुल क ओसाइ देइहीं। उ सबइ लोग बाबुल क सूना बनाइ देइहीं। फउजन नगर क घेर डइहीं अउ भयंकर बिध्वंस होइ।

3बाबुल क फउजी आपन धनुस-बाण क उपयोग नाहीं कइ पइहीं। उ सबइ फउजी आपन कवच भी नाहीं पहिर सकिहीं। बाबुल क नउ जवानन बरे दुःख महसूस जिन करा। ओनकर फउजे क पूरी तरह नस्ट करा।

4बाबुल क फउजी कसदियन क भुइँया मँ मारा जइहीं। उ सबइ बाबुल क सड़कियन पइ बुरी तरह घायल होइहीं।”

5सर्वसक्तीमान यहोवा इस्राएल व यहूदा क लोगन क राँड़ सा अनाथ नाहीं छोड़ेस ह। परमेस्सर ओन लोगन क नाहीं छोड़ेस। नाहीं उ सबइ लोग इस्राएल क पवित्तरतम क छोड़इ क अपराधी अहइँ। उ पचे ओका छोड़ेन किन्तु उ एनका नाहीं छोड़ेस।

6बाबुल स पराइ चला। आपन जिन्नगी बचावइ बरे पराअ। बाबुल क पापन क कारण हुआँ जिन ठहरा अउर मारा न जा। इ समइ अहइ जब यहोवा बाबुल क लोगन क ओन बुरे करमन क सजा देइ जउन उ पचे किहन। बाबुल क सजा मिली जउन ओका मिलइ चाही।

7बाबुल यहोवा क हाथ क सुनहरा पियाला जइसा रहा। बाबुल पूरी पृथ्वी क मतवाला बनाइ डाएस। रास्ट्रन बाबुल क दाखरस पिएन। एह बरे उ सबइ पागल होइ उठेन।

8बाबुल क पतन होइ अउर उ अचानक टूट जाइ। ओकरे बरे रोआ। ओकर पीरा क दवाई लिआवा। सायद उ तन्दुरूस्त होइ जाइ।

9हम बाबुल क तन्दुरूस्त करइ क जतन किहेउँ, किन्तु हम कामयाब न भवा। एह बरे हम ओका तजि देइ अउर आपन देसन क लउटि चली। बाबुल क सजा अकासे क परमेस्सर निहचित करी, उ निर्णय करी कि बाबुल क का होइ।

10यहोवा हम लोगन बरे बदला लिहस। आवा इ बारे मँ सिय्योन मँ बताइ। हम यहोवा हमार परमेस्सर जउन कछू हमार बरे किहस ह, ओकरे बारे मँ बताइ।

11बाणन क तेज करा। ढाल ओढ़ा। यहोवा मादी क राजा लोगन क जगाइ दिहस ह। उ ओनका जगाएस ह काहेकि उ बाबुल क नस्ट करइ चाहत ह। यहोवा बाबुल क लोगन क उ सजा देइ जेकर पचे पात्र अहइँ। बाबुल क फउज यरूसलेम मँ यहोवा क मन्दिर क ध्वस्त किहे रही। एह बरे यहोवा ओनका उ सजा देइ जउन ओनका मिलइ चाही।

12बाबुल क देवारन क खिलाफ झण्डन उठाइ ल्या। अधिक रच्छक लिआवा। चौकीदारन क ओनके जगह पइ रखा। एक ठु गुप्त हमला बरे तइयार होइ जा। यहोवा उ करी जउन उ जोजना बनाएस ह। यहोवा उ करी जउन उ बाबुल क लोगन क खिलाफ करइ क कहेस।

13बाबुल तू प्रभूत जल क निअरे अहा। तू खजाना स पूर्ण अहा। किन्तु रास्ट्र क रूप मँ तोहार अन्त आइ ग अहइ। इ तोहका बर्बाद करइ क समइ अहइ।

14सर्वसक्तीमान यहोवा इ प्रतिग्या आपन नाउँ लइके किहेस ह: "बाबुल मइँ तोहका निहचइ ही असंख्य सत्रु सेना स भरि देब। उ पचे टिड्डी दल क नाईं होइहीं। उ सबइ फउजी तोहरे खिलाफ जितिहीं अउर उ पचे तोहरे ऊपर खड़ा होइहीं अउर बिजय घोस करिहीं।"

15यहोवा आपन महान सक्ती क उपयोग किहस अउर पृथ्वी क बनाएस। उ दुनिया क बनावइ बरे आपन बुद्धि क उपयोग किहस। उ आपन समुझ क उपयोग अकास क फइलावइ मँ किहस।

16जब उ गरजन ह तब अकासे क जल गरज उठत ह। उ समूची पृथ्वी स बादरन क ऊपर पठवत ह। उ बर्खा क संग बिजली क पठवत ह। उ आपन भण्डार घर स हवा क लिआवत ह।

17मुला लोग बेवकूफ अहइँ। उ पचे नाहीं समुझतेन कि परमेस्सर का किहेस ह। मूर्तिकार मूरतियन बनावत हीं। उ पचे सिरिफ लबार देवता अहइँ। एह बरे उ सबइ परगट करत हीं कि उ मूर्तिकार केतना मूरख अहइँ। उ सबइ देवमूरतियन सजीब नाहीं अहइँ।

18उ सबइ देवमूरतियन बियर्थ अहइँ। लोग ओन देवमूरतियन क बनाएन ह अउर उ पचे मजाक क अलावा कछू नाहीं अहइँ। ओनकर निआव क समइ आइ अउर उ सबइ देवमूरतियन नस्ट कइ दीन्ह जइहीं।

19किन्तु परमेस्सर याकूब क हींसा ओन बियर्थ देवमूरतियन जइसा नाहीं अहइ। लोग परमेस्सर क नाहीं बनाएन, परमेस्सर लोगन क बनाएस। इस्राएल ओकर खास सम्पत्ति अहई। परमेस्सर ही सब कछू बनाएस। ओकर नाउँ सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ।

20यहोवा कहत ह, "बाबुल तू मोर जुद्ध क हथियार ह्वा, मइँ तोहार उपयोग रास्ट्रन क कुचरइ बरे करत हउँ। मइँ तोहार उपयोग राज्जन क बर्बाद करइ बरे करत हउँ।

21मइँ तोहार उपयोग घोड़ अउ घुड़सवार क कुचरइ बरे करत हउँ।

22मइँ तोहार उपयोग मेहररूअन क कुचरइ बरे करत हउँ। मइँ तोहार उपयोग बूढ़ा अउ नउजवान क कुचरइ बरे करत हउँ। मइँ तोहार उपयोग नउजवानन अउर नउ जुवतियन क कुरचइ बरे करत हउँ।

23मइँ तोहार उपयोग गड़रियन अउ ओनकर भेड़िन क खरकन बरे करत हउँ। मइँ तोहार उपयोग किसानन अउ बर्धन क कुचरइ बरे करत हउँ। मइँ तोहार उपयोग प्रसासकन अउर बड़के अधिकारियन क कुचरइ बरे करत हउँ।

24मुला मइँ बाबुल क अउर बाबुल क सबहिं लोगन क उल्टा भुगतान करब। मइँ ओनका सिय्योन बरे उ पचे जउन बुरा किहन, ओन सब क भुगतान करब। मइँ ओनका उल्टा भुगतान करब जेहसे सबहिं ओका लखि सका," यहोवा कहत ह।

25यहोवा कहत ह, "बाबुल, तू पहाड़ क गिरावत अहा अउर मइँ तोहरे खिलाफ हउँ। बाबुल, तू पूरा देस नस्ट किहा ह अउर मइँ तोहरे बिरुद्ध हउँ। मइँ तोहरे बिरुद्ध आपन हाथ बढ़ाउब। मइँ तोहका चट्टानन स लुढ़काउब। मइँ तोहका जरा भवा पर्वत कइ देब।

26लोगन क कोने क पाथर बनावइ जोग्ग बड़का पाथर नाहीं मिली। उ पचे इमारतन क नेंव बरे कउनो भी चट्टान नाहीं लाइ सकिहीं। काहेकि तोहार नगर सदा ही क बरे बेकार पाथरन क ढेर बन जाइ," यहोवा कहत ह।

27"देस मँ जुद्ध क झण्डा उठावा। सबहिं रास्ट्रन मँ तुरही बजाइ द्या। रास्ट्रन क बाबुल क खिलाफ जुद्ध बरे तइयार करा। अरारात मिन्नी अस्कनज राज्जन क बाबुल क खिलाफ जुद्ध बरे बोलावा। ओकरे खिलाफ सेना संचालन बरे सेनापति चुना। सेना क ओकरे खिलाफ पठवा। एतने जियादा घोड़न क पठवा कि उ पचे टिड्डी दल जइसा हो जाइँ।

28ओकरे खिलाफ रास्ट्रन क जुद्ध बरे तइयार करा। मादी क राजा लोगन क तइयार करा। ओनकर प्रसासकन अउर बड़के अधिकारियन क तइयार करा। ओनसे सासित सबहिं देसन क बाबुल क खिलाफ जुद्ध बरे लिआवा।

29देस क तरह काँपत ह माना पीरा भोगत होइ। इ काँपी जब यहोवा बाबुल बनाई जोजना क पूरा करी। यहोवा जोजना बाबुल क सूना रेगिस्तान बनावइ क अहइ। कउनो मनई हुआँ नाहीं रही।

30कसदी फउजियन लड़ब बन्द कइ दिहन ह। उ पचे आपन दुर्गन मँ ठहरा अहइँ। ओनकर ताकत छीन होइ ग अहइ। उ पचे भयभीत अबला क नाईं होइ गएन ह। बाबुल क घर बरत अहइँ। ओकर फाटकन क अवरोध टूट गवा अहइँ।

31एक क पाछे दूसर राजदूत आवत अहइ। राजदूत क पाछे राजदूत आवत अहइँ। उ पचे बाबुल क राजा क खबर सुनावत अहइँ कि ओकरे पूरे नगर पइ अधिकार होइ गवा।

32उ पचे जहाँ स नदियन क पार कीन्ह जात ह अधिकार मँ कइ लीन्ह गवा अहइँ। दलदली भुइँया बरत अहइ बाबुल क सबहिं फउजी भयभीत अहइँ।"

33इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह: "बाबुल नगर एक ठु खरिहान जइसा अहइ। बाबुल क पीटइ क समइ हाली आवत अहइ।"

34"बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर पुराने जमाने मँ हमका नस्ट किहेस। पुराने जमाने मँ नबूकदनेस्सर हमका चोट पहोंचाएस। पुराने जमाने मँ उ हमरे लोगन क लइ गवा अउर हम खाली गगरी स होइ गए। उ हमार सर्वोत्तम चिजियन लिहस। उ बिसाल दानव क तरह रहा जउन तब तलक सब कछू खात रहा जब तलक ओकर पेट न भरा। उ सर्वोत्तम चिजियन लइ गवा, अउर हम लोगन क दूर लोकाइ दिहस।

35बाबुल हमका चोट पहोंचावइ बरे भयंकर करम किहस अउर अब मइँ चाहत हउँ बाबुल क संग वइसा ही घटित होइ।" सिय्योन मँ रहइवाले लोगन इ कहेन, "बाबुल हमरे लोगन क मारइ क अपराधी अहइ अउर अब उ पचे बुरे करमन बरे सजा पावत अहइँ जउन उ पचे किहे रहेन।" यरूसलेम नगर इ सब कहेस।

36एह बरे यहोवा कहत ह, "यहूदा मइँ तोहार रच्छा करब। मइँ इ निहचइ लखब कि बाबुल क सजा मिलइ। मइँ बाबुल क समुद्र क झुराइ देब अउर मइँ ओकरे पानी क सोतन क सुखाइ देब।

37बाबुल बर्बाद इमारतन क ढेर बन जाइ। बाबुल जंगली कूकुरन क तरह क ठउर बनी। लोग चट्टानन क ढेर क लखिहीं अउर चकित होइहीं। लोग बाबुल क बारे मँ आपन मूँड़ि हिलइहीं। बाबुल अइसी जगह होइ जाइ जहाँ कउनो भी नाहीं रही।

38बाबुल क लोग गरजत भए जवान सेर क तरह अहइँ। उ पचे सेर क बच्चन क तरह गुर्रात हीं।

39उ सबइ लोग उत्तेजित सेरन क सा काम करत अहइँ। मइँ ओनका दावत देब। मइँ ओनका मत्त बनाउब। उ पचे हँसिहीं अउर आनन्द क समइ बितइहीं अउर तब उ पचे सदा ही क बरे सोइ जइहीं। उ पचे कबहुँ नाहीं जागिहीं।" यहोवा इ सबइ कहेस।

40मइँ बाबुल क लोगन क मार डावा जाइ बरे लइ जाब। बाबुल मारा जाइ क प्रतीच्छा करइवाली भेड़िन, मेमनन अउर बोकरियन जइसा होइ।

41"सेसक पराजित होइ। सारी पृथ्वी क उत्तिम अउ सब स जियादा गर्वीला देस कैदी होइ। दूसर रास्ट्रन क लोग बाबुल पइ निगाह डइहीं अउर जउन कछू उ पचे लखिहीं ओहसे उ पचे भयभीत होइ उठिहीं।

42बाबुल पइ सागर उमड़ि पड़ी। ओकर गरजत तरंगन ओका ढकि लेइहीं।

43तब बाबुल क नगर बर्बाद अउर सूना होइ जइहीं। बाबुल एक झुरान रेगिस्तान बन जाइ। इ अइसा देस बनी जहाँ कउनो मनई नाहीं रही, लोग बाबुल स जात्रा भी नाहीं करिहीं।

44मइँ बेल देवता क बाबुल मँ सजा देब। मइँ ओकरे जरिये लील लीन्ह मनइयन क उगलावाउब। दूसर रास्ट्र बाबुल मँ नाहीं अइहीं बाबुल नगर क चहारदीवारी गिर जाइ।

45मोर लोगो, बाबुल नगर स बाहेर निकरा। आपन जिन्नगी बचावइ भाग चला। यहोवा क तेज किरोध स बचिके पराअ।

46मोरे लोगो, दुःखी जिन ह्वा। अफवाहन उड़िहीं किन्तु डेराअ जिन। इ बरिस एक अफवाह उड़ति ह। अगले बरिस दूसर अफवाह उड़ी। देस मँ भयंकर जुद्ध क बारे मँ अफवाहन उड़िहीं। सासकन क दूसर सासकन क खिलाफ जुद्ध क बरे मँ अफवाहन उड़िहीं।

47निहचइ ही उ समइ आइ जब मइँ बाबुल क लबार देवतन क सजा देब अउर पूरा बाबुल देस लज्जा क पात्र बनी। उ नगर क सड़कियन पइ अनगिनत मरे मनई पड़ा होइहीं।

48तब पृथ्वी अउर अकास अउ ओकरे भीतर क सबहिं चिजियन बाबुल पइ खुस होइके गावइ लगिहीं, उ पचे जय जयकार करिहीं, काहेकि सेना उत्तर स आई, अउर बाबुल क खिलाफ लड़ी।" इ सब यहोवा कहेस ह।

49"बाबुल इस्राएल क लोगन क मारेस। बाबुल सारी पृथ्वी पइ भी लोगन क मारेस।

50लोगो, तू तरवार क घाट उतरइ स बच निकर्‌या, तू पचन्क हाली करइ चाही अउर बाबुल क छोड़इ चाही। प्रतीच्छा न करो। तू पचे दूर देस मँ अहा। किन्तु जहाँ कहूँ रहा यहोवा क सुमिरा अउर यरूसलेम क सुमिरा।

51यहूदा क हम लोग लज्जित अही। हम लज्जित अही काहेकि हमार अपमान भवा। काहेकि बिदेसी यहोवा क मन्दिर क पवित्तर ठउरन मँ प्रवेस कइ चुका अहइँ।"

52यहोवा कहत ह, "समइ आवत अहइ जब मइँ बाबुल क देवमूरतियन क सजा देब। उ समइ उ देस मँ सर्वत्र घायल लोग पीरा स रोइहीं।

53बाबुल उठत चला जाइ जब तलक उ अकास स छुइ लेइ। बाबुल आपन किलन क मजबूत बनाई। किन्तु मइँ उ नगर क खिलाफ लड़इ बरे लोगन क पठउब अउर उ सबइ लोग ओका नस्ट कइ देइहीं।" इ सबइ यहोवा कहेस।

54"हम बाबुल मँ लोगन क रोउब सुन सकित ह। हम कसदी लोगन क देस मँ चिजियन क नस्ट करइवाले लोगन क सोर सुनि सकित ह।

55यहोवा बहोत हाली बाबुल क नस्ट करी। उ नगर क गरजना क चुप कइ देइ। दुस्मन सागरे क गरजत तरंगन क तरह टूट पड़िहीं। चारिहुँ कइँती क लोग उ गरज क सुनिहीं।

56फउज आइ अउर बाबुल क नस्ट करी। बाबुल क फउजी धरा जइहीं। ओनकर धनुस टूटिहीं। काहेकि यहोवा ओन लोगन क सजा देत ह जउन बुरा करत हीं। यहोवा ओनका पूरी सजा देत ह जेकर उ पचे पात्र अहइँ।

57मइँ बाबुल क बड़के पदाधिकारियन अउर बुद्धिमान लोगन क मत्त कइ देब। ओकर प्रसंसकन, अधिकारियन अउर फउजियन क भी मत्त करब। तब उ पचे सदा ही क बरे सोइ जइहीं, उ पचे कबहुँ नाहीं जागिहीं।" राजा इ कहेस ओकर नाउँ सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ।

58सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, "बाबुल क मोटकी अउ मजबूत देवार गिराइ दीन्ह जाइ। एकर ऊँच दुआर जराइ दीन्ह जइहीं। बाबुल क लोग कठिन मेहनत करिहीं पइ ओकर कउनो लाभ नाहीं होइ। उ पचे नगर क बचावइ क जतन मँ बहोत थक जइहीं, किन्तु उ पचे लपटन क सिरिफ ईंधन होइहीं।"

यिर्मयाह बाबुल क एक ठु सँदेसा पठवत ह

59इ उ सँदेसा अहइ जेका यिर्मयाह नबी महसेयाह क पूत नेरिय्याह, नरेय्याह क पूत सरायाह नाउँ क अधिकारी क दिहस। सरायाह यहूदा क राजा सिदकिय्याह क संग बाबुल गवा रहा। यहूदा क राजा सिदकिय्याह क राजकाल क चउथे बरिस मँ इ भवा। सरायाह कर क अधिकारी रहा।
60यिर्मयाह पत्रक पइ ओन सब भयंकर घटनन क लिखत

रहा जउन बाबुल मँ घटइवाली रहिन। उ इ सब बाबुल क
बारे मँ लिखत रहा।
61यिर्मयाह सरायाह स कहेस, "सरायाह, बाबुल जा।
निहचइ करा कि इ सँदेसा तू इ तरह बाँचा कि सबहिं लोग
सुनि लेइँ। 62एकरे पाछे कहा, 'हे यहोवा तू कह्या ह कि तू
इ बाबुल नाउँ क जगह क नस्ट करब्या। तू एक अइसे
नस्ट करब्या कि कउनो मनई या जानवर हिआँ नाहीं रही। इ
सदा ही क बरे सूना अउर बर्बाद ठउर होइ जाइ।' 63जब तू
पत्रक बाँच चुका तउ एहसे एक ठु पाथर बाँधा। तब इ
पत्रक क परात नदी मँ डाइ द्या। 64तब कहा, 'बाबुल इहइ
तरह बूड़ी। बाबुल फुन कबहुँ नाहीं उठी। बाबुल बूड़ी
काहेकि मइँ हुआँ भयंकर बिपत्तियन ढाउब।'" यिर्मयाह क
सब्द हिआँ खतम भएन।

यरूसलेम क पतन

52 सिदकिय्याह जब यहूदा क राजा भवा, उ इक्कीस
बरिस क रहा। सिदकिय्याह यरूसलेम मँ गियारह
बरिस तलक राज्ज किहस। ओकर महतारी क नाउँ हमूतल
रहा जउन यिर्मयाह क बिटिया रही। हमूतल क परिवार
लिब्ना नगर क रहा। 2सिदकिय्याह बुरे करम किहस, ठीक
वइसने ही जइसे यहोयाकीम किहे रहा। यहोवा सिदकिय्याह
क जरिये ओन बुरे करमन क करब पसन्द नाहीं करत रहा।
3यरूसलेम अउ यहूदा क संग भयंकर घटनन घटिन,
काहेकि यहोवा ओन पइ कोहान रहा। आखीर मँ यहोवा
आपन समन्वा स यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क दूर
लोकाइ दिहस।

सिदकिय्याह बाबुल क राजा क खिलाफ होइ गवा। 4एह
बरे सिदकिय्याह क हुकूमत क समइ मँ नवें बरिस क दसएँ
महीने क दसएँ दिन बाबुल क राजा नबूकदनेस्सर फउज क
संग यरूसलेम क कूच किहस। नबूकदनेस्सर आपन संग
आपन पूरी फउज लिहे रहा। बाबुल क फउज यरूसलेम क
बाहेर डेरा डाएस। एकरे पाछे उ पचे नगर-प्रार्चार क चारिहुँ
ओर माटी क टीला बनाएस जेहसे उ पचे ओन देवारन पइ
चढ़ि सकइँ। 5सिदकिय्याह क राज्जकाल क गियारहवें बरिस
तलक यरूसलेम नगर पइ घेरा पड़ा रहा। 6उ बरिस क
चउथे महीने क नौवें दिन तलक भुखमरी क हालत बहोत
खराब रही। नगर मँ खाइ बरे कछू भी खइया क नाहीं रहि
गवा रहा। 7उ दिन बाबुल क फउज यरूसलेम मँ प्रवेस कइ
गइ। यरूसलेम क फउजी पराइ गएन। उ पचे राति क
नगर तजिके परानेन। उ पचे दुइ देवारन क बीच क दुआरे
स गएन। दुआर राजा क बगीचा क निचके रहा। यद्यपि
बाबुल क फउज यरूसलेम नगर क घेर रखे रही तउ भी
यरूसलेम क फउजी पराइ निकरेन। उ पचे रेगिस्तान कइँती
परानेन।

8किन्तु बाबुल क फउज सिदकिय्याह क पाछा किहस। उ
पचे ओका यरीहो क मइदान मँ धरेन। सिदकिय्याह क सबहिं
फउजी पराइ गएन। 9बाबुल क फउज राजा सिदकिय्याह क
धइ लिहस। उ पचे रिबला नगर मँ ओका बाबुल क राजा
लगे लइ गएन। रिबला हमात देस मँ अहइ। रिबला मँ
बाबुल क राजा सिदकिय्याह क बारे मँ आपन निर्णय
सुनाएस। 10हुआँ रिबला नगर मँ बाबुल क राजा सिदकिय्याह
क पूतन क मारि डाएस। सिदकिय्याह क आपन पूतन क
मारा जाब लखइ क मजबूर कीन्ह गवा। बाबुल क राजा
यहूदा क राजकीय पदाधिकारियन क भी मार डाएस। 11तब
बाबुल क राजा सिदकिय्याह क आँखिन निकारि लिहस। उ
ओका काँसा क जंजीर पहिराएस। तब उ सिदकिय्याह क
बाबुल लइ गवा। बाबुल मँ उ सिदकिय्याह क जेलि मँ डाइ
दिहस। सिदकिय्याह आपन मरइ क दिन तलक बन्दी घर मँ
रहा।

12बाबुल क राजा क खास रच्छकन क अधिनायक
नबूजरदान यरूसलेम आवा। नबूकदनेस्सर क राज्जकाल क
उन्नीसवें बरिस क पाँचए महीने क दसएँ दिन इ भवा।
नबूजरदान बाबुल क महत्वपूर्ण अधिनायक रहा। 13नबूजरदान
यहोवा क मन्दिर क जराइ डाएस। उ राजमहल तथा
यरूसलेम क दूसर घरन क भी बारि दिहस। उ यरूसलेम क
हर एक महत्वपूर्ण इमारत क बारि दिहस। 14पूरी कसदी
फउज यरूसलेम क चहारदीवारी क तोड़ गिराएस। इ फउज
उ समइ राजा क बिसेस रच्छकन क अधिनायक क अधीन
रही। 15अधिनायक नबूजरदान अब तलक यरूसलेम मँ बचे
लोगन क भी कैदी बनाइ लिहस। उ ओनका भी लइ गवा
जउन पहिले ही बाबुल क राजा क आत्मसमर्पण कइ दिहे
रहा। उ ओन कुसल कारिगरन क भी लइ गवा जउन
यरूसलेम मँ बचा रहि गए रहेन। 16मुला नबूजरदान कछू
बहोत गरीब लोगन क देस मँ पाछे छोड़ दिहे रहा। उ ओन
लोगन क अंगूर क बागन अउर खेतन मँ काम करइ बरे
छोड़े रहा।

17कसदी फउज मन्दिर क काँसा क खम्भन क तोड़
दिहस। उ पचे यहोवा क मन्दिर क काँसा क तालाब अउर
ओकरे आधार क भी तोड़ेस। उ पचे उ सारे काँसे क
बाबुल लइ गएन। 18बाबुल क फउज एन चिजियन क भी
मन्दिर स लइ गइः बर्तन, बेलचन, दिया बारइ क जन्त्र,
बड़के खोरन, कड़ाहियन अउर काँसा क उ सबइ चिजियन
जेनकर उपयोग मन्दिर क सेवा मँ होत रहा। 19राजा क
खास रच्छकन क अधिनायक एन चिजियन क लइ गवा:
चिलमची, अँगीठियन, बड़कन खोरन, बर्तन, डीबट, कड़ाहियन
अउर दाखरस क बरे काम मँ आवइवाले बड़के पियालन। उ
ओन सबहिं चिजियन क जउन सोने अउर चाँदी क बनी
रहिन, लइ गवा। 20दुइ स्तम्भ सागर अउ ओकर खाले क
बारह काँसा क बैल अउ सरकइवाले आधार बहोत भारी
रहेन। राजा सुलैमान यहोवा क मन्दिर बरे इ सबइ चिजियन
बनाए रहा। उ काँसा जेहसे उ सबइ चिजियन बनी रहिन,
एतना भारी रहा कि तौला नाहीं जाइ सकत रहा।

21काँसा क हर एक खम्भा अट्ठारह हाथ क ऊँचा
रहा। हर एक खम्भा बारह हाथ परिधि वाला रहा। हर एक
खम्भा खोखला रहा। हर एक खम्भा क देवार चार ईंच
मोटी रही। 22पहिले खम्भा साढ़े सात हाथ ऊँच रहा। इ
चारिहुँ कइँती जाल क सजावट अउर काँसे क अनार स
सजा रहा। दूसर खम्भन पइ भी अनार रहेन। इ पहिले
खम्भा क तरह रहा। 23खम्भन क बगल मँ छियान्नवें

अनार रहेन। खम्भन क चारिहुँ कइँती बने जाल क सजावट
पइ सब मिलाइके सौ अनार रहेन।

24राजा क खास रच्छकन क अधिनायक सरायाह अउर
सपन्याह क कैदी क रूप मँ लइ गवा। सरायाह महायाजक
रहा अउर सपन्याह ओहसे दूसर। तीन चौकीदार भी कैदी
बनाए गएन। 25राजा क खास रचच्छन क अधिनायक
लड़इवाले मनइयन क अधीसक क भी लइ गवा। उ राजा
क सात सलाहकारन क भी कैदी बनाएस। उ सबइ लोग उ
समइ तलक यरूसलेम मँ रहेन। उ सास्त्री क भी लिहस
जउन मनइयन क फउज मँ रखइ क अधिकारी रहा अउर उ
साठ साधारण मनइयन क भी लिहस जउन तब तलक नगर
मँ रहेन।

26-27अधिनायक नबूजरदान ओन सबहिं अधिकारियन क
लिहस। उ ओनका बाबुल क राजा क समन्वा लिआएस।
बाबुल क राजा रिबला नगर मँ रहा। रिबला हमात देस मँ
अहइ। हुआँ उ रिबला नगर मँ राजा ओन अधिकारियन क
मारि डावइ क आदेस दिहस।

इ तरह यहूदा क लोग आपन देस स लइ जावा गएन।
28इ तरह नबूकदनेस्सर बहोत स लोगन क कैदी बनाइके
लइ गवा।

राजा नबूकदनेस्सर क सासन क सतएँ बरिस मँः यहूदा
क तीन हजार तेइस पुरूस।

29नबूकदनेस्सर क सासन क अट्ठारहवें बरिस मँः
यरूसलेम क आठ सौ बत्तीस लोग।

30नबूकदनेस्सर क सासन क तेईसवें बरिस मँ नबूजरदान
यहूदा क सात सौ पैंतालीस मनई कैदी बनाएस।
नबूजरदान राजा क खास रच्छकन क अधिनायक रहा।

सब मिलाइके चार हजार छः सौ लोग कैदी बनावा ग
रहेन।

यहोयाकीम अजाद कीन्ह जात ह

31यहूदा क राजा यहोयाकीम सैंतीस बरिस तलक बाबुल
क जेलि मँ रहा। ओकर कैदी रहइ क सैंतीसवें बरिस बाबुल
क राजा एबीलमरोद क यहोयाकीम पइ बहोत दयालु रहा। उ
यहोयाकीम क उ बरिस जेलि स बाहेर निकारेस। इ उहइ
बरिस रहा जब एबीलमरोदक बाबुल क राजा भवा। एबीलमरोदक
यहोयाकीम क बारहवें महीने क पन्तीसवें दिन जेलि स छोड़
दिहस। 32एबीलमरोदक यहोयाकीम स रहम स बातन किहस।
उ यहोयाकीम क ओन दूसर राजा लोगन क ऊँच सम्मान
क ओहदा दिहस जउन बाबुल मँ ओकरे संग रहेन। 33एह
बरे यहोयाकीम आपन कैदी क ओढ़ना उतारेस। बाकी
जिन्नगी मँ उ नेम स राजा क मेज पइ भोजन करत रहा।
34बाबुल क राजा प्रतिदिन ओका स्वीकृत धन देत रहा। इ
तब तलक चला जब तलक यहोयाकीम मरा नाहीं।

यसायाह

1 इ सबइ परमेस्सर क दर्सन अहइ जउन आमोस क पूत
यसायाह यहूदा अउर यरूसलेम क बारे लखेस ह।
यसायाह ऍन दर्सन क यहूदा क राजा लोगन उज्जियाह,
योताम, आहाज अउ हिजकिय्याह क समय मँ लखे रहा।

आपन लोगन क खिलाफ परमेस्सर क सिकाइत

2हे सरग अउ धरती, यहोवा क वाणी सुना! यहोवा
कहत ह, "मइँ आपन बच्चन क परवान चढ़ाएउँ अउर
ओका मजबूत स बढ़इ मँ मदद किहेउँ, किन्तु उ पचे मोहसे
विद्रोह किहन।
3बैल आपन सुआमी क जानत ह अउर गद्हा उ जगह
क जानत ह जहाँ ओकर सुआमी ओका चारा देत ह। किन्तु
इस्राएल क लोग मोका नाही पहिचानतेन। उ पचे मोर
आपन अहइँ किन्तु मोका नाहीं समुझतेन ह।"
4इस्राएल रास्ट्र पापे अउ दोख स भरि गवा अहइ। जउन
कि भारी बोझे क समान ह जेका लोगन क उठाइ क होइ।
उ पचे बुरे परिवारन स बुरे अउ दुट्ठ बच्चन क समान
अहइँ। उ पचे यहोवा क तजि दिहन। उ पचे इस्राएल
परमेस्सर क पवित्तरता क अपमान किहन। उ पचे ओका
तजि दिहेन अउर ओकरे संग अजनबी जइसा बेउहार किहन।
5परमेस्सर कहत ह, "मइँ तू सबइ लोगन क अउर दण्ड
काहे देत रहउँ? मइँ तू पचन्क दण्ड दिहेउँ, मुला तू पचे
नाहीं बदल्या। तू पचे मोरे बिरूद्ध विद्रोह करत ही रह्या।
अब हर मूँड़ घायल अहइ अउ हर हिरदय दुखी अहइ।
6तोहरे सबन गोड़े क तलुअन स लइके मूँड़े क ऊपरी हींसा
तलक तोहरे बदन क हर अंग घावत स भरा अहइ। ओनमाँ
चोट लगी अहइँ अउर फूटे भए फोड़न अहइँ। तू पचे
आपन फोड़न क कउनो परवाह नाहीं किह्या। तोहार पचन्क
घाव न तउ साफ कीन्ह ग अहइँ नही ओनका ढका गवा
अहइ।
7"तोहार सबन्क धरती बर्बाद होइ ग अहइ। तोहार पचन्क
नगर आगी मँ बरि गवा अहइँ। तोहार पचन्क धरती तोहार
पचन्क दुस्मनन हथियाइ लिहेन। तोहार पचन्क भुइँया अइसे
उजारि दीन्ह ग अहइ कि जइसे दुस्मनन क जरिये उजाड़ा
गवा कउनो प्रदेस होइ। 8सिय्योन क बिटिया (यरूसलेम)
अब तजि भए सिबिर जइसा होइ गवा। उ ककड़ी क खेत
मँ एक अइसा झोपड़ी क नाईं अहइ जेका फसल काटइ क
पाछे छोड़ दीन्ह गवा होइ। इ उ नगरी क समान अहइ
जेका घेर लीन्ह गवा होइ।" 9इ फुरइ अहइ किन्तु फुन भी
सक्तीसाली यहोवा कछू लोगन क हुआँ जिअत रहइ बरे
छोड़ दीन्ह ग रहा। सदोम अउर अमोरा सहरन क समान
हमार पूरी तरह बिनास नाहीं कीन्ह गवा रहा।

परमेस्सर सच्ची सेवा चाहत ह

10हे सदोम क मुखिया लोगो, यहोवा स सँदेसा सुना। हे
अमोरा क लोगो, परमेस्सर क उपदेसन पइ धियान द्या।
11परमेस्सर कहत ह, "मोका इ सबइ सबहिं बलियन नाहीं
चाही। मइँ तोहार पचन्क भेड़िन अउ पसुअन क चर्बी क
काफी होमबलियन लइ चुका हउँ। बर्धन, मेमनन, बोकरन
क खून स मइँ प्रसन्न नाहीं हउँ।
12"तू लोग जब मोहसे मिलइ आवत अहा तउ मोरे
आँगन क हर वस्तु रौंद डावत अहा। अइसा करइ बरे तू
पचन्स कउन कहेस ह?
13"बेकार क बलियन तू पचे मोका जिन चढ़ावत रहा।
जउन सुगंधित सामग्री तू पचे मोका अर्पित करत अहा,
मोका ओहसे घिना अहइ। नवा चाँद क दावतन, बिस्राम
अउर सबित मोहसे सहन नाहीं होइ पउतेन। आपन पवित्तर
सभन क बीच जउन बुरे करमन तू पचे करत अहा, मोका
ओनसे घिना अहइ। 14तोहार पचन्क माहवारी बैठकन अउर
सबइ सभा स मोका आपन सम्पूर्ण मन स घिना अहइ। इ
सबइ सभन मोरे बरे एक भारी भरकम बोझ स बन गइ
अहइ। अउर ओन बोझन क उठावत अब मइँ थक चुका
हउँ।
15"तू लोग हाथ उठाइके मोर प्रार्थना करब्या, किन्तु मइँ
तोहार सबन कइँती लखइ तलक नाहीं। तू लोग जियादा स
जियादा परार्थना करब्या, किन्तु मइँ तोहार सबन्क सुनइ
तलक क मना कइ देब काहेकि तोहार सबन्क हाथ खून स
सना अहइँ।
16"आपन क धोइ अउ आपन क पवित्तर करी। तू पचे
जउन बुरे करम करत अहा ओनका मोर आँखि क नज़र स
दूर करा। ओन बुरे कामन क तजा!
17"अच्छे करम करब सीखा। दूसर लोगन क संग
निआव करा। जउन लोग दूसर लोगन क सतावत हीं,
ओनका दण्ड द्या। अनाथ बच्चन क अधिकारन बरे संघर्स
करा। जउन मेहररूअन क मनसेधू मरि गवा अहइँ, ओनका
निआव दियावइ बरे पैरवी करा।"
18यहोवा कहत ह, "आवा, हम ऍन बातन पइ विचार
करी। तोहार सबन्क पाप गहरा लाल रंग क नाईं अहइँ
मुला ओनका धोवा जाइ सकत ह अउर बरफ क नाईं
उज्ज्वर होइ सकत ह। तोहार पचन्क पाप लाल कपड़ा क
नाईं सुर्ख अहइँ, किन्तु उ सबइ ऊन क नाई सफेद होइ
सकत अहा।
19"अगर तू पचे मोर कही बातन पइ धियान देत अहा,
तउ तू पचे इ धरती क नीक वस्तुअन पउब्या। 20किन्तु
अगर तू पचे सुनइ स मना करत अहा तू पचे मोरे खिलाफ

होत अहा, अउर तोहार दुस्मनन तू पचन्क नस्ट कइ डाइहीं।"
यहोवा इ सबइ बातन खुद ही कहे रहा।

यरूसलेम परमेस्सर बरे बिस्सास क जोग्ग नाहीं अहइ

21परमेस्सर कहत ह, "यरूसलेम कइँती लखा। यरूसलेम
एक ठु अइसी नगरी रही जउन मोहमाँ बिस्सास राखत रही
अउर मोर अनुसरण करत रही। उ रण्डी क नाईं कउनो
कारण बन गई? अब उ मोर अनुसरण नाहीं करत।
यरूसलेम क निआव स परिपूर्ण होइ चाही। यरूसलेम क
बसइयन क, जइसे परमेस्सर चाहत ह, वइसे ही जिअइ
चाही। किन्तु अब तउ हुवाँ हत्तियारन रहत हीं।
22"तू पचन क नेकी चाँदी क समान अहइँ जउन अब
बेकार अउर असुद्ध समुझा जात ह। इ उ दाखरस का नाईं
अहइ जउन कि बहोत जियादा पानी क कारण पतरा होइ
गवा अहइ। 23तोहार पचन्क सासक विद्रोही अहइँ अउर
चोरन क साथी अहइँ। तोहार पचन्क सबहिं सासक घूस लेइ
चाहत हीं। गलत काम करइ बरे उ पचे घूस क धन लइ
लेत हीं। तोहार पचन्क सबहिं सासक लोगान्क ठगइ बरे
मेहनताना लेत हीं। तोहार पचन्क सासक अनाथ बच्चन क
सहारा देइ क जतन नाहीं करतेन। तोहार पचन्क सासक ओन
मेहररूअन क जरूरतन पइ कान नाहीं देतेन जेनकर मनसेधू
मर चुके अहइँ।"
24एन सबइ बातन क कारण, सुआमी सर्वसक्तीमान
यहोवा अरथात इस्राएल क सर्वसक्तीमान कहत ह, "हे मोर
बैरियो मइँ तू पचन्क दण्ड देबउँ। तू पचे मोका अब अउर
जियादा नाहीं सताइ पउब्या। 25जइसे लोग चाँदी क साफ
करइ बरे खार मिले भए पानी क प्रयोग करत हीं, वइसे ही
मइँ तोहार पचन्क सबहिं खोट दूर करबउँ। सबहिं निरर्थक
वस्तुअन तू पचन लइ लेबउँ। 26जइसे निआव क करवाइयन
तोहरे सबन्क लगे सुरु मँ रहेन अब वइसे ही निआव क
करवइया मइँ फुन स वापिस लिआउब। जइसे सलाहकार
बहोत पहिले तोहरे सबन क लगे हुवा करत रहेन, वइसे ही
सलाहकार तोहरे पचन्क लगे फुन होइहीं। तू पचे तब फुन
'नेक अउर बिस्सासी नगरी' कहवउब्या।"
27नीक फइसला अब सिय्योन क दीन्ह जाई अउ उ
आजाद होइ जाइ। परमेस्सर उ लोगन क निआव देइ जउन
अब हुवाँ रहत हीं। 28मुला सबहिं अपराधियन अउर पापियन
जउन यहोवा क अस्वीकार किहेस ह, क पूरी तरह स तोड़
दीन्ह जाइ अउ बरबाद कइ दीन्ह जाइ।
29भविस्स मँ, तू लोग ओन बाँझबृच्छन बरे ओन बिसेस
बगीचन बरे, जेनका पूजइ बरे तू पचे चुने रह्या, लज्जित
होइहीं। 30इ एह बरे घटित होइ काहेकि तू लोग अइसे बाँझ
बृच्छन जइसे होइ जाब्या जेनकर पातियन मुरझात होइँ। तू
पचे एक अइसे बगियन क नाईं होइ जाब्या जउन पानी क
बिना मर रहा होइ। 31बरिआर लोग झुरान काठे क नान्ह
नान्ह टूकन जइसा होइ जइहीं अउर उ सबइ लोग जउन
काम करिहीं, उ पचे अइसी चिनगारियन क समान होइहीं
जोनसे आगी लगि जात ह। उ सबइ बरिआर लोग अउर
ओनकर काम बरइ लगिहीं अउर कउनो भी मनई अइसा
नाहीं होइ जउन उ आगी क रोकि पाई।

2 आमोस क पूत यसायाह यहूदा अउर यरूसलेम क
बारे मँ इ संदेस लखेस।
2आखिरी दिना मँ यहोवा क मन्दिर उ पर्वते पई बनावइ
जाइ जउन आपन अगल-बगल क सबहिं पर्वतन मँ सबसे
ऊँचा होइ। सबइ रास्ट्रन क लोगन हुवाँ बाढ़ क नाईं आइ।
3अनेक लोग इ कही सरू करि, "आवा, हमका यहोवा क
पर्वते पइ, याकूब क परमेस्सर क मंदिर मँ जाइ चाही। उ
हमका आपन जिन्नगी विधि क सिच्छा देइ अउर हम ओकर
अनुसरण करब।"
सिय्योन पर्वत पइ यरूसलेम मँ स परमेस्सर क उपदेसन
क संदेस सुरू करी अउर हुवाँ स उ समूचइ संसार मँ चलि
जाइ। 4तब परमेस्सर सबहिं देसन क निआवी होइ। परमेस्सर
बहोत स लोगन क विवादन निपटारा करी अउर उ सबइ
लोग लड़ाई बरे अपने हथियारन क प्रयोग करब बंद कइ
देइहीं। आपन तरवारन स उ पचे हरे क फार बनइहीं अउर
उ पचे आपन भालन क पौधन क काटइ क दँराती क रूपे
मँ काम मँ लइहीं। लोग दूसर लोगन क खिलाफ लड़ब
बंद कइ देइहीं। लोग जुद्ध बरे कबहुँ प्रसिच्छित नाहीं
होइहीं।
5हे याकूब क परिवार, तू पचे यहोवा क अनुसरण करा।
6हे यहोवा, तू याकूब (इस्राएल) क घरे स पीछे मुड़ि गवा
ह, जबकि उ तोहार लोग अहइ। तोहार लोग पूरी तरह स
पूरब (असीरिया) क कबूल कइ लिहेन ह, अउ तोहर लोग
पलिस्तियन (पस्चिम) क नाईं भविस्स बतावइ क सुरू करइ
दिहेन ह। तू लोग ओन विचित्र विचारन क पूरी तरह स
स्वीकार कइ लिहेस ह। 7हाँ, तोहार धरती सोना अउ चाँदी
स भरि गइ अहइ, अउ हुवाँ क धन-सम्पत्ति क गना न
जाइ। हुवाँ अनगिनत जुद्ध क घोड़न रथन भी अहइँ। 8मुला
ओनकर धरती मूरतियन स भी भरी पड़ी अहइँ; तोहार लोग
एँनका खुद की आकार दिहेस ह, अपने हाथन स ओका
बनाएन ह अउर उ पचे ही ओनकर पूजा करत हीं। 9लोग
बुरा स बुरा होइ ग अहइँ। लोग बहोत नीच होइ ग अहइँ।
हे परमेस्सर, निहचय ही तू ओनका छिमा करब्या, का तू
अइसा करब्या?

परमेस्सर क दुस्मन भयभीत होइहीं

10जा, कतहूँ कउनो गड़हा मँ या कउनो चट्टाने क पाछे
लुकाइ जा। तू परमेस्सर स डेराअ अउर ओकर महान सक्ती
क समन्बा स ओझर हीइ जा। 11अहंकारी लोग अहंकार
करब तजि देइहीं। अहंकारी लोग धरती पइ लाज स मूँड़
नीचे निहुराइ लेइहीं। उ समय सिरिफ यहोवा ही ऊँच ठउरे
पइ बिराजमान होइ।
12यहोवा एक खास दिन क जोजना बनाएस ह। उ दिन,
यहोवा अहंकारियन अउर बड़बोलन लोगन क सजा देइ। तब
ओन अहंकारी लोगन क साधारण बनाइ दीन्ह जाइ। 13उ
सबइ अहंकारी लोग लबानोन क लम्बे देवदार बृच्छन क
समान अहइँ। उ पचे बासान क बाँझ बृच्छन जइसे अहइँ
किन्तु परमेस्सर ओन लोगन क दण्ड देइ। 14उ सबइ
अहंकारी लोग ऊँच पहाड़ियन जइसे लम्बे अउर पहाड़न
जइसे ऊँच अहइँ। 15उ पचे अहंकारी लोग अइसे अहइँ

जइसे लम्बी अउ ऊँच मीनारन तथा मजबूत परकोटा होइ।
किन्तु परमेस्सर ओन लोगन क दण्ड देइ। 16उ सबइ
अहंकारी लोग तर्सीस क बिसाल जहाउन के समान अहइँ।
एन जहाजन मँ महत्वपूर्ण चिजियन भरी अहइँ। किन्तु
परमेस्सर ओन अहंकारी लोगन क सजा देइ।

17उ समय, लोग अहंकार करब तजि देइहीं। उ सबइ
लोग जउन अब अहंकारी अहइँ, धरती पइ खाले निहुराइ
दीन्ह जइहीं। फिन उ समय केवल यहोवा ही ऊँचा
बिराजमान होइ। 18सबहिं मूरतियन लबार देवता खतम होइ
जइहीं। 19लोग चट्टानन सबइ गुफा अउर धरती क भीतर
जाइ लुकइहीं। उ पचे यहोवा अउर ओकर महान सक्ति स
डर जइहीं। अइसा उ समय होई जब यहोवा धरती क
हिलावइ बरे खड़ा होइ।

20उ समय, लोग आपन सोने, चाँदी क मूरतियन क दूर
लोकाइ देइहीं (एन मूरतियन क लोग एह बरे बनाए रहेन
कि लोग ओनका पूजि सकइँ।) लोग ओन मूरतियन क
धरती क ओन बिलन मँ लोकाइ देइहीं जहाँ चमगादड़ अउर
छछूँदर रहत हीं। 21फुन लोग चट्टानन क गुफन मँ छुप
जइहीं। उ पचे यहोवा अउर ओकर महान सक्ती स डेराइके
अइसा करिहीं। अइसा उ समय घटित होइ जब यहोवा धरती
क हिलावइ बरे खड़ा होइ।

इस्राएल क परमेस्सर क बिस्सास करइ चाही

22ओ इस्राएल क लोगो। तू पचन्क आपन रच्छा बरे
दूसर लोगन पइ निर्भर रहब तजि देइ चाही। उ सबइ तउ
मनई मात्र अहइँ अउर मनई मरि जात ह। एह बरे, तू
पचन्क इ नाहीं सोचइ चाही कि उ पचे परमेस्सर क समान
सक्तीसाली अहइँ।

3 इ सबइ बातन मइँ तू पचन्क बतावत हउँ, तू पचे
समुझ ल्य। सर्वसक्तीसाली यहोवा सुआमी, ओन सबहिं
वस्तुअन क छोरि लेइ जेन पइ यहूदा अउ यरूसलेम निर्भर
रहत हीं। परमेस्सर समूचइ भोजन अउ जल भी छोरि लेइ।
2परमेस्सर सबहिं नायकन अउ महाजोधन क छोरि लेइ।
सबहिं निआवा धीसन, भविस्सवक्तन, जूतिसियन अउ बुजुर्गन
क परमेस्सर छोरि लेइ। 3परमेस्सर सेनानायकन अउर प्रसासनिक
नेतन क छोरि लेइ। परमेस्सर सलाहकारन अउर ओन
बुद्धिमान क छोरि लेइ जउन जादू करत हीं अउर भविस्स
बतावइ क जतन करत हीं।

4परमेस्सर कहत ह, "मइँ जवान बच्चन क ओनका नेता
बनाइ देबउँ। बच्चन ओन पइ राज्ज करिहीं। 5हर मनई आपुस
मँ एक दूसर क बिरुद्ध होइ जाइ। नवयुवक बड़के बूढ़न क
आदर नाहीं करिहीं। साधारण लोग महत्वपूर्ण लोगन क
आदर नाहीं देइहीं।"

6उ समय, आपन ही परिवारे स कउनो मनई आपन ही
कउनो भाई क धरि लेइ। उ मनई आपन भाई स कही,
"काहेकि तोहरे लगे एक ठु ओढ़नाबा, तउ तू हमार नेता
होब्या। एन सबहिं खण्डरहन क तू नेता बनिजा।"

7किन्तु उ भाई ठाड़ होइके कही, "मइँ तू पचन्क सहारा
नाहीं दइ सकत। मोरे घरे काफी भोजन अउ ओढ़ना नाहीं
बाटइ। तू मोका आपन मुखिया नाहीं बनउब्या।"

8अइसा एह बरे होइ काहेकि यरूसलेम ठोकर खाएस
अउर उ बुरा किहस। यहूदा क पतन होइ गवा अउर उ
परमेस्सर क अनुसरण करब तजि दिहस। उ पचे जउन कहत
हीं अउर जउन करत हीं उ यहोवा क खिलाफ अहइ। उ
पचे यहोवा क महिमा बरे विद्रोह किहन।

9लोगन क चेहरन पइ जउन भाव अहइँ ओनसे साफ
देखाइँ देत ह कि उ सबइ बुरा करम करइ क अपराधी
अहइँ। किन्तु उ पचे एन अपराधन क छुपावत नाहीं अहइ,
बल्कि ओन पइ गर्व करत भए आपन पापन क डोंडी पीटत
हीं। उ पचे ढीठ अहइँ। उ पचे सदोम नगरी क लोगन
जइसे अहइँ। ओनका इ बात क परवाह नाहीं अहइ कि
ओनके पापे क कउन लखत अहइ। इ ओनके बरे बहोत
बुरा होइ। आपन ऊपर एँतनी बड़की विपद उ पचे खुद
बोलाएन ह।

10अच्छे लोगन क बताइ द्या कि ओनके संग अच्छी
बातन घटिहीं। जउन नीक करम उ पचे करत हीं, ओनकर
सुफल उ पचे पइहीं। 11किन्तु बुरे लोगन बरे इ बहोत बुरा
होइ। ओन पइ बड़ी विपद टूट पड़ी। जउन बुरे करम उ पचे
किहेन ह, ओन सबन बरे ओनका सजा दीन्ह जाइ। 12मोर
लोगन क बच्चन बेरहमी स सतइहीं। ओन पइ मेहररूअन
राज करिहीं। हे मोर लोगो, तोहार पचन्क अगुआ तू पचन्क
बुरे राहन पइ लइ जइहीं। सही मारग स उ पचे तू पचन्क
भटकाइ देइहीं।

आपन लोगन क बारे मँ परमेस्सर क निर्णय

13यहोवा आपन लोगन क विरोध मँ मुकदमा लड़इ बरे
खड़ा होइ। उ आपन लोगन क निआव करइ बरे खड़ा होइ।
14बुजुर्गन अउ अगुवा लोग जउन काम किहेन ह यहोवा
ओनके बिरुद्ध मुकदमा चलाइ।

यहोवा कहत ह, "तू लोग अंगूरे क बागन क (यहूदा
क) बारि डाया ह। तू पचे गरीब लोगन क चिजियन क लइ
लिहा अउर उ सबइ वस्तुअन अबहिं भी तोहरे पचन्क घरन
मँ अहइँ। 15मोरे लोगन क सतावइ क अधिकार तू पचन्क
कउन दिहस? गरीब लोगन क मुँहे क बल धूरि मँ ढकेलइ
क अधिकार तू पचन्क कउन दिहस?" मोर सुआमी,
सर्वसक्तीमान यहोवा इ सबइ बातन कहे रहा।

16यहोवा कहत ह, "सिय्योन क मेहररूअन बहोत घमण्डी
होइ गइ अहइँ। उ पचे मूँड़ी उठाए भए अउर अइसा
आचरण करत भए, जइसे उ पचे दूसर लोगन स उत्तिम
होइँ, एहर-ओहर घूमति रहत हीं। उ सबइ मेहररूअन आपन
आँखिन मटकावत रहत हीं तथा आपन गोड़े क पाजेब
झंकारत भइ एहर-ओहर ठुमकत फिरत हीं।"

17सिय्योन क अइसी मेहररूअन क मूँड़े पइ मोर सुआमी
फोड़न निकारी। यहोवा ओन मेहररूअन क गंजा कइ देइ।
18उ समय, यहोवा ओनसे उ सब चिजियन छोरी लेइ जउने
पइ ओनका नाज रहा: गोड़न क सुन्नर पाजेब, सूरज अउर
चाँद जइसे देखाइवाले कंठहार, 19बुन्दे, कंगना अउर ओढ़नी,
20माथापट्टी, गोड़े क झाँझर, कमरबंद, इत्र क सीसियन
अउ ताबीज जेनका उ पचे आपन कंठहारन मँ धारण करत
रहिन। 21मुहरदार अंगूठियन, नाके क बालियन, 22उत्तिम

ओढ़ना, टोपियन, चद्दरन, बटुअन, 23दर्पण, मलमले क कपड़न, पगड़ीदार टोपियन अउर लम्बा दुसालन।

24उ समय मँ सुगंधित इत्र जउन अबहुँ अच्छा सुगंध देत अहइ, ओकर उ सुगंध सड़ा भवा फफूँद क संग दुर्गन्धि मँ बदल जाइ। अब उ पचे कमर-बंध पहिरत हीं, किन्तु उ समय पहिरइ क बस ओनके लगे रस्सन होइहीं। इ समय उ पचे आपन बार मँ सुसोभित जूड़न बाँधत हीं, किन्तु उ समय ओनकर मूँड़ मुड़वाइ दीन्ह जइहीं। ओनके एक ठु बार तलक नाहीं होइ।* अब ओनके लगे सुन्नर पोसाकन अहइँ। किन्तु उ समय ओनके लगे सिरिफ सोक वस्त्र होइहीं। ओकर सुन्नरता क चीन्ह दासिता क चीन्ह मँ बदलि जाइ।

25तू पचन्क मनइयन तरवारन स काटि जाइ अउर तोहार मेहरारुअन जुद्ध मँ मारि जाइ। 26नगर दुआर क निअरे सभा ठउरन मँ रोउब बिलखब अउर दुःख ही फइला होइ। यरूसलेम उ मेहरारू क नाईं हर चीज स वंचित होइ जाइ जेकर सब कछू चोर अउ लुटेरन लूट गवा होंइ। उ धरती पइ बइठी अउर बिलखी।

4 उ समय, सात सात मेहररूअन एक ठु मनसेधू क दबोच लेइहीं अउर ओहसे कहिहीं, "आपन खाइ क बरे हम आपन रोटियन क जुगाड़ खुद कइ लेब, आपन पहिरइ बरे ओढ़ना हम खुद बनाउब। बस तू हमसे बियाह कइ ल्या। इ सबइ काम अपने बरे हम खुद कइ लेब। बस तू हमका आपन नाउँ द्या। कृपा कइके हमरी सरम पइ पर्दा डाइ द्या।"

2मुला इ मुसीबत क समइ मँ भी यहोवा क पौधा इस्राएल क सेवकन क खुस करिहीं। इ एक सुन्नर अउ सम्मानित क रास्ट्र होइ! 3सिय्योन अउर यरूसलेम मँ जिअत बचा भवा सबइ लोग पवित्तर कहलाउब्या। यरूसलेम मँ उ पचे ही अहइँ जेकर नाउँ क जिअत रहइ बरे जिन्नगी क पुस्तक मँ सूचीबंध कीन्ह गवा रहेन।

4यहोवा सिय्योन क मेहररूअन क असुद्धता क धोइ देइ। यहोवा यरूसलेम स खून क धोइ क बहाइ देइ। यहोवा निआव क चेतना क प्रयोग करी अउर बिना कउनो पच्छपात क निर्णय लेइ। वह दाहक चेतना क प्रयोग करी अउर हर वस्तु क सुद्ध कइ देइ।

5तब परमेस्सर इ साबित करी कि उ आपन मनइयन क संग अहइ। उ दिन क समय, धुँए क एक बादर क रचना करी अउर रात क समय एक चमचमात लपट स मिली भइ आगी। इ सबइ चीन्ह सिय्योन पर्वते पइ, लोगन क हर सभा क ऊपर अउर उ सहर मँ ओकरे हर भवन क ऊपर परगट होइहीं। सुरच्छा बरे हर मनई क ऊपर एक आवरण छाइ जाइ। 6मण्डप क इ आवरण एक ठु सुरच्छा ठउर होइ। इ आवरण लोगन क सूरज क गर्मी स बचाइ। मण्डप क इ आवरण सब प्रकार क बाढ़न अउ बर्खा स बचइ क एक सुरच्छित ठउर होइ।

इस्राएल परमेस्सर क खास उपवन

5 अब मइँ आपन मीत बरे एक ठु गीत गाउब। इ गीत मोरे मीत क अंगूर क बागीचा क बारे मँ अहइ। ओकरे लगे अंगूर क इ बागीचा बहोत उपजाऊ पहाड़ी पइ अहइ।

2मोर मीत धरती खोदेस अउ काँकड़ पाथर हटाइके ओका साफ किहेस अउर हुवाँ पइ अंगूरे क उत्तिम बेलन रोपि दिहस। फुन खेत क बीच मँ उ अंगूर क रस निकारइ क कुण्ड बनाएस। मीत क आसा रही कि हुवाँ उत्तिम अंगूर होइहीं। किन्तु हुवाँ जउन अंगूर लाग रहेन उ सबइ बुरा रहेन।

3तउ परमेस्सर कहेस: "हे यरूसलेम क लोगो, अउर यहूदा क बसइयो, मोर अउ मोरे अंगूर क बाग क बारे मँ निर्णय करा।

4मइँ अउर क आपन अंगूर क बाग क बरे कइ सकत रहेउँ? मइँ उ सब किहेउँ जउन कछू भी मइँ कइ सकत रहेउँ। मोका उत्तिम अंगूरन क लगइ क आसा रही, किन्तु हुवाँ अंगूर बुरे ही लागेन। इ अइसा काहे भवा?

5अब मइँ तोहका बताउब कि आपन अंगूर क बगीचा बरे मइँ का कछू करउँ:
उ कँटेहरी झाड़ी जउन खेते क रच्छा करत ह मइँ उखाड़ि देब, अउर ओन झाड़ियन क आगी मँ बारि देबउँ। पाथर क परकोटा तोड़िके भहराइ देब। बगिया क रौंदि दीन्ह जाइ।

6मइँ अंगूरे क बगीचे क खाली खेते मँ बदली देबउँ। कउनो पउधन क काटा-छाँटा नाहीं जाइ अउर नाहीं कुदाल स मिट्टी क खोदी जाइ। एँह बरे हुवाँ सिरिफ काँटा अउर खरपतवार उगीहीं। मइँ बादरन क आदेस देब कि उ सबइ हुवाँ न बरिसइँ।"

7सर्वसक्तीसाली यहोवा क अंगूरे क बगीचा इस्राएल क रास्ट्र अहइ, अउर अंगूरन क बेलन यहूदा क राजा अहइँ। यहोवा निआव क आसा किहे रहा, किन्तु हुवाँ हत्तिरा दबदबा रही। यहोवा निस्पच्छता क आसा किहस, किन्तु हुवाँ बस मदद माँगइवालन क रोना रहा जेनके संग जुल्म कीन्ह गवा रहा।

8सराप ओनका जउन मकान दर मकान लेत ही चला जात हीं अउर एक खेत क पाछे दूसर खेत अउर दूसर क पाछे तीसर खेत तब तलक घेरत ही चला जात हीं जब तलक कउनो अउर बरे कछू भी जगह नाहीं बची रहत। अइसे लोगन क इ भूइँया मँ अकेले ही रहइ पड़ी। 9सर्वसक्तीसाली यहोवा क मइँ मोहसे इ कहत भए सुना ह, "अब लखा हुवाँ बहोत सारे भवन अहइँ किन्तु मइँ तोहसे कसम लइके कहत हउँ कि उ सब सबहिं भवन नस्ट कइ दीन्ह जइहीं। अबहिं हुवाँ बड़के बड़के भव्य भवन अहइँ किन्तु उ सबइ भवन उजड़ जइहीं। 10उ समय दस एकड़ भुइँया क अंगूरन स एक ही बेरल दाखरस तइयार होइ, अउर दस बोरी बिअन स एक बोरी अनाज पइदा होइ।"

11तू पचन्क धिक्कार अहइ, तू लोग अलख भिन्सारे उठत ह अउर अब सराब पिअइ क ताक मँ रहत ह। राति क देर तलक जागत भए दाखरस पिअके धुत होत अहा। 12तू आपन प्रतिभोज मँ दाखरस पीअत ह अउर वीणा, ढोल, बाँसुरी अउर अइसे ही दूसर बाजन यत्रं स संगीत

अनके ... होइ "इ दिखावत ह कि उ पचे दास होइ जाइ।"

सुनत ह तू पचे ओन बातन पइ दृस्टि नाहीं डउत्या जेनका
यहोवा किहस ह! तू उ चिजियन क भी नाहीं लखेस ह
जेका यहोवा आपन हाथन स बनाएस ह। एँह बरे तू लोगन
बरे इ बहोत बुरा होइ।

13यहोवा कहत ह, "मोरे लोगन क बंदी बनाइके कैदी
क रूप मँ लइ जावा जाइ, काहेकि उ पचे मोका नाहीं
जानतेन। अउ महत्वपूर्ण लोग भूख स झूझत रही। अउर
आम लोग बहोत पियासा होइ जइहीं।" **14**फुन ओनकर मउत
होइ जाइ अउर सियोल, जियादा स जियादा लोगन क
निगलि जाइ। मउत क उ प्रदेस आपन असीम मुँह पसारी
अउर उ पचे सबहिं महत्वपूर्ण अउर साधारण लोग अउर
हुल्लड़ मचावत उ पचे सबहिं खुसियन मनावत अउर सियोल
मँ धँसि जइहीं।"

15ओन लोगन क नीच देखॉवा जाइ। उ सबइ बड़के
लोग आपन मूँड़ नीचे लटकाए धरती कइँती लखिहीं।
16सर्वसक्तीसाली यहोवा निआव क संग निर्णय देइ, अउर
लोग जान लेइहीं कि उ महान अहइ। पवित्तर परमेस्सर
ओन बातन क करी जउन उचित अहइँ, अउर लोग ओका
आदर देइहीं। **17**इस्राएल क लोगन स परमेस्सर ओनका
आपन देस छोड़वाइ देइ। धरती वीरान होइ जाइ। भेड़िन जहाँ
चइहीं, चली जइहीं। उ धरती जउन कबहुँ धनवान लोगन क
रही, ओह पइ भेड़िन घूमा करिहीं।

18ओन लोगन क बुरा होइ, उ पचे आपन अपराध अउर
आपन पापन क आपन पाछे अइसे ढोवत अहइँ जइसे लोग
रस्सन स छकड़न हींचत हीं। **19**ओह, तू कहत हीं, "ओका
उ हाली करी द्या जे उ करइ बरे जात अहा, ताकि हम
एकॉ लख सकत हीं! यहोवा जउन चाहत ह ओका होइ द्या
ताकि हम जान सकि कि असल मँ इ का अहइ!"

20ओन लोगन क बुरा होइ जउन कहा करतेन कि
अच्छी बातन बुरी अहइँ, अउर बुरी बातन अच्छी अहइँ। उ
सबइ लोग सोचा करत हीं कि प्रकास अँधेरा बाटइ, अउर
अँधेरा प्रकास अहइ। ओन लोगन क विचार अहइ कि
कड़ुवा, मीठ अहइ अउर मीठ कड़ुवा अहइ। **21**बुरा होइ
ओन अभिमानियन क जउन खुद क बहोत चतुर मानत हीं।
वे पचे सोचा करत हीं कि उ पचे बहोत बुद्धिमान अहइ।
22बुरा होइ ओनकर जउन दाखरस पिअइ बरे जाना माना
जात हीं। दाखरस क मिस्रन मँ जेनका कुसलता हासिल
अहइ। **23**अउर यदि तू पचे ओन लोगन क रिस्वत दइ द्या
तउ उ पचे एक अपराधी क भी छोड़ देइहीं। किन्तु उ पचे
अच्छे मनई क भी निस्पच्छता स निआव नाहीं होइ देतेन।
24अइसे लोगन क साथ बुरी बातन घटिहीं। ओनकर सन्तान
पूरी तरह वइसे ही बर्बाद होइ जइहीं जइसे घास फूस आगी
मँ बारि दीन्ह जात हीं। ओनकर सन्तान उ कंद मूल क तरह
नस्ट होइ जइहीं जउन मरिके धूरि बन जात ह। ओनकर
सन्तान अइसे बर्बाद कइ दीन्ह जइहीं जइसे आगी फूलन क
बारि डावत ह अउर ओकर राखी हवा मँ उड़ि जात ह।

अइसे लोग सर्वसक्तीसाली यहोवा क उपदेसन क पालन
करइ स इन्कार कइ दिहन ह। ओ लोग इस्राएल क
पवित्तर परमेस्सर क कथन स बइर किहन ह। **25**एह बरे
यहोवा आपन लोगन स बहोत जियादा कोहाइ गवा ह।
यहोवा आपन हाथ उठाएस अउर ओनका दण्ड दिहस। हिआँ
तक कि पर्वत भी डेराइ ग रहेन। गलियन मँ कूड़न क तरह
ल्हासन बिछी पड़ी रहिन। किन्तु यहोवा अबहिं भी कोहान
अहइ। ओकर हाथ लोगन क दण्ड देइ बरे अबहिं भी उठा
भवा बाटइ।

इस्राएल क सजा देइ बरे परमेस्सर फउजन लिआइ

26लखा! परमेस्सर दूर देसन क लोगन क संकेत देत
अहइ। परमेस्सर एक ठु झण्डा उठावत अहइ, अउर ओन
लोगन क बोलावइ बरे सीटी बजावत अहइ। कउनो दूर देस
स दुस्मन आवत अहइ। उ दुस्मन हाली ही देस मँ घुसि
आइ। उ पचे बड़ी तेजी स अगवा बढ़त अहइँ। **27**दुस्मन
कबहुँ थका नाहीं करत या कबहुँ नीचे नाहीं गिरत। दुस्मन
कबहुँ न तउ ओंघात ह अउर न ही सोवत ह। ओनकर
हथियारन क कमर बंद सदा कसा रहत हीं। ओनकर जूतन
क तस्मन कबहुँ टूटतेन नाहीं ह। **28**दुस्मन क बाण पैना
अहइँ। ओनकर सबहिं धनुस बाण छोड़इ बरे तइयार अहइँ।
ओनकर घोड़न क खुर चट्टानन जइसे कठोर अहइँ।
ओनकर रथन क पाछे धूरि क बादर उठा करत हीं।

29दुस्मन गरजत ह, अउर ओनकर गरजब सेर क दहाड़
क जइसा अहइ। उ एँतना तीव्र अहइ जेतना जवान सेर क
गरजब। दुस्मन जेनके खिलाफ जुद्ध करत अहइ ओनके
ऊपर गुर्रात ह अउर ओन पइ झपट पड़त ह। उ ओनका
हुवाँ स घसीट लइ आवत ह अउर हुवाँ बचावइवाला कउनो
नाहीं होत। किन्तु ओनके बच पावइ क कउनो वजह नाहीं।
30तउ, उ दिन उ 'सिंह' समुद्दर क तरगन क नाईं दहाड़न
मारी अउर बंदी बनाए गए लोग धरती ताकत रहि जइहीं,
अउर फुन हुवाँ अँधेरा अउर दुःख ही रहि जाइ। इ घने
बादर मँ समूचइ प्रकास अँधेरा मँ बदलि जाइ।

यसायाह क नबी बनइ बरे परमेस्सर क बुलावा

6 जउने बरिस उज्जिय्याह क मउत भइ, मइँ आपन
अद्भुत सुआमी क दर्सन किहेउँ। उ एक बहोत ऊँच
सिंहासन पइ विराजमान रहा। ओकर लम्बे चोगे स मंदिर भर
गवा रहा। **2**यहोवा क चारिहुँ कइँती साराप सरगदूतन खड़ा
रहेन। हर साराप सरगदूतन क छः छः पंख रहेन। एनमाँ स
दुइ पंखन क प्रयोग उ पचे आपन मुँह क ढकइ क बरे
किया करत रहेन अउर दुइ पंखन क प्रयोग आपन गोड़न
क ढकइ बरे करत रहेन अउर दुइ पंखन क उ पचे उड़इ
क कामे मँ लिआवत रहेन। **3**हर सरगदूत दूसर सरगदूत स
गोहराइ गोहराइ के कहत रहेन, "पवित्तर, पवित्तर, पवित्तर
सर्वसक्तीसाली यहोवा परम पवित्तर अहइ। यहोवा क महिमा
सारी धरती पइ फइली अहइ।" सरगदूतन क वाणी क स्वर
बहोत ऊँच रहेन। **4**सरगदूतन क आवाज स दुआरे क
चौखटन हिल उठिन अउर फुन मंदिर धुआँ स भरइ लाग।

5मइँ बहोत डेरा गएउँ। मइँ कहेउँ, "अरे, नाहीं। मइँ तउ
बर्बाद होइ जाब। मइँ ओतॅना सुद्ध नाहीं हउँ कि परमेस्सर स
बातन करउँ अउर मइँ अइसे लोगन क बीच रहत हउँ जउन
ओतने सुद्ध नाहीं अहइँ कि परमेस्सर स बातन कइ सकइँ।

किन्तु फुन भी मइँ उ राजा, सर्वसक्तीमान यहोवा क दर्सन
कइ लिहेउँ ह।"
6हुवाँ वेदी पइ आगी बरत रही। ओन साराप सरगदूतन मँ
स एक उ आगी मँ स चिमटा स एक दहकत भवा कोइला
उठाइ लिहेउँ। 7तब उ दहकत भए कोइला स मोरे मुँहे क
धुआइ दिहस अउर कहेस, "जब इ दहकत कोइला तोहरे
ओंठन क छुइ, तउ तू जउन बुरे करम किह्या ह, उ सबइ
तोहमाँ स खतम होइ जाइ अउर तोहार पाप धोइ जाइ।"
8एकरे पाछे मइँ आपन यहोवा आवाज सुनेउँ। यहोवा
कहेस, "मइँ केका पठइ सकत हउँ? हमरे बरे कउन जाइ?"
तउ मइँ कहेउ, "मइँ हिआँ हउँ। मोका पठवा।"
9फिन यहोवा बोला, "जा अउर लोगन स कहा, 'धियान
स सुना, किन्तु समुझा जिन। निआरे स लखा, किन्तु बूझा
जिन।' 10लोगन क लोगन क समझइ क छमता क कठिन
कइ द्या। ओनका सुनन मँ मुसकिल कइ देइ अउर लखइ
नाहीं सकी। जदि तू अइसा नाहीं करब्या, तउ होइ सकत ह
उ आपन आँखन स लखि सकत ही, आपन कानन स सुनि
सकत हीं, अउर आपन हिरदइ स समुझ सकत हीं अउर तउ
उ पचे पछतावा करी अउर चिकित्सा पाइ।"
11मइँ फुन पूछेउँ, "सुआमी, मइँ अइसा कब तक करत
रहउँ?"
यहोवा जवाब दिहेस, "तू तब तलक अइसा करत रहा,
जब तलक देस उजरिके बर्बाद न होइ जाइ।"
12यहोवा लोगन क दूर चले जाइ पइ मजबूर करी। इ
देस मँ बड़के-बड़के छेत्र उजड़ जइहीं। 13 उ देस मँ सिरिफ
दस प्रतिसत लोग ही बचा रहि जइहीं, अउर दुस्मन ओका
बर्बाद करइ बरे फुन स आइ।* इ सबइ लोग बँझ बृच्छ
क नाईं होइहीं। जब उ काट दिहे जाइ अउ ओकर सिरिफ
ठूँठ बचा रहि जात ह, उ ठुँठ फुन स नवा टहरी उगात ह
अउर एकाॅ डार बनाइ डावत ह। इ ठुँठ पवित्तर बिया स
बढ़ेस ह।

आराम पइ बिपत्ति

7 आहाज, योताम क पूत रहा। योताम उज्जिय्याह क पूत
रहा। ओनहीं दिनन मँ रसीन आराम क राजा भवा रहा
अउर इस्राएल पइ रमल्याह क पूत पेकह राजा रहा। जउने
दिनन यहूदा पइ आहाज सासन करता रहा, रसीन अउ पेकह
जुद्ध बरे यरूसलेम पइ चढ़ बइठेन। किन्तु उ पचे इ सहर
क हराइ नाहीं सकेन।
2दाऊद क साही घराना क इ सँदेसा मिला, "आराम अउ
इस्राएल क फउजन आपुस मँ मिली गए रहेन अउर एक
संग सिबिर लगाएस ह।"
राजा आहाज जब इ खबर सुनेस तउ उ अउर ओकर
प्रजा बहोत डेराइ गएन। उ पचे आँधी मँ हिलत भए जंगल
क बृच्छन क नाईं डर स काँपइ लागेन।
3तबहिं यसायाह स यहोवा कहेस, "तोहका अउर तोहार
पूत सार्यासूब क आहाज क लगे जाइके बतियाइ चाही। तू
उ ठउरे पइ आवा, जहाँ ऊपर क तलाव मँ पानी गिरा
करत ह। इ उ गली मँ अहइ जउन धोबी-घाट कइँती जात
ह।
4"आहाज स जाइके कह्या, 'होसियार रहा, किन्तु साथ
ही सान्त भी रहा। डेराअ जिन। ओन दुइनउँ मनइयन रसीन
अउ रमल्याह क पूतन स जिन डेराअ। उ पचे दुइ मनई तउ
बरी भइ काठन क नाईं अहइँ। पहिले उ पचे दहका करत
रहेन किन्तु अब उ पचे, बस धुआँ मात्र रहि ग अहइँ।
रसीन, आराम अउ रमल्याह क पूत कोहान अहइँ। 5आराम,
एप्रैम क प्रदेसन अउ रमल्याह क पूत तोहरे खिलाफ सबइ
योजना बनाइ रखे अहइँ। उ पचे कहेन, 6हमका यहूदा पइ
चढ़ाई करइ चाही। हम अपने बरे ओका बाँटि लेब। हम
ताबेल क पूत क यहूदा क नवा राजा बनाउब।"'
7मोर सुआमी यहोवा क कहब बाटइ, "ओकर योजना
सफल नाहीं होइ। उ कबहुँ पूरी नाहीं होइ। 8जब तलक
दमिस्क क राजा रसीन अहइ, तब तलक इ नाहीं घटी।
इस्राएल अब एक ठु रास्ट्र अहइ किन्तु पैसंठ बरिस क
भीतर इ एक रास्ट्र नाहीं रही। 9जब तलक इस्राएल क
राजधानी सोमरीन अहइ अउर जब तलक सोमरोन क राजा
रमल्याह क पूत बाटइ तब तलक ओनकर सबइ योजना
सफल नाहीं होइहीं। जदि इ संदेस पइ तू बिस्सास नाहीं
करब्या तउ लोग तोह पइ बिस्सास नाहीं करिहीं।"

इम्मानुएल - परमेस्सर हमरे संग अहइ

10यहोवा आहाज स आपन बात जारी राखत भए कहेस,
11यहोवा बोला, "इ सबइ बातन फुरइ अहइँ, एका खुद
साबित करइ बरे कउनो संकेत माँग ल्या। तू जइसा भी
चाहा वइसा संकेत माँग सकत ह। उ संकेत चाहे गहिरे
मउत क पहँटा स होइ अउर चाहे आकासन स भी ऊँच
कउनो ठउरे स।"
12किन्तु आहाज कहेस, "सबूत क रूप मँ मइँ कउनो
संकेत नाहीं माँगब। मइँ यहोवा क परीच्छा नाहीं लेब।"
13तब यसायाह कहेस, "हे दाऊद क साही परिवार,
होसियार होइके सुना। तू लोगन क धीरज क परीच्छा लेत
अहा। का इ तोहरे बरे काफी नाहीं अहइ, अब तू मोर
परमेस्सर क परीच्छा लेत अहा? 14एँह बरे, मोर सुआमी
परमेस्सर तू पचन्क इ संदेसा देब:
लखा जवान लड़की क! उ गर्भवती अहइ। उ एक ठु
पूत क जनम देइ। उ इ पूत क नाउँ इम्मानुएल* राखी।
15इम्मानुएल दहिउ अउ सहद खाइ। उ इहइ तरह रही
जब तलक उ इ नाहीं सीख जात उत्तिम क चुनब अउर बुरे
क नकारब।
16किन्तु जब तलक उ भला क चुनब अउर बुरे क
तजब जानी एप्रैम अउ आराम क धरती उजाड़ होइ जाइ।
"आजु तू ओन दुइ राजा लोगन स डेरात अहा। 17किन्तु
तोहका यहोवा स डेराइ चाही। काहेकि यहोवा तोह पइ
बिपत्ति क समय लिआवइवाला अहइ। उ सबइ विपत्तियन
तोहरे लोगन पइ अउर तोहरे पचन्क पिता क परिवारे क
लोगन पइ अइहीं। विपत्ति क इ समय ओन सबहिं विपत्तियन

दुस्मन … आइ या, "होइ सकत ह उ वापिस आइ क कोसिस करी, मुला देस बर्बाद करी दीन्ह जाइ।"

इम्मानुएल परमेस्सर हमार साथ अहइ।

मँ जियादा बुरा होइ जउन समइ एप्रैम यहूदा स अलग भवा
ह, तब स अबइ तलक घटी बाटइ। एकरे बरे परमेस्सर का
करी? परमेस्सर अस्सूर क राजा क तोहसे लड़ावइ बरे
लिआइ।
18“उ समय, यहोवा ‘माखियन क बुलाइ। (फिलहाल उ
सबइ माखियन मिस्र क जलधारन क निअरे अहइँ।) अउर
यहोवा ‘मधुमाखियन’ क बुलाइ। (फिलहाल उ सबइ मधुमाखियन
अस्सूर देस मँ रहत हीं।) इ सबइ दुस्मन तोहरे देस मँ
अइहीं। 19इ सबइ दुस्मन चट्टानी छेत्रन मँ, रेगिस्ताने मँ
जल धारन क निअरे झाड़ियन क आस-पास अउर पानी
पिअइ क जगहन क इर्द-गिर्द आपन डेरन डइहीं। 20यहोवा
यहूदा क दण्ड देइ बरे अस्सूर क प्रयोग करी। अस्सूर बलेड
क नाई प्रयोग करी बरे भाड़े पइ लेइ जाइ। इ अइसा होइ
जइसे यहोवा यहूदा क मूँड़ अउ गोड़े क बाल क मूड़न
करत होइ। इ अइसा होइ जइसे यहोवा यहूदा क दाढ़ी मूँड़त
होइ।
21“उ समय, एक मनई बस एक जवान गाय अउ दुइ
भेड़न ही बस जिअत रखि पाइ। 22उ सबइ सब एँतना दूध
देइहीं जउन उ मनई क दहिउ खाइ बरे काफी होइ। उ देस
मँ बाकी बचा भवा हर मनई दहिउ अउर सहद ही खावा
करी। 23आजु इ धरती पइ हर खेते मँ एक हजार अंगूरे क
बेलन अहइँ। अंगूरे क हर बगिया क कीमत एक हजार
चाँदी क सिक्का क बराबर अहइँ। किन्तु एन खेतन मँ
खरपतवार अउर काँटन भरि जइहीं। 24इ धरती जंगली होइ
जाइ अउर ओकर प्रयोग एक सिकारघर क रूप मँ ही होइ
सकी। 25एक समय रहा जब एन पहाड़ियन पइ लोग काम
किया करत रहेन अनाज पइदा करत रहेन। किन्तु उ समय
लोग हुआँ नाहीं जावा करिहीं। उ धरती खरपतवारन अउर
काँटन स भरि जाइ। ओन ठउरन पइ बस भेड़िन अउर
मवेसी ही घूमा करिहीं।”

अस्सूर हाली ही आइ

8 यहोवा मोसे कहेस, “लिखइ बरे माटी क बड़की स
तख़्ती ल्या अउर ओह पइ सुआ स इ लिखा,
महेर्शालाल्हशबज (अर्थात् ‘हिआँ हाली ही लूटमार अउ
चोरियन होइहीं।’”)
2मइँ कछू अइसे लोग बटोरेउँ जिन पइ साच्छी होइ बरे
बिस्सास कीन्ह जाइ सकत रहा। इ सबइ लोग रहेन याजक
ऊरिय्याह जकर्याह जउन जेबरेक्याह क पूत रहा। उ लोग
मोका निहारत रहेन जउन टेम मँ मइँ एँन बातन क लखे
रहेन। 3फुन मइँ ओन नबिया क लगे गएउँ। मोर ओकरे
संग संग रहइ क पाछे, उ गर्भवती भइ अउर ओकरे एक
पूत भवा। तब यहोवा मोसे कहेस, “तू बेटवा क नाउँ
महेर्शालाल्हशबज राखा। 4काहेकि एहसे पहिले कि बचवा,
‘महतारी’ अउर ‘बाप’ कहब सीखइ, ओहसे पहिले ही
दमिस्क अउ सोमरोन क समूचइ धनदौलत क छोरि लेइ
अउर ओन वस्तुअन क अस्सूर क राजा क दइ देइ।”
5यहोवा मोसे फुन कहेस। 6मोर सुआमी कहेस, “इ सबइ
लोग सीलोह क तालाब स सान्त पानी क लेइ स इन्कार
करत हीं। इ सबइ लोग रसीन* अउ रमल्याह पूत क
असान्त पानी क लेइ क प्राथमिकता दिहेस। 7किन्तु एह बरे
मइँ, यहोवा, अस्सूर क राजा अउर ओकर समूची सक्ती क
तोहरे विरोध मँ लइके आउब। उ पचे परात नदी क
खउफनाक बाढ़ क तरह अइहीं। इ अइसा होइ जइसे
किनारन क तोड़त बोरत नदी उफना पड़त ह। 8जउन पानी उ
नदी स उफनिके निकरी उ यहूदा मँ भरि जाइ अउर यहूदा
क प्राय: बोर देइ।
“इम्मानूएल, इ बाढ़ क पानी तब तलक फइलत चली
जाइ जब तलक तोहरे पचन्क समूचइ देस मँ बाढ़ न आ
जाइ।”

यहोवा अपने सेवकन क रच्छा करत ह

9हे जातियो, तू सबहिं जुद्ध बरे तइयार रहा। तू पचन्क
हराइ दीन्ह जाइ। अरे, सुदूर क देसो, सुना, तू सबहिं जुद्ध
बरे तइयार रहा। तू पचन्क हराइ दीन्ह जाइ।
10आपन जुद्ध क जोजनन क रचा। तोहार जोजनन हराइ
दीन्ह जइहीं। तू अपनी फउजन क हुकुम द्या। तोहार उ
सबइ हुकुम बेकार होइ जइहीं। काहेकि परमेस्सर हमार संग
अहइ।

यसायाह क चितउनी

11यहोवा आपन महान सक्ती क संग मोसे कहेस। यहोवा
मोका चितउनी दिहस कि मइँ एन दूसर लोगन क नाईं न
बनउँ। यहोवा कहेस, 12“तू पचन क इ नाहीं सोचइ चाही
कि इ सडयंत्र सिरिफ इ कारण स रचा गवा अहइँ कि
लोग अइसा कहत ह! नाहीं, तू पचन क उ बातन स डेरात
नाहीं चाही जे बातन स उ पचे डेरात अहइँ।”
13तू पचन्क बस सर्वसक्तीमान यहोवा स डेराइ चाही। तू
पचन्क बस उहइ क आदर करइ चाही। तू पचन्क उहइ स
डेराइ चाही। 14जदि तू पचे यहोवा क आदर रखब्या अउर
ओका पवित्तर मनब्या तउ उ तोहरे पचन बरे एक ठु
सुरच्छित ठउर होइ। किन्तु तू पचे ओकर आदर नाहीं
करत्या। एह बरे परमेस्सर एक ठु अइसी चट्टान होइ ग
अहइ जेकरे ऊपर तू लोग भहराब्या। उ एक अइसी चट्टान
होइ ग अहइ जेह पइ इस्राएल क दुइ परिवार ठोकर
खइहीं। यरूसलेम क सबहिं लोगन क फँसावइ बरे उ एक
फन्दा बन गवा ह। 15(इ चट्टान पइ बहोत स लोग
भहरइहीं। उ पचे गिरहीं अउर चकनाचूर होइ जइहीं। उ पचे
जाल मँ पड़िहीं अउर धइ लीन्ह जइहीं।)
16यसायाह कहेस, “एक ठु समझौता करा अउर ओह पइ
मोहर लगाइ द्या। भविस्स बरे, मोरे उपदेसन क रच्छा करा।
मोर चेलन क लखत भए क टेम ही अइसा करा। 17उ
वाचा इ अहइ:

मइँ सहायता पावइ बरे यहोवा क प्रतीच्छा करब।
यहोवा याकूब क घराने स लज्जित अहइ। उ ओनका
लखइ तलक नाहीं चाहत ह। किन्तु मइँ यहोवा क
प्रतीच्छा करब। उ हमार रच्छा करी।

रसीन आराम क एक राजा। इ लगभग 740-731 इ. पू.
सासन किहेस।

18"मइँ अउर मोर बच्चा इस्राएल क लोगन बरे संकेत
अउर प्रमाण अहइँ। हम उ सर्वसक्तीमान यहोवा क जरिये
पठवा ग अहइ, जउन सिय्योन पर्वते पइ रहत ह।"
19कछू लोग कहा करत हीं, "भविस्स बतावइवालन अउर
जादूगरन स पूछा, 'का करब अहइ?" (इ सबइ भविस्स
बतावइवालन अउर जादूगर फुस-फुसाइके बोलत हीं। इ
सबइ लोगन पइ इ प्रभाव डावइ बरे कि ओनके लगे
अर्न्तदृस्टि अहइँ, उ पचे चुपचाप बातन करत हीं।) किन्तु
मइँ तू पचन्क बतावत हउँ कि लोगन क आपन परमेस्सर स
सहायता माँगइ चाही। उ पचे भविस्स बतावइवालन अउर
जादूगर मरे भए लोगन स पूछिके बतावत हीं कि का करइ
चाही? किन्तु भला जिअत लोग मरे भएन स कउनो बात
काहे पूँछइ।
20तू पचन्क सिच्छन अउर वाचा क अनुसार चलइ चाही।
जदि तू पचे एन हुकुमन क पालन नाहीं करब्या तउ होइ
सकत ह तू गलत हुकुमन क पालन करइ लागा। (इ सबइ
हुकुमन उ सबइ अहइँ जउन जादूगरन अउ भविस्स
बतावइवालन क जरिये मिलत हीं। इ सबइ हुकुमन बेकार
अहइँ। ओन हुकुमन पइ चलिके तू पचन्क कछू नाहीं
मिली।)
21जदि तू पचे ओन गलत हुकुमन पइ चलब्या, तउ
तोहरे पचन्क देस पइ विपत्ति आइ अउर भूखमरी फइली।
लोग भूखा मरिहीं। फुन उ पचे कोहाइ जइहीं अउर आपन
राजा अउर आपन देवतन क खिलाफ बातन कहिहीं। एकरे
पाछे उ पचे मदद बरे परमेस्सर कइँती निहरिहीं। 22अगर
आपन देस मँ उ पचे चारिहुँ तरफ लखिहीं तउ ओनका
चारिहुँ कइँती विपत्ति अउर चिन्ताजनक अँधियारा ही देखाइ
देइ। लोगन्क उ अंधकार स भरा दुःख ओनका देस तजइ
पइ मजबूर करी अउर उ सबइ लोग जउन उ अँधेरे मँ
फँसा होइहीं, आपन आपका ओहसे अजाद नाहीं कराइ
पइहीं।

एक नवा दिन आवइ क अहइ

9 पहिले लोग सोचा करत रहेन कि जबूलून अउर
नप्ताली क धरती महत्वपूर्ण नाहीं अहइ। किन्तु पाछे
परमेस्सर उ धरती क महान बनाइ। समुद्दर क लगे क
धरती पइ, यरदन नदी क पार अउ गलील मँ गैर यहूदी
लोग रहत हीं।
2जदपि आनु इ सबइ लोग अंधकार मँ निवास करत हीं,
किन्तु एनका महान प्रकास रूप मँ दर्सन होइ। इ सबइ लोग
एक अइसे अँधियारा मँ रहत हीं जउन मउत क देस क
नाईं अहइ। किन्तु उ "अद्भुत जोति" ओन पइ प्रकासित
होइ।
3तू इ जाति क बढ़ोतरी करब्या, का तू नाहीं करब्या? तू
ओकर खुसहाली क बढ़ाउब्या, का इ सही नाहीं अहइ? इ
सबइ लोग तोहार मोजूदगी मँ अइसे ही खुस होइ जइसे
लोग कटनी क समय पइ खुस होत ह, या इ सबइ वइसी
ही खुस होइ जइसी जुद्ध मँ लूटा भवा चिजियन क आपुस
मँ बाँटइ क समइ मँ खुसी मनावत हीं। 4अइसा काहे होइ?
काहेकि तू पचन्क इ भारी जूए क तोड़ी देब्या जउन
अत्याचारी लोग तोहार कंधा पइ धरेस ह। तू पचे एकाँ
वइसा ही हराउब्या जइसा तू पचे मिद्यानियन क हराए रह्या!
5हर उ कदम जउन जुद्ध मँ आगे बढ़ा, बर्बाद कइ दीन्ह
जाइ। हर उ वर्दी जेइ पउ लहू क धब्बन बाटेन, बर्बाद कइ
दीन्ह जाइ। इ सबइ वस्तुअन आगी मँ झोंकि दीन्ह जइहीं।
6इ सब कछू तब घटी जब उ बिसेस बच्चा क जनम होइ।
परमेस्सर हमका एक ठु पूत प्रदान करी। इ पूत लोगन क
अगुवाइ बरे उत्तरदायी होइ। ओकर नाउँ होइः "अद्भुत,
उपदेसक, सामर्थी परमेस्सर, पिता चिर अमर अउ सान्ति क
राजकुमार।" 7ओकरे राज्ज मँ सक्ती अउर सान्ति क निवास
होइ। दाउद क बंसज, उ राजा क राज्ज क लगातार विकास
होत रही। उ राजा नेकी अउ निस्पच्छ निआव क आपन
राज्ज क सासन मँ हमेसा हमेसा उपयोग करत रही।
उ सर्वसक्तीमान यहोवा आपन प्रजा स गहिर पिरेम राखत
ह अउर ओकर इ गहिर पिरेम ही ओहसे अइसे काम
करवावत ह।

परमेस्सर इस्राएल क सजा देइ

8याकूब क लोगन क खिलाफ मोर यहोवा एक आग्या
दिहेस। इस्राएल क खिलाफ दीन्ह गइ उ आग्या क पालन
होइ। 9तब एप्रैम क हर मनई क अउर हिआँ तलक कि
सोमरोनक मुखिया लोगन क इ पता चलि जाइ कि परमेस्सर
ओनका सजा दिहे रहा। आजु उ सबइ लोग अभिमानी अउ
बड़बोला अहइँ। उ सबइ लोग कहा करत हीं, 10"होइ
सकत ह इ सबइ ईंटन भहराइ जाइँ किन्तु हम एकर अउर
जियादा मजबूत पाथरन स निर्माण करब। सम्भव अहइ इ
सबइ नान्ह नान्ह बृच्छ काट गिराव जाइँ। किन्तु हम नवा
नवा बृच्छ खड़ा कइ देब अउर इ सबइ बृच्छ बिसाल तथा
मजबूत बृच्छ होइहीं।"
11तउ यहोवा इस्राएल क लोगन क खिलाफ जुद्ध करइ
बरे हुसकाइ। यहोवा रसीन क सत्रुअन क ओनकर विरुद्ध
लइ आई। 12यहोवा पूरब स आराम क लोगन क अउ
पच्छिम स पलिस्तियन क लिआइ। उ सबइ सत्रु आपन
फउज स इस्राएल क हराइ देइहीं। किन्तु परमेस्सर इस्राएल
स तब भी कुपित रही। यहोवा तब भी लोगन क सजा देइ
क तत्पर रही।
13परमेस्सर लोगन क सजा देइ, किन्तु उ पचे फुन भी
पाप करब नाहीं छोड़िहीं। उ पचे परमेस्सर कइँती नाहीं
मुड़िहीं। उ पचे सर्वसक्तीमान यहोवा क अनुसरण नाहीं
करिहीं। 14तउ यहोवा इस्राएल क मूँड़ अउ पूँछ काट देइ।
एक ही दिन मँ यहोवा ओकर साखा अउर ओकरे तने क
लइ लेइ। 15(हिआँ मूँड़ क अरथ अहइ अग्रज तथा
महत्वपूर्ण अगुवा लोग अउर पूँछ स अरथ अहइ अइसे नबी
जउन झूठ बोला करत हीं।)
16उ सबइ लोग जउन अगुवाइ करत हीं ओनका बुरे
मारग पइ लइ जात हीं। जउन लोग ओनके पाछे चलत हीं,
बर्बाद कइ दीन्ह जइहीं। 17इ सबइ सबहिं लोग दुस्ट अहइँ।
एह बरे यहोवा एन युवकन स खुस नाहीं अहइ। यहोवा
ओनकर राँड़ अउरत अउ ओनकर अनाथ लरिकन पइ दाया
नाहीं करी। काहेकि इ सबइ लोग दुस्ट अहइँ। इ सबइ

लोग अइसे काम करत हीं जउन परमेस्सर क खिलाफ
अहइँ। इ सबइ लोग झूठ बोलत हीं। तउ परमेस्सर एन
लोगन क बरे कुपित बना रही अउ सजा देत रही।

18बुराई एक ठु छोटकी सी आगी अहइ, आगी पहिले
घास फूस अउर काँटन क बारत ह, फुन उ बड़की बड़की
झाड़ियन अउ जंगल क बारइ लागत ह अउर अंत मँ
जाइके उ बियापक आगी का रूप लइ लेत ह अउर हर
वस्तु छुआँ बनिके ऊपर उड़ि जात ह।

19सर्वसक्तीमान यहोवा कुपित अहइ। एह बरे इ प्रदेस
भसम होइ जाइ। उ आगी मँ सबहिं लोग भसम होइ जइहीं।
कउनो मनई आपन भाई तलक क बचावइ क जतन नाहीं
करी। 20तब ओनके आस-पास, जउन भी कछू होइ, उ पचे
ओका जब दाहिन कइँती लेइहीं, या बाईं कइँती स लेइहीं,
भूखा ही रइहीं। फुन उ सबइ लोग आपुस मँ आपन ही
परिवार क लोगन क खाइ लगिहीं। 21(अर्थात् मनस्से, एप्रैम
क खिलाफ लड़ी अउर एप्रैम मनस्से क खिलाफ लड़ाइ
करी अउर फुन दुइनउँ ही यहूदा क खिलाफ होइ जइहीं।)

यहोवा इस्राएल स अबहिं भी कोहान अहइ। यहोवा
ओकर लोगन क सजा देइ बरे अबहिं भी तत्पर अहइ।

10 ओन नेम बनावइवालन क लखा अउर जउन
अनिआव स भरा नेम बनाइके लिखत हीं। अइसे
नेम बनावइवाले अइसे नेम बनाइके लिखत हीं जेहसे लोगन
क जिन्नगी दूभर होत ह। 2उ पचे गरीब लोगन क खिलाफ
नेम बतावइ बरे उचित मार्ग स हटत ही। उ पचे राँड़ क
जब्त करत हीं अउर अनाथन क हिआँ चोरी करत हीं।

3अरे ओ, नेम क बनावइवालो, जब तू पचन्क, जउन
काम तू पचे किहा ह, ओनकर हिसांब देइ क होइ तब तू
पचे का करब्या? सुदूर देस स तोहार पचन्क बिनास आवत
अहइ। मदद बरे तू पचे केकरे लगे दउड़ब्या? तोहार पचन्क
धन अउर तोहार पचन्क सम्पत्ति तोहार सबन्क रच्छा नाहीं
करि पइहीं। 4तू पचन्क एक ठु बंदी क नाईं खाले निहुरइ
ही होइ। तू पचे मुर्दा क नाईं धरती मँ भहराइके प्रणाम
करब्या किन्तु ओहसे तू पचन्क कउनो मदद नाहीं मिली।
परमेस्सर तब भी कुपित रही। परमेस्सर तू पचन्क दण्ड देइ
बरे तब भी तत्पर रही।

5परमेस्सर कही, "मइँ एक छड़ी क रूप मँ अस्सूर क
प्रयोग करब। मइँ किरोध मँ भरिके इस्राएल क सजा देइ
बरे अस्सूर क प्रयोग करब। 6अइसे लोगन क खिलाफ,
जउन पाप करम करत ही जुद्ध करइ बरे मइँ अस्सूर क
पठउब। मइँ ओन लोगन स कोहान हउँ अउर ओन लोगन
स जुद्ध करइ बरे मइँ अस्सूर क आदेस देब। अस्सूर ओन
लोगन क हराइ देइ अउर फुन ओनसे कीमती वस्तुअन छोरी
लेइ। अस्सूर बरे इस्राएल गलियन मँ पड़ी उ धूरि जइसा होइ
जेहसे उ आपन ओड़न तले रउँदी।

7"किन्तु अस्सूर इ नाहीं समुझत ह कि मइँ ओकर प्रयोग
करब। उ इ नाहीं सोचत कि उ मोर एक साधन अहइ।
अस्सूर तउ बस दूसर लोगन क नस्ट करइ चाहत ह। अस्सूर
की तउ मात्र इ जोजना अहइ कि उ बहोत स जातियन क
नस्ट कइ देइ। 8अस्सूर आपन मने मँ कहत ह, 'मोर सबहिं
राजकुमार राजा लोगन क समान अहइँ। 9कलनो नगरी
कर्कमीस क जइसी अहइ अउर हमात नगर अर्पद नगर क
जइसा अहइ। सीमरोन क नगरी दमिस्क नगर क जइसी
अहइ। 10मइँ एन सबहिं बुरे राज्जन क हराइ दिहेउँ ह अउर
अब एन पइ मोर अधिकार अहइ। जउने मूरतियन क उ पचे
लोग पूजा करत हीं, उ पचे यरूसलेम अउ सोमरोन क
मूरतियन स जियादा अहइँ। 11मइँ सोमरोन अउ ओकर
मूरतियन क पराजित कइ दिहेउँ। मइँ यरूसलेम अउ ओकर
मूरतियन का भी जेनका ओकर लोग बनाएन ह पराजित कइ
देबउँ।'"

12मोर सुआमी जब यरूसलेम अउ सिय्योन पर्वते क बरे,
जउन ओकर योजना अहइ, ओकर बातन क करब खतम
कइ देइ, तउ यहोवा अस्सूर क सजा देइ। अस्सूर क राजा
बहोत अभिमानी अहइ। ओकर घमंड ओहसे बुरे करम
करवाएस ह। तउ परमेस्सर ओका सजा देइ।

13अस्सूर क राजा कहा करत ह, "मइँ बहोत बुद्धिमान
अहउँ। मइँ खुद आपन बुद्धि अउ सक्ती स अनेक महान
कारज किहेउँ ह। मइँ बहोत स जातियन क हराएउँ ह। मइँ
ओनकर धन छोर लिहेउँ ह अउर ओनके लोगन क दास
बनइ लिहेउँ ह। मइँ एक बहोत सक्तीसाली मनई हउँ। 14मइँ
खुद आपन हाथन स ओन सब लोगन क धन दौलत अइसे
लइ लिहेउँ ह जइसे कउनो मनई चिरइयन क घोंसलन स
अण्डन उठाइ लेत ह। चिरइयन जउन अक्सर आपन घोंसलन
अउ अण्डन क तजि जात हीं अउर उ घोसंला क रखवारी
करइ बरे कउनो भी नाहीं रहि जात। हुवाँ आपन पखनन
अउ आपन चोंच स सोर मचावइ अउर लड़ाई करइ बरे
कउनो पंछी नाहीं होत। एह बरे लोग अण्डन क उठाइ लेत
हीं। इहइ तरह धरती क सबहि लोगन क उठाइ लइ जाइ
स रोकइ बरे कउनो भी मनई हुवाँ नाहीं रहा।"

सोमरोन क सक्ती पइ परमेस्सर क नियंत्रण

15कुल्हाड़ा उ मनई स नीक नाहीं होत, जउन कुल्हाड़ा
क चलावत ह। कउनो आरा उ मनई स नीक नाहीं होत,
जउन उ आरे स काटत ह। किन्तु अस्सूर क विचार अहइ
कि उ परमेस्सर स भी जियादा महत्वपूर्ण अउर बलवान
अहइ। जउन ओका उठावत ह अउर कउनो क सजा देइ
बरे ओकर प्रयोग करत ह।

16अस्सूर क विचार अहइ कि उ महान अहइ किन्तु
सर्वसक्तीमान यहोवा अस्सूर क दुर्बल कइ डावइवाली
महामारी पठइ अउर अस्सूर आपन धन अउ आपन सक्ती
क वइसे ही खोइ बइठी जइसे कउनो बेराम मनई आपन
सक्ती गँवाइ बइठन ह। फुन अस्सूर क बैभव बर्बाद होइ
जाइ। इ उ आगी क समान होइ जउन उ समय तलक बरत
रहत ह जब तलक सब कछू खतम नाहीं होइ जात।
17इस्राएल क प्रकास (परमेस्सर) एक आगी क समान होइ।
उ पवित्तरतम लपट क नाईं होइ। उ उ आगी क दाईं होइ
जउन खरपतवार अउर काँटन क तत्काल बार डावत ह।
18अउर फुन बढ़िके बड़के बड़के बृच्छन अउर अंगूरे क
बगीचन क बार देत ह अउर आखिर मँ सब कछू बर्बाद
होइ जात ह हिआँ तलक कि लोग भी। अइसा उ समइ

होइ जब परमेस्सर अस्सूर क बर्बाद कइ देइ। अस्सूर सड़त-गलत लट्ठा क जइसा होइ जाइ। 19जंगल मँ होइ सकत ह थोड़ा स बृच्छ खड़ा रहि जाएँ। पर उ सबइ एतना थोड़ा स होइहीं कि कउनो बच्चा तलक गन सकी।

20उ समइ, उ सबइ लोग जउन इस्राएल मँ जिअत रइहीं, यानी याकूब क बंस क इ सबइ लोग उ मनई पइ निर्भर नाहीं करत रइहीं जउन ओनका मारत पीटत ह। उ सबइ सचमुच उ यहोवा पइ निर्भर करब सीख जइहीं जउन इस्राएल क पवित्तर परमेस्सर अहइ। 21याकूब क बंस क उ सबइ बाकी बचे लोग सक्तीसाली परमेस्सर क फुन अनुसरण करइ लगिहीं।

22जद्पि तोहार इस्राएली लोग सागर क रेत कणन क समान अहइँ तब पर ओनमाँ स कछू ही वापस मुड़ आवइ काहेकि परमेस्सर क निआव बाढ़ क नाई आवत हीं जउन हरेक चिजियन क पूरी तरह नास कइ देब। 23मोर सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा, इ प्रदेस क निहचय ही बर्बाद करी।

24मोर सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह, “हे! सिय्योन मँ बसइया लोगो, अस्सूर स जिन डेराअ। उ भविस्स मँ तू पचन्क आपनी छड़ी स इ तरह पीटी जइसे पहिले मिस्र मँ तू पचन्क पीटे रहा। इ अइसा होइ जइसे माना तू पचन्क नोस्कान पहोंचावइ बरे अस्सूर कउनो लाठी क प्रयोग करत रहत होइ। 25किन्तु थोड़े समइ क पाछे मोर किरोध सांत होइ जाइ, मोका संतोख होइ जाइ कि अस्सूर तू पचन्क काफी सजा दइ दिहस ह।”

26एकरे पाछे सर्वसक्तीमान यहोवा अस्सूर क कोड़न स मारी। जइसा पहिले यहोवा जब ओरेब क चट्टान पइ मिद्यानियन क हराए रहा, तब भवा रहा। वइसा ही उ समइ होइ जब यहोवा अस्सूर पइ हमला करी। पहिले यहोवा मिस्र क सजा दिहे रहा। उ समुद्दर क ऊपर छड़ी उठाए रहा अउर मिस्र आपन लोगन क लइ गवा रहा। यहोवा जब अस्सूर स आपन लोगन क रच्छा करी, तब भी अइसा ही होइ।

27अस्सूर तू पचन्पइ बिपत्तियन लियाइ। उ सबइ बिपत्तियन अइसे बोझन क नाईं होइहीं, जेनका तू पचन आपन ऊपर एक जुए क रूप मँ उठावइ ही होइ। किन्तु फुन तोहार पचन्क गर्दन पइ उ जुए क उतारके लोकावा जाइ। उ जुआ तोहार पचन्क सक्ती (परमेस्सर) क जरिये तोरि दीन्ह जाइ।

इस्राएल पइ अस्सूर क फउज क हमला

28अय्यात क निअरे फउजन प्रवेस होइ। मिस्रोन, मिग्रोन यानी ‘खलिहानन’ क फउजन रउँदि डइहीं। फउजन एकरे खाइ क चीज क ‘कोठिलन’ (मिकमास) मँ रखि देइहीं। 29‘पार करइ क ठउर’ (माबरा) स फउजन नदी पार करिहीं। उ सबइ फउजन जेबा मँ राति बितइहीं। रामा डेराइ जाइ। साउल क गिबा क लोग निकरिके पराइहीं।

30हे गल्लीम क पुत्री चिल्ला! हे लैसा सुना! हे, अनातोत मोका जवाब द्या। 31मदसेना क लोग भागत परात अहइँ। गेबीम क लोग लुकान अहइँ। 32आजु फउज नोब मँ टिकी अउर यरूसलेम क पर्वते पइ सिय्योन पइ चढ़ाई करइ क तैयारी करी।

33लखा! हमार सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा बिसाल बृच्छ (अस्सूर) क काटि गिराई। यहोवा आपन महान सक्ती स अइसा करी। बड़के अउर महत्वपूर्ण लोग काट गिरावा जइहीं। उ पचे महत्वहीन होइ जइहीं। 34यहोवा आपन कुल्हाड़ा स जँगल क काटि डाइ। अउर लबानोन क बिसाल बृच्छ (मुखिया लोग) गिर पड़िहीं।

सान्ति क राजा आवत अहइ

11 एक ठू अंकुर क नाई जे उ पेड़ स उगत ह जउन कटा जात रहा, एक ठू अंकुर (पूत) यिसै क ठुँठ (परिवार) स उगब सुरू होइ। हाँ, इ अब डार यिसै क जड़ स उगी। 2उ पूत मँ यहोवा क आतिमा होइ। उ आतिमा विवेक, समझबूझ, मार्ग दर्सन अउ सक्ती क आतिमा होइ। उ आतिमा 3इ पूत क यहोवा क समुझइ अउर ओकर आदर करइ मँ मदद देइ। उ इ पूत यहोवा क आदर करी अउर एहसे उ खुस होइ।

इ पूत वस्तुअन जइसी देखाँइ देत रही होइ, ओकरे अनुसार लोगन क निआव नाहीं करी। उ सुनी, सुनाई क आधार पइ ही निआव नाहीं करी। 4-5उ गरीब लोगन क निआव ईमानदारी अउर सच्चाई क साथ करी। धरती क दीन जनन बरे जउन कछू करइ क उ निर्णय लेइ, ओहमाँ उ पच्छपात रहित होइ। जदि उ निर्णय करत ह कि लोगन पइ मार पड़इ तउ उ आदेस देइ अउर ओन लोगन पइ मार पड़ी। जदि उ निर्णय करत ह कि ओन लोगन क मउत होइ चाही तउ उ आदेस देइ अउर ओन दुस्टन क मउत क घाट उतार दीन्ह जाइ। नेकी अउर सच्चाई इ पूत क सक्ती प्रदान करी। ओकरे बरे नेकी अउर सच्चाई एक अइसे कमर बंद क नाई होइहीं जेका उ आपन कमर क चारिहुँ कइँती लपेटत ह।

6ओकरे सासन काल मँ मेमना अउर जंगली भेड़िया सांति स एक साथ रइहीं। चीता अउ बोकरी क बच्चा एक संग सान्ति स पड़ा रइहीं। बछवन, सेर अउर साँड़ आपुस मँ सान्ति क साथ रइहीं। एक ठु नान्ह सा गदेला ओकर अगुवाई करी।

7गइयन अउर रीछिन सान्ति क संग संग आपन खइया क खइहीं। ओनकर बच्चन साथे-साथे बइठा करिहीं अउर आपुस मँ एक दूसर क नोस्कान नाहीं पहोंचइही। सेर गइयन क नाई घास चरिहीं 8अउर हिआँ तलक कि साँप भी लोगन क नोस्कान नाहीं पहोंचइहीं। काले नाग क बिल क लगे एक गदेला तलक खेल सकी। कउनो भी गदेला बिसैला नाग क बिले मँ हाथ डाइ सकी।

9इ सबइ बातन देखाँवत हीं कि हुवाँ सब कहूँ सान्ति होइ। कउनो मनई कउनो दूसर क नोस्कान नाहीं पहोंचाइ। मोर पवित्तर पर्वत क लोग वस्तुअन क नस्ट नाहीं करइ चइहीं। काहेकि लोग यहोवा क फुरइ जान लेइहीं। उ सबइ ओकरे गियान स अइसे परिपूर्ण होइहीं जइसे सागर जल स परिपूर्ण होत ह।

10उ समय यिसै क परिवार मँ एक खास मनई होइ। एक मनई एक झंडा क समान होइहीं। इ ‘झंडा’ देखाँई कि समुचय रास्ट्रन क ओकरे आसपास बटोर जाइ चाही। इ

सबइ रास्ट्र ओहसे पूछा करिहीं कि ओनका का करइ चाही?
अउर उ ठउर, जहाँ उ होइ, भव्यता स भरि जाइ।
11अइसे समइ मँ, मोर सुआमी फुन आपन लोगन क
एक संग जमा करी। उ आपन लोगन मँ स जिअत भवा क
अस्सूर, उत्तरी मिस्र, दक्खिनी मिस्र, कूस, एलाम, बाबुल,
हमात तथा समूचइ संसार मँ फइला भवा अइसे ही सुदूर
देसन मँ "वापिस खरीदी।"
12परमेस्सर सब लोगन बरे संकेत क रूप मँ झंडा उठाइ।
इस्राएल अउ यहूदा क लोग आपन-आपन देसन क तजइ
बरे मजबूर कीन्ह ग रहेन। उ सबइ लोग धरती पइ दूर-दूर
फइल ग रहेन किन्तु परमेस्सर ओनका परस्पर बटोरी।
13उ समय एप्रैम यहूदा स जलन नाहीं रखी। यहूदा क
कउनो दुस्मन नाहीं बची। यहूदा एप्रैम क बरे कउनो कस्ट
पइदा नाहीं करी। 14बल्कि एप्रैम अउ यहूदा पलिस्तियन पइ
हमला करिहीं। इ सबइ दुइनउँ देस उड़त भए ओन पंछियन
क नाईं होइहीं जउन कउनो नान्ह स जनावर क धरइ बरे
झपट्टा मारत हीं। एक संग मिलिके उ सबइ दुइनउँ पहिले
क धन दौलत लूट लेइहीं। एप्रैम अउ यहूदा एदोम, मोआब
अउ अम्मोनी क लोगन पइ कब्जा कइ लेइहीं।
15यहोवा कोहाइ जाइ अउर जइसे उ मिस्र क सागर क
दुइ हींसा मँ बाँट दिहे रहा, उहइ तरह परात नदी पइ तु
आपन हाथ उठाइ अउर ओह पइ वार करी। जेहसे उ नदी
सात नान्ह धारन मँ बँटि जाइ। इ सबइ नान्ह जलधारन गहिर
नाहीं होइहीं। लोग आपन जूतन पहिरे भए पैदल चलिके
ओनका पार कइ लेइहीं। 16परमेस्सर क लोग जउन हुवाँ
छूट ग रहेन अस्सूर क तजि देइ बरे राह पाइ जइहीं। इ
वइसा ही होइ, जइसा उ समय भवा रहा, जब परमेस्सर
लोगन क मिस्र स बाहेर निकारिके लिआवा रहा।

परमेस्सर क स्तुति गीत

12 उ समइ तू कहब्या:
"हे यहोवा, मइँ तोहार गुण गावत हउँ! तू मोहसे
कोहान अहा किन्तु अब मोहे पइ किरोध जिन करा। तू मोहे
पइ आपन पिरेम देखॉवा।"
2परमेस्सर मोका बचावत ह। मोका ओह पइ भरोसा
अहइ। मोका कउनो अउर डर नाहीं अहइ। उ मोका बचावत
ह। यहोवा ही मोर सक्ती अहइ। उ मोका बचावत ह, अउर
मइँ ओकरे बरे स्तुति गीत गावत हउँ।*
3तू आपन जल मुक्ती क झरना स ग्रहण करा। तबहिं तू
खुस होब्या।
4फुन तू कहब्या, "यहोवा क स्तुति करा! ओकरे नाउँ क
तू उपासना किया करा। उ जउन कार्य किहेन ह ओकर
लोगन स बखान करा। तू ओनका बतावा कि उ केतना
महान अहइ।"
5तू यहोवा क स्तुति गावा। काहेकि उ महान कार्य किहेस
ह। इ सुभ समाचार क जउन परमेस्सर क अहइ, सारी
दुनियाँ फइलावा ताकि सबहिं लोग इ सबइ बातन जान
जाएँ।
6हे सिय्योन क लोगो, आनन्द क साथ खुस रहा,
काहेकि इस्राएल क पवित्तर चीज तोहरे बीच एक सक्तीसाली
मारग क रूप मँ अहइ।

बाबुल क परमेस्सर क दर्सन

13 परमेस्सर क बाबुल क बारे मँ इ सोक संदेस
अहइ। इ दर्सन आमोस क पूत यसायाह दुआरा
लखा ग रहा। 2परमेस्सर कहेस:
"इ बंजर पर्वत पइ ध्वज उठावा। ओन लोगन क गोहरइ
अउर आपन हाथ संकेत क रूप मँ हलाइ के ओन लोगन
क बतावा कि उ पचे सज्जन मनइयन क प्रवेस दुआर पइ
अहइँ।"
3परमेस्सर कहेस, "मइँ इ सबइ फउजन क आदेस दिहउँ
जउन जुद्ध बरे आपन आपका समर्पित कइ दिहेस ह। उ
मइ हउँ जउन इ सबइ जोद्धन क बोलाएस ह। मइँ आपन
गुस्सा देखाउब्या। मइँ उ जोद्धन पइ गर्व करत हउँ जउन
मोर सेवा करइ बरे बहोत खुस अहइ।
4पहाड़ मँ एक जोरदार सोर भवा ह। तू उ सोर क सुना।
इ सोर अइसा लागत ह जइसे बहोत ढेर सारे लोगन क।
बहोत सारे देसन क लोग आइके बटुरा अहइँ। सर्वसक्तीमान
यहोवा आपन फउज क एक संग बोलावत अहइ।
5यहोवा अउर इ सेना कउनो दूर क देस स आवत
अहइँ। इ सबइ लोग छितिज क पार स किरोध परगट करइ
आवति अहइँ। यहोवा इ सेना क उपयोग अइसे करी जइसे
कउनो किसी सस्त्र क उपयोग करत ह। इ फउज सारे देस
क बर्बाद कइ देइ।"
6यहोवा क निआव क खास दिन आवइ क अहइ। एह
बरे रोआ। अउ खुद आपन बरे दुःखी ह्वा। समय आवत
अहइ जब सत्रु तोहार सम्पत्ति चुराइ लेइ। सर्वसक्तीमान
परमेस्सर वइसा करवाइ। 7लोग आपन हिम्मत छोड़ि देइहीं
अउर डर लोगन क दुर्वल बनाइ देइ। 8हर कउनो भयभीत
होइ। डर स लोगन क अइसे दुःखइ लगिहीं जइसे कउनो
बच्चा क जन्मइवाली महतारी क पेट दुःखइ लागत ह।
ओनकर मुँह लाल होइ जइहीं, जइसे कउनो आगी होइ।
लोग अचरजे मँ पड़ि जइहीं काहेकि ओनकर सबहिं
पड़ोसियन क मुँहे पइ भी भय देखाई देइ।

बाबुल क खिलाफ परमेस्सर क निआव

9लखा, यहोवा क खास दिन आवइ क अहइ। उ एक
खउफनाक दिन होइ। परमेस्सर महान किरोध मँ देस क
बिनास कइ देब। उ पाप क उ भुइँया स निकार देब।
10आकास करिया पड़ि जइहीं, सूरज अउ चाँद नाहीं
चमकिहीं। तारन आपन तारा-मण्डल मँ नाहीं टिमटिमाइ।
11परमेस्सर कहेस, "मइँ इ दुनियाँ लोगन क उ बुरा
चिजियन जउन उ किहेस ह क बरे जिम्मवार ठहरउब। मइँ
लोगन क उ सेखी क नस्ट करब जउन दूसर लोगन बरे
अरथ होइ। 12हुवाँ बस थोड़े स लोग ही बचिहीं। जइसे
सोना क मिलब दुरलभ अहइ, वइसे ही हुवाँ लोगन का

यहोवा … गावत हउँ साब्दिक "यहोवा मोर सक्ती अहइ अउर परमेस्सर अहइ। अउर उ मोर उद्धार बन गवा अहइ।" इ मूसा क जीत क गीत अहइ। लखा निर्गमन 15:2

मिलव दुर्लभ होइ जाइ। किन्तु जउन लोग मिलिहीं, उ पचे
निखालिस सोना स भी जियादा मूल्यवान होइहीं। 13आपन
किरोध स मइँ आकास क हलाइ देबउँ। धरती आपन धुरी स
डिगाइ दीन्ह जाइ।"

इ सब उ समय घटी जब सर्वसक्तीमान यहोवा आपन
किरोध दर्साइ। 14तब बाबुल क निवासी अइसे परइहीं जइसे
घायल हिरन परात ह। उ पचे अइसे परइहीं जइसे बगैर
गड़रिये क भेड़ी परात ह। हर कउनो मनई पराइके आपन
देस अउर आपन लोगन कइँती मुड़ आई। 15किन्तु बाबुल
क लोगन क पाछा ओनकर दुस्मन नाहीं छोड़िहीं अउर जब
सत्रु कउनो मनई क धर पकड़ी तउ उ ओका तलवार क
घाट उतारि देइ। 16ओनकर घरे क हर वस्तु चुराइ लीन्ह
जाइ। ओनकर पत्नियन क संग कुकरम कीन्ह जाइ अउर
ओनकर नान्ह नान्ह गदेलन क लखत पीटि पीटिके मार
डावा जाइ।

17परमेस्सर कहत ह, "लखा, मइँ मादी क फउजन स
बाबुल पइ हमला कराउब। मादी क फउजन जदि सोना अउ
चाँदी क भुगतान लइ भी लेइहीं तउ भी उ पचे ओन पइ
हमला करब बंद नाहीं करिहीं। 18फउजन बाबुल क
नउजवान मनइयन क धनुस क छिन-भिन कइ देब्या। उ पचे
नान्ह लरिकन पइ दाया नाहीं देखाँइ या गदेलन तलक भी
करूणा नाहीं करिहीं।

19"तब बाबुल, सबइ समराज्ज मँ सबन त सुन्नर, कसदी
क चमत्कारी गर्व क पूरी तरह स बर्बाद कइ दीन्ह जाब। इ
उहइ तरह होइ जइसा परमेस्सर सदोम अउर अमोरा क नास
किहे रहा! 20किन्तु बाबुल क सुन्नरपन बना नाहीं रही।
भविस्स मँ हुवाँ लोग नाहीं रइहीं। अराबी क लोग हुवाँ
आपन तम्बू नाहीं गड़िहीं। गड़रियन चरावइ बरे हुवाँ आपन
भेड़िन क नाहीं लिअइहीं। 21जउन पसु हुवाँ रइहीं उ सबइ
बस रेगिस्तान क पसु ही होइहीं। बाबुल मँ आपन घरन मँ
लोग नाहीं रहि पइहीं। घरन मँ जंगली कुत्तन अउ बड़के
कूकुरन चिल्लइहीं। घरन क भितरे जंगली बोकरन बिहार
करिहीं। 22बाबुल क बिसाल भवनन मँ जंगली कूकुरन
अउर सियारन गुर्राई। बाबुल बर्बाद होइ जाइ। बाबुल क
अंत निअरे अहइ अब बाबुल क बिनास मँ अउर जियादा
देरी नाहीं होइ।"

इस्राएल घरे लउटी

14 जब यहोवा याकूब क सुख देइ अउर इस्राएल क
फुन आपन लोगन क रूप मँ चुनी उ ओनका क
ओकर आपन धरती मँ बसाइ। उ समइ मँ कछू बिदेसियन
ओकर संग सामिल होइ जाइ अउर याकूब क परिवार क
निअँबर बन जाइ। 2उ सबइ जातियन इस्राएल क धरती बरे
इस्राएल क लोगन क फुन वापस लइ लेइहीं। दूसर जातियन
क उ सबइ मेहरारू मनसेधू इस्राएल क दास होइ जइहीं।
बीते भए समय मँ ओन लोग इस्राएल क लोगन क
बलपूर्वक आपन दास बनाए रहेन। इस्राएल क लोग ओन
जातियन क हरइहीं अउर फुन इस्राएल ओन पइ हुकूमत
करी। 3यहोवा तोहरे मेहनत क खतम करी अउर तोहका
आराम देइ। पहिले तू दास हुवा करत रह्या, लोग तोहका
कड़ी मेहनत करइके मजबूर करत रहेन किन्तु यहोवा तोहार
इ कड़ी मेहनत क अब खतम कइ देइ।

बाबुल क राजा क बारे मँ एक गीत

4उ समय बाबुल क राजा क बारे मँ तू इ गीत गावइ
लगब्या: उ राजा दुट्ठ रहा जब उ हमार सासक रहा। किन्तु
अब ओकरे राज्ज क अन्त भवा।

5यहोवा दुट्ठ सासकन क राज दण्ड तोड़ देत ह। यहोवा
ओनसे ओनकर सक्ती छोरि लेत ह।

6बाबुल क राजा किरोध मँ भरिके लोगन क पीटा करत
ह। उ दुट्ठ सासक लोगन क पीटब कबहुँ बंद नाहीं
किहस। उ दुट्ठ राजा किरोध मँ भरिके लोगन पइ राज
किहस। उ लोगन क साथ बुरे कामन क करब नाहीं तजेस।

7किन्तु अब सारा देस आराम मँ अहइ। देस मँ सान्ति
अहइ। लोग अब उत्सव मनाउब सुरू किहेन ह।

8तू एक बुरा सासक रह्या, अउर अब तोहार अन्त भवा
ह। हिआँ तलक की चीड़ क बृच्छ भी सुस्त अहँइ। लबानोन
मँ देवदार का बृच्छ भगन अहइँ। बृच्छ इ कहत हीं, "जउन
राजा हमका गिराए रहा। आजु उ राजा क हीं पतन होइ ग
अहइ, अउर अब उ राजा कबहुँ खड़ा नाहीं होइ।"

9अधोलोक, यानी मउत क प्रदेस उत्तेजित अहइ काहेकि
तू आवत अहा। अधोलोक तोहार बरे संसार क प्रमुखन क
आतिमा क उठावत रहा हीं। अधोलोक तोहार स्वागत करइ
बरे सिंहासन स ओन प्राचीन राजा लोगन क खड़ा करत हीं।

10इ सबइ प्रमुख तोह पइ हँसी उड़इ अउर कहिहीं, "तू
भी अब हमरी तरह मरा भवा सरीर अहा। अब लोग
तोहार बरे भी उहइ गीतन लेखब जउन उ पचे मोरे बरे
लेखेस ह।"

11तोहरे अभिमान क मउत क लोक मँ खाले उतारा
गवा। तोहार अभिमानी आतिमा क अवाइ क घोसणा तोहरी
वीजन क संगीत करत ह। तोहरे बदन क माखियन खाइ
जइहीं। तू ओन पइ अइसे ओलरब्या माना उ पचे तोहार
बिछउना होइँ। कीरन अइसे तोहरी देह क ढक लेइहीं माना
कउनो कमरी होइ।

12हे भोर क तारा, तू धरती पइ भहराइ पड़्या। हे पेड़ तू
सबहिं रास्ट्र क कमज़ोर बनाइ दिहेस, किन्तु तोहका अब
काटिके गिराइ दीन्ह गवा!

13तू हमेसा आपन स कहत रह्या, "मइँ अकासन पइ
आरोहण करब अउर परमेस्सर क तारन क ऊपर अपना
सिंहासन कायम करब अउर देवी पर्व जप्पा क चोटी पइ
बैठब, जहाँ पइ जप्पा क सबन त ऊँची चोटीयन पइ देवतन
अकत्र होत ह।

14मइँ बादरन क वेदी तलक जाब। मइँ सर्वोच्च परमेस्सर
जइसा बनब।"

15किन्तु वइसा नाहीं भवा। तू परमेस्सर क संग ऊपर
अकासे मँ नाहीं जाइ पाया। तोहका अधोलोक क खाले
गहिर पताल मँ लइ आवा गवा।

16लोग जउन तोहका टकटकी लगाइके लखा करत हीं,
उ सबइ तोहरे बरे सोचा करत हीं। लोगन क आजु इ
देखाँत ह कि तू बस मरा भवा अहा, अउर लोग कहा

करत हीं, “का इहइ उ मनई अहइ जउन धरती क सारे
राज्जन मँ भय फइलावा भवा अहइ?
17 का इ उहइ मनई अहइ जउन नगर बर्बाद किहेस अउर
जउन धरती क उजाड़ मँ बदल दिहस? का इ उहइ मनई
अहइ जउन लोगन क जुद्ध मँ बन्दी बनाएस अउर ओनका
आपन घरन मँ नाहीं जाइ दिहस?”
18 धरती क हर राजा सान स मउत क पाएस। हर कउनो
राजा क मकबरा बना अहइ।
19 किन्तु हे बुरे राजा, तोहका तोहरी कब्र स निकारि
बहावा दीन्ह ग अहइ। तू एक ठु गिरी भई ल्हास अहा
जेका जुद्ध मँ मारा गवा, अउर दूसर फउजी ओका रौंदन
चला गएन। अब तू अइसा देखॉवत अहा जइसे दूसर मरे
मनई देखॉत हीं। तोहका कफन मँ लपेटा गवा ह।
20 बहोत स अउर भी राजा लोग मरेन। ओनके लगे
आपन आपन कब्र अहइँ। किन्तु तू ओनमाँ नाहीं मिलब्या।
काहेकि तू आपन ही देस क बिनास किह्या। आपन ही
लोगन क तू बध किहा ह। जइसा बिनास तू मचाए रह्या।
21 ओकरी सन्तानन क बध तइयारी करा। तू ओनका मउत
क घाट उतारा काहेकि ओनकर पिता अपराधी अहइ। अब
कबहुँ ओकरे पूत नाहीं होइहीं। ओकर सन्तानन अब कबहुँ
भी संसार क आपन नगरन स नाहीं भरिहीं। तोहार सन्तानन
वइसा करत नाहीं रहिहीं। तोहरी सन्तानन क वइसा करइ स
रोक दीन्ह जाइ।
22 सर्वसक्तीमान यहोवा कहेस, “मइँ खड़ा होब अउर ओन
लोगन क खिलाफ लड़ब। मइँ मसहूर नगर बाबुल क
उजारि देबउँ। बाबुल क सबहिं लोगन क मइँ नस्ट कइ
देब। मइँ ओनकर सन्तानन, पोते-पोतियन अउर सन्तानन क
मेट देबउँ।” इ सबइ सब बातन यहोवा खुद कहे रहा।
23 यहोवा कहे रहा, “मइँ बाबुल क बदल डाब। उ ठउरे
मँ पसुअन क बास होइ, न कि मनइयन क। उ ठउर
दलदल क प्रदेस बनि जाइ। मइँ ‘विनास क झाडू’ स बाबुल
क बाहेर कइ देब।” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सबइ बातन कहे
रहा।

परमेस्सर अस्सूर क भी दण्ड देइ

24 सर्वसक्तीमान यहोवा एक बचन दिहे रहा। यहोवा कहे
रहा, “मइँ बचन देत हउँ, कि इ सबइ बातन ठीक वइसे ही
घटिहीं, जइसे मइँ एनका सोचेउँ ह। इ सबइ बातन ठीक
वइसे ही घटिहीं जइसे कि मोर योजना अहइ। 25 मइँ आपन
देस मँ अस्सूर क राजा क नास करब आपन पहाड़न पइ मइँ
अस्सूर क राजा क आपन गोड़न तले कुचरि डाउब। उ राजा
मोरे लोगन क आपन दास बनाइके ओनकर कन्धन पइ एक
जूआ रख दिहेस ह। यहूदा क गर्दन स उ जूआ उठाइ लीन्ह
जाइ। उ बिपत्ति क उठावा जाइ। 26 मइँ आपन लोगन बरे
अइसी ही जोजना बनावत हउँ। सबहिं जातियन क सजा देइ
बरे, मइँ आपन सक्ती क प्रयोग करब।”
27 यहोवा जब कउनो जोजना बनावत ह तउ कउनो भी
मनई उ जोजना क रोक नाहीं सकत। यहोवा लोगन क
सजा देइ बरे जब आपन हाथ उठावत ह तउ कउनो भी
मनई ओका रोक नाहीं सकता।

पलिस्तियन क परमेस्सर क सँदेसा

28 इ दु:खद सँदेसा उ बरिस दीन्ह गवा रहा जब राजा
आहाज क मउत भइ रही।
29 हे, पलिस्तियो क प्रदेसो! तू बहोत खुस अहा काहेकि
जउन राजा तोहका मार लगावा करत रहा, आजु मर चुका
अहइ। किन्तु तोहका असलियत मँ खुस नाहीं होइ चाही। इ
फुरइ अहइ कि ओकरे सासन क अंत होइ चुका अहइ।
किन्तु उ राजा क पूत अबहिं आइके राज करी अउ उ एक
अइसे साँप क समान होइ जउन खउफनाक नागन क जन्म
दिया करत ह। इ नवा राजा तू लोगन बरे एक ठु बड़के
फुर्तीले खउफनाक नाग क जइसा होइ। 30 किन्तु मोरे दीन
जन सुरूच्छा पूर्वक खात पिअत रहि पइहीं। ओनकर सन्तानन
भी सुरच्छित रइहीं। मोरे दीनजन, सोइ सकिहीं अउर सुरच्छित
अनुभव करिहीं। किन्तु तोहरे परिवार क भूख स मार डाउब
अउर तोहार सबहिं बचे भए लोग मरि जइहीं।
31 हे नगर दुआर क बासियो, रोवा! नगर मँ बसइयो तू
लोग, चीखा-चिल्ला! पलिस्ती क तू सब लोगो डेराइ
जाब्या। तोहार हिम्मत गरम मोम क नाईं टेघरिके ढल जाइ।
उत्तर दिसा कइँती लखा! हुवाँ धूरि क एक बादर अहइ।
लखा, अस्सूर स एक फउज आवति अहइ। उ फउज क
सबहिं लोग बलवान अहइँ।
32 उ फउजी आपने नगर मँ दूत पठइहीं। दूत आपन
लोगन स का कहिहीं? उ पचे एलान करिहीं: पलिस्ती हार
गवा, किन्तु यहोवा सिय्योन क सुदृढ़ बनाएस ह, अउर
ओकर दीन्ह जन हुवाँ रच्छा पावइ क गएन।

मोआब क परमेस्सर क सँदेसा

15 इ दु:खद संदेस मोआब क बारे मँ अहइ: एक राति
मोआब मँ स्थित आर नगर लूटा गवा, उ तहस
नहस कइ दीन्ह गवा। एक राति मोआब मँ स्थित आर
नगर लूटा गवा, उ नगर तहस नहस कइ दीन्ह गवा।
2 राजा क घराना अउ दिबोन क निवासी आपन दु:ख रोवइ
क ऊँचके पइ पूजा ठउरन पइ चला गएन। मोआब क
निवासी नबो अउर मेदबा बरे रोवत हीं। ओन सबहिं लोग
आपन दाढ़ी अउ मूँड़ आपन सोक दर्सावइ बरे मुड़वाए रहेन।
3 मोआब मँ सब कहूँ घरन अउ गलियन मँ, लोग सोक
वस्त्र पहिरिके हाय हाय करत हीं।
4 हेसबोन अउ एलाले नगरन क निवासी बहोत ऊँच सुर
मँ विलपत अहइँ। बहोत दूर यहस क नगरी तलक उ
विलाप उनका जाइ सकत ह। हिआँ तलक कि फउजी भी
डेराइ ग अहइँ। उ सबइ फउजी भय स काँपत अहइँ।
5 मोर मन दु:ख स मोआब बरे रोवत अहइ। लोग कहूँ
सरण पावइ बरे दउड़त अहइँ। उ पचे सुदूर जोआर मँ जाइ
क भागत अहइँ। लोग दूर क देस एग्लतसलीसिय्या क
परात अहइँ। लोग लूहीत क पहाड़ी चढ़ाइ पइ रोवत
बिलखत भए परात अहइँ। लोग होरोनैम क मार्ग पइ अउर
उ पचे बहोत ऊँच ऊँच सुर मँ बिलखत भए जात अहइँ।
6 निम्रीम क नाला अइसे झुराइ गवा जइसे रेगिस्तान झुरान
होत ह। सबहिं गेहुँअन क पउधा काटइ क पहिले मुरझा

गएन। सबइ घास खतम होइ गएन। हुवाँ कछू भी हरा नाहीं
बचा बाटइ।
7तउ लोग जउन कछू ओनके लगे अहइ ओका बटोरा
करत हीं, अउर मोआब क तजत हीं। ओन वस्तुअन क
लइके उ पचे नाले (पाप्लर या अराबा) स सीमा पार करत
अहइँ।
8मोआब मँ हर कहूँ विलाप ही सुनाई देत ह। दूर क
नगर एगलैम मँ लोग बिलखत बाटेन। बेरेलीम नगर क
लोग विलाप करत अहइँ।
9दीमोन* नगर क जल खून मँ बदलि गवा अहइ।
अउर मइँ दीमोन पइ अबहिं अउर बिपत्तियन डाउब। मोआब
क कछू निवासी सत्रु स बचि गवा अहइँ। मइँ ओन लोगन
क खाइ बरे सेरन क पठउब।

16 सेला क नगर स मेमनन यहूदा क नवा राजा बरे
नज़राना पठावा; तू पचन्क रेगिस्तान स होत भए
सिय्योन क बिटिया क पठवा।
2मोआब क मेहररूअन उ बे सहारे नान्ह चिरइयन क
जइसा अहइँ जउन आपन घोंसला स धरती पइ गिर गवा
ह। उ पचे अर्नोन नदी क पार करइ बरे इधर-उधर दउड़त
अहइ।
3उ सबइ विन्ती करत अहइँ, "हमार मदद करा! बतावा
हम का करी! तू हमका मुसीबत स अइसा बचावा जइसा
दोपहर क धूप स एक आंधर छाया हमका बचावत ह। हम
सत्रुअन स भागत अही। तू हमका छुपाइ ल्याा। हम का तू
सत्रुअन क हाथन मँ पड़इ न द्या।"
4ओन मोआब बासियन क आपन घर तजइ क मजबूर
कीन्ह गवा रहा। एह बरे तू ओनका आपन धरती पइ रहइ
द्या। तू ओनके सत्रुअन क छुवाइ ल्या। इ लूट रुक जाइ।
सत्रु हार जइहीं अउर अइसे मनसेधू दूसर क नोस्कान करत
हीं, इ धरती स उखड़िहीं।
5फुन एक ठु नवा राजा आइ। इ राजा दाउद क घराने स
होइ। उ सच्चाई स पूर्ण, करूणावाला अउ दयालु होइ। इ
राजा निआव कर्ता अउ निस्पच्छ होइ। उ खरे अउ नीक
काम करी।
6हम सुना ह कि मोआब क लोग बहोत अभिमानी अउ
घमण्डी अहइँ। इ सबइ लोग हिंसक अहइँ अउ बड़ा बोले
भी। एनकर बड़ा बोल फुरइ नाहीं अहइ।
7समूचा मोआब देस आपन अभिमान क कारण कस्ट
उठाई। मोआब क सारे लोग विलाप करिहीं। उ सबइ लोग
बहोत दु:खी रइहीं। उ पचे अइसी वस्तुअन क इच्छा करिहीं
जइसी ओनके लगे पहिले हुवा करत रहीं। उ पचे
कीरहरासत मँ बने भए अंजीर क पूड़न क इच्छा करिहीं।
8उ सबइ लोग बहोत दु:खी रहा करिहीं काहेकि हेसबोन क
खेत अउर सिबमा क अंगूर क बेलन मँ अंगूर नाहीं लगाइ
पावत अहइँ। बाहेर क सासकन अंगूर क बेलन क काट
फेकेन ह। याजेर क नगरी स लइके रेगिस्ताने मँ दूर दूर
तलक सत्रु क फउजन फइल गइ अहइँ। उ पचे सागर क
किनारे तलक जाइ पहोंची अहइँ।

मोआब क बारे मँ एक सोक गीत

9"मइँ ओन लोगन क साथ बिलाप करब जउन याजेर
अउ सिबमा क निवासी अहइँ काहेकि अंगूर नस्ट कीन्ह
गएन। मइँ हेसबोन अउ एलाले क लोगन क साथ सोक
करब काहेकि हुवाँ फसल नाहीं होइ। हुवाँ गर्मी क कउनो
फल नाहीं होइ। हुवाँ पइ आनन्द क ठहाके भी नाहीं
होइहीं।
10अंगूरे क बगिया मँ आनन्द नाहीं होइ अउर न ही हुवाँ
गीत गावा जइहीं। मइँ कटनी क समय क सारी खुसी
खतम कइ देब। दाखरस बनवइ बरे अंगूर तउ तइयार अहइँ,
किन्तु उ सबइ बर्बाद होइ जइहीं।
11एह बरे मइँ मोआब बरे बहोत दु:खी हउँ। मइँ
कीरहरैम बरे बहोत दु:खी हउँ। मइँ ओन नगरन बरे बहोत
जियादा दु:खी हउँ।
12मोआब क निवासी आपन ऊँचे पूजा क ठउरन पइ
जइहीं। उ सबइ लोग पराथना करइ क जतन करिहीं। किन्तु
उ सबइ ओन सबहिं बातन क लखिहीं। जउन कछू घटि
चुकी अहइ, अउर उ पचे पराथना करइ क दुर्बल होइ
जइहीं।"
13यहोवा मोआब क बारे मँ पहिले अनेक दाईं इ सबइ
बातन कहे रहा। 14अउर अब यहोवा कहत ह, "तीन बरिस
मँ (उ रीति स जइसे किराये क मजदूर समय गनत ह) उ
पचे सबहिं मनई अउर ओनकर उ सबइ वस्तुअन जेन पइ
ओनका गर्व रहा, नस्ट होइ जइहीं। हुवाँ बहोत थोड़े स
लोग बचिहीं, बहोत स नाहीं।"

आराम बरे परमेस्सर क सँदेसा

17 इ दमिस्क बरे दु:खद सँदेसा अहइ। यहोवा कहत ह
कि दमिस्क क साथ मँ बातन घटिहीं:
"दमिस्क जउन आज नगर अहइ किन्तु कल उ उजड़ि
जाइ। दमिस्क मँ बस टूटे फूटे भवन ही बचिहीं।
2अरोएर क नगरन क लोग तजि जइहीं। ओन उजड़े भए
नगरन मँ भेड़िन क खरका खुली घुमिहीं। हुवाँ कउनो
ओनका डरावइवाला नाहीं होइ।
3समारिया, एप्रैम क गढ़ नगर ध्वस्त होइ जइहीं। दमिस्क
क सासन क अन्त होइ जाइ। इस्राएल अउर आराम दुइनउँ
देसन मँ इ सबहिं घटना एक समान घटिहीं। दुइनउँ देस
आपन सक्ती अउर महिमा खोइ देब।" सर्वसक्तीमान यहोवा
बताएस कि इ सबइ बातन होइहीं।
4ओन दिनन याकूब अपनी सारी सम्पत्ति खोइ देइ। याकूब
वइसा होइ जाइ जइसा मनई रोग स दुबला होइ।
5उ समय क सज़ा अइसा होइ जइसे रपाईम घाटी मँ
फसल काटइ क समय होत ह। मजदूर ओन पउधन क
बटोरत हीं जउन खेते मँ उपजत हीं। फुन उ पचे ओन
पउधन क बालन क काटत हीं अउर ओनसे अनाजे क दाना
निकारत हीं।
6उ समय ओह समय क समान होइ जब लोग जैतून क
फसल उतारत हीं। लोग जैतून क बृच्छन स जैतून झाड़त
हीं। किन्तु बृच्छ क चोटी पइ प्राय: कछू फल तब भी बचा
रहत हीं। चोटी क कछू डारन पइ चार पाँच जइतून क फल

दीमोन साइद इ दिबोन नगर अहइ। इ नाउँ क आवाज हिब्रू
सब्द क जइसा अहइ जेकर अरथ अहइ "खून"।

छूट जात हीं। ओन नगरन मँ भी अइसा ही होइ। सर्वसक्तीमान यहोवा इ सबइ बातन कहे रहा।

7उ समय लोग परमेस्सर कइँती निहरिहीं। परमेस्सर, जउन ओनकर रचना किहेस ह। उ सबइ इस्राएल क पवित्तर कइँती मदद खातिर लखिहीं।

8लोग ओन वेदियन पइ बिस्सास करब खतम कइ देइहीं जेनका उ पचे खुद आपन हाथन स बनाए रहा। असेरा देवी क जेन खम्मन अउ धूप बारइ क बेदियन क उ पचे आपन अँगुरियन स बनाए रहा, उ पचे ओन पइ भरोसा करब बंद कइ देइहीं।

9उ समय, सबहिं गढ़-नगर उजड़ जइहीं। उ सबइ नगर अइसे पर्वत अउर जंगलन क समान होइ जइहीं, जइसे उ पचे इस्राएलियन क आवइ स पहिले हुवा करत रहेन। बीते भए दिनन मँ हुवाँ स सबहिं लोग दूर भाग गए रहेन काहेकि इस्राएल क लोग हुवाँ आवत रहेन। भविस्स मँ इ देस फुन उजड़ जाइ।

10अइसा एह बरे होइ काहेकि तू आपन उद्धारकर्ता परमेस्सर क बिसराइ दिहा ह। तू इ याद नाहीं राख्या कि परमेस्सर ही तोहार सरणस्थल अहइ।

तू सुदूर जगहन स बहोत नीक अंगूर क बेलन लिआए रह्या। तू अंगूरे क बेलन क रोप सकत ह किन्तु ओन पउधन मँ बढ़वार नाहीं होइ।

11एक दिन तू आपन अंगूर क ओन बेलन क रोपब्या अउर ओनकर बढ़वार क जतन करब्या। अगवा दिन, उ सबइ पउधन बड़इ भी लगिहीं किन्तु फसल उतारइ क समय जब तू ओन बेलन क फल बटोरइ जाब्या तब लखब्या कि सब कछू झुराइ चुका अहइ। एक बेरामी सबहिं पउधन क अंत कइ देइ।

12हे लोगन क भीड़ क सुना, उ गर्जत भवा समुद्दर क नाईं आवाज करत हीं! हे भीड़ क सोर सुना, उ सागर क ज्वार-भाट क टकराइ क नाईं आवाज करत ह।

13हाँ उ भीड़ ओनहीं लहरन जइसे अहइ। मुला उ पचे सबहिं लहरन क नाईं पराइ जाइ जब परमेस्सर ओनका झिड़की! लोग उ भूसे क नाईं होइहीं जेकरी पहाड़ी पइ हवा उड़ावत फिरत ह। लोग वइसे ही होइ जइही जइसे आँधी क जरिया वस्तुअन क उखाड़े जात अहइ। आँधी ओनका उड़ावत ह अउर दूर लइ जात ह।

14उ रात लोग बहोत ही डेराइ जइहीं। सुबह होइस पहिले, कछू भी नाहीं बच पाई। तउ सत्रुअन क हुवाँ कछू भी हाथ नाहीं आई। उ पचे हमार धरती कइँती अइहीं, किन्तु हुवाँ भी कछू नाहीं होइ।

इथोपिया बरे परमेस्सर क सँदेसा

18 उ धरती क लखा जउन इथोपिया क नदियन क साथ-साथ फइली अहइ। इ धरती मँ कीड़े-मकोड़े भरे पड़ा अहइँ। तू ओनके पखनन क भिन्नाहट सुन सकत ह। 2इ धरती लोगन क सरकण्डन क नइयन स सागर क पार पर पठवत ह। हे तेज चलइवाले हरकारो, एक अइसी जाति क लोगन क लगे जा जउन लम्बे अउर सक्तीसाली अहइँ! (एन लम्बे सक्तीसाली लोगन स सब कहूँ क लोग डेरात हीं। उ पचे एक बलवान जाति क लोग अहइँ। ओनकर जाति दूसर जातियन क हराइ देत ह। उ पचे एक अइसे देस क अहइँ जेका नदियन बाँट देत हीं।) 3उ अइसे ओन लोगन क सावधान कइ द्या कि ओनके संग कउनो बुरी घटना घटइ क अहइ। उ जाति क साथ घटत भइ इ घटना क दुनिया क सब लोग लखिहीं। लोग एका इ तरह साफ साफ लखिहीं, जइसे पहाड़ पइ लगे भए झण्डे क लोग निहारत हीं। एन लम्बे अउर सक्तीसाली मनइयन क साथ जउन बातन घटिहीं, ओनके बारे मँ इ धरती क सबहिं निवासी सुनिहीं। एका उ पचे ऍतनी स्पस्टता स सुनिहीं जेतनी स्पस्टता स जुद्ध स पहिले बजइवाले नरसिंहे क अवाज सुनाई देत ह।

4यहोवा कहेस, "जउन ठउर मोरे बरे तइयार कीन्ह ग अहइ, मइँ उ ठउर पइ होब। मइँ चुपचाप एन बातन क घटत भए लखब। गर्मी क एक सुहावने दिन दोपहर क समय जब लोग अराम करत रहे होइहीं (यह तब होइ जब कटनी क गर्म समय होइ, बर्खा नाहीं होइ, बस अलख सुबह क ओस ही पड़ी।) 5तबहिं कउनो बहोत भयानक बात घटी। इ उ समय होइ जब फूल खिल चुका होइहीं अउर ओनकर बढ़त होत रही होइ। किन्तु फसल उतारइ क समय स पहिले ही दुस्मन आइ अउर एन पउधन क काटि डाइ। सत्रु आइके अंगूरे क सबइ लता क तोरि डाइ अउर ओनका कहूँ दूर लोकाइ देइ। 6अंगूरे क इ सबइ बेलन सिकारी पहाड़ी पंछियन अउर जंगली जानवरन क खाइ बरे छोड़ि दीन्ह जाइ। गर्मियन मँ पंछी एन दाख क सबइ लता मँ बसेरा करिहीं अउर उ सर्दी मँ जंगली पसु एन दाख क सबइ लता क चरिहीं।"

7उ समय, लम्बे अउर सक्तीमान लोगन क सर्वसक्तीमान यहोवा क एक खास भेंट क रूप मँ चढ़ाई जाइँ। सब कहूँ क लोग एन लोगन स डेरात हीं। इ सबइ एक सक्तीसाली रास्ट्र क लोग अहइँ। उ पचे बिदेसी भासा बोलइ। इ रास्ट्र दूसर रास्ट्र क लोगन क जीतइ लेइ। इ सबइ एक अइसे देस क अहइँ, जउन नदियन स बँटा अहइँ। इ भेंट यहोवा क ठउर, सिय्योन पर्वत पइ स्वीकार करी जाइँ।

मिस्र बरे परमेस्सर क सँदेसा

19 मिस्र क बारे मँ दु:खद सँदेसा: लखा! एक उड़त भए बादर पइ यहोवा आवत अहइ। यहोवा मिस्र मँ प्रवेस करी अउर मिस्र क सारे लबार देवता डर स थर थर काँपइ लगिहीं। मिस्र वरि रहा किन्तु ओकर बहादुरी मोम क तरह टेघरिके बहि जाइ।

2परमेस्सर कहत ह, "मइँ मिस्र क लोगन क आपुस मँ ही एक दूसर क खिलाफ जुद्ध करइ बरे हुस्काउब। लोग आपन ही भाइयन स लड़िहीं। पड़ोसी, पड़ोस क विरोध मँ होइ जाइ। नगर, नगर क विरोध मँ अउर राज्ज, राज्ज क खिलाफ होइ जाइ। 3मिस्र क लोग चक्कर मँ पड़ि जइहीं। उ सबइ लोग आपन लबार देवतन क अउर बुद्धिमान लोगन स पूछिहीं कि ओनका का करइ चाही। उ पचे लोग आपन ओझन अउ जादूगरन स पूछताछ करिहीं किन्तु ओनकर सलाह बेकार होइ।"

4सुआमी, सर्वसक्तीमान यहोवा कहेस: “मइँ (परमेस्सर) मिस्र क कठोर सुआमियन क सौंपब। एक सक्तीसाली राजा लोगन पइ राज करी। 5नील नदी क पानी झुराइ जाइ। नदी क तल मँ पानी नाहीं रही। 6सबहिं नदियन स दुर्गन्ध आवइ लागी। मिस्र क नहरन झुराइ जइहीं। हवाँ पानी नाहीं रहइँ। पानी क सबहिं पउधन सड़ जइहीं। 7उ पचे सबहिं पउधन जउन नदी क किनारे उगे होइहीं, झुराइके उड़ि जइहीं। हिआँ तलक कि उ सबइ पउधन भी, जउन नदी क सबन ते चौड़े हीसां मँ होइहीं, बेकार होइ जइहीं।

8“मछुआरे, अउर उ सबइ लोग जउन नील नदी स मछरियन पकड़ा करत हीं, दु:खी होइके त्राहि-त्राहि कइ उठिहीं। उ पचे आपन भोजन बरे नील नदी क सहारे पइ अहइँ किन्तु उ झुराइ जाइ।

9उ सबइ लोग जउन कपड़ा बनावा करत हीं, बहोत जियादा दु:खी होइहीं। एन लोगन क सन क कपड़ा बनावइ बरे पटसन क जरूरत होइ किन्तु नदी क झुराइ जाइ स सने क पौधन क बढ़ोतरी नाहीं होइ पाई। 10पानी एँकट्ठा करइ बरे बाँध बनावइवाले लोगन क पास काम नाहीं रहि जाइ। तउ उ पचे बहोत दु:खी होइहीं।

11“सोअन नगर क मुखिया मूरख अहइँ। फिरौन क बुद्धिमान मन्त्री गलत सलाह देत हीं। उ सबइ मुखिया लोग कहत हीं कि उ पचे बुद्धिमान अहइँ। ओनकर कहब अहइ कि उ पचे पुराना राजा लोगन क सन्तान अहइँ। किन्तु जइसा उ पचे सोचत हीं, वइसे बुद्धिमान नाहीं अहइँ।”

12हे मिस्र, तोहार बुद्धिमान मनसेधू कहाँ अहइँ? ओन बुद्धिमान लोगन क सर्वसक्तीमान यहोवा मिस्र बरे जउन जोजना बनाएस ह, ओनकर पता होइ चाही। ओन लोगन क, जउन होइवाला अहइ, तू पचन्क बतावइ चाही।

13सोअन क मुखिया मूर्ख बनाइ दीन्ह ग अहइँ। नोप क मुखिया लोग झूठी बातन पइ बिस्सास किहेन ह। तउ मुखिया लोग मिस्र क गलत राहे पइ लइ जात हीं। 14यहोवा मुखिया लोगन क उलझन मँ डाइ दिहस ह। उ सबइ भटक ग अहइँ अउर मिस्र क गलत राहे पइ लइ जात अहइँ। उ पचे नसे मँ धुत अइसे लोगन क नाईं अहइ जउन बेरामी क कारण धरती मँ लउटत अहइँ। 15मिस्र क बरे कउनो कुछ नाहीं कइ पाइ। (फिन चाहे उ सबइ मूँड़ होइँ या पूँछ, “खजूरे क डारि होइ या सरकंडा।” (अर्थात् ‘महत्व स पूर्ण होइ या बगैर महत्व क लोग।”)

16उ समय, मिस्र क निवासी डेरान मेहररूअन क नाईं होइ जइहीं। उ सबइ सर्वसक्तीमान यहोवा स डेरइहीं। यहोवा लोगन क सजा देइ बरे हाथ उठाइ अउर लोग डेराइ जइहीं। 17मिस्र मँ सब लोगन बरे यहूदा क प्रदेस भय क कारण होइ। मिस्र मँ कउनो भी यहूदा क नाउँ सुनिके डेराइ जाइ। अइसा एह बरे होइ काहेकि सर्वसक्तीमान यहोवा सबइ खउफनाक घटना क घटावइ बरे जोजना बनाएस ह। 18उ समइ मँ, मिस्र मँ अइसे पाँच सहर होइहीं जहाँ लोग कनान क भाखा (यहूदी भाखा) बोलिहीं। एनँ नगरन मँ एक नगर क नाउँ “नास क नगरी”* होइ।

नास क नगरी इ एक सब्द क खेल अहइ। मिस्री नाउँ क अरथ “सूरज क देस” अहइ।

लोग सर्वसक्तीमान यहोवा क अनुसरण क प्रतिग्या करिहीं। 19उ समय मिस्र क बीच मँ यहोवा बरे एक वेदी होइ। मिस्र क सीमा पइ यहोवा क आदर देइ बरे एक ठु स्मारक होइ। 20इ इ बात क प्रतीक होइ कि सर्वसक्तीमान यहोवा सक्तीमान कार्य करत ह। जब कबहुँ लोग मदद बरे यहोवा क गोहरइहीं, यहोवा मदद पठई। यहोवा लोगन क बचावइ अउर ओनकर रच्छा करइ बरे एक मनई पठइ। उ मनई ओन मनइयन क ओन दूसर लोगन स बचाई जउन ओने साथ बुरी बातन करत हीं।

21फुरइ उ समय, मिस्र क लोग यहोवा क जानिहीं। उ सबइ लोग परमेस्सर स पिरेम करिहीं। उ सबइ लोग परमेस्सर क सेवा करिहीं अउर बहोत स बलियन चढ़इहीं। उ सबइ लोग यहोवा क मनौतियन मनिहीं अउर ओन मनौतियन क पालन करिहीं।

22यहोवा मिस्र क लोगन क सजा देइ। फुन यहोवा ओनका (चंगा) छिमा कइ देइ अउर उ पचे यहोवा कइँती लउटि अइहीं। यहोवा ओनकर पराथनन सुनी अउर ओनका छिमा कइ देइ।

23उ समय, हुवाँ एक अइसा राजमार्ग होइ जउन मिस्र स अस्सूर जाइ। फुन अस्सूर स लोग मिस्र मँ जइहीं अउर मिस्र स अस्सूर मँ। मिस्र अस्सूर क लोगन क संग परमेस्सर क उपासना करी।

24उ समय, इस्राएल अस्सूर अउ मिस्र आपुस मँ एक होइ जइहीं अउर पृथ्वी पइ सासन करिहीं। इ सासन धरती बरे वरदान होइ। 25सर्वसक्तीमान यहोवा एन देसन क आसीर्बाद देइ। उ कही, “हे मिस्रियो! तू पचे मोर लोग अहा। हे अस्सूर क लोगो, उ मइँ हउँ जउन तोहका बनाएस। हे इस्राएलियो, तू अहा। मइँ तू सबन क आसीर्बाद देउँ ह!”

अस्सूर मिस्र अउ इथोपिया क हराइ

20 सर्गोन अस्सूर क राजा रहा। सर्गोन तर्तान क नगर क खिलाफ जुद्ध करइ बरे असदोद पठएस। तर्तान हुवाँ जाइके सहर पइ कब्जा कइ लिहस। 2उ समय आमोस क पूत यसायाह क जरिये यहोवा कहेस, “जा, अउर अपने कमर स सोक वस्त्र उतारिके लोकावा। अपने गोड़न क जूतियन उतारि द्या।” यसायाह यहोवा क हुकुम क पालन किहस अउर उ बगैर कपड़न अउ बगैर जूतन क एहर-ओहर घूमा।

3फुन यहोवा कहेस, “यसायाह तीन बरिस तलक बगैर कपड़न अउर बगैर जूतियन पहिरे एहर-ओहर घूमत रहा ह। मिस्र अउ इथोपिया बरे इ एक संकेत अहइ कि 4अस्सूर क राजा मिस्र अउ इथोपिया क हराइ। अस्सूर हुवाँ क बंदियन क लइके, ओनकर देसन स दूर लइ जाइ। बूढ़े मनई अउ जवान लोग बगैर कपड़न अउ नंगे गोड़न लइ जावा जइहीं। उ पचे पूरी तरह स नंगा होइहीं। मिस्र क लोग लजाइ जइहीं। 5जउन लोग मदद बरे इथोपिया कइँती लखा करत रहेन, उ सबइ टूट जइहीं। जउन लोग मिस्र क महिमा स चकित रहेन उ पचे लज्जित होइहीं।”

6समुद्दर क लगे बसइया लोग, उ पचे कहिहीं, "हम मदद बरे ओन देसन पइ बिस्सास कीन्ह। हम पचे ओनके लगे धावत गए ताकि उ पचे हमका अस्सूर क राजा स बचाइ लें किन्तु ओन देसन क लखा कि ओन देसन पइ ही जब कब्जा कइ लीन्ह गवा तब हम कइसे बच सक्ति रहे?"

परमेस्सर क बाबुल क सँदेसा

21 सागर क रेगिस्तान क बारे मँ दु:खद सँदेसा:
रेगिस्ताने स कछू आवइवाला अहइ। इ नेगव स आवत हवा जइसा आवति बाटइ। इ कउनो खउफनाक देस स आवति अहइ।

2मइँ कछू लखेउँ ह जउन बहोत ही भयानक अहइ अउर घटइ ही वाला अहइ। मोका गद्दार तोहका धोखा देत भए देखॉत हीं। मइँ लोगन क तोहार पचन्क धन छोरत भए लखत हउँ। एलाम, तू जा अउर जुद्ध करा! मादै, तू आपन फउजन लइके नगर क घेरि ल्या अउर ओका हरावा। मइँ उ बुराई क अन्त करब जउन उ नगर मँ बाटइ।

3मइँ इ सबइ भयानक बातन लखेउँ अउर अब मइँ बहोत डेराइ गएउँ ह। डर क मारे पेट मँ दर्द होत अहइ। इ दर्द जच्चा क पीरा जइसा अहइ। जउन बातन मइँ सुनत हउँ, उ सबइ मोका बहोत डेरावत अहइ। जउन बातन मइँ लखत हउँ, ओनके कारण मइँ डर क मारे काँपइ लागत हउँ। 4मइँ चिन्तित हउँ अउर भय स थर-थर काँपत हउँ। मोर सुहावनी साँझ डर क रात बन गई ह।

5लोगन सोचत हीं, सब कछू ठीक अहइ। लोग कहत हीं, "चौकी तइयार करा अउर ओह पइ आसन बिछावा, खा, पिआ।" किन्तु मोर कहब अहइ, "मुखिया लोगो! खड़ा ह्वा अउर जुद्ध क तइयारी करा।" उहइ समय फउजी कहत अहइँ, "पहरूअन क तैनात करा। अधिकारी लोगो, खड़ा होइ जा अउर आपन ढालन क झलकावा!"

6मोर सुआमी मोका इ सबइ बातन ह, "जा अउर नगर क रच्छा बरे कउनो मनई क हेरा। 7जदि उ रखवारा घुड़सवारन क, गदहन क या ऊँटन क कतारन क लखइँ तउ ओका होसियारी क साथ सुनइ चाही।"

8तउ फुन उ पहरूआ जोर स बोला पहरूआ कहेस, "मोर सुआमी, मइँ हर दिन चौकीदार क बुर्ज पइ चौकादारी करत आएउँ ह। हर राति मइँ खड़ा भवा पहरा देत रहत हउँ। 9मुला लखा! उ पचे आवत अहइँ। मोका घुड़सवारन क कतारन देखॉइ देत अहइँ।" फुन सँदेसवाहक कहेस, "बाबुल हार गवा, बाबुल धरती पइ ध्वस्त कीन्ह गवा। ओकरे मिथ्या देवन क सबहिं मूरतियन धरती पइ लुढ़काइ दीन्ह गइन अउर उ सबइ चकनाचूर हो गइन ह।" 10यसायाह कहेस, "हे खरिहाने मँ अनाज क तरह रौंदे भए मोर लोगो, मइँ सर्वसक्तीमान यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर स जउन कछू सुना ह, सबइ तू पचन्क बताइ दीन्ह ह।"

एदोम क परमेस्सर क सँदेसा

11दूमा बरे दु:खद सँदेसा। सेईर स मोका कउनो गोहराएस। उ मोहसे कहेस, "हे पहरू, रात अबहिं केतॅनी बाकी बची बाटइ? अबहिं अउर केतनी देर इ रात रही।" 12पहरूआ कहेस, "भोर होइ क अहइ मुला राति फुन स आई। अगर तोहका कउनो बात पूछब अहइ तउ लउट आवा अउर मोहसे पूछ ल्या।"

अरब बरे परमेस्सर क सँदेसा

13अरब बरे दु:खद सँदेसा हे ददानी क काफिले, तू रात क रेगिस्तान मँ कछू बृच्छन क लगे गुजार ल्या।

14कछू पियासे यात्रियन क पिअइ क पानी द्या। तेमा क लोगो, ओन लोगन क खइया क द्या जउन जात्रा करत अहइँ।

15उ सबइ लोग अइसी तरवारन स परात अहइँ जउन ओनका मारइ क तत्पर रहेन। उ सबइ लोग ओन धनुसन स बचिके परात रहेन जउन ओन पइ छूटइ बरे तने भए रहेन। उ सबइ भीसण लड़ाइ स परात रहेन।

16मोर सुआमी यहोवा मोका बताए रहा कि अइसी बातन घटिहीं। यहोवा कहे रहा, "एक बरिस मँ (एक अइसा ढंग जेहसे मजदूर किराये क समय क गनत ह।) केदार क वैभव बर्बाद होइ जाइ। 17उ समय केदार क थोड़े स धनुसधारी, प्रतापी फउजी ही जिअत बच पइहीं।" इस्राएल क परमेस्सर यहोवा मोका इ सबइ बातन बताए रहा।

यरूसलेम बरे परमेस्सर क सँदेसा

22 दिव्य दर्सन क घाटी क बारे मँ दु:खद सँदेसा:
तू लोगन क साथ का भवा ह? काहे तू पचे आपन घरन क छतन पइ छिपत अहा?

2बीत गए समय मँ इ सहर बहोत व्यस्त सहर रहा। इ सहर बहोत सोरगुल स भरा अउर बहोत खुस रहा। किन्तु अब बातन बदलि गइन। तोहार लोग मारा गएन किन्तु तरवारन स नाहीं, अउर उ पचे मारा गएन किन्तु जुद्ध मँ लड़ते समय नाहीं।

3तोहार सबहिं सैनिक अधिकारी पराइ गएन, किन्तु उ सबहिं बिना हथियारन क पकड़ि गवा। उ सबहिं खोजा गएन अउर एक साथ पकड़ा गएन, जबकि उ फ़राइके कहूँ दूर भाग गए रहेन।

4एह बरे मइँ कहत हउँ, "मोरी कइँती जिन लखा, बस मोका रोवइ द्या! यरूसलेम क बिनास पइ मोका सान्त्वना देइ बरे मोरी कइँती जिन लपका।"

5यहोवा एक खास दिन चुनेस ह। उ दिन हुवाँ बग़ावत अउर भगदड़ मचि जाइ। दिव्य दर्सन क घाटी* मँ लोग एक दूसर क रौंद डइहीं। नगर क चार दीवारी ओकर नीव स उखाड़ फेंकी जाइ। घाटी क लोग पहाड़े पइ के लोगन क ऊपर चिल्लाइहीं। 6एलाम क घुड़सवार फउजी आपन आपन तरकसन लइके घोड़न पइ चढ़े भए जुद्ध क प्रस्थान करिहीं। किर क लोग आपन ढालन स आवाज करिहीं। 7तोहार इ खास घाटी मँ फउजन आइ जुटिहीं। घाटी रथन स भरि जाइ। घुड़सवार फउजी क नगर दुआरन क समन्वा तैनात कीन्ह जइहीं।

दिव्य दर्सन क घाटी संभवता किदरोन क घाटी यरूसलेम अउर जैतून पहाड़े क बीच मँ स्थित अहइ। अनेक प्रमुख अधिकारियन क कबर इ घाटी क पूरब कइँती मँ रहेन।

8तब यहूदा क रच्छा-अवरण* हटाइ लेइ जाइ। लोग
जंगल-महल मँ जमा कइ भए हथियरन क लइ बरे जाब्या।
9-11तू पचन्क दाऊद क नगर क चहारदीवारी क दरारन
क लख सकत हीं। तउ तू पचे मकानन क गनइ सुरू
करब्या यह तय करइ बरे कि ओहमाँ स केँतना मकान क
धवस्त करइ क जरूरत, दीवार क मरम्मत करइ बरे होइ।
तू पचे निचली तालाब* स पानी भी जमा करइ सुरू करब्या।
तू पचे दूसर तालाब* दीवारन क बीच मँ सहर क निचला
भाग मँ पुराने तालाब* स पानी जमा करइ बरे बनाउब्या।

फुन भी उ परमेस्सर पइ तोहार पचन्क भरोसा नाहीं होइ
जउन ऍन सबइ वस्तुअन क बनाएस ह। तू पचे ओकरी
(परमेस्सर) कइँती नाहीं लखब्या जउन बहोत पहिले ऍन
सबइ वस्तुअन क रचना किहे रहा।

12तउ, मोर सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा लोगन स
ओनके मरे भए मीतन बरे बिलाप करइ अउर दुःखी होइ
बरे कही। लोग आपन मूँड़ि मुँड़वाइ लेइहीं अउर सोक-वस्त्र
धारण करिहीं।

13किन्तु लखा! अब लोग खुस अहइँ। लोग खुसियन
मनावत अहइँ। उ सबइ लोग कहत अहइँ: मवेसियन क
मारा, भेड़िन क बध करा। हम उत्सव मनाउब। तू पचे
आपन खइया क खा अउर आपन दाखरस पिआ। खा अउर
पिआ काहेकि भियान तउ हमका मरि जाब अहइ।

14सर्वसक्तीमान यहोवा इ सबइ बातन मोहसे कहे रहा
अउर मइँ ओनका अपने काने स सुने रहेउँ: "तू पचे बुरे
करम करइ क अपराधी अहा अउर मइँ निहचय क साथ
कहत हउँ कि इ अपराध क छिमा कीन्ह जाइ स पहिले ही
तू पचे मरि जाब्या।" मोर सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा इ
सबइ बातन कहे रहा।

सेबना बरे परमेस्सर क सँदेसा

15मोर सुआमी सर्वसक्तीमान यहोवा मोहसे इ सबइ बातन
कहेस: "उ सेबना नाउँ क सेवक क लगे जा। उ महल क
प्रबन्ध-अधिकारी अहइ। 16ओहसे पूछ्या, 'उ का करत
अहा? का हिआँ ओकरे परिवार क कउनो मनइ गड़ा भवा
अहइ? उ हिआँ एक कब्र काहे बनावत अहा?"

यसायाह कहेस, "लखा इ मनई क! इ एक ऊँच
जगहिया पइ आपन कब्र बनावत अहइ। आपन कब्र बनावइ
बरे इ चट्टान क काटत अहइ।

17-18"हे मनसेधू, यहोवा तोहका कुचरि डाइ। यहोवा
तोहका बाँधिके एक ठु नान्ह स गेंदे क तरह गोल बनाइके
कउनो बिसाल देसे मँ लोकाइ देइ अउर हुवाँ तोहार मउत
होइ जाइ।"

यहोवा कहेस, "तोहका आपन रथन पइ बड़ा अभिमान
रहा। किन्तु उ दूर देस मँ तोहरे नवे सासक क लगे अउर
भी नीक रथ अहइँ। ओकरे महल मँ तोहार रथ महत्वपूर्ण
नाहीं देखाइ देइहीं। 19हिआ मइँ तोहका तोहार महत्व स पूर्ण
काम स ढकेल के बाहेर करब। तोहरे महत्व क पूर्ण काम
स तोहार नवा मुखिया तोहका दूर कइ देइ। 20उ समय मइँ
आपन सेवक एल्याकीम क जउन हिज्किय्याह क पूत अहइ,
बोलाउब 21अउर तोहार चोगा लइके उ सेवक क पहिराइ
देब। तोहार राजदण्ड भी मइँ ओका दइ देव। जउन महत्वक
पूर्ण काम तोहरे पास अहइ, मइँ ओका भी उहइ क दइ
देब। उ सेवक यरूसलेम क लोगन अउर यहूदा क परिवार
बरे पिता क समान होइ।

22यहूदा क भवन क चाभी मइँ उ मनसेधू क गले मँ
डाइ देब। अगर उ कउनो दुआर क खोली तउ उ दुआर
खुला ही रही। कउनो भी मनई ओका बंद नाही कइ पाई।
जदि उ कउनो दुआर क बंद करी तउ उ दुआर बंद होइ
जाइ। कउनो भी मनई ओका खोल नाहीं पाई। उ सेवक
पिता क घरे मँ एक सिंहासन क समान होइ। 23मइँ ओका
एक अइसी खूँटी क समान सुदृढ़ बनाउब जेका बहोत सख्त
तखत मँ ठोका गवा ह। 24ओकरे पिता क घर क सबहिं
माननीय अउर महत्व स पूर्ण वस्तुअन ओकरे ऊपर लटकिहीं।
सबहिं वयस्क अउर नान्ह बच्चन ओह पइ निर्भर रहिहीं। उ
सबइ लोग अइसे होइहीं जइसे नान्ह नान्ह पात्र अउर बड़ी
बड़ी सुराहियन ओकरे ऊपर लटकत होइँ।

25"उ समय, उ खूँटी (सेबना) जउन अब एक बड़े
कठोर तख्ते मँ गाड़ी भइ खूँटी अहइ, दुर्बल होइके टूट
जाइ। उ खूँटी धरती पइ गिर पड़ी अउर उ खूँटी पइ लटकी
भइ सबहिं वस्तुअन बर्बाद होइ जइहीं। तब उ प्रत्येक बात
जउन मइँ उ सँदेसा मँ बताए रहेउँ, घटित होइ।" (इ सबइ
बातन घटिहीं काहेकि एनका यहोवा कहे अहइ।)

लबानोन क परमेस्सर क सँदेसा

23 सोर क बारे मँ दुःखद सँदेसा: हे तर्सीस क
जहाजो, दुःख मनावा। तोहार बंदरगाह उजाड़ दीन्ह
गवा ह। (एन जहाजन पइ जउन लोग रहेन, ओनका इ
समाचार उ समय बतावा ग रहा जब उ पचे कित्तियन क
देस मँ आपन राहे जात रहेन।)

2हे सागरे क निचके बसइया लोगो, रूका अउर सोक
मनावा! हे, सीदोन क सौदागरो सोक मनावा। सीदोन तोहरे
सँदेसावाहक समुद्दर पर जावा करत रहेन। ओ लोग तोहका
धन दौलत स भरि दिहेन।

3उ सबइ लोग अनाजे क तलास मँ समुद्दर मँ जात्रा
करत रहेन। सोर क उ सबइ लोग नील नदी क आस पास
जउन अनाज पैदा होत रहा, ओका मोल लइ लेत रहा करत
रहेन अउर फुन उ अनाज क दूसर देसन मँ बेचा करत रहेन।

4हे सीदोन, तोहका सर्म आवइ चाही। काहेकि अब सागर
अउर सागर क किला कहत ह: मइँ सन्तान रहित हउँ।
मोका जच्चा क बेदना क गियान नाहीं अहइ। मइँ कउनो
बच्चे क जनम नाहीं दिहेउँ। मइँ युवती व युवक क पालिके
बड़ा नाहीं किहेउँ।

रच्छा-अवरण एकर अरथ होइ सकत ह 1यहोवा रच्छक क रूप मँ। 2यरूसलेम क दीवार। या 3पवित्तर जगह क बचाना इ देखावत ह कि परमेस्सर लोगन क रच्छा करत ह।

निचली तालाब दाऊद क नगर क दक्खिन छोर पइ ऊपरी तालाब क ठीक नीचे क तालाब।

दूसर तालाब सम्भवत: इ ऊपरी तालाब अहइ।

पुराने तालाब सम्भवत: नगर क पूरबी ढलानन पइ जिअव क झरना पइ क तालाब।

5मिस्र सोर क खबर सुनी अउर इ खबर मिस्र क दु:ख
देइ।
6तोहार जलयान तर्सीस क लउटि जाइ चाही। हे सागरतट
वासियो! दु:खे मँ बूड़ जा।
7बीते दिनन मँ, तू पचे सोर क महिमा स आनन्द लिहा।
इ नगरी सुरू स ही विकसित होत रही। उ नगर क लोग
नगरन स कहूँ दूर बसइ बरे जात्र किहेन।
8सोर क नगर बहोत सारे नेता पैदा किहेस। हुवाँ क
बइपारी राजपूतन क समान होत हीं अउर उ सबइ लोग
वस्तुअन खरीदत अउ बेचत हीं। उ पचे हर कहूँ आदर
पावत हीं। तउ कउन सोर क खिलाफ जोजनन रचेस ह।
9हाँ, सर्वसक्तीमान यहोवा उ सबइ जोजना बनाए रहा।
उहइ ही ओनका महत्व स पूर्ण न बनावइ क निहचय किहे
रहा।
10हे तर्सीस क जहाजो तू पचे अपने देस क लउटि जा।
तू पचे सागरे क अइसे पार करा जइसे उ नान्ह स नदी
होइ। कउनो भी मनई अब तू सबन्क नाहीं रोकी।
11यहोवा आपन हाथ सागर क ऊपर फइलाएस ह अउर
राज्जन क कँपाइ दिहस। यहोवा कनान देस क बारे मँ आदेस
दइ दिहस कि ओकरे गढ़ियन क नस्ट कइ दीन्ह जाइ।
12यहोवा कहत ह, हे! सीदोन क कुँवारी बिटिया, तोहका
बर्बाद कीन्ह जाइ। अब तू अउर जियादा आनन्द न मनाइ
पाई।” किन्तु सोर क निवासी कहत हीं, “हमका कित्तीम
बचाई।” किन्तु अगर तू सागरे क पार कइके कित्तीम जा
हुवाँ भी तू चैन क ठउर न पउब्या।
13एह बरे सोर क निवासी कहा करत हीं, “बाबुल क
लोग हम क बचइहीं।” किन्तु तू बाबुल क लोगन क धरती
पइ लखा। एक देस क रूप मँ आजु बाबुल क कउनो
अस्तित्व नाहीं अहइ। बाबुल क ऊपर अस्सूर चढ़ाई किहस
अउर ओकरे चारिहुँ ओर बुर्जियन बनाएस। फउजियन सुन्नर
घरन क सब धन लूट लिहन। अस्सूर बाबुल क जँगली
पसुअन क घर बनाइ लिहस। उ पचे बाबुल क खण्डहरन मँ
बदल दिहन।
14तउ तर्सीस क जलयानो तू पचे बिलाप करा। तोहार
सबन्क सुरच्छा ठउर (सोर) बर्बाद होइ जाइ।
15सत्तर बरिस तलक लोग सोर क बिसरि जइहीं। (इ
समय, कउनो राजा क सासनकाल क बराबर समय माना
जात रहा।) सत्तर बरिस क पाछे, सोर एक रण्डी क नाईं
होइ जाइ। इ गीत मँ:
16हे रण्डी! जेका मनसेधूअन बिसराइ दिहन। तू आपन
वीणा उठावा अउर इ नगर मँ घूमा। तू आपन गीत क
अच्छी तरह बजावा। तू अक्सत आपन गीत गावा करा।
तबहिं तोहका लोग फुन स याद करिहीं।
17सत्तर बरिस क पाछे, परमेस्सर सोर क समस्या पइ
विचार करब। सोर फुन आपन मज़दूरी एक रण्डी क नाईं
धरती क सबहिं रास्ट्रन क संग बइपार कइके प्राप्त करइ
लागी।
18किन्तु सोर जउने धन क कमाई ओका रख नाहीं पाई।
सोर उ लाभ क जउन उ बइपार मँ कमाएस ह, यहोवा बरे
सुरच्छित रहीं। सोर ओका ओन लोगन क देइ जउन यहोवा
क सेवा करत अहा। एह बरे यहोवा क सेवक भर पेट
खइया क खइहीं अउर नीक ओढ़ना पहिरहीं।

परमेस्सर इस्राएल क सजा देइ

24 लखा! यहोवा इ धरती क बर्बाद करी। यहोवा
भूचालन क जरिये इ धरती क मरोड़ देइ। यहोवा
लोगन क कहूँ दूर जाइ क मजबूर करी।
2उ समय, हर कउनो क संग एक जइसी घटनन घटिहीं,
साधारण मनई अउ याजक एक जइसे होइ जइहीं। सुआमी
अउर सेवक एक जइसे होइ जइहीं। दासियन अउर ओनकर
सुआमियन एक समान होइ जइहीं। मोल लेइवाले अउर
बेसइवाले एक जइसे होइ जइहीं। कर्जा लेइवालन अउर
कर्जा देइवालन लोग एक जइसे होइ जइहीं। धनवान अउर
दीन लोग एक् जइसे होइ जइहीं।
3सबहिं लोगन क हुवाँ स ढकेल बाहेर कीन्ह जाइ। सारी
धन दौलत छोरी लीन्ह जइहीं। अइसा एह बरे घटी काहेकि
यहोवा अइसा ही आदेस दिहस ह।
4देस उजड़ जाइ अउर दु:खी होइ। दुनिया खाली होइ
जाइ अउर उ दुर्वल होइ जाइ। इ धरती क महान नेता
सक्तिहीन होइ जइहीं।
5इ धरती उ लोगन दुआरा दूसित कइ दीन्ह ग अहइ
जउन एह पइ रहत हीं। अइसा कइसा होइ गवा? लोग
परमेस्सर क सिच्छा क विरोध मँ गलत काम किहेन। लोग
परमेस्सर क नेमन क पालन नाहीं किहन। बहोत पहिले उहइ
लोग परमेस्सर क संग एक करार किहे रहेन। किन्तु
परमेस्सर क समन्वा कीन्ह गवा उ करार क उ पचे
उल्लंघन किहेस। 6इ धरती क रहइवाले लोग अपराधी
अहइँ। एह बरे परमेस्सर इ धरती क नस्ट करइ क निहचय
किहस। ओन लोगन क सजा दीन्ह जाइ अउर हुवाँ थोड़े स
लोग ही बचि पइहीं।
7अगूंर क बेलन मुरझात अहइँ। नई दाखरस क कमी
पड़ति अहइ। पहिले लोग खुस रहेन। किन्तु अब उ पचे ही
लोग दु:खी अहइँ। 8लोगन आपन खुसी वियक्त करइ तजि
दिहे अहइँ। खुसी क सबहिं ध्वनियन रूकि गइ बाटिन।
खँजरियन अउ वीणन क आनन्द स भरा संगीत खतम होइ
चुका अहइ। 9अब लोग दाखरस पिअत अहइँ, तउ खुसी
क गीत नाहीं गउतेन। अब जब मनई दाखरस पिअत हीं,
तब उ ओका कड़ुई लागत ह।
10इ सहर क एक नीक स नाउँ अहइ, “गड़बड़ स भरा,
इ नगर क बिनास कीन्ह गवा। लोग घरन मँ नाहीं घुस
सकतेन। दुआर बंद होइ चुका अहइँ। 11गलियन मँ दुकानन
पइ लोग अबहुँ भी दाखरस क पूँछत हीं, किन्तु समूची
खुसी जाइ चुकी अहइ। आनन्द तउ दूर कइ दीन्ह ग अहइ।
12नगर बरे बस बिनास ही बचत अहइ। दुआर तलक
चकनाचूर होइ चुका अहइँ।
13“फसल क समय लोग जइतून क बृच्छ स जइतून क
गिरावा करिहीं। किन्तु केवल कछू ही जइतून बृच्छन पइ
बचिहीं! जइसे अंगूरे क फसल उतारइ क पाछे थोड़ा स
अंगूर बचे रहि जात हीं। अइसा ही इ धरती क रास्ट्रन क
संग होइ।

14बचे भए लोग ऊँची आवाज़ मँ स्तुति करीं। दूरगामी
देस क लोग यहोवा क महानता क स्तुति करिहीं अउर उ
पचे, खुस होइहीं।
15उ सबइ लोग कहा करिहीं, “पूर्व क लोगो, यहोवा क
तारीफ करा।” दूर देस क लोगो, इस्राएल क परमेस्सर
यहोवा क नाउँ क गुण गान करा।”
16इ धरती पइ हर कहूँ हम परमेस्सर क स्तुति क गीत
सुनब। एॅन गीतन मँ परमेस्सर क स्तुति होइ। किन्तु मइँ कहत
हउँ, “मइँ बरबाद होत रहत हउँ। मइँ जउन कछू भी लखत
हउँ सब कछू खउफनाक अहइ। गद्दार लोग, लोगन क
विरोधी होत रहत हीं, अउर ओनका चोट पहोंचावत हीं।
17मइँ धरती क बसइयन पइ खतरा आवत लखत हउँ।
मइँ ओनके बरे भय, गड़हन अउर फँदन लखत हउँ।
18लोग खतरे क सुनिके डर स काँपि जइहीं। कछू लोग,
पराइ जइहीं किन्तु उ सबइ गड़हन अउर फँदन मँ जाइ
गिरिहीं अउर ओन गड़हन स कछू चढ़िके बचि निकरि
अइहीं। किन्तु उ पचे फुन दूसर फंदन मँ फँसिहीं। ऊपर
अकासे क छाती फटि जाइ जाइसे बाढ़ क दुआर खुलि
गवा होइँ।” बाढ़न आवइ लगिहीं अउर धरती क नेंव
डगमग हिलइ लागी।
19भूचाल आइ अउर धरती फट जाइहीं।
20संसार क पाप बहोत भारी अहइँ। उ भारे स दबिके इ
धरती गहराइ जाइ। इ धरती कउनो झोपड़ी स काँपी अउर
नसे मँ धुत्त कउनो मनई क तरह धरती गिर जाइ। इ धरती
बनी न रही। 21उ समय यहोवा सब क निआव करी। उ
समय यहोवा अकासे मँ सरग क फउजन अउर धरती क
राजा उ निआव क विषय होइहीं।
22एन सबन क एक संग एकट्ठा कइ दीन्ह जाइ।
ओनमाँ स कछू काल कोठरी मँ बन्द होइहीं अउर कछू
कारागार मँ रइहीं। किन्तु अंत मँ बहोत समय क पाछे एन
सबन्क निआव होइ।
23यरूसलेम मँ सिय्योन क पहाड़े पइ यहोवा राजा क
रूप मँ राज्ज करी। अग्रजन क समन्वा ओकर महिमा होइ।
ओकर महिमा एॅतनी भव्व होइ कि चँदा व्याकुल होइ जाइ,
सूरज लजाइ जाइ।

परमेस्सर क एक स्तुति-गीत

25 हे यहोवा, तू मोर परमेस्सर अहा। मइँ तोहरे नाउँ
क स्तुति करत हउँ अउर मइँ तोहका सम्मान देत
हउँ। तू अनेक अद्‌भुत कार्य किहा ह। जउन भी सब्द तू
बहोत पहिले कहे रह्या उ सबइ पूरी तरह स फुरइ अहइँ।
हर बात वइसी ही घटी जइसी तू बताए रह्या।
2तू नगर क नस्ट किहा। उ नगर सुदृढ़ चहरदीवारी स
संरच्छित रहा। किन्तु अब उ मात्र पाथरन क ढेर रहि गवा।
परदेसियन क महल नस्ट कइ दीन्ह गवा। अब ओकर फुन
स निर्माण नाहीं होइ।
3सामर्थी लोग तोहार महिमा करिहीं। क्रूर जातियन क
नगर तोहसे डेरइहीं।
4यहोवा तू निर्धन लोगन बरे जउन जरूरतमंद अहइँ,
सुरच्छा क ठउर अहा। अनेक बिपत्तियन ओनका पराजित
करइ क आवत हीं किन्तु तू ओनका बचावत ह। तू एक
अइसा भवन अहा जउन ओनका तूफानी बर्खा स बचावत ह
अउर तू एक अइसी हवा अहा जउन ओनका गर्मी स
बचावत ह। बिपत्तियन खउफनाक आँधी अउर घनघोर बर्खा
जइसी आवत ह। बर्खा देवारन स टकरात ह अउर खाले
बहि जात ह किन्तु मकाने मँ जउन लोग अहइँ, ओनका
नोस्कान पहोंचावत ह।
5नारा लगावत भए दुस्मन ललकारेस। घोर दुस्मन चुनौती
देइ क ललकारेस। किन्तु तू हे परमेस्सर, ओनका रोक
लिहा। उ सबइ अइसे रहेन जइसे गर्मी कउनो खुस्क जगह
पइ। तू ओन क्रूर लोगन क विजय गीत अइसे रोक दिहे
रह्या जइसे सघन मेघन क छाया गर्मी क दूर करत ह।

आपन सेवकन बरे परमेस्सर क भोज

6उ समय, सर्वसक्तीमान यहोवा इ पर्वते प सबहिं रास्ट्रन
बरे एकठु भोज क प्रबंध करी। भोजे मँ स्वादिस्ट खइया क
अउ दाखरस परोसा जाइ। भोज मँ नर्म अउ मज़ेदार गोस्त
परोसा जाइ।
7किन्तु अब लखा, एक अइसा पर्दा अहइ जउन सबहिं
जातियन अउर सबहिं मनइयन क ढके अहइ। इ पर्दे क नाउँ
अहइ, “मउत।” 8किन्तु मउत क हमेसा बरे अंत कइ दीन्ह
जाइ अउर मोर सुआमी यहोवा हर आँखी क आँसू पोंछ
देइ। बीते समय मँ ओकर सबहिं लोग सर्मिन्दा रहेन। यहोवा
ओनकर लज्जा क इ धरती पइ स हरण कइ लेइ। इ सब
कछू घटी काहेकि यहोवा कहे रहा, अइसा होइ।
9उ समय लोग अइसा कहिहीं, “लखा इ हमार परमेस्सर
अहइ। इ उहइ अहइ जेकर हम बाट जोहत रहे। इ हमका
बचावइ क आवा अहइ। हम आपन यहोवा क प्रतीच्छा
करत रहे। एह बरे हम खुसियन मनाउब अउर खुस होब कि
यहोवा हमका बचाएस ह।”
10इ पहाड़े पइ यहोवा क सक्ती अहइ अउर मोआब
पराजित होइ। यहोवा सत्रु क अइसा कुचिर डाइ जइसे भूसा
कुचरा जात ह जउन खाद क ढेर मँ होत ह।
11यहोवा आपन हाथ अइसे पसारी जइसे कउनो तैरत
भवा मनई फइलावत ह। तब यहोवा ओन सबहिं वस्तुअन क
एकट्ठा करी जेन पइ लोगन क गर्व अहइ। यहोवा ओन
सबहिं सुन्नर वस्तुअन क बटोर लेइ जेनका उ पचे बनाए
रहेन अउर उ एन वस्तुअन क लोकाइ देइ।
12यहोवा लोगन क ऊँच देवारन क नस्ट कइ देइ।
यहोवा ओनके सुरच्छा ठउरन क नस्ट कइ देइ। यहोवा
ओनका धरती क धूरि मँ पटक देइ।

परमेस्सर क एक स्तुति-गीत

26 उ समय, यहूदा क लोग इ गीत गइहीं: यहोवा
हमका मुक्ति देत ह। हमार एक सुदृढ़ नगरी
अहइ। हमरे नगर क सुदृढ़ परकोटा अउ सुरच्छा अहइ।
2ओकरे दुआरन क खोला ताकि भले लोग ओहमाँ प्रवेस
करइँ। उ सबइ लोग परमेस्सर क जिन्नगी क खरी राहे का
पालन करत हीं।
3हे यहोवा, तू हमका सच्चा सान्ति प्रदान करत ह। तू

ओनका सान्ति दिया करत ह, जउन तोहरे भरोसे अहइँ अउर तोह पइ बिस्सास रखत हीं।

4एह बरे सदा ही यहोवा पइ बिस्सास करा। काहेकि "यहोवा याह" ही तोहार हमेसा सर्वदा बरे सरण क ठउर होइ।

5किन्तु अभिमानी नगर क यहोवा निहुराएस ह अउर हुवाँ क निवासियन क उ सजा दिहेस ह। यहोवा उ ऊँच बसी नगरी क धरती पइ गिराएस। उ एका धूरि मँ मिलावइ गिराएस ह।

6तब दीन अउ नम्र लोग नगरी क खण्डहरन क आपन गोड़े तले रौंदि देइहीं।

7खरापन खरे लोगन क जिअइ क ढंग अहइ। खरे लोग उ राहे पइ चलत हीं जउन सोझ अउ सच्ची होत ह। परमेस्सर, तू उ राहे क चलइ बरे सुखद व सहल बनावत ह।

8किन्तु हे परमेस्सर! हम तोहरे निआव क मारग क बाट जोहत अही। हमार मन तोहका अउर तोहरे नाउँ क सुमिरान करइ चाहत ह।

9मोर मत राति भर तोहरे साथ रहइ चाहत ह अउर मोरे अन्दर क आतिमा हर नए दिन क सबेरे तोहरे साथ रहइ चाहत ह। जब धरती पइ तोहार निआउ आइ, लोग खरी जिन्नगी जिअइ सीख जइहीं।

10जदि तू सिरिफ दुट्ठ पइ दाया देखावत रह्या तउ उ कबहुँ भी अच्छे करम करब नाहीं सीखी। दुट्ठ जन चाहे भले लोगन क बीच मँ रहइ मुला तब उ भी बुरे करम करत रही। उ दुट्ठ कबहुँ भी यहोवा क बड़प्पन नाहीं देख पाइ।

11हे यहोवा तू ओनका सजा देइ क तत्पर अहा किन्तु उ पचे एका नाहीं लखतेन। हे यहोवा तू आपन लोगन पइ आपन असीम पिरेम देखॉवत अहा जेका लखिके दुट्ठ जन लज्जित होइ जात हीं। तोहार दुस्मन आपन ही पापे क आगी मँ जरिके भसम होइ जइहीं।

12हे यहोवा, हमका कामयाबी तोहरे ही कारण मिली ह। तउ कृपा कइके हमका सान्ति द्या।

यहोवा आपन लोगन क नवा जीवन देइ

13हे यहोवा, तू हमार परमेस्सर अहा किन्तु पहिले हम पइ दूसर देवता राज करत रहेन। हम दूसर सुआमियन स जुड़े भए रहेन किन्तु अब हम इ चाहित ह कि लोग बस एक ही नाउँ याद करइँ उ अहइ तोहार नाउँ।

14अब उ पचे सुआमी जिअत नाहीं अहइँ। उ सबइ भूत आपन कब्रन स कबहुँ भी जिअत नाहीं उठिहीं। तू ओनका बर्बाद करइ क निहचय किहे रह्या अउर तू ओनकर याद तलक क मेट दिया।

15हे यहोवा, तू जाति क बढ़ाया। जाति क बढ़ाइके तू महिमा पाया। तू प्रदेस क चउहद्दी क बढ़ाया।

16हे यहोवा, तोहका लोग दुःखे मँ याद करत हीं, अउर जब तू ओनका सजा दिया करत ह तब लोग तोहार गूँगी पराथनन करत हीं।

17हे यहोवा, हम तोहरे कारण अइसे होत हँ जइसे जच्चा पीरा क झेलत मेहरारू होइ जउन बच्चा क जनम देत समय रोवत बिलखत अउर पीरा भोगत ह।

18इहइ तरह हम भी गर्भधारण कइके पीरा भोगित ह। हम जनम देइत ह किन्तु सिरिफ वायु क। हम संसार क नवा लोग नाहीं दइ पाए। हम धरती क उद्धार पइ नाहीं लिआए पाए।

19यहोवा कहत ह, "मरे भए तोहार लोग फुन स जी जइहीं। मरे लोगन क देह मउत स जी उठी। हे मरे भए लोगो, हे धूरि मँ मिल भवो, उठा अउ तू पचे खुस होइ जा। उ ओस जउन तोहका घेरे भए अहइ, अइसी अहइ जइसे रोसनी मँ चमकत भइ ओस। धरती ओनका फुन जनम देइ जउन अबहिं मरे भए अहइँ।"

निआव पुरस्कार या सजा

20हे मेरे लोगो, तू पचे आपने कोठरियन मँ जा। आपन क थोड़े समय बरे आपन कमरन मँ छिपा ल्या। परमेस्सर क किरोध बहोत जल्द सान्त होइ जाइ।

21यहोवा धरती क लोगन क पापन क निआव करी बरे सरग क आपन ठउरे क तजि देइ। धरती अब मरा भवा लोगन क अउर न ढाँपिहीं। धरती खुद पइ बहाइ गवा खून क राज क फास करिहीं।

27 उ समय, यहोवा लिब्यातान क निआव करी जउन एक फ़रार सरप अहइ। यहोवा आपन बड़की अउ सक्तीसाली तरवार क उपयोग कुंडली मारे सरप लिब्यातान क मारइ मँ करी। यहोवा सागरे क भीमकाय प्राणी क मारि डाइ।

2उ समय, हुवाँ खुसियन स भरा अंगूरे क एक बाग होइ। तू पचे ओकर गीत गावा।

3"मइँ यहोवा, उ बाग का धियान रखब। मइँ बागे क उचित समये पइ सींचब। मइँ बगीचे क रात दिन रखवारी करब ताकि कउनो भी ओका नोस्कान न पहोंचाइ पावइ।

4मइँ कुपित नाहीं होब। जदि काँटा कँटेरी मोका हुवाँ मिलइ तउ मइँ वइसे रौंदब जइसे फउजी रौंदत चला जात ह अउर ओनका फूँक डाउब।

5लेकिन अगर कउनो मनई मोरी सरण मँ आवइ अउर मोहसे मेल करइ चाहइ तउ उ चला आवइ अउर मोहसे मेल करि लेइ।

6आवइ वाले दिनन मँ याकूब क लोग उ पउधे क समान होइहीं जेकर उड़न उत्तिम होत हँ। याकूब क बिकास उ पनपते पउधे सा होइ जेह पइ बहार आई होइ। फुन धरती याकूब क बंसजन स भरि जाई जइसे बृच्छन क फलन स उ भर जात ह।"

परमेस्सर इस्राएल क खोज निकारत ह

7यहोवा आपन लोगन क ओतना दण्ड नाहीं दिहस ह जेतना उ ओनके दुस्मनन क दिहस ह। ओकर लोग ओतने नाहीं मरेन ह जेतने उ सबइ लोग मरेन ह जउन एन लोगन क मारइ बरे प्रयत्नसील रहेन।

8यहोवा इस्राएल क दूर पठइके ओकरे संग आपन विवाद सुलझाइ लेइ। यहोवा इस्राएल क उ तेज हवा क झोंके स उड़ाइ दिहस जउन रेगिस्ताने क गरम लू क समान होत ह।

9याकूब क अपराध कइसे छिमा कीन्ह जाइ? ओकरे
पापन्क कइसे दूर कीन्ह जाइ? इ सबइ बातन घटिहीं, वेदी
क सबइ सिला चकनाचूर होइके धूरि मँ मिल जइहीं, लबार
देवतन क स्तम्भ अउर ओनकर पूजा क वेदियन तहस-नहस
कइ दीन्ह जाइ।
10इ नगरी नस्ट होइ जाब्या। सब लोग कहूँ दूर भाग
जाब्या। उ नगर एक खुली चरागाह जइसा होइ जाब।
मवेसियन क बच्चन हुआँ घाँस खाइहीं मवेसी अंगूरे क
बेलन स पातियन खाइहीं होइ।
11इ सहर उ अंगूर क बेलन क नाईं अहइ जउन फसल
काटि स पहिले ही सूख ग अहइ, काहेकि एकर डारन मरि
गवा अहइ। एह बरे डारन टूटिके गिर ग अहइँ। मेहररूअन
ओन डारन जराइ बरे आइँ। इ सबइ लोग मूरख अहइँ। एह
बरे ओकर बनाइवाला ओकर प्रति दया नाहीं देखाँइ।
ओनकर रचयिता ओनके बरे दयालु नाहीं होइ।
12उ समय, यहोवा दूसर लोगन स आपन लोगन क
अलग करइ लागी। परात नदी स उ इ कारज क आरम्भ
करी। परात नदी स लइके मिस्र क नदी तलक यहोवा तू
इस्राएलियन क एक एक क कइके एकट्ठा करी।
13अस्सूर मँ अबहिं मोर बहुत स लोग खोए भए अहइँ।
मोर कछू लोग मिस्र क पराइ ग अहइँ। किन्तु उ समय
तलक एक बिसाल भेरी बजाई जाइ अउर उ सबइ सबहिं
लोग वापिस यरूसलेम आइ जइहीं अउ उ पवित्तर पर्वत
पइ यहोवा क समन्वा उ सबइ सबहिं लोग निहुरि जइहीं।

उत्तर इस्राएल क चितउनी

28 सोमरोन क लखा। एप्रैम क मदमस्त लोग उ नगर
पइ गर्व करत हीं। उ नगर पहाड़ी पइ बसा ह
जेकरे चारिहुँ कइँती एक संपन्न घाटी अहइ। सोमरोन क
वासी इ सोचा करत हीं कि ओनकर सहर फूलन मुकुट
जइसा अहइ। किन्तु उ पचे दाखरस स धुत्त अहइँ अउर इ
"सुन्नर मुकुट" मुरझाए पौधा स अहइ।
2लखा, मोर सुआमी एक मनई क चुनेस ह जउन मज़बूत
अउर वीर अहइ। उ व्यक्ति इ देस मँ इ तरह आइ जइसे
ओलन अउ बर्खा क तूफ़ान आवत ह। उ देस मँ इ तरह
आइ जइसे बाढ़ आवा करत ह। उ समारिया क धरती पइ
फेंकी।
3नसे मँ धुत्त एप्रैम क लोग आपन "सुन्नर मुकुट" पइ
गर्व करत हीं किन्तु उ नगरी गोड़े तले रौंदी जाइ।
4उ नगर पहाड़ी पइ बसा अहइ जेकरे चारिहुँ कइँती एक
सम्पन्न घाटी अहइ। किन्तु उ "फूलन क सुन्नर मकुट" बस
एक मुरझात भवा पौंधा अहइ। उ नगर गर्मी मँ अंजीर क
पहिले फले क समान होई। जब कउनो उ पहली अंजीर क
लखत ह तउ हाली स तोड़के ओका चट कइ जात ह।
5उ समय, सर्वसक्तीमान यहोवा, "सुन्नर मकुटट" बनी। उ
ओन बचे भए आपन लोगन बरे "फूलन क सानदार मकुट"
होइ। 6फुन यहोवा ओन निआव क अर्धासन क बुद्धि प्रदान
करी जउन ओकर आपन लोगन क सासन करत हीं। नगर
दुआरन पइ जुद्धन मँ लोगन यहोवा सक्ती देइ। 7किन्तु
अबहिं उ सबइ मुखिया लोग मदमस्त अहइँ। याजक अउ
नबी सबहिं दाखरस अउर सुरा स धुत्त अहइँ। उ सबइ
लड़खड़ात अहइँ अउर खाले भहराइ पड़त अहइँ। नबी जब
आपन सपनन लखत हीं। निआव क अधीस जब निआव
करत हीं तउ उ पचे नसे मँ बूड़े भए होत हीं। 8हर खाइ क
मेज उल्टी स भरी भइ अहइ। कहूँ भी कउनो स्वच्छ ठउर
नाहीं रहा अहइ।

परमेस्सर आपन लोगन क सहायता करइ चाहत ह

9उ पचे कहा करत हीं, इ मनई कउन अहइ? इ केका
सिच्छा देइ क कोसिस करत अहइ? उ आपन सँदेसा केका
समुझावत अहा? का ओन बच्चन क जेनकर अबहिं-अबहिं
दूध छोड़ँवा गवा अहइ? का ओन बच्चन क जेनका अबहिं
अबहिं आपन महतारियन क छाती स दूर कीन्ह गवा ह?
10एह बरे यहोवा ओनसे इ तरह बोलत ह जइसे उ पचे
दुधमुहाँ बच्चन होइँ।

"सौ लासौ सौ लासौ काव लाकाव काव लाकाव ज़ेइर
साम ज़ेइर साम।"*

11फिन यहोवा ओन लोगन स बात करी ओकर होंठ
काँपत भए होइहीं अउर उ ओन लोगन स बातन करइ मँ
दूसर विचित्र भाखा प्रयोग करी।
12यहोवा पहिले ओन लोगन स कहे रहा, "हिआँ विस्राम
क एक ठउर अहइ। थके माँदे लोगन क हिआँ आवइ द्या
अउर विस्राम पावइ द्या। इ सान्ति क ठउर अहइ।"
किन्तु लोग परमेस्सर क सुनइ नाहीं चाहेन। 13तउ
परमेस्सर क बचन कउनो विचित्र भासा क जइसे होइ
जइहीं।

"सौ लासौ सौ लासौ काव लाकाव काव लाकाव ज़ेइर
साम ज़ेइर साम।"

तउ लोग जब चलिहीं तउ पाछे कइँती लुढ़क जइहीं
अउर जख्मी होइहीं। लोगन क फँसाइ लीन्ह जाइ अउर उ
पचे धरा जइहीं।

परमेस्सर क निआव स कउनो नाहीं बच सकत

14हे, यरूसलेम क आग्या क नाहीं मानइवाले अभिमानी
मुखिया लोगो, तू यहोवा क सँदेसा सुना। 15तू लोग कहत
अहा, "हम मउत क संग एक वाचा कीन्ह ह। सेओल
(मौत क पहँटा) क संग हमार एक अनुबंध अहइ। एह बरे
हम दण्डित नाहीं होब। दण्ड हम पचन्क नोस्कान पहोंचाए
बगैर हमरे पास स निकरि जाइ। आपन चालाकियन अउर
आपन झूठन क पाछे हम पचे लुकाइ जाबइ।"
16एन बातन क कारण मोर सुआमी यहोवा कहत ह:
"मइँ एक पाथर एक ठु कोने क पाथर सिय्योन मँ धरती पइ
गड़ब। इ एक अत्यन्त मूल्यवान पत्थर होइ। इ बहोत
महत्वपूर्ण पाथर पई ही हर कउनो वस्तु क निर्माण होइ।
जेहमाँ बिस्सास होइ, उ कबहुँ घबराई नाहीं।

सो लासौ ... जेइर साम साँझ इ साइद कउनो हिब्रू गीत अहइ। इ गीत क जरिये बच्चन क लिखब सिखावा जात रहा। गीत क अनुवाद इ सब्दन मँ कीन्ह जाइ सकत ह: "एक आग्या हिआँ एक आग्या हुँवा, एक नेम हिआँ एक नेम हुवाँ, एक पाठ हिआँ एक पाठ हुवाँ।"

17"लोग देवारे क सोझ लखइ बरे जइसे सूत डाइके लखत हीं, वइसे ही मइँ जउन उचित अहइ ओकरे बरे निआव अउर खरेपन क प्रयोग करब।

"तू दुट्ठ लोग आपन झूठ अउर चालाकियन बरे आपन क छुपावइ क जतन करत अहा, किन्तु तोहका दण्ड दीन्ह जाइ। उ दण्ड अइसा ही होइ जइसे तोहरे सबन्क छुपावइ क ठउरन क नस्ट करइ बरे कउनो तूफान या कउनो बाढ़ आवत होइ। 18मउत क साथे तोहरे वाचा क मेट दीन्ह जाइ। अधोलोक क संग भई तोहार संधि भी तोहार मदद नाहीं करी।

"जब खउफनाक सजा तोहे सबन पइ पड़ी तू पचे कुचरा जाब्या। 19उ हर दाईं जब आई तू पचन्क हुवाँ लइ जाइ। तोहार पचन्क सजा भयानक होइ। तू पचन्क भिन्सारे दर भिन्सारे अउर दिन रात सजा मिली।

20जब तू पचे इ कहानी क समुझब्या: कउनो मनसेधू एक अइसे बिछउना पइ सोवइ क जतन करत रहा जउन ओकरे बरे नान्ह रहा। ओकरे लगे एक कंबल रहा जउन एतना चौड़ा नाहीं रहा कि ओका ढाक लेइ। त उ बिछउना अउर उ कम्बल ओकरे बरे बियर्थ रहेन अउर लखा तोहार वाचा भी तोहरे सबन्क बरे अइसा रही।"

21"यहोवा वइसे ही जुद्ध करी जइसे उ पराजीम नाउँ क पहाड़ पइ किहे रहा। यहोवा वइसे ही कोहाइ जाइ जइसे उ 'गिबोन क घाटी मँ भवा रहा। तब यहोवा ओन कामन क करी जउन ओका निहचय ही करइ क अहइँ। यहोवा कछू बिचित्र काम करी। किन्तु उ आपन काम क कर देइ। ओकर काम कउनो एक अजनबी क काम अहइ। 22अब तू पचन्क इ सबइ बातन क मजाक नाहीं उड़ाबइ चाही। जदि तू पचे अइसा करब्या तउ तोहार पचन्क बन्धन क रस्सियन अउर जियादा कस जइहीं। सर्वसक्तीमान यहोवा इ समूचे प्रदेस क नस्ट करइ क ठान लिहस ह। जउन सब्द मइँ सुने रहेउँ, अटल अहइँ। तउ उ सबइ बातन जरूर घटिहीं।

यहोवा खरा दण्ड देत ह

23जउन सँदेसा मइँ तू पचन्क सुनावत हउँ, ओका धियान स सुना। 24का कउनो किसान आपने खेते क हर समय जोनत रहत ह? नाहीं। का उ माटी क हर समय सँवारत रहत ह? नाहीं। 25किसान आपन धरती क तइयार करत ह, अउर फुन ओहमाँ बिआ अलग अलग डावत ह। किसान अलग-अलग बीजन क रोपाई, ढंग स करत ह। किसान सौंफ क बिआ बिखेरत ह अउर एक किसान कठिए गोहूँ क बोवत ह। एक किसान खास जगह पइ अउ लगावत ह। एक किसान कठिए गोहूँ क बिअन क खेत क मेंड पइ लगावत ह।

26ओकर परमेस्सर ओका सिच्छा देत ह अउर अच्छे तरह स ओका निर्देस देत ह। 27का कउनो किसान तेज दाँतदार तखन क प्रयोग सौंफ क दानन क गहावइ बरे करत ह? नाहीं। का कउनो किसान जीरा क गहावइ बरे कउनो छकड़े क प्रयोग करत ह? नाहीं। एक किसान इ मसालन क बीअन क छिलका उतारइ बरे एक नान्ह स कुबरी क प्रयोग ही करत ह।

28लोगन क रोटी बनावइ बरे अनाज क पीसइ परी, किन्तु उ पचे लगातार अनाज जिन पीसत रहतेन। एक किसान अनाज क दलइ क बरे अनाज दलइ क पहिया अनाजे पइ फिराइ क परी, किन्तु ओका अनाजे क रौंदइ बरे घोड़न क समूह क जरूरत नाहीं परी! ठीक इहइ तरह, परमेस्सर आपन लोगन क लगातार सज़ा नाहीं देत ह! 29सर्वसक्तीमान यहोवा स इ पाठ मिलत ह। यहोवा अद्भुत सलाह देत ह। यहोवा फुरइ बहोत बुद्धिमान अहइ।

परमेस्सर क यरूसलेम स पिरेम

29 परमेस्सर कहत ह, "हे अरीएल, अरीएल! तू उ सहर अहइ जहाँ दाऊद छावनी डाए रहा। लोग इ सहर क बरिस दर बरिस पवित्तर भोज बरे जात्र किहेस। 2किन्तु जब मइँ अरीएल क अन्त करब्या, तउ हुवाँ सोक अउ विलाप होइ। किन्तु उ तब भी मोर अरीएल होइ! 3तब मइँ तोहका फउजन क सिबिर स घेरउब। मइँ तोहार विरोध मँ जुद्ध क बुर्ज अउर ढलवान बनाउब। 4तू पचे धरती पइ गिरि जाब। धूल स तोहार कमज़ोर धीमा फुसफुसाहत क आवाज़ अइसा होइ जइसे धरती प कउनो भूत होइ।"

5तोहार दुस्मन धूर क कण क भाँति अनगिनत होइहीं। तोहार क्रूर अत्याचार अनगिनत होइहीं जइसे भूसे आँधी मँ उड़त भए अहा। 6सर्वसक्तीमान यहोवा बादरन क गर्जन स, धरती क काँपे स, अउर जहा ध्वनियन स तोहरे लगे आइ। यहोवा दण्डित करी। यहोवा तूफान, तेज आँधी अउर आगी क प्रयोग करी जउन बारिके सबहिं क नस्ट कइ देइ। 7तउ रात क सपना क नाईं जउन कि जागते ही गाइब होइ जात ह अइसा ही अरीएल क चारिहुँ कइँती स घेरा भवा फउज अउर ओनके जुद्ध यंत्र जउन कि ओकर खिलाफ घूमत रहत ह, गाइब होइ जात हीं। 8मुला ओन फउजन क एक सपना जइसा होइ। उ सबइ फउजन उ सब चिजियन न पइहीं जेनका उ पचे चाहत हीं। इ वइसा ही होइ जइसा भूखा मनई भोजन क सपन लखइ अउर जागइ पइ उ आपन क वइसा ही भूखा पावइ। इ वइसा ही होइ जइसे कउनो पिआसा पानी क सपन लखइ अउर जब जागइ तब आपन क पियासा पावइ।

सिय्योन क विरोध मँ लड़त भए सबहिं देस फुरइ अइसे ही होइहीं। इ बात ओन पइ खरी उतरी। देसन क उ सबइ चिजियन नाहीं मिलिहीं जेनका ओनका चाह अहइ।

9आस्चर्य चकित होइ जा अउर अचरज स भरि जा। तू पचे सबहिं धुत्त होब्या किन्तु दाखरसु स नाहीं। लखा अउर अचरज करा। तू लड़खड़ाब्या अउर भहराइ जाब्या किन्तु सराबे स नाहीं।

10यहोवा तोहका सबन्क सोवाएस ह। यहोवा तोहार आँखिन मूँदि दिहस ह। (तोहार आँखिन नाहीं अहइँ)

11मइँ तू पचन्क बतावत हउँ कि इ सबइ बातन घटिहीं। किन्तु तू पचे मोका नाहीं समुझ रह्या। मोर सब्द उ किताबे क समान अहइँ, जउन बन्द अहइँ अउर जेह पइ एक मोहर लगी बाटइ।

12तू पचे उ किताबे क एक अइसे मनई क दइ सकत ह जउन पढ़ सकत ह अउर उ मनई स कहि सकत ह कि उ

उ किताबे क पढ़इ। मुला उ मनई कही, “मइँ किताबे क
बाँच नाहीं सकत काहेकि इ बन्द अहइ अउर मइँ एका
खोल नाहीं सकत।” या तू उ किताबे क कउनो भी अइसे
मनई क दइ सकत ह जउन बाँच नाहीं सकत, अउर उ
मनई स कहि सकत ह कि उ उ किताबे क पढ़इ। तब उ
मनई कही, “मइँ इ किताबे क नाहीं बाँचि सकत काहेकि
मइँ पढ़ब नाहीं जानत।”

13मोर सुआमी कहत ह, “इ सबइ लोग कहत हीं कि उ
पचे मोहसे पिरेम करत हीं। आपन मुँहे क सब्दन स उ पचे
मोरे बरे आदर परगट करत हीं। मुला ओनकर मन मोहसे
दूर अहइँ। उ आदर जेका उ पचे मोरे बरे देखॉवत हीं, बस
कोरे मानव नेम अहइँ जउन उ पचे रट डाए अहइँ। **14**तउ
मइँ एन लोगन क सक्ती स पूर अउर अचरज भरी बातन
करत भए आस्चर्य चकित करत रहब। ओनकर बुद्धिमान
मनई समझइ मँ असमर्थ होइ जइहीं।”

15धिक्कार अहइ ओन लोगन क जउन यहोवा स बातन
छिपावइ क जतन करिहीं। उ पचे सोचत हीं कि यहोवा तउ
समझी ही नाहीं। उ सबइ लोग आँधियारा मँ काम करत हीं।
उ सबइ लोग आपन मन मँ कहा करत हीं, “हम पचन्क
कउनो लख सकत नाहीं। हम पचे कौन अही, एका कउनो
मनई नाहीं जानी।”

16तू पचे भ्रम मँ पड़ा अहा। तू पचे सोचा करत अहा,
कि माटी कोहार क बराबर अहइ। तू पचे सोचा करत अहा
कि कृति आपन कर्त्ता स कह सकत ह, “तू मोर रचना
नाहीं किहा ह।” इ वइसा ही अहइ, जइसे गगरी क आपन
बनावइवाले कोहार स इ कहब, “तू समझत्या नाहीं तू का
करत अहा।”

एक उत्तिम समय आवत अहइ

17इ फुरइ अहइ: कि लबानोन थोड़े समय पाछे, आपन
बिसाल ऊँच बृच्छन बरे सपाट जोते खेतन मँ बदल जाइ
अउर सपाट खेत ऊँच-ऊँच बृच्छन वाले सघन जंगलन क
रूप लइ लेई। **18**किताबे क सब्दन क बहिरे सुनिहीं, आँधर
आँधियारे अउ कोहरे मँ स लखि सकिहीं। **19**यहोवा दीन
जनन क खुस करी। दीन जल इस्राएल क उ पवित्तरतम मँ
आनन्द मनइहीं।

20अइसा तब होइ जब नीच अउ क्रूर मनई खत्म होइ
जइहीं। अइसा तब होइ जब बुरा काम करइ मँ आनन्द
लेइवाले लोग चले जइहीं। **21**(उ सबइ लोग दूसर लोगन
क बारे मँ झूठ बोला करत हीं। उ पचे कचहरी मँ लोगन
क फँसावइ क जतन करत हीं। उ पचे भोले भाले लोगन
क नस्ट करइ मँ जुटे रहत हीं।)

22तउ यहोवा याकूब क परिवार स कहेस। (इ उहइ
यहोवा अहइ जउन इब्राहींम क अजाद किहे रहा।) यहोवा
कहत ह, “अब याकूब (इस्राएल क लोग) क लज्जित नाहीं
होब होइ। अब ओकर मुँह कबहुँ पिअर नाहीं होइ चाही।
23उ आपन सबहिं संतानन क लखी अउर कही कि मोर
नाउँ पवित्तर अहइ। एन संतानन क मइँ आपन हाथन स
बनाएउँ ह अउर इ सबइ संतानन मनिहीं कि याकूब क
पवित्तर परमेस्सर वास्तव मँ पवित्तर अहइ अउर इ सबइ
संतानन इस्राएल क परमेस्सर क आदर देइहीं। **24**उ सबइ
लोग जउन गलतियन करत हीं, अब समुझ जइहीं। उ सबइ
लोग जउन सिकाइत करत रहत हीं अब निर्देसन क
अंगीकार करिहीं।”

इस्राएल क परमेस्सर पइ बिस्सास रखइ चाही

30 यहोवा कहेस, “मोरे एन बच्चन क लखा, इ
सबइ मोर बात नाहीं मानतेन। इ सबइ योजनन
बनावत हीं मुला मोर मदद नाहीं लेइ चाहतेन। इ सबइ दूसर
जातियन क साथ समझौता करत हीं जबकि मोर आतिमा
ओन समझौतन क नाहीं चाहत। इ सबइ लोग आपन मूँड़े
पइ पाप क बोझ बढ़ावत चला जात बाटेन। **2**इ सबइ बच्चन
मोहसे कछू नाहीं पूछतेन कि का अइसा करब उचित अहइ।
ओनका उम्मीद अहइ कि फिरौन ओनका बचाइ लेइ। उ
पचे चाहत हीं कि मिस्र ओनका बचाइ लेइ।

3“मुला मइँ तू पचन्क बतावत हउँ कि मिस्र मँ सरण
लेइ स तोहार पचन्क बचाव नाहीं होइ। मिस्र तोहार सबन्क
रच्छा करइ मँ सफल नाहीं होइ। **4**तोहार पचन्क अगुअन
सोअन मँ गवा अहइँ अउर तोहार पचन्क राजदूत हानेस क
चला गवा अहइँ। **5**किन्तु ओनका निरासा ही हाथे लागी। उ
पचे एक अइसे रास्ट्र पइ बिस्सास करत अहइँ जउन ओनका
नाहीं बचाइ पाइ। मिस्र बेकार अहइ, मिस्र कउनो मदद नाहीं
देइ। मिस्र क कारण ओनका अपमानित अउ लज्जित होइ
पड़ी।”

यहूदा क परमेस्सर क सँदेसा

6दक्खिन क गोरूअन बरे दुःखद सँदेसा:
नेगव बिपत्तियन अउर खतरन स भरा एक ठु देस अहइ।
इ पहँटा सेरन, नागन अउर उड़इवाले साँपन स भरा पड़ा
अहइ। किन्तु कछू लोग नेगव स होत भए जात्रा करत
अहइँ उ पचे मिस्र कइँती जात अहइँ। ओन लोग गदहन क
पीठन पइ आपन धन-दौलत लादे भए अहइँ। ओन लोग
आपन खजाना ऊँटन क पीठन पइ लाद रखे अहइँ अर्थात्
इ सबइ लोग एक अइसे देस पइ भरोसा रखे अहइँ जउन
ओनका नाहीं बचाइ सकत। **7**मिस्र ही उ बेकार क देस
अहइ। मिस्र क मदद बेकार अहइ। एह बरे मइँ मिस्र क
एक ठु अइसा रहाब कहत हउँ जउन निठल्ला पड़ा रहत ह।
8अब एका एक चिह्न पइ लिख द्या ताकि सबहिं लोग
एका लखि सकइँ। एका एक ठु किताबे मँ लिख द्या।
एनका अन्तिम दिनन बरे लिख द्या। इ सबइ बातन सुदूर
भविस्स क साच्छी होइही।

9इ सबइ लोग ओन बच्चन क जइसे अहइँ जउन
आपन महतारी-बाप क बात नाहीं मानतेन। उ सबइ
लबार अहइँ अउर यहोवा क सिच्छन क सुनइ तलक
नाहीं चाहतेन। **10**उ पचे नबियन स कहा करत हीं, “हम
क जउन कछू ठीक बातन करइ चाही ओनके बारे मँ
दर्सन जिन किया करा। हम क सच्चाई जिन वतावा।
हम स अइसी अच्छी बातन कहा, जउन हम क नीक
लाग सकत। हमरे बरे केवल अच्छी बातन ही लखा।
11जउन बातन फुरइ घटइ क अहइँ, ओनका लखब

बन्द करा। हमरे राहे स हटि जा। इस्राएल क उ पवित्तर
परमेस्सर क बारे मँ हम का बताउब बन्द करा।"

यहूदा क मदद केवल परमेस्सर स आवत ह

12इस्राएल क पवित्तर परमेस्सर कहत ह, "तू लोग
यहोवा स इ सँदेसा क मानइ स मना कइ दिहा ह। तू लोग
सहायता बरे लड़ाई-झगड़न अउर झूठ पइ निर्भर रहइ चाहत
अहा। 13तू पचे काहेकि एन बातन बरे अपराधी अहा, एह
बरे तू पचे एक ठु अइसी ऊँच देवार क समान अहा जेहमाँ
दरारन आइ चुकी अहइँ। उ देवार ढह जाइ अउर नान्ह नान्ह
टूकन मँ टूटिके ढेर होइ जाइ। 14तू पचे माटी क उ बड़के
बर्तन क समान होइ जाब्या जउन टूटि टूटिके नान्ह नान्ह
टूकन मँ बिखरि जात ह। इ सबइ टूकन बेकार होत हँ। एन
टूकन मँ स तू पचे न तउ आगी स बरत कोयला ही उठाइ
सकत ह अउर न ही क उनो जोहड़ स पानी।"

15इस्राएल क उ पवित्तर, मोर सुआमी यहोवा कहत ह,
"जदि तू पचे मोरी कइँती लउट आवा तउ तू पचे बचि
जाब्या। जदि तू पचे मोहे पइ भरोसा रखब्या तबहिं तू पचन्क
तोहार सबन्क बल मिली मुला तू पचन्क सान्त रहब होइ।"

मुला तू पचे तउ वइसा करइ ही नाहीं चाहत्या। 16तू पचे
कहत अहा, "नाहीं, हम पचन्क घोड़न क जरूरत अहइ जेन
पइ चढ़िके हम पचे दूर पलाइ जाइ।" इ फुरइ अहइ तू पचे
घोड़न पइ चढ़िके दूर पलाइ जाब्या मुला दुस्मन तोहार
सबन्क पाछा करी अउर उ तोहारे सबन्क घोड़न स जियादा
तेज होइ।

17एक दुस्मन ललकारी अउर तोहार पचन्क सबहिं लोग
ओकरे समन्ना स भाग खड़ा होइ जइहीं। हुवाँ तू पचे अइसे
अकेल्ले बचा रहि जाब्या, जइसे पहाड़ी पइ लगा तोहार
पचन्क झण्डे क डण्डा।

18यहोवा तू पचन्पइ आपन करूणा दर्सावत ह। यहोवा
बाट जोहत ह। यहोवा तू पचन्क सुख चैन देइ बरे तइयार
खड़ा अहइ। यहोवा खरा परमेस्सर अहइ अउर हर उ मनई
जउन यहोवा क मदद क इंतजार मँ अहइ, धन्न (आनन्दित)
होइ।

19हाँ, हे सिय्योन पर्वत पइ रहइ वालो, हे यरूसलेम क
बसइयो, तू लोग रोवत बिलखत नाहीं रहब्या। यहोवा तोहरे
पचन्क रोवइ क सुनी अउर उ तू पचन्पइ दाया करी। यहोवा
तोहार पचन्क सुनी अउर उ तोहार पचन्क मदद करी।

परमेस्सर आपन लोगन क मदद करी

20जदपि मोर यहोवा परमेस्सर तू पचन्क दु:ख अउ कस्ट
दइ सकत ह अइसे ही जइसे माना उ अइसा रोटी-पानी होइ,
जेका तू पचे हर दिन खात-पिअत हवा। किन्तु असल मँ
परमेस्सर तउ तोहार पचन्क सिच्छक अहइ, अउर उ तू
पचन्स छिपा नाहीं रही। तू पचे खुद आपन आँखिन स
आपन उ सिच्छक क लखब्या। 21तब अगर तू पचे बुरे
काम करब्या अउर बुरी जिन्नगी जीब्या (दाहिन कइँती या
बाईं कइँती) तउ तू पचे आपन पाछे एक आवाज क कहत
सुनब्या, "खरी राह इ अहइ। तू पचन्क इहइ राहे मँ चलब
अहइ।"

22तोहरे पचन्क लगे चाँदी सोने स मढ़ी मूरतियन अहइँ।
ओन झूठे देवतन तू पचन्क (पाप पूर्ण) बनाइ दिहेन ह।
लेकिन तू पचे ओन झूठे देवतन क सेवा करब तजि देब्या।
तू पचे ओन देवतन क कूड़े कचरे अउर मइले चिथड़न क
समान दूर लोकउब्या।

23उ समय, यहोवा तोहरे पचन्बरे बर्खा पठइ। तू पचे
खेतन मँ बिआ बोउब्या, अउर धरती तोहरे पचन्बरे भोजन
उपजाइ। तू सबन्क भरपूर उपज मिली। तोहार पचन्क
पसुअन बरे खेतन मँ भरपूर चारा होइ। तोहरे पचन्क पसुअन
बरे हुवाँ बड़ी-बड़ी चरागाहन होइहीं। 24तोहरे पचन्क मवेसियन
अउ तोहरे सबन्क गदहन क जइसे चारा क जरूरत होइ, उ
सब ओनका मिली। खइया क एँतना इफरात होइ कि तू
पचन्क आपन पसुअन क खाइ बरे भी फावड़न अउर पंजन
स चारा क फइलाउव होइ। 25हर पर्वत अउर पहाड़ियन पइ
पानी स भरी जल धारन होइहीं। इ सबइ बातन तब घटिहीं
जब बहोत स लोग मरि चुकिहीं अउर मीनारन ढहि चुकिहीं।

26उ समय चाँद क चाँदनी सूरज क धूप जइसी उज्जर
होइ जाइ। सूरज क रोसनी आज स सात गुना जियादा उज्जर
होइ जाइ। सूरज एक दिन मँ एँतनी रोसनी देइ लागी जितनी
उ पूरे सप्ताह मँ देत ह। इ सबइ बातन उ समय घटिहीं जब
यहोवा आपन टूटे लोगन क मरहम पट्टी करी अउर सजा
क कारण जउन चोटन ओनका आई अहइँ, ओनका चंगा
करी। 27लखा! बहोत दूर स यहोवा क नाउँ आवत अहइ।
उ बहोत किरोधित अहइ। उ सँदेसा जउन उ लावत ह भाड़ी
वजन क नाईं अहइ। ओकर होंठ क सब्द रूखा अहइ,
ओकर जीभ एक बरत भए आग जइसी अहइ। 28यहोवा क
साँस (आतिमा) एक अइसी बिसाल नदी क तरह अहइ
जउन तब तलक चढ़त रहत ह, जब तलक उ गटइ तलक
नाहीं पहुँच जात। यहोवा सबहिं रास्ट्रन क निआव करी। इ
वइसा ही होइ जइसे उ ओनका बिनासे क छलनी स छान
डावइ। इ नियंत्रन वइसा होइ जइसे घोड़सवार लगाम क
जरिया स घोड़ा क नियंत्रन करत ह, यहोवा रास्ट्रन क
नियंत्रन करब अउर ओनकर अगुवाइ उ जगह तलक करब
जहाँ उ ओनका लेइ जाइ चाहत ह।

29उ समय, तू पचे खुसी क गीत गउब्या। उ समय ओन
रातिन क जइसा होइ जब तू पचे आपन उत्सव मनाउब सुरू
करत अहा। तू पचे ओन मनइयन क समान खुस होब्या
जउन इस्राएल क चट्टान यहोवा क पर्वत पइ जात समय
बाँसुरी क सुनत भए प्रसन्न होत हीं।

30यहोवा सबहिं लोगन क आपन महान वाणी सुनइ क
मजबूर करी। यहोवा लोगन क किरोध क संग खाले आवत
भइ आपन सक्तीसाली भुजा लखइ क मजबूर करी। इ भुजा
उ महा आगी क नाईं होइ जउन सब कछू भसम कइ
डावत ह। यहोवा क सक्ती उ आँधी क जइसी होइ जउन
तेज बर्खा अउ ओलन क संग आवत ह। 31अस्सूर जब
यहोवा क अवाज सुनी तउ उ डेराइ जाइ। यहोवा लाठी स
अस्सूर पइ वार करी। 32यहोवा अस्सूर क पीटी अउर इ
पिटाई अइसी होइ जइसे कउनो नगाड़न अउ वीणन पइ
संगीत बजावत हउँ। यहोवा आपन सक्तीसाली भुजा (सक्ती)
स अस्सूर क हराई।

33तोपेत क बहोत पहिले स ही तइयार कइ लीन्ह गवा अहइ। राजा बरे इ तइयार अहइ। इ भट्टी बहोत गहिर अउर बहोत चौड़ी बनाई गइ अहइ। हुवाँ काठे क एक बहोत बड़का ढेर अउ आगी मौजूद अहइ। यहोवा क आतिमा बरत भइ गंधक क नदी क रूप मँ आइ अउर एका भसम कइके नस्ट कइ देइ।

इस्राएल क परमेस्सर क सक्ती पइ भरोसा रखइ चाही

31 ओन लोगन क धिक्कार अहइ जउन मदद पावइ बरे मिस्र कइँती उतरत अहइँ। इ सबइ लोग घोड़न चाहत हीं, घोड़न ओनका बचाइ लेइहीं। लोगन क आसा बाटइ कि मिस्र क रथ अउर घुड़सवार सैनिक ओनका बचाइ लेइहीं। लोग सोचत हीं कि उ पचे सुरच्छित एह बरे अहइँ कि इ एक बिसाल सेना अहइ। लोग इस्राएल क पवित्तर (परमेस्सर) पइ भरोसा नाहीं रखतेन। लोग यहोवा स मदद नाहीं माँगतेन।

2किन्तु, यहोवा ही बुद्धिमान अहइ अउर उ यहोवा ही अहइ जउन ओन पइ विपत्तियन ढाइ। लोग यहोवा क आदेस क नाहीं बदल पइहीं। यहोवा बुरे लोगन (यहूदा) क खिलाफ खड़ा होइ अउर जुद्ध करी। यहोवा ओन लोगन (मिस्र) क खिलाफ जुद्ध करी, जउन ओनका मदद पहोंचावइ क जतन करत हीं।

3मिस्र क लोग मात्र मनई अहइँ परमेस्सर नाहीं। मिस्र क घोड़न मात्र पसु अहइँ, आतिमा नाहीं। यहोवा आपन हाथ अगवा बढ़ाई अउर सहायक (मिस्र) हार जाइ अउर मदद चाहइवाले लोगन (यहूदा) क पतन होइ। उ पचे सबहिं लोग साथ साथ मिट जइहीं।

4यहोवा मोहसे इ कहेस, “जब कउनो सेर या सेर क कउनो बच्चा कउनो पसु क भच्छइ बरे धरत ह तउ उ मरे भए पसु पइ खड़ा होइ जात ह अउर दहाड़त ह। उ समय उ सक्तीसाली सेर क कउनो भी डेराइ नाहीं पावत। अगर चरवाहन आवइँ अउर उ सेर क हाँका करइ लागइँ तउ भी उ सेर डेराइ नाहीं। लोग केतॅना ही सोर करत रहइँ, मुला उ सेर नाहीं पराई।”

इहइ तरह सर्वसक्तीमान यहोवा सिय्योन पर्वत पइ उतरी। उ पर्वत पइ यहोवा जुद्ध करी। 5सर्वसक्तीमान यहोवा वइसे ही यरूसलेम क रच्छा करी जइसे आपन घोंसलन क ऊपर उड़त भइ चिरइयन। यहोवा ओका बचाइ अउर ओकर रच्छा करी। यहोवा ऊपर स होइके निकरि जाइ अउर यरूसलेम क रच्छा करी।

6हे, इस्राएल क सन्तान! तू पचे परमेस्सर स विद्रोह किहा। तू पचन्क परमेस्सर कइँती मुड़ आवइ चाही। 7तब लोग ओन सोना चाँदी क मूरतियन क पूजब तजिहीं अउर जेनका तू पचे बनाया ह।

8अस्सूर क लोग तरवार क जरिये मारि दीन्ह जाइ, मुला उ तरवार कउनो मनई क नाहीं होइ। हाँ अस्सूर क लोग तरवार स भाग जाइ क कोसिस करी, किन्तु ओनका जवान मनइयन क धइ लेहीं अउ दास बनाइ लेहीं। 9ओन लोगन क पनाह क स्थान क तबाह कीन्ह जाइहीं। ओनकर नेता पराजित कइ दीन्ह जइहीं अउर उ पचे आपन झण्डन क तजि देइहीं। इ सबइ संदेसा उ यहोवा क अहइ जेकर आगी थल (वेदी) सिय्योन पर्वत पइ अहइ। हाँ ओकर भट्टी (वेदी) यरूसलेम मँ अहइ।

मुखिया लोगन क खरा अउर सच्चा होइ चाही

32 लखा, राजा लोग आपन राज्ज क निआव बरे सासन करब्या। अधिकारियन भुइँया क निआव करइ बरे सक्ती राखब्या। 2जदि अइसा होइ तउ राजा उ जगहिया क नाईं होइ जाइ जहाँ लोग आँधी अउ बर्खा स बचइ बरे आस्रय लेत हीं। इ झुरान धरती मँ जल धारन क नाईं होइ। इ अइसा ही होइ जइसे गरम प्रदेस मँ कउनो बड़की चट्टान क ठण्डी छाया। 3तब लोग ओका ठीक स देखत ही जउन ओकर आँख लखत ह। लोग ओका धियान स सुनिही जउन ओकर कान सुनत ह। 4उ पचे लोग जउन उतावला अहइँ, उ सबइ सही फैसला लेइहीं। उ सबइ लोग जउन अबहिं साफ साफ नाहीं बोल पावत हीं, उ पचे साफ साफ अउर जल्दी बोलइ लगिहीं। 5मूरख लोग महान मनई नाहीं कहवइहीं। लोग सड्यंत्र करइवालन क सम्मान जोग्ग नाहीं कहिहीं।

6एक मूरख मनई तउ बेवकूफी स भरी बातन कहत ह अउर उ आपन मने मँ बुरी बातन क ही जोजनन बनावत ह। मूरख मनई अनुचित कारज करइ क ही सोचत ह। मूरख मनई यहोवा क बारे मँ गलत बातन कहत ह। मूरख मनई भुखान क खइया क खाइ नाहीं देत। मूरख मनई पियासे लोगन क पानी नाहीं पिअइ देत। 7उ मूरख मनई बुराई क एक हथियार क रूप मँ इस्तेमाल करत ह। उ निर्धन लोगन स झूठ क जरिये बरबाद करइ बरे बुरे बुरे राहन बनावत ह। ओकर इ सबइ झूठी बातन गरीब लोगन क निस्पच्छ निआव मिहाइ स दूर रखत ह।

8मुला एक ठु नीक मुखिया नीक काम करइ क योजना बनावत ह अउर ओकर उ सबइ नीक बातन ही ओका एक बढ़िया नेता बनावत ह।

बुरा समय आवत अहइ

9तोहमाँ स कछू मेहररूअन अबहिं खुस अहइँ। तू पचे सुरच्छित अनुभव करति अहा। मुला तू पचन खड़े होइके जउन बचन मइँ बोलत हउँ ओनका सुनइ चाही। 10मेहररूओ तू पचे अबहिं सुरच्छित अनुभव करति अहा किन्तु एक बरिस पाछे तू पचन बिपत्ति आवइवाली अहइ। काहेकि तू पचे अगले बरिस अंगूर एकट्ठा नाहीं करिब्यू एकट्ठा करइ बरे अँगूर होइहीं ही नाहीं।

11मेहररूओ, अबहिं तू पचे चइन स अहा, किन्तु तू पचन्क डेराइ चाही। मेहररूओ, अबहिं तू पचे सुरच्छित अनुभव करति अहा, किन्तु तू पचन्क चिन्ता नाहीं करइ चाही। आपन सुन्नर ओढ़नन क उतारि बहावा अउर सोक वस्त्रन क धारण कइ ल्या। ओन वस्त्रन क आपन कमर पइ लपेट ल्या। 12आपन सोक स भरी छातियन पइ ओन सोक वस्त्रन क पहिर ल्या।

विलाप करा काहेकि तोहार खेत उजरि गवा अहइँ। तोहार पचन्क अंगूरे क बगीयन जउन कबहुँ अंगूर दिया

करत रहेन, अब खाली पड़ा अहइँ। 13मोरे लोगन क धरती बरे बिलाप करा। बिलाप करा, काहेकि हुवाँ बस काँटन अउ खरपतवार ही उगा करिहीं। विलाप करा इ नगर बरे अउर ओन सब भवनन बरे जउन कबहुँ आनन्द स भरे भए रहेन।

14लोग इ प्रमुख नगर क छोड़ जइहीं। इ महल अउर इ मीनारन वीरान छोड़ दीन्ह जइहीं। उ पचे जनावरन क माँद जइसे होइ जइहीं। नगर मँ जंगली गदहन बिहार करिहीं। हुवाँ भेड़िन घास चरत फिरिहीं।

15-16तब तलक अइसा ही होत रही, जब तलक परमेस्सर ऊपर स हमका आपन आतिमा नाहीं देइ। अब धरती पइ कउनो अच्छाई नाहीं अहइ। इ रेगिस्तान स बनी भई अहइ मुला आवइवाले समय मँ इ रेगिस्तान उपजाऊ मैदान होइ जाइ अउर इ उपजाऊ मैदान एक हरे भरे वन जइसा वन जाइ। चाहे जंगल होइ चाहे उपजाऊ धरती हर कहूँ निआव अउ निस्पच्छता मिली। 17उ नेकी सदा-सदा क बरे सान्ति अउ सुरच्छा क लियाइ। 18मोर लोग सान्ति क इ सुन्नर छेत्र मँ बसा करिहीं। मोर लोग सुरच्छा क तम्बुअन मँ रहा करिहीं। उ पचे निहचिंतता क संग सान्ति स पूर्ण जगहन मँ निवास करिहीं।

19किन्तु इ सबइ बातन घटइँ एहसे पहिले उ वन क गिरब होइ। उ नगर क पराजित होइ क होइ। 20तू पचन्मँ स कछू लोग हर जलधारा क निअरे बिआ बोवत अहा। तू पचे आपन मवेसियन अउ आपन गदहन क एहर-ओहर चरइ बरे खुला छोड़ देत अहा। तू लोग बहोत खुस रहब्या।

बुराई स जियादा बुराई पइदा होत ह

33 लखा, तू लोग लड़ाई करत अहा अउर ओन लोगन क वस्तुअन लूटत अहा अउर उ भी अइसे लोगन क जउन कबहुँ कउनो तोहार पचन्क वस्तु नाहीं चोराएन। तू पचे अइसे लोगन क धोखा देत रह्या जउन कबहुँ तू पचन्क धोखा नाहीं दिहन। एह बरे जब तू पचे चोरी करब बंद कइ देब्या तउ दूसर लोग तोहार वस्तुअन चोरी करब सुरू कइ देइहीं। जब तू लोगन क धोखा देब बंद कइ देब्या तउ लोग तू पचन्क धोखा देब आरम्भ कइ देइहीं।

तब तू पचे कहब्या, 2"हे यहोवा, हम पइ दाया करा। हम पचे तोहरे सहारे बाट जोहा ह। हे यहोवा, हर सुबह तू हमका सक्ती द्या जब हम बिपत्ति मँ होइ, तू हमका बचाइ ल्या।

3तोहरी सक्तीसाली ध्वनि स लोग डरा करत हीं अउर उ पचे तोहसे दूर भाग जात हीं। तोहरी महानता क कारण रास्ट्र दूर भाग जाती हीं।"

4तू पचे जुद्ध मँ लूटेस, किन्तु तू पचन्क छीना जाइ अउर तोहस लइ लेइ जाइ! इ अइसा ही होइ जइसा टिड्डियन आवा रहा अउर तोहार सारा फसल खाइ लेत रहा!

5यहोवा बहोत महान अहइ, काहेकि उ बहोत ऊँचाइ (सरग) पइ रहत ह। यहोवा सिय्योन क सच्चाई अउर निआव स भरि दिहेस ह।

6हे यरूसलेम, तोहार धार्मिक सभा लगातार होत रही। परमेस्सर क बुद्धि अउ गियान कवच क नाईं होइ जउन तोहार छाती क रच्छा करी। यहोव स तोहार डर अइसा होइ जइसा तू पचन क धन क खजाना।

7मुला सुना! सरगदूत बाहेर गोहरावत अहइँ अउर सान्ति-संदेसवाहक बहोत रोवत अहइँ। 8उच्च मार्गन रौंदा ग अहइँ। गलियन मँ कउनो नाहीं चलत फिरत अहइ। लोगन उ करार क उल्लंघन करिहीं जउन उ बनाए रहा। लोग साच्छी क जउन गवाही क रूप मँ पेस करि स जाइ इन्कार करी। कउनो भी कउनो दूसर लोगन क आदर नाहीं करत। 9भुइँया बेरामी अहइ अउर अइसा लागत अहइ कि उ आपन आखरी सांस लेत अहइ। लबानोन आपन आखरी साँस लेत अहइ अउर सारोन क घाटी झुरान अउ उजाड़ अहइ। बासान अउ कर्मेल जउन कबहुँ पौधन अउर बृच्छन स हरा भरा रहा किन्तु अब हुआँ कछू नाहीं उगत ह।

10यहोवा कहत ह, "मइँ अब खड़ा होब अउर आपन बड़कइ देखाउब। अब मइँ लोगन बरे एक महत्वपूर्ण बनब। 11तू लोग बेकार क काम किहा ह। उ सबइ चिजियन भूसा अउर झुरान घासे क जइसे अहइँ। उ पचे बेकार अहइँ। तोहार पचन्क आतिमा आगी क नाईं होइ जाइ अउर तू पचन्क बारि देइ। 12लोग तब तलक बरत रइहीं जब तलक ओनकर हाड़न बरिके चूना जइसी नाहीं होइ जातीं। लोग काँटन अउर झुरान झाड़ियन क समान हाली स बरि जइहीं।

13"दूर देसन क लोगो, जउन काम मइँ किहेउँ ह, तू पचे ओनके बारे मँ सुनत अहा। हे मोरे लगे क लोगो, तू पचे मोर सक्ती क समुझत अहा।"

14सिय्योन मँ पापी डेरान अहइँ। उ पचे जउन बुरे करम किया करत हीं, डर स थर थर काँपत अहइँ। उ पचे कहत हीं, "का इ बिनासकारी आगी स हम पचन क कउनो बचि सकत ह? कउन रह सकत ह इ आगी क निअरे जउन हमेसा हमेसा बरे बरत रहत ह?"

15उ सबइ लोग इ आगी मँ स बचि पइहीं जउन अच्छा अहइँ, सच्चा अहइँ। उ सबइ लोग पइसा बरे दुसरन क नोस्कान नाहीं पहुँचाव चाहतेन। उ सबइ लोग घूस नाहीं लेतेन। दूसर लोगन क कतल क जोजनन क उ पचे सुनइ तलक स मना कइ देत हीं। बुरे करम करइ क जोजनन क उ पचे लखब भी नाहीं चाहतेन।

16अइसे लोग ऊँच ठउरन पइ सुरच्छा क साथ निवास करिहीं। ऊँच चट्टानन क गढ़ियन मँ उ पचे सुरच्छित रइहीं। अइसे लोगन क लगे सदा ही खाइ क भोजन अउर पिअइ क पानी रही।

17तोहार पचन्क आँखिन उ राजा (परमेस्सर) क सुन्नरता क दर्सन करिहीं। तू पचे उ महान भइँया क लखब्या। 18-19बीते भए दिनन मँ तू पचे जउन कस्ट उठाया ह, तू पचे ओकरे बारे मँ सोचब्या, "दूसर देसन क उ सबइ लोग कहाँ अहइँ? उ सबइ लोग अइसी बोली बोला करत रहेन, जेका हम समुझ नाहीं सकत रहेन। दूसर देसन क उ सबइ सेवक अउर कर एकट्ठा करइवाले कहाँ अहइँ? उ पचे गुप्तचर जउन हमार सुरच्छा मीनारन क लेखा जोखा लिए रहेन, कहाँ अहइँ? उ सबइ सब खतम होइ गएन।"

परमेस्सर यरूसलेम क बचाई

20हमरे धार्मिक उत्सवन क नगरी, सिय्योन क लखा।
विस्राम निवास क उ सुन्नर ठउर यरूसलेम क लखा।
यरूसलेम उ तम्बू क समान अहइ जेका कबहुँ उखाड़ा नाहीं
जाई। उ सबइ खूँटन जउन ओका आपन ठउरे पइ थामे
रखत हीं, कबहुँ उखाड़ा नाहीं जइहीं। ओकर रस्सन कबहुँ
टुटिहीं नाहीं। 21-23हुवाँ हमरे बरे सक्तीसाली यहोवा विस्तृत
झरनन अउर नदियन वाले एक ठउरे क समान होइ। किन्तु
ओन नदियन पइ कबहुँ सत्रु क नउकन या सक्तीसाली
जहाज वाहीं होइहीं। ओन नउकन पइ काम करइवाले तू
लोग रस्सियन क नाहीं थामे रख सक्या। तू पचे मस्तूल क
मजबूत नाहीं बनाए नाहीं रख सक्या। तउ तू पचे आपन
पालन क भी नाहीं खोल पउब्या। काहेकि यहोवा हमार
निआवकर्ता अहइ। यहोवा हमारे बरे नेम बनावत ह। यहोवा
हमार राजा अहइ। उ हमार रच्छा करत ह। इहइ स यहोवा
हमका बहोत सा धन देइ। हिआँ तलक कि अपाहिज लोग
भी जुद्ध मँ बहुत सा धन जीत लेइहीं। 24हुवाँ रहइवाला
कउनो भी मनई अइसा नाहीं कही, "मइँ रोगी हउँ।" हुवाँ
रहइवाले लोग अइसे लोग अहइँ जेनकर पाप छिमा कइ
दीन्ह गवा अहइँ।

परमेस्सर आपन दुस्मनन क सजा देइ

34 हे सबहिं रास्ट्र क लोगो, पास आवा अउर सुना।
तू सब लोगन क धियान स सुनइ चाही। हे धरती
अउ धरती पइ क सबहिं वासियो, हे जगत अउ ऐह मँ स
आइ सबहिं वस्तुओ, तू सबन्क एन बातन क सुनइ चाही।
2यहोवा सबहिं देसन अउर ओनकर फउजन पइ कोहान
अहइ। यहोवा ओन सब क बर्बाद कइ देइ। उ ओन सबहिं
क मरवाइ डाइ। 3ओनकर ल्हासन बाहेर बहाइ दीन्ह जइहीं।
ल्हासन स दुर्गन्ध उठी अउर पहाड़ क ऊपर स खून खाले
क बही। 4अकास चर्मपत्र क नाईं लपेटिके मूँदि दीन्ह
जइहीं। ग्रह तारन मरिके अंगूरे क बेल या अंजीरे क पत्तन
क नाईं गिरइ लगिहीं। अकासे क सबहिं तारन टेघर जइहीं।
5यहोवा कहत ह, "अइसा उ समय होइ जब अकासे मँ मोर
तरवार खूने मँ सन जाइ।"
लखा! यहोवा क तरवार एदोम क काटि डाइ। यहोवा
ओन लोगन क अपराधी ठहराएस ह तउ ओन लोगन क
मरब ही होइ। 6यहोवा क तरवार मेमना अउर बोकरियन क
खून स लतपत होइ गवा अहइ। अउर भेड़ा क गुर्दन क
चर्बी स चिकनाई गवा अहइ। काहेकि यहोवा निहचइ किहस
ह बोसरा मँ कत्लेआम होइ उ समइ बहोत सारे लोग एदोम
मँ मारइ जाइहीं। 7तउ भेड़न, मवेसी अउ हट्टे कट्टे
जंगली बर्धन मारा जइहीं। धरती ओनकर खून स भरि जाइ।
माटी ओनकी चर्बी स पट जाइ।
8अइसी बातन घटिहीं काहेकि यहोवा सजा देइ क एक
समय तय किहेस ह। यहोवा एक साल अइसा चुन लिहस ह
जेहमाँ लोग आपन ओन बुरे कामन बरे जउन सिय्योन क
खिलाफ किहेन ह, जरूर ही भुगतान कइ देइहीं। 9एदोम क
नदियन अइसी होइ जइहीं जइसे माना उ सबइ गरम
तारकोल क होइँ। एदोम क धरती बरत भइ गंधक अउ
तारकोल क समान होइ जाइ। 10उ पचे आगे रात दिन बरा
करिहीं। कउनो भी मनई उ आगी क रोकि नाहीं पाई।
एदोम स सदा धुआँ उठा करी। उ धरती सदा सदा बरे बर्बाद
होइ जाइ। उ धरती स होइके फुन कबहुँ कउनो नाहीं गुजरा
करी। 11उ धरती परिंदन अउर नान्ह-नान्ह जनावरन क होइ
जाइ। हुवाँ कुचक्रचवन अउर कउअन क बास होइ।
परमेस्सर उ धरती क "सूनी उजाड़" भुइँया मँ बदल देइ। इ
वइसी ही होइ जइसी इ सृस्टि स पहिले रही। 12स्वतंत्र मनई
अउर मुखिया लोग खतम होइ जइहीं। ओन लोगन क
हुकूमत करइ बरे हुवाँ कछू भी नाहीं बची।
13हुवाँ क सबहिं सुन्नर भवनन मँ काँटन अउर जंगली
झाड़ियन जमि अहइ। जंगली कूकुरन अउर कुचकुचवन
ओन मकानन मँ बास करिहीं। परकोटन स जुक्त नगरन क
जंगली जानवर आपन निवास बनाइ लेइहीं। हुवाँ जउन घास
जमी ओहमाँ बड़के बड़के पंछी रइहीं। 14हुवाँ जंगली
बिल्लियन अउर लकड़ बग्धन साथ रहा करिहीं अउर
जंगली बोकरियन हुवाँ आपन मीतन क बोलइहीं। राति क
जीवजन्तु हुवाँ आपन बरे आस्रय खोजत फिरिहीं अउर हुवँइ
विस्राम करइ बरे आपन जगह बनाइ लेइहीं। 15साँप हुवाँ
आपन घर बनाइ लेइहीं। हुवाँ साँप आपन अण्डन दिया
करिहीं। अण्डन फूटिहीं अउर ओन अँधियारा स भरे जगहन
स रेंगत भए साँप क बच्चन बाहेर निकरिहीं। हुवाँ मरी
चिजियन क खाइवाले पंछी एक क पाछे एक एकट्ठा होत
चला जइहीं।
16यहोवा क चर्म-पत्र क लखा। पढ़ा ओहमाँ का लिखा
अहइ। कछू भी नाहीं छूटा अहइ। उ चर्म-पत्र मँ लिखा
अहइ कि उ पचे सबहिं पसु पंछी एकट्ठा होइ जइहीं। एह
बरे परमेस्सर क मुँह इ आदेस दिहन अउर ओकर आतिमा
ओनका एक संग एकट्ठा कइ दिहस। परमेस्सर क आतिमा
ओनका परस्पर एकट्ठा करी। 17परमेस्सर ओनके साथ का
करी, इ उ निहचय कइ लिहस ह। एकरे पाछे परमेस्सर
ओनके बरे एक जगह चुनेस। परमेस्सर एक रेखा हींचेस
अउर ओनका ओनकर धरती देखाइ दिहस। एह बरे उ धरती
सदा सदा पसुअन क ही होइ जाइ। उ पचे हुवाँ साल दर
रहत साल चला जइहीं।

परमेस्सर आपन लोगन क सुख देइ

35 झुरान रेगिस्तान बहोत खुसहाल होइ जाइ। रेगिस्तान
खुस रही अउर एक फूल क नाईं विकसित होइ।
2उ रेगिस्तान खिलत भए फूलन स भरि उठी अउर आपन
खुसी देखावइ लागी। अइसा लागी जइसे रेगिस्तान आनन्द
मँ भरा नाचत होइ। इ रेगिस्तान अइसा सुन्नर होइ जाइ
जइसा लबानोन क बन बाटइ, कर्मेल क पहाड़ अहइ अउर
सारोन क घाटी अहइ। अइसा एह बरे होइ, काहेकि सबहिं
लोग यहोवा क महिमा क दर्सन करिहीं। लोग हमरे
परमेस्सर क महानता क लखिहीं।
3दुर्बल बाँहन क फुन स सक्ती स भरा बनावा। दुर्बल
घुटनन क मजबूत करा। 4लोग डेरान अहइँ अउर असमंजस
मँ पड़ा अहइँ। ओन लोगन स कहा, "सक्तीसाली बना।
डेराअ जिन।" लखा तोहार पचन्क परमेस्सर आइ अउर

तोहार पचन्क दुस्मनन क जउन उ पचे किहन ह, ओकर
सजा देइ। उ आइ अउर तू पचन्क तोहार सबन्क प्रतिफल
देइ अउर तोहार पचन्क रच्छा करी। 5फुन तउ आँधर लखइ
लगिहीं। ओनकर आँखिन खुल जइहीं। 6लूले लंगड़े लोग
हिरन क तरह नाचइ लगिहीं अउर अइसे लोग जउन अबहिं
गूँगन अहइ, खुसी क गीत गावइ मँ आपन वाणी क
उपयोग करइ लगिहीं। अइसा उ समय होइ जब मरूभूमि मँ
पानी क झरनन बहइ लगिहीं। झुरान धरती पइ झरनन बहि
चलिहीं। 7लोग अबहिं जत क रूप मँ मृग मरीचिका क
लखत हीं किन्तु उ समय जल क फुरइ सरोवर होइहीं।
झुरान धरती पइ कुअँन होइ जइहीं। झुरान धरती स जल फूट
बही। जहाँ एक समय जंगली जनावरन क राज रहा, हुवाँ
लम्बे लम्बे पानी क पउधन जमि पइहीं।

8उ समय, हुवाँ एक राह बन जाइ अउर इ राजमार्ग क
नाम होइ “पवित्तर मार्ग।” उ राह पइ असुद्ध लोगन क
चलइ क अनुमति नाहीं होइ। कउनो भी मूरख उ राहे पइ
नाहीं चली। बस परमेस्सर क पवित्तर लोग ही ओह पइ
चला करिहीं। 9उ सड़क पइ कउनो खतरा नाहीं होइ। लोगन
क नोस्कान पहोंचावइ बरे उ सड़क पइ सेर नाहीं होइहीं।
कउनो भी भयानक जन्तु हुवाँ नाहीं होइ। उ सड़क ओन
लोगन बरे होइ जेनका परमेस्सर अजाद किहेस ह।

10परमेस्सर आपन लोगन क अजाद करी अउर उ सबइ
लोग फुन लउटिके हुवाँ अइहीं। लोग जब सिय्योन पइ
अइहीं तउ उ पचे खुस होइहीं। उ पचे सदा-सदा बरे खुस
होइ जइहीं। ओनकर खुसी ओनकर माथन पइ एक मुकुट
क नाईं होइ। उ पचे आपन खुसी अउ आनन्द स पूरी तरह
भरि जइहीं। सोक अउ दु:ख ओनसे दूर बहुत दूर चले
जइहीं।

अस्सूर क यहूदा पइ हमला

36 हिजकिय्याह यहूदा क राजा रहा अउर सन्हेरीब
अस्सूर क राजा रहा। हिजकिय्याह क सासन क
चउदहवें बरिस मँ सन्हेरीब यहूदा क किलाबन्द नगरन स
जुद्ध किहन अउर उ ओन नगरन क हराइ दिहन। 2लाकीस
स सन्हेरीब आपन सेनापति अउर बहोत सारे सेना क
यरूसलेम मँ यहूदा क राजा हिजकिय्याह क लगे आपन
माँगन क बतावइ बरे पठएस। उ ऊपरवाले तालाब क
कइँती जात भवा नाला* पइ रुक गएस जउन धोबी लोगन
क खेत क सड़क पइ रहा।

3यहूदा क तीन अधिकारी ओसे मिलइ बरे गएन। इ सबइ
लोग रहेन: महल क देखरेख करइवाला हिल्किय्याह क पूत
एल्याकीम, लिपिकार सेब्ना, अउर कागजात क संभारिके
रखइ क काम करइवाला आसाप क पूत योआह।

4सेनापति ओनसे कहेस, “तू लोग, राजा हिजकिय्याह स
जाइके इ सबइ बातन कहा: महान राजा अस्सूर क राजा
कहत ह:

“तू आपन सहायता बरे कउने पइ भरोसा रखत ह?
5मइँ तू पचन्क बतावत हउँ कि जदि जुद्ध मँ तोहार

नाला एक गड्डा या एक पाइप जेसे पानी क एक जगह स दूसर जगह लइ जावा जात अहइ।

बिस्सास सक्ती अउर कुसल जोजनन पइ अहइ तउ उ
बेकार अहइ। उ सबइ कोरे सब्दन क अलावा कछू
नाहीं अहइँ। एह बरे तू मोहसे काहे जुद्ध करत अहा?
6अब मइँ तोहसे पूछत हउँ, तू मदद पावइ बरे कउने
पइ भरोसा करत अहा? का तू मदद बरे मिस्र क सहारे
अहा? मिस्र तउ एक टूटी भइ लाठी क नाईं अहइ।
जदि तू सहारा पावइ क ओह पइ टिकब्या तउ उ तू
पचन्क बस नोस्कान ही पहोंचाइ अउर तोहरे हाथे मँ
एक ठु छेद बनाइ देइ। मिस्र क राजा फिरौन पइ
कउनो भी मनई क जरिये मदद पावइ क भरोसा नाहीं
कीन्ह जाइ सकत।

7मुला होइ सकत ह तू कहा, “हम मदद पावइ बरे
आपन यहोवा परमेस्सर पइ भरोसा रखित ह।’ किन्तु मइँ
सुना अहइ कि हिजकिय्याह यहोवा क वेदियन क अउर
आराधना क ऊँच ठउरन* क बर्बाद कइ दिहस ह
अउर यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन स कहेस, “तू
हिआँ यरूसलेम मँ बस एक इहइ वेदी पइ उपासना
किया करब्या।”

8अगर तू अब भी मोर सुआमी स जुद्ध करइ चाहत
अहा तउ अस्सूर क राजा तोहसे इ सौदा करइ चाही:
राजा क कहब अहइ, ‘जदि जुद्ध मँ तोहरे लगे
घुड़सवार पूरा अहइँ तउ मइँ तू पचन्क दुइ हजार घोड़न
दइ देब।’ 9किन्तु एतना होइ पइ तू मोर सुआमी क एक
सेवक तलक क नाहीं हराइ पउब्या। ओकर कउनो
नान्ह स नान्ह अधिकारी तलक क तू नाहीं हराइ
पउब्या। एह बरे तू मिस्र क घुड़सवार अउर रथन पइ
आपन भरोसा काहे बनाए रखत अहा।

10अउर अब लखा जब मइँ इ देस मँ आवा रहेउँ
अउर मइँ जुद्ध किहे रहेउँ, यहोवा मोरे संग रहा। जब
मइँ नगरन क उजाड़ेउँ, यहोवा मोरे संग रहा। यहोवा
मोहसे कहा कहत रहा, “खड़ा ह्वा। इ नगरी मँ जा
अउर एक ध्वस्त कइ द्या।”

11यहूदा क तीनहुँ अधिकारियन, एल्याकीम, सेब्ना अउर
योआह सेनापति स कहेस, “कृपा कइके हमरे संग अरामी
भासा मँ ही बात करा ताकि एका हम समुझ सकित। तू
यहूदी भासा मँ हम से जिन बोला। जदि तू यहूदी भासा क
प्रयोग करब्या, तउ नगर दीवारे क पार क सबहिं लोग
एका समुझ जइहीं।”

12एह पइ सेनापति कहेस, “मोर सुआमी मोहसे इ सबइ
बातन बस तू पचन्क अउर तोहरे पचन्क सुआमी हिजकिय्याह
क ही सुनावइ बरे नाहीं पठएस ह। मोर सुआमी मोका एन
बातन क ओनका बतावइ बरे पठएस ह जउन लोग नगर
परकोटन पइ बइठा अहइँ। ओन लोगन क न तउ पूरा
खइया क मिलत ह अउर न पानी। तउ ओनका आपन
मलमूत्र क तोहरे पचन्क तरह खाब-पिअब होइ।”

वेदी ... ठउरन इ “गैर सरकारी” अउर “मुकामी” समाधि क ओर इसारा करत ह जउन कि ओकर भुइँया पइ इहर-उहर पहाड़ियन पइ होत रहा जहाँ लोग परमेस्सर या झूटे देवता क पूजा करत रहेन।

13फुन सेनापति खड़ा होइके ऊँच सुर मँ कहेस। उ यहूदी
भासा मँ बोला। 14सेनापति कहेस, “महासम्राट अस्सूर क
राजा क सब्दन क सुना:

तू आपन खुद क हिजकिय्याह क जरिये मूरख जिन
बनइ द्या, उ तू पचन्क बचाइ नाहीं पाइ। 15हिजकिय्याह
जब इ कहत ह, ‘यहोवा मँ बिस्सास राखा। यहोवा
अस्सूर क राजा हमार रच्छा करी। यहोवा अस्सूर क
राजा क हमरे नगर क हरावइ नाहीं देइ तउ ओह पइ
बिस्सास जिन करा।’
16हिजकिय्याह क एन सब्दन क अनसुनी करा।
अस्सूर क राजा क सुना। अस्सूर क राजा क कहब
अहइ, “हमका एक ठु सन्धि करइ चाही। तू लोग नगर
स बाहेर निकरिके मोरे लगे आवा। फुन हर मनई
आपन घरे जाइ क अजाद होइ। हर मनई आपन अंगूर
क बेलन स अंगूर खाइ क अजाद होइ अउर हर मनई
आपन अंजीर क बृच्छन क फल खाइ क अजाद होइ।
खुद आपन कुआँ क पानी पिअइ क हर मनई अजाद
होइ। 17जब तलक मइँ आइके तू पचन्क तोहरे पचन्क
जइसे एक देस मँ न लइ जाउँ, तब तलक तू पचे
अइसा करत रहि सकत ह। उ नवा देस मँ तू पचे
बढ़िया अनाज अउर नवा दाखरस पउब्या। उ धरती पइ
तू पचन्क रोटी अउ अंगूर क खेत मिलिहीं।”
18हिजकिय्याह क तू आपन क मूरख जिन बनावइ
द्या। उ कहत ह, “यहोवा हमार रच्छा करी।” किन्तु
मइँ तोहसे पूछत हउँ का कउनो दूसर देस क कउनो भी
देवता हुवाँ क लोगन क अस्सूर क राजा क सक्ती स
बचाइ पाइ नाहीं। हम हुवाँ क हर मनई क हराइ दीन्ह।
19हमात अउ अर्पाद क देवता आजु कहाँ अहइँ?
ओनका हराइ दीन्ह गवा अहइ। सपर्वेम क देवता कहाँ
अहइँ? उ सबइ हराइ दीन्ह ग अहइँ अउर का सोमरोन
क देवता हुवाँ क लोगन क मोर सक्ती स बचाइ
पाएन? नाहीं। 20कउनो भी देस अथवा जाति क अइसे
कउनो भी एक देवता क नाउँ मोका बतावा जउन हुवाँ
क लोगन क मोर सक्ती स बचाएस ह। मइँ सबन्क
हराइ दिहेउँ। एह बरे लखा मोर सक्ती स यरूसलेम क
यहोवा नाहीं बचाइ पाइ।”
21यरूसलेम क लोग एक दम चुप रहेन। उ पचे सेनापति
क कउनो जवाब नाहीं दिहन। हिजकिय्याह लोगन क हुकुम
दिहे रहा कि उ पचे सेनापति क कउनो जवाब न देइँ।
22एकरे पाछे महल क देखरेख करइवाला हिल्किय्याह क
पूत एल्याकीम लिपिकार सेब्ना अउर कागजात क संभारिके
रखइ क काम करइवाला आसाप क पूत योआह इ देखावइ
बरे कि उ दु:खी रहेन आपन ओढ़ना फाड़ि डाएन। उ पचे
तीनउँ मनइयन हिजकिय्याह क लगे गएन अउर सेनापति
जउन कछू ओनसे कहे रहा, उ सब ओका कहि सुनाएन।

हिजकिय्याह क परमेस्सर स पराथना

37 हिजकिय्याह जब सेनापति क सँदेसा सुनेस तउ उ
आपन ओढ़ना फाड़ि डाएस। फुन बिसेस सोक
वस्त्र धारण कइके उ यहोवा क मंदिर मँ गवा। 2हिजकिय्याह
महल क सेवक एल्याकीम क राजा क सचिव सेब्ना क
अउर याजकन क अग्रजन क आमोस क पूत यसायाह नबी
क लगे पठएस। एन तीनउँ ही लोग बिसेस सोक-वस्त्र
पहिरे भरे रहेन।
3एन लोगन यसायाह स कहेन, “राजा हिजकिय्याह कहेस
ह कि आजु क दिन सोक अउर दु:ख क एक बिसेस दिन
होइ। इ दिन एक अइसा दिन होइ जइसे जब एक बच्चा
जन्म लेत ह। किन्तु बच्चा क जन्म देइवाली महतारी मँ
जेतनी सक्ती होइ चाही ओहमाँ ओतनी ताकत नाहीं होत।
4सम्भव अहइ तोहार परमेस्सर यहोवा, सेनापति क जरिये
कही बातन क सुन लेइ। अस्सूर क राजा सेनापति क
साक्षात परमेस्सर क बेज्जत करइ पठएस ह। होइ सकत ह
तोहार परमेस्सर यहोवा ओन बुरी अपमान स भरी बातन क
सुन लिहस ह अउर उ ओनका एकर सजा देइ। कृपा कइके
इस्राएल क ओन थोड़े स लोगन बरे पराथना करा जउन
बचे भए अहइ।”
5-6हिजकिय्याह क सेवक यसायाह क लगे गएन।
यसायाह ओनसे कहेस, “अपने मालिक क इ बताइ द्या:
‘यहोवा कहत ह तू पचे सेनापति स जउन सुन्या ह, ओन
बातन स जिन डेराअ। अस्सूर क राजा क लरिकन मोर
अपमान करइ बरे जउन बातन कहेन ह, ओन बातन स जिन
डेराअ। 7लखा अस्सूर क राजा क मइँ एक अफवाह
सुनवाउब। अस्सूर क राजा क एक अइसी रपट मिली जउन
ओकरे देस पइ आवइ वाले खतरा क बारे मँ होइ। एहसे उ
अपने देस वापस लउटि जाइ। उ समय मइँ ओका, ओकरे
आपन ही देस मँ तरवार स मउत क घाट उतार देब।’”

अस्सूर क सेना क यरूसलेम क तजब

8-9अस्सूर क राजा क एक खबर मिली, सूचना मँ कहा
ग रहा, “इथोपिया क राजा तिर्हाका जुद्ध करइ आवति
अहइ।” तउ अस्सूर क राजा लाकीस क तजिके लिबना चला
गवा। सेनापति इ सुनेस अउर लिबना नगर क चला गवा
जहाँ अस्सूर क राजा जुद्ध करत रहा। फुन अस्सूर क राजा
हिजकिय्याह क लगे दूत पठएस। राजा ओन दूतन स कहेस,
10“यहूदा क राजा हिजकिय्याह स तू पचे इ बातन कह्या:
जउने देवता पइ तोहार बिस्सास अहइ, ओहसे तू पचे
मूरख जिन बना। अइसा जिन कहा कि अस्सूर क राजा
परमेस्सर यरूसलेम क पराजित नाहीं होइ देइ।
11लखा, तू पचे अस्सूर क राजा लोगन क बारे मँ
सुन ही चुका अहा। उ पचे हर कउनो देस मँ लोगन
क संग का कछू किहेन ह। ओनका उ पचे बुरी तरह
हराएन ह। का तू पचे ओनसे बचि पउब्या? नाहीं,
कदापि नाहीं। 12का ओन लोगन क देवतन ओनकर
रच्छा किहे रहेन? नाहीं। मोर पुरखन ओनका नस्ट कइ
दिहन। मोर लोग गोजान, हारान अउ रेसेप क नगरन
क बुरी तरह हराइ दिहे रहेन अउर उ पचे एदेन क
लोग जउन तलस्सार मँ रहा करत रहेन, ओनका भी
हराइ दिहे रहेन। 13हमात अउर अर्पाद क राजा कहाँ
गएन। सपरवैम क राजा आज कहाँ अहइ? हेना अउर

इव्वा क राजा अब कहाँ अहइँ? ओनकर अन्त कइ
दीन्ह गवा। उ पचे सबहिं बर्बाद कइ दीन्ह गएन।"

हिजकिय्याह क परमेस्सर स पराथना

14हिजकिय्याह ओन लोगन स उ सँदेसा लइ लिहस अउर
ओका बाँचेस। फुन हिजकिय्याह यहोवा क मंदिर मँ चला
गवा। हिजकिय्याह उ सँदेसा क खोलेस अउर यहोवा क
समन्वा रख दिहस। 15फुन हिजकिय्याह यहोवा स पराथना
करइ लाग। हिजकिय्याह बोला:

16"इस्राएल क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा, तू राजा
क समान करूब सरगदूतन पइ बिराजत अहा। तू अउर
बस तू ही परमेस्सर अहा, जेकर धरती क सबहिं राज्जन
पर सासन अहइ। तू सरगन अउर धरती क रचना किहा
ह। 17मोर सुना। आपन आँखिन खोला अउर लखा,
कान लगाइके सुना इ सँदेसा क सब्दन क, जेका
सन्हेरीब मोका पठएस ह। एहमाँ तू साक्षात परमेस्सर क
बारे मँ अपमान स भरी बुरी बुरी बातन कह्या ह।
18हे यहोवा, अस्सूर क राजा लोग असल मँ सबहिं
देसन अउर हुवाँ क धरती क तबाह कइ दिहेस ह।
19अस्सूर क राजा लोग ओन देसन क देवतन क बारि
डाएन ह किन्तु उ पचे सच्चे देवतन नाहीं रहेन। उ पचे
तउ सिरिफ अइसे मूरतियन रहेन जेनका लोग बनाए
रहेन। उ सबइ तउ कोरी काठ रहेन, कोरे पाथर रहेन।
एह बरे उ पचे खतम होइ गएन। उ सबइ बर्बाद होइ
गएन। 20तउ अब हे हमार परमेस्सर यहोवा। अब कृपा
कइके अस्सूर क राजा क सक्ती स हमार रच्छा करा।
ताकि धरती क सबहिं राज्जन क पता चलि जाइ कि तू
यहोवा अहा अउर तू ही हमार एकमात्र परमेस्सर अहा।"

हिजकिय्याह क परमेस्सर क उत्तर

21फुन आमोस क पूत यसायाह हिजकिय्याह क लगे इ
सँदेसा पठएस, "इ उ अहइ जेका इस्राएल क परमेस्सर
यहोवा कहेस ह, 'अस्सूर क राजा सन्हेरीब क बारे मँ तू
मोका पराथना किहेस ह।'
22"तउ मोका जउन सन्हेरीब विरोध मँ कहेस,
'उ इ अहइ: सिय्योन क कुवाँरी पुत्री तोहका तुच्छ जानत
ह। उ तोहार हँसी उड़ावत ह। यरूसलेम क पुत्री तोहार हँसी
उड़ावत ह।
23तू मोरे बरे विरोध मँ बुरी बातन कह्या। तू बोलत
रह्या। तू आपन आवाज मोरे विरोध मँ उठाए रह्या। तू
मोका इस्राएल क पवित्तर परमेस्सर क अभिमान भी
आँखिन स घूरे रह्या।
24मोर सुआमी यहोवा क बारे मँ तू बुरी बातन कहलवावइ
बरे तू आपन सेवकन क प्रयोग किहा। तू कह्या "मइँ बहोत
सक्तीसाली हउँ! मोरे लगे बहोत स रथ अहइँ। मइँ आपन
सक्ती स लबानोन क हराया जब मइँ आपन रथन क
लबानोन क महान पर्वत क ऊँच सिखरन क ऊपर लइ
आएउँ। मइँ लबानोन क सबहिं महान बृच्छ काट डाएउँ। मइँ
उच्चतम सिखर स लइके गहिर जंगलन तलक प्रवेस कइ
चुका हउँ।
25मइँ बिदेसी धरती पइ कुअँन खनेउँ अउर पानी पिएउँ।
मइँ मिस्र क नदियन सुखाइ दिहेउँ अउर उ देस पइ चलिके
गएउँ ह।"
26इ सबइ उ जउन तू कह्या। का तू इ नाहीं सुन्या कि
परमेस्सर का कहेस? "मइँ (परमेस्सर) बहोत बहोत पहिले ही
इ जोजना बनाइ लिहेउँ रहे। बहोत बहोत पहिले ही मइँ एका
तइयार कइ लिहे रहेउँ अब एका मइँ घटित किहेउँ ह। मइँ
ही तू पचन्क ओन नगरन क नस्ट करइ दिहेउँ अउर मइँ ही
तू पचन्क ओन नगरन क पाथरन क देर मँ बदलइ दिहेउँ।
27ओन नगरन क निवासी कमजोर रहेन। उ सबइ लोग
भयभीत अउर लज्जित रहेन। उ पचे खेते क पउधन जइसे
रहेन, उ पचे नई घास क जइसे रहेन। उ पचे उ घासे क
नाईं रहेन जउन मकानन क छतन पइ जमा करत हीं। उ
घास लम्बी होइ स पहिले ही रेगिस्तान क गरम हवा
झुलसाइ दीन्ह जात ह।
28तोहार सेना अउ तोहरे जुद्ध क बारे मँ मइँ सब कछू
जानत हउँ। मोका पता अहइ जब तू विस्राम किहे रह्या।
जब तू जुद्ध बरे गवा रह्या, मोका तब क भी पता अहइ।
तू जुद्ध स घरे कब लउट्या, मइँ इ भी जानत हउँ। मोका
एकर भी गियान अहइ कि तू मोह पइ कोहान अहा।
29तू मोहसे खुस नाहीं अहा अउर मइँ तोहार अहंकार स
भरा अपमान क सुना ह। तउ मइँ तोहका सजा देब। मइँ
तोहरे नाके मँ नकेल डाउब। मइँ तोहरे मुँहे पइ लगाम
लगाउब अउर तब मइँ तोहका मजबूर करब कि तू जउने
राहे स आया रह्या, उहइ राहे स मोरे देस क तजिके वापिस
चला जा।""'

हिजकिय्याह बरे यहोवा क संदेस

30एह पइ यहोवा हिजकिय्याह स कहेस, "हिजकिय्याह, तू
इ देखावइ बरे कि इ सबइ सब्द सच्चा अहइँ, मइँ तोहका
एक संकेत देब। इ बरिस तू खाइ बरे कउनो अनाज नाहीं
बोया। तउ इ बरिस तू पिछले बरिस क फसल स यूँ ही जम
आए अनाजे क खाब्या। अगले बरिस भी अइसा ही होगा
किन्तु तीसरे बरिस तू उ अनाजे क खाब्या जेका तू जमाए
होब्या। तू आपन फसलन क कटब्या। तोहरे लगे खाइ क
भरपूर होइ। तू अंगूरे क बेलन रोपब्या अउर ओनकर फल
खाब्या।
31"यहूदा क परिवार क कछू लोग बच जइहीं। उ पचे
ही लोग बढ़त भए एक बड़की जाति क रूप लइ लेइहीं। उ
पचे लोग ओन बृच्छन क नाईं होइहीं जेनकर जड़न धरती मँ
बहोत गहिर जात हीं अउर जउन बहोत तगड़े होइ जात हीं
अउर बहोत स फल देत हीं। 32यरूसलेम म कछू ही लोग
जिअत बचिके बाहेर जाइ पइहीं। सिय्योन पर्वते स बचे भए
लोगन क एक समूह ही बाहेर जाइ पाइ। सर्वसक्तीमान
यहोवा क सुदृढ़ पिरेम ही अइसा करी।
33तउ यहोवा अस्सूर क राजा क बारे मँ इ कहेस:
"उ इ नगर मँ नाहीं आइ। उ इ नगर पइ एक भी बाण
नाहीं छोड़ी! उ आपन दालन क मुँह इ नगर कइँती नाहीं

करी। उ इ नगर पइ हमला करइ क बरे माटी क टीला
खड़ा नाहीं करी।
34उहइ राहे स जेहसे उ आवा रहा, उ वापस आपन
नगर क लउटि जाइ। इ नगर मँ उ प्रवेस नाहीं करी।" इ
सँदेसा यहोवा कइँती स अहइ।
35यहोवा कहत ह, मइँ बचाउब अउर इ नगर क रच्छा
करब। मइँ अइसा खुद आपन बरे अउर आपन सेवक दाऊद
बरे करब।"
36तउ यहोवा क सरगदूत अस्सूर क सिबिर मँ जाइके
एक लाख पचासी हजार फउजी मनइयन क मार डाएस।
अगली सुबह जब लोग उठेन, तउ उ पचे लखेन कि
ओनके चारिहुँ कइँती मरे भए फउजियन क ल्हासन बिखरी
अहइँ। 37एह पइ अस्सूर क राजा सन्हेरीब वापस लउटिके
आपन घरे नीनवे चला गवा अउर हुँवइ रहइ लाग।
38एक दिन, जब सन्हेरीब आपन देवता निस्रोक क मंदिर
मँ ओकर पूजा करत रहा, उहइ समय ओकर पूत अद्रम्मेलेक
अउर सरेसेर तरवार स ओकर कतल कइ दिहस अउर फुन
उ पचे असरात क भुइँया मँ पराइ गएन। एह बरे सन्हेरीब
क पूत एसर्हद्देन (अस्सूर क) नवा राजा बन गवा।

हिजकिय्याह क बीमारी

38 उ समय क आसपास हिजकिय्याह बहोत बीमार
पड़ा। एँतना बीमार कि जइसे उ मरि ही गवा
होइ। तउ आमोस क पूत यसायाह ओहसे मिलइ गवा।
यसायाह राजा स कहेस, "यहोवा तू पचन्क इ सबइ
बातन बतावइ बरे कहेस ह: 'हाली ही तू मरि जाब्या। तउ
जब तू मरा, तोहार परिवार का करइँ, इ तोहका ओनका
बताइ देइ चाही। अब तू फुन कबहुँ नीक नाहीं होब्या।'"
2हिजकिय्याह उ देवार क नाईं करवट लिहस जेकर मुँह
मन्दिर कइँती रहा। उ यहोवा क पराथना किहस, उ कहेस,
3"हे यहोवा, कृपा करा, याद करा कि मइँ सदा तोहरे
समन्वा बिस्सास स भरी अउर सच्चे हिरदय क संग जिन्नगी
जिएउँ ह। मइँ उ सबइ बातन किहेउँ ह जेनक तू उत्तिम
कहत ह।" एकरे पाछे हिजकिय्याह ऊँच सुर मँ रोउब सुरू
कइ दिहस।
4यसायाह क यहोवा स इ संदेस मिला: 5"हिजकिय्याह क
लगे जा अउर ओहसे कहि द्या: इ सबइ बातन उ सबइ
अहइँ जेनका तोहार बाप दाऊद क परमेस्सर यहोवा कहत
ह, 'मइँ तोहार पराथना सुनेउँ ह अउर तोहार दुःख भरे आँसू
लखेउँ ह। तोहरी जिन्नगी मँ मइँ पन्द्रह बरिस अउर जोड़त
हउँ। 6अस्सूर क राजा क हाथन स मइँ तोहका छोड़ाइ
डाउब अउर इ नगर क रच्छा करब।'"
22किन्तु हिजकिय्याह यसायाह स पूछेस, "यहोवा कइँती
स अइसा कउन सा संकेत अहइ जउन साबित करत ह कि
मइँ नीक होइ जाब? कउन सा संकेत अहइ जउन प्रमाणित
करत ह कि मइँ यहोवा क मंदिर मँ जाइ क जोग्य होइ
जाब?"
7तोहका इ बात बतावइ बरे जउन बातन क उ कहत ह,
ओनका उ पूरा करी। यहोवा कइँती इ संकेत अहइ:
8"लखा, आहाज क धूप घड़ी क उ छाया जउन अंसन पइ
पड़त ह, मइँ ओका दस अंस पाछे हटाइ देब। सूरज क उ
छाया दस अंस तलक पाछे चली जाइ।"
21फुन एह पइ यसायाह कहेस, "अंजीरन क आपुस मँ
मसलवाइके ओकरे फोड़न पइ बाँधा। एहसे उ नीक होइ
जाइ।"
9इ हिजकिय्याह क उ पत्र अहइ जउन उ बेरामी स नीक
होइ क पाछे लिखे रहा:
10मइँ आपन मन मँ कहेउँ कि मइँ तब तलक जिअब
जब तलक बूढ़ा होबउँ। किन्तु मोर काल आइ गवा रहा कि
मइँ मउत क दुआरे स गुजरउँ। अब मइँ आपन समय
हिऊँइ पइ बिताउबउँ।
11एह बरे मइँ कहेउँ, "मइँ यहोवा याह क फुन कबहुँ
जिअतन क धरती पइ नाहीं लखब। धरती पइ जिअत भए
लोगन क मइँ नाहीं लखब।
12मोर घर, चरवाहे क अस्थिर तम्बू सा उखाड़िके गिरावा
जात अहइ अउर मोहसे छीना जात अहइ। अब मोर वइसा
ही अन्त होइ गवा ह जइसे करघे स कपड़ा लपेटि के काट
लीन्ह जात ह। क्षिनभर मँ तू मोहका इ अंत तलक पहोंचाइ
दिहा।
13मइँ भोर तलक आपन क सान्त करत रहेउँ। उ सेर क
नाईं मोर हाड़न क तोरत अहइ। एक ही दिन मँ तू मोर अन्त
कइ डावत ह।
14मइँ कबूतर स रोवत रहेउँ। मइँ एक पंछी जइसा रोवत
रहेउँ। मोर आँखिन थक गइन तउ भी मइँ लगातार अकासे
कइँती निहारत रहेउँ। मोर सुआमी, मइँ विपत्ति मँ हउँ मोका
उबारइ क बचन द्या।"
15मइँ अउर का कहि सकत हउँ? मोर सुआमी मोका
बताएस ह जउन कछू भी होइ, अउर मोर सुआमी ही उ
घटना क घटित करी। मइँ एन बिपत्तियन क आपन आतिमाँ
मँ झेलेउँ ह एह बरे मइँ जिन्नगी भइ विनम्र रहब।
16हे मोर सुआमी, इ कस्ट क समय क उपयोग फुन स
मोर चेतना क ससक्त बनावइ मँ करा। मोरे मने क ससक्त
अउर स्वस्थ होइ मँ मोर मदद करा। मोका सहारा द्या कि
मइँ नीक होइ जाउँ। मोर मदद करा कि मइँ फुन स जी
उठउँ।
17लखा! मोर बिपत्तियन खतम भईन! अब मोरे लगे
सान्ति अहइ। तू मोहसे बहोत जियादा पिरेम करत ह। तू
मोका कब्र मँ सड़इ नाहीं दिहा। तू मोर सब पाप छिमा
किहा। तू मोर सब पाप दूर लोकाइ दिहा।
18तोहार स्तुति मरे मनई नाहीं गावतेन। मउत क देस मँ
पड़े लोग तोहार यसगीत नाहीं गावतेन। उ पचे मरे भए मनई
जउन कब्र मँ समावा अहइँ, मदद पावइ क तोह पइ भरोसा
नाहीं रखतेन।
19उ सबइ लोग जउन जिअत अहइँ जइसा आजु मइँ हउँ
तोहार जस गावत हीं। एक बाप क आपन सन्तानन क
बतावइ चाही कि तोह पइ भरोसा कीन्ह जाइ सकत ह।
20एह बरे मइँ कहत हउँ: "यहोवा मोका बचाएस ह तउ
हम आपन जिन्नगी भइ यहोवा क मन्दिर मँ गीत गाउब
अउर बाजा बजाउब।"

बाबुल क सँदेसावाहक

39 उ समय, बलदान क पूत मरोदक बलदान बाबुल
क राजा भवा करत रहा। मरोदक हिजकिय्याह क
लगे पत्र अउर उपहार पठएस। मरोदक ओकरे लगे उपहार
एह बरे पठए रहा कि उ अनके रहा कि हिजकिय्याह बेराम
रहा अउर फुन नंगा होइ गवा। 2एन उपहारन क पाइके
हिजकिय्याह बहोत खुस भवा। एह बरे हिजकिय्याह मरोदक
क लोगन क आपन खजाने क कीमती चिजियन देखाएस।
हिजकिय्याह ओन लोगन क आपन सारी सम्पत्ति देखाएस।
चाँदी, सोना, कीमती तेल अउर इत्र ओनका देखाएस।
हिजकिय्याह ओनका जुद्ध मँ काम आवइवाली तरवारन
अउर ढालन भी देखाएस। हिजकिय्याह ओनका सबहिं
चिजियन देखाएस जउन उ जमा कइ रखे रहा। हिजकिय्याह
आपन घरे क अउर आपन राज्ज क हर वस्तु ओनका
देखाएस।

3यसायाह नबी राजा हिजकिय्याह क लगे गवा अउर
ओहसे बोला, "इ सबइ लोग का कहत अहइँ? इ सबइ
लोग कहाँ स आएन ह?"

हिजकिय्याह कहेस, "इ सबइ लोग दूर देस स मोरे लगे
आएन ह। इ सबइ लोग बाबुल स आएन ह।"

4एह पइ यसायाह ओहसे पूछेस, "उ पचे तोहरे गहल मँ
का लखेन?"

हिजकिय्याह कहेस, "मोर महल क हर वस्तु उ पचे
लखेन। मइँ आपन सारी सम्पत्ति ओनका देखाए रहेउँ।"

5यसायाह हिजकिय्याह स इ कहेस, "सर्वसक्तीमान यहोवा
क सब्दन क सुना। 6'भविस्स मँ जउन कछू तोहरे घर मँ
अहइ, उ सब कछू बाबुल लइ जावा जाइ। अउर तोहरे
बुजुर्गन क उ सारी धन दौलत जउन अचानक उ पचे बटोरेन
ह, लइ लीन्ह जाइ। तोहरे लगे कछू नाहीं छोड़ा जाइ।
सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहेस ह। 7बाबुल क राजा तोहरे
पूतन क लइ जाइ। उ सबइ पूत जउन तोहसे पइदा होइहीं।
तोहार पूत बाबुल क राजा क महल मँ हाकिम बनिहीं।
8हिजकिय्याह यसायाह स कहेस, "यहोवा क एन बचनन क
सुन मोरे बरे बहोत उत्तिम होइ।" (हिजकिय्याह अइसा एह
बरे कहेस काहेकि ओकर विचार रहा, "जब मइँ राजा होब,
तब सान्ति रही अउर कउनो उत्पात नाहीं होइ।")

इस्राएल क सजा क अन्त

40 "चैन द्या, मोरे लोगन कचैन द्या! तोहार पचन्क
परमेस्सर कहत ह।

2तू यरूसलेम स दाया स बातन करा। यरूसलेम क बताइ
द्या, 'तोहरी सेवा क समय पूरा होइ चुका। तू आपन पापन
क कीमत दइ दिहे अहा।'" यहोवा यरूसलेम क कीन्ह भए
पापन क दुइ गुणा दण्ड ओका दिहेस ह।

3सुना! एक मनई क जोर स गोहरावत भए सुर: "यहोवा
बरे बियाबान मँ एक राह बनावा। हमार परमेस्सर बरे
बियाबान मँ एक रास्ता चौरस करा।

4हर घाटी क भरि द्या हर एक पर्वत अउ पहाड़ी क
समथर करा। टेढ़-मेढ़ राहन क सोझ करा। उबड़-खाबड़ क
चौरस बनाइ द्या।

5तब यहोवा क महिमा परगट होइ। सब लोग एकट्ठा
यहोवा क तेज क लखिहीं। हाँ, यहोवा खुद इ सबइ कहेस
ह।"

6एक वाणी मुखरित भइ, उ कहेस, "बोला।" तउ मनई
पूछेस, "मइँ का कहउँ?" वाणी कहेस, "लोग सदा जिअत
नाहीं रहिहीं। उ सबइ रेगिस्ताने क घास क नाईं अहइँ।
ओनकर धार्मिकता जंगली फूल क समान अहइ।

7एक सक्तीसाली आँधी यहोवा कइँती स उ घासे पइ
चलत ह, अउर घास झुराइ जात ह, जंगली फूल नस्ट होइ
जात ह।" हाँ सबहिं लोग घास क समान अहइँ।

8घास मरि जात ह अउर जंगली फूल नस्ट होइ जात ह।
किन्तु हमरे परमेस्सर क बचन सदा बने रहत हीं।"

मुक्ति: परमेस्सर क सुसंदेस

9हे, सिय्योन, तोहरे लगे सुसंदेस कहइ क अहइ। तु
पहाड़े पइ चढ़ि जा अउर ऊँचे सुर स ओका गोह रावा।
यरूसलेम, तोहरे लगे एक सुसंदेस कहइ क अहइ। भयभीत
जिन ह्वा, तू ऊँच सुर मँ बोला। यहूदा क सारे नगरन क तू
इ सबइ बातन बताइ द्या: "लखा, इ रहा तोहार परमेस्सर!

10मोर सुआमी यहोवा सक्ती क संग आवत अहइ। उ
आपन सक्ती क उपयोग लोगन पइ सासन करइ मँ लगाइ।
यहोवा आपन लोगन क प्रतिफल देइ। ओकरे लगे देइ क
ओनकर मजदूरी होइ।

11यहोवा आपन लोगन क वइसे ही अगुवाई करी जइसे
कउनो गड़रिया आपन भेड़िन क अगुवाई करत ह। यहोवा
आपन बाहु क काम मँ लिआई अउर आपन भेड़िन क
बटोरी। यहोवा नान्ह भेड़िन क उठाइके गोद मँ थामी, अउर
ओनकर महतारिन ओकरे संग संग चालिहीं।

संसार क परमेस्सर रचेस: उ एकर सासक अहइ

12कउनो अँजुरी मँ भरिके समुद्र क नाप दिहेस? कउन
हाथे स अकास क नाप दिहस? कउन कटोरा मँ भरिके
धरती क सारी धूरि क नाप दिहस? कउन नापइ क धागा स
पर्वतन अउर चोटियन क नाप दिहेस? इ यहोवा किहे रहा।

13यहोवा क आतिमा क कउनो मनई इ नाहीं बताएस कि
ओका का करब रहा। यहोवा क कउनो इ नाहीं बताएस कि
ओका जउन उ किहेस ह, कइसे करब रहा।

14का यहोवा कउनो स मदद माँगेस? का यहोवा क
कउनो निस्पच्छता क पाठ पढ़ाएस ह? का कउनो मनई
यहोवा क गियान सिखाएस ह? का कउनो मनई यहोवा क
बुद्धि स काम लेब सिखाएस ह? नाहीं। एन सबहिं बातन क
यहोवा क पहिले ही स गियान अहइ।

15लखा, जगत क सारे देस गगरी मँ एक नान्ह बूँद
जइसे अहइँ। जदि यहोवा सुदूरवर्ती देसन तलक क लइके
आपन तराजू पइ धइ देइ, तउ उ पचे नान्ह स रजकन जइसे
लगिहीं।

16लबानोन क सारे बृच्छन भी काफी नाहीं अहइ कि
ओनका यहोवा बरे बारा जाइ। लबानोन क सारे पसु काफी
नाहीं अहइँ कि ओनका ओकर एक बलि बरे मारा जाइ।

17परमेस्सर क तुलना मँ विस्व क सबहिं रास्ट्र कुछ भी नाहीं अहइँ। परमेस्सर क तुलना मँ विस्व क सबहिं रास्ट्र बिल्कुल बगैर कीमत क अहइँ।

परमेस्सर का अहइ, लोग कल्पना नाहीं कइ सकतेन

18का तू परमेस्सर क तुलना कउनो भी चीज स कइ सकत ह? नाहीं। का तू परमेस्सर क चित्र बनाइ सकत ह? नाहीं।

19किन्तु कछू लोग अइसे अहइँ जउन पाथर अउर काठे क मूरतियन बनावत हीं अउर ओनका देवता कहत हीं। एक कारीगर मूरति क बनावत ह। फुन दूसर कारीगर ओह पइ सोना मढ़ देत ह अउर ओकरे बरे चाँदी क जंजीरन बनावत ह।

20तउ उ मनई आधार बरे एक खास तरह क काठ चुनत ह जउन सड़त नाहीं ह। तब उ एक अच्छे काठे क कारीगर क हेरत ह। उ कारीगर एक अइसा देवता बनावत ह जउन लुढ़कत नाहीं ह।

21निहचय ही, तू पचे फुरइ जानत अहा, बोला? निहचय ही तू पचे सुन्या ह। निहचइ ही बहोत पहिले कउनो तू पचन्क बताएस ह। निहचइ ही तू पचे जानत अहा कि धरती क कउन बताएस ह।

22यहोवा ही सच्चा परमेस्सर अहइ। उहइ धरती क चक्र क ऊपर बइठत ह। ओकर तुलना मँ लोग टिड्डी स लगत हीं। उ अकासन क कउने कपड़े क टूकन क नाईं खोल दिहस। उ अकासे क ओकरे खाले बइठइ क एक तम्बू क नाईं तान दिहस।

23सच्चा परमेस्सर सासकन क महत्वहीन बनावत ह। उ इ जगत क निआवकर्त्तन क पूरी तरह बियर्थ बनाइ देत ह।

24उ सबइ सासक अइसे अहइँ जइसे उ पचे पउधन जेनका धरती मँ रोपा गवा होइ, किन्तु एहसे पहिले कि उ पचे आपन जड़न धरती मँ जमाइ पावइँ, परमेस्सर ओनका बहाइ देत ह अउर उ सबइ झुराइके मरि जात हीं। आँधी ओनका तिनका सा उड़ाइके लइ जात ह।

25"का तू कउनो स भी मोर तुलना कइ सकत ह? नाहीं। कउनो भी मोरे बराबर क नाहीं अहइ।

26ऊपर अकासन क लखा। कउन ऍन सबहिं तारन क बनाएस? कउन उ सबइ अकास क सेना बनाएस? केका सबहिं तारन नाम-बनाम मालूम अहइँ? सच्चा परमेस्सर बहोत ही सुदृढ़ अउर सक्तीसाली अहइ एह बरे कउनो तारा कबहुँ निज मार्ग नाहीं बिसरा।"

27हे याकूब, इ सच अहइ। हे इस्राएल, तोहका एका बिस्सास करइ चाही। तउ तू काहे अइसा कहत ह कि " जइसी जिन्नगी मइँ जिअत हउँ ओका यहोवा नाहीं लखि सकत। परमेस्सर मोका धइ नाहीं पाइ अउर न सजा दइ पाई।"

28सचमुच तू सुन्या ह अउर जानत ह कि यहोवा परमेस्सर बुद्धिमान अहइ। जउन कछू उ जानत ह ओन सबहिं बातन क मनई नाहीं सीख सकत। यहोवा कबहुँ थकत नाहीं, ओका कबहुँ विस्राम क जरूरत नाहीं होत। यहोवा ही सबहिं दूरदराज क ठउर धरती पइ बनाएस। यहोवा सदा जिअत ह।

29यहोवा सक्तीहीनन क सक्तीसाली बनइ मँ सहायता देत ह। उ अइसे ओन लोगन क जेनके लगे सक्ती नाहीं अहइ, प्रेरित करत ह कि उ सक्तीसाली बनइ।

30नउजवान थक जात हीं अउर ओनका विस्राम क जरूरत पड़जात ह। हिआँ तलक कि किसोर भी ठोकर खात हीं अउर गिरत हीं।

31किन्तु उ सबइ जउन यहोवा क भरोसा करत अहइँ आपन सक्ती क प्राप्त कइ लेइ। उ पचे उँचाई पइ उड़ि ओकर पखना बाज़ क नाई होइ। उ पचे दौड़ी किन्तु कमज़ोर नाहीं होइ। उ पचे चली किन्तु थकी नाहीं

यहोवा सृजनहार अहइ: उ अमर अहइ

41 यहोवा कहा करत ह, "सुदूरवर्ती देसो, चुप रहा अउर मोरे लगे आवा। जातियो, फुन स सुदृढ़ बना। मोरे लगे आवा अउर मोहसे बातन करा। आपुस मँ मिलिके हम निहचय करी कि उचित का अहइ।

2कउन उ बिजेता क जगाएस ह, जउन पूरब स आइ? कउन ओहसे दूसर देसन क हरवावत अउर राजा लोगन क अधीन कइ देत? कउन ओकर तरवारन क एतना बढ़ाइ देत ह कि उ पचे अनगिनत होइ जात जेतना रेत-कण होत हीं? कउन ओकरे धनुसन क ऍतना अनगिनत कइ देत जेतना भूसे क छिलकन होत हीं?

3उ मनई पाछा करी अउर ओन रास्ट्रन क पाछा बगैर नोस्कान उठाए करत रही अउर अइसे ओन ठहरन तलक जाइ जहाँ उ पहिले कबहुँ गवा ही नाहीं।

4कउन इ सबइ सब घटित करत ह? कउन इ किहेस? कउन आदि स सबलोगन क बोलाएस? मइँ यहोवा एन सबइ बातन क किहेउँ। मइँ यहोवा ही सबसे पहिला हउँ। आदि क पहिले स मोर अस्तित्व रहा ह, अउर जब सब कछू चला जाइ तउ भी मइँ हिअँइ रहब।

5सुदूरवर्ती देस एका लखिहीं अउर भयभीत होइँ। दूर धरती क छोर क लोग फुन आपुस मँ एक जुट होइके भय स काँपि उठइँ।"

6"काम करइवालन एक दूसर क मदद करत ह अउर
मज़बूत होइवइ बरे हिम्मत बढ़ावत ह। 7मूर्ति बनावइ बरे
एक कारीगर लड़की काटत अहइ। फुन उ मनई सुनारे क
उत्साहित करत ह। एक कारीगर हथौड़े स धातु क पत्तर
बनावत अहइ। फुन उ कारीगर निहायी पइ काम करइवाले
मनई क प्रेरित करत अहइ। इ आखिरी कारीगर कहत
अहइ, काम अच्छा अहइ, 'किन्तु इ धातु बाहेर नाहीं
निकरी।' किन्तु उ तउ प भी मूरति क आधार पइ कीले स
जड़ि द्या, ताकि इ कबहुँ हिल-डुल तलक नाहीं पाई।"

यहोवा ही हमार रच्छा कइ सकत ह

8यहोवा कहत ह: "हे मोर सेवक इस्राएल, हे याकूब मोर मीत इब्राहींम क सन्तान तोहका मइँ चुनेउँ ह,

9मइँ तोहका भूइँया क दूर जगह स उठाएउँ। मइँ तू पचन्क उ दूर देस स बोलाएउँ। मइँ कहेउँ, तू मोर सेवक

अहा।" मइँ तोहका चुनेउँ ह अउर मइँ तोहका रद्द किहेउँ
ह।
10तू चिन्ता जिन करा, मइँ तोहरे संग हउँ। तू भयभीत
जिन ह्वा, मइँ तोहार परमेस्सर हउँ। मइँ तोहका सुदृढ़ करब।
मइँ तोहका आपन नेकी क दाहिने हाथे स सहारा देब।
11लखा, कछू लोग तोहसे नाराज अहइँ किन्तु उ पचे
लजइहीं। जउन तोहार दुस्मन अहइँ उ पचे नाहीं रहिहीं, उ
पचे सब हेराइ जइहीं।
12तू अइसे ओन लोगन क खोज करब्या जउन तोहरे
बिरुद्ध रहेन। किन्तु तू ओनका नाहीं पउब्या। उ पचे सबइ
लोग जउन तोहसे लड़ा रहेन, पूरी तरह लुप्त होइ जइहीं।
13मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा हउँ। मइँ तोहार सीधा हाथ
थाम रखे हउँ। मइँ तोहसे कहत हउँ कि जिन डेराउन। मइँ
तोहका सहारा देब।
14कीमती यहूदा, तू निर्भय रहा। हे मोर प्रिय इस्राएल क
लोगो! भयभीत जिन रहा। फुरइ मइँ तोहका मदद देबउँ।
खुद यहोवा ही इ सबइ बातन कहे रहा। इस्राएल क
पवित्तर परमेस्सर जउन तोहार रच्छा करत ह, कहे रहा:
15"लखा, मइँ तोहका एक नवे दाँवइ क औजार जइसा
बनाएउँ ह। इ औजारे मँ बहोत स दाँतन अहइँ जउन बहोत
तीखे अहइँ। किसान एका अनाज क छिलका उतारइ क
काम मँ लिआवत हीं। तू पर्वतन क गोड़न तले मसलब्या
अउर ओनका धूरि मँ मिलाइ देब्या। तू पर्वतन क अइसा
कइ देब्या जइसे भूसा होत ह।
16तू ओनका हवा मँ उछरब्या अउर हवा ओनका
उड़ाइके दूर लइ जाइ अउर ओनका कहूँ छितराई देइ। तब
तू यहोवा मँ टिकिके आनन्दित होब्या। तोहका इस्राएल क
पवित्तर परमेस्सर प बहोत गर्व होइ।
17गरीब जन, अउर जरूरतमंद जल हेरत हीं किन्तु
ओनका जल नाहीं मिलत ह। उ पचे पियासा अहइँ अउर
ओनकर जीभ झुरान अहइ। मइँ ओनकर बिनतियन क जवाब
देब। मइँ ओनका न ही तजब अउर न ही मरइ देब।
18मइँ झुरान पहाड़ पइ नदियन बहाइ देब। घाटियन मँ स
जलस्रोत बहाइ देब। मइँ रेगिस्तान क जल स भरी झील मँ
बदल देब। उ झुरान धरती पइ पानी क सोतन मिलिहीं।
19रेगिस्तान मँ देवदार क, कीकर क, जैतून क, सनावर
क, तिघारे क, चीड़ क बृच्छ जमिहीं।
20लोग अइसा होत भए लखिहीं अउर उ पचे जानिहीं
कि यहोवा क सक्ती इ सब किहेस ह। लोग एनका लखिहीं
अउर समुझब सुरू करिहीं कि इस्राएल क पवित्तर परमेस्सर
इ बातन किहेस ह।"

यहोवा क लबार देवतन क चितउनी

21यहोवा, याकूब क राजा कहत ह, "आ, अउर मोका
आपन मुकदमा द्या। आपन सबूत मोका देखावा। तब हम इ
निहचय करब कि का उचित अहइँ?" 22तोहरे पचन्क
मूरतियन क हमरे लगे आइके, जउन घटत अहइ, उ
बतावइ चाही।
"सुरू मँ का कछू घटा रहा अउर भविस्स मँ का
घटइवाला अहइ। हमका बतावा हम बड़े धियान स सुनब।
जेहसे हम इ जान जाइ कि अगवा का होइवाला अहइ।
23हमका ओन बातन क बतावा जउन घटइवाली अहइँ।
जेनका जानइ क हमका इन्तजार अहइ ताकि हम पतियायी
कि फुरइ तू देवता अहा। कछू करा। चाहे भला चाहे बुरा
ताकि हम लखि सकी अउर जान सकी कि तू जिअत अहा
अउर तोहार अनुसरण करी।
24"लखा, हे लबार देवता, तू पचे बेकार स भी जियादा
बेकार अहा! तू पचे कछू भी नाहीं कइ सकत्या। केवल
बेकार क भ्रस्ट लोग ही तू पचन्क पूजइ चाहत हीं।"

बस यहोवा ही परमेस्सर अहइ

25"जवाब मँ मइँ एक मनई क उठाएउँ ह। उ पूरब स
जहाँ सूरज उगा करत ह, आवत अहइ। उ मोरे नाउँ क
उपासना किया करत ह। जइसे कोहार माटी रौंदा करत ह
वइसे ही उ बिसेस मनई राजा लोगन क रौंदी।"
26इ सबइ घटइ स पहिले ही हमका जउन बताएस ह,
हमका ओका परमेस्सर कहइ चाही। का हमका इ सबइ
बातन तू पचन्क कउनो मूरति बताएस? नाहीं। कउनो भी
मूरति कछू भी हमका नाहीं बताए रही। उ सबइ मूरतियन
तउ एक भी सब्द नाहीं बोल पावत हीं। उ सबइ लबार
देवतन एक भी सब्द जउन तू पचे बोला करत ह नाहीं सुन
पावत हीं।
27मइँ, यहोवा पहिले रहेउँ जउन इ बातन क बिसय मँ
सिय्योन क बताएउँ ह! उ मइँ ही रहेउँ जउन दूत क इ
बड़िया संदेस क साथ यरूसलेम पठएउँ! "लखा, तोहार लोग
वापस आवत अहइँ।"
28जइसा मइँ लखेस, हुवाँ कउनो एक भी मोजूद नाहीं
रहा जउन आपन तर्क पेस करी! का एकर मतलब अहइ
कि ओन देवतन मँ स एक भी वकील न रही! मइँ ओका
प्रस्न पूछेस, किन्तु ओनमाँ स कउनो भी कछू नाहीं बोलेस!
29लखा, इ सबइ देवतन बिल्कुल ही बियर्थ अहइँ! उ
पचे कछू नाहीं कइ पावतेन! उ कछू नाहीं सिरिफ हवा
अहइ।

यहोवा क बिसेस सेवक

42 "मोरे दास क लखा। मइँ ओकर हाथ सँभारेउँ ह।
उहइ एक अहइ जेका मइँ चुनेउँ ह, मइँ ओहसे
बहोत खुस हउँ। मइँ आपन आतिमा ओह पइ रखत हउँ। उ
ही सब रास्ट्रन मँ निआव कइ सकत ह।
2उ गलियन मँ जोर स नाहीं बोली। उ नाहीं गोहराई
अउर न चीखी। 3उ विनम्र होब्या। उ कुचाल भवा सरकण्डा
तलक क नाहीं तोड़ी। उ टिमटिमात भइ लौ तलक क भी
नाहीं बुझाई। उ सच्चाई स निआव क कायम करी।
4उ कमजोर या कुचरा भवा तब तलक नाहीं होइ जब
तलक उ निआव क दुनियाँ मँ न लइ आवइ। दूर देसन क
लोग ओकर सिच्छन पइ बिस्सास करिहीं।"

यहोवा जगत क सृजनहार अउर सासक अहइ

5सच्चा परमेस्सर यहोवा इ सबइ बातन कहेस ह: (यहोवा
अकासन क बनाएस ह। यहोवा अकास क धरती पइ तानेस

ह। धरती पइ जउन कछू अहइ उ भी उहइ बनाएस ह। धरती पइ सबहिं लोगन पइ उहइ प्राण फूँक्त ह। धरती पइ जउन भी लोग चलत फिरत अहइँ, ओन सबन क उहइ जिन्नगी प्रदान करत ह।)

6"मइँ, यहोवा, तोहका नीक मकसद स बुलाएस रहा! मइँ तोहार हाथ थामब अउर तोहार रच्छा करब। तू एक चिह्न इ प्रगट करइ क होब्या कि लोगन क संग मोर एक वाचा अहइ। तू सब लोगन पइ चमकइ क एक प्रकास होब्या।

7तू आँधरन क आँखी क प्रकास देब्य अउर उ सबइ लखइ लगिहीं। अइसे बहोत स लोग जउन जेल मँ पड़ा अहइँ, तू ओन लोगन क अजाद करब्य। तू बहोत स लोगन क जउन अँधियारा मँ रहत हीं। ओनका उ कारागार स तू बाहेर छुड़ाइ लउब्या।"

8मइँ यहोवा हउँ। मोर नाउँ यहोवा अहइ। मइँ आपन महिमा दूसर क नाहीं देब। मइँ आपन ओन मूरतियन क उ तारीफ जउन मोर अहइँ, नाहीं लेइ देब।

9सुरू मँ मइँ कछू बातन जेनका घटब रहा, बताए रहेउँ अउर उ सबइ घटि गइन। अब तोहका उ सबइ बातन घटइ स पहिले ही बताउब जउन अगवा चलिके घटिहीं।"

परमेस्सर क स्तुति

10यहोवा बरे एक नवा गीत गावा, तू पचे जउन दूर दराज क देसन मँ बसा अहा, तू पचे जउन सागरे पइ जलयान चलावत अहा, तू पचे समुद्दर क सबहिं जीवन, दूरवर्ती देसन क सबहिं लोगन, यहोवा क यसगान करा।

11हे रेगिस्तान एवं नगरन अउर केदार क गाँवन, यहोवा क तारीफ करा। सेना क लोगो, आनन्द बरे गावा। आपन पर्वतन क चोटी स गावा।

12यहोवा क महिमा द्या। दूर देसन क लोगो ओकर यसगान करा।

13यहोवा वीर योद्धा स बाहेर निकरी उ मनई स जउन जुद्ध बरे तत्पर अहइ। उ बहोत उत्तेजित होइ। उ पुकारी अउर जोर स ललकारी उ गोहराई अउर जोर स ललकारी अउर आपन दुस्मनन क पराजित करी।

परमेस्सर धीरज रखत ह

14"बहोत समय स मइँ कछू भी नाहीं कहेउँ ह। मइँ अपने ऊपर नियन्त्रण बनाए रखेउँ ह अउर मइँ चुप रहेउँ ह। किन्तु अब मइँ ओतने जोर से चिल्लाब जेतने जोर स बच्चे क जनत भए मेहरारू चिल्लात ह। मइँ बहोत तेज अउर जोर स साँस लेब।

15मइँ पर्वतन-पहाड़ियन क नस्ट कइ देब। मइँ जउन पौधे हुवाँ उगत हीं। ओनका झुराइ देबउँ। मइँ नदियन क झुरान धरती मँ बदल देबउँ। मइँ जल क सरोवरन क सुखाइ देव।

16फुन मइँ आँधरन क अइसी राह देखॅाउब जेन पइ ओका कबहुँ नाहीं लइ जाइ गवा। मइँ आँधर लोगन क अइसी जगह पइ लेइ जाब जहाँ उ पचे कबहुँ नाहीं भवा। ओनके बरे मइँ अँधियारा क प्रकास मँ बदल देबउँ। ऊँच नीच धरती क मइँ समथर बनाउब। मइँ ओन कामन क करब जेनकर मइँ बचन दिहेउँ ह। मइँ आपन लोगन क कबहुँ नाहीं तजब।

17किन्तु कछू लोग मोर अनुसरण करी तजि दिहेन। उ पचे सोना स मढ़ी मूरतियन पइ विस्सास कइके आपन-आप क लज्जित किहेन। ओनसे उ पचे कहा करत हीं कि 'तू पचे हमार देवतन अहा।' उ पचे आपन लबार देवतन क बिस्सासी अहइँ। किन्तु अइसे लोग बस निरास ही होइहीं!"

इस्राएल परमेस्सर क नाहीं सुनेस

18"तू सबइ बहिर लोगन क मोर सुनइ चाही। तू सबइ आँधर लोगन क एहर दृस्टि डावइ चाही अउर मोका लखइ चाही।

19कउन अहइ ओतना आँधर जेतना मोर दास अहइँ? कउनो नाहीं। कउन अहइ ओतना बहिर जेतना मोर दूत अहइ जेका मइँ इ संसार मँ पठएउँ ह? कउनो नाहीं। इ आँधर कउन अहइ जेकरे संग मइँ वाचा किहेउँ? इ पचे एँतना आँधर अहइँ जेतना आँधर यहोवा क दास अहइ।

20उ लखत बहोत ह, किन्तु मोर हुकुम नाहीं मानत। उ आपन कानन स साफ साफ सुनि सकत ह किन्तु उ मोर सुनइ स इन्कार करत ह।"

21यहोवा उहइ चाहत ह जउन ओकरे सेवक इस्राएल बरे बड़ियार होइ, एँह बरे उ (यहोवा) ओनका महान अउर अद्भुत उपदेस देत ह।

22किन्तु ओनका कइँती लखा। उ पचे हराइ दिहे गएन अउर ओनकर धन जुद्ध मँ लूटि लिहे गएन। उ पचे सबहिं जैल मँ बन्द कीन्ह गएन। लोग ओनसे ओनकर धन छीनी लिहेन ह। कउनो मनई ओकार रच्छा करइ क लाइक नाहीं अहा। दूसर मनई ओकर धन क लूटि लिहेन। कउनो मनई अइसा नाहीं जउन कहइ "एका वापिस करा।"

23तू पचन्मँ स का कउनो मनई एका सुनत ह? का तू
पचन्मँ स कउनो क भी इ बात क परवाइ अहइ अउर का
कउनो सुनत ह कि भविस्स मँ तू पचन्क साथ का होइवाला
अहइ? 24याकूब अउर इस्राएल क सम्पत्ति लोगन क कउन
लेइ दिहस? यहोवा ही ओनका अइसा करइ दिहस। हम
यहोवा क विरुद्ध पाप किहे रहे? तउ यहोवा लोगन क
हमार सम्पत्ति छोरइ दिहस? इस्राएल क लोग उस ढंग स
जिअब नाहीं चाहत रहेन जउने ढ़ग स यहोवा चाहत रहा।
इस्राएल क लोग ओकरी सिच्छा पइ कान नाहीं दिहन।
25तउ यहोवा ओन पइ कोहाइ गवा। यहोवा ओनके खिलाफ
भयानक लड़ाइयन लड़वाइ दिहस। इ अइसे भवा जइसे
इस्राएल क लोग आगी मँ बरत होइँ अउर उ पचे जान ही
न पाए होइँ कि का होत अहइ। इ अइसा रहा जइसे उ पचे
बरत होइँ। किन्तु उ पचे जउन वस्तुअव घटत रहिन, ओनका
समुझावइ क जतन ही नाहीं किहेन।

परमेस्सर सदा आपन लोगन क साथ रहत ह

43 याकूब, तोहका यहोवा बनाए रहा। इस्राएल, तोहार
रचना यहोवा किहे रहा। अब यहोवा कहत ह:
"भयभीत जिन ह्वा! मइँ तोहका बचाइ लिहेउँ। मइँ तोहका
नाउँ स पुकारेउँ ह। तू मोर अहा। 2जब तोहे पइ बिपत्तियन

पड़त हीं, मइँ तोहरे संग रहत हउँ। जब तू नदी पार करब्या,
तू बहब्या नाहीं। तू जब आगी स होइके गुजरब्या, तउ तू
बरब्या नाहीं। लपटन तोहका नोस्कान नाहीं पहोंचइही।
3काहेकि मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा हउँ। मइँ इस्राएल क
पवित्तर तोहार उद्धारकर्ता हउँ। तोहरे बदले मँ मइँ मिस्र क
दइके तोहका आजाद कराएउँ ह। मइँ इथोपिया अउ सबा क
तोहका आपन बनावइ क दइ डाएउँ ह। 4तू मोरे बरे बहोत
महत्वपूर्ण अहा। एह बरे मइँ तोहार आदर करब। मइँ तोहसे
पिरेम करत हउँ, ताकि तू जी सका, अउर मोर होइ सका।
एकरे बरे मइँ सबहिं मनइयन अउर जातियन क बदले मँ
देबउँ।"

परमेस्सर आपन सन्तानन क घर लिआई

5"एह बरे जिन डेराअ। मइँ तोहरे सगं हउँ। तोहार बच्चन
क एकट्ठा कइके मइँ ओनका तोहरे लगे लिआउब। मइँ
तोहरे लोगन क पूरब अउ पच्छिम स एकट्ठा करब। 6मइँ
उत्तर स कहब: मोर बच्चे मोका लौटाइ द्या।" मइँ दक्खिन
स कहब: "मोरे लोगन क बंदी बनाइके जिन रखा। दूर-दूर
स मोरे पूत अउर बिटियन क मोरे लगे लिआवा। 7ओन
सबहिं लोगन क, जउन मोर अहइँ, मोरे लगे लइ आवा
अर्थात् ओन लोगन क जउन मोर नाउँ लेत हीं। मइँ ओन
लोगन क खुद अपने बरे बनाएउँ ह। ओनकर रचना मइँ
किहेउँ ह अउर उ पचे मोर अहइँ।"

जगत बरे इस्राएल परमेस्सर क साच्छी अहइ

8"अइसे लोगन क जेनकर आँखिन तउ अहइँ किन्तु फुन
भी उ पचे आँधर अहइँ, ओनका निकार लिआवा। अइसे
लोगन क जउन कानन क होत भए भी बहिर अहइँ,
ओनका निकार लिआवा। 9सबहिं लोगन अउ सबहिं रास्ट्रन
क एक संग बटोरा। अगर कउनो भी लबार देवता कबहुँ इ
कहेस कि प्रारम्भ मँ का भवा रहा अउर भूतकाल मँ इ
बताए रहा कि आगे का कछू होइ तउ ओनका आपन
गवाह लिआवइ द्या अउर ओनका सच साबित करइ द्या।
अगर उ सुन सकत ह तउ ओका आवइ द्या अउर सच्चाइ
क कहइ द्या।"

10यहोवा कहत ह, "तू ही लोग मोर साच्छी अहा। तू
मोर उ सेवक अहा जेका मइँ चुनेउँ ह। मइँ तोहका एह बरे
चुनेउँ ह ताकि तू समुझ ल्या कि 'उ मइँ ही हउँ' अउर मोह
माँ बिस्सास करइ। मइँ फुरइ परमेस्सर हउँ। मोसे पहिले
कउनो परमेस्सर नाहीं होइ। 11मइँ खुद ही यहोवा हउँ। मोरे
अलावा अउर कउनो दूसर उद्धारकर्ता नाहीं अहइ, बस
केवल मइँ ही हउँ।

12उ मइँ ही हउँ जउन तोहसे बात किहे रहा। तोहका मइँ
बचाएउँ ह। उ सबइ बातन मइँ तोहका बताए रहेउँ। जउन
तोहरे संग रहा, उ कउनो अनजाना देवता नाहीं रहा। तू मोर
साच्छी अहा अउर मइँ परमेस्सर हउँ।" (इ सबइ बातन
यहोवा कहे रहा।) 13"मइँ तउ सदा स ही परमेस्सर रहा हउँ।
जब मइँ कछू करत हउँ तउ मोर कीन्ह क कउनो भी मनई
नाहीं बदल सकत अउर मोर सक्ती स कउनो भी मनई
कउनो क बचाइ नाहीं सकत।"

14इस्राएल क पवित्तर यहोवा तोहका छोड़ावत ह। यहोवा
कहत ह, "मइँ तोहरे बरे बाबुल मँ फउजन पठउब। सबहिं
ताले लगे दरवाजन क मइँ तोड़ देब। कसदियन क जीत क
नारे दु:ख भरी चीखन मँ बदल जइहीं। 15मइँ तोहार पवित्तर
यहोवा हउँ। इस्राएल क मइँ रचेउँ ह। मइँ तोहार राजा हउँ।"

यहोवा फुन आपन लोगन क रच्छा करी

16यहोवा सागर मँ राहन बनाई। हिआँ तलक कि पछाड़न
खात भए पानी क बीच भी उ आपन लोगन बरे राह बनाई।
यहोवा कहत ह, 17"उ पचे लोग जउन आपन रथन, घोड़न
अउर फउजन क लइके मोहसे जुद्ध करिहीं, पराजित होइ
जइहीं। उ पचे फुन कबहुँ नाहीं उठि पइहीं। उ पचे नस्ट
होइ जइहीं। उ पचे दीये क लौ क तरह बुझ जइहीं। 18तउ
ओन बातन क याद जिन करा जउन प्रारंभ मँ घटी रहिन।
ओन बातन क जिन सोचा जउन कबहुँ बहोत पहिले घटी
रहिन। 19काहेकि मइँ चिजियन क नवा जइसा बनावत हउँ!
अब एक नवे बृच्छ क नाईं तोहार अंकुरन होइ। तू जानत
अहा कि इ सच नाहीं अहइ! मइँ तोहार बरे रेगिस्ताने मँ
फुरइ एक मारग बताउब। मइँ फुरइ झुरान धरती पइ नदियन
बहाइ देब। 20हिआँ तलक कि बनेर पसु अउर कुचकुचवा
भी मोर आदर करिहीं। विसालकाय पसु अउर पच्छी मोर
आदर करिहीं। जब मरूभुमि मँ मइँ पानीरह देब तउ उ पचे
मोर आदर करिहीं। झुरान धरती मँ जब मइँ नदियन रचना
कइ देब तउ उ पचे मोर आदर करिहीं। मइँ अइसा आपन
लोगन क पानी देइ बरे करब। ओन लोगन क जेनका मइँ
चुनेउँ ह। 21इ सबइ उ पचे लोग अहइँ अउर इ सबइ लोग
मोर तारीफ क गीत गावा करिहीं।

22"याकूब, तू मोका नाहीं गोहराया। काहेकि हे इस्राएल,
तोहार मन मोहसे भरि गवा रहा। 23तू लोग भेड़ी क आपन
बलियन मोरे लगे नाहीं लिआया। तू पचे मोर मान नाहीं
रख्या। तू पचे मोका बलियन नाहीं अर्पित किहा। मोका
अन्न बलियन अर्पित करइ बरे मइँ तू पचन पइ जोर नाहीं
डावत हउँ। तू पचे मोरे बरे धूप बारत-बारत हार जाब्या,
एकरे बरे मइँ तोह पइ दबाव नाहीं डावत।

24"तू पचे आपन बलियन क चर्बी स मोका तृप्त नाहीं
करत्या मोका आदर देइ बरे चिजियन मोल लेइ बरे आपन
धने क उपयोग नाहीं करत्य। आपन बलियन क चर्बी स
मोका तृप्त नाहीं करत्या। किन्तु तू मोहे पइ दबाव डावत अहा
कि मइँ तोहरे दास क नाईं आचरण करउँ। तू तब तलक
पाप करत चला गया जब तलक मइँ तोहरे पापन स पूरी
तरह तंग नाहीं आइ गएउँ।

25"मइँ उहइ हउँ जउन तोहरे पापन्क धोइ डावत हउँ।
खुद आपन खुसी बरे मइँ अइसा ही करत हउँ। मइँ तोहरे
पापन्क याद नाहीं रखब। 26अब, मोका उ याद दिलावा कि
का भवा! बहस व मुबाहिसा करइ बरे अउर इ फइसला
लेइ बरे कि कउन सत्य अहइ हमका एक संग मिलइ द्या।
तू आपन पच्छ मँ तर्क पेस किया ह एँह बरे तू इ कोसिस
किहा कि तू निर्दोस अहइ! 27तोहार पचन्क आदि बाप पाप
किहे रहा अउर तोहार हिमायतियन मोरे खिलाफ काम किहे
रहेन। 28मइँ तोहरे पचन्क पवित्तर सासकन क अपवित्तर

बनाइ दिहेउँ। मइँ याकूब क लोगन क अभिसप्त बनाएउँ।
मइँ इस्राएल क अपमान कराएउँ।"

सिरिफ यहोवा ही परमेस्सर अहइ

44 "याकूब, तू मोर सेवक अहा। इस्राएल, मोर बात
सुना। मइँ तोहका चुनेउँ ह। जउन कछू मइँ कहत
हउँ ओह पइ धियान द्या। **2**मइँ यहोवा हउँ अउर मइँ
तोहका बनाएउँ ह। तू जउन कछू अहा ओहका बनावइवाला
मइँ ही हउँ। जब तू महतारी क देह मँ ही रह्या, मइँ तबहिं
स तोहार सहायता किहे रहेउँ। मोर सेवक याकूब डेराअ
जिन। यसरून (इस्राएल) तोहका मइँ चुनेउँ ह।
3"जइसे मइँ पियासे लोगन बरे पानी बरसाउब अउर जइसे
झुरान धरती पइ मइँ जलधारन बहाउब, उसी तरह तोहरी
संतानन पइ मइँ आपन आतिमा डाउब। मोर आसीर्बाद तोहार
गदेलन पइ अइसा ही बहब जइसा पानी क टंकी स पानी
बहत ह। **4**उ पचे हर मोसम मँ चिनार क बृच्छन क नाईं
बढ़त भए होइहीं।
5"लोगन मँ कउनो कही, 'मइँ यहोवा क अहउँ।' तउ
दूसर मनई याकूब क नाउँ लेइ। कउनो मनई आपन हाथे
पइ लिखी, 'मइँ यहोवा क हउँ अउर दूसर मनई 'इस्राएल'
नाउँ क उपयोग करी।'" **6**यहोवा इस्राएल क राजा अहइ।
सर्वसक्तीमान यहोवा इस्राएल क रच्छा करत ह। यहोवा
कहत ह, "परमेस्सर केवल मइँ ही हउँ। अन्य कउनो
परमेस्सर नाहीं अहइ। मइँ ही आदि हउँ। मइँ ही अंत अहउँ।
7मोरे जइसा परमेस्सर कउनो दूसर नाहीं अहइ अउर जदि
कउनो अहइ तउ ओका अब बोलइ चाही। ओका आगे
आइके कउनो प्रमाण देइ चाही कि उ मोरे जइसा अहइ।
भविस्स मँ का कछू होइवाला अहइ ओका बहुत पहले ही
कउन बनाइ दिहे रहा? तउ उ पचे हम का अब बताइ देइँ
कि अगवा का होइ? **8**डेराअ जिन, चिंता जिन करा। जउन
कछू घटइवाला अहइ, उ मइँ तू पचन्क सदा बताएउँ ह। तू
लोग मोर साच्छी अहा। कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ।
केवल मइँ ही हउँ। कउनो दूसर 'सरण स्थान' नाहीं अहइ।
मइँ जानत हउँ केवल मइँ ही हउँ।"

लबार देवता बेकार अहइँ

9कछू लोग मूरति (लबार देवता) बनाबा करत हीं। किन्तु
उ पचे बेकार अहइँ। लोग ओन बुतन स पिरेम करत हीं
किन्तु उ सबइ बुत बेकार अहइँ। उ सबइ लोग ओन बुतन
क साच्छी अहइँ किन्तु उ सबइ लख नाहीं पउतेन। उ पचे
लज्जित होइहीं।
10एन लबार देवतन क कउनो काहे गढ़ी? एन बेकार क
बुतन क कउनो काहे ढाली? **11**ओन देवतन क कारीगरन
गढ़ेन ह अउर उ सबइ कारीगर तउ मात्र मनई अहइँ, न
कि देवता। जदि उ पचे सबहिं एकजुट होइके पक्ति मँ
आवइँ अउर एन बातन पइ विचार क लेन-देन करइँ तउ उ
सबइ लजाइ जइहीं अउर डर जइहीं।
12कउनो एक कारीगर कोयलन पइ लोहा क तपावइ बरे
आपन अउजारन क उपयोग करत ह। उ मनई धातु क
पीटइ बरे आपन हथौड़ा कामे मँ लिआवत ह। एकरे बरे उ
आपन बाँहन क सक्ती क प्रयोग करत ह। किन्तु उहइ मनई
क जब भूख लागत ह, ओकर सक्ती जात रहत ह। उहइ
मनई अगर पानी न पियइ तउ कमजोर होइ जात ह।
13दूसर मनई आपन रेखा पटकइ क सूत क उपयोग
करत ह। उ तख्ते पइ रेखा हींचइ बरे परकार क काम मँ
लिआवत ह। इ रेखा ओका बतावत ह कि उ कहाँ स
काटइ। फिन उ मनई निहानियन क उपयोग करत ह अउर
काठे मँ मूरतियन क उभारत ह। उ मूरतियन क नापइ बरे
परकार क प्रयोग करत ह अउर इ तरह उ कारीगर लकड़ी
क ठीक मनई क रूप दइ देत ह। फुन मनई क सा इ
मूरति घरे मँ बइठाइ दीन्ह जात ह।
14कउनो मनई देवदार, सनोवर अथवा बाँज क बृच्छ क
काट गिरावत ह। (किन्तु उ मनई ओन बृच्छन क उगावत
नाहीं। इ सबइ बृच्छ बन मँ खुद अपने आप उगत हीं। जदि
कउनो मनई बृच्छ उगावइ तउ ओकर बढ़वार बर्खा करत ह
न कि उ मनई।) **15**फुन उ मनई उ बृच्छ क आपन बारइ
क काम मँ लिआवत ह। उ मनई उ बृच्छ क काटिके
काठे क मुद्धियन बनावत ह अउर ओनका भोजन बनावइ
अउर खुद क गरमावइ क काम मँ लिआवत ह। मनई
थोड़ी सी लकड़ी क आगी सुलगाइ के आपन रोटियन
सेंकत ह। किन्तु तउ भी मनई उहइ लकड़ी स देवता क
मूरति बनावत ह अउर फुन उ देवता क पूजा करइ लागत
ह। इ देवता तउ एक मूरति अहइ जेका उ मनई बनाएस ह।
किन्तु उहइ मनई उ मूरति क आगे आपन माथा नवावत ह।
16उहइ मनई आधी लकड़ी क आगी मँ बारि देत ह अउर
उ आगी पइ माँस पकाइके भर पेट खात ह अउर फुन
अपने आप क गरमावइ बरे मनई उहइ लकड़ी क बारत ह
अउर फुन उहइ कहत ह, बहोत अच्छे! अब मइँ गरम हउँ
अउर आगी क लपटन क लखि सकत हूँ।" **17**किन्तु थोड़ी
बहोत लकड़ी बच जात ह। तउ लकड़ी स मनई एक मूरति
बनाइ लेत ह अउर ओका आपन देवता कहइ लागत ह। उ
उ देवता क आगे माथा नवावत ह अउर ओकर पूजा करत
ह। उ उ देवता स पराथना करत भए कहत ह, "तू मोर
देवता अहा, मोर रच्छा करा।"
18इ सबइ लोग इ नाहीं जानतेन कि इ सबइ का करत
अहइँ? इ सबइ का करत अहइः? इ सबइ लोग समझतेन
नाहीं। अइसा अहइ जइसे एनकर आँखिन बंद होइँ अउर इ
सबइ कछू लख ही नाहीं पावत होइँ। एनकर मन समुझइ क
जतन ही नाहीं करत। **19**एन वस्तुअन क बारे मँ इ सबइ
लोग कछू सोचत ही नाहीं ह। इ सबइ लोग ना समुझ
अहइँ। एह बरे एन लोग आपन मने मँ कबहुँ नाहीं सोचेन।
"आधी लकड़ियन मइँ आगी मँ बारि डाएउँ। दहकत कोयलन
क प्रयोग मइँ रोटी सेंकइ अउर माँस पकावइ मँ किहेउँ।
फुन मइँ माँस खाएउँ अउर बची भइ लकड़ी क प्रयोग मइँ
भ्रस्ट वस्तु (मूर्ति) बनावइ मँ किहेउँ। अरे, मइँ तउ एक
लकड़ी क टूका क पूजा करत हउँ।"
20इ तउ बस उ राख क खाइ जइसा अहइ। उ मनई इ
नाहीं जानत कि उ का करत अहइ? उ भ्रम मँ पड़ा भवा
अहइ। एह बरे ओकर मन ओका गलत राह पइ लइ जात
ह। उ मनई आपन बचाव नाहीं कइ पावत ह अउर उ इ

देख नाहीं पावत ह कि उ गलत काम करत अहइ। उ मनई
नाहीं कही, "इ मूरति जेका मइँ थामे हउँ एक लबार देवता
अहइ।"

सच्चा परमेस्सर यहोवा इस्राएल क सहायक अहइ

21"हे याकूब, इ सबइ बातन याद रखा। इस्राएल, याद
रखा कि तू मोर सेवक अहा। मइँ तोहका बनाएँउ। तू मोर
सेवक अहा, एह बरे इस्राएल, मइँ तोहका नाहीं बिसराउब।
22तोहार पाप एक बड़के बादर जइसे रहेन। किन्तु मइँ
तोहरे पापन्क उड़ाइ दिहेउँ। तोहार पाप बादर क नाईं हवा मँ
बिलाइ गएन। मइँ तोहका बचाएउँ अउर तोहार रच्छा
किहेउँ। एह बरे मोरे लगे लउटि आवा।"
23अकास खुस अहइ, काहेकि यहोवा महान काम
किहेस। धरती अउ हिआँ तलक कि धरती क तले बहोत
गहिर ठउर भी खुस अहइँ। पर्वत परमेस्सर क धन्यवाद देत
भए गावा। बने क सबहिं बृच्छ तू पचे भी खुसी गावा।
काहेकि यहोवा याकूब क बचाइ लिहस ह। यहोवा इस्राएल
बरे महान कार्य किहे अहइ। 24जउन कछू भी तू अहा
यहोवा तोहका बनाएस। यहोवा इ किहेस जब तू अबहिं
महतारी क गरम मँ ही रह्या। यहोवा तोहार रखवारा कहत
ह। "मइँ यहोवा सब कछू बनाएउँ। मइँ ही हुआँ अकास
तानेउँ ह, अउर आपन समन्वा धरती क बिछाएउँ।"
25लबार नबी सगुन देखाया करत हीं किन्तु यहोवा
दर्सावत ह कि ओकर सगुन झूठ अहइँ। जउन लोग जादू
टोना कइके भविस्स बतावत हीं, यहोवा ओनका मूरख सिद्ध
करी। यहोवा तथाकथित बुद्धिमान मनइयन तलक क भ्रम मँ
डाइ देत ह। उ पचे सोचत हीं कि उ पचे बहोत कछू जानत
हीं किन्तु यहोवा ओनका अइसा बनाइ देत ह कि उ पचे
मूरख देखाइ देइँ। 26यहोवा आपन सेवकन क लोगन क
सन्देस सुनावइ बरे पठवत ह अउर फुन यहोवा ओन सन्देसन
क फुरइ कइ देत ह। यहोवा लोगन क का करइ चाही
ओनका इ बतावइ बरे दूत पठवत ह अउर फुन यहोवा
देखाइ देत ह कि ओनकर सम्मति अच्छी अहइ।

परमेस्सर कुसू क यहूदा क पुन:निर्माण बरे चुनत ह

यहोवा यरूसलेम स कहत ह, "लोग तोहमाँ आइके फुन
बसिहीं।" यहोवा यहूदा क नगरन स कहत ह, "तोहार फुन
स निर्माण होइ। यहोवा ध्वस्त भए नगरन स कहत ह, "मइँ
तू सबइ नगरन क फुन स उठाउब।"
27यहोवा गहिर सागर स कहत ह, 'झुराइजा'" मइँ तोहार
जल धारन क सूखा बनाइ देब।"
28यहोवा कुसू स कहत ह, "तू मोर चरवाहा अहा। जउन
मइँ चाहत हउँ तू उहइ काम करब्या। तू यरूसलेम स
कहब्या, "तोहका फुन स बनावा जाइ।" तू मन्दिर स
कहब्या, 'तोहार नींवन क फुन स निर्माण होइ।"'

परमेस्सर कुसू क इस्राएल क मुक्ति बरे चुनत ह

45 इ सबइ उ बातन अहइँ जेनका यहोवा आपन चुने
भए राजा कुसू कहत ह, "मइँ कुसू क दाहिन
हाथ थामव। मइँ राजा लोगन क सक्ती छोरइ मँ ओकर
मदद करब। नगर दुआर कुसू क रोक नाहीं पइहीं। मइँ
नगर क दुआर खोल देब, अउर कुसू भीतर चला जाइ।
2"कुसू, तोहार फउजन अगवा बढ़िहीं अउर मइँ तोहरे
अगवा चलब। मइँ पर्वतन क समथर कइ देब। मइँ काँसे
क नगर-दुआर क तोड़ डाउब। मइँ दुआरे पइ लगी लोहा
क अँगल क काट डाउब।
3मइँ अँधियारा कमरा मँ रखी भइ दौलत तोहका देब।
मइँ तोहका उ छिपा भवा धन देब। मइँ अइसा करब ताकि
तोहका पता चलि जाइ कि मइँ यहोवा इस्राएल क परमेस्सर
हउँ, अउर मइँ तोहका तोहार नाउँ स पुकारेस हउँ।
4मइँ इ सबइ बातन आपन सेवक याकूब बरे करत हउँ।
मइँ इ सबइ बातन इस्राएल क आपन चुने भए लोगन बरे
करत हउँ। कुसू, यद्यपि तू मोका नाहीं जानत अहा, किन्तु
मइँ तोहका तोहार नाउँ स पुकारे हउँ, यहाँ तलक कि तोहार
आपन नाउँ स पुकारे हउँ।
5मइँ यहोवा हउँ। मइँ सिरिफ परमेस्सर हउँ। मोरे सिवा
दूसर कउनो परमेस्सर नाहीं अहइ। मइँ तोहका मज़बूत बनाए
हउँ,* यद्यपि तू मोका नाहीं पहिचानत ह।
6मइँ इ काम करत हउँ ताकि सब लोग जान जाइँ कि
मइँ ही परमेस्सर हउँ। पूरब स पच्छिम तलक सबहिं लोग इ
सबइ जानिहीं कि मइँ यहोवा हउँ अउर मोरे सिवा दूसर
कउनो परमेस्सर नाहीं।
7मइँ प्रकास क बनाएउँ अउर मइँ ही अँधियारा क रचेउँ।
मइँ सान्ति क सृजेउँ अउर विपत्तियन भी मइँ ही बनाएउँ ह।
मइँ यहोवा हउँ। मइँ ही इ सबइ बातन करत हउँ।
8ऊपर अकासे मँ निआव अइसे बरसब जइसे मेघ स
बर्खा बरसत ह। धरती खुल जात ह। मुक्ति अइसा फलब
फूलब जइसा कउनो पउधा धरती स उगत ह। पुण्य कर्म
आपन चारिहुँ कइँती बढ़ब! मइँ यहोवा ही इ सबइ कइ क
कारण हउँ।

परमेस्सर आपन सृस्टि क नियन्त्रण करत ह

9"धिक्कार अहइ एँन लोगन क, इ सबइ उहइ स बहस
करत अहइँ जउन एँतका बनाएस ह। इ सबइ कउनो टूटे
भए घड़े क ठीकरन जइसे अहइँ। कोहार नरम गीली माटी
स घड़ा बनावत ह पर माटी ओहसे नाहीं पूछत, 'अरे, तू का
करत अहा?' वस्तुअन जउन बनाई गइ अहइँ, उ सबइ इ
सक्ती नाहीं रखतिन कि आपन बनावइवाले स सवाल पूछइ।
इ सबइ लोग भी माटी क टूटे घड़न क ठीकरन क जइसे
अहइँ। 10या, बच्चा आपन बाप स इ नाहीं पूछ सकतेन कि
'तू हमका जिन्नगी काहे देत अहा?' बच्चा आपन महतारी स
इ सवाल नाहीं कइ सकत हीं कि "तू हमका काहे पइदा
करति अहा?'"

मइँ तोहका मज़बूत बनाए हउँ मूलार्थ, "मइँ एक कमरबंध (तोहार कमर क चारिहुँ कइँती) डालब।" आमतौर पर लोग कमरबंध क अपने कमर मँ आपन मांसपेसी क अतिरिक्ति बल प्रदान करइ बरे बांधा करत ह। एँह बरे इ अरथ क साथ एक महावरा बन गवा। "कउनो मनई क आपन काम करइ बरे मज़बूत अउर तइयार होना।"

11यहोवा इस्राएल क परमेस्सर पवित्तर अहइ। उ इस्राएल क बनाएस। यहोवा कहत ह,

“का तू मोहसे मोरे बच्चन क बारे मँ पूछब्या अथवा तू मोका आदेस देब्या ओनके ही बारे मँ जेका मइँ आपन हाथन स रचेउँ।

12तउ लखा, मइँ धरती बनाएउँ अउर उ पचे सबहिं लोग जउन एह पइ रहत हीं, मोर बनाए भए अहइँ। मइँ खुद आपन हाथन स अकासन क रचता किहेउँ, अउर मइँ अकास क सितारन क आदेस देत हउँ।

13मइँ हउँ जउन वास्तव मँ ओका इ काम करइ बरे उकसाएस ह। मइँ ओकर रास्ता क सहल बनाउबउँ। मइँ आपन नगर क फुन स बनाब। उ मोरे क लोगन बिना किसी रिस्वत दिए या बिना कउनो मोल चुकाए अजाद कइ देइ!” सर्वसक्तीमान यहोवा इ सबइ बातन कहेस।

14यहोवा कहत ह, “मिस्र अउ क्रूस बहोत वस्तुअन रचेस रहेन, किन्तु हे इस्राएल, तू उ सबइ वस्तुअन पउब्या। सेबा क लम्बे लोग तोहार होइहीं। उ पचे आपन गर्दन क चारिहुँ कइँती जंजीर लिए भए तोहरे पाछे-पाछे चलिहीं। उ सबइ लोग तोहरे समन्ना निहुरिहीं, अउर उ पचे तोहसे बिनती करिहीं।” इस्राएल, परमेस्सर तोहरे संग अहइ, अउर ओका तजिके कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ।

15हे परमेस्सर, तू उ परमेस्सर अहा जेका लोग लख नाहीं सकतेन। तू ही इस्राएल क उद्धार कर्त्ता अहा।

16बहोत स लोग मिथ्या देवता बनावा करत हीं। किन्तु उ सबइ लोग तउ निरास ही होइहीं। उ सबइ सबहिं लोग तउ लजाइ जइहीं।

17किन्तु इस्राएल यहोवा क जरिये बचाइ लीन्ह जाइ। उ मुक्ति जुगन तलक बनी रही। फुन इस्राएल कबहुँ भी लज्जित नाहीं होइ।

18यहोवा ही परमेस्सर अहइ। उ अकास रचेस ह, अउर अहइ धरती बनाएस ह। यहोवा ही धरती क अपने जगहिया पइ टेकाएस ह। जब यहोवा धरती बनएस उ इ सबइ नाहीं चाहेस कि धरती खाली रहइ। उ एका रचेस ताकि एहमाँ जिन्नगी रहइ। मइँ यहोवा हउँ। मोरे अलावा कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ।

19मइँ अकेल्ले इ सबइ बातन नाहीं किहेउँ। मइँ अजाद भाव स कहेउँ ह। संसार क कउनो भी अँधियारा मँ मइँ आपन बचन नाहीं छुपावत। मइँ याकूब क लोगन स नाहीं कहेउँ कि उ पचे मोका बीरान जगहन पइ हेरइँ। मइँ परमेस्सर हउँ अउर मइँ फुरइ बोहात हउँ। मइँ उहइ बातन कहत हउँ जउन फुरइ अहइँ।”

यहोवा सिद्ध करत ह कि उ ही परमेस्सर अहइ

20“तू लोग दूसरी जातियन स बच पराया। तउ आपुस मँ बटुर जा अउर मोरे समन्वा आवा। (इ सबइ लोग अपने संग मिथ्या देवन क मूरतियन रखत हीं अउर एन बेकार क देवतन स पराथना करत हीं। किन्तु इ सबइ लोग इ नाहीं जानतेन कि उ पचे का करत अहइँ? 21 एन लोगन क मोरे लगे आवइ क कहा। एन लोगन क आपन तर्क पेस करइ द्या।)

“उ पचे बातन बहुत दिनन पहिले घटी रहिन, ओनके बारे मँ तू पचन्क कउन बोलाएस? बहोत-बहोत दिनन पहिले ही एन बातन क लगातार कउन बतावत रहा? उ मइँ यहोवा ही हउँ जउन इ सबइ बातन बताए रहा। मइँ ही एकमात्र यहोवा हउँ। मोरे अलावा कउनो अउर परमेस्सर नाही अहइ? का अइसा कउनो अउर अहइ जउन आपन लोगन क रच्छा करत ह? नाहीं, अइसा कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ। 22हे हर कतहुँ क लोगो, तू पचन्क एन लबार देवतन क पाछे चलब छोड़ देइ चाही। तू पचन्क मोर अनुसरन करइ चाही अउर होइ जाइ चाही। मइँ परमेस्सर हउँ। मोहसे दूसर कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ। परमेस्सर केवल मइँ ही हउँ।

23“मइँ खुद आपन सक्ती क साच्छी कइके प्रतिग्या किहेउँ ह। इ एक उत्तिम बचन अहइ। इ एक आदेस अहइ जउन पूरा होइ ही। हर मनई मोर (परमेस्सर क) आगे निहुरी अउर हर मनई मोर अनुसरण करइ क बचन देइ। 24यहोवा आपन आप स सपथ लेइ के मोसे वाचा किहेस, ‘अच्छाई अउर मज़बूती तोहमाँ आउब्या।’”

उ सबइ जउन ओहे (कुस्रू) पइ कोहाइ उ अपमानित होइ। 25यहोवा अच्छे करम करइ बरे इस्राएल क लोगन क बिजयी बनाई अउर लोग ओकर तारीफ करिहीं।

लबार देव बियर्थ अहइँ

46 बेल अउर नेबो तोहरे अगवा निहुराइ दीन्ह ह अहइँ। लबार देवता तउ बस केवल मूरति अहइँ। लोग एन बुतन क जानवरन क पीठ पइ लाद दिहेन ह। इ सबइ बुत बस एक बोझ अहइँ, जेनका ढोउब ही अहइ। इ सबइ लबार देवता कछू नाहीं कइ सकतेन। बस लोगन क थकाइ सकत हीं। 2एन सबहिं लबार देवतन क निहुराइ दीन्ह जाइ। इ सबइ बचिके कहुँ नाहीं पराइ सकिहीं। ओन सबहिं क बन्दियन क तरह लइ जावा जाइ।

3“याकूब क परिवार, मोर सुना। हे इस्राएल क लोगो जउन अबहिं जिअत अहा, सुना। मइँ तू पचन्क तब स धारण किहे अहउँ जब अबहिं तू पचे महतारी क गर्भ मँ ही रह्या। 4मइँ तू पचन्क तबइ स धारन किहे हउँ जब स तू पचन्क जन्म भवा ह अउर मइँ तू पचन्क तबइ भी धारण करब, जब तू पचे बुढ़वा होइ जाब्या। तोहार पचन्क बार सफेद होइ जइहीं, मइँ तब भी तू पचन्क धारण किहे रहब काहेकि मइँ तोहार पचन्क रचना किहेउँ ह। मइँ तू पचन्क धारण किहे रहब अउर तोहार पचन्क रच्छा करब।

5“केकर संग तू मोर तुलना कइ सकत ह? कउनो भी मनई नाहीं अहइ जेकर तुलना मोहसे कीन्ह जाइ सकी! तोहार तुलना मँ स कउनो भी मोर सही तरीका स वर्णन नाहीं कइ सकत हीं। 6कछू लोग सोना अउ चाँदी आपन थैलियन स निकालेस, उ पचे ओनका तराजुअन स तौलेस अउर ओनका लबार देवता बनावइ बरे सोनार जेका उ मजदूरी पइ आपन बरे मूर्तियन बनावइ बरे लाएस ह क देत हीं। तब फुन उ सबइ लोग उहइ लबार देवतन निहुरत हीं अउर ओकर सम्मान करत हीं। 7हाँ उ सबइ लोग लबार देवतन लेब्या अउर ओका आपन काँधन पइ रखिके लइ

चलब्या। किन्तु जब उ पचे एका धरती पइ थापिब, इ न ही
उठ सकत या हिल-डुल कइ पावत। इ नाहीं कइ सकत
काहेकि इ मूर्ति अहइ! लोग आपन लबार देवतन क समन्वा
मदद बरे चिचियात हीं, किन्तु इ कबहुँ जबाव नाहीं देइ। इ
लोगन क ओनकर विपत्तियन अउर कस्टन स नाहीं उबार
सकत।

8"तू लोग पाप किहा ह। तू पचन्क एन बातन क फुन स
याद करइ चाही। एन बातन क याद करा अउर सुदृढ़ होइ
जा। **9**ओन बातन क सुमिरा जउन बहोत पहिले घटी रहिन।
याद राखा कि मइँ परमेस्सर हउँ। कउनो दूसर अन्य परमेस्सर
नाहीं अहइ। उ सबइ लबार देवता मोरे जइसे नाहीं अहइँ।

10"सुरू मँ मइँ तू पचन्क ओन बातन क बारे मँ बताइ
दिहे रहेउँ जउन अंत मँ घटी। बहोत पहिले स ही मइँ तू
पचन्क उ सबइ बातन बताइ दिहे हउँ, जउन अबहिं घटी
नाहीं अहइँ। जब मइँ कउनो बात क कउनो योजना बनावत
हउँ तउ उ घटत ह। मइँ उहइ करत हउँ जउन करइ चाहत
हउँ। **11**लखा, पूरब दिसा स मँ एक मनई क बोलावतहउँ उ
मनई एक उकाब क समान होइ। उ एक दूर देस स आई
अउर उ ओन कामन क करी जेनका करइ क जोजना मइँ
बनाएउँ ह। मइँ तू पचन्क बतावत हउँ कि मइँ एका करब
अउर मइँ ओका करब ही। काहेकि ओका मइँ ही बनाएउँ
ह। मइँ ओका लिआउब ही।

12"तू पचन मँ स कछू सोचा करत हीं कि तू पचन
सक्ती अहइ किन्तु तू पचे भले काम नाहीं करत अहा। मोर
सुना। **13**मइँ भले काम करब। मइँ हाली ही आपन लोगन
क रच्छा करब। मइँ आपन सिय्योन अउर आपन अद्भुत
इस्राएल क बरे उदद्धार लिआउब।"

बाबुल क परमेस्सर क संदेस

47 "हे बाबुल क कुँवारी पुत्री, खाले धूरि मँ गिरि जा
अउर हुँवा पइ बइठ जा। अब तू रानी नाहीं अहा।
लोग अब तोहका कोमल अउर सुन्नर नाहीं कहा करिहीं।

2अब तोहका आपन कोमल ओढ़ना उतारिके कठिन
परिस्रम करइ चाही। अब तू चक्की ल्या अउर ओह पइ
आटा पीसा। तू आपन घाघरा इतना ऊपर उठावा कि लोगन
क तोहार टाँगन देखाइ लग जाइँ अउर नंगी टाँगन स तू
नदी पार करा। तू आपन देस तजि द्या।

3लोग तोहरे बदन क लखिहीं अउर उ पचे तोहार भोग
करिहीं। तू अपमानित होबू। मइँ तोहसे बुरे कर्मन क मोल
देवाउब जउन तू किहा ह। तोहरी मदद क कउनो भी मनई
अगवा नाहीं आइ।"

4"मोर लोग कहत हीं, 'परमेस्सर हम लोगन क बचावत
ह। ओकर नाउँ, इस्राएल क पवित्तर सर्वसक्तीमान अहइ।'"

5यहोवा कहत ह, "हे बाबुल, तू बइठ जा अउर कुछ भी
जिन कहा। बाबुल क बिटिया, चली जा अँधियारा मँ।
काहेकि अब तू अउर जियादा 'राज्जन क रानी' नाहीं
कहवाई।

6"मइँ आपन लोगन पइ किरोध किहे रहेउँ। इ सबइ
लोग मोर आपन रहेन, किन्तु मइँ कोहान रहेउँ, एह बरे मइँ
ओका अपमानित किहेउँ। मइँ ओनका तोहका दइ दिहेउँ,
अउर तू ओनका दण्ड दिहा। तू ओन पइ कउनो करुणा
नाहीं दर्साया अउर तू ओन बूढ़न पइ भी बहुत कठिन काम
क जुआ लाद दिहा।

7तू कहा करत रहिउ, 'मइँ अमर हउँ मइँ सदा रानी
रहब।' किन्तु तू ओन बुरी बातन पइ धियान नाहीं दिहा
जेनका तू ओन लोगन क संग किहे रह्या। तू कबहुँ नाहीं
सोच्या कि पाछे का होइ।

8एह बरे अब, ओ 'मनोहर मेहरारू,' मोर बात तू सुन
ल्या। तू आपन क सुरच्छित जाना अउर अपने आप स
कहा। 'केवल मइँ ही महत्वपूर्ण मनई हउँ। मोरे समान
कउनो दूसर बड़का नाहीं अहइ। मोका कबहुँ भी विधवा
नाहीं होब अहइ। मोरे सदैव बच्चन होत रहिहीं।'

9इ सबइ दुइ बातन तोहरे संग मँ घटित होइहीं: पहिले,
तोहार बच्चन तोहसे छूट जइहीं अउर फुन तोहार पति भी
तोहसे छूट जाइ। हाँ, इ सबइ बातन तोहरे संग जरूर
घटिहीं। तोहार सबहिं जादू अउर सक्तीसाली टोनन तोहका
नाहीं बचाइ पइहीं।

10तू बुरे काम करति अहा, फुन भी तू आपन क
सुरच्छित समुझति अहा। तू कहा करति अहा कि तोहार बुरे
काम क कउनो नाहीं लखत। तू बुरे काम करति अहा किन्तु
तू सोचति अहा कि तोहार बुद्धि अउर तोहार गियान तोहका
बचाइ लेइहीं। तू खूद क सोचति अहा कि बस एक तू ही
महत्वपूर्ण अहा। तोहरे जइसा अउर कउनो भी दूसर नाहीं
अहइ।

11किन्तु तोह पइ बिपत्तियन अइहीं। तू नाहीं जानतिउ कि
उ कब होइ जाइ, किन्तु बिनास आवत अहइ। तू ओन
बिपत्तियन क रोकइ बरे कछू भी नाहीं कइ पउबिउ। तोहार
बिनास ऍतना हाली होइ कि तोहका तक भी न चली कि
का कछू तोहरे संग घट गवा।

12जादू अउर टोना क सीखइ मँ तू कठिन मेहनत करत
भए जिन्नगी बिताइ दिहा। तउ अब आपन जादू अउर टोना
क चला। संभव अहइ टोने टोटके तोहका बचाइ लेइँ।
समंव अहइ-ओनसे तू कउनो क डेराइ द्या।

13तोहरे लगे बहोत स सलाहकार अहइँ। का तू ओनकर
सलाहन स तंग आइ चुकी अहइ? तउ फुन ओन लोगन क
जउन सितारन बाँचत ही, बाहेर पठवा। जउन बताइ सकत
हीं महीना कब सुरू होत ह। तउ संभव अहइ उ पचे
तोहका बताइ पाँवइ कि तोह पइ कब विपत्तियन पड़िहीं।

14किन्तु उ सबइ लोग तउ खुद आपन क बचाइ नाहीं
पइहीं। उ पचे घासे क तिनकन जइसे भक स बरि जइहीं।
उ पचे ऍतना हाली बरिहीं कि अंगार तलक कउनो नाहीं
बची जेहमाँ रोटी सेंकी जाइ सकइ। कउनो आगी
तलक नाहीं बची जेकरे लगे बइठिके उ पचे खुद क गर्माइ
लेइँ।

15अइसा ही हर वस्तु क साथ मँ घटी जेनके बरे तू कड़ी
मेहनत किहा। तोहरे जिन्नगी भइ जेनसे तोहार वइपार रहा,
उ पचे ही मनइयन तोहका तजि देइहीं। हर कउनो आपन-आपन
राह चला जाइ। कउनो भी मनई तोहका बचावइ क नाहीं
बची।"

परमेस्सर आपन जगत पइ राज करत ह

48 यहोवा कहत ह, "याकूब क परिवार, तू उहइ जाति अहइ जेका 'इस्राएल' कहा जात ही, मोर बात सुना! तू पचे यहूदा क घराने स जउन बचन देइ बरे यहोवा क नाउँ लेत अहा, तू पचे इस्राएल क परमेस्सर क बारे मँ बोलत अहा, किन्तु सच्चाई अउर निस्ठावानी स नाहीं।

2तू लोग आपन क पवित्तर नगरी क नागरिक कहत अहा। तू पचे इस्राएल क परमेस्सर क भरोसे रहत अहा। ओकर नाउँ सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ।

3मइँ तू पचन्क बहोत पहिले ही पहिले क ओन घटना क बारे मँ ओका घटइ स पहिले ही बताइ दिहे रहा, तू पचन्क ओन घटना क बारे मँ बताइ दिहे रहा कि इ होइ सकत ह। मइँ अचानक ओन बातन घटाइ दिहेउँ! इ सबइ बातन वइसा ही भवा जइसा मइँ बताए रहा।

4मइँ तोहका इ सबइ बातन क पहिले ही बताए दिहे रहेउँ काहेकि मोका मालूम रहा कि तू पचे बहोत जिद्दी अहा। मइँ जउन कछू भी बताए रहेउँ ओहे पइ बिस्सास करइ स तू पचे इन्कार किहा। तू पचे बहोत जिद्दी रह्या, जइसे लोहा क छड़ नाहीं निहुरत ह। इ बात अइसी रही जइसे तोहार मूँड़ काँसा क बना भवा होइ।

5एह बरे मइँ तू पचन्क पहिले ही ओन घटना क बारे मँ बताइ दिहे रहेउँ जउन घटी सकत ह। अइसा एह बरे किहे रहेउँ ताकि तू नाहीं कहि सकइ कि 'इ सबइ काम हमार देवतन किहेन।' तू इ नाहीं कहि सकत्या कि 'हमार मूर्तियन, हमार देवतन,' इ सबइ बातन घटाइ क आदेस दिहे रहेन।"

इस्राएल क पवित्तर करइ बरे परमेस्सर क ताड़ब

6"तू ओन सबहिं बातन क जउन होइ चुकी अहइँ, लख्या अउर सुन्या ह। एह बरे तोहका इ सबइ खबरियन दूसरन क बतावइ चाही। अब मइँ तोहका नई बातन बतावइ सुरू करत हउँ। जेनका तू अबहिं नाहीं जानत अहा।

7इ सबइ उ सबइ बातन नाहीं अहइँ जउन पहिले घटि चुकी अहइँ। इ सबइ बातन अइसी अहइँ जउन अब सुरू होत अहइँ। आजु स पहिले तू इ सबइ बातन नाहीं सुन्या। तउ तू नाहीं कहि सकत्या, 'हम तउ एहसे पहिले ही जानित ह।'

8किन्तु तब पर भी, तू कबहुँ ओह पइ कान नाहीं दिहा जउन मइँ कहेस। तू मोह स कछू नाहीं सीख्या! तू कछू नाहीं सुन्या जउन मइँ कह्या। किन्तु मइँ तोहका ओन बातन क बारे मँ बताएउँ काहेकि मइँ जानत नाहीं रहेउँ कि तू मोरे विरोध मँ होब्या। तू तउ विद्रोही रह्या जब स तू पइदा भवा।

9किन्तु मइँ धीरज धरब। अइसा मइँ अपने बरे करब। मोका किरोध नाहीं आवा एकरे बरे लोग मोर जस गइहीं। मइँ आपन किरोध पइ काबू करब कि तोहार नास न करउँ। तू मोर बाट जोहत भए मोर गुण गउब्या।

10लखा, मइँ तोहका सुद्ध करब। चाँदी क सुद्ध करइ बरे लोग ओका आग मँ डावत हीं। किन्तु मइँ तोहका विपत्ति क भट्ठी मँ डाइके सुद्ध करब।

11इ मइँ खुद अपने बरे करब। तू मोरे संग अइसे नाहीं बरतब्या, जइसे मोर महत्व न होइ। कउनो मिथ्या देवता क मइँ आपन तारीफ नाहीं लेइ देब।

12याकूब, तू मोर सुना। हे इस्राएल क लोगो, मइँ तू पचन्क आपन लोग बनवइ क बुलाएउ ह। तू एह बरे मोर सुना। मइँ परमेस्सर हउँ, मइँ ही सुरूआत हउँ अउर मइँ ही अन्त हउँ।

13मइँ खुद आपन हाथन स धरती क रचना किहेउँ। मोरे दाहिन हाथे अकास क बनाएस। जदि मइँ ओनका गोहराउबउँ तउ दुइनउँ साथ-साथ मोरे समन्वा अइहीं।

14एह बरे तू सबहिं जउन आपुस मँ एकट्ठा भए अहा मोर बात सुना। का कउनो लबार देवता तोहसे अइसा कहेस ह कि आगे चलिके अइसी बातन घटिहीं? नाहीं।" यहोवा इस्राएल स जेका, उ चुनेस ह, पिरेम करत ह उ जइसा चाही वइसा ही बाबुल अउर कसदियन क साथ करी।

15यहोवा कहत ह कि "मइँ तोहसे कहे रहेउँ। मइँ ओका बोलाउब। मइँ ओका लिआउब अउर ओका सफल बनाउब।

16आवा अउर मोर सुना, मइँ सुरू से ही एकर बारे मँ साफ-साफ बोलेस ह। मइँ उ समय हुवाँ पइ मोजूद रहा जब बाबुल क नींव पड़ी रहेन।" तउ नबी कहेस, "अब मोर सुआमी यहोवा मोका आपन आतिमा क संग एन बातन क तू पचन्क बतावइ बरे पठएस ह।

17यहोवा जउन मुक्तिदाता अहइ अउर इस्राएल क पवित्तर अहइ, कहत ह, "मइँ तोहार यहोवा परमेस्सर अहउँ। मइँ तोहका सिखावत हउँ कि का हितकर अहइ। मइँ तोहका राहे पइ लिये चलत हउँ जइसे तोहका चलइ चाही।

18अगर तू मानत अहा तउ तोहका ओतनी सान्ति मिल जात जेतनी नदी भरिके बहत ह। तोह पइ उत्तिम चिजियन अइसी छाइ जात जइसे समुद्र क तरंग होइँ।

19जदि तू मानत्या तउ तोर सन्तानन बहोत बहोत होतिन। तोहार सन्तानन वइसे अनगिनत होइ जातिन जइसे रेत क असंख्य कण होत हीं। जदि तू मोर मानत्या तउ तउ तू नस्ट नाहीं होत्य। तू भी मोर संग बना होत्य।"

20हे मोरे लोगो, तू पचे बाबुल क तजि द्या। हे मोर लोगो, तू पचे कसदियन स पराइ जा। खुसी मँ भरिके तू पचे लोगन स इ खबरिया क कहा। धरती पइ दूर-दूर इ खबर क फइलावा। तू पचे लोगन क बताइ द्या, "यहोवा आपन दास याकूब क उवारि लिहेस ह।

21यहोवा आपन लोगन क रेगिस्ताने मँ राह देखाएस, अउर उ सबइ लोग कबहुँ पियासे नाहीं रहेन। काहेकि उ आपन लोगन बरे चट्टान फोड़िके पानी बहाइ दिहस।"

22किन्तु परमेस्सर कहत ह, "दुस्टन क सान्ति नाहीं अहइ।"

आपन बिसेस सेवक क परमेस्सर क बोलावा

49 हे दूर देसन क लोगो, मोर बात सुना। हे धरती क निवासियो, तू सबहिं मोर बात सुना। मोरे जनम स पहिले ही यहोवा मोका आपन सेवा बरे बोलाएस। जब मइँ आपन महतारी क गरभ मँ ही रहेउँ, यहोवा मोर नाउँ रख दिहे रहा।

2यहोवा मोर जरिया स लोगन स बात किहेस। उ मोर जीव क तेज तरवार क नाईं बनाएस ह, किन्तु उ मोका आपन हाथ क छाया मँ छुपाएस ह। उ मोका तेज तीर क समान बनाएस ह, किन्तु उ आपन तीरन क तरकास मँ राखिके मोर रच्छा किहेस ह।

3यहोवा मोका बताएस ह, "इस्राएल, तू मोर सेवक अहा। मइँ तोहरे संग मँ अजूबा काम करब।"

4मइँ कहेस, "महँ कड़ी मेहनत किहे रहे हउँ, किन्तु मइँ कछू भी पूरा नाहीं किहस। मइँ आपन सब सक्ती लगाइ दिहेस, किन्तु मइँ कउनो काम पूरा नाहीं कइ सकेउँ! एह बरे यहोवा क मोर बरे जरूर निआव करइ चाही। मोर परमेस्सर क मोरे प्रतिफल क निर्णय जरूर करइ चाही।

5यहोवा ही एक अहइ जउन मोका अपना सेवक उ टेंम मँ बनाएस ह जे टेंम मइँ आपन महतारी क गर्भ मँ रहा। उ मोका बनाएस ताकि मइँ याकूब क लोगन क ओकरे लगे लउटाइके लइ आउँ बरे, अउर इस्राएलियन क धर्म-संध मँ जमा कइ बरे लउटाइके लइ आउँ। यहोवा मोका मान देइ। मइँ परमेस्सर क स्तुति गीत गाएस।"* अब, यहोवा कहत ह:

6"याकूब क पुन:स्थापित करइ अउर इस्राएल क बचा भवा क जेका परमेस्सर बचाएस रहा वापिस लइ आवइ महत्वपूर्ण अहा। किन्तु मोर सेवक मोरे लगे तोहरे बरे एह स जियादा महत्वपूर्ण कार्य अहइ। मइँ तोहका पूरे धरती क उद्धार करइ बरे "रास्ट्र बरे एक प्रकास" बनाएउँ ह।"

7इहइ इस्राएल यहोवा ह, इस्राएल क पवित्तर ह, इस्राएल क रच्छा करत ह अउर यहोवा कहत ह, "मोर दास विनम्र अहइ जउन सासकन क सेवा करत ह, अउर लोग ओहसे घिना करत हीं। राजा ओकर दर्सन करिहीं अउर ओकरे सम्मान मँ खड़ा होइहीं। महान नेता भी ओकरे समन्ना निहुरिहीं," काहेकि यहोवा विस्सवासी अहइ। इस्राएल ही एक पवित्तर अहइ जेका यहोवा चुनेस ह।

मुक्ती क समय

8यहोवा कहत ह, "उचित समय आवइ पइ मइँ तोहार पराथनन क जबाव देब। मइँ तोहका सहारा देब। मुक्ति क दिनन मँ मइँ तोहार रच्छा करब अउर तू एकर प्रमाण होब्या कि लोगन क संग मँ मोर वाचा अहइ। अब देस उजड़ चुका अहइ, किन्तु तू इ धरती एकरे सुआमियन क लउटवउब्या।

9तू बन्दियन स कहब्य, "तू पचे आपन जेलि स बाहेर निकरि आवा।' तू ओन लोगन स जउन अँधियारा मँ अहइँ, कहब्या, "अँधियारा स बाहेर आइ जा।' उ पचे चलत भए राहे मँ भोजन कइ पइहीं। उ पचे वीरन पहाड़न मँ भी भोजन पइहीं।

10लोग भूखा नाहीं रहिहीं, लोग पियासा नाहीं रहिहीं। गर्म सूरज, गर्म हवा ओनका दु:ख नाहीं देइहीं। काहेकि उहइ जउन ओनका चैन देत ह, (परमेस्सर) ओनका राह देखॉइ। उहइ लोगन क पानी क झरनन क पास-पास लइ जाइ।

11मइँ आपन लोगन बरे एक राह बनाउब। पर्वत समथर होइ जइहीं अउर दबी राहन ऊपर उठि अइहीं।

12लखा, दूर दूर देसन स लोग हिआँ आवत अहइँ। उत्तर स लोग आवत अहइँ अउर लोग पच्छिम स आवत अहइँ। लोग मिस्र मँ स्थित असवान स आवत अहइँ।"

13हे आकासो, हे धरती, तू खुस होइ जा। हे पर्वतो, आनन्द स जयकारा बोला! काहेकि यहोवा आपन लोगन क सुख देत ह। यहोवा आपन दीन हीन लोगन बरे बहुत दयालु अहइ।

सिय्योन: तजी गइ मेहरारू

14किन्तु अब सिय्योन कहेस, "यहोवा मोका तजि दिहस। मोर सुआमी मोका बिसरि गवा।"

15किन्तु यहोवा कहत ह, "का कउनो मेहरारू आपन ही बच्चन क भूल सकत ह? नाहीं। का कउनो मेहरारू उ बच्चा क जउन ओकर ही कोख स जन्मा ह, भूल सकत ह? नाहीं। सम्भव अहइ कउनो मेहरारू आपन सन्तान क बिसरि जाइ। परन्तु मइँ (यहोवा) तोहका नाहीं बिसरि सकत हउँ।

16लखा जरा, मइँ आपन हथेली पइ तोहार नाउँ खोद लिहे हउँ। मइँ सदा तोहरे विसय मँ ही सोचा करत हउँ।

17तोहार सन्तानन तोहरे लगे लउटि अइहीं। जउन लोग तोहका पराजित किहे रहेन, उ पचे ही मनइयन तोहका अकेल्ले तजि जइहीं।"

इस्राएलियन क वापसी

18आपन आखँनि क ऊपर उठावा अउ चारिहुँ कइँती लखा। तोहार सबहिं गदेलन आपुस मँ एकट्ठी होइके तोहरे लगे आवति अहइँ। यहोवा क इ कहब अहइ, "आपन जिन्नगी क कसम खाइके मइँ तू पचन्क इ सबइ बचन देत हउँ, तोहार गदेलन ओन रत्नन जइसी होइहीं जेनका तू अपने गले मँ पहिरत अहा। तोहार गदेलन वइसी ही होइहीं जइसा उ कंठहार होत ह जेका दुलहिन पहिरत ह।

19आजु तू नस्ट अहा अउर आजु तू पराजित अहा। तोहार भुइँया तबाही मँ अहइ। किन्तु कछू ही दिनन पाछे तोहरी धरती पइ बहोत सारे लोग होइही अउर उ सबइ लोग जउन तोहका उजारे रहेन, दूर बहोत दूर चला जइहीं।

20जउन गदेलन तू खोइ दिहा, ओनके बरे तोहका बहोत दु:ख भवा किन्तु उहइ पचे गदेलन तोहसे कहिहीं। 'इ जगहिया रहइ क बहोत छोटी अहइ। हमका तउ कउनो फइली जगहिया द्या।"

21फुन तू खुद अपने आप स कहब्या, 'एन सबहिं गदेलन क मोरे बरे कउन जन्माएस? इ तउ बहोत अच्छा अहइ। मइँ दु:खी रहा अउर अकेल्ला रहा। मइँ हारा भवा रहा। मइँ आपन लोगन स दूर रहा। तउ इ सबइ गदेलन मोरे बरे कउन पालेस ह? लखा तनिक, मइँ अकेल्ला छोड़ा गवा हउँ। इ सबइ ऍतने सबइ गदेलन कहाँ स आइ गएन?'"

22मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "लखा, आपन हाथ उठाइके इसारे स मइँ सारे ही देसन क बुलावे क संकेत देत

मइँ परमेस्सर … गाएस या "मोर परमेस्सर मोर सक्ती अहइ।" हिब्रू सब्द क अरथ अहइ "सक्ती" या "गीत जउन दूसर क सक्ती क स्तुति बरे गावा जात ह।"

हउँ। मइँ आपन झण्डा उठाउब कि सब लोग ओका लखइँ। फुन उ पचे तोहार गदेलन क तोहरे लगे लिअइहीं। उ सबइ लोग तोहरे गदेलन क आपन काँधे पइ उठइहीं अउर उ पचे ओनका आपन बाँहे मँ उठाइ लेइहीं।

23राजा तोहरे गदेलन क सिच्छक होइहीं अउर सबइ राजकन्या ओनकर धियान रखिहीं। उ सबइ राजा अउर ओनकर सबइ राजकन्या दुइनउँ तोहरे समन्वा माथा नवइहीं। उ पचे तोहरे पाँवन भी धूरि क चुम्बन करिहीं। तबहिं तू जनब्या कि मइँ यहोवा हउँ। तबहिं तोहका समुझ मँ आई कि हर अइसा मनई जउन मोहमाँ भरोसा राखत ह, निरास नाहीं होइ।”

24जब कउनो सक्तीसाली योधा जुद्ध मँ जीतत ह तउ का कउनो ओकर जीती भइ वस्तुअन क ओहसे लइ सकत ह? जब कउनो विजेता फउजी कउनो बन्दी पइ पहरा देत ह, तउ का कउनो पराजित बन्दी बचिके भरा सकत ह?

25किन्तु यहोवा कहत ह, “उ बलवान सैनिक स बन्दीयन क छोड़ाइ लीन्ह जाइ अउर जीत क चिजियन ओहसे छोरि लीन्ह जाइ। इ भला काहे क होइ? मइँ तोहरे जुद्धन क लड़ब अउर तोहरी सन्तानन बचाउब।

26अइसे ओन लोगन क जउन तू पचन्क कस्ट देत हीं मइँ अइसा ही कइ देब कि उ पचे आपुस मँ एक दूसर क बदन क खाइँ। ओनकर खून दाखरस बन जाइ जेहसे उ पचे धुत्त होइहीं। तब हर कउनो जानी कि मइँ उहइ यहोवा हउँ जउन तोहका बचावत ह। सारे लोग जान जइहीं कि तोहका बचावइवाला याकूब क समर्थ अहइ।”

इस्राएल क ओकरे पापन्क दण्ड

50 यहोवा कहत ह, “हे इस्राएल क लोगो, तू पचे कहा करत रह्या कि मइँ तोहार महतारी यरूसलेम क तलाक दिहेउँ। किन्तु उ तलाकपत्र कहाँ अहइ जउन साबित कइ देइ कि मइँ ओका तलाक दिहेउँ ह। हे मोरे गदेलो, का मइँ कउनो क कर्जदार अहउँ? का आपन कउनो कर्ज चुकावइ बरे मइँ तोहका बेचेउँ ह? नाहीं। तू बिका रह्या एह बरे कि तू बुरे करम किहे रह्या। एह बरे तोहार महतारी दूर पठइ गइ रही काहेकि तू बुरा करम किहे रह्या।

2जब मइँ घरे आवा रहेउँ, मइँ हुआँ कउनो क नाहीं पाएउँ। मइँ बार-बार गोहराएउँ किन्तु कउनो जबाव नाहीं दिहस। का तू पचे सोचत अहा कि तोहका मइँ नाहीं बचाइ सकत हउँ? मइँ तोहार बिपत्तियन स तोहका पचन्क बचावइ क सक्ती धरत हउँ। लखा, जदि मइँ समुद्दर क झुराइ क आदेस देउँ तउ उ झुराइ जाइ। मछरियन परान तजि देइहीं काहेकि हुवाँ जल न होइ अउर ओनकर देह सड़ि जाइ।

3मइँ अकासन क करिआ कइ सकत हउँ। अकास वइसे ही करिआ होइ जइहीं जइसे सोक वस्त्र होत हीं।”

परमेस्सर क सेवक परमेस्सर क भरोसे

4मोर सुआमी यहोवा मोका सीख देइ क जोग्यता दिहस ह। एँह बरे मइँ थका भवा लोगन क प्रोत्साहित करत हउँ अउर ससकत बनावत हउँ। हर भिंसारे उ मोका जगावत ह अउर एक छात्र क नाईं सिच्छा देत ह। **5**मोर सुआमी यहोवा सीखइ मँ मोर सहायक अहइ अउर मइँ ओकर विरोधी नाहीं बना अहउँ। मइँ ओकरे पाछे चलब नाहीं तजब। **6**ओन लोगन क मइँ आपन पिटाइ करइ देब। मइँ ओनका आपन दाढ़ी क बार नोचइ देबउँ। उ सबइ लोग जब मोरे बरे अपसब्द कइहीं अउर मोह पइ थूकिहीं तउ मइँ आपन मुँह नाहीं मोड़ब। **7**मोर सुआमी, यहोवा मोर मदद करी। एह बरे ओनकर अपसब्द मोका दुःख नाहीं पहोंचइहीं। मइँ सुदृढ़ रहब। मइँ जानत हउँ कि मोका निरास नाहीं होइ पड़ी।

8एक उ जउन कउनो मोका दोख रहित बनाएस ह उ मोर संग अहइ, एह बरे कउन मनई मोका अपराधी साबित कइ सकत ह। जदि कउनो मनई सोचत ह कि उ मोर खिलाफ कउनो सिकायत रखत ह, तउ उ मनई क मोरे लगे आवइ द्या अउर अपना तर्क रखइ द्या। **9**किन्तु लखा, मोर सुआमी यहोवा मोर मदद करत ह। एँह बरे कउन मनई अहइ जउन इ सिद्ध कइ सकी कि मइँ दोखी हउँ? उ सबइ सबहिं लोग वइसे ही बाहर फैंकइ जाइ जइसे पुरान कपड़न क जेका किरवन चट कइ जातहीं।

10अगर कउनो मनई जउन यहोवा क आराधना करत ह अउर ओकर सेवक क संदेस भी सुनत ह, मगर अबहुँ तलक अंधेरे मँ बिना प्रकास क चलत ह, एका अपने यहोवा क नाउँ मँ बिस्सास रखइ चाही अउर ओका आपन परमेस्सर पइ जरूर भरोसा रखइ चाही।

11“लखा, तू लोग आपन ही ढंग स जिअइ चाहत अहा। आपन आगी अउर आपन मसालन क तू पचे खुद बारत अहा। तू पचे आपन ही ढंग स रहइ चाहत अहा। किन्तु तू पचन्क सजा दीन्ह जाइ। तू पचे आपन ही आगी मँ भहराब्या अउर तोहार पचन्क आपन ही मसालन तू पचन्क बारि डइहीं। अइसी घटना मइँ घटवाउब।”

इस्राएल क इब्राहीम क जइसा होइ चाही

51 “मोर सुन्या, तोहमाँ स जउन लोग उत्तिम जिन्नगी जिअइ क कठिन प्रयत्न करत अहा अउर यहोवा क मदद खोजत अहा। अगर तू सही तरीके से जिअइ क उदाहरण चहात ह, लखा चट्टा (इब्राहीम) क जेहसे तू पचन्क काटि गवा अहइ, लखा खोखला चट्टान (सारा) क जेहसे तू पचन्क तरासत भवा अहइ। **2**हाँ, लखा आपन पिता इब्राहीम अउर आपन माँ सारा क जउन तू पचन्क जन्म दिहेस ह। उ इब्राहीम ही अकेला रहा जेका मइँ बोलाए रहा। किन्तु मइँ ओका वरदान दिहा अउर ओका एक बड़के रास्ट्र बनाइ दिहस।”

3सिय्योन पर्वत क यहोवा वइसे ही आसीर्वाद देइ। यहोवा क यरूसलेम अउर ओकरे खंडहरन क बरे खेद होइ अउर उ नगर बरे कउनो बहोत बड़ा काम करी। यहोवा रेगिस्तान क बदल देइ। उ रेगिस्तान अदन क उपवन क जइसे एक उपवन मँ बदल जाइ। उ उजाड़ स्थान यहोवा क बगीचे जइसा होइ जाइ। लोग बहोत जियादा खुस होइहीं। लोग हुवाँ आनन्द परगट करिहीं। उ सबइ लोग धन्नबाद अउर विजय क गीत गइहीं।

4“हे मेरे लोगो, मोर सुना! मइँ तू पचन क आपन
उपदेसन क देब। मइँ आपन नेमन क प्रकास क तरह
बनाउब जउन लोगन क देखइहीं कि कइसे ठीक तरह स
जिया जात ह।
5मइँ हाली ही परगट करब कि मइँ निआव स पूर्ण हउँ।
मइँ हाली ही तोहार पचन्क रच्छा करब। मइँ आपन सक्ती
क काम मँ लिआउब अउर मइँ सबहिं रास्ट्रन क निआव
करब। सबहिं दूर-दूर क देस मोर बाट जोहत अहइँ। ओनकर
मोर सक्ती क प्रतीच्छा अहइ जउन ओनका बचाई।
6ऊपर अकासन क लखा, अकास अइसे लोप होइ जाइ
जइसे धुआँ क एक बादर खोइ जात ह। अउर धरती अइसे
ही बेकार होइ जाइ जइसे पुरान ओढ़ना बगैर कीमत क होत
हीं। धरती क वासी आपन प्राण तजिहीं किन्तु मोर मुक्ति
सदा ही बनी रही। मोर उत्तिमता कबहुँ नाहीं मिटी।
7अरे ओ उत्तिमता क समुझइवाले लोगो, तू पचे मोर
बात सुना। अरे ओ मोर सिच्छन पइ चलइवालो, तू पचे उ
सबइ बातन सुना जेनका मइँ बतावत हउँ। दुट्ठ लोगन स तू
पचे जिन डेराअ। ओन बुरी बातन स जेनका उ पचे तू
पचन्स कहत हीं, तू पचे भयभीत जिन ह्वा।
8काहेकि उ पचे पुराना कपड़न क नाईं होइहीं। ओनका
किरवन खाइ जइहीं। उ पचे ऊन क जइसे होइहीं जेका
किरवन चाट जइहीं। संसार क लोग मरिहीं, किन्तु मोर
मुक्ती सदौ ही बना रही। मोर अच्छाइ निरन्तर बनी रही।”

परमेस्सर क सामर्थ्य ओकरे लोगन क रच्छा करत ह

9यहोवा क भुजा जाग-जाग। आपन सक्ती क सज्जित
करा। तू आपन सक्ती क प्रयोग करा। तू वइसे जाग जा
जइसे तू बहोत बहोत पहिले जागा रह्या। तू उहइ सक्ती
अहा जउन रहाब क छक्कन छुड़ाए रहा। तू भयानक
मगरमच्छ क ध्वाये रह्या।
10तू सागरे क सुखाया। तू गहिर समुद्र क जलहीन बनाइ
दिहा। तू सागर क गहिर सतह क एक राहे मँ बदल दिहा
अउर तोहार लोग उ राह स पार भएन अउर बच गए रहेन।
11यहोवा आपन लोगन क रच्छा करी। उ पचे सिय्योन
पर्वत कइँती आनन्द मनावत भए लउटि अइहीं। इ सबइ
सबहिं आनन्द मँ मगन होइहीं। सारे ही दुःख ओनसे दूर कहूँ
भाग जइहीं। 12यहोवा कहत ह, “मइँ उहइ हउँ जउन तू
पचन्क चइन दिया करत ह। एह बरे तू पचन्क दूसर लोगन्स
काहे डेराइ चाही? उ पचे तउ बस मनइयन अहइँ जउन
जिया करत हीं अउर मरि जात हीं। उ पचे वइसे मरि जात
हीं जइसे घास मरि जात ह।”
13यहोवा तू पचन्क रचेस ह। उ निज सक्ती स इ धरती
क बनाएस ह। उ निज सक्ती स धरती पइ अकास तान
दिहस। किन्तु तू पचे ओका अउर ओकर सक्ती क बिसरि
गवा। एह बरे तू पचे सदा ही उ मनइयन स भयभीत रहत ह
जउन तू पचन्क हानि पहोंचावत हीं। तोहार नास करइ क
ओन लोग जोजना बनाएन, किन्तु आजु उ पचे कहाँ अहइँ?
उ पचे सबहिं चलि गए रहेन!
14लोग जउन बन्दी अहइँ, हाली ही मुक्त होइ जइहीं।
ओन लोगन क मउत काल कोठरी मँ नाहीं होइ अउर न
ही उ पचे कारागार मँ सड़त रइहीं। ओन लोगन्क लगे
खाइके पर्याप्त होइ।
15“मइँ ही यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर हउँ। मइँ ही
सागर क झकोरत हउँ अउर मइँ ही लहरन उठावन हउ।”
(ओकर नाउँ सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ।)
16“मोर सेवक, मइँ तोहका उ सबइ सब्द देब जेनका मइँ
तोहसे कहलवावइ चाहत हउँ। मइँ तोहका आपन हाथन स
ढकिके तोर रच्छा करब। मइँ तोहसे नवा अकास अउ नई
धरती बनवाउब। मइँ तू पचन क जरिये सिय्योन क इ
कहलवा वइ बरे कि ‘तू पचे मोर लोग अहा, ‘तोहार
उपयोग करब।’”

परमेस्सर इस्राएल क दण्ड दिहस

17जागा। जागा। यरूसलेम जाग उठा। यहोवा तोहसे
बहोत ही कोहान रहा। एह बरे तोहका दण्ड दीन्ह गवा। उ
दण्ड अइसा रहा जइसा जहर क कउनो पियाला होइ अउर
उ तोहका पिअइ पड़इ अउर ओका तू पी लिहा।
18यरूसलेम मँ बहोत स लोग हुआ करत रहेन किन्तु
ओनमाँ स कउनो भी मनई ओकर अगुवाई नाहीं कइ सका।
उ पाल-पोसके जउन गदेलन क बड़ा किहे रहा, ओनमाँ स
कउनो भी ओका राह नाहीं देखाइ सका। 19दुइ जोड़ा
बिपत्ति यरूसलेम पइ टूट पड़ी अहइँ, लूटपाट अउर अनाज
क परेसानी अउर भयानक भूख अउ सबइ हत्तिया।
जब तू बिपत्ति मँ पड़ी रही, कउनो भी तोहका सहास
नाहीं दिहस, कउनो भी तोह पइ तरस नाहीं खाएस। 20तोहार
लोग दुर्बल होइ गएन। उ पचे हुवाँ धरती पइ भहराइ पड़ा
अहइँ अउर हुँवइ पड़ा रइहीं। उ सबइ लोग हर गली का
नुक्कड़ पर पड़ा अहइँ। उ सबइ लोग अइसे अहइँ जइसे
कउनो जाल मँ फँसा हरिन होइ। ओन लोगन पइ यहोवा क
कोप क मार तब तलक पड़त रही, जब तलक उ पचे
अइस न होइ गएन कि दण्ड झेल ही न सकइ। परमेस्सर
जब कहेस कि ओनका अउर दण्ड दीन्ह जाइ तउ उ पचे
बहोत कमजोर होइ गएन। 21बेचारे यरूसलेम, तू मोर सुन।
तू कउनो धूत्त मनई क समान दुर्बल अहा किन्तु तू दाखरस
पीके धुत्त नाहीं भवा अहा, बल्कि तू तउ “जहर क उ
पियाला का पीके” अइसा दुर्बल होइ गवा अहा।
22तोहार पचन्क परमेस्सर अउर सुआमी उ यहोवा आपन
लोगन बरे जुद्ध करी। उ तू पचन्क कहत ह, “लखा! मइँ
‘जहर क इ पियाला’ (दण्ड) क तू पचन्स दूर हटावत हउँ।
मइँ आपन किरोध क तू पचन्पइ स हटावत अहउँ। अब
मोरे किरोध स तू पचन्क अउर दण्ड नाहीं भोगइ क होइ।
23अब मइँ आपन किरोध क मार ओन लोगन पइ डाउब
जउन तू पचन्क दुःख पहोंचावत हीं। उ सबइ लोग तू
पचन्क मार डावइ चाहत रहेन। ओ लोग तू पचन्स कहे
रहेन, ‘हमरे अगवा निहुरि जा। हम तू पचन्क कुचरि डाउब।’
आपन समन्वा निहुरावइ बरे उ पचे तू पचन्क मजबूर किहन।
फुन ओ लोग तू पचन्क पीठ क अइसा बनाइ डाएन जइसे
धूर-माटी होइ ताकि उ पचे तू पचन्क रौंद सकइँ। ओनके
बरे चलइ क वास्ते तू पचे कउनो राहे क जइसा होइ गए
रह्या।”

इस्राएल क उद्धार होइ

52 जाग उठा। जाग उठा हे सिय्योन। आपन वस्त्र क
धारण करा। तू आपन सक्ती स भारा। हे पवित्तर
यरूसलेम, तू खड़ा होइ जा। अइसे उ सबइ लोग जेनका
परमेस्सर क अनुसरण करब कबूल नाहीं अहइ अउर जउन
स्वच्छ नाहीं अहइँ, तोहमाँ फुन प्रवेस नाहीं कइ पइहीं।
2तू धूरि झाड़ द्या। तू आपन सुन्नर ओढ़ना धारण करा।
हे यरूसलेम, हे सिय्योन क बिटिया, तू एक बन्दिनी रहिउ
किन्तु अब तू खुद क आपन गटई मँ बँधी जंजीरन स मुक्त
करा।
3यहोवा क कहत ह, "तोहका धन क बदले मँ नाहीं
बेचा गवा रहा, एह बरे जब मइँ तोहका आजाद करब तउ
कउनो धन नाहीं देइ पड़ी।"
4मोर सुआमी यहोवा कहत ह, "मोर लोग बस जाइ बरे
पहिले मिस्र मँ गवा रहेन, अउर फुन उ पचे दास बन
गएन। पाछे अस्सूर ओनका बेकार मँ ही दास बनाइ लिहे
रहा। 5अब लखा, इ का होइ गवा अहइ। अब कउनो दूसर
रास्ट्र मोरे लोगन क लइ लिहे अहइ। मोरे लोगन क लइ
जाइ बरे इ देस कउनो भुगतान नाहीं किहे रहा। इ देस मोरे
लोगन पइ हुकुमत करत ह अउर ओनकर हँसी उड़ावत ह।
हुवाँ क लोग सदा ही मोरे बरे बुरी बातन कहा करत हीं।"
6यहोवा कहत ह, "अइसा एह बरे भवा कि मोरे लोग
मोरे बारे मँ जानइँ। मोरे लोगन क पता चलि जाइ कि मइँ
कउन हउँ? मोरे लोग मोर नाउँ जान जइहीं अउर ओनका इ
भी पता चल जाइ कि उ मइँ ही हउँ जउन ओनसे बोलन
हउँ।"
7सुसमाचार क संग पहाड़न क उपर स आवत भए
संदेसवाहक क लखब निहचय ही एक अद्भुत बात अहइ।
कउनो संदेसवाहक क इ घोसणा करत भए सुनब केतना
अद्भुत अहइ: "हुवाँ सान्ति क निवास अहइ, हम बचाइ
लीन्ह गए अही। तोहार परमेस्सर राजा अहइ।"
8नगर क रखवारे जयजयकार करइ लोगन ह। उ पचे
आपुस मँ मिलिके आनन्द मनावत अहइँ। काहेकि ओनमाँ स
हर एक यहोवा क सिय्योन क लउटिके आवत भए लखत
अहइ।
9यरूसलेम तोहार उ सबइ भवन जउन बर्बाद होइ चुके
अहइँ फुन स खुस होइ जइहीं। तू पचे सबहिं आपुस मँ
मिलिके आनन्द मनउब्या। काहेकि यहोवा यरूसलेम पइ
दयालु होइ जाइ। यहोवा आपन लोगन क उद्धार करी।
10यहोवा सबहिं रास्ट्रन क ऊपर आपन पवित्तर सक्ती
दर्साइ अउर सबहिं उ सबइ देस जउन दूर-दूर बसा अहइँ,
लखिहीं कि परमेस्सर आपन लोगन क रच्छा कइसे करत
ह।
11तू लोगन क चाही कि बाबुल छोड़ जा। उ जगह छोड़
द्या। हे लोगो, ओन वस्तुअन क लइ चलइवाले जउन
उपासना क काम आवति हीं, अपने आप क पवित्तर करा।
अइसी कउनो भी वस्तु जउन पवित्तर ओका जिन छुआ।
12तू पचे बाबुल तजब्या किन्तु हाली मँ तजइ क तू
पचन्पइ कउनो दबाव नाहीं होइ। तू पचे चलिके बाहेर जाब्या
अउर यहोवा तू पचन्क संग संग चली। तू पचन्क अगुवाई
यहोवा ही करी अउर तोहार पचन्क रच्छा बरे इस्राएल क
परमेस्सर पाछे-पाछे भी होइ।

परमेस्सर क कस्ट सहत सेवक

13"मोरे सेवक कइँती लखा। इ बहोत सफल होइ। इ
बहोत महत्वपूर्ण होइ। अगवा चलिके लोग ओका आदर
देइहीं अउर ओकर सम्मान करिहीं।"
14"किन्तु बहोत स लोग जब मोरे सेवक क लखेन तउ
उ पचे भौचक्के रहि गएन। मोर सेवक एतना बुरी तरह स
सतावा ग रहा कि उ पचे ओका एक मनई क रूप मँ बड़ी
दिक्कत स पहचान पाएन। 15किन्तु बहोत सारे रास्ट्रन भी
चकित होइहीं। राजा ओका लखिके अचरजे मँ पड़ि जइहीं
अउर एक सब्द भी नाहीं बोल पइहीं। उ मोर सेवक क बारे
मँ नाहीं सुनी ही किन्तु जउन कछू भवा रहा उ पचे ओका
लखे रहेन। उ लोग ओकर बारे मँ सुने भर नाहीं रहेन किन्तु
ओका समझे रहेन।"

53 हम जउन बातन बताए रहे, ओनकर फुरइ कउन
बिस्सास किहस? यहोवा क दण्ड क फुरइ कउन
कबूलेस?
2यहोवा क समन्वा एक नान्ह पउधन क तरह ओकर
बढ़वार भइ। उ एक अइसी जड़ क समान रहा जउन झुरान
धरती मँ फूटति रही। उ कउनो खास, नाहीं देखाइ देत रहा।
न ही कउनो ओकर कउनो विसेस महिमा रही। जदि हम
ओका देखिन तउ हमका ओहमा कउनो अइसी विसेस बात
नाहीं देखाइ देत, जेहसे हम ओका चाह सकित। 3ओहसे
घिना कीन्ह गइ रही अउर ओकर मीतन ओका तजि दिहे
रहेन। उ एक अइसा मनई रहा जउन पीरा क जानत रहा। उ
बीमारी क बहोत अच्छी तरह पहिचानत रहा। लोग ओका
एतना भी आदर नाहीं देत रहेन कि ओका देख तउ लेइँ।
हम तउ ओह पइ धियान तलक नाहीं देत रहे।
4किन्तु उ हमार पाप अपने उपर लइ लिहस। उ हमार
पीरा क हमसे लइ लिहस अउर हम इहइ सोचत रहे कि
परमेस्सर ओका दण्ड देत अहइ। हम सोचा परमेस्सर ओह
पइ ओकरे करमन बरे मार लगावत अहइ। 5किन्तु उ तउ
ओन बुरे कामन बरे बेधा जात अहइ, जउन हम किहे रहे।
उ हमार अपराधन बरे कुचरा जात रहा। जउन कर्जा हमका
चुकावइ क रहा, यानी हमार दण्ड रहा, ओका उ चुकावत
रहा। ओकरी सबइ यातना क बदले मँ हम चंगे (छिमा)
कीन्ह ग रहे। 6किन्तु ओकरे एतना करइ क पाछे भी हम
सब भेड़िन क तरह एहर-ओहर भटक गए। हम मँ स हर
एक आपन-आपन राह चला गवा। यहोवा क जरिये हमक
हमार अपराधन स मुक्त कइ दीन्ह जाइ क पाछे अउर हमरे
अपराध क आपन सेवक स जोड़ देइ पर भी हम अइसा
कीन्ह।
7ओका सतावा गवा अउर दण्डित कीन्ह गवा। किन्तु उ
ओकरे विरोध मँ आपन मुँह नाहीं खोलेस। उ बध बरे लइ
जाइ जात भइ मेमना क समान चुप रहा। उ उ मेमना क
समान चुप रहा जेकर ऊन उतारा जात रहा होइ। उ कबहुँ
आपन मुँह नाहीं खोलेस। 8लोग ओह पइ बल प्रयोग किहन

अउर ओका लइ गएन। ओकरे साथ खरेपन स निआव नाहीं कीन्ह गवा। ओकर भावी परिवार बरे कउनो कुछ नाहीं कहि सकत काहेकि सजीव लोगन क धरती स ओका उठाइ लीन्ह गवा। मोर लोगन क पापन्क भुगतान करइ बरे ओका दण्ड दीन्ह गवा रहा।

9ओकर मउत होइ गइ अउर दुट्ठ लोगन क संग ओका गाड़ा गवा। धनवान लोगन क बीच ओका दफनावा गवा। उ कबहुँ कउनो हिंसा नाहीं किहेस। उ कबहुँ झूठ नाहीं बोलेस किन्तु फुन भी ओकरे साथ अइसी बातन घटिन।

10यहोवा ओका कुचर डावइ क निहचय किहेस। यहोवा निहचय किहस कि उ सबइ यातना झेलइ। तउ सेवक आपन प्रान तजइ क खुद क सौंपेस। किन्तु उ एक नवा जीवन अनन्त-अनन्त काल तलक बरे पाई। उ आपन लोगन क लखी। यहोवा ओका जउन करइ चाहत ह, उ ओन बातन क पूरा करी।

11उ आपन आतिमा मँ बहोत सी पीरन झेली किन्तु उ घटइवाली अच्छी बातन क लखी। उ जउने बातन क गियान प्राप्त करत ह, ओनसे संतुट्ठ होइ। मोर उ उत्तिम सेवक बहोत स लोगन क ओनके अपराधन स छुटकारा दिलवाई। उ ओनके पापन्क अपने सिरन पइ लइ लेइ। 12एह बरे मइँ ओका बहोतन क संग पुरस्कार क सहभागी बनाउब। उ सबइ चिजियन क उ लोगन क बीच मँ बाँटब जउन मज़बूत अहइ। काहेकि उ आपन जिन्नगी दूसरन बरे दइ दिहस।

उ अपने आप क अपराधियन क बीच गना जाइ दिहस। जबकि उ वास्तव मँ बहुतेरन क पापन्क दूर किहस अउर अब उ पाप बरे ओनकर रच्छक क रूप मँ बोलत ह।

परमेस्सर आपन लोगन क वापस लिआवत ह

54 हे बाँझ मेहरारू, तू खुस होइ जा। तू गदेलन क जन्म नाहीं दिहा, किन्तु फुन भी तोहका बहोत खुस होइ चाही। यहोवा कहेस, "जउन मेहरारू अकेल्ली अहइ, ओकर जियादा सन्तानन होइहीं बनिस्बत उ मेहरारू क जेकरे लगे ओकर पति अहइ।"

2आपन तम्बू फइलावा, आपन दुआर पूरा खोला। आपन तम्बू क बढ़इ स जिन रोका। आपन रस्सियन बढ़ावा अउर खूँटन मजबूत करा।

3काहेकि तू आपन बंस-बेल दाहिन अउ बाएँ फइलाई। तोहार सन्तानन अनेकानेक रास्ट्रन क धरती क लइ लेइहीं अउर उ सबइ सन्तानन ओन नगरन मँ फुन बसिहीं जउन बर्बाद भ रहेन।

4तू ससाउ जिन, तू लज्जित नाहीं होबिउ। आपन मन जिन हारा काहेकि तोहका अपमानित नाहीं होइ क होइ। जब तू जवान रहिउ, तू लज्जित भइ रहिउ किन्तु उ लज्जा क अब तू बिसरब्या। अब तोहका उ लाज नाहीं याद राखब अहइ तू जेका उ काल मँ भोग्या रहा जब तू आपन भतार खोया रह्या।

5काहेकि तोहार भतार उहइ रहा! जउन तोहका रचे रहा। ओकर नाउँ सर्वसक्तीमान यहोवा अहइ। उहइ इस्राएल क रच्छा करत ह, उहइ इस्राएल क पवित्तर अहइ अउर उहइ समूची धरती क परमेस्सर कहवावत ह।

6तू एक ठु अइसी मेहरारू क जइसी रहिउ जेका ओकर ही भतार तलाक दिहे रहा। तोहार मन बहोत भारी रहा किन्तु तोहका यहोवा आपन बनावइ बरे बोलाए रहा। तू उहइ मेहरारू क समान अहा जेकर बचपने मँ ही बियाह भवा अउर जेका ओकर भतार तलाक दिहेस ह। किन्तु परमेस्सर तू पचन्क आपन बनावइ बरे बोलाएस ह।

7तोहार परमेस्सर कहत ह, "मइँ तोहका थोड़े समय बरे तजे रहेउँ। किन्तु अब मइँ तोहका फुन स अपने पास आउब अउर आपन महा करुणा तोह पइ दर्साउब।

8मइँ बहोत कोहाइ गवा अउर थोड़े स समय क बरे तोहसे छुप गवा किन्तु आपन महाकरुणा स मइँ तोहका सदा चैन देब।" तोहार उद्धारकर्ता यहोवा इ कहेस ह।

परमेस्सर आपन लोगन स सदा पिरेम करत ह

9परमेस्सर कहत ह, "इ ठीक वइसा ही अहइ जइसे नूह क काल मँ मइँ बाढ़ क जरिये दुनिया क दण्ड दिहे रहेउँ। मइँ नूह क वरदान दिहेउँ कि फुन स मइँ दुनिया पइ बाढ़ नाहीं लाउब। उहइ तरह तोहका, मइँ उ वचन देत हउँ, मइँ तोहसे कुपित नाही होब अउर तोहसे फुन कठोर बचन नाहीं बोलब।"

10यहोवा कहत ह, "चाहे पर्वत लुप्त होइ जाइँ अउर इ पहाड़ियन रेत मँ बदल जाइँ किन्तु मोर करुणा तोहका कबहुँ भी नाहीं तजी। मइँ तोहसे मेल करब अउर उ मेल क कबहुँ अंत न होइ।" यहोवा तोह पइ करुणा देखावत ह अउर उ यहोवा ही उ सबइ बातन बताएस ह।

11"हे नगरी, हे दुखियारी! तोहका तूफानन सतायन ह अउर कउनो तोहका चैन नाहीं दिहेस ह। मइँ तोहार कीमती पाथरन स फुन स निर्माण करब। मइँ तोहार नींव फिरोजन अउ नीलम स धरब।

12मइँ तोहार देवारन चुनइ मँ माणिक क लगाउब। तोहरे दुआरन पइ दमकत भए रत्नन क जड़ब। तोहरी सबहिं देवारन मइँ कीमती पाथरन स उठाउब।

13तोहार सन्तानन यहोवा द्वारा सिच्छित होइहीं। तोहार सन्तानन क सम्पन्नता महान होइ।

14मइँ तोहार निर्माण खरेपन स करब ताकि तू दमन अउर अन्याय स दूर रहा। फुन कछू नाहीं होइ जेहसे तू डरब्या। तोहका नोस्कान पहोंचावइ कउनो भी नाहीं आई।

15मोर कउनो भी सेना तोहसे कबहुँ जुद्ध नाहीं करी। अउर जदि कउनो सेना तोह पइ चढ़ बइठइ क प्रयत्न करइ तउ तू उ सेना क पराजित कइ देब्या।

16"लखा, मइँ लोहार क बनाएउँ ह। उ लोहे क तपावइ बरे धौंकनी धौकंत ह। फुन उ तपे लोहे स जइसे चाहत ह, वइसे औजार बनावत ह। उहइ प्रकार मइँ 'विनासकर्ता' क बनाएउँ ह जउन वस्तुअन क नस्ट करत ह।

17"तोहका हरावइ बरे लोग हथियार बनइहीं किन्तु उ सबइ हथियार तोहका कबहुँ हराइ नाहीं पइहीं। कछू लोग तोहरे विरोध मँ बोलिहीं। किन्तु हर अइसे मनई क बुरा साबित कीन्ह जाइ जउन तोहरे विरोध मँ बोली।"

यहोवा कहत ह, "यहोवा क सेवकन क का मिलत ह? ओनका निआव क विजय मिलत ह? इ ओनका मोहसे मिलत ह।"

परमेस्सर अइसा भोजन देत ह जेहसे सच्ची तृप्ति मिलत ह

55 "हे पियासे लोगों, आवा पानी पिआ। अगर तोहरे पचन्क लगे नाहीं धन ही अहइ, तउ एकर चिन्ता जिन करा। आवा, खाना ल्या अउर खा। तू पचन्क एकर कीमत देइ क जरूरत नाहीं अहइ। बिना कउनो कीमत क दूध अउ दाखरस ल्या।

2बियर्थ ही आपन धन अइसी कउनो वस्तु पइ काहे बर्बाद करत अहा जउन सच्चा भोजन नाहीं अहइ? अइसी कउनो वस्तु बरे काहे स्रम करत अहा जउन फुरइ मँ तू पचन्क तृप्त नाहीं करती? मोर बात धियान स सुना। तू पचे सच्चा भोजन पउब्या। तू पचे उ भोजन क आनन्द लेब्या जेहसे तोहार पचन्क मन तृप्त हो जाइ।

3जउन कछू मइँ कहत हउँ, धियान स सुना। मोर सुना ताकि तोहार आतिमा जिअब। तू पचे मोरे पास आवा अउर मइँ तोहरे सबन्क साथ एक करार करब जउन सदा-सदा क बरे बना रही। इ करार वइसी ही होइ जइसी करार दाऊद क संग मइँ किहे रहेउँ। मइँ दाऊद क वचन दिहे रहेउँ कि मइँ ओह पइ सदा करुणा करब। अउर तू पचे उ वचन पइ बिस्सास कइ सकत ह।

4मइँ आपन उ सक्ती क दाऊद क साच्छी बनाए रहेउँ जउन सबहिं रास्ट्रन बरे रही। मइँ दाऊद क बहोत देसन क प्रसासक अउर ओनकर सेनापति बनाए रहेउँ।"

5अनेक अग्यात देसन मँ अनेक अनजानी जातियन अहइँ। तू ओन सबहिं जातियन क बोलउब्या, जउन जातियन तोहसे अपरिचित अहइँ किन्तु उ पचे पराइके तोहरे पास अहइीं। अइसा घटी काहेकि तोहार परमेस्सर यहोवा अइसा ही चाहत ह। अइसा घटी काहेकि उ इस्राएल क पवित्तर तोहका मान देत ह।

6तउ तू पचे यहोवा क हेरा। कहूँ बहोत देर न होइ जाइ। अब तू पचे ओका गोहराइ ल्या जब तलक उ तोहरे पचन्क लगे अहइ।

7हे पापियो! आपन पापपूर्ण जिन्नगी क तजा। तू पचन्क चाही कि तू पचे बुरी बातन सोचब तजि द्या। तू पचन्क चाही कि तू पचे यहोवा क लगे लउटि आवा। जब तू पचे अइसा करब्या तउ यहोवा तू पचन्क सुख देइ। ओन सबहिं क चाही कि उ पचे यहोवा क सरन मँ आवइँ काहेकि परमेस्सर हमका छिमा करत ह।

लोग परमेस्सर क नाहीं समुझ पइहीं

8यहोवा कहत ह, "तोहार पचन्क विचार वइसे नाहीं, जइसे मोर अहइँ। तोहार पचन्क राहन वइसे नाहीं जइसी मोर राहन अहइँ।

9जइसे धरती स ऊँच सरग अहइँ वइसे ही तोहार राहन स मोर राहन ऊँच अहइ। अउर मोर विचार तोहरे पचन्क विचारन स ऊँच अहइँ।" इ सबइ बातन यहोवा ही कहेस ह।

10अकासे स बर्खा अउर हिम गिरा करत हीं अउर उ पचे फुन नाहीं लउट जातेन जब तलक उ पचे धरती क नाहीं छुइ लेत हीं, अउर धरती क गीला नाहीं कइ देत हीं। फुन धरती पउधन क अंकुरित करत ह अउर ओनका बढ़ावत ह अउर उ सबइ पउधन किसानन क बरे बीज उपजावत हीं अउर लोग ओन बीजन स खाइ बरे रोटियन बनावत हीं।

11अइसे ही मोर मुख मँ स मोर सब्द निकसत हीं अउर जब तलक घटनन क घटाइ नाहीं लेतेन, उ पचे वापस नाहीं आवत हीं। मोर सब्द अइसी घटनन क घटावत हीं जेनका मइँ घटवावइ चाहत हउँ। मोर सब्द उ सबइ सबहिं बातन पूरी कराइ लेत हीं जेनका करवावइ क मइँ ओनका पठवत हउँ।

12जब तू पचन्क आनन्द स भरिके सान्ति अउर एकता क साथ मँ उ धरती स छुड़ाइके लइ जावा जाइ रहा होइ जेहमाँ तू पचे बन्दी रह्या, तउ तोहरे पचन क समन्वा खुसी मँ पहाड़ फट पड़िहीं अउर थिरकइ लगिहीं। पहाड़ियन नाच मँ फूटि पड़िहीं। तोहार पचन्क समन्वा जंगल क सबहिं बृच्छ अइसे हलइ लगिहीं जइसे तालियन पीट रहा होइँ।

13जहाँ कँटेरी झाड़ियन जमा करत हीं हुवाँ देवदार क बिसाल बृच्छ जमिहीं। जहाँ खरपतवार जमा करत रहेन, हुवाँ हिना क बृच्छ जमिहीं। इ सबइ बातन यहोवा क प्रसिद्ध करिहीं। इ सबइ बातन प्रमाणित करिहीं कि यहोवा सक्तीपूर्ण अहइ। इ प्रमाण कबहुँ नस्ट नाहीं होइ।"

सबहिं जातियन यहोवा क अनुसरण करिहीं

56 यहोवा इ सबइ बातन कहे रहा, "सब लोग क साथ उहइ काम करा जउन निआव स पूर होइ। काहेकि मोर उद्धार हाली ही तोहरे पचन्क लगे आवइ क अहइ। सारे संसार मँ मोर छुटकारा हाली ही परगट होइ।"

2अइसा मनई जउन सबित क दिन क पालन एका बिना दूसित कइ भए करत ह अउर उ मनई जउन बुरा नाहीं करी आसीर्बाद पाइहीं। 3उ गैर यहूदी लोग जउन यहोवा क लोगन मँ सामिल होइ पसन्द करत ह। अइसे मनइयन क इ नाहीं कहइ चाही: "यहोवा मोर संग आपन "वास्वित" लोगन अलग थलग जइसा बेउहार करब्या। उ असल मँ मोका आपन अपना लोगन मँ स एक क रूप मँ स्वीकार नाहीं करब्या!" कउनो हिंजड़े क इ नाहीं कहइ चाही: "मइँ काठे क एक झुरान टुका हउँ अउर मइँ कउनो गदेला क बाप नाहीं बन सकब।"

4-5एन हिंजड़न क अइसी बातन नाहीं कहइ चाही काहेकि यहोवा कहे रहा: "एनमाँ स कछू हिंजड़े सबित क नेमन क पालन करत हीं अउर जउन मइँ चाहत हउँ, उ पचे वइसा ही करइ चाहत हीं। उ पचे सच्चे मन स मोरी वाचा क पालन करत हीं। एह बरे मइँ आपन मंदिर मँ ओनके बरे यादगार क एक ठु पाथर लगाउब। मोरे नगर मँ ओनके नाउँ क याद कीन्ह जाइ। हाँ! मइँ ओनका पुत्र-पुत्रियन स भी कछू अच्छा देबउँ। ओन हिंजड़न क मइँ एक नाउँ देबउँ जउन सदा-सदा बना रही। मोर लोगन स उ पचे काटिके अलग नाहीं कीन्ह जइहीं।"

6कछू अइसे लोग जउन यहूदी नाहीं अहइँ, अपने आप क यहोवा स जोरिहीं। उ पचे अइसा एह बरे करिहीं कि यहोवा क सेवा अउर यहोवा क नाउँ क पिरेम कइ पावइँ। यहोवा क सेवक बनइ बरे उ पचे खुद क ओहसे जोड़ लेइही। उ पचे सबित क दिन क उपासना क एक बिसेस दिन क रूप मँ माना करिहीं अउर उ पचे मोर करार क गंभीरता स पालन करिहीं।

7यहोवा कहत ह, "मइँ ओन लोगन क आपन पवित्तर पर्वत पइ लिआउब। आपन पराथना भवन मँ मइँ ओनका आनन्द स भरि देब। उ पचे जउन भेंट अउर बलियन मोका अर्पित करिहीं, मइँ ओनसे खुस होब। काहेकि मोर मंदिर सबहिं रास्ट्रन क लोगन क पराथना क घर कहावा जाइ।"

8इ उह अहइ जउन मोर सुआमी करत ह,

"मइँ उहइ हउँ जउन देस निस्कासित कीन्ह भवा इस्राएलियन क जेका सताया गवा अहइ एकट्ठा किहेउँ ओनकर संग ओन सबहिं बिदेसियन क जोड़इ जउन बिदेसियन ओकर संग एकट्ठा भए अहा।"

परमेस्सर क आपन सेवा बरे सबन्क बोलावा

9हे वन क पसुओ। तू पचे सबहिं खइया पइ आवा।

10इ सबइ धरम क रखवारे (नबी) सबहिं नेत्रहीन अहइँ। ओनका पता नाहीं कि उ पचे का करत अहइँ। उ पचे उ गूँगे कूकुर क नाईं अहइँ जउन नाहीं जानत कि कइसे भौंका जात ह? उ पचे धरती पइ लउटत हीं अउर सोइ जात हीं। हाय! ओनका नींद पियारी अहइ।

11उ सबइ लोग अइसे अहइँ जइसे भुखान कूकुर होइँ। जेनका कबहुँ भी तृप्ति नाहीं होत। उ पचे अइसे चरवाहन अहइँ जेनका पता तलक नाहीं कि उ पचे का करत अहइँ? उ पचे ओकर आपन ओन भेड़िन जइसे अहइँ जउन आपन रास्ता स भटकके कहूँ खोइ गइन। उ पचे लालची अहइँ ओनका तउ बस आपन पेट भरब भावत ह।

12उ पचे कहा करत हीं, "आवा तनिक दाखरस ल्या अउर ओका पिआ यव सुरा भरपेट पिआ। हम भियान भी इहइ करब, भियान तनिक अउर जियादा पिअब।"

इस्राएल परमेस्सर क नाहीं मानत ह

57 अच्छे लोग चला गएन किन्तु एक भी अइसा नाहीं अहइ जउन एह पइ धियान दिहस। लोग समुझत नाहीं अहइँ कि का कछू घटत अहइ। भले लोग बटोरा गएन। लोग समुझतेन नाहीं कि बिपत्तियन आवत अहइँ। ओनका पता तलक नाहीं अहइ कि भले लोग रच्छा बरे बटोरा गएन।

2किन्तु सान्ति आइ अउर लोग अराम स आपन बिछउनन मँ सोइहीं अउर लोग उहइ तरह जिइहीं जइसे परमेस्सर ओनसे चाहत ह।

3"हे चुड़ैलियन क गदेलनों, एँह कइँती आवा। तोहार पचन्क पिता बिभिचार क पापी अहइ। तोहार पचन्क महतारी आपन देह यौन बइपार मँ बेचा करत ह। एहर आवा।

4हे विद्रोहियो अउर झूठी सन्तानों, तू पचे मोर हँसी उड़ावत अहा। मोह पइ आपन मुँह चिढ़ावत अहा। तू पचे मोह पइ जिभिया निकारत अहा।

5तू पचे सबहिं हरिअर बृच्छन क खाते लबार देवतन क कारण कामातुर होत अहा। हर नदी क तीर पइ तू पचे बाल बध करत अहा अउर चट्टानी जगहियन पइ ओनकर बलि देत अहा।

6नदी क गोल बट्टियन क तू पूजइ चाहत अहा। तू ओन पइ दाखरस ओनकर पूजा बरे चढ़ावत अहा। तू ओन पइ बलियन क चढ़ावा करत अहा किन्तु तू ओनके बदले बस पाथर ही पावत अहा। का तू इ सोचत अहा कि मइँ एहसे खुस होत हउँ? नाहीं। इ मोका खुस नाहीं करत अहइ। तू हर कउनो पहाड़ी अउर हर ऊँच पर्वत पइ आपन बिछउना बनावत अहा।

7तू ओन ऊँची जगहन पइ जावा करत अहा अउर तू हुवाँ बलियन चढ़ावत अहा।

8अउर फुन तू ओन बिछउनन क बीच जात अहा अउर मोरे विरुद्ध तू पाप करत अहा। ओन देवन स तू पिरेम करत अहा। उ पचे देवता तोहका भावत हीं। तू मोरे संग रह्या किन्तु ओनके संग होइ क बरे तू मोका तजि दिहा। ओन सबहिं बातन पइ तू परदा डाइ दिहा जउन तोहका मोर याद दिआवत ह। तू ओनके दुआरन क पाछे अउर दुआर क चउखटन क पाछे छुपाया अउर तू ओन लबार देवतन क लगे ओनके संग वाचा करइ जात अहा।

9तू आपन तेल अउ फुलेल लगावत अहा ताकि तू आपन लबार देवता मोलक क समन्वा नीक देखाअ। तू आपन दूत दूर-दूर देसन क पठया ह अउर एहसे तू ही नरक मँ, मउत क देस मँ गिरब्या।

इस्राएल क परमेस्सर पइ बिस्सास करइ चाही मूरतियन पइ नाहीं

10"एन बातन क करइ मँ तू परिस्रम किहा ह। फुन भी तू कबहुँ नाहीं थक्या। तोहका नई सक्ती मिलत रही काहेकि एन बातन मँ तू रस लिहा।

11तू मोका कबहुँ नाहीं याद किहा हिआँ तलक कि तू मोह पइ धियान तलक नाहीं दिहा। तउ तू केकरे बारे मँ चिन्तित रहा करत रह्या? तू केहसे भयभीत रहत रह्या? तू झूठ काहे कहत रह्या? लखा मइँ बहोत दिनन स चुप रहत आवा हउँ अउर फुन तू मोर आदर नाहीं किहा।

12मोका तोहार अच्छे कर्मन अउर तोहरे ओन उपलब्धियन क तारीफ करत रहइ क लाइके होइ चाही। किन्तु उ सबइ बातन जउन तू किहेस ह बेकार अहइ अउर तोहका कउनो लाभ नाहीं देत ह।

13जब तोहका सहारा चाटी तउ तू ओन लबार देवन क जेनका तू आपन चारिहुँ कइँती जुटाया ह, काहे नाहीं गोहरावत अहा। किन्तु मइँ तोहका बतावत हउँ कि ओन सब क आँधी उड़ाइ देइ। हवा क एक झोका ओनका तोहसे छोर लइ जाइ। किन्तु उ मनई जउन मोरे सहारे अहइ, धरती क पाई। अइसा ही मनई मोर पवित्तर पर्वत क पाई।

यहोवा आपन भक्तन क रच्छा करी

14रास्ता साफ करा। रास्ता साफ करा। मोरे लोगन बरे
राह साफ करा।
15उ जउन ऊँच अहइ अउर जेहका ऊपर उठावा गवा
ह, उ जउन अमर अहइ, उ जेकर नाउँ पवित्तर अहइ, उ इ
कहत ह: मइँ एक ऊँच अउर पवित्तर जगह पइ रहा करत
हउँ किन्तु मइँ ओन लोगन क बीच रहा करत हउँ जउन
दु:खी अउर विनम्र अहइँ। अइसे ओन लोगन क मइँ नई
जिन्नगी देब जउन मने स विनम्र अहइँ। अइसे ओन लोगन
का मइँ नई जिन्नगी देब जउन हिरदय स दु:खी अहइँ।
16मइँ सदा-सदा ही मुकद्दमा लड़त रहब। सदा-सदा ही
मइँ तउ क्रोधित नाहीं रहब। जदि मइँ कोहान ही रहउँ तउ
मनई क आतिमा यानी उ जिन्नगी जेका मइँ ओनका दिहेउँ
ह, मोरे समन्वा ही मरि जाई।
17उ पचे लालच स हिंसा स भरा स्वारथ साधे रहेन अउर
मोका क्रोधित कइ दिहे रहेन। मइँ इस्राएल क दण्ड दिहेउँ।
मइँ ओका निकार दिहेउँ काहेकि मइँ ओह पइ कोहान रहेउँ
अउर इस्राएल मोका तजि दिहस। जहाँ कहूँ इस्राएल चाहत
रहा, चला गवा।
18मइँ इस्राएल क राहन लखि लिहे रहेउँ। किन्तु मइँ
ओका छिमा करब। मइँ ओका चैन देब अउर अइसे बचन
बोलब जेहसे ओका आराम मिलइ अउर मइँ ओका राह
देखाउब। फुन ओका अउर ओकरे लोगन क दु:ख नाहीं
छुइ पाई।
19ओन लोगन्क मइँ एक नवा सब्द सान्ति सिखाउब।
अउर मइँ ओन सबहिं लोगन क आसीर्बाद देब जउन सान्ति
क साथ मोरे पास या दूर अहइँ।" यहोवा इ सब कहेस, मइँ
ओन सबहिं लोगन क छिमा करब!"
20किन्तु दुट्ठ लोग क्रोधित सागरे क जइसे होत हीं। उ
पचे चुप या सान्त नाहीं रहि सकतेन। उ पचे क्रोधित रहत हीं
अउर समुद्र क तरह कींचा उछारत रहत हीं। मोर परमेस्सर
क कहब अहइ: 21"दुट्ठ लोगन बरे कहूँ कउनो सान्ति
नाहीं अहइ।"

लोगन स कहा कि उ पचे परमेस्सर क अनुसरण करइँ

58 जोर स नरिआअ, जेतना तू गोहराइ सका। आपन
क जिन रोका। जोर स गोहरावा जइसे नरसिंहा
बजावत ह। लोगन क ओनके बुरे कामन क बारे मइँ जउन
उ पचे किहेन ह, बतावा। याकूब क घराने क ओनके पापन
क बारे मइँ बतावा।
2हरेक अइसा देखाइ देत ह जइसा उ बहोत धर्मी अहइ:
हर दिना लोग मोर मदद तलास करत हीं। उ पचे मोर राहन
क समुझइ चाहत हीं। उ पचे ठीक वइसा ही देखाइ देत ह
जइसे उ सबइ लोग कउनो अइसी जाति क होइँ जउन उहइ
करत ह जउन उचित होत ह अउर जउन अपने परमेस्सर क
कानूनन क उल्लंघन नाहीं किहेस ह। उ पचे मोहसे चाहत
हीं कि ओनकर निआव निस्पच्छ होइ अउर परमेस्सर ओनके
संग रहइ।
3अब उ सबइ लोग कहत हीं, "तोहरे बरे आदर देखावइ
क बरे हम पचे भोजन करब बंद कइ देइत ह। तू हमार
कइँती लखत्या काहे नाहीं? तोहरे बरे आदर परगट करइ क
बरे हम आपन देह क छति पहोंचावत अही। तू हमरी कइँती
धियान काहे नाहीं देत्या?"
किन्तु यहोवा कहत ह, "उपवास क ओन दिनन मँ
उपवास रखत भए तू पचन्क आनन्द आवत ह किन्तु ओनहीं
दिनन तू पचे आपन दासन क खून चूसत अहा। 4तू पचे
भोजन बरे भूखा नाहीं अहा। तू पचन्क आपुस मँ झगड़इ
बरे अउर आपुस मँ लड़इ बरे उपवास रखत अहइँ। तू पचे
आपन अत्याचार क हाथन स लोगन क पीटइ बरे भूखा
रहत ह। जदि तू पचे चाहत अहा कि सरग मँ तोहार पचन्क
परार्थना क सुनइ जाइ तउ उपवास रखइ क इ तरीका नाहीं
अहइ। जइसे तू पचे आजु कल रखत अहा। 5तू पचे का इ
सोचत अहा कि भोजन नाहीं करइ क ओन बिसेस दिनन मँ
बस मइँ लोगन क अपने तने क दु:ख देत भए लखइ
चाहत हउँ? का तू पचे अइसा सोचत अहा कि मइँ लोगन
क दु:खी लखइ चाहत हउँ? का तू पचे इ सीचत अहा कि
मइँ लोगन क मुरझाए भए पउधन क तरह सिर अउर सोक
ओढ़ना पहिरे लखइ चाहत हउँ? का तू इ सोचत अहा कि
मइँ लोगन क आपन दु:ख परगट करइ क बरे राखी मँ
बइठे लखइ चाहत हउँ? इहइ तउ उ सब कछू अहइ जउन
तू खइया क न खाइ क दिनन मँ करत अहा। का तू अइसा
सोचत अहा कि यहोवा तोहसे बस इहइ चाहत ह?
6"मइँ तोहका बताउब कि मोका कइसा बिसेस दिन
चाही - एक अइसा दिन जब लोगन क अजाद कीन्ह जाइ।
मोका एक अइसा दिन चाही जब तू लोगन क बोझ क
ओनसे दूर कइ द्या। मइँ एक अइसा दिन चाहत हउँ जब तू
दु:खी लोगन क अजाद कइ द्या। मोका एक दिन अइसा
चाही जब तू ओनके काँधन स भार उतारि द्या। 7मइँ चाहत
हउँ कि तू भुखान लोगन क संग आपन खाइके चिजियन
बाँटा। मइँ चाहत हउँ कि अइसे गरीब लोगन क हेरा जेनके
लगे घर नाहीं अहइँ अउर मोर इच्छा अहइ कि तू ओनका
आपन घरन मँ लइ आवा। तू जब कउनो अइसे मनई क
लखा, जेनके लगे ओढ़ना न होइ तउ ओका आपन ओढ़ना
दइ डावा। ओन लोगन क मदद स मुँह जिन मोड़ा, जउन
तोहार आपन होइँ।"
8जदि तू एन बातन क करब्या तउ तोहार प्रकास प्रभात
क प्रकास क समान चमकइ लागी। तोहार जखम भर
जइहीं। तोहार "नेकी" (परमेस्सर) तोहरे आगे-आगे चलइ
लागी अउर यहोवा क महिमा तोहरे पाछे-पाछे चली आइ।
9तू तबइ यहोवा क जब पुकरब्या, तउ यहोवा तोहका जवाब
देइ। जब तू यहोवा क गोहरउब्या तउ उ कही, "मइँ हिआँ
हउँ।"

परमेस्सर क लोगन क नेकी करइ चाही

तोहका लोगन्क दमन करब अउर लोगन क दु:ख देब
तजि देइ चाही। तोहका लोगन स कउनो बातन बरे कड़ुआ
सब्द बोलब अउर ओन पइ लांछन लगाउब तजि देइ चाही।
10तोहका भूखन क भूख बरे दु:ख क अनुभव करत भए

ओनका भोजन देइ चाही। दुःखी लोगन क सहायता करत
भए तोहका ओनकर जरूरत क पूरा करइ चाही। जब तू
अइसा करब्या तउ अँधियारा मँ तोहार रोसनी चमक उठी
अउर तोहका कउनो दुःख नाहीं रहि जाइ। तू अइसे चमक
उठब्या जइसे दुपहर क समय धूप चमकत ह।
11यहोवा सदा तोहार अगुवाई करी। रेगिस्तान मँ भी उ
तोहरे मने क पियास बुझाई। यहोवा तोहार हाड़न क मजबूत
बनाई। तू एक अइसे बाग क समान होब्या जेहमाँ पानी क
बहुतायत अहइ। तू एक अइसे झरना क नाईं होब्या जेहमाँ
सदा पानी रहत ह।
12बहोत बरिसन पहिले तोहार नगर उजाड़ दीन्ह ग रहेन।
एन नगरन क तू नवा सिरे स बसउब्या। एन नगरन क
निर्माण तू एकर पुरान नेबंन पइ तू करब्या। "तू टूटे भए
परकोटे क बनावइवाले कहवउब्या अउर तू मकानन अउर
रास्त्रन क बहाल करइवाले कहवउब्या।"
13अइसा उ समय होइ जब तू सबित क बारे मँ परमेस्सर
क नेमन क तोड़इ छोड़ देब्या, जब तू जात्रा करइ अउर
अइसा करइ क जइसा तू चाहत ह आराम क दिन मँ छोड़
देब्या। सबित क दिन क तोहका खुसी क साथ यहोवा क
आदर करइ चाही, तोहका जात्रा नाहीं करइ चाही, तोहका उ
काम नाहीं करइ चाही जेका तू आपन खुसी बरे करत ह,
या तोहका दूसर लोगन क आपन बरे काम करइ क आदेस
नाहीं देइ चाही।
14तब तू यहोवा मँ खुसी पउब्या, अउर मइँ यहोवा धरती
क ऊँच-ऊँच ठउरन पइ, तोहका लइ जाब। मइँ तोहार पेट
भरब। मइँ तोहका अइसी ओन वस्तुअन क देब जउन तोहार
बाप याकूब क लगे हुआ करत रहिन।
इ सबइ बातन यहोवा बताए रहा।

दुट्ठ लोगन क आपन जिन्नगी बदलइ चाही

59 लखा, तोहार रच्छा बरे यहोवा क सक्ती काफी
अहइ। जब तू मदद बरे ओका गोहरावत ह तउ उ
तोहार सुन सकत ह। **2**किन्तु तोहार पचन्क पाप तू पचन्क
परमेस्सर स अलग करत हीं अउर इहइ बरे उ तोहरे पचन्क
तरफ स कान बन्द कइ लेत ह।
3तोहार पचन्क हाथ गन्दा अहइँ, उ सबइ खून स सने
भए अहइँ। तोहार पचन्क अँगुरियन अपराधन स भरी अहइँ।
आपन मुँहे स तू पचे झूठ बोलत अहा। तोहार पचन्क
जिभियन बुरी बातन करत हीं।
4दूसर मनइ क बारे मँ कउनो मनई फुरइ नाहीं बोलत।
लोग अदालत मँ एक दूसर क खिलाफ मुकद्दमा करत हीं।
आपन मुकद्दमा जीतइ बरे उ पचे झूठे तर्कन पइ आसरा
करत हीं। उ पचे एक दूसर क बारे मँ परस्पर झूठ बोलत
हीं। उ पचे कस्ट क गर्भ मँ धारण करत हीं अउर बुराइयन
क जनम देत हीं। **5**उ पचे सरप क बिख भरे अण्डन क
समान बुराई क सेवत हीं। अगर ओनमाँ स तू एक अण्डा
भी खाइ ल्या तउ तोहार मउत होइ जाइ अउर अगर तू
ओनमाँ स एक अण्डा फोड़ द्या तउ एक जहरीला नाग
बाहेर निकरि पड़इ।
लोग झूठ बोलत हीं। इ झूठ मकड़ी क जालन जइसी
कपड़े नाहीं बन सकतेन। **6**ओन जालन स तू आपन क ढाँपि
नाहीं सकतेन।
कछू लोग बदी करत हीं अउर आपन हाथन स दूसरन
क नोस्कान पहोंचावत हीं। **7**अइसी लोग आपन गोड़न क
प्रयोग बदी क लगे पहोंचइ बरे करत हीं। इ सबइ लोग
निर्दोख मनइयन क मारि डावइ क जल्दी मँ रहत हीं। उ पचे
बुरे विचारन मँ पड़े रहत हीं। उ पचे जहाँ जात हीं बिनास
अउ बिध्वंस फइलावत हीं।
8अइसे लोग सान्ति क मारग नाहीं जानतेन। ओनकर
जिन्नगी मँ नेकी तउ होत ही नाहीं। ओनकर रास्तन
ईमानदारी क नाहीं होतेन। कउनो भी मनई जउन ओनके
जइसा जिन्नगी जिअत ह, आपन जिन्नगी मँ कबहुँ सान्ति
नाहीं पाई।

इस्राएल क पापन स बिपत्ति क आउब

9एह बरे परमेस्सर क निआव अउर मुक्ति हम स दूर
अहइ। हम प्रकास क बाट जोहत अही। पर बस केवल
अन्धकार फइला अहइ। हमका चमकत प्रकास क आसा
अहइ। किन्तु हम अँधियारा मँ चलत अही।
10हम अइसे लोग अही जेनके लगे आँखिन नाहीं अहइँ।
नेत्रहीन लोगन क तरह हम देवारन क टटोरित चलत अही।
हम ठोकर खात अही अउर गिर जात अही जइसे इ रात
होइ। दिन क प्रकास मँ भी हम मुर्दन क भाँति गिर पड़ित
ह।
11हम सब बहोत दुःखी अही। हम सब अइसे कराहत
अही जइसे कउनो रीछ अउर कउनो कबूतर कराहत ह। हम
अइसे उ समय क बाट जोहत अही जब लोग निस्पच्छ
होइहीं किन्तु अबहिं तलक तउ कतहूँ भी नेकी नाहीं अहइ।
हम उद्धार क बाट जोहत अही किन्तु उद्धार बहोत-बहोत दूर
अहइ।
12काहेकि हम आपन परमेस्सर क विरोध मँ बहोत पाप
किहे अही। हमार पाप बतावत हीं कि हम बहोत बुरे अही।
हमका एकर पता अहइ कि हम एन बुरे करमन क करइ
क अपराधी अही।
13हम पाप किहे रहे अउर हम आपन यहोवा स मुँह मोड़
लिहे रहे। यहोवा स हम विमुख भए अउर ओका तजि
दीन्ह। हम बुरे करमन क जोजना बनाए रहे। हम अइसी
ओन बातन क जोजना बनाए रहे जउन हमरे परमेस्सर क
विरोध मँ रही। हम पचे उ सबइ बातन सोचे रहे अउर
दूसरन क सतावइ क जोजना बनाए रहे।
14हमसे नेकी क पाछे ढकेला गवा। निस्पच्छता दूर ही
खड़ी रही। गलियन मँ सच्चाई गिर पड़ी रही माना नगर मँ
अच्छाई क प्रवेस नाहीं भवा।
15सच्चाई चली गइ अउर उ सबइ लोग लूटे गएन
जउन भला करइ चाहत रहेन। यहोवा हेरे रहा किन्तु कउनो
भी, कहीं भी अच्छाई न मिल पाई।
16यहोवा हेर लखेस किन्तु ओका कउनो मनई नाहीं
मिला जउन लोगन क संग खड़ा होइ अउर ओनका सहारा

देइ। एह बरे खुद आपन सक्ती क अउर खुद आपन नेकी क प्रयोग किहस अउर यहोवा लोगन क बचाइ लिहस।

17यहोवा नेकी क कवच, उद्धार क सिरस्त्रण (हेलमेट), दण्ड क वस्त्र, अउर आपन मज़बूत पिरेम क चोगा पहिरेस।

18यहोवा आपन दुस्मन पइ कोहान अहइ तउ यहोवा ओनका अइसा दण्ड देइ जइसा ओनका मिलइ चाही। यहोवा आपन दुस्मनन स कोहान अहइ तउ यहोवा सबहिं दूर-दूर क देसन क लोगन क सजा देइ। यहोवा ओनका वइसा दण्ड देइ जइसा ओनका मिलइ चाही।

19फुन पच्छिम क लोग यहोवा क नाम क आदर देइहीं अउर पूरब क लोग यहोवा क महिमा स भय विम्हित होइ जइहीं। यहोवा अइसे ही हाली आइ जाइ जइसे तेज नदी बहत भइ आइ जात ह। इ उ तेज हवा क रफ़्तार सा होइ जेका यहोवा उ नदी क तूफ़ान बहावइ बरे पठवत ह।

20तब सिय्योन पर्वत पइ एक छुड़ावइवाला आइ। उ याकूब क ओन लोगन क लगे आइ जउन पाप तउ किहे रहेन, किन्तु जउन परमेस्सर कइँती लउटि आए रहेन।" यहोवा इ सबइ बातन क कहेस,

21यहोवा कहत ह, "मइँ ओन लोगन क संग एक वाचा करब। मइँ बचन देत हउँ मोर आतिमा अउर मोरे सब्द जेनका मइँ तोहरे मुखे मँ रखत हउँ तोहका कबहुँ नाहीं छोड़िहीं। उ पचे तोर संतानन अउर तोहार बच्चन क बच्चन क संग रहिहीं। उ पचे आजु तोहरे साथ रहिहीं अउर सदा-सदा तोहरे साथ रहिहीं।"

परमेस्सर आवति अहइ

60 "हे यरूसलेम, हे मोर प्रकास, तू उठि जागा। तोहार प्रकास (परमेस्सर) आवत रहा बाटइ। यहोवा क मिहिमा तोहरे ऊपर चमकी।

2आजु अँधियारा सारा जहान अउर ओकरे लोगन क ढक रखे अहइ। मुला यहोवा क तेज परगट होइ अउर तोहरे ऊपर चमकी। ओकर तेज तोहरे ऊपर देखाई देइ।

3उ समय सबहिं देस तोहरे प्रकास क लगे अइहीं। राजा तोहरे भव्य तेज क लगे अइहीं।

4आपन चारिहुँ कइँती लखा। लखा, तोहरे चारिहुँ कइँती लोग एकट्ठा होत अहइँ अउर तोहरी सरण मँ आवत अहइँ। इ सबइ सबहिं लोग तोहार पूत अहइँ जउन दूर बहोत दूर स आवत अहइँ अउर ओनके संग तोहार बिटियन आवत अहइँ।

5अइसा भविस्स मँ होइ अउर अइसे समय मँ जब तू आपन लोगन क लखब्या तब तोहार मुँह खुसी स चमक उठिहीं। पहिले तू उत्तेजित होब्या किन्तु फुन आनन्दित होब्या। समुद्र पार देसन क सारी धन दौलत तोहरे समन्वा धरी होई। तोहरे लगे देसन क सम्पत्तियन अइहीं।

6मिद्यान अउर एपा देसन क ऊँटत क झुण्ड तोहार धरती क ढाँपि लेइहीं। सिबा क देस स ऊँटन क लम्बी कतारन तोहरे हिआँ अइहीं। उ पचे सोना अउर सुगन्ध लइहीं। लोग यहोवा क खुसी क गीत गइहीं।

7केदार क भेड़िन एकट्ठी कीन्ह जइहीं अउर तोहका दइ दीन्ह जइहीं। नबायोत क मेढ़न तोहरे बरे लिआवा जइही। उ पचे मोर वेदी पइ स्वीकार करइ क लायक बलियन बनिहीं अउर मइँ आपन अद्भुत मन्दिर अउर जियादा सुन्नर बनाउबउँ।

8एन लोगन क लखा! इ सबइ तोहरे लगे जल्दी मँ आवत अहइँ जइसे मेघ अकास क जल्दी पार करत हीं। इ सबइ अइसे देखात अहइँ जइसे आपन घोंसलन कइँती उड़त भए कपोत होइँ।

9सुदूर देस मोरी प्रतीच्छा मँ अहउँ। तर्सीस क बड़के बड़के जलयान जाइ क तत्पर अहइँ। इ सबइ जलयान तोहरे संतानन क दूर-दूर देसन स लिआवइ क तत्पर अहइँ। अउर एन जहाजन पइ ओनकर सुवर्ण ओनके संग आई अउर ओनकर चाँदी भी इ सबइ जहाज लिअइहीं। अइसा एह बरे होइ कि तोहार परमेस्सर यहोवा क आदर होइ। अइसा एह बरे होइ कि इस्राएल क पवित्तर अद्भुत काम करत ह।

10दूसर देसन क संतानन तोहार ढ़ेवारन फुन उठइहीं अउर ओनकर सासक तोहार सेवा करिहीं। जब मइँ तोहसे कोहान रहेउँ, मइँ तोहका दुःख दिहेउँ किन्तु अब मोर इच्छा अहइ कि तोह पइ कृपालु बनउँ। एह बरे मइँ तोहका चैन देबउँ।

11तोहार दुआर हमेसा ही खुला रहिहीं। उ सबइ दिन अथवा राति मँ कबहुँ बन्द नाहीं होइहीं। देस अउर राजा तोहरे पास धन लिअइहीं।

12कछू जाति अउर कछू राज्ज तोहार सेवा नाहीं करिहीं किन्तु उ सबइ जातियन अउर राज्ज नस्ट होइ जइहीं।

13लबानोन क सबहिं महा वस्तुअन तोहका अर्पित कीन्ह जइहीं। लोग तोहरे लगे देवदार, तालीसपत्र अउर सरन क बृच्छ लिअइहीं। इ ठउर मोरे सिंहासन क समन्वा एक चौकी सा होइ अउर मइँ एका बहोत मान देबउँ।

14उ सबइ ही लोग जउन पहिले तोहका दुःख दिया करत रहेन, तोहरे समन्वा निहुरिहीं। उ सबइ ही लोग जउन तोहसे घिना करत रहेन, तोहरे चरणन मँ निहुर जइहीं। उ सबइ ही लोग तोहका कहिहीं, 'यहोवा क नगर,' सिय्योन नगर इस्राएल क पवित्तर क बाटइ।'"

नवा इस्राएल सान्ति क देस

15"फुन तोहका अकेल्ला नाहीं छोड़ा जाइ। फुन कबहुँ तोहसे घिना नाहीं होइ। तू फुन स कबहुँ भी उजड़बिउ नाहीं। तू महान रहबिउ, तू हमेसा अउर सर्वदा आनन्दित रहबिउ।

16तोहार जरूरत क चिजियन तोहका जातियन प्रदान करिहीं। इ एतना ही सहल होइ जइसे दूध मुँह बच्चा क महतारी क दूध मिलत ह। वइसे ही तू सासकन क सम्पत्तियन पिउबीउ। तब तोहका पता चली कि इ मइँ यहोवा हउँ जउन तोहार रच्छा करत ह। तोहका पता चल जाइ कि उ याकूब क महामहिम तोहका बचावत ह।

17फिलहाल तोहरे पास ताँबा अहइ परन्तु एकरी नगह मइँ तोहका सोना देब। अबहिं तउ तोहरे लगे लोहा अहइ, पर ओकर जगह तोहका चाँदी देब। तोहार लकड़ी क जगह मइँ तोहका ताँबा देबउँ। तोहार पाथरन क जगह तोहका लोहा देबउँ अउर तोहका दण्ड देइ क जगह मइँ तोहका सुख चैन देबउँ। जउन लोग अबहिं तोहका दुःख देत हीं उ सबइ ही

लोग तोहरे बरे अइसा काम करिहीं जउन तोहका सुख
देइहीं।

18तोहरे देस मँ हिंसा अउर तोहरी सबइ सीमा मँ तबाही
अउर बरबादी कबहुँ नाहीं सुनाई पड़ी। तोहरे देस मँ लोग
फुन कबहुँ तोहार वस्तुअन नाहीं चोरइहीं। तू आपन परकोटन
क नाउँ 'उद्धार' रखब्या अउर तू आपन दुआरन क नाउँ
'स्तुति' रखब्या।

19दिन क समय मँ तोहरे बरे सूरज क प्रकास नाहीं होइ
अउर रात क समय मँ चाँद क प्रकास तोहार रोसनी नाहीं
होइ। काहेकि यहोवा ही सदैव तोहरे बरे प्रकास होइ। तोहार
परमेस्सर तोहार महिमा बनी।

20तोहार 'सूरज' फुन कबहुँ भी नाहीं छुपी। तोहार 'चाँद'
कबहुँ भी करिआ नाहीं पड़ी। काहेकि यहोवा क प्रकास सदा
सर्वदा तोहरे बरे होइ अउर तोहार दु:ख क समय खतम होइ
जाइ।

21तोहार सबहिं लोग उत्तिम बनिहीं। ओनका सदा बरे
धरती मिलि जाइ। मइँ ओन लोगन क रचा ह। उ सबइ
अद्भुत पउधन मोर आपन ही हाथन स लगाए भए अहइँ।

22छोटा स छोटा भी बिसाल घराना बन जाइ। छोटा स
छोटा भी एक सक्तीसाली रास्ट्र बन जाइ। जब उचित समय
आइ, मइँ यहोवा हाली ही आइ जाब अउर मइँ इ सबइ
बातन घटित कइ देबउँ।"

यहोवा क मुक्ति संदेस

61 यहोवा क सेवक कहत ह, "मोर सुआमी यहोवा
मोहमाँ आपन आतिमा धरेस ह। उ मोका एक
खास करइ बरे अभिसेक किहेस ह। उ मोका विनम्र लोगन
क अच्छी खबर देइ बरे, टुटे हिरदइवालन क उत्साह
बढ़ावइ बरे, बन्दी क आजाद करइ बरे, अउर कैदी क
मुक्त करइ बरे पठएस ह। 2उ समय क घोसणा करब जब
यहोवा आपन करुणा परगट करी; उ समय क घोसणा
करब जब हमार परमेस्सर दुस्टन क दण्ड देइ; दु:खी लोगन
क पुचकारब; 3सिय्योन क दु:खी लोगन क आदर देब
(अबहिं तउ ओनके लगे बस राखी अहइ); सिय्योन क
लोगन क खुसी क स्नेह प्रदान करब; (अबहिं तउ ओनके
पास बस दु:ख अहइ) सिय्योन क लोगन क परमेस्सर क
स्तुति क गीत प्रदान करब (अबहिं तउ ओनके लगे बस
ओनके दर्द अहइँ); सिय्योन क लोगन क उत्सव क ओढ़ना
देब (अबहिं तउ ओनके लगे बस ओनकर दु:ख ही अहइँ।)
ओन लोगन क 'उत्तिमता क बृच्छ' क नाउँ देब; ओन
लोगन क यहोवा क अद्भुत बृच्छ क संज्ञा देब।"

4"उ समय, ओन पुरान नगरन क जेनका उजाड़ दीन्ह
गवा रहा, फुन स बसावा जाइ। ओन नगरन क वइसे ही
नवा बनाइ दीन्ह जाइ जइसे उ पचे सुरु मँ रहेन। उ सबइ
नगर जेनका बरिसन पहिले हटाइ दीन्ह गवा रहा, नवे जइसे
बनाइ दीन्ह जइहीं।

5"फुन तोहार पचन्क दुस्मन तोहरे पचन्क लगे अइहीं
अउर तोहार पचन्क भेड़िन चरावा करिहीं। तोहार पचन्क
सत्रुअन क सन्तानन तोहरे पचन्क खेतन अउर तोहरे पचन्क
बगियन मँ काम किया करहीं। 6तू पचे 'यहोवा क याजक'
कहवउब्या। तू पचे 'हमरे परमेस्सर क सहायक' कहवउब्या।
धरती क सबहिं देसन स आई भइ सम्पत्ति क तू प्राप्त
करब्या अउर तू पचन्क इ बात क गर्व होइ कि उ तोहार
सम्पत्ति अहइ।

7"बीते समय मँ लोग तू पचन्क लज्जित करत रहेन अउर
तोहरे पचन्क बारे मँ बुरी बुरी बातन बनावा करत रहेन। तू
पचे एतना लजान रह्या जेतना अउर कउनो दूसर मनई नाहीं
रहा। एह बरे तू पचे आपन धरती मँ दूसर लोगन स दुगुना
हींसा प्राप्त होइ। तू पचे अइसी खुसी पउब्या जेकर कबहुँ
अंत नाहीं होइ। 8अइसा काहे घटित होइ? काहेकि मइँ
यहोवा हउँ अउर मोका नेकी स पिरेम अहइ। मोका चोरी स
अउर हर उ बात स, जउन अनुचित अहइ, घिना अहइ। एह
बरे लोगन क, जउन ओनका मिलइ चाही, उ भुगतान मइँ
देबउँ। आपन लोगन क संग सदा सदा बरे मइँ इ वाचा
करत हउँ कि 9सबहिं देसन क हर कउनो मनई मोर लोगन
क जान जाइ। मोर जाति क बंसजन क हर कउनो जान
पाइ। हर कउनो मनई जउन ओनका लखी, जान जाइ कि
यहोवा ओनका आसीर्वाद देत अहइ।"

यहोवा क सेवक उद्धार अउर उत्तिमता लावत अहइ

10"यहोवा मोका बहोत खुस करत ह। मोर संपूर्ण
व्यक्तित्व परमेस्सर मँ टिका अहइ अउर खुसी मँ मगन
अहइ। यहोवा उद्धार क ओढ़ना स मोका ढाँपि लिहेस। उ
पचे अइसे ही भव्य अहइँ जइसे भव्य वस्त्र कउनो मनसेधू
आपन सादी क मौके पइ पहिरत ह। यहोवा मोका नेकी क
चोगा स ढकि लिहेस ह। इ चोगा वइसा ही सुन्नर अहइ
जइसा सुन्नर कउनो नारी क विवाहे क वस्त्र होत ह।

11धरती पउधन उगावत ह। लोग बगियन मँ बिआ डावत
हीं अउर उ बगिया ओन बिअन क उगावत ह। वइसे ही
यहोवा नेकी क उगाई। इ तरह मोर सुआमी सबहिं जातियन
क बीच स्तुति क बढ़ाई।"

नवा यरूसलेम: नेकी का एक नगर

62 "मोका सिय्योन स पिरेम अहइ। एह बरे मइँ
ओकरे समर्थन मँ बोलत रहब। मोका यरूसलेम
स पिरेम अहइ, एह बरे मइँ चुप न होबउँ। मइँ उ समय
तलक बोलत रहब जब तलक नेकी क चीन्ह चमकत भइ
जोति सी नाहीं चमकी। मइँ उ समय तलक बोलत रहब जब
तलक उद्धार आगी क लपट सा भव्य बनिके नाहीं धधकी।

2फुन सबहिं देस तोहरी नेकी क लखिहीं। तोहरे सम्मान
क सब राजा लिखहीं। तबहिं तू एक नवा नाम पउब्या। खुद
यहोवा तू लोगन बरे उ नवा नाम पाई।

3यहोवा क तू लोगन पइ बहोत गर्व होइ। तू पचे यहोवा
क हाथन मँ सुन्नर मुकुट क समान होब्या।

4फुन तू पचे कबहुँ अइसे जन नाहीं कहवउब्या, 'परमेस्सर
क तजे भए लोग।' तोहार पचन्क धरती कबहुँ अइसी धरती
नाहीं कहवाइ जेका परमेस्सर उजाड़ेस। तू लोग परमेस्सर क
प्रिय जन कहवउब्या। तोहार पचन्क धरती 'परमेस्सर क
दुलहिन कहवाई।' काहेकि यहोवा तू पचन्स पिरेम करत ह
अउर तोहार पचन्क धरती ओकर होइ जाइ।

5जइसे एक युवक कुँवारी क बीहत ह। वइसे ही तोहार पचन्क पूत तोहका बियाह लेइहीं। अउर जइसे दूल्हा आपन दुलहिन क संग आनन्दित होत ह वइसे ही तोहार पचन्क परमेस्सर तोहरे पचन्क संग खुस होइ।"

परमेस्सर आपन बचन पाली

6"यरूसलेम क चारदीवारी पइ मइँ रखवारे (नवी) बइढाइ दिहेउँ ह कि ओकर धियान रखइँ। इ सबइ रखवारे मूक नाहीं रहिहीं। इ सबइ रखवारे यहोवा क तोहरी पचन्क जरूरतन क याद दियावत हीं। हे रखवारो, तू पचन्क चुप नाहीं होइ चाही।

7तू पचन्क यहोवा स पराथना करब बन्द नाहीं करइ चाही। तू पचन्क सदा ओकर पराथना करत ही रहइ चाही। जब तलक उ फुन स यरूसलेम क निर्माण न कइ दे, तब तलक तू पचे ओकर पराथना करत रहा। यरूसलेम एक अइसा नगर अहइ जेकर धरती क सबहिं लोग जस गइहीं।

8यहोवा खुद आपन सक्ती क प्रमाण बनावत भए वाचा कइँती यहोवा आपन सक्ती क प्रयोग स ही उ वाचा क पाली। यहोवा कहे रहा, "मइँ तू पचन्क बचन देत हउँ कि मइँ तोहरे पचन्क खइया क कबहुँ तोहरे पचन्क दुस्मनन क न देबउँ। मइँ तू पचन्क बचन देत हउँ कि तोहार पचन्क बनाई दाखरस तोहार पचन्क दुस्मनन कबहुँ नाहीं लइ पाई।

9जउन मनई खाना जुटावत ह, उहइ ओका खाई अउर उ मनई यहोवा क गुण गाई। उ मनई जउन अंगूर बीनत ह, उहइ ओन अंगूरन क बनी दाखरस पिई। मोर पवित्तर धरती पइ अइसी बातन हुआ करिहीं।"

10दुआरे स होत भए आवा। लोगन बरे राहन साफ करा। मारग क तइयार करा। राहे पइ क पाथर हटाइ द्या। लोगन बरे संकेत क रूप मँ झण्डा उठाइ द्या।

11यहोवा सबहिं दूर देसन बरे बोलत अहइ। "सिय्योन क लोगन स कहि द्या, लखा, तोहार पचन्क उद्धारकर्ता आवत अहइ। उ तोहार पचन्क प्रतिफल लिआवत अहइ। उ अपने संग तोहरे बरे प्रतिफल लिआवत अहइ।"

12ओकर लोग बोलावइ जाइ: "पवित्तर जन," "यहोवा क सुरच्छित लोग।" यरूसलेम बोलावइ जाइ: "उ नगर जेसे यहोवा पिरेम करत ह," "उ नगर जेका अउर तजि नाहीं जाइ।"

यहोवा आपन लोगन क निआब करत ह

63 इ कउन अहइ जउन एदोम स आवत अहइ? इ बोस्रा क नगरी स लाल धब्बन स युक्त ओढ़ना पहिरे आवत अहइ। उ आपन ओढ़नन मँ अति भव्य देखात अहइ। उ लम्बे डग बढ़ावत भवा आपन महासक्ती क साथ आवत अहइ अउर मइँ सच्चााई स बोलत हउँ।

2"तू अइसे वस्त्र जउन लाल धब्बन स युक्त अहइँ, काहे पहिरत अहा? तोहार वस्त्र अइसे लाल काहे अहइँ जइसे उ मनई क जउन अंगार स दाखरस बनावत ह?"

3उ जवाब देत ह, "दाखरस क कुण्डे मँ मइँ अकेले ही दाख रौंदेउँ। कउनो भी मोका मदद नाहीं दिहस। मइँ कोहान रहेउँ अउर मइँ लोगन क रौंढेउँ जइसे अंगूर दाखरस बनावइ बरे रौंदा जात हीं। रस छिटके मोरे ओढ़ना मँ लाग।

4मइँ रास्ट्रन क दण्ड देइ बरे एक समय चुनेउँ। मोर उ समय आइ गवा कि मइँ आपन लोगन क बचाउँ अउर ओनकर रच्छा करउँ।

5मइँ चकित भएउँ कि कउनो भी मनई मोर समर्थन नाहीं किहस। एह बरे मइँ आपन सक्ती क प्रयोग आपन लोगन क बचावइ बरे किहेउँ। खुद मोर आपन किरोध ही मोर समर्थन किहस।

6जब मइँ कोहान रहा, मइँ लोगन क रौंद दिहे रहेउँ। जब मइँ किरोध मँ पागल रहा, मइँ ओनका दण्ड दिहेउँ। मइँ ओनकर लहू धरती पइ उड़ेर दिहेउँ।"

यहोवा आपन लोगन पइ दयालु रहा

7इ मइँ याद राखब कि यहोवा दयालु अहइ अउर मइँ यहोवा क स्तुति करब याद राखब। यहोवा इस्राएल क घराने क बहोत स वस्तुअन प्रदान किहस। यहोवा हमरे बरे बहोत ही कृपालु रहा। यहोवा हमरे बरे दाया देखॉएस।

8यहोवा कहे रहा, "इ सबइ मोर लोग अहइँ। इ सबइ बच्चन कबहुँ झूठ नाहीं कहत हीं।" एह बरे यहोवा ओन लोगन क बचाइ लिहस।

9ओनका सब संकटन स कउनो भी सरगदूत नाहीं बचाए रहा। उ खुद ही आपन पिरेम अउर आपन दाया स ओनका छुटकारा दिआए रहा।

10किन्तु उ सबइ लोग यहोवा स मुँह मोड़ चलेन। उ पचे ओकर पवित्तर आतिमा क बहोत दु:खी किहस। तउ यहोवा ओनकर दुस्मन बन गवा। यहोवा ओन लोगन क विरोध मँ जुद्ध किहस।

11किन्तु यहोवा अब भी पहिले क समय याद करत ह। यहोवा मूसा क अउर ओकर लोगन क याद करत ह। यहोवा उहइ रहा जउन लोगन क सागर क बीच स निकारि के लिआवा। यहोवा आपन भेड़िन क अगुवाई क बरे आपन चरवाहन क प्रयोग किहस। किन्तु अब उ यहोवा कहाँ अहइ जउन आपन आतिमा क मूसा मँ रख दिहे रह्या।

12यहोवा आपन दाहिन हाथे स मूसा क अगुवाई किहस। यहोवा आपन अद्‌भुत सक्ती स मूसा क राह देखॉएस। यहोवा जल क चीर दिहे रहा। जेहसे लोग सागर क पैदल पार कइ सके रहेन। इ अद्‌भुत कार्य क कइके यहोवा आपन नाउँ प्रसिद्ध किहे रहा।

13यहोवा लोगन गहिर सागर क बीच स पार किहेस। उ पचे अइसे चला रहेन जइसे रेगिस्तान क बीच स घोड़ा बिना लड़खड़ाए चला जात ह।

14जइसे मवेसी घाटियन स उतरत अउर आराम क ठउर पावत हीं वइसे ही यहोवा क प्राण हमका विस्राम क जगहिया दिहेस ह। हे यहोवा, इ ढंग स तू आपन लोगन क राह देखाया अउर तू आपन नाउँ अद्‌भुत कइ दिहा।

ओकरे लोगन क मदद बरे यहोवा स पराथना

15हे यहोवा, तू अकासे स खाले लखा ओन बातन क लखा जउन घटत अहइँ। तू हमका आपन महान पवित्तर घरे

स जउन अकासे मँ अहइ, खाले लखा। तोहार सुदृढ़ पिरेम
हमरे बरे कहाँ अहइँ? तोहार सक्तीसाली कार्य कहाँ अहइ?
तोहार हिरदय क पिरेम कहाँ अहइ? मोरे बरे तोहार कृपा
कहाँ अहइ? तू आपन करूण पिरेम मोहसे कहाँ छुपाइ रखा
अहइ?

16लखा, तू हमार पिता अहा! होइ सकत ह इब्राहीम हम
पच क नाहीं पहिचान सकी। होइ सकत ह इस्राएल हमका
नाहीं जान सकी कि हम पचे कउन अहउँ। किन्तु यहोवा तू
हमार पिता अहा। तू उहइ यहोवा अहइ जउन हमका सदा
छोड़ाएस ह!

17हे यहोवा, तू हमका आपन स दूर काहे ढकेलत अहा?
तू हमरे बरे आपन अनुसरण करइ क काहे कठिन बनावत
अहा? यहोवा तू हमरे लगे लउटि आवा। हम तउ तोहार
दास अही। हमरे पास आवा अउर हमका सहारा द्या। हमार
परिवार तोहार अहइँ।

18थोड़े समय बरे हमार दुस्मनन तोहार पवित्तर लोगन पइ
कब्जा कइ लिहे रहेन। हमार दुस्मनन तोहरे मन्दिर क कुचरि
दिहे रहेन।

19कछू लोग तोहार अनुसरण नाहीं करत हीं। उ पचे
तोहरे नाउँ क धारण नाहीं करत हीं। जइसे उ सबइ लोग
हम भी वइसे हुआ करत रहे।

64 जदि तू अकास चीरिके धरती पइ खाले उतरि
आवा तउ सब कछू ही बदल जाइ। तोहरे समन्वा
पर्वत टेघर जाइ।

2पहाड़न मँ लपट उठिहीं। उ सबइ अइसे बरिहीं जइसे
झाड़ियन बरत हीं। पहाड़ अइसे उबलिहीं जइसे उबलत पानी
आगी पइ रखा गवा होइ। तब तोहार दुस्मन तोहरे बारे मँ
समुझिहीं। जब सबहिं जातियन तोहका लखिहीं तब उ पचे
भय स थर-थर काँपिहीं।

3किन्तु हम फुरइ नाहीं चाहित ह कि तू अइसे कामन क
करा कि तोहरे समन्वा पहाड़ पिघल जाइ।

4फुरइ तोहार ही लोग तोहार कबहुँ नाहीं सुनेन। जउन
कछू तू बातन कह्या फुरइ तोहार ही लोग ओनका कबहुँ
नाहीं सुनेन। तोहार जइसा परमेस्सर कउनो भी नाहीं लखेस।
कउनो भी दूसर परमेस्सर नाहीं, बस सिरिफ तू ही अहा।
जदि लोग धीरा धइके तोहरे सहारे क बाट जोहत रहइँ, तू
ओनके बरे बड़े काम कइ देब्या।

5जेनका अच्छे काम करइ मँ मजा आवत ह, तू ओन
लोगन क संग अहा। उ सबइ लोग तोहरे जिन्नगी क रीति
क याद करत हीं। पर लखा, बीते दिनन मँ हम तोहरे
विरूद्ध पाप किहा ह। एह बरे तू हमके कोहाइ ग रह्या।
अब भला कइसे हमार रच्छा होइ?

6हम सबहिं पाप स मैला अही। हमार सब 'नेकी' पुरान
गन्दे कपड़न स अहइ। हम झुरान मुरझाए पत्तन स अही।
हमार पाप हमका आँधी स उड़ाये अहइ।

7हम तोहार उपासना नाहीं करित ह। हम का तोहरे नाउँ
मँ बिस्सास नाहीं अहइ। हम मँ स कउनो तोहार अनुसरण
करइ क उत्साही नाहीं अहइ। एह बरे तू हमस मुँह मोड़
लिहा ह। काहेकि हम पाप स भरा अही एह बरे हम तोहरे
समन्वा असमर्थ अही।

8किन्तु, यहोवा तू हमार पिता अहा। हम माटी क लौंदा
अही अउर तू कोमहार अहा। तोहरे ही हाथन हम सबक
रचा ह।

9हे यहोवा, तू हमेसा कुपित जिन बना रहा। तू हमरे
पापन क सदा ही याद जिन रखा। कृपा कइके तू हमरी
कइँती लखा। हम तोहार ही लोग अही।

10तोहार पवित्तर नगरियन उजड़ी भई अहइँ। आजु उ
सबइ नगरियन अइसी हो गइ अहइँ जइसे रेगिस्तान होइँ।
सिय्योन रेगिस्तान होइ गवा अहइ। यरूसलेम ढल गवा
अहइ।

11हमार पवित्तर मन्दिर भसम होइ ग अहइ। उ मन्दिर
हमरे बरे बहोत ही महान रहा। हमार पूर्वज हुवाँ तोहार
उपासना करत रहेन। अउर हम लोगन क सबइ बहुमुल्य
वस्तुअन नास होइ ग अहइ।

12का इ सबइ वस्तुअन सदैव तोहका आपन पिरेम हम
पइ परगट करइ स दूर रखिहीं। का तू कबहुँ कुछ नाहीं
कहब्या? का तू अइसे ही चुप रह जाब्या? का तू सदा
हमका दण्ड देत रहब्या?

परमेस्सर क बारे मँ सबहिं लोग जनिहीं

65 यहोवा कहत ह, "मइँ ओन लोगन क भी सहारा
दिहेउँ ह जउन उपदेस ग्रहण करइ बरे कबहुँ मोरे
लगे नाहीं आएन। जउन लोग मोका प्राप्त कइ लिहन, उ
पचे मोरी खोज मँ नाहीं रहेन। मइँ एक अइसी जाति स बात
किहेउँ जउन मोर नाउँ धारण नाहीं करत रही। मइँ कहे
रहेउँ, 'मइँ हिआँ हउँ। मइँ हिआँ हउँ।'

2"जउन लोग मोहसे मुँह मोड़ गए रहेन, ओन लोगन क
अपनावइ बरे मइँ तत्पर रहेउँ। मइँ इ बात क प्रतीच्छा करत
रहेउँ कि उ सबइ लोग मोरे लगे लउटि आवइँ। किन्तु उ
पचे जिन्नगी क एक अइसी राह पइ चलत रहेन जउन
अच्छी नाहीं अहइ। उ पचे आपन मन क मुताबिक काम
करत रहेन। 3उ सबइ लोग मोरे समन्वा रहत हीं अउर सदा
मोका गुस्सैल करत रहत हीं। आपन बिसेस बागन मँ उ पचे
लोग मिथ्या देवतन क बलियन क अर्पन करत हीं अउर
अगरबत्ती बारत हीं। 4उ सबइ लोग कब्रन क बीच बइठत
हीं अउर मरे भए लोगन स संदेस पावइ क प्रतीच्छा करत
रहत हीं। हिआँ तलक कि उ पचे मुर्दन क बीच रहा करत
हीं। उ पचे सुअर क माँस खात हीं। ओनकर पियालन मँ
अपवित्तर वस्तुअन क सोरबा अहइ।

5"किन्तु उ सबइ लोग दूसर लोगन स कहा करत हीं,
'मोरे लगे जिन आवा, मोका उ समय तलक जिन छुआ,
जब तलक मइँ तू पचन्क पवित्तर न कइ देउँ।' मोर आँखिन
मँ उ सबइ लोग धुएँ क जइसे अहइँ अउर ओनकर आगी
हर समय बरा करत ह।"

इस्राएल क दण्डित होइ चाही

6"लखा, इ एक हुण्डी अहइ जेका पुन: भुगतान जरूर
करइ क होइ। इ हुण्डी बतावत ह कि तू आपन पापन बरे
अपराधी अहा। मइँ उ समय तलक चुप नाहीं होबउँ जब

तलक इ हुण्डी क भुगतान न कइ देउँ। अउर मइँ इ हुण्डी
क भुगतान नेम क अनुसार करब।
7“तोहार पचन्क पाप अउर तोहार पचन्क पुरखन एक ही
जइसे अहइँ।” यहोवा इ कहेस ह, “तोहार पचन्क पुरखन
जब पहाड़न मँ धूप अगरबत्तियन बारे रहेन, तबहि एन पापन
क किहे रहेन। ओन पहाड़न पइ उ पचे मोका लज्जित किहे
रहेन अउर सबसे पहिले मइँ ओनका दण्ड दिहेउँ। जउन दण्ड
ओनका मिलइ चाही रहा, मइँ ओनका उहइ दण्ड दिहेउँ।”

परमेस्सर इस्राएल क पूरी तरह नस्ट नाहीं करी

8यहोवा कहत ह, “अंगूरन मँ जब नई दाखरस हुवा करत
ह, तब लोग ओका निचोड़ लिया करत हीं, किन्तु उ पचे
अंगूरन क पूरी तरह नस्ट तउ नाहीं कइ डउतेन। उ पचे एह
बरे अइसा करत हीं कि अंगूरन क उपयोग तउ फिन भी
किया जाइ सकत ह। आपन सेवकन क साथ मइँ अइसा ही
करब। मइँ ओनका पूरी तरह नस्ट नाहीं करब: **9**इस्राएल क
कछू लोग क मइँ बचाए रखब। यहूदा क कछू लोग मोरे
पर्वतन क प्राप्त करिहीं। मोरे सेवकन क हुवाँ निवास होइ।
मोर चुने भए लोगन क धरती मिली। **10**फुन तउ सारोन क
घाटी हमार भेड़ी-बोकरियन क चरागाह होइ तथा आकोर क
तराई हमरे मवेसियन क आराम करइ क जगह बन जाइ। इ
सबइ सब बातन मोरे लोगन क बरे होइहीं। ओन लोगन बरे
जउ मोर खोज मँ अहइँ।
11“किन्तु तू लोग, जउन यहोवा क तजि दिहेन ह, दण्डित
कीन्ह जाब्या। तू अइसे लोग जउन मोरे पवित्तर पर्वत क
बिसराइ दिहन ह। तू अइसे लोग अहा जउन भाग्य क
मिथ्या देवता क पूजा करत अहा। तू पचे भाग्यरूपी लबार
देवता क सहारे रहत अहा। **12**किन्तु तोहरे पचन्क भाग्य क
निर्धारन तउ मइँ करत हउँ। मइँ तरवार स तोहका दण्ड
देबउँ। जउन तू पचन्क दण्ड देइ। तू पचे सबहिं ओकरे
अगवा मिमिआइ लगब्या। मइँ तू पचन्क गोहराएउँ किन्तु तू
पचे कउनो जवाब नाहीं दिहा। मइँ तू पचन्स बातन किहेउँ
किन्तु तू पचे सुन्या तलक नाहीं। तू पचे ओन कामन क ही
करत रह्या जेनका मइँ बुरा कहे रहेउँ। तू पचे ओन कामन
क करइ क ही ठान लिहा जउन मोका नीक नाहीं लागत
रहेन।”
13तउ मोर सुआमी यहोवा इ सबइ बातन कहेस। “मोर
दास भोजन पइहीं, किन्तु तू पचे भूखा मरब्या। मोर दास
पीहीं किन्तु अरे दुस्टो, तू पचे पियासा मरब्या। मोर दास खुस
होइहीं किन्तु अरे ओ दुस्टो, तू पचे लज्जित होब्या।
14मोरे दासन क मन खरे अहइँ एह बरे उ सबइ खुस
होइहीं। किन्तु अरे ओ दुस्टो, तू पचे रोया करब्या काहेकि
तोहरे पचन्क मने मँ पीरा बसी। तू पचे आपन टूटे भए मन
स बहोत दुःखी रहब्या।
15तोहार पचन्क नाउँ मोरे लोगन क बरे गालियन क
जइसे होइ जइहीं।” मोर सुआमी यहोवा तू पचन्क मारि डाइ
अउर उ आपन दासन क एक नवे नाउँ स बोलाया करी।
16जब लोग दूसर क आसीस देइ, उ पचे धरती क नाउँ
लइ के आसीस देइ। किन्तु अगवा आवइवाले दिनन मँ उ
पचे दूसर क बिस्सासी परमेस्सर क नाउँ लेइ के आसीस
देइ। अबहिं लोग धरती क सक्ती क भरोसे रहा करत हीं
जब उ पचे कउनो बचन देत हीं। किन्तु भविस्स मँ, उ सबइ
बिस्सासी परमेस्सर क भरोसे रहा करिहीं। काहेकि पिछले
दिनन क सबहिं विपत्तियन भुलाइ दीन्ह जइहीं। लोग फुन
ओन पिछली विपत्तियन क याद नाहीं करिहीं।

एक नवा समय आवत अहइ

17“लखा, मइँ एक नवे सरग अउर नई धरती क रचना
करब। लोग मोरे लोगन क पिछली बात याद नाहीं रखिहीं।
ओनमाँ स कउनो बात याद मँ नाहीं रही।
18मोर लोग दुःखी नाहीं रहिहीं। नाहीं, उ पचे आनन्द मँ
रहिहीं अउर उ पचे सदा खुस रहिहीं। मइँ जउन बातन रचब
जउन आनन्द स परिपूर्ण होइ अउर मइँ ओनका एक प्रसन्न
जाति बनाउब।
19फुन मइँ यरूसलेम स खुस रहब। मइँ आपन लोगन स
खुस रहब। तब उ नगरी मँ फुन कबहुँ विलाप अउर कउनो
दुःख नाहीं होइ।
20उ नगरी मँ कउनो बच्चा अइसा नाहीं होइ जउन पइदा
होइके पाछे कछू दिन जिई। उ नगरी क कउनो भी मनई
आपन छोटी उमर मँ नाहीं मरी। हर पैदा भवा बच्चा लम्बी
उमर जिई अउर उ नगरी क प्रत्येक बुढ़वा मनई एक लम्बे
समय तलक जिअत रही। हुवाँ सौ साल क मनई भी जवान
कहा जाइ। किन्तु कउनो भी अइसा मनई जउन सौ साल स
पहिले मरी अभिसप्त कहा जाइ।
21लखा, उ नगरी मँ अगर कउनो मनई आपन घर
बनाई तउ उ मनई आपन घरे मँ बसी। अगर कउनो मनई
हुवाँ अंगूरे क बाग लगाई तउ उ आपन बाग क अंगूर
खाई।
22हुवाँ अइसा नाहीं होइ कि कउनो आपन घर बनावइ
अउर कउनो दूसर निवास करइ। अइसा भी नाहीं होइ कि
बाग कउनो दूसर लगावइ अउर उ बाग क फल कउनो
दूसर खाइ। मोर लोग एतना जीइहीं जेतना इ सबइ बृच्छ
जिअत हीं। अइसा मनई जेनका मइँ चुनेउँ ह, ओन सबहिं
वस्तुअन क आनंद लेइहीं जेनका उ पचे बनाए अहइँ।
23फुन लोग बियर्थ क परिस्रम नाहीं करिहीं। लोग अइसे
ओन बच्चन क जन्म नाहीं देइहीं जेनके बरे उ पचे मने मँ
डेरइहीं कि उ पचे कउनो अचानक बिपत्ति क सिकार न
होइँ। मोर सबहिं लोग यहोवा क आसीस पइहीं। मोर लोग
अउर ओनकर संतानन आसीर्बाद पइहीं।
24मोका ओन सबहिं वस्तुअन क पता होइ जाइ जेनकर
जरूरत ओनका होइ, एहसे पहिले कि उ पचे ओनका मोसे
माँगइँ। एहसे पहिले कि उ पचे मोहसे मदद क पराथना पूरी
कइ पइहीं, मइँ ओनका मदद देब।
25बिगवन अउर मेमनन एक संग चरत फिरिहीं। सिंह भी
मवेसियन क जइसे ही भूसा खाइहीं अउर भुजंगन क भोजन
बस माटी ही होइ। मोरे पवित्तर पर्वत पइ कउनो केउ क
भी नोस्कान नाहीं पहोंचाइ अउर न ही ओनका नस्ट करी।”
इ यहोवा कहेस ह।

परमेस्सर सबहिं जातियन क निआव करी

66 यहोवा इ कहत ह, "अकास मोर सिंहासन अहइ। धरती मोरे पाँव क चौकी बनी अहइ। तउ का तू इ सोचत अहा कि तू मोरे बरे भवन बनाइ सकत अहा? नाहीं, तू नाहीं बनाइ सकत्या। का तू मोका बिस्राम क जगह दइ सकत ह? नाहीं, तू नाहीं दइ सकत्या।

2मइँ खुद ही सारी वस्तुअन रचेउँ ह। इ सबइ सारी वस्तुअन हिआँ टिकी अहइँ काहेकि ओनका मइँ बनाएउँ ह।" यहोवा इ सबइ बातन कहे रहा। "मोका बतावा कि मइँ कइसे लोगन क चिन्ता किया करत हउँ? मोका दीन हीन लोगन क चिन्ता अहइ। इ सबइ ही उ सबइ लोग अहउँ जउन बहोत दुःखी रहत हीं। अइसे ही लोगन क चिन्ता मइँ किया करत हउँ। जउन मोरे बचनन क पालन किया करत हीं।

3मोका बलि क रूप मँ अर्पित करइ क कछू लोग बर्धा क बध किया करत हीं किन्तु उ सबइ लोगन स मारपीट भी करत हीं। मोका अर्पित करइ क इ सबइ भेड़िन क मारत हीं किन्तु इ सबइ कुकुरन क गर्दन भी तोड़न हीं अउर सुअरन क लहू इ सबइ मोह पइ चढ़ावत हीं। अइसे लोगन क धूप स बारइ क याद बनी रहा करत ह किन्तु उ सबइ बियर्थ क आपन सबइ प्रतिमा स पिरेम करत हीं। अइसे इ सबइ लोग आपन मनचीती राहन पइ चला करत हीं, मोरी राहन पइ नाहीं। उ पचे पूरी तरह स आपन घिनौने मूरति क पिरेम मँ बूड़ा अहइँ।

4एह बरे मइँ इ निहचय किहेउँ ह कि मइँ ओनकर जूती ओनहीं क सिर करब। मोर इ मतलब अहइ कि मइँ ओनका दण्ड देब ओन वस्तुअन क काम मँ लिआवत भए जेनसे उ पचे बहोत डेरात हीं। मइँ ओन लोगन क गोहराए रहेउँ किन्तु उ पचे नाहीं सुनेन। मइँ ओनसे बोले रहेउँ किन्तु उ पचे सुनेन ही नाहीं। एह बरे अब मइँ भी ओनके संग अइसा ही करब। उ सबइ लोग ओन सबहिं बुरे कामन क करत रहत हीं जेनका मइँ बुरा बताए रहेउँ। उ पचे अइसा काम करइ क चुनेन जउन मोका नाहीं भावत रहेन।"

5हे लोगो, यहोवा क भय विम्हय मानइवालो अउर यहोवा क हुकुमन क अनुसरण करइवालो, ओन बातन क सुना। यहोवा कहत ह, "तोहसे तोहार पचन्क भाइयन घिना किहेन काहेकि तू पचे मोरे पाछे चला करत रह्या, उ पचे तोहरे पचन्क विरूद्ध होइ गएन। तोहार पचन्क बंधु कहा करत रहेन, 'जब यहोवा सम्मानित होइ हम पचे तोहरे सबन्क पाछे होइ लेव। फुन तोहरे सबन्क साथ मँ हम भी खुस होइ जाब।' अइसे ओन लोगन क सजा दीन्ह जाइ।

दण्ड अउर नई नीति

6"सुनन तउ, नगर अउर मन्दिर स एक ऊँच आवाज सुनाइ देत अहइ। यहोवा क जरिये आपन विरोधियन क, जउन दण्ड दीन्ह जात अहइ। उ आवाज उहइ क अहइ। यहोवा ओनका उहइ दण्ड देत अहइ जउन ओनका मिलइ चाही।

7-8"अइसा तउ नाहीं भवा करत रहा कि प्रसव पीरा स पहिले ही कउनो मेहरारू बच्चा पइदा करत होइ। अइसा तउ कबहुँ नाहीं भवा कि कउनो मेहरारू कउनो पीरा क अनुभव करइ स पहिले ही आपन पूत क पइदा भवा लखे होइ। अइसा कबहुँ नाहीं भवा। इहइ प्रकार कउनो भी मनई एक दिन मँ कउनो नवा संसार आरम्भ होत भए नाहीं लखेस। कउनो भी मनई कउनो अइसी नई जाति क नाउँ कबहुँ नाहीं सुने होइ जउन एक ही दिन मँ सुरू होइ गई होइ। धरती क बच्चा जनई क दर्द जइसी पीरा निहचय ही पहिले सहइ क होइ। इ प्रसव पीरा क पाछे ही उ धरती आपन संतानन-एक नई जाति क जनम देइ। **9**जब मइँ कउनो मेहरारू क बच्चा जनइ क पीरा देत हउँ तउ उ बच्चा क जनम दइ देत ह।"

तोहार पचन्क यहोवा कहत ह, "मइँ तू पचन्क बच्चा जनइ क पीरा मँ डाइके तोहार पचन्क गर्भद्वार बंद नाहीं कइ देत। मइँ तू पचन्क इहइ तरह एन विपत्तियन मँ बिना एक नई जाति प्रदान किए, नाहीं डाउब।"

10हे यरूसलेम, खुस रहा। हे लोगो, यरूसलेम क प्रेमियो, तू पचे निहचय ही खुस रहा। यरूसलेम क संग संग दुःख क बातन घटी रहिन एह बरे तू पचन्मँ स कछू लोग भी दुःखी अहइँ। किन्तु अब तू पचन्क चाही कि तू पचे बहोत बहोत खुस होइ जा।

11काहेकि अब तू पचन्क दाया अइसी मिली जइसे छाती स दूध मिला जाया करत ह। तू पचे यरूसलेम क वैभव क सच्चा आनंद पउब्या।

12यहोवा कहत ह, "लखा, मइँ तू पचन्क सान्ति देब। इ सान्ति तू पचन तलक अइसे पहोंची जइसे कउनो महानदी बहत भी पहुँच जात ह। सब धरती क रास्ट्रन क धन-दौलत बहत भइ तू पचन्तलक पहोंच जाइ। इ धन-दौलत अइसे बहत भए आई जइसे कउनो बाढ़ क धारा। तू पचे नान्ह बच्चन स होब्या, तू पचे दूध पीब्या, तू पचन्क उठाइ लीन्ह जाइ अउर गोदी मँ थाम लीन्ह जाइ, तू पचन्क घुटनन पइ उछारा जाइ।

13मइँ तू पचन्क दुलारब जइसे महतारी आपन बच्चा क दुलारत ह। अउर तू पचे यरूसलेम क भीतर चैन पउब्या!

14तू पचे उ वस्तुअन क लखब्या जेनमाँ तू पचन्क रस आवत ह तू पचे अजाद होइके घास क तरह बढ़ब्या। यहोवा क सक्ती क ओकर लोग लखिही, किन्तु यहोवा क दुस्मन ओकर किरोध देखिहीं।"

15लखा, आगी क साथ यहोवा आवत अहइ। धूरि क बादलन क साथ यहोवा क फउजन आवति अहइँ। यहोवा आपन किरोध स ओन मनइयन क सजा देइ। यहोवा जब कोहाइ जाइ तउ ओन मनइयन क दण्ड देइ बरे आगी क लपटन क प्रयोग करी। **16**यहोवा लोगन क निआत करी अउर फिन आगी अउर आपन तरवार स उ अपराधी लोगन क नस्ट कइ डाइ। यहोवा ओन बहोत स लोगन क नस्ट कइ देइ। उ आपन तरवार स ल्हास न क अम्बार लगा देइ।

17यहोवा क कहब अहइ, उ सबइ लोग जउन आपन बगीचन क पूजइ बरे स्नान कइके पवित्तर होत हीं अउर एक दूसर क पाछे परिक्रमा करत हीं,

"उ पचे जउन सुअर क गोस खात ही अउर मूस जइसे घिनौने जीव जन्तुअन क खात हीं, एन सबहिं लोगन क नास होइ।" यहोवा इ सबइ बातन कहे रहा।

18"बुरे बिचारन मँ पड़े भए उ सबइ लोग बुरे काम किया
करत हीं। एह बरे ओनका सजा देइ क मइँ आवत हउँ। मइँ
सबहिं जातियन अउर सबहिं लोगन क बटोरब। परस्पर
एकट्ठा भए सबहिं लोग मोर सक्ती लखिहीं। 19कछू
लोगन पइ मइँ एक चीन्हा लगाइ देब, मइँ ओनकर रच्छा
करब। एन रच्छा कीन्ह लोगन मँ स कछू लोगन क मइँ
तर्सीस लिब्या अउर लूदी क लोगन क पास पठउब। (एन
देसन क लोग धनुर्धारी हुआ करत हीं।) तुबाल, यूनान अउर
सबहिं दूर देसन मँ मइँ ओनका पठउब। दूर देसन क ओन
लोग मोर उपदेस कबहुँ नाहीं सुनेन। ओन लोग मोरी महिमा
क दर्सन भी नाहीं किहेन ह। तउ उ सबइ बचाए गए लोग
ओन जातियन क मोरी महिमा क बारे मँ बतइहीं। 20उ पचे
तोहार पचन्क सबहिं भाइयन अउर बहनन क सबहिं देसन स
हिआँ लइ अइहीं। तोहार पचन्क भाइयन अउर बहनन क उ
पचे मोर पवित्तर पर्वत पइ यरूसलेम मँ लइ अइहीं। तोहार
पचन्क भाई बहिन हिआँ घोड़न, खच्चरन, ऊँटन, रथन अउर
पालकियन मँ बइठिके अइहीं। तोहार पचन्क उ सबइ
भाई बहिन उहइ प्रकार स उपहार
क रूप मँ लिआवा जइहीं जइसे इस्राएल क लोग सुद्ध
थालन मँ रखिके यहोवा क मन्दिर मँ उपहार लिआवत हीं।
21एन लोगन मँ स कछू लोगन क याजकन अउर लेवियन
क रूप मँ चुन लेब। इ सबइ बातन यहोवा बताए रहा।

नवा अकास अउर नई धरती

22"मइँ एक नये संसार क रचना करब। इ सबइ नवे
अकास अउर नई धरती सदा-सदा टिकी रहिहीं अउर उहइ
प्रकार तोहार पचन्क नाउँ अउर तोहार पचन्क बंसजन भी
सदा मोरे संग रहिहीं। 23हर सबित क दिन अउर महीने क
पहिले दिन उ सबइ सबहिं लोग मोर उपासना बरे आवा
करिहीं।" इ सबइ बातन यहोवा बताए रहा।

24"इ सबइ लोग मोर पवित्तर नगरी मँ होइहीं अउर
कबहुँ उ पचे नगर स बाहेर जइहीं, तउ ओनका ओन
लोगन क ल्हासन देखाई देइहीं जउन मोरे विरुद्ध पाप किहेन
ह। ओन ल्हासन मँ किरवन पड़ा हुवा होइहीं अउर उ सबइ
किरवन कबहुँ नाहीं मरिहीं। ओन देहन क आगी बारि डाई
अउर उ आगी कबहुँ खतम नाहीं होइ।'"

स्रेस्ठगीत

1 सुलैमान क स्रेस्ठ गीत।

सस्प्रेमिका क आपन प्रेमी क खातिर

2ओकरे ओंठन क चुम्बनन स मोका ढाँपि लेइ द्या। ओसे उ कहेस, "तोहार पिरेम दाखरस स भी मीठा अहइ।

3तोहार इत्र क सुगन्ध मोहक अहइ, मुला तोहार नाउँ मोरे बरे मूल्यवान इत्र स भी जियादा मोहक अहइ! इहइ कारण अहइ कि कुँवरियन तोहसे पिरेम करत हीं!

4हे मोर राजा, तू मोका आपन संग लइ ल्या। हाली चला! राजा मोका आपन कमरा मँ लइ आवा ह।

मनसेधू क बरे यरूसलेम क मेहररूअन

हम तोहमाँ आनन्दित अउ मगन अही। हम मानत अही कि तोहार पिरेम दाखरस स उत्तिम अहइ। अच्छा कारण क बरे कुँवरियन तोहसे पिरेम करत हीं।

मेहरारु क बचन मेहररुअन बरे

5हे यरूसलेम क बिटियो, मइँ करिया हउँ, मुला मइँ सुन्नर हउँ। मइँ केदार क तम्बुअन जइसा अउ सलमोन* क तम्बूअन क पर्दा जइसे करिया हउँ।

6किन्तु मोका करिया मँ सामिल जिन करा। इ सूरज अहइ जउन मोका करिया कइ दिहस ह। मोर भइयन एकर कारण अहइँ। उ मोका आपन अंगूरे क बगीचन क रखवारी करइ बरे मज़बूर किहेन ह। एह बरे मइँ आपन क धियान नाहीं रखि सकेउँ।

मेहरारू क बचन मनसेधू क बरे

7मइँ तोहका आपन पूरी आतिमा स पिरेम करत हउँ। मोर सच्चा पिरेमी, मोका बतावा कि तू आपन भेड़िन क कहाँ चरावत अहा? दुपहरिया मँ ओनका आरम करइ बरे कहाँ बइठावत अहा? मोका अइसी एक ठु लड़िकी क लगे काहे होइ चाही जउन घूँघट डारिके तोहरे मीतन क झुण्डन क रखवारी करत ह।

मनसेधू क बचन मेहरारू बरे

8हे मेहररुअन सबन त सुन्नरी, अगर तू नाहीं जानत ह मइँ कहाँ होब, तउ भेड़ियन क पथ पाछा करा। तोहार बोकरियन क बच्चन क गड़रियन क तम्बुअन क लगे चरा।

9हे मोर प्रिय मइँ तोहार तुलना उ घोड़ी स करत हउँ जउन घोड़िन फिरौन क रथ क हींचइवाल घोड़न क आकर्सित करत ह।

10मइँ तोहार कल्पना चाँदी अउर रतन स सज़ा भवा घोड़ा स कइ सकत हउँ। तोहार गाल खूबसूरत आभूसण अउर कर्नफूल स भवा अहइ। तोहार गर्दन पइ माला बहोत सुन्नर लगत अहइँ। 11जउन सोना अउर चाँदी क पत्तर लागत ह खास तोहरे बरे बना अहइँ।

मेहरारू क बचन

12जब राजा गद्दी पइ लेटत अहइ, मोरे इत्र क सुगन्ध ओह तलक पहोंचत ह।

13मोर प्रियतम रस गन्ध क कुप्पे जइसा अहइ। उ मोरे सीते क बीच सारी रात सोइ।

14मोर प्रिय मोरे बरे मेंहदी क फूलन क गुच्छन जइसा अहइ जउन एनगदी क अंगूरे क बगीचे मँ फलत ह।

मनसेधू क बचन

15मोर प्रिये, तू रमणीय अहा। ओह, तू केतनी सुन्नर अहा। तोहार आँखिन कबूतरन क जइसी सुन्नर अहइँ।

मेहरारू क बचन

16हे मोर प्रियतम, तू केतना सुन्नर अहा। हाँ, तू केतना मनमोहक अहा। हमार बिछाउन केंतना ताज़ा अउर आनन्दित महक प्रदान करत हीं।

17हमार घरे क छत देवदारू क पउधन स बना अहइँ। अउर देवारन सनोवर पउधन स बना अहइँ।

2 मइँ सारोन क केसर क पाटल जइसा हउँ। मइँ घाटियन क कोका बेली हउँ।

मनसेधू क बचन

2हे मोर प्रिये, दूसर जुवतियन तुलना मँ तू वइसी ही अहा माना काँटन क झारी क बीच लिली अहा।

मेहरारू क बचन

3मोर प्रिय, दूसर नउजवानन क बीच तू अइसे लागत अहा जइसे जंगले क बृच्छन मँ कउनो सेब क पेड़।

मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

मोका आपन प्रियतम क छाया मँ बइठब नीक लागत ह; ओकर फल मोका खाइ मँ बहोत मीठ लागत ह।

सलमोन इ केदार अउर सलमा क करिया ऊन क तम्बू क कइँती इसारा करत ह। इ तरह क करिया तम्बूअन अब भी पूर्वी रेगिस्तान मँ देखा जात ह।

4मोर प्रिय मोका मधुसाला मँ लइ आवा अउर मोका आपन पिरेम क बारे मँ एक झण्डा क नाईं लहराइके स्पस्ट किह्या।

5मइँ पिरेम क रोगी हउँ एह बरे किसमिस स मोका मज़बूत बनावा अउर मीठा सेबन स मोका ताजा करा।

6ओकरे बाँया हाथ मोर मुड़ि क पिआर स छुअत हीं, अउर ओकर दाहिन हाथ सरीर क पिआर स छुअत हीं।

7यरूसलेम क कुँवरियिन कुरंगन अउ जंगली हिरनियन क साच्छी मानिके मोका बचन द्या, पिरेम क जिन जगावा अउ उसकावा जब तलक एकर इच्छा न होइ!"*

8मइँ आपन प्रियतम क अवाज अनकत हउँ। इ पहाड़न स उछरत भइ अउर पहाड़ियन स कूदत भइ आवत ह।

9मोर प्रियतम कुरंग या जवान हरिन जइसा सुन्नर अहइ। लखा, उ हमरी देवारे क पीछे खड़ा अहइ, खिरकी स लखत अहइ, पर्दा क छेद स झाँकत अहइ।

10मोर प्रियतम मोसे बोलेत ह: हे मोर प्रिये, उठा, हे मोर सुन्नरी, आवा कहूँ चली।

11लखा, सीत-रितु बीत गइ अहइ। बर्खा खतम होइ गइ अउ चली गइ अहइ।

12धरती पइ फूल खिले भए अहइँ। चिरइयन क गावइ क समइ आइ ग अहइ। धरती पइ कबूतरे क अवाज गूँजत अहइ।

13अंजीर क बृच्छन पइ अंजीर, पकइ लागेन हँ। अंगूरे क बेल फूलत अहइँ अउर ओनकर भीती गन्ध फइलत अहइ। मोर प्रिय उठा, हे मोर सुन्नर, आवा कहूँ दूर चली।"

14हे मोर कबूतर, जउन ऊँच चट्टानन क सबइ गुफा मँ अउर पहाड़न मँ लुकान अहा, मोका आपन मुँह देखावा मोका आपन आवाज सुनावा काहेकि तोहार आवाज मीठ अउ तोहार मुँह सुन्नर अहइ।"

मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

15जउन नान्ह लोखरियिन दाख क बगियन क बिगाड़त ही हमरे बरे ओनका धरा। हमार अंगूर क बगियन अब फूलत अहइँ।

16मोर प्रिय मोर अहइ अउर मइँ ओकर हउँ। मोर प्रिय आपन भेड़ी बोकरियिन क कोकाबेलियिन क बीच चरावत ह,

17हे प्रियतम, कुरंग स या जवान हरिन स रहा, जब तलक दिन नाहीं ढल जात ह अउर छाया लम्बी अउर खतम नाहीं होइ जात ह पहाड़न पइ चला।

मेहरारू क बचन

3 हर राति आपन सेज पइ मइँ आपन मने मँ ओका हेरत हउँ। जउन मनसेधू मोर प्रिय अहइ, मइँ ओका हेरेउँ ह, मुला मइँ ओका नाहीं पाएउँ।

2अब मइँ उठब। मइँ सहर क चारिहुँ गलियन, बजारन मँ जाब। मइँ ओका हेरब जेका मइँ पिरेम करत हउँ। मइँ उ मनसेधू हेरेउँ उ मोका नाहीं मिला।

3मोका सहर क पहरेदारी मिलेन। मइँ ओनसे पूछेउँ, "का तू उ मनसेधू क लख्या जेका मइँ पियार करत हउँ?"

4पहरेदारन स मइँ अबहिं तनिक दूर गएउँ कि मोका मोर प्रियतम मिलि गवा। मइँ ओका धइ लिहेउँ। मइँ ओका जाइ क अनुमति नाहीं दिहा अउर मइँ ओका आपन मताहरी क घरे लइ आवा, मइँ ओका उ कमरा मँ लइ आवा जहाँ पइ उ मोका जनम दिहे रहा।

मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

5हे यरूसलेम क कुँवरियिन, कुरंगन अउ जंगली हिरणियन क साच्छी मानिके मोका बचन द्या, पिरेम क जिन जगावा अउ उसकावा जब तलक एकर इच्छा न होइ।

यरूसलेम क मेहररुअन बोलेस:

6इ मेहरारु कउन अहइ जउन धूल क बादर क संग रेगिस्तान स होत भए आवत हीं, अउर गन्धरस अउर लोबान अउ उ सबइ तरह क खुसबू जउन व्यपारियन रखत ह स सुगन्धित अहइ?

7सुलैमान क पालकी क लखा। ओन जात्र क पालकी क साठ फउजी घेरे भए अहइँ। इस्राएल क सक्तीसाली फउजी।

8उ पचे सबहिं फउजी तरवारन स सुन्नर ढंग स सज्जित अहइँ। जउन जुद्ध मँ निपुण अहइँ; हर मनई क बगल मँ तरवार लटकत अहइ, जउन राति क खउफनाक खतरन बरे तइयार अहइँ।

9राजा सुलैमान लोगन स एक ठु पालकी लेबानोन क देवदारू काठे स बनावाए रहा।

10उ जात्रा क पालकी क बल्लन क चाँदी स बनाएस अउर ओकर टेक सोना स बनावा गवा। पालकी क गद्दी क उ बैंगनी ओढ़ना स ढाँपि दिहस अउर इ यरूसलेम क बिटियन क जरिये पिरेम स बुना गवा रहा।

11सिय्योन क बिटियो, बाहेर आइके राजा सुलैमान क ओकरे मुकुट क साथ लखा जउन ओका ओकर महतारी उ दिन पहिराए रही जब उ बियाहा गवा रहा, उ दिन उ बहोत खुस रहा।

मनसेधू क बचन मेहरारू बरे

4 मोर प्रिये, तू बहोत सुन्नर अहा। घूँघट क ओट मँ तोहार आँखिन कबूतरे क आँखिन जइसी सरल अहइँ। तोहार केस लम्बा अउ लहरात भवा अहइँ जइसे बोकरी क बच्चन गिलाद क पहाड़ क ऊपर स नाचत उतरत होंइ।

2तोहार दाँत एक भेड़न क झुण्ड जइसे अहइँ जउन धोइके निकर आईं; हरेक भेड़ जुड़ौवा बच्चन रखत हीं; ओकर बच्चन मँ स कउनो भी गाएब नाहीं होत हीं।

3तोहार ओंठ लाल धागा जइसा अहइ। तोहार मुँह सुन्नर अहइ। तोहार गाल घूँघट क खाले अनार क दुइ फाँकन क जइसी अहइँ।

4तोहार गटइ पातर अउर ऊँच अहइ जइसा दाऊद क मीनार जउन कि हज़ारन सुनहरी ढालन क संग पाथरन क कतारन क ऊपर बना अहइ। हर ढाल जोद्धन क अहइ।

पिरेम क ... होई या कउनो क मोका जगावइ क अनुमति जिन द्या, या मोर पिरेम क उचित समइ तलक बाधा न होइ द्या।

5तोहार दुई चूचियन जुड़वा दुई बाल हरिण जइसे अहइँ, जइसे जुड़वा कुरंग लिलियन क बीच चरत होइ।

6मइँ गन्धरस क पहाड पइ जाब। मइँ पहाड़ी पइ तब तलक जाब जब तलक सुबह की सुहावनी हवा न बहइ अउर अंधेरापन फीका न होइ जाइ।

7मोर प्रिये, तू केतना अद्भुत अहा। कउनो दोख तोहार सुन्नरता क नाहीं लिहेस ह।

8ओ मोर दुलहिन, लबानोन स आवा, लबानोन स मोर संग आइ जा, मोरे साथ आइ जा, अमाना क चोटी स, सनीर क ऊँचाई स सेर क गुफन स अउर चीतन क पहाडन स आवा।

9हे मोर बहिन,* हे मोर दुलहिन, तू मोका उत्तेजित करति अहा। तू मोर हिरदइ क आपन आँखिन क सिरिफ एक नज़र स अउर आपन माला क बस एक ही रतन स, कब्जा कइ लिहा ह।

10मोर बहिन, हे मोर दुलहिन, तोहार पिरेम केतना आनन्दप्रद अहइ! तोहार पिरेम दाखरस स जियादा उत्तिम बाटइ, तोहार इत्र क सुगन्ध कउनो भी सुगन्धि स उत्तिम अहइ।

11तोहारे ओंठन स मधु टपकत ह। तोहरी जीभ क खाले मँ सहद अउ दूध अहइ। तोहारे ओढ़नन क गंध लबानोन क देवदारू जइसी अहइ।

12मोर बहिन, हे मोर दुलहिन, तू ताला लगा भवा बाग़ जइसी अहइ। तू रोका भवा तालाब क जइसा अउर बंद कीन्ह गवा फ़व्वारा जइसा अहइ।

13तोहार अंग उ उपवन जइसे अहइँ जउन अनार अउर मोहक फलन स भरा होइ, जेहमाँ मेंहदी अउर जटामासी क फूल भरा होइ;

14जेहमाँ जटामासी, केसर, मुस्क अउ दालचीनी अउर हर तरह क मसाला, गन्धरस, अगर अउ सबइ उत्तिम मसाला भरा होइँ।

15तू एक फव्वारे क बाग़ क नाईं, एक ताज़ा पानी क कुवाँ क नाईं, अउर एक झरना होई जउन लबानोन पहाड़ी स खाले बहत ह।

16जागा, हे उत्तर क हवा। आवा, तू दक्खिन पवन। मोरे उपवन पइ बहा। जेहसे एकर मीठ, गन्ध चारिहुँ ओर फइल जाइ। मोर प्रिय मोरे उपवन मँ प्रवेस करइ अउर उ एकर मीठ फल खाइ।

मनसेधू क बचन

5 मोर बहिन, हे मोर दुलहिन, मइँ आपन बाग़ मँ प्रवेस कइ लिहउँ ह। मइँ आपन गन्धरस क सुगन्धित मसाला बटोरेउँ ह। मइँ आपन सहद क छत्ता क सहद समेत खाइ चुकेउँ ह; मइँ आपन दाखरस अउ दुध पी चुकेउँ ह।

मेहररुअन क बचन प्रेमियन बरे

हे मीतो, खा, हे प्रेमियो, पिआ। पिरेम स मस्त होइ जा।

मेहरारू क बचन

2मइँ सोवत हउँ किन्तु मोर दिमाग सपना मँ जागत रहा। मइँ एक ध्वनि सुनेउँ! मोर प्रियतम दुआरे पइ दस्तक देत रहा!

प्रमी आपन प्रेमी क संग सपना मँ:

"मोरे बरे खोला, मोर बहिन, मोर प्रिये, मोर फाख़ता, मोर निर्मल! मोरे सिरे ओस स गीला होइ गवा ह, मोर केस राति क नमी स भीगा अहइँ।"

मेहरारू जबवा देत ही:

3मइँ आपन ओढ़ना उतार दिहेउँ ह। मइँ एक फुन स पहिरइ चाहत हउँ। मइँ आपन पाँच पखार चुकी हउँ, फुन स मइँ एका मइला नाहीं करइ चाहत हउँ।

4मोर प्रियतम किंवाड़ा क चाबी क छेद स हाथ डाएस, अउर ओकरे बरे मोर प्रेम उमड़ पड़ेस।
5मइँ आपन प्रियतम बरे दुआर खोलइ बरे उठिउँ। मोरे हाथन स गन्धरस टपकत ह। गन्धरस मोर अँगुरियन स ताल क हत्थे पइ टपकत ह।

6आपन प्रियतम बरे मइँ दुआर खोल दिहेउँ, मुला मोर प्रियतम तब तलक जाइ चुका रहा। जब उ चला गवा तउ जइसे मोर प्राण निकरि गवा। मइँ ओका हेरत फिरेउँ मुला मइँ ओका नाहीं पाएउँ, मइँ ओका गोहरावत फिरेउँ किंतु उ मोका जवाब नाहीं दिहस।

7नगर क पहरेदारन मोका पाएन। उ पचे मोका मारेन अउर मोका घायल किहेन। नगर क परकोटे क पहरेदारन मोहसे मोर चोगा लइ लिहन।

8हे यरूसलेम क मेहररुअन, मइँ तू पचन्क आदेस देत हउँ। अगर तू पचे मोर प्रियतम क पाइ जा तउ तू ओका का बताइ? बताइ द्या कि मइँ ओकरे पिरेम क रोगी हउँ।

यरूसलेम क बिटियन क ओकर जवाब

9हमका कहा कि तोहार प्रियतम अउरन स कइसे उत्तिम अहइ। हे सबन त सुन्नर मेहररुअन, तोहार प्रिय अउरन स उत्तिम काहे अहइ? तू हम पचन स इ बचन काहे करइ क कहेस?

यरूसलेम क बिटियन क ओकर जवाब

10मारे प्रियतम तेजस्वी अउ मज़बूत अहइ। उ दसियउँ हजार मनसेधुअन मँ एक अहइ।

11ओकर माथा निखालिस सोना जइसा अहइ। ओकर घुँघराला केस खजूर क गुच्छन क जइसा अहइ अउ कउअन जइसा करिया अहइँ।

12ओकरी आँखिन जलधारा क किनारे बइठा फ़ाखतन नाईं अहइ। ओकर आँखिन दूधे क तालाब मँ नहाए फ़ाखतन क जइसी अहइँ अउर अइसी अहइँ जइसे सही तरीका स रतन जड़ होइँ।

13ओकरे गाल बाग़ क नाईं अहइ जउन गुल महेन्दी क पउधा क खुसबू स भार अहइ। ओकर ओंठ लिलियन जइसेन अहइँ जेनसे गंधरस टपकत ह।

बहिन प्राचीन समाज मँ पतियन ब्याह क बन्धन क मज़बूत करइ बरे पत्नियन क "बहिन" क रूप मँ स्वीकार करत रहेन।

14ओकर बाँहन सोना क छड़न जइसी अहइँ जेनमाँ
हरितमणि जड़ा होइँ। ओकर देह नक्कासी कीन्ह भवा हाथी
दाँत अहइ जेहमाँ नीलमनियन जड़ा होइँ।
15ओकर जाँघन संगमरमर क खम्मन जइसी अहइँ जेनका
उत्तिम सुवर्ण पइ बइठावा गवा होइ। ओकर ऊँचा कद
लबनोन क देवदार जइसा अहइ जउन देवदार बृच्छन मँ
उत्तिम अहइ।
16ओकर मुँह बहोत मीठा अहइ; ओकर हर चीज
चाहनेयोग्य अहइ। हे यरूसलेम क मेहररुअन, उ मोर
प्रियतम अहइ! उ मोर प्रेमी अहइ!

यरूसलेम क बिटियन क ओहसे कहब

6 मेहररुअन मँ सबसे सुन्दर मेहरारू, बतावा तोहार
प्रियतम कहाँ चला गवा? कउने राह स तोहार प्रियतम
चला गवा ह? हमका बतावा ताकि हम तोहरे साथ ओका
हेरि सकी।

यरूसलेम क बिटियन क ओकर जवाब

2मोर प्रिय आपन बंगिया मँ चला गवा, मसालन क खेत
मँ आपन भेड़ी चरावइ बरे अउर लिलियन क बटोरइ बरे।
3मइँ आपन प्रियतम स हउँ अउर उ मोर प्रियतम मोसे
अहइ। उ लिलियन क बीच भेड़ चरावा करत ह।

मनसेधू क बचन मेहरारू बरे

4मोर प्रियतम, तू तिरसा क नाईं सुन्नर अहा। तू यरूसलेम
मँ एक अद्भुत क नाईं अहा। तू एँतना अजूबा अहा जइसे
कउनो फउज झण्डा क संग चलत ह।
5तू मोह पइ स आपन आँखिन हटाइ ल्या, उ मोका
उत्तेजित करत अहइँ। तोहार केस एँतना लम्बा अउ लहरत
अहइँ जइसे गिलाद क पहाड़ी क ढलान स बोकरियन क
झुण्ड उछरत भवा उतरत आवत होइ।
6तोहार दाँत एक भेड़न झुण्ड जइसे अहइँ जउन धोइके
निकर आई; हरेक भेड़ जुड़ौवा बच्चन रखत हीं; ओन मँ स
कउनो एक ठू भी गाएब नाहीं होत ही।
7घूँघट क नीचे तोहार गाल अनार क दुइ ठू फाँकन क
तरह अहइँ।
8होइ सकत ह हुआँ साठ रानियन, अस्सी रखैलन अउर
अनगिनत जवान कुँवरियन होइँ,
9किन्तु हुवाँ ओकरे जइसा कउनो नाहीं अहइ! उ आपन
महतारी क एक खास बिटिया अहइ, उ ओनमाँ बहोत प्रिय
अहइ जउन ओका जनम दिहेस ह। कुँवरियन ओका लखेन
अउ ओका सराहेन। हाँ, रानियन अउ सबइ रखैलन भी
ओकर तारीफ किहे रहिन।

मेहररूअन क जरिये ओकर तारीफ

10उ पचे कहेस: "उ कउन अहइ जउन बढ़त भवा उसा
क समान अहइ? उ कउन अहइ जउन चाँद क नाई सुन्नर
अहइ? उ कउन अहइ जउन सूर्य क नाईं चमकत अहइ? उ
कउन अहइ जउन फउज जइसा अजूबा अहइ जउन झण्डा
लइ जात अहइ?

मेहरारू क बचन

11मइँ अख़रोट क बगीचा स होत भवा इ देखइ बरे
गवा कि का अंगूर क बेलन खिला अहइ अउर का अनार
क कलियन खिली अहइँ या नाहीं।
12मोर राजकुमार, मइँ खुसी स भरि गवा जब तू मोका
गन्धरस दिहे रहा।*

यरूसलेम क बिटियन ओकरे बरे बोलत ह

13हे "परिपूर्ण" मोर तरफ लउटि आवा! मोर तरफ आवा,
मोर तरफ आवा, ताकि हम तोहका लखि सकी! काहे अइसे
सुलेम्मिन क घूरति अहा जइसे उ महनैम क नाच क नर्तकी
होइ?

मनसेधू क जरिये सुन्दरता क वर्णन

7 हे सज्जन अउरत, तोहार गोड़ पनहियन मँ केतॅना सुन्नर
अहइँ! तोहार जाँघन क गोलाइ कउनो कलाकार क
बना गवा गहना क नाईं अहइँ
2तोहार नाभी क नीचे क भाग गोल कटोरा क समान
अहइँ। होइ सकत ह एहमाँ कभी मिस्रित दाखरस कमी नाहीं
होत। तोहार पेट गोहूँ क ढेरी क समान अहइ जेकर
चउहद्दी लिलियन क अहइँ।
3तोहार चूचियन दुई जवान हिरण क जइसा अहइ, कुरंगी
क जुड़वा।
4तोहार गटइ हाथी दाँत क मीनार क समान अहइँ।
तोहार आँखिन हेसबोन क उ सबइ कुण्ड क समान अहइ
जउन बेत-रब्बीम क फाटक क लगे अहइ। तोहार नाक
लबानोन क मीनार क जइसा लम्बी अहइ जउन दमिस्क
कइँती मुहँ किहे अहइ।
5तोहार मूँड़ कर्मेल क पहाड़ क जइसा अहइ। तोहार मूँड़े
क बार राजा क देवारन पइ लहरत भवा लम्बा वस्त्र क
नाईं अहइ।
6तू केतनी सुन्नर अउ मनमोहक अहा ओ मोर प्रिय! तू
मोका केतॅना आनन्द देति अहा।
7तू खजूरे क बृच्छ जइसी लम्बी अहा। तोहार चूचियन
अइसे अहइँ जइसे खजूर क गुच्छन।
8मइँ खजूर क बृच्छ पइ चढ़ब, मइँ एकर डारन क
धरब, तू आपन चूचियन क अंगूरे क गुच्छन स बनने द्या।
तोहार साँस क गंध सेब क जइसा होइ द्या।
9तोहार मुँहना उत्तिम दाखरस जइसा होइ द्या, जउन धीरे
स मोर प्रियतम मँ बहत होइ, जउन ओठंन तलक बहत होइ
जब हम साथ सोवत ह।
10मइँ आपन प्रियतम क अहउँ अउर उ मोका चाहत ह।
11आवा, मोर प्रियतम, आवा! हम खेतन मँ निकरी चली,
हम गाँवन मँ राति बिताइ।
12हम बहोत हाली उठी अउर अंगूरे क बागन मँ निकरी
जाइ। आवा, हम हुआँ लखी का अगूंरे क बेलन पइ
कलियन खिलति अहइँ। आवा, हम लखी का बहारन खिल

पद 12 या "मइँ आपन क बारे मँ नाहीं जानतउँ जब तू
मोका सज्जन मनुस्य क रथन दिहस।

गइ अहइँ अउर का अनार क कलियन चटकति अहइँ।
हुवँइ पइ मइँ आपन पिरेम तोहका अर्पण करबउँ।
13दोदफलन* क सुगन्ध फइल चुका अहइ। अउर
सबहिं प्रकार क कीमती फलन हमरे दुआरन क ऊपर*
जमा अहइँ। तोहार बरे नवा अउ पुराना दुइनउँ प्रकार क
चीज बचाइ रखेउँ ह, हे मोर प्रिय।

8 कास, तू मोर सिसु भाइ होत्या, मोर महतारी क छाती
क दूध पिअत भए। अगर मइँ तोहसे हुवँइ बाहेर मिल
जाइत तउ तोहार चुम्बन मइँ लइ लेतेउँ, अउर कउनो मनई
मोर निन्दा नाहीं कइ पावत।
2तोहका मइँ आपन महतारी क घरे मँ लइ अवतेउँ जहाँ
तू मोका सिच्छा देइ सकतेउँ। मइँ तोहका पिअइ बरे, आपन
मिस्रित अनारे स निकरा भवा दाखरस देतेउँ।

मेहरारू क बचन मेहररूअन बरे

3ओकर बाँया हाथ मोरे मूँड़े क छुअत ह, अउर ओकर
दाहिन हाथ मोरे सरीर क छुअत ह।
4मइँ तोहका चेताउनी देत हउँ हे यरूसलेम क कुँवरियन:
पिरेम क जिन जगावा अउ उसकावा जब तलक एकर
इच्छा न होइ!

यरूसलेम क बिटियन क बचन

5इ कउन अहइ जउन आपन प्रियतम स लपटा भवा,
रेगिस्तान स चली आवत ह?

मेहरारू क बचन मनसेधू बरे

मइँ तोहका सेब क बृच्छ क खाले जगाए रहेउँ; हुवाँ
तोहार महतारी तोहका गरभ मँ धरेस; हुवाँ तोहार मताहरी
तोहार बरे प्रसव-पीड़ा सहेस अउर तोहार जनम भवा।
6मोका तू आपन हिरदय मँ महर क नाईं धरा। ताबजि क
समान मोका आपन बाँहे बांध ल्या। काहेकि पिरेम मउत क
जइसा मज़बत अहइ। भावना कब्र क नाईं तेज होत ह।
एकर चिंगारी आग क लपटन क नाईं होत ह। एकर धधक
धधकत भइ लपटन स होइ जात ह।
7बाढ़ पिरेम क नाहीं बूझाइ सकत। नदियन एका नीचा
नाहीं कइ सकत। अगर कउनो मनई पिरेम आपन सारा धन
देकर खरीदइ चाही, तउ पर भी ओकर धन बेकार ही
समुझा जाब।

ओकरे भाइयन क बचन

8हमार एक छोटकी बहिन अहइ, जेकर चूची अबहिं
फूटी नाहीं। हमका का करइ चाही जउने दिन ओकर सगाई
होइ?
9अगर उ देवार अहइ तउ मइँ ओह पइ चाँदी क मीनार
बनाइ देब। अगर उ दुअर अहइ तउ मइँ ओकरे पइ देवदारू
क मुल्यवान पल्ला लगाइ देब।

ओकर आपन भाइयन क जवाब

10मइँ परकोट हउँ अउर मोर चूची गुम्बद जइसे अहइँ।
तउ मइँ ओकरे बरे सान्ति क दाता हउँ।
मनसेधू क बचन
11बाल्हामोन मँ सुलैमान क अंगूरे क बगिया रही। उ
आपन बाग क रखवारी बरे दइ दिहस। हर रखवारा ओकरे
फलन क बदले मँ चाँदी क एक हजार सेकेल लिआवत
रहा।
12मुला सुलैमान, मोर आपन अंगूर क बाग मोरे बरे
अहइ। हे सुलैमान, मोरी चाँदी क एक हजार सेकेल सब तू
ही रख ल्या, अउर इ सबइ दुइ सौ सेकेल ओन लोगन बरे
अहइँ। जउन खेतन मँ फलन क रखवारी करत हीं।

मनसेधू क बचन मेहरारू बरे

13तू जउन बागे मँ रहति अहा, मोरे मित्र तोहार आवाज़
धियानपूर्वक सुनत अहइँ; मोका भी सुनइ दया!

मेहरारू क बचन मनसेधू बरे

14मोर प्रियतम, हाली आवा! महकत द्रव्यन क पहाड़े पइ
चिकारे या जवान हरिन जइसा बनि जा!

दोदफलन हिब्रू सब्द क अरथ अहइ "पिरेम बृच्छ।" एकर जर क सकल मनई क नाईं अहइ। लोगन क मानत रहिन कि इ बृच्छ मेहररुअन क गरभवती बनावइ मँ मदद करत हीं।

दुआरन क ऊपर प्राचीन काल बगल पूर्व क भुइँया मँ फलन क अलमारियन मँ या दुआर क ऊपर रखत रहेन। उ ओका हुवाँ तब तलक रखत रहेन जब तलक उ सूखा, बहोत मीठा अउर मज़ेदार न होइ जाई।

सभोपदेसक

1 इ सबइ दाऊद क पूत अउर यरूसलेम क राजा,
उपदेसक क सब्द अहइँ।
2उपदेसक क कहब अहइ कि हर चीज बेमतलब क
अहइ अउर अकारथ अहइ। मतलब इ कि हर बात बियर्थ
अहइ। 3इ जिन्नगी मँ लोग जउन कड़ी मेहनत करत हीं,
ओहसे ओनका फुरइ का कउनो लाभ होत ह? नाहीं।

वस्तुअन अपरिवर्तन सील अहइँ

4एक पीढ़ी आवत ह अउर दूसर चली जात ह मुला
संसार हमेसा अइसहिन बना रहत ह। 5सूरज उगत ह अउर
फुन ढल जात ह अउर फुन सूरज हाली ही उहइ ठहर स
उदय होइके जल्दी करत ह।
6हवा दक्खिन दिसा कइँती बहत ह अउर हवा उत्तर
कइँती बहइ लागत ह। हवा एक चक्र मँ घूमत रहत ह
अउर फुन हवा जहाँ स चली रही वापस हुवँइ बहइ लागत
ह।
7सबहिं नदियन एक हीं जगह कइँती बार बार बहा करत
ही। उ सबइ समुद्दर स आइके मिलत हीं, किन्तु फुन भी
समुद्दर कबहुँ नाहीं भरत।
8सबइ सब्दन कस्ट दायक अहइ; लोग ओहका पूरा-पूरा
वर्णन नाहीं कइ सकतेन। हमेसा बोलत ही रहत हीं। सब्द
हमरे काने मँ बार बार पड़त हीं मुला ओनसे हमार कान
कबहुँ भी भरतेन नाहीं ह। हमार आँखिन भी, जउन कछू उ
सबइ लखत हीं, ओहसे कबहुँ नाहीं अघातिन।

कछू भी नवा नाहीं बाटइ

9सुरू स वस्तुअन जइसी रहिन वइसी ही बनी भई अहइँ।
सब कछू वइसे ही होत रही, जइसे सदा स होत आवत
अहइ। इ संसार मँ कछू भी नवा नाहीं अहइ।
10कउनो मनई कहि सकत ह, “लखा, इ बात नई
अहइ।” मुला उ बात तउ हमेसा स होत रही। उ तउ हमसे
भी पहिले स होत रही।
11उ सबइ बातन जउन पहिले घट चुकी अहइँ, ओनका
लोग याद नाहीं करतेन अउर आगे भी लोग ओन बातन क
याद नाहीं करिहीं जउन अब घटत अहइँ ओकरे बाद भी
दूसर लोग ओन बातन क याद नाहीं रखिहीं जेनका ओनके
पहिले क लोगन किहे रहेन। 12मइँ उपदेसक, यरूलेम मँ
इस्राएल क राजा भवा। 13निहचय किहेउँ कि इ जिन्नगी मँ
जउन कछू होत ह ओका बुद्धि क जरिए ढूँढउँ अउर जाँच
पड़ताल करेउँ। इ एक दु:खद तरीका परमेस्सर मानव जाति
क दिहेस ह ताकि उ नम्र होइ सकीं। 14इ पृथ्वी पइ सबहिं
वस्तुअन पइ मइँ निगाह डाएउँ अउर लखेउँ कि इ सब
कछू बियर्थ अहइ। इ वइसा ही अहइ जइसे हवा क धरब।
15तू ओन बातन क बदल नाहीं सकत्या। जदि कउनो बात
टेंढ़ अहइ तउ तू ओका सोझ नाहीं कइ सकत्या अउर
अगर कउनो वस्तु क लेइ चाहत तउ तू ओका नाहीं गिन
सकत।
16मइँ अपने आप स कहेउँ, “मइँ बहोत बुद्धिमान अहउँ।
मोहसे पहिले यरूसलेम मँ जउन राजा लोग राज्ज किहेन ह,
मइँ ओन सब स जियादा बुद्धिमान अहउँ। मइँ जानत हउँ
कि असल मँ बुद्धि अउ गियान का अहइ।”
17मइँ इ जानइ क निहचय किहेउँ कि मूर्खता स भरे
चिन्तन स विवेक अउर गियान कउने तरह स स्रेस्ठ बाटइ।
मुला मोका मालूम भवा कि विवेकी बनइ क प्रयास वइसा
ही अहइ जइसे हवा क धरइ क जतन।
18काहेकि जियादा गियान क संग हतासा भी उपजत ह।
उ मनई जउन जियादा गियान पाइ जात ह उ जियादा दु:ख
भी पाइ जात ह।

का “मनोविनोद” स सच्चा आनंद मिलत ह?

2 मइँ अपने मने मँ कहेउँ, “मोका मनोविनोद करइ
चाही। मोका हर वस्तु क जेतना रस मइँ लइ सकउँ।”
ओतना लेइ चाहीं।” मुला मइँ जानेउँ कि इ भी बियर्थ
अहइ। 2हर समइ हँसत रहब भी मूर्खता अहइ। आनन्द स
का प्राप्त होत ह?
3तउ मइँ निहचय किहेउँ कि मइँ आपन देह क दाखरस
स भरि लेउँ जदपि मोर दिमाग मोका अबहिं गियान क राह
देखावत रहा। मइँ इ मूर्खता स भरा आचरण किहेउँ, मइँ
चाहत रहेउँ कि लोगन क बरे आपन जिन्नगी क थोड़ा स
दिनन मँ का करब उत्तिम अहइ, एका हेर लेउँ।

का कड़ी मेहनत स फुरइ आनन्द मिलत ह?

4फुन, मइँ बड़के बड़के काम करब सुरू किहेउँ। मइँ
अपने बरे घर बनवाए। अउर अंगूरे क बाग लगवाएउँ।
5मइ बगियन लगवाएउँ अउर बाग बनवाएउँ। मइँ सबहिं
तरह क फलन क बृच्छ लगवाएउँ। 6मइँ आपन बरे पानी
क तालाब बनवाएउँ अउर फुन एन तालाबन क पानी क
मइँ आपन बाढ़त बृच्छन क सींचइ क काम मँ लिआवइ
लागेउँ।
7मइँ दास अउर दासियन खरीदेउँ अउर फुन मोरे घरे मँ
पइदा भए दास भी रहेन। मइँ बड़की बड़की वस्तुअन क
सुआमी बन गएउँ। मोरे लगे झुंड क झुंड पसु अउर भेड़न
क ढेर रहेन। यरूसलेम मँ कउनो भी मनई क लगे जेतनी
वस्तुअन रहिन, मोरे लगे ओसे भी जियादा रहिन।

8मइँ आपन बरे चाँदी सोना भी जमा किहेउँ। मइँ राजा लोगन अउर ओनके देसन स भी खजानन क बटोरेउँ। मोरे लगे बहोत सी रंडियन रहिन।

9मइँ बहोत धनवान अउर प्रसिद्ध होइ गएउँ। मोहसे पहिले यरूसलेम मँ जउन भी कउनो रहत रहा, मइँ ओहसे जिआदा महान रहा तउ मोर बुद्धि मोर संग रही। 10मइँ हर उ चीज जेका मइँ चाहत रहा प्राप्त किहेउँ। मउँ जउन कछू करत, मोर मन सदा ओसे खुस रहा करत अउर इ खुसी मोरे कठिन मेहनत क प्रतिफल रही।

11मुला मइँ जउन कछू किहे रहेउँ जब ओह पइ निगाह डालेउँ अउर आपन कीन्ह गवा कठिन मेहनत क बारे मँ बिचार किहेउँ तउ मोका लाग इ सब अरथहीन अहइ। इ अइसा ही रहा जइसे हवा क धरब। सच-मुच मँ इ जिन्नगी मँ हम लोगन क सारे काम बरे संतोसजनक लाभ नाहीं अहइ।

होइ सकत ह एकर जवाब बुद्धि होइ

12जेतना एक राजा कइ सकत ह, ओहसे जियादा कउनो भी मनई नाहीं कइ सकत। तू जउन भी कछू करइ चाह सकत ह, उ सब कछू कउनो राजा अब तलक कइ भी चुका होइ। मोरी समझ मँ आइ गवा कि एक राजा तलक जउन कामन क करत ह, उ सबइ सब भी बेकार अहइँ। तउ मइँ फुन बुद्धिमान बनइ, बेवकूफ बनइ अउर सनकीपन क कामन क करइ क बारे मँ साचेब सुरू किहेउँ। 13मइँ लखेउँ कि बुद्धि मूर्खता स उहइ प्रकार उत्तिम अहइ जउने तरह अँधियारा स प्रकास उत्तिम होत ह। 14इ वइसे ही अहइ जइसे: एक बुद्धिमान मनई, उ कहाँ जात अहइ, ओका लखइ क आपन बुद्धि क प्रयोग, आपन आँखिन क तरह करत ह। किन्तु एक मूर्ख मनई उ मनई क समान अहइ जउन अँधियारा मँ चलत अहइ।

किन्तु मइँ इ लखेउँ कि मूरख अउर बुद्धिमान दुइनउँ क अंत एक ही तरह स होत ह। दुइनउँ ही आखिर मँ मउत क पावत हीं। 15अपने मने मँ मइँ सोचेउँ, "कउनो मूरख मनई क संग जउन घटत ह उ मोर संग भी घटी तउ एँतना बुद्धिमान बनइ बरे एतना कठिन मेहनत मइँ काहे किहेउँ?" आपन खुद स मइँ कहेउँ, "बुद्धिमान बनब भी बेकार अहइ।" 16बुद्धिमान मनई अउर मूर्ख मनई दुइनउँ ही मरि जइहीं अउर लोग सदा बरे न तउ बुद्धिमान मनई का याद रखिहीं अउर नही कउनो मूरख मनई क। उ पचे जउन कछू किहे रहेन, लोग ओका जल्दी बिसराइ देइहीं। इ सही नाहीं अहइ कि बुद्धिमान मनई मूरख मनई क जइसा मरइ चाहीं।

का फुरइ आनन्द जिन्नगी मँ अहइ?

17एकरे कारण मोका जिन्नगी स घिना हो गइ। इ विचार स मइँ बहोत दुःखी भएउँ कि इ जिन्नगी मँ जउन कछू बाटइ सब बेकार अहइ। बिल्कुल वइसे ही जइसे हवा क धरइ क कोसिस करब।

18मइँ जउन कठिन मेहनत किहे रहेउँ, ओहसे घिना करब सुरू कइ दिहेउँ। मइँ लखेउँ कि उ सबइ लोग जउन मोरे पाछे जिअत रइहीं ओन चिजियन क लइ लेइहीं जेनके बरे मइँ कठिन मेहनत किहे रहेउँ। मइँ आपन ओन चिजियन क आपन संग नाहीं लइ गाइ सकब। 19कउनो दूसर मनई इ संसार म जउन चिजियन बरे मइँ मन लगाइके कठिन मेहनत किहे रहउँ पइ नियंत्रण होइ। मइँ तउ इ भी नाहीं जानत कि उ मनई बुद्धिमान होइ या मूरख। पर इ सब भी तउ अर्थहीन ही अहइ।

20एह बरे मइँ जउन भी कठिन परिस्रम किहे रहेउँ, उ सबइ क बारे मँ मइँ बहोत दुःखी भएउँ। 21एक मनई आपन बुद्धि, आपन गियान अउर आपन चतुराई क प्रयोग करत भए कठिन मेहनत कइ सकत ह। मुला उ मनई तउ मरि जाइ अउर जिन चिजियन बरे उ मनई कठिन मेहनत किहे रहा, उ सबइ कउनो दूसर मनई क गिल जइहीं। ओन मनइयन ओन चिजियन बरे कउनो काम तउ नाहीं किहे रहा, मुला ओनका सबहिं कछू हाल होइ जाइ। एहसे मोका बहोत दुःख होत ह। इ निआव स पूर्ण तउ नाहीं अहइ।

22आपन जिन्नगी मँ सारी मेहनत अउर सघंर्स क पाछे आखिर एक मनई क असल मँ का मिलत ह? 23आपन सारी जिन्नगी उ कठिन मेहनत करत रहा मुला पीरा अउर निरासा क अलावा ओकरे हाथे कछू भी नाहीं लगा। राति क समइ भी मनई क मन आराम नाहीं पावत। इ सब भी अर्थहीन अहइ।

24-25जिन्नगी क जेतना आनन्द मइँ लिहेउँ ह का कउनो भी अइसा मनई अउर अहइ जउन मोका जियादा जिन्नगी क आनन्द लेइ क जतन किहे होइ? नाहीं। मोका जउन गियान भवा ह उ इ अहइ: कउनो मनई जउन नीक स नीक कइ सकत ह उ अहइ खाब, पिअब अउर उ करम का आनन्द लेब जउन ओका करइ चाही। मइँ इ भी समझेउँ ह कि सब कछू परमेस्सर स मिलन ह।

26जउन मनई क उ चाहत ओका उ बुद्धि अउर ग्यान अउर आनन्द देही। मुला जेका उ कस्ट देइ चाही ओका दुःख देब, उ आस्र्चयजनक वस्तुअन क जमा करब, उ सिरफ ओहका देब जेका परमेस्सर चाहत अहा। उ भी अरथहीन अहइँ। इ वइसा ही अहइ जइसे हवा क धरइ क जतन करब।

एक ठु समय बाटइ...

3 हर बात एक उचित समय होत ह। अउर इ धरती पइ हर बात एक उचित समय पइ ही घटित होइ।

2जन्म लेइ क एक उचित समय निहचित अहइ, अउर मउत क भी। एक समय होत ह पेड़न क रोपइ क, अउर ओनका काटइ क।

3मारइ क होत ह एक समय, अउर एक समय होत ह ओकरे उपचार का। एक समय होत ह जब ढहाइ दीन्ह जात, अउर एक समय होत ह करइ क निर्माण।

4एक समय होत ह रोवइ-विलपइ क, अउर एक समय होत ह करइ क अट्ठहास। एक समय होत ह होइ क दुखे मँ मगन, अउर एक समय होत ह उल्लास भरे नाच क।

5एक समय होत ह जब पाथर फेंका जात हीं, अउर एक समय होत ह ओनके एकत्र करइ क। केहउँ क गले लागन

क एक समय होत ह। अउर गले लगावइ स रुकइ क भी एक समय होत ह।

6एक समय होत ह खोज क, अउर एक समय होत ह रूकए क। एक समय होत ह वस्तुअन क धरइ क, अउर एक समय होत ह चिजियन क फेंकइ क।

7होत ह एक समय ओढ़नन क फारइ क, फुन एक समय होत ह जब ओनका सिया जात ह। एक समय होत ह साधइ क चुप्पी, अउर होत ह एक समय फुन बोल उठइ क।

8एक समय होत ह पिआर क, अउर एक समय होत जब घिना कीन्ह जात ह। एक समय होत ह करइ क लड़ाई, अउर होत ह एक समय सान्ति क।

परमेस्सर अपने संसार क नियन्त्रण करत ह

9का कउनो मनई क आपन कठिन मेहनत स असल मँ कछू मिल पावत ह? 10मइँ उ कठिन मेहनत लखेउँ ह जेका परमेस्सर हमका करइ क बरे दिहेस ह। 11अपने संसार क बारे मँ सोचइ बरे परमेस्सर हमका छमता प्रदान किहेस ह। मुला परमेस्सर जउन करत ह, ओन बातन क पूरी तरह हम कबहुँ नाहीं समुझ सकित। फुन भी परमेस्सर हर एक चीज ठीक समय पइ करत ह।

12मइ लखेउँ ह कि लोगन बरे सबसे उत्तिम बात इ अहइ कि उ पचे कोसिस करत रहइँ अउर जब तलक जिअत रहइँ आनन्द करत रहइँ। 13अउर अगर एक मनई खाइ, पिअइ अउर इ सबइ करम क आनन्द लेत रहइ, तउ इ बातन परमेस्सर कइँती स मिला भवा उपहार अहइ।

14मइँ जानत हउँ कि परमेस्सर जउन कछू भी घटित करत ह उ सदा घटी ही। लोग परमेस्सर क काम मँ कछू भी बृद्धि नाहीं कइ सकतेन अउर इहइ तरह लोग परमेस्सर क कामे मँ कछू घटत भी नाहीं कइ सकत हीं। परमेस्सर अइसा एह बरे किहस कि लोग ओकर आदर करइँ। 15जउन अब होत अहइ पहिले भी होइ चुका अहइ। जउन कछू भविस्स मँ होइ उ पहिले भी भवा रहा। परमेस्सर घटनन क बार बार घटित करत रहत ह।

16इ जिन्नगी मँ मइँ इ सबइ बातन लखेउँ ह। मइँ लखेउँ ह कि कचहरी जहाँ निआव अउर अच्छाइ होइ चाही, हुवाँ आजु बुराई भरि गइ अहइ। 17एह बरे मइँ आपन मन स कहेउँ, "हर बात बरे परमेस्सर एक समय निहचित किहे अहइ। मनइयन जउन कछू करत हीं ओकर निआव करइ बरे भी परमेस्सर एक समय निहचित किहे अहइ। परमेस्सर नीक लोगन अउ बुरे लोगन क निआव करी।"

का मनई पसुअन जइसे अहइँ?

18लोग एक दूसर बरे जउन कछू करत हीं ओनके बारे मँ मइँ सोचेउँ अउर आप स कहेउँ, "परमेस्सर चाहत ह कि लोग आपन खुद क उ रूपे मँ लखइँ जउने रूपे मँ उ पचे पसुअन क लखत हीं।" 19का एक मनई एक पसु स उत्तिम अहइ? नाहीं। काहे? काहेकि हर वस्तु नाकारा अहइ। मउत जइसे पसुअन क आवत ह उहइ तरह मनइयन क भी। मनई अउर पसु एक ही "साँस" लेत हीं। का एक मरा भवा पसु एक मरे भए मनई स भिन्न होत ह? 20मनइयन अउर पसुअन क तने क अंत एक ही तरह स होत ह। उ सबइ माटी स पइदा होत हीं अउर माटी मँ ही समाइ जात हीं। 21कउन जानत ह कि मनई क आतिमा क का होत ह? का कउनो जानत ह कि एक मनई क आतिमा परमेस्सर क लगे जात ह जबकि एक पसु क आतिमा खाले उतरिके धरती मँ जाइके समात ह।

22तउ मइँ इ लखेउँ कि मनई जउन सब स नीक बात कइ सकत ह उ इ अहइ कि उ आपन करम मँ आनन्द लेत रहइ। बस ओकरे लगे इहइ अहइ कि। कउनो मनई क भविस्स क चिन्ता भी नाहीं करइ चाही। काहेकि भविस्स मँ का होइ ओका लखइ मँ कउनो भी ओकर मदद नाहीं कइ सकत।

का मर जाब स्रेस्ठ अहइँ?

4 मइँ फुन इ भी लखेउँ ह कि कछू लोगन क संग बुरा बेउहार कीन्ह जात ह। मइँ ओनकर आँसू लखेउँ ह अउर फुन इ भी लखेउँ ह कि ओन दु:खी लोगन क ढाढ़स बँधावइवाला भी कउनो नाहीं अहइ। मइँ लखेउँ ह कि कठोर लोगन क लगे समूची सक्ती अहइ अउर ओका ढाढ़स देइवाला कउनो नाहीं अहइ। 2मइँ इ निर्णय पइ पहोंचा अहउँ कि इ सबइ बातन ओन मनइयन बरे जियादा नीक अहइँ जउन मरि चुके अहइँ बजाय ओनके बरे जउन अबहिं तलक जिअत अहइँ। 3ओन लोगन बरे तउ इ सबइ बातन अउर भी नीक अहइँ जउन जन्म लेत ही मरि जाइँ। काहे? काहेकि, उ पचे इ संसार मँ जउन बुराइयन होत अहइँ, ओनका लखेन ही नाहीं।

ऍतनी कठिन मेहनत काहे?

4फुन मइँ सोचेउँ, "लोग ऍतनी कड़ी मेहनत काहे करत हीं?" मइँ लखेउँ ह कि लोग सफल होइ अउर दूसर लोगन स अउर जियादा ऊँच होइ क कोसिस मँ लगा रहत हीं। अइसा एह बरे होत ह कि लोग ईर्स्यालु अहइँ। उ पचे नाहीं चाहतेन कि जेतना ओनके लगे अहइ, दूसर क लगे ओहसे जियादा होइ। इ सब अर्थहीन अहइ। इ वइसा ही अहइ जइसे हवा क धरब।

5कछू लोग कहा करत हीं, "हाथे पइ हाथ धइके बइठ रहब अउर कछू नाहीं करब बेवकूफी अहइ। अगर तू काम नाहीं करब्या तउ भूखन मरि जाब्या।" 6जउन कछू मूठी भइ तोहरे लगे अहइ ओहमाँ संतुट्ठ रहब नीक अहइ बजाय कि जियादा स जियादा पावइ क तलब मँ जूझत भए हवा क पाछे दौड़त जात रहब।

7फुन मइँ एक अउर बात लखेउँ, जेकर कउनो अरथ नाहीं अहइ। 8एक मनई बे परिवारे क होइ सकत ह। होइ सकत ह ओकर कउनो पूत अउर हिआँ तलक कि कउनो भाई भी न होइ किन्तु उ मनई कठिन स कठिन मेहनत करइ मँ लगा रहत ह अउर जउन कछू ओकरे पास होत ह, ओहसे कबहुँ संतुट्ठ नाहीं होत, "तउ मइँ भी ऍतनी कड़ी मेहनत काहे करत हउँ? मइँ खुद आपन जिन्नगी क

आनन्द काहे नाहीं लेत हउँ?” अब लखा इ भी एक दु:खभरी अउर बियर्थ क बात अहइ।

मीतन अउ परिवारे स सक्ती मिलत ह

9एक मनई स दुइ मनई भला होत हीं। जब दुइ मनई मिलिके साथ साथ काम करत हीं तउ जउने कामे क उ पचे करत हीं, उ काम स ओनका जियादा लाभ मिलत ह।

10यदि एक मनई गिरि जाइ तउ दूसर मनई ओकर मदद कइ सकत ह। मुला कउनो मनई बरे अकेल्ला रहब नीक नाहीं अहइ काहेकि जब उ गिरत ह तउ ओकर सहायता बरे हुवाँ अउर कउनो नाहीं होत।

11अगर दुइ मनई एक संग सोवत हीं तउ ओनमाँ गरमाहट रहत ह मुला अकेल्ला सोवत भवा मनई कबहुँ गरम नाहीं होइ सकत।

12अकेले मनई क दुस्मन हराइ सकत ह मुला उहइ दुस्मन दुइ मनइयन क नाहीं हराइ सकत ह अउर तीन मनइयन क सक्ति तउ अउर भी जियादा होत ह। उ पचे एक ठु अइसे रस्सा क नाईं होत हीं, जेकर तीन लटन आपुस मँ गुंथी भई होत हीं, जेका तोड़ पाउब बहुत कठिन अहइ।

लोग राजनीति अउर प्रसिद्धि

13एक ठु गरीब मुला बुद्धिमान नउजवान नेता, एक बुढ़वा मुला मूरख राजा स नीक अहइ। उ बुढ़वा राजा चिताउनियन पइ कान नाहीं देत। 14होइ सकत ह उ नउजवान सासक उ राज्ज मँ गरीबी मँ पइदा भवा होइ अउर होइ सकत ह उ जेल स छूटिके देस पइ हुकूमत करइ आवा होइ। 15मुला इ जिन्नगी मँ मइँ लोगन क लखेउँ ह अउर मइँ इ जानत हउँ कि लोग उ दूसर नउजवान नेता क ही अनुसरण करत हीं अउर उहइ नवा राजा बन जात ह। 16बहोत स लोग इ नउजवान क पाछे होइ लेत हीं। मुला अगवा चलिके उ सबइ लोग भी ओका पसन्द नाहीं करतेन एह बरे उ सब भी बियर्थ अहइँ। इ वइसा ही अहइ जइसे कि हवा क धरइ क जतन करब।

वाचा मानइ मँ सावधानी

5 जब परमेस्सर क उपासना बरे जा तउ बहोत जियादा होसियार रहा। अग्यानियन क नाईं बलियन चढ़ावइ क अपेच्छा परमेस्सर क आग्या मानब जियादा उत्तिम अहइ। अज्ञानी लोग अक्सर बुरे करम किया करत हीं अउर ओका जानत तलक नाहीं ही। 2परमेस्सर क वाचा मानत समय होसियार रहा। परमेस्सर स जउन कछू कहा ओन बातन बरे होसियार रहा। भावना क आवेस मँ, जल्दी मँ कछू जिन कहा। परमेस्सर सरग मँ अहइ, अउर तू धरती पइ अहा। एह बरे तोहका परमेस्सर स बहोत तनिक बोलइ क जरूरत अहइ। इ कहतूत फुरइ अहइ

3अति चिंता स बुरे सपना आवा करत हीं। अउर
जियादा बोलइ स मूरखता उपजत ही।

4अगर तू परमेस्सर स कउनो वाचा माँगत ह तउ ओका पूरा करा। जउने बाते क तू वाचा मान्या ह ओका पूरा करइ मँ देर जिन करा। परमेस्सर मूरख मनइयन स खुस नाहीं रहत। तू परमेस्सर क जउन कछू अर्पित करइ क बचन दिहा ह ओका अर्पित करा। 5इ नीक बा कि तू कउनो वाचा माना ही नाहीं बजाय एकरे कि कउनो मनौती माना अउर ओका पूरा न कइ पावा। 6एका नाहीं होइ देइ कि तोहार सब्द तोहार पापे क कारण बनी। याजक स अइसा जिन बोला कि, “जउन कछू मइँ कहे रहेउँ ओकर इ अरथ नाहीं बाटइ।” जदि तू अइसा करब्या तउ परमेस्सर तोहरे सब्दन स रिसियाइके जउन वस्तुअन बरे तू करम किहा ह, ओन सबन्क उ बर्बाद कइ देइ। 7आपन बेकार क सपनन अउर डींग मारइ स मुसीबतन मँ जिन पड़ा। तोहका परमेस्सर क सम्मान करइ चाही।

हर एक अधिकारी क ऊपर एक अधिकारी अहइ

8कछू देसन मँ तू अइसे दीन-हीन लोगन क लखब्या जेनका कड़ी मेहनत करइ क मजबूर कीन्ह जात ह। तू लखि सकत ह कि निर्धन लोगन क संग इ बेउहार उचित नाहीं अहइ। इ गरीब लोगन क अधिकारन क खिलाफ अहइ। मुला अचरज जिन करा। जउन अधिकारी ओन मनइयन क कारज करइ बरे मजबूर करत ह, अउर उ पचे दुइनउँ अधिकारी कउनो दूसर अधिकारी क जरिये मजबूर कीन्ह जात हीं। 9एँतना होइ पइ भी कउनो खेती क जोग्ग भुइँया पइ एक राजा क होब देस बरे फायदेमंद अहइ।

धने स खुसी नाहीं बेसही जाइ सकत

10उ मनई जउन धने स पिरेम करत ह उ उ धने स जउन ओकरे लगे अहइ कबहुँ संतुट्ठ नाहीं होइ। उ मनई जउन धन स पिरेम करत ह, जब जियादा स जियादा धन पाइ जात ह तब भी ओकर मन नाहीं भरत। तउ उ भी बियर्थ अहइ।

11कउनो मनई क लगे जेतना जियादा धन होइ ओका खरच करइ बरे ओकरे लगे ओतना ही जियादा “मीत” होइहीं। तउ उ धनी मनई क असल मँ प्राप्त कछू नाहीं होत ह। उ आपन धन क बस लखत भर रहि सकत ह।

12एक ठु अइसा मनई जउन सारे दिन कड़ी मेहनत करत ह, आपन घर लउटइ पइ चइन क संग सोवत ह। इ महत्व नाहीं रखत ह कि ओकरे लगे खाइ क कमती अहइ या जियादा अहइ। एक धनी मनई आपन धने क चिंता म बूड़ रहत ह अउर सोइ तलक नाहीं पावत।

13बहोत बड़के दु:खे क बात अहइ कि एक ठु जेका मइँ इ जिन्नगी मँ घटत लखेउँ ह। लखा एक मनई भविस्स बरे आपन धन बचाइके रखत ह। 14अउर फुन कउनो बुरी बात घटि जात ह अउर ओकर सब कछू जात रहत ह अउर मनई क लगे आपन पूत क देइ बरे कछू भी नाहीं रहत।

हम खाली हाथ आइत ह अउर खाली हाथ चला जाइत ह

15एक मनई संसार मँ अपनी महतारी क गरभ स आवत ह अउर जब उ मनई क मउत होत ह तउ उ बगैर कछू अपने संग लिए सब हिअँइ छोड़िके चला जात ह। वस्तुअन

क पावइ बरे उ कठिन मेहनत करत ह। किन्तु जब उ मरत
ह तउ आपन संग कछू नाहीं लइ जात पावत। 16इ बड़े
दुःखे क बात अहइ। इ संसार ओका उहइ तरह तजइ क
होत ह जउने तरह उ आवा रहा। एह बरे “हवा क धरइ क
कोसिस” स कउनो मनई क हाथे क लगत ह? 17ओका
अगर कछू मिलत ह तउ उ अहइ दुःख अउर सोक स भरे
हुआ दिन। तउ आखिरकार उ हतास, रोगी अउ चिड़चिड़ा
होइ जात ह।

आपन जिन्नगी क करम क रस ल्या

18मइँ तउ इ लखेउँ ह कि मनई जउन कइ सकत ह
ओहमाँ सब स उत्तिम इ अहइ - एक मनई क चाही कि
उ खाइ-पिअइ अउर जउने कामे क उ इ धरती पइ आपन
छोटी स जिन्नगी क दौरान करत ह ओकर आनन्द लेइ।
परमेस्सर इ सबइ तनिक क दिन स दिहेस ह अउर बस इहइ
तउ ओकरे लगे अहइ।

19अगर परमेस्सर कउनो क धन, सम्पत्ति अउर ओन
वस्तुअन का आनन्द लेइ क सक्ती देत ह तउ उ मनई क
ओनकर आनन्द लेइ चाही। उ मनई क जउन कछू ओकरे
लगे अहइ ओका कबूल करइ चाही अउर आपन कामे क
जउन परमेस्सर कइँती स एक उपहार अहइ ओकर रस लेइ
चाही। 20तउ अइसा मनई कबहुँ इ सोचत ही नाहीं कि
जिन्नगी केतॅनी छोट स बाटइ। काहेकि परमेस्सर ओहका
दिमाग क आनन्द स भरी ही राखी हीं।

धने स खुसी नाहीं मिलत

6 मइँ जिन्नगी मँ एक अउर बुरी बात लखेउँ ह अउर इ
बहोत समान्य अहइ। 2परमेस्सर कउनो मनई क बहोत
स धन देत ह, सम्पत्तियन देत ह अउर आदर देत ह। उ मनई
क लगे ओकर जरूरत की चीज होत ह अउर जउन कछू
भी उ चाह सकत ह उ भी होत ह। किन्तु परमेस्सर उ मनई
क ओन वस्तुअन क भोग नाहीं करइ देत। तबहिं कउनो
अजनबी आवत ह अउर ओन सबहिं वस्तुअन क छोरि लेत
ह। इ एक बहोत बुरी अउर बियर्थ बात अहइ।

3कउनो मनई बहोत दिनन तलक जिअत ह अउर होइ
सकत ह ओकर सौ बच्चन होइ जाइँ। किन्तु अगर उ मनई
ओन अच्छी वस्तुअन स सन्तुट्ठ नाहीं होत अउर अगर
ओकर मउत क बाद कउनो ओका सुमिरत नाहीं तउ मइँ
कहत हउँ कि 4उ मनई स तउ उ बच्चा ही अच्छा अहइ
जउन जन्मत ही मरि जात ह। उ बच्चा क कउनो नाउँ नाहीं
दीन जात अउर फउरन ही ओका एक अँधेरी कब्र मँ
दफनाइ दीन्ह जात ह।

5उ बच्चा तउ कबहुँ सूरज तउ लखेस ही नाहीं। उ बच्चा
कबहुँ कछू नाहीं जानेस किन्तु उ मनई क भाग्ग जउन
परमेस्सर क दीन्ह गइ वस्तुअन क कबहुँ आनन्द नाहीं
लिहेस, उ बच्चा क जियादा चइन मिलत ह। 6अगर कउनो
मनई दुइ हजार बरिस जिअत ह किन्तु जिन्नगी क आनन्द
नाहीं उठावत, तउ का दुइनउँ क अन्त एक समान नाहीं
अहइ।

7एक मनई लगातार काहे काम करत रहत ह? काहेकि
ओका आपन सबइ इच्छा पूरी करइ क अहइँ। मुला उ
संतुट्ठ तउ कबहुँ नाहीं होत। 8इ तरह स एक बुद्धिमान
मनई भी एक मूरख मनई स कउनो तरह उत्तिम नाहीं
अहइ। एक दीनहीन मनई क बेहतर व्यवहार करइ जान लेइ
मँ ओकर का भलाइ अहइ। 9उ सबइ वस्तुअन जउन तोहरे
पास अहइँ, ओनमाँ संतोस करब नीक अहइ बजाय एकरे
कि अउर लगन लगी रहइ। सदा जियादा क कामना करत
रहब बेकार अहइ। इ वइसे ही अहइ जइसे हवा क धरइ क
जतन करब।

10जउन कछू घटत अहइ ओकर योजना बहोत पहिले बन
चुकी होत ह। एक मनई वइसा ही होत ह जइसा होइ बरे
ओका बनावा गवा अहइ। हर कउनो जानत ह कि लोग
कइसे होत हीं। 11तउ इ बारे मँ परमेस्सर स तर्क करब
बेकार अहइ जउन कि कउनो भी मनई स जियादा
सक्तीसाली अहइ। बहोत सी अइसी बातन अहइ जेकर बरे
हम कउनो अन्त क तर्क कइ सकत हीं, किन्तु इ कउनो
लाभ नाहीं देत ह।

12कउन जानत ह कि इ धरती पइ मनई क छोटी स
जिन्नगी मँ ओकरे बरे सबस अच्छा का अहइ? ओकर
जिन्नगी तउ छाया क नाईं ढलि जात ह। बाद मँ का होइ
कउनो नाहीं बताइ सकता।

सूक्ति संग्रह

7 सुजस, अच्छी सुगन्धि स उत्तिम अहइ। अउर उ दिन
जब मनई मरी, इ दिन उ दिन स उत्तिम होइ जब उ
पइदा होइ।

2उत्सव मँ जाइ स जाब, सदा उत्तिम हुआ करत ह।
काहेकि सबहिं लोगन क मउत तउ निहचित अहइ। हर
जिअत मनई क सोचइ चाही एका।
3हँसी क ठहाके स सोक उत्तिम अहइ। काहेकि जब
हमारे मुखे पइ उदासी क वास होत ह, तउ हमार
हिरदय सुद्ध होत हीं।
4विवेकी मनई तउ सोचत ह मउत क किन्तु मूरख
जन तउ बस सोचत रहत हीं कि गुजरइ समय नीक।
5विवेकी स निन्दित होब उत्तिम होत ह, बनिस्बत
एकरे कि मूरख स तारीफ कीन्ह जाइ।
6मूरख क ठहाका तउ बेकार होत ह। इ वइसे ही
होत ह जइसे बर्तन क नीचे काँटे दरदराई।
7अत्याचार विवेकी क भी मूरख बनाइ देत ह, अउर
घूस मँ मिला धन ओकर मति क हर लेत ह।
8बात क सुरू करइ स अच्छा ओकर अन्त करब
अहइ। नम्रता अउर धीरज, गुस्सा दिखावइ अउर
अहंकार स उत्तिम अहइ।
9किरोध मँ हाली स जिन आवा। काहेकि किरोध मँ
आउब मूर्खता अहइ।
10जिन कहा, “अच्छे दिनन क का भएन, तब
सबकछू ठीक-ठाक रहेन। इ सवाल बुद्धि स नाहीं
आवत हीं।

11जइसे वसीयतनामा मँ सम्पत्ति क पाउब अच्छा अहइ
वइसे ही बुद्धि क पाउब भी उत्तिम अहइ। जिन्नगी बरे इ
लाभदायक अहइ। 12धने क समान बुद्धि भी रच्छा करत ह।
बुद्धि क गियान मनई क जिन्नगी क रच्छा करत ही।

13परमेस्सर क रचना क लखा। जेका परमेस्सर टेढ़ा कइ
देइहीं ओका तू सीधा कर सकत्या। 14जब जिन्नगी उत्तिम
अहइ तउ ओकर रस ल्या मुला जब जिन्नगी कठिन अहइ
तउ याद राखा कि परमेस्सर हमका कठिन समय देत अहइ
अउर अच्छा समय भी देत अहइ इसलिए भियान का होइ इ
तउ कउनो नाहीं जानत।

लोग फुरइ नीक नाहीं होइ सकतेन

15आपन छोटी स जिन्नगी मँ मइँ सब कछू लखेउँ ह।
मइँ लखेउँ ह अच्छे लोग जवानी मँ ही मरि जात हीं। मइँ
लखेउँ ह कि बुरे लोग लम्बी आयु तलक जिअत रहत हीं।
16-17तउ अपने क हलाकान काहे करत अहा? न तउ
बहोत जियादा धर्मी बना अउर न ही बुद्धिमान इ तोहका नास
करब। न तउ बहोत जियादा दुट्ठ बना अउर न ही मूरख
अन्यथा समय स पहिले तू मरि जाब्या।

18तनिक इ बना अउर तनिक उ। हिआँ तलक कि
परमेस्सर क मनवइयन भी कछू अच्छा करिहीं तउ पाप भी।
19-20निहचय ही इ धरती पइ कउनो अइसा नीक मनई नाहीं
अहइ जउन सदा अच्छा ही अच्छा करत ह अउर बुरा कबहुँ
नाहीं करत। बुद्धि मनई क सक्ती देत ह। कउनो सहर क
दस मूरख सासकन स एक साधारण बुद्धिमान मनई जियादा
सक्तीसाली होत ह।

21लोग जउन बातन कहत रहत हीं ओन सब पइ कान
जिन द्या। होइ सकत ह तू आपन सेवक क ही तोहरे बारे
मँ बुरी बातन कहत सुना। 22अउर तू जानत अहा कि तू भी
अनेक अवसरन पइ दूसर लोगन क बारे मँ बुरी बातन
कहया ह।

23एन सब बातन क बारे मँ मइँ आपन बुद्धि अउर
विचारन क प्रयोग किहा ह। मइँ फुरइ बुद्धिमान बनइ चाहेउँ
ह मुला इ तउ असंभव रहा। 24मइँ समुझ नाहीं पावत कि
बातन वइसी काहे अहइँ जइसी उ सबइ अहइँ। कउनो क
बरे इ समुझब बड़ा मुस्किल अहइ। 25मइँ अध्ययन किहेउँ
अउर सच्ची बुद्धि क पावइ बरे बहुत कठिन मेहनत किहेउँ।
मइँ हर चीज क कउनो कारण हेरइ क प्रयास किहेउँ किन्तु
मइँ जानेउँ का? मइँ जानेउँ कि बुरा होब बेवकूफी बाटइ
मूरखपन पागलपन अहइ।

26मइँ इ भी पाएउँ कि कछू मेहररूअन एक फन्दा क
नाईं खतरनाक होत हीं। ओनकर हिरदय जाल जइसे होत हीं
अउर ओनकर बाहन जंजीरन क तरह होत हीं। जउन लोग
परमेस्सर क खुस करत हीं, अइसी मेहररूअन स बच
निकरत हीं मुला उ सबइ लोग जउन परमेस्सर क नाखुस
करत हीं ओनके जरिये फाँस लीन्ह जात हीं।

27उपदेसक कहत ह, "इ सब कछू एकत्र कइके इहइ
अहइ जउन मइँ पाएस। 28मोर पूरा खोज बिचार क पाछा
इहइ मइँ पाएउँ। हजारन मँ एक ठु मनई रहा जेका एकर
छूट रही, कउनो मेहरारु क नाहीं।
29"इहइ अहइ जउन मइँ पाएन, परमेस्सर लोगन क
इमान्दार अउर सीधा बनावत ह, किन्तु लोग जल्द ही आपन
राह पावइ बरे जोजना बनावत ह।"

बुद्धि अउर सक्ती

8 वस्तुअन क जउने तरह एक बुद्धिमान मनई समुझ
सकत ह अउर ओनकर बियाख्या कइ सकत ह, वइसे
कउनो भी नाहीं कइ सकत ह। बुद्धि एक दुःखी मुँह क
खुस मुँहे मँ बदल देत ह।

2मइँ तू पचन्स कहत हउँ कि तू पचन्क सदा ही राजा क
आग्या मानइ चाही। अइसा एह बरे करा काहेकि तू पचे
परमेस्सर क बचन दिहे रह्या। 3राजा क उपस्थिति स हटि मँ
हाली जिन करा अउर बुरा जोजनन मँ सामिल जिन हो। जदि
हालात प्रतिकूल होइँ तउ ओकरे इर्द-गिर्द जिन रहा काहेकि
उ तउ उहइ करी जउन ओका नीक लागी। 4आग्यन देइ क
राजा क अधिकार अहइ, कउनो नाहीं पूछ सकत कि उ का
करत अहइ। 5जदि हुकूम क पालन करत ह तउ उ
सुरच्छित रही। एक बुद्धिमान मनई जानत अहइ कि का
उचित ह अउर कब अहइ।

6काहेकि सबइ कार्य के लिए उचित समइ अउर रास्ता
अहइ, मुला लोग उ प बदकिस्मती स काफी झूठ बोलइही।
7अगर अगवा अनिहचित होइ। काहेकि भविस्स मँ का होइ
इ तउ ओका कउनो भी बताइ नाहीं सकत।

8कउनो मँ इ सक्ती नाहीं कि उ हवा क रोक सकत।
इहइ तहर स कउनो मनई मँ अइसी सक्ती नाहीं अहइ कि
उ आपन मउत क रोकि देइ। जब जुद्ध चलत रहत होइ
तउ कउनो भी फउजी क इ अजादी नाहीं अहइ कि उ जहाँ
चाहइ चला जाइ। इहइ तरह जदि कउनो मनई बुरा करत ह
तउ उ बुराई उ मनई क अजाद नाहीं रहइ देत।

9मइँ इ सबइ बातन लखेउँ ह। इ जगत मँ जउन कछू
घटत ह ओन बातन क बारे मँ मइँ बड़ी हलबुली मँ सोचेउँ
ह उ समइ जब दूसर सासन करइ हीं ओका नोक्सान
पहोंचात अहइ। 10मइँ ओन बुरे मनइयन क बहोत बिसाल
सुन्दर ल्हास-जात्रन लखेउँ ह। अउर ल्हास जात्रन क पाछे
लोग जब घरे लउटत हीं तउ उ पचे जउन बुरा मनई मरि
चुका अहइ ओकरे बारे मँ नीक नीक बातन करत हीं।
अइसा उहइ नगर मँ हुआ करत ह जहाँ उ बुरा मनई बहोत
स बुरा काम किहेस ह। इ बगैर अरथ क अहइ।

निआव प्रतिदान अउर दण्ड

11कबहुँ कबहुँ लोग जउन बुरे काम किहेन ह, ओनके
बरे ओनका तुरंत दण्ड नाहीं मिलता। एकरे कारण दूसर
लोग भी बुरे करम करइ चाहइ लागत हीं।

12कउनो पापी चाहे सैकड़न पाप करइ ओकर उमिर
केतनी ही लम्बी होइ। मुला मइँ इ जानत हउँ कि जे
परमेस्सर क सम्मान करब ओकर साथ उत्तिम होब। 13बुरे
लोग परमेस्सर क सम्मान नाहीं करतेन। तउ अइसे लोग
अच्छा नाहीं करतेन। उ सबइ बुरे लोग अधिक समइ तलक
जिअत नाहीं रइहीं। ओनकर जिन्नगी बूड़त सूरज मँ लम्बी स
लम्बी होत जात छाया क नाईं बड़ी नाहीं होइहीं।

14इ धरती पइ एक बात अउर होत ह जउन मोका
निआव क लायक नाहीं लागत। बुरे लोगन क संग बुरी
बातन घटइ चाही अउर नीक लोगन क संग नीक बातन।
मुला कबहुँ कबहुँ नीक लोगन क संग बुरा बातन घटत हीं
अउर बुरे लोगन क संग नीक बातन। इ तउ निआव नाहीं
अहइ। 15तउ मइँ निहचय किहेउँ कि जिन्नगी क आनन्द
लेब सबसे अच्छा अहइ। काहेकि इ जिन्नगी मँ एक मनई
जउन सबसे नीक बात कइ सकत ह उ बाटइ खाब, पिअब
अउर जिन्नगी क रस लेब। एहसे कम स कम मनई क इ
धरती पइ ओकरे जिन्नगी क दौरान परमेस्सर करइ बरे जउन
कठिन काम दिहेस ह ओकर आनन्द लेइ मँ मदद मिली।
16इ जिन्नगी मँ लोग जउन कठिन काम करत हीं
ओकर मइँ बड़े धियान क साथ अध्ययन किहेउँ ह। मइँ
लखेउँ ह कि लोग केतना व्यस्त अहइँ। उ पचे अक्सर
बगैर सोए राति दिन कामे मँ लगा रहत हीं। 17परमेस्सर
जउन करत ह ओन बहोत स बातन क भी मइँ लखेउँ ह
कि धरती पइ परमेस्सर जउन कछू करत ह, लोग ओका
समुझ नाहीं सकतेन। ओका समुझइ बरे मनई बार बार जतन
करत ह। मुला फुन भी समुझ नाहीं पावत। अगर कउनो
बुद्धिमान मनई इ भी कहइ कि उ परमेस्सर क कामन क
समुझत ह तउ इ भी फुरइ नाहीं बाटइ। ओन सब बातन क
तउ कउनो भी समुझ हीं सकत।

का मउत उचित अहइ?

9 मइँ इन सबहिं बातन क बारे मँ बड़े धियान स सोचेउँ
ह अउर लखेउँ ह कि नीक अउर बुद्धिमान लोगन क
संग जउन घटित होत ह अउर उ पचे जउन काम करत हीं
ओन पर नियंत्रण परमेस्सर करत ह। लोग नाहीं जानतेन कि
ओनका पिरेम मिली या घिना अउर लोग नाहीं जानतेन कि
भियान का होइवाला अहइ।
2किन्तु एक ठु बात अइसी अहइ जउन हम सबन क
संग घटत ह - हम सबहिं मरित ह। मउत नीक लोगन क
भी आवत ह अउर बुरे लोगन क भी। अपित्तर लोगन क
जइसा पवित्तर लोगन क भी मउत आवत ह। धर्मी लोग
जउन बलिदान चढ़ावत ह उ भी वइसे ही मरत ह जइसे उ
लोग जउन बलिदान नाहीं चढ़ावत ह। अच्छे लोग भी बुरे
लोग जइसा मरत हीं। उ मनई जउन परमेस्सर क बिसेस
बचन देत ह, उ भी वइसे ही मरत ह जइसे उ मनई जउन
परमेस्सर क बचन देइ स घबरात ह।
3इ जिन्नगी मँ जउन भी कछू घटित होत ह ओहमाँ
सबसे बुरी बात इ अहइ कि सबहि लोगन क अंत एक ही
तरह स होत ह। साथ ही इ भी बहोत बुरी बात अहइ कि
लोग जिन्नगी भर सदा ही बुरे अउर बेवकूफी स भरे
विचारन मँ पड़ा रहत हीं अउर आखिर मँ मरि जात हीं। 4हर
उ मनई क बरे जउन अबहिं जिअत अहइ, एक आसा बची
अहइ। एहसे कउनो अंतर नाहीं पड़त कि उ कउन अहइ? इ
कहावत फुरइ अहइ:
"कउनो मरे भए सेर स एक जिअत कूकूर नीक अहइ।"
5जिअत लोग जानत हीं कि ओनका मरब अहइ। किन्तु
मरे भए तउ कछू भी नाहीं जानतेन। मरे भएन क कउनो
अउर प्रतिदान नाहीं मिलत। लोग ओनका हाली ही बिसरि
जात हीं। 6कउनो मनई क मरि जाए क पाछे ओकर पिरेम
घिना अउर ईर्स्या सब समाप्त होइ जात हीं। मरा भवा मनई
संसार मँ जउन कछू होत अहइ, ओहमाँ कबहुँ हींसा नाहीं
बटावत।

जिन्नगी क आनन्द ल्या जबकि तू लइ सकत ह

7तउ तू अब जा अउर आपन खइया क खा अउर
ओकर आनन्द ल्या। आपन दाखमधु पिआ अउर खुस रहा।
अगर तू इ सबइ बातन करत अहा तउ इ सबइ बातन
परमेस्सर स समर्थित अहइँ। 8उत्तिम ओढ़ना पहिरा अउर
सुन्नर दिखा। 9जउन पत्नी क तू पिरेम करत अहा ओकरे
संग जिन्नगी क भोग करा। आपन अरथहीन जिन्नगी क
जेका परमेस्सर तोहका इ धरती मँ दिहस, उ सबइ क बरे
जेका तू अपने जिन्नगी मँ पाइ, इ संसार मँ कठिन करम
करइ क पाइ, स हर एक दिन क आनन्द ल्या। 10जेका तू
कइ सकत ह, एका तू जेतॅनी उत्तिमता स कइ सकत ह
करा। कब्र मँ तउ कउनो काम होइ ही नाहीं। हुआँ न तउ
चिन्तन होइ, न गियान अउर न विवेक अउर मउत क उ
ठहर क हम सबहिं तउ जात अही।

सौभाग्य? दुर्भाग्य? हम कर का सकित ह?

11मइँ इ जिन्नगी मँ कछू अउर बातन लखेउँ ह। सबसे
जियादा दउड़इवाला सदा ही दउड़ मँ नाहीं जीतत, सक्तीसाली
सेना ही जुद्ध मँ सदा नाहीं जीतत। सबसे जियादा बुद्धिमान
मनई ही सदा कमाई क नाहीं खात। सबसे जियादा चुस्त
मनई ही सदा धन दौलत हासिल नाहीं करत ह अउर एक
पढ़ा लिखा मनई ही सदा वइसी तारीफ नाहीं पावत जइसी
तारीफ क उ जोग्ग अहइ। जब समय आवत ह तउ हर
कउनो क संग बुरी बातन घट जात हीं।
12कउनो भी मनई इ नाहीं जानत ह कि एकरे पाछे
ओकरे संग का होइवाला अहइ। उ जाल मँ फँसी उ मछरी
क नाईं होत ह जउन इ नाहीं जानत कि आगे का होइ। उ
उ जाल मँ फँसी चिरइया क समान होत ह जउन इ नाहीं
जानत कि का होइवाला अहइ? इहइ प्रकार मनई ओन
विपत्ति मँ फाँस जात अहइ, जे ओन प हाली अहइ।

विवेक क सक्ती

13इ जिन्नगी मँ मइँ एक मनई क एक विवेकपूर्ण कार्य
करत लखेउँ ह अउर मोका इ बहोत महत्वपूर्ण लाग ह।
14एक ठु नान्ह स नगर भवा करत रहा। ओहमाँ थोड़ा स
लोग रहत रहेन। एक बहोत बड़ा राजा ओकरे खिलाफ
जुद्ध किहेस अउर नगर क चारिहुँ कइँती आपन फउज
लगाइ दिहस। 15* उहइ नगर मँ एक बुद्धिमान मनसेधू
रहत रहा। उ बहोत निर्धन रहा। किन्तु उ उ नगर क
बचावइ बरे आपन बुद्धि क उपयोग किहस। जब नगर क
बिपद टरि गइ अउर सब कछू खतम होइ गवा तउ लोग

पद 15 इ पद क अरथ अहइ "ओका आपन बुद्धि क प्रयोग सहर क बचाइ क बरे करइ चाही किन्तु कउनो मनई ओका याद नाहीं राखत अहइ, मुला उ गरीब रहा।"

उ गरीब क बिसारि दिहन। 16किन्तु मइँ लखइ अहइ कि बल स बुद्धि स्रेस्ठ बाटइ। जदपि लोग गरीब मनई क बुद्धि क नज़र-अन्दाज़ कइ देत अहइ ओका नाहीं सुनत अहइ।

17धीमे स बोलि गएन, विवेकी क तनिक स सब्द
जियादा उत्तिम होत हीं, बजाय ओन अइसे सब्दन क
जेनका मूरख सासक ऊँची आवाज मँ बोलत ह।

18बुद्धि, ओन भोलन स अउर अइसी तरवारन स
उत्तिम अहइ, जउन जुद्ध मँ काम आवत हीं। बुद्धिहीन
मुला एउटा मनई, बहोत स उत्तिम बातन नस्ट कइ
सकत ह।

10 कछू मरी भइ माखियन सर्वोत्तम सुगंध तलक क दुर्गंधित कइ सकत हीं। इहइ तरह छोटी सी बेवकूफी स समूनइ बुद्धि अउर प्रतिस्ठा नस्ट होइ सकत ह। 2बुद्धिमान क विचार ओका उचित मारग पइ लइ चलावत हीं। किन्तु मूरख क विचार ओका बुरे सस्ते पइ लइ जात हीं। 3मूरख की मूरखता स्पस्ट हो जात ह जउन उ राह पइ चलत मात्र सुरू करत ह। हर मनई लखि सकत ह कि उ मूरख अहइ।

4तोहार अधिकारी तोहसे रिसियान अहइ, बस इहइ कारण स आपन काम कबहुँ जिन तजा। अगर तू सांत अउर सहायक बना रहा तउ बड़की स बड़की गलतियन क सुधार सकत अहा।

5अउर लखा इ बात कछू अलग अहइ जेका मइँ इ जिन्नगी मँ लखेउँ ह। इ बात निआवोचित भी नाहीं अहइ। इ वइसी भूल अहइ जइसी सासक जिया करत हीं। 6मूरख मनइयन क महत्वपूर्ण पद दइ दीन्ह जात हीं अउर धनी मनई अइसे कामन क पावत हीं जेनकर कउनो महत्व नाहीं होत। 7मइँ अइसे मनई लखेउँ ह जेनका नोकर होइ चाही रहा। किन्तु उ पचे घोड़न पइ चढ़ा रहत हीं। जबकि उ पचे मनई जेनका सासक होइ चाही रहा, नोकर क नाईं ओनके आगे पाछे घूमत रहत हीं।

हर कामे क आपन खतरा अहईं

8उ मनई जउन कउनो गड़हा खनत ह ओहमाँ गिर भी सकत ह। उ मनई जउन कउनो देवारे क गिरावत ह, ओका साँप काट भी सकत ह। 9एक मनई जउन बड़के बड़के पाथरन क ढकेलत ह, ओनसे चोट भी खाइ सकत ह अउर उ मनई जउन बृच्छन क काटत ह, ओकरे बरे उ खतरा भी बना रहत ह कि बृच्छ ओकरे ऊपर न भहराइ जाइ।

10किन्तु बुद्धि क कारण हर काम आसान होइ जात ह। भोंटे, बेधार चाकू स काटब बहोत कठिन होत ह किन्तु अगर उ आपन चाकू पइना कइ ले तउ काम आसान होइ जात ह। बुद्धि इहइ प्रकार क अहइ।

11कउनो मनई इ जानत ह कि कीरा क बस मँ कइसे कीन्ह जात ह किन्तु जब उ मनई आस पास नाहीं अहइ अउर कीरा कउनो क डस लेत ह तउ उ बुद्धि बेकार होइ जात ह। बुद्धि इहइ प्रकार क अहइ।

12बुद्धिमान क सब्द तारीफ दियावत हीं। किन्तु मूरख
क सब्दन स बिनास होत ह।

13एक ठु मूरख मनई बेवकूफी स भरी बातन कहिके सुरूआत करत ह। अउर आखिर मँ उ पागलपन स भरी भइ खुद क ही नोस्कान पहोंचावइ वाली बातन कहत ह। 14एक मूरख मनई मूरख बातन बोलइ से कबहुँ नाहीं रूकत ह। किन्तु भविस्स मँ का होइ इ तउ कउनो नाहीं जानत। भविस्स मँ का होइ जात अहइ, इ तउ कउनो बताइ ही नाहीं सकत।

15मूरख एँतना चतुर नाहीं कि आपन घरे क मारग
पाइ जाइ। एह बरे ओका तउ जिन्नगी भइ कठोर काम
करब अहइ।

करम क मूल्य

16कउनो देस क बरे इ बहोत बुरा अहइ कि ओकर राजा कउनो बच्चे जइसा होइ अउर कउनो देस क बरे इ बहोत बुरा अहइ कि ओकर अधिकारी आपन सारा समय खाइ मँ ही गुजारत होइँ। 17मुला कउनो देस क बरे इ बहोत अच्छा अहइ कि ओकर राजा कउनो उत्तिम बंस क होइ। कउनो देस बरे इ बहोत उत्तिम अहइ कि ओकर अधिकारी आपन खाइ अउर पिअइ पर काबू रखत हीं। उ सबइ अधिकारी बलसाली होइ बरे खात पिअत हीं ब कि मतवाले होइ जाइ बरे।

18अगर कउनो मनई काम करइ मँ सुस्त अहइ, तउ ओकर घर टपकब सुरू कइ देइ अउर ओकरे घर क छत ध्वंस्त होइ जाब।

19लोग भोजन क आनन्द लेत हीं अउर दाखरस जिन्नगी क अउर जियादा खुसियन स भरि देत हीं। किन्तु धन बहोत समस्या क हल करइ देत ह।

निन्दा स भरी बातन

20राजा क बारे मँ बुरी बातन जिन करा। ओकरे बारे मँ बुरी बातन सोचा तलक जिन। संपन्न मनइयन क बारे मँ भी बुरी बातन जिन करा। चाहे तू आपन घरे मँ अकेल्ले ही काहे न ह्वा। काहेकि होइ सकत ह कउनो एक छोटी सी चिरइया उड़िके तू जउन कछू कह्या ह, उ हर बात ओनका कहइ देइ।

निर्भीक होइके भविस्स क सामना करा

11 तू जहाँ भी जा, हुवाँ उत्तिम काम करा। थोड़े समय पाछे तोहरे उत्तिम कार्य वापिस लउटिके तोहरे लगे अइहीं।

2जउन कछू तोहरे लगे अहइ ओकर कछू भाग सात, आठ अलग-अलग चिजियन पइ खरच कइ द्या। तू जान ही नाहीं सकत्या कि इ धरती पइ कब का बुरा घटि जाइ?

3कछू बातन अइसी अहइँ जेनके बारे मँ तू निहचित होइ सकत ह। जइसे बादल बर्खा स भरा अहइँ तउ उ सबइ धरती पइ जल बरसइहीं ही। जदि कउनो बृच्छ गिरत ह चाहे दाहिनी कइँती गिरइ, चाहे बाईं तरफ गिरत ह। उ हुवँइ पड़ा रही जहाँ उ गिरा अहइ।

4किन्तु कछू बातन अइसी होत हीं जेनके बारे मँ तू निहचित नाहीं होइ सकत्य। फुन भी तोहका एक मौका तउ

लेइ ही चाही। जइसे अगर कउनो मनई पूरी तरह स उत्तिम मौसम क इंतजार करत रहत ह तउ उ आपन बीज बोइ ही नाहीं सकत ह अउर इहइ तरह कउनो मनई इ बात क डेरात रहत ह कि हर बादल बरसी ही तउ उ आपन फसल कबहुँ नाहीं काटि सकी।

5हवा कहाँ स आवत अहइ तू नाहीं जान सकत्या। तू नाही जानत्या कि महतारी क गरभ मँ बच्चा प्राण कइसे पावत ह? इहइ तरह तू इ नाहीं जान सकत्या कि परमेस्सर का करी? सब कछू क घटित करइवाला तउ उहइ अहइ।

6एह बरे भिंसार होत ही रोपाई सुरू कइ द्या अउर दिन ढले तलक काम जिन रोका। काहेकि तू नाहीं जानत्या कि कउन स बीज सफलता स उगब - होइ सकत ह इहइ या उहइ या सबइ क सब।

7जिअत रहब उत्तिम अहइ। सूरज क प्रकास लखब नीक अहइ। 8तोहका आपन जिन्नगी क हर दिन क आनन्द उठावइ चाही। तू चाहे केतनी ही लम्बी उमिर पावा। पर याद राखा कि तोहका मरब अहइ अउर तू जेतने समय तलक जिए अहा ओहसे कहूँ जियादा समय तलक तोहका मरा रहब अहइ अउर मरि जाए क पाछे तउ तू कछू कर नाहीं सकत्या।

जवानी मँ ही परमेस्सर क सेवा करा

9तउ हे जवानो! जब तलक तू जवान अहा, आनन्द मनावा। खुस रहा। अउर जउन तोहार मन चाहइ, उहइ करा। जउन तोहार रच्छा होइ उ करा। किन्तु याद राखा कि तोहरे हर कामे बरे परमेस्सर तोहार निआव करी। 10किरोध क खुद पइ काबू जिन पावइ द्या अउर आपन सरीर क भी कस्ट जिन द्या। तू जियादा समय तलक जवान नाहीं बना रहब्या।

बुढ़ाई क सबइ समस्या

12 लरकपन स ही आपन बनावइ वाला क सुमिरन करा। एहसे पहिले कि बुढ़ाई क बुरे दिन तोहका आइके घेरइँ। पहिले एकरे कि तोहका इ कहइ क पड़इ कि, "हाय, मइँ जिन्नगी क रस नाहीं लइ सकत्या।" लरकपन स ही आपन बनावइ वाला क सुमिरन करा।

2जब तू बुढ़वा होब्या तउ सूरज चन्द्रमा अउर सितारन क रोसनी तोहका अँधियारी लगिहीं। अउर तोहार समस्या लगातार वापस आत रहब्या अउर इ सबइ समस्या ओन बादलन क तरह ही होइहीं जउन बर्खा करत हीं अउर सीध्र वापस नाहीं छटँत हीं।

3उहइ समइया तोहार बलवान भुजन निर्बल होइ जइहीं। तोहार सुदृढ़ गोड़ कमजोर होइ जइहीं। तू आपन कछू बचे भए दाँतन क संग खाना तलक भी चबाइ नाहीं सकत्या। आँखियन स साफ देखाई तलक नाहीं देइ।

4तू बहिर होइ जाब्या। बाजार क सोर भी तू सुनि नाहीं पउब्या। चलत चक्की भी तोहका सांत देखाइ देइ। तू बड़ी मुस्किल स लोगन क गावत सुन पउब्या। मूला चिरइयन क चहचहाट तोहका जगाई देब तू बढ़िया नींद स नाहीं सोइ सकब।

5चढ़ाइवाले जगहियन स तू डेराइ लगब्या। राहन क हर नान्ह स नान्ह चीज स तू डेराइ लगब्या कि तू कहुँ ओह पइ ठोकर खाइके गिर परब। तोहार बाल बादाम क फूलन क नाईं उज्जवर होइ जइहीं। तू जब चलब्या तउ उ प्रकार घेरीत चलब्या जइसे कउनो टिड्डा होइ। तू अपन जीअइ क इच्छा खो देब्या। फुन तोहका आपन क भीतरी नवा घर यानी तोहार कब्र मँ नित निवास बरे जाइ क होइ अउर तोहार मुर्दनी मँ सामिल लोगन क भीड़ स गलियन भरि जइहीं।

मउत

6अबहिं जब तू जवान अहा, आपन बनावइवाला क याद राखा। एकरे पहिले कि चाँदी क डोर टूटि जाइ। अउर सोना क पात्र टूटिके बिखर जाइ। एकरे पहिले कि तोहार जिन्नगी बेकार होइ जाइ जइसे कउनो कुएँ लगे पात्र टूट पड़ा होइ। एकरे पहिले कि तोहार जिन्नगी उ पाथर जइसे होइ जाइ जेका उपयोग दीवार क ढाकन मँ किया जात अहइ, मुला उ टूट कइ इ मँ गिर परत ह।

7तोहार देह माटी स उपजी अहइ अउर जब मउत होइ तउ तोहार उ देह वापिस माटी होइ जाइ। किन्तु इ प्राण तोहार परमेस्सर स आवा अहइ अउर जब तू मरब्या, तोहार इ प्राण वापिस परमेस्सर क लगे जाइ।

8सब कछू बेकार अहइ, उपदेसक कहत ह कि सब कछू बियर्थ अहइ।

निस्कर्स

9उपदेसक बहोत बुद्धिमान रहा। उ लोगन क सिच्छा देइ मँ आपन बुद्धि क प्रयोग करत रहा। उपदेसक बड़ी होसियारी स अध्ययन किहस अउर अनेक सूक्तियन क व्यवस्थित किहस। 10उपदेसक उचित सब्दन क बचन बरे कठिन मेहनत किहस अउर उ एन सीखन क लिखेस जउन फुरइ अहइँ अउर जेन पइ भरोसा कीन्ह जाइ सकत ह।

11विवेकी मनइयन क बचन ओन नोकीली छड़ियन क समान होत हीं जेनकर उपयोग पसुअन क उचित मारग पइ चलावइ बरे कीन्ह जात ह। इ सबइ उपदेसक ओन मजबूत खूँटन क समान होत हीं जउन कबहुँ टूटतेन नाहीं। जिन्नगी क उचित मारग देखावइ बरे तू एन उपदेसकन पइ बिस्सास कइ सकत ह। उ सबइ सबहिं विवेक स पूरी सीखन उहइ गड़रिया (परमेस्सर) स आवत हीं।

12तउ पूत! एक चिताउनी अउर लोग तउ सदा पुस्तकन लिखत ही रहत हीं। बहोत जियादा अध्ययन तोहका बहोत थकाइ देइ।

13-14इ सब कछू क सुन लेइ क पाछे अब एक अन्तिम बात इ बतावइ क बाटइ कि परमेस्सर क आदर करा अउर ओकरे आदेसन पइ चला काहेकि इ नियम हर मनई पर लागू होत ह। काहेकि लोग जउन करत हीं, ओका हिआँ तलक कि ओनकी छिपी स छिपी बातन क भी परमेस्सर जानत ह। उ ओनकर सबहिं नीक बातन अउर बुरी बातन क बारे मँ जानत ह। मनई जउन कछू भी करत हीं उ हर एक करम क उ निआव करी।

नीतिवचन

1 दाऊद क पूत अउ इस्राएल क राजा सुलैमान क
नीतिवचन (कहावतन)।
2इ सबइ बातन क मनइ क बुद्धि क पावइ, अनुसासन
क ग्रहण करइ, जेनसे समुझ स भरी बातन क गियान होइ,
3मनई धरम स पूर्ण, निआव स पूर्ण सत्तय स पूर्ण क करम
करइ क विवेकसील अउर अनुसासन मँ रहइ क जिन्नगी
पावइ,
4सहल सोझवाले लोगन क इ सिखावाइ बरे कि
विवेकसील जिन्नगी कइसे बिताइ जाइ, अउर जवान लोगन
क गियान अउर बुद्धीमत्ता सिखावइ बरे, लिखा गवा अहइँ।
5बुद्धिमान लोगन क ओनका सुनिके आपन बुद्धि अउर
समुझदारी बढ़ावइ द्या।
6एह बरे लिखा गवा, ताकि मनई नीतिवचन, गियानी क
दृष्टान्तन क अउर पहेली भरी बातन क समुझ सकइँ।
7यहोवा क डर मानब गियान क प्रारम्भ अहइ। मुला मूरख
जन तउ बुद्धि अउ सिच्छा क निरर्थक मानत ही।

विवेकपूर्ण बना चिताउनी: प्रलोभन स बचा

8हे मोर पूत, आपन बाप क सिच्छा पइ धियान द्या अउर
आपन महतारी क नसीहत क जिन बिसरा। 9उ पचे तोहार
मूँड़ सजावइ क मुकुट अउ सोभा स जोरइ तोहरे गले क
हार बनिहीं।

चिताउनी: बुरी संगत स बचा

10हे मोर पूत, अगर पापी लोग तोहका बहलावइ
फुसलावइ आवइँ ओनकर कबहुँ जिन मान्या। 11अउर अगर
उ पचे कहइँ, "आवा हमरे संग। आ, हम पचे कउनो क
घाते मँ बइठी। आ, निर्दोख पइ छुपिके वार करी। 12आ,
हम पचे ओनका जिअत ही सारा क सारा लील जाइ वइसे
ही जइसे कब्र लील लेत हीं। जइसे खाले पाताल मँ कहूँ
फिसरत चला जात ह। 13हम सबहिं बहोत कीमती चिजियन
पाइ जाब अउर आपन इ लूट स घरवा भरि लेब। 14आपन
भाग्य क पाँसा हम लोग आपन बीच लोकावा, हम पचे
सामुहिक बटुआ क सहभागी होब।"
15हे मोर पूत, तू ओनकर राहन पइ जिन चला, तू आपन
गोड़ ओन लोगन क राहे पइ जिन रखा।
16काहेकि ओनकर गोड़ बुराई क ओर बढ़त हीं। उ पचे
रकत बहावइ क बहोत सन्नध रहत हीं।
17उ समइ जाल क फइलाना केतना बेकार अहइ जबकि
पंछी पूरी तरह स लखत हीं। 18जउन कउनो क रकत
बहावइ क इंतजार मँ बइठा अहइँ उ पचे अपने आप जालि
मँ फँसि जइहीं। 19उ सबइ जउन बेइमानी क धन हासिल
करइ क जतन करत ह उ पचे आपन जिन्नगी उहइ मँ खो
देत हीं।

चिताउनी: बुद्धि हीन जिन बना

20बुद्धि, गलियन मँ गोहरावत ह, उ सर्वजनिक जगहन
मँ आपन आवाज उठावत ह। 21सोर स भरी गलियन क
नोक्कड़ पइ गोहरावत ह, सहर क फाटक पइ आपन भासण
देत ह:
22"अरे नादान लोगो! तू कब तलक आपन नादानी स
पिरेम करत रहब्या? हँसी ठट्ठाकरइवालो, तू कब तलक ठट्ठा
करने मँ आनन्द लेब्या? अरे मूर्खो, तू कब तलक गियान स
घिना करब्या? 23अगर मोर फटकार तोह पइ असर डावत
तउ मइँ तोह पइ आपन हिरदय उड़ेर देत अउर तोहका अपने
सबहिं विचार देखाइ देतेउँ।
24"मुला काहेकि तू तउ मोका नकार दिहा जब मइँ
तोहका गोहराएउँ, अउर कउनो धियान नाहीं दिहस, जब मइँ
आपन हथवा बढ़ाए रहेउँ। 25तू मोर सबहि उपदेस क उपेच्छा
किहा अउर मोर फटकार कबहुँ नाहीं स्वीकार किहा। 26एह
बरे, बदले मँ, मइँ तोहरे नासे पइ हँसब। मइँ हँसी ठट्टा
करब जब तोहार बिनास तोहका घेरी। 27जब बिनास तोहका
वइसे ही घेरी जइसे खउफनाक बबूला क चक्रवाद घेरत ह,
जब बिनास जकड़ी, अउर जब बिनास अउ संकट तोहका
बोर देइही।
28"तब, उ पचे मोका गोहरइहीं किंतु मइँ कउनो भी
जवाब नाहीं देबउँ। उ पचे मोका हेरत फिरिहीं मुला नाहीं
पइहीं। 29काहेकि उ पचे हमेसा गियान स घिना करत रहेन,
अउर उ पचे कबहुँ नाहीं चाहेन कि उ पचे यहोवा स डेराइँ।
30काहेकि उ पचे, मोर उपदेस कबहुँ धारन नाहीं किहन,
अउर मोर डाट-फटकार क रद्द करिहीं। 31उ पचे अपन
जीवन क करमन क फल जरूर भोगिहीं, उ पचे आपन बुरे
जोजना स खुद आपन पेट भरिहीं।
32"नादान लोगन क हटी ओनका ही बिनास करिहीं
मूरखन लोगन क लापरवाही वाला रवैया ओनका नस्ट कइ
देइ। 33मुला जउन मोर सुनी उ सुरच्छित रही, उ बगैर
कउनो नोस्कान अउर कउनो डर क हमेसा चैन स रही।"

बुद्धि क नैतिक लाभ

2 हे मारे पूत, अगर तू मोरे बोध बचनन क सुना अउर
मोर हुकुम मन मँ बटोरा, 2अउर तू बुद्धि क बातन
पइ कान लगावा, मन आपन समुझदारी मँ लगावत भए,
3अउर अगर तू अन्तदृस्टि बरे गोहरावा, अउर तू समुझबूझ
क बरे पुकारा, 4अगर तू एका अइसे हेरा जइसे कउनो

कीमती चाँदी क हेरत ह, अउर तू एका हेरा, जइसे कउनो
छुपे भए खजाना क हेरत ह, 5तब तू यहोवा क डर क
समुझब्या अउर परमेस्सर क गियान पउब्या।

6काहेकि यहोवा बुद्धि देत ह अउर ओकरे मुँह स ही
गियान अउ समुझदारी क बातन फूटत हीं। 7ओकरे भंडारे मँ
खरी बुद्धि ओनके बरे रहत ह जउन खरा अहइँ। अउर
ओनके बरे जउन कि इमानदारी स रहत ह एक ढाल जइसे
अहइ। 8उ निआव क मारग क रखवारी करत ह अउर
आपन वफादार लोगन क राह क रच्छा करत ह।

9तबहिं तू समुझब्या कि नेक निआब अउर इमानदारी का
अहइ। इ सबइ नीक चिजियन अहइ। 10तउ बुद्धि तोहरे मने
मँ प्रवेस करी अउर गियान तोहरी आतिमा क आनन्दित
करी।

11तोहका नीक बुरा क बोध बचाइ, समुझबूझ भरी बुद्धि
तोहार रखवारी करी। 12बुद्धि तोहका बुरे लोगन क राहे स
बचाइ। बुद्धि तोहका ओन लोगन स बचाइ जउन बुरी बात
बोलत हीं। 13अँधियारी गलियन मँ भटकइ बरे उ पचे
सहल-सोझ राहन क तजि देत रहत हीं। 14उ पचे बुरे करम
करइ मँ हमेसा आनन्द मनावत हीं। उ पचे बुरे कार्य मँ
हमेसा मगन रहत हीं। 15ओन लोगन पइ बिस्सास नाही कइ
सकित। उ पचे लबार अहइँ अउर छल करइवाला अहइँ।
मुला तोहार बुद्धि अउर समुझ तोहका इन बातन स
बचायेगी।

16इ बुद्धि तोहका बदकार मेहरारु अउ ओकर चापलूसी
स भरी बातन स बचाइ। 17जउन आपन जवानी क साथी
तजि दिहन वाचा क उपेच्छा परमेस्सर क समच्छ किहे रहा।
18काहेकि ओकर घर मउत क गड्ढा मँ अहइ अउर ओकर
राहन नरक मँ लइ जात हीं। 19जउन भी ओकरे घर जात ह
उ कबहुँ नाही लउटि पावत अउर ओका जिन्नगी क राहन
कबहुँ नाही मिलतिन।

20एह बरे तू नीक लोगन क मार्ग पइ चलइ चाही अउर
तेहका हमेसा सत्यता क मार्गे पइ बना रहे चाही।

21इमानदार जन अउर बे कसूर लोग आपन धरती पइ
बसा रइहीं। 22मुला जउन दुट्ठ धोका बाज अहइँ ओनका
धरती स हटा दीन्ह जइहीं।

उत्तिम जिन्नगी स संपन्नता

3 हे मोर पूत, मेरी सिच्छा क जिन बिसरा, बल्कि तू मोर
आदेसन क आपन हिरदय मँ बसाइ ल्या। 2काहेकि उ
सबइ तोहार जिन्नगी क लम्बी अउर सान्तिमइ बनाहीं।

3वफादारी अउर सच्चााई क कबहुँ भी आपन स अलग
न होइ द्या। तू एनका हार क नाई अपने गले मँ डावा।
एनका आपन हिरदय क पटल पइ लिख ल्या। 4इ तरह स
तू सफल होब्या अउर परमेस्सर अउ मनई दुइनउँ तोहसे
आन्नदित होब्या।

यहोवा मँ बिस्सास राखा

5आपन पूरे हिरदय स यहोवा मँ बिस्सास राखा। तू अपनी
समुझ पइ निर्भर जिन करा। 6तू आपन सबइ करमन मँ
जेका तू करत ह परमेस्सर क इच्छा क याद राखा। उहइ
तोहार सब राहन क सोझ करी। 7आपन ही आँखिन मँ तू
बुद्धिमान जिन बना, यहोवा स डरेत रहा अउर बुराई स दूर
रहा। 8एहसे तोहार बदन पूरा तन्दुरूस्त रही अउर तोहार
हाड्डियन पुट्ठ होइहीं।

यहोवा क अर्पण कइ द्या

9आपन सम्पत्ति स, अउर आपन उपज स पहिले फलन
स यहोवा क आदर करा। 10तोहार भण्डार बहुतायत स भरि
जइहीं, अउर तोहार मधु क बर्तन दाखरस स उमण्डत रइहीं।

यहोवा क दण्ड अंगीकार करा

11हे मोर पूत, यहोवा क अनुसासन क रद्द जिन करा।
तोहका सुधार करइ क ओकर प्रयास बरे बुरा जिन बोला।
12काहेकि यहोवा सिरिफ ओनहीं क डाँटत ह जेनसे उ
पिआर करत ह। वइसे ही जइसे बाप उ पूत क डाँटइ जउन
ओका बहोतइ पिआरा अहइ।

विवेक क महत्व

13धन्य अहइ उ मनई, जउन बुद्धि पावत ह। उ मनई
धन्य अहइ जउन समुझ प्राप्त करइ। 14बुद्धि, कीमती चाँदी
स जियादा लाभ देइवाली अहइ, अउर सोना स जियादा
उत्तिम प्रतिदान देत ह। 15बुद्धि मणि माणिक स जियादा
कीमती अहइ। जेका तू चाह सक्या। सबइ चिजियन मँ स
कउनो भी चीज जेका तू सायद कि चाह रखत ह ओकर
बराबरी क नाही हो सकत ह।

16बुद्धि क दाहिन हाथे मँ सुदीर्घ जिन्नगी अहइ अउर
ओकरे बाएँ हाथे मँ सम्पत्ति अउ सम्मान अहइ। 17ओकर
मारग मनोहर अहइँ अउर ओकर सबहिं राह सान्ति क रहत
हीं। 18बुद्धि ओनके बरे जिन्नगी क दरखत अहइ जउन
एका गले लगावत ह। उ पचे हमेसा धन्य रइहीं जउन
मजबूती स बुद्धि क थामे रहत हीं।

19यहोवा धरती क नेंव बुद्धि स धरेस, उ समुझ अकासे
क स्थिर किहस। 20ओकरे ही गियान स गहिर सोतन फूटि
पड़ेन अउ बादर ओसे क कण बरसावत हीं।

21हे मोर पूत, तू अपनी निगाह स बुद्धि क लुप्त जिन
होइ द्या। किन्तु बजाए एका आपन जोग्यता क सही फैसला
लइ बरे अउर विवेक बरे रच्छा करा। 22उ पचे तउ तोहरे
बरे जिन्नगी बन जइहीं, अउर तोहरे कंठे क सजावइ क
एक ठु आभूसण। 23तब तू सुरच्छित बना अपना मार्गे पर
चलेहीं अउर तोहार गोड़ कबहुँ ठोकर नाहीं खइहीं।
24तोहका सोवइ पइ कबहुँ डर नाहीं खाहीं अउर सोइ जाए
पइ तोहार नींद मधुर होइ। 25तू आकस्मिक बिनासे स या उ
तबाही स जउन दुट्ठ लोगन पइ आवत ह जिन डेराअ।
26काहेकि यहोवा तोहार संग होइ, अउर उ तोहरे गोड़े क
फँदा मँ फँसइ स बचाइ।

27जउन लोग नीक चीज क हकदार अहइ ओनका उहइ
दइ स इन्कार जिन करा। जब तू नीक करइ क जोग्य ह
तउ एका करा। 28जब आपन पड़ोसी क देब तोहरे लगे धरा
होइ तउ ओहसे अइसा जिन कहा कि “बाद मँ आया कालिह
तोहका देब।”

29तोहार पड़ोसी बिस्सास स तोहरे लगे रहत होइ तउ ओकरे खिलाफ ओका नोस्कान पहोंचावइ बरे कउनो सडयंत्र जिन रचा।

30बिना कउनो कारण क कउनो मनइ क संग जउन कि तोहका कउनो छति नाही पहोंचाएस ह बहस जिन करा।

31कउनो उपद्रवी मनई स तू जलन जिन करा, अउर ओकर कउनो भी राहे क अनुसरन जिन करा। 32काहेकि यहोवा कुटिल लोगन स घिना करत ह अउ इमानदार लोगन क अपनावत ह।

33दुट्ठ मनई क घरे यहोवा क सराप रहत ह, उ नेक क घरे क आसीर्वाद देत ह।

34उ स्वार्थी अउर घमंडी लोगन क हँसी उड़ावत ह, मुला विनर्म लोगन पइ उ मेहरबानी करत ह।

35विवेकी जन तउ आदर पइहीं, मुला उ मूर्खन क, लज्जित ही करी।

विवेक क महत्व

4 हे मोर पूतो, बाप क सिच्छा क सुना ओह पइ धियान द्या अउर तू समुझबूझ पाइ लया। 2मइँ तू पचन्क गहिर-गंभीर सिच्छा देत हउँ। मोर इ सिच्छा क तू पचे जिन तज्या।

3जब मइँ आपन बाप क घर एक बालक रहेउँ अउर महतारी क बहोतइ कोमल एकलौता गदेला रहेउँ, 4उ मोका सिखावत रहा, "मोरे सिखिया का पूर्ण रूप स पालन करा। जदि तू मोर आदेसन क माना तउ तू जिअब। 5तू बुद्धि प्राप्त करा अउ समुझबूझ प्राप्त करा, मोर वचन जिन बिसरा अउर ओनसे जिन डुगा, 6बुद्धि जिन तजा। उ तोहार रच्छा करी। ओहसे पिरेम करा उ तोहार धियान राखी।"

7बुद्धि सबन त नीक बाटइः सब कछू दइके भी बुद्धि प्राप्त करा। गियान प्राप्त करा। 8बुद्धि स पिरेम करा। उ तोहका महान बनाहीं। ओका तू गले स लगाइ ल्या, उ तोहार सम्मान बढ़ाई। 9उ तोहरे मूँड़े पइ सोभा क माला धरी अउर उ तोहका एक ठु वैभव क मुकुठ देइ।

10सुना, हे मोर पूत! जउन कछू मइँ कहत हउँ तू ओका ग्रहण करा। तू अनगिनत बरिस जिअत रहब्या। 11मइँ तोहका बुद्धि क मार्गे पइ चलइ क राह देखावत हउँ, अउर सरल मार्गन पइ अगुवाई करत हउँ। 12जब तू अगवा बढ़ब्या तोहार गोड़ रूकावट नाहीं पइहीं, अउर जब तू दउड़ब्या ठोकर नाहीं खाब्या। 13सिच्छा क थामे रहा, ओका तू जिन छोड़ा। एकर रखवारी करा। इहइ तोहार जिन्नगी अहइ।

14तू दुट्ठ लोगन क राहे पइ कदम जिन धरा। बुरे लोगन क राहे पइ जिन चला। 15तू एहसे बचत रहा। एह क ओर कदम जिन बढ़ावा। एहसे तू मुड़ि जा अउर एकरे बगल स गुजर जा। 16उ पचे बुरे करम किए बगैर सोइ नाहीं पउतेन। उ पचे नींद खोइ चुकत हीं जब तलक कउनो क नाही गिरउतेन। 17उ पचे तउ बस हमेसा नीच होइ क रोटी खात हीं अउर हिंसा क दाखरसपिअत हीं।

18मुला नीक लोगन क राह वइसे होत ह जइसे भिंसारे क किरण होत ह, जउन दिन क पूर्ण होइ तलक आपन प्रकास मँ बढ़त ही चली जात ह। 19मुला दुठ्न लोगन क मारग अँधियारा जइसा होत ह। उ पचे नाहीं जानत ह कि केकर कारण उ पचे ठोकर खात ह या गिरत ह।

20हे मोर पूत, जउन कछू मइँ कहत हउँ ओह पइ तू धियान द्या। मोर बचनन क तू कान लगाइके सुना। 21ओनका आपन दृस्टि स ओझर जिन होइ द्या। आपन हिरदय पइ तू ओनका धरे रहा। 22काहेकि जउन ओनका पावत हीं ओनके बरे उ सबइ जिन्नगी बन जात हीं अउर उ पचे एक मनई क संपूर्ण तने क तन्दुरूस्ती बनत हीं।

23सबन स बड़की बात इ अहइ कि तू आपन विचार क बारे मँ होसियार रहा। काहेकि तोहार विचार जिन्नगी क कब्जे मँ राखत हीं।

24तू आपन मुँह स कुटिलता क दूर राखा। तू आपन ओंठनस गलत बात दूर राखा। 25आपन आँखिन क हमेसा सिधे रखा, आपन पलकन क समन्वा क ओर रखा। 26आपन गोड़न बरे तू सोझ मारग बनावा। बस तू ओन राहन पइ चला जउन निहचइ ही सुरच्छित अहइँ।

27दाहिने क या बाएँ क जिन डुगा। तू आपन गोड़न क बुराई स रोके रहा।

पराई मेहरारू स बचा रहा

5 हे मोर पूत तो मोरी बुद्धि क बातन पइ धियान द्या। मोर बुद्धिमानी क सिच्छा क धियान स सुना। 2ताकि तोहार भला-बुरा क चेतना सुरच्छित रहइ अउर तोहरे ओंठन गियान कि सुरच्छा करइ। 3काहेकि कउनो पराई मनइ क पतनी आपन ओंठन क मधुर बातन स तोहका लुभा सकत ह, ओकर ओंठन क वाणी तेल स भी जियादा चिकनी होत ह। 4अंत मँ उ तोहरे बरे भयंकर दुःख दर्द लाहीं उ दुधारी तरवार क नाई अहइ। 5ओकर गोड़ मउत क गड्ढा कइँती बढ़त हीं अउर उ तोहका सिधे कब्र तलक लइ जात हीं। 6उ कबहुँ भी जिन्नगी क मारग क नाही सोचत। ओकर राहन खोटी अहइँ। किंतु हाय्य, ओका मालूम नाही।

बिभिचार बिनासे क मूल बाटइ

7अब हे मोरे पूतन, तू मोर बात सुना। जउन कछू भी मइँ कहत हउँ ओहसे जिन मोड़ा। 8तू अइसी राह पइ चला जउन ओहसे काफी दूर होइ। ओकर घरे तलक जिन जा।

9नाहीं तउ दूसर कउनो तोहरे ताकत क उपयोग करिहीं, अउर तोहार जिन्नगी क बरिस कउनो अइसे मनइ लइ ले हीं जउन कि करुर होइ।

10अइसा न होइ, तोहरे धने पइ अजनबी मउज करइँ। तोहार मेहनत अउरन क घर भरइ। 11तोहार जिन्नगी क अंतिम दिना मँ जब तू बिमार होब्या अउर तोहार लगे कछू भी न होइ, तउ तोहका रोवत बिलबिलात भवा छोड़ दीन्हा जाहीं।

12अउर तू कहब्या, "हाय! मइँ अनुसासन स काहे घिना किहा? मइँ सुधार क काहे उपेच्छा किहा? 13मइँ आपन सिच्छकन क बात नाही मानेउँ या मइँ आपन प्रसिच्छकन पइ धियान नाही दिहेउँ। 14मइँ महानासे क किनारे पइ आइ गावा हउँ अउर हर एक इ जानत ह।"

आपन पत्नी क संग आनन्द मनावा

15-16तू आपन हौज स ही पानी पिया करा अउ तू आपन
झरना स ही सुद्ध पानी पिया करा। तू आपन पानी क
गलियन मँ इधर-उधर फइलइ जिन दया। एका गलियन मँ
नदी क नाई बह्य जिन द्या। 17इ तउ बस तोहार ही होइ,
एकमात्र तोहार ही। ओनमाँ कबहुँ कउनो अजनबी क हींसा
न होइ, 18आपन पत्नी क संग धन्न रहा। ओकरे संग ही तू
जीवन रस क पान करा जेक तू आपन जवानी क समइ
सादी कीन्ह रहा। 19ओकर छातियन हरिणी अउर खुबसुरत
पहाड़ी बोकरी क नाई तोहका हमेसा सन्तुस्त करइ, ओकर
पिरेम जाल तोहका हमेसा फाँस लइ 20हे मोर पूत, कउनो
बिभिचारिणी क तोहका विनासे क ओर काहे लइ जावइ
चाही? तोहका कउनो अजनबी मेहरारु क काहे गले
लगावइ चाही?

21यहोवा तोहार राहन पूरी तरह लखत अहइ अउ उ
तोहार सबहिं राहन परखत बाटइ। 22दुट्ठ क बुरे करम
ओका बाँध लेत हीं। ओकर ही पाप जाल ओका फाँसि लेत
ह। 23उ अनुसासन क कमी क कारण मरि जात ह। ओकर
महान मूरखता ओका विनास क ओर लइ जावत ह।

कउनो चूक जिन करा

6 हे मोर पूत, जदि तू बगैर समुझबूझिके कउनो अजनबी
मनइ क बदले मँ कउनो क जमानत दिहा ह या
कउनो स कउनो बचन किहस ह? 2तउ तू आपन ही कहनी
क जालि मँ फँसि गवा अहा, तू आपन मुँह क ही सब्दन
क पिंजरे मँ बंद होइ गवा अहा। 3हे मोर पूत, काहेकि तू
अउरन क हाथन क पुतला होइ गवा ह। तू आपन क
रच्छा बरे अइसा ही करा जइसा मइँ कहत हउँ। ओन
लोगन क निआरे जा अउ विनम्र होइके आपन पड़ोसियन स
आग्रह करा। 4आपन आँखिन क आराम जिन करइ द्या।
आपन आँखियन क पलक झपकी तलक न लइ द्या। 5खुद
क हरिणी क नाईं या सिकारी क हाथे स भागा भवा कउनो
पंछी क नाईं आजाद कइ ल्या।

आलसी जिन बना

6अरे ओ आलसी, चोंटी क लगे जा। ओकर कार्य विधि
लखा अउर ओहसे सीख ल्या। 7ओकर न तउ कउनो नायक
अहइ, न ही कउनो निरीच्छक, न ही कउनो सासक अहइ।
8फुन भी उ गरमी मँ खइया क बटोरत ह अउ कटनी क
समइ अन्न क दाना बटोरत ह।

9अरे ओ सुस्त मनइ, कब तलक तू हिआँ पड़ा रहब्या?
आपन नींद स तू कब जाग उठब्या? 10तू तनिक सोब्या,
तनिक झपकी लेब्या, तनिक सुस्ताइ बरे आपन हाथन पइ
हाथ धइ लेब्या 11अउर बस तोहका गरीबी लुटेरा क नाईं
आइके घेरी अउर अभाव तोहका हतयार स लैस डाकोअन
क नाई घेर लेइ।

दुट्ठ जन

12नीच अउ दुट्ठ मनइ उ होत ह जउन धोका दइवाले
बातन बोलत भवा फिरत रहत ह। 13जउन आँख मारइ क
इसारा करत ह अउर आपन अँगुरियन अउर पैरन स संकेत
देत ह। 14उ सडयंत्र रचत ह अउर हमेसा बहस व मुबाहिसा
करत ह। 15एह बरे ओह पइ एकाएक महानास गिरी अउर
फउरन नस्ट होइ जाइ। ओकरे लगे बनइ क उपाय नाहीं
होइ।

उ सात बातन जेनसे यहोवा घिना करत ह

16यहोवा छ: चिजियन स घिना करत ह, अउर सातवें
चीज ओकर बरे घृणित अहइ।

17गर्व स भरी आँखिन, झूठ स भरी वाणी, उ सबइ
हाथन जउन निर्दोख लोगन क हतियारा अहइँ।
18अइसा हिरदय जउन सडयंत्र रचत रहत ह, उ सबइ
गोड़ जउन बुराइ क मारग पइ तुरन्त दउड़ पड़त हीं।
19उ लबार गवाह, जउन लगातार झूठ उगलत ह
अउर अइसा मनई जउन भाइयन क बीच फूट डावइ।

दुराचार क खिलाफ चिताउनी

20हे मोर पूत, आपन बाप क आग्या क माना अउर
आपन महतारी क सिच्छा क कबहूँ जिन तजा। 21आपन
हिरदय पइ ओनका हमेसा ही बाँधे रहा अउर ओनका आपन
गटइया क हार बनाइ ल्या। 22जब तू अगवा बढ़ब्या, उ पचे
राह देखइहीं। जब तू सोइ जाब्या, उ पचे तोहार रखवारी
करिहीं अउर जब तू जागब्या, उ पचे तोहसे बातन करिहीं।
23काहेकि आदेस दीपक क नाई अहइँ अउर सिच्छा एक
जोति क नाई हइ। अनुसासन क डाँट फटकार तउ जिन्नगी
क मारग अहइ। 24उ सबइ तोहका चरित्रहीन मेहरारू स
अउर बिभिचारणी क फुसलाहट स रच्छा करत हीं। 25तू
आपन मन क ओकर सुन्नर क चाह जिन करइ द्या अउर
ओकर आँखिन क जादू क सिकार जिन बना। 26काहेकि उ
रण्डी तउ तोहका रोटी-रोटी क मोहताज कइ देइ। मुला उ
कुलटा तउ तोहार जिन्नगी हर लेइ।

27का इ होइ सकत ह कि कउनो केउ क गोदी मँ
आगी रखि देइ अउर ओकर ओढ़ना फुन भी तनिकउ भी न
जरइ? 28दहकत भए कोएले क अंगारन पइ का कउनो
मनई अपन गोड़वन क बगैर झुरसाए भए चल सकत ह?
29उ मनई अइसा ही अहइ जउन कउनो दूसर क पत्नी स
समागम करत ह। अइसी पइ मेहरारू क जउन भी कउनो
छुइ, उ बगैर दण्ड पाए नाहीं रहि पाइ।

30-31अगर कउनो चोर कबहुँ भूखन मरत होइ, अउर उ
भूख मिटावइ बरे चोरी करइ तउ लोग ओहसे घिना नाहीं
करिहीं। फुन भी अगर उ धरा जाइ तउ ओका सात गुना
भरइ पड़त ह चाहे ओहसे ओकरे घरे क समूचा धन चुक
जाइ।

32मुला एक मनइ जउन दूसर क पत्नी क संग सारीरिक
सम्बंध करत ह तउ ओकरे लगे विवेक क कमी अहइ।
जउन मनइ अइसा करत ह उ खुद बरे विनास लावत ह।
33प्रहार अउ अपमान ओकर भाग्य अहइ। ओकर कलंक
कबहुँ नहीं धोइ जाइ। 34काहेकि पति क ईर्स्या किरोध
जगावत ह अउर जब उ एकर बदला लेइ तब उ ओह पइ
दाया नाहीं करी। 35उ कउनो नोस्कान क पूर्ति अंगीकार नाहीं

करी अउर कउनो ओका केतना ही बड़ा लालच देइ, ओका
उ अंगीकार किए बगैर ठुकराइ।

विवेक दुराचार स बचावत ह

7 हे मोर पूत, मोरे वचनन क पाला अउ अपने मने मँ
मोर आदेस संचित करा। 2जदि तू मोरे आदेसन क
मानब्या तउ तू जियबा। तोहका मोहरे उपदेसन क आपन
आँखी क पुतरी सरीखा सँभारिके राखइ चाही।
3ओनका आपन अँगुरियन पइ बाँधि ल्या, तू आपन हिरदय
पटल पइ ओनका लिख ल्या। 4बुद्धि स कहा, "तू मोर
बहिन अहा" अउर तू समुझबूझिके आपन कुटुम्बी जन कहा।
5उ सबइ हि तोहका बदकार मेहरारु क चिकनी व लुभावन
बातन स बचाई।
6एक दिना मइँ अपन खिड़की क झरोखा स झाँकिउँ,
7सरल नउजवानन क बीच एक अइसा नउजवान लखेउँ जेका
नीक-बुरा क पहिचान नाहीं रहा। 8उ उहइ गली स होइके
उहइ बदकार मेहरारु क नुक्कड़ क लगे स जात रहा। उ
ओकरे ही घरवा कइँती बढ़त जात रहा। 9सूरज साँझ क
धुँधल मँ बूड़त रहा, राति क अँधियारा क तहन जमत जात
रहिन। 10तबहिं एक मेहरारु ओहसे मिलइ बरे निकरिके
बाहेर आइ। उ रण्डी क भेस मँ सजीभइ रही। अउर ओकरी
इरादा बहोत प्रबल रही। 11उ वाचाल अउर ओकर प्रबल
इरादे क रही। उ घरे मँ कबहुँ ठहिरइ नाहीं चाहेस। 12उ
कबहुँ-कबहुँ गलियन मँ, कबहुँ चउराहन पइ, अउर हर केउ
क नोक्कड़े पइ घात लगावत रही। 13उ ओका रोक लिहस
अउ ओका धरेस। उ ओका निर्लज्ज मुँहे स चूमेस, फुन
ओहसे बोली, 14"आजु मोका मेलबलि अर्पण किहा। मइँ
आपन प्रतिग्या परमेस्सर बरे पूरी कइ लिहेउँ। 15एह बरे मइँ
तोहसे मिलइ अउर तोहका यह कहे बरे बाहेर आएहउँ कि
आ अउर मोर दावत मँ सामिल होजा। मइँ तोहार तलास मँ
रही अउर अंत मँ तोहका पाए लिहेउँ। 16मइँ मिस्र क
मलमले क रंगन स भरी भइ चादर स सेज सजाएउँ ह।
17मइँ आपन सेज क गंधरस, दालचीनी अउर अगर गंध स
सुगंधित किहेउँ ह। 18तू मोरे लगे आवा। भोर क किरण
तलक दाखरस पिअत रही, हम आपुस मँ भोग करत रही।
19मोर पति घरे पइ नाहीं अहइँ। उ दूर जात्रा पइ गवा अहइ।
20उ आपन थैली रूपाया स भरिके लइ गवा अहइ अउर
पुन्नवासी तलक घरे पइ नाहीं होइ।"
21उ ओका लुभावना सब्दन स मोह लिहस। ओका मीठ
मधुरवाणी स फुसलाइ लिहस। 22उ फउरन ओकरे पाछे
अइसे होइ लिहस जइसे कउनो बर्धा क जबह करइ बरे ले
जाया जात ह। उ अइस चलत ह जइसे कउनो मूरख जालि
मँ गोड़ धरत होइ। 23जब तलक एक तीर ओकर हिरदय
नाहीं बेधी तब तलक उ पंछी सा जालि पइ बगैर इ जाने टूट
पड़ी कि जालि ओकर प्राण हरि लेइ।
24तउ मोरे पूतो, अब मोर बात सुना अउर जउन कछू मइँ
कहत हउँ ओह पइ धियान द्या। 25आपन मन कुलटा क
राहन मँ जिन हींचइ द्या अउर ओका ओकरे राहन पइ जिन
भटकइ द्या। 26केतने ही सिकार उ मार गिराएन ह। उ
जेनका मारेस ओनकर जमघट बहोत बड़ा बाटइ। 27ओकर
घर उ राजमार्ग अहइ जउन कब्र क जात ह अउर तरखाले
मउते क कालकोठरी मँ उतरत ह।

सुबुद्धि क पुकार

8 का बुद्धि तोहका गोहरावत नाहीं अहइ? का समुझबूझ
ऊँचकी अवाज स तोहका नाहीं बुलावत अहइ?
2उ राह क किनारे ऊँचे ठउरन पइ अउर चौराहे पइ खड़ी
रहत ह।
3उ सहर क जाइवालो दुआरन क सहारे सिंह दुआर क
ऊपर गोहराइके कहत ह,
4"हे लोगो, मइँ तोहका गोहरावत हउँ, मइ समूची
मानवजाति बरे अवाज अठावत हउँ।
5अरे नादा लोगो! बुद्धिमानी स रहइ क सिखा तू जउन
मूरख बना अहा समुझबूझ सिखा।
6सुना। काहेकि मोरे लगे कहइ क उत्तिम बातन अहइँ,
आपन मुँहन खोलति हउँ, जउन कहइ क उचित बा
7मेरे मुखे स तउ उहइ निकरत ह जउन फुरइ अहइ,
काहेकि मोरे ओंठन क दुट्ठता स घिन अहइ।
8मोरे मुँहे स नकलइ वाले सबइ सब्द निआव स पूर्ण
अहइ। ओन मँ स कउनो भी धोका देइ वाला नाहीं अहइ।
9विचारवान मनई बरे उ सबइ साफ साफ अहइँ अउर
गियानी जन बरे उ सबइ सब दोख रहित अहइँ।
10चाँदी नाहीं बल्कि तू मोर हिदायत ग्रहण करा उत्तिम
सोना नाही बल्कि तू मोर गियान ल्या।
11सुबुद्धि रत्नन मणि माणिकन स जियादा कीमती अहइँ।
तोहार अइसी मनचाही कउनो वस्तु स ओकर तुलना नाहीं
होइ।"

सुबुद्धि का करत ह

12"मइँ बुद्धि अउर गियान क संग रहत हउँ। नीक
अउर विवेक मोर मीत अहइ।।
13यहोवा स डरब, बुराई स घिना करब अहइ। स्वार्थीपन
अउर घमण्ड, बुराइ क मारग झुटी मुँह स मइँ घिना करत
हउँ।
14मोर लगे परामर्स अउ गियान अहइ। मोरे लगे बुद्धि
सक्ती अहइ।
15मोरे ही सहारे राजा राज्ज करत हीं, अउर सासक नेम
रचत हीं, जउन निआउ स पूर्ण अहइ।
16केवल मोरी ही मदद स धरती क सबइ नीक सासक
राज्ज चलावत हीं।
17जउन मोहसे पिरेम करत हीं, मइँ भी ओनसे पिरेम
करत हउँ, मोका जउन हेरत हीं, मोका पाइ लेत हीं।
18सम्पत्तियन अउ आदर मोर संग अहइँ। मइँ खरी
सम्पत्ति अउ जस देत हउँ।
19मोर फल सोना स उत्तिम अहइँ। मइँ जउन उपजावत
हउँ, उ सुद्ध-चाँदी स जियादा नीक अहइ।
20मइँ निआउ क मारग क संग संग सत्य क मारग पइ
चलत आवत हउँ।
21मोहसे जउन पिरेम करतेन ओनका मइँ धन देत हउँ,
अउर ओनकर भंडार भरि देत हउँ।

22यहोवा सबइ चिजियन क रचइ स पहिले आपन पुराने करमन स भी पहिले मोका रचेस ह।

23मोर रचना सनातन काल मँ भइ रहा। धरती क रचान स पहिले मोर रचान भइ रहा।

24जब मोरे रचना कीन्हा गवा रहा तब न तउ सागर रहा अउर न ही पानी क सोता रहेन।

25मोका पहाड़न पहाड़ियन क थिर करइ स पहिले ही जन्म दीन्ह गवा।

26धरती क रचना, या ओकर खेत या जब धरती क, धूल कण रचा गएन। ओसे पहिले मोका रचेस ह।

27जब यहोवा अकासे क कायम किहे रहा ओहसे भी पहिले मोर अस्तित्व रहा। जब यहोवा सागार क पइ छितिज रेखा खिँचे रहा ओहसे भी पहिले मोर अस्तित्व रहा।

28उ जब अकासे मँ सघन बादल टिकाए रहा, अउर गहिर सागर क पानी स भरे रहा तउ स भी मइँ हुवाँ रहा।

29जब उ समुद्दर क चउहद्दी बाँधे रहा ताकि पानी ओहसे आगे न चला जाइ मइँ हुवाँ रहा। जब उ धरती क नेंवन रखे रहा ओहेस पहिले मइँ राह।

30तब मइँ ओकरे संग कुसल सिल्पी स रहेउँ, मइँ दिन-प्रतिदिन आनन्द स पूरिपूर्ण होत चली गएउँ। ओकर समन्वा हमेसा आनन्द मनावत।

31ओकर पूरी दुनिया स मइँ आनन्दित रहेउँ। मोर खुसी समूचइ मानवता रही।

32तउ अब, मोर पूतो, मोर बात सुना। ओ धन्न अहइ जउन जन मोर राह पइ चलत हीं।

33मोर उपदेस सुना अउर बुद्धिमान बना। एनकर उपेच्छा जिन करा।

34उहइ जन धन्न अहइ, जउन मोर बात सुनत अउर रोज मोरे दुआरन पइ दृस्टि लगाए रहत एवं मोर ड्योढ़ी पइ बाट जोहत रहत ह।

35काहेकि जउन मोका पाइ लेत उहइ जिन्नगी पावत अउर उ यहोवा क अनुग्रह पावत ह।

36मुला उ जउन मोर खिलाफ पाप करत ह खूद ही चोट खावत ह उ जउन मोहे स घिना करत ह उ मउत स गले लगावत ह।"

सुबुद्धि अउर दुर्बुद्धि

9 बुद्धि आपन घर बनाएस ह। उ आपन सात खम्भन* गढ़ेन ह। 2उ आपन खइया क तइयार किहस अउर मिलावा भवा दाखरस आपन खइया क खाइ क मेजे पइ सजाइ लिहस ह। 3अउर आपन दासियन क सहर क सबन त ऊँचके जगहिया स बोलावइ क पठएस ह। 4"जउन भी नादान अहइ, किरपा कइ क हिआँ पइ आइ।" जउन मनइ क समुझ नाहीं अहइ उ ओनसे कहत ह, 5"आवइँ, मोर खइया क खाइँ, अउर मोर दाखरस पिअइँ जेका मइँ बनाएस हउँ। 6तू पचे आपन नादानी तजि द्या तउ तू जिअब्या। समुझ-बूझिके मारग पइ सिधे आगे बढ़ा।"

7जउन कउनो मसखरी करइवाले क सुधार देत ह उ अपमाने क बोलावत ह, अउर जउन कउनो दुट्ठ मनइ क डाँट फटकार करइ चोट खात ह। 8मसखरी करइवाले वाले क कबहुँ भी जिन डाँटा-फटकारा, नाहीं तउ उ पचे तू पचन स ही घिना करइ लागी। मुला अगर तू कउनो विवेकी क डाँटा-टफकारा तउ उ तू पचन स पिरेम ही करी। 9बुद्धिमान व्यक्ति क चेतावा, उ अउर जियादा बुद्धिमान होइ। कउनो नीक व्यक्ति क क सिखावा, उ आपन गियन क बृद्धि करी।

10यहोवा स डर, बुद्धि क हासिल करब क पहिला कदम बाटइ। यहोवा क गियान, समझबूझ क हासिल क पहिला कदम अहइ। 11काहेकि मोर जरिये ही तोहार उमिर बढ़ी, तोहार दिन बढ़िहीं, अउर तोहरी जिन्नगी मँ बरिस जुड़त ही जइहीं। 12"अगर तू बुद्धिमान अहा, सुदबुद्धि तोहका प्रतिफल देइ। अगर तू मसखरी करइवाले अहा, तउ तू अकेल्ले कस्ट झेलब्या।

13मूरखता अइसी मेहरारू क नाई अहइ जउन बातन बनावत ह किन्तु कछू नाहीं जानत ह। ओनके लगे गियान नाहीं अहइ। 14आपन घरे क दुआरे पइ उ बइठी रहत ही, सहर क सर्वोच्च बिंदु पइ उ आसन जमावत ह। 15उ हर एक क जउन ओकर ओर निगाह भी नाहीं करत हीं, पुकारती ह, 16"अरे नादान लोगो तू पचे भितरे चले आवा!" उ इ ओनसे कहत ह जेनके लगे सुझ-बूझ क कमी अहइ। 17"चोरी क पानी तउ मीठ-मीठ होत ह, छुपके खइया क खावा गवा भोजन, बहोतइ सुआद देत ह।"

18मुला उ पचे इ नाही जानतेन कि हुआँ मृतकन क बास होत ह अउर उ सबइ जेका उ पहिले निओता दिहस रहा अब कब्र मँ अहइँ।

सुलेमान क कहावत

10 इ सबइ सुलैमान क नीतिवचन (कहावतन) अहइ। एक बुद्धिमान पूत अपने बाप क आनन्द देत ह। मुला एकठु मूरख पूत, महतारी क दुःख देत ह।

2बुराई स कमाए भए धन क खजाना हमेसा बियर्थ रहत हीं। जबकि धार्मिकता मउत स छोड़ावत ह। सत्य क मारग हम लगन क मउत स बचावत ह।

3यहोवा कउनो भी नेक व्यक्ति क भूखा नाहीं रहइ देत ह। मुला दुट्ठ क लालसा पइ पानी फेरि देत ह।

4सुस्त हाथ मनई क दरिद्र कइ देत ह, मुला मेहनती हाथ सम्पत्ति लिआवत हीं।

5ग्रीस्मकाल मँ जउन उपज क बटोरके राखत ह, उहइ पूत बुद्धिमान अहइ; किन्तु जउन कटनी क समइ मँ सोवत ह उ पूत सर्मनाक होत ह।

6नीक लोगन क मूँड़ पइ आसीसन क मुकुट होत ह मुला दुट्ठ क मुँह हिंसा स भरा होत ह।

7नीक लोगन क यादगर आसीस होत ह, मुला दुट्ठ लोगन क नाउँ मिट जाहीं।

8उ आग्या मानी जेकर मन विवेकसील अहइ, जबकि बक्वास मूरख नस्ट होइ जाइ।

9विवेकवाला मनई सुरच्छित रहत ह, मुला टेंढ़ी चाल चलइवाले क भण्डा फूटी।

सात खम्भन प्राचीन इस्राएल मँ बहोत सारे घरन मँ चार कमरा होत रहेन जेहमा सात खम्भन छत क सहरा देइ बरे होत रहेन। इ इ दिखावत ह कि बुद्धि क लगे नीक अउर गेस घर होत रहेन।

10जउन बुरे इरादे स आँखी क इसारा करइ, तउ ओका ओहसे दुःख ही मिली। अउर बकवासी मूरख नस्ट होइ जाइ।

11धर्मी व्यक्ति क मुँह तउ जिन्नगी क सोता अहइ, मुला दुट्ठ व्यक्ति क मुँहे हिंसा स भरा पड़त ह।

12घिना वाद-विवाद क कारण अहइ। जबकि पिरेम सबइ अपराध क ढाँपि लेत ह।

13बुद्धि क निवास हमेसा समुझदार ओंठन पइ होत ह, मुला जेनमाँ नीक बुरा क बोध नाहीं होत, ओकरे पिठिया पइ डंडा होत ह।

14बुद्धिमान लोग, गियान क संचित करत रहेन, भुला मूरख क बाणी विपत्ति क बोलावत ह।

15धनिक क धन, ओनकर मजबूत किला होत, दीन क दीनता पइ ओकर बिनास अहइ।

16धर्मी मनइ क कमाई ओनका जिन्नगी प्रदान करत ह। मुला दुट्ठ मनइ आपन पाप बरे कीमत चुकावत ह।

17उ जउन अनुसासन स सीखत ह उ दूसर क जिन्नगी क मारग बरे निर्देस दे सकत ह। मुला उ जउन हिदायत क उपेच्छा करत ह अइसा मनई दूसर क भटकावा करत ह।

18जउन मनई बैर पइ परदा डाए राखत ह, उ मिथ्यवादी अहइ अउर उ जउन निन्दा फइलावत ह, मूरख अहइ।

19जियादा बोलइ स, कबहुँ पाप दूर नाहीं होत मुला जउन आपन जवान क लगाम देता ह, उहइ बुद्धिमान अहइ।

20धर्मी क वाणी विसुद्ध चाँदी अहइ, मुला दुट्ठ क हिरदय क कउनो मोल नाहीं।

21धर्मी जन क बातन चाँदी क नाई होत ह। मुला दुट्ठ मनइ क सुझाव क कउनो कीमत नाहीं होत ह।

22यहोवा क वरदान स जउन धन मिलत ह, ओकरे संग उ कउनो दुःख नाहीं जोड़त।

23बुरे आचार मँ मूरख क सुख मिलत ह, मुला एक समुझदार विवेक मँ सुख लेत ह।

24जेहसे मूरख भयभीत होत ह ओका उहइ क कस्ट झेलइ क होइ। किन्तु एक धर्मी मनइ आपन इच्छा स आसिसित कीन्ह जाइ।

25आँधी जब गुजरत ह, दुट्ठ उड़ जात हीं, मुला धर्मी लोग तउ सदा ही बिना हिले डुले खड़ा रहत हीं।

26काम पइ जउन कउनो आलसी क पठवत ह, उ बन जात ह जइसे अम्ल सिरका दाँत क खटावत ह, अउर धुआँ आँखिन क तड़पावत दुःख देत ह।

27यहोवा क भय उमिर बढ़ावत ह। मुला एक दुट्ठ मनई क उमिर तउ घट जात ह।

28धर्मी क भविस्स आनन्द-उल्लास अहइ। मुला दुट्ठ क आसा तउ बियर्थ रहि जात ह।

29इमानदार लोगन बरे यहोवा क मारग सरणस्थल अहइ; मुला जउन बुरा जन अहइँ, ओनकर इ बिनास अहइ।

30धर्मी जन क कबहुँ उखाड़ा न जाइ, मुला दुट्ठ धरती
पइ कबहुँ टिक नाहीं पाइ। 31धर्मी क मुँहे स बुद्धि क धार
बहत ह, मुला कुटिल जीभ क तउ काटिके लोकावा जाइ।

32धर्मी क ओंठ जउन उचित अहइ जानत ही, मुला दुट्ठ क मुँह बस कुटिल बातन बोलन ह।

11 यहोवा छले क तराजू स घिना करत ह, मुला ओकर आंनद सही नाप-तौल पइ अहइ।

2अभिमान क संग अपमान आवत ह, मुला नम्रता क संग विवेक आवत ह।

3इमानदार लोगन क नेकी ओनकर अगुवाई करत ह, मुला बिस्सासघाती क कपट ओनका विनास करत ह।

4जब परमेस्सर लोगन क परखत ह तउ धन बियर्थ रहत ह। इ काम नाहीं आवत ह। मुला तब नेकी लोगन क मउत स बचावत ह।

5नेकी निर्दोख जन बरे मारग सरल सोझ बनावत ह, मुला दुट्ठ जन क ओकर आपन ही दुट्ठई धूरि चटाइ देत ह।

6नेकी सज्जन लोगन क छोड़ावत ह। मुला धोकाबाज आपन ही बुरे जोजना जालि क मँ फँस जात ह।

7जब दुट्ठ मरत ह तउ ओकर बरे कउनो आसा नाही रहत ह। बुरे मनइ क आसा बियर्थ होइ जाइ।

8धर्मी जन तउ बिपत्ति स छुटकारा पाइ लेत ह, जबकि ओकरे बदले उ दुट्ठ पइ आइ पड़त ह।

9बुरे लोगन क वाणी आपन पड़ोसी क लइ बूड़त ह। मुला गियान क जरिये धर्मी जन तउ बचि निकरत ह।

10धर्मी क विकास सहर क आनन्द स भरि देत ह। जबकि दुट्ठ क नास हर्सनाद उपजावत।

11सच्चे जने क आसीस तउ सहर क ऊँच उठाइ देत ह मुला दुट्ठ क बातन खाले गिराइ देत हीं।

12अइसा मनई जेकरे लगे विवेक नाहीं होत, उ आपन पड़ोसी क अपमान करत ह, मुला समुझदार मनई चुपचाप रहत ह।

13जउन अफवाह फैलावत ह उ भेद परगट करत ह, किन्तु बिस्सासी जन भेद क छुपावत ह।

14जहाँ मारग दर्सन नाहीं, हुआँ रास्ट्र पतित होत ह, मुला बहुत सलाहकार जीत क सुनिस्चित करत हीं।

15जउन अनजाने मनइयन क जामिन बनत ह, उ निहचइ ही पीड़ा उठाइ। मुला जउन जामिन बनावइ स बचत ह उ आपन आप क सुरच्छा करत ह।

16दयालु मेहरारू तउ आदर पावत ह जबकि क्रूर मनई क लाभ सिरिफ धन अहइ।

17दयालु मनई खुद आपन भला करत ह, जबकि निर्दयी मनई खुद पइ विपत्ति लिआवत ह।

18दुट्ठ जन कपट भरी कमाई कमाता ह, मुला जउन नेकी क बोवत ह, ओका तउ सच्चा प्रतिफले क पाउब अहइ।

19उ जउन धार्मिकता मँ मजबूत अहइ लम्बी उमिर पावत ह। किन्तु जउन बुराई क अनुसरण करत ह कुसमइ मरि जात ह।

20कुटिल जनन स, यहोवा घिना करत ह मुला उ ओनसे खुस होत ह जेनका जिन्नगी स्वच्छ होत हीं।

21इ जाना निहचित अहइ कि दुट्ठ जन कबहुँ सजा स
नाहीं बचिहीं। किन्तु धर्मी जन अउर ओनकर गदेलन सजा स
बचिहीं। 22जउन नीक बुरा मँ फरक नाहीं करत, उ मेहरारू
क सुन्नरता अइसी अहइ जइसे कउनो सुअरे क थूथुन मँ
सोना क नथुनी।

23धर्मी मनई क अभिलासा क भलाई मँ अंत होत ह। मुला दुट्ठ क आसा सिरिफ किरोध मँ अंत होत ह।

24जउन उदार अजाद भाव स दान देत ह, उन्नती करिहीं। मुल उ जउन ओन चिजियन क आपन लगे रखत ह जेका देइ चाही, ओकर लगे उ नाही होइ जेन्का जरुरत ओका अहइ।

25उदार जन तउ हमेसा, फूली फली अउर जउन दूसरन क पिआस बुझाइ, ओकर तउ पिआस अपने आप ही बुझी।

26अन्न क जमाखोर लोगन क गारी खात हीं, मुला जउन ओका बेचइ क राजी होत ह ओकरे मूँड़ बरदान क मकुट स सजत ह।

27जउन भलाई पावइ क जतन करत ह उहइ जस पावत ह; मुला जउन बुराई क पाछे पड़ा रहत ओकरे तउ हथवा बुराई ही लागत ह।

28जउन कउनो आपन धने क भरोसा करत ह, झरि जाइ उ बेजीव झुरान पाते जइसा; मुला धर्मी जन नवी हरियर कोंपर स हरा-भरा ही रही।

29जउने आपन घराने पइ अपमान लिआइ ओका कछू भी नाही मिली। एक मूरख, बुद्धिमान क दास बनिके रही।

30धर्मी मनई क करम-फल "जिन्नगी क बृच्छ" अहइ, अउर जउन जन आतिमान क जीत लेत ह, उहइ बुद्धिमान अहइ।

31अगर इ धरती पइ धर्मी जन आपन उचित प्रतिफल पावत हीं, तउ फुन पापी अउ दुट्ठ जन आपन कुकरमन क केँतना फल हिआँ पइहीं।

12जउन अनुसासन स पिरेम करत ह, उ तउ गियान स
भी पिरेम करत ह। किन्तु जउन सुधार स घिना करत
ह तउ उ निरा मूरख अहइ। 2सज्जन मनई यहोवा क
किरपा पावत ह, मुला छल छछंदी क यहोवा सजा देत ह।

3दुट्ठता, कउनो जने क थिर नाही कइ सकत किन्तु धर्मी जन कबहुँ उखड़ नाही पावत ह।

4एक उत्तिम पत्नी क संग पति खुस अउर अभिमानी होत ह। किंतु उ पत्नी जउन आपन मनसेधू क लजावत ह उ ओका तने क बेरामी जइसे होत ह।

5धर्मी मनई क सबइ जोजना निआव स पूर्ण होत हीं जबकि दुट्ठ क सलाह कपट स भरी होत हीं।

6दुट्ठ क सब्द लोगन क मारइ बरे घात मँ रहत हीं। मुला सज्जन क मुहँ ओनका बचावत ह।

7जउन खोट होत हीं उखाड़ फेंका जात हीं, मुला धर्मी मनई क घराना टिका रहत ह।

8मनई आपन अच्छा बातन जउन उ बोलत ह क मुताबिक तारीफ पावत ह। मुला उ जउन मुरख अहइ ओका तुच्छ जाना जात ह।

9सामान्य मनई बनिके मेहनत करब उत्तिम अहइ एकरे कि भूखा रहिके महत्वपूर्ण मनई स सुआँग भरब।

10धर्मी मनई आपन जानाबरन तलक क धियान रखत ह; किन्तु दुट्ठ मनइ सदा ही जालिम होत ह।

11जउन अपने खेते मँ काम करत ह ओकरे लगे खाइके इफरात होइ। मुला जउन बियर्थ बिचारन क पाछा करत ह ओकरे लगे विवेक क अभाव रहत ह।

12दुट्ठ जन बुरे जोजना क इच्छा करत ह। मुला धर्मी जन क जड़ फल लावत ह।

13पापी मनई क ओकर आपन ही सब्द ओका जाल मँ फँसाइ लेत ह। किंतु खरा मनई बिपत्ति स बच निकरत ह।

14आपन अच्छी बातन स जउन उ कहत ह मनइ अच्छा प्रतिफल पावत ह। इहइ तरह स एक मनइ आपन कार्य क अनुसार लाभ पावत ह।

15मूरख क आपन मारग ठीक जान पड़त ह, मुला बुद्धिमान मनई सम्मति सुनत ह।

16मूरख जन आपन झुँझलाहट झटपट देखावत ह मुला बुद्धिमान अपमान क उपेच्छा करत ह।

17फुरइ स पूर्ण गवाह खरी गवाही देत ह, मुला लबार साच्छी झूठी बातन बनावत ह।

18बिन बिचारे वाणी तरवार स छेदत, मुला विवेकी क वाणी घावन क भरत ह।

19फुरइ स भरी वाणी हमेसा हमेसा टिकी रहत ह, मुला झूठी जीभ बस छिन भर क टिकत ह।

20ओनके मने मँ छल-कपट भरा रहत ह, जउन कुचक्रे स भरी जोजना रचत हीं। मुला जउन सान्ति क बढ़ावा देत हीं, आनन्द पावत हीं।

21धर्मी जने पइ कबहुँ विपत्ति नाही पड़ी, मुला दुट्ठन क तउ विपत्तियन घेरिहीं।

22अइसे ओंठन क यहोवा घिना करत ह जउन झूठ बोलत हीं; मुला ओन लोगन स जउन सच स पूर्ण अहइँ, उ खुस रहत ह।

23गियानी जियादा बोलत नाही ह, चुप रहत ह मुला मूरख जियादा बोलिके आपन अगियानी क देखावत ह।

24मेहनती हाथ तउ सासन करिहीं, मुला आलस क परिणाम बेगार होइ।

25चिंता स भरा मन मनई क दबोच लेत ह। किंतु सुभ समाचार ओका हर्स स भरि देत ही।

26धर्मी मनई आपन पड़ोसी क मार्गदर्सन करत ह। मुला दुट्ठन क चाल ओनहीं क भटकावत ह।

27आलसी मनई आपन आलस क कारण आपन काम पूरा नाही कर सकत ह। मुला एक मेहनती मनइ आपन सखत मेहनत स धन दोलत पावत ह।

28नेकी क मारग मँ जिन्नगी रहत ह, अउर उ राहे क किनारे अमरता बसत ह।

13समुझदार पूत आपन बाप क सिच्छा पइ कान देत
ह। मुला बिद्रोह पूत झिड़की पइ भी धियान नाही देत
ह। 2सज्जन आपन वाणी क सुफल क आनंद लेत हीं मुला
दुर्जन तउ सदा हिंसा चाहत ह।

3जउन आपन वाणी क बरे चौकस रहत ह, उ आपन जिन्नगी क रच्छा करत ह। पर जउन गाल बजावत रहत ह, आपन बिनास क पावत ह।

4आलसी मनइ चिजियन क लालसा करत ह पर कछू नाहीं पावत, मुला एक ठू परिस्त्रमी क जेतनी भी इच्छी अहइ, पूर्ण होइ जात ह।

5धर्मी मनई ओहसे घिना करत ह, जउन झूठ अहइ जबकि दुट्ठ लज्जा अउ अपमान लिआवत हीं।

6सच्चरित्र मनई क रच्छा करइवाली नेकी अहइ; जबकि दुट्ठता पापी मनइयन क नास करत ह।

7एक ठु मनई जउन धन क देखावा करत ह, किंतु
ओकरे लगे कछु भी नाहीं होत ह। किन्तु एक दूसर जउन
गरीबी क जिन्नगी गुजारत ह ओकरे लगे बहोत धन होत
ह। 8धनवान क आपन जिन्नगी बचावइ ओकर धन फिरौती
मँ लगावइ पड़ी मुला दीन जन कउनो धमकी क भय स
अजाद अहइ।

9धर्मी मनई क जिन्नगी प्रकास क नाईं चमचमात ह। किंतु दुट्ठ मनई क दिया बुझाइ दीन्ह जात ह।

10अहंकार सिरिफ झगड़न क पनपावत ह। मुला विवेक उ अहइ जउन दूसर क राय क मानत ह।

11बेइमानी क धन यूँ ही धूरि होइ जाता ह मुला जउन परिस्रम कइके धन संचित करत ह, ओकर धन बाढ़त ह।

12जदि कउनो आसा नाही होइ तउ मन उदास होइ जात ह, मुला कामना क पूर्ति खुसी देत ह।

13जउन जन सिच्छा क निरादर करत ह, ओका एकर कीमत चुकावइ क पड़ी। मुला जउन सिच्छा क आदर करत ह, उ तउ एकर प्रतिफल पावत ह।

14विवेक क सिच्छा जिन्नगी क उद्गम सोता बाटइ, उ लोगन क मउत क फंदे स बचावत ह।

15उ जउन अच्छा समुझ बूझ रखत ह खियाती अर्जित करत ह, पर विस्सासघात सिरफ विस्साघात ही लावत ह।

16हर एक विवेकी गियान क साथ काम करत ह, मुला एक मूरख आपन बेवकूफी परगट करत ह।

17दुट्ठ सन्देसवाहक बिपत्ति मँ पड़त ह, मुला बिस्सास क जोग्ग दूत सांति देत ह।

18अइसा मनई जउन सिच्छा क उपेच्छा करत ह, ओह पइ लज्जा अउ गरीबी आइ पड़त ह। मुला जउन डाँट फटकार पइ कान देत ह, उ महत्व वाला मनइ होइ जाइ।

19कउनो इच्छा क पूर होइ जाब मने क मधुर लागत ह। किन्तु मूरखन क बुरा क तजब नाहीं भावत ह।

20बुद्धिमान क संगति, मनई क बुद्धिमान बनावत ह। किंतु मूरखन क साथी नस्ट होइ जात ह।

21दुर्भाग्य पापियन क पाछा करत रहत ह; किंतु धर्मियन प्रतिफले मँ खुसहाली पावत ही।

22सज्जन आपन नाती-पोतन क धन सम्पत्ति छोड़तह जबकि पापी क धन धर्मियन क खातिर संचित होत रहत ह।

23दीन जन क खेत भरपूर फसल देत ह, मुला अनिआव ओका बुहार लइ जात ह।

24जउन आपन पूते क कबहुँ नाहीं दण्डित करत, उ आपन पूत क दुसमन अहइ। मुला जउन आपन पूत स पिरेम करत ह तउ उ ओका अनुसासन मँ राखत ह।

25धर्मी जन, मने स खात अउर पूरी तरह तृप्त होत हीं किन्तु दुट्ठ क पास प्रयाप्त भोजन नाही होत ह।

14 बुद्धिमान मेहरारू आपन घर बनावत ह; मुला
मूरख मेहरारू आपन ही हाथन स आपन घर उजाड़
देत ह। 2उ लोग जउन सच्ची राह पइ चलत ह आदर क
संग उ यहोवा स डेरात ह। मुला ओकर जेका राह टेढ़ी
अहइ उ यहोवा स घिना करत ह।

3मूरख क बातन ओकरे बरे मुसीबत लावत ह। किंतु बुद्धिमानन क वाणी ओकर रच्छा करत ह।

4जहाँ बर्धा नाहीं होतेन, खरिहान खाली रहत हीं, बर्धा क बल पइ ही भरपूर फसल होत ह।

5एक सच्चा साच्छी कबहुँ नाहीं छलत ह मुला झूठा गवाह, झूठ उगलत रहत ह।

6एक अनुसासनहीन मनइ बुद्धि तलास करत ह किन्तु एका नाहीं पावत ह। मुला जउन सिखइ क इच्छा करत ह आसानी स गियान पावत ह।

7मूरख क संगत स दूरी बनाए राखा, काहेकि ओकरी वाणी मँ तू गियान नाहीं पउब्या।

8गियानी जनन क गियान इहइ मँ अहइ कि उ पचे आपन राहन क चिंतन करइँ। किन्तु मूरखन आपन मूरखता स धोका खात ह।

9एक मूरख आपन कीन्ह भवा बुरा करम क दण्ड पइ जेका ओका देइ होइ हसँत ह। किन्तु एक बुद्धि मान मनइ छमा पावइ क जतन करत ह।

10हर मन आपन निजी पीड़ा क जानत ह, अउर ओकर दु:ख कउनो नाहीं बाँटि पावत ह।

11दुट्ठ क इमारत क ढहाइ दीन्ह जाइ, मुला सज्जन क डेरा फूली फली।

12अइसी ही राह होत ह जउन मनई क उचित जान पड़त ह; मुला परिणाम मँ उ मउत क लइ जात ह।

13हँसत भए भी हिरदय रोवत रहि सकत ह, अउर आनन्द दु:खे मँ बदल सकत ह।

14बिस्सासहीन क, आपन कुमार्गन क फल भोगइ क पड़ी; अउर सज्जन सुमार्गन क प्रतिफल पाइ।

15एक नादान सब कछू क बिस्सास कइ लेत ह। मुला विवेकी जन सोच-समुझिके गोड़ धरत ह।

16बुद्धिमान मनई सचेत रहत ह अउर आपन क पापे स दूर रखत ह। मुला मूरख मनई लापरवाह होत ह अउर अतिबिस्सास रखत ह।

17अइसा मनई जेका हाली किरोध आवत ह, उ मूरखता स भरा काम कइ जात ह अउर उ मनई छल-छंदी होत ह उ तउ सब ही क पावत ह

18एक नादान जन क बस मूरखता मिल पावत ह मुला एक बुद्धिमान मनइ क सिरे पइ गियान क मकुट होत ह।

19दुर्जन नीक लोगन क समन्वा सिर निहुरइहीं, अउर दुट्ठ मनइ इमानदार लोगन क जरिए हराइ जाइ।

20गरीब क ओकर पड़ोसी भी दूर राखत हीं; मुला धनी जन क मीत बहोत होत हीं।

21जउन आपन पड़ोसी क तुच्छ मानत ह उ पाप करत ह मुला जउन गरीबन पइ दाया करत ह उ जन धन्न अहइ।

22अइसे मनइयन जउन सडयंत्र रचत हीं का गलती नाही करत हीं? मुला जउन भली जोजना रचत हीं, उ तउ पिरेम अउर बिस्सास पावत हीं।

23मेहनत क प्रतिफल मिलत हीं; मुला कोरा बकवास बस दीनता लावत ह।

24विवेकी क प्रतिफले मँ धन मिलत ह; पर मूरखन क प्रतिफले मँ सिरिफ मूरखता मिलत ह।

25एक सच्चा गवाह अनेक जिन्नगी बचावत ह। पर झूठा गवाह, तबाही लावत ह।

26अइसा मनई जउन परमेस्सर स डेरात ह, उ परमेस्सर म सुरच्छित जगह पावत ह। अउर हुवँइ ओनके गदेलन क भी सरण मिलत ह।

27यहोवा क भय जिन्नगी क सोता होत ह, उ मनई क मउत क फंदे स बचावत ह।

28विस्तृत बिसाल परजा राजा क महिमा अहइ, मुला परजा बिना राजा नस्ट होइ जात ह।

29धीरज स पूर मनई बहोतइ समुझ-बूझ राखत ह। मुला अइसा मनई जेका हाली स किरोध आवइ उ तउ आपन ही बेवकूफी देखावत ह।

30सान्त मन तने क जिन्नगी देत ह मुला जलन हाड़न तलक नास कइ देत ह।

31जउन गरीब क सतावत ह, उ तउ सबक सिरजनहार क अपमान करत ह। मुला उ तउ कउनो गरीब पइ दयालु रहत ह, उ परमेस्सर क आदर करत ह।

32जब विनास आवत ह तउ दुट्ठ मनइ तबाह होइ जाइ; मुला धर्मी जन तउ मउत मँ भी सुरच्छित स्थान पइ रहत ह।

33बुद्धिमान क हिरदय मँ बुद्धि क निवास होत ह, अउर मूरखन क बीच भी उ आपन क जनावत ह।

34नेकी स रास्ट्र क उत्थान होत ह; मुला पाप हर जाति क कलंक होत ह।

35विवेकी सेवक, राजा क खुसी अहइ, मुला उ सेवक जउन मूरख होत ह उ ओकर किरोध जगावत ह।

15 कोमल जवाबे स किरोध सांत होत ह; किन्तु कठोर वचन किरोध क भड़कावत ह।

2जब कउनो बुद्धिमान बोलत ह तउ दूसर ओका सुनइ चाहत ह, मुला मूरख क मुँह बेवकूफी उगलत ह।

3यहोवा क आँखी हर कहूँ लगी भई अहइ। उ नीक-बुरे क देखत रहत ह।

4दयावाली बात जिन्नगी क बृच्छ क नाईं अहइ। मुला कपट स भरी वाणी मने क तोड़ देत ह।

5मूरख आपन बाप क डाँट फटकार क तिरस्कार करत ह। मुला जउन डाँट फटकार पइ कान देत ह बुद्धिमान होत ह।

6धर्मिन क घरे मँ बहोत सारा चिज रहत ह। दुट्ठ क कमाई ओह पइ मुसिबत लिआवत ह।

7बुद्धिमान क वाणी गियान फइलावत ह, मुला मूरखन क मन अइसा नाहीं करत ह।

8यहोवा दुट्ठ क चढ़ावा स घिना करत ह मुला ओका सज्जन क पराथन ही खुस कइ देत ह।

9दुट्ठन क राहन स यहोवा घिना करत ह। मुला जउन धार्मिकता क राहे पइ चलत हीं, ओनसे उ पिरेम करत ह।

10ओकरी प्रतीच्छा मँ कठोर दण्ड रहत ह जउन राहे स भटक जात, अउर जउन सुधार स घिना करत ह, उ निहचय मरि जात ह।

11जबकि यहोवा क समन्वा मउत अउ बिनासे क रहस्य खुला पड़ा अहइँ। तउ निहचित रूप स उ लोगन क हिरदयन क बारे मँ बहोत जियादा जानत ह।

12उ व्यक्ति जउन डाँट फटकार करइवालन क मजाक उड़ावत ह, उ विवेकी स परामर्स नाहीं लेत।

13मने क खुसी मुँह क चमकावत, मुला मने क दर्द आतिमा क कुचरि देत ह।

14जउने मने क नीक-बुरा क बोध होत ह उ तउ गियान
क खोज मँ रहत ह मुला मूरख क मन, मूरखता पइ लागत
ह। 15गरीब व्यक्ति बरे हर एक दिन बुरा अहइ, किन्तु
आनन्दित हिरदय बरे हर एक दिन उत्सव क नाईं अहइ।

16बेचैनी क संग प्रचुर धन उत्तिम नाहीं, यहोवा भय मानत रहइ स तनिक भी धन उत्तिम अहइ।

17घिना क संग जियादा खइया स, पिरेम क संग थोड़ा भोजन उत्तिम अहइ।

18किरोधी जन वाद-विवाद भड़कावत ह। जबकि सहइवाला मनई वाद-बिवाद क सुलझावत ह।

19आलसी क राह काँटन स रूँधी रहत हीं, जबकि सज्जन क मारग राजमार्ग होत ह।

20विवेकी पूत अपने बाप क खुस करत ह, मुला मूरख मनई अपनी महतारी स घिना करत ह।

21निर्बुद्धि मनई सोचत ह कि मूरखता मजाक अहइ। मुला समुझदार मनई सोझ राह चलत ह।

22बिना परामर्स क जोजना बिफल होत हीं। किंतु एक मनई अनेक सलाहकारन क परामर्स स सफल होत ही।

23मनई उचित जवाब देइ स खुस होत ह। जइसा उचित होइ समय क बचन केतना उत्तिम अहइ।

24बुद्धिमान जन क मारग ओका ऊँच स ऊँच लइ जात ह, अउर ओका मउत क गड़हा मँ गिरइ स बचा रहइ।

25यहोवा अभिमानी क घरे क छिन्न-भिन्न करत ह। मुला उ गरीब राँड़ क भुइयाँ क देखरेख करत ह।

26दुट्ठन क जोजना स यहोवा क घिना अहइ। पर सज्जनन क जोजना ओका हमेसा भावत हीं।

27लालची मनई अपने घराने पइ हमेसा बदनामी लिआवत ह मुला उहइ सांति स जिअत रहत ह जउन जन-घूस स घिना भाव राखत ह।

28धर्मी जन बोलइ स पहिले सोचत ह। मुला दुट्ठ जन बेसोचे समुझे बियर्थ बातन बोलत ह।

29यहोवा दुट्ठन स दूर रहत ह, बहोत दूर; मुला उ धर्मी क पराथना सुनत ह।

30आंनद स भरी आँखी क चमक मने क हर्सित करत ह, नीक खबर हाड़न तलक ताकत पहोंचावत ह।

31जउन जीवनदायी डाँट सुनत ह, उहइ बुद्धिमान जनन क बीच चैन स रही।

32अइसा मनई जउन अनुसासन क उपेच्छा करत, उ तउ आपन जिन्नगी क ही रद्द करत ह। मुला जउन सुधार पइ धियान देत ह समुझ-बूझ पावत ह।

33यहोवा क भय लोगन क गियान सिखावत ह। आदर पावइ स पहिले नम्रता आवत ह।

16 मनई तउ आपन जोजना क बनावत ह, मुला ओनका यहोवा ही कारज क रूप देत ह।

2मनई क आपन राहन पाप रहित लागत ही; मुला यहोवा ओकरी नियत क परखत ह।

3जउन कछू तू यहोवा क समर्पण करत अहा तोहार सारी
जोजनन सफल होइहीं।
4यहोवा हर एक चिजियन बरे जोजना बनाएस ह, अउर
आपन जोजना क मुताबिक दुट्ठन क नास कीन्ह जाब।
5जेनके मने मँ अहंकार भरा भवा अहइ, ओनसे यहोवा
घिना करत ह। एका तू सुनिहचित जाना, कि उ पचे बगैर
सजा पाए नाहीं बचिहीं।
6वफादारी अउर सच्चाइ स अपराध क खतम किया जा
सकत ह। यहोवा क आदर करइ स तू बुराइ स बचब्या।
7यहोवा क जब मनई क राहन भावत हीं, उ ओकरे
दुस्मनन क भी संग सान्ति स रहइ क मीत बनाइ देत ह।
8अनिआव स मिले जियादा क अपेच्छा, नेकी क संग
तनिक मिलब ही उत्तिम अहइ।
9मने मँ मनई निज राहन रचत ह, मुला यहोवा ओकरे
गोड़न क सुनिहचित करत ह।
10राजा जउन बोलत ह नेम बन जात ह। ओका चाही उ
निआव स नाहीं चूकइ।
11यहोवा चाहत ह कि सबइ तराजू अउ बाट खरा होइ।
उ चाहत ह कि सबइ व्यापारिक कारोबार निस्पच्छ होइ।
12विवेकी राजा, बुरे करमन स घिना करत ह काहेकि
नेकी पइ ही सिंहासन टिकत ह।
13राजा लोगन क निआव स भरी वाणी पसन्द करइ
चाही। जउन जन फुरइ बोलत ह, उ पचन्क ओका सम्मान
देइ चाइही। 14राजा क कोप मउत क दूत होत ह मुला
गियानी जन स ही उ सांत होइ।
15राजा जब खुस होत ह तब सबइ क जिन्नगी उत्तिम
होत ह, अगर राजा तोहसे खुस अहइ तउ उ बसंत ऋतु क
बर्खा जइसी अहइ।
16विवेक सोना स जियादा उत्तिम अहइ, अउर समुझबूझ
पाउब चाँदी स उत्तिम अहइ।
17सज्जन लोगन क राह बदी स दूर रहत ह। जउन
आपन राहे क चौकस करत ह, उ आपन जिन्नगी क
रखवारी करत ह।
18नास आवइ स पहिले अहंकार आइ जात ह; अउ पतन
स पहिले अहंकारी आवत ह।
19स्वाभिमानी लोगन क संग लूटक सम्पत्ति बाँट लेइ स,
दीन अउ गरीब लोगन क संग विनम्र रहब उत्तिम अहइ।
20जउन भी आपन कारोबार म अच्छा अहइ उ फूली-फली।
अउर जेकर भरोसा यहोवा पइ अहइ उहइ धन्न अहइ।
21बुद्धिमान मनवाला विवेक कहवावत हीं। अउर उ
व्यक्ति जउन सवधानी स सब्दन क चुनत ह उ जियादा
बिस्सास जोग्ग होत ह।
22जेनके लगे समुझबूझ अहइ, ओनके बरे समुझबूझ
जिन्नगी सोता होत ह, मुला मूरखन क मूढ़ता ओनका सजा
दिआवत ह।
23बुद्धिमान क हिरदय आपन वाणी क अनुसासन मँ धरत
ह; अउर बिस्सास जोग्ग सब्दन क जाड़त ह।
24मन क भावइ वाली वाणी सहद जइसी होत ह।
ओनका सरलता स ग्रहण किया जात ह अउर तोहार
स्वास्थ्य बरे नीक होत ह।
25मारग अइसा भी होत ह जउन उचित जान पड़त ह,
मुला परिणाम मँ उ मउत क जात ह।
26काम करइवाला क भूखे स भरी सबइ इच्छा ओहसे
काम करवावत रहत हीं। इ भूख ही ओका अगवा ढकेलत
ह।
27बुरा मनई सडयंत्र रचत ह, अउर ओकर वाणी अइसी
होत ह जइसी झुरसत आगी।
28उत्पाती मनई बात-विवाद भड़कावत ह। अउर कानाफूसी
करइ वाला निचके क मीतन क फोड़ देत ह।
29आपन पड़ोसी क उ हिसंक फँसाइ लेत ह अउर
कुमारग पइ ओका हींच लइ जात ह।
30जब भी मनई आँखी स इसारा कइके योजनन क रचत
रहत ह उ बिनासकारी ह। जब पड़ोसी क चोट पहुचावइ बरे
जोजना रच लेत ह तउ उ हसँत ह।
31सफेद बार महिमा मुकुट होत हीं जउन धर्मी जिन्नगी स
मिलत हीं।
32धरि जन कउनो जोधा स भी उत्तिम अहइँ, अउर जउन
किरोध पइ नियंत्रण धरत ह, उ अइसे मनई स उत्तिम होत
ह, जउन पूरे सहर क जीत लेत ह।
33पासा तउ झोरी मँ डाइ दीन्ह जात ह, मुला ओकर हर
फैसला यहोवा ही करत ह।

17 झंझट झमेला भरे घरे क दावत स चैन अउ सान्ति
क सूखी रोटी क टूका खाउब उत्तिम अहइ।
2बुद्धिमान दास एक अइसे पूत पइ सासन करी जउन घरे
बरे सर्मनाक होत ह। बुद्धिमान दास उ पूत क जइसा ही
बसीयत पावइ मँ सहभागी होइ।
3जइसे चाँदी अउ सोना क आगी मँ डाइ क सुद्ध कीन्ह
जात ह वइसे ही यहोवा लोगन क हिरदय क परखत सोधत
ह 4दुट्ठ जन, दुट्ठ क वाणी क सुनत ह, लबार बैर भरी
वाणी पइ धियान देत ह।
5अइसा मनई जउन गरीब क हँसी उड़ावत ह, उ ओकरे
सिरजनहार क अपमान करत ह। अउर उ जउन कउनो दूसर
क समस्या पइ खुस होत ह सजा झेलब्या।
6नाती-पोतन बृद्ध जन क मकुट होत हीं, अउर महतारी-बाप
ओनके लरिकन क मान अहइँ।
7मूरख बरे जियादा बोलब उत्तिम नाहीं अहइ वइसे ही
सासक क झूठ बोलब केतना बुरा होइ!
8घूस देइवाले क घूस महामंत्र जइसे लागत ह, जेहसे उ
जहाँ भी जाइ, सफल ही होइ जाइ।
9जदि कउनो मनइ कउनो क जउन ओकर बुरा किहस ह
छमा कइ देत ह तउ उ पचे दोस्त होइ सकत ह। किन्तु उ
मनइ जउन छमा करत ह उ लगातार दूसर क गलती क
याद करत ह तउ ओनकर दोस्ती टूट जात ह।
10विवेकी क धमकाउब ओतना प्रभावित करत ह; जेतना
मूरखन क सौ-सौ कोड़न भी नाहीं करतेन।
11दुट्ठ जन तउ बस हमेसा विद्रोह करत रहत ही; ओकरे
बरे दाया स हीन अधिकारी पठवा जाइ।
12आपन बेवकूफी मँ चूर कउनो मूरख स मिलइ स
अच्छा बाटइ, कि उ रीछिन स मिलब जेहसे ओकर बच्चन
क छीन लीन्ह गवा होइ।

13भलाई क बदले मँ अगर कउनो बुराई करइ तउ ओकरे घरे क बुराई नाहीं तजी।

14झगड़ा सुरू करब अइसा अहइ जइसे बाँध क टूटब अहइ, तउ, एकरे पहिले कि तकरार सुरू होइ जाइ बात खतम करा।

15यहोवा एन दुइनउँ ही बातन स घिना करत ह, दोखी क छोड़ब, अउर निर्दोख क सजा देब।

16मूरख क हाथन मँ धने क का प्रयोजन। काहेकि, ओका चाह नाहीं कि बुद्धि क मोल लेइ।

17मीत तउ सदा-सर्वदा पिरेम करत ह। एक सच्चा भाइ बुरे दिनन मँ साहयता करत ह।

18विवेकहीन जन ही किरिया स हाथ बँधाइ लेत अउर आपन पड़ोसी क ऋृण ओढ़ लेत ह।

19जेका लड़ाई - झगड़ा भावत ह, उ तउ सिरिफ पापे स पिरेम करत ह अउर जउन डीग हाँकत रहत ह उ तउ आपन ही नास बोलावत ह।

20कुटिल हिरदय जन कबहुँ फूलत फलत नाहीं अउर जेकर वाणी छली भइ अहइ, विपद मँ गिरत ह।

21मूरख पूत बाप बरे पीरा लिआवत ह, मूरख क बाप क कबहुँ आनंद नाहीं होत।

22खुस रहब सब स बड़की दवा अहइ, मुला बुझा मन हाड़न क झुराइ देत ह।

23दुट्ठ मनई, निआव क गलत उपयोग करइ बरे एकांत मँ घूस लेत ह।

24बुद्धिमान जन बुद्धि क समन्वा धरत ह, मुला मूरख क आँखिन धरती क छोरन तलक भटकत हीं।

25मूरख पूत बाप क तेज ब्यथा देत ह, अउर महतारी बरे जउन ओका जनम दिहस, कड़ुवाहट भरि देत ह।

26कउनो निर्दोख क दण्ड देब उचित नाहीं, ईमानदार नेता क पीटब नीक नाहीं अहइ।

27गियानी जन खामूस रहत ही, समुझ-बूझ वाला जन आपन पइ काबू राखत ह।

28मूरख भी जब तलक नाहीं बोलत नीक लागत ह। अउर अगर आपन वाणी रोकइ तउ गियानी जाना जात ह।

18 कछू मनई आपन इच्छा क अनुसार काम करत ही। जदि दूसर कउनो ओनका सलाह देत ह तउ उ कोहान जात ह।

2मूरख जन दूसर स सीखइ मँ खुस नाही होत ह। उ जउन कछू सोचत ह उहइ बोलत मँ खुस होत ह।

3लोग दुट्ठ व्यक्ति क नाही चाहवत ह। लोग मूरख लोग क मजाक उड़ावत ह।

4बुद्धिमान क सब्द गहिर जल क नाईं होत हीं, उ पचे बुद्धि क सोता स उछरत भए आवत हीं।

5दुट्ठ जन क पच्छ लेब अउर निर्दोख क निआव स वंचित राखब उचित नाही होत।

6मूरख क होठंन बात-विबाद क जनम देत ह अउर आपन मुँह क कारण उ पिटा जात ह।

7मूरख क मुँह ओकरे कामे क बिगाड़ देत ह अउर ओकर आपन ही होंठन क जाले मँ ओकर परान फँसि जात ह।

8लोग हमेसा गपसप सुनइ चाहत ही। इ उत्तिम भोजन क नाईं अहइ जउन पेट क भीतर उतरत चला जात ह।

9जउन अपन काम मंद गति स करत ह, उ ओकर भाई अहइ, जउन विनास करत ह।

10यहोवा क नाउँ एक सुदृढ़ गढ़ क नाईं अहइ। उ कइँती धर्मी जन दौड़ जात हीं अउर सुरच्छित रहत हीं।

11धनिक समुझत ही कि ओनकर धन ओनका बचाइ लेइ उ पचे समुझत हीं कि उ एक सुरच्छित किला अहइ।

12पतन स पहिले मन अंहकारी बन जात ह, मुला सम्मान स पूर्व विनम्रता आवत ह।

13बात क बिना सुने ही, जउन जवाब मँ बोल पड़त ह, उ ओकर बेवकूफी अउ ओकर अपजस अहइ।

14मनई क मन ओका बियाधि मँ थामे राखत ह; मुला टूटे हिरदय क भला कउनो कइसे थामइ।

15बुद्धिमाान क मन गियान क पावत ह, बुद्धिमान क कान एका खोज लेत हीं।

16उपहार देइवाले क मारग उपहार खोलत ह अउर ओका महापुरुसन क समन्वा पहोंचाइ देत ह।

17पहिले जउन बोलत ह ठीक ही लागत ह मुला बस तब तलक ही जब तलक दूसर ओहसे सवाल नाहीं करत ह।

18अगर दुइ बरिआर आपुस मँ झगड़त होइँ, उत्तिम अहइ कि ओनके झगड़न क पाँसा बहाइके निपटाउब।

19रूठे भए बन्धु क मनाउब कउनो गढ़ वाला सहर क जीत लेइसे जियादा कठिन अहइ। अउर आपुसी झगड़न अइसे होत ही जइसे गढ़ी क मुँदे दुआर होत हीं।

20मनई क पेट ओकरे मुँहे क फले स ही भरत ह, ओकरे होंठन क खेती क प्रतिफल ओका मिलत ह।

21जीभ क वाणी जिन्नगी अउर मउत क सक्ती रखत ह। अउर जउन वाणी स पिरेम राखत हीं, उ पचे ओकर फल स आनन्दित होत हीं।

22जेका नीक पत्नी मिली अहइ, उ उत्तिम पदार्थ पाएस ह। ओका यहोवा क अनुग्रह मिलत ह।

23गरीब जन तउ दाया क माँग करत ह, मुला धनी जन तउ कठोर जवाब देत ह।

24बहोत सारे मीतन क संगत तबाही लाइ सकत ह। किंतु आपन घनिष्ठ मीत भाई स भी उत्तिम होइ सकत ह।

19 उ गरीब मनइ ओन व्यक्ति स बेहतर अहइ जउन झूट बोलत ह अउ मूरख अहइ।

2बिना गियान क उत्साह राखब नीक नाहीं अहइ एहसे उतावली मँ गलती होइ जात ह।

3मनई आपन बेवकूफी स आपन जिन्नगी बिगाड़ लेत ह, मुला उ यहोवा क दोखी ठहरावत ह।

4धन स बहोत सारे मीत बन जात हीं, मुला गरीब जन क ओकर मीत भी तजि जात ह।

5लबार गवाह बगैर सजा पाए नाहीं बची अउर जउन झूठ उगलत रहत ह, छूटइ नाहीं पाई।

6बहोत स लोग सासक क खुस करइ क जतन करत ह अउर हर एक मनइ ओकर मीत बन जावा चाहत हीं, जउन उपहार देत रहत ह।

7निर्धन क सब संबंधी ओहसे कतरात हीं। ओकर मीत ओहसे केतना बचत फिरत हीं, जदपि उ ओन लोगन स मदद बरे बिनती करत हीं तउ पइ भी उ पचे ओकर लगे नाहीं जाइहीं।

8जउन गियान पावत ह उ आपन प्राण स ही प्रीति राखत ह, उ जउन समुझ-बूझ बढ़ावत रहत ह फलत अउर फूलत ह।

9लबार गवाह सजा पाए बिना नाहीं बची, अउर उ, जउन झूठ उगलत रहत ह, ध्वस्त होइ जाइल।

10मूरख धनी नाहीं बनइ चाही। उ अइसे होइ जइसे कउनो दास युवराजन पइ राज करइ।

11बुद्धिमान मनइ सदा साँत रहत ह। जब उ ओन लोगन क छिमा करत ह जउन ओकरे खिलाफ होइँ, तउ ओकर सम्मान अउर भी बढ़ जात ह।

12राजा क किरोध सेर क दहाड़ जइसा अहइ, मुला ओकर कृपा घास पइ ओसे क बूँद स होत ह।

13मूरख पूत आपन बाप बरे बिनासे क लावत ह। अउर एक झगरालू पत्नी हमेसा टपकइ वाला पानी क नाईं अहइ।

14भवन अउ धन-दौलत महतारी बाप स विरासत मँ मिल जात ह। मुला बुद्धिमान पत्नी यहोवा क ओर स धन्न अहइ।

15आलस गहिर घोर नींद देत ह; मुला उ आलसी भूखा मरत ह।

16अइसा मनई जउन आदेसन पइ चलत ह उ आपन जिन्नगी क रच्छा करत ह। मुला जउन आदेसन क उपेच्छा करत ह उ निहचय ही मउत अपनावत ह।

17गरीब पइ किरपा देखाउब यहोवा क उधार देब अहइ, यहोवा ओका, ओकरे इ कामे क प्रतिफल देइ।

18तू आपन पूत क अनुसासित करा अउर ओका सजा द्या, जब उ अनुचित होइ। बस इहइ आसा अहइ। अगर तू अइसा करइ क मना करा, तब तउ तू ओकरे बिनासे मँ ओकर सहायक बनत अहा।

19अगर कउनो मनई क तुरंत किरोध आवइ, ओका एकर कीमत चुकावइ क होइ। अगर तू ओकर रच्छा करत अहा, तउ केतनी ही बार तोहे ओका बचावइ क होइ।

20सुमति पइ धियान द्या अउर सुधार क अपनाइ ल्या तू जेहसे आखीर मँ तू बुद्धिमान बन जा।

21मनई अपने मने मँ का का करइ क सोचत ह; किंतु यहोवा क जोजना पूरा होत ह।

22लोग चाहत हीं मनई बिस्सास जोग्ग अउ सच्चा होइ। एह बरे गरीबी मँ बिस्सास क जोग्ग अउ सच्चा बनके रहब उचित अहइ अइसा मनई स जउन झूटा अउर धनी अहइ।

23यहोवा क भय सच्ची जिन्नगी क राह देखावत ह, एहसे मनई सान्ति पावत ह अउर कस्ट स बचत ह।

24एक आलसी आपन हाथ थारी मँ डालत ह मुला उ ओका मुँहे तलक उठावइ मँ बहोत सुस्ती क अनुभव करत ह।

25ठट्ठा करइवाला मनई क मारा ताकि एक साधारन जन आहसे सीख पाइ। मामूली डाँट डपट ही एक बुद्धिमान मनई बरे काफी होत ह।

26अइसा पूत जउन निन्दा क जोग्ग करम करत ह घरे क अपमान होत ह; उ अइसा होत ह जइसे पूत कउनो आपन बाप स छोरइ अउर घरे स असहाय महतारी क निकारि बाहेर करइ।

27हे मोर पूत अगर अनुसासन पइ धियान देब तजि देब्या, तउ तू गियान क बचनन स भटक जाब्या।

28भ्रस्ट गवाह निआव क सम्मान नाहीं देत ह। अउर दुस्ट क मुँह बुराई क भस्म कर देत ह।

29उ जउन सम्मान नाहीं देत ह सजा पाइ, अउर मूरख जन क पीठ कोड़न खाइ।

20 सराब अउ दाखरस लोगन क काबू मँ नाहीं रहइ देतेन। उ ओनका हल्ला करइवाला अउर सेरवी जतावइ वाला बनावत ह। अउर उ जउन मदमसत होइ जात ह मूरखता क कार्य करत ह।

2राजा क किरोध सेर क दहाड़ क सम्मान होत ह, जउन ओका किरोधित करत ह, प्राण स हाथ धोवत ह।

3झगड़न स दूर रहब मनई क आदर अहइ। मुला मूरख जन तउ सदा झगड़ा करइ बरे तइयार रहत ह।

4मौसम आवइ पइ अदूरदर्सी आलसी हर नाहीं डावत ह, तउ कटनी क समइ उ ताकत रहि जात ह अउर कछू भी नाहीं पावत ह।

5व्यक्ति क सोच गहिर पानी क नाईं होत ह। किंतु समुझदार मनई ओनका बाहेर हींच लेत ह।

6लोग आपन बिस्सास जोग्गता क बहोत ढोल पीटत हीं। मुला बिस्सास क जोग्ग जन क कउन खोज सकत ह?

7धर्मी जन बेकलके क जिन्नगी जिअत ह ओकरे पाछे आवइवाली संतानन धन्न अहइँ।

8जब राजा निआव क सिंहासने पइ विराजत भवा आपन दृस्टि माय स बुराई क फटकि के छाँटत हइ।

9कउन कहि सकत ह, "मइँ आपन हिरदय रखेउँ ह, मइँ बिसुद्ध, अउर पाप रहित हउँ?"

10एन दुइनउँ स, खोट बाटन अउर खोट नापन स यहोवा घिना करत ह।

11बालक भी आपन करमन स जाना जात ह, कि ओकर चालचलन सुद्ध अहइ, या नाहीं।

12यहोवा कान बनाएस ह कि हम सुनी। यहोवा आँखिन बनाएस ह कि हम लखी। यहोवा इ दुइनउँ क एह बरे हमरे बरे बनाएस।

13नींद स पिरेम जिन करा दरिद्र होइ जाब्या; तू जागत रहा तोहरे लगे भरपूर भोजन होइ।

14गाहक बेसहत समइ कहत ह, "अच्छा नाहीं, बहोत मँहग!" मुला जब उ हुआँ स उ दूर चला जात ह आपन खरीद क सेखी बघारत ह।

15कउनो मनई क लगे सोना बहोत बाटइ अउर मणिमाणिक बहोत ढेर अहइँ, मुला अइसे ओंठ जउन बातन गियान क बतावत दुर्लभ रतन होत हीं।

16जउन कउनो अजनबी क ॠण क जमानत देत ह उ आपन ओढ़ना तलक गँवाइ बइठत ह।

17छले स कमाई रोटी मीठ लागत ह पर अंत मँ ओकर मुँह काँकरे स भरि जात ह।

18सबइ जोजना स पहिले तू उत्तिम सलाह पाइ लिहा करा। जदि तोहका जुद्ध करब होइ तउ उत्तिम लोगन स अगुवाइ ल्या।

19बकवादी रहस्य क फास कइ देत ह। यह बरे रहस्यमय बातन क बकवादी मनई स जिन कहा।

20कउनो मनई आपन बाप क या आपन महतारी क कोसइ, ओकर दीया बुझ जाइ अउर गहिर अँधियारा होइ जाइ।

21बेइमानी स प्राप्त कीन्ह गवा सम्पत्ति अंत मँ आसीस नाही लाइहीं।

22इ बुराई क बदला मइँ तोहसे लेब। अइसा तू जिन कहा, यहोवा क बाट जोहा तोहका उहइ अजाद करी।

23यहोवा खोटे बटखरन, गलत तराजू अउ पेमाना स घिना करत ह। खोटा माप नीक नाहीं बाटइ।

24यहोवा फैसला करत ह कि हर एक मनई क जिन्नगी मँ का होइ। कउनो मनई कइसा समुझ सकत ह कि ओकरे जिन्नगी मँ का घटइवाला अहइ?

25परमेस्सर क कछू अर्पण करइ क प्रतिग्या स पहिले ही विचार ल्या; भली भाँति विचार ल्या। होइ सकत ह जदि तू पाछे अइसा सोचा, "मइँ उ प्रतिग्या नाहीं करत। किन्तु तोहका उ प्रतिग्या पूरा करइ क होइ जउन तू परमेस्सर स किहा ह।"

26विवेकी राजा इ फैसला करत ह कि कउन बुरा जन अहइ। अउर उ राजा उ जन क सजा देइ।

27यहोवा क दीपक जन क आतिमा क जाँच लेत ह। यहोवा जने क अन्दर तलक लखा सकत ह।

28वफादारी अउर सच्चाइ राजा क सुरच्छित रखत ह। किन्तु ओकर सिहांसन सिरिफ ओकर वफादारी पइ टिकत ह।

29नउजवानन क महिमा ओनके बल स होत ह अउर बृद्धन क गौरव ओनकर पके बाल अहइँ।

30अगर हमका सजा दीन्ह जाइ तउ हम बुरा करब तजि देइत ह। दर्द मनई क परिवर्तन कइ सकत ह।

21 राजा लोगन क मन यहोवा क हाथे होत ह, जहाँ
भी उ चाहत ह ओका मोड़ देत ह वइसे ही जइसे
कउनो किसान पानी क खेते क। 2सबहिं क आपन आपन
राहन उत्तिम लागत हीं; मुला यहोवा तउ मने क तउलत ह।

3तोहार उ करम क करब जउन उचित अउर नेक अहइ यहोवा क जियादा चढ़ावा चढ़ावइ स ग्राह्य बाटइ।

4घमण्डी आँखिन अउ दर्पीला मन पाप अहइँ इ सबइ दुट्ठ क दुट्ठता प्रकास मँ लिआवत हीं।

5परिश्रमी क योजनन फायदा देत हीं इ वइसे ही निहचित अहइ जइसे उतावली स गरीबी आवत ह।

6झूठ बोलि बोलिके कमावा धन दौलत अउ महिमा भाप क नाईं स्थिर नाहीं अहइ। अउर नाहीं अहइ, अउ उ घातक फंदा बन जात ह।

7दुट्ठ क हिंसा ओनका हींच लइ बूड़ी काहेकि उ पचे उचित करम करइ नाहीं चाहतेन।

8अपराधी क मारग कुटिलतापूर्ण होत ह मुला जउन नीक अहइँ ओनकर राह सोझ सच्चा होत हीं।

9झगड़ालू मेहरारू क संग घरे मँ निवास स, छत क कउने कोने पइ रहब नीक अहइ।

10दुट्ठ जन हमेसा बुराइ करइ क इच्छुक रहत ह। ओकर पड़ोसी ओहसे दाया नाहीं पावत।

11जब उच्छृंखल सजा पावत ह तब सरल जन क बुद्धि मिलि जात ह। मुला बुद्धिमान तउ डाँट फटकार करइ पइ ही गियान क पावत ह।

12निआव स पूर्ण परमेस्सर दुट्ठ क घरे पइ आँखी धरत ह, अउर दुट्ठ जन क उ नास कइ देत ह।

13अगर कउनो गरीब क, करुणा पुकार पइ कउनो मनई आपन कान बंद करत ह, तउ जब उ पुकारी तउ ओकर पुकार पइ भी कउनो उत्तर नाहीं दिही।

14गुप्त रूप स दीन्ह गवा भेंट किरोध क सांत करत ह। अउर गुप्त रूप स दीन्ह गवा उपहार खउफनाक किरोध क सांत करत ह।

15निआव जब पूर्ण होत ह धर्मी क सुख देत ह, मुला कुकर्मियन क महा भय होत ह।

16जउन मनई विवेक क पथ स भटकि जात ह, उ विस्राम करइ बरे मृतकन क साथी होइ जात ह।

17जउन सुख भोगन स पिरेम करत रहत ह उ दरिद्र होइ जाइ, अउर जउन दाखरस अउ अतर स पिरेम करत ह कबहुँ धनी नाहीं होइ।

18दुर्जन क कबहुँ ओन सबहिं चिजियन क फल भुगतइ क ही पड़ी, जउन सज्जन क खिलाफ करत हीं। बेईमान लोगन क ओनके किए गए क फल भुगतइ पड़ी जउन ईमानदार लोगन क विरुद्ध करत हीं।

19चिड़चिड़ी झगड़ालू मेहरारू क संग रहइ स रेतिस्तान मँ रहब उचित अहइ।

20विवेकी क घर मँ मनचाहा खइया क अउर इफरात तेल क भंडारा भरा होत ह मुला मूरख मनई जउन ओकरे लगे होत ह चट कइ जात ह।

21जउन जन नेकी अउ पिरेम क पालन करत ह, उ जिन्नगी संपन्नता अउर समादर क पावत ह।

22बुद्धिमान जन क कछू भी कठिन नाहीं अहइ। उ अइसे सहर पइ चढ़ाई कइ सकत ह जेकर रखवारी सूरवीर करत होइँ, उ उ परकोटे क ध्वस्त कइ सकत ह जेकरे बरे उ आपन सुरच्छा क बिस्सास मँ रहेन।

23उ जउन आपन मुँह क अउर आपन जीभ क बस मँ राखत ह उ आपन आप क बिपत्ति स बचावत ह।

24अइसा मनई अहंकारी होत ह, जउन आपन क औरन स स्रेस्ठ समुझत ह, ओकर नाउँ हीं "अभिमानी" होत ह। आपन ही करमन स उ देखाइ देत ह कि उ दुट्ठ होत ह।

25आलसी मनई बरे ओकर ही सबइ लालसा ओकरे मरण क कारण बन जात हीं काहेकि ओकरे हाथे करम क नाहीं अपनउतेन।

26कछू लालची लोग दिन भइ इच्छा करत ही कि ओका अउर मिलाइ। अउर किन्तु धर्मी जन तउ उदारता स देत ह।

27दुट्ठ क चढ़ावा यूँ ही घिना स पूर्ण होत ह फिन केतना बुरा होइ जब उ ओका बुरे भाव स चढ़ावइ?

28लबार गवाह क नास होइ जाइ अउर जउन ओकर
झूठी बातन क सुनी उ भी ओकरे संग हमेसा सर्वदा बरे
नस्ट होइ जाइ।
29दुट्ठ मनई बुरा करइ बर ठान लेत ह। किन्तु एक
ईमानदार व्यक्ति जानत ह कि ओकर राह सीधी अहइ।
30जदि यहोवा न चाहइ तउ, न ही कउनो बुद्धि अउर न
ही कउनो अन्तदृस्टि, न ही कउनो जोजनन पूरी होइ सकत
ह।
31जुद्ध क दिन तउ घोड़ा तैयार कीन्ह ह, मुला विजय
तउ बस यहोवा पइ निर्भर अहइ।

22 अच्छा नाउँ अपार धन पावइ स जोग्ग अहइ।
चाँदी, सोना स, तारीफ क पात्र होब जियादा उत्तिम
अहइ।
2धनियन मँ अउर निर्धनन मँ इ एक समता अहइ। यहोवा
ही एन सबहिं क सिरजनहार अहइ।
3कुसल जन जब कउनो विपत्ति क लखत ह, ओका
बचइ बरे एहर ओहर होइ जात ह मुला मूरख उहइ राहे पइ
बढ़त ही जात ह। अउर उ एकरे बरे दुःख ही उठत ह।
4जब मनई विनम्र होत ह अउ यहोवा क भय करत ह उ
धन-दौलत, आदर अउर जिन्नगी पाइही।
5कुटिल क राहन काँटन स भरी होत ह अउर हुआँ पइ
फंदन फइला होत ही; मुला जउन आतिमा क रच्छा करत ह
उ तउ ओनसे दूर ही रहत ह।
6बच्चन क जबकि उ छोटा अहइ जिन्नगी क नीक राह
क सिच्छा दइ। तउ उ बुढ़ापा मँ भी ओहसे भटकी नाहीं।
7धनी दरिद्रन पइ सासन करत हीं। उधार लेइवाला, देइवाल
क दास होत ह।
8अइसा मनई जउन दुट्ठता क बीज बोवत ह उ तउ
संकट क फसल काटी; अउर ओकर किरोध क लाठी नस्ट
होइ जाइ।
9उदार मने क मनई खुद ही धन्न होइ, काहेकि उ आपन
भोजन गरीब जने क संग बाँटिके खात ह।
10गुस्ताख मनई जउन कि कउनो क सम्मान नाहीं देत ह
क दूर करा तउ कलह दूर होइ। एहसे झगड़ा अउ अपमान
मिट जात हीं।
11उ जउन पवित्तर मने स पिरेम करत ह अउर जेकर
वाणी मनोरम होत ह ओकर तउ राजा भी मीत बन जात ह।
12यहोवा सदा विवेक क धियान राखत ह; मुला उ
बिस्सासघाती क कार्य क नास करत ह।
13काम नाहीं करइ क बहाना बनावत भवा आलसी कहत
ह, "बाहेर सेर बइठा अहइ, "होइ सकत ह कि गलियन मँ
मोका मार डावा जाइ।"
14बिभिचार क पाप गहिर गढ़ा क नाईं अहइ। यहोवा
ओहसे बहोतइ कोहाइ जाइ जउन भी इ मँ गिरी।
15लरिकन सैतानी करत रहत हीं; मुला अनुसासन क छड़ी
ही सैतानी दूर कइ देत ह।
16अइसा मनई जउन आपन धन बढ़ावइ बरे गरीब पइ
अत्याचार करत ह; अउर उ, जउन धनी क उपहार देत ह,
दुइनउँ ही अइसे जन अहइ जउन निर्धन होइ जात हीं।

तीस विवेक स भरी कहावतन

17बुद्धिमान क कहावतन सुना अउर धियान द्या। ओह
पइ धियान लगावा जउन मइँ सिखावत हउँ। 18अगर तू
ओनका आपन मने मँ बसाइ ल्या तउ बहोत नीक होइ; तू
ओनका हरदम आपन ओंठन पइ तैयार राखा। 19मइँ तोहका
आजु सिच्छा देत हउँ ताकि तोहार यहोवा पइ बिस्सास पैदा
होइ। 20इ सबइ तीस सीखन मइँ तोहरे बरे रचेउँ, इ सबइ
बचन सम्मति अउर गियान क अहइँ। 21उ सबइ बचन जउन
महत्वपूर्ण होतिन, इ सबइ सत्य बचन तोहका सिखइहीं ताकि
तू ओका उचित जवाब दइ सका, जउन तोहका पठएस ह।

-1-

22तू गरीब क सोसण जिन करा। एह बरे कि उ पचे बस
दरिद्र अहइँ; अउर कंगाले क कचहरी मँ जिन हीचा।
23काहेकि परमेस्सर ओनकर सुनवाई करी अउर जउन
ओनका लूटेन ह उ ओनका लूट लेइ।

-2-

24तू किरोधी सुभाव क मनइयन क संग कबहुँ मिताई
जिन करा अउर ओकरे संग, आपन क जिन जोड़ा जेका
हाली किरोध आइ जात ह। 25नाहीं तउ तू भी ओकरे राहे
चालब्या अउर आपन क जालि मँ फँसाइ बइठब्या।

-3-

26तू कउनो दूसर क कर्ज बरे जमानतदार नाहीं बना।
27जदि ओका चुकावइ मँ तोहार साधन चुकिही तउ खाले क
बिस्तर तलक तोहसे छोर लीन्ह जाइ।

-4-

28तोहरे धरती क सम्पत्ति जेकर चउहद्दिन तोहार पुरखन
निर्धारित किहन उस सीमा रेखा कबहुँ भी जिन हिलावा।

-5-

29अगर कउनो मनई आपन कारज मँ कुसल अहइ, तउ
उ राजा लोगन क सेवा करइ क जोग्ग अहइ। अइसे
मनइयन बरे जेनकर कछू महत्व नाहीं ओका काम करइ क
जरूरत नाही अहइ।

-6-

23 जब तू कउनो अधिकारी क संग खइया क बरे
बइठा तउ एकर धियान राखा, कि कउन तोहरे
समन्वा अहइ। 2अगर तू पेटू अहा तउ खाना पइ नियंत्रण
राखा। 3ओकरे स्वादिस्ट पकवानन क लालसा जिन करा
काहेकि उ खइया धोका बाज़ अहइ।

-7-

4धनवान बनइ क काम कइ कइके आपने क जिन
थकावा। तू संयम देखावइ क, बुद्धि अपनाइ ल्या। 5इ सबइ
धन सम्पत्तियन लखत हीं लखत लुप्त होइ जइहीं निहचय ही
आपन पंखन क फइलाइके उ पचे गरूड़ क नाईं अकासे मँ
उड़ि जइहीं।

-8-

6अइसे मनई क संग जउन स्वार्थी अहइ भोजन जिन
करा। तू ओकरे स्वादिस्ट पकवाने क लालसा जिन करा।
7काहेकि उ अइसा मनई अहइ जउन मन मँ हरदम
ओकरी कीमत क हिंसाब लगावत रहत ह; तोहसे तउ उ
कहत ह- "तू खा अउर पिआ" मुला उ मने स तोहरे संग
नाहीं अहइ।
8जउन कछू थोड़ा बहोत तू ओकर खाइ चुका अहा,
तोहका तउ उ भी उलटइ पड़ी अउर उ पचे तोहार कहे भए
आदर स पूर्ण वचन बियर्थ चला जइहीं।

-9-

9तू मूरख क संग बातचीत जिन करा, काहेकि उ तोहरे
विवेक स भरे वचनन स घिना ही करी।

-10-

10पुराने जमाने क सीमा क पत्थर क जिन सरका। अउर
अनाथे क भुइयाँ क जिन हड़पा। 11काहेकि ओनकर
संरच्छक सामरथ स पूरा अहइ, तोहरे खिलाफ ओनकर
मुकदमा उ लड़ी।

-11-

12तू आपन मन सीख क बातन मँ लगावा। तू गियान स
भरे बचनन पइ कान द्या।

-12-

13तू कउनो गदेला क अनुसासित करइ मँ कबहुँ जिन
रोका अगर तू कबहुँ ओका छड़ी स सजा देब्या तउ उ एहसे
नाही मरी।
14तू छड़ी स पीटिके ओका अउर ओकर जिन्नगी क
मउत स बचाइ लेब्या।

-13-

15हे मोर पूत, जदि तोहार मन विवेक स पूर्ण रहत ह तउ
मोर मन भी आनंद स पूर्ण रही। 16अउर जदि तोहार ओंठ
उचित बोलत हीं, तउ मइँ बहोत खुस होब्या।

-14-

17तू आपन मने मँ भी पापे स भरा मनइयन क बरे जलन
जिन करा। मुला तू एकर बजाए यहोवा स सदा डरा। 18तउ
तोहार लगे भविस्य होई, अउर तोहार आसा कबहुँ ध्वस्त
नाहीं होई।

-15-

19मोर पूत सुना! अउर विवेकी बनि जा अउर आपन मन
क नेकी क राहे पइ चलावा। 20तू ओनके संग जिन रहा
जउन पियक्कड़ अहइँ, अथवा अइसे, जउन ठूँस ठूँस गोस
खात हीं।
21काहेकि इ पचे पियक्कड़ अउर इ सबइ पेटू दलिद्र होइ
जइहीं, अउर इ ओनकर खुमारी, ओनका चिथड़न पहिरइहीं।

-16-

22आपन बाप क सुना जउन तोहका जिन्नगी दिहेस ह,
अपनी महतारी क निरादर जिन करा जब उ बुढ़िया होइ जाइ।
23सच्चाई क खरीद ल्या अउर ओका जिन बेचा। अइसे ही
विवेक, अनुसासन अउ समुझ क भी खरीद ल्या। 24नेक पूत
क बाप महा आनंद मँ रहत अउर जेकर पूत विवेक स पूर्ण
होत ह उ तउ ओहमाँ ही खुस रहत ह। 25तोहार महतारी
अउ तोहार बाप क आनंद प्राप्त होइ अउर तोहार महतारी
जउन तोहका जन्म दिहस, ओका खुसी मिलत रहइ।

-17-

26मोर पूत, मोहमाँ मन लगावा अउर तोहार आँखिन मोह
पइ टिकी रहइँ। मोका आदर्स माना। 27एक वेस्या गहिर
गड़हा होत ह। अउर एक बदकार मेहरारु मुसीबत स भरा
कुआँ अहइ। 28उ घात मँ रहत ह जइसे कउनो डाकू अउर
उ लोगन मँ बिस्सास हीनन क संख्या बढ़ावत ह।

-18-

29कउन बिपत्ति मँ अहइ? कउन दुःखे मँ पड़ा अहइ?
कउन झगड़न-टंटन मँ अहइ? कउने क सिकाइतन अहइँ?
कउन क घाव अहइ? केकर आँखिन लाल अहइँ? 30उ पचे
जउन लगातार दाखरस पिअत रहत हीं अउर जेनमाँ मसाला
मिली भइ दाखरस क ललक होत ह।
31जब दाखरस लाल होइ, अउर पिआलन मँ झिलमिलात
होइ अउ धीरे धीरे डावत जात होइ, ओका ललचाही आँखिन
स जिन लखा। 32सर्प क समान उ डसत, आखीर मँ जहर
भरि देत ह जइसे नाग भरि देत ह।
33तोहरी आँखिन मँ अजीब दृस्य तैरइ लगिहीं, तोहार मन
उल्टी-सोझ बातन मँ उलझी। 34तू अइसा होइ जाइ, जइसे
उफनत सागरे पइ सोवत रहत होइ अउर जइसे मस्तूल क
सिखर ओलरा होइ। 35तू कहब्या, "उ पचे मोका मारेन पर
मोका तउ दर्द क अनुभव नाहीं हुआ। उ पचे मोका पीटेन,
पर मोका याद ही नाहीं मइँ उठी क लायक नाहीं हउँ, मोका
पिअइ क अउर द्या।"

-19-

24 बुरे जन स तू कबहुँ डाह जिन करा। ओनकर
संगत क तू चाहत जिन करा। 2काहेकि ओनके
मन हिंसा क योजनन रचत अउर ओनकर ओंठ दुःख देइ क
बातन करत हीं।

-20-

3बुद्धि स घरे क निर्माण होइ जात ह, अउर समुझ स
ही उ थिर रहत ह। 4गियान क जरिये ओकर कमरा अद्भुत
अउर सुन्नर खजानन स भरि जात हीं!

-21-

5बुद्धिमान जन मँ महासक्ती होत ह अउर गियानी पुरूख
सक्ती क बढ़ावत ह। 6जुद्ध लड़इ बरे परामर्स चाही अउर
विजय पावइ बरे बहोत स सलाहकार।

-22-

7मूरख बुद्धि क नाहीं समुझत जब महत्व स पूर्ण बातन
क चर्चा करत हीं तउ मूरख समुझ नाहीं पावत।

-23-

8सड्यंत्रकारी उहइ कहवावत ह, जउन बुरी योजनन
बनावत रहत ह। **9**मूरख क योजनन पापी अहइ अउर
घमण्डी निन्दक जन क लोग तजि देत हीं।

-24-

10अगर तू बिपत्ति मँ हिम्मत छोड़ बइठब्या, तउ तोहार
सक्ती केतनी थोड़ स अहइ।

-25-

11जदि कउनो क हत्तिया क कउनो सड्यंत्र रचइ तउ
ओका बचावइ क तोहका जतन करइ चाही। **12**तू अइसा
नाहीं कहि सकत्या, "मोका एहसे का लेब।" यहोवा सब कछू
जानत ह अउर इ भी उ जानत ह कि तू काहे काम करत
अहा? यहोवा तोहका लखत रहत ह। उ तोहरे भीतर क
जानत ह अउर उ हर एक क ओकर करमन क अनुसार
प्रतिफल देत ह।

-26-

13हे मोर पूत, तू सहद खावा करा काहेकि उ उत्तिम
अहइ। इ तोहका मीठ लागी। **14**इहइ तरह इ तू भी जान
ल्या कि आतिमा क तोहार बुद्धि मीठ लागी, अगर तू एका
पउब्या तउ ओहमाँ निहित बाटइ तोहरी भविस्स क आसा
अउर उ तोहार आसा कबहुँ भंग नाहीं होइ।

-27-

15धर्मी मनई क घरे क विरोध मँ लुटेरा क नाईं घात मँ
जिन बइठा अउर ओकरे निवासे पइ जिन छापा मारा।
16काहेकि एक नेक चाहे सात दाईं गिरइ, फुन भी उठि
बइठी। मुला दुट्ठ जन विपत्ति मँ बूड़ि जात ह।

-28-

17सत्रु क पत्तन पइ आनन्द जिन करा। जब ओका
ठोकर लागइ, तउ आपन मन खुस जिन होइ द्या। **18**अगर
तू अइसा करब्या, तउ यहोवा लखी अउर उ तोहसे खुस
नाहीं होइ, अउर उ तोहार दुस्मन पइ कोहाइ तजि देब।

-29-

19तू दुर्जनन क संग कबहुँ जलन जिन राखा, ओन लोगन
क कारण किरोधित जिन होवा। **20**काहेकि दुट्ठ जन क
कउनो भविस्स नाहीं अहइ। दुट्ठ जन क दीया बुझाइ दीन्ह
जाइ।

-30-

21हे मोर पूत, यहोवा स अउर राजा स डरा विद्रोहियन क
संग कबहुँ जिन मिला। **22**काहेकि उ पचे दुइनउँ अचानक
नास ढाइ देइहीं ओन पइ; अउर कउन जानत ह केतनी
खउफनाक विपत्तियन उ पचे पठइ देइँ।

कछू दूसर सूक्तियन

23इ सबइ सूक्तियन बुद्धिमान जनन क अहइँ:
निआव मँ पच्छपात करब उचित नाहीं अहइ। **24**अइसा
जन जउन अपराधी स कहत ह, "तू निरपराध अहा" लोग
ओका कोसिहीं अउर जातियन तजि देइहीं। **25**मुला जउन
अपराधी क सजा देइहीं, सबहिं जन ओनसे खुस होइहीं अउर
ओन पइ असीर्वाद क बर्खा होइ।

26निर्मल जवाबे स मन खुस होत ह, जइसे ओठंन पइ
चुम्बन अंकित कइ देइ।

27पहिले बाहेर खेतन क काम पूरा कइ ल्या एकरे पाछे तू
आपन घर बनावा।

28आपन पड़ोसी क विरूद्ध बगैर कउनो कारण गवाही
जिन द्या, या तू आपन वाणी क कउनो क छलइ मँ जिन
प्रयोग करा।

29जिन कहा अइसा, "ओकरे संग भी मइँ ठीक वइसा ही
करब, मोरे संग जइसा उ किहेस ह।"

30मइँ आलसी व्यक्ति क खेते स निर्बुद्धि व्यक्ति क
अंगुर क खेत स होत भए गुजरउँ। **31**कंटीरी झाड़ियन
निकरि आइ रहिन हर कहूँ खरपतवारे स खेत ढकि गवा
रहा। अउर बाड़ पाथर क खंडहर होत रही। **32**जउन कछू
मइँ लखेउँ, ओहसे मोका एक सीख मिली। **33**जरा एक
झपकी, अउर तनिक स नींद, थोड़ा स सुस्ताब, धरिके हाथन
पइ हाथ (दलिद्रता क बोलाउब अहइ) **34**उ तोह पइ टूट
पड़ी जइसे कउनो लुटेरा टूट पड़त ह, अउर अभाव तोह पइ
टूट पड़ी जइसे कउनो सस्त्रधारी टूट पड़त ह।

सुलैमान क कछू अउर सूक्तियन

25 इ सबइ भी सुलैमान क कहावतन अहइ: एन
सबइ क यहूदा क राजा हिजकिय्याह क सेवक
लोग जमा किहे रहेन।

2कउनो विसय-वस्तु क रहस्य स पूर्ण राखइ मँ परमेस्सर
क अधिकार अहइ। अउर राजा क कउनो बात पइ निर्णय
करइ स पहिले खोज विचार करइ क अधिकार अहइ।

3जइसे ऊपर अन्तहीन अकास अहइ अउर खाले अटल
धरती अहइ, वइसे ही राजा लोगन क मन होत हीं जेनकर
ओर-छोर क अता पता नाहीं। ओकर थाह लेब कठिन
अहइ।

4जदि तू चाँदी स ओकर मैल हटाउब्या तउ सुनार ओहसे
पात्र बनाइ सकत ह। **5**वइसे ही, जदि तू राजा क समन्वा स
दुट्ठ क दूर करब तउ भलाइ ओकरे सिंहासने क मजबूत
कइ देब।

6राजा क समन्वा आपन बड़ाई जिन बखाना अउर
महापुरूखन क बीच ठउर जिन चाहा। **7**काहेकि उत्तिम इ
होइ जदि राजा तोहसे कहइ, "आवा हिआँ, आइ जा"
अपेच्छा एकरे कि महापुरुखन क समच्छ तोहार अपमान
कीन्ह जाइ।

8तू कउनो व्यक्ति क जल्दी मँ कचहरी जिन घसीटा।
काहेकि होइ सकत ह कि उ तोहार गलती क पोल खोल
दइ। तउ तू क कहब्या।
9जब तू आपन विरोधी क खिलाफ मँ मुकद्दमा प
वाद-विवाद करत ह तउ दूसर व्यक्ति क राज फास जिन
करा। 10अइसा न होइ जाइ कि कउनो जउन ऍका सुनत ह
तोहका लज्जित करइ, तउ तू बदनाम होइ जाइही जेका
कबहुँ मिटाइ नाहीं जाइ।
11उचित अवसर पइ बोला बात अइसा ही अहइ जइसे
चाँदी क तस्त म सुनहरा सेब। 12बुद्धिमान मनई क कान बरे
झिड़की सोना क बाली क नाईं अहइ।
13एक बिस्सास क जोग्ग दूत, जउन ओका पठवत हीं
ओनके बरे फसल कटनी क समइ क ठंडी बयार क जइसे
होत ह। उ आपन स्वामी क आतिम क ताजा कर देत ह।
14उ मनई बर्खा रहित बादरन अउर पवन क जइसा होत
ह, जउन कछू देइ क वचन देत ह किन्तु एका देइ नाहीं
चाहत ह।
15धीरा स पूर्ण बातन स राजा तलक मनावा जात हीं अउर
नम्र वाणी हाड़ तलक तोरि सकत ह।
16जदपि सहद बहोत उत्तिम अहइ, पर तउ भी तू बहोत
जियादा जिन खा। अउर जदि तू जियादा खाब्या, तउ उल्टी
आइ जाइ अउर तू रोगी होइ जाब्या। 17वइसे ही तू पड़ोसी
क घरे मँ बार-बार गोड़ जिन रखा। वरना उ तोहसे उब जाइ
अउर तोहसे घिना करइ लागी।
18उ मनई, जउन झूटी गवाही आनप साथी क खिलाफ
देत ह उ तउ अहइ हथौड़ा सा या तरवार सा या तीखे बाण
सा। 19बिपत्ति क काल मँ भरोसा बिस्सासघाती पइ होत ह
अइसा जइसे दु:ख देत दाँत या लँगड़ात गोड़।
20जउन कउनो ओकरे समन्वा खुसी क गीत गावत ह
जेकर मन भारी अहइ, तउ उ अइसा ही अहइ जइसा जाड़े
मँ ओकर ओढ़ना उतार लइ या ओकरे फोड़े पइ सिरका
उड़ेलना।
21अगर तोहार दुस्मन कबहुँ भुखान होइ, ओकरे खाइ क
बरे, तू खइया क दइ द्या, अउर जदि उ पिआसा होइ, तउ
ओकरे करे पानी पिअइ क दइ द्या। 22अगर तू अइसा
करब्या उ लज्जित होइ। इ ओकर सिर पइ जलत भवा
कोयला क अंगार रखइ क जइसा होइ। यहोवा तोहका
ओकर प्रतिफल देइ।
23उत्तर क हवा जइसे बर्खा लिआवत ह वइसे ही बेकार
क बातन किरोध क बढ़ावत ह।
24झगड़ालू मेहरारू क संग घरे मँ रहइ स छते क कउनो
कोने पइ रहब उत्तिम अहइ।
25कउनो दूर देस आई कउनो अच्छी खबर अइसी लागत
ह जइसे थके माँदे पिआसे क सीतल जल।
26गाद भरा झरना या कउनो दूसित कुआँ सा होत उ धर्मी
पुरूस जउन कउनो दुट्ठ आगे निहुर जात ह।
27जइसे बहोत जियादा सहद खाब अच्छा नाहीं वइसे
आपन मान बढ़ावइ क जतन करब नीक नाहीं अहइ।
28अइसा जन जेका खुद पइ नियंत्रण नाहीं, तउ उ उ
नगर जइसा अहइ, जेकर देवारन नाही अहइ।

मूरखन क सम्बन्ध मँ विवेक स भरी सूक्तियन

26 जइसे बरफ क गर्मी मँ पड़ब अउर जइसे कटनी
क समइ पइ बर्खा का आउब उपयुक्त नाहीं अहइ
वइसे ही मूरख क मान देब उपयुक्त नाहीं अहइ।
2अगर तू कउनो क कछू बिगाड़्या नाहीं अउर तोहका उ
सराप देइ, तउ उ सराप बियर्थ होइ। ओकर सरापपूर्ण बचन
तोहरे ऊपरि स यूँ उड़िके निकरि जाइ जइसे चंचल चिरइया
जउन टिकिके नाही बइठत।
3जइसे घोड़े क चाबुक अहइ अउर खच्चर लगाम स
काबू होत ह अइसे ही मूरख बरे डंडा अहइ।
4मूरख क ओकर मूरखता क अनुसार जवाब जिन द्या
नाहीं तउ तू भी खुद मूरख सा देखब्या। 5तउ मूरख क मूरख
वाला जवाब द्या नाहीं तउ उ आपन ही आँखिन मँ
बुद्धिमान बन बइठी।
6मूरख क हाथन सँदेसा पठउब वइसा ही होत ह जइसे
आपन ही गोड़न पइ कुल्हाड़ी मारब। इ बिपत्ति क बोलाउब
क नाईं अहइ।
7कउनो मूरख क कहावत कहइ क जतन करइ वइसा
ही अहइ जइसे कउनो लँगड़े क आपन लँगाड़ा गोड़ पइ
चलइ क जतन करब।
8मूरख क सम्मान देब वइसा ही होत ह जइसे कउनो
गुलेल मँ पाथर राखब।
9मूरख क मुँहे मँ सूक्ति अइसी होत ह जइसे सराबी क
होथे मँ काँटेदार झाड़ी होइ।
10कउनो मूरख क या कउनो अनजाने मनई क काम पइ
लगाउब खतरनाक होइ सकत ह। तू नाही जानत्या कि केका
दु:ख पहोंची।
11जइसे कउनो कूकुर खाइके बेराम होइ जात ह अउर
उल्टी कइके फुन ओका खात ह वइसे ही मूरख आपन
मूरखता बार-बार दोहरावत ह।
12उ मनई जउन आपन क बुद्धिमान मानत ह, मुला होत
नाही ह तउ उ कउनो मूरख स भी बुरा होत ह। ओकर बरे
कउनो आसा नाहीं अहइ।

आलसी लोगन बरे कहावतन

13आलसी चिचियात रहत ह, काम नाहीं करइ क बहाने
कबहुँ उ कहत ह सड़क पइ सेर बाटइ।
14जइसे आपन चूड़ी पइ चलत रहत ह किवाड़। वइसे ही
आलसी बिस्तर पइ आपन ही करवटन बदलत ह।
15आलसी आपन हाथ थारी मँ डावत ह मुला ओकर
आलस, ओकरे आपन ही मुँहे तलक ओका खइयाके नाहीं
लिआवइ देत।
16आलसी मनई, निज क मानत ह महाबुद्धिमान। सातउँ
गियानी पुरुखन स भी बुद्धिमान।
17अइसे राही जउन दूसरन क झगड़न मँ टाँग अड़ावत ह
जइसे कूकुर पइ काबू पावइ बरे कउनो ओकर कान धरइ।
18-19कउनो मनई जउन आपन पड़ोसी क छलत ह अउर
तउ कहत ह: मइँ तउ बस यूँ ही मजाक करत रहेउँ। वइसा
ही अहइ जइसे कउनो पागल घातक तीर फेंकत ह अउर
कउनो क मार देत ह।

20जइसे ईंधन बगैर आग बुझि जात ह वइसे ही कानाफूसी क बिना झगड़े मिटि जात हीं।

21कोयला अंगारन क अउर आगी क लपट क काठ जइसे भड़कावत ह, वइसे ही झगड़ालू झगड़न क भड़कावत ह।

22कानाफूसी करइ वाला क सब्दन वइसा ही सुआदिस्ट अहइ जइसा कि उ भोजन जउन आसानी स लोगन क पेट मँ उतरत चला जात ह।

23दुट्ठ मनवाले क चिकनी चुपड़ी बातन होत हीं अइसी, जइसे माटी क बर्तन पइ चिपके चाँदी क बर्क। 24घिना स पूर्ण मनई आपन मीठ वाणी स घिना क ढाँपत ह। किंतु आपन हिरदय मँ उ छले क पालत ह। 25ओकर मोहक वाणी स ओकर भरोसा जिन करा, काहेकि ओकरे मने मँ घिना स भरी बातन समाई अहइँ। 26छले स कउनो क घिना चाहे छुप जाइ मुला ओकर दुट्ठता सभा क बीच परगट हो जाइ।

27अगर कउनो गड़हा खोदत ह कउनो क बरे तउ उ खुद ही ओहमाँ गिरी सकत ह; अगर कउनो मनई कउनो पाथर क कउनो पइ लुढ़कावत जतन करत ह तउ उ उहइ पाथर स कुचला जाइ सकत ह।

28अइसा मनई जउन झूठ बोलत ह, ओनसे घिना करत ह जेनका नोस्कान पहोंचावत अउर चापलूस खुद क नास करत ह।

27 भविस्य क बरे सेखी जिन बघाड़ा। कउन जानत ह कि आगे का घटइ।

2आपन ही मुँहे स आपन बड़कई जिन करा दूसरन क तोहार तारीफ करइ द्या।

3कठिन अहइ पाथर ढोउब, अउर ढोउब रेत क, मुला इन दुइनउँ स कहूँ जियादा कठिन अहइ मूरख क जरिये उपजावा भवा कस्ट।

4किरोध क्रूर होत ह। प्रकोप बाढ़ क नाईं अहइ मुला जलन बहोत ही घातक अहइ।

5छुपे भए पिरेम स, खुली घुड़की उत्तिम अहइ।

6दोस्त क तमाचा पइ विस्सास कइ जा सकत ह कि तोहार मदद कइ सकत ह। किन्तु दुस्मन तोहार संग दाया करइ क बहाना बनावत ह। उ तोहका नोस्कान पहोंचाही।

7पेट भरि जाए पइ सहद भी नाहीं भावत मुला भुखिया मँ तउ हर चीज भावत ह।

8आपन घर स दूर भटकत भवा मनई अइसा अहइ जइसे कउनो चिरइया आपन घोंसला स दूर भटकत ह।

9इत्र अउर सुगंधित धूप मने क आनन्द स भरि देत हीं अउर मीत क सच्ची सम्मति स मन उल्लासे स भरि जात ह। 10आपन मीत क जिन बिसरा न ही आपन बाप क मीत क। अउर बिपत्ति मँ मदद बरे दूर आपन भाई क घरे जिन जा। दूर क भाई स पास क पड़ोसी नीक बा।

11हे मोर पूत, तू बुद्धिमान बन जा अउर मोर मन आनन्द स भरि द्या। ताकि मोरे निन्दा करइ वाला क मइँ जवाब दइ सकउँ। 12बिपत्ति क आवत लखिके बुद्धिमान जन दूर हट जात हीं किंतु मूरख जन बगैर राह बदले चलत रहत हीं अउर फँस जात हीं।

13जउन कउनो पराए मनई क जमानत भरत ह ओका आपन ओढ़ना भी खोवइ पड़ी।

14ऊँच सुरे मँ 'सुप्रभात' कहिके अलख भिंसारे आपन पड़ोसी क जिन जगाया करा। उ एक सराप क रूप मँ झेली आसीर्वाद मँ नाहीं।

15झगड़ालू मेहरारू अइसी होत ह जइसी बर्खा क दिनन मँ लगातार टपकइ वाला बर्खा।

16ओका रोकब वइसा ही होत ह जइसे कउनो हवा क रोकइ क बेकार जतन करत ह या मूठी मँ तेल क धरइ क जतन करत ह।

17जइसे लोहे स लोहा धार धरत ह, वइसे ही एक व्यक्ति दूसर व्यक्ति स सीखत ह।

18जउन कउनो अंजीरे क बृच्छ सींचत ह, उ ओकर फल खात ह। वइसे ही जउन आपन सुआमी क सेवा करत ह, उ आदर पाइ लेत ह।

19जइसे जल मुखड़ा क प्रतिबिंबित करत ह, वइसे ही हिरदय मनई क प्रतिबिंबित करत ह।

20मउत अउ कबर कबहुँ तृप्त नाहीं अइसा ही मनई क आँखिन भी तृप्त नाही होत ह।

21चाँदी अउ सोना क भट्ठी-कुठाली मँ परख लीन्ह जात ह। वइसे ही मनई उ तारीफ स परखा जात ह जउन उ पावत ह।

22तू कउनो मूरख क चूना मँ पीसिके चाहे जेतना महीन करा अउर ओका पीसिके अनाज जइसा बनाइ द्या ओकर चूरन मुला ओकरी मूरखता क, कबहुँ भी ओहसे दूर न कइ पउब्या।

23आपन रेवड़ क हानत तोहका निहचित ही जानइ चाही। आपन रेवड़ क धियान स देखरेख करा। 24काहेकि धन-दौलत तउ टिकाऊ नाहीं होतेन। इ राजमकुट पीढ़ी-पीढ़ी तलक बना नाही रहत ह। 25जब चारा कट जात ह, तउ नवी घास उग आवत ह। उ घास पहाड़ियन पइ स फुन बटोर लीन्ह जात ह। 26मेमनन क ऊन काट ल्या अउर ओढ़ना बना ल्या बोकरियन क खेतन खरीदइ बरे बेच ल्या। 27तोहरे परिवार क, तोहरे दास दासियन क अउर तोहरे आपन बरे भरपूर बोकरी क दूध होइ।

28 दुट्ठ क मने मँ सदा भय समाया रहत ह अउर जब कउनो पाछा नाहीं करत ह तउ भी भागत फिरत ह। किन्तु एक धर्मी जन क सदा निर्भय रहत ह वइसे होइ जइसे सेर निर्भय रहत ह।

2देस मँ जब पाप ही पाप होइ तउ उ देस क सासक लम्बी समइ बरे सासन नाहीं करब्या। अइसा मनई ही देस क स्थिर रखत ह अउर लम्बी समइ तलक सासन करब्या।

3उ राजा जउन गरीबे क दबावत ह, उ बर्खा क बाढ़ सा होत ह जउन फसल नाहीं छोड़त।

4जउन व्यवस्था क विधाने क तजि देत हीं, दुट्ठन क तारीफ करत हीं, मुला जउन व्यवस्था क विधान क पालन करत हीं ओनकर विरोध मँ लड़ाइ करत हीं।

5दुट्ठ जन निआव क नाहीं समुझत हीं। मुला जउन यहोवा क खोज मँ रहत हीं, ओका पूरी तरह जानत हीं।

6उ निर्धन जेकर राह खरी अहइ उ धनी मनई स जेकर राह दुट्ठ अहइ उत्तिम अहइ।

7विवेकी पूत व्यवस्था क विधानन क पालन करत ह। मुला जउन वियर्थ दोस्तन क साथी बनत ह, उ आपन बाप क निरादर करत ह।

8उ जउन मोट ब्याज उसूलिके आपन धन बढ़ावत ह, उ तउ इ धन जोरत ह कउनो अइसे दयालु बरे जउन गरीबन पइ दाया करत ह।

9जदि कउनो व्यक्ति परमेस्सर क सिच्छा पइ कान नाहीं देत तउ परमेस्सर ओनकर पराथना पइ धियान नाहीं देत ह।

10उ तउ आपन ही जालि मँ फँस जाइ जउन सीधे लोगन क बुर मार्गे पइ भटकावत ह। मुला निर्दोस लोगन उत्तिम आसीस पाइ।

11धनी मनई आपन आँखिन मँ बुद्धिमान होइ सकत ह किन्तू गरीब जन जउन बुद्धि होत ह सच्चाई क लखत ह।

12सज्जन जब जीतत हीं, तउ सब खुस होत हीं। मुला जब दुट्ठ क सक्ती मिल जात ह तउ एक भी अइसा मनई क खोज पाउब कठिन अहइ जउन कि खुस अहइ।

13जउन आपन पापन पइ पर्दा डावत ह, उ तउ कबहुँ नाहीं फूलत-फलत ह। मुला जउन आपन दोखन क कबूल करत ह अउर जउन गलत ह ओका तजत ह, उ दाया पावत ह।

14धन्न अहइ, उ पुरुस जउन यहोवा स डेरात ह। मुला जउन आपन जिद्दी अहइ, विपत्ति मँ गिरत ह।

15दुट्ठ सासक जउन असहाय जन पइ सासन करत हीं अइसे अहइ जइसे दहाड़त भवा सेर या झपट भवा रीछ।

16एक अविवेक सासक आपन लोगन पइ अत्याचार करत ह मुला जउन बुरे मारग स आए भए धने स घिना करत ह, लम्बी समइ तलक सासन करब्या।

17कउनो मनई क दूसर क हत्तिया क दोख ठहराया तउ उ मनई क सान्ति नाहीं मिली जब तलक कि उ नाही मरत ह। ओकर मदद जिन करा।

18अगर कउनो निहकलंक होइ तउ उ सुरच्छित अहइ। जदि उ बुरा मनई होइ तउ उ आपन सामरथ खोइ बइठी।

19जउन आपन धरती जोतत-बोवत ह अउर मेहनत करत ह, उसके लगे हमेसा भरपूर खाई क होइ। मुला जउन सदा सपनन मँ खोवा रहत ह, सदा दलिद्र होइ।

20एक इमानदार मनई बहोत सारा आसीस पावत ह। मुला उ मनई जउन हाली धनी बनइ क जतन करत रहत ह; बिना दण्ड क नाहीं बची।

21निर्णय देइ मँ पच्छपात करब अच्छा नाही होत ह। किन्तु कछू लोग तउ सिरिफ रोटी क एक टुकरा बरे अनिआय करब।

22सूम सदा धन पावइ क लालच करत रहत ह अउर नाहीं जानत कि ओकरी ताक मँ दलिद्रता बाटइ।

23उ जउन कउनो जने क सुधारइ क डाँटत ह, उ जियादा पिरेम पावत ह, अपेच्छा ओकरे जउन चापलूसी करत ह।

24कछू लोग होत हीं जउन आपन बाप अउर महतारी स चोरावत हीं। उ कहत ह, "इ बुरा नाहीं अहइ।" इ उ बुरा मनई जइसा अहइ। जउन घरे क भीतर आइके सबहिं चिजियन क तोड़-फोड़ कइ देत ह।

25लालची मनई तउ मतभेद भड़कावत ह, मुला उ मनई जेकर भरोसा यहोवा पइ अहइ फूली-फली।

26मूरख क आपन पइ बहोत भरोसा होत ह। मुला जउन गियान क राहे पइ चलत ह, सुरच्छित रहत ह।

27जउन गरीबन क दान देत रहत ह ओका कउनो बातन क अभाव नाहीं रहत। मुला जउन ओनसें आँखी मूँद लेत ह, उ सराप पावत ह।

28जब कउनो दुट्ठा सक्ती पाइ जात ह तउ सज्जन छुप जाइ क दूर चला जात हीं। मुला जब दुट्ठा जन क बिनास होत ह तउ सज्जनन क बृद्धि परगट होइ लागत ह।

29 जउन बार बार डाँट डपट खाइ क बाद भी उहइ बेउहार करत ह तउ निहचय ही उ अचानक बर्बाद होइ जाइ। ओकर बरे कउनो आसा तलक नाहीं बची।

2जब धर्मी जन क अधिकार पावत ह तउ लोग आनन्द मनावत हीं। जब दुट्ठ सासक बन जात ह तउ लोग कराहत
हीं। 3अइसा जब जउन विवेक स पिरेम राखत ह, बाप क आनन्द पहोंचावत ह। मुला जउन रंडियन क संगत करत ह, आपन धन खोइ देत ह।

4निआव स राजा देस क स्थिरता देत ह। किन्तु राजा जब लालची होत ह तउ लोग आपन काम करवावइ बरे ओका घूस देत हीं। तब देस दुर्बल होइ जात ह।

5जउन अपने साथी क चापलूसी करत ह उ आपन गोड़वन बरे जाल पसारत ह।

6पापी खुद आपन बिछाइ भइ जालि मँ फँसत ह। मुला एक धर्मी गावत अउर खुस रहत ह।

7सज्जन चाहत हीं कि गरीब क निआव मिलइ किन्तु दुट्ठन क ओनकी तनिकउ चिन्ता नाहीं होत ह।

8जउन अइसा सोचत हीं कि हम दूसरन स उत्तिम अही, उ पचे विपत्ति उपजावत अउर सारे सहर क तहस-नहस कइ देत हीं। मुला जउन जन बुद्धिमान होत हीं, सान्ति क कायम करत हीं।

9बुद्धिमान जन जदि मूरख क साथ मँ वाद-विवाद सुलझावइ चाहत ह, तउ मूरख उत्तेजित हो जात ह मूरखता क बातन करत ह जेहसे दुइनउँ क बीच सन्धि नाहीं होइ पावत

10खून क पिआसे लोग, सच्चे लोगन स घिना करत हीं। किन्तु सच्चे लोग ओनकर जिन्नगी बचावइ क जतन करत ह।

11मूरख मनई क लउ बहोतइ हाली किरोध आवत ह। मुला बुद्धिमान धीरा धइके आपन पइ नियंत्रण राखत ह।

12जदि एक सासक झूठी बातन क सुनत ह तउ ओकर सब अधिकारी भ्रस्ट होइ जात हीं।

13एक हिंसाब स गरीब अउर जउन मनई क लूटत ह, उ समान अहइ। यहोवा ही दुइनउँ क बनाएस ह।

14अगर कउनो राजा गरीब पइ निआव स पूर्ण रहत ह तउ ओकर सासन बहोत लम्बे काल बना रही।

15सजा अउर डाँट स सुबुद्धि मिलत ह किन्तु जदि महतारी-बाप मनचाहा करइ क खुला छोड़ि देइँ, तउ उ आपन महतारी क लज्जा बनी।

16दुट्ठ क राज मँ पाप पनप जात हीं मुला अन्तिम जीत तउ सज्जन क ही होत ह।

17पूत क दण्डित करा जब उ अनुचित करइ, फुन तउ तोहका ओह पइ सदा ही घमण्ड होइ। उ तोहरी लज्जा क कारण कबहुँ नाहीं होइ।

18अगर कउनो देस परमेस्सर क राहे पइ नाहीं चलत तउ उ देस मँ सान्ति नाहीं होइ। किन्तु उ देस जउन परमेस्सर क व्यवस्था पइ चलत ह, आनन्दित रही।

19सिरिफ सब्द मात्र स दास नाहीं सुधरत ह। चाहे उ तोहार बात क समुझ लेइ, मुला ओकर पालन नाहीं करी।

20अगर कउनो बगैर बिचारे भए बोलत ह तउ ओकरे बरे कउनो आसा नाहीं। जियादा आसा होत ह एक मूरख बरे अपेच्छा उ मनई क जउन बिचारे बिना बोलइ।

21अगर तू आपन दास क सदा उ देब्या जउन भी उ चाहइ, तउ अंत मँ उ तोहार एक उत्तिम दास नाहीं रही।

22किरोधी मनई मतभेद भड़कावत ह, अउर अइसा जन जेका किरोध आवत होइ, बहोत स पापन क अपराधी बनत ह।

23मनई क अहंकार नीचा देखावत ह, मुला उ मनई जेकर हिरदय विनम्र होत आदर पावत ह।

24जउन चोर क संग धरत ह उ आपन स दुस्मनी करत ह। काहेकि अदालत मँ जब ओका फुरइ बोलइ क होइ तउ उ कछू भी कहइ स बहोत डेरान रहब्या।

25डर मनई बरे फंदा साबित होत ह, मुला जेकर आस्था यहोवा पइ रहत ह, सुरच्छित रहत ह।

26बहोत लोग सासक क मीत होइ चाहत हीं, मुला उ यहोवा ही अहइ, जउन लोगन क फुरइ निआव करत ह।

27सज्जन घिना करत हीं अइसे ओन लोगन स जउन सच्चे नाहीं होतेन, अउर दुट्ठ सच्चे लोगन स घिना राखत हीं।

याके क पूत आगूर क सूक्तियन

30 इ सबइ सूक्तियन आगूर क अहइँ, जउन याके क पूत रहा। इ पुरुस ईतीएल अउ उक्काल स कहत ह।

2मइँ महा बुद्धिहीन हउँ। मोहमाँ मनई क समुझदारी बिल्कुल नाहीं अहइ।

3मइँ बुद्धि नाहीं पाएउँ अउर मोरे लगे उ पवित्तर क गियान नाहीं अहइ।

4सरग स कउनो नाहीं आवा अउर हुआँ क रहस्य लिआइ सका पवन क मूठी मँ कउनो नाहीं बाँधि सका। कउनो नाहीं बाँधि सका पानी क ओढ़ना मँ अउर कउनो नाहीं जानि सका धरती क छोर। अउर अगर कउनो एन बातन क करि सका ह, तउ मोहसे कहा, ओकर नाउँ अउर नाउँ ओकरे पूत क मोका बतावा, अगर तू ओका जानत अहा।

5परमेस्सर क सब्द दोखरहित होत ह, जउन कउनो भी ओकरी सरण जात हीं उ ओनकर ढाल होत ह। 6'तू ओकरे सब्दन मँ कछू जिन बढ़ा। नाहीं तउ उ तोहका सजा दइ अउर झूठा ठहराइ।

7हे यहोवा, मइँ तोहसे दुइ बातन माँगत हउँ: ओनका मोरे मउत स पहिले इनकार जिन करा। 8तू मोहसे मिथ्या क, छल क दूर रखा। मोका दरिद्र जिन करा अउर न ही मोका धनी बनावा। मोका बस रोज खाइ क देत रहा। 9कहूँ अइसा न होइ जाइ बहोत कछू पाइके मइँ तहका तजि देउँ, अउर कहइ लागूँ 'कउन परमेस्सर अहइ?' अउर जदि निर्धन बनउँ अउर चोरी करउँ, अउर इ तरह मइँ आपन पमेस्सर क नाउँ क लजाउँ। 10तू सुआमी स सेवक क निन्दा जिन करा नाहीं तउ तोहका, उ अभिसाप देइ अउर तोहका ओकर भरपाइ करइ क होइ।

11अइसे भी होत हीं जउन आपन बाप क कोसत हीं, अउर आपन महतारी क धन्न नाहीं कहत हीं।

12होत हीं अइसे भी, जउन आपन आँखिन मँ तउ पवित्तर बने रहत हीं किन्तु अपवित्तरता स आपन नाहीं धोवा होत हीं।

13अइसे भी लोग अहइ जउन सोचत हीं कि उ पचे बहोत नीक अहइ। उ पचे सोचत हीं कि उ पचे दूसर स बेहतर अहा।

14अइसे भी होत हीं जेनकर दाँत कटार अहइँ अउर जेनकर जबड़न मँ खंजर जड़ा रहत हीं जेहसे उ पचे इ धरती क गरीबन क हड़प जाँइ, अउर जउन मानवन मँ स अभावग्रस्त अहइँ ओनका उ पचे लील लेइँ।

15जोंक क दुइ बिटियन होत हीं उ पचे सदा चिचियात रहत हीं, "द्या, द्या।" तीन चिजियन अइसी अहइँ जउन कबहुँ नाहीं अघातिन अउर चार अइसी जउन कबहुँ बस नाहीं कहतिन। 16कब्र, बाँझ कोख अउर धरती जउन जल स कबहुँ आघात नाहीं, अउर उ आगी जउन कबहुँ 'बस' नाहीं कहतिन।

17जउन आँखिन आपन ही बापे पइ हँसत हीं, अउर महतारी क बात मानइ स घिना करत ह, घाटी क कउआ ओका नोंच लेइहीं अउर ओका गीध खाइ जइहीं।

18तीन बातन अइसी अहइँ जउन मोका बहोत विचित्र लागत हीं, अउर चउथी अइसी जेका मइँ समुझ नाहीं पावत हउँ। 19अकासे मँ उड़त भए गरूड़ क मारग, अउर लीक नाग क जउन चट्टान पइ चला, अउर महासागरे पइ चलत जहाज क राह अउर उ पुरूस क मारग जउन कउनो कामिनी क पिरेम जाल मँ बँधा होइ।

20बिभीचारी मेहरारू क स्वभाव अइसी होत ह, उ खात रहत अउर आपन मुँह पोंछ लेत, अउर कहा करत ह, "मइँ तउ कछू भी बुरा नाहीं किहेउँ।"

21तीन बातन अइसी अहइँ जेनसे धरती काँपत ह अउर एक चउथी अहइ जेका उ सह नाहीं कइ पावत। 22दास जउन राजा बन जात अउर मूरख जेकर लगे प्रयाप्त भोजन होत ह, 23अउर अइसी मेहरारू जेहसे घिना करत ह अउर अइसी दासी जउन सुआमिनी क जगह लइ लेइ।

24चार जीव धरती पइ क अइसा अहइ जउन कि बहोत छुद्र अहइँ मुला ओनमाँ बहोत जियादा विवेक भरा भवा अहइ।

25चींटियन जेनमाँ सक्ती नाहीं होत हीं फुन भी उ पचे
गर्मी मँ आपन खइया क बटोरत हीं,

26बिज्जू (सापान) दुर्बल प्राणी अहइँ फुन भी उ पचे
कड़ी चट्टानन मँ आपन घर बनावत हीं,
27टिड्डियन क कउनो भी राजा नाहीं होत ह फुन भी
उ पचे पंक्ति बाँधिके साथ अगवा बढ़त हीं।
28अउर उ छिपकिली जउन जब सिरिफ हाथ स ही
धरी जाइ सकत ह, फुन भी उ राजा क महलन मँ पाई
जात ह।
29तीन प्राणी अइसे अहइँ जउन आन-बान स चलत हीं,
किन्तु नाहीं, दर असल उ चार अहइ:
30एक सेर, जउन सबहिं पसुअन मँ सक्तीवाला होत
ह, जउन कबहुँ कउनो स नाहीं डेरात,
31घमण्डी चाल स चलत भवा मुर्गा अउ एक बोकरा
अउर उ राजा जउन आपन सेना क अगवाइ करत ह।

32तू जदि कबहुँ आपन बेवकूफी क कारण स घमण्डी
हो जात ह अउर दूसर क बिरुद्ध जोजना बनावत ह तउ
एका बन्द करा अउर जउन तू करत ह ओकरे बरे सोच्या।
33जइसे मथानी स दूध निकरत ह माखन अउर नाक
मरोड़इ स लहू निकरि आवत ह वइसे ही जगाउब किरोध
क होत ह झगड़न क भड़काउब।

राजा लमुएल क सूक्तियन

31 इ सबइ सूक्तियन राजा लमूएल क, जेनका ओका
ओकर महतारी सिखाए रही।
2तू मोर पूत अहा उ पूत जउन मोका पिआरा अहइ।
तोहका पावइ क मइँ परमेस्सर स मन्नत माने रहेउँ। 3तू
बियर्थ मँ आपन सक्ती मेहररूअन पइ जिन खर्च करा।
मेहरारू ही राजा लोगन क बिनास क कारण होत ह एह
बरे तू ओन पइ आपन छय जिन करा। 4हे लमूएल! राजा
क मधूपान सोभा नाहीं देता, अउर न ही इ कि सासक क
यवसुरा ललचाइ। 5नाहीं तउ, उ पचे दाखरस क बहोत
जियादा पान कइके, विधान क व्यवस्था क बिसरि जइहीं
अउर उ पचे सारे दीन दलितन क अधिकारन क छोरि
लेइहीं। 6ओन लोगन क जौ क दाखरस पिअइ द्या जउन
बहोत बड़ा विपत्ती मँ अहइ। 7उ पचे पिअइ अउर आपन
दीनता क बरे मँ बिसर जाइ। उ पचे आपन मुसीबतन क
याद नाही राखइही।
8तू ओनके बरे बोल जउन कबहुँ भी आपन बरे बोल
नाहीं पावत हीं, अउर ओन सबन क, अधिकारन बरे बोल
जउन असाहय अहइ अउर विपत्ती क मारा अहइ। 9तू ओन
बातन क हेतु डटिके खड़ा रह जेनका तू जानत ह कि पचे
उचित, निआवपूर्ण अहा। अउर बिना पच्छ-पात क सब क
निआव कर। गरीब अउर जरुरत मन्द लोगन क अधिकार
क रच्छा करा।

आदर्स पत्नी

10गुणवन्ती पत्नी कउन पाइ सकत ह? उ जन मणि-मणिकन
स कहूँ जियादा कीमती अहइ।
11ओकर पति ओकर बिस्सास कइ सकत ह। ओका
कउनो भी अच्छी चिजियन क कमी नाही होइ।
12सतपत्नी पति क संग उत्तिम व्यवहार करत ह। आपन
जिन्नगी भर ओकरे बरे कबहुँ विपत्ति नाहीं उपजावत।
13उ हमेसा ऊनी अउ सूती ओढ़ना बनावइ मँ व्यस्त
रहत ह।
14उ उ पानी क जहाज क नाईं अहइ जउन दूर देस स
आवात ह अउर हर कहुँ स घरे पर भोज्य वस्तु लिआवत
ह।
15भिंसारे उठिके उ खइया क बनावत ह। अपने परिवारे
क अउर दासियन क हींसा ओनका देत ह।
16उ लखिके अउ परखिके खेत मोल लेत ह। आपन
कमात भवा धन स दाख क बारी लगावत ह।
17उ बड़ी मेहनत करत ह। उ आपन सबहिं काम करइ
क समर्थ अहइ।
18जब भी उ आपन बनाईं चीज क बेंचत ह, तउ लाभ
कमात ह। उ देर रात तलक दीप जलाइ क काम करत ह।
19उ सूत कातत अउर आपन वस्तु बुनत ह।
20उ हमेसा ही दीनदु:खी क दान देत ह, अउर कंगाल
जल क सहायता करत ह।
21जब सर्दी पड़त ह तउ उ आपन परिवार बरे चिंतित
नाहीं होत ह। काहेकि उ सबहिं क उत्तिम गरम ओढ़ना दइ
रखे अहइ।
22उ चादर बनावत ह अउर बिस्तरा पइ फैलावत ह। उ
सने स बना भवा बढ़िया अउर बेंगनी ओढ़ना पहिरत ह।
23लोग ओकरे पति क आदर करत ही उ जगह पावत
ह नगर प्रमुखन क बीच।
24उ अति उत्तिम बइपारी बनत ह। उ ओढ़नन अउर
कमरबंदन क बनाइके ओनका बइपारी लोगन क बेचत ह।
25उ सक्तीवाली अहइ, अउर आन-बान वाली अहइ।
अउर बिस्सास क संग भविस्य क ओर लखत ह।
26जब उ बोलत ह, उ विवेकपूर्ण रहत ह। ओकरी
जीभ लोगन क पिरेम करइ अउर दाया करइ क सिच्छा
देत ह।
27उ कबहुँ भी आलस नाहीं करत अउर आपन घर बार
क चिजियन पइ हर एक दिन धियान रखत ह।
28ओकर बच्चन खड़ा होत हीं अउर ओका आदर देत हीं
अउर ओकरे बारे मँ अच्छी बातन करत ह। ओकर पति
ओकरी तारीफ करत ह।
29ओकर पति कहत ह, "बहोत स उच्चकोटि क
मेहरारूअन अहइ। किन्तू ओन सब मँ तू ही सर्वोत्तम पत्नी
अहा।"
30आकर्षण धोकाबाज़ अहइ अउर सुन्नरता दुइ पल क
अहइ। मुला उ मेहरारू जेका यहोवा क डर बाटइ, ओकरी
तारीफ हाइ चाही।
31ओका उ प्रतिफल द्या जेकर उ जोग्ग अहइ। अउर
जउन काम उ किहेस ह, ओनके बरे सारे लोग क बीच मँ
ओकर तारीफ करा।

भजन संहिता

पहिला भाग

भजन 1

1उ मनई सचमुच धन्य होइ जउन दुस्टन क सलाह न मानी, अउर पापियन क संग सामिल नाहीं होत ह अउर ओनकर संग नाहीं रहत ह जउन परमेस्सर क बरे सम्मान नाहीं दिखावत ह।*

2उ नीक मनई अहइ जउन यहोवा क उपदेसन स पिरेम राखत ह। उ तउ दिन रात ओन उपदेसन क मनन करत ह।

3एहसे उ मनई उ बृच्छ जइसा मजबूत बनत ह जेका सिंचाई क नहर क किनारे रोपा गवा ह। उ उ बृच्छ क नाईं बाटइ, जउन छेत्र मँ फल देत ह अउ जेकर पत्ता कबहुँ नाहीं मुरझातेन। उ जउन भी करत ह सफल ही होत ह।

4मुला दुस्ट मनई अइसे नाहीं होतेन। दुस्ट मनई उ भूसा क नाईं होत हीं जेनका हवा क झोंका उड़ाइ लइ जात ह।

5एह बरे दुस्ट मनई निआव क मुकाबला नाहीं कइ पइहीं। सज्जन लोगन क सभा मँ उ पचे दोखी ठहरावा जइहीं अउर ओन पापी लोगन क बख्सा न जाइ।

6एकर कारण इ बाटइ कि यहोवा सज्जन लोगन क अगुवाइ करत ह, मुला दुर्जन लोग खो जाइहीं।

भजन 2

1दूसरे देसन क मनइयन काहे ऍतना हुल्लड़ मचावत हीं अउर रोवत ह? अउर काहे बियर्थ सड्यन्त्र रचत हीं?

2अइसे देसन क राजा अउर नेता यहोवा अउर ओकरे चुने भएन राजा क खिलाफ होइ बरे आपुस मँ एकजुट होइ जात हीं।

3उ सबइ नेता लोग कहेन, "आवा परमेस्सर स अउ उ राजा स जेका उ चुनेस ह, हम पचे एकजुट होइ क विद्रोह करी। आवा ओकरे बन्धनन क हम उतारिके फेंकि देइ।"

4मुला मोर सुआमी, सरग क राजा, ओन लोगन प हँसत ह।

5-6परमेस्सर कोहान ह अउर उ ओनसे कहत ह, "मइँ इ पुरूस क राजा बनवइ बरे चुनेउँ ह। उ मोर पवित्तर पहाड़ सिय्योन पइ राज्ज करी अउर इहइ ओन नेता लोगन क डेरावत ह।

7अब मइँ यहोवा क फ़रमान क बारे मँ तोहका बतावत हउँ। यहोवा मोसे कहे रहा, "आजु मइँ तोहार बाप बनत हउँ अउर तू आजु मोर पूत बन गवा ह।

8अगर तू मोसे मँगब्या, तउ इ सबइ देसन क मइँ तोहका दइ देबउँ अउ इ धरती क सबहिं जन तोहार होइ जइहीं।

9तोहरे लगे ओनका बर्बाद करइ क वइसे ही सक्ती होइ जइसे कउनो माटी क भाँड़ी क कउनो लोहे क डण्डा स चूर चूर कइ देइ।"

10एह बरे, हे राजा लोगो, तू पचे बुद्धिमान बना। हे सासक लोगो, तू पचे इ पाठे क सीख ल्या।

11तू पचे बहोतइ भय स यहोवा क आग्या माना।

12खुद क ओकर क पूत क बिस्सासपात्र देखॉवा। वरना उ कोहाइ जाइ अउर तू पचन्क नास कइ देइ। असल मँ उ पहिले ही काफी कोहाइ चुका भवा ह। मुला जउन परमेस्सर पइ निर्भर करत अहइँ धन्य होब।

भजन 3

दाऊद क ओह समइ क गीत जब उ आपन पूत अबसालोम स दूर पराइ ग रहा।

1हे यहोवा, मोरे केतॅना ही केतॅना दुस्मन अहइँ, केतॅना लोग मोरे खिलाफ ठाड़ होइ ग अहइँ।

2केतॅना ही लोगन मोर खिलाफ सड्यंत्र रचेन, उ कहत हीं, "परमेस्सर ऍकर रच्छा नाहीं करी।"

3मुला यहोवा, तू मोर ढाल अहा। जउन मोर सम्मान बा उ तू ही अहा। हे यहोवा, तू ही मोर मूँड़ ऊँच करत अहा।

4मइँ यहोवा क ऊँची अवाजे मँ पुकारबउँ। उ आपन पवित्तर पर्वत स मोका जवाब देइ।

5मइँ आराम करइ बरे ओलर सकत हउँ। मइँ जानत हउँ कि मइँ जाग जाबेउँ, काहेकि यहोवा मोका बचावत अउर मोर रच्छा करत ह।

6चाहे हज़ारन सैनिक मोका घेर लेइहीं मुला ओन दुस्मनन स नाहीं डेराब।

7हे यहोवा, उठा! मोरे परमेस्सर मोका बचावा। तू बहोत सक्तीसाली अहा। अगर तू मोरे दुस्मनन क मुँहना पइ प्रहार करा, तउ ओनकइ सबहिं दाँतन टूटि जाइहीं।

8यहोवा आपन लोगन क रच्छा कइ सकत ह। हे यहोवा, तोहरे मनइयन पइ तोहार आसीस रहइ।

भजन 4

तार स बजइ वाले साज क संग संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु गीत।

1मोर उत्तिम परमेस्सर, जब भी मइँ तोहका गोहरावउँ तू मोका जवाब दिया। मोर बिनती क सुना अउर मोहे पइ कृपा करा। जब कबहुँ बिपत्तियन मोका घेरेस तू मोका बचाएस।

उ मनई … दिखावत ह उ मनई भाग्यवान ह जउन दुट्ठन क सलाह पइ नाहीं चलत ह या पापियन क मारग नाहीं लेत ह या ठट्ठा करइ वालन क घरे मँ नाहीं रहत ह।

2अरे लोगो, कब तलक तू पचे मोरे बारे मँ बुरे सब्द कहब्या? तू लोग मोरे बारे मँ कहइ बरे नवा झूठ हेरत रहत अहा। ओन झूठन क कहइ स तू लोग पिरेम रखत ह।

3तू पचे जानत अहा कि आपन नेक लोगन क यहोवा सुनत ह। जब भी मइँ यहोवा क पुकारत हउँ, उ मोर पुकार क सुनत ह।

4जब भी तोहका कउनो बात क परेसानी होइ, तउ होइ सकत क तोहका किरोध आ जाइ, मुला पाप जिन कर्‌या। जब तू आपन बिछउना पइ जा, ओन बातन पइ बिचार करा अउ सांत होइ जा।

5ठीक तरह बलि क अर्पण करा अउ यहोवा पइ भरोसा रखा।

6बहोत स लोग कहत हीं, "परमेस्सर क नेकी हम पचन्क क कउन देखॉइ? हे यहोवा, आपन प्रकास स चमकत मुँहना क प्रकास हम पचन पइ चमकावा।"

7हे यहोवा, तू मोका बहोत खुस बनाइ दिहा। कटनी क समइ भरपूर फसल अउ दाखरस पाइके जब हम पचे आनन्द अउ खुसी मनाइत ह ओसे भी कहूँ जियादा खुस अब मइँ अहउँ।

8मइँ बिछउना पइ ओलरत हउँ अउर सान्ति स सोवत हउँ। काहेकि यहोवा, तू ही मोका सुरच्छित कइके सोवइ बरे ओलारत ह।

भजन 5

बाँसुरी क बजनिया निर्देसक बरे दाऊद क गीत।

1हे यहोवा, मोरे सब्द क सुना अउर तू ओकर सुध ल्या जेका तोका कहइ क मइँ जतन करत हउँ।

2हे मोरे राजा, मोर परमेस्सर मोर दुहाइ पइ धियान द्‌या, काहेकि मइँ तोहसे ही पराथना करत हउँ।

3हे यहोवा, हर भिंसारे तोहका, मइँ आपन भेंटन क अर्पण करत हउँ। तू ही मोर सहायक अहा। मोर निगाह तोहे पइ लागि अहइ अउर तू ही मोर पराथना हर भिंसारे सुनत अहा।

4तू अइसा परमेस्सर नाहीं जउन झूठे देवतन क नाईं दुट्ठता क चाहत ह। बद लोग तोहरे चारिहुँ कइँती नाहीं रहइ सकतेन!

5सेखी हाँकइ वाल लोग तोहार समन्वा नाहीं रुक सकतेन जउन दुस्टता करत ह तू ओनसे नफरत करत ह।

6जउन झूठ बोलत हीं ओनका तू नस्ट करत ह। यहोवा अइसेन मनइयन स घिना करत ह, जउन दूसर लोगन क नोस्कान पहुँचावइ क सड़यन्त्र रचत रहत हीं।

7मुला हे यहोवा, तोहरी अपार करुणा स मइँ तोहरे मन्दिर मँ आउब। हे यहोवा, मोका तोहार डर अहइ मइँ सम्मान तोहका देत अहउँ। एह बरे मइँ तोहरे पवित्तर मन्दिर कइँती निहुरिके तोहार पइलगी करब।

8हे यहोवा, तू मोका आपन नेकी क राह देखॉवा। तू आपन राह क मोरे समन्वा सोझ करा काहेकि मइँ दुस्मनन स घिरा भवा अहउँ।

9उ सबइ लोग फुरइ नाहीं बोलतेन। उ सबइ लबार अहइँ, जउन फुरइ क तोड़त मरोड़त रहत हीं। ओनकर मुँह खुली कब्र क नाईं अहइँ। उ सबइ अउरन स उत्तिम चिकनी-चुपरी बातन करत उ पचे ओनका बस जालि मँ फँसावा चाहत हीं।

10हे परमेस्सर, ओनका सजा द्‌या। ओनकर आपन ही जालन मँ ओनका अरझइ द्‌या। इ सबइ लोग तोहरे खिलाफ होइ ग अहइँ, ओनका ओनकर आपन ही बहोत स पापन क सजा द्‌या।

11मुला जउन परमेस्सर मँ आस्था धरत रहत हीं, उ सबइ प्रसन्न होइँ अउ उ सबइ सदा सदा ही आनन्दित रहइँ। हे परमेस्सर, तू ओनकर रच्छा करा अउर ओनका सक्ती द्‌या जउन लोग तोहरे नाउँ स पिरेम राखत हीं।

12हे यहोवा, तू निहचय ही धर्मी क आसिस देत ह। आपन कृपा स तू ओन पचन्क एक ठु बड़की ढ़ाल बनिके फुन ढक लेत ह।

भजन 6

सौमिनिथ सैली क तार वाद्‌य क संग निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु गीत।

1हे यहोवा, जब तू किरोध मँ होब्या तउ मोका सज़ा मत द्‌या। मोका मत सुधारा जब तू बहोत कोहाइ भवा ह्‌वा।

2हे यहोवा, मोहे प दाया करा। मइँ रोगी अउ दुर्बल अहउँ। मोरे बेरामियन क हर ल्या। मोर हाड़ काँपत हीं।

3मोर समूचा देह थर-थर काँपत ह। हे यहोवा, मोर भारी दु:ख तू कब तलक रखब्या।

4हे यहोवा, मोका फुन स बलवान करा। तू महा दयावान अहा, मोर रच्छा करा।

5मरे भए लोग तोका आपन कब्रन मँ याद नाहीं करतेन। मउत क देस मँ उ पचे तोहार स्तुति नाहीं करतेन। एह बरे मोका बचावा।

6हे यहोवा, सारी रात मइँ तोहका पुकारत रहत हउँ। मोर बिछउना मोरे आँसुअन स भीज गवा ह। मोरे बिछउना स आँसू टपकत रहत हीं। तोहरे बरे मइँ रोवत भवा छीन होइ गवा हउँ।

7मोर दुस्मनन मोका बहुतेरा दु:ख दिहन। इ मोका सोक मँ डाइके अउर बहोत दु:खी कइ डाएन अउर अब मोर अँखियन बिलखइ स थकी भइ हारी अउर दुर्बल अहइँ।

8अरे ओ दुर्जन लोगो, तू मोसे दूर हटा। काहेकि यहोवा मोका रोवत भवा सुनि लिहस ह।

9मोर बिनती यहोवा क काने तलक पहोंच चुकी बाटइ अउर मोरी पराथना क सुनिके यहोवा जवाब दइ दिहस ह।

10मोर सबहिं दुस्मनन डर जाइँ अउ निरास होइहीं। कछू अचानक ही घटित होइ अउर उ फुस स अपमानित कीन्ह जाइहीं।

भजन 7

दाऊद क एक भजन गीत: जेका उ यहोवा बरे गाएस। इ गीत बिन्यामीन परिवार समूह क कीस क पूत साऊल क बारे मँ अहइ।

1हे मोर यहोवा परमेस्सर, मोका तोहे प भरोसा बा ओन मनइयन स तू मोर रच्छा कर, जउन मोरे पाछे पड़ा अहइँ। मोका तू बचाइ ल्या।

2अगर तू मोका नाहीं बचउत्या तउ मोर दसा उ निरीह गोरू क नाईं होइ, जेका कउनो सेर धइ दबोच लेत ह। उ मोका घेर्राइके लइ जाइ कउनो भी मनई मोका नाहीं बचाइ पाइ।

3हे मोर यहोवा परमेस्सर कउनो पाप करइ क मइँ दोखी नाहीं हउँ। मइँ तउ कउनो भी पाप नाहीं किहेउँ।

4मइँ आपन मीतन क संग बुरा नाहीं किहेउँ अउर आपन मीत क दुस्मनन क भी मइँ मदद नाहीं किहेउँ।

5मुला एक दुस्मन मोका पाछे खदेरत बाटइ उ मोर हत्या करइ-चाहत ह। उ दुस्मन चाहत ह कि मोर जिन्नगी क धरती पइ रउँद डावइ अउर मोर आतिमा क धूरि मँ मिलाइ देइ।

6यहोवा उठा, अउर आपन किरोध मोर दुस्मन क बिरुद्ध परगट करा। मोरे बरे निआव करा जेकर माँग तू हमेसा करत रहा ह।

7हे यहोवा, मनइयन क निआउ करा। आपन चारिहुँ कइँती क रास्ट्र क बटोरा अउ मनइयन क निआव करा।

8हे यहोवा, आपन निआव क कुर्सी पइ बइठा। आपन निअरे क देसन क इकट्ठा करा अउर ओनका निआव करा यहोवा मइँ निर्दोख अहउँ, मोका निआव द्या जेका मइँ हकदार अहउँ।

9दुर्जन क दण्ड द्या अउर सज्जन क मदद करा। हे परमेस्सर, तू उत्तिम अहा। तू अन्तर्जामी अहा। तू तउ मनइयन क हिरदइ मँ निहारि सकत अहा।

10जेनकर मन सच्चा अहइँ, परमेस्सर ओन मनइयन क मदद करत ह। एह बरे उ मोर भी मदद करी।

11परमेस्सर उत्तिम निआवकर्ता अहइ। उ कबहुँ भी आपन किरोध परगट कइ देइ।

12परमेस्सर जब कउनो निर्णय लइ लेत ह, तउ फिन आपन मन नाहीं फेरत।

13ओहमाँ मनइयन क सजा देइ क छमता बाटइ। उ मउत क सब सामान साथे रखे बाटइ।

14कछू अइसे लोग होत हीं जउन हमेसा कुकर्मन क जोजना बनावत रहत हीं। अइसेन ही लोग गुप्त सड्यन्त्र रचत रहत हीं। अउर झूठ बोलत रहत हीं।

15उ पचे दूसर लोगन क जालि मँ फाँसइ अउर नोस्कान पहुँचावइ क जतन करत रहत हीं। मुला आपने ही जालि मँ फँसिके उ पचे नोस्कान उठइहीं।

16उ पचे आपन ही कर्मे क उचित सजा पइहीं। उ पचे दूसर लोगन क संग क्रूर रहेन। मुला जइसे ओनका चाही वइसेन ही फल पइहीं।

17मइँ यहोवा क जस गावत हउँ, काहेकि उ उत्तिम अहइ। मइँ यहोवा क सबन त ऊँच नाउँ क बड़कइ करत हउँ।

भजन 8

गित्तीथ क संगत पइ संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु पद।

1हे यहोवा, हमार सुआमी, तोहार नाउँ सारी भुइँया पइ बहोतइ अद्भुत बाटइ। तोहार नाउँ सरगे मँ हर कइँती तोहका बड़कइ देत बाटइ।

2लरिकन अउ नान्ह गदेलन क मुँहन स, तोहरी बड़कइ क गीत गावा जात हीं। तू आपन दुस्मनन क चुप करावइ मँ अइसा करत ह।

3हे यहोवा, जब मोर निगाह अकासे पइ पड़त ह, जेका तू आपन हाथे स रच्या ह। अउर जब मइँ चाँद तारन क लखत हउँ जउन तोहार रचना बाटइ, तउ मइँ अचम्भा स भरि जात हउँ।

4मनइयन तोहरे बरे काहे एँतना महत्वपूर्ण होइ गएन? तू ओनका काहे बरे सुमिरत अहा? मनई क पूत तोहरे बरे काहे महत्वपूर्ण बाटइ? काहे तू ओन पइ धियान तलक देत अहा?

5मुला तोहरे बरे मनई महत्वपूर्ण अहइ! तू मनई क देवता क प्रतिरूप बनाया ह, अउ ओनके मूँड़े पइ महिमा अउ सम्मान क मुकुट धरे अहा।

6तू आपन सृस्टि क जउन कछू भी रच्या ह मनइयन क ओकर हकदार बनाया ह।

7मनई भेड़िन पइ, गोरू धने पइ अउ जंगल क सबहिं हिंसक जन्तुअन पइ राज्ज करत ह।

8उ अकासे मँ पंछियन पइ अउ समुद्दर मँ तैरत भए जलचरन पइ राज्ज करत ह।

9हे यहोवा, हमार सुआमी, सारी धरती पइ तोहार नाउँ बहोतइ अद्भुत अहइ।

भजन 9

अलामौथ बैन राग पइ बनावा गवा
दाऊद क पद: संगीत निर्देसक बरे।

1मइँ आपन सम्पूर्ण मन स यहोवा क स्तुति करत हउँ। हे यहोवा, तू जउन अद्भुत कर्म किहे अहा मइँ ओन सबन्क वर्णन करबउँ।

2तू ही मोका एँतना आनन्द मँ रहइवाला बनाया ह। हे परम परमेस्सर, मइँ तोहरे नाउँ क बड़कई क गीत गावत हउँ।

3जब मोर दुस्मन मोसे पलटिके मोरे खिलाफ होत हीं, तब परमेस्सर ओनकर पतन करत ह अउ उ पचे बिलाइ जात हीं।

4तू सच्च निआव करवइया अहा। तू आपन सिंहासन पइ निआव करवइया क रूप मँ बिराजा। तू मोरे मुकदमा क सुनवाई किह्या अउर मोर निआव किहा।

5हे यहोवा, तू ओन दुस्मनन क कठोर झिड़की दिहा अउ हे यहोवा, तू ओन दुस्टन क नास किहा। ओनकइ नाउँ तू जिअत मनइयन क सूची स हमेसा हमेसा बरे मेट दिहा।

6दुस्मन नस्ट होइ गवा ह! हे यहोवा, तू ओनकर नगर मेट दिहा ह। ओनकर भवन अब सिरिफ खण्डहर होइ गवा अहइँ ओन बुरे मनइयन क हम पचन्क सुमरन तलक दिआवइ क कछू भी नाहीं बचा बाटइ।

7मुला यहोवा, तोहार सासन अविनासी अहइ। यहोवा आपन राज्ज क सक्तीसाली बनाएस। उ दुनिया मँ निआव लिआवइ बरे इ किहस।

8यहोवा धरती क सबहिं मनइयन क निस्पच्छ होइके निआव करत ह। यहोवा सबहिं जातियन क बे पच्छपात क निआव करत ह।

9यहोवा दलित अउ सोसितन क सरण क ठउर अहइ। विपत्ति क समइ उ एक सुदृढ़ किला अहइ।

10जउन तोहे पइ भरोसा राखत हीं, तोहार नाउँ जानत हीं। हे यहोवा, अगर कउनो तोहरे दुआरे पइ आइ जाइ तउ बिना मदद पाए लउटत नाहीं।

11अरे ओ सिय्योन क निवासी लोगो यहोवा क गीत गावा जउन सिय्योन मँ विराजत अहइ। सबहिं जातियन क ओन बातन क विसय मँ बतावा जउन बड़की बातन यहोवा कहेस ह।

12यहोवा हत्यारन क सज़ा देत ह अउर ओनका याद रखत ह जउन ओकरे लगे मदद बरे जात ह। उ दीन लोगन क नाहीं भूलत जउन ओकरे लगे सहायता बरे रोवत अहइँ।

13यहोवा क स्तुति मइँ गाएउँ ह: "हे यहोवा, मोहे पइ दाया करा। लखा, कउने तरह मोरे सत्रु मोका दु:ख देत हीं। 'मउत क दुआर' स तू मोका बचाइ ल्या।

14जेहसे यहोवा यरूसलेम क फाटक पइ मइँ तोहार स्तुति क गीत गाइ सकउँ। मइँ बहोतइ प्रसन्न होब काहेकि तू मोका बचाइ लिहा।"

15दूसर जातियन गड़हा खोदेन जेहसे लोग ओनमाँ भहराइ जाइँ मुला उ पचे आपन ही खने भए गड़हन मँ खुद बिलाइ जइहीं। दुट्ठ लोग जालि छुपाइ छुपाइके बिछाएन, जेहसे उ पचे ओहमाँ दूसर लोगन क फाँसि लेइँ। मुला ओनमाँ ओनकर ही गोड़ धँसि गएन।

16यहोवा जउन निआव किहस उ ओहसे पहिचाना गवा कि जउन बुरा करम करत हीं। उ पचे आपन ही हाथन स कीन्ह भए करम स जाँलि मँ फँस गएन। *(हिग्गायोन, सेला)*

17उ पचे दुर्जन होत हीं, जउन परमेस्सर क बिसरत हीं। अइसे लोग मउत क देस जइहीं।

18कबहुँ कबहुँ लागत ह जइसे परमेस्सर दुखियन क पीरा मँ बिसरि जात ह। इ अइसा लागत ह जइसे दीन लोग बिना आसा क अहइँ। मुला परमेस्सर दीन लोगन क हमेसा हमेसा बरे कबहुँ नाहीं बिसरत।

19हे यहोवा, उठा अउ रास्ट्रन क निआव करा। कहूँ उ पचे इ सोच न बइठइँ उ पचे प्रबल अउ सक्तीसाली बाटेन।

20मनइयन क पाठ सिखाइ द्या, जेहसे उ पचे जान जाइँ कि उ पचे बस सिरिफ मनई अहइँ।

भजन 10

1हे यहोवा, तू एँतना दूर काहे खड़ा रहत ह? कि संकट मँ पड़ा लोग तोहका निहारि नाहीं पउतेन।

2अहंकारी दुट्ठ जन दुर्बल क दु:ख देत हीं। उ पचे आपन सड़यन्त्र क रचत रहत हीं।

3दुट्ठ जन ओन चिजियन पइ घमण्ड करत हीं, जेनकर ओनका गहरी इच्छा अहइ अउ लालची मनई परमेस्सर क कोसत रहत हीं। इ तरह दुट्ठ देखॉवत हीं कि उ पचे यहोवा स घिना करत रहत हीं।

4दुट्ठ लोग एँतना घमण्डी होत हीं कि उ पचे परमेस्सर क पाछे नाहीं चल सकतेन। उ पचे खराब खराब जोजना रचत हीं। उ पचे अइसा करम करत हीं, जइसे परमेस्सर क कउनो अस्तित्व ही न बाटइ।

5दुट्ठ जन सदा कुटिल करम करत हीं। उ पचे परमेस्सर क विवेक स पूरी व्यवस्था अउ सिच्छन पइ धियान नाहीं देतेन। हे परमेस्सर, तोहार सबहिं दुस्मन तोहरे उपदेसन क उपेच्छा करत हीं।

6उ पचे सोचत हीं, जइसेन कउनो बुरी बात ओनके संग नाहीं घटि जाइ। उ पचे कहत रहत हीं, "हम पचे मउज मँ रहब अउ कबहुँ भी दण्डित नाहीं होब।"

7अइसेन दुट्ठ क मुँह सदा साप देत रहत ह। उ पचे दूसर जन क निन्दा करत हीं अउर काम मँ लिआवइ क सदा ही बुरी बुरी जोजना रचत रहत हीं।

8अइसे लोग गुप्त ठउरन मँ लुकान रहत हीं, अउर लोगन क फँसावइ क प्रतीच्छा करत हीं। उ पचे लोगन क नस्कान पहुँचावइ खातिर लुकान रहत हीं अउ निरपराधी लोगन क हत्या करत हीं।

9दुट्ठ जन सिंह क नाईं होत हीं जउन ओन गोरूअन क धरइ क घात मँ रहत हीं। जेनका उ पचे खाइ जइहीं। दुट्ठ जन दीन लोगन पइ मार करत हीं ओनकर बनाए भए जालि मँ बेसहारा दीन फँसि जात हीं।

10दुट्ठ जन बार-बार दीनन पइ घात करत अउ ओनका दु:ख देत ह।

11एह बरे दीन जन सोचइ लागत हीं, "परमेस्सर हमका बिसराइ ही दिहस। हमसे तउ परमेस्सर सदा-सदा बरे दूर होइ गवा बाटइ। उन कछू भी मोरे संग घटत अहइ, ओहसे परमेस्सर दृस्टि फेरि लिहस ह!"

12हे यहोवा, उठा अउर कछू तउ करा! हे परमेस्सर, ओन दुट्ठ जनन क आपन हाथ उठाइके सजा द्या! अउर एँन दीन दु:खियन क जिन बिसरा।

13दुट्ठ जन काहे परमेस्सर क खिलाफ होत हीं? काहेकि उ पचे सोचत हीं कि परमेस्सर ओनका कबहुँ नाहीं दण्डित करी।

14हे यहोवा, तू ही अहइ जउन बुरे लोगन दुआरा कीन्ह भावा अत्याचार अउर बुरे कामन क कउनो स भी जियादा लखत ह। तू एकर बारे मँ कछू कदम उठा। दु:खन स घिरा लोग मदद माँगइ तोहरे लगे आवत हीं। हे यहोवा, सिरिफ तू ही अनाथ लोगन क सहायक अहा, एह बरे ओनकर रच्छा करा।

15हे यहोवा, दुट्ठ जनन क तू नस्ट कइ द्या।

16तू ओनका आपन धरती स ढकेलिके बाहेर करा!

17हे यहोवा, दीन दु:खी लोग जउन चाहत हीं उ तू सुनि लिहा। ओनकर पराथना सुना अउर ओनका पूरा करा जेनका उ पचे माँगत हीं।

18हे यहोवा, अनाथ गदेलन क तू रच्छा करा। दु:खी लोगन क अउर जियादा दु:ख जिन पावइ द्या। दुट्ठ लोगन क तू एँतना भयभीत कइ द्या कि उ पचे हिआँ न टिक पावइँ।

भजन 11

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क पद।

1मइँ यहोवा पइ भरोसा करत हउँ! फुन तू मोसे काहे कहत ह कि मइँ पराइके कहूँ जाउँ। तू कहत अहा मोसे कि, "पंछी क नाईं आपन पहाड़े पइ उड़ि जा!"

2दुट्ठ जन ओन सिकारी क समान अहइँ। उ पचे अँधियारे मँ लुकात हीं। उ पचे धनुस क डोरी क पाछे हींचत हीं। उ पचे आपन बाणन क साधत हीं अउर उ पचे नीक, नेक मनइयन क हिरदइ मँ सोझइ बाण छोड़त हीं।

3धर्मी का कइ सकहीं जब समाज क नींव ही तबाह कइ दीन्ह जाइ?"

4यहोवा आपन विसाल पवित्तर मन्दिर मँ विराजा बाटइ। यहोवा सरगे मँ आपन सिंहासने पइ बइठत ह। यहोवा सब कछू लखत ह, जउन भी होनी होत ह। यहोवा क आँखिन लोगन क सज्जनाई व दुर्जनाई क परखइ मँ लाग रहत हीं।

5यहोवा धर्मी अउ दुट्ठ लोगन क परख करत ह, अउर उ ओन लोगन स घिना करत ह जउन हिंसा स प्रीति धरत हीं।

6उ गरम कोयलन अउ बरत भइ गन्धक क बरखा क तरह ओन बुरे लोगन पइ गिराई। ओन बुरे लोगन क हींसा मँ बस झुरसत भइ हवा बही।

7मुला यहोवा, तू धर्मी अहा। तोहका अच्छे जन भावत हीं। अच्छे मनई यहोवा क संग रइहीं अउर ओकरे मुँहना क दर्सन पइहीं।

भजन 12

सौमिनिथ क संगत पइ संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु पद।

1हे यहोवा, मोका बचावा, काहेकि सबहिं वफ़ादार अउ दयालु जन चला गवा अहइँ। लोग वफ़ादारी क अरथ भूलि गवा बाटइ।

2लोग आपन साथी संगियन स झूठ बोलत हीं। हर कउनो आपन पड़ोसियन क झूठ बोलिके चापलूसी करत रहत हीं।

3यहोवा ओन ओंठन क सी देइ जउन झूठ बोलत हीं। यहोवा, ओन जिभियन क काट जउन आपन ही बारे मँ डींग हाँकत हीं।

4अइसे जन सोचत हीं, "हमार झूठ हमका बड़का मनई बनइहीं। कउनो भी मनई हमरी जीभ क कारण हमका जीत नाहीं पाई।"

5मुला यहोवा कहत ह: "बुरे मनइयन दीन दुर्बलन स चिजियन चुराइ लिहन ह। उ पचे असहाय दीन जनन स ओनकर चिजियन लइ लिहन ह। मुला अब मइँ ओन हारे थके लोगन क रच्छा ठाड़ होइके करब।"

6यहोवा क वचन फुरइ अहइँ अउर एँतना सुद्ध जइसे आगी मँ टेघराइ भइ सफेद चाँदी। उ सबइ वचन उ चाँदी क तरह सुद्ध अहइँ, जेका टेघराइ टेघराइके सात दाईं सुद्ध बनावा गवा अहइँ।

7हे यहोवा, बेसहारा जन क सुधि ल्या। ओनकइ रच्छा अब अउर सदा सर्वदा करा।

8सबइ दुर्जन अकड़त हीं अउ बना ठना घूमत हीं। मुला उ पचे अइसेन होत हीं जइसे कउनो नकली आभूसण धारन करत ह। जउन लखइ मँ कीमती लागत हीं, मुला असलियत मँ बहोतइ सस्ता होत हीं।

भजन 13

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु पद।

1हे यहोवा, तू कब तलक मोका बिसरा रहब्या? कब तलक तू मोका अंगीकार नाहीं करब्या?

2तू मोका बिसरि गया इ कब तलक मइँ सोचउँ? आपन हिरदइ मँ कब तलक इ दुःख भोगउँ? कब तलक मोर दुस्मन मोका जीतत रइहीं?

3हे यहोवा, मोर परमेस्सर, मोर सुनि ल्या! अउर तू मोरे सवाल क जवाब द्या, मोका जवाब द्या नाहीं तउ मइँ मरि जाबउँ।

4साइद मोर सत्रु अइसेन ही कहइ लागेन, "मइँ ओका पीट दिहउँ।" मोर दुस्मन खुस होइहीं कि मोर अंत होइ गवा बाटइ।

5हे यहोवा, मइँ तोहरी करुणा पइ मदद पावइ बरे भरोसा राखेउँ। तू मोका बचाइ लिहा अउर मोका सुखी किहा।

6मइँ यहोवा बरे खुसी क गीत गावत हउँ, काहेकि उ मोरे बरे बहोत सी अच्छी बातन किहस ह।

भजन 14

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क पद।

1मूरख आपन मने मँ कहत बाटइँ, "परमेस्सर नाहीं अहइ।" मूरख लोग तउ अइसे कारज करत हीं जउन भ्रस्ट अउ घिन स भरा होत हीं। ओनमाँ स कउनो भी भला काम नाहीं करत ह।

2यहोवा अकासे स मनइयन क लखत ह, कि कउनो बुद्धिमान मनई ओका मिलि जाइ। बुद्धिमान मनई परमेस्सर कइँती मदद पावइ बरे मुड़ि जात ह।

3मुला परमेस्सर स मुड़िके सबहिं दूर होइ ग अहइँ। आपुस मँ मिलिके सबहिं लोग पापी होइ ग अहइँ। कउनो भी मनई नीक काम नाहीं करत अहइ।

4मोरे मनइयन क दुस्ट लोग नस्ट कइ दिहन। उ सबइ दुर्जन परमेस्सर क नाहीं जनतेन। दुस्टन क लगे खाइ बरे भरपूर भोजन बाटइ। इ सबइ लोग यहोवा क उपासना तलक भी नाहीं करतेन।

5-6इ सबइ दुस्ट मनई निर्धन क राय सुनइ नाहीं चाहतेन। अइसा काहे अहइ? काहेकि दीन लोग तउ परमेस्सर पइ निर्भर अहइँ। मुला दुट्ठ लोगन पइ भय छाइ गवा अहइ। काहेकि परमेस्सर खरे लोगन क संग अहइ।

7सिय्योन पइ कउन जउन इस्राएल क बचावत ह? उ तउ यहोवा अहइ, जउन इस्राएल क रच्छा करत ह! यहोवा क मनइयन क दूर लइ गवा जवा अउर ओनका दबाव डाइके बन्दी बनावा गवा। मुला यहोवा आपन मनवइयन क वापिस छुड़ाइ लिआइ। तब याकूब बहोतइ खुस होइ।

भजन 15

दाऊद क एक गीत।

1हे यहोवा, तोहरे तम्बू मँ कउन समइ बिताई सकत ह? कउन व्यक्ति तोहरे पवित्तर पर्वते पइ रहि सकत ह?

2सिरिफ उहइ मनई जउन खरी जिन्नगी जिअत ह, अउर जउन उत्तिम करमन क करत ह, अउर जउन हिरदइ स फुरइ बोलत ह। उहइ तोहरे पर्वते पइ रह सकत ह।
3अइसा मनई अउरन क बारे मँ कबहुँ बुरा नाहीं बोलत ह। उ आपन घराने क बुराई नाहीं करत ह।
4उ ओन मनइयन क इज्जत नाहीं करत जउन परमेस्सर स घिना राखत हीं। अउर उ ओन सबहिं क सम्मान करत ह, जउन यहोवा क सेवक अहइँ। अइसा मनई अगर कउनो वचन देत ह तउ उ उ वचन क पूरा भी करत ह, जउन उ दिहे रहा।
5उ मनई अगर कउनो क धन उधार देत ह तउ ओह पइ ब्याज नाहीं लेत। उ मनई कउनो निरपराध मनई क नस्कान पहोंचावइ बरे घूस नाहीं लेत। अगर कउनो मनई उ खरा मनई क तरह जिन्नगी जिअत ह तउ उ मनई कबहुँ भी ठोकर नाहीं खाइहीं।

भजन 16

दाऊद क एक गीत।

1हे परमेस्सर, मोर रच्छा करा, काहेकि मइँ तोहे पइ निर्भर अहउँ।
2मोर यहोवा स निवेदन अहइ, "यहोवा, तू मोर सुआमी अहा। मोरे लगे जउन कछू उत्तिम अहइ उ सबइ तोहसे ही अहइ।"
3यहोवा आपन लोगन क धरती पइ अद्भूत काम करत ह। यहोवा इ देखॉवत ह कि उ फुरइ ओनसे पिरेम करत ह।
4मुला जउन दूसर देवतन क पाछे ओनकर पूजा बरे परात हीं, उ पचे दु:ख उठइहीं। ओन मूर्त्तियन क जउन रकत अर्पण कीन्ह गवा, ओनकर ओन बलियन मँ मइँ हींसा नाहीं लेब। मइँ ओन मूरतियन क नाउँ तलक नाहीं लेब।
5नाहीं, बस मोर हींसा यहोवा मँ अहइ। बस यहोवा स ही मोर अंस अउर मोर पात्र आवत ह। हे यहोवा मोका सहारा द्या अउर मोर हींसा द्या।
6मोर हींसा बहोतइ अद्भुत अहइ। असल मँ मोरे लगे बहोत स सुन्नर उत्तराधिकार अहइ।
7मइँ यहोवा क गुण गावत हउँ काहेकि उ मोका गियान दिहस। मोरे अन्तर्मन स राति मँ सिच्छन निकरिके आवत हीं।
8मइँ यहोवा क सदा ही आपन सम्मुख राखत हउँ। मइँ ओकर दाहिने छोर कबहुँ नाहीं छोड़ब।*
9इहइ स मोर मन अउर मोर आतिमा बहोतइ आनन्दित होइ अउर मोरी देह तलक सुरच्छित रही।
10काहेकि, यहोवा, तू मोर प्राण कबहुँ भी मउत क जगह मँ न तजी। तू आपन वफ़दार क कब्र मँ सड़इ नाहीं देब्या।
11तू मोका जिन्नगी क राह देखउब्या जउन मोका तोहार मौजूदगी मँ पूरा आनन्द देत ह। तोहार दाहिन कइँती होब मोका सदा सदा ही आनन्द देइ।

मइँ … छोड़ब जहाँ मोका नाहीं हिलावइ जाइ सकी काहेकि उ मोर दहिने ओर बाटइ।

भजन 17

दाऊद क पराथना गीत।

1हे यहोवा, मोरी पराथना निआव क खातिर सुना। मइँ तोहका ऊँच अवाज स गोहरावत अहउँ। मइँ आपन बात ईमानदारी स कहत हउँ। तउ कृपा कइके मोर पराथना सुना।
2यहोवा तू ही मोर उचित निआव करब्या तू ही फुरइ क लख सकत अहा।
3मोर मन परखइ क तू ओकरे बीच गहिराई मँ निहारि लिहा ह। तू मोरे संग राति भइ रहा तू मोका जाँचा, अउ तोका मोहे मँ कउनो खोट नाहीं मिला। मइँ कउनो बुरी जोजना नाहीं रचेउँ रहे।
4तोहरे आदेसन क मानइ मँ मइँ कठिन जतन किहेउँ जेतॅना कि कउनो मनई कइ सकत ह।
5मइँ तोहरी राहे पइ चलत रहत हउँ। मोर गोड़ तोहरे जिन्नगी क रीति स नाहीं डुगेन।
6हे परमेस्सर, मइँ हर कउनो अवसर पइ तोहका पुकारेउँ ह अउर तू मोका जवाब दिहा ह। तउ अब भी तू मोर सुना।
7हे परमेस्सर, तू आपन विस्सासी चेलन क दिखावा कि तू केतॅना अजूबा अहा! तू ओन लोगन क बचाया जउन ओन लोगन पइ हमला करत ह जउन ओन बचइ बरे तोहार सक्ती पइ निर्भर करत ह।
8मोर रच्छा तू आपन आँखी क पुतली क नाईं करा। मोका आपन पखना क छाया क खाले तू छुपाइ ल्या।
9हे यहोवा, मोर रच्छा ओन दुट्ठ जनन स करा जउन मोका नस्ट करइ क जतन करत अहइँ। उ सबइ मोका घेरे अहइँ अउ मोका हानि पहोंचावइ क प्रयत्नसील अहइँ।
10दुट्ठ लोग घमण्ड क कारण परमेस्सर क बात पइ कान नाहीं लगावत अहइँ। इ सबइ आपन ही डीगं हाँकत रहत हीं।
11उ सबइ लोग मोरे पाछे पड़ा भवा अहइँ, अउर अब मइँ ओनके बीच मँ घिर गवा हउँ। उ पचे मोह पइ वार करइ क तय्यार ठाड़ बाटेन।
12उ सबइ दुट्ठ जन अइसे अहइँ जइसे कउनो सिंह घात मँ दूसर पसु क मारइ क बइठा होइ। उ पचे सिंह क नाईं झपटइ बरे छुपा रहत हीं।
13हे यहोवा, दुस्मन क खिलाफ उठा अउर ओनका आत्मसर्मपन करइ बरे मज़बूर करा। आपनि तरवार उठावा अउ इ सबइ दुट्ठ जनन स मोर रच्छा करा।
14हे यहोवा, जउन मनई सजीव अहइँ ओनका धरती स दुट्ठन क आपन सक्ती स दूर करा। हे यहोवा, बहुतेरे तोहरे लगे सरण माँगइ आवत हीं। तू ओनका बहुतायत स भोजन द्या। ओनकर सन्तानन क परिपूर्ण कइ द्या। ओनके लगे आपन गदेलन क देइ क बहुतायत स धन होइ।
15मोर विनय निआव बरे अहइ। तउ मइँ यहोवा क मुँह क दर्सन करब । हे यहोवा, तोर दर्सन करतइ ही, मइँ पूरी तरह सन्तुट्ठ होइ जाबउँ।

भजन 18

यहोवा क दास दाऊद क एक पद: संगीत निर्देसक बरे। दाऊद इ पद यहोवा क बारे मँ उस अवसर पइ लिखे रहा जब यहोवा दाऊद क ओकर सबइ दुस्मन अउ साऊल स ओकर रच्छा किहे रहा।

1उ कहेस, "यहोवा मोर सक्ती अहइ, मइँ तोहसे पिरेम करत हउँ।

2यहोवा मोर चट्टान, मोर गढ़, मोर सरणस्थल बाटइ।" मोर परमेस्सर मोर चट्टान अहइ। मइँ तोहरी सरण मँ आवा हउँ। ओकर सक्ती मोका बचावत ह। यहोवा ऊँचके पहाड़न पइ मोर सरणस्थल अहइ।

3यहोवा क जउन स्तुति क जोग्य अहइ, मइँ गोहराउब अउर मइँ आपन दुस्मनन स बचावा जाब।

4मोर दुस्मनन मोका मारइ क जतन किहन। मइँ चारिहुँ कइँती मउत क लसुरी स घिरा अहउँ। मोका अधर्म क बाढ़ भयभीत कइ दिहस।

5मोरे चारिहुँ कइँती पाताल क लसुरी रहिन। अउर मोह पइ मउत क फंदा रहेन।

6मइँ घेरा भवा रहेउँ अउर यहोवा क मदद बरे गोहराएउँ। मइँ आपन परमेस्सर क गोहराएउँ। परमेस्सर पवित्तर मन्दिर मँ बिराजा। उ मोर पुकार अनकेस अउ मदद किहेस।

7तब्बइ भुइँया हल गइ अउ थर्राइ उठी; अउ पहाड़न क नेंव थर्राईके हल उठिन काहेकि यहोवा बहोतइ कोहान रहा।

8परमेस्सर क नथुना स धुआँ फूटि पड़ा। परमेस्सर क मुँह स ज्वाला फूटि पड़िन, अउ ओहसे चिंगारियन छटक गइन।

9यहोवा सरगे क चीरिके खाले उतरा। खूब घना करिआ बादर ओकरे गोड़े तरे रहेन।

10उ करूब सरगदूत पइ उड़ि गवा अउर हवा क पंख पइ सवार होइके ऊँचे आकास मँ उड़ि गवा।*

11यहोवा खुद क अँधियारे मँ छुपाइ लिहस, ओका अकासे क चँदोबा घेरे रहा। उ गरजत बादर क खूब घना घटा-टोप मँ लुकान भवा रहा।

12फिन, परमेस्सर क तेज बादर फाड़िके निकरा। बरसा अउ बिजुरियन कौंधिन।

13यहोवा क उद्घोष नाद अकासे मँ गूँजा। परम परमेस्सर आपन वाणी क सुनइ दिहस। फुन अंगारे गिरेन अउ बिजुरियन कौंधिन।

14यहोवा बाण छोड़ेस अउर दुस्मन बिखराइ गएन। ओकर अनेक बिजुरी क बज्रन ओनका हराइ दिहन।

15हे यहोवा, तू गरज्या अउ मुँह स आँधी बहाया। पानी पाछे हटिके दब गवा अउ समुद्रे क पानी बगइर तले क देखाँइ लाग, अउर धरती क नेंव तलक उधरि गइ।

16यहोवा ऊपर अकासे स खाले उतरा अउर मोर रच्छा किहस। मोका मोरे कस्टन स उबारि लिहस।

17मोर सत्रु मोहसे कछूँ जियादा ताकतवर रहेन। उ पचे मोहसे कहूँ जियादा बरिआर रहेन, अउ मोहसे दुस्मनी राखत रहेन। तउ परमेस्सर मोर रच्छा किहस।

18जब मइँ विपत्ति मँ रहेउँ, मोर दुस्मनन मोह पइ वार किहन मुला तबहिं यहोवा मोका सँभारेस!

19यहोवा क मोहसे पिरेम रहा, तउ उ मोका बचाएस अउर मोका सुरच्छित ठउरे पइ लइ गवा।

20यहोवा मोका आपन अच्छाई क अनुसार इनाम देइ। उ मोका मोरे सुद्धता क अनुसार बदल देइ।

21काहेकि मइँ यहोवा क आग्या क पालन किहेउँ ह! आपन परमेस्सर यहोवा बरे मइँ कउनो भी बुरा काम नाहीं किहेउँ।

22मइँ तउ यहोवा क व्यवस्था विधानन क अउ हुकुमन क हमेसा धियान मँ राखत हउँ!

23खुद क मइँ ओकरे समन्वा पवित्तर राखत हउँ अउ अबोध बना रहत हउँ।

24काहेकि मइँ अबोध अहउँ! एह बरे मोका मोर पुरस्कार देइ! जइसा परमेस्सर लखत ह कि मइँ कउनो बुरा काम नाहीं किहेउँ, एह बरे उ मोरे बरे उत्तिम चिजियन करी।

25हे यहोवा, तू वफ़ादार लोगन क संग वफ़ादार अहा अउ खरे लोगन्क संग तू आपन क खरा दिखावत ह।

26हे यहोवा, तू सुद्ध लोगन क संग सुद्ध अहा, किन्तु तू दुट्ठ लोगन स जियादा चालाक अहा।*

27हे यहोवा, तू नम्र जनन बरे सहाय अहा, मुला जेनमाँ अहंकार भरा अहइ ओन मनइयन क तू बड़ा नाहीं बनइ देत्या।

28उ तू ही अहा जउन मोर दीप बरत ह। हे मोरे परमेस्सर तू मोरे अंधकार क जोति मँ बदल देत अहा!

29हे यहोवा, तोहरी मदद स, मइँ फउजियन क संग पराइ सकत हउँ। तोहरी ही मदद स, मइँ दुस्मनन क चहरदीवार फाँद सकत हउँ।

30परमेस्सर क विधान पवित्तर अउ उत्तिम अहइ अउ यहोवा क सब्द सच स पूरा होत हीं। उ ओका बचावत ह जउन ओकरे भरोसे अहइँ।

31यहोवा क छाँड़ि बस अउर कउन परमेस्सर बाटइ? सिरिफ हमरे परमेस्सर क अउर कउन चट्टान अहइ?

32मोका परमेस्सर सक्ति देत ह। उ मोर रास्ता आसान बनावत ह।

33परमेस्सर मोरे गोड़न क हिरन क नाईं तेज चाल देत ह। उ मोका स्थिर बनावत अउर मोका चट्टानी सिखरन स गिरइ स बचावत ह।

34परमेस्सर जुद्ध बरे मोरे बाँहन क प्रसिच्छित करत ह, एह बरे मइँ बहोत सक्तीसाली धनुस* क मोड़ सकत हउँ अउ तीर छोड़ सकत हउँ।

35हे परमेस्सर, आपन ढार स मोर रच्छा करा। तू मोका आपन दाहिन भुजा स आपन महान सक्ती प्रदान कइके मदद द्या।

उ करूब सरगदूर ... उड़ि गवा साब्दिक, "उ करूब पइ चढ़ेस अउर उड़ेस, हवा क पंख पइ ऊँची उड़ान भरत ह।" सब्द "हवा" क अरथ "आतिमा" भी होइ सकत ह।

किन्तु ... चालाक अहा या, तू टेढ़े लोगन पइ मूरखता परगट करब्या।

बहोत सक्तीसाली धनुस साब्दिक अरथ, "काँसे क धनुस।"

36हे परमेस्सर, तू मोरे गोड़े क अउर टखना क मजबूत बनावा ताकि मइँ तेज होइके बगइर लड़खड़ाहट क बढ़ चलउँ।

37फुन आपन दुस्मनन क पाछा करउँ, अउ ओनका धइ सकउँ। ओनमाँ स एक क भी बच पावइ देउँ।

38मइँ आपन दुस्मनन क हराउब। ओनमाँ स एक भी फुन ठाढ़ नाहीं होइ। मोर सबहिं दुस्मन मोरे गोड़वा प गिरि जइहीं।

39हे परमेस्सर, तू मोका जुद्ध मँ सक्ती दिहा, अउर मोरे सब दुस्मनन क मोरे समन्वा निहुराइ दिहा।

40तू मोरे दुस्मनन क पीठ मोरी कइँती फेरि दिहा, ताकि मइँ ओनका काटि डावउँ जउन मोसे जलन राखत हीं।

41जब मोर दुस्मनन मदद क गोहार लगाएन, ओनका मदद देइ अगवा कउनो नाहीं आवा। हिआँ तलक कि उ पचे यहोवा तलक क पुकारेन, मुला यहोवा स ओनका जवाब न मिला।

42मइँ आपन दुस्मनन क कूट कूट कइ धूरि मँ मिलइ देबउँ, जेका ब्यार उड़ाइ देत ह। मइँ ओनका कुचर दिहेउँ अउर माटी मँ मिलाइ दिहेउँ।

43मोका ओनसे बचाइ ल्या जउन मोसे जुद्ध करत हीं। मोका ओन जातियन क मुखिया बनाइ द्या, जेनका मइँ जानत तलक नाहीं हउँ ताकि उ पचे मोर सेवा करिहीं।

44फिन उ सबइ लोग मोर सुनिहीं अउर मोरे हुकुमन क मनिहीं, दूसर रास्ट्रन क लोग मोसे डेरइहीं।

45उ पचे विदेसी लोग मोरे समन्वा निहुरिहीं काहेकि उ पचे मोसे भयमीत होइहीं। उ पचे भय स थर्रात भए आपन छुपा ठउरन स बाहेर निकारि अइहीं।

46यहोवा सजीव अहइ! मइँ आपन चट्टान क जस गीत गावत हउँ। मोर महान परमेस्सर मोर रच्छा करत ह।

47धन्न बाटइ, मोर पटक देइवाला परमेस्सर जउन देस-देस क मनइयन क मोरे बस मँ कइ दिहस ह।

48यहोवा, तू मोका मोरे दुस्मनन स छोड़ाया ह। तू मोर मदद किहा ताकि मइँ ओन लोगन क हराइ सकउँ जउन मोरे खिलाफ खड़ा भएन। तू मोका कठोर मनइयन स बचाया ह।

49हे यहोवा, इहइ कारण मइँ देसन क बीच तोहार स्तुति करत हउँ। इहइ कारण मइँ तोहरे नाउँ क भजन गावत हउँ।

50यहोवा आपन राजा क मदद बहोत स जुद्धन क जीतइ मँ करत ह। उ आपन सच्चा पिरेम, आपन चुने भए राजा पइ देखॉवत ह। उ दाऊद अउ ओकरे संताने बरे सदा बिस्सास क जोग्ग रही।

भजन 19

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु पद।

1अकास परमेस्सर क महिमा बखानत ह, अउ अकासमण्डल परमेस्सर क उत्तिम सबइ रचना क देखॉवत ह।

2हर नवा दिन ओकर नई कथा कहत ह, अउ हर रात परमेस्सर क नई नई सक्तियन क परगट करत ह।

3हुवाँ न कउनो भासन या सब्दन होइ। न कउनो आवाज़ सुनाइ पड़त।

4मुला ओकर "वाणी" भूमण्डल मँ बियापत ह अउर ओकर "सब्दन" धरती क छोर तलक पहोंचत हीं। ओनमाँ उ सूरज बरे एक घर जइसा तय्यार किहस ह।

5सूरज नवखिल दुल्हा क नाईं आपन सयन कच्छ स निकरत ह। सूरज आपन राहे पइ अकास क पार करइ निकरि पड़त ह, जइसे कउनो खिलाड़ी आपन दउड़ पूरी करइ बरे तइयार होइ।

6अकासे क एक छोर स सूरज चल पड़त ह अउर ओह पार पहोंचइ क, उ सारी राह दउड़त रहत ह। अइसी कउनो वस्तु नाहीं जउन आपन क ओकरी गर्मी स छुपाइ लेइ। यहोवा क उपदेस भी अइसेन ही होत हीं।

7यहोवा क सिच्छन सम्पूर्ण होत हीं, इ सबइ भक्त जनन क सक्ती देत हीं। यहोवा क करार पइ भरोसा कीन्ह जाइ सकत ह। जेनके लगे बुद्धि नाहीं अहइ इ ओनका सुबुद्धि देत ह।

8यहोवा क नेम निआव स पूरा होत हीं, उ सबइ लोगन्क खुसी स भरि देत हीं। यहोवा क आदेस उत्तिम अहइँ, उ सबइ मनइयन क जिअइ क नई राह देखॉवत हीं।

9यहोवा क आराधना प्रकास जइसी होत ह, इ तउ सदा सर्वदा जोति स भरी रही। यहोवा क निआव निस्पच्छ होत हीं, उ सबइ पूरी तरह निआव स पूरा होत हीं।

10यहोवा क उपदेस उत्तिम सुबरन अउ कुन्दन स भी बढ़िके मनोहर अहइँ, उ सबइ उत्तिम सहद स भी जियादा मधुर अहइँ, जउन सोझ सहद क छत्ता स टपक आवत ह।

11हे यहोवा, तोहार उपदेस तोहरे सेवक क आगाह करत हीं। अउर जउन ओनकइ पालन करत हीं ओनका तउ बरदान मिलत ह।

12हे यहोवा, आपन सबहिं दोसन क कउनो नाहीं लख पावत। एह बरे तू मोका ओन पापन्स बचावा जउन एकान्त मँ छुपिके कीन्ह जात हीं।

13हे यहोवा, मोका ओन पापन्क करइ स बचावा जेनका मइँ करइ चाहत हउँ। ओन पापन्क मोह पइ सासन न करइ द्या। अगर तू मोका बचावत ह तउ मइँ इमानदारी स भरि भवा होइ सकत हउँ अउ बहोत सारा पापन्स मुक्त होइ सकत हउँ।

14मोका आसा अहइ कि, मोर वचन अउ चिंतन तोहका प्रसन्न करिहीं। हे यहोवा, तू मोर चट्टान, अउर मोर बचावइवाला अहा।

भजन 20

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु पद।

1तोहरी पुकार क यहोवा जवाब देइ, अउर जब तू विपत्ति मँ ह्वा तउ याकूब क परमेस्सर तोहरे नाउँ क बढ़ावइ।

2परमेस्सर आपन पवित्तर ठउर स तोहार मदद करइ। उ तोहका सिय्योन स सहारा देइ।

3परमेस्सर तोहरी सब भेंटन क याद राखइ, अउर तोहरे सबइ बलिदानन क अंगीकार करइ।

4परमेस्सर तोहका ओन सबहिं वस्तुअन क देइ जेनका तू फुरइ फुरइ चाह्या। उ तोहार सबहिं योजनन पूरी करइ।

5परमेस्सर जब तोहार मदद करइ हम पचे बहोतइ खुस होब। अउर हम पचे परमेस्सर क बड़कई क गीत गाउब। यहोवा उ सबइ चीज करी जेका तू पचे मँग्या।

6मइँ अब जानत हउँ कि यहोवा मदद करत ह आपन उ राजा क जेका उ चुनेस। परमेस्सर तउ आपन सरगे मँ बिराजा अहइ अउर उ आपन चुने भए राजा क, जवाब दिहस उ राजा क रच्छा करइ बरे परमेस्सर आपन महासक्ती क प्रयोग मँ लिआवत ह।

7कछू क भरोसा आपन रथन पइ अहइ, अउर कछू क आपन फउजियन पइ भरोसा बा मुला हम पचे तउ आपन यहोवा परमेस्सर क सुमिरन करत अही।

8मुला उ सबइ लोग हारि गएन अउर जंगल मँ मार डावा गवा गएन अउर हम लोग जीते अउ खुसी मनावइ बरे इकट्ठा होब।

9अइसा कइसा भवा? काहेकि यहोवा आपन चुने भए राजा क रच्छा किहा उ परमेस्सर क गोहराए रहा अउर परमेस्सर ओकर सुनेस।

भजन 21

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु पद।

1हे यहोवा, तोर महिमा राजा क प्रसन्न करत ह, जब तू ओका बचावत ह। उ बहोतइ आनन्दित होत ह।

2तू राजा क उ सबइ वस्तुअन दिहा जेका उ चाहे रहा, राजा जउन भी पावइ क बिनती किहस। हे यहोवा, तू मन क चाहा भवा ओका दइ दिहा।

3हे यहोवा, सचमुच तू बहोत आसीस राजा क दिह्या। ओकरे मूँड़े पइ तू सुवर्ण क मुकुट धइ दिह्या।

4उ तोहसे जिन्नगी क भीख माँगेस अउर तू ओका इ दइ दिह्या। परमेस्सर, तू सदा सर्वदा बरे राजा क अमर जीवन दिह्या।

5तू रच्छा किहा तउ राजा क महा वैभव मिल गवा। तू ओका आदर अउ प्रसंसा दिहा।

6हे परमेस्सर, सचमुच तू राजा क सदा सर्वदा बरे, आसीर्वाद दिहा। जब राजा क तोहार दर्सन मिलत ह, तउ उ बहोत खुस होत ह।

7राजा क सचमुच यहोवा पइ भरोसा अहइ, तउ परमेस्सर ओका निरास नाहीं करी।

8हे परमेस्सर! तू देखॉइ द्या आपन सबहिं दुस्मनन क कि तू खूब मजबूत अउ सक्तीसाली अहा। जउन तोहसे घिना करत हीं तोहार सक्ती ओनका हराइ देइ।

9हे यहोवा, जब तू राजा क साथ होत अहा तउ उ भभकत भार जइसा होइ जात ह, जउन सब कछू भसम करत ह। ओकर किरोध क आगी आपन सबहिं दुस्मनन क भसम कइ देत ह।

10परमेस्सर क दुस्मनन क बंस नस्ट होइ जइहीं, धरती क ऊपर स उ सब मिटिहीं।

11अइसा काहे भवा? काहेकि यहोवा, तोहरे खिलाफ ओन मनइयन खड़यन्त्र रचे रहेन। उ पचे बुरा करइ क जोजना रचे रहेन, मुला उ पचे ओहमाँ सफल नाहीं भएन।

12यहोवा जब तू ओन लोगन पइ आपन तीर स निसाना साध्या, तउ तू ओनका पीछे घुमाई दिहा अउर भगाइ दिहा।*

13यहोवा क अउर ओकर सक्ती क गुण गावा आवा हम पचे गाई अउर ओकरे गीतन क बजाई जउन ओकर गरिमा स जुर ग अहइँ।

भजन 22

प्रभात क हरिणी नाउँ क राग पइ संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु भजन।

1हे मोरे परमेस्सर, हे मोरे परमेस्सर, तू मोका काहे तजि दिहा ह? मोका बचावइ बरे तू काहे बहोतइ दूर अहा? मोर मदद क पुकार क सुनइ बरे तू बहोतइ दूर अहा।

2हे मोरे परमेस्सर, मइँ तोहका दिन मँ पुकारेउँ मुला तू जवाब नाहीं दिहा, अउर मइँ राति भर तोहका पुकारत रहेउँ।

3हे परमेस्सर, तू पवित्तर अहा। तू राजा क नाईं बिराजमान अहा। इस्राएल क स्तुतियन तोहार सिंहासन अहइ।

4हमार पुरखन तोह पइ बिस्सास किहन। हाँ हे परमेस्सर उ पचे तोहार भरोसा रहेन। अउर तू ओनका बचाए रह्या।

5हे परमेस्सर, हमार पुरखन तोहका मदद क गोहराएन अउर उ पचे आपन दुस्मनन स बच निकरेन। उ पचे तोह पइ बिस्सास किहन अउर उ पचे निरास नाहीं भएन।

6तउ का मइँ फुरइ कउनो कीरा हउँ, जउन लोग मोहसे लज्जित भए बाटेन अउर मोहसे घिना करत हीं?

7जउन भी मोका लखत ह मोर हँसी उड़ावत ह, उ पचे आपन मूड़ँ हलावत अउ आपन ओंठ बिरावत हीं।

8उ पचे मोसे कहत हीं कि, "आपन रच्छा बरे तू यहोवा क गोहँराइँ सकत ह। उ तोहका बचाइ लेइ। अगर तू ओका ऍंतना भावत ह तउ, निहचय ही उ तोहका बचाइ लेइ।"

9हे परमेस्सर फुरइ तउ इ अहइ कि सिरिफ तू ही अहा जेकरे ऊपर मइँ निर्भर हउँ। तू मोका उ दिन स संभालया ह, जब स मोर जन्म भवा। तू ही अहा जेकर कारण स मइँ बच्पन स बिस्सास किहेउँ।

10ठीक उहइ दिना स जब स मइँ जन्म लिहेउँ ह, तू मोर परमेस्सर रह्या ह। जइसे ही मइँ आपन महतारी क कोख स बाहेर आए रहेउँ, मोका तोहरी देखरेख मँ रख दीन्ह ग रहा।

11तउ हे, परमेस्सर! मोका जिन बिसरि जा, संकट निअरे बाटइ, अउर कउनो भी मनई मोर मदद क नाहीं अहइ।

12मइँ ओन लोगन स घिरा अहउँ, जउन सक्तीसाली साँड़न जइसे मोका घेरे भए अहइँ।

13उ पचे ओन सिंहन जइसे अहइँ, जउन कउनो जन्तु क चीरत होइँ अउ दहाड़त होइँ अउर ओनकर मुँह विकराल खुला भवा होइँ।

14मोर सक्ती धरती पइ बिखरे जल स लुप्त होइ गइ। मोर हाड़न अलगाइ ग अहइँ। मोर साहस खतम होइ चुका अहइ।

यहोवा जब … दिहा या, "तू ओकर उपस्थिति मँ दृढ़ता स खड़ा रहब्या अउर आपन लसुरि स ओनका काँधा स काँधा मिलाइ कइ क बाँधब्या।" हिब्रू मँ हिआँ समझइ मँ कठिन अहइ।

15मोर मुँह एक पुराना टूटा भवा बर्तन क टूका क नाईं सूख गवा अहइ। मोर जीभ आपन ही तालु स चिपकत अहइ। तू मोका कब्र क धूरि मँ डार दिहा ह।

16दुट्ठ लोग मोर चारिहुँ कइँती कुकुरन क नाईं घेरे भए अहइँ, दुस्ट जनन क उ समूह मोका फँसाएस ह। उ पचे मोरे हथवन अउर गोड़न क छेद दिहेन ह।

17मोका आपन हाड़ देखाँइ देत ह। इ सबइ लोग मोका घूरत अहइँ। इ सबइ मोका नस्कान पहोंचावइ क ताकत रखत हीं।

18उ पचे मोर कपड़ा आपुस मँ बाँटत अहइँ। मोरे ओढ़नन बरे उ पचे पाँसा लोकावत अहइँ।

19हे यहोवा, तू मोका जिन तजा। तू मोर बल अहा, मोर मदद करा। अब तू देर जिन लगावा।

20हे यहोवा, मोर प्राण तलवार स बचाइ ल्या। ओन कुत्तन स तू मोर मूल्यवान जिन्नगी क रच्छा करा।

21मोका सेर क मुँह स बचाइ ल्या अउ साँड़ क सीगंन स मोर रच्छा करा।

22हे यहोवा, मइँ आपन भाइयन मँ तोर प्रचार करब। मइँ तोर प्रसँसा तोहरे भक्तन क सभा क बीच करब।

23ओ यहोवा क उपासक लोगो, यहोवा क बड़कई करा। इस्राएल क सन्तानन यहोवा क आदर करा। ओ इस्राएल क सबहिं लोगो, यहोवा क भय माना अउ आदर करा।

24काहेकि यहोवा अइसे मनइयन क मदद करत ह जउन विपत्ति मँ होत हीं। यहोवा ओनसे घिना नाहीं करत ह। अगर लोग मदद बरे यहोवा क पुकारइँ तउ उ खुद क ओनसे न छिपाइ।

25मइँ तोहका धार्मिक सभा मँ स्तुति बरे का भेंट कइ सकत हउँ। तोहार भक्त लोगन क समन्वा मइँ तोहका उ देबउँ जेका मइँ वादा किहेउँ ह।

26दीन जन भोजन पइहीं अउर सन्तुट्ठ होइहीं। तू लोग जउन ओका हेरत भए आवत अहा ओकर स्तुति करा। मन तोहार हमेसा हमेसा आनन्द स भरि जाइँ।

27तब सबहिं दूर भुइँयन क लोग यहोवा क सुमिरइँ अउर ओकर लगे लउटि आवइँ। हे यहोवा, धरती क सबइ परिवार क हरेक लोग तोहार समन्वा निहुरिहीं।

28काहेकि यहोवा राजा अहइ। उ हर एक रास्ट्र पइ सासन करत ह।

29मानव जाति घास क नाईं स्थाइ नाहीं अहइँ जउन कि समूचइ धरती मँ उगत हीं। हम सबहिं आपन खइया क खाब अउर परमेस्सर क समन्वा निहुरि दण्डवत करब।* हाँ मानव जाति मरत ह अउ ओनका कब्र मँ डार दीन्ह जात ह। सबइ लोग जउन जीवित अहइ या नाहीं अहइ परमेस्सर क समन्वा नम्रता स निहुरिके दण्डवत करइँ।

30अउर भविस्स मँ हमार सन्तान यहोवा क सेवा करिहीं। लोग सदा सदा ही ओकरे बारे मँ बखनिहीं।

31उ सबइ लोग अइहीं अउर परमेस्सर क भलाई क प्रचार करिहीं जेनकर अबहिं जन्म ही नाहीं भवा।

भजन 23

दाऊद क एक पद।

1यहोवा मोर गड़रिया अहइ। जउन कछू भी मोका अपेच्छित होइ, सदा मोरे लगे रही।

2हरे भरे चरागाह मँ मोका सुख स उ राखत ह। उ मोका सांत झरनन पइ लइ जात ह।

3उ आपन नाउँ क निमित्त मोरी आतिमा क नई सक्ती देत ह। उ मोर अगुआई करत ह कि उ फुरइ उत्तिम अहइ।

4मइँ मउत क अँधिअर घाटी स गुजरत भइ नाहीं डेराब, काहेकि यहोवा तू मोरे संग अहा। तोहार चरवाहे क लाठी मोका सुख देत हीं।

5हे यहोवा, तू मोरे दुस्मनन क समन्वा मोर खइया बरे मेज सजाया ह। तू मोरे मूँड़े पइ तेल उड़ेर्‍या ह। मोर कटोरा भरा ह अउ छलकत बाटइ।

6निचहय नेकी अउ करुणा मोर बाकी जिन्नगी तलक मोरे संग रही। मइँ यहोवा क मन्दिर मँ लम्बी समइ तलक बार-बार जाबिउँ।

भजन 24

दाऊद क एक ठु पद।

1धरती अउ ओह प क सब चिजियन यहोवा क अहइँ; संसार अउ हर कउनो जउन एहमाँ रहत हीं ओकर अहइँ।

2यहोवा इ धरती क जल पइ रचे अहइ। उ एका जल क धारन पइ बनाएस।

3यहोवा क पहाड़े क मन्दिर मँ कउन जाइ सकत ह? कउन यहोवा क पवित्तर ठउर मँ खड़ा होइ सकत अउर आराधना कइ सकत ह?

4अइसा मनई जउन हाथन क साफ किहे ह, अइसा मनई जउन पवित्तर जीवन क अगुवाइ करत ह, अइसा मनई जउन मोरे नाउँ क प्रयोग कइके दूसर बरे गलत नाहीं किहे ह, अउर अइसा मनई जउन झूठ न बोलेस, अउ न ही झूठा वचन दिहेस ह। बस अइसेन मनई ही हुआँ आराधना कइ सकत हीं।

5सज्जन तउ चाहत हीं यहोवा सब क भला करइ। उ पचे सज्जन परमेस्सर स जउन ओनकर उद्धारक अहइ, नेक चाहत हीं।

6उ पचे सज्जन परमेस्सर क अनुसरण क जतन करत हीं। उ पचे याकूब क परमेस्सर क लगे मदद पावइ जात हीं।

7फाटकन, आपन मूँड़ी ऊँची करा! सनातन दुआरन, खुलि जा! प्रतापी राजा भितरे आई।

8इ प्रतापी राजा कउन अहइ? यहोवा ही उ राजा अहइ, उहइ सबल सैनिक अहइ, यहोवा ही उ राजा अहइ, उहइ जुद्ध नायक बा।

9फाटकन, आपन, मूँड़ी ऊँची करा! सनातन दुआरन, खुलि जा! प्रतापी राजा भितरे आई।

हम ... दण्डवत करब इ ओन लोगन क ओर इसारा करत ह जउन पहाड़ क मन्दिर मँ इकट्ठा होइके मेलबलि खात रहा अउर तब परमेस्सर क अराधना बरे निहुरिके दण्डवत करत ह। इ बयान जीवन अउर मउत क याद रखइ बरे एक रूपक अहइ।

10उ प्रतापी राजा कउन अहइ? यहोवा सर्वसक्तिमान ही उ राजा अहइ। उ प्रतापी राजा उहइ अहइ।

भजन 25

दाऊद क समर्पित।

1हे यहोवा, मइँ खुद क तोहका समर्पित करत हउँ।

2मोरे परमेस्सर, मोर सिरिफ तोह पइ बिस्सास बाटइ। मोका अपमानित होइ क अनुमति जिन द्या; मोर दुस्मनन क मोह पइ हँसी उड़ावइ क अनुमति जिन द्या।

3अइसा मनई, जउन तोहमाँ बिस्सास धरत ह, उ निरास नाहीं होइ। मुला बिस्सासघाती निरास होइहीं अउर, उ पचे कबहुँ भी कछू नाहीं प्राप्त करिहीं।

4हे यहोवा, मोर मदद करा कि मइँ तोहरी राहन क सीखउँ! तू आपन मार्गन क मोका सिच्छा द्या।

5आपन सच्ची राह तू मोका देखॉवा अउर ओकर उपदेस मोका द्या। तू मोर परमेस्सर तू मोर उद्धारकर्त्ता अहा। मोका हर दिन तोहार भरोसा अहइ।

6हे यहोवा, मोह पइ आपन दाया राखा अउर उ ममता क मोह पइ परगट करा, जेका तू हरदम राखत ह।

7आपन जवानी मँ जउन पाप अउर कुकर्म मइँ किहेउँ, ओनका जिन याद राखा। हे यहोवा आपन निज नाउँ निमित्त, मोका आपन करुणा स सुमिर ल्या।

8हे यहोवा, सचमुच उत्तिम अहइ, उ पापियन क जिन्नगी क नेक राह देखॉवत ह।

9उ दीन लोगन क आपन राहन क सीख देत ह। बिना पच्छपात क उ ओनका मारग देखॉवत ह।

10यहोवा क राहन ओन लोगन बरे छिमा स भरी अउ सच अहइँ, जउन ओकर करार अउर कानून क अनुसरण करत हीं।

11हे यहोवा, मइँ बहुतेरा पाप किहेउँ ह, मुला तू आपन नाउँ बरे मोर हर पापे क दयालुता स छिमा कइ दिहा।

12जदि कउनो मनई यहोवा क अनुसरण करइ चाहइ, तउ ओका परमेस्सर जिन्नगी क उत्तिम राह देखॉइ।

13उ मनई उत्तिम वस्तुअन क सुख भोगी, अउर उ मनई क सन्तानन उ धरती क जेका परमेस्सर वचन दिहे रहा स्थायी रइहीं।

14यहोवा आपन भक्तन पइ आपन भेद खोलत ह। उ आपन निज भक्तन क आपन करार क सिच्छा देत ह।

15मोर आँखिन मदद पावइ क यहोवा पइ सदा टिकी रहत हीं। मोका मोरी बिपत्ति स उ सदा छोड़ावत ह।

16हे यहोवा, मइँ पीड़ित अउ अकेल्ला अहउँ। मोरी कइँती मूड़ अउ मोह पइ दाया देखॉवा।

17मोरी बिपत्तियन स मोका अजाद करा। मोर समस्या सुलझाने क मदद करा।

18हे यहोवा, मोका परखा अउर मोरी बिपत्तियन पइ निगाह डावा। मोका जउन पाप मइँ किहे हउँ, ओन सबहिं बरे छिमा करा।

19लखा मोर केतॅना दुस्मनन अहइँ, अउ लखा उ मोहसे केतॅना नफ़रत करत हीं।

20हे परमेस्सर, मोर रच्छा करा अउर मोका बचाइ ल्या। मइँ तोहार भरोसा राखत हउँ। तउ मोका निरास जिन करा।

21हे परमेस्सर, तू सचमुच उत्तिम अहा। मोका तोहार भरोसा अहइ, तउ मोर रच्छा करा।

22हे परमेस्सर, इस्राएल क लोगन क ओनकर सबहिं दुस्मनन स रच्छा करा।

भजन 26

दाऊद क समर्पित।

1हे यहोवा, मोर निआव करा, प्रमाणित करा कि मइँ पवित्तर जिन्नगी बिताएउँ ह। मइँ यहोवा पइ कबहुँ बिस्सास करब नाहीं तजे रहेउँ।

2हे यहोवा, मोका परखा अउर मोर जाँच करा, मोर हिरदइ मँ अउर बुद्धि क निचके स लखा।

3मइँ तोहरे पिरेम क सदा ही लखत हउँ, मइँ तोहरे सत्य क सहारे जिअत रहत हउँ।

4मइँ ओन बेकार लोगन मँ स नाहीं अहउँ।

5मइँ बुरे लोगन क संगति स घिना करत हउँ। मइँ दुस्ट लोगन मँ सामिल नाहीं होत हउँ।

6हे यहोवा, मइँ निर्दोखी दिखाइ बरे आपन हथवा धोए हउँ, एह बरे सायद मइँ तोहार वेदी पइ आइ सकत हउँ।

7हे यहोवा, मइँ तोहरी प्रसंसा क गीत गावत हउँ, अउर जउन अचम्भा स भरा करम तू किह्या ह, ओनके बारे मँ मइँ गीत गावत हउँ।

8हे यहोवा, मइँ तोहार मनोहर मन्दिर स अउ उ तम्बू स जहाँ तोहार महिमा* निवास करत ह पिरेम करत हउँ।

9हे यहोवा, तू मोका ओन पापियन क दले मँ जिन मिलावा, जब तू ओन हत्तियारन क प्राण लेब्या तब मोका जिन मार्‌या।

10उ हमेसा दूसर लोगन क धोखा देइ बरे अउर रिसवत लेइ बरे तइयार रहत ह।

11लेकिन मइँ अटल हउँ, तउ हे परमेस्सर, मोहे पइ दयालु ह्वा अउर मोर रच्छा करा।

12मइँ नेक जिन्नगी जिअत रहेउँ। मइँ तोहरी बड़कई गीत, हे यहोवा, जब भी तोहार भक्त मण्डली साथे मिलि गइ, गावत रहेउँ।

भजन 27

दाऊद क समर्पित।

1हे यहोवा, तू मोरे जोति अउ मोर उद्धारकर्ता अहा। मोका तउ कउनो स भी नाहीं डरइ चाही। यहोवा मोरी जिन्नगी बरे सुरच्छित ठउर अहइ। तउ मइँ कउनो भी मनई स नाहीं डरब।

2होइ सकत ह, दुट्ठ जन मोहे पइ चढ़ाई करइँ। होइ सकत ह, उ पचे मोरे सरीर क नस्ट करइ क जतन करइँ। होइ सकत ह मोर सत्रु मोका नस्ट करइ क मोह पइ आक्रमण क जतन करइँ।

महिमा इ यहोवा क मन्दिर मँ मौजूदगी क प्रतीक रहा। एका अक्सर करिया बादर क संग उजियारा प्रकास क नाईं क रूप मँ वर्णित कीन्ह ग रहा जउन कि मन्दिर मँ भरि जात रहा।

3मुला चाहे पूरी फउज मोका घेरि लेइ, मइँ नाहीं डेराब। चाहे जुद्ध छेत्र मँ मोह पइ लोग प्रहार करइँ, मइँ नाहीं डेराब। काहेकि मइँ यहोवा पइ भरोसा करत हउँ।

4मइँ यहोवा स सिरिफ एक बर माँगइ चाहत हउँ, "मइँ आपन जिन्नगी भइ यहोवा क मन्दिर मँ बइठा रहउँ, ताकि मइँ यहोवा क सुन्दरता क लखउँ, अउर ओकरे मन्दिर मँ धियान करउँ।"

5जब कबहुँ कउनो बिपत्ति मोका घेरी, यहोवा मोर रच्छा करी। उ मोका आपन तम्बू मँ छुपाइ लेइ। उ मोका आपन सुरच्छित जगह पइ ऊपर उठाइ लेइ।

6मोका मोर दुस्मनन घेरि रखे अहइँ। मुला अब ओनका पराजित करइ मँ यहोवा मोर सहारा होइ। मइँ ओकरे तम्बू मँ फुन भेंट चढ़ाउब। जय जयकार कइके बलियन अर्पित करब। मइँ यहोवा क स्तुति बरे भजन गाउब अउर बनाउब।

7हे यहोवा, मोर पुकार सुना, मोका जवाब द्या। मोह पइ दयालु रहा।

8मोर हिरदइ कहत ह, "जा, ओकरे दर्सन बरे जा।" एह बरे यहोवा मइँ तोहसे बात करउँ बरे तोहार समन्वा आवा हउँ।

9हे यहोवा, किरोध मँ आपन सेवक स जिन मोड़या! एक जउन मोर मदद कइ सकत ह उ तू अहा। मोका अकेल्ला जिन छोड्या! मोका जिन त्यागा। परमेस्सर जउन मोका बचाइ सकत ह उ तू अहा!

10मोर महतारी अउ मोर बाप मोका तजि दिहन, पर यहोवा मोका अंगीकार किहस अउर आपन बनाइ लिहस।

11हे यहोवा, मोरे दुस्मनन क कारण, मोका आपन मारग देखावा। मोका नीक काम क सिच्छा द्या।

12मोह पइ मोर दुस्मनन हमला किहे अहइँ। उ पचे मोरे बरे झूठ बोलेन ह। उ पचे मोका नस्कान पहोंचावइ बरे झूठ बोलेन।

13मोका भरोसा अहइ कि मरइ स पहिले मइँ फुरइ यहोवा क धरम भावना क लखउँ।

14यहोवा क मदद क बाट जोहत रहा! साहसी अउ सुदृढ़ बना रहा अउर यहोवा क मदद क प्रतीच्छा करत रहा।

भजन 28

1हे यहोवा, तू मोर चट्टान अहा, मइँ तोहका मदद पावइ क गोहरावत हउँ। मोरा पराथनन स आपन कान जिन मूँदा, अगर तू मोर मदद क पुकार क जवाब नाहीं देब्या, तउ लोग मोका कब्र मँ मरा भवा जइसा पइहीं।

2हे यहोवा, आपन पवित्तर तम्बू कइँती बढ़्या, मइँ तोहार पराथना बरे आपन हाथ उठाए हउँ। जब मइँ तोहका पुकारउँ, तू मोर सुना। तू मोहे पइ आपन करुणा देखॉवा।

3हे यहोवा, मोका ओन बुरे मनइयन क तरह जिन सोचा जउन बुरा काम करत हीं। जउन आपन पड़ोसियन स सान्ति करत हीं, मुला आपन हिरदइ मँ आपन पड़ोसियन क बारे मँ कुचक्र रचत हीं।

4हे यहोवा, उ सबइ मनइयन दूसर लोगन क बुरा करत हीं। तउ तू ओनकी संग बुरी घटना क घटावा ओन दुर्जनन क तू वइसेन ही दण्ड द्या जइसे ओनका देइ चाही।

5दुर्जन ओन उत्तिम बातन क जउन यहोवा करत ओका नाहीं समुझतेन। उ पचे परमेस्सर क उत्तिम कारजन क नाहीं लखतेन। उ पचे ओकर भलाई क नाहीं समुझतेन। उ पचे तउ सिरिफ कउनो क नास करइ क जतन करत हीं।

6यहोवा क स्तुति करा! उ मोहे पइ करुणा करइ क बिनती सुनेस।

7यहोवा मोर सक्ती अहइ, उ मोर ढार अहइ। मोका ओकर भरोसा रहा। उ मोर मदद किहेस। मइँ बहोतइ खुस हउँ, अउ ओकर खुसी क गीत गावत हउँ।

8यहोवा आपन चुना राजा क रच्छा करत ह। उ ओका हर पल बचावत ह। यहोवा ही ओकर सक्ती अहइ।

9हे परमेस्सर, आपन लोगन क रच्छा करा। जउन तोहार अहइँ ओनका आसीस द्या। ओनका धियान रखा अउर हमेसा ओनका लइके चला।

भजन 29

दाऊद क एक गीत।

1परमेस्सर क पूत लोगो, यहोवा क स्तुति करा। ओकर महिमा अउ सक्ती क प्रसंसा गीत गावा।

2यहोवा क प्रसंसा करा अउ ओकरे नाउँ क आदर करा। पवित्तर ओढ़ना पहिरिके यहोवा क आराधना करा।

3समुद्र क ऊपर यहोवा क वाणी खुद क गरजत ह। परमेस्सर क वाणी महासागर क ऊपर मेघ क गरजन क तरह गरजत ह।

4यहोवा क वाणी ओकर सक्ती क देखॉवत ह। ओकर ध्वनि ओकर महिमा क परगट करत ह।

5यहोवा क वाणी देवदार बृच्छन क तोड़के चकनाचूर कइ देत ह। यहोवा लबानोन क बिसाल देवदार बृच्छन क तोड़ देत ह।

6यहोवा लबानोन क पहाड़न क कपाँइ देत ह। उ नाचत भए बछवा क तरह देखॉइ लागत ह। हेर्मोन क पहाड़ काँप उठत ह अउर उछरत जवान बकरी क तरह देखॉत ह।

7यहोवा क वाणी बिजली क कौंध स टकरात ह।

8यहोवा क वाणी मरुस्थल क कँपाइ देत ह। यहोवा क स्वर स कादेस क मरुस्थल काँप उठत ह।

9यहोवा क वाणी स हिरन डेराइ जात हीं। यहोवा दुर्गम जंगलन क नस्ट कइ देत ह। मुला ओकरे मन्दिर मँ लोग ओकर प्रसंसा क गीत गावत हीं।

10जल प्रलय क समय यहोवा राजा रहा। उ सदा बरे राजा रही।

11यहोवा आपन भगतन क रच्छा सदा करी, अउर आपन जनन क संाति क आसीस देइ।

भजन 30

मन्दिर क समर्पण बरे दाऊद क एक ठु पद।

1हे यहोवा, तू मोरी बिपत्तियन स मोर उद्धार किहा ह। तू मोरे दुस्मनन क मोका हरावइ अउर मोर खिल्ली उड़ावइ नाहीं दिहा। तउ मइँ तोहरे बरे आदर परगट करब।

2हे मोर परमेस्सर यहोवा, मइँ तोहसे पराथना किहेउँ। तू मोका चँगा कइ दिहा।

3कब्र स तू मोर उद्धार किहा, अउर मोका जिअइ दिहा।
मोका मुर्दन क संग मुर्दन क गड़हा मँ पड़े भए नाहीं रहइ
पड़ा।
4परमेस्सर क भगतन, यहोवा क स्तुति करा! ओकरे सुभ
नाउँ क प्रसंसा करा।
5यहोवा कोहाइ गवा, तउ निर्णय भवा "मउत!" मुला उ
आपन पिरेम परगट किहस अउर मोका "जिन्नगी" दिहस।
मइँ राति क रोवत विलापत सोएउँ। दूसर भिन्सारे मइँ गावत
भवा खुस रहेउँ।
6मइँ अब इ कहि सकत हउँ, अउर मइँ जानत हउँ इ
निहचय फुरइ अहइ, "मइँ कबहुँ नाहीं हारब!"
7हे यहोवा, जब तू मोहे पइ दयालु भया अउ तउ मइँ
महसूस किहेउँ कि मइँ अइसा सुरच्छित अहउँ जइसा पहाड़े
पइ एक किला। मुला मइँ डर स काँपि गएउँ जब तू मोका
अस्वीकार कइ दिहा।
8हे परमेस्सर, मइँ तोहरी कइँती लउटेउँ अउर बिनती
किहेउँ। मइँ आपन पइ दाया देखावइ क विनती किहेउँ।
9मइँ कहेउँ, "परमेस्सर का इ नीक अहइ कि मइँ मरि
जाउँ अउर कब्र क भीतर खाले चला जाऊँ? मरे भए मनई
तउ माटी मँ ओलरा रहत हीं, उ पचे तोहरे नेक क स्तुति
जउन सदा सदा बनी रहत ह नाहीं करतेन।
10हे यहोवा, मोर पराथना सुना अउर मोह पइ करुणा
करा! हे यहोवा, मोर मदद करा!"
11मइँ पराथना किहेउँ अउर तू मोर मदद किहा! तू मोरे
रोवइ क नाच मँ बदल दिहा मोरे सोक वस्त्र क तू उतारिके
बहाइ दिहा, अउर मोका आनन्द मँ सराबोर कइ दिहा।
12हे यहोवा, मइँ तोर सदा जसगान करब। मइँ अइसा
करब जेहसे कबहुँ नीरवता न बियापइ। तोहार प्रसंसा मँ
हमेसा कउनो न कउनो गावत रही।

भजन 31

संगीत निर्देसक क दाऊद क एक पद।

1हे यहोवा, मइँ तोहरे भरोसे हउँ, मोका निरास जिन करा।
मोह पइ कृपालु ह्वा अउर मोर रच्छा करा।
2हे यहोवा, मोर सुना, अउर तू हालि आइके मोका बचाइ
ल्या। मोर चट्टान बनि जा, मोर रच्छा करा!
3हे परमेस्सर, तू मोर चट्टान अहा, तउ आपन निज नाउँ
बरे मोका राह देखाँवा अउर मोर अगुआई करा।
4मोरे बरे मोर दुस्मनन जाल फइलाएन ह। ओनके फँदा स
तू मोका बचाइ ल्या, काहेकि तू मोर सुरच्छा स्थल अहा।
5हे परमेस्सर यहोवा, मइँ तउ तोहे पइ भरोसा कइ सकत
हउँ। मइँ आपन जिन्नगी तोहरे हाथे मँ सउँपत हउँ। मोर
रच्छा करा।
6जउन लबार देवतन क पूजत रहत हीं, ओन लोगन स
मोका घिना अहइ। मइँ तउ बस यहोवा मँ बिस्सास रखत
हउँ।
7हे यहोवा, तोहार करुणा मोका बहोतइ आनन्दित करत
ह। तू मोरे दु:खन क लखि लिहा अउ तू मोर पीरा क बारे
मँ जानत अहा।
8तू मोरे दुस्मनन क मोहे पइ भारी पड़इ नाहीं देब्या। तू
मोका ओनके फँदन स छोड़उब्या।
9हे यहोवा, मोह पइ अनेक संकट अहइँ। तउ मोह पइ
कृपा करा। मइँ एँतना बियाकुल अहउँ कि मोर आँखिन
दु:खत अहइँ। मोर गटइ अउ पेट पिरात अहइँ।
10मोरी जिन्नगी क अंत दु:ख मँ होत अहइ। मोर बरिस
आह भरइ मँ बीतत अहइँ। मोर सबइ बेदना मोर सक्ती क
निचोड़त अहइँ। मोर बल मोर साथ छोड़त जात अहइ।
11मोर सत्रु मोसे घिना राखत हीं। मोर पड़ोसी मोर बैरी
बना अहइँ। मोर सबहिं रिस्तेदार मोका राहे मँ लखिके मोसे
डेराइ जात हीं अउर मोसे सब कतरात हीं।
12मोका लोग पूरी तरह स बिसरि चुका अहइँ। मइँ तउ
कउनो हेरान अउजार सा होइ गवा हउँ।
13मइँ ओन भयंकर बातन क सुनत हउँ जउन लोग मोरे
बारे मँ करत हीं। उ पचे सबहिं लोग मोरे खिलाफ होइ ग
बाटेन। उ पचे मोका मारि डावइ क जोजना रचत हीं।
14हे यहोवा। मोर भरोसा तोहे पइ अहइ। तू मोर परमेस्सर
अहा।
15मोर जिन्नगी तोहरे हाथन मँ अहइ। मोरे दुस्मनन स
मोका बचाइ ल्या। ओन लोगन स मोर रच्छा करा, जउन
मोरे पाछे पड़ा अहइँ।
16कृपा कइके आपन दास क अपनाइ ल्या। मोह पइ
दाया करा अउर मोर रच्छा करा।

17हे यहोवा, मइँ तोहार बिनती किहेउँ। एह बरे मइँ निरास
नाहीं होब। बुरे मनइयन तउ निरास होइ जइहीं। अउर उ पचे
कब्र मँ नीरव चला जइहीं।
18दुर्जन लोग डींग हाँकत हीं अउर सज्जन क बारे मँ
झूठ बोलत हीं। उ सबइ दुर्जन बहोत ही अभिमानी होत हीं।
मुला ओनके होंठ जउन झूठ बोलत रहत हीं, बिना सब्दन
क होइहीं।
19हे परमेस्सर, तू आपन भगतन बरे बहोत स अजूबा
चीजन क छुपाइके धरे अहा। तू सबन्क समन्वा अइसे
मनइयन बरे जउन तोहार बिस्सासी अहइँ, भला काम करत
अहा।
20दुर्जन लोग सज्जनन क नस्कान पहोंचावइ क बरे जुट
जात हीं। उ सबइ दुर्जन लड़ाइ भड़कावइ क जतन करत हीं।
मुला तू सज्जनन क ओनसे छुपाइ लेत अहा, अउर ओनका
बचाइ लेत अहा। तू सज्जन लोगन क रच्छा आपन सरण
मँ करत अहा।
21यहोवा क स्तुति करा। जब नगर क दुस्मन लोग घेर
लिहे रहेन, तब उ आपन सच्चा पिरेम अजूबी रीति स
देखॉएस।
22मइँ डेरान रहेउँ, अउर मइँ कहे रहेउँ, "मइँ तउ अइसे
जगह पइ हउँ जहाँ मोका परमेस्सर नाहीं देख सकत ह।"
मुला हे परमेस्सर, मइँ तोहार बिनती किहेउँ, अउर तू मोर
सहायता क पुकार सुनि लिहा।
23परमेस्सर क भगतन, तोहका यहोवा स पिरेम करइ
चाही। यहोवा ओन लोगन क जउन ओकरे बरे सच्चा
अहइँ, रच्छा करत ह। मुला यहोवा ओनका जउन आपन

ताकत क ढोल पीटत हीं। ओनका उ वइसा ही दण्ड देत ह, जइसा दण्ड ओनका मिलइ चाही।

24अरे ओ मनइयो जउन यहोवा क मदद बरे प्रतीच्छा करत अहा, सुदृढ अउ हिम्मती बना!

भजन 32

दाऊद क एक गीत।

1धन्न अहइ उ जेकर पाप छमा भएन। धन्न अहइ उ जन जेकर पाप धुल गाएन।

2उ पचे कइसे धन्य अहइँ जेका यहोवा दोखी नाहीं समुझत ह। उ जन जउन आपन गुप्त पापन क छुपावइ क जतन न करइ आसीसित होइहीं।

3हे परमेस्सर, मइँ तोहसे बार बार बिनती किहेउँ, मुला आपन छुपा पाप तोहका नाहीं बताएउँ। जेतनी दाईं मइँ तोहार बिनती किहेउँ मइँ तउ अउर जियादा दुर्बल होत चला गाएउँ।

4हे परमेस्सर, तू मोर जिन्नगी दिन रात कठिन स जियादा कठिन बनाइ दिहा। मोर ताकत अइसा झुराइ गवा अहइ जइसा गरमीं क मोसम क ताप झुलसाइ दिहे अहइ।

5मुला फिर मइँ यहोवा क समच्छ आपन सबहिं पापन क मानइ क निहचय कइ लिहे हउँ। हे यहोवा, मइँ तोहका आपन पाप बताइ दिहेउँ। मइँ आपन कउनो अपराध तोहसे नाहीं छुपाएउँ। अउर तू मोरे पापन क दोख छिमा कइ दिहा।

6एह बरे, परमेस्सर, तोहरे भगतन क तोहार बिनती करइ चाही। हिआँ तलक कि जब बिपत्ति जल प्रलय स उमड़इ तब भी तोहरे भगतन क तोहार बिनती करइ चाही।

7हे परमेस्सर, तू मोर रच्छा क ढाल अहा तू मोका मोरी बिपत्तियन स उबारत अहा। तू मोका सुरच्छा क गीत स घेरि लिहा ह। तउ एह बरे मइँ, जइसे तू रच्छा किहा ह, ओनही बातन क गीत गावा करत हउँ।

8यहोवा कहत ह, "मइँ तोहका जइसे चलइ चाही सिखाउब अउर तोहका उ राह देखाउब। मइँ तोहार रच्छा करब अउर मइँ तोहार अगुआ बनब।

9तउ तू घोड़न या गदहन स बुद्धिहीन जिन बना। ओन पसुअन क तउ मुखरी अउ लगाम स चलावा जात ह। अगर तू ओनका लगाम या रास नाहीं लगउब्या, तउ उ सबइ पसु निअरे नाहीं अइहीं।"

10दुर्जनन क बहोत स पीड़ा घेरिहीं। मुला ओन लोगन क जेनका यहोवा पइ भरोसा अहइ, यहोवा क सच्चा पिरेम ढाक लेइ।

11सज्जन तउ यहोवा मँ सदा मगन अउ आनन्दित रहत हीं। अरे ओ लोगो, तू सब पवित्तर मन क साथ आनन्द मनउब्या।

भजन 33

1हे सज्जन लोगो, यहोवा मँ आनन्द मनावा! सज्जनो सत मनइयो, ओकर स्तुति करा।

2वीणा बजावा अउर ओकर स्तुति करा। यहोवा बरे दस तार वाले सारंगी बजावा।

3अब ओकरे बरे नवा गीत गावा। खुसी क धुन सुन्दरता स बजावा!

4परमेस्सर क वचन सत्य अहइ। जउन भी उ करत ह ओकर तू पचे भरोसा कइ सकत ह।

5नेकी अउ निस्पच्छता परमेस्सर क भावत ह। यहोवा आपन खुद क करुणा स इ धरती क भरि दिहेस।

6यहोवा आदेस दिहस अउ सृस्टि फउरन पइदा होइ गइ। परमेस्सर क साँस स धरती पइ हर चीज बनी।

7परमेस्सर सागर मँ एक ही जगहिया पइ जल बटोरेस। उ सागर क आपन जगह पइ रखत ह।

8धरती क हर मनई क यहोवा क आदर करइ अउ डेराइ चाही। इ संसार मँ जउन भी मनई बसा अहइँ, ओनका चाही कि उ पचे ओसे डेराइँ।

9काहेकि परमेस्सर क सिरिफ बात भइ कहब अहइ, अउर उ बात तुरंत घटि जात ह। अगर उ कउनो क रुकइ क आदेस देइ, तउ उ तुरंत थम जात ह।

10परमेस्सर चाहइ तउ सबहिं सुझाव बिअर्थ करइ। उ कउनो भी मनई क सब कुचक्रन क बिअर्थ कइ सकत ह।

11मुला यहोवा क उपदेस सदा ही खरे होत हीं। ओकर सब जोजना पीढ़ी दर पीढ़ी खरी होत हीं।

12धन्न अहइँ उ सबइ मनई जेनकर परमेस्सर यहोवा अहइ। परमेस्सर ओनका आपन ही मनई होइ क चुनेस ह।

13यहोवा सरग स खाली लखत रहत ह। उ सबहिं लोगन क लखत रहत ह।

14उ ऊपर ऊँचे पइ बनाए भए आसन स धरती पइ रहइवाले सब मनइयन क लखत रहत ह।

15परमेस्सर हर कउनो क मन रचेस ह। तउ कउनो का सोचत अहइ उ समुझत ह।

16राजा क रच्छा ओकरे बड़की सक्ती स नाहीं होत ह, अउर कउनो सिपाही आपन निज सक्ती स सुरच्छित नाहीं रहत।

17जुद्ध मँ फुरइ अस्वबल नाहीं जितावत। सचमुच तू ओकरी सक्ती स नाहीं बचि सकत्या।

18जउन लोग यहोवा क अनुसरण करत हीं, ओनका यहोवा लखत ह अउ रखवारी करत ह। जउन मनई ओकर आराधना करत हीं, ओनका ओकर महान पिरेम बचावत ह।

19परमेस्सर ओन लोगन क मउत स बचावत ह। उ सबइ जब भुखान होतेन तब उ ओनका सक्ती देत ह।

20एह बरे हम यहोवा क बाट जोहब। उ हमार मदद अउर हमार ढाल अहइ।

21परमेस्सर मोका आनन्दित करत ह। मोका फुरइ ओकरे पवित्तर नाउँ पइ भरोसा अहइ।

22हे यहोवा, हम सचमुच तोहार आराधना करित ह। तउ तू हम पइ आपन महान पिरेम देखावा।

भजन 34

जब दाऊद अबीमेलेक क समन्वा पागल होइ क देखॉवा किहस। जेहसे अबीमेलेक ओका भगाइ देइ, इ प्रकार दाऊद ओका तजिके चला गवा। उहइ अवसर पइ दाऊद क एक ठु पद।

1मइँ यहोवा क सदा धन्न कहब। मेरे ओंठन पइ सदा ओकर स्तुति अहइ।

2हे नम्र लोगो! सुना अउ खुस होइ जा। मोर सेखी यहोवा क बारे मँ अहइ।

3मोरे संग यहोवा क गरिमा क गुणगान करा। आवा, हम एक साथ घोसना करी कि उ केतॅना अच्छा अहइ।

4मइँ परमेस्सर क लगे मदद माँगइ गएउँ। उ मोर सुनेस। उ मोका ओन सबहिं बातन स बचाएस जेनसे मइँ डेरात हउँ।

5गरीब लोग ओकरे कइँती मदद बरे लखत हीं। ओनकर फीका चेहरन खुसी स गाइ उठेन काहेकि उ ओनका उत्तर दिहस।

6इ दीन जन यहोवा क मदद बरे पुकारेस, अउर यहोवा मोर सुनि लिहस। अउर उ सब विपत्तियन स मोर रच्छा किहस।

7यहोवा क दूत ओकरे भगत जनन क चारिहुँ कइँती डेरा डाए रहत ह। अउर यहोवा क दूत ओन लोगन क रच्छा करत ह।

8चखा अउर समझा कि यहोवा केतॅना भला बाटइ। उ मनई जउन यहोवा क भरोसे अहइ फुरइ खुस रही।

9यहोवा क पवित्तर जन क ओकर आराधना करइ चाही। यहोवा क भगतन बरे कउनो दूसर सुरच्छित ठउर नाहीं बा।

10आजु जउन बरिआर अहइँ दुर्बल अउ भूखा होइ जइहीं। मुला जउन परमेस्सर क सरण आवत हीं उ सबइ लोग हर उत्तिम वस्तु पइहीं।

11हे बालको, मोर सुना, अउर मइँ तू पचन्क सिखाउब कि यहोवा क सेवा कइसे करइँ।

12अगर कउनो मनई जिन्नगी स पिरेम करत ह, अउर बढ़िया अउ बड़की जिन्नगी क जिअइ चाहत ह,

13तउ उ मनई क बुरा नाहीं बोलइ चाही, उ मनई क झूठ नाहीं बोलइ चाही।

14बुरा काम जिन करा। नेक काम करत रहा। सान्ति क कारज करा। सान्ति क प्रयास मँ जुटा रहा जब तलक ओका पाइ न ल्या।

15यहोवा सज्जन लोगन क रच्छा करत ह। ओनकर पराथनन पइ उ कान देत ह।

16मुला यहोवा, जउन बुरा करम करत हीं, अइसे मनइयन क खिलाफ होत ह। एह बरे उ लोग मरइ क पाछे बिसरि दीन्ह जाइहीं।

17यहोवा स बिनती करा, उ तोहार सुनी। उ तू पचन्क तोहरी सबहिं मुसीबतन स बचाइ लेइ।

18लोगन पइ मुसीबत आइ सकत हीं अउर उ पचे अभिमानी होब तजि देत हीं। यहोवा ओन लोगन क निअरे रहत ह। जेनकर टूटा मन अहइँ ओनका उ बचाइ लेइ।

19होइ सकत ह सज्जन भी बिपदन मँ घिर जाइँ। मुला यहोवा ओन सज्जन लोगन क ओनकर हर समस्या स रच्छा करी।

20यहोवा ओनकइ सब हाड़न स रच्छा करी। ओनकर एक भी हाड़ नाहीं टूटी।

21दुट्ठता दुटठ लोगन बरे मउत लावत ह। सज्जन क विरोधी नस्ट होइ जइहीं।

22यहोवा आपन हर दास क आतिमा बचावत ह। जउन लोग ओह पइ भरोसा रखत हीं, उ ओन लोगन क नस्ट नाहीं होइ देइ।

भजन 35

दाऊद क समर्पित।

1हे यहोवा, मोरे मुकदमन क लड़ा। मोरे जुद्धन क लड़ा।

2हे यहोवा, कवच अउ ढार धारण करा, खड़ा ह्वा अउ मोर रच्छा करा।

3बरछी अउ भाला उठावा, अउर जउन मोरे पाछे पड़ा अहइँ ओनसे जुद्ध करा। हे यहोवा, मोरी आतिमा स कहा, “मइँ तोहार उद्धार करब।”

4कछू लोग मोका मारइ पाछे पड़ा अहइँ। ओनका निरास अउ लज्जित करा। ओनका मोड़ द्या अउ ओनका भगाइ द्या। मोका नस्कान पहोंचावइ क कुचक्र जउन रचत अहइँ ओनका असमंजस मँ डाइ द्या।

5तू ओनका अइसा भूसा स बनाइ द्या, जेका हवा उड़ाइ लइ जात ह। ओनके संग अइसा होइ द्या कि, ओनके पाछे यहोवा क दूत पड़इँ।

6हे यहोवा, ओनकर राह अँधियारी अउ फिसल जाइवाली होइ जाइ। यहोवा क दूत ओनकइ पाछे पड़इँ।

7उ पचे बिना कारण मोर बरे फंदा लगाएस ह। उ पचे बिना कारण मोका फँसावा चाहत हीं।

8तउ, हे यहोवा, अइसे लोगन क ओनकर आपन ही जालि मँ गिरइ द्या। ओनका आपन ही फंदन मँ पड़इ द्या। अउर कउनो न मालूम भवा खतरा ओन पइ पड़द द्या।

9फुन तउ यहोवा मइँ तोहे मँ आनन्द मनाउब। यहोवा क संरच्छण मँ मइँ प्रसन्न होब।

10मइँ आपन पूरे मन स कहब, “हे यहोवा, तोहरे समान कउनो नाहीं अहइ। तू सबलन स दुर्बलन क बचावत ह। जउन लोग सक्तीवाला होत हीं, ओनसे तू चिजियन क छोर लेत अहा अउर दीन अउ बेसहारा लोगन क देत ह।”

11एक लबार साच्छी दल मोका दु:ख देइ बरे कुचक्र रचत अहइ। उ पचे मोह पइ अपराधन क इलज़ाम लगवात ह जेकरे बरे मइँ जानत ही नाहीं हउँ।

12मइँ तउ बस भलाई ही भलाई किहेउँ ह। मुला उ पचे मोसे बुराई करिहीं। हे यहोवा, मोका उ उत्तिम फल द्या जउन मोका मिलइ चाही।

13ओन पइ जब दु:ख पड़ा, ओनके बरे मइँ दु:ख भएउँ। मइँ खइया क तजिके आपन दु:ख परगट किहेउँ। जउन मइँ ओनके बरे पराथना किहेउँ, का मोका इहइ मिलइ चाही?

14ओन लोगन बरे मइँ सोक वस्त्र धारण किहेउँ। मइँ ओन लोगन क संग मीत वरना भाई जइसा बेउहार किहेउँ। मइँ उ रोवत मनई जइसा दु:खी भएउँ, जेकर महतारी मरि गइ होइ। अइसे लोगन स सोक परगट करइ बरे मइँ करिआ वस्त्र पहिर लिहेउँ। मइँ दु:खे मँ बूड़ेउँ अउर मूँड़ निहुराइके चलेउँ।

15मुला जब मोसे कउनो एक चूक होइ गइ, उ सबइ लोग मोर खिल्ली उड़ाएन। उ सबइ लोग फुरइ मोर मीत

नाहीं रहेन। मइँ ओन लोगन क जानत तउ नाहीं। उ पचे
मोका घेरि लिहन अउर मोह पइ प्रहार किहन।
16उ पचे मोह पइ दुर्जनता क संग मसखरी किहन अउ
उ पचे मोह पइ दाँत पीसेन।
17मोर सुआमी, तू कब तलक इ सब बुरा होत लखब्या?
इ सबइ लोग मोका नास करइ क जतन करत अहइँ। हे
यहोवा, मोर प्राण बचाइ ल्या। मोरी पियारी जिन्नगी क
रच्छा करा। उ सबइ सिंह जइसा बन गवा अहइँ।
18हे यहोवा, मइँ महासभा मँ तोहार स्तुति करब। मइँ
बरिआर लोगन क संग रहत भए तोहार जस बखानब।
19मोर लबार सत्रु हँसत नाहीं रहिहीं। फुरइ मोर दुस्मन
आपन छुपी भइ जोजना बरे सजा पइहीं।
20मोर दुस्मन सचमुच सान्ति क जोजनन क नाहीं रचतेन।
उ पचे इ देस क सान्ति प्रिय लोगन क खिलाफत मँ छुप
हुपिके बुरा करइ क कुचक्र रचत अहइँ।
21मोर दुस्मन मोरे बरे बुरी बातन क कहत अहइँ। उ
सबइ झूठ बोलत भए कहत अहइँ, "अहा! हम सबइ जानत
अही तू का करत अहा!"
22हे यहोवा, तू सचमुच लखत अहा कि का कछू घटत
बाटइ। तउ तू जिन छुपा रहा, मोका जिन तजा।
23हे यहोवा, जागा! मोका रच्छा बर तइयार होइ जा! मोरे
परमेस्सर यहोवा मोर लड़ाई लड़ा, अउर मोर निआउ करा।
24हे मोरे परमेस्सर यहोवा, आपन बगइर पच्छ लिहे मोर
निआउ करा, तू ओन लोगन क मोह पइ हँसइ जिन द्या।
25ओन लोगन क अइसा जिन कहइ द्या, "अहा! हमका
जउन चाही रहा ओका पाइ लीन्ह!" हे यहोवा, ओनका जिन
कहइ द्या, "हम ओका बरबाद कइ दीन्ह।"
26मइँ आसा करत हउँ कि मोर दुस्मन निरास अउ
लज्जित होइहीं। उ सबइ लोग खुस रहेन जब मोरे संग बुरी
बातन घटत रहिन। उ सबइ सोचा करतेन कि उ सबइ मोसे
स्रेस्ठ अहइँ! तउ अइसे लोगन क लाज मँ बूड़ि जाइ द्या।
27ओन लोगन क जउन मोका निर्दोख घोसित करइ
चाहत ह, खुसी अउ आनन्दित होइ द्या। उ पचन क हमेसा
कहइ द्या, "यहोवा महान बा! उ आपन सेवक क अच्छाई
चाहत ह।"
28तउ, हे यहोवा, मइँ लोगन क तोहार अच्छाई बताउब।
हर दिन, मइँ तोहार स्तुति करब।

भजन 36

संगीत निर्देसक बरे यहोवा क दास दाऊद क एक पद।

1बुरा मनई बहोत बुराई करत ह जब उ खुद स कहत ह,
"मइँ परमेस्सर क आदर नाहीं करत हउँ अउ न ही डेरात
हउँ।"
2उ मनई खुद स झूठ बोलत ह। उ मनई खुद क आपन
खोट नाहीं लखत। एह बरे उ छिमा नाहीं माँगत।
3ओकर वचन सिरिफ बियर्थ अउ झूठा होत हीं। उ
विवेकवाला नाहीं होत अउर न ही अच्छा काम सीखत ह।
4राति क उ बिछउना मँ कुचक्र रचत ह। उ जागिके
कउनो भी नीक काम नाहीं करत। उ कुकरम क तजई नाही
चाहत।
5हे यहोवा, तोहार बिस्ससनीय पिरेम अकासे स भी
ऊँच बाटइ। हे यहोवा, तोहार सच्चाई बादर स भी ऊँच
बाटइ।
6हे यहोवा, तोहार धर्मी भावना सबन त ऊँची पर्वते स
भी ऊँची बाटइ। तोहार सोभा गहिर सागर स भी गहिर
अहइ। हे यहोवा, तू मनइयन अउ गोरूअन क रच्छक
अहा।
7तोहरी करुणा स जियादा मूल्यवान कछू भी नाहीं अहइ।
मनई अउ दूत तोहरे सरण मँ आवा अहइँ।
8हे यहोवा, तोहरे मन्दिर क उत्तिम बातन स उ सबइ नई
सक्ती पावत हीं। तू ओनका आपन अद्भुत नदी क पानी क
पिअइ देत अहा।
9हे यहोवा, तोहसे जिन्नगी क झरना फूटत ह! तोहार
जोति ही हमका प्रकास देखॉवत ह।
10हे यहोवा, जउन तोहका सच्चाई स जानत हीं, ओनसे
पिरेम करत रहा। ओन लोगन पइ तू आपन खुद क नेकी
बरसावा जउन तोहरे बरे सच्चा अहइँ।
11हे यहोवा, तू मोका घमण्डियन क जाल मँ जिन फँसइ
द्या। दुट्ठ लोग मोका कबहुँ धइ न पावइँ।
12ओनकर कब्रन क पाथरन पइ इ लिखि द्या: "दुट्ठ
लोग हिआँ पइ गिरेन ह। उ सबइ कुचर दीन्ह गएन। उ
पचे फिन कबहुँ खड़ा नाहीं होइ पइहीं।"

भजन 37

दाऊद क समर्पित।

1दुर्जन लोगन स जिन घबरा, जउन बुरा करत हीं अइसे
मनइयन स ईर्स्या जिन राखा।
2दुर्जन मनई घास अउ हरियर पौधन क नाईं हाली
पिअराइ जात हीं अउर मरि जात हीं।
3अगर तू यहोवा पइ भरोसा रखब्या अउर भला काम
करब्या तउ तू जिअत रहब्या अउ ओन चिजियन क भोग
करब्या जउन धरती देत ह।
4यहोवा क सेवा मँ आनन्द लेत रहा, अउर यहोवा
तोहका तोहार मन चाहा देइ।
5यहोवा क भरोसे रहा। ओकर बिस्सास करा। उ वइसा
करी जइसा करइ चाही।
6दुपहरिया क सूरज जइसा, यहोवा तोहार नेकी अउ
खरेपन क चमकावइ।
7यहोवा पइ भरोसा धरा अउ ओकरे सहारे क बाट
जोहा। तू दुट्ठन क कामयाबी लखिके घबरावा जिन करा।
तू दुट्ठन क दुट्ठ जोजनन क कामयाब होत लखिके जिन
घबरा।
8तू किरोध जिन करा। तू उन्मादी जिन बना। ओतना जिन
घबराइ जा कि तू बुरा काम करइ चाहा।
9काहेकि बुरे मनइयन क तउ नास कीन्ह जाइ। मुला उ
सबइ लोग जउन यहोवा पइ भरोसा रखत हीं, उ धरती क
पइहीं जेका देइ क परमेस्सर वचन दिहेस ह।
10तनिक समइ क पाछे कउनो दुर्जन नाहीं बच पाई। हेरइ
स भी तोहका कउनो दुट्ठ नाहीं मिली।

11नम्र लोग उ धरती पइहीं जेका परमेस्सर देइ क वचन दिहेस ह। उ सबइ सान्ति क आनन्द लेइहीं।

12दुट्ठ लोग सज्जनन बरे कुचाल चलत हीं। दुट्ठ जन सज्जनन क ऊपर दाँत पीसिके देखॅावत हीं कि उ पचे कोहान अहइँ।

13मुला हमार सुआमी ओन दुर्जनन पइ हँसत ह। उ ओन बातन क लखत ह जउन ओन पइ पड़इ क अहइ।

14दुर्जन तउ आपन तरवार उठावत हीं अउर धनुस साधत हीं। उ पचे दीन लोगन, बेसहारा लोगन क मारइ चाहत हीं। उ सबइ सच्चे लोगन, सज्जन लोगन क मारइ चाहत हीं।

15मुला ओनकर धनुस चूर चूर होइ जइहीं। अउर ओनकर तरवारन ओनकर आपन ही हिरदय मँ उतरिहीं।

16थोड़ा स भला मनई, दुर्जनन क भीड़ स भी उत्तिम अहइँ।

17काहेकि दुर्जनन क तउ नस्ट कीन्ह जाइ। मुला भले मनइयन क यहोवा धियान रखत ह।

18सुद्ध सज्जन लोगन क यहोवा ओनकइ जिन्नगी भइ बचावत ह। ओनकर प्रतिफल सदा बना रही।

19जबहिं संकट होइ, सज्जन बरबाद नाहीं होइहीं। जब अकाल पड़ी, सज्जन लोगन क लगे खइया क भरपूर होइ।

20मुला बुरा मनई यहोवा क दुस्मन होत रहत हीं। तउ ओन बुरे लोगन क नस्ट कइ दीन्ह जाइ, ओनकर सबइ घाटी झुराइ जइहीं अउर बर जइहीं। ओनका तउ पूरी तरह स मेट दीन्ह जाई।

21दुट्ठ तउ फउरन ही धन उधार माँग लेत ह, अउर ओका फुन कबहुँ नाहीं चुकावत। मुला एक सज्जन अउरन क खुसी स देत रहत ह।

22अगर कउनो सज्जन कउनो क आसीर्बाद देइ, तउ उ सबइ मनई उ धरती क जेका परमेस्सर देइ क वचन दिहस ह, पइहीं। मुला अगर उ सराप देइ मनइयन क तउ उ सबइ नास होइ जइहीं।

23यहोवा, सिपाही क होसियारी स चलइ मँ मदद करत ह। अउर उ ओका पतन स बचाइ लेत ह।

24फउजी अगर धावत भए दुस्मन पइ प्रहार करइँ, तउ ओकरे हाथे क यहोवा सहारा देत ह, अउर ओका गिरइ स बचावत ह।

25मइँ जुवक भवा रहेउँ पर अबहुँ मइँ बुढ़ाइ ग हउँ। मइँ कबहुँ यहोवा क सज्जन लोगन क बेसहारा तजत भए नाहीं लखेउँ। मइँ कबहुँ सज्जन लोगन क संतानन क भीख माँगत नाहीं लखेउँ।

26सज्जन सदा मुक्त भाव स दान देत ह। सज्जन लोगन क गदेलन वरदान होत हीं।

27अगर तू कुकरमन स आपन मुँह मोड़ ल्या, अउर अगर तू नीक करमन क करत रहा, तउ फिन तू सदा ही जिअत रहब्या।

28यहोवा खरेपन स पिरेम करत ह, उ आपन निज मनवइयन क बेसहारा नाहीं तजत। यहोवा आपन निज मनवइयन क हमेसा रच्छा करत ह, अउर उ दुट्ठ जन क नस्ट कइ देत ह।

29सज्जन उ धरती क पइहीं जेका देइ क परमेस्सर वचन दिहस ह, उ पचे ओहमाँ सदा सदा ही रहा करिहीं।

30भला मनई तउ खरी सलाह देत ह। ओकर निआउ सब क बरे निस्पच्छ होत ह।

31सज्जन क हिरदय मँ यहोवा क उपदेस रहत हीं। उ सोझ मारग पइ चलब नाहीं तजत।

32मुला दुर्जन सज्जन क दु:ख पहोंचावइ क रस्ता हेरत रहत ह, अउर दुर्जन सज्जन क मारइ क जतन करत हीं।

33मुला यहोवा दुर्जनन क मुक्त नाहीं तजी। उ सज्जन क अपराधी नाहीं ठहरइ देइ।

34यहोवा क मदद क बाट जोहत रहा। यहोवा क पाछे पाछे चलत रहा। दुर्जन नस्ट होइहीं। यहोवा तोहका महत्वपूर्ण बनाई। तू उ धरती पउब्या जेका देइ क यहोवा वचन दिहस ह।

35मइँ दुट्ठ क बरिआर लखेउँ ह। मइँ ओका मजबूत अउ तन्दुरुस्त बृच्छ क नाईं सक्तीसाली लखेउँ।

36मुला उ सबइ फुन मिट गएन। मोरे हेरे पइ ओनकर पता तलक नाहीं मिला।

37सच्चा अउ खरा बना, काहेकि इहइ स सान्ति मिलत ह।

38मुला जउन लोग व्यवस्था नेम तोड़त हीं नस्ट कइ दीन्ह जइहीं।

39यहोवा नेक मनइयन क रच्छा करत ह। उ आपन किला मँ रहा जब विपत्तियन आइन।

40यहोवा नेक लोगन क सहारा देत ह, अउर ओनकर रच्छा करत ह। सज्जन यहोवा क सरण मँ आवत हीं अउर यहोवा ओनका दुर्जनन स बचाइ लेत ह।

भजन 38

1हे यहोवा, जब तू किरोध मँ रहा तउ मोका फटकार जिन लगावा; जब तू परेसानी मँ रहा मोका जिन सुधारा।

2हे यहोवा, तू मोका चोट दिहा ह। तोहार बाण मोहमाँ गहिर उतरा अहइँ।

3तू मोका सजा दिहा ह अउर मोर पूरी देह दु:खत बाटइ, मइँ पाप किहेउँ अउ तू मोका सजा दिहा। एह बरे मोर हाड़ दु:खत अहइ।

4मइँ बुरा काम करइ क अपराधी हउँ, अउर उ अपराध एक बड़का बोझा क नाईं मोरे काँधे पइ चढ़ा अहइ।

5मइँ बना रहेउँ मूरख, अब मोर घाव दुर्गन्ध स भरिके रिसत अहइँ, अउर उ सबइ सड़त अहइँ।

6मइँ निहुरा अउ दबा भवा अहउँ। मइँ दिन भइ उदास रहत हउँ।

7बोखार स मोर गुर्दन दर्द करत ह, अउर मोर समूचे बदन मँ बेमारी अहइ।

8मइँ बहोत दुर्बल अउ थका भवा हउँ। मइँ कराहत हउँ काहेकि मोर हिरदइ कस्ट झेलत अहइ।

9हे यहोवा, तू मोर कराहब सुनि लिहा। मोर आह तउ तोहसे छुपी नाहीं।

10मोर हिरदइ चूर-चूर होइ गवा अहइ अउर मोर सक्ती मोका छोड़ दिहेस ह। मोरी आँखिन क जोति लगभग जात रही।

11काहेकि मइँ रोगी हउँ, एह बरे मोरे मीत अउ मोर पड़ोसी मोसे मिलइ नाहीं अउतेन। मोरे परिवार क लोग तउ मोरे लगे तलक नाहीं फटकतेन।

12मोर दुस्मन मोर निन्दा करत हीं। उ सबइ झूठ बातन अउ प्रतिवादन क फइलावत रहत हीं। मोरे ही बारे मँ उ सबइ हरदम बातचीत करत रहत हीं।

13मुला मइँ बहरा बना कछू नाहीं अनकत हउँ। मइँ गूँगा होइ गवा, जउन कछू नाहीं बोल सकत।

14मइँ उ मनई क तरह बना हउँ, जउन कछू नाहीं सुन सकत कि लोग ओकरे बारे मँ का कहत अहइँ। अउर मइँ इ तर्क नाहीं दइ सकत अउर सिद्ध नाहीं कइ सकत कि मोर दुस्मन अपराधी अहइँ।

15तउ, हे यहोवा, मोका तू ही बचाइ सकत ह। मोर परमेस्सर अउर मोर सुआमी मोरे दुस्मनन क तू ही फुरइ बताइ द्या।

16काहेकि मइँ पराथना किहेउँ, "ओनका दुर्जन स प्रसन्न होइ क अनुमति जिन द्या जब मइँ कउनो गलती किहेउँ। ओनका आपन क बारे मँ सेखी हाँकइ क अनुमति जिन द्या।

17मइँ जानत हउँ कि मइँ आपन कुकरमन बरे पापी हउँ। मइँ आपन पीरा क बिसरि नाहीं सकत हउँ।

18हे यहोवा, मइँ तोहका आपन कुकरम बताइ दिहेउँ। मइँ आपन पापन बरे दु:खी हउँ।

19मोर दुस्मन जिअत अउ पूरी तरह तन्दुरुस्त अहइँ। उ पचे बहोत-बहोत झूठी बातन बोलेन ह।

20मोर दुस्मन मोरे संग बुरा बेउहार करत हीं, जबकि मइँ ओनके बरे भला ही किहेउँ ह। मइँ बस भला करइ क जतन करत रहेउँ, मुला उ सबइ लोग मोरे खिलाफ होइ ग अहइँ।

21हे यहोवा, मोका जिन बिसरा। मोरे परमेस्सर, मोसे तू दूर जिन रहा।

22देरी जिन करा, आवा अउर मोर सुधि ल्या। हे मोर परमेस्सर मोका तू बचाइ ल्या।

भजन 39

संगीत निर्देसक क यदूतून बरे दाऊद क एक ठु पद।

1मइँ कहेउँ, "जब तलक इ सबइ दुट्ठ मोरे समन्वा रइहीं, तब तलक मइँ आपन कहनी बरे सचेत रहब। मइँ आपन वाणी क पाप स दूर रखब। अउर मइँ आपन मुँह क बंद कइ लेबउँ।"

2तउ एह बरे मइँ कछू नाहीं कहेउँ। मइँ भला भी नाहीं कहेउँ। मुला मइँ बहोत परेसान भएउँ।

3मइँ बहोत गुस्सान रहेउँ। इ बारे मँ मइँ जेंतना सोचत चला गएउँ, ओंतना ही मोर किरोध बाढ़त चला गवा। तउ मइँ आपन मुँह तनिकउ नाहीं खोलेउँ।

4हे यहोवा, मोका बतावा कि मोरे संग का कछू घटित होइवाला अहइ? मोका बतावा, मइँ कब तलक जिअत रहब? मोका जानइ द्या फुरइ मोर जिन्नगी केंतनी छोट अहइ।

5तू मोका जिअइ बरे बहोत कम समइ दिहा ह। तोहार तुलना मँ मोर जिन्नगी बहोत अल्प अहइ। एक मनई क जिन्नगी सिरिफ एक साँस अहइ। कउनो भी सदा नाहीं जिअत।

6उ जिन्नगी जेका हम लोग जिअत ह, उ झूठी छाया भइ होत ह। जिन्नगी क सारी भाग दौड़ निस्प्रयोजन होत ह। हम पचे तउ बेकार ही चिन्ता पालित ह। धन दौलत वस्तुअन क हम जोरिके धरित ह, मुला हम नाहीं जानित ओनका कउन भोगी।

7तउ, मोरे यहोवा, मइँ का आसा रखउँ? तू ही बस मोर आसा अहा!

8हे यहोवा, जउन कुकरम मइँ किहेउँ ह, ओनसे तू ही मोका बचउब्या। तू मोरे संग कउनो क भी कउनो विवेकी न होइवाला जन क संग क नाईं बेउहार नाहीं करइ देब्या।

9मइँ आपन मुँह नाहीं खोलब। मइँ कछू भी नाहीं कहब। यहोवा तू वइसे किह्या जइसे करइ चाही रहा।

10मुला परमेस्सर, मोका सजा देब तजि देइ। अगर तू मोका सजा देब नाहीं तज्या, तउ तू मोर नास करब्या।

11हे यहोवा, तू लोगन क ओनकर कुकरमन क सजा देत अहा। अउर इ तरह जिन्नगी क खरी राह लोगन क सिखावत ह। हमार काया पुरान अउ दुबराइ जात ह। अइसे उ ओढ़ना क नाईं जेहमाँ कीरा लाग होइ। हमार जिन्नगी एक ठु नान्ह बादर जइसे लखत बिलाइ जात ह।

12हे यहोवा, मोर विनती सुना। मोरे ओन सब्दन क सुना जउन मइँ तोहसे गोहराइके कहत हउँ। मोरे आँसुअन क लखा। मइँ बस राहगीर हउँ, तोहका संग लिए इ जिन्नगी क राहे स गुजरत हउँ। इ जिन्नगी क राहे पइ मइँ आपन पुरखन क तरह कछू समइ मात्र पइ टिका भवा हउँ।

13हे यहोवा, मोका अकेल्ले रहइ द्या। मरइ स अउ चलि जाइ स पहिले मोका फुन स आनन्दित होइ द्या।

भजन 40

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक पद।

1यहोवा क मइँ पुकारेउँ। उ मोर सुनेस। उ मोर रोदन क सुन लिहस।

2यहोवा मोका विनास क गड़हा स उबारेस। उ मोका दलदल गड़हा स उठाएस, अउर उ मोका चट्टाने पइ बइठाएस। उ ही मोरे कदमन क टेकाएस।

3यहोवा मोरे मुँह मँ एक ठु नवा गीत बसाएस। परमेस्सर क एक ठु स्तुति गीत। बहुतेरे लोग लखिहीं जउन मोरे संग भवा ह। अउर फुन परमेस्सर क आराधना करिहीं। उ पचे यहोवा क बिस्सास करिहीं।

4अगर कउनो मनई यहोवा क भरोसे रहत ह, तउ उ मनई सचमुच खुस होइ। अउ अगर कउनो मनई मूर्तियन अउ झूठ देवतन क सरण मँ नाहीं जाइ, तउ उ मनई फुरइ खुस होइ।

5हमार परमेस्सर यहोवा, तू बहुतेरा अद्भुत काज किहा ह। हमरे बरे तोहरे लगे अद्भुत जोजना अहइँ। कउनो मनई

नाहीं जउन ओका गन सकइ। मइँ तोहरे कीन्ह काम क बारंबार बखानबउँ।

6हे यहोवा, तू मोका इ समुझाया ह: तू फुरइ कउनो अन्नबलि अउ पसुबलि नाहीं चाहत रह्या। कउनो होमबलि अउ पापबलि तोहका नाहीं चाही।

7तउ मइँ कहेउँ, "लखा मइँ आवत हउँ! किताबे मँ मोरे बारे मँ इहइ लिखा अहइ।"

8हे मोरे परमेस्सर, मइँ उहइ करइ चाहत हउँ जउन तू चाहत ह। मइँ मनवा मँ तोहरी सिच्छन क बसाइ लिहेउँ।

9मइँ महासभा क बीच लोगन क उद्धार क खुस खबरी कहेउँ। हे यहोवा, तू जानत अहा कि एकरे बारे मँ कहइ स डरेउँ नाहीं।

10मइँ तोहार उद्धार बरे चुप नाहीं रहब। हे यहोवा, मइँ तोहार बिस्सासी अउर मुक्ती बरे खुलके बोलेउँ। मइँ महासभा मँ तोहार बिस्ससनीय पिरेम अउर दयालुता क बिना छुपाए बोलेउँ।

11एह बरे हे यहोवा, तू आपन दाया मोहसे जिन छुपावा। तू आपन करुणा अउ सच्चाई स मोर रच्छा करा।

12मोका दुट्ठ मनइयन घेरि लिहन, उ पचे एँतना जियादा बाटेन कि गना नाहीं जातेन। मोका आपन पापन घेरि लिहे अहइँ, अउर मइँ ओनसे बचिके पराइ नाहीं सकत हउँ। मोर पाप मोरे मूँड़े क बारे स जियादा अहइँ। मोर साहस मोहसे हेराइ चुका बाटइ।

13हे यहोवा, मोरी कइँती दउड़ा अउ मोर रच्छा करा। आवा, देरी जिन करा, मोका बचाइ ल्या।

14उ सबइ दुट्ठ मनई मोका मारइ क जतन करत हीं। हे यहोवा, ओनका लज्जित करा अउ ओनका निरास कइ द्या। उ सबइ मनई मोका दु:ख पहोंचावइ चाहत हीं। तू ओनका अपमानित होइके पराइ द्या।

15उ सबइ दुट्ठ लोग मोर मसखरी उड़ावत हीं। ओनका एँतना सर्मिन्दा करा कि उ पचे बोल तलक न पावइँ।

16मुला उ सबइ मनई जउन तोहका हेरत हीं, आनन्द मँ भरि जाइँ। उ सबइ मनई सदा इ कहत रहइँ, "यहोवा क गुण गावा!" ओन लोगन क तोहसे ही रच्छित होब नीक लागत ह।

17हे मोर सुआमी, मइँ तउ बस दीन, बेसहारा मनई अहउँ। मोर रच्छा करा, तू मोका बचाइ ल्या। हे मोर परमेस्सर, अब जियादा देर जिन करा।

भजन 41

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु गीत।

1जउन दीन क कामयाब होने मँ मदद करत ह उ धन्य अहइ। यहोवा ओनका बचावत ह जब उ पचे विपत्ती मँ होत हीं।

2यहोवा उ मनई क रच्छा करी अउ ओकर जिन्नगी बचाइ। उ मनई धरती पइ बहोतइ बरदान पाई। परमेस्सर ओकरे दुस्मनन क जरिये ओकर नास नाहीं होइ देइ।

3जब मनई रोगी होइ अउर बिछउना मँ पड़ा होइ, ओका यहोवा सक्ती देइ। उ मनई बिछउना मँ चाहे रोगी पड़ा होइ, मुला यहोवा ओका चंगा कइ देइ।

4मइँ कहेउँ, "यहोवा, मोहे पइ दाया करा। मइँ तेरे खिलाफ पाप किहेउँ ह, मुला मोका अउर अच्छा करा।"

5मोर दुस्मन मोरे बरे अपसब्द कहत अहइँ, उ पचे कहत अहइँ, "इ कब मरी अउर कब बिसराइ दीन्ह जाई?"

6कछू लोग मोरे लगे मिलइ बरे आवत हीं। उ पचे कउनो लाभदायक बात नाहीं बोलत हीं, उ पचे सिरिफ कछू समाचार मोरे बरे जमा करत हीं। बाद मँ इ ओनका हर जगह फइलावत हीं।

7मोर दुस्मन छुपे छुपे मोर निन्दा करत रहत हीं। उ पचे मोरे खिलाफ कुचक्र रचत हीं।

8उ पचे कहा करत हीं, "उ कउनो बुरा करम किहेस ह, इहइ स ओका कउनो बुरा लोग लगा ह। मोका आसा अहइ उ कबहुँ तन्दुरुस्त नाहीं होइ।

9मोर परम मित्र मोरे संग खात रहा। ओह पइ मोका भरोसा रहा। मुला अब मोर परम मित्र भी मोरे खिलाफ होइ ग अहइ।

10तउ हे यहोवा, मोह पइ कृपा करा अउ मोहे पइ कृपालु ह्वा। मोका खड़ा करा कि मइँ बदला लेउँ।

11हे यहोवा, अगर तू मोरे दुस्मनन क बुरा नाहीं करइ देब्या, तउ मइँ समुझब कि तू मोका अपनाइ लिहा ह।

12मइँ निर्दोख रहेउँ अउर तू मोर मदद किहा। तू मोका खड़ा किहा अउर मोका तोहार सेवा करइ दिहा।

13इस्राएल क परमेस्सर, यहोवा क प्राचीन काल स लइके अन्तिम समई तलक धन्न होइ।

आमीन, आमीन!

दूसर भाग

भजन 42

संगीत निर्देसक बरे कोरह परिवार क एक ठु मस्किल।

1एक ठु पिआसा हिरन क नाईं जउन धार क पानी पिअइ क इच्छुक अहइ, वइसे ही, हे परमेस्सर, मोर प्राण तोहरे इच्छा रखत हीं।

2मोर प्राण जिअत परमेस्सर क पिआसा अहइ। मइँ ओहसे मिलइ बरे कब आइ सकत हउँ?

3राति अउ दिन मोर हर दिन क भोजन सिरिफ आँसू बाटइ। मोर दुस्मन कहत हीं, "तोहार परमेस्सर कहाँ बा?"

4तउ मोका इ सबइ बातन क सुमिरइ द्या। मोका आपन हिरदइ बाहेर उड़ेरइ द्या। मोका सुमिरन अहइ मइँ परमेस्सर क मन्दिर मँ चलेउँ अउ भिड़िया क अगुआई करत रहेउँ। मोका सुमिरन अहइ उ लोगन क संग आनन्द स भरा बड़कई क गीत गाउब अउर उ उत्सव मनाउब।

5मइँ एँतना दु:खी काहे हउँ? मइँ एँतना बियाकुल काहे हउँ? मोका परमेस्सर क सहारे क बाट जोहइ चाही। मोका अबहुँ ओकर स्तुति क अवसर मिली। उ मोका बचाई।

6हे मोरे परमेस्सर, मइँ बहोतइ दु:खी हउँ। एह बरे मइँ यरदन नदी क स्त्रोत मँ, हर्मोन पहाड़ क आधार पइ छोटा पहाड़ी* मँ तोहार आराधना किहेउँ ह।

छोटा पहाड़ी या, "मिसगार क पर्वत पइ" सायद अब इ जगह योराह कहा जात ह। इ इस्राएल क उत्तर मँ बनायाह (कसीरिया फिलिपी) अहइ। इ पुरानी दान नगर क बगल मँ रहा।

7जइसे नदी क लहरन आवत अउ गरजत ह मइँ झरना क कोलाहल करत भए सब्द सुनत हउँ। वइसे ही मोका विपत्तियन बारम्बार घेरी रहिन। हे यहोवा, तोहार लहरन एक क बाद दूसरा आवत ह, मोर चारिहुँ कइँती घेरिके मोका दहबोच रखेन ह।

8अगर हर दिन यहोवा बिस्ससनीय पिरेम देखाइ। फुन तउ राति मँ मइँ ओकर गीत गाइ पाउब। मइँ आपन सजीव परमेस्सर क पराथना कइ सकब।

9मइँ आपन परमेस्सर, आपन चट्टान स बातन करत हउँ। मइँ कहा करत हउँ, "हे यहोवा, तू मोका काहे बिसराइ दिहा? ये यहोवा, तू मोका इ काहे नाहीं देखॉया कि मइँ आपन दुस्मनन स बचिके कइसे निकरउँ?"

10मोर दुस्मनन मोका मारइ क जतन किहेन। उ पचे मोहे पइ आपन घिना देखॉवत हीं जब उ पचे कहत हीं, "तोहार परमेस्सर कहाँ अहइ?"

11मइँ ऍतना दु:खी काहे हउँ? मइँ काहे ऍतना बियाकुल हउँ? मोका परमेस्सर क सहारे क बाट जोहइ चाही? मोका अब भी ओकर स्तुति करइ क अवसर मिली। उ मोका बचाइ।

भजन 43

1हे परमेस्सर, एक मनई अहइ जउन तोहार अनुसरण नाहीं करत। उ मनई दुट्ठ अहइ अउ झूठ बोलत ह। हे परमेस्सर, मोर मोकदमा लड़ा अउर इ निर्णय करा कि कउन सत्य बाटइ। मोका उ मनई स बचाइ ल्या।

2हे परमेस्सर, तू ही मोर सरणस्थल अहा! मोका तू काहे बिसराइ दिहा? तू मोका इ काहे नाहीं देखॉया कि मइँ आपन दुस्मनन स कइसे बचिके निकरउँ?

3हे परमेस्सर, तोहार जोति अउ सच्चाई क मोह पइ चमकइ द्या। उ मोका तोहार पवित्तर पर्वत पइ तोहार आपन वास-स्थान जाइ मँ अगुवाइ करइ।

4मइँ तउ परमेस्सर क वेदी क लगे जाब। परमेस्सर मइँ तोहरे पास आउब। उ मोका आनन्दित करत ह। हे परमेस्सर, हे मेरे परमेस्सर, मइँ वीणा पइ तोहार स्तुति करब।

5मइँ ऍतना दु:खी काहे हउँ? मइँ काहे ऍतना बियाकुल हउँ? मोका परमेस्सर क सहारे क बाट जोहइ चाही। मोका अब भी ओकर स्तुति क अवसर मिली। उ मोका बचाई।

भजन 44

संगीत निर्देसक बरे कोरह परिवार क एक उ भक्ति गीत।

1हे परमेस्सर, हम पचे तोहरे बारे मँ सुने अही। हमार पुरखन ओनकइ दिनन मँ जउन काम तू किहे रह्या ओनके बारे मँ हम पचन्क बताया। उ पचे पुराने जमाने मँ जउन तू किह्या ह, ओनका हम पचन्क बताया।

2हे परमेस्सर, तू इ धरती आपन महासक्ती स पराये लोगन्स लिहा अउर हम का दिहा। ओन बिदेसी लोगन्क तू कुचर दिहा, अउर ओनका इ धरती तजिके देइ क दबाव डाया।

3हमार पुरखन इ धरती आपन तरवारन क बल पइ नाहीं लिहे रहेन आपन भुजदण्डन क बल पइ बिजयी नाही भएन। इ एह बरे भवा रहा। काहेकि तू हमरे पुरखन क संग रह्या। हे परमेस्सर, तोहार महान सक्ती हमरे पुरखन क रच्छा किहस। काहेकि तू ओनसे पिरेम करत रह्या।

4हे मोरे परमेस्सर, तू मोर राजा अहा। उ आदेस द्या जउन कि याकूब क लोगन क जीत मँ अगुवाइ करी।

5परमेस्सर, तोहरी सक्ती स हम आपन दुस्मनन क पीछे ढकेल दिहन। तोहार नाउँ स हम आपन दुस्मन क कुचरि देब।

6मोका आपन धनुस अउ बाणन पइ भरोसा नाहीं। मोर तरवार मोका बचाइ नाहीं सकत।

7हे परमेस्सर, तू ही हमका मिस्र स बचाया। तू हमरे दुस्मनन क लज्जित किहा।

8हर दिन हम परमेस्सर क गुण गाउब। हम तोहरे नाउँ क स्तुति सदा करब।

9मुला अब, हे यहोवा, तू हम लोगन स पीछे मुड़ि गवा ह अउ हमका नीचा कइ दिहा ह! तू हमरे फउज मँ जुरइ स इन्कार कइ दिहा ह जब हम जुद्ध मँ गए रहेन!

10तू हमका हमरे दुस्मनन क लगे छोड़ि दिहेस, तउ उ पचे हमार सारा धन दौलत छील लइ गएन।

11तू हमका उ भेड़ी क नाईं तज्या जउन खइया क तरह खाइ क होत ह। तू हमका रास्ट्रन क बीच छितराइ दिहा।

12हे परमेस्सर, तू आपन लोगन क यूँ ही बेच दिहा, अउ ओनके मूल्य पइ भाव ताव नाहीं किहा।

13तू हमका हमरे पड़ोसियन मँ हँसी क पात्र बनाया। हमरे पड़ोसी हमार मसखरी करत हीं, अउर हमार मजाक बनावत हीं।

14लोग हमरी भी कथा उपहास कथा मँ कहत हीं। हिआँ तलक कि उ सबइ लोग जेनका आपन कउनो रास्ट्र नाहीं अहइ, आपन मूँड़ी हलाइके हमार मसखरी करत हीं।

15मइँ लज्जा मँ बूड़ा अहउँ। मइँ सारे दिन भइ निज लज्जा निहारत रहत हउँ।

16मोर दुस्मन मोका लज्जित किहेन ह। मोर मसखरी उड़ावत भए मोर दुस्मन, आपन बदला लेइ चाहत ह।

17हे परमेस्सर, हम तोहका बिसरावा नाहीं। फिन भी तू हमरे संग अइसा करत ह। हम जब आपन करार पइ तोहरे संग हस्ताच्छर किहे रहे, झूठ नाहीं बोले रहे।

18हे परमेस्सर, हम तउ तोहसे मुँह नाहीं मोड़ा। अउर न ही तोहार अनुसरण करब तजा ह।

19मुला, हे यहोवा, तू हमका इ ठउरे पइ अइसे ठूँस दिहा ह जहाँ सियार रहत हीं। तू हमका इ जगह मँ जउन मउत क तरह अँधियर अहइ मूँद दिहा ह।

20का हम आपन परमेस्सर क नाउँ बिसरी? का हम विदेसी देवतन क अगवा निहुरी? नाहीं।

21निहचय ही, परमेस्सर ऍन बातन क जानत ह। उ तउ हमार गहिर रहस्य तलक जानत ह।

22हे परमेस्सर, हम तोहरे बरे रोज रोज मारा जात अही। हम ओन भेड़िन जइसा बना अही जउन बधइ बरे लइ जाई जात अहइँ।

23मोर सुआमी, उठ! नींदिया मँ काहे ओलरा अहा? उठा! हमका सदा बरे जिन तजा।

24हे परमेस्सर, तू हमसे काहे छुपत ह? का तू हमार दु:ख अउर सबइ वेदना क बिसरि गवा अहा?

25हमका धूरि मँ पटक दीन्ह गवा ह। हम ओंधा मुँह कइके धरती पइ पड़ा भवा अही।

26हे परमेस्सर, उठा अउर हमका बचाइ ल्या। आपन नित्य पिरेम क कारण हमार रच्छा करा।

भजन 45

संगीत निर्देसक बरे सोसन्नीम राग क अनुसार
कोरह परिवार क मस्किल एक ठु पिरेम गीत

1सुन्नर सब्द मोरे मनवा मँ भरि जात हीं, जब मइँ राजा बरे बातन लिखत हउँ। मोरी जिभिया पइ सब्द अइसे आवइ लागत हीं जइसे उ पचे कउनो कुसल लेखक क लेखनी स निकरत होइँ।

2सबइ मनइयन मँ, तू अति सुन्नर अहइ। तोहार मुँहे स कृपालु सब्द निकलत अहा। एह बरे परमेस्सर तोहका सदा-सर्वदा आसीस देइ।

3तू आपन तरवार क जोद्धन क कमर पइ बाँधा। तू महिमा वाला वस्त्र धारण करा।

4तू अद्भुत देखाँत अहा। जा, धरम अउ निआउ क जुद्ध जीत ल्या। अद्भुत करम क करइ बरे सक्ती स भरी दाहिनी भुजा क प्रयोग करा।

5तोहार तीर तइयार अहइँ। तू बहुतेरन क हराइ देब्या। तू आपन दुस्मनन पइ हुकूमत करब्या।

6हे परमेस्सर,* तोहार सिंहासन हमेसा रहब। तोहार साही राजदण्ड अच्छाई तोहार राज्ज क मज़बूत बनावत ह।

7तू नेकी स पिआर अउ बुराई स घिना करत अहा। एह बरे सक्तीमान निआवाधीस, तोहार परमेस्सर तोहका तोहार साथियन क ऊपर राजा चुनेस ह।

8तोहार ओढ़ना महकत अहइँ जइसे गंध रस, अगर अउ तेज पात स मधुर गंध आवति होइ। हाथी दाँत स जड़ा भवा राजमहलन स तोहका आनन्द मँ भरि देइ क मधुर संगीत क झंकार फइलति अहइँ।

9राजा लोगन क बिटियन अइसा सेवा किहेन जइसा कि उ राजा क बिवाह मँ दुल्हन क सेविकन अहइँ। तोहार महरानी ओपीर क सोना स बना मुकुट पहिरे तोहरे दाहिन कइँती विराजति अहइँ।

10हे राजपुत्री, मोरी बात क सुना। धियानदइके सुना, तबहिं तू मोरी बात क समझबू। तू आपन निज लोगन अउर बाप क घराने क बिसरि जा।

11राजा तोहरे सुन्दरता पइ मोहित अहइ। इ तोहार नवा सुआमी होइ। तोहका एकर सम्मान करब अहइ।

12सूर सहर क लोग तोहरे बरे उपहार* लइ अइहीं। अउर धनी मानी तोहसे मिलइ चइहीं।

परमेस्सर हिआँ सम्भवत: राजा क ओर इसारा करत ह, जउन आपन लोगन क निआवाधीस क रूप मँ सेवा करत ह।

तोहरे बरे उपहार “सूर क बिटिया, अमीर लोग तोहार लगे तोहसे मिलइ बरे उपहार लेइहीं।” साइद दुल्हन फोनिका क राजकुमारी अहइ। उ होइ सकत ह इस्राएल क (उत्तरी बंसज) राजा अहाब स बियाह किहेस ह।

13उ राजकन्या उ मूल्यवान रत्न क नाईं अहइ जेका सुन्नर मूल्यवान सुवर्ण मँ जड़ा गवा होइ।

14ओका रमणीक वस्त्र पहिराइके लिआवा गवा बाटइ। ओकरी सखियन क भी जउन ओकरे पाछे अहइँ राजा क समन्वा लावा गवा।

15उ पचे हिआँ उल्लास मँ आई अहइँ। उ पचे आनन्द मँ मगन होइके राजमहल मँ प्रवेस करिहीं।

16राजा, तोहरे पाछे तोहार पूत सासक होइहीं। तू ओनका समूचे धरती क राजा बनउब्या।

17मइँ तोहरे नाउँ क प्रचार जुग जुग तलक करब। तू प्रसिद्ध होब्या, तोहरे जसे क गीतन क लोग सदा सदा ही गावत रइहीं।

भजन 46

अलामोथ क संगत पइ संगीत निर्देसक बरे
कोरह परिवार क एक ठु पद।

1परमेस्सर हमरे पराक्रम क भण्डार अहइ। संकट क समइ उ हमेसा मदद बरे हुवाँ होइ।

2एह बरे जब धरती काँपत ह अउर जब पर्वत समुद्र मँ भहराइ लागत ह, हमका डर नाहीं लागत।

3हम नाहीं डेराइत जब सागर उफनत अउ मटमैला होइ जात ह, अउर धरती अउ पहाड़ काँपइ लागत हीं।

4हुआँ एक ठु नदी अहइ, जउन परम परमेस्सर क नगरी क आपन धारा स खुसी स भरि देत ह।

5उ सहर मँ परमेस्सर अहइ, इहइ स ओकर कबहुँ पतन नाहीं होइ। परमेस्सर ओकर मदद भोर स पहिले ही करी।

6यहोवा क गरजत ही, रास्ट्र डर स काँपि जइहीं। ओनकर राजधानियन क पतन होइ जात ह अउ धरती पिघल उठत ह।

7सर्वसक्तिमान यहोवा हमरे संग अहइ। याकूब क परमेस्सर हमार सरणस्थल अहइ।

8आवा ओन सक्ती स भरा कामे क लखा जेनका यहोवा करत ह। उ सबइ काम ही धरती पइ यहोवा क मसहूर करत हीं।

9यहोवा धरती पइ होत भए कहूँ भी जुद्ध क रोक सकत ह। उ सबइ फउजी क धनुसन क तोड़ सकत हीं, अउ ओनके भालन क चकनाचूर कइ सकत ह, रथन क उ बारिके भसम कइ सकत ह।

10परमेस्सर कहत ह, “सांत बना अउ जाना कि मइँ ही परमेस्सर अहउँ! रास्ट्रन क बीच मोर बड़कई होइ। धरती पइ मोर महिमा फइलि जाइ!”

11यहोवा सर्वसक्तिमान हम पचन्क संग बा। याकूब क परमेस्सर हमार ढाल अहइ।

भजन 47

संगीत निर्देसक बरे कोरह परिवार क एक ठू भजन।

1हे सबहिं लोगो, ताली बजावा, अउर आनन्द मँ भरिके परमेस्सर क जय जयकार करा!

2महिमा महिम यहोवा भय अउर विस्मय स भरा बाटइ। सारी भुइँया क उहइ महान राजा अहइ।

3उ हुकुम दिहेस कि रास्ट्रन हमार नियंत्रन मँ होब ऍंह बरे
हम पचन्क ओनका हराइ दिहा ह।
4हमार धरती उ हमरे बरे चुनेस ह। उ याकूब बरे अद्‌भुत
धरती चुनेस जेहसे उ पिरेम करत ह।
5यहोवा परमेस्सर तुरही क ध्वनि अउर जुद्ध क नरसिंहे
क स्वर क संग ऊपर उठत ह।
6परमेस्सर क गुणगान करत भए गुण गावा। हमरे राजा
क बड़कई क गीत गावा। अउर ओकर जस क गीत
गावा।
7परमेस्सर सारी भुइँया क राजा अहइ। ओकर बड़कई क
गीत गावा।
8परमेस्सर आपन पवित्तर सिंहासन पइ बिराजत ह। परमेस्सर
सबहिं रास्ट्रन पइ हुकूमत करत ह।
9रास्ट्रन क नेता, इबाहीम क परमेस्सर क लोगन क संग
मिलत हीं। सबहिं रास्ट्रन क नेता, परमेस्सर क अहइँ।
परमेस्सर ओन सबन क ऊपर अहइ।

भजन 48

एक ठु भजन: कोरह परिवार क एक ठु पद।

1यहोवा महान अहइ। उ हमेसा मोर परमेस्सर क नगर मँ
आपन पवित्तर पर्वत पइ बड़कई करत अहइ।
2सिय्योन पर्वत असल मँ परमेस्सर क पवित्तर पर्वत
बाटइ। इ महान राजा क नगर बाटइ। समूचइ संसार क
लोग हिआँ खुस रहत हीं काहेकि इ प्रसन्नता क सिखर पइ
अहइँ।*
3उ सहर क महलन मँ, परमेस्सर क सरणस्थल क नाउँ
स जाना जात ह।
4एक दाईं कछू राजा आपुस मँ आइके मिलेन अउर उ
पचे इ सहर पइ हमला करइ क कुचक्र रचेन। सबहिं एक
अउटिके चढ़ाई बरे अगवा बढ़ेन।
5राजा क लखिके उ सबइ सबहिं चकित भएन। ओनमाँ
भगदड़ मची अउ उ सबइ सबहिं पराइ गएन।
6ओनका डर दहबोच लिहस, उ सबइ डर स काँपि उठेन।
7प्रचण्ड पुरवइया हवा ओनके जहाजन क चकनाचूर कइ
दिहस।
8हाँ, हम पचे तोहार प्रबलता क कहानी सुना ह। अउर
हम पचे तउ ऍंका सर्वसक्तिमान यहोवा क सहर मँ हमरे
परमेस्सर क सहर मँ घटत भए भी लखा। यहोवा उ सहर
क हमेसा बरे सुदृढ़ बनाएस ह।
9हे परमेस्सर, हम तोहरे मन्दिर मँ तोहरी पिरेम स भरी
करुणा पइ विचार करित ह।
10हे परमेस्सर, तू मसहूर अहा, लोग धरती पइ हर कहूँ
तोहार स्तुति करत हीं। हर मनई जानत ह कि तू केतॅंना
भला अहा।
11हे परमेस्सर, तोहरे उचित निआउ क कारण सिय्योन
पर्वत खुस अहइ। अउर यहूदा क नगरियन आनन्द मनावत
अहइँ।
12सिय्योन क परिक्रमा करा। नगरी क दर्सन करा। तू
मीनारन क लखा।
13ऊँच चहरदीवारन क लखा। सिय्योन क महलन क
सराहा, तबहिं तू आवइवाली पीढ़ी स ऍंकर बखान कइ
सकब्या।
14सचमुच हमार परमेस्सर सदा सदा ही परमेस्सर रही। उ
हमका सदा ही राह देखॅाई। ओकर कबहुँ भी अंत नाहीं
होई।

भजन 49

कोरह क संतानन क संगीत निर्देसक बरे एक ठु पद।

1अलग अलग देसन क निवासियो, इ सुना। धरती क
वासियो इ सुना।
2सुना अरे दीन लोगो, अरे धनिको सुना।
3मइँ तू पचन्क गियान अउ विवेक क बातन बतावत
हउँ।
4मइँ सबइ कथा सुनेउँ ह, मइँ अब उ सबइ कथा तू
पचन्क आपन वीणा पइ सुनाउब।
5अइसा कउनो कारण नाहीं जउन मइँ कउनो भी बिनास
स डेराइ जाउँ। अगर लोग मोका घेरइँ अउ फँदा फइलावइँ,
मोका डेराइ क कउनो कारण नाहीं।
6उ सबइ लोग मूरख अहइँ जेनका आपन निज सक्ती
अउ आपन धन पइ भरोसा अहइ।
7कउनो मानव मीत ओनका छोड़ा नाहीं सकत। कउनो
मनई परमेस्सर क रिसवत दइके बिना सज़ा क जाई देइ नाहीं
सकत।
8कउनो मनई क लगे ऍंतना धन नाहीं होई कि जेहसे उ
खुद आपन निज जिन्नगी मोल लइ सकइ।
9कउनो मनई क लगे ऍंतना धन नाहीं होइ सकत कि उ
आपन देह कब्र मँ सड़इ स बचाइ सकइ।
10लखा, बुद्धिमान जन, बुद्धिहीन जन अउ पाथर जइसा
मूरख जन एक जइसे मरि जात हीं, अउर ओनकर सारा धन
दूसर लोगन क हाथे मँ चला जात ह।
11कब्र सदा ही बरे हर कउनो क घर बनी, एकर कउनो
अरथ नाहीं कि उ पचे केॅतनी भुइँया क सुआमी रहेन।
12धनी मनई मूरख लोगन स अलग नाहीं होतेन। सबहिं
लोग गोरूअन क तरह मर जात हीं।
13मूरख लोगन बरे इहइ होत ह। इ ओनकर भाग्य अहइ
अउर ओकरे संतानन क भाग्य जउन ओकरे जइसा इच्छा
रखत ह।
14सबहिं लोग भेड़ी जइसेन बाटेन। कब्र ओनकर बरे
बाड़ा बन जाइ। मउत ओनके चरवाहा बनी। ओनकर काया
छीन होइ जाइ अउर उ पचे कब्र मँ सड़ गल जइहीं।
15मुला यहोवा मोर मूल्य चुकाई अउर मोका कब्र स
बचाइ। काहेकि उ मोका आपन संग लेब।
16धनवानन स जिन डेराअ कि उ पचे धनी अहइँ। लोगन
स ओनकर धन दौलत स भरा घरन क लखिके जिन डेराअ।
17उ सबइ लोग जब मरिहीं कछू भी संग न लइ जाइ
जइहीं। ओन सुन्नर वस्तुअन मँ स कछू भी न लई जाइ
पइहीं।

सिय्योन पर्वत ... अहइँ साब्दिक, "सिय्योन पर्वत सिफोन स बहोत दूर अहइ।" कनानी पौराणिक कथा क अनुसार, सिफोन कानियन बरे पवित्तर पर्वत बाटइ अउर ओकर देवता हुवाँ निवास करत हीं।

18लोगन क चाही कि उ सबइ जब तलक जिअत रइहीं परमेस्सर क स्तुति करइँ। जब परमेस्सर ओनके संग भलाई करइ, तउ लोगन क ओकर स्तुति करइ चाही।

19मनइयन बरे एक अइसा समइ आइ जब उ पचे आपन पुरखन क संग मिल जइहीं। फिर उ पचे कबहुँ दिन क प्रकास नाहीं लखि पइहीं।

20धनी मनई मूरख लोगन स अलग नाहीं होतेन। सबहिं लोग गोरुअन क नाईं मरत हीं।

भजन 50

आसाफ क भक्ति गीतन मँ स एक ठु पद।

1देवतन क देवता यहोवा कहेस ह। पूरब स पच्छिम तलक धरती क सब मनइयन क उ बोलाएस।

2सिय्योन स परमेस्सर क सुन्नरता प्रकासित होत बाटइ।

3हमार परमेस्सर आवत अहइ, अउर उ चुप नाहीं रही। ओकरे समन्वा बरत ज्वाला बा, ओका एक ठु बड़का तूफान घेरे बाटइ।

4हमार परमेस्सर आकास अउ धरती क गोहराइके आपन निजी लोगन क निआउ करइ बोलावत ह।

5"मोर मनवइयो, मोरे लगे बटुरा। मोर उपासको आवा हम आपुस मँ एक ठु करार किहे अही।"

6परमेस्सर निआउ क जज अहइ अकास ओकरी धार्मिक भावना क घोसणा करत ह।

7परमेस्सर कहत ह, "सुना मोरे भक्तो! इस्राएल क लोगो, मइँ तू पचन्क खिलाफ साच्छी देबउँ। मइँ परमेस्सर हउँ, तोहार परमेस्सर।

8मोका तोहरी बलियन स सिकाइत नाहीं। इस्राएल क लोगो, तू पचे सदा होम बलियन मोका चढ़ावत रहा। तू पचे हर रोज अर्पित करा।

9मइँ तोहरे घरे स कउनो बर्धा नाहीं लेब। मइँ तोहरे गोरू घरे स कउनो बोकरा नाहीं लेब।

10मोका तोहरे ओन गोरुअन क जरूरत नाहीं। मइँ ही तउ वन क सबहिं गोरुअन क सुआमी हउँ। हजारन पहाड़न पइ जउन गोरू विचरत हीं, ओन सबन क मइँ सुआमी हउँ।

11जिन चिरइयन क बसेरा सब स ऊँच पहाड़ पइ अहइ, ओन सबन क मइँ जानत हउँ। अचलन पइ जउन सचल अहइँ उ सबइ सब मोरे ही अहइँ।

12मइँ भुखान नाहीं हउँ। अगर मइँ भूखा होतउँ, तउ भी तू पचन्स मोका भोजन नाहीं माँगइ क पड़त। मइँ जगत क सुआमी हउँ अउर ओकर भी हर चीज जउन इ जगत मँ बाटइ।

13मइँ बर्धा क गोस नाहीं खावा करत हउँ। बोकरन क खून नाहीं पिअत हउँ।"

14फुरइ जउन बलि क परमेस्सर क प्रसन्न करत ह धन्यवाद क भेंटन होइ अउर उ प्रतिग्या क पूरा करत ह जउन तू सर्वोच्च परमेस्सर क समन्वा किहे रह्या।

15"परमेस्सर कहत ह, "मोका पुकारा जब तू मुसीबत मँ रह्या, मइँ तू पचन्क खतरा स निकारब, अउर तब तू पचे मोर मान कइ सकब्या।"

16दुट्ठ लोगन स परमेस्सर कहत ह, "तू पचे मोर व्यवस्था क बातन करत अहा, "तू पचे मोरे करार क भी बातन करत अहा।

17फुन जब मइँ तू पचन्क सुधारत हउँ, तब भला तू पचे मोसे बैर काहे धरत अहा। तू पचे ओन बातन क उपेच्छा काहे करत अहा जेनका मइँ तू पचन्क बतावत हउँ?

18तू पचे चोर क लखिके ओसे मिलइ बरे दौड़ जात अहा। तू पचे ओनके संग बिछउना मँ कूद पड़त अहा जउन बिभिचार करत हीं।

19तू पचे बुरा वचन अउ झूठ बोलत अहा।

20तू पचे दूसर लोगन क हिआँ तलक कि आपन भाइयन क निन्दा करत अहा।

21तू पचे बुरा करम करत अहा, अउर तू सोचत अहा मोका चुप रहइ चाही। तू कछू नाहीं कहत अहा अउर सोचत अहा कि मोका चुप रहइ चाही। लखा, मइँ चुप नाहीं रहब, तोहका स्पस्ट कइ देब। तोहरे ही मुँहे पइ तोहार दोख बताउब।

22तू लोग परमेस्सर क बिसरि गवा अहा। एकरे पहिले कि मइँ तोहका चीर डावउँ, अच्छी तरह समुझ ल्या। जब वइसा होइ कउनो भी मनई तू पचन्क बचाइ नाहीं पाई।

23अगर कउनो मनई स्तुति अउ धन्यवादन क बलि चढ़ावइ, तउ उ सचमुच मोर मान करी। अगर कउनो मनई आपन जिन्नगी बदल डावइ तउ ओका मइँ परमेस्सर क सक्ती देखॉउब जउन बचावत हीं।"

भजन 51

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु पद। इ पद उ समइ क अहइ जब दाऊद क बतसेबा क संग पाप करइ क पाछे नातान नबी दाऊद क लगे गवा रहा।

1हे परमेस्सर, आपन बिसाल पिरेम स भरी आपन करुणा स मोह पइ दाया करा। आपन बड़ी दयालुता स मोरे सबहिं पापन क तू मेट द्या।

2मोर सबइ पापन क धोइ डावा, अउर फुन स मोका स्वच्छ बनाइ द्या।

3मइँ जानत हउँ, जउन पाप मइँ किहे अहउँ। मइँ आपन पापन क सदा आपन समन्वा लखत हउँ।

4हे परमेस्सर, मइँ उहइ काम किहेउँ जेनका तू बुरा कह्या। तू उहइ अहा, जेकरे खिलाफ मइँ पाप किहेउँ। मइँ स्वीकार करत हउँ इ सबइ बातन क, ताकि लोग जानि जाइँ कि मइँ पापी हउँ अउर तू निआउ स पूर्ण अहा, अउ तोहार निर्णय निस्पच्छ होत हीं।

5मोर महतारी मोका दोखी मँ जनमेस, अउर पाप मँ मोर महतारी मोका गर्भ मँ धारण किहस।

6हे परमेस्सर, तू चाहत अहा, हम बिस्सासी बनी। अउर निर्भय बन जाउँ। एह बरे तू मोका सच्चा विवेक स रहस्यन क सिच्छा द्या।

7मोह पइ जूफा क पौधा क प्रयोग करा अउर मोका पापे स स्वच्छ करा। मोका तब तलक धोआ, जब तलक मइँ बर्फ स जियादा उज्जवर न होइ जाउँ।

8मोका खुस बनाइ द्या। बताइ द्या मोका कि कइसे खुस बनउँ? मोर उ सबइ हड्डियन जउन तू तोड़या, फिन आनन्द स भरि जाइँ।

9मोरे पापन्क जिन लखा। ओन सबन्क धोइ डावा।

10हे परमेस्सर, मोहेमाँ एक ठु नवा, सुद्ध हिरदइ बनावा। मोरी आतिमा क फुन सुदृढ़ कइ द्या।

11मोका आपन समन्वा स जिन दूर हटावा, तोहार पवित्तर आतिमा क मोहसे जिन छोर ल्या।

12उ उल्लास जउन तोहसे आक्त ह, मोहमाँ भरि जाइ। मोरे चित्त क अडिग अउ तइयार करा सुरच्छित होइ बरे अउर तोहार हुकुम मानइ बरे।

13मइँ पापियन क तोहार जिन्नगी विधि सिखाउब, जेहसे उ सबइ लउटिके तोहरे लगे आवइँ।

14हे परमेस्सर, धरती पइ क हर कउनो दोख स मोर रच्छा करा, मोर परमेस्सर, परमेस्सर जउन मोका बचाएस, मोका तोहार सदाचारी क बारे मँ गावइ क अनुमति द्या?

15हे मोर सुआमी, मोका मोर मुँह खोलइ द्या कि मइँ तोहार बड़कई क गीत गावउँ।

16जउन बलियन तोहका नाहीं नीक लगतिन तउ मोका चढ़ाउब नाहीं अहइँ। उ सबइ बलियन तोहका बांछित तलक नाहीं अहइँ।

17हे परमेस्सर, मोर टुटही आतिमा ही तोहरे बरे मोर बलि अहइ। हे परमेस्सर, तू एक कुचरा अउ टुटहा हिरदइ स मुँह नाहीं फेरब्या।

18हे परमेस्सर, सिय्योन बरे दयालु होइके, उत्तिम बना। तू यरूसलेम क सहर क चहरदीवारी क बनावा।

19तू उत्तिमा बलियन क अउ सम्पूर्ण होमबलियन क आनन्द ल्या। लोग फुन स तोहरी वेदी पइ बर्धन क बलियन द्या।

भजन 52

संगीत निर्देसक बरे उ समइ क एक ठु मस्किल। जब एदमी दोएग साऊल क लगे आइके कहे रहा, दाऊद अबीमेलेक क घरे मँ अहइ।

1अरे ओ, बड़का मनई! तू काहे सेखी बघारत अहा जउन बुरे करमन क तू करत अहा? तू लगातार परमेस्सर क अपमान करत अहा।

2तू मूरखता भरा कुचक्र रचत अहा। तोहार जीभ वइसी ही भयानक अहइ, जइसे तेज उस्तरा होत ह। काहेकि तोहार जीभ झूठ बोलत रहत ह!

3तोहका नेकी स जियादा बदी भावत ह। तोहका झूठ क बोलब, फुरइ बोलइ स जियादा भावत ह।

4तोहका अउ तोहरी झूठी जीभ क, लोगन क हानि पहोंचाउब नीक लागत ह।

5तोहका परमेस्सर सदा बरे नस्ट कइ देइ। उ तोह पइ झपटी अउर तोहका धरिके घरे से बाहेर करी। उ तोहका मारी अउ तोहार कउनो भी संतान नाहीं रही।

6सज्जन लोग ऍका लखिहीं अउ परमेस्सर स डेराब अउर ओकर आदर करब सिखिहीं। उ पचे तोह पइ, जउन घटा ओह पइ हँसिहीं अउर कइहीं,

7"लखा उ मनई क संग का भवा जउन यहोवा पइ निर्भर नाहीं रहा। उ मनई सोचेस कि ओकर धन अउर झूठ ऍकर रच्छा करिहीं।"

8मुला मइँ परमेस्सर क मन्दिर मँ एक ठु हरिअर जइतून क बृच्छा जइसा अहउँ। मोर परमेस्सर क बिस्सासी पिरेम मँ सदा-सदा बरे भरोसा अहइ।

9हे परमेस्सर, मइँ ओन कामे क बरे जेनका तू किह्या हमेसा स्तुति करब। मइँ तोहरे बिस्सासी मनवइयन क समन्वा तोहरे नाउँ क घोसना करब।

भजन 53

महलत क राग पइ संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु मस्किल

1मूरख ही सोचत ह कि परमेस्सर नाहीं होत ह। इ तरह क लोग विनासकारी, भ्रस्ट, कुटिल होत हीं। उ पचे तउ कउनो नीक काम नाहीं करतेन।

2परमेस्सर अकासे मँ स नीचे सबइ लोगन क लखेस। इ लखत ह कि का हिआँ स कउनो बुद्धिमान मनई ओका हेरत रहत रहा?

3मुला सबहिं लोग परमेस्सर स भटक गवा अहेन। हर मनई बुरा अहइ। कउनो भी मनई कउनो नीक करम नाहीं करत, एक ठु भी नाहीं।

4परमेस्सर कहत ह, "निहचय ही उ सबइ दुट्ठ लोग सत्य क जानत हीं। उ सबइ दुट्ठ लोग मोरे मनवइयन क अइसे बरबाद करइ क तइयार अहइँ, जइसे उ सबइ निज खइया क खाइ क तइयार रहत हीं"

5मुला उ सबइ दुट्ठ लोग ऍतना डेराइ जइहीं, जेतँना उ सबइ दुट्ठ लोग पहिले कबहुँ डेरानेन नाहीं। एह बरे परमेस्सर इस्राएल क ओन दुट्ठ दुस्मन लोगन क तजेस ह। परमेस्सर क मनवइयन ओनका हरइहीं अउर परमेस्सर ओन दुट्ठन क हड्डियन क छितराइ देइ।

6कउनो एक सिय्योन पर्वत स इस्राएल क बचाइ! जब परमेस्सर आपन लोगन क स्थिति पुन: स्थापित करी, याकूब क लोग खुस होइहीं। हाँ इस्राएल बहोत खुस होइ।

भजन 54

तार वाला बाजन पइ सँगीत निर्देसक बरे दाऊद क समइ क एक ठु भक्ति गीत जब जीपियन जाइके साऊल स कहे रहा, हम सोचत अही दाऊद हमरे लोगन क बीच छुपा अहइ।

1हे परमेस्सर, आपन सक्ती* क प्रयोग करा अउर हम पचन्क क बचावा। आपन महान सक्ती क प्रयोग इ सिद्ध करइ बरे करा कि हम पचन क निर्दोख अही।

2हे परमेस्सर, मोर पराथना सुना। जउन मइँ कहत हउँ सुना।

3अजनबी लोग मोरे खिलाफ उठ खड़ा भएन अउ बरिआर लोग मोका मारइ क जतन करत अहइँ। हे परमेस्सर, अइसे इ सबइ लोग तोहरे बारे मँ सोचत भी नाहीं।

4लखा, मोर परमेस्सर, मोर मदद करी। मोर सुआमी मोका सहारा देइ।

सक्ती सब्दिक, "नाउँ" बाटइ।

5मोर परमेस्सर ओन लोगन क सजा देइ, जउन मोरे
खिलाफ उठ खड़ा भवा अहइँ। परमेस्सर मोरे बरे सच्चा
सिद्ध होइ, अउर उ ओन लोगन क बरबाद कइ देइ।
6हे परमेस्सर, हम पचे आपन इच्छा स तोहका बलियन
अर्पित करब। हे यहोवा, हम पचे तोहरे नीक नाउँ क
बड़कई करब।
7मुला, मइँ तोहसे इ विनय करत हउँ, कि मोका तू मोरे
दु:खन स बचाइ ल्या। तू मोका मोरे दुस्मनन क हारा भवा
देखॉइ द्या।

भजन 55

संगीत निर्देसक बरे। तार वाले बाजन क संग।
दाऊद क एक ठु मस्किल।

1हे मोर परमेस्सर, मोर पराथना सुना। कृपा कइके तू
मोहसे दूर जिन ह्वा।
2हे परमेस्सर, कृपा कइके मोर सुना अउर मोका जवाब
द्या। तू मोका आपन दु:ख तोहसे कहइ द्या।
3मोर दुस्मन मोहसे दुर्बचन बोलेन ह। दुट्ठ लोग मोह पइ
चीखेन ह। मोर दुस्मन किरोध कइके मोह पइ टूट पड़ा
अहइँ। उ पचे मोका नास करइ बिपत्ति ढावत अहइँ।
4मोर मनवा भितरे स चूर-चूर होत बा, अउर मोका मउत
स बहोत डर लागत अहइ।
5मइँ बहोत डेरान अहउँ। मइँ थरथर काँपत अहउँ। मइँ
डेरान अहउँ।
6ओह, अगर कबूतरे क नाईं मोरे पखना होतेन, अउर
मइँ पखना पवतेउँ तउ दूर कउनो चैन पावइ क जगह उड़ि
जातेउँ।
7मइँ उड़िके दूर निर्जन जगह मँ जातेउँ।
8मइँ दूर चला जाब अउर इ बिपत्ति क आँधी स बचिके
दूर भाग जाब।
9हे मोर सुआमी, हवाँ सहर मँ मतभेद अउर हिंसा अहइ।
ओनके झूठन क रोका जउन मतभेद का कारण अहइँ।
10बाहेर दिन अउर रात इ सहर ओन स घेरे अहइ, अउर
अन्दर मँ हुवाँ परेसानियन अउर अपराधन अहइँ।
11गलियन मँ बहोत जियादा अपराध फइलत अहइ। हर
कहूँ लोग झूठ बोलिके छलत अहइँ।
12जदि इ मोर दुस्मन होत अउर मोका नीचा देखॉवत तउ
मइँ ऍका सहि लेतेउँ। अगर इ सबइ मोर दुस्मन होतेन,
अउर मोह पइ वार करतेन तउ मइँ छिप सकत रहेउँ।
13ओ। मोरे संगी, मोरे हमजोली, मोरे मीत, इ मगर तू
अहा अउर तू ही मोका कस्ट पहोंचावत अहा।
14हम आपुस मँ गुप्त बातन बाँटे रहेन। हम परमेस्सर क
मन्दिर मँ साथ-साथ उपासना कीन्ह।
15कास कउनो दुस्मन आपन समइ स पहिले ही मरि
जाइँ। कास ओनका जिअत ही गाड़ दीन्ह जाइ, काहेकि उ
पचे आपन घरन मँ अइसे भयानक कुचक्र रचा करत हीं।
16मइँ तउ मदद बरे परमेस्सर क पुकारब। यहोवा ओकर
जवाब मोका देइ।
17मइँ तउ आपन दु:ख क परमेस्सर स भिन्सारे दुपहरिया
अउ राति मँ कहब। उ मोर सुनी।
18मइँ केतनी जुद्धन मँ लड़ाई लड़ेउँ ह। मुला परमेस्सर
मोरे संग अहइ, अउर हर जुद्ध स मोका सुरच्छित लउटाइ।
19परमेस्सर मोर सुना अउर ओनका हराइ देब। उ अनन्त
राजा बाटइ।
20मोर दुस्मन कबहुँ नाहीं बदलिहीं। उ पचे परमेस्सर स
नाहीं डरतेन, अउर न ही ओकर आदर करतेन।
21मोर दुस्मन आपन ही मीतन पइ वार करतेन। उ सबइ
ओन बातन क नाहीं करतेन, जेनका करइ क उ पचे सहमत
होइ ग रहेन।
22मोर दुस्मन फुरइ मीठा बोलत हीं, अउर सुसान्ति क
बातन करत रहत हीं। मुला असलियत मँ, उ पचे जुद्ध क
कुचक्र रचत हीं। ओनकर सब्द काट करत हीं छुरी क तरह
अउ फिसलन भरा अहइँ जइसे तेल होत ह।
23आपन सबइ चिन्ता क तू यहोवा क सौंप द्या। फुन उ
तोहार रखवारी करी। यहोवा सज्जन क कबहुँ हारइ न देइ।
24एहसे पहिले कि ओनकर आधी उमर बीत जाइ। हे
परमेस्सर, ओन हत्यारन क अउर ओन झूठन क कब्र मँ
पठवा। जहाँ तलक मोर अहइ, मइँ तउ तोह पइ भरोसा
रखब।

भजन 56

संगीत निर्देसक बरे सुदूर बाँझ बृच्छन क कबूतर नाउँ
क धुन पइ दाऊद क उ समइ क प्रगीत जब गात
सहर मँ ओका पलिस्तियन घेर लिहे रहेन।

1हे परमेस्सर, मोह पइ दयालु रहा, काहेकि लोग मोह
पइ वार किहेन ह। उ पचे मोरे खिलाफ समूचइ दिन लड़त
रहत रहेन।
2मोर दुस्मन सारा दिन मोह पइ वार करत रहेन। हुआँ पइ
डटा भए अनगिनत जोद्धा अहइँ।
3समूचइ दिन, जब कबहुँ मइँ डेरात हउँ, तउ मइँ तोह
पइ भरोसा करबउँ।
4मइँ परमेस्सर क भरोसे अहउँ, तउ मइँ डेरान नाहीं अहउँ।
लोग मोका नस्कान नाहीं पहोंचाइ सकतेन। मइँ परमेस्सर क
बचनन बरे ओकर बड़कई करत हउँ जउन मोका दिहेस।
5मोर दुस्मन सदा मोरे सब्दन क तोड़त मरोड़त रहत हीं।
मोरे खिलाफ उ पचे सदा कुचक्र रचत रहत हीं।
6उ पचे आपुस मँ मिलिके अउर लुक छिपिके मोर हर
बाते क टोह लेत रहत हीं। मोर प्राण हर लेइ क कउनो
राह सोचत हीं।
7हे परमेस्सर, ओनका बचिके निकरइ जिन द्या। ओनके
बुरे करमन क सजा ओनका द्या।
8तू इ जानत अहा कि मइँ बहोत बियाकुल अहउँ। तू इ
जानत अहा कि मइँ तोहका केतना पुकारेउँ ह? तू निहचय
ही मोरे सबइ आँसुअन क लोखा-जोखा रखे भए अहा।
9तउ अब मइँ तोहका मदद पावइ क पुकारब। मोरे
दुस्मनन क तू हराइ द्या। मइँ इ जानत हउँ कि तू इ कइ
सकत अहा। काहेकि तू परमेस्सर अहा।
10मइँ परमेस्सर क गुण ओकरे वचन बरे गावत हउँ।
मइँ परमेस्सर क गुणन क ओकरे उ वचन बरे गावत हउँ
जउन उ मोका दिहेस ह।

11मोका परमेस्सर पइ भरोसा अहइ एह बरे मइँ नाहीं डेरात हउँ। लोग मोर बुरा नाही कइ सकतेन।
12हे परमेस्सर, मइँ जउन तोहार मन्नतन मानेउँ ह, मइँ ओनका पूरा करब। मइँ तोहका धन्यवादे क भेंट चढ़ाउब।
13काहेकि तू मोका मउत स बचाया ह। तू मोका हार स बचाया ह एह बरे मोका परमेस्सर क सेवा हिआँ रहइवाला लोगन क समन्वा करइ चाही।

भजन 57

संगीत निर्देसक बरे 'नास जिन करा' नाउँ क धुन पइ उ समइ क दाऊद क एक मस्किल जब उ साऊल स पराइके गुफा मँ जाइके लुकान रहा।

1हे परमेस्सर, मोह पइ करुणा करा। मोह पइ दयालु ह्वा काहेकि मोरे मनवा क आस्था तोहमाँ बाटइ। मइँ तोहरे लगे तोहार ओट पावइ क आवा हउँ। जब तलक संकट दूर न होइ।
2मइँ सर्वोच्च परमेस्सर क मदद बरे बुलाएउँ। उ मोर पूरी तरह धियान रखत ह।
3उ सरग स मोरे बरे मदद पठवत ह अउ मोका बचाइ लेत ह। जउन लोग मोका सतावा करत हीं। परमेस्सर आपन सच्चा पिरेम अउर बिस्सासी मोह पइ देखॉवत ह।
4मोर दुस्मनन मोका चारिहुँ कइँती स घेरि लिहन ह। मोर प्राण संकट मँ अहइँ। उ पचे अइसेन अहइँ, जइसे नर भच्छी सिंह अउर ओनकर तेज दाँत भालन अउ तीर स अउर ओनकर जीभ तेज तरवार क जइसी अहइ।
5हे परमेस्सर, तू महान अहा। तोहार महिमा धरती पइ छाई बाटइ, जउन अकासे स ऊँच अहइ।
6मोर दुस्मनन मोरे बरे जाल फइलाएन ह। मोका फँसावइ क उ पचे जतन करत अहइँ। उ पचे मोरे बरे गहिर गड़हा खोदे अहइँ, कि मइँ ओहमाँ गिरि जाउँ।
7मुला परमेस्सर मोर रच्छा करी। मोर भरोसा अहइ, कि उ मोरे हिम्मत क बनाए रक्खी। मइँ ओकर जस गाथा क गावा करब।
8मोर मन खड़ा ह्वा! ओ सितारो अउ वीणाओ, बजब सुरू करा! आवा, हम मिलिके भिन्सारे क जगाइ।
9हे मोरे सुआमी, हर कउनो बरे, मइँ तोहार जस गावत हउँ। मइँ तोहार जस गाथा हर रास्ट्र क सुनावत हउँ।
10हे परमेस्सर तोहार बिस्ससनीय पिरेम सरगे स ऊँचा अहइ। तोहार बिस्ससी ओतॅना ऊँचा अहइ जेतॅना आकास।
11हे परमेस्सर तू सरगे स ऊँच अहइ, तोहार महिमा समूचइ धरती पइ छाइ जाइ।

भजन 58

'नास जिन करा' धुन पइ संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु मस्किल।

1निआवधीसो, तू पचे पच्छपात रहित नाहीं रह्या। तू लोगन क निआउ निज निर्णयिन मँ निस्पच्छ नाहीं करत अहा।
2नाहीं, तू पचे तउ सिरिफ बुरी बातन ही सोचत अहा। इ देस मँ तू पचे हिंसा स भरा अपराध करत अहा।
3उ सबइ दुट्ठ लोग जइसे ही पइदा होत हीं, बुरे कामन क करइ लग जात हीं। उ पचे पइदा होत ही झूठ बोलइ लग जात हीं।
4उ पचे उ भयानक साँप अउ नाग जइसे होत हीं, जउन सुन नाहीं सकत। उ सबइ दुट्ठ जन भी आपन कान सच्चाई स मूँद लेत हीं।
5बुरे लोग वइसे ही होत हीं जइसे सँपेरन क गीतन क या ओनकर संगीतन क करिया नाग सुन नाहीं सकत।
6हे यहोवा! उ सबइ लोग अइसेन होत हीं जइसे सिंह। एह बरे हे यहोवा, ओनकर दाँत तोड़ा।
7जइसे बहत जल लुप्त होइ जात ह, वइसेन ही उ सबइ लोग लुप्त होइ जइहीं। अउर जइसे राह क उगी भइ दूब कुचर दीन्ह जात ह, वइसेन उ सबइ भी कुचरि दीन्ह जइहीं।
8उ सबइ घोंघा क नाईं होइँ जउन चलइ मँ गल जात हीं। उ सबइ उ गदेला क नाईं होइँ जउन मरा ही पइदा भवा, जउन दिन क प्रकास कबहुँ नाहीं लखेस।
9उ सबइ उ बाड़े क काँटन क तरह हाली ही बरबाद होइँ, जउन आगी पइ चढ़ी भइ हाँड़ी गरमावइ बरे हाली जरि जात हीं।
10जब सज्जन ओन लोगन क सजा पावत लखत ह जउन ओकरे संग बुरा किहेन ह, उ खुस होत ह। उ आपन गोड़ ओन दुट्ठन क खून मँ धोइ।
11जब अइसा होत ह, तउ लोग कहइ लागत हीं, "सज्जनन क ओनकर फल निहचय मिलत ह। फुरइ परमेस्सर जगत क निआउ कर्ता अहइ।"

भजन 59

संगीत निर्देसक बरे 'नास जिन करा' धुन पइ दाऊद क उ समइ क एक ठु भक्ति गीत जब साऊल लोगन क दाऊद क घर पइ निगरानी राखत भए ओका मारि डावइ क जुगुत करइ बरे पठए रहा।

1हे परमेस्सर, तू मोका मोरे दुस्मनन स बचाइ ल्या मोर मदद ओनसे विजयी बनवइ मँ करा जउन मोरे खिलाफ जुद्ध करइ आवा अहइँ।
2अइसे ओन लोगन स, तू मोका बचाइ ल्या। तू ओन हत्यारन स मोका बचाइ ल्या। जउन बुरे कामन क करत रहत हीं।
3लखा! बलवान लोग मोका घात लगाए अहइँ। उ पचे मोका मारि डावइ क बाट जोहन अहइँ। एह बरे नाहीं कि मइँ कउनो पाप किहेउँ ह या मोसे कउनो अपराध बन पड़ा अहइ।
4उ पचे मोरे पाछे पड़ा अहइँ, मुला मइँ कउनो भी बुरा करम नाहीं किहेउँ ह। हे यहोवा, आवा! तू खुद अपने आप लख ल्या!
5हे परमेस्सर! इस्राएल क परमेस्सर! तू सर्वसक्तिसाली अहा। तू उठा अउर ओन लोगन क दण्डित करा। ओन बिस्सासघातियन ओन दुर्जन लोगन पइ तनिकउ भी दया जिन देखॉवा।

6उ सबइ दुर्जन साँझ क होत ही सहर मँ घुसि आवत हीं। उ सबइ लोग गुर्रात कूकुरन स सहर क बीच मँ घूमत रहत हीं।

7तू ओनकर धमकियन अउर अपमानन क सुना। उ पचे अइसी क्रूर बातन कहा करत ही। उ सबइ इ बात क चिंता तलक नाहीं करतेन कि ओनकर कउन सुनत ह।

8हे यहोवा, तू ओनकर उपहास कइके ओन सबहिं लोगन क मजाक बनाइ द्या।

9हे परमेस्सर, तू मोर सक्ती अहा। मइँ तोहार बाट जोहत हउँ। हे परमेस्सर, तू ऊँचे पहाड़न पइ मोर सुरच्छा क ठउर अहा।

10परमेस्सर मोहसे पिरेम करत ह, अउर उ जीतइ मँ मोर राहायक होइ। उ मोरे दुस्मनन क हरावइ मँ मोर मदद करी।

11हे परमेस्सर, बस ओनका जिन मार डावा। नाहीं तउ होइ सकत ह मोर लोग बिसरि जाइँ। हे मोर सुआमी अउ संरच्छक, तू आपन सक्ती स ओनका छितराइ द्या अउर हराइ द्या।

12उ सबइ बुरे लोग कोसत अउ झूठ बोलत रहत हीं। ओन बुरी बातन क सजा ओनका द्या, जउन उ पचे कहे अहइँ। ओनका आपन अभिमान मँ फँसइ द्या।

13तू आपन किरोध स ओनका बरबाद करा। ओनका पूरी तरह बरबाद करा। लोग तबहिं जनिहीं कि परमेस्सर, याकूब क लोगन क अउर उ सारे संसार क राजा अहइ।

14फुन अगर उ सबइ लोग संझा क एहर ओहर टहरत गुर्रातन कूकुरन स सहर मँ आवइँ,

15तउ उ सबइ खाइ क कउनो क चीज हेरत फिरिहीं, अउर खाइ क कछू भी नाहीं पइहीं अउर न ही सोवइ क कउनो ठउर पइहीं।

16मुला मइँ तोहार बड़कई क गीत गाउब। हर भिन्सारे मइँ तोहरे पिरेम मँ आनन्दित होब। काहेकि तू पर्वतन क ऊपर मोर सरणस्थल अहा मइँ तोहरे लगे आइ सकत हउँ, जब मोका विपत्तियन घेरिहीं।

17मइँ आपन गीतन क तोहरी बड़कइ मँ गाउब काहेकि पर्वतन क ऊपर तू मोर सरणस्थल अहा। तू परमेस्सर अहा, जउन मोका पिरेम करत ह।

भजन 60

संगीत निर्देसक बरे 'वाचा क कुमुदिनी' धुन पइ उ समइ क दाऊद क एक मस्किल जब दाऊद अरमहरैन अउ अरमसोबा स जुद्ध किहेस अउर जब योआब लउटा अउर उ नोन क घाटी मँ बारह हजार एदोमी फउजियन क मार डाएस।

1हे परमेस्सर, तू हमका बिसराइ दिहा। तू हमका तितर-बितर कइ दिहा। तू हम पइ कोहाइ गवा। तू कृपा कइके वापस आवा।

2तू धरती कँपाया अउर ओका फारि दिहा। हमार जगत बिखरत अहइ कृपा कइके ओका जोर द्या।

3तू आपन लोगन क बहोतइ यातना दिहा ह। हम दाखरस पिए लोग जइसे लड़खड़ात रहेन अउर भहरात अही।

4मुला तू आपन बिस्सासी मानइवालन क चेताइ बरे कि उ पचन क अब आपन दुस्मन क धनुस चलाइवालन दुआरा तितर-बितर होइ क पाछे कहाँ जमा होइ चाही।

5तू आपन महासक्ति क प्रयोग कइके हमका बचाइ लिहा। मोर पराथना क जवाब द्या अउर उ मनई क बचाइ ल्या जउन तोहका पियारा अहइ।

6परमेस्सर आपन मन्दिर मँ कहेस:"मोर विजय होइ अउर मइँ विजय पइ खुस होब। मइँ इ धरती क आपन लोगन क बीच बाँटब। मइँ सकेम अउ सुक्कोत घाटी क बँटवारा करब।

7गिलाद अउ मनस्से मोर बनिहीं। एप्रैम मोरे मूँड़े क टोप (हेलमेट) बनी। यहूदा मोर राजदण्ड बनी।

8मइँ मोआब क अइसा बनाउब, जइसा कउनो मोर गोड़ धोवइ क पात्र। एदोम एक दास जइसा जउन मोर पनहियन उठावत ह। मइँ पलिस्ती लोगन क हराउब अउर विजय क उद्घोस करब।"

9कउन मोका ओकरे खिलाफ जुद्ध करइ क सुरच्छित मजबूत सहर मँ लइ जाइ? मोका कउन एदोम तलक लइ जाइ?

10हे परमेस्सर, बस तू ही इ करइ मँ मोर मदद कइ सकत ह। मुला तू तउ मोका बिसराइ दिहा। परमेस्सर हमरे साथे नाहीं जाइ अउर उ हमरी सेना क संग नाहीं जाइ।

11हे परमेस्सर, तू ही हमका इ संकट क भुइँया स उबार सकत ह। मनई हमार रच्छा नाहीं कइ सकतेन।

12मुला हमका परमेस्सर ही मजबूत बनाइ सकत ह। परमेस्सर हमार दुस्मनन क पराजित कइ सकत ह।

भजन 61

तार क वाद्यन क संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु गीत।

1हे परमेस्सर, मोर पराथना गीत सुना। मोर विनती सुना।

2जब मइँ मातम स भरि ग रहेउँ, मइँ तोहार मदद पावइ बरे तोहका पुकारब जहाँ कहेउँ भी मइँ होउँ! तू मोह पइ दयालु ह्वा अउर मोका बहोत ऊँच सुरच्छित ठउरे पइ जाइ बरे मोर अगुवाइ करा।

3तू ही मोर सरणस्थल अहा। तू ही मोर सुदृढ गढ़ अहा। जउन मोका मोरे दुस्मनन स बचावत ह।

4तोहरे डेरा मँ, मइँ सदा सदा बरे बसव। मइँ हुअँई छिपब जहाँ तू मोका बचाइ सका।

5हे परमेस्सर, तू मोर उ मन्नत सुन्या ह, जेका तोहे पइ चढ़ाउब, मुला तोहरे मनवइयन क लगे हर वस्तु ओनका तोहसे ही मिली अहइँ।

6राजा क लम्बी उमर देइ। ओका हमेसा जिअइ द्या।

7ओका सदा परमेस्सर क आसीर्बाद मँ बना रहइ द्या। ओकर रच्छा बिस्सासनीय पिरेम अउ दयालुता स करा।

8मइँ तोहरे नाउँ क गुण सदा गाउब। ओन बातन क करब जेनका करइ क वचन मइँ दिहेउँ ह।

भजन 62

'यदूतून' राग पइ संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु भजन।

1मोर प्राण सान्ति स बाट जोहत अहइ कि परमेस्सर मोर रच्छा करी।

2परमेस्सर मोर किला अहइ। परमेस्सर मोका बचावत ह। ऊँच पहाड़ पइ, परमेस्सर मोर सुरच्छित ठउर अहइ। मोका बड़की फउजियन भी हराइ नाहीं सकतिन।

3तू मोह पइ कब तलक वार करत रहब्या? मइँ एक ठु निहुरी देवार क नाईं होइ गवा हउँ, अउर एक बाड़ा जइसा जउन भहराइ वाला अहइ।

4उ सबइ लोग मोरे नास क कुचक्र रचत अहइँ। मोरे बारे मँ उ सबइ झूठी बातन बनावत अहइँ। लोगन क बीच मँ, उ पचे मोर बड़कई करतेन, मुला उ पचे मोका लुकान-छिपान कोसत हीं।

5मोर प्राण सान्ति स परमेस्सर क बाट जोहत अहा काहेकि सिरिफ उ ही मोर उद्धार क आसा अहइ।

6परमेस्सर मोर गढ़ अहइ। परमेस्सर मोका बचावत ह। ऊँच पर्वत मँ परमेस्सर मोर सुरच्छा स्थल अहइ।

7महिमा अउ विजय, मोका परमेस्सर स मिलत ह। उ मोर सुदृढ़ गढ़ अहइ। परमेस्सर मोर सुरच्छा स्थल अहइ।

8लोगो, परमेस्सर पइ हर घड़ी भरोसा राखा। आपन सबइ समस्या परमेस्सर स कहा। परमेस्सर हमार सुरच्छा स्थल अहइ।

9फुरइ लोग कउनो मदद नाहीं कइ सकतेन। फुरइ तू ओनके भरोसे मदद पावइ क नाहीं रहि सकत्या। परमेस्सर क तुलना मँ उ पचे हवा क झोंका क नाईं अहइँ।

10तू बल पइ भरोसा जिन रक्खा कि तू सक्ती क संग चिजियन क छोर लेब्या। जिन सोचा तू पचन्क चोरी करइ स कउनो लाभ होइ। अउर अगर धनवान भी होइ जाइ तउ कबहुँ दौलत पइ भरोसा जिन करा कि उ तू पचन्क बचाई लेइ।

11एक ठु बात अइसी अहइ जउन परमेस्सर कहत ह जेकरे भरोसे तू फुरइ रहि सकत अहा: 'सक्ती परमेस्सर स आवत ह!'

12मोरे सुआमी, तोहार पिरेम सच्चा अहइ। तू कउनो जन क ओकरे ओन कामन क प्रतिफल या सजा देत ह। जेनका उ करत ह।

भजन 63

दाऊद क उ समइ क एक भजन जब उ यहूदा क मरुभूमि मँ छुपा भवा रहा।

1हे परमेस्सर, तू मोर परमेस्सर अहा। वइसे केतॅना मइँ तोहका चाहत हउँ। जइसे उ पियासी छीन धरती जेह पइ जल न होइ वइसे मोर देह अउर मन तोरे बरे पिआसा अहइ।

2हाँ, तोहरे मन्दिर मँ तोहार दर्सन किहेउँ। तोहार सक्ती अउर तोहार महिमा देख लिहेउँ ह।

3मोर बिस्सससयनीय पिरेम जिन्नगी स उत्तिम अहइ। मोर होंठ तोहार बड़कई करत हीं।

4हाँ, मइँ निज जीवन मँ तोहार गुण गाउब। मइँ हाथ ऊपर उठाइके तोहरे नाउँ पइ तोहार पराथना करब।

5जइसा मोर जुब़ान* मज़ेदार भोजन स आनन्दित होत ह, ठीक वइसा ही मोर होंठ तोहार स्तुति गाइके खुस होइहीं।

6मइँ आधी रात मँ बिछउना पइ ओलरा भवा तोहका याद करब।

7फुरइ तू मोर मदद किहा ह। मइँ खुस हउँ कि तू मोका बचाया ह।

8मोर मनवा तोहमाँ समात ह। तू मोर हथवा थामे रहत ह।

9कछू लोग मोका मारइ क जतन करत अहइँ। मुला ओनका नस्ट कइ दीन्ह जाइ। उ पचे आपन कब्रन मँ समाइ जइहीं।

10ओनका तरवारन स मार दीन्ह जाई। ओनकर ल्हासन क जंगली कूकुरन खइहीं।

11मुला राजा तउ आपन परमेस्सर क संग खुस होइ। उ सबइ लोग जउन ओकरे आग्या मानइ क वचन बद्ध अहइँ, ओकर स्तुति करिहीं। काहेकि उ सबहिं झूठन क हराइ दिहस।

भजन 64

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु भजन।

1हे परमेस्सर, मोर सुना जइसा मइँ बोलउँ। आपन दुस्मनन क डर स मोर रच्छा करा।

2तू मोका मोरे दुस्मनन क गहिर सड्यंत्रन स बचाइ ल्या। मोका तू ओन दुट्ठ लोगन स छिपाइ ल्या।

3मोरे बारे मँ उ पचे बहोत बुरा झूठ बोलेन ह। ओनकर जिभिया तेज तरवार जइसी अउर ओनकर कटु सब्द बाणन जइसे अहइँ।

4उ पचे निर्दोख व्यक्ति पइ बाणन चलावइ बरे लुकाइ जात हीं। बिना डर स उ पचे अचानक बाण चलावत ह अउर निर्दोख व्यक्ति कबहुँ नाहीं लख सकत ह कि तीर ओकरे कइँती आवत हीं।

5उ पचे ओका हरावइ क बुरा काम करत हीं। उ पचे झूठ बोलतेन अउ आपन जाल फइलावत हीं। अउर उ पचे इ अच्छी तरह तय किहे अहइँ कि ओनका कउनो नाहीं धरी पकड़ी।

6लोग बहोत कुटिल होइ सकत हीं। उ सबइ लोग का सोचत अहइँ? ऍका समुझ पाउब बड़ा कठिन अहइ।

7मुला परमेस्सर आपन "बाण" मार सकत ह! अउर एकरे पहिले कि ओनका पता चलइ, उ सबइ दुट्ठ लोग घायल होइ जात हीं।

8दुट्ठ जन दूसरन क संग बुरा करइ क जोजना बनावत हीं। मुला परमेस्सर ओनकर कुचक्रन क चउपट कइ सकत ह। उ ओन बुरी बातन क खुद ओनके ऊपर खुद घटाइ देत ह। फुन हर कउनो जउन ओनका लखत अचरजे स भरिके आपन मूँड़ी हिलावत ह।

9जउन परमेस्सर किहेस ह, लोग ओन बातन क लखिहीं अउर उ पचे ओन बातन क वर्णन दूसर लोगन स करिहीं, फुन तउ हर कउनो परमेस्सर क बारे मँ अउर जियादा जानी। उ पचे ओकर आदर करब अउ डेराब सिखिहीं।

जुबान इ सब्दन क खेल बाटइ। हिब्रू भाखा मँ "प्राण" सब्द क अरथ "गला" भी होत ह।

10तउ सबइ बिस्सासी लोगन क लगे एक साथ परमेस्सर
क स्तुति करइ क कारण होइ।

भजन 65

निर्देसक बरे दाऊद क एक ठू भजन।

1हे परमेस्सर सिय्योन पर्वत पइ, हम पचे तोहका इ सान्ति
पराथना भेंट किहउँ ह अउर आपन प्रतिग्या क पूरा किहेउँ
ह।
2मइँ तोहरे ओन कामन क बखान करत हउँ, जउन तू
किहा ह। उ तू ही बाटइ जउन पराथनन क उत्तर दिह्या।
एह बरे हर कउनो मनई तोहार लगे मँ आवत हीं।
3जब हमार पाप हम पइ भारी पड़त हीं, हमस सहा नाहीं
जाइ पावत, तउ तू हमार ओन पापन्क हरिके लइ जात ह।
4हे परमेस्सर, जेका तू चुन्या ह अउर आपन आँगनन मँ
बसइ बरे लिआवा ह उ पचे बहोत असीसित होइहीं। उ पचे
तोहार घर, तोहार पवित्तर मन्दिर क बहोत बढ़ियाँ चिजियन स
भरि देइहीं।
5परमेस्सर मोर उद्धारकर्त्ता, तू जउने तरह स लोगन क
सम्मान दिहा ह इ बहोत नीक बाटइ। तू अचरज भरा काम
करा, एह बरे दूर रास्ट्रन क लोगन अउर दूर क समुद्दरन
तोहार लगे सुरच्छा बरे आइहीं।
6परमेस्सर आपन महासक्ती क प्रयोग किहस अउ पर्वत
रच डाएस। ओकर सक्ती हम आपन चारिहुँ कइँती लखत
अही।
7परमेस्सर उफनत भवा सागर सांत किहस। परमेस्सर
जगत क सबहिं अनगिनत लोगन क बनाएस।
8जउन अद्भुत बातन क परमेस्सर करत अहइ, ओनसे
धरती क हर मनई डेरात अहइ। परमेस्सर तू ही हर कहूँ
सूरज क उगावत अउ डुबावत ह। हर जगह लोग तोहार
गुणगान करत हीं।
9भुइँया क सारी रखवारी तू करत ह। तू ही एँका सींचत
अउ तू ही एँहसे बहोत सारी वस्तुअन क उपजावत अहा। हे
परमेस्सर, नदियन क पानी स तू ही भरत अहा। तू ही
फसलन क बढ़त करत अहा।
10तू जोता भए खेतन पइ बर्खा करत अहा। तू खेतन क
जल स लबालब कइ देत ह, अउर धरती क बर्खा स नरम
बनावत ह, अउर तू फिन पौधन क बढ़त करत ह।
11तू नवा बरिस क सुरूआत उत्तिम फसलन स करत ह।
तू भरपूर फसलन स गाड़ियन भर देत अहा।
12बन अउ पर्वत दूब घासे स ढँकि जात हीं।
13भेड़िन स चरागाहन भर गइन। फसलन स घाटियन
भरपूर होत अहइँ। हर कउनो गावत अउ आनन्द मँ ऊँचा
पुकारत अहइ।

भजन 66

निर्देसक बरे एक ठु भजन।

1हे धरती क हर वस्तु, आनन्द क संग परमेस्सर क जय
बोला।
2ओकर महिमामय नाउँ क स्तुति करा। ओकर आदर
ओकर स्तुति गीतन स करा।
3ओकर जियादा अद्भुत कामन स परमेस्सर क बखान
करा। हे परमेस्सर, तोहार सक्ती बहोतइ बड़ी अहइ। तोहार
दुस्मन निहुरि जात अउ तोहसे डेरात हीं।
4जगत क सबहिं लोग तोहार उपासना करइँ अउर तोहरे
नाउँ क हर कउनो गुण गावइ।
5तू ओनका लखा जउन अचरजे स भरा काम परमेस्सर
किहस। उ सबइ चिजियन हमका अचरजे स भरि देत हीं।
6परमेस्सर लाल सागर क झुरान भुइँया मँ बदल दिहस।
अउर ओकर लोग पैदर यरदन नदी क समूचइ रास्ता खुसी
स पार किहेन।
7परमेस्सर आपन महासक्ती स इ संसार क सासन करत
ह। परमेस्सर हर कहूँ लोगन पइ निगाह रखत ह। कउनो
भी मनई ओकरे खिलाफ नाहीं होइ सकत।
8लोगो, हमरे परमेस्सर क गुणगान तू पचे ऊँच स्वर मँ
करा।
9परमेस्सर हमका इ जिन्नगी दिहस ह। उ हमार रच्छा
करत ह।
10परमेस्सर हमार परीच्छा लिहस ह। परमेस्सर हमका
वइसे ही परखेस, जइसे लोग चाँदी आगी मँ डाइके परखत हीं।
11हे परमेस्सर, तू हमका फँदा मँ फँसइ दिहा। तू हम पइ
भारी बोझा लाद दिहा।
12तू हमका दुस्मनन स गोड़े तरे रौंदवाया। तू हमका
आग्री अउ पानी मँ घसीट्या। मुला तू फिन भी हमका
सुरच्छित ठउर पइ लइ आया।
13-14एह बरे मइँ तोहरे मन्दिर मँ बलियन चढ़ावइ
आउब। जब मइँ विपत्ति मँ रहेउँ, मइँ तोहार सरण माँगेउँ
अउर मइँ तोहार बहुतेरी मन्नत माँगेउँ। अब ओन वस्तुअन
क जेनकर मइँ मन्नत माँगेउँ, अर्पित करत हउँ।
15मइँ तोहका सुद्धिकरण क भेंट अर्पित करत हउँ, अउर
भेड़न क संग सुगन्धि अर्पित करत हउँ। तोहका बर्धन अउ
बोकरन क बलि अर्पित करत हउँ।
16ओ सबहि लोगो, परमेस्सर क आराधको! आवा, मइँ
तू पचन्क बताउब कि परमेस्सर मोरे बरे का किहस ह।
17मइँ ओकर बिनती किहेउँ। मइँ ओकर गुणगान
किहेउँ।
18मोर मनवा पवित्तर रहा, मोर सुआमी मोर बात सुनेस।
19परमेस्सर मोर सुनेस। परमेस्सर मोर बिनती सुन लिहस।
20परमेस्सर क गुण गावा। परमेस्सर मोहसे मुँह नाहीं
मोड़ेस। उ मोर पराथना क सुन लिहस। परमेस्सर निज
करुणा मोह पइ देखाँएस।

भजन 67

संगीत निर्देसक बरे तारवालन बाजन क संग एक ठु भजन।

1हे परमेस्सर, हम पइ करुणा करा, अउ हमका असीस
द्या। आपन मुस्कुरात भवा चेहरा हमका दिखावा।*
2एह बरे समूचइ संसार तोहार रास्ता सीखइ सकी अउर
हर कउनो मनई तोहार इ जान सकइ कि तू कइसा आपन
लोगन क रच्छा करत ह।

तोहार मुस्कुरात … दिखावा साब्दिक अरथ, “हम लोगन बरे ओकरे चेहरे पइ चमक होइ।”

3हे परमेस्सर, लोग तोहार गुण गावइँ। सबहिं लोग तोहार बड़कई करइँ।

4सबहिं रास्ट्र आनन्द मनावइँ अउ आनन्द मँ भरा होइँ। काहेकि तू लोगन क निआउ निस्पच्छ करत अहा। अउर हर रास्ट्र पइ तोहार सासन अहइ।

5हे परमेस्सर, लोग तोहार गुण गावइँ। सबहिं लोग तोहार बड़कई करइँ।

6हमार भुइयाँ हमका भरपूर फसल देइ। परमेस्सर, हे हमरे परमेस्सर हमका असीस द्‌या।

7हे परमेस्सर, हमका असीस द्‌या पृथ्वी क सबहिं लोग परमेस्सर स डेराइँ, ओकर आदर करइँ।

भजन 68

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु भजन।

1हे परमेस्सर, उठा, आपन दुस्मनन क एहर ओहर करा। ओकर सबहिं दुस्मनन ओकरे लगे स पराइ जाइँ।

2जइसे हवा स उड़ावा भवा धुआँ बिखरि जात ह, वइसे ही तोहार दुस्मन बिखरि जाइँ। जइसे आगी मँ मोम टेघर जात ह, वइसे ही तोहरे दुस्मनन क नास होइ जाइ।

3परमेस्सर क संग सज्जन सुखी होत हीं, अउर सज्जन सुखद पल बितावत हीं। सज्जन खुद ही आनन्द मनावत अउ खुद ही बहोत खुस रहत हीं।

4परमेस्सर क गीत गावा। ओकरे महिमा नाउँ क गुणगान करा। परमेस्सर बरे राह तइयार करा जउन आपन रथे क रेगिस्तान मँ हाँकत ह। ओकरे समन्वा आन्दित भवा जेकर नाउँ याह अहइ।

5परमेस्सर अनाथन क पिता क समान अहइ अउर राँड़ मेहरूअन क धियान रखत ह। उ आपन पवित्तर मन्दिर मँ अहइ।

6जेकर कउनो घर नाहीं होत, अइसे अकेले मनई क परमेस्सर घर देत ह। आपन मनवइयन क परमेस्सर बंधन स अजाद करत ह। उ पचे बहोत खुस रहत हीं। मुला जउन परमेस्सर क खिलाफ होत हीं, ओनका तपत भइ भुइँया पइ रहइ क होइ।

7हे परमेस्सर, तू आपन मनवइयन क मिस्र स निकार्‌या, अउ रेगिस्तान स पैदर ही पार निकार्‌या।

8इस्राएल क परमेस्सर जब सिय्योन पर्वत पइ आवा रहा, तउ धरती काँप उठी रही, अउ अकास टेघरा रहा।

9हे परमेस्सर, बर्खा क तू पठए रह्‌या, अउ पुरान अउ दुर्बल पड़ी धरती क तू फुन ससक्त किहा।

10उहइ धरती पइ तोहार गोरू वापस आइ गएन। हे परमेस्सर, हुआँ क दीन लोगन क तू उत्तिम चिजियन दिहा।

11परमेस्सर हुकुम दिहस अउर बहोत लोग सुसंदेस सुनावइ गएन।

12“बरिआर राजा लोगन क फउजन एहर ओहर पराइ गइन। जुद्ध स जउन चिजियन क फउजी लिआवत हीं, ओनका घरे पइ रुकी मेहररूअन बाँटि लेइही। जउन लोग धरे मँ रूका बाटेन, उ सबइ उ धने क बाँटि लेइहीं।

13उ सबइ चाँदी स मढ़ा भवा कबूतरे क पखना पइहीं। उ सबइ सोना स चमकत भवा पखनन क पइहीं।”

14परमेस्सर जब सल्मोन पर्वत पइ दुस्मन राजा लोगन क बिखेर दिहस, तउ उ पचे अइसे छितरानेन जइसे बरफ गिरत ह।

15बासान पर्वत महान पर्वत अहइ, जेकर चोटियन बहोत सी बाटिन।

16बासान पर्वत, तू काहे सिय्योन पर्वत क नान्ह समुझत बाट्‌या? परमेस्सर ओहसे पिरेम करत ह। परमेस्सर ओका हुआँ सदा रहइ बरे चुनेस ह।

17यहोवा पवित्तर पर्वत सिय्योन पइ आवत अहइ। अउ ओकरे पाछे कई लाख रथ अहइँ।

18उ ऊँचे पइ चढ़ गवा। उ बंदियन क अगुआई किहस, उ मनइयन स हिआँ तलक कि आपन विरोधी लोगन स भेंट लिहस। यहोवा परमेस्सर हुआँ रहइ गवा।

19यहोवा क गुण गावा। उ हर दिन हमार, हमरे संग भार उठावइ मँ मदद करत ह। परमेस्सर हमार रच्छा करत ह।

20उ हमार परमेस्सर अहइ। उ उहइ परमेस्सर अहइ जउन हमका बचावत ह। हमार यहोवा परमेस्सर मउत स हमार रच्छा करत ह।

21परमेस्सर देखॉइ देइ कि आपन दुस्मनन क उ हराइ दिहस ह। अइसे ओन मनइयन क जउन ओकरे खिलाफ लड़ेन, उ सजा देइ।

22मोर सुआमी कहेस, “मइँ बासान स दुस्मन क वापस लिआउब, मइँ दुस्मन क समुद्दर क गहराई स वापस लाउब,

23ताकि तू ओनकर खून मँ विचरि सका, तोहार कूकुरन ओनकर खून चाट जाइँ।”

24लोग लखत हीं, परमेस्सर क विजय अभियान क अगुआइ करत भए। लोग मोरे पवित्तर परमेस्सर, मोरे राजा क अभियान क अगुआई करत लखत हीं।

25अगवा-अगवा गवइयन क मण्डली चलत ह, पाछे-पाछे वादक लोगन क मण्डली आवति अहइ, अउ बीच मँ कुमारियन तम्बूरन बजावति अहइँ।

26परमेस्सर क बड़कई महासभा क बीच करा। इस्राएल क लोगो, तू यहोवा क गुण गावा।

27नान्ह बिन्यामीन ओनकर अगुआई करत बाटइ। यहूदा क बड़का परिवार हुआँ बाटइ। जबूलून अउ नपताली क नेता हुआँ पइ अहइँ।

28हे परमेस्सर, हमका आपन सक्ती देखॉवा। हमका उ आपन सक्ती देखॉवा जेकर उपयोग तू हमरे बरे बीते भए जमाने मँ किहे रहा।

29राजा लोग, जरूसलेम मँ तोहरे मन्दिर क बरे निज सम्पत्ति लिअइहीं।

30ओन “गोरूअन” स काम मनचाहा करावइ बरे आपन कुबरी क प्रयोग करा। ओन जातियन क “बर्धन” अउर “गइयन” क आग्या मानइवालन बनावा। तू जउन रास्ट्रन क जुद्ध मँ हराया। अब तू ओनसे चाँदी मँगवाइ ल्या।

31तू ओनसे मिस्र स धन मँगवाइ ल्या। हे परमेस्सर, तू आपन धन कूस स मँगवाइ ल्या।

32धरती क राजा लोगो, परमेस्सर बरे गावा। हमरे सुआमी बरे तू जसगान गावा।

33परमेस्सर बरे गावा। उ रथे पइ चढ़िके सनातन
अकासन स निकरत ह। तू ओकरे सक्तीसाली स्वर क सुना।
34इस्राएल क परमेस्सर, तोहरे कउनो भी देवतन स
जियादा बलवान अहइ। उ जउन निज मनवइयन क सुदृढ़
बनावत ह।
35परमेस्सर आपन मन्दिर मँ अद्भुत बाटइ। इस्राएल क
परमेस्सर भक्तन क सक्ती अउ सामरथ देत ह। परमेस्सर क
गुण गावा।

भजन 69

*‘कुमुदिनी’ नाउँ क धुन पइ संगीत निर्देसक बरे
दाऊद क एक ठु भजन।*

1हे परमेस्सर, मोका मोर सब मुसीबतन स बचावा। मोरे
मुँहना तलक पानी चढ़ि आवा अहइ।
2कछू भी नाहीं अहइ जउने पइ मइँ खड़ा होइ जाउँ। मइँ
दलदले क बीच खाले धँसत ही चला जात हउँ। मइँ नीचे
धँसत हउँ। मइँ अथाह जले मँ अहउँ अउर मोरे चारिहुँ
कइँती लहरियन थपेड़ा मारति अहइँ। बस, मइँ बूड़इ क
अहउँ।
3मदद क गोहार लगावत मइँ दुर्बल होत जात हउँ। मोर
गटइ मदद बरे गोहराव क कारण सुखन बाटइ। मइँ बाट
जोहत हउँ। तोहसे मदद पावइ अउ लखत लखत मोर
अँखियन दुःखति अहइँ।
4मोर दुस्मन। मोरे मूँड़े क बारे स भी जियादा अहइँ। उ
सबइ मोहसे बेकार दुस्मनी रखत हीं। उ पचे मोरे विनास क
बहोतइ जुगत करत हीं। मोर दुस्मन मोरे बारे मँ झूठी बातन
बनावत हीं। उ पचे मोका झूठइ ही चोर बताएन। अउर ओन
चिजियन क भरपाई करइ क मोका मजबूर किहन, जेनका
मइँ चोराए नाहीं रहेउँ।
5हे परमेस्सर, तू तउ जानत अहा कि मइँ कछू अनुचित
नाहीं किहेउँ। मइँ आपन पाप तोहसे नाहीं छुपाइ सकित।
6हे मोर सुआमी, हे सर्वसक्तिमान यहोवा, तू आपन
मनवइयन क मोरे कारण लज्जित जिन होइ द्या। हे इस्राएल
क परमेस्सर, अइसे ओन लोगन क मोरे बरे असमंजस मँ
मत डावा जउन तोहार उपासना करत हीं।
7तोहार बरे मोर मुँह लज्जा स ढाँपि गवा। तोहार सेवा बरे
मइँ इ लज्जा क जन्मेउँ ह।
8मोरे ही भाई, मोरे संग यूँ ही बर्ताव करत हीं। जइसे
बर्ताव कउनो अजनबी स करत होइँ। मोरे ही सगे भाई,
मोका पराया समुझत हीं। 9तोहरे मन्दिर क खातिर मोर गहरी
लगन ही मोका जराइ डावत अहइ। उ पचे जउन तोहार
मसखरी करत हीं उ मोह पइ आइ पड़ी बाटइ।
10मइँ तउ गोहरावत हउँ अउर उपवास करत हउँ, एह
बरे उ पचे मोर हँसी उड़ावत हीं।
11मइँ आपन सोक दर्सावइ बरे मोटवार ओढ़नन क
पहिरत हउँ, अउर लोग मोर मसखरी करत हीं।
12उ पचे जनता क बीच सबइ चर्चा करत हीं, अउर
पियक्कड़, मोर गीत रचा करत हीं।
13हे यहोवा, जहाँ तलक मोर बात बाटइ, मोर तोहसे इ
बिनती अहइ कि मइँ चाहत हउँ:तू मोका अपनाइ ल्या। हे
परमेस्सर, मइँ चाहत हउँ कि तू मोका पिरेम भरा जवाब द्या
मइँ जानत हउँ कि मइँ तोह पइ सुरच्छा क भरोसा कइ
सकत हउँ।
14मोका दलदले स उबार ल्या। मोका दलदल क बीच
जिन बूड़इ द्या। मोका मोरे बैरी लोगन स तू बचाइ ल्या। तू
मोका इ गहिर पानी स बचाइ ल्या।
15बाढ़ क लहरन क मोका बुड़ावइ न द्या। गहराई क
मोका लीलइ न द्या। कब्र क मोरे ऊपर आपन मुँह बन्द न
करइ द्या।
16हे यहोवा, तोहार करुणा खरी अहइ। तू मोका आपन
सम्पूर्ण पिरेम स जवाब द्या। मोर मदद बरे आपन सम्पूर्ण
कृपा क संग मोरी कइँती मुँह करा।
17आपन दास स जिन मुँह मोड़ा। मइँ संकटे मँ पड़ा
अहउँ। मोका हाली सहारा द्या।
18आवा, मोर परान बचाइ ल्या। तू मोका मोरे दुस्मनन स
छोड़ाइ ल्या।
19तू मोर निरादर जानत अहा। तू जानत अहा कि मोर
दुस्मनन मोका लज्जित किहेन ह। ओनका मोरे संग तू
अइसा करत लख्या ह।
20निन्दा मोका चकनाचूर कइ दिहस ह। बस निन्दा क
कारण मइँ मरइवाला अहउँ। मइँ सहानुभूति क बाट जोहत
रहेउँ, मइँ दिलासा क बाट जोहत रहेउँ, मुला मोका तउ
कउनो नाहीं मिला।
21उ पचे मोका जहर दिहन, खइया क नाहीं दिहन।
सिरका मोका दइ दिहन, दाखरस नाहीं दिहन।
22ओनकर मेजन खाना स भरी अहइ उ पचे एँतना
बड़का मैत्री भोज करत अहइँ। मइँ आसा करत हउँ कि उ
सबइ भोजन ओनका बरबाद करइँ।
23उ सबइ आँधर होइ जाइँ अउर ओनकर करिहाउँ
निहुरिके दुहरी होइ जाइ।
24अइसा लगइ कि ओन पइ तोहार भरपूर किरोध फूट
पड़ा बा।
25ओनकर घरन क तू खाली बनाइ द्या। हुआँ कउनो
जिअत न रहइ।
26ओनका सजा द्या, अउर उ सबइ दूर पराइ जाइँ। फुन
ओनके लगे, ओनकर बातन क बारे मँ ओनकर दर्द अउर
घाव होइँ।
27ओनकर बुरे कर्मन क ओनका सजा द्या, जउन उ पचे
किहे अहइँ। ओनका जिन देखँावा कि तू अउर केतँना भला
होइ सकत ह।
28जिन्नगी क किताबे स ओनकर नाउँ मेट द्या।
सज्जनन क नाउँ क संग तू ओनकर नाउँ उ किताबे मँ जिन
लिखा।
29मइ दुःखी हउँ अउ दर्द मँ हउँ। हे परमेस्सर, मोका
उबार ल्या। मोर रच्छा करा।
30मइँ परमेस्सर क नाउँ क गुण गीतन मँ गाउब। मइँ
ओकर जस धन्यवाद क गीतन स गाउब।
31परमेस्सर एहसे खुस होइ जाइ। अइसा करब एक ठु
बर्धा क बलि या पूरा गोरू क ही बलि चढ़ावइ स जियादा
उत्तिम अहइ।

32अरे दीन लोगो, तू पचे परमेस्सर क आराधना करइ आवा अहा। अरे दीन लोगो! एँन बातन क जानिके तू पचे खुस होइ जाब्या।

33यहोवा, दीन लोगन अउ बेसहारा लोगन क सुना करत ह। यहोवा ओनका अबहुँ चाहत ह, जउन लोग बंधन मँ पड़ा अहइँ।

34हे सरग अउ हे धरती, हे सागर अउ एकरे बीच जउन भी समावा अहइ। परमेस्सर क स्तुति करा।

35यहोवा सिय्योन क रच्छा करी। यहोवा यहूदा क नगर क फुन निर्माण करी। उ लोग जउन इ धरती क सुआमी अहइँ, फिन हुआँ रइहीं।

36ओकरे सेवकन क संतानन उ धरती क पाई। अउर अइसे उ सबइ लोग निवास करिहीं जेनका ओकर नाउँ पियारा बाटइ।

भजन 70

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु गीत।
इ लोगन क याद दियावइ बरे रहा।

1हे परमेस्सर, मोर रच्छा करा। हे परमेस्सर, हाली करा, अउर मोका सहारा द्या।

2लोग मोका मार डावइ क जतन करत अहइँ। ओनका निरास अउ बेज्जत कइ द्या। अइसा चाहत हीं कि लोग मोर बुरा कइ डावइँ। ओनकर पतन अइसा होइ जाइ कि उ पचे सर्मिन्दा होइँ।

3लोग मोर हँसी ठट्ठन उड़ाएन। मइँ ओनकर पराजय क आसा करत हउँ अउर इ बात क कि ओनका लज्जा महसूस होइ।

4मोका इ आस अहइ कि अइसे उ पचे सबहिं लोग जउन तोहार आराधन करत हीं, उ खूब खुस होइ। उ पचे सबहिं लोग तोहरी मदद क आसा मँ रहत हीं उ पचे सदा तोहार स्तुति करत रहइँ।

5हे परमेस्सर, मइँ दीन अउ बेसहारा हउँ। हाली करा! आवा, अउर मोका सहारा द्या। हे परमेस्सर, तू ही बस अइसा अहा जउन मोका बचाइ सकत अहा, जियादा देर जिन करा।

भजन 71

1हे यहोवा, मोका तोहार भरोसा अहइ, एह बरे मइँ कबहुँ निरास नाहीं होब।

2आपन नेकी स तू मोका बचाई। तू मोका छोड़ाइ लेब्या। मोर सुना। मोर उद्धार करा।

3तू मोर गढ़ बना। सुरच्छा बरे अइसा गढ़ जेहमाँ मइँ दौड़ जाउँ। मोर सुरच्छा बरे तू हुकुम द्या, काहेकि तू ही तउ मोर चट्टान अहा:मोर सरणस्थल अहा।

4मोर परमेस्सर, तू मोका दुट्ठ जनन स बचाइ ल्या। तू मोका क्रूर कुटिल लोगन स छोड़ाइ ल्या।

5मोर सुआमी, तू मोर आसा अहा। मइँ आपन बचपन स ही तोहरे भरोसे हउँ।

6जब मइँ आपन महतारी क गरभ मँ रहेउँ, तबहिं स तोहरे भरोसे रहेउँ। जउने दिन स मइँ जन्म धारण किहेउँ, मइँ तोहरे भरोसे हउँ। मइँ तोहार पराथना सदा करत रहत हउँ।

7मइँ दूसर लोगन बरे एक उदाहरण रहेउँ ह। काहेकि तू मोर सक्ती क सोता रह्या ह।

8ओन अद्भुत कामन क सदा गावत रहेउँ ह, जेनका तू करत अहा।

9सिरिफ इ कारण कि मइँ बुढ़वा होइ गवा हउँ मोका निकारिके जिन लोकावा। सिरिफ इ कारण कि मइँ दुर्बल होइ गवा हउँ मोका निज छोड़्या।

10फुरइ, मोर दुस्मनन मोरे खिलाफ कुचक्र रच डाए बाटेन। फुरइ उ पचे सब बटुर ग अहइँ, अउर ओनकर जोजना मोका मार डावइ क अहइ।

11मोर दुस्मन कहत हीं, "परमेस्सर ओका तजि दिहस ह। जा, ओका धइ ल्या। कउनो भी मनई ओका मदद न देई।"

12हे परमेस्सर, तू मोका जिन बिसरा। हे परमेस्सर, हाली करा। मोका सहारा द्या।

13मोरे दुस्मनन क पूरी तरह स हराइ द्या। तू ओनकर नास कइ द्या। मोका कस्ट देइ क उ पचे जतन करत अहइँ। उ पचे लज्जा महसूस करइँ अउ अपमान सहइँ।

14फुन मइँ तोहरे ही भरोसे, सदा रहब। अउर तोहार गुण मइँ जियादा अउ जियादा गाउब।

15सबहिं लोगन स, मइँ तोहार बखान करब कि तू केतॅना उत्तिम अहा। उ समइ क बातन मइँ ओनका बताउब, जब तू अइसे मोका एक नाहीं अनगिनत अवसर पइ बचाए रह्या।

16हे यहोवा, मोर सुआमी। मइँ तोहरी महानता क वर्णन करब। बस सिरिफ मइँ तोहार अउ तोहरी ही अच्छाई क चर्चा करब।

17हे परमेस्सर, तू मोका बचपन स ही सिच्छा दिहा। मइँ आजु तलक बखानत रहा हउँ, ओन अद्भुत कामन क जेका तू करत अहा।

18अब मइँ बुढ़वा होइ गवा हउँ अउर मोर बार सफेद होइ ग अहइँ। मुला मइँ जानत हउँ कि तू मोका नाहीं तजब्या। हर नई पीढ़ी स, मइँ तोहरी सक्ती क अउर तोहरी महानता क वर्णन करब।

19हे परमेस्सर, तोहार धार्मिक भावना अकासन स ऊँच अहइ। हे परमेस्सर, तोहरे समान दूसर कउनो नाहीं। तू अजूबा अचरजभरा काम किहा ह।

20तू मोका बुरा समइ अउ कस्ट लखइ दिहा। मुला तू ही मोका ओन सब स बचाइ लिहा अउर जिअत राख्या ह। एकर कउनो अरथ नाहीं, मइँ केतॅना ही गहिर बूड़ेउँ तू मोका मोर संकटन स उबारि लिहा।

21तू अइसे काम करइ क मोका मदद द्या जउन पहिले स भी बड़ा होइँ। मोका सुख चैन देत रहा।

22वीणा क संग, मइँ तोहार गुण गाउब। हे मोरे परमेस्सर, मइँ इ गाउब कि तोह पइ भरोसा धरा जाइ सकत ह। मइँ ओकरे बरे गीत आपन सितार पइ बजावा करब जउन इस्राएल क पवित्तर यहोवा अहइ।

23मोरे प्राणन क तू रच्छा किहा ह। मोर मन मगन होइ अउर आपन होंठन स, मइँ प्रसंसा क गीत गाउब।

24मोर जिभिया हर घड़ी तोहार धार्मिक भावना क गीत गावा करी। अइसे उ सबइ लोग जउन मोका मारइ चाहत हीं, उ पचे हारि जइहीं अउ अपमानित कीन्ह जइहीं।

भजन 72

सुलैमान बरे।

1हे परमेस्सर, राजा क मदद करा ताकि उ भी तोहरी तरह स विवेक स भरिके निआउ करइ। राजपुत्र क सहायता करा ताकि उ तोहार धार्मिक भावना क जानि सकइ।

2राजा क सहायता करा कि तोहरे मनवइयन क उ निस्पच्छ निआउ करइ। सहायता करा कि उ दीन जनन क संग उचित बेउहार करइ।

3पहाड़न क सबइ बरे सान्ति लिआवइ द्या। समूचइ भुइँया बरे सान्ति अउर निआउ लिआवइ द्या।

4राजा निर्धन लोगन बरे निआउ स भरा रहइ। उ बेसहार लोगन क मदद करइ। उ सबइ लोग सजा पावइँ जउन ओनका सतावत होइँ।

5मोर इ कामना अहइ कि जब तलक सूरज अकास मँ चमकत ह, अउर चन्द्रमा अकासे मँ अहइ। लोग राजा क डर मानइँ। मोर आसा अहइ कि लोग ओकर डर सदा मनिहीं।

6राजा क मदद, धरती प पड़इवाली बरसात बनावइ मँ करा। ओकर मदद करा कि खेतन मँ पड़इवाली बौछार बनइ।

7जब तलक उ राजा अहइ, भलाइ फूलइ-फरइ। जब तलक चन्द्रमा अहइ, सान्ति बनी रहइ।

8ओकर राज्ज समुद्दर स समुद्दर तलक अउ परात नदी स लइके सुदूर तलक फइलि जाइ।

9रेगिस्ताने क लोग ओकरे अगवा निहुरइँ। अउर ओकर सबइ दुस्मन ओकरे अगवा औंधे मुँह भहरान भए धरती पइ निहुरइँ।

10तर्सीस क राजा अउ दूर देसन क राजा ओकरे बरे उपहार लिआवइँ। सेबा क राजा अउ सबा क राजा ओका उपहार देइँ।

11सबइ राजा हमरे राजा क अगवा निहुरइँ। सबहिं रास्ट्र ओकर सेवा करत रहइँ।

12हमार राजा बेसहारन क सहायक अहइ। हमार राजा दीनन पइ अउर बेसहारा लोगन क सहारा देत ह।

13दीन, बेसहारा लोग ओकरे सहारे अहइँ। इ राजा ओनका जिअत रखत ह।

14इ राजा ओनक ओन लोगन स बचावत ह, जउन क्रूर अहइँ अउर जउन ओनका दु:ख देइ चाहत हीं। राजा बरे ओन दीनन क जीवन बहोतइ महत्वपूर्ण अहइ।

15राजा लम्बी उमर क होइ! अउर सेबा स सोना प्राप्त करइ। राजा बरे सदा पराथना करत रहा, अउर तू हर दिन ओका असीस द्या।

16खेत भरपूर फसल देइ। पहाड़ियन फसलन स ढकि जाइँ। इ सबइ खेत लबानोन क खेतन स उपजाऊ होइ जाइँ। सहर लोगन क भीड़ स भरि जाइ, जइसेन खेत घनी घासे स भरि जात हीं।

17राजा क जस सदा बना रहइ। लोग ओकरे नाउँ क सुमिरन तब तलक करत रहइँ, जब तलक सूरज चमकत ह। ओकरे कारण सारी प्रजा धन्य होइ जाइ अउ उ पचे सबहिं ओका असीसइँ।

18यहोवा परमेस्सर क गुण गावा, जउन एस्राएल क परमेस्सर अहइ। उहइ परमेस्सर अइसे अचरज क कर्म कइ सकत ह।

19ओकरे महिमा स भरा नाउँ क बड़कई सदा करा। ओकर महिमा सारी दुनिया मँ भरि जाइ। आमीन अउ आमिन।

20यिसै क पूत दाऊद क पराथनन समाप्त भइन।

तीसर भाग

भजन 73

आसाफ क गीत।

1इस्राएल बरे परमेस्सर नीक अहइ। परमेस्सर ओन लोगन बरे नीक होत ह जेनकर हिरदइ पवित्तर अहइ।

2मइँ तउ करीब करीब फिसल गवा रहा अउर मइँ तउ करीब करीब गिर गवा रहा।

3काहेकि मइँ लखेउँ कि पापी सफल होत अहइँ अउर सान्ति स रहत अहइँ। तउ ओन अभिमानी लोगन स मोका जलन भइ।

4उ सबइ लोग तन्दुरुस्त अहइँ। ओनके जिन्नगी मँ कउनो संघर्स नाहीं अहइ।

5ओन अहंकारी लोग दूसर लोगन क नाईं परेसानी नाहीं उठावत हीं। उ पचे दूसर क नाईं तकलीफ नाहीं झेलत हीं।

6एह बरे उ पचे सदा अहंकार स भरा रहत हीं। अउर उ पचे हिंसा स भी भरा भवा रहत हीं।

7उ पचे बुरे बिचारन स भरा भवा अहइँ अउर उ पचे बुरे जोजना मँ बह गवा रहेन।

8उ पचे लोगन क बारे चिन्ता नाहीं करत हीं अउर ओनका सोसण करइ बरे बुरी जोजना बनावत हीं। उ पचे घमण्ड मँ बात करत हीं।

9उ घमण्डी लोगन अइसे बात करत हीं जइसे उ पचे देवता अहइँ। उ पचे अइसे बात करत हीं जइसे उपचे धरती क सासक हीं।

10एँह बरे हिआँ तलक कि परमेस्सर क जन भी ओन दुट्ठन कइँती मुड़त अउर जइसा उ पचे कहत हीं, वइसा बिस्सास कइ लेत हीं।

11उ सबइ दुट्ठ जन कहत ही, "हमरे ओन कामन क परमेस्सर नाही जानत जेनका हम करत अही।

12दुट्ठ जन आराम क जिन्नगी जिअत हीं अउर उ पचे धनवान होत चला जात हीं।

13तउ मोका आपन हिरदय क पवित्तर रखइ क का लाभ अहइ! आपन मूँड़े क निर्मल रखइ क का लाभ अहइ!

14हे परमेस्सर, मइँ सारे ही दिन दु:ख भोगा करत हउँ। तू हर भिन्सारे मोका दण्ड देत अहा।

15हे परमेस्सर, मइँ इ सबइ बातन दूसरन क बतावइ क
निर्णय कइ लिहे रहेउँ। मुला मइँ जानत रहेउँ कि मइँ तोहार
लोगन क धोका देते रहेउँ।
16एँन बातन क समुझइ क, मइँ जतन किहेउँ मुला
एँनका समुझब मोरे बरे बहोत कठिन रहा।
17जब तलक मई परमेस्सर क मन्दिर मँ नाही गवा तब
तलक मइँ एका नाहीं समुझेउँ।
18हे परमेस्सर, फुरइ तू ओन लोगन क भाग फिसलइ
वाले मार्ग मँ राख्या ह। तू ओन लोगन क गिरइ द्या अउर
बर्बाद होइ द्या।
19एकाएक ओन पइ विपत्ति अइहीं। उ सबइ घमण्डी
लोग बरबाद होइ जात हीं। ओनके संग भयंकर घटना
घटिहीं। अउर फुन ओनकर अंत होइ जात ह।
20हे यहोवा, उ सबइ मनई अइसे होइहीं जइसे सपन
जेका हम जागत ही बिसरि जात अहीं। एँह बरे तू अइसे
लोगन क हमरे सपन क भयानक जानवर क नाईं अछन्न
कइ द्या।
21जब मोर हिरदय किरया रहा अउर मोरे दिमाग जख़्मी
रहा,
22मइँ विवेकहीन रहा अउर मइँ समुझइ मँ असमर्थ रहा।
मइँ एक तोहार संग एक निर्बुद्धि जनावर जइसा बेउहार
किहेउँ।
23तउ पइ भी मइँ सदा तोहार संग अहउँ। हे परमेस्सर,
तू मोरे हाथ थामइ क मोर मदद किहा ह।
24हे परमेस्सर, तू मोका राह देखँावत, अउर मोका सलाह
देत अहा। आखीर मँ तू आपन महिमा क मौजूदगी मँ मोका
अगुवाई करब्या।
25हे परमेस्सर, सरगे मँ बस तू ही अकेला मोर अहा,
अउर धरती पइ मोका का चाही, जब तू मोरे साथ अहा?
26चाहे मोर मनवा टूटि जाइ अउर मोर काया नस्ट होइ
जाइ। मुला उ चट्टान मोरे लगे बाटइ जउन मोर सहायता
करत ह। परमरेस्सर मोरे लगे सदा अहइ।
27हे परमेस्सर, जउन लोग तोहका तजत हीं, उ पचन्क तू
नास कइ देब्या। तू ओन लोगन क जउन तोहेसे मुड़ जात
हीं, बर्बाद कइ देब्या।
28मुला मोरे बरे, परमेस्सर क निअरे रहब नीक अहइ।
मइँ आपन सुरच्छा स्थान आपन सुआमी यहोवा क बनाएउँ
ह। हे परमेस्सर, मइँ ओन सबहिं बातन क बखान करब
जेनका तू किहा ह।

भजन 74

आसाफ क मस्किल।

1हे परमेस्सर, तू हमका सदा बरे काहे बिसराइ दिहा ह?
तू अबहिं तलक आपन निज लोगन स काहे कोहान अहा?
2ओन लोगन क सुमिरा जेनका तू बहोत पहिले मोल
लिहे रह्या। तू हम लोगन क आपन लोग बनाइ बरे बचाइ
लिहा ह। सिय्योन क पहाड़े क सुमिरा जहाँ तू रहत रहा।
3हे परमेस्सर, आवा अउ एँन बहोत पुरान खण्डहरन स
होइके चला। तू उ पवित्तर ठउर पइ लउटिके आवा जेका
दुस्मन बरबाद कइ दिहे अहइँ।
4दुस्मनन मन्दिर मँ सेरन क नाईं दहाड़ेन। उ खुद क
बिसेस चिन्ह* क एक प्रमाण क रूप मँ, कि उ पचे जुद्ध
जीत गएन, स्थापित किहेन।
5दुस्मनन क फउजियन एक अइसे कुलहारी क नाईं
परगट भवा रहेन जेका प्रयोग जलावन क लकड़ी क काटइ
बरे कीन्ह गवा रहा।
6हे परमेस्सर, एँन दुस्मन फउजियन निज कुल्हाड़न अउ
फर्सन क प्रयोग किहन, अउर तोहरे मन्दिर क नक्कासी
फाड़िके लोकाएन।
7सबइ फउजियन तोहार पवित्तर ठउर बार दिहन। उ पचे
तोहरे मन्दिर क धूरि मँ मिलइ दिहन जेका तोहरे नाउँ क
मान देइ बरे बनावा ग रहा।
8उ दुस्मन हमका पूरी तरह बरबाद करइ क ठान लिहन।
तउ उ पचे देस क हर पवित्तर ठउर क फूँक दिहन।
9हम लोग कउनो बिसेस चिन्ह नाहीं लखे। हुआँ अउर
कउनो नबी जिअत नाहीं अहइ। एह बरे कउनो भी नाहीं
जानत ह कि इ परिस्थिति कब तलक जारी रही।
10हे परमेस्सर, इ सबइ दुस्मन कब तलक हमार हँसी
उड़इहीं? का तू एँन दुस्मनन क तोहरे नाउँ क अपमान सदा
सदा ही करइ देब्या?
11हे परमेस्सर, तू आपन सक्ती क काहे रोके रखा ह
अउर तू हस्तछेप काहे नाहीं करत ह। ओन लोगन क नास
करइ बरे कारवाई करा।
12हे परमेस्सर, बहोत दिनन स तू ही हमार सासक रह्या।
इ देस मँ तू हम लोगन क अनेक जुद्ध मँ विजय दिहा।
13हे परमेस्सर, तू आपन महासक्ती स लाल सागर क दुइ
हींसा कइ दिहा। तू विसाल काय क दानवन क मूड़न
समुद्दर मँ चूर चूर कइ दिहा।
14तू लिव्यातान क मूँड़न कुचर दिहा, अउर ओकरे बदन
क जंगली जनावरन क खाइ बरे लोकाइ दिहा।
15तू नदी, झरनन रच्या, चट्टान फोड़िके पानी बहाया। तू
सदा बहइ वाली नदियन क झुराइ दिहा।
16हे परमेस्सर, तू दिन क सासक अहा, अउ राति क भी
सासक तू ही अहा। तू ही चाँद अउ सूरज क बनाया।
17तू समुचइ धरती पइ सब बरे चउहद्दी बाँधत अहा। तू
ही गर्मी अउ सर्दी क बनाया।
18हे यहोवा, इ बातन क सुमिर ल्या। अउर याद करा कि
दुस्मन तोहार मजाक उड़ाएस ह। उ सबइ मूर्ख लोग तोहरे
नाउँ क अपमान किहेन ह।
19ओनँ जंगली जनावरन क आपन फारवता क जिन लेइ
द्या। आपन दीन जनन क तू हमेसा जिन बिसरा।
20हम आपुस मँ जउन करार कीन्ह ह ओका याद करा,
इ देस मँ हर कउनो अँधियारे ठउरे पइ हिंसा अहइ।
21हे परमेस्सर, तोहरे लोगन क संग अत्याचार झेलइ क
रहा, ओनका अउर अधिक सतावा अउ दु:ख दीन्ह जाइ
जिन द्या। तोहार असहाय जन, तोहार गुण गावइँ।

बिसेस चिन्ह इ सबइ सम्भवत: आगियन संकेत रहेन जेका लोग एक सहर स दूसर मँ संदेस पठवइ क विधि क रूप मँ जलाएन। जुद्ध मँ इ एक विधि रही जउन लोग दूसर सहरन क दिखाएन कि ओनकर सहरन क अब तलक बर्बाद नाहीं कीन्ह गवा रहेन।

22हे परमेस्सर, उठा अउर बदला ल्या। याद करा कि
ओन मूरख लोग सदा ही तोहार अपमान किहेन ह।
23उ सबइ बुरी बातन जिन बिसरा जेनका तोहार दुस्मनन
हर रोज तोहरे बरे कहेन। जिन बिसरा कि उ पचे तोहार
खिलाफ लगातार चिचियाएन जब उ पचे तोहार खिलाफ
जुद्ध करत रहेन।

भजन 75

'नस्ट जिन करा' नाउँ क धुन पइ संगीत निर्देसक बरे आसाफ क भजन।

1हे परमेस्सर, हम तोहार बड़कई करत अही। हम तोहार
बड़कई करत अही काहेकि तोहार मौजूदगी निअरे अहइ।
अउर लोग तोहरे ओन अद्भुत करमन क जेनका तू करत
अहा, बयान करत हीं।
2परमेस्सर कहत ह, "मइँ निआउ क समइ चुन लिहेउँ,
मइँ निस्पच्छ होइके निआउ करब।
3धरती अउ धरती क हर वस्तु डगमगाइ सकत ह अउर
गिरइ क तइयार होइ सकत ह, किन्तु मइँ ही ओका स्थिर
राखत हउँ।"
4-5कछू लोग बहोत ही घमण्डी होत हीं। उ पचे सोचत
रहत हीं कि उ पचे बहोत मजबूत अउ महत्वपूर्ण बाटेन।
मुला मई उनसे कहत हउँ। 'घमण्डी जिन बना!' 'अइसा
बिउहार जिन करा कि तू बहोत मजबूत अउ महत्वपूर्ण
अहइ। अइसा जिन दिखावा कि तू बहोत सक्तीसाली अहइ
अउर अहंकारी जिन बना।'"
6इ फुरइ अहइ कि कउनो भी मनई धरती पइ नीच क
महान नाहीं बनाइ सकत।
7परमेस्सर सासक ह। परमेस्सर एँकर फैसला करत ह कि
कउन मनई महान होइ। परमेस्सर ही कउनो मनई क महत्व
स भरा पद पइ बइठावत ह। अउर कउनो क महत्वहीन पद
पइ उहइ बइठावत ह।
8परमेस्सर क पिआला मिलावटी मधु स भरा बाटइ।
परमेस्सर दण्ड क इ दाखरस क उड़ेरत ह। अउर दुट्ठ जन
ओका आखिरी बूँद तलक पिअत हीं।
9मइँ इ बातन क घोसना करब जउन परमेस्सर सदा बरे
करत ह। मइँ इस्राएल क परमेस्सर क महिमा क गुण
गाउब।
10परमेस्सर कहत ह, "मइँ दुट्ठ लोगन क सक्ती क
हटाइ देब। किन्तु सबइ नीक लोगन क सम्मान सक्ती स
कीन्ह जाइ।

भजन 76

संगीत निर्देसक बरे आसाफ क एक ठु भजन, तार वाद्यन क जरिये गवा भवा एक ठु गीत।

1यहूदा क लोग परमेस्सर क जानत हीं। इस्राएल जानत
ह कि फुरइ परमेस्सर क नाउँ बड़का अहइ।
2परमेस्सर क मन्दिर सालेम मँ बना अहइ। परमेस्सर क
घर सिय्योन क पहाड़े पइ अहइ।
3उ जगह पइ परमेस्सर बारत भवा बाणन, ढालन,
तरवारन अउ जुद्ध क दूसर सस्त्रन क तोड़ दिहस। *(सेला)*
4हे परमेस्सर, तू प्रकास क संग चमकत ह। तू जंगली
पहाड़रन स जियादा प्रताप वाला अहइ।
5ओन सिपाहियन सोचेन कि उ पचे बरिआर अहइँ। मुला
उ पचे अब रणछेत्रन मँ मरा पड़ा अहइँ। ओनकर ल्हासन
क लूट लीन्ह ग ह अउर नंगा पड़ा अहइँ। ओन बलवान
सिपाहियन मँ कउनो अइसा नाहीं रहा, जउन खुद आपन क
रच्छा कइ पावत।
6याकूब क परमेस्सर ओन फउजियन पइ फटकारेस। अउ
उ फउज रथन अउर घोड़न सहित असहा मर गइ।
7हे परमेस्सर, तू अद्भुत अहा। जब तू कोहाइ जात ह
तोहरे समन्वा कउनो मनई टिक नाहीं सकत।
8जब परमेस्सर सरग स निआउ किहस तउ सारी धरती
डर स काँप गइ।
9जब परमेस्सर निआवाधीस क रूप मँ धरती क विनम्र
लोगन क बचावइ बरे कार्रवाई किहस तब इ भवा।
10हे परमेस्सर, लोगन क उ समइ भी तोहार स्तुति करइ
चाही जब उ पचे किरोध मँ होइ। जब उ पचे किरोध करइ
बंद कइ देइँ तउ उ पचे बरिआर होइ जाइँ।
11योहवा आपन परमेस्सर क संग वाचा करा अउर जउन
वाचा किहा ओका पूरा करा। लोग हर कउनो ठउर स
लोग परमेस्सर क भेंट लिअइहीं जउन सम्मान क जोग्य
अहइँ।
12परमेस्सर महान नेतन क डरावत ह। धरती क सबहिं
सासक लोग ओकर रुतबा माना।

भजन 77

"यदूतन" राग पइ संगीत निर्देसक बरे आसाफ क भजन।

1मइँ मदद पावइ बरे परमेस्सर क गोहराउब। मइँ
परमेस्सर क गोहराउब अउर उ मोका सुनी।
2जब मइँ दु:ख मँ रहेउँ तउ मइँ यहोवा क सरण मँ
आवा। मइँ सारी रात तोह तलक पहोंचइ जूझा हउँ। मइँ
एका नाहीं छोड़ा अउर आराम तलक नाहीं किहेउँ।
3मइँ परमेस्सर क याद करत हउँ किन्तु मइँ बेचेन हउँ।
अउर ओका बतावा कि मइँ कइसा अनुभव करत हउँ।
किन्तु फुन भी मइँ अइसा नाहीं कइ सकत हउँ। मइँ बोलन
चाहता रहेउँ, किन्तु मइँ बहोत उदास रहेउँ। *(सेला)*
4तू मोका सोवइ नाहीं दिहा। मइँ उदास रहेउँ, एँह बरे मइँ
कछू नाहीं कह सकत हउँ।
5मइँ अतीत क बातन बरे सोचेउँ। बहोत दिना पहिले
जउन बातन घटी भइ रहिन ओन घटनन क बारे मँ मइँ
सोचेउँ।
6राति मँ, मइँ आपन गीतन क बारे मँ सोचा करत रहेउँ।
मइँ आपन आप स बातन किहेउँ। मइँ समुझइ बरे जतन
किहेउँ।
7मोका इ हैरानी अहइ कि का मोर सुआमी मोका सदा
बरे तजि दिहे अहइ? का उ हमका फुन नाहीं चाही?
8का परमेस्सर क पिरेम हमेसा बरे खतम होइ गवा
अहा? का उ मोहे स फिन कबहुँ बात नाहीं करी?
9का परमेस्सर दाया दिखावइ भूल गवा ह? का ओकर
करुणा किरोध में बदल गइ बाटइ?"

10मइँ फुन इ सोचा करत हउँ, "उ सोच जउन मोका दर्द
देत अहइ: 'का सर्वोच्च परमेस्सर आपन निज सक्ती दिखावइ
बन्द कइ दिहस ह?'"
11सक्ती भरा उ काम जेनका यहोवा किहस ह ओका
याद रखा। हाँ उ कामन जेनका तू पहिले किहा ह मोका
याद बाटइ।
12मइँ ओन सबहिं कामन क जेनका तू किहा ह सोचे
हउँ। जेन कामन क तू किहा मइँ धियान देत हउँ।
13हे परमेस्सर, तोहार निवास स्थान पवित्तर अहइँ। कउनो
भी अइसा महान नाहीं अहइ जइसा तू अहा।
14तू ही उ परमेस्सर अहा जउन अद्भुत काम किहा। तू
रास्ट्रन क आपन निज महासक्ती देखॉया।
15तू आपन सक्ती क प्रयोग किहा अउर आपन लोगन
क बचाइ लिहा। तू याकूब अउ यूसुफ क संतानन क बचाइ
लिहा।
16हे परमेस्सर, सागर तोहका लखेस अउर जब उ तोहका
लखेस तउ डेराइ गवा। गहिर समुद्दर डर स थर थर काँप
उठा।
17घनघोर बादरन स ओनकर पानी छूट पड़ा रहा। ऊँच
बादरन स जोर क गर्जब लोग सुनेन। फुन ओन बादरन स
बिजुरी क तोहार बाण नीचे चलेन।
18तोहार बिजुरी क गर्जन आंधी भरे हवा मँ फुन गर्जेस,
तोहार बिजुरी चमचमात भवा जगत पइ चमक उठी। धरती
हिल गइ अउर थर थर काँपि गइ।
19हे परमेस्सर, तू गहिर समुद्दर मँ पैदर चल्या। तू
चलिके ही सागर पार किहा। मुला तू कउनो पद चीन्हा
नाहीं छोड़्या।
20तू मूसा अउ हारून क उपयोग आपन मनवइयन क
अगुआई भेड़िन क झुण्ड क नाईं करइ मँ किहा।

भजन 78

आसाफ क एक मस्किल।

1मोर मनवइयो, तू पचे मोरे उपदेसन क सुना। ओन बातन
पइ कान द्या जेनका मइँ बतावत हउँ।
2मइँ तू पचन्क इ कथा सुनाउब। मइँ तू पचन्क पुरान
कथा सुनाउब।
3हम पचे इ कहानी सुना ह, अउर ऍका अच्छी तरह
जानित ह। हम लोगन क पुरखन इ कहानी कहेन ह।
4हम लोग ऍन बातन क आपन सन्तानन स नाहीं
छुपाउब। हम लोग ऍन बातन क आपन अगवा पीढ़ी क
बताउब। हम लोग ओनसे यहोवा क सक्ती अउर ओकरे
अद्भुत कामन क बारे मँ बताउब। हम पचे ओनका ओन
कामन बरे जेनका उ किहस ह बखान करब।
5यहोवा याकूब स वाचा किहस। परमेस्सर इस्राएल क
व्यवस्था क विधान दिहस, अउर हमार परमेस्सर हमरे पुरखन
क हुकुम दिहन। उ हमरे पुरखन क व्यवस्था क विधान
आपन संतानन क सिखावइ क किहेस।
6इ तरह अगवा पीढ़ी ऍन बातन क बरे मँ जानिहीं। अउर
हर एक पीढ़ी मँ गदेलन पइदा होइ अउर बढ़ीइ अउर फुन
उ पचे इ कहानी क आपन गदेलन क बतइहीं।
7ऍह बरे उ सबहिं लोग यहोवा पइ भरोसा करिहीं। उ
पचे ओन सक्ती स भरा कामम क नाहीं बिसरिहीं। जेन्का
परमेस्सर किहे रहा। उ पचे धियान स रखवारी करिहीं अउर
परमेस्सर क हुकुम क मनिहीं,
8एह बरे उ पचे आपन पुरखन क नाईं नाहीं होइ।
ओनकर पुरखन परमेस्सर क अनसुनी किहे रहेन अउर
ओकर अनुसरण करइ स इन्कार किहे रहेन उ पचे हठी
रहेन। उ पचे विस्सासी होइ क परमेस्सर क अनुसरण नाहीं
किहेन।
9ओन मुड़ी भइ कमान की तरह जेका उ पचे लइ रहेन
एप्रैम क लोग जुद्ध स पीठ दिखाइ गए।
10उ पचे ओन करार क नाहीं मानेन जउन उ पचे यहोवा
स किहे रहेन। उ पचे उ नाहीं किहे जउन उ ओन लोगन
क करइ क हुकुम दिहे रहा।
11एप्रैम क उ सबइ लोग ओन बड़की बातन क बिसरि
गएन जेनका परमेस्सर किहे रहा। उ पचे ओन अद्भुत बातन
क बिसरि गएन जेनका उ ओनका देखॉए रहा।
12परमेस्सर ओनकर पुरखन क मिस्र क भुइयाँ सोअन मँ
निज महासक्ती देखॉइस।
13परमेस्सर लाल सागर क चीरिके दुइ भाग कइके
लोगन क पार उतार दिहस। उ पानी क मजबूत देवार क
तरह दुइनउँ कइँती खड़ा कइ दिहस रहा।
14परमेस्सर ओन लोगन क दिन क समइ मँ महा बादर
स अगुवाई किहस। अउर रात क समइ मँ चमकत भवा
आगी स राह देखॉएस।
15उ चट्टान क फारेस अउर पानी तेजी स बाहर निकर
आवा वइसे ही जइसे झड़ना स निकरत ह।
16परमेस्सर चट्टान स पानी क धारा नदी क नाईं निकारे
रहा।
17मुला लोग रेगिस्तान मँ सर्वोच्च परमेस्सर क खिलाफ
पाप करत जारी रखे रहेन।
18फिन ओन लोग परमेस्सर क परखइ क पक्का इरादा
किहन। उ पचे बस आपन भूख मिटावइ बरे परमेस्सर स
खइया क माँगेन।
19परमेस्सर क खिलाफ उ पचे बतियाइ लागेन, उ पचे
कहइ लागेन, "का रेगिस्ताने मँ परमेस्सर हमका खाइ क दइ
सकत ह?
20लोगन ने कहा, "जब परमेस्सर चट्टाने पइ चोट किहस
तउ पानी क एक ठु रेला फूटि पड़ा। किन्तु का उ हमका
कछू रोटी अउ गोस भी दइ सकत ह?"
21जब यहोवा इ सुनि लिहस जउन लोग कहे रहेन तउ
ओकर किरोध इस्राएल क रास्ट्र याकूब क खिलाफ भड़क
गवा।
22काहेकि लोग ओह पइ भरोसा नाहीं रखे रहेन,
ओनका भरोसा नाहीं रहा, कि परमेस्सर ओनका बचाइ सकत
ह।
23-24तब भी परमेस्सर ओन पइ बादर क खोल दिहस।
ओनका खाइ बरे खाले मन्ना बरसाइ दिहस। इ ठीक वइसेन
ही भवा जइसे कि उ अकासे क दुआर खोल दिहस ह
अउर ओनसे अनाज बाहेर उड़ेर दिहस ह।

25लोग उ भोजन खाएन अउर उ पचे बहोत ताकतवर होइ गएन। परमेस्सर ओन लोगन क तृप्त करइ बरे भर पूर भोजन पठएस।

26-27फिन परमेस्सर पूरब स तेज हवा चलाएस अउर ओन लोगन बरे बटेर क बर्खा बरसात क नाईं बरसाएस। परमेस्सर क महासक्ती तैमान कइँती स एक ठु आँधी उठाएस अउर नीला अकास करिआ होइ गवा काहेकि हुवाँ अनगिनत पंछी छाइ ग रहेन।

28उ सबइ पंछी क ठीक ओनकर डेरे क बीच मँ खेमन क चारिहुँ कइँती गिरा दिहे रहेन।

29ओनके लगे खाइ बरे भरपूर भोजन रहा। उ ओनका उहइ दिहस जउन उ पचन्क इच्छा रहेन।

30उ पचे उ भोजन अबहुँ तलक खाइ क खतम नाहीं किहे रहेन जेन्का इच्छा उ पचन्क रहेन अउर गोस अबहुँ तलक ओनकर मुँह मँ ही रहेन।

31तउ ओन लोगन पइ परमेस्सर बहोत कोहाइ गवा अउर ओनमाँ स सबन्क नीक क मारि दिहस। उ बरिआर जवानन क मउत दइ दिहस।

32फिन भी लोग पाप करत जारी राखे रहेन! उ पचे परमेस्सर क अद्भुत करमन पइ भरोसे नाहीं किहेन।

33तउ परमेस्सर ओनकर जिन्नगी क बियर्था मँ अउर बरिसन क डर मँ खतम किहस।

34जब कबहुँ परमेस्सर ओनमाँ स कउनो क मारेस ओनमाँ स बाकी लोग परमेस्सर कइँती लउटि गएन।

35उ सबइ लोग याद किहेन कि परमेस्सर ओनकर चट्टान रहत रहा। उ पचे याद किहन कि परमेस्सर ओनकर मदद किहे रहा।

36किन्तु ओकर पाछे उ पचे अइस किहेन जइसे उ पचे ओन पइ विस्सास करत हीं, किन्तु असल मँ उ पचे झूट बोले रहेन। उ पचे ओकर विस्सासी नाहीं रहेन।

37उ पचे फुरइ मनवा स यहोवा क संग नाहीं रहेन। उ पचे आपन करार बरे सच्चा नाहीं रहेन।

38मुला परमेस्सर करुणा स भरा नाहीं रहा। उ ओनकइ पापन बरे छिमा किहेस, अउर उ ओनकर विनास नाहीं किहस। परमेस्सर अनेक अवसरन पइ आपन किरोध रोकेस। परमेस्सर आपन क बहोत किरोधी नाहीं होइ दिहस।

39परमेस्सर क याद रहा कि उ पचे सिरिफ मानव जात अहइँ। लोग सिरिफ हवा जइसे अहइँ जउन बहिके चली जात ह अउर कबहुँ नाहीं लउटत ह।

40हाय, उ पचे सबइ मरुभूमि मँ परमेस्सर क खिलाफ विद्रोह किहेन ह। उ पचे मरुभूमि मँ ओका बहोत दु:खी किहे रहेन।

41उ पचे लगातार परमेस्सर पइ सक किहेन अउर इस्राएल क पवित्तर क चोट पहुँचाएन।

42उ सबइ लोग परमेस्सर क सक्ती क बिसरि गएन। उ सबइ लोग बिसरि गएन कि परमेस्सर ओनका दुस्मन स कइसे बचाए रहा।

43उ सबइ लोग ओन अद्भुत बातन क बिसरि गएन जउन कि उ मिस्र क सोआन मँ किहे रहा अउर ओन चमत्कारन क बिसरि गएन जउन उ उस भुइयाँ मँ किहे रहा।

44उ ओनकर नदियन क रकत मँ बदल दिहे रहा। मिस्र क लोग आपन नदी-नाला स पानी पी नाहीं सकत रहेन।

45परमेस्सर भिड़न क झुण्ड पठए रहा जउन मिस्र क मनइयन क काटेन। परमेस्सर ओन मेघन क पठएस जउन ओन लोगन क भुइयाँ क नास कइ दिहन।

46उ ओनकर फसलन क जेकर बरे उ पचे बहोत सखत मेहनत किहे रहेन टिड्डन अउर झिंगुरन क दइ दिहस।

47उ मिस्रियन क अंगूरे क बगिया ओलन स बर्बाद किहस, अउर ओनकर गोलर क बृच्छन क पाला स बर्बाद कइ दिहस।

48उ ओनकर जनावरन क ओलन स मारि दिहस अउ बिजुरी गिराइके मवेसियन क बर्बाद कइ दिहस।

49उ मिस्री लोगन क खिलाफ आपन प्रचण्ड किरोध अउर फटकार देखॉएस, अउर ओन लोगन पइ मुसीबत लिआएस। उ आपन विनास क दूत ओन लोगन क खिलाफ पठएस।

50उ किरोध परगट करइ बरे एक राह पाएस। उ ओन लोगन क मउत स नाहीं बचाएस। उ ओनकर गोरुअन क बेरामी स मरि जाइ दिहस।

51परमेस्सर मिस्र क हर पहिलउटी पूत क मार डाएस। हाम क घराने क हर पहिलउटी पूत क उ मार डाएस।

52फिन उ इस्राएल क चरवाहा क नाईं अगुवाई किहस। उ ओन लोगन क भेड़न क झुण्ड क नाई रेगिस्तान स होत भए निकारेस।

53उ आपन निज लोगन क सुरच्छा क संग लइ चला। परमेस्सर क भगतन क कउनो स डर नाहीं रहा। परमेस्सर ओनकर दुस्मनन क लाल सागर मँ डुबाएस।

54परमेस्सर आपन मनवइयन क आपन पवित्तर भुइँया पइ लइ आवा। उ ओनका उ पहाड़े पइ लिआवा जउन उ आपन सक्ती स पाएस।

55परमेस्सर दूसर जातियन क उ भुइँया तजइ क मजबूर किहस। परमेस्सर हर एक परिवारन क उ भुइँया मँ ओनकर खुदकास्त क हींसा दिहस। इ तरह इस्राएल क परिवारन आपन ही घरन मँ बस गएन।

56उ पचे लगातार सर्वोच्च परमेस्सर पइ सक किहेन अउर ओकर खिलाफ विद्रोह किहेन उ सबइ लोग परमेस्सर क आग्या क नाहीं मानेन।

57इस्राएल क लोग परमेस्सर स भटकिके विमुख होइ ग रहेन। उ सबइ आपन पुरखन क नाईं परमेस्सर क अविस्सासी रहेन। उ पचे मुड़ा भवा धनुस* क जइसे होइ गवा रहेन।

मुड़ा भवा धनुस पंछियन क सिकार बरे प्रयोग मँ लावइ जाइ वाला एक धनुस। जेका जदि सीधे फेंका जाइ तउ उ सीधे ऊपर स नीचे धरती क ओर जात ह फुन अचानक हवा मँ ऊपर उठत ह अउर फिर कबहुँ फेंकइ वालन कइँती ही वापस लौट आवत ह। मुलार्थ एका "लोकावइ वाला धनुस" या ""आँखियन क धोका देइ वाला धनुस" भी कहा जात ह।

58इस्राएल क लोग ऊँच पूजा क ठउरन बनाएन अउर
परमेस्सर क कोहाइ दिहन। उ पचे मूर्तियन गढ़ेन जउन
परमेस्सर क किरोधित बनाएन।
59परमेस्सर इ सुनेस अउर बहोत कोहाइ गवा। उ
इस्राएल क पूरी तरह रद्द कइ दिहस।
60परमेस्सर सिलोह क पवित्तर तम्बू क तजि दिहस। जहाँ
उ लोगन क बीच निवास करत रहा।
61फिन उ दूसर रास्ट्रन क, करार क संदूख क कब्जा
करइ क दिहस। दुस्मन ओकर महिमा क संकेत क लइ
लिहस।
62उ आपन ही लोगन पइ आपन किरोध परगट किहस।
उ ओनका जुद्ध मँ मार दिहस।
63ओनकर जवान मनइयन आगी मँ जरिके नास होइ
गएन। अउर ओकर जवान कुआँरी लड़कियन कबहुँ आपन
बियाह गीत नाहीं सुनि पाएन।
64याजक मार डावा गएन मुला ओनकर राँड़ मेहरारूअन
ओनके बरे नाहीं रोइ सकेन।
65आखिर मँ यहोवा उठ बइठा जइसे कउनो नींदे स
जागिके उठी बइठत होइ। या कउनो जोद्धा क नाई जउन
कि दाखरस क नसा स होस मँ आवा होइ।
66फुन तउ उ आपन दुस्मनन क मारिके भगाइ दिहस
अउर ओनका हराइ दिहस। उ आपन दुस्मनन क हराइ दिहस
अउर सदा बरे ओनका अपमानित किहस।
67मुला परमेस्सर यूसुफ क तम्बू* क रद्द कइ दिहस।
उ इब्राहीम परिवार क नाहीं चुनेस।
68परमेस्सर यहूदा क परिवार क चुनेस अउर उ सिय्योन
क पहाड़ क चुनेस जउन ओका पियारा अहइ।
69उ ऊँचे पहाड़न नाई अउर धरती क नाई जेका उ सदा
बरे स्थापित किहस ह आपन पवित्तर मन्दिर क सुरच्छित
बनाएस।
70परमेस्सर दाऊद क आपन विसेस सेवक बनावइ मँ
चुनेस। दाऊद तउ भेड़िन क देखरेख करत रहा, मुला
परमेस्सर ओका उ काम स लइ आवा।
71उ दाऊद क भेड़िन क रखवाली स लइ आवा। तउ उ
ओका आपन लोगन याकूब क सन्तानन, इस्राएल* क
रखवाली क काम बरे बहाल किहा।
72तउ फिन दाऊद पुरे मन स ओन लोगन क देख-भाल
किहस। उ ओनका पूरी बुद्धिमानी स राह देखॉएस।

भजन 79

आसाफ क एक ठु गीत।

1हे परमेस्सर, विदेसी लोग तोहरे सेवकन क संग लड़इ
बरे आवा अहइँ। उ मनइयन तोहरे पवित्तर मन्दिर क बर्बाद
किहन, अउ यरूसलेम क उ पचे खण्डहर बनाइ दिहन।
2तोहरे चेलन क ल्हासन क उ पचे जंगली पंछी क खाइ
बरे डाइ दिहन। तोहरे मनवइयन क ल्हासन क उ पचे
जनावरन क खाइ बरे डाइ दिहन।
3ओन लोगन तोहार लोगन क रकत पानी जइसा
यरूसलेम क चारिहुँ कइँती फइलाएन। ओनकर ल्हासन क
दफनावइ क कउनो भी नाहीं बचा।
4हमार पड़ोसी देस हमका अपमानित किहन ह। हमरे
आस पास क लोग सबहिं हँसत हीं, अउर हमार मसखरी
उड़ावत हीं।
5हे यहोवा कब तलक अइसा रहब्या, का तू सदा क बरे
हम पइ कोहान रहब्या? का तोहार किरोध आगी क तरह
धधकत रही?
6आपन किरोध क ओन रास्ट्रन क विरोध मँ जउन
तोहका नाहीं पहिचानतेन मोड़ द्या आपन किरोध क ओन
रास्ट्रन क खिलाफ मोड़ द्या जउन तोहरे नाउँ क मदद बरे
नाहीं पुकारतेन।
7काहेकि उ सबइ रास्ट्र याकूब क नास किहन। उ पचे
याकूब क देस क नास किहन।
8तू हमरे पुरखन क पापन बरे कृपा कइके हमका सजा
जिन द्या। हाली करा, तू हम पइ निज करुणा हाली देखॉवा
काहेकि हम पचन्क बहोत अपमानित बाटइ।
9मोर परमेस्सर, मोर उद्धारकर्ता, हमका सहारा द्या।
आपन ही नाउँ क महिमा बरे हमार मदद करा। हमका
बचाइ ल्या। निज नाउँ क महिमा क खातिर हम लोगन क
पाप क प्रायस्चित करा।
10दूसर रास्ट्रन क लोगन क तू इ जिन कहइ द्या,
"ओनकर परमेस्सर कहाँ बाटइ? का उ ओनका सहारा नाहीं
दइ सकत ह?" हे परमेस्सर, ओन लोगन क दण्ड द्या
ताकि उ सजा क हम भी लखि सकी। ओन लोगन क
तोहरे सेवकन क मारइ क सजा द्या।
11जेलि मँ बंद भए लोगन क कराहब कृपा कइके सुना।
हे परमेस्सर, तू निज महासक्ती प्रयोग मँ लिआवा अउर ओन
लोगन क बचाइ ल्या जेनका मरइ बरे ही चुना गवा ह।
12हे यहोवा हमरे आस-पास क रास्ट्रन क सात गुना
सज़ा द्या काहेकि उ पचे तोहका अपमानित किहेन ह।
13हम तउ तोहार लोग अही। हम तोहरे झुण्ड भेड़ी अही
जेका तू पालत ह। हम तोहार गुनगान सदा करब। हे
परमेस्सर हम सदा तोहार महिमा क बारे मँ बताउब।

भजन 80

*करार क कुमुदिनी धुन पइ संगीत निर्देसक बरे
आसाफ क एक ठु स्तुति गीत।*

1हे इस्राएल क चरवाहा, तू हमार सुनि ल्या। तू जउन
यूसुफ क लोगन क अगुवाई करत ह। तू जउन राजा क
तरह करूब सरगदूत पइ विराजत अहा। तू आपन आप क
परगट करा।
2एप्रैम, बिन्यामीन अउ मनस्से क सामने तू आपन महिमा
देखॉवा, अउर आपन सक्ती स हमका बचाइ ल्या।
3हे परमेस्सर, हमका आपन बरे पुन: स्थापित कइ ल्या।
तू हम लोगन पइ कृपा करा ताकि हम लोग बच सकी।

तम्बू इ सम्भवत: सीलोह क पवित्तर तम्बू अहइ, किन्तु एका अर्थ यूसुफ क परिवार होइ सकत ह जउन कि एप्रैम अउर मनस्से क परिवार समूह अहइ।

याकूब … इस्राएल इ उत्तरी दस परिवार समूह हइ।

4हे सर्वसक्तिमान परमेस्सर यहोवा, कब तलक तू कोहान रहब्या अउर कब तलक तू हमरी पराथना क रद्द करब्या।

5आपन मनवइयन क तू बस खाइ क आँसू दिहा ह। तू आपन मनवइयन क पिअइ बरे आँसुअन स लबालब पिआला दिहा।

6तू हम लोगन क कूछ अइसा बिसय बनइ दिहा जउने पइ हमार पड़ोसियन झगड़त हीं। हमार दुस्मन हम लोगन क मसखरी उड़ावत हीं।

7हे परमेस्सर तू हम लोगन क आपन बरे पुन:स्थापित कइ ल्या। तू हम लोगन पइ कृपा करा ताकि हम बच सकी।

8पुराने जमाना मँ, तू हमका एक ठु बहोत महत्वपूर्ण पउधा सा समुझया। तू आपन दाखलता मिस्र स बाहेर लिआया। तू दूसर लोगन क इ धरती तजि देइ क मजबूर किहा अउर हिआँ तू आपन खुद क दाखलता रोप दिहा।

9तू दाखलता रोपइ क धरती तइयार किहा, ओकरी जड़न क पक्की करइ बरे तू सहारा दिहा अउर फिन हाली ही दाखलता धरती पइ हर कइँती फइल गइ।

10इ आपन छाया स पहाड़न क ढाँपि लिहा हिआँ तलक कि ओकर पात बड़का देवदार बृच्छ क भी ढाँकि लिहस।

11एँकर दाखलता भूमध्य सागर तलक फइलि गइन। एँकर जड़ परात नदी तलक फइला गइ।

12हे परमेस्सर, तू उ सबइ देवार काहे गिराइ दिहा, जउन तोहरी दाखलता क रच्छा करत रही। अब उ हर कउनो जउन हुवाँ स गुजरत ह, हुवाँ स अंगूर क तोड़ लेत हीं।

13बनैला सुअरन आवत हीं, अउर तोहार दाखलता क रौंदन भए गुजर जात हीं। जंगली जनावर आवत हीं, अउर ओकर पातिन चर जात हीं।

14हे सर्वसक्तीमान परमेस्सर, वापिस आवा। फुन स आपन दाखलता पइ सरगे स खाले लखा, अउर एकर रच्छा करा।

15हे परमेस्सर, आपन उ जड़ क लखा, जेका तू खूद आपन हाथे स रोपे रह्या। इ नान्ह पौधन क लखा जेका तू बढ़ाया ह।

16तोहार दाखलता गोबर क उपलन जइसा आगी मँ जरावा गवा। तोहरे डाँट फटकारन क कारण एकर लता नास होइ गवा।

17हे परमेस्सर, तू आपन हाथ उ मनई पइ धरा जउन तोहरे दाहिन कइँती अहइ। उ मनई* पइ आपन हथवा धरा जेका तू खुद पाल्या।

18तउ मइँ तोहका नाहीं तजब। तू हम पचन क नवा जिन्नगी द्या ताकि हम लोग तोहार आराधना करइ सकब।

19सर्वसक्तिमान यहोवा परमेस्सर, तू आपन बरे पुन:स्थापित कइ ल्या। तू हम लोगन पइ कृपा करा ताकि हम पचे जी सकी।

भजन 81

संगीत निर्देसक बरे आसाफ क एक ठु गीत
गित्तीथ वाद्य यंत्र क संग गावा भवा।

1परमेस्सर जउन हमार सक्ती अहइ ओकरे बरे आनन्द क गीत गावा। याकूब क परमेस्सर क जय जयकार करा।

2संगीत सुरू करा। तम्बूरा बजावा। वीणा सारंगी स मधुर धुन निकारा।

3नवा चंदा क समय मँ तू पचे नरसिंहा फूँका। पूर्णमासी क अवसर पइ तू पचे हम लोगन क त्यौहार क दिन मँ नरसिंहा फूँका।

4इस्राएल क लोगन क बरे अइसा ही नेम अहइ। इ आदेस परमेस्सर याकूब क दिहस ह।

5परमेस्सर यूसुफ क संग एक करार तब किहे रहा जब उ मिस्र गवा रहा जहाँ उ उ रास्ट्र क भाखा नाहीं जानेस रहेन।

6परमेस्सर कहत ह, "तोहरे काँधे क बोझा मइँ लइ लिहेउँ ह। ओकर हाथन मँ मजदूर क टोपा मँ स छुरावा गवा।

7जब तू मुसीबत मँ रह्या तू मदद क गोहार लगाया अउर मइँ तोहका बचाएउँ। मइँ तूफानी बदरन मँ छुपा रहेउँ अउर मइँ तू पचन्क जवाब दिहेउँ। मइँ तू पचन्क मरिबा क जल क लगे परखेउँ।

8अरे मोर मनइयो, तू पचे मोर बात सुना। अउर मइँ तू पचन्क चेताउनी देब। इस्राएल, तू मोका सुन्या।

9तू कउनो कउनो विदेसी देवता क पूजा जिन करा। कउनो विदेसी लोगन क देवता क समन्वा आपन मुँड़ि जिन झुकावा।

10मइँ, यहोवा तोहार परमेस्सर हउँ। मइँ उहइ परमेस्सर हउँ जउन तू पचन्क मिस्र स बाहेर लिआए रहेउँ। तू आपन मुँहना खोला, मइँ ओका भर देब।

11मुला मोर मनइयन मोर नाहीं सुनेन। इस्राएल मोर आग्या नाहीं मानेस।

12एह बरे मइँ ओनका ओकरे हठी जिद् पइ छोर दिहेउँ। इस्राएली लोग उहइ चिजियन क किहेन जेका उ उत्तिम समझेन।

13भला होत इस्राएल क लोग मोर बात सुन लेतेन, अउर उ लोग वइसी ही जिन्नगी जिअतेन जइसा मइँ ओहसे चाहत रहेउँ।

14तब मइँ इस्राएल क दुस्मनन क हाली हराइ देतेउँ। अउर मइँ ओन लोगन क सजा देतेउँ जउन इस्राएल क दु:ख देतेन।

15तब यहोवा क दुस्मन डर स थर थर काँपत हीं। अउर उ पचे सदा सर्वदा सजा पइहीं।

16परमेस्सर आपन चेलन क उत्तम गोहूँ देइ। चट्टान ओनका समूर्ण तृप्त होइ तलक सहद देब।

भजन 82

आसाफ क एक ठु गीत।

1परमेस्सर देवन क सभा* क बीच निआवाधीस क रूप मँ विराजत ह। सरगदूत क बीच उ निआव करत ह।

मनई साब्दिक अर्थ, "मनई क पूत।"

देवन क सभा दूसर रास्ट्रन सिच्छा दिहेन कि एल (परमेस्सर) अउर दूसर देवतन एक साथ जमा भवा इ निर्णय लेइ बरे कि भुइयाँ पइ क लोगन क संग का कीन्ह जाइ। किन्तु बहोत बार राजन अउर नेतन भी "देवतन" कहवावत रहेन। एँह बरे इ भजन साइद कि इस्राएल क नेतन बरे एक ठु चेतावनी अहइ।

2परमेस्सर कहत ह, "कब तलक तू लोग अनिआव स भरा निआव करब्या? कब तलक तू लोग दुराचारी लोगन क खास सार्मथ दिखावा?

3अनाथन अउ कमज़ोर लोगन क रच्छा करा। जेनका संग उचित बेउहार नाहीं कीन्ह गवा ह। अउर दीन लोगन क अधिकारन क रच्छा करा।

4गरीब अउ बेसहारा लोगन क बचावा। दुस्टन क चंगुल स ओनका बचाइ ल्या।

5इस्राएली नाहीं जानते कि का कछू घटत बा एब बरे उ पचे नाहीं समझतेन। उ पचे नाहीं जानतेन कि बदी करने वाला का करत रहेन।"

6मइँ कहेउँ, "तू देवतन* अहा। तू सर्वोच्च परमेस्सर क पूत अहा।

7फिर भी तू मानव जाति क नाईं मरब्या। तू पचे वइसेन मरब्या जइसे दूसर नेतन मरि जात हीं।"

8हे परमेस्सर, खड़ा ह्वा! धरती पइ निआव लइ आवा, काहेकि तू सारे ही देसन पइ नियन्त्रन रखत ह।

भजन 83

आसाफ क एक ठु भजन।

1हे परमेस्सर, तू मौन जिन रहा! चुपचाप जिन रहा। हे सर्वसक्तीमान परमेस्सर, कृपा कइके सान्त जिन रहा।

2हे परमेस्सर, तोहार दुस्मन तोहरे विरोध मँ सड्यंत्र रचत बाटेन। जउन तोहसे घिना करत हीं अहंकारी बन जात हीं।

3उ पचे तोहरे मनवइयन क खिलाफ सडयंत्र रचत बाटेन। तोहार दुस्मन ओन लोगन क खिलाफ जउन तोहका पिआरा अहइँ सबइ जोजना बनावत अहइँ।

4उ सबइ दुस्मन कहत अहइँ, "आवा, हम ओन लोगन क पूरी तरह मेट डाइ। तब कउनो भी मनई इस्राएल क नाउँ सुमिरन नाहीं करी।"

5काहेकि इ सबहिं रास्ट्रन इकट्ठा होइके तोहरे विरोध मँ जोजना बनावत हीं। उ पचे तोहार खिलाफ एक ठ समझौता किहेन।

6उ पचे इ सामिल परिवारन एदोमी, इस्माएली, मोआबी अउर हाजिरा क संतानन क पूतन, गबाली अउर,

7अम्मोनी, अमालेकी अउर पलिस्ती, अउर सूर क लोगन क परिवारन क इ सबइ लोग हम लोगन क खिलाफ जुद्ध करइ बरे एक जुट होइ गएन।

8हिआँ तलक कि अस्सूरी भी ओन लोगन स मिल गएन। उ पचे लूत क संतानन क बहोत बलवान बनाएन।

9हे परमेस्सर तू दुस्मनन क वइसेन हरावा जइसेन तू मिद्यानी लोगन क, सिसरा क, यार्बान क, किसोन नदी क लगे याबीन क हराया।

10उ पचे एन्दोर मँ नास भएन। ओनकर ल्हासन धरती पइ पड़ी सड़त रहिन।

11दुस्मनन क सेनापतियन क वइसेन हरावा जइसेन तू ओरबे अउ जायेब क संग किहे रह्या। ओकरे सेनापतियन वइसेन हरावा जइसेन तू जेबह अउ सलमुन्ना क संग किहा।

12हे परमेस्सर, उ सबइ लोग हम पचन क धरती तजइ क दबावइ चाहत रहेन।

13मोर परमेस्सर ओनका तू उखड़ा भवा पौधा सा बनावा जेका आँधी उड़ाइ लइ जात ह। ओन लोगन क अइसेन बिखराइ द्या जइसे भूसा क आँधी बिखराइ देत ह।

14दुस्मन क अइसेन बर्बाद करा जइसे वन क आगी बृच्छन क बर्बाद करत ह, अउर जइसेन जंगली आगी पहाड़न क बार डावत ह।

15एह बरे ओनका आँधी क नाईं पाछा करा अउर ओनका कँपावा अउ फूँकिके उड़ा द्या जइसे कि आँधी करत ह।

16हे यहोवा उ सबइ क लज्जा स भरि द्या कि लोग तोहरे बारे मँ जानइ बरे तोहका तलास करइँ।

17हे यहोवा, ओन लोगन क भयभीत कइ द्या अउ ओन लोगन क हमेसा अपमानित करा, ताकि उ तिरस्कार मँ मरि जाइँ।

18तउ उ पचे जनिहीं कि तू यहोवा अहा! अउर तू ही अकेल्ला सर्वोच्च परमेस्सर अहइ जउन सारे संसार पइ सासन करत अहा।

भजन 84

गित्तिथ क वाद्य यंत्र क संग संगीत निर्देसक बरे कोरह क पूरन बरे भजन गीत।

1सर्वसक्तिमान यहोवा, फुरइ तोहार पवित्तर मन्दिर केतॅना मनोहर अहइ।

2मोर इच्छा अहइ कि मइँ यहोवा क मन्दिर क आंगन मँ रहेउँ। मइँ तोहार आवइ क बाट जोहत भए थक गवा हउँ। मोर पूरा सरीर जिअत यहोवा क संग होइ बरे रोवत ह।

3सर्वसक्तिमान यहोवा, मोर राजा, मोर परमेस्सर, गौरइया अउ सूपाबेनी तलक क आपन झोंझ होत हीं। इ सबइ पंछी तोहरी बेदी क लगे झोंझ बनावत ही अउर ओनहीं घोसलन मँ ओनकइ बच्चे होत हीं।

4जउन लोग तोहरे मन्दिर मँ रहत हीं, बहोत खुस रहत हीं। उ पचे तउ सदा ही तोहार गुन गावत हीं।

5उ सबइ लोग आपन हिरदइ मँ गीतन क संग जउन तोहरे मन्दिर मँ आवत हीं, बहोतइ आनन्दित अहइँ।

6उ सबइ खुस लोग बाका घाटि जेका परमेस्सर झरना क तरह बनाएस ह गुजरत हीं गर्मी क गिरत भइ बर्खा क बूँदन जल क सरोवर बनावत हीं।

7लोग आपन परमेस्सर स मिलइ बरे सहर स सहर होत भए इ रास्ता पइ सिय्योन पहाड़ पइ जात हीं।

8फउजन क परमेस्सर यहोवा, मोर पराथना सुना। याकूब क परमेस्सर तू मोर सुनि ल्या।

9परमेस्सर, हमरे संरच्छक क रच्छा करा। आपन अभिसिक्त भए राजा पइ दयालु ह्वा

10हे परमेस्सर, कहूँ अउर हजार दिन ठहरइ स तोहरे मन्दिर मँ एक दिन ठहरब उत्तिम अहइ। दुट्ठ लोग क बीच बसइ स, आपन परमेस्सर क मन्दिर क दुआरे क लगे खड़ा रइहउँ इहइ उत्तिम बाटइ।

देवतन या "निआवाधीसन" अहइ।

11यहोवा हम लोगन क सूर्य अउर ढार अहइ। यहोवा
महिमा अउ सम्मान देइ। उ जउन खरी जिन्नगी गुजारत ह
ओका उ हर एक नीक चीज देत ह।
12हे सर्वसक्तिमान यहोवा, जउन लोग तोहरे भरोसे अहइँ
उ पचे फुरइ बहोत खुस अहइँ।

भजन 85

संगीत निर्देसक बरे कोरह क पूतन बरे एक ठु भजन।

1हे यहोवा, तू आपन देस पइ कृपालु भवा। तू विदेस
भुइँया मँ स याकूब क सन्तानन वापिस लिआवा।
2हे यहोवा, तू आपन लोगन क पापन्क छिमा करा। तू
ओनकर सबइ पाप मेट द्या। *(सेला)*
3हे यहोवा, कोहाइ जाब क तजि द्या। अउर तू आपन
गुस्सा क लइ लिहा।
4परमेस्सर, हमार मुक्तिदाता, कृपा कइके हम पचन पइ
कोहाइ जाब तजि द्या अउर हम लोगन क फुन हमार
भुइयाँ पइ वापिस लइ आवा।
5का तू हमेसा हमेसा कोहान रहब्या? का तू सदा आपन
कोहान जारी रखब्या?
6कृपा कइके हमका फुन जिआइ द्या ताकि तोहार लोग
तोहसे फुन स खुस होइ सकइँ।
7हे यहोवा, तू हमका आपन बिस्सासनीय पिरेम देखँावा।
हमार रच्छा करा।
8जउन परमेस्सर कहत ह, मइँ ओह पइ कान दिहेउँ। उ
अपने लोगन अउर अपने विस्वासी चेलों से सान्ति क वाचा
करत ह उ नाहीं चाहत ह कि उ पचे बेवकूफी क राहे पइ
लउटि जाइँ।
9फुरइ, ओकर उद्धार ओन लोगन क निचके बाटइ
जउन ओहसे डेरात ह, एह बरे ओकर महिमा तोहार देस मँ
निवास करी।
10पिरेम अउर सच्चाई एक साथ मिलब। धर्मता अउ
सान्ति एक दूसर क चुम्मा क संग स्वागत करिहीं।
11सच्चाई धरती स अंकुरित होइहीं, अउर धार्मिकता
अकासे स बर्सिहीं।
12यहोवा बहोत स उत्तिम वस्तुअन क देइहीं। अउर हमार
धरती प्रचुर मात्रा मँ फसल उपजिहीं।
13परमेस्सर क अगवा अगवा नेकी चली, अउर उ
ओकरे बरे राह बनाई।

भजन 86

दाऊद क पराथना।

1मइँ एक दीन, असहाय मनई अहउँ। हे यहोवा, तू कृपा
कइके मोर सुनि ल्या, अउर तू मोर विनती क जवाब द्या।
2मइँ तोहार भगत हउँ, कृपा कइके मोर रच्छा करा। मइँ
तोहार सेवक अहउँ अउर तू मोर परमेस्सर अहा। मइँ तोह
पइ भरोसा किहेउँ, कृपा कइके मोका बचावा।
3मोर सुआमी, मोह पइ दाया करा। मइँ सारा दिन तोहार
बिनती करत रहत हउँ।
4हे मोर यहोवा, मइँ आपन जिन्नगी तोहार हाथन मँ देत
हउँ। हे मोर सुआमी, मोका, आपन सेवक क सुखी बनावा।
5हे सुआमी, तू नीक अउ छिमाकर्ता अहा। तू आपन
मनवइयन स बहोत पिरेम करत अहा, जउन सहारा पावइ क
तोहका गोहरावत हीं।
6हे यहोवा, मोर बिनती सुनि ल्या। कृपा कइके तू आपन
कान क मोर पराथना पइ दाया बरे द्या।
7हे यहोवा, आपन संकट क घरी मँ मइँ तोहार बिनती
करत हउँ। मइँ जानत हउँ तू मोका जवाब देब्या।
8हे सुआमी, तोहरे जइसा कउनो देवता नाहीं अहइ।
जइसेन काम तू किहा ह वइसा काम कउनो भी नाहीं कइ
सकत।
9हे सुआमी, तू ही सब लोगन क रच्या ह। उ पचे
आइहीं अउर तोहार आराधना करिहीं। उ पचे सबहिं तोहरे
नाउँ क आदर करिहीं।
10हे परमेस्सर, तू महान अहा। तू अजूबा करम करत
अहा। तू अकेल्ले ही परमेस्सर अहा।
11हे यहोवा, मोका आपन राहन क सिच्छा द्या, तउ मइँ
तोहरे सच्चाइ क अनुसार रहेबउँ। कृपा कइके मोर मदद
करा, तउ मइँ पूरे हिरदय स तोहार उपासना करबउँ।
12हे मोर सुआमी परमेस्सर, मइँ सम्पूर्ण हिरदय स तोहार
गुण गावत हउँ। मइँ तोहरे नाउँ क आदर सदा सदा ही
करबउँ।
13काहेकि तू मोका बहोत जिआदा पिरेम किहा ह। तू
मोका मउत क गहड़ा खाइ स बचाया ह।
14परमेस्सर, अहंकारी लोग मोह पइ वार करत अहइँ।
क्रूर लोगन क समूह मोका मार डावइ चाहत अहइँ। अउर
उ सबइ मनई तोहार आदर नाहीं करत अहइँ।
15हे सुआमी, तू दयालु अउ कृपा स भरा परमेस्सर अहा।
तू धीरज स भरा, बिस्सासी अउ पिरेम स भरा अहा।
16हे परमेस्सर, देखँावा कि तू मोर सुनत ह अउर मोह पइ
कृपालु रहत ह। मइँ तोहार सेवक हउँ। तू मोका सक्ती द्या।
मइँ तोहार सेवक हउँ। मोका बचावा!
17हे यहोवा, कछू अइसा करा जेहसे इ साबित होइ कि
तू मोर सहायता करब्या। तब मोर दुस्मन एका जानिहीं अउ
निरास होइ जइहीं। तउ इ परगट होइ तू उहइ अहा जउन
मोर मदद किह्या अउर मोका आराम दिह्या।

भजन 87

कोरह परिवार क एक ठु भजन।

1परमेस्सर यरूसलेम क पवित्तर पहाड़ियन पइ आपन
मन्दिर बनाएस।
2यहोवा इस्राएल मँ कउनो भी दूसर सहर स जियादा
सिय्योन क दुआर क पसंद करत हीं।
3हे परमेस्सर क नगर, तोहरे बारे मँ लोग अजूबा बातन
कहत हीं।
4मइँ सिय्योन ओन लोगन क सूची बनाउब जउन मोका
जानत ह, एहमाँ ओन लोगन भी सामिल अहइँ जउन मिस्र,
बाबुल, पलिस्ती, सोर अउ इथोपिया मँ भी रहत हीं।
5उ हरेक जन क जउन सिय्योन मँ पइदा भएन जानत ह।
सर्वोच्च परमेस्सर इ सहर क स्थापना किहेस ह।

6यहोवा आपन रास्ट्रन क सूची राखत ह। उ जानत ह
कि कउन सिय्योन मँ पइदा भवा ह। *सेला*
7ओकर मनवइयन बहोत खुसी स गावत अउर नाचत हीं।
उ पचे कहा करत हीं, "सबहिं उत्तिम चिजियन यरूसलेम स
आइन।"

भजन 88

संगीत निर्देसक बरे। कोरह परिवारन एज्रा-बंसी हेमान क एक ठु मस्किल। "माहलाथ लआन्नोथ" राग पइ।

1हे परमेस्सर यहोवा, तू मोर उद्धारकर्त्ता अहा। मइँ तोहार
रात-दिन विनती करत रहत हउँ।
2कृपा कइके मोर पराथना पइ धियान द्या। मोह पइ दाया
कइके मोर पराथना सुना।
3मइँ आपन दुर्दसा स तंग होइ गवा हँउ। बस मइँ हाली
ही मरि जाब।
4लोग मोरे संग मुर्दा जइसा बेउहार करइ लागेन ह। उ
मनई क तरह जउन जिअत रहइ बरे बहोत कमजोर अहइँ।
5मोका मुर्दा लोगन क बीच मँ रखा गवा ह। मइँ कब्र
क मुर्दन जइसा हउँ जेका तू बिसर जाब्या। अउर जेका तोहरे
उपस्थिति स हटाई दीन्ह गवा अहइ।
6हे यहोवा, तू मोका कब्र क सबसे गहरी खाईं मँ डाइ
दिहा ह। तू मोका घोर अँधेरी जगह मँ रख दिहा ह।
7हे परमेस्सर, तोहका मोह पइ किरोध रहा, एह बरे तू
मोका आपन किरोध क तरंगन स बर्बाद किहा ह।
8तू मोका मोरे मीत लोगन स अलगाइ दिहा। एह बरे उ
पचे मोसे अलग रहइ क जतन करत अहइँ, काहेकि तू
मोका अइसा मनई बनाए अहा जेका कउनो भी छुअइ नाहीं
चाहत ह। मइँ आपन घरे क ही भीतरे बंदी बनि गवा हउँ
अउर मइँ बाहेर जाइ नाहीं सकत हउँ।
9विपदा क कारण मोर आँखिन मँ पीड़ा अहइँ। हे
यहोवा, मइँ तोहसे निरन्तर पराथना करत हउँ अउर तोहार
समर्थन मँ मइँ आपन हाथ उठावत हउँ।
10हे यहोवा, का तू मृतक लोगन बरे अचरज भरा काम
करब्या? का इ सम्भव अहइ कि एक मरा भवा आतिमा
तोहार उपासना करी? *(सेला)*
11जउन मरा भए अहइँ उ पचे आपन कब्र मँ स ओकरे
कइँती तोहरे पिरेम क बारे मँ बताइ सकतेन। मरे भए लोगन
मृत्युलोक स ओकरे कइँती तोहरी बिस्सास क नाहीं बताइ
सकतेन।
12मरे भए लोग अँधियारे मँ सोवत हीं उ पचे ओन
अद्भुत बातन क जेनका तू करत अहा, नाहीं लखि सकतेन।
उ पचे छोड़ा भवा भुइँया मँ तोहार कीन्ह भवा धार्मिकता क
बारे मँ नाहीं बताइ सकतेन।
13मुला मइँ मदद बरे तोहका गोहराएउँ ह, हे यहोवा। हर
भिन्सारे मइँ तोहार समन्वा पराथना करत हउँ।
14हे यहोवा, तू मोका काहे तजि दिहा ह? तू मोर सुनइ
स काहे मना करत अहा?
15बचपन स ही मइँ सतावा गवा हउँ अउर मउत क
धमकी दीन्ह गवा हउँ। मइँ असहाय हउँ।
16तोहार गुस्सा मोका ढाँपि लिहे अहइ अउर तोहार
आतंक मोका मार डावत ह।
17उ मोका बाढ़ क पानी क समान चारिहुँ कइँती स
घेरिके राखेस ह। उ मोका पूरी तरह स ढाँपिके राखेस ह।
18हे यहोवा, तू मोरे मीत अउ प्रिय मनइयन क मोका
छोड़िके चला जाइ क मजबूर कइ दिहा। मोरे संग सिरिफ
केवल अँधियारा ही रहत ह।

भजन 89

एज्रा-वंसी एथान क एक ठु मस्किल।

1मइँ हमेसा यहोवा क पिरेम क गीतन क गाउब। मइँ
ओकरी हमेसा ओकरी बिस्सासी क गीत गावत रहब।
2हे यहोवा, मोका सचमुच बिस्सास अहइ, तोहार पिरेम
अमर अहइ। तोहार बिस्सास लम्बी अकास क नाईं अहइ।
3यहोवा परमेस्सर कहत ह, "मइँ आपन चुने भए राजा क
संग एक ठु करार किहेउँ ह। आपन सेवक दाऊद क मइँ
वचन दिहेउँ ह।
4दाऊद तोहरे बंस क मइँ हमेसा बरे अमर बनाउब। तोहरे
राज्ज सदा सदा बरे बनाइ रखबेउँ।"
5हे यहोवा, तोहरे ओन अद्भुत करमन क अकास स्तुति
करत हीं। सरगदूतन क सभा तोहरी ईमानदारी क गीत
गावत हीं।
6सरगे मँ कउनो मनई यहोवा क तुलना नाहीं कइ
सकत। कउनो भी देवता यहोवा क समान नाहीं।
7पवित्तर सरगदूतन क सभा मँ परमेस्सर अत्यंत सम्मानित
बाटइ। उ सबइ जउन ओकर चारिहुँ कइँती अहइ, क जरूर
डरइ चाही अउर ओकर आदर करइ चाही।
8सर्वसक्तिमान परमेस्सर यहोवा, तोहस जियादा कउनो
सक्तीसाली नाहीं अहइ। अउर यहोवा तू हमेसा भरोसेमन्द
अहा।
9तू गरजत समुद्दर पइ सासन करत अहा। तू ओकर
उमंगित तंरगन क सांत करत अहा।
10हे परमेस्सर, तू ही अहा जउन राहाब* क हराए रह्या
अउर ओका जुद्ध मँ मार डाए रह्या। तू आपन महासक्ती
स आपन दुस्मन बिखराइ दिह्या।
11सरग अउ धरती तोहार अहइ। उ तू ही अहा जउन
इस संसार क बनाय अउर संसार मँ क हर वस्तु रच्या।
12तू ही सब कछू उत्तर दक्खिन रच्या ह। ताबोर अउ
हर्मोन पर्वत तोहार गुन गावत हीं।
13तू सक्तीसाली अहा। तोहार सक्ती महान अहइ। तोहार
सक्ती क सम्मान कीन्ह जात हीं।
14तोहार राज्ज धार्मिकता अउ निआउ पइ टिका बाटइ।
पिरेम अउ बिस्सासी तोहरे सेवा करत अहइँ।
15जउन तोहमाँ खुस अहइँ उ धन्न अहइँ। उ पचे तोहरी
समर्थन क प्रकास मँ जिअत रहत हीं।
16तोहार नाउँ ओनका सदा खुस करत ह अउर तोहार
धार्मिकता क कारण उ सम्मान पावत ह।

राहाब अजगर या सागरे क दैत्य अहइ। लोग सोचत अहीं कि राहाब सागरे पइ नियंत्रन रखत ह। अकसर राहाब परमेस्सर क दुस्मन क या कउनो बुरा काम करइ क प्रतीक रहा।

17तू ओनकर सक्ती क अद्भुत स्त्रोत अहा। उ तोहार समर्थन क कारण तोहसे सक्ती पावत ह।

18काहेकि हमार रच्छा यहोवा स सम्बंधित अहइ। हम लोगन क राजा इस्राएल क पवित्तर क कइँती स अहइ।

19एक बार दर्सन मँ तू आपन सच्चे मनइयन स कहे रहा, "मइँ ओनका मदद दिहे हउँ जउन मज़बूत अहइ, मइँ लोगन क बीच मँ स नउ जवान मनई क प्रतिस्ठित किहेउँ।

20मइँ आपन सेवक दाऊद क पाइ लिहेउँ, अउर मइँ ओकर ताजपोसी किहेउँ ह अउ ओकरे अभिसेक आपन तेल स किहेउँ ह।

21मइँ आपन दाहिने हाथे स दाऊद क सहारा दिहेउँ, अउर मइँ ओका आपन सक्ती स बलवान बनाएउँ।

22कउनो दुस्मन चुने भए राजा क धोखा नाहीं देइ सकतेन। दुट्ठ जन ओहे पइ अत्याचार नाहीं कइ सकतेन।

23मइँ ओकरे दुस्मनन क समाप्त कइ दिहेउँ। जउन लोग चुने भए राजा स बैर राखत रहेन, मइँ ओनका हराइ दिहेउँ।

24मइँ हमेसा आपन चुने भए राजा स पिरेम राखब अउर ओका समर्थन देब। उ मोहे पइ निर्भर रहिके मोर सक्ती स भरि जाइ।

25मइँ आपन चुने भए राजा क महासागर क नियंत्रक तइनात करब। उ नदियन पइ हुकुमत करी।

26उ मोहसे कही, 'तू मोर पिता अहा। तू मोर परमेस्सर। मोर चट्टान अउ मोर उद्धारकर्ता अहा।'

27मइँ ओका आपन पहिलौटा पूत बनाउब। उ सबइ राजन पइ प्रमुख होइ।

28मइँ सदा ओका आपन पिरेम दिखावत हउँ। मोर करार ओकरे संग दृढ़ता स स्थापित होइ।

29मइँ इ बंस क अमर बनाउब। ओकर सासन हुआँ तब तलक टिका रही जब तलक कटनी क समई रही।

30अगर ओकर संतानन मोर कानून अउर आदेस क पालन तजि दिहन ह, अउर अगर उ लोग मोरे उपदेसन क मानब तजि दिहन ह।

31अगर मोर अभिसिक्त राजा क संतानन मोरे कानून क पालन नाहीं किहन अउर अगर मोरे आदेसन क न मानेन।

32तउ मइँ ओकर बिद्रोह बरे ओका दण्ड देइ बरे अधर्म चिजियन क न होइ देब, अउर मइँ ओकरे आग्याभंग करइ बरे मनइयन क दण्ड क रूप मँ देब।

33मुला मइँ ओन लोगन क परिवार स आपन पिरेम क नाहीं हटाउब। मइँ सदा ही ओनके बरे बिस्सासी रहब।

34जउन करार मोर दाऊद क संग अहइ, मइँ ओका नाहीं तोड़ब। मइँ आपन वाचा क नाहीं बदलब।

35मइँ आपन पवित्तरता प्रतिग्या लेब, अउर मइँ ओहे स आपन वाचा क नाहीं तोड़ब।

36दाऊद क बंस हुवाँ सदा बना रही। जब तलक हुवाँ सूरज रही तब तलक ओकर सिंहासन भी रही।

37उ सदा हुवाँ रहब। निहचय ही जब तलक आकासे मँ चन्द्रमा साच्छी रही तब तलक लगातार रही। *(सेला)*

38मुला अब, तू ओकर अपमान किहा ह अउर ओका तजि दिहा ह। तू आपन अभिसिक्त राजा पइ कोहाइ गवा ह।

39तू आपन सेवक क कीन्ह भवा करार क रद्द कइ दिहा। तू ओकरे मुकुट धूरि मँ लोकाइ दिहा।

40तू राजा क नगर क देवारन बर्बाद कइ दिहा, तू ओकरे सब किला क तहस नहस कइ दिहा।

41राजा क पड़ोसी ओह पइ हँसत अहइँ, अउर उ सबइ लोग जउन पास स गुजरत हीं, ओनकर चिजियन क चोराइ लइ जात हीं।

42तू राजा क दुस्मनन क खुस किहा। तू ओकरे दुस्मनन क जुद्ध मँ जिताइ दिहा।

43तू ओकरे तरवार क जुद्ध मँ असफल किहा। तू आपन राजा क जुद्ध जीतइ मँ मदद नाहीं किहा।

44तू ओकरे खास स्थान क समाप्त कइ दिहा ह, अउर तू ओकर पवित्तर सिंहासन क तू धरति पइ पटक दिहा।

45तू ओकरे जवानी क दिनन क घटा दिहा ह।

46हे यहोवा, इ कब तलक रही? का सदा-सदा हमार मदद नाहीं करब्या? का तू सदा सदा बरे आपन किरोध आगी क नाई धधकत भए रखब्या?

47याद करा मोर जिन्नगी केंतनी अल्पकालीन अहइ। तू ही हमका नान्ह जिन्नगी जिअइ अउर फुन मरि जाइ क रच्या ह।

48अइसा कउनो मनई नाहीं जउर सदा जिई अउर कबहुँ नाहीं मरी। कब्र स कउनो मनई बच नाहीं पाई। *(सेला)*

49हे सुआमी, उ पिरेम कहाँ अहइ जउन तू अतीत मँ देखॉए रह्या अउर तू आपन बिस्सास क दाऊद क वचन दिह्या।

50हे सुआमी, कृया कइके याद करइ क जतन करा, कि लोगन तोहरे सेवक क कइसे अपमानित किहन।

51मइँ आपन हिरदय मँ बहोत सारे रास्ट्रन क अपमान क सहन किहे हउँ। केकरे बारे मँ तोहार दुस्मन मज़ाक उड़ाएन, हे यहोवा? तोहरे चुने भए राजा क उ पचे अपमानित किहेन ह।

52यहोवा, क हमेसा ही स्तुति होइ। आमीन आमीन!

चउथा भाग

भजन 90

परमेस्सर क भक्त मूसा क पराथना।

1हे सुआमी, तू अनादि काल स हमार घर (सुरच्छा स्थल) रहा बाटइ।

2हे परमेस्सर, तू पर्वतन क पइदा होइ स पहिले मौजूद रह्या। तू धरती अउर संसार क रचई स पहिले मौजूद रह्या। सुरू स अन्त तलक रह्या। तू सदा ही परमेस्सर रहब्या।

3तू ही इ जगत मँ लोगन क लिआवत ह। फुन स तू ही ओनका धूरी मँ बदल देत ह।

4तोहरे बरे हजार बरिस बीते भए काल्हि जइसेन या राति क एक ठ पहर बीत गवा बाटइ।

5तू मोर जिन्नगी क सपना क झरना क आसीस दिहा। अउर हम पचे बहोत भिंसार ही चला जात अही।

6जउन भिंसारे उगत ह अउर उ साँझ क सूखिके मुरझाइ जात ह।

7हे परमेस्सर, जब तू कोहाइ जात ह हम पचे बर्बाद होइ जात अही। हम तोहरे कोप स घबरान अही।

8तू हमरे सब पापन क जानत अहा। तू हमार हर छिपा भवा पाप क लखा करत अहा।

9जब तू किरोधित होत ह, हमार सबइ दिनन लुप्त होइ जात हीं अउर हमार बरिसन फुसफुसाहट क नाईं खतम होइ जात हीं।

10हम पचे सत्तर बरिस तलक जिअत रहि सकित ह, अगर हम पचे सक्तीसाली अही तउ अस्सी बरिस जी सकी। हमार जिन्नगी कठिन परिस्रम अउ पीरा स भरी अहइ। एकाएक हमार जिन्नगी खतम होइ जात ह अउर हम पचे उड़िके चला जाइत ह।

11तोहरे किरोध क सक्ती क अउर तोहार भय योग्य गुस्सा क कउन जानत ह।

12तू हमका सिखाइ द्या कि हम पचे फुरइ इ जानी कि हमार जिन्नगी केतॅनी कम अहइ। ताकि हम पचे बुद्धिमान बनि सकी।

13हे यहोवा, तू सदा हमरे लगे लउटि आवा। हम केतॅना दिन प्रतीच्छा करी? आपन सेवकन पइ दाया करा।

14हर रोज भिंसारे हम पचन क आपन सच्चा पिरेम स भरि दया। ताकि हम लोग आपन जिन्नगी क हर एक दिन आनन्दित होइ खुसी मनाइ।

15तू हम पचन क वइसा ही आनन्दित होइ द्या जइसा तू पहिले हमका पीरा दिहा रहा।

16तोहरे दासन क ओन अद्भुत बातन क लखइ द्या जेनका तू ओनके बरे कइ सकत ह, अउ आपन सन्तानन क आपन महिमा देखॅावा।

17परमेस्सर, हमार सुआमी, हम पचन पइ कृपालु ह्वा। हम लोगन क उ कार्य दिखावा जेका हम लोगन क करइ चाही अउर हम लोगन क कार्य क कामयाब बनावा।

भजन 91

1उ जउन कउनो सर्वोच्च परमेस्सर क सरण मँ रहत ह, तउ उ सर्वसक्तिमान परमेस्सर क सुरच्छा मँ रहत ह।

2मइँ यहोवा स कहत हउँ, "तू मोर सुरच्छा स्थल अहा मोर गढ़। हे परमेस्सर, मइँ तोहरे भरोसे हउँ।"

3यहोवा तोहका सबहिं छिपे भए खतरा स बचाइ। उ तोहका सब खउफनाक विपत्तियन स बचाइ।

4तू परमेस्सर क सरण मँ संरच्छण पावइ बरे जाइ सकत ह। उ तोहार अइसे रच्छा करी जइसे एक ठु पंछी आपन पखना फइलाइके आपन बच्चन क रच्छा करत ह। परमेस्सर क बिस्सास एक बिसाल ढाल क नाईं अहइ जउन चारिहुँ कइँती स रच्छा करत ह।

5राति मँ तोहका कउनो क भय नाहीं होइ, अउ दुस्मन क बाणन स तू दिन मँ डेराब्या नाहीं।

6तोहका अँधियारे मँ आवइवालन रोगन अउ उ खउफनाक रोग स जउन दुपहर मँ आवत हीं डर नाहीं होइ।

7तू हजार दुस्मनन क हराइ देब्या। तोहार खुद दाहिना हाथ दस हजार दुस्मनन क हराइ। अउर तोहार दुस्मन तोहका छुइ तलक नाहीं पइहीं।

8जरा लखा, अउर तोहका देखॅाइ देइ कि उ पचे कुटिल मनई सजा पाइ चुका अहइँ।

9काहेकि तू यहोवा क भरोसे अहा। तू परम परमेस्सर क आपन सरणस्थल बनाया ह।

10तोहरे संग कउनो भी बुरी बात नाहीं घटी। कउनो भी रोग तोहरे घर क नजदीक नाहीं आइ।

11काहेकि परमेस्सर आपन सरगदूतन क तू जहाँ भी जाब्या हुआँ तोहार रच्छा करइ बरे नियुक्त करी।

12ओकर सरगदूतन तोहका आपन हाथन पइ ऊपर उठइहीं, ताकि तोहार गोड़ चट्टान स न टकराइ।

13तू कोबरा अउर नाग पइ बगैर कउनो नोस्कान क चलब्या; तू सेर अउर अजगर क कुचरब्या।

14यहोवा कहत ह, "मइँ आपन सेवकन क रच्छा करब जउन मोहसे पिरेम करत ह। मइँ ओनॅ व्यक्ति क पालन-पोसन करब जउन मोर उपासना करत ह।"

15उ सहारा पावइ बरे मोका गोहरइहीं, मइँ ओनकर जवाब देब। उ पचे जब कस्ट मँ होइहीं मइँ ओनके संग रहब। मइँ ओनकर बचाव करब अउर ओनका आदर देब।

16मइँ आपन व्यक्तियन क एक लम्बी उमिर क आसीस देब। अउर मइँ ओका ओकर आपन बचान क सक्ति दिखाउब।

भजन 92

सबित क दिन बरे एक ठु स्तुति गीत।

1यहोवा क महिमा क स्तुति करइ नीक अहइ। हे सर्वोच्च परमेस्सर, तोहरे नाउँ क गुणगान बरे नीक अहइ।

2भोर मँ तोहरे पिरेम क गीत गाउब अउ राति मँ तोहरे बिस्सास क गीत गाउब नीक अहइ,

3हे यहोवा तोहरे बरे दस तार वाद्य यंत्रन, सारंगियन अउ वीणन पइ संगीत बजाउब नीक बाटइ।

4हे यहोवा, तू फुरइ हमका आपन कीन्ह कामन स आनन्दित करत ह। हम आनन्द स भरिके ओन गीतन क गाइत ह, जउन काम तू किहा ह।

5हे यहोवा, तू महान कारज किहा ह। तोहार सोच-बिचार हमरे बरे समुझि पावइ आसान नाहीं अहइँ।

6लोग मूरख गोरुअन क जइसे अहइँ। मूरख जइसे तोहार सोच-बिचार क नाहीं समुझ पाइत।

7दुट्ठ जन घास क नाईं पनपत हीं। उ पचन्क दुआरा कीन्ह भवा सबइ बेकार अबहीं फलत-फूलत हीं, किन्तु सदा-सदा बरे खतम होइ जइहीं।

8मुला हे यहोवा, अनन्त काल तलक तोहार आदर रही।

9हे यहोवा, तोहार दुस्मनन बर्बाद कइ दीन्ह जइहीं। उ सबहिं मनई जउन बुरा काम करत हीं, तितर-बितर कइ दीन्ह जइहीं।

10मुला तू मोका जंगली बर्धा क नाईं मज़बूत बनाया ह। हम बरियार भेड़ा स बन जाब जेकर कर्रे सींग होत हीं तू मोह पइ खास तेल उड़ेर्‍या ह जउन ठंडापन देत ह।

11मइँ लखेउँ ह कि मोर दुस्मन मोका लखत हीं; मइँ सुनेउँ ह कि दुट्ठ लोग मोह पइ हमला करइ बरे तइयार बाटेन।

12नीक मनइयन लबानोन क बड़वार देवदार बृच्छ क तरह
अहइँ जउन यहोवा क मन्दिर मँ रोपा ग अहइँ।
13नीक मनइयन बाढ़त भए ताड़ क बृच्छ क नाईं अहइँ,
जउन हमार परमेस्सर क मन्दिर क आँगन मँ फलदार होत
अहइँ।
14उ पचे जब तलक बुढ़वा होइहीं तब तलक उ पचे
फल देत रइहीं। उ पचे हरे भरे मोटा बृच्छ जइसे होइहीं।
15उ पचे हर कउनो क इ देखॉवइ बरे हुआँ अहइँ कि
यहोवा बिस्सास योग्य अहइ। उ मोर चट्टान अहइ। ओहमाँ
कछू बुराइ नाहीं बाटइ।

भजन 93

1यहोवा सासन करत ह! उ महिमा अउर सक्ति क पहिर
लिहस ताकि धरती स्थिर रहइ अउर गिरे नाहीं।
2हे परमेस्सर, तोहार साम्राज्य अनादि काल स टिका भवा
अहइ। तू सदा जिअत अहा।
3हे यहोवा, नदियन क गर्जन बहोत तीव्र बा। ओनकर
लहरन क नस्ट करइया अहइ।
4समुद्र क पछारा खात भइ लहरन गरजत हीं, अउर उ
सबइ सक्तीसाली अहइँ। मुला ऊपर वाला यहोवा जियादा
सक्तीसाली अहइ।
5हे यहोवा, तोहार कानून बहोत स्थिर अहइ। तोहार
पवित्तर मन्दिर लम्बी समई तलक खड़ा रही।

भजन 94

1यहोवा तू परमेस्सर अहा जउन कि निआव लिआवत ह।
निआव क परमेस्सर आपन क परगट करा।
2उठा, हे धरती क निआउकर्त्ता। तू घमण्डी लोगन क
उचित सजा देत ह।
3हे यहोवा, दुट्ठ जन कब तलक मजा मारत रइहीं?
केतॅना देरी तलक?
4उ सबइ दुट्ठ-जन कब तलक आपन बुरे कामन क
बारे मँ डीगं हाँकत अउर सेखी बघारत रइहीं?
5हे यहोवा, उ सबइ लोग तोहार लोगन क मुसीबत मँ
डालेन ह। उ पचे तोहरे आपन लोगन क सतावा करत हीं।
6उ पचे राँड़ अउरतन अउर ओन मेहमानन क जउन
ओनके देस मँ ठहरा अहइँ, मारत हीं। उ पचे ओन अनाथ
गदेलन क कतल करत हीं।
7उ पचे कहत हीं, यहोवा ओनकर बुरा करम करत भए
नाहीं लखि सकत। अउर कहत हीं, 'इस्राएल क परमेस्सर
ओन बातन क नाहीं समुझत जउन घटति अहइँ।'
8ओ बुद्धिहीन लोग, तू कब आपन पाठ सिखब्या? अरे
मूरख लोगो, जतन करा अउर समुझ्या।
9परमेस्सर हमार कान बनाएस ह, तउ निहचय ही उ सुन
सकिहीं। परमेस्सर हमार आँखिन बनाएस ह, तउ निहचय ही
देख सकत हीं।
10उ रास्ट्रन क सम्मान करत हीं, तउ निहचय ही उ
तोहार निआव कइ सकत ह। उ ओन लोगन क ओन सबहिं
बातन क सिच्छा देइ जउन ओनका करइ चाही।
11तउ जउन बातन क लोग सोचत अहइँ यहोवा जानत
अहइ। उ इ जानत अहइ कि ओकर जोजनन हवा क झोंका
अहइँ।
12तू लोग धन्न अहा जेका तू सम्मान देत ह, हे यहोवा।
तू ओन लोगन क आपन कानून सिखावत ह।
13तू ओनका ओकरे विपत्तियन मँ सांत होइके सहायक
करत ह, जब तलक दुट्ठ लोग कब्र मँ नाहीं दफनाइ दीन्ह
जइहीं।
14यहोवा आपन लोगन क कबहुँ नाहीं तजी। उ बिना
सहारे ओका रहइ नाहीं देइ।
15निआउ लउटब अउर इमानदारी लिआइ। फुन लोग
खरा बनिहीं।
16मोका दुट्ठन क खिलाफ जुद्ध करइ मँ कउनो मनई
सहारा नाहीं दिहस। कुकर्मियन क खिलाफ जुद्ध करइ मँ
कउनो मोर संग नाहीं दिहस।
17यहोवा मोर सहायक नाहीं होत, तउ मोर जिन्नगी मउत
क दुआरा सांत होइ जाइतेन।
18जब मइँ गिरइ क रहेउँ, तोहार पिरेम मोका उठाएस,
हे यहोवा।
19जब मइँ बहोतइ चिंतित अउ बियाकुल रहेउँ, तोहार
सुख मोका आनन्दित किहस।
20हे परमेस्सर, तू कुटिल निआउ क मदद नाहीं करत्या,
जउन परीसानी पइदा करइ बरे नेमन क घेर लेत ह।
21उ पचे नीक लोगन पइ हमला करत ह अउर निर्दोख
व्यक्ति क कसूरवार कहत ह।
22मुला यहोवा मोर सुरच्छा क ठउर बाटइ। परमेस्सर मोर
चट्टान अउर मोर सरण क ठउर अहइ।
23परमेस्सर ओनका ओकरे बुरा करमन बरे सजा देइ। उ
ओका ओकरे पाप क कारण खतम कइ देइ। हमार
परमेस्सर यहोवा ओनका नस्ट कइ देइ।

भजन 95

1आवा हम यहोवा क गुण गाई। आवा हम पचे उ
चट्टान क जय जयकार करी जउन हमार रच्छा करत ह।
2आवा हम यहोवा क धन्यवाद बरे गीत गाई। आवा हम
ओकर बड़कई क गीत आनन्द क संग गाई।
3काहेकि यहोवा महान परमेस्सर अहइ। उ महान राजा
सबहिं दूसर "देवतन" पइ सासन करत ह।
4गहिर सबइ गुफा अउ ऊँच पहाड़ यहोवा क अहइँ।
5सागर ओकर बा, उ ओका बनाएस ह। परमेस्सर खुद
आपन हाथन स झुरान धरती क बनाएस ह।
6आवा, हम ओका पइलगी करी अउर ओकर उपासना
करी। आवा हम परमेस्सर क गुण गाई जउन हमका
बनाएस ह।
7उ हमार परमेस्सर अउर हम पचन ओकर बगल मँ भेड़
अही। कम स कम जदि तू आजु ओकर आवाज़ क पालन
करब्या।
8यहोवा कहत ह, "तू मोका सुनई स वइसा इनकार जिन
करा जइसा मरीबा मँ तोहार पुरखन किहे रहेन, अउ वइसा
जिन करा जइसा उ पचे मस्सा मँ रहइ क दिन मँ किहे रहेन।

9तोहार पुरखन मोका परखे रहेन। उ पचे मोका परखेन,
पर तब उ पचे लखेन कि मइँ का कइ सकत हउँ।
10मइँ ओन लोगन क चालीस बरिस तलक सहन किहे
रहेउँ। मइँ इ अच्छी तरह जानत रहेउँ कि उ पीढ़ी इमान्दार
नाहीं अहइ। ओन लोगन मोर सिच्छा क नाही सीखेन।
11तउ मइँ कोहाइ गएउँ अउर मइँ प्रण किहेउँ कि उ पचे
मोर भुइँया मँ आइववाले समई मँ प्रवेस नाहीं कइ पइहीं।"

भजन 96

1यहोवा बरे एक ठु गीत गावा। हे समस्त ब्रह्माण्ड यहोवा
बरे गीत गावा।
2यहोवा बरे गावा। ओकरे नाउँ क धन्न कहा। हर दिन इ
ओकरे उद्धार क बारे मँ सुसमाचार क सुनावा।
3दूसर रास्ट्रन क बतावा कि यहोवा फुरइ अद्भुत बाटइ।
सब कतहूँ क लोगन मँ ओन अद्भुत बातन क जेनका उ
करत ह बखान करा।
4यहोवा महान बा अउर बड़कई क जोग बा। उ कउनो
"देवतन" स जियादा स्रद्धालु बा।
5दूसर रास्ट्रन क सबहिं "देवतन" सिरिफ मूर्तियन अहइँ,
मुला यहोवा अकासन क रचेस।
6ओकरे समन्वा सुन्दर महिमा दमकत बा। परमेस्सर क
पवित्तर मन्दिर सामरथ अउ सुरन्दरता अहइँ।
7हे वंसो, अउर रास्ट्रो, यहोवा बरे महिमा अउर बड़कई
क गीत गावा।
8यहोवा क नाउँ क गुणगान करा। आपन भेंटन उठावा
अउ मन्दिर मँ जा।
9यहोवा क ओकर भव्य, मन्दिर मँ उपासना करा। अरे
ओ धरती क मनइयो, यहोवा क उपासना करा।
10रास्ट्रन क जानइ द्या कि यहोवा राजा अहइ। निहचय
ही उ उहइ अहइ जउन जगत क स्थिर अउर अखण्ड
बनाएस ह। यहोवा मनइयन पइ निआउ स सासन करी।
11अरे अकास, खुस ह्वा। हे धरती, आनन्द मनावा। हे
सागर, अउर ओहमाँ क सबइ चिजियन क आनन्द स
ललकारा।
12अरे ओ खेतो अउर ओहमाँ उगइवाली हर वस्तु आनन्द
स भरपूर होइ जा। हे जंगल क बृच्छो गावा अउर आनन्द
मनावा।
13आनन्द स भरपूर होइ जा काहेकि यहोवा आवत अहइ।
यहोवा जगत क सासन करइ आवत अहइ, उ खरेपन स
निआउ करी।

भजन 97

1यहोवा सासन करत ह, धरती क खुस रहइ द्या; दूर क
देसन क प्रसन्न होइ द्या।
2यहोवा क करिया गहिर बादर घेरे भए अहइँ। नेकी अउ
निआउ ओकरे राज्ज क मजबूत किहे अहइँ।
3यहोवा क समन्वा आगी चला करत ह, अउर उ ओकरे
आपन दुस्मनन क नास करत ह।
4ओकर बिजुरी संसार क प्रकासित करत ह। लोग ओका
लखत हीं अउर डेरान रहत हीं।
5यहोवा क समन्वा पहाड़ अइसे पिघल जात हीं, जइसे
मोम पिघल जात ह। उ समूचइ धरती क सुआमी अहइ।
6अकास ओकरी नेकी क बखान करत हीं। हर कउनो
परमेस्सर क महिमा लखि लेइ।
7सबइ लोग जउन मूरतियन क पूजा करत हीं अउर
ओकरे बियर्थ बातन बरे डींग हाँकत हीं, लजाइ जाइहीं।
सबइ देवतन ओकरे समन्वा निहुरिहीं।
8हे सिय्योन, सुना अउ खुस ह्वा। हे यहूदा क सहरन,
खुस ह्वा, तोहार निआउ क कारण, हे यहोवा।
9हे सर्वोच्च यहोवा, फुरइ तू ही धरती पइ सासन करत
ह। तू दूसर "देवतन" स जियादा उत्तिम अहा।
10जउन लोग यहोवा स पिरेम रखत हीं, उ पचे पाप स
घिना करत हीं। एह बरे उ आपन लोगन क रच्छा करत ह।
उ ओन लोगन क दुट्ठ लोगन स बचावत ह जउन ओकरे
बिस्सासी अहइँ।
11धर्मी लोगन पइ जोति छितराएस ह अउ इमानदार-जन
बरे आनन्द फइलाएस ह।
12हे धर्मी लोगो, परमेस्सर मँ खुस रहा। ओकरे पवित्तर
नाउँ क धन्यवाद द्या।

भजन 98

एक ठु स्तुति गीत।

1यहोवा बरे एक नवा गीत गावा, काहेकि उ नई अउ
अद्भुत बातन क किहस ह। ओकर पवित्तर दाहिन भुजा
ओकरे बरे फुन बिजय बनाई।
2यहोवा रास्ट्रन क समन्वा आपन रच्छा क सक्ती क
परगट किहेस ह। उ ओनका आपन बिजय देखॉएस ह।
3उ इस्राएल पइ आपन पिरेम अउर बिस्सास क स्मरण
किहेस ह। दूर रास्ट्रन क लोग हमरे परमेस्सर क रच्छासक्ती
निहारेन।
4हे धरती क हर मनई, चिचियाइके स्तुति कइके यहोवा
क सुआगत करा। फूट पड़ा! चिचियावा! गावा!
5वीणन क संग यहोवा बरे गावा। मधुर स्वर स वीणा
बजाइके, ओकर महिमा क स्तुति करा।
6वीणाओ, यहोवा क गुण गावा। हे बिगुल के मधुर
संगीत ओकर गुण गावा, ओकर महिमा क स्तुति करा।
7बाँसुरी बजावा अउर नरसिंगन क फूँका। आनन्द स
यहोवा, हमरे राजा क जय जयकार करा।
8हे सागर अउ धरती, अउ ओनमाँ क सबइ चिजियन
ऊँच सुर मँ गावा।
9इ यहोवा क समन्वा होइ, काहेकि उ संसार क निआव
करइ बरे जात ह। उ संसार क धार्मिकता स अउर ओकरे
लोगन क इमानदारी स निआव करी।
10तू यहोवा क समन्वा गावा, काहेकि उ जगत क सासन
करइ जात अहइ, उ जगत क निआउ नेकी अउ सच्चाई स
करी।

भजन 99

1यहोवा सासन करत ह। तउ हे रास्ट्रन, भय स काँप
उठा। उ करूब दूतन ऊँपर आपन सिंहासन पइ विराजमान
अहा। तउ हे संसार भय स काँपि उठा।

2यहोवा सिय्योन मँ महान अहइ। सारे रास्ट्रन क उहइ राजा अहइ।

3सबहिं लोगन क तोहरे महान अउर भय योग्य नाउँ क गुण गावइ द्या। परमेस्सर पवित्तर बा।

4सक्तीसाली राजा क निआउ भावत ह। तू ही अहा जउन नेकी क स्थापना किहा ह। तू ही अहा जउन इस्राएल बरे निआव अउर खरापन क स्थापना किहा ह।

5यहोवा हमरे परमेस्सर क गुणगान करा। अउर ओकरे चउकी* चरण निहुरिके दण्डवत करा। उ पवित्तर अहइ।

6मूसा अउ हारून यहोवा क याजकन रहेन। समूएल ओन मँ स एक रहा जउन ओकरे नाउँ लेइवाला रहा। उ सबइ ओकर पराथना किहेन। अउर उ ओनका जवाब दिहस।

7उ बादर क खम्भा मँ स बातन किहेस। उ पचे ओकरे आदेसन क मानेन। परमेस्सर ओनका कानूनन क हुकुमन दिहेस।

8हे यहोवा हमार परमेस्सर, तू ओनकर पराथना क जवाब दिहा। तू ओनका इ देखाया कि छमा करइवाला परमेस्सर अहा, अउर तू लोगन क ओनकर बुरा कर्मन बरे सजा देत अहा।

9हमार परमेस्सर यहोवा बरे एक ठु गीत गावा। ओकरे पवित्तर पहाड़े कइँती निहुरिके ओकर उपासना करा। फुरइ यहोवा हमार परमेस्सर पवित्तर अहइ।

भजन 100

धन्यवाद क एक ठु गीत।

1हे धरती, तू यहोवा बरे गावा।

2आनन्द स रहा जब तू यहोवा क सेवा करा। खुसी क गीतन क संग यहोवा क समन्वा आवा।

3तू जान ल्या कि यहोवा ही परमेस्सर अहइ। उ हमका बनएस ह अउ हम ओकर भगत अही। हम ओकर भेड़ अही।

4धन्यवाद क गीत संग लिए यहोवा क नगर मँ आवा, गुणगान क गीत संग लिए यहोवा क मन्दिर मँ आवा। ओकर आदर करा अउर ओकर नाउँ क धन्य करा।

5यहोवा उत्तिम अहइ। ओकर पिरेम सदा सदा ही अहइ। हम ओह पइ सदा सर्वदा बरे भरोसा कइ सकित ह।

भजन 101

दाऊद क एक ठु गीत।

1मइँ पिरेम अउ खरेपन क गीत गाउब। यहोवा मइँ तोहरे बरे गाउब।

2मइँ पूरी सावधानी स सुद्ध जिन्नगी बिताउब। मइँ आपन घर मँ सुद्ध जिन्नगी जिअब। हे यहोवा तू मोरे लगे कब अउब्या?

3मइँ कउनो भी बियर्थ मूरति समन्वा नाहीं राखब। जब लोग तोहार खिलाफ विद्रोह करत हीं तउ मइँ इ स घिना करत हउँ। मइँ कबहुँ भी एकर हिस्सा नाहीं बनब।

4मइँ इमानदार रहब। मइँ बुरा काम स कबहुँ सम्बंध नाहीं राखब।

5अगर कउनो मनई छिप छिपके आपन पड़ोसी बरे चुगली कहइ, मइँ ओनका रोकब। मइँ डींग हाँकइवाला अउर महत्त्वाकांच्छी व्यक्तियन क सहन नाहीं करब।

6मइँ आपन संग काम करइ बरे बिस्सासी लोगन क दूढ़ता हउँ। सिरिफ ओन लोग मोर सेवक होइ सकत हीं जउन इमानदारी स जिन्नगी जिअत हीं।

7मइँ आपन घरे मँ अइसे लोगन क रहइ नाहीं देब जउन झूठ बोलत हीं। मइँ झूठ लोगन क आपन लगे भी फटकइ नाहीं देब।

8मइँ ओन दुट्ठन क सदा ही नस्ट करब, जउन इ देस मँ रहत हीं। मइँ ओन दुट्ठ लोगन क मजबूर करब, कि उ पचे यहोवा क नगर क तजि देइँ।

भजन 102

एक पीड़ित मनई क उ समय क पराथना जब उ आपन क टूटा भवा महसूस करत ह अउर आपन वेदना अउ कस्टे क यहोवा स कहि डाकइ चाहत ह।

1हे यहोवा, मोर पराथना क सुना। मोर पराथना क तोहे तलक आवइ द्या।

2जब मइँ विपत्ति मँ रहेउँ मोका नज़र अंदाज़ जिन करा। जब मइँ तोहार पराथना करेउँ तउ तू मोर सुना मोर पराथना क हाली जवाब द्या।

3मोर जिन्नगी वइसे बीती रही जइसे उड़त भवा धुआँ। मोर सक्ति अइसे अहइ जइसे धीरे धीरे बुझत आग।

4मोर सकती छीन होइ चुकी अहइ। मइँ वइसा ही अहउँ जइसा झुरान मुरझान घास। आपन सबइ वेदना मँ मोका भूख नाहीं लागत।

5दु:ख क कारण, मइँ सिरिफ चमड़ा अउर हड्डियन होइ गवा अहउँ।

6मइँ अकेला अहउँ जइसे कउनो एकान्त निर्जन जगह मँ उल्लू रहत होइ। मइँ अकेला अहउँ जइसे कउनो पुरान खण्डहर मँ उल्लू रहत होइ।

7मइँ जाग कइ पूरी रात पहरा करत हउँ। मइँ उ अकेले पंछी जइसा होइ गवा हउँ, जउन छते पइ बइठा भवा होइ।

8मोर सत्रु सदा मोका बेइज्जत करत हीं, अउर लोग मोर नाम लइके मोर हँसी उड़ावत हीं।

9दु:ख मोर खइया होइ गवा अहइ। आँसू नीचे लुढ़किके मोर पिअइया बन जात ह।

10काहेकि यहोवा तू मोसे रूठ गवा अहा। तू ही मोका ऊपर उठाए रह्या, अउर तू ही मोका बहाइ दिहा।

11मोर जिन्नगी क लगभग अंत होइ चुका अहइ। वइसे ही जइसे साँझ क लम्बी छाया हेराइ जात हीं। मइँ वइसा ही अहउँ जइसे झुरान अउ मुरझान घास।

12मुला हे यहोवा, तू तउ सदा ही अमर रहब्या। तोहार नाउँ सदा अउ सदा ही बना रही।

13तोहार उत्थान होइ अउ तू सिय्योन क चइन देब्या। उ समइ आवत अहइ, जब तू सिय्योन पइ कृपालु होब्या।

14तोहार सेवकन सिय्योन क पाथरन स पिरेम करत हीं। उ पचे ओकरे धूरि स भी पिरेम करत हीं।

चउकी सम्भवत: मन्दिर या वेदी।

15राष्ट्रन यहोवा क नाउँ क आराधना करिहीं। हे यहोवा, धरती क सबहिं राजा तोहार आदर करिहीं।

16जब यहोवा फुन स सिय्योन क बनाई। तउ उ आपन पूरी महिमा मँ परगट होइ।

17जउन लोगन जिअत अहइ, उ ओनकर पराथना सुनीहीं। उ ओनकर पराथनन क नज़र अंदाज़ नाहीं करी।

18ओन बातन क लिखा ताकि भविस्स क पीढ़ी पढ़इ। ताकि जउन लोग अवइ वाला समइ मँ पइदा होइहीं यहोवा क स्तुति करिहीं।

19यहोवा आपन ऊँच पवित्तर ठउर स खाले निहारी यहोवा सरण स खाले धरती पइ निहारी।

20उ कैदी लोगन क पराथना सुनी। उ ओन मनइयन क मुक्त करी जेनका राजा स मउत दीन्ह गइ रही।

21फुन सिय्योन मँ लोग यहोवा क बखान करिहीं। यरूसलेम मँ लोग यहोवा क गुण गइहीं।

22अइसा तब होइ जब यहोवा लोगन क फिन बटोरी, अइसा तब होइ जब राज्ज यहोवा क सेवा करिहीं।

23मोर सक्ती मोका बिसराइ दिहस ह। यहोवा मोर जिन्नगी घटाइ दिहस ह।

24एह बरे मइँ कहेउँ, "मोर प्राण छोटी उमर मँ जिन ल्या। हे परमेस्सर, तू सदा अउ सर्वदा अमर रहब्या!

25पुराने जमाने मँ तू संसार रच्या ह। तू खुद अपने हाथन स आकास रच्या।

26इ जगत अउ आकास नस्ट होइ जइहीं, मुला तू ही सदा जिअत रहब्या। उ सबइ ओढ़नन क नाईं फट जइहीं। ओढ़नन क नाईं ही तू ओनका बदलब्या। उ पचे सबहिं बदल दीन्ह जइहीं।

27हे परमेस्सर, मुला तू कबहुँ नाहीं बदलत्या; तू सदा बरे अमर रहब्या।

28आज हम तोहार दास अही। हमार संतान भविस्स मँ हिअँइ रइहीं अउर ओनकर संतानन हिअँइ तोहार उपासना करिहीं।"

भजन 103

दाऊद क एक ठु गीत।

1हे मोर आतिमा, यहोवा क स्तुति करा। हे मोर अंग-प्रत्यंग ओकरे पवित्तर नाउँ क बड़कई करा।

2हे मोर आतिमा, यहोवा क स्तुति करा अउर ओकरे सबइ कृपालु कामन क जिन बिसरा।

3उ तोहार पापन क छमा करत ह। उ तोहार सबइ बेरामियन स तोहका चंगा करत ह।

4उ तोहार प्राण क कब्र स बचावत ह, अउर उ तोहका पिरेम अउ करुणा स सज़वत ह।

5परमेस्सर हमका भरपूर उत्तिम वस्तुअन देत ह। उ हमका फुन उकाब क नाईं जवान करत ह।

6यहोवा खरा कामन करत ह। परमेस्सर ओन लोगन क निआउ देत ह, जउने पइ दूसर लोग अत्याचार किहन ह।

7उ मूसा क आपन मारग सिखाएस। उ इस्राएलियन क आपन कार्यन बताएस।

8यहोवा करुणा स भरा अउर दयालु अहइ। परमेस्सर सहनसील अउ पिरेम स भरा अहइ।

9यहोवा सदा ही आलोचना नाहीं करत। अउर ठीक इहइ तहर उ सदा हम पइ कोहान नाहीं रहत ह।

10उ हम लोगन क संग हमार कीन्ह गवा पाप क अनुसार बेउहार नाहीं करत ह, अउर उ हमका वइसा सजा नाहीं देत जेका हम हकदार अहइँ।

11आपन बिस्सासी पइ परमेस्सर क पिरेम वइसे महान अहइ जइसे धरती पइ अहइ ऊँचा उठा भवा अकास।

12उ हमरे पापन क हम से एँतना ही दूर हटाएस जेतना पूरब क दूरी पच्छिम स अहइ।

13उ ओहे पइ जउन ओहसे डेरात ह वइसे ही दयालु अहइ, जइसे बाप आपन गदेलन पइ दाया करत ह।

14परमेस्सर हमार सब कछू जानत ह। परमेस्सर जानत ह कि हम माटी स बना अही।

15परमेस्सर जानत ह कि मानव जिन्नगी नान्ह स अहइ। उ जानत ह हमार जिन्नगी घास जइसी अहइ। परमेस्सर जानत ह कि हम लोगन क जिन्नगी बनफूल जइसा अल्प अहइ।

16उ फूल जल्दी ही उगत ह। फिन गरम हवा चलत ह अउर उ फूल मुरझात ह। अउर फुन हाली ही तू लख नाहीं पउत्या कि उ फूल कइसे ठउर पइ उगत बाटइ।

17मुला यहोवा क पिरेम सदा बना रहत ह। परमेस्सर सदा सदा ही आपन भगतन स पिरेम करत ह। परमेस्सर क दया ओकरे गदेलन स गदेलन तलक बनी रहत ह।

18उ अइसन पइ दयालु अहइ, जउन ओकरी करार पइ चलत हीं। उ अइसन पइ दयालु अहइ जउन ओकरे आदेसन क पालन करत हीं।

19परमेस्सर क सिंहासन सरगे मँ बना अहइ। हर चीज पइ ओकर हुकूमत अहइ।

20हे सरगदूतो, यहोवा क स्तुति करा। हे सक्तीसाली सरगदूतन जउन ओकरे वचन क सुनत ह अउर ओकर पालन करत, ओकर गुण गवा।

21हे सबइ ओकर दुस्मनो, यहोवा क स्तुति करा। तू जउन ओकर सेवा करत ह अउर उहइ करत ह जउन उ चाहत ह, ओकर गुण गवा।

22हे समूचइ जगत, यहोवा क स्तुति करा जउन हर जगह पइ सासन करत ह। हे मोर आतिमा, यहोवा क बड़कई करा

भजन 104

1हे मोर आतिमा, यहोवा क स्तुति करा। हे यहोवा, हे मोरे परमेस्सर, तू अति महान अहा। तू महिमा अउ आदर क ओढ़ना पहिरे अहा।

2जइसे कउनो मनई चोगा पहिरत ही वइसा ही उ प्रकास क पहिरत हीं। पर्दा क नाईं उ आकासे क फइलावत ह।

3उ ओनके ऊपर आपन निवास स्थान बनाएस। उ गहिर बादर क प्रयोग आपन रथ बनावइ मँ करत ह। उ पवन क पखना पइ चढ़िके अकास पार करत ह।

4उ निज सरगदूतन क पवन क नाईं बनावत ह। उ निज सेवक क पवन क नाईं बनाएस।

5इ उहइ अहइ जउन धरती क ओकरी नेंव पइ निर्माण किहस। इ कबहुँ न गिरी।

6उ जल क चादर स धरती क ढकेस। जल पहाड़न क ढाँकि लिहस।

7तू आदेस दिहा अउर जल दूरि हट गवा। तू जल पइ गरज्या, अउर जल दूर भागा।

8पहाड़न स खाले घाटियन मँ ओन सबइ ठउरन पइ जेका तू ओकरे बरे तइयार किहे रह्या या जल बहा।

9तू समुद्दर क चउहद्दी बाँध दिहा अउर फुन जल कबहुँ धरती क ढँकइ नाहीं जाई।

10उ पानी क पठवत ह जउन कि झरनन स पहाड़ियन क बीच मँ घाटियन मँ बहत ह।

11सबहिं जंगली पसुअन क सबइ धारा पानी देत हीं, जेनमाँ जंगली गदहा तलक आइके पिआस बुझावत हीं।

12जंगल क परिन्दा तलाबन क किनारे रहइ बरे आवत हीं। अउ निचके ठाड़ भए बृच्छन क डालियन पइ गावत हीं

13तू पहाड़न क ऊपर बर्खा पठया ह अउर ओन चिजियन ओनका दिहा जेका तू बनाया जउन ओनका चाही।

14परमेस्सर, पसुअन क खाइ बरे घास उपजाया, हम स्रम करित ह अउर उ हमका पौधा देत ह। इ सबइ पौधन उ भोजन अहइँ जेका हम धरती स पाइत ह।

15परमेस्सर, हमका दाखरस देत ह, जउन हमका खुस करत ह। हमार चाम नरम रखइ क तू हमका तेल देत ह। हमका पुट्ठ करइ क उ हमका खइया क देत ह।

16परमेस्सर लबानोन क जउन देवदारू क विसाल बृच्छ लगाएस ह। ओन विसाल बृच्छ खातिर ओनकर बढ़वार बरे बहोत पानी रहत ह।

17पंछी ओन बृच्छन पइ आपन घोंसला बनावत हीं। देवदार क बृच्छन पइ सारस क बसेरा अहइ।

18बनैले पहाड़ी बोकरन क घर ऊँच पहाड़ मँ बना अहइँ। बीछियन खुद क बड़की चट्टान क आड़ मँ छुपावत अहइँ।

19तू मौसम क पता लगावइ बरे चाँद क रच्या ह। सूरज सदा जानत ह कि ओका कहाँ बूढ़ब अहइ।

20तू अँधियारा बनाया जेहसे रात होइ ताकि जंगल क बनैला पसु एहर-ओहर घूमि सकिहीं।

21उ पचे झपटत सेर जब दहाड़त हीं तब अइसा लगत ह जइसे उ पचे यहोवा क पुकारत होइँ, जेका माँगइ स उ ओनका अहार देत।

22अउर पउ फाटइ पइ जीवजन्तु वापिस घरन क लउटत अउ आराम करत हीं।

23फिन लोग आपन काम करइ क बाहेर निकरत हीं। साँझ तलक उ पचे काम मँ लगा रहत हीं।

24हे यहोवा, तू अचरज भरा बहुतेरा काम किहा। धरती तोहरी वस्तुअन स भरी पड़ी अहइ। तू जउन कछू करत अहा, ओहमा आपन विवेक देखॉत ह।

25इ समुद्दर क लखा, इ केतॅना विसाल अहइ! हुआँ बहुतेरी जीव-जन्तु अहइ जेका गना नाहीं जाइ सकिहीं। ओहमाँ कछू बिसाल अहइँ अउर कछू नान्ह।

26समुद्दर क ऊपर जलपोत तैरत हीं, अउर लिब्याथान* जेका तू बनाएस ह समुद्दर मँ खेल-खेलत ह।

27यहोवा, इ सब कछू तोहरे आसरे पइ अहइ। हे परमेस्सर, ओन सबहीं जीवन क खाना तू ठीक समइ पइ देत अहा।

28हे परमेस्सर, तू ही अहा जउन सबइ जीव-जन्तुअन क खाना जेका उ पचे खात हीं, उपलब्ध करावत अहा।

29फुन जब तू ओनसे मुँह मोड़ लेत अहा तब उ पचे डेराइ जात हीं। ओनकर साँस रुकि जात हीं। उ पचे दुर्बल होइ जात हीं अउर मर जात हीं। अउर ओनकर देह फुन धूरि मँ बदलि जात हीं।

30जब तू आपन आतिमा भेज्या ह, उ ओहसे जीवित होइ जात ह अउर अउर धरती पइ जिन्नगी क संग फुन नवा कइ दीन्ह जात ह।

31यहोवा क महिमा सदा-सदा बनी रहइ। यहोवा आपन रचना स सदा आनन्द मँ रहइ।

32यहोवा क दृस्टि स इ धरती काँप उठी। पहाड़न स धुआँ उठइ लग जाइ।

33मइँ जिन्नगी भइ यहोवा बरे गाउब। मइँ जब तलक जिअत हउँ यहोवा क गुण गावत रहब।

34मोर सोच-विचार ओका खुस करी। मइँ यहोवा क संग खुस अहउँ।

35धरती स पाप क लोप होइ जाइ। दुट्ठ लोग सदा बरे मिटि जाइँ। हे मोर आतिमा, यहोवा क स्तुति करा।

भजन 105

1यहोवा क धन्यवाद करा। ओकरे नाउँ क पुकारा। रास्ट्रन क ओकरे अद्भुत कारजन क बारे मँ बतावा।

2यहोवा बरे तू गावा। तू ओकर बड़कई क गीत गावा। ओन सबहिं अचरज स भरी बातन क वर्णन करा जेनका उ करत ह।

3यहोवा क पवित्तर नाउँ पइ गर्व करा। ओ सबहिं लोगो जउन यहोवा क उपासक अहा, तू पचे खुस होइ जा।

4सामरथ पावइ क तू यहोवा क लगे जा। सहारा पावइ क तू ओकरे लगे जा।

5ओन अद्भुत बातन क सुमिरा जेनका यहोवा करत ह। ओकरे अचरज कर्म अउर ओकर विवेक स भरा फइसला क याद राखा।

6तू परमेस्सर क सेवक इब्राहीम क संतान अहा। तू याकूब क संतान अहा, उ मनई जेका परमेस्सर चुने रहा।

7यहोवा ही हमार परमेस्सर अहइ। सारे संसार पइ यहोवा क सासन अहइ।

8उ आपन करार क सदा याद रखत ह। उ आपन आदेसन क हजार पीढ़ियन तलक याद रखत ह।

9इब्राहीम क संग परमेस्सर करार बाँधे रहा। परमेस्सर इसहाक क वचन दिहे रहा।

लिब्याथाम इ साइद एक ठु विसाल समुन्द्री दैत्य रहा। कछू लोगन क विचार अहइ कि इ एक मगरमच्छ अहइ। दूसर लोगन क विचार अहइ कि इ एक समुद्दर उफ्रेट ह। कछू लोग कहत ही कि इ जादूगर क मदद स सूर्य ग्रहण पइदा करत ह।

10उ याकूब क आपन करार क कानून क रूप मँ दिहे रहा। परमेस्सर इस्राएल क संग करार किहस। इ सदा सदा ही बना रही।

11परमेस्सर कहे रहा, 'मइँ कनान क भुइँया क तोहका आपन सम्पत्ति क रूप देब।'

12जब इब्राहीम क परिवार छोटा रहा, अउर उ पचे हुवाँ महज़ ही बिदेसी रहेन।

13उ पचे एक रास्ट्र स दूसर रास्ट्र मँ, एक राज्ज स दूसर राज्ज मँ घूमत रहेन।

14मुला परमेस्सर उ घराने क दूसर लोगन स नस्कान नाहीं पहोंचइ दिहस। परमेस्सर राजा लोगन क सावधान किहस कि उ पचे ओका हानि न पहोंचावइ।

15उ ओनका चेताउनी दिहे रहेन, "मोर अभिसिक्त भवा क* तू नस्कान जिन पहोंचावा। तू मोर कउनो नबियन क बुरा जिन करा।"

16परमेस्सर उ देस मँ अकाल पठएस। अउर लोगन क लगे खाइ क खूब भोजन नाहीं रहा।

17मुला यहोवा एक मनई क ओनके लगे जेकर नाउँ यूसुफ रहा, ओनका अगवा मिस्र तलक पठएस। यूसुफ क एक ठु दास क नाईं बेचा ग रहा।

18उ पचे यूसुफ क गोड़ मँ जंज़ीर डालेन, अउर उ ओका विनम्र बनाएस। उ पचे ओकरी गटइ मँ एक लोहे क कड़ा डाइ दिहन।

19यूसुफ क कैद मँ रखा गवा रहा जब तलक उ पचे बातन जउन उ कहे रहा फुरइ घटि नाहीं गइन। यहोवा सुसन्देस स प्रमाणित कइ दिहस कि यूसुफ नीक रहा।

20मिस्र क राजा, आग्या दिहन कि यूसुफ क बंधनन स अजाद कइ दीन्ह जाइ। उ रास्ट्र क एक नेता ओका कैद स आजाद कइ दिहस।

21यूसुफ क आपन घर बार क अधिकारी बनाइ दिहन। यूसुफ राज्ज मँ हर बात क धियान रखइ लाग।

22यूसुफ आपन राजकुमार क वइसा ही निर्देस देत रहा जइसा उ चाहेन। यूसुफ राजा क सलाहकारन क सिच्छा दिहे रहा।

23जब इस्राएल मिस्र गवा, याकूब हाम क देस* मँ रहइ लाग।

24याकूब क सन्तानन बहोत स होइ गएन। उ पचे मिस्र क लोगन स जियादा बलवान बन गएन।

25एह बरे मिस्री लोग याकूब क घराना स घिना करइ लागेन। मिस्र क लोग आपन दासन क खिलाफ कुचक्र रचइ लागेन।

26एह बरे यहोवा निज सेवक मूसा अउर हारून जेका उ चुने रहा, पठएस।

27उ हाम क भुइँया मँ अचरज अउ अद्भुत करम किहेस।

28परमेस्सर गहिरा अँधियारा पठए रहा, मुला मिस्रियन ओकर नाहीं सुनेन।

29तउ फुन परमेस्सर पानी क खून मँ बदल दिहस, अउर ओनकर सबइ मछरियन मरि गइन।

30बाद मँ, मिस्री लोगन क भुइँया मेघन स भरि गवा। हिआँ तलक कि मेघन राजा क सयन कच्छ तलक भरि गएन।

31यहोवा आदेस दिहा, अउर माखियन अउ पिस्सू आएन अउर उ सबइ हर कतहूँ फइल गएन।

32परमेस्सर बर्खा क ओलन मँ बदलि दिहस। मिस्रियन क देस मँ हर कतहूँ आगी अउ बिजरी गिरइ लाग।

33परमेस्सर मिस्रियन क अंगूरे क बगिया अउ अंजीर क बृच्छ बर्बाद कइ दिहस। परमेस्सर ओनकर देस क हर बृच्छ क तहस नहस कइ दिहस।

34परमेस्सर हुकुम दिहस अउर टिड्डी दल आइ गएन। टिड्डी आइ गइन अउर ओनकर गनती अनगिनत रहीं।

35टिड्डी दल अउ टिड्डीयन उ देस क सबहिं पौधन चट कइ गएन। उ सबइ धरती पइ जउन भी फसलन ठाड़ रहिन, सबहिं क खाइ डाएन।

36फिन परमेस्सर मिस्रियन क पहिलउटी सन्तान क मार डाएस। परमेस्सर ओनकर सब स बड़कन पूतन क मारेस।

37बाद मँ परमेस्सर निज सेवकन क मिस्र स बाहेर निकारेस। उ पचे आपन संग सोना अउ चाँदी लइ आएन। परमेस्सर क कउनो भी सेवक नाहीं लड़खड़ान।

38ओन लोगन क जात भए लखिके मिस्र आनन्द मँ रहा, काहेकि उ पचे ओनसे डेराइ ग रहेन।

39परमेस्सर ओनके ऊपर कमरी जइसा एक बादर फइलाएस। उ राति मँ उजियारा देइ क बरे आगी क खम्भा क काम मँ लिआएस।

40लोग खाइ क माँग किहन अउ परमेस्सर ओनके खातिर बटेरन क लइ आवा। परमेस्सर अकास स ओनका भरपूर खइया क दिहस।

41परमेस्सर चट्टान क फाड़ेस अउर जल उछरत भवा बाहेर फूटि पड़ा। उ रेगिस्ताने क बीच एक ठु नदी बहइ लाग।

42उ आपन पवित्तर वचन सुमिरेस जउन उ आपन दास इब्राहीम क संग किहे रहा।

43परमेस्सर आपन खास क मिस्र स बाहेर निकारि लिआवा। लोग खुसी क गीत गावत भए अउर खुसियन मनावत भए बाहेर आइ गएन।

44फिन परमेस्सर निज भगतन क उ देस दिहस जहाँ अउर लोग रहत रहेन। परमेस्सर क भगतन उ सबइ चिजियन क पाइ लिहन जेनके बरे अउर लोग मेहनत किहे रहेन।

45परमेस्सर अइसा एह बरे किहस ताकि लोग ओकर व्यवस्था मानइँ। परमेस्सर अइसा एह बरे किहस ताकि उ पचे ओकरी सिच्छा पइ चलइँ। यहोवा क गुण गावा।

भजन 106

1यहोवा क बड़कई करा। यहोवा क धन्यवाद करा काहेकि उ उत्तिम अहइ। परमेस्सर क पिरेम सदा ही रहत ह।

अभिसिक्त भवा क इ साइद कि राजन, राजकुमारन, या नबियन क ओर इसारा करत ह जेनका तेल स अभिसिक्त कीन्ह गा रहेन इ दिखावइ बरे कि उ पचन्क परमेस्सर क जरिए चुना गवा रहेन।

हाम क देस मिस्र क सामिल कइ क उत्तर-पूर्व आफ्रीकी देसन क दूसर नाउँ, हाम नोह क पूत रह।

2फुरइ यहोवा केतॅना महान अहइ, एकर बखान कउनो
मनई कइ नाहीं सकत। परमेस्सर क पूरी बड़कई कउनो नाहीं
कइ सकत।
3जउन लोग परमेस्सर क आदेस क पालन करत हीं, उ
पचे धन्न अहइ। उ पचे हमेसा उत्तिम करम करत हीं।
4यहोवा, जब तू आपन भगतन पइ कृपा करा मोका याद
करा। मोर भी उद्धार करइ बरे याद करा।
5यहोवा, मोका भी ओन भली बातन मँ हींसा बटावइ द्या
जेनका तू आपन लोगन बरे करत अहा। तू आपन रास्ट्रन क
संग मोका भी खुस होइ द्या। तोह पइ तोहार लोगन क
संग मोका भी गर्व करइ द्या।
6हम पचे वइसेन ही पाप किहेन ह जइसे हमार
पुरखन किहेन ह। हम गलत किहेन। हम बुरा काम किहे
अही।
7हे यहोवा, मिस्र मँ हमार पुरखन तोहार अचरज कर्मन स
कछू भी नाहीं सीखेन। उ पचे तोहरे पिरेम क अउर तोहार
करुणा क याद नाहीं रखेन। हमार पुरखन हुआँ लाल सागर
क किनारे तोहरे खिलाफ भएन।
8मुला परमेस्सर निज नाउँ क कारण ओनका बचाए रहा।
उ आपन सक्ती क परगट किहेस।
9परमेस्सर हुकुम दिहस अउर लाल सागर झुरान होइ
गवा। उ ओनका उ गहिर समुद्दर स अइसा निकारि चला
जइसे कउनो रेगिस्तान होइ।
10परमेस्सर हमरे पुरखन क ओनकर दुस्मनन स बचाएस।
उ ओनका आपन दुस्मनन स आजाद किहस।
11अउर फिन ओनकर दुस्मनन क उहइ सागर क बीच
ढाँपिके बोर दिहस। ओनकर एक दुस्मन बचिके निकर नाहीं
पाएस।
12तब हमार पुरखन परमेस्सर क वचन पइ बिस्सास
किहन। उ पचे ओकर गुण गाएन।
13मुला हमार पुरखन ओन बातन क हाली बिसरि गएन
जउन परमेस्सर किहे रहा। उ पचे परमेस्सर क सम्मति पइ
कान नाहीं दिहन।
14उ पचे दूसर चिजियन क कामना किहेन। रेगिस्तान मँ
उ पचे परमेस्सर क परखेन।
15मुला हमार पुरखन जउन कछू भी माँगेन परमेस्सर
ओनका दिहस मुला परमेस्सर ओनका एक महामारी भी दइ
दिहस।
16लोग मूसा स डाह रखइ लागेन अउर हारून स उ पचे
डाह रखइ लागेन जउन यहोवा क पवित्तर याजक रहा।
17एह बरे धरती फट गई अउ दातान क निगल गवा।
अउर उ अबिराम क समूह क निगल लिहस।
18फिन आगी ओन दुट्ठ लोगन क बारि दिहस।
19ओ लोग होरब क पहाड़े पइ एक ठु सोना क बछवा
बनाएन। उ पचे उ मूरति क पूजा करइ लागेन।
20उ पचे आपन महिमावान परमेस्सर क एक घास
खाइवाला बछवा क प्रतिमा स बदल डालेन।
21हमार पुरखन परमेस्सर क बिसरि गएन जउन ओनका
मुक्ति दियाए रहा। उ पचे परमेस्सर क बिसरि गएन जउन
मिस्र मँ अचरज भरा करम किहे रहा।
22परमेस्सर हाम क देस मँ अचरज भरा करम किहे रहा।
परमेस्सर लाल सागर क लगे भय विस्मय भरा काम किहे
रहा।
23परमेस्सर ओन लोगन क नस्ट करइ चाहत रहा। मुला
परमेस्सर क चुना भवा सेवक मूसा, परमेस्सर क समन्वा ओन
लोगन क नास करइ स बचाइ बरे बीच मँ आइ गएन।
24तब ओन लोग उ अद्भुत देस कनान मँ जाइ स मना
कइ दिहन। उ पचे ओकरे वाचा क बिस्सास नाहीं किहेस।
25आपन तम्बुअन मँ उ पचे सिकाइत करत रहेन। हमार
पुरखन परमेस्सर क बात मानइ स नकारेन।
26तउ परमेस्सर किरिया खाएस कि उ पचे रेगिस्तान मँ
मरि जइहीं।
27परमेस्सर किरिया खाएस कि ओनकर सन्तानन क दूसर
लोगन क हरावइ देइ। परमेस्सर कसम खाएस कि उ हमरे
पुरखन क देसन मँ छितराइ।
28बाद मँ परमेस्सर क लोग "बाल-पिऑर" मँ "बाल" क
पूजइ करइ सुरू कइ दिहेन। उ पचे उ माँस खाइ लागेन
जेका निर्जीव देवतन पइ चढ़ावा ग रहा।
29यहोवा ओन लोगन क करमन पइ बहोत कोहाइ गवा।
अउर उ ओन लोगन क खिलाफ महामारी लिआएन।
30मुला पीनहास बिनती किहस अउ परमेस्सर उ बियधि
क रोकेस
31परमेस्सर इ काम क ओकरे बरे आवइवालन पीढ़ियन
बरे बहोत उत्तिम करम समझेस।
32लोग मरिबा मँ यहोवा क किरोध भड़काएन, अउर
ओकरे कारण मूसा स बुरा काम कराएन।
33उ सबइ लोग मूसा क बहोत उदास किहन। तउ मूसा
बिना ही बिचारे बोल उठा।
34तउ उ कनान क रास्ट्र क नस्ट नाहीं किहेस, हाँलाकि
यहोवा ओनका इ करइ बरे कहे रहा।
35इस्राएल क लोग दूसर लोगन स हिल मिल गएन,
अउर उ पचे भी वइसेन काम करइ लागेन जइसे दूसर लोग
करत रहेन।
36उ सबइ दूसर लोग परमेस्सर क जनन बरे फंदा बन
गएन। परमेस्सर क लोग ओन देवन क पूजइ लागेन जेनकर
उ पचे दूसर लोग पूजा करत रहेन।
37हिआँ तलक कि परमेस्सर क जन आपन ही गदेलन
क हत्या करइ लागेन। अउर उ पचे ओन गदेलन क ओन
दानवन क प्रतिमा पइ अर्पित करइ लागेन।
38परमेस्सर क लोग निर्दोख गदेलन क हत्या किहन। उ
पचे आपन ही गदेलन क मारि डाएन अउर ओनका कनान
क देवन क अर्पित किहेन। उ पचे खून स धरती क दूसित
किहेन।
39उ पचे आपन कामन स असुद्ध भएन अउर आपन
कार्यन दुआरा अबिस्सासी बन गए रहेन।
40परमेस्सर आपन ओन लोगन पइ कोहाइ गवा। परमेस्सर
ओनसे तंग आइ चुका रहा।
41तब परमेस्सर आपन ओन लोगन क दूसर जातियन क
दइ दिहस। परमेस्सर ओन पइ ओनकर दुस्मनन क हुकूमत
करवावइ दिहस।

42ओनकर दुस्मनन ओन पइ अत्याचार किहन अउ ओनकर जिअब बहोत कठिन कइ दिहन।

43परमेस्सर आपन लोगन क बहोत बार बचाएस। मुला उ पचे ओनका स मुँह मोड़ लिहन। अउर उ पचे अइसी बातन करइ लागेन जेनका उ पचे करइ चाहत रहेन। एह बरे उ पचे आपन पाप क कारण हराइ दीन्ह गवा रहेन।

44मुला जब कबहूँ परमेस्सर क जनन पइ विपद पड़ी उ पचे सदा ही मदद पावइ क परमेस्सर क गोहराएन। परमेस्सर हर दाईं ओनकर सबइ पराथना क सुनेस।

45परमेस्सर सदा आपन करार क याद राखेस। परमेस्सर आपन महा पिरेम स ओनका सदा ही सुख चैन दिहस।

46परमेस्सर ओन लोगन बरे दूसर कैदियन क समन्वा दयालुता दिखाएस।

47यहोवा हमार परमेस्सर, हमार रच्छा किहस। परमेस्सर ओन दूसर देसन स हमका ऍकट्ठा कइके लइ आवा, ताकि हम ओकरे पवित्तर नाउँ क गुणगान कइ सकी; तकि हम ओकर बड़कई क गीत गाइ सकी।

48इस्राएल क परमेस्सर यहोवा क धन्य कहा। परमेस्सर सदा ही जिन्दा रहत आवा ह। उ सदा ही जिन्दा रही। अउर सबइ जन बोलइँ, "आमीन।" यहोवा क गुण गावा।

पाँचवा भाग

भजन 107

1यहोवा क धन्यवाद द्या, काहेकि उ उत्तिम अहइ। ओकर पिरेम हमेसा रहत ह।

2हर कउनो अइसा मनई जेका यहोवा बचाएस ह, ऍन रास्ट्रन क कहा। हर कउनो अइसा मनई जेका यहोवा आपन दुस्मनन स छोड़ाएस ओकर गुण गावा।

3यहोवा आपन लोगन क बहोत स अलग अलग देसन स बटोरेस ह। उ ओनका पूरब अउ पच्छिम स, अउर उत्तर अउ दक्खिन स जुटाएस ह।

4कछू लोग अइसे रेगिस्तान मँ खोइ गए रहेन जहाँ कउनो लोग नाहीं। उ सबइ लोग अइसेन एक ठु नगर क खोज मँ रहेन। मुला ओनका कउनो अइसा नगर नाहीं मिला।

5उ सबइ लोग भुखान अउ पियासा रहेन अउर उ पचे दुर्बल होत जात रहेन।

6उ पचे संकट मँ रहेन, तउ उ पचे मदद पावइ क यहोवा क गोहराएन। उ ओन सबइ क आपन संकटन स बचाइ लिहस।

7यहोवा ओनका सोझइ उ सहरन मँ लइ गवा जहाँ उ पचे बसि सकिहीं।

8यहोवा क ओकरे विस्सनीय पिरेम बरे अउर ओन अद्भुत करमन बरे धन्यवाद द्या जेनका उ सबइ लोगन बरे करत ह।

9पियासी व्यक्ति परमेस्सर क सन्तुट्ठी बरे अउर उत्तिम वस्तुअन स भूखी व्यक्ति क पेट भरत ह।

10कछू लोगन क कारावासन मँ राखेन, जहाँ बहोत अँधियारा रहा। उ पचे कस्ट झेलेन, अउ जंजीर मँ बांध दीन्ह गएन।

11काहेकि उ पचे परमेस्सर क वचन क खिलाफ बिद्रोह किहेन अउर सर्वोच्च परमेस्सर क सलाह क सुनइ स नकारे रहेन।

12उ ओनका कठिनाइयन देइके उ पचन्क दिमाग क विनम्र बनाइ दिहेस। उ पचे ठोकरन खाएन अउर उ पचे भहराइ पड़ेन, अउर ओनका सहारा देइ क कउनो भी नाहीं मिला।

13उ पचे संकट मँ रहेन, तउ उ पचे मदद पावइ क यहोवा क गोहराएन। उ ओन सबइ क आपन संकटन स बचाइ लिहस।

14परमेस्सर ओनका ओनकर अँधियारे जेलन स उबार लिहस। परमेस्सर उ सबइ जंजीरन, अउर बंधन क काटेस जेनसे ओनका बाँधा गवा रहा।

15यहोवा क ओकरे विस्सनीय पिरेम बरे अउर ओन अद्भुत करमन बरे धन्यवाद द्या जेनका उ सबइ लोगन बरे करत ह।

16परमेस्सर हमार दुस्मनन क हरावइ मँ हमका मदद देत ह। ओनकर काँसे क दुआरन क परमेस्सर तोड़ गिराइ सकत ह। परमेस्सर ओनकर दुआरन पइ लगी भइ लोहा क आगल क छिन्न-भिन्न कइ सकत ह।

17कछू मूरख लोग आपन अपराधन अउ पापन क कारण पीरा झेलेन ह।

18ओन लोग खइया क इच्छा तजि दिहेन अउर उ पचे मरे भए स होइ गएन।

19उ पचे संकट मँ रहेन, तउ उ पचे मदद पावइ क यहोवा क गोहराएन। उ ओन सबइ क आपन संकटन स बचाइ लिहस।

20परमेस्सर आदेस दिहस अउर लोगन क चँगा किहस। इ तरह उ पचन्क बर्बाद होइ स बच गएन।

21यहोवा क ओकरे विस्सनीय पिरेम बरे अउर ओन अद्भुत करमन बरे धन्यवाद द्या जेनका उ सबइ लोगन बरे करत ह।

22ओनका यहोवा क धन्यवाद देइ बरे बलि अर्पित करइ द्या, उ जउन किहे अहइ ओन बातन क आनन्द क संग बखाना।

23कछू लोग आपन काम करइ आपन नइयन स समुद्दर पार कइ गएन।

24ओन लोगन अइसी बातन क लखेन ह जेनका यहोवा कइ सकत ह। उ पचे ओन अद्भुत बातन क लखेन ह जेनका यहोवा सागर पइ किहे रहा।

25परमेस्सर आदेस दिहस, फिन एक तेज हवा चलइ लाग। बड़की स बड़की लहरन आकार लेइ लागिन।

26लहरन ऍतना ऊपर उठिन जेतना अकास होइ तूफान ऍतना भयानक रहा कि लोग डेराइ गएन।

27लोग लड़खड़ात रहेन, भहरान जात रहेन जइसे नसा मँ धुत होइँ। खेवैया ओनकर बुद्धि जइसे बियर्थ होइ गइ होइ।

28उ पचे संकट मँ रहेन, तउ उ पचे मदद पावइ क यहोवा क गोहराएन। उ ओन सबइ क आपन संकटन स बचाइ लिहस।

29परमेस्सर तूफान क रोकेस अउर लहरन सान्त होइ गइन।

30खेवैया खुस रहेन कि सागर सांत भवा होइ गवा। परमेस्सर ओनका अहइ सुरच्छित ठउरे पइ लइ गवा जहाँ उ पचे जाइ चाहत रहेन।

31यहोवा क ओकरे बिस्सनीय पिरेम बरे अउर ओन अद्भुत करमन बरे धन्यवाद द्या जेनका उ सबइ लोगन बरे करत ह।

32महान सभा क बीच ओनका ऊँच होइ द्या। नेतन मिलन मँ ओकर बड़कई करइ द्या।

33उ नदियन क रेगिस्ताने मँ बदल दिहस। भुइँया सुखाइ बरे उ झरनन क प्रवाह क रोकेस।

34परमेस्सर उपजाऊ भुइँया क बेकार क रेही भुइँया मँ बदल दिहस। काहेकि हुआँ बसे दुट्ठ लोग बुरे करम किहे रहेन।

35अउर परमेस्सर मरूभूमि क झीलन क धरती मँ बदलेस। उ झुरान धरती स जल क स्त्रोत बहाइ दिहस।

36परमेस्सर भूखे लोगन क उ अच्छी धरती पइ लइ गवा अउर ओन लोग आपन रहइ बरे हुआँ एक ठु सहर बसाएन।

37फिन ओन लोग आपन खेतन मँ बीजन क रोप दिहन। अउर अंगूर क बगिया लगाएन, अउर उ पचे एक उत्तिम फसिल पाइ लिहन।

38परमेस्सर ओन लोगन क आसीर्बाद दिहस। ओनकर परिवार फलइ फूलइ लोगन। ओनके लगे बहोत सारे पसु भएन।

39भयानक महामारी अउर संकट क कारण ओनकर परिवार नान्ह अउर कमज़ोर होइ गएन।

40परमेस्सर ओनकर प्रमुखन क कुचरि दिहस अउर बेज्जत किहे रहा। उ ओनका दिसाहीन रेगिस्ताने मँ भटकइ दिहेस।

41मुला परमेस्सर तबहिं ओन दीन लोगन क ओनकर बिनती स बचाइके निकारि लिहस। अब तउ ओनकर घरानन बड़वार अहइँ, ओतना बड़वार जेतना भेड़िन क झुण्ड।

42इमानदार मनइयन एका देखत हीं अउर आनन्दित होत हीं, किन्तु दुट्ठ लोग एका लखत हीं आपन मुँह बंद रखत हीं।

43एक विवेकी मनई ओन बातन क धियान देत ह। अउर जउन कउनो मनई बुद्धिमान अहइ, यहोवा के सच्चा पिरेम क बारे मँ जान जाइहीं।

भजन 108

वाद्य यंत्र दुआर बजा भवा दाऊद क एक ठु गीत।

1हे परमेस्सर, मइँ आपन हिरदय क तइयार कहेउँ ह। मइँ गाउब अउर उमंग क संगीत बजाउब।

2मोर आातिमा, जगा! वीणओ अउर सारंगियो, जगा। आवा हम भोर क जगाइ!"

3हे मोर सुआमी, मइँ तोहरे बड़कइ क रास्ट्रन क समन्वा गाउब। मइँ विभिन्न लोगन क बीच तोहार स्तुति करब।

4हे परमेस्सर, तोहार पिरेम ओतॅना ऊँच अहइ जेतॅना अकास। तोहार बिस्सास ओतॅना ऊँच अहइ जेतॅना बादरन।

5हे परमेस्सर, तोहार सम्मान अकासन क ऊपर होइ, तोहार महिमा क सारा जगत क ढाँपि लेइ द्या।

6आपन भगत लोगन क बचावइ बरे इ करा। मोर बिनती क जवाब द्या, अउर हमका बचावइ क आपन महासक्ती क प्रयोग करा।

7परमेस्सर आपन मन्दिर स बोला। उ कहेस, "मइँ खुसी स चिचियाब। मइँ आपन लोगन क सोकेम प्रदान करब, अउर सुक्कोत क घाटी ओनकर होइ।

8गिलाद अउ मनस्से मोर अहइँ। एप्रैम मोर सिरवाण अहइ अउर यहूदा मोर राजदण्ड अहइ।

9मोआब मोर गोड़ पखारइ क पात्र बनी। एदोम उ दास होइ जउन मोर पादूका लइके चली, मइँ पलिस्तियन क हराइ क पाछे विजय-उल्लास स चिचियाब।"

10मोका दुस्मन क दुर्ग मँ कउन लइ जाइ? एदोम क हरावइ कउन मोर मदद करी!

11हे परमेस्सर, का इ फुरइ नाहीं बाटइ कि तू हमका तजि दिहा ह? अउर का तू हमरी सेना क संग नाहीं रहब्या?

12हे परमेस्सर, कृपा कइके, हमरे दुस्मन क हरावइ मँ हमार मदद करा। मनइयन तउ हमका बचाइ नाहीं सकतेन।

13हम महान कारज कइ सकित ह सिरिफ जब परमेस्सर हमार साथ होइ। सिरिफ परमेस्सर हमरे दुस्मनन क हराई सकत ह।

भजन 109

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु स्तुति गीत।

1हे परमेस्सर, जब मइँ तोहरे आगे पराथना करउँ तउ चुप नाहीं रह्या।

2लोग मोरे बारे मँ बुरी बातन अउ झूठ बोलत ह। उ पचे मोरे बारे मँ उ सबइ कहत अहइँ जउन फुरइ नाहीं बाटइ।

3लोग मोरे बारे मँ घिना स बोलत अहइँ। उ पचे मोर खिलाफ बिना कारण हमला करत हीं।

4मइँ ओनका पिरेम किहेउँ, फिर भी उ पचे मोहसे दुस्मनी करत हीं। यद्यपि मइँ पराथना मँ वफ़ादार हउँ।

5मइँ ओन मनइयन क संग भला किहे रहेउँ। मुला उ पचे मोरे बरे बुरा करत अहइँ। मइँ ओनसे पिरेम किहेउँ, मुला उ पचे मोसे बइर रखत अहइँ।

6ओकरे खिलाफ एक ठु दुट्ठ मनई क नियुक्त करा, अउर कउनो दोख लगवइया ओका दोख लगावइ बरे ओकरे बगल मँ खड़ा करा।

7ओनमाँ दोख पावइ द्या जब उ अदालत मँ निआउ पइहीं, ओकर पराथना क ओकरे पाप क सबूत होइ द्या।

8मोर दुस्मन क हाली मरि जाइ द्या। ओकरे क जगह कउनो दूसर क लेइ द्या।

9मोरे दुस्मनन क सन्तानन क अनाथ कइ द्या अउर ओकरी पत्नी क तू राँड़ कइ द्या।

10ओनका आवारा अउर भिखारी होइ द्या, अउर ओनका आस्त्रय क खोज तब तलक करइ द्या जब तलक कि ओकर आपन घर बर्बाद न होइ जाइँ।

11मोरे दुस्मन कर्जदार लोगन क जउन कछू मोर दुस्मन क लगे होइँ लइ जाइ द्या। अजनबियन क ओकर मेहनत क कमाइ क लूटिके जाइ द्या।

12कउनो मनई क मोरे दुस्मन पइ कउनो दाया न देखॅावइ। अउर ओकरे अनाथ गदेलन पइ कउनो भी मनई दाया नाहीं देखॅावइ।

13मोर दुस्मन क सन्तानन बर्बाद कइ द्या। आवइवाली पीढ़ी स ओकर नाउँ मिटइ द्या।

14मोरे दुस्मन क पुरखन क पापन क परमेस्सर सदा ही याद राखइ। ओकरे महतारी क पापन न मेटाइ।

15यहोवा सदा ही ओन पापन क याद रखी। अउर उ लोगन बरे मोरे दुस्मन क बिसिरइ क कारण होइ।

16काहेकि दुट्ठ लोगन कउनो भी अच्छा करम कबहुँ नाहीं किहेन अउर उ लोगन क बिना आसा क मउत मँ धकेल दिहा। उ दीन लोगन असहाय लोगन क जिअब कठिन बनाइ दिहा।

17ओन दुट्ठ लोगन क सरापब भावत रहा। तउ अहइ सराप ओह पइ लउटिके गिर जाइ। उ बुरा मनई असीस कबहुँ नाहीं दिहस कि लोगन बरे कउनो अच्छी बात घटइ। तउ ओकरे संग कउनो भी भली बात मत होइ द्या।

18सराप ओकरे बरे ओढ़नन क नाईं होइ। सराप ओकरे सरीर मँ पानी क नाईं भरि जाइ। अउर सराप ओकरे हड्डियन मँ चर्बी क नाईं रहइ।

19उ दुट्ठ मनई बरे सराप क ओढ़ना बनी द्या। सराप क ओकरे बरे हमेसा बरे कमर बन्द बनइ द्या।

20यहोवा मोहे पइ दोख लगावइवालन क अउर ओन लोगन क जउन मोरे खिलाफ बुरा जोजना बनावत ह क, उ सबइ चिजियन क भुगतान क रूप मँ देइ द्या।

21किन्तु हे यहोवा, तू मोर सुआमी अहा। तउ मोरे संग अइसा बेउहार करा जेहसे तोहरे नाउँ क जस बाढ़इ। तोहार करुणा महान अहइ, तउ मोर रच्छा करा।

22काहेकि मइँ बस एक गरीब अउर असहाय व्यक्ति अहउँ। मइँ फुरइ दुःखी अहउँ।

23मोका अइसा लागत बाटइ जइसे मोर जिन्नगी साँझ क समइ क लम्बी छाया क तरह बीति चुकी बाटइ। मोका अइसा लागत रहा मइँ महसूस करत हउँ कि मइँ किरवा क नाईं हउँ जउन मोका हिराइ दिहेस ह।

24उपवास क कारण मोर घुटना दुर्बल होइ ग अहइँ। मोर वजन घटत ही जात अहइ, अउर मइँ झुरान जात अहउँ।

25बुरे लोग मोका अपमानित करत हीं। उ पचे मोका घूरत अउ आपन मूँड़ी मटकावत हीं।

26यहोवा मोर परमेस्सर, मोका सहारा द्या। आपन बिस्ससनीय पिरेम देखॅावा अउर मोका बचाइ ल्या।

27फुन उ पचे लोग जान जइहीं कि तू ही मोका बचाया ह। ओनका पता चल जाइ कि उ तोहार सक्ति रही जउन मोका सहारा दिहस।

28यद्यपि दुट्ठ लोग मोका सराप देत ह, हे यहोवा तू मोका आसीर्बाद दे। यद्यपि उ पचे मोह पइ वार करत हीं, ओनका अपमानित होइ द्या। किन्तु तोहार सेवक क खुस होइ द्या।

29मोर विरोधियन क अपमान स ढाँपि लेइ द्या। ओनका लज्जा स घेरी लेइ द्या।

30मइँ यहोवा क बहोत अधिक धन्यवाद देत हउँ। बहोत लोगन क समन्वा ओकर गुण गावत हँउ।

31काहेकि यहोवा असहाय लोगन क साथ देत ह। उ ओनका लोगन स बचावत ह, जउन ओन पइ निआव करत ह।

भजन 110

दाऊद क वाद्य यंत्र क संग एक उ गीत।

1यहोवा मोर सुआमी स कहेस, "तू मोर दाहिन कइँती तब तलक बैठि जा, जब तलक कि मइँ तोहरे दुस्मनन क तोहरे गोड़न क चौकी न बनाइ देउँ।"

2यहोवा तोहार राज्ज क अधिकार सिय्योन स स्थापित करी। तू आपन दुस्मनन पइ सासन करी।

3तोहरे पराक्रम क दिन तोहरी प्रजा क लोग स्वेछा बलि बनिहीं। तोहार जवान पवित्तर होइ स सुसोभित भिन्सारे क गर्भ स जन्मी ओसे क नाईं तोहरे लगे अहइँ।

4यहोवा एक वचन दिहस, अउर उ आपन मन नाहीं बदली। "तू हमेसा बरे याजक अहा, जइसा मेल्कीसेदेक क समूह क याजक रहा।"

5मोर सुआमी, तोहार मदद बरे तोहार निचके खड़ा रहत ह। ओकरे गुस्सा दिखावइ क दिन उ दूसर राजा लोगन क हराइ दिहे रहा।

6परमेस्सर रास्ट्रन क निआउ करी। परमेस्सर उ महान धरती प नेता लोगन क हराइ दिहस। ओनकर मरी देहन स धरती भरि गइ रही।

7राहे क झरना स पानी पिए क पाछे ही राजा आपन मूँड़ि उठाई अउर फुरइ बलवान होइ।

भजन 111

1यहोवा क गुण गावा। यहोवा क आपन सम्पूर्ण मने स अइसी उ सभा मँ धन्यवाद करत हउँ जहाँ सज्जन मिला करत हीं।

2यहोवा महान करम करत ह। लोगन जउन ओन चिजियन क महत्त्व जानत हीं ओनका खोजत हीं।

3यहोवा फुरइ इ महिमामय अउर अचरजे स भरा काम करत हीं। ओकरा खरापन सदा-सदा बना रहत ह।

4परमेस्सर अद्भुत करम करत ह ताकि हम याद राखी कि यहोवा करुणा स भरा अउर दाया स भरा बाटइ।

5उ आपन भगतन क भोजन देत ह। उ हमेसा आपन करार क याद राखत ह।

6उ आपन लोगन क ओन भुइँया देइके जउन दूसर रास्ट्रन अहइ महान कारज देखाएस ह।

7परमेस्सर जउन कछू करत ह उ बिस्सास योग्य अउर फुरइ बाटइ। ओकर सबहिं आग्यन नियावपूर्वक अहइँ।

8परमेस्सर क आग्यन सदा ही बना रइहीं। परमेस्सर क ओन आदेसन क देइ क प्रयोजन फुरइ अउ निस्पच्छ रहेन।

9उ आपन लोगन क मुक्त करत ह। उ ओनसे एक करार किहेस ह जउन सदा-सदा रहइ। परमेस्सर क नाउँ अचरजे स भरा अउर पवित्तर अहइ।

10विवेक भय अउर यहोवा क आदर स उपजत ह। उ पचे लोग बुद्धिमान होत हीं जउन यहोवा क आदर करत हीं। यहोवा क स्तुति सदा सदा गाई जात रही।

भजन 112

1यहोवा क बड़कई करा। अइसा मनई जउन यहोवा स डेरात ह अउर ओकर आदर करत ह उ बहोत सफल होइ। परमेस्सर क आदेस अइसे लोग क भावत हीं।

2धरती पइ अइसे मनई क संतानन मज़बूत होइहीं। अच्छे मनई क संतानन आसीर्बाद पाइहीं।

3अइसे मनई क परिवार बहोत धनवान होइ। ओकर नीक करम सदा सदा बनी रही।

4सच्चे लोगन बरे परमेस्सर अइसा होत ह जइसे अँधियारा मँ चमकत प्रकास होइ। उ सच्चा अहइ, अउर करुणा स भरा बाटइ अउर दाया स भरा बा।

5इ मनई बरे नीक बाटइ कि उ दयालु अउर उदार होइ। मनई क इ उत्तिम अहइ कि उ आपन वादा मँ खरा रहइ।

6अइसा मनई क पतन कबहुँ नाहीं होइ। एक सच्चा मनई क सदा याद कीन्ह जाइ।

7सज्जन व्यक्ति बुरी खबरन स नाहीं डेरात। अइसा मनई यहोवा क भरोसे अहइ अउर आस्वस्त रहत ह।

8अइसा मनई आस्वस्त रहत ह उ ससान नाहीं रहत। उ आपन दुस्मनन क हराइ देइ।

9अइसा मनई दीन जनन क मुक्त दान देत ह। ओकर नीक करम जेका उ दीन लोगन बरे दिखावत ह उ सदा सदा बना रइहीं। उ बहोत सम्मानित कीन्ह जाइ।

10कुटिल लोग ओका लखिहीं अउर कुपित होइहीं। उ पचे किरोध मँ आपन दाँतन क पिसिहीं अउर फुन लुप्त होइ जइहीं। दुट्ठ लोग ओका कबहुँ नाहीं पइहीं जेका उ सब स जियादा पावइ चाहत हीं।

भजन 113

1यहोवा क स्तुति करा, हे यहोवा क सेवकन, ओकर स्तुति करा। यहोवा क नाउँ क बड़कई करा।

2यहोवा क नाउँ अबहुँ अउर सदा सदा बरे आसीसित होइ।

3मोर इ कामना अहइ, यहोवा क नाउँ क गुण पूरब स जहाँ सूरज उगत ह, पच्छिउँ तलक उ ठउरे मँ जहाँ सूरज बूड़त ह गावा जाइ।

4यहोवा सबहिं रास्ट्रन स महान अहइ। ओकर महिमा अकासे तलक उठति ह।

5यहोवा हमरे परमेस्सर क नाईं कउनो भी मनई नाहीं अहइ जउन ऊँचाइ पइ विराजमान अहइ।

6भले ही उ सबइ बातन क जउन धरती अउर आकासे पइ घटत ह, लखइ बरे उ नीचे झुकिके निगाह डावइ ह।

7परमेस्सर गरीब मनइयन क धूरि स उठावत ह। उ ओनका क गन्दगी स निकारत ह।

8परमेस्सर ओनका महत्वपूर्ण बनावत ह। परमेस्सर ओन लोगन क महत्वपूर्ण मुखिया बनावत ह।

9कउनो मेहरारू बे औलाद होइ सकत ह, किन्तु परमेस्सर ओका बच्चा स आसीसित करी, अउर ओका खुस करी। यहोवा क गुणगान करा।

भजन 114

1जब याकूब क घराना बिदेसियन क रास्ट्र मिस्र क तजेस।

2उ समइ यहूदा परमेस्सर क खास मनई बना, इस्राएल ओकर राज्ज बन गवा।

3लाल सागर एँका लखेस, उ पराइ गवा। यरदन नदी उलटिके बह चली।

4पर्वत मेमनन क नाईं नाच गएन। पहाड़ी भेड़न क नाईं नाचि गइन।

5हे लाल सागर, तू काहे पराइ गया? हे यरदन नदी, तू काहे उलटी बहिउ?

6हे पहाड़ो, काहे तू पचे भेड़न क नाईं नाच्या? हे पहाड़ियो, तू पचे काहे मेमनन जइसी नाचिउ?

7हे धरती, यहोवा याकूब क परमेस्सर, सुआमी क समन्वा काँप।

8परमेस्सर ही चट्टानन क चीरिके जल क बाहेर बहाएस। परमेस्सर पक्की चट्टान स जल क झरना बहाए रहा।

भजन 115

1यहोवा। हमका कउनो गौरव ग्रहण नाहीं करइ चाही। गौरव तउ तोहार अहइ। तोहार पिरेम अउ निस्ठा क कारण गौरव तोहार अहइ।

2रास्ट्रन काहे कहिइ, 'ओकर परमेस्सर कहाँ अहइ?'

3मोर परमेस्सर सरगे मँ अहइ। उ उहइ करत ह जउन कछू उ चाहत ह।

4ओन जातियन क "देवता" बस सिरिफ पुतला अहइँ जउन सोना चाँदी क बना अहइँ। उ सबइ बस सिरिफ पुतलन अहइँ जेनका कउनो मनई बनाएस ह।

5ओन पुतलन क मुँह अहइँ, मुला उ सबइ बोल नाहीं पउतेन। ओनकर आँखिन अहइँ, पर उ सबइ लखि नाहीं पउतेन।

6ओनके कान अहइँ, मुला उ सबइ सुन नाहीं सकतेन। ओनके लगे नाक अहइँ, मुला उ सबइ सूँघ नाहीं पउतेन।

7ओनके हाथ अहइँ, मुला उ पचे कउनो चीज क छुइ नाहीं सकतेन। ओनके गोड़ अहइँ, मुला उ पचे चल नाहीं सकतेन। उ पचे आपन गटइ स कउनो आवाज़ नाहीं निकारइ सकतेन।

8जउन मनई इ सबइ पुतलन बनावत हीं, अउर ओनमाँ बिस्सास धरत हीं बिल्कुल इ सबइ मूरतियन जइसे बन जइहीं।

9ओ इस्राएल क लोगो, यहोवा मँ भरोसा रखा। यहोवा इस्राएल क मदद देत ह अउर ओकर रच्छा करत ह।

10ओ हारून क घराने, यहोवा मँ भरोसा रखा। हारून क घराने क यहोवा सहारा देत ह, अउ ओकर रच्छा करत ह।

11हे यहोवा क सबइ मनवइयो, ओनमाँ भरोसा रखा। उ सहारा देत ह अउर आपन लोगन क रच्छा करत ह।
12यहोवा हमका याद राखत ह। यहोवा हमका वरदान देइ, यहोवा इस्राएल क आसीसित करी। यहोवा हारून क परिवार क आसीसित करी।
13उ ओन लोगन क आसीसित करी जउन ओहसे डेरात ह, छोटा स लइके बरा तलक।
14मोका आसा अहइ यहोवा तोहार बढ़ोतरी करी अउर मोका आसा अहइ, उ तोहार संतानन क भी जियादा स जियादा देइ।
15यहोवा जउन सरग अउ धरती क बनाएस ह, तोहका आसीस देइ।
16सरग यहोवा क अहइ। मुला उ धरती क मानव जाति क दिहेस ह।
17मरे भए लोग यहोवा क गुण नाहीं गउतेन। कब्र मँ पड़े भए लोग यहोवा क गुणगान नाहीं करतेन।
18मुला हम अबहुँ यहोवा क स्तुति करति ह, अउर हम ओकर स्तुति सदा-सदा करब!

भजन 116

1मइँ यहोवा स पिरेम करत हउँ जब उ मोर पराथनन क सुनत ह अउर एकर जवाब देत ह।
2मइँ ओका पिरेम करत हउँ काहेकि उ मोर सुनत ह। मइँ आपन सारी जिन्नगी ओका मदद बरे बुलावत हउँ।
3मइँ लगभग मरि चुका रहेउँ। मोरी चारिहुँ कइँती मउत क रस्सा बँधि चुका रहेन। कब्र मोका लीलत रही। मइँ डेरान रहेउँ अउर मइँ चिंतित रहेउँ।
4तब मइँ यहोवा क ओकर मदद लेइ बरे गोहराएउँ, मइँ कहेउँ, "यहोवा, मेहरबानी कइक मोका बचाइ ल्या।"
5यहोवा खरा अहइ अउर दया स पूर्ण अहइ। परमेस्सर करुणा स पूर्ण अहइ।
6यहोवा असहाय लोगन क देख-रेख करत ह। मइँ परेसानी मँ रहेउँ अउर यहोवा मोका बचाएस।
7हे मोर प्राण, फुन स आराम करा। काहेकि यहोवा तोहार देख-रेख करत ह।
8हे परमेस्सर, तू मोर प्राण मउत स बचाया। मोर आँसुअन क तू रोक्या अउर गिरइ स तू मोका थाम लिहा।
9जीवित लोगन क धरती मँ मइँ यहोवा क सेवा करत हउँ।
10मइँ लगातार बिस्सास बनाए राखेउँ हिआँ तलक कि जब मइँ कहि दिहे रहेउँ, "मइँ बहोत पीड़ा मँ होइ गवा रहेउँ।"
11मइँ हिआँ तलक बिस्सास संभाले राखेउँ जब कि मइँ डेरान रहेउँ अउर मइँ कहेउँ, "सबहिं लोग झूठा अहइँ।"
12मइँ भला यहोवा क ओन नीक कामन क बदले मँ का अर्पित कइ सकत हउँ जउन उ मोर बरे किहेस?
13मइँ ओका पेय भेंट देब काहेकि उ मोका बचाएस ह। मइँ यहोवा पइ आस्रित रहब।
14मइँ यहोवा क लोगन क समन्वा आपन वचन क पूरा करब जउन मइँ ओहसे किहे रहेउँ।
15हिआँ तलक कि कउनो एक मउत भी ओन लोगन क जउन यहोवा बरे अपराध किहेन ह, ओकरे बरे बहोत महत्वपूर्ण अहइ।
16हे यहोवा मइँ तोहार एक मेहरारु नउकर क सन्तान हउँ। हे यहोवा, तू ही मोका मोरे बंधन स अजाद किहा।
17मइँ तोहका एक धन्यवाद बलि अर्पित करब। मइँ यहोवा क नाउँ स गोहराउब।
18मइँ यहोवा क लोगन क समन्वा आपन वचन क पूरा किहेउँ ह जउन मइँ ओहसे किहे रहेउँ।
19मइँ यहोवा क मन्दिर क आंगन मँ जाब जउन यरूसलेम मँ अहइ। यहोवा क क स्तुति करब।

भजन 117

1समूचइ रास्ट्रन यहोवा क नाउँ क बड़कई करा। हे लोगो, यहोवा क गुण गावा।
2काहेकि उ हम पइ बहोत पिरेम दिखावत ह। ओकर बिस्सास सदा-सदा बरे रही। यहोवा क बड़कई करा।

भजन 118

1मइँ यहोवा क धन्यवाद देत हउँ, काहेकि उ नीक अहइ। ओकर पिरेम सदा ही रहत ह।
2इस्राएल इ कहइ द्या, "ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही रहत ह।"
3याजक अइसा कहत हीं, "ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा अटल रहत ह।"
4तू लोग जउन यहोवा क उपासना करत अहा, कहा करत अहा, "ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही अटल रहत ह।"
5मइँ परेसानी मँ रहेउँ, एह बरे मइँ मदद बरे यहोवा क पुकारेउँ। उ मोका जवाब दिहस अउर यहोवा मोका अजाद किहस।
6यहोवा मोरे कइँती अहइ, मइँ कबहुँ नाहीं डेराब। लोग मोका कउनो हानि नाहीं पहोंचावइ सकतेन।
7यहोवा मोर सहायक अहइ। मइँ आपन दुस्मनन क हारा देखब।
8मनइयन पइ भरोसा रखइ स यहोवा पइ भरोसा राखब उत्तिम अहइ।
9इ हमेसा उत्तिम अहइ कि पहिले आपन यहोवा पइ भरोसा करा तउ आपन मुखियन पइ।
10मइँ आपन दुस्मनन दुआरा घेरि लिहे गवा रहेउँ। यहोवा क सक्ति स मइँ आपन बैरी लोगन क हराइ दिहेउँ।
11बहोत सारा दुस्मनन मोका चारिहउँ कइँती स घेरि लिहन ह। मइँ आपन दुस्मन क यहोवा क सक्ति स हराएउँ।
12दुस्मनन मोका मधु माखियन क झुण्ड क नाईं घेरि लिहन। मुला, उ सबइ हाली बरत भइ झाड़ी क नाईं बर्बाद भएन। यहोवा क सक्ती स मइँ ओका हराएउँ ह।
13मोर दुस्मनन मोह पइ वार किहन अउ मोका लगभग बर्बाद कइ दिहन मुला यहोवा मोका सहारा दिहस।
14यहोवा मोर सक्ती अउर मोर विजय गीत अहइ। अउर उ रच्छक बनि गवा ह।

15सज्जनन क घर मँ जउन विजय पर्व मनत अहइ तू ओका सुन सकत ह। देखा, यहोवा आपन महासक्ती फुन देखाएस ह।

16यहोवा क भुजन विजय मँ उठी भइ अहइँ। देखा यहोवा आपन महासक्ती फुन स देखाएस।

17मइँ जिअत रहब, मइँ मरब नाहीं, अउर जउन करम यहोवा किहस ह, मइँ ओन लोगन क गनती फुन स करब।

18यहोवा मोका दण्ड दिहस, मुला उ मोका मरइ नाहीं दिहस।

19सच्चाई क दुआरन क खोला, ताकि मइँ भीतर आइ पाउँ अउर यहोवा क आराधना करउँ।

20यहोवा क मौजूदगी मँ जाइ क दुआर हिआँ अहइ। बस सिरिफ धर्मी लोग ही ओन दुआरन स होइके जाइ सकत हीं।

21हे यहोवा, मोर पराथना क जवाब देइ बरे अउर मोका रच्छा करइ बरे तोहका धन्यवाद देत अहउँ।

22जउन पाथार क राज मिस्त्रियन नकार दिहे रहेन उहइ पाथर क प्रयोग कोना क पाथर क रूप मँ कीन्ह गवा।

23यहोवा इ घटना क होइ दिहस। अउर हम सबइ एहमाँ अद्‌भूत महसूस कीन्ह।

24इ उहइ दिना अहइ जेका यहोवा बनाएस ह। आवा हम खुसी क अनुभव करी अउर आजु आनन्दित होइ जाइ।

25लोग कहेन, "हे यहोवा, हम पचन क बचाव करा, हे यहोवा हमार रच्छा करा।

26उ मनई धन्न होइ जउन यहोवा क नाउँ मँ आवत अहइ।" मइँ यहोवा क घर मँ तोहार स्तुति करित हउँ।

27यहोवा परमेस्सर अहइ। उ आपन प्रकास स हम पचन क छाया दिहेस ह। वेदी क कोनन पइ भेंट क मेमना क बाँधा।"

28हे यहोवा, तू हमार परमेस्सर अहा, अउर मइँ तोहार धन्यवाद करत हउँ। मइँ तोहार गुण गावत हउँ, हे मोर परमेस्सर।

29यहोवा क बड़कई करा काहेकि उ उत्तिम अहइ। ओकर सच्ची करुणा सदा सदा बनी रहत ह।

भजन 119

आलेफ

1जउन लोग इमानदारी स जीवन जिअत हीं, उ सबइ कामयाब रहत हीं। अइसे लोग यहोवा क सिच्छा पइ चलत हीं।

2लोग जउन यहोवा क करार पइ चलत हीं, उ पचे कामयाब रहत हीं। आपन समूचइ मन स उ पचे यहोवा क मानइ बरे खोजत हीं।

3उ पचे लोग बुरा काम नाहीं करतेन। उ पचे यहोवा क आग्या क मानत हीं।

4हे यहोवा, तू आपन उपदेस इ बरे दिहा ह, हम पचे ओका धियान स पालन कइ सकी।

5हे यहोवा, मइँ सदा तोहरे कानून क नियमित रूप स पालन करेउँ,

6तब जब मइँ तोहर सबइ आग्यन क पढ़ब मइँ कबहुँ भी नाहीं लजाब।

7मइँ तोहार स्तुति पूरी मन स करब जेतॅना जियादा मइँ तोहरे फइसलन क बारे मँ सिखेउँ ह।

8हे यहोवा, मइँ तोहरे कानूनन क पालन करब। तउ कृपा कइके मोका पूरी तरह स जिन बिसरा।

बैथ

9एक जवान मनई तोहरे निर्देसन पइ चलइ कइ कइसे आपन जीवन पवित्तर रख पावइ?

10मइँ, आपन पूर्ण मन स यहोवा क सेवा क जतन करत हउँ। कृपा कइके तोहरे आग्यन क मानइ मँ मोका जिन गल्ती करइ द्या।

11मइँ धियान पूर्वक तोहार वचन याद किहेउँ ह। काहेकि मइँ तोहरे खिलाफ फुन स पाप न करइ चाहत हउँ।

12हे यहोवा, मइँ तोहार स्तुति किहेउँ ह। कृपा कइके मोका तोहार कानून क सिखावा।

13मइँ तोहार सबहिं फइसलन क बरे मँ बताउब।

14तोहरे करार क निर्देसन क पालन करब मोका दूसर कउनो धन स जियादा भावत अहइ।

15मइँ तोहरे उपदेसन पइ विचार किहेउँ ह, अउर मइँ तोहरे सिद्धान्तन पइ चलत हउँ।

16मइँ तोहरे नियमन मँ आनन्द लेत हउँ। मइँ तोहरे बचनन क नाहीं भूलब।

गिमेल

17आपन सेवक, मोर बरे अच्छा करा ताकि मइँ जी सकेउँ अउर तोहरे वचन पइ चलि सकेउँ।

18हे यहोवा, मोर आँखी खोला तउ होइ सकत ह कि मइँ एका लखि सकत हउँ। अउर तोहरी अद्‌भुत बातन पढ़ सकेउँ जेका तू किहा ह।

19मइँ इ धरती पइ एक अनजाना परदेसी हउँ। हे यहोवा, आपन सिच्छन क मोसे जिन छिपावा।

20मोर हमेसा तोहरे जरिए पइ बना भवा फइसलन क अध्ययन क अभिलासा रखत हउँ।

21हे यहोवा, तू अहंकारी जन क फटकारत ह। ओन अहंकारी लोगन पइ बुरी बातन घटित होइहीं। उ सबइ तोहरे आदेसन स मुरि गवा अहइँ।

22लज्जा अउर अपमान क मोसे हटाइ द्या। मइँ तोहरी करार क पालन किहेउँ ह।

23हिआँ तलक कि नेता लोगन भी मोरे बरे बुरी बातन किहेन ह। मुला मइँ तउ तोहार सेवक अहउँ। मइँ तोहरे विधियन क समुझत हउँ।

24तोहार करार मोर सर्वोत्तम मीत अहइ। इ मोका नीक सलाह दिया करत ह।

दालथ

25मइँ हाली दाल्थ मरि जाब। हे यहोवा, तू आदेस द्या अउर मोका जिअइ द्या।

26मइँ तोहका आपन जिन्नगी क बारे मँ बताएउँ ह, तू मोका जवाब दिहा ह अबइ तू मोका आपन विधान बतावा।

27हे यहोवा, मोर सहायता करा ताकि मइँ समुझ सकेउँ कि तोहार उपदेसन क पालन कइसे कीन्ह जाई सकी। मोका ओन अद्भुत कर्मन क चिंतन करइ द्या जेनका तू किहा ह।
28मइँ दु:खी अउर थका हउँ। वचन क मुताबिक मोका तू फुन स मज़बूत बनाइ द्या।
29हे यहोवा, मोका कउनो परेसानी क जीवन जिन जिअइ द्या। तोहार कानून क मोका दयालुता स सिखावा।
30मइँ तोहार करार क मानइ बरे चुने रहेउँ। मइँ आपन आप क तोहार विवेकी फइसलन क अध्ययन अउर पालन करइ क वचन बद्ध किहेउँ ह।
31तोहार करार क संग मइँ लगनसील अहउँ। हे यहोवा, मोका असफल जिन होइ द्या।
32मइँ तोहरे आग्यन क पालन उत्सुकता स किह्या ह जब तू मोर समुझदारी क बढ़ाया ह।

हे

33हे यहोवा, तू मोका आपन व्यवस्था सिखावा तब मइँ धियानपूर्वक ओनकर अनुसरण करब।
34ओनका समुझइँ मँ मोर मदद करा। अउर मइँ तोहरी सिच्छन क पालन करब। मइँ पूरी मन स ओनकर पालन करब।
35मोका आपन आग्यन क राहे पइ चलावा। मइँ ओन पइ प्रसन्न हउँ।
36मोर मदद करा कि मइँ तोहरे करार क मनन करउँ, बजाय ओकरे कि कइसे धन हासिल करेउँ।
37मोका बियर्थ चिजियन पइ धियान जिन देइ द्या। तोहार राहे मँ रहइ बरे मोर मदद करा।
38मइँ तोहार सेवक अहउँ। तउ ओन बातन क करा जेनकर वचन तू दिहा ह ताकि मइँ तोहार सम्मान कइ सकउँ।
39मोका उ अपमान स मुक्त करा जेसा मइँ डेरात हउँ। तोहार फइसलन हमेसा नीक होत हीं।
40मइँ तोहरे उपदेसन क अभिलासी हउँ। मोर भला करा अउर मोका जिअइ द्या।

वाव

41हे यहोवा, तू सच्चा निज पिरेम मोह पइ परगट करा। मोर रच्छा वइसे ही करा जइसे तू वचन दिहा।
42तब मोरे लगे ओन लोगन बरे एक जवाब होइ जउन मोर अपमान करत हीं। काहेकि मइँ तोहार वचन पइ भरोसा रखत हउँ।
43तोहार सच्ची सिच्छा क बोलइ मँ सदा मोरे मदद करा। मइँ तोहरे बुद्धिमान फइसलन पइ निर्भर अहउँ।
44हे यहोवा, मइँ तोहरी सिच्छन क पालन सदा अउ सदा बरे करब।
45तउ मइँ सुरच्छित जिन्नगी जिअब। मइँ तोहरी व्यवस्था क पालइ क कठिन जतन करत हउँ।
46मइँ यहोवा क करार क चर्चा राजा लोगन क संग करब अउर उ पचे उत्साह मँ होइके सुनिहीं मोहसे लजाइहीं नाहीं।
47हे यहोवा, मोका तोहरी सबइ आग्यन क मनन जेहसे मइँ पिरेम करत हउँ भावत ह।
48मइँ तोहरी आग्यन कइँती जेहसे मइँ पिरेम करत हउँ हाथ फइलाउब, अउर मइँ तोहार कानून पइ बिचार करत हउँ।

जैन

49हे यहोवा, कृपा कइके आपन वचन क याद रखा, जउन तू मोहसे किह्या ह। उहइ वचन मोका आसा देत ह।
50जब मइँ झेलत रहेउँ, तू मोका चइन दिहा। तोहार वचन मोका जीवन देत ह।
51लोग जउन खुद क मोहसे उत्तिम सोचत हीं, निरन्तर मोर अपमान करत अहइँ। मुला हे यहोवा मइँ तोहार सिच्छन पइ चलब नाहीं तजेउँ।
52मइँ तोहरे ओन फइसलन क याद करत हउँ जेका तू बहोत पहिले दिहा ह, अउर मइँ मोका चइन देत अहइँ।
53जब मइँ अइसे दुट्ठ लोगन क लखत हउँ, जउन तोहरी सिच्छन पइ चलब तजेन ह, तउ मइँ बहोत कोहाइ जात हउँ।
54तोहार सबइ कानून मोर बरे आनन्दित भजन होत जहाँ कहिउँ भी मइँ रहत हउँ।
55हे यहोवा, राति मँ मइँ तोहरे नाउँ क धियान अउर तोहरी नेमन क पालन करत हउँ।

ख़ेथ

56इ मोर अभ्यास होत रहत ह। मइँ होसियारी स तोहरे उपदेसन क मानत हउँ।
57हे यहोवा, तू मोर अंग अहइ, एह बरे मइँ तोहार आग्यन क पालन करब।
58हे यहोवा, मइँ पूरी मन स तोहार खोज किहेउँ ह, जइसा वचन तू दिहा मोह पइ दयालु हवा।
59मइँ आपन राहे पइ बहोत धियान दिहेउँ ह, ताकि मइँ तोहरी करार क मुताबिक चल सकउँ।
60मइँ बिना देरी किहे तोहरे आग्यन पइ चलइ क इच्छुक अहउँ।
61दुट्ठन आपन फन्दन मोका फंसाइ लिहेन ह। मइँ तोहरी सिच्छन क कबहुँ नाहीं बिसरेउँ।
62तोहरे सच्चा फइसलन क तोहका धन्यवाद देइ बरे मइँ आधी रात क बीच जगत हउँ।
63जउन कउनो मनई तोहसे डेरात ह तउ मइँ ओकर मीत अहउँ। अगर कउनो मनई तोहरे उपदेसन पइ चलत ह, मइँ ओकर मीत अहउँ।
64हे यहोवा, इ समूचइ धरती तोहरी बिस्ससनीय पिरेम स भरी भइ बा। मोका तू मोका अपने विधान क सिच्छा द्या।

टेथ

65हे यहोवा, तू आपन दास बरे अच्छा काम किहे अहा। तू ठीक वइसा ही किहा जइसा तू करइ क वचन दिहा रह्या।

66हे यहोवा, मोका सही बुद्धि अउ गियान द्या कि मइँ तोहार आदेसन पइ बिस्सास करेउँ।

67पीड़ित होइ स पहिले मूरखता स मइँ बुरे करम किहे रहेउँ। मुला अब, मइँ धियानपूर्वक तोहरे आग्यन क पालन करत हउँ।

68तू अच्छा अहइ, अउर अच्छा काम करत अहा। मोका आपन कानून क सिच्छा द्या।

69घमण्डी लोग मोरे बरे बहोत सारा झूठी बात बोलत हीं। किन्तु यहोवा मइँ आपन पूर्ण वचन बद्धता स तोहरे उपदेसन क पालन करब।

70उ लोगन क दिमाग तोहार उपदेसन क नाहीं समुझ सकतेन। मुला, मइँ तोहरी उपदेसन क अध्ययन कइके बहोत खुसी पावत हउँ।

71हिआँ तलक कि कस्ट भी मोर बरे बढ़िया बनि गवा रहा। उहइ तरह मइँ तोहरी कानून क सीख लिहेउँ।

72तोहरी सीखन मोरे बरे भली होत अहइँ। तोहार सीखन हजारन सोना अउ चाँदी क टूकन स उत्तिम अहइँ।

योध

73हे यहोवा, तू मोका बनाया ह मोर स्थापना आपन निज हाथन स किह्या ह। आपन आग्यन क पढ़इ समुझ मँ तू मोर मदद करा।

74हे यहोवा, तोहार भगत मोका लखत हीं, अउर उ पचे खुस अहइँ, काहेकि मइँ तोहार बातन पइ भरोसा रखत हउँ।

75हे यहोवा, मइँ इ जानत हउँ कि तोहार फइसला हमेसा नीक अउ खरा होत हीं। एह बरे इ मोरे बरे उचित रहा कि तू मोका कस्ट दिहा ह।

76अब, आपन सच्चे पिरेम स मोका आराम द्या। मोका आराम द्या जइसा तू आपन सेवक स किह्या ह।

77मोह पइ कृपा करा तइ मइँ जी सकेउँ। फुरइ मइँ तोहार उपदेसन मँ आनन्दित अहउँ।

78ओन लोगन क जउन सोचा करत हीं कि उ पचे मोसे उत्तिम बाटेन, ओनका लजाइ द्या। काहेकि उ पचे मोरे बारे मँ झूठी बातन कहेन ह। हे यहोवा, मइँ तोहरे उपदेसन क बिचार किहेउँ ह।

79आपन भगतन क मोरे लगे लउटि आवइ द्या। अइसे ओन लोगन क मोरे लगे लउटि आवइ द्या, जेनका तोहरी करार क जानकारी अहइ।

80मोरे हिरदय क हमेसा तोहार कानून क मानइ द्या, ताकि मइँ कबहुँ लज्जित न होबेउँ।

काफ़

81मइँ तोहार इन्तज़ार करइ मँ कमज़ोर होइ गवा हउँ कि तू मोका बचउब्या। मुला यहोवा, मोका तोहार वचन पइ भरोसा बा।

82जउन बातन क तू वचन दिहे रह्या, मइँ ओनकर बाट जोहत रहत हउँ। मुला मोर आँखिन दुर्बल होइ गइ अहउँ। तू मोका कब आराम देब्या?

83हिआँ तलक जब मइँ कचड़ा क धुआँ पइ क दाखरस क झुरान मसक जइसा हउँ, बूढ़ा अउर झुर्रीदार तबहुँ भी तोहरे कानून क न भूलब।

84मइँ कब तलक जिअब? हे यहोवा, कब सज़ा देब्या तू अइसे ओन लोगन क जउन मोहका सतावत हीं?

85कछू अहंकारी लोग आपन फंदन स मोह पइ वार किहे रहेन। इ तोहरी सीखन क खिलाफ अहइ।

86हे यहोवा, सब लोग तोहरी आग्यन क भरोसे कइ सकत हीं। उ पचे मोका बिना कउनो कारण सतावत रहत हीं। मोर मदद करा।

87ओन सबइ लोग धरती स करीब करीब मोका बर्बाद कइ दिहन ह। तउ प भी मइँ तोहरे उपदेसन क नाहीं तजेउँ।

88हे यहोवा, आपन बिस्सासी पिरेम क मोह पइ परगट करा। अउर मोका जिन्नगी द्या। तउ मइँ तोहार करार क पालन कइ सकेउँ।

लामेध

89हे यहोवा, तोहरे वचन सरग मँ, उ सबइ सदा रहत हीं।

90तू हमेसा हमेसा बरे बिस्सासी अहा। तू ही धरती ओकरे जगह पइ रच्या अउर इ हमेसा स हिआँ रहत रह्या।

91तोहरे फइसलन क कारण ही अब तलक सबहिं वस्तु मौजूद अहइँ। काहेकि सबहिं चिजियन तोहार सेवक अहइँ।

92अगर तोहार सीखन मीत जइसी नाहीं होतिन, तउ मोर संकट मोका बर्बाद कइ डउतेन।

93हे यहोवा, तोहरे आदेसन क मइँ कबहुँ नाहीं बिसरब। काहेकि उ सबइ ही मोका जिअत राखत हीं।

94हे यहोवा, मइँ तउ तोहार अहउँ, मोर रच्छा करा। काहेकि तोहरे उपदेसन पइ चलइ क मइँ कठिन जतन करत हउँ।

95दुट्ठ जन मोका विनास करइ क इन्तज़ार करत हीं, मुला मइँ तोहार करार क समुझइ बरे ओहे पइ विचार करत हउँ।

96सब कछू क सीमा अहइ, किन्तु तोहरी आग्यन आपन छेत्र मँ असीमित अहइँ।

मेम

97मइँ तोहरी उपदेसन स बहोत जिआदा पिरेम करत हउँ। हर घड़ी मइँ ओनकर ही बारे मँ सोचत हउँ।

98तोहार आदेसन मोका मोर दुस्मनन स जियादा बुद्धिमान बनाएन। तोहार कानून क वजह स उ सदा मोरे संग रहत ह।

99मइँ आपन सबइ सिच्छकन स जियादा बुद्धिमान हउँ, काहेकि मइँ तोहरी करार क अध्ययन किया करत हउँ।

100मइँ बुजुर्ग प्रमुखन स जियादा समुझत हउँ। काहेकि मइँ तोहरे आदेसन क मानत हउँ।

101मइँ तोहार आदेसन क पालन करइ बरे हर बुरे काम स बचा हउँ।

102हे यहोवा, तू मोर सिच्छक अहा। एह बरे मइँ तोहरे फइसलन स नाहीं मुरेउँ ह।

103तोहार वचन मोर मुहे मँ मधु स भी जियादा मीठा अहइँ।

104तोहार उपदेसन क मइँ सावधान पूर्वक अध्यन करत हउँ, एँह बरे मइँ झूठापन स घिना करत हउँ।

नून

105हे यहोवा, तोहार सिच्छन मोका बुद्धिमान बनावत हीं। तउ झूठी सिच्छन स मइँ घिना किया करत हउँ।

106तोहार फइसलन बहोत नीक अहइँ। मइँ ओनका पालन करइ क प्रतिग्या किहेउँ, एह बरे मइँ पालन करब।

107हे यहोवा, बहोत समइ तलक मइँ विपदन झेलेउँ ह, कृपा कइके मोका वइसी जिन्नगी द्या जइसा तू देइ क वादा किहा ह।

108हे यहोवा, मोरी बिनती क तू अंगीकार करा जउन मइँ तोहका भेंट करत हउँ, अउर मोका आपन फइसलन क सिच्छा द्या।

109होइ सकत ह कि मइँ हर दिन आपन जीवन जोखिम मँ डालत हउँ, किन्तु मइँ तोहार उपदेसन क कबहुँ नाहीं बिसरत हउँ।

110दुट्ठ जन मोका फँसावइ क जतन करत हीं, मुला मइँ तोहरे उपदेसन नाहीं मुरेउँ ह।

111तोहार करार सदा बरे मोर खज़ाना अहइ। इ मोका बहोत खुस किया करत ह।

112मइँ सदा तोहरे विधान पइ चलइ क बहोत कठोर जतन करब।

सामेख

113हे यहोवा, मोका अइसे ओन लोगन स घिना अहइ, जउन पूरी तरह स तोहरे बरे सच्चा नाहीं अहइँ। मोका तउ तोहार सिच्छन भावत हीं।

114तू मोर ढाल अउर रच्छक अहा। मइँ तोहार वचन पइ भरोसा किहउँ ह।

115दुट्ठ लोगन क मोहसे दूर करा, ताकि मइँ आपन परमेस्सर क आग्यन क पालन कइ सकेउँ।

116हे यहोवा, मोका अइसे ही सहारा द्या जइसे तू वचन दिहा, ताकि मइँ जी सकेउँ। मोका तोहेमाँ बिस्सास अहइ, मोका निरास जिन करा।

117हे यहोवा, मोका सहारा द्या कि मोर उद्धार होइ। मइँ सदा तोहरे आदेसन क पाठ किया करब।

118हे यहोवा, तू हर अइसे मनई स विमुख होइ जात ह, जउन तोहार नेम तोड़त हीं। काहेकि उ पचे छल क बियर्थ राहन क पालन करत हीं।

119हे यहोवा, तू इ धरती स सबहिं दुट्ठ लोगन क अइसा हटावा, जइसेन उ पचे बेकार पदार्थ होइ, मइँ तोहरी करार स सदा पिरेम करब।

120हे यहोवा, मइँ तोहसे डेरान हउँ, मइँ डेरात अहउँ, अउर तोहरे विधान क आदर करत हउँ।

ऐन

121मइँ उ सबइ बातन किहेउँ ह जउन नीक अउर खरा अहइँ। हे यहोवा, तू मोका अइसेन ओन लोगन क जिन सौंपा जउन मोका हानि पहोंचावइ चाहत हीं।

122मोका वचन द्या कि तू मोरे बरे अच्छा करब्या। मइँ तोहार दास अहउँ। हे यहोवा, अहंकारी लोगन क मोह पइ अत्याचार जिन करइ द्या।

123हे यहोवा, तू आपन अच्छाई स मोका वचन दिहे रह्या कि तू मोर मदद करब्या। मुला मोर आँखी तोहार राह निहारत भए थकी गइन।

124तू आपन बिस्ससनीय पिरेम मोह पइ परगट करा। मइँ तोहार दास हउँ। तू मोका आपन विधान क सिच्छा द्या।

125मइँ तोहार सेवक हउँ। आपन विवेस स मोका आसीस द्या तउ मइँ तोहार करार क समुझ सकेउँ।

126कार्यवाही करा, हे यहोवा, काहेकि ओन लोग तोहरे कानून क नाफ़रमानी करत हीं।

127हे यहोवा, उत्तिम सुवर्ण स भी जियादा मोका तोहार आदेस भावत हीं।

128तोहरे सब उपदेसन क बहोत सावधानी स मइँ पालन करत हउँ। मइँ सबइ झूठे रास्तन स घिना करत हउँ।

पे

129हे यहोवा, तोहार करार अद्भुत बा। एह बरे मइँ ओकर अनुसरण करत हउँ।

130तोहार वचन क व्याख्या प्रकास लावत ह। तोहार सिच्छन बुद्धिहीन लोगन क समुझ देत ह।

131हे यहोवा, मइँ तोहरे आदेसन क पालन करइ इच्छुक हउँ। मइँ दौड़वालन क नाईं हाँफब।

132हे परमेस्सर, मोरी कइँती निगाह करा अउर मोह पइ दयालु हवा। तू ओन लोगन बरे वइसा ही करा जउन ओकरे बरे नीक अहइ जउन तोहार नाउँ स पिरेम किया करत हीं।

133हे यहोवा, मोका ओन लोगन स बचाइ ल्या जउन मोका दुःख देत हीं अउर मइँ तोहरे आदेसन क पालन करब।

134हे यहोवा मोका ओन आदेसन स बचाइ ल्या जउन मोका दुःख देत हीं। अउर मइँ तोहरे आदेसन क पालन करब।

135हे यहोवा, आपन सेवक पइ दाया दिखावा अउर आपन विधान तू मोका सिखावा।

136रोवत रोवत आँसुअन क एक नदी मइँ बहाइ चुका हउँ। काहेकि लोग तोहरी सिच्छन क पालन नाहीं करत अहइँ।

सादे

137हे यहोवा, तू सच्चा अहा अउर तोहार फइसला खरा अहइँ।

138उ सबइ चिजियन उत्तिम अहइँ जउन तू हमका करार मँ दिहा। हम पूरी तरह स तोहरे विधान क भरोसे रहि सकित ह।

139तोहरे बरे मोर धुन मोका बर्बाद करत ह। मइँ बहोत बेचैन हउँ, काहेकि मोर दुस्मन लोग तोहरे वचन क बिसराइ दिहन।

140हे यहोवा, तोहार वचन प्रमाणित अउर फुरइ अउर सच्चा बाटइ, अउर मइँ तोहार सेवक एहसे पिरेम करत हउँ।

141मइँ एक महत्त्वहीन हउँ अउर लोग मोर आदर नाहीं करत बाटेन। मुला मइँ तोहरे उपदेसन क बिसरत नाहीं अहउँ।
142हे यहोवा, तोहार अच्छाई अनन्त अहइ। तोहरे सिच्छन क भरोसे रहा जाइ सकत ह।
143संकट अउर परेसानी मोका घेरि लिहेस ह। मुला, मइँ तोहार उपदेसन क नाहीं बिसारे रहेउँ।
144तोहार करार हमेसा नीक बाटइ। एका समुझइ मँ मोर सहायता करा ताकि मइँ जी सकउँ।

कोफ़

145सम्मूर्ण मन स यहोवा मइँ तोहका गोहरावत हउँ, मोका जवाब द्या। मइँ तोहरे आदेसन क पालन करत हउँ।
146हे यहोवा, मोर तोहसे बिनती बाटइ। मोका बचाइ ल्या। मइँ तोहरी करार क पालन करब।
147यहोवा, मइँ तोहरी पराथना करइ क भोर क तड़के उठा करत हउँ। मोका ओन बातन पइ भरोसा अहइ, जेनका तू कहत ह।
148पूरी रात मइँ तोहरे वचन पइ विचार करइ बरे बइठा रहत हउँ।
149हे यहोवा, तू आपन पूरे पिरेम स मोह पइ कान द्या, तू वइसा ही करा जेका तू ठीक कहत ह, अउर मोर जिन्नगी बनाए राखा।
150लोग मोरे विरूद्ध कुचक्र रचत अहइँ अउर मोर कइँती आवत हीं। अइसे इ सबइ लोग तोहरी सिच्छन पइ चला नाहीं करतेन।
151मुला तू मोरे लगे अहा। तोहरे सबइ आग्यन पइ बिस्सास कीन्ह जाइ सकत ह।
152बहोत दिनन पहिले ही तोहार करार दुआरा मइँ सीख लिहे रहेउँ कि ओकर नींव सदा बरे डाली गइ अहइ।

रेस

153हे यहोवा, मोर यातना क लखा अउर मोका बचाइ ल्या, मइँ तोहरे उपदेसन क बिसरा नाहीं अहउँ।
154हे यहोवा, मोरे मुकदद्मा बरे बहस करा अउर मोका छुरावा। कृपा कइके मोका तोहार वाचा क अनुसार जिअइ द्या।
155दुट्ठ बिजयी नाहीं होइहीं। काहेकि उ पचे तोहरे विधान पइ नाहीं चलत अहइँ।
156हे यहोवा, तू बहोत दयालु अहा। आपन नीक सासन क अनुसार मोका फुन स जिन्नगी द्या।
157मोर बहोत स सत्रु अहइँ जउन मोका हानि पहोंचावइ बरे जतन करतेन; मुला मइँ तोहरी करार क अनुसरण नाहीं तजेउँ।
158मइँ ओन बिस्सासघातियन क लखत हउँ। उ पचे तोहरे वचन क पालन नाहीं करतेन। मइँ ओनका तजि दिहेउँ ह।
159लखा, मइँ तोहार उपदेसन स पिरेम करत हउँ। हे यहोवा, कृपा कइके मोका तोहरे दयालु पिरेम स जिअइ द्या।
160सुरू स ही तोहार सबहिं वचन बिस्सास क जोग्ग रहेन ह। अउर तोहार खरा फइसलन सदा बरे रहिहीं।

सीन

161सक्तीसाली नेता मोह पइ बियर्थ ही वार करत हीं, मुला मइँ डेरात हउँ अउर बस तोहरे वचन क मइँ आदर करत हउँ।
162तोहार वचन मोका वइसेन आनन्दित करत हीं, जइसा एक जोद्धा आनन्दित होत ह, जेका अबहुँ अबहुँ कउनो जुद्ध क लूट क माल मिल गवा होइ।
163मइँ झूठ क नकारत हउँ। मइँ ओहसे घिना करत हउँ। किन्तु, मइँ तोहरी सिच्छन स पिरेम करत हउँ।
164मइँ दिन मँ सात दाईं तोहरे उत्तिम फइसला बरे तोहार स्तुति करत हउँ।
165उ पचे लोगन बहोत सान्ति पइहीं, जउन तोहार सिच्छन स पिरेम करत हीं। ओका कछू भी गिराइ नाहीं पाई।
166हे यहोवा, मइँ तोहरी प्रतीच्छा मँ हउँ कि तू मोर रच्छा करा। मइँ तोहरे आग्यन क पूरा किहेउँ ह।
167मइँ तोहरी करार पइ चलत रहत हउँ। हे यहोवा, मोका तोहरे विधान स गहन पिरेम अहइ।
168मइँ तोहरी करार क अउ तोहरे उपदेसन क पालन किहेउँ ह। तू सब कछू जानत ह जउन मइँ किहेउँ ह।

ताव

169हे यहोवा, मदद बरे लगावा गवा मोर उँच गोहार तोहे तलक पहोंचइ मोका बुद्धिमान बनावा जइसा तू वचन दिहा ह।
170हे यहोवा, मोर बिनती सुना। तू जइसा वचन दिहा मोर उद्धार करा।
171मइँ बड़कई क गुण गावत हउँ। काहेकि तू मोका आपन कानून सिखाया ह।
172मोका तू आपन गीत गावइ द्या। काहेकि तोहार सबइ आग्यन सच्चा अहइँ।
173तू मोरे लगे आवा, अउर मोका सहारा द्या काहेकि मइँ तोहरे आदेसन पइ चलब चुन लिहेउँ ह।
174हे यहोवा, मइँ इ चाहत हउँ कि तू मोर उद्धार करा, तोहार सिच्छन मोका खुस करत हीं।
175मोका जिअइ द्या तउ मइँ तोहार स्तुति कइ सकेउँ। तोहार आदेस स मोका मदद मिलइ द्या।
176एक ठु खोइ भइ भेड़ क तरह, मइँ आपन रास्ता भटक गएउँ ह। आपन सेवक, मोका तलास करा, अउर मइँ तोहरे आग्यन क बिसरा नाहीं हउँ।

भजन 120

मन्दिर क आरोहण गीत।

1मइँ संकटे मँ पड़ा रहेउँ, सहारा पावइ बरे मइँ यहोवा क गोहराएउँ अउर उ मोका बचाइ लिहस।
2हे यहोवा, मोका तू अइसे लोगन स बचावा जउन मोर खिलाफ झूठ बोलेन ह।

3अरे ओ झूठो, का तू उ जानत अहा कि परमेस्सर तोहका कइसे सजा देइ?

4तू पचन्क दण्ड देइ बरे परमेस्सर जोद्धा क नोकंदार तीर अउ धधकत भए अंगारन क काम मँ लाइ।

5झूठो, तोहरे निचके रहब अइसा अहइ जइसे कि मेसेक मँ रहब। इ रहब अइसा अहइ माना कि कउनो केवार क तम्बू मँ रहब बा।

6जउन सान्ति क दुस्मन अहइँ, अइसे लोगन क संग बहोत लम्बी समइँ तलक रहा हउँ।

7मइँ इ कहे रहेउँ मोका सान्ति चाही। मुला उ पचे जुद्ध चाहत हीं।

भजन 121

मन्दिर क आरोहण गीत।

1मइँ ऊपर ऊँच पहाड़न क कइँती लखत हउँ। मुला फुरइ मइँ कहाँ स पावइँ?

2मोका तउ सहारा यहोवा स मिली जउन सरग अउ धरती क बनावइवाला अहइ।

3परमेस्सर तोहका गिरइ नाहीं देइ। तोहर बचवइया कबहुँ भी नाहीं सोइ।

4इस्राएल क उद्धारकर्त्ता कबहुँ न ही ओंघात ही अउर न ही सोवत अहइँ।

5यहोवा तोहार रच्छक अहइ। उ तोहका आस्रय देइ बरे तोहार बगल मँ अहइ।

6दिन क समइ सूरज तोहका हानि नाहीं पहोंचाइ सकत। राति मँ चाँद तोहार नोस्कान नाहीं कइ सकत।

7यहोवा तोहार रच्छा हर संकट स करी। यहोवा तोहरी आतिमा क रच्छा करी।

8यहोवा उ सबइ पइ धियान रखी जउन कछू तू करब्या। जहाँ कहुँ भी तू जाब्या अउ आउब्या, अबहुँ अउ सदा सर्वदा उ तोहार रच्छा करी।

भजन 122

दाऊद क एक ठु आरोहण गीत।

1जब लोग मोसे कहेन, "आवा, यहोवा क मन्दिर मँ चली तब मइँ बहोत खुस भएउँ।"

2हिआँ हम यरूसलेम क दुआरन पइ खड़ा अही।

3यरूसलेम नगर एक ठु संगठित नगर नाईं बनि गवा ह।

4उ उ जगहिया बा जहाँ उ परिवार समूह जात रहेन, जउन यहोवा क परिवार समूह अहइ, काहेकि इ इस्राएल क लोग दुआरा यहोवा क धन्यवाद देइ क नेम अहइ।

5इ उहइ जगहिया बा जहाँ दाऊद क परिवार क राजा लोगन आपन सिंहासन कायम किहेन। उ पचे आपन सिंहासन लोगन क निआउ करइ बरे कायम किहन।

6तू यरूसलेम मँ सान्ति हेतु बिनती करा। "अइसे लोग जउन तोहसे पिरेम राखत हीं हुआँ रच्छा मँ रहा।

7तोहरे परकोटन क भितरे सान्ति फइल जाइ, तोहरे बिसाल भवनन मँ सुरच्छा बनी रहइ।"

8मइँ पराथना करत हउँ आपन भाइयन अउ साथियन बरे कि हुवाँ सान्ति क बास होइ।

9यहोवा हमरे परमेस्सर क मन्दिर क भले बरे, मइँ पराथना करत हउँ कि इ नगर मँ भली बातन घटित होइँ।

भजन 123

आरोहण गीत।

1हे परमेस्सर, मइँ आँखी उठाइके तोहार पराथना करत हउँ। तू सरग मँ राजा क रूप मँ बिराजत अहा।

2दास लोग आपन सुआमियन क ऊपर ओन चिजियन बरे आसरे पइ रहा करत हीं, जेकर ओनका जरूरत अहइ। दासियन आपन सुआमिनियन क ऊपर आसरे पइ रहा करत हीं। इहइ तरह हमका यहोवा हमरे परमेस्सर तब तलक लखत हउँ जब तलक उ हम पइ दाया देखॉवइ।

3हे यहोवा, हम लोगन पइ कृपालु ह्वा। हम लोगन पइ दयालु ह्वा काहेकि बहोत लम्बी समइ स हम लोगन क अपमान होत अहइ।

4घमण्डी लोग बहोत दिनन स हम लोगन क अपमानित कइ चुका अहइँ।

भजन 124

दाऊद क एक मन्दिर क आरोहण गीत।

1अगर यहोवा हमरे संग नाहीं होतेन तउ इस्राएल क कहइ द्या,

2अगर यहोवा हमरे संग नाहीं होत, जब हमार बिरोधी हम लोगन पइ हमला किहे रहेन?

3तब हमार दुस्मन हमका जिअत ही निगल गए होतेन जब उ पचे गुस्सा भए रहेन।

4तब हमार सत्रुअन क फउजन बाढ़ क तरह हमका बहावत भइ उ नदी क जइसी होइ जातिन जउन हमका बोरत रही होइँ।

5तब उ सबइ घमण्डी लोग उ पानी जइसे होइ जातेन जउन हमका बोरत भवा हमरे मुँहना तलक बाढ़त आवति होइ।

6यहोवा क गुण गावा। उ हमरे दुस्मनन क हमका धरइ नाहीं दिहस अउर न ही मारइ दिहस।

7हम पचे जालि मँ फँसा भवा उ पंछी जइसा रहेन जउन फुनि बचि निकरा होइ। जालि फाटि फुट गवा अउर हम बचिके निकरे।

8यहोवा जउन सरग अउ धरती क बनाएस ह। हमार मदद किहेस।

भजन 125

आरोहण गीत।

1जउन लोग यहोवा क भरोसे रहत हीं, उ पचे सिय्योन क पहाड़ जइसे होइहीं। ओनका कबहुँ कउनो डुगाइ नाहीं पाई। उ पचे सदा ही अटल रइहीं।

2यहोवा आपन लोगन क वइसे ही आपन आस्रय मँ लिहस ह, जइसे यरूसलेम चारिहुँ कइँती पहाड़न स घिरा बाटइ। यहोवा सदा-सर्वदा आपन लोगन क रच्छा करी।

3बुरे लोग भले लोगन क धरती क ऊपर राज्ज नाहीं कइ सकिहीं, अगर बुरे लोग अइसा करइ लग जाइँ तउ होइ सकत ह सज्जन लोग भी बुरा काम करइ लागइँ।
4हे यहोवा, भले लोगन क संग भला करा, जेनकर मन बेकसूर अहइँ।
5मुला यहोवा ओन लोगन क सज़ा देइ जउन दुट्ठ मनई क संग ओनका मानइ तजि दिहस ह। हुवाँ इस्राएल मँ सान्ति रहइ द्या।

भजन 126

आरोहण गीत।

1जब यहोवा सिय्योन क लोगन क कैद स वापिस लिआइ तउ इ कउनो सपना क नाईं होइ।
2तब हम पचे हँसत रहत होब अउ खुसी क गीत गावत रहत होब। तब दूसर रास्ट्र क लोग कहत रहत रहब, "यहोवा ओकरे बरे महान कार्य किहस ह।"
3यहोवा हम लोगन बरे एक अद्‌भुत करम किहे होतेन, तउ हम पचे बहोत खुस होतेन।
4हे यहोवा, हमका रेगिस्तान मँ बहत रहे जलधारन क नाईं, कैद स वापिस लिआवा।
5जउन कउनो रोवत भए बिआ बोवत ह, मुला उ कटनी क समइ खुसी क गीत गाउब।
6जउन कउनो आँसुअन क संग बिआ लइके जात ह, उ पचे जब फसल लिआवत हीं तउ आनन्दित होत हीं।

भजन 127

सुलैमान क मन्दिर क आरोहण गीत।

1अगर घर क निर्माता खुद यहोवा नाहीं अहइ, तउ घरे क बनावइ वाला बेकार समइ गँवावत ह। अगर सहर क रखवाला खुद यहोवा नाहीं अहइ, तउ रखवारे बेकार समइ गँवावत हीं।
2अगर भिन्सारे जागिके तू देर राति तलक काम करा। एह बरे कि तू सबन्क बस खइया बरे कमाइ क अहइ, तउ तू पचे बेकार समइ गँवावत ह। परमेस्सर आपन भगतन क ओनके सोवत तलक मँ धियान रखत ह।
3गदेलन यहोवा क उपहार अहउँ। गदेलन क जनम माता बरे ओकर उपहार अहइँ।
4जवान मनई क पूत जोद्धा क हाथन मँ बाण क नाईं होत हीं।
5जउन मनई बाण रूपी पूतन स तरकस क भरत ह उ बहोत खुस होइ।
6उ मनई कबहुँ हारी नाहीं। ओकर पूत आपन दुस्मनन स सार्वजनिक जगहियन पइ ओकर रच्छा करिहीं।

भजन 128

आरोहण गीत।

1जउन कउनो यहोवा क सम्मान करत हीं धन्न अहइँ। उ पचे ओकरे राहन पइ चलत हीं।
2तू पचे जेनके बरे काम किहा ह, ओन चिजियन क तू आनन्द लेब्या। ओन अइसी वस्तुअन क कउनो भी मनई तू सबन्स नाहीं छोरी। तू पचे खुस रहब्या अउर तोहरे संग भली बातन घटिहीं।
3घरे पइ तोहार घरवाली अंगूरे क बेल क नाईं फलवती होइ। मेज क चारिहुँ कइँती तोहार संतानन अइसी होइहीं, जइसे जइतून क उ सबइ बृच्छ जेनका तू रोप्या ह।
4जउन मनई यहोवा क सम्मान करत हीं उ वइसा ही धन्न अहइँ।
5यहोवा सिय्योन स तोहका आसीस दइ। जीवन भर यरूसलेम मँ तोहका वरदानन क आनन्द मिलइ।
6तू आपन नाती पोतन क लखइ बरे जिअत रहा। इ मोर कामना अहइ। इस्राएल मँ सान्ति रहइ।

भजन 129

मन्दिर क आरोहण गीत।

1पूरी जिन्नगी भइ मोर अनेक दुस्मन रहेन ह। इस्राएल क घोसना करइ द्या
2पूरी जिन्नगी भइ मोर अनेक दुस्मन रहेन ह। बहोत सारे दुस्मन मोह पइ हमला किहन। मुला उ पचे हमका हराइ नाहीं पाएन।
3उ पचे मोका तब तलक पीटेन जब तलक मोरी पिठिया पइ गहिर घाव नाहीं बनेन। मोरे बड़का बड़का अउर गहिर घाव होइ गएन।
4मुला यहोवा उ किहेस जउन नीक रहा अउर रस्सा काट दिहस। उ मोका ओन दुट्ठ लोगन स अजाद किहस।
5ओन सबइ क जउन सिय्योन स घिना करत ह हारइ द्या, उ पचन क खदेड़इ द्या।
6उ सबइ लोग अइसे रहेन, जइसे कउनो घरे क छत पइ क घास जउन उगइ स पहिले ही मुरझाइ जात ह।
7उ घसिया स कउनो मजदूर आपन मूठी तलक नाहीं भरि पावत अउर इ गठरी पुलंदा बनाइ बरे भी प्रयाप्त नाहीं होइ।
8अइसे ओन दुट्ठ जनन क लगे स जउन लोग गुजरत हीं। उ पचे नाहीं कइहीं, "यहोवा तोहार भला करइ।" उ पचे नाहीं कहिहीं, "हम तू पचन्क यहोवा क नाउँ पइ आसीस देत अही।"

भजन 130

आरोहण गीत।

1हे यहोवा, मइँ गहिर कस्ट मँ हउँ तउ सहारा पावइ क मइँ तोहका गोहरावत हउँ।
2मोर सुआमी, तू मोर सुनि ल्या। मोर मदद क गोहार पइ कान द्या।
3हे यहोवा, अगर तू लोगन क ओनकर सबहिं पापन्क सचमुच सजा द्या तउ फुन कउनो भी बच नाहीं पाइ।
4मुला तू, यहोवा, आपन लोगन क छिमा करा; तउ उ लोग तोहार सम्मान करिहीं।
5मइँ यहोवा क बाट जोहत अहउँ कि उ मोका मदद देइ। मोर आतिमा ओकरी प्रतीच्छा मँ अहइ। यहोवा जउन कहत ह ओह पइ मोर भरोसा अहइ।

6मइँ आपन सुआमी क बाट जोहत हउँ। मइँ उ रच्छक जउन उसा क अवाई क प्रतीच्छा मँ लगा रहत ह स जियादा उत्सुकता स ओकर प्रतीच्छा किहस।

7इस्राएल, यहोवा पइ बिस्सास करा। काहेकि सिरिफ उ ही बिस्ससनीय पिरेम देत ह। उ हमरी बार बार रच्छा किया करत ह। उ इस्राएल क ओनके सारे पापन स बचाइ।

भजन 131

आरोहण गीत।

1हे यहोवा, मइँ घमण्डी या अभिमानी नाहीं हउँ। मइँ महत्वपूर्ण होइ क जतन नाहीं करत हउँ। मइँ उ काम करइ क जतन नाहीं करत हउँ। जउन मोरे बरे बहोत अद्भुत अहइँ।

2बदले मँ, मइँ आपन आतिमा क सान्त अउ चुप कइ दिहे हउँ।

3मोर आतिमा आपन महतारी क बाँहे मँ एक संतुट्ठ गदेला क नाईं अहइ।

4इस्राएल, यहोवा पइ भरोसा रखा। ओकर भरोसा रखा। अउर अब सदा सदा ही ओकर भरोसा रखा।

भजन 132

मन्दिर क आरोहण गीत।

1हे यहोवा, जइसे दाऊद यातना भोगे रहा, ओका याद करा।

2मुला दाऊद यहोवा स एक सपथ लिहेस। दाऊद याकूब क सक्तीसाली परमेस्सर क एक मन्नत माने रहा।

3दाऊद कहे रहा: "मइँ आपन घरे मँ तब तलक न जाब, आपन बिछउना पइ न ही ओलरब, न ही सोउब।

4मइँ आपन आँखिन क नाहीं सोवइ देब। अउर आपन पलकन क बन्द नाहीं होइ देब।

5एहमाँ स मइँ कउनो बात भी नाहीं करब जब तलक मइँ यहोवा बरे एक घर न प्राप्त कइ लेउँ। मइँ याकूब क सक्तीसाली परमेस्सर बरे एक ठु मन्दिर पाइ क रहब।"

6एप्राता मँ हम दाऊद क वचन क बारे मँ सुनेउँ। हमका किरीयथ योरीम क वन मँ करार क सन्दूख मिली रही।

7आवा, पवित्तर तम्बू मँ चला। आवा, ओकरे सिंहासन क समन्वा आराधना करी।

8हे यहोवा, आपन आराम क जगह स उठा, अउ करार क सन्दूख संग होआ जहाँ तू सक्ती क संग सासन करत ह।

9हे यहोवा, तोहार याजक धरम क भावना क धारण किया करी। तोहर बिस्सासी भगतन बहोत खुस रहीं।

10तू आपन चुने भए राजा क आपन सेवक दाऊद क भले बरे जिन अस्वीकार करा।

11यहोवा दाऊद क एक वचन दिहेस ह जेका उ कबहुँ नाहीं तोड़िही। उ वचन दिहस ह कि दाऊद क बंस स राजा अइहीं।

12यहोवा कहे रहा, "अगर तोहार संतानन मोर करार पइ अउर मइँ ओनका जउन सिच्छन सिखाइन ओन पइ चलिहीं तउ फुन तोहरे परिवार क कउनो न कउनो सदा ही राजा रही।"

13आपन मन्दिर क जगह बरे यहोवा सिय्योन क चुने रहा। इ उ जगह अहइ जेका उ आपन भवन बरे चाहत रहा।

14यहोवा कहे रहा, "इ मोर जगह सदा-सदा बरे होइ। मइँ एका आपन जगह पइ रहइ बरे चुनेउँ ह।"

15भरपूर भोजन स मइँ इ सहर क आसीर्बाद देब, हिआँ तलक कि गरीब लोगन क लगे खाइ क भरपूर होइ।

16ओकरे याजकन क उद्धार क मइँ ओढ़ना पहिराउब। मोर भगत बहोत खुस होइहीं।

17इ जगह पइ मइँ हिआँ दाऊद क परिवार क सुदृढ़ करब। मइँ आपन चुने भए राजा क एक दीपक स्थापित करब।

18मइँ दाऊद क दुस्मनन क लज्जा स ढाँपि देब। अउर दाऊद क राज्ज क चमकाउब।

भजन 133

दाऊद क आरोहण गीत।

1इ फुरइ नीक अउ सुखदायी अहइ जब भाइयन आपुस मँ मिलिजुलिके रहइँ।

2इ वइसे महकउआ तेल जइसा होत ह जेका हारून क मूँड़ी पइ उड़ेरा गवा रहा। इ, उ तेल जइसा होत ह जउन हारून क दाढ़ी क पइ बहत होइ। इ, उ तेल जइसा होत ह जउन हारून क खास ओढ़नन पइ बहत रहा।

3इ उ कोमल बर्खा क बूँदन क समान अहइ जउन हेर्मोन क पहाड़ी स आवति हीं अउ सिय्योन क पहाड़ पइ गिरत हीं,

4काहेकि हुवँइ यहोवा आपन अन्नतकालीन जिन्नगी क आसीस दिहे रहा।

भजन 134

आरोहण क गीत।

1यहोवा क बड़कई करा, ओकरे सब सेवको, जउन सारी राति मन्दिर मँ सेवा किह्या।

2हे सेवको, पवित्तर ठउर मँ आपन हाथन उठावा अउर यहोवा क बड़कई करा।

3यहोवा तोहका सिय्योन स आसीस देइ। यहोवा सरग अउ धरती रचेस ह।

भजन 135

1यहोवा क बड़कई करा। हे यहोवा क सेवको, यहोवा क नाउँ क बड़कई करा।

2तू लोग मन्दिर मँ खड़ा अहा। यहोवा क नाउँ क बड़कई करा। तू लोग मन्दिर क आँगन मँ खड़ा हुवा। ओकरे नाउँ क बड़कई करा।

3यहोवा क बड़कई करा काहेकि उ खरा अहइ। ओकरे नाउँ क गुण गावा काहेकि उ आन्नदायक अहइ।

4यहोवा याकूब क चुने रहा। इस्राएल परमेस्सर क अहइ।

5मइँ जानत हउँ, यहोवा महान अहइ। हमार सुआमी दूसर देवन स महान अहइ।

6यहोवा जउन कछू चाहत ह सरग मँ, अउर धरती पइ, समुद्दर मँ या गहिर महासागरन मँ, करत ह।

7यहोवा धरती पइ सब कहूँ बादरन क रचत ह। उ बिजुरी अउ बर्खा क रचत ह। उ हवा क ओकर जगह स निकारत ह।

8परमेस्सर मिस्र मँ मनइयन अउ गोरुअन क सबहिं पहिलउटी बच्चन क नास कइ दिहस।

9यहोवा मिस्र मँ बहोत स अद्भुत अउर अचरज भरे कामन किहस। उ फिरौन अउ ओकरे सब अधिकारियन क खिलाफ अद्भुत बातन क दिखाएस।

10परमेस्सर बहोत स देसन क हराएस। परमेस्सर बलवान राजा लोगन क मारेस।

11यहोवा एमोरियन क राजा सीहोन क हराइ दिहस। उ बासान क राजा ओग क हराएस। उ कनान क सारी राज्जन क हराएस।

12यहोवा ओनका ओनकर धरती क अधिकार क रूप मँ दिहेस, उ इस्राएल क स्थाई रूप स लेइ बरे दिहेस।

13हे यहोवा, तू सदा बरे प्रसिद्ध होब्या। हे यहोवा, लोग तोहका सदा सर्वदा याद करत रइहीं।

14काहेकि यहोवा आपन लोगन बरे निआव लावत ह अउर उ आपन सेवकन प तरस खात ह।

15दूसर रास्ट्रन क लोग बस सोना अउर चाँदी क देवता बनावत रहेन। ओनकर देवता मात्र लोगन क जरिये बनाए भए पुतलन रहेन।

16पुतलन क मुँइ अहइँ, पर बोल नाहीं सकतेन। पुतलन क आँखी अहइँ, पर लखि नाहीं सकतेन।

17पुतलन क कान अहइँ, पर ओनका सुनाई नाहीं देत। पुतलन क नाक अहइँ, पर उ पचे साँस नाहीं लेइ सकतेन।

18उ सबइ लोग जउन ऍन पुतलन क बनाएन, ओन पुतलन क समान होइ जइहीं। काहेकि उ सबइ लोग ओन पइ बिस्सास किहेन ह।

19इस्राएल क संतानन, यहोवा क बड़कई करा। हारून क संतानन, यहोवा क बड़कई करा।

20हे लेवी क संतानन, यहोवा क बड़कई करा। तू जउन यहोवा क सम्मान दिहा, यहोवा क बड़कई करा।

21यहवोा यरूसलेम मँ बास करत ह, सिय्योन स ओकर स्तुति होइ।

भजन 136

1यहोवा क बड़कई करा, काहेकि उ उत्तिम अहइ। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

2देवतन क परमेस्सर क बड़कई करा। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

3पर्भुअन क पर्भू क बड़कई करा। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

4परमेस्सर क गुण गावा। बस उहइ एक अहइ, जउन बहोत अद्भुत करम करत ह। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

5ओकर बड़कई करा, जउन आपन बुद्धि स आकास क रचेस ह। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

6परमेस्सर सागर क बीच मँ झुरान धरती क कायम किहस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

7परमेस्सर महान ज्योतियन क रचेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

8परमेस्सर सूरज क दिन पइ हुकूमत करइ बरे बनाएस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

9परमेस्सर चाँद तारन क बनाएस कि उ पचे रात पइ हुकूमत करइँ। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

10उ मिस्र मँ पहिलउठी मनइयन अउर जनावरन क मारेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

11परमेस्सर इस्राएल क मिस्र स बाहेर लइ आवा। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा बना रहत ह।

12परमेस्सर आपन सामरथ अउ आपन महासक्ती क परगट किहेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

13परमेस्सर लाल सागर क दुइ हींसा मँ फाड़ेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

14परमेस्सर इस्राएल क सागर क बीच स पार उतारेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

15परमेस्सर फिरौन अउ ओकर फउज क लाल सागर मँ बोड़ि दिहस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

16परमेस्सर आपन निज भगतन क रेगिस्तान मँ राह देखॉएस। ओकरे बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

17परमेस्सर बलवान राजा क हराएस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

18उ सदृढ़ राजा लोगन क मारेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

19परमेस्सर एमोरियन क राजा सीहोन क मारेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

20परमेस्सर बासान क राजा ओग क मारेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

21उ आपन भुइँया क मीरास क रूप मँ दइ दिहस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

22उ उ भुइँया क आपन सेवक इस्राएल क अधिकार क रूप मँ दिहस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

23उ हमका याद राखेस, जब हम लोगन क हरा दीन्ह गवा रहेन। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

24उ हमका हमरे दुस्मनन स मुक्त किहेस। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

25परमेस्सर हर एक क खइया क देत ह। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

26सरग क परमेस्सर क गुण गावा। ओकर बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह।

भजन 137

1बाबुल क नदियन क किनारे बइठिके हम सिय्योन क याद कइके रोइ पड़ेन।

2हम लगिचे क बेंत क झाड़ियन पइ आपन सबइ वीणा टाँगेन।

3बाबुल मँ जउन लोग हमका बन्दी बनाए रहेन, उ पचे हम से गावइ क कहेन। अत्याचारियन हम से खुसी क गीत

गावइ क कहेन। उ पचे कहेन, 'हमरे बरे सिय्योन क गीत गावा।'

4मुला हम यहोवा क गीतन क कउनो दूसर देस मँ कइसे गाइ सकित ह।

5हे यरूसलेम, अगर मइँ तोहका बिसरउँ, तउ मइँ बिसरि जाउँ कि कइसा गीत गाइ जात ह।

6हे यरूसलेम, अगर मइँ तोहका याद न रखेउँ, अगर मइँ बड़ा खुसी क जइसा बेउहार न करेउँ, तउ मइँ कउनो गीत गावइ मँ असमर्थ रहेउँ।

7हे यहोवा, याद करा एदोमियन उ दिना जउन किहे रहेन। जब यरूसलेम हार ग रहा, उ पचे चीखिके बोले रहेन, एँका चीर डावा अउर नेंव तलक एका बर्बाद करा।

8हे बाबुल, तोहका उजार दीन्ह जाइ। उ मनई क धन्य कहा जउन तोहका उ सजा देइ जउन तोहका मिलइ चाही। उ मनई क धन्य कहा जउन तोहका उ मुसीबत देइ जइसा तू हमका मुसीबत दिहे रहा।

9उ मनई क धन्य कहा जउन तोहरे गदेलन क चट्टान पइ झपटिके पछार देइ।

भजन 138

दाऊद क एक ठु पद।

1हे परमेस्सर, मइँ आपन पूर्ण मन स तोहार गीत गावत हउँ। मइँ सबहिं देवन क समन्वा मइँ तोहार पद गाउब।

2हे परमेस्सर, मइँ तोहरे पवित्तर मन्दिर कइँती दण्डवत करब। मइँ तोहरे नाउँ क बड़कई करब, काहेकि तोहार बिस्ससनीय पिरेम सच्चा अउर पिआरा अहइ, अउर काहेकि तू आपन वचन क आपन महान सक्ती स किहा ह।

3हे यहोवा, जब मइँ मदद पावइ बरे तोहार पराथना करेउँ तउ मोका जवाब द्या। तू मोका बल देइके मोर साहस बढ़ाया।

4हे यहोवा, धरती क सबहिं राजा तोहार अच्छाई क गुण गावइँ। जब उ पचे तोहार वचन क सुनिहीं।

5उ पचे यहोवा क स्तुति करइँ, काहेकि यहोवा क महिमा महान अहइ।

6काहेकि यहोवा महान अहइ, मुला उ अबहुँ तलक विन्रम मनई क धियान रखत ह। उ घमण्डी लोगन क कामन क पता दूर स ही जानत हीं।

7हे यहोवा, अगर मइँ संकट मँ पड़उँ तउ मोका जीवित रहइ द्या। अगर मोर दुस्मन मोह पइ किरोध करइँ तउ ओनसे मोका बचावा।

8यहोवा उ सबइ बातन क करी जेनका उ मोका वचन दिहेस ह। हे यहोवा, तोहार बिस्ससनीय पिरेम सदा ही बना रहत ह। हे यहोवा, तू हमका रच्या ह। तउ तू हमका जिन बिसरा।

भजन 139

संगीत निर्देसक बरे वाद्य यंत्र क संग
दाऊद क एक ठु गीत।

1हे यहोवा, तू मोका जाँच्या ह। मोरे बारे मँ तू सब कछू जानत अहा।

2तू जानत अहा कि मइँ कब बइठत अउ कब खड़ा होत हउँ। तू दूर रहत भए मोरे मन क बात जानत अहा।

3हे यहोवा, तू जानत ह कि मइँ कहाँ जात अउ कहाँ ओलरत हउँ। तू बहोत अच्छी तरह जानत ह जउन कछू मइँ करत हउँ।

4हे यहोवा, एहसे पहिले क सब्द मोरे मुख स निकलइ तोहका पता होत ह कि मइँ का कहइ चाहत हउँ।

5हे यहोवा, तू मोरे चारिहुँ कइँती मौजूद अहा। मोरे समन्वा भी अउर पाछा भी, तू आपन निज हाथ मोरे ऊपर हौले स रखत अहा।

6मोका अचरज अहइ ओन बातन पइ जेनका तू जानत अहा। जेनका मोरे बरे समुझब बहोत कठिन अहइ।

7हर जगह जहाँ भी मइँ जात हउँ हुआँ तोर आतिमा होत ह। हे यहोवा, मइँ तोहसे बचिके कहूँ नाहीं जाइ सकत।

8हे यहोवा, अगर मइँ आकासे पइ जाब हुआँ पइ भी तू ही अहा। अगर मइँ मउत क देस पाताल मँ जाब हुआँ पइ तू ही अहा।

9अगर मइँ पूरब मँ जहाँ स सूरज निकरत ह, अगर मइँ समुद्दर क पीछे रहब,

10हुआँ तलक भी तोहार दायाँ हाथ पहोंचत ह। तू मोका आपन हाथ स धइके अगुवाइ करत ह।

11होइ सकत ह मइँ सोचउँ कि तोहसे छुपा अहउँ अउर कहइ लागूँ, "दिन रात मँ बदल गवा ह। निहचय ही अँधियारा मोका ढाँपि लेइ।"

12मुला यहोवा अँधेरा भी तोहरे बरे अँधेरा नाहीं अहइ। हिआँ तलक कि तोहरे बरे रात भी दिन जइसी ही उजरी अहइ, काहेकि दुइनउँ अँधेरा अउर उजियारा तोहार समान अहइ।

13तू मोर देह क अन्दरोनी भाग क बनाया ह। तू मोका आपन महतारी क कोख मँ ही रचे रहा।

14हे यहोवा, मइँ तोहका ओन सबहिं अचरज भरे काम बरे धन्यवाद देत हउँ जउन रास्ते स तू मोका बनाया ह, अउर मइँ सचमुच जानत हउँ कि तू जउन कछू करत अहा उ अचरजे स पूर्ण अहइ।

15जब मइँ आपन महतारी क कोख मँ रहा अउर मोरे देह गुप्त रूप मँ रूपधारण करत रहेन तबहिं तू मोर हाड़न क लख्या।

16तू मोरी देह क मोरी महतारी क गर्भ मँ बनत भए लख्या। अउर मोर सरीर क सबइ हींसा जउन दिन ब दिन बनत रहा, उ सबइ क बनइ स पहिले तोहार किताब मँ लिखा भवा रहेन।

17तोहार विचारन मोरे बरे बहोत कीमती अहइँ। उ गिनती मँ बहोत जियादा अहइँ।

18तू जउन कछू जानत अहा, ओन सब क अगर मइँ गन सकउँ, तउ उ सबइ सबहिं धरती क रेत क कणन स भी जियादा होइहीं। यद्यपि अगर मइँ लगातार जगा रहेउँ, तउ भी मइँ ओनकर बरे तोहरे साथ गना जाब।

19हे परमेस्सर, दुर्जन क नस्ट करा। तू हत्यारन, मोसे दूर रहा।

20उ पचे बुरे लोग तोहरे बरे बुरी बातन कहत हीं। तोहार दुस्मन झूठ स तोहार नाउँ लेत ह।

21हे यहोवा, मोका ओन लोगन स घिना अहइ जउन तोहसे घिना करत हीं। मइँ ओन लोगन स घिना करत हउँ जउन तोहार खिलाफ बिद्रोह करत ह।

22मोका ओनसे पूरी तरह घिना अहइ। तोहार दुस्मन मोर भी दुस्मन अहइँ।

23हे परमेस्सर, मोका जाँच्या अउर मोर मन जान ल्या। मोका परख्या अउर मोर चिन्तन क जान ल्या।

24मोह पइ निगाह करा अउर लखा कि मोर लच्छ बुरे नाहीं अहइँ। तू मोका उ पथ पइ लइ चला जउन अन्तकाल स परगट अहइ।

भजन 140

संगीत निर्देसक बरे दाऊद क एक ठु स्तुति।

1हे यहोवा, दुट्ठ लोगन स मोका बचावा। क्रूर लोगन स मोर रच्छा करा।

2उ सबइ लोग नोस्कान पहोंचावइ कुचक्र रचत बाटेन। उ सबइ लोग सदा ही लड़ जात हीं।

3ओन लोगन क जिभियन अइसन तेज बाटइ जइसे साँप। ओन लोगन क सब्दन साँप क बिख क नाईं अहइ। *(सेला)*

4हे यहोवा, तू दुट्ठ लोगन स मोर रच्छा करा। क्रूर लोग स मोर रच्छा करा। उ सबइ मोर पाछे मोका खाले मँ लोकइ बारे अहइँ।

5ओन घमण्डी लोग मोरे बरे फँदा डाएन। मोका फँसावइ क उ पचे जाली फइलाएन ह। उ पचे मोर राहे मँ फँदा लगाएन।

6किन्तु मइँ यहोवा क स्वीकार किहेउँ, तू मोर परमेस्सर अहा। हे यहोवा, मोर पराथना सुना।

7हे यहोवा मोर सुआमी, तू मोर मज़बूत उद्धारकर्ता अहा। तू मोर मूँड़े क टोप जइसा अहा। जउन मोर मूँड़ क जुद्ध मँ बचावत ह।

8हे यहोवा, दुट्ठ लोगन क इच्छा क पूरी न होइ द्या। ओनकर कउनो जोजना क सफल जिन होइ द्या, वरना उ पचे घमण्डी होइ जाइहीं।

9मोरे दुस्मनन जउन मोका घेरि लिहेस बुरा जोजनन बनावत ह। ओनकर बुरा जोजनन ओनही क मुँड़न पइ गिरइ द्या।

10ओनके मूँड़े पइ दहकत अंगारन क उड़ेर द्या। मोरे दुस्मनन क आगी मँ झोंकि द्या। ओनका गड़हन (कब्रन) मँ लोकाइ द्या। उ पचे ओहसे कबहुँ बाहेर न निकरि पावइँ।

11ओन क्रूर बोलइवालन क इ धरती मँ स्थापित जिन होइ द्या। उ हिंसक लोगन क संग बुरी बातन बार-बार घटइ द्या।

12मइँ जानत हउँ यहोवा कंगालन क निआउ खराइ स करी। परमेस्सर असहायन क सहायता करी।

13हे यहोवा, सच्चे लोग तोहरे नाउँ क स्तुति करिहीं। इमानदार लोग तोहार समन्वा बास करिहीं।

भजन 141

वाद्य यंत्र क दुआरा बजा भवा दाऊद क एक ठु गीत।

1हे यहोवा, मइँ तोहका मदद पावइ बरे गोहरावत हउँ। जब मइँ गोहराएउँ तब तू मोर सुनि ल्या। मोका मदद हाली करा।

2मोर बिनती तोहार समन्वा बरत धूप क उपहार क तरह होइ। मोर बिनती तोहार बरे दीन्ह गइ साँझ क बलि जइसी होइ।

3हे यहोवा, मोरी वाणी पइ मोर काबू होइ। आपन वाणी पइ मइँ धियान रख सकउँ, एहमाँ मोर सहायक ह्वा।

4मोका बुरी बात जिन करइ द्या। मोका रोके रहा बुरे लोगन क संगति स ओनकर सरस भोजन स अउर बुरे कामन स। मोका सामिल जिन होइ द्या अइसे ओन कामन मँ जेनका करइ मँ बुरे लोग रख लेत हीं।

5सज्जन लोगन क मोर सुधार करइ द्या। इ दयलुता क काम क नाईं होइ। तोहार भगतन क मोर बुराई क निकारइ द्या। इ मोर मूँड़े बरे अभिसेक क तेल क नाईं होइ। मुला मोर पराथना दुट्ठ लोगन क कुकर्मन क खिलाफ अहइ।

6ओनकर राजा लोगन क सजा पावइ द्या अउर तब लोग जान जइहीं कि मइँ सच कहे रहेउँ।

7लोग खेत क खोदके जोता करत हीं अउर माटी क एहर-ओहर छितराइ देत हीं। ओन दुट्ठ लोगन क हाड़न भी इहइ तरह कब्रन क चारिहुँ तरफ एहर-ओहर छितरइहीं।

8हे यहोवा, मोर सुआमी, सहारा पावइ क मोर निगाह तोहे पइ लगी अहइ। मोका तोहार भरोसा अहइ। कृपा कइके मोका जिन मरइ द्या।

9मोका दुट्ठन क फँदन मँ जिन पड़इ द्या। ओन दुट्ठन क जरिये मोका जिन फँसाइ द्या।

10उ सबइ दुट्ठ खुद आपन फँदन मँ फँसि जाइँ जब मइँ बचिके निकर जाउँ बगैर नोस्कान उठाए भए।

भजन 142

दाऊद क एक कला गीत।

1मइँ मदद बरे यहोवा क गोहराएउँ। मइँ यहोवा क समन्वा पराथना किहेउँ ह।

2मइँ यहोवा क समन्वा आपन दुःख रोउब। मइँ यहोवा स आपन कठिनाइयन कहब।

3मोर दुस्मनन मोरे बरे जाल बिछाएन ह। मइँ आसा छोरइ बरे तइयार अहउँ। मुला यहोवा जानत अहइ कि मोरे संग का घटत अहइ।

4मोर चारिहुँ कइँती नज़र करा अउ लखा, कउनो मीत कहूँ भी देखॉत नाहीं अहइ। हिआँ बचइ क कउनो जगह नाहीं बा। कउनो मनई मोका बचावइ क जतन नाहीं करत अहइ।

5एह बरे मइँ यहोवा क मदद बरे गोहराएउँ ह। मइँ कहेउँ, "हे यहोवा, तू मोर सरणस्थल अहा। तू ही अकेल्ले मोर जिन्नगी मँ एक स्रोत अहइ।

6हे यहोवा, मोर पराथना क जवाब दया, काहेकि मोर बहोत दुर्दसा होइ गवा ह। तू मोका ओन लोगन स बचाइ ल्या जउन मोर पाछा करत ह काहेकि उ पचे मोहे स जियादा मज़बूत अहइँ।

7मोका सहारा द्या कि इ कैद स पराइ जाउँ अउर तोहार
नाउँ क स्तुति कइ सकेउँ। सच्चे लोगन मोर चारिहुँ कइँती
इकट्ठा होइहीं। उ पचे आपस मँ मिलिहीं अउर तोहार
गुणगान करिहीं काहेकि तू मोर रच्छा किहा ह।

भजन 143

वाद्य यंत्र क दुआरा बजा भवा दाऊद क एक ठु गीत।

1हे यहोवा, मोर पराथना सुना। मोर विनती सुना अउर फुन
एकर जवाब द्या। मोका जवाब दया, काहेकि तू फुरइ भला
अउ खरा अहा।
2आपन दास मोह पइ निआव जिन करा, इ कारण कि
कउनो भी जिअत मनई तोहरे समन्वा निर्दोख नाहीं ठहर
सकत।
3मोर दुस्मन मोरे पाछे पड़ा अहइँ। उ मोर जिन्नगी
चकनाचूर कइके धूरि मँ मिलाएन। उ पचे मोका बहोत दिन
क मुरदे क समान अँधिअर कब्र मँ ढकेलत अहइ।
4मइँ निरास होत हउँ। मोर साहस छूटत अहइ।
5मुला मोका उ सबइ बातन याद अहइँ, जउन बहोत
पहिले घटी रहिन। मइँ ओन अद्‌भुत कामन क बारे मँ सोचा
करत हउँ जेनका तू किहे रह्या।
6हे यहोवा, मइँ आपन हाथ उठाइके तोहार बिनती करत
हउँ। मइँ तोहरी मदद क बाट जोहत हउँ जइसे झुरान धरती
बर्खा क बाट जोहत ह। *(सेला)*
7हे यहोवा, मोका हाली जवाब द्या। मइँ कमज़ोर होत
रहत हउँ। मोका नज़र अन्दाज़ जिन करा। मोका ओन लोगन
क जइसा जिन होइ द्या, जउन कब्र मँ ओलरा होइँ।
8हे यहोवा, भोर क फूटत ही मोका आपन बिस्ससनीय
पिरेम देखॉवा। मइँ तोहरे भरोसे हउँ। उ सबइ बातन मँ मोर
अगुवाइ जेनका मोका करइ चाही, काहेकि मइँ मदद बरे
तोहका लखत हउँ।
9हे यहोवा, मोरे दुस्मनन स रच्छा पावइ बरे मइँ तोहरी
सरण मँ आवत हउँ। तू मोका बचाइ ल्या।
10सिच्छा द्या, तू मोहसे का करवावइ चाहत अहा?
काहेकि तू मोर परमेस्सर अहा। तोहार नीक आतिमा क
जमीन क तल क ऊपर मोर अगुवाइ करइ द्या।
11हे यहोवा, मोका तोहार नाउँ बरे जिअत रहइ द्या।
मोका मुसीबत स बाहर निकारा काहेकि तू नीक अहा।
12हे यहोवा, मोह पइ आपन बिस्ससनीय पिरेम परगट
करा। अउर मोर सत्रुअन क नस्ट करा जउन मोका मारइ क
जतन करत हीं। काहेकि मइँ तोहार सेवक हउँ।

भजन 144

दाऊद क गीत।

1यहोवा मोर चट्टान अहइ। यहोवा क धन्य कहा। यहोवा
मोका लड़ाई बरे प्रसिच्छण देत अहइ। यहोवा मोका जुद्ध
बरे प्रसिच्छण देत अहइ।
2यहोवा मोसे पिरेम रखत ह। उ मोर किला अहइ। उ
पर्वत क ऊपर, मोर ऊँच सुरच्छा क सरण अहइ। उ मोका
बचावत ह। उ मोर ढाल अहइ। मइँ ओकरे भरोसे हउँ। उ
मोरे लोगन पइ राज्ज करइ मँ मोर मदद करत ह।
3हे यहोवा, मानव जाति तोहरे बरे काहे महत्वपूर्ण बना
अहइँ? तू मानव जाति पइ काहे धियान देत अहा?
4मनई क जिन्नगी एक फूँक क तरह होत ह। मनई क
जिन्नगी ढलत भइ छाया क तरह होत ह।
5अकासे क चीरके खाले उतरि आवा। पहाड़न क छुइ
ल्या ताकि ओनसे धुआँ उठइ लाग।
6हे यहोवा, बिजुरियन पठइ द्या अउर मोरे दुस्मनन क
कहूँ दूर भगाइ द्या। आपन बाणन क चलावा अउर ओनका
मजबूर करा कि उ पचे कहूँ पराइ जाइँ।
7अकासे स मदद पठवा अउर मोका मुक्त करा अउ
मोका बचाइ ल्या। एन, दुस्मनन क सागर मँ मोका जिन
बूड़इ द्या। मोका ऍन बिदेसियन स बचाइ ल्या।
8इ सबइ दुस्मन लबार अहइँ। उ पचे धोखेबाज़ अहइँ।
9हे यहोवा, मइँ नवा गीत गाउब तोहरे ओन अद्‌भुत
कर्मन क तू जेनका करत ह। मइँ तोहार जस दस तार वाली
वीणा पइ गाउब।
10तू राजा लोगन क मदद ओनकर जुद्धन जीतइ मँ करत
ह। तू आपन सेवक दाऊद क ओकरे दुस्मनन क तरवारन स
मुक्त किहा ह।
11मोका ऍन परदेसियन स मुक्त करा अउ मोका बचाइ
ल्या। इ सबइ दुस्मन लबार अहइँ। उ पचे धोखेबाज़ अहइँ।
12हमार पूतन जवान होइके बिसाल बृच्छन जइसे मजबूत
होइँ, हमार बिटियन महल क सुन्नर सजावटी कोने क पाथर
जइसी होइँ।
13तोहार गोदाम फसलन स भरपूर होइँ। हमार भेड़िन
चरागाहन मँ हजारन-हजारन मेमनन जनमत रहइँ।
14हमार बर्धन बहोत स पइदावार ढोइहीं। हम पइ कउनो
दुस्मन हमला न करी। हम मँ स कउनो कबहुँ जुद्ध मँ नाहीं
जाई। हमार गलियन मँ चिचियाहट नाहीं होई।
15जउन लोगन बरे इ बातन नीक अहइँ उ धन्य अहइँ।
जउन लोगन परमेस्सर यहोवा अहइ उ धन्य अहइँ।

भजन 145

दाऊद क एक ठु स्तुति गीत।

1हे मोरे परमेस्सर, हे मोरे राजा, मइँ तोहार गुण गावत
हउँ। मइँ सदा-सदा तोहरे नाउँ क धन्य कहत हउँ।
2मइँ हर दिन तोहका सराहत हउँ। मइँ तोहरे नाउँ क
सदा-सदा बड़कई करत हउँ।
3यहोवा महान अहइ। ओकर बहोत स्तुति होइ चाही। मइँ
उ सबइ चिजियन क पता नाहीं लगाइ सकब जउन उ करत
ह।
4पीढ़ी दर पीढ़ क ओन बातन क गरिमा क बखानइ द्या
जेनका तू सदा-सर्वदा करत ह। अउर ओनका तोहार सक्तीसाली
करमन क घोसणा करइ द्या।
5तोहरे महिमामय प्रताप सुन्नर अहइ। मइँ तोहरे अचरज
भरे करमन क बखानब।
6लोगन क ओन अचरज भरा सक्ती क बारे मँ कहइ
द्या जेनका तू करत ह। मइँ ओन महान करमन क बखानब
जेनका तू करत ह।

7लोगन क उ बहोत सारी नीक बातन क बारे मँ कहइ द्या जउन तू किहा ह। उ पचे तोहार सच्चाई क बारे मँ कहिहीं।

8यहोवा दयालु अहइ अउर करुणा स पूर्ण अहइ, उ धीरज अउ पिरेम स पूर्ण अहइ।

9यहोवा सब क बरे भला अहइ। उ जउन सबइ कछू रचेस ह ओकरे प्रति करुणा प्रगट करत ह।

10हे यहोवा, ओनका जेका तू रच्या ह तोहार बड़कई करइ द्या। तोहका तोहार भगत धन्य कहत हीं।

11उ सबइ लोग तोहरे महिमा स भरा राज्ज क बखान करत रहत हीं। ओनका तोहरी सक्ती क बारे मँ कहइ द्या।

12ताकि सबइ मानव जाति ओकरे सक्तीसाली करमन बारे मँ अउर ओकरे राज्ज क महिमामय प्रताप क बारे मँ जानइँ।

13हे यहोवा, तोहार राज्ज सदा सदा बना रही। तू सर्वदा राज्ज करब्या।

14यहोवा गिरे भए लोगन क उठावत ह। यहोवा ओन लोगन क उठावत ह जउन बोझन क ढोवत ह।

15सबहिं प्राणी तोहरी कइँती खाना पावइ बरे लखत हीं। तू ओनका ठीक समइ पइ खइया क देत रहत ह।

16तू आपन मूठी खोलत ह, अउर तू सबहिं प्राणियन क ओकरे जरूरत क चिजियन स संतुट्ठ करत अहा।

17जउन कछू यहोवा करत ह उ नीक बाटइ। यहोवा जउन भी करत ओहमाँ निज बिस्ससनीय पिरेम प्रकट करत ह।

18यहोवा हमेसा ओन लोगन क निचके रहत ह जउन इमानदारी क संग यहोवा स मदद क बिनती करत ह।

19यहोवा क भगत जउन ओहसे चाहत हीं, उ ओन बातन क करत ह। यहोवा आपन भगतन क सुनत ह। उ ओनकर पराथनन क जवाब देत ह अउर ओनकर रच्छा करत ह।

20यहोवा ओन सबइ क जउन ओह स पिरेम करत ह, क रच्छा करत ह। किन्तु उ हर टुट्ठ क नस्ट करत ह।

21मइँ यहोवा क गुण गाउब। हर कउनो ओकर पवित्तर नाउँ क सदा अउ सर्वदा स्तुति करइ द्या।

भजन 146

1यहोवा क गुणगान करा। मोर मनवा, यहोवा क बड़कई करा।

2मइँ आपन जिन्नगी भइ यहोवा क गुण गाउब। मइँ जब तलक जिअब आपन परमेस्सर बरे संगीत बजावत रहब।

3आपन प्रमुखन क भरोसे जिन रहा। मदद पावइ बरे मनई क भरोसे जिन रहा, काहेकि तोहका मनई बचाइ नाहीं सकत ह।

4लोग मर जात हीं अउर दफनाइ दीन्ह जात हीं। फुन ओनकर मदद देइ क सबहिं जोजना यूँ ही चली जात हीं।

5ओनका धन्य होइ जउन याकूब क परमेस्सर क आपन सहायक क रूप मँ राखेस ह। ओनका धन्य होइ जउन यहोवा आपन परमेस्सर क भरोसे रहा करत हीं।

6उ सरग अउ धरती क बनाएस ह। उ सागर अउर ओहमाँ क हर चिजियन क बनाएस ह। उ हमेसा बिस्सासी रही।

7उ सताया भवा लोगन क संग उचित बेउहार करत ह। उ भुखान लोगन क भोजन देत ह। यहोवा बन्दी लोगन क छोड़इ दिया करत ह।

8यहोवा आँधर क आँखियन क खोलि दिहेस। यहोवा ओन लोगन क सहारा देत ह जउन ठोकर खाएन हीं। यहोवा सच्चे लोगन स पिरेम करत ह।

9यहोवा हमरे देस मँ रहइवालन बिदेसियन क रच्छा करत ह। यहोवा अनाथन अउ राँड़ मेहररूअन क धियान रखत ह। किन्तु दुर्जनन क मकसदन क विफल करत ह

10यहोवा सदा राजा क रूप मँ सासन करत रहइ। हे सिय्योन तोहार परमेस्सर पीढ़ी दर पीढ़ी राज करत रहइ। यहोवा क गुणगान करा।

भजन 147

1यहोवा क बड़कई करा काहेकि उ नीक अहइ। हमरे परमेस्सर क स्तुति क गीत गावा, काहेकि इ नीक अहइ अउ ओकरे बरे सुखदायी अहइ।

2उ यहोवा अहइ जउन यरूसलेम क बनाएस ह। उ उहइ जउन ओन लोगन क एक संग जमा किहेस ह जेनका इस्राएल स तितर-बितर कीन्ह गवा रहा।

3परमेस्सर ओनकर टूटे मनवा क चंगा करत रहत अउर ओनकर घावन पइ पट्टी बाँधत रहा।

4परमेस्सर तारन क गनत ह अउर हर एक तारा क नाउँ जानत ह।

5हमार सुआमी बहोत महान अउर सक्तीसाली अहइ। ओकरे गियान क सीमा न अहइ।

6यहोवा दीन लोग क सहारा देत ह। उ दुट्ठ लोगन क खाले मँ हींच लेत ह।

7गाइके यहोवा क धन्यवाद द्या। हमरे परमेस्सर क गुणगान वीणा क संग करा।

8उ बादरन स अकासे क ढाँपत ह। उ धरती पइ बर्खा करावत ह। उ पहाड़न पइ हरी घास क उगावत ह।

9उ गोरूअन क अउर नान्ह कउअन क जउन ओकरे मदद बरे गोहरावत हीं, चारा देत ह।

10ओका जुद्ध क घोड़न अउर सक्तीसाली सैनिक नाहीं भावत हीं।

11यहोवा ओन लोगन स प्रसन्न होत ह, जउन ओकर सम्मान करत हीं। यहोवा प्रसन्न अहइ, अइसे ओन लोगन स जेनकर आस्था ओकरे सच्चे पिरेम मँ अहइ।

12हे यरूसलेम, यहोवा क गुण गावा। सिय्योन, आपन परमेस्सर क बड़कई करा।

13हे यरूसलेम, तोहरे फाटकन क परमेस्सर सुदृढ़ बनावत ह। तोहरे नगर क लोगन क परमेस्सर असीस देत ह।

14परमेस्सर तोहार देस क सान्ति स आसीस देत ह, एह बरे तोहरे लगे खाइ बरे अनाज क ढेर अहइ।

15परमेस्सर धरती क आदेस देत ह अउर ओकर आदेस क फउरन पालन होत ह।

16परमेस्सर धरती पइ तब तलक पाला गिरावत जब तलक धरातल वइसा सफेद नाहीं होइ जात जइसा उज्जर

ऊन होत ह। उ बर्फ क छोटा टूकन क हवा क संग धूरि क नाईं उड़त ह।

17परमेस्सर ओलन क अइसा बनावत ह मानो पाथरन अकासे स गिरत हीं। कउनो मनई उ ठिठुरन क नाहीं सह सकत ह जउन ओकरे दुआरा भेजा जात ह।

18फुन परमेस्सर दूसर आग्या देत ह, अउर गरम हवा फुन बहइ लग जात ह। बर्फ टेघरइ लागत अउर जल बहइ लग जात ह।

19परमेस्सर आपन आदेस याकूब क दिहे रहा। परमेस्सर इस्राएल क निज बिधि क विधान अउ नेमन क दिहस।

20यहोवा कउनो दूसर रास्ट्र क बरे अइसा नाहीं किहस। परमेस्सर आपन नेमन क, कउनो दूसर जाति क नाहीं सिखाएस। यहोवा क जस गावा।

भजन 148

1यहोवा क बड़कई करा। ओकर बड़कई सरग स करा।

2हे सबहिं सरगदूतो, यहोवा क जस गावा। ग्रहो अउ नछत्रो ओकर गुण गान करा।

3सूरज अउ चाँद, तू पचे यहोवा क गुण गावा। अकासे क तारो अउ जोतियो, ओकर बड़कई करा।

4यहोवा क बड़कई सबन त ऊँच पर्वत मँ करा! हे जल अकासे क ऊपर, ओकर बड़कई करा।

5यहोवा क नाउँ क बड़कई करा। काहेकि उ आदेस दिहस, अउर सब कछू रचे रहा।

6उ एँन सबन्क बनाएस एह बरे उ सबइ सदा-सदा बना रहइँ। उ अपरिवर्तनसील कानून बनाएस।

7ओ धरती पइ क हर वस्तु, यहोवा क गुण गावा। ओ बिसाल जन्तुओ अउ सबइ महासागरो, ओकर गुण गावा।

8आगी अउ ओलन, बरफ अउ कुहासा, तूफानी पवन जउन ओकर वचन क पूरा किहेन, ओकर गुण गावा।

9पर्वतन अउ सबइ पहाड़न, फलदार बृच्छ अउ देवदार क बृच्छ, ओकरे गुण गावा।

10बनेर पसुअन अउ सब पालतु मवेसी, रेंगइवाले जीव अउ पंछियन, ओकर गुण गावा।

11धरती क सबहिं राजा लोग अउ सबइ रास्ट्रन, प्रमुखन अउ धरती पइ क सबहिं निआवाधीसन, ओकर स्तुति करा।

12नव जवान मनसेधू अउ नव जवान मेहरारू, ओकर स्तुति करा। परमेस्सर बूढ़े लोगन अउ गदेलन क रचेस ह।

13ओनका यहोवा क नाउँ क स्तुति करइ द्या। अकेल्ले ओकरे नाउँ ही ऊँच सम्मानित अहइ। धरती अउ अकास ओकर चमक-दमक स भरि जाइहीं।

14उ आपन लोगन क मजबूती क स्त्रोत क निर्माण किहेस। उ आपन सबइ भगतन अरथ इस्राएलियन, अउ ओकरे समीप रहइवाले रास्ट्रन बरे, स्तुति क स्त्रोत क निर्माण किहेस। यहोवा क बड़कई करा।

भजन 149

1यहोवा बरे एक ठु नवा गीत, ओन नई बातन क बारे मँ गावा जेनका यहोवा किहस ह। ओकरे भगतन क मण्डली मँ ओकर गुणगान करा।

2इस्राएलियन क आपन रचनाकर्ता मँ खुसी मनावइ द्या। सिय्योन क लोगन आपन राजा क संग आनन्द मनावइ द्या।

3उ सबन क ओकरे नाउँ क स्तुति नाच क संग करइ द्या अउर उ पचन क तंबूरा अउ वीणन क ओकरे पराथना बरे बजावइ द्या।

4यहोवा आपन लोगन स खुस अहइ। उ पीड़ितन क बचावइ स उद्धार किहस।

5परमेस्सर क भगतन क विजय उत्सव मनावइ द्या। हिआँ तलक कि बिछोना पइ जाए क पाछे भी उ पचन क खुसी मनावइ द्या।

6ओनका परमेस्सर क विजय क जयजयकार करइ द्या। ओनका आपन मँ तेज तरवारन क धारण करइ द्या।

7तउ उ पचे दूसर रास्ट्रन स बदला लेइ सकइँ अउर ओन लोगन क सजा देइ सकइँ।

8परमेस्सर क लोग ओन राजा लोगन क बाँधिइँ, ओकर सज्जन लोगन क जंजीरे स बाँधिइँ।

9परमेस्सर क लोग ओनकर निआव परमेस्सर क आदेसन क अनुसार करिहीं। ओकरे सबहिं बिस्सासी भगतन क ओका सम्मान देइ क बिसेस अधिकार प्राप्त अहइ। यहोवा क स्तुति करा।

भजन 150

1यहोवा क बड़कई करा। परमेस्सर क मन्दिर मँ ओकर गुणगान करा। आकासे मँ ओकर बड़कई करा जउन ओकर सक्ती दिखावत ह।

2ओकर ओन बड़के कारजन बरे ओकर बड़कई करा। ओकर सबहिं महानता बरे ओकर स्तुति करा।

3तुरही फूँकत अउ नरसिंहा बजावत भए ओकर स्तुति करा। ओकर गुणगान वीणा अउ सारंगी बजावत भए करा।

4तम्बूरन बजाइके अउ नाचिके ओकर स्तुति करा। तारवाला यंत्रन अउर बाँसुरियन बजाइके ओकर गुण गावा।

5तू परमेस्सर क जस झंकारत भए झाँझन क बजावत गावा। ओकर बड़कई करा।

6सबइ जिअत पराणियन यहोवा क स्तुति करइँ। यहोवा क बड़कई करा!

अय्यूब

अय्यूब एक ईमानदार मनई

1 ऊज नाउँ क प्रदेस मँ एक ठु मनई रहा करत रहा।
ओकर नाउँ अय्यूब रहा। अय्यूब एक बहोत ईमानदार
अउ बिस्सासी मनई रहा। अय्यूब परमेस्सर क उपासना करत
रहत रहा अउ बुराई स दूर रहा करत रहा। **2**ओकरे सात ठु
बेटहना अउ तीन ठु बिटिहनी रहिन।

3अय्यूब सात हजार भेड़िन, तीन हजार ऊँटन, एक हजार
बर्धन अउ पाँच सौ गदहियन क सुआमी रहा। ओकरे लगे
बहोत स नौकर रहेन। अय्यूब पूरब क सब स जियादा
धन्नासेठ मँ स एक रहा।

4अय्यूब क बेटहनन बारी-बारी स आपन घरन मँ एक
दूसर क खइया क खाइ बरे बोलावा करत रहेन। उ पचे
आपन बहिनियन क भी हुआँ ओकरे खाइ अउ पिइ बरे
बोलात रहेन। **5**अय्यूब क गदेलन जब भोज खाइ चुकतेन,
तउ अय्यूब तड़के भिन्सारे उठत अउ आपन हर गदेला क
बदले होमबलि अर्पित करत रहा। काहेकि उ सोचत, "होइ
सकत ह, मोर गदेलन आपन हिरदइ मँ परमेस्सर क निन्दा
कइ के पाप किहे रहेन।" एह बरे अय्यूब हमेसा अइसा
करत रहत रहा।

6फिन सरगदूतन बरे यहोवा क रिपोर्ट देइ क दिन आवा।
सइतान भी ओनकर संग आवा।

7यहोवा सइतान स कहेस, "तू कहाँ रह्या?"

सइतान जवाब देत भए यहोवा स कहेस, "मइँ धरती पइ
एहर ओहर घूमत रहेउँ।"

8एह पइ यहोवा सइतान स कहेस, "का तू मोर सेवक
अय्यूब क लख्या? इ धरती पइ ओकरे तरह कउनो दूसर
मनई नाहीं अहइ। अय्यूब एक ठु ईमानदार अउ बिस्सासी
मनई अहइ। उ हमेसा परमेस्सर क आराधना करत ह अउर
बुराई स सदा दूर रहत ह।"

9सइतान जवाब दिहस, "निहचय ही! मुला अय्यूब परमेस्सर
क एक खास कारण स आराधना करत ह! **10**तू सदा
ओकर, ओकरे घराने क अउर जउन कछू ओकरे लगे
अहइ ओकर रच्छा करत ह। जउन कछू उ करत ह तू
ओका सफल बनावत ह। हाँ, तू ओका बहोत सारा जनावरन
झुण्ड अउर रेवड़ पूरे देस मँ फइलावइ बरे दिहेस ह। **11**मुला
जउन कछू ओकरे लगे अहइ उ सब कछू क अगर तू
बर्बाद कइ द्या तउ मइँ तोहका बिस्सास दियावत हउँ कि उ
तोहरे मुँहे पइ तोहरे बिरुद्ध बोलइ लागी।"

12यहोवा सइतान स कहेस, "अगर अइसा अहइ, अय्यूब
क लगे जउन कछू अहइ ओकरे संग जइसा तू चाहत ह,
करा। मुला ओकरे देह का चोट न पहोंचावा।"

एकरे पाछे सइतान यहोवा क लगे स चला गवा।

अय्यूब क सब कछू जात रहा

13एक दिन, अय्यूब क पूत अउ बिटियन आपन सब स
बड़का भइया क घर खइया क खात रहेन अउ दाखरस
पिअत रहेन। **14**ठीक तबहिं अय्यूब क लगे एक ठु
संदेसवाहक आवा अउ ओका बोला, "जब बर्धा हर जोतत
रहेन अउर गदहन मइदान चरत रहेन, **15**कि सबा* क लोग
हम पचन पइ धावा बोल दिहन अउ तोहरे गोरुअन क लइ
गएन। मोका तजिके तोहार सबहिं दासन क सबा क लोग
मार डाएन। आप क इ खबर देइ बरे मइँ बचिके पराइ
निकरि आवा हउँ।"

16अबहिं उ सन्देसवाहक कछू कहत ही रहा कि अय्यूब
क लगे दूसर संदेसवाहक आवा। दूसर संदेसवाहक कहेस,
"अकासे स बिजुरी गिरी अउ आप क भेड़िन अउ दास
जरिके राखी होइ गएन है। आप क खबर देइ बरे मइँ ही
बचिके निकरि पावा हउँ।"

17अबहिं उ संदेसवाहक आपन बात कहत ही रहा कि
एक ठु अउर संदेसवाहक आइ गवा। इ तीसर संदेसवाहक
कहेस, "कसदी क लोग तीन टोलियन क पठए रहेन, जउन
हम पइ हमला बोल दिहन अउर उ पचे सेवकन क मारि
डाई क पाछे ऊँटन क छीन लइ गएन। आपक खबर देइ
बरे सिरिफ मइँ ही बचिके निकरि पाएउँ ह।"

18इ तीसर दूत अबहिं बोलत ही रहा कि एक अउर
सन्देसवाहक आइ गवा। इ चउथा संदेसवाहक कहेस, "आप
क बेटवन अउ बिटियन सब स बड़का भाई क घर खइया
क खात रहेन अउ दाखरस पिअत रहेन। **19**ठीक तबहिं
रेगिस्तान स एका-एक एक ठु तेज आँधी उठी अउर उ
मकान क उड़ाइके ढहाइ दिहस। मकान आप क पूतन, अउ
बिटियन क ऊपर आइ पड़ा अउर उ पचे मरि गएन। आप
क खबर देइ बरे सिरिफ मइँ ही बचिके निकरि पावा हउँ।"

20अय्यूब जब इ सुनेस तउ उ आपन ओढ़ना फारि डाएस
अउर इ देखावइ बरे उ दु:खी अउर वियाकुल अहइ, उ
आपन मूड़ँ मुड़ाइ लिहस। अय्यूब तब धरती पइ गिरिके
दण्डवत किहस। **21**उ कहेस:

"मोर जब इ संसारे क बीच जनम भवा रहा, मइँ तब
नंगा रहेउँ, मोरे लगे तब कछू भी नाहीं रहा। जब मइँ मरब
अउ इ संसारे क तजब, मइँ नंगा होब अउर मोरे लगे कछू
न होइ। यहोवा ही देत ह अउर यहोवा ही लेत, यहोवा क
नाउँ क बड़कई करा।"

22जब इ सबहिं कछू घटना घटत रहा, अय्यूब न ही
कउनो पाप किहस अउर न ही परमेस्सर क दोख दिहस।

सबा रेगिस्तान क लोगन क एक समूह। उ पचे लोगन पइ
हमला कइके ओनकर धन दौलत लूट लेत रहेन।

सइतान फुन अय्यूब क दुःख देत ह

2 फुन एक दिन, यहोवा स मिलइ बरे सरग दूत आएन।
सइतान भी ओनके संग रहा। सइतान यहोवा स मिलइ
आवा रहा। 2यहोवा सइतान स पूछेस, “तू कहाँ रह्या”
सइतान यहोवा क जवाब दिहेस, “मइँ धरती पइ एहर-ओहर
घूमत रहेउँ।”
3एह पइ यहोवा सइतान स पूछेस, “का तू मोर सेवक
अय्यूब पइ धियान देत रहत अहा? ओकर जइसा धरती पइ
कउनो नाहीं अहइ। अय्यूब ईमानदार अउ बिस्सासी मनई
अहइ। उ हमेसा परमेस्सर क उपासना करत ह, बुराई स दूर
रहत ह। उ अबहुँ भी ईमानदारी राखत ह हालाँकि तू मोका
प्रेरित किहे रह्या कि मइँ बिना कारण ही ओका नस्ट कइ
देउँ।”
4सइतान जवाब दिहस, “खाल क बदले खाल! कउनो
मनई जिअत रहइ बरे, जउन कछू ओकरे लगे अहइ, सब
कछू दइ डावत ह। 5यह बरे अगर तू आपन सक्ती क
प्रयोग ओकरे देह क नोस्कान पहोंचावइ बरे करा, तउ उ
सीधा ही तोहका कोसइ लागी।”
6तउ यहोवा सइतान स कहेस, “अगर अइसा अहइ, तउ
मइँ अय्यूब क तोहार हवाले करत हउँ, मुला तोहका ओका
मार डावइ क छूट नाहीं अहइ।”
7एकरे पाछे सइतान यहोवा क लगे स चला गवा। उ
अय्यूब क दुःख देइवाला फोड़न क दइ दिहस। इ सबइ पीरा
देइवाला फोड़न ओकरे गोड़े क तलवा स लइके ओकरे मूँड़े
क ऊपर तलक देह मँ फइल गएन। 8तउ अय्यूब कूड़ा क
ढेरी क लगे बइठ गवा। ओकरे लगे एक ठु ठीकरा रहा,
जेहसे उ आपन पीरा दायक फोड़न क खजुआवा करत रहा।
9अय्यूब क पत्नी ओसे कहेस, “का तू अबहुँ तलक
ईमानदार रहइ चाहत हीं? तू परमेस्सर क कोसिके मर काहे
नाहीं जात्या!”
10अय्यूब जवाब देत भए आपन पत्नी स कहेस, “तू तउ
एक मूरख मेहरारु क तरह बातन करति अहा। देखा, जब
परमेस्सर उत्तिम वस्तुअन क देत ह, हम ओनका अंगीकार
कइ लेइत ह। तउ हमका दुःख क भी अपनावइ चाही अउ
सिकाइत नाहीं करइ चाही।” इ समूचइ दुःखे मँ भी अय्यूब
कउनो पाप नाहीं किहस। परमेस्सर क खिलाफ उ कछू नाहीं
बोला।

अय्यूब क तीन मीतन क ओसे भेंटइ आउब

11अय्यूब क तीन मित्र रहेनः तेमानी क एलीपज, सूही क
बिलदद अउर नामाती क सोपर। एँन तीनहुँ मीतन अय्यूब क
संग जउन बुरी घटना भइ रहिन, ओन सबन क बारे मँ
सुनेन। एँन तीनहुँ मीत आपन-आपन घर तजिके आपुस मँ
एक दूसर स भेंटेन। उ पचे इ निहचय किहेन कि उ पचे
अय्यूब क लगे जाइके ओकरे बरे सहानुभूति परगट करइँ
अउ ओकर हिम्मत बँधावइँ। 12जब इ तीनहुँ मीत दूर स
अय्यूब क लखेन, तउ उ पचे ओका बहोत मुस्किल स
पहिचान पाएन। उ पचे भोंकारा मारिके रोवइ लागेन। उ पचे
आपन ओढ़ना फाड़ि डाएन। आपन दुःख अउ आपन बेचैनी
देखावइ बरे उ पचे आपन आपन मूँड़न पइ माटी डाएन।
13फुन उ सबइ तीनहुँ मीत अय्यूब क संग सात दिन अउ
सात रात तलक भुइँया पइ बइठा रहेन। अय्यूब स कउनो
एक सब्द तलक नाहीं कहेस काहेकि उ पचे लखत रहेन
कि अय्यूब भयानक पीरा मँ रहा।

अय्यूब क उ दिना क कोसब जब उ जन्मा रहा

3 तब अय्यूब आपन मुँह खोलेस अउर उ दिन क कोसइ
लाग जब उ पइदा भवा रहा। 2-3उ कहेसः
“जउने दिन मइँ पइदा भवा रहेउँ, बर्बाद होइ चाही रहा।
उ राति कबहुँ न आई होइ चाही जब उ पचे कहे रहेन कि
‘एक ठु लरिका पइदा भवा अहइ।’
4उ दिन अँधियारा स भरा जाइ चाहीं रहा। परमेस्सर उ
दिन क बिसारि जात चाहीं रहा। उ दिन प्रकास न चमका
चाही रहा।
5उ दिन अँधियारा स पूर्ण बना होत चाहीं रहा जेतना कि
मउत अहइ। बादर उ दिन क घेरे रहतेन चाही रहा। जउनो
दिन मइँ पइदा भवा करिया बादर प्रकास क डेरवाइ क खदेर
देतेन चाहीं रहा।
6उ राति क गहिर अँधियारा जकरि लेइ, उ राति क
गनती न होइ। उ राति क कउनो महीना मँ सामिल जिन
करा।
7उ राति कछू भी पइदा न करइ। कउनो भी आनन्द क
ध्वनि उ राति क सुनाई न देइ।
8सराप देइ मँ माहिर मनइयन क उ मनइयन क साथ
जउन लिब्यातान* क जगवाइ मँ सामर्थ अहइ, क उ दिना
क सराप देइ द्या जउन दिना मइँ पइदा भएउँ।
9उ दिन क साँझ तारा करिया पड़ जाइ द्या। उ रात
भिन्सारे क रोसनी बरे तरसइ अउर उ प्रकास कबहुँ न आवइ
द्या। उ सूरज क पहिली किरन न लखि सकइ।
10काहेकि उ रात मोका पइदा होइ स नाहीं रोकेस। उ रात
मोका इ सबइ कस्ट झेलइ स नाहीं रोकेस।
11मइँ काहे नाहीं मरि गएउँ जब मइँ पइदा भवा रहेउँ?
जन्म क समइ ही मइँ काहे नाहीं मरि के बाहर आए रहेउँ?
12काहे मोर महतारी गोदी मँ मोका राखेस? काहे मोर
महतारी क छातियन मोका दूध पियाएन।
13अगर मइँ तबहिं मरि गवा होतेउँ जब मइँ पइदा भवा
रहेउँ तउ अब मइँ सान्ति स होतेउँ। अगर अइसा होतेन मइँ
सोवत रहतेउँ अउर आराम पउतेउँ।
14राजा लोगन अउ बुद्धिमान मनइयन क संग जउन
पृथ्वी पइ पहिले रहेन। ओन लोग आपन बरे ठउर जगह
बनाएन, जउन अब नस्ट होइके मिट चुका अहइँ।
15मोका ओन सासक लोगन क संग दफनावा जात रहतेउँ
जउन सोना-चाँदी स आपन घर भरे होतेन।
16मइँ गर्भपात मँ ही मरि जात रहतेउँ। मइँ दिन क
प्रकास नाहीं देखि रहतेउँ।

लिब्यातान होइ सकत ह इ एक ठु भारि भरकम समुद्री दोत्य रहा। पुराने जमाने क साहित्य क अनुसार, परमेस्सर लिब्यातान क खिलाफ लड़त रहेन अउर एका सर्जन क सुरू मँ ही हराए दिहेन। लोग सोचत रहेन कि जादू एकर मदद स सुर्य ग्रहन पइदा करत रहेन।

17दुट्ठ जन दुःख देब तब तजि देत हीं जब उ पचे कब्र मँ होत हीं अउर थके लोग कब्र मँ आराम पावत हीं।

18हिआँ तलक कि बंदी भी सुख स कब्र मँ रहत हीं। हुआँ उ पचे आपन अत्याचारियन क आवाज नाहीं सुनत हीं।

19हर तरह क लोग कब्र मँ रहत हीं चाहे उ पचे महत्व नामा होइँ या साधारण। हुआँ दास आपन सुआमी स छुटकारा पावत ह।

20अइसे मनई क प्रकास काहे देत रहा जउन दुःख झेल रहा ह? अइसे मनइ क काहे जिन्नगी देत रहा ह जेकर जिन्नगी कडुवापन स भरा रहत ह?

21अइसा मनई मनइ चाहत ह मुला ओकर मउत नाहीं आवत। अइसा दुःखी मनई मउत पावइ क उहइ तरह तरसत ह जइसे कउनो छुपे खजाना बरे।

22अइसे मनइयन कब्र पाइके खुस होत हीं अउर आनंद मनावत हीं।

23परमेस्सर ओनसे ओनकर भविस्स छिपाए राखत ह अउर ओनकर चारिहुँ कइँती सुरच्छा बरे देवार खड़ी करत ह।

24मोर गहरी उदासी मोर बरे रोटी बन गवा ह। मोर विलाप जल धारा क तरह बाहेर फूट पड़त ह।

25मइँ जउने डेराउनी बात स डेरात रहेउँ कि कहूँ उहइ मोरे संग न घटि जाइ अहइ मोरे संग घटि गइ। अउर जउने बाते स मइँ सबन त जियादा डरेउँ, उहइ मोरे संग होइ गइ।

26न ही मइँ सान्त होइ सकत हउँ, न ही मइँ आराम कइ सकत हउँ। मइँ बहोत ही विपत्ति मँ हउँ।"

एलीपज क कथन

4 1-2तब तेमान क एलीपज जवाब दिहसः "अगर मइँ तोहका कउनो राय देउँ तउ का तू नाराज़ होब्या? अगर अइसा अहइ तउ भी मोका बोलइ चाही।

3"हे अय्यूब, तू बहोत स लोगन क सिच्छा दिहा अउर दुर्बल हाथन क तू सक्ती दिहा।

4जउन लोग लड़खड़ात रहत रहेन तोहार सब्दन ओनका हिम्मत बँधाए रहेन तू निर्बल गोड़न क आपन उत्साह स सबल किहा।

5मुला अब तोह पइ विपत्ति क पहाड़ टूट पड़ा बाटइ अउर तोहार हिम्मत टूट गइ अहइ। विपदा क मार तोह पइ पड़ी अउर तू ब्याकुल होइ उठ्या।

6तोहका उ परमेस्सर पइ बिस्सास करइ चाही जेका तू उपासना करत ह। आपन ईमानदारी क आपन आसा बनने द्या।

7अय्यूब, इ बात क याद राखा कि कउनो भी निर्दोख कबहुँ नाहीं नस्ट कीन्ह गएन। नीक मनई कबहुँ नाही तबाह कीन्ह गवा अहइ।

8मइँ अइसे लोगन क लखेउँ ह जउन कस्टन क बढ़ावत हीं अउर जउन जिन्नगी क कठिन करत हीं। मुला उ पचे सदा ही दण्ड भोगत हीं।

9परमेस्सर क दण्ड ओन लोगन क मारि डावत ह, अउर ओकर किरोध ओनका नस्ट करत ह।

10दुर्जन सेर क तरह गुर्रात अउ दहाड़त हीं। मुला परमेस्सर ओन दुर्जनन क चुप करावत ह।

11बुरे लोग ओन सेरन क तरह होत हीं जेनके लगे सिकार बरे कछू नाहीं होत। उ पचे मरि जात हीं अउर ओनकर गदेलन एहर-ओहर बिखराइ जात हीं।

12मोरे लगे एक सँदेसा चुपचाप पहुँचावा गवा, अउर मोरे काने मँ ओकर भनक पड़ी।

13जउने तरह राति क बुरा सपना नीदं क उड़ाइ देत ह,

14मइँ डेराइ गएउँ अउ काँपइ लागेउँ। मोर सबइ हड्डियन हिल गइन।

15मोरे समन्वा स एक आतिमा जइसी गुजरी जेहसे मोरे बदन मँ रोंगटा खड़ा होइ गएन।

16उ आतिमा मोर समन्वा उठेस, मुला मइँ एका नाहीं पहिचान सकउँ। मोरी आँखिन क समन्वा एक सरूप खड़ा रहा। हुवाँ सन्नाटा स छावा रहा। फुन मइँ एक बहोत स सान्त आवाज सुनेउँ। उ पचे कहेस,

17'का एक मनई परमेस्सर क समन्वा दोखरहित होइ सकत ह? का एक मनई आपन सृजनहार स जियादा सुद्ध होइ सकत ह?

18परमेस्सर आपन सरग क सेवकन तक पइ भरोसा नाहीं कइ सकत। परमेस्सर क आपन दूतन तलक मँ दोख मिलि जात हीं।

19तउ मनई तउ अउर भी जियादा गवा गुजरा बा। मनई तउ कच्ची माटा क घरौंदा मँ रहत हीं। एँन माटी क घरौंदन क नींव धूरि मँ रखी गइ अहइ। इ सबइ लोगन क ओहसे भी जियादा आसानी स मसलिके मार दीन्ह जात ह, जउने तरह भुनगन मसलिके मार दीन्ह जात ह।

20लोग भोर स साँझ क बीच मँ मर जात हीं मुला ओन पइ कउनो धियान तलक नाहीं देत ह। उ पचे मरि जात हीं अउर सदा बरे चला जात हीं।

21ओनके तम्बूअन क खूंटी उखाड़ दीन्ह जात हीं अउर इ सबइ लोग बिना बुद्धि क मरि जात हीं।'

5 "अय्यूब, अगर तू चाहा तउ पुकारिके लखि ल्या मुला तोहका कउनो भी जवाब नाहीं देइ। तू कउनो भी सरगदूत कइँती मुड़ नाहीं सकत ह।

2मूरख क किरोध उहइ क नास कइ देइ। मूरख मनई क ईर्स्या ओका ही मरि डइहीं।

3मइँ एक मूरख क लखे रहेउँ जउन सोचत रहा कि उ सुरच्छित बाटइ। जेकर घर एका-एक सरापित कइ दीन्ह ग रहा।*

4अइसे मूरख मनई क सन्तानन क कउनो भी मदद नाहीं कइ सका। कचहरी मँ ओनका बचइया कउनो नाहीं रहा।

5ओकरी फसल क भूखे लोग खाइ गएन। हिआँ तलक कि भूखे लोग काँटन क झाड़ियन क बीच जमा भवा अन्न क उठाइ लइ गएन। जउन कछू भी ओन लोगन क लगे रहा उ सबइ चिजियन क लालची मनइयन उठाइके लइ गएन।

6मुसीबत माटी स नाहीं निकरत ह, न ही विपत्ति मैदान मँ जामत ह।

जेकर … रहा या मुला मइँ ओकरे घरे क एका-एक सरापेतउँ।

7मनई क जन्म दु:ख भोगइ बरे भवा ह। इ ओतना ही फुरइ अहइ जेतना फुरइ अहइ कि आगी स चिनगारी ऊपर उठत ह।

8मुला अय्यूब, अगर तोहरी जगह मइँ होतेउँ तउ मइँ परमेस्सर क लगे जाइके आपन दु:खड़ा कहितेउँ अउर ओकरे लगे राय माँगतेउँ।

9परमेस्सर क कारनामा समुझइ मँ बहोत अद्‌भुत अहइँ। परमेस्सर क अजूबा गना नाहीं जाइँ।

10परमेस्सर धरती पइ बर्खा क पठवत ह, अउर उहइ खेतन मँ पानी पठवा करत ह।

11परमेस्सर विनम्र लोगन क ऊपर उठावत ह। उ ओका ऊपर उठाइके दु:खी क धन क बचावत ह।

12परमेस्सर चालाक अउ दुट्‌ठ लोगन क कुचाल क रोक देत ह। एह बरे ओनका सफलता नाहीं मिला करत।

13परमेस्सर चतुर क उहइ क चतुराइ भरी जोजना मँ पकरि लेत ह। एह बरे ओनकर चतुराइ भरी सबइ जोजना असफल होतिन।

14उ सबइ चालाक लोग दिन क प्रकास अँन्धियारा क नाईं होइ गवा। हिआँ तलक कि दुपहर मँ भी उ पचे आधी-रात क जइसा ठोकर खात हीं।

15परमेस्सर दीन मनई क मउत स बचावत ह अउर ओनका सक्तीसाली चतुर लोगन क सक्ती स बचावत ह।

16एह बरे दीन मनई क भरोसा अहइ कि परमेस्सर इ होइ क निआव नाहीं करब।

17उ मनई भाग्यवान अहइ, जेकर परमेस्सर सुधार करत ह एह बरे जब सर्व सक्तीसाली परमेस्सर तू पचन्क सजा देत होइ तउ तू आपन दु:खड़ा जिन रोआ।

18परमेस्सर ओन घावन पइ पट्‌टी बाँधत ह जेनका उ दिहस ह। उ चोट पहोंचावत ह मुला ओकर ही हाथ चंगा भी करत हीं।

19उ तोहका छ: विपत्तियन स बचावा। हा! सात विपत्तियन मँ तोहका कउनो नोस्कान न होइ।

20अकाल क समइ परमेस्सर तोहका मउत स बचाइ अउर परमेस्सर जुद्ध मँ तोहार मउत स रच्छा करी।

21जब लोग आपन कठोर सब्दन स तोहरे बरे बुरी बात बोलिहीं, तब परमेस्सर तोहार रच्छा करी। विपत्तियन क समइ तोहका डेराइ क जरूरत नाहीं होइ।

22तू विनास अउ भुखमरी क समइ मँ भी खुस रहब्या। अउर तोहका जंगली जनावरन स भी कबहुँ नाहीं डेराइ चाही।

23मैदानन क चट्‌टानन तोहार साथी क होइ। जंगली जनावरन भी तोहरे संग सान्ति रखत हीं।

24तू सान्ति स रहब्या काहेकि तोहार तम्बू सुरच्छित अहइ। तू पचे आपन भेड़न क बाड़ा भी लखब्या, अउर ओहमाँ एक भी भेड़ हेराइ नाहीं।

25तोहार बहोत सन्तानन होइहीं। उ सबइ एँतना होइहीं जेतना घासे क पाती भुइयाँ पइ अहइँ।

26तू उ पका भवा गोहूँ जइसा होब्या जउन कटनी क समइ तलक पकत रहत ह। हाँ, तू पूरी उमर तलक जिअत रहब्या।

27अय्यूब, हम पचे इ सबइ बातन जाँचित ह अउर हम पचे जानित ह कि इ सबइ फुर अहइँ। एह बरे अय्यूब मोर सुना अउर तू इ सबन्क खुद आपन आप समुझ ल्या।"

अय्यूब एलिपाज क जवाब देत ह

6 फुन अय्यूब जवाब दिहेस, 2"मोर पीरा अउ दु:ख क तराजु मँ तउलइ द्या।

3मोर व्यथा समुद्दर क समूची रेत स भी जियादा भारी होइ। एह बरे मइँ गँवार जइसा बात किहेउँ ह।

4सर्वसक्तीमान परमेस्सर क बाण मोह माँ घुसा अहइँ अउर मोर प्राण ओन बाणन क विख क पिअत रहत ह। परमेस्सर क उ सबइ भयानक सस्त्र मोरे खिलाफ एक संग रखा भवा अहइँ।

5तोहार सब्दन कहइ बरे आसान अहइ जब कछू भी बुरा नाहीं भएन ह। हिआँ तलक कि जंगली गदहा भी नाहीं रेकंत अगर ओकरे लगे खाइ क रहइ। इहइ तरह कउनो भी गइया तब तलक नाहीं रँभात जब तलक ओकरे लगे चरइ क चारा अहइ।

6बे नमक क भोजन बिना स्वाद क होत ह। अउर अण्डा क सफेदी मँ भी स्वाद नाहीं होत ह।

7मोरे बरे तोहार सब्द ठीक उहइ तरह अहइ। इ भोजन क छुअइ स मइँ इन्कार करत हउँ। इ तरह क भोजन मोका सड़ा भवा लागत ह।

8परमेस्सर क मोर माँग क अनुमोदन करइ द्या अउर मोका उ देइ द्या जे मँ चाहत हउँ।

9परमेस्सर क मोका सराप अउर मार डावइ द्या!

10अगर उ मोका मारत ह तउ एक ठु बात क चैन मोका रही, आपन अनन्त पीरा मँ भी मोका एक ठु बाते क खुसी रही कि मइँ कबहुँ भी आपन पवित्र क हुकुमन पइ चलइ स इन्कार नाहीं किहेउँ।

11मोर सक्ती छीण होइ चुकी बाटइ एह बरे मोका जिअत रहइ क आसा नाहीं अहइ। मोका पता नाहीं कि आखीर मँ मोरे संग का होइ? एह बरे धीरज धरइ क मोरे लगे कउनो कारण नाहीं अहइ।

12मइँ चट्‌टान क नाईं मजबूत नाहीं अहउँ। न ही मोर देह काँसे स रची गइ अहइ।

13अब तउ मोहमाँ एँतनी भी सक्ती नाहीं कि मइँ खुद क बचाइ लेउँ। काहेकि मोहसे कामयाबी छीन लीन्ह गइ अहइ।

14काहेकि उ जउन आपन दोस्तन खातिर निस्ठा देखावइ स इन्कार करत ह। उ सर्वसक्तीमान परमेस्सर क भी अपमान करत ह।

15मुला मोरे बन्धु लोगो, तू बिस्सास क जोग्ग नाहीं रह्या। तू पचे नदी-तल क नाईं अबिस्सासी ह जेहमाँ बरिस क कछू भाग मँ ही जल रहत ह।

16उ सबहिं अँन्धियारा नदी-तल, बरफ स उमड़ि जात ह जब बरफ टेघरत हीं।

17मुला जब मौसम गरम अउ सूखा होत ह, तब पानी बहब बंद होइ जात ह, अउर जल क धारा झुराइ जात हीं।

18बइपारी लोगन क दल आपन रास्ता क तजि देत हीं अउर रेगिस्ताने मँ प्रवेस कइ जात हीं अउर उ पचे लुप्त होइ जात हीं।

19तेमा क वइपारी दल जल क हेरत रहेन अउर सबा क राही आसा क संग लखत रहेन।

20उ पचन्क विस्सास रहा कि पानी मिली मुला ओनका निरासा मिली।

21अब तू पचे ओन जल धारन क समान अहा। तू पचे मोर सबइ यातना क लखत अहा अउ डेरान अहा।

22का मइँ कहेउँ कि 'मोका उपहार द्या?' का मइँ कहेउँ कि 'मोर बरे रिस्वत क रूप मँ एक भेंट द्या?'

23का मइँ तू पचन्स कहेउँ, 'मोर दुस्मनन स मोका बचाइ ल्या? का मइँ तोहका कहेउँ कि ओका मुक्ती-धन द्या जउन मोका पकरेस ह?'

24एह बरे अब मोका सिच्छा द्या अउर मइँ सान्त होइ जाब। मोका देखाँइ द्या कि मइँ का बुरा किहेउँ ह।

25सच्चा सब्द ताकतवर होत हीं, मुला तू पचे का आलोचना करत ह?

26का तू आलोचना क अविस्कार करत ह? का तू एहसे भी जिआदा निरासाजनक सब्द बोलब्या?

27हिआँ तलक कि जुआ मँ अनाथ क भी वस्तुअन क लेइ चाहत ह। हिआँ तलक कि तू आपन निज मीत क भी बेचइ चाहत ह।

28मुला अब, मोरे मुख क परखा। मइँ तोहसे झूठ नाहीं बोलब।

29एह बरे, आपन मने क बदल डावा। एक भी अनियाय जिन होइ द्या, फुन स जरा सोचा काहेकि मइँ कउनो बुरा काम नाहीं किहेउँ ह।

30मइँ झूठ नाहीं कहत हउँ। मोका भला अउ बुरे लोगन क पहिचान अहइ।"

7 अय्यूब कहेस, "मनई क धरती पइ कड़ा सघर्ष करइ क पड़त ह। ओकर जिन्नगी भाड़े क मजदूर क जिन्नगी जइसी होत ह।

2मनई उ भाड़ा क मजदूर जइसा अहइ, जउन दिन क अन्त मँ ठंडी छाँह चाहत ह, अउ मजदूरी क इन्तज़ार करत ह।

3महीना दर महीना बेचइनी क बीत गवा अहइँ अउर पीरा भइ राति दर रात मोका दइ दीन्ह गइ अहइ।

4जब मइँ ओलरत हउँ, मइँ सोचत रहत हउँ, 'मोरे उठइ क अबहुँ अउर कितनी देर अहइ?' मुला इ रात तउ घसेटत चला जात ह। मइँ तउ पीरा झेल रहत हउँ अउ करवट बदलत हउँ जब तलक सूरज नाहीं निकरि आवत।

5मोर तन कीरन अउ धूरि स ढाक लीन्ह अहइ। मोर चमड़ी चटक गइ अहइ अउर एहमाँ रिसत भए फोड़ा भरि गवा अहइँ।

6मोर दिन जुलाहा क फिरकी स भी जियादा तेज चाल स बीतत अहइँ। मोर जिन्नगी क आखीर बिना कउनो आसा क होत अहइ।

7हे परमेस्सर, याद राखा, मोर जिन्नगी सिरिफ एक ठु साँस अहइ। अब मोर आँखी कछू भी नाहीं लखिहीं।

8अबहिं तू मोका लखत अहा मुला फुन तू मोका नाहीं लख पउब्या। तू मोका हेरब्या मुला तब तलक मइँ जाइ चुका होब।

9एक बादर छोटा होइ जात ह अउर आखर मँ लुप्त होइ जात ह। इ तरह एक मनई जउन मर जात ह अउर कब्र मँ गाड़ दीन्ह जात ह, उ फुन वापिस नाहीं आवत ह।

10उ आपन पुराना घरे क वापिस कबहुँ नाहीं लउटी। ओकर घर ओका फुन कबहुँ भी नाहीं जानी।

11एह बरे मइँ चुप नाहीं रहब। मइँ सब कहि डाउब। मोर आतिमा दुखी अहइ अउर मोर मन कडुआहट स भरा अहइ, एह बरे मइँ उ सब बातन क बारे मँ सिकायत करब जउन मोर संग घटेस ह।

12हे परमेस्सर, तू मोर पइ पहरेदार काहे राखेस ह? का मइँ समुद्दर हउँ, या समुद्दर क कउनो दैत्य?

13-14हे परमेस्सर, जब मोका लगत ह कि खाट मोका सान्ति देइ अउर मोर पलंग मोका चइन अउ बिस्राम देइ, तब मोका सपना मँ डरावत ह।

15मइँ आपन गला घोंटि जाइ पसन्द करब्या। मउत इ देह मँ रहइ स बेहतर अहइ।

16मइँ आपन जिन्नगी स घिना करत हउँ। मइँ हमेसा अइसा जिअत रहब नाहीं चाहत हउँ। मोका अकेल्ला रहइ द्या। मोर जिन्नगी बेकार अहइ।

17हे परमेस्स, मनई तोहरे बरे काहे एँतना महत्वपूर्ण अहइ? काहे मनई पइ तोहका एँतना धियान देइ चाही?

18हर भिन्सारे काहे तू मनई क लगे आवत ह अउर हर छिन तू काहे ओका परखा करत अहा?

19हे परमेस्सर, तू कबहुँ भी मोका नज़र अन्दाज़ नाहीं करत ह अउर मोका एक छन अकेल्ला नाहीं छोड़त ह।

20हे परमेस्सर, तू हरेक चिजियन पइ जउन हम पचे करत हीं निगाह रखत ह! जदि मइँ पाप किहा तउ मइँ का किहा? तू मोका काहे निसाना बनाया ह? मइँ तोहार बरे काहे बोझ बन गवा हउँ।

21का तू मोर सबइ गलती क छिमा नाहीं करत्या अउर मोरे पापन क तू काहे छिमा नाहीं करत्या? मइँ हाली ही मरि जाब अउर कब्र मँ चला जाब। जब तू मोका हेरब्या मुला तब तलक मइँ जाइ चुका होब।"

बिलदद अय्यूब स बोलत ह

8 एकरे पाछे सूह प्रदेस क बिलदद जवाब देत भए कहेस।

2"तू कब तलक अइसी बातन करत रहब्या? तोहार सब्द तेज आँधी क तरह बहत अहइँ।

3परमेस्सर सदा स्वच्छ रहत ह। निआउवाली बातन क सर्वसक्तीवाला परमेस्सर कबहुँ नाहीं बदलत ह।

4एह बरे अगर तोहार सन्तानन परमेस्सर क खिलाफ पाप किहन ह तउ उ ओनका राजा दिहस ह। आपन पापन खातिर ओनका भोगइ क पड़ा ह।

5मुला अब अय्यूब, परमेस्सर कइँती निगाह करा, अउर सर्वसक्तीमान परमेस्सर स ओकर दाया पावइ खातिर बिनती करा।

6अगर तू पवित्तर अउर ईमानदार अहा, तउ उ हाली तोहार मदद बरे आइ। उ तोहार नीक घरे क रच्छा करब।

7जउन कछू भी खोया उ तोहका नान्ह स बात लगी। काहेकि तोहार भविस्स बड़ा ही सुफल होइ।

8ओन बुढ़वा लोगन स पूछा अउर पता करा कि ओनकर पुरखन क सीखे रहेन।

9काहेकि अइसा लागत ह जइसा कि हम तउ बस काल्ह ही पइदा भएन ह, हम कछू नाहीं जानित। परछाईं क तरह हमार उमर भुइँया पइ बहोत छोट क अहइ।

10होइ सकत ह कि बुढ़वा लोग तोहका कूछ सिखाइ सकइँ। होइ सकत ह जउन उ पचे सीखेन ह उ पचे मोका सिखाइ सकइँ।"

11बिलदद कहेस, "का भोजपत्र क बृच्छ दलदल भुइँया क इलावा कहुँ बढ़ सकत ह? का नरकट बे पानी क बाढ़ि सकत ह?

12नाहीं, अगर पानी झुराइ जात ह तउ उ पचे भी मुरझाइ जइहीं। ओनका काटा जाइ जोग्ग कटिके काम मँ लिआवइ क उ पचे बहोत छोट रहि जइहीं।

13उ मनई जउन परमेस्सर क बिसारि जात ह, नरकट क तरह होत ह। उ मनई जउन परमेस्सर क बिसारि जात ह ओकरे बरे कउनो आसा नाहीं अहइ।

14उ मनई क बिस्सास बहोत दुर्बल होत ह। उ मनई मकड़ी क जाला क सहारे रहत ह।

15अगर कउनो मनई मकड़ी क जाले क सहारा लेत ह, इ टूटि जाइ। अगर उ मकड़ी क जाल क पकरत ह, इ नस्ट होइ जाइ।

16उ मनई उ पौधे क नाईं अहइ जेकरे लगे पानी अउ सूरज क रोसनी बहोतइ अहइ। ओकर डारियन बगिया मँ हर कइँती सँचरत हीं।

17उ पाथर क टीला क चारिहुँ कइँती आपन जड़न क फइलावत ह अउ चट्टान मँ जमइ बरे कउनो ठउर हेरत ह।

18जब पौधा आपन जगह स उखाड़ दीन्ह जात ह, तउ कउनो भि नाहीं जान पात ह कि हुआँ कबहुँ कउनो पौधा रहा।

19मुला उ पौधा हुआँ खुस रहा, अब दूसर पउधन हुआँ जमिहीं, जहाँ कबहुँ उ पउधा रहा।

20मुला परमेस्सर कबहुँ भी निर्दोख मनई क नाहीं तजी अउर उ बुरे मनई क सहारा नाहीं देइ।

21अबहुँ भी परमेस्सर तोहरे मुँह क हँसी स भरि देइ। तोहरे ओंठन क खुसी स चहकाइ देइ।

22परमेस्सर तोहरे दुट्ठ दुस्मनन क लज्जा स झुकाइ देइ। अउर ओनकर घरन क नास कइ देइ।"

अय्यूब बिलदद क जवाब देत ह

9 फुन अय्यूब जवाब दिहस।

2"हाँ, मइँ जानत हउँ कि तू फुरइ कहत ह मुला मनई परमेस्सर क समन्वा निर्दोख कइसे होइ सकत ह?

3मनई परमेस्सर स बहस नाहीं कइ सकत। परमेस्सर मनई स हजारन सवाल कइ सकत ह अउर कउनो ओनमाँ स एक ठु क भी जवाब नाहीं दइ सकत ह।

4परमेस्सर बुद्धिमान अउर सक्तीसाली बाटइ। अइसा कउनो मनई नाहीं जउन परमेस्सर क कामयाबी क खिलाफ करी।

5जब परमेस्सर कोहाइ जात ह, उ पहाड़न क हटाइ देत ह, अउर उ सबइ समुझ तलक नाहीं पउतेन।

6परमेस्सर भुइँया क कँपावइ बरे भुइँडोल पठवत ह। परमेस्सर भुइँया क खम्भन क हिलाइ देत ह।

7परमेस्सर सूरज क आग्या दइ सकत ह अउर ओका उगइ स रोक सकत ह। उ तारन क बंद कइ सकत ह ताकि उ सबइ न चमकइँ।

8सिरिफ परमेस्सर अकासन क रचेस ह। उ सागरे क लहरन पर बिचरि सकत ह।

9परमेस्सर सप्तर्सि, मृगसिरा अउर कचपचिया तारन क बनाएस ह। उ ओन ग्रहन क बनाएस जउन दक्खिन क अकास पार करत हीं।

10परमेस्सर अइसेन अद्‌भुत करम करत ह जेनका मनई नाहीं समुझ सकत। परमेस्सर क महान अचरज भरे करमन क कउनो अन्त नाहीं अहइ।

11परमेस्सर जब मोरे लगे स निकरत ह तउ मइँ ओका लख नाहीं पावत हउँ। परमेस्सर जब मोरी बगल स निकरि जात ह तउ भी मइँ जान नाहीं पावत हउँ।

12अगर परमेस्सर छोरइ लागत ह तउ कउनो भी ओका रोक नाहीं सकत। कउनो भी ओहसे कह नाहीं सकत कि 'तू का करत अहा?'

13परमेस्सर आपन किरोध क रोकी नाहीं। हिआँ तलक कि राहाब* क सहायक भी परमेस्सर क सक्ती क आगे झुकत हीं।

14एह बरे परमेस्सर स मइँ बहस नाहीं कइ सकत। मइँ नाहीं जानत कि ओहसे का कहा जाइ।

15यद्यपि मइँ तउ निर्दोख अहउँ, मोरे लगे कउनो विकल्प नाहीं अहइ किन्तु ओहसे जउनो कि मोका निआव करत ह दाया क आग्रह कइ सकत हउँ। मइँ सिरिफ ओसे जउन मोर निआउ करत ह, दाया क भीख माँग सकत हउँ।

16अगर मइँ ओका गोहरावउँ अउर उ जवाब देइ, तबहुँ मोका बिस्सास नाहीं होइ कि उ सच ही ओह पइ धियान देत ह जउन मइँ कहत हउँ।

17परमेस्सर मोका कुचरइ बरे तूफान पठइ अउर उ मोका अकारण ही अउर जियादा घाव देइ।

18परमेस्सर मोका फुन साँस नाहीं लेइ देइ। उ मोका अउर जियादा दुख देइ।

19कउनो मनई परमेस्सर क सक्ती क मुकाबला मँ हराइ नाहीं सकत ह। कउनो मनई परमेस्सर क अदालत मँ लइ बरे मजबूर नाहीं कइ सकत ह।

20चाहे मइँ निर्दोख अहउँ, जउन कछू भी मइँ कहत हउँ उ मोका दोखी ठहराउब। चाहे मइँ कउनो बुरा काम नाहीं किहा, उ मोका भ्रस्ट क जइसा बनाउब्या।

राहाब अजगर या सागरे क दैत्य अहइ। लोग सोचत अहा कि राहाब सागरे पइ नियंतरन रखत ह। अकसर राहाब परमेस्सर क दुस्मन क या कउनो बुरा काम करइ क प्रतीक रहा।

21मइँ पाप रहित हउँ। मुला मोका आपन ही परवाह नाहीं अहइ मइँ खुद आपन ही जिन्नगी स घिना करत हउँ।

22मइँ खुद स कहत हउँ, 'हर कउनो क संग एक समान ही घटित होइ। निरपराध लोग वइसेन ही मरत हीं जइसे अपराधी मरत हीं। परमेस्सर ओन सबक जिन्नगी क अन्त करत ह।'

23का परमेस्सर मज़ाक करत ह जब अचान्क विपत्ति आवत अउर कउनो निर्दोख मनई मारा जात ह?

24अगर निआधीस क आँखिन क ढाँपि दीन्ह जाइ तउ धरती पइ दुट्ठन क राज होइ जाब्या। अगर इ परमेस्सर नाहीं किहस, तउ फुन कउन किहस ह?

25कउनो तेज धावक स तेज मोर दिन परात अहइँ। मोर दिन उड़िके बीतत अहइँ अउर ओनमाँ कउनो खुसी नाहीं अहइ।

26तेजी स मोर दिन बीतत अहइँ जइसे भोजपत्र क नाव बहत चली जात ह। मोर दिन अइसे हीं बीतत अहइँ जइसे उकाब आपन सिकारे पइ टूट पड़त होइ!

27जदि मइँ कह सकब, 'मइ सिकाइत नाहीं करब। मइँ आपन दर्द भूल जाब। अउर खुस होइ जाब्या।'

28किन्तु मइँ अबहुँ तलक पीरा स डेरात हउँ काहेकि मइँ जानत हउँ कि अबहुँ भी तू (परमेस्सर) मोका निर्दोख नाहीं बनाउब्या।

29मइँ परमेस्सर क संग आपन दलील क खोइ देब। तउ कोसिस करइ मँ मोका आपन समइ काहे बरबाद करइ चाही।

30चाहे मइँ आपन हाथ धोइ बरे सबन त सुद्ध पानी अउर बड़िया साबुन क प्रयोग करा।

31फुन भी परमेस्सर मोका घिनौना गड़हा मँ ढकेल देइ जहाँ मोर ओढ़ना तलक मोहसे घिना करिहीं।

32परमेस्सर, मोर जइसा मनई नाहीं अहइ। एह बरे ओका मइँ जवाब नाहीं दइ सकत। हम दुइनउँ अदालत मँ एक दूसरे स मिल सकित नाहीं।

33हुवाँ कउनो एक बिचौलिया नाही जउन हमार बीच क बातन सुन सकत। हुवाँ कउनो एक नाहीं जउन हम दुइनउँ क ऊपर अधिकार रखइ सकत।

34अगर परमेस्सर मोका सज़ा देइ बन्द कइ देइ, अउर उ मोका बहोत जियादा नाहीं डेरावइ।

35तब मइँ बगैर डरे परमेस्सर स उ सब कहि सकत हउँ, काहेकि मइँ जानत हउँ कि मइँ अइसा दोखी नाहीं हउँ जइसा मोह क दोखी ठहराइ गवा ह।

10 मुला हाथ, अब मइँ वइसा नाहीं कइ सकत। मोका खुद आपन जिन्नगी स घिना अहइ एह बरे मइँ अजाद भाव स आपन दुखड़ा रोउब। मोरे मने मँ कड़ुआहट भरी अहइ एह बरे अब मइँ बोलब।

2मइँ परमेस्सर स कहब 'मोह पइ दोख जिन लगावा। मोरे खिलाफ तोहरे लगे लगावइ बरे का अहइ?

3हे परमेस्सर, का तू मोका चोट पहोंचाइके खुस होत ह? अइसा लगत ह जइसे तोहका आपन सृस्टि बरे कउनो चिंता नाहीं अहइ। अउर सायद, तू दुस्टन क कुचालन क पच्छ लेत अहा।

4हे परमेस्सर, का तोहार आँखिन मनई क समान अहइँ? का तू चिजियन क अइसे ही लखत ह, जइसे मनइयन लखा करत हीं।

5का तोहार आयु हम जइसे मनइयन क तरह अल्प अहइ? का तोहार जिन्नगी हम मनइयन क जइसे अल्प अहइ?

6तू मोर गलतियन खोजत ह अउर मोरे पापन क हेरत ह।

7तू जानत ह कि मइँ निरपराध हउँ मुला मोका कउनो भी तोहार सक्ती स बचाइ नाहीं सकत।

8परमेस्सर, तू मोका रच्या अउर तोहार हाथन मोरे तन क सँवारेन, मुला अब तू ही मोरे खिलाफ होइ गया अउर मोका नस्ट करत अहा।

9हे परमेस्सर, याद करा कि तू मोका चिकनी माटी स मढ़्या, मुला अब तू ही मोका फुन स धूलि मँ बदलब्या।

10तू मोका दुधे क नाईं उड़ेरत ह, तब तू मोका दही बनावत ह अउर निचोड़त ह अउर फुन तू मोका दूधे स पनीर बनावत ह।

11तू मोका हाड़न अउ माँस पेसियन स बनाएस ह। तू मोका चमड़ी अउ माँस स ढाँकेस ह।

12तू मोका जिन्नगी क दान दिहा अउर मोरे बरे दयालु रह्या। तू मोरे धियान राख्या अउर तू मोरे प्राणन क रखवारी किहा।

13मुला इ उ अहइ जेका तू आपन मने मँ छुपाए राख्या। मइँ जानत हउँ कि इ उ अहइ जेकर तू आपन मने मँ गुप्त रुप स जोजना बनाया ह।

14अगर मइँ पाप किहेउँ तउ तू मोका लखत रह्या। यह बरे तू मोका निर्दोख घोसित नाहीं कर सकत्या ह काहेकि मइँ बुरा काम किहेउँ ह।

15अगर मइँ दुस्ट जइसा बेउहार किहेउँ ह तउ तू मोका इ सब झेलइ चाही। अगर मइँ निरपराध भी हउँ तउ भी आपन मूँड़ नाहीं उठाइ पउतेउ काहेकि मइँ लज्जा अउ पीरा स भरा भवा हउँ।

16इ अइसा ही लागत ह कि तोहका सिंह क तरह मोर सिकार करइ पसन्द ह। तू आपन सक्ती मोर खिलाफ बार-बार देखावत ह।

17तू मोरे खिलाफ सदा ही कउनो न कउनो क नवा गवाह बनावत ह। तोहार किरोध मोरे खिलाफ अउर जियादा भड़क उठी अउर मोरे खिलाफ तू नईं नईं दुस्मन क सेना लिअउब्या।

18हे परमेस्सर, तू मोका काहे जन्म दिहा? एहसे पहिले कि मोका कउनो लख सकत कास! मइँ मरि जातेउँ!

19कास! मइँ जिअत न रहतेउँ। कास! मोका माता क गर्भ स सोझइ ही कब्रा मँ उतार दीन्ह जातेउँ!

20मोर जिन्नगी करीब करीब खतम होइ चुकी अहइ। कृपा कइके मोका अकेल्ले रही द्या। ताकि मइँ इ अल्प समइ क अनन्द लेइ सकब।

21एहसे पहिले कि मइँ हुआँ चला जाउँ स कबहुँ मइँ वापस नाहीं आइ सकउँ, जउन जगह पइ अँधियारा अउर घोर अन्धकार बाटइ,

22जउन तनिक समइ बचा अहइ मोका जिअइ लेइ द्या। एहसे पहिले कि मइँ हुआँ चला जाउँ जउने जगह क कउनो लखि नाहीं पावत, अँधियारा क जगह, छाया अउर गड़वड़ क जगह, उ जगह पइ जहाँ रोसनी भी अँधियारा स भरी होत ह।'"

सोपर क अय्यूब स कहब

11 एह पइ नामात नाउँ क पहँटा क सोपर अय्यूब क जवाब देत भए कहेस,

2"इ सब्दन क प्रवाह क जवाब मिलइ चाही! का कउनो मनई आपन आपन क सिरिफ जियाद बोलइ के निर्दोख बनावइ सकत ह।

3का तू सोचत ह कि तोहार सेखी हम लोगन क सांत कइ सकत? का तू सोचत ह कि बिना हमार स डांट खाए मज़ाक उड़ा सकत ह।

4अय्यूब, तू परमेस्सर स कहत रह्या, 'मोर सिद्धान्त सुद्ध अहइ। तू लख सकत ह कि मइँ निर्दोख अहउँ।'

5सचमुच मँ मोर इ इच्छा अहइ कि परमेस्सर बोलइ अउर तोहसे बात करिहीं।

6तउ उ तोहका बुद्धि क रहस्य बताइ। बुद्धि अनेक सच्चाइ राखत ह। अय्यूब, मोर सुना। परमेस्सर सचमुच ही तोहार कछू पापन क नज़र अन्दाज़ करत ह।

7अय्यूब का तू परमेस्सर क रहस्य समुझ सकत ह? का तू सर्वसक्तीमान परमेस्सर क बुद्धि क सीमा समुझ सकत ह?

8ओकर बुद्धि अकासे स ऊँच अहइँ, तू का कइ सकत्या? ओकर बुद्धि मृत्युलोक स गहिर अहइँ, का तू एका समुझ सकत्या?

9उ सबइ सीमा धरती स बड़ा अउर सागर स बिसाल अहइँ।

10अगर परमेस्सर तोहका बन्दी बनावइ अउर तोहका अदालत मँ लइ जाइ, तउ कउन ओका रोक सकत्या?

11परमेस्सर सचमुच जानत ह कि कउन धोखेबाज़ अहइ। परमेस्सर जब बुरी काम क लखत ह, तउ उ ओकर नज़र अन्दाज़ नाहीं करब्या।

12मुला कउनो मूरख मनई कबहुँ बुद्धिमान नाहीं होइ सकत ह। जइसे एक जंगली गदहा एक मनई क जन्म नाहीं देइ सकत ह।

13तउ अय्यूब, तोहका आपन सोच-बिचार पइ जरूर रोक लगावइ चाही, अउर आपन हाथन पराथना मँ फइलावइ चाही।

14कउनो दुट्ठता जउन तोहरे हाथन मँ बसा अहइ, ओका तू दूर करा। अउर आपन घरे मँ कउनो बुराइ क जिन रहइ द्या।

15तबहिं सिरिफ तोहार दोख क छिमा कीन्ह जाब्या। तू मजबूती स खड़ा रहब्या अउर नाहीं डेराब्या।

16अय्यूब, तब तू आपन विपत्ति क बिसरि जाब्या। तू आपन दुखड़ा क बस उ पानी जइसा सुमिरन करब्या जउन तोहरे लगे स बहिके चला गवा।

17तोहार जिन्नगी दुपहर क सूरज स भी जियादा उज्जर होइ। जिन्नगी क अंधियर घड़ियन अइसेन चमकिहीं जइसे भिन्सारे क सूरज।

18अय्यूब, तू सुरच्छित अनुभव करब्या काहेकि हुआँ आसा होइ। परमेस्सर तोहार रखवारी करी अउर तोहका आराम देइ।

19चइन स तू सोउब्या, कउनो तोहका नाहीं डेराई अउर बहोत स लोग तोहसे मदद मंगिहीं।

20मुला जब बुरे लोग आसरा हेरिहीं, तब ओनका नाहीं मिली। ओनके लगे कउनो आस नाहीं होइ। मउत ही ओनकर सिरिफ आसा होइ।"

सोपर क अय्यूब क जवाब

12 फुन अय्यूब सोपर क जवाब दिहस।

2"बिना संदेह क तू सोचत अहा कि सिरिफ तू ही लोग बुद्धिमान अहा, तू सोचत अहा कि जब तू मरब्या तउ विवेक मर जाइ तोहरे संग।

3मुला तोहार जेतँनी बुध्दि भी उत्तिम बाटइ, मइँ तोहसे कछू घटिके नाहीं अहउँ। अइसी बातन क जइसी तू कहत ह, हर कउनो जानत ह।

4अब मोरे मीत मोर मसखरी उड़ावत हीं। 'मइँ प्रतिदिन पराथना किहा करत रहा अउर उ मोर पराथना क जवाब देत रहा। किन्तु अब भी मइँ बेगुनाह अउर निर्दोख अहउँ, मोर परोसी मोर खिल्ली उड़ावत हीं।'

5अइसे लोग जेह पइ कबहुँ विपत्ति नाहीं पड़ी, विपदा स घिरा लोगन क हँसी किया करत हीं। मगर विपदा हमेसा उ लोगन पइ आइ बरे तइयार रहत ही जेकर गोड़ दृढ़ नाहीं अहइँ।

6डाकुअन आपन डेरन मँ बगैर चिन्ता क रहत हीं। अइसे लोग जउन परमेस्सर क क्रोधित करत हीं, सान्ति स रहत हीं। परमेस्सर ओनका धियान रखत हीं।

7चाहे तू पसु स पूछिके लखा, उ पचे तोहका सिखाइ देइहीं, या हवा क पंछियन स पूछा उ पचे तोहका बताइ देइहीं।

8या तू धरती स पूछि ल्या उ तोहका सिखाइ देइ या सागरे क मछरियन क आपन गियान तोहका बतावइ द्या।

9हर कउनो जानत ह कि यहोवा एँन सबइ चिजियन क रचेस ह।

10हर जिअत पसु अउर हर एक प्राणी जउन साँस लेत ह, परमेस्सर क आधीन अहइ।

11जइसे जीभ भोजन क सुआद चखत ह वइसे ही कानन क सब्दन क परखत ह।

12लोग कहित ह, 'अइसा ही बूढ़न क लगे विवेक रहत ह। अउर लम्बी उमर समुझ बूझ देत ही?'

13किन्तु उ परमेस्सर अहइ जेकर लगे बुद्धि अउर सक्ती अहइ। उ अच्छा सलाह अउर सूझबूझ रखत हीं।

14अगर परमेस्सर कउनो चिज क ढहाइ क गिराइ देइ तउ, फुन लोग ओका नाहीं बनाइ सकतेन। अगर परमेसस्र कउनो मनई क बन्दी बनावइ, तउ लोग ओका अजाद नाहीं कइ सकतेन।

15अगर परमेस्स्र बर्खा क रोकइ तउ धरती झुराइ जाइ।
अगर परमेस्सर बर्खा क छूट दइ देइ, तउ उ धरती पइ बाढ़
लइ आई।
16परमेस्सर सक्तीसाली अहइ। उ सदा विजयी होत ह। उ
मनई जउन छलत ह अउर उ मनई जउन छला जात ह
दुउनउँ परमेस्सर क अहइँ।
17परमेस्सर सलाहकारन स ओनकर बुद्धि लेइ लेत ह।
उ प्रमुखन क अइसा बनाइ देत ह कि उ पचे मूर्ख मनइयन
जइसा बेउहार करइ लागत हीं।
18परमेस्सर राजा लोगन क अधिकार हटाइ लेत ह अउर
ओनका दास बना देत ह।*
19परमेस्सर याजक लोगन ओनकर सक्ती स वंचित कर
देत ह अउर ओनकर दर्जा क सुरच्छा क छीन लेत ह।
20परमेस्सर बिस्सासनीय सलाहकार क चुप कराइ देत ह।
उ बूढ़े लोगन क बुद्धि लइ लेत ह।
21परमेस्सर महत्वपूर्ण अधिकारियन क साथ अइसा बेउहार
करत ह जइसा उ कछू नाहीं अहइ। उ सासकन क सक्ती
लेइ लेत हीं।
22परमेस्सर अँधियारा स रहस्य स भरी सच्चाई क परगट
करत ह। उ घना अँधियारा स घिरा जगहियन पइ, रोसनी
पठवत ह।
23परमेस्सर रास्ट्रन क विसाल अउ सक्तीसाली होइ देत
ह, अउर फुन ओनका उ नस्ट कइ डावत ह। उ रास्ट्न क
विकसित कइके विसाल बनइ देत ह, फुन ओनकर लोगन
क उ तितर बितर कइ देत ह।
24परमेस्सर धरती क रास्ट्रन क प्रमुखन क मूरख अउर
नासमुझ बनाइ देत ह। उ ओनका मरुभूमि मँ जहाँ कउनो
राह नाहीं भटक बरे पठवत ह।
25उ पचे प्रमुख लोग अँधियारा मँ आपन राह टटोरत
रहत हीं। कउनो भी प्रकास ओनके लगे नाहीं होत ह।
परमेस्सर ओनका अइसे चलावत ह, जइसे पीके धुत भए
लोग चलत हीं।"

13 "मोर आँखिन पहिले स ही उ सब चिजियन क
गवाही अहा जउन तू कह्या ह। मोर कानन पहिले
ही सुन अउर समुझ चुका ह जउन कछू तू कहा करत अहा।
2मइँ भी ओतना ही जानत हउँ जेतना तू जानत अहा, मइँ
तोहसे कम नाहीं हउँ। 3किन्तु मइँ सर्वसक्तीमान परमेस्सर स
बोलइ चाहत हउँ, अउर मइँ ओकर समन्वा आपन मुकद्दमा
क सफ़ाइ देउँ। 4मुला तू तीनउँ लोग आपन छूठ बातन स
सच्चाई क ढाँपइ चाहत अहा। तू उ बेकार क चिकित्सक
नाईं अहा जउन कउनो क नीक नाहीं कइ सकत। 5मोर इ
कामना अहइ कि तू पूरी तरह चुप होइ जा। इ तोहरे बरे
बुद्धिमानी क बात होइ जउन तू कइ सकत ह।
6"अब, मोर तर्क सुना। सुना जब मइँ आपन सफाई देउँ।
7का तू परमेस्सर बरे झूठ बोलब्या? का तू सचमुच
परमेस्सर क बारे मँ झूठ बोलब्या?
8का तू मोरे खिलाफ परमेस्सर क पच्छ लेब्या? का तू
अदालत मँ परमेस्सर क बचावइ जात अहा?
9अगर परमेस्सर तोहका बहोत करीब स जाँच लिहस तउ
का उ कछू भी नीक बात पाई? का तू सोचत अहा कि तू
परमेस्सर क छल पउब्या, ठीक उहइ तरह जइसे तू लोगन
क छलत अहा?
10अगर तू अदालत मँ छुपा छुपा कउनो क तरफ़दारी
करब्या, तउ परमेस्सर निहचय ही तोहका लताड़ी।
11ओकर तेज तोहका डरावत ह अउर तू डर जात ह।
12तोहार कहब धूलि जइसे बेकार अहइँ। तोहार तर्कन
माटी जइसी दुर्बल अहइँ।
13चुप रहा अउ मोका कहि लेइ द्या। मोरे संग कछू
बात होइ जाइ द्या।
14मइँ खुद क संकट मँ डावत हउँ अउर मइँ खुद आपन
जिन्नगी आपन हाथन मँ लइ लेत हउँ।
15होइ सकत ह परमेस्सर मोका मारि देइ। यद्यपि मोका
जीत क कछू आसा नाहीं अहइ, तउ भी मइँ आपन मुकदमा
क तर्क ओकरे समन्वा देब।
16परमेस्सर मोर मुक्ति अहइ, काहेकि कउनो दुट्ठ मनई
ओकर आपने-सामने नाहीं आइ सकत।
17ओका धियान स सुना जेका मइँ कहत हउँ, ओह पइ
कान द्या जेकर व्याख्या मइँ करइ चाहत हउँ।
18अब मइँ आपन बचाव करइ क तैयार हउँ। इ मोका
पता अहइ कि मोका निर्दोख सिद्ध कीन्ह जाइ।
19कउनो भी मनई इ प्रमाणित नाहीं कइ सकत कि मइँ
गलत हउँ। अगर कउनो मनई इ सिद्ध कइ देइ तउ मइँ
चुप होइ जाब अउर मरि जाब।
20हे परमेस्सर, तू मोका दुइ बातन दइ द्या, फिन मइँ
तोहसे नाहीं छुपब।
21मोका दण्ड देइ रोकि द्या, अउर मोसा जियादा लड़इ
छोड़ द्या।
22फिन तू मोका पुकारा अउर मइ तोहका जवाब देब, या
मोका बोलइ द्या अउर तू मोका जावब द्या।
23केतँना पाप मइँ किए हउँ? कउन सा अपराध मोहसे
होइ गवा? मोका मोर पाप अउर अपराध देखाँवा।
24हे परमेस्सर, तू मोहसे काहे बचत अहा? तू मोर संग
दुस्मन जइसा बेउहार काहे करत अहा?
25का तू मोका डेरउब्या? मइँ एक पत्ता जइसा हउँ जेका
पवन उड़ावत ह। एक झुरान तिनका क तू खदेड़त अहा।
26हे परमेस्सर, तू मोरे विरोध मँ गंभीर दोसपूर्ण बात
लिखत अहा। का तू मोका अइसे पापन बरे दुःख देत ह
जउन मइँ आपन जवानी मँ किहे रहेउँ?
27मोरे गोड़न मँ तू काठ डाइ दिह्या ह। तू मोर हर कदम
पइ आँखी गड़ाए रखत ह। मोरे कदमन क तू सीमा बाँध
दिहा ह।
28मइँ सड़ी चीज जइसा छीन होत जात हउँ कीरन स खाए
भए ओढ़नन क टूका जइसा।"

14 "उहइ दिना स जब हमार मताहरी हम पचन क
जन्मेस ह, हमार जिन्नगी छोट अउ दुःख स भरी
अहइ। 2मनई क जिन्नगी फूल क नाईं अहइ जउन हाली
जमत ह अउर फुन खतम होइ जात ह। मनई क जिन्नगी

परमेस्सर … देत ह परमेस्सर राजा लोगन क सही करमबंध हटाइ लेत ह अउर ओनका बेकार कपड़ा पहनावत ह।

अहइ जइसे कउनो छाया जउन तनिक देर टोकत ह अउर बनी नाहीं रहत।

3हे परमेस्सर, का तू उ मनई पइ धियान देब्या जउन मरा भवा लागत ह? का तू मोर निआउ करइ मोका समन्वा लिअउब्या?

4"कउनो अइसी चीज स जउन खुद स्वच्छ नाहीं अहइ स्वच्छ चीज कउन पाइ सकत ह? कउनो नाहीं।

5मनई क जिन्नगी सीमित अहइ। तू ओकर जीवन काल क सीमित कइ दिहेस ह। तू मनई बरे जउन सीमा बाँध्या ह, ओका कउनो भी नाहीं बदल सकत।

6तउ परमेस्सर, तू हम पइ आँखी रखब तजि द्या। हम लोगन क अकेल्ला तजि द्या। हम पचन्क क आपन जिन्नगी क उहइ तरह समाप्त करइ द्या जे तरह मजदूरन आपन काम क समाप्त करत ह।

7मुला अगर बृच्छ क काटिके गिराइ दीन्ह जाइ तउ भी आसा ओका रहत ह कि उ फुन स पनप सकत ह, काहेकि ओहमा नई नई डारन फूटत रइहीं।

8चाहे ओकर जड़न धरती मँ पुरान काहे न होइ जाइँ अउर ओकर तना चाहे माटी मँ गल जाइ।

9मुला पानी क सिरिफ गंध स उ नई बढ़त देत ह अउर एक पउध क तरह ओहसे डारन फूटत हीं।

10मुला एक मनई कमज़ोर होइ जात ह अउ मरि जात ह, अउर तब उ चला जात ह।

11समुद्दर स पानी गाएब होइ सकत ह अउर नदियन सूख कइ फट सकत ह,

12अउर तउ भी जउन कउनो आपन कब्र मँ मरा भवा अहइ कबहुँ भी नाहीं जी उठब! ओकर नींद स जगाइ स पहिले ही आकास लुप्त होइ जाइ।

13मोर इच्छा अहइ कि तू मोरी कब्र मँ तक तलक छुपाइ लेइ चाही जब तलक तोहार किरोध कम नाहीं होइ जाइ। अउर तोहका आदेस दीन्ह जाइतेन अउर मोका जगावा जातेन।

14अगर कउनो मनई मरि जाइ तउ का जिन्नगी कबहुँ पउब्या? मइँ तब तलक बाट जोहब, जब तलक मोर कर्तव्य पूरा नाहीं होइ जात अउर जब तलक मइँ अजाद न होइ जाऊँ।

15हे परमेस्सर, तू मोका बोलउब्या अउर मइँ तोहका जवाब देब। उ तू ही अहइ जउन मोका बनाया ह यह बरे तोहका मोह पइ धियान देइ चाही।

16तब मोरी इच्छा अहइ कि तू मोर हर कदम क जाँच करा, मुला तोहका मोहमाँ कउनो गल्ती खोजइ क कोसिस नाहीं करइ चाही।

17तउ इ अइसा होइतेन कि मोर पापन क एक थइला मँ बन्दा कीन्ह जातेन। अउर तू मोरे पापन क हटाइ देतेन।

18एक नस्ट भवा पहाड़ क जइसा जेकर टूका ले लइ जात ह अउर एक चट्टान जउन आपन जगह स हटाइ लेइ जात ह।

19जइसे पानी पाथर क घँसि डावत ह अउ माटी क पानी बहाइके तल मँ लइ जात ह। हे परमेस्सर, उहइ तरह मनई क आसा क तू नस्ट करत अहा।

20तू एक दाँई मनई क हरावत अहा अउर उ खतम होइ जात ह। तू ओकरे मुँह बिगाड़त ह अउर ओका पठइ देत ह।

21अगर ओकर पूत कबहुँ सम्मान पावत हीं तउ ओका कबहुँ ओकर पता नाहीं चल पावत। अगर ओकर पूत कबहुँ अपमान भोगत हीं, तउ उ कबहुँ ओका लखि नाहीं पावत ह।

22तउ मनई क देह क कारण ही ओका पीड़ा होत ह अउर ओकर आतिमा ओकरे बरे सोक मनावत ह।"

एलीपज अय्यूब क जवाब देत ह

15 एह पइ तेमान नगर क बसइया एलीपज अय्यूब क जवाब दिहेस।

2"का तू सोचत अहा कि कउनो बुद्धिमान मनई बे अरथ सब्द स जवाब देत ह अउ आपन आप क गर्म हवा स भरि देत ह?

3का तू सोचत ह कि कउनो बुद्धिमान मनई व्यर्थ क सब्दन स अउर ओन भासणन स बहस करी जेनकर कउनो लाभ नाहीं अहइ?

4अय्यूब, तोहार जवाब लोगन क परमेस्सर क आदर अउर ओकर उपासना करइ स रोकइ क कारण होइ।

5तू जउने बातन क कहत ह उ तोहार पाप साफ साफ देखावत ह। अय्यूब, तू चतुराई स भरे भए सब्दन क प्रयोग कइके आपन पापन क छुपावइ क प्रयत्न करत अहा।

6मोका जरुरी नाहीं कि तोहका गलत सिद्ध करउँ। काहे? तू खुद आपन मुँह स जउन बातन कहत ह, उ देखाँवत हीं कि तू बुरा अहा अउर तोहार ओठं खुद तोहरे खिलाफ बोलत हीं।

7अय्यूब, का तू सोचत ह कि जन्म लेइवाला पहिला मनई तू ही अहा अउर पहाड़न क रचना स ही पहिले तोहार जन्म भवा रहा।

8का तू परमेस्सर क रहस्य स भरी सबइ जोजना क सुने रह्या? का तू सोचत ह कि तू बुद्धिमान अहा?

9अय्यूब, तू हम पचन स जियादा कछू नाहीं जानत अहा। उ सबइ बातन हम पचन समझत अही, जेनकर तोहका समुझ अहइ।

10उ सबइ लोग जेनकर बार सफेंद अहइँ अउर बुढ़वा मनई अहइँ उ पचे हम स सहमत रहत हीं। हाँ, तोहरे बाप स भी बुढ़वा लोग हमरे समर्थन मँ अहइँ।

11परमेस्सर तोहका सुख देइ क जतन करत ह। अउर तोहसा नर्मी स बात करत ह। का इ तोहरे बरे काफी नाहीं अहइ? मुला तू सोचत अहा कि इ तोहार बरे काफी नाहीं अहइ।

12अय्यूब, तू काहे नाहीं समुझब्या? तू सच्चाइ क काहे नाहीं लखइ सकब्या?

13जब कभी तू इ तरह बोलत ह तू परमेस्सर क खिलाफ होत ह।

14फुरइ कउनो मनई सुद्ध नाहीं होइ सकत। मरनसील मनई नीक नाही होइ सकत ह।

15हिआँ तलक कि परमेस्सर आपन दूतन तलक पइ भी निभर नाहीं रहत हीं। हिआँ तलक कि सरग भी परमेस्सर क अपेच्छा सुद्ध नाहीं अहइ।

16मानव जाति बहोत जियादा पापी अउर भ्रस्ट अहइँ। उ बुराई क पानी क तरह गटक जात ह।

17अय्यूब, मोरी बात तू सुना अउर मइँ ओकर व्याख्या तोहसे करब। मइँ तोहका बताउब, जउन मइँ जानत हउँ।

18मइँ तोहका उ सहइ बतउब्या जउन बुद्धिमान मनई बतउब्या। उ पचे एन बातन क आपन पुरखन स सुनेस ह अउर ओनका छिपाइ बिना बताएस।

19सिरिफ ओनकर पुरखन क ही भुइँया दीन्ह गवा रहा। ओनकर देस मँ कउनो परदेसी नाहीं रहा।

20दुट्ठ मनई जिन्नगी भइ पीरा झेली। एक क्रूर मनई ओन सबहि बरिसन मँ जउन ओकरे बरे निहचित कीन्ह ग अहइँ, दुःख भोगत रही।

21ओकरे कानन मँ भयंकर ध्वनियन होत रइहीं। जब उ सोची उ सुरच्छित अहइ तबहिं ओकर दुस्मन ओह पइ हमला करिहीं।

22दुट्ठ मनई कउनो आसा नाहीं अहइ कि उ अँधियारा बचिके निकरि पावइ। कहूँ एक अइसी तरवार अहइ जउन ओका मार डावइ क इन्तज़ार करत अहइ।

23उ एँह कइँती ओह कइँती भटकत भवा फिरत ह मुला ओकर देह गीधन क चारा बनि जाइ। ओका इ पता अहइ कि ओकर मउत बहोत निचके अहइ।

24चिन्ता अउ यातना ओका डरपोक बनावत हीं। इ सबइ बातन ओह पइ अइसे वार करत हीं जइसे कउनो राजा जुद्ध करइ बरे तइयार होत ही।

25काहेकि दुट्ठ मनई परमेस्सर क हुकुम मानइ स इन्कार करत ह अउर सर्वसक्तीमान क नज़र-अन्दाज़ करत ह।

26उ दुट्ठ मनई बहोत हठी अहइ। उ परमेस्सर क खिलाफ लड़इ चाहत ह, सोचत अहा कि उ मजबूत ढाल स ओका हराइ सकत ह।

27दुट्ठ मनई क मुँहे पइ चर्बी चढ़ी रहत ह। ओकर कमर माँस भर जाइ स मोटवार होइ जात ह।

28मुला उ उजाड़ सहरन मँ रही। उ अइसे घरन मँ रही जहाँ कउनो नाहीं रहत ह। ओकर घरन हाली ही रौंदा जइहीं।

29दुट्ठ मनई जियादा समइ तलक धनी नाहीं रही। ओनकर भाग्य क धरती पइ स्थिर रूप मँ ठहरावा नाहीं जाब्या।

30दुट्ठ मनई अँधियारा स न बच पाई। उ उ बृच्छ क नाईं होइ जेकर सबइ डारन आगी स झउँस गइ अहइँ। परमेस्सर क साँस दुट्ठन क उड़ाइ देइ।

31दुट्ठ लोग बेकार क चिजियन क भरोसे रहिके आपन क मूरख न बनावइँ काहेकि ओका कछू प्राप्त न होइ पाई।

32दुट्ठ मनई समइ स पहिले ही मरि जाब। उ पचे उ बृच्छ क नाईं होइ जाइ जेकर चोटी क डारन मरि गवा ह।

33दुट्ठ मनई उ अंगूरे क बेल क नाईं होत ह जेकर फल पाकइ स पहिले ही झरि जात हीं। अइसा मनई जइतून क बृच्छ क नाईं होत ह, जेकर फूल सारि जात हीं।

34काहेकि परमेस्सर क बगइर लोग खाली हाथ रइहिं। अइसे लोग जेनका पइसन स पियार अहइ, घूस लेत हीं। ओनकर घर आगी स नस्ट होइ जइहीं।

35उ पचे मूसीबत क कुचक्र रचत हीं अउर बुरे करम करत हीं। उ पचे लोगन क छलइ क तरकीब क जोजना बनावत हीं।"

अय्यूब एलीपज क जवाब देत ह

16 एह पइ अय्यूब जवाब देत भए कहेस:

2"मइँ पहिले ही इ सबइ बातन क बहोत बार सुनेउँ ह। तू "आरामदेइवाला लोग" सचमुच सिरिफ मोका तंग करत ह!

3तोहार बेकार क लम्बी बातन कबहुँ खतम नाहीं होतिन। तू काहे तर्क करत ही रहत ह?

4जइसे तू कहत अहा वइसे बातन तउ मइँ भी कहइ सकत्या। अगर तू पचन्क मोर दुःख झेलइ क पड़त, मइँ भी तोहार खिलाफ तर्क देइ सकत हउँ अउर तोहार अपमान कइ सकत्या।

5मुला मइँ आपन बचनन स तोहार हिम्मत बढ़ाइ सकत्या अउर तोहरे बरे आसा बँधाइ सकत्या।

6मुला जउन कछू मइँ कहत हउँ ओहसे मोर दुःख दूर नाहीं होइ सकत। मुला अगर मइँ कछू भी न कहउँ तउ भी मोका चइन नाहीं पड़त।

7पुरइ हे परमेस्सर तू मोर सक्ती क हर लिहा ह। तू मोर सारा घराने क बर्बाद कइ दिहा ह।

8तू मोर सरीर क झूर्रीदार बनाइ दिहेस ह, अउर इ मोर खिलाफ गवाही दिहेस ह। मइँ खउफनाक देखाँत हउँ अउर लोग अइसा सोचत हीं कि मइँ बुराइ करइ क कारण अपराधी हउँ।

9परमेस्सर मोह पइ प्रहार करत ह। उ मोह पइ कोहान अहइ। उ मोरी देह क फारिके अलगाइ दिहस ह। परमेस्सर मोरे ऊपर दाँत पीसत ह। मोर दुस्मन घिना स भरी निगाह स घूरत हीं।

10लोग मोर हँसी करत हीं। उ पचे सबहिं मोर खिलाफ इकट्ठा होत ह अउर मोरे मुँह क थपड़ावत ह।

11परमेस्सर मोका दुट्ठ लोगन क हाथे मँ अर्पण कइ दिहे अहइ। उ दुट्ठ मनई मोहे पइ सक्ती दिहेस ह।

12मोरे संग सब कछू भला चंगा रहा। तबहिं परमेस्सर मोका कुचर दिहस। हाँ, उ मोका गटई स धइ लिहेस अउर मोर चिथरा चिथरा कइ डाएस। परमेस्सर मोका निसाना बनाइ लिहस।

13परमेस्सर क तीरंदाज मोरे चारिहुँ कइँती अहइँ। उ मोरे गुर्दन क बाणन स बेधत ह। उ मोहे पइ दाया नाहीं देखावत ह। उ मोरे पित्त क धरती पइ बहाइ देत ह।

14परमेस्सर मोह पइ बार बार वार करत ह। उ मोह पइ अइसे झपटत ह जइसे कउनो फउजी जुद्ध मँ नाहीं झपटत ह।

15मइँ बहोत ही दुःखी हउँ। एह बरे मइँ विलाप क ओढ़ना पहिरत हउँ। मइँ हिआँ धूलि मँ बइठा भवा हउँ अउर हरा भवा अनुभव करत हउँ।

16मोर मुँह रोवत बिलखत भए लाल भवा। मोरी आँखिन क खाले करिया घेरा अहइँ।

17मइँ कउनो क संग कबहुँ भी क्रूर नाहीं भएउँ। मुला इ सबइ बुरी बातन मोरे संग घटित भइन। मोर पराथनन सही अहइँ।

18हे भुइयाँ, तू कबहुँ ओन अत्याचारन क जिन छिपाया जउन मोरे संग कीन्ह गवा अहइँ। मोर निआउ क बिनती क तू कबहुँ रुकइ जिन द्या।

19अब तलक भी होइ सकत ह कि हुआँ आकास मँ कउनो तउ मोरे पच्छ मँ होइ। कउनो ऊपर अहइ जउन मोका दोख स रहित सिद्ध करी।

20मोर मीत मोर बारे मँ बोलत अहइँ, जब मइँ आसा स रोवत रहीं कि परमेस्सर मोर मदद करब।

21मोर इच्छा अहइ कि कउनो एक मोर अउर परमेस्सर क बिचउली करी जइसे कउनो एक मनई अउर परोसी क बीच बिचउली करत ही।

22कछू ही बरिस बाद मइँ हुआँ चला जाब जहाँ स फुन मइँ कबहुँ वापस न आउब।

17 मोर जिउने कि इच्छा नस्ट कीन्ह ग अहइ। मोर प्राण लगभग जाइ चुका अहइ। कब्र मोर बाट जोहत अहइ।

2लोग मोका घेर लेत हीं अउर मोह पइ हँसत हीं। मइँ ओनका लखत हउँ जब लोग मोर अपमान करत हीं।

3परमेस्सर, मोर बेकसूर होइ क पुस्टि करा। मोर निर्दोख होइ क गवाही देइ बरे कउनो तइयार नाहीं होइ।

4मोरे मीतन क मन तू मूँद ल्या ह। एह बरे उ पचे जीत नाहीं सकब।

5लोग जउन कहत ह उ तू जानत ह, 'मनई आपन मीत क मदद करइ बरे आपन गदेलन क नज़र अन्दाज़ करत ह।'

6परमेस्सर मोर नाउँ हर कउनो बरे अपसब्द बनाएस ह अउर लोग मोरे मुँहे पइ थूका करत हीं।

7मोर आँखी लगभग आँधर होइ चुकी अहइ काहेकि मइँ बहोत दुःखी हउँ। मोर देह एक छाया क तरह दुर्बल होइ चुकी अहइ।

8नीक लोगन ब्याकुल अहइँ कि इ घटि सकत ह। निरअपराध लोग ओन क खिलाफ उत्तेजित अहइ। जउन परमेस्सर क मज़ाक उड़ावत ह।

9मुला सज्जन नेकी क जिन्नगी जिअत रइहीं। निरापराधी लोग सक्तिसाली होइ जइहीं।

10जदि तू लउटि आउब्या, तउ आवा। किन्तु मइँ दिखाउब कि तू पचन मँ स कउनो बुद्धिमान नाहीं अहइँ।

11मोर जिन्नगी यो ही बीतन अहइ। मोर सबइ जोजना टूट गइ अहइँ अउर आसा चली गइ अहइ।

12हरेक चीज क उलझा दीन्ह ग ह, उ पचे रात क दिन कहत ह अउर प्रकास अँधियारा लिआवत ह।

13मइँ आसा करउँ कि कब्र मोर घर अउ अँधियारा मोर बिछउना होइ।

14अगर मइँ कब्र स कहउँ 'तू मोर बाप अहा,' अउर कीरा स 'तू मोर महतारी अहा,' या 'तू मोर बहिन' अहा।

15अगर उ मोर सिरिफ एक ठु आसा अहइ तबइ तु कउनो आसा मोका नाहीं अहइ अउर कउनो भी मनई मोरे बरे कउनो आसा नाहीं लखि सकत ह।

16का मोर आसा भी मोरे संग मरि जाइ? का मइँ अउर मोर आसा एक संग कब्र मँ मिलिहीं?"

अय्यूब क बिल्दद क जवाब

18 फिन सूहू प्रदेस क बिल्दद जवाब देत भए कहेस। 2"अय्यूब, इ तरह क बातन करब तू कब तज देब्या? तोहका चुप रहइ चाही अउर सुनइ चाही, सिरिफ तब हीं हम कहि सकित ह।

3तू काहे इ सोचत ह कि हम ओतँना मूरख अही जेतना मूरख एक ठु बर्धा होत ह?

4अय्यूब, तू आपन किरोध स आपन ही नोस्कान करत अहा। का लोग भुइँया बस तोहरे बरे तजि देइँ? का तू इ सोचत अहा कि बस तोहका तृप्त करइ क परमेस्सर धरती क हलाइ देई।

5हाँ, बुरा मनई क प्रकास बुझी अउर ओकर आगी क लौ न चमकी।

6ओकरे घरे क प्रकास करिया पड़ि जाइ अउर जउन दिया ओकरे लगे अहइ उ बुझ जाइ।

7सक्तीसाली मनई क कदम धीमे स बढ़त ह। आपन ही बुरा जोजनन स उ पतन क झेलब्या।

8ओकर आपन ही कदम ओका एक जाल क फंदा मँ गिराइ देइहीं। उ चलिके जालि मँ जाई अउर फँस जाई।

9कउनो जाल ओकर एड़ी क पकड़िके धइ लेइ। एक ठु जाल ओका कसिके जकर लेइ।

10एक रस्सा ओकरे बरे धरती मँ छुपा रही। कछू फंदा ओकरे राहे मँ झूठ बोलब्या।

11ओकरे चारिहुँ कइँती सबहिं आतंक होइ। ओकर हर कदम क डर पाछा करत रही।

12खउफनाक मुसीबतन ओकरे बरे भुखान होइँ। जब उ गिरी, विध्वंस ओकरे बरे तइयार रइहीं।

13महा बियाधि ओकरे चमड़ी क हींसन क लील जाई। उ ओकरी बाँहिन अउ ओकर हँगियन क सड़ाइ देइ।

14आपन घरे क सुरच्छा स दुट्ठ व्यक्ति क दूर कीन्ह जाइ। आतंक क राजा क लगे ओका लइ जावा जाइ।

15ओकरे घरे मँ तब तलक कछू भी न बची जब तलक ओकरे समूचइ घरे मँ धधकत भइ गन्धक बिखेरी जाइ।

16ओकर खाले गइ भइ जड़न झुराइ जइहीं अउर ओकरे ऊपर क डारन मुरझाइ जइहीं।

17धरती क लोग ओका याद नाहीं करिहीं। बस अब कउनो भी ओका याद नाहीं करी।

18प्रकास स ओका हटाइ दीन्ह जाइ अउर उ अँधियारा मँ ढकेला जाइ। उ पचे ओका दुनिया स दूर भगाइ देइहीं।

19ओकर कउनो गदेलन अउ सन्तानन नाहीं होइहीं। ओकरे घरे मँ कउनो जिअत नाहीं बची।

20पच्छिम क लोग सहमा रहि जइहीं जब उ पचे जानिहीं कि उ दुट्ठ मनइयन क संग का घटेस ह। पूरब मँ लोग आतंकित होइके सन्न रहि जइहीं।

21फुरइ दुर्जन व्यक्ति क घरे क संग अइसा ही घटी। अइसा ही घटी उ मनई क संग जउन परमेस्सर क नाहीं जानतेन।"

अय्यूब क जवाब

19 तब अय्यूब जवाब देत भए कहेस।
2"कब तलक तू पचे मोका सतावत रहब्या अउर सब्दन स मोका ताड़त रहब्या?

3अब लखा, तू पचे दसउ दाईं मोका बेज्जत किहा ह। मोह पइ वार करत तू पचन्क सर्म नाहीं आवति ह।

4अउर जदि मइ कउनो बुराई किहेउँ तउ इ मोर गल्ती अहइ।

5तू पचे इहइ चाहत अहा कि तू पचे मोहसे उत्तिम देखाँउन। तू पचे कहत अहा कि मोर कस्ट मोका दोखी साबित करत हीं।

6मुला उ तउ परमेस्सर अहइ जउन मोरे संग बुरा किहस ह अउर जउन मोरे चारिहुँ कइँती आपन फंदा फइलाएस ह।

7मइँ गोहरावत हउँ 'मोरे संग बुरा किहा ह।' मुला मोका कउनो जवाब नाहीं मिलत ह। चाहे मइँ निआउ क गुहार गोहरावउँ मोर कउनो नाहीं सुनत ह।

8मोर रस्ता परमेस्सर रोकेस ह, एह बरे ओका मइँ पार नाहीं कइ सकत। उ अँधियारा मँ मोर रस्ता छुपाइ दिहस ह।

9मोर सम्मान परमेस्सर छोर लिहस ह। उ मोरे मूँड़ स मुकुट छोर लिहस ह।

10परमेस्सर मोर पूरा सरीर मँ मोर प्राण निकरि तलक मारब। उ मोर आसन क अइसे उखाड़ देत ह जइसे कउनो जड़ स बृच्छ क उखाड़ि देइ।

11मोरे खिलाफ परमेस्सर क किरोध भड़कत अहइ। उ मोका आपन दुस्मन कहत ह।

12परमेस्सर आपन फउज मोह पइ प्रहार करइ क पठवत ह। उ पचे मोरे चारिहुँ कइँती बुर्जियन खरा करत हीं। उ पचे मोरे तम्बू क चारिहुँ कइँती छावनी बनावत हीं।

13परमेस्सर मोरे बन्धुअन क मोर दुस्मन बनाइ दिहेस। आपन मीतन बरे मइँ पराया होइ गएउँ।

14मोर रिस्तेदारन मोका तजि दिहन। मोर मीतन मोका बिसराइ दिहन।

15मोरे घरे क अतिथियन स लइके मेहरारू नउकरन तलक मोरे संग अइसा बेउहार करत ह जइसा मइँ कउनो अजनबी अहउँ।

16मइँ आपन नउकर क बोलावत हउँ पर उ मोर नाहीं सुनत ह। उ पचे मोका मदद बरे भीख माँगाएस ह।

17मोर पत्नी मोरे साँस क गंध स घिना करत ह। मोर आपन ही गदेलन मोहसे घिना करत हीं।

18नान्ह गदेला तलक मोर हँसी उड़ावत हीं। जब कबहुँ मइँ जागत हउँ, तउ उ पचे मोरे खिलाफ बोलत हीं।

19मोर आपन मीत मोहसे घिना करत हीं। हिआँ तलक कि अइसे लोग जउन प्रिय अहइँ, मोर बिरोधी होइ गवा अहइँ।

20मइँ एँतना दुर्बल अहउँ जइसे मइँ सिरिफ खाल अउर हाड़न होइ गवा अहउँ। अब मइँ सिरिफ जिअत हउँ।

21हे मोर मीतो मोह पइ दाया करा, दाया करा मोह पइ काहेकि परमेस्सर क हाथ मोहका छू गवा अहइ।

22काहे मोका तू भी सतावत अहा जइसे मोका परमेस्सर सताएस ह? काहे तू मोका दुख देत भए कबहुँ अघात्या नाहीं?

23जउन मइँ कहत हउँ ओका कउनो क याद राखइ चाही अउ किताबे मँ लिख देइ चाही! मोर सब्द कउनो क गोल पत्रक पइ लिख देइ चाही!

24मइँ जउने बातन क कहत ओनका कउनो लोहा क कलम स सीसा पइ लिखा जाइ चाही या ओनका चट्टाने पइ खोद दीन्ह जाइ चाही ताकि उ हमेसा बरे रहइ जाइ।

25मोका इ जानत हउँ कि कउनो एक अइसा अहइ जउन मोर बरे बोलब्या अउर मोर रच्छा करब्या। मोका बिस्सास अहइ कि आखीर मँ उ धरती पइ खड़ा होब्या अउर मोरे बचाव करब्या।

26मोरे आपन देह छोड़इ अउर मोर चमड़ी तबाह होइक पाछे भी मइँ जानत हउँ कि मइँ परमेस्सर क लखब।

27मइँ परमेस्सर क खुद आपन आँखिन स लखब। मइँ खुद स कउनो दूसर नाहीं, परमेस्सर क लखब। मइँ बता नाहीं केतँना खुसी अनुभव करत हउँ।

28होइ सकत ह तू कहा, 'हम अय्यूब क तंग करब। मइँ मामला क जड़ तलक जाब।'

29मुला तोहका तरवारे स डरइ चाही, काहेकि परमेस्सर किरोधित होब्या अउर तोहका तरवार स सजा देब्या। अउर तब तू पचन्क समझब्या कि हुआँ निआउ क एक निहचित समइ अहइ।"

सोपर क जवाब

20 एह पइ नामात प्रदेस क सोपर जवाब दिहस।
2"अय्यूब, धियान द्या। मइँ परेसानी मँ हउँ। यह बरे मइँ हाली तोहका बताएउँ क कि मइँ का सोचत हउँ।

3तोहार आलोचना हमार अपमान करत हीं। मुला मइँ बुद्धिमान हउँ अउर जानत हउँ कि तोहका कइसे जवाब दीन्ह जाइ चाही।

4-5एका तू तब स जानत ह जब बहोत पहिले लोगन क धरती पइ पठवा ग रहा, दुट्ठ मनई क आनन्द बहोत दिन नाहीं टिकत ह। अइसा मनई जेका परमेस्सर क चिन्ता नाहीं अहइ उ तनिक समइ बरे आनन्द मँ भरि जात ह।

6चाहे दुट्ठ मनई क अपमान अकासे तलक छू जाइ।

7उ आपन तने क मल क नाईं नस्ट होइ जाइ। उ सबइ लोग जउन ओका जानत हीं कइहीं, 'उ कहाँ अहइ?'

8उ अइसे बिलाइ जाइ जइसे सपन हाली ही कहूँ उड़ जात ह। फिन कबहुँ कउनो ओका लखि नाहीं सकी, उ नस्ट होइ जाइ, ओका राति क सपना क तरह हाँक दीन्ह जाइ।

9उ सबइ मनई जउन ओका लखे रहेन फुन कबहुँ नाहीं लखेन। ओकर परिवार फुन कबहुँ ओका नाहीं लखि पाइ।

10जउन कछू भी उ (दुट्ठ) गरीबन स लिहे रहा ओकार संतानन चुकइहीं। ओनका आपन ही हाथन स धन लौटाए होइ।

11जब उ जवान रहा, ओकर सरीर मजबूत रही, मुला उ हाली ही धूलि होइ जाइ।

12दुस्ट क मुँह क दुस्टता बड़ी मीठी लागत ह, उ ओका आपन जिभिया क खाले छुपाइ लेइ।

13बुरा मनई उ बुराई क थामे रही, ओकर दूर होइ जाब ओका कबहुँ नाहीं भाई, तउ उ ओका आपन मुँहे मँ थामे रही।

14मुला ओकरे पेटे मँ ओकर भोजन जहर बन जाइ, उ ओकरे भीतर अइसे बन जाइ जइसे कउनो नाग क विख सा कड़ुवा जहर।

15दुस्ट धन दौलत क लील जात ह मुला उ ओन सबका बाहेर उगिली। परमेस्सर दुस्ट क पेटे स ओन सबका उगालिवाइ।

16दुस्ट मनई क विख चूसब साँपे क नाईं होइ। मुला साँपे क विसैला जीभ ओका मारि डइहीं।

17मुला दुस्ट मनई लखइ क आनन्द नाहीं लेइहीं अइसी ओन नदियन क जउन सहद अउर मलाई बरे बहा करत ह।

18दुट्ठ क ओकर लाभ वापिस करइ क दबावा जाइ। ओका ओन चिजियन क आनन्द नाहीं लेइ दीन्ह जाइ जेनके बरे उ मेहनत किहे अहइ।

19काहेकि उ दुस्ट मनई दीन मनई क चिन्ता नाहीं किहस। बलकि, उ दूसर लोगन क घरन क भी लइ लिहेस जेका उ पचे आपन बरे बनाएस रहा।

20दुस्ट मनई कबहुँ संतुट्ठ नाहीं होत ह। उ आपन सबहिं धन क लइ ले जात ह।

21जब उ खात ह तउ कछू नाहीं तजत ह, तउ ओकर कामयाबी बनी नाहीं रही।

22जब दुस्ट जन क लगे भरपूर होइ तबहिं ओन पइ विपत्ती आइहीं अउर उ कस्ट क अनुभव करिहीं।

23दुस्ट जन उ सब कछू खाइ चुकी जेका उ खाइ चाहत ह। परमेस्सर आपन बरत भवा किरोध ओह पइ डाइ। उ दुस्ट मनई पइ परमेस्सर सजा बरसाइ।

24होइ सकत है कि उ दुस्ट लोहा क तरवार स बच निकरइ, मुला कहूँ स काँसा क बाण ओका मार गिरावइ।

25तीर खींचत लिहेस ह, अउर बिजुरि क नाईं ओकरे पीठ मँ घुसत ह अउर ओकर करेजा बाहर आ जात ह, अउर उ आंतकित होइके काँप उठत ह।

26ओकर सबहिं खजाना नस्ट होइ जइहीं, एक ठु अइसी आगी जेका कउनो नाहीं बारेस ओका नस्ट करी, उ आगी ओनका जउन ओकरे घरे मँ बचा अहइँ नस्ट कइ डाइ।

27सरग सिद्ध करी कि उ दुस्ट अपराधी अहइ, इ गबाही धरती ओकरे खिलाफ देइ।

28जउन कछू भी ओकरे घरे मँ अहइ, उ परमेस्सर क किरोध क बाढ़ मँ बहि जाइ।

29इ उहइ अहइ जेका परमेस्सर दुस्टन क संग करइ क जोजना रचत ह। इ उहइ अहइ जइसा परमेस्सर ओनका देइ क जोजना बनावत ह।"

अय्यूब क जवाब

21 एह पइ अय्यूब जवाब देत भए कहेस।

2"तू पचे चित्त दइके सुना जउन मइँ कहत हउँ, तोहार सुनइ क आपन तरिके स मोर दिलासा होइ जाइ।

3जब मइँ बोलत हउँ तू धीरा धरा, "फुन जब मइँ बोल चुकउँ तब तू मोर हँसी उड़ाइ सकत ह।

4मोर सिकाइत मनइयन क खिलाफ नाहीं अहइ, मइँ काहे सहनसील नाहीं अहउँ ओकर खास वजह अहइ।

5तू मोका लखा अउर चकित होइ जा, आपन सोक दिखाइ बरे आपन हाथ आपन मुँहे पइ धरा।

6जब मइँ सोचत हउँ ओन सब क जउन मोर संग घटा तउ मोका डर लागत ह अउर मोर देह थर थर काँपत ह।

7काहे बुरे लोगन क उमर लम्बी होत ह? काहे उ पचे बुढ़ाइ जात हीं अउर कामयाब होत हीं?

8बुरे लोग आपन संतानन क आपन संग बढ़त भए लखत हीं। बुरे लोग आपन आपन नाती पोतन क लखइ क जिअत रहत हीं।

9ओनकर घर सुरच्छित रहत हीं अउर उ पचे डेरातेन नाहीं। परमेस्सर दुस्टन क सजा देइ बरे आपन सजा काम मँ नाहीं लिआवत ह।

10ओकर साँड़ कबहुँ भी मिला कइ मँ नाहीं चुकत ह। ओनकर गइयन बछवन क जनम देइ बरे गाभिन होत। ओनकर भ कबहुँ नाहीं गिरत हीं।

11बुरे लोग गदेलन क बाहेर खेलइ पठवत हीं मेमनन क जइसे, ओनकर गदेलन नाचत हीं चारिहुँ ओर।

12मजीरा, वीणा अउर बाँसुरी क धुन पइ उ पचे गावत हीं अउर नाचत हीं।

13बुरे लोग आपन जिन्नगी भइ कामयाबी क आनन्द लेत हीं। फुन बिना दुख भोगे उ पचे मरि जात हीं अउर आपन कब्रन क बीच चला जात हीं।

14मुला बुरे लोग परमेस्सर स कहा करत हीं, 'हमका अकेला तजि द्या। अउर एकर हमका परवाह नाहीं कि तू हमसे कइसा जिन्नगी जिअइ चाहत ह।'

15दुट्ठ लोग कहा करत हीं, 'सर्वसक्तीमान परमेस्सर कउन अहइ? हमका ओकरी सेवा क जरूरत नाहीं अहइ। ओकरी पराथना करइ क कउनो लाभ नाहीं।'

16दुस्ट मनई सोचत हीं कि ओनका आपन ही कारण कामयाबी मिलत ह, मुला मइँ ओनकर विचारन क नाहीं अपनाइ सकत हउँ।

17मुला का अइसा होत ह कि दुस्ट जन क प्रकास बुताइ जावा करत ह? केतनी दाईं दुस्टन क दुःख घेरा करत हीं? का परमेस्सर ओनसे कोहाइ जात ह, अउर ओनका सजा देत ह?

18का परमेस्सर दुस्ट लोगन क अइसे उड़ावत ह जइसे हवा तिनके क उड़ावत ह अउर तेज हवा अनाजे क भूसा उड़ाइ देत हीं?

19मुला तू कहत ह: 'परमेस्सर एक गदेला क ओकरे बाप क पापन्क सजा देत ह।' नाहीं, परमेस्सर क चाही कि बुरे जन क राजा देइ। तबहिं उ बुरा मनई जानी कि ओका ओकरे निज पापन बरे सजा मिलति अहइ।

20तू पापी क ओकरे आपन राजा क देखाँइ द्या, तब उ सर्वसक्तीसाली परमेस्सर क कोप क अनुभव करी।

21जब बुरा मनई क उमर क महीना खतम होइ जात हीं अउर उ मर जात ह; उ उ परिवार क परवाह नाहीं करत जेका उ पाछे तजि जात ह।

22कउनो मनई परमेस्सर क गियान नाहीं दइ सकत, उ ऊँच ओहदन क लोगन क भी निआउ करत ह।

23एक पूरा अउ सफल जिन्नगी क जिअइ क पाछे एक मनई मरत ह, उ एक सुरच्छित अउ सुखी जिन्नगी जिअत ह।

24ओकर लगे पिवइ बरे भरपूर दूध रहा। अब समइ तलक ओकर हाड़ तन्दुरुस्त रहिन।

25मुला कउनो एक अउर मनई कठिन जिन्नगी क पाछे दु:ख भरे मने स मरत ह, उ जिन्नगी क कबहुँ कउनो रस नाहीं चखेस।

26इ सबइ दुइनउँ मनई एक संग माटी मँ गड़ा सोवत हीं, किरउनन दुइनउँ क एक संग ढाँपि लेइहीं।

27मुला मइँ जानत हउँ कि तू का सोचत अहा, अउर मोका पता अहइ कि तोहरे लगे मोरा बुरा करइ क कुचाल अहइ।

28मोरे बरे तू इ कहा करत ह, 'अब कहाँ बाटइ उ महामानुस क घर? कहाँ बा उ घर जेहमाँ उ दुस्ट रहत रहा?'

29-30मुला तू कबहुँ बटोहियन क नाहीं पूछ्या? का तू ओकर कहानियन पइ बिस्सास नाहीं किहस कि उ दिन जब परमेस्सर कोहाइके सजा देत ह दुस्ट मनई सदा बच जात ह?

31अइसा कउन मनई नाहीं जउन ओकरे समन्वा ही ओकरे करमन क बुराइ करइ। ओकरे पाप क सजा कउनो मनई ओका नाहीं देत ह।

32जब कउनो मनई कब्र मँ लइ जावा जात ह, तउ ओकरे कब्र क लगे एक पहरुवा खड़ा रहत ह।

33उ दुट्ठ मनई बरे उ घाटी क माटी मुलायम होइ। अनगिनत लोग ओकर समन्वा कब्र मँ गएन ह, अउर भविस्स मँ अउर भी लोग ओहस मिली।

34तउ आपन कोरे सब्दन स तू मोका चइन नाहीं दइ सकत्या, तोहार जवाब सिरिफ झूठा अहइँ।"

एलीपज क जवाब

22 फुन तेमान क एलीपज जवाब देत भए कहेस।
2"परमेस्सर क कउनो भी मनई सहारा नाहीं दइ सकत, हिआँ तलक कि उ भी जउन बहोत बुद्धिमान मनई होइ परमेस्सर बरे हितकर नाहीं होइ सकत।

3अगर तू उहइ किहा जउन उचित रहा एहसे सर्वसक्तीमान परमेस्सर क आनन्द नाहीं मिली, अउर अगर तू खरा रहा ह्वा तउ एहसे ओका पछू नाहीं मिली।

4अय्यूब तोहका परमेस्सर काहे सजा देत ह अउर काहे तोह पइ दोख लगावत ह? का इ एह बरे कि तू भक्त अहा।

5नाहीं, इ सबइ एह बरे कि तू बहोत स पाप किहा ह, अय्यूब, तोहार पाप नाहीं रुकत अहइँ।

6अय्यूब, होइ सकत ह कि तू आपन कउनो भाई क कछू चिज बिना कउनो कारण क गिरवी रख सकत ह। होइ सकत ह कि तू कउनो दीन मनइ क ओढ़ना रख लिहे ह्वा अउर ओनका नंगा बना किहे हवा।

7तू थके-माँदे लोगन क पानी नाहीं दिहा, तू भुखान मनइयन क भोजन नाहीं दिहा।

8अय्यूब, अगर तू सक्तीसाली अउ धनी रह्या, तू ओन लोगन क सहारा नाहीं दिहा। तू बड़का जमींदार अउ समरथ वाला मनई रह्या।

9मुला तू राँड़ अउरतन क बगइर कछू दिहे लउटाइ दिहा। अय्यूब, तू अनाथ गदेलन क लूट लिहा अउर ओनसे बुरा बेउहार किहा।

10एह बरे तोहरे चारिहुँ कइँती जाल बिछा भवा अहइँ अउर तोहका एकाएक आवत विपत्तियन डेरावत हीं।

11एह बरे घना अँधियारा तोहका ढाँक लिहस ह अउर एह बरे बाढ़ क पानी तोहका लीलत बाटइ।

12परमेस्सर अकास क सब स ऊँच हींसा मँ रहत ह। उ आपन जगह स सबन स ऊँच तारन क लखइ बरे खाले लखत ह।

13मुला अय्यूब, तू कहा करत ह, 'परमेस्सर कछू नाहीं जानत, करिमा बादरन स कइसे परमेस्सर हमका जाँच सकत ह?

14घना बादर ओका छुपाइ लेत हीं, एह बरे जब उ अकास क सबन त ऊँच हींसा मँ बिचरत ह तउ हमका ऊपर अकासे स लखि नाहीं सकत।'

15अय्यूब, तू उ ही पुरानी राह पइ जेन पइ दुस्ट लोग चला करत हीं, चलत अहा।

16आपन मउत क समइ स पहिले ही दुट्ठ लोग मर गएन। बाढ़ ओनका बहाइके लइ गइ रही।

17इ सबइ उहइ लोग अहइँ जउन परमेस्सर स कहत हीं, 'हमका अकेल्ले तजि द्या। उ पचे सोचेन कि सर्वसक्तीमान परमेस्सर हमार कछू नाहीं कइ सकत ह।'

18मुला परमेस्सर ओन लोगन क कामयाब बनाएस ह अउर ओनका धनवान बनाइ दिहा। मुला मइँ उ ढंग स जेहसे दुस्ट सोचत हीं, अपनाइ नाहीं सकत हउँ।

19सज्जन जब बुरे लोगन क नास देखत हीं, तउ उ पचे खुस होत हीं। पाप स रहित लोग दुस्टन पइ हँसत हीं, अउर कहा करत हीं।

20'हमार दुस्मन फुरइ नस्ट होइ गएन। आगी ओनके धने क बारि देत ह।'

21अय्यूब, अब खुद क तू परमेस्सर क अर्पित कइ द्या, तब तू सान्ति पउब्या। अगर तू अइसा करा तउ तू धन्य अउर कामयाब होइ जाब्या।

22ओकर सीख अपनाइ ल्या अउर ओकरे सब्द आपन मने मँ सुरच्छित रखा।

23अय्यूब, अगर तू फुन सर्वसक्तीमान परमेस्सर क लगे आवा तउ फिन स पहिले जइसा होइ जाइ। तोहका अपने घरे स पाप क बहोत दूर करइ चाही।

24तोहका सोना क धूरी क नाईं अउर ओफीर क सोना क नदी क तराई क चट्टान क नाईं समझइ चाही।

25तब सर्वसक्तीमान परमेस्सर तोहरे बरे सोना अउर चाँदी बन जाइ।

26तब तू बहोत खुस होब्या अउर तोहका सुख मिली। परमेस्सर क समन्वा तू बिना कउनो सर्म क मूँड़ि उठाइ सकब्या।

27जब तू ओकर बिनती करब्या तउ उ तोर सुना करी, जउन प्रतिग्या तू ओहसे किहे रह्या, तू ओका पूरा कइ सकब्या।

28जउन कछू तू करब्या ओहमाँ तोहका कामयाबी मिली, तोहरे रास्ते पइ प्रकास चमकी।

29परमेस्सर अहंकारी जन क लज्जित करी, मुला परमेस्सर नम्र मनई क रच्छा करी।

30परमेस्सर जउन मनई भोला नाहीं अहइ ओकर भी रच्छा करी, तोहरे हाथन क सफाई स ओका उद्धार मिली।"

अय्यूब जवाब देत ह

23 फिन अय्यूब जवाब देत भए कहेस।
2"मइँ आजु भी बुरी तरह सिकाइत करत हउँ कि परमेस्सर मोका कर्री सजा देत अहइ, एह बरे मइँ सिकाइत करत रहत हउँ।

3कास! मइँ इ जान पावत कि ओका कहाँ हेरउँ। कास! मइँ इ जान पावत कि परमेस्सर क लगे कइसे जाउँ।

4मइँ आपन मुकद्मा क सफाई परमेस्सर क समन्वा पेस करब्य्। मइँ आपन क निर्दोख साबित करइ बरे बहस करब्या।

5मइँ इ जानइ चाहत हउँ कि परमेस्सर कइसे मोरे दलीलन क जवाब देत ह, तब मइँ परमेस्सर क जवाब समुझ पउतेउँ।

6का परमेस्सर आपन महासक्ती क संग मोरे खिलाफ होत? नाहीं! उ मोर सुनी।

7मइँ एक नेक मनई हउँ। परमेस्सर मोका आपन कहानी क कहइ देइ, तब मोर निआउ कत्ती परमेस्सर मोका अजाद कइ देइ।

8मुला अगर मइँ पूरब क जाउँ तउ परमेस्सर हुआ नाही अहइ अउर अगर मइँ पच्छिउँ क जाउँ तउ भी परमेस्सर मोका नाहीं देखात ह।

9परमेस्सर जब उत्तर मँ छिपत ह* तउ मइँ ओका देख नाहीं पावत हउँ। जब परमेस्सर दक्खिन क छिपत ह तउ भी उ मोका नाहीं देखत ह।

10मुला परमेस्सर मोरे हर चरण क लखत ह, जेका मइँ उठावत हउँ। जब उ मोर परीच्छा लइ उठी तउ उ लखी कि मोहमाँ कछू भी बुरा नाहीं अहइ, उ लखी कि मइँ खरा सोना जइसा अहउँ।

11परमेस्सर जउन चाहत ह मइँ हमेसा उहइ पइ चलत हउँ मइँ कबहुँ भी परमेस्सर क राहे पइ चलइ स नाहीं रुकेहउँ।

12मइँ हमेसा उहइ बात करत हउँ जेनकर आसा परमेस्सर देत ह। मइँ आपन मुँहे क भोजन स जियादा परमेस्सर क मुँहे क सब्दन स पिरेम किहेउँ ह।

13मुला परमेस्सर एक मन वाले अहा, अउर कउनो भी ओका बदल नाहीं बदलत। परमेस्सर जउन चाहत ह उहइ करत ह।

14परमेस्सर जउन भी जोजना मोरे विरोध मँ बनाइ लिहस ह उहइ करी, ओकरे लगे मोरे बरे अउर भी बहोत सारी जोजना अहइँ।

15एह बरे मइँ ओसे डेरात हउँ। एह बरे परमेस्सर मोका भयभीत करत ह।

16परमेस्सर मोर हिरदइ क दुर्बल करत ह अउर मोर हिम्मत टूट जात ह। सर्वसक्तीमान परमेस्सर मोका भयभीत करत ह।

17अगर तउ मोर मुँह सघन अँधियारा ढकत ह तउ भी अँधियारा मोका चुप नाहीं कइ सकत ह।

24 "सर्वसक्तीमान परमेस्सर काहे नाहीं निआउ करइ बरे समइ मुकर्रर करत ह? लोग जउन परमेस्सर क मानत हीं ओनका काहे निआउ क समइ क बेकार बाट जोहइ क पड़त ह?

2"लोग आपन धन दौलत क चीन्हन क, जउन ओकर चउहद्दी बतावत हीं, सरकावत रहत हीं ताकि आपन पड़ोसी क थोड़ी अउर धरती हड़प लेइँ। लोग पसु क चोराइ लेत हीं अउर ओनका दूसर चरागाहन मँ हाँक लइ जात हीं।

3अनाथ बच्चन क गदहन क उ पचे चोराइ लइ जात हीं। उ पचे राँड़ मेहरारुअन क बर्धन खोल लइ जात हीं जब तलक कि उ ओनकर कर्ज नाहीं चुकावत हीं।

4उ पचे दीन जन क मजबूर करत ही कि उ तजिके दूर हटि जाइके मजबूर होइ जात ह, एन दुस्टन स खुद क छुपावइ क।

5उ सबइ दीन लोग ओन जंगली गदहन जइसे अहइँ जउन मरु भूमि मँ आपन चारा हेरा करत हीं। गरीबन अउ ओनकर बच्चन क मरुभूमि भोजन देत रहत ह।

6गरीब लोगन क कउनो दूसर क खेत मँ अनाज काटइ चाही। दुस्टन क अंगूरन क बगियन स बच भवा फलन उ पचे चुना करत हीं।

7दीन लोगन क बगइर ओढ़नन क सबइ रात बितावइ क होइ। सर्दी मँ ओनके लगे आपन क ढाँकइ बरे कछू नाहीं होइ।

8उ पचे बर्खा स पहाड़न मँ भीज गवा अहइँ, ओनका बड़की चट्टानन स लिपट क रहइ क होइ, काहेकि ओनके लगे कछू नाहीं जउन ओनका मौसम स बचाइ लेइ।

9बुरे लोग ओन गदेलन क जेकर बाप नाहीं अहइ ओनकइ महतारी स छिन लेत हीं। उ पचे गरीब लोगन क आपन दास बनावत हीं।

10गरीब लोगन क लगे ओढ़ना नाहीं होत हीं। यह बरे ओन लोगन क नंगा ही घूमइ क होइ। उ पचे दुस्टन क गठरी क भार ढोवत हीं, मुला फुन भी उ पचे भुखान रहत हीं।

11गरीब लोग जइतून क तेल पेरिके निकारत हीं। उ पचे कुंडन मँ अंगूर सूँदत हीं फुन भी उ पचे पिआसा रहत हीं।

परमेस्सर … छिपत ह जब परमेस्सर उत्तर मँ घूमत ह।

12मरत भए लोग जउन आहें भरत हीं उ सबइ सहर मँ सुनाइ पड़त ह। सतावा भवा लोग सहारा क पुकारत हीं, मुला परमेस्सर नाहीं सुनत ह।

13कछू अइसे लोग अहइँ जउन प्रकास क खिलाफ होत हीं। उ पचे नाहीं जानइ चाहत हीं कि परमेस्सर ओनसे का करवावइ चाहत ह। परमेस्सर क राह पइ उ पचे नाहीं चलत हीं।

14हत्यारा भिंसारे जाग जात ह गरीबन अउ जरुरतवाले लोगन क हत्या करत ह। उ राति मँ चोर क नाईं बन जात ह।

15उ मनई जउन बिभिचार करत ह, रात आवइ क बाट जोहा करत ह, उ सोचत ह 'ओका कउनो नाहीं लखी' अउर उ आपन मुँह ढाँपि लेत ह।

16दुट्ठ मनई जब रात मँ अँधेरा होत ह तउ सेंधे लगाइके घरे मँ घुसत हीं। मुला दिन मँ उ पचे आपन हि घरन मँ छुपा रहत हीं। उ पचे प्रकास स बचत हीं।

17ओन दुट्ठ लोग्गन क आँधियारा सबुह क नाईं होत ह, उ पचे आतंक अउ अँध्यिारा क मीत होत हीं।

18दुट्ठ लोग अइसे बाहइ दीन्ह जात हीं जइसे झाग बाढ़ क पानी पाइ। उ धरती अभिसाप स ढकी बा जेकर उ पचे मालिक अहइँ। कउनो भी अंगूर क बगियन मँ अंगूर जमा करइ बरे नाहीं जात ह।

19जइसे गरम व सूखा मौसम पिघलत बरफ क पानी क सोख लेत ह, वइसे ही दुस्ट लोग कब्र क जरिये लील जइहीं।

20दुस्ट मनइयन मरइ क पाछे ओकर महतारी तलक ओका बिसरि जाइ। दुस्ट लोगन क देह क कीरा खाइ जइहीं। कउनो भी ओन लोगन क याद नाहीं रखइहीं। दुस्ट जन गिरे भए बृच्छ क नाई नष्ट कीन्ह जइहीं।

21दुस्ट मनइ बाँझ मेहरारुअन क सतावा करत हीं। उ पचे उ तरह क मेहरारु क दु:ख देत हीं। उ पचे कउनो भी राँड़ अउरत बरे दाया नाहीं देखाँवत हीं।

22दुस्ट मनई आपन सक्ती क उपयोग बलसाली क नस्ट करइ बरे करत हीं। बुरे लोग सक्तीसाली होइ जइहीं मुला आपन ही जिन्नगी क भरोसा नाहीं होइ कि उ पचे जियादा दिन जी पइहीं।

23होइ सकत ह कि तनिक समइ बरे परमेस्सर सक्तीसाली क सुरच्छित रहइ देइ, मुला परमेस्सर सदा ओन पइ आँखी रखत ह।

24दुस्ट मनई तनिक समइ बरे कामयाबी पाइ जात हीं, मुला फुन उ पचे नस्ट होइ जात हीं। दूसर लोगन क तरह उ पचे भी मुझी जात ही अउर उदास होइ जात हीं। अनाजे क कटी भइ बाले क नाईं उ पचे गिर जात हीं।

25अगर इ सबइ बातन फुरइ नाहीं अहइँ तउ कउन सिध्द कइ सकत ह कि मइँ झूठ कहेउँ ह। कउन देखाँइ सकत ह कि मोर सब्द सत्तय नाहीं अहइँ?"

बिल्दद क अय्यूब क जवाब

25 फिन सूह प्रदेस क निवासी बिल्दद जवाब देत भए कहेस।

2"परमेस्सर सासक अहइ अउर हर मनई क चाही कि परमेस्सर स डेराइ अउर ओकर मान करइ। परमेस्सर आपन सरग क राज्ज मँ सान्ति राखत ह।

3कउनो आपन फउजन क गन नाहीं सकत ह, परमेस्सर क प्रकास सब पइ चमकत ह।

4मुला फुरइ परमेस्सर क अगवा कउनो मनई उचित नाहीं ठहर सकत ह। कउनो मनई जउन मेहरारु स पइदा भवा होइ फुरइ निर्दोख नाहीं होइ सकत ह।

5परमेस्सर क आँखिन क समन्वा चाँद तलक चमकीला नाहीं अहइ। परमेस्सर क आँखिन क समन्वा तारन निर्मल नाहीं अहइँ।

6मनई तउ बहोत कम भला अहइँ। मनई तउ बस कीरा अहइ एक ठु अइसा कीरा जउन बेकार क होत ह।"

अय्यूब क बिल्दद क जवाब

26 तब अय्यूब कहेस।
2"हे बिल्दद, सोपर अउर एलीपज़ जउन लोग दुर्बल अहइँ तू फुरइ ओनका सहारा दइ सकत ह। अरे हाँ, तू दुर्बल बाँहन क फुन स सक्तीसाली बनाया ह।

3हाँ, तू निर्बुध्दि क सम्मति दिहा ह। कइसा महागियान तू देखाँया ह।

4इ बातन क कहइ मँ कउन तोहार मदद किहस? केकर आतिमा तोहका प्रेरणा दिहस?

5जउन लोग मरि गवा अहइँ ओनकर आतिमा धरती क खाले पानी मँ भय स बहोत काँपति अहइँ।

6मउत क जगह परमेस्सर क आँखी क समन्वा खुली अहइ, परमेस्सर क अगवा विनास क जगह ढका नाहीं अहइ।

7परमेस्सर उत्तरी अकासे क खाली जगह पइ फइलावत ह। परमेस्सर खाली जगह मँ धरती लटकाएस ह।

8परमेस्सर घने बादरन क पानी स भरत ह, मुला पानी क भारी भार स बादरन क फाटइ नाहीं देत ह।

9परमेस्सर पूरा चन्द्मा क ढाँपत ह, परमेस्सर चाँद पइ आपन बादर फइलावत ह अउर ओका ढाँकि लेत ह।

10परमेस्सर छितिज क रचत ह प्रकास अउ अँधेरा क सीमा रेखा क रुप मँ समुद्दर पइ।

11जब परमेस्सर डाँटत ह तउ उ सबइ नेवंन जउने पइ आकास टिका अहइ डर स काँपइ लागत हीं।

12परमेस्सर क सक्ती सागर क सांत कइ देत ह। परमेस्सर क बुद्धि राहब* क नस्ट किहस।

13परमेस्सर क साँस अकास क साफ कइ देत ह। परमेस्सर क हाथ उ साँप क मारि दिहस जउन पराइ जाइ क जतन किहस।

14इ सबइ तउ परमेस्सर क अजूबा कारजन क तनिक सी बातन अहइँ। बस हम थोड़के परमेस्सर क अवाज क फुसफुसाहट क सुनित ह। मुला फुरइ कउनो मनई परमेस्सर क सक्ती क गर्जन क नाहीं समुझ सकत ह।"

राहब या समुद्दरी अज़गर।

27 फुन अय्यूब कहइ क जारी राखेस। उ कहेस, 2"फुरइ परमेस्सर जिअत ह अउर इ जेतँना सच अहइ कि परमेस्सर जिअत ह फुरइ उ वइसेन ही मोरे बोर अनिआउ स भरा रहा अहइ। हाँ! सर्वसक्तीसाली परमेस्सर मोरे जीवन मँ कड़वाहट भरेस ह।

3मुला जब तलक मोहमाँ प्राण अहइ अउर परमेस्सर क साँस मोहे मँ अहइ।

4तब तलक मोरे होंठ झूठी बातन नाहीं बोलिहीं, अउर मोर जिभिया कबहुँ झूठ नाहीं बोली।

5मइँ कबहुँ न मानब कि तू लोग सही अहा। जब तलक मइँ मरब उ दिन तलक कहत रहब कि मइँ निर्दोख हउँ।

6मइँ आपन धार्मिक भाव क मजबूती क थामे रहब। मइँ कबहुँ उचित करम करब न तजब मोर चेतना मोका तंग नाहीं करी जब तलक मइँ जिअत हउँ।

7मोरे दुस्मनन क दुस्ट जइसा बनइ द्या, अउर ओनका सजा पावइ द्या जइसे दुस्ट लोग दण्डित होत हीं।

8अइसे उ मनई बरे मरत वक्त कउनो आसा नाहीं अहइ जउन परमेस्सर क परवाह नाहीं करत ह। जब परमेस्सर ओकर प्राण लेइ तब भी ओकरे बरे कउनो आसा नाहीं अहइ।

9जब उ बुरा मनई दु:खी पड़ी अउर ओका पुकारी, परमेस्सर नाहीं सुनी।

10ओका चाही कि उ उ आनन्द क चाहइ जेका सिरिफ सर्वसक्तीमान परमेस्सर देत ह। ओका चाही कि उ हर समइ परमेस्सर स पराथना करत रहा।

11मइँ तोहका परमेस्सर क सक्ती सिखाउब। मइँ सर्वसक्तीसाली परमेस्सर क योजनन क नाहीं छिपाउब।

12खुद तू आपन अँखिन स परमेस्सर क सक्ती लख्या ह, तउ काहे तू बेकार क बातन क बोलत ह?

13दुस्ट लोगन बरे अइसी जोजना बनाया ह। दुस्ट लोगन क सर्वसक्तीसाली परमेस्सर स अइसा ही मिली।

14दुस्ट क चाहे केतँनी ही सन्तानन होइँ, मुला ओकर संतानन जुद्ध मँ मारी जइहीं। दुस्टन क सन्तानन कबहुँ भरपेट खाना नाहीं पइहीं।

15अउर अगर दुस्टन क सन्तानन ओकरी मउत क पाछे भी जिअत रहइँ तउ महामारी ओनका मारि डाई। ओकर राँड़ ओनके बरे दु:खी नाहीं होइहीं।

16दुस्ट जन चाहे चाँदी क ढेर बटोरइँ, एतना बड़का ढेर जेतँना माटी क ढूहा होत ह, माटी क ढूहन जइसे ओढ़ना होइँ ओकरे लगे।

17जउने ओढ़नन क दुस्ट मनई जुटावत रहा ओन ओढ़नन क सज्जन पहिरी, दुस्ट क चाँदी निर्दोखन मँ बँटी।

18दुस्ट क बनावा घर जियादा दिनन नाहीं टिकत ह, उ मकड़ी जाल जइसा या कउनो चौकीदार क झोपड़ी जइसा कमजोर होत ह।

19दुस्ट लोग आपन खुद क दौलत क संग आपन बिछउना पइ सोवइ जात ह, मुला एक अइसा दिन आइ जब उ फुन बिस्तरे मँ वइसे ही नाहीं जाइ पाई। जब उ आँखी खोली तउ ओकर सम्पत्ति जाइ चुकी होइ।

20दु:ख ओका बाढ़ क जइसा ढाँक लेइहीं, रातउ रात तूफान ओका उड़ाइ लइ जाइ।

21पुर वइया हवा ओका दूर उड़ाइ देइ, तूफान ओका ओकरे घरे क बाहेर खींचली।

22तू फान ओह पइ बगैर दाया किए भए पइ आइ अउर उ ओमँ स दूर भागइ क जतन करी। मुला लपेटके मारी।

23जब दुस्ट मनई पराई, लोग ओह पइ तालियन बजाइहीं, दुस्ट जन जब निकरिके पराइ, अपने घरे स तउ लोग ओह पइ सीटियन बजइहीं।

28 "हुआँ चाँदी क खान बाटइ जहाँ लोग चाँदी पावत हीं, हुआँ अइसे ठउर अहइँ जहाँ लोग सोना देघराइके ओका सुद्ध करत हीं।

2लोग धरती स खनिके तोहा निकारत हीं, अउर चट्टानन स टेघराइके ताँबा निकारत हीं।

3लोग सबइ गुफा मँ प्रकास लिआवत हीं उ पचे सबइ गुफा क गहिराइ मँ हेरा करत हीं, घना अँधियारा मँ उ पचे खनिज क चट्टानन हेरत हीं।

4जहाँ लोग रहत हीं ओहसे बहोत दूर लोग गहिर गड़हा खना करत हीं, कबहुँ कउनो अउर एँन गड़हन क नाहीं छुएस। जब मनई गहिरे गड़हन मँ रस्सन स लटकत ह, तउ उ दूसरन स बहोत दूर होत ह।

5भोजन धरती क सतह स मिला करत ह, मुला धरती क भीतर उ बढ़त जावा करत ह जइसे आगी चिजियन क बदल देत ह।

6धरती क भितरे चट्टानन क खाले नीलम मिलि जात हीं, अउर धरती क खाले माटी आपन आप मँ सोना राखत ह।

7जंगली पंछी धरती क खाले क राहन नाहीं जानत हीं न ही कउनो बाज इ मारग लखत ह।

8उ राहन पइ कउनो बड़का डीलडोल वाला पसु नाहीं चलेन, कबहुँ सेर इ राहे पइ नाहीं विचरेन।

9मजदूर सब स कठोर चट्टानन क खनत हीं अउर उ पचे पहाड़न क ओकर जड़ स खनिके गिरा देत हीं।

10काम करइवालन चट्टानन स सुरंग काटत हीं उ पचन्क आँखन हुआँ खजानन क लखि लेत हीं।

11काम करइवालन बाँध बनवा करत ही कि पानी ऊपर स होइके न बहइ। उ पचे छिपी भइ चिजियन क ऊपर प्रकास मँ बिआवत हीं।

12मुला कउनो मनई विवेक कहाँ पाइ सकत ह? अउर हम कहाँ जाइ सकित ह समुझ पावइ क?

13गियान कहाँ रहत ह लोग नाहीं जानत हीं, लोग जउन धरती पइ रहत हीं, ओमाँ इ नाहीं पाइ जात ह।

14सागरे क गहराइ बतावत ह, 'मोह माँ गियान नाहीं।' अउर समुद् कहत ह, 'हिआँ मोहमाँ गियान नाहीं अहइ।'

15गियान क बहोत कीमती सोना भी मोल नाहीं लइ सकत ह, गियान क दाम चाँदी स नाहीं गना जाइ सकत ह।

16गियान ओपीर देस क सोना स या कीमती सुलैमानी पाथर या नीलमणियन स नाहीं बेसहा जाइ सकत ह।

17गियान सोना अउ स्फटिक स जियादा कीमती बाटइ, कउनो मनई बहोत कीमती सोना स जड़े भए रत्नन स गियान नाहीं बेसहि सकत ह।

18गियान मूँगा अउ सूर्यकान्त मणि स जियादा कीमती बा। गियान क कउनो मनई सिद्ध सोने मँ जुरे कीमती रतन स नाहीं बेसहा सकत ह।

19जेतना उत्तिम गियान अहइ कूस देस क पद्मराग भी ओतना उत्तिम नाहीं अहइ। गियान क तू चोख सोना स मोल नाहीं लइ सकत्या।

20तउ फुन हम कहाँ गियान क पावइ जाइ? हम कहाँ समुझ सीखइ जाइ?

21गियान धरती क हर मनई स लुका भवा अहइ। हिआँ तलक कि ऊँच अकास क पंछी भी गियान क नहीं लखि पावत हीं।

22मउत अउ विनास कहा करत हीं, 'हम तउ बस गियान क बातन सुनी ह।'

23मुला बस परमेस्सर गियान तलक पहोंचइ क राहे क जानत ह। परमेस्सर जानत ह गियान कहाँ रहत ह।

24परमेस्सर गियान क जानत ह काहेकि उ धरती क अखिरी छोर तलक लखा करत ह। परमेस्सर उ हर वस्तु क जउन अकास क खाले अहइ लखा करत ह।

25जब परमेस्सर हवा क ओकर सक्ती दइ दिहस अउर इ निहचित किहस कि समुद्दरन क केतना बड़का बनावइ क अहइ।

26अउर जब परमेस्सर निहचय किहस कि ओका कहाँ स बर्खा पठवइ क अहइ, अउर बउड़रन क कहाँ तलक जात्रा करइ क अहइ।

27तब परमेस्सर गियान क लखे रहा। उ ओका मापेस, ओका साबित किहेस अउर इका परखेस।

28अउर लोगन स परमेसस्र कहे रहा कि 'यहोवा क भय माना अउर ओका आदर द्या।' बुराइयन स मुँह मोड़ि लेब ही गियान अहइ, इहइ समझदारी अहइ।"

अय्यूब आपन बात जारी रखत ह

29 आपन बात क जारी रखत भए अय्यूब कहेस।

2"मोर जिन्नगी वइसे ही होइ चाही रही जइसे गुजरे महीने मँ रही। जब परमेस्सर मोर रखवारी करत रहा, अउर मोर धियान रखत रहा

3मइँ अइसे उ समइ क इच्छा करत हउँ जब परमेस्सर क प्रकास मोरे मूँड़े पइ चमचमात रहा। मोका प्रकास देखाँवइ क उ समइ जब मइँ अँधियारा स होइके चलत रहेउँ।

4अइसे ओन दिनन क इच्छा करत हउँ, जब मोर जिन्नगी सफल रही, अउर परमेस्सर मोरे निचके मीत रहा। उ सबइ अइसेन दिन रहेन जब परमेस्सर मोरे घरे क असीसे रहा।

5अइसे समइ क मइँ इच्छा करत हउँ, जब सर्वसक्तीसाली परमेस्सर अबहुँ तलक मोरे संग मँ रहा अउर मोरे संग मोर गदेलन रहेन।

6अइसा लगा करत रहा कि दूध-दही क नदियन बहा करत रहिन, अउर मोरे बरे चट्टानन जइतून क तेल क नदियन उड़ेरत रहिन।

7इ सबइ ओ दिन रहेन जब मइँ नगर क दुआर अउर गलीयन क चौराहन पइ जात रहेउँ, अउर नगर नेता लोगन क संग बइठत रहेउँ।

8हुवाँ सबइ लोग मोर सम्मान किहा करत रहेन। जवान मनसेधू जब मोका लखत रहेन तउ मोरी राह स हट जावा करत रहेन अउर बुढ़वा मनसेधू मोरे बरे सम्मान देखाँवइ बरे उठ खड़ा होत रहेन।

9जब लोगन क नेता लोग मोका लखि लेत रहेन, तउ बोलब बंद कइ देत रहेन।

10हिआँ तलक कि बहोतइ महत्ववाले नेता भी आपन स्वर हल्का कइ लेत रहेन, जब मइँ ओनके नियरे जात रहेउँ। हाँ! अइसा लागत रहा कि ओनकर जिभियन ओनकर तालु स चिपक गइ होइँ।

11जउन कउनो भी मोका बोलत सुनेस, मोरे बारे मँ नीक बात कहेस, जउनो कउनो भी मोका लखे रहा, मोर बड़कई किहे रहा।

12काहेकि जब कउनो दीन मदद बरे गोहँराएस, मइँ मदद किहेउँ। उ गदेला क मइँ सहारा दिहेउँ जेकरे महतारी बाप नाहीं अउर जेकर कउनो भी नाहीं धियान रखइ क।

13मोका मरत भए मनई क आसीस मिला, मइँ ओन राँड़ मेहररुअन क जउन जरुरत मँ रहिन, मइँ सहारा दिहेउँ अउर ओनका खुस किहेउँ।

14मोर ओढ़ना पहिरब मोर खरी जिन्नगी रही, निस्पच्छ होब मोर चोगा अउर मोर पगड़ी सी रही।

15मइँ आँधरन बरे आँखी बन गएउँ अउर मइँ ओनकर गोड़ बनेउँ जेनकर गोड़ नाहीं रहेन।

16दीन लोगन बरे मइँ बाप क तरह रहेउँ, मइँ पच्छ लेत रहेउँ अइसे अनजानन क जउन विपत्तियन मँ पड़ा रहेन।

17मइँ दुस्ट लोगन क सक्ती नस्ट करत रहेउँ। निर्दोख लोगन क मइँ दुस्टन स अजाद करावत रहेउँ।

18मइँ सोचत रहेउँ कि मइँ बहोत लम्बी जिन्नगी* जिअब अउर फुन आपन ही घरे मँ प्राण तजब।

19मइँ एक ठु अइसा बृच्छ बनब जेकर जड़न सदा जल मँ रहत होइँ अउर जेकर डारन सदा ओस स भीजी रहत होइँ।

20मोर सान सदा ही नई बनी रही, मइँ सदा ही वइसा बलवान रहब जइसे, मोरे हाथे मँ एक नवा धनुस।

21पहिले, लोग मोर बात सुनत रहत रहेन, अउर उ सबइ जब मोर सलाह मसवरा क इंतजार करत रहेन, तउ चुप रहा करत रहेन।

22मोर चुकइ क पाछे, ओन लोगन क लगे जउन मोर बात सुनत रहेन, कछू भी बोलइ क नाहीं होत रहा। मोर सब्द धीरे धीरे ओनकर काने मँ बर्खा क तरह पड़ जात रहेन।

23लोग जइसे बर्खा क बाट जोहत हीं वइसे ही उ पचे मोरे बोलइ क बाट जोहा करत रहेन। मोरे सब्दन क उ पचे पी जावा करत रहेन, जइसे मोर सब्द बसन्त मँ बरसा होइ।

24जब मइँ दाया करइ क ओन पइ मुस्कात रहेउँ, तउ ओनका पहिले पहल ए पइ बिस्सास नाहीं होत रहा। फुन मोर खुस मुँह दुखी जन क सुख देत रहा।

लम्बी जिन्नगी सम्भवत:ओतॅना ही लम्बी जिन्नगी जेतॅना कि एक ठू अमर पंछी जिअत ह।

25मइँ जिम्मेदारी बिहेउँ अउर लोगन बरे पइसला किहेउँ, मइँ नेता बन गएउँ। मइँ ओनकर सोना क दलन क बीच राजा जइसा जिन्नगी जिएउँ। मइँ अइसा मनई रहेउँ जउन लोगन क चइत देत रहा जउन बहोत ही दुःखी बाटइ।

30 अब, उमर मँ छोटा लोग मोर मसखरी करत हीं। ओन जवान मनसेधुअन क बाप बिल्कुल ही निकम्मा रहेन। ओन कूकुरन जउन मोर भेड़िन क रखवारा करत ह ओन लोगन स बेहतर अहइँ।

2ओन जवान मनसेधुअन क बाप मोका मदद देइ क कउनो सक्ती नाहीं राखत हीं, उ पचे बुढ़वा होइ चुका अहइँ अउ थका भवा अहइँ।

3उ सबइ मनई भूख स मरत अहइँ यह बरे उ पचे झुरान अउर उजाड़ धरती खावत ह।

4उ सबइ लोग रेगिस्तान मँ खारे पउधन क उखाड़त हीं अउर उ पचे झाड़ीदार बृच्छन क जड़न क खात हीं।

5उ पचन्क दूसर लोगन स भगाइ दइ गएन। उ पचे ओन लोगन पइ अइसे गोहरावत हीं जइसे लोग चोर पइ गोहरावत हीं।

6अइसे उ सबई बुढ़वा लोग झुरान भइ नदी क तलन मँ चट्टानन क सहारे अउ धरती क बिलन मँ रहइ क मजबूर अहइँ।

7उ पचे झाड़ियन क बीच गुर्रात हीं। कँटेहरी बृच्छन क नीचे उ पचे आपुस मँ बटुर जात हीं।

8ओन पचन्क फसादी लोगन क दल अहइ, जेनकर नाउँ तलक नाहीं अहइ। ओनका आपन भुइँया तजि देइ क मजबूर कीन्ह गवा अहइ।

9अब अइसे ओन लोगन क पूत मोर हँसी उड़ावइ क मोरे बारे मँ गीत गावत हीं। मोर नाउँ ओनके बरे अपसब्द जइसा बन गवा अहइ।

10उ सबइ नउजवान मोहसे घिना करत हीं। उ पचे मोसे दूर खड़ा रहत हीं। हिआँ तलक कि उ पचे मोरे मुँहे पइ थूकत हीं।

11परमेस्सर मोरे धनुस स ओकर डोर छोर लिहस ह अउर मोका दुर्बल किहस ह। उ पचे मोह पइ कोहान होत भए मोरे खिलाफ होइ जात ह।

12उ सबइ जवान मोर दाहिनी कइँती स मोह पइ प्रहार करत हीं। उ पचे मोर गोड़न पइ हमला कइके मोका गिरावत ह अउर मोका चारिहुँ कइँती स घेर लेत ह।

13उ पचे नव जवान मोरी राह पइ निगरानी रखत हीं कि मइँ बचिके निकरिके पराइ न सकउँ। उ पचे मोका नस्ट करइ मँ सफल होइ जात हीं। ओनके खिलाफत मँ मोर मदद करइ क मोरे संग कउनो नाहीं अहइ।

14उ पचे मोह पइ अइसे वार करत हीं जइसे कि सहर क दिवार क दरार स होत ह। उ पचे टुटे हुए हिस्से स अन्दर आवत हीं।

15मोका भय जकड़ लेत ह। जइसे हवा चिजियन क उड़ाइ लइ जात ह, वइसेन ही उ पचे जवान मोर इज्जत धुवस्त करइ देत हीं। जइसे बादर अदृस्य होइ जात ह, वइसे ही मोर सुरच्छा अदृस्य होइ जात ह।

16जब मोर जिन्नगी बीतइ क अहइ अउर मइँ हाली ही मर जाब। मोका संकट क दिन दहबोच लिहे अहइँ।

17मोर सबइ हाड़न राति क दुख देत हीं, पीरा मोका चबाव नाहीं छोड़त ह।

18मोरे कोट क गिरेबान क परमेस्सर बड़ी ताकत स धरत ह, उ मोरे लिबास क ताकत स पकड़ लेत ह।

19परमेस्सर मोका कीचं मँ बहाइ दिहस अउर मइँ माटी व राखी स बनत हउँ।

20हे परमेस्सर, मइँ सहारा पावइ क तोहका गोहरावत हउँ, मुला तू उत्तर नाहीं देत ह। मइँ खड़ा होत हउँ अउ पराथना करत हउँ, मुला तू मोह पइ धियान नाहीं देत्या।

21हे परमेस्सर, तू मोर बरे निर्दयी होइ गवा अहा, तू मोका नोस्कान पहोंचावइ क आपन सक्ती क प्रयोग करत अहा।

22हे परमेस्सर, तू मोका तेज आँधी स उड़ाइ देत ह। तू मोका तू फाने क बीच मँ डाल देत ह।

23मइँ जानत हउँ तू मोका मोर मउत कइँती लइ जात अहा जहाँ आखीर माँ हर कउनो क जाब अहइ।

24मुला इ निहचय ह कि तू कउनो मनई जउन मदद बरे गोहरावत ह, ओन स नाहीं मुड़त ह।

25हे परमेस्सर, तू तउ जानत ह कि मइँ ओनके खातिर रोएउँ जउन संकट मँ पड़ा अहइँ। तू तउ इ जानत ह कि मोर मन गरीब लोगन बरे बहोत दुखी रहत रहा।

26मुला जब मइँ भला चाहत रहा, तउ बुरा होइ जात रहा। मइँ प्रकास हेरत रहेउँ अउर अँधियारा छाइ जात रहा।

27मइँ भितरे स फट गवा हउँ अउर इ अइसा अहइ कि संकट कबहुँ नाहीं थम जात। अउर जियादा संकट आवइ क अहइ।

28मइँ सोक क ओढ़ना पहिनके माना बगइर सूरज की गर्मी स करिया होइ गना हूँ। मइँ सभा क बीच मँ खड़ा होत हउँ, अउर मदद क गोहरावत हउँ।

29मइँ जंगली कूकुरन क भइया अउर सुतुरमुर्ग क मीत होइ गवा हउँ।

30मोर चमड़ी करिया पड़ि गइ बाटइ। मोर तन बुखारे स तपत बाटइ।

31मोर वीणा करुण गीत गावइ क सधी बाटइ अउर मोर बाँसुरी स दुःख क रोवइ जइसे स्वर निकरत हीं।

31 "मइँ आपन अँखिन क संग एक समझौता किहेउ ह कि उ सबइ कउनो लड़िकी क वासना क निगाह स न लखहीं।

2सर्वसक्तीमान परमेस्सर लोगन क संग कइसा करत ह? उ कइसे आपन ऊँच सरगे क घरे से ओनकर करमन क प्रतिफल देत ह?

3परमेस्सर दुस्ट लोगन बरे सकंट अउ विनास पठवत ह, अउर जउन बुरा करम करत हीं ओनके बरे बर्बादी पठवत ह।

4मइँ जउन भी करत हउँ परमेस्सर जानत ह। अउर मोरे हर कदम क उ लखत ह।

5अउर मइँ झूठी जिन्नगी जिया हउँ या झूठ बोलिके लोगन क मूरख बनाए हउँ,

6तउ उ मोका खरी तराजू स तौलेइ, तब परमेस्सर जान लेइ कि मइँ निरपराध हउँ।

7अगर मइँ खरा रास्ता स हटा होउँ, अगर मइँ आपन आप क बुरे लालसा मँ लइ गइ होइ या अगर मइँ आपन हाथ क पवित्तर नाहीं राखत हइँ,

8तउ मोर उपजाई भइ फसल दूसर लोग खाइ जाइँ अउर मोर फसलन क उजारिके लइ जाइँ।

9अगर मइँ मेहररुअन बरे कामुक रहा होउँ, या अगर मइँ आपन पड़ोसी क दुआरे क ओकरी पत्नी क संग व्यभिचार करइ क बरे ताकत रहा होउँ,

10तउ मोर पत्नी दूसर लोगन क भोजन बनावइ अउर ओकरे संग दूसर लोग सोवइँ।

11काहेकि यौन पाप लज्जा स भरा होत ह? इ अइसा पाप अहइ जेका निहचय ही सजा पावइ चाही।

12व्यभिचार उ पाप क समान अहइ, जउन बारत अउ बर्बाद कइ डावत ह। मोरे लगे जउन कछू भी अहइ बिभिचार क पाप ओका बारि डाइ।

13-14"अगर मइँ आपन दास-दासियन क समन्वा उ समइ निस्पच्छ नाहीं रहेउँ जब ओनका मोसे कउनो सिकाइत रही। तउ जब मोका परमेस्सर क समन्वा जाइ क होइ, तउ मइँ का करब? जब उ मोका मोरे करमन क सफाई माँगइ बोलाइ तउ मइँ परमेस्सर क का जवाब देब?

15परमेस्सर मोका अउर मोरे सेवकन क हमरी आपन-आपन महतारी क गर्भ मँ बनाएस ह।

16मइँ कबहुँ भी दीन जन क मदद क मना नाहीं किहेउँ। मइँ राँड़ मेहररुअन क सहारे क बिना नाहीं रहइ दिहेउँ।

17मइँ स्वार्थी नाहीं रहेउँ। मइँ आपन भोजन क संग अनाथ बच्चन क भूखा नाहीं रहइ दिहेउँ।

18मइँ अइसे गदेलन क जेनके बाप नाहीं अहइँ, मइँ बाप जइसा रहेउँ ह। मइँ जिन्नगी भइ राँड़ मेहररुअन क धियान रखेउँ ह

19जब मइँ कउनो क एह बरे कस्ट भोगत भए पाएउँ ह कि ओकरे लगे ओढ़ना नाहीं अहइ, या मइँ कउनो दीन क बगैर कोट क पाएउँ।

20तउ मइँ सदा ओन लोगन क ओढ़ना देत रहेउँ, मइँ ओनका गरम राखइ क मइँ खुद आपन भेड़िन क ऊन बइपरेउँ, तउ उ पचे मोका समूचइ मने स असीसत रहेन।

21मइँ कउनो अनाथे क खिलाफ कबहुँ आपन हाथ नाहीं उठाएस जब कबहुँ मइँ ओका सहर क फाटके पइ मदद माँगत भए निहारेउँ।

22अगर मइ अइसा किहेउँ तउ मोर काँधा आपन जगह स छूट कइ गिर जाइ अउर मोर बाजू आपन जोड़ स अलग होइ जाइ।

23मुला मइँ तउ ओनमाँ स कउनो बुरा करम नाहीं किहेउँ। मइँ परमेस्सर क दण्ड स डेरात हउँ। मइँ ओकरी तेजस्विता स डेरात हउँ।

24मइँ कबहुँ आपन धन दौलत क भरोसा नाहीं किहेउँ, अउर मइँ कबहुँ नाहीं चोखा सोने स कहेउँ कि 'तू मोर आसा अहा।

25मइँ धने स सम्पन्न रहेउँ। मुला मइँ ओसे घमण्डी नाहीं भएउँ। मइँ खूबइ धन कमाएउँ। मुला उहइ नाहीं जेहसे मइँ आनन्दित भएउँ।

26मइँ कबहुँ नाहीं चमकत सूरज क पूजा किहेउँ या मइँ सुन्नर चाँद क पूजा नाहीं किहेउँ।

27मइँ कबहुँ भी आपन हाथ क चूम कइ सूरज अउर चाँद क पूजा करइ क मूरखता नाहीं किहा रहा।

28अगर मइँ एनमाँ स कछू किहेउँ तउ उ मोर पाप होइ अउ मोका सजा मिलइ। अगर मइँ ओन बातन क पूजा किहे होतेउँ तउ सर्वसक्तीसाली परमेस्सर क अबिस्सासी होइ जातेउँ।

29"जब मोर दुस्मन बर्बाद भएन तउ मइँ खुस नाहीं भएउँ। जब मोरे दुस्मनन क दुख-मुसीबत डाली गवा, तउ मइँ ओकर बरे खूस नाहीं भवा।

30मइँ आपन मुँह खोलिके आपन दुस्मनन क सरापत भए पाप नाहीं किहेउँ अउ मइँ ओकरे मोत क इच्छा नाहीं कहेस।

31मोरे घरे क सबहिं लोग जानत हीं कि मइँ सदा अजनबी लोगन क खइया क दिहेउँ।

32मइँ सदा अजनबी लोगन क घरे मँ बोलाएउँ, ताकि ओनका राति मँ गलियन मँ सोवइ क न पड़इ।

33दूसर लोग आपन पापे क छुपावइ क जतन करत हीं, मुला मइँ आपन दोख कबहुँ नाहीं छुपाएउँ।

34मइँ कबहुँ नाहीं डेराउँ कि लोग का कहत रहत हीं। मइँ कबहुँ चुप नाहीं रहेउँ अउ मइँ आपन घर स बाहेर जाइ बरे कबहुँ नाहीं डेरउँ।

35कास! कउनो होत जउन मोर सुनत। मोका आपन बात अपनी कइँती स समझावइ द्या। कास! सक्तीसाली परमेस्सर मोका अउर कास उ ओनँ बातन क लिखत जउन मइँ ओकरी निगाहे मँ गलत किहे रहेउँ।

36काहेकि फुरइ ही मइँ उ लिखावट आपन खुद क काँधे पइ धइ लेब अउर मइँ ओका मुकुट क तरह मूँड़े पइ धइ लेब।

37"अगर परमेस्सर किहेस तउ जउन कछू मइँ किहेउँ ह, मइँ ओका परमेस्सर क समुझाउब। मइँ परमेस्सर क लगे आपन मूँड़ी उठाइके जाब, जइसे मइँ कउनो मुखिया होउँ।

38मइँ आपन भुइँया पइ कबहुँ बेगुनाह क खुन नाहीं बहाया हउँ एँह बरे मोर मिट्टी या मोर धरती क खिलाफ कबहुँ आवाज़ा नाहीं उठाएस।

39मइँ हमेसा मजदूरन क फसल काटइ बरे ओनकर मजूरी दिहेउँ। मइँ कबहुँ भी ओकर मालिक स जबरदस्ती अनाज़ नाहीं लिहेउँ।

40हाँ! एनमाँ स अगर कउनो भी बुरा काम मइँ किहे होउँ, तउ गोहूँ क जगह पइ काँटा अउर जौ क बजाय खर-पतवार खेतन मँ उग जाइँ।"

अय्यूब क सब्द खतम भएन।

एलीहू क वचन

32 फुन अय्यूब क तीनउँ मीत अय्यूब क जवाब देइ क जतन करब तजि दिहेन। काहे कि उ अपने नजर मँ सच्चा रहेन। 2हुआँ एलीहू नाउँ क एक मनई भी रहा। एलीहू बारकेल क पूत रहा। बारकेल बुज क निवासी रहा। एलीहू राम क परिवारे स रहा। एलीहू क अय्यूब पइ बहोत किरोध आवा काहेकि अय्यूब अपने आप क सही ठहराएस बजाय परमेस्सर क सही ठहरइ क। 3एलीहू अय्यूब क तीनउँ मीतन स भी कोहान रहा काहेकि उ पचे तीनउँ ही अय्यूब क सवालन क जुक्ति संगत जवाब नाहीं दइ पाए रहेन अउर इ साबित नाहीं कइ सकन कि अय्यूब कसूरवार अहइ। 4हुआँ जउन लोग रहेन ओनमाँ एलीहू सबसे लहुरा रहा। एह बरे उ तब तलक बाट जोहत रहा जब तलक हर कउनो आपन आपन बात पूरी नाहीं कइ चुका। 5एलीहू जब इ लखेस कि अय्यूब क तीनहुँ मीतन क लगे कहइ क अउर कछू नाहीं अहइ तउ ओका बहोत किरोध आवा। 6तउ बुज क निवासी बारकेल क पूत एलीहू आपन बात कहब सुरु किहस। उ बोला:

"मइँ लहुरा अहउँ अउर तू लोग मोहसे जेठ अहा, मइँ एह बरे तोहका उ बतावइ मँ डेरात रहेउँ जउन मइँ सोचत रहेउँ।

7मइँ मन मँ सोचेउँ, 'बड़के क पहले बोलइ चाही, अउर ओका बुद्धि सिखाइ चाही।'

8मुला मनई मँ परमेस्सर क आतिमा बुद्धि देत ह अउर सर्वसक्तीसाली परमेस्सर क जरिये दिया भवा साँस मनई क गियान देत ह।

9उमर मँ ज़ेठ मनई ही नाहीं गियानी होत हीं। का बस बड़ी उम्र क लोग ही इ जानत हीं कि उचित का अहइ?

10एँह बरे मइँ जउन कछू जानत हउँ तोहका कहत हउँ। तू पचे मोर बात सुना मइँ तू पचन्क बताउब कि मँइ का सोचत हउँ।

11जब तलक तू लोग बोलत रह्या, मइँ बाट जोहत रहा। मइँ तोहार बुद्धि सुनइ चाही रहा। मइँ खामूस रह्या जब तू पचे बोलइ बरे सोच बिचार किहस।

12मइँ तोहरे मर्म स भरे सब्दन क अय्यूब क उत्तर देइ खातिर धियान स सुनत रहेउँ। मुला तीनउँ ही इ सिद्ध नाहीं कइ पाया कि अय्यूब बुरा अहइ। तोहमाँ स कउनो भी अय्यूब क तर्कन क जवाब नाहीं दइ पावा।

13तू लोगन क इहइ नाहीं कहइ चाही कि तू पचे गियान क पाइ लिहा ह। लोग नाहीं, परमेस्सर निहचय ही अय्यूब क तर्कन क जवाब देइ।

14मुला अय्यूब मोरे खिलाफत मँ नाहीं बोलत रहा, एह बरे मइँ ओन तर्कन क प्रयोग नाहीं करब जेकर प्रयोग तू पचे तीनहुँ किहा ह।

15अय्यूब, तोहरे तीनहुँ मीत असमंजस मँ पड़ा अहइँ, ओनके लगे कछू भी अउर कहइ क नाहीं अहइ, ओनके लगे जवाब दइ बरे अउर कछु नाहीं अहइ।

16इ सबइ तीनहुँ लोग हिआँ चुप खड़ा अहइँ अउर ओनके लगे जवाब नाहीं अहइ। तउ का अबहिं भी मोका प्रतीच्छा करइ चाही?

17नाहीं! मइँ भी आपन जवाब देब। मइँ भी बताउब तू पचन्क कि मइँ का सोचत हउँ।

18काहेकि मोरे लगे कहइ क बहोत अहइ। मोरे भितरे जउन आतिमा अहइ, उ मोका बोलइ क मजबूर करत ह।

19मइँ आपन भितरे अइसी नई दाखरस सा हउँ, जउन हाली ही बाहेर उफनइ क अहइ। मइँ उ नई दाखरस मसक जइसा हउँ जउन हाली ही फट जाइ क अहइ।

20तउ निहचय ही मोका बोलइ चाही, तबहिं मोका नीक लागी। आपन मुँह मोका खोलइ चाही अउर मोका अय्यूब क सिकाइतन क जवाब देइ चाही।

21इ बहस मँ मइँ कउनो क पच्छ नाहीं लेबइँ अउ अय्यूब क वइसे ही पच्छ लेबउँ जइसे दूसर क होइ चाही। मइँ कउनो क खुसामद न करब।

22मइँ नाहीं जानत हउँ कि कइसे कउनो मनई क खुसामद कीन्ह जात ह। अगर मइँ कउनो क खुसामद करइ जानत तउ हाली ही परमेस्सर ओका सजा देत।

33 "मुला अय्यूब अब, मोर संदेस सुना। ओन बातन पइ धियान द्या जेनका मइँ कहत हउँ।

2मइँ आपन बात कहइ क तइयार हउँ। मइँ आपन सब्द चुनत हउँ।

3मोर मन सच्चा अहइ तउ मइँ सच सब्द बोलब। ओन बातन क बारे मँ जेनका मइँ जानत हउँ मइँ सच कहब।

4परमेस्सर क आतिमा मोका बनाएस ह, मोका सर्वसक्तीसाली परमेस्सर स जिन्नगी मिलत ह।

5अय्यूब, सुना अउ मोका जवाब द्या अगर तू सोचत ह कि तू दइ सकत ह। आपन जवाबन क तइयार रखा ताकि तू मोहसे तर्क कइ सक्या।

6परमेस्सर क समन्वा हम दुइनउँ एक जइसे अहइँ, अउर हम दुइनउँ क ही उ माटी स बनाएस ह।

7अय्यूब, तू मोहसे जिन डेराअ। मइँ तोहरे संग कठोर न होब।

8मुला अय्यूब, मइँ सुनेउँ ह कि तू जउन कहा करत ह।

9तू इ कहे रह्या, 'मइँ अय्यूब, दोखी नाहीं हउँ, मइँ पाप नाहीं किहेउँ, या मइँ कछू भी अनुचित नाहीं करत हउँ।

10अगर मइँ कछू भी अनुचित नाहीं किहेउँ, तउ भी परमेस्सर कछू खोट मोहमाँ पाएस ह। परमेसस्र सोचत ह कि मइँ अय्यूब, ओकर दुस्मन हउँ।

11एह बरे परमेस्सर मोरे गोड़े मँ बेड़ी डावत ह, मइँ जउन कछू भी करत हउँ, उ लखत रहत ह।'

12मुला अय्यूब, मइँ तोहका निहचय क संग बतावत हउँ कि तू इ बारे मँ गैर मुनासिब अहा। काहेकि परमेस्सर कउनो भी मनई स जियादा जानत ह।

13तू काहे सिकाइत करत अहा कि परमेस्सर तोहरे इलजाम जवाब नाहीं देत ह?

14मुला परमेस्सर निहचय ही हर उ बात क जेका उ करत ह स्पस्ट कइ देत ह। परमेस्सर अलग अलग रीति स बोलत ह मुला लोग ओका समुझ नाहीं पउतेन।

15-16होइ सकत ह कि परमेस्स्सर सपन मँ लोगन क काने मँ बोलत होइ, या कउनो दिब्यदर्सन मँ राति क जब उ

पचे आपन बिसतरा पइ गहिर निंदिया मँ होइँ। जब परमेस्सर क चितउनियन सुनत हीं तउ बहोतइ डर जात हीं।

17परमेस्सर मनइयन क बुरी बात करइ स रोकइ क होसियार करत ह, अउ ओनका अहंकारी बनवइ स रोकइ क।

18परमेस्सर मनइयन क मउत क देस मँ जाइ स बचावइ खातिर होसियार करत ह। परमेस्सर मनई क नास स बचावइ बरे अइसा करत ह।

19कउनो मनई परमेस्सर क वाणी तब सुन सकत ह जब उ बिस्तरे पइ ओलरा होइ अउर परमेस्सर क सजा स दुःख भोगत होइ। उ मनई एँतनी गहिर पीरा मँ होता ह, कि ओकर हाड़न दुःखत हीं।

20फुन अइसा मनई कछू खाइ नाहीं सकत, उ मनई क एँतनी जियादा पीरा होत ह कि ओका सबन ते बढ़िया खइया क नाहीं सोहात।

21ओकरे देहे क छय तब तलक होत जात ह, जब तलक उ कंकाल मात्र नाहीं होइ जात, अउर ओकर सबइ हाड़न नाहीं देखाँइ लग जातिन।

22अइसा मनई मउत क देस क निअरे होत ह, अउर ओकर जिन्नगी मउत क निअरे होत ह।

23मुला होइ सकत ह कि कउनो सरगदूत, हजारन सरगदूत मँ स एक होइ जउन ओकरे उत्तिम चरित्तर क गवाही देइ।

24उ सरगदूत उ मनई पइ दयालु होइ, उ दूत परमेस्सर स कहीः 'महरबानी कइ क इ मनई क मउत क देस स बचा। एकर दाम चुकावइ क एक रस्ता मोका मिली गवा अहइ।'

25फिन मनई क देह जवान अउ खूब मजबूत होइ जाइ। उ मनई वइसा ही होइ जाइ जइसा उ तब रहा, जब उ जवान रहा।

26उ मनई परमेस्सर क स्तुति करी अउर परमेस्सर ओकरी स्तुति क जवाब देइ। फुन उ परमेस्सर क व्यक्तित्व मँ खुसी खुसी आइ जाब। अउर उ बहोत खुस होइ काहेकि परमेस्सर ओका ओकर ईमानदारी बरे बदला देहीं।

27फिन उ मनई मनइयन क समन्वा स्वीकार करी। उ कहीः 'मइँ पाप किहे रहेउँ, भले क बुरा मइँ किहे रहेउँ, मुला मोका एहसे का मिला!

28परमेस्सर मउत क देस मँ गिरइ स मोर आतिमा क बचाएस। मइँ अउर जियादा जिअब अउर फुन स जिन्नगी क रस लेब।'

29-30परमेस्सर मनई क संग ओका मउत क देस मँ दाखिल होवइ स रोक कइ अइसा बार-बार करत ह। अइसा मनई फिन जिन्नगी क रस लेत ह।

31अय्यूब, धियान द्या अउर मोर बात सुना। तू चुप रहा अउर मोका कहइ द्या।

32अगर तोहार लगे कहइ बरे कछू अहइ तउ ओका कहा काहेकि मइँ तोहका निर्दोख लखइ चाहत हउँ।

33अय्यूब, अगर तोहका कछू नाहीं कहइ क अहइ तउ तू मोर बात सुना। चुप रहा, मइँ तोहका बुध्दिमान बनवइ सिखाउबउँ।"

34 फिन एलीहू बात क जारी रखत भए कहेसः

2"अरे ओ गियानी मनइयो। तू पचे धियान स सुना जउन बातन मइँ कहत हउँ। अरे ओ चतुर लोगो, मोह पइ धियान द्या।

3कान ओन सबन्क परखत ह जेनका उ सुनत ह, जइसेन जीभ जउने खइया क छुअति ह, ओकर सुआद पता करत ह।

4तउ आवा इ परिस्थिति क परखा अउर खुद फइसला करा कि उचित का बाटइ। हम संग संग सीखब कि का खरा बाटइ।

5अय्यूब कहेसः 'मइँ निर्दोख हउँ; मुला परमेस्सर मोरे बरे निस्पच्छ नाहीं अहइ।

6मइँ निरीह अहउँ मुला लोग सोचत हीं कि मइँ बुरा अहउँ। उ पचे सोचत हीं कि मइँ एक झूठा हउँ अउर चाहे मइँ निदौख भी होउँ फुन भी मोर घाव नाहीं भरि सकत।'

7अय्यूब क नाईं कउनो भी मनई नाहीं अहइ जेकर मुँह परमेस्सर क निन्दा स भरा रहत ह। अय्यूब बरे परमेस्सर क बेज्जती करइ मँ आसानी स पानी क पीवइ जइसा अहइ।

8अय्यूब बुरे लोगन क साथी अहइ अउर अय्यूब क बुरे लोगन क संगत भावत ह।

9काहेकि अय्यूब कहत ह 'अगर कउनो मनई परमेस्सर क हुकुम मानइ क जतन करत ह तउ एहसे उ मनई क कछू भी भला न होइ।

10"अरे ओ लोगो जउन समुझ सकत ह्वा, तउ मोर बात सुना, परमेस्सर कबहुँ भी बुरा नाहीं करत ह। सर्वसक्तीमान परमेस्सर कबहुँ भी बुरा नाहीं करी।

11परमेस्सर मनई क ओकर कीन्ह करमन क फल देइ। उ मनइयन क जउन मिलइ चाही, देइ।

12उ फुरइ अहइ परमेस्सर कबहुँ बुरा कारज नाहीं करत ह। सर्वसक्तीसाली परमेस्सर सदा निस्पच्छ रही।

13कउनो इनसान ओका धरती क प्रभारी नाहीं बनाएस। कउनो भी मनई ओका इ समूचइ जगत क जिम्मेदारी नाहीं दिहस।

14अगर परमेस्सर ठान लेत तउ उ लोगन स जिन्नगी क साँस लइ लेत ह।

15तउ धरती क सबहिं मनई मर जातेन, फिन सबहिं लोग माटी बन जातेन।

16"अगर तू पचे विवेकी अहा तउ तू पचे ओका सुनब्या जेका मइँ कहत हउँ।

17अइसा कउनो मनई जउन निआउ स घिना राखत ह सासक नाहीं बन सकत ह। अय्यूब, का तू सोचत अहा कि तू परमेस्सर क दोखी साबित कइ सकत अहइ?

18सिरिफ परमेस्सर अइसा अहइ जउन राजा लोगन स कहत रहत ह कि 'तू पचे बेकार अहइ।' परमेस्सर नेता लोगन स कहत रहत ह कि 'तू पचे दुस्ट अहा।'

19परमेस्सर प्रमुखन स दूसर मनइयन क अपेच्छा अधिक पिरेम नाहीं करत, अउर परमेस्सर धन्नासेठन क अपेच्छा गरीबन स जियादा पिरेम नाहीं करत ह। काहेकि सबहिं क परमेस्सर रचेस ह।

20होइ सकत ह रात मँ अचानक कउनो मनई मरि जाइ। परमेस्सर बहोत जल्दी ही लोगन क रोगी करत ह अउर उ पचे प्राण तउ देत हीं। परमेस्सर बगइर कउनो जतन क सक्तीसाली लोगन क उठाइ लइ जात ह।

21मनई जउन करत ह परमेस्सर ओका देखत ह। मनई जउन भी चरण उठावत ह परमेस्सर ओका जानत ह।

22कउनो जगहिया अइसी अँधियारा नाहीं अहइ, चाहे उ जगह कइसा भी अँधियारा होइ, जेह मँ कि कउनो भी दुस्ट मनई अपने क परमेस्सर स छुपाइ पावइ।स

23कउनो मनई बरे इ उचित नाहीं कि उ परमेस्सर स निआउ क अदालत मँ मिलइ क समइ निहचित करइ।

24परमेस्सर क प्रस्नन क पूछइ क जरुरत नाहीं, मुला परमेस्सर बरिआरन क नस्ट करी अउर ओनकर जगह पइ कउनो अउर क बइठाई।

25तउ परमेस्सर जानत ह कि लोग का कर हीं। एह बरे परमेस्सर राति मँ दुस्टन क हराई, अउर ओनका नस्ट कइ देइ।

26परमेस्सर बुरे लोगन क ओनके बुरे करमन क कारण नस्ट कइ देइ अउर बुरे मनई क सजा क उ सब लखइ देइ।

27काहेकि बुरे लोग परमेस्सर क आग्या मानइ क तजि दिहेन अउर उ पचे बुरे लोग परवाह नाहीं करत हीं ओन कामन क करइ क जेनका परमेस्सर चाहत ह।

28ओन बुरे लोग गरीबन क दुःख दिहन अउर ओनका मजबूर किहन परमेस्स क मदद बरे गोहरावइ क। गरीब मदद बरे गोहरावत ह, तउ परमेस्सर ओकर सुनत ह।

29जब परमेस्सर खामोस रही क फइसला करत ह तउ कउनो मनई परमेस्सर क दोखी नाहीं ठहराइ सकत ह। अगर परमेस्सर आपना मुख छिपा लेत ह तउ कउनो भी रास्ट्र या कउनो मनई ओका नाहीं पाइ सकत ह।

30तउ फुन एक ठु अइसा मनई अहइ जउन परमेस्सर क खिलाफ अहइ अउर लोगन पइ जुलम करत ह। तउ परमेस्सर ओका राजा बनइ नाहीं दइ सकत ह।

31होइ सकत ह कि कउनो परमेस्सर स कहइ, 'मइँ अपराधी हउँ अउर फुन मइँ पाप नाहीं करब।

32हे परमेस्सर, तू मोका उ सबइ बातन सिखावा जउन मइँ नाहीं जानत हउँ। अगर मइँ कछू बुरा किहेउँ तउ फुन, मइँ ओका नाहीं करबउँ।'

33मुला अय्यूब, जब तू बदलइ क मना करत अहा, तउ का परमेस्सर तोहका वइसा प्रतिफल देइ, जइसा तू चाहत अहा? इ तोहार फइसला अहइ इ मोर नाहीं अहइ। तू ही बतावा कि तू का सोचत अहा?

34कउनो भी मनई जेहमाँ विवेक अहइ अउर जउन समझत ह उ मोरे संग सहमत होइ। कउनो भी विवेकवाला मनई जउन मोर सुनत, उ कही,

35'अय्यूब, अबोध मनई क जइसी बातन करत अहा, जउन बातन अय्यूब करत ह ओनमाँ कउनो सच्चाई नाहीं।'

36मोर इ इच्छा अहइ कि अय्यूब क परखइ क अउर भी जियादा कस्ट दीन्ह जाइँ। काहेकि अय्यूब हमका अइसा जवाब देत ह, जइसा कउनो दुस्ट मनई जवाब देत होइ।

37अय्यूब पाप पइ पाप किए जात ह अउर ओह पइ उ बगावत किहेस। तोहरे ही समन्वा उ परमेस्सर क खिलाफ बहोत सारे इलाजाम लगावत रहत ह।"

35

एलीहू कहत चला गवा। उ बोल। 2"अय्यूब, इ तोहरे बरे कहब उचित नाहीं कि "मइँ अय्यूब, परमेस्सर क खिलाफ निआउ पइ हउँ।'

3अय्यूब, तू परमेस्सर स पूछत अहा, 'मनई परमेस्सर क खुस कइके का पाई? अगर मइँ पाप न करउँ तउ मोका का फायदा होइ?'

4अय्यूब, मइँ तोहका अउ तोहरे मीतन क जउन हिआँ तोहरे संग अहइँ जवाब देइ चाहत हउँ।

5अय्यूब! ऊपर लख अकासे मँ निगाह उठाइके कि बादर तोहसे जियादा ऊँचा अहइँ।

6अय्यूब, अगर तू पाप करा तउ परमेस्सर का कछू नाहीं बिगड़त, अउर अगर तोहार पाप बहोत होइ जाइँ तउ ओहसे परमेस्सर क कछू नाहीं बिगड़त।

7अय्यूब, अगर तू भला अहा तउ एहसे परमेस्सर क भला नाहीं होत, तोहसे परमेस्सर क कछू नाहीं मिलत।

8अय्यूब, तोहार पाप खुद तोहरे जइसे मनई क नोस्कान पहुँचावत ही, तोहार नीक करम बस तोहरे जइसे मनई क ही भला करत हीं।

9अगर बुरे मनइयन क संग अनिआउ होत ह अउर बुरा बेउहार कीन्ह जात ह, तउ उ पचे मदद क पुकारत हीं, उ पचे बड़के बड़के बरिआर क मदद पावइ क दोहाइ देत हीं।

10मुला बुरे मनइयन परमेस्सर स मदद नाहीं माँगतेन। उ पचे नाहीं कहत हीं, 'परमेस्सर जउन हमका रचेस ह उ कहाँ बा? परमेस्सर हम लोगन क रात मँ गावइ बरे गीत देत ह।

11उ बुरे मनइयन इ नाहीं कहा करतेन कि, 'परमेस्सर जउन गोरु अउ चिरइयन स जियादा बुध्दिमान मनई क बनाएस ह उ कहाँ बा?'

12अगर बुरे लोग परमेस्सर क मदद पावइ क दुहाइ देत हीं तउ परमेस्सर ओनका जवाब नाहीं देत ह। काहेकि उ पचे बहोत घमंडी अउर बुरा होत हीं।

13इ सच अहइ कि परमेस्सर ओनकर बेकार क दुहाई क नाहीं सुनी। सर्वसक्तीमान परमेस्सर ओनँ पइ धियान नाहीं देत।

14अय्यूब, इहइ तरह जब तू परमेस्सर क समन्वा आपन मामला पइ बहस कइ बरे इन्तजार करत ह, अउर अगर तू सिकायत करत ह कि उ तोहरे समन्वा प्रकट नाहीं होएह, तउ परमेस्सर तोहका जवाब नाहीं देब्या।

15अय्यूब, तू सोचत अहा कि परमेस्सर दुस्टन क सजा नाहीं देत ह अउर परमेस्सर पाप पइ धियान नाहीं देत ह।

16एह बरे अय्यूब आपन बेकार क बातन करत रहत ह। अय्यूब बहोत बोलतह मुला उ नाहीं जानत कि उ का कहत रहत ह।"

36

एलीहू बात जारी राखत भए कहेस। 2"अय्यूब, मोरे संग तनिक देर अउर धीरा धरा। मइँ तोहका देखाँउब कि परमेस्सर क पच्छ मँ अबहिं कहइ क अउर अहइ।

3मइँ आपन गियान क सब स बाँटब। मोका परमेस्सर रचेस ह। मइँ जउन कछू भी जानत हउँ मइँ ओकर प्रयोग तोहका इ देखाँवइ बरे करब कि परमेस्सर निस्पच्छ अहइ।

4अय्यूब, मइँ तोहका फुरइ कहत हउँ कि मइँ झूट नाहीं कहत हउँ। मइँ जानत कि मइँ का बात करत हउँ।

5परमेस्सर महान अहइ मुला उ आम लोगन क तुच्छ नाहीं समुझत ह। परमेस्सर बहोत सामर्थी बाटइ अउ विवेक स पूर्ण बाटइ।

6परमेस्सर दुट्ठ लोगन क जिअइ नाहीं देइ अउर परमेस्सर हमेसा गरीब लोगन क संग खरा बेउहार करत ह।

7उ सबइ लोग जउन मुनासिब बेउहार करत हीं, परमेस्सर ओनकर धियान राखत ह। उ राजा लोगन क संग ओनका सिंहासन देत ह अउर उ पचे सदा आदर पावत हीं।

8मुला अगर लोग सजा पावत होइँ अउर अउर बेड़ियन मँ जकरि गवा होइँ। अगर उ पचे पीरा भोगत रहत होइँ अउर संकटे मँ होइँ।

9तउ परमेस्सर ओनका बताई कि उ पचे कउन सा बुरा करम किहेन ह। परमेस्सर ओनका बताई कि उ पचे पाप किहेन ह अउर उ पचे अहंकारी रहेन।

10परमेस्सर ओनका ओकर चिताउनी सुनइ क मजबूर करी। उ ओनका पाप करइ स रोकइ खातिर आदेस देइ।

11जदि लोग परमेस्सर क सुनिहीं अउर ओकर अनुसरण करिहीं तउ परमेस्सर ओनका खुसहाल दिन आनन्दित बरिस देब्या।

12मुला अगर उ पचे परमेस्सर क आग्या क नकारिहीं तउ उ पचे बिना जाने ही मउत क दुनिया मँ चला जइहीं।

13अइसे लोग जेनका परमेस्सर क परवाह नाहीं अहइ उ पचे सदा कड़ुवाहट स भरा रहत हीं। हिआँ तलक कि जब परमेस्सर ओनका सजा देत ह, उ पचे परमेस्सर स सहारा पावइ क विनती नाहीं करतेन।

14अइसे लोग जवान होत ही मरि जइहीं। उ पचे भ्रस्ट लोगन क संग सर्म स मरिहीं।

15मुला परमेस्सर दुखित लोगन क बचाब। परमेस्सर लोगन क जगावइ बरे विपत्ति पठवत ह ताकि लोग ओकर सुनइँ।

16सचमुच मँ परमेस्सर तोहार दुख-मुसीबत मँ तोहार मदद करइ चाहत ह। उ तोहार बोझन क दूर करइ चाहत ह जउन तोहका कुचरत ह। उ तोहार मेजे पइ भरपूर खइया रखइ चाहत ह।

17किन्तु तू दोख, निर्णय अउर निआव क बातन स भरा भवा अहा!

18अय्यूब, तू आपन किरोध क परमेस्सर बरे संका क कारण जिन बना द्या। मुक्ति क बडा मूल्य तोहका राह स दूर भटकावइ क कारण जिन बना द्या।

19तू इ जान ल्या कि न तउ अब तोहार समूचा धन अउर न ही तोहार सक्ती तोहार मदद कइ सकत ह।

20तू राति क अवाई क इच्छा जिन करा। जब लोग आपन ठउरन स गाइब हो जात ह।

21अय्यूब, बुरा करम करइ स तू होसियार रहा। तोह पइ मुसीबतन पठइ गइ अहइँ ताकि तू पापे क ग्रहण न करा।

22लखा, परमेस्सर क सक्ती ओका महान बनावत ह। परमेस्सर सबहिं स महानतम सिच्छक अहइ।

23कउनो भी मनई परमेस्सर स नाहीं कह सकत ह कि का करब। कउनो भी परमेस्सर स नाहीं कहि सकत, 'परमेस्सर तू बुरा किहा ह।'

24परमेस्सर क कर्मन क बड़कइ करब तू जिन बिसरा। लोग गीत गाइके परमेस्सर क सबइ काम क बड़कइ किहेन ह।

25परमेस्सर क करम क हर कउनो मनई लखि सकत ह। दूर देसन क लोग ओन कर्मन क लखि सकत हीं।

26इ फुरइ अहइ कि परमेस्स महान अहइ। ओकरी महिमा क हम नाहीं समुझ सकित ह। परमेस्सर क उमर क बरिसन क गनती क कउनो गन नाहीं सकत।

27परमेस्सर पानी क धरती स ऊपर उठावत ह अउर ओका बर्खा अउ कुहरा क रुप मँ बदल देत ह।

28परमेस्सर बादरन स लोगन पइ भरपूर पानी बरसावत ह।

29का कउनो मनइ इ ब्यान कइ सकत ह कि परमेस्सर कइसे बादरन क फैलावत ह, या ओकर घर, आकास मँ बिजुरि क गरज क समझ सकत ह?

30लखा, परमेस्सर कइसे आपन बिजुरी क अकासे मँ चारिहुँ कइँती बिखेरत ह अउर कइसे समुझदर क गहिरे हींसा क ढाँपि लेत ह।

31परमेस्सर रास्ट्रन क नियंत्रण मँ रखइ अउर ओनका भरपूर भोजन देइ बरे एन बादरन क उपयोग करत ह।

32परमेस्सर आपन हाथे स बिजरी क पकरि लेत ह अउर जहाँ, उ चाहत ह, हुआँ बिजुरी क गिरइ क हुकुम देत ह।

33गर्जन लोगन क तूफाने क अवाई क चिताउनी देत ह। इ गर्जन दिखावत ह कि इ दुस्टता क खिलाफ किरोध मँ अहइ।

37 "हे अय्यूब, जब एँन बातन क बारे मँ मइँ सोचत हउँ, मोर हिरदइ बड़े जोर स धक धक करत ह।

2हर कउनो सुनइ, परमेस्सर क वाणी बादर क गर्जन जइसी सुनाई देत ह। अनका गरजत भी ध्वनि क जउन परमेस्सर क मुँहे स आवति अहइ।

3परमेस्सर आपन बिजुरी क सारे अकासे स होइके चमकइ क पठवत ह। उ सारी धरती क ऊपर चमका करत ह।

4बिजुरी क कौंधइ क पाछे परमेस्सर क गर्जन भरी वाणी क सुना जाइ सकत ह। परमेस्सर आपन अद्भुत वाणी क संग गरजत ह। जब परमेस्सर क वाणी गरजत ह तउ बिजुरी कौंधत ह तब।

5परमेस्सर क गरजत भइ वाणी अद्भुत अहइ। उ अइसे बड़े करम करत ह, जेनका हम समुझ नाहीं पावत अही।

6परमेस्सर बर्फ क हुकुम देत ह, 'तू धरती पइ गिरा' अउर परमेस्सर बर्खा स कहत ह 'तू धरती पइ जोर स बरसा।'

7परमेस्सर अइसा एह बरे कहत ह कि सबहिं मनई जेनका उ बनाएस ह जान लेइ कि उ का कइ सकत ह। उ ओकर प्रमाण अहइ।

8पसु आपन खोहन मँ पराइ जात हीं, अउर हुआँ ठहरा रहत हीं।

9ओनका कमरन स आँधी आवत हीं, अउ हवा सर्दि मोसम लियावत ह।

10परमेस्सर क साँस बर्फ बनवत ह, अउर समुद्दरन क जमाइ देत ह।

11परमेस्सर बादरन क जल स भरा करत ह, अउ बिजुरी क बादर क जरिये बिखेर देत ह।

12परमेस्सर बादरन क चारिहुँ कइँती मोड़ देत ह ताकि उ पचे उहइ कइ सकइ जेका उ ओनका करइ क हुकुम दिहेस ह उ पचे पुरी धरती पइ छाइ जात ह।

13परमेस्सर लोगन क सजा देइ बरे कबहुँ बाढ़ लिआवत ह। कबहुँ आपन सहानुभूती देखावइ बरे बादरन क पठवत ह अउर धरती पइ पानी बरसावत ह।

14अय्यूब, तू छिन बरे रुका अउ सुना। रुक जा अउ सोचा ओन अद्‌भुत कारजन क बारे मँ जेनका परमेस्सर किया करत ह।

15अय्यूब, का तू जानत अहा कि परमेस्सर बादरन पइ कइसे काबू राखत ह? का तू जानत ह कि परमेस्सर आपन बिजुरी क काहे चमकावत ह?

16का तू जानत ह कि आकास मँ बादर कइसे लटका रहत हीं। इ सबइ बादरन एक ठु उदाहरण अहइँ। परमेस्सर क गियान संपूर्ण अहइ अउर इ सबइ बादर परमेस्सर क अद्‌भुत कारज अहइँ।

17मुला अय्यूब, तू इ सबइ बातन क नाहीं जानत ह। तू बस एँतना जानत अहा कि तोहका पसीना आवत ह अउर तोहार ओढ़ना तोहसे चिपका रहत हीं जब सब कछू आराम करत रहत होत ह अउर दक्खिन स गरम हवा बहत ह।

18अय्यूब, का तू परमेस्सर क मदद आकस मण्डल क तानइ मँ अउर ओका झलकत भए दर्पण क नाई चमकावइ मँ कइ सकत अहा?

19अय्यूब, हमका बतावा कि हम परमेस्सर स का कही? हम ओसे कछू भी कहइ क सोच नाहीं पाइत काहेकि हम पर्याप्त कछू भी नाहीं जानित।

20का परमेस्सर क बतावा जाइ कि मइँ ओकरे खिलाफ बोलइ चाहत हउँ। इ वइसे ही होइ जइसे आपन विनास माँगब।

21लखा, कउनो भी मनई चमकत भए सूरज क नाहीं लख सकत ह। जब हवा बादरन क उड़ाइ देत ह ओकरे पाछे उ बहोतइ उज्जवर अउ चमचमात भवा होत ह।

22अउ परमेस्सर भी ओकरे समान अहइ। परमेस्सर क सुनहरी महिमा चमकत ह। परमेस्सर अद्‌भुत महिमा क संग उत्तर कइँती स आवत ह।

23सर्वसक्तीमान परमेस्सर सचमुच महान अहइ, हम परमेस्सर क नाहीं जान सकित। परमेस्सर सदा ही लोगन क संग निआउ, अउ निस्पच्छ होइके बेउहार करत ह। उ कउनो लोग क संग ना इनसाफी क संग पीड़ा नाहीं देत ह।
24एह बरे लोग परमेस्सर क आदर करत हीं, मुला परमेस्सर ओन अभिमानी लोगन क आदर नाहीं देत ह जउन खुद क बुध्दिमान समुझत हीं।"

परमेस्सर अय्यूब स बोलत ह

38 फिन यहोवा बौडंर मँ स अय्यूब क जवाब दिहस। परमेस्सर कहेस।

2"इ कउन मनई अहइ जउन मूर्खता स भरी भइ बातन करत अहइ?"

3अय्यूब, तू मनई क तरह सुदृढ़ बना। जउन सवात मइँ पूछउँ ओकर जवाब देइ क तइयार होइ जा।

4अय्यूब, बतावा तू कहाँ रह्या, जब मइँ भुइँया क रचना किहे रहेउँ? अगर तू एँतना समुझदार अहा तउ मोका जवाब द्या।

5अय्यूब, अगर तू एँतना हाज़िर जवाब अहा तउ मोका बता कि इ संसारे क विस्तार कउन तय किहेस? कउन इ संसार क नापइ वाला सूत स नापेस?

6इ पृथ्वी क नींव काहे पइ धरी गइ अहइ? कउन पृथ्वी क नीवं क रुप मँ सवन त जियादा महत्व क पाथर क धरेस ह?

7जब परमेस्सर अइसा करत रहेन तउ भोर क तारन एक संग खुस होइके गाना गाएन। अउर सरगदूतन खुस होइके चिल्ला उठेन।

8अय्यूब, जब सागर धरती क गरम स फूट बहत निकरा, तउ कउन ओका रोकइ बरे दुआर क बँद किहे रहा।

9उ समइ मइँ बादरन स समुद्दर क ढाँपि दिहेउँ अउ अँधियारा मँ सागर क लपेट दिहे रहेउँ (जइसे गदेला क चादर मँ लपेटा जात ह।)

10"सागर क चउहद्दी मइँ निहचित किहे रहेउँ अउर ओहमाँ ताला डाइके दुआरन क पाछे रख दिहे रहेउँ।

11मइँ समुद्दरे स कहेउँ, 'तू हिआँ तलक आइ सकत ह मुला अउर जियादा आगो नाहीं। तोहार घमण्डी लहरन हिआँ पइ रुकि जइहीं।'

12अय्यूब, का तू कबहुँ आपन जिन्नगी मँ भोर क हुकुम दिहा ह निकरि आवइ अउर दिन क सुरु करइ क?

13अय्यूब, का तू कबहुँ भिन्सारे क प्रकास क धरती पइ छाइ जाइ क कह्या ह अउर का कबहुँ ओहसे दुस्टन क लुकाइ क जगाहिया क तजि देइ क मजबूर करइ क कह्या ह?

14जब भिंसारे क प्रकास धरती पइ पड़त ह तउ धरती क रूप व आकृति अइसा प्रगट होत ह जइसे नरम मिट्टी क मुहर स दबाइ स होत ह। एकर रूप रेखा ओढ़नन क सलवटन क नाईं उभरत ह।

15दुट्ठ लोगन स प्रकास लइ लीन्हा गवा ह। नीक अउर ओन बाजूअन क जउन कि उ पचे बुरा करम करइ बरे उठाएस तोड़ दीन्हा ग रहेन।

16अय्यूब, बतावा का तू कबहुँ सागर क गहिर तहे मँ गवा अहा जहाँ स सुरु होत ह? का तू कबहुँ सागर क स्त्रितों पइ चला अहा?

17अय्यूब, का तू कबहुँ उ फाटकन क लख्या ह, जउन मउते क लोक क लइ जात हीं? का तू कबहुँ ओन फाटकन क लख्या जउन मउत क अँधियर जगह क लइ जात हीं?

18अय्यूब, तू जानत अहा कि इ धरती केतँनी बड़ी अहइ? तू मोका बतावा अउर तू इ सब कछू जानत अहा।

19अय्यूब, प्रकास कहाँ स आवत अहइ? अउर अँधियारा कहा स आवत ह?

20अय्यूब, का तू प्रकास अउ अँधियारा क अइसी जगह लइ जाइ सकत ह जहाँ स उ सबइ आए होइँ? जहाँ उ सबइ रहत हीं हुआँ पइ जाइ क मारग का तू जानत अहा?

21अय्यूब, मोका निहचय अहइ कि तोहका सारी बातन मालूम अहइँ काहेकि तू बहोत ही बूढ़ा अहा। जब वस्तुअन क रचना भइ रही तब तू हुआँ रह्या।

22अय्यूब, का तू कबहुँ ओन भण्डार क कोठरियन मँ गना अहा जहाँ मइँ बरफ अउ ओलन क धरा करत हउँ?

23मइँ बरफ अउ ओलन क विपत्ति क समइ मँ अउ जुद्ध अउर लड़ाई क समइ मँ उपयोग करइ बरे बचाए राखत हउँ।

24अय्यूब, का तू कबहुँ अइसी जगह गवा अहा, जहाँ स सूरज उगत ह अउ जहाँ स पुरवइया सारी धरती पइ छाइ जाइ बरे आवत ह?

25अय्यूब, भारी बर्खा बरे अकास मँ कउन नहर खोदेस ह, अउर कउन गरजनवाले बिजली क रस्ता बनाएस ह?

26अय्यूब, कउन हुआँ भी पानी बरसाएस, जहाँ कउनो भी नाहीं रहत ह?

27उ बर्खा उ खानी भुइँया क खूब देर क पानी देत ह अउ घास जामब सुरु होइ जात ह।

28अय्यूब, का बर्खा क कउनो बाप अहइ? ओस क बूँदन क कउन बनावत अहइ?

29अय्यूब, बरफ क महतारी कउन अहइ? आकास क पाला क कउन पइदा करत ह?

30पानी जमिके चट्टान जइसा कठोर बन जात ह, अउर सागर क ऊपर क सतह जम जावा करत ह।

31अय्यूब, सप्तर्षि तारन क का तू बाँध सकत ह? का तू मिरगसरा का बन्धन खोल सकत ह?

32अय्यूब, का तू तारा समूहन (कहकसाँ) क ठीक वेला पइ निकार सकत ह? का तू भालू क ओकरे बच्चन क संग अगुअइ कइ सकत ह?

33का तू ओन नेमन क जानत ह, जउन नभ पइ सासन करत हीं? का तू ओन नेमन क धरती पइ लागू कइ सकत ह?

34अय्यूब, का तू गोहराइके बादरन क आदेस दइ सकत ह, कि उ पचे भारी बर्खा क साथ घेरि लेइँ।

35अय्यूब बतावा, का तू बिजुली क जहाँ चाहत्या पठइ सकत अहा? अउर का तोहरे निअरे आइके बिजुरी कही अय्यूब, 'हम हिआँ अही बतावा तू का चाहत ह?'

36मनई क मन मँ विवेक क कउन राखत ह? लोगन क चिजियन क समझइ बरे छमता कउन देत ह?

37अय्यूब, कउन आपन बुद्धि स बादरन क गनेस ह? कउन आकास क पानी क चाम थेले क उंडेल सकत ह?

38बर्खा धूरि क कीचंड़ बनाइ देत ह अउर माटी क लौंदा आपुस मँ चिपक जात हीं।

39अय्यूब, का तू सिंह क आहार पाइ सकत ह? का तू मुखान सेरनी क बच्चन क पेट भरि सकत ह?

40उ सबइ सेर आपन खोहन मँ पड़ा रहत हीं अउर सिकार बरे झाड़ी मँ दुबक क घात लगनवइ बरे बइठा रहत हीं।

41अय्यूब, कउआ क कबेला चारा पाए बगइर एहर ओहर भटकत भए परमेस्सर क दुहाइ देत हीं। कउन ओनका चारा देत ह?

39 "अय्यूब, का तू जानत अहा कि कब पहाड़ी बोकरियन बियात हीं? का तू कबहुँ लख्या जब हिरणी बियात ह?

2अय्यूब, का तू जानत ह पहाड़ी बोकरियन अउ महतारी हरिणियन केतँने महीने आपन बच्चन क गर्भ मँ राखत हीं? का तोहका पता अहइ कि ओनकर बियाइ क उचित समइ का अहइ?

3का तू जानत ह क उ पचे बच्चा क जनम दइ बरे कब झुकत ह। का तू जानत ह कि उ पचे आपन बच्चन क कब जनम देत ह।

4पहाड़ी बोकरियन अउर हरिणी महतारी क बच्चन खेतन मँ हट्टा कट्टा होइ जात हीं। फुन उ पचे आपन महतारी क तजि देत हीं, अउर फुन लउटिके वापस नाहीं अउतेन।

5अय्यूब, जंगली गदहन क कउन अजाद छोड़ देत ह? कउन ओनकर रस्सन क खोलेस अउर ओनका बन्धन स अजाद किहस?

6इ मइँ परमेस्सर हउँ जउन बनेर गदहा क घर क रुप मँ रेगिस्तान दिहेउँ। मइँ ओनका रहइ बरे उजाड़ धरती दिहेउँ।

7बनेर गदहा सोर स भरा भवा सहरन क लगे नाहीं जात ह अउर कउनो भी मनई ओका काम करवावइ बरे नाहीं साधत ह।

8बनेर गदहन पहाड़न मँ घूमत हीं अउर उ पचे हुअँइ घास चरत रहत हीं। उ पचे हुअँइ पर हरिअर घास चरइ क हेरत रहत हीं।

9अय्यूब, बतावा, का कउनो जंगली साँड़ तोहरी सेवा बरे राजी होइ? का उ तोहरे चरही मँ राति क रुकी?

10अय्यूब, का तू जंगली बर्धा पइ जुआ रख कइ आपन खेत जोतँवाइ सकत ह? का घाटी क तोहरे वास्ते जोतँइ बरे उ पचन पइ जुआ रखइ जाब्या?

11जंगली साँड़ बहोत मजबूत होत ह। मुला का तू आपन काम करइ बरे ओन पइ भरोसा कइ सकत ह?

12का तू ओह पइ भरोसा कइ सकत ह कि उ तोहार अनाज बटोरइ अउर ओका दाँवइ माँड़इ* क खरिहाने मँ लिआवइ।

13सुतुरमुर्ग जब खुस होत ह उ आपन पंख फड़फड़ावत ह। मुला ओकर पंख सारस क पंख जइसे नाहीं होतेन।

14मादा सुतुरमुर्ग धरती पइ अण्डा देत ह। सबइ अण्डा रेत मँ गरम होइ जात ह।

दाँवइ माँड़इ खेले क काठे क पाछे झुरान दाना ओर पउधा क खरिहाने मँ लिआवइ क बाद दाना क घिलका स अलग कीन्ह जात ह। पिटना सा या बर्धा क वँर्धा क मँड़ाइ अउ दवाँइ कीन्ह जात ह।

15मुला सुतुरमुर्ग बिसरि जात ह कि कउनो ओकरे अण्डन पइ चलिके कुचर सकत ह, या कउनो बनेर पसु ओनका तोड़ सकत ह।

16मादा सुतुरमुर्ग आपन नान्ह बच्चन पइ कठोर होइ जात ह जइसे उ पचे ओकर बच्चन नाहीं अहइँ। अगर ओकर बच्चन मरि भी जाइँ तउ भी ओका चिन्ता नाहीं होत ह, अउर ओकर सब काम अकारथ होत ह।

17परमेस्सर सुतुरमुर्ग क विवेक नाहिं दिहस, अउर उ ओका कउनो समझदारी नाहीं दिहस ह।

18मुला जब सुतुरमुर्ग दउड़इ क उठत ह तब उ घोड़न अउ ओकरे सवार पइ हँसत ह।

19अय्यूब, बतावा का तू घोड़न क बल दिहा अउर का तू ही ओकर गटई पइ फहराती अयाल जमाया ह?

20अय्यूब, बतावा जइसे टिड्डी कूद जात ह का तू वइसे घोड़ा क कुदाया ह? घोड़ा ऊँची अवाजे मँ हिनहिनात ह अउर लोग डेराइ जात हीं।

21घोड़ा घुस अहइ कि उ बहोत बलवान बाटइ अउर आपन खुरे स धरती क खनत रहत ह। जुद्ध मँ जात भवा घोड़ा तेज दौड़ जात ह।

22घोड़ा डरे क हँसी उड़ावत ह काहेकि उ कबहुँ नाहीं डेरात। घोड़ा कबहुँ भी जुद्ध स मुँह नाहीं मोड़त ह।

23घोड़ा क बगल मँ तरकस थिरकत रहत हीं। घोड़सवारन क भालन अउ हथियार धूपे मँ चमचमात रहत हीं।

24घोड़ा बहोत उत्तेजित अहइ, मैदान पइ उ तेज चाल स दउड़त ह। घोड़ा जब बिगुल क आवाज सुनत ह तब उ सान्त खड़ा नाहीं रहि सकत।

25बिगुल क ध्वनी पइ घोड़ा हिन हिनावत ह। उ बहोत ही दूर स जुद्ध क सूँघ लेत ह। उ सेना क सनापती क आदेस अउर जुद्धा क हाहाकार अउ जयजकार क सुन लेत ह।

26अय्यूब, का तू बाज क सिखाया आपन पखनन क फइलाउब अउर दक्खिन कइँती उड़ि जाब।

27अय्यूब, का तू उकाब क उड़इ क अउर ऊँच पहाड़न मँ आपन झोंझ बनावइ क आग्या देत ह?

28उकाब चट्टाने पइ रहा करत ह। ओकर किला चट्टान होत ह।

29उकाब किला स आपन सिकार पइ निगाह राखत ह। उ बहोत दूर स आपन सिकार क लखि लेत ह।

30गिद्ध क बच्चन लहू चाटा करत हीं। जहाँ भी ल्हासन पड़ा होत हीं हुवाँ गिद्ध बटुर जात हीं।"

40 यहोवा अय्यूब स कहत ह:
2"अय्यूब तू सर्वसक्तीमान परमेस्सर स तर्क किहा। तू मोर निन्दा किहस। अब तोहका जवाब दइ चाही।"

3एह पइ अय्यूब जवाब देत भए परमेस्सर स कहेस:

4"मइँ तउ कछू कहइ बरे बहोत ही तुच्छ हउँ। मइँ तोहसे का कहि सकत हउँ? मइँ आपन हाथ आपन मुँहे पइ रख लेब।

5मइँ एक दाईं कहेउँ मुला अब मइँ जवाब नाहीं देबउँ। फुन मइँ दुबारा कहेउँ मुला अब अउर कछू नाहीं बोलब।"

6एकरे पाछे यहोवा आँधी मँ बोलत भए अय्यूब स कहेस।

7अय्यूब, तू मनई क तरह तइयार होइ ज। मइँ तोहसे कछू सवाल पूँछब अउर तू ओन सवालन क जवाब मोका देब्या।

8अय्यूब का तू सोचत अहा कि मइँ निआउ स पूरा नाहीं हउँ। का तू मोका बुरा काम करइ क दोखी मानत अहा ताकि तू इ देखाँइ सका कि तू उचित अहा?

9अय्यूब, बतावा का मोर सस्त्र एँतना सक्तीसाली अहइँ जेतँना कि मोर (परमेस्सर) सस्त्र अहइँ!? का तू आपन वाणी क ओतँना ऊँच गरजिके बोल सकत ह जेतँना मोर वाणी अहइ!?

10अगर तू वइसा कइ सकत ह तउ तू खुद क आदर अउर महिमा द्या अउ ओढ़ना क तरह वफादारी क सान क ओढ़ ल्या।

11अय्यूब, अगर तू मोरे समान अहा, तउ अभिमानी लोगन स घिना करा। अय्यूब, तू ओन अहंकारी लोगन पइ आपन किरोध बरसावा अउ तू ओनका विनम्र बनाइ द्या।

12हाँ, अय्यूब, ओन अहंकारी लोगन क लखा अउर तू ओनका विनम्र बनाइ द्या। ओन दुस्टन क तू कुचर द्या जहाँ भी उ पचे खड़ा होइँ।

13तू सबहिं घमण्डियन क माटी मँ गाड़ द्या अउर ओनकइ देहन पइ कफन लपेटिके तू कब्रन मँ धइ द्या।

14अय्यूब, अगर तू एँन सबइ बातन क कइ सकत ह तउ मइँ तहार परसंसा लरब काहेकि तू खुद क बचाइ सकत ह।

15अय्यूब, लखा मइँ उ बहमोथ (जलगजे)* क पैदा किहउँ। अउर उ मइँ ही ह जउन तोहका बनाएउँ ह। उ बहमोथ उहइ तरह घास खात ह, जइसे गइया घास खात ह।

16बहमोथ क बदन मँ बहोत ताकत होत ह। ओकरे पेटे क माँसपेसियन बहोत ताकतवर होत हीं।

17बहमोथ क पूँछ मजबूत अइसी होत ह जइसे देवदार क बृच्छ खड़ा रहत ह। ओकरे गोड़े क माँसपेसियन बहोत मजबूत होत हीं।

18बहमोथ क हाड़न काँसा क तरह मजबूत होत हीं, अउर गोड़ ओकरे लोहे क ढूड़न जइसे।

19बहमोथ महानतम पसु अहइ जेका मइँ बनाएउँ ह। हिआँ तलक कि ओकर सिरजनहार भी ओका लगे तरवार लइ क जात ह।

20बहमोथ ओन घासे क खात ह जउन पहाड़े पइ उपजत ह जहाँ बनेर पसु खेलत हीं।

21बहमोथ कमल क पउधन क नीचे सोवत रहत ह अउ कीचंड़ मँ सरकण्डन क आड़ मँ छुपा रहत ह।

22कमल क पउधन बहमोथ क आपन छाया मँ छिपावत हीं। उ बेंत क पेड़न क खाले रहत ह, जउन नदी क निचके उगत हीं।

बहमोथ (जलगजे) इ स्पसट नाहीं अहइ कि इ कउन तरह क जानेबर अहइ। होइ सकत ह कि इ दरियाइ घोड़ा अहइ या हाथी।

23अगर नदी मँ बाढ़ आइ जाइ तउ भी जलगज परात नाहीं ह। अगइ यरदन नदी भी ओकरे मुँहे पइ थपड़ियावइ तउ भी उ डेरात नाहीं ह।

24बहमोथ क कउनो भी हुक लगाइ क नाहीं पकड़ सकत ह। कउनो भी ओका जाली मँ नाहीं फँसाइ सकत।

अय्यूब क यहोवा बरे जवाब

41 "अय्यूब, बतावा, का तू लिब्यातान क कउनो मछरी क काँटा स धइ सकत ह? का तू एकर जिभ क रस्सी स बंध सकत ह?

2अय्यूब, का तू लिव्यातान क नाक मँ नकेल डाइ सकत ह? या ओकरे जबड़न मँ काँटा फँसाइ सकत ह?

3अय्यूब, का तू लिव्यातान क अजाद होइके बरे तोहसे बिनती करी? का उ तोहसे मीठी मीठी बातन करी?

4अय्यूब, का लिब्यातान तोहसे सन्धि करी अउर सदा तोहरी सेवा क तोहका वचन देइ?

5अय्यूब, का तू लिब्यातान क वइसे ही खेलब्या जइसे तू कउनो चिड़िया स खेलत ह? का तू ओका रस्सा स बँधब्या जेहसे तोहार दासियन ओहसे खेल सकइँ।

6अय्यूब, का तू मछुआरा लिब्यातान क तोहसे बेसहइ क कोसिस करिहीं? का उ पचे ओका कटिहीं अउर ओनका बइपारियन क हाथे बेचि सकिहीं?

7अय्यूब, का तू लिब्यातान क खाल मँ अउर माथे पइ भाला फेंक हमला कइ सकत ह?

8अय्यूब, लिब्यातान पइ अगर तू हाथ डावा तउ जउन भयंकर जुद्ध होइ, तू कबहुँ भी बिसारि नाहीं पउब्या अउर फुन तू ओहसे कबहुँ जुद्ध न करब्या।

9अउर अगर तू सोचत ह कि तू लिब्यातान क पकड़ सकत ह, तउ इ बात क तू भूल जा। काहेकि ओका पकड़इ बरे कउनो आसा नाहीं अहइ। तू तो बस ओका लखइ भर स ही डेराइ जाब्या।

10कउनो भी एतना वीर नाहीं अहइ, जउन लिब्यातान क जगाइके भड़कावइ। तउ फुन अय्यूब बतावा, मोरे विरोध मँ कउन टिक सकत ह?

11कउनो भी मनई जउन कि मोहे स मुकाबला करब उ सुउच्छित नाहीं रब्या। सारे अकासे क खाले जउन कछू भी अहइ, उ सब कछू मोर ही अहइ।

12अय्यूब, मइँ तोहका लिब्यातान क सक्ती क बारे मँ बताउब। मइँ ओकर सक्ती अउर ओकरे रुप क सोभा क बारे मँ बताउब।

13कउनो भी मनई ओकर बाहरी आवरण(खाल) क भेद नाहीं सकत। ओकर खाल दोहरी कवच क नाईं अहइ।

14लिव्यातान क कउनो भी मनई मुँह खोलइ बरे मजबूर नाहीं कइ सकत ह। ओकरे जबड़े क दाँत सबहिं क भयभीत करत हीं।

15लिव्यातान क पिठिया पइ ढालन क कतार होत हीं, जउन आपुस मँ स जुड़ी होत हीं।

16इ सबइ ढालन आपुस मँ एँतनी सटी होत हीं कि हवा तलक ओहमाँ प्रवेस नाहीं कइ पावत ह।

17इ सबइ ढालन एक दूसर स जुड़ी होत हीं। उ सबइ मजबूती स एक दुसरे स जुड़ी भई अहइ कि कउनो भी ओनका उखाड़िके अलग नाहीं कइ सकत।

18लिव्यातान जब छींकत ह तउ अइसा लागत ह जइसे बिजली सी कौधं गइ होइ। आँखी ओकर अइसी चमकत हीं जइसे कउनो तेज प्रकास होइ।

19ओकरे मुँहना स बरत भइ मसाल निकरत हीं, अउर ओहसे आगी क चिनगारियन बिखत हीं।

20लिब्यातान क नथुनन स धुआँ अइसा निकरत ह, जइसे उबलत भइ हँड़ी स भाप निकलत होइ।

21लिब्यातान क फूँक स कोयला सुलग उठत हीं अउर ओकरे मुँहे स लपक निकरत हीं।

22लिब्यातान क गटई बड़ी जबरदस्त अहइ, अउर लोग ओसे उरिके दूर पराइ जात हीं।

23ओकरे खाल मँ कहीं भी कोमल जगह नाहीं अहइ। उ लोहा क तरह कठोर अहइ।

24लिब्यातान क हिरदइ चट्टान क तरह होत ह। ओकर हिरदइ चक्की क नीचे क पाट क तरह सख्त अहइ।

25लिब्यातान स सरगदूत भी डर जात हीं। लिब्यातान जब पूँछ फटकारत ह, तउ ओन सबइ भाग जात हीं।

26लिव्यातार पइ जइसे ही भालन, तीर अउ तरवार पड़त हीं उ सबइ उछरिके दूर होइ जात हीं।

27लोहा क मोटी छड़न क उ तिनका जइसा अउर काँसा क सड़ी लकड़ी क तरह तोड़ देत ह।

28बाण लिव्यातान क नाहीं भगाइ पावत हीं। ओह पइ पाथर फेंकना, एक सुखा तिन्का फेंकन क नाईं अहइ।

29लिब्यातान पइ जब मुगदर पड़त ह तउ ओका अइसा लागत ह माना उ कउनो बिनका होइ। जब लोग ओह पइ भालन फेंकत हीं, तब उ हँसा करत ह।

30विब्यातान क पेट क नीचे सिरा टूटा भए मट्टी क बासन क नाईं तेज अहइ। जब उ चलत ह तउ कीचड़ मँ अइसा निसान छोड़त ह माना कि खेतन मँ हेंगा लगावा गवा होइ।

31लिब्यातान पानी क अइसे मथत ह, माना कउनो हाड़न उबलत होइँ। उ अइसे बुलबुले बनावत ह माना बासन मँ खउलत भवा तेल होइ।

32लिब्यातान जब सागर मँ तैरत ह तउ आपन पीछे उ सफेद झागन जइसी राह छोड़त ह, जइसे कउनो उज्जर बारे क सफेद बिसाल पूँछ होइ।

33लिब्यातान सा कउनो अउर जन्तु धरती पइ नाहीं अहइ। उ अइसा पसु अहइ जेका निडर बनावा गवा।

34उ हर एक घमण्डी जानेबर क ऊपर नजर रखत ह। सबहिं जंगली पसुअन क उ राजा अहइ।"

अय्यूब क यहोवा क जवाब

42 एँह पइ अय्यूब यहोवा क जवाब देत भए कहेस। 2"यहोवा, मइँ जानत हउँ कि तू सब कछू कइ सकत अहा। तू सबइ जोजना बनाइ सकत अहा अउर तोहर सबइ जोजना क कउनो भी नाहीं बदल सकत अउर न ही ओका रोका जाइ सकत ह।

3यहोवा, तू इ सवाल पूछ्या कि ‘इ अबोध मनई कउन
अहइ? जउन इ सबइ मूर्खता स भरी बातन कहत अहइ?’
यहोवा, मइँ ओन चीजन क बारे मँ बातन किहेउँ जेनका मइँ
समझत नाहीं रहेउँ। यहोवा, मइँ ओन चीजन क बारे मँ बातन
किहेउँ जउन मोरे समुझ पावइ बरे बहोत अचरज भरी रहिन।
4यहोवा, तू मोसे कह्या, ‘हे अय्यूब सुना अउर मइँ
बोलब। मइँ तोहसे सवाल पूँछब अउर तू मोका जवाब
देब्या।’
5यहोवा, बीते भए काल मँ मइँ तोहरे बारे मँ सुने रहेउँ
मुला खुद आपन आँखिन स मइँ तोहका देखि लिहेउँ ह।
6एह बरे अब मइँ खुद आपन बरे लज्जात हउँ। मइँ
आपन जिन्नगी क राह बदलइ क इच्छा दिखावइ बरे धूर
अउर राखी मँ बैठा करत हउँ।”

यहोवा क अय्यूब क संपत्ति क लउटाउब

7यहोवा जब अय्यूब स आपन बात कइ चुका तउ यहोवा
तेमान क निवासी एलीपज स कहेस: “मइँ तोहसे अउर तोहरे
दुइनउ दोस्तन स कोहान हउँ काहेकि तू मोरे बारे मँ उचित
बातन नाहीं कहे रह्या। मुला अय्यूब मोरे बारे मँ उचित बात
कहे रहा। अय्यूब मोर दास अहइ।
8एह बरे अब एलीपज तू सात बर्धा अउर सात ठु भेड़िन
लइके मोर दास अय्यूब क लगे जा अउर आपन बरे
होमबलि क रुप मँ ओनकर भेटं चढ़ावा। मोर सेवक अय्यूब
तोहरे बरे पराथना करी। तब निहचइ ही मइँ ओकरी पराथना
क जवाब देबउँ। फुन मइँ तोहका वइसी सजा नाहीं देब जइसे
सजा दीन्ह जाइ चाही रही काहेकि तू बहोतई मूरख रह्या।
मोरे बारे मँ उचित बातन नाहीं किह्या जबकि मोरे सेवक
अय्यूब मोरे बारे मँ उचित बातन कहे रहा।”
9तउ तेमान क निवासी एलीपज, सूह क निवासी बिल्दद
अउर नामात क निवासी सोपर यहोवा क आग्या क मानेस।
एँह पइ यहोवा अय्यूब क पराथना सुन लिहस।
10इ तरह जब अय्यूब आपन मीतन बरे पराथना कइ चुका
तउ यहोवा अय्यूब क फुन स कामयाब किहेस। परमेस्सर
जेतना ओकरे लगे पहिले रहा, ओहसे भी दुगुना ओका दइ
दिहस।
11अय्यूब क सबहिं भाई अउ बहिनियन अय्यूब क घर
वापस आइ गएन अउर हर कउनो जउन अय्यूब क पहिले
जानत रहा, ओकरे घरे आवा। अय्यूब क संग उ सबइ एक
बड़की दावत मँ खाना खाएन। काहेकि यहोवा अय्यूब क
बहोत कस्ट दिहे रहा, एह बरे उ पचे अय्यूब क दिलासा
दिहन। ओन मँ स हर कउनो अय्यूब क सोने क सिक्का
अउर सोना क कान क बाली भेटं मँ दिहस।
12यहोवा अय्यूब क जिन्नगी क पहिले हींसा स भी
जियादा ओकरी जिन्नगी क पिछला हींसा क आपन आसीर्वाद
दिहस। अय्यूब क लगे चौदह हजार भेड़, छः हजार ऊँट, दो
हजार बैल जउर एक हजार गदहिन होइ गइन। 13अय्यूब क
सात पूत अउ तीन बिटियन भी होइ गइन। 14अय्यूब आपन
सब स बड़की बिटिया क नाउँ राखेस यामीना। दुसरकी
बिटिया क नाउँ धेरस कसीआ। अउर तीसरी क नाउँ राखेस
केरेन्हप्पूक। 15सारे प्रदेस मँ अय्यूब क बिटियन सब स
सुन्नर मेहररुअन रहिन। अय्यूब आपन पूतन क साथ आपन
दौलत क एक हींसा आपन बिटियन क भी वसीयत मँ
दिहस। 16एकरे पाछे अय्यूब एक सौ चालीस साल तलक
अउर जिअत रहा। उ आपन बच्चन, आपन पोतन, आपन
परपोतन अउर परपोतन क भी संतानन यानी चार पीढ़ियन क
लखइ बरे जिअत रहा। 17जब अय्यूब क मउत भइ, उ
समइ उ बहोत बुढ़ान रहा। ओका बहोत नीक अउर लम्बी
जिन्नगी प्राप्त भइ रही।

एस्तेर

महारानी वसती क जरिये राजा क आग्या क उल्लंघन

1 इ ओन दिनन क बात अहइ जब छयर्स नाउँ क राजा
राज्ज किया करत रहा। भारत स लइके कूस क एक सौ
सत्ताईस प्रान्तन पइ ओनकर राज्ज रहा। 2महाराजा छयर्स,
सूसन नाउँ क नगरी, जउन राजधानी भवा करत रही, मँ
अपने सिंहासन स सासन चलावा करत रहा।

3अपने सासन क तीसरे बरिस मँ, छयर्स अपने अधिकारियन
अउ मुखिया लोगन बरे एक भोज क प्रबंध किहेस। फारस
अउ मादै क फउज क मुखियन अउर दूसर महत्वपूर्ण
मुखियन अउर प्रान्तीय अधिकारियन उ भोज मँ मौजूद रहेन।
4इ भोज एक सौ अस्सी दिन तलक चला। इ समइ क
दौरान, महाराजा छयर्स अपने राज्ज क महान सम्पत्ति अउ
आपनी महानता क भव्य सुन्नरता देखावत रहा। 5एकरे पाछे
जब एक सौ अस्सी दिन क इ भोज समाप्त भवा, तउ
महाराजा छयर्स एक ठु अउर भोज दिहेस जेहमाँ सूसा क
जिला महल क सबहिं लोगन साथ ही महत्वपूर्ण अउ
बे-महत्वपूर्ण लोगन क बोलवा गवा रहा। इ भोज सात दिन
तलक चला। इ भोज क आयोजन महल क भतीरी बगीचे
मँ कीन्ह गवा रहा। 6भोज क जगह सफेद अउ नीले रंग
क मलमल सूती कपड़न स सजावा ग रहा। इ बैंगनी रंग
की डोरियन स पकड़ा रहा। उ संगमर क खम्भन क बीच
मँ चाँदी क छड़न दुआरा लटकत रहा। हुवाँ सोने अउ चाँदी
क चौकियन रहिन। इ सबइ चौकियन लाल अउ सफेद रंग
क अइसी स्फटिक क भूमितल मँ जुड़ी भई रहिन जेहमाँ
संगमरमर, प्रकेलास, सीप अउर दूसर कीमती पाथर जड़े
रहेन। 7सोने क पियालन मँ दाखरस परोसा गवा रहा। हर
पियाला एक दूसरे स अलग रहा। महाराजा क ओकर महान
सम्पत्ति क अनुसार दाखरस परोसा गवा रहा। 8महाराजा
अपने सेवकन क आग्या दिहेस कि हर कउनो मेहमेन क
जेतना दाखरस उ चाहे ओतनी दीन्ह जाइ। 9राजा क महल
मँ ही महारानी वसती भी मेहररुअन क एक ठु भोज दिहस।
10भोज क सातएँ दिन, महाराजा छयर्स दाखरस पिअइ क
कारण मगन रहा। उ ओन सात हिजड़न क आग्या दिहस
जउन ओकर सेवा किया करत रहेन। एन हिजड़न क नाउँ
रहेन: गहूमान, बिजता, हबौना, बिगता, अबगता, जेतेर
अउर कर्कस। महाराज आपन सेवकन क आग्या किहेस
11उ पचे राजमुकुट धारण किए भए महारानी वसती क
ओकरे लगे लिआवइँ। उ चाहत रहा कि उ मुखिया लोगन
अउर महत्वपूर्ण लोगन क अपनी सुन्दरता देखाइ काहेकि उ
फुरइ बहोत सुन्नर रही।

12मुला उ सेवकन जब राजा क आदेस क बात
महारानी वसती स कहेन तउ उ हुवाँ जाइ स मना कइ
दिहस। राजा बहोत कोहाइ गवा अउर उ ओह पइ क्रोध स
जरइ लाग। 13-14एह बरे महाराज इ ताज़ा घटना क बारे मँ
अपने अनुभवी मनइयन स बात किहेस। इ रीति रहा कि
राजा अपने अनुभवी मनइयन स नेम अउ सज़ा क बारे
सलाह लेत रहत रहेन। इ सबइ अनुभवी मनई महाराजा क
बहोत निचके रहेन। एनकर नाउँ रहेन: कर्सना, सेतार,
अदमाता, तर्सीस, मेरेस, मर्सना अउर ममूकान। इ सबइ
सातहुँ फारस अउर मादै क बहोत महत्वपूर्ण अधिकारी रहेन।
एनके लगे राजा स मिलइ क बिसेस अधिकार रहा। उ पचे
राज्ज मँ सबन त उच्च्व अधिकारी रहेन। 15राजा ओन लोगन
स पूछेस, "महारानी वसती क संग का कीन्ह जाइ? इ बारे
मँ नेम का कहत ह? उ महाराजा छयर्स क उ मोर आग्या
क मानइ स मना कइ दिहस जेका हिजड़न ओकरे लगे लइ
गए रहेन।"

16एह पइ दूसर अधिकारियन क उपस्थिति मँ महाराजा स
ममूकान कहेस, "महारानी वसती अपराध किहस ह। महारानी
महाराजा क संग-संग सबहिं मुखिया लोगन अउर महाराजा
छयर्स क सबहिं प्रदेसन क लोगन क बिरुद्ध अपराध
किहेस ह। 17मइँ अइसा एह बरे कहत हउँ कि दूसर
मेहररुअन जउन महारानी वसती किहस ह, ओका जब
सुनिहीं तउ उ पचे अपने भतारन क आग्या मानब बंद कइ
देइहीं। उ पचे अपने भतारन स कहिहीं, 'महाराजा छयर्स
महारानी वसती क अपने लगे लिआवइ क आग्या दिहे रहा
किन्तु उ आवह स मना कइ दिहस।'

18"आनु फारस अउ मादै क मुखिया लोगन क
मेहेररुअन, रानी जउन किहे रही, सुनि लिहन ह अउर लखा
अब उ सबइ मेहररुअन भी जउन कछू महारानी किहस ह,
ओहसे प्रभावित होइहीं। उ सबइ मेहररुअन राजा लोगन क
महत्वपूर्ण मुखिया लोगन क संग वइसा ही करिहीं अउर इ
तरह बहोत जियादा अनादर अउर किरोध फइल जाइ। 19तउ
जदि महाराजा क अच्छा लगइ तउ एक ठु सुआव इ
अहइ: महाराजा क एक राजाग्या देइ चाही अउर ओका
फारस अउ मादै क नेम मँ लिख दीन्ह जाइ चाही एह बरे इ
नेम ना ही बदला जाइ सकत ह या न ही संसोधन कीन्ह
जाइ सकत। राजा क आग्या इ होइ चाही: महाराजा छयर्स
क समन्वा रानी वसती अब कबहुँ न आवइ। साथ ही
महाराजा क रानी क पद भी कउनो अइसी मेहरारु क दइ
देइ चाही जउन ओहसे उत्तिम होइ। 20फुन जब राजा क इ
आग्या ओकरे बिसाल राज्ज क सबहिं हीसन मँ घोसित कीन्ह
जाइ, तउ सबहिं मेहररूअन अपने भतारन क आदर करइ
लगिहीं, चाहे ओकर भतारन महत्वपूर्ण लोग अहइ या न
अहइ।"

21इ सुआव स महाराजा अउर ओकर बड़े-बड़े अधिकारी सबहिं खुस भएन। तउ महाराजा छयर्स वइसा ही किहस जइसा ममूकान सुझाए रहा। 22महाराजा छयर्स अपने राज्ज क सबहिं प्रान्तन मँ पत्रन पठइ दिहस। हर प्रान्त मँ जउन पत्रन पठवा गवा, उ उहइ प्रान्त क लिपि मँ लिखा गवा रहा। हर जाति मँ उ ओकरे भाखा मँ पत्रन पठएस। उ पचे पत्रन मँ हरेक व्यक्ति क भाखा मँ इ घोसना कीन्ह ग रहेन कि हरेक मनई क आपन परिवार पइ नियंत्रण रखइ क होइ।

एस्तेर महारानी बनाई गइ

2 आगे चलिके महाराजा छयर्स क किरोध सान्त भवा तउ ओका वसती अउर वसती क कार्य याद आवइ लागेन। वसती क बारे मँ उ जउन आदेस दिहे रहा, उ भी ओका याद आवा। 2एकरे पाछे राजा क निजी सेवकन ओका एक ठु सुझाव दिहन। उ पचे कहेन, "राजा क बरे सुन्नर कुँवारी कन्यन क खोज करा। 3हे राजा, तोहका अपने राज्ज क हर प्रान्त मँ नेतन क चुनाव करइ चाही। फुन ओन नेतन लोगन क चाही कि उ पचे सुन्नर कुवाँरी कन्याओं क सूसन क जिला महल मँ लइके आवइँ। उ पचे लड़िकयन राजा क हरम सरा मँ तोहार दूसरी मेहररुअन क संग रहब। उ पचे हेगे क देख-रेख मँ रखी जइहीं। हेगे महाराजा क हिजड़ा जउन कि ओन मेहररुअन क निगराँकार अहइ। फुन ओनका सुन्नरता क प्रसाधन दीन्ह जाइँ। 4फुन उ लरकी जउन राजा क भावइ, वसती क जगह पइ राजा क नई महारानी बनाइ दीन्ह जाइ।" राजा क इ सुआव बहोत अच्छा लगा। तउ उ एका अंगीकार कइ लिहस।

5बिन्यामीन परिवार समूह क मोर्दकै नाउँ क एक ठु यहूदी हुवाँ रहा करत रहा। मोर्दकै याईर क पूत रहा अउर याईर सिमी क पूत रहा अउर सिमी कीस क पूत रहा। सूसन क महल प्रान्त मँ रहत रहा। 6ओहका यरुसलेम स बाबेल क राजा नबूकदनेस्सर बंदी बनाइके लइ गवा रहा। उ यहूदा क राजा यकोन्याह क संग उ दल मँ रहा, जेका बंदी बनाइ लीन्ह गवा रहा। 7मोर्दकै क हदस्सा नाउँ क एक चचेरी बहिन रही। उ अनाथ रही। न ओकरे बाप रहा, न महतारी। तउ मोर्दकै ओकर धियान रखत रहा। मोर्दकै ओकरे महतारी बाप क मरइ क पाछे ओका अपनी बिटिया क रूप मँ गोद लइ लिहे रहा। हदस्सा क नाउँ एस्तेर भी रहा। एस्तेर क मुँह अउ ओकरे तने क बनावट बहोत सुन्नर रही।

8जब राजा क आदेस सुनावा गवा, तउ सूसन क जिला महल मँ बहोत स जवान मेहररूअन क लिआवा गवा। ओन जावान मेहररूअन क हेगेक देख-रेख मँ रख दीन्ह गवा। एस्तेर एनहीं जवान मेहरारूअन मँ स एक रही। एस्तेर क राजा क महल मँ लइ जाइके हेगे क देख-रेख मँ रख दीन्ह गवा रहा। हेगे मेहररूअन क महल क निगराँकार रहा। 9हेगे क एस्तेर बहोत अच्छी लगी। उ ओकर मनपसंद बन गइ। हेगे हाली ही सुन्नरता क उपचार अउ जरूरी भोजन ओका दिहस। हेगे राजा क महल स सात दासियन चुनेस अउ ओनका एस्तेर क दइ दिहस। अउर एकरे पाछे हेगे एस्तेर अउ ओकर सातहुँ दासियन क जहाँ राजघराने क मेहररुअन रहा करत रहिन। 10एस्तेर इ बात कउनो क नाहीं बताएस कि उ एक यहूदी अहइ। काहेकि मोर्दकै ओका मना कइ दिहे रहा, एह बरे उ अपने परिवार क पृस्ठभूमि क बारे मँ कउनो क कछू नाहीं बताएस। 11मोर्दकै जहाँ रनवास क मेहररुअन रहा करत रहिन, हुवाँ आसपास अउर आगे पाछे घूमा करत रहा। उ इ पता लगावइ चाहत रहा कि एस्तेर कइसी अहइ अउर ओकरे संग का कछू घटत अहइ? एह बरे उ अइसा करत रहा।

12एहसे पहिले कि राजा छयर्स क लगे जाइ क बरे कउनो लड़की क बारी आवत, ओका इ सब करइ क पड़त रहा। बारह महीने तलक ओका सुन्नरता उपचार करइ पड़त रहा यानी छ: महीने तलक ओका गंधरस क तेल लगावा जात अउर छ: महीने तलक सुगंधित द्रव्य अउर तरह-तरह क प्रसाधन सामग्रियन क उपयोग करइ होत रहा। 13रीति क अनुसार जब कउनो जवान लड़की राजा क लगे जाइ ओनका उ सबहिं दीन्ह जात ह जेका उ मेहरारु महल स राजा क महल मँ लेइ जात चाहत ह। 14साँझ क समइ उ लड़की राजा क महल मँ जात अउर भिंसारे दूसर मेहरारु क महल मँ उ लउटि आवत। फुन ओका सासगज नाउँ क मनई क देखरेख मँ रख दीन्ह जात। सासगज राजा क हिजड़ा रहा जउन राजा क रखैलन क अधिकारी रहा। जदि राजा ओहसे खुस न होता, तउ उ लड़की फुन कबहुँ राजा क लगे न जात। अउर जदि राजा ओहसे खुस होत तउ ओका राजा नाउँ लइके वापस बोलावत।

15जब एस्तेर क राजा क लगइ जाइ क बारी आइ, तउ उ कछू नाहीं पूछेस। उ राजा क हिजड़ा, हेगे स, जउन रनवास क आधिकारी रहा, बस उहइ लिहेस जउन हेगे ओका आपन संग लेइ क कहेस। (एस्तेर उ लड़की रही जेका मोर्दकै गोद लइ लिहे रहा अउर जउन ओकरे चाचा अबीहैल क बिटिया रही।) एस्तेर क जउन कछू भी लखत, ओका पसंद करत रहा। 16तउ एस्तेर क महाराजा छयर्स क महल मँ लइ जावा गवा। इ उ समइ भवा जब ओकरे राज्जकाल क सताएँ बरिस क तेबेत नाउँ क दसवाँ महीना चलत रहा।

17राजा एस्तेर कउनो भी अउर लरकी स जियादा पिरेम किहस अउर उ ओकर कृपा पाएस। कउनो भी दूसर लरकी स जियादा, राजा क उ भाइ गइ। तउ राजा छयर्स एस्तेर क मूँड़ि पइ मुकुट पहिराइके वसती क जगह पइ नई महारानी बनाइ लिहस। 18तब राजा एस्तेर क बरे एक बहोत बड़का भोज दिहस। इ भोज ओकरे महत्वपूर्ण मनइयन अउर मुखिया लोगन क बरे रही। उ सबहिं प्रान्तन मँ छुट्टी क घोसणा कइ दिहस। लोगन क ओकरे साही सम्पत्ति क अनुसार उपहार दिहेस।

मोर्दकै क एक बहोत बुरी योजना क पता चला

19मोर्दकै उ समइ राजदुआर क निअरे ही बइठा रहा, जब दूसरी दाईं लरकियन क एकट्ठा कीन्ह गवा रहा। 20एस्तेर भी अबहुँ भी इ रहस्य क छुपाए भए रही कि उ एक यहूदी रही। अपने परिवार क पृस्ठभूमी क बारे मँ उ कउनो क कछू नाहीं बताए रही, काहेकि मोर्दकै ओका अइसा करइ स रोक दिहे रहा। उ मोर्दकै क आग्या क अब

भी वइसे पालन करत रही, जइसे उ तब किहे, करत रही,
जब उ मोर्दकै क देख-रेख मँ रही।
21उहइ समइ जब मोर्दकै राजदुआर क निअरे बइठा
करत रहा, इ घटना घटी: राजा क दुइ अधिकारियन
बिकतान अउर तेरेस जउन साही दुआर क रच्छा करत रहेन,
उ पचे राजा पइ बहोत कोहाई गएन अउर ओकर हत्या
करइ क जोजना बनाएन। 22मोर्दकै क उ सड्यंत्र क पता
चल गवा अउर उ ओका महारानी एस्तेर क बताइ दिहस।
फुन महारानी एस्तेर ओका राजा स कहि दिहस। उ राजा क
इ भी बताइ दिहस कि मोर्दकै ही उ मनई अहइ, जउन इ
सड़यंत्र क पता चलाएस ह। 23एकरे पाछे उ सूचना क जाँच
कीन्ह गइ अउर इ पता चला कि मोर्दकै क सूचना सही
रही अउर उ दुइ पहरेदारन क जउन राजा क मार डावइ क
सड्यंत्र बनाए रहेन, एक ठु खम्भे पइ लटकाइ दीन्ह गवा।
राजा क सामने ही इ सबहिं बातन राजा क इतिहास क
पुस्तक मँ लिख दीन्ह गइन।

यहूदियन क बिनास क बरे हामान क जोजना

3 एन बातन क घटइ क पाछे महाराजा छयर्स हामान क
सम्मान किहस। हामान अगागी हम्मदाता नाउँ क मनई
क पूत रहा। महाराजा हामान क कउनो दूसर अधिकरियन स
जउन ओकर संग रहेन स बड़का अउ महत्वपूर्ण पद दिहेस।
2राजा क दुआर पइ महाराजा क सबहिं मुखिया हामान क
अगवा निहुरिके ओका आदर देइ लागेन। उ पचे महाराजा
क आग्या क अनुसार ही अइसा किया करत रहेन। किन्तु
मोर्दकै हामान क अगवा निहुरइ या ओका आदर देइ क
मना कइ दिहस। 3एँह बरे राजा क दुआर पइ राजा क दूसर
सेवकन मोर्दकै स पूछेन, "तू महाराजा क आग्या क पालन
काहे नाहीं किहा?"
4राजा क सबइ अधिकारियन हररोज मोर्दकै स बात
किहन, किन्तु उ हामान क आदेस क मानइ स इन्कार करत
रहा। तउ ओन अधिकारियन हामान स एकरे बारे मँ बताइ
दिहन, काहेकि उ पचे इ सबइ जानइ चाहत रहेन कि का
मोर्दकै क इ बेउहार क लगातार रहइ क अनुमति होइ।
काहेकि मोर्दकै ओन सबइ लोगन क बताइ दिहे रहा कि उ
एक यहूदा रहा। 5हामान जब इ लखेस कि मोर्दकै ओकरे
अगवा निहुरइ अउर ओका आदर देइ क मना कइ दिहस ह
तउ ओका बहोत किरोध आवा। 6हामान क इ पता तउ चल
ही चुका रहा कि मोर्दकै एक यहूदी अहइ। किन्तु उ मोर्दकै
क हत्या मात्र स संतुस्ट होइवाला नाहीं रहा। हामान तउ इ
भी चाहत रहा कि उ कउनो एक अइसा रस्ता ढूँढ़ निकारइ
जेहसे छयर्स क समूचे राज्ज क ओन सबहिं यहूदियन क मार
डावइ जउनो मोर्दकै क लोग अहइँ।
7महाराजा छयर्स क राज्ज क बारहवें बरिस मँ नीसान नाउँ
क पहिले महीने मँ, हामान क मोजूदगी मँ यहूदी लोगन क
बर्बाद करइ क दिन चुनई बरे पासा लोकावा गवा। इ तरह
अदार नाउँ क बारहवाँ महीना चुन लीन्ह गवा। (ओन दिनन
लाटरी निकारइ बरे इ सबइ पासन, "पुर" कहवावा करत
रहेन।) 8फुन हामान महाराजा छयर्स क लगे आवा अउर
ओहसे बोला, "हे महाराजा छयर्स तोहरे राज्ज क हर प्रान्त मँ
लोगन क बीच एक खास समूह क लोग फइले भए अहइँ।
इ सबइ लोग अपने आप क दूसर लोगन स अलग रखत
हीं। एन लोग क रीतिरिवाज भी दूसर लोगन स अलग
अहइँ अउर इ सबइ लोग राजा क नेमन क पालन नाहीं
करत हीं। अइसे लोगन क अपने राज्ज मँ सखइ क अनुमति
देब महाराजा क बरे अच्छा नाहीं अहइ।
9"जदि महाराजा क अच्छा लगइ तउ मोरे लगे एक
सुझाव अहइ: ओन लोगन क नस्ट कइ डावइ क आग्या
दीन्ह जाइ। एकरे बरे मइँ साही अधिरियन क दस हजार
चाँदी क सिक्कन महाराजा क खजाने मँ जमा करइ बरे
देब।"
10इ तरह महाराजा राजकीय अंगूठी अपनी अँगुरि स
निकारेस अउर ओका हामान क सौंप दिहस। हामान अगागी
हम्मदाता क पूत रहा। उ यहूदियन क दुस्मन रहा। 11एकरे
पाछे महाराजा हामान स कहेस, "इ धन अपने लगे रखा
अउर ओन लोगन क संग जउन चाहत ह, करा।"
12फुन उ पहिले महीने क तेरहवें दिन महाराजा क
सचिवन क बोलावा गवा। उ पचे हामान क सबहिं आदेसन
क हर प्रान्त क लिपि अउर हर लोगन क भाखा मँ
अलग-अलग लिख दिहस। उ पचे राजा क मुखिया लोगन,
विभिन्न प्रान्तन क राज्जपालन, अलग-अलग कबीलन क
मुखिया लोगन क नाउँ पत्र लिख दिहस। उ पचे इ आदेस
महाराजा छयर्स कइँती स लिखेन अउर ओह पइ खुद क
अगूंठी स मोहर लगाइ दिहेस।
13सँदेस वाहक राजा क विभिन्न प्रान्तन मँ ओन पत्रन क
लइ गएन। एन पत्रन पइ इ आदेस रहा कि सबहिं यहूदियन
जवान, बूढ़े, मेहररु अउर नान्ह गदेलन क भी एक ही दिन
मार दीन्ह जाइँ अउर पूरी तरह नस्ट कइ दीन्ह जाइ। उ दिन
बारहवें महीने क तेरहवीं तारीख क रहा जउन अदार क
महीना अहइ। अउर इ भी आदेस रहा कि यहूदियन क सब
कछू चिजिय लइ लीन्ह जाइ।
14एन पत्रन क प्रतियन उ आदेस क संग एक नेम क
रूप मँ दीन्ह जाब रही। हर प्रान्त मँ एका एक नेम बनावा
जाब रहा। सबहिं लोगन मँ एकर घोसना कीन्ह जाब रही,
ताकि उ पचे सबहिं लोग उ दिन क बरे तइयार रहइँ।
15महाराजा क आग्या अनुसार सँदेस बाहक फउरन चल
दिहन। अउर इ राजधानी नगरी सूसन मँ भी इ ऐलान कइ
दीन्ह गइ। महाराजा अउर हामान तउ दाखरस पिअइ क बरे
बइठ गएन किन्तु सूसन नगर क लोग घबरा गए रहेन अउ
चकित भए रहेन।

मदद क बरे एस्तेर स मोर्दकै क बिनती

4 मोर्दकै, जउन कछू होत रहा, ओकरे बारे मँ सब कछू
सुनेस। जब उ यहूदियन क बिरुद्ध राजा क आग्या
सुनेस तउ अपने ओढ़नन फार डाएस। उ सोक वस्त्र धारण
कइ लिहस अउर अपने मूँड़े पइ राखी डाइ लिहस। उ ऊँच
सुर स बिलाप करत भए नगर मँ निकर पड़ा। 2मोर्दकै राजा
क दुआर तलक गएन, किन्तु उ दुआर क पार नाहीं किहेन
जउन महल क छेत्र मँ जात ह, काहेकि सोक वस्त्रन क

पहिरके दुआर क भीतर जाइ क आग्या कउनो क भी नाहीं
रही। 3हर कउनो प्रांत मँ जहाँ कहूँ भी राजा क इ आदेस
पहोंचा, यहूदियन मँ रोउब-धोउब अउर सोक फइल गवा। उ
पचे खाना छोड़ दिहन अउर उ पचे ऊँच सुर मँ बिलपइ
लागेन। बहोत स यहूदी अपने सोक वस्त्रन क धारण किहे
भए अउर अपने मूंड़न पइ राखी डाए भए धरती पइ पड़े
रहेन।

4एस्तेर क दासियन अउर खोजन एस्तेर क लगे जाइके
ओका मोर्दकै क बारे मँ बताएन। एहसे महारानी एस्तेर बहोत
दुखी अउर बियाकुल होइ उठी। उ मोर्दकै क लगे सोक
वस्त्रन क बजाय दूसर ओढ़नन पहिरइ क पठएस। मुला उ
उ सबइ ओढ़नन स्वीकार नाहीं किहस। 5एकरे पाछे एस्तेर
हताक क अपने लगे बोलाएस। हताक एक अइसा हिजड़ा
रहा जेका राजा ओकरी सेवा बरे नियुक्त केहे रहा। एस्तेर
ओका इ पता लगावइ क आदेस दिहस कि मोर्दकै क का
बियाकुल बनाए भए अहइँ अउर काहे? 6एह बरे हताक
नगर क खुले चौराहे मँ गएन जहाँ मोर्दकै मौजूद रहा।
7हुवाँ मोर्दकै हताक स, जउन कछू भवा रहा, सब कहि
डाएस। उ हताक क इ भी बताएस कि हामान यहूदियन क
हत्या बरे राजा क खजाने मँ केतना धन जमा करावइ क
वादा किहेस ह। 8मोर्दकै हताक क यहूदियन क हत्या क
बरे राजा क आदेस पत्र क एक प्रति भी दिहेस। उ आदेस
पत्र पहिले ही सूसन नगर मँ हर कहूँ पठवा गवा रहा।
मोर्दकै इ चाहत रहा कि हताक ओका एस्तेर क देखाइ देइ
अउर हर बात ओका पूरी तरह निर्देस देइ अउर उ ओहसे इ
भी कहेस कि उ एस्तेर क राजा क लगे जाइके मोर्दकै
अउर अपने लोगन क बरे दया क याचना करइ क प्रेरित
करइ।

9हताक एस्तेर क लगे लउटि आवा अउर उ एस्तेर स
मोर्दकै जउन कछू कहइ क कहे रहा, सब बताइ दिहस।

10फुन एस्तेर मोर्दकै क हताक स इ कहवाइ पठएस:
11"मोर्दकै, राजा क सबहिं मुखिया अउर राजा क प्रान्तन क
सबहिं लोग इ जानत हीं कि कउनो भी मनई या मेहरारु क
बरे राजा क बस इहइ नेम अहइ कि राजा क भीतरी आंगन
मँ बिना बोलाए जउन भी जात ह, ओका मारि दीन्ह जातेन।
इ नेम क पालन बस एक ही स्थिति मँ उ समइ नाहीं कीन्ह
जात रहा जब राजा अपने सोने क राजदण्ड क उ मनई
कइँती बढ़ाइ देत रहा। जदि राजा अइसा कइ देत तउ उ
मनई क प्राण बच जात रहेन। मुला मोका तीस दिन होइ
गएन ह अउर राजा स मिलइ क बरे मोका नाहीं बोलावा
गवा ह।"

12-13एकरे पाछे एस्तेर क सँदेसा मोर्दकै क लगे पहोंचाइ
दीन्ह गवा। उ सँदेसा क पाइके मोर्दकै ओका वापस जवाब
पठएस: "एस्तेर, अइसा जिन सोचा कि तू राजा क महल मँ
रहइ क कारण बच जाब्या, जबकि सबइ यहूदियन मारा
जाब। 14जदि अबहिं तू चुप रहति अहा यहूदियन क मदद
अउर मुक्ती कहुँ अउर स मिल जाब। मुला तू अउर तोहरे
बाप क परिवार मारा डावा जाइ सकत्या। अउर कउन जानत
ह कि तू कउनो अइसे ही समइ क लिए महारानी बनाई गई
अहा, जइसा समइ इ अहइ।"

15-16एह पइ एस्तेर मोर्दकै क आपन इ जवाब पठएस:
"मोर्दकै, जा अउर जाइके सबहिं सूसन नगर सबहिं यहूदी
लोगन क एकट्ठा करा अउर मोरे बरे उपवास राखा। तीन
दिन अउ तीन रात तलक न कछू खा अउर न कछू पिआ।
तोहरी तरह मइँ अउर मोर मेहरारु नउकर भी उपवास रखब।
हमरे उपवास रखइ क पाछे मइँ राजा क लगे जाब। मइँ
जानत हउँ कि जदि राजा मोका न बोलावइ तउ ओकरे लगे
जाब, नेम क खिलाफ अहइ। अगर मइँ अइसा करब्या तउ
हो सकत ह कि मइँ मारा डावइ जाइ। किन्तु कउनो बात
नाहीं मइँ अइसा करब।"

17इ तरह मोर्दकै हुवाँ स चला गवा अउर एस्तेर ओहसे
जइसा करइ क कहे रहा उ सब कछू वइसा ही किहस।

एस्तेर क राजा स बिनती

5 तीसरे दिन एस्तेर आपन बिसेस साही पोसाक पहिरेस
अउर राजमहल क भीतरी आंगन मँ जाइ खड़ी भइ।
इ जगह राजा क बैठका क समन्वा रही। राजा दरबार मँ
अपने सिंहासने पइ बइठा रहा। राजा उहइ कइँती मुँह किहे
बइठा रहा जहाँ स लोग सिहांसन क कच्छ कइँती प्रवेस
करत रहेन। 2तउ राजा महारानी एस्तेर क हुवाँ दरबार मँ खड़े
लखेस। ओका लखिके उ बहोत खुस भवा। उ ओकरी
कइँती अपने हाथ मँ थामे भए सोने क राजदण्ड क आगे
बढ़ाइ दिहस। इ तरह एस्तेर उ कमरे मँ प्रवेस किहस अउर
उ राजा क लगे चली गइ अउर उ राजा क सोने क
राजदण्ड क सिरे क छुइ लिहस।

3एकरे पाछे राजा ओहसे पूछेस, "महारानी एस्तेर, तू बेचैन
काहे अहा? तू मोहसे का चाहति अहा? तू जउन चाहा मइँ
तोहका उहइ देब। हिआँ तक कि आपन आधा राज्ज तलक,
मइँ तोहका दइ देब।"

4एस्तेर कहेस, "मइँ आपके अउर हामान क बरे एक ठु
भोज क आयोजन किहेउँ ह। कृपा कइ आप अउर हामान
आजु मोरे हिआँ भोज मँ पधारें।"

5एह पइ राजा कहेस, "हामान क तुंरत बोलावा जाइ
ताकि एस्तेर जउन चाहत ह, हम ओका पूरा कइ सकी।"

तउ महाराजा अउर हामान एस्तेर ओनके बरे जउन भोजन
आयोजित किहे रही, ओहमाँ आइ गएन। 6जब उ पचे
दाखरस पिअत रहेन तबहिं राजा एस्तेर स फुन पूछेस,
"एस्तेर, कहा अब तू का माँगति चाहति अहा? कछू भी
माँग ल्या, मइँ तोहका उहइ दइ देब। कहा तउ उ का
अहइ जेकर तोहका इच्छा अहइ? तोहार जउन भी इच्छा
होइ, उहइ मइँ तोहका देब। अपने राज्ज क आधा हीसां
तलक।"

7एस्तेर कहेस, "मइँ इ माँगइ चाहत हउँ। 8जदि मोका
महाराज अनुमति देइँ अउर जदि जउन मइँ चाहउँ, उ मोका
देइ स महाराज खुस होइँ तउ मोर इच्छा इ अहइ कि
महाराज अउर हामान भियान मोरे हिआँ आवइँ। भियान मइँ
महाराज अउर हामान क बरे एक अउर भोज देइ चाहत हउँ
अउर उहइ समइ मँ इ बताउब कि असल मँ मइँ का
चाहति हउँ।"

मोर्दकै पइ हामान क किरोध

9उ दिन हामान राजमहल क बहोत जियादा खुस होइके
बिदा भवा। किन्तु जब उ राजा क दुआर पइ मोर्दकै क
लखेस तउ ओका मोर्दकै पइ बहोत किरोध आवा। हामान
मोर्दकै क लखत ही किरोध स पागल होइ उठा, काहेकि
जब हामान हुवाँ स गुजरा, मोर्दकै नाहीं खड़ा भवा अउर
नाहीं काँपेस अउर नाहीं हामान बरे कउनो आदर देखाएस।
10किन्तु हामान अपने किरोध पइ काबू किहस अउर घरे
चला गवा। एकरे पाछे हामान अपने मीतन अउ अपनी
मेहरारु जेरेस क एक संग बोलाएस। 11उ अपने मीतन क
अगवा अपने धन अउ अनेक पूतन क बारे मँ डींगं मारत
भए इ बतावइ लागा कि राजा ओकर कउने प्रकार स
सम्मान करत ह। उ बढ़ाइ चढ़ाइ के इ भी बतावइ लाग कि
दूसर सबहिं हाकिमन स राजा कउने तरह ओका अउर
जियादा ऊँच पद पइ पदोन्नति दिहस ह। 12"एतना ही नाहीं"
हामान इ भी बताएस। "एक मात्र मइँ ही अइसा मनई हउँ
जेका महारानी एस्तेर अपने भोज मँ राजा क संग बोलाए
रहा अउर महारानी मोका भियान फुन राजा क संग बोलाइ
पठए रही। 13मुला मोका एन सब बातन स फुरइ कउनो
खुसी नाहीं अहइ। असल मँ मइँ उ समइ तलक खुस नाहीं
होइ सकत जब तलक राजा क दुआर पइ मइँ उ यहूदी
मोर्दकै क बइठे भए लखत हउँ।"
14एह पइ हामान क मेहरारु जेरेस अउर ओकर मीतन
ओका एक सुझाव दिहन। उ पचे बोलेन, "कउनो स कहिके
पचहत्तर फुट ऊँच ओका फाँसी देइ क एक ठु फाँसी क
खम्भा खड़ा करा। फुन भिंसारे राजा स कहा कि उ मोर्दकै
क ओह पइ लटकइ क आदेस दे। फुन राजा क संग तू
भोज पइ जाया अउर आनन्द स रह्या।"
हामान क इ सुआव नीक लगा। तउ उ फाँसी क खम्भा
बनवावइ क बरे कउनो क आदेस दइ दिहस।

मोर्दकै क सम्मान

6 उ राति राजा सोइ नाहीं पावा। तउ उ अपने एक दास
स इतिहास क किताब लिआइके अपने समन्वा ओका
बाँचइ क कहेस। (राजा लोगन क इतिहास क किताबे मँ उ
सब कछू अंकित रहत ह जउ एक राजा क सासनकाल क
दौरान धटित होत ह।) 2तउ उ दास राजा क बरे उ किताब
बाँचेस। उ महाराजा छयर्स क मार डावइ क सड्यंत्र क बारे
मँ बाँचेस। बिगताना अउ तेरेस क सड्यंत्रन क पता मोर्दकै
क चला रहा। इ सबइ दुईनउँ ही मनई दुआर क रच्छा
करइवाले राजा क हाकिम रहेन। उ पचे राजा क हत्या क
जोजना बनाए रहेन किन्तु मोर्दकै क इ जोजना क पता चल
गवा रहा अउर उ ओकरे बारे मँ कउनो क बताइ दिहे रहा।
3एह पइ महाराजा सवाल किहस, "इ बात क बरे मोर्दकै
क कउन सा आदर अउर कउन स उत्तिम चिजियन प्रदान
कीन्ह गइ रहिन।" उ दासन राजा क जवाब दिहेन, "मोदेकै
बरे कछू नाहीं कीन्ह गवा रहा।"
4उहइ समइ राजा क महल क बाहरी आँगन मँ हामान
प्रवेस किहस। उ, हामान फाँसी क जउन खम्भा बनावावा
रहा, ओह पइ मोर्दकै क लटकवावइ क बरे राजा स कहइ
क आवा रहा। राजा ओकरी आहट सुनिके पूछेस, "अबहिं
अबहिं आंगन मँ कउन आवा ह?"
5राजा क नौकरन जवाब दिहस, "आँगन मँ हामान खड़ा
भवा ह।" तउ राजा कहेस, "ओका भीतर लइ आवा।"
6हामान जब भीतर आवा तउ राजा ओहसे एक सवाल
पूछेस, "हामान, राजा जदि कउनो क आदर देइ चाहइ तउ
उ मनई बरे राजा क का करइ चाही?"
हामान अपने मने मँ सोचेस, "अइसा कौन होइ सकत ह
जेका राजा मोहसे जियादा आदर देइ चाहत होइ? राजा
निहचइ ही मोका आदर देइ क बरे ही बात करत होइ।"
7तउ हामान जवाब देत भए राजा स कहेस, "राजा जेका
आदर देइ चाहत ह, उ मनई क संग उ अइसा करइ: 8राजा
जउन ओढ़ना खुदपहिरे होइ, उहइ बिसेस ओढ़ना क तू
अपने सेवकन स मँगवाइ लीन्ह जाइ अउर उ घोड़े क भी
मँगवाइ लीन्ह जाइ जेह पइ राजा खुद सवारी कीन्ह होइ।
फुन सेवकन क जरिये उ घोड़े क मूँड़ि पइ राजा क बिसेस
चीन्ह अंकित करावा जाइ। 9एकरे पाछे, राजा क सज्जन
अधिकारी कपड़े अउर घोड़े क अधिकारी होइ चाही। फुन उ
राजा क अधिकारी उ मनई क, जेका राजा सम्मानित करइ
चाहत ह, उ ओढ़ना क पहिरावइ अउर फुन एकरे पाछे उ
पचे अधिकारी उ घोड़े क आगे-आगे चलत भवा ओका
नगर क गलियन क बीच स गुजारइ। उ पचे अपनी
अगुवाई मँ घोड़न क लइ जात भए इ घोसना करत जाइ,
'इ उ मनई क बरे कीन्ह गवा ह, राजा जेका आदर देइ
चाहत ह।'"
10राजा हामान क आदेस दिहस, "तू फउरन चले जा
अउर ओढ़ना अउ घोड़ा लइके यहूदा मोर्दकै क बरे वइसा
ही करा, जइसा तू सुझाव दिहा ह। मोर्दकै राजदुआर क लगे
बइठा बाटइ। जउन कछू तू सुझाया ह, सब कछू वइसा ही
कर्‍या।"
11तउ हामान ओढ़ना अउ घोड़ा लिहस अउर ओढ़ना
मोर्दकै क पहिराइके घोड़े पइ चढ़ाइके नगर क गलियन स
होत भए घोड़े क आगे आगे चल दिहस। मोर्दकै क आगे
आगे चलत भवा हामान घोसणा करत रहा, "इ सब उ
मनई क बरे कीन्ह गवा ह, जेका राजा आदर देइ चाहत
ह।" 12एकरे पाछे मोर्दकै फुन राजदुआर पइ चला गवा
किन्तु हामान फउरन अपने घरे कइँती चल दिहस। उ आपन
मूँड़ि छुपाए भए रहा काहेकि उ परेसान अउर लज्जित रहा।
13एकरे पाछे, हामान अपनी मेहरारु जेरेस अउर अपने सबहिं
मीतन स जउन कछू घटा रहा, सब कछू कहि सुनाएस।
हामान क पत्नी अउर ओकर सलाहकारन ओहसे कहेन,
"जदि मोर्दकै यहूदी अहइ, तउ तू जीत नाहीं सकत्या। तू
आपन सक्ती खोइ सुरू करि चुका ह। तू निहचइ ही नस्ट
होइ जाब्या।" 14अबहिं उ सबइ लोग हामान स बात करत
ही रहेन कि राजा क हिजड़ा हामान क घरे आएन अउर
फउरन ही हामान क एस्तेर क भोज मँ बोलाइ लइ गएन।

हामान क प्राण दण्ड

7 फुन राजा अउ हामान एक संग महारानी एस्तेर क
भोज बरे चले गएन। 2एकरे पाछे जब उ पचे दूसरे

दिन क भोज मँ दाखरस पिअत रहेन तउ राजा एस्तेर फुन
एक सवाल किहस, “महारानी एस्तेर, तू मोहसे का माँगइ
चाहति अहा? जउन कछू तू माँगबिउ, पउबिउ। बतावा,
तोहका का चाही? मइँ तोहका कछू भी दइ सकत हउँ।
हिआँ तलक कि मोर आधा राज भी।”
3एह पइ महारानी एस्तेर जवाब दिहस, “हे महाराज! जदि
मइँ तोहका भावतिउँ, अउर जदि इ तोहका प्रसन्न करत ह।
तउ कृपा कइके मोका जिअइ द्या अउर मइँ तोहसे इ
चाहति हउँ कि मोरे लोगन क भी जिअइ द्या। बस मइँ
इहइ माँगति हउँ। 4अइसा मइँ एह बरे चाहति हउँ कि मोका
अउर मोरे लोगन क बिनास, हत्या अउ पूरी तरह स नस्ट
कइ डावइ क बरे बेच डावा गवा ह। जदि हमका दासन क
रुप मँ बेचा जात, तउ मइँ कछू नाहीं कहतिउँ काहेकि
कउनो एतनी बड़ी समस्या नाहीं होत जेकरे बरे राजा क
कस्ट दीन्ह जात।”
5एह पइ महाराजा छयर्स महारानी एस्तेर स पूछेस, “तोहरे
संग अइसा कौन किहस? कहाँ अहइ उ मनई जउन तोहरे
लोगन क संग अइसा बेउहार करइ क हिम्मत किहस?”
6एस्तेर कहेस, “हमार बिरोधी अउर हमार दुस्मन इ दुस्ट
हामान ही अहइ।”
तब हामान राजा अउ रानी क सामने आतंकित होइ उठा।
7राजा बहोत कोहान रहा। उ खड़ा भवा। उ आपन दाखरस
हुवँइ तजि दिहस अउर बाहेर बगिया मँ चला गवा। मुला
हामान, रानी एस्तेर स अपने प्राणन क भीख माँगइ बरे
भीतर ही ठहरा रहा। हामान इ जानत रहा कि राजा ओकर
प्राण लेइ क निहचइ कइ लिहस ह। एह बरे उ अपने
प्राणन क भीख माँगत रहा। 8राजा जइसे ही बगिया स भोज
क कमरे कइँती वापस आवत रहा, तउ उ का लखत ह कि
जउने बिछौने पइ एस्तेर ओलरी अहइ, ओह पइ हामान
निहुरा भवा अहइ। राजा किरोध भरे सुर मँ कहेस, “महल
मँ मोरे रहत भए महारानी पइ आक्रमण करइ क तोहार
हिम्मत कइसा भवा।” जइसेन ही राजा क मुँह स इ सबइ
सब्द निकरेन, राजा क सेबकन भीतरे आइके हामान क मार
डाएस।*
9राजा क एक ठु हिजड़ा सेवक जेकर नाउँ हरबोंना
रहा, कहेस, “हुवाँ एक पचहत्तर फुट ऊँचा फाँसी क खम्बा
जउन हामान क दुआरा ओकरे घरे क लगे मोर्दकै क फाँसी
देइ बरे खड़ा किहा गवा ह। मोर्दकै उहइ मनई अहइ जउन
तोहरी हत्या क सड्यंत्र बरे बताइके तोहार मदद किहे रहा।”
राजा बोला, “उ खम्भे पइ हामान क लटकाइ दीन्ह
जाइ।”
10तउ उ पचे उहइ खम्भे पइ जेका उ मोर्दकै क बरे
बनाए रहा हामान क लटकाइ दिहस। एकरे पाछे राजा
किरोध करब तजि दिहेस।

यहूदियन क मदद बरे राजा क आदेस

8 अहइ दिन राजा छयर्स यहूदी लोग क दुस्मन हामान क
लगे जउन कछू रहा, उ सब महारानी एस्तेर क दइ
दिहस। एस्तेर राजा क बताइ दिहस कि मोर्दकै रिस्ते मँ
ओकर भाई लागत ह। एकरे पाछे मोर्दकै राजा स मिलइ
आवा। 2राजा हामान स अपनी जउन अँगूठी वापस लइ
लिहेस रहा, ओका अपनी अगुंलि स निकारिके मोर्दकै क
दइ दिहस। एकरे पाछे एस्तेर मोर्दकै क हामान क सारी
सम्पत्ति क अधिकारी नियुक्त कइ दिहस।
3तब एस्तेर राजा स फुन कहेस अउर उ राजा क गोड़न
मँ गिरिके सेवइ लाग। उ राजा स पराथन किहस कि उ
अगागी हामान क उ बुरी जोजना क खतम कइ देइ जेका
हामान यहूदियन क बरे सोचे रहा।
4एह पइ राजा अपने सोने क राजदण्ड क एस्तेर कइँती
आगे बढ़ाएस। एस्तेर उठी अउर राजा क अगवा खड़ी होइ
गइ। 5फुन एस्तेर कहेस, “मोर सुआमी! जदि तू मोका पसंद
करत ह अउर इ तोहका प्रसन्न करत ह, तउ कृपा कइके
मोरे बरे इ कइ द्या। जदि तोहका लगि कि इ अच्छा
सुझाव अहइ। तउ एका करा। जदि तू मोह पइ खुस अहइँ
तउ कृपा कइके एक ठु आदेस पत्र लिखइँ, जउन उ आदेस
पत्र क रद्द कइ देइ जेका हामान राजा क राज्ज क सबहिं
प्रान्तन मँ बसे यहूदियन क नस्ट करइ बरे पठइ दिहे रहा ह।
6मइँ महाराज स इ पराथना एह बरे करति हउँ कि मइँ
अपने लोगन के संग उ भयानक तबाही क घटत लखब
सहन नाहीं कइ पाउब। मइँ आपन परिवार क हत्या क
लखब सहन नाहीं कइ पाउब।”
7महाराजा छयर्स महारानी एस्तेर अउर यहूदी मोर्दकै क
जवाब देत भए कहे रहा, उ इ अहइ, “हामान, काहेकि
यहूदियन क बिरोध मँ रहा, एह बरे ओकर सम्पत्ति मइँ एस्तेर
क दइ दिहेउँ अउर मोरे सिपाहियन ओका फाँसी देइ क
खम्भा पइ लटकाइ दिहन। 8अब तू जइसन चाहत ह राजा
नाउँ स यहूदियन क मदद बरे एक ठू दूसर आग्या पत्र
लिखा। फुन राजा क बिसेस अँगूठी स उ पत्र पइ मुहर
लगाइ द्या। काहेकि जउन पत्र राजा कइँती स लिखा गवा
ह अउर राजा क अगूँठी स मुहर दीन्ह गइ होइ अइसा
कउनो राजाधिकारी पत्र रद्द नाहीं कीन्ह जाइ सकत।”
9राजा क सचिवन क फउरन बोलावा गवा। सीवान नाउँ
क तीसरे महीने क तेइसवीं तारीख क उ आदेस पत्र लिखा
गवा। यहूदियन क बरे मोर्दकै क सबहिं आदेसन क सचिवन
लिखिके यहूदियन, मुखिया लोगन, राज्जपालन अउर एक सौ
सत्ताईस प्रान्तन क अधिकारियन क लगे पहोंचाइ दिहन। इ
सबइ प्रान्त भारत स लइके कूस तलक फइले भए रहेन। इ
सबइ आदेस पत्र हर प्रान्त क लिपि अउ भाखा मँ लिखे
गए रहेन अउर हर देस क लोगन क भाखा मँ ओकर
अनुवाद कीन्ह गवा रहा। यहूदियन क बरे इ सबइ आदेस
ओनकी अपनी भाखा अअउर ओनकी अपनी लिपि मँ लिखे
गए रहेन। 10मोर्दकै इ सबइ आदेस महाराजा छयर्स कइँती स
लिखे गए रहेन अउर फुन ओन पत्रन पइ उ राजा क
अँगूठी स मुहर लगाइ दीन्ह रही। फुन ओन पत्रन पइ उ
राजा क अँगूठी स मुहर लगाइ दीन्ह रही। फुन ओन पत्रन
क ओन सँदेसवाहकन क जरिये भेजा गएन रहेन जउन तेज
रफ़तार घोड़न पइ सावर रहेन।
11ओन पत्रन पइ राजा क इ सबइ आदेस लिखे रहेन:
यहूदियन क हरेक नगर मँ आपुस मँ एक जुट होइके

हामान क मार डाएस साब्दिक “हामान क चेहरा ढाँपि दिहेस।”

अपनी रच्छा करइ क अधिकार अहइ। ओनका अधिकार
अहइ कि उ पचे कउनो भी रास्ट्र या प्रान्त क कउनो
भी फउज जउन कि ओन लोगन पइ अउर ओनके
मेहररुअन अउ गदेलन पइ हमला करइ सकत ह क
नास कइ देइ, मार डावइँ अउर पूरी तहर स तबाह कइ
देइ। यहूदियन क इ अधिकार भी अहइ कि उ पचे
आपन दुस्मन क सम्पत्ति लूट लेइँ।

12जब यहूदियन क बरे अइसा कीन्ह जाइ, ओकरे बरे
उदार नाउँ क बारहवें महीने क तेरहवीं तारीख क दिन
निहचित कीन्ह गवा। महाराजा छयर्स अपने सबहिं प्रान्तन मँ
यूहूदियन क अइसा करइ क अनुमति दइ दीन्ह गइ। 13इ
पत्र क एक प्रति राजा क आदेस क संग हर प्रान्त मँ पठई
जाब रही। हर प्रान्त मँ इ एक नेम बन गवा। राज्ज मँ
रहइवाले हर जाति क लोगन क बीच एकर प्रचार कीन्ह
गवा। उ पचे अइसा एह बरे किहन ताकि यहूदी उ बिसेस
दिन क बरे तइयार होइ जाइँ जउन दिन उ पचे अपने
दुस्मनन स बदला लेइ सकइँ। 14राजा क घोड़न पइ सवार
संदेस वाहक हाली स बाहेर निकरि गएन। ओनका राजा
आग्या दिहे रहा कि हाली करइँ। इ आग्या सूसन क महल
प्रान्त मँ भी घोसना कीन्ह गएन।
15फुन मोर्दकै राजा क लगे स चला गवा। मोर्दकै राजा
स मिले ओढ़नन क धारण किहे भए रहा। ओकर ओढ़नन
नीले अउ सफेद रंग क रहेन। उ ऐक ठु लम्बा सोने क
मुकुट पहिर रखे रहा। बढ़िया सूत क बना बैंगनी रंग क
चोगा भी ओकरे लगे रहा। लोग बहोत खुस रहेन।
16यहूदियन क बरे इ बिसेस खुसी क दिन रहा। इ आनन्द,
खुसी अउर बड़े सम्मान क दिन रहा।
17जहाँ कहूँ भी कउनो प्रान्त या कउनो भी नगर मँ राजा
क इ आदेस- पत्र पहोंचा, यहूदियन मँ आनन्द अउ खुसी क
लहर दउड़ गइ। यहूदी भोज देत रहेन अउर उत्सव मनावत
रहेन अउर दूसर बहोत स सामान्य लोग यहूदी बन गएन।
काहेकि उ पचे यहूदियन स बहोत डरा करत रहेन, इहइ बरे
उ पचे अइसा किहन।

यहूदियन क बिनइ

9 लोगन क अदार नाउँ क बारहवें महीने क तेरह
तारीख क राजा क आग्या क पूरा करब रहा। यहूदी
क दुस्मनन क आसा रहने कि उहइ दिना उ पचन्क यहूदी
क हराइ सकतेन। किन्तु अब सब कछू उलटा होइ चुकी
रही अब यहूदी अपने ओन दुस्मनन क हराब्या जउन ओसे
घिना करत रहेन। 2महाराजा छयर्स क सबहिं प्रान्तन क
नगरन मँ यहूदी आपुस मँ उ पचन्क पइ हमला करइ बरे
इकट्ठा भएन जउन ओनका नस्ट करइ चाहत रहा। इ तरह
ओनके बिरोध मँ कउनो भी जियाद सक्तिसाली नाहीं रहा
काहेकि लोग यहूदी लोगन स डेराइ लागेन। 3प्रान्तन क
सबहिं हाकिम, मुखिया, राज्जपाल अउर राजा क प्रबन्ध
अधिकारी यहूदियन क मदद करइ लागेन। उ पचे सबहि
अधिकारी यहूदियन क मदद एह बरे किया करत रहेन कि उ
पचे मोर्दकै स डेरात रहेन। 4राजा क महल मँ मोर्दकै एक
बहोत महत्वपूर्ण मनई बन गवा। सबहिं प्रान्तन मँ हर कउनो
ओकर नाउँ जानत रहा अउर जानत रहा कि उ केतना
महत्वपूर्ण अहइ। तउ मोर्दकै जियादा सक्तिसाली होत चला
गवा।
5यहूदियन अपने सबहिं दुस्मनन क पराजित कइ दिहन।
अपने दुस्मनन क मारइ अउ नस्ट करइ क बरे उ पचे
तरवारन क प्रयोग किया करत रहेन। जउन लोग यहूदियन स
घिना किया करत रहेन, ओनके संग यहूदी जइसा चाहतेन,
वइसा बेउहार करतेन। 6सूसन क राजधानी नगरी मँ यहूदियन
पाँच सौ लोगन क मारिके नस्ट कइ दिहन। 7यहूदियन जउन
लोगन क हत्या किहे रहेन ओनमाँ इ सबइ लोग भी सामिल
रहेन: पर्सन्दाता, दल्पोन, अस्पाता, 8पोराता, अदल्या, अरीदाता,
9पर्मसता, अरीसै, अरीदै अउर वैजाता। 10इ सबइ दस लोग
हामान क पूत रहेन। हम्मदाता क पूत हामान यहूदियन क
बैरी रहा। यहूदियन ओन सबहिं मनसेधुअन क मार तउ दिहेन
किन्तु उ पचे ओनकर सम्मति नाहीं लिहन।
11जउन दिन राजा सुनेन कि सूसन क महल प्रान्त मँ
बहोत स लोग मारे गएन ह। 12तउ महारानी एस्तेर स
कहेस, "सूसन नगर मँ यहूदियन पाँच सौ मनइयन क मार
डाएन ह तथा उ पचे सूसन म हामान क दस पूतन क भी
हत्या कइ दिहन ह। राजा क दूसर प्रान्तन मँ का होत अहइ?
अब मोका बतवा तू अउर का करावइ चाहति अहा? जउन
कहा मइँ ओका पूरा कइ देब।"
13एस्तेर कहेस, "जदि अइसा करइ क बरे महाराज खुस
अहइँ तउ यहूदी लोगन जउन सूसन मँ अहइ ओका कल्ह
फुन स सूसा मँ राजा क आग्या पूरी करइ दीन्ह जाइ, अउर
हामान क दसहुँ पूतन क फाँसी क खम्भे पइ लटकाइ दीन्ह
जाइ।"
14तउ राजा इ आदेस दइ दिहस कि सूसन मँ भियान भी
राजा क इ आदेस लागु रहइ अउर उ पचे हामान क दसहु
पूतन क फाँसी पइ लटकाइ दिहन। 15आदार महीने क
चौदहवीं तारीख क जउन यहूदी सूसन क महल प्रान्त मँ
अहइ एक संग बटुरेन। फुन उ पचे हुवाँ तीन सौ मनइयन
क मउत क घाट उतार दिहन किन्तु उ पचे तीन सौ लोगन
क सम्पत्ति क नाहीं लिहन।
16अदार क तेरहवें दिन दूसर प्रन्तन मँ रहइवाले दूसर
यहूदी भी आपुस मँ बटुरेन। उ पचे एह बरे बटुरेन कि अपने
बचाव क लिए उ पचे पर्याप्त बलसाली होइ जाइँ अउर इ
तरह उ पचे अपने दुस्मनन स छुटकारा पाइ लिहन। यहूदी
लोग अपने पचहत्तर हजार दुस्मनन क मउत क घाट उतार
दिहन। किन्तु उ पचे जउने दुस्मनन क हत्या किहे रहेन,
ओनकर कउनो भी वस्तु क नाहीं लिहेन। 17इ अदार नाउँ
क महीने क तेरहवीं तारीख क भवा अउर फुन चौदहवीं
तारीख क यहूदियन बिस्राम किहन। यहूदियन उ दिन क एक
ठु खुसी भरे दिन क रुप मँ बनाइ दिहन।

पूरीम क त्यौहार

18किन्तु यहूदी लोग जउन सूसन मँ रहा अदार महीने क
तेरहवीं अउर चौदहीं तारीख मँ आपुस मँ बटुरेन, तउ

पन्द्रहवीं तारीख मँ उ पचे बिस्राम किहन। उ पचे पन्द्रहवीं
तारीख क फुन एक खुसी भरे छुट्टी क दिन बनाइ दिहन।
19इहइ कारण उ गाँव क प्रदेस क नान्ह नान्ह गाँवन मँ
रहइवाले यहूदियन चौदहवीं तारीख क खुसियन भरी छुट्टी
क रुप मँ रखेन। उ दिन उ पचे आपुस मँ एक दूसर क
भोज दिहन।

20जउन कछू घटा रहा, ओकर हर बात क मोर्दकै पत्र
मँ लिख लिहस अउर फुन पत्रन क महाराजा छयर्स क
सबहिं प्रान्तन मँ बसे सबहिं यहूदी लोगन क पठइ दिहस।
दूर-पास सब कहूँ उ पत्रन पठएस। 21मोर्दकै यहूदियन क इ
बतावइ बरे अइसा किहस कि उ पचे हर साल अदार महीने
क चौदहवीं अउर पन्द्रहवीं तारीख क पूरीम क उत्सव मनाया
करइँ। 22यहूदी लोग ऍन दिनन क पर्व क रूप मँ एह बरे
माने रहेन कि ओनहीं दिनन यहूदियन अपने दुस्मनन स
छुटकारा पाए रहेन। ओनका उ महीने क एह बरे भी मानब
रहा कि इहइ उ महीने रहा जब ओनकर ओनके आनन्द मँ
बदल गवा रहा। उहइ इ महीना रहा जब ओनकर रोउब
धोउब एक ठु उत्सव क दिन क रूप मँ बदल गवा रहा। उ
ओन लोगन स कहेस कि य पचे ओन दिनन क उत्सव क
रूप मँ मनावइँ। इ समइ एक अइसा समइ होइ जब लोग
आपुस मँ एक दूसरे क उत्तिम भोजन क उपहार पठइ तथा
गरीब लोगन क भी उपहार देउँ।

23इ तरह मोर्दकै यहूदियन क लिखे रहा, उ पचे ओका
मानइ क तइयार होइ गएन। उ पचे इ बात पइ सहमत होइ
गएन कि उ पचे जउन उत्सव क आरम्भ किहन ह, उ पचे
ओका मनावत रहिहीं।

24काहेकि अगागी हम्मदाता क पूत हामान यहूदी लोगन
क दुस्मन रहा। उ पचे यहूदी लोगन क खिलाफ ओनका
नस्ट करइ बरे बुरा जोजोना बनाए रहा। उ पचे ओनका
बर्बाद कइ डावइ बरे दिन चुनइ वास्ते पासा लोकाए रहा।
ओन दिन पाँसा क “पुर” कहा जात रहा। इहइ बरे इ उत्सव
क नाउँ “पूरीम” रखा गवा। 25किन्तु राजा क लगे गइ अउ
उ ओनसे बातचीत किहस। इहइ बरे राजा क नवे आदेस
जारी कइ दिहे गएन। यहूदियन क खिलाप हामान जउन
सडयंत्र रचे रहा, ओका रोकइ क बरे राजा अपने पत्र जारी
किहस। राजा ओन ही बुरी बातन क हामान अउ ओकरे
परिवार क संग घटाइ दिहस। ओन आदेसन मँ कहा गवा
रहा कि हामान अउ ओकर पूतन क फाँसी पइ लटकाइ
दीन्ह जाइ।

26-27इ समइ पासा “पूरीम” कहलाएन। एह बरे इ त्यौहार
“पूरीम” कहलाएन। यहूदी लोग हर बरिस इन दुइ दिनन क
उत्सव क रूप मँ मनावइ क सुरूआत करइ क निहचइ
किहन। उ पचे इ एह बरे किहन ताकि अपने संग होत भए
जउन बातन उ पचे लखे रहेन, ओनका याद रखइ मँ
ओनका मदद मिलइ। यहूदियन हर साल सही समइ पइ एन
दिनन क मनावइ क जिम्मा आपन पइ लिहा। उ पचे इ भी
तय किहेस कि ओकर सन्तानन अउर दूसर लोगन जउन
ओकरे संग मिले, मोर्दकै क निर्देस क अनुसार जउन उ
अपने आदेस पत्र मँ दिहे रहा उहइ रीति अउ उहइ समइ
पइ मनाउब। 28इ दुई दिनन पीढ़ी दर पीढ़ी अउर हर परिवार
क याद रखब अउर मनाब। एनका हर प्रान्त अउ हर नगर
मँ निहचइ पूर्वक क मनवा जाइ चाही। यहूदी लोग क
एनका मनाउब कबहुँ नाहीं तजइ चाही। यहूदी लोगन क
सन्तानन क चाही कि उ पचे पूरीम क एन दुइ दिनन क
मनाउब कबहुँ फेल नाहीं होइ चाही।

29महारानी एस्तेर अबीहैल क बिटिया अउर यहूदी मोर्दकै
इ दूसर पत्र पूरीम क बारे मँ लिखेस। उ पत्र फुरइ रहा,
ऍका साबित करइ बरे उ पचे एका राजा क सम्पूर्ण
अधिकार क साथ लिखेन। 30तउ महाराजा छयर्स क राज्ज
क एक सौ सत्ताईस प्रान्तन मँ सवाहिं यहूदियन क लगे
मोर्दकै पत्र पठएस। मोर्दकै सान्ति अउ सच्चाई क एक
सँदेसा लिखेस। 31मोर्दकै पूरीम क लोगन क उत्सव क सुरू
करइ क बारे मँ लिखेस। ऍन दिनन क मोर्दकै अउर एस्तेर
दुआरा अपने बरे अउर अपनी सन्तानन बरे उपवास अउर
विलाप क बारे मँ ठीक ओकरे नियुक्त कीन्ह समइ पइ ही
मनावा जाब रहा। 32एस्तेर क पत्र पूरीम क बिसय मँ एन
नेमन क स्थापना किहन अउर पूरीम एन नेमन क किताबन
मँ लिख दीन्ह गवा।

मोर्दकै क सम्मान

10 महाराजा छयर्स लोगन पइ कर लगाएस। राज्ज क
सबहिं लोगन हिआँ तलक कि सागर तट क सुदूर
नगरन क भी कर चुकावइ पड़त रहेन। 2राजा छयर्स जउन
महान कार्य अपनी सक्ती अउ सामरथ स किहे रहेन उ सबइ
“मादै अउर फारस क राजा लोगन क इतिहास” क किताबे
मँ लिखे अहइँ। ओन ‘इतिहास क किताबन’ मँ मोर्दकै जउन
कछू किहे रहा, उ सब कछू भी लिखा अहइ। राजा मोर्दकै
क एक महान मनई बनाइ दिहस। 3महाराजा छयर्स क हिआँ
यहूदी मोर्दकै महत्व की दृस्टि स दूसरी जगह पइ रहा।
मोर्दकै यहूदियन मँ बहोत महत्वपूर्ण मनई रहा। अउर ओकर
साथी यहूदी ओकर बहोत आदर करत रहेन। उ पचे मोर्दकै
क आदर एह बरे करत रहेन कि उ अपने लोगन क भले
क बरे काम किहे रहा। मोर्दकै सबहिं यहूदियन क कल्याण
क बातन किया करत रहा।

नहेमायाह

नहेमायाह क बिनती

1 इ सबइ हकल्याह क पूत नहेमायाह क बचन अहइँ:
मइँ, नहेमायाह, किसलवे नाउँ क महीने मँ सूसन नाउँ
क राजधानी नगरी मँ रहेउँ। इ उ समई रहा जब अर्तछत्र
नाउँ क राजा क राज क बीसवाँ बरिस चलत रहा। **2**मइँ
जब अबहिं सूसन मँ रहेउँ तउ हनानी नाउँ क मोर एक भाई
अउर कछू दूसर लोग यहूदा स हुवाँ आएन। मइँ ओनसे
हुवाँ रह रहे यहूदियन क बारे मँ पूछेउँ। इ सबइ उ सब
लोग रहेन जउन बन्धुआई स बच निकरे रहेन अउर अबहिं
तलक यहूदा मँ रहत रहेन। मइँ ओनसे यरूसलेम नगरी क
बारे मँ भी पूछे रहेउँ।
3हनानी अउ ओकरे संग क लोग बताएन, "हे नहेमायाह,
उ सबइ यहूदी जउन बंधुआई स बच निकरे रहेन अउर
जउन यहूदा मँ रहत अहइँ, गहन बिपत्ति मँ पड़ा अहइँ। ओन
लोगन क समन्वा बहोत स समस्या अहइँ अउर उ पचे बड़े
लज्जित होत अहइँ। काहेकि यरूसलेम क नगर परकोटा
ढह गवा अहइ अउर ओकर प्रवेस दुआर आगी स जरिके
राखी होइ गए अहइँ।"
4मइँ जब यरूसलेम क लोगन अउर नगर परकोटन क
बारे मँ उ सबइ बातन सुनेउँ तउ मइँ बहोत बियाकुल होइ
उठेउँ। मइँ बइठ गएउँ अउर रोइ उठेउँ। मइँ बहुत दिना
तलक बिलाप करत रहउँ। बहोत दिना तलक मइँ सरग क
परमेस्सर स पराथना करत भए उपवास करत रहेउँ। **5**एकरे
पाछे मइँ इ पराथना किहेउँ:

"हे यहोवा, हे सरग क परमेस्सर, तू महान अहा
अउर तू सक्तीसाली परमेस्सर अहा जउन ओन लोगन
क संग अपने पिरेम क वाचा क पालन करत ह
जउन तोहसे पिरेम करत हीं अउर तोहरे आदेसन पइ
चलत ही।
6"आपन आँखिन अउ अपने कान खोला। कृपा कइके
तोहरे समन्वा तोहार सेवक राति दिन जउन पराथना
करत रहत ह, ओह पइ कान द्या। मइँ तोहार सेवक,
इस्राएल क लोगन क बरे बिनती करत हउँ। मइँ ओन
पापन क स्वीकार करत हउँ जेनका हम इस्राएल क
लोग तोहरे खिलाफ किहन ह। अउर मइँ इ भी स्वीकार
करत हउँ कि मइँ तोहरे खिलाफ पाप किहेउँ ह, अउर
इ भी कि मोरे बाप क परिवार क दूसरे लोग तोहरे
खिलाफ पाप किहेन ह। **7**हम इस्राएल क लोग तोहरे
बरे बहोत बुरे रहेन ह। हम तोहरे ओन आदेसन अउ
नेमन क पालन नाहीं किहे अही जेनका तू अपने सेवक
मूसा क दिहे रह्या।
8"तू अपने सेवक मूसा क जउन सिच्छा दिहे रह्या,
कृपा कइके ओका याद करा। तू ओहसे कहे रह्या,
"जदि इस्राएल क लोग आपन बिस्सास नाहीं बनाए
रख्या तउ मइँ तोहका तितर-बितर कइके दूसर देसन
मँ फइलाइ देब। **9**मुला जदि इस्राएल क लोग मोरी
कइँती लउटइँ अउर मोरे आदेसन पइ चलइँ, तउ मइँ
अइसा करब: मइँ तोहरे ओन लोगन क, जेनका अपने
घरन क छोड़इ बरे अउर धरती क दूसरे छोरन तलक
निर्वासन होइ बरे मज़बूर कीन्ह ग रहेन बटोरब अउर
ओन जगह स उ जगह पइ वापस लइ आउब
मइँ जउने जगह क आपन नाउँ स्थापित करइ बरे
चुनेउँ ह।"
10"इस्राएल क लोग तोहार सेवक अहइँ अउर उ पचे
तोहरे ही लोग अहइँ। तू अपनी महासक्ती दुआरा ओन
लोगन क बचाएस ह अउर ओका सुरच्छित जगह पइ
लइ आवा ह। **11**एह बरे हे यहोवा, कृपा कइके अब
मोर बिनती सुना। मइँ तोहार सेवक अहउँ अउर कृपा
कइके अपने सेवकन क बिनती पइ कान द्या जउन
तोहरे नाउँ क मान देइ चाहत ही। जब मइँ राजा स
सहारा माँगब तब तू मोर सहायता करा। मोका सफल
बनावा। मोका सहायता द्या ताकि मइँ राजा क बरे
प्रसन्नतादायक बना रहउँ। तब मइँ राजा क दाखरस
सेवक रहा।"

राजा अर्तछत्र क नहेमायाह क यरूसलेम पठउब

2 राजा अर्तछत्र क बीसवें बरिस क नीसान नाउँ क महीने
मँ, रात्री-भोज क समइ मँ दाखरस राजा क परोसइ बरे
रखा भवा रहा। मइँ उ दाखरस क लिहेस अउर राजा क
दइ दिहेस। मइँ जब पहिले राजा क संग रहा तउ मइँ कभी
भी दु:खी नाही भवा रहा किन्तु अब मइँ उदास रहेउँ। **2**एह
पइ राजा मोहसे पूछेस, "का तू बीमार अहा? तू उदास काहे
देखाई देत अहा? मोर विचार अहइ तोहार मन दुख स भरा
अहइ।"
एहसे मइँ बहोत जियादा डर गएउँ। **3**मुला जदपि मइँ डर
गवा रहेउँ किन्तु फुन भी मइँ राजा स कहेउँ, "राजा जिअत
रहइँ। मइँ एह बरे उदास हउँ कि उ नगर जेहमाँ मोर पुरखन
दफनाए गए रहेन उजाड़ पड़ा ह अउ उ नगर क प्रवेस
दुआर आगी स भसम होइ गएन ह।"
4फुन राजा मोहसे कहेस, "एकरे बरे तू मोहसे का
करवावइ चाहत ह?"
एहसे पहिले कि मइँ जवाब देतेउँ, मइँ सरग क परमेस्सर
स बिनती किहेउँ। **5**फुन मइँ राजा क जवाब देत भए कहेउँ,

"जदि इ राजा क भावइ अउर जदि मइँ राजा क बरे सच्चा रहउँ तउ यहूदा क नगर यरूसलेम मँ मोका पठइ दीन्ह जाइ जहाँ पुरखन दफनाए भए अहइँ। मइँ हुवाँ जाइके उ नगर क फुन स बसावइ चाहत हउँ।"

6रानी राजा क बराबर बइठी भइ रही, तउ राजा अउर रानी मोहसे पूछेस, "तोहार इ जात्रा मँ केतने दिन लगिही? हिआँ तू कब तलक लउट अउब्या?"

राजा मोका पठवइ बरे रानी होइ गवा। तउ मइँ ओका एक निहचित समइ दइ दिहेउँ। 7मइँ इ राजा स इ भी कहेउँ, "जदि राजा क मोरे बरे कछू करइ मँ खुसी होइ तउ मोका इ माँगइ क अनुमति दीन्ह जाइ। कृपा कइके परात नदी क पच्छिम छेत्र क राज्जपालन क देखावइ क बरे कछू पत्र दीन्ह जाइँ। इ सबइ पत्र मोका एह बरे चाही ताकि उ पचे राज्जपाल यहूदा जात भए मोका अपने-अपने इलाकन स सुरच्छापूर्वक निकरइ देइँ। 8मोका दुआरन, देवारन, मन्दिरन क चारिहुँ कइँती क प्राचीरन अउ अपने घरे क बरे काठे क भी जरूरत अहइ। एह बरे मोका आप स आसाप क नाउँ भी एक पत्र चाही। आसाप आपके जंगलात क हाकिम अहइ।"

तउ राजा मोका पत्र अउर उ हर चीज दइ दिहस जउन मइँ माँगे रहेउँ। काहेकि परमेस्सर मोरे बरे दयालु रहा एह बरे राजा इ सब कइ दिहे रहा।

9इ तरह मइँ परात नदी क पच्छिमी पहँटा क राज्जपालन क लगे गएउँ अउर ओनका राजा क जरिये दीन्ह गए पत्र देखाएउँ। राजा फउज क अधिकारी अउ घुड़सवार फउजी मोरे संग कइ दीन्ह रहेन। 10सम्बल्लत अउर तोबियाह नाउँ क दुइ मनइयन मोरे कामन क बारे मँ सुनेन। उ पचे इ सुनिके बहोत बेचैन अउर किरोधित भएन कि कउनो इस्राएल क लोगन क मदद बरे आवा ह। सम्बल्लत होरोन क निवासी रहा अउर तोबियाह अम्मोनी क अधिकारी रहा।

नहेमायाह क जरिये यरूसलेम क देवार क निरीच्छण

11मइँ यरूसलेम पहोंचेउँ अउर हुवाँ तीन दिन तलक ठहरेउँ 12अउर कछू लोगन क संग लइके मइँ राति मँ बाहेर निकरि पड़ेउँ। परमेस्सर यरूसलेम क बरे करइ क जउन बात मोरे मने मँ बसाइ दिहे रहा ओकरे बारे मँ मइँ कउनो क कछू भी नाहीं बताए रहेउँ। उ घोड़ा क सिवा, जेह पइ मइँ सवार रहेउँ, मोरे संग अउर कउनो घोड़न नाहीं रहेन। 13अबहि जब अँधेरा ही रहा तउ मइँ तराई दुआर स होइके गुजरेउँ। अजगर क कुएँ क तरफ़ मइँ आपन घोड़ा मोड़ दिहेउँ अउर मइँ उ दुआर पइ भी घोड़े क लइ गएउँ, जउन कूड़ा फाटक कइँती खुलत रहा। मइँ यरूसलेम क उ देवार क निरीच्छण करत रहेउँ जउन टूटिके ढह चुका रहा अउर ओकर फाटकन जउन कि आगि दुआरा तबाह कीन्ह गए रहेन। 14एकरे पाछे मइँ सोते क फाटक कइँती अपने घोड़े क लइ गएउँ अउर फुन राजसरोवर क लगे जाइ निकरेउँ। किन्तु जब मइँ निअरे पहोंचेउँ तउ मइँ लखेउँ कि हुवाँ मोरे घोड़े क निकरइ बरे काफी जगह नाहीं अहइ। 15एह बरे अँधियारा मँ ही मइँ देवार क निरीच्छण करत भए घाटी कइँती ऊपर निकरि गवा अउर आखीर मँ मइँ लउट पड़ा अउर तराई क फाटक स होत भवा भीतर आइ गवा। 16ओन अधिकारियन अउर इस्राएल क महत्वपूर्ण लोगन क इ पता नाहीं चला कि मइँ कहाँ गवा रहेउँ। उ पचे इ नाहीं जान पाएन कि मइँ का करत रहेउँ। मइँ यहूदी लोग, याजकन, राजा क परिवार, अधिकारियन अउर ओन लोगन क जउन हुवाँ काम करब रहा, अबहि कछू भी नाहीं बताए रहा।

17एकरे पाछे मइँ ओन सबहिं लोगन स कहेउँ, "हिआँ हम जउने विपत्तियन मँ पड़े अहइँ, तू ओनका लखि सकत ह। यरूसलेम खण्डहरन क ढेर बना भवा ह अउर एकर दुआर आगी स जरि चुके अहइँ। आवा, हम यरूसलेम क देवार क फुन स निर्माण करी। एहसे हम क भविस्स मँ फुन कबहुँ लज्जित नाहीं रहइ पड़ी।"

18मइँ ओन लोगन क इ भी कहेउँ कि मोह पइ परमेस्सर क कृपा अहइ। राजा मोहसे जउन कछू कहे रहा, ओका मइँ उ सबइ बातन बताएउँ। एह पइ ओन लोग जवाब देत भए कहेन, "आवा, अब हम काम करब सुरू करी।" तउ उ पचे उत्तिम कार्य क करब सुरू कइ दिहन। 19मुला होरोन क सम्बल्लत अम्मोनी क अधिकारी तोबियाह अउर अरब क गेसेम जब इ सुनेन कि फुन स निर्माण करत अहइँ तउ उ पचे बहोत भद्दे ढंग स हमार मजाक उड़ाएन अउर हमार अपमान किहन। उ पचे बोलेन, "इ तू का करत अहा? का तू राजा क विरोध मँ होत रहे अहा?"

20मुला मइँ तउ ओन लोगन स बस एतना ही कहेउँ, "हम क सफल होइ मँ सरग क परमेस्सर हमार मदद करी। हम परमेस्सर क सेवक अही अउर हम इ नगर क फुन स निर्माण करब। इ काम मँ तू हमार मदद नाहीं कइ सकत्या। हिआँ यरूसलेम मँ तोहार कउनो भी पुरखा पहिले कबहुँ भी नाहीं रहा। इ धरती क कउनो भी भाग तोहार नाहीं अहइ। इ जगह मँ बने रहइ क तोहका कउनो अधिकार नाहीं अहइ।"

परकोटा बनावइ वाले

3 हुवाँ क महायाजक क नाउँ रहा एल्यासीब। एल्यासीब अउ ओकर याजक भाईयन निर्माण क काम करइ बरे गएन अउर उ पचे भेड़ दुआर क निर्माण किहन। उ पचे दुआर क यहोवा क समर्पित किहेस। उ पचे दुआर क दरवाजन क देवारे मँ लगाएन। ओन याजकन यरूसलेम क देवार पइ काम करत भए हम्मेआ क गुम्बद अउ हननेल क गुम्बद तलक ओकर निर्माण किहन। उ पचे आपन काम क यहोवा बरे समर्पित किहेन।

2याजकन क जरिये बनाए गए परकोटन स आगे क देवार क यरीहो क लोगन बनाएन अउर फुन यरीहो क लोगन क जरिये बनाए गए परकोटन क आगे क देवार क निर्माण इम्री क पूत जक्कूर किहस।

3तउ हस्सना क पूतन मछरी दरवाजे क निर्माण किहन। उ पचे एकर सहतीर रखेन अउर एकर दरवाजे, चिठकनियन अउर छड़न लगाएन।

4उरियाह क पूत मरेमोत देवार क अगवा क हींसा क मरम्मत किहस। उरियाह हक्कोस क पूत रहा।

बरेक्याह क पूत मसूल्लाम देवार क ओहसे आगे क हींसा क मरम्मत किहस। बरेक्याह मसेजबेल क पूत रहा। बाना क पूत सादोक एहसे आगे क देवार क मरम्मत किहस।

5देवार क आगे क हीसा तकोई लोगन क जरिये सुदृढ़ कीन्ह गवा किन्तु तकोई क मुखिया लोगन अपने सुआमी नहेमायाह क देखरेख मँ काम करइ स मना कइ दिहस।

6पासेह क पूत योयादा, अउर बसोदायाह क पूत मसुल्लाम पुराने दरवाजे क मरम्मत किहस। उ पचे सहतीरन क बइठाएन। उ पचे कब्जन पइ जोड़ियन चढ़ाएन अउर फुन दरवाजे पइ तालन लगाएन अउर चिठकनियन जड़ेन।

7गीबोन स मलत्याह, मेरनोत स यादोन, गिबोनी लोगन, अउर मिस्पा मँ रहइवालन लोगन एकरे आगे क देवार क मरम्मत किहेन। इ सबइ लोग इफ्रात नदी क पच्छिमी पहँटा छेत्र क राज्जपालन दुआरा सासन कीन्ह जात रहा।

8देवार क अगले हीसा क मरम्मत हर्हयाह क पूत उजीएल किहस। हर्हयाह क पूत उजीएल एक सोनार रहा। एहसे आगे क देवार क मरम्मत हनन्याह सुगन्ध बनावइवालन किहेन। एन लोग यरूसलेम क देवार क चउड़ी देवार तलक मरम्मत कइके ओकर बनाएस।

9एहसे आगे क देवार क मरम्मत हूर क पूत रपायाह किहस। रपायाह आधे यरूसलेम क प्रसासक रहा।

10देवार क दूसर हीसा हरूपम क पूत यदायाह बनाएस। यदायाह अपने घर क ठीक पाछे क देवार क मरम्मत किहस। एकरे पाछे क हीसे क मरम्मत क काम हसब्नयाह क पूत हत्तूस किहस। 11हारीम क पूत मल्कियाह अउर पहत्मोआब क पूत हस्सूब देवार क अगले एक दूसरे हीसे क मरम्मत किहस। एन ही लोग भट्टन क मीनारन क मरम्मत भी किहन। 12सल्लूम जउन हल्लोहेस क पूत रहा, उ देवार क अगले हीसे क बनाएस। इ काम मँ ओकर बिटियन भी ओकर मदद किहन। सल्लूम यरूसलेम क दूसर आधे हीसे क राज्जपाल रहा।

13हानून नाउँ क एक मनई अउर जानोह नगर क निवासियन तराई फाटक क मरम्मत किहन। ओन ही लोग तराई फाटक क निर्माण किहन। उ पचे कब्जन पइ जोड़ियन चढ़ाएन अउर फुन दरवाजन पइ तालन लगाएन अउर मेखन जड़ेन। उ पचे पाँच सौ गज लम्बी देवार क मरम्मत किहन। उ पचे कुरड़ी दरवाजन तलक इ देवार क निर्माण किहन।

14रेकाब क पूत मल्कियाह कुरड़ी दरवाजे क मरम्मत किहस। मल्कियाह बेथक्केरेम जिले क हाकिम रहा। उ दरवाजन क मरम्मत किहस, कब्जन पइ जोड़ियन चढ़ाएन अउर फुन दरवाजन पइ तालन लगवाइके मेखन जड़ेन।

15कोल्होजे क पूत सल्लूम स्रोत दुआर क मरम्मत किहस। सल्लूम मिस्पा कस्बे क राज्जपाल रहा उ उ दरवाजन क लगवाएस अउर ओकरे ऊपर एक ठु छत डरवाएस। कब्जन पइ जोड़ियन चढ़ाएस अउर फुन दरवाजन पइ तालन लगवाइके मेखन जड़ेस। सल्लूम सेलह क तलाव क देवार क मरम्मत भी करवाएस। इ तलाब राजा क बगीचे क लगे ही रहा। दाऊद क नगरी क उतरइवाली सीढ़ियन तलक समूची देवार क भी उ मरम्मत करवाएस।

16अजबूक क पूत नहेमायाह अगले हीसे क मरम्मत करवाएस। इ नहेमायाह बेतसूर नाउँ क जिले क आधे हीसे क राज्जपाल रहा। उ जगह तलक भी मरम्मत करवाएस जउन दाऊद क कब्रिस्तान क समन्वा पडत रहा। आदमियन क बनाए भए तलाव तलक, अउर बीरन क निवास नाउँ क जगह तलक भी उ मरम्मत क इ कार्य करवाएस।

17लेवीबंसी परिवार समूह क लोग देवार क अगले हीसे क मरम्मत किहस। लेवीबंस क एन लोग बानी क पूत रहूम क देखरेख मँ काम किहस। अगले हीसे क मरम्मत हसब्याह किसह। हसब्याह कीला नाउँ क कस्बे क आधे हीसा क प्रसासक रहा। उ अपने जिले क कइँती स मरम्मत क इ काम करवाएस।

18अगले हीसे क मरम्मत ओनके भाइयन किहन। उ पचे हेनादाद क पूत बव्वै क अधीनता मँ काम किहस। बव्वै कीला कस्बे क आधे हीसे क प्रसासक रहा।

19एहसे अगले हीसे क मरम्मत क काम येसु क पूत एज़ेर किहस। एज़ेर मिस्पा क राज्जपाल रहा। उ सस्त्रागार स लइके परकोट क देवार क कोने तलक मरम्मत क काम किहस। 20एकरे पाछे बारूक क पूत जब्बै ओहसे अगले हीसे क मरम्मत किहस। उ उ कोने स लइके एल्यासीब क घरे क दुआर तलक देवार क इ हीसे क बड़ी मेहनत स मरम्मत किहस। एल्यासीब महायाजक रहा। 21उरियाह क पूत मरेमोत एहसे आगे क देवार क एल्यासीब क घरे क दरवाजे स लइके ओकरे घर क आखीर तलक मरम्मत किहेन। उरियाह हक्कोस क पूत रहा। 22एकरे पाछे क देवार क हीसे क मरम्मत क काम ओन याजकन क जरिये कीन्ह गवा जउन उ इलाके मँ रहत रहेन।

23फुन बिन्यामीन अउ हस्सूब अपने घरन क आगे क नगर देवार क हीसंन क मरम्मत किहन। ओकरे घर क बाद क देवार मासेयाह क पूत अजर्याह किहेन। मासेयाह अन्नयाह क पूत रहा।

24फुन हेनादाद क पूत बिन्नूई अजर्याह क घरे स लइके देवार क मोड अउ फुन कोने तलक क हींसे क मरम्मत किहेस।

25एकरे पाछे ऊजै क पूत पालाल देवार क उ मोड स लइके बुर्ज तलक क देवार क मरम्मत क बरे काम किहस। इ मीनार राजा क ऊपरी भवन पइ रही। इ राजा क पहरेदारन क आँगन क लगे ही रहा। पालाल क पाछे परोस क पूत पदायाह इ काम क अपने हाथन मँ लिहस।

26मन्दिर क जउन सेवक ओपेल पहाड़ी पइ रहा करत रहेन उ पचे देवार क अगले हींसे क जल दुआर क पूर्ब कइँती अउर ओकरे निअरे क गुम्बद तलक क मरम्मत क काम किहन।

27बिसाल गुम्बद स लइके ओपेल क पहाड़ी स लगी देवार तलक क समूचे हीसे क मरम्मत क काम तकोई क लोगन पूरा किहन।

28अस्व दुआर क ऊपरी हींसे क मरम्मत क काम याजकन किहस। हर याजक अपने घर क आगे क देवार क मरम्मत किहस। 29इम्मेर क पूत सादोक अपने घरे क समन्वा क हीसे क मरम्मत किहस। ओहसे आगे क हीसा

क देवार क मरम्मत सकन्याह क पूत समयाह किहस।
समयाह पूर्बी फाटक क दुआरपाल रहा।
30देवार क बचे भए हीसे क मरम्मत क काम सेलेम्याह
क पूत हनन्याह अउर सालाप क पूत हानून पूरा किहस।
(हानून सालाप क छठवाँ पूत रहा।)
बेरेक्याह क पूत मसुल्लाम अपने कार्यालय क आगे क
देवार क मरम्मत किहस। **31**फुन सोनार मल्कियाह मन्दिर क
सेवकन क घरन अउर बइपारियन क घरन तलक क देवार
क मरम्मत किहस। यानी निरीच्छण दुआर क सामने स
देवार क कोने क ऊपरी कच्छ तलक क हीसे क मरम्मत
मल्कियाह किहस। **32**कोने क ऊपरी कमरे स भेड़ दुआर
तलक क बीच क देवार क समूचा हींसा सोनारन अउ
बइपारियन ठीक किहन।

सम्बल्लत अउर तोबियाह

4 जब सम्बल्लत सुनेस कि हम लोग यरूसलेम क
नगर देवार क पुन:निर्माण करत अही, तउ उ बहोत
किरोधित अउ बियाकुल होइ उठा। उ यहूदियन क हँसी
उड़ावइ लाग। **2**सम्बल्लत अपने मीतन अउर फउज स
सोमरोन मँ इ बिसय क लइके बातचीत किहस। उ कहेस,
“इ सबइ सक्तिहीन यहूदी का करत अहइँ? ओनकर बिचार
का अहइ? का उ पचे आपन बलियन चढ़ाइ पइही? साइद
उ पचे अइसा सोचत ही कि उ पचे एक दिन मँ ही इ
निर्माण कार्य क पूरा कइ लेइही। धूर माटी क इ ढेर मँ स
उ पचे पाथरन क उठाइके फुन स नवी जिन्नगी नाहीं दइ
पइही। इ सबइ तउ अब राखी अउ माटी क ढेर बन चुका
अहइँ।”
3अम्मोन क निवासी तोबियाह सम्बल्लत क संग रहा।
तोबियाह बोला, “इ सबइ यहूदी जउन निर्माण करत रहे
ओकरे बारे मँ इ सबइ का सोचत ही? जदि कउनो नान्ह स
लोखरी भी उ देवार पइ चढ जाइ तउ ओनकर उ पाथरन
क देवार ढह जाइ।”
4तब नहेमायाह परमेस्सर स पराथना किहस अउर उ
बोला, “हे हमरे परमेस्सर, हमरी बिनती सुना। उ सबइ लोग
हम स घिना करत ही। सम्बल्लत अउ तोबियाह हमार
अपमान करत हीं। एन बुरी बातन क तू ओन ही क संग
घटाइ द्या। ओनका ओन मनइयन क नाईं लज्जित कइके
जेनका बन्दी क रूप मँ लइ जावा जात रहा होइ। **5**ओनकर
उ अपराध क दूर जिन करा अथवा ओनके ओन पापन क
छिमा जिन करा जेनका उ पचे तोहरे लखत किहन ह। उ
पचे देवार क बनावइ बालन क अपमान किहन ह अउर
ओनकर हिम्मत तोड़ेन ह।”
6हम यरूसलेम क देवार क पुन: निर्माण किहा ह। हम
नगर क चारिहुँ कइँती देवार बनावा ह। मुला ओका जेतना
ऊँच होइ चाही, उ ओहसे आधी ही रहि गइ ह। हम इ एह
बरे कइ पाए कि हमार लोग अपने समूचे मन स इ कार्य
क किहा।
7किन्तु सम्बल्लत, तोबियाह, अरब क लोगो, अम्मोन क
निवासियो अउर असदोद क रहइवाले लोगन क उ समइ
बहोत किरोध आवा। जब उ पचे इ सुनेन कि यरूसलेम क
देवार पइ लोग निरंतर काम करत अहइँ। उ पचे सुने रहेन
कि लोग देवार क टूटा भवा भाग क भरत अहइँ। **8**तउ उ
पचे सबहिं लोग आपुस मँ बटुरेन अउर उ पचे यरूसलेम
क खिलाफ जोजनन बनाएन। उ पचे यरूसलेम क खिलाफ
गड़बड़ी पइदा करइ क सडयन्त्र रचेस। उ पचे इ जोजना भी
बनाएन कि नगर क ऊपर चढाई कइके जुद्ध कीन्ह जाइ।
9मुला हम अपने परमेस्सर स बिनती किहस अउर नगर
देवार क देवारन पइ हम पहरेदार बइठाए दिहन ताकि उ पचे
हीआँ दिन-रात रखवारी करइँ जेहसे हम ओन लोगन क
मुकाबला करइ क बरे तुरन्त तइयार रहइँ।
10उधर उहइ समइ यहूदा क लोग कहेन, “कारीगर लोग
थकत जात अहइँ। हुवाँ बहोत स कचरा पड़ा अहइ। तउ
हम अब देवार पइ निर्माण कार्य करत नाहीं रहि सकित।
11अउर हमार दुस्मन कहत अहइँ, ‘एहसे पहिले कि यहूदियन
क एकर पता चलइ या उ पचे हम क लखि लेइँ, हम
ठीक ओनके बीच पहोंच जाब। हम ओनका मार डाउब
जेहसे ओनकर काम रुक जाइ।’”
12एकरे पाछे हमरे दुस्मनन क बीच रह रहे यहूदी हमरे
लगे आवइँ अउर उ पचे हम स दस दाईं इ कहेन, “हमरे
चारिहुँ कइँती हमार दुस्मन अहइँ, हम जिधर भी मुड़ी, हर
कहूँ हमार दुस्मन फइले अहइँ।”
13तउ मइँ देवार क देवार क संग-संग जउन जगह सब
स खाले पड़त रहिन, ओनके पाछे कछू लोगन क नियुक्त
कइ दिहेउँ अउर मइँ देवार मँ जउन नाके पडत रहेन, ओन
पइ भी लोगन क लगाइ दिहेउँ। मइँ समूची देवारन क
ओनकर तरवारन, भालन अउर धनुस बागन क संग हुवाँ
लगाइ दिहेउँ। **14**मइँ सारी स्थिति क अंजाद लिहेउँ अउर
फुन खड़े होइके महत्त्वपूर्ण परिवारन, हाकिमन अउ दूसरे
लोगन स कहेउँ, “हमरे दुस्मनन स डेराअ जिन। हमरे
सुआमी क याद राखा। यहोवा महान अहइ अउ सक्तीसाली
अहइ। तू पचन्क अपने भाइयन, अपने पूतन अउ अपनी
बिटियन क बरे इ लडाई लडब ही अहइ। तू पचन्क अपनी
मेहररूअन अउ अपने घरन क बरे जुद्ध करब ही होइ।”
15एकरे पाछे हमरे दुस्मनन क कान मँ इ भनक पड गइ
कि हम क ओनकी जोजनन क पता चल चुका ह। उ पचे
जान गएन कि परमेस्सर ओनकी जोजनन पइ पानी फेर
दिहस। एह बरे हम सबहिं नगर देवार क देवार पइ काम
करइ क वापस लउटि गए। हर मनई फुन अपने जगह पइ
वापस चला गवा अउर अपने हींसे क काम करइ लाग।
16उ दिन क पाछे स मोरे आधे लोग देवार पइ काम करइ
लागेन अउर मोर आधे लोग भालन, ढारन, तीरन अउर
कवचन स सुसज्जित होइके पहरा देत रहे। यहूदा क ओन
लोगन क पाछे जउन नगर देवार क देवार क निर्माण करत
रहेन, फउज क अधिकारी खड़े रहत रहेन। **17**सामान
ढोवइवाले मजदूर एक हाथ स काम करतेन तउ ओनके
दूसर हाथे मँ हथियार रखत रहेन। **18**हर कारीगर क बगल
मँ जब उ काम करत भवा होत, तरवार बँधी रहत रही।
लोगन क सावधान करइ बरे तुरही बजावइवाला मनई मोरे
लगे ही रहत। **19**फुन प्रमुख हथियारन, हाकिमन अउर बाकी
दूसरे लोगन क सम्बोधित करत भए मइँ कहेउँ, “इ बहोत

बड़ा काम अहइ। हम देवार क सहारे सहारे फइले भए अही। हर एक दूसरे स दूर पड गए अही। 20तउ जदि तू तुरही क अवाज सुना, तउ उ निर्धारित जगह पइ भाग आवा हुँवइ हम सब बटुरब अउर हमरे बरे परमेस्सर जुद्ध करी।"

21इ तरह हम यरूसलेम क उ देवार पइ काम करत रहे अउर हमरे आधे लोग भाले थामे रहे। हम भिंसारे क पहली किरण स लइके रात मँ तारे छिटकइ तलक काम किया करत रहे।

22उ अवसर पइ लोगन स मइँ इ भी कहे रहेउँ: "रात क समइ हर मनई अउर ओकर सेवक यरूसलेम क भीतर ही ठहरइ ताकि राति क समइ मँ उ पचे पहरेदार रहइँ अउर दिन क समइ कारीगर।"

23इ प्रकार हम मँ स कउनो भी कबहुँ अपने ओढ़ने नाहीं उतारत रहा न मइँ, न मेरे साथी, न मेरे लोग अउर न पहरेदार। हर समइ हम मँ स हर एक मनई अपने दाहिने हाथ मँ हथियार तइयार रखा करत रहा।

नहेमायाह क जरिये गरीबन क मदद

5 बहोत स गरीब लोग अपने यहूदी भाइयन क खिलाफ सिकाइत करइ लगे रहेन। 2ओनमाँ स कछू कहा करत रहेन, "हमरे बहोत स बच्चन अहइँ। जदि हम क खइया क खाब अहइ अउर जिअत रहब अहइ तउ हम क थोडा अनाज तउ मिलइ ही चाही।"

3दूसर लोगन क कहब अहइ, "इ समइ अकाल पड़त अहइ। हम क अपने खेत अउ घर गिरवी रखइ पड़त अहइँ ताकि हम क थोड़ा अनाज मिलि सकइ।"

4कछू लोग इ भी कहत रहेन, "हम क अपने खेतन अउर अँगूर क बगीचन पइ राजा क कर चुकावइ पड़त ह मुला हम कर चुकाइ नाहीं पाइत एह बरे हम क चुकावइ क बरे धन उधार लेइ पड़त ह। 5ओन धनवान लोगन क तरफ लखा। हम भी वइसे ही अच्छे अही जइसे उ पचे हमरे पूत भी वइसे ही अच्छे अहइँ, जइसे उनके पूत। किन्तु हम क अपने पूत बिटिया दासन रूप मँ बेचइ पडत अहइ। हम मँ स कछू क तउ दासन क रूप मँ अपनी बिटियन क वेचइ भी पडा हे। अइसा कछू भी तउ नाहीं अहइ जेका हम कइ सकइँ। हम अपने खेतन अउ अँगूर क बगीचन क खोइ चुके अहइँ। अब दूसर लोग ओनके मालिक अहइँ।"

6जब मइँ ओनकर इ सबइ सिकाइतन सुनेउँ तउ मोका बहोत किरोध आवा। 7मइँ खुद क सांत किहेउँ अउर फुन धनी परिवारन अउ हाकिमन क लगे जाइ पहोचेउँ। मइँ ओनसे कहेउँ, "तू पचे अपने ही लोगन क उ धने पइ बियाज चुकावइ क बरे मजबूर करत अहा जेका तू ओनका उधार देत अहा। निहचइ ही तू पचन्क अइसा बन्द कइ देइ चाही।" फुन मइँ लोगन क एक ठु सभा बोलाएउँ 8अउर फुन मइँ ओन लोगन स कहेउँ 'दूसरे देसन मँ हमरे यहूदी भाइयन क दासन क रूप मँ बेचा जात रहा। ओनका वापस बेसहइ अउ अजाद करावइ क बरे हम स जउन बन पडा, हम कीन्ह अउर अब तू पचे ओनका फुन दासन क रूप मँ बेचत अहा अउर हम क फुन ओनका वापस लेइ पड़ी।' इ तरह उ सबइ धनी लोग अउर उ सबइ हाकिम चुप्पी साधे रहेन। कहइ क ओनके लगे कछू नाहीं रहा। 9तउ मइँ बोलत चला गवा। मइँ कहेउँ, "तू लोग जउन कछू करत अहा, उ उचित नाहीं अहइ। तू पचे इ जानत अहा कि तू पचन्क परमेस्सर स डेराइ चाही अउर ओकर सम्मान करइ चाही। तू पचन्क अइसे लज्जापूर्ण कार्य नाहीं करइ चाही जइसे दूसर लोग करत हीं। 10मोर लोग, मोरे भाई अउर खुद मइँ भी लोगन क धन अउर अनाज उधार पइ देत ही। मुला आवा हम ओन कर्जन पइ बियाज चुकावइ क बरे ओनका मजबूर करब बन्द कइ देइ। 11इहइ दिना तू पचन्क ओनके खेतन, अंगूरे क बगीचन, जैतून क बाग अउर ओनकर घर ओनका जरूर वापस लउटाइ देइ चाही अउर उ बियाज भी तू पचन्क ओनका लउटाइ देइ चाही जउन तू पचे ओनसे वसूल किहा ह।"

12एह पइ धनी लोगन अउ हाकिमन कहेन, "हम इ ओनका लउटाइ देब अउर ओनसे हम कछू भी नाहीं माँगब। हे नहेमायाह, तू जइसा कहत ह, हम वइसा ही करब।"

एकरे पाछे मइँ याजकन क बोलाएउँ। मइँ धनी लोगन अउ हाकिमन स इ प्रतिग्या करवाएउँ कि जइसा उ पचे कहेन ह, उ पचे वइसा ही करिहीं। 13एकरे पाछे मइँ अपने ओढ़नन क सलवटन क फाड़त भए कहेउँ, "हर उ मनई क साथ, जउन अपने बचन क नाहीं निभाई, परमेस्सर तद्नुकूल करी। परमेस्सर ओनका ओनके घरन स उखाड़ देइ अउर उ पचे जउन भी चिजियन क बरे काम किहन ह उ पचे सबहिं ओनके हाथ स जाती रही। उ मनई आपन सबहिं कछू खोइ बइठी।"

मइँ जब एन बातन क कहब समाप्त किहेउँ तउ सबहिं लोग एनसे सहमत होइ गएन। उ पचे सबहिं बोलेन, "आमीन।" अउर फुन उ पचे यहोवा क बडकई किहन अउर इ तरह जइसा उ पचे बचन दिहे रहेन, वइसा ही किहन।

14अउर फुन यहूदा क धरती पइ अपने राज्जपाल काल क दौरान ज तउ मइँ अउर न मोरे भाइयन उ भोजन क ग्रहण किहेन जउन राज्जपाल क बरे निआव पूर्ण नाहीं रहा। मइँ अपने भोजन क बेसहइ क वास्ते कर चुकावइ बरे कबहुँ कउनो पइ दबाव नाहीं डाएउँ। राजा अर्तछत्र क सासन काल क बीसवे साल स बत्तीसवे बरिस तलक मइँ हुवाँ क राज्जपाल रहा। मइँ बारह बरिस तलक यहूदा क राज्जपाल रहा। 15मुला मोहसे क पहिले क राज्जपालन लोगन क जिन्नगी क दूभर बनाइ दिहे रहेन। उ सबइ राज्जपाल लोगन पइ लगभग एक पौण्ड चाँदी चालीस सकेल देइ क बरे दबाव डावा करत रहेन। ओन लोगन पइ उ पचे खाना अउ दाखरस देइ क बरे भी दबाव डावत रहेन। ओन राज्जपालन क नीचे क हाकिम भी लोगन पइ हुकूमत चलावत रहेन अउर जिन्नगी क अउर जियादा दूभर बनावत रहेन। किन्तु मइँ काहेकि परमेस्सर क आदर करत रहेउँ, अउर ओहसे डेरात रहेउँ, एह बरे मइँ कबहुँ वइसे काम नाहीं किहेउँ। 16यरूसलेम क देवार क बनावइ मँ मइँ कड़ी मेहनत किहे रहेउँ। मोर सबहिं सेवकन देवार पइ काम करत रहेन। हम पचे कउनो भी जमीन नाही लिहेन।

17मइँ, अपने भोजन क चउकी पइ नियमित रूप स
हाकिमन क संग एक सौ पचास यहूदियन क खाइ पइ
बोलाया करत रहेउँ। मइँ चारिहुँ ओर क देसन क लोगन क
भी भोजन देत रहेउँ जउन मोरे लगे आवा करत रहेन।
18मोरे संग मेरी मेज पइ खाइवाले लोगन क बरे एँतना
खाना सुनिहचित कीन्ह गवा रहा: एक ठु बर्धा, छ तगड़ी
भेड़िन अउर अलग-अलग तरीके क पंछी। एकरे अलावा
हर दसन दिन मोरी मेज पइ हर तरह क दाखरस लावा जात
रहा। फुन भी मइँ कबहुँ अइसे भोजन क माँग नाहीं किहेउँ,
जउन राज्जपाल क बरे अनुमोदित नाहीं रहा। मइँ अपने
भोजन क दाम चुकावइ क वास्ते, ओन लोगन पइ कबहुँ
दबाव नाहीं डाएउँ। मइँ इ जानत रहेउँ कि उ सबइ लोग
जउने काम क करत अहइँ उ बहोत कठिन अहइ।
19परमेस्सर, ओन लोगन क बरे मइँ जउन अच्छा किहेउँ ह,
तू ओका याद राखा।

जियादा समस्यन

6 एकरे पाछे सम्बल्लत, तोबियाह, अरब क रहइवाले
गेसेम अउर हमार दुस्मनन इ सुनेन कि मइँ देवार क
निर्माण कराइ चुका हउँ। हम उ देवार मँ दरवाजन बनाइ
चुके रहेन किन्तु तब तलक दरवाजन पइ जोड़ियन नाहीं
चढ़ाई गई रहिन। 2तउ सम्बल्लत अउर गेसेम मोरे लगे इ
सँदेसा पठएन: "नेहमायाह, तू आइके हम स मिला। हम
ओनो क मइदान मँ कैफरीम नाउँ क कस्बे मँ मिल सकत
ही।" किन्तु ओनकर जोजना तउ मोका नोस्कान पहोंचावइ
क रही। 3तउ मइँ ओनके लगे इ जवाब क संग सँदेस
पठइ दिहेउँ: "मइँ हिआँ महत्त्वपूर्ण काम मँ लगा हउँ। तउ
मइँ नीचे तोहरे लगे नाहीं आइ सकत। मइँ सिरिफ एह बरे
काम बन्द नाहीं करइ चाहब कि तोहरे लगे आइके तोहसे
मिल सकउँ।"
4सम्बल्लत अउ गेमेस मोरे लगे चार दाईं वइसे ही
सँदेसा पठएन अउर हर दाईं मइँ भी ओनका उहइ जवाब
पठवाइ दिहेउँ।
5फुन पाँचवी दाईं सम्बल्लत उहइ सँदेसा क संग अपने
सहायक क मोरे लगे पठएस। ओकरे हाथ मँ एक पत्र रहा
जउने पइ मोहर नाहीं लगी रही। 6उ पत्र मँ लिखा रहा:
"चारिहुँ तरफ एक अफवाह फइली भइ अहइ। हर कहूँ
लोग उहइ बात क चर्चा करत अहइँ अउर गेमेस क कहब
अहइ कि उ फुरइ अहइ। लोगन क कहब अहइ कि तू
अउर यहूदी, राजा स बगावत क जोजना बनावत रहे अहा
अउर इहइ बरे तू यरूसलेम क नगर देवार क निर्माण करत
अहा। लोगन क इ भी कहब अहइ कि तू ही यहूदियन क
नवा राजा बनब्या।
7"अउर इ अफवाह भी अहइ कि तू यरूसलेम मँ अपने
विसय मँ इ घोसणा करइ बरे भविस्सबक्ता भी चुन लिहा
ह: 'यहूदा मँ एक ठु राजा अहइ।'
"नहेमायाह! अब मइँ तोहका चितउनी देत हउँ। राजा
अर्तछत्र इ बिसय क सुनवाई करी तउ हमरे लगे आ अउर
हमसे मिलिके इ बारे मँ बातचीत कर।"
8तउ मइँ सम्बल्लत क लगे इ जवाब पठवाइ दिहेउँ, "तू
जइसा कहत रह्या ह वइसा कछू नाहीं होत अहइ। इ सब
बातन तोहार अपनी खोपड़ी क उपज अहइँ।"
9हमार दुस्मन बस हम क डेरावइ क जतन करत अहइँ।
उ पचे अपने मने मँ सोचत रहेन, "यहूदी लोग डेराइ जइहीं
अउर काम क चलत रखइ बरे बहोत निर्बल पड़ जइहीं
अउर फुन देवार पूरी नाहीं होइ पाई।"
किन्तु मइँ अपने मन मँ इ बिनती किहेउँ, "परमेस्सर
मोका मजबूत बनावा।"
10मइँ एक दिन दलायाह क पूत समायाह क घर गएउँ।
दलायाह महेतबेल क पूत रहा। समायाह क अपने घरे मँ ही
रूकइ पड़त रहा। समायाह कहेस,
"नहेमायाह आवा हम परमेस्सर क मन्दिर क भीतर
मिली। आवा चली भीतर हम पवित्तर ठउर क अउर बन्द
दुआरन क कइ लेइ आवा, वइसा करी हम काहे? काहेकि
लोग अहइँ आवत रहे मारइ क तोहका। उ पचे आवत
अहइँ आजु रात मार डावइ क तोहका।"
11किन्तु मइँ समायाह स कहेउँ, "का मोरे जइसे कउनो
मनई क पराइ जाइ चाही? तू तउ जानत ही अहा कि मोरे
जइसे मनई क आपन परान बचावइ क बरे मन्दिर मँ भाग
जाइ चाही। तउ मइँ हुवाँ नाही जाबउँ।"
12मइँ जानत रहेउँ कि समायाह क परमेस्सर नाही पठएस
ह। मइँ जानत रहेउँ कि मोरे खिलाफ उ एह बरे अइसी झूठ
भविस्सबाणियन करत अहइ कि तोबियाह अउर सम्बल्लत
ओका वइसा करइ बरे धन दिहस ह। 13समायाह क मोका
डेरावइ बरे भाड़े पइ रखा गवा रहा। उ पचे इ चाहत रहेन
कि डरके छिपइ बरे मन्दिर मँ पराइके मइँ पाप करउँ ताकि
मोका लज्जित करइ अउ बदनाम करइ क कउनो आधार
होइ।
14हे परमेस्सर! तोबियाह अउ सम्बल्लत क याद राखा।
ओन बुरे कामन क याद राखा जउन उ पचे किहन ह। उ
नबिया नोअद्याह अउ ओन नबियन क याद राखा जउन
मोका भयभीत करइ क जतन करत अहइँ।

परकोटा पूरा होइ गवा

15इ तरह एलूल नाउँ क महीने क पच्चीसवीं तारीख क
यरूसलेम क परकोटा बनिके तइयार होइ गवा। देवार क
बनिके पूरा होइ मँ बावन दिन लगेन। 16फुन हमार सबहिं
दुस्मनन सुनेन कि हम परकोटा बनाइके तइयार कइ लिहा
ह। हमरे आस पास क सबहि देसन लखेन कि निर्माण कार्य
पूरा होइ चुका ह। एहसे ओनकर हिम्मत टूट गइ काहेकि
उ पचे जानत रहेन कि हम इ कार्य हमरे परमेस्सर क मदद
स पूरा किहा ह।
17एकरे अलावा ओन दिनन जब उ देवार बनिके पूरी होइ
चुकी रही तउ यहूदा क धनी लोग तोबियाह क पत्र
लिख-लिखके पत्र पठवइ लागेन, तोबियाह ओनके पत्रन क
जवाब दिया करत। 18उ पचे एन पत्रन क एह बरे पठवा
करत रहेन कि यहूदा क बहोत स लोग ओकरे बरे वफादार
बने रहइ क कसम उठाए भए रहेन। एकर कारण इ रहा
कि तोबियाह सकन्याह क दामद रहा। जउन आरह क पूत

रहा अउर तोबियाह क पूत यहोहानान बेरेक्याह क पूत
मसुल्लाम क बिटिया स बियाह किहे रहे। 19अउर उ सबइ
लोग मोहसे कहत रहत रहेन कि तोबियाह केतना अच्छा
अहइ अउर उधर उ पचे जउन काम मइँ किया करत रहेउँ,
ओकरे बारे मँ तोबियाह क खबर देत रहेन। तोबियाह मोका
डरावइ बरे पत्र पठवत रहत रहा।

7 इ तरह हम देवार बनावइ क काम पूरा कीन्ह। फुन
हम देवार पइ दरवाजन लगाए। फुन हम दुआर क
पहरेदारन, मन्दिर क गायकन अउ लेबियन क चुनेन। 2एकरे
पाछे मइँ अपने भाई हनानी क यरूसलेम क हाकिम नियुक्त
कइ दीन्ह। मइँ हनन्याह नाउँ क एक ठु अउर मनई क
चुनेउँ अउर ओका किलेदार नियुक्त कइ दिहेउँ। मइँ हनानी
क एह बरे चुने रहेउँ कि उ बहोत ईमानदार मनई रहा अउर
उ परमेस्सर स आप लोगन स कहूँ जियादा डेरात रहा। 3तब
मइँ हनानी अउर हनन्याह स कहेउँ, "तोहका हर दिन
यरूसलेम क दुआर खोलइ स पहिले घंटन सूरज चढ जाइ
क पाछे तलक इंतजार करत रहइ चाही अउर सूरज छुपइ स
पहिले ही तोहका दरवाजन बन्द कइके ओन पइ ताला
लगाइ देइ चाही। यरूसलेम मँ रहइवाले लोगन मँ स
तोहका कछू अउर लोग चुनइ चाही अउर ओनका नगर क
रच्छा करइ बरे बिसेस जगहन पइ नियुक्त करा अउर कछू
लोगन क ओनके घरन क लगे ही पहरे पइ लगाइ द्या।"

लउटे भए बन्दियन क सूची

4अब लखा, उ एक बहोत बडा नगर रहा जहाँ पर्याप्त
जगह रही। किन्तु ओनमाँ लोग बहोत कम रहेन अउर
मकान अबहिं तलक फुन स नाहीं बनाए गए रहेन। 5एह बरे
मोर परमेस्सर मोरे मन मँ एक बात पइदा किहस कि मइँ
सबहि लोगन क एक सभा बुलाएउँ तउ मइँ सबहि
महत्त्वपूर्ण लोगन क, हाकिमन क अउर सर्वसाधारण क
एक संग बोलाएउँ। मइँ इ काम एह बरे किहेउँ कि मइँ
ओन सबहि परिवारन क एक सूची तइयार कइ सकउँ।
मोका अइसे लोगन क पारिवारिक सूचियन मिली जउन
दासता स सब स पहिले छूटइवालन मँ स रहेन। हुवा जउन
लिखा भवा मोका मिला, उ इ तरह अहइ।

6इ सबइ पहँटा क उ सबइ लोग अहइँ जउन दासत्व स
अजाद होइके लउटेन (बाबेल क राजा, नबूकदनेस्सर एन
लोगन क बन्दी बनाइके लइ गवा रहा। इ सबइ लोग
यरूसलेम अउ यहूदा क लउटेन। हर मनई अपने-अपने
नगर मँ चला गवा। 7इ सबइ लोग जरुब्बाबेल, येसू,
नहेमायाह, अजर्याह, राम्याह, नहमानी, मोर्दकै, बिलसान,
मिस्पेरेत, बिग्वै, नहूम अउर बाना क संग लउटे रहेन।

इस्राएल क लोगन क सूची

8पॅरोस क संतान	2,172
9सपत्याह क संतान	372
10आरह क संतान	652
11पहत्मोआब क संतान (येसू अउर योआब क परिवार क संतानन)	2,818
12 एलाम क संतान	1,254
13जत्तू क संतान	845
14जक्कै क संतान	760
15बिन्नूई क संतान	648
16बेबै क संतान	628
17अजगाद क संतानन	2,322
18अदोनीकाम क संतान	667
19बिग्वै क संतान	2,067
20आदीन क संतान	655
21आतेर क संतान (हिजीकयाह क परिवार स)	98
22हासम क संतान	328
23बेसै क संतान	324
24हारीप क संतान	112
25गिबोन क संतान	95
26बेतलेहेम अउर नतोपा नगरन क लोग	188
27अतानोत नगर क लोग	128
28बेतजमावत नगर क लोग	42
29किर्यत्यारीम, कपीर तथा बेरोत नगरन क लोग	743
30रामा अउर गेबा नगरन क लोग	621
31मिकपास नगर क लोग	122
32बेतेल अउर ऐ नगर क लोग	123
33नबो नाउँ क दूसर नगर क लोग	52
34एलाम नाउँ क दूसर नगर क लोग	1,254
35हरीम नाउँ क नगर क लोग	320
36यरीहो नगर क लोग	345
37लोद, हादीद अउर ओनो नाउँ क नगरन क लोग	721
38सना नाउँ क नगर क लोग	3,930
39याजकन क सूची यदायाह क संतान (येसू क परिवार स)	973
40इम्मेर क संतान	1,052
41पसहूर क संतान	1,247
42हारीम क संतान	1,017

43लेवी परिवार समूह क लोगन क सूची:

येसू क संतान (कदमीएल क जरिये होदवा क परिवार स)	74

44गायकन क सूची:

आसाप क संतान	148

45दुआरपालन क सूची:

सल्लूम, आतेर, तल्मोन, अक्कूब, हतीता अउर सोबै क संतान	138

46मन्दिर क सेवकन क सूची:
सीहा, हसूपा अउर तब्बाओत क संतानन,
47केरोस, सीआ अउर पादोन क संतानन,
48लबाना, हगाबा अउर सल्मै क संतान,
49हानान, गिद्देल, गहर क संतान

50राया, रसीन अउर नकोदा क संतानन,
51गज्जाम, उज्जा, अउर पासेह क संतान
52बेसै, मूनीम, नपूसस क संतान,
53बकबूक, हकूपा, हर्हूर क संतान,
54बसलीत, महीदा अउर हर्सा क संतानन,
55बर्कोस, सीसरा अउर तेमेह क संतानन,
56नसीह अउर हतीपा क संतान।

57सुलैमान क सेवकन क संतान:
सोतै, सोपेरेत अउर परीदा क संतान
58याला दर्कोन अउर गिद्दोल क संतान,
59सपत्याह, हत्तील, पोकेरेत-हैस्सबायीम अउर आमोन
क संतानन,
60मन्दिर क सबहि सेवक अउ
सुलैमान क सेवकन क संतान रहिन। 392

61इ ओन लोगन क सूची अहइ जउन तेलमेलह,
तेलहर्सा, करूब अद्दोन अउर इम्मेर नाउँ क नगरन स
यरूसलेम आए रहेन। मुला इ सबइ लोग साबित नाहीं कइ
सकेन कि ओनकर परिवार असल मँ इस्राएल क लोगन स
सम्बन्धित रहेन:
62दलायाह, तोबियाह अउ नेकोदा
क संतानन 642

63इ ओन याजकन क सूची अहइ जउन
होबायाह, हवकोस अउ बर्जिल्लै (जउन कउनो भी
मनई गिलाद क बर्जिल्लै क बिटियन स बियाह किहा
ओका बर्जिल्लै कहा जात रहा) क सन्तानन रहेन।

64जउन लोग अपने परिवारन क ऐतिहासिक दस्तावेजन
क हेरेन अउर उ पचे ओनका पाइ नाहीं सकेन, ओनकर
नाउँ याजकन क सूची मँ नाहीं जोरा जाइ सका। उ पचे
असफल रहेन एह बरे याजक नाहीं बन सकत रहेन। 65तउ
राज्जपाल ओनका एक आदेस दिहस जेकरे तहत उ पचे
कउनो भी बहोत पवित्तर भोजन क नाहीं खाइ सकत रहेन।
उ भोजन मँ स उ पचे उ समइ तलक कछू भी नाहीं खाइ
सकत रहेन जब तलक महायाजक ऊरीम अउर तुम्मीम क
उपयोग न कइ लेत रहेन।
66उ समूचे समूह मँ लोगन क गनती 42,360 रही
67अउर ओनके लगे 7,337 दास अउर दासियन रहिन
जउन गनती मँ नाहीं लीन्ह गवा रहेन, ओनके पास 245
गायक अउर गायिकन रहिन। 68ओनके लगे 736 घोड़न
अउर 245 खच्चर, 69अउर 435 ऊँट अउर 6,720 गदहन
रहेन।
70परिवार क कछू नेता लोगन उ कामे क सहारा देइ बरे
धन दिहे रहेन। राज्जपाल क जरिये निर्माण कोस मँ 19
पौण्ड सोना दीन्ह गवा रहा। उ याजकन क बरे 50 खोरन
अउ 530 जोड़ी ओढ़नन भी दिहे रहेन। 71परिवार क मुखिया
लोग 375 पौण्ड सोना उ काम क सहारा देइ क बरे
निर्माण कोस मँ दिहन अउर 1 1/3 टन चाँदी ओनके जरिये
भी दीन्ह गइ। 72दूसर लोग कुल मिलाइके 375 पौण्ड सोना
उ काम क सहारा देइ बरे निर्माण कोस क दिहन। उ पचे
1 1/3 टन चाँदी अउर याजकन क बरे 67 जोड़े ओढ़नन
भी दिहन।
73इ तरह याजक लेवी परिवार समूह क लोग, गायक
अउर मन्दिर क सेवक अपने-अपने नगरन मँ बस गएन
अउर इस्राएल क दूसर लोग भी अपने-अपने नगरन मँ रहइ
लागेन अउर फुन साल क सतएँ महीने तलक इस्राएल क
सबहि लोग अपने-अपने नगरन मँ बस गएन।

एज्रा क जरिये व्यवस्था विधान क बाँचा जाब

8 फुन इस्राएल क सबहिं लोग आपस मँ एकट्ठे भएन।
उ पचे सबहिं एक रहेन अउर इ तरह एकमत रहेन
जइसे माना उ पचे एक मनई होइँ। जल दुआर क समन्वा
क खुले चौक मँ उ पचे आपुस मँ मिलेन। उ पचे लिपिक
एज्रा स मूसा क व्यवस्था क किताब क लिआवइ बरे
कहेन। इ उहइ व्यवस्था क विधान अहइ जेका इस्राएल क
लोग यहोवा क दिहे रहेन। 2तउ याजक एज्रा आपस मँ
एकट्ठे भएन। ओन लोगन क समन्वा व्यवस्था क विधान
क किताब क लइ आवा। उ दिन महीने क पहिली तारीख
रही अउर उ महीना बरिस क सातवाँ महीना रहा। उ सभा
मँ मनसेधू रहेन, मेहररूअन रहिन, अउर उ पचे सबहिं रहेन
जउन बातन क सुन अउर समुझ सकत रहेन। 3एज्रा भिंसारे
क तड़के स लइके दोपहर तलक इ व्यवस्था क विधान क
किताबे स पाठ किहा। उ समइ एज्रा क मुँह उ खुले चौक
क तरफ रहा जउन जल दुआर क समन्वा पड़त रहा। उ
सबहिं मनसेधुअन, मेहररूअन अउ ओन सबहिं लोगन क
बरे ओका बाँचेस जउन सुन समुझ सकत रहेन। सबहि लोग
व्यवस्था क विधान क सावधानी स सुनेन।
4एज्रा काठे क उ ऊँच मंच पइ खड़ा रहा जेका इ
बिसेस अवसर क बरे ही बनावा गवा रहा। एज्रा क दाहिन
कइँती मत्तित्याह, सेमा, अनायाह, उरिय्याह, हिल्कियाह
अउर मासेयाह खड़े रहेन अउर एज्रा क बाईं कइँती पदायाह,
मीसाएल, मल्कियाह, हासूम, हस्बद्दाना, जकर्याह अउर
मसुल्लाम खड़े भए रहेन।
5फुन एज्रा उ किताबे क खोलेस। एज्रा सबहि लोगन क
देखाई देत रहा काहेकि उ सब लोगन स ऊपर एक ऊँचे
मंच पइ खड़ा रहा। एज्रा व्यवस्था क विधान क किताब क
जइसे ही खोलेस, सबहि लोग खड़े होइ गएन। 6एज्रा महान
परमेस्सर यहोवा क प्रसंसा किहस अउर सबहि लोग अपने
हाथ ऊपर उठावत भए एक सुर मँ कहेन, "आमीन!
आमीन!" अउर फुन सबहि लोग आपन मूँडि खाले निहुराइ
दिहन अउर धरती पइ दण्डवत करत भए यहोवा क अराधना
किहन।
7लेवीबंस परिवार समूह क एन मनइयन व्यवस्था क
विधान क व्याख्या तब किहेन सबहिं हुवाँ खड़े रहेन।
लेवीबंस क ओन लोगन क नाउँ रहेन: येसू, बानी,
सेरेब्याह, यामीन, अक्कूब, सब्बतै, होदियाह, मासेयाह,
कलिता, अजर्याह, योजबाद, हानान अउ पलायाह। 8लेवीबंस
क एन लोग परमेस्सर क व्यवस्था क विधान क किताब क

पाठ किहन। उ पचे ओनकर अइसी स्पस्ट किहेन कि लोग
ओका समुझ सकइँ।
9एकरे पाछे राज्जपाल नहेमायाह याजक अउ सिच्छक
एज्रा अउ लेवीबंस क लोग जउन लोगन क सिच्छा देत
रहेन, बोलेन। उ पचे कहेन, "आजु क दिन तोहरे परमेस्सर
यहोवा क बिसेस दिन अहइ दु:खी जिन हवा, बिलाप जिन
करा।" उ पचे अइसा एह बरे कहे रहेन कि लोग व्यवस्था
क विधान मँ परमेस्सर क संदेसा सुनत भए रोवइ लगे रहेन।
10नहेमायाह कहेस, "जा, अउर जाइके उत्तिम भोजन अउ
सर्बत क आनन्द ल्या। अउर तनिक खाना अउर सर्बत ओन
लोगन क भी द्या जउन कउनो खाना नाहीं बनावत ही।
आजु यहोवा क खास दिन अहइँ। दु:खी जिन रहा। काहेकि
यहोवा क आनन्द तोहका मज़बूत बनाइ देब।"
11लेवीबंस परिवार क लोग लोगन क सांत होइ मँ मदद
किहन। उ पचे कहेन, "चुप होइ जा, सांत रहा, इ एक
बिसेस दिन अहइ। दुखी जिन हवा।"
12एकरे पाछे सबहि लोग खावइ अउर पीवइ बरे चले
गएन। उ पचे खइया क ओका दिहेन जेका ओकर जरूरत
अहइ। उ पचे बहोत खुस रहेन अउर इ तरह उ पचे उ
बिसेस दिन क मनाएन काहेकि उ पचे यहोवा क ओन
सिच्छन क समुझ लिहन जेनका ओनका समुझावइ क
सिच्छक जतन किया करत रहेन।
13फुन महीने क दूसरी तारीख क सबहि परिवारन क
मुखिया, एज्रा, याजकन अउ लेवीबंसियन, स भेटइ गएन
अउर ब्यवस्था क विधान क बचनन क समुझइ क बरे
सबहिं लोग सिच्छक एज्रा क घेरिके खड़े होइ गएन।
14उ पचे समुझिके इ पाएन कि व्यवस्था क विधान मँ इ
आदेस दीन्ह गवा ह कि साल क सतएँ महीने मँ इस्राएल
क लोगन क एक बिसेस पवित्तर पर्व मनावइ क बरे
यरूसलेम जाइ चाही। ओनका चाही कि उ पचे अस्थायी
झोपड़ियन बनाइके हुवाँ रहइँ। लोगन क इ आदेस यहोवा
मूसा क जरिये दीन्ह रहा। 15लोगन क चाही रहा कि उ पचे
अपने नगरन अउ यरूसलेम स गुजरत भए एन बातन क
घोसणा करइँ: "पहाड़ी प्रदेस मँ जा अउर हुवाँ स तरह तरह
क जइतून क बृच्छन क टहनियन लइके आवा। मेंहदी,
खजूर अउर छायादार सघन बृच्छन क डारन लिआवा, फुन
ओन टहनियन स अस्थायी आवास बनावा। वइसा ही करा
जइसा व्यवस्था क विधान बनावत ह।"
16तउ लोग बाहेर गएन अउर ओन-ओन बृच्छन क
टहनियन लइ आएन अउर फुन ओन टहनियन स उ पचे
अपने बरे अस्थायी झोपड़ियन बनाइ लिहन। अपने घरे क
छतन पइ अउर अपने-अपने अँगनन मँ उ पचे झोपड़ियन
डाइ लिहन। उ पचे मन्दिर क आँगन जल-दुआर क निअरे
क खुले चौक अउर एप्रैम दुआरे क निअरे झोपडियन बनाइ
लिहन। 17इस्राएल क लोनग क उ समूची टोली जउन
बँधुआपन स छूटिके आई रही, आवास बनाइ लिहस अउर
उ पचे अपनी बनाई झोपड़ियन मँ रहइ लागेन। नून क पूत
यहोसू क समइ स लइके उ दिन तलक इस्राएल क लोग
झोपडियन क त्यौहार क कबहुँ इ तरह नाही मनाए रहेन। हर
मनई आनन्द स मगन रहा।
18उ पर्व क हर रोज एज्रा ओन लोगन बरे व्यवस्था क
बिधान क किताब मँ स पाठ करत रहा। उ पर्व क पहिले
दिन स अन्तिम दिन तलक एज्रा ओन लोगन क व्यवस्था
क बिधान बाँचिके सुनावत रहा। इस्राएल क लोग सात दिन
तलक उ पर्व क मनाएन। फुन व्यवस्था क विधान क
मुताबिक अठएँ दिन लोग एक बिसेस सभा क बरे आपुस
मँ एकट्ठा भएन।

इस्राएल क लोगन क जरिये अपने पापन क अंगीकार

9 फुन उहइ महीने क चौबीसवी तारीख क एक दिन क
उपवास क बरे इस्राएल क लोग आपुस मँ एकट्ठे
भएन। उ पचे इ देखावइ क बरे कि उ पचे दु:खी अउर
बेचैन अहइँ, उ पचे सोक वस्त्र धारण किहन, अपने अपने
मूँड़न पइ राखी डाएन। 2उ सबइ लोग जउन इस्राएल मँ
जनमा रहेन, उ पचे बाहेर क लोगन स अपने आप क
अलग कइ दिहन। इस्राएली लोग खड़े होइके अपने अउर
अपने पुरखन क पापन क कबूल किहन। 3उ सबइ लोग
हुवाँ लगभग तीन घण्टे खड़े रहेन अउर उ पचे अपने
यहोवा परमेस्सर क व्यवस्था क विधान क किताब क पाठ
किहन अउर फुन तीन घण्टे उ पचे यहोवा परमेस्सर क
समन्वा आपन मुँड़े क खाले निहुरेन अउर ओकर आराधना
किहेन अउर अपने पापन क कबूल किहन।
4फुन लेवीबंसी येसू, बानी, कदमीएल, सबन्याह, बुन्नी,
सेरेब्याह, बानी अउर कनानी मंच पइ खड़े होइ गएन अउर
उ पचे अपने परमेस्सर यहोवा क ऊँच सुर मँ गोहराएन।
5एकरे पाछे लेवीबंसी येसू, कदमीएल, बानी, हसबन्याह,
सेरेब्याह, होदियाह, सबन्याह अउर पतहयाह फुन कहेस। उ
पचे बोलेन: "खड़े होइ जा अउर अपने यहोवा परमेस्सर क
स्तुति करा।"
परमेस्सर सदा स जिअत रहा। अउर सदा ही जिअत रही।
लोगन क चाही कि स्तुति करइँ तोहरे बडकईवाले नाउँ क।
सबहिं आसीसन अउ सारे गुण गानन स नाउँ ऊपर उठइ
तोहार।
6तू तउ परमेस्सर अहा। यहोवा, बस तू ही परमेस्सर
अहा। अकासे क तू बनाया ह। सब स ऊँच अकासन क
रचना किहा तू, अउर जउन कछू अहइ ओनमाँ सब तोहार
बनावा अहइ! धरती क रचना किहा तू ही, अउर जउन कछू
धरती पइ अहइ। सागर क, अउर जउन कछू अहइ सागर
मँ। तू बनाया ह हर कउनो वस्तु क जिन्नगी तू देत ह!
सितारे सारे अकास क, निहुरत हीं समन्वा तोहरे अउर
उपासना करत हीं तोहार।
7यहोवा तू ही परमेस्सर अहा। तू मोका कसदियन क ऊर
जगह स बाहेर निकालेस ह। तू ओकर नाउँ बदलेस ह अउर
ओका नाउँ इब्राहीम दिहेस ह।
8तू इ लखे रह्या कि उ सच्चा अउर निस्ठावान रहा
तोहरे बरे। कइ लिहा उ साथ ओकरे वाचा एक ओका देइ
क धरती कनान क बचन दिहा तू धरती, जउन हुवा करत
रही हित्तियन क अउर एमोरियन क। धरती, जउन हुवा करत

रही परिज्जियन, यबूसियन अउर गिर्गासियन क। मुला बचन दिहा तू उ धरती क देइ क इब्राहीम क संतानन क अउर आपन बचन उ पूरा किहा तू काहे? काहेकि तू उत्तिम अहा।

9यहोवा लखत रहा तड़पत भए तू हमरे पुरखन क मिस्र मँ। गोहरावत मदद क लाल सागर क तट पइ तू ओनका सुने रह्या।

10फिरौन क तू देखाए रह्या चमत्कार। तू हाकिमन क ओकरे अउर ओकरे लोगन क देखाए रह्या अद्भुत करम। तोहका इ गियान रहा कि सोचा करत रहे मिस्री कि उ पचे उत्तिम अहइँ हमरे पुरखन स। किन्तु साबित कइ दिहा तू कि तू केतना महान अहा। अउर अहइ ओकर याद बनी भइ ओनका आजु तलक भी।

11सामने ओकरे लाल सागर क बाटँ दिहा तू, अउर उ पचे पार होइ ग रहेन झुरान धरती पइ चलत भए। मिस्र क फउजी पाछा करत रहेन ओनका। मुला बोर दिहा तू ही रह्या दुस्मन क सागर मँ। अउर उ पचे बूड़ गएन सागर मँ जइसे बूड़ जात ह पानी मँ पाथर।

12मीनार जइसे बादर स दिन मँ ओनका राह तू देखँाया अउर आगी क खंभे क प्रयोग कइके राति मँ ओनका तू देखँाया राह। मार्ग क तू ओनके इ तरह कइ दिहा ज्योतिर्मय अउर देखाइ दिहा ओनका कि कहाँ ओनका जाब अहइ।

13फुन तू उतर्या सीनै पहाड़ पइ अउर अकासे स तू रह्या ओनका सम्बोधित किहा। उत्तिम विधान दइ दिहा तू ओनका सच्ची सिच्छा क रहा तू दिहा ओनका। व्यवस्था क विधान ओनका तू दिहा अउर तू दिहा आदेस ओनका बहोत उत्तिम।

14तू बताया ओनका सबित यानी अपने विस्राम क बिसेस दिन क विसय मँ। तू अपने सेवक मूसा क जरिये ओनका आदेस दिहा। व्यवस्था क विधान दिहा अउर दिहा सिच्छन।

15जब ओनका भूख लगी बरसाइ दिहे भोजन रह्या, तू अकासे स। जब ओनका पियास लाग, चट्टान स परगट किहे तू रह्या जल क अउर कहे तू रह्या ओनसे आवा, 'लइ ल्या इ प्रदेस क।' तू बचन दिहा ओन क उठाइके हाथ इ प्रदेस क ओनका।

16मुला उ सबइ पुरखन हमारे होइ गएन अभिमानी; उ पचे होइ गए हठी रहेन। कइ दिहन उ पचे मना आग्यन मानइ स तोहार।

17कइ दिहन उ पचे मना सुनइ स। उ पचे भूलेन ओन अचरज भरी बातन क जउन तू ओनके संग किहे रह्या। उ पचे होइ गएन जिद्दी। बिद्रोह उ पचे किहन, अउर बनाइ लिहन, आपन एक नेता जउन ओनका लउटाइके लइ जाइ। फुन ओनकर उहइ दासता मँ मुला तू तउ अहा दयावान परमेस्सर। तू अहा दयालु अउर करुणापूर्ण, धीरजवान, अउ पिरेम स भरा अहा तू। एह बरे तू रह्या त्यागा नाहीं ओनका।

18चाहे उ पचे बनाइ लिहन सोने क बछवा अउर कहेन, 'बछवा अब देव अहइ तोहार' इहइ स निकारा रहा तू पचन्क मिस्र स बाहर मुला ओनका तू त्यागा नाहीं।'

19तू बहोत ही दयालु अहा। एह बरे तू ओनका रेगिस्ताने मँ त्यागा नाहीं। दूर ओनसे हटाया नाहीं दिन मँ तू बादर क खम्भन क मारग तू देखावत रहा ओनका। अउर राति मँ तू रह्या दूर किहे नाहीं ओनसे आगी क पुंज क। प्रकासित तू करत रह्या रास्ते क ओनके। अउर तू देखावत रह्या कहाँ ओनका जाब अहइ।

20निज उत्तिम चेतना, तू दिहा ओनका ताकि तू बिवेकी बनाया ओनका। खाइ क देत रह्या, तू ओनका 'मन्ना' अउर पियास क ओनका तू देत्या रहा पानी।

21तू रख्या ओनकर धियान चालीस बरिसन तलक रेगिस्तान मँ। ओनका मिली हर वस्तु जेकर ओनका दरकार रही। ओढ़ना ओनकर फटे तलक नाहीं गोड़न मँ ओनके कबहुँ नाहीं आई सूजन कबहुँ कउनो पीरा मँ।

22यहोवा तू दिहा ओनका राज्ज, अउर ओनका दिहा जातियन अउर दूर सुदूर क जगह रहिन ओनका दिहा जहाँ बसत रहेन कछू लोग धरती ओनका मिल गइ सीहोन क, सीहोन जउन हसबोन क राजा रहा धरती ओनका मिल गइ ओग क, ओग जउन बासान क राजा रहा।

23तू ओनका अनन्त संतान जेतने अंबर मँ तारे अहइँ दिहा ह। ओनका तू उ धरती लइ आया जेकरे बरे ओनके पुरखन क तू कहे रहा कि उ पचे हुवाँ जाइँ अउर ओह पइ अधिकार करइँ।

24धरती उ ओन संतानन लइ लिहन। हुवाँ रह रहे कनानियन क उ पचे हराइ दिहन। पराजित कराया तू ओनसे ओन लोगन क साथ ओन प्रदेसन क अउर ओन लोगन क उ पचे जइसा चाहइँ वइसा करइँ अइसा रहा तू कराइ दिहा।

25सक्तीसाली नगरन क उ पचे हराइ दिहन। कब्जा किहन उपजाउ धरती पइ उ पचे। उत्तिम चिजियन स भरे भए लइ लिहन उ पचे घर; खोदे भए कुँअन क लइ लिहन उ पचे। लइ लिहन उ पचे रहेन बगीचे अंगूर क। जइतून क बृच्छ अउ फलन क बृच्छ भर पेट खाया उ पचे करत रहेन तउ उ पचे होइ गएन मोटे। तोहार दीन्ह सबहि अद्भुत चिजियन क आनन्द उ पचे लेत रहेन।

26अउर फुन उ पचे तोहार नाफ़रमानी किहेस अउर तोहार खिलाफ बिद्रोह किहेस। उ तोहरी नेम आपन पीठ क पीछे लोकाइ दिहन अउर तोहरे नबियन क मार डाएन। अइसे नबियन क जउन लोगन क सचेत करत रहेन। उ पेचे लोगन क तोहरी ओर वापिस लिआवइ क जतन किहेन। मुला हमार पुरखन तोहरे खिलाफ भयानक पाप किहेन।

27तउ तू ओनका ओनके दुस्मनन क हाथन मँ पकड़इ दिहा। ओनका दुस्मन बहुतेरे कस्ट दिहन। जब हमार पुरखन पइ बिपदा पड़ी तउ उ पचे तोहका गोहारत रहेन। अउर सरग मँ तू रह्या ओनका सुन लिहा। तू दायलु अउर रहम दिल अहइ एँह बरे तू ओन लोगन क बचावइ बरे लोगन क भेजेस। अउर ओन लोग ओनके दुस्मनन स छुड़ाइके ओनका बचाइ लिहन।

28मुला, जइसे ही चैन ओनका मिलत रहा, वइसे ही उ पचे बुरे काम करइ लग जातेन बार बार। तउ दुस्मनन क हाथन ओनका सौंप दिहा तू ताकि उ पचे करइँ ओन पइ राज। फुन तोहार दोहाई उ पचे दिहन अउर सरग मँ तू सुन्या ओनकर अउर मदद ओनकर किहा। तू केतना दयालु अहा! होत रहा अइसा ही अनेकन बार।

29तू चेताया ओनका! फुन स लउटि आवइ क तोहरे
विधान मँ मुला उ पचे रहेन बहोत अभिमानी। उ पचे नकार
दिहन तोहरे आदेस क। जदि चलत ह कउनो मनई नेमन पइ
तोहरे तउ फुरइ जिएगा उ किन्तु हमरे पुरखन तउ तोड़े रहेन
तोहरे नेमन क उ पचे रहेन हठीले। मुँह फेर, पीठ दिहे रहेन
उ पचे तोहका। तोहार सुनइ स ही उ पचे रहेन मना किहे।

30तू रह्या बहोत सहनसील, संग हमरे पुरखन क, तू
ओनका करइ दिहा बर्त्ताव बुरा अपने संग बरिसन तलक।
सजग किहा तू ओनका अपनी आतिमा स। ओनका देइ
चितउनी पठए रह्या नबियन क तू। मुला हमरे पुरखन तउ
ओनकर सुनेन ही नाहीं। एह बरे तू रह्या दूसरे देसन क
लोगन क सौप दिहा ओनका।

31मुला तू केतना दयालु अहा। तू किहे रह्या नाहीं पूरी
तरह नस्ट ओनका। तू तज्या नाहीं ओनका रह्या। हे
परमेस्सर। तू अइसा दयालु अउर करूणापूर्ण अइसा अहा।

32हमार परमेस्सर महान परमेस्सर अहइ! तू एक अचरजमय
अउर सक्तीसाली सैनिक अहा जउन बिस्सास करइ जोग्ग
अहा। तू निज वाचा क निभावत ह अउर तू हमेसा दयालु
अहा। हमार सबहिं परेसानियन क जेका हम पचन्क झेलेस
ह साधारण जिन समुझा। साथ मँ हमरे राजा लोगन क
अउर मुखिया लोगन क साथ बहोत परेसानियन घटि रहेन।
याजकन क संग मँ हमरे अउर संग मँ नबियन क अउर
हमरे सबहिं लोगन क संग बातन बुरी घटी रहिन। अस्सूर
क राजा स लइके आजु तलक उ सबइ बातन भयानक घटी
रहिन।

33किन्तु हे परमेस्सर। जउन कछू भी घटब अहइ साथ
हमरे घटी ओनके बरे निआव पूर्ण तू रहा। तू तउ अच्छा ही
रहा, बुरे तउ हम ही रहे।

34हमरे राजा लोगन मुखियन, याजकन अउर पुरखन नाहीं
पालेन तोहरी सिच्छन क। उ पचे नाहीं दिहन कान तोहरे
आदेसन, तोहार चिताउनियन उ पचे सुनेन ही नाहीं।

35हिआँ तलक कि जब पुरखन हमरे अपने राज्ज मँ रहत
रहेन, उ पचे नाहीं सेवा किहन तोहार। तजेन उ पचे नाहीं
बुरे करमत क करब। जउन कछू भी उत्तिम वस्तु ओनका तू
दिहे रह्या, ओनकर रस उ पचे रहेन लेत। आनन्द उ धरती
क लेत रहेन जउन रही सम्पन्न बहोत। अउर जगह बहोत
स रही ओनके लगे। किन्तु उ पचे नाहीं छोडेन निज बुरी
राह।

36अउर अब हम बने दास अही; हम दास अही उ धरती
पइ, जेका तू दिहे रह्या हमरे पुरखन क। तू इ धरती रह्या
ओनका दिहे, कि भोगइँ उ पचे ओकर फल अउर आनन्द
लेइँ ओन सबहि चिजियन क जउन हिआँ उगत ही।

37इ धरती क फसल अहइ भरपूर मुला पाप किहा हम
तउ हमार उपज जात ह लगे ओन राजा लोगन क जेनका
तू बइठाया ह मूँड़े पइ हमरे। हम पइ अउर गोरुअन पइ
हमरे उ सबइ राजा राज करत ही उ पचे चाहत हीं जइसा
भी वइसा ही करत ही। हम अही बहोत कस्ट मँ।

38तउ, सोचिके एन सबहि बातन क बारे मँ हम करित ह
वाचा एक, जउन न बदला जाइ कबहुँ भी। अउर इ वाचा
क लिखतम हम लिखत अही अउर इ वाचा पइ अंकित
करित ह आपन नाउँ हाकिम हमरे, लेवी क संतान अउर उ
पचे करत ही हस्ताच्छर लगाइके ओह पइ मुहर।

10 मुहर लगी वाचा पइ निम्नलिखित नाउँ लिखे रहेन:
हकल्याह क पूत राज्जपाल नहेमायाह। सिदकिय्याह,
2सरायाह, अजर्याह, यिर्मयाह, 3पसहूर, अमर्याह, मल्किय्याह,
4हत्तूस, सबन्याह, मल्लूक, 5हारीम, मरेमोत, ओबद्याह,
6दानिय्येल, गिन्नतोन, बारूक, 7मसूल्लाम, अबिय्याह,
मिय्यामीन, 8माज्याह, बिलगै अउर समायाह। इ सबइ ओन
याजक क नाउँ अहइँ जउन मुहर लगी वाचा पइ आपन
नाउँ अंकित किहेन।

9इ सबइ ओन लेवीबंसियन क नाउँ अहइँ जउन मुहर
लगी वाचा पइ आपन नाउँ अंकित किहन: आजन्याह क
पूत येसू, हेनानाद क संतान बिन्नई अउर कदमिएल 10अउर
ओनके भाइयन क नाउँ इ सबइ रहेन: सबन्याह, होदियाह,
कलीता, पलायाह, हानान, 11मीका, रहोब, हसब्याह 12जक्कूर,
सेरेब्याह, सकन्याह, 13होदियाह, बानी अउर बनीन।

14इ सबइ नाउँ ओन मुखिया लोगन क अहइँ जउन उ
मुहर लगी वाचा पइ अपने नाउँ अंकित किहन: परोस,
पहत-मोआब, एलाम, जत्तू, बानी, 15बुन्नी, अजगाद, बेबै,
16अदोनिय्याह, बिग्वै, आदीन, 17आतेर, हिजकिय्याह, अज्जूर,
18होदियाह, हासूम, बेसै, 19हारीफ अनातोत, नोबै, 20मगपिआस,
मसूल्लाम, हेजीर 21मेसजबेल, सादोक, यद्दू, 22पलत्याह,
हानान, अनायाह, 23होसे, हनन्याह, हस्सूब, 24हल्लोहेस,
पिलहा, सोबेक, 25रहूम, हसब्ना, मासेयाह, 26अहियाह,
हानान, आनान, 27मल्लूक, हारीम अउर बाना।

28तउ अब इ सबइ सबहिं लोग जेनकर नाउँ ऊपर दीन्ह
गए अहइँ परमेस्सर क समन्वा इ बिसेस प्रतिग्या लेत हीं।
इ बचा भवा लोग भी प्रतिग्या किहेस ह: याजकन,
लेवीबंसी, दुआरपाल, गायक, यहोवा क भवन क सेवक,
अउर उ सबइ सबहिं लोग जउन आस-पास रहइवाले लोगन
स परमेस्सर क नेमन क पालन करइ बरे, अपने आप क
अलग कइ लिहे रहा। ओन लोगन क मेहररुअन, पूतन,
बिटियन अउर हर उ मनई जउन जान अउर समझ सकत ह
कि उ पचे का करत अहा।

29इ सबइ लोग जउन अपने भाई बंधुअन अउ अपने
मुखियन क संग इ प्रतिग्या क अपनावइ मँ सम्मिलित भएन
कि उ पचे परमेस्सर क सेवक मूसा क जरिये दीन्ह गए
बिधान क पालन करिही। उ पचे सहमत भएन कि जदि
आपन प्रतिग्या मँ असफल होइ तउ सराप पाइहीं। परमेस्सर
हमका आपन बिधान ओकर सेवक मूसा जरिये दिहेन। इ
सबइ लोग प्रतिग्या किहेन कि उ पचे सावधानी क संग
अपने यहोवा आपन परमेस्सर क आदेसन, नेमन अउर
अध्यादेसन क पालन करिही। उ पचे सुआमी ओकर
परमेस्सर क हुकुमन आदेसन अउर फइसलन क अनुसरण
करिहीं।

30"हम प्रतिग्या करित ह कि अपने आस-पास रहइवाले
लोगन क संग अपनी बिटियन क बियाह नाहीं करिहीं अउर
हम इ प्रतिग्या भी करित ह कि ओनकी बिटियन क संग
अपने बेटवन क नाहीं बियाहब।

31“हम इ प्रतिग्या करित ह कि सबित क दिन काम
नाही करब अउर जदि हमरे आस-पास रहइवाले लोग सबित
क दिन बेचइ क अनाज या दूसर चिजियन लिआउब तउ
बिस्राम क उ बिसेस दिन या कउनो भी दूसर बिसेस क
दिन, ओन चिजियन क नाहीं बेसहिही। हर सतएँ बरिस हम
न तउ आपन धरती क जोतब अउर न बोउब, अउ हर
सतएँ बरिस मँ हम दूसरे लोगन क कर्ज क माफ कइ देब।
32“परमेस्सर क भवन क धियान रखइ क बरे ओकरे
आदेसन पइ चलइ क जिम्मेदारी क हम ग्रहण करब। हम
हर बरिस एक तिहाई सेकेल हमरे परमेस्सर क सम्मान मँ
भवन क सेवा, उपासना क बढ़ावा देइ क बरे दिया करब।
33इ धन क उपयोग उ बिसेस रोटी बरे कीन्ह जाइ जेका
याजक मन्दिर क वेदी पइ अर्पित करत ह। इ धने क
उपयोग हर दिन क अन्नबलि अउ होमबलि बरे कीन्ह जाइ।
सबित नवे चाँद क त्यौहार अउर दूसरी सभन पइ इहइ धने
स खरचा होइ। ओन पवित्तर चढ़ावन अउ पाप बलियन बरे
भी इ धन क ही उपयोग कीन्ह जाई जेनसे इस्राएल क
लोग अभिसेक होइ। इ धन स ही हर उ काम क खरच
चली जउन हमरे परमेस्सर क मन्दिर क बरे जरूरी अहइ।
34“हम, यानी याजक, लेवीबंसी अउर लोग मिलिके इ
निहचित करइ बरे पासे लोकाएन कि हमरे हर परिवार क
हर बरिस एक निहचित समइ हमरे परमेस्सर क मन्दिर मँ
काठे क उपहार कब लिआउब अहइ। उ काठ जेका हमरे
परमेस्सर यहोवा क वेदी पइ बारा जात ह। हम क इ काम
क जरूर करइ चाही काहेकि इ हमार व्यवस्था क बिधान
मँ लिखा अहइ।
35“हम क अपने फलन क हर बृच्छ अउर अपनी
फसल क पहिले फलन क लिआवइ क जिम्मेदारी भी
ग्रहण करित ह। हर बरिस यहोवा क मन्दिर मँ हम उ
फसल क लिआइके अर्पित किया करब।
36“काहेकि ब्यवस्था क विधान मँ इ भी लिखा अहइ
एह बरे हम एका भी किया करब: हम अपने पहिलौटे पूत,
पहिलौटी गइया क बच्चन, भेड़िन अउर बोकरियन क
पहिले छौनन क लइके परमेस्सर क मन्दिर मँ आवा करब।
ओन याजकन क लगे हम एन सब क लइ जावा करब
जउन हुवाँ मन्दिर मँ सेवा आराधना करत हीं।
37“हम परमेस्सर क मन्दिर क भण्डार मँ याजकन क
लगे इ सबइ चिजियन भी लिआवा करब: पहिला गूंधा भवा
आटा, पहली अन्न बलियन, हमरे सबहिं बृच्छन क फल,
हमरी नई दाखरस अउर तेल क पहिला भाग। हम
लेवीबंसियन बरे अपनी उपज क दसवाँ हीसा भी दिया करब
काहेकि हर एक नगर मँ जहाँ हम काम करित ह, लेवीबंसी
हम स इ सबइ चिजियन लिया करत हीं।
38“लेवीबंसी जब उपज क इ भाग एकट्ठा करइँ तउ
हारून क परिवार क एक याजक ओनके संग जरुर होइ
चाही, अउर फुन एन सबइ चिजियन क दसवे हीसे क हुवाँ
स लइके लेवीबंसियन क चाही कि उ पचे ओनका हमरे
परमेस्सर क मन्दिर मँ लइ आवइँ अउर ओनका मन्दिर क
खजाने क कोठियारन मँ धइ देइँ। 39इस्राएल क लोग अउर
लेवीबंसियन क चाही कि उ पचे अपने उपहारन क
कोठियारन मँ लइ आवइँ। उपहार क अन्न, नई दाखरस
अउर तेल क ओनका हुवाँ लइ आवइ चाही। मन्दिर मँ
काम आवइवाली सबहिं चिजियन ओन कोठियारन मँ रखी
जात ही अउर अपने कार्य पइ नियुक्त याजक, गायक अउर
दुआरपालन क कमरन भी उहइ रहेन।
“हम सबहिं प्रतिग्या करित ह कि हम अपने परमेस्सर क
मन्दिर क देख रेख किया करब।”

यरूसलेम मँ नवे लोगन क प्रवेस

11 लखा अब इस्राएल क लोगन क मुखिया यरूसलेम
मँ बस गएन। इस्राएल क दूसरे लोगन क इ
निहचित करब रहा कि नगर मँ अउर कउन लोग बसिही।
एह बरे उ पचे पासे लोकाएन जेकरे मुताबिक हर दस
मनइयन मँ स एक क यरूसलेम क पवित्तर नगर मँ रहब
रहा अउर दुसर नौ मनइयन क अपने-अपने मूल नगरन मँ
बसब रहा। 2यरूसलेम मँ रहइ क बरे कछू लोग खुद अपने
आप क प्रस्तुत किहन। अपने आप क खुद प्रस्तुत करइ क
बरे दूसर मनइयन ओनका धन्नवाद देत भए आसीर्बाद दिहन।
3इ सबइ प्रांतन क उ सबइ मुखिया अहइँ जउन
यरूसलेम मँ बस गएन। (कछू इस्राएल क निवासी कछू
याजक लेवीबंसी मन्दिर क सेवक अउर सुलैमान क ओन
सेवकन क संतान अलग-अलग नगरन मँ अपनी निजी
धरती पइ यहूदा मँ रहा करत रहेन, 4अउर यहूदा अउर
बिन्यामीन क परिवारन क दूसर लोग यरूसलेम मँ ही रहत
रहे रहेन।)
यहूदा क उ सबइ संतानन जउन यरूसलेम मँ बस गए
रहेन, उ सबइ इ सब अहइँ: अतायाह। (अतायाह उज्जियाह
क पूत रहा। उज्जिया जकर्याह क पूत रहा। जकर्याह अमर्याह
क पूत रहा अउर अमर्याह सपत्याह क पूत रहा। सपत्याह
महललेल क पूत रहा अउर महललेल पेरेस क संतान
रहा।) 5मासेयाह बारूक क पूत रहा (अउर बारूक कोल-होजे
क पूत रहा। कोल-होजे हजायाह क पूत रहा। हजायाह
अदायाह क पूत रहा। अदायाह योयारीब क पूत रहा।
योयारीब जकर्याह क पूत रहा। जकर्याह सिलोई क संतान
रहा।) 6पेरेस क संतान यरूसलेम मँ रहत रहिन, ओनकर
गनती रही चार सौ अडसठ। उ पचे सबहिं लोग सूरवीर
रहेन।
7बिन्यामीन क जउन संतान यरूसलेम मँ आइन उ सबइ
इ सब रहिन: सल्लू। (सल्लू मसुल्लाम क पूत रहा।
मसूल्लाम योएद क पूत रहा। योएद पदायाह क पूत रहा
अउर पदायाह कोलायाह क पूत रहा। कोलायाह मासेयाह क
पूत रहा, मासेयाह इतीएह क पूत रहा अउर इतीएह यसायाह
क पूत रहा।) 8जउन लोग यसायाह क अनुसरण किहन उ
पचे रहेन गब्बै अउर सल्लै। एनके संग नौ सौ अट्ठाईस
मनसेधू रहेन। 9जिक्री क पूत योएल एनकर प्रधान रहा अउर
हस्सनूआ क पूत यहूदा नगर क दूसर प्रधान रहा।
10यरूसलेम मँ जउन याजक बस गएन, उ सबइ अहइँ;
योयारीब क पूत यदायाह अउ याकीन, 11अउर सरायाह
हिलकियाह क पूत रहा। हिल्कियाह मसुल्लाम क पूत रहा।
मसुल्लाम सादोक क पूत रहा। सादोक मरायोत क पूत रहा।

मरायोत अहीतूब क पूत रहा। अहीतूब परमेस्सर क भवन क
देखरेख करइ वाला रहा।
12ओनके भाइयन क आठ सौ बाइस मनसेधू जउन मन्दिर
क बरे काम किहे रहेन अउर यरोहाम क पूत अदायाह।
यरोहाम पलल्याह क पूत रहा। पलल्याह अम्सी क पूत रहा।
अम्सी जकर्याह क पूत रहा। जकर्याह पसहूर क पूत रहा।
पसहूर मल्किय्याह क पूत रहा। 13मलकियाह क भाइयन क
संख्या दुई सौ बियालीस रही। इ सबइ लोग अपने-अपने
परिवारन क मुखिया रहेन। अमसै अजरेल क पूत रहा।
अजरेल अहजै क पूत रहा। अहजै मसिल्लेमोत क पूत रहा।
मसिल्लेमोत इम्मेर क पूत रहा), 14अमसै अउर ओकर
साथी वीर जोधा रहेन। उ पचे गनती मँ एक सौ चौबीस
रहेन। हग्गदोलीन क पूत जब्दिएल ओनकर अधिकारी हुआ
करत रहा।
15इ सबइ उ सब लेवीबंसी अहइँ, जउन यरूसलेम मँ
जाइ बसे रहेन: समायाह हस्सूब क पूत रहा। हस्सूब
अज्रीकाम क पूत रहा। अज्रीकाम हुसब्याह क पूत रहा।
हुसब्याह बुन्नी क पूत रहा। 16सब्बत अउर योजाबाद (इ
सबइ दुइ मनई लेवीबंसियन क मुखिया रहेन। उ पचे
परमेस्सर क मन्दिर क बाहरी कामन देखरेख करइवालन
रहेन।)
17मत्तन्याह, (मत्तन्याह मीका क पूत रहा, अउर मीका
जब्दी क पूत रहा, अउ जब्दी आसाप क पूत रहा। आसाप
स्तुति गीत अउर पराथनन क गायन मँ लोगन क धन्यवाद
देइवालन क अगुवाई किया करत रहा।) बकबुकियाह अपने
भाइयन क ऊपर दूसरे दर्जे क अधीकारी रहा।) अउर अब्दा
सम्मू क पूत रहा। (सम्मू गालाल क पूत रहा। गालाल
यदूतून क पूत रहा।) 18इ तरह दुइ सौ चौरासी लेवीबंसी
यरूसलेम क पवित्तर नगर मँ जाइ बसे रहेन।
19जउन दुआरपाल यरूसलेम चले गए रहेन, ओनकर
नाउँ इ सबइ रहेन: अक्कूब, तलमोन, अउर ओनकर साथी।
इ सबइ लोग नगर दुआरन पइ नजर रखत भए ओनकर
रखवारी किया करत रहेन। इ सबइ गनती मँ एक सौ बहत्तर
रहेन।
20इस्राएल क दूसर लोग, दूसर याजक अउर लेवीबंसी
यहूदा क सबहिं नगरन मँ रहइ लागेन। हर कउनो मनई उ
धरती पइ रहा करत रहा जउन ओनकर पुरखन क रही।
21मन्दिर मँ सेवकन ओपेल क पहाड़ी पइ बस गएन। सीहा
अउ गिस्पा मन्दिर क ओन सेवकन क निगराँ कार रहेन।
22यरूसलेम मँ लेवीबंसियन क ऊपर उज्जी क अधिकारी
बनावा गवा। उज्जी बानी क पूत रहा। (बानी, मीका क
पड़पोता, मत्तन्याह क पोता, अउर हसब्याह क पूत रहा।)
उज्जी आसाप क संतान रहा। आसाप क संतान उ सबइ
गायक रहेन जउने पइ परमेस्सर क मन्दिर क सेवा क भार
रहा। 23 इ सबइ गायक राजा क आग्यन क पालन किया
करत रहेन। राजा क आग्यन एन गायकर क बतावत रहिन
कि ओनका हर रोज का करब अहइ। 24मसेजबेल क पूत
पतहियाह, लोगन स सम्बन्धित मामलन क बिसय मँ राजा
क प्रतिनिधि रहा। मसेजबेल जेरह क पूत रहा। जेरह यहूदा
क पूत रहा।)
25यहूदा क लोग एन कस्बन मँ बस गएन: किर्यतर्बा
अउर ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव, दिबोन अउर
ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव यकब्सेल अउर
ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव 26अउर येसू, मोलादा,
बेतपेलेत, 27हसर्यूयाल बेरसेबा अउर ओकरे आस-पास क
नान्ह गाँव 28अउर सिकलग, मकोना अउर ओकरे आस-पास
क नान्ह गाँव। 29एन्निम्मोन, सोरा, यर्मूत, 30जानोह अउर
यदुल्लाम अउ ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव।
लाकीस अउर ओकरे आस-पास क खेतन, अजेका अउर
ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव। इ तरह बरसेवा स
लइके हिन्नौम क तराई तलक क इलाके मँ यहूदा क लोग
रहइ लागेन।
31जउने जगहन मँ बिन्यामीन क संतान रहइ लागे रहेन,
उ सबइ इ सब रहिन: गेबा मिकमस, अय्या, बेतेल अउर
ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव, 32अनातोत, नोब,
अनन्याह 33हासोर रामा, गित्तैम, 34हादीद, सबोईम, नबल्लत,
35लोद, ओनो अउर कारीगरन क तराई। 36लेवीबंसियन क
कछू समुदाय जउन यहूदा मँ रहा करत रहेन बिन्यामीन क
धरती पइ बस गए रहेन।

याजक अउर लेवीबंसी

12 जउन याजक अउर लेवीबंसी यहूदा क धरती पइ
लउटिके वापस आए रहेन, उ सबइ इ सब रहेन।
उ सबइ सालतीएल क पूत जरूब्बाबेल अउ येसू क संग
लउटे रहेन, ओनके नाउँन क सूची इ अहइ: सरायाह,
यिर्मयाह, एज्रा, 2अमर्याह, मल्लूक, हत्तूस, 3सकन्याह, रहूम,
मरेमोत, 4इद्दो, गिन्तोई, अबियाह, 5मिन्यामीन, माद्याह,
बिल्गा, 6समायाह, योआरीब, यदायाह, 7सल्लू, आमोक,
हिल्किय्याह अउर यदायाह। इ सबइ लोग याजकन अउर
ओनके सम्बन्धियन क मुखिया रहेन। येसू क दिनन मँ इ
सबइ ही ओनके मुखिया हुआ करत रहेन।
8लेवीबंसी लोग इ सबइ रहेन: येसू, बिन्नूई, कदमिएल,
सेरेब्याह, यहूदा अउर मत्तन्याह भी। मत्तन्याह क सम्बन्धियन
समेत इ सबइ लोग परमेस्सर क धन्यवाद गीतन क
अधिकारी रहेन। 9बकबुकियाह अउ उन्नो एन लेवीबंसियन
क सम्बन्धी रहेन। इ दुइनउँ आराधना सेवा क अवसरन पइ
ओनके समन्वा खड़े रहा करत रहेन। 10येसू योयाकीम क
बाप रहा अउर योयाकीम एल्यासीब क बाप रहा अउर
एल्यासीब योयादा क बाप रहा। 11योयादा योनातान क बाप
रहा। योनातान यहूदा बाप रहा।
12योयाकीम क दिनन मँ इ सबइ मनसेधू याजकन क
परिवारन क मुखिया हुआ करत रहेन:

सरायाह क घराने क मुखिया मरायाह रहा
यिर्मयाह क घराने क मुखिया हनन्याह रहा।
13मस्सूलाम एज्रा क घराने क मुखिया रहा
अर्मयाह क घराने क मुखिया रहा यहोहानान।
14योनातान मल्लूक क घराने क मुखिया रहा
योसेप सबन्याह क घराने क मुखिया रहा।
15अदना हारीम क घराने क मुखिया रहा।
हेलैक मेरेमोत क घराने क मुखिया रहा।

16जकर्याह इद्दो क घराने क मुखिया रहा।
मसुल्लाम गिन्नतोन क घराने क मुखिया रहा।
17जिक्री अबियाह क घराने क मुखिया रहा।
पिलतै मिन्यामीन अउर मोअद्याह क घराने
क मुखिया रहा।
18सम्मू बिल्गा क घराने क मुखिया रहा।
यहोनातान सामायह क घराने क मुखिया रहा।
19मतैन योयारीब क घराने क मुखिया रहा।
उजी, यदायाह क घराने क मुखिया रहा।
20कल्लै सल्लै क घराने क मुखिया रहा।
एबेर आमोक क घराने क मुखिया रहा।
21हसब्याह हिल्किय्याह क घराने क मुखिया रहा।
अउर नतनेल यदायाह क घराने क मुखिया रहा।

22फारस क राजा दारा क सासन काल मँ लेवी परिवारन
क मुखिया लोगन अउर याजक घरानन क मुखिया लोगन
क नाउँ एल्यासीब, योयादा, योहानान अउ यहूदा क दिनन मँ
लिखे गएन। 23लेवी परिवार क संतानन क बीच जउन
परिवार क मुखिया रहेन, ओनकर नाउँ एल्यासीब क पूत
योहानान तलक इतिहास क पुस्तक मँ लिखे गएन।

24लेवियन क मुखिया लोगन क नाउँ इ सबइँ अहइँ:
हसब्याह, सेरेब्याह, कदमिएल क पूत येसू ओकर भाईयन।
ओनके भाईयन स्तुतिगान अउ धन्यवाद-गीत क वास्ते
ओनके समन्वा खड़ा रहत रहेन। उ पचे आमने-सामने इ
तरह खड़े होत रहेन कि एक गायक समूह दूसरे गायक
समूह क जवाब मँ गीत गावत रहा। परमेस्सर क भक्त
दाऊद क अइसी ही आग्या रही।

25जउन दुआरपाल दुआरन क लगे क कोठियारन पइ
पहरा देत रहेन, उ पचे इ सब रहेन: मत्तन्याह, बकबुकियाह,
ओबाद्याह, मसुल्लाम, तलमोन अउर अक्ककूब। 26इ सबइ
दुआरपालक येसू क पूत योयाकीम क दिनन मँ सेवा कार्य
किया करत रहेन। येसू जउन कि योसादाक क पूत रहा। एन
दुआरपालन ही राज्पाल नहेमायाह अउर याजक अउ विद्वान
एज्रा क दिनन मँ सेवा कार्य किहे रहेन।

यरूसलेम क देवार क समर्पित किया जाब

27लोग यरूसलेम क देवार क समर्पित किहन। उ पचे
सबहिं लेवीबंसियन क बोलाएन। तउ लेवी जउने नगर मँ
रहत रहेन, हुवाँ स उ पचे आएन। यरूसलेम क देवार क
समर्पण क मनावइ क बरे उ पचे यरूसलेम आएन।
परमेस्सर क धन्नवाद देइ अउ स्तुतिगीत गावइ क बरे
लेवीबंसी हुवाँ आएन उ पचे आपन झाँझ, सारंगी अउर
वीणन बजाएन।

28दूसर सबइ गायकन भी यरूसलेम आएन। उ पचे
गायक यरूसलेम क आसपास क नगरन स आए रहेन। उ
पचे नतोपतियन क गाँवन स, 29बेत-गिलगाल, गेबा अउर
अजमाबेत क नगरन स आए रहेन। गायकन, यरूसलेम क
इर्द-गिर्द नान्ह-नान्ह बस्तियन बनाइ रखी रहिन।

30इ तरह याजकन अउ लेवियन एक समारोह क जरिये
अपने अपने क सुद्ध किहन। फुन एक सभारोह क जरिये उ
पचे लोगन, दुआरन अउर यरूसलेम क देवार क भी सुद्ध
किहन।

31फुन मइँ यहूदा क मुखिया लोगन स कहेउँ कि उ पचे
ऊपर जाइके देवार क सिखर पइ खड़े होइ जाइँ। मइँ
परमेस्सर क धन्नवाद देइ क बरे दुइ बडकी गायक
मण्डलियन क चुनाव भी किहेउँ। एनमाँ स एक गायक
मण्डली क कुरडी दुआर कइँती दाहिनी तरफ देवार क
सिखर पइ जाब सुरू रहा। 32होसायाह अउर यहूदा क आधे
मुखिया ओन गायकन क पाछे होइ लिहन। 33अजर्याह, एज्रा
मसुल्लाम, 34यहूदा बिन्यामीन, समायाह, अउर यिर्मयाह भी
ओनके पाछे होइ लिहे रहेन। 35तुरही बरे कछू याजक भी
देवार पइ ओनकर अनुसरण करत भए गएन। जकर्याह भी
ओनके पाछे पाछे रहा। जकर्याह योहानान क पूत रहा।
योहानान समायाह क पूत रहा। समायाह मत्तन्याह क पूत
रहा। मत्तन्याह मीकायाह क पूत रहा। मीकायाह जक्कूर क
पूत रहा। जक्कूर आसाप क पूत रहा।) 36हुवाँ जकरिया क
भाई समायाह, अजरेल, मिल्लै, गिल्लै, माऐ, नतनेल, यहूदा
अउर हनानी भी मौजूद रहेन। ओनके लगे परमेस्सर क
मनसेधू, दाऊद क बनाए भए बाजन रहेन। देवार क समर्पित
करइ क बरे जउन लोग हुवाँ रहेन, ओनके समूह क
अगुवाई, विद्वान एज्रा किहस। 37अउर उ पचे स्त्रोत दुआर
पइ चले गएन। फुन उ पचे सामने क सीढ़ियन स होत भए
दाऊद क नगर पैदल ही गएन। फुन उ पचे नगर देवार क
सिखर पइ जाइ पहोचेन अउर इ तरह दाऊद क घर पइ स
होत भए उ पचे पूर्वी जल दुआर पइ पहोंच गएन।

38गायकन क दूसर मण्डली बाईं कइँती दूसर दिसा मँ
चल पड़ी। उ पचे जब देवार क सिखर कइँती जात रहेन,
मइँ ओनके पाछे होइ लिहेउँ। आधे लोग भी ओनके पाछे
होइ लिहन। भट्ठन क मीनारन क पाछे छोड़त भए उ पचे
चौड़े देवार पइ चले गएन। 39एकरे पाछे उ पचे एन
दुआरन पइ गएन एप्रैम दुआर, पुरान दरवाजा अउर मछरी
फाटक अउर फुन उ पचे हननेल अउ हम्मेआ क बुर्जन
पइ गएन। उ पचे भेड दुआर तलक जाइ पहोचेन अउर
पहरेदारन क दुआर पइ जाइके रुक गएन। 40फुन गायकन
क उ सबइ दुइनउँ मण्डलियन परमेस्सर क मन्दिर मँ
अपने-अपने जगहन क चली गइन अउर मइँ अपने जगह
पइ खड़ा होइ गवा अउ आधे हाकिम मन्दिर मँ अपने
अपने जगहन पइ जा खड़े भएन। 41फुन एकरे पाछे
अपने-अपने जगहन पइ जउन याजक जाइ खड़े भए रहेन,
ओनकर नाउँ अहइँ एल्याकीम, मासेयाह, मिन्यामीन, मीकायाह,
एल्योएनै, जकर्याह अउर हनन्याह। ओन याजकन अपनी
अपनी तुर्रहियन लइ रखे रहेन। 42एकरे पाछे इ सबइ याजक
मन्दिर मँ अपने-अपने जगहन पइ आइ खड़े भएन: मासेयाह,
समायाह, एलियाजर, उज्जी, यहोहानाम, मल्कियाह, एलाम
अउ एजेर।

फुन दुइनउँ, गायक मण्डलियन यिज्रहियाह क अगुवाई मँ
गाना सुरू किहन। 43तउ उ बिसेस दिन, याजकन बहोत स
बलियन चढ़ाएन। हर कउनो बहोत खुस रहा। परमेस्सर हर
कउनो क आनंदित किहे रहा। हिआँ तलक कि मेहररूअन
अउर बच्चन तलक बहोत उल्लास मँ भरे अउ खुस रहेन।

दूर दराज क लोग भी यरूसलेम स आवत भए आनन्दपूर्ण
सोर क सुन सकत रहेन।
44उ दिन मुखिया लोग कोठियारन क अधिकारियन क
नियुक्ति किहन। इ सबइ कोठियार ओन उपहार क रखइ क
बरे रहेन जेनका लोग अपने पहिले फलन अउर अपनी
फसल अउर आय क दसवें हीसे क रूप मँ लिआवा करत
रहेन। व्यवस्था क विधान क अनुसार लोगन क नगर क
चारिहुँ ओर क खेतन अउ बगीचन स उपज क एक हीसा,
याजकन अउ लेवियन बरे लिआवइ चाही। यहूदा क लोग
जउन याजक अउ लेवी सेवा कार्य करत रहेन ओनके बरे
अइसा करइ मँ खुसी क अनुभव करत रहेन। 45याजकन
अउ लेवियन अपने परमेस्सर बरे अपना कर्त्तव्य पालन किहे
रहेन। उ पचे उ सबइ समारोह किहे रहेन जेनसे लोग पवित्तर
भएन। गायकरन अउर दुआरपालन भी अपने हीसे क काम
किहन। दाऊद अउर ओकर पूत सुलैमान जउन भी आग्यन
दिहे रहा, उ पचे सब कछू वइसा ही किहे रहेन। 46(बहोत
दिनन पहिले दाऊद अउर आसाप क दिनन मँ उ धन्नवाद क
गीतन अउर परमेस्सर क स्तुतियन अउ गायकन क मुखिया
हुवा करत रहेन।)
47तउ जरूब्बबेल अउ नहेमायाह क दिनन मँ गायकन
अउर दुआरपालन क रखरखाव बरे इस्राएल क सबहिं लोग
हर रोज दान दिया करत रहेन। दूसरे लेवियन क बरे भी उ
पचे बिसेस दान दिया करत रहेन अउर फुन लेवी ओहमाँ स
हारून क संतानन अउ याजकन क बरे बिसेस योगदान दिया
करत रहेन।

नहेमायाह क अन्तिम आदेस

13 उ दिन मूसा क किताब क ऊँचे सुर मँ पाठ
कीन्ह गवा ताकि सबहिं लोग ओका सुन सकइँ।
मूसा क किताब मँ ओनका इ नेम लिखा भवा मिला कउनो
भी अम्मोनी मनई क अउर कउनो भी मोआबी मनई क
परमेस्सर क सभन मँ सामिल न होइ दीन्ह जाइ। 2इ नेम
एह बरे लिखा गवा रहा कि उ पचे इस्राएल क लोगन क
भोजन या जल नाहीं दिया करत रहेन, अउ उ पचे इस्राएल
क लोगन क सराप देइ क बरे बालाम क धन दिया करत
रहेन। मुला हमार परमेस्सर उ सराप क हमरे बरे वरदान मँ
बदल दिहस। 3तउ इस्राएल क लोग इ नेम क सुनिके एकर
पालन किहन अउर पराए लोगन क संतानन क इस्राएल स
अलग कइ दिहन।
4किन्तु अइसा होइ स पहिले एल्यासीब तोबियाह क
मन्दिर मँ एक ठु बड़की कोठरी दइ दिहस। एल्यासीब
परमेस्सर क मन्दिर क भण्डार घरन क अधिकारी याजक
रहा। अउर एल्यासीब तोबियाह क घनिस्ठ मीत भी रहा।
5पहिले उ कोठरी क प्रयोग भेट मँ चढ़ाए गए अन्न,
सुगन्ध अउर मन्दिर क बर्तनन अउर दूसर चिजियन क रखइ
क बरे कीन्ह जात रहा। उ कोठरी मँ गायकन लेवियन
अउर दुआरपालन क बरे अन्न क दसवाँ हींसा, नई दाखरस
अउर तेल भी रखा भवा रहेन। याजकन क दीन्ह गए
उपहार भी उ कोठरी मँ रखे जात रहेन। किन्तु एल्यासीब उ
कोठरी क तोबियाह क दइ दिहे रहा।
6जउने समइ इ सब कछू भवा रहा, उ समइ मइँ
यरूसलेम मँ नाहीं रहा। मइँ बाबेल क राजा क लगे वापस
गवा भवा रहा। जब बाबेल क राजा अर्तछत्र क सासन क
बत्तीसवाँ साल रहा, तब मइँ बाबेल गवा रहेउँ। पाछे मइँ
राजा स यरूसलेम वापस लउट जाइ क अनुमति माँगेउँ
7अउर इहइ तरह मइँ यरूसलेम लउट आएउँ। एल्यासीब क
इ बुरा काम क बारे मँ मइँ सुनेउँ कि एल्यासीब हमरे
परमेस्सर क मन्दिर क दालान क एक कोठरी तोबियाह क
दइ दिहस। 8एल्यासीब जउन किहे रहा, ओहसे मइँ बहोत
कोहान रहेउँ। तउ मइँ तोबियाह क चिजियन उ कोठरी स
बाहेर निकारि लोकाएउँ। 9ओन कोठरियन क स्वच्छ अउर
पवित्तर बनावइ क बरे मइँ आदेस दिहेउँ अउर फुन ओन
कोठरियन मँ मइँ मन्दिर क भाँडी अउर दूसर चिजियन भेट
मँ चढावा भवा अन्न अउ सुगन्धित द्रव्य फुन स रखवाइ
दिहेउँ।
10मइँ इ भी सुनेउँ कि लोग लेवियन क ओनकर हीसा
नाहीं दिहन ह जेहसे लेवीबंसी अउर गायक अपने खेतन मँ
काम करइ बरे वापस चले गएन ह। 11तउ मइँ ओन
अधिकारियन स कहेउँ कि उ पचे गलत अहइँ। मइँ ओन स
पूछेउँ, “तू पचे परमेस्सर क मन्दिर क देखभाल काहे नाहीं
किहा?” मइँ सबहिं लेवीबंसियन क बटोरेउँ अउर मन्दिर मँ
ओनकी जगहन अउ ओनके कामन पइ वापस लउट आवइ
क कहेउँ। 12एकरे पाछे यहूदा क हर कउनो मनई ओनके
दसवे हीसे क अन्न, नई दाखरस अउर तेल मन्दिर मँ
लिआवइ लगा। ओन चिजियन क भण्डार गृहन मँ रख
दीन्ह जात रहा।
13मइँ एन मनइयन क भण्डार ग्रहन क देखरेख करइवाला
नियुक्त किहेउँ: याजक सेलेम्याह, विद्वान सादोक अउ
पादायाह नाउँ क एक लेवी साथ ही मइँ पत्तन्याह क पोतन
अउर जक्कूर क पूत हानान क ओनकर सहायक नियुक्त
कइ दिहेउँ। जक्कूर मत्तन्याह क पूत रहा। मइँ जानत रहेउँ
कि ओन मनइयन पइ बिस्सास कीन्ह जाइ सकत रहा। ओन
लोगन क कार्य आपन नातेदारन मँ खावइ अउर पीवइ क
सामान बाँटइ क रहा।
14हे परमेस्सर, मोरे कीन्ह गए कामन क तू मोका याद
राखा अउर अपने परमेस्सर क मन्दिर अउर ओकरे सेवा
कार्यन क बरे बिस्सास क संग जउन कछू मइँ किहेउँ ह,
उ सब कछू क तू जिन बिसराया।
15ओनही दिनन यहूदा मँ मइँ लखेउँ कि लोग सबित क
दिन भी काम करत ही। मइँ लखेउँ कि लोग दाखरस
बनावइ क बरे रस निकारत अहइँ। मइँ लोगन क अनाज
लिआवत अउर ओका गदहन पइ लादत लखेउँ। मइँ लोगन
क नगर मँ अंगूर, अंजीर अउ हर तरह क चिजियन लइके
आवत भए लखेउँ। उ पचे एन सबहिं चिजियन क सबित क
दिन यरूसलेम मँ लिआवत रहेन। तउ एकरे बरे मइँ ओनका
चितउनी दिहेउँ। मइँ ओनसे कहि दिहेउँ कि ओनका सबित
क दिन खाइ क चिजियन कबहुँ भी नाहीं बेचइ चाही।
16यरूसलेम मँ कछू सीरी नगर क लोग भी रहा करत
रहेन। उ सबइ लोग मछरी अउर दूसर तरह क दूसर
चिजियन यरूसलेम मँ लिआवा करतेन अउर ओनका सबित

क दिन बेचा करतेन अउर यहूदी ओन चिजियन क बेसहा
करत रहेन। 17मइँ यहूदा क महत्वपूर्ण लोगन स कहेउँ कि
उ पचे ठीक नाहीं करत अहइँ। ओन महत्वपूर्ण लोगन स
मइँ कहेउँ, "तू पचे इ बहोत बुरा काम करत अहा। तू पचे
सबित क दिन भ्रस्ट करत अहा। तू पचे सबित क दिन क
एक आम दिन जइसा बनाए डारत अहा। 18तू पचन्क इ
गियान अहइ कि तोहरे पचन्क पुरखन अइसे ही काम
किहेन। एह बरे हमरे परमेस्सर हम पइ अउर हमरे नगर पइ
बिपत्तियन पठए रहेन अउर बिनास ढाए रहेन। अब तू लोग
वइसा ही काम अउर भी जियादा करत अहा, जेहसे इस्राएल
पइ वइसी ही बुरी बातन अउर जियादा घटिही काहेकि तू
सबित क दिन क बर्बाद करत अहा अउर एका अइसा
बनाए डारत अहा जइसे इ कउनो महत्त्वपूर्ण दिन ही नाहीं
अहइ।"

19तउ हर सुक्रवार क साम क साँझ होइ स पहिले ही
मइँ इ किहेउँ कि दुआरपालन क आग्या दइके यरूसलेम क
दुआर बंद करवाइके ओन पइ ताले डरवाइ दिहेउँ। मइँ इ
भी आग्या दइ दिहेउँ कि जब तलक सबित क दिन पूरा न
होइ जाइ दुआर न खोले जाइँ। कछू अपने ही लोग मइँ
दुआरन पइ नियुक्त कइ दिहेउँ। ओन लोगन क इ आदेस
दइ दीन्ह गवा रहा कि सबित क दिन यरूसलेम मँ कउनो
भी माल असबाब न आवइ पावइ एका उ पचे सुनिहचित
कइ लेइँ।

20एक आध दाई बइपारियन अउ सौदागरन क यरूसलेम
स बाहेर ही रात गुजारइ पडी।

21किन्तु मइँ ओन बइपारियन अउ सौदागरन क चितउनी
दइ दिहेउँ। मइँ ओनसे कहेउँ, "देवार क देवार क आगे न
ठहरा करा अउर जदि तू पचे फुन अइसा करब्या तउ मइँ
तू पचन्क बंदी बनाइ लेब।" तउ उ दिन क पाछे स सबित
क दिन अपना सामान बेचइ बरे उ पचे फुन कबहुँ नाहीं
आएन।

22फुन मइँ लेवीबंसियन क आदेस दिहेउँ कि उ पचे खुद
क पवित्तर करइँ। अइसा कर चुकइ क पाछे ही ओनका
दुआरन क पहरे पइ जाब रहा। इ एह बरे कीन्ह गवा कि
सबित क दिन क एक पवित्तर दिन क रूप मँ रखा गवा ह,
एका सुनिहचित कइ लीन्ह जाइ।

हे परमेस्सर! एन कामन क करइ क बरे तू मोका याद
राखा। मोरे बरे दयालु हवा अउर मोह पइ अपना महान
पिरेम परगट करा।

23ओनही दिनन मइँ इ भी लखेउँ कि कछू यहूदी
मनसेधूअन आसदोद, अम्मोन अउर मोआब पहँटन क
मेहररूअन स बियाह किहे भएन ह, 24अउर ओन बियाहन
स पइदा भए आधे बच्चेन तउ यहूदी भाखा क बोलब
तलक नाहीं जानत ही। उ पचे बच्चन अस्दौद, अम्मोन
अउर मोआब क बोली बोलत रहेन। 25तउ मइँ ओन लोगन
स कहेउँ कि उ पचे गलती पइ अहइँ। ओन पइ परमेस्सर
क कहर बरपा होइ। कछू लोगन पइ तउ मइँ चोट ही कर
बइठेउँ अउर मइँ ओनके बार उखाड लिहेउँ। परमेस्सर क
नाउँ पइ एक प्रतिग्या करइ क बरे मइँ ओन पइ दबाव
डाएउँ। मइँ ओनसे कहेउँ, "ओन पराए लोगन क पूतन क
संग तू पचन्क अपनी बिटियन क बियाह नाहीं करब अहइ
अउर ओन पराए लोगन क बिटियन क भी अपने पूतन स
बियाह नाहीं करइ देब अहइ। ओन लोगन क बिटियन क
संग तू पचन्क बियाह नाहीं करब अहइ। 26तू पचे जानत ह
कि सुलैमान स इहइ तरह क बियाहन पाप करवाए रहेन। तू
पचे जानत ह कि कउनो भी रास्ट्र मँ सुलैमान जइसा महान
कउनो राजा नाहीं भवा। किन्तु परमेस्सर सुलैमान स पिरेम
करत रहा अउर ओका सुलैमान क समूचे इस्राएल क राजा
बनाए रहा। किन्तु एँतना होइ पर भी बिजातीय मेहररूअन क
कारण सुलैमान तलक क पाप करइ पड़ेन।

27अउर अब का, हम तोहार पचन्क सुनी अउर वइसा ही
भयानक पाप करी अउ बिजाति औरतन क संग बियाह
कइके अपने परमेस्सर क बरे सच्चे नाहीं रही।"

28योयादा क एक पूत होरोन क सम्बल्लत क दामाद
रहा। योयादा महायाजक एल्यासीब क पूत रहा। तउ मइँ
योयादा क उ पूत पइ दबाव डाएउँ कि उ मोरे पास स पराइ
जाइ। 29हे मोरे परमेस्सर! ओनका याद राखा काहेकि उ पचे
याजकपन क भ्रस्ट किहे रहेन। उ पचे याजकपन क अइसा
बनाइ दिहे रहेन जइसे ओनकर कउनो महत्त्व न होइ। तू
याजकन अउ लेवियन क संग जउन वाचा किहे रह्या, उ
पचे ओकर पालन नाहीं किहन।

30तउ मइँ हर कउनो बाहरी चीज क याजकन अउर
लेवियन क पवित्तर अउ स्वच्छ बनाइ दिहेउँ ह अउर मइँ हर
एक मनसेधू क ओकरे अपने कर्त्तव्य अउ दायित्व भी सौपेउँ
ह। 31मइँ काठे क उपहारन अउर एक निहचित समइ पइ
अपने फलन क लिआवइ सम्बन्धी जोजनन भी बनाइ दिहेउँ
ह। हे मोरे परमेस्सर! एन नीक करमन बरे तू मोका याद
राखा।

एज्रा

कुस्रू बन्दियन क वापसी मँ मदद करत ह

1 फारस क राज्ज कुस्रू क सासन क पहिले बरिस यहोवा
कुस्रू क आतिमा क एक ठु घोसणा करइ क बरे
उत्साहित किहस। कुस्रू उ घोसणा क लिखवाएस अउ अपने
राज्ज मँ हर एक जगह बँचवाएस। इ एह बरे कीन्ह गवा
रहा ताकि यहोवा क उ सँदेसा जउन यिर्मयाह क जेरिये कहा
गवा रहा, पूरा होइ सकइ। घोसणा इ अहइ:

2“फारस क राजा कुस्रू क सँदेसा:

सरग क परमेस्सर यहोवा, पृथ्वी क सारे राज्ज मोका
दिहेस ह अउर यहोवा मोका यहूदा देस क यरूसलेम मँ
ओकर एक ठु मन्दिर बनावइ बरे चुनेस। 3यहोवा,
इस्राएल क परमेस्सर अहइ, उ परमेस्सर जउन यरूसलेम
मँ अहइ। जदि परमेस्सर क कउनो लोग तोहरे बीच
रहत अहइ तउ मइँ इ पराथना करत हउँ कि परमेस्सर
ओका आसीर्बाद देइ। उ पचे क यहूदा देस क
यरूसलेम मँ जाइ चाही। उ पचे यहोवा क मन्दिर क
बनावइ बरे जाइ चाही, 4अउर एह बरे कउनो भी उ
जगह मँ जहाँ इस्राएल क लोग बचे होइँ। उ जगहिया
क लोगन क ओन बचे हुवन क मदद करइ चाही।
ओन लोगन क चाँदी, सोना, गाइ अउर दूसर चिजियन
द्या। यरूसलेम मँ परमेस्सर क मन्दिर बरे ओका भेंट
द्या।”

5एह बरे यहूदा अउर बिन्यामीन क परिवार समूहन क
प्रमुखन यरूसलेम जाइ क तइयारी किहन। उ पचे यहोवा क
मन्दिर क बनवाइ बरे यरूसलेम जात रहेन। परमेस्सर जउन
लोगन क प्रोत्साहित किहे रहा उ पचे भी यरूसलेम जाइ क
तइयार होइ गएन। 6ओनकर सबहिं पड़ोसियन ओका चाँदी
अउर सोना क चिजियन औजार, जनावरन अउर कीमती
चिजियन क ओन दुसर चिजियन क अतिरिक्त जउन उ पचे
मेल भेंट क रूप मँ दिहन, दइ क ओनका मदद किहन।
7राजा कुस्रू भी ओन चिजियन क लिआवा जउन यहोवा क
मन्दिर क रहिन। नबूकदनेस्सर ओन चिजियन क यरूसलेम
स लूट लिआवा रहा। नबूकदनेस्सर ओन चिजियन क अपने
उ मन्दिर मँ धरेस, जेहमाँ उ अपने लबार देवतन क धरत
रहा। 8फारस क राजा कुस्रू अपने उ मनई स ओकरे धने
क देखरेख करत रहा, एन चिजियन क बाहेर लिआवइ बरे
कहेस। उ मनई क नाउँ मिथूदात रहा। एह बरे मिथूदात
ओन चिजियन क यहूदा क प्रमुख सेसबस्सर क लगे लइके
आवा।

9जिन चिजियन क मिथूदात यहोवा क मन्दिर स लिआवा
रहा, उ सबइ इ सबइ रहिन:

सोना क भाँड़ी	30
चाँदी क भाँड़ी	1,000
चाकू अउर कड़ाहियन	29
10सोना क खोरन	30
सोना क खोरन जइसे चाँदी क खोरन	410
अउ एक हजार दूसर तरह क भाँड़ी	1,000

11सब मिलाइके हुवाँ सोना चाँदी क बनी पाँच हजार चार
सौ चिजियन रहिन। सेसबस्सर एन सबहिं चिजियन क अपने
संग उ समइ लिआवा जब बन्दियन बाबेल छोड़ेन अउर
यरूसलेम क वापस लउट गएन।

छुटिके वापस आवइ वाले बन्दियन क सूची

2 इ सबइ राज्ज क उ सबइ मनई अहइँ जउन बंधुवाई स
लउटिके आएन। बाबेल क राजा नबूकदनेस्सर ओन
लोगन क बन्दी क रूप मँ बाबेल लिआवा रहा। इ सबइ
लोग यरूसलेम अउ यहूदा क वापस आएन। हर एक मनई
यहूदा मँ अपने-अपने नगर क वापस गवा। 2इ सबइ उ सब
लोग अहइँ जउन जरूब्बाबेल क संग वापस आएन: येसू,
नहेम्याह, सरायाह, रेलायाह, मोर्दकै, बिलसान, मिस्पार,
बिगवै, रहूम अउर बाना। इ इस्राएल क ओन लोगन क
नाउँ अउर ओनकर गनती अहइ जउन वापस लउटेन:

3परोस क संतान	2,172
4सपत्याह क संतान	372
5आरह क संतान	775
6येसू अउर योआब क परिवार क पहत्मोआब क संतान	2,812
7एलाम क संतान	1,254
8जत्तू क संतान	945
9जक्कै क संतान	760
10बानी क संतान	642
11बेबै क संतान	623
12अजगाद क संतान	1,222
13अदोनीकाम क संतान	666
14बिगवै क संतान	2,056
15आदीन क संतान	454
16आतेर क संतान (हिजकिय्याह क परिवारिक पीढ़ी स)	98
17बेसै क संतान	323
18योरा क संतान	112
19हासूम क संतान	223
20गिब्बार क संतान	95
21बेतलेहेम नगर क लोग	123

22नतोपा क नगर स 56
23अनातोत नगर स 128
24अजमावेत क नगर स 42
25किर्यतारीम, कपीरा अउर बेरोत नगरन स 743
26रामा अउ गेबा नगर स 621
27मिकमास नगर स 122
28बेतेल अउर ऐ नगर स 223
29नबो नगर स 52
30मगबीस नगर स 156
31एलाम नाउँ क दूसर नगर स 1,254
32हारीम नगर स 320
33लोद, हादीद अउ ओनो नगरन स 725
34यरीहो नगर स 345
35सना नगर स 3,630

36याजकन क नाउँ अउर ओनकर गनती क सूची इ
अहइ:
यदायाह क संतान (येसू क
पारिवारिक पढ़ी स) 973
37इम्मेर क संतान 1,052
38पसहूर क संतान 1,247
39हारीम क संतान 1,017

40लेवीबंसी कहे जाइवाले लेवी क परिवार क गनती इ
अहइ:
येसू अउर कदमिएल (होदग्याह क पारिवारिक पढी
स) 74
41गायकन क गनती इ अहइ:
आसाप क संतान 128
42मन्दिर क दुआरपालन क गनती इ अहइ:
सल्लूम, आतेर, तल्मोन, अक्कूब, हतीता अउर सोबै
क संतान 139

43मन्दिर क खास सेवक क इ सबइ सन्तानन अहइँ:
सीहा क संतानन, हसूपा क संतानन, तब्बओत क
संतानन,
44केरोस क संतानन, सीअहा क संतानन, पादोन क
संतानन,
45लबाना क संतानन, हागाब क संतानन, अक्कूब क
संतानन,
46हागाब क संतानन, सल्मै क संतानन, हानान क
संतानन,
47गिद्दल क संतानन, गहर क संतानन, रायाह क
संतानन,
48रसीन क संतानन, नकोदा क संतानन, गज्जाम क
संतानन,
49उज्जा क संतानन, पासेह क संतानन, बेसै क
संतानन,
50अस्ना क संतानन, मूनीम क संतानन, नपीसीम क
संतानन,
51बकबूक क संतानन, हकूपा क संतानन, हर्हूर क
संतानन,
52बसलूत क संतानन, महीदा क संतानन, हर्सा क
संतानन,
53बर्कोस क संतानन, सीसरा क संतानन, तेमह क
संतानन,
54नसीह अउ हतीपा।
55इ सबइ सुलैमान क सेवकन क संतानन अहइ:
सोतै क संतानन, हस्सोपेरेत क संतानन, परूदा क
संतानन।
56याला क संतानन, दर्कोन क संतानन, गिद्देल क
संतानन,
57सपत्याह क संतानन, हत्तील क संतानन, पोकरेत क
संतानन, सबायीम क संतानन,
58मन्दिर क सेवक अउ सुलैमान क सेवकन क कुल
संतान। 392

59कछू लोग एन नगरन स यरूसलेम आएन: तेल्मेलह,
तेलहर्सा, करूब, अद्दान अउर इम्मोर। मुला इ सबइ लोग
इ प्रमाणित नाहीं कइ सकेन कि ओनकर परिवार इस्राएल
क परिवार स अहइँ। ओनकर नाउँ अउर ओनकर गनती इ
अहइ:
60दलायाह क संतानन, तोबिय्याह क संतानन अउर
नकोदा क संतानन 652

61याजकन क परिवारन क नाउँ इ अहइँ:
हबायाह क संतानन, हक्कोस क संतानन अउ बर्जिल्लै
क संतानन (एक मनई जउन गिलादी क बर्जिल्लै क
बिटिया स बियाह किह रहा अउर बर्जिल्लै क पारिवारिक
नाउँ स ही जान जाना रहा।)

62एन लोग अपने पारिवारिक इतिहासन क खोज किहन,
मुला ओका पाइ नाहीं सकेन। ओनकर नाउँ याजकन क
सूची मँ नाहीं सामिल कीन्ह गए रहेन। उ सबइ इ प्रमाणित
नाहीं कइ सकेन कि ओनकर पुरखा याजक रहेन। इहइ
कारण उ पचे याजक नाहीं होइ सकत रहेन। 63राज्यपाल
एन लोगन क आदेस दिहेस कि इ सबइ लोग कउनो भी
पवित्र भोजन न करइँ। उ पचे तब तलक इ पवित्र भोजन
नाहीं खाइ सकतेन जब तलक ओन मँ स कउनो एक ऊरीम
अउर तुम्मीम* क उपयोग न कइ ले।
64सब मिलाइके 42,360 लोग उ समूह मँ रहेन जे
वापस लउट आएन। 65ओनके अतिरिक्त एहमाँ 7,337
सेवक अउर सेविकन रहेन। ओनके संग 200 गायक अउ
गायिकन भी रहिन। 66ओनके लगे 736 घोड़न, 245
खच्चर, 67चार स पेंतीस उँट अउ 6,720 गदहन रहेन।
68उ समूह यरूसलेम मँ यहोवा क मन्दिर क पहोंचा। तब
परिवार क प्रमुखन यहोवा क मन्दिर क बनावइ क बरे

ऊरीम अउर तुम्मीम एक बिसेस तरह क पाथर जेका महा याजक परमेस्सर क इच्छा जानइ बरे प्रयोग करत रहा। लखा, निर्गमन 28:30; गनती 27:21

आपन भेंट दिहेन। उ पचे जउन मन्दिर नस्ट होइ गवा रहा
उहइ क जगह पइ नवा मन्दिर बनावइ चाहेन। **69**ओन लोग
ओतना दिहन जेतना उ पचे दइ सकत रहेन। इ सबइ उ सब
चिजियन अहइँ जेनका उ पचे मन्दिर बनावइ क बरे दिहेन:
लगभग 500 किलो सोना, तीन टन चाँदी अउर याजकन क
पहिरइ वाले 100 चोगन।
70इ तरह याजक, लेवीवंसी अउर कछू दूसर लोग
यरूसलेम अउर ओकरे चारिहुँ कइँती क पहँटा मँ बस
गएन। इ समूह मँ मन्दिर क गायक, दुआरपाल अउर मन्दिर
क सेवक सामिल रहेन। इस्राएल क दूसर लोग अपने निजी
निवास जगहन मँ बस गएन।

वेदी क फुन स बनब

3 एह बरे सतवें महीने स इस्राएल क लोग अपने अपने
नगरन मँ लउट गएन। उ समइ, सबहिं लोग यरूसलेम
मँ एक संग एकट्ठे भएन। उ पचे सबहिं एक इकाई क
रूप मँ संगठित रहेन। **2**तब योसादाक क पूत येसू अउर
ओकरे संग याजकन अउ सालतीएल क पूत जरूब्बाबेल
अउ ओकरे संग क लोग इस्राएल क परमेस्सर क वेदी
बनाएन। ओन लोग इस्राएल क परमेस्सर बरे वेदी एह बरे
बनाएन ताकि उ पचे एह पइ बलि चढ़ाइ सकइँ। उ पचे
ओनका ठीक मूसा क नेमन क अनुसार बनाएन। मूसा
परमेस्सर क बिसेस सेवक रहा।
3उ सबइ लोग अपने आस पास क रहइवाले दूसर
लोगन स डरे भए रहेन। मुला इ डर ओनका रोक न सका
अउर उ पचे वेदी क पुरानी नेंव पइ वेदी बनाएन अउर ओह
पइ यहोवा क होमबलि दिहन। **4**तब उ पचे आस्रयन क
त्यौहार ठीक वइसे ही मनाएन जइसा मूसा क नेम मँ कहा
गवा अहइ। उ पचे उत्सव क हर एक दिन क बरे उचित
गनती मँ होमबलि दिहन। **5**ओकरे पाछे, उ पचे लगातार
चलइवाली हर दिन क होमबलि नवा चाँद, अउर सबहिं
दूसर उत्सव व बिस्राम क दिनन क भेंटन चढ़ाउब सुरू
किहन जइसा कि यहोवा क जरिये आदेस दीन्ह गवा रहा।
लोग दूसर ओन भेंटन क भी चढ़ावइ क लागेन जेनका उ
पचे यहोवा क चढ़ावइ चाहत रहेन। **6**एह बरे सतएँ महीना
क पहिले दिन इस्राएल क एन लोग यहोवा क फुन भेंट
चढ़ाउब सुरु किहन। इ तब भी कीन्ह गवा जब कि मन्दिर
क नेंव अबहिं फुन स नाहीं बनी रही।

मन्दिर क फुन निर्माण

7तब ओन लोग जउन बन्धुवाई स छुटिके आए रहेन,
संगतरासन अउर बढ़इयन क धन दिहेन अउर उ पचे सोर
अउर सीदोन क लोगन क भोजन, दाखरस अउर जैतून क
तेल दिहन। ताकि उ पचे लबानोन क देवदार क बृच्छ
लिआवइ सकेन। उ पचे चाहत रहेन कि उ पचे जापा नगर
क समुद्री तट पइ लट्ठन क जहाजन क मँ लिआवइँ।
फारस क राजा कुस्रू इ करइ बरे ओनका मंजूरी दइ दिहस।
8एह बरे यरूसलेम मँ मन्दिर पइ ओनके पहोंचइ क
दूसर बरिस क दूसर महीने मँ सालतीएल क पूत जरूब्बाबेल
अउर योसादाक क पूत येसू काम करब सुरू किहस।
ओनकर भाइयन, याजकन, लेवीबंसियन अउ हर एक मनई
जउन बन्धुवाई स यरूसलेम लउटे रहेन, सब ओनके संग
काम करब सुरू किहन। उ पचे यहोवा क मन्दिर क
बनावइ बरे ओन लेवीबंसियन क निरीच्छक चुनेन जउन
बीस बरिस या ओहसे जियादा उमिर क रहेन। **9**इ सबइ उ
सब लोग रहेन जउन मन्दिर क बनइ क देखरेख करत
रहेन, येसू क पूत अउर ओकर भाई, कदमीएल अउ ओकर
पूत (यहूदा क सन्तान रहेन) हेनादाद क पूत अउ ओनकर
बंधु लेवीबंसी। **10**कारीगरन यहोवा क मन्दिर क नेव
डाउब पूरी कइ दिहन। जब नेंव पड़ गइ तब याजकन अपने
खास ओढ़ना पहिरेन। तब उ पचे आपन तुर्रही लिहन
अउ आसाप क पूतन अपनी झाँझन क लिहन। उ पचे
यहोवा क स्तुति क बरे अपने अपने जगह लइ लिहन। इ
उहइ तरह कीन्ह गवा जउने तरह करइ क बरे भूतकाल मँ
इस्राएल क राजा दाऊद आदेस दिहे रहा। **11**यहोवा जउन
कछू किहस, उ पचे ओकरे बरे ओकर बड़कई करत भए
अउ धन्नवाद देत भए, इ गीत गाएन "उ अच्छा अहइ,
ओकर इस्राएल क बरे पिरेम सास्वत अहइ।" अउर तब
सबहिं लोग खुस भएन। उ पचे बहोत जोर स उद्घोस अउ
यहोवा क स्तुति किहन। काहे? काहेकि मन्दिर क नेंव पूरी
होइ चुकी रही।
12मुला बुजुर्ग याजकन मँ स बहोत स, लेवीबंसी अउर
परिवार प्रमुख रोइ पड़ेन। काहे? काहेकि ओन लोग पहिले
मन्दिर क लखे रहेन, अउर उ पचे इ याद करत रहेन कि उ
केतना सुन्नर रहा। उ सबइ रोइ पड़ेन जब उ पचे नवे मन्दिर
क लखेन। उ पचे रोवत रहेन जब बहोत स दूसर लोग खुस
रहेन अउर सोर मचावत रहेन। **13**उद्घोस बहोत दूर तलक
सुना जाइ सकत रहा। ओन सबहिं लोग एँतना सोर मचाएन
कि कउनो मनई खुसी क उद्घोस अउ रोवइ मँ अन्तर नाहीं
कइ सकत रहा।

मन्दिर क पुन: निर्माण क बिरुद्ध दुस्मन

4 **1-2**उ पहँटा मँ रहइवाले बहोत स लोग यहूदा अउ
बिन्यामीन क लोगन क बिरुद्ध रहेन। ओन दुस्मनन
सुनेन कि सबइ लोग जउन बन्धुवाई स आएन ह उ सबइ,
इस्राएल क परमेस्सर यहोवा क बरे एक ठु मन्दिर बनावत
अहइँ। एह बरे उ सबइ दुस्मन जरुब्बावेल अउ परिवार
प्रमुखन क लगे आएन अउ उ पचे कहेन, "मन्दिर बनावइ
मँ हम क तू पचन क मदद करइ द्या। हम लग उहइ अही
जउन तू अहा, हम तोहरे पचन्क परमेस्सर स मदद माँगित
ह। हम लोग तोहरे पचन्क परमेस्सर क तब स बलि चढ़ावा
ह जब स अस्सूर क राजा एसर्हद्दोन हम लोगन क हिआँ
लिआव।"
3मुला जरूब्बाबेल, येसू अउर इस्राएल क दूसर परिवार
प्रमुखन जवाब दिहन, "नाहीं, तू जइसे लोग हमरे परमेस्सर
क बरे मन्दिर बनावइ मँ हम क मदद नाहीं कइ सकतेन।
सिरिफ हम लोग ही यहोवा क बरे मन्दिर बनाइ सकित ह।
उ इस्राएल क परमेस्सर अहइ। फारस क राजा कुस्रू जउन
करइ क आदेस दिहस ह, उ इहइ अहइ।"

4यह बरे उ देस क लोग मन्दिर क बनावइ क कार्य
रोकइ क बरे जतन करत भए यहूदी लोगन क हिम्मत तोड़इ
क बरे ओनका डराउब सुरु किहन। 5ओन दुस्मनन सलाहकारन
क यहूदा क लोगन क खिलाफ काम करइ क बरे बेसहि
लिहन। उ सलाहकारन ओनके जोजनन मँ बाधा डावइ क
जतन किहेन। इ कारज तब तलक लगातार चलत रहा जब
तलक कुस्रू फारस क राजा रहा अउर बाद मँ जब तलक
दारा फारस क राजा नाहीं होइ गवा।
6ओन दुस्मनन यहूदियन क रोकइ क बरे जतन करत भए
फारस क राजा क पत्र भी लिखेन। अउर उ पचे इ पत्र
फारस क राजा छयर्स क सासन काल क सुरू मँ लिखेन।

यरूसलेम क पुन: निर्माण क बिरुद्ध दुस्मन

7पाछे, जब अर्तछत्र फारस क नवा राजा भवा, एन
लोगन मँ स कछू यहूदियन क खिलाफ सिकाइत करत भए
एक ठू अउर पत्र लिखेन। जउन लोग उ पत्र लिखेन, उ
सबइ इ सब रहेन: बिसलाम, मिथदात, ताबेल अउर ओकरे
दल क दूसर लोग। उ पचे पत्र राजा अर्तछत्र क अरामी मँ
अरामी लिपि क उपयोग करत भए लिखेन।
8तब सासन अधिकारी रहूम अउर लिपिक सिमसै यरूसलेम
क लोगन क खिलाफ पत्र लिखेन। उ पचे राजा अर्तछत्र क
पत्र लिखेन। उ पचे जउन लिखेन उ इ रहा:

9सासन अधिकारी रहूम, लिपिक सिमसै, निआधीसन
अउर तर्पली, फारसी, एरेकी, बाबेली लोगन पइ क
महत्त्वपूर्ण उच्चय अधिकारियन अउर सूसनी क एलामी
लोगन क कइँती स, 10अउ उ सबइ दूसर लोग क
ओर स जेनका महान अउर सक्तीसाली ओस्नप्पर
सोमरोन क नगरन अउर परात नदी क पच्छिमी पहँटा
क दूसर जगहन पइ बसाए रहेन।

11इ उ पत्र क प्रतिलिपि अहइ जेका ओन लोग अर्तछत्र
क पठए रहेन।
राजा अर्तछत्र क, परात नदी क पच्छिमी पहँटा मँ
आप क सेवकन कइँती स अहइ।
12राजा अर्तछत्र हम आप क सूचित करइ चाहित ह
कि जउन यहूदियन क आप-अपने लगे स पठया ह, उ
पचे हिआँ आइ गएन ह। उ सबइ यहूदी उ नगर क
फुन स बनावइ चाहत हीं। यरूसलेम एक बुरा अउर
बिद्रोही नगर अहइ। अब उ पचे यहूदी परकोटन क
जेवन क पक्का करत बाटेन अउर देवारन खड़ी करत
अहइँ।
13राजा अर्तछत्र आप क इ जान लेइ चाही कि जदि
यरूसलेम अउर एकर परकोटन फुन बन गएन तउ
यरूसलेम क लोगन कर देब बन्द कइ देइहीं। उ पचे
आप क सम्मान करइ बरे धन पठउब बन्द कइ देइहीं।
उ पचे सेवा कर भी रोक देइहीं अउर राजा क उ सारे
धन स हाथ धोवइ पड़ी।
14राजा क एकर जानकारी होइ चाही कि हम लोग
राजा क वफ़ादार होइ क वादा किहे रहेन। एँह बरे
जिम्मेदारी हम लोगन पइ अहइ। हम लोगन क इ
सबइ घटित होब नाहीं लखइ चाहतेउँ कि राजा क
अपमान होइ। इहइ कारण अहइ कि हम लोग इ पत्र
क जरिये राजा क इ बात क सम्बंध मँ सूचना दिहे
अहउँ।
15राजा अर्तछत्र हम इ चाहित ह कि आप ओन राजा
लोगन क लेखन क पता लगावइँ कि जउन आपक
पहिले हुकूमत किहन। आप ओन लेखन मँ लखिहीं कि
यरूसलेम मँ सदा ही दूसर राजा लोगन क बरे बिद्रोह
किहन। इ दूसर राजा लोगन अउ रास्ट्रन क बरे बहोत
कठिनाइयन पइदा किहन ह। पुराने समइ स ही इ नगर
बिद्रोह क उभारत अहइ ह। इहइ कारण अहइ कि
यरूसलेम नस्ट भवा। 16राजा अर्तछत्र हम आप क
सूचित करइ चाहित ह कि जदि इ नगर अउ एकर
परकोटन फुन स बन गवा तउ फरात नदी क इ कइँती
क छेत्र आप क हाथे स निकरि जइहीं।
17तब अर्तछत्र इ जवाब पठएस:
सासन अधिकारी रहूम अउ लिपिक सिमसै अउ
ओनकर सबहिं साथियन क जउन सोमोरन अउ परात
नदी क दूसर पच्छिमी प्रदेस मँ रहत हीं क सुभ-कामनाएँ,
18तू लोग जउन हमरे लगे पत्र पठाया ओकर अनुवाद
भवा अउर मोका सुनावा गवा। 19मइँ आदेस दिहेउँ कि
मोरे पहिले क राजा लोगन क लेखन क खोज कीन्ह
जाइ। लेख बाँचे गएन अउर हम लोगन क ग्यात भवा
कि यरूसलेम क जरिये राजा लोगन क खिलाफ बिद्रोह
करइ क एक लम्बा इतिहास अहइ। यरूसलेम अइसी
जगह रहा नगर जहाँ अक्सर बिद्रोह अउ गद्दारी होत
रहत हीं। 20यरूसलेम अउ फरात नदी क पच्छिम क
पूरे पहँटा पइ सक्तीसाली राजा राज्ज करत रहेन ह। राज्ज
कर अउ राजा क सम्मान बरे धन अउ बिविध प्रकार
क कर ओन राज लोगन क दीन्ह गएन ह।
21अब तू पचन्क ओन लोगन क काम बन्द करइ क
बरे एक ठु आदेस देइ चाही। इ आदेस यरूसलेम क
पुन: निर्माण क रोकइ क बरे तब तलक अहइ, जब
तलक कि मइँ वइसा करइ क आग्या न देउँ।
22सावधान रहया अउर इ आग्या क पालन करइ स
इनकार जिन करा यरूसलम क पून:निमार्ण चलत नाहीं
रहइ चाही, वरना मइँ यरूसलेम स मिलइवाला आमदनी
क खोइ देबउँ।

23तउ उ पत्र क प्रतिलिपि, जेका राजा अर्तछेत्र पठएस
रहूम, लिपिक सिमसै अउ ओकरे संग क लोगन क
बाँचिके सुनाई गइ। तब उ सबइ लोग बड़ी तेजी स
यरूसलेम मँ यहूदियन क लगे गएन। उ पचे यहूदियन क
निर्माण कार्य बन्द करइ क मजबूर किहन।

मन्दिर क कार्य रुका

24इ तरह यरूसलेम मँ परमेस्सर क मन्दिर क काम रुक
गवा। फारस क राजा दारा क सासनकाल क दूसरे बरिस
तलक इ कार्य नाहीं चला।

5 तब हाग्गै नबी अउ इद्दो क पूत नबी जकर्याह
इस्राएल क परमेस्सर क नाउँ पइ यहूदा अउ यरूसलेम
मँ यहूदियन स नबुवत करब सुरु किहन। 2एह बरे सालतीएल
क पूत जरुब्बाबेल अउ योसादाक क पूत येसू फुन
यरूसलेम मँ मन्दिर क निर्माण करब सुरु कइ दिहस। अउर
परमेस्सर क नबी ओनके संग रहेन अउ कार्य मँ मदद करत
रहेन। 3उहइ समइ फरात नदी क पच्छिम क पहँटा क
राज्पाल तत्तनै रहा। तत्तनै, सतर्बोजनै अउ ओनके संग क
लोग जरुब्बाबेल अउर येसूर अउ निर्माण करइवालन क
लगे गएन। तत्तनै अउ ओकरे संग क लोग जरुब्बाबेल
अउ ओकरे साथ क लोगन स पूछेस, “तू पचन्क इ मन्दिर
क फुन स बनावइ अउ एका दिवारन क बनावइ क काम
पूरा करइ क आदेस कउन दिहस?” 4उ पचे जरुब्बाबेल स
इ भी पूछेन, “जउन लोग इ इमारत क बनावइ क काम
करत अहइँ ओनकर नाउँ क अहइ?”
5मुला परमेस्सर यहूदा क प्रमुखन पइ दृस्टि रखत रहा।
निर्माण करइ वालन क तब तलक काम नाहीं रोकब पड़ा
जब तलक ओनकर विवरण राजा क जरिये न पठइ दीन्ह
गवा। उ पचे तब तलक काम करत रहेन जब तलक राजा
दारा आपन जवाब वापस नाहीं पठएस।
6फरात क पच्छिम क छेत्रन क सासन अधिकारी तत्तनै,
सतर्बोजनै अउर ओनके संग क महत्तवपूर्ण मनइयन राजा
दारा क लगे पत्र पठएन। 7इ उ पत्र क प्रतिलिपि अहइ:

राजा दारा का अभिवादन
8राजा दारा, आप क मालूम होइ चाही कि हम लोग
यहूदा प्रदेस मँ गएन। हम लोग महान परमेस्सर क
मन्दिर क गए। यहूदा क लोग उ मन्दिर क बड़के
पाथरन स बनावत अहइँ। उ पचे देवारन मँ काठे क
बड़की बड़की सहतीरन डावत अहइ। काम बड़ी होसियारी
स कीन्ह जात अहइ, अउर यहूदा क लोग बहोत
मेहनत करत अहइँ।
9हम लोग ओनके प्रमुखन स कछू सवाल ओनके
निर्माण कार्य क बारे मँ पूछेन हम लोग ओनसे पूछेन,
“तू पचन्क इ मन्दिर क फुन स बनावइ अउर एकरी
छते क काम पूरा करइ क मंजूरी कउन दिहस ह?”
10हम लोग ओनकर नाउँ भी पूछेन। हम लोग ओन
लोगन क प्रमुखन क नाउँ लिखइ चाहेउँ जेहसे आप
जान सकइँ कि उ पचे कउन लोग अहइँ।
11उ पचे हमक इ जवाब दिहन:

“हम लोग सरग अउ पृथ्वी क परमेस्सर क सेवक
अही। हम लोग उहइ मन्दिर क बनावत अही जेका
बहोत बरिस पहिले इस्राएल क एक महान राजा बनाएस
अउर पूरा किहे रहा। 12मुला हमार पुरखन सरग क
परमेस्सर क किरोधित किहन। एह बरे परमेस्सर हमरे
पुरखन क बाबेल क राजा नबूकदनेस्सर क दिहस।
नबूकदनेस्सर इ मन्दिर क नस्ट किहेस अउर उ लोगन
क बन्दी क रूप मँ बाबेल जाइ क मजबूर किहस।
13मुला बाबेल पइ कुस्रू क राजा होइ क पहिले बरिस
मँ राजा कुस्रू परमेस्सर क मन्दिर क फुन स बनावइ क
बरे बिसेस आदेस दिहस। 14कुस्रू बाबेल मँ अपने लबार
देवता क मन्दिर स ओन सोने चाँदी क चिजियन क
निकारेस जउन भूतकाल मँ परमेस्सर क मन्दिर स चोरी
कइ क लइ जाइ गइ रहिन। नबूकदनेस्सर ओन
चिजियन क मन्दिर स लिहेस अउर ओनका बाबेल मँ
लबार देवतन क मन्दिर मँ लइ आवा। तब राजा कुस्रू
ओन सोने चाँदी क चिजियन क सेसबसार क दइ दिहस,
कुस्रू सेसबस्सर क राज्यपाल मुकर्रर किहस।
15कुस्रू तब सेसबस्सर स कहेस रहा, “एन सोना चाँदी
क चिजियन क ल्या अउर ओनका यरूसलेम क मन्दिर
मँ वापस रखा। उ जगह पइ परमेस्सर क मन्दिर क
बनावा जहाँ उ पहिले रहा”
16एह बरे सेसबस्सर आवा अउर उ यरूसलेम मँ
परमेस्सर क मन्दिर क नेंव क काम पूरा किहस। उ
दिना स आजु तलक मन्दिर क निर्माण क कार्य चलत
आवत अहइ। मुला इ अबहिं तलक पूरा नाहीं
भवा ह।”
17अब जदि राजा चाहत हीं तउ कृपा कइके उ पचे
राजा लोगन क लेखन क हेरइँ। इ लखइ बरे हेरइँ कि
का कुस्रू राजा क जरिये यरूसलेम मँ परमेस्सर क
मन्दिर क फुन स बनावइ क दीन्ह गवा आदेस फुरइ
अहइ अउर तब, महामहिमा, कृपा कइके आप हम
लोगन क पत्र पठवइँ जेहसे हम जान सकी कि आप इ
विसय मँ का करइ क निर्णय लिहन ह।

दारा क आदेस

6 एह बरे राजा दारा अपने पहिले क राजा लोगन क
लेखन क जाँच करइ क आदेस दिहस। उ सबइ लेख
बाबेल मँ हुवइँ रखे रहेन जहाँ खजाना धरा गवा रहा,
2अहमत्ता क किले मँ एक दण्ड मँ चिपका गोल पत्रक
मिला। एकवतन मादे प्रान्त मँ अहइ। उ दण्ड मँ लिपटे गोल
पत्रक पइ जउन लिखा रहा, उ इ अहइ:

सरकारी टिप्पणी: 3उ कुस्रू क राजा होइ क पहिले
बरिस मँ कुस्रू यरूसलेम मँ परमेस्सर क मन्दिर क बरे
एक ठू आदेस दिहस। आदेस इ रहा:
परमेस्सर क मन्दिर फुन स बनइ द्या। इ बलि भेंट
करइ क जगह होइ। एकरी नेंव क बनइ द्या। मन्दिर
साठ हाथ उँच अउ साठ हाथ चौड़ा होइ चाही। 4एकर
परकोटन मँ बिसाल पाथरन क तीन ठु कतारन अउर
बिसाल काठे क सहतीरन क एक ठू कतार होइ चाही।
मन्दिर क बनावइ क खर्च राजा क खजाने स कीन्ह
जाइ चाही। 5साथ ही साथ, परमेस्सर क मन्दिर क
सोना अउ चाँदी क चिजियन ओकरे जगह पइ वापस
रखी जाइ चाही। नबूकदनेस्सर ओन चिजियन क यरूसलेम
क मन्दिर स लिहे रहा अउर ओनका बाबेल लिआए
रहा। उ सबइ परमेस्सर क मन्दिर मँ वापस रख दीन्ह
जाइ चाही।

6एह बरे अब, मइँ दारा, फरात नदी क पच्छिम क
पहँटन क सासन अधिकारी तत्तनै अउ सतर्बोजनै अउ उ
प्रान्त क रहइवाले सबहिं अधिकारियन, तू पचन्क आदेस
देत हउँ कि तू लोग यरूसलेम स दूर रहा। 7समिकन
क परेसान जिन करा। परमेस्सर क उ मन्दिर क काम
क बन्द करइ क जतन जिन करा। यहूदा क राज्यपाल
अउर यहूदा क बुर्जुगन क एनका फुन स बनावइ द्या।
ओनका परमेस्सर क मन्दिर क उहइ जगह पइ फुन स
बनावइ द्या जहाँ पहिले रहा।
8अब मइँ एक आदेस देत हउँ कि तू पचन्क परमेस्सर
क मन्दिर क बनावइ वाले यहूदा क बुर्जुगन बरे का
करइ चाही: इमारत क लागत क भुगतान राजा क
खजाने स होइ चाही। इ धन फरात नदी क पच्छिम क
छेत्र क प्रान्तन स कर क रूप मँ इकट्ठा कीन्ह गवा
रहा। इ सबइ काम हाली स करा, जेहसे काम रुकइ
नाहीं। 9ओन लोगन क उ सब द्या जेकर ओनका
जरूरत होइ। जदि ओनका सरग क परमेस्सर क बलि
क बरे जवान बर्धन, भेड़न या मेमनन क जरूरत पड़इ
तउ ओनका उ सब कछू द्या। जदि यरूसलेम क
याजक गोहूँ, नोन, दाखरस अउ तेल माँगइ तउ बिना
भूल चूक क हर रोज इ सबइ चिजियन ओनका द्या।
10इन चिजियन क ओनका द्या जेहसे उ पचे सरग क
परमेस्सर क खुस करइवाली बलियन भेंट करइँ अउर
राजा अउ ओकरे पूतन क कल्यान बरे पराथना करइँ।
11मइँ इ आदेस भी देत हउँ कि जदि कउनो मनई इ
आदेस क बदलत ह तउ उ मनई क मकान स एक ठु
काठे क कड़ी क निकार लेइ चाही अउ उ काठे क
कड़ी क उ मनई क तने पइ घँसाइ देइ चाही अउ
ओकरे घरे क तब तलक नस्ट कीन्ह जाइ चाही जब
तलक कि उ पाथरन क ढेर न बनि जाइ।
12परमेस्सर यरूसलेम पइ आपन नाउँ अंकित करइ
अउर मोका आसा अहइ कि परमेस्सर कउनो भी उ
राजा या मनई क पराजित करी जउन इ आदेस क
बदलइ क जतन करत ह। जदि कउनो यरूसलेम मँ इ
मन्दिर क नस्ट करइ चाहत ह तउ मोका आसा अहइ
कि परमेस्सर ओका नस्ट कइ देइ।
मइँ, दारा, इ आदेस दिहेउँ ह। इ आदेस क पालन
हाली अउर पूर्ण रूप स होइ चाही।

मन्दिर क पूर्ण अउर समर्पित होब

13एह बरे फरात नदी क पच्छिम पहँटा क प्रसासक
तत्तनै, सतर्बोजनै अउर ओकरे संग क लोग राजा दारा क
आदेस क पालन किहन। ओन लोगन आग्या क पालन
हाली अउर पूर्ण रूप स किहन, 14एह बरे यहूदी अग्रजन
(प्रमुखन) निर्माण कार्य जारी रखेन अउर उ पचे सफल
भएन काहेकि हग्गै नबी अउ इद्दो क पूत जकर्याह
ओनका प्रोत्साहित किहस। ओन लोग मन्दिर क निर्माण
कार्य पूरा कइ लिहन। इ इस्राएल क परमेस्सर क आदेस
पालन करइ क बरे कीन्ह गवा। इ फारस क राजा लोगन,
कुस्रू, दारा अउर अर्तछत्र जउन आदेस दिहे रहेन ओनकर
पालन करइ बरे कीन्ह गवा। 15मन्दिर क निर्माण अदर
महीने क तीसरे दिन भवा। इ राजा दारा क सासन क छठएँ
बरिस मँ भवा।
16तब इस्राएल क लोग बहोत उल्लास क संग परमेस्सर
क मन्दिर क समर्पण उत्सव मनाएन। याजक, लेवीबंसी
अउर बन्धुवाई स वापस आए दूसर सबहिं लोग इ उत्सव मँ
सामिल भएन।
17उ पचे परमेस्सर क मन्दिर क इ तरह समर्पित किहन:
उ पचे एक सौ बर्धन, दुइ सौ भेड़न अउर चार सौ मेमनन
भेंट किहन अउर उ पचे पूरे इस्राएल क बरे पाप भेंट क
रूप मँ बारह बोकरन भेंट किहन अर्थात इस्राएल क बारह
परिवार समूह मँ स हर एक क बरे एक बोकरा भेंट किहन।
18तब उ पचे यरुसलेम मँ मन्दिर मँ सेवा करइ क बरे
याजकन अउ लेवी बंसियन क समूह बनाएन। इ सब उ पचे
उहइ प्रकार किहन जउने प्रकार मूसा क किताबे मं बतावा
गवा ह।

फसह त्यौहार

19पहिले महीने क चौदहवें दिन ओन यहूदियन फसह क
त्यौहार मनाएन जउन बन्धुवाई स वापस लउटे रहेन।
20याजकन अउर लेवीबंसियन अपने क सुद्ध किहन। ओन
सबहिं फसह क त्यौहार मनावइ क बरे अपने क स्वच्छ
अउ तइयार किहन। उ पचे बन्धुवाई स लउटइवाले सबहिं
यहूदियन क बरे फसह क त्यौहार क मेमने क मारेन। उ
पचे इ अपने बरे अउर अपने याजकन बंधुअन क बरे
किहन। 21एह बरे बन्धुवाई स लउटे इस्राएल क सबहिं
लोग फसह क त्यौहार क बलि खाएस अउर उ प्रदेस मँ
रहइवाले दूसर सबइ लोग जउन अपने आप क ओन
असुद्ध चिजियन स अलग हटिके सुद्ध कइ रहेन अउर
जउन ओन लोगन मँ सामिल होइ रहेन, ओन लोग भी
फसह क त्यौहार क भोजन मँ हींसा लिहन। ओन लोग इ
एह बरे किहन ताकि उ पचे भी यहोवा इस्राएल क
परमेस्सर क उपासना करइ सकइँ। 22उ पचे अखमीरी रोटी
क उत्सव सात दिन तलक बहोत जियादा खुसी स मनाएन।
यहोवा ओनका बहोत खुस किहस काहेकि उ अस्सूर क
राजा क बेउहार क बदल दिहे रहा। अस्सूर क राजा
इस्राएल क परमेस्सर क मन्दिर क बनावइ मँ ओनकर मदद
किहे रहा।

एज्रा यरूसलेम आवत ह

7 फारस क राजा अर्तछत्र क सासनकाल मँ एन सब
बातन क होइ जाइ क पाछे एज्रा बाबेल स यरूसलेम
आवा। एज्रा सरायाह क पूत रहा। सरायाह अजर्याह क पूत
रहा। अजर्याह हिल्किय्याह क पूत रहा। 2हिल्किय्याह सल्लूम
क पूत रहा। सल्लूम सादोक क पूत रहा। सादोक अहीतूब
क पूत रहा। 3अहीतूब अमर्याह क पूत रहा। अमर्याह
अजर्याह क पूत रहा। अजर्याह मरार्योत क पूत रहा।
4मरायोत जरह्याह क पूत रहा। जरह्याह उज्जी क पूत रहा।
उज्जी बुक्की क पूत रहा। 5बुक्की अबीसू क पूत रहा।

अबीसू पीनहास क पूत रहा। पीनहास एलीआज़र क पूत
रहा। एलीआज़र महायाजक हारून क पूत रहा।
6एज्रा बाबेल स यरूसलेम आवा। एज्रा एक लिपिक रहा।
उ मूसा क नेमन क माहिर रहा। मूसा क नेम यहोवा
इस्राएल क परमेस्सर क जरिये दीन्ह गवा रहा। राजा
अर्तछत्र एज्रा क उ हर चीज़ दिहस जेका उ माँगेस काहेकि
यहोवा परमेस्सर एज्रा क संग रहा। 7इस्राएल क कछू लोग,
अउर कछू याजकन, लेवियन, गायकन, दुआरपालन अउर
मन्दिर क सेवकन एज्रा क संग आएन। उ पचे अर्तछत्र क
सासनकाल क सतएँ बरिस यरूसलेम आएन। 8एज्रा यरूसलेम
मँ राजा अर्तछत्र क राज्जकाल क सतएँ बरिस क पाँचवें
महीने मँ आवा। 9एज्रा अउ ओकर समूह बाबेल क पहिले
महीने क पहिले दिन यरूसलेम पहोंचा। यहोवा परमेस्सर
एज्रा क संग रहा। 10एज्रा आपन पूरा धियान यहोवा क नेमन
क अध्ययन अउर ओनका पालन करइ मँ दिहस। एज्रा
इस्राएल क लोगन क यहोवा क नेमन अउर आदेसन क
सिच्छा देइ चाहत रहा।

राजा अर्तछत्र क एज्रा क पत्र

11एज्रा, एक ठु याजक अउर लिपिक रहा। इस्राएल क
यहोवा क जरिये दीन्ह गए आदेसन अउर नेमन क बारे मँ
उ काफी गियान रखत रहा। इ उ पत्र क प्रतिलिपि अहइ
जेका राजा अर्तछत्र लिपिक एज्रा क दिहे रहा:

12राजा लोगन क राजा अर्तछत्र कइँती स याजक एज्रा
क जउन सरग क परमेस्सर क नेमन क पिपिक अहइ:

सुभ-कामनाऐं!

13मइँ इ आदेस देत हउँ: कउनो मनई जउन इस्राएल
क अहइ, याजक अउर इस्राएल क लेवीबंसी जउन मोरे
राज्ज मँ रहत ह अउर एज्रा क संग यरूसलेम जाइ
चाहत ह, तोहार संग जाइ सकत ह। 14एज्रा, मइँ अउर
मोरे सात सलाहकार तू पचन्क पठवत हीं। तू पचन्क
यहूदा अउर यरूसलेम क जाइ चाही। इ लखा कि
तोहार लोग तोहरे परमेस्सर क नेमन क पालन कइसे
करत अहइँ। तोहरे पचन्क लगे नेम अहइ।
15मइँ अउ मोर सलाहकार इस्राएल क परमेस्सर क
सोना चाँदी देत अहइँ। परमेस्सर क निवास यरूसलेम मँ
अहइ। तू पचन्क इ सोना चाँदी अपने संग लइ जाइ
चाही। 16तू पचन्क बाबेल क सबहिं प्रान्तन स होइके
जाइ चाही। लोगन अउर याजकन क स्वच्छा भेंट क
संग सबइ सोना अउ चाँदी क बटोरा। इ सबइ भेंटन
यरूसलेम मँ ओनके परमेस्सर क मन्दिर बरे अहइँ।
17इ धने क उपयोग बर्धन, भेड़न अउ मेमनन बेसहइ
मँ करा। ओन बलियन क संग जउन अन्न भेंट अउ
पेय भेंट चढ़ाई जाब अहइँ, ओनका बेसहा। तब ओनका
यरूसलेम मँ अपने परमेस्सर क मन्दिर क वेदी पइ
बलि चढ़ावा। 18ओकरे पाछे तू अउर दूसर यहूदी बचे
भए सोने चाँदी क जइसा भी चाहा, खर्च कइ सकत
ह। एकर उपयोग वइसे ही करा, जउन तोहरे परमेस्सर
क खुस करइवाला होइ। 19ओन सबहिं चिजियन क
यरूसलेम क परमेस्सर क लगे लइ जा। उ सबइ
चिजियन तोहरे परमेस्सर क मन्दिर मँ उपासना क बरे
अहइँ। 20तू कउनो भी दूसर चिजियन लइ सकत ह
जेनका तू अपने परमेस्सर क मन्दिर क बरे जरूरी
समुझत अहा। राजा क खजाने क धन क उपयोग जउन
कछू तू चाहत अहा ओकरे बेसहइ क बरे कइ
सकत ह।
21अब मइँ, राजा अर्तछत्र इ आदेस देत हउँ: मइँ ओन
सबहिं लोगन क जउन फरात नदी क पच्छिमी पहँटा मँ
राजा क कोसपाल अहइँ, आदेस देत हउँ कि उ पचे
एज्रा क जउन कछू भी माँगइ देइँ। एज्रा सरग क
परमेस्सर क नेमन क लिपिक अउर याजक अहइ। इ
आदेस क हाली अउ पर्ण रूप स पालन करा। 22एज्रा
क एतना तलक दइ द्या: पौने चार टन चाँटी, छ: सौ
बुसल गोहूँ, छ: सौ गैलन दाखरस, छ: सौ गैलन
जइतून क तेल अउ ओतना नोन जेतना एज्रा चाहइ।
23सरग क परमेस्सर, एज्रा क जउने चीज क पावइ बरे
आदेस द्या ओका तू पचन्क हाली अउर पूरी तरह स
एज्रा क देइ चाही। सरग क परमेस्सर क मन्दिर क बरे
इ सबइ सब चिजियन करा। हम नाहीं चाहित कि
परमेस्सर मोरे राज्ज या मोरे पूतन पइ किरोधित होइ।
24मइँ चाहत हउँ कि तू लोगन क मालूम होइ कि
याजकन, लेबियन, गायकन, दुआरपालन अउ परमेस्सर
क मन्दिर क दूसर कर्मचारियन अउ सेवकन क कउनो
भी तरह क कर देइ क बरे मजबूर करब, नेम क
खिलाफत अहइ। 25एज्रा मइँ तोहका तोहरे परमेस्सर क
जरिये प्राप्त बुद्धि क उपयोग अउ सरकारी अउर
धार्मिक निआव अधीसन क चुनइ क अधिकार देत हउँ।
इ सबइ लोग फरात नदी क पच्छिम मँ रहइवाले सबहिं
लोगन क बरे निआव अधीस होइहीं। उ पचे ओन
सबहिं लोगन क निआव करिहीं जउन तोहरे परमेस्सर
क नेमन क जानत हीं। जदि कउनो मनई ओन नेमन क
नाहीं जानत तउ उ पचे निआव अधीस ओका ओन
नेमन क बतइहीं। 26जदि कउनो अइसा मनई जउन
तोहरे परमेस्सर क नेमन या राजा क नेमन क पालन
नाहीं करत होइ, तउ ओका जरूर दण्डित कीन्ह जाइ
चाहीं। अपराध क अनुसार ओका मृत्य दण्ड, देस
निकारी, ओकरी सम्पत्ति क जब्त करब या जेल मँ
डावइ क सजा दीन्ह जाइ चाही।

एज्रा परमेस्सर क स्तुति करत ह

27हमरे पुरखन क परमेस्सर यहोवा क स्तुति करा। उ
राजा क मन मँ इ सबइ बिचार डाएस कि उ यरूसलेम मँ
यहोवा क मन्दिर क सम्मान करइ।
28यहोवा क राजा, ओकरे सलाहकारन अउर बड़के
अधिकारियन क सामने मोह पइ आपन सच्चा पिरेम परगट
किहा। यहोवा मोरे परमेस्सर मोरे संग रहा, एह बरे मइँ

साहसी रहा अउर मइँ इस्राएल क प्रमुखन क अपने संग
यरूसलेम जाइ बरे एकट्ठा किहेउँ।

एज्रा क संग लउटइवाले परिवार प्रमुखन क सूची

8 इ बाबेल स यरूसलेम लउटइवाले परिवार प्रमुखन
अउर दूसर लोगन क सूची अहइ जउन मोरे (एज्रा)
क संग लउटेन। हम लोग राजा अर्तछत्र क सासनकाल मँ
यरूसलेम लउटेन। इ नाउँन क सूची अहइ: 2पीनहास क
संतानन मँ स गेर्सोम रहा; ईतामार क सन्तानन मँ स
दानिय्येल रहा; दाऊद क सन्तानन मँ स हत्तूस रहा,
3सकन्याह क सन्तानन मँ स परोस, जकर्याह क सन्तान अउ
डेढ़ सौ दूसर लोग; 4पहत्मोआब क सन्तानन मँ स जरह्याह
क पूत एल्यहोएनै अउर दूसर दूइ सौ लोग, 5जत्तू क
सन्तानन मँ स यहजीएल क पूत सकन्याह अउर तीन सौ
दूसर लोग; 6आदीन क सन्तानन मँ स योनातान क पूत एबेद
अउर पचास दूसर लोग, 7एलाम क सन्तानन मँ स
अतल्याह क पूत यसायोह अउर सत्तर दूसर लोग, 8सपत्याह
क सन्तानन मँ स मीकाएल क पूत जबघाह अउर अस्सी
दूसर लोग, 9योआब क सन्तानन मँ स यहीएल क पूत
ओबद्याह अउर दूइ सौ अट्ठारह दूसर मनई, 10बानी,
योसिप्याह क पूत सलोमति क सन्तानन मँ स अउर एक सौ
साठ दूसर लोग, 11बेबै क सन्तानन मँ स बेबै क पूत
जकर्याह अउर अट्ठाईस दूसर मनई, 12अजगाद क सन्तानन
मँ स हक्कातान क पूत योहानान अउर एक सौ दस दूसर
लोग; 13अदोनीकाम क अंतिम सन्तानन मँ स एलीपेलेत
योएल, समायाह अउर साठ दूसर मनई रहेन, 14बिगवै क
सन्तानन मँ स उत्तै, जब्बूद अउर सत्तर दूसर लोग।

यरूसलेम क वापसी

15मइँ ओन सबहिं लोगन क अहवा कइँती बहइवाली
नदी क लगे एक संग एकट्ठा होइ क बोलाएउँ। हम लोग
हुवाँ तीन दिन तलक डेरा डाए। मोका इ पता लगा कि उ
समूह मँ याजक रहेन, मुला कउनो लेवीबंसी नाहीं रहा।
16तउ मइँ एन प्रमुखन क बोलाएउँ: एलीएजेर, अरीएल,
समायाह, एलनातान, यारीब, एलनातान, नातान, जकर्याह अउ
मसुल्लाम अउ मइँ योयारीब अउर एलनातान (इ सबइ लोग
सिच्छक रहेन) क बोलाएस। 17मइँ ओन मनइयन क इद्दो
क लगे पठएउँ। इद्दो कासिप्या नगर क प्रमुख रहा। मइँ उ
मनई क बताएउँ कि उ पचे इद्दो अउर ओकर सम्बंधियन
स का कहइँ। ओकर सम्बंधी कासिप्या मँ मन्दिर क सेवक
अहइँ। मइँ ओन लोगन क इद्दो क लगे पठएउँ जेहसे
इद्दो परमेस्सर क मन्दिर मँ सेवा करइ क बरे हमरे लगे
सेवकन क पठएस। 18काहेकि परमेस्सर क कृपालु हाथ
हमरे ऊपर रहेन। इद्दो क सम्बंधियन एन मनइयन क हम
लोगन क लगे पठएस: महली क सन्तानन मँ स सेरेब्याह
नाउँ क बुद्धिमान मनई। महली लेवी क पूतन मँ स एक
रहा। लेवी इस्राएल क पूतन मँ स एक रहा। उ पचे हमरे
लगे सेरेहब्याह अउर ओकरे पूतन क पठएस। इ सबइ सब
मिलाइके उ परिवार स इ सबइ अट्ठारहे मनई रहेन। 19उ
पचे मरारी क सन्तानन मँ स हसब्याह अउर यसायाह क भी
ओनकर बन्धुअन अउर ओनके पूतन क संग पठएस। उ
परिवार स कुल मिलाइके बीस मनई रहेन। 20उ पचे मन्दिर
क दुइ सौ बीस सेवक भी पठएन। ओनकर पुरखन उ सबइ
लोग रहेन जेनका दाऊद अउ बड़के अधिकारियन लेवीबंसियन
क मदद बरे चुने रहा। ओन सब क नाउँ सूची मँ लिखे भए
रहेन।

21हुवाँ अहवा नदी क लगे, मइँ घोसणा किहेउँ कि
हमका उपवास रखइ चाही। हम क अपने क परमेस्सर क
समन्वा बिनम्र बनावइ क बरे उपवास रखइ चाही। हम लोग
परमेस्सर स अपने बरे, अपने बच्चन क बरे, अउर जउन
चिजियन हमार रहिन, ओनके संग सुरच्छित जात्रा क बरे
पराथना करइ चाहत रहे। 22राजा अर्तछत्र अपनी जात्रा क
समइ अपनी सुरच्छा बरे फउजी अउ घुड़सवारन क माँगइ मँ
मइँ लजान रहेउँ। सड़किया पइ दुस्मन रहेन। मोरी लज्जा क
कारण इ रहा कि हम राजा स कहि रखे रहे कि, “हमार
परमेस्सर उ हर मनई स संग अहइ जउन ओह पइ बिस्सास
करत ह अउर परमेस्सर उ हर मनई पइ किरोधित होत ह
जउन ओहसे मुँह फेरि लेत ह।” 23एह बरे हम लोग अपनी
जात्रा क बारे मँ उपवास रखे अउर परमेस्सर स पराथना
कीन्ह। उ हम लोगन क पराथना सुनेस।

24तब मइँ याजकन मँ स बारह क नियुक्त किहेउँ जउन
प्रमुख रहेन। मइँ सेरेब्याह, हसब्याह अउर ओनके दस
भाइयन क चुनेउँ। 25मइँ चाँदी, सोना अउर दूसर चिजियन
क तउलेउँ जउन हमरे परमेस्सर क मन्दिर क बरे दीन्ह गइ
रहिन। मइँ एन चिजियन क ओन बारह याजकन क दिहेउँ
जेनका मइँ नियुक्त किहे रहेउँ। राजा अर्तछत्र, ओकर
सलाहकार, ओकर बड़के अधिकारियन अउर बाबेल मँ
रहइवाले सबहिं इस्राएलियन परमेस्सर क मन्दिर क बरे ओन
चिजियन क दिहन। 26मइँ एन सबहिं चिजियन क तउलेउँ।
हुवाँ चाँदी पच्चीस टन रही। हुवाँ चाँदी क बर्तन व दूसर
चिजियन रहिन। जेनकर वजन पौने चार किलोग्राम रहा। हुवाँ
सोना पौने चाट टन रहा। 27अउर मइँ ओनका बीस सोना क
खोरन दिहेउँ। खोरन क वजन लगभग साढ़े आठ किलो
रहा अउर मइँ ताँबा क चमकदार दूई ठु बरतन दिहस जउन
कि सोना क समान कीमती रहा। 28तब मइँ ओन बारह
याजकन स कहेउँ: “तू अउर इ सबइ चिजियन यहोवा क
बरे पवित्र अहइँ। लोग इ चाँदी अउर सोना यहोवा तोहरे
पचन्क पुरखन परमेस्सर क दिहन। 29एह बरे एनकर रच्छा
होसियारी स करा। तू पचे एकरे बरे तब तलक जिम्मेदार
अहा जब तलक तू पचे एका यरूसलेम मँ मन्दिर क
प्रमुखन क नाहीं दइ देत्या। तू पचे एनका प्रमुख लेवीबंसियन
क अउर इस्राएल क परिवार प्रमुखन क देब्या। उ सबइ
ओन चिजियन क तउलिहीं अउर यरूसलेम मँ यहोवा क
मन्दिर क कोठरियन मँ धरिहीं।”

30तउ ओन याजकन अउ लेवियन उ चाँदी, सोना अउर
ओन बिसेस वस्तुअन क ग्रहण किहन जेनका एज्रा तउले
रहा अउर ओनका यरूसलेम मँ परमेस्सर क मन्दिर मँ इ
सबइ चिजियन लइ जाइ क बरे कहा गवा रहा।

31पहिले महीने क बारहवें दिन हम लोग अहवा नदी क
छोड़े अउर हम यरूसलेम कइँती चल पड़े। परमेस्सर हम

लोगन क संग रहा अउर उ हमार रच्छा दुस्मनन अउ
डाकुअन स पूरे रास्ते भर किहस। 32तब हम यरूसलेम आइ
पहोंचे। हम हुवाँ तीन दिन आरम कीन्ह। 33चउथे दिन हम
परमेस्सर क मन्दिर क गए अउर चाँदी, सोना अउर बिसेस
चिजियन क तउले। हम याजक ऊरीयाह क पूत मरेमोत क
उ सबइ चिजियन दिहेन। पीनहास क पूत एलीआजर मरेमोत
क संग रहा। अउर लेवीबंसी येसू क पूत योजाबाद अउर
बिन्तूई क पूत नोअद्याह भी ओनके संग रहा। 34हम हर
एक चीज गिने अउर ओनका तउले। तब हम उ समइ कुल
वजन लिखे।

35तब ओन यहूदी लोग जउन बंधुवाई स आए रहेन,
इस्राएल क परमेस्सर क होमबलि दिहन। उ पचे बारह बर्धन
पूरे इस्राएल क बरे छियानबे भेड़न, सतहत्तर मेमनन अउ
बारह बोकरन पाप भेंट बरे चढ़ाएन। इ सब यहोवा क बरे
होमबलि रही।

36तब ओन लोग राजा अर्तछत्र क पत्र, राजकीय
अधिपतियन अउ फरात क पच्छिम क छेत्र क प्रसासकन क
दिहन। तब उ पचे इस्राएल क लोगन अउर मन्दिर क
अपना समर्थन दिहन।

विदेसी लोगन स बियाह क बारे मँ एज्रा क पराथना

9 जब हम लोग इ सब कइ चुके तब इस्राएल क
प्रमुख मोरे लगे आएन। उ पचे कहेन, "एज्रा इस्राएल
क लोगन अउ याजकन अउ लेवी बंसियन अपने चाहिहुँ
कइँती रहइवाले लोगन स अपने क अलग नाहीं रखेस ह।
इस्राएल क लोग कनानियन, हित्तियन, परिज्जियन, यबूसियन,
अम्मोनियन, मोआबियन, मिस्र क लोगन अउ एमोरियन क
जरिये कीन्ह जाइवालो बहोत स बुरी बातन स प्रभावित भए
हँ। 2इस्राएल क लोग एन लोगन क बिटियन स बियाह
किहेन ह। जउन कि इस्राएली नाहीं रहेन इस्राएल क लोग
पवित्तर पीढ़ी* अहइ। मुला अब उ पचे अपने चारिहुँ ओर
रहइवाले दूसर लोगन स मिलिके दोगले अउर असुद्ध होइ
गाएन ह। इस्राएल क लोगन क नेतन अउर बड़के
अधिकारियन इ अपराध क करइ मँ पहिले रहेन ह।" 3जब
मइँ इ बारे मँ सुनेउँ, मइँ अप्ना लबादा अउ अंगरखा इ
देखावइ बरे फार डाएउँ कि मइँ बहोत परेसान हउँ। मइँ
अपने मूँड़ि अउर दाढ़ी क बार नोंच डाएउँ। मइँ दु:खी अउ
अस्त - व्यस्त बइठ गाएउँ। 4तब हर एक मनई जउन
इस्राएल क परमेस्सर क नेमन क आदर करत रहा, भय स
काँप उठा। उ पचे डर गाएन काहेकि जउन इस्राएल क
लोग बन्धुवाई स लउटेन, उ पचे परमेस्सर क भक्त नाहीं
रहेन। मोका धक्क लगा अउर मइँ घबराइ गाएउँ। मइँ हुवाँ
साँझ क बलि भेंट क समइ तलक बइठा रहेउँ अउर उ
पचे लोग मोरे चारिहुँ कइँती एकट्ठा रहेन।

5तब, जब साँझ क बलि भेंट क समइ भवा, मइँ आपन
दु:ख क अवस्था मँ ही उठेउँ। मइँ बहोत लजान रहेउँ। मोर
लबादा अउ अंगरखा दुइनउँ फटे रहेन अउर मइँ घुटरुअन
क बल बइठिके यहोवा अपने परमेस्सर कइँती हाथ
फइलाएउँ। 6तब मइँ पराथना किहेउँ:

हे मोरे परमेस्सर, मइँ एतना लजान अउर संकोच मँ हउँ
कि तोहरी कइँती मोर आँखिन नाहीं उठतिन, हे मोर
परमेस्सर! मइँ लजान हउँ काहेकि हमरे पाप हमरे मूँड़े स
ऊपर चले गए हँ। हमरे अपराधन क ढेरी एतनी होइ गइ ह
कि उ अकासे तलक पहोंच चुकी ह। 7हमरे पुरखन क
समइ स अब तलक हम लोग बहोत जियादा पाप किहा ह।
हम लोग पाप किहा, एह बरे हम, हमरे राजा अउर हमरे
याजक दण्डित भएन। हम लोग बिदेसी राजा लोगन क
जरिये तरवार स अउर बन्दीखाने मँ धाँधि जाइ तलक दण्डित
भएन ह। उ पचे राजा हमार धन लइ गाएन अउर हमका
लज्जित किहन। इ स्थिति आजु भी वइसी अहइ।

8आखीर मँ अब तू हम पइ कृपालु भवा ह। तू हमरे
बचा भवा लोगन क बन्धुआई स निकरि आवइ दिहा ह
अउर आपन पवित्र जगह मँ पनाह दिहा ह। यहोवा, तू हम
क नवा जीवन दिहा ह अउर हमरी गुलामी स अजाद किहा
ह। 9हाँ, हम दास रहे, मुला तू हम क सदा ही क बरे दास
नाहीं रहइ देइ चाहत रहा। तू हम पइ कृपालू रहा। तू फारस
क राजा लोगन क हम पइ कृपालु बनाया। तोहार मन्दिर
नेस्त नाबूद होइ गवा रहा। मुला तू हम क नवी जिन्नगी
दिहा जेहसे हम तोहरे मन्दिर क फुन बनाइ सकित ह अउर
नवे क तरह पक्का कइ सकत हीं। ह परमेस्सर तू हम
पचन्क यहूदिया अउर यरूसलेम मँ बेरा* बनाइ दिहस।

10हमरे परमेस्सर, अब हम तोहसे का कहि सकित ह?
हम लोग तोहरी आग्या क पालन करब फुन तजि दीन्ह ह।
11हमरे परमेस्सर, तू अपने सेवकन अर्थात नबियन क
उपयोग किहा अउर ओन आदेसन क हम क दिहा। तू कहे
रह्या: "जउने देस मँ तू रहइ जात अहा अउर जेका आपन
बनावइ जात रह्या ह, उ देस भ्रस्ट अहइ। इ ओन बहोत
बुरे कामन स भ्रस्ट भवा ह जेनका हुवाँ रहइवालन किहेन
ह। ओन लोग इ देस मँ हर जगह पइ बहोत जियादा बुरे
काम किहेन ह। उ पचे इ देस क अपने पापन स गंदा कइ
दिहेन ह। 12एह बरे इस्राएल क लोगो, अपने बच्चन क
ओनके बच्चन स बियाह जिन करइ द्या। ओनके संग
सम्बंध न रखा। अउर ओनकर चिजियन क लालसा न करा।
मोरे आदेसन क पालन करा जेहसे तू सक्तीसाली होब्या अउर
इ देस क अच्छी चिजियन क भोग करब्या। तब तू इ देस
क बनाए रखब्या अउर अपने बच्चन क देब्या।"

13जउन बुरी घटनन हमरे संग घटिन उ सबइ हमार
अपनी अपनी गलतियन स घटिन। हम लोग पाप क करम
किहे अही अउर हम लोग बहोत अपराधी अही। मुला हमार
परमेस्सर, तू हम क ओहसे बहोत, कम दण्ड दिहा ह जेतना
हम मिलइ चाही। हम लोग बड़े भयानक करम किहे अही
अउर हम लोगन क एहसे जियादा दण्ड मिलइ चाही। अइसा
होत भए भी तू हमरे लोगन मँ स कछू क बन्धुवाई स
अजाद होइ जाइ दिहा ह। 14एह बरे हम जानित ह कि हम
क तोहरे आदेसन क तोड़इ नाहीं चाही। हम क ओन लोगन

पवित्तर पीढ़ी काहेकि मूसा क व्यस्था अंतरजातीय बियाह क
रोकत ह, एज्रा अउर नेतन चिन्ति अहइ कि इ यहूदी साइद गैर
यहूदी स मिल जाइ अउर आपन यहूदीपन खो देइ।

बेरा बेरा सब्द क उपयोग यहूदियन क यरूसलेम इस्राएल
वापिस ओन क मालिकाना अधिकार क दर्साइ बरे कीन्ह गवा ह।

क संग बियाह नाहीं करइ चाही। उ सबइ लोग बहोत बुरे काम करत हीं। परमेस्सर जदि हम लोग ओन बुरे लोगन क संग बियाह करत रही तउ हम जानित ह कि तू हम क नस्ट कइ देब्या। तब इस्राएल क लोगन मँ स कउनो भी जिअत नाहीं बचि पाइ।

15यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर, तू अच्छा अहइ। अउर तू अब भी हम मँ स कछू क जिअत रहइ देब्या। हाँ, हम अपराधी अहइ। अउर अपने अपराध क कारण हम मँ कउनो क भी तोहरे समन्वा खड़े होइ नाहीं दीन्ह जाइ चाही।

लोग आपन पाप स्वीकार करत हीं

10 एज्रा पराथना करत रहा अउर पापन क स्वीकार करत रहा। उ परमेस्सर क मन्दिर क समन्वा रोवर रहा अउर निहुरिके प्रणाम करत रहा। जउने समइ एज्रा इ कहत रहा उ समइ इस्राएल क लोगन क एक बड़ा समूह मेहरारू मनसेधू अउर बच्चन ओकरे चारिहुँ कइँती बटुर गएन। उ सबइ लोग भी जोर-जोर स रोवत रहेन। 2तब यहीएल क पूत सकन्याह जउन एलाम क सन्तानन मँ स रहा, एज्रा स बातन किहस। सकन्याह कहेस, "हम लोग अपने परमेस्सर क भक्त नाहीं रहे। हम लोग इ भुइँया क लोग क बिदेसी मेहररूअन क संग बियाह किहा ह। मुला जदपि हम इ कइ चुके अहइ तउ भी इस्राएल क बरे आसा अहइ। 3अब हम अपने परमेस्सर क समन्वा ओन सबहिं मेहररूअन अउर ओनके बच्चन क वापस पठवइ क वाचा करी। हम लोग इ एज्रा क सलाह मानइ बरे अउ ओन लोगन क सलाह मानइ क बरे करब जउन परमेस्सर क नेमन क सम्मान करत हीं। हम परमेस्सर क नेमन क पालन करब। 4एज्रा खड़े हवा, इ तोहार उत्तरदायित्व अहइ, किन्तु हम तोहार समर्थन करब। एह बरे साहसी बना अउर एका करा।"

5एह बरे एज्रा उठ खड़ा भवा। उ प्रमुख याजक, लेवीबंसियन अउर इस्राएल क सबहिं लोगन स जउन कछू उ कहेस, ओका करइ क प्रतिग्या कराएस। 6तब एज्रा परमेस्सर क भवन क समन्वा स दूर हट गवा। जब तलक एज्रा हुवाँ रहा उ भोजन नाहीं किहस अउर न ही पानी पियस। उ इ किहस काहेकि उ तब भी बहोत दु:खी भवा। उ इस्राएल क ओन लोगन बरे दु:खी रहा जउन यरूसलेम क वापस आए रहेन। 7उ पचे यहूदा अउ यरूसलेम मँ हर एक जगहिया मँ इ एलान किहेस कि सबइ यहूदी लोग जउन कि बन्धुवाई स वापस लउटे यरूसलेम मँ एक संग एकट्ठा होइ। 8कउनो भी मनई जउन तीन दिन क भीतर यरुसलेमा नाहीं आई, तउ ओकर सम्पत्ति उ भुइँया मँ जबत कइ लीन्ह जाई। बड़के अधिकारियन अउर नेतन (प्रमुखन) इ निर्णय लिहन अउर उ मनई ओन लोगन क समूह क निअंबर नाहीं रहि जाई जउन कि बन्धुवाई स वापस लउटी क आएन।

9एह बरे तीन दिन क भीतर यहूदा अउ बिन्यामीन के परिवार क सबहिं मनई यरूसलेम मँ एकट्ठा भएन अउर नवें महीने क बीसवें दिन सबहिं लोग मन्दिर क आँगन मँ आइ गएन। उ पचे इ बिसय क डर स अउर भारी बर्खा क कारण काँपत रहेन। 10तब याजक एज्रा खड़ा भवा अउर उ ओन लोगन स कहेस, "तू लोग परमेस्सर क बरे बिस्सासी नाहीं रहेन। तू पचे बिदेसी मेहररूअन क संग बियाह किहा ह। तू पचे वइसा कइके इस्राएल क अउर जियादा अपराधी बनाया ह। 11अब तू लोगन क यहोवा क समन्वा स्वीकार करब होइ कि तू पचे पाप किहा ह। यहोवा तू लोगन क पुरखन क परमेस्सर अहइ। तू पचन्क यहोवा क आदेस क पालन करइ चाही। अपने चारिहुँ ओर रहइवाले लोगन अउ अपनी बिदेसी मेहररूअन स अपने अलग करा।"

12तब पूरा समूह जउन एक संग एकट्ठा रहा, एज्रा क जवाब दिहस। उ पचे ऊँची आवाज मँ कहेन: "एज्रा तू बिल्कुल ठीक कहत ह। हम क उ करइ चाही जउन तू कहत ह। 13मूला हुवाँ बहोत स लोग अहइँ अउर इ बर्खा क समइ अहइ तउ हम लोग बाहेर खड़े नाहीं रहि सकित। इ समस्या एक या दुइ दिन मँ हल नाहीं होइ काहेकि हम लोग बुरी तरह पाप किहे अही। 14पूरे समूह क सभा कइँती स हमरे प्रमुखन क निर्णय करइ द्या। तब निहचित समइ पइ हमरे नगरन क हर एक मनई जउन कउनो बिदेसी मेहरारू स बियाह किहेस ह, यरूसलेम आएन। ओनका अपने अग्रजन (प्रमुखन) अउर नगरन क निआव अधीसन क संग हिआँ आवइ दीन्ह जाइ। तब हमार परमेस्सर हम पइ किरोधित होब तजि देइ।"

15सिरिफ थोड़े स मनई इ जोजना क बिरुद्ध रहेन। इ सबइ मनई रहेन असाहेल क पूत योनातान अउ तिकवा क पूत यहजयाह रहेन। लेवीबंसी मसुल्लाम अउ सब्बतै भी इ जोजना क बिरुद्ध रहेन।

16एह बरे इस्राएल क उ सबइ लोग, जउन यरूसलेम मँ वापस आए रहेन, उ जोजना क स्वीकार करइ क सहमत होइ गएन। याजक एज्रा परिवार क प्रमुख मनईयन क चुनेस। उ हर एक परिवार स एक मनई क चुनेस। हर एक मनई नाउँ लइके चुना गवा। दसवें महीने क पहिले दिन जउन लोगन चुने गए रहेन हर एक मामले क जाँच क बरे बइठेन। 17पहिले महीने क पहिले दिन तलक उ पचे ओन सबहिं मनइयन पइ बिचार करब पूरा कइ लिहन जउन बिदेसी मेहररूअन स बियाह किहे रहेन।

बिदेसी मेहररूअन स बियाह करइवाला क सूची

18याजकन क सन्तानन मँ इ सबइ नाउँ अहइँ जउन बिदेसी मेहररूअन स बियाह किहन: योसादाक क पूत येसू क सन्तानन, अउर येसू क भाइयन मँ स इ सबइ मनई: मासेयाह, एलीआज़र, यारीब अउर गदल्याह। 19एन सबहिं अपनी-अपनी मेहररूअन स सम्बंध तोरब स्वीकार किहन अउर अपने-अपने अपराध क स्वीकार करत भए हर एक अपने रेवड़ स एक-एक भेड़ा अपराध भेंट क रूप मँ चढ़ाएस। उ पचे अइसे अपने-अपने अपराधन क कारण किहन।

20इम्मेर क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई रहेन: हनानी, अउर जबधाह।

21हारीम क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई रहेन: मासेयाह,
एलीयाह, समायाह, यहीएल अउर उज्जिय्याह।
22पसहूर क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई रहेन: एल्योएनै,
मासेयाह, इसमाएल, नतनेल, योजाबाद अउर एलासा।
23लेवीबंसियन मँ स एन मनइयन बिदेसी मेहररूअन स
बियाह किहस: योजाबाद, सिमी, केलायाह (एका कलीता भी
कहा जात)। ह पतह्याह, यहूदा अउर एलीआज़र।
24गायकन मँ सिरिफ इ मनई अहइ, जउन बिदेसी
मेहरारू स बियाह किहस:
एल्यासीब, दुआरपालन मँ स इ सबइ लोग अहइँ जउन
बिदेसी मेहररूअन स बियाह किहस: सल्लूम, तेलेम अउर
ऊरी। 25इस्राएल क लोगन मँ स इ सबइ लोग अहइँ जउन
बिदेसी मेहररूअन स बियाह किहन:
परोस क सन्तानन स इ सबइ मनई: रम्याह, यिज्जियाह,
मल्किय्याह, मियामीन, एलीआजर, मल्किय्याह अउर बनायाह।
26एलाम क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: मत्तन्याह,
जकर्याह, यहीएल, अब्दी, यरेमोत अउर एलीयाह।
27जत्तू क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई एल्योएनै,
एल्यासीब, मत्तन्याह, यरेमोत, जाबाद अउर अजीज़ा।
28बेबै क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: यहोहानान,
हनन्याह, जब्बै, अउर अतलै।
29बानी क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: मसुल्लाम,
मल्लूक, अदायाह, यासूब, साल अउर यरामोत।
30पहतमोआब क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: अदना,
कलाल, बनायाह, मासेयाह, मत्तन्याह, बसलेल, बिन्नूई अउर
मनस्से।
31हारीम क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: एलीआज़र,
यिस्सिय्याह, मल्कियाह, समायाह, सिमोन, 32बिन्यामीन, मल्लूक
अउर समर्याह।
33हासूम क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: मत्तनै, मत्तत्ता,
जाबाद, एलीपेलेत, यरेमै, मनस्से अउर सिमी।
34बानी क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: मादै, अम्राम,
ऊएल, 35बनायाह, बेदयाह, कलूही, 36बन्याह, मरेमोत,
एल्यासीब, 37मत्तन्याह, गत्तनै, यासू,
38बिन्नूई क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: सिमी,
39सेलेम्याह, नातान, अदायाह, 40मक्नदबै, सासै, सारै, 41अजरेल,
सेलेम्याह, सेमर्याह, 42सल्लूम, अमर्याह, अउर योसेफ।
43नबो क सन्तानन मँ स इ सबइ मनई: यीएल, मत्तित्याह,
जाबाद, जबीना, यद्दो, योएल अउर बनायाह।
44एन सबहिं लोग बिदेसी मेहररूअन स बियाह किहे रहेन
अउर एनमाँ स कछू क एन मेहररूअन मँ स बच्चे भी
रहेन।

दूसर इतिहास

सुलैमान बुद्धि क याचना करत ह

1 सुलैमान एक बहोत सक्तीसाली राजा बन गवा काहेकि
यहोवा ओकरे परमेस्सर, ओकर संग रहा। यहोवा
सुलैमान क बहोत जियादा महान बनाएस।
2सुलैमान इस्राएल क सबहिं लोगन स बातन किहस। उ
सेना क सेनापतियन, सहस्त्रपतियन, निआवअधीसन, इस्राएल
क सबहिं नेता लोगन अउर परिवारन क प्रमुखन स बातन
किहस। 3तब सुलैमान अउर सबहिं लोग ओकरे संग बटुरेन
अउ उ ऊँच जगह क गएन जउन गिबोन नगर मँ रहा।
परमेस्सर क मिलाप क तम्बू हुवाँ रहा। यहोवा क सेवक
मूसा ओका तब बनाए रहा जब उ अउर इस्राएल क लोग
रेगिस्ताने मँ रहेन। 4दाऊद परमेस्सर क करार क सन्दूख क
किर्यत्यारीम स यरूसलेम तलक लिआवा रहा। दाऊद
यरूसलेम मँ एका रखइ बरे एक ठु जगह बनाए रहा।
दाऊद यरूसलेम मँ करार क सन्दूख बरे एक तम्बू लगाइ
दिहे रहा। 5हूर क पूत ऊरी अउर ऊरी क पूत बसलेल एक
काँसे क वेदी बनाए रहा। उ काँसे क वेदी गिबोन मँ पवित्तर
तम्बू क समन्वा रही। एह बरे सुलैमान अउर उ सबइ लोग
यहोवा स राय लेइ गिबोन गएन। 6मिलाप क तम्बू मँ
यहोवा क समन्वा काँसे क वेदी तलक सुलैमान गवा।
सुलैमान एक हजार होमबलि वेदी पइ चढ़ाएस।
7उ राति परमेस्सर सुलैमान क लगे आवा। परमेस्सर
कहेस, "सुलैमान, मोहसे तू उ माँगा जउन कछू तू चाहत
अहा कि मइँ तोहका देउँ।"
8सुलैमान परमेस्सर स कहेस, "तू मोरे दाऊद क बरे
बहोत कृपालु अहा। तू मोका, मोरे बाप क जगह पइ नवा
राजा होइ बरे चुन्या ह। 9यहोवा परमेस्सर, अब, तू जउन
बाचन मोरे पिता दाऊद क दिहा ह ओका बना रहइ द्या। तू
मोका अइसी प्रजा क राजा बनाया, जउन पृथ्वी क रेत
कणन क नाईं अनगिनत अहइँ। 10तू मोका बुद्धि अउ
गियान द्या। ताकि मइँ एन लोगन क सही रहा पइ लइ
चल सकब। कउनो भी मनई तोहरी मदद क बिना तोहार एँन
महान लोगन पइ हुकूमत नाहीं कइ सकत ह।"
11परमेस्सर सुलैमान स कहेस, "तोहार रूख बिल्कुल
ठीक अहइँ। तू धन या सम्पत्ति या सम्मान नाहीं माँग्या ह।
तू इ भी नाहीं माँग्या ह कि तोहार दुस्मन मरि जाइँ। तू
लम्बी उमिर भी नाहीं माँग्या ह। किन्तु तू अपने बरे बुद्धि
अउ गियान मँग्या ह जेहसे तू मोर प्रजा क सम्बन्ध मँ
बुद्धिमानी स निर्णय लइ सका, जेकर मइँ तोहका राजा
बनाएउँ ह। 12एह बरे मइँ तोहका बुद्धि अउ गियान देब।
मइँ तोहका धन, बैभव अउर सम्मान भी देब। तोहरे पहिले
होइवाले राजा लोगन क लगे एतना धन अउर सम्मान
कबहुँ नाहीं रहा अउर तोहरे पाछे होइवाले राजा लोगन क
लगे भी एँतना धन अउर सम्मान नाहीं होइ।"
13तउ सुलैमान गिबोन क आराधना क जगह मँ गवा।
जब सुलैमान उ मिलापवाले तम्बू क छोड़ेस अउ यरूसलेम
लउट गवा अउ इस्राएल पइ राज्ज करइ लाग।

सुलैमान धन संग्रह अउर अपनी फउज खड़ी करत ह

14सुलैमान घोड़न अउ रथ अपनी फउज क बरे एकट्ठा
करब सुरू किहेस। सुलैमान क लगे एक हजार चार सौ रथ
अउर बारह हजार घोड़सवार रहेन। सुलैमान ओनका रथ
नगरन मँ रखेस। सुलैमान यरूसलेम मँ भी ओनमाँ स कछू
क रखेस, अर्थात हुवाँ जहाँ राजा क निवास रहा। 15सुलैमान
यरूसलेम मँ बहोत सी चाँदी अउ सोना एकट्ठा किहस। उ
एँतना अधिक चाँदी अउ सोना एकट्ठा किहस कि उ
चट्टानन स सामान्य होइ गवा। सुलैमान देवदारु क एँतना
लकड़ी बटोरेस कि उ पच्छिमी पहाड़ प्रदेस क गूलर क
बृच्छ क नाईं सामान्य होइ गइ। 16सुलैमान, मिस्र अउर कुए
स घोड़न मँगाएस। राजा क बइपारियन घोड़न कुए स
बेसहेन। 17सुलैमान क बइपारियन मिस्र स एक रथ चाँदी क
छ: सौ सेकेल मँ अउर घोड़ा चाँदी क एक सौ पचास
सेकेल मँ बेसहेन। तब बइपारियन घोड़न अउर रथन क हित्ती
लोगन क राजा लोगन तथा अराम क राजा लोगन क हाथ
बेच दिहस।

सुलैमान मन्दिर बनावइ क जोजना बनावत ह

2 सुलैमान यहोवा क नाउँ क प्रतिस्ठा क बरे एक
मन्दिर अउर अपने बरे एक राजमहल बनावइ क
निहचइ कहस। 2सुलैमान सत्तर हजार बोझ ढोवइया अउर
पहाड़ी पहँटा मँ पाथर खनइ बरे अस्सी हजार मनइयन क
चुनेस अउर उ तीन हजार छ: सौ मनई मजदूरन क निगरानी
बरे चुनेस।
3तब सुलैमान हूराम क सँदेसा पठएस। हूराम सोर नगर
क राजा रहा। सुलैमान सँदेसा दिहे रहा, "मोका वइसे ही
मदद द्या जइसे तू मोरे बाप दाऊद क मदद दिहे रह्या।
देवदार क बृच्छन स ओनका काठ पठए रह्या जेहसे उ पचे
अपने रहइ क बरे महल बनाइ सके रहेन। 4मइँ एक ठु
मन्दिर बनाउब अउर ओका यहोवा आपन परमेस्सर क नाउँ
क सम्मान देइ बरे अर्पित करब। हम पचे यहोवा क समन्वा
सुगन्धित धूप जराब। हम पचे हमेसा पवित्तर रोटी क बिसेस
मेज पई भेंट करब। हम पचे हर भिंसारे, हर सांझ, हर
सबित क दिन मँ, हर नवा चन्द्र क दिन मँ अउर दूसर
त्यौहार मँ जउन यहोवा हमार परमेस्सर हम पचन क मनावइ

बरे आदेस दिहे रहा, मँ होमबलि भेंट चढ़ाउब। इ ओकर नेम अहइ जेका इस्राएल क लोगन क सदा पालन करइ चाही।

5“जउन मन्दिर मइँ बनाउब उ महान होइ, काहेकि हमार परमेस्सर सबहिं देवतन स बड़ा अहइ। **6**किन्तु कउनो भी मनई सही अर्थ मँ हमरे परमेस्सर बरे भवन नाहीं बनाइ सकत। सरग हाँ, उच्चतम सरग भी परमेस्सर क अपने भीतर नाहीं रख सकत। मइँ सिरिफ एक जगह परमेस्सर क समन्वा सुगन्धि बारइ बरे बनाइ सकत हउँ।

7“अब, मोरे लगे सोना, चाँदी, काँसा अउर लोहा क काम करइ मँ एक ठु कुसल मनई क पठवा। उ मनई क एकर गियान होइचाही कि बैगंनी, लाल अउ नीले ओढ़नन क उपयोग कइसे कीन्ह जात ह। उ मनई क हिआँ यहूदा अउ यरूसलेम मँ मोरे कुसल कारीगरन क संग नक्कासी करब होइ। मोर बाप दाऊद एन कुसल कारीगरन क चुने रहा। **8**मोरे लगे लबानोन देस स देवदार, चीर अउ चन्दन अउर सनोवर क लकड़ियन भी पठएन। मइँ जानत हउँ कि तोहार सेवक लबानोन स बृच्छन क काटइ मँ अनुभवी अहइँ। मोर सेवक तोहरे सेवकन क मदद करिहीं। **9**काहेकि मोका प्रचुर मात्रा मँ इमारती लकड़ी चाही। जउन मन्दिर मइँ बनावइ जात अहउँ उ बिसाल अउ अद्भुत होइ। **10**मइँ एक लाख पचीस हजार बुसल गेहूँ अउर एक लाख पचीस हजार बुसल जौ, एक लाख पन्द्रह हजार गैलन दाखरस अउर एक लाख पन्द्रह हजार गैलन तेल तोहरे ओन सेवकन क बरे दिहेउँ ह जउन इमारती लकड़ी बरे बृच्छन क काटत हीं।”

11तब सोर क राजा हूराम सुलैमान क जवाब दिहस। उ सुलैमान क एक ठु पत्र पठएस। पत्र मँ इ कहा गवा रहा: “सुलैमान, यहोवा अपने लोगन स पिरेम करत ह। इहइ कारण अहइ कि उ तोहका ओनकर राजा चुनेस।” **12**हूराम इ भी कहेस, “इस्राएल क यहोवा, परमेस्सर क बड़कई करा। उ धरती अउ अकास बनाएस। उ राजा दाऊद क बुद्धिमान पूत दिहस। सुलैमान, तोहका बुद्धि अउर समुझ दिहस ह। तू एक ठु मन्दिर यहोवा बरे बनावत अहा। तू अपने बरे भी एक राजमहल बनावत अहा। **13**मइँ तोहरे लगे एक ठु कुसल कारीगर पठउब। ओका बिभिन्न प्रकार क बहोत सी कलन क जानकारी अहइ। ओकर नाउँ हूराम-अबी अहइ। **14**ओकर महतारी दान क परिवार समूह क रही अउर ओकर बाप सोर नगर क रहा। हूराम-अबी सोना, चाँदी, काँसा, लोहा, पाथर अउ काठे क काम मँ कुसल अहइ। उ बैगनी, नीला, लाल ओढ़नन अउ कीमती मलमल ओढ़नन मँ कढ़ाई क काम मँ भी कुसल अहइ। उ हर कउनो डिज़ाईन क जेहका तू देखउब्या, कइ सकत ह। उ तोहरे कुसल कारीगरन क मदद करी अउर तोहरे बाप दाऊद क कुसल कारीगरन क मदद करी।

15“तू गेहूँ, जौ, तेल अउर दाखरस पठावइ क जउन बचन दिहे रह्या, ओका पूरा करा अउर उ सबइ चिजियन क मोरे सेवकन क लगे पठइ द्या। **16**अउर हम लोग लबानोन देस स लकड़ी काटब। हम लोग ओतनि लकड़ी काटब जेतनी तोहका जरुरत अहइ। हम लोग समुद्दर मँ लकड़ी क लट्ठन क बेड़ा क उपयोग जापा नगर तलक लकड़ी पहोंचावइ बरे करब। तब तू लकड़ी क यरूसलेम लइ जाइ सकत ह।”

17तब सुलैमान इस्राएल मँ बसइवाले सबहिं बाहरी लोगन क गनवाएस। इ उ समइ क पाछे भवा जब दाऊद लोगन क गने रहा। दाऊद, सुलैमान क बाप रहा। ओका 1,53,600 बाहरी लोग मिलेन। **18**सुलैमान 70,000 बिदेसियन क चिजियन ढोवइ बरे, 80,000 बिदेसियन क पहाड़न मँ पाथर काटइ बरे अउर 3,600 बिदेसियन क पहाड़न मँ पाथर काटइवाले मनईन क निरिच्छक बरे चुनेस।

सुलैमान मन्दिर बनावत ह

3 सुलैमान यहोवा क मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पइ यरूसलेम मँ बनाउब सुरु किहस। पर्वत मोरिय्याह उ जगह अहइ जहाँ यहोवा सुलैमान क बाप दाऊद क दर्सन दिहे रहा। सुलैमान उहइ जगह पइ मन्दिर बनाएस जेका दाऊद तइयार कइ चुका रहा। उ जगह उ खरिहाने मँ रही जउन ओर्नान क रहा। ओर्नान यबूसी लोगन मँ स एक रहा। **2**सुलैमान इस्राएल मँ अपनी हुकूमत क चउथे बरिस क दूसरे महीने मँ मन्दिर बनाउब सुरु किहस।

3सुलैमान परमेस्सर क मन्दिर क नेवं क निर्माण क बरे जउने माप क उपयोग किहेस, इ उ अहइ: नेंव साठ हाथ लम्बी अउर बीस हाथ चउड़ी रही। सुलैमान पुराने हाथ क माप क ही उपयोग तब किहस जब उ मन्दिर क मापेस। **4**मन्दिर क सामने क दुआर मण्डप बीस हाथ लम्बा अउर बीस हाथ ऊँच रहा। सुलैमान दुआर मण्डप क भीतरी हीसा क निखालिस सोना स मढ़वाएस **5**सुलैमान बड़े कमरन क देवार पइ सनोवर लकड़ी क बनी चौकोर सिल्लियन धरेस। तब उ सनोवर क सिल्लियन क निखालिस सोना स मढ़ेस अउर उ निखालिस सोने पइ खजूरे क बृच्छ क चित्र अउ जंजीरन बनाएस। **6**सुलैमान मन्दिर क सुन्नरता क बरे ओहमाँ बहुमूल्य रतन लगाएस। जउने सोने क उपयोग सुलैमान किहस उ पैंम स आवा रहा। **7**सुलैमान मन्दिर क भीतरी भवन क सोना स मढ़ दिहस। सुलैमान छते क कड़ियन चौखटन, देवारन अउर दरवाजन पइ सोना मढ़वाएस। सुलैमान देवारन पइ करूब सरगदूतन क खुदवाएस।

8तब सुलैमान सब स जियादा पवित्तर जगहिया बनाएस। सब स जियादा पवित्तर जगहिया बीस हाथ लम्बी अउर बीस हाथ चउड़ी रही। इ ओतनी ही चउड़ी रही जेतना पूरा मन्दिर रहा। सुलैमान सब स जियादा पवित्तर जगहिया क देवारन पइ सोना मढ़वाएस। सोना क वजन लग भग बीस हजार चार सौ किलोग्राम रहा। **9**सोना क कीलन क वजन पाँच सौ पचहत्तर ग्राम रहा। सुलैमान ऊपरी कमरन क सोना स मढ़वाएस। **10**सुलैमान दुइ करूब सरगदूत सब स जियादा पवित्तर जगह पइ धरइ बरे बनाएस। कारीगरन करुब सरगदूतन क सोना स मढ़ दिहन। **11**करूब (सरगदूतन) क हर एक पखना पाँच हाथ लम्बा रहा। पखनन क पूरी लम्बाई बीस हाथ रही। पहिले करूब सरगदूत क एक पखना कमरा क एक कइँती क देवार क छुअत रहा। दूसर पखना दूसरे करूब सरगदूत क पखना क छुअत रहा।

12दूसरे करूब सरगदूत क दूसर पखना कमरा क दूसरी कइँती क देवार क छुअत रहा। 13करूब सरगदूत क पखना सब मिलाइके बीस हाथ फइले रहेन। करूब सरगदूत भीतर पवित्तर जगह कइँती लखत भए खड़े रहेन।

14उ नीला, बैंगनी, लाल अउर कीमती ओढ़नन अउ कीमती सूती ओढ़नन स पर्दे* क बनवाएस। परदे पइ करूबन क चित्र काढ़ दिहस।

15सुलैमान मन्दिर क समन्वा दुइ खम्भन खड़ा किहस। खम्भन पैंतीस हाथ ऊँच रहेन। दुइनउँ खम्भन क सीर्स हींसा दुइ पाँच हाथ लम्बा रहा। 16सुलैमान जंजीरन क हार बनाएस।। उ जंजीरन क खम्भन क सीर्स पइ धरेस। सुलैमान सौ अनार बनाएस अउर ओनका जंजीरन स लटकाएस। 17तब सुलैमान मन्दिर क समन्वा खम्भन खड़े किहस। एक खम्भा दाईं कइँती रहा। दूसर खम्भा बाईं कइँती रहा। सुलैमान दाईं कइँती क खम्भा क नाउँ "याकीन" अउर बाईं कइँती क खम्भा क नाउँ "बोअज" रखेस।

मंन्दिर क सज्जा

4 सुलैमान वेदी बनावइ बरे काँसा क उपयोग किहस। उ काँसा क वेदी बीस हाथ लम्बी, बिस हाथ चउड़ी अउर दस हाथ ऊँच रही। 2तब सुलैमान टेधरे काँसे क उपयोग एक बिसाल हौज बनावइ क बरे किहस। बिसाल हौज गोल रहा अउर एक सिरे स दूसर सिरे तलक एकर माप दस हाथ रही अउर इ पाँच हाथ ऊँच अउर तीस हाथ घेरे वाला रहा। 3बिसाल हौज़ क खाले मँ बर्धन क आकृतियन क दुई कतारन मँ जउन हौज़ क चारिहुँ कइँती दस हाथ ढाँपि लिहेन, बनान गएन। उ सबइ तब ढाले गएन जब हौज़ बनावा ग रहा। 4उ बिसाल काँसा क हौज़ बारह बर्धन क बिसाल प्रतिमा पइ स्थित रहा। तीन बर्धन उत्तर कइँती लखत रहेन। तीन बर्धन पच्छिम कइँती लखत रहेन। तीन बर्धन दक्खिन कइँती लखत रहेन। तीन बर्धन पूरब कइँती लखत रहेन। बिसाल काँसा क हौज़ एन बर्धन क ऊपर रहा। सबहिं बर्धन अपने पिछवड़े केन्द्र कइँती रखके खड़ा रहा। 5बिसाल काँसा क तलाव चार अंगुल मोटा रहा। बिसाल तलाव क सिरा एक पियाले क सिरे क नाईं रहा। सिरा खिली भइ लिली क तरह रहा। एहमाँ छाछठ किलो लीटर आइ सकत रहा।

6सुलैमान दस चिलमचियन बनाएस। उ बिसाल काँसे क हौज़ क दाईं कइँती पाँच चिलमचियन रखेस अउर सुलैमान काँसा क बिसाल हौज़ क बाईं कइँती पाँच चिलमचियन रखेस। एन चिलमचियन क उपयोग होमबलि बरे चढ़ाई जाइवाली चिजियन क धोवइ बरे होब रहा, किन्तु बिसाल हौज़ क उपयोग बलि चढ़ावइ क पहिले याजकन क नहाइ बरे होब रहा।

7सुलैमान क निर्देस क अनुसार सोना क दस डीबट बनाएस अउर ओनका मन्दिर मँ रख दिहस: पाँच दाहिन कइँती अउर पाँच बाईं कइँती। 8सुलैमान दस मेजन बनाएस अउर ओनका मन्दिर मँ धरेस। मन्दिर मँ पाँच ठु मेजन दाईं रहिन अउर पाँच मेजन बाईं। सुलैमान सौ चोलमचियन बनावइ क बारे सोना क उपयोग किहस। 9सुलैमान याजकन बरे आँगन बनाएन, बड़ा आँगन अउर दरवाजन ओकरे बरे बनाएस। उ आँगन मँ खुलइवाले दरवाजन क मढ़इ बरे काँसे क उपयोग किहस। 10तब उ बिसाल काँसे क तलाव क मन्दिर क दक्खिन पूरब कइँती दाइँ कइँती रखेस।

11हूराम बर्तन, बोल्चन अउर खोरन क बनाएस। तब हूराम परमेस्सर क मन्दिर मँ सुलैमान बरे अपने काम खतम किहेस। 12हूराम दुइनउँ खम्भन अउर दुइनउँ खम्भन क सीर्सभाग क दुइनउँ बिसाल खोरन क बनाए रहा। हूराम दुइनउँ खम्भन क सीर्सभाग कि दुइनउँ बिसाल खोरन क ढकइ बरे सजावटी जाल क दुइ सेट भी बनाए रहा। 13हूराम चार सौ अनार दुई सेट सजावटी जाल बरे बनाएस। हर एक जाल क बरे अनारन क दुइ पंक्तियन रहिन। दुइनउँ खम्भन क सीर्सभाग पइ बिसाल खोरन जाल स ढके रहेन। 14हूराम आधार दण्ड अउ ओनके ऊपर क पियालन क भी बनाएस। 15हूराम एक बिसाल काँसे क तलाव अउ तलाव क खाले बारह बर्धन बनाएस। 16हूराम बर्तन, बेल्चन, काँटन अउर सबहिं चिजियन राजा यहोवा क मन्दिर बरे राजा सुलैमान क अनुरोध क अनुसार बनाएस। इ सबइ चिजियन कलई चढ़े काँसे क बनी रहिन। 17राजा सुलैमान पहिले एन चिजियन क माटी क साँचे मँ डारेस। इ सबइ साँचन सुक्कोत अउर सरेदा नगरन क बीच यरदन घाटी मँ बने रहेन। 18सुलैमान इ सबइ एँतनी जियादा तादाद मँ बनाएस कि कउनो मनई उपयोग मँ लाए गए काँसा क तउलइ क जतन नाहीं किहस। 19सुलैमान परमेस्सर क मन्दिर बरे भी चिचियन बनाएस। सुलैमान सुनहरी वेदी बनाएस। उ उ सबइ मेजन बनाएस जेन पइ उपस्थिति क रोटियन रखी जात रहिन। 20सुलैमान डीबट अउ ओनकर दिया निखालिस सोना क बनाएस। बनी भइ जोजना क मुताबिक डीबटन क पवित्तर जगह क समन्वा भीतर बारब रहा। 21सुलैमान फूलन, दीयन अउ चिमटन क बनावइ बरे निखालिस सोना क उपयोग किहस। 22सुलैमान झालरन, पियालन, कड़ाहियन अउ धूपदान बनावइ बरे निखालिस सोना क उपयोग किंहस। सुलैमान मन्दिर क दरवाजन, सब स जियादा पवित्तर जगह अउर मुख्य बिसाल कच्छ क भीतरी दरवाजन क बनावइ बरे निखालिस सोने क उपयोग किहस।

5 तब सुलैमान यहोवा क मन्दिर क बरे कीन्ह गए सबहिं काम पूरे कइ लिहस। सुलैमान ओन सबहिं चिजियन क लिआएस जउन ओकर बाप दाऊद क मन्दिर बरे दिहे रहा। सुलैमान सोना चाँदी क बनी भइ सबहिं चिजियन अउर सबहिं फर्निचरन (लकड़ी स बना भवा चिजियन) क लिआएन। सुलैमान ओन सबहिं चिजियन क परमेस्सर क मन्दिर क खाजना मँ रखेस।

पवित्तर सन्दूख मन्दिर मँ पहोंचावा गवा

2सुलैमान इस्राएल क सबहिं परिवार समूहन क प्रमुखन अउर परिवारन क एकट्ठा किहेस। उ सबहिं क यरूसलेम

पर्दे इ पर्दा एक बड़ा ओढ़नना क टुका क रहा। इ पवित्तर ठउर अउर महा पवित्तर ठउर क बीच मँ लटकत रहा। एकरे कारण कउनो भी यहोवा क करार क सन्दूक क अउर करूब सरगदूतन क जउन भीतर रहा, नाहीं लख सकतेन।

मँ बटोरेस। सुलैमान इ एह बरे किहस कि लेवी बंसी यहोवा
क करार क सन्दूख क दाऊद क नगर स लाई सकइँ,
जउन सिय्योन अहइ। 3राजा सुलैमान इस्राएल क सबहिं
लोगन क संग महीने क कुटीर क त्यौहार पइ जमा भएस।
4जब इस्राएल क सबहिं बुर्जुगन आइ गएन तब लेवीबंसियन
करार क सन्दूख क उठाएस। 5तब याजक अउर लेवीबंसी
करार क सन्दूख क मन्दिर मँ लइ गएन। उ पचे
मिलापवाले तम्बू अउ एहमाँ जउन पवित्तर चिजियन रहिन
ओनका भी यरूसलेम लइ आएन।

6राजा सुलैमान अउ इस्राएल क सबहिं लोग करार क
सन्दूख क समन्वा मिलेन। राजा सुलैमान अउ इस्राएल क
सबहिं लोग भेड़िन अउ बर्धन क बलि चढ़ाएन। हुवाँ एँतने
जियादा भेड़न अउ बर्धन रहेन कि कउनो मनई ओनका गन
नाहीं सकत रहा। 7तब याजकन यहोवा क करार क सन्दूख
क उ जगह पइ रखेन, जउन एकरे बरे तइयार कीन्ह गवा
रहा। उ सब स जियादा पवित्तर जगह मन्दिरे क भीतर रही।
करार क सन्दूख क करूब सरगदूत क पखनन क खाले
धरा गवा।

8करार क सन्दूख क जगह क ऊपर करूब सरगदूतन
क पखनन फइले भए रहेन, करूब सरगदूत करार क
सन्दूखे क ऊपर अउर बल्लियन क ऊपर जउन सन्दूख क
लइ जाइ मँ प्रयोग आवत होत ह, खड़े रहेन। 9बल्लियन
एँतनी लम्बी रहिन कि महा पवित्तर ठउर क समन्वा स
ओनकर सिरन क लखे जाइ सकतेन। मुला ओनका मन्दिर
क बाहेर स कउनो नाहीं लखत सकतेन। बल्लियन, आजु
तलक हुवाँ अहइँ।

10करार क सन्दूख मँ दुई ठू पाथर क सिलन क
अलावा दूसर कछू नाहीं रखा रहा। मूसा दुइनउँ सिलन क
होरेब पर्वत पइ करार क सन्दूख मँ रखे रहा। होरेब उ
जगह रही जहाँ परमेस्सर इस्राएल क लोगन क संग जब उ
पचे मिस्र छोड़ दिहे रहेन। एक करार किहे रहा।

11सबहिं याजक जउन हुवाँ रहेन आपन आप क सुद्ध
अउर पवित्तर करइ बरे समारोह क आयोजन किहेस। ओकर
पाछे उ पचे महा पवित्तर ठउर स बाहर आएन, उ पचे
एक संग खड़ा भएन, लेकिन एक बिसेस समूह मँ नाहीं।
12अउर सबहिं लेवीबंसी गायक वेदी क पूरब कइँती खड़े
रहेन। सबहिं आसाप, हेमान अउ यदूतून क गायक समूह
हुवाँ रहेन अउर ओनकर पूत अउर ओनकर सम्बन्धी भी
हुवाँ रहेन। उ सबई लेवीबंसी गायक सफेद कीमती मलमल
क ओढ़ना पहिरे भए रहेन। उ पचे झाँझ, वीणा अउर
सारंगी लिहे रहेन। ओन लेवी बंसी गाएकन क संग हुवाँ
एक सौ बीस याजकन तुरही बजावत रहेन। 13जउन तुरही
बजावत रहेन अउर गावत रहेन, उ पचे एक ठु मनई क
तरह रहेन। जब उ पचे यहोवा क स्तुति करत रहेन अउर
ओका धन्यवाद देत रहेन तब उ पचे एक ही स्वर मँ गावत
रहेन। तुरही, झाँझ अउ दूसर वाद्य यंत्रन पइ उ पचे जोर स
आवाज करत रहेन, उ पचे यहोवा क स्तुति मँ इ गीत
गाएन:

“यहोवा क स्तुति करा काहेकि उ भला अहइ। ओकर
पिरेम अउर दया सास्वत अहइ।”

तब यहोवा क मन्दिर बादर स भरि उठा। 14बादर क
कारण याजक लगातार सेवा कइ न सकेन। एकर कारण
रहा यहोवा क महिमा मन्दिर मँ भरि गइ रही।

6 तब सुलैमान कहेस, “यहोवा कहेस कि उ करिया घने
बदरे मँ रही। 2हे यहोवा, मइँ इ भव्य मन्दिर तोहरे बरे
एहमाँ सदा-सर्वदा रहइ बरे बनाएउँ ह।”

सुलैमान क भासण

3राजा सुलैमान मुड़ा अउर उ अपने समन्वा खड़े सबहिं
इस्राएल क लोगन क आसीर्बाद दिहस। 4सुलैमान कहेस,
“इस्राएल क परमेस्सर, यहोवा क बड़कई करा। यहोवा उ
कइ दिहेस ह जउन करइ क बचन उ तब दिहे रहा जब उ
मोरे बाप दाऊद स बातन किहे रहा। परमेस्सर यहोवा इ कहे
रहा: 5‘उहइ दिना स जब मइँ अपने लोगन क मिस्र स
बाहेर लिआएउँ तब स अब तलक मइँ इस्राएल क कउनो
परिवार समूह स कउनो नगर नाहीं चुनेउँ ह, जहाँ मोरे नाउँ
क एक ठु भवन बनइ। मइँ अपने निज लोगन इस्राएलियन
पइ हुकूमत करइ बरे भी कउनो मनई क नाहीं चुनेउँ ह।
6किन्तु अब मइँ यरूसलेम क अपने नाम बरे चुनेउँ ह अउर
मइँ दाऊद क अपने इस्राएली लोगन क अगुवाई करइ बरे
चुनेउँ ह।’

7“मोरे बाप दाऊद क इ इच्छा रही कि उ इस्राएली रास्ट्र
क यहोवा परमेस्सर क नाउँ क महिमा बरे एक ठु मन्दिर
बनवावइँ। 8इसलिए यहोवा मोरे बाप स कहेस, ‘दाऊद, जब
तू मोरे नाउँ बरे मन्दिर बनावइ क इच्छा किहा तब तू ठीक
काम किहा ह। 9मुला तू मन्दिर बनाइ नाहीं सकत्या। मुला
तोहार आपन पूत मोरे नाउँ बरे मन्दिर बनवाइ।’ 10अब,
यहोवा उ कइ दिहेस ह जउन उ करइ क कहे रहा। मइँ
अपने बाप क जगह पइ नवा राजा हउँ। दाऊद मोर बाप
रहेन। अब मइँ इस्राएल क राजा अहउँ। यहोवा इहइ करइ
क बचन दिहे रहा। मइँ इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क नाउँ
पइ मन्दिर बनवाएउँ ह। 11मइँ करार क सन्दूख क मन्दिर मँ
धरेउँ ह। करार क सन्दूख हुवाँ अहइ जहाँ यहोवा क संग
कीन्ह गइ वाचा रखी जात ह। यहोवा इ वाचा इस्राएल क
लोगन क संग किहेस।”

सुलैमान क पराथना

12सुलैमान यहोवा क वेदी क समन्वा खड़ा भवा। उ
ओन इस्राएल क लोगन क समन्वा खड़ा भवा जउन हुवाँ
बटुरे भए रहेन। तब सुलैमान अपने हाथन अउर अपनी
भुजन क फइलाएस। 13सुलैमान एक ठु काँसे क मंच पाँच
हाथ लम्बा, पाँच हाथ चउड़ा अउर तीन हाथ ऊँच बनाए
रहा अउर एका बाहरी आँगन क बीच मँ रखे रहा। तब उ
मंच पइ खड़ा भवा अउर इस्राएल क जउन लोग हुवाँ बटुरे
भए रहेन ओनकर उपस्थिति मँ घुटने टेकेस। सुलैमान
अकासे कइँती हाथ फइलाएस। 14सुलैमान कहेस:

“हे इस्राएल क परमेस्सर, यहोवा, तोहार समान कउनो
भी परमेस्सर न तउ सरग मँ बाटइ, न ही धरती पइ अहइ।
तू आपन पिरेम अउ दया क प्रतिग्या बनाए रख जेका तू
आपन सेवकन क संग जउन नीक रास्ते पइ चलत ही अउर

पूरे हिरदइ स तोहरी आग्या क पालन करत हीं किहस ह। 15तू अपने सेवक दाऊद क दिए गए बचन क पूरा किहे रह्या, अउर आजु तू अपने हाथन स इ बचन क पूरा किहा ह। 16अब, हे यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर! तू अपने सेवक दाऊद क दिए बचन क बनाए राखा। तू इ बचन दिहे रह्या: तू कहे रह्या, ‘दाऊद, तू अपने परिवार स, मोरे समन्वा इस्राएल क सिंहासने पइ बइठइ बरे, एक मनई क पावइ म कबहुँ असफल नहीं होब्या। इहइ होइ जदि तोहार पूत ओन सबहिं बातन मँ सावधान रहिहीं जेनका उ पचे करिहीं। ओनका मोरे नेमन क पालन वइसे ही करइ चाही जइसा तू मोरे नेमन क पालन किहा ह।’ 17अब, हे यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर अपने बचन क पूर होइ द्या। तू इ बचन अपने सेवक दाऊद क दिहा ह।

18“हे परमेस्सर, हम जानित ह कि तू यथार्थ मँ, लोगन क संग धरती पइ नाहीं रहब्या। सरग, सब स ऊँच सरग भी तोहका अपने भीतर रखइ क छमता नाहीं राखत अउर हम जानित ह कि इ मन्दिर जेका मइँ बनाएउँ ह तोहका अपने भीतर नाहीं रखि सकत। 19किन्तु हे यहोवा, परमेस्सर तू हमार पराथना अउर कृपा याचना पइ धियान द्या। हे यहोवा, मोर परमेस्सर! तोहरे बरे कीन्ह गइ मोर पुकार तू सुना। मइँ तोहसे जउन पराथना करत हउँ, सुना। मइँ तोहार सेवक हउँ। 20मइँ पराथना करत हउँ कि तोहार आँखिन मन्दिर क लखइ बरे दिन रात खुली रहइँ। तू कहे रह्या कि तू इ जगह पइ आपन नाउँ अंकित करब्या। मन्दिर क लखत भवा जब मइँ तोहसे पराथना करत हउँ तउ तू मोर पराथना सुना। 21मोर पराथनन क सुना अउर तोहरे इस्राएल क लोग जउन पराथनन करत अहइँ, ओनका भी सुना। जब हम तोहरे मन्दिर क लखत भए पराथनन करित ह तउ तू हमार पराथनन क सुना। तू सरग मँ जहाँ रहत ह हुवँइ स सुना अउर जब तू हमार पराथनन सुन्या तउ तू हमका छिमा करा।

22“अगर कउनो मनई कउनो दूसर मनई क संग कछू बुरा करइ क कलंकित होइ, तउ उ कलंकित मनई तोहार नाउँ लेइके प्रतिग्या करी कि उ निरपराध अहइ, तउ जब उ तोहरी वेदी क समन्वा सपथ लेइ बरे आवइ, 23तउ तू सरग स सुना। तू अपने सेवकन क फैसला करा अउर ओका कार्यान्वित करा। दोखी मनई क सजा द्या अउर ओका ओतना कस्ट होइ द्या जेतना कस्ट उ दूसरे क दिहेस होइ। इ साबित करा कि जउन मनई अच्छा कार्य किहेस ह, उ निरपराध अहइ अउर ओका ओकर अच्छाई क कारण ओका इनाम द्या।

24“होई सकत ह तोहार लोग, इस्राएलियन आपन दुस्मनन स पराजित होइ, काहेकि उ पचे तोहरे खिलाफ पाप किहेन ह। अगर उ पचे तोहार लगे पराथना करइ बरे लउटी आई अउर इ मन्दिर स तोहार नाउँ क स्तुति करी, तउ 25सरग स अपने लोगन क सुना अउर इस्राएलिएन क पापन क छिमा करा। ओनका उ भुइयाँ मँ लउटावा जेका तू ओनका अउर ओनके पुरखन क दिहे रह्या।

26“होइ सकत आसमान बन्द होइ एह बरे बर्खा न होइ। उ तब होइ जब इस्राएल क लोग तोहरे बिरुद्ध पाप करिही। जदि उ पचन्क एकर पछतावा होइ अउर तोहार नाउँ क स्वीकार करइ अउ इ मन्दिर क ओर पारथना करइ अउर जदि उ पचे पाप करब तजि देइहीं काहेकि तू ओनका सजा दिहेस ह, 27तउ सरग स तू ओनकर सुना। तू ओनकर सुना अउर ओनके पापन क छिमा करा। इस्राएल क लोग तोहार सेवक अहइँ। तब ओनका सही मारग क उपदेस द्या जेह पइ उ पचे चल सकत। तू अपनी भुइँया पइ बर्खा करा जउन तू अपने लोगन क दिहे रह्या।

28“अगर हुवाँ भुइँया मँ कउनो अकाल या महामारी या अगर फसलन क बेरामी बर्बाद होइ जाइ या अगर फफूँदी या अगर टिड्डी अउर टिड्डे या जदि इस्राएल क लोगन क नगरन मँ ओनकर दुस्मन घेरा डाइ देइँ, या जदि इस्राएल मँ कउनो प्रकार क बेरामी होइ, 29अउर तब तोहार लोग अर्थात इस्राएल क कउनो मनई पराथना या याचना करइ अउ हर एक मनई अपनी आपत्ति अउ पीरा क जानत रहइ अउ जदि उ मनई इ मन्दिर क लखत भए आपन आपन हाथ अपनी बाँह उठावइ 30तउ तू ओनकर सरग स सुना। सरग उहइ अहइ जहाँ तू अहा। सुना अउर छिमा करा। हर एक मनई क ओकरे हक द्या काहेकि तू जानत ह कि हर एक मनई क हिरदइ मँ का बाटइ। सिरिफ तू ही जानत ह कि मनई क हिरदइ मँ का बाटइ। 31तब लोग तोहसे डेरइहीं अउर तोहार आग्या मानिहीं जब तलक उ पचे देस मँ रहिहीं जेका तू हमरे पुरखन क दिहे रह्या।

32“कउनो अइसा अजनबी होइ सकत ह जउन तोहार इस्राएल क लोगन मँ स न होइ, किन्तु उ देस स आवा होइ जउन बहोत दूर होइ अउर उ अजनबी इ बरे आवा होइ काहेकि उ तोहार महान नाउँ, तोहार महान सक्ती अउर बड़की ताकत बरे सुनेइ होइ। जब उ मनई आवइ अउर इ मन्दिर क लखत भवा पराथना करइ, 33तब सरग स जहाँ तू रहत ह, सुना अउर तू ओका अनुदान द्या जउन उ चाहत ह। तब सारे संसार क रास्ट्र तोहार नाउँ जनिहीं अउर तोहार आदर वइसे करिहीं जइसे तोहार लोग अर्थात इस्राएली करत हीं अउर संसार क सबहिं लोग जनिहीं कि जउने मन्दिर क मइँ बनवाएउँ ह उ तोहरे नाउँ स जाना जात ह।

34“जब तू अपने लोगन क कउनो जगह पइ ओनकर दुस्मनन क संग लड़इ बरे पठएस अउर उ पचे इ नगर कइँती लखिके पराथना करइँ, जेका तू चुन्या ह अउ इ मंन्दिर कइँती लखइँ जेका मइँ तोहरे नाउँ बरे बनाएउँ ह। 35तउ ओकर पराथना अउर याचना क सरग स सुना अउर ओकर सहायता करा।

36“लोग तोहरे खिलाफ पाप करिहीं कउनो अइसा मनई नाहीं जउन पाप न करत होइ अउर तू ओन पइ क्रोधित होब्या। तू कउनो दुस्मन क ओनका हरावइ देब्या अउर ओनसे धरे जाइ देब्या अउ बहोत दूर या निचके क भुइँया मँ जाइ देब्या। 37किन्तु जब उ पचे आपन बिचार बदलिहीं अउर पछतावा करिही अउर तोहसे याचना करिहीं जब कि उ पचे बन्दी बनाए जाइवाले देस मँ ही अहइँ। उ पचे कहिहीं, ‘हम लोग पाप किहा ह, हम लोग बुरा किहा ह अउ हम लोग दुट्ठता कीन्ह ह।’ 38तब उ पचे उ देस मँ जहाँ उ पचे बन्दी क रूप मँ अहइँ, अपने पूरे हिरदइ व आतिमा स

तोहरे लगे लउटिहीं अउर इ देस कइँती जउन तू ओनके पुरखन क दिहा ह, इ नगर कइँती जेका तू चुन्या ह, अउर इ मन्दिर कइँती जउन मइँ तोहरे नाउँ क महिमा बरे बनाएउँ ह, ओकरे कइँती मुँह कइके पराथना करिहीं। **39**जब अइसा होइ तउ तू सरग स ओकर सुना। सरग तोहार आवास अहइ। ओनकर पराथना अउर याचना क स्वीकार करा अउर ओनकर सहायता करा अउर अपने ओन लोगन क छिमा कइ द्या जउन तोहरे खिलाफ पाप किहन ह। **40**अब, मोरे परमेस्सर, मइँ तोहसे माँगत हउँ, तू अपनी आँखी अउर कान खोल ल्या। तू हम लोगन क, जउन पराथना इ जगह पइ करत अहइँ ओका सुना अउर ओह पइ धियान द्या।

41“अब, हे यहोवा परमेस्सर उठा अउर अपने करार
क सन्दूख क संग जउन कि तोहार सक्ती क स्थल
अहइ आपन बिस्राम स्थल पइ आवा। तोहार याजक
मुक्ती रूपी वस्त्र पहिरा रहइ। हे यहोवा, परमेस्सर तोहार
भक्तजन तोहार अच्छाई मँ आनन्दित होइ।

42हे यहोवा, परमेस्सर अपने अभिसिक्त राजा क
स्वीकार करा। अपने सेवक दाऊद क विस्वासभक्ति क
याद राख।”

मन्दिर यहोवा क अर्पित

7 जब सुलैमान पराथना पूरी किहस तउ अकासे स सागी उतरी अउर उ होमबलि अउर बलियन क बारेस। यहोवा क तेज मन्दिर क भर दिहस। **2**याजक यहोवा क मन्दिर मँ नाहीं जाइ सकत रहेन काहेकि यहोवा क तेज ओका भरि दिहे रहा। **3**इस्राएल क सबहिं लोग आकासे स आगी क उतरत लखेन। इस्राएल क लोग मन्दिर पइ भी यहोवा क तेज क लखेन। उ पचे अपने चेहरे क चबूतरे क फर्स तलक निहुराएन। उ पचे यहोवा क उपासना किहन अउ ओका धन्यवाद दिहन। उ पचे गाएन, “यहोवा भला बा, अउर ओकर दाया सदा रहत ह।”

4तब राजा सुलैमान अउ इस्राएल क सबहिं लोग बलि यहोवा क समन्वा चढ़ाएन। **5**राजा सुलैमान बाईस हजार बर्धा अउ एक लाख बीस हजार भेड़िन भेंट किहस। राजा अउ सबहिं लोग परमेस्सर क मन्दिर क समर्पित किहेस। **6**याजक आपन कार्य करइ बरे तइयार खड़े रहेन। लेवीबंसी भी यहोवा क वाद्य यंत्र क संग खड़े रहेन। इ सबइ यंत्र राजा दाऊद क जरिये यहोवा क धन्नवाद देइ बरे बनाए गए रहेन। याजक अउ लेवीबंसी कहत रहेन, “यहोवा क स्तुति करा काहेकि ओकर पिरेम हमेसा रहत हीं।” याजकन लेवीबंसियन क दूसरी कइँती खड़े रहेन।, तउ याजकन अपनी तुरहियन बजाएन अउर इस्राएल क सबहिं लोग खड़े रहेन।

7सुलैमान यहोवा क मन्दिर क समन्वा वाले आँगन क मध्य हींसा क भी पवित्तर किहस। इ उहइ जगह अहइ जहाँ सुलैमान होमबलि अउर मेलबलि क चर्बी चढ़ाएस। सुलैमान आँगन क बीच क हींसा काम मँ लिहस काहेकि काँसे क वेदी पइ जेका सुलैमान बनाए रहा, सारी होमबलि, अन्नबलि अउ चर्बी नाहीं आइ सकत रही काहेकि भेंटन बहोत जियादा रहिन।

8सुलैमान अउ इस्राएल क सबहिं लोग सात दिना तलक दावतन क उत्सव मानएन। सुलैमान क संग लोगन क एक बहोत बड़ा समूह रहा। उ सबइ लोग उत्तर दिसा क हमथ नगर क प्रवेस दुआर अउ दक्खिन क मिस्र क झरनन जइसे सुदूर पहँटन स आए रहेन। **9**वेदी क पवित्तर करइ, अउर कुटीर क त्यौहार क सात दिना क उत्सव मनाइ क पाछे, उ पचे अठएँ दिन एक ठु पवित्तर सभा किहे रहेन। **10**सातवें महीने क तेईसवें दिन सुलैमान लगोन क वापस ओनके घरे पठइ दिहस। लोग बड़े खुस रहेन अउर ओनकर हिरदइ आनन्द स भरा रहा काहेकि यहोवा दाऊद, सुलैमान अउर अपने इस्राएल क लोगन क बरे बहोत भला रहा।

यहोवा सुलैमान क लगे आवत ह

11सुलैमान यहोवा क मन्दिर अउ राजमहल ज पूरा कइ लिहस। सुलैमान यहोवा क मन्दिर अउर अपने आवास मँ जउन कछू करइ क जोजना बनाए रहा ओहमाँ ओका कामयाबी मिली। **12**तब यहोवा सुलैमान क लगे राति मँ परगट भवा। यहोवा ओहसे कहेस, “सुलैमान, मइँ तोहार पाराथना सुनेउँ ह अउर मइँ इ जगह क अपने बरे मन्दिर क रूप मँ भेंट चढ़ावइ बरे चुनेउँ ह। **13**जब मइँ अकास क बंद करत हउँ तउ बरखा नाहीं होत या मइँ टिड्डियन क आदेस देत हउँ कि उ सबइ फसल क खाइ जा या अपने लोगन मँ बेरामी पठवत हउँ, **14**अउर मोरे नाउँ स गोहरावइ जाइवाले लोग जदि बिनम्र होतेन अउर पराथना करत हीं, अउर मोका हेरत हीं अउर अपने बुरे राहन स दूर हट जात हीं तउ मइँ सरग स ओनकर सुनब अउर मइँ ओनके पापन क छिमा करब अउर ओनके देस क नीक कइ देब। **15**अब, मोरी आँखिन खुली अहइँ अउर मोरे कान इ जगह पइ कीन्ह गइ पराथना पइ धियान देइहीं। **16**मइँ इ मन्दिर क चुनेउँ ह अउर मइँ एका पवित्तर किहेउँ ह जेहसे मोर नाउँ हिआँ सदा ही रहइ। हाँ, मोर आँखिन अउर मोर हिरदइ इ मन्दिर मँ सदा रही।

17“अब सुलैमान, जदि तू मोरे समन्वा वइसे ही रहब्या जइसे तोहार बाप दाऊद रहा, जदि तू ओन सबहिं क पालन करब्या जेनके बरे मइँ आदेस दिहेउँ ह अउर जदि तू मोर बिधियन अउ नेमन क पालन करब्या। **18**तब मइँ तोहका सक्तीसाली राजा बनाउब अउर तोहार राज्ज महान होइ। इहइ वाचा अहइ जउन मइँ तोहरे बाप दाऊद स कीन्ह अहइ। मइँ ओहसे काहे रहेउँ, ‘दाऊद, तू अपने परिवार मँ एक ठु अइसा मनई सदा पउब्या जउन इस्राएल मँ राजा होइ।’

19“किन्तु जदि तू मोरे नेमन अउर आदेसन क नाहीं मनब्या जेनका मइँ दिहेउँ ह अउर तू दूसर देवतन क पूजा अउर सेवा करब्या, अउर ओकर समन्वा निहुरब्या, **20**तब मइँ इस्राएल क लोगन क अपने उ देस स बाहेर करब जेका मइँ ओनका दिहेउँ ह। अउर मइँ इ मन्दिर क जेका मइँ आपन नाउँ बरे पवित्तर बनाएउँ ह अस्वीकार कइ देब। मइँ इ मन्दिर क सबहिं रास्ट्रन बरे मज़ाक अउर सम्मानहीन बनाइ देब। **21**हर एक मनई जउन एकर पास स गुजरी इ प्रतिस्ठित मन्दिर देखिके चकित होइ जाई। उ पचे कहिहीं, ‘यहोवा अइसा भयंकर काम इ देस अउ इ मन्दिर क संग

काहे किहस?' 22तब लोग जवाब देइहीं, 'काहेकि इस्राएल
क लोगन यहोवा, परमेस्सर जेकरी आग्या क पालन ओनके
पुरखन करत रहेन, ओकरी आग्या क पालन करइ स
इन्कार कइ दिहस। उ ही परमेस्सर अहइ जउन ओनका
मिस्र क बाहेर लइ आवा। किन्तु इस्राएल क लोग दूसर
देवतन क अपनाएस। उ पचे मूर्ति रुप मँ देवतन क पूजा
अउर सेवा किहस। इहइ कारण अहइ कि यहोवा इस्राएल
क लोगन पइ एँतना सब भयंकर घटित कराएस ह।'"

सुलैमान क बसाए नगर

8 यहोवा क मन्दिर क बनावइ अउर आपन महल
बनावइ मँ सुलैमान क बीस बरिस लागेन। 2तब
सुलैमान फुन ओन नगरन क बनाएस जउन हूराम ओका
दिहस अउर सुलैमान इस्राएल क कछू लोगन क ओन
नगरन मँ रहइ क आग्या दइ दिहस। 3एकरे पाछे सुलैमान
सोबा क हमात क गवा अउर ओह पइ अधिकार कइ
लिहस। 4सुलैमान रेगिस्ताने मँ तदमोर नगर भी बनाएस। उ
चिजियन क संग्रह क बरे हमात मँ सबहिं नगर बनाएस।
5सुलैमान ऊँच बेथोरोन अउ निम्न बेरोथोन क नगरन क
फुन बनाएस। उ ओन नगरन क सक्तीसाली गढ़ बनाएस।
ओन नगरन क मजबूत देवारन अउर फाटकन रहेन अउर
फाटकन मँ छड़न लगे रहेन। 6सुलैमान बालात नगर क फुन
बनाएस अउर दूसर नगरन क भी जहाँ उ चिजियन क संग्रह
किहस। उ सबहिं नगरन क बनाएस जहाँ रथ रखे गए रहेन
तथा जहाँ सबहिं नगरन मँ घुड़सवार रहत रहेन। सुलैमान
यरूसलेम, लबानोन अउर ओन सबहिं प्रदेसन क जहाँ उ
राजा रहा, जउन चाहेन बनाएस।

7-8जहाँ इस्राएल क लोग रहत रहेन हुवाँ बहोत स
अजनबी बचे रहि गए रहेन। उ पचे हित्ती, एमोरी, परिज्जी,
हिव्वी अउर यबूसी लोग रहेन। सुलैमान ओन अजनबियन क
दास-मजदूर होइ बरे मजबूर किहस। उ सबइ लोग इस्राएल
क लोगन मँ स नाहीं रहेन। उ सबइ लोग ओनकर संतान
रहेन जउन देस मँ बचे रहि गए रहेन अउर तब तलक
इस्राएल क लोगन क जरिये नस्ट नाहीं कीन्ह गए रहेन। इ
अब तलक चलत अहइ। 9सुलैमान इस्राएल क कउनो भी
मनई क दास मजदूर बनावइ क मजबूर नाहीं किहस। उ पचे
ओकर जोधन, फउज क सेनापतियन, ओकर फउज क
मुख्य अधिकारियन, ओकर रथन क सेनापतियन अउर
सारथियन क सेनापति रहेन। 10अउर इस्राएल क कछू लोग
सुलैमान क महत्त्वपूर्ण अधिकारियन क प्रमुख रहेन। लोगन
क निरीच्छण करइवाले ढाई सौ प्रमुखन रहेन।

11सुलैमान दाऊद क नगर स फिरौन क बिटिया क उ
महल मँ लिआवा जेका उ ओकरे खातिर बनाए रहा।
सुलैमान कहेस, "मोर मेहरारू राजा दाऊद क महल मँ नाहीं
रहि सकत काहेकि जउने जगहन पइ करार क सन्दूख रहा
होइ, उ सबइ जगह पवित्तर अहइँ।"

12तब सुलैमान यहोवा क होमबलि यहोवा क वेदी पइ
चढ़ाएस। सुलैमान उ वेदी क मन्दिर क ओसारे क समन्वा
बनाएस। 13सुलैमान हर एक दिन मूसा क आदेस क अनुसार
बलि चढ़ाएस। इ बलि सबित क क दिन नवचन्द्र उत्सव क
अउर तीन वार्सिक पर्वन क दीन्ह जाइ क रही। इ सबइ तीन
वार्सिक पर्व अखमीरी रोटी क पर्व सप्ताहन क पर्व अउर
आस्रय क पर्व रहेन। 14सुलैमान अपने बाप दाऊद क
निर्देसन क पालन किहस। सुलैमान याजकन क वर्ग हुवाँ
सेवा करइ बरे चुनेस। सुलैमान लेवीबंसियन क भी ओनके
कार्य क बरे चुनेस। लेवीबंसियन परार्थना मँ अगुवाइ करत
रही अउर मन्दिर मँ जउन कछू रोज रोज कीन्ह जाब होत
रहा ओनमाँ याजकन क मदद करत रहा। सुलैमान दुआर
पालन क चुनेस जेनके समूहन हर दुआर पइ सेवा करब
रही। परमेस्सर क मनई दाऊद क निर्देसन क अनुसार इ
सबइ काम कीन्ह गवा रहेन। 15इस्राएल क लोग सुलैमान
क जरिये याजकन अउर लेवीबंसियन क दीन्ह गए निर्देसन
क न बदलेस, नाहीं ओनकर उल्लंघन किहस। उ पचे
कउनो भी निर्देस मँ वइसे भी परिवर्तन नाहीं किहन जइसे उ
पचे कीमती चिजियन क रखइ मँ करत रहेन।

16सुलैमान क सबहिं कारज पूरे होइ गएन। यहोवा क
मन्दिर क आरम्भ होइ स ओकर पूरे होइ क दिन तलक
जोजना ठीक बनी रही। इ तरह यहोवा क मन्दिर पूरा भवा।

17तब सुलैमान एस्योनगेबेर अउर एलोत नगरन क गवा।
उ पचे नगर एदोम प्रदेस मँ लाल सागर क किनारा मँ बसा
रहेन। 18हूराम सुलैमान क जहाज पठएस। हूराम क उ
मनइयन जउन समुद्दर मँ जहाज चलाई मँ कुसल रहेन
जहाज क चलावत रहेन। हूराम क मनई सुलैमान क सेवकन
क संग ओपीर गएन अउर सत्रह टन सोना लइके राजा
सुलैमान क लगे लउटेन।

सीबा क रानी सुलैमान क हिआँ आवत ह

9 सीबा क रानी सुलैमान क जस सुनेस। उ यरूसलेम
मँ कठिन सवालन स सुलैमान क परीच्छा लेइ आइ।
सीबा क रानी अपने संग एक लोगन क बड़ा समूह लइके
आइ रही। ओकरे पास ऊँट रहेन जेन पइ मसालन, बहोत
जिआदा सोना अउ कीमती पाथर लदे रहेन। उ सुलैमान क
लगे आइ अउर उ सुलैमान स बातन किहस। ओका
सुलैमान स अनेक सवाल पूछब रहेन। 2सुलैमान ओकरे
सबहिं सवालन क उत्तर दिहेस। सुलैमान क बरे व्याख्या
करइ या जवाब देइ बरे कछू भी बहोत कठिन नाहीं रहा।
3सीबा क रानी सुलैमान क बुद्धिमानी अउ ओकर बनाए
महल क लखेस। 4उ भोजन क निरिच्छन किहेस जउन
सुलैमान क मेज पई परोसा जात रहा। उ लखेन कि
अधीकारियन अउर नउकर कइसा कार्य करत अहइँ अउर उ
पचे कइसा वस्त्र पहिरे रखे अहइँ, उ लखेस कि ओकर
दाखरस पिआवइवाले सेवक कइसे कार्य करत अहइँ अउर
उ पचे कइसे वस्त्र पहिर रखे अहइँ। उ यहोवा क मन्दिर
क ओर जात भवा जुलूस क लखेस। जब सीबा क रानी एन
सबहिं चिजियन क लखेस तउ माना कि ओकर मुँह क
बोली बन्द होइ गवा। 5तब उ राजा सुलैमान स कहेस, "मइँ
अपने देस मँ तोहरे महान कार्यन अउर तोहार बुद्धिमानी क
बारे मँ जउन कहानी सुनेउँ ह। उ सबइ सच अहइ! 6मोका
एन कहानियन पइ तब तलक बिस्सास नाहीं होत रहा जब
तलक मइँ आई नाहीं अउर अपनी आँखिन स लखेउँ नाहीं।

ओह! तोहरी बुद्धिमानी क आधा भी मोहसे नाहीं कहा गवा
रहा। जउन कछु मइँ सुनेउँ तू उ सबइ स जियादा महान
अहइ। 7तोहार मेहरुअन अउर तोहार अधिकारी बहोत
भाग्यसाली अहइँ। उ पचे तोहार गियान क बातन तोहार
सेवा करत भए सुन सकत हीं। 8तोहरे परमेस्सर यहोवा क
बड़कई होइ। उ तोह पइ खुस अहइ अउर उ तोहका अपने
सिंहासन पइ, परमेस्सर यहोवा बरे, राजा बनई क बइठाएस
ह। तोहार परमेस्सर इस्राएल स पिरेम करत ह अउर इस्राएल
क मदद सदा ही करत रही। इहइ कारण अहइ कि यहोवा
तोहका इस्राएल क राजा बनाएस ह कि तू निआव अउर
धार्मिकत्ता क बनाए राख।"

9तब सीबा क रानी राजा सुलैमान क 4,140 किलोग्राम
सोना, बहोत स मसाला अउ कीमती पाथर दिहस। कउनो
एँताना नीक मसाला राजा सुलैमान क नाहीं दिहस जेतना
नीक रानी सीबा दिहस।

10हूराम क नउकर अउर सुलैमान क नउकर ओपीर स
सोना लइ आएन। उ पचे चन्दन क काठ अउर बहुमुल्य रत्न
पाथर भी लइ आएन। 11राजा सुलैमान यहोवा क मन्दिर
अउ महल क सीढ़ियन क बरे चन्दन क काठे क उपयोग
किहस। सुलैमान चन्दन क काठे क उपयोग गायकन क
बरे वीणा अउ तम्बूरा बनावइ क बरे भी किहस। यहूदा देस
मँ चन्दन क काठे स बनी ओन जइसी सुन्नर चिजियन
कउनो कबहुँ लखे नाहीं रहा।

12जउन कछू भी सीबा देस क रानी राजा सुलैमान स
माँगेस, ओका उ दिहस। जउन उ दिहस, उ ओहसे जियादा
रहा जउन उ राजा सुलैमान बरे लिआइ रहीं। ओकरे पाछे उ
अपने सेवक अउ सेविकाओं क संग बिदा भइ। उ अपने
देस लउट गइ।

सुलैमान क खूब धनदौलत

13एक बरिस मँ सुलैमान जेतना सोना पाएस, ओकर वजन
पचीस टन रहा। 14बइपारी अउ सौदागर सुलैमान क लगे
अउ जिआदा सोना लाएन। अरब क सबहिं राजा अउर
प्रदेसन क सासक भी सुलैमान क बरे सोना चाँदी लाएन।
15राजा सुलैमान सोने क पत्तर क दुइ सौ बरा ढारन बनाएस।
लगभग छ: सौ सेकेल पीटा सोना हर एक ढार क बनावइ
मँ उपयोग मँ आवा। 16सुलैमान तीन सौ नान्ह ढारन भी
सोने क पत्तर क बनाएस। लगभग तीन सौ सेकेल सोना
हर एक ढार क बनावइ मँ उपयोग मँ आवा रहा। राजा
सुलैमान सोना क ढारन क "लबानोन क बन महल" मँ
रखेस।

17राजा सुलैमान एक बिसाल सिंहासन बनावइ क बरे
हाथी दाँत क उपयोग किहस। उ सिंहासने क निखालिस
सोना स मढ़ेस। 18सिंहासने पइ चढ़इ क छ: सीढ़ीयन रहिन
अउर एकर एक ठु पद पीठ रहा। उ सोने क बना रहा।
सिंहासने मँ दुइनउँ कइँती भुजन क आराम देइ क बरे बाजू
लगी एक-एक सेर क मूरती खड़ी रही। 19हवाँ छ: सीढ़ियन
स लगे बगल मँ बारह सेरन क मूरतियन खड़ी रहिन। हर
सीढ़ी क हर कइँती एक सेर रहा। इ तरह क सिंहासन
कउनो दूसर राज्ज मँ नाहीं बना रहा। 20राजा सुलैमान क
सबहिं पिअइ क पियालन सोना क बने रहेन। लबानोन वन
महल क सबहिं हर रोज क चिजियन निखालिस सोना क
बनी रहिन। सुलैमान क समइ मँ चाँदी कीमती नाहीं समुझी
जात रही। 21राजा सुलैमान क लगे जहाज रहेन जउन तर्सीस
क जात रहेन। हूराम क आदमी सुलैमान क जहाजन क
चलावत रहेन। हर तीसरे बरीस जहाज तर्सीस स सोना, चाँदी,
हाथी-दाँत, बनार अउ मोर लइके सुलैमान क लगे लउटन
रहेन।

22राजा सुलैमान धन अउर बुद्धि दुइनउँ मँ संसार क
कउनो भी राजा स बड़ा होइ गवा। 23संसार क सारे राजा
सुलैमान क लखइ बरे आइतेन अउर ओकरे बुद्धिमानी क
सब्दन जउन परमेस्सर ओका दिहेस ह सुनतेन। 24हर बरिस
उ पचे राजा सुलैमान क भेंट लिआवत रहेन। उ पचे चाँदी
सोना क चिजियन, ओढ़ना, कवच, मसालन, घोड़न अउ
खच्चर लिआवत रहेन।

25सुलैमान क लगे ओकर घोड़न अउर रथन क रखइ
बरे चार हजार अस्तबल रहेन। ओकरे लगे बारह हजार
सारथी रहेन। सुलैमान ओनका आपन रथन क नगरन मँ
रखत रहा अउर कछू क यरूसलेम मँ अपने लगे रखत
रहा। 26सुलैमान फरात नदी स लगातार पलिस्ती लोगन क
देस तलक अउर मिस्र क सीमा तलक क राजा लोगन क
सम्राट रहा। 27राजा सुलैमान क लगे बहोत स चाँदी क
पाथर समान्य पाथर जइसा अउर बहोत सारा देवदार काठ
क पहाड़ी देस मँ गूलर क बृच्छन जइसा रहेन। 28लोग
सुलैमान क बरे मिस्र अउर दूसर सबहिं देसन स घोड़न
लिआवत रहेन।

सुलैमान क मउत

29सुरू स लइके अन्त तलक सुलैमान अउर जउन कछू
किहस उ नातान नबी क लेखन, सीलो क अहिय्याह क
भविस्सबाणियन अउर इद्दो दर्सी क दर्सनन मँ अहइ। इद्दो
एक दर्सी रहा जउन नबात क पूत यारोबाम क बारे मँ
भविस्सबाणी किहेस। 30सुलैमान यरूसलेम मँ पूरे इस्राएल
क राजा चालीस बरिस तलक रहा। 31तब सुलैमान अपने
पुरखन क संग बिस्राम करइ गवा। लोगन ओका ओकरे
बाप दाऊद क नगर मँ दफनाएन। सुलैमान क पूत रहूबियाम
सुलैमान क जगह नवा राजा भवा।

रहूबियाम बेवकूफी क काम करत ह

10 रहूबियाम सकेम नगर क गवा काहेकि इस्राएल क
सबहिं लोग ओका राजा बनावइ बरे हुवँइ गएन।
2नाबात क पूत यारोबाम मिस्र मँ रहा काहेकि उ राजा
सुलैमान क हिआँ स पराइ गवा रहा। किन्तु यारोबाम सुनेस
कि सुलैमान मरि गवा अउर रहूबियाम नवा राजा होइ जात
अहइ। एह बरे यारोबाम मिस्र स लउट आवा। 3इस्राएल क
लोग यारोबाम क अपने संग रहइ क बरे बोलाएस। तब
यारोबाम अउर इस्राएल क सबहिं लोग रहूबियाम क हिआँ
गएन। उ पचे ओहसे कहेन, "रहूबियाम, 4तोहरे बिना हम
लोगन क जिन्नगी क कस्टकर बनाएस। उ भारी वजन लइ

चलइ क नाईं रहा। उ वजन क हल्का करा तउ हम तोहार सेव करब।"

5रहूबियाम ओनसे कहेस, "तीन दिन पाछे लउटिके मोरे लगे आवा।" एह बरे लोग चले गएन।

6तब राजा रहूबियाम ओन बुजुर्ग लोगन स बातन किहस जउने पहिले ओकरे बाप क सेवा किहे रहेन। रहूबियाम ओनसे कहेस, "आप एन लोगन स का कहइ बरे सलाह देत ही?" 7बुजुर्ग रहूबियाम स कहेन, "जदि तू ओन लोग क बरे दयालु अहा अउर ओनका खुस करत अहा अउ ओहसे नीक बातन कहत अहा तउ उ पचे तोहार सेवा सदा ही करिहीं।"

8मुला रहूबियाम बुजुर्गन क दीन्ह सलाह क अंगीकार नाहीं किहस। रहूबियाम ओन जुवकन स बात किहस जउन ओकरे संग जुवा रहेन अउर ओकर सेवा करत रहेन। 9रहूबियाम ओनसे कहेस, "तू लोग का सलाह देत अहा जेका मइँ ओन लोगन स कहउँ? उ पचे मोहसे अपने काम क हल्का करइ क कहे ह अउर उ पचे चाहत हीं कि मइँ अपने बाप क जरिये ओन पइ डाले गए वजन क कछू कम करउँ।"

10तब ओन जुवकन जउन रहूबियाम क संग जुवा भए रहेन, ओहसे कहेन, "जउन लोगन तोहसे बातन किहन ओनसे तू इ कहा। लोगन तोहसे कहेन, 'तोहार बाप हमरी जिन्नगी क कस्टकर बनाएन रहेन। इ भारी वजन लइ चलइ क नाईं रहा। मुला हम चाहित ह कि तू हम लोगन क वजन क कछू हल्का करा।' किन्तु रहूबियाम, तोहका इ इहइ ओन लोगन स कहइ चाही। ओनसे कहा, 'मोर नान्ह अँगरी भी मोरे बाप क करिहाउँ स मोटी होइ। 11मोर बाप तोह पइ भारे बोझा लादेन। मुला मइँ उ बोझा क बढ़ाउब। मोर बाप तोहका कोड़ा लगावइ क सजा दिहे रहेन। मइँ अइसे कोड़ा लगावइ क सजा देब जेकरे छोर पइ तेज धातु क टूका अहइँ।'"

12राजा रहूबियाम लोगन स कहे रहा: "तीसरे दिन लउटिके आवा।" एह बरे तीसरे दिन यारोबाम अउ सब इस्राएली जनता राजा रहूबियाम क लगे आएन। 13तब राजा रहूबियाम ओनसे कठोरता स बातन किहस। राजा रहूबियाम बुजुर्ग लोगन क सलाह न मानेस। 14राजा रहुबियाम लोगन स वइसे ही बात किहस जइसे जुवकन सलाह दिहे रहेन। उ कहेस, "मोर बाप तोहरे बोझ क भारी किहे रहा, किन्तु मइँ ओका अउर जिआदा भारी करब। मोर बाप तोह पइ कोड़न लगावइ क सजा दिहे रहेन, किन्तु मइँ अइसे कोड़न लगावइ क सजा देब जेनकर छोर तेज धातु क टूकन होइहीं।" 15इ तरह राजा रहूबियाम लोगन क एक न सुनेन। एकर कारण इ रहा कि उ परमेस्सर रहा जउन इ किहेस ह। यहोवा आपन बचन क पूरा करइ चाहत ह जउन उ सीलो क अहिय्याह क जरिये नबात क पूत यारोबाम स किहे रहा।

16इस्राएल क लोग लखेन कि राजा रहूबियाम ओनकर एक नाहीं सुनत। उ पचे राजा स कहेन, "का हम दाऊद क पखिरे क अंग अही? नाहीं! का हम क यिसै क कउनो भुइँया मिलइ क अहइ? नाहीं! एह बरे इस्राएलियन क हम लोगन क सिबिर मँ वापिस जाइ द्या। दाऊद क पूत क ओकरे अपने लोगन पइ हुकूमत करइ देइँ।" तब इस्राएल क सबहिं लोग अपने सिबिरन मँ लउटि गएन। 17किन्तु इस्राएल क कछू अइसे लोग रहेन जउन यहूदा नगर मँ रहत रहेन अउर रहूबियाम ओनकर राजा रहा।

18हदोराम काम करइ क बरे मजबूर कीन्ह जाइवाले लोगन क अधीच्छक रहा। रहूबियाम ओका इस्राएल क लोगन क लगे पठएस। किन्तु इस्राएल क लोग हदोराम पइ पाथर लोकाएन अउर ओका मार डाएन। तब रहूबियाम भागा अउर अपने रथ मँ कूद पड़ा अउ बच निकरा। उ पराइके यरूसलेम गवा। 19उ समइ स लइके अब तलक इस्राएली दाऊद क परिवार क खिलाफ होइ गएन ह।

11 जब रहूबियाम यरूसलेम आवा, उ एक लाख अस्सी हजार सर्वोत्तम जोधन क बटोरेस। उ एन जोधन क यहूदा अउ बिन्यामीम क परिवार समूहन स बटोरेस। उ एनका इस्राएल क खिलाफ लड़इ बरे तइयार किहेस जेहसे उ राज्ज क रहूबियाम क वापस लउटाइ। सकइ। 2किन्तु यहोवा क सँदेस समायाह क लगे आवा। समायाह परमेस्सर क मनई रहा। यहोवा कहेस, 3"समायाह यहूदा क राजा, सुलैमान क पूत रहूबियाम स बातन करा अउर यहूदा अउ बिन्यामीन मँ रहइवाले सबहिं इस्राएल क लोगन स बातन करा। 4ओनसे कहा, यहोवा इ कहत ह: 'तोहका अपने भाइयन क खिलाफ नाहीं लड़इ चाही। हर एक मनई अपने घर लउटि जाइ। मइँ ही अइसा होइ दिहेउँ ह।'" एह बरे राजा रहूबियाम अउर ओकर फउज यहोवा क सँदेसा मानेस अउर उ पचे लउटि गएन। उ पचे यारोबाम पइ हमला नाहीं किहन।

रहूबियाम यहोवा क सक्तीसाली बनावत ह

5रहूबियाम यरूसलेम मँ रहइ लाग। उ हमलन क खिलाफ रच्छा बरे यहूदा मँ सुदृढ़ नगर बनाएस। 6उ बेतलेहेम, एताम, तकोआ, 7बेत्सूर, सोको, अदुल्लाम, 8गत, मारेसा, जीप, 9अदौरैम, लाकीस, अजेका, 10सोरा, अय्यालोन, अउर हेब्रोन नगरन क मरम्मत कराएस। यहूदा अउ बिन्यामीन मँ इ सबइ नगर मजबूत बनाए गएन। 11जब रहूबियाम ओन नगरन क मजबूत बनाइ लिहस तउ ओनमाँ सेनापति रखेस। उ ओन नगरन मँ भोजन, तेल अउर दाखरस क पूर्ति क व्यवस्था किहस। 12रहूबियाम ढार अउ भालन भी हर एक नगर मँ रखेस अउर ओनका बहोत सक्तीसाली बनाएस। रहूबियाम यहूदा अउ बिन्यामीन क लोगन अउर नगरन क अपने अधिकार मँ रखेस।

13पूरे इस्राएल क याजक अउ लेवीबंसी रहूबियाम स सहमत रहेन अउर उ पचे ओकरे संग होइ गएन। 14लेवी बंसियन अपनी घासवाली भुइयाँ अउर आपन खेत छोड़ दिहन अउर उ पचे यहूदा अउ यरूसलेम आइ गएन। लेवीबंसियन इ एह बरे किहेन कि यारोबाम अउर ओकर पूतन ओनका यहोवा क याजक क रूप मँ सेवा करावइ क अनुमति देइ स इन्कार कइ दिहस। 15यारोबाम अपने ही याजकन क हुवाँ ऊँची जगहन पइ सेवा करइ बरे नियुक्त किहस जहाँ उ बोकरन अउ बछवन क ओन मूरतियन क स्थापना किहस जेनका उ बनाए रहा। 16जब लेवीबंसियन इस्राएल क तजि

दिहन तब इस्राएल क परिवार समूह क उ सबइ लोग जउन
इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क बरे बिस्सास जोग्ग रहेन,
यरूसलेम मँ यहोवा, अपने बापन क परमेस्सर क बलि
चढ़ावइ आएन। **17**ओन लोग यहूदा क राज्ज क सक्तीसाली
बनाएस अउर उ पचे सुलैमान क पूत रहूबियाम क तीन
बरिस तलक समर्थन दिहन। उ पचे अइसा करत रहेन
काहेकि इ समइ मँ उ पचे वइसे रहत रहेन जइसे दाऊद
अउ सुलैमान रतह रहेन।

रहूबियाम क परिवार

18रहूबियाम महलत स बियाह किहेस। ओकर बाप
यरीमोत रहा। ओकर महतारी अबीहैल रही। यरीमोत दाऊद
क पूत रहा। अबीहैल एलीआब क बिटिया रही अउर
एलीआब यिसै क पूत रहा। **19**महलत स रहूबियाम क इ
सबइ पूत पइदा भएनः यूस, समर्याह अउर जाहम। **20**तब
रहूबियाम माका स बियाह किहस। माका अबसलोम क पोती
रही अउर माका स रहूबियाम क इ सबइ बच्चन भएनः
अबिय्याह, अत्ते, जीजा अउर सलोमीत। **21**रहूबियाम माका स
सबहिं दूसर मेहररुअन अउ दासियन स जियादा पिरेम करत
रहा। माका अबसालोम क पोती रही। रहुबियाम क अट्ठारह
मेहररुअन अउ साठ रखैल रहिन। रहूबियाम अट्ठाईस पूतन
अउ साठ बिटियन क बाप रहा।

22रहूबियाम अपने भाइयन मँ माका क पूत अबिय्याह क
प्रमुख चुनेस। रहूबियाम इ एह बरे किहस काहेकि उ
अबिय्याह क राजा बनावइ क योजना बनाएस। **23**रहूबियाम
इ बुद्धिमानी क काम अपने पूतन क यहूदा अउर बिन्यामीन
क पूरा प्रान्तन मँ अउर हर एक सक्तीसाली नगर मँ
फैइलाइ कइ क किहस। उ अपने पूतन क बहोत जियादा
भोजन दिहेस अउर ओकरे बरे मेहररुअन क खोज किहस।

मिस्री राजा सीसक क यरूसलेम पइ हमला

12 रहूबियाम एक सक्तीसाली राजा होइ गवा। अपने
राज्ज क सक्तीसाली बनाइ क पाछे उ अउ यहूदा
क सबहिं लोग यहोवा क नेम क पालन करइ क बन्द कइ
दिहन। **2**रहूबियाम क राज्जकाल क पाँचवे बरिस सीसक
यरूसलेम पइ हमला किहस। सीसक मिस्र क राजा रहा। इ
एह बरे भवा कि रहूबियाम अउ यहूदा क लोग यहोवा क
बरे निस्ठावान नाहीं रहेन। **3**सीसक क लगे एक हजार दुई
सौ रथ, साठ हजार घुड़सवार, अउर एक फउज रही जेका
कउनो गन नाहीं सकत रहा। सीसक क फउज मँ लूबी,
सुक्किय्यी अउर कूसी फउजी रहेन। **4**सीसक यहूदा क
सक्तीसाली नगरन क पराजित कइ दिहस। तब सीसक
अपनी फउज क यरूसलेम लिआवा।

5तब समायाह नबी रहूबियाम अउ यहूदा क प्रमुखन क
लगे आवा। यहूदा क उ सबइ प्रमुख यरूसलेम मँ बटुरे
रहेन काहेकि उ पचे सबहिं सीसक स ससान रहेन। समायाह
रहूबियाम अउ यहूदा क प्रमुखन स कहेस, “यहोवा जउन
कहत ह, उ इ अहइ: ‘रहूबियाम, तू अउर यहूदा क लोग
मोका तजि दिहा ह अउर मोरे नेमन क पालन करइ स
इन्कार कइ दिहा ह। एह बरे मइँ तोहका अपनी मदद क
बिना सीसक क सामना करइ क छोड़ब।’” **6**तब यहूदा क
प्रमुखन अउर राजा रहूबियाम पछतावा करत भए अपने क
विनम्र किहस अउर कहेस, “यहोवा नियावी अहइ।”

7यहोवा लखेस कि राजा अउर यहूदा क प्रमुखन अपने
आप क विनम्र बनाएन ह। तब तहोवा क सँदेसा समायाह क
लगे आवा। यहोवा समायाह स कहेस, “राजा अउर लोग
अपने क विनम्र किहन ह, एह बरे मइँ ओनका नस्ट नाहीं
करब बल्कि मइँ ओनका हाली ही बचाउब। मइँ सीसक क
उपयोग यरूसलेम पइ आपन किरोध उतारइ क बरे नहीं
करब। **8**किन्तु यरूसलेम क लोग सीसक क सेवक होइ
जइहीं। इ होई एह बरे कि उ पचे सीख सकइँ कि मोर सेवा
करब दूसर रास्ट्रन क राजा लोगन क सेवा करइ स अलग
अहइ।”

9मिस्र क राजा सीसक यरूसलेम पइ हमला किहस अउर
यहोवा क मन्दिर मँ जउन खजाना रहेन, ओका लइ गवा।
अउर उ उ सबइ खजाने क भी लइ लिहस जउन राजा क
महल मँ रहेन। उ सोने क ढारन क भी लिहस जेनका
सुलैमान बनाए रहा। **10**राजा रहूबियाम सोने क ढारन क
जगह पइ काँसे क ढारन बनाएस। रहूबियाम ओन सेनापतियन
क जउन राजमहल क दुआरन क रच्छा क जिम्मेदार रहेन,
काँसे क ढारन दिहस। **11**जब राजा यहोवा क मन्दिर मँ जात
तहा तउ रच्छक काँसे क ढारन बाहेर निकारत रहेन। ओकरे
पाछे उ पचे काँचे क ढारन क रच्छक घर मँ वापस रखत
रहेन।

12जब रहूबियाम पछतावा किहने अउर अपने क बिनम्र
कइ लिहस तउ यहोवा अपने किरोध क ओह पइ रोकि
दिहेस। एह बरे यहोवा रहूबियाम क पूरी तरह नस्ट नाहीं
किहस। यहूदा मँ कछू अच्छाई बची रही।

13राजा रहूबियाम यरूसलेम मँ अपने क सुदृढ़ राजा बनाइ
लिहस। उ उ समइ इकतालीस बरिस क रहा, जब राजा
बना। रहूबियाम यरूसलेम मँ सत्रह बरिस तलक राजा रहा।
यरूसलेम उ नगर रहा जेका यहोवा इस्राएल क सारे परिवार
समूह मँ स चुने रहा। यहोवा यरूसलेम क अपने नाउँ
स्थापित करइ बरे चुनेस। रहूबियाम क महतारी नामा रही।
जउन कि अम्मोन देस क रही। **14**रहूबियाम बुरी चिजियन
किहेस काहेकि उ यहोवा क आग्या क पालन करइ बरे
अपने हिरदइ मँ निहचइ नहीं किह रहेन।

15सबइ चिजियन जउन रहूबियाम आपन हुकूमत मँ सुरू
स आखीर तलक किहेस उ नबी समायाह अउर सीर (दर्सी)
इद्दो क किताब मँ लिखा गवा ह। उ पचे परिवारिक
इतिहास क बारे मँ अउर यहूबियाम अउ यहूबियाम अउ
यहोबाम जब तलक हुकुमत किहेन ओकर बीच होइवाले
जुद्ध क बारे मँ लिखेन। **16**रहूबियाम अपने पुरखन क संग
बिस्राम किहस। रहूबियाम क दाऊद नगर मँ दफनावा गवा।
रहूबियाम क पूत अबिय्याह नवा राजा भवा।

यहूदा क राजा

13 जब राजा यारोबाम इस्राएल क राजा क रुप मँ
अट्ठारहवें बरिस मँ रहा अबिय्याह यहूदा क नवा

राजा बना। 2अबिय्याह यरूसलेम मँ तीन बरिस तलक राजा
रहा। गिबा नगर क ऊरीएल क बिटिया, मीकायाह अबिय्याह
क महतारी रही। अउर हुवाँ अबिय्याह अउर यारोबाम क
बीच जुद्ध चलत रहा। 3अबियाह क फउज मँ चार लाख
वीर सैनिक रहेन। अबियाह जुद्ध बरे आपन फउज मँ गएन।
यारोबाम अबिय्याह क खिलाफ जुद्ध बरे तइयारी किहस।
ओकरे लगे आठ लाख वीर सैनिक रहेन।

4तब अबिय्याह एप्रैम क पर्वतीय पहँटा मँ समारैम पर्वत
पइ खड़ा भवा। अबिय्याह कहेस, "यारोबाम अउर सारे
इस्राएल मोर बात सुना। 5तू लोगन क जानइ चाही कि
यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर दाऊद अउर ओकरी सन्तानन
क इस्राएल सासन करइ क अधिकार दिहस ह। यहोवा
दाऊद क इ अधिकार सास्वत करार क संग दिहस। 6किन्तु
यारोबाम अपने सुआमी क खिलाफ होइ गवा। यारोबाम
जउन नबात क पूत रहा, दाऊद क पूत सुलैमान क
अधिकारियन मँ स एक रहा। 7तब निकम्मे, बुरे मनइयन
यारोबाम क मीत होइ गएन अउर यारोबाम अउर उ सबइ
बुरे मनइयन सुलैमान क पूत रहूबियाम क खिलाफ होइ
गएन। रहूबियाम जुवक रहा अउर ओका अनुभव नाहीं रहा।
एह बरे रहूबियाम यारोबाम अउर ओकरे बुरे मीतन क रोकने
न सका।

8"तू लोग परमेस्सर क राज्ज, जउन दाऊद क पूतन क
जरिये सासित अहइ, हरावइ क जोजना बनाया ह। तू लोगन
क गनती बहोत अहइ अउर यारोबाम क तोहरे बरे बनावा
गवा सोने क बछवा तोहार इस्सर अहइ। 9तू लोग हारून
क संतानन यहोवा क याजकन अउ लेवीबंसियन क बाहेर
फेंकि दिहेस ह। तू पचे पृथ्वी क दूसर देसन क समान अपने
याजकन क चुन्या ह। तब तउ कउनो भी मनई जउन एक
जुवक बर्घा अउर सात ठु भेड़न लिआवइ, ओन 'अइसन
देवतन क जउन परमेस्सर ह ही नाही' क सेवा करइवाला
याजक बन सकत ह।

10"किन्तु जहाँ तलक हमार बात अहइ यहोवा हमार
परमेस्सर अहइ। हम यहूदा क निवासी लोग यहोवा क
आग्या पालन स इन्कार किहा नाहीं ह। हम लोग ओका
तजा नाहीं ह। जउन याजक यहोवा क सेवा करत हीं, उ
पचे हारून क सन्तान अहइँ अउर लेवीबंसी यहोवा क सेवा
करइ मँ याजकन क मदद करत हीं। 11उ पचे होमबलि
चढ़ावत हीं अउर धूपे क सुगन्धि यहोवा क हर भिंसारे
साँझ बारत हीं। उ पचे मन्दिर मँ बिसेस मेज पइ रोटियन
कतारन मँ रखत भी अहइँ अउर उ पचे सोना क डीबट पइ
रखे भए दीपकन क देख भाल करत हीं ताकि हर साँझ
क उ प्रकास क संग चलइ। हम लोग यहोवा, अपने
परमेस्सर क सेवा सावधानी क संग करित ह। किन्तु तू लोग
ओका तजि दिहा ह। 12खुद परमेस्सर हम लोगन क संग
अहइ। उ हमार सासक अहइ अउर ओकर याजक हमरे
संग अहइँ। परमेस्सर क याजक आपन तुरही तोहका जगावइ
अउर तोहका ओकरे लगे आवइ क उत्साहित करइ क बरे
फूँकत हीं। ऐ इस्राएल क लोगो, अपने पुरखन क यहोवा,
परमेस्सर क खिलाफ जिन लड़ा। काहेकि तू कामयाब नाहीं
होब्या।"

13किन्तु यारोबाम फउजियन क एक टुकड़ी क चुपके
चुपके गुप्त रूप स अबिय्याह क फउज क पाछे पठएस, इ
तरह स जब यारोबाम क फउज अबिय्याह क फउज क
समन्वा रही तब यारोबाम क फउज क गुप्त फउजी
अबिय्याह क फउज क पाछे रही। 14जब अबिय्याह क
यहूदा क फउजियन चारिहुँ कइँती लखेन तउ उ पचे
यारोबाम क फउज क आगे अउर पाछे स हमला करत
पाएन। तउ यहूदा क लोग यहोवा क जोर स गोहराएन
अउर याजकन तुरहियन बजाएन। 15तब अबिय्याह क फउज
क लोग चिचियाएस। जब यहूदा क लोग चिचियाएस तउ
परमेस्सर यारोबाम क फउज क हराइ दिहस। यारोबाम क
इस्राएल क सारी फउज क अबिय्याह क यहूदा क फउज
क जरिये हराइ दीन्ह गइ। 16इस्राएल क लोग यहूदा क
लोगन क समन्वा भाग पराइ गएन। परमेस्सर यहूदा क
फउज क जरिये इस्राएल क फउज क हरवाइ दिहस।
17अबिय्याह क फउज इस्राएल क फउज क बुरी तरह
हराएस अउर इस्राएल क पाँच लाख उत्तिम फउज मारे
गएन। 18इ तरह उ समइ इस्राएल क लोग पराजित अउर
यहूदा क लोग बिजयी भएन। यहूदा क फउज बिजयी भइ
काहेकि उ अपने पुरखन क परमेस्सर, यहोवा पइ निर्भर
रही।

19अबियाह क फउज यारोबाम क फउज क पाछा
किहस। अबियाह क फउज यारोबाम स बेतेल, यसाना अउ
एप्रोन नगरन पइ कब्जा कइ लिहेस। उ पचे ओन नगरन
अउर ओनके आस पास क नान्ह गाँवन पइ अधिकार कइ
लिहस।

20यारोबाम जियादा सक्तीसाली फुन कबहुँ नाहीं भवा जब
तलक अबिय्याह जिअत रहा। यहोवा यारोबाम क मार
डाएस। 21किन्तु अबिय्याह सक्तीसाली होइ गवा। उ चौदह
मेहररुअन स बियाह किहस अउर उ बाईस पूतन अउ सोरह
बिटियन क बाप रहा। 22दूसर जउन कछू अबिय्याह किहस,
उ इद्दो नबी क किताबन मँ लिखा अहइ।

14 अबिय्याह अपने पुरखन क संग बिस्राम किहस।
लोगन ओका दाऊद नगर मँ दफनाएन। तब
अबिय्याह क पूत आसा अबिय्याह क जगह पइ नवा राजा
भवा। आसा क समइ मँ देस मँ दस बरिस सान्ति रही।

यहूदा क राजा आसा

2आसा उहइ काम किहेस जउन यहोवा ओकर परमेस्सर
क समन्वा अच्छा अउ ठीक रहा। 3आसा ओन विचित्र
वेदियन क हटाइ दिहस जेनकर उपयोग मूरतियन क पूजा क
बरे होत रहा। आसा ऊँच जगहन क हटाइ दिहस अउर
पवित्तर पाथरन क बर्बाद कइ दिहस अउर आसा असेरा
खम्भन क तोर डाएस। 4आसा यहूदा क लोगन क ओनकइ
पुरखन क यहोवा परमेस्सर क अनुसरण करइ क आदेस
दिहस। अउ आसा लोगन क यहोवा क नेमन अउ आदेसन
क पालन करइ क आदेस दिहस। 5आसा ऊँची जगहन क
अउर सुगन्धि क वेदियन क यहूदा क सबहिं नगरन स
हटाएस। इ तरह जब आसा राजा रहा, राज्ज सान्त रहा।
6आसा यहूदा मँ सान्ति क समइ सक्तीसाली नगर बनाएस।

आसा एन दिनन जुद्ध स मुक्त रहा काहेकि यहोवा ओका
सान्ति दिहस।
7आसा यहूदा क लोगन स कहेस, "हम पचन क नगरन
क निर्माण अउ एनके चारिहुँ कइँती चरहदीवार बनावइ द्या।
हम गुम्बद, दुआर अउ दुआरन मँ छड़न लगावइँ। हम पचन
क तब तलक करइ द्या जब तलक इ देस हमार अहइ। इ
हमार देस अहइ काहेकि हम लोग अपने यहोवा क
अनुसरण किहा ह। उ हम लोगन क सब कइँती स सान्ति
दिहस ह।" एह बरे उ पचे इ सबइ बनाएस अउर उ पचे
सफल भएन।
8आसा क लगे यहूदा क परिवार समूह स तीन लाख
अउर बिन्यामीन क परिवार समूह स दुइ लाख अस्सी हजार
फउज रही। यहूदा क मनइयन बड़ी ढारन अउर भालन
लइके चलत रहेन। बिन्यामीन क मनइयन नान्ह ढारन अउ
धनुस स चलइवाले बाण लइ चलत रहेन। उ पचे सबहिं
बलवान अउर साहसी जोधा रहेन।
9जब जेरह आसा क फउज क खिलाफ आवा। जेरह
कूस द रहा। जेरह क फउज मँ दस लाख मनई अउर तीन
सौ रथ रहेन। जेरह क फउज मारेसा नगर तलक गइ।
10आसा जेरह क खिलाफ लड़इ बरे गवा। आसा क फउज
मारेस क निअरे सापता घाटी मँ जुद्ध क बरे तइयार भइ।
11आसा यहोवा परमेस्सर क गोहराएस अउर कहेस,
"यहोवा, तू केवल तू ही बलवान लोगन क खिलाफ
कमजोर लोगन क मदद कइ सकत ह। हे मोर यहोवा
परमेस्सर हमार मदद करा। हम तोह पइ निर्भर अही। हम
तोहरे नाउँ पइ इ बिसाल फउज स जुद्ध करित ह। हे
यहोवा, तू हमार परमेस्सर अहा। अपने खिलाफ कउनो क
जीतइ न द्या।"
12तब यहोवा यहूदा कइँती स आसा क फउज क
उपयोग कूस क फउज क पराजित करइ बरे किहस अउर
कूस क फउज भाग खड़ी भइ। 13आसा क फउज कूस क
फउज क लगातार गरार नगर तलक पाछा किहस। एतने
जियादा कूस क लोग मारे गएन कि उ पचे जुद्ध करइ बरे
एक फउज क रूप मँ फुन बटुर न सकइँ। उ पचे यहोवा
अउ ओकरी फउज क जरिये कुचर दीन्ह गएन। आसा
अउर ओकर फउज दुस्मन स बहोत सारी लूट क माल लइ
लिहन। 14आसा अउर ओकर फउज गरार क नजिक क
सबहिं नगरन क हराएस। ओन नगरन मँ रहइवाले लोग
यहोवा स डरात रहेन। ओन नगरन मँ अनगिनत कीमती
चिजियन रहिन। आसा क फउज ओन नगरन स एन कीमती
चिजियन क संग लइ आइ। 15आसा क फउज ओन डेरन
पइ भी हमला किहस जेनमाँ गड़रियन रहत रहेन। उ पचे
अनेक भेड़िन अउ ऊँट लूट लिहेन अउर ओनका लइ
गएन। तब आसा क फउज यरूसलेम लउटि गइ।

आसा क परिवर्तन

15 परमेस्सर क आतिमा आदेद क पूत अजर्याह पइ
उतरी। 2अजर्याह आसा स भेंटइ गवा। अजर्याह
कहेस, "आसा अउ यहूदा अउ बिन्यामीन क सबहिं लोग
मोर सुनइँ। यहोवा तोहरे संग तब अहइ जब तू ओकरे संग
अहा। जदि तू यहोवा क हेरब्या तउ तू ओका पउब्या। किन्तु
जदि तू ओका छोड़ब्या तउ उ तोहका तजि देइ। 3बहोत
समइ तलक इस्राएल बिना सच्चे परमेस्सर क, सिच्छा देइ
वाला बिना याजक क अउ बिना नेम क रहेन। 4किन्तु जब
इस्राएल क लोग कस्ट मँ पड़इँ तउ उ पचे फुन इस्राएल
क यहोवा परमेस्सर कइँती लउटइ। उ पचे यहोवा क हेरेन
अउ ओका पाएन। 5ओन बिपत्ति क दिनन मँ कउनो मनई
सुरच्छित जात्रा नाहीं कइ सकत रहा। सबहिं रास्ट्र बहोत
जियादा उपद्रव ग्रस्त रहेन। 6एक रास्ट्र दूसरे रास्ट्र क अउर
एक नगर दूसरे नगर क नस्ट करत रहा। इ एह बरे होत
रहा कि परमेस्सर हर तरह क बिपत्तियन स ओनका परेसान
करत रहा। 7किन्तु आसा, तू अउर यहूदा अउ बिन्यामीन क
लोगो, सक्तीसाली बना। कमजोर न पड़ा, ढीले न पड़ा
काहेकि तोहका पचन्क अपने नीक काम क पुरस्कार
मिली।"
8आसा जब एन बातन अउर ओदेद नबी क संदेसा क
सुनेस, तउ उ बहोत उत्साहित भवा। तब उ सारे यहूदा अउ
बिन्यामीन छेत्र स घिनौनी मूरतियन क हटाइ दिहस अउर उ
एप्रैम क पहाड़ी देस मँ अपने अधिकार मँ लाए गए नगरन
मँ मूरतियन क हटाएस अउर उ यहोवा क उ वेदी क
मरम्मत किहस जउन यहोवा क मन्दिर क ओसारे क समन्वा
रही।
9तब आसा यहूदा अउ बिन्यामीन क सबहिं लोगन क
बटोरेस। उ एप्रैम, मनस्से अउर सिमोन परिवारन क भी
बटोरेस जउन इस्राएल देस स यहूदा देस मँ रहइ बरे आइ ग
रहेन। ओनकर बड़ी गनती यहूदा मँ आइ काहेकि उ पचे
लखेन कि आसा क यहोवा परमेस्सर, आसा क संग अहइ।
10आसा क हुकूमत क पन्द्रहवें बरिस क तीसरे महीने मँ
आसा अउर उ सबइ लोग यरूसलेम मँ बटुरेन। 11उ समइ
उ पचे यहोवा क सात सौ बर्धन अउ सात हजार भेड़िन अउ
बोकरन क बलि दिहन। आसा क फउज ओन जनावरन
अउर दूसर कीमती चिजियन क अपने दुस्मनन स लिहे रहा।
12तब उ पचे आपन पुरखन क यहोवा परमेस्सर क सेवा पूरे
हिरदइ अउर आपन पूरी जान स करइ क एक करार अउर
वाचा मँ किहन। 13कउनो मनई जउन यहोवा परमेस्सर क
सेवा स इन्कार करत रहा, मार दीन्ह जात रहा। इ बात क
कउनो महत्व नाहीं रहा कि उ मनई महत्वपूर्ण या साधारण
अहइ या मनसेधू या मेहरारु अहइ। 14तब आसा अउ लोगन
यहोवा क किरिया लिहन। उ पचे ऊँची अवाज मँ उद्घोस
किहन। उ पचे तुरही अउ भेड़न क सींग बजाएन। 15यहूदा
स सबहिं लोग खुस रहेन काहेकि उ पचे पूरे हिरदइ स
किरिया खाए रहेन। उ पचे पूरे हिरदइ स यहोवा क
अनुसरण किहन अउ यहोवा क खोज किहन अउर ओका
पाएन। एह बरे यहोवा यहोवा ओनके पूरे देस मँ सान्ति
दिहस।
16राजा आसा अपनी महतारी आका क राजमाता क पद
स हटाइ दिहस। आसा इ एह बरे किहस काहेकि माका
असेरा क सम्मान देइ बरे एक भयंकर खम्भा खड़ा किहे
रहा। आसा इ खम्भा क काट दिहस अउर एका नान्ह नान्ह
टूकन मँ तहस नहस कइ दिहस। तब उ ओन नान्ह टूकन

क किद्रोन घाटी मँ बार दिहस। 17ऊँच जगहन क यहूदा स नाहीं हटावा गवा, किन्तु आसा क हिरदइ जिन्नगी भइ यहोवा क बरे स्रद्धालु रहा।

18आसा ओन पवित्तर भेंटन यहोवा क मन्दिर मँ लिआएस जेनका ओकर बाप राखस रहेन। उ सबइ चिजियन चाँदी अउ सोना क बनी रहिन। 19आसा क हुकूमत क पैंतीस बरिस तलक कउनो जुद्ध नाहीं भवा।

आसा क आखिरी बरिसन

16 आसा क राज्जकाल क छत्तीसवें बरिस बासा यहूदा क भुइँया पइ हमला किहस। बासा इस्राएल क राजा रहा। उ रामा नगर गवा अउर एका लोगन क राजा आसा क लगे जावइ अउ आवइ स रोकइ बरे किला बनाइ दिहस।

2आसाने यहोवा क मन्दिर क कोसागार मँ रखे भए चाँदी अउर सोना क लिहस अउर उ राजमहल स चाँदी सोना लिहस। तब आसा बेन्हदद क सँदेसा पठएस। बेन्हदद अराम क राजा रहा अउर दमिस्क मँ रहत रहा। आसा क सँदेसा रहा: 3"बेन्हदद, मोरे अउर अपने बीच एक ठु सन्धि होइ द्या। इ सन्धि क वइसे ही होइ द्या जइसा उ हमरे बाप अउर तोहरे बाप क बीच कीन्ह गइ रही। धियान द्या, मइँ तोहरे लगे चाँदी सोना पठवत हउँ। अब तू इस्राएल क राजा बासा क संग कीन्ह गइ सन्धि क तोड़ द्या जेहसे उ मोका अजाद छोड़ देब्या अउर मोका परेसान करब बन्द कइ देब्या।"

4बेन्हदद आसा क बात मान लिहस। बेन्हदद आपन फउजे क सेनापतियन क इस्राएल क नगरन पइ हमला करइ क बरे पठएस। एन सेनापतियन इय्योन, दान अउर आबेल्मैम नगरन पइ हमला किहस। उ पचे नप्ताली देस मँ ओन सबहिं नगरन पइ हमला किहस जहाँ खजाने रखे रहेन। 5बासा इस्राएल क नगरन पइ हमला क बात सुनेस। एह बरे उ रामा मँ किला बनावइ क काम रोक दिहस अउर आपन काम छोड़ दिहस। 6तब राजा आसा यहूदा क सबहिं लोगन क बटोरेस। उ पचे रामा नगर क गएन अउर काठ अउ पाथर उठाइ लाएन जेनकर उपयोग बासा किला बनावइ बरे किहे रहा। आसा अउर यहूदा क लोग पाथरन अउ काठे क उपयोग गेवा अउ मिस्पा नगरन क जियादा मजबूत बनावइ बरे किहस।

7उ समइ द्रस्टा हनानी यहूदा क राजा आसा क लगे आवा। हनानी ओहसे कहेस, "आसा, तू मदद क बरे अराम क राजा पइ आस्रित रह्या, किन्तु तू यहोवा आपन परमेस्सर पइ मदद बरे आस्रित नाहीं रह्या। एह बरे अराम क राजा क फउज तोहसे पराइ निकरी। 8कूस अउ लुबी बहोत बिसाल अउ सक्तीसाली फउज रखत रहेन। "ओकरे लगे अनेक रथ अउ सारथी रहेन। किन्तु आसा, तू उ बिसाल सक्तीसाली फउज क हरावइ मँ मदद क बरे यहोवा पइ आस्रित भए अउर यहोवा तोहका ओनका हरावइ दिहस। 9यहोवा क आँखिन सारी पृथ्वी पइ ओन लोगन क लखत फिरत हीं जउन ओकरे बरे स्रद्धालु अहइँ जेहसे उ ओन लोगन क सक्तीसाली बनाइ सकइ। आसा, तू बेवकूफी क काम किहा। एह बरे अब स लइके आगे तलक तोहका जुद्ध क सामना करइ क पड़ी।"

10आसा हनानी पइ उ बात स कोहाइ गवा जउन उ कहेस। आसा ऐंतना किरोध स पागल होइ उठा कि उ हनानी क बन्दीघरे मँ डाइ दिहस। आसा उ समइ कछू लोगन पइ अत्याचार भी करत रहा।

11आसा जउन कछू सुरु स आखीर तलक किहस। उ इस्राएल अउर "यहूदा क राजा लोगन क इतिहास" क पुस्तक मँ लिखा अहइ। 12आसा क गोड़ ओकरे राज्जकाल क उनतालीसवें बरिस मँ रोगी होइ गवा। ओकरे रोग बहोत बुरा रहा किन्तु उ यहोवा स मदद नाहीं चाहेस। आसा वैद्यन स मदद चाहेस। 13आसा अपने राज्जकाल क इकतालीसवें बरिस मँ मरा अउर इ प्रकार आसा अपने पुरखन क संग बिस्राम किहस। 14लोग आसा क ओकरी कब्र मँ दफनाएन जेका खुद दाऊद क नगर मँ बनाए रहा। लोग ओका एक आखिरी चारपाई पइ रखेन जेह पइ सुगन्धित द्रव्य अउर अलग अलग तरह क मिले इत्र रखे रहेन। लोग आसा क सम्मान करइ क आगी क महाज्वाला किहन।

यहूदा क राजा यहोसापात

17 आसा क जगह पइ यहोसापात यहूदा क नवा राजा भवा। यहोसापात आसा क पूत रहा। यहोसापात यहूदा क सक्तीसाली बनाएस जेहसे उ पचे इस्राएल क खिलाफ लड़ सकत रहेन। 2उ फउजे क टुकड़ियन क यहूदा सबहिं किलाबन्द नगरन मँ रखेस। यहोसापात फउजे क टुकड़ियन क यहूदा अउ एप्रैम क ओन नगरन मँ राखेस जेनका ओकर बाप आसा अपने अधिकार मँ किहे रहेन।

3यहोवा यहोसापात क संग रहा काहेकि पहिले क बरिसन मँ उ उ सबइ नीक काम किहेस जेनका ओकर पुरखा दाऊद किहे रहा। यहोसापात बाल क मूरतियन क अनुसरण नाहीं किहस। 4यहोसापात उ परमेस्सर क हेरेस जेकर अनुसरण ओकरे पुरखन करत रहेन। उ परमेस्सर क आदेसन क पालन किहेस। उ उ तरह नाहीं रहा जइसा इस्राएल क दूसर लोग रहत रहेन। 5यहोवा यहोसापात क यहूदा क सक्तीसाली राजा बनाएस। यहूदा क सबहिं लोग यहोसापात क भेंट लिआएन। इ तरह यहोसापात क लगे बहोत स सम्पत्ति अउ सम्मान दुइनउँ रहेन। 6यहोसापात यहोवा क मारग पइ चलेस अउ ओका ओन पइ गर्व रहा। उ ऊँच जगहियन अउ असेरा क खम्भन क यहूदा देस स बाहेर किहस।

7यहोसापात अपने प्रमुखन क यहूदा क नगरन मँ सिच्छा देइ क बरे पठएस। इ यहोसापात क राज्जकाल क तीसरे बरिस भवा। उ पचे बेन्हैल, ओबद्याह, जकर्याह, नतनेल अउर मीकायाह रहेन। 8उ लेवीबंसी क ओनकर संग पठइ दिहेस। उ सबइ समाया, नतन्याह, असाहेल, समीरामोत, यहोनातान, अदोनिय्याह अउर तोबियाह रहेन। यहोसापात याजक एलीसामा अउर यहोराम रहेन। 9ओन प्रमुखन, लेवीबंसियन अउ याजकन यहूदा मँ लोगन क सिच्छा दिहन। ओनके लगे, "यहोवा क नेमन क किताब" रही। उ पचे

यहूदा क सबहिं नगरन मँ गएन अउर लोगन क उ पचे सिच्छा दिहन।

10यहूदा क आस-पास क रास्ट्रन यहोवा स डेरात रहेन। इहइ कारण रहा कि उ पचे यहोसापात क खिलाफ जुद्ध नाहीं छेड़ेन। **11**कछू पलिस्ती लोग यहोसापात क लगे भेंट लिआएन। उ पचे यहोसापात क लगे चाँदी लिआएन काहेकि उ पचे जानत रहेन कि उ बहोत सक्तीसाली राजा अहइ। कछू अरब क लोग यहोसापात क लगे रेवड़न लिआएन। उ पचे ओकरे लगे सात हजार सात सौ भेड़िन अउर सात हजार सात सौ बोकरियन लिआएन।

12यहोसापात जियादा स जियादा सक्तीसाली होत गवा। उ यहूदा देस मँ किलन अउर मज़बूत नगर बनाएन। **13**यहोसापात क लगे बहोत स कलाकार अउर मजदूर रहेन जउन ओकरे बरे ओन नगरन मँ काम करत रहेन। उ यरूसलेम मँ प्रसिच्छित सैनिक रखेन। **14**ओन फउजियन क अपने परिवार समूह मँ गनती रही। यरूसलेम क ओन फउजियन क सूची इ अहइ:

यहूदा क परिवार समूह स इ सेनाध्यच्छ रहेन: अदना तीन लाख फउजियन क सेनाध्यच्छ रहा। **15**यहोनानान दुइ लाख अस्सी हजार फउजियन क सेनाध्यच्छ रहा। **16**अमस्याह दुइ लाख फउजियन क सेनाध्यच्छ रहा। अमस्याह जिक्री क पूत रहा। अमास्याह अपने क यहोवा क सेवा मँ अर्पित करइ मँ खुस रहा।

17बिन्यामीन क परिवार समूह स इ सेनाध्यच्छ रहेन: एल्यादा क लगे दुइ लाख फउजी रहेन जउन धनुस, बाण अउर ढाल क उपयोग करत रहेन। एल्यादा एक साहसी फउजी रहा। **18**यहोनाबाद क लगे एक लाख अस्सी हजार मनई जुद्ध बरे तइयार रहेन। **19**उ सबइ सबहिं फउजी यहोसापात क सेवा करत रहेन। राजा पूरे यहूदा देस क किलन मँ दूसर मनइयन क भी रखे रहा।

मीकायाह राजा अहाब क चिताउनी देत ह

18 यहोसापात क लगे सम्पत्ति अउ सम्मान रहा। उ राजा अहाब क संग बियाह क जरिये एक ठु सन्धि किहस। **2**कछू बरिस पाछे, यहोसापात सोमरोन नगर मँ अहाब स भेंटइ गवा। अहाब बहोत स भेड़िन अउर गोरुअन क बलि यहोसापात अउ ओकरे संग क मनइयन क बरे चढ़ाएस। अहाब यहोसापात क गिलाद क रामोद नगर पइ हमला बरे प्रोत्साहित किहस। **3**अहाब यहोसापात स कहेस, "का तू मोरे संग गिलाद क रामोत पइ हमला करइ चलब्या?" अहाब इस्राएल क अउर यहोसापात यहूदा क राजा रहा। यहोसापात अहाब क जवाब दिहस, "मइँ तोहरि तरह हउँ अउर हमरे लोग तोहरे लोगन क तरह अहइँ। हम जुद्ध मँ तोहार साथ देब।" **4**यहोसापात अहाब स इ कहेस, "आवा, पहिले हम यहोवा स सँदेसा प्राप्त करी।"

5एह बरे अहाब चार सौ नबियन क बटोरेस। अहाब ओनसे कहेस, "का हम क गिलाद क रामोत नगर क बिरुद्ध जुद्ध मँ जाइ चाही या नाहीं?" नबियन अहाब क उत्तर दिहन, "जा, काहेकि यहोवा गिलाद क रामोत क तोहका पराजित करइ देइ।"

6किन्तु यहोसापात कहेस, "का कउनो हिआँ यहोवा क नबी अहइ? हम लोग ओकरे नबियन मँ स एक क जरिये यहोवा स पूछइ चाहित ह।"

7तब राजा अहाब यहोसापात स कहेस, "हिआँ हमार लगे सिरिफ एक मनई अहइ। हम ओकरे माध्यम स यहोवा क पूछ सकित ह। किन्तु मइँ इ मनई स घिना करत हउँ काहेकि इ कबहुँ मोका यहोवा स कउनो अच्छा सँदेसा नाहीं दिहस। इ सदा ही बुरा सँदेसा मोरे बरे दिहस ह। इ आदमी क नाउँ मीकायाह अहइ। जउन कि यिम्ला क पूत अहइ।" किन्तु यहोसापात कहेस, "अहाब, तोहका अइसा नाहीं कहइ चाही।"

8तब इस्राएल क राजा अहाब अपने अधिकारियन मँ स एक क बोलाएस अउ कहेस, "हाली करा, यिम्ला क पूत मीकायाह क हिआँ लिआवा।"

9इस्राएल क राजा अहाब अउ यहूदा क राजा यहोसापात अपने राजसी ओढ़ना पहिर रखे रहेन। उ पचे अपने सिंहासनन पइ खरिहान मँ सोमरोन नगर क सम्मुख दुआरे क निचके बइठे रहेन। उ सबइ चार सौ नबी आपन सँदेसा दुइनउँ राजा लोगन क समन्वा देत रहेन। **10**कनान क पूत सिदकिय्याह लोहा क कछू सींगन बनाएस। सिदकिय्याह कहेस, "इहइ अहइ जउन यहोवा कहत ह: 'तू लोग लोहे क सींगन क उपयोग तब तलक अस्सूर क लोगन मँ घोंपइ क बरे करब्या जब तलक उ पचे नस्ट न होइ जाइँ।'"

11सबहिं नबियन इहइ बात कहेन। उ पचे कहेन, "गिलाद क रामोत नगर क जा। तू लोग सफल होब्या अउर जितब्या। यहोवा राजा अउ अस्सूर क लोगन क हरावइ देइ।"

12जउन दूत मीकायाह क लिआवइ गवा रहा उ ओहसे कहेस, "मीकायाह, मोका, सबहिं नबी एक ही बात कहत रहत हीं। उ पचे कहत रहत हीं कि राजा क कामयाबी मिली। एह बरे उहइ कहा जउन उ पचे कहत रहत हीं। तू भी अच्छी बात कहा।"

13किन्तु मीकायाह जवाब दिहेस, "यहोवा क जिन्नगी क किरिया मइँ उहइ कहब जउन मोर परमेस्सर कहत ह।"

14तब मीकायाह राजा अहाब क लगे आवा। राजा ओहसे कहेस, "मीकायाह, का हम क जुद्ध करइ बरे गिलाद क रामोत नगर क जाइ चाही या नाहीं?" मीकायाह कहेस, "जा अउर हमला करा। यहोवा तोहका ओन लोगन क हरावइ देइ।"

15राजा अहाब मीकायाह स कहेस, "कइउ दाईं मइँ तोहसे प्रतिग्या करवाई रही कि तू यहोवा क नाउँ पइ मोका सिरिफ फुरइ बतावा।"

16तब मीकायाह कहेस, "मइँ इस्राएल क सबहिं लोगन क पहाड़न पइ बिखेर भए लखेउँ। उ पचे गड़रियन क बिना भेड़ी क नाईं रहेन। यहोवा कहेस, 'ओनकर कउनो नेता नाहीं अहइ। हर एक मनई क ओकरे घरे मँ सुरच्छित लउटइ द्या।'"

17इस्राएल क राजा अहाब यहोसापात स कहेस, "मइँ कहे रहेउँ कि मीकायाह मोरे बरे यहोवा स बढ़िया सँदेसा नाहीं पाइ। उ मोरे बरे सिरिफ बुरे सँदेसा रखत ह।"

18मीकायाह कहेस, "यहोवा क सँदेसा सुना: मइँ यहोवा क अपने सिंहासने पइ बइठे लखेउँ। सरग क पूरी फउज ओकरे चारिहुँ कइँती खड़ी रही। कछू ओकरे दाहिन कइँती अउर कछू ओकरे बाईं कइँती। 19यहोवा कहेस, 'इस्राएल क राजा अहाब क कउन बहकाएस? जेहसे उ गिलाद क रामोत नगर पइ हमला करब अउर उ हुवाँ मार दीन्ह देब?' यहोवा क चारिहुँ कइँती खड़े अलग अलग अतिमा अलग अलग मस्वरा दिहन। 20तब एक आतिमा आइ अउर उ यहोवा क समन्वा खड़ी भइ। उ आतिमा कहेस, 'मइँ अहाब क धोखा देब।' यहोवा आतिमा स पूछेस, 'कइसे?' 21उ आतिमा जवाब दिहस, 'मइ बाहेर जाब अउर अहाब क नबियन क मुँह मँ झूठ बोलइवाली आतिमा बनब' अउर यहोवा कहेस, 'तोहका अहाब क धोखा देइ मँ कामयाबी मिली। एह बरे जा अउर एका करा।'

22"अहाब, अब धियान द्या, यहोवा तोहरे नबियन' क मुँहे मँ झूठ बोलइवाली आतिमा प्रवेस कराएस ह। यहोवा कहेस ह कि तोहरे संग बुरा घटी।"

23तब सिदकिय्याह मीकायाह क लगे गवा अउर ओकरे मुँहे पइ मारेस। कनाना क पूत सिदकिय्याह कहेस, "मीकायाह, यहोवा क आतिमा मोका तजिके तोहसे बातचीत करइ कइसे आइ?" 24मीकायाह जवाब दिहस, "सिदकिय्याह, तू उ दिन एका जनब्या जब तू एक भीतरी घरे मँ छुपइ जाब्या।"

25तब राजा अहाब कहेस, "मीकायाह क ल्या अउर ऍका नगर क प्रसासक आमोन अउ राजा क पूत योआस क लगे पठइ द्या। 26आमोन अउ योआस स कहा, 'राजा इ कहत हीं: मीकायाह क बन्दीघरे मँ डाइ द्या। ओका सेटी अउ पानी क अलावा तब तलक कछू खाइ क जिन द्या जब तलक मइँ जुद्ध स सुरच्छित न लउटउँ।'"

27मीकायाह जवाब दिहस, "अहाब, जदि तू जुद्ध स सुरच्छित लउटि आवत ह तउ यहोवा मोरे जरिये नाहीं कहेस ह। तू सबहिं लोग सुना अउर मोरे बचन क याद रखा।"

अहाब गिलाद क रामोद मँ मारा गवा

28एह बरे इस्राएल क राजा अहाब अउ यहूदा क राजा यहोसापात गिलाद क रामोत नगर पइ हमला किहस। 29इस्राएल क राजा अहाब यहोसापात स कहेस, "मइँ जुद्ध मँ जाइ क पहिले आपन रुप बदल देब। किन्तु तू अपना राजवस्त्र ही पहिरा।" एह बरे इस्राएल क राजा अहाब अपना रुप बदल दिहस अउर दुइनउँ राजा जुद्ध मँ गएन।

30अराम क राजा अपने रथन क रथपतियन क आदेस दिहस। उ ओनसे कहेस, "कउनो भी मनइ स चाहे उ बड़ा फउज होइ या छोट फउज होइ ओहसे जुद्ध जिन करा। किन्तु सिरिफ इस्राएल क राजा अहाब स जुद्ध करा।" 31जब रथपतियन यहोसापात क लखेन उ पचे सोचेन, "उहइ इस्राएल क राजा अहाब अहइ।" उ पचे यहोसापात पइ हमला करइ क बरे ओकरी कइँती मुड़ेन। किन्तु यहोसापात उद्घोस किहस अउर यहोवा ओकर मदद किहस। परमेस्सर रथपतियन क यहोसापात क समन्वा स दूर मुड़ जाइ दिहस। 32जब उ पचे समुझेन कि यहोसापात इस्राएल क राजा नाहीं अहइ उ पचे ओकर पाछा करब छोड़ दिहन।

33किन्तु एक फउजी स बिना कउनो लच्छ बेध क धनुस स बाण छूट गएन। उ बाण इस्राएल क राजा अहाब क बेध दिहस। इ, अहाब क कवच क खुले आग मँ बेधेस। अहाब अपने रथे क सारथी स कहेस, "पाछे मुड़ा अउर मोहसे जुद्ध स बाहेर लइ चला। मइँ घायल होइ गवा अहउँ।" 34उ दिन जुद्ध घमासान होइ गवा। इस्राएल क राजा आपन रथ मँ अरामियन क सामना करत भए साँझ तलक अपने क सँभारे रखेस। तब अहाब सूरज बूड़ाइ पइ मर गवा।

19 यहूदा क राजा यहोसापात सुरच्छित यरूसलेम अपने घरे लउटा। 2दूस्टा येहू यहोसापात स भेंटइ गवा। येहू क बाप क नाउँ हनानी रहा। येहू राजा यहोसापात स कहेस, "तू बुरे मनइयन क मदद काहे करत ह? तू ओन लोगन स काहे पिरेम करत ह जउन यहोवा स घिना करत हीं? इहइ कराण अहइ कि यहोवा तोह पइ कोहान अहइ। 3किन्तु तोहरी जिन्नगी मँ कछू अच्छी बातन अहइँ। तू असेरा खम्भन क इ देस स बाहेर किहा अउर तू हिरदइ स परमेस्सर क अनुसरण करइ क निहिचय किहा।"

यहोसापात निआवधीसन क चुनत ह

4यहोसापात यरूसलेम मँ रहत रहा। उ लोगन स संग मिलइ बरे फुन एप्रैम क पहाड़ी पहँटा स बेर्सेबा नगर तलक गएन। यहोसापात ओन लोगन क उ यहोवा परमेस्सर क लगे लउटाएस जेकर अनुसरण ओनकर पुरखन करत रहेन। 5यहोसापात यहूदा मँ निआवाधीस चुनेस। उ यहूदा क हर किला नगर मँ रहइ क बरे निआवाधीस चुनेस। 6यहोसापात एन निआवाधीसन स कहेस, "जउन कछू तू करा ओहमाँ सावधान रहा काहेकि तू, लोगन क बरे निआव नाहीं करत रहया मुला यहोवा बरे करत अहा। जब तू निर्णय करब्या तब यहोवा तोहरे संग होइ। 7तोहमाँ स हर एक क अब यहोवा स डेराइ चाही। जउन करा ओहमाँ सावधान रहा काहेकि हमार यहोवा परमेस्सर निआवी बाटइ। उ कउनो मनई क दूसर मनई स जियादा महत्त्वपूर्ण मानिके बेउहार नाहीं करत। उ अपने निर्णय क बदलइ क बरे धन नाहीं लेत।"

8अउर यहोसापात यरूसलेम मँ, लेवीबंसियन, याजकन अउर इस्राएल क परिवार क प्रमुखन क निआवाधीस चुनेस। ओन लोगन क यहोवा क नेमन क उपयोग यरूसलेम क लोगन क समस्यन क निपटावइ बरे करब रहा। 9यहोसापात ओनका आदेस दिहस अउ कहेस, "तोहका अपने पूरे हिरदइ स निस्ठावान पुर्वक सेवा करइ चाही। तोहका यहोवा स जरूर डेराइ चाही। 10तोहरे लगे हत्या, परमेस्सर क नेम मँ हिंसा, आदेस, सासन या कउनो दूसर नेमन क मामले आइ सकत हीं। इ सबइ सबहिं मामले नगरन मँ रहइवाले तोहरे भाइयन दुआरा तोहार समन्वा आइहीं। एन सबहिं मामलन मँ तोहका लोगन क इ बात क चितउनी देइ चाही कि उ तोहार निर्देसन क जरूर मानिहीं अन्यथा उ परमेस्सर क समन्वा दोखी होइ अउर ओकर किरोध ओन पइ, तोह पइ अउर तोहार भाइयन क ऊपर उतरिहीं। इ करा तब तू अपराधी नाहीं होब्या। 11अमर्याह मार्गदर्सक याजक अहइ। उ

यहोवा क सम्बन्ध क सबहिं बातन मँ तोहरे ऊपर होइ।
इस्राएल क पूत जबद्याह राजा क सबहिं बातन क अधिकारी
होइ। जबद्याह यहूदा क परिवार समूह मँ प्रमुख अहइ।
लेवीबंसी अधिकारियन क रूप मँ भी तोहार सहायता करिहीं।
जउन कछू करा ओहमाँ साहस रखा। यहोवा ओन लोगन क
संग होइ, जउन उहइ करत हीं जउन ठीक अहइ।"

यहोसापात जुद्ध क सामना करत ह

20 कछू समइ पाछे मोआबी, अम्मोनी अउर कछू
मूनी लोग यहोसापात क संग जुद्ध करइ आएन।
2कछू लोग आएन अउर उ पचे यहोसापात स कहेस, "तोहरे
खिलाफ एदोम स, मृत-सागर क दूसर कइँती स एक ठु
बिसाल फउज आवति अहइ। उ पचे हससोन्तामार मँ पहिले
स ही अहइँ।" (हससोन्तामार क एनगदी भी कहा जात ह।)
3यहोसापात डर गवा अउर उ यहोवा स इ पूछइ क निहचइ
किहेस कि ओका का करइ चाही? उ यहूदा मँ हर एक क
बरे उपवास क समइ घोसित किहस। 4यहूदा क लोग एक
संग यहोवा स मदद माँगइ आएन। उ पचे यहूदा क सबहिं
नगरन स यहोवा क मदद माँगइ आएन।

5यहोसापात यहोवा क मन्दिर मँ नवे अंगना क समन्वा
रहा। य यरूसलेम अउ यहूदा स आए लोगन क सभा मँ
खड़ा भवा। 6उ कहेस,

"हे हमरे पुरखन क यहोवा परमेस्सर, तू सरग मँ परमेस्सर
अहा। तू सबइ देसन क सबइ राज्जन पइ हुकूमत करत ह।
तोहार लगे सक्ती अउ ताकत अहइ! कउनो मनई तोहरे
बिरूद्ध खड़ा नाहीं होइ सकत। 7तू हमार परमेस्सर अहा। तू
इ भुइँया मँ रहइवालन क एका तजइ क मजबूर किहा। इ
तू अपने इस्राएली लोगन क समन्वा किहा। तू इ भुइँया तू
आपन मीत इब्राहीम क संतानन क सदा ही क बरे दइ
दिहा। 8इब्राहीम क संतान इ देस मँ रहत रहेन अउर उ पचे
एक ठु मन्दिर तोहरे नाउँ पइ बनाएन।" 9उ पचे कहेन, 'जदि
हम लोगन पइ बिपद आइ जइसे तरवार, दण्ड, रोग या
अकाल तउ हम इ मन्दिर क समन्वा अउर तोहरे समन्वा
खड़े होब। इ मन्दिर पइ तोहार नाउँ अहइ। जब हम लोगन
पइ बिपत्ति आइ तउ हम लोग तोहका गोहराउब। तब तू
हमरी सुनब्या अउर हमार रच्छा करब्या।'

10"मुला इ समइ हिआँ अम्मोन, मोआब अउर सेईर
पर्वत क लोग चढ़ आएन ह। तू इस्राएल क लोगन क उ
समइ ओनकी भुइँया मँ नाहीं जाइ दिहा जब उ पचे मिस्र स
बाहेर आएन। एह बरे इस्राएल क लोग मुड़ गए रहेन अउर
ओन लोग ओनका नस्ट नाहीं किहेन। 11मुला लखा कि उ
सबइ लोग हम क ओनका नस्ट न करइ क कउनो तरह
क पुरस्कार देत अहइँ। उ पचे हम क तोहरी भुइँया स
बाहेर होइ बरे मजबूत करइ आए अहइँ। इ भुइँया तू हम क
दिहा ह। 12हे हमार परमेस्सर, ओन लोगन क दण्ड देइ। हम
लोग उ बिसाल फउज क खिलाफ कउनो सक्ती नाहीं
रखतेन जउन हमरे खिलाफ आवति अहइ। हम नाहीं जानित
कि का करी। इहइ कारण अहइ कि हम तोहार मदद बरे
लखिही!"

13यहूदा क सबहिं लोग यहोवा क समन्वा अपने गदेलन,
मेहररुअन अउ बच्चन क संग खड़े रहेन। 14तब यहोवा क
आतिमा यहजीएल पइ उतरी। यहजीएल जकर्याह क पूत रहा
बनायाह यीएल क पूत रहा अउर यीएल मत्तन्याह क पूत
रहा। यहजीएल एक लेवीबंसी रहा अउर आसाप क संतान
रहा। 15उ सभा क बीच यहजीएल कहेस, "हे राजा
यहोसापात अउ यहूदा अउ यरूसलेम मँ रहइवाले लोगो,
मोर सुना। यहोवा तोहसे इ कहत ह: 'इ बिसाल फउज स न
तउ डरा, न ही चिन्ता करा काहेकि इ तोहार जुद्ध नाहीं
अहइ। इ परमेस्सर इ जुद्ध अहइ। 16भियान तू हुवाँ जा
अउर ओन लोगन स लड़ा। उ पचे सीस क दर्रे स होइके
अइहीं। तू लोग ओनका घाटी क आखिर मँ यरूसलेम
रेगिस्तान क दूसरि कइँती पउब्या। 17इ जुद्ध मँ तोहका
लड़ब नाहीं पड़ी। अपने जगहन पइ मजबूती स खड़ा रहा। तू
लखब्या कि यहोवा तोहका कइसे बचावत ह। यहूदा अउ
यरूसलेम क लोगो, डेराअ नाहीं। चिन्ता जिन करा! यहोवा
तोहरे संग अहइ एह बरे भियान ओन लोगन क खिलाफ
जा।'"

18यहोसापात बहोत नम्रता स निहुरा। ओकर मूँड़ भुइँया क
छूअत रहा अउर यहूदा अउ यरूसलेम मँ रहइवाले सबहिं
लोग यहोवा क समन्वा गिर गएन अउर ओन सबहिं यहोवा
क उपासना किहन। 19कहाती परिवार समूह क लेवीबंसी
अउ कहाती लोग, इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क स्तुति क
बरे खड़े भएन। उ पचे बहोत ऊँची अवाज मँ स्तुति किहन।

20यहोसापात क फउज तकोआ रेगिस्तान मँ बहोत सबेरे
गइ। जब उ पचे बढ़ब आरम्भ करत रहेन, यहोसापात खड़ा
भवा अउर उ कहेस, "यहूदा अउ यरूसलेम क लोगो, मोर
सुना। अपने यहोवा परमेस्सर मँ बिस्सास रखा अउर तब तू
मज़बूती क संग खड़े रहब्या। यहोवा क नबियन मँ बिस्सास
रखा। तू लोग सफल होब्या।"

21यहोसापात लोगन क उत्साहित किहेस अउर निर्देस
दिहेस। तब उ यहोवा क बरे गायक चुनेस। उ पचे गायक
यहोवा क स्तुति करइ क बरे चुने ग रहेन काहेकि उ
पवित्तर अउर महिमामय बाटइ। उ पचे फउजे क समन्वा
कदम मिलावत भए बढ़ेन अउर उ पचे यहोवा क स्तुति
किहन। एन गायकन गाएन, "परमेस्सर क धन्यवाद द्या
काहेकि ओकर पिरेम सदैव रहत ह।" 22जइसे ही ओन लोग
गाना गाइके यहोवा क स्तुति सुरु किहन, यहोवा अम्मोनी,
मोआबी अउर सेईर पर्वत क लोगन क खिलाफ अचानक
हमला किहेस। इ सबइ उ सब लोग रहेन जउन यहूदा पइ
आक्रमन करइ आए रहेन। उ सबइ लोग पिट गएन।
23अम्मोनी अउ मोआबी लोग सेईर पर्वत स आए लोगन क
क खिलाफ जुद्ध करइ सुरू कइ दिहेन अउ ओनका नस्ट
कइ दिहन। जब उ पचे सेईर क लोगन क मार चुकेन तु
पचे एक दूसर क मार डाएन।

24यहूदा क लोग एक अइसी जगह पइ आएन जहाँ स
उ पचे सारे रेगिस्तान क लखइ सकत। उ पचे दुस्मन क
बिसाल सेना क लखेन। किन्तु उ पचे सिरिफ ल्हासन क
भुइँया पइ पड़े लखेन। कउनो मनई बचा न रहा। 25यहोसापात
अउर ओकर फउज ल्हासन स कीमती चिजियन लइ लिहेस।

उ पचे बहोत स सामानन, वस्त्रन अउ कीमती चिजियन
पाएन। उ पचे बहोत सारा जनावरन भी पाएन। चिजियन
ओहसे अधिक रहिन जेतना यहोसापात अउर ओकर फउज
लइ जाइ सकत रही। ओनका ल्हासन स कीमती चिजियन
बटोरइ मँ तीन दिन लगेन, काहेकि हुवाँ बहोत जियादा रहेन।
26चउथे दिन यहोसापात अउर ओकर फउज बराका क
घाटी* मँ मिलेन। उ पचे उ जगह पइ यहोवा क स्तुति
किहन। इहइ कारण अहइ कि उ जगह क नाउँ आजु
तलक "बराका क घाटी" अहइ।

27तब यहोसापात यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क
यरूसलेम लउटाइके लइ गवा। यहोवा ओनका बहोत खुस
किहस काहेकि ओनकर दुस्मन पराजित होइ गए रहेन। **28**उ
पचे यरूसलेम मँ प्रवेस किहेन अउर वीणा, सितार अउ
तुरहियन बजावत भए यहोवा क मन्दिर मँ दाखिल भएन।

29सबहिं देस क सारे राज्ज यहोवा स डेरान रहेन काहेकि
उ पचे सुनेन कि यहोवा इस्राएल क दुस्मनन स लड़ा।
30इहइ कारण अहइ कि यहोसापात क राज्ज मँ सान्ति रही।
यहोसापात क परमेस्सर ओका चारिहुँ कईंती स सान्ति दिहस।

यहोसापात क सासन क अन्त

31यहोसापात यहूदा देस पइ हुकूमत किहस। यहोसापात
जब सासन सुरु किहस तउ उ पैंतीस बरिस क रहा। उ
पच्चीस बरिस यरूसलेम मँ हुकूमत किहस। ओकर महतारी
क नाउँ अजूबा रहा। अजूबा सिल्ही क बिटिया रही।
32यहोसापात सच्चे मारग पइ अपने बाप आसा क तरह
रहा। यहोसापात, आसा क मारग क अनुसरण करइ स मुड़ा
नाहीं। यहोसापात यहोवा क दृस्टि मँ उचित किहस। **33**मुला
ऊँच जगहियन नाहीं हटाई गइन अउर लोग आपन हिरदय
परमेस्सर क अनुसरण करइ मँ नाहीं लगाएस जेकर
अनुसरण ओनकर पुरखन करत रहेन।

34यहोसापात सुरु स आखीर तलक जउन कछू किहस उ
येहू क सबइ रचना मँ लिखा अहइ। येहू क बाप क नाउँ
हनानी रहा। इ सबइ बातन "इस्राएल क राजा लोगन क
इतिहास" नाउँ क किताब मँ लिखा भवा अहइ।

35कछू समइ पाछे यहूदा क राजा यहोसापात इस्राएल क
राजा अहज्याह क संग सन्धि किहस। अहज्याह बुरा किहस।
36यहोसापात अहज्याह क संग जहाजन क बरे, बनाइ बरे
राज़ी होइ गएन जउन तर्सीस नगर जाइहीं। उ पचे जहाजन
क एस्योन गेबेर नगर मँ बनाएस। **37**तब दोदावाह जउन
मारेस क रहा क पूत एलीआज़ार यहोसापात क खिलाफ
भविस्सबाणी किहेस। उ कहेस, "यहोसापात, तू अहज्याह क
संग मिल गए अहा, इहइ कारण अहइ कि यहोवा तोहरे
कारज क नस्ट करी।" जहाज टूट गएन, एह बरे यहोसापात
अउ अहज्याह ओनका तर्सीस नगर क न पठइ सकेन।

21 तब यहोसापात अउर अपने पुरखन क संग दफनावा
गवा। ओका दाऊद नगर मँ दफनावा गवा।
यहोराम यहोसापात क जगह पइ नवा राजा भवा। यहोराम
यहोसापात क पूत राह। **2**यहोराम क भाई अजर्याह, यहीएल,
जकर्याह, अजर्याह, मीकाएल अउर सपत्याह रहेन। उ सबइ
लोग यहोसापात क पूत रहेन। यहोसापात यहूदा क राजा
रहा। **3**यहोसापात अपने पूतन क चाँदी, सोना अउर कीमती
चिजियन भेंट मँ दिहस। उ ओनका यहूदा मँ सक्तीसाली
किलन भी दिहेस। किन्तु यहोसापात राज्ज यहोराम क दिहस
काहेकि यहोराम सब स बड़का पूत रहा।

यहूदा क राजा यहोराम

4यहोराम अपने बाप क राज्ज प्राप्त किहस अउर अपने
क सक्तीसाली बनाएस। उ आपन तरवारे स आपन सबहिं
भाइयन क मार डाएस। उ इस्राएल क कछू प्रमुखन क मार
डाएस। **5**जब यहोराम सासन सुरू किहेस तउ उ बत्तीस बरिस
क रहा। उ यरूसलेम मँ आठ बरिस तलक हुकूमत किहस।
6उ उहइ तरह रहा जइसे इस्राएल क राजा रहत रहेन। उ
उहइ तरह रहा जउने तरह अहाब क परिवार रहत रहा। इ
एह बरे भवा कि यहोराम अहाब क बिटिया स बियाह
किहस अउर यहोराम यहोवा क निगाह मँ बुरा किहस।
7किन्तु यहोवा दाऊद क परिवार क नस्ट नाहीं करइ चाहत
रहा, काहेकि उ दाऊद क संग वाचा किहे रहा। यहोवा
बचन दिहे रहा कि दाऊद अउर ओकरी सन्तान क एक बंस
सदा ही सासन करब।

8यहोराम क समइ मँ, एदोम यहूदा क अधिकार छेत्र स
बाहेर निकर गवा। एदोम क लोग अपना राजा चुन लिहन।
9एह बरे यहोराम अपने सबहिं सेनापतियन अउर रथन क
संग एदोम गवा। एदोमी सेना यहोराम अउर ओकरे रथ क
रथपतियन क घेर लिहस। किन्तु यहोराम रात मँ जुद्ध
कइके अपने निकरइ क रस्ता हेर लिहस। **10**उ सबइ स
अब तलक एदोन क देस यहूदा क खिलाफ बिद्रोही रहा ह।
लिब्ना नगर क लोग भी यहोराम क बिरुद्ध होइ गएन। इ
एह बरे भवा कि यहोराम पुरखन क, यहोवा परमेस्सर क
छोड़ दिहस। **11**यहोराम ऊँची जगह भी यहूदा क पहाड़ियन
पइ बनाएस। यहोराम यरूसलेम क लोगन क परमेस्सर बरे
अबिस्सासी बनइ क कारण बनेस। उ यहूदा क लोगन क
यहोवा क खिलाफ भड़काएस।

12एलिय्याह नवी स यहोराम क एक सँदेसा मिला। सँदेसा
मँ इ कहा गवा रहा: "इ उ अहइ जउन परमेस्सर यहोवा
कहत ह। इहइ उ परमेस्सर अहइ जेकर अनुसरण तोहार
पुरखा दाऊद करत रहा। यहोवा कहत ह, 'यहोराम, तू उ
तरह नाहीं रह्या जउने तरह तोहार बाप यहोसापात रहा। तू उ
प्रकार नाहीं रह्या जउने तरह यहूदा क राजा आसा रहा।
13मुला तू उ तरह रह्या जउने तरह इस्राएल क राजा रहेन।
तू यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क उ काम करइ स
रोक्या ह जउन यहोवा चाहत ह। इहइ अहाब अउर ओकर
परिवार किहस। उ पचे यहोवा क बरे बिस्सास क जोग्ग न
रहेन तू अपने भाइयन क मार डाया। तोहार भाई तोहसे नीक
रहेन। **14**एह बरे अब यहोवा हाली ही तोहरे लोगन क
बहोत जियादा सजा देइ। यहोवा तोहरे बच्चन, मेहरुअन
अउर तोहार सारी सम्पत्ती क सजा देइ। **15**तू पचन्क आँतन
मँ भयंकर बीमारी होइ। इ हर रोज जियादा बिगड़त जाइ।

बराका क घाटी इ सब्द क अरथ अहइ "आसीर्बाद" या
"पराथना"।

तब तोहार भयंकर बीमारी क कारण आँतन बाहेर निकरि
अइहीं।'"

16यहोवा इथियोपियन क लगे रहइवाले पलिस्तियन अउ
अरबियन क यहोराम स रूठाइ दिहस। 17उ पचे यहूदा देस
पइ हमला कइ दिहन अउर राजमहल क सारी सम्पत्ति अउ
यहोराम क पूतन अउ मेहररुअन क लइ गएन। सिरिफ
यहोराम क सब स छोटका पूत छोड़ दीन्ह गवा। यहोराम क
सब स नान्ह पूत क नाउँ यहोआहाज रहा।

18ओन चिजियन क होइ क पाछे यहोवा यहोराम क
आँतन मँ अइसा रोग पइदा किहस जेकर उपचार न होइ
सका। 19तब यहोराम क आँतान, दुइ बरिस पाछे ओकरी
बीमारी क कारण बाहेर आइ गइ। उ बहोत बुरी पीरा मँ
मरा। यहोराम क सम्मान मँ लोग आगी क महाज्वाला नाहीं
बारेन जइसा उ पचे ओकरे बाप क बरे किहे रहेन।
20यहोराम उ समइ बत्तीस बरिस क राह जब उ राजा भवा
रहा। उ यरूसलेम मँ आठ बरिस हुकूमत किहस। जब
यहोराम मरा तउ कउनो मनई दुखी नाहीं भवा। लोग
यहोराम क दाऊद क नगर मँ दफनाएन किन्तु ओन कब्रन
मँ नाहीं जहाँ राजा दफनाए जात हीं।

यहूदा क राजा अहज्याह

22 यरूसलेम क लोग अहज्याह क यहोराम क
जगह पइ नवा राजा होइ क बरे चुनेन। अहज्याह
यहोराम क सबस नान्ह पूत रहा। अरब लोगन क संग जउन
लोग यहोराम क डेरन पइ हमला करइ आए रहेन उ पचे
यहोराम क बड़े पूतन क मार डाए रहेन। एह बरे यहूदा मँ
अहज्याह सासन करब सुरु किहस। 2अहज्याह जब हुकूमत
करब सुरु किहस तब उ बाईस बरिस क रहा। अहज्याह
यरूसलेम मँ एक बरिस हुकूमत किहस। ओकरी महतारी क
नाउँ अतल्याह रहा। अतल्याह क बाप क नाउँ ओम्री रहा।
3उ अहज्याह भी वइसे ही रहा जइसे अहाब क परिवार रहत
रहा। उ उ तरह रहा काहेकि ओकर महतारी ओका गलत
काम करइ क बरे हुसकाएस। 4अहज्याह यहोवा क दृस्टि मँ
बुरे काम किहस, जइसा कि अहाब क परिवार किहे रहा।
अहाब क परिवार अहज्याह क ओकरे बाप क मरई क
पाछे बुरी सलाह दिहस। उ बुरी सलाह ओकरे मउत क
कारण रहा। 5अहज्याह उहइ सलाह क मानेस जउन अहाब
क परिवार ओका दिहस। अहज्याह राजा योराम क संग
अराम क राजा हजाएल क खिलाफ गिलाद क रामोत नगर
मँ गवा। योराम क बाप क नाउँ अहाब रहा जउन इस्राएल
क राजा रहा। किन्तु अर्मिया क लोग योराम क जुद्ध मँ
घायल कइ दिहन। 6योराम लउटिके यिज्रेल नगर क स्वस्थ
होइ क बरे गवा। उ रामोत मँ तब घायल भवा रहा जब उ
अराम क राजा हजाएल क खिलाफ जुद्ध करत रहा।

तब यहोराम क पूत अहज्याह अहाब क पूत योराम स
मिलइ यिज्रेल नगर क गवा। योराम यिज्रेल नगर मँ रहा
काहेकि उ घायल रहा।

7परमेस्सर अहज्याह क मउत तब करवाइ दिहस जब उ
योराम स भेंटइ गवा। अहज्याह पहोंचा अउर योराम क संग
येहू स भेंटइ गवा। येहू क बाप क नाउँ निमसी रहा। यहोवा
येहू क अहाब क परिवार क नस्ट करइ बरे चुनेस। 8येहू
अहाब क परिवार क सजा देत रहा। येहू यहूदा क प्रमुखन
अउर अहज्याह क ओन सम्बन्धियन क पता लगाएस जउन
अहज्याह क सेवा करत रहेन। येहू यहूदा क ओन प्रमुखन
अउर अहज्याह क सम्बन्धियन क मार डाएस। 9तब येहू
अहज्याह क खोज मँ रहा। येहू क लोग ओका उ समइ
पकरि लिहन जब उ सोमरोन नगर मँ छुपइ क जतन करत
रहा। उ पचे अहज्याह क येहू क लगे लिआएन। उ पचे
अहज्याह क मार दिहन अउर ओका दफनाइ दिहन। उ पचे
कहेन, "अहज्याह यहोसापात क संतान अहइ। यहोसापात पूरे
हिरदइ स यहोवा क अनुसरण किहे रहे।" अहज्याह क
परिवार मँ उ सक्ती नाहीं रही कि यहूदा क राज्ज क अखण्ड
रखि सकइ।

रानी अतल्याह

10अतल्याह अहज्याह क महतारी रही। जब उ लखेस
कि ओकर पूत मर गवा तउ उ यहूदा मँ राजा क सबहिं
पूतन क मार डाएस। 11एहँ बरे राजा यहोराम क बिटिया
यहोसावत अहज्याह क पूत योआस क लिहस अउर ओका
छुपाइ दिहस। जब राजा क दूसर पूतन क मार दीन्ह ग
रहेन। यहोसापात योआस अउर ओकरी धाई क अपने
सयनकच्छ क भीतर रखेस। यहोसावत याजक यहोयादा क
मेहरारु रही अउर उ अहज्याह क बहिन रही। यहोसावत
योआस क छुपाइ दिहे रहा। एँह बरे रानी अतल्याह ओका
नाहीं मार सकेस। 12योआस याजकन क संग परमेस्सर क
मन्दिर मँ छ: बरिस तलक छुपा रहा। उ जमाने मँ अतल्याह
रानी क रुप मँ देस पइ हुकूमत किहस।

याजक यहोयादा अउर राजा योआस

23 सताएँ बरिस मँ यहोयादा आपन सक्ती देखाएस। उ
सेनापितयन क संग सन्धि किहस। उ सबइ नायक:
यरोहाम क पूत अजर्याह यहोहानान क पूत इस्माएल, ओबेद
क पूत अजर्याह, अदायाह क पूत मासेयाह अउर जिक्री क
पूत एलीसापात रहेन। 2उ पचे यहूदा क चारिहुँ कइँती गएन
अउर यहूदा क सबहिं नगरन स उ पचे लेवीबंसियन क
बटोरेन। उ पचे इस्राएल क परिवारन क प्रमुखन क भी
बटोरेन। तब उ पचे यरूसलेम गएन। 3सबहिं लोग एक संग
मिलिके राजा क संग परमेस्सर क मन्दिर मँ एक ठु सन्धि
किहन।

यहोयादा एन लोगन स कहेस, "राजा क पूत हुकूमत
करी। इहइ उ बचन अहइ जउन यहोवा दाऊद क संतानन
क सम्बंधित दिहे रहा। 4अब, तोहका इ जरूर करइ चाही:
याजकन अउ लेवीयन सबित क दिन तू पचन्मँ स जउन सेवा
पइ जात हीं ओनकर एक तिहाई दुआरे क रच्छा करी।
5तोहार एक तिहाई राजमहल पइ रही अउर तोहार एक
तिहाई पहिले फाटक पइ रही। मुला दूसर सबहिं लोग
यहोवा क मन्दिर क अँगना मँ रहिहीं। 6कउनो भी मनई क
यहोवा क मन्दिर मँ न आवइ द्या। सिरिफ सेवा करइवाले
याजकन अउ लेवीबंसियन क पवित्तर होइ क कारण, यहोवा
क मन्दिर मँ आवइ क आग्या अहइ। मुला दूसर लोग उ

कारज करिहीं जउन यहोवा दइ रखेस ह। 7लेवीबंसियन जरूर
राजा क नजिक रहइ चाही। हर एक मनई अपनी तरवार
अपने संग रखी। जदि कउनो मनई मन्दिर मँ प्रवेस करइ क
कोसिस करत ह तउ उ मनई क मार डावा। तू पचन्क राजा
क संग रहब बाटइ उ जहाँ।"

8लेवीबंसी अउ यहूदा क सबहिं लोग याजक यहोयादा
जउन आदेस दिहस, ओकर पालन किहस। याजक यहोयादा
याजकन क समूह मँ स कउनो क छूट नाहीं दिहस। इ तरह
हरेक सेनापति आपन सबहिं लोगन क जउन सबित क दिन
सेवा मँ जात रहेन, अउर जउन सेवा मँ नाहीं जात रहेन लइ
लिहेन। 9याजक यहोयादा अधिकारियन क उ सबइ भालन
अउर बड़ा अउ नान्ह ढारन क दिहन जउन राजा दाऊद क
रहिन। उ सबइ हथियार परमेस्सर क मन्दिर मँ धरे रहेन।
10तब यहोयादा लोगन क बताएस कि ओनका कहाँ खड़ा
होब अहइ। हर एक मनई अपने हथियार अपने हाथ मँ लिहे
रहा। उ पचे मन्दिर क दाईं अउ बाईं सबइ रासतन मँ खड़ा
भएन। उ पचे वेदी, मन्दिर अउर राजा क निचके खड़े रहेन।
11उ पचे राजा क पूत क बाहेर लिआएन अउर ओका
मुकुट पहिराइ दिहन। उ पचे ओका व्यवस्था क किताब क
एक प्रति दिहन। तब उ पचे योआस क राजा बनाएसन
यहोयादा अउर ओकरे पूतन योआस क अभिसेक किहन। उ
पचे कहेन, "राजा दीर्घायु होइ।"

12अतल्याह मन्दिर कइँती दउड़त भए अउर राजा क
बड़कइ करत भए लोगन क सोर सुनेस। उ यहोवा क
मन्दिर पइ लोगन क लगे आइ। 13उ नजर दउड़ाएस अउर
राजा क लखेस। राजा राज स्तम्भ क संग सामनेवाले दुआर
पइ खड़ा रहा। अधिकारी अउ लोग जउन तुरही बजावत
रहेन, राजा क लगे रहेन। देस क लोग खुस रहेन अउर
तुरही बजावत रहेन। गायक संगीत क बाजन क बजावत
रहेन। गायक बड़कई क गायन मँ लोगन क अगुवाई करत
रहेन। तब अतल्याह अपने ओढ़नन क फारि डाएस, अउर उ
कहेस, "सड्यन्त्र, सड्यन्त्र।"

14याजक यहोयादा फउजे क नायकन क बाहेर लिआवा।
उ ओनसे कहेस, "अतल्याह क, सेना स, बाहेर लइ आवा।
अपनी तरवार क उपयोग उ मनई क मार डावइ बरे करा
जउन ओकरे संग जात ह।" तब याजक फउजियन क
चितउनी दिहस, "अतल्याह क यहोवा क मन्दिर मँ जिन
मारा।" 15तब ओन लोग अतल्याह क पकड़ लिहन जब उ
राजमहल क घोड़ दुआर पइ आइ। तब उ पचे उहइ जगह
पइ ओका मार डाएन।

16तब यहोयादा राजा अउर सबहिं लोगन क संग एक ठु
सन्धि किहस। सबहिं स्वीकार किहन कि उ पचे यहोवा क
लोग रहिहीं। 17सबहिं लोग बाल क मूर्ति क मन्दिर मँ
गएन अउर ओका उखाड़ डाएन। उ पचे बाल क मन्दिर क
वेदियन अउर मूरतियन क तोड़ डाएन। उ पचे बाल क वेदी
क समन्वा बाल क याजक मत्तान क मार डाएस।

18तब यहोयादा याजकन क चुनेस अउर ओनका यहोवा
क मन्दिर बरे उत्तरदायी बनाएस। उ पचे याजक लेवीबंसी
रहेन अउर दाऊद ओनका यहोवा क मन्दिर क बरे उत्तरदायी
होइ क कार्य सौपे रहा। ओन याजकन क होमबलि मूसा क
आदेस क अनुसार यहोवा क चढ़ाउब रही। उ पचे बहोत
खुसी स दाऊद क निर्देस क अनुसार गावत भए बलि
चढ़ावत रहेन। 19यहोयादा यहोवा क मन्दिर क दुआरे पइ
दुआरपाल रखेस जेहसे कउनो मनई जउन कउनो दूस्टि स
सुद्ध नाहीं रहा मन्दिर मँ नाहीं जाइ सकत रहा।

20यहोयादा फउज क नायकन, प्रमुखन लोगन क प्रसासकन
अउ देस क सबहिं लोगन क अपने संग लिहस। तब
यहोयादा राजा क यहोवा क मन्दिर स बाहेर निकारेस अउर
उ पचे ऊपरी दुआरे स राजमहल मँ गएन। उ जगह पइ उ
पचे राजा क गद्दी पइ बइठाएन। 21यहूदा क सबहिं लोग
बहोत खुस रहेन अउर यरूसलेम नगर मँ सान्ति रही काहेकि
अतल्याह तरकारे स मार दीन्ह गइ रही।

योआस फुन मन्दिर बनावत ह

24 योआस जब राजा बना सात बरिस क राहा। उ
यरूसलेम मँ चालिस बरिस तलक सासन किहस।
ओकरी महतारी क नाउँ सिब्या रहा। सिब्या बेर्सेबा नगर क
रही। 2योआस उ काम जउन यहोवा क नज़र मँ नीक अहा
तब तलक करत रहेन जब तलक याजक यहोयादा जिअत
रहा। 3यहोयादा योआस क बरे दुइ मेहररुअन चुनेस। योआस
क पूत अउर बिटियन रहिन।

4तब कछू समइ पाछे, योआस यहोवा क मन्दिर दुबारा
बनावइ क निहचइ किहस। 5योआस याजकन अउ लेवीबंसियन
क एक संग बोलाएस। उ ओनसे कहेस, "यहूदा क नगरन
मँ जा अउर उ धने क बटोरा जेकर भुगतान इस्राएल क
लोग हर बरिस करत हीं। उ धने क उपयोग परमेस्सर क
मन्दिर दुबारा बनावइ मँ करो। हाली करा अउर एका पूरा
कइ ल्या।" मुला लेवीबंसियन हाली नाहीं किहन।

6एह बरे राजा योआस मुख्य याजक, यहोयादा क
बोलाएस। राजा कहेस, "यहोयादा, तू यहूदा अउ यरूसलेम
स यहोवा क सेवक मोसा दुआरा कर क धन वसूलइ बरे
लेवीबंसियन क नाहीं लिहा? मूसा अउर इस्राएल क लोग
पवित्तर तम्बू बरे इ कर क धन क उपयोग किहे रहेन।"

7पुराने जमाने मँ अतल्याह क पूत, परमेस्सर क मन्दिर मँ
जबरदस्ती घुस गए रहेन। उ पचे यहोवा क मन्दिर क पवित्तर
चिजियन क उपयोग अपने बाल देवतन क पूजा क बरे
किहस। अतल्याह एक ठु दुट्ठ मेहरारु रही।

8राजा योआस एक ठु सन्दूख बनावइ क आदेस दिहेस
अउर ओका यहोवा क मन्दिर क दुआरे क बाहेर रखइ क
आदेस दिहस। 9तब लेविबंसियन यहूदा अउ यरूसलेम मँ इ
घोसणा किहन। उ पचे लोगन स कर क धन यहोवा क बरे
लिआवइ क कहेन। यहोवा क सेवक मूसा इस्राएल क
लोगन स रेगिस्ताने मँ रहत समइ जउन कर क रुप मँ धन
माँगे रहा ओतना ही इ धन अहइ। 10सबहिं प्रमुख अउर
सबहिं लोग खुस रहेन। उ पचे धन लइके आएन अउर उ
पचे ओका सन्दूखे मँ डाएन। उ पचे तब तलक देत रहेन
जब तलक सन्दूख नाहीं भरि गवा। 11तब लेवीबंसियन क
राजा क अधिकारियन क समन्वा सन्दूख लइ जाइ क पड़ी।
उ पचे लखेन कि सन्दूख धन स भरि गवा ह। राजा क

सचिव अउर प्रमुख याजक क अधिकारी आएन अउर उ
पचे धने क सन्दूख स निकारेन। तब उ पचे सन्दूख क
अपनी जगहिया पइ फुन वापस लइ गएन। उ पचे बार-बार
किहन अउर धन बटोरेन। **12**तब राजा योआस अउर यहोयादा
उ धन ओन लोगन क दिहस जउन यहोवा क मन्दिर क
बनावइ क कार्य करत रहेन अउर यहोवा क मन्दिर बनावइ
मँ कार्य करइवालन यहोवा क मन्दिर क दुबारा बनावइ बरे
कुसल बढ़ई अउर काठे पइ खुदाई क कार्य करइवालन क
मजदूरी पइ धरेन। उ पचे यहोवा क मन्दिर क दुबारा बनावइ
बरे काँसे अउर लोहा क काम करइ क जानकरी रखइवालन
क भी मजूरी पइ रखेन।

13काम क निगरानी रखइवाले मनई बहोत बिस्सास क
जोग्ग रहेन। यहोवा क मन्दिर क दुबारा बनावइ गवा। उ
पचे परमेस्सर क मन्दिर क पहिले क तरह ही बनाएन अउर
इ पहिले स जियादा मजबूत बनाएन। **14**जब कारीगरन कार्य
पूरा कइ लिहन तउ उ पचे उ धने क जउन बचा रहा राजा
योआस अउर यहोयादा क लगे लइ आएन। उ पचे धन क
उपयोग यहोवा क मन्दिर बरे चिजियन बनावइ बरे किहन।
उ सबइ चिजियन मन्दिर क सेवाकार्य मँ अउर होमबलि
चढ़ावइ मँ काम आवति रहिन। उ पचे खोरन अउर दूसर
चिजियन क सोना अउ चाँदी स बनाएन। याजकन यहोवा क
मन्दिर मँ हर एक दिन क होमबलि तब तलक चढ़ाएन जब
तलक यहोयादा जिअत रहा।

15यहोयादा बूढ़ा भवा। उ बहोत लम्बी उमिर बिताएस तब
उ मरा। यहोयादा जब मरा, उ एक सौ तीस बरिस क रहा।
16लोगन यहोयादा क दाऊद क नगर मँ हुवाँ दफनाएन जहाँ
राजा दफनाए जात हीं। लोगन यहोयादा क हुवाँ दफनाएन
काहेकि अपनी जिन्नगी मँ उ परमेस्सर अउ परमेस्सर क
मन्दिर बरे बहोत अच्छे कार्य किहस।

17यहोयादा क मरई क पाछे यहूदा क प्रमुख आएन
अउर उ पचे राजा योआस क समन्वा निहुरेन। राजा एन
प्रमुखन क सुनेस। **18**राजा अउ प्रमुखन उ यहोवा, परमेस्सर
क मन्दिर क छोड़ दिहेस जेकर अनुसरण ओनकर पुरखन
करत रहेन। उ पचे असेरा स्तम्भ अउर दूसर मूरतियन क
पूजा सुरू किहस। परमेस्सर यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन
पइ कोहाइ गवा काहेकि राजा अउ उ प्रमुखन अपराधी
रहेन। **19**परमेस्सर लोगन क लगे नबियन क ओनका यहोवा
कइँती लउटाइ क बरे पठएस। नबियन लोगन क चितउनी
दिहन। किन्तु लोग सुनइ स इन्कार कइ दिहन।

20तब परमेस्सर क आतिमा याजक यहोयादा क पूत
जकर्याह पइ उतरी। जकर्याह लोगन क समन्वा खड़ा भवा
अउर उ कहेस, "जउन यहोवा कहत ह उ इ अहइ: 'तू
लोग यहोवा क आदेस पालन करइ स काहे इन्कार करत
अहा? तू कामयाब नाहीं होब्या। तू यहोवा क तजा ह। एह
बरे यहोवा भी तोहका छोड़ दिहस ह।'"

21लेकिन लोग जकर्याह क खिलाफ जोजना बनाएस।
राजा जकर्याह क मार डावइ क आदेस दिहस, एह बरे उ
पचे ओह पइ तब तलक पाथर मारेन जब तलक उ मर
नाहीं गवा। लोगन इ मन्दिर क आँगन मँ किहन। **22**राजा
योआस अपने ऊपर यहोयादा क दयालुता क भी याद नाहीं
रखेन। यहोयादा जकर्याह क बाप रहा। मुला योआस
यहोयादा क पूत जकर्याह क मार डाएस। मरइ क पहिले
जकर्याह कहेस, "यहोवा ओह क लखि जउन तू करत अहा
अउर तोहका दण्ड देइ।"

23बरिस क आखीर मँ अराम क फउज योआस क
खिलाफ आइ। उ पचे यहूदा अउ यरूसलेम पइ हमला
किहन अउर लोगन क सबहिं प्रमुखन क मार डाएन। उ
पचे सारी कीमती चिजियन दमिस्क क राजा क लगे पठइ
दिहन। **24**अराम क फउज बहोत कम सैनिकन क संग आइ
रही किन्तु यहोवा ओका यहूदा क बहोत बड़ी फउज क
हरावइ दिहस। यहोवा इ एह बरे किहस कि यहूदा क लोग
यहोवा परमेस्सर क तजि दिहन जेकर अनुसरण ओनकर
पुरखन करत रहेन। इ तरह योआस क सजा मिली। **25**जब
अराम क लोग योआस क छोड़ेन, उ बुरी तरह घायल रहा।
योआस क अपने सेवकन ओकरे खिलाफ जोजना बनाएन।
उ पचे अइसा एह बरे किहन कि योआस याजक यहोयादा
क पूत जकर्याह क मार डाए रहा। सेवकन योआस क
ओकरी अपनी चारपाई पइ मार डाएन। योआस क मरइ क
पाछे लोग ओका दाऊद क नगर मँ दफनाएन। किन्तु लोग
ओका उ जगहिया पइ नाहीं दफनाएन जहाँ राजा दफनाए
जात हीं।

26जउन सेवकन योआस क खिलाफ जोजना बनाएन, उ
पचे इ सबइ अहइँ जाबाद अउ यहोजाबाद जाबाद क
महतारी क नाउँ सिमात रहा। सिमात अम्मोन क रही।
यहोजाबाद क महतारी क नाउँ सिम्रित रहा। सिम्रित मोआब
क रही।

27योआस क पूतन क कथा, ओकर खिलाफ बहोत सारी
भविस्सबाणियन अउर उ फुन परमेस्सर क मन्दिर कइसे
बनाएस, "राजा लोगन क व्याख्या" नाउँ क किताबे मँ
लिखा अहइ। ओकरे पाछे योआस क पूत अमस्याह नवा
राजा भवा।

यहूदा क राजा अमस्याह

25 अमस्याह राजा बनई क समइ पचीस बरिस क
रहा। उ यरूसलेम मँ उन्तीस बरिस तलक हुकूमत
किहस। ओकरी महतारी क नाउँ यहोअद्दान रहा। यहोअद्दान
यरूसलेम क रही। **2**अमस्याह उहइ किहस जेका यहोवा
नीक समुझत ह। मुला उ पूरे हिरदइ स नाहीं किहस।
3अमस्याह क हाथ मँ राजसत्ता सुदृढ़ होइ गइ। तब उ ओन
अधिकारियन क मार डाएस जउन ओकरे बाप राजा क मारे
रहेन। **4**मुला अमस्याह ओन अधिकारियन क बच्चन क
नाहीं मारेस। काहेकि उ मूसा क किताबे मँ लिखे नेमन क
मानेस। यहोवा आदेस दिहे रहा, "पिता लोगन क अपने पूतन
क पाप बरे नाहीं मरइ चाही। बच्चन अपने बाप क पापन
क बरे नाहीं मरइ चाही। हर एक मनई क अपने खुद क
पाप क बरे मरइ चाही।"

5अमस्याह यहूदा क लोगन क बटोरेस। उ ओनके
परिवार क एक ठु बर्ग बनाएस अउर ओन बर्गन क
अधिकारि सेनाध्यच्छ अउर नायक नियुक्त कीन्ह गएन। उ
पचे प्रमुख यहूदा अउर बिन्यामीन क सबहिं फउजियन क

अधिकारी भएन। सबहिं लोग जउन फउजी होइ बरे चुने
गएन, बीस बरिस क या ओहसे जियादा क रहेन। उ पचे
सब तीन लाख प्रसिच्छित फउजी भालन अउर ढार क संग
लड़इवालन रहेन। 6अमस्याह एक लाख फउजियन क
इस्राएल स भाड़े पइ रखेस। उ पउने पौने चार टन चाँदी क
भुगतान ओन फउजियन क किराये पइ लेइ बरे किहस।
7मुला परमेस्सर क एक मनई अमस्याह क लगे आवा।
परमेस्सर क मनई कहेस, "राजा, अपने संग इस्राएल क
सेना क न जाइ द्या। परमेस्सर इस्राएल क संग नाहीं
अहइ। परमेस्सर एप्रैम क लोगन क संग नाहीं अहइ।
8हिआँ तलक कि अगर तू आपन आप क मज़बूत बनाइ
लिहा अउर जुद्ध बरे तइयार होइ गवा, तउ भी परमेस्सर
तोहका हराइ देब, कहेकि जीत अउर हार दुइनउँ यहोवा क
मदद पइ निर्भर करत ह।" 9अमस्याह परमेस्सर क मनई स
कहेस, "किन्तु हमरे धने क का होइ जउन मइँ पहिले ही
इस्राएल क फउज क दइ दिहे हउँ?" परमेस्सर क मनई
जवाब दिहस, "यहोवा क लगे बहोत जियादा अहइ। उ
ओहसे भी जियादा तोहका दइ सकत ह।"

10एह बरे अमस्याह इस्राएल क फउज क वापस घर
एप्रैम क पठइ दिहस। उ सबइ लोग राजा अउर यहूदा क
लोगन क खिलाफ बहोत कोहाइ गएन। उ पचे बहोत
जियाद किरोधित होइके अपने घरे लउटेन।

11तब अमस्याह बहोत हिम्मती होइ गवा अउर उ अपनी
फउज क एदोम देस मँ नमक क घाटी मँ लइ गवा। उ
जगह पइ अमस्याह क फउज सेईर क दस हजार फउजियन
क मार डाएस। 12यहूदा क फउज सेईर स दस हजार मनई
धरेस। उ सबइ ओन मनइयन एक ऊँच चोटि पइ लइ
गएन। उ सबइ लोग तब तलक जिअत रहेन। तब यहूदा क
फउज ओन मनइयन क उ ऊँच चट्टान क चोटी स खाले
लोकाइ दिहस अउर ओनकर तन खाले क चट्टानन पइ
ध्वस्त होइ गएन।

13किन्तु उहइ समइ इस्राएली फउज यहूदा क कछू
नगरन पइ हमला करत रही। उ सबइ सोमरोन स बेथोरोन
नगर तलक क नगरन पइ हमला करत रहेन। उ पचे तीन
हजार लोगन क मार डाएन अउर उ पचे बहोत स कीमती
चिजियन लइ गएन। उ फउजे क लोग एह बरे कोहान रहेन
काहेकि अमस्याह ओनका जुद्ध मँ अपने संग सामिल नाहीं
होइ दिहस।

14अमस्याह एदोमी लोगन क हरावइ क पाछे घरे
लउटा। उ सेइर क लोगन क ओन देवमूरतियन क लिआवा
जेनकर उ पचे पूजा करत रहेन। अमस्याह ओन देवमूरतियन
क पूजब सुरु किहस। उ ओन देवतन क प्रणाम किहस
अउर ओनका सुगन्धि भेंट किहस। 15यहोवा अमस्याह पइ
बहोत कोहाइ गवा। यहोवा अमस्याह क लगे एक नबी
पठएस। नबी कहेस, "अमस्याह, तू ओन देवतन क काहे
पूजा किहा जेनका उ सबइ लोग पूजत रहेन? उ सबइ देवता
तउ अपने लोगन क भी तोहसे रच्छा न कइ सकेन।"

16जब नवी इ बोला, अमस्याह नवी स कहेस, "हम
लोग तोहका कबहुँ राजा क सलाहकार नाहीं बनावा। चुप
रहा, जदि तू चुप नाहीं रह्या तउ मार डावा जब्या।" नबी
चुप होइ गवा, मुला उ तब कहेस, "परमेस्सर फुरइ तोहका
नस्ट करइ क निहचइ कइ लिहस ह। काहेकि तू बुरी बातन
करत अहा अउर मोर सलाह नाहीं सुनत्या।"

17यहूदा क राजा अमस्याह अपने सलाहकार क संग
सलाह किहस। तब उ योआस क लगे सँदेसा पठएस।
अमस्याह योआस स कहेस, "हम लोग आपने आमने-सामने
मिलइ द्या।" योआस यहोआहाज क पूत रहा। यहोआहाज
येहू क पूत रहा। येहू इस्राएल क राजा रहा।

18तब योआस अपना जवाब अमस्याह क पठएस।
योआस इस्राएल क राजा रहा अउर अमस्याह यहूदा क
राजा रहा। योआस इ कथा सुनाएस: "लबानोन क एक ठु
नान्ह कँटेहरी झाड़ी लबानोन क एक बिसाल देवदारु क
बृच्छ क सँदेसा, पठएस। नान्ह कँटेहरी झाड़ी कहेस, 'अपनी
बिटिया क बियाह मोरे पूत क सँग कइ द्या,' मुला एक ठु
जंगली जनावर निकरा अउर उ कँटेहरी झाड़ी क कुचरेस
अउर ओका नस्ट किहस। 19तू कहत ह, 'मइँ एदोम क
हराएउँ ह।' तोहका ओकर घमण्ड अहइ अउर ओकर डीगं
हाँकत अहा। मुला तोहका घरे मँ घुसा रहइ चाही। तोहका
खतरा मोल लेइ क जरूरत नाहीं अहइ। जदि तू मोहसे
जुद्ध करब्या तउ तू अउर यहूदा नस्ट होइ जइहीं।"

20मुला अमस्याह सुनइ स इन्कार कइ दिहस। इ परमेस्सर
कइँती स भवा। परमेस्सर यहूदा क इस्राएल क जरिये हरावइ
क जोजना बनाएस काहेकि यहूदा क लोग ओन देवतन क
अनुसरण करत रहेन जेनकर अनुसरण एदोम क लोग करत
रहेन। 21एह बरे इस्राएल क राजा योआस बेतसेमेस नगर मँ
यहूदा क राजा अमस्याह स आमने-सामने मिला। बेतसेमेस
यहूदा मँ अहइ। 22इस्राएल यहूदा क हराएस। यहूदा क हर
एक मनई अपने घरन क पराइ गवा। 23योआस अमस्याह
क बेतसेमेस मँ धरेस अउर ओका यरूसलेम लइ गवा।
अमस्याह क बाप क नाउँ योआस रहा। योआस क बाप क
नाउँ यहोआहाज रहा। योआस छ:सौ फुट लम्बी यरूसलेम
क उ देवार क जउन एप्रैम फाटक स कोने क फाटक
तलक रही, गिराइ दिहस। 24तब योआस परमेस्सर क मन्दिर
क सोना, चाँदी अउ कइउ दूसर सामान लइ लिहस।
ओबेदेदोम मन्दिर मँ ओन चिजियन क सुरच्छा क जिम्मेदार
रहा। मुला योआस ओन सबहिं चिजियन क टाइ लिहस।
योआस राजमहल स भी कीमती चिजियन क लिहस। तब
योआस कछू लोगन क बन्दी क रूप मँ लिहा अउर
सोमरोन लउटि गवा।

25अमस्याह योआस क मरइ क पाछे पन्द्रह बरिस जिअत
रहा। अमस्याह क बाप यहूदा क राजा योआस रहा।
26अमस्याह सुरु स आखीर तलक दूसर जउन कछू किहस
उ सब, "इस्राएल अउर यहूदा क राजा क इतिहास" नाउँ क
किताबे मँ लिखा अहइ। 27जब अमस्याह यहोवा क आग्या
क पालन करब तजि दिहस, यरूसलेम क लोग ओकरे
खिलाफ एक ठु जोजना बनाएन। उ लाकीस नगर क पराइ
गवा। किन्तु लोग लाकीस मँ मनइयन क पठएन अउर उ
पचे अमस्याह क हुवाँ मार डाएन। 28तब उ पचे अमस्याह
क ल्हासे क घोड़न पइ लइ गएन अउर ओका ओकरे
पुरखन क संग दाऊद नगर मँ दफनाएन।

यहूदा क राजा उज्जिय्याह

26 तब यहूदा क लोग अमस्याह क जगह पइ नवा राजा होइ क बरे उज्जिय्याह क चुनेन। अमस्याह उज्जिय्याह क बाप रहा। जब इ भवा तउ उज्जिय्याह सोलह बरिस क राह। 2उज्जिय्याह एलोत नगर क दुबारा बनाएस अउर एका यहूदा क लउटाइ दिहस। उज्जिय्याह इ अमस्याह क मरि जाइ अउ पुरखन क संग ओकरे दफनाए जाइ क पाछे किहस।

3उज्जिय्याह जब राजा भवा तउ उ सोलह बरिस क रहा। उ यरूसलेम मँ बावन बरिस तलक राज्ज किहस। ओकर महतारी क नाउँ यकील्याह रहा। यकील्याह यरूसलेम क रही। 4उज्जिय्याह उ कामन किहस जेका यहोवा नीक समुझत ह। उ यहोवा क अनुसरण वइसा ही किहस जइसे ओकर बाप अमस्याह किहे रहा। 5उज्जिय्याह परमेस्सर क अनुसरण जकर्याह क जीवन-काल मँ किहस। जकर्याह उज्जिय्याह क सिच्छा दिहस कि परमेस्सर क सम्मान अउ ओकरी आग्या क पालन कइसे कीन्ह जात ह। जब उज्जिय्याह यहोवा क आग्या क पालन करत रहा तब परमेस्सर ओका कामयाबी दियाएस।

6उज्जिय्याह पलिस्ती लोगन क खिलाफ एक जुद्ध किहस। उ गत, यब्ने, अउर असदोद नगर क देवारन क गिराइ दिहस। उज्जिय्याह अस्दोद नगर क लगे अउर पलिस्ती लोगन क बीच दूसर जगहन मँ नगर बसाएस। 7परमेस्सर उज्जिय्याह क पलिस्तियन अउर अरबियन जउन गुर्बाल नगर मँ रहत रहेन अउर मूनियन क खिलाफ जुद्ध करइ मँ मदद किहेन। 8अम्मोनी उज्जिय्याह क नज़राना (कर) देत रहेन। उज्जिय्याह क नाउँ मिस्र क सीमा तलक प्रसिद्ध होइ गवा। काहेकि उ बहोत सक्तीसाली रहा।

9उज्जिय्याह यरूसलेम मँ कोने क फाटक पइ, घाटी क फाटक पइ अउर देवारे क मुड़इ क जगहन पइ मीनारन बनवाएस। उज्जिय्याह ओन मीनारन क दृढ़ बनाएस। 10उज्जिय्याह मीनारन क रेगिस्ताने मँ बनाएस। उ बहोत स कुएँ भी खोदवाएस। ओकरे लगे पहाड़ी देसन अउर मइदानी छेत्र मँ बहोत स गोरूअन रहेन। उज्जिय्याह क लगे पर्वतन मँ अउर जहाँ अच्छी उपज होत रही, उ भुइँया मँ किसान रहेन। उ अइसे मनइयन क भी रखे भए रहा जउन ओन खेतन क रखवारी करत रहेन जेनमाँ अंगूर रहेन। ओका खेती स पिरेम रहा।

11उज्जिय्याह क लगे प्रसिच्छित फउजियन क एक फउज रही। उ सबइ फउजी सचिव यीएल अउर अधिकारी मासेयाह जरिये बर्गन मँ बेटे रहेन। हनन्याह ओनकर प्रमुखन रहा। यीएल अउर मासेयाह ओन फउजियन क गनेस अउर ओनका बर्गन मँ रखेस। हनन्याह राजा क अधिकारियन मँ स एक रहा। 12फउजियन क ऊपर दुइ हजार छ: सौ प्रमुखन रहेन। 13उ पचे परिवार परिवार प्रमुखन तीन लाख सात हजार पाँच सौ मनसेधुअन क उ फउज क अधिपति रहेन जउन बड़की सक्ती स लड़त रहिन। उ सबइ फउजी राजा क दुस्मनन क बिरुद्ध मदद करत रहेन। 14उज्जिय्याह फउज क ढार, भालन, टोप, कवच, धनुस अउ गुलेलन बरे पाथर दिहे रहा। 15यरूसलेम मँ उज्जिय्याह जउन यन्त्र बनाएस उ बुद्धिमानन क आविस्कार रहेन। उ सबइ यन्त्र मीनारन अउ कोने क देवारन पइ रखे गए रहेन। इ सबइ यन्त्र क बड़के पाथर लोकावइ अउर बाण चलावइ बरे प्रयोग रहेन। उज्जिय्याह प्रसिद्ध होइ गवा। लोग ओकर नाउँ दूर-दूर क देसन मँ जानत रहेन। ओकरे लगे बड़की मदद रही अउर उ सक्तीसाली राजा होइ गवा।

16किन्तु जब उज्जिय्याह सक्तीसाली होइ गवा, तउ ओकर घमण्ड ओकरे नस्ट क कारण बनेस। उ यहोवा आपन परमेस्सर यहोवा क मन्दिर मँ वेदी पइ सुगन्धित बारइ बरे जाइ क धोका दिहस। 17याजक अजर्याह अउर यहोवा क अस्सी हिम्मती याजक सेवक उज्जिय्याह क पाछे मन्दिर मँ गएन। 18उ पचे उज्जिय्याह स कहेन कि तू गलत अहा। उ पचे ओहसे कहेन, "उज्जिय्याह यहोवा क बरे सुगन्धि बारब तोहार काम नाहीं अहइ। याजक, हारून क संतान ही सिरिफ यहोवा बरे सुगन्धि बारत हीं। एन याजकन क सुगन्धि बारइ क पवित्तर सेवा क बरे प्रसिच्छण दीन्ह गवा अउर समर्पित कीन्ह गवा ह। सब स जियादा पवित्तर ठउर स बाहेर निकरि जा तू यहोवा परमेस्सर क धोका देत ह। उ तोहका एकरे बरे सम्मान नाहीं देइ।"

19मुला उज्जिय्याह कोहाइ गवा। ओकरे हाथे मँ सुगन्धि बारइ बरे एक ठु खोरा रहा। जउने समइ उज्जिय्याह याजकन पइ बहोत कोहाइ गवा, उहइ समइ माथे पइ कोढ़ होइ गवा। इ याजकन क समन्वा यहोवा क मन्दिर मँ सुगन्धि बारइ क वेदी क लगे भवा। 20प्रमुख याजक अजर्याह अउ सबहिं याजकन उज्जिय्याह क लखेन। उ पचे ओकरे माथे पइ कोढ़ देखत रहेन। याजकन हाली स उज्जिय्याह क मन्दिर स बाहेर जाइ क मजबूर किहन। उज्जिय्याह खुद ही हाली स बाहेर गएस काहेकि यहोवा ओका सजा दइ दिहे रहा। 21राजा उज्जिय्याह मउत तलक कोढ़ी रहा। उ यहोवा क मन्दिर मँ प्रवेस नाहीं कइ सकत रहा। उ दूसर घरन स दूर एक अलग घरे मँ रहेन। उज्जिय्याह क पूत योताम राजमहल क कब्जा मँ रखेस अउर लोगन क प्रसासक रहेन।

22उज्जिय्याह सुरु स लइके आखीर तलक जउन कछू किहस उ यसायाह नबी क जरिये लिखा गवा। यसायाह क बाप यामोस रहा। 23उज्जिय्याह मरा अउर अपने पुरखन क लगे दफनावा गवा। उज्जिय्याह क राजा लोगन क कब्रिस्तान क लगे मैदान मँ दफनावा गवा। काहे? काहेकि लोग कहेन, "उज्जिय्याह क कोढ़ अहइ।" योताम उज्जिय्याह क जगह पइ नवा राजा भवा। योताम उज्जिय्याह क पूत रहा।

यहूदा क राजा योताम

27 योताम पचीस बरिस क रहा जब उ राजा भवा। उ सोलह बरिस तलक यरूसलेम मँ हुकूमत किहस। ओकरी महतारी क नाउँ यरुसा रहा। यरूसा सादोक क बिटिया रही। 2योताम उ काम किहस जेका यहोवा नीक समुझत ह। उ परमेस्सर क आग्या क पालन वइसे ही किहस जइसे ओकर बाप उज्जिय्याह किहे रहा। मुला योताम यहोवा क मन्दिर मँ सुगन्धि बारइ क बरे उहइ तरह नाहीं घुसा जइसे ओकर बाप घुसा रहा। मुला लोग बुरा काम करब जारी रखेन। 3योताम यहोवा क मन्दिर क ऊपरी दुआर

क दुबारा बनाएस। उ ओपेल नाउँ क जगह पइ बहोत स निर्माण कार्य सुरू किहस। 4योताम यहूदा क पहाड़ी पहँटा मँ नगर बनाएस। योताम मीनार अउर किलन जंगलन मँ बनाएस। 5योताम अम्मोनी लोगन क राजा अउर ओकरी फउज क खिलाफ लड़ा अउ ओनका हराएस। एह बरे हर साल तीन बरिस तलक अम्मोनी लोग योताम क पौने चार टन चाँदी, बासठ हजार बुसल गोहूँ अउर बासठ बुसल जौ देत रहेन।

6योताम सक्तीसाली होइ गवा काहेकि उ बिस्सास पूर्वक यहोवा, अपने परमेस्सर क आग्या क पालन किहस। 7योताम दूसर जउन कछू भी किहस अउ ओकर सबहिं जुद्ध "यहूदा अउ इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" क पुस्तक मँ लिखे भए अहइँ। 8योताम जब राजा भवा, पच्चीस बरिस क रहा। उ यरूसलेम मँ सोलह बरिस हुकूमत किहस। 9तब योताम मरा अउर अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। लोग ओका दाऊद क नगर मँ दफनाएन। योताम क जगह पइ आहाज राजा भवा। आहाज योताम क पूत रहा।

यहूदा क राजा आहाज

28 आहाज बीस बरिस क रहा जब उ राजा भवा। उ यरूसलेम मँ सोलह बरिस तलक राज्ज किहस। आहाज उ नाहीं किहस जेका ओकर पुरखन दाऊद किहस जेका यहोवा नीक समुझत ह। 2आहाज इस्राएली राजा लोगन क बुरे उदाहरणन क अनुसरण किहस। उ बाल-देवता क पूजा क बरे मूरतियन क बनावइ क बरे साँचे क उपयोग किहस। 3आहाज हिन्नोम क घाटी मँ सुगन्धि बारेस। उ अपने पूतन क आगी मँ जराइके बलि भेंट किहस। उ उ सबइ सब भयंकर पाप किहस जेका उ पहँटा मँ रहइवाले मनइयन किहे रहेन। ओन सबइ पापन क करण यहोवा ओन मनइयन क बाहेर जाइ क मजबूर किहे रहा जब इस्राएल क लोग उ भुइँया मँ आए रहेन। 4आहाज बलि भेंट किहस अउर सुगन्धि क ऊँची जगहियन अर्थात पहाड़ियन अउर हर एक हरियर बृच्छ क खाले बारेस।

5आहाज पाप किहस, एह बरे यहोवा, ओकर परमेस्सर अराम क राजा क ओका पराजित करइ दिहस। अराम क राजा अउर ओकर फउज आहाज क हराएस अउर यहूदा क अनेक लोगन क बन्दी बनाएस। अराम क राजा ओन बन्दियन क दमिस्क नगर क लइ गवा। यहोवा इस्राएल क राजा अउर रमल्याह क पूत पेकह क भी आहाज क पराजित करइ दिहस। 6पेकह अउर ओकर फउज एक दिन मँ यहूदा क एक लाख बीस हजार बीर फउजियन क मार डाएस। पेकह यहूदा क ओन लोगन क एह बरे हराएस कि उ पचे उ यहोवा, परमेस्सर क आग्या क पालन करइ बन्द कइ दिहस जेकर आग्या ओनकर पुरखन मानत रहेन। 7जिक्री एप्रैमी क एक बीर सिपाही रहा। जिक्री राजा आहाज क पूत मासेयाह अउ राजमहल क सरंच्छक अधिकारी अज्रीकाम अउ एलकाना क मार डाएस। एलकाना राजा क ठीक पाछे दूसर सक्ती रहा।

8इस्राएल क फउज यहूदा मँ रहइवाले दुइ लाख अपने निचके सम्बन्धियन क धरेस। उ पचे मेहररुअन, बच्चन अउर यहूदा स बहोत कीमती चिजियन लिहस। इस्राएली ओन बन्दियन अउर ओन चिजियन क सोमरोन नगर क लइ आएन। 9मुला हुवाँ यहोवा क एक नबी रहा। इ नबी क नाउँ ओदेद रहा। ओदेद इस्राएल क इ सेना स मिला जउन सोमरोन लउटि आइ। ओदेद इस्राएल क सेना स कहेस, "यहोवा परमेस्सर जेकर आग्या तोहरे पुरखन मानेन, तोहका यहूदा क लोगन क हरावइ दिहन काहेकि उ ओन पइ कोहान रहा। तू लोग यहूदा क लोगन क बहोत क्रूरता स मार्‌या अउर दण्डित किहा। अब परमेस्सर तू पचन्पइ कोहान अहइ। 10तू पचे यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क दास क तरह रखइ क जोजना बनावत अहा। तू लोग भी यहोवा, अपने परमेस्सर क बिरूद्ध पाप किहा ह। 11अब मोर सुना। अपने जउने भाई बहिनियन क तू लोग बन्दी बनाया ह ओनका वापस कइ द्या। इ करा काहेकि यहोवा क भयंकर किरोध तोहरे पचन्क बिरुद्ध अहइ।"

12तब एप्रैम क कछू प्रमुखन इस्राएल क फउजियन क जुद्ध स लउटिके घर आवत लख्या। उ सबइ प्रमुखन इस्राएल क फउजियन स मिलेन अउर ओनका चितउनी दिहन। उ पचे प्रमुख योहानान क पूत अजर्याह, मसिल्लेमोत क पूत बेरेक्याह, सल्लूम क पूत यहिजकिय्याह अउर हदलै क पूत अमासा रहेन। 13ओन प्रमुखन इस्राएली फउजियन स कहेन, "यहूदा क बन्दियन क हिआँ जिन लिआवा। जदि तू इ करत अहा तउ इ हम लोगन क यहोवा क बिरूद्ध बुरा पाप कराइ। उ हमरे पाप अउर अपराध क अउर जियादा बुरा करी अउ यहोवा इस्राएलियन क बिरूद्ध बहोत कोहान होइ।"

14एह बरे फउजियन बन्दियन अउ कीमती चिजियन क ओन प्रमुखन अउ इस्राएल क लोगन क दइ दिहस। 15उ सबइ प्रमुखन खड़े भएन अउर उ पचे बन्दियन क मदद किहन। एन चारिहुँ मनइयन ओन ओढ़नन क लिहन जउन इस्राएली फउज लिहे रही अउर एका ओन लोगन क दिहस जउन नंगे रहेन। ओन प्रमुख ओन लोगन क जूते भी दिहन। उ पचे यहूदा क बन्दियन क कछू खाइ अउर पिअइ क दिहन। उ पचे ओन लोगन क ओकर घाव क नरम करइ बरे अउ उपचार बरे तेल मलेन। तब एप्रैम क प्रमुख लोग कमजोर बन्दियन क गदहन पइ चढ़ाएन अउर ओनका ओनके घर खजूर क बृच्छ क नगर यरीहो मँ ओनके परिवारन क लगे लइ गएन। तब उ सबइ चारिहुँ प्रमुख अपने घर सोमरोन क लउटि गएन।

16-17उहइ समइ, एदोम क लोग फुन आएन अउर उ पचे यहूदा क लोगन क हराएन। एदोमी लोग लोगन क बन्दी बनाएन अउर ओनका बन्दी क रुप मँ लइ गएन। एह बरे राजा आहाज अस्सूर क राजा स मदद माँगेस। 18पलिस्ती लोग भी पहाड़ी क नगरन अउर दक्खिन यहूदा पइ हमला किहन। पलिस्ती लोग बेतसेमेस, अय्यालोन, गदेरोत, सोको, तिम्ना अउर गिमजो नाउँ क नगरन पइ कब्जा कइ लिहन। उ पचे ओन नगरन क लगे क गाँवन पइ भी कब्जा कइ लिहन। तब ओन नगरन मँ पलिस्ती रहइ लागेन। 19यहोवा यहूदा बरे परेसानियन लाएस काहेकि यहूदा क राजा आहाज यहूदा क लोगन क पाप करइ क बरे

प्रोत्साहित किहस। उ यहोवा क धोखा दिहेस। 20अस्सूर क
राजा तिलगतपिलनेसेर आवा अउर आहाज क मदद देइ क
जगह पइ उ परेसानी दिहस। 21आहाज कछू कीमती
चिजियन यहोवा क मन्दिर, राजमहल अउ राजकुमार भवन
स एकट्ठा किहस। आहाज उ सबइ चिजियन अस्सूर क
राजा क दिहस। किन्तु उ आहाज क मदद नाहीं दिहस।

22आहाज क परेसानियन क समइ मँ उ अउर जियादा बुरे
पाप किहेस अउर यहोवा क अउर जियादा अबिस्सास जोग्ग
बन गवा। 23उ दमिस्क क लोगन क जरिये पूजे जाइवाले
देवतन क बलि भेंट किहस। दमिस्क क लोग आहाज क
पराजित किहे रहेन। एह बरे उ मन ही मन सोचे रहा,
"अराम क लोगन क देवतन क पूजा ओनका मदद दिहस।
जदि मइँ ओन देवतन क बलि भेंट करउँ तउ संभव अहइ,
उ पचे मोर भी मदद करइँ।" आहाज ओन देवतन क पूजा
किहस। किन्तु एँकर बदले ओका अउर इस्राएल क लोगन
क पतन क कारण बनेस।

24आहाज यहोवा क मन्दिर स चिजियन बटोरेस अउर
ओनकर टूकन कइ दिहस। तब उ यहोवा क मन्दिर क
दरवाजन क बन्द कइ दिहस। उ वेदियन बनाएस अउर
यरूसलेम मँ सड़क क हर मोड़ पइ ओनका रखेस।
25आहाज यहूदा क हर नगर मँ दूसर देवतन क पूजा अउर
धूपबलि क बारइ बरे ऊँची जगह बनाएस। आहाज यहोवा
ओकरे पिता क परमेस्सर क बहोत किरोधित कइ दिहस।

26आहाज सुरु स आखीर तलक जउन कछू दूसर किहस
उ "यहूदा अउ इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ
क किताबे मँ लिखा अहइ। 27आहाज मरा अउर अपने
पुरखन क संग दफनावा गवा। लोग आहाज क यरूसलेम
नगर मँ दफनाएन। किन्तु उ पचे आहाज क उहइ कब्रिस्तान
मँ नाहीं दफनाएन जहाँ इस्राएल क राजा दफनाएन गए रहेन।
आहाज क जगह पइ ओकर पूत हिजकिय्याह नवा राजा
बना।

यहूदा क राजा हिजकिय्याह

29 हिजकिय्याह जब पच्चीस बरिस क रहा, राजा
भवा। उ उनतीस बरिस तलक यरूसलेम मँ
हुकूमत किहस।। जकर्याह क बिटिया अबिय्याह ओकरी
महतारी रही। 2हिजकिय्याह उहइ किहस जेका ओकर पुरखा
दाऊद किहस अउर जेका यहोवा नीक समुझत अहा।

3हिजकिय्याह यहोवा क मन्दिर क दरवाजन क जोड़ेस
अउर ओनका मज़बूत किहस। हिजकिय्याह मन्दिर क फुन
खोलेस। उ राजा होइ क पाछे, बरिस क पहिले महीने मँ इ
किहस। 4हिजकिय्याह याजकन अउ लेवीबंसियन क एक
बैठक मँ एक संग बइठाएस। उ मन्दिर क पूरब क दिसा मँ
खुले अँगना मँ ओनके संग बैठक मँ सामिल भवा।
5हिजकिय्याह ओनसे कहेस, "मोर सुना, लेवीबंसियो। पवित्तर
सेवा बरे अपने क तइयार करा। आपन आपका अउर यहोवा
आपन पुरखन क परमेस्सर क मन्दिर क पवित्तर सेवा बरे
तइयार करा। असुद्ध चिजियन क पवित्तर जगह स हटाइ
द्या। 6हम लोगन क पुरखन, यहोवाह हम लोगन क
परमेस्स्सर क धोखा दिहेन। उ पचे उ काम किहेन जेका उ
बुरा समुझेन। उ पचे ओका छोड़ दिहेस अउर आपन मुँह
यहोवा क मन्दिर क ओर स दूर फरि लिहस। उ पचे आपन
पीठ ओकर कइँती कइ दिहस। 7उ पचे मन्दिर क सुआगत
कच्छ क दखाजे क बन्द कइ दिहन अउर दीपकन क
बुझाइ दिहन। उ पचे सुगन्धि क बारब अउर इस्राएल क
परमेस्सर क पवित्तर ठउर मँ होमबलि भेंट करब बन्द कइ
दिहन। 8एह बरे, यहोवा यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन पइ
बहोत किरोधित भवा। यहोवा ओन लोगन क भयभीत अउर
चकित दण्ड दिहस। तू अपनी आँखिन स एका लखि सकत
ह। 9इहइ कारण अहइ कि हमार पुरखन जुद्ध मँ मारे
गएन। हमरे पूत, बिटियन अउर मेहररुअन बन्दी बनाई
गइन। 10एह बरे मइँ हिजकिय्याह इ निहचइ किहेउँ ह कि
मइँ यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क संग एक वाचा करउँ।
तब उ हम लोगन पइ आगे किरोधित नाहीं होब। 11एह बरे
मोर पूतन तू लोग सुस्त जिन ह्वा या अउर जियादा समइ
नस्ट न करा। यहोवा तू लोगन क अपनी सेवा करे चुनेस
ह। तू पचन्क ओकर सेवा करइ चाही अउर ओकरे बरे
सुगन्धि बारइ चाही।"

12ओन लेवीबंसियन क इ सूची अहइ जउन हुवाँ रहेन
अउर जउन कार्य सुरू किहन। कहाती परिवार क अमासै क
पूत महत अउर अजर्याह क पूत योएल रहेन। मरारीत परिवार
क अब्दी क पूत कीस अउर यहल्लेलेल क पूत अजर्याह
रहेन। गेर्सोनी परिवार स जिम्मा क पूत योआह अउर योआह
क पूत एदेन रहेन। 13एलिसापान क संतानन मँ स सिम्री
अउर यूएल रहेन। आसाप क संतानन मँ जकर्याह अउर
मत्तन्याह रहेन। 14हेमान क संतानन मँ स यहूएल अउर सिमी
रहेन। यदूतून क संतानन मँ स समायाह अउर उज्जीएल रहेन।
15तब एन लेवीबंसियन अपने भाइयन क एकट्ठा किहन
अउर मन्दिर मँ पवित्तर सेवा बरे अपने क तइयार किहस। उ
पचे राजा क ओन आदेसन क पालन किहन जउन यहोवा
क लगे स आए रहेन। उ पचे यहोवा क मन्दिर मँ ओका
स्वच्छ करइ गएन। 16याजक यहोवा क मन्दिर क भीतरी
भाग मँ ओका स्वच्छ करइ गएन। उ पचे सभी असुद्ध
चिजियन क बाहेर निकारेन जेनका उ पचे मन्दिर मँ पाएन।
उ पचे असुद्ध चिजियन क यहोवा क मन्दिर क आँगन मँ
लइ आएन। तब लेवीबंसी असुद्ध चिजियन क यहोवा क
मन्दिर क अंगना मँ लइ आएन। तब लेवीबंसी असुद्ध
चिजियन क किद्रोन क घाटी मँ लइ गएन। 17पहिले महीने
क पहिले दिन लेवीबंसी अपने आपका पवित्तर करइ सुरू
कइ दिहन। महीने क अठएँ दिन लेवीबंसी यहोवा क मन्दिर
क दुआर मण्डप मँ आएन। आठ दिन अउर, उ पचे यहोवा
क मन्दिर क पवित्तर करइ क कार्य जारी रखेन। उ पचे
पहिले महीने क सोलहवें दिन इ काम पूरा किहन।

18तब उ पचे राजा हिजकिय्याह क लगे वापिस गएन। उ
पचे ओहसे कहेन, "राजा हिजकिय्याह, हम लोग यहोवा क
पूरे मन्दिर क साथ ही होमबलि चढ़ावइ बरे वेदी क भी
ओकर सबइ बरतन क संग सुद्ध कइ दिहेन। हम लोग
पवित्तर रोटी प्रदर्सित करइवाले मेज अउ ओकरे बरे उपयोग
मँ आवइवाली सबहिं चिजियन क स्वच्छ कइ दिहन। 19ओन
दिनन जब आहाज राजा रही उ परमेस्सर क बरे विरोध

किहस। उ बहोत स चिजियन हटाइ दिहे रहेन जउन मन्दिरे
मँ रहिन। मुला हम लोग फुन ओन चिजियन क रख दिहा
ह अउर ओनका पवित्तर कार्य बरे सुद्ध कइ दिहा ह। उ
पचे अब यहोवा क वेदी क समन्वा अहइँ।”

20राजा हिजकिय्याह नगर अधिकारियन क एकट्ठा
किहेस अउर अगले भिंसारे उ यहोवा क मन्दिर गवा। 21उ
सबइ सात ठु बर्धा, सात ठु भेड़न, सात ठु मेमनन अउ सात
ठु नान्ह बोकरन लिआएन। उ सबइ जनावर यहूदा क राज्ज
क पापबलि बरे पवित्तर जगह अउ यहूदा क लोगन बरे
रहेन। राजा हिजकिय्याह याजकन क जउन हारून क संतान
रहेन, आदेस दिहस कि उ पचे ओन जनावरन क यहोवा क
वेदी पइ चढ़ावइँ। 22एह बरे याजक लोग बर्धन क मार
डाएन अउर ओनकर रकत धइ लिहन। तब उ पचे बर्धन क
रकत वेदी पइ छिछकारेन। तब याजक लोग भेड़न क मारेन
अउर वेदी पइ भेड़न क रकत छिछकारेन। तब याजक लोग
मेमनन क मारेन अउर ओनकर रकत वेदी पइ छिछकारेन।
23-24तब याजक लोग बोकरन क राजा अउर एक संग
एकट्ठे लोगन क समन्वा लिआएन। बोकरन पापबलि रहेन।
याजक लोग अपने हाथे बोकरन पइ धरेन अउर ओनका
मारेन। याजक लोग बोकरन क रकत स वेदी पइ पापबलि
चढ़ाएन। उ पचे इ एह बरे किहन कि यहोवा इस्राएल क
लोगन क छिमा कइ देइ। राजा कहेस कि होमबलि अउ
पापबलि इस्राएल क सबहिं लोगन क बरे होइहीं।

25राजा हिजकिय्याह लेवीबंसियन क यहोवा क मन्दिर मँ
मंजीरन, तम्बूरन अउ वीणा क संग रखेन जइसा दाऊद,
राजा क द्रस्टा गाद अउर नातान नबी आदेस दिहे रहा। इ
आदेस यहवो क हिआँ स ओकर नबियन क जरिये स आवा
रहा। 26इ रतह लेवीबंसी, दाऊद क गीत क बाजन क संग,
अउर याजक अपनी तुरहियन क संग खड़े भएन।

27तब हिजकिय्याह होमबलि क बलि वेदी पइ चढ़ावइ क
बरे आदेस दिहस। जब होमबलि देब सुरू भवा, यहोवा बरे
गायन भी सुरू भवा। तुरहियन बजाई गइन अउर इस्राएल
क राजा दाऊद क वाद्ययंत्र बजेन। 28सारी सभा दण्डवत
किहस, गायकन गाएन अउर तुरही वादकन अपनी तुरहियन
तब तलक बजाएन जब तलक होमबलि क चढ़ावा जाब पूरा
नाहीं भवा।

29बलिदानन क पूरे होइ क पाछे राजा हिजकिय्याह अउर
ओकरे संग क सबहिं लोग निहुरेन अउर उ पचे उपासना
किहन। 30राजा हिजकिय्याह अउर ओकर अधिकारि लोग
लेवीबंसियन क यहोवा क स्तुति क आदेस दिहन। उ पचे
ओन गीतन क गाएन जेनका दाऊद अउर द्रस्टा आसाप
लिखे रहा। उ पचे यहोवा क स्तुति किहन अउर प्रसन्न
भएन। उ पचे सबहिं निहुरेन अउर उ पचे यहोवा क उपासना
किहस। 31हिजकिय्याह कहेस, “यहूदा क लोगो, अब तू
लोग खुद क यहोवा क अर्पित कइ चुका अहा। निचके
आवा, बलि अउ धन्यवाद क भेंट यहोवा क मन्दिर मँ
लिआवा।” तब लोग बलि अउ धन्यवाद क भेंट लिआएन।
कउनो मनई, जउन चाहत रहा, उ होमबलि भी लिआवा।
32सभा क जरिये मन्दिर मँ लाइ गइ होमबलियन क संख्या
इ रहा: सत्तर बर्धा, सौ भेड़न अउर दुई सौ मेमनन। इ सबइ
सबहिं जनावर यहोवा क होमबलि क रुप मँ बलि कीन्ह
गएन। 33यहोवा क बरे पवित्तर भेटंन छ: सौ बर्धन अउर
तीन हजार भेड़ी बोकरन रहेन। 34मुला हुवाँ होमबलि बरे
चढ़ावा गवा जनावरन क खाल उतारइ अउर ओका काटइ
बरे प्रयाप्त याजकन नाहीं रहेन। एह बरे ओनकर सम्बन्धी
लेवीबंसियन ओनकर मदद तब तलक किहन जब तलक
काम पूरा न भवा अउर जब तलक दूसर याजक अपने क
पवित्तर फउज क बरे तइयार न कइ सकेन। लेवीबंसी यहोवा
क सेवा बरे अपने क तइयार करइ मँ जियादा याजकन क
अपेच्छा जियादा लगनसील रहेन। 35हुवाँ अनेक होमबलि,
मेलबलि क चर्बी अउ पेय भेंट चढ़िन। इ तरह यहोवा क
मन्दिर मँ सेवा फुन सुरु भइ। 36हिजकिय्याह अउर सबहिं
लोग ओन चिजियन क बरे खुस रहेन जेनका यहोवा अपने
लोगन क बरे बनाएस अउर उ सबइ खुस रहेन कि उ पचे
ओनका एँतनी हाली स किहन।

हिजकिय्याह फसह पर्व मनावत ह

30 हिजकिय्याह इस्राएल अउ यहूदा क सबहिं लोगन
क सँदेसा पठएस। उ एप्रैम अउ मनस्से क
लोगन क भी पत्तर लिखेस। हिजकिय्याह ओन सबहिं लोगन
क यरूसलेम मँ यहोवा क मन्दिर मँ आवइ बरे न्यौतेस
जेहसे उ सबइ सबहिं फसहपर्व यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर
बरे मनाइ सकइँ। 2हिजकिय्याह आपन सबहिं अधिकारियन
अउ यरूसलेम क सभा क संग फसह पर्व दूसरे महीने मँ
मनावइ बरे राज़ी होइ गएन। 3उ सबइ फसह पर्व क
नियमित समइ स न मनाइ सकइँ। काहे? काहेकि प्रायाप्त
संख्याँ मँ याजक पवित्तर सेवा बरे अपने आप क तइयार
नाहीं किहे रहा अउर दूसर कारण इ रहा कि लोग
यरूसलेम मँ एकट्ठे न होइ सके रहेन। 4इ सुझाव राजा
हिजकिय्याह अउर पूरी सभा क सन्तुट्ठ किहस। 5एह बरे उ
पचे इस्राएल मँ बेर्सेबा नगर स लइके लगातार दान तलक
हर एक जगह पइ घोसणा किहन। उ पचे लोगन स कहेन
कि उ पचे यरूसलेम मँ यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर बरे
फसह पर्व मनावइ आवइँ। इस्राएल क बहोत बड़का समूह
बहोत समइ स फसह पर्व उ तहर नाहीं मनाए रहा, जउने
तरह मूसा क नेमन एका मनावइ क कहे रहेन। 6एह बरे दूत
राजा क पत्तर पूरे इस्राएल अउर यहूदा मँ लइ गएन। ओन
पत्रन मँ इ लिखा रहा:

इस्राएल क सन्तानों, इब्राहीम, इसहाक अउर इस्राएल,
जउन यहोवा, परमेस्सर क आग्या मानत रहेन ओकरे
निअरे लोउटा। तब यहोवा तू लोगन क लगे वापस
आइ जउन अस्सूर क राजा लोगन स बच गएन ह
अउर अबहिं तलक जिअत अहइँ। 7अपने पुरखन अउर
भाइयन क तरह न बना। यहोवा ओनका परमेस्सर रहा,
मुला उ पचे ओका धोखा दिहेन। एँह बरे उ ओन
लोगन क बर्बाद होइ दिहस। तू खुद अपनी आँखी स इ
लखि सकत ह। 8अपने पुरखन क तरह हठी जिन बना।
अपितु सच्चे हिरदइ स यहोवा क आग्या माना। सब स
जियादा पवित्तर जगह पइ आवा। यहोवा सब स जियादा

पवित्तर जगह क सदा ही क बरे पवित्तर बनाएस ह।
अपने यहोवा, परमेस्सर क सेवा करा। तब यहोवा क
डरावना किरोध तोह पइ स हट जाइ। 9जदि तू यहोवा
क लगे लउटब्या अउर ओकरे आग्या मनब्या तब
तोहार सम्बन्धी, भाइयन अउर बच्चन ओन लोगन क
दया पइहीं जउन ओनका बन्दी बनाएन ह अउर तोहार
सम्बन्धी अउर बच्चन इ देस मँ लउटिहीं। यहोवा, तोहार
परमेस्सर कृपालु अउ दयालु अहइ। जदि तू ओकरे लगे
लउटब्या तउ उ तोहसे नाहीं मुरब्या।

10दूत एप्रैम अउ मनस्से क पहँटन क सबहिं नगरन मँ
गएन। उ पचे लगातार पूरे जबूलून देस मँ गएन। किन्तु
लोग दूतन क हँसी उड़ाएन अउर ओनकर मजाक उड़ाएन।
11मुला आसेर, मनस्से अउ जबूलून देस क कछू लोग
आपन क बिनम्र बनाएन अउर यरूसलेम गएन। 12यहूदा मँ
परमेस्सर क सक्ती लोगन क संगठित किहस ताकि उ पचे
राजा हिजकिय्याह अउ ओकरे अधिकारियन क आग्या क
पालन कइ सकत हीं। इ तरह उ पचे यहोवा क आग्या क
पालन किहन।

13बहोत स लोग एक संग यरूसलेम, दूसरे महीने मँ
अखमोरी रोटी क उत्सव मनावइ आएन। इ बहोत बड़ी भीड़
रही। 14ओन लोग यरूसलेम स लबार देवतन क वेदियन क
हटाइ दिहन। उ पचे लबार देवतन क बरे सुगन्धि भेंट क
वेदियन क भी हटाइ दिहन। उ पचे ओन वेदियन क किद्रोन
क घाटी मँ लोकाइ दिहन। 15तब उ पचे फसह पर्व क
मेमने क दूसर महीने क चौदहवें दिन मारेन। याजक अउ
लेवीबंसी लज्जित भएन। एँह बरे उ पचे अपने क पवित्तर
सेवा बरे तइयार किहन। याजक अउर लेवीबंसी होमबलि
यहोवा क मन्दिर मँ लइ आएन। 16मन्दिर मँ अपने बरे
मुकर्रर जगह पइ उ पचे वइसे ही बइठेन जइसा परमेस्सर
क मनई मूसा क नेम मँ कहा गवा रहा। लेवीबंसी लोग
याजकन क रकत दिहन। तब याजक लोग रकत क वेदी
पइ छिछकारेन। 17उ समूह मँ बहोत स लोग अइसे रहेन
जउन अपने क पवित्तर सेवा क बरे तइयार नाहीं किहे रहेन
एह बरे उ पचे फसह पर्व क मेमने क मारइ क मँजूरी नाहीं
पाइ सकेन। इहइ कारण रहा कि लेवीबंसी ओन सबहिं
लोगन क बरे फसह पर्व क मेमने क मारइ क जिम्मेदार
रहेन जउन सुद्ध नाहीं रहेन। लेवीबंसी हर एक मेमना क
यहोवा क बरे पवित्तर बनाएन।

18एप्रैम, मनस्से, इस्साकार अउर जबूलून क बहोत स
लोग फसह पर्व उत्सव क बरे अपने क ठीक तरह स
तइयार नाहीं किहे रहा। उ पचे फसह पर्व क मेमनन क
खाएन जब कि उ पचे मूसा क नेम क अनुसार असुद्ध
रहेन। मुला हिजकिय्याह ओन लोगन बरे पराथना किहस।
एह बरे हिजकिय्याह इ पराथना किहस, "यहोवा, तू अच्छा
अहा। 19इ सबइ लोग तू यहोवा हम लोगन क पुरखन क
परमेस्सर क सेवा करइ बरे आपन पूरे दिल स तइयार रहेन।
किन्तु उ पचे अपने क पवित्तर सेवा मँ भाग लेइ बरे नेम
क अनुसार सुद्ध न कइ सकेन। एँह बरे कृपा कइके ओन
लोगन बरे प्रायस्चित करा।" 20यहोवा राजा हिजकिय्याह क
पराथना सुनेस। यहोवा लोगन क छिमा कइ दिहस। 21इस्राएल
क संतानन यरूसलेम मँ अखमीरी रोटी क उत्सव सात दिन
तलक मनाएन। उ पचे बहोत खुस रहेन। लेवीबंसी अउ
याजक लोग अपनी पूरी सक्ती स हर एक दिन यहोवा क
स्तुति किहन। 22राजा हिजकिय्याह ओन सबहिं लेवीबंसियन
क उत्साहित किहस जउन अच्छी तरह समुझ गए रहेन कि
यहोवा क सेवा कइसे कीन्ह जात ह। लोग सात दिन तलक
पर्व मनाएन अउर मेलबलि चढ़ाएन। उ पचे अपने पुरखन क
यहोवा परमेस्सर क धन्यवाद दिहन अउर ओकर स्तुति
किहन।

23सबहिं लोग सात दिन अउर ठहरइ क सहमत होइ
गएन। एह बरे उ पचे सात अउर दिना तलक बहोत खुसी
स फसह पर्व मनाएन। 24यहूदा क राजा हिजकिय्याह उ सभा
क एक हजार बर्धन अउ सात हजार भेड़िन मारइ अउर खाइ
क बरे दिहेस। प्रमुखन सभा क एक हजार बर्धन अउ दस
हजार भेड़िन दिहन। बहोत स याजक लोग पवित्तर सेवा बरे
अपने क तइयार किहन। 25यहूदा क पूरी सभा, याजक,
लेवीबंसी, इस्राएल स आवइवाली पूरी सभा अउर उ सबइ
यात्री जउन इस्राएल स आए रहेन अउ यहूदा पहोंच गए
रहेन, सबहिं लोग बहोत जियादा खुस रहेन। 26इ तरह
यरूसलेम मँ बहोत आनन्द रहा। इ पर्व क समान कउनो भी
पर्व इस्राएल क राजा, दाऊद क पूत सुलैमान क समइ क
बाद स नाहीं भवा रहा। 27याजक अउ लेवीबंसी खड़े भएन
अउर यहोवा स लोगन क आसीर्वाद देइ क कहेन। परमेस्सर
ओनकर सुनेस। ओनकर पराथना सरग मँ यहोवा क पवित्तर
निवास तलक पहोंची।

राजा हिजकिय्याह सुधार करत ह

31 फसह पर्व क उत्सव पूरा भवा। इस्राएल क
जउन लोग फसह पर्व क क बरे यरूसलेम मँ
रहेन, उ पचे यहूदा क नगरन क चले गएन। तब उ पचे
पाथर क ओन मूरतियन क नेस्तनाबूत किहन जउन ओन
नगरन मँ रहिन। ओन पाथर क मूरतियन क पूजन लबार
देवतन क रुप मँ होत रहा। ओन लोग असेरा क खम्भन
क भी काट डाएन अउर उ पचे ओन ऊँची जगहियन अउर
वेदियन क भी तोर डाएन जउन बिन्यामीन अउर यहूदा क
पूरे देसन मँ रहेन। लोग एप्रैम अउर मनस्से क छेत्र मँ उहइ
किहन। लोग इ तब किहन जब उ पचे लबार देवतन क
पूजा क सबहिं चिजियन क नस्ट नाहीं किहन। तब सबहिं
इस्राएली अपने नगरन क घर लउट आएन।

2राजा हिजकिय्याह फुन याजकन अउ लेवीबंसियन क
समूहन मँ बाँटिस अउर हर एक समूह क आपना बिसेस
कार्य करब होत रहा। एह बरे राजा हिजकिय्याह ओन समूहन
क आपन कार्य फुन स करइ क कहेस। एह बरे याजकन
अउ लेवीबंसियन क फुन स होमबलि अउ मेलबलि चढ़ावइ
क काम रहा। ओन क काम मन्दिर मँ सेवा करब, गाना
अउ यहोवा क भवन क दुआर पइ परमेस्सर क स्तुति करब
रहा। 3हिजकिय्याह अपने गोरुअन मँ स कछू क होमबलि
बरे दिहस। इ सबइ गोरु हर रोज भिंसारे अउ साँझ क
होमबलि बरे प्रयोग मँ आवत रहेन। इ सबइ गोरु सबित क

दिनन मँ अउर नवचन्द्र क समइ अउर दूसर बिसेस उत्सवन
पइ दीन्ह जात रहिन। इ वइसे ही कीन्ह जात रहा जइसा
यहोवा क ब्यवस्था मँ लिखा अहइ। 4हिजकिय्याह यरूसलेम
मँ रहइवाले लोगन क आदेस दिहस कि आपन अनाज क
हींसा याजकन अउ लेवीबंसियन क देइँ। तबहिं याजक अउ
लेवीबंसी आपन क यहोवा क नेम क अनुसार सेवा बरे देइ
चाही रही। 5देस क चारिहुँ कइँती क लोग इ आदेस क
बारे मँ सुनेन। एह बरे इस्राएल क लोग अपने कटा भवा
अन्न, अंगूर, तेल, सहद अउ जउन कछू भी उ पचे अपने
खेतन मँ उगावत रहेन ओन सबहिं फसलन क पहिला हींसा
दिहेस। उ पचे स्वेच्छा स एन सबहिं चिजियन क दसवाँ
हींसा लिआएन। 6इस्राएल अउ यहूदा क लोग जउन यहूदा
क नगरन मँ रहत रहेन अपने गोरुअन अउ भेड़िन क दसवाँ
हींसा भी लिआएन। उ पचे ओन चिजियन क दसवाँ हींसा
भी लिआएन जेका अलगाइ दीन्ह ग रहेन अउर यहोवा
ओनका परमेस्सर क अर्पित कीन्ह ग रहेन। उ पचे ओन
सबहिं चिजियन क अपने यहोवा, परमेस्सर क बरे लइके
आएन। उ पचे ओन सबहिं चिजियन क ढेरन मँ धरेन।

7लोग तीसरे महीने मँ अपनी चिजियन क संग्रह क
लिआउब सुरु किहन अउर उ पचे संग्रह क लिआउब सातवें
महीने पूरा किहन। 8जब हिजकिय्याह अउ प्रमुख लोग
आएन तउ उ पचे संग्रह कीन्ह गइ चिजियन क ढेरन क
लखेन। उ पचे यहोवा क स्तुति किहन अउर इस्राएल क
लोगन अर्थात यहोवा क लोगन क बड़कई किहन।

9तब हिजकिय्याह याजकन अउ लेवीबंसियन क ढेरन क
सम्बंध मँ पूछेस। 10सादोक परिवार क मुख्य याजक
अजर्याह हिजकिय्याह स कहेस, "उ समइ स जब स लोग
भेंटन क यहोवा क मन्दिर मँ लिआउब सुरू कइ दिहेन ह
एह बरे हम लोगन क लगे खाइ बरे बहोत जियादा अहइ।
हम लोग भर पेट खाए अउर अबहिं तलक हम लोगन क
लगे बहोत बचा ह। यहोवा अपने लोगन क सच मँ आसीस
दिहेस ह। एह बरे हम लोगन क लगे इ सब बचा ह।"

11तब हिजकिय्याह याजकन क आदेस दिहस कि उ पचे
यहोवा क मन्दिर मँ भण्डार घर तइयार रखइँ। एह बरे इ
कीन्ह गवा। 12तब याजक लोग उपहार, भेंटन क दसमांस
अउर दूसर चिजियन लिआएन जउन सिरिफ यहोवा क दीन्ह
जाब रहिन। उ पचे सबहिं संग्रह कीन्ह गइ चिजियन मन्दिर
क भण्डार घरन मँ रख दीन्ह गइन। लेवीबंसि कोनन्याह
सबहिं संग्रह कीन्ह गइ चिजियन क अधीच्छक रहा।
कोनन्याह क भाई सिमी ओन चिजियन क उपाधीच्छक रहा।
13कोनन्याह अउ ओकर भाई एन मनइयन क निरीच्छक
रहेन: अहीएल, अजज्याह, नहत, असाहेल, यरीमेत, योजाबाद,
एलीएल, यिस्मक्याह, महत अउर बनायाह। राजा हिजकिय्याह
अउ यहोवा क मन्दिर क अधीच्छक अधिकारी अजर्याह
ओन मनइयन क चुनेस। 14यिम्ना लेवी क पूत कोरे ओन
भेंटन क अधीच्छक रहा जेनका लोग स्वेच्छा स चढ़ावत
रहेन। उ ओन चिजियन क उत्तरदायी रहा जउन यहोवा क
दीन्ह जात रहेन अउ उ ओन उपहारन क बाँटइ क जिम्मेदार
रहा जउन यहोवा बरे पवित्तर बनाई जात रहिन। कोरे पूर्वी
दुआर क दुआरपाल रहा। 15एदेन, मिन्यामीन, येसू समायाह,
अमर्याह अउ सकन्याह कोरे क मदद करत रहेन। उ सबइ
लोग ईमानदारी स ओन नगरन मँ सेवा करत रहेन जहाँ
याजक रहेत रहेन। उ पचे बहोत महत्त्वपूर्ण अउर कम
महत्त्वपूर्ण दुइनँउ याजकन क समान मात्रा मँ चिजियन दिहेन।
16इ सबइ लोग संग्रह कीन्ह भइ चिजियन क तीन बरिस
अउ ओहसे जियादा उमिर क लरिकन अउर मनइयन क भी
देत रहेन जेनकर नाउँ लेविबंस क इतिहास मँ लिखा भवा
रहेन। एन सबहिं मनइयन यहोवा क मन्दिर मँ आपन हर दिन
क सेवा अउर दूसर काम जेकर उ जिम्मेदार रहेन, बरे जाइ
क रहेन। हरेक समूह क आपन नेतिक जिम्मेदारी रहेन।
17याजकन क संग्रह कीन्ह भवा चिजियन स ओनकर हींसा
दीन्ह जात रहेन। परिवारिक आधार पइ, परिवार क इतिहास
मँ लिखित सूची अनुसार इ कीन्ह गए रहेन। बीस बरिस या
ओहसे अधिक उमिर क लेवीबंसियन क संग्रह क ओनकर
हींसा दीन्ह जात रहा। इ ओनकर जिम्मेदारी अउ वर्ग क
अनुसार कीन्ह जात रहा। 18लेवीबंसियन क बच्चन, मेहररुअन,
पूत अउ बिटियन भी संग्रह चिजियन क आपन हींसा पावत
रहेन। इ ओन सबहिं लेवीबंसियन क बरे कीन्ह जात रहा
जउन परिवार क इतिहासन मँ अंकित रहेन। इ लेवीबंसियन
बरे कीन्ह ग रहेन ताकि उ पचे आपन आप क बिस्सास क
संग पवित्तर राखेन अउर सेवा करइ बरे तइयार रहेन।
19याजक हारून क कछू संतानन क लगे कछू खेती जोग्ग
नगर क लगे हुवाँ रहेन जहाँ लेवीबंसी रहत रहेन अउर
हारून क संतानन मँ स कछू नगरन मँ भी रहत रहेन। ओन
नगरन मँ स हर एक मँ हारून क एन संतानन क संग्रह
चिजियन क हींसा देइ बरे मनई नामांकन क जरिये चुने जात
रहेन। मनसेधू अउर उ सबइ सबहिं जेनकर नाउँ लेवीबंस क
इतिहास मँ रहा सबहिं संग्रह चिजियन क हींसा पानत रहेन।

20इ तरह राजा हिजकिय्याह पूरे यहूदा मँ उ सबइ सब
चिजियन क किहन। उ उहइ किहस जउन यहोवा, ओकरे
परमेस्सर क दृस्टि मँ अच्छा, ठीक अउर बिस्सास जोग्ग
रहा। 21उ जउन भी कार्य परमेस्सर क मन्दिर क सेवा मँ,
नेमन व सबइ आग्या क पालन करइ मँ अउर अपने
परमेस्सर क अनुसरण करइ मँ किहेस ओहमाँ ओक
कामयाबी मिली। हिजकिय्याह इ सबइ सबहिं कार्य अपने पूरे
हिरदइ स किहस।

अस्सूर क राजा यहूदा पइ कब्जा करत ह

32 इ सबइ चिजियन क पाछे हिजकिय्याह बहोत
बिस्सास पूर्वक कार्य किहस। अस्सूर क राजा
सन्हेरीब यहूदा देस पइ हमला करइ आवा। सन्हेरीब अउर
ओकर फउज किला क बाहेर डेरा डाएस। उ इ एह बरे
किहस कि उ नगरन क जीतइ चाहत रहा। 2हिजकिय्याह
जानत रहा कि उ यरूसलेम, एह पइ हमला करइ आवा ह।
3तब हिजकिय्याह आपन अधिकारियन अउर फउज क
अधिकारियन स सलाह लिहस। उ पचे एकमत होइ गएन
कि यरूसलेम क बाहेर क सोतन क पानी रोक दीन्ह जाइ।
ओन अधिकारियन अउर फउज क अधिकारियन हिजकिय्याह
क मदद किहन। 4बहोत स लोग एक संग आएन अउर

झरनन अउर सोतन क जउन नगर क बीच स होइके बहत
रहेन, रोक दिहन। उ पचे कहेन, “अस्सूर क राजा क हिआँ
आए पइ बहोत जियादा पानी नाहीं मिली।” 5हिजकिय्याह
यरूसलेम क पहिले स जियादा मजबूत बनाएस। इ उ इ
तरह किहस: उ देवार क टूटे हींसन क फुन बनवाएस। उ
देवारन पइ मीनारन बनाएस, उ पहली देवार क बाहेर दूसर
देवार बनवाएस। उ फुन पुरान यरूसलेम क पूरब कइँती
दूसर देवार बनवाएस। उ अनेक हथियार अउर ढारन
बनवाएस। 6हिजकिय्याह फउज क अधिकारियन क लोगन
क अधीच्छक होइ बरे चुनेस। उ एन अधिकारियन स नगर
दुआर क बाहेर खुली जगह मँ मिला। हिजकिय्याह ओन
अधिकारियन स सलाह किहस अउर ओनका उत्साहित
किहस। 7उ कहेस, “मजबूत अउर साहसी बना। अस्सूर क
राजा या ओकरे संग क बिसाल फउज स जिन डेरावा, न
ही ओहसे चिन्ता ह्वा। अस्सूर क राजा क लगे जउन सक्ती
अहइ ओहसे भी बड़की सक्ती हम लोगन क संग अहइ!
8अस्सूर क राजा क लगे सिरिफ मनई अहइँ। किन्तु हम
लोगन क संग यहोवा, आपन परमेस्सर अहइ। हमार
परमेस्सर हमार मदद करी। उ हमार जुद्ध खुद लड़ी।” इ
तरह यहूदा क राजा हिजकिय्याह लोगन क उत्साहित किहस
अउर ओनका पहिले स जियादा सक्तीसाली होइ क अनुभव
कराएस।

9अस्सूर क राजा सन्हेरीब अउर ओकर सारी फउज
लाकीस नगर क लगे डेरा डाए पड़ी रही ताकि उ पचे एका
हराइ सकइँ। तउ उ यरूसलेम मँ यहूदा क राजा हिजकिय्याह
क लगे अउर यहूदा क सबहिं लोगन क लगे आपन
अधिकारियन पठएस। सन्हेरीब क अधिकारियन हिजकिय्याह
अउर यरूसलेम क सबहिं लोगन क बरे एकठु सँदेसा लइ
आएन। 10उ पचे कहेन, “अस्सूर क राजा सन्हेरीब इ कहत
ह: ‘तू केहमाँ बिस्सास करत अहा जउन तोहमाँ यरूसलेम मँ
जुद्ध क स्थिति मँ ठहरब सिखावत ह? 11हिजकिय्याह तू
पचन्क मूरख बनावत ह। तू पचन्क यरूसलेम मँ ठहरे रखइ
क बरे धोखा दीन्ह जात अहइ। इ तरह तू पसे भूख पियास
स मार जाब्या। हिजकिय्याह तू पचन्स करत ह, “यहोवा,
हमार परमेस्सर हम क अस्सूर क राजा स बचाई।”
12हिजकिय्याह खुद यहोवा क ऊँच जगहियन अउर वेदियन
क हटाएस ह। उ यहूदा अउ यरूसलेम क तू लोगन स
कहेस कि तू लोगन क सिरिफ एक वेदी पइ उपासना करइ
अउर सुगन्धि बारइ चाही। 13निहचइ ही, तू पचे जानत अहा
कि मोर पुरखन अउर मइँ दूसर देसन क लोगन क संग का
किहेउँ ह? दूसर देसन क देवता अपने लोगन क नाहीं बचाइ
सकेन। उ सबइ देवता मोका ओनके लोगन अउ ओकर
देसन क नस्ट करइ स नाहीं रोक सकतेन। 14मोर पुरखन
ओन देसन क नस्ट किहन। कउनो भी अइसा देवता नाहीं
जउन मोहसे अपने लोगन क नस्ट होइ स बचाइ लेई। एह
बरे का तू सोचत ह कि तोहार देवता तोहका मोसे बचाइ
लेई? 15हिजकिय्याह क तू पचन्क मूरख बनावइ अउर
गुमराह करइ जिन द्या। ओह पइ बिस्सास न करा काहेकि
कउनो रास्ट्र या राज्ज क कउनो देवता कबहुँ हम स या हमरे
पुरखन स अपने लोगन क बचावइ मँ समर्थ नाहीं भवा ह।
एह बरे इ जिन सोचा कि तोहार देवता मोका तू पचन्क नस्ट
करइ स रोक लेइ।’”

16अस्सूर क राजा क सेवक लोग एहसे भी बुरी बातन
यहोवा परमेस्सर अउ परमेस्सर क सेवक हिजकिय्याह क
खिलाफ कहेन। 17अस्सूर क राजा अइसे पत्र भी लिखेस
जउन इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क अपमान करत रहेन।
अस्सूर क राजा ओन पत्रन मँ स जउन कछू लिखा रहा उ
इ अहइ: “दूसर राज्जन क देवता मोहसे नस्ट होइ स अपने
लोगन क न बचाइ सकेन। उहइ तरह हिजकिय्याह क
परमेस्सर अपने लोगन क मोरे जरिये नस्ट कीन्ह जाइ स
नाहीं रोक सकत।” 18तब अस्सूर क राजा क सेवक
यरूसलेम क ओन लोगन पइ जोर स नरियानेन जउन
नगर क देवार पइ रहेन। ओन सेवकन उ समइ हिब्रू भासा
क प्रयोग किहन जब उ पचे देवार पइ क लोगन क बरे
नरियानेन। अस्सूर क राजा क ओन सेवकन इ सब एह बरे
किहन कि यरूसलेम क लोग डरि जाइँ। उ पचे उ
सबइ बातन एह बरे कहेन कि यरूसलेम नगर पइ अधिकार
कइ सकइँ। 19उ अधिकारियन ओन देवतन क बिरूद्ध
बुरी बातन कहेन जउन संसार क लोगन दुआरा पूजा जात
रहेन। उ सबइ देवता सिरिफ अइसी चिजियन अहइँ जेनका
मनइयन अपने हाथे स बनाएन ह। इहइ तरह ओन
अधिकारियन भी यरूसलेम क परमेस्सर क खिलाफ बुरी
बातन कहेन।

20राजा हिजकिय्याह अउ आमोस क पूत यसायाह नबी इ
समस्या क बारे मँ पराथना किहन। उ पचे जोर स सरग क
गोहराएन। 21तब यहोवा अस्सूर क राजा क खेमे मँ एक ठु
सरगदूत क पठएस। उ सरगदूत अस्सूर क फउज क सब
अधिकारियन, प्रमुखन अउर फउजियन क मार डाएन। एह
बरे अस्सूर क राजा अपने देस मँ अपने घर लउट गवा
अउर ओकर लोग ओहसे बहोत लजानेन। उ अपने देवता
क मन्दिर मँ गवा अउर उहइ क पूतन मँ स कउनो ओका
हुवाँ तरवार स मार डाएस। 22इ तरह यहोवा हिजकिय्याह
अउर यरूसलेम क लोगन क राजा सन्हेरीब अस्सूर क राजा
अउर सबहिं दूसर लोगन स बचाएस। यहोवा हिजकिय्याह
अउर यरूसलेम क लोगन क देखभाल किहस। 23बहोत स
लोग यरूसलेम मँ यहोवा क बरे भेंट लिआएन। उ पचे
यहूदा क राजा हिजकिय्याह क लगे कीमती चिजियन लइ
आएन। उ समइ क पाछे सबहिं रास्ट्र हिजिय्याह क सम्मान
दिहन।

24ओन दिन हिजकिय्याह बहोत बेराम पड़ा अउर मउत क
निचके रहा। उ यहोवा स पराथना किहस। यहोवा हिजकिय्याह
स बोला अउर ओका एकठु चीन्हा दिहस। 25मुला हिजकिय्याह
क हिरदइ घमण्ड स भरि गवा एह बरे उ परमेस्सर क कृपा
बरे परमेस्सर क धन्नवाद नाहीं किहस। इहइ कारण अहइ
कि परमेस्सर हिजकिय्याह अउ यरूसलेम अउ यहूदा क
लोगन पइ कोहाइ गवा। 26मुला हिजकिय्याह अउ यरूसलेम
मँ रहइवाले लोग आपन हिरदइ अउ जिन्नगी क बदल
दिहेन। उ पचे बिनम्र होइ गएन अउर घमण्ड करब तजि
दिहन। एह बरे जब तलक हिजकिय्याह जिअत रहा यहोवा
क किरोध ओह पइ नाहीं उतरा।

27हिजकिय्याह क बहोत धन अउ सम्मान प्राप्त रहा। उ
चाँदी, सोना, कीमती रतन, मसालन, ढारन अउर दूसरी
कीमती चिजियन क रखइ बरे महल बनाए रहेन। **28**हिजकिय्याह
लोगन क जरिये पठए गए अनाज, नवा दाखरस अउ तेल
क बरे भण्डारण भवन बनाएन। ओकरे लगे गोरुअन क बरे
पसु-सालन अउर भेड़िन क बरे भेड़-सालन रहिन। **29**हिजकिय्याह
बहोत स नगर भी बनाएस अउर ओका अनेक गोरुअन क
झुण्ड अउ भेड़िन क रवेड़न मिलिन। परमेस्सर हिजकिय्याह
क बहोत जियादा धन दिहस। **30**इ हिजकिय्याह ही रहा जउन
यरूसलेम मँ गिहोन सोते क ऊपरी जलधारन क उद्गमन
क रोकेस अउर एँकर जलधारन क नगर क भीतर स दाऊद
नगर क पच्छिम क कइँती मोड़ दिहेस। अउर हिजकिय्याह
ओन सब मँ सफल रहा जउन कछू उ किहस।

31कउनो समइ बाबुल क प्रमुखन हिजकिय्याह क लगे
दूत पठएन। ओन दूतन एक चमत्कारिक चिन्ह क बारे मँ
पूछेन जउन रास्ट्रन मँ परगट भवा रहा।* जब उ पचे आएन
तउ परमेस्सर हिजकिय्याह क अकेले छोड़ दिहस जेहसे कि
उ अपनी जाँच कइ सकइ अउर उ सब कछू जान सकइ
जउन हिजकिय्याह क हिरदइ मँ रहा।

32हिजकिय्याह क बाकी कामन अउर कइसे उ यहोवा
क पिरेम किहस क विवरण आमोस क पूत यसायाह नबी
क दर्सन ग्रन्थ अउर "यहूदा अउ इस्राएल क राजा लोगन
क इतिहास" क किताब मँ लिखा भावा ह। **33**हिजकिय्याह
मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। लोग
हिजकिय्याह क उ पहाड़ी पइ दफनाएन जहाँ दाऊद क पूतन
क कब्रन अहइँ। जब उ मरा तउ यहूदा क सबहिं लोग
अउ यरूसलेम क रहइवालन हिजकिय्याह क सम्मान दिहन।
हिजकिय्याह क जगह पइ पनस्से नवा राजा भवा। मनस्से
हिजकिय्याह क पूत रहा।

यहूदा क राजा मनस्से

33 मनस्से जब यहूदा क नवा राजा भवा उ बारह
बरिस क राहा। उ यरूसलेम मँ पचपन बरिस
तलक राजा रहा। **2**मनस्से उ सबइ सब कार्य किहस जेनका
यहोवा गलत कहे रहा। उ दूसर रास्ट्रन क भयंकर अउर
पापपूर्ण रीतियन क अनुसरण किहस। यहोवा ओन रास्ट्रन क
बाहेर निकर जाइ क बरे मजबूर किहे रहा जब उ इस्राएल
क लोगन क उ भुइँया पइ लिआए रहा। **3**मनस्से फुन ओन
ऊँच जगहन क बनाएस जेनका ओकर बाप हिजकिय्याह
तोर गिराये रहा। मनस्से बाल देवतन बरे वेदियन बनाएस
अउ असेरा खम्भन खड़े किहस। उ नछत्र-समूह क प्रणाम
करत रहा अउ ओनका पूजत रहा। **4**मनस्से यहोवा क मन्दिर
मँ लबार देवतन क बरे वेदियन बनाएस। यहोवा मन्दिर क
बारे मँ कहे रहा, "मोर नाउँ यरूसलेम मँ सदा ही रही।"
5मनस्से सबहिं नछत्र-समूहन क बरे यहोवा क मन्दिर क
दुइनउँ अंगनन मँ वेदियन बनाएस। **6**मनस्से अपने बेटवन क
भी बलि बरे हिन्नोम क घाटी मँ बारेस। मनस्से सान्तिपाठ,
दैवीकरण अउ भविस्स कथन क रूप मँ जादू-टोना क
उपयोग किहस। उ ओझन अउ भूतसिद्धि करइवालन क
संग बातन किहस अउर उ यहोवा क दृस्टि मँ बहोत पाप
किहस। मनस्से क पापन यहोवा क किरोधित किहन। **7**उ
एक ठु देवता क मूरति बनाएस अउर ओका परमेस्सर क
मन्दिर मँ धरेस। परमेस्सर दाऊद अउ ओकर पूत सुलैमान स
मन्दिर क बारे मँ कहे रहा, "मइँ इ मन्दिर मँ अउर
यरूसलेम मँ आपन नाउँ क स्थापित करब जेका मइँ
इस्राएल क सबहिं परिवार समूहन क नगरन क बीच स
चुनेउँ ह, अउर हुवाँ मोर नाउँ हमेसा रहब। **8**मइँ फुन
इस्राएलियन क उ भुइँया स बाहेर नाहीं करब जेका मइँ
ओनके पुरखन क देइ क बरे चुनेउँ। किन्तु ओनका ओन
नेमन क बिधियन अउर आदेसन क पालन जरूर करइ चाही
जेनका मइँ मूसा क ओनका देइ क हुकुम दिहेउँ।"

9मनस्से यहूदा क लोगन अउर यरूसलेम मँ रहइवाले
लोगन क पाप करइ बरे उ उत्साहित किहेउँ। उ ओन
रास्ट्रन स भी जियादा पाप किहस जेनका यहोवा नस्ट किहे
रहा अउर जउन इस्राएलियन स पहिले उ पहँटा मँ रहेन।

10यहोवा मनस्से अउर ओकरे लोगन स बातचीत किहस।
किन्तु उ पचे सुनइ स इन्कार कइ दिहन। **11**एह बरे यहोवा
यहूदा पइ हमला करइ क बरे अस्सूर क राजा क
सेनापतियन क हुवाँ पहोंचाएस। एन सेनापतियन मनस्से क
धइ लिहन अउर ओका बन्दी बनाइ लिहन। उ पचे ओका
बेड़ियन पहिराइ दिहन अउर ओकरे हाथन मँ पीतर क
जंजीरन डाएन। उ पचे मनस्से क बन्दी बनाएन अउर ओका
बाबुल देस लइ गएन। **12**मनस्से क कस्ट भवा। उ समइ उ
यहोवा अपने परमेस्सर स याचना किहस। मनस्से खुद क
अपने पुरखन क परमेस्सर क समन्वा बहोत विनम्र किहेस।
13मनस्से परमेस्सर स पराथना किहस अउर परमेस्सर स मदद
माँगेस। यहोवा मनस्से क याचना सुनेस अउ ओका ओह पइ
दया आइ। यहोवा ओका यरूसलेम अपने सिंहासन पइ
लउटइ क आदेस दिहस। तब मनस्से समुझेस कि यहोवा
फुरइ परमेस्सर अहइ।

14इ घटइ क पाछे, मनस्से दाऊद नगर क बरे बाहरी
देवार बनाएस। इ गिहोन क पस्चिमी सोते तलक मछरी-फाटक
क प्रवेस दुआर अउर ओपेल पहाड़ी क चारिहुँ कइँती तलक
गएन। उ देवार क बहोत ऊँच बनाएस। तब उ अधिकारियन
क यहूदा क सबहिं किलन मँ रखेस। **15**मनस्से यहोवा क
मन्दिर स दूसर रास्ट्रन क देवतन अउ मूरतियन क हटाइ
दिहेस। उ ओन सबहिं वेदियन क लोकाएस जेनका उ मन्दिर
क पहाड़ी पइ अउ यरूसलेम मँ बनाएस। मनस्से ओन सबहिं
वेदियन क यरूसलेम नगर स बाहेर लोकाएस। **16**तब उ
यहोवा क वेदी पुन: एकत्र किहस अउ मेलबलि अउ
धन्यवाद भेंट एह पइ चढ़ाएस। मनस्से यहूदा क सबहिं
लोगन क इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क सेवा करइ क
आदेस दिहस। **17**लोग ऊँच जगहियन पइ बलि देब जारी
रखेस, मुला ओनकर भेंटन केवल यहोवा ओनके परमेस्सर
बरे रहिन।

18मनस्से जउन कछू दूसर किहस अउर ओकर परमेस्सर
स पराथनन अउ ओन द्रस्टा लोगन क कथन जउन इस्राएल
क यहोवा परमेस्सर क नाउँ पइ ओहसे बातन किहे रहा, उ
सबइ सबहिं इस्राएल क राजा नाउँ क किताबे मँ लिखी

ओन दूतन … भवा रहा लखा यसायाह 38:1-8

अहइँ। 19मनस्से कइसे पराथना किहस अउर परमेस्सर कइसे
सुनेस अउर ओह पइ दाया किहस, इ “द्रस्टा लोगन क
पुस्तक” मँ लिखा अहइ। मनस्से क सबहिं पाप अउ
बुराइयन जउन उ खुद क बिनम्र करइ स पहिले किहस
अउर उ सबइ जगह जहाँ उ ऊँच जगह बनाएस अउर
असेरा-खम्भा खड़ा किहेस भी “दर्सी लोगन क पुस्तक” मँ
दर्ज अहइँ। 20मनस्से मरि गवा, अउर उ जगह पइ दफनावा
गवा जहाँ पइ ओकर पूरखन क दफनावा गवा रहा। लोग
मनस्से क ओकर महल मँ दफनाएन। मनस्से क जगह पइ
ओकर पूत आमोन नवा राजा भवा।

यहूदा क राजा आमोन

21आमोन जब यहूदा क राजा भवा, बाईस बरिस क रहा।
उ दुइ बरिस तलक यरूसलेम मँ हुकूमत किहेस। 22ओमोन
ठीक वइसा ही किहेस जइसा ओकर बाप किहे रहा, उ उ
काम किहेस जेका यहोवा बुरा समुझत ह। आमोन सबहिं
खुदी मूरतियन अउ अपने बाप मनस्से क बनाई मूरतियन क
बलि चढ़ाएस। आमोन ओन मूरतियन क लगे निहुरेस अउर
ओनकर पूजा किहस। 23आमोन खुद क अपने बाप मनस्से
क तरह यहोवा क समन्वा विनम्र नाहीं बनाएस। आमोन
जियादा स जियादा पाप करत गवा। 24आमोन क सेवकन
ओकरे बिरुद्ध जोजना बनाएन उ पचे आमोन क ओकरे घरे
मँ मार डाएन। 25मुला यहूदा क लोग ओन सबहिं सेवकन
क मार डाएन जउन राजा आमोन क बिरुद्ध जोजना बनाए
रहेन। तब लोग योसिय्याह क नवा राजा चुनेन। योसिय्याह
आमोन क पूत रहा।

यहूदा क राजा योसिय्याह

34 योसिय्याह जब राजा बना, आठ बरिस क रहा। उ
यरूसलेम मँ इकतीस बरिस तलक राजा रहा।
2योसिय्याह आपन पुरखा दाऊद क तरह उहइ किहस जेका
यहोवा नीक समुझत ह। योसिय्याह दाऊद क राह स नाहीं
मुड़स, न दायाँ अउर न ही बायाँ। उचित काम करइ स नाहीं
हटा। 3जब योसिय्याह आठ बरिस तलक राजा रहि चुका,
तउ उ परमेस्सर क, अपने पुरखा दाऊद क परमेस्सर क
अनुसरण करइ लाग। योसिय्याह लरिका ही रहा जब उ
परमेस्सर क आग्या क पालन सुरू किहस। जब योसिय्याह
राजा क रूप मँ बारह बरिस क भवा, उ ऊँच जगहन,
असेरा खम्भन पइ खुदी मूरतियन अउ यहूदा अउ यरूसलेम
मँ ढरी मूरतियन क नस्ट करब सुरू कइ दिहस। 4लोग
बाल देवतन क वेदियन योसिय्याह क समन्वा तोर दिहन। तब
योसिय्याह ओन सुगन्धित वेदियन क नस्ट कइ डाएन जउन
ओन वेदियन क ऊपर रहेन जउन कि बाल क अर्पित कीन्ह
गए रहेन। उ खुदी भवा अउर ढरी भवा मूरतियन क तोर
डाएन अउर उ ओन मूरतियन क पीस कइ धूरि बनाइ दिहन।
तब योसिय्याह ओन चूरा क ओन लोगन क कब्रन पइ
छिड़केस जउन बाल देवतन क बलि चढ़ावत रहेन। 5योसिय्याह
ओन याजकन क हड्डियन तलक क बारेस जउन अपनी
वेदियन पइ बाल देवतन क सेवा किहे रहेन। इ तरह
योसिय्याह मूरतियन अउ मूरति पूजा क यहूदा अउ यरूसलेम
स नस्ट किहस। 6योसिय्याह इहइ काम मनस्से, एप्रैम,
सिमोन अउ नप्ताली तलक क राज्जन क नगरन मँ किहस।
उ उहइ काम ओन सबइ नजिक क नगरन क खण्डहर संग
किहस। 7योसिय्याह वेदियन अउर असेरा खम्भन क तोर
दिहस। उ मूरतियन क पीटिके चूरा बनाइ दिहस। उ पूरे
इस्राएल देस मँ ओन सुगन्धि वेदियन क काट डाएस जउन
बाल क पूजा मँ काम आवाति रहिन। तब योसिय्याह
यरूसलेम लउट गवा।

8जब योसिय्याह यहूदा क राजा क रुप मँ अपने
अट्ठारहवें बरिस मँ रहा, उ असल्याह क पूत सापान नगर
क प्रमुख मासेयाह अउर योआहाज क पूत लिपिक योआह
क अपने यहोवा परमेस्सर मन्दिर क मरम्मत करइ क बरे
पठएस।

योसिय्याह यहूदा अउर मन्दिर क स्वच्छ रखइ बरे मन्दिर
क फुन मरमत करइ क आदेस दिहस। 9उ सबइ लोग महा
याजक हिल्किय्याह क लगे आएन। उ पचे उ धन ओका
दिहन जउन लोग परमेस्सर क मन्दिर बरे दिहे रहेन।
लेवीबंसी दुआरपालन इ धन मनस्से, एप्रैम अउर बचे सबहिं
इस्राएलियन स बटोरेन। उ पचे इ धन सारे यहूदा, बिन्यामीन
अउर यरूसलेम मँ रहइवाले सबहिं लोगन स भी बटोरेन।
10तब लेवीबंसी ओन मनइयन क इ धन दिहन जउन यहोवा
क मन्दिर क काम क देख-रेख करत रहेन अउर निरीच्छकन
ओन मजदूरन क इ धन दिहन जउन यहोवा क मन्दिर क
फुन बनाइके स्थापित करत रहेन। 11उ पचे बढ़इयन अउ
राज-मिस्तरियन क पहिले स कटी बड़की चट्टानन क
बेसहइ क बरे अउर काठ खरीदइ क बरे धन दिहन। काठे
क उपयोग भवनन क फुन स बनावइ अउ भवन क
सहतीरन क बरे कीन्ह गवा। भूतकाल मँ यहूदा क राजा
मन्दिरन क देखभाल नाहीं करत रहेन। उ सबइ भवनन पुराने
अउर खंडहर होइ गए रहेन। 12लोग बिस्सासपूर्वक काम
किहन। ओनकर निरीच्छक यहत अउ ओबद्याह रहेन। यहत
अउ ओबद्याह लेवीबंसी रहेन अउर उ पचे मरारी क परिवार
स रहेन। दूसर निरीच्छक जकर्याह अउर मसुल्लाम रहेन। उ
पचे कहात क परिवार स रहेन। 13जउन लेवीबंसी संगीत
बाजा बजावइ मँ कुसल रहेन, उ पचे मजदूरन क अउर
दूसर काम करइवाले कर्मचारियन क भी निरीच्छण करत
रहेन। कछू लेवीबंसी सचिव, अधिकारी अउर दुआरपाल क
काम करत रहेन।

व्यवस्था क पुस्तक मिली

14लेवीबंसियन उ धन क निकारेन जउन यहोवा क मन्दिर
मँ रहा। उ समइ याजक हिल्किय्याह यहोवा क व्यवस्था क
उ किताब प्राप्त किहस जउन मूसा क जरिये दिन्ह गइ रही।
15हिल्किय्याह सचिव सापान स कहेस, “मइँ यहोवा क
मन्दिर मँ व्यवस्था क किताब पाएउँ ह।” हिल्किय्याह सापान
क किताब दिहस। 16सापान उ किताब क राजा योसिय्याह
क लगे लिआवा। सापान राजा क खबर दिहस, “तोहरे
सेबक हर काम करत अहइँ जउन तू करइ क कह्या ह।
17उ पचे यहोवा क मन्दिर स धन क निकारेन अउर ओका
निरीच्छकन अउ मजदूरन क देत अहइँ।” 18तब सापान राजा

योसिय्याह स कहेस, “याजक हिल्किय्याह मोका एक ठु
किताब दिहेस ह।” तब सापन राजा क मोजूदगी मँ किताब
स पढ़ेन। 19जब राजा योसिय्याह नेमन क पढ़े जात भए
सुनेस, उ अपने ओढ़ना फार डाएस। 20तब राजा योसिय्याह
हिल्किय्याह, सापान क पूत अहीकाम, मीका क पूत
अब्दोन, सचिव सापान अउ सेवक असायाह क आदेस
दिहेस। 21राजा कहेस, “जा, मोरे बरे अउ इस्राएल अउ
यहूदा मँ जउन लोग बचे अहइँ ओनके बरे यहोवा स याचना
करा। जउन किताब मिली बाटइ ओकरे कथनन क बारे मँ
पूछा। यहोवा हम लोगन पइ बहोत कोहान अहइ काहेकि
हमार पुरखन यहोवा क कथनन क पालन नाहीं किहन। उ
पचे उ सबइ काम नाहीं किहन जउन इ पुस्तक करइ क
कहत ह।”

22हिल्किय्याह अउर राजा क सेवकन नबिया हुल्दा क
लगे गएन, हुल्दा सल्लूम क मेहरारु रही। सल्लूम तोखत
क पूत रहा। तोखत हस्रा क पूत रहा। हस्रा राजा क
ओढ़नन क देखरेख करत रहा। हुल्दा यरूसलेम क नवे
हींसा मँ रहत रही। हिल्किय्याह अउर राजा क सेवक लोग
हुल्दा क सब कछू बताएन जउन होइ चुका रहा। 23हुल्दा
ओनसे कहेस, “इस्राएल क परमेस्सर यहोवा जउन कहत ह
उ इ अहइ: राजा योसिय्याह स कहा: 24यहोवा जउन कहत
ह उ इ अहइ, ‘मइँ इ जगह जउ हिआँ क निवासियन पइ
बिपत्ति डाउब। मइँ सबहिं भयंकर बिपत्तियन क जउन यहूदा
क राजा क समन्ना बाचेउँ किताबे मँ लिखी गई अहइँ,
लिआउब। 25मइँ इ एह बरे करब कि लोग मोका छोड़ेन
अउ दूसर देवतन क बरे सुगन्धि बारेन। ओन लोग उ सबइ
बुरे कामन क कारण जउन उ पचे किहेन मोका किरोधित
किहस। एह बरे मइँ आपन किरोध इ जगह पइ डारब। मोर
किरोध उ आगी क नाईं होइ जेका बुझइ नाहीं जा सकत
ह?’

26“किन्तु यहूदा क राजा योसिय्याह स कहा। उ यहोवा स
पूछइ क बरे तोहका पठएस। इस्राएल क यहोवा परमेस्सर,
‘जउन कथनन क तू कछू समइ पहिले सुन्याह, ओनके बारे
मँ कहत ह: 27योसिय्याह तू पस्चताप किहा अउर तू अपने
क मोर समन्वा बिनम्र किहा। तू मोर समन्वा चिचियाएस जब
तू सुनेस ह कि मइँ इ जगह अउर हिवाँ रहइवालन लोगन
क खिलाफ, बोलेस रहा। एह बरे मइँ तोहार बिन्ती सुनेस
ह। 28मइँ तोहका तोहरे पुरखन क लगे लइ जाब। तू अपनी
कब्र मँ सान्तिपूर्वक जाब्या। तोहका ओन बिपत्तियन मँ स
कउनो भी नाहीं लखइ क पड़िहीं जेनका मइँ इ जगह अउर
हिआँ रहइवाले लोगन पइ लिआउब।’” हिल्किय्याह अउर
राजा क सेवक योसिय्याह क लगे इ सँदेसा लइके लउटेन।

29राजा योसिय्याह अउर यहूदा अउ यरूसलेम क सबहिं
अग्रजन क अपने लगे आवइ अउर मिलइ बरे बोलाएस।
30राजा, यहोवा क मन्दिर मँ गवा। यहूदा क सबहिं लोग,
यरूसलेम मँ रहइवाले लोग, याजक, लेवीबंसी अउर सबहिं
साधारण व असाधारण लोग योसिय्याह क संग रहेन।
योसिय्याह ओन सब क समन्वा उ करार क किताब स
वचन क बाँचेस जउन कि यहोवा क मन्दिर मँ मिली रही।
31तब राजा अपने जगह पइ खड़ा भवा। उ यहोवा क संग
वाचा किहस। उ यहोवा क अनुसरण करइ क अउर यहोवा
क आदेसन, बिधियन अउर नेमन क आपन पूरे हिरदइ अउर
आपन पूरे जान स पालन करइ क वाचा किहस। उ इ
किताब मँ लिखे करार क सब्दन क पालन करइ क सहमत
भवा। 32तब योसिय्याह यरूसलेम अउ बिन्यामीन क सबहिं
लोगन स परमेस्सर क वाचा क स्वीकार करइ क प्रतिग्या
कराएस। यरूसलेम मँ लोग परमेस्सर, ओकर पुरखन क
परमेस्सर क करार क पालन किहन। 33इस्राएल क लोगन
क लगे बहोत स देस क मूरतियन रहिन। योसिय्याह ओन
सबहिं भयानक मूरतियन क नस्ट कइ दिहेन। यहोवा ओन
मूरतियन स घिना करत ह। योसिय्याह इस्राएल क हर एक
मनई क अपने यहोवा परमेस्सर क सेवा मँ पहोंचाएस। जब
तलक योसिय्याह जिअत रहा, लोग पुरखन क यहोवा
परमेस्सर क आग्या क पालन करब बन्द नाहीं किहस।

योसिय्याह फसह पर्व मनावत ह

35 यरूसलेम मँ राजा योसिय्याह यहोवा क बरे फसह
पर्व मनाएस। पहिले महीने क चौदहवें दिन फसह
पर्व क मेमना मारा गवा। 2योसिय्याह आपन आपन कार्य
करइ बरे याजकन क चुनेस। उ याजकन क उत्साहित
किहस, जब उ पचे यहोवा क मन्दिर मँ सेवा करत रहेन।
3योसिय्याह ओन लेवीबंसियन स बातन किहस जउन इस्राएल
क लोगन क उपदेस देत रहेन अउ जउन यहोवा क बरे
पवित्तर बनाए गए रहेन। उ ओन लेवीबंसियन स कहेस:
“पवित्तर सन्दूख क उ मन्दिर मँ रखा जेका दाऊद क पूत,
इस्राएल क राजा सुलैमान बनाए रहा। पवित्तर सन्दूख क
अपने काँधे पइ फुन एक जगह स दूसरे जगह पइ जिन लइ
जा। अब यहोवा आपन परमेस्सर क सेवा करा अउर
परमेस्सर क लोग, इस्राएलियन क सेवा करा। 4अपने क,
अपने परिवार समूहन क अनुसार मन्दिर क सेवा बरे तइयार
करा। ओन कार्यन क करा जेनका राजा दाऊद अउ ओकर
पूत राजा सुलैमान तोहका करइ क निर्देस लिखित रूप मँ
दिहे रहा। 5हरेक परिवार समूहन, पवित्तर ठउर मँ लेविबंसियन
क परिवार समूह क संग खड़ा भवा ताकि तू पचे आपन
देस क बचा भवा लोगन क प्रस्तुत कइ सकब। 6फसह पर्व
क मेमनन क मारा अउर यहोवा क बरे अपने क पवित्तर
करा। मेमनन क अपने भाई इस्राएलियन क बरे तइयार
करा। सब कछू वइसे ही करा जइसा करइ क आदेस
यहोवा मूसा क जरिये दिहे रहा।”

7योसिय्याह इस्राएल क लोगन क तीस हजार भेड़ी-बोकरियन
फसह पर्व क बलि बरे दिहस। उ लोगन क तीन हजार
गोरु भी दिहस। इ सबइ सबहिं जनावर राजा योसिय्याह क
अपने जनावरन मँ स रहेन। 8योसिय्याह क अधिकारियन भी,
स्वेच्छा स लोगन क, याजकन क अउर लेवीबंसियन क
फसह पर्व मँ उपयोग करइ बरे जनावरन अउ चिजियन
दिहन। प्रमुख याजक हिल्किय्याह, जकर्याह अउ यहीएल
मन्दिर क उत्तरदायी अधिकारी रहेन। उ पचे याजकन क दुई
हजार छ: सौ मेमनन अउ बोकरन अउ तीन सौ बर्धन फसह
पर्व बलि क बरे दिहन। 9कोनन्याह भी समायाह, नतनेल
अउ ओकरे भाइयन क संग अउ हसब्याह, यीएल अउ

योजाबाद पाँच सौ भेड़िन-बोकरियन, पाँच सौ बर्धन फसह
पर्व बलि क बरे लेवीबंसियन क दिहन। उ सबइ लोग
लेवीबंसियन क प्रमुख रहेन।

10जब हर एक चीज फसह पर्व क सेवा सुरू करइ स
पहिले तइयार होइ गइ, तउ याजक अउर लेवीबंसी लोग
जगहन पइ गएन। इ उहइ भवा जउन राजा क आदेस रहा।
11फसह पर्व क मेमनन मारे गएन। तब लेवीबंसियन
जनावारन क खाल उतारेन अउ याजकन क रकत दिहन।
याजक लोग रकत क वेदी पइ छिछकारेन। **12**तब उ पचे
जनावरन क अलग अलग परिवार अमूहन क होमबलि मँ
उपयोग क बरे दिहस। इ एह बरे कीन्ह गवा कि होमबलि
उ तरह दीन्ह जाइ सकइ जउने तरह मूसा क नेमन सिखाए
रहेन। **13**लेवीबंसियन फसह पर्व क बलियन क आगी पइ इ
तरह भूँजेन जइसा ओनका आदेस दीन्ह गवा रहा अउर उ
पचे पवित्तर भेटन क हाँड़ी, डेग अउ कड़ाहियन मँ पकाएन।
तब उ पचे लोगन क हाली स माँस दिहन। **14**जब इ पूरा
भवा तब लेवीबंसियन क अपने बरे अउर ओन याजकन क
बरे माँस मिला जउन हारून क संतान रहेन। ओन याजकन
क काम करत करत भए अँधियारा होइ तलक काम मँ
बहोत जियादा लगाए गवा रखा। उ पचे होमबलि अउर
बलिदानन क चर्बी क बारत भए कड़ी मेहनत किहन।
15आसाप क परिवार क लेवीबंसी गायक ओन जगहन पइ
पहोंचेन जेनका राजा दाऊद ओनके खड़े होइ क बरे चुने
रहा। उ पचे आसाप, हेमान अउर राजा क नबी यदूतून रहेन।
हर एक दुआरे पइ दुआरपाल अपनी जगह नाहीं छोड़ सकत
रहेन काहेकि ओनकर लेवीबंसी भाइयन हर एक चीज
ओनके फसह पर्व क बरे तइयार कइ दिहे रहेन।

16उ दिन सब कछू यहोवा क उपासना क बरे वइसा ही
कीन्ह गवा रहा जइसा राजा योसिय्याह आदेस दिहेस। फसह
पर्व क त्यौहार मनावा गवा अउर होमबलि यूहोवा क वेदी
पइ चढ़ाई गइ। **17**इस्राएल क जउन लोग हुवाँ रहेन उ पचे
फसह पर्व मनाएन अउर अखमीरी रोटी क पर्व सात दिन
तलक मनाएस। **18**समूएल नबी दिन स ही फसह पर्व इ तरह
नाहीं मनावा गवा रहा। इस्राएल क कउनो राजा कबहुँ इ
तरह फसह पर्व नाहीं मनाए रहेन। राजा योसिय्याह, याजक,
लेवीबंसी अउर इस्राएल अउ यहूदा क लोग, यरूसलेम मँ
सबहिं लोगन क संग, फसह पर्व क बहोत ही बिसेस रुप
म मनावा। **19**इ फसह पर्व योसिय्याह क राज्जकाल क
अट्ठारहवें बरिस मनावा गवा।

योसिय्याह क मउत

20योसिय्याह जब मन्दिर क ओन अच्छे कामन क कइ
चुका, तउ उ समइ मिस्र क राजा नको जुद्ध करइ बरे
आपन फउज क परात नदी क बगल मँ स्थित कर्कमीस
नगर पइ लइके आवा। नको मिस्र क राजा रहा। राजा
योसिय्याह नको क खिलाफ लड़इ बाहेर निकरा। **21**किन्तु
नको योसिय्याह क लगे दूत पठएस। उ पचे कहेन, "राजा
योसिय्याह, इ जुद्ध तोहरे बरे समस्या नाहीं अहइ। मइँ तोहरे
बिरुद्ध लड़इ नाहीं आवा हउँ। मइँ अपने दुस्ममम स लड़इ
आवा हउँ। परमेस्सर ओका हाली करइ क कहेस ह।
परमेस्सर मोरी कइँती बाटइ एह बरे मोका परेसान करा। जदि
तू मोरे खिलाफ लड़ब्या, परमेस्सर तोहका नस्ट कइ देइ।"
22मुला योसिय्याह हटा नाहीं। उ नको स जुद्ध करइ क
निहचइ किहस, एह बरे उ आपन भेस बदलेस अउ जुद्ध
करइ गवा। योसिय्याह ओका सुनइ स इन्कार कइ दिहस
जउन नको परमेस्सर क आदेस क बारे मँ कहेस। योसिय्याह
मगिद्दो क मइदान मँ जुद्ध करइ गवा। **23**जउने समइ
योसिय्याह जुद्ध मँ रहा, उ बाणन स बेध दीन्ह गवा। उ
अपने सेवकन स कहेस, "मोका दूर लइ चला। मइँ बुरी
तरह घायल हउँ।"

24एह बरे सेवकन योसिय्याह क रथे स बाहेर निकारेन,
अउर ओका दूसरे रथ मँ बइठाएन जेका उ अपने संग जुद्ध
मँ लिआवा रहा। तब उ पचे योसिय्याह क यरूसलेम लइ
गएन। राजा योसिय्याह यरूसलेम मँ मरा। योसिय्याह क हुवाँ
दफनावा गवा जहाँ ओकरे पुरखन दफनाए गए रहेन। यहूदा
अउ यरूसलेम क सबहिं लोग योसिय्याह क मरइ पर बहोत
दु:खी रहेन। **25**यिर्मयाह योसिय्याह क बरे कछू बहोत जियादा
करुण गीत लिखेस अउर गाएस। आग भी सबहिं मेहरारु-मनसेघू
गाएक ओन "करूण गीतन" क गावत हीं। योसिय्याह क
दु:खी क गीतन इस्राएलियन बरे रीति बन गवा। उ पचे गीत
"करूण गीतन" क संग्रह मँ लिखे अहइँ।

26-27दूसर जउन कछू योसिय्याह अपने राज्जकाल मँ,
हुकुमत क सरू स आखीर तलक किहस, उ "यहूदा अउर
इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ
लिखा गवा अहइ। उ किताब यहोवा क बरे ओकर भक्ति
अउर उ यहोवा क नेमन क पालन कइसे किहस, हम
लोगन क बतावत ह।

यहूदा क राजा यहोआहाज

36 यहूदा क लोग यरूसलेम मँ नवा राजा क रूप मँ
योसियाह क पूत यहोआहाज क ताजपोसी किहेस।
2यहोआहाज जब यहूदा क राजा भवा, उ तेईस बरिस क
रहा। उ यरूसलेम मँ तीन महीने राजा रहा। **3**तब मिस्र क
राजा नको यहोआहाज क बन्दी बनाइ लिहस। नको यहूदा
क लोगन क पौने चार टन चाँदी अउ पचहत्तर पौण्ड सोना
दण्डरासि देइ क मजबूर किहस। **4**नको यहोआहाज क भाई
क यहूदा अउ यरूसलेम क नवा राजा होइ क बरे चुनेस।
यहोआहाज क भाई क नाउँ एल्याकीम रहा। तब नको
एल्याकीम क एक नवा नाउँ दिहस। उ ओकर नाउँ
यहोयाकीम रखेस किन्तु नको यहोआहाज क मिस्र लइ
गवा।

यहूदा क राजा यहोआकीम

5यहोआकीम उ समइ पच्चीस बरिस क रहा जब उ
यहूदा क राजा भवा। उ गियारह बरिस तलक यरूसलेम मँ
राजा रहा। यहोयाकीम उहइ किहेस जेका यहोवा बुरा समुझत
अहा। उ अपने यहोवा परमेस्सर क बिरुद्ध पाप किहस।

6बाबेल क राजा नबूकदनेस्सर यहूदा पइ हमला किहस।
उ यहोयाकीम क बन्दी बनाएस अउर ओका काँसे क
जंजीरन मँ डाएस। तब नबूकदनेस्सर राजा यहोयाकीम क

बाबेल लइ गवा। 7नबूकदनेस्सर यहोवा क मन्दिर स कछू
चिजियन लइ गवा। उ ओन चिजियन क बावेल लइ गवा
अउर अपने घर अर्थात राजमहल मँ रखेस। 8यहोयाकीम
जउन दूसर काम किहस, जउन भयंकर पाप उ किहस अउर
हर एक काम जेका करइ क उ अपराधी रहा, इ सबइ
काम "यहूदा अउ इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास"
नाउँ किताबे मँ लिखे अहइँ।

यहोयाकीन, यहोयाकींम क जगह पइ नवा राजा भवा।
यहोयाकीन, यहोयाकीम क पूत रहा।

यहूदा क राजा यहोयाकीन

9यहोयाकीन जब यहूदा क राजा भवा, अट्ठारह बरिस
क रहा। उ यरूसलेम मँ तीन महीने दस दिन राजा रहा। उ
उ सबइ काम किहस जेका यहोवा दुआरा बुरा समुझा जात
रहा। 10बसन्त मँ राजा नबूकदनेस्सर कछू सेवकन क
यहोयाकीन क धरइ क पठएस। उ पचे यहोयाकीन अउ
यहोवा क मन्दिर मँ स कछू कीमती खजाना बाबेल लइ
गएन। नबूकदनेस्सर सिदकिय्याह क यहूदा अउ यरूसलेम क
नवा राजा होइ बरे चुनेस। सिदकिय्याह यहोयाकीन क
सम्बन्धी रहा।

यहूदा क राजा सिदकिय्याह

11सिदकिय्याह जब यहूदा क राजा बना, इक्कीस बरिस
क रहा। उ यरूसलेम मँ गियारह बरिस तलक राजा रहा।
12सिदकिय्याह उहइ किहेस जेका यहोवा दुआर बुरा समुझा
जात रहा। यिर्मयाह नबी यहोवा कइँती स सँदेसन ओका
दिहस मुला उ अपने क बिनम्र नाहीं बनाएस अउर यिर्मयाह
नबी जउन कहेस ओकर पालन नाहीं किहस।

यरूसलेम नेस्त नाबूद भवा

13सिदकिय्याह नबूकदनेस्सर क खिलाफ विद्रोह किहस।
कछू समइ पहिले नबूकदनेस्सर सिदकिय्याह स प्रतिग्या कराए
रहा कि उ नबूकदनेस्सर क बिस्सासपात्र रही। सिदकिय्याह
परमेस्सर क नाउँ लिहस अउर नबूकदनेस्सर क बरे बिस्सासपात्र
बने रहइ क प्रतिग्या किहस मुला सिदकिय्याह बहोत
अड़ियल रहा अउर उ आपन जिन्नगी बदलइ, इस्राएल क
यहोवा परमेस्सर क लगे लउटइ अउ ओकरी आग्या मानइ
स इन्कार कइ दिहस। 14याजकन क सबहिं प्रमुखन अउ
यहूदा क लोगन क प्रमुखन यहोवा क धोखा दिहेस। उ पचे
रास्ट्रन क भयंकर करमन स भी बुरा करम किहस। ओन
प्रमुखन लोगन यहोवा क मन्दिर क अपमान किहेन जेका उ
यरूसलेम मँ अर्पित किहे रहा। 15ओनके पुरखन क यहोवा
परमेस्सर अपने लोगन क चितउनी देइ क बरे बार बार
नबियन क पठएस। यहोवा इ एह बरे किहस कि ओका
ओन पइ कृपालु रही अउर मन्दिर क लिए दुःख रहा।
16किन्तु परमेस्सर क लोगन परमेस्सर क नबियन क मजाक
उड़ाएन। उ पचे परमेस्सर क नबियन क सुनइ स इन्कार
किहेस। उ पचे परमेस्सर क संदेस क नकार दिहेस। आखीर
मँ परमेस्सर अपने लोगन पइ एँतना कोहान कि ओका रोकइ
क बरे कछू भी नाहीं रहा। 17एह बरे परमेस्सर बाबेल क
राजा क यहूदा क लोगन पइ हमला करइ बरे लिआवा।
बाबेल क राजा जुवा मनइयन क मन्दिर मँ होइ प भी मार
डाएस। उ यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन पइ दया नाहीं
किहस। बाबेल क राजा जुवा मनइयन, जुवा मेहररूअन अउ
बूढ़ा मनइयन सबहिं लोगन क मारेस। परमेससर नबूकदनेस्सर
क यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क दण्ड देइ दिहस।
18नबूकदनेस्सर परमेस्सर क मन्दिर क, राजा अउ राजा क
अधिकारियन क सबहिं कीमती चिजियन लइ लिहस।

19नबूकदनेस्सर अउ ओकर फउज मन्दिर क आगी
लगाइ दिहस। उ पचे यरूसलेम क चहारदीवारी गियाइ दिहन
अउर राजा अउ ओकरे अधिकारियन क सबहिं घरन क बार
दिहन। उ पचे यरूसलेम स हर एक कीमती चीज लिहन या
ओका नस्ट कइ दिहन। 20नबूकदनेस्सर एकरे पाछे भी
जिअत बचे लोगन क, बाबुल लइ गवा अउर ओनका दास
होइ क मजबूर किहस। उ सबइ लोग बाबेल मँ दास क
तरह तब तलक रहेन जब तलक फारस क सम्राट बाबेल क
राज्ज क पराजित नाहीं किहस। 21इ तरह यहोवा, इस्राएल क
लोगन क जउन कछू यिर्मयाह नबी स कहवावा, उ सबइ
ठीक घटित भवा। यहोवा यिर्मयाह क जरिये कहे रहा: "इ
जगह सत्तर बरिस तलक सूनी अउ उजाड़ देस रही। इ भूइँया
क सबइ सबित विस्राम क खुसी मनावइ बरे होइ जेका
लोग नाहीं किहे रहा।"

22इ तब पहिले बरिस भवा जब फारस क राजा कुस्रू
हुकूमत करत रहा। यहोवा कुस्रू क हिरदइ क एक खास
प्रायस्चित करइ बरे उत्तेजित किहेस ताकि जउन कछू यहोवा
यिर्मयाह नबी क माध्यम स कहेस सबइ घटित सकतेन।
जेहसे उ आदेस लिखेस अउर अपने राज्ज मँ हर एक जगह
पइ पठएस:

23फारस क राजा कुस्रू इहइ कहत ह: सरग क
परमेस्सर यहोवा मोका पूरी पृथ्वी क राजा बनाएस ह। उ
मोका अपने बरे एक मन्दिर यरूसलेम मँ बनावइ क
जिम्मेदारी दिहस ह। अब तू सबहिं जउन परमेस्सर क
लोग अहा, यरूसलेम जाइ क बरे अजाद हवा। यहोवा
परमेस्सर तोहरे संग होइ।

पहिला इतिहास

आदम स नूह तलक परिवारे क इतिहास

1 1-3आदम, सेत, एनोस, केनान, महललेल, येरेद, हनोक, मतूसेलह, लेमेक, नूह।
4नूह क पूत सेम, हाम अउ येपेत रहेन।

येपेत क सन्तानन

5येपेत क पूत गोमेर, मागोग, मादै, याबान, तूबल मेसेक अउर तीरास रहेन।
6गोमेर क पूत असकनज, दीपत अउ तोगर्मा रहेन।
7यावान क पूत एलीसा, तर्सीस, कित्ती अउर रोदानी रहेन।

हाम क सन्तानन

8हाम क पूत कूस (मिस्त्रम), पूत अउ कनान रहेन।
9कूस क पूत सबा, हबीला, सबाता, रामा अउर राब्तका रहेन। रामा क पूत सबा अउ ददान रहेन। 10कूस क संतान निम्रोद संसार मँ सब स जियादा सक्तीसाली बीर जोधा भवा।
11मिस्त्र लूदी, अनामी, लहावी, नप्तही, 12पत्रूसी, कसलूही अउ कप्तोरी क बाप रहा। (पलिस्ती क लोग कसलूही क संतान रहेन।)
13कनान सीदोन क बाप रहा। सीदोन ओकर पहिला पूत रहा। कनान, हित्तियन, 14यबूसी एमोरी, गिर्गासी, 15हिव्वी, अर्की, सीनी, 16अर्वदी, समारी अउ हमाती क लोगन क भी बाप रहा।

सेम क सन्तानन

17सेम क पूतन एलाम, अस्सूर, अर्पच्छद, लूद अउर अराम रहेन। अराम क पूत ऊस, हूल, गेतेर अउ मेसेक रहेन। 18अर्पच्छद सेलह क बाप रहा। सेलह एबेर क पिता रहा।
19एबेर क दुइ पूत रहेन। एक ठु पूत क नाउँ पेलेग रहा, काहेकि धरती क मनई ओकरे जीवनकाल मँ कइउ भाखन मँ बटे रहेन। पलेग क भाई क नाउँ योक्तान रहा। (20योक्तान स पइदा भए अल्मोदाद, सुलेप, हसर्मवित, येरह, 21हदोराम, ऊजाल, दिक्ला, 22एबाल, अबीमाएल, सबा, 23ओपीर, हवीला अउ योबाब, इ सबइ सब योक्तान क सन्तान रहेन।)

इब्राहीम क परिवार

सेम क सन्तानन

24सेम, अर्पच्छद, सेलह, 25एबेर, पेलेग, रु 26सरूम, नाहोर, तेरह 27अउर अब्राम (अब्राम क इब्राहीम भी कहा जात ह।)

28इब्राहीम क पूत इसहाक अउर इस्माएल रहेन। 29इ सबइ एकर सन्तान अहइँ:

हाजिरा क सन्तानन

इस्माएल क पहिला पूत नबायोत रहा। इस्माएल क दूसर पूत केदार, अदवेल, मिबसाम, 30मिस्मा, दूमा, मस्सा, हदद, तेमा, 31यतूर नापीस अउ केदमा रहेन। उ सबइ इस्माएल क पूत रहेन।

कतूरा क पूतन

32कतूरा इब्राहीम क रखैल रही। उ जिम्रान, योच्छान, मदान, मिद्यान, यिसबाक अउ सूह क जन्म दिहस।
योच्छान क पूत सबा अउ ददान रहेन।
33मिद्यान क पूत एपा, एपेर, हनोक, अबीदा अउर एलदा रहेन। इ सबहिं कतूरा क पूत रहेन।

सारा क पूतन

34इब्राहीम इसहाक क बाप रहा। इसहाक क पूत एसाव अउ इस्राएल रहेन। 35एसाव क पूत एलीपज, रुएल, यूस यालाम अउर कोरह रहेन।
36एलीपज क पूत तेमान, ओमार, सपी, गाताम अउर कनज रहेन। एलीपज अउ तिम्ना क पूत अमोलेक नाउँ क रहा। 37रूएल क पूत नहत, जेरह, सम्मा अउ मिज्जा रहेन।

सेईर क एदोमी

38सेईर क पूत लोतान, सोबाल, सिबोन, अना, दीसोन, एसेर अउ दीसान रहेन।
39लोतान क पूत होरी अउ होमाम रहेन। लोतान क एक बहिन तिम्ना नाउँ क रही।
40सोबाल क पूत अल्यान, मानहत, एबाल, सपी अउर ओनाम रहेन। सिबोन क पूत अय्या अउ अना रहेन।
41अना क पूत दीसोन रहा।
दीसोन क पूत हम्रान, एसबान, यित्रान अउ करान रहेन।
42एसेर क पूत बिल्हान, जावान अउ याकान रहेन।
दीसोन क पूत ऊस अउ अरान रहेन।

एदोम क राजा

43इस्राएल मँ राजा लोगन क होइ क बहोत पहिले एदोम मँ राजा रहेन। एदोम क राजा लोगन क नाउँ इ सबइ अहइँ:
ओनकर नाउँ रहेन: बोर क पूत बेला पहिला राजा रहेन। बेला क नगर क नाउँ दिन्हाबा रहा।

44जब बेलाा मरा, तब जेरह क पूत योबाब नवा राजा बना। योबाब बोस्रा स आएस।

45जब योबाब मरा, हूसाम नवा राजा भवा। हूसाम तेमनी लोगन क देस क रहा।

46जब हूसाम मरा, बदद क पूत हदद नवा राजा बना। हदद मिद्यानियन क मोआब देस मँ हराएस। हदद नगर क नाउँ अवीत रहा।

47जब हदद मरा, सम्ला नवा राजा भवा। सम्ला मस्रेकाइ क रहा।

48जब सम्ला मरा, साऊल नवा राजा बना। साऊल महानद क किनारे क रहोबोत क रहा।

49जब साऊल मरा, अकबोर क पूत बाल्हानान नवा राजा भवा।

50जब बाल्हानान मरा, हदद नवा राजा बना। हदद क नगर क नाउँ पउ रहा। हदद क मेहरारु क नाउँ महेतबेल रहा। महेतबेल मत्रेद क बिटिया रही। मत्रेद, मेज़ाहाब क बिटिया रही। **51**तब हदद मरा।

एदोम क प्रमुख तिम्ना, अल्या, यतेत, **52**ओहोलीवामा, एला, पीनोन, **53**कनज, तेमान,मिबसार, **54**मग्दीएल अउर ईराम रहेन। इ एदोम क प्रमुखन क एक ठु सूची अहइ।

इस्राएल क पूतन

2 इस्राएल क पूत रुबेन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, जबूलून, **2**दान, यूसुफ, बिन्यामीन, नप्ताली, गाद अउर आसेर रहेन।

यहूदो क पूतन

3यहूदा क पूत एर, ओनान अउ सेला रहेन। बतसू ओनकर महतारी रही। बतसू कनान क मेहरारु रही। यहोवा लखेस कि यहूदा क पहिला पूत एर बुरा अहइ। इहइ कारण रहा। कि यहोवा ओका मार डाएल। **4**यहूदा क पतोहू तामार पेरेस अउ जेरह क जन्म दिहस। इहइ प्रकार यहूदा क पाँच पूत रहेन।

5पेरेस क पूत हेस्रोन अउ हामूल रहेन।

6जेरह क पाचँ पूत रहेन। उ पचे जिम्री, एतान हेमान, कलकोल अउ दारा रहेन।

7जिम्री क पूत कर्मी रहा। कर्मी क पूत आकान रहा। आकान उ मनई रहा जउन इस्राएल मँ बहोत परीसानी लाएस। उ लूट क सामान जउन जुद्ध मँ पाएस रख लिहेस। ओका इ सबहिं चिजियन क परमेस्सर क देइ क रही।

8एतान क पूत अजर्याह रहा। **9**हेस्रोन क पूत यरहोल राम अउ कालेब रहेन।

राम क सन्तान

10राम अम्मीनादाब क बाप रहा अउर अम्मीनादाब नहसोन क बाप रहा। नहसोन यहूदा क लोगन क प्रमुख रहा। **11**नहसोन सल्मा क बाप रहा। सल्मा बोअज़ क बाप रहा। **12**बोअज़ ओबेद क बाप रहा। ओबेद यिसै क बाप रहा। **13**यिसै एलीआब क बाप रहा। एलीआब यिसै क पहिला पूत रहा। यिसै क दूसर पूत अबीनादाब रहा। ओकर तीसर पूत सिमा रहा। **14**नतनेल यिसै क चउथा पूत रहा। यिसै क पाँचवा पूत रद्दै रहा। **15**ओसेम यिसै क छठा पूत रहा। अउर दाऊद ओकर सातवाँ पूत रहा। **16**ओनकर बहिनियन सरुयाह अउ अबीगैल रहिन। सरुयाह क तीन पूत अबीसै, योआब अउ असाहेल रहेन। **17**अबीगैल अमासा क महतारी रही। अमासा क बाप येतेर रहा। येतेर इस्माएली लोगन मँ स रहा।

कालेब क सन्तान

18कालेब हेस्रोन क पूत रहा। कालेब क मेहरारु अजूबा स सन्तानन भइन। अजूबा यरीओत क बिटिया रही। अजूबा क पूत येसेर सोबाब, अउर अर्दोन रहेन। **19**जब अजूबा मरी, कालेब एप्रात स बियाह किहस, कालेब अउ एप्रात क एक पूत रहा। उ पचे ओकर नाउँ हूर रखेन। **20**हूर ऊरी क बाप रहा। ऊरी बसलेल का बापर रहा।

21जब हेस्रोन साठ बरिस क होइ गवा, उ माकीर क बिटिया क सादी किहस अउर उ सगूब क जन्म दिहस। माकीर गिलाद क पिता रहा। **22**सगूब याईर क बाप रहा। याईर क लगे गिलाद देस मँ तेईस नगरन रहेन। **23**किन्तु गसूर अउ अराम याईर क गाँवन क लइ लिहस। ओनके बीच कनत अउ एकरे चारिहुँ कइँती क नान्ह नगर रहेन। सब मिलाइके साठ नान्ह नगर रहेन। इ सबइ सबहिं नगर गिलाद क बाप माकीर, क पूतन क रहेन।

24हेस्रोन, एप्राता क कालेब नगर मँ मरा। जब उ मर गवा, ओकर मेहरारु अबिय्याह ओकरे पूत क जन्म दिहस। पूत क नाउँ असहूर रहा। असहूर तको क बाप रहा।

यरहोल क सन्तान

25यरहोल हेस्रोन क पहिला पूत रहा। यरहोल क पूत राम, बूना, ओरेन, ओसेम, अउ अहिय्याह रहेन। राम यरहोल क पहिला पूत रहा। **26**यरहोल क दूसर मेहरारु अतारा रही। अतरा ओनाम क महतारी रही।

27यरहोल क पहिला पूत, राम क पूत मास, यामीन अउ एकेर रहेन।

28ओनाम क पूत सम्मै अउ यादा रहेन। सम्मै क पूत नदाब अउ अबीसूर रहेन।

29अबीसूर क मेहरारु क नाउँ अबीहैल रहा। ओनकर दुइ पूत रहेन। ओनकर नाउँ अहबान अउर मोलीद रहेन।

30नादाब क पूत सेलेद अउ अप्पैम रहेन। सेलेद बिना सन्तान मरा।

31अप्पैम क पूत यिसी रहा। यिसी क पूत सेसान रहा। सेसान क पूत अहलै रहा।

32यादा सम्मै क भाई रहा। यादा क पूत येतेर अउ योनातान रहेन। येतेर बिना सन्तान मरा।

33योनातान क पूत पेलेत अउ जाजा रहेन। इ यरहोल क सन्तानन क सूची रही।

34सेसान क पूत नाहीं रहेन। ओका सिरिप बिटियन रहिन। सेसान क लगे यर्हा नाउँ क एक ठु मिस्री सेवक रहा। **35**सेसान अपनी बिटिया क बियाह यर्हा क संग होइ दिहस। ओनकर एक पूत रहा। ओकर नाउँ अत्तै रहा।

36अतै, नातान क बाप रहा। नातान जाबाद क बाप
रहा। 37जाबाद एपलाल क बाप रहा। एपलाल ओबेद क
बाप रहा। 38ओबेद येहू क बाप रहा। येहू अजर्याह क बाप
रहा। 39अजर्याह हेलैस क बाप रहा। हेलैस एलासा क बाप
रहा। 40एलासा सिस्मै क बाप रहा। सिस्मै सल्लूम क बाप
रहा। 41सल्लूम यकम्याह क बाप रहा अउ यकम्याह
एलीसामा क बाप रहा।

कालेब क परिवार

42कालेब यरहोल क भाई रहा। कालेब क कछू पूत
रहेन। ओकर पहिला पूत मेसा रहा। मेसा जीप क बाप रहा।
मारेसा हेब्रोन क बाप रहा।
43हेब्रोन क पूत कोरह, तप्पूह, रेकेम अउर सेमा रहेन।
44सेमा, रहम योर्काम क बाप रहा। रहम योर्काम क बाप
रहा। रेकेम सम्मै क बाप रहा। 45सम्मै क पूत माओन रहा।
माओन बेत्सूर क बाप रहा।
46कालेब क रखैल क नाउँ एपा रहा। एपा हारान, मोसा
अउर गाजेज़ क महतारी रही। हारान, गाजेज़ क बाप रहा।
47याहदै क पूत रेगेम, योताम, गेसान, पेलेत, एपा अउर
साप रहेन।
48माका, कालेब क दूसर रखैल रही। माका, सेबेर अउ
तिर्हाना क महतारी रही। 49माका, साप अउ सबा क भी
महतारी रही। साप, मदमन्ना क बाप रहा। सबा, मकबेना
अउर गिबा क बाप रहा। कालेब क बिटिया अकसा रही।
50इ कालेब सन्तान न क सूची अहइ: हूर कालेब क
पहिला पूत रहा। उ एप्राता क जन्म दिहेस। हूर क पूत
सोबाल जउन किर्यत्यारीम क संस्थापक रहा, 51सल्मा, जउन
बेतलेहेम क संस्थापक रहा। अउर हारेप बेतगादेर क
संस्थापक रहा।
52सोबाल किर्यत्यारीम क संस्थापक रहा। इ सोबाल क
सन्तानन क सूची अहइ: हारोए, मनुहोत क आधे लोग,
53अउर किर्यत्यारीम क परिवार समूह। इ सबइ यित्री, पूती,
सूमाती अउर मिस्राई लोग अहइँ। सोराई अउ एस्ताओली
लोग मिस्राई लोगन स निकरेन।
54इ सल्मा क सन्तानन क सूची अहइ: बेतलेहेम क
लोग, नतोपाई, अत्रोत, बेत्योआब, ममाहत क आधे लोग,
सोरी लोग, 55अउर ओन सास्त्रियन क परिवार जउन याबेस,
तिराती, सिमाती अउर सूकाती मँ रहत रहेन। इ सबइ सास्त्री,
उ सबइ कनानी लोग अहइँ जउन हम्मत स आएन। हम्मत
बेतरेकाब क संस्थापक रहा।

दाऊद क पूतन

3 दाऊद क कछू पूत हेब्रोन नगर मँ पइदा भए रहेन।
दाऊद क पूतन क इ सूची अहइ(
दाऊद क पहिला पूत अम्मोन रहा। अम्मोन क महतारी
अहीनोअम रही। उ यिज्रेली नगर क रही। दूसर पूत
दानिय्येल रहा। ओकर महतारी अबीगैल-कर्मेल (यहूदा) क
रही 2तीसर पूत अबसालोम रहा। ओकर महतारी तल्मै क
बिटिया माका रही तल्मै गसूर क राजा रहा। चउथा पूत
ओदानिय्याह रहा। ओकर महतारी हग्गीत रही।
3पाँचवा पूत सपत्याह रहा। ओकर महतारी अबीतल रही।
छठा पूत यित्राम रहा। ओकर महतारी दाऊद क मेहरारु
एग्ला रही। 4हेब्रोन मँ दाऊद क इ सबइ छ: पूत पइदा भए
रहेन।
दाऊद हुवाँ सात बरिस छ: महीने सासन किहस। दाऊद,
यरुसलेम मँ तैंतीस बरिस राजा रहा।
5दाऊद क यरुसलेम मँ पइदा भए पूत इ सबइ रहेन:
चार बच्चे बतसेबा स पइदा भएन। बतसेबा अम्मीएल क
बिटिया रही, सिमा, सोबाब, नातान अउ सुलैमान। 6-8दूसर
नौ बच्चन इ सबइ रहेन: यिभार, एलीसामा, एलीपेलेत,
नेगाह, नेपेग, यापी, एलीसामा, एल्यादा अउर एलीपेलेत। 9उ
सबइ सबहिं दाऊद क पूत रहेन। दाऊद क दूसर पूत रखैलन
स रहेन। तामार दाऊद क बिटिया रही।

दाऊद क समइ क पाछे क यहूदा क राजा

10सुलैमान क पूत रहबाम रहा अउर रहाबाम क पूत
अबिय्याह रहा। अबिय्याह क पूत आसा रहा। आसा क पूत
यहोसापात रहा। 11यहोसापात क पूत योराम रहा। योराम क
पूत अहजयाह रहा। अहजयाह क पूत योआस रहा। 12योआस
क पूत अमस्याह रहा। अमस्याह क पूत अर्ज्याह रहा।
अर्ज्याह क पूत योताम रहा। 13योताम क पूत आहाज़ रहा।
आहाज़ क पूत हिजकिय्याह रहा हिजकिय्याह क पूत मनस्से
रहा। 14मनस्से क पूत आमोन रहा। आमोन क पूत
योसिय्याह रहा।
15योसिय्याह क पूतन क सूची इ अहइ: पहिला पूत
योहानान रहा। दूसर पूत यहोयाकीम रहा। तीसर पूत सिदकिय्याह
रहा। चउथा पूत सल्लूम रहा।
16यहोयाकीम क पूत यकोन्याह, अउर ओकर पूत
सिदकिय्याह रहेन।

बाबुल क जरिये यहूदा क हराइ दिहे क पाछे क दाऊद क बंसवली

17यकोन्याह क बाबुल मँ बन्दी होइ क पाछे यकोन्याह
क पूतन क इ सूची अहइ। ओकर सन्तानन इ सबइ रहिन:
सालतीएल, 18मल्कीराम, पदायाह, सेनास्सर, यकम्याह, होरामा
अउर नदब्याह।
19पदायाह क पूत जरुब्बावेल अउ सिमी रहेन। जरुब्बावेल
क पूत मसुल्लाम अउ हन्नयाह रहेन। सलोमीत ओनकर
बहिन रही। 20जरुब्बाबेल क दूसर पाँच पूत भी रहेन।
ओनकर नाउँ हसूबा, ओहेल, बेरेक्याह, हसघाह, अउर
यूसमेसेद रहा।
21हनन्याह क सन्तानन: हनन्याह क पूत पलत्याह, पलत्याह
क पूत यसायाह, यसायाह क पूत रपायाह, रपायाह क पूत
अर्नान, अर्नान क पूत ओबद्याह अउर ओबद्याह क पूत
सकन्याह रहा।
22इ सूची तकन्याह क सन्तान समायाह क अहइ:
समायाह क छ: पूत रहेन: समायाह, हत्तूस अउर यिगाल,
बारीह, नार्याह अउर सपात।
23नार्याह क तीन पूत रहेन। उ पचे एल्योएनै, हिजकिय्याह
अउ अजीकाम रहेन।

24एल्योएनै क साप पूत रहेन। होदब्याह, एल्यासीब, पलायाह, अक्कूब, योहानान, दलायाह अउ अनानी रहेन

यहूदा क दूसर परिवार समूह

4 इ यहूदा क पूतन क सूची अहइ: उ पचे पेरेस, हेस्रोन, कर्मी हूर अउ सोबाल रहेन।

2सोबाल क पूत रायाह रहा। रायाह, यहत क बाप रहा। यहत, अहूमै अउ लहद क बाप रहा। सोराई लोग अहूमै अउ लहद क सन्तान रहेन।

3एताम क पूत यिज्रेल, यिस्मा, अउ यिद्वास रहेन अउर ओनकर एक बहिन हस्सलेलपोनी नाउँ क रहा।

4पनूएल गदोर क बाप रहा अउर एजेर रुसा क बाप रहा।

हूर क इ सबइ पूत रहेन: हूर एप्राता क पहिला पूर रहा अउर एप्राता बेतलहेम क संस्थापक रहा।

5तको क बाप असहूर रहा। तको क दुइ पत्नियन रहिन। ओनकर नाउँ हेबा अउ नारा रहा। 6नारा क अहुज्जाम, हेपेर, तेमनी अउ हाहस्तारी पूत रहेन। इ सबइ असहूर स नारा क पूत रहेन। 7हेला क पूत सेरेत, यिसहर अउ एत्नान अउ कोस रहेन। 8कोस आनूब अउ सोबेबा क बाप रहा। कोस, अहर्हेल परिवार समूह क भी बाप रहा। अहर्हेल हारून क पूत रहा।

9याबेस बहोत नीक मनई रहा। उ अपने भाइयन स जियादा आदरणीय रहा। ओकर महतारी कहेस, "मइँ ओकर नाउँ याबेस धरेउँ ह काहेकि मइँ उ समइ बड़ी पीरा मँ रही जब मइँ एका जन्म दिहेउ।" 10याबेस इस्राएल क परमेस्सर स पराथना किहस। याबेस कहेस, "मइँ चाहत हउँ कि तू मोका फुरइ आसीर्बाद द्या। मइँ चाहत हउँ कि तू मोका जियादा भुइँया द्या। मोरे निचके रहइँ अउर कउनो क मोका चोट न पहोंचावइ देइँ। तब मोका कउनो कस्ट नाहीं होइ" अउर परमेस्सर याबेस क उ दिहस, जउन उ माँगेस।

11कलूब सूहा क भाई रहा। कलूब महीर क बाप रहा। महीर एसतोन क बाप रहा। 12एसतोन, बेतरामा, पासेह अउ तहिन्ना क बाप रहा। तहिन्ना ईर्नाहास क बाप रहा। उ सबइ लोग रेका स रहेन।

13कनज क पूत ओत्नीएल अउ सरायाह रहेन। ओत्नीएल क पूत हतत अउ ओनोतै रहेन। 14मोनोतै ओप्रा क बाप रहा। अउर सरायाह योआब क बाप रहा। योआब गेहरासीम क संस्थापक रहा। इ सबइ लोग इ नाउँ क उपयोग करत रहेन काहेकि उ पचे कारीगर रहेन।

15कालेब यपुन्ने क पूत रहा। कालेब क पूत इरू, एला अउ नाम रहेन। एला क पूत कनज रहा।

16यहल्लेल क पूत जीप, जीपा, तीरया अउ असरेल रहेन।

17-18एज्रा क पूत येतेर, मेरेद, एपेर अउ यालोन रहेन। मेरेद, मिर्य्याम, सम्मै अउ यिसबह क बाप रहा। यिसबह, एसतमो क बाप रहा। मेरेद क एक मेहरारु मिस्र क रही। ओकर पूत येरेद, हेबेर, अउर यकूतीएल रहेन। येरेद गदोर क बाप रहा। हेबेर सोको क बाप रहा अउर यकूतीएल जानोह क बाप रहा। इ सबइ बित्या क पूत रहेन। बित्या फिरौन क बिटिया रही। उ मिस्र क मेरेद क पत्नी रही।

19मेरेद क मेहरारु नहम क बहिन रही। मेरेद क मेहरारु यहूदा क रही। मेरेद क मेहरारु क पूत कीला अउ एसतमो क बाप रहेन। कीला गेरेमी लोगन मँ स रहा अउ एसतमो माकाई लोगन मँ स रहा। 20सिमोन क पूत अम्मोन, रिन्ना बेन्हानान अउ तोलोन रहेन।

यिसी क पूत जोहेत अउर बेनजोहेत रहेन।

21-22सेला यहूदा क पूत रहा। सेला क पूत एर, लादा, योकीम, कोर्जवा क लोग, योआस, अउर साराप रहेन। एर लेका क बाप रहा। लदा मारेसा क बाप रहा अउर बेतेआसबे क सन कारीगरन क परिवार समूह क रहा। यआस अउ साराप मोआबी मेहररुअन स बियाह किहस। तब उ पचे बेतलेहेम क लउट आएन। उ परिवार क बारे मँ लिखी गई सामग्री बहोत पुरानी अहइ। 23सेला उ सबइ पूत अइसे कारीगर रहेन जउन माटी स चिजियन बनावत रहेन। उ पचे नताईम अउ गदेरा मँ रहत रहेन। उ पचे ओन नगरन मँ रहत रहेन अउर राजा बरे काम करत रहेन।

सिमोन क गदेलन

24सिमोन क पूत, नमूएल, यामीन, यारीब, जेरह अउर साऊल रहेन। 25साऊल क पूत सल्लूम रहा। सल्लूम क पूत मिबसाम रहा। मिबसाम क पूत मिस्मा रहा।

26मिस्मा क पूत हम्मूएल रहा। हम्मूएल क पूत जक्कूर रहा। जक्कूर क पूत सिमी रहा। 27सिमी क सोलह पूत अउ छ: बिटियन रहिन। किन्तु सिमी क भाइयन क जियादा बच्चन नाहीं रहेन। सिमी क भाइयन क बड़के परिवार नाहीं रहेन। ओनकर परिवार ओतने बड़े नाहीं रहेन जेतने बड़के यहूदा क दूसर परिवार समूह रहेन।

28सिमी क बच्चन बेर्सना, मोलादा, हसर्सूआल, 29बिल्हा, एसेम, तोलाद, 30बतूएल होर्मा, सिकलग, 31बेत मर्काबोत, हसर्सूसीम, बेतबिरी, अउर सारैम मँ रहत रहेन। उ पचे ओन नगरन मँ तब तलक रहेन जब तलक दाऊद राजा नाहीं भवा। 32एन नगरन क समीप क पाँच गाँव एताम, ऐन, रिम्मोन, तोकेन अउ आसान रहेन। 33दूसर गाँव जइसे बाल बहोत दूर रहेन अउर उ पचे अपने परिवार क इतिहास भी लिखेन। 34-38इ सूची ओन लोगन क अहइ जउन अपने परिवार समूह क प्रमुख रहेन। उ पचे मसोबाब, यम्लेक, अमस्याह क पूत योसा, योएल, योसिय्याह क पूत येहू, सरायाह क पूत योसिय्याह, असीएल क पूत सरायाह, एल्योएनै, याकोबा, यसोहायाह, असायाह, अदीएल, यसीमीएल, बनायाह अउर सिपी क पूत जीजा रहेन। सिपी अल्लोल क पूत रहा। अउर अल्लोन यदायाह क पूत रहा। यदायाह सिम्री क पूत रहा। अउर सिम्री समायाह क पूत रहा।

एन मनसेधुअन क इ सबइ परिवार बहोत विस्तृत भएन। 39उ पचे गदोर नगर क बाहेर, घाटी क पूरब क छेत्र मँ गएन। उ पचे अपनी भेड़िन अउर गोरुअन बरे चरागाह हेरइ बरे उ जगह पइ गएन। 40ओनका बहोत घासवाले अच्छे मैदान मिलेन। उ पचे हुँवा बहोत जियादा अच्छी भुइँया पाएन। उ पहँटा सान्तिपूर्ण अउ सान्त रहा। पुराने जमाने मँ हिआँ हम लोगन क सन्तानन रहत रहिन। 41इ तब भवा जब हिजकिय्याह यहूदा क राजा रहा। उ पचे लोग गदोर

पहोंचेन अउर हमीत लोगन स लड़ेन। उ पचे हमीत लोगन क डेरन क नस्ट कइ दिहन। उ सबइ लोग मूनी लोगन स भी लड़ेन जउन हुवाँ रहत रहेन। एन लोग सबहिं मूनी लोगन क नस्ट कइ डाएन। आजु भी एन जगहन मँ कउनो मूनी नाहीं अहइँ। एह बरे ओन लोग हुँवा रहब सुरु किहन। उ पचे हुवाँ रहइ लागेन। काहेकि ओनकर भेड़ियन बरे उ भुइया पइ घास रही। **42**पाँच सौ लोग सिमोनी लोगन सिमोनी क पर्वत क छेत्र मँ गएन। सिसी क पूतन ओन लोगन क मार्ग दर्सन किहन। उ पचे पूतन रहेन: पलत्याह, नार्याह, रपायाह अउर उज्जीएल रहेन। सिमोनी लोग उ जगह पइ रहइवाले लोगन स लड़ेन। **43**हुवाँ अबहिं थोड़े स सिरिफ अमेलेकी लोग रहत रहेन अउर एन सिमोनी लोग ओनका मारि दिहन अउर हुवाँ आजु तलक लगातार रहत आवत हीं।

रूबेन क सन्तानन

5 **1-3**रूबेन इस्राएल क पहिला पूत रहा। रूबेन क सब स बड़के पूत होइ क बिसेस अधिकार प्राप्त होइ चाही रही। किन्तु रूबेन अपने बाप क पत्नी क संग सरीर क सम्बन्ध कायम किहस। एह बरे उ सबइ अधिकार यूसुफ क पूतन पाएन। परिवार क इतिहास मँ रूबेन क नाउँ पहिले पूत क रूप मँ लिखा नाहीं अहइ। यहूदा अपने भाइयन स जियादा बलवान होइ गवा, एह बरे ओकरे परिवार स प्रमुख आएन। किन्तु यूसुफ क परिवार उ सबइ दूसर अधिकार पाएन। जउन सब स बड़के पूत क मिलत रहिन। रूबेन क पूत हनोक, पल्लू अउर हेस्रोन अउ कर्मी रहेन।

4योएल क सन्तानन क नाउँ इ सबइ अहइँ: समायाह योएल क पूत रहा। गोग समायाह क पूत रहा। सिमी गोग क पूत रहा। **5**मीका सिमी क पूत रहा। रायाह मीका क पूत रहा। बाल रायाह क पूत रहा। **6**बेरा बाल क पूत रहा। अस्सूर क राजा तिलगत पिलनेसेर बेरा क आपन घर तजइ क मजबूर किहन। इ तरह बेरा राजा क बन्दी बना। बेरा रूबेन क परिवार समूह क प्रमुख रहा।

7योएल क भाइयन अउर ओकरे सारे परिवार समूहन क वइसे ही लिखा जात अहइ जइसे उ पचे परिवार क इतिहास मँ अहइँ: यीएल पहिला पूत रहा, तब जकर्याह **8**अउ बेला अजाज क पूत रहा। अजाज सेमा क पूत रहा। सेमा योएल क पूत रहा। उ पचे अरोएर स लगातार नबो अउर बाल्मोन तलक क छेत्रन मँ रहत रहेन। **9**बेला क लोग पूरब मँ परात नदी क लगे, रेगिस्ताने क किनारे तलक रहत रहेन। उ पचे उ जगह पइ रहत रहेन काहेकि गिलाद प्रदेस मँ ओनके लगे बहोत स बर्धा रहेन। **10**जब साऊल राजा रहा, बेला क लोग हाग्री लोगन क खिलाफ जुद्ध किहन अउ ओनका हराएन। बेला क लोग ओन खेमन मँ रहेन जउन हाग्री लोगन क रहेन। उ पचे ओन खेमन मँ रहेन अउर गिलाद क पूरब क सारे छेत्र स होइके जात्रा करत रहेन।

गाद क सन्तानन

11गाद क परिवार समूह क लोग रूबेन क परिवार समूह क लगे रहत रहेन। गादी लोग बासान क छेत्र मँ लगातार सल्का नगर तलक रहत रहेन। **12**बासान मँ योएल पहिला प्रमुख रहा। सापम दूसरा प्रमुख रहा। तब यानै प्रमुख भवा। **13**ओकर परिवार स सात भाई इ सबइ रहेन: मीकाएल, मसुल्लाम, सेबा, योरै, याकान जी अउर एबेर। **14**उ सबइ लोग अबीहैल क सन्तान रहेन। अबीहैल सूरी क पूत रहा। हूरी याराह क पूत रहा। योराह गिलाद क पूत रहा। गिलाद मीकाएल क पूत रहा। मीकाएल यसीसै क पूत रहा। यसीसै यहदो क पूत रहा। यहदों बूज क पूत रहा। **15**अही अब्दीएल क पूत रहा। अब्दीएल गूनी क पूत रहा। अही ओनके परिवार क प्रमुख रहा।

16गाद क परिवार समूह क लोग गिलाद छेत्र मँ रहत रहेन। उ पचे बासान छेत्र मँ बासान क चारिहुँ कइँती क नान्ह नगरन मँ अउ सारोन छेत्र क चारागाहन मँ ओकरी चउहद्दी तलक निवास करत रहेन।

17योनातान अउ यारोबाम क समइ मँ, एन सबहिं लोगन क नाउँ गाद क परिवार इतिहास मँ लिखे रहेन। योनातन यहूदा क राजा रहा। अउर यारोबान इस्राएल क राजा रहा।

जुद्ध मँ निपुण कछू फउजी

18मनस्से क परिवार क आधे तथा रूबेन अउ गाद क परिवार समूहन स चौवालीस हजार सात सौ साठ वीर जोधा जुद्ध क बरे तइयार रहेन। उ पचे जुद्ध मँ निपुण रहेन। उ पचे ढार-तरवार धारण अउ करत रहेन। उ पचे धुनुस-बाण मँ भी कुसल रहेन। **19**उ पचे हग्री अउ यतूर, नापीस अउ नोदाब लोगन क खिलाफ जुद्ध सुरु किहन। **20**मनस्से, रूबेन अउ गाद परिवार समूह क ओन लोग जुद्ध मँ परमेस्सर स पराथना किहन। उ पचे परमेस्सर स मदद माँगेन काहेकि उ पचे ओह पइ बिस्सास करत रहेन। एह बरे परमेस्सर ओनकर मदद किहस। परमेस्सर ओनका हाग्री लोगन क पराजित करइ दिहस अउर ओन लोग दूसर लोगन क हराएन जउन हग्री लोगन क संग रहेन। **21**उ पचे ओन जनावरन क लिहन जउन हग्री लोगन क रहेन। उ पचे पचास हजार ऊँट, ढाई लाख भेड़िन, दुइ हजार गदहन अउ एक लाख लोग लिहन।

22बहोत स हग्री लोग मारे गएन काहेकि परमेस्सर रूबेन क लोगन क खिलाफ जुद्ध जीतइ मँ मदद किहस। तब मनस्से, रूबेन अउ गाद क परिवार समूह क लोग हग्री लोगन क भूइँया पइ रहइ लागेन। उ पचे हुवाँ तब तलक रहत रहेन जब तलक बाबुल क फउज इस्राएल क लोगन क नाहीं लइ गइ अउर जब तलक बाबुल मँ बन्दी नाहीं बनावा गवा।

23मनस्से क परिवार समूह क आधे लोग बासान क पहँटा क लगातार बाल्हेर्मोन, सनीर अउ हेर्मोन पर्वत तलक रहत रहेन। उ पचे एक बिसाल जन समूहवाले लोग बन गएन।

24मनस्से क परिवार समूह क आधे क प्रमुख इ सबइ रहेन: एपेर, यिसी, एलीएल, अज्रीएल, यिर्मयाह, होदव्याह अउर यहदीएल। उ सबइ सबहिं सक्तीसाली अउर वीर मनई रहेन। उ पचे मसहूर मसनसेधू रहेन अउर उ पचे अपने परिवार क प्रमुख रहेन। **25**किन्तु ओन प्रमुखन उ परमेस्सर

क बिरुद्ध पाप किहन, जेनकर उपासना ओनकर पुरखन
किहे रहेन। उ पचे हुवाँ रहइवाले ओन मनइयन क लबार
देवतन क पूजा करब सुरु किहन जेनका परमेस्सर नस्ट
किहस।
26इस्राएल क परमेस्सर पूल क जुद्ध मँ जाइ क इच्छुक
बनाएस। पूल अस्सूर क राजा रहा। ओकर नाउँ तिलगप्तिलेनेस
भी रहा। उ मनस्से, रूबेन अउ गाद क परिवार समूहन क
बिरुद्ध लड़ा। उ ओनका आपन घर तजइ क मजबूर किहस
अउर ओनका बन्दी बनाएस। पूज ओनका हलह, हबोर, हारा
अउर गोजान नदी क लगे लिआवा। इस्राएल क उ सबइ
परिवार समूह ओन जगहन मँ उ समइ स अब तलक रहत
रहेन ह।

लेवी क सन्तानन

6 लेवी क पूत गेर्सोन, कहात अउ मरारी रहेन।
2कहात क पूत अम्राम, यिसहार, हेब्रोन अउ उज्जीएल
रहेन। 3अम्राम क बच्चन हारून, मूसा अउ मरियम रहेन।
हारून क पूत नादाब, अबीहू, एलीआजर अउ ईतामार
रहेन। 4एलीआजर, पीनहास क बाप रहा। पीनहास, अबीसू
क बाप रहा। 5अबीसू, बुक्की क बाप रहा। बुक्की उज्जी
क बाप रहा। 6उज्जी, जरह्याह क बाप रहा। जरह्याह,
मरायोत क बाप रहा। 7मरायोत, अमार्याह क बाप रहा।
अमर्याह, अहीतूब क बाप रहा। 8अहीतूब, सादोक क बाप
रहा सादोक, अहीमास क बाप रहा। 9अहीमास अजर्याह क
बाप रहा। अजर्याह, योहानान क बाप रहा। 10योहानान,
अजर्याह क बाप रहा। (अजर्याह उ मनइ रहा जउन
यरूसलेम मँ सुलैमान क जरिये बनाए गए मन्दिर मँ याजक
क रूप मँ सेवा किहस।) 11अजर्याह, अमर्याह क बाप रहा।
अमर्याह अहीतूब क बाप रहा। 12अहीतूब, सादोक क बाप
रहा। सादोक, सल्लूम क बाप रहा। 13सल्लूम, हिलकिय्याह
क बाप रहा। हिलकिय्याह, अजर्याह क बाप रहा। 14अजर्याह,
सरायाह क बाप रहा। सरायाह, यहोसादाक क बाप रहा।
15यहोसादाक तब आपन घर तजइ बरे मजबूर कीन्ह गवा
जब यहोवा यहूदा अउ यरूसलेम क लोगन क नबूकदनेस्सर
क बन्दी क रूप मँ जिला-वतन मँ पठइ दिहेस।

लेवी क दूसर सन्तानन

16लेवी क पूत गेर्सोन, कहात अउर मरारी रहेन।
17गेर्सेन क पूतन क नाउँ लिब्नी अउ सिमी रहेन।
18कहात क पूत अम्राम, यिसहार, हेब्रोन अउ उज्जजीएल
रहेन।
19मरारी क पूत महली अउर मूसी रहेन।
लेवी क परिवार समूहन क परिवारन क इ सूची अहइ।
एनकर सूची ओनके बापन क नाउँ क पहिले राखिके इ
अहइ।
20गेर्सोन क सन्तान इ सबइ रहेन: लिब्नी, गेर्सेन क पूत
रहा। यहत, लिब्नी क पूत रहा। जिम्मा, यहत क पूत रहा।
21योआह, जिम्मा क पूत रहा। इद्दो, योआह क पूत रहा।
जेरह, इद्दो क पूत रहा। यातरै जेरह क पूत रहा।
22इ सबइ कहात क सन्तान रहेन: अम्मीनादाब, कहात
क पूत रहा। कोरह, अम्मीनादाब क पूत रहा। अस्सीर,
कोरह क पूत रहा। 23एल्काना, अस्सी क पूत रहा।
एब्यासाप, एलकाना क पूत रहा। अस्सीर, एब्यासाप क पूत
रहा। 24तहत अस्सीर क पूत रहा। ऊरीएल तहत क पूत
रहा। उज्जिय्याह ऊरीएल क पूत रहा। साऊल उज्जिय्याह क
पूत रहा।
25एल्काना क पूत अमासै अउ अहीमोत रहेन। 26सोपै,
एल्काना क पूत रहा। नहत सोपै क पूत रहा। 27एलीआब,
नहत क पूत रहा। यरोहाम, एलीआब क पूत रहा। एल्काना,
यरोहाम क पूत रहा। समूएल एल्काना क पूत रहा।
28समूएल क पूतन मँ स सब स बड़का योएल अउ दूसर
अबिय्याह रहा। 29मरारी क इ सबइ पूत रहेन: महली, मरारी
क पूत रहा। लिब्नी, महली क पूत रहा। सिमी, लिब्नी क
पूत रहा: उज्जा, सिमी क पूत रहा। 30सिमा, उज्जा क पूत
रहा। हग्गियाह, सिमी क पूत रहा। असायाह, हग्गियाह क
पूत रहा।

मन्दिर क गायक

31इ सबइ उ सब लोग अहइँ जेनका दाऊद यहोवा क
भवन क तम्बू मँ करार क सन्दूक धरे जाइ क पाछे संगीत
क प्रबन्ध बरे चुनेस। 32इ सबइ मनई पवित्तर तम्बू पइ
गाइके सेवा करत रहेन। पवित्तर तम्बू क मिलापवाला तम्नू
भी कहत हीं अउर एन लोग तब तलक सेवा किहन जब
तलक सुलैमान यरूसलेम मँ यहोवा क मन्दिर नाहीं बनाएस।
उ पचे अपने काम क बरे दीन्ह गए नेमन क अनुसरण
करत भए सेवा किहन।
33इ सबइ नाउँ ओन मनइयन अउ ओनके पूतन क अहइँ
जउन संगीत क जरिये सेवा किहन:
कहाती लोगन क सन्तान रहेन: गायक हेमान। हेमान
योएल क पूत रहा। योएल, समूएल क पूत रहा। 34समूएल,
एल्काना क पूत रहा। एल्काना, योहाम क पूत हरा। यरोहाम
एलीएल क पूत रहा। एलीएल तोह क पूत रहा। 35तोह, सूप
क पूत रहा। सूप एल्काना क पूत रहा। एल्काना, महत क
पूत रहा। महत अमासै क पूत रहा। 36अमासै, एल्काना क
पूत रहा। एल्काना, योएल क पूत रहा। योएल, अजर्याह क
पूत रहा। अजर्याह, सपन्याह क पूत रहा। 37सपन्याह, तहत
क पूत रहा। तहत, अस्सीर क पूत रहा। अस्सीर, एब्यासाप
क पूत रहा। एब्यासाप, कोरह क पूत रहा। 38कोरह, यिसहर
क पूत रहा। यिसहार, कहात क पूत रहा। कहात, लेवी क
पूत रहा। लेवी, इस्राएल क पूत रहा।
39हेमान क सम्बंधी असाप रहा। असाप हेमान क दाहिनी
कइँती खड़े होइके सेवा किहस। असाप बेरेक्याह क पूत
रहा। बेरेक्याह सिमा क पूत रहा। 40सिमा मीकाएल क पूत
रहा। मीकाएल बासेयाह क पूत रहा। बासेयाह मल्किय्याह
क पूत रहा। 41मल्किय्याह एत्नी क पूत रहा। एत्नी जेरह क
पूत रहा। जेरह अदायाह क पूत रहा। 42अदायाह एतना क
पूत रहा। एतना जिम्मा क पूत रहा। जिम्मा सिमी क पूत
रहा। 43सिमी यहत क पूत रहा। यहत गेर्सोन क पूत रहा।
गेर्सोन लेवी क पूत रहा।

44मरारी क सन्तान हेमान अउ असाप क सम्बंधी रहेन।
उ पचे हेमान क बाएँ पच्छ क गायक समूह रहेन। एताव
कीसी क पूत रहा। कीसी अब्दी क पूत रहा। अब्दी मल्लूक
क पूत रहा। 45मल्लूक हसब्याह क पूत रहा। हसब्याह
अमस्याह क पूत रहा। अमस्याह हिलकय्याह क पूत रहा।
46हिलकिय्याह अमसी क पूत रहा। अमसी बानी क पूत
रहा। बानी सेमेर क पूत रहा। 47सेमेर महली क पूत रहा।
महली मूसी क पूत रहा। मूसी मरारी क पूत रहा। मरारी
लेवी क पूत रहा।

48हेमान अउ आसाप क भाई लेवी क परिवार समूह स
रहेन। लेवी क परिवार समूह क लोग "लेवी बंसी" भी कहे
जात रहेन। लेवीय पवित्तर तम्बू मँ करइबरे चुने जात रहेन।
पवित्तर तम्बू परमेस्सर क घर रहा। 49किन्तु सिरिफ हारून
क सन्तनन क होमबलि क वेदी अउर धूप क वेदी पइ
होमबलि अउर अउ धूपबलि चढ़ावइ क अनुमति रही।
हारून क सन्तान परमेस्सर क घर मँ सब स जियादा पवित्तर
स्थान मँ सारा काम करत रहेन। उ पचे इस्राएल क लोगन
बरे प्रायस्चित क काम भी करत रहेन। उ पचे ओन सब
नेमन अउ विधियन क अनुसरण करत रहेन जेनके बरे
परमेस्सर क सेवक मूसा आदेस दिहे रहा।

हारून क सन्तान

50हारून क पूत इ सबइ रहेन: एलीआज़र हारून क पूत
रहा। पीनहास एलीआज़र क पूत रहा। अबीसू पीनहास क
पूत रहा। बुक्की अबीसू क पूत रहा। उज्जी बुक्की क पूत
रहा। 51बुक्की अबीसू क पूत रहा। उज्जी बुक्की क पूत
रहा। जरह्याह उज्जी क पूत रहा। 52मरायोत जरह्याह क
पूत रहा। अमयीह मरायोत क पूत रहा। अहीतूब अमर्याह क
पूत रहा। 53सादोक अहीतूब क पूत रहा। अहीमास सादोक
क पूत रहा।

लेवीवंसी परिवारन क बरे घर

54इ सबइ उ सब जगहिया अहइँ जहाँ हारून क सन्तानन
रहिन। उ पचे उ भुइँया पइ जउन ओनका दीन्ह गइ रही
अपने उपनिवेसन मँ रहत रहेन। कहाती परिवारन उ भुइँया
क पहिला भाग पाएस जउन लेवीवंस क दीन्ह गइ रही।
55ओनका हेब्रोन नगर अउ ओकरे चारिहुँ कइँती क खेत
दीन्ह ग रहेन। इ यहूदा पहँटा म रहा। 56किन्तु हेब्रोन क
नजिक क गाँवअन अउ दूर क खेतन, यपुन्ने क पूत
कालेब क दीन्ह ग रहेन। 57हारून क सन्तानन क हेब्रोन
नगर दीन्ह गवा रहा। हेब्रोन क सुरच्छा नगर रहा। ओनके
लिब्ना, यत्तीर, एसतमो, 58हीलेन, दबीर, 59आसान, जुत्ता,
अउ बेतसेमेस नगर भी दीन्ह गएन। उ पचे ओन सबहिं
नगरन अउर ओनके चारिहुँ कइँती क खेत प्राप्त किहन।
60बिन्यामीन क परिवार समूह क लोगन क गिबोन, गेबा
अउ अल्लेमेत अउर अनानोत नगरन दीन्ह गएन। उ पचे
ओन सबहिं नगरन अउर ओनके चारिहुँ ओर क खेतन क
प्राप्त किहन। कहाती परिवार क तेरह नगर दीन्ह गएन।

61बाकी कहात क सन्तानन मनस्से परिवार समूह क आधे
स दस नगर प्राप्त किहन।

62गेर्सेम क सन्तानन क परिवार समूह तेरह नगर प्राप्त
किहन। उ पचे ओन नगरन क इस्साकार, आसेर, नप्ताली
अउर बासान छेत्र मँ रहइवाले मनस्से क एक हींसा स प्राप्त
किहन।

63मरारी क सन्तानन क परिवार समूह बारह नगर प्राप्त
किहन। उ पचे ओन नगरन क रूबेन, गाद, अउर जबूलून
क परिवार समूहन स प्राप्त किहन। उ पचे नगरन क गोटन
डाइके प्राप्त किहन।

64इ तरह इस्राएली लोग ओन नगरन अउ खेतन क
लेवीबंसन क लोगन क दिहन। 65उ पचे सबहिं नगर,
यहूदा, सिमोन अउर बिन्यामीन क परिवार समूहन स मिलेन।
उ पचे गोटन डाइके इ निहचइ किहन कि कउन सा नगर
परिवार लेवी क कउन सा परिवार प्राप्त करी।

66एप्रैम क परिवार समूह कछू कहाती परिवारन क कछू
नगर दिहन। उ सबइ नगर गोटन डाइके चुने गएन।
67ओनका साकेम नगर दीन्ह गवा। साकेम सुरच्छ नगर
अहइ। ओनका गेजेर 68योकमान, बेथोरेन, 69अय्यालोन,
अउर गत्रिम्मोन भी प्राप्त किहन। उ पचे ओन नगरन क
संग क खेत भी पाएन। उ पचे एप्रैम नगर क पहाड़ी प्रदेस
मँ रहेन। 70अउर इस्राएली लोग, मनस्से परिवार समूह क
आधे स, आनेर अउ बिलाम नगरन क कहाती परिवारन क
दिहन। ओन कहाती परिवारन ओन नगरन क संग खेतन क
भी प्राप्त किहन।

दूसर लेवीबंसी परिवारन घर प्राप्त किहन

71गेर्सेमी परिवारन मनस्से परिवार समूह क आधे स,
बासान अउ अस्तारोत छेत्रन मँ गोलान क नगरन क प्राप्त
किहन। उ पचे ओन नगरन क लगे क खेत भी पाएन।

72-73गेर्सेमी परिवार केदसे, दाबरात, रामोत अउर गानेम
नगरन क आसेर परिवार समूह स प्राप्त किहन। उ पचे ओन
नगरन क लगे क खेतन भी प्राप्त किहन।

74-75गेर्सेमी परिवार मसाल, अब्दोन, हूकोक अउर रहोब
क नगरन क आसेर परिवार समूह स प्राप्त किहस। उ पचे
ओन नगरन क लगे क खेतनभी प्राप्त किहन।

76गेर्सोमी परिवार गालील मँ केदेस, हम्मोन अउर
कियर्तिम नगरन क भी नप्ताली क परिवार समूह स प्राप्त
किहस। उ पचे ओन नगरन क लगे क खेतन भी प्राप्त
किहन। 77लेवीबंसी लोगन मँ स बाकी मरारी परिवार क
अहइँ। उ पचे जेक्रयम, कर्ता, सिम्मोन अउ ताबोर नगरन क
जबूलून परिवार समूह स प्राप्त किहन। उ पचे ओन नगरन
क लगे क खेत भी प्राप्त किहन।

78-79मरारी परिवार रेगिस्ताने मँ बेसेर क नगरन, यहसा,
कदेमोत, अउ मेपाता क भी रूबेन क परिवार समूह स प्राप्त
किहन। रूबेन क परिवार समूह यरदन नदी क पूरब कइँती
यरीहो नगर क पूरब मँ रहत रहा। एन मरारी परिवारन नगर
क लगे क खेत भी पाएन।

80-81मरारी परिवार गिलाद मँ रामोत, महनैम, हेसोबोन
अउर याजेर नगरन क गाद क परिवार समूह स प्राप्त
किहन। उ पचे ओन नगरन क लगे क खेत भी प्राप्त
किहन।

इस्साकार क सन्तान

7 इस्साकार क चार पूत रहेन। ओनकर नाउँ तोला,
पूआ, यासूब, अउ सिम्रोन रहेन।
2तोला क पूत उज्जी, रपयाह, यरीएल, यहमै, यिबसाम
अउर समूएल रहेन। उ पचे सबहिं अपने परिवारन क प्रमुख
रहेन। उ पचे मनसेधू अउ ओनकर सन्तान जोधा रहेन।
ओनकर परिवार बाढ़त रहेन अउ जब दाऊद राजा भवा, तब
हुवाँ बाईस हजार छ: सौ मनई जुद्ध बरे तइयार रहेन।
3उज्जी क पूत यिज़ह्याह रहा। यिज़ह्याह क पूत
मीकाएल, ओबद्याह, योएल, यिस्सिय्याह, रहेन। उ पचे
सबहिं पाँचहु अपने परिवारन क प्रमुख रहेन। 4ओनके
परिवार क इतिहास इ बतावत ह कि ओनके लगे छत्तीस
हजार जोधा जुद्ध क बरे तइयार रहेन। ओनकर बड़ा परिवार
रहा। काहेकि ओनकर बहोत स मेहरारुअन अउ बच्चन
रहेन।
5परिवार इतिहास इ बतावत ह कि इस्सकार क सबहिं
परिवार समूहन मँ सत्तासी हजार सक्तीसाली फउजी रहेन।

बिन्यामीन क सन्तान

6बिन्यामीन क तीन पूत रहेन। ओनकर नाउँ बेला, बेकेर
अउ यदीएल रहेन।
7बेला क पाँच पूत रहेन। ओनकर नाउँ एसबोन, उज्जी,
उज्जीएल, यरीमोत, अउ इरी रहेन। उ पचे अपने परिवारन
क प्रमुखन रहेन। ओनकर परिवार इतिहास बतावत ह कि
ओनके लगे बाईस हजार चौंतीस फउजी रहेन।
8बेकेर क पूत जमीरा, योआस, एतीएजेर, एल्योएनै,
ओम्री, यरेमोत, अबिय्याह, अनातोत अउ आलेमेत रहेन। उ
पचे सबहिं बेकेर क बच्चा रहेन। 9ओनकर परिवार इतिहास
बतावत ह कि परिवार प्रमुख कउन रहेन अउर ओनकर
परिवार इतिहास इ भी कहत ह ओनकर बीस हजार दुइ सौ
फउजी रहेन।
10यदीएल क पूत बिल्हान रहा। बिल्लन क पूत यूस,
बिन्यामीन, एहद, कनान, जेतान, तर्सीस अउ अहीसहर रहेन।
11यदीएल क सबहिं पूत अपने परिवार क प्रमुख रहेन।
ओनकर सतरह हजार दुइ सौ फउजी जुद्ध बरे तइयार रहेन।
12सुप्पीम अउ हुप्पीम ईर सन्तान रहेन। हूसी अहेर क
पूत रहा।

नप्ताली क सन्तान

13नप्ताली क पूत एसीएल, गूनी, येसेर अउ सल्लूम रहेन।
अउर इ सबइ बिल्हा क सन्तान रहेन।

मनस्से क सन्तान

14इ सबइ मनस्से क सन्तान अहइँ।
मनस्से क उसीएल नाउँ क पूत रहा। जउन ओकर
अरामी रखैल स रहा। ओनकर माकीर भी रहा। माकीर
गिलाद क बाप रहा। 15माकीर हुप्पीम अउर सुप्पीम लोगन
क एक मेहरारु स बियाह किहस। माका क दूसर मेहरारु क
नाउँ सलोफाद रहा। सलोफाद क सिरिफ बिटियन रहिन।
माकीर क बहिन क नाउँ भी माका रहा।
16माकीर क मेहरारु माका क एक पूत भवा। माका
अपने पूत क नाउँ पेरेस धरेस। पेरेस क भाई क नाउँ सेरेस
रहा। सेरेस क पूत ऊलाम अउ राकेम रहेन। 17ऊलाम क
पूत बदान रहा।
इ सबइ गिलाद क सन्तान रहेन। गिलाद माकीर क पूत
रहा। माकीर मनस्से क पूत रहा। 18माकीर क बहिन
हम्मोलेकेत क पूत ईसहोद, अबीएजेर, अउर महला रहेन।
19समीदा क पूत अहयान, सेकेम लिखी अउर अनीआम
रहेन।

एप्रैम क सन्तान

20एप्रैम क सन्तानन क इ सबइ नाउँ रहेन। एप्रैम क पूत
सूतेलह रहा। सूतलेह क पूत बेरेद रहा। बेरेद क पूत तहत
रहा। तहत क पूत एलाद रहा। 21एलाद क पूत तहत रहा।
तहत क पूत जाबाद रहा। जाबाद क पूत सूतेलह रहा।
कछू मनइयन जउन गत नगर मँ बड़े भए रहेन, येजेर
अउ एलाद क मार डाएन। इ एह बरे भवा कि येजेर अउ
एलाद ओन लोगन क गइयन अउ भेड़िन चोरावइ गत गए
रहेन। 22एप्रैम एजेर अउ एलाद क बाप रहा। उ कइउ दिनन
तलक रोवत रहा। काहेकि येजेर अउर एलाद मर गए रहेन।
एप्रैम क परिवार ओका सांत्वना देइ आवा। 23तब एप्रैम
अपनी मेहरारु क संग तने क सम्बंध किहस। एप्रैम क
मेहरारु गर्भवती भइ अउ उ एक पूत क जन्म दिहस। एप्रैम
अपने नवे पूत क नाउँ बरीआ धरेस काहेकि ओकरे परिवार
क संग कछू बुरा भवा रहा। 24एप्रैम क बिटिया सेरा रही।
सेरा नीच बेथोरान अउ ऊँच बेथोरान अउर नीच उज्जेनसेरा
अउ ऊँच उज्जेनसेरा बसाएस।
25रेपा एप्रैम क पूत रहा। रेसेप रेपा क पूत रहा। तेलह
रेसेप क पूत रहा। तहन तेलह क पूत रहा। 26लादान तहन
क पूत रहा अम्मीहूद लादान क पूत रहा। एलीसाम
अम्मीहूद क पूत रहा। 27नून एलीसामा क पूत रहा। यहोसू
नून क पूत रहा।
28इ सबइ उ नगर अउ प्रदेस अहइँ जहाँ एप्रैम क सन्तान
रहत रहेन। बेतेल अउ एकरे नगिचे क गाँव पूरब मँ नारान,
गेजेर अउ पच्छिम मँ एकरे निअरे क गावँ, अउ सेकम
अउ अज्जा क रास्ते तलक क निअरवाले गाँव। 29मनस्से
क भुइँया क चउहद्दी पइ बेतसान, मगिदो अउ दोर नगर
अउर ओनका नजिक सक सबहिं गाँव रहेन। इस्राएल क
पूत यूसुफ क सन्तान एन नगरन मँ रहत रहिन।

आसेर क सन्तान

30आसेर क पूत यिम्ना, यिस्वा, यिस्वी अउ बरीआ रहेन।
ओनकर बहिन क नाउँ सरेह रहा।
31बरीआ क पूत हेबेरे अउ मलकीएल रहेन। मल्कीएल
बिर्जोत क बाप रहा।
32हेबेर यपलेत, सोमेर होताम अउर ओनकर बहिन सूआ
क बाप रहा।
33यपलेत क पूत पासक, बिम्हाल अउ अस्नात रहेन। इ
सबइ यपलेत क बच्चन रहेन।
34सेमरे क पूत अही, रोहगा, यहुब्बा अउ अराम रहेन।

35सेमेर क भाई क नाउँ हेलेम रहा। हेलेम क पूत सो
पह, यिम्ना, सेलेस अउ आमाल रहेन।
36सोपह क पूत सूह, हर्नेपे, सूआल, बेरी, इम्रा, 37बेसेर,
होद, सम्मा, सिलसा, यित्रान अउ बेरा रहेन।
38येतेर क पूत यपुन्ने, पिस्पा अउ अरा रहेन।
39उल्ला क पूत आरह, हन्नीएल, अउ रिस्या रहेन।
40इ सबइ मनई आसेर क सन्तान रहिन। उ पचे अपने
परिवारन क प्रमुख रहेन। उ पचे उत्तिम पुरुख रहेन। उ पचे
योद्धा अउ महान प्रमुख रहेन। ओनके परिवारे क इतिहास
बतावत ह कि छब्बीस हजार फउजी जुद्ध बरे तइयार रहेन।

राजा साऊल क परिवार इतिहास

8 बिन्यामीन बेला क बाप रहा। बेला बिन्यामीन क
पहिला पूत रहा। अबेल बिन्यामीन क दूसर पूत रहा।
अहरह बिन्यामीन क तीसर पूत रहा। 2नोहा बिन्यामीन क
चउथा पूत रहा अउर रापा बिन्यामीन क पाँचवाँ पूत रहा।
3बेला क पूत अद्दार, गेरा, अबीहूद, 4अबीसू, नामान,
अहोह, 5गेरा, सपूपान अउ हूराम रहेन।
6एहूद क सन्तान इ सबइ रहेन। इ सबइ गेबा मँ अपने
परिवारन क प्रमुख रहेन। उ पचे आपन घर तजइ अउर
मानहत मँ रहइ क मजबूर कीन्ह गए रहेन। 7एहूद क
सन्तान नामान, अहिय्याह, अउर गेरा रहेन। गेरा ओनका घर
तजइ क मजबूर किहस। गेरा उज्जा अउ अहीलूद क बाप
रहा।
8सहरैम आपन पत्नियन हसीम अउ बारा क मोआब मँ
तलाक दिहस। इ करइ क पाछे, ओकर कछू दूसर गदेलन
दूसर पत्नी स पइदा भएन। 9-10सहरैम क योआब, सिब्या,
मेसा, मल्काम, यूस, सोक्या, अउर मिर्मा ओकर मेहरारु
होदेस स भएन। उ पचे अपने परिवारन क प्रमुख रहेन।
11सहर्रैम अउर हसीम क दुइ पूत अबीतूब अउ एल्पाल
रहेन।
12-13एल्पाल क पूत एबेर, मिसाम, सेमेद, बरीआ अउ
सेमा रहेन। सेमेद ओनो अउ लोद नगर अउ लोद क चारिहुँ
कइँती नान्ह नगर बनाएस। बरीआ अउ सेमा अय्यालोन मँ
रहइवाले परिवारन क प्रमुख रहेन। ओन पूतन गत मँ
रहइवालन क ओका तजइ क मजबूर किहन।
14बरीआ क पूत सासक अउर यरमोत, 15जबद्याह,
अराद, एदेर, 16मीकाएल, यिस्पा अउ योहा रहेन। 17एल्पाल
क पूत जबद्याह, मुसुल्लाम, हिजकी, हेबर, 18यिसमरै,
थिजलीआ अउ योबाब रहेन।
19सिमी क पूत याकीम, जिक्री, जब्दी, 20एलीएनै, सिल्लतै,
एलीएल, 21अदायाह, बरायाह अउ सिम्रात रहेन।
22सासक क पूत यिसपान, यबेर, एलीएल, 23अब्दोन
जिक्री, हानान, 24हनन्याह, एलाम, अन्तोतिय्याह, 25यिपदयाह,
अउर पनूएल रहेन।
26यरोहाम क पूत समसैरे, सहर्याह, अतल्याह, 27योरेस्याह,
एलिय्याह, अउर जिक्री रहेन।
28इ सबइ सबहिं मनई अपने परिवारन क प्रमुख रहेन। उ
पचे अपने परिवार क इतिहास मँ प्रमुख क रूप मँ अंकित
रहेन। उ पचे यरूसलेम मँ रहत रहेन।
29येयील गिबोन क बाप रहा। उ गिबोन नगर मं रहत
रहा। ययील क मेहरारु क नाउँ माका रहा। 30योयील क
सबस बड़का पूत अब्दोन रहा। दूसर पूत सूर, कीस, बाल,
नेर, नादाब, 31गदोर, अह्यो, जेकेर अउर मिकोत रहेन,
32मिकोत सिमा क बाप रहा। इ सबइ पूत भी यरूसलेम मँ
अपने सम्बन्धियन क नगिचे रहत रहेन।
33नेर, कीस, क बाप रहा कीस साऊल क बाप रहा।
अउर साऊल योनातान, मल्कीसू, अबीनादाब अउर एसबाल
क बाप रहा।
34योनातान क पूत मरीब्बाल रहा। मरीब्बाल मीका क
बाप रहा।
35मीका क पूत पीतोन, मेलेक, तारे अउ आहाज रहेन।
36आहाज यहोअद्दा क बाप रहा। यहोअद्दा आलेमेत,
अजमावेत अउ जिम्री क बाप रहा। जिम्री मोसा क बाप
रहा। 37मोसा बिना क बाप रहा। रापा बिना क पूत रहा।
एलासा रापा क पूत रहा अउर आसेल एलासा क पूत रहा।
38आसेल क छ: पूत रहेन। ओनकर नाउँ अज्रीकाम,
बोकरु, यिस्माएल, सार्याह, ओबद्याह अउर हानान रहेन। इ
सबइ सबहिं पूत आसेल क सन्तान रहेन।
39आसेल क भाई एसेक रहा। एसेक क कछू पूत रहेन।
एसेक क इ सबइ पूत रहेन: ऊलाम एसेक क सब स
बड़का पूत रहा। यूसा एसेक क दूसर पूत रहा। एलीपेलेत
एसेक क तीसर पूत रहा। 40ऊलाम क पूत बलवान जोधा
अउर धनुस-बाण क प्रयोग मँ कुसल रहेन। ओनकर बहोत
स पूत अउ पोता रहेन। सब मिलाइके डेढ़ सौ पूत अउ पोता
रहेन। सब मिलाइके डेढ़ सौ पूत अउ पोता रहेन।
इ सबइ सबहिं मनई बिन्यामीन क सन्तान रहिन।

9 इस्राएल क लोगन क नाउँ ओनके परिवार क
इतिहास मँ अंकित रहेन। उ सबइ परिवार इतिहास
"इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" क पुस्तक मँ
सम्मिलित भए रहेन।

यरूसलेम क लोग

यहूदा क लोग बन्दी बनाए गए रहेन अउर बाबेल क
जाइ क मजबूर कीन्ह गए रहेन। उ पचे उ जगह पइ एह
बरे लइ जावा गएन, काहेकि उ पचे परमेस्सर क बरे
बिस्सास क जोग्ग नाहीं रहेन। 2सब स पहिले लउटिके
आवइबाले अउर अपने नगरन अउ अपने पहँटा मँ रहइवाले
लोगन मँ कछू इस्राएली, याजक, लेवीबंसी अउ मन्दिर मँ
सेवा करइवाले सेवक रहेन।
3इ सबइ यरूसलेम मँ रहइवाला यहूदा, बिन्यामीन, एप्रैम
अउर मनस्से परिवार समूह क लोग अहइँ।
4ऊतै अम्मीहूद क पूत रहा। अम्मीहूद ओम्री क पूत
रहा। ओम्री इम्री क पूत रहा। इम्री बानी क पूत रहा। बानी
पेरेस क सन्तान रहा। पेरेस यहूदा क पूत रहा।
5सीलोइ लोग जउन यरूसलेम मँ रहत रहेन, इ सबइ
रहेन: असायाह, सब स बड़का पूत रहा। अउ असायाह क
पूत रहेन। 6जेरह लोग, जउन यरूसलेम मँ रहत रहेन, इ
सबइ रहेन; यूएल अउर ओकर सम्बन्धी, उ सबइ सब
मिलाइके छ: सौ नब्बे रहेन।

7बिन्यामीन क परिवार समूह स जउन लोग यरूसलेम मँ
रहेन, उ सबइ इ सब अहइँ: सल्लू मसुल्लाम क पूत रहा।
मुसल्लाम होदब्याह क पूत रहा। होदब्याह हस्सनूआ क पूत
रहा। 8यिबनाय्याह यरोहाम क पूत रहा। एला उज्जी क पूत
रहा। उज्जी मिक्री क पूत रहा। मसुल्लाम सपत्याह क पूत
रहा। सपत्याह रूएल क पूत रहा। रूएल यिब्नियाह क पूत
रहा। 9बिन्यामीन क परिवार इतिहास बतावत ह कि यरूसलेम
मँ ओनकर नौ सौ छप्पन मनई रहत रहेन। उ सबइ सबहिं
मनई अपने परिवारन क प्रमुख रहेन।

10इ सबइ उ सब याजक अहइँ जउन यरूसलेम मँ रहत
रहेन: यदायाह, यहोयारीब, याकीन अउ अज़र्याह। 11अज़र्याह
हिलकिय्याह क पूत रहा। हिलकिय्याह मसुल्लाम क पूत
रहा। मसुल्लाम सादोक क पूत रहा। सादोक मरायोत क पूत
रहा। मरायोत अहीतूब क पूत रहा। अहीतूब परमेससर क
मन्दिर क बरे बिसेस उत्तरदायी अधिकारी रहा। 12यरोबाम क
पूत अदायाह भी रहा। यरोहाम पसहूर क पूत रहा पसहूर
मल्किय्याह क पूत रहा अउर हुवाँ अदोएल क पूत मासै
रहा। अदोएल जहजेस क पूत रहा। जेरा मसुल्लाम क पूत
रहा। मसुल्लाम मसिल्लीत क पूत रहा। मलिल्लीत इम्मेर क
पूत रहा।

13हुवाँ एक हजार सात सौ साठ याजकन रहेन। उ पचे
अपने परिवारन क प्रमुख रहेन। उ पचे परमेस्सर क मन्दिर
मँ सेवा करइ क कार्य क बरे उत्तरदायी रहेन।

14लेवी क परिवार समूह स जउन लोग यरूसलेम मँ
रहत रहेन, उ पचे इ सबइ अहइँ: हस्सूब क पूत समायाह,
हस्सूब अज्रीकाम क पूत रहा। अज्रीकाम हसब्याह क पूत
रहा। हसब्याह मरारी क सन्तानन क पूत रहा। 15यरूसलेम
मँ बकबक्कर, हरेस, गालाल अउ मत्तन्याह भी रहेन।
मत्तन्याह मीका क पूत रहा। मीका जिक्री क पूत रहा।
जिक्री आसाप क पूत रहा। 16ओबद्याह समायाह क पूत
रहा। समायाह गालाल क पूत रहा। गालाल यदूतून क पूत
रहा अउर आसा क पूत बेरेक्याह यरूसलेम मँ रहत रहा।
आसा एल्काना क पूत रहा। एल्काना नेतोपा लोगन क लगे
गाँवअन मँ रहत रहा।

17इ सबइ उ सब दुआरपाल अहइँ जउन यरूसलेम मँ
रहत रहेन: सल्लूम, अक्कूब, तल्मोन, अहीमान अउर
ओनकर सम्बंधी। सल्लूम ओनकर प्रमुख रहा। 18अब इ
सबइ मनई पूरब कइँती राजा क दुआर क ठीक बगल
पढ़ाव डालि रहत रहेन। उ सबइ दुआरपाल लेवी परिवार
समूह स रहेन। 19सल्लूम कोरे क पूत रहा। कोरे एब्यासाप
क पूत रहा। एब्याहसाप कोरह क पूत रहा। सल्लूम अउ
ओकर भाई दुआरपाल रहेन। उ पचे कोरे परिवार स रहेन।
ओनका पवित्तर तम्बू क दुआर क रच्छा करइ क कार्य
करइ रहा। उ पचे एका वइसे ही करत रहेन जइसे एनकर
पुरखन एनके पहिले किहे रहेन। ओनके पुरखन क इ कार्य
रहा कि उ पचे पवित्तर तम्बू क दुआर क रच्छा करइँ।
20पुराने जमाने मँ, पीनहास दुआरपालन क निरिच्छिक रहा।
पीनहास एलीआज़र क पूत रहा। यहोवा पीनहास क संग
रहा: 21मेसेलम्याह क पूत जकर्याह पवित्तर तम्बू क दुआर
क दुआरपाल रहा।

22सब मिलाइके दुइ सौ बारह मनई पवित्तर तम्बू क
दुआर क रच्छा बरे चुने गए रहेन। ओनकर नाउँ ओनके
परिवार इतिहास मँ ओनके नान्ह नगरन मँ लिखे। भए रहेन।
दाऊद अउ समूएल नबी ओन लोगन क चुनेन, काहेकि
ओन पइ बिस्सास कीन्ह जाइ सकत रहा। 23दुआरपालन
अउर ओनकर सन्तानन क जिम्मेदारी यहोवा क मन्दिर,
पवित्तर तम्बू क रच्छा करब रहा। 24हुवाँ चारिहुँ तरफ दुआर
रहेन: पूरब, पच्छिम, उत्तर अउर दक्खिन। 25दुआरपालन क
सम्बन्धियन क, जउन नान्ह नगर मँ रहत रहेन, समइ-समइ
पइ आइके ओनका मदद करइ पड़त रही। उ पचे आवत
रहेन अउर हर बार सात दिन तलक दुआरपालन क सहायता
करत रहेन। 26दुआरपालन क चार प्रमुख दुआरपाल हुवाँ
रहेन। उ पचे लेवीबंसी मनई रहेन। ओनकर कर्त्तव्य परमेस्सर
क मन्दिर क कमरन अउ खजाना क देखभाल करब रहा।
27उ पचे रातिभर परमेस्सर क मन्दिर क रच्छा मँ खड़े रहत
रहेन अउर परमेस्सर क मन्दिर क हर रोज भिंसारे खोलइ
क ओनकर काम रहा।

28कछू दुआरपालन क काम मन्दिर क सेवा मँ काम
आवइवाली तश्तरियन क देखभाल करब रहा। उ पचे एन
तस्तरियन क तब गनत रहेन जब उ पचे भीतर लाई जात
रहिन। उ पचे एन तस्तरियन क तब भी गनत् रहेन जब उ
पचे बाहेर जात रहिन। 29दूसर दुआरपाल रस्मी-सामग्री अउर
ओन बिसेस तस्तरियन क देखभाल क बरे चुने जात रहेन।
उ पचे आटा, दाखरस, तेल, सुगन्धि अउर बिसेस तेल क
भी देखरेख करत रहेन। 30किन्तु सिरिफ याजक ही बिसेस
तेल क मिलावइ क काम करत रहेन।

31एक मतित्याह नाउँ क लेवीबंसी रहा जेकर काम भेंट
मँ उपयोग क बरे रोटी पकाउब रहा। मतित्याह सल्लूम क
सब स बड़ा पूत रहा। सल्लूम कोरह परिवार क रहा।
32दुआरपालन मँ स कछू जउन कहात परिवार क रहेन, हर
एक सबित क मेज पइ रखी जाइवाली रोटी क तइयार करइ
क काम करत रहेन।

33उ पचे लेबीवंसी जउन गायक रहेन अउर अपने
परिवारन क प्रमुख रहेन, मन्दिर क कमरन मँ ठहरत रहेन।
ओनका दूसर काम नाहीं करइ पड़त रहेन। काहेकि उ पचे
मन्दिर मँ दिन-रात काम क बरे उत्तरदायी रहेन।

34इ सबइ लेवीबंसी अपने परिवारन क प्रमुख रहेन। उ
पचे अपने परिवारन क इतिहास मँ प्रमुख क रूप मँ अंकित
रहेन। उ पचे यरूसलेम मँ रहत रहेन।

राजा साऊल क परिवार इतिहास

35यीएल गिबोन क बाप रहा। यीएल गिबोन नगर मँ
रहत रहा। यीएल क मेहरारु क नाउँ माका रहा। 36यीएल
क सब स बड़का पूत अब्दोन रहा। दूसर पूत सूर, कीस,
बाल नेर, नादाब, 37गदोर, अह्यो, जकर्याह अउर मिल्कोत
रहेन। 38मिल्कोत सिमाम क बाप रहा। यीएल क परिवार
अपने सम्बन्धियन क संग यरूसलेम मँ रहत रहा।

39नेर कीस क बाप रहा। कीस साऊल क बाप रहा
अउर साऊल योनातान, मल्कीस अबीनादाब अउर एसबाल
क बाप रहा।

40योनातान क पूत मरीब्बाल रहा। मरीब्बाल मीका बाप
रहा।
41मीका क पूत पीतोन, मेलेक, तहरे अउर अहाज रहेन,
42आहाज जदा क बाप रहा। जदा यारा क बाप रहा।
आलेमेत, अजमावेत अउर जिम्री क बाप रहा। जिम्री मोसा
क बाप रहा। 43मोसा बिना क पूत रहा। रपायाह बिना क
पूत रहा। एलासा रपायाह क पूत रहा अउर आसेल एलासा
क पूत रहा।
44आसेल क छ: पूत रहेन। ओनकर नाउँ रहेन: अज्रीकाम,
बोकरू, इस्माएल, सार्याह, ओबद्याह, अउर हनान। उ पचे
आसेल क बच्चन रहेन।

राजा साऊल क मउत

10 पलिस्ती लोग इस्राएल क लोगन क खिलाफ
लड़ेन। इस्राएल क लोग पलिस्तियन क समान्वा
पराइ गएन। बहोत इस्राएली लोग गिलबो पर्वत पइ मारे
गएन। 2पलिस्ती लोग साऊल अउर ओकरे पूतन क पाछा
लगातार करत रहेन। उ पचे ओनका धइ लिहेन अउर
ओनक मार डाएन। पलिस्तियन साऊल क पूतन योनातान,
अबीनादाब अउर मलकीसू क मार डाएन। 3साऊल क
चारिहुँ कइँती जुद्ध घमासान होइ गवा। धनुर्धारियन साऊल
पइ आपन बाण छोड़ेन अउर ओका घायल किहन।
4तब साऊल अपने कवच वाहक स कहेस, "अपनी
तरवार बाहेर हींचा अउर एकर उपयोग मोका मारइ मँ करा।
तब उ पचे खतनारहित जब अइहीं तउ न मोका चोट
पहोंचइही न ही मोर हँसी उड़इहीं।"
किन्तु साऊल क कवच वाहक ससान रहा। उ साऊल
क मारब अस्वीकार किहस। तब साऊल अपनी तरवार क
उपयोग खुद क मारइ बरे किहस। उ अपनी तरवार क नोक
पइ गिरा। 5कवचवाहक लखेस कि साऊल मर गवा, तब
उ खुद क मार डाएस। उ अपनी तरवार क नोंक पइ गिरा
अउर मर गवा। 6इ तरह साऊल अउर ओकर तीनउँ पूतन
मर गएन। साऊल क सारा परिवार एक संग मर गवा।
7घाटी मँ रहइवाले इस्राएल क सबहिं लोग लखेन कि
ओकर आपन फउज भाग गएन। उ पचे लखेन कि साऊल
अउर ओकर पूत मर गएन। एह बरे उ पचे अपने नगरन क
तजेन अउ पराइ गएन। तब पलिस्ती ओन नगरन मँ आएन
जेनका इस्राएलियन तज दिहे रहेन अउर पलिस्ती ओन नगरन
मँ रहइ लागेन।
8अगले दिन, पलिस्ती लोग ल्हासन क बहुमूल्य चिजियन
लेइ आएन। उ पचे साऊल क ल्हासन अउर ओकरे पूतन
क ल्हासन क गिबोन पर्वत पइ पाएन। 9पलिस्तियन साऊल
क ल्हास स चिजियन उतारेन। उ पचे साऊल क मूँड़ अउर
कवच लिहेन। उ पचे आपन पूरे देस मँ अपने लबार देवतन
अउ लोगन क सूचना देइ बरे दूत पठएन। 10पालिस्तियन
साऊल क कवच क अपने लबार देवता क मन्दिर मँ धरेन।
उ पचे साऊल क मूँड़ि क दागोन क मन्दिर लटकाएन।
11याबेस गिलाद नगर मँ रहइवाले सब लोग उ हर एक
बात सुनेन जउन पलिस्ती लोग साऊल क संग किहे रहेन।
12याबेस क सबहिं बीर मनई साऊल अउ ओकरे पूतन क
ल्हास लेइ गएन। उ पचे ओनका याबेस मँ लइ आएन।
ओन बीर मनसेधुअन साऊल अउ ओकरे पूतन क हाड़न क,
याबेस मँ एक बिसाल बृच्छ क खाले दफनाएन। तब उ पचे
अपना दु:ख परगट किहन अउ सात दिन तलक उपवास
रखेन।
13साऊल एह बरे मरा कि उ यहोवा क बरे बिस्सास
पात्र नाहीं रहा। साऊल यहोवा क आदेसन क पालन नाहीं
किहस। साऊल एक माध्यम क लगे गवा अउर 14यहोवा
क तजिके ओहसे सलाह माँगेस। इहइ कराण अहइ कि
यहोवा ओका मार डाएस अउर यिसै क पूत दाऊद क राज्ज
दिहस।

दाऊद इस्राएल क राजा होत ह

11 इस्राएल क सबहिं लोग हेब्रोन नगर मँ दाऊद क
लगे गएन। उ पचे दाऊद स कहेन, "हम तोहार ही
रक्त-माँस अही। 2बीते दिन मँ, जब साऊल राजा रहा तब
भी हमार तू जुद्ध मँ सन्चालन किहा। हे दाऊद, यहोवा
तोहसे केहस, 'तू मोरे लोगन क गड़रिया रहब्या। तू मोरे
लोगन क ऊपर सासक होब्या।'"
3इस्राएल क सबहिं प्रमुखन दाऊद क लगे हेब्रोन नगर
मँ आएन। दाऊद हेब्रोन मँ ओन प्रमुखन क संग यहोवा क
सामने एक समझौता किहस। प्रमुखन दाऊद क अभिसेक
किहन। इ तरह उ इस्राएल क राजा बन गवा। यहोवा
समूएल दुआरा इ बचन दिहे रहा कि इ होइ।

दाऊद यरूसलेम क कब्जा किहस

4दाऊद अउ इस्राएल क सबहिं लोग यरूसलेम नगर क
गएन। यरूसलेम ओन दिनन यबूस कहा जात रहा। उ नगर
मँ रहइवाले यबूसी कहे जात रहेन। 5उ नगर क निवासी
लोग दाऊद स कहेन, "तू हमारे नगर क प्रवेस नाहीं कइ
सकत्या।" किन्तु दाऊद ओन लोगन क पराजित किहस।
दाऊद सिय्योन क किले पइ कब्जा कइ लिहस। इ जगह
"दाऊद नगर" बना।
6दाऊद कहेस, "उ मनई जउन यबूसी लोगन पइ
आक्रमण क संचालन करी, मोर पूरी फउज क सेनापति
होइ।" एह बरे योआब आक्रमण क संचालन किहस।
योआब सरूयाह क पूत रहा। योआब सेना क सेनापित होइ
गवा।
7तब दाऊद किला मँ आपन महल बनाएस। इहइ कारण
अहइ ओकर नाउँ दाऊद नगर पड़ा। 8दाऊद किले क
चारिहुँ कइँती नगर बसाएस। उ एकॉ मिल्लो स नगर क
चारिहुँ कइँती की दीवार तलक बसाएस। योआब नगर क
दूसर भागन क मरम्मत किहेस। 9दाऊद लगातार महान
बनता गवा। सर्वसक्तीमान यहोवा ओकरे संग रहा।

दाऊद क बिसिस्ठ बीर

10दाऊद क बिसिस्ठ बीरन क ऊपर क प्रमुखन क इ
सूची अहइ: इ सबइ बीर दाऊद क संग ओकरे राज्ज मँ
बहोत सक्तीसाली बन गएन। उ पचे अउ इस्राएल क सबहिं

लोग दाऊद क सहायता किहन अउर ओका राजा बनाएन।
इ ठीक वइसा भवा जइसा परमेस्सर बचन दिहे रहा।
11इ दाऊद क बीर मनइयन क सूची अहइ:
यासोबाम हक्मोनी लोगन मँ स रहा। यसोबाम राजा क
बिसिस्ठ फउज क प्रमुख रहा। यसोबाम अपने भाले क
उपयोग तीन सौ मनइयन स जुद्ध करइ बरे किहस। उ एक
ही दाईं ओन तीन सौ मनइयन क मार डाएस।
12एलीआज़ार दोदो क पूत, अदोही स रहा। एलीआज़ार
तीन बीरन मँ स एक रहा। 13एलीआज़ार पसदम्मीम मँ
दाऊद क संग रहा। पलिस्ती लोग उ जगह पइ जुद्ध करइ
आएन। उ जगह पइ एक जौ स भरा खेत रहा। उहइ
जगह, जहाँ इस्राएली लोग पलिस्ती लोगन स भागे रहेन।
14किन्तु उ सबइ तीन बीर उ खेत क बीच रुक गएन अउर
पलिस्तियन स लड़ेन अउ ओनका हराइ डाएन अउर इ तरह
यहोवा इस्राएलियन क बड़ी जीत दइ दिहस।
15एक दाई, दाऊद, अदुल्लाम गुफा क लगे रहा अउर
पलिस्ती फउज खाले रपाईम क घाटी मँ रही। तीस बीरन मँ
स तीन बीरन उ गुफा तलक, लगातार रेंगत भए दाऊद क
लगे पहोंचेन।
16दूसर अवसर पइ, दाऊद किले मँ रहा, अउर पलिस्ती
सेना क एक समूह बेतलेहेम मँ रही। 17एक बार दाऊद
कहेस, "कास कउनो मोका बेतलेहेम नगर क दुआर क
लगे क कुआँ स थोड़ा पानी लाइके पिलातेन!"
18तब तीन बीरन पलिस्ती सेना क बीच जुद्ध करत भए
अपना रास्ता बनाएन अउर नगर-दुआर क निचके बेतलेहेम
क कुएँ स पानी लिहन। तीनहुँ बीरन दाऊद क लगे पानी
लइ गएन। दाऊद पानी पिअइ स इन्कार कइ दिहस। उ उ
पानी क यहोवा बरे भेंट क रूप मँ बाहेर उड़ेर दिहस।
19दाऊद कहेस, "परमेस्सर, मइँ इ पानी क नाहीं पी सकत।
एन मनइयन मोरे बरे इ पानी क लिआवइ मँ अपनी जिन्नगी
क खतरे मँ डाएन। एह बरे जदि मइँ इ पानी क पिअत हउँ
तउ इ ओनकर खून पिअइ क समान होइ।" एह बरे दाऊद
उ जल क पिअइ स इन्कार किहस। तीनहुँ बीर उ तरह क
बहोत स बहादुरी क काम किहन।

दूसर बीर जोधा

20योआब क भाई, अबीसै, तीन बीरन क प्रमुख रहा। उ
अपने भाले स तीन सौ मनईयन स लड़ा अउर ओनका मार
डाएस। अबीसै तीन बीरन क तरह मसहूर होइ गवा।
21अबीसै उ तीनहुँ बीरन स दुइगुना जियादा प्रसिद्ध रहा। उ
ओनकर प्रमुख होइ गवा, जदपि उ तीनहुँ बीरन मँ स नाहीं
रहा।
22यहोयादा क पूत बनायाह, कबजेल क एक बीर जोधा
रहा। उ एक सक्तीसाली मनइ क पूत रहा। बनायाह अनेक
बीरता क काम किहेस। उ मोआब देस क दुइ सर्वोत्तम
सिपाहियन क मार डाएस। एक दिन जब बर्फ गिरत रही, उ
जमीन क अन्दर एक ठु माँदे मँ घुसा अउर हुवाँ एक सेर
क मार डाएस। 23बनायाह मिस्र क एक मनई क मार
डाएस। उ मनई लगभग साढ़े सात फिट ऊँचा रहा। उ मिस्र
क मनई क लगे एक बहोत बड़का अउ भारी भाला रहा।
इ बुनकर क करघे क बिसाल खम्भे क नाईं रहा अउर
बनायाह क लगे सिरिफ एक ठु लाठी रही। किन्तु बनायाह
मिस्री स भाला छोर लिहस। मुला बनायाह मिस्री स भाले
क छीन लिहेस। बनायाह मिस्री मनई क भाले क उपयोग
किहेस अउर ओका मार डाएस। 24इ सबइ कार्य रहेन
जेनका योहयादा क पूत बनायाह किहस। बनायाह तीन बीरन
क तरह प्रसिद्ध भवा। 25बनायाह तीस बीरन मँ सब स
जियादा मसहूर रहा, मुला उ तीनहुँ बीरन मँ स नाहीं रहा।
दाऊद बनायाह क अपने अंगरच्छकन क प्रमुख चुनेस।

तीस बीरन

26इ सबइ राजा क बिसिस्ठ फउज मँ स रहेन: असाहेल,
योआब क भाई, एल्हानान, दोदो क पूत बेतलेहेम नगर क
रहा, 27हरोरी लोगन मँ स सम्मोत, पलोनी लोगन मँ स
हेलेस; 28इक्केस क पूत, ईरा, ईरा तकोई नगर क रहा,
अनातोत नगर क अबीएजेर; 29होसती लोगन मँ स सिब्बके,
अहोही स ईलै; 30नतोपाई लोगन मँ स महरै; बाना क पूत
हेलेद, हेलेद नतोपाई लोगन मँ स रहा; 31सीबै क पूत इतै,
इतै बिन्यामीन क गिबा नगर स रहा, पिरातोनी लोगन मँ स
बनायाह; 32गास घाटियन स हूरै; अराबा लोगन मँ स
अबीएल; 33बहूरीमा लोगन मँ स अजमावेत; सल्बोनी लोगन
मँ स एल्यहबा; 34गीजोई लोगन मँ स हासेम क पूतन;
सागे क पूत योनातन, योनातन हरारी लोगन मँ स रहा।
35सकार क पूत अहीआम, अहीआम हरारी लोगन मँ स
रहा; ऊर क पूत एलीपाल; 36मेकराई लोगन मँ स हेपेर;
पलोनी लोगन मँ स अहिय्याह; 37कर्मेली लोगन मँ स
हेस्रो, एज्बै क पूत नारै; 38नातान क भाई योएल; हाग्री क
पूत मिभार, 39अम्मोनी लोगन मँ स सेलेक; बरोती नहरै,
(नहरै योआब क कवचवाहक रहा। योआब सरूयाह क पूत
रहा।) 40येतेरी लोगन मँ स ईरा; इथ्री लोगन मँ स गारेब,
41हित्ती लोगन मँ स ऊरिय्याह; अहलै क पूत जाबाद;
42सीजा क पूत अदीना, सीजा रूबेन क परिवार समूह स
रहा। (अदीना रूबेन क परिवार समूह क प्रमुख रहा। परन्तु
उ भी अपने संग क तीस बीरन मँ स एक रहा।); 43माका
क पूत हानान; मेतेनी लोगन मँ स योसापात; 44असतारोती
लोगन मँ स उज्जिय्याह; होताम क पूत सामा अउर यीएल,
होताम अरोएरी लोगन मँ स रहा। 45सिम्री क पूत यदीएल;
तीसी लोगन स योहा, योहा यदीएल क भाई रहा; 46महवीमी
लोगन मँ स एलीएल, एलनाम क पूत यरीबै अउर
योसब्याह; मोआबी लोगन मँ स यित्मा; 47मसोबाई लोगन मँ
स एलीएल, ओबेद अउर यासीएल।

उ पचे बीर मनई जउन दाऊद क संग भएन

12 इ ओन मनईयन क सूची अहइ जउन दाऊद क
लगे आएन जब दाऊद सिकलग नगर मँ रहा।
दाऊद तब भी कीस क पूत साऊल स अपने क छुपाए रहत
रहा। इ मनईयन दाऊद क जुद्ध मँ मदद दिहे रहेन। 2इ
सबइ मनई अपने दाएँ या बाएँ हाथ स धनुस क बाण क
जरिये बेध सकत रहेन। अपनी गुलेल स दाएँ या बाँए हाथ
स पाथर लोकाइ सकत रहेन। उ पचे बिन्यामीन परिवार

समूह क साऊल क सम्बंधी रहेन। ओनकर नाउँ इ सबइ रहेन:

3ओनकर प्रमुख अहीएजेर अउ योआज रहा। उ पचे समाआ क पूत रहेन। समाआ गिबावासी लोगन मँ स रहा; यजीएल अउर पेलेत उ पचे अजमावेत क पूत रहेन, अनातोनी नगर क बराका अउर येहू। 4गिबोनी नगर क यिसमायाह, (यिसमायाह एक बीर रहा अउर उ तीस बीरन क प्रमुख भी रहा।) गदेरा लोगन मँ स: यिर्मयाह, यहजीएल, योहानान अउर योजाबाद, 5एलूजै, यरीमोत बाल्याह, अउर समर्याह, हारूपी स सपत्याह, 6कोरह परिवार समूह स एल्काना, यिसिय्याह, अजरेल, योएजेर अउर यासोबाम सबहिं, 7गदोर स यरोहाम क पूत योएला अउर जबद्याह।

गादी लोग

8गाद क परिवार समूह क एक हींसा रेगिस्तान मँ दाऊद स ओकरे किले मँ आइ मिला। उ पचे जुद्ध बरे प्रसिच्छित फउजी रहेन। उ पचे भालन अउ ढाल क उपयोग मँ कुसल रहेन। उ पचे सेर क तहर खौफनाक देखात रहेन अउर उ पचे हिरइ क नाईं पहाड़न मँ दउड़ सकत रहेन।

9गाद क परिवार समूह क सेना क प्रमुख एजेर रहा। ओबद्याह अधिकार मँ दूसर रहा। एलीआब अधिकार मँ तीसरा रहा। 10मिसमन्ना अधिकार मँ चउथा रहा। यिर्मयाह अधिकार मँ पाँचवा रहा। 11अत्तै अधिकार मँ छठा रहा। एलीएल अधिकार मँ सातवाँ रहा। 12योहानान अधिकार मा आठवाँ रहा। एलजाबाद अधिकार मँ नवाँ रहा। 13यिर्मयाह अधिकार मँ दसवाँ रहा। मकबन्नै अधिकार मँ गियारहवाँ रहा।

14उ सबइ लोग गादी सेना क प्रमुख रहेन। उ समूह क सब स कमजोर फउजी भी दुस्मन क सौ फउजियन स जुद्ध कइ सकत रहा। उ समूह क सब स जियादा बलिस्ठ फउजी दुस्मन क एक हजार फउजियन स जुद्ध कइ सकत रहा। 15गाद क परिवार समूह क उ सबइ फउजी रहेन जउन बरिस क पहिले महीने मँ यरदन नदी क उ पार गएन। इ बरिस क उ समइ रहा, जब यरदन नदी मँ बाढ़ आई रही। उ पचे घाटियन मँ रहइवाले सबहिं लोगन क पाछा कइके भगाएन। उ पचे ओन लगोन क पूरब अउ पच्छिम मँ पाछा कइके भगाएन।

दूसर जोधा दाऊद क संग आवत ही

16बिन्यामीन अउ यहूदा क परिवार समूह क दूसर लोगन भी दाऊद क लगे किला मँ आएन। 17दाऊद ओनसे भेंटइ बाहेर निकरा। दाऊद ओनसे कहेस, "जदि तू लोग सान्ति क संग मोर सहायता करइ आए हो, तउ मइँ तू लोगन क सुआगत करत हउँ। मोरे संग राह। किन्तु जदि तू मोका मोर दुस्मनन क हाथ मँ देइ बरे आवा अहा, जब कि मइँ तोहार कछू भी बुरा नाहीं किहे अहउँ, तउ हमरे पुरखन क परमेस्सर लखी कि तू का किहा अउर तोहका दण्ड देइ।"

18अमसै तीस बीरन क प्रमुख रहा। तब अमासै पइ आतिमा उतरी। अमासै कहेस,

"दाऊद हम तोहार अही। यिसै क पूत, हम तोहार संग अही। सान्ति होइ तोहारे संग। सान्ति ओन लोगन क जउन तोहार मदद करइँ। काहकि तोहार परमेस्सर, तोहार मदद करत ह।"

तब दाऊद एन लोगन क सुआगत किहस। उ ओनका आपन सैनिकन क प्रमुखन बनाएस।

19मनस्से क परिवार क समूह क कछू लोग भी दाऊद क संग होइ गएन। उ पचे दाऊद क संग तब होइ गएन जब ओका पलिस्तियन क संग साऊल क खिलाफ जुद्ध करइ बरे जाइ क रहा। मुला असल मँ दाऊद अउ ओकर लोग पलिस्तियन क मदद नाहीं किहन। एह बरे पलिस्तियन क प्रमुख सलाह क बाद दाऊद क बाहेर पठइ देइ क निर्णय लिहन। ओन सासकन कहेन, "जदि दाऊद अपने सुआमी साऊल क लगे जाइ, तउ हमार मूँड़ि काट डाइ जइहीं।" 20इ सबइ मन्ससे क लोग रहेन जउन दाऊद क संग उ समइ मिलेन जब उ सिकलग: अदना, योजाबाद, यदीएल, मीकाएल, योजाबाद, एलीहू अउर सिल्लतै नगर क गवा। उ पचे सबहिं मनस्से क परिवार समूह क सेनाध्यच्छ रहेन। 21उ पचे दाऊद क मदद डाकूअन क गिरोह क खिलाफ जुद्ध करइ मँ करत रहेन। उ पचे मनस्से क बीर जोधन रहेन। उ पचे दाऊद क सेना क प्रमुख रहेन।

22दाऊद क मदद बरे रोजाना जियादा स जियादा मनई आवत रहेन। इ तरह दाऊद क लगे बिसाल अउ ताकतवर फउज होइ गइ।

हेब्रोन मँ दूसर लोग दाऊद क संग आवत हीं

23हेब्रोन नगर मँ जउन लोग दाऊद क लगे आएन, ओनकर गनती इ अहइ। इ सबइ मनई जुद्ध बरे तइयार रहेन। उ पचे साऊल क राज्ज क, दाऊद क देइ आएन। इहइ उ बात रही जेका यहोवा कहे रहा कि होइ। इ ओनकर गनती अहइ:

24यहूदा क परिवार समूह स छ: हजार आठ सौ मनई जुद्ध बरे तइयार रहेन। उ पचे भालन अउ ढाल रखत रहेन।

25सिमोन क परिवार समूह स सात हजार एक सौ मनई रहेन। उ पचे जुद्ध बरे तइयार बीर सैनिक रहेन।

26लेवी क परिवार समूह स चार हजार छ: सौ मनई रहेन। 27यहोयादा उ समूह मँ रहा। उ हारून क परिवार स प्रमुख रहा। यहोयादा क संग तीन हजार सात सौ मनई रहेन। 28सादोक भी उ समूह मँ रहा। उ बीर जवान फउजी रहा। उ अपने परिवार स बाईस अधिकारियन क संग आवा।

29बिन्यामीन क परिवार समूह स तीन हजार मनइयन रहेन। उ सबइ साऊल क सम्बन्धी रहेन। उ समइ तलक, ओनके जियादातर मनई साऊल परिवार क भगत रहेन।

30एप्रैम परिवार समूह स बीस हजार आठ सौ मनई रहेन। उ पचे बीर जोधा रहेन। उ पचे अपने परिवार क मसहूर मनईरहेन।

31मनस्से क आधे परिवार समूह स अट्ठारह हजार मनईरहेन। ओनका नाउँ लइके आवइ क बोलावा गवा अउर दाऊद क राजा बनाइ क कहा गवा।

32इस्सकार क परिवार स दुइ सौ बुद्धिमान प्रमुख रहेन। उ पचे इस्राएल बरे उचित समइ पइ ठीक काम करब जानत रहेन। ओनकर सम्बन्धी ओनके संग रहेन अउर ओनकर आदेस क पालन करत रहेन।

33जबूलून क परिवार समूह स पचास हजार मनइयन रहेन। उ सबइ प्रसिच्छित फउजी रहेन। उ पचे हर तरह क अस्त्र-सस्त्र स जुद्ध बरे प्रसिच्छित रहेन। उ पचे दाऊद क मदद पूरी वफ़ादारी क संग किहस।

34नप्ताली क परिवार समूह स एक हजार अधिकारी रहेन। ओनके संग सैंतीस हजार मनई रहेन। उ सबइ मनई भालन अउ ढालन लइके चलव रहेन।

35दान क परिवार समूह स जुद्ध बरे तइयार अटठाईस हजार छ: सौ मनई रहेन।

36आसेर क परिवार समूह स जुद्ध बरे तइयार चालीस हजार प्रसिच्छित फउजी रहेन।

37यरदन नदी क पूरब स रूबेन, गादी अउ मनस्से क आधे परिवारन स एक लाख बीस जहार मनई रहेन। ओन लोगन क लगे हर तरह क अस्त्र-सस्त्र रहेन।

38उ पचे सबहिं मनई बीर जोधा रहेन। उ पचे हेब्रोन नगर स दाऊद क सारे इस्राएल क राजा बनावइ क पूरी सलाह कइके आए रहेन। इस्राएल क दूसर लोग भी सलाह किहेन कि दाऊद राजा होइ। 39ओन लोग दाऊद क संग हेब्रोन मँ तीन दिन बिताएन। उ पचे खाएन अउ पीएन, काहेकि ओनकर सम्बन्धियन ओनके बरे भोजन बनाए रहेन। 40जहाँ इस्साकार, जबूलून अउर नप्ताली क समूह रहत रहेन, उ छेत्र स भी ओनकर पड़ोसी गदहन, ऊँट खच्चर अउर गइया पइ भोजन लइके आए रहेन। उ पचे बहोत सा आटा, अंजीर पूड़ा, रेसिन, दाखरस, तेल, गाय-बर्धा अउर भेड़िन लिआएन। इस्राएल मँ लोग बहोत खुस रहेन।

करार क सन्दूख क वापस लिआउब

13 दाऊद अपनी फउज क सबहिं अधिकारियन स बात किहस। 2तब दाऊद इस्राएल क सबहिं लोगन क एक संग बोलाएस। उ ओनसे कहेस: "जदि तू लोग एक नीक बिचार सुमझत अहा। अउर जदि इ उहइ अहइ जेका यहोवा चाहत ह, तउ हम लोग अपने भाइयन क इस्राएल क सबहिं छेत्रन मँ सँदेस पठइ। हम लोग ओन जादकन अउ लेवीबंसियन क भी सँदेस पठइ जउन हम लोगन क भाइयन क संग नगरन अउ ओनके निअरे क खेतन मँ रहत हीं। सँदेसा मँ ओनसे आवइ अउर हमार साथ देइ क कहा जाइ। 3हम लोग करार क सन्दूख क यरूसलेम मँ अपने मँ अपने लगे वापस लिआइ। हम लोग करार क सन्दूख क देखभाल साऊल क सासन काल मँ नाहीं कीन्ह।" 4एह बरे इस्राएल क सबहिं लोग दाऊद क सलाह स्वीकार किहन। ओन सबहिं इ विचार किहेन कि इहइ करब ठीक अहइ।

5एह बरे दाऊद मिस्र क सीहोर नदी स हमात क प्रवेस दुआर तलक क सबहिं इस्राएल क लोगन क बटोरेस। उ पचे किर्यत्यारीम नगर स करार क सन्दूख क वापस लइ जाइ क बरे एक संग आएन। 6दाऊद अउ इस्राएल क सबहिं लोग ओकरे संग यहूदा क बाला क गएन। (बाला किर्यत्यारीम क दूसर नाउँ अहइ।) उ पचे हुवाँ करार क सन्दूख क लिआवत बरे गएन। उ करार क सन्दूख यहोवा परमेस्सर क सन्दूख अहइ। उ करूब सरगदूत क ऊपर बइठत ह। इहइ सन्दूख अहइ जउन यहोवा क नाउँ स गोहराइ जात ह।

7लोग करार क सन्दूख अबीनादाब क घरे स हटाएन। उ पचे ओका एक नई गाड़ी मँ रखेन। उज्जा अउ अह्यो गाड़ी क चलावत रहेन।

8दाऊद अउ इस्राएल क सबहिं लोग परमेस्सर क सम्मुख उत्सव मनावत रहेन। उ पचे परमेस्सर क स्तुति करत रहेन अउ गीत गावत रहेन। वे पचे वीणा तम्बूरा, दोत, मंजीरा अउ तुरही बजावत रहेन।

9उ पचे कीदोन क खरिहाने मँ आएन। गाड़ी हींचइवाले बर्धन क ठोकर लाग अउ करार क सन्दूख लगभग भहराइ गवा। उज्जा सन्दूख क धरइ बरे आपन हाथ आगे बढ़ाएस। 10यहोवा उज्जा पइ बहोत जियादा कोहाइ गवा। यहोवा उज्जा क मार डाएस काहेकि उ सन्दूख क छुइ लिहस। इ तरह उज्जा परमेस्सर क समन्वा हुवाँ मरा। 11परमेस्सर आपन किरोध उज्जा पइ देखाएल अउर एहसे दाऊद कोहाइ गवा। उ समइ स अब तलक उ जगह "पेरेसउज्जा" कही जात ह।

12उ दिन दाऊद परमेस्सर स डेराइ गवा। दाऊद कहेस, "मइँ करार क सन्दूख क हिआँ अपने लगे नाहीं लिआइ सकत।" 13उ एह बरे दाऊद करार क सन्दूख क अपने संग दाऊद नगर मँ नाहीं लइ गवा। उ करार क सन्दूख क ओबेद-एदोम क घर पइ तजेस। ओबेद-एदोम गत नगर स रहा। 14करार क सन्दूख ओबेद-एदोम क परिवार मँ ओकरे घरे मँ तीन महीने रहा। यहोवा ओबेद-एदोम क परिवार अउर ओकरे हिआँ जउन कछू रहा, क आसीर्बाद दिहस।

दाऊद क राज्ज बिस्तार

14 हीराम सूर नगर क राजा रहा। हीराम दाऊद क लगे सँदेस वाहक पठएस। हीराम देवदारु क लट्ठन, संगतरास अउ बढ़ई भी दाऊद क लगे पठएस। हीराम ओनका दाऊद बरे एक ठु महल बनावइ बरे पठएस। 2तब दाऊद समुझ सका कि यहोवा ओका फुरइ ही इस्राएल क राजा बनाएस ह। यहोवा दाऊद क राज्ज क बहोत विस्तृत अउ सक्तीसाली बनाएस। परमेस्सर इ एह बरे किहस कि उ दाऊद अउर इस्राएल क लोगन स पिरेम करत रहा। 3दाऊद यरूसलेम मँ बहोत सी मेहरारुअन क संग बियाह किहेस अउर ओकरे बहोत स बिटवा अउ बिटिया भइन। 4यरूसलेम मँ पइदा भइ दाऊद क सन्तानन क नाउँ इ सबइ अहइँ: सम्मू, सोबाब, नातान, सुलैमान, 5यिभार, एलीसू, एलपेलेत, 6नोगह, नेपेग, यापी, 7एलीसामा, बेल्यादा, अउर एलीपेलेद।

दाऊद पलिस्तियन क पराजित करत ह

8पलिस्ती लोग सुनेन कि दाऊद क अभिसेक इस्राएल क राजा क रूप मँ भवा ह। एह बरे, सबहिं पलिस्ती लोग दाऊद क खोज मँ गएन। दाऊद एकरे बारे मँ सुनेस। एह बरे उ पलिस्ती लोगन स लड़इ गवा। 9पलिस्तियन रपाईम

क घाटी मँ रहइवले लोगन पइ हमला किहेन अउर ओनकी
चिजियन चुराएन। 10दाऊद परमेस्सर स पूछेस, "का ओका
जानइ चाही अउर पलिस्ती लोगन स जुद्ध करइ चाही? क
तू मोका ओनका हरावइ देब्या?"
यहोवा दाऊद क जवाब दिहस, "जा! मइँ तोहका पलिस्ती
लोगन क हरावइ देब।"
11तब दाऊद अउर ओकर लोग बालपरासीम नगर तलक
गएन। हुवाँ दाऊद अउ ओकर लोग पलिस्ती लोगन क
हराएन। दाऊद कहेस, "जिस तरह टूटहे बाँधे स पानी फूट
पड़त ह उहइ तरह, परमेस्सर मोरे दुस्मनन पइ फूट पड़ा ह।
परमेस्सर इ मोरे माध्यम स किहस ह।" इहइ कारण अहइ
कि इ जगह बालपरासीम क नाउँ स जाना जात ह।
12पलिस्ती लोग अपनी मूरतियन क बालपरासीम मँ तजि
दिहन। दाऊद ओन मूरतियन क बार देइ क आदेस दिहस।

पलिस्ती लोगन पइ दूसर बिजइ

13पलिस्तियन रपाईम घाटी मँ रहइवाले लोगन पइ फुन
हमला किहन। 14दाऊद फुन परमेस्सर स पराथना किहस।
परमेस्सर दाऊद क पराथना क जवाब दिहस। परमेस्सर
कहेस, "दाऊद, जब तू हमला करा तउ पलिस्ती लोगन क
पाछे पहाड़ी पइ जिन जा। एकरे बदले, ओनके चारिहुँ कइँती
जा। हुवाँ छुपा, जहाँ मोखा क बृच्छ अहइ। 15एक ठू
पहरेदार क बृच्छ क चोटी पइ चढ़इ क कहा। जइसे ही उ
बृच्छन क चोटी स फउज क चलइ क आवाज क सुनी,
उहइ समइ तू पलिस्तियन पइ हमला करा। परमेस्सर तोहरे
समन्वा आइहीं अउ पलिस्ती फउज क हराइहीं।" 16दाऊद
उहइ किहस जउन परमेस्सर करइ क कहेस एह बरे दाऊद
अउ ओकर फउज पलिस्ती फउज क हराएस। उ पचे
पलिस्ती फउजियन क लगातार गिबोन नगर स गेजेर नगर
तलक मारेन। 17इ तरह दाऊद सबहिं देसन मँ मसहूर होइ
गवा। यहोवा सबहिं रास्ट्रन क हिरदइ मँ ओकर डर बइठाइ
दिहस।

करार क सन्दूख यरूसलेम मँ

15 दाऊद, अपने बरे दाऊद नगर मँ महल बनवाएस।
तब उ करार क सन्दूख क बरे एक ठु जगहिया
बनाएस। उ एकरे बरे एक तम्बू डाएस। 2तब दाऊद कहेस,
"सिरफ लेवीबंसियन क करार क सन्दूख लइ चलइ क
मंजूरी अहा। यहोवा ओनका करार क सन्दूख चलइ अउर
ओकर सदा ही सेवा बरे चुनेस ह।"
3दाऊद इस्राएल क सबहिं लोगन क यरूसलेम मँ एक
संग मिलइ बरे बोलाएस जब तलक लेवीबंसियन करार क
सन्दूख क उ जगहिया पइ लइके आएन जउन उ ओकरे बरे
बनाए रहा। 4दाऊद हारून क सन्तानन अउ लेवीबंसियन क
एक संग बोलाएस। 5कहात परिवार समूह स एक सौ बीस
मनई रहेन। ऊरीएल ओनकर प्रमुख रहा। 6मरारी क परिवार
समूह स दुई सौ बीस मनई रहेन। असायाह ओनकर प्रमुख
रहा। 7गेर्सोमियन क परिवार समूह क एक सौ तीस लोग
रहेन। योएल ओनकर प्रमुख रहा। 8एलिसापान क परिवार
समूह क दुई सौ लोग रहेन। समायाह ओनकर प्रमुख रहा।
9हेब्रोन क परिवार समूह क सत्तर लोग रहेन। एलीएल
ओनकर प्रमुख रहा। 10उज्जीएल क परिवार समूह क एक
सौ बारह लोग रहेन। अम्मीनादाब ओनकर प्रमुख रहा।

याजक अउ लेवीबंसियन स
दाऊद बातन करत ह

11तब दाऊद सादोक अउ एब्यातार याजकन स कहेस कि
उ पचे ओकेरे लगे आवइँ। दाऊद ऊरीएल, असायाह,
योएल, समायाह, एलीएल अउर अम्मीनादाब लेवीबंसियन क
भी अपने लगे बोलाएस। 12दाऊद ओनसे कहेस, "तू लोग
लेवी परिवार समूह क प्रमुख अहा। तू पचन्क अपने अउर
दूसर लेवीबंसियन क पवित्तर बनावइ चाही। तब करार क
सन्दूख क उ जगह पइ लिआवा, जेका मइँ ओकरे बरे
बनाएउँ ह। 13पिछली दाईं हम लोग यहोवा परमेस्सर स
नाहीं पूछा कि करार क सन्दूख क हम कइसे लइ चली।
लेवीबंसियन, तू पचे एका नाहीं लइ चल्या, इहइ कारण
अहइ कि यहोवा हम क सजा दिहस।"
14तब याजक अउ लेवीबंसियन अपने क पवित्तर किहन
जेहसे उ पचे इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क सन्दूख क
लइके चल सकइँ। 15लेवीबंसियन बिसेस डंडन क उपयोग,
अपने काँधन पइ करार क सन्दूख क लइ चलइ बरे किहन
जइसा मूसा क आदेस रहा। उ पचे सन्दूख क उ तरह स
लइ चलेन जइसा यहोवा कहे रहा।

गायक

16दाऊद लेवीबंसियन क ओनके गायक भाइयन क
लिआवइ बरे कहेस। गायकन क अपनी वीणा, तम्बूरा अउर
मंजीरा लिआउब रहा अउर खुसी क गीत गाउब रहा।
17तब लेवीबंसियन हेमान अउर भाइयन आसाप अउ
एतान क बोलाएन। हेमान योएल क पूत रहा। आसाप
बेरेक्याह क पूत रहा। एतान कूसायाह क पूत रहा। इ सबइ
मनई मरारी परिवार समूह क रहेन। 18हुवाँ लेवीबंसियन क
दूसर समूह भी रहा। उ पचे जकर्याह, बेन याजीएल,
समीरामोत, यहीएल, उन्नी, एलीआब, बनायाह, मासेयाह,
मत्तित्याह, एलीपलेह, मिकनेयाह, ओबेदेदोम अउ यीएल
रहेन। इ सबइ लोग लेवीबंस क रच्छक रहेन।
19गायक हेमान, आसाप अउ एतान काँसे क मँजीरा
बजावत रहेन। 20जकर्याह, अजीएल, समीरामोत, यहीएल,
उन्नी, एलीआब, मासेयाह अउ बनायाह, अलामोत वीणा
बजावत रहेन। 21मत्तित्याह, एलीपलेह, मिकनेयाह, ओबेदेदोम,
यीएल अउर अजज्याह सेमिनिथ तम्बूरा बजावत रहेन। इ
ओनकर सदा ही क काम रहा। 22लेवीबंसी प्रमुख कनन्याह
गायन क प्रबन्धक रहा। कनन्याह क इ काम मिला रहा
काहेकि उ गावइ मँ बहोत जियादा कुसल रहा।
23बेरेक्याह अउ एलकाना, करार क सन्दूख क रच्छकन
मँ स दुइ रहेन। 24याजक सबन्याह, योसापात, नतनेल,
अमासै, जकर्याह, बनायाह अउर एलीएजेर क काम करार
क सन्दूख क समन्वा चलत समइ तुरही बजाउब रहा।
ओबेदेदोम अउर यहिय्याह करार क सन्दूख बरे दूसर रच्छक
रहेन।

25दाऊद इस्राएल क अग्रज अउ सेनापति करार क सन्दूख क लेइ गएन। उ पचे ओका ओबेदेदोम क घरे स बाहेर लिआएन। हर एक बहोत खुस रहा। 26परमेस्सर ओन लेवीबंसियन क मदद किहस जउन यहोवा क करार क सन्दूखे क लइके चलत रहेन। उ पचे सात बर्धन अउर सात भेड़न क बलि दिहन। 27सबहिं लेवीबंसी जउन करार क सन्दूख लइके चलत रहेन, उत्तिम सन क चोगे पहिरे रहेन। गायन क प्रबन्धक कनन्याह अउर सबहिं गायक उत्तिम सन चोगान पहिरे रहेन अउ दाऊद भी उत्तिम सन क बना एपोद पहिरे रहा।

28इ तरह इस्राएल क सारे लोग यहोवा क करार क सन्दूख क लइ आएन। उ पचे उद्घोष किहन, उ पचे भेड़न क सींग अउ तुरही बजाएन अउर उ पचे मँजीरन, वीणा अउर तम्बूरन बजाएन।

29जब करार क सन्दूख दाऊद नगर मँ पहोंचा, मीकल खिड़की स लखेस। मीकल साऊल क बिटिया रही। उ राजा दाऊद क चारिहुँ कइँती नाचत अउर बजावत लखेस। उ अपने हिरदइ मँ दाऊद क बरे सम्मान क खोइ दिहस उ सोचेस कि उ मूरख बनत बाटइ।

16 लेवीबंसी करार क सन्दूख लइ आएन। अउर ओका उ तम्बू मँ धरेन जेका दाऊद एकरे बरे खड़ी कइ रखे रहा। तब उ पचे परमेस्सर क होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाएन। 2जब दाऊद होमबलि अउ मेलबलि देब पूरा कइ चुका तउ उ लोगन क आसीर्बाद देइ क बरे यहोवा क नाउँ लिहस। 3तब उ हर एक इस्राएली मेहरारु-मनई क एक-एक रोटी, खजूर अउ किसमिस दिहस।

4तब दाऊद करार क सन्दूख क समन्वा सेवा बरे कछू लेवीबंसियन क चुनेस। ओन लेवीबंसियन क इस्राएलियन क यहोवा परमेस्सर बरे उत्सव क मनावइ, आभार परगट करइ अउ स्तुति करइ क जिम्मेदारी सौंपा गवा। 5आसाप, पहिले समूह क प्रमुख रहा। आसाप क समूह सारंगी बजावत रहा। जकर्याह दूसरे समूह क प्रमुख रहा। इ सबइ दूसर लेवीबंसियन रहेन: यीएल, समीरामोत, यहीएल, मत्तित्याह, एलीआब, बनायाह, ओबेद-एदोम अउ यीएल। इ सबइ मनई वीणा अउ तम्बूरा बजावत रहेन 6बनायाह अउर यहजीएल अइसे याजक रहेन जउन करार क सन्दूख क समन्वा सदा ही तुरही बजावत रहेन। 7इ उहइ समइ रहा जब दाऊद पहिली बार आसाप अउर ओकरे भाइयन क यहोवा क स्तुति करइ क काम किहस।

दाऊद क आभार गीत

8यहोवा क स्तुति करा, ओकर नाउँ ल्या। लोगन क ओन महान कार्यन क जानकारी द्या जेनका यहोवा किहेस ह।

9यहोवा क गीत गावा, यहोवा क स्तुतियाँ गवा। ओकर सबहिं महान कार्यन क गुणगान करा।

10यहोवा क पवित्तर नाउँ पइ गर्व करा। सबहिं लोग जउन यहोवा क मदद पइ भरोसा करत हीं, खुस ह्वा।

11यहोवा अउर ओकरी सक्ती क खोज करा। सदा ही मदद बरे ओकरे लगे जा।

12ओन अजूबे कार्यन क याद करा जउन यहोवा किहेन ह। ओकरे निर्णयिन क याद राखा अउर सक्ती स भरपूर कार्यन क जउन उ किहेस।

13इस्राएल क सन्तानन यहोवा क सेवक अहइँ। याकूब क पूतन यहोवा क जरिये चुने गए लोग अहइँ।

14यहोवा हमार परमेस्सर अहइ, ओकर नेमन सबहिं जगह अहइ।

15ओकरी करार क सदा ही याद राखा, उ अपने आदेसन हजार पीढ़ियन बरे दिहेस ह।

16इ करार अहइ जेका यहोवा इब्राहीम क संग किहे रहा। इ करार अहइ जउन यहोवा इसहाक क संग किहेस।

17यहोवा एका याकूब क लोगन क बरे कानून बनाएस। इ करार इस्राएल क संग अहइ जउन सदा ही बनी रही।

18यहोवा इस्राएल स कहे रहा: "मइँ कनान देस तोहका देब इ प्रतिग्या क पहँटा तोहार ही होइ।"

19परमेस्सर क लोग गनती मँ थोड़े रहेन। उ पचे उ देस मँ अजनबी रहेन।

20उ पचे एक रास्ट्र स दूसर रास्ट्र क गएन। उ पचे एक राज्ज स दूसर क गएन।

21मुला यहोवा कउनो क ओनका चोट पहोंचवइ न दिहस। यहोवा राजा लोगन क चितउनी दिहस कि उ पचे ओनका चोट न पहोंचावइँ।

22यहोवा ओन राजा लोगन स कहेस, "मोर चुने लोगन क चोट न पहोंचावा। मोरे नबियन क चोट न पहोंचावा।"

23यहोवा बरे सारी धरती पइ गुनगान करा, हर रोज तू पचन्क यहोवा क जरिये हमार रच्छा क सुभ समाचार परगट करइ चाही।

24यहोवा क प्रताप क सबहिं रास्ट्रन स कहा यहोवा क अजूबे कार्यन क सबहिं लोगन स कहा।

25यहोवा महान अहइ, यहोवा क स्तुति होइ चाही यहोवा दूसर देवतन स अधिक भए जोग्ग अहइ।

26काहेकि ओन रास्ट्रन सबहिं देवता मात्र मूरतियन अहइँ। मुला यहोवा आकासे क बनाएस।

27यहोवा महिमा अउ सम्मान रखत अहइ। ताकत अउर आनन्द ओकर जगह मँ मोजूद अहइ।

28परिवार अउ लोग यहोवा क महिमा अउ सक्ती क स्तुति करत हीं।

29यहोवा क प्रताप क स्तुति करा। ओकरे नाउँ क सम्मान द्या। यहोवा क अपनी भेंटन चढ़ावा, यहोवा अउ ओकर पवित्तर सुन्दरता क उपासना करा।

30यहोवा क समन्वा भय स सारी धरती काँपइ चाही। किन्तु उ धरती क मजबूत बनाएस। एह बरे धरती हिली नाहीं।

31धरती अउ आकासे क आन्नद मँ झूमइ द्या।

चारिहुँ कइँती लोगन क कहइ द्या, "यहोवा सासन करत ह।"

32सागर अउ एहमाँ क सबहिं चिचियन क चिचयाइ द्या। खेतन अउ ओनमाँ क हर एक चीज क आपन आनन्द परगट करइ द्या।

33यहोवा क समन्वा बन क बृच्छ आनन्द स गइहीं। काहेकि यहोवा आवत अहइ। उ संसार क निआव करइ आवत बाटइ।

34अहा! यहोवा क धन्य द्या, उ अच्छा अहइ। यहोवा क पिरेम सदा बना रहत ह।

35यहोवा स कहा, "हे परमेस्सर, हमरे रच्छक, हमार रच्छा करा। हम लोगन क एक संग बटोरा, अउर हमका दूसर रास्ट्रन स बचावा। अउर तब हम तोहरे पवित्तर नाउँ क स्तुति कइ सकित ह। तब हम तोहरे स्तुति अपने गीतन स कइ सकित ह।"

36इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क सदा स्तुति होत रहइ जइसे कि सदा ही ओकर बड़कई होत रहत ह। सबहिं लोगन कहेन, "आमीन!" उ पचे यहोवा क स्तुति कहेन।

37तब दाऊद आसाप अउ ओकरे भाइयन क हुवाँ यहोवा क करार क सन्दूख क समन्वा छोड़ेस। दाऊद ओनका ओकरे समन्वा हर रोज सेवा करइ बरे छोड़ेस। 38दाऊद आसाप अउर ओकरे भाइयन क संग सेवा करइ बरे ओबेद-एदोम अउर दूसर अड़सठ लेबीबंसियन क छोड़ेस। ओबेद-एदोम अउर होसा रच्छक रहेन। ओबेद-एदोम यदूतून क पूत रहा।

39दाऊद याजक सादोक अउ दूसर याजकन क जउन गिबोन मँ ऊँची जगह पइ यहोवा क तम्बू क समन्वा ओकरे संग सेवा करत रहेन ओकर संग छड़ेस। 40हर भिंसारे अउ साँझ सादोद अउ दूसर याजक होमबलि क वेदी पइ होमबलि चढ़ावत रहेन। उ पचे इ यहोवा व्यवस्था मँ लिखे गए ओन नेमन क पालन करइ बरे करत रहेन जेनका यहोवा इस्राएल क दिहे रहा। 41हेमान अउ यदूतून अउ सबहिं दूसर लेवीबंसियन यहोवा क स्तुतिगान करइ बरे नाउँ लइके चुने गए रहेन, काहेकि ओकर पिरेम सदा ही बना रहत ह। 42हेमान अउ यदूतून ओनके संग रहेन। ओनकर काम तुरही अउ मँजीरा बजाउब रहा। उ पचे दूसर संगीत बाजा बजावइ क काम भी करत रहेन, जब परमेस्सर क स्तुति क गीत गाए जात रहेन। यदूतून क पूतन दुआरन क रच्छा करत रहा।

43उत्सव मनावइ क पाछे, सबहिं लोग चले गएन। हर एक मनई अपने-अपने घर चला गवा अउर दाऊद भी अपने परिवार क आसीर्बाद देइ बरे घर गवा।

परमेस्सर दाऊद क बचन दिहस

17 दाऊद अपने घरे चले जाइ क पाछे नातन नबी स कहेस, "लखा, मइँ देवदारु स बने घरे मँ रहत हउँ, मुला यहोवा क करार क सन्दूख तम्बू मँ धरा अहइ। मइँ परमेस्सर बरे एक मन्दिर बनावइ चाहत अहउँ।"

2नातान दाऊद क जवाब दिहस, "तू जउन कछू करइ चाहत अहा, कइ सकत अहा। परमेस्सर तोहरे संग अहइ।"

3मुला परमेस्सर क संदेसा उ रात नातान क मिला। 4परमेस्सर कहेस, "जा अउर मोर सेवक दाऊद स इ कहा: "यहोवा इ कहत ह, 'दाऊद, तू उ नाहीं अहइ जउन मोर बरे एक घर बनाइ। 5जब स मइँ इस्राएल क मिस्र स बाहेर लिआएउँ तब स अब तलक, मइँ घरे मँ नाहीं रहा हउँ। मइँ एक तम्बू स दूसर तम्बू क चरिहुँ कइँती घूमत रहा हउँ। 6जउने समइ मइँ इस्राएल मँ विभिन्न जगहन पइ चारिहुँ कइँती घूमत रहेउँ, मइँ कउनो प्रमुख स जेनका मइँ आपन लोगन क अगवाइ करइ बरे आदेस दिहेउँ रहा इ नाहीं कहेउँ: तू मोरे बरे देवदारु बृच्छ क काठे स घर काहे नाहीं बनाया ह?'

7"अब तू मोरे सेवक दाऊद स कहा: सर्वसक्तीमान यहोवा तोहसे कहत ह, 'मइँ तोहका चरागाह स अउर भेड़िन क देखरेख करइ स लिएउँ। मइँ तोहका अपने इस्राएली लोगन क सासक बनाएउँ। 8तू जहाँ गया, मइँ तोहारे संग रहेउँ। मइँ तोहरे अगवा-अगवा चलेउँ अउर मइँ तोहरे दुस्मनन क मारेउँ। अब मइँ तोहका पृथ्वी पइ सब स जियादा मसहूर मनइयन मँ स एक बना रहेउँ। 9मइँ इ जगह अपने इस्राएल क लोगन क दइ देत अहइँ। मइँ ओनका उ जगह पइ स्थापित करब, अउर उ पचे हुवाँ सान्तिपूर्वक रइहीं। उ पचे अब आगे अउर परेसान नाहीं कीन्ह जइहीं। बुरे लोग ओनका वइसे चोट नाहीं पहोंचाइही जइसा उ पचे पहिले पहोंचाए रहेन। 10उ समइ स जब मइँ आपन लोग इस्राएल क अगुवाइ अउ रच्छा करइ बरे निआवधीसन क नियुक्त किहा, मइँ तोहार सबइ दुस्मनन क हराएस हउँ।

"'मइँ तोहसे कहत हउँ कि यहोवा तोहार परिवार क एक सही परिवार बनाई। 11जब तू मरब्या अउर अपने पुरखन स जाइ भेंटब्या, तब मइँ तोहरे निज पूत क नवा राजा होइ देब। नवा राजा तोहरे पूतन मँ स एक होइ अउर मइँ ओकर राज्ज क सक्तीसाली बनाउब। 12तोहार पूत मोरे बरे एक ठु घर बनाई। मइँ तोहारे पूत क परिवार क सदा बरे सासक बनाउब। 13मइँ ओकर बाप बनब अउर उ मोर पूत होइ। साऊल तोहसे पहिले राजा रहा। मइँ ओह प स आपन पिरेम अउर मदद हटाइ लिएउँ। किन्तु मइँ तोहारे पूत स पिरेम क नाही हटाउब। 14मइँ ओका सदा बरे अपने घर अउर राज्ज क संरच्छक बनाउब। ओकर सासन सदा ही चलत रही।'"

15नातन अपने इ दर्सन अउर परमेस्सर जउन सबहिं बातन कहे रहा ओकरे बारे मँ दाऊद स कहेस।

दाऊद क पराथना

16तब दाऊद पवित्तर तम्बू मँ गवा अउर यहोवा क समन्वा बइठा। दाऊद कहेस, "यहोवा परमेस्सर, तू मोरे बरे अउर मोरे परिवार बरे ऍतना जियादा किहा ह अउर मइँ नाहीं समुझत कि काहे? 17अउर माना कि इ काफी नाहीं रहा, किन्तु, ओ परमेस्सर, तू मोका मोरे परिवार क भविस्स बताएस ह। तू मोरे बरे एक बहोत महत्वपूर्ण मनई जइसा बेउहार किहा ह। 18मइँ अउर जियादा का काहि सकत हउँ? तू मोरे बरे ऍतना जियादा किहा ह अउर तू मोका बहोत सम्मान दिहेस ह अउर मइँ सिरिफ तोहार सेवक हउँ। तू मोका जानत ह। 19यहोवा, तू इ अजूबा कार्य मोरे बरे किहा ह अउर इ तू किहा काहेकि तू इ महान कार्य क बतावइ चाहत ह। 20यहोवा, तोहरे समान अउर कउनो नाहीं अहइ। तोहरे अलावा कउनो परमेस्सर नाहीं अहइ। हम लोग कबहुँ कउनो देवता क अइसे अजूबा कार्य करत नाहीं सुना ह।

21का इस्त्राएल क समान दूसर कउनो रास्ट्र अहइ? इस्त्राएल
ही पृथ्वी पइ एकमात्र रास्ट्र अहइ जेकरे बरे तू इ अजूबा
कार्य किहा। तू हम क महान अउर चमत्कारवाला अद्भुत
कार्य कइ के मिस्त्र स बाहेर निकार्‌या अउर हमक आजाद
किहा। तू अपने लोगन क समन्वा गया अउर दूसर लोगन
क हमरे बरे भुइँया छोड़ेइ क मजबूर किहा। अउर इ महान
कार्य कइके तू मसहूर होइ गवा। 22तू इस्त्राएल क सदा बरे
आपन लोग बनाया अउर यहोवा तू ओकर परमेस्सर भया।
23“यहोवा, तू इ प्रतिग्या मोहसे अउर मोरे परिवार स
किहा ह। अब स तू सदा बरे इ प्रतिग्या क बनाए राखा। उ
करा जउन तू करइ कह्या। 24अपनी प्रतिग्या क पूरा करा,
जेहसे लोग तोहरे नाउँ क सम्मान सदा बरे कइ सकइँ। तब
लोग कहिहीं, ‘सर्वसक्तीसाली यहोवा इस्त्राएल क परमेस्सर
अहइ।’ मइँ तोहार सेवक अहउँ। कृपा कइके मोरे परिवार
क सक्तीसाली होइ द्‌या अउर उ तोहार सेवा सदा करत
रहइ।
25“मोरे परमेस्सर, तू मोहसे, अपने सेवक कह्या, कि तू
मोरे परिवार क एक ठु राजपरिवार बनउब्या। एह बरे मइँ
तोहारे समन्वा एँतना निडर होत हउँ, एह बरे मइँ तोहसे इ
सबइ चिजियन करइ बरे कहत हउँ। 26यहोवा तू परमेस्सर
अहा अउर परमेस्सर तू एन नीक चिजियन क वचन मोरे,
आपन सेवक बरे किहा ह। 27यहोवा, तू मोरे परिवार क
आसीस देइ मँ एँतना जियादा दयालु रहा ह। तू प्रतिग्या
किहा, कि मोरे परिवार तोहार सेवा सदा सदा ही करत रही।
यहोवा तू मोर परिवार क आसीस दिहा ह, एह बरे मोरे
परिवार सदा आसीस पाई।”

दाऊद विभिन्न रास्ट्रन क जीत लेत ह

18 पाछे दाऊद पलिस्ती लोगन पइ हमला किहस। उ
ओनका हराएस। उ गत नगर अउर ओकरे चाहिहुँ
कइँती क नगरन क पलिस्ती लोगन स जीत लिहस।
2तब दाऊद मोआब देस क हराएस। मोआबी लोग दाऊद
क गुलाम बन गएन अउर ओकर लगे नज़राना लाएन।
3दाऊद हददेज़ेर क सेना क बिरुद्ध भी लड़ा। हददेज़ेर
सेबा क राजा रहा। दाऊद उ सेना क संग लगातार हमात
नगर तलक लड़ा। दाऊद इ एह बरे किहस कि हददेज़ेर
अपने राज्ज क परात नदी तलक फइलावाइ क कोसिस
किहस। 4दाऊद हददेज़ेर एक हजार रथ, सात हजार सारथी
अउर बीस हजार फउजी लिहेस। दाऊद हददेज़ेर क जियादातर
घोड़न अंग-अंग कइ दिहस जउन रथ हींचत रहेन। मुला
दाऊद सौ रथन क हींचइ बरे काफी घोड़न क बचाइ
लिहस।
5दमिस्क नगर स अरामी लोग हददेज़ेर क मदद करइ
बरे आएन हददेज़ेर सोबा क राजा रहा। मुला दाऊद बाईस
हजार अरामी फउजियन क पराजित किहेस अउ मार डाएस।
6तब दाऊद दमिस्क नगर मँ राज्जपालन क राखेस। अरामी
लोग दाऊद क प्रजा बन गएन अउ ओकरे लगे नज़राना
लइके आएन। एह बरे यहोवा दाऊद क, जहाँ कहूँ उ गवा,
बिजइ दिहस।
7दाऊद हददेज़ेर क सेनापतियन क सोना क ढालन लिहस
अउर ओनका यरूसलेम लइ आवा। 8दाऊद तिभत अउ कून
नगरन स बहोत जियादा काँसा प्राप्त किहस। उ पचे नगर
हददेज़ेर क रहेन। पाछे, सुलैमान इ काँसे क उपयोग काँसे
क हौदन, काँसे क खम्भा अउर सबइ दूसर चिजियन बनावइ
मँ किहस जउन मन्दिर क बरे काँसे स बनी रहिन।
9तोऊ हमात नगर क राजा रहा। हददेज़ेर सोबा क राजा
रहा। तोउ सुनेस कि दाऊद हददेज़ेर क सारी सेना क हराइ
दिहस। 10एह बरे तोउ अपने पूत हदोराम क राजा दाऊद क
लगे सान्ति क याचना करइ अउ जीत क मुबारकबाद देइ
बरे पठएस। उ इ किहेस काहेकि दाऊद हददेज़ेर क खिलाफ
जुद्ध किहे रहा अउर ओका हराए रहा। पहिले हददेज़ेर तोउ
स जुद्ध किहे रहा। हदोराम दाऊद क हर एक तरह क
सोना, चाँदी अउर काँसा स बनी चिजियन दिहस। 11राजा
दाऊद ओन चिजियन क पवित्तर बनाएस अउर यहोवा क
दिहस। दाऊद अइसा उ सारे चाँदी, सोना क संग किहेस
जेका उ एदोमी, मोआबी, अम्मोनी पलिस्ती अउर अमालेकी
लोगन स प्राप्त किहे रहा।
12सरूयाह क पूत अबीसै नून क घाटी मँ अट्ठारह
हजार एदोमी लोगन क मारेस। 13अबीसै एदोमी मँ राज्जपाल
क राखेन अउर सबहिं एदोमी लोग दाऊद क गुलाम होइ
गएन। दाऊद जहाँ कहूँ भी गवा, यहोवा ओका बिजइ
दिहस।

दाऊद क महत्वपूर्ण अधिकारी

14दाऊद पूरे इस्त्राएल क राजा रहा। उ उहइ किहस जउन
सब क बरे उचित अउ निआवपूर्ण रहा। 15सरूयाह क पूत
योआब, दाऊद क सेना क सेनापति रहा। अहीलूद क पूत
यहोसापात ओन कामन क बारे मँ लिखेस जउन दाऊद
किहेस। 16सादोक अउ अबीमेलेक याजक रहेन। सादोक
अहीतूब क पूत रहा अउर अबीमेलेक एब्यातार क पूत रहा।
सबसा लिपिक रहा। 17यहोयदा क पूत बनायाह करेतियन
अउ पलेती लोगन क मार्गदर्सन क उत्तरदायी रहा। अउर
दाऊद क पूतन बिसेस अधिकारी रहेन। उ पचे राजा दाऊद
क संग सेवारत रहेन।

अम्मोनी दाऊद क लोगन क लज्जित करत हीं

19 नाहास अम्मोनी लोगन क राजा रहा। नाहास मरा
अउर ओकर पूत नवा राजा बना। 2तब दाऊद
कहेस, “नाहास मोरे बरे दयालु रहा, एह बरे मइँ नाहास क
पूत हानून बरे दयालु रहब।” एह बरे दाऊद अपने दूतन क
ओकरे बाप क मउत पइ सान्त्वना देइ पठाएस। दाऊद क
दूत हानून क सान्त्वना देइ अम्मोन देस क गएन।
3मुला अम्मोनी प्रमुखन हानून स कहेन, “मूरख जिन
बना। दाऊद इ मनईयन क तोहका सान्त्वना देइ बरे या
तोहरे मरे बाप क सम्मान देइ बरे नाहीं पठएस ह। नाहीं,
दाऊद अपने दूतन क तोहार अउर तोहरे देस क जासूसी
करइ चाहत ह। असल मँ दाऊद तोहरे देस क नस्ट करइ
चाहत ह।” 4एह बरे हानून दाऊद क सेवकन क बन्दी
बनाएस अउर ओनकर दाढ़ी मुड़वाइ दिहस। हानून क

करिहाउँ तलक ओकरे ओढ़नन क छोर क कटवाइ दिहस।
तब उ ओनका बिदा कइ दिहस।
5दाऊद क मनई एतने लज्जित भएन कि उ पचे घर क
नाहीं जाइ सकत रहेन। कछू लोग दाऊद क लगे गएन
अउर बताएन कि ओकरे मनइयन क संग कइसा बर्त्ताव
भवा ह। एह बरे राजा दाऊद अपने लोगन क लगे इ खबर
पठएस: “तू लोग यरीहो नगर मँ तब तलक रहा जब तलक
फुन डाढ़ी न जम जाइ। तब तू घरे वापस जाइ सकत ह।”
6अम्मोनी लोग पता पाएन कि दाऊद ओनका आपन
दुस्मन समुझत ह। तब हानून अउ अम्मोनी लोग पचहत्तर
हजार पौण्ड चाँदी, रथन अउर सारथियन क मेसोपोटामियन
स बेसाहइ मँ लगाएन। उ पचे अराम मँ अरम्माका अउ
सोबी लोगन स भी रथन अउर सारथियन क प्राप्त किहन।
7अम्मोनी लोग बत्तीस हजार रथ बेसहेन। उ पचे माका क
राजा क अउर ओकरी फउज क भी आवइ अउ मदद करइ
बरे भुगतान किहन। माका क राजा अउर ओकर लोग
आएन अउर उ पचे मेदबा नगर क लगे आपन डेरा डाएन।
अम्मोनी लोग खुद अपने नगरन स बाहेर अउर आएन जुद्ध
बरे तइयार होइ गएन।
8दाऊद सुनेस कि अम्मोनी लोग जुद्ध बरे तइयार होत
अहइँ। एह बरे उ योआब अउ इस्राएल क पूरी फउज क
अम्मोनी लोगन स जुद्ध करइ बरे पठाएस। 9अम्मोनी लोग
बाहेर निकरेन अउर जुद्ध बरे तइयार होइ गएन। उ पचे
नगर दुआर क लगे रहेन जउन राजा मदद बरे आए रहेन,
उ पचे खुद खुले मइदान मँ खड़े रहेन।
10योआब लखेस कि ओकरे खिलाफ लड़इवाली फउज
क दुइ मोर्चन रहेन। एक ठु मोर्चा ओकरे समन्ना रहा अउर
दूसर ओकरे पाछे रहा। एह बरे योआब इस्राएल क कछू
सब स उत्तिम जोधन क चुनेस। उ ओनका अराम क सेना
स लड़इ बरे पठएस। 11योआब इस्राएल क बाकी फउज क
अबीसै क सेनापतित्व मँ राखेस। अबीसै योआब क भाइ
रहा। उ सबइ फउजी अम्मोनी सेना क खिलाफ लड़इ
गएन। 12योआब अबीसै स कहेस, “जदि अरामी फउज मोरे
बरे बहोत जियादा सक्तीसाली पड़इ तउ तोहका मोर मदद
करइ क होइ मुला जदि अम्मोनी फउज तोहारे बरे बहोत
जियादा सक्तीसाली साबित होइ तउ मइँ तोहार मदद करब।
13हम अपने लोगन अउ अपने परमेस्सर क नगरन क बरे
जुद्ध करत समइ बीर अउ मजबूत बनी यहोवा उ करइ
जेका उ उचित मानत ह।”
14योआब अउ ओकरे संग क सेना अराम क पइ हमला
किहस। अराम क सेना योआब अउर ओकरी फउज क
समान्वा स भाग खड़ी भइ। 15अम्मोनी सेना लखेस कि
अराम क सेना भागत अहइ एह बरे उ पचे भी पराइ गएन।
उ पचे अबीसै अउर ओकरी सेना क समन्वा स भाग खड़े
भएन। अम्मोनी अपने नगर क चले गएन, अउर योआब
यरूसलेम क लउट गवा।
16अरमी क प्रमुखन लखेस कि इस्राएल ओनका पराजित
कइ दिहस। एह बरे उ पचे परात नदी क पूरब रहइवाले
अरामी लोगन स सहायता बरे दूत पठाएस। सोपक हददेज़ेर
क अरामी क सेना क सेनापति रहा। सोपक ओन दूसर
अरामी फउजिन क भी संचालन किहस जउन मदद बरे
आएस।
17दाऊद सुनेस कि अराम क लोग जुद्ध बरे एकट्ठा
होइ ग अहइ, एह बरे दाऊद इस्राएल क सबहिं फउजियन
क बटोरेस। दाऊद ओनका यरदन नदी क पार लइ गवा। उ
पचे अरामी लोगन क ठीक आमने-सामने आइ गएन।
दाऊद अपनी फउज क हमला करइ बरे तइयार किहेस
अउर अरामियन पइ हमला कइ दिहस। 18अरामी इस्राएलियन
क समन्वा स भाग खड़े भएन। दाऊद अउर ओकर फउज
सात हजार सारथी अउर चलीस हजार अरामी फउजियन क
मार डाएस। दाऊद अउर ओकर फउज अरामी सेना क
सेनापति सोपक क भी मार डाएस।
19जब हददेज़ेर क अधिकारियन लखेन कि इस्राएल
ओनका हराइ दिहस तउ उ पचे दाऊद स सन्ति कइ लिहन।
उ पचे दाऊद क प्रजा बन गएन। इ तरह अरामियन अम्मोनी
लोगन क फुन सहायता करइ स इन्कार कइ दिहन।

योआब अम्मोनियन क नस्ट करत ह

20 बसन्त मँ, योआब इस्राएल क फउज क जुद्ध
बरे अगवाइ किहेस। इ उहइ समइ रहा जब राजा
लोग जुद्ध करइ बरे निकलेस रहेन मुला दाऊद यरूसलेम
मँ रहा। तब इस्राएल क फउज अम्मोन देस क गवा अउ
एका नस्ट कइ दिहेस। तब उ पचे ओकर राजधानी रब्बा
नगर क गएन। सेना लोगन क भीतर आवइ अउर बाहेर
जाइ स रोकइ बरे नगर क चारिहुँ कइँती डेरा डाएस। योआब
अउ ओकर फउज रब्बा नगर क खिलाफ तब तलक जुद्ध
किहस जब तलक ओका नस्ट नाहीं कइ डाएस।
2दाऊद ओनके राजा मुकुट क उतार लिहस। उ सोने क
मुकुट तोल मँ लगभग पचहत्तर पौण्ड रहा। मुकुट मँ
बहुमुल्य रतन जड़े रहेन। मुकुट दाऊद क मूँड़े पइ धरा गवा।
तब दाऊद रब्बा नगर स बहोत स मूल्यवान चिजियन प्राप्त
किहस। 3दाऊद रब्बा क लोगन क संग लिआवा अउर
ओनका आरन, लोहे क गैंती अउ कुल्हाड़ियन स काम
करइ क मजबूर किहस। दाऊद अम्मोनी लोगन क सबहिं
नगरन क संग इहइ बर्त्ताव किहस। तब दाऊद अउर सारी
फउज यरूसलेम क वापस लउट गइ।

पलिस्ती क दैत्य मारे जात हीं

4पाछे, इस्राएल क लोगन क जुद्ध गेजेर नगर मँ
पलिस्तियन क संग भवा। उ समइ, हूसा क सिब्बकै सिप्पै
क मार डाएस। सिप्पै दैत्यन क पूतन मँ स रहा। इ तहर
पलिस्ती लोग लोगन क हराइ दीन्ह गवा रहेन।
5दूसर अवसर पइ, इस्राएल क लोगन क जुद्ध फुन
पलिस्तियन क खिलाफ भवा। याईर क पूत एल्हानान लहमी
क मर डाएस। लहमी गोलियात क भाई रहा। गोल्यह गत
नगर क रहा। लहमी क भाला बहोत लम्बी अउर भारी
रहा। इ करघे क लम्बे हत्थे क तरह रहा।
6तब इस्राएलियन गत नगर मँ फलिस्तियन क संग दूसर
जुद्ध किहन। इ नगर मँ एक बहोत बिसाल मनई रहा।

ओकरे हाथ अउ गोड़ क चौबीस उँगलियन रहिन। उ मनई
क हरेक हाथ अउ हरेक गोड़ मँ छ: छ: उँगलियन रहिन।
उ दैत्य क पूत भी रहा। 7एह बरे जब उ इस्राएल क
मज़ाक उड़ाएस तउ योनातान ओका मार डाएस। योनातान
सिमा क पूत रहा। सिमा दाऊद क भाई रहा।
8उ पचे पलिस्ती लोग गत नगर क दैत्यन क पूत
रहेन। दाऊद अउ ओकर सेवक लोग ओन दैत्यन क मार
डाएस।

इस्राएलियन क गनके दाऊद पाप करत ह

21 सइतान इस्राएल क लोगन क खिलाफ रहा। उ
दाऊद क इस्राएल क लोगन क गनइ क
प्रोत्साहन दिहस। 2एह बरे दाऊद योआब अउर लोगन क
प्रमुखन स कहेस, "जा अउर इस्राएल क सबहिं लोगन क
गणना करा। बर्सेबा नगर स लइके लगातार दान नगर
तलक देस क हर मनई क गना। तब मोका बतान, एहसे
मइँ जान सकब कि हिआँ केतेन लोग अहइँ।"
3एह बरे योआब जवाब दिहेस, "यहोवा अपने लोगन क
सौ गुना बिसाल बनावइ! महामाहिम, इस्राएल क सबहिं
लोगन तोहार सेवक अहइँ। मोरे सुआमी, अउर राजा, आप
इ कार्य काहे करइ चाहत हीं? आप इस्राएल क सबहिं
लोगन क पाप करइ क अपराधी बनइहीं।"
4मुला राजा दाऊद हठ धरे रहा। योआब क उ करइ
पड़ा जउन राजा कहेस। एह बरे योआब गवा अउर पूरे
इस्राएल देस मँ गणना करत घूमत रहा। तब योआब
यरूसलेम लउटा 5अउर दाऊद क बताएस कि केतने
मनई रहेन। इस्राएल मँ गियारह लाख मनई रहेन अउर
तरवार क उपयोग कइ सकत रहेन अउर तरवार क उपयोव
करइवाले चार लाख सत्तर हजार मनई यहूदा मँ रहेन।
6योआब लेवि अउर बिन्यामीन क परिवार समूह क गणना
नाहीं किहेस। योआब ओन परिवार समूहन क गणना नाहीं
किहेस काहेकि उ राजा दाऊद क आदेसन क पसन्द नाहीं
करत रहा। 7इ हुकुम देइ के, परमेस्सर क दृस्टि मँ दाऊद
एक बुरा काम किहे रहा, एह बरे परमेस्सर इस्राएल क दण्ड
दिहस।

परमेस्सर इस्राएल क दण्ड देत ह

8तब दाऊद परमेस्सर स कहेस, "मइँ एक बहोत
बेवकूफी क काम किहेउँ ह। मइँ इस्राएल क लोगन क
गणना कइके भयंकर पाप किहेउँ ह। अब, मइँ पराथना
करत हउँ कि तू इ सेवक क पापन क छिमा कइ द्या।"
9-10गाद दाऊद क दर्सी रहा। यहोवा गाद स कहेस,
"जा अउर दाऊद क कहा: 'यहोवा जउन कहत ह उ इ
अहइ: मइँ तोहका तीन विकल्प देत हउँ। तोहका ओहमाँ स
एक चुनब अहइ अउर तब मइँ तोहका उ तरह दण्डित करब
जेका तू चुने लेब्या।'"
11तब गाद दाऊद क लगे गवा। गाद दाऊद स कहेस,
"यहोवा कहत ह, 'दाऊद, तू जउन दण्ड चाहत अहा ओका
चुना: 12पर्याप्त अन्न क बगैर तीन बरिस, या तोहार पाछा
करइवाले तरवार क उपयोग करत भए दुस्मनन स तीन
महीने तलक भागब, या परमेस्सर स तीन दिना क दण्ड।
पूरे देस मँ भयंकर महामारी फइली अउर यहोवा क दूत
लोगन क नस्ट करत भवा पूरे देस मँ आइ।' परमेस्सर
मोका पठएस ह। अब, तोहका निर्णय करब अहइ कि
ओका कउन सा जवाब देउँ।"
13दाऊद गाद स कहेस, "मइँ विपत्ति मँ हुउँ। मइँ नाहीं
चाहत कि कउनो मनई मोरे दण्ड क निहचइ करइ। यहोवा
बहोत दयालु अहइ, एह बरे यहोवा क ही निणर्य करइ द्या
कि मोका कइसे दण्ड देइ।"
14एह बरे यहोवा इस्राएल मँ भयंकर महामारी पठएस
अउर सत्तर हजार लोग मर गएन। 15परमेस्सर एक सरगदूत
क यरूसलेम क नस्ट करइ क पठएस। किन्तु जब सरगदूत
यरूसलेम क नस्ट करब सुरू किहस तउ यहोवा लखेस
अउ ओका दु:ख भवा। एह बरे यहोवा यरूसलेम क नस्ट
न करइ क निर्णय किहस। यहोवा उ सरगदूत स, जउन
नस्ट करत रहा कहेस, "रूक जा, इहइ पर्याप्त अहइ।"
यहोवा क सरगदूत उ समइ यबूसी ओर्नान क खरिहान क
लगे खड़ा रहा।
16दाऊद नज़र उठाएस अउर यहोवा क दूत क अकासे
मँ लखेस। सरगदूत यरूसलेम पइ आपन तरवार हींच रखे
रहा। तब दाऊद अउर प्रमुखन अपने मूँड़ क धरती पइ टेक
के प्रणाम किहन। दाऊद अउ प्रमुखन अपने सोक बरे टाट
पहिरे रहे। 17दाऊद अपने परमेस्सर स कहेस, "मइँ लोगन
क गणना करइ क आदेस दिहे रहेउँ। मइँ हुउँ जुन इ बहोत
बुरा काम किहेउँ। इस्राएल क लोगन कछू भी गलत नाहीं
किहन।
यहोवा मोरे परमेस्सर, मोका अउर मोरे परिवार क दण्ड
द्या किन्तु उ भयंकर महामारी क रोक द्या जउन तोहार
आपन लोगन क मारत अहइ।"
18तब यहोवा क दूत गाद स बात किहस। उ कहेस,
"दाऊद स कहा कि उ यहोवा क उपासना बरे एक ठु वेदी
बनाएस। दाऊद क एका यबूसी ओर्नान क खरिहान क लगे
बनावइ चाही।" 19गाद इ सबइ बातन दाऊद क बताएस
अउर दाऊद ओर्नान क खरिहान क लगे गवा।
20ओर्नान गोहुँ दाँवत रहा। ओर्नान मुड़ा अउर उ सरगदूत
क लखेस। ओर्नान क चारिहुँ पूत छुपइ बरे पराइ गएन।
21दाऊद ओर्नान क लगे पहोंचा। ओर्नान ओका लखेस
अउर उ खरिहान क छोड़ि दिहस। उ दाऊद तलक पहोंचा
अउर ओकरे समन्वा आपन माथा जीमन पइ टेकिके प्रणाम
किहेस।
22दाऊद ओर्नान स कहेस, "तू आपन खारिहान मोका
बेच द्या। मइँ तोहका पूरी कीमत देबउँ। तब मइँ यहोवा क
उपासना बरे एक वेदी बनावइ बरे एकर उपयोग कइ सकत
हुउँ। तब लोगन प स भयंकर महामारी रूक जाई।"
23ओर्नान दाऊद स कहेस, "इ खारिहाने क लइ ल्या। तू
मोरे सुआमी अउर राजा अहइँ। उहइ करा जउन आप
उपयुक्त समुझत हीं। लखा, मइँ भी होमबलि बरे जनावरन
देब। मइँ आप क काहे क तख्तन देब जेका आप वेदी पइ
आगी बरे बार सकत हीं अउर मइँ अन्नबलि बरे गोहूँ देब।
मइँ इ सबइ आप क देब।"

24किन्तु राजा दाऊद ओर्नान क जवाब दिहस, "नाहीं, मइँ
तोहका पूरी कीमत देब। मइँ कउनो तोहार उ चीज नाहीं लेब
जेका मइँ यहोवा क देब। मइँ उ कउनो भेंट नाहीं चढ़ाउब
जेकर मोका कउनो मूल्य न देइ पड़इ।"
25एह बरे दाऊद उ जगह क बरे ओर्नान क पन्द्रह पौण्ड
सोना दिहस। 26दाऊद हुँवा यहोवा क उपासना बरे एक वेदी
बनाएस। दाऊद होमबलि अउर मेलबलि चढ़ाएस। दाऊद
यहोवा स पराथना किहस। यहोवा सरग स आगी पठइके
दाऊद क जवाब दिहस। आगी होमबलि क वेदी पइ उतरी।
27तब यहोवा सरगदूत क आदेस दिहस कि उ अपनी तरवार
क वापस म्यान मँ धइ लेइ।
28दाऊद लखेस कि यहोवा ओका ओर्नान क खरिहान
पइ उत्तर दइ दिहस ह, एह बरे यहोवा क बलि भेंट किहस।
29(पवित्तर तम्बू अउ होमबलि क वेदी ऊँच जगह पइ
गिबोन नगर मँ रही। मूसा पवित्तर तम्बू क तब बनाए रहा
जब इस्राएल क लोग रेगिस्ताने मँ रहेन। 30दाऊद पवित्तर
तम्बू मँ परमेस्सर स बातन करइ नाहीं जाइ सकत रहा,
काहेकि उ भयभीत रहा। दाऊद यहोवा क दूत अउ ओकरी
तरवार स भयभीत रहा।)

22 दाऊद कहेस, "यहोवा परमेस्सर क मन्दिर अउर
इस्राएल क लोगन बरे भेंटन क बारइ क वेदी
हिआँ बनी।"

दाऊद मन्दिर बरे जोजना बनावत ह

2दाऊद आदेस दिहस कि इस्राएल मँ रहइवाले सबहिं
तोहार बीच रहइवाला बिदेसी एक संग बटुरइँ। तोहार बीच
रहइवाला बिदेसियन क उ समूह मँ स दाऊद सगंतरासन क
चुनेस। ओनकर काम परमेस्सर क मन्दिर बरे पाथरन क
काटिके तइयार करइ क रहा। 3दाऊद दुआर क पालन बरे
कीलन अउर चुलन बनावइ बरे बहोत सारा लोहा प्राप्त
किहस। दाऊद ओतना काँसा भी प्राप्त किहस जउन तउला
न जाइ सकइ। 4अउर दाऊद एँतने जियादा देवदारु क पेड़न
बटोरेस जउन न गना जाइ सकेन। सीदोन अउ सोर क लोग
बहोत स देवदारु क पेड़न लिआएन।
5दाऊद कहेस, "हम क यहोवा बरे एक बिसाल मन्दिर
बनावइ चाही। किन्तु मोरे पूत सुलैमान अबहुँ तलक बालक
अउर अनुभवहीन अहइ। यहोवा क मन्दिर बहोत बिसाल
होइहीं। एका अपनी बिसालता अउ सुन्दरता क बरे सबहिं
रास्ट्रन मँ प्रसिद्ध होइ चाही। इहइ कारण अहइ कि मइँ
यहोवा क मन्दिर बनावइ क जोजना बनाउब।" एह बरे दाऊद
मरइ स पहिले मन्दिर बनावइ बरे बहोत स जोजना बनाएस।
6तब दाऊद अपने पूत सुलैमान क बोलाएस। दाऊद
सुलैमान स इस्राएल क यहोवा परमेस्सर बरे मन्दिर क
बनावइ क कहेस। 7दाऊद सुलैमान स कहेस, "मोर पूत, मइँ
अपने परमेस्सर यहोवा क नाउँ बरे एक ठू मन्दिर बनावइ
चाहत रहेउँ। 8मुला यहोवा मोहसे कहेस, 'दाऊद तू बहोत स
जुद्ध किहा ह अउर बहोतस लोगन क मर्‍या ह एह बरे तू
मोरे नाउँ क बरे मन्दिर नाहीं बनाइ सकत्या। 9किन्तु तोहार
एक पूत अहइ जउन सान्ति प्रिय अहइ। मइँ तोहरे पूत क
सान्ति क समइ प्रदान करब। ओकरे चारिहुँ कइँती क दुस्मन
ओका परेसान नाहीं करिहीं। ओकर नाउँ सुलैमान अहइ
अउर मइँ इस्राएल क उ समइ सुख सान्ति देब जउने समइ
सुलैमान राजा होइ। 10सुलैमान मोरे नाउँ क एक मन्दिर
बनाई सुलैमान मोरे पूत अउर मइँ ओकर बाप रहब अउर
मइँ सुलैमान, क राज्ज क सक्तीसाली बनाउब अउर ओकरे
परिवार क कउनो निअँबर सदा इस्राएल पर ही हुकूमत
करी।'"
11दाऊद इ भी केहस, "पूत, अब यहोवा तोहरे संग
रहइ। तू सफल बना अउर जइसा यहोवा कहेस ह, अपने
यहोवा क मन्दिर बनावा। 12यहोवा तोहका इस्राएल क राजा
बनाई। होइ सकत ह यहोवा तोहका बुद्धि अउ समुझ देइ
जेहसे तू लोगन क मार्गदर्सन कइ सका अउर अपने यहोवा
परमेस्सर क व्यवस्था क पालन कइ सका। 13अउर तोहका
कामयाबी तब मिली जब तू ओन नेमन अउर व्यवस्था क
पालन मँ सावधान रहब्या जउन यहोवा मूसा क इस्राएल बरे
दिहे रहा। सक्तीसाली अउर वीर रहा। जिन डेरावा अउ जिन
निरास भवा।
14"सुलैमान, मइँ यहोवा क मन्दिर क जोजना बनावइ मँ
करी मेहनत किहेउँ ह। मइँ तीन हजार सात सौ पचास टन
सोना दिहेउँ ह अउर मइँ लगभग सैंतीस हजार पाँच सौ टन
चाँदी दिहउँ ह। मइँ कासाँ अउ लोहा एँतना जियादा दिहेउँ ह
कि तउला नाहीं जाइ सकत अउर मइँ लकड़ी अउ पाथर
दिहेउँ ह। सुलैमान, तू एहमँ अउर जियादा जोर सकत ह।
15तोहरे लगे बहोत स संगतरास अउ बढ़ई अहइँ। तोहरे
लगे हर एक प्रकार क काम करइ वाले कुसल मनई
अहइँ। 16उ पचे सोना, चाँदी, काँसा, अउर लोहे क काम
करइ मँ कुसल अहइँ। तोहरे लगे एतने जियादा कुसल मनई
अहइँ कि उ पचे गने नाहीं जाइ सकतेन। अब काम सुरू
करा अउर यहोवा तोहरे संग होइ।"
17तब दाऊद इस्राएल क सबहिं प्रमुखन क आपने पूत
सुलैमान क सहायता करइ क आदेस दिहेस। 18दाऊद ओन
प्रमुखन स कहेस, "यहोवा तोहर परमेस्सर तोहार संग अहइ।
उ तोहका सान्ति क समइ दिहेस ह। उ हम लोगन क उ
भुइँया मँ रहइवाले लोगन क पराजित करइ मँ मदद किहेस
ह। अब यहोवा अउर ओकर लोग इ भुइँया पइ पूरा
अधिकार किहेन ह। 19अब तू अपने हिरदइ अउर आतिमा
क अपने यहोवा परमेस्सर क समर्पित कइ द्या अउर उ
जउन कहइ, करा। यहोवा परमेस्सर बरे पवित्तर जगह बनावा।
यहोवा क नाउँ बरे मन्दिर बनावा। तब करार क सन्दूख अउ
दूसर सबहिं पवित्तर चिजियन मन्दिर क अन्दर लिआवा।

मन्दिर मँ लेवीबंसियन क जरिये सेवा क जोजना

23 दाऊद बूढ़ा होइ गवा, एह बरे उ अपने पूत
सुलैमान क इस्राएल क नवा राजा बनाएस।
2दाऊद इस्राएल क सबहिं प्रमुखन क बटोरेस। उ याजकन
अउ लेवीबंसियन क भी एकट्ठा किहस। 3दाऊद तीस बरिस
अउर ओहसे ऊपर क उमर क लेवीबंसियन क गनेस। सब
मिलाइके अड़तीस हजार लेवीबंसियन रहेन। 4दाऊद कहेस,
"चौबीस हजार लेवीबंसियन यहोवा क मन्दिर क निर्माण
कार्य क देखरेख करिहीं। छ: हजार लेवीबंसी अधिकारी

अउर निआवधीस होइहीं। 5चार हजार लेवीबंसी दुआरपाल होइहीं अउर चार जहार लेवीबंसी संगीतन होइहीं मइँ ओनके बरे बिसेस बाजा बनाएँउ ह। उ पचे ओन बाजन क उपयोग यहोवा क स्तुति बरे करिहीं।"

6दाऊद लेवीबंसियन क तीन बर्गन मँ बाँट दिहस। उ पचे लेवी क तीन पूतन गेर्सोन, कहात अउ मरारी क परिवार समूह रहेन।

गर्सोन क परिवार समूह

7गर्सोन क परिवार समूह स लादान अउ सिमी रहेन। 8लादान क तीन पूत रहेन। ओकर सब स बड़ा पूत यहीएल रहा। ओकर दूसर पूत जेताम अउ योएल रहेन। 9सिमी क पूत सलोमीत, हजीएल अउ हारान रहेन। इ सबइ तीनहुँ पूत लादान क परिवारन क रहेन।

10सिमी क चार पूत रहेन। उ पचे यहत, जीना, यूस अउ बरीआ रहेन। 11यहत सब स बड़का अउ जीजा दूसर पूत रहा। मुला यूस अउ बरीआ क जियादा पूत नाहीं रहेन। एह बरे यूस अउ बरीआ एक परिवार क रूप मँ गने जात रहेन।

कहात क परिवार समूह

12कहात क चार पूत रहेन। उ पचे अम्रान, यिसहार, हेब्रोन अउ उज्जीएल रहेन। 13अम्राम क पूत हारून अउर मूसा रहेन। हारून अउर ओकर पूतन सदा-सदा पवित्तर कार्य करइ बरे, यहोवा क समन्वा धूप भेंट चढ़ावइ बरे, याजक क रूप मँ यहोवा क सेवा करइ बरे अउर यहोवा क नाउँ पइ लोगन सदा-सदा आसीर्बाद देइ बरे प्रतिस्ठित कीन्ह गवा रहेन।

14मूसा परमेस्सर क मनई रहा। मूसा क पूत, लेवी क परिवार समूह क हींसा स रहेन। 15मूसा क पूत गेर्सोम अउ एलीएजेर रहेन। 16गेर्सोम क बड़का पूत सबूएल रहा। 17एलीएजेर क बड़का पूत रहब्याह रहा। एलीएजेर क अउर कउनो पूत नाहीं रहा। मुला रहब्याह क बहोत स पूत रहेन।

18यिसहार क सब स बड़का पूत सलोमीत रहा।

19हेब्रोन क सब स बड़का पूत यरीय्याह रहा। हेब्रोन क दूसर पूत अमर्याह रहा। यहजीएल तीसर पूत रहा। अउर यकमाम चउथा पूत रहा। 20उज्जीएल क सब स बड़का पूत मीका रहा अउर यिस्सिय्याह ओकर दूसर पूत रहा।

मरारी क परिवार समूह

21मरारी क पूत महली अउ मूसी रहेन। महली क पूत एलीआज़ार अउ कीस रहेन।

22एलीआज़ार बिना पूतन क मरा। ओकर सिरिफ बिटियन रहिन। एलीआज़ार क बिटियन अपने सम्बन्धियन स बियाह किहेन। ओनकर सम्बन्धी कीस क पूत रहेन। 23मूसी क पूत महली, एदेर अउर यरेमोत रहेन। सब मलाइके तीन पूत रहेन।

लेवीबंसियन क काम

24इ सबइ लेवी क संतान रहेन। उ पचे अपने परिवार क अनुसार सूची मँ अंकित रहेन। उ पचे परिवारन क प्रमुख रहेन। सबइ व्यक्ति क नाउँ सूची मँ रहेन। जउन सूची मँ अंकित रहेन उ सबइ बीस बरिस क या ओहसे ऊपर क रहेन। उ पचे यहोवा क मन्दिर मँ सेवा करत रहेन।

25दाऊद कहे रहा, "इस्राएल क यहोवा परमेस्सर अपने लोगन क सान्ति दिहस ह। यहोवा यरूसलेम मँ सदा ही रहइ बरे आइ गवा। ह।

26एह बरे लेवीबंसियन क पवित्तर तम्बू या एकर सेवा मँ काम आवइवाली कउनो चीज़ क भविस्स मँ ढोवइ क जरूरत नाहीं अहइ।"

27दाऊद क अन्तिम निर्देस इस्राएल क लोगन क बरे, लेवी क परिवार समूह क सन्तानन क गनब रहा। उ पचे लेवीबंसियन क बीस बरिस अउर ओहसे ऊपर क मनइयन क गनेन।

28लेवीबंसियन क काम हारून क सन्तानन क यहोवा क मन्दिर मँ सेवा कार्य करइ मँ मदद करब रहा। लेवीबंसी मन्दिर क आँगन अउर बगल क कमरन क भी देखभाल करत रहेन। ओनकर काम सबहिं पवित्तर चिजियन क सुद्ध करइ क रहा। ओनकर काम इ भी रहा कि परमेस्सर क मन्दिर मँ सेवा करइँ। 29मन्दिर मँ बिसेस रोटी क मेज पइ रखइ क जिम्मेदारी ओनकर ही रहेन। उ पचे आटा, अन्नबलि अउ अखमीरी रोटि बरे भी जिम्मेदार रहेन। उ पचे पकावइ क कढ़ाइयन अउर मिस्रित भेंटन क बरे जिम्मेदार रहेन। उ पचे सारा नाप तउल क काम करत रहेन। 30लेवीबंसी हर एक भिंसारे खड़े होत रहेन अउर यहोवा क धन्यवाद अउ स्तुति करत रहेन। उ पचे एका हर एक साँझ क करत रहेन।

31लेवीबंसी यहोवा क सबहिं होमबलियन बिस्राम क बिसेस दिनन, नवा चन्द्रिमा क उत्सव अउर सबहिं बिसेस पर्व क दिनन पइ तइयार करत रहेन। उ पचे यहोवा क समन्वा हर रोज़ सेवा करत रहेन। केतने लेवीबंसी हर दाईं सेवा करइ चाही एकरे बरे बिसेस नेम रहेन। 32एह बरे लेवीबंसी उ सब काम करत रहेन जेनकर आसा ओनसे कीन्ह जात रही। उ पचे पवित्तर तम्बू क देखभाल करत रहेन। उ पचे पवित्तर जगह क देखभाल करत रहेन अउर उ पचे अपने सम्बन्धियन हारून क सन्तान याजकन क मदद देत रहेन। लेवीबंसी यहोवा क मन्दिर मँ सेवा कइके याजकन क मदद करत रहेन।

याजकन क समूह

24 हारून क पूतन क इ सबइ समूह रहेनः हारून क पूत नादाब, अबीहू, एलीआजर अउ ईतामार रहेन। 2मुला नादाब अउ अबीहू अपने बाप क मउत क पहिले ही मर गएन अउर नादाब अउ अबीहै क कउनो पूत नाहीं रहा एह बरे एलीआजर अउ ईतामार याजक क रूप मँ कर्या किहन। 3दाऊद एलीआजार अउ ईतामार क परिवार समूह क दुइ भिन्न समूहन मँ बाँटिस। दाऊद इ एह बरे किहस कि इ सबइ समूह ओनका दीन्ह गए कर्त्तव्यन क पूरा कइ सकइ। दाऊद इ सब सादोक अउर अहीमेलेक क मदद स किहेस। सादोक एलीआजर क सन्तान रहा अउर अहीमेलेक ईतामार क सन्तान रहा। 4एलीआजर क परिवार

समूह क प्रमुख ईतामार क परिवार समूह क प्रमुखन स
जियादा रहेन। एलीआजर क परिवार समूह क सोलह प्रमुख
रहेन अउर ईतामार क परिवार समूह स आठ प्रमुख रहेन।
5हर एक परिवारे स मनईयन चुने गए रहेन। उ पचे गोट
डाइके चुने गए रहेन। कछू मनईयन पवित्तर जगह क
अधिकारी चुने गए रहेन अउर दूसर मनई याजक क रूप मँ
सेवा बरे चुने गए रहेन। इ सबइ मनई एलिआजर अउर
ईतामार क परिवार समूहन स चुने गए रहेन।

6समायाह लिपिकार रहा। उ नतनेल क पूत रहा। समायाह
लेवी परिवार समूह स रहा। समायाह ओन सन्तानन क नाउँ
लिखेस। उ ओन नामन क राजा दाऊद अउर एन प्रमुखन क
समन्वा लिखेस: याजक सादोक, अहीमेलेक अउ याजक
अउ लेवीबंसियन क परिवारन क प्रमुख। अहीमेलेक एब्यातार
क पूत रहा। हर एक दाईं उ पचे गोट डाइके एक मनई
चुनत रहेन अउर समायाह उ मनई क नाउँ लिख लेत रहा।
इ तरह उ पचे एलीआजर अउर ईतामार क परिवारन मँ
काम क बाँटेस।

7पहला समूह यहोयारीब क रहा। दूसरा समूह यदायाह
क रहा।

8तीसरा समूह हारीम क रहा। चउथा समूह सोरीम क
रहा।

9पाँचवा समूह मल्किय्याह क रहा। छठा समूह मिय्यामीन
क रहा

10सातवाँ समूह हक्कोस क रहा। आठवाँ समूह
अबिय्याह क रहा।

11नवाँ समूह येसू क रहा। दसवाँ समूह सकन्याह क
रहा।

12गियारहवा समूह एल्यासीब क रहा। बारहवाँ समूह
याकीम क रहा।

13तेरहवाँ समूह हुप्पा क रहा। चौदहवाँ समूह येसेबाब
क रहा।

14पन्द्रहवाँ समूह बिल्गा क रहा। सोलहवाँ समूह इम्मेर
क रहा।

15सत्रहवाँ समूह हेजीर क रहा। अट्ठरहवाँ समूह
हप्पित्सेस क रहा।

16उन्नीसवाँ समूह पतह्याह क रहा। बीसवाँ समूह
यहेजकेल क रहा।

17इक्कीसवाँ समूह याकीन क रहा। बाईसवाँ समूह
गामूल क रहा।

18तेईसवाँ समूह दलायाह क रहा। चौबीसवाँ समूह
माज्याह क रहा।

19यहोवा क मन्दिर मँ सेवा करइ क बरे इ सबइ समूह
चुने गए रहेन। उ पचे मन्दिर मँ सेवा करइ बरे हारून क
नेमन क मानत रहेन। इस्राएल क यहोवा परमेस्सर एन नेमन
क हारून क दिहे रहा।

दूसर लेवीबंसी

20इ सबइ नाम सेस लेवी सन्तान क अहइँ

अम्राम क सन्तानन स सूबाएल। सूबाएल क सन्तानन
स येहदयाह।

21रहब्याह स: यिस्सिय्याह (यिस्सिय्याह सब स बड़का
पूत रहा)

22इसहारी परिवार समूह स: सलोमोत। सलोमोत क
परिवार स: यहत।

23हेब्रोन क सब स बड़का पूत यरिय्याह रहा। अमर्याह
हेब्रोन क दूसर पूत रहा। यहजीएल तीसर पूत रहा। अउर
यकमान चउथा पूत

24उज्जीएल क पूत मीका रहा। मीका क पूत सामीर
रहा।

25यिस्सिय्याह मीका क भाई रहा। यिस्सिय्याह क पूत
जकर्याह रहा।

26मरारी क सन्तान महली, मूसी अउर ओकर पूत
याजिय्याह रहेन।

27मरारी क पूत याजिय्याह क पूतन नाउँ: सोहम,
जक्कू अउर इब्री रहेन।

28महली क पूत एलीआजर रहा किन्तु एलीआजर क
कउनो पूत नाहीं रहा।

29कीस क पूत यरह्मेल रहा।

30मूसी क पूत महली, एदेर अउर यरीमोत रहेन।

उ पचे लेवीबंसी परिवारन क प्रमुख अहइ। उ पचे अपने
परिवारन क सूची मँ अहइ। 31उ पचे बिसेस कामन बरे चुने
गए रहेन। उ पचे अपने सम्बन्धी याजकन क तरह गोट
डावत रहेन। याजक हारून क सन्तान रहेन। उ पचे राजा
दाऊद, सादोक, अहीमेलेक अउर याजकन अउ लेवी क
परिवारन क प्रमुखन क समन्वा गोटन डाएन। जब ओनके
काम दिए गएन तउ पुराने अउ नवा परिवारन क एक सा
बेउहार भवा।

संगीत समूह

25 दाऊद अउ सेनापतियन आसाप क पूतन क बिसेस
सेवा बरे अलग किहन। आसाप क पूत हेमान
अउ यदूतून रहेन। ओनकर बिसेस काम परमेस्सर क सँदेसा
क भविस्वाणी सारंगी, वीणा, मंजीरे क उपयोग कइके
करब रहा। हिआँ ओन मनईयन क सूची अहइ जउन इ तरह
सेवा किहन।

2आसाप क परिवार समूह स, जक्कूर, योसेप, नतन्याह
अउर असरेला रहेन। राजा दाऊद आसाप क भविस्सबाणी
क बरे चुनेस अउ आसाप अपने पूतन क अगुवाइ किहेस।

3यदूतून परिवार स: गदल्याह, सरी, यसायाह, सिमी,
हसब्याह अउर मत्तित्याह रहेन। इ सबइ छ: रहेन। यदूतून
आपन पूतन क अगुवाइ किहेन। यदूतून सारंगी क उपयोग
भविस्सबाणी करइ अउर यहोवा क धन्यबाद देइ अउर
ओकर स्तुति बरे किहस।

4हेमान क पूत जउन सेवा करत रहेन बुक्किय्याह,
मत्तन्याह, लज्जीएल, सबूएल अउर यरीमोत, हनन्याह, हनानी,
एलीआता, गिद्दलती अउर रोममतीएजेर, योसबकासा, मल्लोती,
होतीर अउर महजीओत रहेन। 5इ सबइ सबहिं मनई हेमान
क पूत रहने। हेमान दाऊद क दर्सी रहा। परमेस्सर हेमान क
सक्तीसाली बनावइ क बचन दिहस। एह बरे हेमान क कई

पूत रहेन। परमेस्सर हेमान क चौदह पूत अउ तीन बिटियन दिहस। 6हेमान अपने पूतन क यहोवा क मन्दिर मँ गायन मँ अगुवाइ किहेन। ओन पूतन सारंगी, वीणा, मजीरा क उपयोग किहस। उ पचे परमेस्सर क मंदिर मँ राजा आसप क आदेस क अनुसार जउन उ यदूतून अउर हेमान क दिहे रह इहइ तरिका स सेवा किहस। 7उ सबइ मनई अउर लेवी क परिवार समूह क ओनकर सम्बन्धियन गायन मँ प्रसिच्छित रहेन। दुई सौ अट्ठासी मनइयन यहोवा क स्तुति क गीत गाउब सीखेन। 8हर एक मनई जउने भिन्न कार्य क करी, ओकरे चुनाव बरे उ पचे गोट डावत रहेन। हर एक मनई क संग समान बेउहार होत रहा। बूढ़े अउर जवान क संग समान बेउहार रहा अउर गुरु क संग उहइ बउहार हरा। जउन सिस्य क संग।

9पहिले, आसाप (यूसुफ) क पूतन अउ सम्बन्धियन मँ स बारह मनई चुनेस गए रहेन।

दूसर, गदल्याह क पूतन अउर सम्बनंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

10तीसरे, जक्कूर क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारहह् मनई चुने गएन।

11चउथे, यिस्री क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

12पाँचवे, नतन्याह क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

13छठे, बुक्किय्याह क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

14सातवें, यसरेला क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

15आठवें, यसायाह क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

16नवें, मत्तन्याह क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

17दसवें, सिमी क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

18गियारहवें, अजरेल क पूतन मँ अउर सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

19बारहवें, हसब्याह क पूतन अउर सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

20तेरहवें, सूबाएल क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

21चउदहवें, मत्तिय्याह क पूतन अउर सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

22पन्द्रहवें, यरेमोत क पूतन अउर सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

23सोलहवें, हनन्याह क पूतन अउर सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

24सत्रहवें, योसबकासा क पूतन अउर सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

25अट्ठरहवें, हनानी क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

26उन्नीसवें, मल्लोती क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

27बीसवें, इलिय्याता क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

28इक्कीसवें होतीर क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

29बाईसवें, गिद्दलती क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

30तेईसवें, महजीओत क पूतन अउ सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

31चौबीसवें, रोममतीएजेर क पूतन अउर सम्बंधियन मँ स बारह मनई चुने गएन।

दुआरपाल

26 दुआरपालन क समूह: इ सबइ दुआरपाल कोरह परिवार स अहइँ। आसाप क परिवार क कोरह क पूत मसेलेम्याह अउर ओकरे पूत। 2मसेलेम्याह क पूत रहेन। जकर्याह सब स बड़का पूत रहा। यदीएल दूसर पूत रहा। जबद्याह तीसर पूत रहा। यतीएल चउथा पूत रहा। 3एलाम पाँचवाँ पूत रहा। यहोहानान छठा पूत रहा अउर एल्यहोएनै सातँवा पूत रहा।

4ओबेदेदोम अउर ओनकर पूत। ओबेदेदोम क सब स बड़का पूत समायाह रहा। यहोजाबाद ओकर दूसर पूत रहा। योआह ओकर तीसर पूत रहा। साकार ओकर चउथा पूत रहा। नतनेल ओकर पाँचवाँ पूत रहा। 5अम्मीएल ओकर छठाँ पूत रहा। इस्साकार ओकर सातवाँ पूत रहा अउर पुल्लतै ओकर आठवाँ पूत रहा। परमेस्सर फुरइ ओबेदेदोम क बरदान दिहस। 6ओबेदेदोम क पूत समायाह रहा। समायाह क भी पूत रहेन। समायाह क पूत अपने बाप क परिवार मँ प्रमुख रहेन काहेके उ पचे बीर जोधा रहेन। 7समायाह क पूत ओती, रपाएल, ओबेद, एलजाबाद, एलीहू अउर समक्याह रहेन। एलजाबाद क सम्बंधी कुसल कारीगर रहेन। 8उ पचे सबहिं लोग ओबेदेदोम क सन्तान रहेन। उ सबइ मनईयन अउर ओनकर पूत अउर ओनकर सम्बंधी सक्तीसाली मनईयन रहेन। उ सबइ अच्छे रच्छक रहेन। ओबेदेदोम क बासठ संतान रहिन।

9मसेल्मयाह क पूत अउर सम्बंधी सक्तीसाली लोग रहेन। सब मिलाइके अट्ठारह पूत अउर सम्बंधी रहेन।

10मरारी क परिवार स इ सबइ दुआरपाल रहेन ओनमाँ एक ठू होसा रहा। सिम्री पहिला पूत चुना गवा रहा। सिम्री असल मँ स बड़ा नाहीं रहा, मुला ओकर बाप ओका पहिलौठा पूत चुना लिहे रहा। 11हिल्कियाह ओकर दूसर पूत रहा। तबल्याह ओकर तीसर पूत रहा। अउर जकर्याह ओकर चउथा पूत रहा। सब मिलाइके होसा क तेरह पूत अउ सम्बन्धी रहेन। 12इ सबइ दुआरपालन क समूह क प्रमुख रहेन। दुआरपालन क यहोवा क मन्दिर मँ सेवा करइ क खास ढंग रहा, जइसा कि ओनकर सम्बंधी करत रहेन। 13हर एक परिवार क एक दुआर रच्छा करइ बरे दीन्ह गवा रहा। एक परिवार क बरे दुआर चुनइ क गोट डाई जात

रही। बूढ़ा अउ जवानन क संग एक समान बर्त्ताव कीन्ह जात रहा।

14मसेल्मयाह पूरबी दुआर क रच्छा बरे चुना गवा रहा। तब मसेल्मयाह क पूत जकर्याह बरे गोट डाइ गइ। जकर्याह एक बुद्धिमान सलाहकार रहा। जकर्याह उत्तरि दुआर बरे चुना गवा। 15ओबेदेदोम दक्खिन दुआर बरे चुना गवा अउर ओबेदेदोम क पूत उ घर क रच्छा क बरे चने गएन जेहमाँ कीमती चिजियन रखी जात रहिन। 16सुप्पीम अउर होसा पच्छिी दुआर अउर ऊपरी सड़क पइ सुल्लेकेत दुआर बरे चुने गएन।

दुआरपाल एक दूसरे क बगल मँ खड़े होत रहेन। 17पूरबी दुआर पइ छ: लेवीबंसी रच्छक हर दिन खड़े होत रहेन। उत्तरी दुआर पइ हर दिन चार लेवीबंसी रच्छक खड़े होत रहेन। दक्खिनी दुआर पइ चार लेवीबंसी रच्छक खड़े होत रहेन अउर दुइ लेवीबंसी रच्छक उ घरे क रच्छा करत रहेन जेहमाँ कीमती चिजियन धरी जात रहिन। 18चार रच्छक पच्छिमी निआव घर पइ रहेन दुइ रच्छक निआव घरे तलक क सड़कियन पइ रहेन।

19इ सबइ दुआरपालन क समूह रहेन। उ सबइ दुआरपाल कोरह अउर मरारी क परिवार मँ स रहेन।

कोसाध्यच्छ अउर दूसर अधिकारी

20अहिय्याह लेवी क परिवार समूह स रहा। अहिय्याह परमेस्सर क मन्दिर क कीमती चिजियन क देखभाल क जिम्मेदार रहा। अहिय्याह ओन जगहन क रच्छा बरे भी उत्तरदायी रहा जहाँ पवित्तर चिजियन रखी जात रहिन।

21लादान गेर्सोन परिवार स रहा। यहोएल लादान परिवार समूह क प्रमुखन मँ स एक रहा। 22यहोएला क पूत जेताम अउ जेताम क भाई योएल रहेन। उ पचे यहोवा क मन्दिर मँ कीमती चिजियन क बरे उत्तरदायी रहेन।

23दूसर प्रमुख अम्राम, यिसहार, हेब्रोन अउर उज्जीएल क परिवार समूह स चुने गए रहेन। 24सबूएल यहोवा क मन्दिर मँ चिजियन क रच्छा क उत्तरदायी प्रमुख रहा। सबूएल गेर्सोम क पूत रहा। गेर्सोम मूसा क पूत रहा। 25इ सबइ सबूएल क सम्बंधी रहेन: एलीआज़ार स ओकर सम्बंधी रहेन: एलीआज़ार क पूत रहब्याह, रहब्याह क पूत यसायाह, यसायाह क पूत योराम, योराम क पूत जिक्री अउर जिक्री क पूत सलोमोत। 26सलोमोत अउर ओकर सम्बंधी ओन सब चिजियन क बरे उत्तरदायी रहेन जेका दाऊद मन्दिर क बरे एकट्ठा किहे रहा।

सेना क अधिकारियन भी मन्दिर क बरे चिजियन दिहन। 27उ पचे जुद्धन मँ लीन्ह गइ चिजियन मँ स कछू चिजियन दिहेन। उ पचे यहोवा क मन्दिर क मरम्मत करइ बरे उ सबइ चिजियन दिहन। 28सलोमोत अउर ओकर सम्बंधी दर्सी समूएल, कीस क पूत साऊल, नेर क पूत अबनेर, सरूयाह क पूत योआब क जरिये दीन्ह गइ पवित्तर चिजियन क भी रच्छा करत रहेन। सलोमोत अउ ओकर सम्बंधी लोगन क जरिये, यहोवा क दीन्ह गइ सबहिं पवित्तर चिजियन क रच्छा करत रहेन।

29कनन्याह यिसहार परिवार क रहा। कनन्याह अउर ओकर पूत मन्दिर क बाहेर काम करत रहेन। उ पचे इस्राएल क विभिन्न जगहन पइ अधिकारी अउ निआवधीस क कार्य करत रहेन। 30हसब्याह हेब्रोन परिवार स रहा। हसब्याह अउर ओकर सम्बंधी यरदन नदी क पच्छिम मँ इस्राएल क राजा दाऊद क कामन अउर यहोवा क सबहिं कामन क बरे उत्तरदायी रहेन। हसब्याह क समूह मँ एक हजार सात सौ सक्तीसाली मनई रहेन। 31हेब्रोन क परिवार समूह इ बात पइ प्रकास डावत ह कि यरिय्याह ओनकर प्रमुख रहा। जब दाऊद चालीस बरिस तलक राजा रह चुका, तउ उ अपने लोगन क परिवार क इतिहासन स सक्तीसाली अउर कुसल मनइयन क खोज क आदेस दिहस। ओनमाँ स कछू हेब्रोन परिवार मँ मिलेन जउन गिलाद क याजार नगर मँ रहत रहेन। 32यरिय्याह क लगे दुइ हजार सात सौ सम्बंधी रहेन जउन सक्तीसाली मनईयन रहेन अउर परिवारन क प्रमुख रहेन। दाऊद ओन दुइ हजार सात सौ सम्बंधियन क रूबेन, गाद अउ आधे मनस्से क परिवार क संचालन अउर यहोवा अउ राजा क कार्य क जिम्मेदारी सौंपेस।

सेना क समूह

27 इ ओन इस्राएली लोगन क सूची अहइ जउन रजा क सेना मँ सेवा करत रहेन। हर एक समूह हर बरिस एक महीने अपने काम पइ रहत रहा। ओहमाँ परिवारन क सासक, नायक, सेनाध्यच्छ अउर अधिकारी लोग रहेन जउन राजा क सेवा करत रहेन। हर एक सेना क समूह मँ चौबीस हजार मनईयन रहेन।

2जबदीएल क पूत यासोबाम पहिले महीने बरे पहिले समूह क अधीच्छक रहा। यासोबाम क समूह मँ चौबीस हजार मनइयन रहेन। 3यासोबाम पेरेस क सन्तानन मँ स एक रहा। यसोबाम पहिले महीने क फउजी अधिकारियन क प्रमुख रहा। 4दोदै दूसरे महीने बरे सेना समूह क अधिच्छक रहा। उ ओहोही स रहा। दोदै क समूह मँ चौबीस हजार मनई रहेन।

5यहोयादा क पूत बनायाह तीसरा सेनापति रहा। बनायाह तीसरे महीने क सेनापति रहा। यहोयादा प्रमुख याजक रहा। बनायाह क समूह मँ चौबीस हजार मनइयन रहेन। 6इ उहइ बनायाह रहा जउन तीस बीरन मँ स एक ठू वीर फउजी रहा। बनायाह ओन मनइयन क संचालन करत रहा। बनायाह क पूत अम्मीजाबाद बनायाह क समूह क अधीच्छक रहा।

7चउथा सेनापति असाहेल रहा। असाहेल चउथे महीने क सेनापति रहा असाहेल योआब क भाई रहा। पाछे, असाहेल क पूत जबद्याह ओकर जगह सेनापति क रूप मँ लिहस। असाहेल क समूह मँ चौबीस हजार मनई रहेन।

8पाँचवाँ सेनापति सम्हूत रहा, सम्हूत पाँचवें महीने क सेनापति रहा। सम्हूत यिज्राही क परिवार स रहा। सम्हूत क समूह मँ चौबीस हजार मनई रहेन।

9छठा सेनापति ईरा रहा। ईरा छठवें महीने क सेनापति रहा। ईरा इक्केस क पूत रहा। इक्केस तकोई नगर स रहा। ईरा क समूह मँ चौबीस हजार मनई रहेन।

10सातवाँ सेनापति हेलेस रहा। हेलेस सातवें महीने क
सेनापति रहा। उ पेलोनी लोगन स रहा अउर एप्रैम क
सन्तान रहा। हेलेस क समूह मँ चौबीस हजार मनई रहेन।
11सिब्बकै आठवाँ सेनापति रहा। सिब्बकै आठवें महीने
क सेनापति रहा। सिब्बकै हूस स रहा। सिब्बकै जेरह परिवार
क रहा। सिब्बकै क समूह मँ चौबीस हजार मनई रहेन।
12नवाँ सेनापति अबीएजेर रहा। अबीएजेर नवें महीने क
सेनापति रहा। अबीएजेर अनातोत नगर स रहा। अबीएजेर
बिन्यामीन क परिवार समूह क रहा। अबीएजेर क समूह मँ
चौबीस हजार मनई रहेन।
13दसवाँ सेनापति महरै रहा। महरै दसवें महीने क सेनापति
रहा। महरै नतोप स रहा। उ जेरह परिवार क रहा। महरै क
समूह मँ चौबीस हजार मनई रहेन।
14गियारहवाँ सेनापति बनायाह रहा। बनायाह गियारहवें
महीने क सेनापति रहा। बनायाह पिरातोन स रहा। बनायाह
एप्रैम क परिवार समूह क रहा। बनायाह क समूह मँ चौबीस
हजार मनई रहेन।
15बारहवाँ सेनापति हेल्दै रहा। हेल्दै बारहवें महीने क
सेनापति रहा। हेलदे, नपोत स रहा। हेल्दै ओत्नीएल क
परिवार क रहा। हेल्दै क समूह मँ चौबीस हजार मनई रहेन।

परिवार समूह क प्रमुख

16इस्राएल क परिवार समूहन क प्रमुख इ सबइ रहेन:

रूबेन: जिक्री क पूत रहा एलीआजर।
सिमोन: माका क पूत सपत्याह।
17लेवी: समूएल क पूत हसब्याह। हारून: सादोक।
18यहूदा: एलीहू (एलीहू दाऊद क भाइयन मँ स एक
रहा।) इस्साकार: मीकाएल क पूत ओम्नी।
19जबूलून: ओबद्याह क पूत यिसमायाह, नप्ताली:
अज्रीएल क पूत यरीमोत।
20एप्रैम: अजज्याह क पूत होसे। पच्छिमी मनस्से:
फ़दायाह क पूत योएल।
21पूर्वी मनस्से: जकार्याह क पूत इद्दो। बिन्यामीन:
अब्नेर क पूत यासीएल।
22दान: यारोहाम क पूत अजरेल।

उ सबइ इस्राएल क परिवार समूह क प्रमुख रहेन।

दाऊद इस्राएलियन क गणना करत ह

23दाऊद इस्राएली क मनइयन क गणना क निहचइ
किहस। हुवाँ बहोत लोग रहेन काहेकि परमेस्सर इस्राएल क
लोगन क आसमान क तारन क बराबर बनावइ क प्रतिग्या
किहस। एह बरे दाऊद सिरिफ बीस बरिस अउर ओहसे
ऊपर क मनइयन क गणना किहस। 24सरूयाह क पूत
योआब लोगन क गनब सुरू किहस। मुला उ गणना क
पूरा नाहीं किहस। परमेस्सर इस्राएल क लोगन पइ कोहाइ
गवा। इहइ कारण अहइ कि लोगन क गिनती "राजा दाऊद
क इतिहास" क किताबे मँ नाहीं लिखी गइ।

राजा क प्रसासक

25इ ओन मनइयन क सूची अहइ जउन राजा क सम्पत्ति
बरे उत्तरदायी रहेन:

अदीएल क पूत अजमावेत राजा भण्डारन क अधीच्छक
रहा।
उज्जिय्याह क पूत यहोनातान नान्ह नगरन क भण्डारन,
गाँव, खेतन, अउ मीनारन क अधीच्छक रहा।
26कलूब क पूत एज्री खेत मँ काम करइवालन क
अधीच्छक रहा।
27सिमी अंगूर क खेतन क अधीच्छक रहा। सिमी
रामा नगर क रहा।
जब्दी अंगूर क खेतन स आवइवाली दाखरस क
देखरेख अउ भंडारण करइ क अधीच्छक रहा। जब्दी
सापाम क रहा।
28बाल्हानान पच्छिमी पहाड़ी पहँटा मँ जइतून अउर
अंजीर क बृच्छन क अधीच्छक रहा।
बाल्हानान गदेर क रहा। योआस जइतून क तले क
भंडारण क अधीच्छक रहा।
29सित्रै सारोन छेत्र मँ पसुअन क अधीच्छक रहा। सित्रै
सारोन छेत्र क रहा।
अदलै क पूत सापात घाटियन मँ पसुअन क अधीच्छक
रहा।
30ओबील ऊँटन क अधीच्छक रहा। ओबील इस्माएली
रहा।
येहदयाह गदहन क अधीच्छक रहा। येहदयाह एक
मरोनेतवासी रहा।
31याजीज भेड़िन क अधीच्छक रहा। याजीज हग्री
लोगन मँ स रहा।

इ सबइ सबहिं मनई उ सबइ प्रमुख रहेन जउन दाऊद क
सम्पत्ति क देखभाल करत रहेन।
32योनातान एक ठू बुद्धिमान सलाहकार अउर सास्त्री रहा।
योनातान दाऊद क चाचा रहा। हक्मोन क पूत एलीएल राजा
क पूतन क देखभाल करत रहा। 33अहीतोपेल राजा क
सलाहकार रहा। हूसै राजा क मीत रहा। हूसै एरेकी
लोगन मँ स रहा। 34पाछे यहोयदा अउर एब्यातार राजा
क सलाहकार क रूप मँ अहीतोपेल क जगह लिहस।
यहोयादा बनायाह क पूत रहा। योआब राजा क सेना क
सेनापति रहा।

दाऊद मन्दिर क जोजना बनावत ह

28 दाऊद इस्राएल क सबहिं प्रमुखन क एकट्ठा
किहस। उ सबइ प्रमुखन क यरूसलेम आवइ
क हुकुम दिहस। दाऊद परिवार समूहन क हरेक प्रमुखन,
राजा क सेवा करइवाली सेना क टुकड़िन क सेनापतियन,
सेनाध्यच्छन अउर अधिकारीयन जउन राजा अउ ओनके पूतन
क जनावरन अउ सम्पत्ति क देखरेख करत रहेन, राजा क
महत्त्वपूर्ण अधिकारियन, सक्तीसाली बीरन अउर सबहिं बीर
जोधन क बोलाएस।

2राजा दाऊद खड़ा भवा अउर कहेस, “मोर भाइयो अउर
मोरे लोगो, मोरे बात सुना। मइँ अपने हिरदइ स यहोवा क
करार क सन्दूख क रखइ बरे एक जगह बनावइ चाहत
हउँ। मइँ एक अइसी जगह बनावइ चाहत हउँ जउन
परमेस्सर क पद पीठ बन सकइ अउर मइँ परमेस्सर बरे
एक ठू मन्दिर बनावाइ क जोजना बनाएउँ। 3मुला परमेस्सर
मोहसे कहेस, ‘नाहीं दाऊद, तोहका मोरे नाउँ बरे मन्दिर नाहीं
बनावइ चाही। तोहका इ नाहीं करइ चाही काहेकि तू एक
जोधा अहा अउर तू बहोत स मनइयन क मार्‌या ह।’

4“यहोवा इस्राएल क परमेस्सर इस्राएल क परिवार
समूहन क अगुवाई करइ क बरे यहूदा क परिवार समूह क
चुनेस। तब उ परिवार समूहस मँ स, यहोवा मोरे पिता क
परिवार क चुनेस अउर उ परिवार स परमेस्सर मोका सदा
बरे इस्राएल क राज चुनेस। परमेस्सर मोका इस्राएल क
राजा बनावइ चाहत रहा। 5यहोवा मोका बहोत स पूत दिहेस
ह अउर ओन सारे पूतन मँ स, सुलैमान क यहोवा इस्राएल
क नवा राजा चुनेस। परन्तु इस्राएल फुरइ यहोवा क राज्ज
अहइ। 6यहोवा मोहसे कहेस, ‘दाऊद, तोहार पूत सुलैमान
मोर मन्दिर अउर एकरे चारिहुँ कइँती क पहँटा बनाई,
काहेकि मइँ सुलैमान क आपन पूत चुनेउँ ह अउर मइँ
ओकर बाप रहब। 7जदि सुलैमान मोर विधियन अउर नेमन
पालन करत रहत ह जइसा कि आज करत ह। तउ मइँ
ओकर राज्ज क सदा क बरे सक्तीसाली बनाइ देबउँ।’”

8दाऊद कहेस, “अब, सबहिं इस्राएलियन अउ परमेस्सर
क समन्वा मइँ तोहसे इ सबइ बातन कहत हउँ: यहोवा
अपने परमेस्सर क सबहिं आदेसन क मानइ मँ सावधान
रहा। तब तू इ अच्छे देस क अपने लगे रख सकत ह
अउर तू सदा क बरे एका अपने सन्तानन क दइ सकत ह।

9“अउर मोरे पूत सुलैमान, तू, अपने बाप क परमेस्सर क
जानत अहा। समूचइ हिरदइ अउ इच्छा स परमेस्सर क सेवा
करा। काहेकि यहोवा परखत ह कि हर एक क हिरदइ मँ
का बाटइ। हर बात जउन सोचत ह यहोवा जानत ह। जदि
तू यहोवा क लगे मदद क बरे जाब्या, तउ तोहका उ
मिली। किन्तु जदि ओका तजत ह, तउ उ तोहका सदा क
बरे तजि देइ। 10सुलैमान, तोहका इ समुझइ चाही कि यहोवा
तोहका आपन पवित्तर मन्दिर बनवइ बरे चुनेस ह। सक्तीसाली
बना अउर काम क पूरा करा।”

11तब दाऊद अपने पूत सुलैमान क मन्दिर बनावइ बरे
जोजनन दिहस। उ सबइ जोजनन मन्दिर क चारिहुँ कइँती
ओसारा, अउर एकर भवन, एकर भंडार-कच्छ, एकरे ऊपरी
कच्छ, एकरे भीतरी कच्छ अउ दयापीठ क जगह बरे रही।
12दाऊद मन्दिर क सबहिं हींसक क बरे जोजनन बनाए रहा।
दाऊद ओन जोजनन क सुलैमान क दिहस। दाऊद यहोवा क
मन्दिर क चारिहुँ ओर क आँगन अउर एकरे चारहिँ कइँती
क कच्छन जोजनन दिहस। दाऊद मन्दिर क भंडारकच्छन
अउर ओन भण्डारकच्छन क जोजना दिहस जहाँ उ पचे
ओन पवित्तर चिजियन क धरत रहेन जउन मन्दिर मँ काम
आवत रहिन। 13दाऊद सुलैमान क याजकन अउर लेवीबंसियन
क समूहन क बारे मँ बताएस। दाऊद सुलैमान क यहोवा क
मन्दिर मँ सेवा करइ क काम क बारे मँ अउर मन्दिर मँ
काम आवइवाली चिजियन क बारे मँ बताएस। 14दाऊद
सुलैमान क बताएस कि मन्दिर मँ काम आवइवाली चिजियन
क बनावइ मँ केतना सोना अउ चाँदी लागइ चाही। 15सोना
क दीपकन अउ दीपाधारन क जोजनन रहिन अउर चाँदी क
दीपकन अउर दीपाधारन क जोजनन रहिन। दाऊद बताएस
कि हर एक दीपधार अउ ओकरे दीपक बरे केतना सोना या
चाँदी क उपयोग कीन्ह जाइ। बिभिन्न दीपधार, जहाँ जरूरत
रही, उपयोग मँ आवइवाले रहेन। 16दाऊद बताएस कि
पवित्तर रोटी क बरे काम मँ आवइवाली हर एक मेज क
बरे केतना सोना काम मँ आइ। दाऊद बताएस कि चाँदी क
मेजन बरे केतनी चाँदी काम मँ आई। 17दाऊद बताएस कि
केतना सुद्ध सोना, काँटन, छिछकाराइ क चिलमची अउर
कलसा बनाइ मँ लागी। दाऊद बताएस कि हर एक तस्तरी
मँ केतनी चाँदी लागी। 18दाऊद बताएस कि सुगन्धि क वेदी
बरे केतना सुद्ध सोना लागी। दाऊद सुलैमान क परमेस्सर
क रथ, यहोवा क करार क सन्दूख क ऊपर अपने पखनन
क फइलास सोना क करूब सरगदूत क संग दायापीठ क
जोजना भी दिहेस।

19दाऊद कहेस, “इ सबइ जोजना यहोवा स मिले निर्देसन
क अनुसार लिखा ग रहेन अहइँ। यहोवा जोजना क हर
एक भाग समुझइ मँ मोका मदद दिहस।”

20दाऊद अपने पूत सुलैमान स इ भी कहेस, “दृढ़ अउर
बीर बना अउर इ काम क पूरा करा। डेराअ जिन, काहेकि
यहोवा, मोर परमेस्सर तोहरे संग अहइ। उ तोहार मदद तब
तलक करी जब तलक तोहार इ काम पूरा नाहीं होइ जात।
उ तोहका छोड़ी नाहीं। तू यहोवा क मन्दिर बनाउब्या।
21परमेस्सर क मन्दिर क सबहिँ काम करइ बरे याजकन
अउ लेवीबंसियन क समूह तइयार अहइँ। सबहिं काम न मँ
तोहका मदद देइ बरे कुसल कारीगर तइयार अहइँ जउन भी
तू आदेस देब्या ओकर पालन अधिकारी अउर सबहिं लोग
करिहीं।”

मन्दिर बनावइ बरे भेंट

29 राजा दाऊद हुवाँ एक संग बटुरे इस्राएल क
सबहिं लोगन स कहेस, “परमेस्सर मोरे पूत
सुलैमान क चुनेस। सुलैमान बालक अहइ अउर उ ओन
सब बातन क नाहीं जानत जेनकर जरूरत ओका इ काम क
करइ बरे अहइ। किन्तु काम बहोत महत्वपूर्ण अहइ। इ
भवन लोगन क बरे नाहीं अहइ अपितु यहोवा परमेस्सर क
बरे अहइ। 2मइँ आपन पूरी सक्ती स परमेस्सर क मन्दिर
बनावइ क चिजियन क प्रबंध किहेउँ ह। मइँ सोना स
बनइवाली चिजियन बरे सोना दिहेउँ ह। मइँ चाँदी स
बनइवाली चिजियन क बरे चाँदी दिहेउँ ह। मइँ काँसा स
बनइवाली चिजियन क बरे काँसा दिहेउँ ह। मइँ लोहा स
बनइवाली चिजियन क बरे लोहा दिहेउँ ह। मइँ काठे स
बनइवाली चिजियन क बरे काठ दिहेउँ ह। मइँ नीलमणि,
रतनजटित फकनन क बरे बिभिन्न रंग क सबहिं प्रकार क
कीमती रतन अउ सफेद संगमरमर भी दिहउँ ह। मइँ यहोवा
क मन्दिर क बनावइ बरे इ सबइ चिजियन बहोत जियादा

संख्याँ मँ दिहेउँ ह। 3मइँ अपने परमेस्सर क मन्दिर बरे सोना
अउ चाँदी क एक बिसेस भेंट देत अहइँ। मइँ इ एह बरे
करत हउँ कि मइँ फुरइ अपने परमेस्सर क मन्दिर क
बनावइ चाहत हउँ। मइँ इ पवित्तर मन्दिर क बनावइ बरे एन
सब चिजियन क देत हउँ। 4मइँ ओपीर स एक सौ दस टन
सुद्ध सोना दिहेउँ ह। मइँ दुई सौ साठ टन सुद्ध चाँदी दिहेउँ
ह। चाँदी मन्दिर क भवनन क देवारन क ऊपर मढ़इ बरे
अहइ। 5मइँ सोना अउ चाँदी ओन सब चिजियन बरे दिहेउँ ह
जउन सोना अउर चाँदी क बनी होत हीं। मइँ सोना अउ
चाँदी दिहेउँ ह जेनसे कुसल कारीगर मन्दिर क बरे सबहिं
विभिन्न तरह क चिजियन बनाइ सकइँ। अब आप लोगन मँ
स केतने आजु यहोवा क काम बरे योगदान देइ बरे तइयार
अहइँ?"

6परिवारन क प्रमुख, इस्राएल क परिवार समूहन क
प्रमुख, उच्च अधिकारियन, कप्तान लोगन अउर राजा क
काम करइ क बरे जिम्मेदार अधिकारी सबहिं तइयार रहेन
अउर उ पचे कीमती चिजियन दिहन। 7इ सबइ उ सब
चिजियन अहइँ जउन उ पचे परमेस्सर क घर क बरे
दिहन: एक सौ नब्बे टन सोना, तीन सौ पचहत्तर टन ऐ
चाँदी, छ: सौ पचहत्तर टन ऐ काँसा; तीन हजार सात सौ
पचास टन ऐ लोहा; 8जउने लोगन क लगे कीमती रतन
रहेन, उ पचे एका यहोवा क मन्दिर क खज़ाना मँ जउन
यहीएल क सुरच्छा मँ रहेन, दिहेन। यहीएल गेर्सोन क
परिवार स रहा। 9लोग बहोत खुस रहेन। काहेकि ओनकर
प्रमुख ओतना जियादा देइ मँ खुस रहेन। प्रमुख स्वतंत्रता
पूर्वक खुले दिल स देइ मँ खुस रहेन। राजा दाऊद भी बहोत
खुस रहा।

दाऊद क सुन्नर पराथना

10तब दाऊद ओन लोगन क समन्वा, जउन हुवाँ एक
संग बटुरे रहेन, यहोवा क बड़कई किहन। दाऊद कहेस:
"यहोवा इस्राएल क परमेस्सर, हमार बाप, सदा-सदा बरे
तोहार स्तुति होइ।

11महानता, सक्ती, यस बिजइ अउर प्रतिस्ठा तोहार
अहइ। काहेकि हर एक चीज धरती अउर आसमान क
तोहार ही अहइ। हे यहोवा! राज्ज तोहार अहइ: तू हर एक
क ऊपर सासक अहा।

12सम्पत्ति अउर प्रतिस्ठा तोहसे अवत ह। तोहार सासन
हर चीज पइ अहइ। तू सक्ती अउर बल अपने हाथे मँ
रखत ह। तोहरे हाथे मँ सक्ती अहइ कि तू कउनो क भी
महान अउर सक्तीसाली बानावइ सकत ह।

13अब, हमार परमेस्सर हम तोहका धन्यवाद देत अही,
अउर हम तोहरे यसस्वी नाउँ क स्तुति करत अही।

14इ सबहिं चिजियन ओहसे अउर मोरे लोगन स नाहीं
आइ अहइँ। इ सबइ सबहिं चिजियन तोहसे आइन अउर
हम तोहका उ सबइ चिजियन दिहेउँ जउन तोहसे आई
अहइँ।

15हम पचे ठीक अपने पुरखन क नाईं इ संसार मँ तोहरे
समन्वा बिदेसी क तरह रहत हउँ। इ धरती पइ हमार समइ
बिना उम्मीद क छाया क नाईं गुज़रत अहइ।

16हे यहोवा हमार परमेस्सर, हम इ सबइ चिजियन तोहार
मन्दिर बनवइ बरे बटोरेन ह। हम लोग तोहार मन्दिर तोहार
नाउँ क सम्मान बरे बनाउब। मुला इ सबइ चिजियन तोहसे
आई अहइँ अउर हर चीज तोहर अहइ।

17मोर परमेस्सर, मइँ इ भी जानत हउँ तू लोगन क
हिरदइ क जाँच करत ह, अउर तू खुस होत ह, जदि लोग
अच्छे काम करत हीं, मइँ सच्चे हिरदइ स इ सबइ चिजियन
देइ मँ खुस रहेउँ। अब मइ तोहरे लोगन क हुवाँ बटुरा
लखइ सकत हउँ जउन इ सबइ चिजियन तोहका देइ मँ
खुस अहइँ।

18हे यहोवा, तू परमेस्सर अहा हमार पुरखा इब्राहीम,
इसहाक अउ इस्राएल क। कृपा कइके तू लोगन क मदद
सही जोजना बनावइ मँ कइके ओनका तोहरे बरे बिस्सास
जोग्ग अउर सच्चा होइ मँ करा।

19अउर मोरे पूत सुलैमान क तोहरे बरे सच्चा होइ मँ
मदद द्या तोहार कानून, नेमन अउर आदेसन क सर्वदा
पालन करी मँ मदद द्या। ओन कामन क करइ मँ सुलैमान
क मदद करा अउर उ सानदार महल क बनावइ मँ ओकर
मदद करा जेकर जोजना मइँ बनाएउँ ह।"

20तब दाऊद हुवाँ एक संग बटुरे सबहिं समूहन क
लोगन स कहेस, "अब यहोवा, अपने परमेस्सर क स्तुति
करा।" एह बरे सब यहोवा परमेस्सर, उ परमेस्सर क जेकर
आराधना ओनकर पुरखन किहेन, स्तुति किहस। उ पचे
यहोवा तथा ओकर राजा क सम्मान देइ क बरे धरती पइ
माथा टेकिके प्रणाम किहन।

सुलैमान राजा होत ह

21अगले दिन लोगन यहोवा क बलि भेंट किहन। उ पचे
यहोवा क होमबलि भेंट किहेन। उ पचे एक हजार बैल,
एक हजार भेड़न एक हजार मेमनन भेंट क रूप मँ दिहन
अउर उ पचे पेयबलि भी भेंट किहेन। इस्राएल क सबइ
लोगन बरे हुवाँ अनेक बलिदान दिए गएन। 22उ दिन लोग
खाएन अउर पीएन अउर यहोवा हुवाँ ओनके संग रहा उ
पचे बहोत खुस रहेन।

अउर पचे दाऊद क पूत सुलैमान क दूसरी दाईं राजा
बनाएन। उ पचे सादोक क अभिसेक राजा क रूप मँ किहन
अउर उ पचे सादोक क अभिसेक याजक बनवावइ बरे
किहन। उ पचे इ उ जगह पइ किहन जहाँ यहोवा रहा।

23तब सुलैमान राजा क रूप मँ यहोवा क सिंहासन पइ
बइठा सुलैमान अपने बाप क जगह लिहस। सुलैमान बहोत
सफल रहा। इस्राएल क सबहिं लोगन सुलैमान क आदेस
मानत रहेन। 24सबहिं प्रमुख, फउजी अउर राजा दाऊद क
सबहिं पूतन सुलैमान क राजा क रूप मँ स्वीकार किहन
अउर ओकरी आग्या क पालन किहन। 25यहोवा सुलैमान
क बहोत महान बनाएस। इस्राएल क सबहिं लोग जानत
रहेन कि यहोवा सुलैमान क महान बनावत अहइ। यहोवा
सुलैमान क उ सम्मान दिहस जउन एक राजा क मिलइ
चाही। यहोवा सुलैमान क साही प्रताप दिहेस जउन पहिले
इस्राएल क कउनो राजा क नाहीं मिला।

दाऊद क मउत

26-27यिसै क पूत दाऊद पूरे इस्राएल पइ चालीस बरिस
तलक राजा रहा। दाऊद हेब्रोन नगर मँ सात बरिस तलक
राजा रहा। तब दाऊद यरूसलेम मँ तैंतीस बरिस तलक राजा
रहा। 28दाऊद तब मरा जब उ बूढ़ा रहा। दाऊद एक
नीक लम्बी जिन्नगी बिताएस। दाऊद क लगे बहोत सम्पत्ति
अउ प्रतिस्ठा रही अउर दाऊद क पूत सुलैमान ओकरे पाछे
राजा बना।

29उ सबइ कार्य, जउन सुरू स लइके आखिर तलक
दाऊद किहस, समूएल दर्सी क रचना मँ अउर नातान नबी
क रचना मँ अउ गाद दर्सी क रचना मँ लिखे गएन ह।
30उ सबइ रचना इस्राएल क राजा क रूप मँ दाऊद जउन
काम किहेस ओन सब क सूचना देत ह। उ सबइ दाऊद क
सक्ती अउर ओकरे संग जउन घटा, ओकरे बिसय मँ भी
बतावत हीं, अउर उ सबइ इस्राएल अउ ओकरे चारिहुँ
कइँती क राज्जन मँ जउन भवा, ओकरे बारे मँ बतावत ह।

दूसर राजा

अहज्याह बरे सँदेसा

1 अहाब क मरइ क पाछे मोआब इस्राएल क हुकूमत स अजाद होइ गवा।

2एक दिना अहज्याह सोमरोन मँ अपने घरे क छत पइ क ऊपर क कमरा क जंगले मँ स गिर गवा। उ बुरी तरह घायल होइ गवा। अहज्याह सँदेसवाहक क बोलाएस अउ ओनसे कहेस, "एक्रोन क देवता बालजबूब क याजकन क लगे जा। ओनसे पूछा कि का मइँ अपनी चोटन स तन्दुरूस्त होइ सकब।"

3किन्तु यहोवा क दूत तिसबी एलिय्याह स कहेस, "राजा अहज्याह सोमरोन स कछू सँदेसवाहक पठएस ह। जा अउर एन लोगन स मिला। ओनसे इ कहा, 'इस्राएल मँ परमेस्सर अहइ। तउ तू लोग एक्रोन क देवता बालजबूब स सवाल करइ काहे जात अहा? 4राजा अहज्याह स इ सबइ बातन कहा: यहोवा कहत ह: तू अपने बिछउना स उठि नाहीं पउब्या। तू मरब्यो।"' तब एलिय्याह चल पड़ा अउर उ अहज्याह क सेवकन स इहइ सब्द कहेस। 5सँदेसवाहक अहज्याह क लगे लौटि आएन। अहज्याह सँदेसवाहकन स पुछेस, "तू लोग एँतना हाली काहे लउट्या?"

6सँदेसवाहकन अहज्याह स कहेन, "एक ठु मनई हम स भेंटइ आवा। उ हम लोगन स उ राजा क लगे वापस जाइ क कहेस जउन हमका पठए रहा अउर ओहसे यहोवा जउन कहेस, उ कहइ क कहेस, 'इस्राएल मँ एक परमेस्सर अहइ। तउ तू एक्रोन क देवता बालजबूब स सवाल करइ बरे सँदेसवाहकन क काहे पठया। काहेकि तू इ किहा ह इ कारण तू अपने बिछउना स नाही उठब्या। तू मरब्या।'"

7अहज्याह सँदेसवाहकन स पूछेस, "जउन मनई तोहसे मिला अउर जउन तोहसे अइसा कहेस उ कइसा देखाँइ पड़ता रहा?" 8सँदेसवाहकन अहज्याह स कहेन, "उ मनई क बदन पइ बहोत बार रहा अउर अपनी कमर मँ एक ठु चमड़ा क पेटी बाँधि रहा।" तब अहज्याह कहेस, "इ तिसबी एलिय्याह अहइ।"

अहज्याह क जरिये पठए गए फउजियन क आगी नस्ट करत ह

9अहज्याह एक ठु सेनापति अउर पचास मनइयन क एलिय्याह क लगे पठएस। सेनापति एलिय्याह क लगे गवा। उ समइ एलिय्याह एक ठु पहाड़ी क चोटी पइ बइठा रहा। सेनापति एलिय्याह स कहेस, "परमेस्सर क जन राजा क आदेस अहइ, 'खाले आवा।'"

10एलिय्याह पचास फउजियन क सेनापति क जवाब दिहस, "जदि मइँ परमेस्सर क जन हउँ तउ सरग स आगी भहराइ पड़इ अउर तोहका एवं पचास फउजियन क नस्ट कइ देइ।"

एह बरे सरग स आगी गिर पड़ी अउर उ सेनापति अउ ओकरे पचास मनइयन क नस्ट कइ दिहस।

11अहज्याह दूसर फउजी अउ पचास फउजियन क पठएस। सेनापति एलिय्याह स कहेस, "परमेस्सर क जन राजा क आदेस अहइ 'हाली खाले आवा।'"

12एलिय्याह सेनापति अउर ओकरे पचास फउजियन स कहेस, "जदि मइँ परमेस्सर क जन हउँ तउ सरग स आगी भहराइ पड़इ अउर उ तोहका अउ तोहरे पचास फउजियन क बर्बाद कइ देइ।" परमेस्सर क आगी सरग स गिर पड़ी अउर सेनापति एवं पचास फउजियन क बर्बाद कइ दिहस।

13अहज्याह तीसरे सेनापति क पचास फउजियन क संग पठएस। पचास फउजियन क सेनापति एलिय्याह क लगे आवा। सेनापतियन घुटनन क बल झुक कइ पराथना किहस, "हे परमेस्सर क जन मइँ तोह स पराथना करत हउँ, कृपा कइके मोर जिन्नगी अउ मोर एन पचास सेवकन क जिन्नगी क अपनी निगाह मँ मूल्यवान मानइँ। 14सरग स आगी गिर पड़ी अउर पहिले दुइ सेनापतियन अउ ओनके पचास फउजियन क उ बर्बाद कइ दिहस। किन्तु अब कृपा करइँ अउर हमका जिअत रहइ देइँ।"

15यहोवा क दूत एलिय्याह स कहेस, "सेनापति क संग जा। ओहसे डेराअ जिन।" एह बरे एलिय्याह सेनापति क संग राजा अहज्याह क लखइ गवा। 16एलिय्याह अहज्याह स कहेस, "इस्राएल मँ परमेस्सर अहइ ही, तउ भी तू सँदेसवाहकन क एक्रोन क देवता बालजबूब स सवाल करइ काहे पठया? काहेकि तू इ किहा ह, इ कारण तू अपने बिछउना स नाहीं उठब्या। तू मरब्या।"

यहोराम, अहज्याह क जगह लेत ह

17अहज्याह वइसे ही मरा जइसा यहोवा एलिय्याह क जरिये कहे रहा। अहज्याह क कउनो पूत नाहीं रहा। एह बरे अहज्याह क पाछे यहोराम नवा राजा भवा। यहोराम यहूदा क राजा यहोसापात क पूत यहोराम क राज्जकाल क दूसरे बरिस हुकूमत करब सुरू किहस। 18अहज्याह जउन दूसर कारज किहस उ सबइ "इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे गए अहइँ।

एलिय्याह क अपने लगे लेइ क यहोवा क जोजना

2 इ लगभग उ समइ रहा जब यहोवा एक हाव क चक्रवात क जरिये एलिय्याह क सरग मँ लइ जाइवाला रहेन। एलिय्याह एलीसा क संग गिलगाल गवा।

2एलिय्याह एलीसा स कहेस, “कृपा कइके हिअइँ रूका,
काहेकि यहोवा मोका बेतेल जाइ क कहेस ह।”
किन्तु एलीसा कहेस, “मइँ यहोवा अउर तोहार जिन्नगी
क किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ कि तोहार क संग
नाहीं छोड़ब।” एह बरे दुइनउँ लोग बेतेल तलक गएन।
3बेतेल क नबियन क समूह एलीसा क लगे आवा अउर
उ एलीसा स कहेस, “का तू जानत अहा कि आजु तोहरे
सुआमी क यहोवा तोहसे अलग कइके लइ जाइ?”
एलीसा कहेस, “हाँ, मइँ एका जानत हउँ। इ बारे मँ
बातन न करा।”
4एलिय्याह एलीसा स कहेस, “मेहरबानी कइके हिअँर
ठहरा काहेकि यहोवा मोका यरीहो जाइ क कहेस ह।”
किन्तु एलीसा कहेस, “मइँ यहोवा अउर तोहार जिन्नगी
क किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तोहार संग
नाहीं तजब।” एह बरे दुइनउँ लोग यरीहो गएन।
5यरीहो क नबियन क समूह एलीसा क लगे आवा अउर
उ पचे ओहसे कहेन, “का तोहका मालूम अहइ कि यहोवा
आजु तोहरे सुआमी क तोहसे दूर लइ जाइ।”
एलिसा कहेस, “हाँ, मइँ एका जानत हउँ। इ बारे मँ
बातन न करा।”
6एलिय्याह एलीसा स कहेस, “मेहरबानी कइके हिअँइ
ठहरा काहेकि यहोवा मोका यरदन नदी तलक जाइ क
कहेस ह।”
एलीसा जवाब दिहस, “मइँ यहोवा अउर तोहार जिन्नगी
क किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तोहार क संग
नाही तजब।” एह बरे दुइन मनई चलत रहेन।
7नबियन क समूह मँ स पचास मनइयन ओनकर अनुसरण
किहन। एलिय्याह अउर एलीसा यरदन नदी पइ रूक गएन।
पचास मनई एलिय्याह अउ एलीसा स कछू दूर खड़े रहेन।
8एलिय्याह आपन अगंरखा उतारेस, ओका तह किहेस अउर
ओहसे पानी पइ चोट किहस। पानी दाईं कइँती बाईं कइँती
क फट गवा। एलिय्याह अउ एलीसा झुरान भुइँया पइ
चलिके नदी क पार किहेस।
9जब उ पचे यरदन नदी क पार कइ लिहन तब
एलिय्याह एलीसा स कहेस, “एहसे पहिले कि परमेस्सर
मोका तोहसे दूर लइ जाइ, तू का चाहत अहा कि मइँ तोहरे
बरे करउँ।”
एलीसा कहेस, “मोका तोहार आतिमा क दुईगुणा हींसा
द्या।”
10एलिय्याह कहेस, “तू कठिन चीज माँग्या ह। जदि तू
मोका उ समइ लखब्या जब मोका लइ जावा जाइ तउ उहइ
होइ। किन्तु जदि तू मोका नाहीं लखि पउव्या तउ उ नाहीं
होइ।”

परमेस्सर एलिय्याह क सरग मँ लइ जात ह

11एलिय्याह अउ एलीसा एक संग बातन करत भए
टहरत रहेन। अचानक कछू घोड़न अउ एक ठु रथ आवा
अउर उ पचे एलिय्याह क एलीसा स अलग कइ दिहेन।
घोड़न अउ रथ आगी क तरह रहेन। तब एलिय्याह एक ठु
बौड़र मँ सरग क चला गवा।
12एलीसा एका लखेस अउ जोर स गोहराएस, “मोर
बाप। मोर बाप। इस्राएल क रथ अउर ओकर घोड़सवार
फउजी।”
एलीसा एलिय्याह क फुन कबहुँ नाहीं लखेस। एलीसा
आपन आपन ओढ़नन क मूठी मँ भरेस, अउर आपन सोक
परगट करइ बरे, ओनका फार ड़ाएस। 13एलिय्याह क
अंगरखा भुइँया पइ गिर पड़ा रहा। एह बरे एलीसा ओका
उठाइ लिहस। फुन उ वापिस आएन अउर यरदन नदी क
किनारे पइ खड़ा होइ गवा।
14एलीसा एलिय्याह क अंगरखा लिहेस, जउन भूइँया पइ
गिर गवा रहा। एलीसा एका पानी पइ चोट किहस अउर
कहेस, “एलिय्याह क परमेस्सर यहोवा, कहाँ अहइ?” जइसेन
ही एलीसा पानी पइ चोट किहस, पानी दाईं अउ बाईं कइँती
फट गवा अउ एलीसा नदी पार किहेस।

नबी एलिय्याह क माँग करत हीं

15जब यरीहो क नबियन क समूह एलीसा क लखेस, उ
पचे कहेन, “एलिय्याह क आतिमा अब एलीसा पइ अहइ।”
उ पचे एलीसा स मिलइ आएन। उ पचे एलीसा क समन्वा
खाले भुइँया तलक प्रणाम करइ निहुरेन। 16उ पचे ओहसे
कहेन, “लखा, हम अच्छे खासे पचास मनई अही। मेहरबानी
कइके एका जाइ द्या अउर अपने सुआमी क हेरइ द्या।
होइ सकत ह यहोवा क सक्ती एलिय्याह क ऊपर लइ लिहे
होइ अउर ओका कउनो पर्वत या घाटी मँ भहराइ दिहे
होइ।”
मुला एलीसा जवाब दिहस, “नाहीं, एलिय्याह क खोज
बरे मनइयन क जिन पठवा।”
17नबियन क समूह एलीसा स एतना जियादा पराथना
किहस, कि उ उलझन मँ पड़ गवा। तब एलीसा कहेस,
“ठीक अहइ, एलिय्याह क खोज मँ मनइयन क पठइ
द्या।”
नबियन क समूह पचास मनइयन क एलिय्याह क खोज
बरे पठएस। उ पचे तीन दिन तलक खोज किहेन मुला उ
पचे एलिय्याह क न पाइ सकेन। 18एह बरे उ सबइ लोग
यरीहो गएन जहाँ एलीसा ठहरा रहा। उ ओन लोगन स
कहस, का मइँ तोहसे न खोजइ बरे नाही कहे रहा।

एलीसा पानी क सुद्ध करत ह

19नगर क बसइया लोग एलीसा स कहेन, “महोदय,
आप अनुभव कइ सकत हीं कि इ नगर सुन्दर ठउर मँ
अहइ। किन्तु हिआँ पानी बुरा अहइ। इहइ कारण अहइ कि
भुइँया मँ फसल क उपज नाहीं होत।”
20एलीसा कहेस, “मोरे लगे एक ठु नवा खोरा लिआवा
अउर ओहमा नून रखा।”
लोग नवा खोरा क एलीसा क लगे लइ आएन। 21तब
एलीसा उ ठउरे पइ गवा जहाँ पानी भुइँया स निकरत रहा।
एलीसा नून क पानी मँ लोकाइ दिहस। उ कहेस, “यहोवा
कहत ह, ‘मइँ इ पानी क सुद्ध करत हउँ। अब, मइँ इ
पानी स कउनो क मरइ नाहीं देब, अउर न ही भुइँया क
अच्छी फसल देइ स रोकब।’”

22पानी सुद्ध होइ गवा अउर पानी अब तलक भी सुद्ध
अहइ। इ वइसा ही भवा जइसा एलीसा कहे रहा।

कछू लरिकन एलीसा क मजाक उड़ावत हीं

23उ नगर स एलीसा बेतेल गवा। एलीसा नगर कँइती
पहाड़ी पइ चलत रहा जब कछू लरिकन नगर स खाले
आवत रहेन। उ पचे एलीसा क मजाक उड़ावइ लागेन अउर
उ पचे कहेन, "हे गंजे, तू ऊपर चढ़ि जा। हे गंजे तू ऊपर
चढ़ि जा।"
24एलीसा मुड़िके ओनका लखेस। उ यहोवा स बिनती
किहेस कि ओनके संग बुरा होइ। उहइ समइ जंगल स दुइ
ठु रीछ आइके ओन लरिकन पइ हमला किहन, हुवाँ
बयालीस लरिकन रछिन क जरिये फार दीन्ह गएन।
25हुवाँ स एलीसा कर्म्मेल पर्वत पइ गवा, ओकरे पाछे उ
वापिस सोमरोन क गवा।

यहोराम इस्राएल क राजा बना

3 अहाब क पूत यहोराम सोमरोन मँ इस्राएल क राजा
बना। यहोसापात क यहूदा पई राजकाल क अट्ठारहवें
बरिस मँ यहोराम राज्ज करब सुरू किहेस। यहोराम बारह
बरिस तलक इस्राएल पई राज किहेस। 2यहोराम उ सब
किहेस जउन यहोवा क निगाह मँ बुरा अहइ। परन्तु यहोराम
अपने महतारी बाप क तरह न रहा काहेकि उ उ स्तम्भ क
दूर कइ दिहस जउन ओकर बाप बाल क पूजा बरे बनवाए
रहा। 3परन्तु उ नबात क पूत यारोबाम क अइसे पापन क,
जइसे उ इस्राएल स भी कराएस, करत रहा अउर ओनसे न
फिरा।

मोआब इस्राएल स अलग होत ह

4मेसा मोआब क राजा रहा। ओकरे लगे बहोत बोकरियन
रहिन। मेसा एक लाख मेमनन अउर एक लाख भेड़ा क
ऊन इस्राएल क राजा क भेटेंस। 5मुला अहाब क मउत क
पाछे मोआब क राजा इस्राएल क राजा क बिरूद्ध बिद्रोह
कई दिहेस।
6तब राजा यहोराम सोमरोन क बाहेर निकरा अउ उ
इस्राएल क सबहिं मनइयन क बटोरेस। 7यहोराम यहूदाा क
राजा यहोसापात क लगे संदेसवाहक पठएस। यहोराम कहेस,
"मोआब क राजा मोर बिरूद्ध विद्रोह कई दिहा ह। का तू
मोआब क खिलाफ जुद्ध करइ मोरे संग चलब्या?"
यहोसापात कहेस, "हाँ, मइँ तोहरे संग चलब। हम दुइनउँ
एक फउज क तरह मिल जाब। मोर फउज तोहकरे
फउजियन जइसे होइहीं। मोर घोड़न तोहरे घोड़न जइसे
होइहीं।"

एलीसा स तीन राजा सलाह माँगत हीं

8यहोसापात यहोसाराम स पूछेस, "हमका कउने राहे स
चलइ चाही? "यहोराम कहेस, "एदोम क मरूस्थल क रास्ता
स।"
9एह बरे इस्राएल क राजा यहूदा अउ एदोम क राजा
लोगन क संग गवा। उ पचे लगभग सात दिन तलक
चारिहुँ कइँती घूमत रहेन। सेना व ओनके गोरूअन बरे
पर्याप्त पानी नाहीं रहा। 10आपिर मँ इस्राएल क राजा
यहोराम कहेस, "ओह, यहोवा फुरइ ही हम तीनहुँ राजा
लोगन क एक संग एह बरे बोलाएस कि मोआबी हम
लोगन क हरावइँ।"
11मुला यहोसापात कहेस, "का हिआँ यहोवा क नबी
नाहीं अहइ? हम लोग नबी स पूछी कि यहोवा हम क का
करइ क बरे कहत ह।"
इस्राएल क राजा क सेवकन मँ स एक ठु कहेस,
"सापात क पूत एलीसा हिआँ अहइ। एलीसा, एलिय्याह क
सेवक रहा।"*
12यहोसापात कहेस, "यहोवा क वागी एलीसा क लगे
अहइ।"
एह बरे इस्राएल क राजा (यहोराम), यहोसापात अउर
एदोम क राजा एलीसा स मिलइ गएन।
13एलीसा इस्राएल क राजा (यहोराम) स कहेस, "तू
मोहसे का चाहत अहा? आपन बाप अउर महतारी क
नबियन क लगे जा।"
इस्राएल क राजा एलीसा स कहेस, "नाहीं, हम लोग
तोहसे मिलइ आए अही, काहेकि यहोवा हम तीन राजा
लोगन क एह बरे एक संग हिआँ बोलवा ह कि मोआबी
हम लोगन क हरावइ।"
14एलीसा कहेस, "मइँ यहूदा क राजा यहोसापात क
सम्मान करत हउँ अउर मइँ सर्वसक्तीमान यहोवा क सेवा
करत हउँ। उ निहचइ ही जिअत अहइ, एह बरे मइँ फुरइ
कहत हउँ: मइँ न तउ तोह पइ दृस्टि डावत अउर न ही तोह
पइ धियान देता, जदि यहूदा क राजा यहोसापात हिआँ न
होत।" 15किन्तु अब एक अइसे मनई क मोरे लगे लिआवा
जउन वीणा बजावत होइ।"
जब उ मनई वीणा बजाई तउ यहोवा क सक्ती एलीसा
पइ उतरी। 16तब एलीसा कहेस, "यहोवा इ कहत ह, घाटी
मँ गड़हा खना। 17यहोवा इहइ कहत ह: तू हवा क अनुभव
नाहीं करब्या, तू बरखा भी नाहीं लखब्या। मुला उ घाटी
जल स भरि जाइ। तू, तोहार गइयन अउ दूसर जनावरन क
पानी पिअइ क मिली। 18यहोवा क बरे इ करब सहल
अहइ। उ तोहका मोआबियन क भी पराजित करइ देइ। 19तू
हर एक सुदृढ़ नगर अउर प्रमुख सहर पर आक्रमण करब्या।
तू हर एक अच्छे बृच्छ क काट डउब्या। तू सबहिं पानी क
सोतन क रोक देब्या। तू हरेक हरियर खेत क पाथरन स
भरके नस्ट कइ देब्या।"
20भिंसारे सुबह क बलि क समइ, एदोम क कइँती स
पानी बहइ लाग अउर घाटी पानी स भर ग रहा।
21मोआब क लोग सुनेन कि इस्राएल, यहूदा अउर एदोम
क राजा लोग ओनके खिलाफ लड़इ बरे आए अहइँ। एह
बरे मोआब क लोग कवच धारण करइवाला उमिर क
सबहिं मनइयन क बटोरेन। ओन लोग जुद्ध बरे तइयार
होइके चउहद्दी पइ प्रतीच्छा किहेन। 22मोआब क लोग भी

एलीसा एलीय्याह क सेवक रहा मूलार्थ एल्लियाह क हाथन पइ पानी डावा एकर अरथ अहइ कि एलीसा ओकर करीबी चेला रहा।

बहोत भिंसारे उठेन। उगत भवा सूरज घाटी क जल पइ
चमकत रहा अउर मोआब क लोगन क उ खून क नाईं
देखाइ देत रहा। **23**मोआब क लोग कहेन, “खून क धियान
स लखा। राजा लोग जरूर ही एक दूसर क खिलाफ जुद्ध
किहे होइहीं। उ पचे एक दूसर क जरूर नस्ट कइ दिहे
होइहीं। हम चली अउर ओनके ल्हासन स कीमती चिजियन
लइ लेइ।”

24मोआबी लोग इस्राएली डेरे तलक आएन। किन्तु
इस्राएली बाहेर निकरेन अउर उ पचे मोआबी फउज पइ
आक्रमण कइ दिहन। मोआबी लोग इस्राएलियन क समन्वा
स भाग खड़े भएन। इस्राएली मोआबियन स जुद्ध करइ
ओनके पहँटा मँ घुस आएन। **25**उ नगरन क बर्बाद किहन।
अउ उ पचे अच्छे खेत क हर एक फउजी दुआरा फेंकइ
गवा पाथरन स भर दिहेस। उ पचे सबहिं पानी क सोतन क
रोक दिहन अउर सबहिं नीक बृच्छन क काट डाएन। अउर
कीहिरेसेत मँ सिरिफ पाथर रहे गएन जउन ओनकर गुलेलन
स फेंकइ गवा रहेन जउन नगर क घेर रखा रहेन।

26मोआब क राजा लखेस कि जुद्ध ओकरे बरे बहोत
जियादा प्रबल अहइ। एह बरे उ तरवार धारी सात सौ
मनइयन क एदोम क राजा क बध करइ बरे सोझ फउज
भेद क खातिर पठइ दिहेस। किन्तु उ पचे एदोम क राजा
तलक फउज भेद नाहीं कइ पाएन। **27**तब मोआब क राजा
अपने जेठ पूत क लिहस जउन ओकरे पाछे राजा होत।
नगर क चारिहुँ कइँती क देवार पइ मोआब क राजा आपन
पूत क भेंट होमबलि क रूप मँ दिहस। अउर हुआँ इस्राएल
क विरुद्ध बहोत जियादा गुस्सा रहा। एह बरे इस्राएल क
लोग मोआब क राजा क तजेन अउर अपने देस क लउट
गएन।

एक ठु नबी क राँड़ मेहरारू एलीसा स मदद माँगत ह

4 नबियन क समूह मँ स एक ठु मनई क मेहरारू रही।
उ मनई मर गवा। ओकर मेहरारू एलीसा क समन्वा
आपन दुखड़ा रोएस, “मोर भतार तोहरे सेवक क नाईं रहा।
अब मोर भतार मर गवा ह। तू जानत ह कि उ यहोवा क
सम्मान करत रहा। किन्तु ओह पइ एक मनई क करजा रहा
अउर अब उ मनई मोर दुइ लरिकन क आपन दास बनावइ
बरे लेइ आवत अहइ।”

2एलीसा पूछेस, “मइँ तोहार मदद कइसे कइ सकत हउँ?
मोका बतावा कि तोहरे घरे मँ का अहइ?”

उ मेहरारू कहेस, “मोरे घरे मँ कछू नाहीं। मोरे लगे
सिरिफ जइतून क तेल क गगरी अहइ।”

3तब एलीसा कहेस, “जा अउर आपन सब पड़ोसियन से
खोरन उधार ल्या। उ सबइ खाली होइ चाही। बहोत स
खोरन उधार ल्या। **4**तब अपने घरे जा अउर दरवाजन बन्द
कइ ल्या। सिरिफ तू अउर तोहार पूत घरे मँ रहिहीं। तब एन
सबइ खोरन मँ तेल नावा जब उ खोरन भर जाइ तउ
ओनका एक अलग ठउरे पइ धरा।”

5अब उ मेहरारू एलीसा क हिआँ स चली गइ, अपने
घरे पहोंची अउर दरवाजन बंद कइ लिहस। सिरिफ उ अउर
ओकर पूत घरे मँ रहेन। ओकर पूतन खोरन ओकरे लगे
लिआएन अउर उ तेल नाएस। **6**उ बहोत स खोरन भरेस।
आखिर मँ उ अपने पूत स कहेस, “मोरे लगे दूसर खोरन
लिआवा।”

मुला सभी खोरन भर चुका रहेन। पूतन मँ स एक ठु
मेहरारू स कहेस, “अब कउनो खोरा नाहीं रहि गवा ह।” उ
समइ गगरी क तेल खतम होइ चुका रहा।

7तब उ मेहरारू आइ अउर उ परमेस्सर क जन (एलीसा)
स इ घटना बताएस। एलीसा ओहसे कहेस, “जा, तेल क
बेच द्या अउर अपना करजा लउटाइ द्या। जब तू तेल क
बेच चुकब्यू अउ अपना करजा लउटाइ देब्यू तब तोहार अउ
तोहरे पूतन क गुजारा बची रकम स होइ।”

सूनेम मँ एक ठु मेहरारू एलीसा क कमा देत ह

8एक दिना एलीसा सूनेम क गवा। सूनेम मँ एक ठु
महत्वपूर्ण मेहरारू रहत रही। इ मेहरारू एलीसा स कहेस
कि उ ठहरइ अउर ओकरे घरे खइया क खाइ। एह बरे
जब भी एलीसा उ ठउरे स होइके जात रहा तब भोजन
करइ बरे हुवाँ रुकत रहा।

9उ मेहरारु अपने भतार स कहेस, “लखा मइँ समुझत
हउँ कि एलीसा परमेस्सर क जन पवित्तर जन अहइ। उ सदा
हमरे घरे होइके जात ह। **10**मेहरबानी कइके हम लोग एक
ठु कमरा एलीसा बरे छते पइ बनाई। ओहमाँ हम लोग एक
ठु बिछउना, एक ठु मेज, एक कुर्सी अउर एक ठु डीबट
रख देइ। जब जब उ हमरे घर आवइ तउ उ इ कमरा क
अपने रहइ बरे प्रयोग कइ सकत ह।”

11एक दिना एलीसा उ मेहरारू क घरे आवा। उ उ
कमरे मँ गवा अउर हुवाँ आराम किहेस। **12**एलीसा अपने
सेवक गेहजी स कहेस, “सूनेमिन मेहरारू क बोलावा।”

सेवक सूनेमिन मेहरारू क बोलाएस अउर उ ओकरे
समन्वा आइ खड़ी भइ। **13**एलीसा अपने सेवक स कहेस,
अब इ मेहरारू स कहा, ‘लखा हम लोगन क देखभाल बरे
तू यथासंभव नीक किहा ह। हम लोग तोहरे बरे का करी?
का तू चाहति अहा कि हम लोग तोहरे बरे राजा या सेना
क सेनापति स बात करी?’”

उ मेहरारू जवाब दिहस, “मइँ हिआँ बहोत अच्छी तरह
अपने लोगन मँ रहत हउँ।” **14**एलीसा गेहजी स कहेस,
“हम ओकरे बरे का कइ सकित ह?”

गेहजी कहेस, “मइँ जानत हउँ कि ओकर पूतन नाहीं
अहइ अउर ओकर भतार बूढ़ा अहइ।”

15तब एलीसा कहेस, “ओका बोलावा।”

एह बरे गेहजी उ मेहरारू क बोलाएस। उ आइ अउ
ओकरे दरवाजे क लगे खड़ी होइ गइ। **16**एलीसा मेहरारू स
कहेस, “अगले बसन्त मँ इ समइ तू अपने पूत क गले स
लगाइ रही होइब्यू।”

उ मेहरारू स कहेस, “नाहीं महोदय! परमेस्सर क जन,
मोहसे झूठ जिन बोला।”

सूनेमिन मेहरारू क पूत होत ह

17मुला उ मेहरारू क गरभ भवा। उ अगले बसन्त मँ
एक ठु पूत क जन्म दिहस, जइसा एलीसा कहे रहा।

18लड़का बड़ा भवा। एक दिना उ लड़का खेतन मँ अपने
बाप अउर फसल काटत मनइयन क लखइ गवा। 19लड़का
अपने बाप स कहेस, "ओह मोर मूँड़। मोर मूँड़ फटा जात
अहइ।"
बाप अपने सेवक स कहेस, "एका अपनी महतारी क
लगे लइ जा।"
20सेवक उ लरीका क ओकरी महतारी क लगे लइ
गवा। लरिका दुपहर तलक अपनी महतारी क गोदी मँ
बइठा। तब उ मरि गवा।

महतारी एलीसा स मिलइ जात ह

21उ मेहरारू लरिका क परमेस्सर क जन क बिछउने पइ
ओलराइ दिहस। तब उ दरवाजा बन्द किहस अउर बाहेर
चली गइ। 22उ अपने भतारे क बोलाएस अउ कहेस,
"मेहरबानी कइके मोरे लगे सेवकन मँ स एक अउ गदहन
मँ स एक क पठवा। तब मइँ परमेस्सर क जन स भेंटइ
हाली जाबइ अउर लउटि अउबइ।"
23उ मेहरारू क भतार कहेस, "तू आज परमेस्सर क जन
क लगे काहे जाइ चाहति अहा? इ नवचन्द्र या सबित क
दिन नाहीं अहइ।"
उ कहेस, "परेसान जिन ह्वा। सब कछू नीक होइ।"
24तब उ एक गदहे पइ काठी धरेस अउ अपने सेवक स
कहेस, "आवा चली अउ हाली करी। धीरे तबहिं चला जब
मइँ कहउँ।"
25उ मेहरारू परमेस्सर क जन स भेंटइ कर्म्मेल पर्वत पइ
गइ।
परमेस्सर क जन सूनेमिन मेहरारू क दूर स आवत
लखेस। एलीसा अपने सेवक गेहजी स कहेस, "लखा, उ
सूनेमिन मेहरारू अहइ। 26कृपा कइके अब दउड़ि के ओहसे
भेंटा। ओहसे पूछा, 'का सब कछू ठीक अहइ? का तू
कुसल स अहा? का तोहार भतार कुसल स अहइ? का
तोहार पूत कुसल ह?'"
गेहजी उ सूनेमिन मेहरारू स इहइ पूछेस। उ जवाब
दिहस, "सब कुसल अहइ।"
27मुला सूनेमिन मेहरारू स पर्वत पइ चढ़िके परमेस्सर क
जन क लगे पहोंची। उ प्रणाम करइ निहुरी अउर उ एलीसा
क गोड़ धइ लिहेस। गेहजी सूनेमिन मेहरारू क दूर हींच
लेइ बरे निअरे आवा। किन्तु परमेस्सर क जन गेहजी स
कहेस, "ओका अकेला छोड़ द्या। उ बहोत परेसान अहइ
अउर यहोवा एकरे बारे मँ मोहसे नाहीं कहेस। यहोवा इ
खबर मोहसे छुपाएस।"
28तब सूनेमिन मेहरारू कहेस, "महोदय, मइँ आप स पूत
नाहीं माँगे रहेउँ। मइँ आप स कहे रहेउँ, 'आप मोका मूर्ख
न बनावइँ।'"
29तब एलीसा गेहजी स कहेस, "जाइ बरे तइयार होइ
जा। मोर टहराइ क कुबरी लइ ल्या अउर जा। कउनो स
बात करइ बरे न रूका। यदि तू कउनो मनई स मिला तउ
ओका नमस्कार भी न कहा। जदि कउनो मनई नमस्कार
करइ तउ तू ओकर जवाब भी न द्या। मोर टहरइ क कुबरी
क बच्चा क चेहरा पइ रखा।"
30मुला बच्चा क महतारी कहेस, "जइसा कि यहोवा
सास्वत अहइ अउर आप जिअत अहइँ मइँ प्रतिग्या करति
अहइँ कि मइँ तोहार बिना हिआँ स नाहीं जाब।"
एह बरे एलीसा उठा अउर सूनेमिन मेहरारू क संग चल
पड़ा।
31गेहजी सूनेमिन मेहरारू क घर, एलीसा अउ सूनेमिन स
पहिले पहोंचा। गेहजी टहरइ क कुबरी क बच्चा क चेहरे
पइ धरेस। मुला बच्चा न कउनो बात किहस अउर न ही
कउनो अइसा संकेत दिहस जेहसे इ लागइ कि उ कछु
सुनेस ह। तब गेहजी एलीसा स मिलइ लउटा। गेहजी
एलीसा स कहेस, "बच्चा नाहीं जगा।"

सूनेमिन मेहरारू क पूत फुन जिअत ह

32एलीसा घरे स आवा अउर बच्चा अपने बिछउना पइ
मरा पड़ा रहा। 33एलीसा कमरे मँ आवा अउर उ दरवाजा
बन्द कइ लिहस। अब एलीसा अउर उ बच्चा कमरा मँ
अकेल्ले रहेन। तब एलीसा यहोवा स पराथना किहेस।
34एलीसा बिछउना पइ गवा अउ बच्चा पइ ओलरा। एलीसा
आपन मुँह बच्चा क मुँहे पइ धरेस। एलीसा आपन आँखिन
बच्चा की आँखिन पइ धरेस। एलीसा अपने हाथन क बच्चा
क हाथन पइ धरेस। एलीसा अपने क बच्चा क ऊपर
फइलाएस। तब बच्चा क तन गरम होइ गवा।
35एलीसा उठा अउर कमरे मँ चारिहुँ कइँती घूमा। तब उ
फुन बच्चा क ऊपर झुक गवा। तब बच्चा सात दाईं छींकेस
अउर उ आँखिन खोलेस।
36एलीसा गेहजी क बोलाएस अउर कहेस, "सूनेमिन
मेहरारू क बोलावा।"
गेहजी सूनेमिन मेहरारू क बोलाएस अउर उ एलीसा क
लगे आइ। एलीसा कहेस, "अपने पूत क उठाइ ल्या।"
37तब सूनेमिन मेहरारू कमरा मँ गइ अउ एलीसा क
चरणन पइ निहुरी। तब उ अपने पूत क उठाएस अउर उ
बाहेर गइ।

एलीसा अउ जहरीला सुरवा

38एलीसा फुन गिलगाल आइ गवा। उ समइ देस मँ
भुखमरी क समइ रहा। नबियन क समूह एलीसा क समन्वा
बइठ गवा। एलीसा अपने सेवक स कहेस, "बड़के बर्तन क
आगी पइ धरा अउ नबियन क समूह बरे कछू सुरवा
बनावा।"
39एक ठु मनई खेतन मँ जड़ी-बूटी बटोरइ गवा। ओका
एक जंगली बेल मिली। उ कछू जंगली लौकियन इ बेल स
तोड़ेस अउ अपने लबादे क भर लिहस। तब उ आवा अउर
जंगली लौकियन क बर्तन मँ डाइ दिहस। मुला न ओका
अउर न ही दूसर नबियन क पता चला रहा कि उ कइसी
लउकियन अहइँ?
40तब उ पचे तनिक सुरवा मनइयन क खाइ बरे दिहन।
मुला जब उ पचे सुरवा क खाब सुरू किहन, तउ उ पचे
एलीसा स चिचिआइके कहेन, "परमेस्सर क जन! बर्तन मँ
जहर बाटइ।" उ पचे बर्तन स कछू नाहीं खाइ सकेन
काहेकि भोजन खाब खतरा स रहित नाहीं रहा।

41मुला एलीसा स कहेस, “कछू आटा लिआवा।” उ पचे
एलीसा क लगे आटा लइ आएन अउर उ पचे ओका बर्तन
मँ नाइ दिहन। तब एलीसा कहेस, “सुरवा क लोगन क बरे
नावा जेहसे उ पचे खाइ सकइँ।”
तब सुरवा मँ कउनो दोख नाहीं रहा।

एलीसा नबियन क समूह क भोजन करावत ह

42एक ठु मनई बालसालीसा स आवा अउर पहिली
फसल स परमेस्सर क जन बरे रोटी लिआवा। उ मनई बीस
ठु जौ क रोटियन अउ नवा अनाज क अपनी बोरी मँ
लिआवा। तब एलीसा कहेस, “इ भोजन लोगन क द्या
जेका उ पचे खाइ सकइँ।”
43एलीसा क सेवक कहेस, “आप का कहेन? हिआँ तउ
सौ मनई अहइँ। ओन सबहिं मनइयन क इ भोजन मइँ कइसे
दइ सकत हउँ?”
किन्तु एलीसा कहेस, “लोगन क खाइ बरे भोजन द्या।
यहोवा कहत ह, ‘उ पचे भोजन कइ लेइहीं अउर भोजन
बच भी जाइ।’”
44तब एलीसा क सेवक नबियन क समूह क समन्वा
भोजन परोसेस। नबियन क समूह क खाइ बरे भोजन पर्याप्त
भवा अउर ओनके लगे भोजन बचा भी रहा। इ वइसा ही
भवा जइसा यहोवा कहे रहा।

नामान क समस्या

5 नामान अराम क राजा क सेना क सेनापति रहा।
नामान अपने राजा बरे बहोत जियादा महत्वपूर्ण रहा
काहेकि यहोवा ओकर उपयोग अराम क बिजय करावइ बरे
किहे रहा। नामान एक ठु महान अउ ताकतवर मनई रहा,
मुला उ विकट चरमरोग स पीड़ित रहा।
2एक बार कछू आरामी सिपाहियन इस्राएल मँ छापा
माराइ बरे गएन। ओनक कैदियन मँ एक ठु नान्ह लरकी
रहेन जउन नामान क मेहरारू क सेविका होइ गइ। 3इ
लरकी नामान क मेहरारू स कहेस, “मइँ चाहत हउँ कि
मोर सुआमी (नामान) उ नबी (एलीसा) स मिलेन जउन
सोमरोन मँ रहत ह। उ नबी नामान क बिकट चरमरोग क
ठीक कइ सकत ह।”
4नामान आपन सुआमी (अराम क राजा) क लगे गवा।
नामान अराम क राजा क उ बात बताएस जउन इस्राएली
लरिको कहे रही।
5तब अराम क राजा कहेस, “अबहिं जा अउर मइँ एक
ठु पत्तर इस्राएल क राजा क नाउँ पठउब।”
एह बरे नामान इस्राएल गवा। नामान अपने संग कछू
भेंट लइ गवा। नामान साढ़े सात सौ पौण्ड चाँदी, छः हजार
सोन क सिक्क, अउर दस हजार बदलइ क कपड़ा लइ
गवा। 6नामान इस्राएल क राजा बरे अराम क राजा क पत्तर
भी लइ गवा। पत्तर मँ इ लिखा रहा, “…इ पत्तर इ जानकारी
देइ बरे अहइ कि मइँ आपन सेवक नामान क तोहरे हिआँ
पठवत हउँ। ओकरे विकट चरमरोग क नीक करा।”
7जब इस्राएल क राजा उ पत्तर क बाँच चुका तउ उ
आपन चिन्ता क परगट करइ बरे आपन ओढ़ना फारेस।
इस्राएल क राजा कहेस, “का मइँ परमेस्सर अहउँ? नाहीं।
जिन्नगी अउ मउत पइ मोर कउनो अधिकार नाहीं। तब
अराम क राजा मोरे लगे बिकट चरमरोग क रोगी क चंगा
करइ बरे काहे पठएस? एका जरा सोचा अउर तू लखब्या
कि अराम क राजा मोर संग झगड़ा करइ चाहत ह।”
8परमेस्सर क जन सुनेस कि इस्राएल क राजा परेसान
अहइ अउर उ आपन ओढ़ना फार डाएस ह। एलीसा आपन
सँदेसा राजा क लगे पठएस: “तू आपन ओढ़ना काहे
फार्‍या? नामान क मोरे लगे आवइ द्या। तब उ समुझी कि
इस्राएल मँ कउनो नबी भी अहइ।”
9एह बरे नामान आपन घोड़न अउ रथन क संग एलीसा
क घरे आवा अउर घरे क दुआर पई रुकि गवा। 10एलीसा
एक ठु सँदेसबाहक क नामान क लगे पठएस। सँदेसबाहक
कहेस, “जा, अउर यरदन नदी मँ सात दाईं नहा। तब तोहार
चरमरोग नीक हो जाइ अउर तू पवित्तर अउ सुद्ध होइ
जाब्य।”
11नामान कोहाइ गवा अउर हुवाँ स चल पड़ा। उ कहेस,
“मइँ समुझे रहेउँ कि कम स कम एलीसा बाहेर आई, मोरे
समन्वा खड़ा होइ अउर यहोवा, अपने परमेस्सर क समन्वा
पराथना करी। मइँ समुझ रहेउँ कि उ मोरे बदन पइ आपन
हाथ फेरी अउ चामरोग क नीक कइ देइ। 12दमिस्क क
नदियन अबाना अउ पर्पर इस्राएल क सबहिं जलासयन स
नीक अहइँ। का मइँ ओन नदियन मँ नहाइके पवित्तर नाहीं
होइ सकत रहा?” एह बरे नामान कोहाई गवा। अउ वापस
जाई बरे मुड़ गवा।
13मुला नामान क सेवक ओकरे लगे ओसे बात करइ
बरे गएन उ पचे कहेन, “पिता, जदि नबी तोहार स कउनो
महान काम करइ क कहे होत तउ तू ओका जरूर करतेन।
एह बरे तोहका ओकर आग्या क पालन करइ चाही। जदि
उ सहल काम करइ क भी कहत ह अउर उ कहेस, ‘नहा
अउर तू पवित्तर अउर सुद्ध होइ जाब्या।’”
14एह बरे नामान उ काम किहेस जउन परमेस्सर क जन
कहेस, नामान खाले उतरा अउर उ सात दाईं यरदन नदी मँ
नहाएस अउर नामान पवित्तर अउ सुद्ध होइ गवा। नामान क
चमड़ी बच्चा क चमड़ी क तरह कोमल होइ गइ।
15नामान अउ ओकर सारा समूह परमेस्सर क जन क
लगे गवा। उ एलीसा क समन्वा खड़ा भवा अउर ओहसे
कहेस, “लखा, अब मइँ समुझत हउँ कि इस्राएल क
अलावा पृथ्वी पइ कहूँ परमेस्सर नाहीं अहइ। अब मेहरबानी
कइके मोर भेंट स्वीकार करइँ।”
16मुला एलीसा कहेस, “मइँ यहोवा क सेवा करत हउँ।
मइँ यहोवा क जिन्नगी क किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ
कि मइँ कउनो भेंट नाहीं लेब।”
नामान बहोत जतन किहस कि एलीसा भेंट लेइ मुला
एलीसा इन्कार कइ दिहस। 17तब नामान्न कहेस, “जदि तू इ
भेंट क स्वीकार नाहीं करतेन तउ कम स कम मोरे बरे
एँतना करइँ। मोका एस्राएल क एतनी पर्याप्त धूरि लेइ देइँ
जेहसे मोर दुइ खच्चरन पइ धरे टोपन भरि जाइँ, काहे?
काहेकि मइँ फुन कबहुँ होमबलि या बलि कउनो दूसर देवता
क नाहीं चढ़ाउब। मइँ सिरिफ यहोवा क ही बलि भेंट

करब। 18अउर अब मइँ पराथना करत हउँ कि यहोवा मोका
इ बात बरे छिमा करी कि भविस्स मँ मोर सुआमी (अराम
क राजा) लबार देवता क पूजा करइ बरे, रिम्मोन क मन्दिर
मँ आइ। राजा सहारा बरे मोह पइ निहुरइ चाही, एह बरे
मोका रिम्मोन क मन्दिर मँ निहुरइ पड़ी। अब मइँ यहोवा स
पराथना करत हउँ कि मोका छिमा करइ जब वइसा होइ।”
19तब एलीसा नामान स कहेस, “सान्तिपूर्वक जा।”
एह बरे नामान एलीसा क तजेस अउ तनिक दूर गवा।
20मुला परमेस्सर क जन एलीसा क सेवक गेहजी बोला,
“लखइँ, मोर सुआमी (एलीसा) अरामी नामान क, ओकर
लिआई भइ भेंट क स्वीकार किए बिना ही जाइ दिहस ह।
मइँ यहोवा क जिन्नगी क किरिया खाइके प्रतिग्या करत हउँ
कि नामान क पाछे दउड़ब अउर ओहसे कछू लिआउब।”
21एह बरे गेहजी नामान कइँती दउड़ा।
नामान अपने पाछे कउनो क दौड़िके आवत लखेस। उ
गेहजी स भेंटइ क अपने रथे स उतर पड़ा। नामान पूछेस,
“सब कुसल तउ अहइ?”
22गेहजी कहेस, “हाँ, सब कुसल अहइ। मोर सुआमी
एलीसा मोका पठएस ह। उ कहेस, ‘लखा, एप्रैम क पहाड़ी
पहँटा क नबियन क समूह स दुइ नउजवान नबी मोरे लगे
आएन ह। मेहरबानी कइके ओनका पचहत्तर पौण्ड चाँदी
अउर दुइ दाईं बदलइ क ओढ़ना दइ द्या।’”
23नामान कहेस, “मेहरबानी कइके डेढ़ सौ पौण्ड लइ
ल्या।” नामान गेहजी क चाँदी लेइ बरे मनाएस। नामान डेढ़
सौ पौण्ड चाँदी क दुइ बोरियन मँ धरेस अउर दुइ दाईं
बदलइ क ओढ़ना लिहस। तब नामान एन चिजियन क अपने
सेवकन मँ स दुइ क दिहस। सेवक ओन चिजियन क गेहजी
क बरे लइके आएन। 24जब जेहजी पहाड़ी तलक आवा तउ
उ ओन चिजियन क सेवकन स लइ लिहस। गेहजी सेवकन
क लउटाइ दिहस अउर उ पचे लउटि गएन। तब गेहजी
ओन चिजियन क घरे मँ छुपाइ दिहस।
25गेहजी आवा अउर अपने सुआमी एलीसा क समन्वा
खड़ा भवा। एलीसा गेहजी स पूछेस, “गेहजी, तू कहाँ गए
रह्या?”
गेहजी कहेस, “मइँ कहूँ भी नाहीं गवा रहेउँ।”
26एलीसा गेहजी स कहेस, “इ फुर नाहीं अहइ। मोर
हिरदइ तोहरे संग रहा जब नामान अपने रथे स तोहसे मिलइ
क मुड़ा। इ समइ पैसा, कपड़ा, जैतून, अंगूर, भेड़, गइयन
या सेवक-सेविकन लेइ क नाहीं अहइ। 27अब तोहका अउ
तोहर बच्चन क नामान क बेरामी लगा जाइ। तोहका सदा
ही बिकट चरमरोग रही।”
जब गेहजी एलीसा स बिदा भवा तउ गेहजी क चमड़ी
बर्फ क तरह सफेद होइ गइ। गेहजी क कोढ़ होइ गवा
रहा।

एलीसा अउ लौह फलक

6 नबियन क समूह एलीसा स कहेस, “जहाँ पइ हम
लोग रहत अहइँ उ जगह हमरे बरे बहोत छोट अहइ।
2हम लोग यरदन नदी क चली अउर कछू लकड़ियन काटी।
हम पचन मँ स हर एक एक ठु लट्ठा लेइ अउर हम
लोग अपने बरे रहइ क एक ठउर हुवाँ बनाई।” एलीसा
कहेस, “बहोत अच्छा, जा अउर करा।”
3ओनमाँ स एक मनई कहेस, “कृपा कइके हमरे संग
चलइँ।”
एलीसा कहेस, “बहोत अच्छा, मइँ तोहरे संग चलब।”
4एह बरे एलीसा नबियन क समूह क संग गवा। जब उ
पचे यरदन नदी पइ पहोंचेन तउ उ पचे कछू बृच्छ काटइ
सुरू किहन। 5मुला जब एक मनई एक ठु बृच्छ काटत रहा
तउ कुल्हाड़ी क लोहा क फलक कुल्हाड़ी स निकर गवा
अउर पानी मँ गिर पड़ा। तब उ मनई चिचियान, “हे
सुआमी, मइँ उ कुल्हाड़ी उधार लिहे रहेउँ।”
6परमेस्सर क जन (एलीसा) कहेस, “उ कहाँ गिरी?”
उ मनई एलीसा क उ जगह देखाएस जहाँ लोहा क
फलक गिरा रहा। तब एलीसा एक ठु डण्डी काटेस अउर उ
डण्डी क पानी मँ लोकाइ दिहस। उ डण्डी लोहा क फलक
क तैराइ दिहस। 7एलीसा कहेस, “लोहा क फलक क
पकड़ ल्या।” तब उ मनई अगवा बढ़ा अउर उ लोहे क
फलक लइ लिहस।

अराम क राजा इस्राएल क राजा क फँसावइ क जतन करत ह

8अराम क राजा इस्राएल क खिलाफ जुद्ध करत रहा।
उ फउज क अधिकारियन क संग परिषद क बैठक
बोलाएस। उ हुकुम दिहस, “इ ठउरे पइ छुप जा अउर
इस्राएलियन पइ तब आक्रमण करा जब हिआँ स होइके
निकरउँ।”
9मुला परमेस्सर क जन (एलीसा) इस्राएल क राजा क
एक सँदेसा पठएस। एलीसा कहेस, “सावधान रहा। उ ठउरे
स होइके जिन जा। हुवाँ अरामी फउजी छिपे अहइँ।”
10इस्राएल क राजा उ ठउरे पइ जेकरे बारे मँ परमेस्सर
क जन चितउनी दिहे रहा, अपने मनइयन क सँदेसा पठएस।
इ एक या दुई दाईं स जियाद भवा।
11अराम क राजा एहसे बहोत घबरान। अराम क राजा
आपन फउजी अधिकारियन क बोलाएस, अउर ओनसे
पूछेस, “मोका बतावा कि इस्राएल क राजा बरे जासूसी
कउन करत अहइ।”
12अराम क राजा क फउजी अधिकारियन मँ स एक
कहेस, “मोर पर्भू अउ राजा, हम पचन मँ स कउनो भी
जासूस नाहीं अहइ। एलीसा, इस्राएल क नबी इस्राएल क
राजा क अनेक गुप्त सूचना दइ सकत ह, हिआँ तलक कि
आप जउन अपने बिछउन मँ कहिहीं, ओकर भी।”
13अराम क राजा कहेस, “एलीसा क पता लगावा अउर
मइँ ओका धरइ बरे मनइयन क पठउब।”
सेवकन अराम क राजा स कहेस, “एलीसा दोतान मँ
अहइ।”
14तब अराम क राजा घोड़न, रथ अउ विसाल फउज क
दोतान पठएस। उ पचे रात क पहोंचेन अउर पचे नगर क
घेर लिहन। 15एलीसा क सेवक उ भिंसारे हाली उठेन। एक
सेवक बाहेर गवा अउर उ एक फउज क घोड़न अउ रथन
क संग नगर क चारिहुँ कइँती लखेस।

एलीसा क सेवक एलीसा स कहेन, "ओह, मोर सुआमी
हम का कइ सकित ह?"
16एलीसा कहेस, "डेराअ जिन। उ फउज जउन हमरे बरे
जुद्ध करत ह, उ फउज स बड़ी अहइ जउन अराम क बरे
जुद्ध करत ह।"
17तब एलीसा पराथना किहेस अउर कहेस, "यहोवा, मइँ
तोहसे पराथना करत हउँ कि तू मोरे सेवक क आँखिन
खोला जेहसे उ लखि सकइ।"
यहोवा जुवक क आँखिन खोलेस अउ सेवक लखेस कि
पूरा पर्वत आगी क घोड़न अउ रथन स ढका पड़ा रहा। उ
पचे सबहिं एलीसा क चारिहुँ कइँती रहेन।
18इ सबइ आगी क घोड़न अउ रथ एलीसा क लगे
आएन। एलीसा यहोवा स पराथन किहेस अउर
कहेस, "मइँ पराथना करत हउँ कि तू एन लोगन क आँधर
कइ द्या।"
तब यहोवा अरामी फउज क आँधर कइ दिहस, जइसे
एलीसा पराथना किहे रहा। 19एलीसा अरामी फउज स
कहेस, "इ गलत मारग अहइ। इ उ सहर नाहीं अहइ जेका
तू खोजत ह। मोरे पाछे आवा। मइँ उ मनई क लगे तू
पचन क लइ जाब जेकर खोज तू करत अहा।" तब एलीसा
अरामी फउज क सोमरोन लइ गवा।
20जब उ पचे सोमरोन पहोंचेन तउ एलीसा कहेस,
"यहोवा, ऍन लोगन क आँखिन खोल द्या जेहसे इ सबइ
लखि सकइँ।"
तब यहोवा ओनकर आँखिन खोल दिहस अउर अरामी
फउज लखेस कि उ सोमरोन नगर मँ रहेन। 21इस्राएल क
राजा अरामी फउज क लखेस। इस्राएल क राजा एलीसा स
पूछेस, "मोरे बाप, का मइँ एनका मार डावउँ? का मइँ
एनका मार डावउँ?"
22एलीसा जवाब दिहस, "नाहीं, ओन लोगन क जिन
मार। तू ओनका आपन तरवार या धनुस स नाहीं पकड़ेस ह
किन्तु तू तउ अब ओन मनइयन क मराइ चाहत ह अरामी
फउज क कछू रोटी पानी द्या। ओनका खाइ पिअइ द्या।
तब एनका अपने सुआमी क लगे लउटि जाइ द्या।"
23इस्राएल क राजा अरामी सेना बरे बहोत स भोजन
तइयार कराएस। अरामी फउज खाएस-पीएस। तब इस्राएल
क राजा अरामी फउज क ओनके घरे वापस पठइ दिहस।
अरामी फउज अपने सुआमी क लगे क घर लउटे गइ।
अरामी लोग एकरे पाछे इस्राएल पइ आक्रमण करइ बरे
फुन कउनो फउज नाहीं पठएस।

भयंकर भुखमरी सोमरोन क कस्ट देत ह

24जब इ सब होइ गवा तउ अराम क राजा बेन्हदद
अपनी सारी फउज बटोरेस अउ उ सोमरोन नगर पइ घेरा
डावइ अउर ओह पइ आक्रमण करइ गवा। 25फउजियन
लोगन क नगर मँ भोजन सामग्री भी नाहीं लिआवइ दिहन।
एह बरे सोमरोन मँ भयंकर भुखमरी क समइ आइ गवा। इ
ऍतना भयंकर रहा कि एक गदहे क मूँड़ चाँदी क अस्सी
सिक्कन मँ बिकइ लाग अउर एक ठु छोटा टोकरी कबूतर
क गोबरी क कीमत पाँच चाँदी क सिक्कन रही।
26इस्राएल क राजा नगर क प्राचीर पइ घूमत रहा। एक
ठु मेहरारू चिचिआइके ओका गेहराएस। उ मेहरारू कहेस,
"मोर पर्भू, अउर राजा, कृपा करके मोर मदद करइँ।"
27इस्राएल क राजा कहेस, "जदि यहोवा तोहार मदद
करत तउ मइँ कइसे तोहका मदद दइ सकत हउँ? मोरे लगे
तोहका देइ क कछू भी नाहीं अहइ। खरिहानन स कउनो
अन्न नाहीं आवा, या दाखरस क कारखाने स कउनो
दाखरस नाहीं आइ।" 28तब इस्राएल क राजा उ मेहरारू स
पूछेस, "तोहार परेसानी का अहइ?"
मेहरारू जवाब दिहेस, "इ मेहरारू मोहसे कहेस, 'अपने
पूत क मोका द्या जेहसे हम ओका मार डाइ अउर ओकर
आज खाइ लेइ। फुन काल्ह मइँ आपन पूत क मारिके
खाउब्या। 29तब हम अपने पूत क पकावा अउर खावा। तब
दूसरे दिन इ मेहरारू स कहेउँ, 'अपने पूत क द्या जेहसे हम
ओका मार सकी अउर खाइ सकी।' किन्तु उ अपने पूत क
छुपाए दिहेस ह।"
30जब राजा उ मेहरारू क बातन सुनेस तउ उ आपन
ओढ़नन क अपनी सम्सया बतावइ बरे फार डाएस। जब
राजा प्राचीर स होइके चला तउ लोग लखेन कि उ अपने
पहिरावे क नीचे मोटा वस्त्र पहिरे रहा जेहसे पता चलत रहा
कि उ बहोत दुखी अउ परेसान अहइ।
31राजा कहेस, "परमेस्सर मोका निहचित ही दण्डित करइ
जदि सापात क पूत एलीसा क मूड़ इ दिन क आखिर
तलक भी ओकरे धड़ पर रहि जाइ।"
32राजा एलीसा क लगे एक ठु सँदेसवाहक पठएस।
एलीसा अपने घरे मँ प्रमुखन क संग बइठा रहा। सँदेसवाहक
क अवाइ क पहिले एलीसा प्रमुखन स कहेस, "लखा, उ
हत्तियारा क पूत (इस्राएल क राजा) लोगन क मोर मूँड़
काटइ क पठवत अहइ। जब सँदेसवाहक आवइ तउ
दरवाजा बन्द कइ ल्या। दरवाजा क बन्द रखा अउर ओका
घुसइ जिन द्या। एहमाँ कउनो सक नाही कि ओकर सुआमी
क कदमन क आवाज़ ओकरे पाछा करब्या।"
33जउने समइ एलीसा अग्रजन स बातन करत ही रहा,
सँदेसवाहक ओकरे करीब आवा। सँदेसा इ रहा: "इ बिपत्ति
यहोवा कइँती स आई अहइ। मइँ यहोवा क प्रतीच्छा आगे
अउर काहे करउँ?"
7 एलीसा कहेस, "यहोवा कइँती स सँदेस सुना। यहोवा
कहत ह: 'काल्ह इहइ समइ सोमरोन क फाटक क
संग क बाजार मँ लोग एक डलिया अच्छा आटा या दुइ
डलिया जौ एक सेकेल मँ खरीदब्या।'"
2तब उ अधिकारी जउन राजा क बिस्सासपात्र रहा,
परमेस्सर क जन स बातन किहेस। अधिकारी कहेस, "जदि
यहोवा आकास मँ खिड़कियन भी बनाइ देइ तउ भी इ नाहीं
होइ।"
एलीसा कहेस, "एका तू अपनी आँखिन स लखब्या।
किन्तु उ भोजन मँ स तू कछू भी नाहीं खाब्या।"

कोढ़ी, अरामी डेरा क खाली पावत हीं

3नगर क दुआर क लगे चार मनई कोढ़ स पीड़ित रहेन।
उ पचे आपुस मँ बातन किहन, "हम हिआँ मरइ क

प्रतीच्छा करत भए काहे बइठा अही? 4सोमरोन मँ कछू भी
खाइ क बरे नाहीं अहइ। जदि हम लोग नगर क भीतर
जाब तउ हुवाँ हम भी मरि जाब। किन्तु जदि हम पचे हिआँ
रहा, तउ भी मरि जाब। एह बरे हम लोग अरामी डेरा
कइँती चली। जदि उ पचे हम क जिअत रहइ देत हीं तउ
हम जिअत रहब। जदि उ पचे हम क मार डावत हीं तउ
मर जाब।"

5एह बरे उ साँझ क उ चारिहुँ कोढ़ी अरामी डेरा क
गएन। उ पचे अरामी डेरा क छोर तलक पहोंचेन। मुला
हुवाँ कउनो नाहीं रहेन। 6यहोवा अरामी सेना क, रथन,
घोड़न अउ बिसाल सेना क उद्घोस सुनाए रहा। एह बरे
अरामी फउजियन आपुस मँ बातन किहन, "इस्राएल क राजा
हित्ती राजा लोगन अउ मिसियन क हम लोगन क खिलाफ
किराये पइ बोलाएस ह।"

7अरामी फउजी उ साँझ क आरम्भ मँ ही पराइ गएन उ
पचे सब कछू अपने पाछे छोड़ गएन। उ पचे अपने डेरन,
घोड़न, गदहन छोड़ेन अउर आपन जिन्नगी बचावइ क भाग
खड़े भएन।

कोढ़ी अरामी डेरा मँ

8जब इ सबइ कोढ़ी उ डेरा क छोर तलक पहोंचेन, उ
पचे एक डेरा मँ गएन। उ पचे खाएन अउर पिएन। तब
चारिहुँ कोढ़ी उ तम्बू स चाँदी, सोना अउ वस्त्र लइ लिहेन
तउ उ पचे ओन चिजियन क लुकाइ दिहन। तब उ पचे
लउटेन अउर दूसर तम्बू मँ गएन। उ हुआँ स भी सबइ
कीमती चिजियन लइ आएन। उ पचे बाहेर गएन अउर एन
चिजियन क लुकाइ रिहन। 9तब एन कोढ़ियन आपुस मँ बात
किहन, "हम लोग बुरा करत अही। आजु हम लोगन क
लगे सुभ खबर अहइ। मुला हम लोग चुप अही। जदि हम
लोग सूरज स निकरइ तलक प्रतीच्छा करब तउ हम लोगन
क दण्ड मिली। अब हम चली अउर ओन लोगन क सुभ
सूचना देइ जउन राजा क महल मँ रहत हीं।"

कोढ़ी लोग सुभ खबर देत हीं

10एह बरे इ सबइ कोढ़ी नगर क दुआरपाल क लगे
गएन। कोढ़ी रोगियन दुआरपालन स कहेन, "हम अरामी डेरा
मँ गए रहे। किन्तु हम लोग कउनो मनई क हुवाँ नाहीं
पावा। हुवाँ कउनो भी नाहीं रहा। घोड़न अउ गदहन तब भी
बंधे रहेन अउर डेरन वइसे क वइसे लगे रहेन। किन्तु सबहिं
लोग चले गए रहेन।"

11तब नगर क दुआरपाल जोर स चीखन अउर राजमहल
क मनइयन क इ बात बताएन। 12राति क समइ रहा, किन्तु
राजा अपने पलंग स उठा। राजा अपने अधिकारियन स
कहेस, "मइँ तू लोगन क बताउब कि अरामी फउजी हमरे
संग का करत अहइँ। उ पचे जानत हीं कि हम भुखान
अही। उ पचे खेतन मँ छुपइ बरे, डेरन क खाली कइ गएन
ह। उ पचे इ सोचत अहइँ, 'जब इस्राएली नगर क बाहेर
अइहीं, तब हम ओनका जिअत धइ लेब अउर तब हम
नगर मँ प्रवेस करब।'"

13राजा क अधिकारियन मँ स एक कहेस, "कछू मनइयन
क नगर मँ अबहिं तलक बचे पाच ठु घोड़न क लेइ द्या।
निहचइ ही इ सबइ घोड़न भी हाली ही ठीक वइसे ही मर
जइहीं, जइसे इस्राएल क सबहिं लोग जउन अबहिं तलक
बचे रहि गए अहइँ, मरिहीं। एन मनइयन क इ लखइ क
पठवा जाइ कि का घटित भवा ह।"

14एह बरे लोग घोड़न क संग दुइ रथ लिहेन। राजा एन
लोगन क अरामी फउज क पाछे लगाएस। राजा ओनसे
कहेस, "जा अउर पता लगावा कि का घटना घटी?"

15उ सबइ मनई अरामी फउज क पाछे यरदन नदी तलक
गएन। पूरी सड़क पइ वस्त्र अउ अस्त्र फइले भए रहेन।
अरामी लोग हाली मँ भागत भए ओन चिजियन क लोकाइ
दिहे रहेन। सँदेसवाहक सोमरोन क लउटेन अउर राजा क
बताएन।

16तब लोग अरामी डेरा कइँती टूट पड़ेन, अउर हुवाँ स
उ पचे कीमती चिजियन लइ लिहन। एह बरे उहइ भवा
जउन यहोवा कहे रहा। कउनो भी मनई एक ठु डलिया
निक आटा या दुइ डलिया जौ सिरिफ एक ठु सेकेल मँ
खरीद सकत रहा।

17राजा आपन व्यक्तिगत सहायक अधिकारी क दुआरे क
रच्छा बरे चुनेस। किन्तु लोग दुस्मन क डेरा स भोजन पावइ
बरे दौड़ पड़ेन। लोग अधिकारी क धक्का दइके गिराइ दिहन
अउर ओका रौंदत भए निकर गएन अउर उ मर गवा। एह
बरे उ पचे सबहिं बातन वइसे ही ठीक घटित भइन जइसा
परमेस्सर क जन तब कहे रहा जब राजा एलीसा क घरे
आवा रहा। 18एलीसा कहे रहा, "कउनो भी मनई सोमरोन
क नगरदुआर क बजार मँ एक सेकेल मँ एक ठु डलिया
नीक आटा या दुइ उलिया जौ बेसहि सकी।" 19किन्तु
परमेस्सर क जन क उ अधिकारी जवाब दिहस, "जदि यहोवा
सरग मँ खिड़कियन भी बनाइ देइ, तउ भी वइसा नाहीं होइ
सकी" अउर एलीसा उ अधिकारी स कहे रहा, "तू अइसा
अपनी आँखिन स लखब्या। किन्तु तू उ भोजन क कछू भी
नाहीं खाइ पउब्या।" 20अधिकारी क संग ठीक वइसा ही
घटित भवा। लोग नगरदुआर पइ ओका धक्का दइके गिराइ
दिहन, ओका रौंद डाएन अउर उ मर गवा।

राजा अउ सूनेमिन मेहरारू

8 एलीसा उ मेहरारू स बातन किहस जेकरे पूत क उ
जीवन मँ वापिस लाए रहा। एलीसा कहेस, "तोहका
अउर तोहरे परिवार क कउनो दूसर देस मँ चले जाइ चाही।
काहे? काहेकि यहोवा निहचइ किहेस ह कि हिआँ भुखमरी
क समइ लाई। इ देस मँ इ भुखमरी क समइ सात बरिस
क होइ।"

2एह बरे उ मेहरारू उहइ किहस जउन परमेस्सर क जन
कहेस। उ अपने पररिवार क संग सात बरिस पलिस्तियन क
देस मँ रहइ चली गइ। 3जब सात बरिस पूरे होइ गएन तउ
उ मेहरारू पलिस्तियन क देस स लउटि आइ। उ मेहरारू
राजा स बातन करइ गइ। उ चाहत रही कि उ ओकरे घरे
अउर ओकरी भुइँया क ओका लउटावइ मँ ओकर मदद
करइ।

4राजा परमेस्सर क जन क सेवक गेहजी स बातन करत
रहा। राजा गेहजी स पूछेस, "कृपा कइके उ पचे सबहिं
महान कार्य हमका बतावइँ जेनका एलीसा किहे अहइँ।"
5गेहजी राजा क एलीसा क बारे मँ एक मरे मनई क
जिअत करइ क बात बतावत रहा। उहइ समइ उ मेहरारू
राजा क लगे गइ जेकरे पूत क एलीसा जिआए रहा। उ
चाहत रही कि उ अपने घरे अउर अपनी भुइँया क वापस
दिआवइ मँ ओहसे सहायत माँगइ। गेहजी कहेस, "मोर पर्भू
राजा, इ अहइ मेहरारू अहइ अउर इ उहइ पूत अहइ जेका
एलीसा जिआए रहा।"
6राजा पूछेस कि उ का चाहत ह। उ मेहरारू अपनी
इच्छा जताएस। तब राजा एक अधिकारी क उ मेहरारू क
मदद क बरे चुनेस। राजा कहेस, "इ मेहरारू क उ सब
कछू द्या जउन एकर अहइ अउर एकर भुइँया क सारी
फसला जब स इ देस तजेस तब स अब तक क, एका
द्या।"

बेन्हदद इस्राएल क एलीसा क लगे पठवत ह

7एलीसा दमिस्क गवा। अराम क राजा बेन्हदद बीमार
रहा। कउनो मनई बेन्हदद स कहेस, "परमेस्सर क जन हिआँ
आवा अहइ।"
8तब राजा बेन्हदद इस्राएल स कहेस, "भेंट साथे मँ ल्या
अउर परमेस्सर क जन स मिलइ जा। ओका कहा कि उ
पचे यहोवा स पूछइँ कि का मइँ अपनी बेरामी स चँगा होइ
सकत हउँ।"
9एह बरे हजाएल एलीसा स भेंटइ गवा। हजाएल अपने
संग भेंट लिआवा। उ दमिस्क स हर प्रकार क अच्छी
चिजियन लिआवा। एन सब क लिआवइ बरे चालीस ऊँटन
क जरूरत पड़ी। हजाएल एलीसा क लगे गवा। हजाएल
कहेस, "तोहार अनुयायी अराम क राजा बेन्हदद मोका आप
क लगे पठएस ह। उ पूछत ह कि का मइँ बेरामी स नीक
होइ जाब।"
10तब एलीसा हजाएल स कहेस, "जा अउर बेन्हदद स
कहा, 'तू जिअत रहब्या।' किन्तु यहोवा फुरइ मोका इ कहेस
ह, 'उ निहचइ ही मरी।'"

एलीसा हजाएल क बारे मँ भविस्सवाणी करत ह

11एलीसा हजाएल क तब तलक लखत रहा जब तलक
हजाएल नाहीं होइ गवा। तब परमेस्सर क जन रोवइ लाग।
12हजाएल कहेस, "महोदय, आप काहे रोवत अहइँ?"
एलीसा जवाब दिहेस, "मइँ रोवत अहउँ काहेकि मइँ
जानत हउँ कि तू इस्राएलियन बरे का कछू बुरा करब्या। तू
ओनके मजबूत नगरन क जरउब्या। तू ओनके जुवकन क
तरवार स मार डाउब्या। तू ओनके बच्चन क मार डउब्या। तू
ओनकर गाभिन मेहररूअन क गरभ क चीर डाउब्या।"
13हजाएल कहेस, "मइँ कउनो ताकतवर मनई नाहीं हउँ।
मइँ एन बड़के कामन क नाहीं कइ सकत।"
एलीसा जवाब दिहेस, "यहोवा मोका बताएस ह कि तू
अराम क राजा होब्या।"
14तब हजाएल एलीसा क हिआँ स चला गवा अउर
अपने राजा क लगे गवा। बेन्हदद हजाएल स पूछेस,
"एलीसा तोहसे का कहेस?"
हजाएल जवाब दिहेस, "एलीसा मोहसे कहेस कि तू
जिअत रहब्या।"

हजाएल बेन्हदद क हत्या करत ह

15मुला अगले दिन हजाएल एक ठु मोटा कपड़ा लिहस
अउर एका पानी स गीला कइ लिहस। तब उ मोटके कपड़े
क बेन्हदद क मुँह पइ डाइके ओकर साँस रोक दिहस।
बेन्हदद मर गवा। एह बरे हजाएल नवा राजा बना।

यहोराम आपन हुकूमत आरम्भ करत ह

16यहोसापात क पूत यहोराम यहूदा क राजा भवा।
यहोराम अहाब क पूत योराम क इस्राएल क राज्जकाल क
पँचएँ बरिस मँ हुकूमत आरम्भ किहस। 17यहोराम बत्तीस
बरिस क रहा, जब उ हुकूमत करब आरम्भ किहस। उ
यरूसलेम मँ आठ बरिस हुकूमत किहस। 18किन्तु यहोराम
इस्राएल क राजा लोगन क तरह रहा अउर ओन कामन क
किहस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा। यहोराम अहाब क
परिवार क लोगन क तरह रहत रहा। यहोराम इ तरह रहा
काहेकि ओकर मेहरारू अहाब क बिटिया रही। 19मुला
यहोवा ओका नस्ट नाहीं किहस काहेकि उ अपने सेवक
दाऊद स प्रतिग्या किहे रहा कि ओकरे परिवार क कउनो न
कउनो सदा ही राजा होइ।
20यहोराम क समइ मँ एदोम यहूदा क हुकूमत स टूट
गवा। एदोम क लोग अपने बरे एक ठु राजा चुन लिहस।
21तब यहोराम अउ ओकर सबहिं रथ साईर क गएन।
एदोमी सेना ओनका घेर लिहस। यहोराम अउ ओकर
अधिकारियन ओन पइ रात मँ हमला किहेन अउर बच
निकरेन। यहोराम क सबहिं फउजी अपने घरन क भाग
गएन। 22इ तरह एदोमी यहूदा क हुकूमत क खिलाफ बिद्रोह
किहा अउर उ पचे आजु भी बिद्रोह करत अहइँ।
उहइ समइ लिब्ना भी यहूदा क हुकूमत क बिरूध बिद्रोह
कइ दिहा।
23यहोराम जउन कछू किहस उ सब "यहूदा क राजा
लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखा अहइ।
24यहोराम मरा अउर अपने पुरखन क संग दाऊद नगर
मँ दफनावा गवा। यहोराम क पूत अहज्याह नवा राजा भवा।

अहज्याह आपन हुकूमत सुरू करत ह

25यहोराम क पूत अहज्याह, अहाब क पूत इस्राएल क
राजा योराम क राज्जकाल क बारहवें बरिस मँ यहूदा क
राजा भवा। 26हुकूमत सुरू करइ क समइ अहज्याह बाईस
बरिस क रहा। उ उरूसलेम मँ एक बरिस हुकूमत किहस।
ओकरी महतारी क नाउँ अतल्याह रहा। उ इस्राएल क राजा
ओम्री क बिटिया रही। 27अहज्याह उ सबइ काम किहस
जेनका यहोवा बुरा बताए रहा। अहज्याह अहाब क परिवार
क लोगन क तरह बहोत स बुरे काम किहस। अहज्याह उ
तरह रहा काहेकि ओकर मेहरारू अहाब क परिवार स रही।

योराम हजाएल क खिलाफ जुद्ध मँ घायल होइ जात ह

28अहाब क पूत योराम अराम क राजा हजाएल स
गिलाद क रामोत मँ जुद्ध करइ गवा। अहज्या जुद्ध मँ
योराम क संग होइ गवा। अरामियन योराम क घायल कइ
दिहन। **29**राजा योराम यिज्रैल क लउटि गवा ताकि उ ओन
घावन क ठीक कइ सकी जउन आरामियन ओका उ समइ
दिहे रहेन जब उ रमाह मँ आराम क राजा हजाएल क
खिलाफ लड़े रहेन। यहोराम क पूत, यहूदा क राजा
अहज्याह, अहाब क पूत योराम क लगे यिज्रैल मँ गवा,
काहेकि उ घायल होइ गवा रहा।

एलीसा जुवा नबी क येहू क अभिसेक करइ क कहत ह

9 एलीसा नबी नबियन क समूह मँ स एक क बोलाएस।
एलीसा इ मनई स कहेस, "तइयार होइ जा अउर
अपने हाथे मँ तेल क इ नान्ह बोतल क ल्या। गिलाद क
रामोत क जा। **2**जब तू हुवाँ पहोंचा तउ निमसी क पौत
अर्थात यहोसापात क पूत येहू स मिला। तब अन्दर जा अउर
ओकर भाइयन मँ स ओका उठावा। ओका कउनो भीतरी
कमराँ मँ लइजा। **3**तेल छोटी बोतल लइ जा अउर येहू क
मूँड़ पइ उ तेल क डावा। इ कहा, 'यहोवा कहत ह: मइँ
तोहार अभिसेक इस्राएल क राजा होइ बरे किहेउँ ह।' तब
दरवाजा खोला अउ भाग चला। हुवाँ प्रतीच्छा न करा।"
4एह बरे इ जुवा नबी गिलाद क रामोत गवा। **5**जब
जुवक नबी हुवाँ पहोंचा, उ फउज क सेनापतियन क बइठे
लखेस। जुवक कहेस, "सेनापति, मइँ तोहार क बरे एक
सँदेसा लिआएउँ ह।" येहू कहेस, "हम सबहिं हिआँ अही।
हम लोगन मँ स केकरे बरे सँदेस अहइ?"
जुवक कहेस, "सेनापति, सँदेस तोहार बरे अहइ।"
6येहू उठा अउर अन्दर गवा। तब जुवा नबी उ तेल क
येहू क मूँड़ पइ डाइ दिहस। जुवा नबी येहू स कहेस,
"इस्राएल क परमेस्सर, यहोवा कहत ह, 'मइँ यहोवा क
लोगन, इस्राएलियन पइ नवा राजा होइ क बरे तोहार
अभिसेक करत हउँ? **7**तोहका अपने राजा अहाब क परिवार
क नस्ट कइ देइ चाही। इ प्रकार मइँ ईजेबेल क अपने
सेवकन, नबियन तथा दूसर ओन सबहिं जउन मोर सेवा
किहेन जेका उ मार डाएस क मउत क बरे दण्डित करब।
8इ तरह अहब क सारा परिवार मरि जाइ। मइँ अहाब क
परिवार क कउनो मर्द क जिअत नाहीं रहइ देब। एकर
कउनो महत्व नाहीं होइ कि उ मर्द दास अहइ या स्वतंत्र
मनई अहइ। **9**मइँ अहाब क परिवार क, नबात पूत क
यारोबाम या अहिययाह क पूत बासा क परिवार जइसा कइ
देब। **10**यिज्रैल क छेत्र मँ ईजेबेल क कूकुरन खइहीं।
ईजेबेल क दफनावा नाहीं जाइ।"
तब जुवक नबी दरवाजा खोलेस अउ भाग गवा।

सेवक येहू क राजा घोसित करत हीं

11येहू अपने राजा क अधिकारियन क लगे लउटा।
अधिकारियन मँ स एक येहू स कहेस, "का सब कुसल
अहइ? इ पागल मनई तोहरे लगे काहे आवा रहा?"
येहू अपने अधिकारियन क उत्तर दिहस, "तू उ पागल
मनई क अउर जउन बातन उ कहत ह, जानत अहा।"
12अधिकारियन कहेस, "नाहीं! हमका सच्ची बात बतावा।
उ का कहत ह?" येहू अधिकारियन क उ बताएस जउन
जुवक नबी कहे रहा। येहू कहेस, "उ कहेस, 'यहोवा इ
कहत ह: मइँ इस्राएल क नवा राजा होइ क बरे तोहार
अभिसेक किहेउँ ह।'"
13तब हर एक अधिकारी हाली स आपन चोगा उतारेन
अउर येहू क समन्वा पइड़ियन पइ ओनका धरेन। तब उ पचे
तुरही बजाएन अउर इ घोसणा किहन, "येहू राजा अहइ।"

येहू यिज्रैल जात ह

14एह बरे येहू, जउन निमसी क पोता अउर यहोसापात क
पूत रहा योराम क खिलाफ जोजना बनाएस।
उ समइ योराम अउ इस्राएली, अराम क राजा हजाएल
स, गिलाद क रामोत क रच्छा क जतन करत रहेन। **15**मुला
राजा योराम आपन घाव स ठीक होइ बरे यिज्रैल क गवा।
अरामियन योराम क तब घायल किहे रहेन जब उ अराम क
राजा हजाएल क खिलाफ जुद्ध किहे रहा।
एह बरे येहू अधिकारियन स कहेस, "जदि तू लोग
स्वीकार करत अहा कि मइँ नवा राजा हउँ तउ नगर क
कउनो मनई क यिज्रैल मँ सूचना देइ बरे बचिके निकरइ न
द्या।"
16योराम यिज्रैल मँ अराम करत रहा। एह बरे येहू रथ मँ
सवार भवा अउर यिज्रैल गवा। यहूदा क राजा अहज्याह भी
योराम क लखइ यिज्रैल गवा।
17एक ठु रच्छक यिज्रैल मँ रच्छक खम्भा पइ खड़ा
रहा। उ येहू क बिसाल दल क आवत लखेस। उ कहेस,
"मइँ लोगन क एक ठु बिसाल दल क लखत हउँ।"
योराम कहेस, "कउनो क ओनसे भेंटइ घोड़ा पइ पठवा।
इ मनई स इ कहइ बरे कहा, "का आप सान्ति क इच्छा स
आए अहइँ?"
18एह बरे एक सँदेसवाहक येहू स मिलइ बरे घोड़ा पइ
सवार होइके गवा। सँदेसवाहक कहेस, "राजा योराम पूछत
हीं, 'का तू सान्ति स आए अहइँ?'"
येहू कहेस, "तोहका सान्ति स कछू लेब-देब नाहीं। आवा
अउ मोरे पाछे चला।"
रच्छक योराम स कहेस, "उ दल क लगे सँदेसवाहक
गवा, किन्तु उ अब तलक लउटिके नाहीं आवा।"
19तब योराम एक दूसरे मनई क घोड़ा पइ पठएस। उ
मनई येहू क दल क लगे आवा अउर उ कहेस, "राजा
योराम कहत हीं, 'सान्ति।'"
येहू जवाब दिहस, "तोहका सान्ति स कछू भी लेब-देब
नाहीं। आवा अउर मोरे पाछे चला।"
20रच्छक योराम स कहेस, "दूसर मनई उ दल क लगे
गवा, किन्तु उ अबहिं लउटिके नाहीं आवा। रथचालक रथे
क निमसी पोता येहू क तरह चलावत बाटइ। उ पागलन
जइसा चलावत अहइ।"
21योराम कहेस, "मोरे रथे क तइयार करा।"
एह बरे सेवक योराम क रथे क तइयार किहन। इस्राएल

क राजा योराम अउ यहूदा क राजा अहज्याह निकर गएन। हर एक राजा अपने-अपने रथे स येहू स मिलइ गएन। उ पचे येहू स यिज्रैली नाबोत क भुइँया पइ भेंटन।

22योराम येहू क लखेस अउर ओहसे पूछेस, "येहू का तू सान्ति क इरादे स आए अहा?"

येहू जवाब दिहेस, "जब तलक तोहार महतारी ईज़ेबेल रण्डीबाजी अउर जादू टोना करति रही तब तलक सान्ति नाहीं होइ सकी।"

23योराम भाग निकरइ बरे अपने घोड़न क बाग मोड़ेस। योराम अहज्याह स कहेस, "अहज्याह! इ एक ठु चाल अहइ।"

24किन्तु येहू अपनी पूरी ताकत स अपने धनुस क हींचेस अउर योराम क पीठ मँ बाण चलाइ दिहस। बाण योराम क हिरदइ क बेधत भवा पार होइ गवा। योराम अपने रथे मँ मरि गवा।

25येहू अपने सारथी बिदकर स कहेस, "योराम क ल्हास क उठावा अउर यिज्रैली नाबोत क खेत मँ लोकाइ द्‌या। याद करा, जब हम अउर तू योराम क बाप अहाव क संग चले रहे। तब यहोवा कहे रहा कि एकरे संग अइसा ही होइ। **26**यहोवा कहे रहा, 'कल मइँ नाबोत अउ ओकरे पूतन क खून लखे रहेउँ। एह बरे मइँ अहाब क इहइ मइदान मँ सजा देब।' यहोवा अइसा कहे रहा। एह बरे योराम क ल्हास क इहई मइदान मँ लोकाइ द्‌या जइसा यहोवा कहेस।"

27यहूदा क राजा अहज्याह इ लखेस, एह बरे उ भाग निकरा। उ बारी क भवन क रास्ते स होइके भागा। येहू ओकर पाछा किहस। येहू कहेस, "अहज्याह क भी ओकरे रथे मँ मार डावा।"

एह बरे येहू क लोग यिबलाम क लगे गूर क जाइ वाली सड़क पइ अहज्याह पइ प्रहार किहस। अहज्याह मगिद्दो तलक भागा, किन्तु हुवाँ उ मर गवा। **28**अहज्याह क सेवक अहज्याह क ल्हास क रथे मँ यरूसलेम लइ गएन। उ पचे अहज्याह क, ओकरी कब्र मँ ओकरे पुरखन क संग दाऊद नगर मँ दफनाएन।

29अहज्याह इस्राएल पइ योराम क राज्जकाल क गियारहवें बरिस मँ यहूदा क राजा बना रहा।

ईज़ेबेल क भयंकर मउत

30येहू यिज्रैल गवा अउर ईज़ेबेल क इ खबर मिली। उ अपने क सजाएस अउर अपने बारन क बाँधेस। तब उ खिड़की क सहारे खड़ी भइ अउर बाहेर क लखइ लाग। **31**येहू नगर मँ प्रवेस किहस। ईज़ेबेल कहेस, "जिम्री जउन आपन ही सुआमी क मार डाएस, का तू सान्ति मँ आवा ह?"

32येहू ऊपर खिड़की कइँती लखेस। उ कहेस, "मोरी कइँती कउन अहइ? कउन?"

दुइ या तीन खोजन खिड़की स येहू क लखेन, **33**येहू ओनसे कहेस, "ईज़ेबेल क खाले लोकावा।"

तब खोजन ईज़ेबेल क खाले लोकाएन। ईज़ेबेल क तनिक खून देवार अउर घोड़न पइ छिटक गवा। घोड़न ईज़ेबेल क तने क कुचरि डाएस। **34**येहू महल मँ घुसा अउर उ खाएस अउर पिएस। तब उ कहेस, "अब इ सरापित मेहरारू क बारे मँ इ करा। ओका दफनाइ द्‌या काहेकि उ राजा क बिटिया अहइ।"

35कछू लोग जउन ईज़ेबेल क दफनाए गएन। रहेन ओकरे ल्हास क न पाइ सकेन। उ पचे सिरिफ ओकर खोपड़ी, ओकर गोड़ अउ ओकरे हाथन क हथेलियन पाइ सकेन। **36**एह बरे उ पचे लोग लउटेन अउर उ पचे येहू स कहेन। तब येहू कहेस, "यहोवा अपने सेवक तिसबी एलिय्याह स इ सँदेसा देइ क कहे रहा। एलिय्याह कहे रहा: 'यिज्रैल क पहँटा मँ ईज़ेबेल क ल्हासे क कूकुर खइहीं। **37**ईज़ेबेल क ल्हास यिज्रैल क पहँटा मँ खेत क गोबर क तरह होइ। लोग ईज़ेबेल क ल्हास क पहिचान नाहीं पइहीं।'"

येहू सोमरोन क प्रमुखन क लिखत ह

10 अहाब क सत्तर पूत सोमरोन मँ रहेन। येहू पत्र लिखेस अउर ओनका सोमरोन मँ यिज्रैल क सासकन अउ प्रमुखन क पठएस। उ ओन लोगन क भी पत्र लिखेस जउन अहाब क पूतन क अभिभावक रहेन। पत्र मँ येहू लिखेस, **2-3**"जइसे ही तू इ पत्र क पावा तू अपने सुआमी क पूतन मँ स सब स जियादा जोग्ग अउर उत्तिम मनई क चुना। तोहरे लगे रथ अउर घोड़न अहइँ अउर तू एक मजबूत नगर मँ रहत अहा। तोहरे लगे अस्त्र-सस्त्र भी अहइँ। जउने पूत क चुना ओका ओकरे बाप क सिहांसने पइ बइठावा। तब अपने सुआमी क परिवार क बरे जुद्ध करा।"

4किन्तु यिज्रैल क सासक अउर प्रमुख बहोत ससान रहेन। उ पचे कहेन, "दुइनउँ राजा (योराम अउर अहज्याह) येहू क रोक नाहीं सकेन। एह बरे हम भी ओका रोक नाहीं सकित।"

5अहाब क महल क प्रबन्धक, नगर प्रसासक, प्रमुख वरिस्ठ-जन अउर अहाब क बच्चन क अभिभावकन येहू क लगे एक सँदेसा पठएन। "हम आप क सेवक अही। हम उ सब करब जउन आप कहिहीं। हम कउनो मनई क राजा नाहीं बनाउब। उहइ करइँ जउन आप ठीक समुझत हीं।"

सोमरोन क प्रमुख अहाब क बच्चन क मार डावत हीं

6तब येहू एक दूसर पत्र एन प्रमुखन क लिखेस। येहू कहेस, "जदि तू मोर समर्थन करत अहा अउर मोर आदेस मानत अहा तउ अहाब क पूतन क मूँड़ काट डावा अउर इहइ समइ कल यिज्रैल मँ मोरे लगे ओनका लइ आवा।"

अहाब क सत्तर पूत रहेन। उ पचे ओन प्रमुखन क लगे रहेन जउन ओनकर सिखलाई देत करत रहेन। **7**जब नगर क प्रमुख लोग पत्र पाइ गएन तब उ पचे राजा क पूतन क लिहन अउर सबहिं सत्तर पूतन क मार डाएन। तब प्रमुखन राजपूतन क मूँड़ टोकरियन मँ धरेन। उ पचे टोकरियन क यिज्रैल मँ येहू क लगे पठइ दिहन। **8**सँदेसवाहक येहू क लगे आएन अउर ओहसे कहेन, "उ पचे राजपूतन क मूँड़ लइके आए अहइँ।"

तब येहू कहेस, "नगर दुआर पइ, भिंसारे तलक ओन मूँड़न क दुइ ढेरन बनाइके रखा।"

9भिंसारे येहू बाहेर निकरा अउर लोगन क समन्वा खड़ा भवा। उ लोगन स कहेस, "तू निरपराध अहा इ मइँ अउर जउन आपन सुआमी क विरूद्ध जोजना बनावा। अउर ओका मार डावा मुला अहाब क एन सब पूतन क कउन मारेस? 10तू पचन्क समुझइ चाही कि यहोवा जउन कछू कहत ह उ घटित होइ अउर यहोवा एलिय्याह क उपयोग अहाब क परिवार क बरे एन बातन क कहइ बरे किहे रहा। अब यहोवा उ कइ दिहस जेनके बरे उ कहे रहा कि "मइँ करब।'"

11इस तरह येहू यिज्रैल मँ रहइवाले अहाब क पूरे परिवार क मार डाएस। येहू सबहिं महत्वपूर्ण मनइयन, जिगरी दोस्तन अउ याजकन क मार डाएस। उ अहाब क लोगन मँ स एक भी मनई क जिअत नाहीं छोड़ेस।

येहू अहज्याह क सम्बन्धियन क मार डावत ह

12येहू यिज्रैल स चला अउ सोमरोन पहोंचा। राहे मँ येहू "गड़रियन क डेरा" नाउँ क जगह पइ रूका। जहाँ गड़रियन भेड़िन क ऊन कतरत रहेन। 13येहू यहूदा क राजा अहज्याह क सम्बन्धिया स मिला। अउर ओनसे पूछेस, "तू पचे कउन अहा?"

उ पचे जवाब दिहेन, "हम लोग यहूदा क राजा अहज्याह क रिस्तेदार अही। हम लोग हिआँ राजा क बच्चन अउर राजमाता रानी क गदेलन स मिलइ आए अही।"

14तब येहू अपने लोगन स कहेस, "एनका जिअत धइ ल्या।"

येहू क लोग अहज्याह क रिस्तेदारन क जिअत धइ लिहन। उ पचे बयालीस लोग रहेन। येहू ओनका बेथ-एकद क लगे कुआँ पइ मार डाएस। येहू कउनो मनई क जिअत नाहीं छोड़ेस।

येहू यहोनादाब स मिलत ह

15येहू जब उ ठउर स चला तउ रेकाब क पूत यहोनादाब स भेंटा। यहोनादाब येहू स मिलइ आवत रहा येहू यहोनादाब क सुआगत क सुआगत किहेस अउर ओहसे पूछेस, "का तू मोरे ओतने बिस्सासी मीत अहा जेतना मइँ तोहार हउँ?"

यहोनादाब जवाब दिहस, "हाँ, मइँ तोहार बिस्सासी मीत हउँ।"

येहू कहेस, "जदि तू अहा तउ, तू आपन हाथ मोका द्या।"

तब येहू बाहेर निहुरा अउर उ यहोनादाब क अपने रथे मँ हीचं लिहेस।

16येहू कहेस, "मोर संग आवा। तू लखब्या कि यहोवा बरे मोर भावना केतनी प्रबल अहइँ।"

इ तरह यहोनादाब येहू क रथे मँ बइठा। 17येहू सोमरोन मँ आवा अउर अहाब क उ सारे परिवार क मार डाएस जउन जिअत रहा। येहू ओन सबहिं क मार डाएस। येहू सबइ काम किहेस जेनका यहोवा एलिय्याह क भविस्सबाणी मँ कहे रहा।

येहू बाल क उपासकन क बोलाबत ह

18तब येहू सबहिं लोगन क एक संग एकट्ठा किहस। येहू ओनसे कहेस, "अहाब बाल क सेवा बहोत कम किहस। मुला येहू बाल क बहोत जियादा सेवा करी। 19अब बाल क सबहिं याजकन अउ नबियन अउर ओन सबहिं लोगन क एक संग बोलावा जउन बाल क उपासना करत हीं। कउनो मनई क इ सभा मँ गैर हाजिर न रहइ द्या। मइँ बाल क बहोत बड़की बलि चढ़ावइ जात अहउँ। मइँ उ कउनो भी मनई क मार डाउब जउन एहमाँ हाजिर नाहीं होइ।"

किन्तु येहू बाल क उपासना करइ वाले लोगन क तबाह करइ बरे गुमराह करत रहेन। 20येहू कहेस, "बाल क बरे एक धर्मसभा करा" अउर याजक लोग धर्मसभा क घोसणा कइ दिहन। 21तब येहू पूरे इस्राएल देस मँ सँदेसा पठएस। बाल क सबहिं उपासक आएन। कउनो भी मनई अइसा नाहीं रहा जउन घरे पइ रहि गवा होइ। बाल क उपासक बाल क मन्दिर मँ आएन। मन्दिर लोगन स भर गवा।

22येहू लबादा धरइवाले मनई स कहेस, "बाल क सबहिं उपासकन क बरे लबादा लिआवा।" एह बरे उ मनई बाल पूजकन बरे लबादन लिआवा।

23तब येहू अउ रेकाब पूत यहोनादाब बाल क मन्दिर क भीतर गएन। येहू बाल क उपासकन स कहेस, "अपने चारिहुँ कइँती लख ल्या अउर इ निहचइ कइ ल्या कि तोहरे संग कउनो यहोवा क सेवक तउ नाहीं अहइ। इ निहचइ कइ ल्या कि केवल बालपूजक लोग ही अहइँ।" 24बाल-पूजक बाल क मन्दिर मँ बलि अउर होमबलि चढ़ावइ गएन।

मुला बाहेर येहू अस्सी मनइयन क प्रतिच्छा मँ तइयार रखे रहा। येहू कहेस, "मइँ तोहका कछू लोग देइ वाल हउँ ओनमँ स कउनो मनई क बचिके निकरइ न द्या। जदि कउनो मनई कउनो मनई क बचि निकरइ देइ तउ ओकर भुगतान ओका अपनी जिन्नगी स करइ होइ।"

25येहू जइसेन ही बलि अउ होमबलि चढ़ाउब पूरा किहस तइसेन ही उ रच्छकन अउ अधिकारियन स कहेस, "भीतर जा अउर बाल-पूजकन क मार डावा। पूजाघर स कउन जिअत मनई क बाहेर न आवइ द्या।"

एह बरे अधिकारियन अपनी पतरी तरवारन क उपयोग किहस अउर बाल-पूजकन क मार डाएन। रच्छकन अउ अधिकारियन बाल-पूजकन क ल्हासन क बाहेर लोकाइ दिहन तब रच्छक अउ अधिकारियन बाल क पूजाघरे ज भीतरी कमरे मँ गएन।

26उ पचे बाल क पूजाघर क स्मृति- पासाण क बाहर लइ आएन अउर पूजाघरे क जराइ दिहन। 27तब उ पचे बाल क स्मृति पासाण क तहस-नहस कइ दिहन। उ पचे बाल क पूजाघर क भी मटियामेट कइ दिहन। उ पचे बाल क पूजाघर क एक सौचालय मँ बदल दिहन। आजु भी ओकर उपयोग सौचालय क बरे होत ह।

28इ तरह येहू इस्राएल मँ बाल-पूजा क खतम कइ दिहस। 29मुला येहू, नबात क पूत यारोबाम क ओन पापन क करइ स पूरी तरह स नाही रोक सका, जउन इस्राएल स

पाप कराए रहा। येहू दान अउर बेतेल मँ सोने क बछवन क
तबाह नहीं किहेस।

इस्राएल पइ येहू क हुकूमत

30यहोवा येहू स कहेस, "तू बहोत नीक किहा ह। तू उ
काम किहा ह जेका मइँ अच्छा बताएउँ ह। तू अहाब क
परिवार क उ तरह बर्बाद किहा ह जइसा तोहसे मइँ ओका
बर्बाद करइ चाहत रहा। एह बरे तोहार सन्तान इस्राएल पइ
चार पीढ़ी तलक हुकूमत करिहीं।"
31मुला येहू पूरे हिरदइ स यहोवा क नेमन क पालन
करइ मँ सावधान नाहीं रहा। येहू यारोबाम क ओन पापन क
करब बन्द नाहीं किहस जउन इस्राएल स पाप कराए रहेन।

हजाएल इस्राएल क हरावत ह

32उ समइ यहोवा ने इस्राएल क कछू हिस्सन पइ
ओनकर दुस्मन का कब्जा कइ लेइ दिहेस। अराम क राजा
हजाएल इस्राएलियन क हर एक सीमा पइ हराएस। 33हजाएल
यरदन नदी क पूरब क गिलाद प्रदेस क, गाद, रूबेन अउ
मनस्से क परिवार समूह क प्रदेसन सहित जीत लिहस।
हजाएल असेएर स लइके अर्नोन घाटी क सहारे गिलाद
अउ साशान तलक क सारी भुइँया जीत लिहस।

येहू क मउत

34उ सबइ बड़के कार्य, जउन येहू किहस, "इस्राएल क
राजा लोग क इतिहास" क किताबे मँ लिखे गए अहइँ।
35येहू मरा अउर ओका ओकरे पुरखन क संग दफनाइ दीन्ह
गवा। लोग येहू क सोमरोन मँ दफनाएन। ओकरे पाछे येहू
क पूत यहोआहाज इस्राएल क नवा राजा भवा। 36येहू
सोमरोन मँ इस्राएल पइ अट्ठाईस बरिस तलक हुकूमत
किहस।

अतल्याह यहूदा क सबहिं राजपूतन क बर्बाद कइ देत ह

11 अहज्याह क महतारी अतल्याह लखेस कि ओकर
पूत मरि गवा। तब उ उठी अउर उ राजा क पूरे
परिवार क मार डाएस।
2यहोसेबा राजा योराम क बिटिया अउर अहज्याह क
बहिन रही। योआस राजा क पूतन मँ स एक रहा। यहोसेबा
योआस क तब छुपाइ लिहस जब राजा क बाकी पूतन मारे
जाइ रहेन। यहोसेबा योआस क छुपाइ दिहस। उ योआस
अउर ओकर धायी क अपने सोना क कमरा मँ छुपाइ
दिहस। इ तरह यहोसेबा अउ धायी योआस क अतल्याह स
छुपाइ लिहस। इ तरह योआस मारा नाहीं गवा।
3तब योआस अउ यहोसेबा यहोवा क मन्दिर मँ जाइ
छुपेन। योआस हुवाँ छ: बरिस तलक छुपा रहा उ छ: बरिस
अतल्याह यहूदा पइ हुकूमत किहस।
4सतएँ बरिस प्रमुख याजक यहोयादा करीतन क सेनापतियन
क अउ रच्छकन क बोलाएस अउर उ पचे यहोवा क
मन्दिर मँ ओसे भेंटन आएन। तब यहोयादा ओनके संग एक
ठु वाचा किहेस। मन्दिर मँ यहोयादा ओनका प्रतिग्या करइ
क मजबूर किहस। तब उ राजा क पूत योआस क ओनका
देखाएस।
5तब यहोयादा ओनका आदेस दिहस। उ कहेस, "तोहका
इ करइ होइ। तोहमाँ स एक तिहाइँ सबित क दिन मँ तोहार
काम करत ह ओका राजा क महल क रच्छा क जिम्मेवारी
दीन्ह जाईं। 6दूसर एक तिहाई क सूर- दुआर पइ रहइ क
होइ अउर बचे एक तिहाई क रच्छकन क पाछे, दुआर पइ
रहब होइ। इ तरह तू लोग इमारत क चारिहुँ कइँती नज़र
रख सकब। 7तोहमाँ स दुइ तिहाइ जउन सबित क दिन काम
नाहीं करत ह, ओका राजा योआस अउर यहोवा क मन्दिर
क रच्छा करइ क होइ। 8जब कहूँ उ जाइ तोहका पचन्क
राजा योआस क संग रहइ चाही। पूरे दल क ओका घेरे
रहइ चाही। हर एक रच्छक क अपने अस्त्र-सस्त्र अपने
हाथे मँ रखइ चाहीं, अउर तू लोगन क उ कउनो भी मनई
क मार डावइ चाही जउन तोहरे पचन्क बहोत जियादा निचके
पहोंचइ।
9सेनापतियन याजक यहोयादा क दीन्ह गए सबहिं आदेसन
क पालन किहस। हर एक सेनापति अपने फउजियन क
लिहस, कछू जउन उस हफ्ता काम पइ रहेन अउर कछू
जउन काम पइ नाहीं रहेन, अउर ओन सबइ क याजक
यहोयादा क लगे लइ गएन 10अउर याजक सेनापतियन क
भालन अउ ढास दिहेन। इ पचे उ सब भालन अउ ढास
दिहेन जेनका दाऊद यहोवा क मन्दिर मँ धरे रहा। 11इ सबइ
रच्छक अपने हाथन मँ अपने सस्त्र लिहे मन्दिर क दच्छिन
कोने स लइके उत्तर कोने तलक खड़े रहेन। उ पचे वेदी
अउर मन्दिर क चारिहुँ कइँती खड़े रहेन, ताकि उ पचे राजा
क रच्छा सदा कइ सकेन।
12इ सबइ मनई योआस क बाहेर लइ आएन। उ पचे
योआस क मूँड़े पइ मुकुट पहिराएन अउर परमेस्सर
अउ राजा क बीच क वाचा क ओका दिहन। तब उ पचे
ओकर अभिसेक किहन अउर ओका नवा राजा बनाएन। उ
पचे तालियन बजाएन अउर उद्घोस किहन, "राजा दीर्घायु
होइ।"
13रानी अतल्याह क रच्छकन अउर लोगन क चीखन
सुनेन। एह बरे उ यहोवा क मन्दिर मँ लोगन क लगे गइ।
14अतल्याह उ खम्भा क सहारे राजा क लखेस जहाँ राजा
अक्सर खड़े होत रहेन। उ प्रमुखन अउ लोगन क राजा क
बरे तुरही बजावत भए भी लखेन। उ लखेस कि सबहिं
लोग बहोत खुस रहेन। उ तुरही क बजावत भए सुनेस अउर
उ आपन ओढ़ना इ परगठ करइ बरे फार डाएस कि ओका
बड़ी घबराहट अहइ। तब अतल्याह चिल्लाइ उठी, "सड्यन्त्र!
सड्यन्त्र!"
15याजक यहोयादा फउजियन क व्यवस्था क अधिकारी
सेनापतियन क हुकुम दिहस। यहोयादा ओनसे कहेस, "अतल्याह
क आपन फउजियन क पंक्तियन मँ स होइके मन्दिर क
छेत्र स बाहेर लइ जा अउर जउन भी ओकर पाछा करइ
मार डावा।"
यहोयादा नाहीं चाहत रहा कि उ भी यहोवा क मन्दिर मँ
मरे।

16उ पचे ओकरे बरे रास्ता बनाएस अउर ओन दरवाजन स होइके महल स बाहर निकारा जउने जगह स घोड़ा निकरत ह, अउर ओका मार डाएस।

17तब यहोयादा यहोवा, राजा अउ लोगन क बीच एक ठु सन्धि कराएस। इ वाचा स इ पता चलत रहा कि राजा अउ लोग यहोवा क अपने ही अहइँ। यहोयादा राजा अउ लोगन क बीच भी एक ठु वाचा कराएस।

18तब सबहिं लोग बाल क पूजागृह क गएन। लोग बाल क मूरति अउ ओकर बेदियन क बर्बाद कइ दिहन। उ पचे ओनकर बहोत स टूकन कइ डाएन। लोग बाल क याजक मत्तन क भी वेदी क समन्वा मार डाएन।

तब याजक यहोयादा कछू लोगन क यहोवा क मन्दिर क देखभाल बरे निगराकार क रूप मँ रखा। 19यहोयादा सेनापतियन, बिसेस फउजियन अउर आम लोगन क लिहेस, अउर उ सबइ राजा योआस क यहोवा क मन्दिर स महल मँ लइ गएन। उ पचे रच्छकन क दुआर होइके स राजा क महल तलक गएन। तब राजा योआस राजसिंहासने पइ बइठा। 20सबहिं लोग खुस रहेन। नगर सान्त रहा। रानी अतल्याह, राजा क महल क लगे तरवार क घाट उतार दीन्ह गइ रही।

21जब योआस राजा भवा, उ सात बरिस क रहा।

योआस आपन हुकूमत सुरू करत ह

12 योआस इस्राएल मँ येहू क राज्जकाल क सताएँ बरिस मँ हुकूमत करब सुरू किहस। योआस चालीस बरिस तलक यरूसलेम मँ हुकूमत किहस। योआस क महतारी सिब्या बर्सेवा क रही। 2योआस उ सबहिं कार्य किहस जेनका यहोवा नीक कहे रहा। योआस पूरी जिन्नगी यहोवा क आग्या क पालन किहस। उ उ सबइ कार्य किहस जेनकर सिच्छा याजक यहोयादा ओका दिहे रहा। 3मुला उ उच्च ठउरन क बर्बाद नाहीं किहस। लोग तब तलक भी ओन पूजा क ठउरन पइ बलि भेंट करतेन अउ सुगन्धि बारत रहेन।

योआस मन्दिर क मरम्मत क आदेस दिहस

4-5योआस याजकन स कहेस, "यहोवा क मन्दिर मँ बहोत धन अहइ। लोग मन्दिर मँ चिजियन दिहे अहइँ। लोग गणना क समइ मन्दिर क कर दिहेन ह अउर लोगन आपन इच्छा स धन दिहे ह। याजकन, आप लोग उ धन क लइ लेइँ अउर यहोवा क मन्दिर क मरम्मत करवाइ देइँ।"

6मुला याजक लोग मरम्मत नाहीं किहन। योआस क राज्जकाल क तेईसवें बरिस मँ भी याजक लोग तब तलक मन्दिर क मरम्मत नाहीं किहे रहेन। 7एह बरे योआस याजक यहोयादा अउ दूसर याजकन क बोलाएस। योआस यहोयादा अउ दूसर याजकन स पूछेस, "आप मन्दिर क मरम्मत काहे नाहीं किहन? आप ओन लोगन स धन लेब बन्द करइँ जेनकर आप सेवा करत हीं। उ धने क उपयोग मँ लिआउब बंद करइँ। उ धने क उपयोग मन्दिर क मरम्मत मँ होइ चाही।"

8याजक लोग यहोवा स धन न लेब स्वीकार किहन। मुला उ पचे मन्दिर क मरम्मत न करइ क निहचइ किहेन। 9एह बरे याजक यहोयादा स एक ठु सन्दूख लिहस अउ ओकरे ऊपरी हींसा मँ एक छेद कइ दिहस। तब यहोयादा सन्दूख क बेदी क दक्खिन कइँती रख दिहस। इ सन्दूख उ दरवाजे क लगे रहा जेहसे लोग यहोवा क मन्दिर मँ आवत रहेन। कछू याजक मन्दिर क दुआर- पथे क रच्छा करत रहेन। उ सबइ याजक उ धने क जेका लोग यहोवा क देत रहेन, लइ बते रहेन अउर उ सन्दूख मँ डाइ देत रहेन। जब लोग मन्दिर क जात रहेन तब उ पचे उ सन्दूख मँ सिक्कन डावत रहेन।

10जब भी राजा क सचिव अउ महायाजक इ जानतेन कि मन्दिर मँ रखे सन्दूख मँ बहोत धन अहइ तउ उ पचे अउतेन अउर सन्दूख स धन क निकार लेतेन। उ पचे धन क थइलन मँ रखतेन् अउर ओका गिन लेत रहेन। 11तब उ पचे ओन मजदूरन क भुगतान करतेन जउन यहोवा क मन्दिर मँ काम करत रहेन। उ पचे यहोवा क मन्दिर मँ काम करइवालन बढ़इयन अउ दूसर कारीगरन क भुगतान करत रहेन। 12उ पचे धन क उपयोग पाथर क कामगारन अउ पाथर तरासन क भुगतान करइ मँ करत रहेन अउर उ पचे उ धने क उपयोग लकड़ी, काटे पाथर, अउर यहोवा क मन्दिर क मरम्मत क बरे दूसर चिजियन क बेसहइ मँ करत रहेन।

13-14लोग योहवा क मन्दिर क बरे धन दिहन। किन्तु याजक उ धने क उपयोग चाँदी क बर्तन, बत्ती- झाड़नी, चिलमची, तुरही या कउनो भी सोना- चाँदी क तस्तरियन क बनाबइ मँ नाहीं कइ सकेन। उ धन मजदूरन क भुगतान करइ मँ लगा अउर ओन मजदूरन यहोवा क मन्दिर क मरम्मत किहन। 15कउनो सारे धन क हिसाब नाहीं किहस या कउनो कार्यकर्त्ता क इ बतावइ बरे मजबूर नाहीं कीन्ह गवा कि धने क का भवा? काहेकि ओन कार्यकर्त्तन पइ बिस्सास कीन्ह जाइ सकत रहा।

16लोग उ समइ धन दिहस जब उ पचे दोखबलि या पापबलि चढ़ाएन। किन्तु उ धने क उपयोग मजदूर क भुगतान क बरे नाहीं कीन्ह गवा। उ धन याजकन क रहा।

योआस हजाएल स यरूसलेम क रच्छा करत ह

17हजाएल अराम क राजा रहा। हजाएल गत नगर क खिलाफ जुद्ध करइ गवा। हजाएल गत क हराएस। तब उ यरूसलेम क खिलाफ जुद्ध करइ जाइ क जोजना बनाएस।

18यहोसापात, यहोराम अउ अहज्याह यहूदा क राजा रह चुके रहेन। उ पचे योआस क पुरखा रहेन। उ पचे यहोवा क बहोत स चिजियन भेंट किहे रहेन। उ सबइ चिजियन मन्दिर मँ रखी रहिन। योआस भी बहोत स चिजियन यहोवा क भेंट किहे रहा। योआस ओन सबहिं बिसेस चिजियन अउ मन्दिर अउ अपने महल मँ रखे भए सारे सोना क लिहस। तब योआस ओन सबहिं कीमती चिजियन क अराम क राजा हजाएल क लगे पठएस। इहइ स हजाएल अपनी फउज क यरूसलेम स हटाइ लिहस।

योआस क मउत

19योआस जउन बड़के कारज किहस उ सबइ सबहिं "यहूदा क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे गए अहइँ।

20योआस क अधिकारी लोग ओकरे खिलाफ जोजना बनाएस। उ पचे योआस क सिल्ला तलक जाइ वाली सड़किया पर स्थित मिल्लो क घरे पइ मार डाएस। 21सिमात क पूत योजाकर अउ सोमेर क पूत यहोजाबाद योआस क अधिकारी रहेन। ओन मनइयन योआस क मार डाएन। लोग दाऊद नगर मँ योआस क ओकरे पुरखन क संग दफनाएन। योआस क पूत अमस्याह ओकरे पाछे नवा राजा बना।

यहोआहाज अपनी हुकूमत सुरू करत ह

13 येहू क पूत यहोआहाज सोमरोन मँ इस्राएल क राजा बना। इ अहज्याह क पूत योआस क यहूदा मँ राज्जकाल क तेईसवें बरिस मँ भवा। राजा बनइ क पाछे यहोआहाज सत्रह बरिस सोमरोन मँ राज्ज किहस।

2यहोआहाज उ सबइ कारज किहेस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा। यहोआहाज नबात क पूत यारोबाम क पापन क अनुसरण किहस जउन इस्राएल स पाप कराएस। यहोआहाज ओन कामन क करब बंद नाहीं किहेस। 3तब यहोवा इस्राएल पइ बहोत कोहाइ गवा। यहोवा इस्राएल क अराम क राजा हजाएल अउ ओका पूत बेन्हदद क अधीन कइके लम्बे समइ तलक सज़ा दिहेस।

यहोवा इस्राएल क लोगन पइ कृपा किहेस

4तब यहोआहाज यहोवा स मदद बरे पराथना किहेस अउर यहोवा ओकर पराथना सुनेस। यहोवा इस्राएल क लोगन क कस्ट अउ अराम क राजा क उत्पीड़न लखे रहा। 5एह बरे यहोवा एक मनई क इस्राएल क रच्छा बरे पठएस। इस्राएली अरामियन स अजाद होइ गएन। एह बरे, इस्राएली, पहले क तरह अपने घरे लउट गएन।

6मुला इस्राएलियन फुन भी, ओन यारोबाम क परिवार क पापन क करव बंद नाहीं किहस। यारोबाम इस्राएल स पाप करवाएस, अउर इस्राएली निरंतर पाप करम करत रहेन। उ पचे असेरा क खंभन क भी सोमरोन मँ धरेन।

7अराम क राजा यहोआहाज क फउज क हराइ दिहस। अराम क राजा जियादा हींसा क लोगन क नस्ट कइ दिहस। उ सिरिफ पचास घुड़सवार, दस रथ, अउर दस हजार पैदल फउजी छोड़ेस। यहोआहाज क फउजी दायं चलावत समइ हवा स उड़ाए गए भूसे क तरह रहेन।

8सबहिं बड़े कारज जउन यहोआहाज कहेस, "इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे अहइँ। 9यहोआहाज मरा अउर अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। लोग यहोआहाज क सोमरोन मँ दफनाएन। यहोआहाज क पूत यहोआस ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

इस्राएल पइ यहोआस क हुकूमत

10यहोआहाज क पूत यहोआस सोमरोन मँ इस्राएल क राजा भवा। इ योआस क यहूदा मँ राज्जकाल क सैतीसेवं बरिस मँ भवा। यहोआस इस्राएल पइ सोलह बरिस तलक राज्ज किहस। 11इस्राएल क राजा यहोआस उ सबइ कारज किहेस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा। उ नबात क पूत यारोबाम क पापन क बंद नाहीं किहस जउन इस्राएल स पाप कराएस। यहोआस ओन पापन क करत रहा। 12सबहिं बड़के कारज जउन यहोआस किहस अउर यहूदा क राजा अहज्याह क खिलाफ उ जउन जुद्ध किहस उ सबइ "इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे अहइँ। 13यहोआस मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। यारोबाम नवा राजा बना अउर यहोआस क राजा सिहांसने पइ बइठा। यहोआस सोमरोन मँ इस्राएल क राजा लोगन क संग सफनावा गवा।

यहोआस एलीसा स भेंट करत ह

14एलीसा बीमार पड़ा। पाछे एलीसा बेरामी स मर गवा। इस्राएल क राजा यहोआस एलीसा भेंटइ गवा। यहोआस एलीसा बरे रोएस। यहोआस कहेस, "मोर बाप। मोर बाप! का इ इस्राएल क रथन अउ घोड़न क बरे समइ अहइ?"

15एलीसा यहोआस स कहेस, "एक ठु धनुस अउ कछू बाण ल्या।"

अत: बह धनुस-बाण ले आया। 16तब एलीसा इस्राएल क राजा स कहेस, "आपन हाथ धनुस पइ धरा।" तब एलीसा आपन हाथ राजा क हाथे पइ रखेस। 17एलीसा कहेस, "पूरब क खिड़की खोला।" यहोआस खिड़की खोलेस। तब एलीसा कहेस, "बाण चलावा।"

यहोआस बाण चलाइ दिहस। तब एलीसा कहेस, "इ यहोवा क बिजय क बाण अहइ। इ अराम पइ बिजय क बाण अहइ। तू अरामियन क अपेक मँ हरउब्या अउर तू ओनका नस्ट कइ देब्या।"

18एलीसा कहेस, "बाण ल्या।" योआस बाण लिहस। तब एलीसा इस्राएल क राजा स कहेस, "भुइँया पइ प्रहार करा।"

योआस भुइँया पइ दीन दाईं प्रहार किहस। तब उ रूक गवा। 19परमेस्सर क जन योआस पइ कोहाइ गवा। एलीसा कहेस, "तोहका पाँच या छ: दाईं धरती पइ प्रहार करइ चाही रहा। तब तू अराम क ओका नस्ट करइ तलक हरउब्या। किन्तु अब तू अराम क सिरिफ तीन दाईं हरउब्या।"

एलीसा क कब्र पइ एक अद्भुत बात होत ह

20एलीसा मरा अउ लोग ओका दफनाएन।

एक दाईं बसन्त मँ मोआबी फउजियन क एक दल इस्राएल पई छापा मारेस। उ पचे जुद्ध मँ सामग्री लेइ आएन। 21कछू इस्राएली एक मरे मनई क दफनावत रहेन अउर उ पचे फउजियन क उ दल क लखेन। इस्राएलियन हाली मँ ल्हास क एलीसा क कब्र मँ फेंक दिहेन अउर उ पचे भाग खड़े भएन। जइसेन ही उ मरा मनई एलीसा क हाड़न क छुएस, मरा मनई जी उठा अउर अपने गोड़न पइ खड़ा होइ गवा।

यहोआस एलीसा स भेंट करत ह

22यहोआहाज पूरे सासन काल मँ अराम क राजा हजाएल
इस्राएल क परेसान किहस। 23किन्तु यहोवा इस्राएलियन पइ
दयालु रहा। यहोवा क दया आइ अउर उ इस्राएलियन
कइँती भवा। काहे? काहेकि इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब
क संग अपनी वाचा क कारण, यहोवा इस्राएलियन क
अबहिं नस्ट करइ बरे तइयार नाहीं रहा। उ अबहिं तलक
ओनका अपने स दूर नाहीं फेंके रहा।

24अराम क राजा हजाएल मरा अउर ओकरे पाछे बेन्हदद
नवा राजा बना। 25मरइ क पहले हजाएल योआस क पिता
यहोआहाज क जुद्ध मँ कछू नगर लिहे रहा। किन्तु अब
यहोआहाज हजाएल क पूत बेन्हदद स उ सबइ नगर वापस
लइ लिहस। योआस बेन्हदद क तीन दाईं हराएस अउर
इस्राएल क नगरन क वापस लिहस।

अमस्याह यहूदा मँ आपन हुकूमत सुरू करत ह

14 योआस क पूत अमस्याह, इस्राएल क राजा
यहोआहाज क पूत योआस क हुकूमत काल क
दूसरे बरिस मँ यहूदा क राजा भवा। 2अमस्याह जब हुकूमत
करब सूरू किहस, उ पचीस बरिस क रहा। अमस्याह
उनतीस बरिस तलक यरूसलेम मँ राज्ज किहस। अमस्याह
क महतारी यहोअद्दान यरूसलेम क निवासी रही। 3अमस्याह
उ सबइ कारज किहेस जेनका यहोवा नीक बताए रहा। किन्तु
उ आपन पुरखा दाऊद क तरह परमेस्सर क अनुसरण पूरी
तरह स नाहीं किहस। अमस्याह उ सबइ सारे काम किहस
जउन ओकर बाप योआस किहे रहेन। 4उ उच्च ठउरन क
नस्ट नाहीं किहस। लोग ओन पूजा क ठउरन पइ बलि देतेन
अउर सुगन्धि बारत रहेन।

5राज्ज पइ पूरा अधिकार करइ क पाछे अमस्याह ओन
अधिकारियन क मार डाएस जउन ओकरे बाप क मारे रहेन।
6मुला उ हत्तियारन क बच्चन क, "मूसा क व्यवस्था" क
किताबे मँ लिखे नेमन क कारण नाहीं मारेस। यहोवा आपन
इ आदेस मूसा क व्यवस्था मँ दिहे रहा: "महतारी- बाप
बच्चन क जरिये कछू कीन्ह जाइ क कारण मारे नाहीं जाइ
सकतेन अउर बच्चन अपने महतारी बाप क जरिये कछू
कीन्ह जाइ क कारण मारे नाहीं जाइ सकतेन। कउनो मनई
सिरिफ अपने ही बुरे कारज बरे मारा जाइ सकत ह।"

7अमस्याह नून घाटी मँ दस हजार एदोमियन क मार
डाएस। जुद्ध मँ अमस्याह सेला क जीतेस अउर ओकर
नाउँ "योक्तेल" धरेस। उ ठउर आजु भी योक्तेल कहा
जात ह।

अमस्याह योआस क खिलाफ जुद्ध छेड़इ चाहत ह

8अमस्याह इस्राएल क राजा येहू क पूत यहोआहाज अउर
यहाआहाज क पूत योआस क लगे संदेसवाहक पठएस।
अमस्याह क संदेस मँ कहा, "आवा, हम आपुस मँ जुद्ध
करी। आमने सामने होइके एक दूसरे क मुकाबला
करी।"9इस्राएल क राजा योआस यहूदा क राजा अमस्याह क
उत्तर पठएस। योआस कहेस, "लबानोन क एक ठु कँटेहरी
झाड़ी देवदारू बृच्छ क लगे एक संदेसा पठएस। सँदेसा इ
रहा, 'अपनी बिटिया, मोरे पूत क संग बियाहे बरे द्या।'
मुला लबानोन क एक जंगली जनावर ओहर स निकरा
अउर कँटेहरी झाड़ी क कुचर गवा। 10इ फुर अहइ कि तू
एदोम क हराया ह। किन्तु तू एदोम पइ जीत क कारण
घमण्डी होइ गवा अहा। अपनी प्रसिद्धि क आनंद उठावा
अउर घरे पइ रहा। अपने बरे परेसानियन मत खड़ी करा।
जदि तू अइसा करब्या तउ तू हार जाब्या अउर तू आपन
संग यहूदा क भी हराउब्या।"

11मुला अमस्याह योआस क चितवनी क नाहीं सुनेन।
एह बरे इस्राएल क राजा योआस यहूदा क राजा अमस्याह
क खिलाफ यहूदा क बेतसेमेस मँ लड़इ बरे गवा।
12इस्राएल यहूदा क हराइ दिहस। यहूदा क हर एक मनई
घरे पराइ गवा। 13बेतसेमेस मँ इस्राएल क राजा योआस
यहूदा क राजा अमस्याह क बन्दी बनाइ लिहस। अमस्याह
योआस क पूत रहा। योआस अहज्या क पूत रहा। योआस
अमस्याह क यरूसलेम लइ गवा। योआस एप्रैम दुआर
स कोने क फाटक तलक लगभग छ: सौ फुट यरूसलेम
क देवार क गिरवाएस। 14तब योआस सारा सोना- चाँदी
अउर जउन भी बर्तन यहोवा क मन्दिर अउर राजमहल क
खजाने मँ रहेन। ओन सब क लूट किहस। योआस कछू
लोगन क बन्दी बनाइ लिहस। तब उ सोमरोन क वापस
लउट गवा।

15जउन सबहिं बड़के कारज योआस किहस, साथ ही
साथ यहूदा क राजा अमस्याह क संग उ कइसे लड़ा,
"इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे
गए अहइँ। 16योआस मरा अउर अपने पुरखन क संग
दफनावा गवा। योआस सोमरोन मँ इस्राएल क राजा लोगन
क संग दफनावा गवा। योआस क पूत यारोबाम ओकरे पाछे
नवा राजा भवा।

अमस्याह क मउत

17यहूदा क राजा योआस क पूत अमस्याह इस्राएल क
राजा यहोआहाज क पूत योआस क मउत क पाछे पन्द्रह
बरिस तलक जिआ। 18अमस्याह जउन कारज किहस उ
सबइ "यहूदा क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ
लिखे गएन अहइँ। 19लोग यरूसलेम मँ अमस्याह क
खिलाफ एक ठु जोजना बनाएन। अमस्याह लाकीस क पराइ
निकरा। मुला लोग अमस्याह क खिलाफ लाकीस क अपने
मनई पठएस अउर ओन लोग लाकीस मँ अमस्याह क मार
डाएस। 20लोग घोड़न पइ अमस्याह क ल्हास क वापस लइ
आएन। अमस्याह दाऊद नगर मँ अपने पुरखन क संग
यरूसलेम मँ दफनावा गवा।

अजर्याह यहूदा पइ आपनी हुकूमत सुरू करत ह

21तब यहूदा क सबहिं लोग अजर्याह क ओकरे बाप
अमस्याह क जगह पइ नवा राजा बनाएन। अजर्याह सोलह
बरिस क रहा। 22इ तरह अमस्याह मरा अउर अपने पुरखन
क संग दफनावा गवा। तब अजर्याह एलत क यहूदा बरे
फुन पाएस अउर ओका फुन बनाएस।

यारोबाम दूसरा इस्राएल पइ हुकूमत सुरू करत ह

23इस्राएल क राजा योआस क पूत यारोबाम सोमरोन मँ
यहूदा क राजा योआस क पूत अमस्याह क राज्जकाल क
पन्द्रहवें बरिस मँ हुकूमत करब सुरू किहस। **24**यारोबाम उ
सबइ कारज किहेस जेनका यहोवा बुरा बताएस। यारोबाम उ
नबात क पूत यारोबाम क पापन क करब बंद नाहीं किहस,
जउन इस्राएल क पाप करइ बरे मजबूर किहस। **25**यारोबाम
उ भुइँया क, जउन लेवी हमात स अराबा क सागर तलक
जात रही, वापस लिहस। इ वइसा ही भवा जइसा इस्राएल
क यहोवा परमेस्सर अपने सेवक, अमित्तै क पूत योना स
कहे रहा। जउन कि गथेपेर क नबी रहा। **26**यहोवा लखेस
कि सबहिं इस्राएली, चाहे उ पचे अजाद होइँ या दास,
बहोत स परेसानियन मँ अहइँ। कउनो मनई अइसा नाहीं बचा
जउन इस्राएल क मदद कइ सकत रहा। **27**यहोवा इ नाहीं
काहे रहा कि उ संसार स इस्राएल क नाउँ उठाइ लेइ। एह
बरे यहोवा योआस क पूत यारोबाम क उपयोग इस्राएल क
लोगन क रच्छा बरे किहेस।

28यारोबाम जउन बड़के कारज किहस उ सबइ "इस्राएल
क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे अहइँ।
ओहमाँ इस्राएल क बरे दमिस्क अउर हमात क यारोबाम
जरिये वापस जीत लेइ क कथा सामिल अहइ। (पहिले इ
सबइ नगर यहूदा क आधिपत्य मँ रहेन।) **29**यारोबाम मरा
अउर इस्राएल क राजा लोगन, अपने पुरखन क संग
दफनावा गवा। यारोबाम क पूत जकर्याह ओकरे पाछे नवा
राजा भवा।

यहूदा पइ अजर्याह क हुकूमत

15 यहूदा क राजा अमस्याह क पूत अजर्याह इस्राएल
क राजा यारोबाम क राज्जकाल क सत्ताइसवें
बरिस मँ राजा बना। **2**हुकूमत करब सुरू करइ क समइ
अजर्याह सोलह बरिस क रहा। अजर्याह यरूसलेम मँ बावन
बरिस तलक हुकूमत किहस। अजर्याह क महतारी यकोल्याह
यरूसलेम स रही। **3**अजर्याह ठीक अपने बाप अमस्याह क
तरह उ सबइ काम किहस जेनका यहोवा अच्छा बताए रहा।
अजर्याह ओन सबहिं कामन क अनुसरण किहस जेनका
ओकर बाप अमस्याह किहे रहा। **4**मुला उ ऊँच ठउरन क
नस्ट नाहीं किहस। लोगन हुआँ बलियन चढ़ावत रहे अउर
धूप जरावत रहे।

5यहोवा राजा अजर्याह क नोस्कान करइवाले कोढ़ रोग
क रोगी बनाइ दिहस। उ मरइ क दिन तलक इहइ रोग स
पीड़ित रहा। अजर्याह एक अलग महल मँ रहत रहा। राजा
क पूत योताम राजमहल क देखभाल अउर जनता क संग
निआत करत रहा।

6अजर्याह जउन काम किहस उ सबइ, "यहूदा क राजा
लोग क इतिहास" क किताबे मँ लिखे अहइँ। **7**अजर्याह
मरा अउर अपने पुरखन क संग दाऊद क नगर मँ
दफनावा गवा। अजर्याह क पूत योताम ओकरे पाछे नवा
राजा भवा।

इस्राएल पइ जकर्याह क अल्पकालीन सासन

8यारोबाम क पूत जकर्याह सोमरोन मँ इस्राएल पइ छ:
महीने तलक हुकूमत किहस। जकर्याह यहूदा क राजा
अजर्याह क राज्जकाल क अड़तीसवें बरिस मँ राजा भवा।
9जकर्याह उ सबइ कारज किहेस जेनका यहोवा बुरा कहे
रहा। उ उ सबइ ही कारज किहेस जउन ओकरे पुरखन
किहे रहेन। उ नबात क पूत यारोबाम क पापन क करब
बंद नाहीं किहेस जउन इस्राएल क पाप करइ बरे मजबूर
किहस।

10याबेस क पूत सल्लूम जकर्याह खिलाफ जोजना बनाएस
अउर लोगन क बीच मँ ओह पइ हमला कइके ओका
इब्लैम मँ मार डाएस। फुन सल्लूम ओकरे जगह पइ नवा
राजा भवा। **11**जकर्याह जउन दूसर कारज किहेस उ सबइ
"इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे
अहइँ। **12**इ तरह यहोवा क कथन फुरइ सिद्ध भवा। यहोवा
येहू स कहे रहा कि ओकरे संतानन क चार पीढ़ियन
इस्राएल पइ राजा क तरह राज करब्या।

सल्लूम क इस्राएल पइ अल्पकालीन सासन

13याबेस क पूत सल्लूम यहूदा क राजा उज्जिय्याह क
राज्जकाल क उनतालीसवें बरिस मँ इस्राएल क राजा बना।
सल्लूम सोमरोन मँ एक महीने तलक सासन किहस।
14गादी क पूत मनहेम तिर्सा स सोमरोन आइ पहोंचा।
मनहेम याबेस क पूत सल्लूम क मार डाएस। तब ओकरे
पाछे मनहेम नवा राजा भवा। **15**सल्लूम जकर्याह क खिलाफ
सडयंत्र करइ सहित जउन कारज किहेस, उ सबइ सबहिं
"इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे
गएन अहइँ।

इस्राएल पइ मनहेम क हुकूमत

16सल्लूम क मरइ क पाछे मनहेम तिप्सह, एहमाँ
रहइवाले सबइ लोगन क अउर तिर्सा स सुरू होइवालन
छेत्रन क हराई दिहेस। लोग ओकरे बरे नगर दुआर क
खोलब मना कइ दिहन। एह बरे मनहेम ओनका हराइ दिहस
अउर नगर क सबहिं गरभवती मेहररूअन क गरभ क चीर
गिराएस।

17गादी क पूत मनहेम यहूदा क राजा जकर्याह क
राज्जकाल क उनतालीसवें बरिस मँ इस्राएल क राजा भवा।
मनहेम सोमरोन मँ दस बरिस हुकूमत किहस। **18**मनहेम उ
सबइ काम किहेस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा। मनहेम
पूरी जिन्नगी, नबात क पूत यारोबाम क पापन क करब बंद
नाहीं किहेस, जउन इस्राएल स पाप कराएस।

19अस्सूर क राजा पूल इस्राएल क खिलाफ जुद्ध करइ
आवा। मनहेम पूल क पचहत्तर हजार पौण्ड चाँदी दिहस। उ
इ एह बरे किहस कि पूल मनहेम क बल प्रदान करी अउर
जेहसे राज्ज पइ ओकर अधिकार सुदृढ़ होइ जाइ। **20**मनहेम
सबहिं धनी अउर सक्तीसाली लोगन स करन क भुगतान
करवाइके धन बटोरेस। मनहेम हर मनई पइ चाँदी क पचास
सेकेल कर लगाएस। तब मनहेम अस्सूर क राजा क धन

दिहस। एह बरे अस्सूर क राजा चला गवा अउर इस्राएल मँ
नाहीं ठहरा।
21मनहेम जउन कारज किहेस उ सबइ “इस्राएल क राजा
लोगन क इतिहास” क किताबे मँ लिखे अहइँ। 22मनहेम
मरा अउर अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। मनहेम क
पूत पकह्याह ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

इस्राएल पइ पकह्याह क हुकूमत

23मनहेम क पूत पकह्याह यहूदा क राजा अजर्याह क
राज्जकाल क पचासवें बरिस मँ सोमरोन मँ इस्राएल क राजा
भवा। पकह्याह दुइ बरिस तलक राज्ज किहस। 24पकह्याह
नबात क पूत यारोबाम क पापन क करब बन्द नाहीं किहस
जउन इस्राएल क पाप करइ बरे मजबूर किहे रहा।
25पकह्याह क फउज क सेनापति रमल्याह क पूत पेकह
रहा। पेकह पकह्याह क मार डाएस। उ ओका सोमरोन मँ
राजा क महल मँ मारेस। पेकह जब पकह्याह क मारेस,
ओकरे संग अरगोब अरीआह अउर गिलाद क पचास
मनसेधू रहेन। तब पेकह ओकरे पाछे नवा राजा भवा।
26पकह्याह जउन काम किहस उ सबइ “इस्राएल क
राजा लोगन क इतिहास” क किताबे मँ लिखे अहइँ।

इस्राएल पइ पेकह क हुकूमत

27रमल्याह क पूत पेकह यहूदा क राजा अजर्याह क
राज्जकाल क बावनेवे बरिस मँ इस्राएल पइ हुकूमत करब
सुरू किहेस। पेकह बीस बरिस तलक सासन किहस।
28पेकह उ सबइ काम किहस जेनका यहोवा बुरा कहे रहा।
पेकह इस्राएल क पाप करइ बरे मजबूर करइवाले नबात क
पूत यारोबाम क पाप करमन क करब बंद नाहीं किहस।
29अस्सूर क राजा तिग्लत्पिलेसेर इस्राएल क खिलाफ
लड़इ आवा। इ उहइ समइ रहा जब पेकह इस्राएल क राजा
रहा। तिग्लत्पिलेसेर इय्योनण अबेल्बेत्माका, यानोह, केदेस,
हासोर, गिलाद, गालील अउर नप्ताली क सारे छेल पइ
अधिकार कइ लिहस। तिगलत्पिलेसेर एन जगहन पइ लोगन
क बन्दी बनाइके अस्सूर लइ गवा।
30एला क पूत होसे रमल्याह क पूत पेकह क खिलाफ
सड्यंत्र किहस। होसे पेकह क मार डाएस। तब होसे पेकह
क पाछे नवा राजा बना। इ यहूदा क राजा उज्जिय्याह क पूत
योताम क राज्जकाल क बीसवें बरिस मँ भवा।
31पेकह जउन सारे कारज किहस उ सबइ “इस्राएल क
राजा लोगन क इतिहास” क किताबे मँ लिखे अहइँ।

यहूदा पइ योताम हुकूमत करत ह

32उज्जिय्याह क पूत योताम यहूदा क राजा बना। उ इ
इस्राएल क राजा रमल्याह क पूत पेकह क राज्जकाल क
दूसरे बरिस मँ भवा। 33योताम जब राजा बना, उ पच्चीस
बरिस क रहा। योताम यरूसलेम मँ सोलह बरिस तलक
हुकूमत किहस। योताम क महतारी सादोक क बिटिया
यरूसा रही। 34योताम अपने बाप उज्जियाह क तरह उ सबइ
काम किहेस, जेनका यहोवा ठीक बताए रहा। 35मुला उ
ऊँच ठउरन क नस्ट नाहीं किहेस। लोग ओन पूजा ठउरन
पइ तब भी बलि चढ़ावत अउर सुगन्धि बारत रहेन। योताम
यहोना क मन्दिर क उपरी दुआर बनवाएस। 36सबहिं कारज
जउन योताम किहस उ सबइ “यहूदा क राजा लोगन क
इतिहास” क पुस्तक मँ लिखे अहइँ।
37उ समइ यहोवा अराम क राजा रसीन अउर रमल्याह
क पूत पेकह क यहूदा क खिलाफ लड़इ पठएस।
38योताम मरा अउर अपने पुरुखन क संग दफनावा
गवा। योताम अपने पुरूखन दाऊद क नगर मँ दफनावा
गवा। योताम क पूत आहाज ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

आहाज यहूदा क राजा बनत ह

16 योताम क पूत आहाज इस्राएल क राजा रमल्याह
क पूत पेकह क राज्जकाल क सत्रहवें बरिस मँ
यहूदा क राजा बना। 2आहाज जब राजा बना उ बीस बरिस
क रहा। आहाज यरूसलेम मँ बीस बरिस तलक राज्ज
किहस। आहाज उ सबइ काम नाहीं किहेस जेनका यहोवा
अच्छा बताए रहा। उ परमेस्सर क आग्या क पालन अपने
पुरखा दाऊद क तरह नाहीं किहेस। 3आहाज इस्राएल क
राजा लोगन क तरह रहा। उ अपने पूत क बलि आगी मँ
दिहस। उ ओन रास्ट्रन क घोर पापन क किहेस जेनका
यहोवा देस छोड़इ क मजबूर तब किहे रहा जब इस्राएली
लोग हुवाँ आए रहेन। 4आहाज ऊँची जगहन, पहाड़ियन
अउर हर एक हरे पेड़ क नीचे बलि चढ़ाएस अउ सुगन्धि
बारेस।
5अराम क राजा रसीन अउर इस्राएल क राजा रमल्याह
क पूत पेकह, दुइनउँ यरूसलेम क खिलाफ लड़इ आएन।
रसीन अउ पेकह आहाज क घेरि लिहन किन्तु उ पचे
ओका हराइ नाहीं सकेन। 6उ समइ अराम क राजा अराम
क बरे एलत क वापस लइ लिहस। रसीन एलत मँ रहइवाले
सबहिं यहूदा क निवासियन क जबरदस्ती निकारेस। अरामी
लोग एलत मँ बस गएन अउर उ पचे आजु भी हुवाँ रहत
अहइँ।
7अहाज अस्सूर क राजा तिगलत्पिलेसेर क लगे संदेसवाहक
पठएस। सँदेसा इ रहा: “मइँ आपक सेवक हउँ। मइँ आपके
पूत क तरह हउँ। आवइँ, अउर मोका अराम क राजा अउर
इस्राएल क राजा स बचावइँ। उ पचे मोहसे जुद्ध करइ
आए अहइँ।” 8आहाज यहोवा क मन्दिर अउ राजमहल क
खजाने मँ जउन सोना अउर चाँदी रहा ओका भी लइ
लिहस। तब आहाज अस्सूर क राजा क भेंट पठएस।
9अस्सूर क राजा ओकर बात मान लिहस। उ दमिस्क क
खिलाफ लड़इ बरे गवा। राजा उ नगर पइ अधिकार कइ
लिहस अउर लोगन क किर क बन्दी बनाइके लइ गवा। उ
रसीन क भी मार डाएस।
10राजा आहाज अस्सूर क राजा तिगलत्पिलेसेर स भेंटइ
गवा। आहाज दमिस्क मँ वेदी क लखेस। राजा आहाज इ
वेदी क एक ठु नमूना अउर ओकर व्यापक रूपरेखा,
याजक ऊरिय्याह क पठएस। 11तब याजक उरिय्याह राजा
आहाज क जरिये दमिस्क स पठए गए नमूने क समान ही
एक ठु वेदी बनाएस। याजक उरिय्याह इ प्रकार क वेदी
राजा आहाज क दमिस्क स लउटइ क पहिले बनाएस।

12जब राजा दमिस्क स लउटा तउ उ वेदी क लखेस। उ
वेदी पइ भेंट चढ़ाएस। 13वेदी पइ आहाज होमबलि अउ
अन्नबलि चढ़ाएस। उ आपन पेयबोलि डाएस अउर अपनी
मेलबलि क खून क इ वेदी पइ छिछकारेस।

14आहाज उ काँसे क वेदी क जउन यहोवा समन्वा रही
मन्दिर क समन्वा क जगह स हटाएस। इ काँसे क वेदी
आहाज क वेदी अउर यहोवा क मन्दिर क बीच रही।
आहाज काँसे क वेदी क अपने वेदी क उत्तर कइँती रखेस।
15आहाज याजक ऊरिय्याह क आदेस दिहस। उ कहेस,
"बिसाल वेदी क उपयोग भिंसारे क होमबलियन क बारइ
क बरे, साँझ क अन्नबलि क बरे अउर इ देस क सबहिं
लोगन क पेयबलि बरे करा। होमबलि अउ बलियन क सारा
खून बिसाल वेदी पइ छिछकारा। किन्तु मइँ काँसे क वेदी
क उपयोग परमेस्सर स सवाल पूछइ बरे करब।" 16याजक
ऊरिय्याह उ सबइ किहस जेका करइ बरे राजा आहाज
आदेस दिहस।

17हुवाँ पइ काँसे क कवचवाली गाड़ियन अउ याजकन
क हाथ धोवइ बरे चिलमचियन रहिन। तब राजा आहाज
मन्दिर मँ प्रयुक्त काँसे क गाड़ियन क काट डाएस अउर
ओनसे पल्लन निकार लिहस। उ गाड़ियन मँ स चिलमचियन
क लइ लिहस। उ बिसाल टंकी क भी काँसे क ओन बर्धन
स हटाइ लिहस जउन ओकरे नीचे खड़ी रहिन। उ बिसाल
टंकी क एक ठु पाथर क चबूतरे पइ रखेस। 18कारीगरन
सबित क सभा बरे मन्दिर क अंदर एक ठु ढकी जगह
रहेन। आहाज सबित बरे ढकी जगह क भी हटाइ लिहस।
आहाज इ सबइ चिजियन यहोवा क मन्दिर स लिहस। इ
सबइ उ अस्सूर क राजा क कारण किहस।

19आहाज जउन कारज किहस उ सबइ "यहूदा क राजा
लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे अहइँ। 20आहाज
मरा अउ अपने पुरखन क संग दाऊद नगर मँ दफनावा
गवा। आहाज क पूत हिजकिय्याह ओकरे पाछे नवा राजा
भवा।

होसे इस्राएल पइ हुकूमत करब सुरू करत ह

17 एला क पूत होसे सोमरोन मँ इस्राएल पइ हुकूमत
करब सुरू किहस। इ यहूदा क राजा आहाज क
राज्जकाल क बारहवें बरिस मँ भवा। होसे नौ बरिस तलक
सोमरोन मँ हुकूमत किहस। 2होसे उ सबइ कारज किहेस
जेनका यहोवा बुरा कहे रहा। मुला होसे इस्राएल क ओतना
बुरा राजा नाहीं रहा जेतने उ पचे राजा रहेन जउन ओकरे
पहिले सासन किहे रहेन।

3अस्सूर क राजा सल्मनेसेर होसे क खिलाफ जुद्ध करइ
आवा। सल्मनेसेर होसे क हराएस अउर होसे सल्मनेसेर क
सेवक बन गवा। होसे सल्मनेसेर क अधीनस्थ कर देइ
लाग।

4मुला पाछे अस्सूर क राजा क पता चला कि होसे
ओकरे खिलाफ सड्यंत्र रचेस ह। होसे मिस्र क राजा क
लगे मदद मँगइ बरे राजदूत पठएस। उ बरिस होसे अस्सूर
क राजा क नाहीं पठएस जइसे उ हर बरिस पठवत रहा।
एह बरे अस्सूर क राजा होसे क बन्दी बनावा अउर ओका
कैद मँ डाइ दिहस।

5तब अस्सूर क राजा इस्राएल क सबहिं प्रदेसन पइ
आक्रमण किहस। उ सोमरोन पहोंचा। उ तीन साल तलक
सोमरोन क घेरे राखेस। 6अस्सूर क राजा इस्राएल पइ होसे
क राज्जकाल क नवे बरिस मँ, सोमरोन पइ अधिकार
जमाएस। अस्सूर क राजा इस्राएलियन क बन्दी क रूप मँ
अस्सूर लइ गवा। उ ओनका हलह, हाबोर नदी क तट पइ
जउन गोजान क नदी अहइ अउर मादियन क नगरन मँ
बसाएस।

7इ सबइ घटना घटी काहेकि इस्राएलियन अपने परमेस्सर
यहोवा क बिरूद्ध पाप किहे रहा। यहोवा इस्राएलियन क
मिस्र स बाहेर लिआवा। यहोवा ओनका राजा फिरौन क
चंगुल स बाहेर निकारेस। किन्तु इस्राएलियन दूसर देवतन क
पूजब सुरू किहे रहेन। 8इस्राएली उहइ सब करइ लगे रहेन
जउन दूसर रास्ट्र करत रहेन। यहोवा ओन लोगन क अपना
देस छोड़इ क मजबूर किहे रहा जब इस्राएली आए रहेन।
इस्राएलियन भी राजा लोगन स सासित होब पसन्द किहन,
परमेस्सर स सासित होब नाहीं। 9इस्राएलियन गुप्त रूप स
अपने यहोवा परमेस्सर क खिलाफ काम किहस। जेका
ओनका नाहीं करइ चाही रहा।

इस्राएलियन अपने सब स नान्ह नगर स लइके सब स
बड़के नगर तलक, अपने सबहिं नगरन मँ ऊँच जगह
बनाएस। 10इस्राएलियन हर एक ऊँची पहाड़ी पइ अउर
सबहिं हरियर बृच्छ क खाले स्मृति पाथर अउ असेरा स्तम्भ
लगाएस।

11इस्राएलियन पूजा क ओन सबहिं जगहन पइ सुगन्धि
बारेस। उ पचे इ सबइ सबहिं कारज ओन रास्ट्रन क तरह
किहस जेनका यहोवा ओनके समन्वा देस तजइ क मजबूर
किहे रहा। इस्राएलियन उ सबइ कारज किहेन जउन यहोवा
क कोहाइ दिहस। 12उ पचे देवमूरतियन क सेवा किहन
अउर यहोवा इस्राएलियन स कहे रहा, "तू पचन्क इ नाहीं
करइ चाही।"

13यहोवा हर एक नबी अउर हर एक द्रस्टा क उपयोग
इस्राएल अउ यहूदा क चितउनी देइ बरे किहस। यहोवा
कहेस, "तू पचे बुरे करमन स दूर हटा। मोरे आदेसन अउर
नेमन क पालन करा। ओन सबहिं नेमन क पालन करा
जेनका मइँ तोहरे पुरखन क दिहेउँ ह। मइँ अपने सेवक
नबियन क उपयोग इ नेम तू पचन क देइ बरे किहेउँ।"

14लेकिन लोग एक नाहीं सुनेन। उ पचे अपने पुरखन क
तरह बड़े हठी रहेन। ओनके पुरखा यहोवा, अपने परमेस्सर
मँ पतियात नाहीं रहेन।

15लोग अपने पुरखन क संग यहोवा क कीन्ह गइ वाचा
क रद्द कइ दिहस। अउर यहोवा क नेमन क मानइ स
इन्कार किहन। उ पचे यहोवा क चितउनियन क सुनइ स
इन्कार किहन। उ पचे व्यर्थ देवमूरतियन क अनुसरण किहन
अउर खुद व्यर्थ बन गएन। उ पचे अपने चारिहुँ कइँती क
रास्ट्रन क अनुसरण किहन। इ सबइ रास्ट्र उ करत रहेन
जेका न करइ क चितउनी इस्राएल क लोगन क यहोवा
दिहे रहा।

16लोग यहोवा, अपने परमेस्सर क आदेसन क पालन
करब बंद कइ दिहस। उ पचे बछवन क दुइ मूरतियन
बनाएन। उ पचे असेरा स्तम्भ बनाएन। उ पचे आकास क
सबहिं नछत्रन क पूजा किहन अउर बाल क सेवा किहन।
17उ पचे अपने बेटवन -बिटियन क बलि आगी मँ दिहन।
उ पचे जादू अउ प्रेत बिद्या क उपयोग भविस्स क जानइ
बरे किहेन। उ पचे आपन क ओन चिजियन क करइ बरे
बेचेस जेका यहोवा कहे रहा दुस्ट अहइ, जउन यहोवा क
क्रधित कई दिहेन। 18एह बरे यहोवा इस्राएल पइ बहोत
कोहाइ गवा अउर ओनका अपनी निगाह स दूर लइ गवा।
यहूदा क परिवार समूह क अलावा कउनो इस्राएली बचा
नाहीं रहा।

यहूदा क लोग भी अपराधी अहइँ

19मुला यहूदा क लोग भी यहोवा, अपने परमेस्सर क
आदेसन क पालन नाहीं किहन। यहूदा क लोग भी इस्राएल
क लोगन क तरह ही रहत रहेन।
20यहोवा इस्राएल क सबहिं लोगन क अस्वीकार किहस।
उ ओन पइ बहोत बिपत्तियन ढाएस। उ लोगन क ओनका
लूटइ दिहस अउर अन्त मँ उ ओनका अपनी निगाह स
लोकाए दिहस। 21यहोवा दाऊद क परिवार स इस्राएल क
निकार दिहेस। इस्राएलियन नबात क पूत यारोबाम क अपना
राजा बनाएस। यारोबाम इस्राएलियन क यहोवा क अनुसरण
करइ स दूर कइ दिहस। यारोबाम इस्राएलियन स एक
भीसण पाप कराएस। 22इ तरह इस्राएलियन ओन सबहिं
पापन क अनुसरण किहन जेनका यारोबाम किहे रहा। उ
पचे एन पापन क करब तब तलक बंद नाहीं किहन। 23जब
तलक यहोवा इस्राएलियन क अपनी निगाह स दूर नाहीं
हटाएस। लोगन क बतावइ क बरे कि इ होइ, उ अपने
नबियन क पठएस। एह बरे इस्राएली अपने देस स बाहेर
अस्सूर पहोंचाए गएन अउर उ पचे आज तलक हुँवइ अहइँ।

सोमरोनी लोगन क आरम्भ

24अस्सूर क राजा बाबेल, कूता, अव्वा, हमात अउर
सपवैम स लोगन क लिआवा। उ इस्राएलियन क हटावइ
बरे ओन लोगन क सोमरोन मँ ठहरा दिहेस। ओन लोग
सोमरोन पइ अधिकार किहन अउर ओकरे चारिहुँ कइँती क
नगरन मँ रहइ लागेन। 25जब लोग सोमरोन मँ रहइ लागेन
तउ उ पचे यहोवा क सम्मान नाहीं किहन। एह बरे यहोवा
सिहंन क एन पइ आक्रमण क बरे पठएस। एन सिंहन
ओनके कछू लोगन क मार डाएन। 26कछू लोग इ बात
अस्सूर क राजा स कहेन। "उ सबइ लोग जेनका तू लइ
गएन अउर सोमरोन क नगरन मँ बसाएन, उ देस क
परमेस्सर क नेमन क नाहीं जानतेन। एह बरे उ पचे सिंहन
क ओका मारइ दिहेन।"
27एह बरे अस्सूर क राजा इ आदेस दिहस: "तू कछू
याजकन क सोमरोन स लिहे रह्या। मइँ जिन याजकन क
बन्दी बनाएस रहेउँ ओनमाँ स एक क सोमरोन क वापस
पठइ द्या। उ याजक क जाइ अउर हुवाँ रहइ द्या। तब उ
याजक लोगन क उ देस क देवता क नेम सिखाइ सकत
ह।"
28एह बरे अस्सूरियन क जरिये सोमरोन स लिआए भए
याजकन मँ स एक ठु बेतेल मँ रहइ आवा। उ याजक
लोगन क सिखाएस कि ओनका यहोवा क सम्मान कइसे
करइ चाही।
29मुला ओन सबहिं रास्ट्रन अपने निजी देवता बनाएन
अउर ओनका सोमरोन क लोगन क जरिये बनाए गए ऊँची
जगहन पइ पूजा ठउरन मँ रखेस। ओन रास्ट्र इहइ किहन,
जहाँ कहूँ भी उ पचे बसेन। 30बाबेल क लोग लबार देवता
सुक्कोतबनोत बनाएन। कूत क लोग लबार देवता नेर्गल क
बनाएन। हमात क लोगन असत्य देवता असीम क बनाएन।
31अव्वी लोग लबार देवता निभज अउर तर्त्ताक बानएन
अउर सपवमी लोग लबार देवतान अद्रम्मेलेक अउर अनम्मेलेक
क सम्मान बरे अपने बच्चन क आगी मँ बारेन।
32मुला ओन लोग यहोवा क भी उपासना किहन। उ पचे
अपने लोगन मँ स ऊँची जगहन बरे याजक चुनेन। इ सबइ
याजक ओन पूजा क ठउरन पइ लोगन बरे बलि चढ़ावत
रहेन। 33उ पचे यहोवा क सम्मान करत रहेन, मुला उ पचे
अपने देवतन क भी सेवा करत रहेन। उ सबइ लोग अपने
देवता क वइसी ही सेवा करत रहेन जइसी उ पचे ओन
देसन मँ करत रहेन जहाँ स उ पचे लाए गए रहेन।
34आजु भी उ सबइ लोग वइसे ही रहत हीं जइसे उ
पचे पहिले रहत रहेन। उ पचे यहोवा क सम्मान नाहीं करत
अहइँ। उ पचे यहोवा क आदेसन अउर नेमन क पालन
नाहीं करत हीं। उ पचे ओन नेमन या आदेसन क पालन
नाहीं करत रहेन जेनका यहोवा याकूब (इस्राएल) क
सन्तानन क दिहे रहा। 35यहोवा इस्राएल क लोगन क संग
एक वाचा किहे रहा। यहोवा ओनका आदेस दिहस, "तू
पचन्क दूसर देवतन क सम्मान नाहीं करइ चाही। तू पचन्क
ओनकर पूजा या सेवा नाहीं करइ चाही या बलि भेंट नाहीं
करइ चाही।
36किन्तु तू पचन्क यहोवा क अनुसरण करइ चाही।
यहोवा उहइ परमेस्सर अहइ जउन तू पचन्क मिस्र स बाहेर
लइ आवा। यहोवा आपन महान सक्ती क उपयोग तू
पचन्क बचावइ बरे किहस। तू पचन्क यहोवा क सम्मान,
उपासना करइ चाही अउर उहइ क बलि भेंट करइ चाही।
37तू पचन्क ओकरे ओन नेमन, विधियन, उपदेसन अउर
आदेसन क पालन करइ चाही जेनका उ तोहरे पचन्क बरे
लिखेस। तू पचन्क एनकार पालन सदा ही करइ चाही। तू
पचन्क दूसर देवतन क सम्मान नाहीं करइ चाहीं। 38तू
पचन्क उ वाचा क नाहीं बिसरइ चाही, जउन मइँ तोहरे संग
किहेउँ। तू पचन्क दूसर देवतन क आदर नाहीं करइ चाही।
39तू पचन्क सिरिफ यहोवा, अपने परमेस्सर क ही सम्मान
करइ चाही। तब उ तू पचन्क तोहरे पचन्क सबहिं दुस्मनन
स बचाइ।"
40मुला इस्राएलियन एका नाहीं सुनेन। उ पचे उहइ करत
रहेन जउन पहिले करत चले आवत रहेन। 41एह बरे अब
तउ उ सबइ दूसर रास्ट्र यहोवा क सम्मान करत हीं, किन्तु
उ पचे अपनी देवमूरतियन क भी सेवा करत हीं। ओनकर

पुत्र-पौत्र उहइ करत हीं, जउन ओनकर पुरखन करत रहेन।
उ पचे आजु तलक उहइ काम करत हीं।

हिजकिय्याह यहूदा पइ आपन सासन करब सुरू करत ह

18 आहाज क पूत हिजकिय्याह यहूदा क राजा रहा।
हिजकिय्याह इस्राएल क राजा एला क पूत होसे
क राज्जकाल क तीसरे बरिस मँ सासन करब सुरू किहस।
2हिजकिय्याह जब सासन करब सुरू कहिसह, उ पच्चीस
बरिस क रहा। हिजकिय्याह यरूसलेम मँ उनतीस बरिस
तलक सासन किहस। ओकर महतारी जकर्याह क बिटिया,
अबी रही।
3हिजकिय्याह ठीक अपने पुरखा दाऊद क तरह उ सबइ
कारज किहस जेनका यहोवा अच्छा बताए रहा।
4हिजकिय्याह ऊँची जगहन क नस्ट किहस। उ स्मृति
पाथरन अउ असेरा स्तम्भन क खंडित कइ दिहस। ओन
दिनन इस्राएल क लोग मूसा क जरिये बनाए गए काँसे क
साँप बरे सुगन्धि बारत रहेन। इ काँसे क साँप क नाउँ
"नहुसतान" रहा। हिजकिय्याह इ काँसे क साँप क टूकन
कइ डाएस काहेकि लोग उ साँपे क पूजा करत रहेन।
5हिजकिय्याह यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर मँ भरोसा
रखत रहा। यहूदा क राजा लोगन मँ स कउनो क संग चाहे
उ ओकर पहिले रहेन या ओकर पाछे रहेन हिजकियाह क
समानता नाहीं कीन्ह जा सकत रहा। 6हिजकिय्याह यहोवा क
बहोत भक्त रहा। उ यहोवा क अनुसरण करब नाहीं तजेस।
उ ओन आदेसन क पालन किहस जेनका यहोवा मूसा क
दिहे रहेन। 7यहोवा हिजकिय्याह क संग रहा। हिजकिय्याह
जउन कछू किहस, ओहमाँ उ सफल रहा।
हिजकिय्याह अस्सूर क राजा क विरूद्ध विद्रोह किहस।
हिजकिय्याह अस्सूर क राजा क सेवा करब बंद कइ दिहस।
8हिजकिय्याह लगातार गाज्जा तलक अउर ओकरे चारिहुँ
कइँती क पलिस्तियन क पराजित किहस। उ सबहिं नान्ह स
लइके बड़के पलिस्ती नगरन क पराजित किहस।

अस्सूरी सोमरोन पइ अधिकार करत हीं

9अस्सूर क राजा सल्मनेसेर सोमरोन क खिलाफ जुद्ध
करइ गवा। ओकर फउज नगर क घेर लिहस। इ
हिजकिय्याह क यहूदा पइ राज्जकाल क चउथे बरिस मँ
भवा। इ इस्राएल क राजा, एला क पूत होसे क भी सतवाँ
बरिस रहा। 10तीन बरिस पाछे सल्मनेसेर सोमरोन पइ
अधिकार कइ लिहस। उ सोमरोन क यहूदा क राजा
हिजकिय्याह क राज्जकाल क छठे बरिस मँ लइ लिहस। इ
इस्राएल क राजा होसे क राज्जकाल क भी नवाँ बरिस
रहा। 11अस्सूर क राजा इस्राएलियन क बन्दी क रूप मँ
अस्सूर लइ गवा। उ ओनका हलह, हाबोर नदी पइ (जउन
कि गोजान नदी भी अहइ) अउर मादियन क नगरन मँ
बसाएस। 12इ भवा, काहेकि इस्राएलियन यहोवा, अपने
परमेस्सर क आग्या क पालन नाहीं किहन। उ पचे यहोवा
क वाचा क तोड़ेन। उ पचे ओन सबहिं नेमन क नाहीं मानेन
जेनके बरे यहोवा आपन सेवक मूसा क आदेस दिहे रहा।
इस्राएल क लोग यहोवा क वाचा क नाहीं सुनेन अउर ओन
कामन क नाहीं किहन जेनका करइ क सिच्छा ओहमाँ दीन्ह
गइ रही।

अस्सूर यहूदा क लेइ क तैयार होत ह

13हिजकिय्याह राज्जकाल क चौदहवें बरिस अस्सूर क
राजा सन्हेरीब यहूदा क सबहिं सुदृढ़ नगरन क खिलाफ
जुद्ध छेढ़इ गवा। सन्हेरीब ओन सबहिं नगरन क पराजित
किहस। 14तब यहूदा क राजा हिजकिय्याह अस्सूर क राजा
क लाकीस मँ एक संदेसा पठएस। हिजकिय्याह कहेस, "मइँ
बुरा किहेउँ ह। मोका सान्ति स रहइ द्या। तब मइँ तू पचन
क उ भुगतान करब जउन कछू तू चाहब्या।"
तब अस्सूर क राजा यहूदा क राजा हिजकिय्याह स
गियारह टन चाँदी अउर एक टन सोना स जियादा माँगेस।
15हिजकिय्याह सारी चाँदी जउन यहोवा क मन्दिर अउर राजा
क खजानन मँ रही, उ सब दइ दिहस। 16उ समइ
हिजकिय्याह उ सोने क उतार लिहस जउन यहोवा क मन्दिर
क दरवाजन अउ चउखटन पइ मढ़ा गवा रहा। राजा
हिजकिय्याह एन दरवाजन अउर चउखटन पइ सोना मढ़वाए
रहा। हिजकिय्याह इ सोना अस्सूर क राजा क दिहस।

अस्सूर क राजा अपने लोगन क यरूसलेम पठवत ह

17अस्सूर क राजा अपने तीन बहोत जियादा महत्वपूर्ण
सेनापतियन क एक बिसाल सेना क संग यरूसलेम मँ राजा
हिजकिय्याह क लगे पठएस। उ सबइ लोग लाकीस स
चलेन अउर यरूसलेम क गएन। उ सबई ऊपरी स्त्रोत क
लगे छोटकी नहर क निचके खड़े भएन। (ऊपरी स्त्रोत धोबी
तलक लइ जाइवाली सड़किया पइ अहइ।) 18एन लोग राजा
क बोलाएन। हिलकिय्याह क पूत एल्याकीम (एल्याकीम
राजमहल क अधीच्छक रहा।) सेब्ना (सास्त्री) अउर आसाप
क पूत योआह (अभिलेखपाल) ओनसे भेंटइ आएन।
19सेनापतियन मँ स एक ओनसे कहेस, "हिजकिय्याह स
कहा कि अस्सूर क महान सम्राट इ कहत ह,

केह पइ तू भरोसा करत अहा? 20तू सिरिफ अरथहीन
सब्द कह्या ह। तू कहत अहा "मोरे लगे उपयुक्त
सलाह अउर सक्ती जुद्ध मँ मदद बरे अहइ।" किन्तु तू
केह पइ पतियात अहा जउन तू मोरे विरूद्ध कीन्ह
अहा? 21तू टूट बेतं क कुबरी क सहारा लेत रहा
अहा। इ कुबरी मिस्र अहइ। जदि कउनो मनई इ कुवरी
क सहारा लेइ तउ इ टूटी अउर ओकरे टापे क बेधत
भइ ओका घायल करी। मिस्र क राजा ओन सबहिं
लोगन बरे वइसा ही अहइ, जउन ओह पइ भरोसा
करत हीं। 22होइ सकत ह, "तू कहा हम यहोवा, अपने
परमेस्सर पइ पतियाइत ह।" किन्तु मइँ जानत हउँ कि
हिजकिय्याह ऊँच जगहन अउर वेदियन क हटाइ दिहस
जहाँ लोग यहोवा क उपासना करत रहेन। अउर याहूदा
अउर यरूसलेम स कहेस, "तू पचन्क सिरिफ यरूसलेम
मँ वेदी क समन्वा उपासना करइ चाही।"

23अब अस्सूर क राजा हमरे सुआमी स इ वाचा करा। मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ दुइ हजार घोड़न देव, जदि आप एन पइ चढ़इवाले घुड़सवारन क प्राप्त कइ सकब्या। 24मोरे सुआमी क अधिकारियन मँ स सब स निचले दर्जे क अधिकारी क भी तू हराइ नाहीं सकब्या। तू रथ अउर घुड़सवार सैनिक पावइ क बरे मिस्र पइ बिस्सास किहा ह। 25मइँ यहोवा क बिना यरूसलेम क बर्बाद करइ नाहीं आवा हउँ। यहोवा मोहसे कहेस ह, "इ देस क खिलाफ जा अउर एका नस्ट करा।"

26तब हिलकिय्याह क पूत एल्याकीम, सेब्ना अउर योआह प्रमुख सेनापती स कहेस, "कृपा कइके हम स अरामी मँ बातन करइँ। हम उ भाखा क समुझित ह। यहूदा क भाखा मँ हम लोगन स बातन न करी काहेकि देवार पइ क लोग हम लोगन क बातन सुन सकत हीं।"

27मुला रबसाके ओनसे कहेस, "मोर सुआमी मोका सिरिफ तू पचन्स अउर तोहरे पचन्क राजा स बातन करइ बरे नाहीं पठएस ह। मइँ ओन दूसर लोगन बरे भी कहत रहा अहउँ जउन देवारे पइ बइठे रहत हीं। उ पचे आपन मल अउ मूत्र तोहरे पचन्क संग खइहीं-पीइहीं।"

28तब सेनापति हिब्रू भाखा मँ जोर स चिचियान, "अस्सूर क महान सम्राट क इ सँदेसा सुना। 29सम्राट कहत ह, 'हिजकिय्याह क अपने क गुमराह जिन करावइ द्या। उ तू पचन्क मोरी सक्ती स बचाइ नाहीं सकत।' 30हिजकिय्याह क तोहका यहोवा मँ भरोसा न कराइ द्या, हिजकिय्याह कहत ह, 'हम क यहोवा बचाइ लेइ। अस्सूर क सम्राट इ नगर क पराजित नाहीं कइ सकत ह।' 31मुला हिजकिय्याह क एक न सुना!

"अस्सूर क सम्राट इ कहत ह: 'मोरे संग सन्धि करा अउर मोहसे मिला। तब तू पचे हर एक अपनी अंगूर क बेलन अउर अपने अंजीर क पेड़न स खाइ सकत ह अउ अपने कुएँ स पानी पी सकत ह। 32इ तू पचे तब तलक कइ सकत ह जब तलक मइँ तोहका तोहरे पचन्क देस जइसे देस मँ न लइ न जाउँ। इ अन्न अउर नवी दाखरस, इ रोटी अउ अंगूर भरे खेत अउर जइतून एवं मधु क देस अहइ। तब तू पचे जिअत रहब्या, मरब्या नाहीं। मुला हिजकिय्याह क एक न सुना। उ तोहरे पचन्क गुमराह करइ चाहत ह। उ कहत रहत ह, 'यहोवा हमका बचाइ लेइ।' 33दूसर रास्ट्रन क देवतन आपन रास्ट्रन क अस्सूर क सम्राट स न बचाइ सकइहीं। 34हमात अउ अर्पाद क देवता कहाँ अहइँ? सपवैम, हेना अउर इव्वा क देवता कहाँ अहइँ? उ पचे मोहसे सोमरोन क न बचाइ सकेन। नाहीं। 35कउनो दूसरे देस मँ कउनो देवता अपनी भुइँया क मोहसे न बचाइ सका? यहोवा मोहसे यरूसलेम क न बचाइ सका।"

36मुला लोग चुप रहेन। उ पचे एक ठु सब्द भी प्रमुख सेनापतिन क नाहीं कहेन काहेकि राजा हिजकिय्याह ओनका अइसा आदेस दइ रखे रहा। उ कहे रहा, "ओहसे कछू जिन कहा।"

37हिलकिय्याह क पूत एल्याकीम (एल्याकीम राजमहल क अधीच्छक रहा।) सेब्ना (सास्त्री) अउ आसप क पूत योआह (अभिलेखपाल) हिजकिय्याह क लगे लउटेन। ओकर कपड़ा फाटा भावा रहेन काहेकि उ परेसान रहेन। उ पचे हिजकिय्याह उ सब कहेन जउन अस्सूर क सेनापति कहे रहा।

हिजकिय्याह यसायाह नबी क लगे अपने अधिकारियन क पठवत ह

19 राजा हिजकिय्याह उ सबइ सुनेस अउर इ देखाँवइ बरे कि उ बहोत दु:खी अहइ अउर घबरावा भवा अहइ, अपने ओढ़नन क फार डाएस अउर मोटे ओढ़नन पहिर लिहेस। तब उ यहोवा क मन्दिर मँ गवा।

2हिजकिय्याह एल्याकीम (एल्याकीम राजमहल क अधीच्छक रहा।) सेब्ना (सास्त्री) अउर याजकन क अग्रजन क आमोस क पूत यसायाह नबी क लगे पठएस। उ पचे मोटे ओढ़नन पहिरेन जेहसे पता चलत रहा कि उ पचे परेसान अउर दु:खी अहइँ। 3उ पचे यसायाह स कहेन, "हिजकिय्याह इ कहत ह, 'इ हमरे बरे संकट, दण्ड अउर अपमान क दिन अहइ। इ बच्चन क जनम देइ क समइ अहइ, मुला ओनका जनम देइ बरे कउनो सक्ती नाहीं अहइ। 4अस्सूर क राजा जिअत परमेस्सर क निन्दा करइ बरे आपन प्रमुख सेनापति क हमरे लगे पठएस ह। होइ सकत ह कि यहोवा तोहर परमेस्सर ओन सबहिं बातन क सुन लेइ। इ होइ सकत ह कि यहोवा इ प्रमाणित कइ देइ कि दुस्मन गलती पइ अहइ। एह बरे एन लोगन बरे पराथना करा जउन सबहिं तलक जिअत बचा अहइँ।'"

5राजा हिजकिय्याह क अधिकारी यसायाह क लगे गएन। 6यसायाह ओनसे कहेस, "अपने सुआमी हिजकिय्याह क इ सँदेसा द्या: 'यहोवा कहत ह। ओन बातन स डेराअ नाहीं जेनका अस्सूर क राजा क अधिकारियन मोर मसखरी उड़ावत भए कहेन ह। 7मइँ हाली ही ओकरे मने मँ अइसी भावना पइदा करब जेहसे उ एक अफवाह सुनिके अपने देस वापिस जाइ क मजबूर होइ अउर मइँ ओका ओकरे देस मँ एक ठु तरवार क घाट उतरवाइ देब।'"

हिजकिय्याह क अस्सूर क राजा क फुन चितउनी

8प्रमुख सेनापित सुनेस कि अस्सूर क राजा लाकीस स चल पड़ा अहइ। एह बरे उ गवा अउर इ पाएस कि ओकर सम्राट लिब्ना क खिलाफ जुद्ध करत बाटइ। 9अस्सूर क राजा एक ठु अफवाह कूस क राजा तिर्हाका क बारे मँ सुनेस। अफवाह इ रही "तिर्हाका तोहरे खिलाफ लड़इ आवा ह।"

एह बरे अस्सूर क राजा हिजकिय्याह क लगे सँदेसवाहक क एक संदेसा क संग पठएस। 10यहूदा क राजा हिजकिय्याह स इ कहा:

'जउने परमेस्सर मँ तू पतियात अहा ओका तू अपने क गुमराह करइ जिन द्या। उ कहत ह, "अस्सूर क राजा यरूसलेम क पराजित नाहीं करी।"

11तू ओन बातन क सुन्या ह जउन अस्सूर क राजा
लोग दूसर सबहिं देसन क संग घटित किहन ह। हम
ओनका पूरी तहर स नस्ट कीन्ह। तू भी नाहीं बचि
पउब्या।
12ओन रास्ट्रन क देवता अपने लोगन क रच्छा नाहीं
कइ सकेन। मोर पुरखन गोजान, हारान, रेसेप अउ
तलस्सार मँ एदेन क लोगन क नस्ट किहन। 13हमात
अर्पाद, अउर सपवैम नगर क राजा कहाँ अहइँ? हेना
अउ इला क राजा? उ पचे सबहिं समाप्त होइ गएन
ह।"

हिजकिय्याह यहोवा स पराथना करत ह

14हिजकिय्याह संदेसबाहकन स पत्र पाप्त किहेस अउ
ओनका बाँचेस। तब हिजकिय्याह यहोवा क मन्दिर तलक
गवा अउर यहोवा क समन्वा पत्रन क बिखरेस। 15हिजकिय्याह
यहोवा क समन्वा पराथना किहेस अउर कहेस, "यहोवा
इस्राएल क परमेस्सर। तू करूब सरगदूतन पइ सम्राट क
तरह बइठत ह। तू ही सिरिफ सारी पृथ्वी क राज्जन क
परमेस्सर अहा। तू पृथ्वी अउ अकासे क बनाया। 16यहोवा
मोर पराथना सुना। यहोवा अपनी आँखिन खोला अउ इ पत्र
क लखा। ओन सब्दन क सुना जेनका सन्हेरीब जीवित
परमेस्सर क अपमान करइ बरे पठएस ह। 17यहोवा, इ फुरइ
अहइ। अस्सूर क राजा लोग एन सबहिं रास्ट्रन क नस्ट
किहन। 18उ पचे रास्ट्रन क देवतन क आगी मँ लोकाइ
दिहन। किन्तु उ पचे सच्चे देवता नाहीं रहेन। उ पचे सिरिफ
काठ अउ पाथर क मूरति रहेन जेनका मनइयन बनाइ रखे
रहेन। इहइ कारण रहा कि अस्सूर क राजा ओनका नस्ट
कइ सकेन। 19एह बरे यहोवा, हमार परमेस्सर, अब हमका
अस्सूर क राजा स बचा। तब पृथ्वी क सारे राज्ज समुझिहीं
कि यहोवा, सिरिफ तू ही परमेस्सर अहा।"

परमेस्सर हिजकिय्याह क जवाब दिहस

20आमोस क पूत यसायाह हिजकिय्याह क इ सँदेस
पठएस। उ कहेस, "यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर इ कहत
ह, 'तू मोहसे अस्सूर क राजा सन्हेरीब क खिलाफ पराथना
किहा ह। मइँ तोहार पराथना सुनि लिहेउँ ह।'
21"सन्हेरीब क बारे मँ यहोवा क इ सँदेसा अइसा अहइ:
'सिय्योन क कुँवरी बिटिया तोहका तुच्छ समुझत ह, उ
तोहार मजाक उड़ावत ह। यरूसलेम बिटिया तोहरे पीठ क
पाछे तोहार मज़ाक उड़ावत ह।
22तू केकर अपमान किह्या? तू केकर मजाक उड़ाया?
केकरे खिलाफ तू बातन किह्या? तू अइसे बातन किहा
जइसा कि तू इस्राएल क परम पवित्तर स महान अहइ।
23तू अपने सँदेसवाहकन क यहोवा क अपमान करइ क
पठया। तू कह्या, "मइँ अपने अनेक रथन सहित ऊँचे
पर्वतन तलक आया। मइँ लबानोन मँ भीतर तलक आएउँ।
मइँ लबानोन क उच्चतम देवदारू क बृच्छन, अउ लबानोन
क उत्तिम चीड़ क बृच्छन क काटा। मइँ लबानोन क सब
स ऊँच अउर सब स घन बने मँ घुसेउँ।
24मइँ खुद कुअँन खोदेस अउ विदेसन क पानी पिएउँ।
मइँ मिस्र क नदियन क झुराएउँ अउर उ देस क रउँदेउँ।"
25मुला का तू नाहीं अनक्या? "मइँ (परमेस्सर) बहोत
पहिले इ जोजना बनाए रहेउँ, पुराने जमाने स ही ह सबइ
जोजनन बनाइ दिहे रहेउँ, अउर अब मइँ ओका ही पूरी होइ
देत हउँ। मइँ तू पचन्क मजबूत नगरन क ढेर बनावइ
दिहेउँ।
26नगर मँ रहइवाले मनई कउनो ताकत नाहीं रखतेन। उ
सबइ लोग डरे भए अउर सरमिन्दा रहेन। लोग खेतन क
जंगली पौधन क तरह होइ गएन, जउन बढ़इ क पहिले ही
मर जात हीं, इ लोग उ घास क तरह अहइ जउन छत पइ
उगत ह अउर जे बढ़इ स पहिले ही मुड़झा जात ह।
27मइँ जानत हउँ तू कब उठत ह अउर तू कब बइठत
ह। बइठा, मइँ जानत हउँ कि तू कब जुद्ध करइ जात अहा
अउर कब घरे आवत अहा, मइँ जानन हउँ कि तू अपने क
कब मोरे खिलाफ करत अहा।
28तू मोरे खिलाफ गया मइँ तोहरे घमण्ड क सब्द सुनेउँ।
एह बरे मइँ आपन अंकुस तोहरे नाके मँ डाउब। अउर मइँ
आपन लगाम तोहरे मुँहे मँ डाउब। तब मइँ तोहका पाछे
लउटाउब अउर उ राहे लउटाउब जेहसे तू आवा रह्या।"

हिजकिय्याह क यहोवा क सँदेसा

29"मइँ तोहार मदद करब, एकर सँदेसा इ होइ: इ बरिस
तू उहइ अन्न खाब्या जउन अपने आप उगी अउर अगले
बरिस तू उहइ अन्न खाब्या जउन उ बिआ स पइदा होइ।
मुला तू बिआ बोउब्या अउर तीसरे बरिस मँ आपन फसल
कटब्या। तू अंगूरे क बेलन खेतन मँ लगउब्या अउर ओनसे
अंगूर खाब्या। 30अउर यहूदा क परिवारे क जउन लोग
बचि गवा अहइँ उ पचे फुन फूली फरिहीं ठीक वइसे ही
जइसे पौधा अपनी जड़न मजबूत कइ लेइ पइ ही फरत ह
31काहेकि यरूसलेम मँ रहइवालन कछू लोग जिअत रहब्या।
सिय्योन पर्वत पइ रहइवालन मँ स कछू लोग बच जाइँ।
यहोवा क जोस इ सब करावाएब।"
32"अस्सूर क सम्राट क बारे मँ यहोवा अइसा कहत ह:
उ इ नगर मँ नाहीं आई। उ इ नगर मँ एक ठु भी बाण
नाहीं चलाइ। उ इ नगर क खिलाफ ढाल क संग नाहीं
आइ। उ इ नगर पइ आक्रमण क माटी क टीलन नाहीं
बनाइ।
33उ उहइ राहे स लउटी जेहसे उ आवा। उ इ नगर मँ
नाहीं आई। इ यहोवा कहत ह।
34मइँ अपने बरे अउर अपने सेवक दाऊद बरे इ नगर
क रच्छा करब अउर बचाइ लेब।"

अस्सूरी फउज बर्बाद होइ गइ

35उ राति यहोवा क दूत अस्सूरी डेरा मँ गवा अउर एक
लाख पचासी हजार लोगन क मार डाएस। भिन्सोर क जब
लोग उठेन तउ उ पचे सारी ल्हासन लखेन।
36एह बरे अस्सूर क राजा सन्हेरीब चला गवा अउर
नीनवे वापस पहोंचा, अउर हुवइँ रुक गवा। 37एक दिना
सन्हेरीब मन्दिर मँ अपने देवता निसरोक क पूजा करत रहा।

ओकरे पूतन अद्रेम्मेलेक अउर सरेसेर ओका तरवार स मार डाएन। तब उ पचे अरारात प्रदेस मँ पराइ निकरेन अउर सन्हेरीब क पूत एसर्हद्दोन ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

हिजकिय्याह बीमार पड़ा अउर मरइ क भवा

20 उ समइ हिजकिय्याह बीमार पड़ा अउर लगभग मरि ही गवा। आमोस क पूत नबी यसायाह हिजकिय्याह स भेंटेस। यसायाह हिजकिय्याह स कहेस, "यहोवा कहत ह, 'अपने परिवार क लोगन क बरे वसीयत नामा लिख ल्या। तू मर जाब्या। तू जिअत नाहीं रहब्या।'"

2हिजकिय्याह आपन मुँहना देवारे कइँती कइ लिहस। उ यहोवा स पराथना किहस अउर कहेस, 3"यहोवा याद रखा कि मइँ पूरे हिरदइ क संग सच्चाई स तोहार सेवा किहेउँ ह। मइँ उ किहेउँ ह जेका तू नीक बताया ह।" तब हिजकिय्याह फूट-फूटके रोइ पड़ा।

4बीच क आँगन क यसायाह क छोड़इ क पहिले यहोवा क सँदेसा ओका मिला। यहोवा कहेस, 5"लउटा अउर मोरे लोगन क अगुवा हिजकिय्याह स कहा, 'यहोवा तोहार पुरखा दाऊद क परमेस्सर इ कहत ह, मइँ तोहार पराथना सुनि लिहेउँ ह अउर तोहार आँसू लखेउँ ह। एह बरे मइँ तोहका स्वस्थ करब। तीसरे दिन तू यहोवा क मन्दिर मँ जाब्या। 6अउर मइँ तोहरी जिन्नगी क पन्द्रह बरिस बढ़ाइ देब। मइँ अस्सूर क सम्राट क सक्ती स तोहका अउर इ नगर क बचाउब। मइँ अइसन अपने बरे अउर अपने सेवक दाऊद क बरे इ करब।'"

7तब यसायाह कहेस, "अंजीर क एक मिस्रन बनावा अउर एका घाव क जगह पइ लगावा।"

एह बरे उ पचे अंगीरे क मिस्रन लिहन अउर हिजकिय्याह क घाव क जगह पइ लगाएन। तब हिजकिय्याह स्वस्थ होइ गवा।

हिजकिय्याह क स्वस्थ होइ क संकेत

8हिजकिय्याह यसायाह स कहेस, "एकर संकेत का होइ कि यहोवा मोका स्वस्थ करी अउर मइँ यहोवा क मन्दिर मँ तीसरे दिन जाब?"

9यसायाह कहेस, "तू का चाहत अहा? का छाया दस पैड़ी आगे जाइ या दस पैड़ी पाछे जाइ? इहइ यहोवा क तोहरे बरे संकेत अहइ कि जउन यहोवा कहेस ह, ओका उ करी।" 10हिजकिय्याह जवाब दिहेस, "छाया क बरे दस पैड़ियन आगे जाब सहल बाटइ। नाहीं, छाया क दस पैड़ी पाछे हटइ द्या।"

11तब नबी यसायाह यहोवा स पराथना किहस अउर अहाज क धूप-घड़ी पई यहोवा छाया क दस पैड़ियन पाछे हटाएस। उ ओन पैड़ियन पइ लउटी जेन पइ इ पहिले रही।

हिजकिय्याह अउ बाबेल क मनई

12ओन दिनन बलदान क पूत बरोदक बलदान बाबेल क राजा रहा। उ पत्रन क संग एक ठु भेंट हिजकिय्याह क पठएस। बरोदक-बलदान इ एह बरे किहस काहेकि उ सुनेस कि हिजकिय्याह बीमार होइ गवा ह। 13हिजकिय्याह बाबेल क लोगन क सुआगत किहस अउर उ अपने महल क सबहिं कीमती चिजियन क ओनका देखाएस। उ ओनका चाँदी, सोना, मसालन, कीमती इत्र, अस्त्र-सस्त्र अउर अपने खजाने क हर एक चीज देखाएस। हिजकिय्याह क पूटरा महल अउर राज्ज मँ अइसा कछू नाहीं रहा जेका उ ओनका न देखाए होइ।

14तब यसायाह नबी राजा हिजकिय्याह क लगे आवा अउर ओहसे पूछेस, "इ सबइ लोग का कहत रहेन? उ पचे कहाँ स आए रहेन?"

हिजकिय्याह कहेस, "उ पचे बहोत दूर क देस बाबेल स आए रहेन।"

15यसायाह पूछेस, "उ पचे तोहरे महल मँ का लखेन ह?"

हिजकिय्याह जवाब दिहेस, "उ पचे मोरे महल क सबहिं चिजियन लखेन ह। मोरे खजानन मँ अइसा कछू नाहीं बाटइ जेका मइँ ओनका न देखाँया होइ।"

16तब यसायाह हिजकिय्याह स कहेस, "यहोवा क हिआँ स इ सँदेसा क सुना। 17उ समइ आवति अहइ जब तोहरे महल क सबहिं चिजियन अउर उ सबइ सबहिं चिजियन जेनका तोहार पुरखन आजु तलक सुरच्छित रखेन ह, बाबेल स लइ जाइ जइहीं। कछू भी नाहीं बची। यहोवा इ कहत ह। 18बाबेल तोहरे पूतन क लइ लेइहीं अउर तोहार पूत बाबेल क राजा क महल मँ खोजे बने रहिहीं।"

19तब हिजकिय्याह यसायाह स कहेस, "यहोवा क हिआँ स इ सँदेसा नीक अहइ।" हिजकिय्याह सोचेस, "कम स कम मोर जीवनकाल मँ सान्ति अउर रच्छा रहइहीं।"

20हिजकिय्याह जउन बड़के कारज किहस, जेनमाँ जलकुण्ड पइ कीन्ह गए काम अउ नगर मँ पानी लिआवइ बरे नहर बनावइ क काम सामिल अहइँ "यहूदा क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे गए अहइँ। 21हिजकिय्याह मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा गवा अउर हिजकिय्याह क पूत मनस्से ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

मनस्से अपना कुसासन यहूदा पइ आरंभ करत ह

21 मनस्से जब हुकुमत करइ लाग तब उ बारह बरिस क रहा। उ पचपन बरिस तलक यरूसलेम मँ हुकूमत किहस। ओकरी महतारी क नाउँ होसीबा रहा।

2मनस्से उ सबइ काम किहस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा। मनस्से उ सबइ भयंकर काम करत रहा जउन दूसर रास्ट्र करत रहेन। (अउर यहोवा ओन रास्ट्रन क अपना देस तजइ पर मजबूर किहे रहा जब इस्राएली आए रहेन।) 3मनस्से फुन ओन ऊँच जगहन क बनाएस जेनका ओकर बाप हिजकिय्याह बर्बाद किहे रहा। मनस्से भी ठीक इस्राएल क राजा अहाब क तरह बाल क सम्मान देई बरे वेदियन बनाएस अउर असेरा क सम्मान बरे स्तम्भ बनाएस। मनस्से अकासे मँ तारन क पूजा करब सुरू किहस। 4मनस्से यहोवा क मन्दिर मँ झूठे देवतन क पूजा क वेदियन बनाएस। (इ उहइ ठउर अहइ जेकर बारे मँ यहोवा बातन करत रहा जब उ कहे रहा, "मइँ अपना नाउँ यरूसलेम मँ रखब।") 5मनस्से यहोवा क मन्दिर क दुइ आँगनन मँ अकासे क

नछत्रन बरे बेदियन बनाएस। 6मनस्से अपने पूत क बलि
दिहस अउर ओका वेदी पइ बारेस। मनस्से भविस्स जानइ क
कोसिस मँ कइउ तरीकन क उपयोग किहस। उ ओझा
लोगन अउ भूत सिद्धियन स मिला।
मनस्से जियादा स जियादा उ करत गवा जेका यहोवा बुरा
कहे रहा। इ यहोवा क कोहाइ दिहस। 7मनस्से असेरा क
खुदी भइ मूरति बनाएस। उ इ मूरति क मन्दिर मँ धरेस।
यहोवा दाऊद अउ दाऊद क पूत सुलैमान स इ मन्दिर क
बारे मँ कहे रहा: "मइँ यरूसलेम क पूरे इस्राएल क नगरन
मँ स चुनेउँ ह। मइँ आपन नाउँ यरूसलेम क मन्दिर मँ सदा
ही बरे रखब। 8मइँ इस्राएल क लोगन स उ भुइँया जेका
मइँ ओनके पुरखन क दइ दिहे रहेउँ, क तहइ बरे नाहीं
कहब। मइँ लोगन क ओनके देस मँ रहइ देब, जदि उ पचे
ओन सब चिजियन क पालन करिहीं जेनका आदेस मइँ
दिहेउँ ह अउर जउन उपदेस मोर सेवक मूसा ओनका दिहस
ह।" 9किन्तु लोग परमेस्सर क एक न सुनेन। मनस्से ओन
लोन स पाप कराएस। इस्राएलियन आवइ क पहिले कनान
मँ रहइ वाले सबहिं रास्ट्र जेतना बुरा करत रहेन मनस्से
ओहसे भी जियादा बुरा किहे रहा। यहोवा ओन रास्ट्रन क
नस्ट कइ दिहे रहा जब इस्राएल क लोग इ भुइँया लेइ
आए रहेन।
10यहोवा अपने सेवक, नबियन क उपयोग इ किहइ बरे
कहस: 11"यहूदा क राजा मनस्से एन घिनौने पापन क किहेस
ह अउर अपने स पहिले रहइवाले एमोरियन स भी बड़की
बुराई किहेस ह। मनस्से अपने देवमूरतियन क साथ यहूदा स
भी पाप कराएस ह। 12एह बरे इस्राएल क परमेस्सर यहोवा
करत ह, 'लखा! मइँ यरूसलेम अउ यहूदा पइ ऍतनी
विपत्तियन ढाउब कि जदि कउनो मनई एनके बारे मँ सुनी
तउ ओकर हिरदइ बइठ जाइ। 13मइँ यरूसलेम क माप पई
सोमरोन क माप पंक्ति अउर अहाब क परिवार क साहुल
क उपयोग करब। कउनो मनई तस्तरी क पोंछत ह अउर
तब उ ओका उलटिके रख देत ह। मइँ यरूसलेम क साथ
भी अइसा ही करब। 14हुवाँ मोर कछू मनई फुन भी बचे
रहि जइहीं। किन्तु मइँ ओन मनइयन क तजि देब। मइँ
ओनका ओनके दुस्मनन क दइ देब। ओनकर दुस्मन ओनका
बन्दी बनइहीं, उ पचे ओन कीमती चिजियन क तरह होइहीं
जेनका फउजी जुद्ध मँ प्राप्त करत हीं। 15काहे? काहेकि
मोर लोग उ सबइ काम किहन जेनका मइँ बुरा बताएउँ। उ
पचे मोका उ दिन स कोहाइ दिहन ह जउने दिन स ओनकर
पुरखन मिस्र स बाहेर आएन। 16अउर मनस्से अनेक
निरपराध लोगेन क मारेस। उ यरूसलेम क एक सिरे से
दूसर सिरे तलक खून स भरि दिहेन। इ सारे पाप ओन पापन
क अलावा अहइँ जेका उ यहूदा स कराएस। मनस्से यहूदा
स उ कराएस जेका यहोवा बुरा बताए रहा।'"
17ओन पापन सहित अउर भी जउन कार्य मनस्से किहस,
उ सबहिं "यहूदा क राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ
लिखे अहइँ। 18मनस्से मरा अउर अपने पुरखन क संग
दफनावा गवा। ओका उज्जा क बाग मँ दफनावा गवा
जउन कि मनस्से क महल मँ रहा। मनस्से क पूत आमोन
ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

आमोन क अल्पकालीन सासन

19आमोन जब हुकूमत करब सुरू कहस तउ उ बाईस
बरिस क रहा। उ यरूसलेम मँ दुइ बरिस तलक सासन
किहस। ओकरी महतारी क नाउँ मसुल्लेमेत रहा, जउन
योत्बा स हारूस क बिटिया रही।
20ठीक अपने बाप क तरह अमोन उहइ काम किहस,
जेनका यहोवा बुरा कहे रहा। 21आमोन ठीक अपने बाप क
तरह रहत रहा। आमोन ओनहीं देवमूरतियन क पूजा अउ
सेवा करत रहा जेनकर ओकर बाप करत रहा। 22आमोन
अपने पुरखन क परमेस्सर यहोवा क तज दिहस अउर उ
तरह नाहीं रहा जइसा यहोवा चाहत राहा।
23आमोन क सेवकन ओकर खिलाफ सडयंत्र रचेन अउर
ओका ओकरे महल मँ मार डाएस। 24साधारण जनता ओन
सबहिं अधिकारियन क मार डाएस जउन आमोन क खिलाफ
सड्यंत्र रचे रहेन। तब लोग आमोन क पूत योसिय्याह क
ओकरे पाछे नवा राजा बनाएन।
25जउन दूसर काम आमोन किहस उ सबइ "यहूदा क
राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे अहइँ।
26आमोन उज्जर क बाग मँ अपनी कब्र मँ दफनावा गवा।
आमोन क पूत योसिय्याह नवा राजा बना।

योसिय्याह यहूदा पइ अपना सासन सुरू करत ह

22 योसिय्याह जब हुकूमत करब सुरू किहस तउ उ
आठ बरिस क रहा। उ इकतीस बरिस तलक
यरूसलेम मँ हुकूमत किहस। ओकर महतारी बोस्कत क
अदाया क बिटिया, यदीदा रही। 2योसिय्याह उ सबइ काम
किहेस जेनका यहोवा नीक बताए रहा। योसिय्याह परमेस्सर
क अनुसरण अपने पुरखन दाऊद क तरह किहेस। योसिय्याह
ठीक वइसे ही किहेस जइसे परमेस्सर चाहत रहा।

योसिय्याह मन्दिर क मरम्मत क आदेस देत ह

3अपने राज्जकाल क अट्ठारहवे बरिस मँ, अपने सचिव,
मसुल्लाम क पोता व असल्याह क पूत सापान क यहोवा
क मन्दिर मँ पठएस। योसिय्याह कहेस, 4"महायाजक
हिलकिय्याह क लगे जा। ओहसे कहा कि ओका उ गनइ
अउर लइ लेइ चाही जेका लोब यहोवा क मन्दिर मँ
लिआएस ह। द्वारपालन उ धने क लोगन स बटोर रहेन।
5याजकन क इ धन ओन कारीगरन क देइ मँ उपयोग करइ
चाही जउन यहोवा क मन्दिर क मरम्मत करत हीं। याजकन
क इ धन क ओन लोगन क देइ चाही जउन यहोवा क
मन्दिर क देखभाल करत हीं। 6बढ़ई, पाथरे क देवार
बनावइवाले मिस्त्री अउर पाथर क काटइवालन क तनख्वाह
बरे धने उपयोग करा। मन्दिर मँ लगावइ बरे इमारती लकड़ी
अउ कटे पाथर क बेसहइ मँ धने क उपयोग करा। 7उ धने
क जिन गना जेका तू मजदूरन क द्या। ओन मजदूरन पइ
बिस्सास कीन्ह जाइ सकत ह।"

व्यवस्था क किताब मन्दिर मँ मिली

8महायाजक हिलकिय्याह सचिव सापान स कहेस, "लखा!
मोका व्यवस्था क किताब यहोवा क मन्दिर मँ मिली ह।"

हिलकिय्याह इ पुस्तक क सापान क दिहस अउर सापान
एका बाँचेस।
9-10सास्त्री सापान, राजा योसिय्याह क लगे आवा अउर
ओका बताएस जउन भवा रहा। सापान कहेस, “तोहरे
सेवकन मन्दिर स मिले धने क लिहस अउर ओका ओन
कारीगरन क दिहस जउन यहोवा क मन्दिर क काम करत
रहेन। अउर जउन मन्दिर क देख-रेख करत रहेन।” तब
सास्त्री सापन राजा स कहेस, “याजक हिलकिय्याह मोका इ
किताब दइ दिहस ह।” तब सापान राजा क किताब बाँचिके
सुनाएस।
11जब राजा व्यवस्था क कितावे क सब्दन क सुनेस, उ
आपन दु:ख अउर परेसानी परगठ करइ क बरे अपने
ओढ़नन क फारि डाएस। 12तब राजा याजक हिलकिय्याह,
सापान क पूत अहीकाम, मीकायाह क पूत अकबोर, सास्त्री
सापान अउर राजसेवक असाया क आदेस दिहस। 13राजा
योसिय्याह कहेस, “जा, अउर यहोवा स पूछा कि हम क
का करइ चाही। यहोवा क समन्वा मोरे बरे, लोगन क बरे
अउर पूरे यहूदा क बरे याचना करा। इ मिली भइ पुस्तक
क सब्दन क बारे मँ पूछा। यहोवा हम लोगन पइ कोहान
अहइ काहेकि हमार पुरखन इ किताबे क सिच्छा क नाहीं
मानेन। उ पचे हम लोगन क बरे लिखी सब बातन क नाहीं
किहन।”

योसिय्याह अउ नबिया हुल्दा

14एह बरे याजक हिलकिय्याह, अहीकाम, अकबोर,
सापान अउ असाया, नबिया हुल्दा क लगे गएन। हुल्दा
हर्हस क पोता व तिकवा क पूत सल्लूम क मेहरारू रही।
उ याजक क ओढ़नन क देखभाल करत रहा। हुल्दा
यरूसलेम क दूसरे हिस्सा मँ रहत रही। उ पचे गएन अउर
उ पचे हुल्दा स बातन किहन।
15तब हुल्दा ओनसे कहेस, “यहोवा इस्राएल क परमेस्सर
कहत ह: उ मनई स कहा जउन तू पचन्क मोरे लगे पठएस
ह: 16‘यहोवा इ कहत ह: मइँ इ जगह पइ बिपत्ति लावत
हउँ अउर ओन मनइयन पइ भी जउन हिआँ रहत हीं। इ
सबइ उ सब बिपत्तियन अहइँ जेनका उ किताबे मँ लिखा
गवा ह जेका यहूदा क राजा बाँचेस ह। 17यहूदा क लोग
मोका त्याग दिहन ह अउर दूसर देवतन क बरे सुगन्धि
बारेन ह। उ पचे मोका बहोत किरोधित किहन ह। उ पचे
बहोत स देवमूरतियन बनाएन। इहइ कारण अहइ कि मइँ इ
जगह क खिलाफ आपन किरोध परगट करब। मोर विरोध
उ आगी क तरह होइ जउन बुझाइ न जाइ सकी।’
18“यहूदा क राजा योसिय्याह स इ कहा जउन तोहका
यहोवा स सलाह लेइ बरे भेजेस ह। ‘यहोवा इस्राएल क
परमेस्सर उ कहेस जउन तू सुने। तू उ सुन्या जउन मइँ इ
जगह अउर इ जगह पइ रहइवाले लोगन क बारे मँ कहेउँ।
तोहार हिरदइ कोमल अहइ। 19जब तू इ सुन्या तउ तोहका
दु:ख भवा। मइँ कहेउँ कि भयंकर घटनन इ जगह क संग
घटित होइहीं। अउर तू अपने दु:ख क परगट करइ बरे
अपने ओढ़नन क फारि डाया अउर तू रोवइ लाग्या। इहइ
कारण अहइ कि मइँ तोहार बात सुनेउँ।’ यहोवा इ कहत ह,
20‘मइँ तू पचन्क तोहरे पुरखन क संग मिलइ देब्या। तू पचे
मरब्या अउ अपनी कब्र मँ सान्तिपूर्वक जाब्या। एह बरे
तोहार पचन्क अँखियन ओन बिपत्तियन क नाहीं लखिहीं
जेनका मइँ इ जगह पइ ढावइ जात अहउँ।’”
तब याजक हिलकिय्याह, अहीकाम, अकबोर, सापान
अउ असाया राजा स इ सब कहेस।

लोग नेम क सुनत हीं

23 राजा योसिय्याह यहूदा अउ इस्राएल क सबहिं
प्रमुखन से आवइ अउर ओहसे मिलइ क बरे
कहेस। 2तब राजा यहोवा क मन्दिर गवा। सबहिं यहूदा क
लोग अउर यरूसलेम मँ रहइवाले लोग ओकरे संग गएन।
याजक, नबी, अउर सबहिं मनई, सब स जियादा महत्वपूर्ण
स सब स कम महत्वपूर्ण सबहिं ओकरे संग गएन। तब उ
“साच्छीपत्र क पुस्तक” बाँचेस। इ उहइ, “नेम क पुस्तक
रही” जउन यहोवा क मन्दिर स मिली रही। योसिय्याह उ
पुस्तक क इ तरह बाँचेस कि सबहिं लोग ओका सुनि
सकइँ।
3राजा स्तम्भ क लगे खड़ा भवा अउर उ यहोवा क संग
वाचा किहस। उ यहोवा क अनुसरण करब, ओकर आग्या,
वाचा अउर नेमन क पालन करब अंगीकार किहस। उ पूरी
आतिमा अउर हिरदइ स इ करब अंगीकार किहस। उ
किताबे मँ लिखी वाचा क मानब अंगीकार किहस। सबहिं
लोग इ परगट करइ क बरे खड़े भएन कि उ पचे राजा क
वाचा क समर्पन करत हीं।
4तब राजा महायाजक हिलकिय्याह दूसर याजकन अउर
द्वारपालन क बाल, असेरा अउर अकासे क नछयन क
सम्मान बरे बनी सबहिं चिजियन क यहोवा क मन्दिर क
बाहेर लिआवइ क आदेस किहस। तब योसिय्याह ओन
सबहिं क यरूसलेम क बाहेर किद्रोन क खेतन मँ बार
दिहस। तब राखी क उ पचे बेतेल लइ गएन।
5यहूदा क राजा लोग कछू सामान्य मनइयन क याजकन
क रूप मँ सेवा बरे चुने रहा। इ सबइ लोग हारून क
परिवार स नाहीं रहेन। उ पचे झूठे याजक यहूदा क सबहिं
नगरन अउर यरूसलेम क नजिक क नगरन मँ ऊँच जगहन
पइ सुगन्धि बारत रहेन। उ पचे बाल, सूरज, चाँद, नछत्रन
क समूह अउ अकासे क सबहिं नछत्रन क सम्मान मँ
सुगन्धि बारत रहेन। किन्तु योसिय्याह ओन बनावटी याजकन
क रोक दिहस।
6योसिय्याह असेरा स्तम्भ क यहोवा क मन्दिर स हटाएस।
उ असेरा स्तम्भ क नगर क बाहेर किद्रोन घाटी क लइ
गवा अउर ओका हुवँइ बार दिहस। तब उ जरे खण्डन क
कूटेस अउर उ राखी क साधारण लोगन क कब्रन पइ
छितराएस।
7तब राजा योसिय्याह यहोवा क मन्दिर मँ बने पुरुसगामियों
क कोठान क गिरवाइ दिहस। ओन घरन मँ मेहररूअन
झूठी देवी असीराह क सम्मान देइ बरे तम्बू क छोटे अवरण
बिना करत रहिन।
8-9उ समइ याजक बलि यरूसलेम क नाहीं लिआवत
रहेन अउर ओका मन्दिर क वेदी पइ नाहीं चढ़ावत रहेन।

याजक सारे यहूदा क नगरन मँ रहत रहेन अउर उ पचे
ओन नगरन मँ ऊँच नगरियन पइ सुगन्धि बारत अउ बलि
भेंट करत रहेन। उ पचे ऊँची जगह गेबा स लइके बेर्सेबा
तलक हर जगह रहेन। याजकन अखमिरी रोटी यरूसलेम मँ
मन्दिर मँ याजकन बरे बनावा गवा स्थान मँ एका खावइ क
बजाए ओन सहरन मँ साधारण लोगन क संग खाएस। परन्तु
राजा योसिय्याह ओन ऊँची जगहन क नस्ट कइ डाएस अउर
याजकन क यरूसलेम लइ गवा। योसिय्याह ओन ऊँची
जगहन क भी नस्ट किहे रहा जउन यहोसू दुआर क लगे
बाईं ओर रहेन। (यहोसू नगर क प्रसासक रहा।)
10तोपेत "हिन्नोम क पूत क घाटी" मँ एक जगह रही
जहाँ लोग अपने बच्चन क मारत रहेन अउर लबार देवता
मोलेक क सम्मान मँ ओनका वेदी पइ बारत रहेन।
योसिय्याह उ जगहिया क एँतना भ्रस्ट कइ डाएस कि लोग
उ जगहिया क प्रयोग न कइ सकइँ। **11**बीते समइ मँ यहूदा
क राजा लोग यहोवा क मन्दिर क दुआर क लगे कछू
घोड़न अउर रथन रख छोड़े रहेन। इ नतन्मेलेख नाउँ क
महत्वपूर्ण अधिकारी क कमरे क लगे रहा। घोड़न अउ
रथन सूर्य देव क सम्मान बरे रहेन। योसिय्याह घोड़न क
हटाएस अउर रथे क बार दिहस।
12बीते समइ मँ यहूदा क राजा लोग अहाब क इमारत
क छते पइ बेदियन बनाइ रखे रहेन। राजा मनस्से भी यहोवा
क मन्दिर क दुइ आँगनन मँ वेदियन बनाइ रखे रहा।
योसिय्याह ओन वेदियन क तोरि डाएस अउर ओनकर टूटे
टूकन क किद्रोन क घाटी मँ लोकाइ दिहस।
13बीते समइ मँ राजा सुलेमान यरूसलेम क निअरे
विध्वंसक पहाड़ी क दक्खिन मँ कछू ऊँच जगह बनाए रहा।
राजा सुलेमान पूजा क ओन जगहन क, सीदोन क लोग
जउन घिनौनी चीज अस्तोरेत क पूजा करत रहेन, ओकरे
सम्मान बरे बनाए रहेन। सुलैमान मोआब लोगन क जरिये
पूजित घिनौनी चीज कमोस क सम्मान बरे भी एक ठु वेदी
बनाए रहा अउर राजा सुलैमान अम्मोन लोगन क जरिये
पूजित घिनौनी चीज मिल्कोम क सम्मान बरे एक ऊँची
जगह बनाए रहा। किन्तु राजा योसिय्यााह ओन सबहिं पूजा
ठउरन क नस्ट कइ दिहस। **14**राजा योसिय्याह सबहिं स्मृति
पाथरन अउ असेरा स्तम्भन क तोड़ डाएस। तब उ ओन
जगहन क ऊपर मृतकन क हाड़न क छितराएस।
15योसिय्याह बेतेल क वेदी अउ ऊँच जगहन क भी तोरि
डाएस। नबात क पूत यारोबाम इ वेदी क बनाए रहा।
यारोबाम इस्राएल स पाप कराए रहा। योसिय्याह ऊँची
जगहन अउ वेदी दुइनउँ इ तोरि डाएस। योसिय्याह वेदी क
पाथर क टूकन कइ दिहस। तब उ ओनका कूटिके धुरि
बनाइ दिहस अउर उ असेरा स्तम्भ क बार दिहस।
16योसिय्याह चारिहुँ कइँती नजर दउड़ाएस अउर पहाड़े पइ
कब्रन क लखेस। उ मनइयन क पठएस अउर पचे ओन
कब्रन स हाड़न लइ आएन। तब उ वेदी पइ हाड़न क
बारेस। इ तरह योसिय्याह वेदी क भ्रस्ट कइ दिहस। इ उहइ
तरह भवा जइसा यहोवा क सँदेसा क परमेस्सर क जन
घोसित किहे रहा। परमेस्सर क जन एकर घोसणा तब किहन
जब यारोबाम वेदी क बहल मँ खड़ा रहा।
तब योसिय्याह चारिहुँ कइँती निगाह दउड़ाएस अउर
परमेस्सर क जन क कब्र खोदेस।
17योसिय्याह कहेस, "जउने स्मारक क मइँ लखत हउँ,
उ का अहइ?"
नगर क लोग ओहसे कहेन, "इ परमेस्सर क उ जने क
कब्र अहइ जउन यहूदा स आवा रहा। इ परमेस्सर क जन
उ सब बाताए रहा जउन आप बेतेल मँ वेदी क संग किहन।
उ इ सबइ बातन बहोत पहिले बाताए रहा।"
18योसिय्याह कहेस, "परमेस्सर क जन क अकेला छोड़
द्या। ओकरी हाड़न क जिन हटावा।" एह बरे उ पचे हाड़न
तजि दिहन, अउर साथ ही सोमरोन स आए परमेस्सर क जन
क हाड़न भी छोड़ दिहन।
19योसिय्याह सोमरोन नगर क सबहिं ऊँच नगरन क
पूजागृह क भी नस्ट कइ दिहस। इस्राएल क राजा लोग
पूजा गृहन क बानाए रहेन अउर उ यहोवा क बहोत कोहाइ
दिहे रहेन। योसिय्याह ओन पूजा-गृहन क वइसे ही नस्ट
किहेस जइसे उ बेतेल क पूजा क जगहन क नस्ट किहस।
20योसिय्याह सोमरोन मँ रहइवाले ऊँची जगहन क सबहिं
पुरोहितन क मार डाएस। उ ओनहीं वेदियन पइ पुरोहितन क
बध किहस। उ मनइयन क हाड़न वेदियन पइ बारेस। इ तरह
उ पूजा इ ओन जगहन क भ्रस्ट किहस। तब उ यरूसलेम
मँ लउटि आवा।

यहूदा क लोग फसल पर्व मनावत हीं

21तब राजा योसिय्याह सबहिं लोगन क हुकुम दिहस। उ
कहेस, "यहोवा अपने परमेस्सर क फसह पर्व मनावा। एका
उहइ तरह मनावा जइसा साच्छीपत्र क पुस्तक मँ लिखा
अहइ।"
22लोग इ तरह फसह पर्व क तब स नाहीं मनाए रहेन
जब स इस्राएल पइ न्यायाधीस सासन करत रहेन। इस्राएल
क कउनो राजा या यहूदा क कउनो भी राजा कबहुँ फसल
पर्व क एँतना बड़का उत्सव नाहीं मनाए रहा। **23**एह बरे
ओन लोग यहोवा बरे फसह पर्व योसिय्याह क राज्जकाल
क अट्ठारहवें बरिस मँ यरूसलेम मँ मनाएन।
24योसिय्याह ओझा लोगन क, भूतसिच्छकन, गृह-देवतन,
देवमूरतियन अउर यहूदा अउ इस्राएल मँ जउन घिनवनी
चिजियन क पूजा होत रही, सब क नस्ट कइ दिहस।
योसिय्याह इ यहोवा क मन्दिर मँ याजक हिलकिय्याह क
मिली पुस्तक मँ लिखे गए परमेस्सर क नेमन क अनुसार
किहस।
25एकरे पहिले योसिय्याह क समान कबहुँ कउनो राजा
नाहीं भवा रहा। योसिय्याह यहोवा कइँती, अपनी पूरी
आतिमा अउर अपनी पूरी सक्ती स गवा। योसिय्याह क तरह
कउनो राजा मूसा क सबहिं नेमन क अनुसरण नाहीं किहे
रहा। उ समइ स योसिय्याह क तरह क कउनो दूसर राजा
कबहुँ नाहीं भवा।
26किन्तु यहोवा यहूदा क लोगन पइ किरोध करब तजेस
नाहीं। यहोवा अबहुँ भी ओन पइ सारे कामन क बरे कोहान
रहा जेनका मनस्से किहे रहा। **27**यहोवा कहेस, "मइँ
इस्राएलियन क ओनकर देस तजइ क मजबूत किहेउँ। मइँ

यहूदा क संग वइसा ही करब मइँ यहूदा क अपनी आँखिन
स ओझल करब। बेसक मइँ यरूसलेम अउर एकर मन्दिर
क चुना रहा जेकर बारे मँ मइँ कहे रहेउँ, 'मोर नाउँ हुवाँ
रहब मइँ यरूसलेम अउर मन्दिर क रद्द कइ देब।'"
28योसिय्याह जउन दूसर काम किहस उ सबइ "यहूदा क
राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे अहइँ।

योसिय्याह क मउत

29योसिय्याह क समइ मिस्र क राजा फिरौन नको अस्सूर
क राजा क खिलाफ जुद्ध करत परात नदी क गवा। राजा
योसिय्याह नको स भेंटइ मगिद्दो गवा। फिरौन नको
योसिय्याह क लखि लिहस अउर तब ओका मार डाएस।
30योसिय्याह क अधिकारियन ओकरे बदन क एक ठु रथे मँ
धरेन अउर ओका मगिद्दो स यरूसलेम लइ गएन। उ पचे
योसिय्याह क ओकरी अपनी कब्र मँ दफनाएन।
तब साधारण लोग योसिय्याह क पूत यहोआहाज क
लिहन अउर ओकर राज्ज अभिसेक कइ दिहन। उ पचे
यहोआहाज क नवा राजा बनाएस।

यहोआहाज यहूदा क नवा राजा बनत ह

31यहोआहाज तेईस बरिस क रहा, जब उ राजा बना। उ
यरूसलेम मँ तीन महीने तलक हुकूमत किहस। ओकर
महतारी लिब्ना क यिर्मयाह क बिटिया हमूतल रही।
32यहोआहाज उ सबइ काम किहस जेनका यहोवा बुरा बताए
रहा। यहोआहाज उ सब ही काम किहेस जेनका ओकरे
पुरखन किहे रहेन।
33फिरौन नको यहोआहाज क हमात प्रदेस मँ रिबला मँ
कैद रखेस। एह बरे यहोआहाज यरूसलेम मँ सासन नाहीं
कइ सका। फिरौन नको यहूदा क सात हजार पाँच सौ पौण्ड
चाँदी अउर पचहत्तर पौण्ड सोना देइ क मजबूर किहस।
34फिरौन नको योसिय्याह क पूत एल्याकीम क नवा राजा
बनाएस। एल्याकीम अपने बाप योसिय्याह क जगह लिहस।
फिरौन-नको एल्याकीम क नाउँ बदलिके यहोयाकीम कइ
दिहस अउर फिरौन-नको यहोआहाज क मिस्र लइ गवा।
यहोआहाज मिस्र मँ मरा। **35**यहोयाकीम फिरौन क सोना अउ
चाँदी दिहस। किन्तु यहोयाकीम साधारण जनता स बसूलेस
अउर उ धने क उपयोग फिरौन नको क देइ मँ किहस। एह
बरे हर मनई चाँदी अउ सोना क अपने हींसे क भुगतान
किहस अउर राजा यहोयाकीम फिरौन क उ धन दिहस।
36यहोयाकीम जब राजा भवा तउ उ पच्चीस बरिस क
रहा। उ गियारह बरिस तलक यरूसलेम मँ राज्ज किहस।
ओकर महतारी रूमा क अदायाह क बिटिया जबीदा रही।
37यहोयाकीम उ सबइ काम किहेस जेनका यहोवा बुरा बताए
रहा। यहोयाकीम उ सब ही काम किहेस जउन ओकरे
पुरखन किहे रहेन।

राजा नबूकदनेस्सर यहूदा आबत ह

24 यहोयाकीम क समइ मँ बाबेल क राजा नबूकदनेस्सर
यहूदा देस मँ आवा। यहोयाकीम नबूकदनेस्सर क
सेवा तीन बरिस तलक किहेस। तब यहोयाकीम नबूकदनेस्सर
क खिलाफ होइ गवा अउर ओकरे विरूद्ध विद्रोह कइ
दिहा। **2**यहोवा कसदियन, अरामियन, मोआबियन अउ अम्मोनियन
क दलन क यहोयाकीम क विरुद्ध लड़इ बरे पठएस।
यहोवा ओन दलन क यहूदा क नस्ट करइ बरे पठएस। इ
वइसा ही भवा जइसा यहोवा करे रहा। यहोवा अपने सेवक
नबियन क उपयोग उ कहइ बरे किहे रहा।
3यहोवा ओन घटनन क यहूदा क संग घटित होइ क
आदेस दिहस। इ तरह उ ओनका अपनी निगाह स दूर करी।
उ इ एन पापन क कारण किहस जउन मनस्से किहस।
4यहोवा इ एह बरे किहस कि मनस्से बहोत स निरपराध
मनइयन क मार डाएस। मनस्से ओनके खून स यरूसलेम क
भरि दिहेस अउर यहोवा ओन पापन्क छिमा नाहीं कइ चाहत
रहा।
5यहोयाकीम जउन दूसर काम किहस उ सबइ "यहूदा क
राजा लोगन क इतिहास" क किताबे मँ लिखे अहइँ।
6यहोयाकीम मरा अउर अपने पुरखन क संग दफनावा गवा।
यहोयाकीम क पूत यहोयाकीम ओकरे पाछे नवा राजा भवा।
7मिस्र क राजा आपन सीमा स ओग अउर जियादा
जमीन पइ कब्जा नाहीं कइ पाएस, काहेकि बाबेल क राजा
मिस्र क नाला स परात नदी तलक सारे देस पइ, अधिकार
कइ लिहे रहा। ओन जगहन पइ पहिले भी मिस्र क राजा
क सासन रहा।

नबूकदनेस्सर यरूसलेम पइ अधिकार करत ह

8यहोयाकीम जब हुकूमत करइ लाग तब उ अट्ठारह
बरिस क रहा। उ यरूसलेम मँ तीन महीने तलक हुकूमत
किहस। ओकर महतारी यरूसलेम क एलनातान क बिटिया
नहुस्ता रही। **9**यहोयाकीन ओन कामन क किहस जेनका
यहोवा बुरा बताए रहा। उ उ सब ही सब काम किहेस जउन
ओकर बाप किहे रहेन।
10उ समइ बाबेल क राजा नबुकदनेस्सर क अधिकारी
यरूसलेम आएन अउर हमला करइ बरे नगर क घेरि
लिहेस। **11**तब बाबेल क राजा नबूकदनेस्सर नगरे मँ आवा।
जब ओकर अधिकारियन एका हमला बरे घेरइ राखत रहेन।
12यहूदा क राजा यहोयाकीन बाबेल क राजा स भेंटइ बाहेर
आवा। यहोयाकीन क महतारी, ओकर अधिकारी, प्रमुख
अउ दूसर अधिकारी भी ओकरे संग गएन। तब बाबेल क
राजा यहोयाकीन क बन्दी बनाइ लिहस। इ नबूकदनेस्सर क
सासनकाल क अठवाँ बरिस रहा।
13नबूकदनेस्सर सारा खजाना लइ लिहस जउन यहोवा क
मन्दिर मँ अउर राजा क महल मँ रहा। उ नबूकदनेस्सर ओन
सबहिं स्वर्ण-पात्रन क टूकन मँ काट डाएस जेनका इस्राएल
क राजा सुलैमान यहोवा क मन्दिर क बरे बनाए रहा। इ
वइसा ही भवा जइसा यहोवा कहे रहा।
14नबूकदनेस्सर यरूसलेम क सबहिं लोगन क बन्दी
बनाएस। उ सबहिं प्रमुखन अउर दूसर धनी लोगन क बन्दी
बनाइ लिहस। उ दस हजार लोगन क धरेस अउर ओनका
बन्दी बनाएस। नबूकदनेस्सर सबहिं कुसल मजदूरन अउर
कारीगरन क लइ लिहस। साधारण लोगन मँ स सबन त
गरीब लोगन क अलावा नगर मँ कउनो भी नाहीं बचे

रहेन। 15नबूकदनेस्सर यहोयाकीन क बाबेल लइ गवा।
नबूकदनेस्सर राजा क महतारी, ओकर मेहररूअन, अधिकारी
अउर देस क प्रमुख लोगन क भी लइ गवा। नबूकदनेस्सर
ओनका यरूसलेम स बाबेल बन्दी क रूप मँ लइ गवा।
16बाबेल क राजा साढ़े सात हजार फउजी अउर एक हजार
कुसल मजदूर अउर कारीगर भी लइ गवा। इ पचे सबहिं
मनई प्रसिच्छित फउजी रहेन अउर जुद्ध मँ लड़ सकत
रहेन। बाबेल क राजा ओनका बन्दी क रुप मँ बाबेल लइ
गवा।

राजा सिदकिय्याह

17बाबेल क राजा मत्तन्याह क नवा राजा बनाएस।
मत्तन्याह यहोयाकीन क चाचा रहा। बाबेल क राजा मत्तन्याह
क नाउँ बदलिके सिदकिय्याह रख दिहस। 18सिदकिय्याह जब
सासन करब सुरू किहस तउ उ इक्कीस बरिस क रहा। उ
गियारह बरिस यरूसलेम मँ सासन किहस। ओकर महतारी
लिब्ना क यिर्मयाह क बिटिया हमूतल रही। 19सिदकिय्याह
उ सबइ काम किहेस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा।
सिदकिय्याह उ सब ही सारे काम किहेस जउन यहोयाकीम
किहे रहा। 20यहोवा यरूसलेम अउ यहूदा पइ एँतना कोहाइ
गवा कि उ ओनका दूर लोकाइ दिहस।

नबूकदनेस्सर क जरिये सिदकिय्याह क हुकूमत क समाप्ति

उ समइ सिदकिय्याह बाबेल क राजा क खिलाफ बिद्रोह
कइ दिहस।

25 1एह बरे बाबेल क राजा नबूकदनेस्सर अपनी
सारी फउज क संग यरूसलेम क खिलाफ जुद्ध
करइ आवा। सिदकिय्याह क राज्ज क नौवें बरिस क दसवें
महीने क दसवें दिन इ घटना घटित भइ। नबूकदनेस्सर
यरूसलेम क चारिहुँ कइँती डेरा डाएस। तब उ पचे
यरूसलेम क चारिहुँ कइँती ढलवान खड़ी किहन। 2नबूकदनेस्सर
क फउज यरूसलेम क चारिहुँ कइँती सिदकिय्याह क यहूदा
मँ सासनकाल क गियारहवे बरिस तलक बनी रही। 3उ
नगर मँ भुखमरी क दसा बद स बदतर होत जात रही।
चउथे महीने क नौवें दिन साधारण लोगन बरे कछू भी
भोजन नाहीं रहि गवा रहा।

4नबूकदनेस्सर क फउज नगर प्राचीर मँ एक ठु छेद
बनाएस। उ राति क राजा सिदकिय्याह अउर ओकर सारे
फउजी पराइ गएन। उ पचे राजा क बाग क सहारे दुइ
देवारन क दुआर स बच निकरेन। बाबेल क फउज नगर क
चारिहुँ कइँती रही। किन्तु सिदकिय्याह अउर ओकर फउज
रेगिस्ताने कइँती क सड़क पइ पराइ निकरेन। 5बाबेल क
फउज सिदकिय्याह क पाछा किहस अउर ओका यरीहो क
लगे रेगिस्तान मँ पकड़ लिहस। सिदकिय्याह क सारी फउज
पराइ गइ अउर ओका अकेला छोड़ दिहस।

6बाबेल सिदकिय्याह क रिबला मँ बाबेल क राजा क
लगे लइ गएन। बाबेल क राजा सिदकिय्याह क दण्ड देइ
क निर्णय लिहस। 7उ पचे सिदकिय्याह समन्वा ओकरे पूतन
क मार डाएस। तब उ पचे सिदकिय्याह क आँखिन निकारि
लिहन। उ पचे ओका जंजीरे मँ जकरेन अउर ओका बाबेल
लइ गएन।

यरूसलेम क नस्ट कइ दीन्ह गवा

8नबूकदनेस्सर क बाबेल क सासनकाल क उन्नीसवे
बरिस क पँचवे महीने क सतवे दिन नबूजरदान यरूसलेम
आवा। नबूकदनेस्सर क अंगरच्छकन क नायक नबूजरदान
रहा। 9नबूजरदान यहोवा क मन्दिर अउ राजमहल बार
डाएस। नबूजरदान यरूसलेम क सबहिं घरन क भी बार
डाएस। उ बड़की इमारतन क भी बार डाएस।

10तब नबूजरदान क संग जउन बाबेल क फउज रही उ
यरूसलेम क चारिहुँ कइँती क देवारन क महराइ दिहस।
11अउर नबूजरदान ओन सबहिं लोगन क धरेस जउन तब
तलक नगर मँ बचे रह गए रहेन। नबूजरदान सबहिं लोगन
क बन्दी बनाइ लिहस अउर ओनका भी जउन आत्मसमर्पण
करइ क कोसिस लिहन। 12नबूजरदान सिरिफ साधारण
मनइयन मँ सब स गरीब लोगन क हुवाँ रहइ दिहस। उ
ओन गरीब लोगन क हुवाँ अंगूर अउर दूसर फसलन क
देखरेख क बरे रहइ दिहस।

13बाबेल क फउजी यहोवा क मन्दिर क काँसे क
वस्तुअन क टूकन कइ डाएन। उ पचे काँसे स स्तम्भन,
काँसे क गाड़ी क अउर काँसे क बिसाल सरोवर क भी
टूकन कइ डाएन, तब बाबेल क फउजी ओन काँसे क
टूकन क बाबेल लइ गएन। 14कसदियन बर्तन, बेलचे,
दीप-झारू चम्मच अउर काँसे क बर्तन जउन यहोवा क
मन्दिर मँ काम आवत रही, क भी लइ गवा। 15नबूजरदान
सबहिं कढ़ाहियन अउ पियालन क लइ लिहस। उ जउन
सोने क बने रहेन ओनका सोना क बरे अउर जउन चाँदी क
बने रहेन ओनका चाँदी क बरे लिहस। 16-17जउन चिजियन
उ लिहस ओनकर सूची इ अहइ: दुइ काँसे क खम्भा, एक
हौज अउर गाड़ियन जेका सुलैमान क जरिये यहोवा क
मन्दिर बरे बनावा गवा रहा। इन चिजियन मँ लगा काँसा
एँतना भारी रहा कि ओका तोला नाहीं जाइ सकत रहा। हर
एक स्तम्भ लगभग सत्ताइस फुट ऊँचा रहा। स्तम्भन क
सीर्स काँसे क बने रहेन। हर एक सीर्स साढ़े चार फुट ऊँचा
रहा। हर एक सीर्स पइ जाल अउ अनार क नमूना बना
रहा। एकर सब कछू काँसे क बना रहा। दुइनउँ खम्भन पइ
एक ही प्रकार क आहतियन रहिन।

बन्दी बनावा गए यहूदा क लोग

18तब नबूजरदान मन्दिर स महायाजक सरायाह, दूसरा
याजक सपन्याह अउर तीन दुआर रच्छनन क लिहस।

19नगर मँ नबूजरदान एक ठु अधिकारी क लिहस। उ
सेना क सेनापति रहा। नबूजरदान राजा क पाँच सलाहकारन
क भी लिहस जउन नगर मँ पाए गएन। अउर उ सेनापति
क सचिव क लिहस। सेनापति क सचिव उ मनई रहा जउन
साधारण लोगन क गणना करत रहा अउर ओनमाँ स कछू
क फउजी क रूप मँ चुनत रहा। नबूजरदान साठ दूसर
लोगन क भी लिहस जउन नगर मँ पाए गएन।

20-21सेनापति तब नबूजरदान एन सबहिं लोगन क रिबला मँ बाबेल क राजा क सम्नवा लइ गवा। बाबेल क राजा हमात क छेत्र रिबला मँ एनका मार डाएस। इ तरह यहूदा क लोगन क कैदी बनाइके ओनका, ओनके देस स निर्वासित कीन्ह गवा।

गदल्याह, यहूदा क सासक

22बाबेल क राजा नबूकदनेस्सर यहूदा देस मँ कछू लोगन क छोड़ दिहे रहा। उ अहीकाम क पूत गदल्याह क यहूदा क ओन लोगन पइ राज्जपाल बनाएस। अहीकाम सापान क पूत रहा।

23जब फउज क सबहिं सेनापतियन अउ सिपाहियन सुनेन कि बाबेल क राजा गदल्याह क राज्जपाल बनाएस ह। तउ उ पचे गदल्याह क लगे मिस्पा मँ आएन। फउजी सेनापतियन मँ नतन्याह क पूत इस्माएल, कारेहू क पूत योहानान, नतोपाई तन्हूमेत क पूत सरायाह अउ माकाई क पूत याजन्याह रहेन। 24तब गदल्याह इ फउजे क सेनापतियन अउर ओनके मनइयन अउर ओनके मनइयन क बचन दिहस। गदल्याह ओनसे कहेस, "बाबेल क अधिकारियन स जिन डेराअ। इ देस मँ रहा अउर बाबेल क राजा क सेवा करा। तब तोहरे पचन्क संग सब कछू ठीक रही।"

25किन्तु सतवें महीने राजा क परिवारे क एलीसामा क पोता व नतन्याह क पूत इस्माएल दस मनसेघुअन क संग आवा अउ गदल्याह क मार डाएस। उ पचे मिस्पा मँ गदल्याह क संग जउन यहूदी अउ कासदी रहेन, ओनका भी मार डाएस। 26तब सबहिं लोग सब स कम महत्वपूर्ण अउर सब स जियादा अउ सेना क नायक मिस्र क पराइ गएन। उ पचे एह परे पराइन कि उ पवे कसदियन स ससान रहेन।

27पाछे राजा एवील्मरोदक बाबेल क राजा बना। उ यहोयाकीन क जेल स आज़ाद कई दिहस। इ यहूदा क राजा यहोयाकीन क बन्दी बनाए जाइ क सैतीसवें बरिस मँ भवा। इ एवील्मरोदक क सासन सुरू करइ क बारहवें महीने क सत्ताइसवें दिन भवा। 28एवील्मरोदक यहोयाकीन स दयापूर्वक बातन किहस। एवील्मरोदक यहोयाकीन क बाबेल मँ रहइवाले ओकरे सबहिं साथी राजा लोगन स जियादा ऊँच स्थान प्रदान किहस। 29एवील्मरोदक यहोयाकीन क बन्दीगृह क वस्त्रन क पहिरब बन्द करवाएस। यहोयाकीन एवील्मरोदक क संग एक ही मेज पइ खाएस। उ अपनी बाकी जिन्नगी मँ हर एक दिन अइसा ही किहस। 30इ तरह राजा एवील्मरोदक यहोयाकीन क जिन्नगी भर नियमित रूप स रह दिन क भोजन दिहस।

पहिला राजा

अदोनिय्याह राजा बनइ चाहत ह

1 राजा दाऊद बहोत जियादा बूढ़ा रहा। उ अपन क गरम
नाहीं रख सकेत। ओकर सेवक ओका कमरी स
ओढ़ावत रहेन मुला उ फुन भी ठंडा रहत रहा। 2एह बरे
ओकर नौकर ओहसे कहेन, “हम आप क देख-भाल बरे
एक ठु जुवती क हेरब। उ आप क निचके ओलरी अउ
आप क गरम राखी।” 3एह बरे राजा क नउकरन इस्राएल
पहँटा मँ चारिहुँ कइँती एक ठु जुवती क हेरब सुरु किहेन।
उ पचे राजा क गरम रखइ बरे एक ठु सुन्नर लड़की क
हेरत रहेन। ओनका अबीसग नाउँ क एक लड़की मिली। उ
सूनेनिम नगर क रही। उ पचे जुवती क राजा क लगे लइ
आएन। 4लड़की बहोत सुन्नर रही। उ राजा क देख-रेख अउ
सेवा किहस। किन्तु राजा दाऊद ओकरे संग सारीरिक
सम्बन्ध नाहीं किहस।

5-6अदोनिय्याह राजा दाऊद अउर ओकर पत्नी हग्गीत
क पूत रहा। अदोनिय्याह आपन भाई अबसालोम क बाद
पइदा भवा। उ बहोत सुन्नर मनई रहा। राजा दाऊद ओकर
सुधार कबहुँ नाहीं किहस। उ कबहुँ नाहीं पुछेस: “तू काहे
अइसा बेउहार करत ह?” अदोनिय्याह बहोत घमन्डी होइ
गवा, उ फइसला किहस, मइँ अगला राजा होउब एह बरे
उ अपने बरे एक ठु रथ, घोड़न अउ अगवा दउड़इवाले
पाचस मनइयन क लिआएस।

7अदोनिय्याह सरुयाह क पूत योआब अउ याजक एब्यातार
स बातन किहस। उ पचे ओकरे राजा बनई बरे मदद देइ क
फइसला किहेस। यह बरे उ पचे ओकर मदद किहेन।
8मुला कछु लोग उ स्वीकार नाहीं किहेन जउन कछु
अदोनिय्याह करत रहा। उ पचे राजा दाऊद क संग वफ़ादार
रहेस। उ अदोनिय्याह क संग नाहीं मिलेस। इ सबइ लोग
याजक सादोक, यहोयादा क पूत बनायाह, नातान, नबी,
सिमी, रेई अउर राजा दाऊद क बिसेस रच्छक रहेन। 9तब
अदोनिय्याह कछू जनावरन क मेलबलि बरे मारेस। उ कछू
भेड़िन, कछू गइयन अउ कछू मोटवार बछवन क मारेस।
अदोनिय्याह एनरोगेल क लगे जोहेलेत क चट्टान पइ इ
सबइ बलियन चढ़ाएस। अदोनिय्याह आपन सबहिं भाइयन,
(राजा क दूसर पूतन) अउ यहूदा क समूचे राज्ज कर्मचारियन
क न्यौतेस। 10मुला अदोनिय्याह नातान नबी, या बनायाह या
अपने बाप क खास रच्छकन या अपने भाई सुलैमान क
न्यौतेस नाहीं।

नातान अउर बतसेबा क सुलैमान क बारे मँ बात

11जब नातान एकरे बारे मँ सुनेस, उ सुलैमान क महतारी
बतसेबा क लगे गवा। नातान ओहसे पूछेस, “का तू सुन्या
ह कि हग्गीत क पूत अदोनिय्याह का करत अहइ? उ अपने
क राजा घोसित कइ दिहेस अउ हमार सुआमी राजा दाऊद
एकरे बारे मँ कछू नाहीं जानत। 12तोहार जिन्नगी अउ तोहार
पूत सुलैमान क जिन्नगी खतरे मँ पड़ सकत ह। किन्तु मइँ
तोहका बताउब कि अपने क बचावइ बरे तोहका का करइ
चाही। 13राजा दाऊद क लगे जा अउर ओहसे कहा, ‘मोर
राजा, आप मोका बचन दिहे रहेन कि आप क पाछे मोर
पूत सुलैमान अगला राजा होइ। फुन, अदोनिय्याह राजा काहे
बन गवा ह?’ 14तब, जब तू ओहसे बात कर ही रही
होउबी, मइँ अन्दर आउब। तोहार जाइ क पाछे, तब मइँ
जउन कछू घटित भवा ह ओकरे बारे मँ राजा क बताउब।
एहसे इ प्रदर्सित होइ कि तू अदोनिय्याह क बारे मँ जउन
कछू कह्या ह, उ फुरइ अहइ।”

15एह बरे बतसेबा राजा क सोवइ क कमरा मँ भीतरे
ओहसे मिलइ गइ। राजा बहोत जियादा बुढ़वा रहा। सूनेमिन
स आई लड़की अबीसग हुवाँ ओकर देख-रेख करत रही।
16बतसेबा राजा क समन्वा प्रणाम करइ निहुरी। राजा पूछेस,
“तू का चाहति अहा?”

17बतसेबा जवाब दिहस, “मोर राजा, आप अपने परमेस्सर,
यहोवा क नाउँ लइके मोहसे प्रतिग्या किहे रह्या। आप कहे
रह्या, ‘तोहार पूत सुलैमान मोरे पाछे राजा होइ। मोरे
सिंहासने पइ सुलैमान हुकूमत करी।’ 18मुला अब अदोनिय्याह
राजा होइ गवा ह अउर आप एका जानतेन भी नाहीं।
19अदोनिय्याह मेलबलि बरे कहउ जनावरन क मार डाएस
ह। उ बहोत स बर्धन, मोटवार बछवन अउ भेड़िन क मारेस
ह अउर उ आप क सबहिं पूतन क न्यौतेस ह। उ याजक
एब्यातार अउ आप क फउज क सेनापति योआब क भी
न्यौतेस ह। किन्तु उ आप क पूत सुलैमान क न्यौतेस नाहीं,
जउन आप क सेवा करत ह। 20मोर सुआमी अउर राजा,
इस्राएल क सबहिं लोगन क निगाहन आप पइ लगी
अहइँ। उ पचे आप क इ निर्णय क प्रतीच्छा करत अहइँ
कि आप क पाछे कउन राजा होइ। 21जब आप मरिहीं तउ
आप अपने पुरखन क संग दफनावा जइहीं। तउ लोग मोर
अउर मोर पूत सुलैमान क संग अपराधी जइसा बेउहार
करिहीं।”

22जब बतसेबा राजा स बातन करत रही, नातान नबी
ओहसे भेंटइ आवा। 23सेवक लोग राजा स कहेन, “नातान
नबी आवा अहइँ।” एह बरे नातान प्रवेस किहस अउ राजा
क लगे गवा। नातान राजा क समन्वा धरती तलक निहुरा।
24तब नातान कहेस, “मोर राजा, का आप इ घोसना कइ
दिहा ह कि आप क पाछे अदोनिय्याह नवा राजा होइ? का
आप इ निर्णय कइ लिहा ह कि आप क पाछे अदोनिय्याह

लोगन पइ हुकूमत करी। 25आजु उ घाटी मँ खास
मेलबलियन भेंट किहस ह। उ कइउ बर्धन, मोटवार बछवन
अउर भेड़िन क मारेस ह उ आप क दूसर सबहिं पूतन,
फउज क सेनापतियन अउ याजक एब्यातार क न्यौतेस ह।
अब उ पचे ओकरे संग खात अहइँ अउर पिअत अहइँ
अउर उ पचे कहत अहइँ, 'राजा अदोनिय्याह दीर्घायु होइ।'
26मुला उ मोका या याजक सादोक, यहोयादा क पूत
बनायाह या आप क पूत सुलैमान क न्यौतेस नाहीं। 27मोर
सुआमी अउर राजा, का आप आपन सेवकन हम पचन्क,
बिना कहइ इ किहेस? आप हम लोगन स पहिले ही काहे
नाहीं कह्या कि उ तोहार पाछे होइवाला राजा चुना गवा
ह?"

28तब राजा दाऊद कहेस, "बतसेबा स भितरे आवइ क
कहा।" एह बरे बतसेबा भितरे आइ अउर राजा क समन्वा
खड़ी भई।

29तब राजा एक प्रतिग्या किहेस: "यहोवा परमेस्सर मोका
हर एक खतरा स बचाएस ह अउर यहोवा क जिन्नगी क
किरिया खाइके मइँ तोहसे प्रतिग्या करत हउँ। 30मइँ आजु उ
प्रतिग्या क पूरा करब जेकर बचन मइँ पहिले तोहका दिहे
रहेउँ। मइँ इ प्रतिग्या यहोवा इस्राएल क परमेस्सर स किहे
रहेउँ कि तोहार पूत सुलैमान मोरे पाछे राजा होइ अउर मोरे
पाछे सिंहासने पइ मोरे जगह उहइ लेइ। यह बरे आजु मइँ
आपन प्रतिग्या क पूरा करब।"

31तब बातसेबा राजा का समन्वा धरती तलक निहुरी के
प्रणाम किहेस अउ कहेस, "मोर सुआमी राजा दाऊद हमेसा
हमेसा जिअत रहे!"

सुलैमान नवा राजा क रूप मँ चुना जात ह

32तब राजा दाऊद स कहेस, "याजक सादोक नातान नबी
अउ यहोयादा क पूत बनायाह स हिआँ अन्दर आवइ क
कहा।" एह बरे तीनहुँ मनइयन राजा क समन्वा आएन।
33तब राजा ओनका कहेस, "मोरे अधिकारियन क अपने
संग ल्या अउर मोरे पूत सुलैमान क मोरे निजी खच्चर पइ
बइठावा। ओका गीहोन सोता पइ लइ जा। 34उ जगह पइ
याजक सादोक अउ नातान नबी, इस्राएल क राजा क रूप
मँ ओकर अभिसेक करइँ। तू लोग तुरही बजावा अउ इ
घोसणा करा, 'इ सलेमान नवा राजा बा।' 35तब एकरे पाछे
ओकरे संग हिआँ लउट आवा। सुलैमान मोरे सिंहासने पई
बइठी अउर हमरे जगह पइ नवा राजा होइ। मइँ सुलैमान
क इस्राएल अउ यहूदा क सासक होइ बरे चुनेउँ ह।"

36यहोयादा क पूत बनायाह राजा क जवाब दिहस्,
"आमीन! यहोवा परमेस्सर खुद इ कहेस ह, मोर सुआमी
अउ राजा! 37मोर सुआमी राजा, यहोवा हमेसा आप क संग
रहेस ह। यहोवा सुलैमान क भी संग रहइ अउर ओकर
राज्ज तेहार राज्ज स भी बड़का अउर मज़बूत होइ, मोर
सुआमी अउ राजा!"

38एह बरे सादोक, नातान, बनायाह अउ राजा क
अधिकारियन राजा दाऊद क आग्या क पालन किहस। उ
पचे सुलैमान क राजा दाऊद क खच्चरे पइ चढ़ाएन अउर
ओकरे संग गीहोन क सोते पइ लइ गएन। 39याजक
सादोक पवित्तर तम्बू स तेल लिहस। सादोक, इ देखावइ क
बरे कि सुलैमान राजा अहइ, ओकरे मूँड़े पइ तेल डाएस। उ
पचे तुरही बजाएन अउर सबहिं लोग उद्घोस किहेन, "राजा
सुलैमान दीर्घायु होइ।"

40सबहिं लोग नगर मँ सुलैमान क पाछे आएन। उ पचे
बांसुरी बजावत रहेन अउ खुसी क नारा लगावत रहेन। उ
पचे एँतना सोर करत रहेन कि धरती काँप उठी।

41इ समइ अदोनिय्याह अउ ओकर संग क सबहिं
अतिथि आपन भोजन खतम करत रहेन। उ पचे तुरही क
अवाज सुनेन। योआब पूछेस, "इ सोर कइसा अहइ? नगर मँ
का होत अहइ?"

42जब योआब बोलत ही रहा, याजक एब्यातार क पूत
योनातन हुँवा पहोंचा। अदोनिय्याह कहेस, "हिआँ आवा। तू
एक योग्य मनई अहा। मोका सुभ समाचार सुनावा।"

43मूला योनातन जवाब दिहेस, "नाहीं! इ तोहरे बरे सुभ
सूचना नाहीं अहइ। हमरे राजा दाऊद सुलैमान क नवा राजा
बनाएस ह। 44अउर राजा दाऊद याजक सादोक, नातान नबी,
यहोयादा क पूत बनायाह अउर राजा क सबहिं अधिकारियन
क ओकरे संग पठएस ह। उ पचे सुलैमान क राजा क
खच्चर पई बइठाएन। 45तब याजक सादोक अउ नातान नबी
गीहोन सोते पइ सुलैमान क अभिसेक किहेन अउर तब उ
पचे नगर मँ गएन। लोग ओनकर अनुसरण किहन अउर
अब नगर मँ लोग बहोत खुस अहइँ। उ सोर जउन् तू सनत
अहा, उहइ क अहइ। 46सुलैमान अब राजा क सिंहासने पइ
बइठा अहइ।

47हिआँ तलक कि राजा क सबहिं सेवक राजा दाऊद क
धन्यवाद देइ बरे आएन, अउ कहेन, 'राजा दाऊद, आप एक
ठु महान राजा अहइँ अउर अब हम पराथना करित हीं कि
आप क परमेस्सर, सुलैमान क आप स भी जियाद प्रसिद्ध
बनाई। आप क परमेस्सर सुलैमान क आप स भी जियादा
महान राजा बनाई अउर ओकर राज्ज आप क राज्जय स भी
जियादा महान होई।'

"हिआँ तलक कि राजा दाऊद भी हुवाँ रहेन, अउर उ
अपने बिछउना स ही निहुरेन। 48राजा दाऊद केहस,
'इस्राएल क परमेस्सर यहोवा क स्तुति करा। यहोवा मोरे
पूतन मँ स एक क मोरे सिंहासने पइ बइठाएस ह अउर
एका मोका लखइ दिहेस ह।'"

49तब अदोनिय्याह क सबहिं अतिथि डेराइ गएन अउर
हाली स चले गएन। 50अदोनिय्याह भी सुलैमान स डेराइ
गवा रहा। एह बरे उ वेदी तलक गवा अउ वेदी क सींगन
क धइ लिहस। 51तब कउनो सुलैमान स कहेस, "अदोनिय्याह
तोहसे बहोत डेरान अहइ। अदोनिय्याह वेदी क लगे अहइ।
उ वेदी क सींगन क धइ लिहेस ह अउ ओका तजइ स
इन्कार करत ह। अदोनिय्याह कहत ह, 'राजा सुलैमान स इ
प्रतिग्या करइ क कहा कि उ मोका मारी नाहीं।'"

52एह बरे सुलैमान जवाब दिहेस, "जदि अदोनिय्याह इ
प्रमाणित करत ह कि उ एक नीक मनई अहइ तउ मइँ
प्रतिग्या करत हउँ कि ओकरे मूड़ि क एक ठु बार बाँका
नाहीं होइ। किन्तु जदि उ कछू बुरा करी तउ मार दीन्ह
जाइ।" 53तब राजा सुलैमान कछू मनइयन क अदोनिय्याह क

लिआवइ बरे पठएस। उ पचे ओका वेदी स नीचे लिआएस।
अदोनिय्याह क राजा सुलैमान क समन्ना आवा अउर
निहुरिके प्रणाम किहेस। तब सुलैमान कहेस, "घरे जा।"

राजा दाऊद क मउत

2 दाऊद क मरइ क समइ लगभग आइ पहोंचा। एह
बरे दाऊद सुलैमान स बातन किहस अउर ओहसे
कहेस, 2"मइँ मरइ प हउँ जइसा सबहिं मनई मरत ह।
लेकिन तू मज़बूती क संग बढ़त अहा अउर एक मनई बनत
अहा।" 3ओन सबहिं आदेसन क होसियारी क संग पालन
करा जउन यहोवा हमार परमेस्सर दिहस ह। ओकरे सबहिं
नेमन, आदेसन, फइसलन अउ करारन क पालन करा जउन
मूसा क बेवस्था क किताबे मँ लिखा अहइ। जदि तू एन
सबहिं क पालन करब्या तउ तू जउन कछू करब्या अउर
जहाँ कहूँ जाब्या, सफल होब्या। 4अउर जदि तू यहोवा क
आग्या क पालन करत रहब्या तउ यहोवा मोरे बरे कीन्ह
गइ प्रतिग्यन क पालन करी। मोरे बरे यहोवा जउन प्रतिग्या
किहेस, उ इ अहइ, 'तोहरे पूतन क मोरी आग्या क पालन
करइ चाहो अउर ओनका वइसे रहइ चाही जइसा रहइ बरे
मइँ कहउँ। तोहरे पूतन क पूरे हिरदय अउ आतिमा स
मोहमाँ बिस्सास रखइ चाही। जदि तोहरे पूत इ करिहीं तउ
तोहरे परिवार क एक ठु मनई सदा इस्राएल क लोगन क
सासक होइ।'"

5दाऊद इ भी कहेस, "तू इ भी याद राखा जउन सरुयाह
क पूत योआब मोरे संग किहेस ह। उ इस्राएल क फउजे
क दुइ सेनापतियन क मार डाएस। उ नेर क पूत अब्नेर अउ
येतेर क पूत अमासा क मारेस। तोहका जरूर याद होइ कि
उ ओनका सान्ति क समइ मारेस रहा। एन मनइयन क खून
क दाग ओकरी तरवार क मूठ अउ ओकरे पहिरे भए
फउजियन क जूतन पइ लगा भवा रहा। मोका ओनका सज़ा
देइ चाही। 6किन्तु अब राजा तू अहा। एह बरे तोहका ओका
इ तरह सजा देइ चाही जेका तू सब स जियादा बुद्धिमत्तापूर्ण
समुझा। किन्तु तोहका इ निहचइ कइ लेइ चाही कि उ मार
डावा जाइ। ओका बुढ़ापे क सान्ति स भरी मौत न पावइ
द्या।

7"गिलाद क बर्जिल्लै क बच्चन पइ दयालु रहा। ओनका
आपन मीत होइ द्या अउ अपनी मेज पइ भोजन करइ द्या।
उ पचे मोर तब मदद किहेन, जब मइँ तोहरे भाई
अबसालोम स भाग खड़ा भवा रहेउँ।

8"अउर याद राखा गेरा क पूत सिमी तोहरे संग हिआ
अहइ। उ बहूरीम क बिन्यामीन परिवार समूह क अहइ। याद
राखा कि उ मोका दु:खदायक सराप स सरापेस ह* जउने
दिन मइँ महनैम क भाग गवा रहेउँ। तब उ मोहसे मिलइ
यरदन नदी पइ आवा रहा। किन्तु मइँ यहोवा क समन्वा
प्रतिग्या किहे रहेउँ, 'सिमी मइँ तोहका नाहीं मारब।' 9किन्तु
सिमी क सजा दिए बगैर न रहइ द्या। तू बुद्धिमान मनई
अहा, तू समुझ जाब्या कि ओकरे संग का करइ चाही।
मुला ओका बुढ़ापे क सान्ति स भरी मौत न पावइ द्या।"

10तब दाऊद मर गवा। उ दाऊद नगर मँ दफनावा गवा।
11दाऊद इस्राएल पइ चालीस बरिस तलक हुकूमत किहस।
उ हेब्रोन मँ सात बरिस अउ यरूसलेम मँ तैंतीस बरिस
तलक हुकूमत किहस।

सुलैमान आपन राज क देख-रेख

12अब सुलैमान दाऊद क सिंहासन पइ हुकूमत करइ
लाग अउर उ आपन राज्ज पइ पूरा अधिकार कइ लिहेन।

13इ समइ हग्गीत क पूत अदोनिय्याह सुलैमान क
महतारी बतसेबा क लगे गवा। बलसेबा ओहसे, पूछेस्, "का
तू सान्ति क भाव स आवा अहा?"

अदोनिय्याह जवाब दिहस्, "हाँ इ सान्ति स भरा मिलन
अहइ। 14मोका आप स कछू कहब अहइ।" बतसेबा कहेस,
"तउ कहा।"

15अदोनिय्याह कहेस, "तोहका याद अहइ कि एक समइ
राज्ज मोर रहा। इस्राएल क सबहिं लोग मोका आपन
अगला राजा समुझत रहेन। किन्तु स्थिति बदल गइ। अब
मोर भाई राजा अहइ। यहोवा ओका राजा होइ बरे चनेस।
16एह बरे मइँ तोहसे एक ठु चीज माँगत हउँ। मेहरबानी
कइके इन्कार न करइँ।"

बतसेबा पूछेस, "तू का चाहत अहा?"

17अदोनिय्याह जवाब दिहेस, "मइँ जानत हउँ कि राजा
सुलैमान उ सब कछू करिहीं जउन तू कहबिउ। एह बरे कृपा
कइके ओनसे कह्या कि मोका सुनेम क अबीसग क संग
बियाह करइ द्या।"

18तब बतसेबा कहेस, "ठीक अहइ, मइँ तोहरे बरे राजा
स बात करब।"

19एह बरे बतसेबा राजा सुलैमान क लगे ओहसे बात
करइ गइ। राजा सुलैमान ओका लखेस अउर उ ओहसे
मिलइ बरे खड़ा भवा। तब उ ओकरे समन्वा प्रणाम करइ
निहुरा अउ सिंहासने पइ बइठ गवा। उ सेवकन स, अपनी
महतारी बरे दूसर सिंहासन लिआवइ क कहेस। तब उ
ओकरी दाहिन कइँती बइठ गइ।

20बतसेबा ओहसे कहेस्, "मइँ तोहसे एक नान्ह चीज
माँगत हउँ। कृपा कइके इन्कार न कर्या।"

राजा उत्तर दिहेस, "महतारी तू जउन चाहा, माँग सकति
अहा। मइँ तोहका मना नाहीं करबेउँ।"

21एह बरे बतसेबा कहेस, "सूनेमिन मेहरारू अबीसग क
अपने भाई अदोनिय्याह क संग बियाह करइ द्या।"

22राजा सुलैमान अपनी महतारी स कहेस, "तू अबीसग
क ओका देइ बरे मोहसे काहे कहति अहा? तू मोहसे इ
काहे नाहीं कहतिउ कि मइँ ओका राजा भी बनाइ देउँ
काहेकि उ मोर बड़का भाइ अहइ? याजक एब्यातार अउ
योआब ओकर समर्थन करिहीं।"

23तब सुलैमान यहोवा स एक ठु प्रतिग्या किहेस। उ
कहेस्, "मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि मोहसे इ माँग करइ क
बरे मइँ अदोनिय्याह स भुगतान कराउब। उ पचे इ माँग बरे
आपन जिन्नगी देइ देब। 24यहोवा मोका इस्राएल क राजा
होइ दिहस ह। उ उ सिंहासन मोका दिहेस ह जउन मोर बाप
दाऊद क अहइ। यहोवा अपनी प्रतिग्या पूरी किहेस ह अउ

याद राखा … सरापेस ह लखा 2 समूएल 16:5-8

राज्ज मोका अउ मोरे परिवार क दिहस ह। मइँ सास्वत
परमेस्सर क समन्वा, प्रतिग्या करत हउँ कि अदोनिय्याह
आज मरी!"

25राजा सुलैमान बनायाह क आदेस दिहस। बनायाह बाहेर
गवा अउर उ अदोनिय्याह क मार डाएस।

26तब राजा सुलैमान याजक एब्यातार स कहेस, "मोका
तोहका मार डावइ चाही, किन्तु मइँ तोहका अपने घरे
अनातोत मँ लउट जाइ देत हउँ। मइँ तोहका अबहुँ मारब
नाहीं काहेकि मोर बाप दाऊद क संग चलत समइ तू
पवित्तर सन्दूख क लइ चलइ मँ मदद किहे रह्या जब तू
मोरे बाप दाऊद क संग रह्या। मइँ जानत हउँ कि तू मोर
बाप क मदद किहे रहा अउर मोर बाप क सबहिं कठिन
समइ मँ साथ दिहे रहा।" **27**सुलैमान एब्यातार स कहेस कि
तू याजक क रुप मँ यहोवा क सेवा करत नाहीं रह
सकत्या। इ सब बइसे ही भवा, जइसा यहोवा होइ बरे कहे
रहा। परमेस्सर याजक एली अउ ओकरे परिवार क बारे मँ
सीलो मँ इ कहे रहा अउर एब्यातार एली क परिवार स
रहा।

28योआब इ बारे मँ सुनेस अउर उ डेराइ गवा। उ
अदोनिय्याह क समर्थन किहे रहा, किन्तु अबसालोम क
नाहीं। योआब यहोवा क तम्बू कइँती दउड़ा अउर वेदी क
सींगो क धइ लिहस। **29**कउनो राजा सुलैमान स कहेस कि
योआब यहोवा क तम्बू मँ वेदी क लगे अहइ। एह बरे
सुलैमान बनायाह क जाइ अउ ओका मार डावइ क आदेस
दिहस।

30बनायाह यहोवा क तम्बू मँ गावा अउ योआब स
कहेस, "राजा कहत हीं, 'बाहेर आवा।'"

मुला योआब जवाब दिहेस, "नाहीं, मइँ हिअइँ मरब।"

एह बरे बनायाह राजा क लगे वापस गवा अउ ओहसे
उहइ कहेस जउन योआब कहे रहा। **31**तब राजा बनायाह क
आदेस दिहस, "वइसा ही करा जइसा उ कहत ह। ओका
हुवँइ मार डावा। तब ओका दफनाइ द्या। तब हमार परिवार
अउर हम योआब क दोख स अजाद होब। इ अपराध एह
बरे भवा कि योआव निरपराध लोगन क मारे रहा।
32योआब दुइ मनइयन क मार डाएस, जउन ओहसे बहोत
नीक रहेन। इ पचे नेर क पूत अब्नेर अउ येतेर क पूत
अमासा रहेन। अब्नेर इस्राएल क फउज क प्राधान सेनापति
रहा अउर अमासा यहूदा क फउज क सेनापति रहा। उ
समइ, मोर बाप दाऊद इ नाहीं जानत रहेन कि योआब
ओनका मार डाए रहा। एह बरे यहोवा योआब क ओन
मनइयन बरे सजा देइ जेनका उ मार डाए रहा। **33**उ ओनकर
मउत बरे अपराधी होइ अउर ओकर परिवार भी सदा बरे
दोखी होइ। किन्तु परमेस्सर कइँती स दाऊद क, ओकरे
सन्तानन, ओकरे राज परिवार अउ सिंहासन क सदा-सदा बरे
सान्ति मिली।"

34एह बरे यहोयादा क पूत बनायाह योआब क मार
डाएस। योआब मरुभूमि मँ अपने घरे क लगे दफनावा
गवा। **35**सुलैमान तब योहादा क पूत बनायाह क योआब क
जगह पइ सेनापति बनाएस। सुलैमान एब्यातार क ठउरे पइ
सादोक क महायाजक बनाएस। **36**एकरे पाछे राजा सिमी क
बोलाएस। राजा ओहसे कहेस्, "हिआँ यरूसलेम मँ तू अपने
बरे एक ठु घर बनावा, उहइ घरे मँ रहा अउर नगर क
जिन तजा। **37**जदि तू नगर क तजब्या अउ किद्रोन क नाले
क पार जाब्या तउ तू मार डावा जाब्या अउर इ तोहार दोख
होइ।"

38एह बरे सिमी जवाब दिहेस, "मोर राजा, आप जउन
कहेन ह, ठीक बाटइ। मइँ आप क हुकुम क मानब।" एह
बरे सिमी यरूसलेम मँ बहोत समइ तलक रहा। **39**किन्तु तीन
बरिस पाछे सिमी क दुइ सेवक पराइ गएन्। उ पचे गत क
राजा क लगे पहोंचेन। ओकर नाउँ आकीस रहा जउन माका
क पूत रहा। सिमी सुनेस कि ओकर सेवक गत मँ अहइ।
40एह बरे सिमी आपन काठी अपने खच्चर पइ रखेस अउर
गत मँ राजा आकीस क लगे गवा। उ अपने सेवकन क
प्राप्त करइ गवा। उ ओनका ढूँढ़ लिहस अउर अपने घरे
वापस लिआवा।

41मुला कउनो सुलैमान स कहेस, कि सिमी यरूसलेम
सगत गवा रहा अउर लउटि आवा ह। **42**एह बरे सुलैमान
ओका बोलवाएस। सुलैमान सिमी स कहेस, "मइँ तोहका
चिताउनी देत हउँ कि मइँ यहोवा क नाउँ पइ इ प्रतिग्या
किहे रहेउँ कि जदि तू यरूसलेम तजब्या, तउ मारा जाब्या।
मइँ चितउनी दिहे रहेउँ कि जदि तू दूसर कहूँ जाब्या तउ
तोहरे मारे जाइ क दोख तोहार होइ। अउर तू ओका
अंगीकार किहे रहा जउन कछू मइँ कहेस रहा। तू कहेस
रहा कि तू मोर आग्या अउर आदेसन क पालन करब्या।
43तू अपनी प्रतिग्या काहे तोड़्या? तू मोरे आदेस क पालन
काहे नाहीं किहा? **44**तू जानत ह कि तू मोरे बाप दाऊद क
खिलाफ बहोत स गलत काम किहा, अब यहोवा ओन
गलत कामन बरे तोहका सजा देइ। **45**किन्तु यहोवा मोका
आसीर्वाद देइ। उ दाऊद क सिंहासन क सदा ही सुरच्छा
करी।"

46तब राजा बनायाह क सिमी क मार डावइ क आदेस
दिहेस अउर इ एका पूरा किहस। अब सुलैमान अपने राज्ज
पइ पूरा नियंत्रण कइ चुका रहा।

सुलैमान बुद्धि माँगत ह

3 सुलैमान मिस्र क राजा फिरौन क बिटिया के संग
बियाइ कइके ओकरे संग सन्धि किहेस। सुलैमान
ओका दाऊद नगर क लइ आवा। इ समइ अबहुँ भी
सुलैमान आपन महल अउर यहोवा क मन्दिर बनावत रहा।
सुलैमान यरूसलेम चहारदीवारी भी बनावात रहा। **2**मन्दिर
अबहुँ तलक पूरा नाहीं भावा रहा। एह बरे लोग अबहुँ भि
उच्च जगहन पइ जनावरन क बलि भेंट करत रहेन।
3सुलैमान देखाएस कि उ यहोवा स पिरेम करत ह। ओकरे
आपन बाप दाऊद जउन कछू करइ क कहे रहा, उ ओन
सब क पालन किहेस किन्तु सुलैमान कछू अइसा भी किहस
जेका करइ बरे दाऊद नाहीं कहे रहा। सुलैमान अबहुँ तलक
उच्च जगहन क उपयोग बलि भेंट अउ सुगन्धि बारइ क
बरे करत रहा।

4राजा सुलैमान बलि भेंट करइ गिबोन गवा। उ हुँवा एह
बरे गवा काहेकि उ सब स जियादा महत्वपूर्ण ऊँच जगह

रही। सुलैमान एक हजार बलियन उ वेदी पइ भेंट किहस।
5जब सुलैमान गिबोन मँ रहा उहइ रात क ओकरे लगे
सपन मँ यहोवा आवा। परमेस्सर कहेस, "जउन चाहत अहा
तू माँगा, मइँ ओका तोका देबउँ।"
6सुलैमान जवाब दिहेस, "तू अपने सेवक मोर बाप दाऊद
पइ बहोत दयालु रह्या। उ तोहार अनुसरण किहेस। उ नीक
रहा अउ सच्चाई स रहा अउर तू ओकरे बरे तब सब स
बड़की कृपा किहा जब तू ओकरे पूत क ओकरे सिंहासने
पइ हुकुमूत करइ दिहा। 7यहोवा मोर परमेस्सर, तू मोका
अपने बाप क जगह पइ राजा होइ दिहा ह। किन्तु मइँ एक
नान्ह बालक क नाईं हउँ। मोरे लगे, मोका जउन करइ
चाही ओका करइ बरे बुद्धि नाहीं अहइ। 8तोहार सेवक,
मइँ हिआँ तोहरे चुने लोगन मँ एक महान लोगन मँ अहउँ,
उ पचे एँतने जियादा अहइँ कि गना नाहीं जाइ सकतेन। 9एह
बरे मइँ तोहसे माँगत हउँ कि तू मोका बुद्धि द्या जेहसे मइँ
सच्चाई स लोगन पइ हुकूमत अउ ओनकर निआउ कइ
सकउँ। एहसे मइँ सही अउ गलत क फरक क जान
सकउँ। इ स्रेस्ठ बुद्धि क बिना एँन महान रास्ट्रन पइ सासन
करब असंभव अहइ।"
10यहोवा खुस भवा कि सुलैमान ओहसे इ माँगेस। 11एह
बरे परमेस्सर ओहसे कहेस, "तू अपने बरे दीर्घायु नाहीं
माँग्या। तू अपने बरे सम्पत्ति नाहीं माँग्या। तू अपने दुस्मनन
क मउत नाहीं माँग्या। मुला तू बुद्धि अउर सही निर्णय
करइ बरे ग्यान माँग्या। 12एह बरे मइँ तोहका उहइ देब
जउन तू माँग्या। मइँ तोहका बुद्धिमान अउ बिवेकी बनाउब।
मइँ तोहरी बुद्धि क एँतना महान बनाउब कि बीते जमाने मँ
कबहुँ तोहरे जइसा कउनो मनई नाहीं भवा ह अउर भविस्स
मँ जइसा कबहुँ कउनो नाहीं होइ। 13अउर तोहका पुरस्कृत
करइ बरे मइँ तोहका उ सबइ चिजियन भी देबउँ जेनका तू
नाहीं माँग्या। तोहरे पूरी जिन्नगी मँ सम्पत्ति अउ प्रतिस्ठा बनी
रही। संसार मँ तोहरे जइसा महान राजा दूसर कउनो नाहीं
होइ। 14मइँ तोहसे चाहत हउँ कि तू मोर अनुसरण करा
अउर मोरे नेमन अउर आदेसन क पालन करा। इ उहइ
प्रकार करा जउने प्रकार तोहार बाप दाऊद किहस। जदि तू
अइसा करब्या तउ मइँ तोहका दीर्घायु भी करब।"
15सुलैमान जाग गवा। उ जान गवा कि परमेस्सर ओकरे
संग सपन मँ बातन किहस ह। तब सुलैमान यरूसलेम गवा
अउर यहोवा क करार क सन्दूखे क समन्वा खड़ा भवा।
सुलैमान यहोवा क होमबलि अउर मेलबलि चढ़ाएस। एकरे
पाछे उ ओन सबहिं प्रमुखन अउ अधिकारियन क दावत
दिहस जउन हुकूमत करइ मँ ओकर मदद करत रहेन।
16एक दिन दुइ मेहररुअन जउन रंडियन रहिन, सुलैमान
क लगे आइन। 17मेहररुअन मँ स एक कहेस, "महाराज, इ
मेहरारु अउर मइँ एक ही घरे मँ रहत हीं। हम दुइनउँ
गर्भवती भएन अउर अपने बच्चन क जन्म देइ ही वाले
रहेन। मइँ अपने बच्चे का जन्म दिहेउँ जब इ हुवाँ मोरे साथ
रही। 18तीन दिन बाद इ मेहरारु भी अपने बच्चा क जन्म
दिहस। हम लोगन क संग कउनो दूसर मनई घरे मँ नाहीं
रहा। सिरिफ हम दुइनउँ ही रहेन। 19एक रात इ मेहरारु क
बच्चा मर गवा काहेकि उ बच्चा पइ सोई गइ रही। 20एह
बरे रात क जब मइँ सोई रही, इ मोरे पूत क मोरे बिछउन
स लइ लिहस। तब इ मरे बच्चे क मोरे बिछउन पइ डाइ
दिहस। 21अगले भिंसारे मइँ जागी अउर अपने बच्चे क दूध
पिआवइ वाली रही। किन्तु मइँ लखेउँ कि बच्च मरा भवा
ह। तब मइँ ओका जियादा निचके स लखेउँ। मइँ लेखेउँ
कि इ मोर बच्च नाहीं अहइ।"
22मुला दुसर मेहरारु कहेस, "नाहीं! जिअत बच्चा मोर
अहइ। मरा बच्चा तोहार अहइ।"
किन्तु पहिली मेहरारु कहेस, "नाहीं! तू गलत अहा। मरा
बच्चा तोहार अहइ अउर जिअत बच्चा मोर अहइ।" इ तर
दुइनउँ मेहररुअन राजा क समन्वा बहस किहन।
23तब राजा सुलैमान कहेस, "तू दुइनउँ कहति अहा कि
जिअत बच्चा हमार आपन अहइ अउर तू पचन मँ स हर
एक कहत अहइ कि मरा बच्चा दूसरी क अहइ।"
24तब राजा सुलैमान अपने सेवक क तरवार लिआवइ
पठएस। 25अउर राजा सुलैमान कहेस, "हम इहइ करब।
जिअत बच्चे क दुइ ट्कन कइ द्या। दुइनउँ मेहरारु क
आधा आधा बच्चा दइ द्या।"
26दूसर मेहरारु कहेस, "इ ठीक अहइ। बच्चा क दुइ
टूकन मँ काट डावा। तब हम दुइनउँ मँ स ओका कउनो
नाहीं पाई।" किन्तु पहिली मेहरारु, जउन सच्ची महतारी रही,
अपने बच्चे क बरे पिरेम स भरी रही। उ राजा स कहेस,
"मेहरबानी कइके बच्चा क जिन मारा। एका ओका ही दइ
देइँ।"
27तब राजा सुलैमान कहेस, "बच्च क जिन मारा। एका,
पहिली मेहरारु क दइ द्या। उहइ सच्ची महतारी अहइ।"
28इस्राएल क लोग राजा सुलैमान क निणर्य क सुनेन।
उ पचे ओकर बहोत आदर अउ सम्मान किहेन काहेकि उ
पचे जान गएन कि ओकर ठीक निआउ करइ क बुद्धि
ओकरे लगे परमेस्सर स आई।

सुलैमान क राज्ज

4 राजा सुलैमान इस्राएल क सबहिं लोगन पइ सासन
करत रहा। 2इ सबइ प्रमुख अधिकारियन क नाउँ
अहइँ जउन सासन करइ मँ ओकर मदद करत रहेन:

सादोक क पूत अजर्याह याजक रहा।
3सीसा क पूत एलीहोरेप अउ अहिय्याह उ विवरण
क लिखइ क कार्य करत रहेन जउन निआबालय मँ
होत रहा।
अहीलूद क पूत यहोसापात, यहोसापात लोगन क
इतिहास क विवरण लिखत रहा।
4यहोयादा क पूत बनायाह सेनापति रहा,
सादोक अउ एब्यातार याजक रहेन।
5नातान क पूत अजर्याह जनपद- प्रसासकन क
अधीच्छक रहा।
नातान क पूत जाबूद याजक अउर राजा सुलैमान क
एक सलाहकार रहा।
6अहीसार राजा क घर क हर एक चीज क उत्तरदायी
रहा।
अब्दा क पूत अदोनीराम दासन क अधीच्छक रहा।

7इस्राएल बारह छेत्रन मँ बँटा रहा। जेनका जनपद कहत
रहेन। सुलैमान हर जनपद पइ सासन करइ क बरे राज्जपालन
क चुनत रहा। एन राज्जपालन क आदेस रहा कि उ पचे
अपने जनपद मँ भोजन क चीज एकटठा् करइँ अउर ओका
राजा अउ ओकरे परिवारन क देइँ। हर साल एक महीने क
भोजन सामग्री राजा क देइ क जिम्मेदारी बारह राज्जपालन मँ
हर एक क रहा। 8बारह राज्जपालन क इ नाउँ सबइ अहइँ:

बेन्हूर, एप्रैम क पर्वतीय प्रदेस क राज्जपाल रहा।
9बेन्देकेर, माकस, साल्बीम, बेतसेमेस अउ एलोनबेथानान
क राज्जपाल रहा।
10बेन्हेसेद, अरूब्बोत, सौको अउर हेपेर क राज्जपाल
रहा।
11बेनबीनादाब, नपोत दोर क राज्जपाल रहा। ओकर
बियाह सुलैमान क बिटिया तापत स भवा रहा।
12अहीलूद क पूत बाना, तानाक, मगिद्दो स लइके
अउर सारतान स लगे पूरे बेतसान क राज्जपाल रहा। इ
यिज्रेल क खाले, बेतसान स लइके आबेलमहोला
तलक योकमाम क पार रहा।
13बेनगेबेर, रामोत गिलाद क राज्जपाल रहा। उ
गिलाद मँ मनस्से क पूत याईर क सारे सहरन अउ
गाँवन क भी राज्जपाल रहा। उ बासान मँ अर्गोब क
जनपद क भी राज्जपाल रहा। इ पहँटा मँ ऊँची
चहारदेवारवाले साठ नगर रहेन। एँन नगरन क फाटकन
मँ काँसे क छड़न लगी रहिन।
14इद्दो क पूत अहीनादाब, महनैम क राज्जपाल रहा।
15अहीमास, नप्ताली क राज्जपाल रहा। ओकर बियाह
सुलैमान क बिटिया बासमत स भवा रहा।
16हूसै क पूत बाना, आसेर अउ आलोत क राज्जपाल
रहा।
17पारुह क पूत यहोसापात, इस्साकार क राज्जपाल
रहा।
18एला क पूत सिमी, बिन्यामीन क राज्जपाल रहा।
19ऊरी क पूत गेबेर गिलाद क राज्जपाल रहा।
गिलाद उ पहँटा रहा जहाँ एमोरी लोगन क राजा
सीहोन अउर बासान क राजा ओग रहत रहेन। किन्तु
सिरिफ गेबेर ही उ जनपद क राज्जपाल रहा।

20यहूदा अउ इस्राएल मँ बहोत बड़ी गिनती मँ लोग रहत
रहेन। लोगन क गनती समुद्दर क किनारे क बालू क
कणन जेतनी रही। लोग सुख स भरी जिन्नगी बितावत रहेन:
उ पचे खात पिअत अउ आनन्दित रहत रहेन।
21सुलैमान परात नदी स लइके पलिस्ती लोगन क पहँटा
तलक सबहिं राज्जन पइ हुकूमत करत रहा। ओकर राज्ज
मिस्र क सीमा तलक फइला रहा। इ सबइ देस सुलैमान के
भेंट पठवत रहेन अउर ओकरे पूरी जिन्नगी तलक ओकर
आग्या क पालन करत रहेन।
22इ भोजन साम्रगी अहइ जेकर जरूरत हर रोज सुलैमान
क खुद अउ ओकरी मेज पइ सबहिं भोजन करइवालन क
बरे होत रही:

डेढ़ सौ बुसल महीन आटा,
तीन सौ बुसल आटा,
23अच्छा अन्न खाइ भवा दस ठु बर्धा,
मैदानन मँ पाले गए बीस ठु बर्धा अउर सौ भेड़िन,
जंगली जनावरन जइसा हिरन, चिकारे, मगृ अउ
सिकारी पछियन भी!
24सुलैमान परात नदी क पच्छिम क सबहिं देसन पइ
हुकूमत करत रहा। इ प्रदेस तिप्सह स अज्जा तलक रहा
अउर सुलैमान क राज्ज क चारिहुँ कइँती सान्ति रही।
25सुलैमान क जिन्नगी क समइ इस्राएल अउ यहूदा क
सबहिं लोग लगातार दान स लइके बेर्सेबा तलक सान्ति
अउ सुरच्छा मँ रहत रहेन। लोग सान्ति क साथ अपने
अंजीर क बृच्छन अउ अंगूरे क बेलन क तले बइठत
रहेन।
26सुलैमान क लगे ओकरे रथन क बरे चार हजार घोड़न
क रखइ क जगह अउ ओकरे पास बारह हजार घोड़सवार
रहेन। 27हर महीने बारह जनपद क राज्जपालन मँ स एक ठु
सुलैमान क उ सबइ चिजियन देत रहा जेकर ओकर जरूरत
पड़त रही। इ राजा क मेज पइ खाइ वाले हर एक मनई बरे
काफी होत रही। 28जनपद राज्जपालन राजा क रथन क
घोड़न अउ सवारी क घोड़न बरे बहोत अधिक चारा अउ
सूखा घास भी देत रहेन। उ पचे इ अन्न क एक उचित
जगह पइ लिआवत रहा।

सुलैमान क बुद्धि

29परमेस्सर सुलैमान क उत्तिम बुद्धि दिहेस। सुलैमान
अनेक बातन समुझ सकत रहा। ओकर बुद्धि कल्पना क परे
तेज रही। 30सुलैमान क बुद्धि पूरब क सबहिं मनइयन क
बुद्धि स जियादा तेज रही। ओकर बुद्धि मिस्र मँ रहइवाले
सबहिं मनइयन क बुद्धि से जियादा तेज रही। 31उ पृथ्वी क
कउनो भी मनइयन स जियादा बुद्धिमान रहा। उ एज्रेही एतान
स भी जियादा बुद्धिमान रहा। उ हेमान, कलकोल अउ दर्दा
स जियादा बुद्धिमान रहा। इ सबइ माहोल क पूत रहेन। राजा
सुलैमान इस्राएल अउ यहूदा क चारिहुँ कइँती क सबहिं
देसन मँ प्रसिद्ध होइ गवा। 32अपने जिन्नगी क समइ मँ
राजा सुलैमान तीन हजार बुद्धि क बातन अउर पन्द्रह सौ
गीतन लिखेस।
33सुलैमान प्रकृति क बारे मँ बहोत कछू जानत रहा।
सुलैमान लबानोन क बिसाल देवदारू बृच्छन स लइके
देवारन मँ उगलवाली जूफा क अलग प्रकार क पेड़-पौधन
मँ स हर एक क बारे मँ सिच्छा दिहस। राजा सुलैमान
जनावरन, पँछियन अउ रेंगइवाले जान्तुअन अउ मछरियन क
चर्चा किहेस ह। 34सुलैमान क बुद्धिमत्तापूर्ण बातन क सुनइ
बरे सबहिं रास्ट्रन स लोग आवत रहेन। सबहिं रास्ट्रन क
राजा अपने बुद्धिमान मनइयन क राजा सुलैमान क बातन क
सुनइ बरे पठवत रहेन।

सुलैमान मन्दिर बनावत ह

5 हीराम सोर क राजा रहा। हीराम सदा ही दाऊद क
मीत रहा। एह बरे जब हीराम क मालूम भवा कि

सुलैमान दाऊद क पाछे नवा राजा भवा ह तउ उ सुलैमान क लगे आपन सेवक पठएस। **2**सुलैमान हीराम राजा क इ सबइ संदेस पठाएस: **3**“तोहका याद अहइ कि मोर बाप राजा दाऊद क अपने चारिहुँ कइँती अनेक जुद्ध लड़इ पड़े रहेन। एह बरे उ यहोवा अपने परमेस्सर क मन्दिर बनवावइ मँ समर्थ नाहीं होइ सका। राजा दाऊद तब तलक प्रतीच्छा करत रहा जब तलक यहोवा ओकर सबहिं दुस्मनन क ओहसे पराजित नाहीं होइ दिहस। **4**किन्तु अब यहोवा मोर परमेस्सर मोर देस क चारिहुँ कइँती मोका सान्ति दिहस ह। अब मोर कउनो दुस्मन नाहीं अहइ। मोर प्रजा अब कउनो खतरे मँ नाहीं अहइ।

5“यहोवा मोर बाप दाऊद क संग एक ठु प्रतिग्या किहे रहा। यहोवा कहे रहा, ‘मइँ तोहरे पूत क तोहरे पाछे राजा बनाउब अउर तोहार पूत मोर सम्मान करइ बरे एक ठु मन्दिर बनाई।’ अब मइँ, यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान करइ बरे उ मन्दिर बनवाइ क जोजना बनाएँउ ह। **6**अउर एह बरे मइँ तोहसे मदद माँगत हउँ। अपने मनइयन क लबानोन पठवा। हुवाँ उ पचे मोरे बरे देवदारु क बृच्छन क कटिहीं। मोर सेवक तोहरे सेवकन क संग काम करिहीं। मइँ उ कउनो भी मजदूरी भुगतान करब जउन तू अपने सेवकन बरे तय करब्या। किन्तु मोका तोहार मदद क जरुरत अहइ। मोर बढ़ई सीदोन क बढ़इयन क तरह नीक नाहीं अहइँ।”

7जब हीराम, जउन कछू सुलैमान माँगेस, उ सुनेस तउ उ बहोत खुस भवा। राजा हीराम कहेस, “आजु मइँ यहोवा क धन्यवाद देत हउँ कि उ दाऊद क इ विसाल रास्ट्र पइ सासन करइ बरे एक ठु बुद्धिमान पूत दिहस ह।” **8**तब हीराम सुलैमान क एक संदेसा पठएस। संदेसा इ रहा, “तू जउन माँग किहा ह, उ मइँ सुनेउँ ह। मइँ तोहका सारे देवदारु क बच्छ अउर चीर क बृच्छ देब, जेनका तू चाहत अहा। **9**मोर सेवक लबानोन स ओनका समुदद्र तलक लइहीं। तब मइँ ओनका एक संग बाँध देब अउर ओनका समुद्दर मँ उ जगह कइँती बहाइ देब जहाँ तू चाहत अहा। हुवाँ मइँ लटठ्न क अलग कइ देब अउर बृच्छन क तू लइ सकब्या। एकर बदले मँ तू मोर साही घरे क लोगन बरे भोजन प्रदान कराउब्या।”

10एह बरे हीराम, सुलैमान क सबइ देवदार अउर सनौवर क बृच्छ दिहेन जेका उ चाहत रहेन। **11**अउर सुलैमान हर साल लगभग एक लाख बीस हजार बुसल गोहूँ अउ लगभग एक लाख बीस हजार गैलन निखालिस जइतून क तेल हीराम क ओकरे परिवार क भोजन बरे दिहस।

12यहोवा आपनी प्रतिग्या क अनुसार सुलैमान क बुद्धि दिहस अउ सुलैमान अउ हीराम क बीच सान्ति रही। इ दुइनउँ राजा लोग आपुस मँ सन्धि किहन।

13राजा सुलैमान इ काम मँ मदद बरे इस्राएल क तीस हजार मनइयन क मजबूर किहन। **14**राजा सुलैमान अदोनीराम नाउँ क एक ठु मनई क ओनकी ऊपर अधिकारी बनाएस। सुलैमान ओन मनइयन क तीन ठु टुकड़ियन मँ बाँटेस। हर एक टुकड़ी मँ दस हजार मनई रहेन। हर समूह एक महीना लबानोन मँ काम करत रहा अउर तब दुइ महीना बरे अपने घरे लउटत रहा। **15**सुलैमान अस्सी हजार मनइयन क भी पहाड़ी प्रदेस मँ काम करइ बरे मजबूर किहस। एन मनइयन क काम चट्टानन क काटब रहा अउर हुवाँ सत्तर हजार मनई पाथर क ढोवइवाले रहेन। **16**अउर तीन हजार तीन सौ मनई रहेन जउन काम करइवाले मनइयन क ऊपर अधिकारी रहेन। **17**राजा सुलैमान, मन्दिर क नेंव बरे बिसाल अउ कीमती चट्टानन क कटाइ क आदेस दिहस। इ सबइ पाथर सावधानी स काटे गएन। **18**तब सुलैमान क मकान बनावइया अउ कारीगरन अउ हीराम क मकान बनावइया अउ कारीगरन अउ गबाली क मनइयन पाथरन क काटेन अउ ओन पइ नक्कासी क काम किहेन। उ पचे मन्दिर क बनावइ बरे पाथरन अउ लट्ठन क तइयार किहेन।

सुलैमान मन्दिर बनावत ह

6 तब सुलैमान मन्दिर बनाउब सुरु किहस। इ इस्राएल क लोगन क जरिये मिस्र तजइ क चार सौ अस्सीवाँ बरिस पाछे रहा। इ राजा सुलैमान क इस्राएल पइ हुकूमत क चउथे बरिस मँ रहा, इ जीव क महीना, बरिस क दूसर महीना रहा। **2**मन्दिर साठ हाथ लम्बा, बीस हाथ चौड़ा अउर तीस हाथ ऊँचा रहा। **3**मन्दिर मण्डप तीस हाथ लम्बा अउ दस हाथ चौड़ा रहा। इ मण्डप मन्दिर क ही मुख्य हींसा क समन्वा बराबर लम्बा रहा। एकर लम्बाई मन्दिर क चौड़ाई क बराबर रही। **4**मन्दिर मँ सँकरी खिड़कियन रहिन। इ सबइ खिड़कियन बाहेर कइँती सँकरी अउ भीतेर कइँती चौड़ी रहिन। **5**तब सुलैमान मन्दिर क मुख्य हींसा क चारिहुँ कइँती कमरन क एक कतार बनाएस। उ पचे एक दूसर क छते क ऊपर बने रहेन। **6**कमरन मन्दिर क देवार स सटा रहेन किन्तु ओनकर सहतीरन ओनकी देवार मँ नाहीं घुसी रहिन। सिखर पइ, मन्दिर क देवार पातर होइ गइ। एह बरे ओन कमरन क एक कइँती क देवार ओकरे खाले क देवार स पातर रही। खाले क मंजिल क कमरन पाँच हाथ चौड़ा रहेन। बीच क मंजिल क कमरन छ: हाथ चौड़ा रहेन। ऊपर क कमरन सात हाथ चौड़ा रहेन। **7**काम करइवाला मनईयन देवारन क बनावइ बरे बड़के पाथरन क उपयोग किहन। काम करइवाला मनईयन उहइ जगह पइ पाथरन क काटेन जहाँ उ पचे ओनका जमीने स निकारेन। एह बरे मन्दिर मँ हथौड़ियन, कुल्हाड़ियन अउ दूसर कउनो भी लोहा क औजार क आवाज़ मन्दिर क बगल मँ ऐकरे निर्माण क समई नाहीं सुनाई दिहे रहेन।

8खाले क कमरन क प्रवेस दुआर मन्दिर क दक्खिन कइँती रहा। भीतर सीढ़ियन रहिन जउन मन्दिर क दूसर मंजिल क कमरन अउ तब तीसरे मंजिल क कमरन तलक जात रहिन।

9इ तरह सुलैमान मन्दिर बनाउब पूरा किहस। मन्दिर क हर एक भाग देवदारु क तख्तन स मढ़ा गवा रहा। **10**सुलैमान मन्दिर क चारिहुँ कइँती कमरन क बनाउब भी पूरा किहस। हर एक मंजिल पाँच हाथ ऊँचा रही। ओन कमरन क देवदार क सहतीरन मन्दिर क छुअत रहिन।

11यहोवा सुलैमान स कहेस, **12**“इ मन्दिर क बारे मँ जका तू निमार्ण करत ह जदि तू मोर सबहिं नेमन अउ आदेसन क पालन करब्या तउ मइँ उ सबइ करब जेकरे बरे

मइँ तोहरे बाप दाऊद स प्रतिग्या किहे रहेउँ। 13अउर मइँ इस्राएल क गदेलन क संग रहब, अउर मइँ इस्राएल क लोगन क कबहुँ छोड़ब नाहीं।"

मन्दिर क विस्तृत विवरण

14इ तरह सुलैमान मन्दिर क निर्माण पूरा किहस।

15मन्दिर क भीतर क देवारन देवदारु क पल्लन स मढ़ी गइ रहिन। देवदारु क पल्लन फर्स स छत तलक रहेन। पाथर क फर्स चीड़ क पल्लन स ढका रहा। 16उ पचे मन्दिर क पिछले हींसा मँ एक ठु कमरा बीस हाथ अन्दर गहिरा बनाएन। उ पचे इ कमरा क देवारन क देवदारु क पल्लन स मढ़ेन। देवदारु क पल्लन फर्स स छते तलक रहेन। इ कमरा सब स जियादा पवित्तर जगह कहा जात रहा। 17महा पवित्तर स्थान क समन्वा वाला भाग मन्दिर क सबन त जियादा पवित्तर भाग रहा। इ कमरा चालीस हाथ लम्बा रहा। 18उ पचे इ कमरे क देवारन क देवदारु क पल्लन स मढ़ेन, देवारे क कउनो भी पाथर नाहीं लखा जाइ सकत रहा। उ पच्चे फूलन अउ कद्दू क चित्र देवदारु क पल्लन मँ नक्कासी किहन।

19सुलैमान मन्दिर क पाछे भीतर गहिर कमरन क तइयार किहस। इ कमरा यहोवा क करार क सन्दूखे क बरे रहा। 20इ कमरा बीस हाथ लम्बा बीस हाथ चौड़ा अउ बीस हाथ ऊँचा रहा। 21सुलैमान इ कमरे क निखालिस सोना स मढ़ेस। उ इ कमरा क समन्वा एक ठु धूप वेदी बनाएस। उ वेदी क सोने स मढ़ेस अउर एकरे चारिहुँ कइँती सोने क जंजीरन लपेटेस। 22सारा मन्दिर सोना स मढ़ा रहा अउर सब स जियादा पवित्तर जगह क समन्वा वेदी सोना स मढ़ी गइ रही।

23सिल्पकार पखना सहित दुई ठु करूब सरगदूतन क मूरती बनाएन। सिल्पकार जइतून क काठे स मूतियन बनाएन। दुइनउँ सरगदूतन सब स जियादा पवित्तर जगह मँ धरे गएन। हर एक सरगदूत दस हाथ ऊँच रहा। 24-26उ सबइ दुइनउँ सरगदूत एक ही माप क रहेन अउर एक ही सैली मँ बने रहेन। हर एक सरगदूत क दुइ पखनन रहेन। हर एक पखना पाँच हाथ लम्बा रहा। एक पखना क सिरे स दूसर पखना क सिरे तलक दस हाथ रहा अउर हर एक सरगदूत दस हाथ ऊँच रहा। 27इ सबइ करूब सरगदूत सब स जियादा पवित्तर ठउर मँ धरे गए रहेन। उ सबइ एक दूसर क बगल मँ खड़े रहेन। ओनकर पखना कमरा बीच मँ एक दूसर क छुअत रहेन। दूसर दुइ पखनन हर एक बगल क देवार क छुअत रहेन। 28दुइनउँ करूब सरगदूत सोना स मढ़े गए रहेन।

29मुख्य कच्छ अउ भीतरी कच्छ चारिहुँ कइँती क देवारन पइ करूब सरगदूतन, ताड़ क बृच्छन अउ फूल क चित्र उकेरे गए रहेन। 30दुइनउँ कमरन क फर्स सोना स मढ़ी गइ रही।

31कारीगरन जइतून क काठे क दुइ दरवाजा बनाएन। उ पचे ओन दुइ दरवाजन क सब स जियादा पवित्तर जगह क प्रवेस दुआर मँ लगाएन। दरवाजन क चारिहुँ कइँती क चौखट पाँच पहलदार बनी रही। 32उ पचे दुइनउँ दरवाजन क जैतून क काठे क बनाएन। कारीगरन दरवाजन पइ करूब सरगदूत, ताड़ क बृच्छन अउ फूलन क चित्रन क उकेरेन। तब उ पचे दरवाजन क सोना स मढ़ेन।

33उ पचे मुख्य कच्छ मँ प्रवेस बरे भी दरवाजन बनाएन। उ पचे एक वर्गाकार दरवाजे क चौखट बनावइ बरे जैतून क काठे क उपयोग किहन। 34तब उ पचे दरवाजा बनावइ बरे चीर क लकड़ी क उपयोग किहन। 35हुवाँ दुइ दरवाजा रहेन। हर एक दरवाजे क दुइ भाग रहेन, एह बरे दुइनउँ दरवाजन मुड़िके बंद होत रहेन। उ पचे दरवाजन पइ करूब सरगदूत ताड़ क बृच्छन अउ फूलन क चित्रन क उकेरेन। तब उ पचे ओनका सोना स मढ़ेन।

36तब उ पचे भीतरी आँगन बनाएन। उ पचे इ आँगन क चारिहुँ ओर देवारन बनाएन। हर एक देवदार कटे पाथरन क तीन कतारन अउ देवारु क काठन क एक कतार स बनाइ गइ।

37उ पचे बरिस क दूसरे महीने जिब माह मँ मन्दिर क निर्माण सुरु किहन। इस्राएल क लोगन पइ सुलैमान क हुकूमत क चउथे बरिस मँ, इ भवा। 38मन्दिर क निर्माण बरिस क अठएँ महीने बूल माह मँ पूरा भवा। लोगन पइ सुलैमान क हुकूमत क गियारहवें बरिस इ भवा रहा। मन्दिर क निर्माण मँ सात बरिस लगेन। मन्दिर ठीक उहइ प्रकार बना रहा जइसा ओका बनावइ क जोजना रही।

सुलैमान क महल

7 राजा सुलैमान अपने बरे एक महल भी बनवाएस। सुलैमान क महल क निर्माण क पूरा करइ मँ तेरह बरिस लगेन। 2उ उ इमारत क भी बनाएस जेका, "लबानोन क बन" कहा जात ह। इ सौ हाथ लम्बा, पचास हाथ चौड़ा, अउर तीस हाथ ऊँच रहा। एहमाँ देवदारु क खम्भन क चार कतारन रहिन। हर एक कतारे क सिरे पइ देवदारु क सीर्स रहा। 3खम्भन क कतारन क आर पार जात भइ देवदारु क सहतीरन रहिन। उ पचे देवदारु क पल्लन क छते क बरे एन सहतीरन पइ धरे रहेन। खम्भन क हर एक विभाग क बरे पन्द्रह सहतीरन रहिन। सब निलाइके पैंतालीस सहतीरन रहिन। 4बगल क हर एक देवारे मँ खिड़कियन क तीन कतारन रहिन। खिड़कियन परस्पर आमने-सामने रहिन। 5हर एक क आखिर मँ तीन दरवाजन रहेन। सबहिं दरवाजन क दुआर अउ चौखटन वर्गाकार रहेन।

6सुलैमान "खम्भन क प्रवेस दुआर मण्डप" भी बनाएस। इ पचास हाथ लम्बा अउ तीस हाथ चौड़ा रहा। प्रवेस दुआर मण्डप क अगला भाग क संग-संग खम्भन पइ टिकी एक ठु छत रही।

7सुलैमान एक ठु सिंहासन कच्छ बनाएस जहाँ उ लोगन क निआउ करत रहा। उ एका "निआव कच्छ" कहत रहा। कच्छ फर्स स लइके छते तलक देवदारु स मढ़ा रहा।

8जउन भवन मँ सुलैमान रहत रहा, उ निआव महाकच्छ क पाछे दूसर आँगन मँ रहा। इ महल वइसे ही बना रहा जइसा निआव महाकच्छ बना रहा। उ अपनी मेहरारु स जउन मिस्र क राजा क बिटिया रही, क बरे बइसा ही महल बनाएस।

9इ सबहिं इमारतन महंगा पाथर क ठुकन स बनी रहिन।
इ सबइ पाथर समुचित आकार मँ आरे स काटे ग रहेन। उ
सबइ सामने अउ पाछे कइँती स कटे रहेन। इ सबइ महंगा
पाथर नेंव स लइके देवार क ऊपरी तहे तलक लगे रहेन।
अँगने क चारिहुँ कइँती क देवार भी महंगा पाथर टूकन स
बनी रहिन। 10नेव बिसाल महंगा पाथरन स बनी रही। कछू
पाथर दस हाथ लम्बे रहेन अउर दूसर बारह फुट लम्बे
रहेन। 11ओन पाथरन क सीर्स पइ दूसर महंगा पाथर अउ
देवदारु क सहतीरन रहिन। 12महल क आँगन, मन्दिर क
आँगन अउ मन्दिर क प्रवेस दुआर मण्डप क चारिहुँ कइँती
देवारन रहिन। उ सबइ देवारन पाथर क तीन कतारन अउ
देवदारु काठे क एक कतार स बनी रहिन।

13राजा सुलैमान हीराम नाउँ क मनई क लगे सोर मँ
सँदेसा पठएस। सुलैमान हीराम क यरूसलेम लिआवा।
14हीराम क महतारी नप्ताली परिवार समूह स इस्राएली रही।
ओकर मरा बाप सोर क रहा जउन काँसा क काम मँ
कुसल रहा। हीराम काँसे स चिजियन बनावत रहा। उ बहोत
कुसल अउ अनुभवी कारीगर रहा। एह बरे राजा सुलैमान
ओका आवइ बरे कहेस अउर हीराम ओका स्वीकार किहस।
एह बरे राजा सुलैमान हीराम क काँसे स निर्मित सबहिं
चिजियन क बनाएस।

15हीराम काँसा क दुइ खम्भा बनाएस। हर एक खम्भा
अठारह हाथ लम्बा अउ बारह हाथ गोलाईवाला रहा।
खम्भा खोखले रहेन अउर धातु तीन इन्च मोटी रही।
16हीराम दुइ काँसा क सीर्स भी बनाएस जउन पाँच हाथ
ऊँचे रहेन। हीराम एन सीर्सन क खम्भन क सिरन पइ
रखेस। 17तब उ दुइनउँ खम्भन क ऊपर क सीर्सन क ढाँपइ
बरे जंजीरन क दुइ जाल बनाएस। 18तब उ अलंकरन क
दुइ कतारन बनाएस जउन अनार क तरह देखात रहेन। उ
पचे एन काँसन क अनारन क हर एक खम्भा क जालन
मँ, खम्भन क सिरन क सीर्सन क ढाँपइ बरे रखेस। 19पाँच
हाथ ऊँच खम्भन क सिरन क सीर्स फूल क आकार क
बना रहेन। 20सीर्स खम्भन क सिरन पइ रहेन। उ सबइ
कटोरन क आकार क जाल क ऊपर रहेन। उ ठउरे पइ
सीर्सन क चारिहुँ कइँती कतारन मँ दुई सौ अनार रहेन।
21हीराम एन दुइनउँ काँसा क खम्भन क मन्दिर क प्रवेस
दुआर पइ खड़ा किहस। दुआर क दक्खिन कइँती एक
खम्भा अउ दुआर क उत्तर कइँती दूसर खम्भा खड़ा कीन्ह
गवा। दक्खिन क खम्भा क नाउँ याकीन रखा गवा। उत्तर
क खम्भा क नाउँ बोआज़ रखा गवा। 22उ पचे फूल क
आकार क सीर्सन क खम्भन क ऊपर रखेन। इ तरह
दुइनउँ खम्भन पइ काम पूरा भवा।

23तब हीराम काँसा क एक गोल हौज बनाएस। उ पचे
इ हउज क "सागर" कहेन। हौज लगभग तीस हाथ गोलाई
मँ रहा। इ आर-पार दस हाथ अउर पाँच हाथ गहिर रहा।
24हौज क बाहरी सिरे पइ एक ठु बारी रही। इ बारी क
खाले काँसा क कद्दुअन क दुइ कतारन हौज क घेरे भए
रहिन। काँसे क कद्दू हौज क हींसा क रूप मँ एक ठु
इकाई मँ बने रहेन। 25हौज बारह काँसे क बर्धन क पीठन
पइ टिका रहा। इ सबइ बारँहु बर्धा तालाब स दूर बाहेर क
लखत रहेन। तीन ठु उत्तर कइँती, तीन दक्खिन क अउ तीन
पच्छिम कइँती लखत रहेन।

26हौज क देवारन तीन इन्च मोट रहिन। तालाब क
चारिहुँ कइँती क किनारी एक पयाले क किनारी या फूल क
पुंखड़ियन क तरह रहिन। तालाब क छमता लगभग गियारह
हजार पाँस सौ गैलन रही।

27तब हीराम दस काँसे क गाड़ियन बनाएस। हर एक
चार हाथ लम्बी, चार हाथ चौड़ी अउ पाँच हाथ ऊँच रही।
28गाड़ियन वर्गाकार पल्लन क चउखटन मँ मढ़िके बनाई गइ
रहिन। 29पल्लन अउ चउखटन पइ काँसे क सिंह, बर्धा अउ
करूब सरगदूत रहेन। सिंह अउ बर्धन क ऊपर अउ खाले
फूलन क डिज़ाईन हथौड़ा स पीट-पीट के काँसे मँ बनावा
ग रहेन। 30हर एक गाड़ी मँ चार काँसे क पहियन काँसे क
धुरी क संग रहेन। कोनन पइ काँसे क टेकन बिसाल
कटोरा बरे बने रहेन। टेकन पइ हथौड़न स पीट-पीट के
फूलन क डिज़ाईन काँसे मँ बनावा ग रहेन। 31कटोरा बरे
ऊपरी सिरे पइ एक ढाँचा बना रहा। इ कटोरन स ऊपर स
एक हाथ ऊँच रहा। कटोरा क खुल भवा गोल हींसा डेढ़
हाथ व्यास वाला रहा। काँसे क ढाँचे पइ जउन डिज़ाईन
खोदा गए रहेन इ चौकोर रहेन, गोल नाहीं। 32ढाँचा क
खाले चार पहियन रहेन पहिये डेढ़ हाथ व्यासवाले रहेन।
पहिये क बीच धुरे गाड़ी क संग एक इकाई क रूप मँ बने
रहेन। 33पहियन रथे क पहियन क नाईं रहेन। पहियन क हर
एक चीज-धुरे, परिधि, तीलियन अउ नाभी काँसे क बनी
रही।

34हर एक गाड़ी क चारिहुँ कोनन पइ चार आधार रहेन।
उ सबइ गाड़ी क संग एक इकाई क रुप मँ बने रहेन।
35हर एक गाड़ी क ऊपरी सिरे क चारिहुँ कइँती एक काँसा
क आधा हाथ गहिरा पट्टी रही। टेकन अउर पटरियन एक
इकाई मँ बन के गाड़ी क साथ जुड़े रहेन। 36इ गाड़ी बगल
अउ ढाँचे पइ करूब सरगदूतन, सिंहन अउ ताड़ क बृच्छन
क चित्र काँसा मँ गाड़ी क बगल अउर ढाँचे पइ खोदे गए
रहेन। इ सबइ चित्र गाड़ियन पइ जहाँ भी जगह रही, उकेरे
गए रहेन अउर गाड़ी क चारिहुँ कइँती क ढाँचे पइ फूल
उकेरे गए रहेन। 37हीराम दस गाड़ियन बनाएस अउर उ
सबइ सबहिं एक जइसी रहिन। हर एक गाड़ी काँसा क बनी
रही। काँसा क गलावा गवा रहा अउर साँचा मँ ढाला गवा
रहा। एह बरे सबहिं गाड़ियन एक ही आकार अउर एक ही
रूप क रहिन।

38हीराम दस कटोरन भी बनाएस। एक कटोरा दस
गाड़ियन मँ स हर एक बरे रहा। हर एक कटोरा चार हाथ
व्यास वाला रहा अउर हर एक कटोरे मँ दुइ सौ तीस गैलन
आइ सकत रहा। 39हीराम पाँच गाड़ियन क मन्दिर क
दक्खिन अउ दूसर पाँच गाड़ियन क मन्दिर क उत्तर मँ
धरेस। उ बिसाल तालाब क मन्दिर क दक्खिन पूर्व कोने मँ
धरेस। 40हीराम बर्तन, नान्ह बेलचन अउ नान्ह कटोरन भी
बनाएस। हीराम ओन सारी चिजियन क बनाउब पूरा किहस
जेनका राजा सुलैमान ओहसे बनावावइ चाहत रहा। हीराम
यहोवा क मन्दिर बरे जउन कछू बनाएस ओकर सूची इ
अहइ:

41दुइ खम्भा, खम्भन क सिरन बरे कटोरा क
आकार क दुइ सीर्स, सीर्सन क चारिहुँ कइँती लगाए
जाइवाले दुइ जाल।
42दुइ जातन बरे चार सौ अनार खम्भन क सिरन पइ
सीर्सन क दुइनउँ कटोरन क ढकइ बरे हर एक जात
क वास्ते अनारन क दुइ कतारन रहिन।
43हुँवा दस गाड़ियन रहिन, हर गाड़ी पइ एक कटोरा
रहा, 44एक बिसाल तालाब जउन बारह बर्धन पइ टिका
रहा, 45बर्तन, नान्ह बेल्चन, नान्ह कटोरन, अउर यहोवा
क मन्दिर बरे सबहिं तस्तरियन।

हीराम उ सबहिं चिजियन बनाइन जेनका राजा सुलैमान
चाहत रहा। उ सबइ सबहिं झलकाए भए काँसा स बनी
रहिन। 46-47सुलैमान उ काँसे क कबहुँ नाहीं तौलेस जेकर
उपयोग एन चिजियन क बनावइ बरे भवा रहा। उ एँतना
जियादा रहा कि एकर तउलब संभव नाहीं रहा। एह बरे सारे
काँसे क तौल क कुल योग कबहुँ मालूम नाहीं भवा। राजा
एँन चिजियन क सुक्कोत अउ सारतान क बीच यरदन नदी
क निचके बनावइ क आदेस दिहस। उ पचे एँन चिजियन
क, काँसा क गलाइके अउर जमीन मँ बने साँचन मँ
ढालिके, बनाएस।
48सुलैमान इ भी आदेस दिहस कि मन्दिर बरे सोने क
बहोत स चिजियन बनाई जाइँ। सुलैमान मन्दिर बरे सोना स
जउन चिजियन बनाएस, उ सबइ इ अहइँ।

सुनहरी वेदी;
सुनहरी मेज ओन रोटी बरे जउन कि पवित्तर स्थान मँ
धरी जात रहा।
49सुद्ध सोना क दीपधार सब स जियादा पवित्तर ठउर
क समन्वा इ सबइ मँ स पाँच दीपधार दक्खिन कइँती
अउर पाँच उत्तर कइँती धरी जात रहेन।
सुनहरा फूल, दीपक अउ चिमटन; 50सुद्ध सोना क
कटोरन, पलीता काटइ बरे कैंचियन, छोटा कटोरन,
कढ़ाईयन, कोइला ढोवइ बरे सुद्ध सोना क तस्तरियन;
भीतरी कमरा क दरवाजन बरे जउन सबन त जियादा
पवित्तर स्थान अहइ, अउर मन्दिर क मुख्य कमरा क
दूसर दरवाजन बरे सोने क कब्जन।
51इ तरह सुलैमान, यहोवा क मन्दिर बरे जउन काम उ
करइ चाहत रहा, पूरा किहस। तब सुलैमान उ सबइ सबहिं
चिजियन लिहस जेनका ओकर पिता दाऊद इ उद्देस्य क बरे
सुरच्छित रखे रहिन। उ एन चिजियन क मन्दिर मँ लिआवा।
उ चाँदी अउ सोना यहोवा क मन्दिर क खजानन मँ धरेस।

मन्दिर मँ करार क सन्दूख

8 तब राजा सुलैमान इस्राएल क सबहिं बुर्जुगन, परिवार
समूहन क प्रमुखन अउ इस्राएल क परिवारन क
प्रमुखन क एक संग यरूसलेम मँ बोलाएस। सुलैमान
ओनका सामिल करइ चाहत रहा कि उ पचे करार क
सन्दूख क दाऊद नगर स मन्दिर मँ लिआवइँ। 2एह बरे
इस्राएल क सबहिं लोग इकट्ठा होइके राजा सुलैमान क
लगे आएन। इ एतानीम महीना मँ कुटीर क त्यौहार क
मौका रहा, इ बरिस क सतवाँ महीना रहा।
3इस्राएल क सबहिं बुर्जुगन उ ठउरे पइ आएन। तब
याजक लोग पवित्तर सन्दूख उठाएन। 4उ पचे पवित्तर तम्बू
अउ तम्बू मँ क सबहिं चिजियन सहित यहोवा क पवित्तर
सन्दूख क लइ आएन। लेवी वंसियन याजक लोगन क मदद
एन चिजियन क लइ जाइ मँ किहेन। 5राजा सुलैमान अउर
इस्राएल क सबहिं लोग करार क सन्दूख क समन्वा
इकट्ठे भएन। उ पचे अनेक बलि भेंट किहन। उ पचे
एँतना जियादा भेंड़िन अउ गोरुअन मारेन कि ओन सबहिं क
कउनो मनई गनइ या दर्ज करइ मँ सार्मथ नाहीं रहा। 6तब
याजक लोग यहोवा क करार क सन्दूखे क ओकरे उचित
ठउरे पइ धरेन। इ मन्दिर क भीतर सब स जियादा पवित्तर
ठउरे मँ रहा। करार क सन्दूख करूब सरगदूतन क पखनन
क खाले धरा गवा। 7करूब सरगदूतन क पखना करार क
सन्दूख क अउर ओका लइ चलइ मँ सहायक बल्लियन क
ढाँपे रहेन। 8इ सबइ सहायक बल्लियन बहोत बड़ी रहिन।
जदि कउनो मनई पवित्तर ठउर मँ सब स जियादा पवित्तर
ठउर क समन्वा खड़ा होइ, तउ उ बल्लियन क सिरन क
लख सकत ह। किन्तु बाहेर क कउनो भी ओनका नाहीं
लख सकत। उ सबइ बल्लियन आजु भी हुँवा अहइँ। 9हिआँ
पवित्तर सन्दूख क भीतर सिरिफ दुइ सिलन रहिन। उ सबइ
दुइ सिलन उहइ रहिन जेनका मूसा होरेब नाउँ क ठउरे पइ
पवित्तर सन्दूख मँ धरे रहेन। होरेब उ ठउर रहा जहाँ यहोवा
इस्राएल क लोगन क संग ओनके मिस्र स बाहेर आवइ क
पाछे करार किहस।
10याजक सन्दूखे क सब स जियादा पवित्तर ठउर मँ
धरेस। जब याजक पवित्तर ठउर स बाहेर आएन तउ बादल
यहोवा क मन्दिर मँ भर गवा। 11याजक आपन सेवा करत
नाहीं रहि सकेन काहेकि बादर क कारण मन्दिर यहोवा क
प्रताप स भर गवा रहा। 12तब सुलैमान कहेस:
"यहोवा अकासे मँ सूरज चमकाएस, मुला उ करिआ
बादर मँ रहब पसन्द किहेस।
13मइँ तोहरे बरे एक सानदार मन्दिर बनाएउँ, एक निवास
जेहमाँ तू सदा ही रहब्या।"
14इस्राएल क सबहिं लोग हुँवा खड़े रहेन। एह बरे
सुलैमान ओनकी ओर मुड़ा अउर परमेस्सर ओनका आसीर्बाद
देइ क कहेस।
15तब राजा सुलैमान यहोवा स एक लम्बी पराथना
किहस। उ जउन पराथना किहस उ इ अहइ:
"इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क प्रसंसा करा। यहोवा
मोर पिता दाऊद स जउन कछु प्रतिग्या किहेस ओनका उ
खुद पूरा किहस ह। यहवा मोरे बाप स कहेस,
16'मइँ अपने लोगन, इस्राएल क मिस्र स बाहेर लिआएउँ।
लेकिन मइँ अबहिँ तलक इस्राएल परिवार समूह स कउनो
नगर क नाहीं चुनेउँ ह, कि मोका सम्मान देइ बरे
मन्दिर-निर्माण करइ। अउर मइँ इस्राएलियन क नेता कउनो
मनई क नाहीं चुनेस ह। किन्तु अब मइँ यरूसलेम क चुनेउँ
ह जहाँ मइँ सम्मानित होत रहब अउर मइँ दाऊद क
इस्राएली लोगन पइ हुकूमत करइ बरे चुनेउँ ह।'

17“मोर बाप दाऊद जियादा चाहत रहेन कि उ पचे
यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क सम्मान बरे मन्दिर बनावइँ।
18किन्तु यहोवा मोर बाप दाऊद स कहेस, ‘मइँ जानत हउँ
कि तू मोरे सम्मान बरे मन्दिर बनावइ क प्रबल इच्छा रखत
अहा अउर इ नीक अहइ कि तू मोर मन्दिर बनावइ चाहत
अहा। 19किन्तु तू उ मनई नाहीं अहा जेका मइँ मन्दिर
बनावइ बरे चुनेउँ ह। तोहार पूत मोर मन्दिर बनाई।’

20“इ तरह यहोवा जउन प्रतिग्या किहे रहा ओका पूरी
कइ दिहेउँ ह। अब मइँ अपने बाप दाऊद क ठउरे पइ राजा
अहउँ। अब मइँ यहोवा क प्रतिग्या क अनुसार इस्राएल क
लोगन पइ सासन करत हउँ अउर मइँ यहोवा इस्राएल क
परमेस्सर बरे मन्दिर बनाएउँ ह। 21मइँ मन्दिर मँ एक ठउर
पवित्तर सन्दूखे बरे बनाएउँ ह। उ पवित्तर सन्दूखे मँ उ करार
अहइ जउन वाचा यहोवा हमरे पुरखन क संग किहे रहा।
यहोवा उ वाचा तब किहेस जब उ हमरे पुरखन क मिस्र स
बाहेर लइ आवा रहा।”

22तब सुलैमान यहोवा क वेदी क समन्वा खड़ा भवा।
सबहिं लोग ओकरे समन्वा खड़े भएन। राजा सुलैमान अपने
हाथन क अकासे कइँती फइलाएस। 23उ कहेस,

“हे यहोवा इस्राएल क परमेस्सर तोहरे समान धरती पइ
या अकास मँ कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ। तू अपने
लोगन क संग करार किहा अउर ओहमाँ कायम रह्या। तू
ओन लोगन क बरे दयालु अउर स्नेहपूर्ण रहा जउन तोहार
अनुसरण आपन पूरा हिरदइ स करत हीं। 24तू अपने सेवक
मोरे बाप दाऊद स, एक प्रतिग्या किहे रह्या अउर तू उ पूरी
किहा ह। तू उ प्रतिग्या खुद अपने मुँह स किहे रह्या अउर
तू अपनी महान सक्ती स उ प्रतिग्या क आज फुरइ घटित
होइ दिहा ह। 25अब, यहोवा इस्राएल क परमेस्सर, ओन
दूसर प्रतिग्यन क पूरा करा जउन तू अपने सेवक, मोर बाप
दाऊद स किहे रह्या। तू कहे रह्या, ‘दाऊद जइसा तू किहा
वइसे ही तोहार सन्तानन क मोर हुकुम क पालन होसियारी
स करइ चाही। जदि उ पचे अइसा करिहीं तउ तोहरे परिवार
क कउनो न कउनो मनई सदा इस्राएल क लोगन पइ
सासन करी।’ 26अउर हे यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर, मइँ
फुन तोहसे माँगत हउँ कि तू कृपा कइके मोरे बाप क संग
कीन्ह गइ प्रतिग्या क पूरी करत रहा।

27“मुला परमेस्सर, का तू फुरइ इ पृथ्वी पइ हम लोगन
क संग रहब्या? तोहका सारा आकास अउ सरग क
उच्चतम ठउर भी धारण नाहीं कइ सकत्या? निहचइ ही इ
मन्दिर भी, जेका मइँ बनाएउँ ह, तोहका धारण नाहीं कइ
सकत। 28मुला तू मोर पराथना अउ मोरे निवेदन पइ धियान
द्या। मइँ तोहार सेवक हउँ अउर तू मोर यहोवा परमेस्सर
अहा। इ पराथना क तू स्वीकार करा जेका आज मइँ तोहसे
करत हउँ।

29बीते समइ मँ तू कह्या रहा, ‘मोर हुवाँ सम्मान कीन्ह
जाइ।’ एह बरे इ मन्दिर क देख-रेख दिन-रात करा। कृप्या
कइके तू मोर, आपन सेवक क पराथना क सुन्या, जेका
मइँ तोहसे इ मन्दिर मँ कहत हउँ। 30यहोवा, मइँ अउर
तोहरे इस्राएल क लोग इ मन्दिर की ओर पराथना करिहीं।
कृपा कइके एन पराथनन पइ धियान द्या। हम जानित ह कि
तू सरग मँ रहत ह। कृप्या कइके हुँवा स आपन सेवक क
पराथना सुन्या अउर हम क छिमा कर्‍या।

31“जदि कउने मनई कउनो दूसर मनई क खिलाफ
कउनो अपराध करी तउ उ हिआँ तोहरी वेदी क लगे
लिआवा जाइ। जदि उ मनई दोखी नाहीं अहइ तउ उ एक
किरिया लेइ। उ किरिया लेइ कि उ निर्दोख अहइ। 32उ
समइ तू सरग मँ सुना अउर उ मनई क संग निआव करा।
जदि उ मनई अपराधी अहइ तउ कृपा कइके हम क
दिखावा कि उ अपराधी अहइ। जदि उ मनई निरपराध अहइ
तउ हमक दिखावा कि उ अपराधी नाहीं अहइ।

33“कबहुँ-कबहुँ तोहरे इस्राएल क लोग तोहरे खिलाफ
पाप करिहीं अउर ओनकर दुस्मन ओनका हराइ देइहीं। तब
लोग तोहरे लगे लउटिहीं अउर उ सबइ लोग इ मन्दिर मँ
तोहार नाउँ क स्तुति करिहीं अउ तोहसे पराथना अउर
निवेदन करइहीं। 34तउ मेहरबानी कइके सरग स ओनकर
पराथना सुना। तब अपने इस्राएली लोगन क पापन क छिमा
करा अउर ओनकर भुइँया ओनका फुन स प्राप्त करइ द्या।
तू इ भुइँया ओनके पुरखन क दइ दिहे रह्या।

35“कबहुँ-कबहुँ उ पचे तोहरे खिलाफ पाप करिहिं, अउर
तू ओनकर भुइँया पर बर्खा होब बन्द कइ देब्या। तब उ पचे
इ ठउरे की ओर मुँह कइके पराथना करिहीं। अउर तोहरे
नाउँ क स्मुर्ति करहीं। तू ओनका कस्ट सहइ देब्या अउर उ
पचे अपने पापन वापिस घूमि जाइहीं। 36एह बरे मेहरबानी स
सरग मँ ओनकर पराथना सुना। तब हम पचन्क हमरे पापन
बरे छिमा करा। लोगन क सच्ची जिन्नगी जिअई क सिच्छा
द्या। हे यहोवा तब कृपा कइके तू उ भुइँया पई बर्खा करा
जेका तू ओनका दिहा ह।

37“भुइँया बहोत जियादा झुराइ सकत ह अउर ओह पइ
कउनो अन्न उग नाहीं सकी। संभव अहइ लोगन मँ
महामारी फइलइ। संभव अहइ सारा पइदा भवा अन्न कीड़न
मकोड़न क जरिये बर्बाद कइ दीन्ह जाइ या तोहार लोग
अपने कछू नगरन मँ अपने दुस्मनन क हमला क सिकार
बनइँ या तोहार अनेक लोग बीमार पड़ि जाइँ। 38जब एनमाँ
स कछू भी घटित होइ, अउर एक भी मनइ अपने पापन
बरे पछतावा करइ, अउर अपने हाथन क इ मन्दिर कइँती
पराथना मँ फइलावइ तउ 39मेहरबानी कइके ओकर पराथना
सुना। ओकर पराथना क सुना, जब तू अपने निवास स्थान
सरग मँ अहा। तब लोगन क छिमा करा अउर ओनकर
मदद करा। सिरिफ तू इ जानत अहा कि मनई क हिरदय मँ
का बाटइ? एह बरे हर एक क संग ओकर काम अउर
उद्देस क अनुसार निआव करा। 40इ एह बरे करा ताकि
तोहार लोग तोहसे डेराइँ अउर तोहार सम्मान उ समइ तलक
करइँ जब तलक उ पचे इ भुइँया पइ रहइँ जेहका तू हमरे
पुरखन क दिहे रह्या।

41-42“दूसर जगहन क लोग तोहार महानता अउ तोहरी
सक्ती क बारे मँ सुनिहीं। उ पचे बहोत दूर स इ मन्दिर मँ
पराथना करइ अइहीं। 43मेहरबानी कइके आपन निवास
स्थान, सरग स ओनकर पराथना सुना। मेहरबानी कइके तू
उ सब कछू करा जेका दूसर जगहन क लोग तोहसे माँगत
हीं। तब उ सबइ लोग भी इस्राएली लोगन क तरह ही

तोहसे डेरइहीं अउर तोहार सम्मान करिहीं। तब सबहिं जगहन
क लोगन इ जानिहीं कि मइँ इ मन्दिर क तोहका सम्मान
देइ बरे बनाएउँ ह।
44“कबहुँ-कबहुँ तू अपने लोगन क अपने दुस्मनन क
खिलाफ जाइ अउर ओनसे जुद्ध करइ क आदेस देब्या। तब
तोहार लोग तोहार चुने भए इ नगर अउर मोर बनाए भए
मन्दिर की ओर अभिमुख होइहीं। जेका मइँ तोहरे सम्मान मँ
बनाएउँ ह अउर उ पचे तोहार पराथना करिहीं। 45उ समइ तू
अपने निवास स्थान सरग स ओनकर पराथना क सुना अउर
ओनकर मदद करा।
46“तोहार लोग तोहरे खिलाफ पाप करिहीं। मइँ एका एह
बरे जानत हउँ काहेकि हर एक मनई पाप करत ह अउर तू
अपने लोगन पइ कोहाब्या। तू ओनके दुस्मनन क ओनका
हरावइ देब्या। ओनकर दुस्मन ओनका बंदी बनइहीं। अउर
ओनका कउनो बहोत दूर क देस मँ लइ जइहीं। 47उ दूर क
देस मँ तोहार लोग समुझिहीं कि का होइ गवा ह। उ पचे
अपने पापन बरे पछतावा करिहीं अउर तोहसे पराथना
करिहीं। उ पचे आप क समन्वा पराथना करिहीं अउर
कहिहीं, ‘हम पाप अउ अपराध किहा ह।’ 48उ पचे उ दूर
क देस मँ रहिहीं। किन्तु जदि उ पचे इ देस जेका तू ओनके
पुरखन क दिहा अउर तोहार चुने नगर अउर इ मन्दिर जेका
मइँ तोहरे सम्मान मँ बनाएउँ ह। अउर अगर उ तोहरे पास
पूरा हिरदय स लउटत ह, 49तउ तू मेहरबानी कइके ओकर
पराथना अउर माँग क अपने निवास स्थान सरग स सुना
अउर ओकरे उद्देस क सहारा द्या। 50अपने लोगन क
सबहिं पापन बरे छिमा कइ द्या अउर तू ओनका तोहार
विरोध होइ बरे छिमा करा अउर कइके ओनके दुस्मनन क
ओनके बरे दयालु बनावा। 51याद राखा कि उ पचे तोहरे
लोग अहइँ, याद राखा कि तू ओनका मिस्र स बाहेर
लिआया। इ वइसा ही रहा जइसा तू बरत भट्ठी स ओनका
धइके हींच लिहे ह्वा।
52“यहोवा परमेस्सर, कृपा कइके मोर पराथना अउ अपने
इस्राएली लोगन क पराथना सुना। ओनकर पराथना, जब
कबहुँ उ पचे तोहार मदद करइ, सुना। 53तू ओनका पृथ्वी
क सारे मनइयन मँ स अपन खास लोग होइ बरे चुन्या ह।
यहोवा तू ओका हमरे बरे करइ क प्रतिग्या किहा ह। तू
हमरे पुरखन क मिस्र स बाहेर लिआवत समइ इ प्रतिग्या
अपने सेवक मूसा क माध्यम स किहे रह्या।”
54सुलैमान परमेस्सर स इ पराथना किहेस। उ वेदी क
समन्वा अपने घुटनन क बल रहा। सुलैमान सरग कइँती
भुजन उठाइके पराथना किहेस। तब सुलैमान पराथना पूरी
किहेस अउर उ उठ खड़ा भवा। 55तब उ ऊँच आवाज मँ
इस्राएल क सबहिं लोगन क आसीर्वाद देइ बरे परमेस्सर स
याचना किहस। सुलैमान कहेस:
56“यहोवा क स्तुति करा। उ प्रतिग्या किहेस, कि उ
अपने इस्राएल क लोगन क आराम देइ अउर उ हम क
आराम दिहेस। यहोवा अपने सेवक मूसा क उपयोग किहस
अउर इस्राएल क लोगन क बरे बहोत स नीक प्रतिग्या
किहस अउर यहोवा ओन हर एक प्रतिग्यन क पूरा किहेस
ह। 57मइँ पराथना करत हउँ कि यहोवा, हमार परमेस्सर हम
लोगन क संग उहइ तरह होइ जइसे उ हमरे पुरखन क
संग रहा। मइँ पराथना करत हउँ कि यहोवा हम क कबहुँ
न तजी। 58मइँ पराथना करत हउँ कि हम ओकरी कइँती
अभिमुख होब अउर ओकर अनुसरण करब। तब हम लोग
ओकरे सबहिं नेमन, निर्णयिन अउ आदेसन क पालन करब
जेनका उ हमरे पुरखन क दिहस। 59मइँ आसा करत हउँ
कि यहोवा हमार परमेस्सर सदा ही इ पराथना क अउर
जउने चिजियन क मइँ याचना किहेउँ ह, याद राखी। मइँ
पराथना करत हउँ कि यहोवा अपने सेवक राजा अउर अपने
लोग इस्राएल क बरे इ सबइ सब कछू करी। मइँ पराथना
करत हउँ कि उ हर रोज इ करी। 60जदि यहोवा एन कामन
क करी तउ संसार क सबहिं मनई इ जनिहीं कि मात्र
यहोवा ही फुरइ परमेस्सर अहइ। 61ऐ लोगो, तू पचन्क
यहोवा हमरे परमेस्सर क वफ़दार अउर ओकरे बरे सच्चा
होइ चाही। तू पचन्क ओकरे सबहिं नेमन अउ आदेसन क
हमेसा अनुसरण अउ पालन करइ चाही। जइसा कि अबहुँ
करत ह।”
62तब राजा सुलैमान अउ ओकरे संग क इस्राएल क
लोग यहोवा क बलि भेंट किहन। 63सुमैलान बाईस हजार
गोरुअन अउ एक लाख बीस हजार भेड़िन क मारेस। इ
सबइ मेलबलि बरे रहिन। इहइ मारग रही जेहसे राजा अउ
इस्राएल क लोग यहोवा क मन्दिर क समर्पण किहन।
64उहइ दिन राजा सुलैमान मन्दिर क समन्वा क आँगन
समर्पित किहस। उ पचे होमबलि, अन्नबलि अउ मेलबलि
क चर्बी क भेंट चढ़ाएस। उ इ एह बरे किहस कि एन सारी
भेंटन क धारण करइ बरे यहोवा क समन्वा क काँसा क
वेदी बहोत जियादा नान्ह रही।
65इ तरह मन्दिर मँ राजा सुलैमान अउ इस्राएल क सारे
लोग छुट्टी क पर्व मनाएन। सारा इस्राएल, उत्तर मँ हमात
दर्रे स लइके दक्खिन मँ मिस्र क सीमा तलक हुवाँ मोजूद
रहा। हुवाँ असंख्या लोग मोजूद रहेन। उ पचे सात दिना
तलक यहोवा क संग मिलिके उत्सव मनाएन। तब उ पचे
अगले सात दिनन तलक हुवाँ ठहरेन। उ पचे सब मिलिके
चौदह दिनन तलक उत्सव मनाएन। 66अगले दिन सुलैमान
लोगन स घरे जाइ क कहेस। सबहिं लोग राजा क धन्यवाद
दिहन, बिदा लिहन अउर उ पचे घरे चले गाएन। उ पचे
खुस रहेन काहेकि यहोवा अपने सेवक दाऊ क बरे अउर
इस्राएल क लोगन क बरे बहोत सारी नीक चिजियन किहे
रहेन।

परमेस्सर सुलैमान क लगे फुन आवत ह

9 इ तरह सुलैमान यहोवा क मन्दिर अउर अपने महल
क बनाउब पूरा किहस। सुलैमान ओन सबहिं क
बनाएस जेनकर निर्माण उ करइ चाहत रहा। 2तब यहोवा
सुलैमान क समन्वा फुन वइसे ही परगट भवा जइसे उ
एकरे पहिले गिबोन मँ भवा रहा। 3यहोवा ओहसे कहेस:
“मइँ तोहार पराथना सुनेउँ। मइँ तोहरे निवेदन भी सुनेउँ,
जउन तू मोहसे करवावइ चाहत रह्या। तू इ मन्दिर क
बनाया अउर मइँ एँका एक पवित्तर ठउर बनाएँउ ह। एह बरे
हिआँ मोर सदा ही सम्मान होइ। मइँ एह पइ अपनी निगाह

रखब अउर एकरे बारे मँ सदा ही सोचत रहब। 4तोहका मोर सेवा वइसे ही करइ चाही जइसी तोहरे बाप दाऊद किहेस। उ एका मन क खराई अउ ईमानदारी स किहेस अउर तोहका मोरे नेमन अउर ओन आदेसन क पालन करइ चाही जेनका मइँ तोहका दिहेउँ ह।

5"जदि तू इ सब कछू करत रहब्या तउ मइँ इ निहचित लखब कि इस्राएल क राजा सदा ही तोहरे परिवार मँ स ही कउनो होइ। इहइ प्रतिग्या अहइ जेका मइँ तोहरे बाप दाऊद स कहे रहेउँ। मइँ ओहसे कहे रहेउँ कि इस्राएल पइ सदा ही ओकरे सन्तानन मँ स एक क सासन होइ।

6-7"मुला जदि तू या तोहार सन्तानन मोर अनुसरण करब तजत हीं, मोर दिए गए नेमन अउ आदेसन क पालन नाहीं करत हीं अउर दूसर देवता क सेवा करत अहीं तउ मइँ इस्राएल क उ देस तजइ क मजबूर करब जेका मइँ ओनका दिहेउँ ह। इस्राएल दूसर लोगन क बरे उदाहरण होइ अउर इस्राएल दूसर लोगन क मजाक क बिसय होइ। मइँ मन्दिर क पवित्तर किहेउँ ह। इ उ जगह अहइँ जहाँ लोग मोर सम्मान करत हीं। किन्तु जदि तू मोर आग्या क पालन नाहीं करत्या तउ एका मइँ बर्बाद कइ देब। 8इ मन्दिर बर्बाद कइ दीन्ह जाइ। हर एक मनई जउन एका लखी अचम्भ अउ हैरान होइ। उ पचे पूछिहीं, 'यहोवा इ देस क बरे अउर इ मन्दिर क बरे एँतना भंयकर बात काहे किहेस?' 9दूसर लोग जवाब देइहीं, 'इ एह बरे भवा कि उ पचे यहोवा अपने परमेस्सर क तजि दिहस। उ ओनके पुरखन क मिस्र स बाहेर लिआए रहा। मुला उ पचे दूसर देवतन क अनुसरण करइ क निहचइ किहेन। उ पचे ओन देवतन क सेवा अउ पूजा करब सरु किहन। इहइ कारण अहइ कि यहोवा ओनके बरे एँतना खौफनाक कार्य किहस।'"

10यहोवा क मन्दिर अउ अपना महल बनावइ मँ सुलैमान क बीस बरिस लगेन। 11बीस बरिस क पाछे, राजा सुलैमान सोर क राजा हीराम क गलील मँ बीस नगर दिहस। सुलैमान राजा हीराम क उ सबइ नगर दिहस काहेकि हीराम मन्दिर अउ महल बनावइ मँ सुलैमान क मदद किहेस। हीराम सुलैमान क ओतने सारे देवदारु अउर चीर बृच्छ तथा सोना दिहस जेतना उ चाहेस। 12एह बरे हीराम सोर स एन नगरन क लखइ बरे जात्रा किहस, जेनका सुलैमान ओका दिहस। जब हीराम ओन नगरन क लखेस तउ उ खुस नाहीं भवा। 13राजा हीराम कहेस, "जउन नगरन तू मोका दिहा ह उ सबइ का अहइँ?" राजा हीराम उ पहँटा क नाउँ काबूल प्रदेस धरेस अउर उ छेत्र आजु भी कबूल कहा जात ह। 14हीराम सुलैमान क लगे लग भग नौ हजार पौंड सोना मन्दिर क बनावइ मँ उपयोग करइ बरे पठए रहा।

15राजा सुलैमान दासन क अपने मन्दिर अउ महल बनावइ क बरे काम करइ क नाते मजबूर किहस। तब राजा सुलैमान एन दासन क उपयोग बहोत स चिजियन क बनावइ मँ किहस। उ मिल्लो बनाएस। उ यरूसलेम नगर क चारिहुँ कइँती देवार भी बनाएस। तब उ हासोर, मगिद्दो अउर गेजेर नगरन क फुन बनाएस।

16बीते समइ मँ मिस्र क राजा गेजेर नगर क बिरूद्ध लड़ा रहा अउर ओका जराइ दीन्ह ग रहा। उ ओन कनानी लोगन क मार डाएस जउन हुवाँ रहत रहेन। सुलैमान फिरौन क बिटिया स बियाह किहेस। एह बरे फिरौन उ नगर क सुलैमान क बरे बियाह क भेंट क रुप मँ दिहस। 17सुलैमान उ नगर क फुन बनाएस। सुलैमान खाले बथोरेन नगर क भी बनाएस। 18राजा सुलैमान जुदेन रेगिस्तान मँ बालात अउ तामार नगरन क भी बनाएस। 19राजा सुलैमान उ सबइ नगर भी बनाएस जहाँ उ अन्न अउर दूसर चिजियन क भण्डार करत रहत रहेन। उ अपने रथन अउ घोड़न क बरे जगह बनाएस। सुलैमान दूसर बहोत स चिजियन बनाएस जेनका उ यरूसलेम, लबानोन अउ अपने सासित दूसर सबहिं जगहन मँ चाहत रहा।

20देस मँ अइसे लोग भी रहेन जउन इस्राएली नाहीं रहेन। उ सबइ लोग एमोरी, हित्ती, परिज्जी, हिब्बी अउर यबूसी रहेन। 21किन्तु इस्राएली ओन लोगन क बर्बाद नाहीं कइ सके रहेन। किन्तु सुलैमान ओनका दास क रुप मँ अपने बरे काम करइ क मजबूर किहस। उ पचे अबहिं तलक दास अहइँ। 22सुलैमान कउनो इस्राएली क अपना दास होइ बरे मजबूर नाहीं किहस। इस्राएल क लोग फउजी, राज्ज कर्मचारी, अधिकारी, नायक अउर रथचालक रहेन।

23सुलैमान क परिजोजनन क साढ़े पाँच सौ पर्यवेच्छक रहेन। उ पचे मजदूरन क अधिकारी रहेन। 24फिरौन क बिटिया दाऊद क नगर स हुवाँ गइ जहाँ सुलैमान ओकेर बरे बिसाल महल बनाएस। तब सुलैमान मिल्लो बनाएस।

25हर बरिस तीन दाईं सुलैमान होमबलि अउ मेलबलि वेदी पइ चढ़ावत रहा। इ उहइ वेदी रही जेका सुलैमान यहोवा बरे बनाए रहा। राजा सुलैमान यहोवा क समन्वा सुगन्धि भी बारत रहा। एह बरे मन्दिर क बरे जरूरी चिजियन दिया करत रहा। 26राजा सुलैमान एस्योन गेबेर मँ जहाज भी बनाएस। इ नगर एदोम पहँटा मँ लाल सागर क किनारे एलोत क लगे रहा। 27राजा हीराम क लगे नाविक रहेन जउन समुद्द्र क बारे मँ बढ़िया गियान रखत रहेन। राजा हीराम ओन मनइयन क सुलैमान क नाविक बेड़ा मँ सुलैमान क मनइयन क संग सेवा करइ बरे पठएस। 28सुलैमान क जहाज ओपोर क गएन। उ सबइ जहाज एकतीस हजार पाँच सौ पौण्ड सोना आपोर स सुलैमान क बरे लइके लउटेन।

सीबा क रानी सुलैमान स मिलइ आवत ह

10 सीबा क रानी सुलैमान क बारे मँ सुनेस। एह बरे उ कठिन सवालन स ओकर परीच्छा लेइ आइ। 2उ सेवकन क बिसाल गिनती क संग यरूसलेम क जात्रा किहस। अनेक ऊँट मसालन, रतन अउ बहोत सा सोना ढोवत रहेन। उ सुलैमान स मिली अउर उ ओन सब सवालन क पूछेस जेनका उ सोच सकत रही। 3सुलैमान सबहिं सवालन क जवाब दिहेस। ओकर कउनो भी सवाल ओका जवाब देइ बरे बहोत जियादा कठिन नाहीं रहा। 4सीबा क रानी समुझ लिहस कि सुलैमान बहोत बुद्धिमान अहइ। उ उ सुन्नर महल क भी लखेस जेका उ बनाए रहा। 5रानी राजा क मेज पइ भोजन भी लखेस। उ ओकरे अधिकारियन

क एक संग मिलत लखेस। उ महल क सेवकन अउर
पिलाइवालन जउन अच्छे ओढ़नन क पहिर रखे रहा ओनका
भी लखेस। उ ओकर दावतन अउर उ भेंटन क लखेस
जउन उ यहोवा क मन्दिर मँ चढ़ाएस रहा। ओन सबहिं
चिजियन असल मँ ओका चकित कइ दिहन। 'मानो ओकर
मुँह क बोली बन्द होइ गवा!'
6एह बरे रानी राजा स कहेस, "मइँ अपने देस मँ आप
क बुद्धिमानी अउ बहोत सी बातन क बारे मँ सुनेउँ जउन
आप किहन। उ सबइ सबहिं बातन फुरइ अहइँ। 7मइँ एन
बातन मँ तब तलक नाहीं पतियात जब तलक मइँ हिआँ
नाहीं आइ अउर एन चिजियन क अपनी आँखियन स नाहीं
लखेउँ। अब मइँ लखत हउँ कि मोका एकर आधा भी नाहीं
कहा गवा रहा। जेतना मोका लोग कहे रहा तोहार बुद्धिमत्ता
अउ सम्पत्ति ओहसे बहोत जियादा अहइ। 8आप क मेहररुअन
अउ आप क अधिकारी बहोत भाग्गसाली अहइँ। उ पचे
रोजाना आप क सेवा कइ सकत हीं अउर आपका बुद्धिमत्ता
स भरी बातन सुन सकत हीं। 9आप क यहोवा परमेस्सर
स्तुति जोग्गा अहइ। उ तोहका इस्राएल क राजा बनावइ मँ
खुस भइ रहा। यहोवा परमेस्सर इस्राएल स हमेसा पिरेम
करत ह। एह बरे उ आप क राजा बनाएस। आप नेमन क
अनुसरण करत हीं अउर लोगन क संग निआव स भरा
बेउहार करत हीं।"
10तब सीबा क रानी राजा क लगभग नौ हजार पौण्ड
सोना दिहेन। उ ओका अनेक मसालन अउ रतन भी दिहस।
जेतना मसाला पहिले कबहुँ कउनो इस्राएल क लिआइके
दिहे रहा। सीबा क रानी ओहसे जियादा मसालन सुलैमान क
दिहस।
11हीराम क जहान ओपोर स सोना लइ आएन। उ सबइ
जहाज बहोत जियादा लकड़ी अउ रतन भी लिआएन।
12सुलैमान लकड़ी क उपयोग मन्दिर अउ महल क सम्भारइ
बरे किहस। उ लकड़ी क उपयोग गायकन क बरे वीणन
अउ बाँसुरियन बनावइ मँ भी किहेस। दूसर कउनो भी मनई
उ तरह क लकड़ी इस्राएल मँ कबहुँ नाहीं लिआवा, अउर
कउनो भी मनई तब स उ प्रकार क लकड़ी नाहीं लखेस।
13तब राजा सुलैमान सीबा क रानी क उ सबइ भेंटन
दिहस जउन कउनो कउनो दूसर देस क सासक क सदा ही
देत ह। तब उ ओका सब कछू दिहस जउन कछू भी उ
माँगेस। एकरे पाछे रानी सेवकन सहित अपने देस क वापस
लउट गइ।
14राजा सुलैमान हर बरिस लगभग उन्नासी हजार नौ सौ
बीस पौण्ड सोना प्राप्त करत रहा। 15बइपार क जहाजन स
सोना लिआए जाइ क अलावा उ वाषिक, बइपारियन अउ
अरब क राजा लोग अउ देस क प्रसासकन क भी सोना
प्राप्त किहन।
16राजा सुलैमान दुइ सौ बड़की ढारन पीटा भवा सोना स
बनाएस। हर एक ढार मँ लगभग पन्द्रह पौण्ड सोना लगा
रहा। 17उ पीटा भवा सोना स तीन सौ नान्ह ढारन भी
बनाएस। हर एक ढार मँ लगभग चार पौण्ड सोना लगा
रहेन। राजा ओनका उ भवन मँ धरेस जेका "लबानोन क
वन" कहा जात रहा।
18राजा सुलैमान एक ठु बिसाल हाथी दाँत क सिंहासन
भी बनाएस। उ ओका निखालिस सोना स मढ़ेस। 19सिंहासने
पइ पहोंचइ बरे ओहमाँ छ: पैड़ियन रहिन। सिंहासन क
पिछला भाग सिरे पइ गोल रहा। कुर्सी क दुइनउँ कइँती
हत्थन अउर कुर्सी क बगल लगे रहेन, अउ कर्सी क
दुइनउँ हत्थन क खाले सिंहन क मूरती बनी रहिन। 20छ:
पैड़ियन मँ स हर एक पइ दुइ सिंह रहेन। हर एक क सिरे
पइ एक सेर रहा। कउनो भी दूसर राज्ज मँ इ तरह क कछू
भी नाहीं रहा। 21सुलैमान क सबहिं पियालन अउ मग सोना
क बने रहेन। सबहिं बरतन "लबानोन क वन" नाउँ क
भवन मँ रखा रहेन उ सबइ भी निखालिस सोना क बने
रहेन। हुवाँ महल मँ कछू भी चाँदी क नाहीं बना रहा।
सुलैमान क समइ मँ सोना एँतना जियादा रहा कि लोग चाँदी
क महत्वपूर्ण नाहीं समुझत रहेन।
22राजा क लगे बहोत स बइपार क जहाज भी रहेन
जेनका उ दूसर देसन स चिजियन क बइपार करइ बरे बाहेर
पठवत रहा। इ सबइ जहाज हीराम क जहाज क संग जात्रा
करत रहेन। हर तीसरे बरिस जहाज सोना, चाँदी, हाथी दाँत
अउ गोरु लिआवत रहेन।
23सुलैमान भुइँया पइ महानतम राजा रहा। उ सबहिं राजा
लोगन स जियादा धनवान अउ बुद्धिमान रहा। 24सर्वत्र लोग
राजा सुलैमान क लखइ चाहत रहेन। उ पचे परमेस्सर क
जरिये दीन्ह गइ ओकर बुद्धिमानी क बात सुनइ चाहत रहेन।
25हर बरिस लोग राजा क दर्सन करइ आवत रहेन अउ हर
मनई भेंट लिआवत रहा। उ पचे सोना, चाँदी, ओढ़नन,
अस्त्र-सस्त्र, मसालन, घोड़न अउ खच्चरन लिआवत रहेन।
26एह बरे सुलैमान क लगे अनेक रथ अउर घोड़न रहेन।
ओकरे पास चौदह सौ रथ अउर बारह हजार घोड़न रहेन।
सुलैमान एन रथन क बरे बिसेस नगरन बनाएस। राजा
सुलैमान इ नगरन मँ कछू रथन राखेन अउर कछू क अपने
लगे यरूसलेम मँ भी रखेस। 27राजा इस्राएल क बहोत
सम्पन्न बनाइ दिहस। यरूसलेम नगर मँ चाँदी एँतनी साधारण
रही जेतनी चट्टानन, देवदारु क लकड़ी अउ पहाड़न पइ
उगइवाले असंख्य अंजीर क बृच्छ साधारण रहेन। 28सुलैमान
घोड़न क मिस्र अउ कुए स मँगाएस। ओकरे बइपारी
ओनका कुए मँ खरीदेस रहेन अउर ओनका इस्राएल
लिआवत रहेन। 29मिस्र क एक ठु रथ क कीमत लगभग
पन्द्रह सौ पौण्ड चाँदी रही अउर एक ठु घोड़े क कीमत पौने
चार पौण्ड चाँदी रही। सुलैमान घोड़न अउर रथ हित्ती अउ
अरामी राजा लोगन क हाथ बेचत रहा।

सुलैमान अउ ओकर बहोत स मेहररुअन

11 राजा सुलैमान बहोत सारे गैर इस्राएली मेहररूअन
स पिरेम किहे रहा। एनमाँ फिरौन क बिटिया,
हित्ति, मोआबी, अम्मोनी, एदोमी अउर सीदोनी मेहररुअन
रहिन। 2बीते समइ मँ यहोवा इस्राएल क लोगन स कहे
रहा, "तोहका दूसर रास्ट्रन क मेहररुअन स बियाह नाहीं
करइ चाही। जदि तू अइसा करब्या तउ उ सबइ लोग तोहार
हिरदय क आपन देवतन क अनुसरण करइ बरे फिराइ
लेइ।" किन्तु सुलैमान ओन मेहररुअन क पिरेम पासा मँ

पड़ा। 3सुलैमान क सात सौ पत्नियन रहिन। (इ सबइ
राजकुमारी रहिन।) ओकरे पास तीन सौ दासियन भी रहिन,
जउन ओकर रखैल रहिन। ओकरी पत्नियन ओकरे हिरदय
क परमेस्सर स दूर हटाइ दिहेन। 4जब सुलैमान बुढ़वा भवा
तउ ओकर पत्नियन ओहसे दूसर देवतन क अनुसरण करइ
बरे मज़बूर किहेन। सुलैमान पूरी हिरदय स यहोवा क
अनुसरण नाहीं किहेस जउने तरह ओकर बाप दाऊद किहे
रहा। 5सुलैमान सीदोन क देवी, असतोरेत क पूजा किहस। उ
अम्मोनियन क भयानक देवमूरति, मिलकोम क भी पूजा
किहेन। 6इ तरह सुलैमान यहोवा क बरे अपराध किहस।
सुलैमान यहोवा क अनुसरण पूरी तरह उहइ प्रकार नाहीं
किहस जउने प्रकार ओकर बाप दाऊद किहे रहा।

7सुलैमान कमोस क पूजा बरे ऊँच ठउर बनाएस। कमोस
मोआबी लोगन क भयानक देवमूरति रही। सुलैमान कामोस
क ऊँच ठउर क यरूसलेम क अगली पहाड़ी पइ
बनवाएस। सुलैमान उहइ पहाड़ी पइ मोलेक क ऊँच ठउर
भी बनाएस। मोलेक अम्मोनी लोगन क भयानक देवमूरति
रही। 8तब सुलैमान दूसर देसन क अपनी सबहिं मेहररुअन
क बरे उहइ किहस। ओकर मेहररुअन सुगन्धि बारत रहिन
अउर अपने देवतन क बलि भेंट करत रहिन।

9सुलैमान यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क अनुसरण
करइ स दूर हट गवा। ओकरे पाछे यहोवा सुलैमान क लगे
दुइ दाईं प्रगट भवा रहा। एह बरे यहोवा सुलैमान पइ कोहाइ
गवा। 10यहोवा सुलैमान स कहेस कि तोहका दूसर देवतन
क अनुसरण नाहीं करइ चाही। किन्तु सुलैमान यहोवा क
आदेस क पालन नाहीं किहस। 11एह बरे यहोवा सुलैमान स
कहेस, "तू मोरे सँग कीन्ह गइ आपन करार क तोड़ब
पसन्द किहा ह। तू मोरे आदेसन क पालन नाहीं किहा ह।
एह बरे मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तोहसे तोहार राज्ज
लइ लेब। मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि मइँ तोहसे तोहार राज्ज
धोर लेब। मइँ एका तोहरे सेवकन मँ स एक क देब।
12मुला मइँ तोहरे बाप दाऊद स पिरेम करत रहेउँ। एह बरे
जब तलक तू जिअत अहा तब तलक मइँ तोहार राज्ज नाहीं
लेब। मइँ तब तलक प्रतीच्छा करब जब तलक तोहार पूत
राजा नाहीं बन जात। तब मइँ ओहसे एका लेब। 13तउ भी
मइँ तोहरे पूत स सारा राज्ज नाहीं लेब। मइँ ओका एक
परिवार समूह पइ हुकूमत करइ देब। इ मइँ दाऊद बरे
करब। उ एक ठु नीक सेवक रहा। अउर इ मइँ अपने चुने
भए नगर यरूसलेम बरे भी करब।"

सुलैमान क दुस्मन

14उ समइ यहोवा एदोमी हदद क सुलैमान क दुस्मन
बनाएस। हदद एदोम क राजा परिवार क रहा। 15इ इ तरह
घटित भवा। कुछ समइ पहिले दाऊद एदोम क हराएस।
योआब दाऊद क सेना क सेनापति रहा। योआब एदोम मँ
मरे मनइयन क दफनावइ गवा। तब योआब हुवाँ जिअत
सबहिं मनइयन क मार डाएस। 16योआब अउ सारे इस्राएली
एदोम मँ छ: महीने तलक ठहरेन। उ समइ क बीच उ पचे
एदोम क सबहिं मनईयन क मार डाएन। 17मुला उ समइ
हदोद अबहिं एक ठु किसोर ही रहा। एह बरे हदद मिस्र क
पराइ निकरा। ओकरे बाप क कछू सेवक ओकरे संग
गएन। 18उ पचे मिद्यान क तजेन अउर उ पचे परान क
गएन। हुवाँ दूसर लोग भी ओकरे संग सामिल भएन। अउर
पूरा समूह मिस्र गएन। उ पचे मिस्र क राजा फिरौन क
लगे गएन अउर ओहसे मदद माँगेन। फिरौन हदद क एक
ठु घर अउर कछू भुइँया दिहस। फिरौन ओका मदद भी
दिहस अउर ओका खाइ क बरे भोजन भी दिहस।

19फिरौन हदद क बहोत पसन्द किहस यह बरे उ ओका
एक ठु पत्नी भी दिहस। मेहरारु फिरौन क पत्नी तहपनेस
क बहिन रहिन। 20एह बरे तहपनेस क बहन हदद स बीही
गइ। ओकर एक ठु पूत गनूबत नाउँ क भवा। रानी
तहपनेस गनूबत क अपने बच्चन क संग फिरौन क महल
मँ बड़ा होइ दिहस।

21मिस्र मँ हदद सुनेस कि दाऊद मर गवा। उ इ भी
सुनेस कि सेनापित योआब मर गवा। एह बरे हदद फिरौन स
कहेस, "मोका अपने देस मँ अपने घर वापस लउट जाइ
द्या।"

22किन्तु फिरौन जवाब दिहेस, "मइ तोहका सारी चीच,
जेनकर हिआँ जरुरत अहइ, दीन्ह ह। तू अपने देस मँ वापस
काहे जाइ चाहत अहा?"

हदद जवाब दिहेस, "मेहरबानी कइके मोका घरे लउटइ
द्या।"

23यहोवा दूसरे मनई क भी सुलैमान क खिलाफ दुस्मन
बनाएस। इ मनई एल्यादा क पूत रजोन रहा। रजोन अपने
सुआमी क हिआँ स पराइ गवा रहा। ओकर सुआमी सोबा
क राजा हददेजेर रहा।

24दाऊद जब सोबा क सेना क हराइ दिहस तब ओकरे
पाछे रजोन कछू मनइयन क बटोरेस अउर एक ठु नान्ह
सेना क प्रमुख बन गवा। रजोन दमिस्क गवा अउर हुवइँ
ठहरा। रजोन दमिस्क क राजा होइ गवा। 25रजोन अराम पइ
हुकूमत करत रहा। रजोन इस्राएल स घिना करत रहा, एह
बरे सुलैमान जब तलक जिअत रहा उ पूरे समइ इस्राएल क
दुस्मन बना रहा। रजोन अउ हदद इस्राएल बरे बड़की
परेसानियन पइदा किहन।

26नबात क पूत यारोबाम सुलैमान क सेवकन मँ स एक
रहा। यारोबाम एप्रैम परिवार समूह स रहा। उ सरेदा नगर क
रहा। यारोबाम क महतारी क नाउँ सरुयाह रहा। ओकर बाप
मर चुका रहा। उ राजा क खिलाफ होइ गवा।

27यारोबाम राजा क खिलाफ कइसे भवा।एकर कहानी इ
अहइ। सुलैमान मिल्लो बनावत रहा अउर आपन बाप दाऊद
क नगर क देवार क मजबूत करत रहा। 28यारोबाम एक ठु
बलवान मनई रहा। सुलैमान लखेस कि इ जवान एक ठु
नीक स्रमिक अहइ। एह बरे सुलैमान ओका यूसुफ परिवार
समूह क स्रमिकन क अधिकारी बनाइ दिहस। 29एक दिन
यारोबाम यरूसलेम क बाहेर जात्रा करत रहा। सीलो क
अहिय्याह नबी ओहसे सड़किया पइ मिला। अहिय्याह एक
ठु नवा अंगरखा पहिरे रहा। इ दुइनउँ मनई देस मँ अकेले
रहेन। 30अहिय्याह आपन नवा अंगरखा लिहस अउर एका
बाहर टूकन मँ फार डाएस।

31तब अहिय्याह यारोबाम स कहेस, "इ अंगरखा क दस टूकन तू अपने बरे लइ ल्या। यहोवा इस्राएल क परमेस्सर कहत ह, 'मइँ सुलैमान स राज्ज क छीन लेब अउर मइँ परिवार समूहन मँ स दस क तोहका देब। 32अउर मइँ दाऊद क परिवार क सिरिफ एक परिवार समूह पइ हुकूमत करइ देब। मइँ ओनका सिरिफ इ समूह क लेइ देब। मइँ इ अपने दाऊद अउ यरूसलेम बरे अइसा करइ देब। यरूसलेम उ नगर अहइ जेका मइँ सारे इस्राएल के परिवार समूह स चुनेउँ ह। 33मइँ सुलैमान स राज्ज लइ लेब काहेकि उ मोर अनुसरण करब तजि दिहस। उ सीदोनी देवमूरति अस्तोरेत, मोआबी देवता कमोस अउ अम्मोनी देवता मिल्कोम क पूजा करत ह। सुलैमान उ नाहीं करत ह जउन मोरे नजर मँ नीक अहइ। उ मोरे नेमन अउ आदेसन क पालन नाहीं करत। उ उ मारग मँ नाहीं रहत जेह पइ ओकर बाप दाऊद रहत रहा।

34एह बरे मइँ राज्ज क सुलैमान क परिवार स लइ लेब। किन्तु मइँ सुलैमान क ओकरे बाकी जिन्नगी भइ ओनकर सासक रहइ देब। इ मइँ अपने सेवक दाऊद बरे करब। मइँ दाऊद क एह बरे चुने रहेउँ कि उ मोर सबहिं आदेसन व नेमन क पालन करत रहा। 35मुला मइँ ओकरे पूत स राज्ज लइ लेब। अउर मइँ तोहका दस परिवार समूहन पइ हुकूमत करइ क अनुमति देब। 36मइँ सुलैमान क पूत क एक परिवार समूह पइ हुकूमत करत भए रहइ देब। मइँ एका एह बरे करब कि मोर सेवक दाऊद क हुकूमत यरूसलेम मँ मोर समन्वा सदा ही रही। यरूसलेम उ नगर अहइ जेका मइँ आपन निजी नगर चुनेउँ ह।

37मुला मइँ तोहका ओन सबहिं पइ हुकूमत करइ देब जेका तू चाहत अहा। तू पूरे इस्राएल पइ हुकूमत करब्या। 38अगर तू उ करब्या जेका मइँ आदेस दिहेउँ ह अउर तू सच्चाई क संग रहब्या अउर अउर तू मोरे सारे नेमन अउ आदेसन क पालन करब्या जइसा मोर सेवक दाऊद किहे रहा, तउ मइँ तोहरे संग रहब। मइँ तोहरे परिवार क राजा लोगन क परिवार वइसे ही बनाइ देब जइसे मइँ दाऊद क बनाएउँ। मइँ तोहका इस्राएल देब।

39मइँ दाऊद क सन्तानन क ओकर सजा देब जउन सुलैमान किहस। किन्तु मइँ हमेसा क बरे ओनका सजा नाहीं देब।'"

सुलैमान क मउत

40सुलैमान यारोबाम क मार डावइ क जतन किहस। मुला यारोबाम मिस्र पराइ गवा। उ मिस्र क राजा सीसक क लगे गवा। यारोबाम हुँवा सुलैमान क मरि तलक रहा।

41सुलैमान अपने सासन-काल मँ बहोत बड़के अउर बुद्धिमानी स पूर्ण काम किहस। जेनकर विवरण "सुलैमान क इतिहास-ग्रन्थ" मँ लिखा अहइ। 42सुलैमान यरूसलेम मँ पूरे इस्राएल पइ चालीस बरिस तलक हुकूमत किहस। 43तब सुलैमान मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। उ अपने बाप क दाऊद नगर मँ दफनावा गवा, अउर ओकर पूत रहूबियाम ओकरे जगह पइ राजा बना।

गृह जुद्ध

12 1-2नबात क पूत यारोबाम तबउ मिस्र मँ रहा, जहाँ उ सुलैमान स भागके पहोंचा रहा। जब उ सुलैमान क मउत क खबर सुनेस तउ उ एप्रैम क पहाड़ियन मँ अपने जेरदा नगर मँ वापस लउट आवा।

राजा सुलैमान मरा अउर अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। ओकर पाछे ओकर पूत रहूबियाम नवा राजा बना। 3इस्राएल क सबहिं लोग सकेम गएन। उ पचे रहूबियाम का राजा बनावइ गएन। रहूबियाम भी राजा बनइ बरे सकेम गवा। लोग रहूबियाम स कहेन, 4"तोहार बाप हम लोगन क बहोत कठोर मेहनत करइ बरे मजबूर किहस। अब तू एका हम लोगन बरे कछू सरल करा। उ कठिन काम क बन्द करा जेका करइ बरे तोहार बाप हम क मजबूर किहेस ह। तब हम तोहार सेवा करब।"

5रहूबियाम जवाब दिहस, "तीन दिन मँ मोरे लगे वापस लउटिके आवा अउर मइँ जवाब देब।" एह बरे लोग चले गएन।

6कछू अग्रज लोग रहेन जउन सुलैमान क जिअत रहत ओकरे निर्णय करइ मँ मदद करत रहेन। एह बरे राजा रहूबियाम एन मनइयन स पूछेस कि ओका का करइ चाही। उ कहेस, "आप लोग क सोचत हीं, मोका एन लोगन क जवाब देइ चाही?"

7अग्रज लोग जवाब दिहन, "जदि आजु तू ओनके सेवक क तरह रहब्या अउर ओनका सेवा करब्या अउर जदि तू दयापूर्वक ओनसे बातन करब्या तब उ पचे तोहार सदा सेवा करिहीं।"

8मुला रहूबियाम ओनकर इ सलाह नाहीं मानेस। उ ओन नउजवानन स सलाह लिहस जउन ओकर मीत रहेन। 9रहूबियाम कहेस, "लोग इ कहत हीं, 'हम क ओहसे सरल काम दया जउन तोहार बाप दिहे रहा।' तू का सोचत ह, मोका लोगन क कइसे जवाब देइ चाही? मइँ ओनसे का कहउँ?"

10राजा क जवान सलाहकारन ओन स कहेस, "उ सबइ लोग तोहरे लगे आएन अउर उ पचे कहेन, 'तोहार बाप हम क कठिन मेहनत करइ बरे मजबूर किहस। अब हम लोगन क काम सरल करइँ।' एह बरे तोहका ओनसे कहइ चाही, 'मोर नान्ह उँगरी मोरे बाप क पूरे तने स जियादा सक्तीसाली अहइ। 11मोर बाप तोहका कठिन मेहनत करइ क मजबूर किहस। किन्तु मइँ ओहसे भी बहोत कठिन काम कराउब। मोर बाप तोहसे काम लेइ बरे कोड़न क उपयोग किहे रहा। मइँ तोहका बिच्छू* स पीटब।'"

12रहूबियाम लोगन स कहे रहा, "तीन दिन मँ मोरे लगे वापस आवा।" एह बरे तीन दिन पाछे इस्राएल क सबहिं लोग रहूबियाम क लगे लउटेन। 13उ समइ राजा रहूबियाम ओनसे कठोर सब्द कहेस। उ अग्रजन क सलाह न मानेस। 14उ उहइ किहस जउन ओकर जवान सलाहकारन कइ क सलाह दिह्स। उ कहेस, "मोर बाप तोहका कठिन मेहनत करइ क मजबूर किहस। एह बरे मइँ तोहका अउर जियादा काम देब। मोर बाप तोहका कोड़ा स पीटेस। किन्तु मइँ

बिच्छू अइसा किरवा जेकर सिरा लोहा क होत ह।

तोहका बिच्छू स पीटब।” 15एह बरे राजा उ नाहीं किहस
जेका लोग चाहत रहेन। यहोवा अइसा होइ दिहस। यहोवा इ
आपन उ प्रतिग्या क पूरा करइ बरे किहस जउन उ नाबात
क पूत यारोबाम क संग किहे रहा। यहोवा अहिय्याह नबी
क उपयोग इ प्रतिग्या करइ बरे किहे रहा। अहिय्याह सीलो
क रहा।

16इस्राएल क सबहिं लोग समुझ लिहन कि नवा राजा
ओनकर बात अनसुनी कइ दिहस ह। एह बरे लोग राजा स
कहेन, “का हम दाऊद क परिवार क अंग अही? नाहीं।
का हम क यिसै क कउनो भुइँया मिला अहइ? नाहीं। एह
बरे इस्राएलियन हम अपने घर चलइँ। दाऊद क पूत क
अपने लोगन पइ हुकूमत करइ द्या।” एह बरे इस्राएल क
लोग अपने घरे वापस गएन। 17मुला रहूबियाम फुन भी
ओन इस्राएलियन पइ हुकूमत करइ जारी रखत रहा, जउन
यहूदा क नगर मँ रहत रहेन।

18अदोराम नाउँ क एक ठु मनई सब स्रमिकन क
अधिकारी रहा। राजा रहूबियाम अदोराम क लोगन स
बातचीत करइ बरे पठएस। किन्तु इस्राएल क लोग ओह पइ
तब तलक पाथर बरसाएन जब तलक उ नाहीं मर गवा।
तब राजा रहूबियाम अपने रथे तलक दउड़ा अउर यरूसलेम
क पराइ निकरा। 19इ तरह इस्राएल दाऊद क परिवार स
विद्रोह कइ दिहस अउर उ पचे अबहुँ भी आजु तलक
दाऊद क परिवार क खिलाफ अहइँ।

20इस्राएल क सबहिं लोग सुनेन कि यारोबाम वापस
लउट आवा ह। एह बरे उ पचे एक सभा मँ न्यौतेन अउर
ओका पूरे इस्राएल क राजा बनाइ दिहन। सिरिफ यहूदा क
परिवार समूह ही एक मात्र परिवार समूह रहा जउन दाऊद
क परिवार क अनुसरण करत रहा।

21रहूबियाम यरूसलेम क वापस गवा। उ यहूदा क
परिवार समूह अउ बिन्यामीन क परिवार समूह क बटोरेस। इ
एक लाख अस्सी हजार मनइयन क फउज रही। रहूबियाम
इस्राएल क लोगन क खिलाफ जुद्ध लड़इ चाहत रहा। उ
अपने राज्ज क वापस लेइ चाहत रहा।

22किन्तु यहोवा परमेस्सर क एक मनई स बातन किहस।
ओकर नाउँ समायाह रहा। यहोवाह कहेस, 23“यहूदा क
राजा, सुलैमान क पूत, रहूबियाम अउ यहूदा अउ बिन्यामीन
क सबहिं लोगन अउर बाकी सबहिं लोगन स बात करा।
24ओनसे कहा, ‘यहोवा कहत ह कि तू पचन्क अपने
भाइयन इस्राएल क लोगन क खिलाफ जुद्ध मँ नाहीं जाइ
चाही। तू पचन्क घरे लउटि जाइ चाही। मइँ एन सबहिं
घटनन क घटित होइ दिहेउँ ह।’” एह बरे रहूबियाम क सेना
के मनइयन यहोवाा क आदेस मानेन। उ पचे, सबहिं अपने
घरे लउटि गएन।

25सकेम, एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस मँ एक नगर रहा।
यारोबाम सकेम क एक सुदृढ़ नगर बनाएस अउर ओहमाँ
रहइ लाग। एकरे पाछे उ पनूएल नगर क गवा अउर
ओका भी सुदृढ़ किहस।

26यारोबाम अपने मने मँ सोचेस, “राज्ज फिर स दाऊद क
परिवार क लगे वापस जाइ सकत ह। 27जदि लोग
यरूसलेम मँ यहोवा क मन्दिर मँ बलि चढ़ाइ बरे जात जारी
रखेन तउ होइ सकत ह कि उ पचे इ चाही हीं दाऊद क
परिवार ओन लोगन पइ सासन करा। होइ सकत ह कि
लोग फुन यहूदा क राजा रहूबियाम क अनुसरण करब सुरु
कइ देइहीं। तब उ पचे मोका मार डइहीं।” 28एह बरे राजा
अपने सलाहकारन स पूछेस कि ओका का करइ चाही? उ
पचे ओका आपन सलाह दिहन। एह बरे यारोबाम दुइ ठु
सुनहरे बछवन बनाएस। राजा यारोबाम लोगन स कहेस,
“तोहका उपासना करइ बरे यरूसलेम जाइ बंद कइ देइ
चाही। इस्राएलियन, इ सबइ देवता अहइँ जउन तू पचन्क
मिस्र स बाहेर लइ आएन।” 29राजा यारोबाम एक ठु सुनहरा
बछवा क बेतेल मँ रखेस। उ दूसर सुनहरे बछवा क दान मँ
रखेस। 30किन्तु इ बहोत संगीन पाप होइ गवा। इस्राएल क
लोग बेतेल अउ दान नगरन क जात्रा बछवन क पूजा करइ
बरे किहन।

31यारोबाम ऊँच जगहन, पइ पूजा घर भी बनाएस। उ
इस्राएल क अलग अलग परिवार समूहन स याजक भी
चुनेस। (उ सिरिफ लेवी परिवार समूह स याजक नाहीं
चुनेस।) 32अउर राजा यारोबाम एक ठु नवा पर्व सुरु
किहस। इ पर्व यहूदा क “फसहपर्व” क तरह रहा। किन्तु इ
पर्व अठएँ महीने क पन्द्रहवे दिन रहा। पहिले महीने क
पन्द्रहवें दिन नाहीं। उ समइ राजा बेतेल नगर क वेदी पइ
बलि भेंट करत रहा अउर उ बलि ओन बछवन क भेंट
करत रहा जेनका उ बनवाए रहा। उ बेतेल मँ याजकन क
भी ऊँची जगह पइ सेवा करइ बरे जेका उ बनवाए रहा
चुनेस। 33एह बरे राजा यारोबाम इस्राएलियन क खातिर पर्व
बरे अपना ही समइ चुनेस। इ अठएँ महीने क पन्द्रहवाँ दिन
रहा। ओन दिनन उ उ वेदी पइ बलि भेंट करत रहा अउर
सुगन्धि बारत रहा जेका उ बेतेल नगर मँ बनाए रहा।

परमेस्सर बेतेल क खिलाफ घोसणा करत ह

13 यहोवा यहूदा क निवासी, परमेस्सर क एक मनई क
बेतेल नगर मँ जाइ का आदेस दिहस। राजा यरोबाम
उ समइ सुगन्धि भेंट करत भवा वेदी क लगे खड़ा रहा
जउने समइ परमेस्सर क मनई हुवाँ पहोंचा। 2यहोवा उ समइ
परमेस्सर क मनई क आदेस दिहस कि तू वेदी क खिलाफ
बोल्या। उ कहेस, “वेदी, यहोवा तोहसे कहत ह: ‘दाऊद क
परिवार मँ एक पूत योसिय्याह नाउँ क पइदा होइ। इ सबइ
याजक अब ऊँच जगहन पइ पूजा करत अहइँ। किन्तु वेदी,
योसिय्याह ओन याजकन क तोह पइ रखी अउर उ ओनका
मार डाइ। अब उ सबइ याजक तोह पइ सुगन्धि बारत हीं।
किन्तु योसिय्याह तोह पइ नर-अस्यियन क बारी। तब तोहार
उपयोग दुबारा नाहीं होइ सकी।’”

3परमेस्सर क मनई लोगन क नबुवत वाली प्रमाण दिहस
कि इ सब घटित होइ। उ कहेस, “यहोवा जेकरे बारे मँ
मोहसे कहेस ह ओकर प्रमाण इ अहइ। यहोवा कहेस, ‘इ
वेदी टूकन टूकन मँ टूट जाइ अउर एकर राख जमीन पइ
गिर पड़ी।’”

4राजा यारोबाम परमेस्सर क मनई स बेतेल मँ वेदी क
बरे दीन्ह सँदेसा सुनेस। उ वेदी स हाथ हींच लिहेस अउर
मनई कइँती सकत किहस। उ कहेस, “इ मनई क बन्दी

बनाइ ल्या।" मुला राजा जब इ कहेस तउ ओकरे हाथे क
लगवा मार गवा। उ ओका हलाइ नाहीं सका। 5वेदी क
टूका-टूका होइ गएन। ओकर सारी राख भुइँया पइ गिर
पड़ी। इ प्रमाण रहा जउन कि परमेस्सर क मनई लोगन क
दिहस। इ साबित किहस कि इ वचन परमेस्सर क तरफ स
रहा। 6तब राजा यारोबाम परमेस्सर क मनई स कहेस,
“मेहरबानी कइके यहोवा अपने परमेस्सर स मोरे बरे पराथना
करइँ। यहोवा स याचना करइँ कि इ मोर भुजा स्वस्थ कइ
देइँ।”

एह बरे “परमेस्सर क मनई” यहोवा क पराथना किहेस
अउर राजा क भुजा स्वस्थ होइ गइ। इ वइसे ही होइ गइ
जइसे पहिले रही। 7तब राजा परमेस्सर क मनई स कहेस,
“मेहरबानी कइके मोरे संग घरे चलइँ। आवइँ अउर मोरे
संग भोजन करइँ मइँ आप क एक ठु भेंट देब।”

8किन्तु परमेस्सर क मनई राजा स कहेस, “मइँ आप क
संग घरे नाहीं जाब। जदि आप मोका अपना आधा राज्ज भी
देइँ तउ भी मइँ नाहीं जाब। मइँ इ ठउरे पइ न कछू खाब,
न ही कछू पिअब। 9यहोवा आदेस दिहस ह कि मइँ न कछू
खाउँ अउर न ही पिउँ अउर न ही उ मारग स जात्रा करउँ
जेकर उपयोग मइँ हिआँ आवत समइ किहेस।” 10एह बरे
ओहसे अलग सड़क स जात्रा किहस। उ उहइ सड़क क
उपयोग नाहीं किहस जेकर उपयोग उ बेतेल क आवत
समइ किहे रहा।

11बेतेल नगर मँ एक ठु बुढ़वा नबी रहत रहा। ओकर
पूत आएन अउर उ पचे ओका बताएन कि परमेस्सर क
मनई बेतेल मँ का किहस। उ पचे अपने बाप स उ भी
किहेन कि जउन परमेस्सर क मनई राजा यारोबाम स कहे
रहा। 12बुढ़वा नबी कहेस, “जब उ चला तउ कउने सड़क
स गवा?” एह बरे पूतन अपने बाप क उ सड़क देखाएन
जेहसे यहूदा स आवइवाला परमेस्सर क मनई गवा रहा।
13बुढ़वा नबी अपने पूतन स अपने गदहे पइ काठी धरइ बरे
कहेस। एह बरे उ पचे काठी गदहे पइ डाएन। तब नबी
अपने गदहे पइ चल पड़ा।

14बुढ़वा नबी परमेस्सर क मनई क पाछे गवा। बुढ़वा
नबी परमेस्सर क मनई क एक ठु बाँजबृच्छ क खाले बइठे
लखेस। बुढ़वा नबी पूछेस, “का आप उहइ परमेस्सर क
मनई अहइँ जउन यहूदा स आएन ह?” परमेस्सर क मनई
जवाब दिहस, “हाँ, मइँ ही अहउँ।”

15एह बरे बुढ़वा नबी कहेस, “मेहरबानी कइके घरे चलइँ
अउर मोरे संग भोजन करइँ।”

16मुला परमेस्सर क मनई जवाब दिहस, “मइँ तोहरे संग
घरे नाहीं जाइ सकत हउँ। मइँ इ ठउरे पइ तोहरे संग खाइ
पीइ नाहीं सकत। 17यहोवा मोहसे कहेस, ‘तू उ ठउरे पइ
कछू खाया पिआ नाहीं अउर तोहका उहइ सड़किया स
वापस लउटब भी नाहीं अहइ जेहसे तू हुवाँ आया।’”

18तब बुढ़वा नबी कहेस, “किन्तु मइँ भी तोहरी तरह नबी
हउँ।” तब बुढ़वा नबी एक झूठ बोलेस। उ कहेस, “यहोवा
क हिआँ स एक ठु सरगदूत मोरे लगे आवा अउर यहोवा
क सब्द मोरे स कहेस कि एका अपने घरे ले जा अउर
एका हुआँ भोजन पानी करइ दया।”

19एह बरे परमेस्सर क मनई बुढ़वा नबी क घर गवा
अउर ओकर संग खाएस-पियस। 20जब उ पचे मेज पइ
बइठे रहेन तउ यहोवा बुढ़वा नबी स कहेस, 21अउर बुढ़वा
नबी यहूदा क निवासी परमेस्सर क मनई क संग बातचीत
किहेस। उ कहेस, “यहोवा कहेस कि तू ओकरी आग्या क
पालन नाहीं किहा। तू उ नाहीं किहा जेकरे बरे यहोवा क
आदेस रहा। 22यहोवा आदेस दिहे रहा कि तोहका इ जगह
पइ कछू भी खाइ या पिअइ नाहीं चाही। किन्तु तू वापस
लउट्या अउर तू खाया पिआ। एह बरे तोहार ल्हास तोहरे
परिवार क कब्रगाह मँ नाहीं दफनावा जाइ।”

23परमेस्सर क मनई भोजन करब अउर पिअब खतम
किहस। तब बुढ़वा नबी ओकरे बरे गदहे पइ काठी कसेस
अउर उ चला गवा। 24घरे कइँती जात्रा करत समइ सड़क
पइ एक ठु सेर हमला किहस अउर परमेस्सर क मनई क
मार डाएस। नबी क ल्हास सड़क पइ पड़ी रही। गदहा अउ
सेर ल्हास क लगे खड़े रहेन। 25कछू दूसर मनई उ सड़क
स जात्रा करत रहेन। उ पचे ल्हास क लखेन अउर सेर क
खड़ा पाएन। उ सबई मनई उ नगर क आएन जहाँ बुढ़वा
नबी रहत रहा अउर हुवाँ उ बताएस जउन उ पचे सड़क पइ
लखे रहेन।

26बुढ़वा नबी उ मनई क धोखा दिहे रहा अउर ओका
वापस लइ गवा रहा। उ जउन कछू भवा रहा उ सुनेस
अउर उ कहेस, “उ परमेस्सर क मनई अहइ जउन यहोवा
क आदेस क पालन नाही किहेस। एह बरे यहोवा ओका
मारइ बरे एक ठु सेर पठएस। यहोवा कहेस कि ओका इ
करइ चाही।” 27तब नबी अपने पूतन स कहेस, “मोरे गदहे
पइ काठी डावा।” एह बरे ओकर पूतन ओकरे गदहे पइ
काठी डाएन। 28बुढ़वा नबी गवा अउर ओकरे ल्हासे क
सड़किया पइ पड़ा पाएस। गदहा अउ सेर तब भी ओकरे
लगे खड़ा रहेन। सेर ल्हास क नाहीं खाए रहा अउ गदहे
क भी चोट नाहीं पहोंचाए रहा।

29बुढ़वा नबी ल्हास क अपने गदहे पाइ राखेस अउर उ
ल्हस पइ रोइ बरे अउर ओका दफनाइ बरे नगर वापस
लाएस।

30बुढ़वा नबी ओका अपने परिवार क कब्रगाह मँ
दफनाएस। बुढ़वा नबी ओकरे बरे रोएस। बुढ़वा नबी कहेस,
“ए मोरे भाई मइँ तोहरे बरे दुःखी हउँ।” 31इ तरह बुढ़वा
नबी ल्हास क दफनाएस। तब उ अपने पूतन स कहेस,
“जब मइँ मरउँ तउ मोका इहइ कब्र मँ दफनावा। मोरे हाड़न
क ओकरे हाड़न क निचके रख्या। 32जउन बातन यहोवा
ओकरे जरिये कहलवाएस ह उ सबइ निहचइ ही फुरइ घटित
होइहीं। यहोवा ओकर उपयोग बेतेल क बेदी अउ सोमरोन
क दूसर नगरन मँ स्थित ऊँच जगहन क खिलाफ बोलइ
बरे किहस।”

33एकर बाद भी राजा यारोबाम अपने बुरे कारनामन क
नाहीं बदलेस। उ अलग अलग परिवार समूहन स लोगन क
याजक बनइ बरे चुनत रहा। उ सबइ याजक ऊँच जगहन
पइ सेवा करत रहेन। जउन कउनो याजक होइ चाहत रहा
याजक बन जाइ दीन्ह रहा। 34इहइ पाप रहा जउन यारोबाम
क साही खानदान क बरबादी अउ बिनासे क कारण बना।

यारोबाम क पूत मर जात ह

14 उ समइ यारोबाम क पूत अबिय्याह बहोत बीमार पड़ा। 2यारोबाम अपनी मेहरारु स कहेस, "सीलो जा। जा अउर अबिय्याह नबी स मिला। अहिय्याह उ मनई अहइ जउन कहे रहा कि मइँ इस्राएल क राजा बनब। अपना ओढ़ना अइसे पहिरा कि कउनो न समुझइ कि तू मोर मेहरारु अहा। 3नबी क दस रोटियन, कछू पुअन अउ सहद क एक ठु गगरी द्या। तब ओहसे पूछा कि हमरे पूत क का होइ। अहिय्याह नबी तोहका बताइ।"

4एह बरे राजा क मेहरारु उ किहस जउन उ कहेस। उ सीलो गइ। उ अहिय्याह नबी क घरे गइ। अहिय्याह बहोत बुढ़वा अउ आँधर होइ गवा। 5मुला यहोवा ओहसे कहेस, "यारोबाम क मेहरारु तोहसे आपन पूत क बारे मँ पूछइ बरे आवति अहइ। उ बीमार अहइ।" यहोवा अहिय्याह क बताएस कि ओका का कहइ चाही।

यारोबाम क मेहरारु आपन भेस बदल कइ अहिय्याह क घरे पहोंची काहेकि उ कोसिस करत रही कि लोग न जानइँ कि उ कउन अहइ। 6अहिय्याह ओकरे दुआरे पइ आवइ क अवाज अनकेस। एह बरे अहिय्याह कहेस, "यारोबाम क मेहरारु, हिआँ आवा। तू काहे इ जतन करति अहा कि लोग इ समुझँइ कि तू कउनो दूसर अहा? मोरे लगे तोहरे बरे कछू बुरी खबर अहइँ। 7वापस लउटा अउर यारोबाम स कहा कि यहोवा इस्राएल क परमेस्सर, जउन कहत ह, उ इ अहइ। यहोवा कहत ह, 'यारोबाम, इस्राएल क सबहिं लोगन मँ स मइँ तोहका चुनेउँ। मइँ तोहका अपने लोगन क सासक बनाएउँ। 8दाऊद क परिवार इस्राएल पइ सासन किहस, मुला मइँ ओनसे ओकर राज्ज क छीन के ओका तोहका दिहेउँ। मुला तू मोरे सेवक दाऊद क समान नाहीं अहा। उ मोरे आदेसन क हमेसा पालन किहस अउर मोर पूरा हिरदय स अनुसरण, उ सबइ काम कइके किहेस जउन मोर नज़र म नीक रहा। 9किन्तु तू पहिले क सासक स जियादा घटिया पापन किहेस ह। तू मोर अनुसरण करब बन्द कइ दिहा ह। तू मूरतियन अउर दूसर देवतन बनाया। इ मोका बहोत कोहाइ दिहस। तू आपन पीठ मोर तरफ घुमाइ दिहेस ह। 10एह बरे यारोबाम, मइँ तोहरे परिवार पइ विपत्ति लिआउब। मइँ तोहरे परिवार क सबहिं मनइयन क मार डाउब। मइ तोहरे परिवार क पूरी तरह वइसे ही बर्बाद करब जइसे आगी उपरी क बर्बाद करति ह। 11तोहरे परिवार क जउन कउनो नगर मँ मरी ओका कूकुर खइहीं अउर तोहरे परिवार क जउन कउनो मनई मइदान मँ मरी ओका पंछी खइहीं। यहोवा इ कहेस ह।'"

12तब अहिय्याह नबी यारोबाम क पत्नी स लगातार बात करत रहा ह। उ कहेस, "अब तू घरे जा। जइसे ही तू अपने नगर मँ प्रवेस करब्या तोहार पूत मरी। 13सारा इस्राएल ओकरे बरे रोई अउर ओका दफनाइ। सिरिफ तोहार पूत ही यारोबाम क परिवार मँ अइसा व्यक्ति होइ जेका दफनावा जाइ। एकर कारण इ अहइ कि यारोबाम क परिवार मँ सिरिफ उहइ अइसा मनई अहइ जउन यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क खुस किहेस ह। 14यहोवा इस्राएल क एक ठु नवा राजा बनाई। उ नवा राजा यारोबाम क परिवार क नस्ट करी। इ बहोत हाली होइ। 15तब यहोवा इस्राएल क पीटिहीं। इस्राएल क लोग बहोत डेराइ जइहीं। उ पचे उ तरह कँपिहीं जइसा जल मँ सरकण्डा डोलत ह। यहोवा इस्राएलियन क इ नीक पहँटा स उखाड़ देइ। इ उहइ भुइँया अहइ जेका उ ओनके पुरखन क दिहे रहा। उ ओनका फरात नदी क दूसरी कइँती बिखेर देइ। इ होइ काहेकि यहोवा लोगन पइ कोहान अहइ। लोगन ओका तब गुस्सैल किहन जब उ पचे असेरा क पूजा क बरे खास खम्भन खड़ा किहेन। 16यारोबाम पाप किहेस अउर तब यारोबाम इस्राएल क लोगन स पाप करवाएस। एह बरे यहोवा इस्राएल क लोगन क पराजित होइ दिहन।"

17यारोबाम क मेहरारु तिरजा क लउट गइ। जइसेन हि उ घरे मँ घुसी, लरिका मर गवा। 18पूरा इस्राएल ओका दफनाएस अउर ओकरे बरे उ रोएन। इ ठीक वइसे ही भवा जइसा यहोवा होइ क कहे रहा। यहोवा अपने सेवक अहिय्याह नबी क उपयोग इ सबइ बातन कहइ बरे किहस।

19राजा यारोबाम दूसर बहोतन स काम किहस। ओकर जुद्ध क लेखा जोखा, उ कइसे हुकूमत करत रहा, अउर ओकर दूसर कामन इ सब "इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ लिखा भवा अहइ। 20यारोबाम बाईस बरिस तलक राजा क रूप मँ हुकूमत किहस। उ तब मरा अउर अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। ओकर पूत नादाब ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

21उ समइ जब सुलैमान क लरिका रहूबियाम यहूदा क राजा बना, उ इक्कीस बरिस क रहा। रहूबियाम यरूसलेम नगर मँ सत्रह बरिस तलक हुकूमत किहस। इ उहइ नगर अहइ जेहमा यहोवा सम्मानित होब चुनेस। उ इस्राएल क सबहिं दूसर नगरन मँ स इ नगर क चुनेस। रहूबियाम क नामा नाउँ क महतारी अम्मोन क रही।

22यहूदा क लोग पाप किहन अउ ओन कामन क किहन जेनका यहोवा बुरा कहे रहा। लोग अपने ऊपर यहोवा क गुस्सैल करइ बरे अउर बुरे काम किहन। उ सबइ लोग अपने पुरखन स भी बुरे रहेन। 23लोग ऊँच ठउर, पाथर क स्मारक अउर पवित्तर खम्भन बनाएन। उ पचे ओनका हर एक पहाड़ पइ अउ हर एक बृच्छ क खाले बनाएन। 24हुवाँ भुइँया पइ मन्दिर क देवदासन भी रहेन। लोग अनेक घिनौना करम करत रहेन अउर उ रास्ट्र क अनुसरण करत रहेन जेनका यहोवा भूइँया तजइ बरे मज़बूर किहे रहेन। अउर परमेस्सर ओन लोगन स उ देस लइ लिहे रहा। अउर इस्राएल क लोगन क दइ दिहे रहा।

25रहूबियाम क राज्जकाल क पचएँ बरिस मिस्र क राजा सीसक यरूसलेम क खिलाफ लड़ा। 26सीसक यहोवा क मन्दिर अउ राजा क महल स खजानन लइ लिहस। उ ओन सुनहरी ढालन क भी लइ लिहस जेनका दाऊद अराम क राजा हददजर क अधिकारियन स लिहे रहा। दाऊद एन ढालन क यरूसलेम लइ गवा रहा। किन्तु सीसक सबहिं सुनहरी ढालन लइ लिहस। 27एह बरे राजा रहूबियाम ओनके ठउर पइ रखइ बरे अनेक ढालन बनवाएस। किन्तु इ सबइ ढालन काँसे क रहिन, सोना क नाहीं। उ इ सबइ ढालन ओन मनइयन क दइ दिहस जउन महल क दुआरन क

रच्छा करत रहेन। 28जब कबहुँ राजा यहोवा क मन्दिर क जात रहा, रच्छकन ओकरे साथ हर दाईं जात रहेन। उ सबइ ढालन लइ जात रहेन। जब उ पचे काम पूरा कइ लेत रहेन तब उ पचे रच्छक-कच्छ मँ ढालन क लटकाइ देत रहेन।

29राजा रहूबियाम जउन कछू किहेस उ सब, "यहूदा क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ लिखा भवा अहइ। 30रहूबियाम अउ यारोबाम हमेसा ही एक दूसर क खिलाफ जुद्ध करत रहेन।

31रहूबियाम मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। ओका ओकरे पुरखन क संग दाऊद नगर मँ दफनावा गवा। (ओकर महतारी नामा एक अम्मोनी रही।) रहूबियाम क पूत अबिय्याम* ओकरे पाछे नवा राजा बनइ मँ कामयाब होइ गवा।

यहूदा क राजा अबिय्याम

15 नाबात क पूत यारोबाम इस्राएल पइ हुकूमत करत रहा। यारोबाम क राज्जकाल क अट्ठारहवें बरिस, अबिय्याम यहूदा क नवा राजा बना। 2अबिय्याम तीन बरिस तलक यरूसलेम पइ हुकूमत किहस। ओकर महतारी क नाउँ माका रहा। उ अबसालेम क बिटिया रहा।

3उ उ सबइ पाप किहेस जउन ओकर बाप ओकरे पहिले किहे रहा। अबिय्याम क हिरदय यहोवा आपन परमेस्सर क प्रति पूरा भक्तिवान नाहीं रहेन जइसा ओकर दादा दाऊद किहे रहा। 4दाऊद के वास्ते, यहोवा ओका यरूसलेम मँ एक ठू बंस दिहेस। उ दाऊद क बंसज क यरूसलेम पई सासन करइ द्या अउर एका सुरच्छित रखइ क प्रतिग्या किहेस। 5दाऊद हमेसा ही उचित करम किहस जेनका यहोवा चाहत रहा। उ हमेसा ही यहोवा क आदेसन क पालन किहे रहा। सिरिफ एक दाईं दाऊद यहोवा क आदेस नाहीं माने रहा जब दाऊद हित्ती ऊरिय्याह क खिलाफ पाप किहे रहा।

6रहूबियाम अउ यारोबाम हमेसा एक दूसर क खिलाफ जुद्ध लड़त रहेन। 7जउन कछू दूसर काम अबिय्याम किहे रहा उ "यहूदा क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ लिखा बाटइ।

उ सारे समइ मँ जब अबिय्याम राजा रहा, यारोबाम अउ अबिय्याम क खिलाफ जुद्ध चलत रहा। 8जब अबिय्याम मरा तउ दाऊद-नगर मँ दफनावा गवा। अबिय्याम क पूत "आसा" ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

यहूदा क राजा आसा

9इस्राएल क ऊपर यारोबाम क राजा क रुप मँ सासन करइ क बीसवें बरिस मँ आसा यहूदा क राजा बना। 10आसा यरूसलेम मँ इकतालिस बरिस तलक सासन किहस। ओकरे दादी क नाउँ माका रहा अउर माका अबसालोम क बिटिया रही।

11आसा अपने पुरखा दाऊद क तरह ओन करमन क किहस जेनका यहोवा उचित ठहराएस। 12ओन दिनन हुवाँ मन्दिर क देवदासन रहेन। आसा ओन लोगन क देस तजइ बरे मजबूर किहस। आसा ओन देव मूरतियन क भी दूर किहस जउन ओकरे पुरखन बनाए रहेन। 13आसा अपनी दादी माका क, रानी पद स हटाइ दिहस। माका देवी असेरा क ओन भयंकर मूरतियन मँ स एक क बनाए रहा। आसा ओका काट डाएस अउर एका उ किद्रोन क घाटी मँ बारेस। 14आसा ऊँच ठउरन क बर्बाद नाहीं किहस, किन्तु उ पूरी जिन्नगी भइ यहोवा क मनवइया रहा। 15आसा यहोवा क मन्दिर मँ सोना, चाँदी अउर उ चिजियन लाएन जउन उ अउर ओकर बाप अर्पित किहे रहेन।

16जब तलक राजा आसा यहूदा क राजा रहा, उ हमेसा ही इस्राएल क राजा बासा क खिलाफ जुद्ध करत रहा। 17बासा यहूदा क खिलाफ लड़त रहा। बासा लोगन क, आसा क देस यहूदा स आवइ या जाइ स रोकइ चाहत रहा। एह बरे उ रामा नगर क बहोत मजबूत बनाइ दिहस। 18एह बरे आसा यहोवा क मन्दिर अउर राजमहल क खजानन स सोना अउ चाँदी निकारेस। उ इ सोना-चाँदी अपने सेवकन क दिहस अउर ओनका अराम क राजा बेन्हदद क लगे पठएस। बेन्हदद हेज्योन क पूत तब्रिम्मोन क पूत रहा। दमिस्क बेन्हदद क राजधानी नगर रहा। 19आसा इ सँदेसा पठएस, "मोरे बाप अउर तोहार बाप क बीच एक ठु सान्ति-सन्धि रही। अब मइँ तोहरे अउर अपने बीच एक ठू सान्ति-सन्धि करइ चाहत हुउँ। मइँ तोहरे लगे सोना-चाँदी क भेंट पठवत अहउँ। इस्राएल क राजा बासा क संग अपनी सन्धि तोड़ द्या। तब बासा मोरे देस क तजि देइ।"

20राजा बेन्हदद आसा क सँदेसा क अंगीकार किहस। एह बरे उ इस्राएल क नगरन क खिलाफ लड़इ बरे अपनी फउज पठएस। बेन्हदद इय्योन, दान, आबेल्वेत्माका अउ गलीली झील क चारिहुँ ओर क नगरन क हराइ दिहस। उ सारे नप्ताली पहँटा क हराएस। 21बासा एन हमलन क बारे मँ सुनेस। एह बरे उ रामा क मजबूत बनाउब बन्द किहस। उ उ नगर क तजि दिहस अउर तिर्सा क लउट गवा। 22तब राजा आसा यहूदा क सबहिं लोगन क मदद करइ क हुकूम दिहस-कउनो मनई बिना मदद क नाहीं होइ। उ पचे रामा क गएन अउर उ पचे ओन पाथरन अउ काठन क उठाइ लिहन जेनकर उपयोग बासा नगर क मजबूत बनावइ बरे करत रहा। उ पचे ओन चिजियन क मिस्पा अउर बिन्यामीन प्रदेस मँ गेबा क लइ गएन। तब आसा ओन नगरन क बहोत मजबूत बनाएस।

23आसा क बारे मँ दूसर बातन व महान कारज जउन उ किहस अउर नगरन जेनका उ बनाएस "यहूदा क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ लिखा बाटइ। जब आसा बुढ़वा भवा तउ ओकरे गोड़े मँ एक रोग पइदा भवा। 24आसा मरा अउर ओका ओकर पुरखा दाऊद का नगर मँ दफनावा गवा। तब आसा क पूत यहोसापात ओकरे पाछे नवा राजा बना।

इस्राएल क राजा नादाब

25यहूदा पइ आसा क राज्जकाल क दूसर बरिस मँ यारोबाम क पूत नादाब इस्राएल क राजा भवा। नादाब इस्राएल पइ दुइ बरिस तलक हुकूमत किहस। 26नादाब उ करम किहेस जेका यहोवा दुआरा बुरा समुझा जात रहा। उ

अबिय्याम या अबिजाह।

वइसे ही पाप किहस जइसे ओकर बाप यारोबाम इस्राएल क लोगन स पाप करवाइ क किहे रहा।

27बासा अहिय्याह क पूत रहा। उ पचे इस्साकार क परिवार समूह स रहेन। बासा राजा नादाब क मार डावइ क एक ठु जोजना बनाएस। इ उ समइ रहा जब नादाब अउर सारा इस्राएल गिब्बतोन नगर क खिलाफ जुद्ध मँ लडत रहेन। इ एक पलिस्ती नगर रहा। उ ठउरे पइ बासा नादाब क मार डाएस। 28इ यहूदा पइ आसा क राज्जकाल क तीसरे बरिस मँ भवा अउर बासा इस्राएल क अगला राजा बना।

इस्राएल क राजा बासा

29जब बासा नवा राजा बना तउ उ यारोबाम क परिवार क हर एक मनई क मार डाएस। बासा यारोबाम क परिवार मँ कउनो मनई क जिअत नाहीं बख्सेस। इ वइसे ही भावा जइसा होइ बरे यहोवा कहे रहा। यहोवा सीलो क आपन सेवक अहिय्याह क जरिये इ कहे रहा। 30इ भवा, काहेकि यारोबाम अनेक पाप किहे रहा अउर यारोबाम इस्राएल क लोगन स अनेक पाप कराए क कारण रहा। यारोबाम यहोवा इस्राएल क परमेस्सर क बहोत किरोधित कइ दिहे रहा।

31नादाब जउन दूसर काम किहेस उ सबइ "इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ लिखा भवा अहइ। 32पूरे समइ, जब तलक बासा इस्राएल क सासक रहा, उ यहूदा क राजा आसा क बिरुद्ध जुद्ध मँ लड़त रहा।

33अहिय्याह क पूत बासा, यहूदा पइ आसा क राज्जकाल क तीसरे बरिस मँ इस्राएल क राजा भवा रहा। बासा तिर्सा मँ चौबीस बरिस तलक राजा रहा। 34किन्तु बासा उ सबइ कारज किहस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा। उ उ सबइ ही पाप किहेस जउन ओकर पुरखा यारोबाम किहे रहा। यारोबाम इस्राएल क लोगन स पाप कराए रहा।

16 तब यहोवा हनान क पूत येहू स बातन किहस। यहोवा राजा बासा क बिरुद्ध बातन कहत रहा। 2"मइँ तोहका धूरि-माटी स चुन कइ उठाएउँ। मइँ तोहका इस्राएल क लोगन क ऊपर राजा बनाएउँ। किन्तु तू यारोबाम क मारग क अनुसरण किहा ह। तू मोर लोगन, इस्राएलियन स पाप कराया ह। उ पचे अपने पापन स मोका गुस्सैल किहन ह। 3एह बरे बासा, मइँ तोहका अउर तोहरे परिवार क बर्बाद करब। मइँ तोहरे संग उहइ करब जउन मइँ नाबात क पूत यारोबाम क परिवार क संग किहेउँ। 4तोहरे परिवार क लोग नगर क सड़कियन पइ मरिहीं अउर ओनके ल्हासन क कूकुर खइहीं। तोहरे परिवार क कछू लोग मइदानन मँ मरिहीं अउर ओनके ल्हासन क पंछी खइहीं।"

5बासा क बारे मँ दूसर बातन अउर जउन महान कारज उ किहेस सबहिं "इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ लिखा अहइ। 6बासा मरा अउ तिर्सा मँ दफनावा गवा। ओकर पूत एला ओकरे पाछे नवा राजा बना।

7एह बरे यहोवा येहू नबी क एक सँदेसा दिहस। इ सँदेसा बासा अउ ओकरे परिवार क बिरुद्ध रहा। बासा उहइ करम किहे रहा जेका यहोवा बुरा करम ठेहराएस। एहसे यहोवा बहोत कोहाई गवा। बासा उहइ किहस यारोबाम क परिवार ओहसे पहिले किहे रहा। यहोवा एह बरे भी कोहान रहा कि बासा यारोबाम क समूचे परिवार क मार डाए रहा।

इस्राएल क राजा एला

8यहूदा पइ आसा क राज्जकाल क छब्बीसवें बरिस मँ एला इस्राएल क राजा भवा। एला बासा क पूत रहा। उ तिर्सा मँ दुई बरिस तलक हुकूमत किहस।

9एला राजा क अधिकारियन मँ स जिम्री एक रहा। जिम्री एला क आधे रथन क आदेस देत रहा। किन्तु जिम्री एला क बिरुद्ध जोजना बनाएस। राजा एला तिर्सा मँ रहा।

उ अर्सा, क घरे मँ दाखरस पिअत रहा अउर मदमस्त होत रहा। अर्सा तिर्सा क महल क अधिकारी रहा। 10जिम्री उ घरे मँ गवा अउ उ राजा एला क मार डाएस। यहूदा पइ आसा क राज्जकाल क सत्ताइसवें बरिस मँ इ भवा। तब एला क पाछे इस्राएल क नवा राजा जिम्री भवा।

इस्राएल क राजा जिम्री

11जब जिम्री राजा भवा तउ उ बासा क पूरे परिवार क मार डाएस। उ बासा क परिवार मँ कउनो मनई क जिअत नाहीं रहइ दिहस। जिम्री बासा क मीतन क भी मार डाएस। 12इ तरह जिम्री बासा क पूरा परिवार क बर्बाद किहस। इ वइसे ही भवा जइसा यहोवा, येहू नबी क उपयोग बासा क खिलाफ कहइ क कहे रहा। 13इ बासा अउ ओकर पूत एला क सबहिं पापन क कारण भवा। उ पचे पाप किहे रहेन अउर इस्राएल क लोग स पाप कराए रहेन। यहोवा कोहान रहा काहेकि उ पचे बहोत स देवमूरतियन धरे रहेन।

14"इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ दूसर सबहिं बातन लिखी अहइँ जउन एला किहे रहा। 15यहूदा पइ आसा क राज्जकाल क सत्ताइसवें बरिस मँ जिम्री इस्राएल क राजा बना। जिम्री तिर्सा मँ सात दिन सासन किहस। जउन कछू भवा, इ अहइ: इस्राएल क फउज गिब्बतोन क पलिस्तियन क निचके डेरा डाए पड़ी रहिन। उ पचे जुद्ध बरे तइयार रहेन। 16पड़ाव मँ टिके लोग सुनेन कि जिम्री राजा क खिलाफ गुप्त सड्यन्त्र रचेस ह। अउर ओका मार डाएस। एह बरे सारे इस्राएल डेरा मँ, उ दिन ओम्री क इस्राएल क राजा बनाएस। ओम्री सेनापति रहा। 17एह बरे ओम्री अउर सारे इस्राएल गिब्बतोन क तजेन अउ तिर्सा पई हमला कइ किहन। 18जिम्री लखेस कि नगर पइ अधिकार कइ लीन्ह गएस ह। एह बरे उ महल क भीतर गएन अउर जराइ सरू किहेन। उ महल अउ खुद क जराइ दिहेस। अउर उ मरि गवा। 19इ तरह जिम्री मरा काहेकि उ पाप किहे रहा। जिम्री ओन कामन क किहेस जेनका यहोवा बुरा कहे रहा। उ वइसे ही पाप किहेस जइसे यारोबाम किहे रहा अउ यारोबाम इस्राएल क लोगन स पाप कराए रहा।

20"इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे
मँ जिम्री क गुप्त सड्यन्त्र अउ दूसर बातन लिखी अहइँ
जउन उ राजा एला क बिरुद्ध किहे रहा।

इस्राएल क राजा ओम्री

21इस्राएली लोग दुइ दलन मँ बँट गए रहेन। आधे लोग
गीनत क पूत तिब्नी क अनुसरण करत रहेन अउर ओका
राजा बनावइ चाहत रहेन। दूसर आधे लोग ओम्री क
अनुयायी रहेन। 22किन्तु ओम्री क अनुयायी गीनत क पूत
तिब्नी क अनुयायियन स जियादा सक्तीसाली रहेन। एह बरे
तिब्नी मारा गवा अउर ओम्री राजा भवा।
23यहूदा पइ आसा क राज्जकाल क इकत्तीसवें बरिस मँ
ओम्री इस्राएल क राजा भवा। ओम्री इस्राएल पइ बारह
बरिस तलक सासन किहस। ओन बरिसन मँ स छ: बरिस
तलक उ तिर्सा नगर मँ सासन किहस। 24किन्तु ओम्री
सोमरोन क पहाड़ी क बेसहि लिहस। उ एका लगभग डेढ़
सौ पौण्ड चाँदी समेर स बेसहेस। ओम्री उ पहाड़ी पइ एक ठु
नगर बनाएस। बाद मँ, इ पहिले क मालिक समेर क नाउँ
पइ सोमरोन पुकारा गएस।
25ओम्री उ सबइ काम किहस जेनका यहोवा बुरा घोसित
किहे रहा। ओम्री ओन सबहिं राजा लोगन स बुरा रहा जउन
ओकरे पहिले होइ चुके रहेन। 26उ उ सबइ ही पापन
किहेस जउन नबात क पूत यारोबाम किहे रहा। यारोबाम
इस्राएल क लोगन स पाप कराए रहा। एह बरे उ पचे
यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क बहोत किरोधित कइ दिहे
रहेन। यहोवा कोहान रहा, काहेकि उ पचे बेकार क
देवमूरतियन क पूजा करत रहेन।
27"इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क पुस्तक
मँ ओम्री क बारे मँ दूसर बातन अउर ओकर किहे महान
कारज लिखे गएन ह। 28ओम्री मरा अउ सोमरोन मँ
दफनावा गवा। ओकर पूत अहाब ओकरे पाछे नवा राजा
बना।"

इस्राएल क राजा अहाब

29यहूदा पइ आसा क राज्जकाल क अड़तीसवें बरिस मँ
ओम्री क पूत अहाब इस्राएल क राजा बना। अहाब इस्राएल
पइ सामरिया मँ बाईस बरिस तलक हुकूमत किहेस।
30अहाब उ सबइ काम किहेस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा
अउर अहाब ओन सबहिं राजा लोगन स भी बुरा रहा जउन
ओकरे पहिले भए रहेन। 31अहाब क बरे ऍतना काफी नाहीं
रहा कि उ वइसे ही पापन करइ जइसे नबात क पूत
यारोबाम किहे रहा, उ अहाब एतबाल क बिटिया ईजबेल स
बियाह किहेस। एतबाल सीदोन क राजा रहा। तब अहाब
बाल क सेवा अउर पूजा करब सुरू किहेस। 32अहाब बाल
क पूजा करइ बरे सोमरोन मँ पूजा घर बनाएस। उ पूजाघरे
मँ एक वेदी रखेस। 33अहाब असेर क पूजा बरे एक बिसेस
खम्भा भी खड़ा किहस। अहाब यहोवा, इस्राएल क
परमेस्सर क किरोधित करइवाले बहोत स काम, ओन सबहिं
राजा स जियादा किहेस, जउन ओकरे पहिले रहेन।
34अहाब क राज्जकाल मँ बेतेल क हीएल यरीहो नगर
क दुबारा बनाएस। जउने समइ हीएल नगर बनावइ क काम
सुरु किहस, ओकर बड़ा पूत अबीराम मर गवा अउर जब
हीएल नगर दुआर बनाएस, ओकर सब स नान्ह पूत सगूब
मर गवा। इ ठीक वइसे ही भवा जइसा यहोवा नून क पूत
यहोसू स बातन करत भए कहे रहा।

एलिय्याह अउ अनावृस्टि क समइ

17 एलिय्याह गिलाद मँ तिसबी नगर क एक नबी
रहा। एलिय्याह राजा अहाब स केहस, "मइँ यहोवा,
इस्राएल क परमेस्सर क सेवा करत हउँ। ओकरी सत्ती पइ
मइँ प्रतिग्या करत हउँ कि अगले कछू बरिसन मँ न हुवाँ
बर्खा होइ अउर न ही ओस गिरी जब तलक मइँ ओकरे
होइ क आदेस न देब।"
2तब यहोवा एलिय्याह स कहेस, 3"इ जगह क तजि द्या
अउर पूरब कइँती चला जा। करीत नाले क लगे छुप जा।
इ नाला यरदन नदी क पूरब मँ अहइ। 4तू नाला स पानी पी
सकत ह। मइँ कउअन क हुकुम दिहे अहउँ कि उ पचे
तोहका उ जगह पइ भोजन पहोंचइहीं।" 5एह बरे एलिय्याह
उहइ किहस जउन यहोवा करइ क कहेस। उ यरदन नदी क
पूरब करीत नाला क निचके रहइ चला गवा। 6हर एक
भिंसारे अउ साँझ क कौवन एलिय्याह क बरे भोजन
लिआवत रहेन। एलिय्याह नाला स पानी पिअत रहा।
7बर्खा नाहीं भइ एह बरे कछू समइ उपरान्त नाला झुराइ
गवा। 8तब यहोवा एलिय्याह स कहेस, 9"सीदोन मँ सारपत
क जा। हुँवइ रहा। उ जगह पइ एक ठु राँड़ मेहरारु रहत
ह। मइँ ओका तोहका भोजन देइ क आदेस दिहेउँ ह।"
10एह बरे एलिय्याह सारपत पहोंचा। उ नगर-दुआर पइ
पहोंचा अउर उ एक ठु मेहरारु क लखेस। ओकर भतार
मर चुका रहा। उ मेहरारु ईंधन बरे लकड़ियन एकट्ठी करत
रही। एलिय्याह ओहसे कहेस, "का तू एक ठु पियाला मँ
थोड़ा पानी देबिउ जेका मइँ पी सकउँ?" 11उ मेहरारु ओकरे
बरे पानी लिआवइ जात रही, तउ एलिय्यह कहेस, "महेरबानी
कइके एकठु रोटी क टूका भी लिआवा।"
12उ मेहरारु जवाब दिहेस, "सच मँ मइँ यहोवा, तोहरे
परमेस्सर क किरिया खाइके कहति हउँ कि मोरे लगे रोटी
नाहीं अहइ। मोरे लगे बर्तन मँ मूठी भइ आटा अउर बर्तन
मँ तनिक स जइतून क तेल अहइ। इ ठउरे पइ मइँ ईंधन
बरे दुइ चार लकड़ियन बटोरइ आइ रहिउँ। मइँ एका लइके
घरे लउटब अउर आपन आखिरी भोजन बनाउब। मइँ अउर
मोर पूत दुइनउँ एका खइहीं अउर तब फिर पाछे मँ भूख स
मर जइहीं।"
13एलिय्याह मेहरारु स कहेस, "परेसान जिन हवा। घरे
लउटा अउर जइसा तू कह्या, आपन भोजन बनावा। मुला
तोहरे लगे जउन आटा अहइ ओकर पहिले एक ठु नान्ह
रोटी बनावा। उ रोटी क मोरे लगे लिआवा। तब आपन
अउ अपने पूत बरे पकावा। 14इस्राएल क परमेस्सर, यहोवा
कहत ह, 'उ आटे क बर्तन कबहुँ खाली नाहीं होइ। बर्तन
मँ तेल हमेसा ही रही। अइसा तब तलक होत रही जउने
दिन तलक यहोवा इ भुइँया पइ पानी नाहीं बरसावत।'"

15एह बरे उ मेहरारु अपने घरे लउटी। उ उहइ किहस
जउन एलिय्याह ओहसे करइ क कहे रहा। एलिय्याह, उ
मेहरारु अउ ओकर पूत बहोत दिनन तलक पार्याप्त भोजन
पावत रहेन। 16आटा क बर्तन अउ तेल क पीपा दुइनउँ
कबहुँ खाली नाहीं भवा। इ वइसा ही भवा जइसा यहोवा
होइ क कहे रहा। यहोवा एलिय्याह क जरिये बातन किहे
रहा।

17कछू समइ पाछे उ मेहरारु क लरिका बीमार पड़ा। उ
जियादा, अउर जियादा बीमार होता गवा। आखिर मँ लरिका
साँस लेब बन्द कइ किहस। 18मेहरारु एलिय्याह स कहेस,
"हे परमेस्सर क मनई, तू मोर बरे का किहेस ह? का तू
मोका सारे पापन क सुमिरइ बरे हिआँ आवा अहा? का तू
हिआँ मोरे पूत क मरवावइ आवा रह्या?"

19एलिय्याह ओहसे कहेस, "आपन पूत मोका द्या।"
एलिय्याह ओकरे लरिके क ओहसे लिहस अउर सीढ़ियन स
ऊपर लइ गवा। उ ओका उ कमरा मँ बिछउना पइ
ओलराएस जेहमाँ उ रुका भवा रहा। 20तब एलिय्याह
पराथना किहेस, "हे यहोवा, मोर परमेस्सर, इ राँड़ मोका
अपने घरे मँ ठहरावति अहइ। का तू ओकरे संग इ बुरा
काम करब्या? का तू ओकरे पूत क मरइ देब्या?" 21तब
एलिय्याह लरिका क ऊपर तीन दाईं ओलरा। एलिय्याह
एलिय्याह पराथना किहस, "हे यहोवा, मोर परमेस्सर। इ
लरिका क फुन जीवित कर।"

22"यहोवा एलिय्याह क पराथना अंगीकार किहस। लरिका
फुन साँस लेइ लाग। उ जिन्दा होइ गवा। 23एलिय्याह बच्चा
क सीढ़ियन स खाले लइ गवा। एलिय्याह उ लरिका क
ओकरी महतारी क दिहस अउर कहेस, "लखा, तोहार पूत
जी उठा।"

24उ मेहरारु जवाब दिहस, "अब मोका बिस्सास हो गवा
कि तू फुरइ परमेस्सर क हिआँ क मनई अहा। मइँ समुझ
गइ हउँ कि फुरइ यहोवा तोहरे माध्यम स बोलत ह।"

एलिय्याह अउ बाल क नबी

18 अनावृस्टि क तीसरे बरिस यहोवा एलिय्याह स
कहेस, "जा अउर राजा अहाब स मिला। मइँ
हाली ही बर्खा पठउब।" 2एह बरे एलिय्याह अहाब क लगे
गवा।

उ समइ सोमरोन मँ भोजन नाहीं रह गवा रहा।" 3एह बरे
राजा अहाब ओबधाह स अपने लगे आवइ क कहेस।
ओबधाह राजमहल क अधिकारी रहा। ओबधाह यहोवा क
सच्चा अनुयायी रहा। 4एक दाईं ईज़बेल यहोवा क सबहिं
नबियन क जान स मारत रही। एह बरे ओबधाह सौ नबियन
क लिहस अउर ओनका दुइ गुफन मँ छुपाएस। ओबद्याह
एक गुफा मँ पचास नबी अउ दूसर गुफा मँ पचास नबी
रखेस। तब ओबधाह ओनके बरे पानी अउ भोजन लिआएस।
5राजा अहाब ओबधाह स कहेस, "मोरे संग आवा। हम
लोग इ प्रदेस क हर एक सोता अउर नाला क खोज करब।
हम लोग पता लगाउब कि का हम अपने घोड़न अउ
खच्चरन क जिअत रखइ बरे पर्याप्त घास कहीं पाइ सकित
ह। तब हम क आपन कउनो जनावर खोउब नाहीं पड़ी।"
6हर एक मनई देस क एक ठु हींसा चुनेस जहाँ उ पचे
पानी क खोज कइ सकइँ। तब दुइनउँ। मनई पूरे देस मँ
घूमेन। अहाब एक दिसा मँ अकेले गवा। ओबधाह दूसर
दिसा मँ अकेले गवा। 7जब ओबधाह जात्रा करत रहा तउ
उ समइ उ एलिय्याह स मिला ओबधाह जब ओका लखेस
एलिय्याह क पहचान लिहस। ओबधाह एलिय्याह क समन्वा
प्रणाम करइ निहुरा उ केहेस, "एलिय्याह का सुआमी फुरइ
आप अहइ?"

8एलिय्याह जवाब दिहेस, "हाँ, मइँ ही हउँ। जा अउर
आपन सुआमी राजा स कहा कि मइँ हिआँ अहउँ।"

9तब ओबधाह कहेस, "जदि मइँ ओहाब स कहब कि
मइँ जानत हउँ कि तू कहाँ अहा, तउ उ मोका मार डाइ।
मइँ तोहार कछू नाहीं बिगाड़ेउँ ह। तू काहे चाहत अहा कि
मइँ मरि जाउँ? 10यहोवा, तोहरे परमेस्सर क जिन्नगी क
किरिया खाइके कहत हउँ कि राजा तोहार खोज करइ बरे
हरेक देस मँ मनइयन क भेज दिहेस ह। जदि कउनो देस क
राजा इ कहेस कि तू ओकरे देस मँ नाहीं अहा, तउ अहाब
ओका इ किरिया खाइ क मजबूर किहस कि तू सच मुच मँ
ओकरे देस मँ नाहीं अहा। 11अब तू चाहत अहा कि मइँ
जाउँ अउर आपन सुआमी स कहउँ कि तू हुआँ अहा?
12जदि मइँ जाउँ अउर राजा अहाब स कहउँ कि तू हिआँ
अहा, तउ यहोवा क आतिमा तोहका कउनो दूसर जगह पइ
पहोंचाइ सकत ह। राजा अहाब हिआँ आई अउर उ तोहका
नाहीं पाइ सकी। तब उ मोका मार डाइ। मइँ यहोवा क
अनुसरण तब स किहेउँ ह जब मइँ एक बालक रहा। 13तू
सुन्या ह कि मइँ का किहे रहेउँ। ईज़ेबेल यहोवा क नबियन
क मारत रही अउर मइँ सौ नबियन क गुफन मँ छुपाए
रहेउँ। मइँ एक गुफा मँ पचास नबियन अउर दूसर गुफा मँ
पचास नबियन क रखे रहेउँ। मइँ ओनके बरे अन्न-पानी
लिआएउँ। 14अब तू चाहत अहा कि मइँ जाउँ अउर राजा
स कहउँ कि तू हिआँ अहा। राजा मोका मार डाइ।"

15एलिय्याह जवाब दिहेस, "जेतनी सर्वसक्तीमान यहोवा क
सत्ता निहचित अहइ, ओतना ही निहचित इ अहइ कि मइँ
आजु राजा क समन्वा खड़ा होउँ।"

16एह बरे ओबधाह राजा अहाब क लगे गवा। उ
बताएस कि एलिय्याह हुवाँ अहइ। राजा अहाब एलिय्याह स
भेंटइ गवा। 17जब अहाब एलिय्याह क लखेस तउ उ
पूछेस, "का इ तू अहा? का तू ही उ मनई अहा जउन
इस्राएल पइ बिपत्ति का कारण अहा?"

18एलिय्याह जवाब दिहेस, "मइँ इस्राएल पइ बिपत्ति क
कारण नाहीं अहउँ। तू अउर तोहरे बाप क परिवार इ सारी
बिपत्ति क कारण अहा। जब तू यहोवा क आदेसन क
पालन करब बन्द कइ दिहा अउर लबार देवतन क अनुसरण
सुरु किहा। 19अब सारे इस्राएलियन क कर्म्मेल पर्वत पइ
मोहसे भेंटइ क कहा। उ ठउरे पइ बाल क चार सौ पचास
नबियन क भी लिआवा अउर लबार देबी असेरा क चार सौ
नबियन क लिआवा। रानी ईज़ेबेल ओन नबियन क समर्थन
करत ह।"

20एह बरे अहाब सबहिं इस्राएलियन अउर ओन नबियन
क कर्म्मेल पर्वत पइ बोलाएस। 21एलिय्याह सबहिं लोगन

क लगे आवा। उ कहेस, “आप लोग कब निर्णय करिहीं
कि आप क केकर अनुरसण करब अहइ? जदि यहोवा
सच्चा परमेस्सर अहइ तउ आप लोगन क ओकर अनुयायी
होइ चाही। किन्तु जदि बाल फुरइ परमेस्सर अहइ तउ
तोहका ओकर अनुयायी होइ चाही।”

लोग कछू भी नाहीं कहेन। 22एह बरे एलिय्याह कहेस,
“मइ हिआँ यहोवा क एकमात्र नबी हउँ। मइँ अकेला हउँ।
किन्तु हिआँ बाल क चार सौ पचास नबी अहइँ। 23एह बरे
दुइ ठु बर्धा लिआवा। बाल क नबी क एक ठु बर्धा लेइ
द्या। ओनका ओका मारइ द्या अउर ओकर टूकन करइ
द्या अउर तब ओनका, मास क लकड़ी पइ धरइ द्या।
किन्तु उ पचे आगी लगाउब सुरु न करइँ। तब मइँ उहइ
काम दूसरे बर्धा क लइके करब अउर मइँ आगी लगाउब
सुरु नाहीं करब। 24बाल क नबी! बाल स पराथना करिहीं
अउर मइँ यहोवा स पराथना करब। जउन ईस्सर पराथना क
अंगीकार करइ अउर अपने काठे क बारब सुरु कइ देइ,
उहइ सच्चा परमेस्सर अहइ।”

सबहिं लोग अंगीकार किहेन कि इ उचित बिचार अहइ।

25तब एलिय्याह बाल का नबियन स कहेस, “तू बड़की
गनती मँ अहा। एह बरे तू लोग पहल करा। एक ठु बर्धा
क चुना अउर ओका तइयार करा। आपन देवता क समन्वा
पूजा किहेस किन्तु आगी लगाउब सुरु जिन करा।”

26एह बरे नबियन उ बर्धा क लिहन जउन ओनका दीन्ह
गवा। उ पचे ओकर तइयार किहन। उ पचे दुपहर तलक
बाल स पराथना किहन। उ पचे पराथना किहन, “बाल,
कृपा कइके हम क जवाब द्या।” किन्तु कउनो अवाज नाहीं
आइ। कउनो कउन जवाब नाहीं दिहस। नबी उ वेदी क
चारिहुँ कइँती नाचत रहेन जेका उ पचे बनाए रहेन। किन्तु
आगी फुन भी नाहीं लागी।

27दुपहरे क एलिय्याह ओनकर मसखरी उड़ाउब सुरु
किहेस। एलिय्याह कहेस, “जदि बाल फुरइ देवता अहइ तउ
सायद तोहका अउर जियादा जोर स पराथना करइ चाही।
सायद उ सोचत रहा होइ या सायद उ बहोत व्यस्त होइ, या
सायद उ कउनो जात्रा पइ निकरि गवा होइ। उ सोवत रहि
सकत ह। सायद तू लोग अउर जियादा जोर स पराथना करा
अउर जगावा।” 28उ पचे अउर जोर स पराथना किहन। उ
पचे अपने क तरवार अउर भालन स काटेन-छेदेन। (इ
ओनकर पूजा क पद्धति रही) उ पचे अपने क एँतना काटेन
कि ओनके ऊपर खून बहइ लाग। 29तीसर पहर बीत गवा।
किन्तु तब तलक आगी नाहीं लागी। नबी साँझ क
बलि-भेंट क समइ तलक लगातार गवाँरू भविस्साबाणी
करत रहेन। किन्तु तब तलक भी बाल कउनो जवाब नाहीं
दिहस। कउनो अवाज नाहीं आइ। कउनो भी नाहीं सुनत
रहा।

30तब एलिय्याह सबहिं लोगन स कहेस, “अब मोरे लगे
आवा।” एह बरे सबहिं लोग एलिय्याह क चारिहुँ कइँती
बटुर गएन। यहोवा क वेदी उखाड़ दीन्ह गइ। एह बरे
एलिय्याह एका जमाएस। 31एलिय्याह बारह पाथर प्राप्त
किहस। हर एक बारह परिवार समूहन बरे एक ठु पाथर
रहा। एन बारह परिवार समूहन क नाउँ याकूब जेका यहोवा
इस्राएल नाउँ दिह रहा, क बारह पूतन क नाउँ पइ रहेन।
32एलिय्याह ओन पाथरन क उपयोग यहोवा क सम्मान देइ
क बरे वेदी क निर्माण मँ किहस। एलिय्याह वेदी क चारिहुँ
कइँती एक ठु नान्ह खाईं खोदेस। इ एँतनी चौड़ी अउर एतनी
गहिर रही कि एहमाँ लगभग सात गैलन पानी आइ सकइ।
33तब एलिय्याह वेदी पइ काठ धरेस। उ बर्धा क टूकन मँ
काटेस। उ टूकन क काठन पइ धरेस। 34तब एलिय्याह
कहेस, “चार गगरियन क पानी स भरा। पानी क मास क
टूकन अउ काठन पइ डावा।” तब एलिय्याह कहेस, “इहइ
फुन करा।” तब उ कहेस, “एका तीसरी दाईं करा।” 35पानी
वेदी स बाहेर बहा अउर ओहसे खाईं भर गइ।

36इ तीसर पहर क बलि भेंट क समइ रहा। एह बरे
एलिय्याह नबी वेदी क लगे गवा अउर पराथना किहस, “हे
यहोवा, इब्राहीम, इसहाक अउ इस्राएल क परमेस्सर, मइँ
तोहसे याचना करत हुउँ कि तू प्रमाणित करा कि तू इस्राएल
क परमेस्सर अहा अउर प्रमाणित करा कि मइँ तोहार सेवक
अहउँ। एन लोगन दिखाइ द्या कि तू इ सब करइ क मोका
आदेस दिहा ह। 37यहोवा मोर पराथना क जवाब दया। एन
लोगन क जानइ द्या कि हे यहोवा, तू असल मँ परमेस्सर
अहा। तब लोग समुझिहीं कि तू ओनका अपने लगे वापस
लिआवत अहा।”

38एह बरे यहोवा खाले आगी पठएस। आगी बलि,
काठ, पाथरन अउ वेदी क चारिहुँ कइँती क भुइँया क बार
दिहस। आगी खाईं क समूचा पानी भी झुराइ दिहस।
39सबहिं लोग इ होत लखेन। लोग भुईंया पइ प्रणाम करइ
निहुरेन अउर कहइ लोगन, “यहोवा परमेस्सर अहइ। यहोवा
परमेस्सर अहइ।”

40तब एलिय्याह कहेस, “बाल क नबियन क धइ ल्या।
ओनमाँ स कउनो क बच निकरइ न द्या।” एह बरे लोग
सबहिं नबियन क धरेन। तब एलिय्याह ओन सबहिं किसोन
नाले तलक लइ गवा। उ जगह पइ उ सबहिं नबियन क
मार डाएस।

बर्खा फुन होत ह

41तब एलिय्याह राजा अहाब स कहेस, “अब जा, खा
अउर पिआ। एक घनघोर बर्खा आवति अहइ।” 42एह बरे
राजा अहाब भोजन करइ गवा। उहइ समइ एलिय्याह
कर्म्मेल पवते क चोटी पइ चढ़ा। पर्वत क चोटी पइ
एलिय्याह प्रणाम करइ निहुरा। उ अपने मूँड़ क अपने
घुटरुअन क बीच रखेस। 43तब एलिय्याह अपने सेवक स
कहेस, “समुद्र कइँती लखा।”

सेवक उ जगह तलक गवा जहाँ स उ समुद्र क लख
सकइ। तब सेवक लउटिके आवा अउर उ कहेस, “मइँ
कछू नाहीं लखेउँ।” एलिय्याह ओका फुन जाइ अउर लखइ
क कहेस। इ सात दाईं भवा। 44सातवीं दाईं सेवक लउटके
आवा अउर उ कहेस, “मइँ एक नान्ह बादर मनई क मूठी
क बराबर लखेउँ ह। बादर समुद्र स आवत रहा।”

एलिय्याह सेवक स कहेस, “राजा, अहाब क लगे जा
अउर ओहसे कहा कि उ आपन रथ तइयार कइ लेइ अउर

अब घर वापस जाइ। जदि उ अबहिं नाहीं जाइ तउ बर्खा ओका रोक लेइ।"

45थोड़े समइ क पाछे अकास काले मेघन स ढक गवा। तेज हवा चलइ लागिन अउर घनघोर बर्खा होइ लाग। अहाब अपने रथे मँ बइठा अउर यिज्रेल क वापस जात्रा करब सुरु किहेस। 46एलिय्याह क भीतर यहोवा क ताकत आइ। एलिय्याह अपने ओढ़नन क अपने चारिहुँ कइती कसेस, जेहसे उ दउड़ सकइ। तब एलिय्याह यिज्रेल तलक क पूरे मारग पइ राजा अहाब स अगवा दउड़त रहा।

सिनाइ पर्वत पइ एलिय्याह

19 राजा अहाब ईज़ेबेल क उ सबइ बातन बताएस जउन एलिय्याह कहेस। अहाब ओका बताएस कि एलिय्याह कइसे सबहिं नबियन क एक ही तरवार स मउत क घाट उतारेस। 2एह बरे ईज़ेबेल एलिय्याह क लगे एक ठु दूत पठएस। ईज़ेबेल कहेस, "मइँ प्रतिग्या करति हउँ कि काल्ह इ समइ स पहिले मइँ तोहका वइसे ही मारब जइसे तू नबियन क मार्‌या ह। जदि मइँ सफल नाहीं होतिउँ तउ देवता मोका मार डावइँ।"

3जब एलिय्याह इ सुनेस तउ उ डेराइ गवा। एह बरे उ अपनी जान बचावइ क लिए पराइ गवा। उ अपने संग अपने सेवक क लइ गवा। उ पचे बेर्सेबा पहोंचेन जउन यहूदा मँ अहइ। एलिय्याह अपने सेवक क बेर्सेबा मँ तजेस। 4तब एलिय्याह पूरे दिन रेगिस्तान मँ चला। एलिय्याह एक झाड़ी क खाले बइठा। उ कामना किहेस कि उ मरि जातइ। एलिय्याह कहेस, "यहोवा इ मोरे बरे बहोत अहइ। मोका मरइ द्या। मइँ अपने पुरखन स नीक नाहीं अहउँ।"

5तब एलिय्याह बृच्छ क खाले ओलर गवा अउर सोइ गवा। एक ठु सरगदूत एलिय्याह क लगे आवा अउर उ ओका छुएस। सरगदूत कहेस, "उठा, खा।" 6एलिय्याह चारिहुँ कइती लखेस अउर ओकर माथे क बगल मँ कोयले पइ पका एक ठु रोटी अउर पानी भरी गगरी अहइ। एलिय्याह खाएस अउ पीएस अउर तब उ फुन सोइ गवा।

7पाछे, यहोवा क सरगदूत ओकरे लगे फुन आएस अउर ओका छुएस। सरगदूत कहेस, "उठा, खा।" जदि तू अइसा नाहीं खात्या तउ तू एतने जियादा सक्तिसाली नाहीं होब्या, जेहसे तू लम्बी जात्रा कइ सका।" 8एह बरे एलिय्याह उठा। उ खाएस अउर पीएस। भोजन ओका एँतना सक्तिसाली बनाई दिहस कि उ चालीस दिन अउ रात जात्रा कइ सकइ। उ होरेब पर्वत तलक गवा जेका परमेस्सर क पर्वत कहा जात अहइ। 9हुवाँ एलिय्याह एक ठु गुफा मँ घुसा अउ सारी रात ठहरा।

तब यहोवा एलिय्याह स बातन किहस। यहोवा कहेस, "एलिय्याह, तू हिआँ काहे आया ह?"

10एलिय्याह जवाब दिहेस, "यहोवा सर्वसक्तिमान परमेस्सर, मइँ यहोवा बरे बहोत जोसीला रहा ह। यथासम्भव मइँ तोहार सेवा सब स उत्तिम रूप मँ हमेसा ही किहेउँ ह। किन्तु इस्राएल क लोग तोहरे संग कीन्ह गइ समझौता क तोड़ेन ह। उ पचे तोर वेदियन क बर्बाद किहन ह। उ पचे तोहरे नबियन क मार डाएन ह। मइँ एकमात्र अइसा नबी हँउ जउन जिअत बचा हँउ अउर अब उ पचे मोका मार डावइ चाहत हीं।"

11तब यहोवा एलिय्याह स केहेस, "जा, मोरे समन्वा पर्वते पइ खड़ा ह्वा। मइँ तोहरे बगल स निकरब।" तब एक प्रचण्ड आँधी चली। आँधी पर्वतन क तोड़ गिराएस। इ यहोवा क समन्वा बिसाल चट्टानन क तोड़ डाएस। मुला उ आँधी यहोवा नाहीं रहा। उ आँधी क पाछे भुइँडोल आवा। किन्तु उ भुइँडोल यहोवा नाहीं रहा। 12भुइँडोल क पाछे हुवाँ आगी रही। किन्तु उ आगी यहोवा नाहीं रही। आगी क पाछे हुवाँ एक कोमल अउ फुसफुसाहट क स्वर सुनाई पड़ा।

13जब एलिय्याह उ स्वर सुनेस तउ उ अपने अंगरखे स आपन मुँह ढाँपि लिहस। तब उ गवा अउर गुफा क दुआर पइ खड़ा भवा। तब एक वाणी ओहसे कहेस, "एलिय्याह, हिआँ तू कहाँ अहा?"

14एलिय्याह जवाब दिहेस, "यहोवा सर्वसक्तिमान परमेस्सर, मइँ यहोवा बरे बहोत जियादा जोसीला रहा ह। मइँ यथासम्भव सब स उत्तिम सेवा तोहका अर्पित किहेउँ ह। मुला इस्राएल क लोग तोहरे संग कीन्ह गइ आपन करार तोड़ेन ह। उ पचे तोहार वेदियन बर्बाद किहन। उ पचे तोहरे नबियन क मारेन। मइँ एकमात्र अइसा नबी हउँ जउन अबहिं तलक जिअत ह अउर अब उ पचे मोका मार डावइ क जतन करत अहइँ।"

15यहोवा कहेस, "उ सड़क पइ वापस लउट जा जउन दमिस्क क चारिहुँ कइँती क रेगिस्तान तलक जात ह। दमिस्क मँ जा अउर हजाएल क अभिसेक अराम क राजा क रूप मँ अभिसेक करा। 16ओकरे पाछे निमसी क पूत येहू क इस्राए क राजा क रूप मँ अभिसेक करा। ओकर बाद आबेल महोला क सापात क पूत एलीसा क अभिसेक करा। उ तोहरे जगह पइ नबी बनी। 17हजाएल अनेक बुरे लोगन क मार डाइ। येहू कउनो क भी मार डाइ जउन हजाएल क तरवार स बच निकरत ह। अउर एलीस कउनो क भी मार डाइ जउन येहू क तरवार स बच निकरत ह। 18एलिय्याह! इस्राएल मँ तू ही एक मात्र बिस्सासपात्र मनई नाहीं अहा। उ सबइ मनई बहोत स लोगन क मार डइहीं, किन्तु ओकरे पाछे भी हुवाँ इस्राएल मँ सात हजार लोग अइसे होइहीं जउन बाल क कबहुँ प्रणाम नाहीं किहन। मइँ ओन सात हजार लोगन क जिअत रहइ देब, काहेकि ओन लोगन मँ स कउनो कबहुँ बाल क देवमूर्ति क चूमेस तलक नाहीं।"

एलीसा एक ठु नबी बनत ह

19एह बरे एलिय्याह उ जगह क तजेस अउर सापात क पूत एलीसा क खोज मँ निकरा। एलीसा बारह जोड़ा बर्धन स भुइँया क जोतत रहा अउर एलीसा खुद बारहवाँ जोड़ा स हल जोतत रहा जब एलिय्याह आपन अंगरखा* एलीसा क

अंगरखा इ बिसेस चोगा रहा। जेसे इ पता चलत रहा कि इ नबी अहा। एलीसा क इ अंगरखा को देइ स इ प्रगट होत ह कि एलीसा एलिया क जगह पइ नबी होइ गवा ह।

पहिराइ दिहस। 20एलीसा फउरन आपन बर्धन क छोड़ेस
अउर एलिय्याह क पाछे दउड़ गवा। एलीसा कहेस, "मोका
अपनी महतारी अउर बाप क चूमइ द्या अउर ओनसे बिदा
लेइ द्या। फुन मइँ तोहरे पीछे चलब।" एलिय्याह जवाब
दिहेस, "हाँ तू अइसा कइ सकत ह। मइँ तोहका नाहीं
रोकब।"

21तब एलीसा अपने परिवार क संग बिसेस भोजन
किहस। एलीसा गवा अउर अपने बर्धन क मार डाएस। उ
हरे क काठ क उपयोग आगी बारह इ बरे किहस। तब उ
मास क पकाएस अउर लोगन मँ बाँट दिहस। लोग मास
खाएन। तब एलीसा गवा अउर उ एलिय्याह क अनुसरण
किहस। एलीसा एलिय्याह क सहायक बना।

बेन्हदद अउ अहाब जुद्ध को जात ह

20 बेन्हदद अराम क राजा रहा। उ आपन सारी
फउज बटोरेस। ओकरे संग बत्तीस राजा रहेन।
ओकरे लगे घोड़न अउ रथ रहेन। उ पचे सोमरोन पइ
हमला किहन अउर ओकरे खिलाफ लड़ेन। 2राजा, नगर मँ
इस्राएल क राजा अहाब क लगे दूत पठाएस। 3सूचना इ
रही, "बेन्हदद कहत ह, 'तोहका आपन सोना-चाँदी मोका देइ
क पड़ी। तोहका आपन मेहररुअन अउ बच्चन भी मोका देइ
क होइ।'"

4इस्राएल क राजा जवाब दिहस, "ऐ मोर सुआमी राजा!
मइँ अंगीकार करत हउँ कि अब मइँ आप क मातहत हउँ
अउर जउन कछू मोर अहइ उ आप क अहइ।"

5तब दूत अहाब क लगे वापस आवा। उ पचे कहेन,
"बेन्हदद कहत ह, 'मइँ पहिले ही तोहसे कहे रहेउँ कि
तोहका सारा सोना-चाँदी तथा आपन मेहररूअन, बच्चन क
मोका देइ क पड़ी। 6काल्ह मइँ अपने मनइयन क पठवत
हउँ जउन महल मँ सब जगह अउर तोहरे मातहती मँ सासन
करइवाले अउर अधिकारियन क घरन मँ खोज करिहीं। मोर
मनई सबइ मुल्यवान वस्तुअन क लेइहीं अउर ओनका मोर
लगे लइ आइही।'"

7एह बरे राजा अहाब अपने देस क सबहिं बुर्जुगन क
एक बैठक बोलाएस। अहाब केहस, "लखा बेन्हदद परेसानी
क कारण अहइ। पहिले उ मोहसे इ माँग किहस ह कि
मइँ ओका आपन मेहररूअन, आपन बच्चन अउर आपन
सोना-चाँदी दइ देउँ। मइँ ओका उ सबइ चिजियन देब
अंगीकार कइ लिहेउँ अउर उ सब कछू लेइ चाहत ह।"

8किन्तु अग्रजन अउर सबहिं लोग कहेन, "ओकर आदेस
न माना। उ न करा जेका करइ क उ कहत ह।"

9एह बरे अहाब बेन्हदद क सँदेसा पठएस। अहाब कहेस,
"मइँ उ कइ देब जउन तू पहिले कहे रह्या। किन्तु मइँ
तोहार दूसरे आदेस क पालन नाहीं कइ सकत।"

राजा बेन्हदद क दूत सँदेसा राजा तलक लइ गएन। 10तब
उ पचे बेन्हदद क दूसर सँदेसा क संग लउटेन। सँदेसा इ
रहा, "मइँ सोमरोन क पूरी तरह बर्बाद करब। मइँ प्रतिग्या
करत हउँ कि उ नगर क सबहिं चिजियन क बर्बाद कीन्ह
जाइहीं। जदि मोरे हरे एक मनई उ नगर क एक मुट्ठी धूरि
भी आपन घरे लेइ जाइ बरे लेइ तउ उ ओन सबइ लोगन
बरे प्रयाप्त नाहीं होब्या। परमेस्सर मोका बर्बाद करइ द्या
जदि मइँ अइसा न करउँ।"

11राजा अहाब जवाब दिहस, "बेन्हदद स कहा कि उ
मनइ क, जउन आपन कवच धारण किहे होइ, उ मनई क
तरह डींग नाहीं डाँकइ चाही जउन ओका उतारइ बरे लम्बी
जिन्नगी जिअत ह।"

12राजा बेन्हदद अपने दूसर प्रसासकन क संग अपने
तम्बू मँ दाखरस पान करत रहा। उहइ समइ दूतन आवा
अउर उ राजा अहाब क सँदेसा दिहस। राजा बेन्हदद अपने
मनइयन क नगर पइ हमला करइ बरे तैयार होइ क आदेस
दिहेस। एह बरे फउजी जुद्ध बरे अपनी जगह लेइ बरे
बढ़ेन।

13इहइ समइ, एक ठु नबी इस्राएल क राजा, अहाब क
लगे पहोंचा। नबी कहेस, "राजा अहाब यहोवा तोहसे कहत
ह, 'का तू उ बड़की फउज क लखत अहा। मइँ, यहोवा,
आज तोहका उ सेना क हरावइ देब। तब तू जनब्या कि मइँ
यहोवा हउँ।'"

14अहाब कहेस, "ओनका पराजित करइ क बरे तू केकर
उपयोग करब्या?"

नबी जवाब दिहस, "यहोवा कहत ह, 'सरकारी अधिकारियन
क युवक सहायक।'"

तब राजा पूछेस, "कउन सेना क अगुवाइ करब अउर
जुद्ध सुरू करब?" नबी जवाब दिहस, "तू।"

15एह बरे अहाब सरकारी अधिकारियन क युवक सहायकन
क बटोरेस। सब मिलाइके इ सबइ दुइ सौ बत्तीस युवक
रहेन। तब राजा इस्राएल क सेना क एक संग बोलाएस।
सारी गनती सात हजार रही।

16दुपहर क, राजा बेन्हदद अउ ओकर सहायक बत्तीस
राजा अपने डेरा मँ दाखरस पान करत रहने अउर मद मत्त
होत रहेन। इहइ समइ राजा अहाब क हमला भवा। 17युवक
सहायकन पहिले हमला किहन। बेन्हदद क मनइयन ओहसे
कहेन कि फउजी सोमरोन स बाहेर निकरि आए अहइँ।
18एह बरे बेन्हदद कहेस, "उ पचे जुद्ध करइ बरे या
सान्ति-सन्धि करइ बरे आवइ सकत ह। ओनका जिन्दा धइ
ल्या।"

19राजा अहाब क युवक आक्रमण क पहल करत रहेन।
इस्राएल क फउज ओनके पाछे चलत रही। 20इस्राएल क
हर एक सैनिक उ मनइयन क मार डाएस जउन ओकरे
खिलाफ आवा। एह बरे अराम क फउजियन पराब सुरू
किहन। इस्राएल क फउज ओनकर पाछा किहस। राजा
बेन्हदद अपने रथन क एक घोड़े पइ बैठिके भाग निकरा।
21राजा अहाब फउज क अगुवाइ किहेस अउर आगे बढ़ेस।
उ अराम क फउज क सारे घोड़न अउ रथन क लइ
लिहस। इ तरह राजा अहाब अरामियन सेना क भारी पराजय
दिहस।

22तब नबी राजा अहाब क लगे पहोंचा, इस्राएल क
राजा कहेस, "अराम क राजा बेन्हदद अगले बसन्त मँ
तोहसे जुद्ध करइ बरे फुन आइ। एह बरे तोहका अब घरे
लउटि जाइ चाही अउर अपनी फउज क पहिले स जियादा

सक्तीसाली बनवाइ चाही अउर ओका हराइ बरे उचित
जोजना बनावा।”

बेन्हदद फुन हमला करत ह

23राजा बेन्हदद क अधिकारी लोग ओहसे कहेन, “इस्राएल
क देवता पर्वतीय देवता अहइ। हम लोग पर्वतीय पहँटा मँ
लड़े रहे। एह बरे इस्राएल क लोग बिजयी भएन। एह बरे
हम लोग ओनसे समथर मइदान मँ जुद्ध करी। तब हम
बिजयी पाउब। 24इ उहइ अहइ जेका तोहका करइ चाही।
बत्तीस राजा लोगन क फउज क संचालन करइ क अनुमति
न द्या। सेनापतियन क ही अपनी फउज क नेतृत्व करइ
द्या।

25“अब तू उहइ क समान एक फउज बनावा जउन तू
खो दिहस ह। उहइ फउज क तरह घोड़न अउर रथ
ऍकट्ठा करा जइसा तू पहिले रहा। तब हम लोग
इस्राएलियन स समथर मइदान मँ जुद्ध करी। तब हम बिजय
प्राप्त करब।” बेन्हदद ओनकी सलाह मान लिहस। उ उहइ
किहस जउन उ पचे कहेन।

26एह बरे बसन्त मँ बेन्हदद अराम क लोगन क बटोरेस।
उ इस्राएल क खिलाफ जुद्ध करइ अपेक गवा।

27इस्राएलियन भी जुद्ध क तइयारी किहन। इस्राएल क
लोग अराम क सेना स लड़इ गएन। उ पचे अपने सिबिर
अराम क सिबिर क समन्वा डाएन। दुस्मन क तुलना मँ
इस्राएली फउज बोकरियन क दुइ ठू नान्ह झुण्डन क समान
देखाइ पड़त रहेन किन्तु अराम क फउज सारे छेत्र क ढाँपे
रही।

28परमेस्सर क एक मनई इ सँदेसा क संग इस्राएल क
राजा क लगे आवा: “यहोवा कहेस ह, ‘अराम क लोग
कहेन ह कि मइँ, यहोवा पर्वतन क परमेस्सर हुउँ। उ पचे
सोचत हीं कि मइँ घाटियन क परमेस्सर भी नाहीं हउँ। एह
बरे, मइँ तोहका इ बिसाल सेना क हरावइ देब। तब तू
समुझब्या कि मइँ यहोवा सब जगह हउँ।’”

29फउजन सात दिन तलक एक दूसरे क आमने-सामने
डेरा डाए रहिन। सतएँ दिन जुद्ध सुरु भवा। इस्राएलियन एक
दिन मँ अराम क एक लाख फउजियन क मार डाएन।
30बचे भए फउजी अपेक नगर क भाग पराइ गएन। नगर
प्राचीर ओन सत्ताईस हजार फउजियन पइ भहराइ पड़ी।
बेन्हदद भी नगर क पराइ गवा। उ एक ठु कमरा मँ छुप
गवा। 31ओकर अधिकारियन ओहसे कहेन, “हम लोग सुना
ह कि इस्राएल क राजा लोग दया दिखावत ह। हम लोग
मोरे ओढ़ना पहिरे अउर सिरे पइ रस्सी डाए। तब हम लोग
इस्राएल क राजा क लगे चली होइ सकत ह कि उ हम
क जिअत रहइ देइ।”

32उ पचे मोरे ओढ़ना पहिरेन अउर लसुरी मूँड़े पइ डाएन।
उ पचे इस्राएल क राजा क लगे आएन। उ पचे कहेन,
“तोहार सेवक बेन्हदद कहत ह, ‘कृपा कइके मोका जिअत
रहइ द्या।’” अहाब जवाब दिहस, “का उ अबहिं तलक
जिअत अहइ? उ मोर भाई अहइ।”

33बेन्हदद क मनई राजा अहाब क सब्द मँ कछू सुराग
सुनि क आसावादी रहेन जेहसे इ निहिचित होइ कि उ
बेन्हदद क नाहीं मारी। जब अहाब बेन्हदद क आपन भाई
कहेस तउ सलाहकारन तुरन्त कहेन, “हाँ, बेन्हदद आप क
भाई अहइ।”

अहाब कहेस, “ओका मोरे लगे लिआवा।” एह बरे
बेन्हदद राजा अहाब क लगे आवा। राजा अहाब अपने संग
ओका अपने रथ मँ बइठइ क कहेस।

34बेन्हदद ओहसे कहेस, “अहाब मइँ ओन नगरन क
तोहका दइ देब जेनका मोर बाप तोहरे बाप स लइ लिहे
रहेन अउर तू दमिस्क मँ वइसे ही दुकानन रखि सकत ह
जइसे मोर बाप सोमरोन मँ रखे रहा।”

अहाब जवाब दिहस, “जदि तू एका अँगीकार करत ह
तउ मइँ तोहका जाइ बरे अजाद करत हउँ।” एह बरे दुइनउँ
राजा लोग एक ठु सान्ति-सन्धि किहन। तब राजा अहाब
बेन्हदद क जाइ बरे अजाद कइ दिहस।

एक नबी अहाब क बिरुद्ध भविस्सवाणी करत ह

35नबियन मँ स एक दूसर नबी स कहेस, “मोह पइ चोट
करा।” उ ओहसे इ करइ बरे कहेस काहेकि यहोवा अइसा
आदेस दिहे रहा। किन्तु दूसर नबी ओह पइ चोट करइ स
मना कइ दिहेस। 36एह बरे पहिला नबी कहेस, “तू यहोवा
क आदेस क पालन नाहीं किहा। एह बरे जब तू इ जगह
क तजब्या, एक ठु सेर तोहका मार डाइ।” दूसर नबी उ
जगह क तजेस अउर ओका एक सेर मार डाएस।

37पहिला नबी दूसर मनई क लगे गवा अउर कहेस,
“मोह पइ चोट करा।”

उ मनई ओह पइ चोट किहस। नबी क चोट आइ।
38एह बरे नबी अपने चेहरे पइ एक ओढ़ना लपेट लिहस। इ
तरह कउनो इ नाहीं समुझ सकत रहा कि उ कउन अहइ।
उ नबी गवा अउर उ सड़क क किनारे राजा क प्रतीच्छा
सुरु किहस। 39राजा उ सड़क स निकरा अउर नबी ओहसे
कहेस, “मइँ जुद्ध मँ लड़इ गवा रहेउँ। हमरे मनइयन मँ स
एक मोरे लगे एक दुस्मन फउजी क लिआवा। उ मनई
कहेस, ‘इ मनई क पहरेदारी करा। जदि उ भाग गवा, तउ
एकरे जगह पइ तोहका आपन जिन्नगी देइ क होइ या
तोहका पचहत्तर पौण्ड चाँदी जुर्मने मँ देइ क होइ।’
40किन्तु मइँ ब्यस्त होइ गवा। एह बरे उ मनई भाग
निकरा।”

इस्राएल क राजा कहेस, “तू कह्या ह कि तू फउजी क
पराइ जाइ देइ क अपराधी अहा। एह बरे तोहका जवाब
मालूम अहइ। तोहका उहइ करइ चाही जेका करइ क उ
मनई कहेस ह।”

41तब नबी अपने मुँहना स ओढ़ना हटाएस। इस्राएल क
राजा लखेस अउर इ जान लिहस कि उ नबियन मँ स एक
अहइ। 42तब नबी राजा स कहेस, “यहोवा तोहसे इ कहत
ह, ‘तू उ मनई क अजाद किहा जेका मइँ मर जाइ क
कहेउँ। एह बरे ओकर जगह तू लेब्या, तू मर जाब्या अउर
तोहार लोग दुस्मनन क जगह लेइहीं, तोहार लोग मरिहीं।’”

43तब राजा समारिया अपने घरे लउट गवा। उ बहोत
गुस्सा मँ अउ घबराया भवा रहा।

नाबोत क अंगूरे क बाग

21 राजा अहाब क महल सोमरोन म रहा। महल क
लगे एक ठु अंगूरन क बाग रहा। यिज्रेल नाबोत
नाउँ क मनई इ फलन क बाग क सुआमी रहा। 2एक दिन
अहाब नाबोत स कहेस, “अपना अंगूर क बाग मोका दइ
द्या। मइँ एका सब्जियन क बाग बनावइ चाहत हउँ। तोहार
बाग मोरे महल क लगे अहइ। मइँ एकरे बदले तोहका
एहसे अच्छा अंगूर क बाग देब या, जदि तोर इच्छा होइ
तउ मइँ ऐकरे मुल्य चुकाइके एका खरीद लेब।”

3नाबोत जवाब दिहस, “मइँ आपन भुइँया तोहका कबहुँ
नाहीं देब। इ भुइँया मोरे परिवार क बाटइ।”

4एह बरे अहाब अपने घर गवा। उ नाबोत पइ किरोधित
अउ बिगड़ा भवा रहा। उ इ बात क पसन्द नाहीं किहस
जउन यिज्रेल क मनई कहे रहा। (नाबोत कहे रहा, “मइँ
अपने परिवार क भुइँया तोहका नाहीं देब।”) अहाब अपने
बिछउना पइ ओलर गवा। उ आपन मुंह मोड़ लिहस अउर
खाइ स इन्कार कइ दिहस।

5अहाब क मेहरारू ईज़ेबेल ओकरे लगे गइ। ईज़ेबेल
ओहसे कहेस, ‘तू एँतना उदास काहे अहा? तू खाइ स
इन्कार काहे किहा ह?”

6अहाब जवाब दिहस, “मइँ यिज्रेल क नाबोत स ओकर
भुइँया माँगेउँ। मइँ ओहसे कहेउँ कि मइँ ओकर पूरी कीमत
चुकाउब, या, जदि उ चाही तउ मइँ ओका दूसर बाग देब
किन्तु नाबोत आपन बाग देइ स इन्कार कइ दिहस।”

7ईज़ेबेल जवाब दिहस, “किन्तु तू तउ पूरे इस्राएल क
राजा अहा अपने बिछउना स उठा। कछू खइया क खा, तू
अपने क बेहतर महसूस करब्या। मइँ नाबोत क बाग तोहरे
बरे लइ लेब।”

8तब ईज़ेबेल कछू पत्र लिखेस। उ पत्रन पइ अहाब क
हस्ताच्छर बनाएस। उ अहाब क मुहर पत्रज क बंद करइ
बरे ओन पइ लगाएस। तब उ ओनका अग्रजन (प्रमुखन)
अउर बिसेस मनइयन क लगे पठएस जउन उहइ नगर मँ
रहत रहेन, जेहमाँ नाबोत रहत रहा। 9पत्र मँ इ लिखा रहा:

इ घोसणा करा कि एक इ एक उपवास क दिन
होइ। तब नगर क सबहिं लोगन क एक संग एक
बइठक बोलावा। बइठक मँ, नाबोत क लोगन क
समन्वा खास स्थान पइ बइठवा। 10कउनो अइसे दई
बुरा मनइयन क हासिल करा जउन नाबोत क खिलाफ
झूठा गवाही देइ। ओनका इ कहइ द्या उ पचे सुनेन
कि नाबोत राजा अउ परमेस्सर क खिलाफ कछू बातन
कहेस। तब नाबोत क नगर क बाहेर लइ जा अउर
ओका पाथरन स मार डावा।

11एह बरे यिज्रेल क बुर्जुगन अउर महत्वपूर्ण मनइयन उ
आदेस क पालन किहन जउन उ पत्र मँ लेखि के ओनका
लगे भेजि रहेन। 12प्रमुखन घोसणा किहन कि एक दिन
अइसा होइ जब सबहिं मनई कछू भी भोजन नाहीं करिहीं।
उ दिन उ पचे सबहिं लोगन क बइठक एक संग बोलाएन।
उ पचे नाबोत क बिसेस ठउरे पइ लोगन क समन्वा रखेन।
13तब दुइ बुरा मनइयन लोगन स कहेन कि उ पचे नाबोत
क परमेस्सर अउ राजा क बिरुद्ध बातन करत सुनेन ह। एह
बरे लोग नाबोत क नगर क बाहेर लइ गएन। तब उ पचे
ओका पाथरन स मार डाएन। 14तब प्रमुखन एक सँदेसा
ईज़ेबेल क पठएन। सँदेसा रहा: “नाबोत पाथरन स मार डावा
गवा।” 15जब ईज़ेबेल इ सुनेस तउ उ अहाब स कहेस,
“नाबोत मर गवा। अब तू जाइ सकत ह अउर उ बाग क
लइ सकत ह जेका उ तोहका बेचइ स इन्कार किहे रहा।”
16जब अहाब सुनेस कि नबोत मर गवा, उ अंगूर क बाग
मँ ओह पइ कब्जा करइ बरे गवा।

17इ समइ यहोवा एलिय्याह स बातन किहस। (एलिय्याह
तिसबी क नबी रहा) यहोवा कहेस, 18“इस्राएल क राजा
अहाब क लगे सोमरोन क जा। अहाब नाबोत क अंगूरन
क बाग मँ होइ। उ हुँवा पइ उ बाग पइ कब्जा करइ बरे
होइ। 19अहाब स कहा, मइँ यहोवा ओहसे कहत हउँ,
‘अहाब! तू नाबोत नाउँ क मार डाया ह। अब तू ओकर
भुइँया लेत अहा। एह बरे मइँ तोहसे कहत हउँ, तू भी उहइ
जगह पइ मरब्या जउने जगह पइ नाबोत मरा। जउन कूकुरन
नाबोत क खून क चाटेन, उ सबइ ही तोहार खून उ जगह
पइ चटिहीं।’”

20एह बरे एलिय्याह अहाब क लगे गवा। अहाब
एलिय्याह क लखेस अउ कहेस, “तू मोका फुन पाइ लिहा
ह। तू सदा मोरे खिलाफ अहा।”

एलिय्याह जवाब दिहस, “हाँ मइँ तोहका फुन पाइ लिहेउँ
ह। तू सदा अपनी जिन्नगी क उपयोग यहोवा क खिलाफ
पाप करइ मँ किहा। 21एह बरे यहोवा तोहसे कहत ह, ‘मइँ
तोहका बर्बाद कइ देब। मइँ तोहका अउर तोहरे परिवार क
हर एक मनसेधू निअंबर क मार डाउब।

22“तोहरे परिवार क उहइ दसा होइ जउन दसा नाबोत क
पूत यारोबाम क परिवार क भइ अउर तोहार परिवार बासा
क परिवार क तरह होइ। इ सबइ दुइनउँ पूरी तरह बर्बाद
कइ दीन्ह गए रहेन। मइँ तोहारे संग उहइ करब काहेकि तू
मोका गुस्सैल किहा ह। तू इस्राएल क लोगन स पाप
कराया ह।’ 23अउर यहोवा इ भी कहत ह, ‘तोहार मेहरारु
ईज़ेबेल क ल्हास यिज्रेल नगर मँ कूकुर खइहीं। 24तोहार
परिवार कउनो भी निअंबर क जउन नगर मँ मरी, कूकुर
खइहीं जउन मनई मइदानन मँ मरी उ पंछियन क जरिये खा
जाइ।’”

25ओतँना बुरे काम जेका यहोवा बुराई मँ सामिल करत
ह कउनो भी मनई नाहीं किहेस ह जेतँना अहाब किहेस ह।
ओकर पत्नी ईज़ेबेल ओहसे इ सबइ काम कराएस ह।
26अहाब बहोत भयंकर पाप किहेस ह जउन उ ओन काठे
क देवमूरतियन क पूजेस ह। इ उहइ काम रहा जेका एमोरी
लोग करत रहेन अउर यहोवा ओनसे पहँटा छोर लिहस
अउर इस्राएल क लोगन क दइ दिहे रहा।

27एलिय्याह क कथन क पूरा होइ पइ अहाब दु:खी
भवा। उ अपने ओढ़नन क इ देखावइ बरे फार डाएस कि
ओका दु:ख अहइ। तब उ सोक क बिसेस ओढ़ना पहिरेस।
अहाब खाइ स इन्कार कइ दिहेस। उ ओनही बिसेस ओढ़नन
क पहिरे भवा रहा। अहाब बहोत दु:खी अउ उदास रहा।

28यहोवा एलिय्याह, तिसबी क नबी स कहेस, 29"का तू
लखया ह कि अहाब मोरे समन्वा विनम्र होइ गवा ह। एह
बरे मइँ ओकरे जिन्नगी क काल मँ ओह पइ विपत्तियन क
नाहीं आवइ देब। मइँ तब तलक प्रतीच्छा करब जब तलक
ओकर पूत राजा नाहीं बन जात। तब मइँ अहाब क परिवार
पइ विपत्तियन आवइ देब।"

मीकायाह अहाब क चितउनी देत ह

22 अगले दुइ बरिस क भीतर इस्राएल अउ अराम
क बीच सान्ति रही। 2तब तीसरे बरिस यहूदा क
राजा यहोसापात इस्राएल क राजा अहाब स भेंटइ गवा।
3इ समइ अहाब अपने अधिकारियन स पूछेस, "तू पचे
जानत ह कि अराम क राजा गिलाद मँ रामोत क हम स
लइ लिहे रहा। हम लोग रामोत वापस लेइ क कछू भी
जतन काहे नाहीं किहा? इ हम लोगन क नगर होइ चाही।"
4एह बरे अहाब यहोसापात स पूछेस, "का आप हमरे संग
आउब अउर रामोत मँ अराम क फउज क खिलाफ जुद्ध
करब?" भेंटइ बरे तैयार अहइँ।
यहोसापात जवाब दिहस, "हाँ, मइँ तोहार साथ देब। मोर
फउजी अउर मोर घोड़न तोहरी फउज क संग भेंटइ बरे
तैयार अहइ। 5किन्तु पहिले हम लोगन क यहोवा स सलाह
लेइ चाही।"
6एह बरे अहाब नबियन क एक बैठक बोलाएस। उ
समइ लगभग चार सौ नबी रहेन। अहाब नबियन स पूछेस,
"का मइँ जाउँ अउर रामोत मँ अराम क फउज क खिलाफ
जुद्ध करउँ? या मइँ कउनो दूसर अवसर क प्रतीच्छा
करउँ?"
नबियन जवाब दिहन, "तोहका अबहिं जुद्ध करइ चाही।
यहोवा तोहका विजय पावइ देइ।"
7किन्तु यहोसापात कहेस, "का हिआँ यहोवा क नबियन
मँ स कउनो दूसर नबी अहइ? जदि कउनो अहइ तउ हम
क ओहसे पूछइ चाही कि परमेस्सर का कहत ह।"
8राजा अहाब जवाब दिहस, "एक दूसर नबी अहइ। उ
यिम्ला क पूत मीकायाह अहइ। किन्तु ओहसे मइँ घिना
करत हउँ। जब कबहुँ उ यहोवा क बारे मँ बतावत ह, उ
मोर बारे मँ कछू नीक नाहीं बल्कि बुरा कहत ह। उ सदा
ही उहइ कहत ह जेका मइँ पसन्द नाहीं करत।"
यहोसापात कहेस, "राजा अहाब, तोहका इ सबइ बातन
नाहीं कहइ चाही।"
9एह बरे राजा अहाब अपने अधिकारियन मँ एक स
कहेस जा अउर मीकायाह क जल्दी खोज के लिआवा।
10उ समइ दुइनउँ राजा अपनी राजसी पोसाक पहिरे रहेन।
उ पचे सिंहासने पइ बइठे रहेन। इ सोमरोन क दुआर क
लगे निआव करइ क जगह पइ रहा। सबहिं नबी ओकरे
समन्ना खड़े रहेन। उ सबइ भविस्सवाणी करत रहेन।
11नबियन मँ स एक सिदकिय्याह नाउँ क मनई रहा। इ
कनान क पूत रहा। सिदकिय्याह कछू लोहा क सींगन
बनाएस। तब उ अहाब स कहेस, "यहोवा कहत ह, 'तू
लोहा एन सींगन क उपयोग अराम क फउज क खिलाफ
लड़इ मँ करब्या। तू ओनका हरउब्या अउर ओनका बर्बाद
करब्या।'" 12सबहिं दूसर नबियन ओकर समर्थन किहन जउन
कछू सिदकिय्याह कहेस। नबियन कहेन, "तोहार फउज
अबहिं कूच करइ। ओनका रामोत मँ अरम क सेना क संग
जुद्ध करइ चाही। तू जुद्ध जितब्या। यहोवा तोहका विजय
देइ।"
13जब इ होत रहा तबहिं अधिकारी मीकायाह क हेरइ
गवा। अधिकारी मीकायाह क हेर निकारेस अउर ओहसे
कहेस, "सबहिं दूसर नबियन कहेन ह कि राजा क जुद्ध
जीतब तोहका भी इ कहइ चाही अउर तोहका राजा क बारे
मँ अच्छी बातन क भविस्सबाणी करइ चाही।"
14किन्तु मीकायाह जवाब दिहस, "नाहीं! मइँ प्रतिग्या
करत हउँ कि मइँ सिरिफ परमेस्सर क सक्ती क बारे मँ
उहइ कहब जउन कहइ बरे यहोवा कहेस ह!"
15तब मीकायाह राजा अहाब क समन्वा खड़ा भवा। राजा
ओहसे पूछेस, "मीकायाह, का मोका अउर राजा यहोसापात
क अपनी फउजन एक कइ लेइ चाही? अउर का हम क
अराम क फउज स रामोत मँ जुद्ध करइ बरे जाइ चाहीं?"
मीकायाह जवाब दिहस, "हाँ! तोहका जाइ चाही अउर
ओनसे अबहिं जुद्ध करइ चाही। यहोवा तोहका विजय स
आसिस देइ।"
16किन्तु अहाब पूछेस, "तू यहोवा क सक्ती स नाहीं
बतावत अहा। तू अपनी निजी बात कहत अहा। एह बरे
मोहसे फुर कहा। केतनी दाईं मोका तोहसे कहइ क पड़ी?
मोहसे उ कहा जउन यहोवा कहत ह।"
17एह बरे मीकायाह जवाब दिहेस, "मइँ जउन कछू होइ,
लखि सकत हउँ। इस्राएल क फउज पहाड़ियन मँ बिखर
जाइ। उ पचे ओन भेड़न क तरह होइहीं जेनकर कउनो भी
संचालक न होइ। इहइ यहोवा कहत ह: 'एन मनइयन क
अगुवाइ कउनो नाहीं करइ। ओनका घर जाइ चाही अउर
जुद्ध नाहीं करइ चाही।'" 18जब अहाब यहोसापात स कहेस,
"लख ल्या। मइँ तोहका बताए रहेउँ। इ नबी मोरे बारे मँ
कबहुँ कउनो नीक बात नाहीं कहत। इ सदा उहइ बात
कहत ह जेका मइँ सुनइ नाहीं चाहत।"
19किन्तु मीकायाह यहोवा क माध्यम बना कहत ही रहा।
उ कहेस, "सुना! इ सबइ उ सबइ सब्द अहइँ जेनका यहोवा
कहेस ह! मइँ यहोवा क सरग मँ अपने सिंहासने पइ बइठा
लखेउँ। ओकर दूत ओकरे दाई अउर बाई ओर खड़ा रहेन।
20यहोवा कहेस, 'तू पचन मँ स कउन राजा अहाब क
चकमा दइ सकत ह? मइँ ओका रामोत मँ अराम क फउज
क खिलाफ जुद्ध करइ क बरे जाइ देइ चाहत हउँ। तब उ
मारा जाइ।' अलग-अलग सरगदूतन अलग-अलग सुझाव
दिहेन। 21तब एक ठु सरगदूत यहोवा क लगे गवा अउर उ
कहेस, 'मइँ ओका चकमा देब।' 22यहोवा पूछेस, 'तू राजा
अहाब क चकमा कइसे देब्या?' सरगदूत जवाब दिहस, 'मइँ
ओकर सबइ नबियन क मुँह मँ झूठ बोलइवाला आतिमा
होइ जाब।" मइँ नबियन क अहाब स झूठ बोलाउब नबियन
क सँदेसन झूठ होइहीं।' एह बरे यहोवा कहेस, 'बहोत
अच्छा। जा अउर राजा अहाब क चकमा द्या। तू सफल
होब्या।'"

23मीकायाह अपनी कथा पूरी किहस। तब उ कहेस, "एह
बरे हिआँ इ सब भवा। यहोवा तोहरे नबियन स तोहका
लबार बोलवाइ दिहस ह। यहोवा खुद निर्णय लिहस ह कि
तोह पइ बड़की परेसानी लिआवइ।"
24तब सिदकिय्याह नबी मीकायाह क लगे गवा। सिदकिय्याह
मीकायाह क मुँहे पइ मारेस। सिदकिय्याह कहेस, "का तू
फुरइ पतियात अहा कि यहोवा क सक्ती मोका तजि दिहस ह
अउर तोहरे माध्यम स बात करत अहइ।"
25मीकायाह जवाब दिहस, "हाली ही बिपद आइ। उ
समइ तू पराब्या अउर एक छोटके कमरे मँ छिपब्या अउर
तब तू समुझब्या कि मइँ फुर कहत हउँ।"
26तब राजा अहाब अपने अधिकारियन मँ स एक क
मीकायाह क बन्दी बनावइ क आदेस दिहस। राजा अहाब
कहेस, "एका बन्दी बनाइ ल्या अउर एका नगर क प्रसासक
आमोन अउर राजकुमार योआस क लगे लइ जा। 27ओनसे
कहा कि मीकायाह क बन्दीघर मँ डाइ द्या। ओका खाइ क
सिरिफ रोटी अउर पानी द्या। ओका हुवाँ तब तलक राखा
जब तलक मइँ जुद्ध स घरे न आइ जाउँ।"
28मीकायाह जोर स कहेस, "आप सबहिं लोग सुनई
जउन मइँ कहत हउँ। राजा अहाब, जदि तू जुद्ध स घरे
जिअत लउटि अउब्या, तउ एकर अरथ होइ कि यहोवा मोर
जरिया स नाहीं बोले रहा।"
29तब राजा अहाब अउ राजा यहोसापात जुद्ध मँ अराम
क फउज स जुद्ध करइ गएन। इ गिलाद नाउँ क पहँटा मँ
रहा। 30अहाब यहोसापात स कहेस, "हम जुद्ध क तैयारी
करब। मइँ अइसे ओढ़ना पहिरब जउन मोका अइसा रुप
देइहीं कि मइँ अइसा लगब कि मइँ राजा नाहीं अहउँ।
किन्तु तू अपने बिसेस ओढ़ना पहिरा जेहसे तू अइसे लगा
कि तू राजा अहा।" इ तरह इस्राएल क राजा जुद्ध क
सुरुआत उ मनई क तरह ओढ़ना पहिरके किहन जउन राजा
न होइ।
31अराम क राजा क लगे बत्तीस रथ-सेनापति रहेन। उ
राजा एन बत्तीस रथ-सेनापतियन क आदेस दिहस कि उ पचे
इस्राएल क राजा क खोज निकारइँ अउर ओका मार डाइँ।
उ कहेस कि इस्राएल क राजा क इलावा कउनो क संग
जिन लड़ा चाहे उ महत्वपूर्ण अहइ या नाहीं।" 32एह बरे
जुद्ध क बीच सेनापतियन राजा यहोसापात क लखेन।
सेनापतियन समुझेन कि उहइ इस्राएल क राजा अहइ। एह
बरे उ पचे ओका मारइ गएन। यहोसापात चिचिआब सुरू
किहस। 33सेनापतियन समुझ लिहन कि उ राजा अहाब नाहीं
अहइ। एह बरे उ पचे ओका नाहीं मारेन। 34मुला एक ठु
फउजी हवा मँ बाण छोड़ेस, उ कउनो खास मनई क आपन
लस्य नाहीं बनावत रहा। किन्तु ओकर बाण इस्राएल क
राजा अहाब क जाइ लगा। बाण राजा क उ छोटी जगह मँ
भेदेस, जउन तने क हींसा ओकरे कवच स नाहीं ढका रहा।
एह बरे राजा अहाब अपने सारथी स कहेस, "मोका एक ठु
बाग भेद दिहेस ह। इ छेत्र स रथे क बाहेर लइ चला। हम
क जुद्ध स दूर निकरि जाइ चाही।"
35फउज लगातार जुद्ध करत रहिन। राजा अहाब अपने
रथे मँ ठहरा। उ रथ क टेक क सहारा निहुरा भवा रहा। उ
अराम क फउज क लखत रहा। ओकर खून खाले बहत
रहा अउर उ रथ क तले क ढाँपि लिहस। पाछे, साँझ क
राजा मर गवा। 36साँझ क समइ इस्राएल क फउज क
सबहिं मनसेधुअन अपने नगर अउर प्रदेस वापस लउटइ क
आदेस दीन्ह गवा।
37एह बरे राजा अहाब इ तरह मरा। कछू मनई ओकरे
ल्हास क सोमरोन लइ आएन। उ पचे ओका हुँवइ दफनाइ
दिहन। 38लोग अहाब क रथे क सोमरोन मँ एक तालाब मँ
धोएन, जहाँ रंडियन नहावत हीं। कूकुर राजा अहाब क खून
क ओकर रथ स चाटेन। इ सबइ बातन वइसे वइसे ही
भइन जइसा यहोवा होइ क कहे रहा।
39अपने राज्जकाल मँ अहाब जउन कछू किहस उ
"इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे मँ
लिखा अहइ। उहइ किताब मँ राजा अपने महल क जियादा
सुन्नर बनावइ बरे जउने हाथी-दाँत क उपयोग किहे रहा,
ओकरे बारे मँ कहा गवा ह अउर उ किताबे मँ ओन नगरन
क बारे मँ लिखा गवा ह। जेका उ बनाए रहा। 40अहाब
मरा, अउर अपने पुरखन क लगे दफनाइ दीन्ह गवा।
ओकर पूत अहज्याह राजा बना।

यहूदा क राजा यहोसापात

41इस्राएल क राजा अहाब क चउथे बरिस। यहोसापात
यहूदा क राजा भवा। यहोसापात आसा क पूत रहा।
42यहोसापात जब राजा भवा तब उ पैंतीस बरिस क रहा।
सिल्ही क बिटिया अजूबा यहोसापात क महतारी रही। उ
यरूसलेम मँ पचीस बरिस तलक सासन किहे रहेन।
43यहोसापात नीक मनई रहा। उ उ सबइ चिजियन क किहेस
जउन ओकर बाप किहे रहेन अउर ओका करइ मँ दृढ़
रहेन। उ उहइ किहेन जेका यहोवा नीक समुझत ह। किन्तु
यहोसापात ओन जगहन क बर्बाद नाहीं किहस। लोग ओन
जगहन पइ बलि-भेंट करब अउर सुगन्धि बारब जारी रखेन।
44यहोसापात इस्राएल क राजा क संग एक सान्ति-सन्धि
किहेस। 45यहोसापात बहोत वीर रहा अउर उ कई जुद्ध
लड़ा। जउन कछू उ किहेस उ, "यहूदा क राजा लोगन क
इतिहास" नाउँ क किताबे मँ लिखा अहइ। 46यहोसापात
मन्दिर क ओन पुरुस अउर स्त्री पतूरिया क मन्दिर स
ज़बरदस्ती बाहेर निकारेस। ओन मनइयन ओन मन्दिर मँ तब
सेवा किहे रहेन जब ओकर बाप आसा राजा रहा।
47इ समइ क बीच एदोम देस क कउनो राजा नाहीं रहा।
उ देस एक ठु प्रसासक क जरिये सासित होत रहा। प्रसासक
यहूदा क राजा क जरिये चुना जात रहा।

यहोसापात क समुद्री बेड़ा

48राजा यहोसापात अइसे समुद्री जहाजन क बनाएस जउन
सामानन क ढोवत रहेन। उ चाहत रहेन कि ओकर जहाज
ओपीर प्रदेस स सोना लिआवइ। किन्तु जहाजन ओकर
ग्रह-बन्दरगाह एस्योनगेबेर मँ बर्बाद होइ गएन। 49इस्राएल
क राजा अहज्याह यहोसापात क मदद देइ क न्योता दिहेन।
अहज्याह यहोसापात स कहे रहा कि उ कछू अइसे मनइयन
क अपने मनइयन क संग ल्या जउन जहाजी कामे मँ

होसियार अहइँ।" किन्तु यहोसापात अहज्याह क मनइयन क
अंगीकार करइ स इन्कार कइ दिहस।
50यहोसापात मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा
गवा। उ दाऊद नगर मँ अपने पुरखन क संग दफनावा
गवा। तब ओकर पूत यहोराम राजा बना।

इस्राएल क राजा अहज्याह

51अहज्याह अहाब क पूत रहा। उ इस्राएल क राजा
यहोसापात क यहूदा पइ राज्जकाल क सत्रहवें बरिस मँ
राजा बना। अहज्याह सोमरोन मँ दुइ बरिस राज्ज किहस।
52अहज्याह यहोवा क बिरुद्ध पाप किहस। उ उ सबइ ही
पाप किहस जउन ओकर बाप अहाब ओकर महतारी ईज़ेबेल
अउ नबात क पूत यारोबाम किहे रहा। इ सबइ सबहिं
सासक इस्राएल क लोगन क अउर जियादा पाप कइँती लइ
गएन।
53अहज्याह अपने स पहिले अपने बाप क समान लबार
देवता बाल क पूजा अउर सेवा किहेन। एह बरे अहज्याह
यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क बहोत जियादा किरोधित
किहस। यहोवा अहज्याह पइ वइसा ही कोहाइ गवा जइसा
ओकरे पहिले उ ओकर बाप पइ कोहान रहा।

दूसर समूएल

दाऊद क साऊल क मउत क पता चलत ह

1 अमालेकियन क हरावइ क पाछे दाऊद सिकलग लउटा
अउर हुवाँ दुइ दिन ठहरा। इ साऊल क मउत क पाछे
भवा। 2तीसरे दिन, एक ठु नउजवान सिकलग आवा। उ
साऊल क फउजी सिबिर स आए रहेन। उ मनई क ओढ़ना
फटे रहेन अउर ओकरे मूँड़े पइ धूरि रही।* उ मनई दाऊद
क लगे आवा अउर दाऊद क समन्वा मुँहे क बल गिरिके
दण्डवत किहस।
3दाऊद उ मनई स पूछेस, "तू कहाँ स आवा अहा?"
उ मनई दाऊद क जवाब दिहस, "मइँ इस्राएलियन क
सिबिर स बचि निकरा हउँ।"
4दाऊद ओहसे कहेस, "कृपा कइके मोका इ बतावा कि
जुद्ध कउन जीतेस?"
उ मनई जवाब दिहस, "हमार लोग जुद्ध स पराइ गएन।
बहोत सारा लोग जुद्ध मँ मार डावा गएन। साऊल अउ
ओकर पूत योनातन दुइनउँ मर गएन ह।"
5दाऊद नउजुवक स पूछेस, "तू कइसे जानत अहा कि
साऊल अउ ओकर पूत योनातन दुइनउँ मर गएन ह?"
6नउजुवक दाऊद स कहेस, "मइँ गिलबो पर्वते पइ रहेउँ।
हुवाँ मइँ साऊल क अपने भाले पइ निहुरत लखेउँ। पलिस्ती
रथ अउ घुड़सवार साऊल क नज़दीक स नज़दीक आवत
रहेन। 7साऊल पाछे मुड़ा अउर उ मोका लखेस। उ मोहका
गोहराएस। मइँ जवाब दिहेउँ, मइँ हिआँ अहउँ। 8तब साऊल
मोहसे पूछेस, 'तू कउन अहा?' मइँ जवाब दिहेउँ, 'मइँ
अमालेकी हउँ।' 9साऊल कहेस, 'कृपा कइके मोका मार
डावा। मइँ बुरी तरह घायल हउँ अउर मइँ वइसे भी
लगभग मरि गवा हउँ।' 10एह बरे मइँ रुकेउँ अउर ओका
मार डाएउँ। उ एतना बुरी तरह घायल रहा कि मइँ समुझ
गएउँ कि उ जिअत नाहीं रहि सकत। तब मइँ ओकरे मूँड़े
स मुकुट अउ भुजा स बाजूबन्द उतारेउँ अउर मोर सुआमी,
मइँ मुकुट अउ बाजूबन्द हिआँ आप क खातिर लिआए
अहउँ।"
11तब दाऊद अपने ओढ़नन क इ परगट करइ बरे फार
डाएस कि उ बहोत सोक मँ बूड़ा अहइ। दाऊद क संग
सबहि लोग अइसा ही किहेन। 12दाऊद अउर ओकर
मनइयन बहोत दु:खी रहेन अउर रोए रहेन। उ पचे साँझ
तलक कछू खाएन नाहीं। उ पचे दाऊद क लोगन बरे रोएन
जउन मारा ग रहेन। उ पचे एह बरे रोएन कि साऊल,
ओकर पूत योनातन अउर बहोत स इस्राएली जुद्ध मँ मारा
ग रहेन।

दाऊद अमालेकी क मार डावइ क हुकुम देत ह

13दाऊद उ जुवक स बातचीत किहस जउन साऊल क
मउत क सूचना दिहस। दाऊद पूछेस, "तू कहाँ क निवासी
अहा?"
जुवक जवाब दिहस, "मइँ एक बिदेसी क पूत हउँ। मइँ
अमालेकी हउँ।" 14दाऊद जुवक स पूछेस, "तू यहोवा क
चुने राजा क मारइ स ससान काहे नाहीं भया?"
15-16तब दाऊद अमालेकी जुवक स कहेस, "तू खुद
आपन मउत क बरे जिम्मेदार अहा। तू कह्या कि तू यहोवा
क चुने राजा क मार डाया। एह बरे तोहार खुद क सब्दन
तोहका अपराधी सिद्ध किहन ह।" तब दाऊद आपन सेवक
जुवकन मँ स एक ठु जुवक क बोलाएस अउर अमालेकी
क मार डावइ क कहेस।" इस्राएली जुवक अमालेकी क
मार डाएस।

साऊल अउ योनातान क बारे मँ दाऊद क सोकगीत

17दाऊद साऊल अउ ओकर पूत योनातान क बारे मँ
एक ठु सोकगीत गाएस। 18दाऊद अपने मनइयन स इ गीत
क यहूदा क लोगन क सिखावइ क कहेस, इ सोकगीत क
धनुस कहा गवा ह। इ गीत यासार क किताबे मँ लिखा
बाटइ।
19"ओह इस्राएल, तोहार महिमा तोहरे पहाड़न मँ मटियामेट
भवा। ओह, कइसे उ सूरबीर जुद्ध मँ हार गएन।
20एका गत मँ न कहा, एका अस्कलोन क गलियन मँ
एलान न करा। उ पचे पलिस्तियन क सहर एहसे खुस
होइहीं। उ पचे विदेसियन खुस होइहीं।
21मोर इच्छा अहइ कि गिलबो क पर्वत पइ ओस अउर
बर्खा न होइ, मोर इच्छा अहइ कि ओन खेतन स
आवइवाली बलि-भेंटन न होइँ। सक्तीसाली मनसेधुअन क
ढाल अइसा फैंकि जाइ जइसे इ बेकार रही। साऊल क
ढाल जियादा दिना तलक तेल स पालिस कीन्ह भइ नाहीं
रही।
22योनातान क धनुस अपने भाग क दुस्मनन क मारेस,
अउर साऊल क तरवार अपने हींसे क दुस्मनन क मारेस।
उ पचे ओन मनइयन क खून स धब्बा लगाएन जउन अब
मरि चुका अहइँ, उ पचे उ सक्तीसाली मनइयन क चर्बी क
काटि दिहेस।
23साऊल अउ योनातन, एक दूसर स पिरेम करत रहेन।
उ पचे एक दूसर स सुखी रहेन जब तलक उ पचे जिअत
रहेन, साऊल अउर योनातान मउत तलक मँ भी साथ रहेन।
उ पचे उकाब स भी तेज जात रहेन, उ पचे सेर स जियादा
बरिआर रहेन।

उ मनइ ... धूरि रही इ दिखावत ह कि उ मनई बहोत द:खी
रही।

24इस्राएल क बिटियो, साऊल खातिर रोवा। साऊल तोहका लाल पहिरावा दिहस, साऊल तोहरे ओढ़नन पइ सोने क जेवर सजाएस ह।

25सक्तीसाली मनसेधू जुदध मँ काम आएन। योनातान गिलबो पहाड़े पइ मरा।

26मोर भाई योनातान, मइँ तोहरे खातिर रोवत हउँ। मोका तोहार दोस्ती स बहोत आन्नद मिलेस ह। तोर पिरेम मोरे बरे एक ठु मेहरारू क पिरेम जियाद रहा।

27सक्तीसाली मनसेधू जुद्ध मँ काम आएन, जुद्ध क सस्त्र चले गएन ह।"

दाऊद अउ ओकर लोग हेब्रोन जात हीं

2 पाछे दाऊद यहोवा स पराथना किहस। दाऊद कहेस, "का मोका यहूदा क कउनो नगर मँ जाइ चाही?"

यहोवा दाउद स कहेस, "जा" दाऊद पूछेस, "मोका कहाँ जाइ चाही?" यहोवा जवाब दिहस, "हेब्रोन क।"

2एह बरे दाउद हुवाँ गवा। ओकर दुइनउँ मेहररूअन ओकरे संग गइन। (उ पचे यिज्रेली क अहीनोअम अउ कर्मेल क नाबाल क राँड़ अबीगैल रहिन।) 3दाऊद अपने लोगन अउ ओनके परिवारन क भी लिआवा। उ पचे हेब्रोन अउ निचके क नगरन मँ बस गएन।

दाऊद याबेस क लोगन क धन्यवाद देत ह

4यहूदा क लोग हेब्रोन आएन अउर उ पचे दाऊद क अभिसेक यहूदा क राजा क रूप मँ किहन। तब उ पचे दाऊद स कहेन, "याबेस गिलाद क मनइयन साऊल क दफनाएन।"

5दाऊद याबेस गिलाद क लोगन क लगे दूत पठएस। एन दूत याबेस गिलाद क लोगन क दाऊद क सँदेसा दिहस: "यहोवा तोहका आसीर्बाद देइ, काहेकि तू लोग अपने सुआमी साऊल बरे, ओकर जरी भइ हड्डियन क दफनाइके दाया देखाँया ह। 6यहोवा अब तोहरे बरे दयालु अउ सच्चा रही। मइँ भी तोहरे बरे दयालु रहब काहेकि तू लोग जरी भइ हड्डयन क दफनाया ह। 7अब, सक्तीसाली अउ बीर बना, तोहार सुआमी साऊल मर चुका अहइँ, अउ यहूदा क परिवार समूह अपने राजा क रूप मँ मोर अभिसेक किहेस ह।"

ईसबोसेत राजा होत ह

8नेर क पूत अब्नेर साऊल क फउज क सेनापति रहा। अब्नेर साऊल क पूत ईसबोसेत क महनैम लइ गवा। 9उ ठउरे पइ अब्नेर ईसबोसेत क गिलाद, आसेर, यिज्रेल, एप्रैम, अउ बिन्यामीन अउर समस्त इस्राएल* क राजा बनाएस। ईसबोसेत सारे इस्राएल क राजा बन गवा। 10ईसबोसेत साऊल क पूत रहा। ईसबोसेत चालीस बरिस क रहा जब उ इस्राएल पइ सासन करब सुरू किहेस। उ दुइ बरिस तलक सासन किहस। किन्तु यहूदा क परिवार समूह दाऊद क अनुसरण करत रहा। 11दाउद हेब्रोन मँ यहूदा क परिवार समूह क राजा सात बरिस छ: महीने तलक रहा।

प्राण घातक मुकाबला

12नेर क पूत अब्नेर अउ साऊल क पूत क अधिकारी लोग ईसबोसेत महनैम क तजेन। उ पचे गिबोन क गएन। 13सरुयाह क पूत योआब अउ दाऊद क सेवकगण भी गिबोन गएन। उ पचे अब्नेर अउ ईसबोसेत क सेवकन स, गिबोन क तालाब पइ मिलेन। अब्नेर क टोली तालाब क एक कइँती बइठी रही। योआब क टोली तालाब क दूसरी ओर बइठी रही।

14अब्नेर योआब स कहेस, "हम लोग जुवकन क खड़ा होइ देइ अउर हिआँ एक मुकाबला होइ जाइ द्या।" योआब कहेस, "हाँ, ओनमाँ मुकाबला होइ जाइ दया।"

15तब जुवक उठेन। दुइनउँ टोलियन मुकाबला बरे अपने जुवकन क गनेन। बियामीन क परिवार समूह स बारह जुवक मनइयन साऊल पूत ईसबोसेत क तरफ स जुद्ध बरे चुना गएन, अउर बारह जुवक दाऊद क मनइयन मँ स चुने गएन।

16हर एक जुवक अपने दुस्मन क मूँड़े क धरेस अउ आपन तरवार अन्दर भोंक दिहस। एह बरे जुवक मनइयन एक ही संग गिर पड़ेन। इहइ कारण अहइ कि उ ठउर, "तेज चाकुअन क खेत"* कहा जात ह। इ ठउर गिबोन मँ अहइ।

अब्नेर असाहेल क मार डावत ह

17उ दिन मुकाबला भयंकर जुदध मँ बदल गवा। दाऊद क मनइयन अब्नेर अउ इस्राएलियन क हराइ दिहन। 18सरूयाह क तीन पूत रहेन, योआब, अवीस अउ असाहेल। असाहेल तेज दउड़इवाला रहा। उ जंगली हिरन क तरह तेज दउड़त रहा। 19असाहेल अब्नेर क पाछा किहस। असाहेल सोझइ अब्नेर कइँती दउड़ गवा। 20अब्नेर मुड़िके लखेस अउर पूछेस, "का तू असाहेल अहा?" असाहेल कहेस, "मइँ हउँ।"

21अब्नेर असाहेल क चोट नाहीं पहोंचावइ चाहत रहा। तब अब्नेर असाहेल स कहेस, "मोर पाछा करब तजा अपनी दाहिन या बाईं कइँती मुड़ा जुवकन मँ स कउनो एक क पाछा करा अउर ओकर कवच अपने बरे लइ ल्या।" किन्तु असाहेल अब्नेर क पाछा करब तजइ स इन्कार कइ दिहस।

22अब्नेर असाहेल स फुन कहेस, "मोर पाछा करब तजा। जदि तू पाछा करब नाहीं तजत्या तउ मइँ तोहका मार डाउब। जदि मइँ तोहका मार डाउब तउ मइँ फुन तोहरे भाई योआब क मुँह नाहीं लखि सकब।"

23किन्तु असाहेल अब्नेर क पाछा करब नाहीं तजेस। एह बरे अब्नेर आपन भाला क पिछले हींसा क उपयोग किहस अउर असाहेल क पेट मँ ओका घुसेड़ दिहस। भाला

समस्त इस्राएल कबहुँ-कबहुँ एकर अरथ अहइ पूरा इस्राएल क देस, यानी यहूदा अउर इस्राएल। हिवाँ एकर अरथ अहइ सिरिफ इस्राएल क उहइ परिवार समूहन जउन यहूदा क परिवार स जुड़ा भवा नाही रहेन।

तेज चाकुअन क खेत या, "हेल्कत-हस्सूरिम।"

असाहेल क पेट मँ एतना गहिर घँसा कि उ ओकरी पीठ स बाहेर निकरि आवा। असाहेल हुवाँ तुरंत मरि गवा।

योआब अउ अबीस अब्नेर क पाछा करत हीं

असाहेल क तन जमीन पइ गिर पड़ा। लोग ओकरे लगे दउड़िके गएन, अउर रूक गएन। **24**किन्तु योआब अउ अबीस अब्नेर क पाछा करब जारी रखेन।

जउन समइ उ पचे अम्मा पहाड़ी पइ पहोंचेन सूरज बूड़त रहा। (अम्मा पहाड़ी गहि क समन्वा गिबोन रेगिस्तान क राहे पइ रही।) **25**बिन्यामीन परिवार समूह क लोग अब्नेर क लगे आएन। उ पचे सबहिं एक संग पहाड़ी क चोटी पइ खड़े होइ गएन।

26अब्नेर चिचियाइके योआब क गोहराएस। अब्नेर कहेस, "का हम क लड़ जाइ चाही अउर हमेसा बरे एक दूसर क मारि डावइ चाही? निहचइ ही तू जानत अहा कि एकर अन्त सिरिफ सोक होइ। लोगन स कहा कि अपने ही भाइयन क पाछा करब बन्द करइँ।"

27तब योआब कहेस, "इ जउन तू कह्या उ ठीक अहइ। यहोवा क जिन्नगी क किरिया, जदि तू कछू नाहीं कहि होतेन, तउ मनइयन अपने भाइयन क पाछा सबेरे मँ भी करत रहतेन।"

28तब योआब एक तुरुही बजाएस अउ ओकर लोग इस्राएलियन क पाछा करब बन्द किहन। उ पचे अउर अगवा इस्राएलियन स लड़इ क जतन नाहीं किहन।

29अब्नेर अउ ओकर लोग यरदन घाटी स होइके रात भर चलेन। उ पचे यरदन घाटी क पार किहन। उ पचे पूरे दिन चलत रहेन अउर महनैम पहोंचेन।

30योआब अब्नेर क पाछा करब बन्द करइ क पाछे अपनी फउज मँ वापिस लउट आवा। जब योआब लोगन क बटोरेस, दाऊद क उन्नीस सेवक लापता रहेन। असाहेल भी लापता रहा। **31**किन्तु दाऊद क सेवकन बिन्यामीन परिवार समूह क तीन सौ साठ निअम्बरन क, जउन अब्नेर क अनुसरण करत रहेन, मार डाए रहा। **32**दाऊद क सेवक लोग असाहेल क लिहन अउर ओका बेतलेहेम मँ ओकरे पिता क कब्रिस्तान मँ दफनाएन।

योआब अउ ओकर मनई रात भइ चलत रहेन। जब उ पचे हेब्रोन पहोंचेन तउ सूरज निकरा।

इस्राएल अउ यहूदा क बीच जुद्ध

3 साऊल क परिवार अउ दाऊद क परिवार लम्बे समइ तलक एक दूसर क खिलाफ जुद्ध करत रहा। दाऊद जियादा स जियादा बरिआर होत गवा अउर साऊल क परिवार कमजोर पइ कमजोर होत गवा।

दाऊद क छ: पूत हेब्रोन मँ पइदा भएन

2दाऊद क इ सबइ पूत हेब्रोन मँ पइदा भए रहेन। पहिला पूत अम्नोन रहा। अम्नोन क महतारी यिज्रेल क अहीनोअम रही। **3**दूसर पूत किलाब रहा। किलाब क महतारी अबीगैल इ नाबाल क राँड़ रहा जउन कर्मेल स रहा। तीसरा पूत अबसालोम रहा। अबसालोम क महतारी गसूर क राजा तल्मै क बिटिया माका रही। **4**चौथा पूत अदोनिय्याह रहा। अदोनिय्याह क महतारी हग्गीत रही। पाँचवा पूत सपत्याह रहा। सपत्याह क महतारी अबीतल रही। **5**छठवाँ पूत यित्राम रहा। यित्राम क महतारी दाऊद क मेहरारू एग्ला रही। दाऊद क इ सबइ छ: पूत हेब्रोन मँ पइदा भएन।

अब्नेर दाऊद स मिल जाइ क फैसला करत ह

6जउने समइ साऊल क परिवार तथा दाऊद परिवार मँ जुद्ध चलत रहा, अब्नेर साऊल क फउज मँ जियादा स जियादा सक्तीसाली बन गवा। **7**साऊल क दासी रिस्पा नाउँ क रही। रिस्पा अय्या क बिटिया रही। ईसबोसेत अब्नेर स कहेस, "तू मोर पिता क दासी क संग तने क सम्बन्ध काहे करत ह?"

8अब्नेर, ईसबोसेत जउन कछू कहेस, ओहसे बहोत कोहाइ गवा। अब्नेर कहेस, "मइँ साऊल अउ ओकरे परिवार क वफ़ादार रहा हउँ। मइँ तोहका दाऊद क नाहीं दिहेउँ। मइँ तोहका ओहका हरावइ नाहीं दिहेउँ। मइँ यहूदा बरे काम करइवाला देसद्रोही नाहीं हउँ।* किन्तु अब तू कहन अहा कि मइँ इ बुराई कीन्ह। **9-10**मइँ इ प्रतिग्या करत हउँ- मोका पर्ण बिस्सास ह कि अब उ सबइ कछू होब्या जउन परमेस्सर कहेस ह। यहोवा कहेस कि उ साऊल क परिवार क राज्ज क लइ लेइ अउर एका दाऊद क देइ। यहोवा दाऊद क यहूदा अउ इस्राएल क राजा बनाई। उ दान स लइके बेर्सेबा तलक हुकूमत करी। परमेस्सर मोका सज़ा दे जदि मइँ वइसा होइ नाहीं द्या।"

11ईसबोसेत अब्नेर स कछू भी नाहीं कहि सका। ईसबोसेत ओहसे बहोत जियादा ससान रहा।

12अब्नेर दाऊद क लगे दूत पठएस। अब्नेर कहेस, "तोहार सोचत क मुताबिक केका इ देस पइ हुकूमत करइ चाही? मोरे संग एक ठु सन्धि करा अउर मइँ तोहका पूरे इस्राएल क लोगन क सासक बनइ मँ मदद करब।"

13दाऊद जवाब दिहस, "ठीक अहइ। मइँ तोहरे संग सन्धि करब। किन्तु तोहसे मइँ सिरिफ एक बात कहत हउँ: मइँ तोहसे तब तलक नाही मिलब जब तलक तू साऊल क बिटिया मीकल क मोर लगे भेंटइ बरे नाही लाउब्या।"

दाऊद आपन मेहरारू मीकल क वापिस लिआवत ह

14दाऊद साऊल क पूत ईसबोसेत क लगे दूत पठएस। दाऊद कहेस, "मोर मेहरारू मीकल क मोका वापस करा। मइँ ओका पावइ बरे सौ पलिस्तियन क मारे रहेउँ।"

15तब ईसबोसेत ओन लोगन क आदेस दिहेस कि उ लैस क पूत पलतीएल नाउँ क मनई क पास स मीकल क लइ आवइ। **16**मीकल क भतार पलतीएल मीकल क संग गवा। उ बहूरीम नगर तलक मीकल क पाछे-पाछे रोवत भवा गवा। किन्तु अब्नेर पलतीएल स कहेस, "घरे लउटि जा।" एह बरे पलतीएल घरे लउटि डवा।

मइँ यहूदा … नाही हउँ साब्दिक, "मइँ यहूदा क कूकुर क मूड़ँ हउँ?"

अब्नेर दाऊद क मदद क प्रतिग्या करत ह

17अब्नेर इस्राएल क प्रमुखन क इ सँदेसा पठएस। उ कहेस, "आप लोग दाऊद क आपन राजा बनावइ क इच्छुक रहेन। 18अब एका करइँ। यहोवा दाऊद क बारे मँ कहत रहा जब उ कहे रहा, 'मइँ अपने इस्राएली लोगन क पलिस्तियन अउ ओनकर सबहिं दुस्मनन स बचाउब। मइँ इ अपने सेवक दाऊद क जरिये करब।'"

19अब्नेर इ सबइ बातन बिन्यामीन क परिवार समूह क लोगन स कहेस। अब्नेर जउन कछू कहे रहा उ बिन्यामीन परिवार क लोगन अउ इस्राएल क सबहिं लोगन क नीक लगा। एह बरे अब्नेर हेब्रोन मँ दाऊद क उ सबइ सबहिं बातन बताएन, जेका करइ मँ इस्राएल क लोग अउ बिन्यामीन परिवार क लोग सहमत रहेन।

20जब अब्नेर दाऊद क लगे हेब्रोन आवा। उ अपने संग बीस लोगन क लिआवा। दाऊद अब्नेर क अउर ओनके संग आए सबहिं लोगन क दावत दिहस।

21अब्नेर दाऊद स कहेस, "सुआमी, मोरे राजा, मइँ जाब अउर सबहिं इस्राएलियन क आप क लगे लिआउब। तब उ पचे आप क संग सन्धि करिहीं, अउर आप पूरे इस्राएल पइ हुकूमत करिहीं जइसा आप चाहत हीं।"

तब दाऊद अब्नेर क बिदा किहस अउर अब्नेर सान्ति पूर्वक गवा।

अब्नेर क मउत

22योआब अउ दाऊद क अधिकारी जुद्ध स लउटिके आएन। ओनके लगे बहोत स कीमती सामान रहेन जउन उ पचे दुस्मन स लिआए रहेन। दाऊद अब्नेर क सान्तिपूर्वक जाइ दिहस। एह बरे अब्नेर दाऊद क संग हेब्रोन मँ नाहीं रहा। 23योआब अउर ओकर सारी फउज हेब्रोन पहोंची। फउज योआब स कहेस, "नेर क पूत अब्नेर राजा दाऊद क लगे आवा रहा अउर दाऊद ओका सान्तिपूर्वक जाइ दिहस।"

24योआब राजा क लगे आवा अउर कहेस, "इ आप का किहेन? अब्नेर आप क लगे आवा अउर आप ओका बिना चोट पहोंचाए जाइ दिहन। काहे? 25आप नेर क पूत अब्नेर क जानत हीं। उ आप क संग चाल चलइ आवा। उ ओन सबहिं बातन क पता करइ आवा रहा जउन आप करत अहइँ।"

26योआब दाऊद क छोड़ेस अउ सीरा क कुआँ पइ अब्नेर क लगे दूत पठएस। दूत अब्नेर क वापिस लिआएन। किन्तु दाऊद क एकर पता न चला। 27जब अब्नेर हेब्रोन आवा तउ योआब, प्रवेस दुआर क एक किनारे ओका लइ गवा अउर तब योआब अब्नेर क पेट मँ प्रहार किहस अउर अब्नेर मर गवा। पिछले दिनन मँ अब्नेर योआब क भाई असाहेल क मारे रहा। एह बरे अब योआब अब्नेर क मार डाएस।

दाऊद अब्नेर बरे रोवत ह

28पाछे दाऊद इ खबर सुनेस। दाऊद कहेस, "मइँ अउर मोर राज्ज नेर क पूत अब्नेर क मउत बरे निरपराध अहइ। यहोवा एका जानत ह। 29योआब अउर ओकर परिवार ऐकर जिम्मेदार अहइ, अउर ओकरे पूरा परिवार क दोखी ठेहराइ जाइ। मोका इ आसा अहइ कि ओकरे परिवार मँ कछू लोग ज़ख्मी होइ अउर कछू भंयकर चर्मरोग स पीड़ित होइ या कछू लोग लंगड़ा लूला होइ, कछू जुद्ध मँ मारा जाइ अउर कछू बगैर भोजन क रही।"

30योआब अउर ओकर भाई अबीसै अब्नेर क मार डाएस काहेकि अब्नेर ओकरे भाई असाहेल क गिबोन क लड़ाई मँ मारे रहा।

31-32दाऊद योआब क संग सबहिं मनइयन स कहेस, "अपने ओढ़नन क फार डावा अउर सोक वस्त्र पहिरा। अब्नेर बरे रोवा।" उ पचे अब्नेर क हेब्रोन मँ दफनाएन। दाऊद अन्त्येस्टि मँ गवा। राजा दाऊद अउर सबहिं लोग अब्नेर क कब्र पइ रोएन।

33दाऊद अब्नेर बरे आपन सोक-गीत गाएस: "का अब्नेर कउनो मूरख अपराधी क तरह मरब रहा?

34अब्नेर तोहार हाथ बँधे नाहीं रहेन। तोहार गोड़ जंजीरन मँ कसा नाहीं रहेन। नाहीं अब्नेर, तोहका दुस्टन मारेन।"

तब सबहिं लोग फुन अब्नेर बरे रोएन। 35सबहिं लोग दाऊद क दिन रहत भोजन करइ बरे प्रेरित करइ आएन। किन्तु दाऊद खास प्रतिग्या किहेस। उ कहेस "परमेस्सर मोका दण्ड देइ अउर मोरे कस्टन क बढ़ावइ जदि मइँ सूरज बूड़इ क पहिले रोटी या कउनो दूसर भोजन करउँ।" 36जउन कछू भवा सबहिं लोग लखेन अउर उ पचे ओन सबहिं कामन स सहमत भएन जउन राजा दाऊद करत रहा। 37उ दिन यहूदा क लोगन अउर सबहिं इस्राएलियन समुझ लिहन कि राजा दाऊद नेर क पूत अब्नेर क मारइ क आदेस नाहीं दिहे रहा ह।

38राजा दाऊद अपने मनइयन स कहेस, "तू लोग जानत अहा कि आज इस्राएल मँ एक बहोत महत्वपूर्ण नेता मरि गवा ह। 39इ सबइ उहइ दिन भवा जउने दिन मोर अभिसेक राजा क रूप मँ भवा रहा। किन्तु सरूयाह क पूत मोर बरे बहोत जियादा मज़बूत अहइ। यहोवा बुरा व्यक्ति क ओकरे बुरा कामन क अनुसार ओका सज़ा दइ!"

साऊल क परिवारे मँ परेसानियन आवत हीं

4 साऊल क पूत (ईसबोसेत) सुनेस कि अब्नेर क मउत हेब्रोन मँ होइ गइ। ईसबोसेत अउ ओकर सबहिं लोग बहोत जियादा ससान रहेन। 2दुइ मनई साऊल क पूत क लखइ गएन। इ दुइनउँ मनई फउज क सेनापति रहेन। एक ठु मनई क नाउँ बाना रहा अउर दूसर क नाउँ रेकाब रहा। बाना अउ रेकाब बेरोत क रिम्मोन क पूत रहेन। (उ पचे बिन्यामीन परिवार समूह क रहेन। बेरोत नगर बिन्यामीन परिवार समूह क रहा। 3बेरोत क लोग गित्तैम क पराइ गएन अउर उ पचे आजु हुवाँ तलक रहत हीं।)

4साऊल क पूत योनातन क एक पूत रहा जेकर नाउँ मपीबोसेत रहा, जउन लँगड़ा रहा। योनातन क पूत उ समइ पाँच बरिस क रहा, जब इ खबर मिली रही कि साऊल अउ योनातन यिज्रेल मँ मारे गएन। इ पूत क धाई इ बच्चा क उठाएस अउर उ पराइ गइ। किन्तु जब धाई भागइ मँ हाली किहेस, तउ योनातन क पूत ओकरी बाँहन स भहराइ

पड़ा। इहइ कारण रहा कि योनातन क पूत लँगड़ा होइ गवा
रहा।

5बेरोत क रिम्मोन क पूत रेकाब अउ बाना, दोपहर क
ईसबोसेत क घरे मँ गएन। ईसबोसेत गर्मी क कारण आराम
करत रहा। 6-7रेकाब अउ बाना अपने घरे मँ इ तरह आएन
माना उ पचे कछू गोहूँ लेइ जात होइँ। ईसबोसेत अपने
बिछौना मँ अपने सयनकच्छ मँ ओलरा भवा रहा। रेकाब
अउ बाना आघात किहेन अउर ईसबोसेत क मार डाएन। तब
उ पचे ओकर मूँड़ि काटेन अउर ओका अपने संग लइ
गएन। उ पचे यरदन घाटी स होइके रात भर चलत रहेन।
8उ पचे हेब्रोन पहोंचेन, अउर उ पचे ईसबोसेत क मूँड़,
दाऊद क दिहन।

रेकाब अउ बाना दाऊद स कहेस, "इ आप क दुस्मन
साऊल क पूत ईसबोसेत क मूँड़ अहइ। उ आप क मारइ
क जतन किहस। यहोवा साऊल अउर ओकरे परिवार क
आप खातिर आजु दण्ड दिहस ह।"

9दाऊद रेकाब अउ ओकर भाई बाना क जवाब दिहस,
दाऊद कहेस, "यहोवा क जिन्नगी क किरिया, उ मोका
सबहिं आपत्तियन स बचाएस ह। 10किन्तु बीते दिन मँ एक
मनई सोचेस कि उ मोरे बरे अच्छी खबर लिआई। उ मोहसे
कहेस, 'साऊल मर गवा।' ओका आसा रही कि मइँ ओका
इ खबर क लिआवइ क कारण पुरस्कार देब। किन्तु मइँ उ
मनई क धरेउँ अउर सिकलग मँ मार डाएउँ। 11एह बरे अब
मइँ तू पचन क मारि के ईसबोसेत क मृत्यु क बदला लेब
काहेकि दुस्ट मनइयन एक नीक मनई क, उ समई मारेस ह
जब उ अपने घरे क सयन कच्छ मँ बिछउना पइ आराम
करत रहा। तू पचे जिअत नाहीं रहब्या। मइँ धरती क तू
पचन्क स मुक्त करब।"

12दाऊद जुवकन क आदेस दिहस कि उ पचे रेकाब अउ
बाना क मार डावइँ। तब, जुवकन रेकाब अउ बाना क
हाथ-पैर काट डाएन अउर हेब्रोन क झरना क सहारे
लटकाइके मार डाएस। तब, उ पचे ईसबोसेत क मूँड़ क
लिहस अउर उहइ ठउरे पइ ओका दफनाएस, जउने ठउरे
पइ हेब्रोन मँ अब्नेर क दफनावा गवा रहा।

इस्राएली दाऊद क राजा बनावत हीं

5 तब इस्राएल क सारे परिवार समूहन क लोग दाऊद
क लगे हेब्रोन आएन। उ पचे दाऊद स कहेन, "हम
सब एक ही मांस अउर खून क अहइँ। 2बीते जमाने मँ जब
साऊल हमार राजा रहा, तउ उ पचे आप ही रहेन जउन
इस्राएल क बरे जुद्ध मँ हमार नेतृत्व करत रहेन अउर आप
इस्राएल क जुद्धन स वापिस लिआएन। यहोवा आप स
कहेस, 'तू मोरे लोग अर्थात इस्राएलियन क गड़रिया होब्या।
तू इस्राएल क सासक होब्या।'"

3इस्राएल क सबहिं प्रमुखन राजा दाऊद क लगे हेब्रोन
मँ मिलइ बरे आएन। दाऊद एन प्रमुखन क संग हेब्रोन मँ
यहोवा क मोजूदगी मँ एक ठु सन्धि किहेन। तब उ पचन
इस्राएल क राजा क रूप मँ दाऊद क अभिसेक किहन।

4दाऊद उ समइ तीस बरिस क रहा जब उ हुकूमत करब
सुरू किहेस। उ चालीस बरिस हुकूमत किहस। 5उ हेब्रोन मँ
अउर यहूदा पइ सात बरिस, छः महीने तलक हुकूमत
किहस अउर उ, सारे इस्राएल अउ यहूदा पइ यरूसलेम मँ
तैतीस बरिस तलक हुकूमत किहस।

दाऊद यरूसलेम नगर क जीतत ह

6राजा अउ ओकर मनइयन यरूसलेम मँ यबूसियन क
खिलाफ जउन यरूसलेम मँ रहत रहेन जुद्ध करइ बरे
गएन। यबूसियन दाऊद स कहेन, "तू हमरे नगर मँ नाहीं
आइ सकत्या। हिआँ तलक कि एक आँधर अउ लँगड़ा भी
तोहका रोक सकत हीं।" (उ पचे अइसा एह बरे कहत रहेन
काहेकि उ पचे सोचत रहेन कि दाऊद ओनके नगर मँ प्रवेस
नाहीं करइ सकत्या। 7किन्तु दाऊद सिय्योन क किला लइ
लिहस। इ किला दाऊद-नगर बना।)

8उ दिन दाऊद अपने लोगन स कहेस, "जदि तू लोग
यबूसियन क हरावइ चाहत अहा, तउ जलसुरंग स जा अउर
ओन 'आँधर अउ अपाहिज' दुस्मनन पइ हमला करा।" इहइ
कारण अहइ कि लोग कहत हीं, "आँधर अउ विकलांग
घरे* मँ नाहीं आइ सकतेन।"

9दाऊद किले मँ रहत रहा अउर एका "दाऊद क नगर"
कहत रहा। दाऊद उ छेत्र क बनाएस अउर मिल्लो नाउँ
दिहस। उ नगर क भीतर दूसर भवन भी बनाएस। 10दाऊद
जियादा स जियादा सक्तीसाली होत गवा काहेकि सर्वसक्तीमान
यहोवा ओकरे संग रहा। 11सोर क राजा हीराम दाऊद क
लगे दूतन क पठएस। हीराम देवदारू क बृच्छ, बढ़ई अउ
राजमिस्त्री लोगन क भी पठएस। उ पचे दाऊद बरे एक ठु
महल बनाएस। 12उ समइ दाऊद जान गएन कि यहोवा
ओका फुरइ इस्राएल क राजा बनाएस ह। दाऊद इ भी जान
गएन कि यहोवा ओकरे राज्ज क परमेस्सर क लोगन,
अर्थात इस्राएलियन बरे बहोत महान बनाएस ह।

13दाऊद हेब्रोन स यरूसलेम चला गवा। यरूसलेम मँ
दाऊद अउर जियादा अउ पत्नियन अउ उप-पत्नियन क
पाएस। ओका हुवाँ बहोत अधिक बेटवन अउर बिटियन
भएन। 14यरूसलेम मँ पइदा भए दाऊद क पूतन क नाउँ इ
सबइ अहइँ: सम्मू, सोबाब, नातान, सुलैमान, 15दिभार,
एलोस नेपेग, यापी 16एलीसामा, एल्यादा अउ एलीपेलेत।

दाऊद पलिस्तियन क खिलाफ जुद्ध मँ जात ह

17पलिस्तियन इ सुनेन कि इस्राएलियन दाऊद क अभिसेक
इस्राएल क राजा क रूप मँ किहेस ह तब सबहिं पलिस्ती
दाऊद क मार डावइ बरे ओकर खोज करइ बाहेर निकरेन।
किन्तु दाऊद क इ खबर मिल गइ। उ एक किला मँ चल
गवा। 18पलिस्ती आएन अउर रपाईस क घाटी मँ उ पचे
आपन डेरा डाएन।

19दाऊद बात कइके यहोवा स पूछेस, "का मोका
पलिस्तियन क खिलाफ जुद्ध मँ जाइ चाही? का तू मोका
पलिस्तियन क हरावइ देब्या?"

यहोवा दाऊद स कहेस, "जा, काहेकि मइँ निहचइ ही,
पलिस्तियन क हरावइ मँ तोहार मदद करब।"

घर सम्भवत, एकर अरथ अहइ राजा क महल या मन्दिर।

20तब दाऊद बालपरासीम आवा। हुवाँ उ पलिस्तियन क
हराएस। दाऊद कहेस, "यहोवा मोरे समन्वा मोरे दुस्मनन क
फउज क इ तरह दउड़ भगाएस जइसे जल बाँध क तोरिके
बहत ह।" इहइ कारण अहइ कि दाऊद उ ठउरे क नाउँ
"बालपरासीम" रखेस। 21पलिस्तियन बालपरासीम मँ अपनी
देवमूरतियन क पाछे तजि दिहन। दाऊद अउ ओकर लोग
ओन देवमूरतियन क हुवाँ स हटाइ दिहन।

22पलिस्ती फुन आएन अउर रपाईम क घाटी मँ उ पचे
डेरा डाएन।

23दाऊद यहोवा स पराथना किहस। इ समइ यहोवा
कहेस, "ओन लोगन पई सामन्वा स हमला जिन करा।
ओनके चारिहुँ कइँती ओनकर फउज क पाछे स जा। तूत
बृच्छन क लगे ओन पर हमला करा। 24तूत बृच्छन क
चोटी स तू पलिस्तियन क सामरिक प्रमाण क ध्वनि सुनब्या।
तब तू पचन्क हाली स करइ चाही, काहेकि उ समइ यहोवा
जाइ अउर तोहरे बरे पलिस्तियन क हराइ देइ।"

25दाऊद उहइ किहस जउन करइ क बरे यहोवा आदेस
दिहे रहा। उ पलिस्तियन क हराएस। उ ओनकर पाछा सबइ
रास्ते स गेबा स गेजेर तलक किहस।

परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख यरूसलेम लिआवा गवा

6 दाऊद फुन इस्राएल क सबहिं चुने गए तीस हजार
लोगन क बटोरेस। 2तब दाऊद अउ ओकर सबहिं
लोग यहूदा क बाले* मँ स परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क
यरूसलेम मँ लइ बरे गएन। पवित्तर सन्दूक सर्वसक्तीमान
यहोवा क नाउँ स जाना जात हीं। पवित्तर सन्दूख यहोवा क
सिंहासन क तरह अहइ। पवित्तर सन्दूख क ऊपर करूब क
मूरतियन अहइँ, अउर यहोवा एन सरगदूतन पइ राजा क
तरह बइठत ह। 3उ पचे परमेस्सर क सन्दूख क एक ठु
नवी गाड़ी मँ रखेन। उ पचे गिबियाह मँ एक पहाड़ी पइ
स्थित अबीनादाब क घरे स पवित्तर सन्दूख क लइ जात
रहेन, उज्जा अउ अहह्यो अबीनादाब क पूतन नवी गाड़ी
चलावत रहेन। 4जब उ पचे गिबियाह मँ अबीनादाब क घर
जउन पहाड़ी प रहा स पवित्तर सन्दूख क लइ जात रहेन।
अहह्यो सन्दूखवाली गाड़ी क आगे-आगे चलत रहेन।
5दाऊद अउ सबहिं इस्राएली यहोवा क समन्वा पूरे उत्साह
क संग नाचत अउ गावत रहेन अउर सबइ प्रकार क
संगीत यंत्र जइसे: वीणा, सितार, ढोल, झाँझ अउ मँजीरा
बजावत रहेन। इ सबइ सनौवर क लकड़ी क बना रहेन।
6जब दाऊद क लोग नकोन खरिहाने मँ आएन तउ बर्धा
लड़खड़ाइ पड़ेन। परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख बन्द गाड़ी स
गिरइ लाग। उज्जा पवित्तर सन्दूखे क धइ लिहस। 7यहोवा
उज्जा पइ कोहाइ गवा अउर ओका मार डाएस। उज्जा
पवित्तर सन्दूख छुइके परमेस्सर बरे अस्रद्धा देखाँएस। उज्जा
हुवाँ परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क बगल मँ मरा। 8दाऊद
बहोत कोहाइ गवा काहेकि यहोवा उज्ज क आपन क्रोध मँ
मार डाए रहा। दाऊद उ जगह क "पेरेसुज्जा" कहेस। उ
जगह आजु तलक पेरेसुज्जा कहा जात ह।

9दाऊद उ दिन यहोवा स डर गवा। दाऊद कहेस, "अब
मइँ यहोवा क पवित्तर सन्दूख हिआँ कइसे लाइ सकत हउँ?"
10एह बरे दाऊद यहोवा क पवित्तर सन्दूख क दाऊद नगर
मँ नाहीं लेइ चाहत रहा। उ पवित्तर सन्दूख क गत स आए
भए एक मनई ओबेदोदोम क घरे मँ रखेस। दाऊद एका
सड़क स गत क ओबेदोदोम क घर लइ गवा। 11यहोवा क
सन्दूख ओबेदोदोम क घरे मँ तीन महीने तलक रहा। यहोवा
ओबेदोदोम अउ ओकरे सारे परिवार क आसीर्वाद दिहस।

12लोग दाऊद स कहेन, "यहोवा ओबेदोदोम क परिवार
अउर ओकर सारी चिजियन क आसीर्वाद दिहस काहेकि
परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख हुवाँ अहइ।" एह बरे दाऊद गवा
अउ ओबेदोदोम क घरे स परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क
दाऊद नगर स लइ आवा। दाऊद एका खुसी स किहस।
13जब यहोवा क पवित्तर सन्दूखे क लइ चलइवाले छ कदम
चलेन तउ उ पचे रूक गएन अउर दाऊद एक ठु बर्धा अउ
एक ठु माटेवार बछवा क बलि भेंट किहेस। 14तब दाऊद
यहोवा क समन्वा पूरे उत्साह क संग नाच किहेस। दाऊद
सूती कपड़ा क एपोद पहिर रखे रहा।

15दाऊद अउर सबहिं इस्राएली यहोवा क पवित्तर सन्दूख
क नगर लिआवत समइ उल्लास स उद्घोस करइ अउर
तुरूही बजावइ लागेन। 16साऊल क बिटिया मीकल खिड़की
स लखत रही जब यहोवा क पवित्तर सन्दूख नगर मँ आवा।
दाऊद यहोवा क समन्वा नाचत अउ कूदत रहा। मीकल इ
लखेस अउर उ आपन हिरदय मँ तुच्छ समझेस।

17दाऊद पवित्तर सन्दूखे बरे एक ठु तम्बू लगाएस।
इस्राएलियन यहोवा क सन्दूख क तम्बू मँ ओकरी जगह पइ
रखेस। तब दाऊद होमबलि अउ मेलबलि यहोवा क
चढ़ाएस।

18जब दाऊद होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाउब पूरा किहस
तब उ सर्वसक्तीमान यहोवा क नाउँ पइ लोगन क आसीर्बाद
दिहस। 19दाऊद रोटी, किसमिस क टुकड़ा, अउर खजूर क
रोटा क हींसा इस्राएल क हर एक मेहरारू मनसेधू क
दिहस। तब सबहिं लोग अपने घर चले गएन।

मीकल दाऊद क डाटत ह

20दाऊद अपने घरे मँ आसीर्बाद देइ गवा। किन्तु साऊल
क बिटिया मीकल ओहसे भेटंइ निकरि आइ। मीकल
कहेस, "आज इस्राएल क राजा अपना ही सम्मान नाहीं
किहस। तू अपनी प्रजा क दासियन क समन्वा आपन ओढ़ना
उतार दिहा। तू उ मूरख क तरह रह्या जउन बगैर लज्जा
क आपन ओढ़ना उतारत ह।"

21तब दाऊद मीकल स कहेस, "यहोवा मोका चुनेस ह,
न कि तोहार बाप अउ ओकरे परिवार क कउनो मनई क।
यहोवा मोका इस्राएल, अपने लोगन क मार्ग दर्सक बनवई
बरे नियुक्त किहेस ह। इहइ कारण अहइ कि मइँ यहोवा क
समन्वा उत्सव मनाउब अउर नाचब। 22मइँ अउर भी
जिआदा सरमनाक हरकत कइ सकत हउँ! अउर आपन नज़र
मँ अपमानित होइ जाउँ। होइ सकत ह तू मोका सम्मान न
देइ। किन्तु जउन लड़कियन क बारे मँ तू बात करति अहा
उ पचे मोर सम्मान करति हीं।"

यहूदा क बाले दूसर नाउँ किर्यात-येरिम अहइ। लखा 1 इतिहास 13:6

23साऊल क बिटिया क कबहुँ सन्तान न भइ। उ बिना सन्तान क मरी।

दाऊद एक ठु उपासना-घर बनावइ चाहत ह

7 राजा दाऊद क अपने नवे महल मँ रहइ क पाछे, यहोवा ओका चारिहुँ कइँती क दुस्मनन स ओका सान्ति दिहस। 2राजा दाऊद नातान नबी स कहेस, "लखा, मइँ देवदारू क काठे स बने महल मँ रहत हउँ। किन्तु परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख अबहुँ भी तम्बू मँ रखा भवा ह।"

3नातान राजा दाऊद स कहेस, "जा, अउर जउन कछू तू करइ चाहत ह, करा। यहोवा तोहरे संग होइ।"

4किन्तु उहइ राति नातान क यहोवा क सँदेसा मिला। 5"जा, अउर मोरे सेवक दाऊद स कहा, 'यहोवा इ कहत ह: तू उ मनई नाहीं अहा जउन मोरे रहइ बरे एक ठु घर बनावइ ह। 6मइँ उ समइ घरे मँ नाहीं रहत रहेउँ जल मइँ इस्राएलियन क मिस्र स बाहेर लाएउँ। नाहीं, मइँ उ समइ स चारिहुँ ओर तम्बू मँ जात्रा करत रहेउँ। मइँ तम्बू क उपयोग अपने घर क रूप मँ किहेउँ। 7जब कबहुँ मइँ इस्राएलियन क संग चलेस ह, मइँ कउनो भी सासक क जेका मइँ इस्राएल क लोगन पइ धियान रखइ बरे कहेस रहा कबहुँ आपन खातिर देवदारू क काठे क सुन्नर घर बनावइ बरे नाहीं कहउँ।'

8"तोहका मोर सेवक दाऊद स इ कहइ चाही, 'सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह: मइँ तोहका चरागाह स लिआएउँ। मइँ तोहका तब लिआएउँ जब तू भेड़िन चरावत रह्या। मइँ तोहका अपने लोग इस्राएलियन क सासक चुनेउँ। 9मइँ तोहरे संग तू जहाँ कहूँ गया रह्या रहेउँ। मइँ तोहरे दुस्मनन क तोहरे बरे हराएउँ। मइँ तोहका पृथ्वी महान मनइयन मँ स एक बनाएउँ। 10-11अउर मइँ आपन लोग इस्राएलियन बरे एक ठउर चुनब। तब इस्राएलियन अउर कबहुँ एक जगह स दूसर जगह पइ नाहीं जाइ क होइ। बीते दिना मँ मइँ अपने इस्राएल क लोगन क मार्गदर्सन बरे निआवाधीसन क पठए रहेउँ किन्तू पापी लोगन मोर लोगन क परेसान किहन। अब वइसा नाहीं होइ। मइँ तोहका सबहिं दुस्मनन स सान्ति देब। मइँ तोहसे इ भी कहत हउँ कि मइँ तोहरे परिवार क राजा लोगन क परिवार बनाउब।

12"'जब तू मरब्या अउर अपने पुरखन क संग दफनावा जाब्या, तब मइँ तोहरे पूतन मँ स एक क राजा क रूप मँ चूनब अउर मइँ ओकर राज्ज क सक्तीसाली बनाउब। 13मोरे नाउँ पइ उ एक ठु मन्दिर बनवाइ। मइँ ओकरे राज्ज क हमेसा बरे सक्तीसाली बनाउब। 14मइँ ओकर बाप बनब अउर उ मोर पूत होइ। जब उ पाप करी, मइँ ओका दण्ड देइ बरे दूसर रास्ट्रन क उपयोग करब। मइँ ओकर प्रयोग दूसर लोगन क दण्ड देइ बरे चाबुक क रूप मँ करब। 15किन्तु मइँ ओहसे पिरेम करब बन्द नाहीं करब। मइँ ओह पइ हमेसा कृपालु अउ वफ़ादार बना रहब। मइँ आपन पिरेम अउ अपनी कृपा साऊल स हटाइ लिहेउँ। मइँ साऊल क सिंहासन स हटाइ दिहेउँ, मइँ तोहका चुनेउँ। मइँ तोहरे परिवार क संग उहइ नाहीं करब। 16तोहरे राजा लोगन क परिवार हमेसा चलत रही, तू ओह पइ निर्भर रहि सकत ह। तोहार राज्ज तोहरे बरे लगातार हमेसा चलत रही। तोहार सिंहासन सदा ही बना रही।'"

17नातान दाऊद क हर एक बात बनाएस। उ दाऊद स हर एक बात कहेस जउन उ दर्सन मँ सुनेस।

दाऊद परमेस्सर स पराथना करत ह

18तब राजा दाऊद भितरे गवा अउर यहोवा क समन्वा बैठ गवा। दाऊद कहेस, "यहोवा, मोर सुआमी, मइँ तोहरे बरे एँतना महत्वपूर्ण काहे अहउँ? मोर परिवार महत्वपूर्ण काहे अहइ? तू मोका महत्वपूर्ण काहे बनाइ दिहा। 19मइँ तोहरे सेवक क अलावा अउर कछू नाहीं हउँ, अउर तू मोह पइ एतना जियादा कृपालु रह्या ह। किन्तु तू इ सबइ कृपा मोरे भविस्स क परिवार क खातिर करइ क कह्या ह। यहोवा मोर सुआमी, तू हमेसा लोगन बरे अइसी ही बातन नाहीं कहत्या, का तू कहत ह?

20"मइँ तोहसे अउर जियादा, का कहि सकत हउँ? यहोवा, मोर सुआमी, तू जानत ह कि मइँ केवल तोहार सेवक हउँ। 21तू इ सबइ महान कारज एह बरे किहा ह काहेकि तू कह्या ह कि तू एनका करब्या अउर काहेकि तू ओनका संग अइसा करइ चाहत ह, अउर तू मोका एन कारजन का जानउँ। 22हे यहोवा, मोर सुआमी, इहइ कारण अहइ कि तू महान अहा। तोहरे समान कउनो नाहीं अहइ। तोहरी इलावा कउनो देवता नाहीं अहइ! हम इ जानित ह काहेकि हम लोग खुद इ सब सुने अही। ओन कारजन क बारे मँ जउन तू किह्या।

23"तोहरे इस्राएल क लोगन क तरह पृथ्वी पइ कउनो रास्ट्र नाहीं अहइ। उ पचे बिसेस लोग अहइँ। उ सबइ दास रहेन। किन्तु तू ओनका मिस्र स निकार्‍या अउर ओनका अजाद किहा। तू ओनका आपन लोग बनाया। तू इस्राएलियन बरे महान अउ अद्भुत कारज किह्या। हे यहोवा, तू अपने भुइँया मँ आपन लोगन क पहिले, दूसर रास्ट्रन अउर ओकर देवतन क निकारिके अचरज भरा कारज किहा। 24तू इस्राएलियन क सदा बरे अपने लोग बनाया ह, अउर यहोवा तू ओनकर परमेस्सर भवा।

25"यहोवा परमेस्सर, करा जउन तू मोर, तोहार सेवक अउर मोरे परिवार बरे करइ क प्रतिग्या किहेस ह। तू मोरे परिवार क सदा साही परिवार बनावइ क प्रतिग्या किहेस ह। 26तब तोर नाउँ सदा सम्मानित रही अउर लोग कहिहीं, 'सर्वसक्तीमान यहोवा परमेस्सर इस्राएल पइ हुकूमत करत ह अउर तोहार सेवक दाऊद क परिवार तोहरे समन्वा स्थिर होइ देइ।'

27"सर्वसक्तीमान यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर, तू मोका बहोत चिजियन स हटाइ दिहेस ह। तू कहेस, 'मइँ तोहरे परिवार क महान बनाउब।' इहइ कारण अहइ कि मइँ तोहार सेवक, तोहरे बरे इ पराथना करइ क निहचइ किहेउँ। 28यहोवा मोर सुआमी, तू परमेस्सर अहा अउर तोहार कथन सच होत हीं अउर तू इ अपने सेवक बरे, इ नीक चीज क बचन दिहा ह। 29हे यहोवा मोर सुआमी! कृपा कइके मोरे परिवार क असीस द्या। जेहसे उ लगातार तोहार

बना रहइ अउर तोहार सेवा करी। तू इ सब ही बचन दिहे
रह्या। अपने आसीर्बाद स मोरे परिवार क हमेसा बरे असीस
द्या।”

दाऊद अनेक जुद्ध जीतत ह

8 पाछे दाऊद पलिस्तियन क हराएस। उ ओनकर
राजधानी पइ अधिकार कइ लिहस। 2दाऊद मोआब
क लोगन क भी हराएस। उ ओनका भुइँया पइ ओलरइ क
मजबूर किहस। तब उ एक ठु लसुरी क ओनका नापइ बरे
किहस। जब दुइ मनई नाप लिहेन तब दाऊद ओनका आदेस
दिहस कि उ पचे मारे जइहीं। किन्तु हर एक तीसर मनई
जिअत रहइ दीन्ह गवा। मोआब क लोग दाऊद क सेवक
बन गएन। उ पचे ओका राजस्व दिहन।
3रहोब क पूत हददेजेर, सोबा क राजा रहा। दाऊद
हददेजेर क उ समइ हराइ दिहस जब उ महानद क लगे क
पहँटा पइ अधिकार करइ क जतन किहस। 4दाऊद हददेजेर
स सत्रह सौ घुड़सवार फउजी लिहस अउर बीस हजार पैदल
फउजी क कैद कइ लिहेस। दाऊद एक सौ क रथ-घोड़न
क अलावा सबहिं घोड़न क लँगड़ा कइ दिहस। उ एक सौ
घोड़न क बचाइ लिहस।
5दमिस्क क अरामी लोग सोबा क राजा हददेजेर क मदद
बरे आएन। किन्तु दाऊद ओन बाईस हजार अरामियन क
हराइ दिहस। 6तब दाऊद दमिस्क क अराम मँ फउज क
टुकड़ियन रखेस। अरामी दाऊद क सेवक बन गएन अउर
राजस्व लिआएन। यहोवा दाऊद क, जहाँ कहूँ उ गवा जीत
दिहस।
7दाऊद ओन सोने क ढाल क लिहस जउन हददेजेर क
फउजियन क रहिन। दाऊद एन ढालन क लिहस अउर
ओनका यरूसलेम लिआवा। 8दाऊद ताँबे क बनी बहोत स
चिजियन बेतह अउर बरौते स भी लिहस। (बेतह अउर बरौते
दुइनउँ नगर हददेजेर क रहेन।)
9हमात क राजा तोई सुनेस कि दाऊद हददेजेर क पूरी
फउज क हराइ दिहस। 10तब तोई आपन पूत योराम क
राजा दाऊद क लगे पठएस। योराम दाऊद क अभिवादन
किहस अउर आसीर्बाद दिहस काहेकि दाऊद हददेजेर क
खिलाफ जुद्ध किहस अउर ओका हराइ दिहेस रहा।
(हददेजेर, तोई स, पहिले जुद्ध किहे रहा।) योराम चाँदी,
सोना अउर ताँबा क बनी चिजियन लिआएस। 11दाऊद एन
चिजियन क लिहस अउर यहोवा क समर्पित कइ दिहस। उ
ओका दूसर सोना-चाँदी क संग रखेस जेका उ हराए भए
रास्ट्रन स लइके समर्पित किहे रहा। 12इ सबइ रास्ट्र अराम,
मोआब, अम्मोन, पलिस्ती अउ अमालेक रहेन। दाऊद जउन
कछू उ रहोब क पूत हददेजेर अउ सोबा क राजा क हराइ
क पाछे ओहसे लिहेन यहोवा क समर्पित किहेन। 13दाऊद
अट्ठारह हजार अरामियन क नमक क घाटी मँ हराइ
दिहस। उ उ समइ मसहूर रहा जब उ घर लउटा। 14दाऊद
एदोम मँ फउज क टुकड़ियन रखेस। उ एन फउजियन क
टुकड़ियन क एदोम क पूरे देस मँ रखेस। एदोम क सबहिं
लोग दाऊद क सेवक हो गएन। जहाँ कहूँ दाऊद गवा
यहोवा ओका जीत दिआएस।

दाऊद क हुकूमत

15दाऊद सारे इस्राएल पइ हुकूमत किहस। ओकर
निर्णय सबहिं लोगन बरे नीक अउ स्वच्छ होत रहेन।
16सरूयाह क पूत योआब फउज क सेनापति रहा। अहीलूद
क पूत इतिहासकार रहा। 17अहीतूब क पूत सादोक अउर
एब्यातार क पूत अहीमेलेक दुइनउँ याजक रहेन। सरायाह
सचिव रहा। 18यहोयादा क पूत बनायाह करेतियन अउ
पलेतियन क अधिकारी रहा, अउर दाऊद क पूत महत्वपूर्ण
प्रमुख रहेन।

दाऊद साऊल क परिवार पइ कृपालु अहइ

9 दाऊद पूछेस, “का साऊल क परिवार मँ अब तलक
कउनो बचा अहइ? मइँ योनातन क कारण उ मनई
पइ दाया करइ चाहत हउँ।”
2हुवाँ साऊल क परिवार स एक सेवक रहा जेकर नाउँ
सीबा रहा। दाऊद क सेवकन सीबा क दाऊद क लगे
बोलाएन। राजा दाऊद स पूछेस, “का तू सीबा अहा?”
सीबा कहेस, “हाँ मइँ सीबा, आप क सेवक हउँ।”
3राजा पूछेस, “का साऊल क परिवार मँ कउनो बचा ह?
मइँ उ मनई पइ परमेस्सर क कृपा देखावइ चाहत हउँ।”
सीबा राजा दाऊद स कहेस, “योनातन क पूत अबहिं
तलक जिअत अहइ? उ दुइनउँ गोड़वन स लँगड़ा अहइ।”
4राजा सीबा स कहेस, “इ पूत कहाँ अहइ?”
सीबा राजा स कहेस, “उ लोदबार क अम्मीएल क पूत
माकीर क घरन मँ अहइ।”
5दाऊद न आपन सेवकन क लोदबार क अम्मीएल क
पूत माकीर क घरे स योनातन क पूत क लिआवइ क
कहेस। 6योनातन क पूत मपीबोसेत दाऊद क लगे आवा
अउर आपन मूँड़ भुइँया तलक निहुराएस।
दाऊद कहेस, “मपीबोसेत।”
मपीबोसेत कहेस, “हाँ इ मइँ, आप क सेवक हउँ।”
7दाऊद मपीबोसेत स कहेस, “डेराअ जिन। मइँ तोहरे बरे
दयालु रहब। मइँ इ तोहार बाप योनातन बरे करब। मइँ
तोहार पितामह साऊल क सारी भुइँया तोहका देब, अउर तू
सदा मेरी मेज पइ खइया क खाइ सकब्या।”
8मपीबोसेत दाऊद क समन्वा फुन निहुरा। मपीबोसेत
कहेस, “आप अपने सेवक पइ बहोत कृपालु रहेन ह अउर
मइँ एक ठु मरा कूकुर स जियादा नाहीं हउँ।”
9तब राजा दाऊद साऊल क सेवक सीबा क बोलाएस।
दाऊद सीबा स कहेस, “मइँ साऊल अउर ओकरे परिवार क
सबहिं चिजियन जउन कछू ओकर अहइ, ओका तोहरे
सुआमी क पोता मपीबोसेत क दइ दिहेउँ ह। 10तू मपीबोसेत
बरे भुइँया पइ खेती करब्या। तोहार पूत अउर सेवक
मपीबोसेत बरे इ करिहीं। तू फसल कटब्या। तब तोहरे
सुआमी क पोता मपीबोसेत क खाइ बरे अपार भोजन
होइहीं। किन्तु मपीबोसेत तोहरे सुआमी क पोता मोरी मेज
पइ खाइ क हमेसा अधिकारी होइ।”
सीबा क पन्द्रह पूत अउर बीस सेवक रहेन। 11सीबा राजा
दाऊद स कहेस, “मइँ आप क सेवक हउँ। मइँ उ सब कछू
करब, जउन मोर सुआमी, मोर राजा हुकूम देइहीं।”

एह बरे मपीबोसेत दाऊद क मेज पइ राजा क पूतन मँ स एक क तरह भोजन किहस। 12मपीबोसेत क एक नान्ह पूत मीका नाउँ क रहा। सीबा परिवार क सबहिं लोग मपीबोसेत क सेवक होइ गएन। 13मपीबोसेत दुइनउँ गोउन स लँगड़ा रहा। मपीबोसेत यरूसलेम मँ रहत रहा। हर एक दिन मपीबोसेत राजा क मेज पइ भोजन करत रहा।

हानून दाऊद क मनइयन क लज्जित करत ह

10 पाछे, अम्मोनियन क राजा नाहास मरा। ओकरे पाछे ओकर पूत हानून राजा भवा। 2दाऊद कहेस, “नाहास मोरे बरे कृपालु राहा। एह बरे मइँ ओकरे पूत हानून क बरे कृपालु रहब।” एह बरे दाऊद हानून क ओकरे बाप क मउत पइ ढाँढ़स देइ बरे अपने अधिकारियन क पठएस। एह बरे दाऊद क सेवक अम्मोनियन क देस मँ चले गएन। 3किन्तु अम्मोनी प्रमुख लोग आपन सुआमी हानून स कहेस, “का आपु समुझत हीं कि दाऊद कछू मनइयन क आपक लगे ढाँढ़स देइ बरे पठइके आप क बाप क सम्मान देइ क जतन करत अहइ? नाहीं। दाऊद एन मनइयन क आप क नगर क बारे मँ गुप्त रूप स जानइ अउ समुझइ बरे पठएस ह। उ पचे आप क बिरूद्ध जुद्ध क जोजना बनावत अहइँ।”

4एह बरे, हानून दाऊद क सेवकन क धरेस अउर ओकर आधी डाढ़ी कटवाइ दिहस। उ ओनके ओढ़नन क नीचे स आधा काटि दिहेस, ओनका कमर क नीचे स नंगा कइ दिहेस। तब उ ओनका पठइ दिहस।

5जब लोग दाऊद स कहेन, तउ उ आपन अधिकारियन स मिलइ बरे दूतन क पठएस। उ इ एह बरे किहस काहेकि इ सबइ लोग बहोत लजान रहेन। राजा दाऊद स कहेस, “जब तलक तोहार दाढ़ियन फुन स न बाढ़इँ तब तलक यरीहो मँ ठहरा। तब यरूसलेम लउटि आवा।”

अम्मोनियन क खिलाफ जुद्ध

6जब अम्मोनियन जान लिहन कि उ पचे दाऊद क दुस्मन होइ गएन। उ पचे अरामी क बेत्रहोब अउ सोबा स भाड़े पइ बोलाएन। हुवाँ बीस हजार अरामी पैदल-फउजी आए रहेन। अम्मोनियन तोब स बारह हजार फउजियन अउ माका क राजा क एक हजार फउजियन क संग परिस्त्रमिक पइ बोलाएन।

7दाऊद इ बिसय मँ सुनेस। एह बरे उ योआब अउर सक्तीसाली मनइयन क सारी फउज पठएस। 8अम्मोनी फउज बाहेर निकरेन अउर जुद्ध बरे तइयार भएन। उ पचे नगर दुआर पइ खड़े भएन। योआब अउ रहोब स अरामियन फउज तथा तोब अउ माका क मनइयन नगर क बाहेर मैदान मँ इकट्ठा भएन।

9योआब लखेस कि अम्मोनी ओकरे खिलाफ समन्वा अउर पाछे दुइनउँ कइँती खड़े अहइँ। एह बरे, उ इस्राएलियन मँ स कछू उत्तिम जोधन क चुनेस। योआब एन उत्तिम फउजियन क अरामियन क खिलाफ लड़इ बरे पंक्तिबध किहस। 10तब योआब बचा भवा फउजियन क अपने भाई अबीसै क अगुआई मँ किहेस। तब अबसै ओनका अम्मोनी क बिरुद्ध जुद्ध करइ बरे पंक्तिबध किहेस। 11योआब अबीसै स कहेस, “जदि अरामी हमारी फउज स जियादा सक्तीसाली होइँ, तू मोर मदद कर्या। जदि अम्मोनी तोहार फउज स जियादा ताकतवर होइँ तउ मइँ आइके तोहार मदद करब। 12सक्तीसाली बना! हम पचन क अपने लोगन अउर अपने परमेस्सर क नगर क रच्छा बरे बहादुरी स जुद्ध करइ द्या। होइ सकत ह यहोवा उहइ करी जेका उ ठीक मानत ह।”

13तब योआब अउ ओकर फउजी अरामियन पइ हमला किहन। अरामी योआब अउ ओकरे फउजियन क समन्वा भाग खड़े भएन। 14अम्मोनियन लखेन कि अरामी भागत अहइँ, एह बरे उ पचे अबीसै क समन्वा स भाग खड़े भएन अउर अपने नगर मँ लउट गएन।। इ तरह योआब अम्मोनियन क संग जुद्ध स लउटा अउर यरूसलेम वापस आवा।

अरामी फुन लड़इ क निहचइ करत हीं

15अरामियन लखेन कि इस्राएलियन ओनका हराइ दिहन। एह बरे उ पचे एक ठु बिसाल फउज क रूप मँ एकट्ठे भएन। 16हददेजेर परात नदी क दूसर कइँती रहइवाले अरामियन क लिआवइ बरे दूत पठएस। इ सबइ अरामी हेलाम पहोंचेन। सोबक, जउन हददेजेर क फउज क सेनापति रहा ओनकर अगुवाइ करत रहेन।

17दाऊद क एकर पता लगा। एह बरे उ सारे इस्राएलियन क एक संग बटोरेस। उ पचे यरदन नदी क पार किहन अउर उ पचे हेलाम पहोंचेन।

हुवाँ अरामियन हमला क तइयारी किहन अउर धावा बोल दिहन। 18किन्तु दाऊद अरामियन क हराइ दिहस अउर उ पचे इस्राएलियन क समन्वा भाग खड़े भएन। दाऊद बहोत स अरामियन क मार डाएस। सात सौ सारथी अउ चालीस हजार घुड़सवार दाऊद अरामी सेना क सेनापति सोबक क भी मार डाएस।

19जउन राजा हददेजेर क सेवा करत रहेन उ पचे लखेन कि इस्राएलियन ओनका हराइ दिहन। एह बरे उ पचे इस्राएलियन स सन्धि किहन अउर ओनकर सेवा करइ लागेन। अरामियन अम्मोनियन क अउर जियाद मदद देइ क साहस नाहीं राखेन।

दाऊद बतसेबा स मिलत ह

11 बसन्त मँ, जब राजा जुद्ध बरे बाहेर निकरत हीं दाऊद योआब, ओकर अधिकारियन अउर सबहिं इस्राएलियन क अम्मोनियन क नस्ट करइ बरे पठएस। योआब क फउज राजधानी रब्बा पइ भी हमला किहस।

मुला दाऊद यरूसलेम मँ रूक। 2साँझ क उ अपने बिछउना स उठा। उ राजमहल क छत पइ चारिहुँ कइँती घूमा। जब दाऊद छत पइ रहा, उ एक ठु मेहरारू क नहात लखेस। मेहरारू बहोत सुन्नर रही। 3एह बरे दाऊद अपने सेवकन क बोलाएस अउर ओनसे पूछेस कि उ मेहरारू कउन रही? एक सेवक जवाब दिहस, “उ मेहरारू एलीआम

क बिटिया बतसेबा अहइ। उ हित्ती ऊरिय्याह क मेहरारू
अहइ।"
4दाऊद बतसेबा क अपने लगे बोलावइ बरे दूत पठएस।
जब उ दाऊद क लगे आइ, तउ उ ओकरे संग सारीरिक
सम्बन्ध किहस। उ नहाएस* अउर उ अपने घरे चली गइ।
5किन्तु बतसेबा गर्भवती भइ। उ दाऊद स कहइ बरे सब्द
पठाएस: "मइँ गर्भवती हउँ।"

दाऊद अपने पाप क छुपावइ चाहत ह

6दाऊद योआब क सँदेसा पठएस, "हित्ती ऊरिय्याह क
मोरे लगे पठवा।"
एह बरे योआब ऊरिय्याह क दाऊद क लगे पठएस।
7ऊरिय्याह दाऊद क लगे आवा। दाऊद ऊरिय्याह स बात
किहस। दाऊद ऊरिय्याह स पूछेस कि योआब कइसा अहइ,
फउजी कइसे अहइँ अउर जुद्ध कइसे चलत अहइ। 8तब
दाऊद ऊरिय्याह स कहेस, "घरे जा अउर आराम करा।"
ऊरिय्याह राजा क महल तजेस। राजा ऊरिय्याह क एक
ठु भेटं भी पठएस। 9किन्तु ऊरिय्याह अपने घर नाहीं गवा।
ऊरिय्याह राजा क महल क दुआरे पइ सोएस। उ उहइ तरह
सोएस जइसे राजा क दूसर सेवक सोएन। 10सेवकन दाऊद
स कहेन, "ऊरिय्याह अपने घरे नाहीं गवा।"
तब दाऊद ऊरिय्याह स कहेस, "तू लम्बी जात्रा स
आया। तू घरे काहे नहीं गवा?"
11ऊरिय्याह दाऊद स कहेस, "पवित्तर सन्दूख अउ
इस्राएल क यहूदा फउजियन अउ सिबिर मँ ठहरत अहइँ।
मोर सुआमी योआब अउर मोर सुआमी दाऊद क अधिकारियन
खुला मैदानन मँ सिबिर डाए पड़े अहइँ। एह बरे इ नीक
नाहीं कि मइँ घर जाउँ, खाउँ, पिअउँ अउर अपनी पत्नी क
संग सोऊँ।" मइँ आपन अउर तोहार जिन्नगी क किरिया
खात हउँ, कि मइँ अइसा नाही करब।"
12दाऊद ऊरिय्याह स कहेस, "आजु हिअइँ ठहरा। भियान
मइँ तोहका जुद्ध मँ वापस पठउब।"
ऊरिय्याह उ दिन यरूसलेम मँ ठहरा। उ अगले भिंसारे
तलक रूका। 13तब दाऊद ओका आवइ अउ खाइ क बरे
बोलाएस। ऊरिय्याह दाऊद क संग पिएस अउ खाएस।
दाऊद ऊरिय्याह क नसा मँ कइ दिहस। किन्तु ऊरिय्याह,
फुन भी घरे नाहीं गवा। उ साँझ क ऊरिय्याह राजा क
सेवकन क संग राजा क दुआर क बाहेर सोवा।

दाऊद ऊरिय्याह क मउत क जोजना बनावत ह

14अगले भिंसारे, दाऊद योआब बरे एक ठु पत्र लिखेस।
दाऊद ऊरिय्याह क उ पत्र लइ जाइ क दिहस। 15पत्र मँ
दाऊद लिखेस: "ऊरिय्याह क कतार क आगे मँ रखा जहाँ
पइ जुद्ध मुसकिल होत ह। तब ओका अकेले तजि द्या
अउर ओका जुद्ध मँ मारा जाइ द्या।"

16जब योआब नगर क घेर लिहस तउ उ लखेस कि
सब स जियादा बीर अम्मीनी जोधा कहाँ अहइँ। उ ऊरिय्याह
क हुवाँ जाइ बरे चुनेस। 17नगर (रब्बा) क आदमी योआब
क खिलाफ लड़इ क आएन। दाऊद क कछू फउजी मारे
गएन। हित्ती ऊरिय्याह ओन लोगन मँ स एक रहा।
18तब योआब दाऊद क जुद्ध मँ जउन भवा, ओकर
खबर पठएस। 19योआब दूत स कहेस: "राजा दाऊद क इ
सबइ जउन जुद्ध मँ का भवा ह क पाछे। 20"होइ सकत ह
कि राजा कोहाइ जाइ। होइ सकत ह कि राजा पूछइ,
'योआब क फउज नगर क निचके लड़इ काहे गइ? का इ
योआब अहइ मालूम नाहीं कि लोग नगर क देवारन स भी
बाण चलाइ सकत हीं? 21का ओका याद नाहीं कि
यरुब्बेसेत क पूत अबीमेलेक क कउन मारेस? हुवाँ एक ठु
मेहरारू नगर-दीवार पइ रही जउन अबीमेलेक क ऊपर
चक्की क ऊपरी पाट लोकाएस। उ मेहरारू ओका तेबेस मँ
मार डाएस। तू देवार क निचके काहे गया?' (जदि राजा
दाऊद इ पूछत ह) तउ तोहका जवाब देइ चाही: "आप क
सेवक हित्ती ऊरिय्याह भी मर गवा।'"
22दूत गवा अउर उ दाऊद क उ सब बताएस जउन
ओका योआब कहइ क कहे रहा। 23दूत दाऊद स कहेस,
"अम्मोन क लोग जिअत रहेन उ पचे बाकेर आगन अउ उ
पचे खुले मैदान मँ हम पइ हमला किहेन। किन्तु हम लोग
ओनसे नगर-दुआर पइ लड़ेन। 24नगर देवार क फउजियन
अपने अधिकारियन पइ बाण चलाएन। आप क कछू
अधिकारियन मारे गएन। आप क अधिकारी हित्ती ऊरिय्याह
भी मारा गवा।"
25दाऊद दूत स कहेस, "तोहका योआब स इ कहब
अहइ: 'इ परिणाम स उदास न होइ। एक तरवार एक क
वइसा ही मारत ह जइसा दूसर क। रब्बा नगर पइ
खौफनाक हमला करा। तब तू उ नगर क नस्ट करब्या।'
योआब क एन सब्दन स प्रोत्साहित करा।"

दाऊद बतसेबा स बियाह करत ह

26बतसेबा सुनेस कि ओकर भतार ऊरिय्याह मर गवा।
तब उ अपने भतार बरे रोइ। 27जब उ सोक क समइ पूरा
कइ लिहेस, तब दाऊद ओका अपने घरे मँ लिआवइ बरे
सेवकन क पठएस। उ दाऊद क मेहरिया होइ गइ, अउर उ
दाऊद बरे एक ठु पूत पइदा किहस। दाऊद जउन बुरा काम
किहस यहोवा ओका पसन्द नाहीं किहस।

नातान दाऊद स बात करत ह

12 यहोवा नातान क दाऊद क लगे पठएस। नातान
दाऊद क लगे गवा। नातान कहेस, "एक नगर मँ
दुइ मनई रहेन। एक ठु मनई धनी रहा। किन्तु दूसर गरीब
रहा। 2धनी आदमी क लगे बहोत जियादा भेड़िन अउर गोरू
रहेन। 3किन्तु गरीब मनई क लगे एक ठु नान्ह मादा मेमना
क अलावा जेका उ बेसहे रहा, कछू नाहीं रहा। गरीब मनई
उ मेमना क खिआवत रहा। इ मेमना उ गरीब आदमी क
भोजन मँ स खात रहा अउ ओकर पियाला मँ स पानी
पिअत रहा। उ गरीब मनई क बाँह पइ सोवत ह। उ ओकरे

उ नहाएस साब्दिक, एकर अरथ अहइ कि "उ अभी ही आपन मासिक-धर्म स मुक्त भएस ह।" एकर अरथ अहइ कि उ आपन मासिक-धर्म क आखरी दिन मँ सुद्धीकरण बरे नहाएस जइसा रीति क अनुसार होत ह।

गदेलन क संग बढ़त रहा। मेमना उ मनई क बिटिया क नाईं रहा।

4"तब एक ठु यात्री धनी मनई स मिलइ बरे हुवाँ आवा। धनी मनई यात्री क भोजन देइ चाहत रहा। किन्तु धनी मनई आपन भेड़ी या अपने गोरूअन मँ स कउनो क यात्री क खिआवइ बरे नाहीं लेइ चाहत रहा। उ धनी मनई उ गरीब स ओकर मेमना लइ लिहस। धनी मनई ओकरे मेमना क मार डाएस अउर अपने अतिथि बरे ओका पकाएस।"

5दाऊद धनी मनई क खिलाफ बहोत कोहाइ गवा। उ नातान स कहेस, "यहोवा क जिन्नगी क किरिया, जउन मनई इ किहस उ जरूर मरी! 6ओका मेमना क चौगुनी कीमत चुकावइ पड़ी, काहेकि उ इ खौफनाक कारज किहस अउर ओहमाँ दाया नाहीं रही।"

नातान दाऊद क ओकरे पाप क बारे मँ बतावत ह

7तब नातान दाऊद स कहेस, "तू उ धनी मनसेधू अहा। यहोवा इस्राएल क परमेस्सर इ कहत ह, 'मइँ तोहका इस्राएल क राजा क रूप मँ चुनेउँ।* मइँ तोहका साऊल स बचाएउँ। 8मइँ ओकर परिवार अउर ओकर मेहररूअन तोहका लेइ दिहेउँ, अउर मइँ तोहका इस्राएल अउ यहूदा क राजा बनाएउँ। जइसे उ पर्याप्त नाहीं होइ, मइँ तोहका जियादा स जियादा दिहेउँ। 9फुन तू यहोवा क आदेस क तिरस्कार काहे किहा? तू इ भयंकर काम काहे किहा जेका यहोवा बुरा समुझत ह? तू हित्ती ऊरिय्याह क तरवार स मार्‌या अउर तू ओकर मेहरारू क अपनी मेहरारू बनावइ बरे लिहा। हाँ, तू ऊरिय्याह क अम्मोनियन क तरवार स मार डाया। 10एह बरे, तरवार तोहरे परिवार कबहुँ नाहीं छोरब्या। तू ऊरिय्याह हित्ती क पत्नी क अपने पत्नी क रूप मँ लिहा। इ तरह तू मोर तिरस्कार किहा।'

11"इहइ अहइ जउन यहोवा कहत ह: 'मइँ तोहरे खिलाफ आपत्तियन लिआवत हउँ। इ आपत्ति तोहार आपन परिवार स अइहीं। मइँ तोहार मेहररूअन क लइ लेब अउर ओका देब जउन तोहरे बहोत जियादा निच के अहइँ। इ मनई तोहरे मेहररूअन क संग सोई अउर एका हर एक जानी। 12तू बतसेबा क संग गुप्त रूप मँ सोया। किन्तु मइँ तोहका इ तरह सज़ा देब जेहसे इस्राएल क सारे लोग एका लखि सकइँ।'"

13तब दाऊद नातान स कहेस, "मइँ यहोवा क खिलाफ पाप किहेउँ ह।" नातान दाऊद स कहेस, "यहोवा तोहका छिमा कइ दिहेस ह, एक बरे तू इ पाप क कारण नाहीं मरब्या। 14किन्तु तू पचे इ पाप कइके यहोवा बरे बहोत असम्मान दिखाएस ह। इ पाप क कारण जउन तोहार पूत पइदा भवा ह, मरि जाइ।"

दाऊद अउ बतसेबा क बच्चा मर जात ह

15तब नातान अपने घर गवा अउर यहोवा दाऊद अउ ऊरिय्याह क मेहरारू स जउन पूत पइदा भवा रहा ओका बहोत बीमार कइ दिहस। 16दाऊद मरद बच्चा बरे परमेस्सर स पराथना किहस। दाऊद खाब-पिअब बंद कइ दिहस। उ अपने घर मँ गवा अउर ओहमाँ ठहरा। उ रात भइ भुइँया पइ ओलरा रहा।

17दाऊद क परिवार क प्रमुख आएन अउर उ पचे ओका भुइँया स उठावइ क जतन किहन। किन्तु दाऊद उठब इन्कार किहस। उ एन प्रमुखन क संग खइया क खाइ स भी इन्कार कइ दिहस।

18सतएँ दिन मरद बच्चा मर गवा। दाऊद क सेवक दाऊद स इ कहइ स डेरात रहेन कि मरद बच्चा मर गवा। उ पचे कहेन, "लखा, हम लोग दाऊद स उ समइ बात करइ क प्रयत्न कीन्ह जब मरद बच्चा जिअत रहा। किन्तु उ हम लोगन क बात सुनइ स इन्कार कइ दिहस। जदि हम दाऊद स कहब कि मरद बच्चा मर गवा तउ होइ सकत ह उ अपने क कछू नोस्कान कइ लेइ।"

19किन्तु दाऊद अपने सेवकन क कानाफूसी करत लखेस। तब उ समुझ लिहस कि मरद बच्चा मर गवा। एह बरे दाऊद अपने सेवकन स पूछेस, "का मरद बच्चा मर गवा?"

सेवकन जवाब दिहन, "हाँ, उ मर गवा।"

20दाऊद फर्स स उठा। उ नहाएस।। उ आपन ओढ़ना बदलेस अउर तइयार भवा। तब उ यहोवा क घरे मँ उपासना करइ गवा। तब उ घरे गवा अउर कछू खइया क माँगेस। ओकर सेवकन ओका कछू खाइके दिहन अउर उ खाएस।

21दाऊद क नौकरन ओहसे कहेन, "आप इ काहे करत अहइँ? जब बच्चा जिअत रहा तब आप खाइ स इन्कार किहन। आप रोएन। किन्तु जब बच्चा मर गवा तब आप उठेन अउर आप भोजन किहेन।"

22दाऊद कहेस, "जब मरद बच्चा जिअत रहा, तब मइँ उपवास किहेउँ अउर मइँ रोएउँ। मइँ सोचेउँ, 'कउन जानत ह, संभव अहइ यहोवा मोरे बरे दयालु होइ अउर मरद बच्चा क जिअत रहइ देइ।' 23किन्तु अब बच्चा मर गवा। एह बरे अब मइँ काहे उपवास करउँ? का मइँ बच्चा क फुन जीवित कइ सकत हउँ? नाहीं! एक दिन मइँ ओकरे लगे जाब, किन्तु उ मोरे लगे लउटिके नाहीं आइ सकत ह।"

सुलैमान पइदा होत ह

24तब दाऊद आपन मेहरारू बतसेबा क सान्त्वना दिहस। उ ओकरे संग सोएस अउर ओकरे संग सारीरिक सम्बन्ध किहस। बतसेबा फुन गर्भवती भइ। ओकर दूसर पूत भवा। दाऊद उ लरिका क नाउँ सुलेमान रखेस। यहोवा सुलैमान स पिरेम रखत रहा। 25यहोवा नबी नातान क जरिये सँदेसा पठएस। नातान सुलैमान क नाउँ यदीद्याह रखेस। नातान इ यहोवा बरे किहस।

दाऊद रब्बा पइ अधिकार करत ह

26रब्बा नगर अम्मोनियन क राजधानी रही। योआब रब्बा क खिलाफ लड़ा। उ नगर क लइ लिहस। 27योआब दाऊद क लगे दूतन पठएस अउर कहेस, "मइँ रब्बा क खिलाफ जुद्ध किहेउँ ह। मइँ ओकरे किलाबन्ध सुरच्छित जलापूर्ति प भी कब्जा कइ लिएउँ ह। 28अब दूसर लोगन क संग

चुनेउँ साब्दिक, "अभिसिक्त," एक मनई क मूड़ पइ खास तेल डालना जे इ दिखावत ह कि उ मनई परमेस्सर दुआरा राजा, याजक या नबी चुना गवा ह।

लिआवइँ अउर इ नगर (रब्बा) पइ आक्रमण करइँ। इ
नगर पइ अधिकार कइ ल्या, एकरे पहिले कि मइँ एह पइ
अधिकार करउँ। जदि इ नगर पइ मइँ अधिकार करत हउँ
तउ नगर क नाउँ मोरे नाम पइ होइ।"
29तब दाऊद सबहिं लोगन क एकट्ठा किहेस अउर
रब्बा क गवा। उ रब्बा क खिलाफ लड़ा अउर नगर पइ उ
अधिकार कइ लिहस। 30दाऊद ओनके राजा क मूड़े स
मुकुट उतार लिहस। मुकुट सोने क रहा अउर उ तउन मँ
लगभग पचहत्तर पौंड रहा। इ मुकुट मँ बहुमूल्य रतन रहेन।
उ पचे मुकुट क दाऊद क मूँड़े पइ रखेन। दाऊद नगर स
बहोत सी कीमती चिजियन लइ गवा।
31दाऊद रब्बा नगर स भी लोगन क बाहेर लिआवा।
दाऊद ओनका आरन, लोहा क गैतिन अउर कुल्हाड़ियन स
काम करवाएस। उ ओनका ईटंन स निर्माण कार्य करइ क
बरे मजबूर किहस। दाऊद उहइ बेउहार सबहिं अम्मोनी
नगरन क संग किहस। तब दाऊद अउर ओकर सारी फउज
यरूसलेम लउटि गइ।

अम्नोन अउ तामार

13 दाऊद क अबसालोम नाउँ क एक पूत रहा।
अबसालोम क बहिन क नाउँ तामार रहा। तामार
बहोत सुन्नर रही। अम्नोन दाऊद क दूसर पूत रहा जउन
तामार स पिरेम करत रहा। 2तामार कुँवारी रही। अम्नोन
सोचेस कि उ ओकरे संग कभी आपन यौन इच्छा पूरा नाहीं
कइ सकत्या। किन्तु अम्नोन ओका बहोत चाहत रहा।
अम्नोन ओकरे बारे मँ बहोत सोचइ लगा उ बीमार होइ क
एक बहना बनाएस।
3अम्नोन क एक ठु मीत सिमा क पूत योनादाब रहा।
(सिमा दाऊद क भाई रहा।) योनादाब बहोत चालाक आदमी
रहा। 4योनादाब अम्नोन स कहेस, "हर दिन तू दूबर दूबर स
देखाँई पड़त अहा। तू राजा क पूत अहा। तोहका खाइ बरे
बहोत जियादा अहइ, तउ भी तू आपन वजन काहे खोवत
जात अहा? मोका बतावा।" अम्नोन योनादाब स कहेस, "मइँ
तामार स पिरेम करत हउँ। किन्तु उ मोर सौतेला भाई
अबसालोम क बहिन अहइ।"
5योनादाब अम्नोन स कहेस, "बिछउना मँ ओलरा। अइसा
बेउहार करा कि तू बीमार अहा। तब तोहार बाप तोहका
लखइ अइहीं। ओनसे कह्या, 'मेहरबानी कइके मोर बहिन
तामार क आवइ द्या अउर मोका खाना देइ द्या। ओका
मोरे समन्वा भोजन बनाइ देइँ। तब मइँ ओका लखब अउर
ओकरे हाथे स खाब।।'"
6एह बरे अम्नोन बिछउना मँ ओलर गवा, अउर अइसा
बेउहार किहस माना उ बीमार अहइ। राजा दाऊद अम्नोन
क लखइ आवा। अम्नोन राजा दाऊद स कहेस, "कृपा
कइके मोर बहिन तामार क हिआँ आवइ देइँ। मोरे लखत
भए ओका मोरे बरे दुइ रोटी बनावइ देइँ। तब मइँ ओकरे
हाथन स खाइ सकत हउँ।"
7दाऊद तामार क घरे सँदेसवाहकन क पठएस। सँदेसवाहकन
तामार स कहेन, "अपने भाई अम्नोन क घरे जा अउर
ओकरे बरे कछू भोजन बनावा।"

तामार अम्नोन बरे भोजन बनावत ह

8एह बरे तामार अपने भाई अम्नोन क घरे गइ। अम्नोन
बिछउना मँ रही। तामार कछू गूँधा आटा लिहस अउर एका
अपने हाथन स एक साथे दबाएस। उ अम्नोन क लखत
भए कछू रोटियन बनाएस। 9जब तामार रोटियन क पकाउब
पूरा किहेस तउ उ कढ़ाही मँ स रोटियन क अम्नोन बरे
निकारेस। किन्तु अम्नोन खाइ स इन्कार किहस।
अम्नोन अपने सेवकन स कहेस, "तू सबहिं मनई चला
जा" मोका अकेला रहइ द्या!" एह बरे सबहिं सेवक
अम्नोन क कमरा स बाहेर चले गएन।

अम्नोन तामार क संग कुकर्म करत ह

10अम्नोन तमार स कहेस, "भोजन भीतरवाले कमरा मँ
लइ चला। तब मइँ तोहरे हाथ स खाब।"
तामार अपने भाई क लगे सयन-कच्छ मँ गइ। उ ओन
रोटियन क लिआइ जउन उ बनाए रही। 11उ अम्नोन क
लगे गइ जेहसे उ ओकरे हाथन स खाइ सकइ। किन्तु
अम्नोन तामार क धइ लिहस। उ ओहसे कहेस, "बहन,
आवा अउर मोरे संग सोवा।"
12तामार अम्नोन स कहेस, "नाहीं, भाई। मोका मजबूर
जिन करा। इ भयंकर काम इस्राएल मँ कबहुँ नाहीं कीन्ह
जाइ चाही। इ लज्जाजनक काम जिन करा। 13मइँ इ लज्जा
स कबहुँ मुक्त नाहीं होब्या अउर लोग इ सोचिही कि तू
एक आम अपराधी अहा। कृपा कइके राजा स बात करा।
उ तोहका मोर संग बियाह करइ देइ।"
14किन्तु अम्नोन तामार क एक न सुनेस। उ तामार स
जियादा सक्तीसाली रहा। उ ओहका सारीरिक सम्बन्ध करइ
बरे मजबूर किहस। 15ओकरे बाद अम्नोन तामार स घिना
करइ लाग। अम्नोन ओकरे संग ओहसे भी जियादा घिना
किहेस जेतना उ पहिले पिरेम करत रहा। अम्नोन तामार स
कहेस, "उठा अउर चली जा!"
16तामार अम्नोन स कहेस, "नाहीं! मोका बाहेर जिन
पठावा! मोका अब बाहेर पठाना उ स जियादा गलत होइ
जउन तू पहिले मोर संग कइ लीन्ह ह।"
किन्तु अम्नोन तामार क एक न सुनेस। 17अम्नोन आपन
जवान सेवक स कहेस, "इ लड़की क इ कमरा स अबहिं
बाहेर निकारा। ओकरे जाइ पइ दरवाजे मँ ताला लगाइ
द्या।"
18एह बरे अम्नोन क सेवक तामार क कमरे क बाहेर
लइ गवा अउर ओकरे जाइ पइ ताला लगाइ दिहस।
तामार कइउ रंग क लम्बा लबादा पहिर रखे रहा। राजा
क कुवाँरी बिटियन अइसा ही लबादा पहिरत रहिन।
19तामार राख लिहस अउर अपने मूँड़े पइ डाइ लिहस। उ
अपने बहुरंगे लबादे क फार डाएस। उ आपन हाथ अपने
मूँड़े पइ रख लिहस अउर उ जोर स रोवइ के चलत
लागेन।
20तामार क भाई अबसालोम तामार स कहेस, "का
तोहार भाई अम्नोन तोहका मारेस? अम्नोन तोहार भाई
अहइ। बहन, अब सान्त रहा। एहसे तू बहोत परेसान न
हूवा।" एह बरे तामार कछू नाहीं कहेस। उ अबसालोम क

घरे रहइ चली गइ अउर हुवाँ अकेली अउ उदास रहइ
लाग।
21राजा दाऊद क एकर खबर मिली। उ बहोत कोहाइ
गवा। 22अबसालोम अम्नोन स घिना करत रहा। अबसालोम
अच्छा या बुरा अम्नोन स कछू नाहीं कहेस। उ अम्नोन स
घिना करत रहा काहेकि अम्नोन ओकरी बहन क संग
कुकर्म किहे रहा।

अबसालोम क बदला

23दुइ बरिस पाछे कछू मनई एप्रैम क लगे बाल्हासोर मँ
अबसालोम क भेड़िन क ऊन काटइ आएन। अबसालोम
राजा क सबहिं पूतन क आवइ अउ लखइ बरे न्यौतेस।
24अबसालोम राजा क लगे गवा अउर उ कहेस, "मोरे लगे
कछू मनई मेरी भेड़िन क ऊँट काटइ आवत अहइँ। कृपा
कइके आपन सेवकन क संग आवइँ अउर लखइँ।"
25राजा दाऊद अबसालोम स कहेस, "पूत नाहीं। हम
सबहिं नाहीं जाब। एहसे तोहका परेसानी होइ।"
अबसालोम दाऊद स चलइ क पराथना किहस। दाऊद
नाहीं गवा, किन्तु उ आसीर्बाद दिहस।
26अबसालोम कहेस, "जदि आप जाइ नाहीं चाहतेन तउ,
कृपा कइके मोरे भाई अम्नोन क मोर संग जाइ देइँ।"
राजा दाऊद अबसालोम स पूछेस, "उ तोहरे संग काहे
जाइ?"
27अबसालोम दाऊद स पराथना करत रहा। आखिर मँ
दाऊद अम्नोन अउ सबहिं राजपूतन क अबसालोम क साथ
जाइ दिहस।

अम्नोन क हत्या कीन्ह गइ

28तब अबसालोम आपन सेवकन क आदेस दिहस। उ
ओनसे कहेस, "अम्नोन पइ नजर राखा। जब उ नसे मँ धुत
होइ तब मइँ तोहका आदेस देब अम्नोन क जान स मार
डावा। सज़ा पावइ स डेराअ नाहीं। काहेकि तू सिरिफ मोर
हुकूम क पालन करत रहा। अब सक्तीसाली अउ बीर
बना।"
29अबसालोम क जुवक लोग अबसालोम क आदेस क
मुताबिक अम्नोन क मार डाएन। किन्तु दाऊद क दूसर पूत
बच निकरेन। हर एक पूत अपने एक खच्चरे पइ बइठा
अउर भाग गवा।

दाऊद अम्नोन क पूत क खबर पावत ह

30जब राजा क पूत मारग मँ रहेन, दाऊद क खबर
मिली। खबर इ रही, "अबसालोम राजा क सबहिं पूतन क
मार डाएस ह। कउनो भी पूत बचा नाहीं ह।"
31राजा दाऊद आपन ओढ़ना फार डाएस अउर धरती पइ
ओलर गवा। दाऊद क लगे खड़े ओकर सबहिं अधिकारियन
भी आपन ओढ़नन फार डाएन।
32किन्तु योनादाब, दाऊद क भाई क पूत सिमा दाऊद स
कहेस, "अइसा मत सोचा कि राजा क सबहिं जुवक पूत
मार डावा गएन ह। नाहीं, इ सिरिफ अम्नोन अहइ जउन
मारा गवा ह। जब स अम्नोन ओकर बहिन तामार क संग
कुकरम किहे रहा तबहिं स अबसालोम इ जोजना बनाए
रहा। 33मोर सुआमी राजा इ न सोचइँ कि सबहिं राजपूत मार
गएन ह। सिरिफ अम्नोन ही मारा गवा।"
34अबसालोम पराइ गवा।
एक ठु रच्छक नगर क देवार पइ खड़ा रहा। उ पहाड़ी
क दूसर कइँती स कई मनइयन क आवत लखेस। 35एह
बरे योनादाब दाऊद स कहेस, "लखा, मइँ बिल्कुल सही
रहेउँ। राजा क पूत आवत अहइँ।"
36जइसे ही बातन करइ खत्म किहेन राजपूतन आइ
गएन। उ पचे जोर-जोर स रोवत रहेन। दाऊद अउर ओकर
सबहिं अधिकारियन रोवइ लागेन। उ पचे सबहिं बहोत
बिलाप करत रहेन। 37दाऊद आपन पूत बरे बहोत दिनन
तलक रोएस।

अबसालोम गसूर क पराइ गवा

अबसालोम गसूर क राजा अम्मीहूर क पूत तल्मै क
लगे पराइ गवा। 38अबसालोम क गसूर भाग जाइ क बाद,
उ हुवाँ तीन बरिस तलक ठउरा। 39अम्नोन क मउत क
पाछे, दाऊद धैर्य बांध लिहेस। लेकिन उ अबसालोन क
खोइ दिहेस अउर ओका ओका देखइ क लालसा रहा।

योआब एका बुद्धिमती मेहरारू क दाऊद क लगे पठवत ह

14 सरूयाह क पूत योआब जानत रहा कि राजा दाऊद
अबसालोम क बारे मँ सोचत अहइ अउर ओका
देखइ क लालसा अही। 2एह बरे योआब तकोआ क एक
दूत हुवाँ स एक ठु बुद्धिमती मेहरारू क लिआवइ क बरे
पठएस। योआब इ बुद्धिमती मेहरारू स कहेस, "कृपा कइके
बहोत जियादा सोकग्रस्त होइ क देखॉवा करा। सोक-वस्त्र
पहिर ल्या, आपन चाम अउ बार मँ तेलन जिन लगावा।
अइसी मेहरारू क जइसा बेउहार करा जउन कउनो मरे भए
क बरे कइउ दिनन स रोवत ह। 3राजा क लगे जा अउर
जउन मइँ कहत हउँ, इनही सब्दन क उपयोग करत भए
ओनसे बातन करा।" तब योआब उ बुद्धिमती मेहरारू क का
कहब अहइ, इ बताइ दिहस।
4तब ताकोआ क उ मेहरारू राजा स बातन किहस। उ
फर्स पइ भहराइ पड़ी ओकर ललाट फर्स पइ जाइ टिका।
उ निहुरी अउ बोली, "राजा, मोका मदद द्या।"
5राजा दाऊद ओहसे कहेस, "तोहार समस्या का अहइ?"
उ मेहरारू कहेस, "मइँ राँड़ हउँ। मोर भतार मर चुका
अहइ। 6मोरे दुइ ठु पूत रहेन। इ सब दुइनउँ बाहेर मैदानन मँ
लड़ेन। ओनका कउनो रोकइवाला न रहा। एक पूत दूसर पूत
क मार डाएस। 7सारा परिवार अब मोरे खिलाफ अहइ। उ
पचे मोहसे कहत रहेन, 'उ पूत क लिआवा जउन अपने
भाई क मार डाएस। तब हम ओका मार डाउब, काहेकि उ
आपन भाई क मार डाएस।' मोर पूत आगी क आखिरी
चिनगारी क तरह अहइ, काहेकि उ ही सिरिफ उ ही एक
पूत जिअत रही जउन ओकर पिता क सम्पत्ति क उत्तराधिकारी
होइ। अगर उ ओका मार डाइ तउ उ आग जल उठब
अउर खतम होइ जाब अउर उ सम्पत्ति दूसर क पास चली

जाइ अउर तब मोर मरे भतार क नाउँ इ धरती स मिट जाइ।"

8तब राजा मेहरारू स कहेस, "घरे जा। मइँ खुद तोहार मामला निपटाउब।"

9तकोआ क मेहरारू राजा स कहेस, "हे राजा मोर सुआमी, दोख मोह पइ आवइ द्या। किन्तु आप अउर आप क राज्ज निर्दोख अहइ।"

10राजा दाऊद कहेस, "उ मनई क लिआवा जउन तोहका बुरा-भला कहत ह। तब उ मनई तोहका फुन परेसान न करी।"

11मेहरारू कहेस, "कृपा कइके आपन यहोवा परमेस्सर क नाउँ पइ किरिया लेइँ कि आप एन लोगन क रोकिहीं। तब उ पचे मोर पूत क हत्या क बदले मँ नाहीं मारिहीं।"

दाऊद कहेस, "यहोवा क जिन्नगी क किरिया, तोहरे पूत क कउनो मनई चोट नाहीं पहोंचाइ। तोहरे पूत क एक ठु बार भी धरती पई नाहीं गिरी।"

12उ मेहरारू स कहेस, "मोर सुआमी, राजा कृपा कइके मोका आप स कछू कहइ क मौका द्या"

राजा कहेस, "कहा।"

13तब उ मेहरारू कहेस, "परमेस्सर क लोगन क खिलाफ इ जोजना काहे बनाया ह? हाँ, जब आप इ कहत हीं आप इ परगट करत हीं कि आप अपराधी अहइँ। काहे? काहेकि आप अपने पूत क वापस नाहीं लाएन ह जेका आप अपने घर तजइ क मजबूर किहे रहेन। 14इ सही अहइ कि हम सबहिं कउनो दिन मरब। हम लोग उ पानी क तरह होब, जउन भुइँया पइ फेंका गवा ह। कउनो भी मनई भुइँया स उ पानी क एकट्ठा नाहीं कइ सकत। किन्तु परमेस्सर माफ करत ह। ओकरे लगे ओन लोगन बरे एक ठु जोजना अहइ जउन अपने घर तजइ क मजबूत कीन्ह गएन ह, उ ओनका वापिस करइ चाहत ह। 15मोर प्रभु, राजा मइँ इ बात कहइ मइँ आप क लगे आइ। काहे? काहेकि लोग मोका ससाइ दिहन। मइँ अपने मने मँ कहेउँ कि, 'मइँ राजा स बात करब। होइ सकत ह राजा मोर सुनइँ। 16राजा मोर सुनिहीं, अउर मोर रच्छा उ मनई स करिहीं जउन मोका अउर मोरे पूत दुइनउँ क मारइ चाहत हीं अउर ओन चिजियन क प्राप्त करइ स रोकइ चाहत हीं जेनका परमेस्सर हम क दिहेस ह।' 17मइँ जानत हउँ कि मोर राजा, मोरे सुआमी क सब्द मोका सान्ति देइहीं काहेकि आप परमेस्सर क दूत क समान अहइँ। आप समुझ ह कि का अच्छा का बुरा अहइ। यहोवा आप क परमेस्सर, आप क संग अहइ।"

18राजा दाऊद उ मेहरारू क जवाब दिहस, "तोहका उ सवाल क उत्तर देइ चाही, जेका मइँ तोहसे पूछउँ मोसे कछू जिन छुपाया।"

उ मेहरारू कहेस, "हे' मोर प्रभू, मोर राजा, कृपा कइके आपन सवाल पूछइँ।"

19राजा कहेस, "का योआब इ सबइ सारी बातन तोहसे कहइ क कहेस ह?"

उ मेहरारू जवाब दिहेस, "मोर पर्भू राजा, आप क जिन्नगी क किरिया, आप सही अहइँ। आप क सेवक योआब इ सबइ बातन कहइ बरे कहेस। 20योआब इ एह बरे किहेस जेहसे आप तथ्यन क दूसर निगाह स लखिहीं। मोर पर्भू आप परमेस्सर क दूत क नाईं बुद्धिमान अहइँ। आप सब कछू जानत हीं जउन पृथ्वी पइ होत ह।"

अबसालोम यरूसलेम लउटत ह

21राजा योआब स कहेस, "लखा, मइँ इ करब। आप कृपा कइके जा अउ नउजुवक मनई अबसालोम क वापस लिआवा।"

22योआब भुइँया आपन माथा निहुराएस। उ राजा दाऊद बरे आभार परगट किहस अउर कहेस, "आजु मइँ समुझत हउँ कि आप मोसे खुस अहइ, काहेकि आप उहइ किहन जउन मोर माँग रही।"

23तब योआब उठा अउर गसूर गवा अउ अबसालोम क यरूसलेम लिआवा। 24किन्तु राजा दाऊद कहेस, "अबसालोम अपने घरे क लउट सकत ह।" उ मोहसे भेंटइ नाहीं आइ सकत। एह बरे अबसालोम अपने घरे क लउट गवा। अबसालोम राजा स भेंटइ नाहीं जाइ सका।

25अबसालोम क जियादा स जियादा तारीफ ओकरे सुन्नर रूप क बरे रही। इस्राएल मँ कउनो मनई एतना सुन्नर नाहीं रहा जेतना अबसालोम। अबसालोम क मूँड़े स गोड़े तलक कउनो दोख नाहीं रहा। 26हर एक बरिस क आखिर मँ अबसालोम अपने मूँड़े क बार काटत रहा अउर ओका तउलत रहा। बारन क तौल लगभग पाँच पौण्ड रहीं। 27अबसालोम क तीन पूत रहेन अउ एक ठु बिटिया। उ बिटिया क नाउँ तामार रहा। तामार एक ठु सुन्नर मेहरारू रही।

अबसालोम योआब क अपने स भेंटइ क बरे मजबूर करत ह

28अबसालोम पूरे दुइ बरिस तलक राजा दाऊद स भेंटइ क इजाजत बिना यरूसलेम मँ रहा। 29अबसालोम योआब क लगे इ कहइ बरे पठाएस कि मोर तरफ स राजा क लगे जाइ। किन्तु योआब अबसालोम स मिलइ नाहीं गवा। अबसालोम दूसरी दाईं सँदेसा पठएस। किन्तु योआब फुन भी आउब इन्कार किहस।

30तब अबसालोम अपने सेवकन स कहेस, "लखा, योआब क खेत मोरे खेते स लगा बाटइ। ओकरे खेते मँ जौ क फसल अहइ। जा अउर जौ क बार द्या।"

एह बरे अबसालोम क सेवक गएन अउर योआब क खेते मँ आगी लगाउब सुरू किहेन। 31योआब उठा अउर अबसालोम क घरे गवा। योआब अबसालोम स कहेस, "तोहार सेवकन मोर खेत काहे बारेन।"

32अबसालोम योआब स कहेस, "मइँ तोहका सँदेसा पठएँउ। मइँ तोहसे हिआँ आवइ क कहेउँ। मइँ तोहका राजा क लगे पठवइ चाहत रहेउँ। मइँ ओहसे पूछइ चाहत रहेउँ कि उ गसूर स मोका घरे काहे बोलाएस। मइँ ओहसे मिल नाहीं सकत, एह बरे गसूर मँ रहब कहूँ जियादा नीक रहा। अब मोका राजा स भेंटइ द्या। जदि मइँ पाप किहेउँ ह तउ उ मोका मार सकत ह।"

अबसालोम दाऊद स मिलत ह

33तब योआब राजा क लगे आवा अउ अबसालोम क
कहा भवा सुनाया। राजा अबसालोम क बोलाएस। तब
अबसालोम राजा क लगे आवा। अबसालोम राजा क
समन्वा भुइँया पइ माथा टेकिके प्रणाम किहेस, अउर राजा
अबसालोम क चुम्बन किहस।

अबसालोम बहोत स मीत बनावत ह

15 एकरे पाछे अबसालोम एक रथ अउ घोड़न अपने
बरे लिहस। जब उ रथ चलावत रहा तउ अपने
सामने पचास ठु दउड़त मनइयन क रखत रहा। 2अबसालोम
जल्दी उठत अउर दुआरे क निचके खड़ा होत। जदि कउनो
मनई अइसा होत जेकर कउनो समस्या होत अउर निआउ
बरे राजा दाऊद क लगे आवत होत, अबसालोम ओहसे
पूछत, "तू कउनो नगर क अहा?" उ मनई जवाब देत, "मइँ
अमुक हउँ अउ इस्राएल क अमुक परिवार समूह क हूँ।"
3तब अबसालोम ओन मनइयन स कहा करत, "लखा, जउन
तू कहत रह्या उ सुभ अउर उचित अहइ किन्तु राजा दाऊद
तोहर एक ठु नाहीं सुनी।"
4अबसालोम इ भी कहत, "अह, मइँ चाहत कि कउनो
मोका इ भूइयाँ क निआवाधीस बनावत। तब मइँ ओन
मनइयन मँ स हर एक क मदद कइ सकत जउन निआव
बरे समस्या लइके अउतेन।"
5जब कउनो मनई अबसालोम क लगे आवत अउर
ओकरे समन्वा प्रणाम करइ क निहुरत, तउ अबसालोम हाथ
बढ़ाइके ओका पकरलेत अउ ओकर चुम्बन करत जइसा उ
ओकर नजिक क मीत अहइ। 6अबसालोम अइसा ओन
सबहिं इस्राएलियन क संग करत जउन राजा दाऊद क लगे
निआव बरे अउतेन। इ तरह अबसालोम इस्राएल क सबहिं
लोगन क हिरदइ जीत लिहस।

अबसालोम क जरिये दाऊद क राज्ज क लेइ क जोजना

7चार बरिस पाछे अबसालोम राजा दाऊद स कहेस,
"कृपा कइके मोका अपनी खास प्रतिग्या क पूरी करइ जाइ
द्या जेका मइँ हेब्रोन मँ यहोवा क समन्वा किहे रहेउँ। 8मइँ
इ प्रतिग्या तब किहे रहेउँ जब मइँ गसूर अराम मँ रहत
रहेउँ। मइँ कहे रहेउँ, 'जदि यहोवा मोका यरूसलेम लउटाई
तउ मइँ यहोवा क सेवा करब।'"
9राजा दाऊद कहेस, "सान्तिपूर्वक जा।"
अबसालोम हेब्रोन गवा। 10किन्तु अबसालोम इस्राएल क
सबहिं परिवार समूहन मँ जासूस पठएस। एन जासूनन लोगन
स कहेन, "जब तू पचे तुरही क आवाज सुना, तउ कहा कि
'अबसालोम हेब्रोन मँ राजा होइ गवा।'"
11अबसालोम दुइ सौ मनइयन क अपने संग चलइ बरे
न्यौतेस। उ सबइ मनई ओकरे संग यरूसलेम स बाहेर
गएन। किन्तु उ पचे इ नाहीं जानत रहेन कि ओकर जोजना
का अहइ। 12अहीतोपेल दाऊद क सलाहकारन मँ स एक
रहा। अहीतोपेल दाऊद क सलाहकारन मँ स एक रहा।
अहीतोपेल गीलो नगर क निवासी रहा। जब अबसालोम
बलि-भेंटन क चढ़ावत रहा, उ अहीतोपेल क गीलो नगर
स बुलाएस। अबसालोम क जोजना ठीक-ठाक चलत रही
अउर जियादा स जियादा लोग ओकर समर्थन करइ लागेन।

दाऊद क अबसालोम क जोजना क सूचना

13एक ठु मनई दाऊद क सूचना देइ आवा। उ मनई
कहेस, "इस्राएल क लोग अबसालोम क अनुसरण करब
सुरू करत अहइँ।"
14तब दाऊद यरूसलेम मँ रहइवाले आपन सबहिं अधिकारियन
स कहेस, "हम पचन्क जरूर पराइ चाही, अन्यथा हम मँ स
कउनो भी अबसालोम स बच के नाहीं निकरि सकब्या।
अबसालोम क जरिये धरें जाइ क पहिले हम लोग हाली
करी। नाहीं तउ उ हम सबहिं क नस्ट कइ देइ अउर उ
यरूसलेम क लोगन क मार डाइ।"
15राजा क सेवकन राजा स कहेन, "जउन कछू भी आप
कहिहीं, हम लोग करब।"

दाऊद अउ ओकर आदमी बच निकरत हीं

16राजा दाऊद अपने घर क सबहिं लोगन क संग बाहेर
निकर गवा। राजा घर क देखभाल क बरे अपनी दस
उप-पत्नियन क हुवाँ तजेस। 17राजा अपने सबहिं लोगन क
साथ लइके जउन ओका अनुसरण किहा बाहेर निकरा। उ
पचे नगर क आखिरी मकाने पइ रूकेन। 18ओकर सबहिं
सेवक राजा क पास स गुजरेन, अउर सबहिं करेती, सस्बहिं
पलेनी अउ गती (गत स छः सौ मनई) राजा क लगे स
गुजरेन।
19राजा गत क इत्तै स कहेस, "तू लोग भी हमरे संग
काहे जात अहा? लउट जा अउर नवा राजा (अबसालोम)
क संग रहा। तू बिदेसी अहा। इ तू लोगन क ग्रह-भूइँया
नाहीं अहइ। 20ठीक कछू देरी तू हमरे संग जुड़्या। का
मोका अलग-अलग जगहन पइ तोहका हमारे संग भटकई
चाही? नाहीं! लउटा अउर आपन भाइयन क अपने संग
ल्या। मोर पराथना अहइ कि तोहरे बरे दाया अउ वफ़दारी
देखाँवा जाइ।"
21किन्तु इत्तै राजा क जवाब दिहेस, "यहोवा क जिन्नगी
क किरिया, जब तलक आप जिअत अहइँ मइँ आप क
संग रहब। मोर सुआमी, राजा मइँ तोहार संग रहब जहाँ
कहुँ भी जाब्या चाहे इ जीवन अही या मरण।" 22दाऊद इत्तै
स कहेस, "आवा, हम लोग किद्रोन नाला क पार करी।"
एह बरे गत क इत्तै अउ ओकर सबहिं लोग अपने
बच्चन सहित किद्रोन नाले क पार गएन। 23सबहिं लोग जोर
स रोवत रहेन। राजा दाऊद किद्रोन नाले क पार किहस। तब
सबहिं लोग रेगिस्ताने कइँती बढ़ेन। 24सादोक अउ ओकर
संग क लवीबंसी परमेस्सर क करार क सन्दूख क लइके
चलत रहेन। उ पचे परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क खाले
रखेन। एब्यातार तब तलक पराथना किहेस* कि जब तलक
सबहिं लोग यरूसलेम स बाहेर नाहीं निकर गएन।

पराथना किहेस साब्दिक, "चला गवा" एकर अरथ होइ सकत ह, "धूप जराइ" "भेंट चढ़ाई" या एकर साधारण अरथ अहइ कि एब्यातार एक तरफ पत्तर संदूक क साथ तब तलक खड़ा भवा रहेस जब तलक सबइ लोग गुजर न गइ।

25राजा दाऊद सादोक स कहेस, “परमेस्सर क पवित्तर
सन्दूख क यरूसलेम लउटाइ लइ जा। जदि यहोवा मोह पइ
दयालु अहइ, तउ उ मोका वापस लउटाइ अउर यहोवा
मोका यरूसलेम अउर आपन मन्दिर क देखइ देइ। 26किन्तु
जदि यहोवा कहत ह कि मोहे पइ खुस नाहीं अहइ तउ उ
मोरे खिलाफ, जउन कछू भी चाहत ह, कइ सक्त ह।”

27राजा याजक सादोक स कहेस, “तू एक ठु दृस्ट अहा
सान्तिपूर्वक नगर क जा। आपन पूत अहीमास अउ एब्यातार
क पूत योनातन स अपने संग ल्या। 28मइँ ओन ठउरन क
निचके प्रतीच्छा करब जहाँ स लोग नदी पार होइ रेगिस्तान
मँ जात हीं। मइँ हुवाँ तब तलक प्रतीच्छा करब जब तलक
तोहसे कउनो सूचना नाहीं मिलत।”

29एह बरे सादोक अउ एब्यातार परमेस्सर क पवित्तर
सन्दूक वापस यरूसलेम लइ गएन अउर हुवँइ ठहरेन।

अहीतोपेल क खिलाफ दाऊद क पराथना

30दाऊद जइतून क पर्वत पइ चढ़ा। उ रोवत रहा। उ
आपन मूँड़ ढाँपि लिहस अउर उ बिना जूते क गवा। दाऊद
क संग क सबहिं लोगन आपन मूँड़न ढाँपि लिहेन। उ पचे
दाऊद क संग रोवत भए गएन।

31एक ठु मनई दाऊद स कहेस, “अहीतोपेल लोगन मँ
स एक अहइ जउन अबसालोम क संग जोजना बनाएस।”
तब दाऊद पराथना किहेस, “हे यहोवा, मइँ तोहसे पराथना
करत हउँ कि तू अहीतोपेल क सलाह क नाकामयाब कइ
द्या।” 32दाऊद पर्वत क चोटी पइ आवा। इहइ उ ठउर रहा
जहाँ उ अक्सर परमेस्सर स पराथना करत रहा। उ समइ
एरेकी हूसै ओकरे लगे आवा। हूसै क अंगरखा फटा रहा
अउर ओकरे झूँड़ि पइ धूरी रही।

33दाऊद हूसै स कहेस, “जदि तू मोरे संग चलत अहा
तउ तू देख-रेख करइवाले अलावा मनई होब्या। 34किन्तु
जदि तू यरूसलेम क लउट जात ह तउ तू अहीतोपेल क
सलाह क ब्यर्थ कइ सकत ह। अबसालोम स कहा,
‘महाराज, मइँ आप क सेवक हउँ। मइँ आप क बाप क
सेवा किहेउँ, किन्तु अब मइँ आप क सेवा करब।’

35याजक सादोक अउ एब्यातार तोहरे संग होइहीं। तोहका
उ सबइ बातन ओनसे कहइ चाही जेनका तू राजमहल मँ
सुना। 36सादोक क पूत अहीमास अउ एब्यातार क पूत
योनातन ओनके संग होइहीं। तू ओनका, हर बात जउन
सुना, मोहसे कहइ बरे पठउब्या।”

37तब दाऊद क मीत हूसै नगर मँ गवा, अउर
अबसालोम यरूसलेम आवा।

सीबा दाऊद स भेटंत ह

16 दाऊद जैतून पर्वत क चोटी पइ तनिक दूर चला।
हुवाँ मपीबोसेत क सेवक सीबा, दाऊद स मिला।
सीबा क लगे काठी क संग दुइ ठु खच्चर रहेन। खच्चरन
पइ दुइ सौ रोटियन, सौ किसमिस क गुच्छन, सौ गर्मी क
फल अउ दाखमधु स भरी एक ठु मसक रही। 2राजा दाऊद
सीबा स कहेस, “इ सबइ चिजियन काहे बरे अहइँ?”

सीबा जवाब दिहेस, “गदहन राजा क परिवार क सवारी
बरे अहइ। रोटी अउ गर्मी क फल सेवकन क खाइ बरे
अहइ अउर जदि कउनो मनई रेगिस्ताने मँ कमजोरी महसूस
करइ, उ दाखमधु पी सकी।”

3राजा पूछेस, “मपीबोसेत कहाँ अहइ?”

सीबा राजा क जवाब दिहेस, “मपीबोसेत यरूसलेम मँ
ठहरा अहइ काहेकि उ सोचत ह, ‘आजु इस्राएली मोरे
पितामह क राज्ज मोका वापस दइ देइहीं।’”

4तब राजा सीबा स कहेस, “ओकरे कारण, जउन कछू
मपीबोसेत क अहइ ओका अब मइँ तोहका देत हउँ।”

सीबा कहेस, “मइँ आप क प्रणाम करत हउँ। मइँ आसा
करत हउँ कि मइँ आप क सदा खुस कइ सकउँ।”

सिमी दाऊद क साप देत ह

5दाऊद बहूरीम पहोंचा। साउल क परिवारे क एक ठु
मनई बहूरीम स बाहेर निकरा। इ मनई क नाउँ सिमी रहा
जउन गेरा क पूत रहा। सिमी दाऊद क बुरा कहत भवा
बाहेर आवा अउर उ बुरी-बुरी बातन बार-बार करत रहा।

6सिमी दाऊद अउ ओकरे सेवकन पइ पाथर लोकाउब
सुरू किहस। किन्तु लोग अउर फउजी दाऊद क चारिहुँ
कइँती बटुर गएन उ पचे ओकरे चारिहुँ ओर रहेन। 7सिमी
दाऊद क सरापेस। उ कहेस, “निकरि जा, निकरि जा! तू
हत्यारा अहा, तू दुस्ट अहा! 8यहोवा तोहका दण्ड देत अहइ।
काहे? काहेकि तू साऊल क परिवारे क मनइयन क मार
डाया। तू साऊल क जगह एक राजा क रूप मँ चोराया।
किन्तु अब, यहोवा राज्ज तोहरे पूत अबसालोम क दिहस ह।
अब उ पचे ही बुरी घटनन तोहरे बरे घटित होत अहइँ।
काहे? काहेकि तू हत्यारा अहा।”

9सरूयाह क पूत अबीसै राजा स कहेस, “मोर पर्भू,
राजा! इ मरा कूकुर आप क सरापत काहे अहइ? मोका
आगे जाइ द्या अउ सिमी क मूँड़ काट लेइ द्या।”

10किन्तु राजा जवाब दिहस, “सरूयाह क पूतो! तू इ
चिजियन क चिन्ता काहे करत ह जउन मोर संग होत?
निहचइ ही सिमी मोका सरापत अहइ। अगर यहोवा ओका
कहेस कि उ मोका सरापि, अउर कउन अहइ जउन यहोवा
स इ बातन बरे प्रस्न पूछ सकत्या?”

11दाऊद अबीसै अउर आपन सबहिं सेवकन स इ भी
कहेस, “लखा मोर आपन पूत ही (अबसालोम) मोका मारइ
क जतन करत अहइ। इ मनई (सिमी) जउन बिन्यामीन
परिवार समूह क अहइ, मोका मार डावइ क जियादा
अधिकार रखत ह। ओका अकेला तजा। ओका मोका बुरा
भला कहइ द्या। यहोवा ओका अइसा करइ क कहेस ह।
12इ होइ सकत ह कि ओन बुराइयन क जउन मोरे संग
होत अहइँ, यहोवा लखइ। तब होइ सकत ह कि यहोवा
मोका हर बुरा सब्द क बदले मँ कछू अच्छा देइ जउन कि
सिमी आजु मोहसे कहेस ह।”

13एह बरे दाऊद अउ ओकर मनइयन अपने राहे पइ
खाले सरक स उतर आवइँ। किन्तु सिमी दाऊद क पाछे
लगा रहा। सिमी सरक क दूसर कइँती पहाड़ी क बगल
होइ के चलइ लाग। सिमी अपने राहे पइ दाऊद क

बुरा-भला कहत रहा। सिमी दाऊद पइ पाथर अउ धूरि भी
लोकाएस।
14राजा दाऊद अउर ओकर सबहिं लोग यरदन नदी पइ
पहोंचेन। राजा अउ ओकर लोग थक गए रहेन। एह बरे उ
पचे हुवाँ आराम किहन अउर आपन क ताज़ा किहेन।
15अबसालोम, अहीतोपेल अउ इस्राएल क सबहिं लोग
यरूसलेम आएन। 16दाऊद क एरेकी मीत हूसै अबसालोम
क लगे आवा। हूसै अबसालोम स कहेस, "राजा दीर्घायु
होइँ।। राजा दीर्घायु होइँ।"
17अबसालोम पूछेस, "तू आपन मीत दाऊद क बिस्सास
पात्र काहे नाहीं अहा? तू आपन मीत क संग यरूसलेम क
काहे नाहीं तज्या?"
18हूसै कहेन, "मइँ उ मनई क अहउँ, जेका यहोवा चुनत
ह। एन लोग अउ इस्राएल क लोग आप क चुनेन। मइँ
आपक संग रहब। 19बीते समइ मँ मइँ आप क बाप क
सेवा किहेउँ। एह बरे, अब मइँ दाऊद क पूत क सेवा
करब। मइँ आप क सेवा करब।"

अबसालोम अहीतोपेल स सलाह लेत ह

20अबसालोम अहीतोपेल स कहेस, "कृपा कइके मोका
बतावा कि का करइ चाही।"
21हीतोपेल अबसालोम स कहेस, "तोहार बाप आपन
कछू उप-पत्नियन क घर क देख-भाल क बरे तजेस ह। जा
अउर ओनके संग सारीरिक सम्बंध करा। तब सबहिं
इस्राएली इ जनिहीं कि तोहार बाप तोहसे घिना करत ह।
अउर तोहार सबहिं लोग तोहका जियादा समर्थन देइ बरे
उत्साहित होइहीं।"
22तब ओन लोग अबसालोम बरे महले क छते पइ एक
तम्बू डाएन अउ अबसालोम अपने बाप क रखैलन क संग
सारीरिक सम्बन्ध किहस। सबहिं इस्राएलियन एका लखेन।
23उ समइ, दाऊद अउ अबसालोम अहीतोपेल क सलाह क
बहोत महत्वपूर्ण समुझेस। इ ओतनी ही महत्वपूर्ण रही जेतनी
मनई बरे परमेस्सर क बात।

अहीतोपेल दाऊद क बारे मँ सलाह देत ह

17 अहीतोपेल अबसालोम स इ भी कहेस, "मोका
अब बारह हजार फउजी चुनइ द्या। तब मइँ आजु
क रात दाऊद क पाछा करब। 2मइँ ओका तब धरब जब उ
थका अउ कमजोर होइ। मइँ ओका ससाउब अउ ओकर
सबहिं मनई ओका तजिके परइहीं। किन्तु मइँ सिरिफ राजा
दाऊद क मारब। 3तब मइँ सबहिं लोगन क तोहरे लगे
वापस लिआउब। जदि दाऊद मरि गवा, तउ सबइ लोगन
क सान्ति प्राप्त होइ।"
4इ जोजना अबसालोम अउ इस्राएल क सबहिं प्रमुखन
क पसन्द आइ। 5किन्तु अबसालोम कहेस, "एरेकी हूसै क
अब बोलावा। मइँ ओहसे भी सुनइ चाहत अहउँ कि उ का
कहत ह।"

हूसै अहीतोपेल क सलाह नस्ट करत ह

6हूसै अबसालोम क लगे आवा। अबसालोम हूसै स
कहेस, "अहीतोपेल इ जोजना बताएस ह। का हम लोग यह
पइ अमल करी? जदि नाहीं तउ हमका, अपनी बतावा।"
7हूसै अबसालोम स कहेस, "इ समइ अहीतोपेल क
सलाह ठीक नाहीं अहइ।" 8उ आगे कहेस, "तू जानत ह
कि तोहार बाप अउ ओकर आदमी ताकतवार अहइँ। उ पचे
उ रीछनी क तरह खूँखार अहइँ जेकत बच्चन छोर लीन्ह
गवा होइँ। तोहार बाप कुसल जोधा अहइ। उ सारी रात
लोगन क संग नाहीं ठहरी। 9सायद उ पहिले स ही कउनो
गुफा या दूसर ठउरे पइ छुपा अहइ। जदि तोहार बाप तोहरे
मनइयन पइ पहिले हमला करत ह, तउ लोग एकर खबर
पइहीं, अउर उ पचे सोचिहीं, 'अबसालोम क समर्थक हारत
अहइँ।' 10तब उ पचे लोग भी जउन सेर क तरह वीर
अहइँ, ससाइ जइहीं। काहे? काहेकि सबहिं इस्राएली जानत
हीं कि तोहार बाप ताकतवर जोधा अहइ अउ ओकर मनई
वीर अहइँ।"
11"मोर सुझाव इ अहइ: तोहका दान स लइके बेर्सेबा
तलक सबहिं इस्राएलियन क बटोरइ चाही। तब बड़ी तादाद
मँ लोग समुद्दर क रेती क कणन क नाईं होइहीं। तब
तोहका खुद ओनकर जुद्ध मँ अगुवाइ करइ चाही। 12हम
पचे दाऊद क उ ठउरे स जहाँ उ लुकान अहइ, धइ लेब।
हम पचे दाऊद पइ बहोत सारा फउज स हमला करब, हम
लोग ओस क बहोत सारा बूँद क नाईं होब्या जउन कि
धरती पइ पड़त अहा। हम लोग दाऊद अउर ओकर सबहिं
मनइयन क मार डाउब। कउनो मनई क जिअत नाहीं बक्सा
जाइ। 13जदि दाऊद कउनो नगर मँ परात ह, तउ सबहिं
इस्राएली उ नगर मँ रस्सियन लिअइहीं अउर हम लोग उ
नगर क देवारन क तोड़ब अउर एका घाटी मँ बदल देब। उ
नगर मँ एक पाथर भी नाहीं बचब्या।"
14अबसालोम अउ सबइ इस्राएलियन कहेन, "एरैकी हूसै
क सलाह अहीतोपेल क सलाह स बेहतर अहइ।" उ पचे
अइसा कहेन काहेकि इ यहोवा क जोजना रही। यहोवा
अहीतोपेल क सलाह क ब्यर्थ करइ क नीक जोजना बनाए
रहा। इ तरह यहोवा अबसालोम क सजा दइ सकत रहा।

हूसै दाऊद क लगे चितउनी पठवत ह

15हूसै उ सबइ बातन याजकन, सदोक अउ एब्यातार स
कहेस। हुसै उ जोजना क बारे मँ ओनका बताएस जेका
अहीतोपेल अबसालोम अउ इस्राएल क प्रमुखन क सुझाए
रहा। हूसै सादोक अउ एब्यातार क उ जोजना भी बताएस
जेका उ सुझाए रहा। हूसै कहेस, 16"हाली। दाऊद क खबर
पठवा। ओहसे कहा कि आज क रात उ ओन ठउरन पइ न
रहइ जहाँ स लोग रेगिस्तान क पार करत हीं। अपितु यरदन
नदी क तुरन्त पार कइ ल्या। जदि उ नदी क पार कइ लेत
ह तउ राजा अउ ओकर लोग नाहीं धरा जइहीं।"
17याजकन क पूत योनातन अउ अहीमास, एनरोगेल पइ
प्रतीच्छा करत रहेन। उ पचे नगर मँ जात भए देखाँइ नाहीं
पड़इ चाहत रहेन। एह बरे एक ठु गुलाम लड़की ओनके
लगे आइ। उ ओनका सँदेसा दिहस। तब योनातन अउ
अहीमास गएन अउर उ पचे इ सँदेसा राजा दाऊद क दिहेन।

18किन्तु एक लरिका योनातन अउ अहीमास क लखेस।
लरिका अबसालोम स कहइ बरे दउड़ा। योनातन अउ
अहीमास तेजी स पराइ निकरेन। उ पचे बहारीम मँ एक ठु
मनई क घरे पहोंचेन। उ मनई क आँगन मँ एक कुआँ
रहा। योनातन अउ अहीमास इ कुआँ मँ उतर गएन। 19उ
मनई क पत्नी देवार पइ एक ठु चादर डाइ दिहस। तब उ
पूरे कुआँ क अन्न स ढाॅक दिहस। कुआँ अन्न क ढेर
जइसा देखाॅत रहा, एह बरे कउनो मनई इ नाहीं जान सकत
रहा कि योनातन अउ अहीमास हुवाँ छुपा रहेन। 20अबसालोम
क सेवकन उ घरे क मेहरारू क लगे गएन। उ पचे पूछेन,
"योनातन अउ अहीमास कहाँ अहइँ?"

उ मेहरारू अबसालोम क सेवकन स कहेस, "उ पचे
पहिले ही नाला क पार कइ गएन ह।"

अबसालोम क सेवकन तब योनातन अउ अहीमास क
खोज मँ चले गएन। किन्तु उ पचे ओनका न पाइ सकेन।
एह बरे अबसालोम क सेवकन यरूसालेम लउट गएन।

21जब अबसालोम क सेवक चले गएन, योनातन अउ
अहीमास कुआँ स बाहेर आएन। उ पचे गएन अउ उ पचे
दाऊद स कहेन, "हाली करा, नदी क पार जा। अहीतोपेल
इ सबइ बातन क तोहार खिलाफ करइ बरे जोजना बनावत
ह।" 22तब दाऊद अउ ओकर सबहिं लोग यरदन नदी क
पार चले गएन। सूरज निकरइ स पहिले दाऊद क सबहिं
लोग यरदन नदी क पार कइ चुके रहेन।

अहीतोपेल आत्महत्या करत ह

23अहीतोपेल लखेस कि इस्राएली ओकर सलाह नाहीं
मानतेन। अहीतोपेल अपने गदहे पइ काठी धरेस अउर
आपन ग्रह-नगर क वापिस हाँकिस। उ अपने परिवार क
पच्छ मँ एक वसीयत लिखेस। तब उ अपने क फाँसी
लगाइ लिहस। तब अहीतोपेल मर गवा, लोगन ओका
ओकरे बाप क कब्र मँ दफनाइ दिहन।

अबसालोम यरदन नदी क पार करत ह

24दाऊद महनैम पहोंचा।

अबसालोम अउ सबहिं इस्राएली जउन ओकरे संग रहेन,
यरदन नदी क पार कइ गएन। 25अबसालोम अमासा क
फउज क सेनापति बनाएस। अमासा योआब क जगह
लिहस। अमासा इस्राएली यित्रन क पूत-रहा। अमासा क
महतारी, सरूयाह क बहिन अउ नाहास क बिटिया,
अबीगैल रही (सरूयाह योआब क महतारी रही।)

26अबसालोम अउ इस्राएलियन आपन डेरा गिलाद प्रदेस
मँ डाएन।

सोबी, माकीर, बर्जिल्लै

27दाऊद महनैम पहोंचा। सोबी, माकीर अउ बर्जिल्लै उ
ठउरे पइ रहेन। (नाहास क पूत सोबी अम्मोनी नगर रब्बा
क रहा। अम्मीएल क पूत माकीर लोदबर क रहा अउर
बर्जिल्लै, गिलाद क रेगलीम स रहा।)

28-29उ पचे कहेन, "रेगिस्ताने मँ लोग थके, भुखान
अउ पिआसे अहइँ।" एह बरे उ पचे दाऊद अउ ओकरे
लोगन क खाइ क बरे इ सबइ चिजियन लिआएन: गोहूँ,
जौ, आटा, भूँजी अन्न क फलियन, तिल, झुरान बिआ,
सहद, माखन, भेड़िन अउ गइया क दूध क पनीर भी लइ
आएन। उ पचे दाऊद अउ ओकर लोगन क खाना
परोसेन। उ पचे बिछौना, खोरा अउ माटी क भांडी भी लइ
आएन।

दाऊद जुद्ध क तइयारी करत ह

18 दाऊद अपने लोगन क गनेस। उ हजार फउजियन
अउर सौ फउजियन क ऊपर सेनापतियन नियुक्त
किहेस। 2दाऊद लोगन क तीन टुकड़ियन मँ बाँटिस, अउर
तब दाऊद लोगन क आगे पठएस। योआब क भाई,
सरूयाह क पूत अबीसै दूसर एक तिहाई फउज क अगुवाइ
किहेस। अउर इत्तै जउन गात स रहा उ बचा भवा एक
तिहाइ फउज क अगुवाई किहेस।"

राजा दाऊद लोगन स कहेस, "मइँ भी तू लोगन क संग
चलब।"

3किन्तु लोग कहेन, "नाहीं। आप क हमरे संग नाहीं जाइ
चाही। काहे? काहेकि हम लोग जुद्ध स परानेन तउ
अबसालोम क फउजी परवाह नाहीं करिहीं। जदि हम आधा
मार दीन्ह जाइ तउ भी अबसालोम क फउजी पखाह नाहीं
करिहीं। किन्तु आप हम लोगन क दस हजार क बराबर
अहइँ। आप क बरे अच्छा अहइ कि आप नगर मँ रहइँ।
तब, जदि हम क मदद क जरूरत पड़इ तउ आप मदद कइ
सकइँ।"

4राजा अपने लोगन स कहेस, "मइँ उहइ करब जेका
आप लोग सर्वोत्तम समुझत हीं।"

तब राजा दुआर क बगल मँ खड़ा रहा। फउज आगे बढ़
गइ। उ पचे एक सौ अउ एक हजार क टुकड़ियन मँ
गएन।

"जुवक अबसालोम क संग कोमल रहा"

5राजा योआब, अबीसै अउ इत्तै क आदेस दिहस: "मोरे
बरे इ करा: जुवक अबसालोम क बरे कोमल रहा।" सबहिं
लोग अबसालोम क बारे मँ नायकन को राजा क आदेस
सुनेन।

दाऊद क फउज अबसालोम क फउज क हरावत ह

6दाऊद क फउज अबसालोम क इस्राएलियन क खिलाफ
रणभूमि मँ गइ। उ पचे एप्रैम क जँगल मँ जुद्ध किहन।
7दाऊद क फउज इस्राएलियन क हराइ दिहस। उ दिन बीस
हजार मनई मारे गएन। 8जुद्ध पूरे देस मँ फइल गवा।
किन्तु उ दिन तरवार स मरइ क अपेच्छा जँगल मँ मनई
जियादा मरेन।

9अइसा भवा कि अबसालोम दाऊद क सेवकन स
मिला। अबसालोम बच पराइ बरे अपने खच्चर पइ चढ़ा।
खच्चर बिसाल बाँज क बृच्छ क डारन क नीचे गवा। डारन
मोटी रहिन अउ अबसालोम क मूँड़ बृच्छ मँ फँस गवा।
ओकर खच्चर ओकरे नीचे स पराइ निकरा एह बरे
अबसालोम भुइँया क ऊपर लटका रहा।

10एक ठु मनई इ होत लखेस। उ योआब स कहेस,
“मइँ अबसालोम क एक बाँज बृच्छ मँ लटकत लखेउँ ह।”
11योआब उ मनई स कहेस, “तू ओका मार काहे नाहीं
डाया, अउर ओका जमीन पइ काहे नाहीं गिर जाइ दिहा?
मइँ तोहका एक जोद्धन-कमरबंध अउ चाँदी क दस
सिक्कन देतेउँ।” 12उ मनई योआब स कहेस, “मइँ राजा क
पूत क तब भी चोट पहोंचावइ क कोसिस नाहीं करतेउँ,
जहाँ तू मोका हजार चाँदी क सिक्कन देत्या। काहेकि हम
लोग, तोहका अबीसै अउ इत्तै क दीन्ह गए राजा क
आदेस क सुना। राजा कहेस, ‘होसियार रहा, जुवक अबसालोम
क चोट नाहीं पहोंचे।’ 13जदि मइँ अबसालोम क मार दिहे
होतेउँ, तउ राजा खुद एकर पता लगाइ लेतइ अउर तू मोर
बचाव बरे नाही आत्या।”
14योआब कहेस, “मइँ तोहरे संग समइ नस्ट नाहीं
करब।” अबसालोम अबहुँ बाँज बृच्छ मँ लटका भवा,
जिअत रहा। योआब तीन ठु भाला लिहस। उ भालन क
अबसालोम पइ लोकाएस। भालन अबसालोम क हिरदइ क
बेधत भए निकरि गएन। 15हुवाँ दस ठु जुवक रहेन जउन
योआब क हथियार लेइ जाइवाल रहेन। उ सबइ दस मनई
अबसालोम क चारिहुँ कइँती आएन अउर ओका मार डाएन।
16योआब तुरही बजाएस अउर अबसालोम क सैनिकन क
टोलियन क इस्राएली लोगन क पाछा करब बंद करइ क
संकेत देत रहेन। इ तरह उ दूसर जुद्ध स लोगन क बचाइ
लिहेस। 17तब योआब क मनइयन अबसालोम क ल्हास
उठाएन अउर ओका जँगल क एक बड़के गड़हे मँ फेंक
दिहन। उ पचे गड़हे क बहोत स पाथरन स भर दिहन।
सबइ इस्राएलियन आपन-आपन घरे क पराइ गएन।
18जब अबसालोम जिअत रहा, उ राजा क घाटी मँ एक
ठु खंभा खड़ा किहे रहा। अबसालोम कहे रहा, “मोर कउनो
पूत मोरे नाउँ क चलावइ वाला नाहीं अहइ।” एह बरे उ
खम्भा क आपन नाउँ दिहस। एह बरे एका आपन बाद नाउँ
दिहेस। इ खम्भा आजु भी “अबसालोम स्मारक” क रूप
जाना जात ह।

योआब दाऊद क खबर देत ह

19सादोक क पूत अहीमास योआब स कहेस, “मोका
अब दउड़ जाइ द्या अउर राजा दाऊद क खबर पहोंचावइ
द्या। मइँ ओहसे कहब कि यहोवा ओनका ओनके दुस्मनन
क हाथे स अजाद कइ दिहस ह।”
20योआब अहीमास क जवाब दिहस, “नाहीं, आजु तू
दाऊद क खबर नाहीं देब्या। तू खबर कउनो दूसरे समइ
पहोंचाइ सकत ह, किन्तु आजु नाहीं काहे? काहेकि राजा क
पूत मरि गवा ह।”
21तब योआब एक कूसी मनई स कहेस, “जा राजा स उ
सब कहा जउन तू लख्या ह।” कूसी योआब क प्रणाम
किहेस। तब कूसी दाऊद क खबर देइ दउड़ पड़ा।
22किन्तु सादोक क पूत अहीमास योआब स फुन पराथना
किहेस, “जउन कछू भी होइ, ओकर चिन्ता नाहीं, कृपा
कइके मोका भी कूसी क पाछे दउड़ जाइ द्या।” योआब
कहेस, “बेटे, तू समाचार काहे लइ जाइ चाहत अहा? तू
जउन समाचार लइ जाब्या ओकर कउनो पुरस्कार नाहीं
मिली।”
23अहीमास जवाब दिहस, “चाहे जउन होइ, चिन्ता नाहीं,
मइँ दाऊद क लगे दउड़ जाब।” योआब अहीमास स कहेस,
“दउड़!” तब अहीमास यरदन क घाटी स होइके दउड़ा उ
कूसी क पाछे छोड़ गवा!”

दाऊद खबर पावत ह

24दाऊद नगर क दुइनउँ फाटकन क बीच बइठा रहा।
पहरेदार फाटकन क देवारन क ऊपर छते पइ गवा। पहरेदार
धियान स लखेस अउ एक ठु मनई क अकेले दउड़त
लखेस। 25पहरेदार दाऊद स कहइ बरे जोर स गोहराएस।
राजा दाऊद स कहेस, “जदि मनई अकेला अहइ तउ उ
खबर लावत ह।” मनई नगर क निअरे स निअरे आवत
जात रहा। 26पहरेदार दूसर मनई क दउड़त लखेन। पहरेदार
दुआर रच्छक क बोलाएस, “लखा! दूसर मनई अकेले
दउड़त बा।” राजा कहेस, “उ भी समाचार लिआवत अहइ।”
27पहरेदार कहेस, “मोका लागत ह कि पहिला मनई
सादोक क पूत अहीमास क तरह दउड़त अहइ।”
राजा कहेस, “अहीमास अच्छा मनई अहइ। उ अच्छी
समाचार लावत रहा होइ।” 28अहीमास राजा क गोहराइ क
कहेस। “सब कछू बहोत नीक अहइ।” अहीमास राजा क
समन्वा प्रणाम करइ निहुरा। ओकर माथा भुइँया क करीब
रहा। अहीमास कहेस, “अपने यहोवा परमेस्सर क स्तुति
करा। मोर सुआमी राजा, यहोवा ओन मनइयन क हराइ
दिहेस ह जउन आप क खिलाफ रहेन।”
29राजा पूछेस, “का जुवक अबसालोम कुसल स अहइ?”
अहीमास जवाब दिहेस, “जब योआब मोका पठएस मइँ बड़ी
उत्तेजना भीड़ लखेउँ, किन्तु मइँ नाहीं जानत हउँ कि उ का
रहा?” 30तब राजा कहेस, “हिआँ आ अउर प्रतीच्छा करा।”
अहीमास हटके खड़ा होइ गवा अउ प्रतीच्छा करइ लाग।
31कूसी आवा। उ कहेस, “मोर सुआमी अउर राजा, मोर
लगे तोहार बरे अच्छा समाचार अहइ। आजु यहोवा ओन
सबइ लोगन क सजा दिहस ह जउन आप क खिलाफ
रहेन।”
32राजा कूसी स पूछेस, “का जुवक अबसालोम कुसल स
अहइ?” कूसी जवाब दिहस, “मोका आसा अहइ कि आप
क दुस्मन अउर सबहिं लोग जउन आप क खिलाफ चोट
करत अइहीं, उ पचे इ जुवक (अबसालोम) क तरह सजा
पइहीं।” 33तब राजा समुझ लिहस कि अबसालोम मर गवा
ह। राजा बहोत काँपत रहा ह। उ नगर दुआर क ऊपर क
कमरा मँ चला गवा अउर रोएस। जइसे ही उ गवा उ रोवा
अउर कहेस, “ऐ मोर पूत अबसालोम, मइँ चाहत हउँ कि
मइँ तोहरे बरे मर गवा होत। ऐ अबसालोम, मोर पूत, मोर
पूत।”

योआब दाऊद क फटकारत ह

19 लोग योआब क खबर दिहन। उ पचे योआब स
कहेन, “लखा, राजा अबसालोम बरे रोवत अहइ
अउर बहोत दुखी अहइ।”

2दाऊद क फउज उ दिन जीत पाए रही। मुला उ दिन
सबहिं लोगन बरे बहोत सोक क दिन होइ गवा। इ सोक
क दिन रहा, काहेकि लोग सुनेन, "राजा अपने पूत बरे
बहोत दुखी अहइ।"
3लोग नगर मँ चुपचाप आएन। उ पचे ओन लोगन क
तरह रहेन जउन जुद्ध मँ पराजित होइ गए होइँ अउ पराइ
आए होइँ। 4राजा आपन मुँहना ढाँपि लिहस। उ जोर-जोर स
अउ फूट-फूटि के रोवत रहा, "मोर पूत अबसालोम! मोर
पूत, मोर बेटवा।"
5योआब राजा क महल मँ आवा। योआब राजा स
कहेस, "आजु तू आपन सबहिं अधिकारियन क समन्वा
अपमानित भवा ह। आजु तोहार सेवकन तोहार जिन्नगी
बचाएन। उ पचे तोहरे पूतन, बिटियन, पत्नियन अउ
उप-पत्नियन क जिन्नगी क बचाएन। 6तोहार अधिकारियन
अपमानित महसूह करत ह कि तू ओनसे पिरेम करत ह
जउन तोहसे घिना करत हीं अउर तू ओनसे घिना करत ह
जउन तोहसे पिरेम करत हीं। आजु तू इ स्पस्ट कइ दिहा ह
कि तोहार अधिकारी अउ तोहार लोग तोहरे बरे कछू नाहीं
अहइँ। आजु मइँ समुझत हउँ कि जदि अबसालोम जिअत
रहत अउ हम सबहिं मार दिए गए होत तउ तोहका बड़ी
खुसी होत।
7"अब खड़ा ह्वा अउ आपन सेवकन स बात करा अउर
ओनका प्रोत्साहित करा। मइँ यहोवा क किरिया खाइके
कहत हउँ कि जदि तू इ करइ बाहेर नाहीं निकरत्या तउ
आजु क रात तोहार कउनो मनई नाहीं बची। बचपन स
आजु तलक तोह पइ जेतनी बिपत्तियन आई अहइँ, ओन सब
स इ बिपत्ति अउर बदतर होइ।"
8तब राजा नगर दुआर पइ गवा। खबर फइली कि राजा
नगर दुआरे पइ अहइ। एह बरे सबहिं लोग राजा क लखइ
आएन।

दाऊद फुन राजा बनत ह

सबहिं अबसालोम क समर्थक इस्राएली अपने घरन क
पराइ गए रहेन। 9इस्राएल क सबहिं परिवार समूहन क लोग
आपुस मँ तर्क-वितर्क करइ लागेन। उ पचे कहेन, "राजा
दाऊद हम क पलिस्तियन अउ हमार दूसर दुस्मनन स
बचाएस। मुला अब उ अबसालोम क समन्वा स पराइ गवा।
10हम लोग अबसालोम क अपने ऊपर सासन करइ बरे चुने
रहेउँ। किन्तु अब उ जुद्ध मँ मर चुका ह। हम लोगन क
दाऊद क फुन राजा बनावइ चाही।"
11राजा दाऊद याजकन सादोक अउ एब्यातार क सँदेसा
पठएस। दाऊद कहेस, "यहूदा क प्रमुखन स बात करा।
कहा, 'तू लोग अन्तिम परिवार समूह काहे अहा जउन राजा
दाऊद क अपने राजमहल मँ वापस लिआवइ चाहत अहा?
समूचइ इस्राएल मँ राजा क ओकर महल मँ वापिस
लिआवइ बरे जउन कछू भी कहा गवा, इ राजा तलक
पहोंच गवा ह। 12तू मोर भाइयन अहा, तू मोरे परिवार
अहा। फुन भी तोहार परिवार समूह राजा क महल मँ वापस
लिआवइ मँ अन्तिम काहे रहा?' 13अउर अमासा स कहा,
'तू मोरे परिवारे क अंग अहा। जदि तोहका अभी हीं स
योआब क जगह पइ सेना क नायक न बनावउँ, तउ
परमेस्सर मोका सजा देइ।'"
14दाऊद यहूदा क लोगन क दिल क जीत लिहेस। एह
बरे उ पचे एक ठु मनई क तरह एकमत होइ गएन। यहूदा
क लोग राजा क सँदेसा पठएन। उ पचे कहेन, "अपने
सबहिं सेवकन क संग वापस आवा।"
15तब राजा दाऊद यरदन नदी तलक आवा। यहूदा क
लोग राजा स भेंटइ गिलगाल आएन। उ पचे एह बरे आएन
कि उ पचे राजा क यरदन नदी क पार लइ जाइँ।

सिमी दाऊद स छमा-याचना करत ह

16गेरा क पूत सिमी बिन्यामीन परिवार समूह क रहा। उ
बहूरीम मँ रहत रहा। सिमी राजा दाऊद स भेंटइ क हाली
किहस। सिमी यहूदा क लोगन क संग आवा। 17सिमी क
संग बिन्यामीन परिवार क एक हजार लोग भी आएन।
साऊल क परिवार क सेवक सीबा भी आवा। सीबा अपने
संग अपने पन्द्रह पूतन अउ बीस सेवकन क लिआवा। इ
पचे सबहिं लोग राजा दाऊद स भेंटइ बरे यरदन नदी पइ
जल्दी स पहोंचेन।
18इ सबइ लोग यरदन नदी पार कइके राजा क परिवार
क यहूदा मँ वापस लिआवइ मँ मदद करइ बरे, अउर उ
सबइ कछू करइ बरे गएन जउन राजा चाहेस, गएन। जब
राजा नदी पार करत रहा, गेरा क पूत सिमी ओहसे मिलन
आवा। सिमी राजा क समन्वा भुइँया तलक प्रणाम करइ
निहुरा। 19सिमी राजा स कहेस, "मोर सुआमी, जउन मइँ
अपराध किहेउँ ओन पइ धियान न देइँ। मोर सुआमी राजा,
ओन बुरे करमन क याद न करइँ जेनका मइँ तब किहेउँ
जब आप यरूसलेम क तजेन। 20मइँ जानत हउँ कि मइँ
पाप किहेउँ ह। मोर सुआमी राजा, इहइ कारण अहइ कि
आजु मइँ यूसुफ क परिवार क पहिला मनई हउँ जउन आप
स मिलइ आवा ह।"
21किन्तु सरूयाह क पूत अबीसै कहेस, "सिम्मी क जरूर
मरइ चाही काहेकि इ यहोवा दुआरा अभिसिक्त भवा राजा
क सरापेस।"
22दाऊद कहेस, "सरूयाह क पूतो, मइँ तोहरे संग का
करउँ? आजु तू मोरे खिलाफ अहा। आजु इस्राएल मँ कउनो
मनई मारा नाहीं जाइ चाही। आजु मइँ जानत हउँ कि मइँ
इस्राएल क राजा हउँ।"
23तब राजा सिम्मी स कहेस, "तू मरब्या नाहीं।" राजा
सिम्मी क बचन दिहस कि उ सिमी क खुद नाहीं मारी।

मपीबोसेत दाऊद स मिलइ जात ह

24साऊल क पोता मपीबोसेत राजा दाऊद स भेंटइ आवा।
मपीबोसेत उ सारे समइ तलक अपने गोड़न क फिकर नाहीं
किहेस, अपनी मूँछन क कतरेस नाहीं या अपने ओढ़नन क
नाहीं धोएस जब तलक राजा यरूसलेम तजइ क पाछे फुन:
सान्ति क साथ वापस नाहीं आइ गवा। 25जब मपीबोसेत
यरूसलेम मँ राजा क लगे मिलइ आवा, राजा ओहसे प्रस्न
पूछेस: "मपीबोसेत तू मोरे संग उ समइ काहे नाहीं आया
जब मइँ यरूसलेम स भाग गवा रहेउँ?"

26मपीबोसेत जवाब दिहस, “हे राजा, मोर सुआमी। मोर
सेवक सीबा मोका मूरख बनाएस। मइँ सीबा स कहेउँ, ‘मइँ
विकलांग हउँ। एह बरे गदहे पइ काठी लगावा। तब मइँ
गदहे पइ बइठव, अउर राजा क संग जाब।’ 27किन्तु मोर
सेवक मोका धोखा दिहस। मोरे बारे मँ आप स बुरी बातन
कहेस। किन्तु हे, मोर सुआमी अउ राजा, परमेस्सर क एक
सरगदूत क समान अहइ। आप उहइ करइँ जउन आप
उचित समुझत हीं। 28आप मोरे पितामह क सारे परिवार क
मार दिहे होतेन। किन्तु आप इ नाहीं किहन। आप मोका
ओन लोगन क संग रखेन जउन आप क मेज पइ खात
हीं। एह बरे मइँ राजा स कउनो बात बरे सिकाइत करइ क
अधिकार नाहीं राखत।”
29राजा मपीबोसेत स कहेस, “अपनी समस्यन क बारे मँ
जियादा कछू जिन कहा। मइँ इ निर्णय करत हउँ। तू अउ
सीबा भुइयाँ क बँटवारा कइ सकत ह।”
30मपीबोसेत राजा स कहेस, “सीबा क सारी भुइँया लइ
लेइ द्या। काहे? काहेकि मोर सुआमी राजा अपने महल मँ
सान्तिपूर्वक लउट आएन ह।”

दाऊद बर्जिल्लै स अपने संग यरूसलेम चलइ क कहत ह

31गिलाद क बर्जिल्लै रोगलीम स आवा। उ राजा दाऊद
क संग नदी तलक आवा। उ राजा क संग, यरदन नदी पार
करावइ बरे गवा। 32बर्जिल्लै बहोत बूढ़ा मनई रहा। उ
अस्सी बरिस क रहा। जब दाऊद महनैम मँ ठहरा रहा तब
उ ओका भोजन अउ दूसर चिजियन दिहे रहा। बर्जिल्लै इ
सब कइ सकत रहा काहेकि उ बहोत धनी मनई रहा।
33दाऊद बर्जिल्लै स कहेस, “नदी क पार मोरे संग चला।
जदि तू मोरे संग यरूसलेम मँ रहब्या तउ हुवाँ मइँ तोहार
देखभाल करब।”
34किन्तु बर्जिल्लै राजा स कहेस, “का आप जानत हीं
कि मइँ केतना बूढ़ा हउँ? का आप सोचत हीं कि मइँ आप
क संग यरूसलेम का जाइ सकत हउँ? 35मइँ अस्सी बरिस
क हउँ। मइँ ऍतना जियादा बुढ़वा अहउँ कि मइँ इ नाहीं
बताइ सकत कि नीक का अहइ अउर बुरा का अहइ। मइँ
ऍतना जियादा बुढ़वा हउँ कि मइँ जउन खात पिअत हउँ
ओकर सुआद नाहीं लइ सकत हउँ। मइँ ऍतना बुढ़वा हउँ
कि मनसेधुअन अउ मेहरारूअन क गावइ क अवाज भी
नाहीं सुन सकत। एह बरे मोका काहे आपन सुआमी राजा
बरे एक बोझा बन के जोर जाइ चाही? 36मइँ आप क ओर
स पुरस्कार नाहीं चाहत। मइँ आप क संग यरदन नदी क
पार करब। 37मुला, कृपा कइके मोका वापस लउट जाइ
द्या। तब मइँ अपने नगर मँ मरब अउर अपने महतारी-बाप
क कब्र मँ दफनावा जाब। मुला इ किम्हाम आप क सेवक
होइ सकत ह। मोर सुआमी राजा ओका अपने संग लउटइ
देइँ। जउन आप चाहइँ, ओकरे संग करइँ।”
38राजा जवाब दिहस, “किम्हाम मोरे संग लउटी। मइँ
तोहरे कारण ओह पइ दयालु रहब। मइँ तोहरे बरे कछू भी
कइ सकत हउँ।”

दाऊद घरे लउटत ह

39राजा बर्जिल्लै क चूमेस अउर ओका आसीर्बाद दिहस।
बर्जिल्लै घरे लउट गवा अउर राजा सबहिं लोग क साथ
नदी क पार वापस गएन।
40यरदन नदी क पार होइके पाछे, राजा गिलगाल गवा।
किम्हाम ओकरे संग गवा, यहूदा क सबहिं लोग अउ आधे
इस्राएल क लोग दाऊद क नदी क पार पहोंचाएन।

इस्राएली यहूदा क लोगन स तर्क-बितर्क करत हीं

41सबहिं इस्राएली राजा क लगे आएन। उ पचे राजा स
कहेन, “हमार भाई यहूदा क लोग, आप क चुराइ लइ
गएन अउर आप क अउर आप क परिवार क, आप क
लोगन क संग यरदन नदी क पार लइ आएन। काहे?”
42यहूदा क सबहिं लोग इस्राएलियन क जवाब दिहन,
“काहेकि राजा हमारा निचके क रिस्तेदार अहइ। इ बात क
बरे आप लोग हम लोगन स कोहान काहे अहइँ? हम लोग
राजा क कीमत पइ खइया क नाहीं खावा ह। राजा हम
लोगन क कउनो भेंट नाहीं दिहस।”
43इस्राएलियन जवाब दिहन, “हम लोग दाऊद मँ दस
भाग* पावत अही। एह बरे हम लोगन क अधिकार दाऊद
पइ तोहसे जियादा अहइ। किन्तु तू लोग हम लोगन उपेच्छा
किहा। काहे? कउन हमार राजा क सब स पहिले वापस
लिआवइ क बात किहस।”
यह बरे यहूदा क लोग इस्राएल क लोगन क बड़ा गन्दा
जवाब दिहन।

सेबा दाऊद क खिलाफ बिद्रोह किहेन

20 उ जगह पइ एक परेसानी पइदा करइवाल बिक्री
क पूत सेबा नाउँ क मनई रहा। सेबा बिन्यामीन
परिवार समूह क रहा। उ तुरही बजाएस अउर कहेस,

“हम लोगन क कउनो हींसा दाऊद मँ नाहीं अहइ,
यिसै क पूत मँ हम पचन क कउनो अंस नाहीं अहइ।
पूरे इस्राएली, हम लोग अपने डेरन मँ घरे चले।”

2तब इस्राएलियन दाऊद क छोड़ दिहन, अउर बिक्री क
पूत सेबा क अनुसरण किहन। किन्तु यहूदा क लोग अपने
राजा क संग लगातार यरदन नदी स यरूसलेम तलक बने
रहेन।
3दाऊद अपने घरे यरूसलेम क आवा। दाऊद अपनी
उप-पत्नियन मँ स दस क घरे क देखभाल क बरे छोड़े
रहा। दाऊद एन मेहररूअन क एक बिसेस घरे मँ रखेस। उ
घरे क चारिहुँ कइँती रच्छकन राखेस। मेहररूअन उ घरे मँ
तब तलक रहिन जब तलक उ पचे मरी नाहीं। दाऊद
ओनका भोजन दिहस, किन्तु ओनके संग सारीरिक सम्बंध
नाहीं किहस। उ पचे मरइ क समइ तलक राँड़ रहिन।

दाऊद मँ दस भाग यहूदा अउर बिन्यामीन दुई परिवार समूह रहा जउन राज्ज क विभाजन क पाछे यहूदा क राज्ज बन गवा। अउर दूसर दस परिवार समूह इस्राएल क राज्ज मँ रहेन।

4राजा अमासा स कहेस, "यहूदा क लोगन स कहा कि उ पचे मोहसे तीन दिन क भीतर मिलइँ, अउर तोहका भी हिआँ आवइ क होइ अउर मोरे समन्वा खड़ा होइ क होइ।"

5तब अमासा यहूदा क लोगन क एक संग बोलावइ गवा। किन्तु उ, जेतना समइ राजा दिहे रहा, ओहसे जियादा समइ लिहस।

दाऊद अबीसै स सेबा क मारइ क कहत ह

6दाऊद अबीसै स कहेस, "बिक्री क पूत सेबा हम लोगन बरे ओहसे भी जियादा खतरनाक अहइ जेतना अबसालोम रहा। एह बरे मोरे सेवकन क ल्या अउर सेबा क पाछा करा। हाली करा एसे पहिले कि उ किलाबन्द नगर मँ घुस जाइ अउर हम लोगन स बच के निकल जाइ।"

7योआब क मनई करेती, पलेती अउ फउजी यरूसलेम स बाहेर गएन। उ पचे बिक्री क पूत सेबा क पाछा किहन।

योआब अमासा क मार डावत ह

8जब योआब अउर फउज गिबोन क बड़ा चट्टान तलक आइ, अमासा ओनसे मिलइ आवा। योआब अपने फउजी पोसाक मँ रहा। योआब पेटी बाँध रखे रहा। ओकर तरवार ओकरे म्यान मँ रही। 9योआब अमासा स पूछेस, "भाई, तू हर तरह कुसल स तउ अहा?"

योआब चूमइ बरे अपने दाएँ हाथ स, अमासा क ओकरी डाढ़ी क सहारे धरेस। 10अमासा उ तरवार पइ धियान नाहीं दिहेस जउन ओकरे हाथे मँ रही। योआब अमासा क पेट मँ तरवार घुसेड़ दिहस अउर ओकर आँतन भुइँया पइ आइ पड़िन। योआब क अमासा पइ दुबारा चोट नाहीं करइ पड़ी, उ पहिले ही मर चुका रहा।

दाऊद क लोग सेबा क खोज मँ लगे रहेन

तब योआब अउ ओकर भाई अबीसै दुइनउँ बिक्री क पूत सेबा क खोज जारी किटन। 11योआब क जुवकन मँ स एक ठु मनई अमासा क ल्हासे क लगे खड़ा रहा। उ जुवक कहेस, "हर एक मनई जउन योआब अउ दाऊद क समर्थन करत ह, ओका योआब क अनुसरण करइ चाहीं।"

12अमासा क ल्हास सड़क बीच मँ रहा सड़क ओकर खून स ढाँपि गवा। जुवकन लखेन कि सभी लोग ल्हास क लखइ बरे रुकत रहेन। एह बरे उ अमासा क ल्हास क लइ गवा अउर ओका मइदान मँ रख दिहस। तब उ अमासा क ल्हास पइ एक ठु कपड़ा डाइ दिहस। 13जब अमासा क ल्हास सड़किया स हटाइ लीन्ह गवा, सबहिं लोग ओकर पीछे चलेन अउ योआब क अनुसरण किहन। उ पचे बिक्री क पूत सेबा क पाछा करइ योआब क संग गएन।

सेबा आबेल बेतमाका क बच निकरत ह

14बिक्री क पूत सेबा सबहिं इस्राएल क परिवार समूहन स होत भवा आबेल बेतमाका पहोंचा। सबहिं बेरी लोग भी एक संग गएन अउर उ पचे सेबा क अनुसरण किहन।

15योआब अउ ओकर लोग आबेल बेतमाका आएन। योआब क फउज नगर क घेर लिहस। उ पचे नगर देवार क सहारे माटी क ढेर लगाएन। अइसा करइ क पाछे उ पचे देवार क ऊपर चढ़ सकत रहेन। तब योआब क फउजियन ओका नीचे गिरावइ बरे देवार स पाथरन क निकालइ सुरू किहन।

16एक बुद्धिमती मेहरारू नगर क ओर स चिचिआइ। उ कहेस, "मोरउ सुना। योआब क हिआँ बोलावा। मइँ ओहसे बात करइ चाहत हउँ।"

17योआब उ मेहरारू क लगे बात करइ गवा। उ मेहरारू पूछेस, "का तू योआब अहा?" योआब जवाब दिहस, "हाँ, मइँ अहउँ।"

तब उ मेहरारू योआब स कहेस, "मइँ जउन कहउँ सुना।" योआब कहेस, "मइँ सुनत हउँ।"

18तब उ मेहरारू कहेस, "पुराने जमाने मँ लोग कहत रहेन, 'आबेल मँ सलाह माँगा तब समस्या सुलझ जाइ।'
19मइँ इस्राएल क राजभक्त अउ सान्ति क चहेता लोगन मँ स एक हउँ। तू इस्राएल क एक महत्वपूर्ण नगर क नस्ट करत अहा। तोहका, उ कउनो भी चीज, जउन यहोवा क अहइ, नस्ट नाहीं करइ चाही।"

20योआब कहेस, "नाहीं, मइँ कछू भी नस्ट नाहीं करइ चाहत। 21मुला हुवाँ तोहार नगर मँ एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस क एक ठू मनई अहइ। उ बिक्री क पूत सेबा अहइ। उ राजा दाऊद क बिरूद्ध होइ गवा ह। जदि तू ओका मोरे लगे लिआवा तउ मइँ नगर क सान्त छोड़ देबउँ।"

उ मेहरारू कहेस, "बहोत ठीक, ओकर मूँड़ देवारे क ऊपर स तोहरे बरे लोकाइ दीन्ह जाइ।"

22तब उ मेहरारू बड़ी बुद्धिमानी स नगर क सबहिं लोगन स बातन किहस। लोग बिक्री क पूत सेबा क मूँड़ काट डाएन। तब लोग योआब बरे सेबा क मूँड़ नगर क देवार स लोकाइ दिहन। एह बरे योआब तुर्रुही बनाएस अउर फउज नगर क तजि दिहस। हर एक मनई अपने घरे मँ गवा, अउर योआब राजा क लगे यरूसलेम लउटा।

दाऊद क सेवक लोग

23योआब इस्राएल क सारी फउज क नायक रहा। यहोयादा क पूत बनायाह, करेतियन अउ पलेतियन क संचालन करत रहा। 24अदोराम ओन लोगन क संचालन करत रहा जउन कठिन मेहनत करइ बरे मजबूत रहेन। अहीलूद क पूत यहोसापात इतिहासकार रहा। 25सेबा साही सचिव रहा। सादोक अउ एब्यातात याजक रहेन। 26अउर याईरी ईरा दाऊद क याजक रहा।

साऊल क परिवार दण्डित भवा

21 दाऊद क सासन काल मँ भुखमरी आवा। इ लगातार तीन बरिस तलक रही। दाऊद यहोवा स पराथना किहेस। यहोवा जवाब दिहस, "इ भुखमरी क कारण साऊल अउ ओकर हत्यारा परिवार अहइ। अब भुखमरी आइ काहेकि साऊल गिबोनियन क मार डाएस।" 2(गिबोनी इस्राएली नाहीं रहेन। उ पचे अइसे एमोरियन क समूह रहेन जउन अबहुँ तलक जिअत छोड़ दीन्ह गए रहेन। इस्राएलियन गिबोनियन स प्रतिग्या किहे रहेन कि उ पचे ओन क चोट

नाहीं पहूँचइहीं। किन्तु साऊल इस्राएल अउ यहूदा क लोगन क बारे मँ आपन भावना क कारण ओन लोगन क मारइ क जतन किहेन)

राजा दाऊद गिबोनी क एक संग बटोरेस। उ ओनसे बातन किहस। **3**दाऊद गिबोनी स कहेस, "मइँ आप लोगन बरे का कइ सकत हउँ? मोका इस्राएलियन क पापन क हटावइ बरे का करइ चाही। जेहसे आप लोग यहोवा क लोगन क आसीर्बाद दइ सकइँ?"

4गिबोनी दाऊद स कहेस, "साऊल अउ ओकरे परिवार क लगे एतना सोना-चाँदी नाहीं अहइ कि उ पचे ओका कीमत चुकाइ सकइँ जउन उ पचे किहेन। किन्तु हम लोगन क लगे इस्राएल क कउनो मनई क भी मारइ क अधिकार नाहीं अहइ।" दाऊद पूछेस, "किन्तु मइँ तोहरे बरे का कइ सकत हउँ?"

5गिबोनी दाऊद स कहेस, "साऊल हमरे खिलाफ जोजनन बनाएस। उ हमरे सबहिं लोगन क, जउन इस्राएल मँ रहत अहइँ, नस्ट करइ क जतन किहस। **6**साऊल क सात पूतन क हम लोगन क सुर्पुद करा। साऊल यहोवा क चुना भवा राजा रहा। तब हम लोग ओनका साऊल क गिबा पर्वत पइ यहोवा क समन्वा फाँसी चढ़ाइ देब।"

राजा दाऊद कहेस, "मइँ ओन पूतन क तोहका दइ देब।" **7**किन्तु राजा योनातन क पूत मपीबोसेत क रच्छा किहेस। योनातन साऊल क पूत रहा। दाऊद यहोवा क नाउँ पइ योनातन स प्रतिग्या किहे रहा। एह बरे राजा मपीबोसेत क ओनका चोट नाहीं पहोंचावइ दिहस। **8**किन्तु राजा अर्मोनी अउर मपीबोसेत क जउन रिस्पा अउर साऊल क पूतन क रहेन, लिहस। रिस्पा अय्या क बिटिया रही। राजा रिस्पा क एन दुइ पूतन अउ साऊल क बिटिया मेरब क पाँचहु पूतन क लिहस। उ महोल नगर क निवासी बर्जिल्लै क पूत अद्रीएल स बियाह किहे रहेन। **9**दाऊद एन सात पूतन क गिबोनियन क सुर्पुद कइ दिहस। तब गिबोनियन ओनका यहोवा क समन्वा गिबा पर्वत पइ फाँसी दइ दिहस। सबइ सातहुँ पूत एक संग मरेन। उ पचे फसल क कटनी क पहिले दिन मार डाए गएन। जौ क कटनी सुरु होइ जात रही।

दाऊद अउ रिस्पा

10अय्या क बिटिया रिस्पा सोक क वस्त्र लिहेस अउ ओका चट्टान पइ रख दिहस। उ वस्त्र फसल क कटनी सुरू होइ स लइके जब तलक बर्खा भइ चट्टान पइ पड़ा रहा। दिन मँ रिस्पा अपने पूतन क ल्हास क अकासे क पंछियन क जरिये छुअइ नाहीं देत रही। राति क रिस्पा खेतन क जनावरन क अपने पूतन क ल्हासन क छुअइ नाहीं देत रही।

11लोग दाऊद क बताएन, जउन कछू साऊल क उप-पत्नी, अय्या क बिटिया रिस्पा करत रही। **12**तब दाऊद साऊल अउ योनातन क अस्थियन याबेस गिलाद क लोगन स लिहस। (याबेस क मनइयन एन अस्थियन क बेतसान क सार्वजनिक चौ-राहे स चुरइ लिहे रहेन, जहाँ पलिस्तियन साऊल अउ योनातन क ल्हासन क लटकावा रहा।) **13**दाऊद, साऊल अउ ओकर पूत योनातन क अस्थियन क याबेस गिलाद से लिआवा। तब लोग सात मनइयन क ल्हासन क बटोरेन, जउन फाँसी पइ चढ़ाइ दिन्ह ग रहेन। **14**उ पचे साऊल अउ ओकर पूत योनातन क अस्थियन क बिन्यामीन छेत्र क, जेला जगह मँ दफनाएस। लोग ल्हासन क साऊल क बाप कीस क कब्र मँ दफनाएन। लोग उ सब किहन जउन राजा आदेस दिहस। तब परमेस्सर देस क बरे कीन्ह गइ ओकर पराथना सुनेस।

पलिस्तियन क संग जुद्ध

15पलिस्तियन इस्राएलियन क खिलाफ जुद्ध छेड़ेन। दाऊद अउ ओकर लोग पलिस्तियन स लड़इ गएन। किन्तु दाऊद थक गवा अउर कमजोर होइ गवा। **16**यिसबोबनोब एक दैत्य* रहा। यिसबोबनोब क भाले क वजन साढ़े सात पौण्ड रहा। यिसबोबनोब क लगे एक ठु नई तरवार रही। उ दाऊद क मार डावइ क जतन किहेस। **17**किन्तु सरूयाह क पूत अबीसै उ पलिस्ती क मार डाएस अउ दाऊद क जिन्नगी क बचाएस।

तब दाऊद क लोग दाऊद स प्रतिग्या किहेस। उ पचे ओहसे कहेन, "तू हम लोगन क संग भविस्स मँ जुद्ध करइ नाहीं जाइ सकत्या। जदि तू फुन जुद्ध मँ जात ह अउर मार दीन्ह जात ह तउ इस्राएल अपने सब स बड़े मार्ग दर्सक क खोइ देइ।"

18ओकरे पाछे पलिस्तियन क संग गोब मँ दूसर जुद्ध भवा। हूसाई सिब्बकै सप नाउँ क एक दूसर दैत्य क मार डाएस।

19तब गोब मँ पलिस्तियन क बिरूद्ध दूसर जुद्ध छिड़ा। यारयोरगीम क पूत एलहनान जउन बेतलेहेम क रहा, लहमी क मार डाएस जउन गात स गोल्यात क भाइ रहा। लहमी क भाला जुलाहे क छड़े क बराबर लम्बा रहा।

20गात मँ फुन दूसर जुद्ध सुरू भवा। हुवाँ एक बिसाल मनई रहा। उ मनई क हर एक हाथे मँ छ: छ: उँगरियन अउ हर एक गोड़े मँ छ: छ: अँगूठे रहेन। सब मिलाइके ओकर चौबीस उंगरियन अउ अंगूठे रहेन। उ मनई भी दैत्यन मँ स एक रहा। **21**इ मनई इस्राएल क संग दलाली किहेस अउर ओनका ललकारेस। किन्तु योनातन इ मनई क मार डाएस। (योनातन दाऊद क भाई सिमी क पूत रहा।)

22इ सबइ चारिहुँ मनई दैत्य रहेन जउन गत क रहेन। उ पचे सबहिं दाऊद अउ ओकरे लोगन क जरिये मारे गएन।

यहोवा क स्तुति बरे दाऊद क गीत

22 दाऊद यहोवा बरे इ गीत गाएस जब यहोवा ओका साऊल अउर ओकर दूसर दुस्मनन स बचाएस।

2यहोवा मोर चट्टान, मोर गढ़, मोर सरण-ठउर अहइ।

3मइँ परमेस्सर मोर चट्टान अहइ। मई सुरच्छा बरे एह पई दउड़ सकत ही। परमेस्सर मोर ढाल अहइ। ओकर सक्ती

दैत्य या "रापा (रपाई)" क पूतन रहेन।

मोका बचावत ह। यहोवा मोर ऊँच गढ़ अहइ, अउर मोर
सुरच्छा क जगह अहइ। मोर परमेस्सर क्रूर दुस्मन स मोर
रच्छा करत ह।
4यहोवा जउन अराधना क योग्य अहा! मइँ मदद बरे
यहोवा क गोहराएउँ। यहोवा मोका मोरे दुस्मनन स बचाएस ह।
5मोर दुस्मन मोका मारइ चाहत रहेन। मउत-तरंगन मोका
लपेट लिहन। मइँ बाढ़ दुआरा पकड़ लीन्ह गवा रहा जउन
मोका मृत्यु क जगह पई लइ जात रहा ह।
6कब्र क लसुरियन मोरे चारिहुँ ओर लिपटिन, मइँ मउत
क जालि मँ फँसेउँ।
7मइँ बिपत्ति मँ रहा, किन्तु मइँ यहोवा क गोहराएउँ। हाँ,
मइँ अपने परमेस्सर क गोहराएउँ, उ अपने उपासना-घरे मँ
रहा, उ मोर पुकार सुनेस, मोर मदद क पुकार ओकरे काने
मँ पड़ी।
8तब धरती मँ काँप भइ, धरती डोल उठी, अकासे क
नीव काँप उठेन। काहे? काहेकि यहोवा कोहान रहा।
9ओकरी नाक स धुआँ निकरा, ओकरे मुँहे स आग क
सोला छिटकिन, ओहसे दहकत अंगारन निकरि पड़ेन।
10यहोवा अकासे क फाड़िके खोल डाएस, अउर खाले
आवा। उ सघन करिया मेघ पइ खड़ा भवा।
11यहोवा करूब दूत पइ बइठा, अउर उड़ा, उ हवा क
पंखन पइ चढ़िके उड़ गवा।
12यहोवा तम्बू क जइसा करिया मेघन क अपने चारिहुँ
कइँती लपेट लिहस। उ सघन मेघन मँ जल जमा किहेस।
13ओकर तेज एतना प्रखर रहा, माना बिजुरी क चमक
हुवँइ स आई होइ।
14यहोवा गगन स गरजा। परमेस्सर, बहोत ऊँचा, बोला।
15यहोवा बाण स दुस्मनन क बिखराएस, यहोवा बिजुरी
पठएस, अउर लोग भय स भागेन।
16यहोवा तू जोर स बोलेस अउर जोरदार हवा तोहार
नाथुन स निकलेस। एँह बरे हुआँ धरती क नेंव अउ सागर
क तल सबइ क लखइ बरे प्रदर्सित कीन्ह गवा रहेन।
17यहोवा गगन स खाले पहोंचा, यहोवा मोका धइ
लिहस, उ मोका गहरे जल (बिपत्ति) स निकार लिहस।
18उ ओन लोगन स बचाएस, जउन घिना करत रहेन,
मोहसे मोर दुस्मन मोहसे जियादा ताकतवर रहेन, एह बरे उ
मोर रच्छा किहस।
19मइँ बिपत्ति मँ रहा, जब मोरे दुस्मनन क मोह पइ
हमला भवा, किन्तु मोर यहोवा मोर मदद किहस।
20यहोवा मोका सुरच्छा मँ लइ आवा, उ मोर रच्छा
किहस, काहेकि उ मोहसे पिरेम करत ह।
21यहोवा इमानदारी क अनुसार मोका पुरस्कार देत ह।
यहोवा मोका पुरस्कार देत ह काहेकि मोर हाथ पाप रहित
अहइँ।
22काहे? काहेकि मइँ यहोवा क नेमन क पालन किहेउँ।
मइँ अपने परमेस्सर क खिलाफ पाप नाहीं किहेउँ।
23मइँ सदा याद करत हउँ यहोवा क निर्णय, मइँ ओकरे
नेमन क मानत हउँ।
24यहोवा जानत ह-मइँ अपराधी नाहीं अहउँ, मइँ अपने
क पापन स दूर रखत हउँ।
25इहइ कारण अहइ कि यहोवा मोका मोर ईमानदारी क
अनुसार पुरस्कार देत ह, मइँ निआव मँ उचित रहत हउँ।
यहोवा लखत ह, कि मइँ स्वच्छ जिन्नगी बितावत हउँ।
26जदि कउनो मनई तोहसे पिरेम करी तउ तू, आपन
पिरेम स पूर्ण दाया ओह पइ करब्या। जदि कउनो तोहरे बरे
सच्चा अहइ, तब तू भी ओकरे बरे सच्चा होब्या।
27जदि कउनो तोहरे बरे अच्छी जिन्नगी बितावत ह, तब
तू ओकरे बरे अच्छा बनब्या। किन्तु जदि कउनो मनई तोहरे
खिलाफ होत ह, तब तू भी ओकरे बिरुद्ध होब्या।
28तू बिनम्र लोगन मदद करत ह। किन्तु तू घमण्डी
लोगन क अपमानित करत ह।
29यहोवा तू मोर दीपक अहा, यहोवा मोरे चारिहुँ ओर क
अँधेरे क प्रकास मँ बदलत ह।
30तू फउजिन क दल क हराबइ मँ मोर मदद करत ह।
परमेस्सर क सक्ती स मइँ देवार क ऊपर चढ़ सकत हउँ।
31परमेस्सर क सक्ती पूर्ण अहइ। यहोवा क बचन क
जाँच होइ चुकी अहइ। यहोवा रच्छा बरे, अपने लगे
पराइवाले हर मनई क ढाल अहइ।
32यहोवा क अलावा कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं, हमरे
परमेस्सर क अलावा दूसर कउनो आस्रय-सिला नाहीं।
33परमेस्सर मोर मजबूत गढ़ अहइ। उ सुद्ध आतिमन क
ओकर राह पइ रहइ बरे मदद करत ह।
34यहोवा मोरे गोड़न क हिरन क गोड़न-स तेज बनावत
ह, उ उच्च ठउरन पइ मोका मजबूत करत ह।
35यहोवा मोका जुद्ध बरे सिच्छा देत ह। अउर मोर भुजा
पीतर क धनुस क चलाइ सकत हीं।
36परमेस्सर तू मोर रच्छा करत ह अउर जीत मँ मोर
मदद करत ह। तू दुस्मन क हराइ बरे मोर मदद किहेस ह।
37मोर गोड़न अउ टख़नन क मज़बूत करा, जेहसे मोर
गोड़ फिसलइ नाहीं।
38मइँ अपने दुस्मनन क पाछा, ओनका नस्ट करइ तलक
किहेउँ। मइँ तब तलक नाहीं लउट सकत हउँ, जब तलक
दुस्मन नस्ट नाहीं भएन।
39मइँ अपने दुस्मनन क नस्ट किहेउँ ह, मइँ ओनका पूरी
तरह नस्ट किहेउँ ह, उ पचे फुन उठ नाहीं सकतेन, हाँ मोर
दुस्मन मोरे गोड़न क तले गिरेन।
40परमेस्सर तू मोका जुद्ध बरे, ताकतवर बनाया। तू मोरे
दुस्मनन क हराया ह।
41तू मोरे दुस्मनन क भगाया ह, एह बरे मइँ ओन लोगन
क हराइ सकत हउँ, जउन मोहसे घिना करत हीं।
42मोर दुस्मनन मदद बरे लखेन, किन्तु ओनकर रच्छक
कउनो नाहीं रहा। उ पचे यहोवा स मदद माँगेन, मुला उ
ओनका जवाब नाहीं दिहस।
43मइँ अपने दुस्मनन क कूटिके टूकन-टूकन करत हउँ,
उ पचे भुइँया पइ धूरि स होइ जात हीं। मइँ ओनका सड़क
क कींच क तरह रौंद दिहेउँ।
44तू तब मोका उ लोगन स बचाएस ह जउन मोरे
बिरुद्ध लड़ाई किहन। तू मोका रास्ट्रन क सासक बनाए
रख्या। लोग मोर सेवा करिहीं, जेनका मइँ अबहुँ तलक
नाही जानत हउँ!

45दूसर भूइँया क लोग मोर आग्या मानत हीं, जइसे ही
सुनत हीं, तउ हाली ही मोर आग्या मानत हीं।
46दूसर देसन क लोग भयभीत होइहीं, उ पचे अपने
छिपइ क जगहियन स भय स काँपत निकरिहीं।
47यहोवा जीवित अहइ। मइँ आपन चट्टान क स्तुति
करत हउँ। परमेस्सर महान अहइ, उ चट्टान अहइ जउन
मोर रच्छा करत ह।
48उ परमेस्सर अहइ, जउन मोरे दुस्मनन क मोरे बरे सजा
देत ह। उ लोगन क मोरे अधीन करत ह।
49यहोवा तू मोका मोरे दुस्मनन स बचाएस ह। हाँ, तू उ
लोगन क हराइ मँ मदद किहेस ह जउन मोरे खिलाफ
उठेस। तू मोका क्रूर लोगन स बचाएस ह।
50हे यहोवा, इहइ कारण अहइ कि मइँ रास्ट्रन क बीच
मँ तोहका धन्यवाद दिहेउँ, इहइ कारण अहइ कि मइँ तोरे
नाउँ क स्तुति गीत गावत हउँ।
51यहोवा अपने राजा क मदद, बहोत स जुद्ध मँ बिजय
पावइ मँ करत ह, यहोवा अपने अभिसिक्त भवा राजा पइ
सच्चा पिरेम अउ दाया दिखावत ह। उ दाऊद अउ ओकर
सन्तान पइ सदा दयालु रहब।

दाऊद क आखिरी सब्द

23 इ सबइ यिसै क पूत दाऊद क अन्तिम सब्द
अहइँ, दाऊद इ गीत गाएस:
इ सँदेस उ मनई स रही जेका परमेस्सर महान बनाएस, उ
याकूब क परमेस्सर क जरिये चुना गवा राजा अहइ, उ
इस्राएल क प्रिय गायक अहइ।
2यहोवा क आतिमा मोरे माध्यम स बोलेस। ओकर सब्द
मोरी जीभ पइ रहेन।
3इस्राएल क परमेस्सर बातन किहन। इस्राएल क आस्रय,
चट्टान मोहसे कहेस, "उ मनई जउन लोगन पइ निआउपूर्ण
सासन करत ह, उ मनई जउन परमेस्सर क सम्मान दइके
हुकूमत करत ह।
4उ भिंसारे क प्रकास क नाईं होइ; उ मनई मेघहीन सबेरे
क तरह होइ, उ मनई उ बर्खा के बाद धूप क नाईं होइ;
बर्खा जउन भुइँया मँ कोमर घास उगावत ह।"
5परमेस्सर मोरे परिवार क ताकतवर बनाए रहा। परमेस्सर
मोरे संग सदा ही क बरे एक ठु वाचा किहेस, परमेस्सर
मोर संग इ हमेसा रहइवालन करार क सच्चा अउर
सुरच्छित बनाएस ह। एह बरे उ मोका हर बिजय दिलाउब्या।
उ मोर सबइ इच्छा क पूरा करब!
6मुला सबहिं बुरे मनई काँटन क तरह अहइँ। लोग
काँटन क नाहीं पकड़ कइ नाहीं रखतेन, उ पचे ओनका दूर
लोकाइ देत हीं।
7जदि कउनो मनई ओनका छुअत ह, तउ उ पचे भाले
क दण्ड क तरह चुभत हीं जउन काठे अउ लोहा स बना
होइ। उ पचे ओन काँटन क तरह होइहीं। उ पचे आगी मँ
झोंक दीन्ह जइहीं, अउर उ पचे पूरी तरह भस्म होइ जइहीं।

तीन महाजोधा

8दाऊद क फउजियन क नाउँ इ सबइ अहइँ: तहकमोनी
क रहइवाला योसेब्यस्सेबेत। योसेब्यस्सेबेत राजा क बिसेस
सैनिकन क प्रमुख रहा। योसेब्यस्सेबेत एक दाईं मँ आठ सौ
मनइयन क मारे रहा।
9ओह स अगला अहोही स दोदै क पूत एलीआजर रहा।
एलीआजर ओन तीन बहादुरन मँ स एक रहा, जउन दाऊद
क संग उ समइ रहेन जब उ पचे पलिस्तियन क चुनौती
दिहे रहेन। पलिस्तियन एक संग जुद्ध बरे तब आए रहेन,
किन्तु इस्राएली फउज भाग गए रहेन। 10एलीआजर पलिस्तियन
क संग तब तलक लड़त रहा जब तलक उ बहोत थक
नाहीं गवा। किन्तु उ अपनी तरवार क मजबूते स धरे रहा
अउर जुद्ध करत रहा। उ दिन यहोवा इस्राएलियन क बड़की
बिजय दिहस। लोग तब आएन जब एलीआजर जुद्ध जीत
चुका रहा। किन्तु उ पचे सिरिफ मृत फउजन स अस्त्र-सस्त्र
अउ कवचन लेइ बरे आएन।
11ओकरे बाद हरार क रहइवाला आगे क पूत सम्मा
रहा। पलिस्ती एक संग मसूर क खेत मँ लड़इ बरे आए
रहेन। लोग पलिस्तियन क समन्वा स पराइ गए रहेन।
12सम्मा खेते क बीच खड़ा रहा। उ ओकर रच्छा किहेस
अउर पलिस्तियन क हराइ डाएस। उ समइ यहोवा बड़की
बिजय दिहस।
13एक दाईं जब दाऊद अदुल्लाम क गुफा मँ रहा। तीस
जोधन मँ स तीन दाऊद क लगे आएन। इ सबइ तीनहुँ
मनई अदुल्लाम क गुफा तलक रेंगंत भए दाऊद क लगे
आएन। पलिस्ती फउज आपन डेरा रपाईम क घाटी मँ डाए
रही।
14उ समइ दाऊद किले मँ रहा। पलिस्तियन क एक
फउज टुकरी बेतलेहेम मँ रहेन। 15दाऊद क बड़ी इच्छा रही
कि ओका गृह-नगर क पानी मिलइ। दाऊद कहेस, "ओह,
मइँ चाहत हउँ कि कउनो मनई बेतलेहेम क नगर-दुआर क
लगे क कुएँ क पानी मोका देइ।"
16किन्तु तीनहुँ जोधा पलिस्ती फउज क संग लड़त भए
आपन मारग स निकल गएन। एन तीनहुँ बहादुरन बेतलेहेम
क नगर-दुआर क निचके क कुएँ स पानी निकारेन। तब
तीनहुँ बहादुर दाऊद क लगे पानी लइके आएन। किन्तु
दाऊद पानी पिअइ स इन्कार कइ दिहस। उ यहोवा क
समन्वा ओका भेंटन क रूप मँ भुइँया पइ डाइ दिहस।
17दाऊद कहेस, "यहोवा, मइँ एका पी नाहीं सकतेउँ। इ
ओन मनइयन क खून पिअइ जइसा होइ जउन अपनी
जिन्नगी क मोरे बरे खतरे मँ डाएन।" इहइ कारण रहा कि
दाऊद उ पानी पिअब अस्वीकार किहस। एन तीनहुँ जोधन उ
तरह क अनेक कारज किहेन।

दूसर बहादुर फउजी

18सरूयाह क पूत, योआब क भाई अबीसै तीनहुँ जोधन
क प्रमुख रहा। अबीसै अपने भाले क उपयोग तीन सौ
दुस्मनन पइ किहस अउर ओनका मार डाएस। उ एँतना ही
प्रसिद्ध भवा कि जेतने तीन ठु जोधा। 19अबीसै बाकी तीन
जोधन स जियादा सम्मान पाएस। उ ओनकर प्रमुख होइ
गवा, यद्यपि उ ओन मँ स एक नाहीं रहा।

20यहोयादा क पूत बनायाह एक रहा। उ ताकतवर मनई
क पूत रहा। उ कबसेल क निवासी रहा। बनायाह अनेक
बहादुरी क काम किहस। बनायाह मोआब क अरियल क
दुई उत्तम फउजियन क मार डाएस। जब बर्फ गिरत रही,
बनायाह एक ठु गड़हे मँ खाले गवा अउर एक ठु सेर क
मार डाएस। 21बनायाह एक ठु मिस्री क मारेस जउन
ताकतवर जोधा रहा। मिस्री क हाथे मँ एक ठु भाला रहा।
किन्तु बनायाह क हाथे मँ एक ठु लाठी रही। बनायाह
मिस्री क हाथे क भाले क धइ लिहस अउर ओहसे छोर
लिहस। तब बनायाह मिस्री क भाले स मिस्री क मार
डाएस। 22यहोयादा क पूत बनायाह उ तरह क अनेक काम
किहेस। बनायाह तीन बहादुरन क जइसा प्रसिद्ध रहा।
23बनायाह क तीन जोधन स भी अधिक सम्मान पाएस,
किन्तु उ तीन जोधन मँ स नाहीं रहा। बनायाह क दाऊद
अपने रच्छकन क प्रमुख बनाएस।

तीस महाजोधा

24तीस जोधन मँ स एक ठु योआब क भाई असाहेल
रहा। तीस जोधन क समूह मँ स दूसर मनई इ सबइ रहेन:
बेतलेहेम क दोदो क पूत एल्हानन; 25हेरोदी सम्मा, हेरोदी
एलीका, 26पेलेती हेलेस, तकोई इक्केस क पूत इरा;
27अनातोती क एबीएजेर; हूसाई मबुन्नै; 28अहोही सल्मोन,
नतोपाही महरै; 29नतोपाही क बाना क पूत हेलेब, बिन्यामीनी
गिबा क रीबै क पूत हुत्तै; 30पिरातोनी बनायाह, गास क
नालों क हिद्दै; 31अराबाई अबीअल्बोन, बहूरीमी अजमावेत;
32सालबोनी एल्याहबा, यासेन क पूतन; 33हरारी सम्मा क
पूत योनातान, हरारी सारार क पूत अहीआम; 34माकाई
अहसबै क पूत एलीपेलेप्त, गीलोई अहीतोपेल क पूत
एलीआम; 35कर्म्मेली हेस्रो, अराबी पारै; 36सोबाई क नातान
क पूत यिगाल, गादी बानी; 37अम्मोनी सेलेक, बेरोती क
नहरै; (नहरै सरूयाह क पूत योआब क कवच लइ जात
रहा); 38येतेरी ईरा, येतेरी गारेब; 39अउर हित्ती ऊरिय्याह सब
मिलाइके इ सबइ सैंतीस रहेन।

दाऊद अपनी फउज क गनइ चाहत ह

24 यहोवा फुन इस्राएल क बिरुद्ध कोहाइ गवा। उ
दाऊद क इस्राएलियन क बिरुद्ध इ कहत भवा
भड़काएस, "जा, इस्राएल अउर यहूदा क लोगन क गना।"
2राजा दाऊद फउज क सेनापति योआब स कहेस,
"इस्राएल क सबहिं परिवार समूहन मँ दान स बेर्सेबा तलक
जा, अउर लोगन क गना। तब मइँ जान सकब कि हुवाँ
केतने मनइयन अहइँ।"
3किन्तु योआब राजा स कहेस, "यहोवा तोहार परमेस्सर
आप क सौ गुना लोग स आसिस देइ अउर आप क
आँखिन इ घटित भवा लखि सकइँ। किन्तु आप इ काहे
करइ चाहत हीं?"
4राजा दाऊद मजबूती स योआब अउ फउज क सैनापितयन
क लोगन क गणना करइ क आदेस दिहस। एह बरे
योआब अउ फउज क सैनापितयन दाऊद क हिआँ स
इस्राएल क लोगन क गनइ गएन। 5उ पचे यरदन नदी क
पार किहेन। उ पचे आपन डेरा अरोएर मँ डाएन। ओनकर
डेरा नगर क दाहिनी ओर रहा। (इ नगर गाद क घाटी क
बीच मँ याजेर जाइ क रस्ता मँ रहा)
6तब उ पचे तहतीम्होदसी क भूइँया क सारे रास्ता स
होइके गिलाद क गएन। उ पचे दान्यान अउ सीदोन क
चारिहुँ ओर गएन। 7उ पचे सोर क किला क गएन। उ पचे
हिब्बियन अउ कनानियन क सबहिं नगरन क गएन। उ पचे
दक्खिनी यहूदा मँ बेर्सेबा क गएन। 8उ पचे समूचे भुइँया क
भ्रमण कइ चुके रहेन। उ पचे नौ महीने बीस दिन बाद
यरूसलेम आएन।
9योआब लोगन क सूची राजा क दिहस। इस्राएल मँ
आठ लाख मनई रहेन जउन तरवार भाँज सकत रहेन अउर
यहूदा मँ पाच लाख मनई रहेन।

यहोवा दाऊद क दण्ड देत ह

10तब दाऊद क अन्तरात्मा गनती करइ क पाछे ओका
परीसान कइ सुरू किहेस। दाऊद यहोवा स कहेस, "मइँ इ
कार्य कइके बहोत घोर अपराध किहेउँ। यहोवा, मइँ पराथना
करत हउँ कि तू मोरे पाप क छिमा करा। मइँ बड़की
बेवकूफी किहेउँ ह।"
11जब दाऊद भिंसारे उठा, यहोवा क सँदेसा गाद नवी क
मिला जउन दाऊद क द्रस्टा रहा। 12यहोवा गाद स कहेस,
"जा, अउर दाऊद स कहा, 'यहोवा जउन कहत ह उ इ
अहइ। मइँ तोहका तीन बिकल्प देत हउँ। ओनमाँ स एक
क चुना जेका मइँ तोहरे बरे करउँ।'"
13गाद दाऊद क लगे गवा अउर उ बातन किहस। गाद
दाऊद स कहेस, "तीन मँ स एक क चुना:

1. तोहरे बरे अउर तोहरे देस क बरे सात बरिस क भुखमरी।
2. तोहार दुस्मन तोहार पाछा तीन महीने तलक करइँ।
3. तोहरे देस मँ तीन दिन तलक बीमारी फइलइ।

एकरे बारे मँ सोचा अउर निर्णय करा कि मइँ एन मँ स
यहोवा जउन मोका पठएस ह, क कउन स चीज बतावउँ।"
14दाऊद गाद स कहेस, "मइँ फुरइ परेसानी मँ हउँ।
किन्तु एह बरे यहोवा क मोका सज़ा देइ द्या उ बहोत
दयालु अहइ। मोका मनइयन स दण्डित जिन होइ द्या।"
15एह बरे यहोवा इस्राएल मँ महामारी पठएस। इ भिंसारे
सुरू भइ अउर इ तब तलक रहा जब तलक उ चाहेस। दान
स बेर्सेबा तलक सत्तर हजार लोग मर गएन। 16सरगदूत
आपन बाँह यरूसलेम कइँती ओका नस्ट करइ बरे उठाएन।
किन्तु जउन बुरी बातन भइन ओनके बरे यहोवा बहोत उदास
भवा। यहोवा उ सरगदूत स कहेस कउन लोगन क नस्ट
करत ह, "बहोत होइ चुका। अपनी बाँह नीचे करा।" यहोवा
क सरगदूत यबूसी यरौना क खरिहाने स किनारे रहा।

दाऊद अरौना क खरिहाने क बेसहत ह

17दाऊद उ सरगदूत क लखेस जउन लोगन क मारेस।
दाऊद यहोवा स बातन किहस। दाऊद कहेस, "मइँ पाप

किहेउँ ह। मइँ गलत किहेउँ ह। किन्तु इ लोग मोर
अनुसरण भेड़ी क नाईं किहन। उ पचे कउनो गलती नाहीं
किहन। कृपा कइके सजा मोका अउर मोरे बाप क परिवार
क द्या।”

18उ दिन गाद दाऊद क लगे आवा। गाद दाऊद स
कहेस, “जा अउर एक वेदी यबूसी अरौना क खरिहान मँ
यहोवा बरे बनावा।” **19**तब दाऊद उ सबइ काम किहेस
जउन गाद करइ क कहेस। दाऊद यहोवा क आदेसन क
पालन किहस। दाऊद अरौना स भेंटइ गवा। **20**जब अरौना
निगाह उठाएस, उ राजा दाऊद अउर ओकरे सेवकन क
अपने लगे आवत लखेस। अरौना बाहेर निकरा अउ आपन
माथा धरती पइ टेकत भए प्रणाम किहेस। **21**अरौना कहेस,
“मोर सुआमी, राजा, तू आपन सेवक क लगे काहे आया
ह?” दाऊद जवाब दिहस, “तोहसे खरिहान बेसहइ बरे।
तब मइँ यहोवा बरे वेदी बनाइ सकत हउँ। तब बेमारी
रुक जाइ।”

22अरौना दाऊद स कहेस, “मोर सुआमी राजा, आप कछू
भी बलि-भेंट क बरे लइ सकत हीं। हिवाँ कछू गइयन
सबइ होमबलि बरे अहइँ। आगी क काठ बरे दँवरी क
औजार अउ बर्धन क जुआ भी अहइ। **23**हे राजा! मइँ आप
क हर एक चीज देत हउँ।” अरौना राजा स इ भी कहेस,
“यहोवा तोहार परमेस्सर तोह पइ खुस होइ।”

24मुला राजा अरौना स कहेस, “नाहीं। मइँ तोहसे फुरइ
कहत हउँ, मइँ तोहसे भुइँया क ओकरी कीमत पइ बेसहब।
मइँ यहोवा अपने परमेस्सर क कछू भी अइसी होमबलि
नाहीं चढ़ाउब जेकर कउनो मूल्य मइँ नाहीं दिहे होउँ।”

एह बरे दाऊद खरिहान अउ गइयन क चाँदी क पचास
सेकेल स बेसहेस।

25तब दाऊद हुवाँ यहोवा क बरे एक ठु वेदी बनाएस।
दाऊद होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाएस।

यहोवा देस बरे ओकर पराथना अंगीकार किहस। यहोवा
इस्राएल मँ बेरामी रोक दिहस।

पहिला समूएल

एल्काना अउ ओकर परिवार सीलो मँ आराधना करत ह

1 एल्काना नाउँ क एक मनई रहा। उ एप्रैम क पहाड़ी पहँटा क रामातैसोपीम क बसइया रहा। एल्काना जुफ परिवार स रहा। एल्काना यरोहाम क पूत रहा। यरोहाम एलीहू क पूत रहा। एलीहू तोहू क पूत रहा। अउर तोहू सूप क पूत रहा जउन एप्रैम क परिवार कबीला स रहा।

2एल्काना क दुइ मेहरारू रहीं। एक क नाउँ हन्ना रहा अउ दूसरी क नाउँ पनिन्ना रहा। पनिन्ना लड़कोर रहिन, मुला हन्ना क कउनो अउलाद नाहीं रही।

3एल्काना हर बरिस आपन सहर रामातैसोपीम क तजि देत रहा अउ सीलो नगर जात रहा। एल्काना सर्वसक्तीमान यहोवा क आराधना सीलो मँ करत रहा अउ हुवाँ यहोवा क बलि भेंट* चढ़ावत रहा। सीलो उ जगह रही जहाँ होप्नी अउ पीनहास यहोवा क याजक क तरह सेवा करत रहेन। होप्नी अउ पीनहास एली क पूत रहेन। 4जब कबहुँ एल्काना आपन बलि भेंट चढ़ावत रहा, उ गोस क एक हींसा आपन मेहरारू पनिन्ना क देत रहा। एल्काना गोस क भाग पनिन्ना क लरिकन क भी देत रहा। 5एल्काना गोस क हींसा क बराबर हन्ना क भी हमेसा दइ देत रहा। एल्कना इ तब भी करत रहा जब यहोवा हन्ना क कउनो अउलाद नाहीं दिहे रहेन। एल्काना इ एँह बरे करत रहा कि हन्ना ओकर इ मेहरारु रही जेसे उ सच्चा पिरेम करत रहा।

पनिन्ना हन्ना क परेसान करत रही

6पनिन्ना हन्ना क हमेसा चिढ़ाइके खिसियावत रही अउ ओका परेसान करत रही। पनिन्ना इ एँह बरे करत रही काहेकि हन्ना कउनो बच्चा क कोख स पइदा नाहीं कइ सकत रही। 7हर बरिस जब ओकर परिवार सीलो मँ यहोवा क घरे मँ जात पनिन्ना हन्ना क परेसान करत अउर उ रोवत अउर कछू भी नाहीं खावत। 8ओकर भतार, एल्काना, उ से कहेस, "हन्ना, तू काहे रोवति अहा? तू काहे नाहीं खाइया? तू दु:खी काहे अहा? का मइँ तोहार बरे दस बेटवन स बेहतर नाहीं अहइ?"

हन्ना क बिनती

9खाए अउ पिए क पाछे हन्ना चुपचाप उठी अउ यहोवा स पराथना करइ गइ। यहोवा क पवित्तर आराधनालय क दुआरे क निअरे कुर्सी प याजक एलि बइठा रहा। 10हन्ना बहोत दुखी रही। उ फूट-फूट कर रोवत रही। उ यहोवा स बिनती करेस। 11उ परमेस्सर स खास प्रतिग्या किहेस। उ कहेस, "सर्वसक्तीमान यहोवा, लखा मइँ केतना जिआदा दुखी हउँ। मोका याद राखा। मोका बिसरा नाहीं। जदि आप मोका एक पूत देब्या तउ मइँ पूरी जिन्नगी भइ ओका आपका अर्पण कइ देब। उ नाज़ीर होइ जाब। उ दाखरस या कउनो नसीला दाखरस न पिइ। अउ कउनो ओकर बार नाहीं काटी।"

12जब तलक हन्ना यहोवा क समन्वा आराधना करत रही, एली ओकर मुँह निहारत रहेस। 13हन्ना हिरदय स बिनती करत रही। ओकर ओंठ हीलत रहेन, मुला कउनो अवाज नाहीं निकरत रही। एली समझेस कि हन्ना दाखरसे स मदमस्त बा। 14एली हन्ना स कहेस, "तोहरे लगे पिअइ क बहोत जियादा रहा। अब समइ आ गवा कि दाखरस पिअइ छोड़ देइ चाही।"

15हन्ना जवाब दिहेस, "मइँ सराब या जौ क दाखरस नाहीं पिएउँ ह। मइँ बहोत जिआदा मसीबत म अहउँ। मइँ यहोवा क आपन सब समस्या क बतावत रहेउँ ह। 16जिन सोचा कि मइँ बुरी अउरत हउँ। मइँ एँतनी देर ताईं एँह बरे पराथना करत रहेउँ ह कि मोका ढेर परेसानी अहइ अउ मइँ जिआदा दुखी अहउँ।"

17एली जवाब दिहेस, "सान्ति स जा। इस्राएल क परमेस्सर तोहका उ देइँ जउन तू मांग्या ह।"

18हन्ना कहेस, "मोका आसा अहइ कि आप मोसे खुस अहइँ।" तब्बइ हन्ना गइ अउ तनिक खाएस। उ अब तनिकउ दुखी नाहीं रही।

19दूसर दिन भिन्सारे एल्काना क परिवार उठा। उ सबइ परमेस्सर क आराधना किहेन अउर उ पचे आपन घर रामा क लउटि आएन।

समूएल क जन्म

एल्काना आपन मेहरारु क लगे सोएस। यहोवा हन्ना क याद राखेस। 20तब उस समइ निम्नलिखित साल मँ हन्ना गोड़ स भारी भइ अउ ओसे एक बेटवा भवा। हन्ना ओकर नाउँ समूएल राखेस। उ कहेस, "एकर नाउँ समूएल अहइ काहेकि मइँ एक यहोवा स माँगा ह।"

21उ बरिस एल्काना बलि भेंट देइ अउ परमेस्सर क समन्वा कीन्ह गइ प्रण क पूरा करइ सीलो गवा। उ आपन परिवारे क आपन संग लइ गवा ह। 22मुला हन्ना नाहीं गइ। उ एल्काना स कहेस, "जब लरिका कछू ठोस चीज खाइ लागी तबहिं मइँ एँका सीलो लइ जाब। मइँ ओका यहोवा क देब। उ एक नाजीर बनी। उ सीलो मँ रही।"

23हन्ना क भतार एल्काना ओसे कहेस, "उहइ करा जउन तू उत्तिम समझत ह। तू तब ताईं घर मँ रहि सकत ह जब

यहोवा क बलि भेंट इ खास जनावर होत रहा अउ मारा जात रहा अउ वेदी प अक्सर चढ़ावा जात रहा।

तलक लरिका कछू ठोस खइया क खाइ के जोग्गा बाढ़
नाहीं जात। जउन तू कह्या ह यहोवा उहइ करइँ।" ऍह बरे
आपन बचवा क पालब पोसब बरे तब ताईं घरे प रहि गइ
जब ताईं उ ठोस खइया क खाइ बरे बाढ़ नाहीं जात।

हन्ना समूएल क सीलो मँ एली क लगे लइ जात ह

24जब लरिका ठोस खइया खाइ बरे बाढ़ गवा तब हन्ना
सीलो मँ यहोवा क आराधनालय लइ गइ। हन्ना आपन संग
तीन बरिस क एक बछवा, बीस पौण्ड आटा अउ एक
मसक दाखरस भी लइ गइ।
25उ पचे यहोवा क समन्वा गएन। एल्काना यहोवा क
बलि क रुप मँ, जइसा उ अक्सर करत रहा, बर्धा क
मारेस। तबहिं हन्ना बचवा क एली क लगे लइ गइ।
26हन्ना एली स कहेस, "महोदय, छिमा करइँ। मइँ उहइ
मेहरारु हउँ जउन परमेस्सर क पराथना करत आप क बगल
मँ खड़ी रही। मइँ बचन दिए रहेउँ कि मइँ फुरइ कहत हउँ।
27मइँ इ बचवा बरे पराथना किहे रहेउँ। यहोवा मोका इ
बचवा दिहेस ह। 28अउर अब मइँ इ बचवा क यहोवा क
दइ देत हउँ। इ पूरी जिन्नगी यहोवा क रही।" तबहिं हन्ना
बचवा क उहइँ छोड़ेस अउ यहोवा क आराधना किहेस।

हन्ना धन्नवाद देत ह

2 हन्ना कहेस, "यहोवा मँ, मोर हिरदइ खुस अहइ। मइँ
आपन परमेस्सर मँ जिआदा सक्ती* पावत हउँ। मइँ
आपन दुस्मनन क हराइ दिहउँ ह मइँ आपन जीत स खूब
खुस हउँ।* मइँ आपन दुस्मनन प हसेउँ ह।
2"कउनो अइसा नाहीं अहइ जउन यहोवा क नाईं पवित्तर
अहइ। तोहार अलावा कउनो परमेस्सर नाहीं। हम लोगन क
परमेस्सर क नाईं कउनो चट्टान नाहीं अहइ।
3बन्द कइ द्या डींग मारब, घमण्ड भरी बात जिन करा।
काहेकी यहोवा परमेस्सर अहइ सब कछु जानत ह।
परमेस्सर मनइयन क राह देखाँवत ह अउ ओनकइ
निआव करत ह।
4सक्तीसाली जोधा क धनुस टूटत हीं, अउ दुर्बल
सक्तीसाली बनत हीं।
5जउन लोगन क पास पाछे टेमॅ मँ खाइ बरे ढेर क
खइया रहेन अब ओका रोटी प्राप्त करइ बरे काम करइ क
होइ। मुला जउन लोग बीत गवा टेमॅ मँ भूखा रहेन, अब
ओका देर तलक भूखा नाहीं रहइ क होइ। मेहरारु जउन
बच्चा क पइदा नाहीं कइ सकत रहेन, अब सात गदेलन की
मँ अहइँ। मुला जेकर पास ढेर गदेलन रहेन उ दु:खी अहइ
काहेकि उ पचे अब मरि गएन।
6यहोवा लोगन क मउत देत ह, अउ उ ओन सब क
जिआवत ह। यहोवा लोगन क नरके मँ पठवत ह, अउर उ
फुन स ओन सब क ऊपर उठावत ह।
7यहोवा मनइयन क दीन बनवत ह, अउ उहइ मनइयन
क धनी बनवत ह। यहोवा मनइयन क विनम्र बनवत ह, अउ
उ मनइयन क बड़कवा बनावत ह।
8यहोवा गरीबन क धूरि स उठावत ह। यहोवा गरीबन क
दुखे स उबारत ह। यहोवा गरीबन क राजा क संग बइठावत
ह। उ गरीबन क खास मनई बनवत ह अउ उ ओनका
मान्य मेहमान बनवत ह। यहोवा समूचइ दुनिया क रचेस ह।
उ सारे जग क खंभा प टेकाएस ह।
9यहोवा आपन पवित्तर लोगन क रच्छा करत ह। उ
ओनका ठोकर खाई स बचावत ह। मुला पापी मनइयन क
नास कइ दीन्ह जाई। उ पचे घनघोर अँधियारे मँ भहरइहीं।
ओकर सक्ती ओकर विजय प्राप्त करइ मँ मददगार नाहीं
होइ।
10यहोवा आपन दुस्मनन क नास करत ह। सर्वोच्च
परमेस्सर अकास मँ लोगन क खिलाफ गरजब। यहोवा
जमीन क छोर ताईं निआव करिहीं। उ आपन राजा क सक्ती
देइहीं। उ आपन राजा क बरिआर करी।"
11एल्काना अउ ओकर परिवार आपन घरे रामा क गएन।
लरिका सीलो मँ रहि गवा अउ याजक एली क मातहत
होइके यहोवा क सेवा करत रहा।

एली क पापी बेटवा

12एली क दुइ बेटवन बुरा मनई रहेन। उ पचे यहोवा क
परवाह नाहीं करत रहेन। 13उ पचे एकर परवाह नाहीं करत
रहेन कि याजकन स मनइयन बरे कइसे ब्योहार क आसा
कीन्ह जात ह। याजकन क मनइयन बरे इ करइ क चाही।
जब कबहुँ कउनो मनई बलि भेंट लइ आवत ह तउ
याजकन क एक बासन मँ माँस क खउलत पानी मँ
बुलकावइ चाही। याजक क सेवक बरे आपन हाथे मँ खास
काँटा लइके आवइ चाही। काँटा मँ तीन नोंक होइ चाही।
14याजक क सेवक क काँटा क बासन या कतली मँ नावइ
चाही। काँटा जउन कछू बासन क बाहेर लइ आवइ उ माँस
याजकन क होइ। इ अहइ जउन याजकन क जरिए उ
इस्राएलियन बरे कीन्ह जाइ चाही जउन सीलो मँ बलि भेंट
करइ आवइँ।
15मुला एली क बेटवन इ नाहीं किहेन। चर्बी क वेदी प
जराई जाइ स पहिले भी ओनकइ बेटवन उ लोगन क लगे
आइ जे बलि चढ़ात ह अउ ओनका कहेस, "याजक क
कछू माँस भूँजइ बरे द्या। याजक तोहसे बुलकावा भवा माँस
न लेइहीं।"
16बलि क देवइया इ कइ सकत ह, "चर्बी पहिले बारा।
तब तू जउन चाहा लइ सकत ह।" अगर अइसा होत तउ
याजक क नउकर जवाब देत, "नाहीं मोका अबहीं गोस द्या,
अगर तू मोका इ नाहीं देत ह तउ मइँ ऍका तोहसे लइ
जाब।"
17इ तरह एली क बेटवन इ देखावत रहेन कि उ पचे
यहोवा क भेंटे मँ दीन्ह बलि क वास्ते मान नाहीं देत रहेन।
इ यहोवा क खिलाफ बहोत बुरा पाप रहा।
18मुला समूएल यहोवा क सेवकई करत रहा। समूएल
सन क बना खास एपोद पहिरत रहा। 19हर बरिस समूएल क

सक्ती यहोवा क उपासना मँ मोर सींग उठा बाटइ।" सीग क अरथ सक्ती अहइ।

मइँ आपन ... खुस हउँ साब्दिक अरथ दुस्मनन "मोर मुँहना दुस्मनन प खुला बाटइ।"

महतारी एक ठु नान्ह चोगा समूएल बरे बनवत रही। उ हर
बरिस आपन भतार क संग बलि भेंट करइ बरे सीलो जात
रही तउ उ नान्ह क चोगा समूएल बरे लइ जात रही।
20एली एल्काना अउ ओकर मेहरारु क आसीर्बाद देत
रहा। एली कहेस, “यहोवा, तोहका हन्ना क जरिए जिआदा
लरिका देइँ। इ लरिकन उ लरिका क ठउर लेइहीं जेकरे
सन्ती हन्ना पराथना किहेस ह अउ यहोवा क दिहेस ह।”
तब एल्काना अउ हन्ना घरवा लउटेन, अउर **21**यहोवा
हन्ना प दाया किहेस। ओकर तीन पूत अउ दुइ बिटिया
भइन। अउर लरिका समूएल यहोवा क लगे बाढ़ गवा।

एली आपन पापी बेटवन क बस मँ नाहीं कइ सका

22एली बहोत बूढ़ा होइ गवा। उ बार बार ओन कुकर्म
क बारे मँ सुनत रहा जउन ओकर पूत सीलो मँ सबहिं
इस्राएलियन क संग करत रहेन। एली इ भी सुनेस कि
जउन मेहरारू मिलापवाला तम्बू क दुआर प सेवकाई करत
रहीं ओनके संग ओकर बेटवन सोवत रहेन।
23एली आपन बेटवन स कहेस, “तू पचे जउन कछू बुरा
करम किहे अहा ओकरे बारे मँ मनइयन हिआँ मोका बताएन
ह। तू पचे इ बुरा करम काहे करत ह? **24**मोर बेटवन, इ
बुरा करम क जिन करा। इ सबइ अच्छा नाहीं अहइ, यहोवा
क लोग तोहरे बारे मँ अफवाह फैला रहत ह। **25**अगर
कउनो मनई कउनो दूसर मनई क खिलाफ पाप करत ह तउ
यहोवा ओकर मदद करत ह। अगर कउनो मनई यहोवा क
खिलाफ पाप करत ह तउ उ मनई क मदद कउन कइ
सकत ह?”
मुला एली क बेटवन एली क बात सुनइ स इनकार कइ
दिहन। एँह बरे यहोवा एली क बेटवन क मार डावइ क
ठान लिहेस।
26लरिका समूएल बाढ़त रहा। उ परमेस्सर अउ मनइयन
क खुस किहेस।

एली क परिवार क बारे मँ खउफनाक भविस्सबाणी

27परमेस्सर क एक मनई एली क लगे आवा अउ
कहेस, “यहोवा इ कहत ह, ‘तोहार पुरखन फिरौन क परिवार
क गुलाम रहेन। मुला उ टेम मँ मइँ तोहरे पुरखन क
समन्वा परगट भवा रहेउँ। **28**मइँ तोहरे परिवार क इस्राएल
क सबहिं परिवार समूहन मँ स चुनेउँ ह। मइँ तोहरे परिवार
समूह क आपन याजकन बनवइ बरे चुनेउँ ह। मइँ ओनका
आपन वेदी प बलि चढ़ावइ बरे चुनेउँ ह। मइँ ओनका धूप
सुलगावइ अउ एपोद पहिरइ बरे चुनेउँ ह। मइँ तोहरे परिवार
क भेंट क गोस दीन्ह ह जउन इस्राएल क मनई मोका
चढ़ावत हीं। **29**एँह बरे तू पचे ओन बलिदानन अउ अन्नबलि
क मान काहे नाहीं करत्या? तू पचे आपन बेटवन क मोसे
जिआदा पिरेम करत ह। तू पचे गोस क बढ़िया हींसा खाइके
मोटा होइ गवा ह जेका लोग मोका भेंट चढ़ात हीं।’
30“इस्राएल क परमेस्सर यहोवा इ बचन दिहे रहेन कि
तोहरे बाप क परिवार सदा ओनकइ सेवकाई करिहीं। मुला
अब यहोवा इ कहत हीं, “वइसा कबहुँ न होइ। मइँ ओन
मनइयन क मान करब जउन मोर मान करिहीं। मुला ओनकइ
बुरा होइ जउन मोर मान करइ स इन्कार करत हीं। **31**उ टेमँ
आवत अहइ जब मइँ तोहरे सन्तानन क नास करब। तोहरे
बंस मँ कउनो बुढ़वा होइ बरे न बची। **32**इस्राएल बरे नीक
चीज होइहीं, मुला तू घरे मँ खराब घटना घटत देखब्या।
कउनो मनई बुढ़वा होइ बरे न बची। **33**सिरिफ एक मनई क
आपन वेदी प याजक क नाईं सेवा बरे बचाउब। उ बहोत
जिआदा बुढ़ाई तलक जिई। उ तब तक रही जब ताईं ओकरे
आँखिन क अउर ओकर सक्ती जात रही। तोहरे बचा खुचा
सन्तानन तरवारे क घाट उतार दीन्ह जइँही। **34**मइँ तोहका
एक चीन्हा देब जेहसे इ मालूम होइ कि बात फुर होइहीं।
तोहार दुइनउँ पूत होफिन अउ फिनहस एक ही दिना मरिहीं।
35मइँ आपन बरे एक बिस्सासी याजक चुनब। उ याजक मोर
बात मानी अउर जउन मइँ चाहब उ करी। मइँ इ याजक बरे
परिवार क सक्तीवाला बनउब। उ हमेसा मोरे चुना भवा राजा
क समन्वा सेवा करी। **36**तब सबहिं मनइयन जउन तोहरे
परिवारे मँ जिअत रइहीं, अइहीं अउ इ याजक क अगवा
निहरिहीं। इ सब मनई तनिक धन स रोटी क टूका बरे भीख
मँगिहीं। उ पचे कइहीं, “मेहरबानी कइके याजक क काम
हमका दइ द्या जेसे हम खइया क पाइ सकी।”’”

परमेस्सर समूएल क बोलावत ह

3 लरिका समूएल एली क अधीन होइके यहोवा क सेवा
करत रहा। ओन दिनन मँ यहोवा अक्सर लोगन स
सीधा बात नाहीं करत रहा। अउर बहोत कम लोगन क
दर्सन होत रहा।
2एली क आँख एँतनी कमजोर रही कि उ आँधर जइसा
रहा। एक रात उ बिछौना प ओलरा रहा। **3**समूएल यहोवा क
पवित्तर आराधनालय मँ बिस्तर प पउढ़ा रहा। उ पवित्तर
आराधनालय मँ परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख रही। यहोवा क
दिया अबहुँ जरत रहा। **4**यहोवा समूएल क बोलाएस। समूएल
जवाब दिहेस, “मइँ हिआँ हाजिर हउँ।” **5**समूएल सोचा कि
ओका एली बोलावत ह। एँह बरे समूएल दौड़त भवा एली
क लगे गवा। समूएल एली स कहेस, “मइँ हिआँ हउँ।
आप मोका बोलाएन ह।”
मुला एली कहेस, “मइँ तोहका नाहीं बोलाएउँ, आपन
बिछौना प जा।”
समूएल बिछौना प गवा। **6**यहोवा फुन बोलाएस, “समूएल।”
समूएल फुन दौड़िके एली क लगे गवा अउ कहेस, “मइँ
हिआँ हउँ। आप मोका बोलाएन ह।”
एली कहेस, “मइँ तोहका नाहीं बोलाएउँ, आपन बिछौना
प जा।”
7समूएल अबहिं तलक यहोवा क नाहीं जानत रहा। यहोवा
अबहिं तलक ओसे सोझ बात नाहीं किहे रहा।*
8यहोवा समूएल क तिसरी दाईं बोलाएस। समूएल फिन
उठा अउ एली क लगे गवा, “मइँ आवा हउँ, आप मोका
बोलाएन ह।”
तबहिं एली समझेस कि यहोवा लरिका क बोलावत
अहइँ। **9**एली समूएल स कहेस, “बिछौना प जा। अगर उ

यहोवा … रहा यहोवा क संदेसा ओका नाहीं करियाइ गवा रहा।

तोहका फुन बोलावत ह तउ कहा, ‘यहोवा मोर संग बात करा काहेकि मइँ आप सेवक हउँ अउ सुनत हउँ।’”

तउ समूएल बिछौना प चला गवा। **10**यहोवा आवा अउ हुवाँ खड़ा होइ गवा। उ पहिले क नाईं बोलाएस। उ कहेस, “समूएल, समूएल!”

समूएल कहेस, “कहा, मइँ आपक सेवक हउँ अउ सुनत हउँ।”

11यहोवा समूएल स कहेस, “मइँ इस्राएल मँ कछू करइ ही वाला हउँ जेकर बरे जब कबहुँ कउनो मनई सुनिहीं, इ ओकर कानन क चकित कइ देइहीं। **12**मइँ सब कछू करब। मइँ कहेउँ उ मइँ एली अउ ओकरे परिवार क खिलाफ करब। मइँ सुरु स आखिर तलक सब कछू करब। **13**मइँ एली स कहेउँ ह कि मइँ ओकरे परिवार बरे सदा सजा देब। मइँ इ एँह बरे करब कि एली जानत ह कि ओकर बेटवन परमेस्सर क खिलाफ बुरा कहेन ह अउ किहेन ह। अउ एली ओन प बस मँ करइ बरे कामयाब नाहीं भवा। **14**इहइ कारण अहइ कि मइँ एली क परिवार बरे किरिया खायो हउँ कि बलिदान अउ अन्नबलि भेंट ओनकइ पापन क प्रायस्चित कबहुँ नाहीं कइ सकत हीं।

15समूएल जब तलक भिन्सार नाहीं भवा बिछौना प पउढ़ा रहा। उ बड़े तड़के उठा अउ उ यहोवा क आराधनालय क किवाड़ा खोलेस। समूएल आपन दरसन क बात एली स बतावइ मँ डेरान।”

16मुला समूएल स एली कहेस, “मोर बेटवा, समूएल।”

समूएल जवाब दिहेस, “हाँ, महोदय!”

17एली पूछेस, “यहोवा तोहसे का कहेन? ओका मोसे जिन छिपावा। परमेस्सर तोहका सजा देइहीं, अगर तू परमेस्सर जउन संदेसा तोहका दिहेन ह, ओहमाँ स कछू भी छिपउब्या।

18एँह बरे परमेस्सर एली स उ हर एक बात बताएस। समूएल एली स भी कछू नाहीं छिपाएस।

एली कहेस, “उ यहोवा अहइ। ओका वइसा ही करइ द्या जइसा ओका नीक लागत ह।”

19यहोवा समूएल क संग रहा। समूएल बाढ़त गवा। यहोवा समूएल क कउनो संदेस क असफल नाहीं होइ दिहस। **20**तब समूचा इस्राएल, दन स लइके वीरसेबा ताईं समझ गवा कि समूएल यहोवा क सच्चा धर्मदूत अहइ। **21**सीलो मँ यहोवा समूएल क समन्वा परगट भएस। यहोवा सीलो मँ समूएल क अगवा अपने आप क यहोवा क बचन* क तरह परगट किहेस।

4 समूएल क बारे मँ खबर समूचइ इस्राएल मँ सँचर गइ। एली बहोत बुढ़ाइ गवा रहा। ओकर पूत यहोवा क समन्वा कुकरम करत रहेन।*

पलिस्तियन इस्राएलियन क हराइ दिहेन

उ समइया इस्राएलियन पलिस्ती क खिलाफ जुद्ध बरे तइयार भएन। इस्राएलियन आपन डेरा एबेनेजर मँ डाएन। पलिस्तियन आपन डेरा अपेक मँ डाएन। **2**पलिस्ती इस्राएल प हमला बोलइ बरे तइयार भएन। जुद्ध सुरु होइ गवा।

पिलिस्तियन इस्राएलियन क ओकर लगभग चार हजार मनइयन क जुद्ध क मइदान मँ मारि के ओका जुद्ध मँ हराएन। **3**इस्राएलियन क बाकी सिपाही आपन डेरा मँ लौटि आएन। इस्राएल क बुजुर्गन पूछेन, “यहोवा पिलिस्तियन स हमका काहे हराइ दिहेन ह? आवा हम पचे सीलो स यहोवा क करार क सन्दूख क लइ आई। इ तरह परमेस्सर हम पचन क संग जुद्ध मँ जइहीं। उ पचे हमरे दुस्मनन स हमार रच्छा करिहीं।”

4एँह बरे लोग दूतन स करूब सरगदूतन क सिंहासन पइ विराजमान सैनिकन क यहोवा क करार क सन्दूख लिवाइ बरे सीलो पठएन। एली क दुइनउँ बेटवन होप्नी अउ पीनहास सन्दूख क लइ आएन।

5जबहिं यहोवा क करार क सन्दूख डेरा क भीतर आवा तउ सारे इस्राएली एँतने जोर स गरजेन कि उ अवाज स धरती काँप उठी। **6**पलिस्तियन इस्राएलियन क गरजब सुनेन। उ पचे पूछेन, “हिब्रू मनइयन क डेरा मँ अइसा गरजब काहे अहइ?”

तब पलिस्तियन जानेन कि इस्राएल क डेरा मँ यहोवा क करार क सन्दूख आवा अहइ। **7**पलिस्ती डेराइ गएन। पलिस्तियन कहेन, “परमेस्सर ओनकइ डेरा मँ आइ ग अहइँ। हम सबइ विपत्ती मँ अही। अइसा पहिले कबहुँ नाहीं भवा। **8**हमका फिकिर अहइ कि इ बरिआर देवतन स हमका कउन बचाइ सकत ह? इ सबइ उहइ देवता अहइ जउन मिस्रियन क उ सबइ बेरामियन अउर महामारियन दिहे रहा। **9**पलिस्तिनियो, हिम्मत करा। बहादुरन क तरह लड़ा। पुराने जमाने मँ हिब्रू लोग हमार दास रहेन। एँह बरे बहादुरन क नाईं लड़ा नाहीं तउ तू पचे ओनकइ गुलाम होइ जाब्या।”

10पलिस्ती बहोत बहादुरी स लड़ेन अउ उ पचे इस्राएलियन्क हराइ दिहेन। हर एक इस्राएली जोधा आपन डेरा मँ पराइ गवा। इस्राएल बरे खउफनाक हार रही। तीस हजार इस्राएली फौजी मारा गएन। **11**पलिस्तियन ओनसे परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख छीन लिहेस। अउर उ पचे एली क दुइनउँ बेटवन होप्नी अउ पीनहास क मार डाएन।

12उ दिना बिन्यामीन परिवार क एक मनई भी जुद्ध स परान रहा। उ आपन दु:ख क परगट करइ बरे आपन ओढ़ना क फाड़ि डाएस अउ आपन मुँड़वा प धूरि दु:ख परगट करइ बरे धइ लिहेस। **13**जब इ मनई सीलो पहुँचा तउ एली आपन कुर्सिया प नगर क दुआरे बइठा रहा। उ परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख बरे परेसान रहा, एँह बरे उ जोहत भवा बइठा रहा। तबहिं बिन्यामीन क एकउटे परिवार क एक मनई सीलो आवा अउ उ दु:खे क हाल बताएस। सहर क सब मनई जोर स रोवइ लागेन। **14-15**एली अल्ठाननब्बे बरिस क बूढ़ा अउ आँधर रहा। उ इ नाहीं लखि सका कि का होत बा? मुला एली रोवइ क अवाज सुनेस तउ एली पूछेस, “इ जोर क सोर काहे होत अहइ?”

यहोवा क बचन कबहुँ कबहुँ यहोवा क वचन क अरथ परमेस्सर क संदेस भी होत ह। मुला कबहुँ कबहुँ ओकर अरथ इ भी होत ह कि इ परमेस्सर क एक बिसेस प्रकार या रूप होत ह जेका उ उ समइ काम मँ लात ह जब उ आपन नबियन क संग बात करत ह।

एलि बहोत … रहेन इ कथन पुराने ग्रीक अनुवाद मँ बा, मुला हिब्रू मँ नाहीं।

उ बिन्यामीन परिवारे क मनई एली क लगे दौड़िके गवा
अउ जउन कछू भवा रहा ओका बताएस। 16बिन्यामीन
परिवार क मनई कहेस कि “मइँ आज जुद्ध स पराइ आएउँ
ह।”
एली पूछेस, “बेटवा, का भवा?”
17बिन्यामीन परिवार क मनई जवाब दिहेस, “इस्राएलियन
पलिस्तियन क समन्वा पराइ गएन। इस्राएली फउज क ढेर
सिपाही मारा गवा अहइँ। तोहार दुइनउँ पूत मारि डावा ग
अहइँ। अउर पिलिस्ती परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख छीन
लिहेन ह।”
18एली दुआरे क नगिचे आपन कुर्सिया स पाछे गिर परेस
अउ ओकर गटइ टूटि गएन जब उ परमेस्सर क पवित्तर
सन्दूख क बारे जानेस। एली बुढ़वा अउ मोट मनइ रहा अउ
उ हालि मरि गवा। एली चालीस बरिस तलक इस्राएल क
नेता रहा।

महिमा खतम भइ

19एली क पतोहू क फिनहस क मेहरारु, उ दिना कोख
भरी रही। बच्चा पइदा होइ क उ निचकान रही। जब उ इ
खबर सुनेस कि परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख छीन लइ ग
अहइ। उ इहउ सुनेस कि ओकरे ससुर एली क मउत होइ
ग अहइ अउ ओकर भतार फिनहस मारि डावा ग अहइ।
जइसे ही उ इ खबर सुनेस ओकर कोख पिराय लाग। अउर
उ बच्चा बेटवा क जन्मब सुरु किहेस। 20उ मरइवाली रही।
नउकरानी कहेस, “दु:खी जिन होवा, तोहका एक ठु बेटवा
जन्मी।”
मुला एली क पतोहू न तउ जवाब दिहेस अउर न ओह प
धियान दिहेस।
21उ आपन बचवा क नाउँ इकबाद राखेस काहेकी
“इस्राएल क महिमा मटियामेट होइ गइ। परमेस्सर क पवित्तर
सन्दूख चला गवा अउ ओकर ससुर अउ मनसेधू मरि गवा
रहेन। 22उ कहेस, “इस्राएल क महिमा मिट गइ।” काहेकि
पलिस्ती परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख लइ गएन।

परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख पलिस्ती क सतावत ह

5 पलिस्ती परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख लिहे क पाछे,
एबनेज़ेर स ओका उ पचे असदोद लइ गएन।
2पलिस्ती परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क दागोन क मन्दिर
मँ लइ गएन। उ पचे परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क दागोन
क बगल मँ धरेन। 3दुसरे दिन भिन्सारे असदोद क मनइयन
उठेन अउ लखेन कि दागोन मुँह क बल ओलरा बा।
दागोन यहोवा क सन्दूख क समन्वा गिरइ पड़ा। असदोद
क मनइयन दागोन क मूरति क फुन हुवँइ खड़ा कइ दिहन।
4मुला जब दुसरे दिन भिन्सारे असदोद क मनई उठेन तउ उ
पचे दागोन क फुन जमीन प ओलरा पाएन। दागोन फुन
यहोवा क पवित्तर सन्दूखे क समन्वा गिरइ पड़ा। दागोन क
हाथ अउ गोड़ टूट गवा रहेन अउ चौखट प पड़ा रहेन।
सिरिफ दागोन क देह एक खण्ड मँ रहा। 5इहइ कारण बा
कि आजु तलक दागोन क याजक या असदोद मँ दागोन क
मन्दिर मँ घुसइवाला दूसर मनई ड्योढ़ी प चलइ स मना कइ
देत ह।
6यहोवा असदोद क मनइयन अउ ओनकइ पड़ोसियन क
जिन्नगी दूभर कइ दिहन। यहोवा ओनका मुसीबत मँ डाइ
दिहन। उ ओन सबन्क गिलटी दिहेस। यहोवा ओनके लगे
मूस पठएस। मूस ओनकइ सबहिं जहाजे अउ भुइयाँ प दौड़त
रहेन। सहर मँ सब मनइयन डेराइ गएन। 7असदोद क
मनइयन लखेन कि का होत अहइ। उ पचे कहेन, “इस्राएल
क परमेस्सर क सन्दूख हिआँ नाहीं रहि सकत। परमेस्सर
हमका अउ हमरे देवता दागोन क सजा देत बा।”
8असदोद क मनइयन पलिस्ती सासकन क बोलाएन।
असदोद क मनइयन राजा लोगन स पूछेन, “हम पचे पवित्तर
सन्दूख क का करी?”
राजा लोगन जवाब दिहेन, “इस्राएल क परमेस्सर क
पवित्तर सन्दूख क गथ लइ जा।” एँह बरे पलिस्तियन
परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क हटाइ दिहन।
9मुला जब पलिस्ती परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क गथ
क पठइ दिहन तब यहोवा उ सहर क सजा दिहेस। मनइयन
बहोत डेराइ गएन। अउर परमेस्सर सहर क लोगन छोट स
बड़ा सबइ क फड़ा-फुंसी क मसीबत मँ मुबतला कइ
दिहेस। 10एँह बरे पलिस्ती परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क
एक्रोन पठइ दिहेन। मुला जब परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख
एक्रोन आवा, एक्रोन क मनइयन सिकाइत किहेन। उ पचे
कहेन, “तू पचे इस्राएल क परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख हमरे
सहर एक्रोन मँ काहे लइ आवत ह? का तू पचे हमरे
मनइयन क मारा चाहत ह?”
11एक्रोन क मनइयन सबहिं पलिस्ती राजा लोगन्क एक
संग बोलाएस। एक्रोन क मनइयन राजा लोगन्स कहेन,
“इस्राएल क परमेस्सर सन्दूख क, ओकरे पहिले कि उ
हमका अउ हमरे मनइयन क मारि डावइ, एकरे पहिले क
ठउर प पठइ द्या।”
एक्रोन क मनइयन बहोत डेराइ ग रहेन। परमेस्सर उ
ठउर प ओनकइ जिन्नगी क बहोत दु:खमय बनइ दिहस।
12बहोत स मनई तउ मर बिलाइ गएन। अउर जउन लोग
नाहीं मरेन ओनका गिलटी निकरि आइ। एक्रोन क मनइयन
जोर स रोइके अकास दहलाएन।

परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख घर लौटि आइ

6 पलिस्ती पवित्तर सन्दूख क आपन देस मँ सात महीना
तलक धरेन। 2पलिस्तियन आपन याजक अउ जादूगरन्क
बोलाएन। पलिस्तियन कहेन, “हम यहोवा क सन्दूखे क का
करी? बतावा कि हम कइसे सन्दूखे क वापिस एकरे घरे
पठइ।”
3याजकन अउ जादूगरन जवाब दिहेन, “अगर तू पचे
इस्राएल क परमेस्सर क पवित्तर सन्दूखे क पठवत ह तउ
एकाँ बिना दोखबलि चढ़ाए जिन पठवा। तोहका इस्राएल क
परमेस्सर क दोख बलि चढ़ावइ चाही, ताकि तू पचे चंगा
होब। तोहका इ एँह बरे करइ चाही कि जेहसे परमेस्सर तू
सबन्क सजा देब बंद कइ देइ।”

4पलिस्ती पूछेन, "हम पचन्क कउन स भेंट, आपन क
छिमा करइ क इस्राएल क परमेस्सर क पठवइ चाही?"
याजक अउ जादूगरन कहेन, "हिआँ पाँच पलिस्ती प्रमुख
अहइँ। हर एक सहर क एक प्रमुख बा। तू सब मनइयन
अउ तोहरे प्रमुखन क एक समस्या अहइ। एँह बरे तोहका
पाँच सोना क अइसा नमूना जउन पाँच गिल्टियन क तरह
होइँ देखावइ बरे बनवइ चाही। अउर पाँच नमूना मूसे क
तरह देखावइ बरे बनवइ चाही। 5इ तरह गिल्टी अउर मूसे
क नमूना बनावा जउन देस क मटियामेट करत अहइँ।
इस्राएल क परमेस्सर क इ सोना क नमूना अदा करइ क
रुप मँ दइ द्या। तब इ होइ सकत ह कि इस्राएल क
परमेस्सर तोहका, तोहरे देवतन क अउर तोहरे देस क सजा
देब रोक देइँ। 6फिरौन अउ मिस्री मनइयन क तरह जिद्दी न
बना। परमेस्सर मिस्री मनइयन क सजा दिहेस। इहइ कारण
रहा कि मिस्री मनइयन इस्राएलियन क मिस्र तजि देइ दिहेन।
7"तोहका एक नई बंद गाड़ी बनवइ चाही अउर दुइ गाइ
जउन बछवा जन्मे होइँ लइ आवइ चाही। इ गइयन अइसी
होइ चाही जउन खेते मँ न जोती गइ होइँ। गइयन क बन्द
गाड़ी मँ जोत द्या अउ बछवन क घरे लौटाइ द्या। बछवन
क गउसाला मँ राखा। ओनकइ आपन महतारी क पाछे न
जाइ द्या।
8यहोवा क पवित्तर सन्दूखे क बंद गाड़ी मँ धरा। तोहका
सोना क नमूनन क पेटी मँ सन्दूख क बगल मँ राखइ
चाही। सोना क नमूनन परमेस्सर बरे तोहार दोखबलि अहइ।
बंद गाड़ी क सोझइ रस्ता प पठवा। 9बंद गाड़ी क लखत
रहा। जदि बंद गाड़ी बेतसेमेस कइँती इस्राएल क भुइयाँ मँ
जात ह तउ इ संकेत अहइ कि ओकर परमेस्सर हम पचन्क
इ बड़का रोग दिहे अहइँ। मुला जदि इ गइयन बेतसेमेस क
नाहीं जातिन तउ हम पचे समझब कि इस्राएल क परमेस्सर
हमका सजा नाहीं दिहे अहइ। हम समझ जाब कि हमार
बेरामी खुद होइ गइ।" 10पलिस्तियन उहइ किहेन जउन
याजक अउ जादूगरन कहेन। पलिस्तियन वइसी दुइ गइया
लिहेन जउन हाली ही बछवा दिहे रहिन। पलिस्तियन गइयन
क बंद गाड़ी स जोड़ दिहन। पलिस्तियन बछवन क घरे प
गउसाला मँ राखेन। 11तब पलिस्तियन यहोवा क पवित्तर
सन्दूख क उ पेटी क साथ जे मँ सोना क मूसा अउर फौड़ा
क नमूना रहा बंद गाड़ी मँ धरेन। 12गइयन सोझइ बेतसेमेस
क गइन। गइयन लगातार चोकड़त भइ सड़क पइ ही चलत
रहिन। गइयन दाहिन बाएँ नाहीं मुड़िन। पलिस्ती राजा गइयन
क पाछे बेतसेमेस क सहर क पहँटा तलक गएन।
13बेतसेमेस क मनई घाटी मँ आपन गोहूँ क फसिल
काटत रहेन। उ पचे निगाह उठाएन अउ पवित्तर सन्दूख क
लखेन। उ पचे सन्दूखे क लखिके बहोत खुस भएन। उ
सबइ ओका लेइ बरे दौड़ेन। 14बन्द गाड़ी उहइ खेत मँ आइ
जउन बेतसेमेस क यहोसू क रहा। बन्द गाड़ी खेते मँ एक
बहोत बड़की चट्टान क समन्वा रुक गइ। बेतसेमेस क
मनइयन बन्द गाइयन क काट दिहन। तब उ पचे गाड़ी क
मारि डाएन। उ पचे यहोवा बरे गइयन क बलि दिहन।
15लेवि बंसी परिवार क मनइयन यहोवा क पवित्तर सन्दूखे
क उतारेन। उ पचे उ पेटी क भी उतारेन जेहमा सोना क
नमूना धरा रहेन। लेवीबंसियन परिवार क मनइयन यहोवा क
सन्दूख अउ पेटी क बड़की चट्टान प धरेन। उहइ दिना,
बेतसेमेस क लोगन यहोवा बरे बलि चढ़ाएन।
16पाँचउ पलिस्ती राजा लोगन बेतसेमेस क मनइयन क इ
सब करत लखेन। तबहिं उ पचे पाँचउ पलिस्ती राजा लोग
उहइ दिना एक्रोन लौटि गएन।
17इ तरह पलिस्तियन सोना क मिल्टियन क नमूना क
दोखबलि क रूप मँ यहोवा क दिहस। उ पचे हर एक ठु
पलिस्ती सहर बरे गिल्टी क एक सोना क नमूना पठएन। इ
सबइ पलिस्ती सहर असदोद, अज्जा, असकालोन, गत अउ
एक्रोन रहेन। 18अउर पलिस्तियन सोना क मूसा क नमूना
पठएन। सोना क मूसन क उहइ गनती रही, जउन पाँचउ
पलिस्ती राजा लोगन्क सहर क रही। इ सहरन क चारिहुँ
कइँती चहरदेवार रही। अउ हर सहर क चारिहुँ कइँती गाँव
रहेन। बेतसेमेस क मनइयन यहोवा क पवित्तर सन्दूख क
चट्टान प धरेन। उ चट्टान आजु भी बेतसेमेस क जोसुआ
क खेत मँ अहइ। 19मुला जउन टेमॅ बेतसेमेस क मनइयन
यहोवा क पवित्तर सन्दूख क लखेन, उ समइया हुआँ कउनो
याजकन नाहीं रहा। एँह बरे परमेस्सर बेतसेमेस क सत्तर
मनइयन क मार डाएन। बेतसेमेस क मनइयन रोवइ लागेन
काहेकि यहोवा एँतनी कठोर सजा दिहेन। 20एँह बरे बेतसेमेस
क मनइयन कहेन, "याजक कहाँ अहइ जउन इ पवित्तर
सन्दूख क देखरेख कइ सकइ? हिआँ स सन्दूख कहाँ जाइ?"
21किर्यत्यारीम मँ एक याजक रहा। बेतसेमेस क मनइयन
किर्यत्यारीम क मनइयन क लगे दूत पठएन। दूतन कहेन,
"पलिस्तियन यहोवा क पवित्तर सन्दूख लौटाइ दिहन। आवा
अउ एँका आपन सहर मँ लइ आवा।"

7 किर्यत्यारीम क मनइयन आएन अउ यहोवा क पवित्तर
सन्दूख क लइ गएन। उ पचे यहोवा क सन्दूख क
पहाड़ी प अबीनादब क घर लइ गएन। उ पचे अबीनादब क
बटवा एलीआज़ार क यहोवा क सन्दूखे क रच्छा करइ बरे
नियुक्त किहेन। 2सन्दूख किर्यत्यारीम मँ बहोत समइ तलक
धरा रहा। उ हुवाँ बीस बरिस तलक रहा।

यहोवा इस्राएलियन क रच्छा करत ह

इस्राएल क मनइयन यहोवा क कइँती लउटना सुरू
किहेन। 3समूएल इस्राएल क मनइयन स कहेस, "अगर तू
फुरे यहोवा क नगिचे सच्चा मन स लौटत बाट्या तउ
तोहका बिदेसी देवता लोगन्क बहाइ देइ चाही। तोहका
अस्तोरेत क मूरत लोकाइ देइ चाही। अउ तोहका पूरी तरह
यहोवा क अपने क न्यौछावर कइ देइ चाही। तोहका सिरिफ
यहोवा क ही सेवा करइ चाही। तबहिं यहोवा तोहका
पलिस्तियन स बचइहीं।"
4एँह बरे इस्राएलियन आपन बाल अउ अस्तोरेत क मूरत
क लोकाइ दिहेन। इस्राएलियन सिरिफ यहोवा क सेवकाई
करइ लागेन।
5समूएल कहेस, "सबहिं इस्राएलियन मिस्पा मँ बटुर जाइँ।
मइँ तोहरे बरे यहोवा स पराथना करब।"
6इस्राएलियन मिस्पा मँ बटुर गएन। उ सबइ जल लइ
आएन अउ यहोवा क समन्वा जल चढ़ाएन। इ तरह उ पचे

उपवास क समइ सुरु किहेन। उ पचे उ दिन खइया क नाहीं
खाएन, अउ आपन पापन्क कबूलेन। उ पचे कहेन, “हम
पचे यहोवा क खिलाफ पाप किहे अही।” इ तरह समूएल
मिस्पा मँ इस्राएल क जज क तरह काम किहेस।
7पलिस्तियन इ सुनेन कि इस्राएलियन मिस्पा मँ बटुर ग
अहइँ। पलिस्ती राजा इस्राएलियन क खिलाफ हमला करइ
गएन। इस्राएलियन सुनेन कि पलिस्ती आवत अहइँ, अउर उ
पचे डेराइ गएन। 8इस्राएलियन समूएल स कहेन, “हमार
परमेस्सर यहोवा क पराथना हमरे बरे करब बन्द जिन करा।
यहोवा स माँगा कि उ पलिस्तियन स हमार रच्छा करइ।”
9समूएल एक ठु मेमना लिहस। उ यहोवा बरे होमबलि
क रुप मँ मेमना क बारेस। समूएल यहोवा स इस्राएल बरे
पराथना किहेस अउर यहोवा ओका क जवाब दिहेस। 10जब
समूएल बलि क बारत रहा, पलिस्ती इस्राएल स लड़इ
आएन। मुला यहोवा पलिस्तियन क नगिचे खूब जोर क
गर्जब कराएस। एँहसे पलिस्ती घबराइ गएन। अउ उ पचे
गरजइ स ससाइ गएन। ओनकइ मुखिया ओनका बस मँ
नाहीं कइ सकेन। इ तरह पलिस्तियन क इस्राएली जुद्ध मँ
हराइ दिहेन। 11इस्राएल क मनइयन मिस्पा स बाहेर भागेन
अउ पलिस्तियन क पाछा किहेन। उ पचे लगातार बेत कर
तलक ओनकइ पाछा किहेन। उ सबइ रस्ता भइ पलिस्ती
सिपाही क मार डाएन।

इस्राएल मँ सान्ति आइ गइ

12एकरे पाछे, समूएल एक खास पाथर खड़ा किहेस। उ
एँह बरे किहेस कि मनइयन याद राखइँ कि परमेस्सर का
किहेस। समूएल पाथर क मिस्पा अउ सेन क बीच राखेस।
समूएल पाथर क नाउँ “मदद क पाथर” धरेस। समूएल
कहेस, “यहोवा लगातार पूरी राह भइ हमार मदद किहेस।”
13पलिस्ती हार गएन। उ पचे इस्राएल देस मँ फुन नाहीं
घुसेन। समूएल क बाकी जिन्नगी मँ यहोवा पलिस्तियन क
खिलाफ रहेन। 14पलिस्तियन एक्रोन स गथ तलक क पहँटा
क सहर क लइ लिहे रहेन। मुला इस्राएली ओनका जीतके
फुन लइ लिहेन। अउर इस्राएली इ सहरन क चारिहुँ कइँती
क भुइँया क भी फुन लइ लिहेन।
इस्राएल अउ अमोरियन क बीच भी सान्ति रही।
15समूएल आपन पूरी जिन्नगी भइ इस्राएल क निआव
करत रहेस। 16समूएल एक ठउर स दूसर ठउर ताईं इस्राएल
क मनइयन क निआव करत गवा। हर बरिस उ देस क
चारिहुँ कइँती जात्रा किहेस। उ बेथेल, गिलिगाल अउ मिस्पा
क गवा। एँह बरे उ इ सबहिं ठउरन मँ इस्राएली मनइयन
निआव अउ ओन पइ राज किहेस। 17मुला समूएल क घर
रामा मँ रहा। एँह बरे समूएल हमेसा रामा क लौट जात रहा।
समूएल उहइ सहर स इस्राएल क निआव अउ राज किहेस।
अउ समूएल रामा मँ यहोवा बरे एक वेदी बनाएन।

इस्राएल एक राजा क माँग करत ह

8 जब समूएल बुढ़ाइ गवा तउ उ आपन पूत न क
इस्राएल क जज बनाएस। 2समूएल क पहिलौटी क
बेटवा योएल नाउ क रहा। ओकर दूसर पूत अबिय्याह नाउँ
क रहा। योएल अउ अबिय्याह बेर्सेबा मँ जज रहेन। 3मुला
समूएल क पूत वइसे ही नाहीं रहत रहेन जइसे उ रहत रहा।
योएल अउ अबिय्याह घूस लेत रहेन। उपचे चुप्पे स घूस
लेतेन अउ अदालत मँ आपन निर्णय बदल देत रहेन। उ पचे
अदालत मँ मनइयन क ठगत रहेन। 4एँह बरे इस्राएल क
सबहिं बुजुर्गन मिलिके बटुर गएन। उ पचे समूएल स भेंटइ
रामा गएन। 5बुजुर्गन लोग समूएल स कहेन, “तू बुढ़ाइ गया,
अउ तोहार पूत ठीक स नाहीं रहतेन। उ पचे तोहरे तरह नाहीं
अहइँ। अब तू दूसर रास्ट्र क तरह हम सबन प राज करइ
बरे एक राजा द्या।”
6इ तरह बुजुर्गन अपने क राह देखावइ बरे एक राजा
मांगेन। समूएल सोचेस कि इ बिचार बुरा अहइ। एँह बरे
समूएल यहोवा क पराथना किहेस। 7यहोवा समूएल स
कहेस, “उहइ करा जउन लोग तोहसे करइ क कहत हीं। उ
पचे तोहका अस्वीकार नाहीं करत हीं। उ पचे मोका आपन
राजा बनावन बरे अस्वीकार करत हीं। 8उ पचे उहइ करत
अहइँ जउन हमेसा करत रहेन। मइँ ओन सबन्क मिस्र स
बाहेर लइ आएउँ। मुला उ पचे मोका तजि दिहेन, अउर दूसर
देवतन क पूजेन। उ पचे तोहरे संग भी वइसा करत अहइँ।
9एँह बरे मनइयन क सुना अउर जउन उ पचे कहइँ करा।
मुला ओनका चिताउनी द्या। ओनका बतावा कि राजा
ओनकइ संग का करी। ओनकइ बताना कि एक राजा
मनइयन प कइसे राज करत ह।”
10उ पचे एक राजा बरे माँग किहेन। एँह बरे समूएल
मनइयन स उ सबइ बात किहेन जउन यहोवा कहे रहेन।
11समूएल कहेस, “अगर तू आपन पइ राज करइ वाला राजा
राखत बाट्या तउ उ इ करी। उ तोहरे बेटवन क लइ लेइ।
उ तोहरे बेटवन क सेवा बरे मजबूर करी। उ ओन पचन्क
सिपाही बनवइ बरे मजबूर करी, ओन पचन्क ओकरे रथे स
लड़इ क पड़ी अउर उ पचे ओकरी फउज क घोड़सवार
होइहीं। तोहार पूत राजा क रथे क आगे धावइवाला रच्छक
बनिहीं।
12“राजा तोहरे पूतन्क फौजी बनइ बरे मजबूर करी।
ओहमाँ स कछू एक हजार मनई क ऊपर अफसर होइहीं।
अउर दूसर, पचास मनई क ऊपर अफसर होइहीं।
“राजा तोहरे पूतन मँ स कछू क आपन खेत जोतइ क
अउर फसिल काटइ क मजबूर करी। उ ओनका आपन रथे
क सामान बनवइ बरे मजबूर करी।
13“एक राजा तोहरी बिटियन क लइ लेइ। उ तोहरी
बिटियन मँ स कछू क आपन बरे महकउआ चीज बनवइ क
मजबूर करी। अउर उ तोहरी बिटियन मँ स कछू क पकावइ
अउ रोटी सेकइ क मजबूर करी। 14राजा तोहार सब स
बढ़िया खेत, अंगूर क बाग अउर जैतून क बाग लइ लेई।
उ ओन चीजन्क तोहसे लइ लेई अउर आपन अफसरन्क दइ
देई। 15उ तोहार अन्न अउ अंगूर क दसवाँ हींसा लइ लेइ।
उ इन चीजन्क आपन नउकरन अउ अफसरन्क दइ देइ।
16“इ राजा तोहरे मनसेधू नउकरन अउ नउकरनियन क
लइ लेइ। उ तोहार सबन त बढ़िया गोरु अउ गधा क लइ
लेइ। उ ओनकइ आपन कामे बरे बइपरी। 17उ तोहरे भेड़ी
अउ बोकरी क दसवाँ हींसा लेई।

“अउर तू खुद इ राजा क दास होब्या। 18जब उ टेमॅ आई
तब तू राजा क चुनइ क कारण रोउब्या। मुला उ टेमॅ यहोवा
तू पचन्क जवाब न देइहीं।”
19मुला लोगन समूएल क अनसुनि किहेन। उ पचे कहेन,
“नाहीं! हम पचे आपन ऊपर राज करइ बरे एक ठु राजा
चाहित ही। 20तब हम पचे दूसर रास्ट्रन क जइसा होइ जाब।
हमार राजा हम पचन्क रास्ता देखॉई। उ हम पचन्क संग
जाइ अउर हमरे जुद्धन क लड़ी।”
21समूएल जब मनइयन क सब कछू कहा भवा सुनेस
तबहिं उ यहोवा क समन्वा ओनकइ कहब क दोहराएस।
22यहोवा उत्तर दिहेस, “ओनकइ बात सुना। ओनका एक राजा
द्या।”

तबहिं समूएल इस्राएल क मनइयन स कहेस, “ठीक बा!
तोहार एक नवा राजा होइ। अबहिं आप सब लोग घरे जाइँ।”

साऊल आपन बाप क गदहन क हेरत ह

9 बिन्यामीन परिवार समूह स किस एक सक्तीसाली
योद्धा रहा। किस अबीएल क पूत रहा। अबीएल ससोर
क पूत रहा। सरोर बकारत क पूत रहा। बकारत बिन्यामीन
क एक मनई अफिया क पूत रहा। 2कीस क पूत साऊल
नाउँ क रहा। साऊल एक सुन्नर जवान रहा। हुवाँ साऊल स
बढ़िके जिआदा सुन्नर कउनो न रहा। ठाड़ होए प साऊल क
मूँड़ इस्राएल क कउनो भी मनई स ऊँच रहत रहा।
3एक दिना कीस क गदहन हेराइ गएन। एँह बरे कीस
आपन पूत साऊल स कहेस, “नउकरन मँ स एक क संग
लइ ल्या अउर गदहन क हेर इ जा।” 4साऊल गदहन क
हेरब सुरु किहेस। साऊल एप्रैम क पहाड़ियन मँ होइके घूमा।
तबहिं साऊल सालीम क चारिहुँ कइँती पहँटा मँ घूमा। मुला
साऊल अउ ओकर नउकर, किस क गदहन क नाहीं पाइ
सकेन। एँह बरे साऊल अउ नउकर सालिम क चारिहुँ कइँती
पहँटा मँ गएन। मुला गदहा हुवाँ नाहीं मिलेन। एँह बरे
साऊल बिन्यामीन क पहँटा मँ होइके जात्रा किहेस। मुला उ
अउ ओकर नउकर गदहन क तबहुँ नाहीं पाइ सकेन।
5आखिर मँ साऊल अउ ओकर नउकर जुफ नाउँ क
सहर मँ आएन। साऊल आपन नउकर स कहेस, “चला, हम
पचे लौटी। मोर बाप गदहा क बारे मँ सोचब बंद देइहीं
अउर हम पचन क बारे मँ फिकिर करिहीं।”
6मुला नउकर जवाब दिहेस, “इ सहर मँ परमेस्सर क एक
ठु मनई अहइ। मनई ओकर मान करत हीं। उ जउन कहत
ह सच होत ह। एँह बरे हम सबइ इ सहर मँ चली। अइसा
लागत ह कि परमेस्सर क उ मनई हमका बताई कि एँकरे
पाछे हम पचे कहाँ जाइ।”
7साऊल आपन नउकर स कहेस, “हम पचे सहर मँ जाइ
सकित ह। मुला हम पचे उ मनई का इ सकित ह? हम
पचन क झोरी क भोजन खतम होइ ग बाटइ। हम पचन क
लगे कउनो भी भेंट परमेस्सर क मनई क देइ बरे नाहीं
अहइ। हमरे लगे ओका देइ क का अहइ?”
8नउकर फिन जवाब दिहेस, “सुना, मोरे लगे तनिक धन
अहइ। हम परमेस्सर क मनई क इहइ देइ। तबहि उ बताई
कि हम पचे कहाँ जाइ।”
9-11साऊल आपन नउकर स कहेस, “नीक सुझाव अहा,
हम पचे चली।” उ पचे सहर मँ हुवाँ गएन जहाँ परमेस्सर
क मनई रहा।

साऊल अउ ओकर नउकर पहड़िया प चढ़त भए सहर
क जात रहेन। राहे मँ उ पचे कछू जवान अउरतन स भेंटेन।
जवान अउरत बाहेर स पानी लेइ जात रहिन। साऊल अउ
ओकर नउकर जवान अउरतन स पूछेन, “का दर्सी हीआँ
अहइँ?” (पुराने जमाना मँ इस्राएल क बसइया नबियन क
“दर्सी” कहत रहेन। एँह बरे उ पचे परमेस्सर स कछू मागँइ
चाहत रहेन तउ पचे कहत रहेन, “हम पचे दर्सी क लगे
चली।”)
12जवान अउरतन जवाब दिहेन, “हाँ, दर्सी हीआँ अहइँ।”
उ सोझइ इ सड़क प आगे अहइँ। उ आज ही नगर मँ
आवा अहइँ। कछू मनइयन हुवाँ एकट्ठइ बटुरा अहइ। उ
पचे आराधना ठउर प मेलबलि चढ़ावइ बरे जाइ। 13आप
लोग सहर मँ जाइँ अउ ओनसे भेंटाइ लेइहीं। जदि आप सब
जल्दी जाइहीं तउ आप ओनसे आराधना ठउर प भोजन प
जाइ स पहिले मिलि लेइहीं। दर्सी बलि-भेंट क आसीर्बाद
देत हीं। एँह बरे मनइयन जब तलक खाइया क खाब सुरु
नाहीं करिहीं जब ताईं उ हुवाँ न पहोंच जाइँ। एँह
बरे आप सबइ हाली करइँ तउ आप लोग दर्सी क भेंटि
सकत हीं।”
14साऊल अउ नउकर ऊपर पहड़िया प सहर कइँती बढ़ब
सुरु किहेन। जइसे ही उ पचे सहर मँ घुसेन उ पचे समूएल
क आपन कइँती आवत देखेन। समूएल सहर क बाहेर पूजा
क ठउर प जाइ बरे अबहिं आवत रहा।
15एक दिन पहिले यहोवा समूएल स कहेस, 16“काल्ह
मइँ इहइ टेमॅ तोहरे लगे एक मनई क पठउब। वह
बिन्यामीन क गोत क होइ। तू सबन क ओकर अभिसेक
कर देइ चाही। तब उ हमार मनइयन इस्राएलियन क नवा
नेता होइ। इ मनई हमरे मनइयन क पलिस्तियन स बचाइ।
मइँ आपन मनइयन क दु:ख क देखेउँ ह। मइँ आपन
मनइयन क रोउब सुनेउ ह।”
17समूएल साऊल क लखेस अउ यहोवा ओसे कहेस,
“इहइ उ मनई अहइ जेकरे बारे मँ मँइ तोहसे कहेउँ रहे। इ
मोरे मनइयन क बस मँ राखी।”
18साऊल दुआर क लगे समूएल क निअरे आवा।
साऊल समूएल स पूछेस, “मेहरबानी कइके बतावा दर्सी क
घर कहाँ अहइ?”
19समूएल जवाब दिहेस, “मइँ ही दर्सी अहँउ। मोरे अगवा
आराधना क ठउर प पहुँचा। तू अउ तोहार नउकर आज
हमरे संग खइया क खइहीं। मइँ भियान भिन्सारे तोहका घरे
जाइ देब। मइँ तोहरे सबहिं सवालन क जवाब देब। 20अउर
ओन गदहन क फिकिर जिन करा जेका तू तीन दिना पहिले
खोइ दिहा ह। उ सब मिल गवा बाटेन। अब, तोहका समूचा
इस्राएल चाहत अहइ। उ सबइ तोहका अउ तोहरे बाप क
परिवारे क सब मनइयन क चाहत हीं।”
21साऊल जवाब दिहेस, “मुला मइँ बिन्यामीन परिवार
समूह क निअम्बर अहउँ। इ इस्राएल मँ सबन क छोटका
समूह अहइ। मोर परिवार मोर पूरा परिवार समूह मँ सब त

छोटा अहइ। आप काहे कहत बाटेन कि इस्राएल मोका
चाहत ह?"
22तब समूएल साऊल अउ ओकरे नउरक क भोजन क
जगहिया मँ लइ गवा। लगभग तीस न्यौताहरी एक संग
भोजन बरे अउर बलि-भेंट लेइ बरे बोलावा ग रहेन।
समूएल साऊल अउ ओकरे नउकर क मेज प सबन ते
जिआदा खास जगह दिहेस। 23समूएल रसोइया स कहेस, "उ
गोस लइ आवा जउन मइँ तोहका दिहेउँ ह। इ उहइ हींसा
अहइ जेका मइँ तोहसे जोगइ क रक्खइ बरे केहउँ रहे।"
24रसोइया रान लिहेस अउ साऊल क समन्वा मेज प
धरेस। समूएल कहेस, "इहइ उ गोस बा जेका मइँ तोहरे बरे
जोगइ क राखेउँ रहे। ओका खा काहेकि इ इ खास टेमॅ बरे
जोगवा रहा।" इ तरह उ दिना साऊल समूएल क संग
खइया क खाएस।
25जबहिं उ पचे खइया क खाइ लिहेन, उ पचे पूजा क
ठउर स उतरेन अउ सहर क लौटेन। समूएल छते प साऊल
बरे बिछौना दसाएस। अउर साऊल सोइ गवा।
26भियन भिन्सारे समूएल साऊल क छते प जोर स
पुकारेस। समूएल कहेस, "उठा। मइँ तोहका तोहरे राहे प
पठउब।" साऊल उठा, अउर तब समूएल क संग घर क
बाहेर गवा।
27साऊल अउ ओकर नउकर संग संग सहर क सिरे क
उतराई प टहरत रहेन। समूएल साऊल स कहेस, "आपन
नउकर स हम पचन स अगवा जाइ क कहा। मोरे लगे
तोहरे बरे परमेस्सर क एक संदेसा अहइ।" तउ नउकर ओन
पचन स तनिक अगवा चला गवा।

समूएल साऊल क अभिसेक करत ह

10 समूएल खास तेल क एक ठु मेटिया लिहेस।
समूएल तेल क सौर क मूड़े प नाएस। समूएल
साऊल क चुम्मा लिहेस अउर कहेस, "यहोवा तोहार
अभिसेक क चुनाव आपन मनइयन क मुखिया बनवइ बरे
किहेस ह। तू यहोवा क मनइयन क बस मँ करब्या। तू ओन
पचन्क ओन दुस्मनन स बचउब्या जउन ओनका चारिहुँ
कइँती स घेरे बाटेन। यहोवा तोहार अभिसेक चुनाव आपन
मनइयन क ऊपर प्रधान होइ बरे किहे अहइ। हियाँ एक
चीन्हा अहइ जउन परमान देइ कि इ फुर बाटइ। 2जब तू
मोसे अलगाइ जाब्या तउ तू रखेल क मकबरा क निअरे दुइ
मनइयन स बिन्यामीन क इलाका मँ जल्जा मँ मिलब्या। उ
दुइनउँ मनई तोहसे कहिहीं, 'जउन गदहन क तू हेरत बाट्या
ओनका कउनो मनई पाइ लिहेस ह। तोहार बाप गदहन क
बारे मँ फिकिर करब तजि दिहेस ह। अब ओका तोहार
फिकिर बा। उ कहत अहइ, "मइँ आपन पूत क बारे मँ का
करउँ।"'
3समूएल कहेस, "जब तू तब्बइ तलक चलत रहब्या जब
तलक तबोर मँ साह बलूत बृच्छ ताईं नाहीं पहोंच जात्या।
हुवाँ तोहसे तीन मनई मिलिहीं। उ तीनउँ मनई बेतेल मँ
परमेस्सर क आराधना बरे जात्रा प होइहीं। एक ठु मनई
बोकरी क तीन बच्चन क ढोवत होइ। दूसर मनई तीन डबल
रोटी लइ जात होइ। अउ तीसरा मनई एक गगरी दाखरस
लइ जात होइ। 4इ तीनउँ मनई कहिहीं, आपक सुआगत
अहइ। उ पचे तोहका दुइ रोटी देइहीं। तू ओनसे उ दुइ
डबल रोटी क लइ लिहा। 5तब तू गिबियथ-एलोहिम जाब्या।
उ ठउर प पलिस्तियन क एक ठु किला अहइ। जबहिं तू उ
सहर मँ पहोंचब्या तउ कइउ नबियन निकरिहीं। इ नबियन
आपन ठउर स पूजा बरे अइहीं। उ सबइ भविस्सबाणी
करिहीं। उ सबइ सितार, तम्बूरा, बाँसुरी अउ बीणा बजावत
रइहीं। 6तब तुरंतही यहोवा क आतिमा तेजी स तोह पइ
उतरी। तू बदल जाब्या। तू एक अलगइ मनई होइ जाब्या। तू
इ नबी क संग भविस्सबाणी करइ लगब्या। 7इ बातन क
होइ जाए क पाछे तू जउन चहब्या करब्या। परमेस्सर तोहरे
संग होइहीं।
8"मोसे पहिले गिलगाल जा। मइँ तोहरे लगे उ ठउरे प
आउब। तब मइँ होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाउब। मुला
तोहका सात दिना तलक प्रतीच्छा करइ क होइ। तबहिं मइँ
आउब अउ बताउब कि तोहका अगवा का करइ क
अहइ।"

साऊल क नबी जइसा होब

9जइसे ही साऊल समूएल क बिदाह देइ घूमा परमेस्सर
साऊल क मन पूरी तरह बदल दिहस। इ सबहिं होनी उहइ
दिन भइन। 10साऊल अउ ओकर नउकर गिबियथ-एलाहिम
गएन। उ ठउर प साऊल नबियन क एक धार्मिक सभा स
भेंटेस। परमेस्सर क आतिमा साऊल प तेजी स उतरी अउ
साऊल नबियन क संग भविस्सबाणी करइ लागेस। 11जउन
मनइयन साऊल क पहिले स जानत रहेन उ पचे नबियन क
संग ओका भविस्सबाणी करत लखेन। उ पचे आपुस मँ
पूछइ-पछोरइ लागेन, "किस क पूत क का होइ ग अहइ?
का साऊल नबियन मँ स एक अहइ।"
12एक मनई जउन गिबियथ-एलोहिम मँ रहत रहा कहेस,
"हाँ, अउर अइसा लगत ह कि इ ओनकइ मुखिया
अहइ।"* इहइ कारण अहइ कि इ परसिद्ध कहतून बन
गइ, "का साऊल नबियन मँ स कउनो एक अहइँ।"

साऊल घरे लौटत ह

13आखिर उ नबी क तरह भविस्सबाणी बंद किहेस अउर
एक आराधना क ठउर प घर क नगिचे चला गवा
14साऊल क काका ओसे अउ ओकरे पिता क नउकर स
पूछेस, "तू पचे कहाँ गवा रह्या?"
उ जवाब दिहेस, "हम पचे गदहन क लखइ गवा रहे
अउ ओनकइ हेरइ चला ही जात रहे, उ सब कहूँ नाहीं
मिल पाएन। एँह बरे हम पचे समूएल क लगे गएन।"
15इ सुनिके साऊल क काका कहेस, "कृपा कइके तू
पचे मोका बतावा कि समूएल तू दुइनउँ स का कहेस?"
16साऊल जवाब दिहेस, "समूएल हमका बताएस, कि
गदहन पहिले मिलि गवा रहेन।" साऊल काका क राजा होइ
क बारे मँ कछू बात नाहीं बताएस।

हाँ … मुखिया अहइ इ सब्द क अरथ अहइ "पिता।" अवसर
इ उहइ मनई होत रहा, जउन धरमदूतन क सिच्छा देत रहा अउर
ओनकइ राह देखावत रहा। ओका "पिता" कहत रहेन।

समूएल साऊल क राजा होइ क बारे मँ डुग्गी पीटेस

17समूएल इस्राएल क सबहिं मनइयन स मिस्पा मँ यहोवा
स मिलइ बरे एक संग बटुरइ बरे कहेस। 18समूएल इस्राएल
क मनइयन स कहेस, "इस्राएल क परमेस्सर यहोवा कहत
हीं, 'मइँ इस्राएल क मिस्र स बाहेर निकारेउँ ह। मइँ तोहका
मिस्र क गुलामी स अउ दूसर राज्ज क गुलामी स बचाएउँ
ह जउन तोह पइ चोट करइ चाहत रहेन।' 19मुला आज तू
आपन परमेस्सर क तुच्छ जान लिहा ह। तोहार परमेस्सर
तोहका सब कस्टन अउ सब समस्या स बचावत ह। मुला तू
कह्या, 'नाहीं हम आपन ऊपर राज्ज करइ बरे एक ठु राजा
चाहित ह।' अब आवा अउ यहोवा क समन्वा आपन परिवार
अउ आपन गोत क संग खड़ा ह्वा।"

20समूएल इस्राएल क सबहिं परिवार क गोते क निअरे
लइ गवा। तब समूएल नवा राजा चुनब सुरु किहेस। पहिले
बिन्यामीन क परिवार गोत चुना गवा। 21समूएल बिन्यामीन
क परिवार-गोत क हर एक परिवार क एक एक कइके
निकसइ क कहेस, मत्री क परिवार चुना गवा। तब समूएल
मत्री क परिवार क हर एक मनई क एक एक कइके
ओकरे अगवा स निकसइ क कहेस। इ तरह कीस क पूत
साऊल चुना गवा।

मुला जब मनइयन साऊल क खोज किहेन, तउ उ पचे
ओका नाहीं पाइ सकेन। 22तब उ पचे यहोवा स पूछेन, "का
साऊल अबहिं तलक हियाँ आइ गवा अहइ?"

यहोवा कहेस, "साऊल सामग्री क बीच मँ छुपा बा।"

23मनइयन दौड़ेन अउर साऊल क सामग्री क बीच मँ स
लइ आएन। साऊल मनइयन क बीच खड़ा भवा। साऊल
बस एँतना लम्बा रहा कि सब मनइयन सिरिफ ओकरे काँधे
तलक रहेन।

24समूएल सब मनइयन स कहेस, "उ मनई क लखा
जेका यहोवा चुने अहइ। मनइयन मँ स कउनो साऊल क
नाईं नाहीं बा।"

तब मनइयन नारा लगाएन, "राजा क लम्बी उमर होइ।"

25समूएल राज्ज क नेमँ क मनइयन क समझाएस। उ इ
नेमन क एक किताबे मँ लिखेस। उ किताबे क यहोवा क
समन्वा रखेस। तब समूएल मनइयन क घर जाइ बरे कहेस।

26साऊल भी आपन घरे गिबा मँ चला गवा। परमेस्सर
बहादुर मनइयन का हिरदय क छुएस अउ बहादुर मनई
साऊल क पाछा करइ लागेन। 27मुला कछू परीसानी पइदा
करइवाला मनइयन कहेन, "इ मनई हम मनइयन क रच्छा
कइसे कइ सकत ह?" उ पचे साऊल क बुराई अउ ओका
उपहार देइ स मना कइ दिहेन। मुला साऊल कछू नाहीं
कहेस।

अम्मोनियन क राजा नाहास

अम्मोनियन क राजा नाहास, गिलाद अउ याबेस क
परिवार समूह क कस्ट देत रहा। नाहास ओनके परिवार क
हर एक मनई क दाहिन आँखी निकरवाइ डाए रहा। नाहास
कउनो क ओनकइ मदद नाहीं करइ देत रहा। अम्मोनियन क
राजा नाहास यरदन नदी क पूरब मँ बसइयन क हर एक
इस्राएली मनइयन क दाहिन आँखी निकरवाइ लिए रहा। मुला
सात हजार इस्राएली अम्मोनियन क हियाँ स पराइ गएन
अउर याबेस गिलाद मँ आइ गएन।

11 अउर अम्मोनी नाहास अउ ओकर फउज याबेस
गिलाद क घेर लिहस। याबेस क सबहिं मनइयन
नाहास स कहेस, "अगर तू हमरे संग मेल करब्या, तउ हम
पचे तोहार सेवकन बन जाब।"

2मुला अम्मोनी नाहास स जवाब दिहेस, "मइँ तू पचन क
संग तब मेल करब जब मइँ हर कउनो मनई क दाहिन
आँखी निकारि लेब। एँहसे सबहिं इस्राएलियन लजाइ जइहीं।"

3याबेस क बुजुर्गन नाहास स कहेन, "हम पचे सात दिना
क टेमॅ लेब। हम समूचइ इस्राएल मँ दूत पठउब। जदि
कउनो मदद बरे न आई तउ हम पचे तोहरे लगे आउब
अउर आपन क अर्पण कइ देब।"

साऊल याबेस गिलाद क रच्छा करत ह

4तउ उ सबइ दूतन गिबा मँ आएन जहाँ साऊल रहत
रहा। उ पचे मनइयन क खबर दिहेन। लोग जोर स रोवत
रहेन। 5साऊल आपन गइयन क संग खेते गवा रहा।
साऊल खेते स लौटा अउर उ मनइयन क रोउब सुनेस।
साऊल पूछेस, "मनइयन क कस्ट अहइ? उ पचे काहे रोवत
अहइ?"

तब मनइयन याबेस क दूतन जउन कहे रहेन साऊल क
बताएन। 6साऊल ओनकइ बातन क सुनेस। तब्बइ परमेस्सर
क आतिमा साऊल प बड़ी जल्दी स उतरी। साऊल जिआदा
कोहाइ गवा। 7साऊल गाय क जोड़ी लिहेस अउ ओनकइ
बोटी बोटी कइ डाएस। तब उ गइयन क बोटी क ओन
दूतन क दिहस। उ दूतन क हुकुम दिहेस कि उ पचे
इस्राएल क समूचइ देस मँ लइ जाइँ। उ ओनसे इस्राएल क
मनइयन क इ संदेसा देइ बरे कहेस, "आवा, साऊल अउ
समूएल क अनुसरण करा। जदि कउनो मनई नाहीं आवत
अउर ओकर मदद नाहीं करत तउ ओकरी गाय क संग
इहइ होई।"

लोगन मँ यहोवा क डर छाइ गवा। उ पचे एक ठु इकाई
क तरह एक संग बटुर गएन। 8साऊल सबहिं मनइयन क
बजक स एक संग बटोरेस। हुवाँ इस्राएल क तीन लाख
मनसेधू अउ यहूदा स तीस हजार मनसेधू रहेन।

9साऊल अउ ओकर फउज याबेस क दूतन स कहेन,
"गिलाद मँ याबेस क मनइयन स कहा कि भियान दुपहरे
तलक तू पचन क रच्छा होइ जाइ।"

दूतन साऊल क संदेसा याबेस क मनइयन क दिहेन।
याबेस क मनई बहोत खुस भएन। 10तबहिं याबेस क
मनइयन अम्मोनी नाहास स कहेन, "हम पचे भियान तोहरे
लगे आउब। तब तू हम सबन क संग जउन चाहा कइ
सकत ह।"

11दूसर दिन भिन्सारे साऊल आपन फउज क तीन हींसा
मँ बांटेस। जइसे ही सूरज निकरत साऊल अउ ओकर
फउज अम्मोनी डेरा मँ हमला किहेन। साऊल उ टेम मँ
हमला किहेस, जब उ पचे भिन्सारे रच्छक क बदलत
रहेन। साऊल अउ ओकर फउज दुपहर स पहिले ओनका
हराइ दिहेन। अम्मोनी फउज अलग अलग दिसा मँ पराइ

गएन यहाँ तलक कि दुइ सिपाही भी एक संग नाहीं जम सकेन।

12तब मनइयन समूएल स कहेन, "उ पचे कहाँ बाटेन जउन कहत हीं कि हम साऊल क राजा क रुप मँ हुकुम करइ देब नाहीं चाहित? उ मनइयन क लइ आवा हम ओनका मारि डाउब।"

13मुला साऊल कहेस, "नाहीं आज कउनो क जीन मारा। आज यहोवा इस्राएल क रच्छा किहेस ह।"

14तब साऊल मनइयन स कहेस, "आवा हम पचे गिलगाल चली। हम पचे साऊल क राजा क तोर पर फुन अनुमोदन करब।"

15तउ सबहिं मनइयन गिलगाल चला गएन। हुवाँ यहोवा क समन्वा मनइयन साऊल क राजा बनाएन। उ पचे यहोवा क मेलबलि चढ़ाएन। अउर सबइ इस्राएलियन खुसी मनाएन।

समूएल इस्राएलियन स बात करत ह

12 समूएल सब इस्राएलियन स कहेस: "मइँ उ सब कछू दिहेउँ ह जउन तू पचे मोसे चाहत ह। मइँ तू पचन क ऊपर एक राजा रखेउँ ह। 2अब तोहका राह देखावइ बरे एक राजा अहइ। मइँ बुढ़ाइ गवा हउँ अउ मोर बार सफेद होइ ग अहइँ, मुला मोरे बेटवा तोहरे संग अहइ। जब मइँ एक नान्ह लरिका रहेउँ तब स मइँ तोहार अगुआ रहेउँ। 3मइँ हियाँ अहउँ। जदि मइँ बुरा करम किए अहउँ तोहका ओकरे बारे मँ यहोवा स अउ ओनकइ चुना भवा राजा स कहइ चाही। का मइँ कबहुँ कउनो क गइया या गदहा चुरायो हउँ? का मइँ कउनो क कबहुँ धोखा दिहउँ ह या नस्कान पहुँचायो हउँ? का मइँ कउनो का बुरा करइ बरे कबहुँ कउनो स धन या एक जोड़ी पनही लिहउँ ह? जदि मइँ एहमाँ स कउनो बुरा काम किहेउँ ह तउ मइँ ऍका नीक करब।"

4इस्राएलियन जवाब दिहेन, "नाहीं, तू हम पचन क कबहुँ बुरा नाहीं किहा। तू न हम पचन्क ठग्या, न ही तू हम लोगन्स कबहुँ कछू लिह्या।" 5समूएल इस्राएलियन स कहेस, "जउन तू कह्या यहोवा ओकर गवाह अहइ। यहोवा क चुना भवा राजा भी आज गवाह अहइ। उ दुइनउँ गवाह अहइँ कि तू मोहे मँ कउनो दोख नाहीं पाया।" अउर लोगन कहेन, "उ एक गवाह अहइ।"

6तब समूएल मनइयन स कहेस, "यहोवा लखेस ह कि का भवा ह। यहोवा उहइ अहइ जउन मूसा अउ हारुन क चुनेस ह। उ तोहरे पुरखन क मिस्र स बाहेर लइ आवा। 7अब चुपचाप हुवाँ खड़ा रहा जब मइँ तोहका नीक काम बताउब जउन यहोवा तोहरे पुरखन अउ तोहरे बरे किहेस ह।

8"याकूब मिस्र गवा। पाछे, मिस्र क लोग ओकरे औलाद क जिन्नगी कस्ट स भरि दिहेन। ऍह बरे उ सबइ मदद बरे यहोवा क समन्वा रोएन। यहोवा मूसा अउ हारुन क पठएस। मूसा अउ हारुन तोहरे पुरखन क मिस्र स बाहेर लइ आएन अउर इ ठउर मँ बसइ बरे ओनका राह देखाएन।

9"मुला तोहार पुरखन, आपन यहोवा आपन परमेस्सर क बिसरि गएन। ऍह बरे परमेस्सर ओनका सिसरा क गुलाम होइ दिहेस। सिसरा, हजोर फउज क सेनापति रहा। तब यहोवा ओनका पलिस्तियन अउ मोआब क राजा क गुलाम बनाएस। उ पचे सबइ तोहरे पुरखन क खिलाफ लड़ेन। 10मुला तोहार पुरखन मदद बरे यहोवा क समन्वा गिड़गिड़ानेन। उ पचे कहेन, 'हम पचे पाप किहे अही। हम सबइ यहोवा क तजा ह अउर झूठ देवता लोग-बाल अउ अस्तेरेत क सेवा कीन्ह ह। मुला अब आप हमका हमरे बैरी स बचावा, अउ हम आप क सेवा करब।'

11"ऍह बरे यहोवा यरूब्बाल (गिदोन), बदान, बरक, यिप्तह अउ समूएल क हुवाँ पठएस। यहोवा तोहरे चारिहुँ कइँती क दुस्मनन स तोहार रच्छा किहेस। अउर तू बचा रह्या। 12मुला तब तू अम्मोनियन क राजा नाहास क आपन खिलाफ लड़इ बरे आवत देख्या। तू कह्या, 'नाहीं! हमका आपन ऊपर राज्ज करइ बरे एक ठु राजा चाही!' तू पचे इहउ कह्या, हालाँकि तोहार परमेस्सर यहोवा राजा पहिले स ही रहेन। 13अब तोहार चुना भवा राजा हियाँ अहइ। यहोवा इ राजा क तोहरे ऊपर बइठाए अहइ। 14तू सबन्क परमेस्सर स डेराइ अउ मान करइ चाही। तू पचन्क ओकरे खिलाफ नाहीं जाइ क चाही। तू पचन अउ राज करइ वाला राजा क आपन परमेस्सर यहोवा क हुकुम मानइ चाही। अगर तू पचे इ करत रहब्या तउ परमेस्सर तोहार रच्छा करिहीं। 15मुला अगर तू परमात्मा क आग्या क नाहीं मन्त्या अउ ओकरे हुकुम क खिलाफ लड़त बाट्या, तउ उ तोहरे खिलाफ होइ जाइ। यहोवा तोहका अउ तोहरे राजा क नास कइ देइहीं।

16"अब चुपचाप खड़ा रहा अउ उ बड़का काम क लखा जेका यहोवा तोहरी आँखी क समन्वा करिहीं। 17इ गोहूँ क फसिल काटइ क टेमॅ अहइ।* मइँ यहोवा स पराथना करब। मइँ ओसे बिजुरी क कड़कब अउ बर्खा क भीख माँगब। तब तू बुझब्या कि तू पचे ओ समइ प यहोवा क खिलाफ बुरा किहे रहा जब तू पचे एक राजा क माँग किहे रह्या।

18"तब समूएल यहोवा स पराथना किहेस। उ दिना यहोवा बिजुरी क कड़कब अउ बर्खा पठएस। ऍहसे यहोवा अउ समूएल स बहोत डेराइ गएन। 19सब मनइयन समूएल स कहेन, "आपन परमेस्सर यहोवा स तू पचे आपन सेवक, हम लोगन बरे पराथना करा। हम पचन्क मरइ जिन द्या! हम पचे बहोत पाप किहे अही। अउर अब एक राजा बरे माँग कइके ओन पापन्क अउर बढ़ाइ दिहा ह।"

20समूएल जवाब दिहस, "डेरा जिन। इ फुरइ अहइ। तू पचे उ सबइ कुकरम किहे ह। मुला यहोवा क पाछा करब बन्द जिन करा। आपन सच्चा हिरदय स यहोवा क सेवा करा। 21देवमूरत तउ मूरत अहइँ, उ सबइ तोहार मदद न करिहीं। ऍह बरे ओनकइ पूजा जिन करा। देव मूरत न तउ तोहार मदद कइ सकत हीं, न ही रच्छा कइ सकत हीं। उ सबइ कछू भी नाहीं अहइँ।

22"मुला यहोवा आपन मनइयन क तजिहीं नाहीं। यहोवा तोहका आपन मनई बनाइके खुस भवा रहा। ऍह बरे आपन नीक कामे क रच्छा बरे उ तोहका तजिहीं नाहीं। 23जदि मइँ तोहरे बरे पराथना करब बंद कइ देत हउँ तउ इ यहोवा बरे

इ गोहूँ … टेमॅ अहइ बरिस सूखा मौसम रहा अउ उ बिरिया बर्खा नाहीं होत रही।

पाप होइ। मइँ तोहका सही रास्ता अच्छी जिन्नगी जिअइ बरे
बताउब। 24मुला तोहका भी यहोवा क मान करइ चाही।
तोहका पूरे हिरदय स यहोवा क सेवा सच्चाई स करइ चाही।
ओन चमत्कारी कार्य क याद राखा जउन उ तोहरे बरे किहेस
ह। 25अगर तू जिद्दी अहा अउ बुरा करत बाट्या तउ
परमेस्सर तोहका अउ तोहरे राजा क अइसा फूँक देइ जइसे
झाड़ू कूड़ा क बटोर देत ह।"

साऊल पहली गल्ती करत ह

13 अब ताईं साऊल एक बरिस तलक राज कइ चुका
रहा। अउर फुन जब साऊल इस्राएल प दुइ बरिस
राज कइ चुका, 2उ इस्राएल स तीन हजार मनई चुनेस।
ओहमाँ दुइ हजार उ पचे रहेन जउन बेतेल क पहाड़ी पहँटा
क मिकमास मँ ओकरे संग ठहरा रहेन। अउर एक हजार उ
मनई रहेन जउन बिन्यामीन क अंदर गिबा मँ योनातान क
संग ठहरा रहेन। साऊल फउज क दूसर सिपाहियन क
ओनकइ आपन घर पठइ दिहस।
3योनातान गिब मँ जाइके पलिस्तियन क ओनकइ सिबिर
पइ हमला किहस। पलिस्तियन एकरे बारे मँ सुनेन। उ पचे
कहेन, "हिब्रू लोग बगावत किहे अहइ।"
साऊल कहेस, "हिब्रू मनइयन क जउन कछू भवा अहइ
ओका सुनावा।" एँह बरे साऊल लोगन्स कहेस कि उ पचे
समूचइ इस्राएल देस मँ तुरही बजावइँ। 4सबइ इस्राएलियन इ
खबर सुनेन। उ पचे कहेन, "साऊल पलिस्ती फउज प्रमुख
क मारि डाएस। अब पलिस्तियन फुरे इस्राएलियन स घिना
करत हीं।"
इस्राएली लोगन्क साऊल स भेंटइ बरे गिलगाल मँ
बोलावा गवा। 5पलिस्ती इस्राएल स लड़इ बरे बटुर गएन।
पलिस्तियन क लगे तीन हजार रथ अउ छ:हजार घुड़सवार
ओकरे फउज मँ रहेन। हुवाँ एँतना जिआदा पलिस्ती फउजी
रहेन जेतँना समुद्दर क किनारे बालू क कन। पलिस्तियन
मिकमास मँ सिबिर डाएन। मिकमास बेतावेन क पूरब मँ
बाटइ।
6इस्राएलियन लखेन कि उ पचे विपत्ति मँ अहइँ। उ पचे
आपन क जालि मँ अरझा पाएन। उ पचे गुफा अउ चट्टान
क खोदरे मँ छुप जाइ बरे परानेन। उ सबइ चट्टान, कुआँ
अउ भुइयाँ क गड़हा मँ छुप गएन। 7कछू हिब्रू यरदन नदी
पार कइके गाद अउ गिलाद प्रदेस मँ पराइ गएन। साऊल
गिलगाल मँ रहा। ओकरी फउज क सबइ फउजी सिपाहियन
डर स थरथरात रहेन।
8समूएल कहेस कि उ साऊल स गिलगाल मँ मिली।
साऊल हुवाँ सात दिनाँ तलक ओकर प्रतीच्छा किहस। मुला
समूएल तब भी गिलगाल नाहीं पहोंचा। सिपाहियन साऊल
क तजि देइ लागेन। 9एँह बरे साऊल कहेस, "मोरे बरे
होमबलि अउ मेलबलि लइ आवा।" तब साऊल होमबलि
चढ़ाएस। 10जइसन साऊल बलि-भेंट चढ़ाउब खतम किहेस,
समूएल आइ गवा। साऊल ओसे भेंटइ गवा।
11समूएल पूछेस, "इ तू का कइ दिहे अहा?"
साऊल जवाब दिहेस, "मइँ सिपाहिन क आपन क तजत
लखा अउर तू तब तलक हियाँ नाहीं रह्या, अउर पलिस्ती
मिकमास मँ एँकट्ठा होत रहेन।" 12मइँ आपन मने मँ
सोचेउँ, 'पलिस्ती हियाँ गिलगाल मँ आइके मोह प हमला
करिहीं। अउर मइँ अबहुँ तलक यहोवा स मदद करइ बरे
बिनती नाहीं किहेउँ ह। एँह बरे मइँ आपन क दबाइ दिहेउँ
अउ होमबलि चढ़ाएउँ।'"
13समूएल कहेस, "तू मूरख क काम किहे ह। तू आपन
परमेस्सर यहोवा क हुकुम क नाहीं मान्या। जदि तू परमेस्सर
क हुकुम क माने होत्या तउ परमेस्सर तोहरे परिवार क सदा
इस्राएल प राज करइ देत। 14मुला अब तोहार पहँटा
लगातार नाही रहीं। यहोवा अइसे मनई क खोज मँ रहेन
जउन ओकरे हुकुम क मानइ चाहत होइ। उ उ मनई क
पाइ लिहेस ह अउर उ ओका आपन मनइयन क नवा प्रमुख
चुनिहीं। तू सबइ यहोवा क हुकुम क मान्या नाहीं। एँह बरे
यहोवा नवा प्रमुख चुनिहीं।"
15तब समूएल उठा अउर उ गिलगाल क तजि दिहेस।"

मिकमास क जुद्ध

साऊल अउ ओकर बची भइ फउज गिलगाल क तजि
दिहेस। उ पचे बिन्यामीन मँ गिबा क गएन। साऊल उ
मनइयन क गनेस जउन ओकरे संग रहेन। हुवाँ करीब छ:
सौ मनसेधू रहेन। 16साऊल, ओकर पूत योनातान अउ
फउजी बिन्यामीन मँ गिबा क गएन।
पलिस्तियन मिकमास मँ डेरा डाएन। 17पलिस्तियन उ
पहँटा मँ रहइवालन इस्राएलियन क सजा देइ क ठान लिहेन।
एँह बरे ओनकइ सबन्ते बरिआर फउज हमला करइ खातिर
आपन ठउर तजि दिहेस। पलिस्ती फउज तीन हींसा मँ बँट
गइ रहिन। एक टुकड़ी उत्तर मँ ओप्रा क जाइवाली सड़क
स समूएल क पहँटा मँ गइ। 18दूसर टुकड़ी दक्खिन पूरब
बेथोरोन क जाइवाली सड़के प गइ। अउ तीसर टुकड़ी पूरब
मँ चौहद्दी तलक जाइवाली सड़क स गइ। इ सड़क सबोईम
क घाटी मँ रेगिस्तान कइँती खुलत रही।
19इस्राएली मनइयन मँ स कउनो लोहा क सामान नाहीं
बनाइ सकत रहा। ओन दिन इस्राएल मँ लोहार नाहीं रहेन।
पलिस्ती इस्राएलियन क लोहा क सामान बनवइ नाहीं सिखात
रहेन काहेकि पलिस्ती डेरात रहेन कि इस्राएलियन कहूँ लोहा
क तरवार अउ भाला न बनावइ लग जाइँ। 20सिरिफ
पलिस्ती लोहा क औजारे प धार चढ़ाइ सकत रहेन। एँह बरे
जदि इस्राएली आपन हरे क फार कुदार अउ कुल्हाड़ी या
दराती प धार चढ़ावइ चाहतेन तउ ओनका पलिस्तियन क
लगे जाइ क पड़त रहा 21पलिस्ती लुहार एक तिहाइ औंसे
चाँदी क हरे क फार अउ कुदाल पइ धार चढ़ावइ बरे लेत
रहेन। अउर एक छटा औंस चाँदी क फरुआ, कुल्हड़ी अउ
बैल क साँटी क लोहा क सिरे प धार चढ़ावइ बरे लेत
रहेन। 22एँह बरे जुद्ध क दिन इस्राएलियन फउजी मँ स
कउनो क लगे लोहा क तरवार या भाला नाहीं रहा। सिरिफ
साऊल अउ ओकर पूत योनातान क लगे लोहा क औजार
रहेन।
23पलिस्ती सिपाहियन क एक ठु टुकड़ी मिकमास क दर्रा
क रच्छा करत रही।

योनातान पलिस्तियन प हमला करत रहेन

14 उ दिना, साऊल क पूत उ नउजवान स बात
किहेस जउन ओकरे औजारन क लइके चलत रहा।
योनातान कहेस, "हम पचे घाटी क दुसरी कइँती पलिस्तियन
क डेरा प चली।" मुला योनातान आपन बाप क नाहीं
बताएस।
2साऊल एक अनार क पेड़ क नीचे पहाड़ी क सिरे प
मिग्रोन मँ बइठा रहा। इ एक ठउर प खरिहान क नगिचे
रहा। साऊल क संग उ समइ 600 जोधा रहेन। 3एक मनई
क नाउँ अहिय्याह रहा। एली सीलो मँ यहोवा क याजक
रहा। अब अहिय्या याजक रहा। अहिय्या अब एपोद याजक
रहा। अहिय्या ईकाबोद क भाई अहीतूब क पूत रहा।
ईकाबोद पीनहास क पूत रहा। पीनहास एली क पूत रहा।
4दर्रा क दुइनउँ कइँती एक ठु बड़की चट्टान रही। योनातान
पलिस्ती डेरा मँ उ दर्रा स जाइ क तजबीजेस। बड़की चट्टान
क एक कइँती बोजज रहा अउर उ बड़की चट्टान क दूसर
कइँती सेने रहा। 5एक बड़की चट्टान उत्तर क मिकमास क
देखत भइ ठाड़ रही। दूसर बड़की चट्टान दक्खिन कइँती
गीबा क अउर लखत स ठाड़ रही।
6योनातान आपन उ जवान मददगार स कहेस जउन
ओकरे औजार क ढोइ के चलत रहा, "आवा, हम ओन
बिदेसियन क डेरा मँ चली। इ होइ सकत ह यहोवा हम
मनइयन क बइपरइ इ मनइयन क हरावइ मँ करइँ। यहोवा
क कछू भी नाहीं रोक सकत एँहसे कउनो फर्क नाहीं पड़त
कि हमरे लगे ढेरि फउजी अहइँ कि तनिक फउजी।"
7योनातान क अउजार ढोवइया जवान ओसे कहेस, "जेका
तू सब स नीक समझा, करा। मइँ हर कइँती स तोहरे संग
हउँ।"
8योनातान कहेस, "हम सबइ क चलि द्या! हम पचे
घाटी पार करब अउर ओन पलिस्ती रच्छक तलक जाबइ।
तबहीं हम सबइ ओनका आपन क लखइ देब। 9जदि उ पचे
हम स कहत हीं, 'तू हुवँइ रुकि जा जब तलक हम तोहरे
लगे आवत अही।' तउ हम पचे हुवँइ ठहरब जहाँ हम होब।
हम ओनके नगिचे न जाब। 10मुला अगर पलिस्ती लोग इ
कहत हीं, 'हमरे लगे आवा' तउ हम ओनकइ लगे ताईं चढ़
जाब। काहे? काहेकि इ परमेस्सर कइँती स इ एक इसारा
होइ। ओकर अरथ इ होइ कि यहोवा हम पचन क ओनका
हरावइ देइ।"
11एँह बरे योनातान अउ ओकर सहायक आपन क
पलिस्तियन स लखइ देइ दिहस। पलिस्ती रच्छक कहेन,
"लखा, हिब्रू ओन बिलिन स निकरिके आवत बाटेन जेहमाँ
उ सबइ लुकान रहेन।"
12किला क पलिस्ती योनातान अउ ओकरे सहायक बरे
चिचिआइँ "हमरे लगे आवा। हम तोहका अबहीं पाठ
पढ़ावत अही।" योनातान आपन सहायक स कहेस, "पहाड़ी
क ऊपर तलक मोका पछिआवा। यहोवा इस्राएल बरे
पलिस्तियन क दइ दिहे बाटइ!"
13-14एँह बरे योनातान आपन हाथ अउ गोड़ क पहाड़ी प
चढ़इ बरे बइपरेस। ओकर सहायक सोझ ओकरे पाछे चढ़ा।
योनातान अउ ओकर सहायक पलिस्तियन क हराएन। पहिले
हमला मँ उ पचे लगभग आधा एकड़ पहँटा मँ पलिस्तियन
क मारेन। योनातान उ मनइयन स लड़ा जउन समन्वा स
हमला बोलत रहेन। अउ योनातान क सहायक ओनकइ पाछे
आवा अउ ओन मनइयन क मारत चला गवा जउन अबहीं
सिरिफ चोटाइ होइ ग रहेन।
15सबहिं पलिस्ती सिपाही जंग क मैदान मँ सिपाही अउ
किला क सिपाही ससाइ गएन। हिआँ तलक कि सबन त
बरिआर जोधा भी डेराइ गएन। धरती काँपइ लाग अउ
पलिस्ती सिपाही भयानक तरीका स डेराइ गएन।
16साऊल क रच्छक बिन्यामीन देस मँ गिबिया क
पलिस्ती सिपाहियन क अलग अलग दिसा मँ भागत परात
लखेन। 17साऊल आपन संग क सेना स कहेस, "सिपाहियन
क गनती करा। मइँ इ जानइ चाहत हउँ कि डेरा क कउन
छोड़ि दिहस।" उ पचे सिपाहियन क गनेन। योनातान अउ
ओकर सहायक चला ग रहेन।
18साऊल अहिय्या स कहेस, "परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख
लइ आवा।" उ टेमँ परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख इस्राएलियन
क संग रही। 19साऊल याजक अहिय्या स बतियात रहा।
साऊल परमेस्सर क परामर्स क जोहत रहा। मुला फिलिस्तीनी
छावनी मँ सोर अउ धमाचउकड़ी लगातार बढ़त जात रही।
साऊल धीरा खोइ चुका रहा। आखिर मँ साऊल याजक
अहिय्या स कहेस, "बहोत होइ गवा। आपन हाथ नीचे हइँचा
अउ पराथना करब बन्द करा।"
20साऊल आपन फउज क बटोरेस अउर लड़ाई मँ चला
गवा। पलिस्ती सिपाही बहोत उलझन मँ रहेन। उ सबइ
आपन तरवारे स आपुस मँ ही एक दूसर स जुद्ध करत
रहेन। 21हुवाँ हिब्रू भी रहेन जउन एँकरे पहिले पलिस्तियन क
सेवा मँ रहेन अउर जउन पलिस्ती डरा मँ रुका रहेन। मुला
अब उ हिब्रू लोग साऊल अउ योनातान क संग क
इस्राएलियन क साथ दिहेन। 22उ इस्राएलियन जउन एप्रैम क
पहाड़ी देस मँ लुकान रहेन, पलिस्ती सिपाहियन क पराइ क
बात सुनेन। तउ इ इस्राएलियन भी जुद्ध मँ साथ दिहन अउ
पलिस्तियन क पाछा करब सुरु किहेन।
23इ तरह यहोवा उहइ दिन इस्राएलियन क बचाव किहेन।
जुद्ध बेतावेन क बाहेर फैलि गवा। सारी फउज साऊल क
संग रही, ओनकइ लगे लगभग दस हजार मनईयन रहेन।
एप्रैम क पहाड़ी पहँटा क हर सहर मँ जुद्ध फइलत गवा।*

साऊल दूसर गल्ती करत ह

24उ दिना साऊल एक भारी गल्ती किहेस।* इस्राएलियन
भुखान अउ थका माँदा रहेन। इ एँह बरे भवा कि साऊल
मनइयन क प्रण करइ क मजबूर किहेस। साऊल कहेस,
"अगर कउनो मनई साँझ होइ स पहिले खइया क खात ह
या मोरे जरिया दुस्मन क हरावइ क पहिले खाइया क खात
ह तउ उ मनई क सजा दीन्ह जाइ।" एँह बरे कउनो भी
इस्राएली सिपाही भोजन नाहीं किहेन।

एप्रैम … फइलत गवा इ वाक्य पुरान ग्रीक अनुवाद मँ बाटइ, मुला हिब्रू मँ नाहीं बा।

उ दिना … किहेस इ वाक्य पुरान ग्रीक अनुवाद मँ बाटइ, मुला हिब्रू मँ नाहीं बा।

25-26जुद्ध क कारण मनई जंगल मँ चला गएन। उ पचे
हुआँ भुइँया प पड़ा भवा मधु क छत्ता लखेन। इस्राएली
लोग उहइ ठउरे प आएन जहाँ मधु क छत्ता रहा। मनइयन
भुखान रहेन, मुला उ पचे तनिक भी मधु नाहीं पिएन। उ
पचे उ प्रण तोड़इ स डेरान रहेन। 27मुला योनातान उ प्रण क
बारे मँ नाहीं जानत रहा। योनातान इ नाहीं सुने रहा कि
ओकर बाप उ प्रण करइ क मनइयन क बेबस किहे रहा।
योनातान क हाथे मँ एक टहरइ क छड़ी रही। उ मधु क
छत्ता मँ ओकरे सिरा क घुसेड़ेस। उ तनिक मधु निकारेस
अउ खाएस। अउर उ आपन क चंगा किहेस।

28सिपाहियन मँ स एक ठु योनातान स कहेस, "तोहार
बाप एक खास प्रण करइ बरे सिपाहियन क मजबूर किहेस
ह। तोहार बाप कहेस ह कि जउन कउनो आज खाइ, सजा
पाइ। इहइ कारण रहा कि मनई कछू खाएन नाहीं। इहइ
कारण अहइ कि मनई कमजोर अहइ।"

29योनातान कहेस, "मोर बाप धरती बरे परोसानी पइदा
किहे अहइ। लखा इ तनिक मधु चाटे स मइँ केतना चंगा
महसूस करत हउँ। 30बहोत नीक होत कि मनइयन उ खइया
क खातेन जउन उ पचे आजु दुस्मनन स लिहे अहइँ। हम
बहोत जिआदा पलिस्ती मनइयन क मारि सकित रहे।"

31उ दिना इस्राएलियन पलिस्ती मनइयन क हराएन। उ
पचे ओनसे मिकमास स अय्यालोन तलक क पूरा रस्ता प
लड़ेन। काहेकी मनइयन बहोत भुखान अउ थका माँदा रहेन।
32उ पचे पलिस्ती स भेड़ी, गाइ अउ बछवा लिहे रहेन,
काहेकि अब इस्राएल क मनइयन एँतना भुखान रहेन कि उ
सबइ पसु क भुइँया प मारि डाएन अउ ओनका गोस रकत
क साथ खाइ लिहेन।

33एक मनई साऊल स कहेस, "लखा! लोग यहोवा क
खिलाफ पाप करत अहइँ। उ पचे अइसा गोस खात अहइँ
जेहमाँ खून बा!"

तब साऊल कहेस, "तू पचे पाप किहे अहा। हिआँ एक
ठु बड़का पाथर टहराइ क लिआवा।"

34तब साऊल कहेस, "मनइयन क लगे जा अउर कहा
कि हर मनई आपन साँड़ अउ भेड़ी मोरे लगे हिआँ
लिआवइ। तब्बहिं मनइयन क आपन साँड़ अउ भेड़ी हिआँ
मारइ चाही। यहोवा क खिलाफ पाप जिन करा। उ गोस क
जिन खा जेहमाँ रकत बा।"

उ राति मँ हर मनई आपन गोरु क लइ आवा अउ
ओनका हुवाँ मारेस, 35फिन साऊल एक ठु वेदी बनएस।
साऊल यहोवा बरे खुद इ वेदी बनउब सुरु किहेस।

36साऊल कहेस, "हम पचे आजु रात क पलिस्तियन क
पाछा करब। हम सबइ हर चीज क लइ लेब। हम ओन सब
क मारि डाउब।"

फउज जवाब दिहेस, "वइसा ही करा जइसा ठीक समुझत
ह।"

मुला याजक कहेस, "हमका परमेस्सर स पूछइ द्या।"

37एँह बरे साऊल परमेस्सर स पूछेस, "का मोका
पलिस्तियन क पाछा करइ चाही? का आप लोग हम पचन
क पलिस्तियन क हरावइ देइहीं?" मुला परमेस्सर साऊल क
उ दिन जवाब नाहीं दिहेस।

38एँह बरे साऊल कहेस, "मोरे लगे सबहिं प्रमुखन क
लइ आवा। हम सबइ मालूम करी कि आज कउन पाप
किहेस ह। 39मइँ इस्राएल क रच्छा करइवाला यहोवा क
किरिया खाइके इ प्रण करत हउँ। जदि मोर आपन पूत
योनातान भी पाप किहेस ह तउ उ जरुर मरी।" फउज मँ
कउनो भी कछू नाहीं कहेस।

40तब साऊल सबहिं इस्राएलियन स कहेस, "आप लोग
इ कइँती खड़ा हवा। मइँ अउर मोर पूत योनातान दूसर कइँती
खड़ा होइहीं।"

सिपाहियन जवाब दिहेन, "महाराज, आप जइसा चाहइँ।"
41तब साऊल पराथना किहेस, "इस्राएल क परमेस्सर यहोवा
मइँ आपका सेवक हउँ आजु आप मोका जवाब काहे नाहीं
देत अहइँ? अगर मइँ या मोर पूत योनातान पाप किहेस ह
तउ इस्राएल क परमेस्सर यहोवा आप उरीम देइँ। अउर जदि
आप क मनई इस्राएलियन पाप किहेन ह तउ तुम्मिम देइँ।"

साऊल अउ योनातान चुनि लीन्ह गएन अउ मनइयन
अजाद होइ गएन। 42साऊल कहेस, "ओनका फिन स
लोकाइ द्या कि कउन पाप करइवाला अहइ मइँ या मोर पूत
योनातान।" योनातान चुनि लीन्ह गवा।

43साऊल योनातान स कहेस, "मोका बतावा कि तू का
किहे अहा?"

योनातान साऊल स कहेस, "मइँ आपन कुबरी क नोंक
स सिरिफ तनिक मधु चाटे रहे। का मोका उ करइ क
कारण मरइ चाही?"

44साऊल कहेस, "जदि मइँ आपन प्रण पूर नाहीं करत
हउँ तउ परमेस्सर मोरे बरे बहोत खराब करइ। योनातान क
मरइ चाही।"

45मुला सिपाहियन साऊल स कहेन, "योनातान आज
इस्राएल क बड़की जीत ताईं पहोंचाएस। का योनातान क
मरइ ही चाही? कबहुँ नाहीं। हम पचे परमेस्सर क किरिया
खाइके बचन देइत ह कि योनातान क एक ठु बार भी बाँका
नाहीं होइ। परमेस्सर आज पलिस्तियन क खिलाफ लड़इ मँ
योनातान क मदद किहेस ह।" इ तरह मनइयन योनातान क
बचाएस। ओका फाँसी क सजा नाहीं दिन्ह गइ।

46साऊल पलिस्तियन क पाछा नाहीं किहेस। पलिस्ती
आपन ठउर क लौटि गएन।

साऊल क इस्राएल क दुस्मनन स जुद्ध

47साऊल इस्राएल प पूरा कब्जा कइ लिहेस अउ देखाइ
दिहस कि उ राजा अहइ। साऊल इस्राएल क चारिहुँ कइँती
रहइवालन दुस्मनन स लड़ा। साऊल अम्मोनी राजा मोआबी,
सोबा क राजा एदोम, अउ पलिस्तियन स लड़ा। जहाँ कहूँ
साऊल गवा, उ इस्राएल क दुस्मनन क हराइ दिहस।
48साऊल बहोतइ बहादुर रहा। साऊल अमालेकियन क हराई
अउर इस्राएलियन क ओकरे ओन दुस्मनन स बचाएस जउन
इस्राएल क मनइयन स ओकर धन-दौलत छोरइ चाहत रहेन।

49साऊल क पूत रहेन योनातान, यिसवी अउ मलकीस।
साऊल क बड़की बिटिया क नाउँ मेरब रहा। साऊल क
ननकी बिटिया क नाउँ मीकल रहा। 50साऊल क मेहरारु क
नाउँ अहीनोअम रहा। अहीनोअम अहीमास क बिटिया रही।

साऊल क फउज क सेनापति क नाउँ अब्नेर रहा, जउन नेर क पूत रहा। नेर साऊल क काका रहा। 51साऊल क बाप कीस अउ अब्नेर क बाप नेर, अबीएल क पूत रहेन।

52साऊल आपन जिन्नगी भइ बीर बना रहा अउ पलिस्तियन क खिलाफ बहादुरी स लड़ा। साऊल जब भी कबहुँ कउनो मनई क अइसा बहादुर लखत जउन ताकतवर होत तउ उ ओका लइ लेत अउर ओका उ फौजियन क टुकड़ी मँ धरत जउन ओकरे निअरे रहतेन अउर ओकर रच्छा करत रहेन।

साऊल क अमालेकियन क नास करब

15 एक दिन समूएल साऊल स कहेस, "यहोवा मोका आपन इस्राएली लोगन प राजा क रुप मँ तोहार अभिसेक करइ पठए रहा। अब यहोवा क संदेस सुना। 2सर्वसक्तीमान यहोवा कहत ह: 'जब इस्राएलियन मिस्र स बाहेर आएन तबहिं अमालेकियन ओनका कनान पहोंचइ स रोक देइ क जतन किहेन। मइँ लखेउँ कि अमालेकियन ओनका का किहेन। 3अब आवा अउ अमालेकियन स जुद्ध करा। तोहका अमालेकियन अउ ओनकी सबहिं चीजन क नास कइ देइ चाही। कछू भी जिन्दा न रहइ द्या, तोहका सबहिं मनसेधू अउ मेहररुअन क मार डावइ चाही। तोहका सबहिं गदेलन अउ बचवन क मारि डावइ चाही। तोहका ओनकइ सबहिं गइयन अउ भेड़िन अउर ऊँट अउ गदहन क मारि डावइ चाही।'"

4साऊल तलाईम मँ फउज बटोरेस अउर ओहका गनती किहेस। ओहमाँ दुइ लाख पैदर सिपाही अउ दस हजार दूसर फउजी मनई रहेन। एहमाँ यहूदा क मनई भी मिला रहेन। 5तब साऊल अमालेक सहर क गवा अउर उ पचे घाटी मँ ओनका प्रतीच्छा किहस। 6साऊल केनियन मनइयन स कहेस, "चला जा अउ अमालेकियन क तजि द्या। तब मइँ तू पचन क अमालेकियन क संग नास नाहीं करब। तू पचे इस्राएल बरे दाया देखाए रह्या जब उ पचे मिस्र स आवा रहेन।" एँह बरे केनीत मनइयन अमालेकियन क तजि दिहेन। 7साऊल अमालेकियन क हराएस। उ ओनसे हविला स मिस्र क सीमा सुर तलक लगातार जुद्ध किहेस। 8साऊल अगाग क जिन्दा धइ लिहस। अगाग अमालेकियन क राजा रहा। अगाग क फउज क सबहिं मनइयन क साऊल मारि डाएस। 9मुला साऊल अउ इस्राएल क सिपाहियन अगाग क जिन्दा रहइ दिहन। उ पचे सब ते बढ़िया भेड़ी, मोटवार तगड़ी गाइ अउ मेमना क भी धइ लिहेन। उ पचे धरइ क जोग्ग सबहिं चीजन क धइ लिहेन। अउर उ पचे ओन सबहिं चीजन क नास कइ दिहेन जउन कउनो काम क न रहिन।

समूएल साऊल क ओकरे पाप क बारे मँ बताउब

10समूएल यहोवा क संदेसा पाएस। 11यहोवा कहेस, "साऊल मोर पाछा करब तजि दिहेस ह। एँह बरे मोका एँकर दु:ख बा कि मइँ ओका राजा बनएउँ ह। उ ओन काम-काज क नाहीं करत बाटइ जेका करइ क हुकुम मइँ ओका देत हउँ।" समूएल कोहाइ गवा अउ फिन उ राति भइ यहोवा क पराथना किहेस।

12समूएल दूसर दिना बड़े तड़के उठा अउ साऊल स भेंटइ गवा। मुला मनइयन बताएन, "साऊल यहूदा मँ कर्मेल नाउँ सहर क गवा बा। साऊल हुवाँ आपन मान-सम्मान मँ एक पाथर क स्मारक बनावइ ग रहा। तब साऊल कइउ ठउरन क जात्रा किहेस अउ आखिर मँ गिलगाल क चला गवा।"

एँह बरे समूएल हुवाँ गवा जहाँ साऊल रहा। साउल अमालेकियन स लीन्ह भइ चिजियन क पहिला हींसा भेंटे मँ चढ़ाए रहा।* साऊल ओनका होमबलि यहोवा क भेंट चढ़ावत रहा। 13समूएल साऊल क लगे पहोंचा। साऊल कहेस, "सुआगत, यहोवा तोहका आसीर्वाद देइ, मइँ यहोवा क हुकुम क मानेउँ ह।"

14मुला समूएल कहेस, "तउ मइँ इ सब कउने आवाजन क सुनत हउँ? मइँ तउ भेड़ी अउ गोरु क आवाजे क काहे सुनत हउँ?"

15साऊल जवाब दिहेस, "फउजी ओनका अमालेकियन स लिहेन ह। फउजी सबन ते उत्तिम भेड़ी अउ गोरु क तोहरे परमेस्सर यहोवा क बलि क तरह बारइ बरे बचाइ लिहेन ह। मुला हम पचे दूसर सबहिं चिजियन क नसाइ दिहेउँ ह।"

16समूएल साऊल स कहेस, "रुकि जा! मोका तोहसे हुवँइ कहइ द्या जेका पिछली राति मँ यहोवा मोसे कहे रहा।"

साऊल जवाब दिहेस, "मोका बतावा।"

17समूएल कहेस, "बीता भवा टेमॅ मँ तू इ बिचारे रह्या कि तू खास मनई न बाट्या। मुला तबहुँ तू इस्राएल क परिवार समूह क मुखिया बन गया। यहोवा तोहका इस्राएल क राजा चुनेस ह। 18यहोवा तोहका एक खास सेवा काम बरे पठएस ह। यहोवा कहेस, 'जा अउर ओन सबहिं खराब अमालेकियन क नास कइ द्या। ओनसे तब तलक लड़त रहा जब तलक उ सबन क नास न होइ जाइ।' 19मुला तू पचे यहोवा क नाहीं सुन्या। तू पचे ओन चिजियन क धरइ चाहत बाट्या। एँह बरे तू उहइ किह्या जेका यहोवा खराब कहे रहा।"

20साऊल कहेस, "मुला मइँ तउ यहोवा क हुकुम क पालन किहेउँ ह। मइँ हुवाँ गएउँ जहाँ यहोवा मोका पठएस। मइँ सबहिं अमालेकियन क नास किहेउँ ह। मइँ सिरिफ एक मनई क लइ आएउँ ह। ओनकइ राजा अगाग। 21फउजी जवान सबन त उत्तिम भेड़ी अउ गोरु क गिलगाल मँ तोहरे परमेस्सर यहोवा क बलि देइ बरे चुने रहेन।"

22मुला समूएल जवाब दिहेस, "यहोवा क इ दुइनउँ मँ स कउन जिआदा खुस करत होमबलि अउ बलिदान या कि मनइयन क जरिए आग्या क मानब? इ जिआदा नीक अहइ कि परमेस्सर क बात सुनि लीन्ह जाइ बजाय एँकरे कि भेड़ा क चर्बी चढ़ाइ जाइ। 23आग्या क मानइ स इन्कार करब जादूगरी करइ क पाप जइसा अहइ। जिद्दी होब अउर मनमानी करब-मूरत क पूजब जइसा पाप अहइ। तू पचे यहोवा क हुकुम मानइ स इन्कार किहा ह। इहइ कारण

साऊल … चढ़ाए रहा इ पुरान ग्रीक अनुवाद मँ बाटइ। इ हिब्रू मानक पाठ मँ नाहीं बा।

यहोवा अब तोहका राजा क रुप मँ अंगीकार करइ स इन्कार करत ह।"

24तबहिं साऊल समूएल स कहेस, "मइँ पाप किहेउँ ह। मइँ यहोवा क हुकुम क नाहीं मानेउँ ह अउर मइँ उ नाहीं किहेउँ ह जउन तू करइ बरे कह्या ह। मइँ मनइयन स डेरात हउँ एँह बरे मइँ उहइ किहेउ जउन उ सबइ कहेन। 25अब मइँ पराथना करत हउँ कि मोरे पाप क छिमा करा। मोरे संग लौटि आवा जेहसे मइँ यहोवा क आराधना कइ सकउँ।"

26मुला समूएल साऊल स कहेस, "मइँ तोहरे संग न लउटब। तू पचे यहोवा क हुकुम क नाहीं मान्या ह अउर अब यहोवा तोहका इस्राएल क राजा क रुप मँ नकारत बाटइ।"

27जब समूएल ओका बिदा करइ बरे मुड़ि गवा, साऊल समूएल क लबादे क धइ लिहेस। लबादा फाटि गवा। 28समूएल साऊल स कहेस, "तू मोरे लबादा का फारि डाया ह। इहइ तरह यहोवा आज इस्राएल क राज्ज क तोहसे फारि डाएस ह। यहोवा राज्ज क तोहरे मीतन मँ स एक क दइ दिहेस ह। उ मनई तोहसे नीक बाटइ। 29यहोवा इस्राएल क परमेस्सर अहइ। यहोवा हमेसा रहत ह। यहोवा लबार बोलत नाहीं अउर न ही आपन इरादा बदल देत ह। यहोवा मनइयन क नाईं नाहीं जउन आपन पक्का बिचार बगदाइ देत ह।"

30साऊल जवाब दिहेस ह, "ठीक बा, मइँ पाप किहेउँ ह। मुला कृपा कइके मोरे संग लउटा। इस्राएल क मनइयन अउ नेता लोगन क समन्वा कछू मान द्या। मोरे संग लउटि आवा जेहसे मइँ तोहरे यहोवा परमेस्सर क आराधना कइ सकउँ।" 31समूएल साऊल क संग लउटि गवा अउ साऊल यहोवा क आराधना किहेस।

32समूएल कहेस, "अमालेकियन क राजा अगाग क मोरे लगे लइ आवा।" अगाग समूएल क समन्वा आवा।

अगाग जंजीरे मँ बाँधा रहा। अगाग सोचेस, "फुरइ इ मोका मारी नाहीं।"

33मुला समूएल अगाग स कहेस, "तोहार तरवारि गदेलन क ओनकइ महतारी स छीनि लिहेस। एँह बरे अब तोहरी महतारी क कउनो लरिका न रही।" अउर समूएल गिलगाल मँ यहोवा क समन्वा अगाग क बोटी बोटी कइ डाएस।

34तब समूएल हुवाँ स चला अउ रामा पहोंचा। अउर साऊल आपन घर गिबिया क गवा। 35ओकरे पाछे समूएल आपन पूरी जिन्नगी साऊल क नाहीं लखेस। समूएल साऊल बरे बहोत दुःखी रहा। अउर यहोवा क बहोत दुःख भवा कि उ पचे साऊल क इस्राएल क राजा बनएन।

समूएल क बेतलेहेम जाब

16 यहोवा समूएल स कहेस, "तू कब ताईं साऊल बरे दुःखी रहब्या? मइँ तोहका बताइ दिहेउँ ह कि साऊल इस्राएल क राजा न होइ तउ भी तू पछतात बाट्या। आपन सींग मँ तेल भरा अउ चल पड़ा। मइँ तोहका यिसै नाउँ क मनई क लगे पठवत हउँ। यिसै बेतलेहेम मँ रहत ह। मइँ ओकरे पूतन मँ स एक क नवा राजा चुनेउँ ह।"

2मुला समूएल कहेस, "जदि मइँ जाउँ तउ साऊल इ खबर क सुनी। तबहिं उ मोका मारि डावइ क जतन करी।"

यहोवा कहेस, "बेतलेहेम जा। एक बछवा आपन संग लइ जा। इ कहा, 'मइँ यहोवा क बलि चढ़ावइ आइ अहउँ।' 3यिसै क बलि क टेमँ बोलॉवा। तब मइँ तोहका बताउब कि तोहका का करब अहइ। तोहका उ मनई क अभिसेक करइ चाही जेका मइँ देखाँउब।"

4समूएल उहइ किहेस जउन यहोवा ओका करइ क कहे रहेन। समूएल बेतलेहेम गवा। बेतलेहेम क पुरख डर स काँप गएन। उ पचे समूएल स भेंटेन अउ उ सबइ ओसे पूछेन, "का आप लोग सान्ति स आइ अहेन?"

5समूएल जवाब दिहेस, "हाँ, मइँ सान्ति स आवा हउँ। मइँ यहोवा क बलि-भेंट चढ़ावइ आवा हउँ। आपन क तइयार करा अउ मोरे संग बलि भेंट मँ आवा।" समूएल यिसै अउ ओकरे बेटहनन क तइयार किहेस। तब समूएल ओनका आवइ अउ बलि भेंट मँ हाथ बटावइ बरे बोलावा दिहेस।

6जब यिसै अउर ओकर पूत आएन, तउ समूएल एलीआब क लखेस। समूएल सोचेस, "सचमुच इहइ उ मनई बा जेका यहोवा चुनेस ह।"

7मुला यहोवा समूएल स कहेस, "एलीआब सुन्नर बा मुला ओकरे बारे मँ जिन विचारा। एलीआब लम्बा बा मुला ओकरे बारे मँ जिन सोचा। परमेस्सर ओन चीजन्क नाहीं निहारत जेका मामूली मनई लखत हीं। लोग मनई क बाहरी रुप क निहारत हीं, मुला यहोवा मनई क हिरदइ क लखत ह। एलीआब नीक मनई नाहीं अहइ।"

8तब यिसै आपन दूसर पूत अबीनादाब क बोलाएस। अबीनादाब समूएल क लगे स गुजरा। मुला समूएल कहेस, "नाहीं, इहइ उ मनई नाहीं अहइ कि जेका यहोवा चुने बा।"

9तब यिसै सम्मा क समूएल क लगे स गुजरइ क कहेस। मुला समूएल कहेस, "नाहीं, यहोवा इ मनई क भी नाहीं चुने अहइ।"

10यिसै आपन साताहु पूतन क समूएल क देखॉएस। मुला समूएल यिसै स कहेस, "यहोवा इ मनइयन मँ स कउनो क भी नाहीं चुने अहइ।"

11तब समूएल यिसै स पूछेस, "का तोहार सबहिं पूत इ सबइ ही बाटेन?"

यिसै जवाब दिहेस, "नाहीं मोर सबन त छोट एक अउर पूत अहइ, मुला उ भेड़िन क रखवारी करत ह।"

समूएल कहेस, "ओका बोलावा। ओका हिआँ लिआवा। हम पचे तब तलक खइया क खाइ बरे नाहीं बइठब जब तलक उ आइ नाहीं जात।"

12यिसै कउनो क आपन सब ते छोटका बेटवा क लइ आवइ बरे पठएस। उ सुन्नर अउ लाल बार वाला नउजवान रहा। इ बहोत सुन्नर रहा।

यहोवा समूएल स कहेस, "उठा, एका तेल स अभिसेक करा। इ उहइ व्यक्ति अहइ।"

13समूएल तेल स लबालब भरा सीगं उठाएस अउ उ खास तेल क यिसै क सब ते छोट पूत क मूँड़े प ओकरे भाई लोगन क समन्वा उड़ेरेस। उ दिना क पाछे यहोवा क आतिमा दाऊद प उतरा। समूएल आपन घर, रामा क लउटि गवा।

दुट्ठ आतिमा साऊल क परेसान करत ह

14यहोवा क आतिमा साऊल क तजि दिहेस। तब यहोवा साऊल प एक परेत आतिमा पठएस। उ ओका बहोत परेसान किहेस। 15साऊल क नउकरन ओसे कहेन, "परमेस्सर क जरिए पठइ गइ एक परेत आतिमा तोहका परेसान करत बाटइ। 16हम सबन क हुकुम द्या हम पचे कउनो क हेरब जउन वीणा बजाइ। जदि परेत आतिमा यहोवा क हियाँ स तोहरे ऊपर आइ अहइ तउ उ मनई वीणा बजाइ। तब उ परेत आतिमा तोहका अकेल्ले मँ तजि देइ अउर तू चंगा अनुभव करब्या।"

17एँह बरे साऊल आपन नउकरन स कहेस, "अइसे मनई क हेरा जउन वीणा ठीक तरह बजावत ह अउर ओका मोरे लगे लइ आवा।"

18नउकरन मँ स एक कहेस, "बेतलहेम मँ रहइवाला एक मनई अहइ। मइँ यिसै क पूत क लखेउँ ह। उ जानत ह कि वीणा कइसे बजाइ जात ह। उ एक बीर पुरुख भी बा अउ अच्छी तरह लड़त ह। उ चउकन्ना बा अउ सुन्नर भी अहइ अउर यहोवा ओकरे संग अहइ।"

19एँह बरे साऊल यिसै क लगे दूत पठएस। उ पचे यिसै स उ कहेस जउन साऊल स कहे रहा। "तोहार पूत दाऊद नाउँ क अहइ। उ तोहार भेड़ी क रखवारी करत ह। ओका मोरे लगे पठवा।"

20फुन यिसै साऊल क भेंट देइ बरे कछू चीज तइयार किहेस। यिसै एक गदहा, कछू रोटी अउ एक गगरी दाखरस अउ एक बोकरी क बच्चा लिहेस। यिसै उ चीजन क दाऊद क दिहेस, अउर उ साऊल क लगे पठइ दिहेस। 21इ तरह दाऊद साऊल क लगे गवा अउ ओकरे समन्वा ठाड़ भवा। साऊल दाऊद स बहोत पिआर किहेस। फुन दाऊद साऊल क हथियार लइ चलइवाला बन गवा। 22साऊल यिसै क लगे एक खबर पठएस, "दाऊद क मोरे लगे रहइ अउ मोर सेवा करइ द्या। मइँ ओका बहोत पसन्द करत हउँ।"

23जब कबहुँ परमेस्सर क परेत आतिमा साऊल प आवत, तउ दाऊद आपन बाँसुरी उठावत अउ ओका बजावइ लागत। परेत आतिमा साऊल क तजि देत अउ उ चंगा महसूस करइ लागत।

गोलियत इस्राएल क ललकारत ह

17 पलिस्तियन आपन फउज लड़ाई बरे बटोरेन। उ पचे यहूदा मँ बसा सोको मँ जुद्ध बरे एकट्ठा भएन। ओनकइ डेरा। सोको अउ अजेका क बीच एपेसदम्मीन नाउँ क सहर मँ रहा।

2साऊल अउ इस्राएली सिपाही भी हुवाँ एक संग जमा भएन। ओनकइ डेरा एला क घाटी मँ रहा। साऊल क फउजी मोर्चा प तैनात पलिस्ती स जुद्ध करइ बरे तैयार रहेन 3पलिस्ती एक पहाड़ी प रहेन अउ इस्राएली दूसर पहाड़ी प अउर ओकर क बीच मँ घाटी रही।

4पलिस्तियन मँ एक बरिआर जोध्दा रहा। गोलियत गत से रहा। गोलियत लगभग नौ फीट ऊँचा रहा। गोलियत पलिस्ती डेरा स बाहेर आवा। 5ओकरे मूँड़े प काँसा का टोपा रहा। उ पट्टीधारी कवच क कोट पहिरे रहा। इ कवच काँसे क बना रहा अउर एकर तौल करीब एक सौ पच्चीस पौण्ड रहा। 6गोलियत आपन गोड़े मँ काँसा क रच्छा कवच पहिरे रहा। ओकरे लगे काँसा का भाला रहा जउन ओकरी पीठी प बाँधा रहा। 7गोलियत क भाला क फाल जुलाहे क छड़ क तरह रहा। भाला क फाल क तौल पन्द्रह पौण्ड रही। गोलियत क सहायक गोलियत क ढाल क धरे भए ओकरे आगे आगे चलत रहा।

8गोलियत रोज रोज बाहेर निकरत रहा अउ उ इस्राएली फउजियन कइँती गोहराइके कहत रहा, "तोहार सब फउजी लड़ाई बरे मोर्चा काहे लगाए बाटेन? तू पचे साऊल क सेवक अहा। मइँ एक पलिस्ती हउँ। एँह बरे कउनो एक मनई क चुना अउ ओका मोसे लड़इ क पठवा। 9जदि उ मनई मोका मारि डावत ह तउ हम पलिस्ती तोहार गुलाम होइ जाब। मुला जदि मइँ ओका जीत लिहेउँ अउ तोहरे मनई क मारि डावउँ तउ तू सबइ हमार दास होइ जाया। तब तू पचे हमार सेवा करब्या।"

10पलिस्ती इ भी कहेस, "आजु मइँ खड़ा हउँ अउ इस्राएल क फउज क मसखरी उड़ावत हउँ। मोका आपन मँ स एक क संग लड़इ द्या।"

11गोलियत जउन कहे रहा ओका साऊल अउ इस्राएली फउजी सुनेन अउर उ पचे बहोत ससाइ गएन।

दाऊद क लड़ाई क मैदान जाब

12दाऊद यिसै क पूत रहा। यिसै एप्राती परिवार स यहूदा बेतलेहम स रहा। यिसै क आठ पूत रहेन। साऊल क टेम मँ यिसै एक बुढ़वा मनई रहा। 13यिसै क तीन बड़का पूत साऊल क संग जुद्ध मँ गवा रहेन। पहिला पूत एलीआब रहा। दूसर पूत अबिनादाब रहा। अउर तीसर पूत सम्मा रहा। 14दाऊद सबसे छोटा बेटवा रहा। तीनउँ बड़े बेटवन साऊल क फउज मँ रहेन। 15मुला दाऊद कबहुँ कबहुँ बेतलेहेम मँ आपन पिता क भेड़ी क रखवारी करइ बरे साऊल क लगे स चला जात रहा।

16पलिस्ती गोलियत हर रोज भिन्सारे-साँझ क बाहेर आवत रहा अउ इस्राएल क फउज क समन्वा खड़ा होइ जात रहा। गोलियत चालीस दिन तलक इ तरह इस्राएल क मसखरी उड़ावत रहा।

17एक दिना यिसै आपन पूत दाऊद स कहेस, "पका भवा दाना क इ टोपा अउ इ दस रोटी क डेरा मँ आपन भाई लोगन क लगे लइ जा। 18पनीर क इ दस लोंदा क भी एक हजार सिपाहियन वाली आपन भाई क टुकड़ी क नायक अफसर क लगे लइ जा। लखा कि तोहार भाई कइसे अहइँ। कछू अइसा साच्छी लावा जेसे मोका पता लागइ कि तोहार भाई ठीक-ठाक बाटेन। 19तोहार भाई साऊल क संग अहइँ अउ इस्राएल क सब फउजी एला घाटी मँ जमा अहइँ। उ पचे पलिस्ती क खिलाफ लड़त अहइँ।"

20भोर होत भिन्सारे दाऊद भेड़ी क रखवारी दूसर गड़रिया क सौंपेस। दाऊद खइया क खाएस अउ हुवाँ बरे चल पड़ा जहाँ खातिर यिसै कहे रहा। दाऊद आपन गाड़ी क डेरा मँ लइ गवा। उ समइया फउजी आपन लड़ाइ मँ मोर्चा थामइ

जात रहेन जब दाऊद हुवाँ पहुँचा। फउजी आपन जुद्ध क
बिगुल बजावइ लागेन। 21इस्राएल अउ पलिस्ती आपन
आपन मनइयन क जुद्ध मँ एक दूसर स भिड़इ बरे
पंक्ती-बध करत रहेन।

22दाऊद भोजन अउ चीजन क उ मनई क लगे तजि
दिहेस जउन सामान क बाँटत रहा। दाऊद पराइके उ ठउरे प
पहोंचा जहाँ इस्राएली फउजी रहेन। दाऊद आपन भाइयन क
बारे मँ पूछेस।

23दाऊद आपन भाइयन क संग बात करब सुरु किहेस।
उहइ टेम पलिस्ती सबन त बरिआर जोधा जेकर नाउँ
गोलियत रहा अउर जउन गथ क बसइया रहा, पलिस्ती
फउज स बाहेर आवा। पहिले क तरह गोलियत इस्राएल क
खिलाफ उहइ बात नरियाइके कहेस।

24इस्राएली फउजी गोलियत क लखेन अउर पराइ गएन
काहेकि उ लोगन बहोत डरे भवा रहा। 25इस्राएली मनइयन
मँ स एक कहेस, "अरे देसबासियो! तोहमाँ स कउनो लखेस
ह जउन बार-बार इस्राएल क हँसी उड़ावत ह। जउन कउनो
उ मनई क मार देइ धनी होइ जाइ। राजा साऊल ओका
बहोत धन देइ। साऊल आपन बिटिया क उ मनई स बीहि
देइ जउन गोलियत क मार देइ। अउर साऊल उ व्यक्ति क
परिवार क इस्राएल मँ अजाद कइ देइ।"

26दाऊद आपन बगली खड़ा मनई स पूछेस, "उ का
कहेस? इ पलिस्ती क मारइ अउ इस्राएल क इ बेज्जती क
दूर करइ क इनाम का अहइ? आखिर मँ इ गोलियत बाटइ
का? सिरिफ इ एक बिदेसिया बा। गोलियत एक पलिस्ती स
जियादा कछू नाहीं। उ काहे सोचत ह कि उ सोझइ परमेस्सर
क फउज क खिलाफ बोल सकत ह?"

27एँह बरे इस्राएलियन गोलियत क मारइ क इनाम क
बारे मँ बताएन। 28दाऊद क बड़ा भाई एलीआब दाऊद क
फउजी स बात करत सुनेस। एलीआब दाऊद प कोहाइ गवा।
एलीआब दाऊद स पूछेस, "तू हिआँ काहे आया? रेगिस्तान
मँ उ थोड़ी स भेड़ी क केकरे लगे तजिके आया ह? मइँ
जानत हउँ कि तू हिआँ काहे आया ह? तू उ करब नाहीं
चाहत्या जउन तोहसे करइ क कहा गवा रहा। तू सिरिफ
हिआँ जुद्ध लखइ बरे आवइ चाहत बाट्या।"

29दाऊद कहेस, "अइसा मइँ का किहेउँ ह? मइँ कउनो
गलती नाहीं किहेउँ ह। मइँ सिरिफ बात करत रहेउँ।"
30दाऊद दूसर मनइयन कइँती मुड़ा अउ ओनसे उ सबइ
सवाल किहेस। उ पचे दाऊद वइसे ही जवाब दिहेन।

31कछू मनइयन दाऊद स बात करत सुनेन। उ पचे दाऊद
क बारे मँ साऊल स कहेस। साऊल हुकुम दिहेस कि उ
पचे दाऊद क ओकरे लगे लइ आवइँ। 32दाऊद साऊल स
कहेस, "कउनो मनई क ओकरे कारण हिम्मत हारइ जिन
द्या। मइँ आपक सेवक हउँ। मइँ इ पलिस्ती स लड़इ
जाब।"

33साऊल जवाब दिहेस, "तू फिलिस्तीन क खिलाफ जुद्ध
मँ नाहीं जाइ सकत्या। तू अबहुँ छोटा बच्चा बाट्या।
गोलियत जब बच्चा रहा, तबहिं स जुद्ध मँ लड़त रहा।"

34मुला दाऊद साऊल स कहेस, "मइँ आपक सेवक
अहउँ। अउर मइँ आपन बाप क भेड़ी क रखवारी भी करत
रहेउँ ह। जदि कउनो सेर या रीछ आवत अउ झुण्ड स
कउनो भेड़ी क उठाइ लइ जात। 35तउ मइँ ओकर पाछा
करत रहेउँ। मइँ आपन भेड़ी क बचावइ बरे उ जंगली
जनावर प हमला करत रहेउँ अउ ओका मारत रहेउँ। अउर
जदि उ मोर तरफ मुड़तेन अउर मुझ पइ हमला करतेन तउ
मइँ ओकर गरदन क नीचे क बार पकड़तेन अउर मातेन
अउर ओका मरि डालतेन। 36मइँ एक सेर अउ एक ठु रीछ
क मारेउँ ह। मइँ इ विदेसी गोलियत क वइसे मार डाउब।
गोलियत मरी, काहेकि उ साच्छात परमेस्सर क फउज क
मसखरी किहेस ह। 37यहोवा मोका सेर अउ रीछ स
बचाएस ह। यहोवा इ पलिस्ती गोलियत स भी मोर रच्छा
करिहीं।"

साऊल दाऊद स कहेस, "जा यहोवा तोहरे संग होइँ।"
38साऊल आपन ओढ़ना दाऊद क पहिराएस। साऊल एक
काँसा क टोप दाऊद क सिर प धरेस अउ ओकरे तन प
कवच पहिराएस। 39दाऊद तरवार क लिहेस अउ ओका
कवच पइ बाँधेस अउर चलइ क कोसिस किहेस, मुला उ
उस भारी भरकम कवच क लेकर चल नाहीं सकत काहेकि
उ ओन भारी चीजन क पहिरइ क आदत नाहीं रही।

दाऊद साऊल स कहेस, "मइँ इ चीजन्क संग नाहीं लड़
सकत्या। मोर आदत ओनके बरे नाहीं बा।" एँह बरे दाऊद
ओन सबन क उतार दिहस। 40दाऊद आपन टहरइ क छड़ी
आपन हाथे मँ लिहस। नदी क तले स दाऊद पाँच चीकन
पाथर चुनेस। उ ओन पाथरन क आपन गड़रियावाला झोरी मँ
राखेस। उ आपन गोफना (गुलेल) आपन हाथे मँ लिहस
अउर उ पलिस्ती गोलियत स मिलइ चल पड़ा।

दाऊद गोलियत क मारत डावत ह

41पलिस्ती गोलियत धीमे धीमे दाऊद क नगिचे अउर
नगिचे स नगिचे होत गवा। गोलियत क सहायक ओकर
ढाल लइके ओकरे आगे चलत रहा। 42गोलियत दाऊद क
निहारेस अउ हँसा। गोलियत लखेस कि दाऊद फउजी नाहीं
बा। उ सिरिफ लाल बारेवाला जवान लरिका अहइ। 43गोलियत
दाऊद स कहेस, "इ छड़ी काहे बरे बाटइ? का तू कूकुर क
नाईं मोर पाछा कइके मोका भगावइ आवा बाट्या।" तब
गोलियत आपन देवतन क नाउँ लइके दाऊद क खिलाफ
सरापेस। 44गोलियत दाऊद स कहेस, "हिआँ आवा, मइँ
तोहरे तने क पंछी अउ पसू क खियाइ देब।"

45दाऊद पलिस्ती गोलियत स कहेस, "तू मोरे लगे
तरवार, बर्छी अउ भाला चलावइ आवा अहा। मुला मइँ तोहरे
लगे इस्राएल क फउज क परमेस्सर सर्वसक्तीमान यहोवा क
नाउँ प आवा हउँ। तू ओनके खिलाफ बुरी बात कह्या ह।
46आजु यहोवा तोहका मोसे हराइ देइहीं। मइँ तोहका मारि
डइहउँ। आजु मइँ तोहार मूँड़ कटिहउँ अउ तोहरे देह क
पंछी अउ जंगली जनावर क खियाइ देइहउँ। हम पचे दूसर
पलिस्तियन क संग हिअँइ करब। तब्बइ समूचइ संसार जानी
कि इस्राएल मँ परमेस्सर बा। 47हिआँ बटुरा सबहिं मनइयन
जनिहइँ कि मनइयन क रच्छा बरे यहोवा क तरवार अउ
भाला क सरोकार नाहीं। जुद्ध यहोवा क बा। अउर यहोवा
तू सबहिं पलिस्तियन क हरावइ मँ हमार मदद करी।"

48पलिस्ती गोलियत दाऊद प हमला करइ ओकरे लगे
आवा। दाऊद गोलियत स भिड़इ तेजी स दउड़ा।
49दाऊद एक पाथर आपन झोरी स निकारेस। उ ओका
आपन गोफना प चढ़ाएस अउ ओका चलाएस अउ उ
गोलियत क कपाल प चोट किहेस। पाथर ओकरे कपाल मँ
गहिर घुसि गवा अउ गोलियत मुँहे क बल गिर पड़ा।
50इ तरह दाऊद एक गोफना अउ एक पाथर स पलिस्ती
क हराइ दिहस। उ पलिस्ती प चोट किहेस अउ ओका मार
डाएस। दाऊद क लगे कउनो तरवार नाहीं रही। 51एँह बरे,
दाऊद दउड़ा अउ पलिस्ती क बगल मँ खड़ा होइ गवा।
दाऊद ओका खुद क तरवार ओकरी मियान स निकारेस
अउर ओसे गोलियत क मूँड़ क ओकर सरीर स अलग
कइ दिहस। इ तरह उ ओका मारेस।
जब दूसर पलिस्तियन लखेन कि ओनकइ फउज क
प्रमुख मारा गवा अहइ तउ उ पचे मुड़ेन अउ भाग गएन।
52इस्राएल अउ यहूदा क फउजी सिपाही चिचियाएन अउ
पलिस्तियन क पाछा पलिस्तियन क गत सहर क चउहद्दी
तलक अउ एक्रोन क फटके तलक किहेस। उ पचे ढेर
पलिस्तियन क मारेन। ओनकइ ल्हास सारैम सड़क प गत
अउर एक्रान कइँती बिछ गएन। 53पलिस्तियन क पाछा करइ
क पाछे इस्राएली पलिस्तियन क डेरा मँ लौटेन। इस्राएली उ
डेरा स बहोत स चीज ढोइ लइ गएन।
54दाऊद पलिस्ती प्रमुख गोलियत क मूँड़ यरूसलेम लइ
गवा। दाऊद पलिस्तियन क औजार क अपने लगे तम्बू मँ
राखेस।

साऊल दाऊद स डेराइ लाग

55साऊल दाऊद क गोलियत स लड़इ बरे जात निहारे
रहा। साऊल सेनापति अब्नेर स बात किहेस, “अब्नेर, उ
नउजवान क “बाप कउन अहइ?”
अब्नेर जवाब दिहेस, “महाराज, मइँ किरिया खाइके कहत
हउँ-मइँ नाहीं जानत।”
56राजा साऊल स कहेस, “पता लगावा कि उ नउ जवान
क पिता कउन अहइ।”
57जब दाऊद गोलियत क मारे क पाछे लउटा तउ अब्नेर
ओका साऊल क लगे लइ आवा। दाऊद तब भी फिलिस्तीनी
क मूँड़ हाथे मँ धरे रहा।
58साऊल ओसे पूछेस, “जवान मनई तोहार पिता के
अहइँ?”
दाऊद जवाब दिहस, “मइँ आप क सेवक बेतलेहेम क
यिसै क पूत हउँ।”

दाऊद अउ योनातान क गहिरी दोस्ती

18 दाऊद जब साऊल स बात पूरी कइ लिहस तब
योनातान, दाऊद क बहोत खासमखास मीत बन
गवा। योनातान दाऊद स ओतँना ही पिरेम करइ लाग जेतँना
आपन स।
2साऊल उ दिन क पाछे दाऊद क आपन लगे राखेस।
साऊल दाऊद क ओकरे घर पिता क लगे नाहीं जाइ
दिहस।
3योनातान दाऊद स बहोत खासमखास मीत रहा। योनातान
दाऊद स एक समझौता किहेस। 4योनातान जउन कोट पहिरे
रहा ओका उतारेस अउ दाऊद क दइ दिहस। योनातान आपन
सारी वर्दी दाऊद क दइ दिहस। उ आपन धनुस, तरवार अउ
कमर बंद भी दाऊद क दइ दिहस।

साऊल क दाऊद क सफलता प धियान देब

5साऊल दाऊद क अलग अलग जुद्ध मँ लड़इ पठएस।
दाऊद बहोत कामयाब रहा। तबहिं साऊल ओका फउजियन
क ऊपर प्रभारी बनएस। एहसे सब खुस भएन, हिआँ तलक
कि साऊल क सब अफसर भी खुस भएन। 6दाऊद
पलिस्तियन क खिलाफ लड़इ जात रहा। जुद्ध क पाछे उ
घर लउटत रहा। इस्राएल क सबहिं सहरन स मेहररुअन
साऊल क समन्वा दाऊद क सुआगत मँ ओसे भेंटइ आवत
रहिन। उ सबइ हँसतिन, नाचतिन अउ ढोलक अउ सितार
तीन या जियादा धागा वाला क बजावत रहतिन। उ सबइ
दाऊद क समन्वा आपन खुसी जाहिर करत रहिन। 7मेहररुअन
गावत रहिन,

“साऊल हजारन क मारेस।
दाऊद दसहु हजारन क मारेस।”

8मेहररुअन क इ गीत साऊल क दु:खी कइ दिहस। उ
बहोत कोहाइ गवा। साऊल सोचेस, “मेहररुअन दाऊद क
प्रसंसा करत अहइँ कि उ दसहु हजार मारेस ह। अउर उ
पचे कहत अहइँ कि मइँ सिरिफ हजार मारेउँ। ओका कब्जा
करइ बरे का बचा सिरफ, बादसाहत हीं?” 9एँह बरे उ समइ
स साऊल दाऊद प निगाह रखइ लाग।

साऊल दाऊद स ससाइ गवा

10दूसरे दिन परमेस्सर स पठइ गइ एक दुट्ठ आतिमा
साऊल पर जोर स सवारी भरेस। साऊल आपन घर मँ बहसी
होइ ग।* दाऊद पहिले क तरह वीणा बजाएस। 11मुला
साऊल क हाथे मँ भाला रहा। साऊल सोचेस, “मइँ दाऊद
क देवारे मँ ठोंक देब।” साऊल दुइ बार भाला स हमला
किहेस, मुला दाऊद बचि गवा।
12यहोवा दाऊद क संग रहा। अउर यहोवा साऊल क
तजि दिहेस। एँह बरे साऊल दाऊद स डेरान रहा। 13साऊल
दाऊद क आपन स दूर पठइ दिहस। साऊल दाऊद क दस
हजार क सेनापति बनाएस। दाऊद जुद्ध मँ फउजियन क
अगुअइ किहेस। 14यहोवा दाऊद क संग रहा। एँह बरे
दाऊद हर कहूँ सफल रहत रहा। 15साऊल लखेस कि दाऊद
क बहोत जिआदा कामयाबी मिलत बाटइ तउ साऊल दाऊद
स अउर भी जिआदा ससाइ लाग।
16मुला इस्राएल अउ यहूदा क सबहिं मनई दाऊद स
पिरेम करत रहेन। उ पचे ओसे पिरेम एँह बरे करत रहेन

साऊल … बहसी होइ ग या “भविस्सवाणी” क मुताबिक हिब्रू सब्द क अरथ अहइ-उ मनई क अधिकार आपन कहा अउ रिए प नाहीं रहा। एकर इ मतलब होत ह कि परमेस्सर दूसर मनइयन क विसेस संदेस देइ उ मनई क बइपरत ह।

काहेकि उ जुद्ध मँ ओनका रस्ता देखाँवत रहा अउ ओनकइ
बरे लड़त रहा।

साऊल क आपन बिटिया स दाऊद क बियाहे क योजना

17साऊल दाऊद क मार डावइ चाहत रहा। साऊल दाऊद
क धोख देइ क एक उपाय सोचेस। साऊल दाऊद स कहेस,
"इ मोर सबन ते बड़की बिटिया मेरब अहइ। मइँ तोहका
एहसे बियाह करइ देब। तबहिं तू सक्तीसाली जोधा होइ
जाब्या। तू हमरे पूत क नाईं होब्या। तब तू जाया अउ यहोवा
क जुद्ध लड़्या।" इ एक चाल रही। साऊल सचमुच अब इ
तखड़ा बखड़ा करत रहा, "इ तरह दाऊद क मोका दाऊद क
मारइ क न होइ। मइँ पलिस्तियन स ओका आपन खातिर
मरवाइ देब।"
18मुला दाऊद कहेस, "मइँ कउनो खास परिवारे स नाहीं
अहउँ। अउर मोर कउन हस्ती कि मइँ राजा क बिटिया क
संग बियाह कइसे कइ सकत हउँ?"
19तउ फुन जब साऊल क बिटिया मेरब क दाऊद क
संग बियाह टेमॅ आवा तब साऊल मेहोलाई क अद्रीएल स
ओकर बियाह कइ दिहस।
20साऊल दूसर बिटिया मीकल दाऊद स पियार करत
रही। मनइयन साऊल स कहेन कि मीकल दाऊद स पियार
करत ह। एहसे साऊल क खुसी भइ। 21साऊल सोचेस,
"मइँ मीकल क साऊल क झाँसा देइ मँ बइपरब। मइँ
मीकल क दाऊद स बियाह करइ देब। तब पलिस्तियन
दाऊद क खिलाफ होइ जाब अउ उ पचे ओका मरि देब।"
एँह बरे साऊल दाऊद स दूसर दाईं कहेस, "आजु तू मोरी
बिटिया स बियाह कइ सकत ह।"
22साऊल आपन अफसरन क हुकुम दिहेस, "दाऊद स
छिपके बात करा, उ ओनसे कहा, 'देखा, राजा तोहका पसन्द
करत ह। ओकर अफसर तोहका पसन्द करत हीं। तोहका
ओकरी बिटिया स बियाह कइ लेइ चाही।'"
23साऊल क अफसरन उ बातन दाऊद स कहेन। मुला
दाऊद जवाब दिहस, "का तू पचे समझत ह कि राजा क
दमाद बनब सहल बाटइ? मोरे लगे एँतना धन नाहीं कि राजा
क राजकुमारी क दइ सकउँ। मइँ तउ एक साधरण गरीब
मनई हउँ।"
24साऊल क अफसरन साऊल क उ सब बताएन जउन
दाऊद कहे रहा। 25साऊल ओनसे कहेस, "दाऊद स इ
कहा, 'दाऊद, राजा इ नाहीं चाहत कि तू ओकरी बिटिया बरे
धन द्या। साऊल आपन दुस्मनन स बदला लेइ चाहत ह।
एँह बरे बियाह करइ बरे कीमत क रुप मँ सिरिफ एक सौ
पलिस्तियन क लिंग क खलरी अहइ।'" इ साऊल क छिपी
चाल रही। साऊल सोचेस कि पलिस्ती इ तरह दाऊद क
मारि डइहीं।
26साऊल क अफसरन दाऊद स इ सब बातन कहेन।
दाऊद राजा क दमाद बनइ चाहत रहा, एँह बरे उ तुरंतही
कछू कइ देखाएस। 27दाऊद अउ ओकर मनई पलिस्तियन
क खिलाफ लड़इ आएन। उ पचे दुइ सौ पलिस्ती मारि
डाएन। दाऊद एँनकइ लिंग क खलरी लिहेस अउ साऊल
क दइ दिहेस। दाऊद इ एँह बरे किहस काहेकि उ राजा क
दमाद बनइ चाहत रहा।
साऊल दाऊद क आपन बिटिया मीकल स बियाह करइ
दिहस। 28साऊल निहारेस कि यहोवा दाऊद क संग रहा।
मुला साऊल इ भी धियान मँ राखेस कि ओकर बिटिया
मीकल दाऊद स पियार करत रही। 29एँह बरे साऊल दाऊद
स अउर भी जिआदा ससाइ गवा। साऊल उ पूरा टेमॅ दाऊद
क खिलाफ रहा।
30इस्राएलियन क खिलाफ लड़इ बरे पलिस्ती सेनापति
बाहेर निकरत रहेन। मुला हर दाईं दाऊद ओनका हराएस।
दाऊद साऊल क सबहिं अफसरन मँ सब स जिआदा सफल
रहा तउ दाऊद मसहूर होइ गवा।

योनातान दाऊद क मदद करत ह

19 साऊल आपन पूत योनातान अउ आपन अफसरन
क दाऊद क मार डावइ बरे कहेस। मुला योनातान
दाऊद क बहोतइ चाहत रहा। 2-3योनातान दाऊद क चिताउनी
दिहेस, "होसियार रहा, साऊल तोहका जान स मारि डावइ क
मौका तलासत बाटइ। भिन्सारे खेते मँ जाइके लुकाइ जा। मइँ
आपन बाप क संग खेते मँ जाब। जहाँ तू लुकान रहब्या हम
पचे हुआँ खेते मँ खड़ा रहब। मइँ तोहरे बारे मँ आपन बाप
स बतियाब। जउन मोका जानि पड़ी तउन तोहका बताउब।"
4योनातान आपन बाप साऊल स बतियान। योनातान दाऊद
क बारे मँ नीक नीक बात कहेस। योनातान कहेस, "आप
राजा अहइँ। दाऊद आपक सेवक बाटइ। दाऊद आप क
कउनो नोसकान नाहीं पहुँचाए बाटइ। एँह बरे ओकरे संग
कछू बुरा जिन करा। दाऊद हमेसा आप बरे नीक रहा ह।
5दाऊद आपन जिन्नगी प खेला रहा जब उ पलिस्ती
गोलियत क मारे रहा। यहोवा समूचइ इस्राएल बरे एक
बड़की जीत पाए रहेन। आप ओका निहारेन अउ आप ओह
प बहोत खुस रहेन। आप दाऊद क नोसकान काहे पहुँचावइ
चाहत बाटेन? उ बड़ा मासूम अहइ। ओका मारि डावइ क
कउनो कारण नाहीं अहइ।"
6साऊल योनातान क सुनेस। साऊल प्रण किहेस। साऊल
कहेस, "यहोवा जब ताईं जिन्दा रहत ह तब ताईं दाऊद मारा
न जाई।"
7एँह बरे योनातान दाऊद क बोलाएस। उ ओसे उहइ
कहेस जउन साऊल योनातान स कहेस। तबहिं योनातान
दाऊद क साऊल क लगे लइ आवा। इ तरह दाऊद साऊल
क हाजिरी मँ पहिले क तरह होइ गवा।

साऊल फुन दाऊद क जान स मारि डावइ क जतन करत ह

8फुन जुद्ध सुरु भवा। अउर दाऊद पलिस्तियन स जुद्ध
करइ गवा। उ पलिस्तियन क हराएस अउर उ पचे ओकरे
समन्वा पराइ गएन। 9मुला यहोवा क जरिए पठइ गइ दुट्ठ
आतिमा साऊल प सवारी भरेस। साऊल आपन घरे मँ बइठा
रहा। साऊल क हाथे मँ ओकर भाला रहा। दाऊद वीणा
बजावत रहा। 10साऊल दाऊद प हमला किहेस अउ आपन
भाला स ओका देवारे प ठोंक देइ क जतन किहेस। दाऊद

फँदि क निकरि गवा अउ भाला देवारे स टकराइ क रहि गवा। तउ उहइ राति दाऊद हुआँ स पराइ निकरा।

11साऊल मनइयन क दाऊद क घरे पठएस। मनइयन दाऊद क घरे निगरानी करत रहेन। उ पचे राति भइ हुँवई ठहरेन। उ सबइ भिन्सारे दाऊद क मारि डावइ बरे जोहत रहेन। मुला दाऊद क मेहरारु मीकल ओका हुसियार कइ दिहस। उ कहेस, “तोहका आजु क राति पराइ निकरइ चाही। अउ आपन जिन्नगी क रच्छा करइ चाही। जदि तू अइसा न करब्या, तउ भियान मारि दीन्ह जाब्या।” 12फुन मीकल दाऊद क खिड़की स खाले उतारि दिहस अउर उ हुआँ स पराइ निकरा। 13मीकल आपन परिवार क देवता क मूरत लिहस अउ ओका बिछउना प ओलार दिहस। मीकल उ मूरत प ओढ़ना डाइ दिहस। उ ओकरे मूँड़े प बोकरी क बार भी लगाइ दिहस।

14साऊल दाऊद क बंदी बनावइ बरे दूत पठएस। मुला मीकल कहेस, “दाऊद बेमाँर बा।”

15तउ पचे हुवाँ स गएन अउर उ सबइ साऊल स जाइके इ बताइ दिहेन, मुला उ पचे दूतन क दाऊद क लखइ बरे वापस पठइ दिहन। साऊल इ सब मनइयन स कहेस, “दाऊद क मोरे लगे लइ आवा। अगर जरुरत होइ तउ ओका आपन बिछउना प ओलरा भवा उठाइ लिआवा। मइँ ओका मारि डाउब।”

16तउ दूत फुन दाऊद क घरे गएन। उ पचे दाऊद क धरइ भीतर गएन, मुला हुवाँ उ पचे लखेन कि बिछउना प सिरिफ एक ठु मूरत रही। उ पचे लखेन कि ओकर बार बस बोकरी क बार रहेन।

17साऊल माइकल स कहेस, “तू मोका इ तरह काहे धोखा दिहा? तू मोरे दुस्मन क पराइ जाइ दिहा। दाऊद पराइ गवा अहइ।” माइकल साऊल क जवाब दिहेस, “दाऊद मोसे कहे रहा कि उ मोका मारि डाइ जदि मइँ पराइ जाइ मँ ओकर मदद न करब।”

दाऊद क रामा क डेरा मँ जाब

18दाऊद हिफाजत स बचि के निकरि गवा। दाऊद समूएल क लगे रामा पहोंचा। दाऊद समूएल स उ सब बताएस जउन साऊल ओकरे संग किहे रहा। तब दाऊद अउ समूएल ओन डेरन मँ गएन जहाँ नबियन रहत रहेन अउ उ हुवँइ थमा गएन।

19साऊल क पता लाग कि दाऊद रामा क नगिचे डेरा मँ रहन। 20साऊल दाऊद क बंदी बनावइ बरे मनइयन क पठएस। मुला जब उ पचे डेरन मँ पहोंचेन तउ उ टेमॅ नबियन क एक टुकरी भबिस्सबाणी करत रही। समूएल नबियन क अगुअइ करत भवा हुआँ खड़ा रहा। परमेस्सर क आतिमा साऊल क दूतन प ओतरी अउर उ पचे भविस्सबाणी करइ लागेन।

21साऊल इ बारे मँ सुनेस, एँह बरे उ हुवाँ दूसर दूत पठएस। मुला उ सबइ भविस्सबाणी करइ लागेन। एँह बरे साऊल तिसरी दाईं दूत पठएस। अउर उ पचे भी भविस्सबाणी करइ लागेन। 22आखिर मँ साऊल खुद रामा पहोंचा। साऊल सेकु मँ खरिहाने क नगिचे एक ठु बड़का कुआँ क लगे आवा। साऊल पूछेस, “समूएल अउ दाऊद कहाँ बाटेन?”

मनइयन जवाब दिहेन, “रामा क नगिचे डेरा मँ।”

23तबहिं साऊल रामा क नगिचे डेरा मँ गवा। परमेस्सर क आतिमा साऊल प उतरी अउर साऊल भविस्सबाणी करब सुरु किहेस। साऊल रामा क डेरा तलक लगातार भबिस्सबाणी करत गवा। 24तब साऊल आपन ओढ़ना उतारेस। इ तरह साऊल भी समूएल क समन्वा भबिस्सबाणी करत रहा। साऊल हुवाँ सारा दिन अउ सारी रात नंगा होइके ओलरा रहा।

इहइ कारण स कहतूत चल गइ कि, “का साऊल नबियन मँ स कउनो एक बाटइ?”

दाऊद अइ योनातान एक समझौता करत हीं

20 दाऊद रामा क नगिचे डेरा स पराइ गवा। दाऊद योनातान क लगे पहोंचा अउ ओसे पूछेस, “मइँ कउन सा गलती किहेउँ ह? मोर अपराध का अहइ? तोहार बाप मोका मारइ क काहे चाल चपेट करत बाटइ?”

2योनातान जवाब दिहेस, “इ फुरे नाहीं बाटइ। मोर बाप तोहका मारइ क जतन नाहीं करत अहइ। मोर बाप मोका पहिले बगैर बताए कछू नाहीं करत। इ खास बात नाहीं कि इ बात खास होइ या तुच्छ, मोर बाप हमेसा मोका बतावत हीं। मोर बाप मोका इ बतावइ स काहे इन्कार करिहीं कि उ पचे तोहका मारि डावइ चाहत हीं? नाहीं, का इ फुर नाहीं बा।”

3मुला दाऊद जवाब दिहेस, “तोहार बाप ठीक तरह जानत बाटेन कि मइँ तोहार मीत अहउँ। तोहार बाप आपन मने मँ इ विचारे अहइँ, ‘योनातान, क इ बारे मँ जानकारी नाहीं होइ चाही। जदि उ जानी तउ दाऊद स कहि देइ।’ मुला जइसे यहोवा क होब फुरे बाटइ अउर तू जिअत बाट्या, उहइ तरह इ भी फुर अहइ कि मइँ मउत क जिआदा नगिचे अहउँ।” 4योनातान दाऊद स कहेस, “मइँ उ सब कछू करब जउन तू मोसे करवावइ चाहत बाट्या।”

5तबहिं दाऊद कहेस, “लखा भियान नवा चन्द्रिमा क जलसा अहइ। मोका राजा क संग भोजन करइ क अहइ। मुला मोका तीसरे साँझ ताईं खेत मँ लुकाइ रहइ द्या। 6अगर तोहरे बाप क इ जान ‘पड़इ कि मइँ टरि गवा हउँ तउ ओनसे कह्या कि दाऊद आपन घरे बेतलेहेम जाइ चाहत रहा। ओकर परिवार इ महीना क बलि खातिर खुद न्यौता देत बाटइ। दाऊद मोसे पूछेस कि मइँ ओका बेतलेहेम जाइ अउ ओकरे परिवारे स ओका भेंटइ देउँ।’ 7अगर तोहार पिता कहत बाटेन, ‘बहोतइ नीक भवा,’ तउ मइँ अच्छी तरह बचा हउँ। मुला अगर तोहार बाप कोहाइ जात हीं तउ बूझा कि मोर अनभल करइ चाहत हीं। 8योनातान मोहे प दाया करा। मइँ तोहार चाकर अहउँ। तू यहोवा क समन्वा समझौता किहे अहा। अगर मइँ अपराधी अहउँ तउ तू खुद मोका मारि सकत ह। मुला मोका आपन बाप क लगे जिन लइ जा।”

9योनाताना जवाब दिहेस, “नाहीं, कबहुँ नाहीं। अगर मइँ जान जाब कि मोर पिता तोहार अनभल करइ चाहत हीं तउ तोहका होसियार कइ देब।”

10दाऊद कहेस, “अगर तोहार पिता करी होइके जवाब
देत हीं तउ ओकरे बारे मँ मोका कउन बताई?”
11तबहिं योनातान कहेस, “आवा, हम पचे खेते मँ चली।”
तउ योनातान अउ दाऊद एक संग खेते मँ चला गएन।
12योनातान दाऊद स कहेस, “मइँ इस्राएल क यहोवा
परमेस्सर क समन्वा इ प्रण किहेउँ ह। मइँ प्रण करत हउँ
कि मइँ तखराउब बखराउब कि मोर पिता तोहरे बरे कइसा
बिचार धरत हीं। मइँ पता लगाउब कि उ तोहरे बारे मँ नीक
बिचार रखत हीं कि नाहीं। तउ तीन दिना मँ मइँ तोहरे खेते
मँ खबर पठउब। 13अगर मोर पिता तोह पइ वार करइ
चाहत हीं, तउ मइँ तोहका जानकारी देब। मइँ तोहका हिआँ
स सुरच्छित जाइ प्रबंध कइ देब। यहोवा तोहका हिआँ स
सुरच्छित होइके जाइ देइहीं। यहोवा मोका सजा देइँ, जदि मइँ
अइसा न करउँ। यहोवा तोहरे संग रहइँ, जइसा उ मोरे पिता
क संग रहेन ह। 14जब तलक मइँ जिअत रहउँ मोरे प दाया
राख्या। अउ जब मइँ मरि जाउँ तउ 15मोरे परिवारे प दाया
करब बन्द जिन कर्‌या। यहोवा दाऊद क सबहिं दुस्मनन क
धरती स नास कइ देइहीं। 16अगर उ समइ योनातान क
परिवार दाऊद क परिवारे स अलगाइ दीन्ह जाइ क होइ,
तउ ओका होइ जाइ द्‌या। दाऊद क दुस्मनन क यहोवा सजा
देइहीं।”
17तब योनातान दाऊद स कहेस कि उ ओकरे बरे पिरेम
क प्रण क दोहराइ देइ। योनातान इ एँह बरे किहेस काहेकि
उ दाऊद स ओतना ही पिरेम करत रहा जेतना उ अपने स।
18योनातान दाऊद स कहेस, “भियान नवा चन्द्रिमा क
जलसा अहइ। तोहार आसन खाली रही। एँह बरे मोर बाप
समुझ जइहीं कि तू चला ग अहा। 19तीसरे दिना उहइ जगह
प जा जहाँ तू इ परेसानी सुरु होइ क पहिले लुकान रह्‌या।
उ पहाड़ी क बगल मँ प्रतीच्छा करा। 20अउर मइँ इस
पहाड़ी क बगल स तीन अइसा बाण छोड़ब, जइसे मइँ
कउनो निसान प बाण मारत हउँ। 21तब मइँ बाण क हेरइ
बरे, आपन अउजार क ढोवइया लरिका स जाइ बरे कहब।
जदि सब कछू नीक होइ तउ मइँ लरिका स कहब, ‘तू
बहोतउ दूर निकरि गवा अहा बाण तउ मोरे लगे बाटइ।
लउटा अउ ओका उठाइ लइ आवा।’ जदि मइँ अइसा कहेउँ
तउ तू लुकाइ क जगह स बाहेर आइ सकत ह। मइँ बचन
देत अही कि तू जइसे यहोवा हमेसा बना रहत ह वइसे तू
बचा रहब्या। कउनो भी खतरा नाहीं बा। 22मुला जदि खतरा
होइ तउ मइँ लरिका स कहब। ‘बाण बहोतइ दूर बाटइ, जा
अउ ओका लइ आवा।’ अगर मइँ अइसा कहेउँ तउ तोहका
चला जाइ चाही। 23हमरे अउ आपन बीच क समझौता क
सुमिरिके राखा। यहोवा हमेसा बरे गवाह बा।”
24तउ दाऊद खेते मँ लुकाइ गवा।

जेउनार मँ साऊल क इरादा

नवा चन्द्रिमा क जलसा क टेम आवा अउ राजा खइया
बरे बइठा। 25राजा देवार क निचके हुवइँ बइठा जहाँ अक्सर
उ बइठत रहा। योनातान साऊल क दूसरी कइँती बइठा।
अब्नेर साउब क पाछे बइठा। मुला दाऊद क जगह खाली
रही। 26उ दिना साऊल कछू नाहीं कहेस। उ सोचेस, “होइ
सकत ह दाऊद क कछू भवा होइ अउर उ सुद्ध* न
होइ।”
27भियान भए, महीना क दूसर दिन, दाऊद क जगह फुन
खाली रही। तबहिं साऊल आपन पूत योनातान स पूछेस,
“यिसै क पूत नवा चन्द्रिमा क जलसा मँ काल्ह या आजु
काहे नाहीं आवा?”
28योनातान जवाब दिहेस, “दाऊद मोका स बेतलेहेम जाइ
बरे अनुमती मांगत रहा। 29उ कहे रहा, ‘मोका जाइ द्‌या।
मोर परिवार बेतलेहेम मँ एक बलि भेंट करत अहइ। मोर
भइया हुवाँ रहइ बरे हुकुम दिहे अहइ। अब मइँ तोहार मीत
अहउँ तउ मोका जाइ द्‌या अउ भाइयन स मिलइ द्‌या।’ इहइ
कारण अहइ कि दाऊद राजा क मेज प नाहीं आवा अहइ।”
30साऊल योनातान प बहोतइ कोहाइ गवा। उ योनातान स
कहेस, “तू एक दास अउरत क पूत अहा! मइँ जानत हउँ
कि तू दाऊद क पच्छ मँ अहा। तू आपन महतारी अउ
आपन बरे लज्जा क कारण अहा। 31जब तलक यिसै क
पूत जिअत रही तब तलक तू कबहुँ राजा नाहीं बनब्या अउर
न तोहार राज्ज होइ। अब दाऊद क हमरे लगे लइ आवा।
उ एक मरा मनई अहइ।”
32योनातान आपन बाप स पूछेस, “दाऊद क काहे मारि
डावा जाइ चाही? उ कउन अपराध किहे अहइ?”
33मुला साऊल आपन भाला योनातान प चलाएस अउर
ओका मारि डावइ क जतन किहेस। एँह बरे योनातान समुझ
गवा कि मोर बाप दाऊद फुरइ मार डावइ चाहत ह।
34योनातान कोहाइ गवा अउ उ मेजिया तजि दिहेस। योनातान
एँतना घबराइ गवा अउ आपन बाप प कोहान कि जेउनार क
दूसर दिन कछू भी खाइ स मना कइ दिहस। योनातान एँह
बरे कोहान काहेकी साऊल ओका बेज्जत किहे रहा अउ
साऊल दाऊद क मारि डावइ चाहत रहा।

दाऊद अउ योनातान क बिदा होब

35दूसर दिन भिन्सारे योनातान खेते मँ गवा। उ दाऊद स
भेंटइ गवा, जइसा उ पचे राजी भ रहेन। योनातान एक
अउजार क ढोवइया लरिका क आपन साथ लइ आवा।
36योनातान लरिका स कहेस, “थावा अउर जउन बाण मइँ
चलावत अहउँ, ओनका लइ आवा।” लरिका धाउब सुरु
किहेस अउ योनातान ओकरे मूँड़े क ऊपर स बाण चलाएस।
37लरिका उ ठउरे क धावत जहाँ बाण गिरत रहा। मुला
योनातान गोहराएस, “बाण तोहसे बहोतइ दूर बाटइ।” 38तब
योनातान बोलाइ, “हाली करा। ओनका लइ आवा, हुआँ खड़ा
जिन रहा!” लरिका बाणन क उठाएस अउ आपन मालिक
क लगे वापस लइ आवा। 39लरिका क कछू पता नाहीं
लाग कि का भवा। सिरिफ योनातान अउ दाऊद जान लिहन।
40योनातान आपन धनुस बाण लरिका क दिहस। तबहिं
योनातान लरिका स कहेस, “सहर मँ लउटि आवा।”
41लरिका वपिस चला गवा। दाऊद आपन उ लुकाइ क
ठउर स बाहेर आवा जउन पहाड़ी क दूसर कइँती रहा। दाऊद

सुद्ध या “लेइ काबिल” पवित्तर या परमेस्सर क पूजा मँ काम आवइ जोग्ग। लखा लेवी बंस अध्याय 11-15 जेहमाँ सुद्ध अउ असुद्ध चीजन क बारे मँ “पुरान नेमँ” क नेम दीन्ह अहइँ।

आपन मूँड़ि क भुइँया तलक निहुराई कइ प्रणाम किहस।
दाऊद तीन दाईं निहुरा। तब दाऊद अउ योनातान एक दूसरे
क चूमेन। उ दुइनउँ एक संग रोएन, मुला दाऊद योनातान स
जिआदा रोएस।

42योनातान दाऊद स कहेस, "सान्ति स जा। हम पचे
यहोवा क नाउँ लइके मीत होइके प्रण किहे रहे। हम पचे
कहे रहे कि यहोवा हम पचन अउ हमरे सन्तानन क बीच
हमेसा गवाह रइहीं।"

दाऊद क याजक अहीमेलेक स मिलइ जाब

21 तब दाऊद चला गवा अउ योनातान सहर क लउट
गवा। **2**दाऊद नौब नाउँ क नगर मँ याजक
अहीमेलेक स मिलइ गवा।

अहीमेलेक दाऊद स मिलइ स डरत रहेन। अहीमेलेक डर
स काँपत रहा। अहीमेलेक दाऊद स पूछेस: "तू अकेले काहे
अहा? तोहरे संग कउनो मनई काहे नाहीं अहइ?"

3दाऊद अहीमेलेक क जवाब दिहेस, "राजा मोका खास
हुकुम दिहे अहइ। उ मोसे कहेस ह कि 'इ उद्देस क
कउनो क जानइ न द्या। कउनो भी मनई ओका न जानइ
जेका मइँ तोहका करइ क कहेउँ ह।' मइँ आपन मनइयन स
कहि दिहेउँ ह कि उ पचे कहाँ भेंटइँ? **4**अब इ बतावा कि
तोहरे लगे खाइ क बरे का बाटइ? मोका पाँच ठु रोटी या
जउन कछू तू पाइ सका द्या।"

5याजक दाऊद स कहेस, "मोरे लगे हिआँ साधारण रोटी
नाहीं अहइँ। मुला मोरे लगे कछू पवित्तर रोटी तउ अहइँ।
तोहार अफसर ओका खाइ सकत हीं, जदि उ पचे कउनो
मेहरारु क संग यौन सम्बंध न किहे होइँ।"

6दाऊद याजक क जवाब दिहेस, "हम पचे इ दिनन मँ
कउनो मेहरारु क संग नाहीं रहे। हमार मनई आपन तन क
पवित्तर राखत हीं हिआँ तलक कि साधरण उद्देस बरे जाए
पर भी।* अउर आजु बरे तउ इ खास तरह स फुर बाटइ
काहेकि हमार कारज बहोत खास बाटइ।"

7हुआँ पवित्तर रोटी क अलावा कउनो रोटी नाहीं रही। एँह
बरे याजक दाऊद क हुवँई रोटी दिहस। इ उहइ रोटी रही
जेका याजक यहोवा क समन्वा पवित्तर मेजे प धरत रहेन। उ
पचे उ दिन मेज स इ रोटी क हटाइ लेत रहेन अउ ओकरी
जगह ताजी रोटी धरत रहेन।

8उ दिन साऊल क अफसरन मँ स एक ठु हुआँ रहा। उ
एदोमी दोएग रहा। दोएग क हुआँ यहोवा क समन्वा रखा
गवा रहा।* दोएग साऊल क गड़रियन क नेता रहा।

9दाऊद अहीमेलेक स पूछेस, "का तोहरे लगे हिआँ
कउनो भाला या तरवार बाटइ? राजा क कारज बहोत जल्दी
बा। मोका फउरन जाइ क अहइ, अउर मइँ आपन तरवार या
दूसर कउनो अउजार नाहीं लाइ।"

10याजक उत्तर दिहस, "एक मात्र तरवार जउन हिआँ
अहइ उ पलिस्ती गोलियत क अहइ। इ उहइ तरवार अहइ
जेका तू ओका तब लिहे रहा जब तू ओका एला क घाटी मँ
मारे रह्या। उ तरवार एक ओढ़ना मँ लिपटी भइ एपोद क
पाछे धरी अहइ। जदि तू चाहा तउ ओका लइ सकत ह।

दाऊद कहेस, "एका मोका द्या। गोलियत क तरवार क
तरह कउनो तरवार नाहीं बा।"

दाऊद क गत क जाब

11उ दिना दाऊद साऊल क हिआँ स पराइ गवा। दाऊद
गथ क राजा अकिस क लगे गवा। **12**उ पचे कहेन, "का
इ इस्राएल क राजा दाऊद नाहीं अहइ? इहइ उ मनई अहइ
जेकर गवनिया इस्राएलियन गावत हीं। उ पचे गावत हीं अउ
ओकरे बरे नाचत हीं। इस्राएलियन इ गीत गावत हीं:

"साऊल हजारन क मारेस।
दाऊद दसहु हजारन क मारेस।"

13दाऊद क इ बात याद रहिन। दाऊद गत क राजा
आकीस स बहोत डेरान रहा। **14**एँह बरे, दाऊद आकीस अउ
ओकरे अफसरन क समन्वा अपने क पागल मनई जइसा
बहाना किहस। जब तलक दाऊद ओनके संग रहा उ पागल
मनइयन जइसा बहाना किहस। उ दरवाजा क पल्ला प थूक
देत रहा। उ आपन थूक क आपन डाढ़ी प गिरइ देत रहा।

15आकीस आपन अफसरन स कहेस, "इ मनई क लखा।
इ तउ पागल जइसा अहइ। तू सबइ एँका मोरे लगे काहे
लइ आया ह?" **16**का मोर लगे मनई क कमी अहइ कि तू
इ मनई क मोरे घरे मँ मोरे पागलपन क खेल करई बरे
लइ आवा ह?"

दाऊद क अलग अलग ठउर प जाब

22 दाऊद गथ क तजि दिहस। दाऊद अदुल्लाम क
गुफा मँ पराइ गवा। दाऊद क भइयन अउ
रिस्तेदारन सुनेन कि दाऊद अदुल्लाम मँ रहा। उ पचे दाऊद
क मिलइ हुआँ गएन। **2**बहोत स मनई दाऊद क लगे होइ
गएन। उ सबइ, जउन कउनो विपत्ति मँ रहेन या कर्जा मँ
रहेन या संतुट्ठ नाहीं रहेन। दाऊद क संग होइ गएन। दाऊद
क लगे चार सौ मनसेधू रहेन।

3दाऊद अदुल्लाम क तजि दिहस अउर उ मोआब मँ
बसा मिस्पा चला गवा। दाऊद मोआब क राजा स कहेस,
"कृपा कइके मोरे महतारी बाप क आवइ द्या अउर आपन
लगे तब तलक रहइ द्या जब ताईं मइँ इ न समुझ सकउँ
कि परमेस्सर मोरे संग का करइ जात अहइ।" **4**दाऊद आपन
महतारी-बाप क मोआब क राजा क लगे तजि दिहस। दाऊद
क महतारी बाप मोआब क राजा क लगे तब तलक ठहरेन
जब तलक दाऊद किला मँ रहा।

हमार मनई … पर भी लखा समूएल 2:11-11 अउ व्यव
विव 23:9-14 क नेम।

दोएग … गवा रहा एकर अरथ होइ सकत ह कि दोएग
परमेस्सर बरे खास प्रतिज्ञा क एक हींसा क रुप मँ हुआँ आवा रहा।
कउनो दूसर धार्मिक कारण स हआँ रहा। या एकर इ अरथ होइ
सकत ह कि उ हुआँ गवा रहा कि उ कउनो किहे रहा जइसे क
मारि डाउब।

5मुला नबी गद दाऊद स कहेस, “किला मँ जिन ठहरा। यहूदा पहँटा मँ जा।” एँह बरे दाऊद हुआँ स चल पड़ा अउ हरथ क जंगल मँ गवा।

साऊल अहीमेलेक क परिवार क नसावत

6साऊल जानि लिहेस कि दाऊद अउ ओकरे मनइयन क बारे मँ पता चल गवा अहइँ। साऊल गीबा मँ पहाड़ी प एक पेड़ क नीचे बइठा रहा। साऊल क हाथ मँ ओकर भाला रहा। साऊल क सबहिं अफसरन ओकरे चारिहुँ कइँती खड़ा रहेन। 7साऊल आपन उ अफसरन स कहेस, जउन ओकरे चारिहुँ कइँती खडा रहेन, “बिन्यामीन क मनइयो, सुना। का तू पचे समुझत ह कि यिसै क पूत तोहका खेत अउ अंगूरे क बगिया देइ? का तू पचे समुझत ह कि उ तोहका तरक्की देइ अउर तू पचन्क हजार मनई अउ सौ मनइयन क ऊपर अफसर बनइ। 8तू पचे मोरे खिलाफ जाल रचत बाट्या। तू पचे छिपी भइ चाल चल्या ह। तू पचन मँ स कउनो भी मोर पूत योनातान क बारे मँ नाहीं बताएस ह। तोहमाँ स कउनो भी इ नाहीं बताएस ह कि उ यिसै क पूत क संग क समझौता किहेस ह। तोहमाँ स कउनो भी मोर परवाह नाहीं करत। तोहमाँ स कउनो भी इ नाहीं बताएस कि मोर पूत योनातान दाऊद क हुस्काएस ह। योनातान मोर नउकर दाऊद स कहेस कि उ लुकाइ जाइ अउर मोहे प हमला करइ। अउर इ उहइ अहइ कि जउन दाऊद अब करत बाटइ।”

9एदोमीत दोएग साऊल क अफसरन क संग खड़ा रहा। दोएग कहेस, “मइँ यिसै क पूत दाऊद क नोब मँ लखेउँ ह। दाऊद अहीतूब क पूत अहीमेलेक स भेंटइ आवा। 10अहीमेलेक यहोवा स दाऊद बरे बिनती किहस। अहीमेलेक दाऊद क भोजन भी दिहस। अउर अहीमेलेक दाऊद क पलिस्ती गोलियत क तरवार भी दिहस।”

11एँह बरे राजा याजक अहीतूब क पूत अउर ओकर सारा परिवार, याजकन जे नोब मँ रहत भवा, ओका अपन लगे अवइ बरे संदेस भेजेस, अउर उ पचे सबहिं राजा लगे आएन।

12साऊल अहीमेलेक स कहेस, “अहीतूब क पूत, अब सुनि ल्या।” अहीमेलेक जवाब दिहस, “हाँ, महाराज।”

13साऊल अहीमेलेक स कहेस, “तू अउर यिसै क पूत दाऊद मोरे खिलाफ छिपी योजना काहे बनाया? तू दाऊद क रोटी अउ तरवार दिहा। तू परमेस्सर स ओकरे बरे बिनती किह्या। अउर अब सोइझ, दाऊद मोह पइ हमला करइ क जोहत अहइ।”

14अहीमेलेक जवाब दिहस, “दाऊद आप क बड़का पतियाइ क काबिल अहइ। तोहरे अफसरन मँ स कउनो ओतॅना पतियाइ क काबिल नाहीं जेतॅना दाऊद बा। दाऊद तोहार आपन जमाई अहइ। अउर दाऊद अंगरच्छक क नायक अहइ। तोहार आपन परिवार दाऊद क सम्मान करत ह। 15उ पहली दाईं नाहीं रहा, कि मइँ दाऊद बरे परमेस्सर स बिनती कीन्ह। अइसी बात बिल्कुल नाहीं। मोका या मोरे कउनो नातेदार प दोख जिन लगावा। हम पचे तोहार नउकर अही। मोका कछू भी पता नाहीं कि इ सब का होत बाटइ।”

16मुला राजा कहेस, “अहीमेलेक, तू पचन क अउ तोहरे सबहिं नातेदारन क मरब अहइ।” 17तब राजा आपन बगल मँ खड़ा भवा रच्छकन स कहेस, “जा अउ यहोवा क याजकन क मारि डावा। एँह बरे इ करा काहेकि उ पचे दाऊद क पच्छ मँ अहइँ। उ पचे जानत रहेन कि दाऊद परान बाटइ, मुला उ पचे मोका बताएन नाहीं।”

मुला राजा क अफसरन यहोवा क याजकन क मारइ स इन्कार कइ दिहन।

18एँह बरे राजा दोएग क हुकुम दिहस। साऊल कहेस, “दोएग तू जा अउ याजकन क मारि डावा।” एँह बरे एदोमीत दोएग गवा अउ उ याजकन क मारि डाएस। उ दिना दोएग सन क एपोद पहिरइवालन पचासी मनसेधू याजकन क मारि डाएस।” 19नोब याजकन क सहर रहा। दोएग सहर क सबहिं मनइयन क मारि डाएस। दोएग आपन तरवार क भाँजेस उ सबहिं मनसेधुअन, मेहररुअन, लरिकन अउ गदेलन क जपि दिहस। दोएग ओनकइ गइयन, खच्चरन अउ भेड़ी तलक क जपि दिहस।

20मुला एब्यातार हुआँ स बचि निकरा। एब्यातार अहीमेलेक क पूत रहा। अहीमेलेक अहीतूब क पूत रहा। एब्यातार बचिके निकरा अउ दाऊद स मिलि गवा। 21एब्यातार दाऊद स कहेस कि साऊल यहोवा क याजकन क मारि डाएस ह। 22तब दाऊद एब्यातार स कहेस, “मइँ एदोमी दोएग क उ दिना नोब मँ लखेउँ रहे। अउर मइँ जानत हउँ कि उ साऊल स कही। मइँ तोहरे बाप क परिवारे क मउत बरे जिम्मेदार हउँ। 23जउन मनई साऊल तोहका मारइ चाहत ह उ मोका भी मारइ चाहत ह। मोरे संग ठहरा। जिन डेराअ। तू मोरे संग बचा रहब्या।”

दाऊद कीला मँ

23 लोगन दाऊद स कहेन, “लखा, पलिस्ती कीला क खिलाफ जुद्ध करत बाटेन। उ पचे खरिहाने स अन्न लूटत अहइ।”

2दाऊद यहोवा स पूछेस, “का मइँ जाउँ अउ इ पलिस्तियन स लड़उँ?”

यहोवा दाऊद क जवाब दिहस, “जा अउ पलिस्तियन प हमला करा। कीला क बचावा।”

3मुला दाऊद क मनइयन ओसे कहेन, “लखा, हम सबइ हिआँ यहूदा मँ अही अउर हम डेरान अही। तनिक सोचा कि हम पचे केँतना डेरान होबइ जब कीला जाब जे जगह पूरा पलिस्ती फउज स भरि अहइ।”

4दाऊद फुन यहोवा स पूछेस। यहोवा दाऊद क जवाब दिहस, “कीला क जा। मइँ तोहार मदद पलिस्तियन क हरावइ मँ करब।” 5एँह बरे दाऊद अउ ओकर मनई कीला गएन। दाऊद क मनइयन पलिस्तियन स लड़ेन। दाऊद क मनइयन पलिस्तियन क हराएन अउ ओनकइ गइयन क लइ लिहन। इ तरह दाऊद कीला क मनइयन क बचाएस। 6जब एब्यातार दाऊद क लगे पराइके गवा रहा तबहिं एब्यातार आपन संग एक ठु एपोद संग लइ गवा रहा।

7लोगन साऊल क सूचना दिहेस कि अब दाऊद कीला मँ बाटइ। साऊल कहेस, “परमेस्सर दाऊद क पकड़इ बरे

मोका एक अवसर दइ दिहस ह। दाऊद खुद जाल मँ फँस
गवा अहइ। उ अइसे कस्बा मँ गवा अहइ जेहमाँ फाटक
अउ छड़ अहइ।" 8साऊल जुद्ध करइ बरे आपन सारी
फउज क एक संग बोलाएस। उ पचे आपन तइयारी कीला
जाइ अउ दाऊद अउ ओकरे मनइयन क पकड़ेन बरे किहस।

9दाऊद क पता लाग कि साऊल ओकरे खिलाफ चाल
चलत अहइ। दाऊद तब याजक एब्यातार स कहेस, "एपोद
लइ आवा।"

10दाऊद बिनती किहेस, "यहोवा इस्राएल क परमेस्सर,
मइँ सुनेउँ ह कि साऊल कीला मँ जाइ अउ मोरे कारण
ऍका नास करइ क चाल चलत बाटइ। 11का साऊल कीला
मँ आइ? का कीला क मनई मोका साऊल क दइ देइहीं?
यहोवा इस्राएल क परमेस्सर, मइँ आपक नउकर हउँ। कृपा
कइके मोका बतावइँ।"

यहोवा जवाब दिहस, "साऊल आइ।"

12दाऊद फुन पूछेस, "का कीला क मनई मोका अउ मोरे
मनइयन क साऊल क दइ देइहीं।"

यहोवा जवाब दिहस, "उ पचे अइसा करिहीं।"

13ऍह बरे दाऊद अउ ओकर मनई कीला क तजि दिहेस।
हुआँ लगभग छ: सौ मनई रहेन जउन दाऊद क संग गएन।
दाऊद अउ ओकर मनई एक ठउर स दूसर ठउर टहरत
रहेन। साऊल क पता लग गवा कि दाऊद कीला स बचि
निकरा। ऍह बरे साऊल उ नगर क नाहीं गवा।

साऊल दाऊद क पाछा करत ह

14दाऊद मरुभूमि क चला गवा अउर हुवाँ किला मँ ठहर
गवा। दाऊद जिफ क रेगिस्तान क पहाड़ी देस मँ भी गवा।
साऊल रोज दाऊद क हेरत रहा, मुला यहोवा साऊल क
धरइ नाहीं देत रहा।

15दाऊद जीप क रेगिस्तान होरेस मँ भी ठहरा रहा। उ
ससान रहा काहेकि साऊल ओका मारइ आवत रहा। 16मुला
साऊल क पूत योनातान होरेस मँ दाऊद स भेंटइ गवा।
योनातान परमेस्सर प पक्का बिस्सास धरइ बरे दाऊद क मदद
किहेस। 17योनातान दाऊद स कहेस, "डेराअ जिन। मोर बाप
साऊल तोहका नाहीं पाउब। तू इस्राएल क राजा बनब्या। मइँ
तोहरे बाद दूसर दर्जा प रहब। मोर बाप इ भी जानत हीं।"

18योनातान अउ दाऊद दुइनउँ यहोवा क समन्वा समझौता
किहन। तब योनातान घर चला गवा। अउर दाऊद होरेस मँ
टिका रहा।"

जिप क मनई दाऊद क बारे मँ साऊल क बतावत हीं

19जिफ क मनई गीबा मँ साऊल क लगे आएन। उ पचे
साऊल स कहेन, "दाऊद हम पचन क पहँटा मँ लुकान
अहइ। उ होरेस क कीला मँ बाटइ। उ हकीला पहाड़ी प
यसीमोन क दक्खिन मँ अहइ। 20महराज आप जब चाहइँ
आवइँ। इ हम सबन क कर्तब अहइ कि हम पचे आपक
दाऊद क दइ देइ।"

21साऊल जवाब दिहेस, "यहोवा आप लोगन क मोर
मदद बरे असीसइँ। 22जा अउ ओकरे बारे मँ अउर जिआदा
पता लगावा। पता लगावा कि दाऊद कहाँ रहत ह। अउर इ
तोहा कि दाऊद क हुवाँ कउन लखेस ह। साऊल सोचेस,
'दाऊद चतुर बाटइ। उ मोका भरमावइ क कोसिस करत
बाटइ।' 23लुकाइ क जउन ठउरन क प्रयोग दाऊद करत
बाटइ, ओन सबहिं ठउरन क पता लगावा। अउर मोरे लगे
वापिस लउटि आवा अउ मोका सब कछू बतावा। तबहिं मइँ
तोहरे संग चलब। जदि दाऊद उ पहँटा मँ होइ तउ मइँ
ओकर पता लगाउब। मइँ ओकर पता तब भी लगाइ लेब
जदि मोका यहूदा क सबहिं परिवारन क तलासी लेइ क
होइ।"

24तब जीपी निवासी साऊल क अगवा अगवा जीपी क
लौटि आएन।

दाऊद अउर ओकर मनई मओन क रेगिस्तान मँ रहेन। उ
पचे यसीमोन क दक्खिन मँ रेगिस्तानी पहँटा मँ रहेन।
25साऊल अउ ओकर मनई दाऊद क खोजइ गएन। मुला
मनइयन दाऊद क होसियार किहेन। उ पचे बताएन कि
साऊल ओनका हेरत अहइ। दाऊद तब माओन क रेगिस्तान
मँ ढलान कइँती "चट्टान" प गवा। साऊल सुनेस कि दाऊद
माओन क रेगिस्तान मँ गवा अहइ। ऍह बरे साऊल उ ठउर
प दाऊद क धरइ गवा।

26साऊल पहाड़े क एक कइँती रहा। दाऊद अउ ओकर
मनई उहइ पहाड़े क दूसर कइँती रहेन। दाऊद साऊल स दूर
निकरइ बरे हाली करत रहा। साऊल अउ ओकर सिपाही
पहाड़े क चारिहुँ कइँती अउ ओकरे मनइयन क धरइ जात
रहेन।

27मुला साऊल क लगे एक दूत आवा। दूत कहेस,
"हाली हाली करा। पलिस्ती हम पचन प हमला करत
बाटेन।"

28ऍह बरे साऊल दाऊद क पाछा करब तजि दिहस अउ
पलिस्तियन स लड़इ निकरि गवा। इहइ कारण बाटइ कि
मनइयन उ ठउर क "फिसलनी क चट्टान" कहत हीं।
29दाऊद माओन क रेगिस्तान क तजि दिहेस अउ एनगोदी
क लगे किला मँ गवा।

दाऊद साऊल क झेंपावत ह

24 जब साऊल पलिस्तियन क पाछा कइके भगाइ
दिहस, तब मनइयन साऊल स कहेन, "दाऊद
एनगोदी क लगे रेगिस्तानी इलाका मँ बा।"

2ऍह बरे साऊल पूरा इस्राएल क तीन हजार मनइयन क
चुनेस। साऊल इ मनइयन क संग लिहस अउ दाऊद अउर
ओकर मनइयन खोज करब सुरु किहेन। उ पचे जंगली
बोकरियन क चट्टान क नचिके हेरेन। 3साऊल सड़क क
किनारे भेड़ी क बारा क लगे आवा। हुवाँ निअरे एक ठु
गुफा रही। साऊल खुद गुफा मँ आराम करइ बरे गवा।
दाऊद अउ ओकर मनई बहोत पाछे उ गुफा मँ लुकान
रहेन। 4मनइयन दाऊद स कहेन, "आजु उ दिन अहइ जेकरे
बारे मँ यहोवा बात किहेन ह। यहोवा तोहसे कहे रहेन, 'मइँ
तोहार दुस्मनन क तोहका देब, तब तू जउन चाहा आपन
दुस्मनन क संग कइ सकब्या।'"

तब दाऊद साऊल क लगे चुपचाप आवा। दाऊद साऊल
क लबादे क एक कोना काट लिहस। साऊल दाऊद क
नाहीं लखेस। 5पाछे साऊल क लबादे क एक कोना काट
लिहे क दाऊद क पछतावा भवा। 6दाऊद आपन मनइयन स
कहेस, "यहोवा मोका आपन सुआमी क संग कछु भी
अइसा करइ स रोका। साऊल यहोवा क चुना भवा राजा
अहइ। मोका साऊल क खिलाफ कछू भी नाहीं करइ चाही।
उ यहोवा क चुन लीन्ह गवा राजा बाटइ।" 7दाऊद इ बात
आपन मनइयन क रोकइ बरे कहेस। दाऊद आपन मनइयन
क साऊल प हमला करइ नाहीं दिहस।

साऊल गुफा तजि दिहस अउ आपन राहे प चला।
8दाऊद गुफा स निकरा। दाऊद साऊल क जोर स पुकारेस,
"मोर पर्भू, महराज।"

साऊल पाछे घूमिके लखेस। दाऊद आपन माथा भुइँया प
धइके पैलगी किहेस। 9दाऊद साऊल स कहेस, "आप काहे
सुनत हीं। जब मनई इ कहत हीं कि 'दाऊद आप प वार
करइ क कुचाल गूँथत मथत बाटइ?' 10मइँ आप क चोट
पहुँचावइ नाहीं चाहत हउँ। आप ऍका आपन आँखिन स
लखत हीं। यहोवा आजु ऍका आप क गुफा मँ मोरे हाथे मँ
दइ दिहे अहइँ। मुला मइँ आपक मारि डावइ स इन्कार
किहेउँ ह। मइँ आप प दाया किहेउँ ह। मइँ कहेउँ, 'मइँ
आपन सुआमी क चोट नाहीं पहुँचाउब। साऊल यहोवा क
चुना भवा राजा अहइ।' 11मोरे हाथे मँ इ ओढ़ना क टूका क
लखा। मइँ आप क लबादे क एक टूका काटि लिहेउँ ह।
मइँ आप क मारि सकत हउँ, मुला मइँ इ नाहीं किहेउँ ह।
अब मइँ चाहत हउँ कि आप ऍका समुझइँ। मइँ चाहत हउँ
कि आप क खिलाफ कउनो कुचाल नाहीं बनावत हउँ। मइँ
आपक कउनो बुराई नाहीं किहेउँ ह। मुला आप मोर पाछा
करत हीं अउर मोका मारि डावइ चाहत हीं। 12यहोवा क
निआव करइ द्या। यहोवा आप क उ अनिआव क सजा
देइहीं जउन आप मोरे संग किहेन ह। मुला मइँ आपन आप
आप स न जूझब। 13पुरान कहावत अहइ:

'बुरी चीज बुरी मनई स आवत हीं।'

मइँ कछू भी बुरा नाहीं किहेउँ ह। मइँ बुरा मनई नाहीं
हउँ। ऍह बरे मइँ आप प चोट नाहीं करब। 14आप केकर
पाछा करत बाटेन। इस्राएल क राजा केकरे खिलाफ लड़इ
आवत अहइँ? आप अइसे कउनो क पाछा नाहीं करत बाटेन
जउन आपक चोट पहुँचाइ। इ अइसा ही बाटइ जइसेन आप
एक ठु मरा कूकुर या मच्छर क पाछा करत हीं। 15यहोवा
क निआव करइ द्या। ओनका आपन अउ मोरे बीच निर्णय
करइ द्या। उ हालात क वास्तविक्ता क देखब अउर मोर
मामला क वकालत करब। परमेस्सर मोका तोहार रच्छा
करब।"

16दाऊद आपन इ कहब खतम किहेस, साऊल पूछेस,
"मोर पूत दाऊद, का उ तोहार आवाज अहइ?" तब साऊल
रोवइ लाग। साऊल बहोत रोएस। 17साऊल कहेस, "तू सही
अहा अउर मइँ गल्ती पइ अहउँ। तू हमरे बरे नीक रह्या।
मुला मइँ तोहरे बरे बुरा रहेउँ। 18तू उ बतियन क बताया
जेनका तू मोरे बरे किहा। यहोवा मोका तोहरे हवाला किहेस,
मुला तू मोका नाहीं मारि डाया। 19एहसे पता चलत ह कि
मइँ तोहार दुस्मन नाहीं अहउँ। जदि कउनो आपन दुस्मन क
धरत ह तउ उ ओका बच निकरइ नाहीं देत। उ आपन
दुस्मन बरे नीक काम नाहीं करत। यहोवा तोहका ऍकर ईनाम
देइँ काहेकि तू आजु मोरे बरे नीक रह्या। 20मइँ जानत हउँ
कि तू नवा राजा बनब्या। तू इस्राएल क राज्ज क ऊपर
करब्या। 21अब मोसे एक प्रतिज्ञा करा। यहोवा क नाउँ
लइके इ प्रतिग्या करा कि तू मोरे सन्तानन क न मरब्या।
प्रतिग्या करा कि तू मोरे बाप क परिवार स मोर नाउँ
मिटउब्या नाहीं।"

22ऍह बरे दाऊद साऊल स प्रतिग्या किहस। दाऊद
प्रतिग्या किहेस कि उ साऊल क परिवार क न मारी। तब
साऊल लउटि गवा। दाऊद अउ ओकर मनई किला मँ चला
गएन।

दाऊद अउ नाबाल

25 समूएल मरि गवा। इस्राएल क सबहिं मनइयन
बटुर गएन अउर उ पचे समूएल क मउत प
अफसोस परगट किहेन। उ पचे समूएल क ओकरे घर रामा
मँ दफनाइ दिहेन। तब्बइ दाऊद परन क रेगिस्तान मँ चला
गवा।

2हवाँ एक ठु मनई रहा जउन माओन मँ रहत रहा। उ
बहोत धनी मनई रहा। ओकरे लगे तीन हजार भेड़ी अउर
एक हजार बोकरी रहिन। उ कर्मेल मँ आपन भेड़ी क ऊन
काटत रहा। 3उ मनई क नाउँ नाबाल रहा। उ कालेब क
परिवार क रहा। ओकरी मेहरारु क नाउँ अबीगैल रहा। उ
बुद्धिमती अउ बहोतइ सुन्नर मेहरारु रही। मुला नाबाल क्रूर
नीच रहा।

4दाऊद रेगिस्ताने मँ रहा, अउर उ सुनेस कि नाबाल
आपन भेड़ी क ऊन काटत बाटइ। 5ऍह बरे दाऊद दस
जवानन क नाबाल स बात करइ पठएस। दाऊद कहेस,
"कर्मेल जा। जबल स भेंटा अउर ओका मोरी कइँती स
'पैलगी' कहा।" 6दाऊद नाबाल बरे इ संदेसा पठएस, "मोका
आसा अहइ कि तू अउ तोहार परिवार सुखी अहइ। मइँ
आसा करत हउँ कि जउन कछू तोहार अहइ, ठीक ठाक
बाटइ। 7मइँ सुनेउँ ह कि तू आपन भेड़ी स ऊन काटत
बाट्या। तोहार गड़रियन कछू समइ तलक हम पचन क संग
रहत रहेन। अउर हम पचे ओनका कउनो कस्ट नाहीं दीन्ह।
जब तलक तोहार गड़रिया कर्मेल मँ रहेन, हम ओनसे कछू
नाहीं लीन्ह। 8आपन सेवकन स पूछा अउर उ पचे बताइ
देइहीं कि इ सब कछू फुरे अहइ। कृपा कइके हमरे जवानन
प दाया करा। इ खुसी क मौका प हम पचे आपक लगे
पहुँचत अही। कृपा कइके आप जउन कछू चाहइँ, दइ देइँ।
कृपा कइके इ मोरे बरे, आपन मीत दाऊद बरे करइँ।"

9दाऊद क मनई नाबाल क लगे गएन। उ पचे दाऊद क
सँदेसा नाबाल क दिहन। 10मुला नाबाल ओनकइ बरे छोटपन
स बेउहार किहस। नबत कहस, "दाऊद अहइ कउन? इ जेसे
क पूत कउन होत ह? इ दिनन ढेरिके दास बाटेन जउन
आपन सुआमी लोगन क हिआँ स पराइ ग अहइँ। 11मोरे
लगे रोटी अउ पानी अहइ। अउर मोरे लगे उ माँस भी
अहइ जेका मइँ भेड़ी स ऊन कतरइ वालन नउकरन बरे

मारिके लिहेउँ ह। मुला मइँ ओका उ मनइयन क नाहीं दइ
सकत हउँ जेनका मइँ जानत भी नाहीं हउँ।”

12दाऊद क मनइयन लउटि गएन अउर नाबाल जउन
कछू कहे रहा दाऊद क बताइ दिहस। 13तब दाऊद आपन
मनइयन स कहेस, “आपन तरवार उठावा।” एँह बरे दाऊद
अउ ओकर मनइयन तरवार उठाइ लिहन। लगभग चार सौ
मनई दाऊद क संग गएन। अउर दुइ सौ मनई सामान क
संग रुका रहेन।

अबीगैल मसीबत क रोकत ह

14नाबाल क नउकरन मँ स एक ठु नाबाल क मेहरारु
अबीगैल स बतियान। नउकर कहेस, “दाऊद रेगिस्तान स
आपन दूतन क हमरे सुआमी (नाबाल) क लगे पठएस।
मुला नाबाल दाऊद क दूतन क संग आपन निचकई क
बेउहार किहस। 15इ पचे हम पचन बरे बहोत भला रहेन।
हम पचे भेड़ी लइके खेतन मँ जात रहेन। दाऊद क मनइयन
हमरे संग बराबर रहेन। अउर उ पचे हमरे संग कउनो बुरा
नाहीं किहेन। उ पचे पूरे समइ मँ हमार कछू भी नाहीं
चोराएन। 16दाऊद क मनइयन दिन रात हमार रच्छा किहेन।
उ पचे हम लोग बरे चहरदेवार क नाईं रच्छक रहेन। उ पचे
हमार रच्छा तबहिं किहेन जब हम पचे भेड़ी क रखवारी
करत भए ओनकइ संग रहेन। 17अब इ बारे मँ सोचा अउर
तय करा कि तू का कइ सकत ह। नाबाल कछू कहेस उ
मूरखपन स भरा अहइ। हमार सुआमी अउर ओकरे समूचइ
परिवार बरे अला बला आवति अहइ।”

18अबीगैल हाली किहस। उ दुइ सौ पाव रोटी, दुइ
दाखरस स भरा मसक, पाँच ठु भुना भइ भेड़ी, लगभग
एक बुसल भुना भवा अनाज, दुइ क्वाट मुनक्का अउर दुइ
सौ झूरान अंजीर क टिकिया लिहेस अउ एँका गदहन प
लादि दिहस। 19तब अबीगैल आपन नउकरन स कहेस,
“आगे चलत रहा। मइँ तोहरे पाछे आवति अहउँ।” मुला उ
आपन भतार स कछू नाहीं कहेस।

20अबीगैल आपन गदहा प बइठी अउर पहाड़े क दूसर
कइँती पहुँची। उ दूसर कइँती स आवत भइ दाऊद अउ
ओकरे मनइयन स भेंटेस।

21अबीगैल स मिलइ क पहिले दाऊद कहत रहा, “मइँ
नाबाल क धन दौलत क रच्छा रेगिस्तान मँ कीन्ह। मइँ
चिन्तित रहा कि ओकर कउनो भेड़ी खोवइ नाहीं। मइँ इ
सब कछू बिना लिहे किहेउँ। मइँ ओकरे बरे नीक किहेउँ।
मुला उ मोरे बरे कछू नीक नाहीं किहे रहा। 22परमेस्सर
मोका सजा देइ जदि मइँ नाबाल क परिवारे क कउनो एक
मनई क जिअत रहइ देउँ।”

23ठीक उहइ टेमॅ प अबीगैल आइ। मुला जब अबीगैल
दाऊद क लखेस। उ हाली हाली आपन गदहा स उतरि पड़ी।
उ दाऊद क समन्वा प्रणाम करइ निहुरी। उ आपन माथा
भुइँया प टेकेस। 24अबिगैल दाऊद क गोड़े प गिर पड़ी। उ
कहेस, “मान्न, कृपा कइके मोका कछू कहइ देइँ। जउन मइँ
कहउँ ओका सुना। जउन कछू भवा ओकरे बरे मोका दोख
द्या। 25मइँ उ मनइयन क नाहीं लखेउँ जेनका आप पठएन
ह। साहब! उ बेकार मनई (नाबाल) प धियान जिन द्या। उ
ठीक उहइ अहइ जइसे ओकर नाउँ अहइ। अउर उ फुरे
‘मूरख’ अहइ। 26यहोवा आप क बेकसूर मनइयन क मारइ
स रोकेस ह। फुरइ जइसे यहोवा हमेसा रहत ह वइसे आप
जिअत अहइँ। मइँ आसा करत हउँ कि आपक दुस्मन लोग
अउर जउन आप क नोस्कान पहुँचावइ चाहत हीं, उ सबइ
नाबाल क राज्ज मँ होइहीं। 27अब मइँ आप बरे इ भेंट लइ
आइ अहउँ। कृपा कइके इ चीजन क आप उ मनइयन क
दइ देइँ जउन आप क पाछे चलत हीं। 28जुर्म करइ बरे
मोका छिमा करइँ। मइँ जानत हउँ कि यहोवा आप क
परिवार क मजबूत करिहीं अउ तोहरे परिवारे स ढेर क राजा
अइहीं। यहोवा इ करिहीं काहेकि आप सब ओनके बरे जुद्ध
करत हीं। मनइयन तब तलक आप मँ बुराई न पइहीं जब
तलक आप जिअत रहीं। 29जदि कउनो मनई आप क मारि
डावइ क पाछा करत ह, तउ यहोवा आपक परमेस्सर आपक
जिन्नगी क रच्छा करिहीं। मुला यहोवा ओकर जिन्नगी क
अइसे दूरि लोकइहीं जइसे गुलेल स पाथर लोकाइ दीन्ह
जात ह। 30यहोवा आप बरे बहोत स नीक चीजन क करइ
क प्रण किहेस ह। अउर यहोवा आपन सबहिं वचन क पूरा
करिहीं। परमेस्सर आप क इस्राएल क राजा बनइहीं। 31अउर
आप बेकसूर मनई क मारि डावइ क अपराधी न होइहीं।
अउ आप इ जाल मँ न फँसिहीं। मेहराबानी कइके मोका उ
टेमॅ मँ याद राखा जब यहोवा आप क सफलता देइ।”

32दाऊद अबीगैल क उत्तर दिहेस, “इस्राएल क परमेस्सर,
यहोवा क गुण गावा। परमेस्सर तोहका मोसे भेंटइ पठए
अहइ। 33परमेस्सर तोहार नीक निर्णय बरे तोहका आसीर्बाद
देइँ। तू आज मोका बेकसूर मनइयन क मारइ स बचावा।
34सचमुच जइसे इस्राएल क परमेस्सर, यहोवा हमेसा रहत
ह, जदि तू जल्दी स मोसे भेंटइ न आइ होती तउ भियान
भिन्सारे तलक नाबाल क परिवार क कउनो भी मनई जिअत
नाहीं बच पावत।”

35तउ दाऊद अबीगैल क भेंट क अंगीकार किहस।
दाऊद ओसे कहेस, “सान्ति स घर जा। मइँ तोहार बातन क
सुनेउँ ह अउर मइँ उहइ करब जउन तू करइ क कह्या ह।”

नाबाल क मउत

36अबीगैल नाबाल क लगे लउटी। नाबाल घरे मँ मोजूद
रहा। नाबाल एक ठु राजा क तरह भोज खात रहा। नाबाल
जी भरिके दाखरस पिए रहा। उ बहोत जियादा पिए रहा। एँह
बरे अबीगैल नाबाल क दूसर भिन्सारे तलक कछू भी नाहीं
बताएस। 37दूसर दिन भिन्सारे ओकर नसा उतरा। एँह बरे
ओकर मेहरारु हर बात बताइ दिहस। फिन नाबाल क दिल
क दउरा पड़ि गवा। उ चट्टान क नाईं कठोर होइ गवा।
38दस दिनाँ क पाछे यहोवा नाबाल क मरि जाइ दिहस।

39दाऊद सुनेस कि नाबाल मरि गवा अहइ। दाऊद कहेस,
“यहोवा क गुन गावा। नाबाल मोरे खिलाफ खराब बात
किहेस ह, मुला यहोवा मोर समर्थन किहस। यहोवा मोका
पाप करइ स बचाएस। अउर यहोवा नाबाल क मरि जाइ
दिहस काहेकी उ अपराध किहे रहा।” तब दाऊद अबीगैल
क सँदेसा पठएस। दाऊद ओका आपन मेहरारू होइ क
कहेस। 40दाऊद क नउकर कार्मल गएन अउ अबीगैल स

कहेस, “दाऊद हम पचन क तोहका लइ आवइ क पठएस
ह। दाऊद चाहत ह कि तू ओकर मेहरारु बना।”
41अबीगैल भुइँया तलक आपन माथा निहुराएस। उ
कहेस, “मइँ आपक दासी अहउँ। मइँ सुआमी क सेवकन क
गोड़ धोवइ बरे तइयार अहउँ।”
42अबीगैल फउरन गदहा प बइठी अउ दाऊद क दूतन
क संग चल दिहस। अबीगैल आपन संग पाँच ठु नउकरानी
लइ आइ। उ दाऊद क मेहरारु बनी।
43दाऊद यिज्रेल क अहिनोअम स बियाह किहेस। अहिनोअम
अउ अबीगैल दुइनउँ दाऊद क मेहरारु रहिन। 44दाऊद
साऊल क बिटिया मीकल स भी बियाह किहे रहेस। मुला
साऊल ओका लइ लिहस अउर ओका एक मनई जेकर नाउँ
पल्ती रहा, जउन लैस क पूत अउर गल्लीम क निवासी रहा
ओकर क संग बियाही दिहस।

दाऊद अउ अबीसै साऊल क डेरा मँ घुसत हीं

26 जीप क मनई साऊल स भेंटइ गिबिया गएन। उ
पचे साऊल स कहेन, “दाऊद हकिला क पहाड़ी
मँ लुकान बा। इ पहाड़ी यसीमोन क ओह पार बा।” 2साऊल
जीप क रेगिस्तान मँ गवा। साऊल तीन हजार सिपाहियन क
खुद समूचइ इस्राएल स छाँटिके साथ लिहस। साऊल अउ इ
मनई जीप क रेगिस्ताने मँ दाऊद क हेरत रहेन। 3साऊल
आपन डेरा हकीला क पहाड़ी प डाएस। डेरा सड़क क किनारे
यसीमोन क पार रहा।
दाऊद रेगिस्तान मँ रहत रहा। दाऊद क पता लाग कि
साऊल ओकर हुवाँ पाछा किहेस ह। 4तब दाऊद आपन
जासूसन क पठएस अउ दाऊद क पता लाग कि साऊल
हकीला क पहाड़ी प आइ गवा अहइ। 5तब दाऊद उ ठउरे
प गवा जहाँ साऊल आपन डेरा डाए रहा। दाऊद लखेस कि
साऊल अउ अब्नेर कहाँ सोवत अहइँ। नेर क पूत अब्नेर
साऊल क फउज क सेनापति रहा। साऊल डेरा क बीच
सोवत रहा। सारी फउज साऊल क चारिहुँ कइँती रही।
6दाऊद हित्ती अहीमेलेक अउ यरूयाह क पूत अबीसै स
बात किहस। अबीसै योआब क भाई रहा। उ ओसे कहेस,
“मोरे संग साऊल क नगिचे ओकरे डेरा मँ कउन चली?”
अबीसै उत्तर दिहस, “मइँ तोहरे संग चलब।”
7रात भइ। दाऊद अउ अबीसै साऊल क डेरा मँ गएन।
साऊल डेरा क बीच सोवा रहा। ओकर भाला भुइँया मँ
ओकरे मूँड़े क लगे धँसा रहा। अब्नेर अउ फउज साऊल क
चारिहुँ कइँती सोइ रही। 8अबीसै दाऊद स कहेस, “आजु,
परमेस्सर तोहरे दुस्मनन क हरावइ दिहेन ह। मोका साऊल
क ओकरे भाला स ही जमीन मँ भोकं देइ द्या। मइँ ओका
एक ही वार मँ मार देब।”
9मुला दाऊद अबीसै स कहेस, “साऊल क जिन मारा।
जउन कउनो चुना भवा राजा क मारत ह उ जरुर सजा पावत
ह। 10इ सच अहइ यहोवा जब तलक रही उ साऊल क
खुद ही सजा देइ। होइ सकत ह साऊल आपन मउत पाइ या
इ होइ सकत ह कि साऊल जुद्ध मँ मारा जाइ। 11मुला मइँ
पराथना करत हउँ कि यहोवा आपन चुना भवा राजा क मोसे
चोट न करवावइ। अब पानी क गगरी अउर भाला उठावा
जउन साऊल क मूँड़े क लगे बा। तब हम पचे चली।”
12एँह बरे दाऊद भाला अउ पानी क गगरी लिहस जउन
साऊल क मूँड़े क लगे रहेन। तब दाऊद अउ अबीसै
साऊल क डेरा क तजि दिहस। कउनो मनई एकरे बारे मँ न
जान सका। कउनो भी मनई जागा नाहीं। साऊल अउ ओकर
सिपाही सोवत रहेन काहे यहोवा ओनका गहिर नीदं मँ डाइ
दिहे रहा।

दाऊद साऊल क फुन लजावत ह

13दाऊद घाटी क दूसर कइँती निकरि गवा। साऊल क
डेरा स घाटी क पार पहाड़े क चोटी प खड़ा रहा। दाऊद
अउ साऊल क डेरा बहोत दूरी प रहेन। 14दाऊद सेना अउ
नेर क पूत अब्नेर क नरियाइके गोहराएस, “अब्नेर, मोका
जवाब द्या।”
अब्नेर पूछेस, “तू कउन अहा? तू राजा क काहे बोलावत
अहा?”
15दाऊद जवाब दिहेस, “तू एक मनई अहा। मोसे कहा,
का तू नाहीं अहा? अउर तू इस्राएल मँ कउनो भी दूसर मनई
स नीक अहा। तब तू आपन सुआमी, राजा क रच्छा काहे
नाहीं किहा? एक मामूली मनई तोहरे डेरा मँ तोहार सुआमी,
राजा क मारइ आवा। 16तू बहोतइ बड़ी गल्ती किहा। यहोवा
क जिन्नगी क किरिया तोहका अउर तोहरे सिपाहियन क
मरि जाइ चाही। काहेकि तू आपन सुआमी अउर यहोवा क
चुना भवा राजा क रच्छा नाहीं किहा। साऊल क मूँड़े क
लगे भाला अउ पानी क गगरी क खोज करा। उ सबइ
कहाँ बाटेन?”
17साऊल दाऊद क अवाज पहिचानत रहा। साऊल कहेस,
“मोर पूत दाऊद, का इ तोहार आवाज बाटइ?”
दाऊद जवाब दिहस, “मोर सुआमी अउ राजा, हाँ! इ मोर
अवाज अहइ।” 18दाऊद इ भी पूछेस, “महाराज, आप मोर
पाछा काहे करत अहइँ? मइँ कउन सी गल्ती किहेउँ ह? मइँ
का करइ क अपराधी अहउँ? 19मोर सुआमी अउ राजा,
हमरउँ सुना। जदि यहोवा मोरे खिलाफ कोहाइ बरे किहेन ह
तउ ओनका एक ठु भेंट अंगीकार करइ द्या। जदि मनई
मोरे खिलाफ आपक कोहाएन ह तउ यहोवा क जरिए
ओनकइ बरे कछू मुसीबत आवइ द्या। मनइयन मोका इ देस
तजइ बरे मजबूर किहन ह, जेका यहोवा मोका दिहन ह।
लोग मोसे कहेन, ‘जा। बिदेसी मनइयन क संग रहा। जा
दूसर देवतन क पूजा करा।’ 20मोका यहोवा क हाजिरी स दूर
जिन मरइ द्या। इस्राएल क राजा एक मच्छर क हेरइ निकरा
बा। आप उ मनई क तरह अहइँ जउन पहाड़े मँ तीतर क
सिकार करइ निकरा होइँ।”
21तबहिं साऊल कहेस, “मइँ पाप किहेउँ ह। मोर पूत
दाऊद लउटि आवा। आज तू देखाँइ दिहा कि मोर जिन्नगी
तोहरे बरे अनमोल बाटइ। यह बर मइँ तोहका चोट पहुँचावइ
क कोसिस न करब। मइँ मूरखपन क काम किहेउँ ह। मइँ
एक ठु बहोत बड़ी गलती किहेउँ ह।”
22दाऊद जवाब दिहेस, “राजा क भाला इ बाटइ। आपन
कउनो नउ जवान क हिआँ आवइ द्या अउर उ लइ जाइ।

23यहोवा मनइयन क करमे क फल देत हीं। जदि उ नीक
करत ह तउ ओका ईनाम देत हीं अउर ओका सजा देत हीं
जउन बुरा करत ह। यहोवा आज आप क मोका हरावइ
दिहन, मुला मइँ यहोवा क चुना भवा राजा प चोट नाहीं
करब। 24आजु मइँ आपक देखँाइ दिहेउँ ह कि आपक
जिन्नगी मोरे बरे अनमोल अहइ। इ तरह यहोवा देखँाइहीं
कि मोर जिन्नगी ओनकइ बरे महत्व क बाटइ। यहोवा मोर
रच्छा हर मुसीबते स करिहीं।"

25तब साऊल दाऊद स कहेस, "मोर पूत दाऊद, परमेस्सर
तोहका आसीर्बाद देइँ। तू बड़का कारज करब्या अउ सुफल
होब्या।"

दाऊद आपन राहे प गवा, अउर साऊल घर लउटी
आवा।

दाऊद पलिस्तियन क संग रहत ह

27 दाऊद सोचेस, "होइ सकत ह साऊल मोका
कउनो दिन धइ लेइ। सबन ते बढ़िया इहइ अहइ
मइँ कि पलिस्तियन क देस स बचि निकरुँ। तब साऊल
इस्राएल मँ मोर खोज मँ थक जाब इ तरह मइँ साऊल स
बचि निकरब।"

2एँह बरे दाऊद अउ ओकर छ: सौ मनइयन इस्राएल
तजि दिहन। उ सबइ माओक क पूत आकीस क लगे
गएन। आकीस गत क राजा रहा। 3दाऊद, ओकर मनइयन
आपन पूरा परिवार क साथ आकीस क संग गत मँ रहइ
लागेन। दाऊद क संग ओकर दुइ पत्नी रहिन। उ पचे
यिज्रेली क अहीनोअम अउ कार्मेल क अबीगैल रहिन।
अबीगैल नाबाल क राँड़ रही। 4मनइयन साऊल स कहेन
कि दाऊद गत क पराइ ग अहइ। अउर साऊल ओकर
खोज बन्द कइ दिहस।

5दाऊद आकीस स कहेस, "जदि आप मोसे खुस अहइँ
तउ मोका आपन देस क नगरन मँ स एक मँ एक ठउर दइ
देइँ। मइँ आप क सिरिफ एक सेवक अहउँ। मोका हुवाँ रहइ
चाही, आप क संग हुवाँ राजधानी-सहर मँ नाहीं।"

6उ दिना आकीस दाऊद क सिकलग नगर दिहस। अउर
तब स सिकलग अब तलक यहूदा क राजा लोगन क बना
अहइ। 7दाऊद पलिस्तियन क संग एक बरिस अउ चार
महीना रहा।

दाऊद आकीस राजा क मूरख बनावत ह

8दाऊद अउ ओकर मनई अमालेकी अउ गसूर मँ
रहइवालन मनइयन क संग जुद्ध करइ गएन। दाऊद क
मनइयन ओका हराएन अउ ओनकइ धन दौलत लइ लिहन।
लोग उ पहँटा मँ सुर क नगिचे तेलम स लइके लगातार
मिस्र तलक रहत रहेन। 9दाऊद उ पहँटा मँ मनइयन क
हराएस। दाऊद ओनकइ सब भेड़िन, पसु, गदहा, ऊँट अउ
ओढ़ना लिहस। तब उ इ सबन क आकीस लइ आवा।

10दाऊद इ कई दाईं किहेस। हर दाईं आकीस पूछत कि
उ कहाँ लड़ा अउ ओन चीजन क कहाँ स लइ आवा।
दाऊद कहत रहा, "मइँ यहूदा क दक्खिन कइँती लड़ा।" इ
"सब मइँ यरहमेलियन क दक्खिनी भाग मँ लड़ा" या "मइँ
केनियन क दक्खिनी भाग मँ लड़ा।" 11दाऊद गत क कबहुँ
जिअत मेहरारु या मनसेधू नाहीं लइ आवा। दाऊद सोचेस,
"जदि हम कउनो मनई क जिअत रहइ देइत ह तउ उ
आकीस स कहि सकत ह कि सचमुच मइँ का किहेउँ ह।"

दाऊद पूरे टेमँ, जब तलक पलिस्तियन क देस मँ रहा,
इहइ किहस। 12आकीस दाऊद प पतियाब सुरु किहस।
आकीस अपने आप सोचेस, "अब दाऊद क आपन लोग ही
ओसे घिन करत हीं। इस्राएलियन दाऊद स बहोत जिआदा
घिन करत हीं। अब दाऊद मोर सेवा करत रही।"

पलिस्ती जुद्ध क तइयारी करत हीं

28 पाछे पलिस्तियन आपन फउज क इस्राएल क
खिलाफ लड़इ बरे बटोरेन। आकीस दाऊद स
कहेस, "का तू समुझत ह कि तोहका अउ तोहरे मनइयन क
इस्राएलियन क खिलाफ मोरे संग लड़इ जाइ चाही?"

2दाऊद जवाब दिहस, "सचमुच ही, तब आप खुद ही
लखइँ कि मइँ का करि सकत हउँ।"

आकीस कहेस, "बहोत अच्छा, मइँ तोहका आपन अंग
रच्छक बनउब। तू हर समइ मोर रच्छा करब्या।"

साऊल अउ एन्दोर क मेहररुअन

3समूएल मर गवा। सबहिं इस्राएलियन समूएल क मउत
प सोक मनाएन। उ पचे समूएल क निवास सहर, रामा मँ
ओका दफनाए रहेन।

एँकरे पहिले साऊल ओझा अउ भविस्स बतावइवालन क
इस्राएल तजइ क मजबूर किहे रहा।

4पलिस्तियन जुद्ध क तइयारी किहन। उ पचे सूनेम आएन
अउ उ ठउरे प डेरा डाएन। साऊल सबहिं इस्राएलियन क
बटोरेस अउ आपन डेरा गिलबो मँ डाएस। 5साऊल पलिस्ती
सेना क लखेस, अउर उ डेराइ गवा। ओकर हिरदय डर स
धड़कइ लाग। 6साऊल यहोवा स बिनती किहेस, मुला यहोवा
ओका जवाब नाहीं दिहस। परमेस्सर साऊल स सपन मँ बात
नाहीं किहस। परमेस्सर ओका जवाब देइ बरे ऊरीम क नाहीं
बइपरेस। परमेस्सर साऊल स बात करइ बरे नबियन क नाहीं
बइपरेस। 7आखिर मँ साऊल आपन अफसरन स कहेस,
"मोरे बरे कउनो अइसी मेहरारु क पता लगावा जउन ओझा
होइ। तब मइँ ओसे पूछइ जाइ सकत हउँ कि जुद्ध मँ का
होइ।" ओकर अफसरन जवाब दिहन, "एन्दोर मँ एक ठु
ओझा अहइ।"

8साउल कइउ तरह क ओढ़वा पहिरेस। साऊल इ एँह
बरे किहस कि कउनो मनई इ न जान सकइ कि उ कउन
अहइ। रात क उ आपन दुइ मनई क संग उ मेहरारु स
भेंटइ गवा। साऊल उ मेहरारु स कहेस, "परेत स मोका
मोर भविस्स बतवावा। उ मनई क बोलावा जेकर नाउँ मइँ
लेउँ।"

9मुला उ मेहरारु साऊल स कहेस, "तू सचमुच ही जानत
ह कि साऊल का किहेस ह। उ सोखा अउ भविस्स बतावइ
वालन क इस्राएल देस तजि देइ क मजबूर किहस ह। तू
मोका जाल मँ फाँसइ अउ मजबूर अउ मारि डावइ चाहत
ह।"

10साऊल यहोवा क नाउँ लिहस अउ उ मेहरारु स प्रतिग्या किहस, "सचमुच ही यहोवा सास्वत अहइ। एँह बरे तोहका इ करइ क सजा न मिली।"

11मेहरारु पूछेस, "तू केका चाहत बाट्या कि मइँ ओका हिआँ बोलावउँ?"

साऊल जवाब दिहस, "समूएल क बोलावा।"

12अउर इ भवा। मेहरारु समूएल क लखेस अउ जोर स चिचियान। उ साऊल स कहेस, "तू मोका धोखा दिहा। तू साऊल अहा।"

13राजा मेहरारु स कहेस, "तू जिन डेराअ। तू का लखति अहा?"

उ मेहरारु कहेस, "मइँ एक ठु परेत आतिमा क धरती स निकरिके आवति लखत हउँ।"

14साऊल पूछेस, "उ कइसा देखॉइ पड़त ह?"

मेहरारु जवाब दिहस, "उ लबादा पहिरे एक बुढ़वा क तरह देखॉइ पड़त ह।"

साऊल समुझ गवा कि उ समूएल रहा। साऊल धरती पर अपना माथा टेका। 15समूएल साऊल स कहेस, "तू मोका काहे परेसान किहा?" तू मोका ऊपर काहे बोलाया? साऊल जवाब दिहस, "मइँ मुसीबत मँ अहउँ। पलिस्ती मोरे खिलाफ लड़इ आवा अहइँ, अउर परमेस्सर मोका तजि दिहे अहइ। परमेस्सर अब मोका जवाब न देइहीं। उ मोका जवाब देइ बरे नबियन या सपन क प्रयोग न करिहीं। इहइ कारण अहइ कि मइँ तोहका बोलाएउँ। मइँ चाहत अहउँ कि तू बतावा कि मइँ का करउँ।"

16समूएल कहेस, "यहोवा तोहका तजि दिहे अहइ। अब उ तोहरे पड़ोसी क संग अहइ। एँह बरे तू मोका काहे बोलाया? 17यहोवा उहइ किहस जउन उ करइ क कहे रहा। यहोवा मोर प्रयोग तोहका बतावइ बरे कि उ का करी, किहेस ह। यहोवा तोहरे हाथे स राज्ज झपट लिहस ह। यहोवा तोहरे हाथ स राज्ज तोहरे पड़ोसियन मँ स एक क दइ दिहस। उ पड़ोसी दाऊद अहइ। 18तू यहोवा क आग्या क पालन नाहीं किहा। तू अमालेकियन क नास नाहीं किहा अउ ओनका नाहीं देखाया कि यहोवा ओन पइ केतँना कोहान बाटइ। उहइ कारण अहइ कि यहोवा तोहरे संग आजु इ किहस ह। 19फुन यहोवा तोहरे संग इस्राएलियन क पलिस्ती स हरवइहीं। अउर भियान तू अउ तोहार पूत हिआँ मोर संग होइहीं।"

20साऊल भुइयाँ प भहराइ पड़ा। साऊल, समूएल स कही गइ बातन स डेरान रहा। साऊल बहोत दुर्बल होइ गवा काहेकि उ पूरा दिन अउ रात कउनो खइया नाहीं खाए रहा।

21मेहरारु साऊल क लगे आइ। उ लखेस कि साऊल फुरइ ससान रहा। उ कहेस, "लखा, मइँ आपक सेविका अहउँ। मइँ आपक आग्या क मानेउँ ह। मइ आपन जिन्नगी क खतरा मँ नाएउँ ह अउर आप जउन कहेन ह, उहइ किहेउँ। 22अब कृपा कइके मोरउ सुना। मोका तोहरे बरे कछू खइया क देइ द्या। तब आप मँ एँतनी सक्ती आइ कि आप अपने राहे प जाइ सकइँ।"

23मुला साऊल इनकार किहस। उ कहेस, "मइँ न खाब।" साऊल क अफसर लोग उ मेहरारु क साथ दिहन अउ ओसे भोजन बरे बिनती किहन। साऊल ओनकइ बात सुनेस। उ भुइयाँ स उठा अउ बिछउना प बइठा। 24उ मेहरारु क घरे मँ एक ठु मोट बछवा रहा। उ हाली स बछवा क मारेस। उ कछू आटा लिहस अउ ओका हाथे स सानेस। तब उ बे खमीरे क रोटी बनाएस। 25मेहरारु भोजन साऊल अउ ओकरे अफसरन क अगवा धरेस। साऊल अउ ओकर अफसरन ओका खाएन। तउ उ लोग उठेन अउर उहइ रात क चली गएन।

"दाऊद मोरे संग नाहीं आइ सकत"

29 पलिस्तियन आपन सब सिपाहियन क आपुस मँ बटोरेन। इस्राएलियन सोता क पास यिज्रेल मँ डेरा डाएन। 2पलिस्ती अफसर लोगन आपन एक सौ अउर एक हजार फउज क टुकड़ी क संग आगे बढ़त रहेन। दाऊद अउ ओकर मनई आकीस क संग फउज क पाछे पाछे कदम बढ़ावत चलत रहेन।

3पलिस्ती अफसरन पूछेस, "इ सबइ हिब्रू हिआँ का करत अहइँ।"

आकीस पलिस्ती अफसरन स कहेस, "इ दाऊद अहइ। दाऊद साऊल क अफसरन मँ स एक रहा। दाऊद मोरे लगे बहोत टेमॅ स बाटइ। मइँ दाऊद मँ कउनो दोख तब स नाहीं लखेउँ जब ते इ साऊल क तजेस अउ मोरे लगे आवा।"

4मुला पलिस्ती अफसर लोग आकीस पइ कोहाइ गएन। उ पचे कहेन, "दाऊद क वापस पठवा। दाऊद क उ सहर मँ वापस जाइ चाही जेका तू ओका दिहा ह। उ हम पचन क संग जुद्ध मँ नाहीं जाइ सकत्या। जदि उ हिआँ बाटइ तउ हम पचे आपन डेरा मँ एक दुस्मन क धरे अही। उ हमार आपन मनइयन क मारिके आपन राजा साऊल क खुस करी। 5दाऊद उहइ मनई अहइ जेकरे बरे इ गाना मँ इस्राएली मनई गावत अउ नाचत हीं:

'साऊल हजारन क मारेस।
मुला दाऊद दसहु हजारन क मारेस।'

6एँह बरे, आकीस दाऊद क बोलाएस। उ कहेस, "यहोवा सास्वत अहइ, तू हमार भगत अहा। मइँ खुस होत जदि तू हमरी फउज मँ सेवा करत्या। जउने दिना स तू मोरे लगे आया ह, मइँ तोहमाँ कउनो दोख नाहीं पाएउँ ह। मुला पलिस्ती अफसर लोगन तोहार बरे नीक नाहीं सोचत। 7अब तू सान्तिपूर्वक जा। पलिस्ती अफसर लोगन क खिलाफ कछू न करा।"

8दाऊद कहेस, "मइँ का गल्ती किहेउँ ह? जब ते मइँ तोहरे लगे आवा हउँ तू मोरे भीतर कउन तब स आजु तलक कउन बुराई लख्या ह। मोरे पर्भू, राजा क दुस्मनन क खिलाफ तू मोका काहे नाहीं लड़इ देत्या?"

9आकीस उत्तर दिहस, "मइँ जानत हँउ कि मइँ तोहका पसन्द करत हँउ। तू परमेस्सर क हिआँ सरगदूत क समान अहा। मुला पलिस्ती अफसर अबहुँ कहत हीं, 'दाऊद हम पचन क संग जुद्ध मँ नाहीं जाइ सकत।' 10तड़के भिन्सारे तू अउर तोहार लोग वापिस जइहीं। उ सहर क लउटि जा

जेका मँइ तोहका दिहेउँ ह। ओन अफसर लोग पइ धियान जिन द्या जउन तोहरे बरे बुरी बात कहत हीं। ऍह बरे जइसे ही सूरज निकरइ चल द्या।"

11ऍह बरे दाऊद अउ ओकर लोग तड़के भिन्सार होत उठेन। उ पचे पलिस्तियन क देस मँ लौटि गएन। अउ पलिस्ती यिज्रेल क गएन।

अमालेकी सिकलग पइ हमला करत हीं

30 तिसरे दिना दाऊद अउ ओकर मनई सिकलग पहुँचि आएन। उ पचे लखेन कि अमालेकी सिकलग प हमला करत बाटइ। अमालेकी नेगव पहँटा प हमला किहे रहेन। उ पचे सिकलग प हमला किहन अउ सहर क बारि दिहन। **2**उ पचे सिकलग क मेहररुअन क बन्दी बनाइके लइ गएन। उ सबइ जवान अउ बूढ़न सबहिं क लइ गएन। उ पचे कउनो मनइयन क मारेन नाहीं। उ पचे सिरिफ ओनकइ लइके चलि दिहन।

3दाऊद अउ ओकर मनई सिकलग आएन। अउर उ पचे नगर क बरत पाएन। ओनकई मेहरारुअन, पूतन अउ बिटियन क बन्दी बना लेइ गवा रहा अमालेकी लोग ओनका लइ गएन। **4**दाऊद अउ ओकरी फउज क दूसर लोग तब तलक रोवत रहेन जब तलक उ सबइ थक जाइके कारण रोवइ क लायक नाहीं रहि पाएन। **5**अमालेकी दाऊद क दुइ मेहरारू यिज्रेल क अहीनोअम अउ कर्मेल क नाबाल क राँड़ अबीगैल क लइ गएन।

6फउज क सब लोग दुःखी अउ गुस्सान रहेन काहेकि ओनकइ बेटवा-बिटिया कइदी बनइ लीन्ह ग रहिन। उ पचे दाऊद क पाथर स मारि डावइ क सलाह करत रहेन। ऍहसे दाऊद बहोतइ घबराइ गवा। मुला दाऊद आपन यहोवा परमेस्सर मँ सक्ती पाएस। **7**दाऊद याजक एब्यातार स कहेस, "एपोद लइ आवा।" ऍह बरे एब्यातार दाऊद बरे एपोद लइ आएस।" **8**तब दाऊद यहोवा स पराथना किहस, "का मोका उ मनइयन क पाछा करइ चाही जउन हमरे परिवारे क उठाइ लइ ग बाटेन? का मइँ धइ लेइ?" यहोवा जवाब दिहस, "ओनकइ पाछा करा। तू ओनका धइ लेब्या। तू आपन परिवार क बचाइ लेब्या।"

दाऊद अउ ओकर मनई मिस्री दास क धरत हीं

9-10दाऊद आपन छः सौ मनइयन क संग लिहस अउ उ बसोर क घाटी मँ गवा। ओहमाँ स कछू लोग उहइ ठउर प ठहर गएन। लगभग दुई सौ मनई ठहर गएन काहेकी उ पचे बहोत जिआदा थक ग रहेन अउ दुर्बल होइ जाइ स नाहीं चल सकत रहेन। ऍह बरे दाऊद अउ चार सौ मनइयन अमालेकियन क पाछा किहन।

11दाऊद क मनइयन एक ठु मिस्री क खेत मँ लखेन। उ पचे मिस्री क दाऊद क लगे लइ गएन। उ पचे पिअइ क तनिक पानी अउ खाइ बरे भोजन दिहन। **12**उ पचे मिस्री क अंजीर क टिकिया अउ झुरान अंगूरे क दुइ गुच्छन दिहन। खइया क खाए क पाछे उ चंगा भवा। उ तीन दिन अउ तीन राति स न कछू खाए रहा अउ न ही पानी पिए रहा।

13दाऊद मिस्री स पूछेस, "तोहार सुआमी कउन अहइ? तू कहाँ आवा ह?"

मिस्री जवाब दिहस, "मइँ मिस्री अहउँ। मइँ एक ठु अमालेकी क दास अहउँ। तीन दिना पहिले मइँ बेराम पड़ि गवा रहेउँ अउ मोर सुआमी मोका तजि दिहस। **14**हम पचे नेगव प धावा बोलि दीन्ह जहाँ करथीत रहत हीं। हम पचे यहूदा पहँटा प धावा बोलेन अउ नेगव पहँटा प जहाँ कालेब लोग रहत हीं। हम पचे सिकलग क भी बार दीन्ह।"

15दाऊद मिस्री स पूछेस, "का तू उ मनइयन क लगे मोका पहुँचउब्या जउन हमरे परिवारे क लइ गवा अहइँ?"

मिस्री जवाब दिहस, "तू परमेस्सर क समन्वा प्रण करा कि तू मोका न मरब्या न ही मोका मोर सुआमी क हाथ मँ देब्या! जदि तू अइसा करब्या तउ मइँ ओका धरवावइ मँ तोहार मदद करब।"

दाऊद अमालेकी क हरावत ह

16मिस्री अमालेकियन क दाऊद क हिआँ पहोंचाएस। उ पचे चारिहुँ कइँती जमीन प मधु पीतेन अउ खइया क खात ओलरा रहतेन। उ पचे पलिस्ती अउ यहूदा क पहँटा स बहोत सी चीज जउन लइ आए रहेन, उहइ स जलसा मनावत रहेन। **17**दाऊद ओनका हराएस अउ ओनका मारि डाएस। उ पचे सूरज निकरइ स अगवा दिन तक जूझेन। अमालेकियन मँ स चार सौ जवानन क अलावा जउन ऊँटे प चढ़िके परानेन कउनो नाहीं बच पावा।

18दाऊद क आपन दुइनउँ मेहरारु फुन मिल गइन। दाऊद उ सबहिं चीजन क पाएस जेनका अमालेकी लइ ग रहेन। **19**कउनो चीज खोइ नाहीं। उ पचे सब गदेलन अउ बुढ़वन क पाइ लिहन। उ पचे आपन सब पूत अउ बिटियन क पाएन। ओनका आपन कीमती चीज मिल गइ। उ पचे आपन हर एक चीज वापस पाएन जउन अमालेकी लइ ग रहेन। दाऊद हर चीज क फुन लौटाइ लिआइ। **20**दाऊद हर भेड़ी अउ गोरु क लइ लिहस। दाऊद क मनइयन इ पसून क अगवा चलाएन। दाऊद क मनइयन कहेन, "इ सब दाऊद क ईनाम अहइँ।"

सब मनइयन क हींसा बराबर होइ

21दाऊद हुवाँ आवा जहाँ दुई सौ मनई बेसोर क घाटी मँ ठहरा रहेन। उ उहइ मनई रहेन जउन बहोतइ थका अउ कमजोर रहेन। ऍह बरे दाऊद क संग नाहीं जाइ सकत रहेन। उ मनइयन दाऊद अउ उ सिपाहियन क सुआगत करइ बाहेर आएन जउन ओकरे संग गवा रहेन। बेसोर क घाटी मँ ठहरे भए मनइयन दाऊद अउ ओकरी फउज क बधाई दिहन जइसे ही उ निअरे आएन। **22**मुला जउन टुकड़ी दाऊद क संग गइ ओहमाँ कछू बुरा अउ परेसानी पइदा करइवाला मनई रहेन। उ परेसानी पइदा करइवालन कहेन, "इ दुई सौ मनई हम पचन क संग नाहीं गएन। ऍह बरे जउन चीज हम लइ आए अही ओहमाँ स कछू हम ऍनका न देब। इ मनइयन सिरिफ आपन मेहरारु अउ बचवन क लइ सकत हीं।"

23दाऊद जवाब दिहस, "नाहीं मोर भइया लोगो, अइसा जिन करा। इ बिसय मँ सोचा कि यहोवा हमका का दिहे अहइ। यहोवा हम पचन क उ दुस्मन क हरावइ दिहेस ह जउन हम पचन प हमला किहस ह। 24जउन तू कहत अहा ओका कउनो न मानी। उ मनइयन क हींसा भी, जउन बाँटइ वाली चीजन क संग ठहरा रहेन, ओतनँइ होइ जेतँना ओनका जउन जुद्ध मँ गवा रहेन। सब क हींसा बराबर होइ।" 25दाऊद ओकाँ इस्राएल बरे हुकुम अउ नेम बनाइ दिहस। इ नेमँ अब तलक लागू होइके चला आवा बाटइ।

26दाऊद सिकलग मँ आवा। तब उ उ चीजन मँ स, जउन अमालेकियन स लइ लीन्ह ग रहिन, कछू चीजन क आपन मीत लोगन यहूदा क नेता लोगन क पठएस। दाऊद कहेस, "इ सब भेंट आप लोगन क उ चीजन मँ स अहइ जेनका हम पचे यहोवा क दुस्मनन स पावा ह।"

27दाऊद उ चीजन मँ स जउन अमालेकियन स मिली रहिन, कछू जउन बेतेल क प्रमुख लोग, नेगव क रमीथ, यत्तीर, 28अरोएर, सिपमोत, एस्तमो, 29रकल, यरहमेलियन अउ केनि क सहरन, 30होर्मा, बोरासान अउ अताक मँ, 31अउ हेब्रान क पठएस। दाऊद उ चीजन मँ स कछू क ओन सबहिं ठउरन क प्रमुख लोगन क पठएस जहाँ दाऊद अउ ओकर लोग रहत रहेन।

साऊल क मउत

31 पलिस्ती इस्राएल क खिलाफ लड़ेन, अउ इस्राएली पलिस्तियन क समन्वा स पराइ गएन। बहोत स इस्राएली गिलबो पहाड़े प मारा गएन। 2पलिस्ती साऊल अउ ओकरे पूतन क पकड़ेन। पलिस्ती साऊल क पूत योनातान, अबीनादाब अउ मल्किसु क मारि डाएन।

3जुद्ध साऊल क खिलाफ बहोतइ बुरा रहा। धनुर्धारी लोग साऊल प बाण बरसाइ दिहन अउ साऊल बुरी तरह घायल होइ गवा। 4साऊल आपन उ नउकर स जउन कवच लइके चलत रहा कहेस, "आपन तरवार निकारा अउ मोका मारि डावा। तउ उ सबइ बिदेसी मोका चोट पहुँचावइ अउ मोर मसखरी करइ न अइहीं।" मुला साऊल क कवच ढोवइया अइसा करइ स इनकार किहस। साऊल क सहायक बहोत डरा भवा रहा।

एँह बरे साऊल आपन तरवार लिहेस अउ आपन क मारि डाएस। 5कवच क ढोवइया लखेस कि साऊल मरि गवा। एँह पइ उ भी आपन तरवारि स आपन क मारि डाएस। उ हुवँइ साऊल क संग मरि गवा। 6इ तरह साऊल, ओकर तीन पूत अउ ओकर कवच ढोवइया सबहिं एक संग उहइ दिन मर गएन।

पलिस्ती साऊल क मउत प खुस होत हीं

7इस्राएलियन जउन घाटी क दूसर कइँती अउर यरदन नदी क दूसर कइँती रहत रहेन, लखेन कि इस्राएली फउज परात बाटइ। उ पचे लखेन कि साऊल अउ ओकर पूत मर गएन। एँह बरे उ इस्राएलियन आपन सहर तजि दिहन अउ भाग पराइ गएन। तब पलिस्ती आएन। उ पचे उ सहरन मँ रहइ लागेन।

8दूसरे दिन, पलिस्तियन ल्हासे स चीजन क लेइ आएन। उ पचे साऊल अउ ओकर तीनहुँ पूतन क गिलबो पहाड़े प मरा पाएन। 9पलिस्तियन साऊल क मूँड़ काटि लिहन अउ ओकर कवच लइ लिहन। उ पचे इ खबर क पलिस्ती मनइयन अउ आपन देवमूर्तियन क मन्दिर तलक लइ गएन। 10उ पचे साऊल क कवच क आस्तोरेत क मन्दिर मँ धरेन। पलिस्तियन साऊल क ल्हास बेतसान क देवारे प टाँगेन भी।

11याबेस गिलाद क मनइयन ओनँ सबहिं कारनामन क सुनेन जउन पलिस्तियन साऊल क संग किहस। 12एँह बरे याबेस क सबहिं फउजी बेतसान पहोंचेन। उ पचे सारी रात चलत रहेन। अउर उ पचे साऊल क ल्हासे क बेतसान क देवारे स उतारेन। उ पचे साऊल क पूतन क ल्हासन क भी उतारेन। तब उ पचे इ ल्हासन क याबेस लइ गएन अउर हुवाँ साऊल अउ ओकरे तीनहुँ पूतन क ल्हासे क फूँकि दिहन। 13तब उ लोगन साऊल अउ ओकरे तीनहुँ पूतन क अस्थियन क बटोर लिहन। अउर ओनका याबेस मँ पेड़ क तरे दफनाइ दिहन। तब याबेस क लोग सोक मनाएन। याबेस क मनइयन सात दिना तलक उपवास राखेन।"

रूत

यहूदा मँ अकाल

1 बहुत समइ पहिले जब निआवाधीसन क हुकुमत रही,
तबहि एक बुरा समइ आवा कि भुइँया पइ अकाल पड़ि
गवा। उहइ समइ मँ एलीमेलेक नाउँ क एक मनई यहूदा क
बेतलेहेम क छोड़ दिहस। उ आपन मेहरारू अउ दुइ पूतन
क संग मोआब क भुइँया मँ चला गवा। 2ओकरी मेहरारू
क नाउँ नाओमी रहा अउ ओकरे पूतन क नाउँ महलोन
अउ किल्योन रहेन। इ सबइ लोग यहूदा क बेतलेहेम क
एप्राती परिवार स रहेन। इ परिवार मोआब क पहाड़ी प्रदेस
क जात्रा किहेस अउ हुवँइ बस गवा।
3पाछे नाओमी क भतार एलीमेलेक मर गवा। एह बरे
सिरिफ नाओमी अउ ओकर दुइ पूत बचे रहि गएन। 4ओकर
पूतन मोआब देस क मेहररूअन क संग बियाह किहन।
पहिला पूत क मेहरारू क नाउँ ओर्पा अउ दूसर पूत क
मेहरारू क नाउँ रूत रहा। उ पचे मोआब मँ लगभग दस
बरिस रहेन। 5ओकर पाछे महलोन अउ किल्योन भी मर
गएन। एह बरे नाओमी आपन भतार अउ पूतन क बिना
अकेली हो गइ।

नाओमी अपने घरे जात ह

6जब नाओमी मोआब क पहाड़ी भुइँया मँ रहत रही,
तबहि नाओमी सुनेस कि यहोवा ओकरे लोगन क मदद
किहेस ह। उ अपने लोगन क भोजन प्रदान करत ह। एह
बरे नाओमी मोआब क पहाड़ी भुइँया क तजइ अउर आपन
घर यहूदा मँ लउटइ क निहचइ किहेस। ओकर पतोहुअन
भी ओकरे संग जाइ क निहचइ किहेन। 7उ पचे उ प्रदेस
क तजेन जहाँ उ पचे रहत रहिन अउर यहूदा कइँती लउटब
सुरू किहन।
8तब नाओमी आपन पतोहुअन स कहेस, "तू दुइनउँ क
अपने घर आपन महतारिन क घरे लउट जाइ चाही। तू पचे
मोरे पूतन क बरे बहोतइ दयालु रहिउँ ह। यहोवा तोह
पइ दयालु होइ। 9तउ मइँ पराथना करत हउँ कि यहोवा,
अच्छा भतार अउ नीक घर पावइ मँ तू दुइनउँ क मदद
करइ।" नाओमी आपन पतोहियन क पियार किहेस अउ उ
पचे सबहि रोवइ लागिन।
10तब पतोहियन कहेन, "किन्तु हम आप क संग चलइ
चाहित ह अउर आप क लोगन मँ जाइ चाहिन ह।"
11किन्तु नाओमी कहेस, "नाहीं, बिटियो, अपने घरे लउटि
जा। तू पचे मोरे संग काहे जाबिउ? मइँ तू पचन क मदद
नाहीं कइ सकिन। मोरे लगे अब कउनो पूत नाहीं जउन
तोहार संग बियाह कइ सकइ। 12अपने घरे लउटि जा। मइँ
एतनी बुढ़िया अहउँ कि नवा भतार नाहीं रखि सकिन।
हिआँ तलक कि जदि मइँ फुन बियाह करइ क बात सोचउँ,
तउ भी मइँ तोहार पचन्क मदद नहीं कइ सकित। जदि मइँ
आजु क राति ही गर्भवती होइ जाउँ अउर दुइ पूतन क
पइदा करउँ, तउ भी एहसे तोहार पचन्क मदद नाहीं मिली।
13बियाह करइ स पहिले ओनकर बालिग होइ तलक तू
पचन्क इंतजार करइ पड़ी। मइँ तू पचन्स एँतने लम्बे समइ
तलक बिना भतारे क प्रतीच्छा नाहीं करवाउब। एहसे मोका
बहोत दुःख होइ। मइँ पहिले स ही बहोत दुःखी हउँ काहेकि
यहोवा मोरे खिलाफ बहोत कछू कइ दिहस ह।"
14एह बरे मेहररूअन बहोत रोइन। तब ओर्पा नाओमी क
चूमेस अउ उ चली गइ। किन्तु रूत ओका बाहन मँ
गहियाइ लिहस अउर ओकरे लगे ठहर गइ।
15नाओमी कहेस, "लखा, तोहार जेठानी आपन लोगन
अउ आपन देवतन मँ लउट गइ। एह बरे तोहका ही उहइ
करइ चाही।"
16किन्तु रूत कहेस, "आपन क तजिके मोका मजबूर
जिन करा। आपन लोगन मँ लउटइ बरे मोका मजबूर जिन
करा। मोका अपने संग चलइ द्या। जहाँ कहूँ तू जाबिउ मइँ
जाब। जहाँ कहूँ तू सोउबिउ, मइँ सोउब। तोहार लोग मोर
लोग होइहीं। तोहार परमेस्सर मोर परमेस्सर होइ। 17जहाँ तू
मरबिउ, मइँ भी हुआइँ मरब अउर मइँ हुवइँ दफनाई जाब।
होइ सकत ह यहोवा हमरे बरे इ करी, अउर होइ सकत ह
एँह स भी जियादा, जब तलक कि मउत हम लोगन क
जुदा न कइ द्या।"

घरे लउटब

18नाओमी लखेस कि रूत क ओकर संग चलइ क
प्रबल इच्छा अहइ। एह बरे नाओमी ओकरे संग बहस करब
बन्द कइ दिहस। 19फुन नाओमी अउर रूत तब तलक जात्रा
किहन जब तलक उ पचे बेतलेहेम नाहीं पहोंच गइन। जब
दुइनउँ मेहररूअन बेतलेहेम पहोंचिन तउ सबहि लोग बहोत
उत्तेजित भएन। उ पचे कहब सुरू किहन, "का इ नाओमी
अहइ?"
20मुला नाओमी लोगन स कहेस, "मोका नाओमी जिन
कहा, मोका मारा कहा। काहेकि सर्वसक्तीमान परमेस्सर मोर
जिन्नगी क बहोत दुःखी बनाई दिहस ह। 21जब मइँ गइ
रहिउँ, मोरे लगे उ सबइ चिजियन रहिन जेनका मइँ चाहत
रहिउँ। किन्तु अब, यहोवा मोका खाली हाथे घरे लियावा ह।
यहोवा मोका दुःखी बनाएस ह। एह बरे मोका नओमी काहे
कहत अहा? सर्वसक्तिमान परमेस्सर मोका बहोत जियादा
कस्ट दिहस ह।"

22इ तरह नाओमी अउ ओकर पतोहू रूत मोआबी मेहरारू मोआब क भुइँया स लउटि गएन। इ दुइनउँ मेहररूअन जौ क कटती क समइ यहूदा क बेतलेहेम मँ आइन।

रूत क बोअज़ स मिलन

2 बेतलेहेम मँ एक ठु धनी मनई रहत रहा। ओकर नाउँ बोअज़ रहा। बोअज़ एलीमेलेक परिवार स नाओमी क निअरे रिस्तेदारन मँ स एक रहा।

2एक दिना रूत (मोआबी मेहरारू) नाओमी स कहेस, "मइँ सोचत हउँ कल्ह मइँ खेतन मँ जाउँ। होइ सकत ह कि कउनो अइसा मनई मोसे मिलइ जउन मोह पइ दाया कइके, मोरे बरे उ अन्न क बटोरइ देइ जेका उ आपन खेत मँ तजत होइ।"

3नाओमी कहेस, "बिटिया, ठीक अहइ जा।" एह बरे रूत खेतन मँ गइ। उ फसल काटइ वाले मजदूरन क पाछे चलत रही अउर उ अन्न बटोरेस जउन तज दीन्ह गवा रहा। अइसा भवा की उ खेते क एक हींसा एलीमेलेक परिवार क एक मनई बोअज क रहा।

4पाछे, बेतलेहेम स बोअज़ खेत मँ आवा। उ आपन मजदूरन क हालचाल पूछेस। उ कहेस, "यहोवा तोहरे संग होइ।" मजदूरन जबाब दिहन, "यहोवा आप क आसीर्बाद देइ।"

5तब बोअज़ आपन उ सेवक स बातन किहेस, जउन मजदूरन क निरीच्छक रहा। उ पूछेस, "बिटिया केकर अहइ?"

6सेवक जबाब दिहस, "इ उहइ मोआबी मेहरारू अहइ जउन मोआब क पहाड़ी पहँटा स नओमी क संग आई अहइ। 7उ बहोत भिन्सारे आइ अउ मोहसे उ पूछेस कि का मइँ मजदूरन क पाछे चल सकत हउँ अउ भुइयाँ पइ छिटके अन्न क बटोरा सकत हउँ। उ तउ तलक स काम करत रहत हीं, किन्तु उ तनिक देरी बरे आस्रय स्थान मँ रही।"

8तब बोअज़ रूत स कहेस, "हे मोर बिटिया, सुना! तू अपने बरे अन्न बटोरइ बरे मोरे खेते मँ रहा। तोहका कउनो दूसर मनई क खेत मँ जाइ क जरूरत नाहीं अहइ। मोर मेहररू नउकरन क पाछे चलत रहा। 9इ धियान मँ रखा की उ पचे कउने खेते मँ जात अहइँ अउर ओनकर अनुसरण करा। मइँ नउजवानन क चितउनी दइ दिहे अहउँ कि उ पचे तोहका परेसान न करइँ। जब तोहका पियास लगइ, तउ उहइ गगरी स पानी पिआ जेहसे मोर मनई पानी पिअत हीं।"

10तब रूत प्रणाम करइ आने धरती तलक निहुरी। उ बोअज़ स कहेस, "मोका अचरज अहइ कि आप मोह पइ धियान दिहेन। मइँ एक अजनबी अहउँ, किन्तु आप मोह पइ बड़ी दाया किहेन ह।"

11बोअज़ ओका जबाब दिहेस, "मइँ ओन सारी मदद क जानत हउँ जउन तू आपन सास नाओमी क दिहे ह। मइँ जानत हउँ कि तू ओकर मदद तब भी किहे रह्या जब तोहार भतार मर गवा रहा अउर मइँ जानत हउँ कि तू आपन महतारी-बाप अउ आपन देस तजिके इदेस मँ हिआँ आइ अहा। तू इ देस क कउनो भी मनई क नाहीं जानतिउ, फिन भी तू हिआँ नाओमी क संग आइउ। 12यहोवा तोहका ओन सबहि नीक कामे बरे इनाम देई जउन तू किहा ह। यहोवा इस्राएल क परमेस्सर तोहका भरपूर इनाम देइ। तू ओकरे सुरच्छा क ओढ़ना मँ आसरा बरे आइ अहा।"

13तब रूत कहेस, "आप मोह पइ बड़े दयालु अहइँ, महोदय। मइँ तउ सिरिफ एक दासी अहउँ। मइँ आप क सेवकन मँ स भी कउनो क बराबर नाहीं अहउँ। किन्तु आप मोका दाया स भरी बातन किहा ह। अउर मोका सान्त्वना दिहा ह।"

14दुपहरिया क भोजन क समइ, बोअज़ रूत स कहेस, "हिआँ आया। हमारी रोटियन मँ स कछू खा। एह कइँती हमरे सिरकें मँ आपन रोटी बोड़ा।"

तब रूत मजदूरन क संग बठइ गइ। बोअज़ ओनका कछू भूँजा भवा अनाज दिहन। रूत जेतना चाहत रहा ओतना खाएस अउर कछू भोजन बचि गवा।

15तब रूत उठी अउर काम करइ लउटी। तब बोअज़ आपन सेवकन स कहेस, "रूत क आन्त क ढेरी क लगे भी अन्न बटोरइ द्या। ओका जिन रोका। 16ओकरे काम क, ओकरे बरे कछू दाना स भरी बालन गिराइके, हलका करा। ओका उ अन्न क बटोरइ द्या। ओका रोकइ बरे जिन कहा।"

नाओमी बोअज़ क बारे मँ सुनत ह

17रूत साँझ तलक खेत मँ अनाज एकट्ठा किहस। तब उ भूसा स अन्न क अलग किहस। उ लगभग आधा बुसल जौ जमा किहेस। 18रूत उ अन्न क आपन सास क इ देखावइ बरे लइ गइ कि उ केतना अन्न बटोरेस ह। उ ओका उ भोजन भी दिहस जउन दुपहर क भोजन मँ स बन गवा रहा। रूत उ अन्न क अपनी सास क देखावइ बरे लइ गइ कि उ केतना अन्न बटोरेस ह। उ मोका भोजन भी दिहेस जउन दुपहरिया क भोजन मँ स बच गवा रहा।

19ओकर सास ओहसे पूछेस, "इ अन्न तू कहाँ स बटोर्या ह? तू कहाँ काम किहा? जउन मनई तोहका सूचना दिहेस आसीर्बाद पाइ।"

तब रूत ओका बताएन कि उ केकरे संग काम किहे रही। उ कहेस, "जउने मनई क संग मइँ आजु काम किहे रहेउँ, ओकर नाउँ बोअज़ अहइ।"

नाओमी अपनी पतोहू स कहेस, "यहोवा ओका आसीर्बाद देइ। यहोवा सबहि पइ निरन्तर दाया करत रहत ह चाहे उ पचे जिअत होइँ या मरा होउँ।"

20तब नाओमी आपन पतोहू स कहेस, "बोअज़ हमारे संबन्धियन मँ स एक अहइ। बोअज़ हमार संरच्छक* मँ स एक अहइ।" 21तब रूत कहेस, "बोअज़ मोका वापस आवइ अउर काम करइ क भी कहेस ह। बोअज़ कहेस ह कि मइँ

संरच्छक "कस्ट स मुक्ती देइवाला।" उ मनई जउन मृत मनई क सम्बंधियन क देखरेख अउ रच्छा करत ह। इ कबहुँ कबहुँ अपने गरीब सम्बंधी क वापस खरीदके दासता स अजाद (कस्ट क छुटकारा) करावइवाला होत ह।

सेवकन क संग तब तलक काम करत रहउँ जब तलक
फसल क कटाई पूरी नाहीं होइ जात।"
22तब नाओमी अपनी पतोहू रूत स कहेस, "इ नीक
अहइ कि तू ओकरी दासियन क संग काम करत रहा। जदि
तू कउनो दूसर क खेत मँ काम करबिउ तउ कउनो मनई
तोहका कउनो नोस्कान पहोंचाइ सकत ह।" 23एह बरे रूत
बोअज़ क मेहररू नउकरन क संग काम करत रही। उ तब
तलक अन्न बटोरेस जब तलक फसल क कटाई पूरी नाहीं
भई। उ हुवाँ गोहूँ क कटनी क आखिर तलक भी काम
किहस। रूत आपन सास क संग रहत रही।

खरिहान

3 तब रूत क सास, नाओमी ओहसे कहेस, "हे मोर
बिटिया, होइ सकत ह कि मइँ तोहरे बरे एक ठु नीक
भतार अउर घर पाइ सकउँ! तउ मइँ तोहार बरे नीक होब।
2बोअज़ उपयुक्त मनई होइ सकतेन? बोअज़ हमार निचके क
सम्बन्धी अहइ। तू ओकरी दासियन क संग काम किहा ह।
आजु राति उ खरिहाने मँ काम करत रहा होइ। 3जा, नहा
अउर नीक ओढ़ना पहिरा। मटकउना द्रव्य लगावा अउर
खरिहने मँ जा। किन्तु बोअज़ क समन्वा तब तलक जिन
पड़ा जब तलक उ राति क भोजन न कइ लेइ। 4खइया क
खाइ क पाछे, उ अराम करइ बरे ओलरी। लखत रहा
जेहसे तू इ जान सका कि उ कहाँ सोवत ह। हुवाँ जा अउर
ओकरे गोड़े क ओढ़ना उघारा। तब ओलरी जा। उ तोसे
कहब्या तोहका का करी चाही।"
5तब रूत जवाब दिहस, "आप जउन करइ क कहति
अहा, मइँ करबेउँ।"
6एह बरे रूत खरिहाने मँ गइ। रूत उ सब किहस जउन
ओकर सास ओहसे करइ क कहेस। 7खाइ अउर पिअइ क
पाछे बोअज़ बहोत संतुट्ठ रहा। बोअज़ अन्न क ढेर क
लगे ओलरइ गवा। तब रूत बहोत धीमे स ओकरे लगे गइ
अउर उ ओकरे गोड़े क ओढ़न उघार दिहस। रूत ओकरे
गोड़े क बगल मँ ओलर गइ।
8करीब आधी रात क बोअज़ नींद मँ आपन करवट
बदलेस अउर उ जाग पड़ा। उ बहोत चकित भवा। ओकरे
गोड़न क निचके एक ठु मेहरारू ओलरी रही।
9बोअज़ पूछेस, "तू कउन अहा?"
उ कहेस, "मइँ तोहार नउकर लड़की रूत अहउँ। आपन
सरच्छा क ओढ़ना मोरे ऊपर फइला द्या। तू मोर रच्छक
अहा।"
10तब बोअज़ कहेस, "हे जुवती, यहोवा तोहका आसीर्बाद
देइ। तू मोह पइ बिसेस कृपा किहा ह। तोहार इ कृपा मोरे
बरे ओहसे भी जियादा अहइ जउन तू सुरूआत मँ नाओमी
क बरे देखाए रह्या। तू बियाह बरे कउनो भी धनी या गरीब
नउजवान क खोज कइ सकत रहिउँ, मुला तू वइसा नाहीं
किहा। 11जुवती, अब डेराअ नाहीं। मइँ उहइ करब जउन तू
चाहति अहा। मोरे नगर क सबहि लोग जानत हीं कि तू
एक ठु नीक मेहरारू अहा। 12अउर इ फुरि अहइ, कि मइँ
तोहरे परिवार क निचके क सम्बंधी अहउँ। मुला एक दूसर
मनई अहइ जउन तोहरे परिवार क मोहसे भी जियादा निचके
क सम्बन्धी अहइ। 13आजु क राति हिअँइ ठहरा। भिन्सारे
हम पता लगाउब कि का उ तोहार मदद करी। जदि उ
तोहका मदद देइ क फैसला लेत ह तउ बहोत नीक होइ।
जदि उ तोहार मदद करइ स इन्कार करत ह, तउ यहोवा क
जिन्नगी क सपथ लेइके मइँ प्रतिज्ञा करत हउँ कि मइँ
तोहसे बियाह करब अउर एलीमेलेक क भुइँया क तोहरे बरे
बेसाही के लउटाउब। एह बरे भिंसारे तलक हिअँइ सोआ
रहा।"
14एह बरे रूत बोअज़ क गोड़े क लगे भिंसारे तलक
ओलरी रही। उ अँधियारा रहत ही उठी, एहसे पहिले क
एतना प्रकास होइ कि लोग एक दूसरे क पहिचान सकइँ।
बोअज़ ओहसे कहेस, "हम एका कउनो क इ नाहीं
बताउब कि तू पिछली रात हिआँ मोर लगे आई रहिउ।"
15तब बोअज़ कहेस, "आपन ओढ़नी मोरे लगे लिआवा।
अब, एका फइलाइके राखा।"
एह बरे रूत आपन ओढ़नी क फइलाइके राखेस अउर
बोअज़ लगभग एक बुसल जौ ओकरी सास नाओमी क
उपहार मँ दिहस। तब बोअज़ ओका रूत क ओढ़नी मँ बाँध
दिहस अउर ओका ओकरी पीठ पइ रख दिहस। तब उ
नगर क गवा।
16रूत आपन सास, नाओमी क घर गइ। नाओमी दुआरे
पइ आई अउर उ पूछेस, "बाहेर कउन अहइ?"
रूत घरे क भीतर गइ अउर उ नाओमी क हर बात
जउन बोअज़ किहे रहा, बताएस। 17उ कहेस, "बोअज़ इ
जौ उपहार क रूप मँ तोहका दिहेस ह। बोअज़ कहेस कि
आप क बरे उपहार लिए बिना मोका घर नाहीं जाइ चाही।"
18नाओमी कहेस, "हे मोर बिटिया, तब तलक धीरा राख
जब तलक हम इ सुनी कि का भवा। बोअज़ तब तलक
आराम नाहीं करी जब तलक उ ओका नाहीं कइ लेत जे
ओका करइ चाही। हम लोगन क दिन बीतइ क पहिले
मालूम होइ जाइ कि का होइ।"

बोअज़ तथा दूसर सम्बन्धी

4 बोअज़ उ ठउरे पइ गवा जहाँ नगर दुआरे पइ लोग
एकट्ठा होत हीं। बोअज़ तब तलक हुआँ बइठा रहा
जब तलक उ संरच्छक हुवाँ स नाहीं गुजरा जेकर जिक्र
बोअज़ रूत स किहे रहा। तब बोअज़ ओका बोलाएस,
"हिआँ आवा मित्र! हिआँ बइठा।" यह बरे उ हुआँ बइठेस।
2तब बोअज़ हुआँ गवाहन क बटोरेस। बोअज़ नगर क
दस बुजुर्गन क बुलाएस। उ कहेस, "हिआँ बइठा!" एह बरे
उ पचे हिआँ बइठ गएन।
3तब बोअज़ उ संरच्छक स बातन किहस। उ कहेस,
"नाओमी मोआब क धरती स लउट आइ अहइ। उ भुइँया
क एक टूका बेचेस ह। जउन हमारे सम्बन्धी एलीमेलेक क
रहेन। 4मइँ तय किहेउँ ह कि मइँ इ बिसय मँ हिआँ क
बसइया लोगन अउर आपन बुजुर्ग लोगन क समन्वा तोहसे
कहउँ। अगर तू इ भुइँया क मुल्य वापिस लइ क चाहत ह
तउ एका खरीद ल्या। अगर तू इ भुइँया क वासप नाहीं
खरीदइ चाहत ह तउ मोका कहा। मइँ जानत हउँ कि तोहरे
पाछे उ मनई मइँ ही हउँ जउन भुइँया क खरीद सकत हउँ।

जदि तू उ भुइँया क नाहीं खरीदब्या, उ मइँ हउँ जउन
ओका खरीदब। तब उ मनई जवाब दिहेस: मइँ इ भुइँया क
खरीदब।"
5तब बोअज़ कहेस, "जदि तू भुइँया नाओमी स बेसहब्या
तउ तोहका मृतक क मेहरारू, मोआबी मेहरारू रूत भी
मिली। जब रूत क बच्चा होइ तउ उ भुइँया उ बच्चे क
होइ। इ तरह भुइँया मृतक क परिवार मँ ही रही।"
6निचके क सम्बन्धी जवाब दिहस, "मइँ भुइँया क वापस
बेसहि नाहीं सकत। जदपि इ भुइँया मोर होइ चाही किन्तु मइँ
एका बेसही नाहीं सकत। जदि मइँ अइसा करत हउँ तउ
मोका आपन सम्पत्ति स हाथ धोऊब पड़ सकत ह। एह बरे
तू उ भुइँया क बेसहि सकत ह।" 7(इस्राएल मँ बहोत समइ
पहिले जब कउनो मनई कउनो सम्पत्ति क बेसहत, छुड़ावत
या सम्पत्ति क बदलि करत रहा, तउ एक मनई आपन जूता
क उतारत रहा अउर दूसर मनई क दइ देत रहा। इ ओनके
बेसहइ क प्रमाण रहा।) 8तउ उ निचके क सम्बन्धी बोअज़
स कहेस, "भुइँया तू आपन बरे बेसही लइ!" तउ उ आपन
एक जूता क उतारेस अउर एका बोअज़ क दइ दिहस।
9तब बोअज़ बुजुर्गन अउ सबहि मनइयन स कहेस,
"आजु आप लोग मोरे गवाह अहउँ कि मइँ नाओमी स उ
सबइ सबहि चिजियन खरीदत हउँ जउन एलीमेलेक, किल्योन
अउ महलोन क अहइँ। 10मइँ रूत क भी आपन मेहरारू
बनावइ बरे बेसहत हउँ। मइँ इ एह बरे करत अहउँ कि
मृतक क सम्पत्ति ओकरे परिवार क लगे ही रही। इ तरह
मृतक क नाउँ ओकरे परिवार अउ ओकरी भुइँया स नाहीं
हटावा जाई। आप लोग आजु एकर गवाह अहइँ।"
11इ तरह सबहि लोग अउर बुजुर्गन जउन नगर दुआर
क समीप रहेन, गवाह भएन। उ पचे कहेन:

"इ मेहरारू जउन तोहरे घर जाई, यहोवा ओका राहेल
अउ लिआ जइसी करइ जउन इस्राएल बंस क बनाएस। हम
पराथना करित ह तू एप्राता मँ सक्तीसाली ह्वा! तू बेतलेहेम
मँ प्रसिद्ध ह्वा। 12जइसे तामार यहूदा क पूत पेरेस क जनम
दिहेस अउर ओकर परिवार महान बना। उहइ तरह यहोवा
तोहका भी रूत स कई पूत देइ। अउर तोहार परिवार भी
ओकरी तरह महान होइ।"
13इ तरह बोअज़ रूत स बियाह किहेस। यहोवा रूत क
गर्भवती होइ दिहस अउर रूत एक ठु पूत क जन्म दिहस।
14नगर क मेहररूअन नाओमी स कहेन:
"उ यहोवा क आभार माना जउन तोहका अइसा
संरच्छक दिहस। यहोवा करइ उ, इस्राएल मँ प्रसिद्ध होइ।
15उ तोहका फुन स जवान बनाइ देइ। अउर बुढ़ापे मँ उ
तोहार धियान राखी। तोहरी बहू क कारण इ घटना घटी
अहइ। उ इ बच्चा तोहरे बरे गर्भ मँ धारण किहेस उ तोहसे
पिआर करत ह, अउर उ तोहरे बरे सात बेटन स जियादा
उत्तिम अहइ।"
16नाओमी लरिका क लिहस, ओका आपन बाहन मँ
उठाइ लिहस, अउर ओकर पालन-पोसण किहस। 17पड़ोसियन
बच्चा क नाउँ राखेन। ओन मेहररूअन कहेन, "अब नाओमी
क लगे एक पूत अहइ।" पड़ोसियन ओकर नाउँ ओबेद
राखेन। ओबेद यिसै क बाप रहा अउर यिसै, दाऊद क बाप
रहा।

रूत अउ बोअज़ क परिवार

18पेरेस क परिवार क बंसावली इ अहइ:
पेरेस हिस्रोन क बाप रहा।
19राम क बाप हिस्रोन रहा।
अम्मीनादाब क बाप राम रहा।
20नहसोन क बाप अम्मीनादाब रहा।
सल्मोन क बाप नहसोन रहा।
21बोअज़ क बाप सल्मोन रहा।
ओबेद क बाप बोअज़ रहा।
22यिसै क बाप ओबेद रहा।
दाऊद क बाप यिसै रहा।

निआवाधीसन

यहूदा क लोग क कनानियन स जुद्ध करत ही

1 यहोसू मर गवा। तब इस्राएल क लोग यहोवा स
पराथना किहेन। उ पचे कहेन, "हमरे परिवार समूह मँ स
कउन पहिले कनानी लोगन स हम लोगन क बेर जुद्ध
लड़इ बरे जाइ?"
2यहोवा इस्राएली लोगन स कहेस, "यहूदा क परिवार
समूह पहिले जाइ। मइँ ओनका इ भुइँया क प्राप्त करइ
देइ।"
3यहूदा क लोग सिमोन परिवार समूह क आपन भाइयन
स मदद माँगेस। यहूदा क लोग कहेन, "भाइयो, जदि तू पचे
हम लोगन क भुइँया बरे जुद्ध करइ मँ मदद करइ बरे
हमरे संग अउब्या तउ हम लोग भी तू पचन्क क भुइँया
बरे तू पचन्क जुद्ध लड़ब।" सिमोन क लोग ओनकर संग
जाइ बरे तइयार होइ गएन।
4यहोवा यहूदा क लोगन क कनानियन अउ परिज्जी
लोगन क हरावइ मँ मदद किहेस। यहूदा क लोग बेजेक
नगर मँ दस हजार मनइयन क मार डाएन। 5बेजेक नगर मँ
यहूदा क लोग बेजेक क सासक अदोनीबेजेक क पाएस
अउर ओहसे जुद्ध किहेन। यहूदा क लोग कनानियन अउ
परिज्जी लोगन क हराएन।
6बेजेक क सासक अदोनीबेजेक भाग पराइ क जतन
किहेन। किन्तु यहूदा क लोग ओकर पाछा किहेन अउर
ओका धइ लिहेन। जब उ पचे ओका धरेन तब उ पचे
ओकर हाथ अउर गोड़ क अंगूठन क काट डाएन। 7तब
बेजेक क सासक अदोनिबेजेक कहेस, "मइँ सत्तर राजा
लोगन क हाथ अउर गोड़ क अंगूठन काटेउँ अउर ओन
राजा लोगन क भोजन क उहइ टूकन खाइ क पड़ा जउन
मोरी मेजे मँ स गिरा भवा रहा। अब यहोवा मोका ओकर
बदला दिहेस ह जउन मइँ ओन राजा लोगन क संग किहे
रहा।" यहूदा क लोग बेजेक क सासक क यरूसलेम लइ
गएन अउर उ हुवँइ मरा।
8यहूदा क लोग यरूसलेम क खिलाफ लड़ेन अउर ओह
पइ कब्जा कइ लिहेन। यहूदा को लोग यरूसलेम क लोगन
क मारइ बरे तरवार क उपयोग किहन। तब उ पचे नगर
क जलाइ दिहन। 9ओकरे पाछे यहूदा क लोग कछू दूसर
कनानी लोगन स जुद्ध करइ बरे गएन। तब उ पचे कनानी
पहाड़ी प्रदेसन, नेगेव अउ समुद्र क किनारे क पहाड़ियन मँ
रहत रहेन। 10तब यहूदा क लोग ओन कनानी लोगन क
खिलाफ लड़इ गएन जउन हेब्रोन नगर मँ रहत रहेन।
पूर्वकाल मँ हेब्रोन क किर्यत-अरब कहा जाता रहा यहूदा क
लोग सेसै, अहीमन अउ तल्मै कहा जाइवाले लोगन क
हराएन।

कालेब अउ ओकर बिटिया

11यहूदा क लोग उ जगहिया क तजेन। उ पचे दबीर
नगर, हुवाँ क लोगन क खिलाफ जुद्ध करइ गएन।
(पूर्वकाल मँ दबीर क किर्यत्सेपेर कहा जात रहा।
12यहूदा क लोगन क जुद्ध बरे खाना होइ स पहिले
कालेब ओन लोगन स एक ठु प्रतिग्या किहेस, "मइँ आपन
बिटिया अकसा क उ मनई क पत्नी क रूप मँ देब जउन
किर्यत्सेपेर नगर पइ हमला करत ह अउर ओह पइ कब्जा
करत ह।"
13कालेब क एक लहुरा भाई रहा जेकर नाउँ कनज रहा।
कनज क एक पूत ओत्नीएल नाउँ क रहा। ओत्नीएल
किर्यत्सेपेर नगर क जीत लिहेस। एह बेर कालेब आपन
बिटिया अकसा क पत्नी क रूप मँ ओत्नीएल क दिहेस।
14जब अकसा ओत्नीएल क संग रहइ बरे गएस, तब
ओत्नीएल ओहसे कहेस कि उ आपन पिता स कछू भुइँया
माँगइ। अकसा आपन बाप क लगे गइ। एह बरे उ आपन
गदहा स उतरी अउर कालेब स पूछेस, "का कठिनाई
अहइ?"
15अकसा कालेब क उत्तर दिहेस, "मुझे आसीर्बाद दे।
आप मोका नेगेव क झुरान रेगिस्तान दिहेन ह। कृपा कइके
मोका कछू पानी क सोतावली भुइँया देइँ।" एह बरे कालेब
ओका उ दिहस जउन उ चाहत रही। उ ओका उ भुइँया क
ऊपर अउ नीचे क पानी क सोता दइ दिहेस।
16केनी लोग ताड़बृच्छन क नगर (यरीहो) क तजेन
अउर यहूदा क लोगन क संग गएन। उ सबइ लोग यहूदा
क रेगिस्तान मँ हुवाँ क लोगन क संग रहइ गएन। इ नेगेव
मँ अराद नगर क लगे रहा। (केनी लोग मूसा क ससुर क
परिवार स रहेन)
17कछू कनानी लोग सपत नगर मँ रहत रहेन। एह बरे
यहूदा क लोग अउ सिमोन क परिवार समूह क लोग ओन
कनानी लोगन पइ हमला किहेस। उ पचे नगर क पूरी
तरह नस्ट कइ दिहेन। एह बरे उ पचे नगर क नाउँ होर्मा
रखेन।
18यहूदा क लोग अज्जा क नगर अउ ओकर चारिहुँ
कइँती क इलाका पइ अधिकार किहन। यहूदा क लोग
असकलोन अउ एकोन नगरन अउ ओकरे चारिहुँ कइँती क
इलाका पइ भी कब्जा किहन।
19यहोवा उ समइ यहूदा क लोगन क संग रहा, जब उ
पचे जुद्ध करत रहेन। उ पचे पहाड़ी प्रदेस क भुइँया पइ
कब्जा किहन। किन्तु उ पचे घाटियन क भुइँया लेइ मँ
नाकामयाब रहेन काहेकि हुवाँ क निवासियन क लगे लोहे
क रथ रहेन।

20मूसा कालेब क हेब्रोन क लगे क भुइँया देइ क बचन दिहे रहा। एह बरे उ भुइँया कालेब क परिवार क दइ दीन्ह गइ। कालेब क लोग अनाक क तीनहुँ पूतन क उ जगह तजइ क मजबूर किहन।

बिन्यामीन लोग यरूसलेम मँ बसत हीं

21बिन्यामीन परिवार समुह क लोग यबूसी लोगन क यरूसलेम तजइ क मजबूर न कइ सकेन। उ समइ स लइके अब तलक यबूसी लोग यरूसलेम मँ बिन्यामीन लोगन क संग रहत आएन ह।

यूसुफ क लोग बेतेल पइ कब्जा जमावत हीं

22यूसुफ क परिवार समूह क लोग भी बेतेल नगर क खिलाफ लड़इ बरे गएन। यहोवा ओन लोगन क संग रहा।
23यूसुफ क परिवार क लोग कछू जासूसन क बेतेल नगर पठएन। पूर्वकाल मँ बेतेल क लूज कहा जात रहा। 24जब
उ पचे बेतेल नगर क लखत रहेन उ पचे एक ठु मनई क नगर स बाहेर आवत लखेन। जासूस लोगन ओहसे कहेन, "हम लोगन क नगर मँ जाइ क गुप्त मारग बतावा। हम लोग नगर पइ हमला करब। किन्तु जदि तू हमार मदद करब्या तउ हम तोहका चोट नाहीं पहोंचाउब।"
25उ मनई जासूसन क नगर मँ जाइ क गुप्त मारग बताएस। यूसुफ क लोग बेतेल क लोगन क मारइ बरे आपन तरवार क उपयोग किहन। उ पचे उ मनई ओकरे परिवार क सुरच्छित जाइ दिहेन। 26उ मनई उ प्रदेस मँ गवा
जहाँ हित्ती लोग रहत रहेन। हुआँ उ एक ठु नगर बसाएस। उ उ नगर क नाउँ लूज राखेस, जेका आजु तलक उहइ नाउँ अहइ।

दूसर परिवार समूह कनानियन स जुद्ध करत हीं

27कनानी लोग बेतसान, तानाक, दोर, यिबलाम, मगिद्दो अउर ओनकर चारिहुँ कइँती क नान्ह नान्ह नगर मँ रहत रहेन। मनस्से क परिवार समूह क लोग ओन लोगन क ओन नगरन क तजइ बरे मजबूर नाहीं कइ सके रहेन। एह बरे कनानी लोग हुवाँ टिके रहेन। 28पाछे इस्राएल क लोग
जियादा ताकतवर भएन अउर कनानी लोगन क दासन क तरह अपने खातिर काम करइ बरे मजबूर किहन। किन्तु इस्राएल क लोग सबहिं कनानी लोगन स ओनकर प्रदेस नाहीं छुड़वाइ सकेन। 29इहइ बात एप्रैम क परिवार समूह क
संग भइ। कनानी लोग गेजेर मँ रहत रहेन अउर एप्रैम क लोग सबहिं कनानी लोगन स ओनकर देस नाहीं छुड़वाइ सकेन। एह बरे कनानी लोग एप्रैम क लोगन क संग गेजेर मँ रहत चले गएन।
30जबूलन क परिवार समूह क संग इहइ बात भइ। कित्रोन अउ नहलोल नगरन मँ कछू कनानी रहत रहेन। जबूलुन लोग ओन लोगन स ओकर देस नाहीं छुड़वाइ सकेन। उ सबइ कनानी लोग टिके रहेन अउर जबूलन लोगन क संग रहत चले आएन। किन्तु जबूलन क लोग ओन लोगन क दासन क तरह काम करइ क मजबूर किहन।
31आसेर क परिवार समूह क संग भी इहइ बात भइ। आसेर क लोग ओन लोगन स अक्को, सीदोन, अहलाब, अकजीब, हेलबा, अपीक अउ रहोब नगरन क न छोड़वाइ सकेन। 32आसेर क लोग कनानी लोगन स आपन देस न
छोड़वाइ सकेन। एह बरे कनानी लोग आसेर क लोगन क संग रहत चले गएन।
33नप्ताली क परिवार समूह क संग भी इहइ बात भइ। नप्ताली परिवार क लोग ओन लोगन स बेतसेमेस अउ बेतनात नगरन क न छुड़वाइ सकेन। एह बरे नप्ताली क लोग ओन नगरन मँ ओन लोगन क संग रहत चले आएन। उ सबइ कनानी लोग टिके रहेन अउर नप्ताली लोगन बरे दासन क तरह काम करइ क मजबूर किहन।
34एमोरी लोग दान क परिवार समूह क लोगन क पहाड़ी प्रदेस मँ रहइ बरे मजबूर कइ दिहेन। दान क लोगन क पहाड़ियन मँ ठहरब पड़ा काहेकि एमोरी लोग ओनका घाटियन मँ उतरइ अउर ठहरइ नाहीं देत रहेन। 35एमोरी
लोग हेरेस पहाड़ी, अय्यालोन अउ सालबीम मँ ठहरइ क निहचइ किहेन। पाछे, यूसुफ क परिवार समूह सक्तीसाली होइ गवा। तब उ पचे एमोरी लोगन स दासन क तरह काम करवाएस। 36एमोरी लोगन क प्रदेस बिच्छु दर्रे स सेला अउ
सलो क परे पहाड़ी प्रदेस तलक रहा।

बोकीम मँ यहोवा क सरगदूत

2 यहोवा क सरगदूत गिलगाल नगर स बोकीम नगर क गवा। सरगदूत यहोवा क एक ठु सँदेसा इस्राएल क लोगन क दिहस। सँदेसा इ रहा: "तू पचे मिस्र मँ दास रह्या। किन्तु मइँ तू पचन्क अजाद किहेउँ अउर मइँ तू पचन्क मिस्र स बाहेर लिआएउँ। मइँ तू पचन्क इ भुइँया मँ लाएउँ जेहसे तोहरे पचन्क पुरखन क देइ बरे मइँ प्रतिग्या किहे रहेउँ। मइँ कहेउँ, मइँ तू पचन्स आपन वाचा कबहुँ नाहीं तोड़ेब। 2किन्तु एकरे बदले मँ तू पचन्क इ भुइँया क
निवासियन क संग कोइ समझौता नाहीं करइ क होइ। तोहका ओनकर वेदीयन नस्ट करइ चाही। इ मइँ तू पचन्स कहेउँ किन्तु तू लोग मोर आग्या नाहीं मान्या। तू अइसा काहे किहेन?
3"अब मइँ तू पचन्स इ कहत हउँ, 'मइँ इ भुइँया स अब अउर लोगन क बाहेर नाहीं हटाउब। इ सबइ लोग तोहरे लोगन बरे फँदा साबित होइ। ओनकर झूठे देवता लोग तू पचन्क फँसावइ बरे जाल बनिहीं।'"
4यहोवा क सरगदूत इस्राएल क लोगन क जब यहोवा क सँदेसा दइ चुका, तब लोग जोर स रोइ पड़ेन। 5एह बरे
इस्राएल क लोग उ ठउरे क बोकीम नाउँ दिहेन जहाँ उ पचे रोइ पड़े रहेन। बोकीम मँ इस्राएल क लोग यहोवा बरे बलि दिहेन।

आग्या क उल्लंघन अउर पराजय

6तब यहोसू लोगन स कहेस कि उ पचे आपन घरन क लउटि जाइँ। एह बरे हर एक परिवार समूह आपन भुइँया क छेत्र लेइ गवा अउर ओहमाँ रहइ। 7इस्राएल क लोग तब
तलक यहोवा क सेवा किहन जब तलक यहोसू जिअत रहा।

ओन बुजुर्गन क जीवन काल मँ भी उ पचे यहोवा क सेवा
करत रहेन जउन यहोसू क बाद भी जिअत रहेन। एन बुजुर्ग
लोग इस्राएल क लोग बरे जउन यहोवा बरे महान कारज
किहे रहा, ओनका लखे रहा। 8नून क पूत यहोसू, जउन
यहोवा क सेवक रहा, एक सौ दस बरिस क उमर मँ मरा।
9एँह बरे इस्राएल क लोग यहोसू क मृत सरीर क उ भूइयाँ
मँ दफनावा गवा, जउन ओका दीन्ह गवा रहा। उ भूइँया
तिम्नथ हेरेस मँ रही जउन एप्रैम क पहाड़ी छेत्र मँ गास
पहाड़े क उत्तर मँ रही।

10एकरे पाछे उ पूरी पीढ़ी मर गइ अउर नई पीढ़ी पइदा
भइ। इ नवी पीढ़ी यहोवा क बारे मँ न तउ जानत रही अउ
न ही ओका, यहोवा इस्राएल क लोगन क बरे का कीन्ह
रहा, एकर गियान रहा। 11एह बरे इस्राएल क लोग पाप
किहेन अउ बाल क मूरतियन क सेवा किहेन। उ पचे उहइ
पाप किहेन जउन यहोवा क दृस्टि मँ बुरा रहा। 12यहोवा
इस्राएल क लोगन क मिस्र स बाहेर लिआए रहा। ओन
लोगन क पुरखन यहोवा क उपासना किहे रहेन। किन्तु
इस्राएल क लोग यहोवा क अनुसरण करब तज दिहेन।
इस्राएल क लोग ओन लोगन क लबार देवतान क पूजा
करब सुरू किहेन, जउन ओनके चारिहुँ कइँती रहत रहेन। इ
करम यहोवा क गुस्सैल कइ दिहेस। 13इस्राएल क लोग
यहोवा क अनुसरण करब तजि दिहन अउर बाल अउ
अस्तोरेत क पूजा करइ लगेन।

14यहोवा इस्राएल क लोगन पइ बहोत कोहाइ गवा। एह
बरे यहोवा दुस्मनन क इस्राएल क लोगन पइ हमला करइ
दिहस। अउ ओनकर धन-दौलत लेइ दिहस। ओनके चारिहुँ
कइँती रहइवाले दुस्मनन क यहोवा ओनका पराजित करइ
दिहस। इस्राएल क लोग आपन रच्छा आपन दुस्मनन स
नाहीं कइ सकेन। 15जब इस्राएल क लोग जुद्ध बरे निकरेन
तउ उ पचे पराजित भएन उ पचे पराजित भएन काहेकि
यहोवा ओनकर पच्छ मँ कबहुँ नाहीं रहा। यहोवा पहिले स
इस्राएल क लोगन क चितउनी दिहे रहा कि उ पचे पराजित
होइहीं, जदि उ पचे ओन लोगन क देवतन क सेवा करिहीं
जउन ओनके चारिहुँ कइँती रहत हीं। इस्राएल क लोगन क
बहोत जियादा नोस्कान भवा।

16तब यहोवा निआवाधीस कहइ जाइवाले प्रमुखन चुनेस।
एन निआवाधीसन इस्राएल क लोगन क ओन दुस्मनन स
बचाएस जउन एनकर सम्पत्ति लइ लिहे रहेन। 17किन्तु
इस्राएल क लोग आपन निआवाधीसन क एक न सुनेन। उ
पचे दूसर देवतन क अनुसरण अउर पूजा करत रहेन। उ पचे
हाली ही आपन पुरखन जउन यहोवा क आदेस क पालन
करत रहेन, क राह स मुड़ गएन। उ पचे अब इ अउर नाहीं
किहेन।

18मुला जब कबहुँ यहोवा ओनकर बरे निआवाधीस
पठएस, तउ यहोवा निआवाधीस क संग रहेन। एँह बरे जब
तलक निआवाधीस जिअत रहा उ ओन लोगन क ओनकइ
दुस्मनन स बचाएस। यहोवा इ किहेस काहेकि जब उ पचे
ओन लोगन क कारण जउन ओन लोगन पइ जुल्म अउ
अत्याचार किहेन, चिचियात रहेन तउ उ ओन पइ दाया किहे
रहेन। 19किन्तु जब हर निआवाधीस मर गवा, तब इस्राएल
क लोग फुन पाप किहेन अउर लबार देवतन क अनुसरण
अउर पूजा सुरू किहेन। उ पचे आपन पुरखन क भी
जिआदा बुरा बेउहार किहेन। इस्राएल क लोग बहोत हठी
रहेन, उ पचे आपन पाप क मार्ग बदलइ स इन्कार कइ
दिहेन।

20इ तरह यहोवा इस्राएल क लोगन पइ बहोत कोहाइ
गवा अउर उ कहेस, “इ रास्ट्र उ करार क तोड़ेस ह जेका
मइँ ओनके पुरखन क संग किहे रहेउँ। उ पचे मोरे नाहीं
सुनेन। 21एह बरे मइँ दूसर रास्ट्रन क अउर पराजित नाहीं
करब, अउर न ही इस्राएल क लोगन क राह साफ करब।
उ सबइ रास्ट्र ओन दिनन भी उ पहँटा मँ रहेन जब यहोसू
मरा रहा अउर मइँ ओन रास्ट्रन क प्रदेस मँ रहइ देब। 22मइँ
ओन रास्ट्रन क उपयोग इस्राएल क लोगन क परीच्छा लइ
बरे करव। मइँ इ लखब कि इस्राएल क लोग आपन
यहोवा क आदेस वइसे ही मानत हीं या नाहीं जइसे ओनकर
पुरखन मानत रहेन।” 23यहोवा ओन रास्ट्रन क ओन प्रदेस मँ
रहइ दिहे रहा। यहोवा हाली स ओन रास्ट्रन क आपन देस
छोड़इ नाहीं दिहेस। उ ओनका हरावइ मँ यहोसू क सेना क
मदद नाहीं किहेस।

3 इ सबइ रास्ट्रन अहइ जेनका यहोवा प्रदेस मँ छोड़ दिहे
रहा। उ अइसा ओन सबहिं इस्राएली लोगन क
परीच्छा लेइ बरे किहे रहा जउन कनान क कब्जा करइवाले
जुद्ध नाहीं लड़े रहेन। 2उ पहँटा मँ यहोवा क जरिये ओन
रास्ट्रन क रहइ देइ क कारण इहइ रहा कि इस्राएल क
ओन लोगन क सिच्छा दीन्ह जाइ जउन जुद्धन मँ नाहीं
लड़ा रहेन। 3पलिस्ती लोगन क पाँच सासक, सबहिं कनानी
लोग सीदोन क लोग अउर हिब्बी लोग जउन लबानोन क
पहाड़ मँ बालहेर्मोन पर्वत स लइके हमात तलक रहत रहेन।
4यहोवा ओन रास्ट्रन क इस्राएल क लोगन क परीच्छा लेइ
बरे उ पहँटा मँ रहइ दिहस। परमेस्सर इ लखइ चाहत रहा
कि इस्राएल क लोग यहोवा क ओन आदेसन क पालन
करिहीं या नाहीं, जेनका उ मूसा क जरिये ओनके पुरखन क
दिहे रहा।

5इस्राएल क लोग कनानी, हित्ती, एमोरी, परिज्जी, हिब्बी
अउर यबूसी लोगन क संग रहत रहेन। 6इस्राएल क लोग
ओन लोगन क बिटियन क संग बियाह करब सुरू कइ
दिहन। इस्राएल क लोग आपन बिटियन क ओन लोगन क
बेटवन क संग बियाह करइ दिहन अउर इस्राएल क लोग
ओन लोगन क देवतन क सेवा किहन।

पहिला नियावाधीस ओत्नीएल

7इस्राएल क लोग उहइ किहेन जेनका यहोवा बुरा
ठेहराएन। पाप करत अहइँ। इस्राएल क लोग यहोवा आपन
परमेस्सर क बिसरि गएन अउर बाल क मूरतियन अउ
आसेर क मूरतियन क सेवा अउर पूजा करइ लागेन।
8यहोवा इस्राएल क लोगन पइ कोहाइ गवा। यहोवा कुसन
रिसि आइतम क जउन मेसोपोटामिया क राजा रहा, इस्राएल
क लोगन क हरावइ अउर ओन पइ सासन करइ दिहस।
इस्राएल क लोग उ राजा क सासन मँ आठ बरिस तलक
रहेन। 9किन्तु इस्राएल क लोग यहोवा क रोइके गोहराएन।

यहोवा एक मनई क ओनकर रच्छा बरे पठएस। उ मनई क
नाउँ ओत्नीएल रहा। उ कनजी क पूत रहा। कनजी कालेब
क लहुरा भाई रहा। ओत्नीएल इस्राएल क लोगन क
बचाएस। **10**यहोवा क आतिमा ओत्नीएल पइ उतरी। उ
इस्राएल क लोगन क निआवाधीस होइ गवा अउर ओन
लोगन क जुद्ध मँ अगुवाइ किहेन। यहोवा मेसोपोटामिया क
राजा कूसत्रिसातैम क हरावइ मँ ओथनिएल क मदद किहेस।
11इ तरह उ भुइँया चालीस बरिस तलक सान्त रहा, जब
तलक कनजी नाउँ क मनई क पूत ओत्नीएल नाहीं मरा।

निआवाधीस एहूद

12एक दाईं फुन इस्राएल क लोग उहइ किहेन जेका
यहोवा गलत कहेस। एह बरे यहोवा मोआब क राजा एग्लोन
क इस्राएल क लोगन क हरावइ क सक्ती दिहेस काहेकि
उ पचे उहइ किहेन जेका यहोवा बुरा कहेस। **13**एग्लोन
इस्राएल क लोगन पइ हमला करत समइ अम्मोनियन अउ
अमालेकियन क अपने संग लिहस एग्लोन अउ ओकर
फउज इस्राएल क लोगन क हराएस अउर ताड़ क
बृच्छनवाले नगर स ओनका निकार बाहेर किहस। **14**इस्राएल
क लोग अट्ठारह बरिस तलक मोआब क राजा एग्लोन क
सासन मँ रहेन।

15तब लोग यहोवा स पराथना किहेन अउर रोइके ओका
गोहराएन। यहोवा इस्राएल क लोगन क रच्छा बरे एक
मनई क पठएस। उ मनई क नाउँ एहूद रहा उ बिन्यामीन क
परिवार समूहे क गेरा नाउँ क मनई क पूत रहा। एहूद बायाँ
हाथ क रहा। इस्राएल क लोग एहूद क मोआब क राजा
एग्लोन बरे कर क रूप मँ कछू धन देइ क पठएस। **16**एहूद
अपने बरे एक ठु तरवार बनाएस। उ तरवार दुइधारी रही
अउर लगभग अट्ठारह इंच लम्बी रही। एहूद तरवारे क
आपन दाहिना जाँघे मँ बाँधेस अउर आपन ओढ़नन मँ छुपाइ
लिहस।

17इ तरह एहूद मोआब क राजा एग्लोन क लगे आवा
अउ ओका भेंट क रूप मँ धन दिहस। (एग्लोन बहोत मोटा
आदमी रहा।) **18**एग्लोन क धन देइ क पाछे एहूद ओन
मनइयन क घर पठइ दिहेस, जउन धन लिआए रहेन। **19**उ
पचे राजा क महल छोड़े दिहेस। जब एहूद गिलगाल क
मूरतियन क पास पहुँचेन तउ उ वापिस मुड़ेन अउर राजा क
लखइ बरे गएन। एहूद एग्लोन स कहेस, "राजा, मइँ आप
क बरे एक गुप्त सँदेसा लाएउँ ह।" राजा कहेस, "चुप
रहा।" तब उ सबहिं नउकरन क कमरा स बाहेर पठइ
दिहस। **20**एहूद राजा एग्लोन क लगे गवा। एग्लोन एकदम
अकेला आपन गर्मी महल क ऊपर क कमरे मँ बइठा
रहा। तब एहूद कहेस, "मइँ परमेस्सर क हिआँ स आप क
बरे सँदेसा लाए अहउँ।" राजा आपन सिंहासने स उठा, उ
एहूद क बहोत निचके रहा। **21**जइसेन ही राजा अपने
सिंहासने स उठा, एहूद आपन बाएँ हाथ क बढ़ाएस अउर उ
तरवार क निकारेस जउन ओकर दाई जाँघे मँ बँधी रही। तब
एहूद तरवार क राजा क पेट मँ भोंक दिहेस। **22**तरवार
एग्लोन क पेट मँ एँतनी भीतर गइ कि ओकर मूठ भी
ओहमाँ समाइ गइ। राजा क चर्बी पूरी तरवार क छुपाइ
लिहस। एह बरे एहूद तरवार क एग्लोन क अन्दर छोड़
दिहस। जब एग्लोन क भोंका गवा रहा तउ उ आपन अत्रि
अउ आमासय पर नियन्त्रण नाहीं रख सकेन अउर ओकर
मल बाहार आगएन।

23एहूद कमरा स बाहेर गवा अउर उ आपन पाछे
दरवाजन मँ ताला लगाइके बन्द कइ दिहस। **24**एहूद क चले
जाइ क ठीक पाछे नौकर वापस आएन। उ पचे कमरा क
दरवाजन मँ ताला लगाइ पाएन। एह बरे नौकर लोग कहेन,
"राजा आपन आराम कच्छ क हवादार सौचालय मँ सौच
करत रहा होइहीं।" **25**एह बरे नौकर लोग लम्बे समइ
तलक प्रतीच्छा किहेन। राजा अटारी के कमरे के द्वार कबहुँ
नाहीं खोलेस। आखिर मँ उ सबइ चिन्तित भएन। उ पचे
चाभी लिहेन अउ दरवाजन खोलेन। जब नौकर लोग घुसेन
तउ उ पचे राजा क फर्स पइ मरा पड़ा निहारेन।

26जब तलक नौकर लोग राजा क प्रतीच्छा करत रहेन
तब तलक एहूद क भाग पराइ क समइ मिल गवा। एहूद
मूरतियन क लगे स होइके सेइरे नाउँ क ठउरे कइँती गवा।
27एहूद सेइरे नाउँ क ठउरे पइ पहुँचा। तब उ एप्रैम क
पहाड़ी छेत्र मँ तुरही बजाएस। इस्राएल क लोग तुरही क
आवाज सुनेन अउर उ पचे पहाड़ियन स उतरेन। एहूद
ओनकर संचालक रहा। **28**एहूद इस्राएल क लोगन स
कहेस, "मोरे पाछे चला। यहोवा मोआब क लोगन अर्थात
हमरे दुस्मनन क हरावइ मँ हमार मदद किहेस ह।"

एह बरे इस्राएल क लोग एहूद क अनुसरण किहन। उ
पचे एहूद क अनुसरण ओन ठउरन पइ अधिकार करइ बरे
करत रहेन जहाँ स यरदन नदी आसानी स पार कीन्ह जाइ
सकत रही। उ सबइ ठउर मोआब क प्रदेस तलक पहुँचावत
रहेन। इस्राएल क लोग कउनो क यरदन नदी क पार नाहीं
जाइ दिहन। **29**इस्राएल क लोग मोआब क करीब दस
हजार बलवान अउ साहसी मनइयन क मार डाएन। एक भी
मोआबी पराइके बच नाहीं सका। **30**एह बरे उहइ दिना स
मोआब क लोगन क इस्राएल क लोगन क सासन मँ रहइ
क मजबूर कीन्ह गएन अउर हुआँ उ भुइँया मँ अस्सी बरिस
तलक सान्ति बिराज रही।

निआवाधीस समगर

31एहूद क बाद एक दूसर मनई इस्राएल क बचाएस। उ
मनई क नाउँ समगर रहा उ अनात नाउँ क पूत रहा।
समगर कोड़े क उपयोग छ: सौ पलिस्ती मनइयन क मार
डावइ बरे किहेस।

अउरत निआवाधीस दबोरा

4 एहूद क मृत्यु क पाछे इस्राएलियन एक बार फुन
उहइ किहेन जउन यहोवा क नजर मँ बुरा रहा। **2**एह
बरे यहोवा कनान प्रदेस क राजा याबीन क इस्राएली लोगन
क पराजित करइ दिहस। याबीन हासोर नाउँ क नगर मँ
सासन करत रहा। राजा याबीन क सेना क सेनापति सीसरा
नाउँ क मनई रहा। सीसरा हरोसेत हाग्योयीम नाउँ क नगर
मँ रहत रहा। **3**सीसरा क लगे नौव सौ लोहा क रथ रहेन
अउर उ बीस बरिस तलक इस्राएल क लोगन क बरे बहोत

क्रूर रहा। इस्राएल क लोगन क संग बहोत बुरा बेउहार कीन्ह गवा। एह बरे उ पचे यहोवा क पराथना किहेस अउर मदद बरे रोइके पुकारेस।

4दबोरा नाउँ क एक ठु मेहरारू नबी रही। उ लप्पीदोत नाउँ क मनई क पत्नी रही। उ उ समइ इस्राएल क निआवाधीस रही। 5एक दिन दबोरा, ताड़ क बृच्छ क खाले बइठी रही जेका “दबोरा क ताड़ बृच्छ” कहा जात रहा। इस्राएल क लोग ओकर लगे इ पूछइ बरे आएन कि सीसरा क बारे मँ का कीन्ह जाइ। दबोरा क ताड़ बृच्छ एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस मँ रामा अउ बेतेल नगरन क बीच रहा। 6दबोरा बाराक नाउँ क मनई क लगे सँदेसा पठएस। उ ओका ओहसे मिलइ क कहेस। बाराक अबीनोअम नाउँ क मनई क पूत रहा। बाराक नप्ताली क छेत्र मँ केदेस नाउँ क नगर मँ रहत रहा। दबोरा बाराक स कहेस, “यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर तोहका आदेस देत ह, ‘जा अउर नप्ताली अउर जबूलून क परिवार समूहन स दस हजार मनइयन क इकट्ठा करा अउर ओनका ताबोर पहाड़ी पइ लइ जा। 7मइँ याबीन क सेना क सेनापति सीसरा क तोहरे पास पठउब। मइँ सीसरा, ओकर रथन अउर ओकर सेना क कीसोन नदी पइ पहोंचाउब। मइँ हुवाँ सीसरा क हरावइ मँ तोहार मदद करब।’”

8तब बाराक दबोरा स कहेस, “जदि तू मोरे संग चलबिउ तउ मइँ जाब अउर इ करब। किन्तु जदि तू नाहीं चलबिउ तउ मइँ नाहीं जाब।”

9दबोरा जवाब दिहस, “निहचय ही, मइँ तोहरे संग चलब। किन्तु तोहरी स्वभाव क कारण जब सीसरा हरावा जाइ, तोहरा प्रसिद्धता नाहीं मिली। यहोवा एक ठु मेहरारू क जरिये सीसरा क हराइ देइ।”

एह बरे दबोरा बाराक क संग केदेस नगर क गइ।

10केदेस नगर मँ बाराक जबूलून अउ नप्ताली क परिवार समूहन क एक संग बोलाएस। बाराक ओन परिवार समूह स, अपने संग चलइ बरे दस हजार मनइयन क बटोरेस। दबोरा भी बाराक क संग गइ।

11हुआँ हेबेर नाउँ क एक अइसा मनई रहा जउन केनी लोगन मँ स रहा। हेबेर दूसर केनी लोगन क छोड़ चुका रहा। (केनी लोग होबाब क सन्तान रहेन। होबाब मूसा क ससुर रहा।) हेबेर सानन्नीम बलूत क बृच्छ क लगे सिबिर लगाएस। साननीम केदेस नगर क लगे अहइ।

12तब सीसरा स इ कहा गवा कि बाराक जउन कि अबीनोअम क पूत अहइ, ताबोर पर्वत तलक पहोंच गवा अहइ। 13एह बरे सीसरा आपन नौव सौ लोहा क रथन क बटोरेस। सीसरा आपन सबहिं फउजियन क भी संग लिहस। हरोसेत हाग्योयीम नगर स उ पचे कीसोन नदी तलक जात्रा किहेन।

14तब दबोरा बाराक स कहेस, “आजु जा! यहोवा तोहका सीसर क हरावइ मँ मदद देइ। निहचइ ही, तू जानत अहा कि यहोवा पहिले स ही तोहरे बरे रस्ता साफ कइ रखेस ह।” एह बरे बाराक दस हजार फउजियन क ताबोर पर्वत स निचे उतारेस। 15बाराक अउर ओकर फउजियन सीसरा पइ हमला कइ दिहन। जुद्ध क दौरान यहोवा सीसरा, ओकर फउज अउ रथन क अस्तव्यस्त कइ दिहस। एह बरे बाराक अउ ओकर फउज सीसरा क फउज क हराइ दिहस। किन्तु सीसरा आपन रथ क तजि दिहस अउ पैदल पराइ गवा। 16बाराक अउर ओकर फउजी सीसरा क रथन अउर फउज क पाछ हरोसेत हाग्योयीम तलक लगातार किहन। बाराक क फउजियन सीसरा क फउजियन क मारइ बरे आपन तरवारन क उपयोग किहन। सीसरा क कउनो फउजी जिअत नाहीं बचा।

17मूला सीसरा परइ गवा। उ उ तम्बू क लगे आवा, जहाँ याएल नाउँ क एक ठु मेहरारू रहत रही। याएल, हेबेर नाउँ क मनई क मेहरारू रही। उ केनी लोगन मँ स एक रही। हेबेर क परिवार हासोर क राजा याबीन स सान्ति-सन्धि किए भए रहा। एह बरे सीसरा, याएल क तम्बू मँ पराइ गवा।

18याएल सीसरा क आवत लखेस, एह बरे उ ओहसे मिलइ बाहेर गइ। याएल सीसरा स कहेस, “मोरे तम्बू मँ आवा, मोर सुआमी, आवा डेराअ नाहीं।” एह बरे सीसरा याएल क तम्बू मँ गवा अउर उ ओका एक ठु कमबल स ढाँपि लिहेस।

19सीसरा याएल स कहेस, “मइँ पिआसा अहउँ। कृपा कइके मोका पिअइ क तनिक पानी द्या।” एह बरे याएल एक मसक खोलेस, जेहमाँ उ दूध रखे रहा अउर उ पिअइ क दिहस। तब उ सीसरा क ढाँपि लिहेस।

20तब सीसरा याएल स कहेस, “तम्बू क दुआर पइ जा। जदि कउनो हुवाँ स गुजरत ह अउर पूछत ह, ‘का हिआँ कउनो अहइ?’ तउ तू कह्या - ‘नाहीं।’”

21किन्तु हेबेर क मेहरारू याएल तम्बू क एक खूँटी अउ हथौड़ा लिहस। याएल चुपचाप सीसरा क लगे गइ। सीसरा बहोत थका रहा एह बरे उ सोवत रहा। याएल तम्बू क खूँटी क सीसरा क मूँड़ क एक कइँती धरेस अउर ओह पइ हथौड़ा स चोट किहस। तम्बू क खूँटी सीसरा क मूँड़ क एक कइँती स होइके जमीन मँ धँस गइ अउर इ तरह सीसरा मर गवा।

22ठीक तुरंत बाद बाराक सीसरा क हेरत भवा याएल क तम्बू क लगे आवा। याएल बाराक स मिलइ बाहेर निकरी अउर बोली, “अन्दर आवा अउर मइँ उ मनई क देखाउब जेका तू हेरत अहा।” एह बरे बाराक याएल क साथ तम्बू मँ घुसा। बाराक हुवाँ सीसरा क जमीन पइ मरा पड़ा पाएस, तम्बू क खूँटी ओकरे मूड़ी क एक कइँती स दूसरी कइँती निकरी भइ रही।

23उ दिन यहोवा कनान क राजा याबीन को इस्राएल क लोगन क समन्वा हराएस। 24इ तरह इस्राएल क लोग क्रम स जियादा सक्तिसाली होत गएन अउर उ पचे कनान क राजा याबीन क हराइ दिहन। इस्राएल क लोग कनान क राजा याबीन क आखिरी रूप स हराएस।

दबोरा क गीत

5 जउने दिन इस्राएल क लोग सीसरा क हराएन उ दिन दबोर अउर अबीनोअम क पूत बाराक इ गीत क गाएस:

2इस्राएल क लोग अपने क जुद्ध बरे तइयार किहन। उ पचे जुद्ध मँ भाग लेइ बरे खुद आएन। यहोवा क बखान करा!

3राजा लोग, सुना। सासक लोगो, धियान द्या। मइँ गाउब। मइँ खुद यहोवा क बरे गाउब। मइँ यहोवा, इस्राएल क लोगन क परमेस्सर क स्तुति करब।

4हे यहोवा, अतीत मँ तू सेईर देस स आया। तू एदोम प्रदेस स चलकर आया, अउर धरती काँप उठी। गगर बरसा किहेस, मेघन जल गिराएन।

5पर्वत' यहोवा, सिनाई पर्वत क परमेस्सर क समन्वा, यहोवा, इस्राएल क लोगन क परमेस्सर क समन्वा काँप उठेन।

6अनात क पूत समगर क समइ मँ अउर याएल क समइ मँ, राजमार्गन सूना रहेन। काफिले अउ राही, गौण पथन स चलत रहेन।

7इस्राएल मँ कउनो जोधा नाहीं रहा, हे दबोरा, जब तलक तू नाहीं आएस रहा, जब तलक तू इस्राएल क महतारी बनिके न खड़ी भइउ रहा हुआँ कउनो फउजी नाहीं रहा।

8परमेस्सर नवे प्रमुखन क चुनेस कि उ पचे नगर-द्वार पइ जुद्ध करइँ। इस्राएल क चालीस हजार फउजियन मँ, कउनो ढाल अउ भाला नाहीं पाइ सका।

9मोर हिरदय इस्राएल क सेनापतियन क संग अहइ। इ सबइ सेनापति खुद आपन इच्छा स जुद्ध मँ गएन। यहोवा प्रसंसा करा।

10सफेद गदहन पइ सवार होइवाले लोगो तू पचे, जउन कम्बले क काठी पइ बइठत अहा अउर तु जउन राजपथे पइ अहा, धियान द्या।

11घुंघरुअन क छमछम संगीत, गोरुअन बरे पानी वाले कुअँन पइ, सुना जा सकत ह। लोग यहोवा क विजय गीत गावत ह। उ पचे इस्राएल मँ यहोवा अउ ओकर वीरन क विजय-कथा कहत हीं। उ जब समइ यहोवा क लोग नगर दुआरन पइ लड़ेन अउर विजयी भएन।

12दबोरा जागा, जागा! जागा, जागा गीत गावा जागा, बाराक! जा, हे अबीनोअम के पूत आपन दुस्मनन क धरा!

13तउ कछू मनइयन ताकतवर मनइयन स लड़इ बरे गएन। "यहोवा क लोगो, सक्तीसाली सिपाहियन क खिलाफ मोरे संग आवा।

14एप्रैम क कछू लोग अमालेक क पहाड़ी प्रदेस स आएन। हे बिन्यामीन, तू अउर तोहार लोग ओन मनइयन क अनुसरण किहन। माकीर क परिवार समूह स सेनापतियन आगे आएन। काँसे क दण्ड क संग जबूलून परिवार समूह स नेता लोग आएन।

15इस्साकार क नेता दबोरा क संग रहेन। इस्साकार क परिवार समूह बाराक क बरे सच्चा रहा। उ सबइ मनई पैदल ही घाटी मँ पठवा गएन। रूबेन तोहार फउज मँ बहोत सारे बहादुर सिपाही अहइ।

16एह बरे आपन भेड़वाले देवार स लगे तू सबहिं काहे बइठा अहा? रूबेन क वीर फउजियन जुद्ध बरे बहोत जियादा सोचेन। किन्तु उ पचे घर बइठेन भेड़िन बरे बजाइ जा रहेन संगीत क अनकत रहेन।

17गिलाद क लोग यरदन नदी क पार आपन डेरन मँ पड़ा रहेन। ऐ, दान क लोगो, जहाँ तलक बात तोहार पचन्क अहइ तू पचे जहाजन क संग काहे चिपका रह्या? आसेर क लोग सागर तट पइ पड़ा रहेन। उ पचे आपन सुरच्छित बन्दरगाहन मँ डेरा डाएन।

18किन्तु जबूलून क लोग अउर नप्ताली क लोग, मैदान क ऊच छेत्रन मँ जुद्ध क खतरे मँ जीवन क डाएन।

19राजा लोग आएन, उ पचे लड़ेन, उ समइ कनान क राजा लोगन, तानक सहर मँ मगिद्दो क जलासय पइ लड़ा किन्तु उ पचे इस्राएल क लोगन क कउनो सम्पति नाहीं लइ जाइ सकेन।

20गगन क नछत्रन जुद्ध किहेन। नछत्रन आपन पथ स, सीसरा स जुद्ध किहन।

21कीसोन नदी, सीसरा क फउजियन क बहाइ लइ गइ, उ पुरानी नदी-कीसोन नदी। मोर आतिमा, सक्ती स आगे बढ़ा!

22उ समइ घोड़न क खरन भुइँया क पीटेन। सीसरा क सक्तीसाली घोड़न भागत गएन, भागत गएन।

23यहोवा क दूत कहेस, "मेरोज नगर क अभिसाप द्या। लोगन क अभिसाप द्या। लोग्गन क अभिसाप द्या जोधन क संग उ पचे यहोवा क मदद करइ नाहीं आएन।"

24केनी हेबेर क मेहरारू याएल सबहिं मेहररूअन मँ स सब स जियादा धन्य होइ।

25सीसरा जल माँगेस, किन्तु याएल दूध दिहस, उ सासक क बरे एक ठु उपयुक्त पिआला मँ मलाई लिआएस।

26याएल बाहेर गइ अउर तम्बू क खूँटी लिआएस। ओकर दाहिने हाथे मँ हथौड़ा रहा जेका मजदूर काम लिअवतेन। अउर उ सीसरा पइ हथौरा चलाएस। उ ओकरे मूँड़ चूर किहेस। उ ओकरे मूँड़ क एक कइँती स बेधेस।

27उ याएल क गोड़न क बीच बूड़ा। उ मर गवा। उहुवँइ पड़ गवा। उ ओकरे गोड़न क बीच बूड़ा। उ मर गवा जहाँ सीसरा बूड़ा। हुवँइ उ गिरा, मर गवा।

28सीसरा क महतारी, खिड़की स लखत अउर पर्दन स झाँकत भइ चिचियाइ उठी। "सीसरा क रथ क आवई मँ देरी काहे भवा? सीसरा क रथ क घोड़न क हिनहिनाइ मँ देरी काहे भवा?"

29सब स चतुर ओकर सेविकन जवाब ओका देतिन, हाँ सेविका ओका जवाब देत।

30"निहचइ ही उ पचे विजय पाएन ह, निहचय ही पराजितन क चिजियन उ पचे हड़पत अहइँ निहचय ही उ पचे आपुस मँ चिजियन क बाँटत हीं। एक ठु या दुइ लड़की, हर फउजी क दीन्ह जात हीं।

संभव अहइ सीसरा कउनो रंगा ओढ़ना लेत अहइ, संभव अहइ इ एक कढ़े ओढ़ना क टूका होइ, या संभव अहइ, विजय सीसरा क पहिरइ बरे दुइ हुका होइ।"

31हे यहोवा। इ तरह तोहार, दुस्मन मर-मिट जाइँ। किन्तु उ सबइ लोग जउन तोहका पियार करत हीं उदय होत भवा चमकीला क समान सक्तीसाली बनइ।"

तउ देस मँ चालीस बरिस तक सान्ति रही।

मिद्यानी इस्राएल क लोगन स जुद्ध करत हीं

6 तउ इस्राएलियन उहइ किहस जेका यहोवा बुरा कहेस।
एह बरे सात बरिस तलक यहोवा मिद्यानी लोगन क
इस्राएल क पराजित करइ दिहस।
2मिद्यानी लोग बहोत सक्तिसाली रहेन अउ इस्राएल क
लोगन क बरे बहोत क्रूर रहेन। एह बरे इस्राएल क लोग
पहाड़न मँ बहोत स छुपइ क ठउर बनाएन। उ पचे आपन
भोजन भी गुफन मँ अउर ओन ठउरन मँ जेका खोजब
कठिन रहा छुपाएन। 3उ पचे इ किहेन, काहेकि मिद्यानी,
अमालोकी अउर पूर्वी लोगन सदा आवत रहेन अउर
फसलन क नस्ट करत रहेन। 4उ सबइ लोग उ प्रदेस मँ
डेरन डावत रहेन अउ उ फसल क नस्ट करत रहेन जउन
इस्राएल क लोग जमावत रहेन। ऊज्जा नगर क निअरे
तलक क प्रदेस क इस्राएल क लोगन क फसल क उ पचे
लोग नस्ट करत रहेन। उ सबइ लोग इस्राएल क लोगन
क खाइ क बरे कछू भी नाहीं छोड़त रहेन। उ पचे ओनके
बरे भेड़ या पसु या गदधा भी नाहीं छोड़त रहेन। 5मिद्यानी
लोग आएन अउर उ पचे उ प्रदेस मँ डेरा डाएन। उ पचे
अपने संग आपन परिवार अउर जनावरन क भी लिआएन।
उ पचे एतने जियादा रहेन जेतने टिड्डियन क दल। ओन
लोगन अउ ओनकर ऊँटन क गिनती एतनी जियादा रही कि
ओनका गनब संभव नाहीं रहा। इ सबइ लोग उ भुइँया मँ
आएन अउ ओका नस्ट कइ डाएन। 6इस्राएल क लोग
मिद्यानी लोगन क कारण बहोत गरीब होइ गएन। एह बरे
इस्राएल क लोग यहोवा क मदद बरे रोइके गोहराएन।
7जब मिद्यानियन क कारण इस्राएलियन यहोवा क
समन्वा रोएस। 8तउ यहोवा ओनके लगे एक ठु नबी
पठएस। नबी इस्राएल क लोगन स कहेस, "यहोवा,
इस्राएल क परमेस्सर इ कहेस ह कि, 'तू लोग मिस्र देस मँ
दास रह्या। मइँ तू लोगन क अजाद किहेउँ अउर मइँ उ
देस स तू पचन्क बाहेर लिआएउँ। 9मइँ मिस्र क सक्तीसाली
लोगन स तोहार पचन्क बचाएउँ। तब कनान क लोग तू
पचन्क कस्ट दिहेन। एह बरे मइँ फुन तोहार पचन्क
बचाएउँ। मइँ ओन लोगन स ओनकर देस छोड़वाएउँ अउर
मइँ ओनकर देस तू पचन्क दिहेउँ।' 10तब मइँ तू पचन्स
कहेउँ, 'मइँ यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर अहउँ। तू लोग
एमोरी लोगन क भुइँया मँ रहब्या, किन्तु तू पचन्क ओनकर
लबार देवतन क पूजा नाहीं करइ चाही।' परन्तु तू लोग मोरी
आग्या क पालन नाहीं किह्या।"

यहोवा क दूत गिदोन क लगे आवत ह

11उ समइ, यहोवा क दूत गिदोन नाउँ क मनई क लगे
आवा। यहोवा क दूत आवा अउर ओप्रा मँ बलूत क तले
बइठा। इ बलूत क बृच्छ योआस नाउँ क मनई क रहा।
योआस अबीएजेरी लोगन मँ स एक रहा। योआस गिदोन क
बाप रहा। गिदोन कछू गोहूँ दाखरस निकारइ क यंत्र मँ
कूटत रहा। गिदोन मिद्यानी लोगन स आपन गोहूँ छुपावइ
क जतन करत रहा। 12यहोवा क दूत गिदोन क समन्वा
परगट भवा अउर ओहसे कहेस, "सक्तिसाली योद्धा, यहोवा
तोहरे संग होइ!"
13तब गिदोन कहेस, "महोदय, मइँ किरिया खाइके कहत
हउँ कि जदि यहोवा हमारे संग अहइ तउ हम लोगन क
एतना कस्ट काहे अहइ? हम लोग सुना ह कि उ हमार
पुरखन बरे अजूबा कारज किहे रहा। हमार पुरखन हम
लोगन स कहेन कि यहोवा हम लोगन क मिस्र स बाहेर
लिआबा। किन्तु अब यहोवा हम लोगन क तजि दिहेस ह।
यहोवा मिद्यानी लोगन क हम लोगन क हरावइ दिहस।"
14यहोवा गिदोन कइँती मुड़ा अउर ओनसे बोला, "आपन
सक्ती क प्रयोग करा। जा अउर मिद्यानी लोगन स इस्राएल
क लोगन क रच्छा करा। का इ अइसा नाहीं अहइ कि मइँ
तोहका पठवत हउँ?"
15किन्तु गिदोन जवाब दिहेस अउर कहेस, "महोदय,
छिमा करइँ, मइँ इस्राएल क रच्छा कइसे कइ सकत
अहउँ? मारे परिवार मनस्से क परिवार समूह मँ सबसे
कमजोर अहइ अउर मइँ आपन परिवार मँ सबसे लहुरा
हउँ।"
16यहोवा गिदोन क जवाब दिहेस अउर कहेस, "मिद्यानी
लोगन क हरावइ मँ मदद करइ बरे मइँ तोहरे संग रहब।
इ ऐसा मालूम होइ कि तू एक मनई क खिलाफ लड़न
अहा।"
17तब गिदोन यहोवा स कहेस, "जदि तू मोहसे खुस अहा
तउ सबूत द्या कि तू फुरइ यहोवा अहा। 18कृपा कइके तू
हिआँ रूका। जब तलक मइँ लउट न आवउँ तब तलक तू
न जा। मोका मोर भेट लिआवइ द्या अउर ओका तोहरे
समन्वा रखइ द्या।"
एह बरे यहोवा कहेस, "मइँ तब तलक प्रतीच्छा करब
जब तलक तू लउटत्या नाही।"
19एह बरे गिदोन गवा अउर उ एक ठु बोकरी क बच्चा
खउलात पानी मँ पकाएस। गिदोन लगभग एक एपा आटा
भी लिहस अउर बेखमीरी रोटियन बनााएस। तब गिदोन माँस
क एक टोकरा मँ अउ पके भए माँस क सोरबे क एक
बर्तन मँ लिहस। तउ गिदोन माँस, पके माँस क सोरबा अउ
बेखमीरी रोटियन क निकारेस। गिदोन उ खइया क बलूत क
बृच्छ क नीचे यहोवा क दिहस।
20परमेस्सर क दूत गिदोन स कहेस, "माँस अउ बेखमीरी
रोटियन क हुवाँ चट्टाने पइ धरा। तब पका भवा माँस क
सोरबा क गिरावा।" गिदोन वइसा ही किहस जइसा करइ क
कहा गवा रहा।
21यहोवा क सरगदूत अपने हाथ मँ एक ठु कुबरी लइ
रखे रही। यहोवा क सरगदूत माँस अउ रोटियन क कुबरी
क सिरे स छुएस। तब चट्टाने स आगी बरि उठी। माँस
अउ रोटियन पूरी तरह बरि गइन। तब यहोवा सरग क दूत
अन्तर्ध्यान होइ गवा।
22तब गिदोन समुझेस कि उ यहोवा क सरगदूत स बातन
करत अहइ। एह बरे गिदोन चिचियाइ उठा, "सर्वसक्तीमान
यहोवा! मइँ यहोवा क सरगदूत क आमने-सामने लखेउँ ह!"
23किन्तु यहोवा गिदोन स कहेस, "सान्त रहा। डेराअ
नाहीं। तू मरब्या नाहीं।"
24एह बरे गिदोन यहोवा क उपासना बरे उ ठउरे पइ
एक वेदी बनाएस। उ वेदी क नाउँ "यहोवा सान्ति अहइ"

धरेस। उ वेदी अब तलक ओप्रा मँ खड़ी अहइ। ओप्रा हुवँइ
अहइ जहाँ एज़ेरी लोग रहत ही।

गिदोन बाल क वेदी क गिराइ डावत ह

25उहइ रात यहोवा गिदोन स बातन किहस। यहोवा
गिदोन स कहेस, "आपन पिता क एक संपूर्ण प्रौढ़ बर्धा
अउर दूसर जउन सात बरिस क अहइ लिआवा। तोहरे पिता
क लबार देवता बाल क एक ठु वेदी अहइ। उ वेदी क
बगल मँ एक काठे क खम्भा भी अहइ। खम्भा लबार देवी
असेरा क सम्मान बरे बनावा गवा रहा। वेदी क नास कइ
द्या अउ असेरा क खम्भा क काट द्या। 26तब यहोवा,
आपन परमेस्सर बरे उचित तरह क वेदी बनावा। इ ऊँच
ठउरे पइ उ वेदी बनावा। तब एक ठु सम्पूर्ण प्रौढ़ बर्धा क
मारा अउर इ वेदी पइ ओका बार द्या। असेरा क खम्भे क
काठ क उपयोग आपन भेट क बारइ बरे करा।"

27एह बरे गिदोन आपन नउकरन स दस नउकर क
लिहस अउर उहइ किहस जउन यहोवा करइ क कहे रहा।
किन्तु गिदोन डेरात रहा कि ओकर परिवार क सदस्य अउर
नगर क नागरिक लखि सकत हीं कि उ का करत अहइ।
गिदोन अहइ किहस जउन यहोवा ओका करइ क कहेस।
किन्तु उ इ रात मँ किहस, दिन मँ नाहीं।

28अगले भिंसारे नगर क नागरिक सोइके उठेन अउर उ
पचे लखेन कि बाल क वेदी नस्ट कइ दीन्ह गइ अहइ। उ
पचे इ भी लखेन कि असेरा क खम्भा काट डावा ग
अहइ। असेरा क खम्भा बाल क वेदी क ठीक पाछे गिर
पड़ा। ओन लोग उ वेदी क भी लखेन जेका गिदोन बनाए
रहा अउर उ पचे उ वेदी पइ बलि दीन्ह गए बर्धा क भी
निहारेन।

29नगर क लोग एक दूसरे क लखेन अउ कहेन, हमरी
वेदी क कउन गिराएस? "हमार असेरा क खम्भे क कउन
काटेस? इ नवा वेदी पइ कउन इ बर्धा क बलि दिहस?" उ
पचे कइउ सवाल किहेन अउर इ पता लगावइ चाहेन कि उ
सबइ काम कउन किहेस।

कउनो कहेस, "योआस क पूत गिदोन इ काम किहेस।"

30एह बरे नगर क लोग योआस क लगे आएन। उ पचे
योआस स कहेन, "तोहका आपन पूत क बाहेर लिआवइ
चाही। उ बाल क वेदी क गिराएस ह अउर उ असेरा क
खम्भे क काटेस ह जउन उ वेदी क बगल मँ रहा। एह बरे
तोहरे पूत क मारा जाइ चाही।"

31तब योआस ओन सबइ स जउन ओकरे चारिहुँ ओर
खड़ी रही कहेस, "का तू बाल क मुकद्दमा क वकालत
करब्या? का तू ओका बचाउब्या? जदि उ एक देवता अहइ
तउ जउन कउनो ओकरे खिलाफ करइ उ भिन्सारे तलक
मरि जाइ! जदि उ देवता अहइ तउ ओका खुद ओकर
खिलाफ लड़इ चाही जउन ओकर वेदी क काटेस ह!"
32योआस कहेस, "जदि गिदोन बाल क वेदी क गिराएस
तउ बाल क ओहसे संघर्स करइ द्या।" एह बरे उ दिन
योआस गिदोन क एक ठु नवा नाउँ दिहस। उ ओका
यरूब्बाल कहेस।

गिदोन मिद्यान क लोगन क हरावत ह

33मिद्यानी, अमालेकी अउ पूर्व क दूसर सबहिं लोग
इस्राएल क लोगन क खिलाफ जुद्ध लड़इ बरे एक संग
मिलेन। उ सबइ लोग यरदन नदी क पार गएन अउर उ
पचे यिज़्रेल क घाटी मँ डेरा डाएन। 34किन्तु गिदोन पइ
यहोवा क आतिमा आएस अउ ओका बड़ी सक्ती प्रदान
किहेस। गिदोन अबीएज़ोरी लोगन क आपन पाछे (अनुसरण)
चलइ बरे तुरही बजाएस। 35गिदोन मनस्से परिवार समूह क
सबहिं लोगन क लगे दूत पठएस। उ सबइ दूतन मनस्से क
लोगन स आपन हथियार निकारइ अउ जुद्ध बरे तइयार होइ
क कहेस। गिदोन असेर, जबूलून अउ नप्ताली क परिवार
समूहन क भी दूत पठएस। एह बरे उ सबइ परिवार समूह
भी गिदोन स अउर ओकरे आदमियन स भेंटइ गएन।

36तब गिदोन यहोवा स कहेस, "अगर तू इस्राएल क
लोगन क बचावइ बरे मोर उपयोग करब्या, जइसा तू
किहेस, 37मइँ खरिहान क फर्स पइ एक भेड़ी क ऊन रखत
हउँ। जदि सिरिफ भेड़ी क ऊन पइ ही ओस क बूँदन
होइही, जबकि सारी भुइयाँ सूखी अहइ, तब मइँ समुझब कि
तू आपन कहइ क अनुसार मोर उपयोग इस्राएल क बचावइ
मँ करब्या।"

38अउर उ ठीक वइसा ही भवा। गिदोन अगले भिंसारे
उठा अउ भेड़ क ऊने क निचोड़ेस। उ भेड़ी क ऊन स
पियाला भइ पानी निचोड़ सका।

39तब गिदोन परमेस्सर स कहेस, "मोह पइ जिन
कोहाअ। मोका सिरिफ एक अउर अनुरोध करइ द्या। मोका
भेड़ी क ऊन स एक दाई अउर परीच्छण करइ द्या। इ
समइ भेड़ी क ऊन क उ दसा मँ झुरान रहइ द्या जब एकरे
चारिहुँ कइँती क भुइँया ओस स भीगी होइ।"

40उ रात परमेस्सर उहइ किहेस। सिरिफ भेड़ी क ऊन
झुरान रही, किन्तु चारिहुँ कइँती क भुइँया ओसे स भीगी
रही।

7 भोर भए भिंसारे, यरूब्बाल (गिदोन) अउर ओकर
सबहिं लोग आपन डेरन हरोद क झरने पइ लगाएन।
मिद्यानी लोग मोरह नाउँ क पहाड़ी क खाले डेरा डाए
रहेन। इ गिदोन अउर ओकर मनइयन क उत्तर मँ जहाँ उ
पचे डेरा डाए रहने, रहा।

2तब यहोवा गिदोन स कहेस, "मइँ तोहरे मनइयन क
मदद मिद्यानी लोगन क हरावइ बरे करइ जात हउँ। किन्तु
तोहरे लगे इ काम बरे जरूरत स जियादा मनई अहइँ। मइँ
नाही चाहत कि इस्राएल क लोग मोका बिसरि जाइँ अउर
सेखी मारइँ कि उ पचे आपन रच्छा खुद किहेन। 3एह बरे
आपन लोगन मँ घोसणा करा। ओनसे कहा, 'जउन कउनो
डेरात होइ, उ गिलाद पहाड़ी छोड़कर आपन घर लउटि
सकत ह।'"

ऍह बरे 22,000 मनइयन गिदोन क तजेन अउर उ पचे
अपने घर लउट गएन। किन्तु 10,000 फुन भी ओकर संग
रहेन।

4तब यहोवा गिदोन स कहेस, "अबहुँ भी जरूरत स
जियादा लोग अहइँ। एन लोगन क जल क लगे लइ जा
अउर हुवाँ मइँ एनकर परीच्छा तोहरे बरे करब। जदि मइँ

कहब, 'इ मनई तोहरे संग जाई' तउ उ जाइ। किन्तु जदि मइँ कहब, 'इ मनई तोहरे संग नाहीं जाइ।' तउ उ नाही जाइ।"

5एह बरे गिदोन लोगन क जल क लगे लइ गवा। उ जल क लगे यहोवा गिदोन स कहेस, "इ तरह लोगन क अलग करा: जउन मनई कूकुर क नाईं लपलप कइके जल पीइहीं, उ पचे एक वर्ग मँ होइहीं। जउन पिअइ बरे निहुरिहीं, दूसर वर्ग मँ होइहीं।"

6हुवाँ तीन सौ मनई अइसे रहेन जउन जल मुँहे तलक लिआवइ बरे आपन हाथन क उपयोग किहन अउर ओका कूकुर क नाई लपलप कइके पिएन। बाकी लोग घुटुरूअन क बले निहुरेन अउर उ पचे जल पिएन। **7**तब यहोवा गिदोन स कहेस, "मइँ तीन सौ मनइयन क उपयोग करब अउर कूकुर क नाई लपलप कइके जल पिएन। मइँ ओनही लोगन क उपयोग मिद्यानी लोगन क हरावइ बरे तोहार सहायता बरे अउर इस्राएल क रच्छा करइ बरे करब। दूसर लोगन क अपने घर लउटि जाइ द्या।"

8एह बरे गिदोन इस्राएल क सेस मनइयन क ओनके घर पठइ दिहस। किन्तु गिदोन तीन सौ मनइयन क आपन संग रखेस। ओन तीन सौ मनइयन डेरा छोड़ कइ जाइवाले मनइयन क भोजन, सामग्री अउर तुरहियन क रख लिहेन। अबहिं मिद्यानी लोग, गिदोन क खाले घाटी मँ डेरा डाए भए रहेन।

9रात क यहोवा गिदोन स बातन किहेस। यहोवा ओहसे कहेस, "उठा गिदोन, मिद्यानी फउजी क डेरन मँ जा अउर हमला करा काहेकि मइँ तोहका ओन लोगन क हरावइ देब। **10**किन्तु जदि तू अकेले हुआँ जाइ स डेरात ह तउ आपन नउकर फूरा क अपने संग लइ ल्या। **11**जब तू मिद्यानी लोगन क डेरा क लगे जा तउ इ सुना कि उ सबइ लोग का कहत रहे हँ। तब तू इ सुन लेब्या कि उ पचे का कहत अहइँ तब तू उ डेरा पइ हमला करइ स नाहीं डेराब्या।"

एह बरे गिदोन अउ ओकर नउकर फूरा दुइनउँ दुस्मन क डेरा क छोर पइ पहोचेन। **12**मिद्यानी, अमालेकी अउ पूरब क दूसर सबहिं लोग उ घाटी मँ डेरा डाए रहेन। हुवाँ उ पचे एतनी बड़ी गनती मँ रहेन कि टिड्डी-दल क नाई जान पड़त रहेन। अइसा जान पड़ा कि ओन क लगे एँतना ऊँट रहेन, जेतना समुद्दर क किनारे बाल क कण।

13जब गिदोन दुस्मनन क डेरा मँ पहोंचा, उ एक मनई क बातन करत सुनेस। उ मनई आपन देख भए सपन क आपन मित्र क बतावत रहा। उ मनई कहत रहा, "मइँ इ सपना लखेउँ कि मिद्यान क लोगन क डेरा मँ एक गोल रोटी चक्कर खात भइ आइ। उ रोटी डेरा पइ एँतनी कर्री चोट किहेस कि डेरा पलट गवा अउर चौड़ा होइके गिर गवा।"

14उ मनई क मीत उ सपन क अरथ जानत रहा। उ मनई क मीत कहेस, "तोहरे सपन क सिरिफ एक ही अरथ बाटइ। यह इस्राएल क मनई, यहोसू क पूत गिदोन क तरवार बरे अहइ। एकर मतलब इ अहइ कि परमेस्सर मिद्यानी लोगन क सारी फउज क गिदोन क जरिये परास्त करवाई।"

15जब गिदोन सपन क बारे मँ सुनेस अउर ओकर अरथ समुझेस तउ उ परमेस्सर क बरे निहुरा। तब गिदोन इस्राएली लोगन क डेरा मँ लउट गवा। गिदोन लोगन क बाहेर बोलाएस, "तइयार होइ जा। यहोवा हम पचन्क मिद्यानी लोगन्क हरावइ मँ मदद करी।" **16**तब गिदोन तीन सौ मनइयन क तीन दलन मँ बाँटेस। गिदोन हर एक मनई क एक तुरही अउर एक खाली घड़ा दिहेस। हर एक घड़ा मँ एक ठु बरत मसाल रही। **17**तब गिदोन लोगन स कहेस, "मोका लखत रहा अउर जउन मइँ करउँ, उहइ करा। मोरे पाछे-पाछे दुस्मन क डेरन क छोर तलक चला। जब मइँ डेरन क छोर पइ पहोंच जाउँ, ठीक उहइ करा जउन मइँ करउँ। **18**तू दुस्मन क डेरा क घेर ल्या। मइँ अउर मोर संग क सबहिं मनइयन आपन तुरही बजइहीं। जब हम लोग तुरही बजाउब तउ तू लोग भी आपन तुरही बजाया। तब एन सब्दन क संग घोसणा करा: 'यहोवा बरे, गिदोन क बरे।'"

19इ तरह गिदोन अउ ओकरे संग क एक सौ मनई दुस्मन क डेरन क छोर पइ आएन। उ पचे दुस्मन क डेरन मँ ओनके पहरेदारन क बदली क ठीक पाछे आएन। इ रात क पहरेदारी क आधी समइ रहा। गिदोन अउ ओकर मनइयन तुरहियन क बजाएन अउ आपन घड़न क फोड़ेन। **20**तब गिदोन क तीनहुँ दलन अपनी तुरहियन बजाएन अउर आपन गगरियन क फोड़ेन। ओकर लोग आपन बाएँ हाथे मँ मसाल लिहेन अउ दाएँ हाथ मँ तुरहियन लिए भए रहेन। जब उ सबइ लोग तुरहियन बजउतेन तउ उद्घोस करतेन, "यहोवा बरे तरवार, गिदोन बरे तरवार!"

21गिदोन क हर एक मनई डेरा क चारिहुँ कइँती अपने ठउरे पइ खड़ा रहा। मुला डेरन क भीतर मिद्यानी लोग चिचियानेन अउ पराइ लागेन। **22**जब गिदोन क तीन सौ मनइयन अपनी तुरहियन क बजाएन तउ यहोवा मिद्यानी लोगन क आपुस मँ एक दूसर क तरवारन स मरवाएस। दुस्मन क फउज उ बेतसित्ता नगर क भागी जउन सरेरा नगर कइँती अहइ। उ सबइ लोग उ आबेत महोला नगर क सीमा तलक परानेन जउन तब्बात नगर क निअरे अहइ।

23तब नप्ताली, आसेर अउ मनस्से क परिवारन क फउजियन क मिद्यानी लोगन क पाछा करइ बरे बुलावा गवा। **24**गिदोन एप्रैम क सारे पहाड़ी पहँटा मँ दूत पठएस। दूतन कहेन, "अगवा आवा अउर मिद्यानी लोगन पइ हमला करा। बेतबारा तलक नदी पइ अउर यरदन नदी पइ अधिकार करा।"

एह बरे उ पचे एप्रैम क परिवार स सबहिं मनईयन क बोलाएस। उ पचे बेतबारा तलक नदी पइ कब्जा किहन। **25**एप्रैम क लोग मिद्यानी लोग क दुइ प्रमुखन क धरेन। एन दुइ प्रमुखन क नाउँ ओरेब अउ जेब रहा। एप्रैम क लोग ओरेब क औरेब क चट्टान नाउँ क ठउरे पइ मार डाएन। तब उ पचे जेब क जेब क दाखरस क कोल्हू नाउँ क ठउरे पइ मारेन। एप्रैम क लोग मिद्यानी लोगन क पाछा करब जारी रखेन। किन्तु पहिले उ पचे ओरेब अउ जेब क मूँड़िन क काटेन अउ मूँड़िन क गिदोन क लगे लइ गएन। गिदोन यरदन नदी क पार करइवाले घाट पइ ठहरा रहा।

8 एप्रैम क लोग गिदोन स रूट्ठ रहेन। जब एप्रैम क
लोग गिदोन स मिलेन, उ पचे गिदोन स पूछेन, “तू
हम लोगन क संग अइसा बेउहार काहे किहा? जब तू
मिद्यानी लोगन क खिलाफ लड़इ गया तउ हम लोगन क
काहे नाही बोलाया?” एप्रैम क लोगन गिदोन क संग
किरोध मँ बात किहेन।
2किन्तु गिदोन एप्रैम क लोगन क जवाब दिहेस, “मइँ
ओतनी अच्छी तरह जुद्ध नाही किहा जेतनी अच्छी तरह
आप लोग किहन। इ सच अहइ कि तू एप्रैमी लोग फसल
काटइ क पाछे जेतना अंगूर बिन तोड़े छोड़ेस रहा। उ सबइ
मोर परिवार अबिएज़ेर क पूरी फसल स भी जियादा रहा।
3इहइ तरह इ बार भी तोहार फसल अच्छी पहिले स नीक
अहइ। यहोवा तू लोगन क मिद्यानी लोगन क राजकुमारन
ओरेब अउ जेब क धरइ दिहेस। मइँ आपन कामयाबी क तू
लोगन क जरिये कीन्ह गए कामन स कइसे तुलना कइ
सकत हउँ?” जब एप्रैम क लोग गिदोन क जवाब सुनेन तउ
उ पचे खामोस होइ गएन।

गिदोन दुइ मिद्यानी राजा लोगन क धरत ह

4तब गिदोन अउ ओकर तीन सौ मनई यरदन नदी पइ
आएन अउर ओकरे दूसर कइँती गएन। मुला उ पचे थकेन
अउर तउ भी दुस्मनन क पाछा करत रहेन। रहेन। 5गिदोन
सुक्कोत नगर क लोगन स कहेस, “मोरे फउजियन क कछू
खइया क द्या। मोर फउजी बहोत थके अहइँ। हम लोग
अबहिं तलक जेबह अउर सुल्मुन्ना क पाछा करित अही
जउन मिद्यानी लोगन क राजा अहइँ।”
6सुक्कोत नगर क प्रमुखन गिदोन स कहेस, “हम तोहरे
फउजियन क कछू खइया क काहे देइ? तू जेबह अउर
सल्मुन्ना क अबहिं तलक धर्‌या नाहीं ह।”
7तब गिदोन कहेस, “काहेकि तू हमका खइया क देइ स
इनकार किहेस ओकर बाद जब यहोवा जेबह अउर सल्मुन्ना
क धरइ मँ मोका मदद करी। मइँ हिआँ लउटब अउर
मरूभूमि क काँटन अउ कँटैरी झाड़ियन क कोड़न स पीटब
अउ तोहार चमड़ी उधेड़ब।”
8गिदोन सुक्कोत नगर क तजेस अउर पनूएल नगर क
गवा। गिदोन जइसे सुक्कोत क लोगन स भोजन माँगे रहा
वइसे ही पनूएल क लोगन स भी भोजन माँगेस। मुला
पनूएल क लोग ओका उहइ जवाब दिहेन जउन सुक्कोत क
लोग जवाब दिहे रहेन। 9एह बरे गिदोन पनूएल क लोगन
स कहेस, “जब मइँ बिजय पाउब तब मइँ हिआँ आउब
अउर तोहार इ मीनारे क गिराइ देब।”
10जेबह, सल्मुन्ना अउर ओनकर फउजन कर्कोर नगर मँ
रहिन। इ फउज मँ 15,000 सिपाही रहेन। पहिले क फउज
मँ सिरिफ इ सबइ सिपाही ही बचा रहेन। उ सक्तीसाली सेना
क 1,20,000 बहादुर फउजी पहिले ही मारे जाइ चुका रहेन।
11गिदोन अउ ओकर फउजियन खानाबदोसन क मारग क
अपनाएस। उ मारग नोबह अउर योग्बहा नगरन क पूरब मँ
अहइ। गिदोन कर्कोर नगर मँ आवा अउर उ दुस्मन पइ
धावा बोलेस। दुस्मन क फउज क हमला क उम्मीद नाही
रही। 12मिद्यानी लोगन क राजा जेबह अउ सल्मुन्ना पराइ
गएन। मुला गिदोन ओनका पाछा किहेस अउर ओन राजा
लोगन क धइ लिहेस। गिदोन अउ ओकर लोग दुस्मन
फउज क हराइ दिहेस।
13तब योआस क पूत गिदोन जुद्ध स लउटा। गिदोन
अउर ओकर फउजी हेरेस दर्रा नाउँ क दर्रे स होइके
लउटेन। 14गिदोन सुक्कोत क एक जवान क धरेस। गिदोन
जवान स कछू सवाल पूछेस। जवान कछू नाउँ गिदोन क
बरे लिखेस। उ सुक्कोत क प्रमुखन अउर अग्रजन क नाउँ
लिखेस। उ सतहत्तर मनइयन क नाउँ दिहेस।
15तब गिदोन सुक्कोत नगर मँ आवा। उ नगर क लोगन
स कहेस, “जेबह अउर सल्मुन्ना हिआँ अहइँ। तू मोर
मजाक इ कहिके उड़ाया, ‘हम पचे तोहरे थके फउजियन क
खइया क काहे देइ। तू अबहिं तलक जेबह अउर सल्मुन्ना
क नाही धर्‌या ह।’” 16गिदोन सुक्कोत नगर क अग्रजन क
लिहस अउर ओनका दण्ड देइ बरे रेगिस्तान क काँटन अउ
कँटैरी झाड़ियन स पीटेस। 17गिदोन पनूएल नगर क मीनार
क भी गिराइ दिहेस। तब उ ओन लोगन क मार डाएस
जउन उ नगर मँ रहत रहेन।
18अब गिदोन जेबह अउर सल्मुन्ना स कहेस, “तू ताबोर
पर्वत पइ कछू मनइयन क मार्‌या। उ सबई मनई कउने तरह
क रहेन?”
जेबह अउर सल्मुन्ना जवाब दिहेन, “उ सबइ मनई तोहरी
तरह रहेन। ओनमाँ स हर एक राजकुमार क तरह रहा।”
19गिदोन कहेस, “उ सबइ मनई मोर भाई अउर मोर
महतारी क पूत रहेन। यहोवा क जिन्नगी क किरिया, जदि
तू ओनका नाही मारत्या, तउ अब मइँ भी तू पचन्क नाही
मारब्या।”
20तब गिदोन येतेर कइँती मुड़ा। येतेर गिदोन क सब स
बड़का पूत रहा। गिदोन ओहसे कहेस, “एन राजा लोगन क
मार डावा।” मुला येतेर एक ठु लड़का ही रहा अउर डेरात
रहा। एह बरे उ आपन तरवार नाहीं निकारेस।
21तब जेबह अउ सल्मुन्ना गिदोन स कहेस, “अगवा
बढ़ा अउर खुद हमका मारा। तू पुरूख अहा अउ इ काम
करइ बरे काफी बलवान अहा।” एह बरे गिदोन उठा अउ
जेबह अउर सल्मुन्ना क मार डावा। तब गिदोन चाँद क
तरह बनी सज्जा क ओनके ऊँटन क गटइया स उतार
दिहेस।

गिदोन एपोद बनावत ह

22इस्राएल क लोग गिदोन स कहेस, “तू हम लोगन क
मिद्यानी लोगन स बचाएस। एह बरे हम लोगन पइ सासन
करा। हम चाहित ह कि तू, तोहार पूत अउ तोहार पोतन
हम लोगन पइ सासन करइँ।”
23किन्तु गिदोन इस्राएल क लोगन स कहेस, “यहोवा
तोहार सासक होइ, न तउ मइँ तू लोगन पइ हुकूमत करब
अउर न ही मोर पूत तोहरे ऊपर सासन करी।”
24इस्राएली क लोग जेनका हराएन, ओनमाँ कछू इस्माएली
लोग रहेन। इस्माएली लोगन सोने क कान क बालियन
पहिरत रहेन। एह बरे गिदोन इस्राएल क लोगन स कहेस,
“मइँ चाहत हउँ कि तू मोरे बरे इ काम करा। मइँ तू पचन

मँ स हर एक स इ चाहत हउँ कि तू लोग जुद्ध मँ जउन
पाया ओनमाँ स एक-एक कान क बाली हमका द्या।”
25एह बरे इस्राएल क लोग गिदोन स कहेस, “जउन तू
चाहत ह ओका हम खुसी स देब।” एह बरे उ पचे भुइँया
पइ एक अंगरखा बिछाएन। हर एक मनई अंगरखा पइ एक
ठु कान क बाली क लोकाएस। 26तब उ सबइ बालियन
बटोरिके तउली गइन तउ उ सबइ लग भग तैंतालीस पौंड
निकरिन। इ वजन क सम्बंध ओन चीजन क वजन स नाही
अहइ जेनका इस्राएल क लोग गिदोन क दूसर भेटन क
रूप मँ दिहे रहा। उ पचे चन्दा क आकार अउर आँसू क
बूँद क आकार क नाईं रतन भी ओका दिहन अउर उ पचे
ओका बैंगनी रंग क चोगन भी दिहन। इ सबइ उ सब
चिजियन रहिन जउन मिद्यानी लोगन क राजा लोग पहिरे
रहेन। उ पचे मिद्यानी लोगन क राजा लोग ऊँटन क
जंजीरियन भी ओका दिहेन।
27गिदोन उ सोना क उपयोग एपोद बनावइ क बरे
किहेस। उ एपोद क आपन निवास क उ नगर मँ रखेस
जेका ओप्रा कहा जात रहा। इस्राएल क सबहिं लोग एपोद
क पूजत रहेन। मुला इ तरह इस्राएल क लोग यहोवा बरे
अबिस्सासी रहेन अउर एपोद क पूजा करत रहेन। उ एपोद,
गिदोन अउ ओकरे परिवार बरे मुसीबत क कारण बन
गएन।

गिदोन क मउत

28इ तरह मिद्यानी लोग इस्राएल क हुकूमत मँ रहइ बरे
मजबूर कीन्ह गए रहेन। मिद्यानी लोग अब अगवा कउनो
कस्ट नाहीं दिहेन। इ तरह गिदोन क जिन्नगी काल मँ
चालीस बरिस तलक पूरे देस मँ सान्ति रही।
29योआस क पूत यरूब्बाल (गिदोन) अपने घर गवा।
30गिदोन क आपन सत्तर पूत रहेन। एकर एँतना जियादा पूत
रहेन काहेकि ओकर अनेक मेहररूअन रहिन। 31गिदोन क
एक ठु रखैल भी रही। जउन सकेम नगर मँ रहत रही। उ
रखैल स भी ओका एक पूत रहा। उ उ पूत क नाउँ
अबीमेलेक राखेस।
32इ तरह योआस क पूत गिदोन खूब बुढ़ाइ जाए पइ
मरा। गिदोन उ कब्र मँ दफनावा गवा, जउन ओकर पिता
योआस क रहा। उ कब्र ओप्रा नगर मँ बाटइ जहाँ
अबीएजेरी लोग रहत हीं। 33जइसेन ही गिदोन मरा तइसे ही
इस्राएल क लोग फिन परमेस्सर बरे अबिस्सासी बन गए
रहेन। उ सबइ बाल क अनुसरण करइ लागेन। उ पचे बाल
बरीत क आपन देवता चुन लिहेस। 34इस्राएल क लोग
यहोवा, आपन परमेस्सर क याद नाहीं करत रहेन, जदपि उ
ओनका ओन सबहिं दुस्मन स बचाएस जउन इस्राएल क
लोगन क चारिहुँ कइँती रहत रहेन। 35इस्राएल क लोग
यरूब्बाल क परिवार बरे कउनो दया नाहीं देखाएन, जदपि उ
ओनके बरे बहोत स नीक करम किहे रहेन।

अबीमेलेक राजा बना

9 अबीमेलेक यरूब्बाल क पूत रहा। अबीमेलेक आपन
ओन मामा लोगन क लगे गवा जउन सकेम नगर मँ
रहत रहेन। उ आपन मामा लोगन अउ महतारी क परिवार
स कहेस, 2“सकेम नगर क प्रमुख लोगन स इ सवाल
पूछा: ‘यरूब्बाल का सत्तर पूतन स आप लोगन क सासित
होब तोहार बरे नीक अहइ या कउनो एक मनई स सासित
होब? याद राखा, मइँ तोहार सम्बंधी हउँ।”
3अबीमेलेक क मामा लोग सकेम क प्रमुख लोग स
बात किहेन अउर ओनेस इ सवाल किहेन। सकेम क प्रमुख
लोग अबीमेलेक क अनुसरण करइ क निहचइ किहेन। उ
पचे कहेन, “आखिरकार उ हमार सम्बंधी अहइ।” 4एह बरे
सकेम क प्रमुख लोग अबीमेलेक क सत्तर चाँदी क टूकन
दिहेन। उ चाँदी बालबरीत देवता क मन्दिर क रही।
अबीमेलेक चाँदी क उपयोग कछू मनइयन क काम पइ
लगावइ बरे किहेन। इ सबई मनई लापरवाह अउ बेकार
रहेन। उ सबइ अबीमेलेक क पाछे, जहाँ कहूँ उ गवा,
चलत रहेन।
5अबीमेलेक ओप्रा नगर क गवा। ओप्रा ओकरे पिता क
निवास स्थान रहा। उ नगर मँ अबीमेलेक आपन सत्तर
भाइयन क कतल कइ दिहेस। उ सबइ सत्तर भाई
अबीमेलेक क बाप यरूब्बाल क पूत रहेन। उ सबहिं क
एक पथरे पइ मारेस किन्तु यरूब्बाल क सब स नान्ह पूत
अबीमेलेक स छुप गवा अउर पराइ निकरा। सब स नान्ह
पूत क नाउँ योताम रहा।
6तब सकेम नगर क सबहिं प्रमुख अउर बेतमिल्लो क
महल क निअम्बर एक संग आएन। उ सबइ सबहिं उ
पाथर-खम्भा क निअरे क बड़का बृच्छ क लगे बटुर गएन
जउन सकेम नगर मँ रहा अउर उ पचे अबीमेलेक क
आपन राजा बनाएन।

योताम क कथा

7योताम सुनेस कि सकेम क प्रमुख लोग अबीमेलेक क
राजा बनाइ दिहेन ह। जब उ सुनेस तउ उ गवा अउर
गरिज्जीम पर्वत क चोटी पइ खड़ा भवा। योताम लोगन क
इ कथा चिचियाइके सुनाएस।

सकेम क लोग, मोर बात सुना अउ तब आप क
बात परमेस्सर सुनी। 8एक दिन बृच्छ आपन ऊपर
हुकूमत करइ बरे एक ठु राजा चुनइ क निर्णय किहन।
बृच्छन जइतून क बृच्छ स कहेन, “तू हमरे ऊपर राजा
बना।”
9मुला जइतून क बृच्छ कहेस, “मनई अउ देवता मोर
बड़कई मोरे तेल बरे करत ही। का मइँ जाइके सिरिफ
दूसर बृच्छन पइ हुकूमत करइ क बरे आपन तेल
बनाउब बन्द कइ देउँ?”
10तब बृच्छन अंजीर क बृच्छ स कहेन, “आवा अउर
हमार राजा बना।”
11मुला अंजीर क बृच्छ जवाब दिहस, “का मइँ
सिरिफ जाइके दूसर बृच्छन पइ हुकूमत करइ बरे आपन
मीठ अउ नीक फल पइदा करब बन्द कइ देब?”
12तब बृच्छन अंगूर क बेल स कहेन, “आवा अउ
हमार राजा बना।”

13मुला अंगूर क बेल जवाब दिहस, "मोर दाखरस मनईयन अउ राजा लोगन क खुस करत ह। का मोका सिरिफ जाइके अउर बृच्छन पइ सासन करइ बरे आपन दाखरस पइदा करब बन्द कइ देइ चाही।"

14आखीर मँ सबइ बृच्छन कँटेरी झाड़ी स कहेन, "आवा अउ हमार राजा बना।"

15किन्तु कँटेरी झाड़ी बृच्छन स कहेस, "जदि तू फुरइ मोका अपने ऊपर राजा बनावइ चाहत ह तउ आवा अउर मोर छाया मँ आपन सरण बनावा। जदि तू अइसा करइ नाहीं चाहत ह तउ इ कँटेरी झाड़ी स आगी निकरइ द्या, अउर उ आगी क लबानोन, क चीड़ क बृच्छन क भी जराइ देइ द्या।"

16"अब जदि आप अबीमेलेक क आपन राजा बनाइके
ठीक करत हीं। अउर जदि आप ओका राजा बनाइके
यरूब्बाल अउर ओकर परिवार बरे निआव संगत अहइँ,
अउर आप यरूब्बाल क संग उहई बर्ताव करत ह जेका उ
हकदार अहइ, तउ इ ठीक अहइ! 17किन्तु तनिक सोचा कि
मोर बाप आपन बरे का किहेस ह? मोर बाप आप लोगन
बरे लड़ेन। उ पचे आपन जिन्नगी क उ समइ खतरा मँ
डाएन जब उ पचे आपन लोगन क मिद्यानी लोगन स
बचाएस। 18किन्तु अब आप लोग मोरे बाप क परिवार क
खिलाफ होइ गवा अहइँ। आप लोग मोरे बाप क सत्तर
पूतन क एक पाथर पइ मारेन ह। आप लोग अबीमेलेक क
सकेम क राजा बनाएन ह। उ मोरे बाप क दासी क पूत
अहइ। आप लोग अबीमेलेक क सिरिफ एह बरे राजा
बनाएन ह कि उ आप क रिस्तेदार अहइ। 19एह बरे जदि
आज आप लोग यरूब्बाल अउ ओकरे परिवार क बरे ठीक
किहेस ह, तब अबीमेलेक क आपन राजा मानिके आप क
खुस होइ चाही अउर ओका भी तोहार संग खुस होइ चाही।
20मुला जदि आप उचित नाही किहेन ह तउ, अबीमेलेक
सकेम अउर मिल्लो सहर क सबइ प्रमुखन क नस्ट कइ
डाएन। अउर सकेम नगर क अउर मिल्लो नगर क प्रमुखन
भी अबीमेलेक क नस्ट कइ डाएन।"

21योताम इ सब कहइ क पाछे भाग खड़ा भवा। उ पराइके बेर नगर मँ पहोंचा। योताम उ नगर मँ रहत रहा, काहेकि उ आपन भाई अबीमेलेक स डेरात रहा।

अबीमेलेक सकेम क खिलाफ जुद्ध करत ह

22अबीमेलेक इस्राएल क लोगन पइ तीन बरिस तलक
हुकूमत किहस। 23-24अबीमेलेक यरूब्बाल क सत्तर पूतन
क मार डाए रहा। उ पचे अबीमेलेक क भाई रहेन। सकेम
नगर क प्रमुख लोग ओन भाईयन क मारइ मँ ओकर मदद
किहे रहेन। एह बरे परमेस्सर अबीमेलेक अउ सकेम क
प्रमुखन क बीच झगड़ा पइदा कराएस अउ सकेम क प्रमुख
लोग अबीमेलेक क नोस्कान पहोंचावइ बरे जोजना बनाएन।
25ओन लोग पहाड़ियन क चोटी पइ स जाइवालन पइ
हमला करइ अउर ओनकर सब कछू लूटइ बरे डाकू लोगन
क किराये पइ राखेस। अबीमेलेक ओन हमलन क बारे मँ
पता लगाएस।

26गाल नाउँ क एक मनई अउर ओकर भाई सकेम नगर क आएन। गाल, एबेद नाउँ क मनई क पूत रहा। सकेम क प्रमुख लोग गाल पइ बिस्सास अउ ओकर अनुसरण करइ क निहचय किहेन।

27एक दिन सकेम क लोग आपन बागन मँ अंगूर तोड़इ गएन। लोग दाखरस बनावइ बरे अंगूरन क निचोरेन अउर तब उ पचे आपन देवता क मन्दिर पइ एक ठु दावत दिहन। उ पचे खाएन अउ दाखरस पिएन। तब उ पचे अबीमेलेक क अभिसाप दिहेन।

28तब एबेद क पूत गाल कहेस, "हम लोग सकेम क
मनई अही। हम अबीमेलेक क आग्या काहे मानी? का उ
यरूब्बाल क पूत नाहीं अहइ? का जबूल ओकर अधिकारी
नाहीं अहइ? हम का अबीमेलेक क आग्या नाहीं मानइ
चाही। हम का हमोर क लोगन क आग्या मानइ चाही।
(हमोर सकेम क पिता रहा।) 29जदि आप मोका एन लोगन
क सेनापति बनावत हीं तउ मइँ अबीमेलेक स मुक्ति दियाइ
देब। मइँ ओहसे कहब, 'आपन फउज क तइयार करा अउर
जुद्ध बरे आवा।'"

30जबूल सकेम नगर क राजपाल रहा। जबूल उ सब
सुनेस जउन एबेद क पूत गाल कहेस अउर जबूल बहोत
कोहाइ गवा। 31जबूल अबीमेलेक क लगे अरूमा नगर*
मँ दूतन क पठएस। सँदेसा इ रहा:

एबेद क पूत गाल अउ एकर भाई सकेम नगर मँ
आएन ह अउर तोहरे बरे कठिनाई पइदा करत अहइँ।
गाल पूरे नगर क तोहरे खिलाफ भड़कावत अहइ।
32एह बरे अब तू पचन्क अउर तोहरे पचन्क लोगन क
राति मँ उठइ चाही अउर नगर क बाहेर खेतन मँ छुपइ
चाही। 33जब भिंसारे सूरज निकरइ तउ नगर पइ हमला
कइ द्या। गाल अउर ओकर मनईयन तोहार संग जुद्ध
करइ बरे नगर क बाहेर आइ। जब उ सबइ लोग
लड़इ बरे बाहेर आवइँ तउ तू पचे ओनकर जउन कइ
सका, करा।

34एह बरे अबीमेलेक अउर सबहिं फउजी राति क उठेन
अउर नगर क गएन। उ सबइ फउजी चार टुकड़िन मँ बँट
गएन। उ पचे सकेम नगर क लगे छुप गएन। 35एबेद क
पूत गाल बाहेर निकरिके सकेम नगर क फाटक क प्रवेस
दुआर पइ रहा। जब गाल हुआँ खड़ा रहा उहइ समइ
अबीमेलेक अउर ओकर फउजी आपन छुपइ क ठउरन स
बाहेर आएन।

36गाल फउजियन क लखेस। गाल जबूल स कहेस,
"धियान द्या, पर्वतन स लोग खाले उतरत अहइँ।"

किन्तु जबूल कहेस, "तू सिरिफ पर्वतन क परछाँइयन लखत अहा। परछाँइयन लोगन क तरह देखाइ देत अहइँ।"

अरूमा नगर या "छिपा भवा" या "तोरमा नगर मँ" जहाँ अबिमले राजा क रूप मँ रहेन। इ सकेम स लगभग आठ मील दक्खिन रहा।

37किन्तु गाल फिन कहेस, "लखा, प्रदेस क नाभि नाउँ
क ठउरे स लोग बढ़त अहइँ, अउर जादूगर क बृच्छ क
ओर स एक दुसर दल आवति अहइ।" 38तब जबूल ओहसे
कहेस, "अब तोहार बड़की-बड़की बातन कहाँ गइन, जउन
तू कहत रह्या, 'अबीमेलेक कउन होत ह, जेकरी मातहत मँ
हम रहेन?' का उ सबइ उहइ लोग नाहीं अहइँ जेनकर तू
मसखरी उड़ावत रह्या? जा अउर ओनसे लड़ा।"

39एह बरे गाल सकेम क प्रमुखन क अबीमेलेक स
जुद्ध करइ बरे लइ गवा। 40अबीमेलेक अउर ओकर
फउजियन गाल अउ ओकरे मनइयन क पाछा किहेन। गाल
क लोग सकेम नगर क फाटक कँइती स पाछे परानेन।
गाल क बहोत स लोग फाटक पइ पहोंचइ स पहिले मार
डावा गएन।

41तब अबीमेलेक अरूमा नगर क लउटि गवा। जबूल
गाल अउर ओकरे भाइयन क सकेम नगर तजइ क मजबूर
किहस।

42अगले दिन सकेम क लोग आपन खेतन मँ काम
करइ क गएन। अबीमेलेक ओकरे बारे मँ पता लगाएस।
43एह बरे अबीमेलेक आपन फउजियन क तीन टुकड़ियन मँ
बाँटेस। उ सकेम क लोगन पइ अचानक हमला करइ क
जोजना बनाएस। एह बरे उ आपन मनइयन क खेतन मँ
छुपाएस। जब उ लोगन क नगर स बाहेर आवत लखेस तउ
उ टूट पड़ा अउर ओन पइ हमला कइ दिहेस। 44अबीमेलेक
अउ ओकर लोग सकेम नगर क फाटक क लगे दौड़िके
आएन। दूसर दुइ टुकड़ियन खेत मँ लोगन क लगे दोड़िके
गइन अउर ओनका मारि डाएन। 45अबीमेलेक अउ ओकर
फउजी सकेम नगर क संग पूरे दिन लड़ेन। उ पचे सकेम
नगर पइ कब्जा कइ लिहेन अउ उ नगर क लोगन क मार
डाएन। तब अबीमेलेक उ नगर क बर्बाद किहस अउर उ
ध्वंस पइ नोन फेंकवाइ दिहस।

46कछू लोग सकेम क मीनार क लगे रहत रहेन। जब
उ ठउरे क लोग सुनेन कि सकेम का संग का भवा ह तब
उ पचे सब स जियादा सुरच्छित उ कमरा मँ बटुर गएन
जउन एलबरीत देवता क मन्दिर रहा।

47अबीमेलेक सुनेस कि सकेम क मीनार क सबहिं प्रमुख
एक संग बटुर गएन ह। 48एह बरे अबीमेलेक अउ ओकर
सबहिं लोग सलमोन पर्वत प गएन। अबीमेलेक एक ठु
कुल्हाड़ी लिहस अउर उ कछू डारन क काटेस। उ ओन
डारन क आपन काँधन पइ धरेस। तब उ आपन मनइयन स
कहेस, "हाली करा, जउन मइँ किहेउँ ह, उहइ करा।"
49एह बरे ओन लोग डारन क काटेन अउर अबीमेलेक क
पाछा किहन। उ पचे डारन क ढेर एलबरीत देवता क मन्दिर
क सब स जियादा सुरच्छित कमरा क लगे लगाएस। तब उ
पचे डारन मँ आगी लगाइ दिहन अउर कमरा मँ लोगन क
बार डाएन। इ तरह लगभग सकेम क मीनार क निवासी
एक हजार मेहरारू-मनसेधू मर गएन।

अबीमेलेक का मउत

50तब अबीमेलेक अउर ओकर मनईयन साथी तेबेस नगर
क गएन। उ पचे उ नगर पइ कब्जा कइ लिहेन। 51किन्तु
तेबेस नगर मँ एक मजबूत मीनार रही। उ नगर क सबहिं
मेहरारू-मनसेधू अउ उ नगर क प्रमुख उ मीनार क लगे
पराइके पहोंचेन। जब नगर क लोग मीनार क भीतर घुस
गएन तउ उ पचे अपने पाछे मीनार क दरवाजा बन्द कइ
दिहन अउ ताला लगाइ दिहेन। तब उ पचे मीनार क छते
पइ चढ़ गएन। 52अबीमेलेक अउ ओकर साथी मीनार क
लगे ओह पइ हमला करइ बरे पहोचेन। अबीमेलेक मीनार
क दरवाज तलक गवा। उ मीनार क आगी लगावइ चाहत
रहा। 53जब अबीमेलेक दूआरे पइ खड़ा रहा, उहइ समइ
एक मेहरारू एक ठु चक्की क पाथर ओकरे मूँड़े पइ
फेंकेस। चक्की क पाथर अबीमेलेक क मूँड़े क चूर-चूर
कइ डाएस।

54अबीमेलेक हाली स आपन उ नौकर स कहेस जउन
ओकर औजार लइ चलत रहा, "आपन तरवार निकारा अउर
मोका मार डावा। मइँ चाहत हउँ कि तू मोका मार डावा
जेहसे लोग इ न कहइँ कि, 'एक ठु मेहरारू अबीमेलेक क
मार डाएस।'" एह बरे उ नौकर आपन तरवार उस के सरीर
मँ घुसेड़ दिहस अउर अबीमेलेक मर गवा। 55इस्राएल क
लोग लखेन कि अबीमेलेक मर गवा। एह बरे उ पचे सबहिं
आपन घरन क लउटि गएन।

56इ तरह परमेस्सर अबीमेलेक क ओकर सबहिं कीन्ह
गवा पापन खातिर दण्ड दिहस। अबीमेलेक आपन सत्तर
भाइयन क मारिके अपने बाप क खिलाफ पाप किहे रहा।
57परमेस्सर सकेम नगर क लोगन क भी ओनके जरिये
कीन्ह गए पापन क दण्ड दिहस। इ तरह योताम जउन
कहेस, फुरइ भवा। (योताम यरूब्बाल क सब स लहुरा पूत
रहा। यरूब्बाल गिदोन रहा।)

निआवाधीस तोला

10 अबीमेलेक क मरइ क पाछे इस्राएल क लोगन
क बचावइ बरे परमेस्सर क जरिये दूसर निआवाधीस
पठवा गवा। उ मनई क नाउँ तोला रहा। तोला पुआ नाउँ
क मनई क पूत रहा। पुआ दोदो नाउँ क मनई क पूत रहा।
तोला इस्साकार क परिवार समूह क रहा। तोला सामीर नगर
मँ रहत रहा। सामीर नगर एप्रैम क पहाड़ी पहँटा मँ रहा।
2तोला इस्राएल क लोगन बरे तेईस बरिस तलक निआवाधीस
रहा। तब तोला मर गवा अउ सामीर नगर मँ दफनावा
गवा।

निआवाधीस याईर

3तोला क मरइ क पाछे, परमेस्सर क जरिये एक ठु
अउर निआवाधीस पठवा गवा। उ मनई क नाउँ याईर रहा।
याईर गिलाद क पहँटा मँ रहत रहा। याईर इस्राएल क
लोगन क बरे बाईस बरिस तलक निआवाधीस रहा। 4याईर
क तीस पूत रहेन। उ सबह तीस पूत तीस गधन पइ सवार
होत रहेन। उ सबइ तीस पूत गिलाद छेत्र क तीस नगरन क
इन्तजाम करत रहेन। उ सबइ नगर "याईर क सहर" आजु
तलक कहा जात हीं। 5याईर मरा अउ कामोन नगर मँ
दफनावा गवा।

अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन क खिलाफ लड़त ही

6तब इस्राएल क लोग फुन उहइ किहेन जउन यहोवा क
नज़र मँ बुरा रहा। उ सबइ बाल देवतन, अउर अस्तारोत,
अउर अरामीय सीदोन, मोआब, अम्मोनियन अउर पलिस्तियन
क देवतन क पूजा किहेस। इस्राएल क लोगन यहोवा क
तजि दिहेन अउर ओकर उपासना अउर सेवा बन्द कइ
दिहेन।

7एह बरे यहोवा इस्राएल क लोगन पइ कोहान। यहोवा
पलिस्तियन अउ अम्मोनियन क ओनका पराजित करइ
दिहस। 8उहइ बरिस ओन लोग इस्राएल क ओन लोगन क
बर्बाद किहेस जउन गिलाद पहँटा मँ यरदन नदी क पूरब मँ
रहत रहेन। इ उहइ भुइँया अहइ जहाँ अमोरियन लोग रह
चुका रहेन। इस्राएल क उ सबइ लोग अट्ठारह बरिस
तलक कस्ट भोगत रहेन। 9तब अम्मोनी लोग यरदन नदी क
पार गएन। उ सबइ लोग यहूदा, बिन्यामीन अउ एप्रैम क
लोगन क खिलाफ लड़इ गएन। अम्मोनी लोग इस्राएल क
लोगन पइ अनेक बिपत्तियन ढाएन।

10एह बरे इस्राएल क लोग यहोवा क रोइके गोहराएन,
"हम लोग, परमेस्सर, तोहरे खिलाफ पाप किहा ह। हम
लोग अपने परमेस्सर क तजा अउ बाल क मूरतियन क
पूजा कीन्ह।"

11यहोवा इस्राएल क लोगन क जवाब दिहस, "तू लोग
मोका तबइ रोइके गोहराया जब मिस्री, एमोरी, अम्मोनी तथा
पलिस्ती लोग तोहरे सबन पइ अत्याचार किहन। मइँ तू
पचन्क एन लोगन स रच्छा करवा। 12तू लोग तबइ
चिचियाया जब सीदोन क लोग, अमालेकियन अउ मिद्यानियन
तू पचन पइ प्रहार किहन। मइँ ओन लोगन स भी तू पचन्क
बचाएउँ ह। 13किन्तु तू पचे मोका तजा ह। तू पचे दूसर
देवतन क उपासना किहा ह। एह बरे मइँ तू पचन्क फुन
बचावइ स इन्कार करत हउँ। 14तू पचे ओन देवतन क पूजा
करब पसन्द करत अहा। एह बरे ओनके निचके मदद खातिर
गोहरावइ जा। जब तू पचे विपत्ति मँ पड़इ तउ उहइ समय
ओन देवतन क तू लोगन क रच्छा करइ द्या।"

15किन्तु इस्राएल क लोग यहोवा स कहेन, "हम लोग
पाप कीन्ह ह। तू, हम पचन्क संग जउन चाहत ह, करा।
किन्तु कृपा करके आजु हम लोगन क बचा।" 16तब
इस्राएल क लोग अपने लगे क विदेसी देवतन क लोकाइ
दिहा। उ पचे फुन स यहोवा क उपासना सुरू किहन। एह
बरे जब यहोवा ओनका कस्ट उठावत लखेस, तब उ
ओनके बरे दुःखी भवा।

यिप्तह प्रमुख चुना गवा

17अम्मोनी लोग जुद्ध करइ बरे एक संग बटुरेन,
ओनकर डेरा गिलाद पहँटा मँ रहा। इस्राएल क लोग एक
संग बटुरेन, ओनकर डेरा मिस्पा नगर मँ रहा। 18गिलाद
छेत्र मँ रहइवाले लोगन क प्रमुखन कहेन, "अम्मोन क
लोगन पइ हमला करइ मँ जउन मनई हमार अगुआई करी,
उहइ मनई, ओन सबहिं लोगन क प्रमुख होई जाई जउन
गिलाद पहँटा मँ रहत ही।"

11 यिप्तह गिलाद क परिवार समूह स रहा। उ एक
ताकतवर जोधा रहा। किन्तु यिप्तह एक ठु रण्डी क
पूत रहा। ओकर बाप गिलाद नाउँ क मनई रहा। 2गिलाद
क मेहरारू क अनेक पूत रहेन। जब उ पचे बड़े भएन तउ
उ पचे यिप्तह क पसन्द नाहीं किहन। ओन पूतन यिप्तह क
आपन जनम क नगर क तजइ बरे मजबूर किहन। उ पचे
ओहसे कहेन, "तू हमरे बाप क दौलत मँ कछू नाहीं पाइ
सकत अहा। तू दूसर मेहरारू क पूत अहा।" 3एह बरे
यिप्तह आपन भाइयन क कारण दूर चला गवा। उ तोब
प्रदेस मँ रहत रहा। तोब प्रदेस मँ कछू मुल्यहीन लोग यिप्तह
क अनुसरण करइ लागेन।

4कछू समइ पाछे अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन स
लड़ेन। 5अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन क खिलाफ
लड़त रहेन। एह बरे गिलाद प्रदेस क अग्रज (प्रमुख) यिप्तह
क लगे आएन। उ पचे चाहत रहेन कि यिप्तह तोब प्रदेस
क तजि देइ अउर गिलाद प्रदेस मँ लउटि आवइ।

6प्रमुखन यिप्तह स कहेन, "आवा, हमार प्रमुख बना,
जेहसे हम लोग अम्मोनियन क संग लड़ सकी।"

7मुला यिप्तह गिलाद प्रदेस क अग्रजन स कहेस, "का इ
फुरइ नाहीं कि तू लोग मोहसे घिना करत अहा? तू लोग
मोका आपन पिता क घर तजइ बरे मजबूर किहा। एह बरे
जब तू पचे विपत्ति मँ ह्वा तउ मोरे लगे काहे आवत
रह्या?"

8गिलाद प्रदेस क अग्रजन यिप्तह स कहेन, "इहइ कारण
अहइ जेहसे हम अब तोहरे लगे आवा अही। कृपा कइके
हम लोगन क संग आवा अउर अम्मोनी लोगन क
खिलाफ लड़ा। तू ओन सबहिं लोगन क सेनापति होब्या
जउन गिलाद प्रदेस मँ रहत ही।"

9तब यिप्तह गिलाद प्रदेस क अग्रजन स कहेस, "जदि तू
लोग चाहत अहा कि मइँ गिलाद क लउटउँ अउर अम्मोनी
लोगन क खिलाफ लड़उँ तउ इ बहोत नीक बात अहइ।
किन्तु जदि यहोवा मोका विजय पावइ मँ मदद करइ तउ मइँ
तोहार पचन्क नवा प्रमुख बनब।"

10गिलाद प्रदेस क अग्रजन यिप्तह स कहेन, "हम लोग
जउन बातन करत अही, यहोवा उ सबइ सुनत अहइ। हम
लोग इ सबइ करइ क प्रतिग्या करत अही जउन तू पचे
हमका करइ क कहत रह्या।"

11एह बरे यिप्तह गिलाद क अग्रजन क संग गवा। ओन
लोग यिप्तह क आपन प्रमुख तथा आपन फउज क सेनापति
बनाएन। यिप्तह मिस्पा नगर मँ यहोवा क समन्वा आपन
सबहिं बातन दोहराएस।

यिप्तह अम्मोनी राजा क लगे संदेसा पठवत ह

12यिप्तह अम्मोनी राजा क लगे दूतन पठएस। दूतन राजा
क इ सँदेसा दिहसः "अम्मोनी अउ इस्राएल क लोगन क
बीच समस्या का अहइ? तू हमरे भुइँया मँ लड़इ बरे काहे
आवा अहा?"

13अम्मोनी लोगन क राजा यिप्तह क दूतन स कहेस,
"हम लोग इस्राएल क लोगन स एह बरे लड़त अही
काहेकि इस्राएल क लोग हमार भुइँया तब लइ लिहन जब

उ पचे मिस्र स आवा रहेन। उ पचे हमार भुइँया अर्नोल नदी
स यब्बोक नदी अउ हुवाँ स यरदन नदी तलक लइ लिहन
अउ अब इस्राएल क लोगन स कहा कि उ पचे हमार
भुइँया हम का सान्तिपूर्वक वापस दइ देइँ।"
14एह बरे यिप्तह क दूतन इ सँदेसा यिप्तह क लगे
वापस लइ गवा। तब यिप्तह अम्मोनी लोगन क राजा क
लगे फुन दूत पठएस। **15**उ पचे इ सँदेसा लइ गएन:

"यिप्तह इ कहत बाटइ। इस्राएल मोआब क लोगन
या अम्मोन क लोगन क भुइँया नाही लिहस। **16**जब
इस्राएल क लोग मिस्र देस स बाहेर आएन तउ उ पचे
मरूभूमि स होइके जात्रा किहेन। उ पचे लाल सागर
क गएन। तब उ पचे उ ठउर क गएन जेका कादेस
कहा जात ह। **17**इस्राएल क लोग एदोम क राजा क
लगे दूत पठए रहेन। उ पचे कहे रहेन, "इस्राएल क
लोगन क तोहार भुइँया स गुजर जाइ द्या।" किन्तु
एदोम क राजा अपने भुइँया स हम लोगन क नाहीं
जाइ दिहेस। हम लोग उहइ सँदेसा मोआब क राजा क
लगे पठवा। मुला मोआब क राजा भी अपने भुइँया स
होइके हम लोगन क नाहीं जाइ दिहस। एह बरे
इस्राएल क लोग कादेस मँ ठहरा रहेन।
18तब इस्राएल क लोग मरूभूमि स होइके गएन
अउर एदोम प्रदेस तथा मोआब भुइँया क छोरन क
चारिहुँ कइँती चक्कर काटत रहेन। इस्राएल क लोग
मोआब भुइँया क पूरब क तरफ स जात्रा किहन। उ
पचे आपन डेरा अर्नोन नदी क दूसर कइँती डाएन। उ
पचे मोआब क चउहद्दी क पार नाही किहन। (अर्नोन
नदी मोआब क भुइँया क सीमा रही।)
19तब इस्राएल क लोग एमोरी लोगन क राजा
सीहोन क लगे दूत पठएन। सीहोन हेस्बोन नगर क
राजा रहा। दूत लोग सीहोन स माँग किहन, "इस्राएल
क लोगन क अपने भुइँया स गुजर जाइ दया। हम
लोग अपने भुइँया मँ जाइ चाहित ह।" **20**किन्तु एमोरी
लोगन क राजा सीहोन इस्राएल क लोगन क आपन
चउहद्दी पार नाही करइ दिहस। सीहोन आपन सबहिं
लोगन क बटोरेस अउर यहस पइ आपन डेरा डाएस।
तब एमोरी लोग इस्राएल क लोगन क संग लड़ेन।
21किन्तु यहोवा इस्राएल क लोगन क परमेस्सर,
इस्राएल क लोगन क मदद, सीहोन अउ ओकर फउज
क हराइवइ मँ, किहस। एमोरी लोगन क सारी भुइँया
इस्राएल क लोगन क सम्पत्ति बन गइ। **22**इ तरह
इस्राएल क लोग एमोरी लोगन क सारा भुइँया पाएस।
इ अर्नोन नदी स यब्बोक नदी तलक फइला रहा। इ
भुइँया मरूभूमि स यरदन नदी तलक भी फइला रहा।
23इ यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर रहा जउन एमोरी
लोगन क आपन देस तजइ बरे बलपूर्वक मजबूर
किहस अउर यहोवा उ प्रदेस इस्राएल क लोगन क
दिहस। का तू पचे सोचत अहा कि तू पचे इस्राएल क
लोगन स इ छोड़वाइ देब्या? **24**निहचइ ही, तू पचे उ
भुइँया मँ रहि सकत ह जेका तोहार पचन्क देवता
कमोस तोहका पचन्क दिहस ह। एह बरे हम लोग उ
भुइँया मँ रहब, जेका यहोवा, हमार परमेस्सर हमका
दिहस ह। **25**का तू पचे सिप्पोर नाउँ क मनई क पूत
बालाक स जियादा नीक अहा? उ मोआब क राजा
रहा। का उ इस्राएल क लोगन स बहस किहस? का
उ कबहुँ इस्राएल क लोगन स लड़ा? **26**इस्राएल क
लोग हेस्बोन अउ ओकर चारिहुँ ओर क सहरन मँ,
अरोएर अउर ओकर चारिहुँ कइँती क सहर अउर
अर्नोन नदी क किनारे क सबइ सहरन मँ तीन सौ बरिस
तलक रहि चुकेन ह। तू एन नगरन क उहइ समय पर
वापिस लेइ क जतन काहे नाहीं किहेन? **27**मइँ तोहार
खिलाफ कउनो पाप नाहीं किहेन ह। किन्तु तू मोर
खिलाफ बहोत बुरा अहा। यहोवा क, जउन सच्चा
निआवाधीस अहइ, निहचइ करइ द्या कि इस्राएल क
लोग ठीक राहे पइ अहइँ या अम्मोनी लोग।
28अम्मोनी लोगन क राजा यिप्तह इ सँदेसा क अनसुना
किहस।

यिप्तह क प्रतिग्या

29तब यहोवा क आतिमा यिप्तह पइ उतर आएस। यिप्तह
गिलाद अउर मनस्से क भुइँया स गुजरा। उ गिलाद भुइँया
मँ मिस्पे नगर क गवा। गिलाद भुइँया मँ मिस्पे नगर क
पार करत भवा यिप्तह, अम्मोनी लोगन क भुइँया मँ गवा।
30यिप्तह यहोवा क बचन दिहस। उ कहेस, "जदि तू
एमोरी लोगन क मोका हरावइ देत ह, **31**तउ मइँ उ पहिली
जीवित चीज क तोहका भेंट करव जउन मोर विजय स
लउटइ क समइ मोरे घर स बाहेर आइ। मइँ एका यहोवा
क होमबलि क रूप मँ देब।"
32तब यिप्तह अम्मोनी लोगन क भुइँया मँ गवा। यिप्तह
अम्मोनी लोगन स लड़ा। यहोवा अम्मोनी लोगन क हरावइ
मँ ओकर मदद किहस। **33**उ ओनका अरोएर नगर स
मिन्नीत क छेत्र क छोर तलक हराएस। यिप्तह बीस नगरन
पइ कब्जा किहस। उ अम्मोनी लोगन स आबेलकरामीम
नगर तलक जुद्ध किहस। इ अम्मोनी लोगन बरे बड़की
हार रही। अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन क जरिये हराइ
दीन्ह गएन।
34यिप्तह मिस्पा क लउटा अउर अपने घरे गवा। ओकर
बिटिया आपन घरे स बाहेर ओहसे भेटइ बरे आएन। उ एक
तम्बूरा बजावत रही अउर नाचत रही। उ ओकर एकलउटी
बिटिया रही। यिप्तह ओसे बहोत पियार करत रहा। ओका
लगे कउनो दूसर बिटिया या पूत नाही रहेन। **35**जब यिप्तह
लखेस कि पहिली जिबित चीज ओकर बिटिया ही रही,
जउन ओकर घर स बाहेर आइ तब उ दु:ख क परगट
करइ बरे आपन ओढ़ना फारि डाएस अउर इ कहेस, "आह!
मोर बिटिया तू मोका बर्बाद कइ दिहा। तू मोका बहोत
दु:खी कइ दिहा। मइँ यहोवा क बचन दिहे रहेउँ, मइँ ओका
वापिस नाही लइ सकत।"
36तब ओकर बिटिया यिप्तह स कहेस, "बाप, आप
यहोवा स प्रतिग्या किहा ह। एह बरे उहइ करा जउन आप
करइ क प्रतिग्या किहा ह। तू मोर संग उहइ करा जउन

प्रतिग्या तू यहोवा स किहा ह। आखीर मँ यहोवा आपका दुस्मनन, अम्मोनी लोगन क हरावइ मँ तोहार मदद किहस ह।"

37तब ओकर बिटिया अपने बाप यिप्तह स कहेस, "किन्तु मोरे बरे पहिले एक ठु काम करा। दुइ महीने तलक मोका अकेली रहइ द्या। मोका पहाड़न पइजाइ द्या। जइसा कि मइँ बियाह नाही करब, नाहीं कउनो बच्चा क जनम देब। मोका अउर मोरी सहेलियन क एक संग जाइ अउर एक संग रोवइ क अनुमति द्या।"

38यिप्तह कहेस, "जा अउर वइसा ही करा," यिप्तह ओका दुइ महीने तलक पठइ दिहस। यिप्तह क बिटिया अउर ओकर सहेलियन पहाड़न मँ रहिन। उ पचे ओकरे बरे रोएन अउर चिचियानेन, काहेकि उ न बियाह करी अउर न ही बच्चन पइदा करी।

39दुइ महीने क पाछे यिप्तह क बिटिया आपन पिता क लगे लउटी। यिप्तह उहइ किहस जउन उ यहोवा स प्रतिग्या किहे रहा। यिप्तह क बिटिया एक कुवाँरी रही। ओकर कउनो क संग कउनो सरीरे क सम्बन्ध नाहीं रहा। एह बरे इस्राएल मँ इ रिवाज बन गवा। 40इस्राएल क मेहररूअन हर बरिस गिलाद क यिप्तह क बिटिया क याद करत रहिन। मेहररूअन यिप्तह क बिटिया बरे हर एक बरिस चार दिन तलक रोवत रहिन।

यिप्तह अउर एप्रैम

12 एप्रैम क परिवार समूह क लोग आपन फउजियन क बटोरेन। तब उ पचे नदी पार कइके सापोन नगर गएन। उ पचे यिप्तह स कहेन, "तू हम लोगन क अम्मोनी लोगन क बिरोध मँ जुद्ध करइ बरे काहे नाही बोलाया? हम लोग तोहका अउर तोहरे घरे क बार देब।"

2यिप्तह ओनका जवाब दिहस, "अम्मोनी लोग हम लोगन बरे अनेक समस्या पइदा करत अहइँ। एह बरे मइँ अउर हमार लोग ओनके खिलाफ लड़ेन। मइँ तू लोगन क बोलाएउँ, किन्तु तू लोग हम लोगन क मदद करइ नाही आया। 3मइँ लखेउँ कि तू लोग मदद नाही करब्या। एह बरे मइँ आपन जिन्नगी खतरा मँ डाएउँ। मइँ अम्मोनी लोगन स लड़इ बरे नदी क पार गएउँ। यहोवा ओनका हरावइ मँ मोर मदद किहस। अब आजु तू मोरे खिलाफ लड़इ बरे काहे आया ह?"

4तब यिप्तह गिलाद क मनईयन क एक संग बोलाएस। उ पचे एप्रैम क परिवार समूह क लोगन क संग लड़ेन। उ पचे एप्रैम क लोगन क संग एह बरे लड़ेन, काहेकि ओन लोग गिलाद क मनईयन क अपमान किहे रहेन। उ पचे कहे रहेन, "गिलाद क लोगो, तू लोग एप्रैम परिवार क बचे भए लोगन क अलावा दूसर कछू नाही अहा। तू लोगन क लगे आपन भुइँया भी नाहीं अहइ। तू लोगन क एक ठु हीसा एप्रैम मँ स अहइ तथा दूसर हींसा मनस्से मँ स अहइ।" गिलाद क लोग एप्रैम क लोगन क हराएन।

5गिलाद क लोग यरदन नदी क घाटन क कब्जा कइ लिहन। उ सबइ घाटन एप्रैम प्रदेस तलक लइ जात रहेन। जब कबहुँ भी एप्रैम स बचा भवा जउन कउनो भी नदी पइ आवत, अउर कहत, "मोका नदी पार करइ द्या" तउ गिलाद क लोग ओहसे पूछतेन, "का तू एप्रैम मँ स अहा?" जदि उ "नाहीं" कहत तउ, 6उ पचे कहतेन, 'शिब्बोलेत' सब्द क उच्चारण करा।" एप्रैम क लोग उ सब्द क सुद्ध उच्चारण नाही कइ सकत रहेन। उ पचे ओका "सिब्बोलेत" सब्द उच्चारण करते रहेन। जदि एप्रैम मँ स बचा मनई "सिब्बोलेत" क उच्चारण करत तउ गिलाद क लोग ओका घाटे पइ ही मार देत रहेन। इ तरह उ समइ एप्रैम मँ स 42,000 मनई मारा ग रहेन।

7यिप्तह इस्राएल क लोगन क निआवाधीस छ: बरिस तलक रहा। तब गिलाद क निवासी यिप्तह मर गवा। ओका गिलाद मँ ओकर आपन नगर मँ दफनावा गवा।

निआवाधीस इबसान

8यिप्तह क मरइ क पाछे इस्राएल क लोगन क निआवाधीस इबसान नाउँ क मनई भवा। इबसान बेतलेहेम नगर क निवासी रहा। 9इबसान क तीस पूत अउ तीस बिटियन रहिन। उ अइसी तीस मेहररूअन आपन पूतन क संग बियाही बरे लिआवा, जउन ओकर रिस्तेदार नाहीं रहिन। इबसान इस्राएल क लोगन क निआवाधीस सात बरिस तलक रहा। 10तब इबसान मर गवा। उ बेतलेहेम नगर मँ दफनावा गवा।

निआवाधीस एलोन

11इबसान क मरइ क पाछे इस्राएल क लोगन क निआवाधीस एलोन नाँउ क मनई भवा। एलोन जबूलून क परिवार समूह स रहा। उ दस बर्स तक इस्राएल क लोगन क निआवाधीस रहा। 12तब जबूलून क परिवार समूह क मनई एलोन मर गवा। उ जबूलून क भुइँया मँ अय्यालोन नगर मँ दफनावा गवा।

निआवाधीस अब्दोन

13एलोन क मरइ क पाछे इस्राएल क लोगन क निआवाधीस अब्दोन नाउँ क मनई भवा। अब्दोन हिल्लेल नाउँ क मनई क पूत रहा। अब्दोन पिरातोन नगर क निवासी रहा। 14अब्दोन क चालीस पूत अउ तीस पोता रहेन। उ सबइ सत्तर गधन पइ सवार होत रहेन। अब्दोन इस्राएल क लोगन क निआवाधीस आठ बरिस तलक रहा। 15तब हिल्लेल क पूत अब्दोन मर गवा। उ पिरातोन नगर मँ दफनावा गवा। पिरातोन एप्रैम भुइँया मँ अहइ। इ उ पहाड़ी देस अहइ जहाँ अमालेकी लोग रहत रहेन।

सिमसोन क जनम

13 फुन इस्राएल क लोग उहइ कार्य किहेन जुन यहोवा क नज़र मँ बुरा रहा। एह बरे यहोवा पलिस्ती लोगन क ओन पइ चालीस बरिस तलक सासन करइ दिहस।

2एक मनई सोरा नगर क निवासी रहा। उ मनई क नाउँ मानोह रहा। उ दान क परिवार समूह स रहा। मनोह क एक ठु मेहरारू रही। मुला उ कउनो संतान पइदा नाहीं कइ

सकत रही। **3**यहोवा क सरगदूत मानोह क मेहरारू क
समन्वा परगट भवा अउर उ कहेस, “तू सन्तान उत्पन्न नाहीं
कइ सकत अहा। मुला तू गर्भ धारण करबिउ अउर तोहका
एक ठु पूत होइ। **4**तू दाखरस या कउनो नसीली पिअइ क
चीज जिन पिआ। कउनो भी असुद्ध भोजन* क न खा।
5काहेकि तू फुरइ गर्भ धारण करबिउ अउर तोहका एक ठु
पूत होइ। परमेस्सर बरे एक खास रूप मँ समर्पित होइ। उ
एक नाज़ीर* होइ। एह बरे तोहका ओकरे बाल कबहुँ नाहीं
काटइ चाही। उ पइदा होइ स पहिले परमेस्सर क मनई
होइ। उ इस्राएल क लोगन क पलिस्ती लोगन क सक्ती स
अजाद कराई।”

6तब उ मेहरारू आपन भतार क लगे गइ अउर जउन
कछू भवा रहा, बताएस। उ कहेस, “परमेस्सर क निअरे स
एक ठु मनई मोरे लगे आवा। उ परमेस्सर क एक सरगदूत
क तरह मालूम होत रहा। उ बहोतइ अद्भुत देखाइ पड़त
रहा अउर मइँ डेराइ गइ रही। मइँ ओहसे इ नाहीं पूछेउँ
कि, तू कहाँ स आवा अहा। उ मोका आपन नाउँ नाहीं
बताएस। **7**मुला उ मोसे कहेस, ‘तू गर्भ धारण करे अहा
अउर तोहका एक ठु पूत होइ। कउनो दाखरस या नसीली
चीज पिअइ क जिन पिआ। कउनो असुद्ध खइया जिन खा,
काहेकि उ गदेला बिसेस रूप स परमेस्सर क समर्पित होइ।
उ लड़का जनम क पहिले स लइके मरइ क दिन तलक
परमेस्सर क नाज़ीरी होइ।’”

8तब मानोह यहोवा स पराथना किहेस, “हे यहोवा, मइँ
तोहसे पराथना करत हउँ कि तू परमेस्सर क मनई क हम
लोगन क लगे फिन भेजा। हम चाहित ह कि उ हमका
सिखावइ कि हम लोगन क हिआँ जउन बहोत हाली ही
जनम लेइवाले गदेलन अहइ ओकरे संग हमका का करइ
चाही?”

9परमेस्सर मानोह क पराथना सुनेस। परमेस्सर क सरगदूत
फुन उ मेहरारू क लगे, तब आता जब व खेते मँ बइठी
रही। किन्तु ओकर भतार मानोह ओकरे संग नाहीं रहा।
10एह बरे उ मेहरारू आपन भतारे स इ कहइ खातिर दउड़ी,
“उ मनई लउटा ह। जउन मनई दूसर दिना मोरे लगे आवा
रहा, उ हिआँ अहइ।”

11मानोह उठा अउर आपन मेहरारू क पाछे चला। जब
उ उ मनई क लगे पहोंचा तउ उ कहेस, “का तू उहइ
मनई अहा जउन मोर मेहरारू स बातन किहे रही।”

सरगदूत कहेस, “मइँ ही अहउँ।”

12एह बरे मानोह कहेस, “मोका आसा अहइ कि जउन
तू कहत अहा उ होइ। इ बतावा कि उ लड़का कैसी जिन्गी
बिताइ? उ का करब?”

13यहोवा क सरगदूत मानोह स कहेस, “तोहार मेहरारू
क उ सब आदेस क पालन करइ चाही, जउन मइँ ओका
करइ क कहेउँ ह। **14**ओका अंगूर क बेल पइ उगी कउनो
चीज नाहीं खाइ चाही। ओका दाखरस या कउनो नसीली
पिअइ क चीज नाहीं पिअइ चाही। ओका कउनो ऐसे खइया
क नाहीं खाइ चाही जउन असुद्ध होइ। ओका उ सब करइ
चाही, जउन करइ क आदेस मइँ दिहे अहँउ।”

15तब मानोह यहोवा क सरगदूत स कहेस, “हम इ
चाहित ह कि तू तनिक देर अउर रूका। हम लोग तोहरे
भोजन बरे नया बोकरा पकाउब चाहत ही।”

16तब यहोवा क सरगदूत मानोह स कहेस, “जदि तू
हिआँ स जाइ स मोका रोकब्या तउ भी मइँ तोहार खइया
नाहीं खाउब। किन्तु जदि तू कछू तइयार करइ चाहत अहा
तउ यहोवा क होमबलि द्या। मानोह नाहीं समुझेस कि उ
मनई फुरइ यहोवा क सरगदूत रहा।

17तब मानोह यहोवा क सरगदूत स कहेस, “तोहार नाउँ
का अहइ? हम लोग एह बरे जानइ चाहित ह कि हम
तोहार सम्मान तब करि सकब, जब तोहार वचन सच्च
होब्या।”

18यहोवा क सरगदूत मानोह स कहेस, “तू मोर नाउँ
काहे पूछत अहा? इ अद्भुत अहइ।”*

19तब मानोह चट्टाने पइ एक ठु बोकरा क बलि दिहस।
उ यहोवा क कछू अन्न भी भेंट क रूप मँ दिहस। अउर
जब मनोह अउर ओकर पत्नी देखत रहेन तउ उ एक
अद्भुत काम किहस। **20**जइसी आगी क लपटन वेदी स
अकास तलक उठिन, वइसे ही यहोवा क सरगदूत आगी मँ
स आकास क चला गवा। जब मानोह अउ ओकर मेहरारू
इ लखेन तउ उ पचे धरती पइ भहराइ गाएन। उ पचे अपने
मूँड़ क धरती स लगाएन। **21**मानोह अन्त मँ समुझेस कि उ
मनई फुरइ यहोवा क दूत रहा। यहोवा क सरगदूत फुन
मानोह अउर ओकरे पत्नी क समन्वा परगट नाहीं भवा।
22मानोह कहेस, “हम लोग परमेस्सर क लखे अही! निहचइ
ही इ कारण स हम लोग मरब।”

23लेकिन ओकर मेहरारू ओहसे कहेस, “यहोवा हम
लोगन क मारइ नाहीं चाहत। जदि यहोवा हम लोगन क
मारइ चाहत तउ उ हम लोगन क होमबलि अउर अन्नबलि
अंगीकार न करत। उ हम लोगन क उ सब न देखाए होत,
अउर हम लोगन स इ सबइ बातन न कहे होत।”

24एह बरे मेहरारू क एक ठु पूत भवा। उ ओकर नाउँ
सिमसोन धरेस। सिमसोन बड़ा भवा अउर यहोवा ओका
आसीर्वाद दिहेस। **25**यहोवा क अतिमा सिमसोन क हिलाना
डोलाना सुरू किहेस, जब उ महनेदान नगर मँ रहत रहा। उ
नगर सोरा अउ एसताओल नगर क बीच अहइ।

सिमसोन क बियाह

14 सिमसोन तिम्ना नगर क गवा। उ हुवाँ एक ठु
पलिस्ती जुवती क लखेस। **2**जब उ वापस लउटा
तउ उ आपन महतारी बाप स कहेस, “मइँ एक पलिस्ती
लड़की क तिम्ना मँ लखेउँ ह। मइँ चाहत हउँ तू ओका मोरे
बरे लिआवा। मइँ ओहसे बियाह करइ चाहत हउँ।”

असुद्ध भोजन “जउन स्वीकार नाहीं कीन्ह जा सके” सुद्ध नाहीँ अउर परमेस्सर क आराधना बरे प्रयोग नाही कीन्ह जाइ सकी। लखा लेवी. 11-15 पराना नेम सुद्ध असुद्ध क बारे मँ जानइ बरे।

नाजीर एक मनई जउन परमेस्सर क संग बिसेस वाचा करत ह। नाज़ीर क वाचा क विधि बरे लखा गन्ती 6:1-21

इ अद्भुत अहइ इ सब्द क अरथ अहइ “अद्भुत”, “आस्र्चजनक” इ एक नाउँ क जइसा अहइ, अरथात “आस्चर्यजनक सलाहकार” लखा यसायाह 9:6

3ओकर बाप अउ महतारी जवाब दिहेन, “निहचय ही हमार सम्बंधियन मँ या हमार लोगन मँ स एक लड़की अहइ जेहसे तू बियाह कइ सकत ह। का तू पलिस्ती लोगन मँ स एक ठु लड़की स बियाह करब्या? पलिस्ती लोगन मँ स कउनो क भी खतना नाहीं भएस ह।”

किन्तु सिमसोन कहेस, “मोरे खातिर उहइ लड़की लिआवा। मइँ ओका ही चाहत हउँ।” 4(सिमसोन क महतारी-बाप नाहीं समझुत रहेन कि यहोवा अइसा ही होइ देइ चाहत ह। यहोवा एक पलिस्ती लोगन क खिलाफ जाई बरे कारण खोजइ चाहत रहा। उ समइ पलिस्ती लोग इस्राएल क लोगन पइ हुकूमत करत रहेन।)

5सिमसोन आपन महतारी-बाप क संग तिम्ना नगर क गवा। उ पचे नगर क निचके अंगूर क खेतन तलक पहँचन। उ ठउरे पइ एक ठु जवान सेर गरज उठा अउर सिमसोन पइ कूदा। 6यहोवा क आतिमा क बड़की ताकत स सिमसोन पइ उतरी। उ अपने खाली हाथन स सेर क चीर डाएस। इ ओकरे बरे सहल मालूम भवा। इ वइसा सहल मालूम भवा जइसा एक ठु बोकरी क बच्चा क चीरब। किन्तु सिमसोन आपन महतारी-बाप क नाहीं बताएस कि उ का किहेस ह।

7एह बरे सिमसोन नगर मँ गवा अउ पलिस्ती लड़की स बातन किहेस। उ ओका खुस किहेस। 8कईउ दिना पाछे सिमसोन उ पलिस्ती लड़की क संग बियाह करइ वापस आवा। आवत समइ रास्ता मँ मरा सेर क लखइ गवा। उ मरे सेर क तने मँ मधुमक्खियन क एक ठु छत्ता पाएस। उ सबइ कछू सहद तइयार कइ लिहे रहिन। 9सिमसोन अपने हाथे स कछू सहद निकारेस। उ सहद चाटत भवा रास्ते पइ चल पड़ा। जब उ आपन महतारी-बाप क लगे आवा तउ उ ओनका कछू सहद दिहस। उ पचे भी ओका खाएन किन्तु सिमसोन अपने महतारी-बाप क नाहीं बताएस कि उ मरे सेर क तने स सहद लिहस ह।

10सिमसोन क बाप पलिस्ती लड़की क लखइ गवा। दूल्हे बरे इ रिवाज रहा कि ओका एक दावत देब होत ह। एह बरे सिमसोन दावत दिहेस। 11जब लोग लखेन कि उ एक ठु दावत देत अहइ तउ उ पचे ओकरे संग तीस मनई पठएन।

12तब सिमसोन ओन तीस मनइयन स कहेस, “मइँ तू पचन्क एक ठु पहेली सुनावइ चाहत हउँ। मोर दावत सात दिन तलक चली। उ समइ ही जवाब हेरइ क कोसिस कर्‍या। जदि तू पचे पहेली क जवाब उ समइ क अन्दर दइ सक्या तउ मइँ तू पचन्क तीस ठु सूती कमीजन, तीस ओढ़नन क जोड़ा देब। 13किन्तु जदि तू पचे एकर जवाब न निकारि सक्या तउ तू पचन्क तीस सूती कमीजन अउ तीस जोड़ी ओढ़नन मोका देइ क होइ।” एह बरे तीस मनइयन कहेन, “पहिले आपन पहेली सुनावा, हम एका सुनइ चाहित ह।”

14सिमसोन इ पहेली सुनाएसः

खाइवालन मँ स कछू खाइ क चीज। अउर ताकतवर
मँ स कछू मधुर चीज निकरेस।

एह बरे तीस मनइयन तीन दिना तलक एकर जवाब हेरइ क जतन किहेन, किन्तु उ पचे कउनो जवाब न पाइ सकेन।

15चउथे दिन* उ सबइ मनई सिमसोन क मेहरारू क निचके आएन। उ पचे कहेन, “का तू हम पचन्क गरीब बनावइ खातिर हिआँ हम क बोलाया ह? तू अपने भतार क, हम लोगन क पहेली क जवाब देइ बरे फुसलावा। जदि तू हम लोगन बरे जवाब नाहीं निकारतिउ तउ हम लोग तोहका अउर तोहरे बाप क घरे मँ रहइवालन सबहिं लोगन क बार देब।”

16एह बरे सिमसोन क मेहरारू ओकरे लगे गइ अउर रोवइ-चिचियाइ लाग। उ कहेस, “तू मोहसे सिर्फ घिना करत अहा। तू मोहसे सच्चा पिरेम नाहीं करत अहा। तू मोरे लोगन क एक ठु पहेली सुनाया ह अउर तू ओकर जवाब मोका नाहीं बताइ सकल्या।”

सिमसोन जवाब दिहेस, “किन्तु मँ आपन माता-पिता क भी नहीं बताएस, तउ फिर मोका इ तोहका काहे बताइ चाही।”

17सिमसोन क मेहरारू दावत क आखिर सात दिना तलक रोवत चिचियात रही। एह बरे आखिर मँ उ सतएँ दिन पहेली क जवाब ओका दिहस। उ बताइ दिहस काहेकि उ ओका बराबर परेसान करत रही। तब उ आपन लोगन क बीच गइ अउर ओनका पहेली क जवाब दइ दिहस।

18इ तरह दावत वाले सतएँ दिन सूरज बूड़इ स पहिले पलिस्ती लोगन क लगे पहेली क जवाब रहा। उ पचे सिमसोन क लगे आएन अउर उ पचे कहेन,

“सहद स मीठ का बाटइ? सेर स ताकतवर कउन
अहइ?”

तब सिमसोन ओनसे कहेस,

“जदि तू पचे मोरी गइया क न जोते होत्या तउ, मोरी
पहेली क जवाब नाही निकार पाए होत्या।”

19सिमसोन बहोतइ कोहाइ गवा। यहोवा क आतिमा ओकरे ऊपर बड़की ताकत क संग आइ। उ आस्कलोन नगर क गवा। उ नगर मँ उ ओनकर तीस पलिस्तिय मनइयन क मारेस। तब उ ल्हासन स सारे ओढ़नन अउ सारी दौलत लिहस। उ ओन ओढ़नन क लइके लउटा अउर ओन मनइयन क दिहस, जउन पहेली क जवाब दिहे रहेन। तब उ आपन बाप क घर लउटा। 20सिमसोन आपन मेहरारू क नाहीं लइ गवा। बियाह समारोह मँ हाजिर सब स नीक मनई ओका रख लिहस।

सिमसोन पलिस्तीयन बरे बिपत्ति पइदा करत ह

15 गोहूँ क फसल तइयार होइ क समइ सिमसोन अपनी मेहरारू स भेंटइ गवा। उ आपन संग उपहार मँ एक ठु बोकरी क बच्चा लइ गवा। उ कहेस, “मइँ अपनी मेहरारू क कमरा मँ जात अहउँ।”

किन्तु ओकर बाप ओका अन्दर नाहीं जाइ देइ चाहत रहा। 2ओकर बाप सिमसोन स कहेस, “मइँ सोचेउँ कि तू

चउथे दिन इ पराचीन ग्रीक रूपान्तरन स लीन्ह गवा ह। हिब्रू मँ इ “सात दिन” रहा।

फुरइ अपनी मेहरारू स घिना करत अहा एह बरे बियाह मँ सामिल सब स जियादा नीक मनई क मइँ ओका मेहरारू क रूप मँ दइ दिहेउँ। ओकर नान्ह बहिन ओहसे जियादा सुन्नर अहइ। ओकर छोटकी बहिन क लइ ल्या।"

3किन्तु सिमसोन ओहसे कहेस, "तू पलिस्ती लोगन पइ प्रहार करइ क मोरे लगे अब उचित कारण बाटइ। अब कउनो मोका दोखी नाही बताई।"

4सिमसोन बाहेर निकारेस अउर तीन सौ लोखरियन क धरेस। उ दुइ लोखरियन क एक दाईं एक संग लिहस अउर ओनकर जोड़ा बनावइ बरे ओनकर पूँछ एक संग बाँध दिहस। तब उ लोखरियन क हर जोड़न क पूँछन क बीच एक-एक मसाल बाँधेस। 5सिमसोन लोखरियन क पूँछ क बीच क मसालन क बारेस। तब उ पलिस्ती लोगन क खेतन मँ लोखरियन क छोड़ दिहस। इ तरह उ ओनकर खड़ी फसलन अउर ओनकर अनाज क ढेरन क बार दिहस। उ ओनकर अंगूरे क खेतन अउर जइतून क बृच्छन क भी बार डाएस।

6पलिस्ती लोग पूछेन, "इ कउन किहस?"

कउनो ओनसे कहेस, "तिम्ना क मनई क दामाद सिमसोन इ किहस ह। उ इ एह बरे किहस कि ओकर ससुर सिमसोन क मेहरारू क ओकरे बियाह क समइ हाजिर सब स नीक मनई क दइ दिहस।" एह बरे पलिस्ती सिमसोन क मेहरारू अउ ओकरे ससुर क बारिके मार डाएन।

7तब सिमसोन पलिस्ती क लोगन स कहेस, "तू लोग इ बुरा किहा। एह बरे मइँ तू लोगन पइ प्रहार करब। मइँ तब तलक नाही रूकब जब तक तू लोगन स मइँ आपन बदला नाही लेइ लउब!"

8तब सिमसोन पलिस्ती लोगन पइ हमला किहस। उ ओनमाँ स बहोतन क मार डाएस। तब उ गवा अउर एक ठु गुफा मँ ठहरा। उ गुफा 'एताम क चट्टान' नाँउ क ठउरे पइ रही।

9तब पलिस्ती लोग यहूदा क भुइँया मँ गएन। उ पचे लही नाउँ क ठउरे पाइ रूकेन। ओनकर फउज हुवाँ डेरा डाएस अउर जुद्ध बरे तइयारी किहस। 10यहूदा परिवार समूह क लोग ओनसे पूछेस, "तू पलिस्तीयो, हम लोगन स जुद्ध करइ काहे आया ह?"

उ पचे जवाब दिहन, "हम लोग सिमसोन क धरइ आए अही। हम लोग ओका आपन बन्दी बनावइ चाहित ह। हम लोग ओका ओकर बदला चुकावइ चाहित ह जउन उ हमरे लोगन क संग किहेस ह।"

11तब यहूदा परिवार समूह क तीन हजार मनई सिमसोन क लगे गएन। उ पचे एताम क चट्टान क लगे क गुफा मँ गएन। उ पचे ओहसे कहेन, "तू हम लोगन बरे का किहेस ह? का तोहका पता नाहीं अहइ कि पलिस्ती लोग, हम पइ सासन करत हीं?"

सिमसोन जवाब दिहस, "उ पचे मोरे संग जउन किहेन ओकर मइँ बदला दिहेउँ।"

12तब उ पचे सिमसोन स कहेन, "हम तोहका बन्दी बनावइ आए अही। हम लोग तोहका पलिस्ती लोगन क दइ देब।"

सिमसोन यहूदा क लोगन स कहेस, "प्रतिग्या करा कि तू लोग खुद मोह पइ प्रहार नाही करब्या।"

13तब यहूदा क मनइयन कहेन, "हम अंगीकार करित ह। हम लोग सिरिफ तोहका बाँधब अउर तोहका पलिस्ती लोगन क दइ देब। हम प्रतिग्या करित ह कि हम तोहका जान स न मारब।" एह बरे उ पचे सिमसोन क दुइ नवी रस्सियन स बाँधा। उ पचे ओका चट्टान क गुफा स बाहर लइ गएन।

14जब सिमसोन लही नाउँ क ठउरे पइँ पहोंचा तउ पलिस्ती लोग ओहसे मिलइ आएन। उ पचे खुसी स सोर मचावत रहेन। तब यहोवा क आतिमा बड़की ताकत स सिमसोन मँ आएस। ओकरे ऊपरे क लसुरियन अइसी कमजोर होइ गइन अइसे माना उ सबइ जल गइ होइँ। वासुरियन ओकर हाथन स अइसे गिरिन माना उ सबइ गल गइ होइँ। 15सिमसोन क उ गद्धा क जबड़ा क हाड़ मिला जउन मरा पड़ा रहा। उ जबड़ा क हाड़ लिहस अउर ओहसे एक हजार पलिस्ती लोगन क मार डाएस। 16तब सिमसोन कहेस,

एक ठु गद्धा क जबड़ा क हाड़, स मइँ एक हजार
मनइयन क मार दिहेउँ ह। एक ठु गद्धा क जबड़ा क
हाड़ स मइँ ओनकर ल्हासन क एक ठु ऊँचा ढेर
लगाइ दिहेउँ ह।

17जब सिमसोन बोलब खतम किहेस तब उ जबड़ा क हाड़ क लोकाइ दिहस। एह बरे उ ठउरे क नाउँ रामत लही पड़ा। 18सिमसोन क बहोत पिआस लाग। एह बरे उ यहोवा क गोहराएस। उ कहेस, "मइँ तोहार सेवक हउँ। तू मोका इ बहोत बड़की विजय दिहा ह। का अब मोका पिआस स मरब पड़ी? का मोका ओनसे धरा जाइ क होइ जेनकर खतना नाही भवा ह?"

19लही मँ धरती मँ एक ठु छेद रहा परमेस्सर एका खोलेस अउर पानी बाहेर आइ गवा। सिमसोन पानी पिएस अउर सुसताएस अउर उसने फिर से सक्ति अनुभव किहेस। एह बरे उ पानी क सोते क नाउँ एनहक्कोरे रखेस। इ सब तलक आजु भी लही नगर मँ बाटइ। 20इ तरह सिमसोन इस्राएल क लोगन क निआवाधीस बीस बरिस तलक रहा। उ पलिस्ती लोगन क समइ मँ रहा।

सिमसोन अज्जा नगर क जात ह

16 एक दिन सिमसोन अज्जा नगर क गवा। उ हुवाँ एक ठु रण्डी क लखेस। उ ओकरे संग रात बितावइ बरे भीतर गवा। 2कउनो अज्जा क लोगन स कहेस, "सिमसोन हिआँ आवा ह।" उ पचे ओका जान स मार डावा चाहत रहेन। एह बरे उ पचे नगर क घेर लिहन। उ पचे छुपा रहेन अउर उ पचे नगर दुआर क लगे छुप गएन अउर सारी रात सिमसोन क प्रतीच्छा किहन। उ पचे पूरी रात एकदम चुप रहेन। उ पचे आपुस मँ कहेन, "जब भिंसार होइ, हम लोग सिमसोन क मार डाउब।"

3किन्तु सिमसोन रण्डी क संग आधी राति तलक ही रहा। सिमसोन आधी राति मँ उठा अउर नगर क फाटक क

केंवाड़न क धइ लिहस अउर उ ओनका खींचिके देवार स अलग कइ दिहस। सिमसोन केंवाड़न, दुइ खड़ी चउखटन अउर अबेड़न क जउन केंवाड़ क बन्द करत रहिन, धइके अलग उखाड़ी लिहस। तब सिमसोन ओनका काँधन पइ लिहस अउर उ पहाड़ी क चोटी पइ लइ गवा जउन हेब्रोन नगर क निचके बाटइ।

सिमसोन अउ दलीला

4एकरे बाद सिमसोन दलीला नाउँ क मेहरारू स पिरेम करइ लाग। उ सोरेक घाटी क रही।

5पलिस्ती लोगन क सासक दलीला क लगे गएन। उ पचे कहेन, "हम जानइ चाहित ह कि सिमसोन ओतना जियादा ताकतवर कइसे अहइ? ओका फुसलावा अउर आपन गुप्त बात बताइ देइ। तब हम लोग जान जाब कि ओका कइसे बाँधी। अउर ओह पइ कइसे नियंत्रण कइ सकित ह। जदि तू अइसा कर बिउ तउ हम मँ स हर एक तोहका एक हजार एक सौ सेकेल देइ।"

6एह बरे दलीला सिमसोन स कहेस, "मोका बतावा कि तू एतना जियादा ताकतवर काहे अहा? तू पचन मँ स कउनो कइसे बाँध सकत ह अउर तू पचन क कइसे असहाय कइ सकत ह?"

7सिमसोन जवाब दिहस, "कउनो मनई मोका सात नवी धनुस क ओन डोरियन स बाँध सकत ह जेका अब तलक उपयोग नाहीं कीन्ह ग अहइ अउर जउन कबहुँ झुरान न होइ। जदि कउनो अइसा करी तउ मइँ दूसर कउनो मनइयन क तरह दुर्बल होइजाब।"

8तब पलिस्ती क सासक लोग सात ठु नवी धनुस क डोरियन दलीला बरे लाएन। उ सबइ डोरियन अब तलक झुरान नाही रहिन। उ सिमसोन क ओहसे बाँधेस। **9**कछू मनई दूसर कमरन मँ छुपा रहने। दलीला सिमसोन स कहेस, "सिमसोन पलिस्ती क लोग तोहका धरइ आवत अहइँ।" किन्तु सिमसोन धनुस डोरियन क आसानी स तोड़ दिहस। उ सबइ वइसे ही टूट गइन जइसे कउनो धागा आगी क काफी निकट आवइ क पाछे टूट जात ह। इ तरह पलिस्ती लोग सिमसोन क ताकत क राज पता नाहीं लगाइ सकेन।

10तब दलीला सिमसोन स कहेस, "तू मोका बेवकूफ बनाया ह। तू मोहसे लबार बोल्या ह। मेहरबानी कइके मोका फुर-फुर बतावा कि तोहका कउनो कइसे बाँध सकत ह।"

11सिमसोन कहेस, "कउनो मनई मोका ओन नवी लसुरियन स बाँध सकत ह जेका पहिले उपयोग नाहीं कीन्ह गवा ह। जादि कउनो अइसा करी तउ मइँ एतना कमजोर हो जाब, जेतना कउनो दूसर मनई होत ह।"

12एह बरे दलीला कछू नवी लसुरियन लिहस अउर सिमसोन क बाँध दिहस। कछू मनई अगले कमरे मँ छुपा रहेन। तब दलीला ओका आवाज़ दिहेस, "सिमसोन, पलिस्ती लोग तोहका धरइ आवत अहइँ।" किन्तु उ लसुरियन क आसानी स तोड़ि दिहस। उ ओनका धागा क तरह तोड़ डाएस।

13तब दलीला सिमसोन स कहेस, "तू मोका फुन बेवकूफ बनाया ह! तू मोस्से झूठ बोल्या ह। अब तू मोका बतावा कि तोहका कउनो कइसे बाँध सकत ह।"

उ कहेस, "जदि तू उ करघा क उपयोग करा, अउर मोरे मूँड़े क बारन स सात चूटी बना लेइ अउर एका एक काँटा स कस देइ तउ मइँ एँतना कमजोर होइ जाब, जेतना कउनो दूसर मनई होत ह।"

तब सिमसोन सोबइ चला गवा। एह बरे दलीला करघा क उपयोग ओकरे मूँड़े क बारन क सात चूटी बनावइ बरे किहा। **14**तब दलीला जमीन मँ खेमा क खूँटी गाड़िके, करघा क ओहसे बाँध दिहस। फुन उ सिमसोन क अवाज दिहस, "सिमसोन, पलिस्ती क लोग तोहका धरइ जात अहइँ।" सिमसोन नींद स उठिके तम्बू क खूँटी, करघा अउर ढरकी क उखाड़ दिहस।

15तब दलीला सिमसोन स कहेस, "तू मोका कइसे कह सकत ह, 'मइँ तोहसे पिरेम करत हउँ,' जबकि तू मोह पइ बिस्सास तलक नाहीं करत्या। तू आपन राज बतावइ स इन्कार करत अहा। इ तिसरी दाईं तू मोका बेवकूफ बनाया ह। तू आपन भीसण सक्ती क राज मोका नाहीं बताया ह।" **16**उ सिमसोन क दिन पइ दिन हर समइ डाँट-डपट करत रहत रहेन। उ ओका एँतना परेसान किहेस कि उ ओहस तंग आइ गवा अउर मरि जावा चहेस। **17**एह बरे उ दलीला क सब कछू बताइ दिहस। उ कहेस, "मइँ आपन बार कबहुँ नाहीं कटवाए अहउँ। मइँ जनम क पहिले बिसेस रूप स परमेस्सर क समर्पित रहेउँ। जदि कउनो मोरे बारन क कतर देइ तउ मोरे सक्ती चली जाइ। मइँ वइसा ही कमजोर होइ जाब, जेतना कउनो दूसर मनई होत ह।"

18दलीला लखेस कि सिमसोन आपन हिरदइ क सारी गुप्त बात कहि दिहेस ह। उ पलिस्ती क लोगन क सासकन क लगे दूत पठएस। उ कहेस, "फुन वापस लउटा। सिमसोन मोका सब कछू कहि दिहेस ह।" एह बरे पलिस्ती लोगन क सासक दलीला क लगे लउटेन। उ सबइ उ धन संग लिआएन जउन उ पचे ओका देइ क प्रतिग्या किहे रहेन।

19दलीला सिमसोन क उ समइ सोइ जाइ दिहस, जब उ ओकरी गोद मँ मूँड़ि धइके ओलरा रहा। तब उ एक मनई क भीतर बोलाएस अउर सिमसोन क बारन क सात लटन क कतरवाइ दिहस। इ तरह उ ओका ताकतरहित बनाई दिहस। सिमसोन क सक्ती ओका तजि दिहस। **20**तब दलीला ओका अवाज दिहस, "सिमसोन पलिस्ती क लोग तोहका धरइ आत अहइँ।" उ जाग पड़ा अउर सोचेस, "मइँ पहिले क तरह पराइ निकरब अउर आपन क अजाद राखब।" किन्तु सिमसोन क इ नाहीं मालूम रहा कि यहोवा ओका तजि दिहस ह।

21पलिस्ती क लोग सिमसोन क धइ लिहन। उ पचे ओकर अँखिन निकरवाइ लिहन अउर ओका अज्जा नगर क लइ गएन। तब ओका पराइ स धरइ बरे ओकरे पैरन मँ उ पचे बेड़ियन डाइ दिहन। उ पचे ओका जेल मँ धाँध दिहन अउर ओहसे चक्की चलवाएन। **22**किन्तु सिमसोन क बार फुन बढ़ब सुरू किहन।

23पलिस्ती लोगन क सासक उत्सव मनावइ बरे एक ठउरे पइ बटुरेन। उ पचे आपन देवता दागोन क एक ठु

बड़की बलि चढ़ावइ जात रहेन। उ पचे कहेन, "हम लोगन
क देवता हमार दुस्मन सिमसोन क हरावइ मँ मदद किहेन
ह।" 24जब पलिस्ती लोग सिमसोन क लखेन तब उ पचे
अपने देवता क बड़कई किहन। उ पचे कहेन,

"इ मनई हमरे लोगन क बर्बाद किहस। इ मनई हमरे
अनेक लोगन क मारेस। किन्तु हमार देवता हमरे दुस्मन
क धरवावइ मँ हमार मदद किहस।"

25लोग उत्सव मँ खुसी मनावत रहेन। एह बरे उ पचे
कहेन, "सिमसोन क बाहेर लिआवा। हम ओकर मजाक
उड़ावइ चाहित ह।" एह बरे उ पचे सिमसोन क जेल स
बाहेर लइ आएन अउर ओकर मजाक उड़ाएन। उ पचे
सिमसोन क दागोन देवता क मन्दिर क खम्भन क बीच मँ
खड़ा किहन। 26एक ठु जवान नउकर सिमसोन क हाथ धरे
भए रहा। सिमसोन ओनसे कहेस, "मोका हुवाँ राखा जहाँ
मइँ ओन खम्भन क छुइ सकउँ, जउन इ मन्दिर क ऊपर
रोके भए राखेस अहइ। मइँ ओनकर सहारा लेइ चाहत
हउँ।"

27मन्दिर मँ मेहररूअन-मनसेधुअन क बड़ा भीड़ रही।
पलिस्ती लोगन क सबहिं सासक भी हुआँ रहेन। हुवाँ
लगभग 3,000 मेहरारू-मनसेधु मन्दिर क छत पइ रहेन। उ
सबइ हँसत रहेन अउर सिमसोन क मजाक उड़ावत रहेन।
28तब सिमसोन यहोवा स पराथना किहेस। उ कहेस,
"सर्वसक्तिमान यहोवा, मोका याद रखा। परमेस्सर मोका कृपा
कइके सिरिफ एक दाईं अउर सक्ति द्या। मोका सिरिफ इ
काम करइ द्या कि पलिस्तीयन स आपन आँखिन निकारइ
क बदला चुकाइ सकउँ।" 29तब सिमसोन मन्दिर क केन्द्र
क दुइनउँ खम्भन क धरेस। इ दुइनउँ खम्भा पूरे मन्दिर क
टेकाए भए रहेन। उ दुइनउँ खम्भन क बीच मँ अपने क
जमाएस। एक ठु खम्भा ओकर दाहिन कइँती अउ दूसर
ओकर बाईं कइँती रहा। 30सिमसोन कहेस, "एन पलिस्तीयन
स संग मोका मरइ द्या।" तब उ आपन पूरी सक्ती स
खम्भन क ठेलेस अउर मन्दिर सासकन पइ अउ दुसर
लोगन जउन हुआँ जमा भवा रहेन पइ भहराइ पड़ा। इ तरह
सिमसोन आपन जिन्नगी भर क समइ मँ जेतने पलिस्ती
लोगन क मारेस, ओहसे कहूँ जियादा लोगन क तब मारेस
जब उ मरा।

31सिमसोन क भाइयन अउर ओकरे बाप क परिवार हुआँ
गएन अउर ओकरे ल्हास क लेइ गएन। उ पचे ओका
वापिस लिआएन अउर ओका ओकर बाप मानोह क कब्र मँ
दफनाएस। इ कब्र सोरा अउर एस्ताओल नगरन क बीच
अहइ। सिमसोन इस्राएल क लोगन क निआवाधीस बीस
बरिस तलक रहा।

मीका क मूरतियन

17 मीका नाउँ क एक मनई रहा जउन एप्रैम क
पहाड़ी पहँटा मँ रहत रहा। 2मीका आपन महतारी
स कहेस, "का तोहका चाँदी क गियारह सौ सिक्कन याद
अहइ जउन तोहसे चोराइ लीन्ह ग रहेन। मइँ तोहका ओकरे
बारे मँ सराप देत सुनेउँ। उ चाँदी मोरे लगे अहइ। मइँ
ओका लिहेउँ ह।"

ओकर महतारी कहेस, "मोर पूत, तोहका यहोवा आसीर्बाद
देइ।"

3मीका आपन महतारी क गियारह सौ सिक्के वापस
दिहेस। तब उ कहेस, "मइँ इ सबइ सिक्कन यहोवा क एक
खास भेंट क रूप मँ देब। मइँ इ चाँदी आपन पूत क देब
अउर उ एक ठु मूरति बनाई अउर ओका चाँदी स ढाँपि
देइहीं। एह बरे पूत, अब इ चाँदी मइँ तोहका लउटावत
हउँ।"

4मुला मीका उ चाँदी आपन महतारी क लउटाइ दिहस।
एह बरे उ दुइ सौ सेकेल चाँदी लिहेस अउ एक ठु सुनार क
दइ दिहस। सुनार चाँदी क उपयोग चाँदी स ढाँपी एक ठु
मूरति बनावइ मँ किहस। मूरति मीका क घरे मँ धरी गइ।
5मीका क एक ठु मन्दिर मूरतियन क पूजा करइ बरे रहा।
उ एक एपोद अउर कछू घरेलू मूरतियन बनाएस अउर
ओनका हुआँ रखेस तब मीका आपन पूतन मँ स एक क
आपन याजक चुनेस। 6(उ समइ इस्राएल क लोगन क
कउनो राजा नाहीं रहा। एह बरे हर एक मनई उ करत रहा
जउन ओका नीक जँचत रहा।)

7एक ठु लेवीवंसी नउजवान रहा। उ यहूदा भुइँया मँ
बेतलेहेम नगर क निवासी रहा। उ यहूदा क परिवार समूह
मँ रहत रहा। 8उ नउजवान यहूदा मँ बेतलेहेम क तजि
दिहस। उ रहइ बरे दूसर ठउर हेरत रहा। जब उ जात्रा करत
रहा, उ मीका क घरे एप्रैम क पहाड़ी पहँटा मँ आवा
9मीका ओहसे पूछेस, "तू कहाँ स आवा अहा?"

नउजवान जवाब दिहेस, "मइँ उ बेतलेहम नगर क लेवी
बंसी अहउँ जउन यहूदा मँ अहइ। मइँ रहइ खातिर एक ठु
ठउर हेरत हउँ।"

10तब मीका ओहसे कहेस, "मोरे संग रहा। मोर बाप
अउर मोर याजक बना। मइँ हर साल तोहका दस ठु चाँदी
क सिक्कन देब। मइँ तोहका ओढ़ना अउ खइया क देब।"

11लेवी बंसी नउजवान मीका क संग रहइ क तइयार
होइ गवा। नउजवान मीका क पूतन क जइसा होइ गवा।
12मीका नउजवान क आपन याजक नियुक्त किहा। इ तरह
नउजवान याजक बन गवा अउर मीका क घरे मँ रहइ
लाग। 13मीका कहेस, "अब मइँ जानत अहउँ कि यहोवा
मोरे बरे नीक होइ। मइँ इ एह बरे जानत हउँ कि मइँ लेवी
बंसी क परिवारे क एक ठु मनई क याजन क रूप मँ
रखेउँ ह।"

दान लैस नगर पइ कब्जा करत ह

18 उ समइ इस्राएल मँ कउनो राजा नाही रहा। उ दिन
दान क परिवार समूह, आपन रहइ बरे, भुइँया क
खोज मँ रहा। इस्राएल क दूसर परिवार समूह पहिले ही
आपन भुइँया पाइ लिहे रहेन। किन्तु दान क परिवार समूह
अबहिं तलक आपन भुइँया नाहीं लिया सका रहा।

2एह बरे दान क परिवार समूह पाँच ठु फउजियन क
कछू भुइँया हेरइ बरे पठएस। उ पचे रहइ बरे नीक ठउर
हेरइ गएन। इ पचे पाँचहुँ सिपाही जोरा अउ एस्ताओल

नगरन क रहेन। उ पचे एह बरे चुना ग रहेन कि उ पचे
दान क परिवार समूहन मँ स रहेन। उ पचन्क आदेस दीन्ह
ग रहा, “जा अउर कउनो भुइँया क खोज करा।”

पाँचहुँ मनइयन एप्रैम क पहाड़ी छेत्र मँ आएन। उ पचे
मीका क घरे आएन अउर हुँवई रात बिताएन। **3**जब पाँचहुँ
मनई मीका क घरे क निअरे आएन तउ उ पचे लेवी बंस
क परिवार समूह क नउजवान क अवाज सुनेन। उ पचे
ओकर अवाज पहिचानेन, एह बरे उ पचे मीका क घर पइ
रूकेन। उ पचे लेवी बंसी नउजवान स पूछेन, “तोहका इ
ठउरे पइ कउन लावा ह? तू हिआँ का करत अहा? तोहार
हिआँ का काम अहइ?”

4उ ओनसे उहइ कहेस जउन मीका ओकर संग किहे
रहा, “मीका मोका किराए पइ राखेस ह। मइँ ओकर याजक
हउँ।”

5उ पचे ओहसे कहेन, “कृपा कइके परमेस्सर स हम
लोगन बरे कछू माँगा हम लोग कछू जानइ चाहित ह। का
हमरे रहइ बरे भुइँया क खोज सफल होइ?”

6याजक पाँचहुँ मनइयन स कहेस, “सान्ति स जा। यहोवा
तोहार मारग-दरशन करी।”

7एह बरे पाँचहुँ मनई हुवाँ स चलेन। उ पचे लैस नगर
क आएन। उ पचे लखेन कि उ नगर क लोग सुरच्छित
रहत ही। ओन पइ सीदोन क हुकूमत रही। उ पचे सान्ति
अउ सुरच्छा क संग रहत रहेन। लोगन क लगे हर एक
चीज बहोत जियादा रही अउर ओन पइ प्रहार करइवाला
आसपास कउनो दुस्मन नाहीं रहा अउर उ पचे सीदोन नगर
क लोगन स बहोत जियादा दूर रहत रहेन। ओनकर कउनो
दूसर स कउनो मतलब नाहीं रहेन।

8पाँचहुँ मनइयन सोरा अउ एस्ताकोल नगर क वापस
लउटेन। ओनकर सम्बन्धियन पूछेन, “तू का पता लगाया
ह?”

9पाँचहुँ मनइयन जवाब दिहेन, “हम पचे भुइँया लखा ह
अउर उ बहोतइ नीक बाटइ। हमका ओन पइ हमला करइ
चाही। प्रतीच्छा जिन करा। हम चली अउ उ भुइँया क लइ
लेइ। **10**जब तू पचे उ भुइँया मँ चलब्या तउ लखब्या कि
हुवाँ पइ बहोत जियादा भुइँया अहइ। हुवाँ सब कछू बहोत
जियादा अहइ। तू पचे इ भी पउब्या कि हुवाँ क लोगन क
हमला क आसंका नाहीं अहइ। निहचइ ही परमेस्सर उ
भुइँया हमका दिहस ह।”

11एह बरे दान क परिवार समूह क छ: सौ मनइयन सोरा
अउ एस्ताओल क नगरन क तजेन। उ पचे जुद्ध बरे तइयार
रहेन। **12**लैस नगर क जात्रा करत समइ उ पचे यहूदा भुइँया
मँ किर्य्यत्यारीम नगर मँ रूकेन। उ पचे हुवाँ डेरा डाएन।
इहइ कारण अहइ कि किर्य्यत्यारीम क पच्छिम क स्थान
आजु तलक महनेदाम कहा जात ह। **13**तब उ छ: सौ
मनइयन हुआँ स एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस क जात्रा किहन। उ
पचे मीका क घर आएन।

14तब ओन पाँचहुँ मनइयन जउन लैस क चारिहुँ कइँती
क भुइँया क खोज किहे रहेन, आपन भाइयन स कहेन,
“का तोहका मालूम अहइ कि एन घरन मँ स एक मँ एपोद,
दूसर घरेलू देवता, एक खुदाईवाली मूरति एक ठु ढाली गइ
मूरति अहइ? अब तू पचे जानत अहा कि तोहका का करइ
क अहइ, जा अउर ओनका लइ आवा।” **15**एह बरे उ पचे
मीका क घर रूकेन जहाँ लेवी बंसी नउजवान रहत रहा। उ
पचे नउजवान स पूछेन कि उ कइसा रहा। **16**दान क परिवार
समूह क छ: सौ लोग फाटक क दुआरे पइ खड़ा रहेन।
ओनके लगे सबहिं तरह क हथियार रहेन तथा उ सबइ
जुद्ध क बरे तइयार रहेन। **17-18**पाँचहुँ गुप्तचर घरे मँ
गएन। उ पचे खुदाई वाली मूरति, एपोद, घरेलू मूरतियन अउ
ढाली भइ मूरति क लिहन। जब उ पचे अइसा करत रहेन
तब लेवी बंसी याजक अउर जुद्ध बरे तइयार छ: सौ
स्त्रधारी फउजी फाटक क दुआर पइ खड़े रहेन। लेवी बंसी
याजक ओनसे पूछेस, “तू का करत अहा?”

19पाँचहुँ मनइयन कहेन, “चुप रहा, एक सब्द भी न
बोला। हम लोगन क संग चला। हमार बाप अउर याजक
बना। तोहका खुद चुनइ चाही कि तू केका जियादा नीक
समुझत अहा? का इ तोहरे बरे जियादा नीक अहइ कि तू
एक ठु मनई क याजक रहा? या ओहसे कहूँ जियादा इ
अहइ कि तू इस्राएल क लोगन एक पूरा परिवार समूह क
याजक बना?”

20एहसे लेवी बंसी खुस भवा। एह बरे उ एपोद, घरेलू
मूरतियन अउ खुदाईवाली मूरति क लिहस। उ दान क
परिवार समूह क ओन लोगन क संग गवा।

21तब दान परिवार समूह क छ: सौ मनई लेवी बंसी क
संग मुड़ेन अउर उ पचे मीका क घरे क तजेन। उ पचे
आपन नान्ह गदेलन, जनावरन अउ आपन सबहिं चीजन
अपने समन्वा धरेस।

22दान क परिवार समूह क लोग उ ठउरे स बहोत दूर
गएन जब मीका क निअरे रहइवाले लोग एकत्र भएन। तब
उ पचे दान क लोगन क पाछा किहन अउर ओनका जाइके
धरेन। **23**मीका क लोग दान क लोगन पइ बरस पड़ेत
रहेन। दान क लोग मुड़ेन। उ पचे मीका स कहेन, “तोहार
समस्या का अहइ? तू मनईयन क लड़ाइ करइ बरे काहे
बोलाएस?”

24मीका जवाब दिहस, “दान क तू लोग, तू पचे मोर
मूरतियन लिहा ह। मइँ ओन मूरतियन क अपने बरे बनाएउँ
ह। तू पचे हमरे याजक क भी लइ लिहा ह। तू पचे तज्या
का अहा? तू पचे मोका कइसे पूछ सकत ह, ‘समस्या का
अहइ।’”

25दान क परिवार समूह क लोग जवाब दिहन, “नीक
होत, तू हम से बहस जिन करत्या, हम पचन मँ स कछू
मनई गरम स्वभाव क बाटेन। जदि तू हम पइ चिचियात्या
तउ उ पचे गरम स्वभाववाले लोग तोह पइ प्रहार कइ
सकत हीं। तू अउर तोहार परिवार मार डावा जाइ सकत ह।”

26तब दान क लोग मुड़ेन अउ आपन राहे पइ अगवा
बढ़ गएन। मीका जानत रहा कि उ सबइ लोग ओकरे बरे
बहोत जियादा सक्तीसाली अहइँ। एह बरे उ घर लउटि
गवा।

27इ तरह दान क लोग उ सबइ मूरतियन लिहन जउन
मीका बनाए रहा। उ पचे मीका क संग रहइवाले याजक क
भी लिहन। तब उ पचे लैस पहोंचेन। उ पचे लैस क लोगन

पइ हमला किहन जउन कि सान्ति क साथ रहे रहेन
काहेकि लैस क लोगन क हमला क आसंका नाहीं रही।
दान क लोग ओन लोगन क आपन तरवारन क घाट
उतारेन। तब उ पचे नगर क बार डाएन। **28**लैस मँ रहइवाले
लोगन क रच्छा करवइया कउनो नाहीं रहा। उ पचे सीदोन
क नगर स एँतना जियादा दूर रहेन कि ओन लोगन क स
मदद नाहीं लइ सकत रहेन। अउ कउनो दूसर स कउनो
मतलब नाहीं रखत रहेन। लैस नगर बेतहर होब प्रदेस क
अधिकार मँ एक घाटी मँ रहा। दान लोग उ ठउरे पइ एक
ठु नवा नगर बनाएन अउर उ नगर ओनकर निवास ठउर
बना। **29**दान क लोग लैस नगर क नवा नाउँ धरेन। उ पचे
उ नगर क नाउँ आपन पुरखन क पाछे दान धरेन। दान
इस्राएल क पूतन मँ स एक पूत रहा। पुराने समइ मँ इ
नगर क नाउँ लैस रहा।

30दान क परिवार समूह क लोग दान नगर मँ मूरतियन
क स्थापना किहन। उ पचे गेर्सोम क पूत योनातान क
आपन याजक बनाएन। गेर्सोम मनस्सी क पूत रहा। योनातान
अउर ओकर पूत दान क परिवार समूह क तब तलक
याजक रहेन जब तलक इस्राएल क लोगन क बन्दी
बनाइके बाबेल नाहीं लइ जावा गवा। **31**दान क लोग ओन
मूरतियन क पूजा किहन जेनका मीका बनाए रहा। उ पचे उ
पूरे समइ तलक ओन मूरतियन क पूजत रहेन जब तलक
सीलो मँ परमेस्सर क घर रहा।

लेवी बंसी अउर ओकर रखैल

19 उ समई इस्राएल क कउनो राजा नाहीं रहा। एक
ठु लेवी बंसी मनई एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस क बहोत
दूर क छेत्र मँ रहत रहा। उ मनई क एक ठु जवान रखएल
रहा। उ यहूदा प्रदेस क बेतलेहेम नगर क निवासी रही।
2किन्तु उ ओकर संग झगड़ा किहा। एँह बरे उ ओका तजि
दिहस अउर यहूदा प्रदेस क बेतलेहेम नगर मँ आपन बाप
क घर चली गइ। उ हुवाँ चार महीने रही। **3**तब ओकर
भतार ओकरे लगे गवा। उ ओहसे पिरेम क संग बात करइ
चाहत रहा, जेहसे उ ओकरे लगे लउट जाइ। उ अपने संग
आपन नउकर अउर दुइ गदहन क लइ गवा रहा। लेवी
बंसी मनई उ मेहरारू क बाप क घरे आवा। ओकर बाप
लेवी बंसी मनई क लखेस अउर ओकर स्वागत करइ बरे
खुसी स बाहेर आवा। **4**जुवती क बाप ओका ठहरइ बरे
न्यौतेस। एह बरे लेवी बंसी तीन दिन ठहरा। उ खाएस,
पीएस अउर उ अपने ससुरे क घर सोएस।

5चउथे दिन बहोतइ भिंसारे उ उठा। लेवी बंसी चल पड़इ
क तइयारी करत रहा। किन्तु जुवती क बाप अपने दामाद स
कहेस, “पहिले कछू खा ल्या। जब तू खइया क खाइ ल्या
तउ तू जाइ सकत ह।” **6**एह बरे लेवी बंसी मनई अउर
ओकर ससुर एक संग खाइ अउर दाखरस पिअइ बइठेन।
ओकरे पाछे जुवती क बाप उ लेवीबंसी स कहेस, “कृपा
कइके आजु भी ठहरा। आराम करा अउर आनन्द मनावा।”
इ तरह दुइनउँ मनइयन एक संग खाएन। **7**जब लेवी मनई
जाइ क तइयार भवा तउ ओकर ससुर ओका हुवाँ राति भइ
रूकइ क हठ किहस।

8पाँचवाँ दिन लेवी बंसी मनई भिंसारे उठेस। लेवी बंसी
मनई चलइ बरे तइयार रहेन। किन्तु मेहरारू क बाप आपन
दामाद से कहेस, “पहिले कछु खाइ ल्या। आरम कइ ल्या
अउर दोपहर तलक हियाँ रहा।” तब दुइनउँ मनईयन फुन
एक संग खाएस।

9तब लेवी बंसी मनई, ‘ओकर रखैल अउर ओकर
नउकर चलइ बरे उठेन। किन्तु जुवती क बाप, ओकर ससुर
कहेस, “लगभग अँधियारा होइ गवा अहइ। दिन लगभग
बीत चुका अहइ। राति हिअँई बितावा अउर आनन्द मनावा।
कल बहोत भिंसारे तू उठि सकत ह अउर आपन घरे क
रास्ता पकड़ सकत ह।”

10किन्तु लेवी बंसी मनई एक अउर रात हुवाँ ठहरइ नाहीं
चाहत रहा। उ आपन दुइ गदहन अउर आपन रखैल क
लिहस। उ यबूस नगर जउन यरूसलेम भी कहलावत ह,
तलक गवा। **11**उ दिन लगभग खतम होइ गवा रहा। उ
पचे यबूस नगर क लगे रहेन। एह बरे नउकर आपन
सुआमी लेवी बंसी स कहेस, “हम लोग इ नगर मँ रूक
जाइ। इ यबूसी लोगन क नगर अहइ। हम लोग हिअँइ
राति बिताई।”

12किन्तु ओकर सुआमी लेवी बंसी कहेस, “नाहीं हम
लोग अपरिचित नगर मँ नाहीं जाब, जेकर लोग इस्राएल क
लोगन मँ स नाहीं अहइँ। हम लोग गिबा नगर तलक
जाब।” **13**उ इ भी कहेस, “आगे बढ़ा। हम लोग गिबा या
रामा तलक पहोंचइ क कोसिस करइँ। हम ओन नगरन मँ
स कउनो एक मँ रात बिताइ सकित ह।”

14एह बरे लेवी बंसी अउ ओकरे संग क लोग अगवा
बढ़ेन। जब उ पचे गिबा नगर क लगे आएन तउ सूरज
बूड़न रहा। गिबा बिन्यामीन क परिवार समूह क प्रदेस मँ
अहइ। **15**एह बरे उ पचे गिबा मँ रूकेन। उ पचे उ नगर मँ
रात बितावइ क जोजना बनाएन। उ पचे नगर मँ सार्वजनिक
चउराहे मँ गएन अउर हुवाँ बइठ गएन। किन्तु कउनो ओन
लोगन क रात बितावइ बरे अपने घर नाहीं न्यौतेन।

16उ साँझ क एक बूढ़ा मनई अपने खेतन स नगर मँ
आया। ओकर घर एप्रैम क पहाड़ी देस मँ रहा। किन्तु अब
उ गिबा नगर मँ रहत रहा। गिबा क लोग बिन्यामीन क
परिवार समूह क रहेन। **17**बूढ़ा मनई लेवी बंसी मनई क
नगर क चउराहे पइ लखेस। बूढ़ा मनई पूछेस, “तू कहाँ
जात अहा? तू कहाँ स आवा अहा?”

18लेवी बंसी मनई जवाब दिहस, “यहूदा प्रदेस क
बेतलेहेम नगर स हम लोग जात्रा करत अही। हम आपन
घर दूर क पहटाँ एप्रैम क पहाड़ी देस जात अहइ। मइँ यहूदा
क बेतलेहेम क गवा रहेउँ। अब मइँ आपन घरे जात हउँ।

19“किन्तु कउनो भी हम लोगन क रात ठहरइ बरे न्यौता
नाहीं दिहस। हम लोगन क लगे आपन गद्हन बरे पुआल
अउ भोजन अहइ। हम लोगन क लगे रोटी अउ दाखरस
भी अहइ। हम लोगन मँ स कउनो भी न मइँ न इ मेहरारू
अउर न ही मोर नउकर कछू भी नाहीं चाहत ह।”

20बूढ़ा कहेस, “तोहार स्वागत अहइ। तू मोरे हिआँ
ठहरा। तोहका जरूरत क सबहिं चिजियन मइँ देबउँ। तू नगर
क सार्वजनिक चउराहे मँ राति जिन बितावा।” **21**तब उ बूढ़ा

मनई लेवी बंसी मनई अउर ओकरे संग क लोगन क अपने
संग अपने घरे लइ गवा। बूढ़ा मनई ओकरे गदहन क
खवाएस। उ पचे आपन गोड़ धोएन। तब उ कछू भोजन
खाइ अउर कछू दाखरस पिया।

22जब लेवी बंसी मनई अउर ओकरे संग क मनई
आनन्द लेत रहेन, तबहिं उ नगर से कछू मनई आएन अउर
घर क चारिहुँ कइँती स घेर लिहन। उ पचे बहोतइ बुरे मनई
रहेन। उ पचे जोर स दरवाजा क ऊपर पीटइ लागेन। उ
पचे उ बुढ़वा मनई स, जेकर उ घर रहा, गोहराइके बोलेन,
“उ मनई क अपने घरे स बाहेर करा। हम ओकरे संग
सम्भोग करइ चाहित ह।”

23बुढ़वा मनई बाहेर गवा अउर ओन दुट्ठ लोगन स
कहेस, “भाइयो, नाही, अइसा बुरा काम जिन करा। उ मनई
मोरे घरे मँ मेहमान अहइ। इ खौफनाक पाप जिन करा।
24सुना, हिआँ मोर बिटिया अहइ। उ एक कुवाँरी कन्या
अहइ। मइँ ओका अउ इ मनसेधू क रखैल क तोहरे लगे
बाहेर लिआवत हउँ। तू ओकर उपयोग जइसा चाहा कइ
सकत ह। किन्तु इ मनई क खिलाफ अइसा खौफनाक पाप
जिन करा।”

25मुला ओन दुट्ठ लोग उ बुढ़वा मनई क एक न
सुनेन। एह बरे लेवी बंसी मनई आपन रखैल क ओन दुट्ठ
मनइयन क संग बाहेर कइ दिहन। ओन दुट्ठ मनइयन पूरी
रात ओकरे संग कुकरम किहन। अउर पूरी तरह गालियन
दिहन। तब भिंसारे ओका जाइ दिहन। **26**भिंसारे उ मेहरारू
हुआँ लउटी जहाँ ओकरे सुआमी ठहरा रहा। उ समन्वा
दरवाजे पइ भहराइ पड़ी। उ तब तलक पड़ी रही जब तलक
पूरा दिन नाही निकरि आवा।

27भिंसारे लेवी बंसी मनई उठा अउर उ घरे क दरवाजा
खोलेस। उ अपने राहे जाइ बरे बाहेर निकरा किन्तु हुवाँ
ओकर रखैल पड़ी रही। उ घरे क राहे पइ पड़ी रही। ओकर
हाथ दरवाजा क ड्योढ़ी पइ रहेन। **28**तब लेवी बंसी मनई
ओहसे कहेस, “उठा, हम लोग चली।” किन्तु उ जवाब
नाही दिहस काहेकि उ मरि गवा रहा।

एह बरे उ ओका आपन गदहे पइ धरेस अउ घरे गवा।
29जब लेवीबंसी मनई अपने घरे आवा तब उ एक ठु छुरी
निकारेस अउर आपन रखैल क बारह टूकन मँ काटेस। तब
उ मेहरारू क ओन बारह हीसन मँ ओन सबहिं छेत्रन मँ
पठएस जहाँ इस्राएल क लोग रहत रहेन। **30**जउन इ लखेन
ओन सबइ कहेन, “अइसा कबहुँ नाहीं भवा रहा जब स
इस्राएल क लोग मिस्र स आएन, बाद-विवाद करा अउर
तय करा कि एकरे बारे मँ का करइ क चाही।”

इस्राएल अउ बिन्यामीन क बीच जुद्ध

20 इ तरह इस्राएल क सबहिं लोग मिस्पा नगर मँ
यहोवा क समन्वा खड़े होइ बरे एक संग आएन।
उ पचे पूरे इस्राएल देस स आएनः दान से बेरसेबा तलक।
गिलाद प्रदेस क सबहिं इस्राएली लोग भी हुवाँ रहेन।
2इस्राएल क परिवार समूहन क सबहिं प्रमुख लोग हुवाँ
रहेन। उ पचे परमेस्सर क लोगन क सभा मँ आपन-आपन
ठउर पइ बइठेन। उ ठउरे पइ तरवार क संग चार लाख
फउजी रहेन। **3**बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग सुनेन
कि इस्राएल क लोग मिस्पा नगर मँ पहोचेन ह। इस्राएल
क लोग कहेन, “इ बतावा कि इ भयंकर पाप कइसे
भवा।”

4एह बरे मेहरारू जेकर हत्तिया भइ रही ओकर भतार
कहेस, “मोर रखैल अउ मइँ बिन्यामीन क गिबा नगरन मँ
पहोंचेन। हम लोग हुवाँ राति बितावा। **5**मुला राति मँ गिबा
नगर क प्रमुख उ घरे पइ आएन जेहमाँ मइँ ठहरा रहेउँ। उ
पचे घरे क घेर लिहन अउ उ पचे मोका मारि डावइ चाहत
रहेन। उ पचे मोरी रखैल क संग कुकरम किहन अउर उ
मर गइ। **6**एह बरे मइँ आपन रखैल क लइ गएउँ अउर
ओकर टूका कइ डाएउँ। तब मइँ हर एक टूका इस्राएल क
हर एक परिवार समूह क पठएउँ। मइँ बारह टूकन ओन
भुइँया क पठएउँ जेनका हम पाए। मइँ इ एह बरे किहेउँ
कि बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग इस्राएल क देस मँ
इ क्रूर अउ खउफनाक करम किहन ह। **7**अब, इस्राएल क
सबहिं लोगो, आप बोलइँ। आप आपन निर्णय देइँ कि
हमका का करइ चाही?”

8तब सबहिं लोग उहइ समइ उठि। उ पचे एकत्र होइके
कहेन, “हम लोगन मँ स कउनो घरे नाहीं लउटी। हम
लोगन मँ स एक भी घरे नाहीं लउटी। **9**गिबा बरे हम लोग
इ करबः हम गोटी डाउब। **10**अउर हम लोग इस्राएल क
लोगन क सबहिं परिवार समुहन स एक सौ मँ स दस मनई
चुनब अउर हम लोग हर एक हजार मँ स सौ मनई चुनब।
हम लोग हर एक दस हजार मँ स एक हजार चुनब। जउने
लोगन क हम लोग चुन लेब उ पचे फउजे खातिर जरूरी
सामग्री पइही। तब फउज बिन्यामीन मँ गिबा नगर क जाइ।
उ फउज ओन लोगन स बदला चुकाई जउन इस्राएल मँ इ
भयंकर काम किहेन ह।”

11एह बरे इस्राएल क सबहिं लोग गिबा नगर मँ बटुर
गएन। उ पचे ओकर एकमत रहेन, जउन उ पचे करत
रहेन। **12**इस्राएल क परिवार समूह एक सँदेस क संग लोगन
क बिन्यामीन क परिवार समूह क लगे पठएस। सँदेसा इ
रहा, “इ पापे क बारे मँ का कहब अहइ जउन तोहार कछू
लोग किहो ह? **13**ओन गिबा क दुस्ट मनइयन क हमरे
लगे पठवा। ओन लोगन क हमका द्या जेहसे हम ओनका
जान स मारि सकी। हम लोगन क इस्राएल क लोगन क
बीच स बुराइ क दूर करइ चाही।”

किन्तु बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग आपन सम्बंधी
इस्राएल क लोगन क दूतन क बात सुनइ स इन्कार करइ
दिहेन। **14**बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग आपन नगरन
क तजेन अउर उ पचे गिबा नगर मँ पहोंचेन। उ पचे गिबा
मँ इस्राएल क दूसर परिवार समूह क खिलाफ लड़इ गएन।
15बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग छब्बीस हजार
फउजियन क बटोरेन उ पचे सबहिं फउजी जुद्ध बरे
प्रसिच्छित रहेन। ओनके संग गिबा नगर क सात सौ
प्रसिच्छित फउजी भी रहेन।

16ओनकर सात सौ अइसे प्रसिच्छित मनई भी रहेन जउन
जुद्ध मँ बाँया हाथ चलावइ क सिच्छा पाए रहेन। ओनमाँ स
हर एक गुलेल क उपयोग दच्छता स कइ सकत रहा। उ

पचे सबइ एक ठु बारे पइ भी पाथर मार सकत रहेन अउर निसाना नाहीं चूकत रहा।

17इस्राएल क सारे परिवार समूह बिन्यामीन क अतिरिक्त चार लाख जोधन क एकत्र किहन। ओन चार लाख जोधन क लगे तरवारन रहिन। ओनमाँ स हर एक प्रसिच्छित फउजी रहा। 18इस्राएल क लोग बेतेल नगर तलक गएन। बेतेल मँ उ पचे परमेस्सर स पूछेन, "कउन सा परिवार समूह बिन्यामीन क परिवार समूह पइ पहिला हमला करी?"

यहोवा जवाब दिहेस, "यहूदा क परिवार समूह पहिले जाइ।"

19अगले भिंसारे इस्राएल क लोग उठेन। उ पचे गिबा क निअरे डेरा डाएन। 20तब इस्राएल क फउज बिन्यामीन क फउज स जुद्ध बरे निकरि पड़ी। इस्राएल क फउज गिबा नगर मँ बिन्यामीन क खिलाफ जुद्ध बरे आपन मोर्चा लगाएस। 21तब बिन्यामीन क फउज गिबा नगर क बाहेर निकरी। उ पचे उ दिन क लड़ाई मँ इस्राएल क फउजे क बाईस हजार लोगन क मार डाएन।

22-23इस्राएल क लोग यहोवा क समन्वा गएन। उ पचे साँझ तलक रोवत चिल्लात रहेन। उ पचे यहोवा स पूछेन, "का हमका फुन बिन्यामीन क खिलाफ लड़इ जाइ चाही? उ सबइ लोग हमार सम्बन्धी अहइँ।"

यहोवा जवाब दिहस, "जा अउर ओनके खिलाफ लड़ा। इस्राएल क लोग एक दूसर क हिम्मत बढ़ाएन।" एह बरे उ पचे पहिले दिन क तरह फुन लड़इ गएन।

24तब इस्राएल क फउज बिन्यामीन क फउज क लगे आइ। इ जुद्ध क दूसर दिन रहा। 25बिन्यामीन क फउज दूसर दिन इस्राएल क फउज पइ हमला करइ बरे गिबा नगर स बाहेर आइ। इ समइ बिन्यामीन क फउज इस्राएल क फउजे क दूसर अट्ठारह हजार फउजियन क मार डाएन। इस्राएल क फउज क उ सबइ सबहिं प्रसिच्छित फउजी रहेन।

26तब सबइ इस्राएली लोग अउर सबहिं बेतेल नगर तलक गएन। उ ठउरे पइ उ पचे बइठेन अउर यहोवा क रोइके गोहराएन। उ पचे पूरा दिन साँझ तलक कछू नाहीं खाएन। उ पचे होमबलि अउर मेलबलि भी यहोवा बरे चढ़ाएस। 27इस्राएल क लोग यहोवा स एक ठु सवाल पूछेन। (एन दिन परमेस्सर क साच्छीपत्र क सन्दूक बेतेल मँ रहा। 28पीनहास जउन एलीआज़ार क पूत रहा अउर एलीआज़ार हारून क पूत रहा नाउँ क एक ठु याजक करार क सन्दूक क समन्वा सेवा करत रहा। इस्राएल क लोग पूछेन, "का हमका बिन्यामीन क लोगन क खिलाफ फुन लड़इ जाइ चाही। उ सबइ लोग हमार सम्बन्धी अहइँ या हम लोग जुद्ध करब बंद कइ देइ?"

यहोवा जवाब दिहेस, "जा। काल्ह भियान मइँ ओनका हरावइ मँ तोहार मदद करब।"

29तब इस्राएल क फउज गिबा नगर क चारिहुँ कइँती आपन मनइयन क छुपाइ दिहस। 30इस्राएल क फउज तीसरे दिन गिबा नगर क खिलाफ लड़इ गइ। उ पचे जुद्ध बरे आपन मोर्चा संभालेन जइसा उ पचे पहिले किहे रहेन। 31बिन्यामीन क फउज इस्राएल क फउज स जुद्ध करइ बरे गिबा नगर क बाहेर निकर आइ। इस्राएल क फउज पाछे हटी अउर उ बिन्यामीन क फउज क नगर क बहोतइ पाछे छोड़ देइ बरे धोखा दीन्ह गवा।

बिन्यामीन क फउज इस्राएल क फउज क कछू लोगन क वइसे ही मारब सुरू किहेन जइसे उ पचे पहिले मारे रहेन। इस्राएल क लगभग तीस मनई मारे गएन। ओनमाँ स कछू लोग मैदानन मँ मारे गए रहेन। ओनमाँ स कछू मनई सड़कियन पइ मारे गए रहेन। एक ठु सड़क बेतेल क जात रही। दूसर सड़क गिबा क जात रही। 32बिन्यामीन क लोग कहेन, "हम पहिले क तरह जीतत अही।"

मुला इस्राएल क लोग पाछे भागत परात रहेन काहेकि उ पचे बिन्यामीन क लोगन क ओनके नगर स दूर सड़कियन पइ लियावइ चाहत रहेन। 33इस्राएल क फउजे क सबहिं लोग आपन ठउरन स हटेन। उ पचे बालतामार पइ रूकेन अउर जुद्ध बरे मोर्चा लगाएन। तब जउन लोग गिबा क पच्छिम मँ लुकान रहेन आपन छुपइ क ठउरन स दौड़ पड़ेन अउर गिबा पइ आक्रमण किहेन। 34इस्राएल क फउज क पूरे प्रसिच्छित दस हजार फउजियन गिबा नगर पइ हमला किहन। जुद्ध बड़ी भीसण रही। किन्तु बिन्यामीन क फउज आपन भंयकर विनास स अवगत नाहीं रहेन।

35यहोवा इस्राएल क फउज क उपयोग किहस अउर बिन्यामीन क फउज क हराइ दिहस। उ दिन इस्राएल क फउज बिन्यामीन क पच्चीस हजार एक सौ फउजियन क मार डाएस। उ सबइ सबहिं फउजी जुद्ध बरे प्रसिच्छित रहेन। 36इ तरह बिन्यामीन क लोग लखेन कि उ पचे हार गएन।

इस्राएल क फउज पाछे हटी। उ पचे पाछे हटेन काहेकि उ पचे अचानक हमला पइ निर्भर करत रहेन जेकरे बरे ओनकर मनइयन गिबा क निचके छुपा भवा रहेन। 37जउन मनई गिबा क चारिहुँ ओर लुकान रहेन उ सबइ गिबा नगर मँ टूट पड़ेन। उ पचे फइल गएन अउर उ पचे आपन तरवारन स नगर क हर एक क मार डाएन। 38इस्राएली फउज क दल अउ लुकाइके घात लगावइ वाले दल क बीच इ संकेत चीन्हा निहचित कीन्ह गवा रहा कि लुकाइके घात लगावइ वाला दल नगर मँ धुएँ क बिसाल बादर उड़ाइ।

39जुद्ध क उहइ समइ पइ बिन्यामीन क फउज लगभग तीस इस्राएल फउज क मार दिहेस। उ पचे कहत रहेन, "हम वइसे जीतत अही जइसे पहिले जुद्ध मँ जीतत रहे।" 40किन्तु तबहिं धुएँ क बिसाल बादर नगर स उठब सुरू भवा। बिन्यामीन क फउजी मुड़ेन अउर धुएँ क लखेन। पूरा नगर आगी क लपटन मँ रहा। 41तब इस्राएल क फउज मुड़ी अउर लड़इ लाग। बिन्यामीन क लोग डर गए रहेन। अब उ पचे समुझ गएन कि ओन पइ तबाही आ गए रहेन।

42एह बरे बिन्यामीन क फउज इस्राएल क फउज क समन्वा स भाग पराइ खड़ी भइ। उ पचे रेगिस्तान कइँती भागेन। लेकिन उ पचे जुद्ध स बच न सकेन। इस्राएल क लोग नगरन स बाहेर आएन अउर ओनका मार डाएन। 43इस्राएल क लोग बिन्यामीन क लोगन क घेर लिहेन। उ पचे ओनका पाछा किहन। उ पचे ओनका अराम नाही करइ

दिहेन। उ पचे ओनका गिबा क पूरब क भुइँया मँ हराएन।
44इ तरह अट्ठारह हजार वीर अउर ताकतवर बिन्यामीन क
फउज क फउजी मारे गएन।
45बिन्यामीन क फउज मुड़ी अउर रेगिस्तान कइँती भागी
परानी। उ पचे रिम्मोन क चट्टान नाउँ क ठउरे पइ पराइके
गएन। किन्तु इस्राएल क फउज सड़कन पइ बिन्यामीन क
फउज क पाँच हजार सिपाहियन क मार डाएन। उ पचे
बिन्यामीन क लोगन क पाछा करत रहेन। उ पचे ओनकर
पाछा गिदोन नाउँ क ठउरे तलक किहन। इस्राएल क
फउज उ ठउरे पइ बिन्यामीन क फउज वहाँ दुइ हजार
अउर सिपाहियन क मार डाएस।
46उ दिना बिन्यामीन क फउज क पच्चीस हजार फउजी
मारे गएन। ओन सबहिं मनइयन अपन तरवार क संग
बहादुरी स जुद्ध किहन। 47मुला बिन्यामीन क छ: सौ मनई
मुड़ेन अउर रेगिस्तान मँ पराइ गएन। उ पचे रिम्मोन क
चट्टान नाउँ क ठउरे पइ गएन। उ पचे हुवाँ चार महीने
तलक ठहरे रहेन। 48इस्राएल क लोग बिन्यामीन क भुइँया
मँ लउटिके गएन। जउने नगरन मँ उ पचे पहोंचेन, ओन
नगरन क मनइयन क उ पचे मार डाएन। उ पचे सबहिं
जनावरन क भी मार डाएन। उ पचे जउन कछू पाइ सकत
रहेन, ओका नस्ट कइ दिहन। उ पचे जउने नगर मँ गएन,
ओका बार डाएन।

बिन्यामीन क लोगन बरे मेहररूअन पाउब

21 मिस्पा मँ इस्राएल क लोग प्रतिग्या किहन। ओनकर
प्रतिग्या इ रही, "हम लोगन मँ स कउनो आपन
बिटिया क बिन्यामीन क परिवार समूह क कउनो मनई स
बियाह नाही करइ देइ।"
2इस्राएल क लोग बेतेल नगर क गएन। इ नगर मँ उ
सबइ परमेस्सर क समन्वा साँझ तलक बइठे रहेन। उ पचे
जोर स अउर फुट-फुट कइ रोवत रहेन। 3उ पचे परमेस्सर
स कहेन, "यहोवा, तू इस्राएल क लोगन क प्ररमेस्सर अहा।
अइसी भयंकर बात हम लोगन क संग कइसे होइ गइ
अहइ? इस्राएल क परिवार समूहन मँ स एक परिवार समूह
काहे कम होइ जाइ।"
4अगले दिन भिंसारे इस्राएल क लोग एक ठु वेदी
बनाएन। उ पचे उ वेदी पइ परमेस्सर क होमबलि अउ
मेलबलि चढ़ाएन। 5तब इस्राएल क लोग कहेन, "का
इस्राएल क कउनो अइसा परिवार समूह अहइ जउन यहोवा
क समन्वा हम लोगन क संग मिलइ नाही आवा ह?" उ
पचे इ सवाल एह बरे पूछेन काहेकि उ पचे एक गंभीर
प्रतिग्या किहे रहेन। उ पचे प्रतिग्या किहे रहेन कि जउन
कउनो मिस्पा मँ दूसर परिवार समूह क संग मिलइ बरे नाहीं
आइ, मार डावा जाइ।
6इस्राएल क लोग आपन रिस्तेदारन, बिन्यामीन क परिवार
समूह क लोगन बरे, बहोत दु:खी रहेन। उ पचे कहेन,
"आजु इस्राएल क लोगन स एक ठु परिवार समूह कट
गवा ह। 7हम लोग यहोवा क समन्वा प्रतिग्या किहे रहे कि
हम आपन बिटियन क बिन्यामीन परिवार क कउनो मनई स
बियाह नाहीं करइ देब। हम लोगन क कइसे बिस्सास होइ
कि बिन्यामीन क परिवार समूह क लोगन क बियाही बरे
मेहररूअन मिलिहीं?"
8तब इस्राएल क लोग पूछेन, "इस्राएल क परिवार
समूहन मँ स कउन मिस्पा मँ हिआँ नाहीं आवा ह? हम
लोग यहोवा क समन्वा एक संग आए अही। किन्तु एक
परिवार समूह हिआँ नाहीं अहइ?" तब ओनका पता लाग
कि इस्राएल क दूसर लोगन क संग यावेस गिलाद नगर
क कउनो मनई हुवाँ नाही रहा। 9इस्राएल क लोग इ जानइ
बरे कि हुवाँ कउन रहा अउर कउन नाही रहा, हर एक क
गनेस। उ पचे पाएन कि यावेस गिलाद क कउनो भी हुवाँ
नाहीं रहा। 10एह बरे इस्राएल क लोग बारह हजार
फउजियन क यावेस नगर क पठएस। उ पचे ओन
फउजियन स कहेन, "जा अउर यावेस गिलाद लोगन क
मेहररुअन अउ गदेलन समेत आपन तरवार स मउत क घाट
उतार द्या। 11तू पचन्क इ जरूर करइ क होइ। यावेस
गिलाद मँ हर एक मनसेधू क मार डावा। उ मेहरारू क भी
मार डावा जउन एक ठु मनसेधू क संग रहि चुकी होइ।
किन्तु उ मेहरारू क जिन मारा जउन कउनो मनसेधू क संग
कबहुँ सारीरिक सम्बन्ध न किहे होइ।" फउजियन इहइ
किहन। 12ओन बारह हजार फउजियन यावेस गिलाद मँ चार
सौ अइसी कुवाँरी कन्या क पाएन, जउन कउनो मनई क
संग कबहुँ सारीरिक सम्बन्ध नाही किहे रहिन। फउजी ओन
मेहररूअन क सीलो नगर क डेरा पइ लइ गएन। सीलो
कनान भुइँया मँ अहइ।
13तब इस्राएल क लोग बिन्यामीन क लोगन क लगे
एक ठु सँदेस पठएन। उ पचे बिन्यामीन क लोगन क संग
सान्ति-सन्धि करइ क प्रस्ताव रखेन। बिन्यामीन क लोग
रिम्मोन क चट्टान नाउँ क ठउरे पइ रहेन। 14एह बरे
बिन्यामीन क लोग उ समइ इस्राएल क लोगन क पूरे
परिवार क लगे लउटेन। इस्राएल क लोग ओनका ओन
यावेस गिलाद क मेहररूअन क दिहन, जेनका उ पचे मारे
नाही रहेन। किन्तु बिन्यामीन क सबहिं लोगन क बरे ढेर
मेहररूअन नाही रहिन।
15इस्राएल क लोग बिन्यामीन क लोगन क बरे दु:खी
भएन। उ पचे ओनके बरे एह बरे दु:ख महसूस किहन
काहेकि यहोवा इस्राएल क परिवार समूहन क अलग कइ
दिहे रहा। 16इस्राएल क लोगन क अग्रज लोग कहेन,
"बिन्यामीन परिवार समूह क मेहररूअन मार डाली गइ
अहइँ। हम लोग बिन्यामीन क जउन लोग जिअत अहइँ
ओनके बियाह बरे मेहररूअन कहाँ पइहीं। 17बिन्यामीन क
जउन लोग अबहिं जिअत अहइँ, अपने परिवार क अगवा
बढ़ावइ बरे ओनका गदेलन चाही। इ एह बरे करइ क होइ
कि इस्राएल क एक परिवार समूह नस्ट न होइ। 18मुला हम
लोग आपन बिटियन क बिन्यामीन लोगन क संग बियाह
करइ क मंजूरी नाहीं दइ सकित। हम इ प्रतिग्या कइ चुका
अही: 'कउनो मनई जउन बिन्यामीन क मनई क पत्नी देइ,
अभिसप्त होइ।' 19हम लोगन क समन्वा एक ठु उपाय
अहइ। इ सीलो नगर मँ यहोवा बरे उत्सव क समइ अहइ।
इ उत्सव हिआँ हर बरिस मनावा जात ह। (सीलो नगर

बेतेल नगर क उत्तर मँ अहइ अउर उ सड़किया क पूरब मँ
अहइ जउन बेतेल स सकेन क जात ह। अउर इ लबोना
नगर क दक्खिन मँ भी अहइ।)

20एह बरे अग्रज लोग बिन्यामीन लोगन क सुझाव
दिहेन। उ पचे कहेन, “जा, अउर अंगूर क बेलन क खेतन
मँ लुकाइ जा। **21**उत्सव मँ उ समइ क प्रतीच्छा करा जब
सीलो क जुवतियन नाच मँ हींसा लेइ आवइँ। तब अंगूरे क
खेतन मँ आपन लुकाइ क ठउरे स बाहेर निकर दउड़ा। तू
पचन मँ स हर एक सीलो नगर क मेहरूरअन क बिन्यामीन
क भुइँया मँ लइ जा अउर ओकरे संग बियाह करा। **22**ओन
जुवतियन क बाप अउ भाई हम लोगन क निअरे अइही
अउर सिकाइत करिही। किन्तु हम लोग ओनका इ तरह
जवाब देब: ‘बिन्यामीन क लोगन पइ कृपा करा। ओन
लोगन क ओन मेहररूअन क संग बियाह करइ द्या। उ
पचे अपने बरे मेहररूअन एह बरे नाहीं पावत अहइँ कि उ
सबइ लोग तू पचन स लड़इँ अउर उ पचे इ तरह स
मेहररूअन क लइ गवा अहइँ, एह बरे तू पचे आपन
परमेस्सर क समन्वा कीन्ह गइ प्रतिग्या नाही तोड़्या। तू पचे
प्रतिग्या किहे रह्या कि तू पचे ओनका मेहररूअन नाहीं
देब्या, सचमुच, तू पचे बिन्यामीन क लोगन क मेहररूअन
नाहीं दिहा परन्तु उ पचे तू पचन स मेहररूअन लइ लिहन।
एह बरे तू पचे प्रतिग्या भंग नाहीं किहा।’”

23एह बरे बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग उहइ
किहन। जब जुवतियन नाचत रहिन, तउ हर एक मनई
ओनमाँ स एक-एक क धइ लिहस। उ पचे ओन मेहररूअन
क लइ गएन अउर ओनके संग बियाह किहन। तउ उ पचे
आपन भुइँया मँ लउटेन। बिन्यामीन क लोग भुइँया मँ फुन
नगर बसाएन अउर रहइ लागेन।

24तब इस्राएल क लोग अपने घर लउटेन। उ पचे आपन
आपने भुइँया अउर परिवार समूह मँ लउट गएन। **25**ओन
दिनन इस्राएल क लोगन क कउनो राजा नाहीं रहा। हर
एक मनई उहइ करत रहा, जेका उ ठीक समुझत रहा।

यहोसू

परमेस्सर यहोसू क इस्राएल क अगुअइ करइ बोलावत ह

1 मूसा यहोवा क सेवक रहा। नून क पूत यहोसू मूसा क
सहायक रहा। मूसा क मनइ क पाछे यहोवा यहोसू स
बातन किहस। यहोवा यहोसू स कहेस, 2“मोर सेवक मूसा
मर गवा। अब इ सबइ लोग अउर तू यरदन नदी क पार
जा। तू पचन्क उ भुइँया मँ जाइ चाही जेका मइँ इस्राएल क
लोगन क यानी तू पचन्क दइ देत अहउँ। 3मइँ मूसा क इ
वचन दिहे रहेउँ कि इ भुइँया मइँ तू पचन्क देब। एँह बरे
मइँ तू पचन्क उ हर एक पहँटा देब, जउन कउने ठउरे पइ
भी तू जाब्या।

4“इ भुइयाँ अउर रेगिस्तानी भुइँया लोबानोन स लइके
फरात नदी तलक, हित्तियन क पूरी भुइँया अउर हिआँ स
लइके पच्छिम मँ भूमध्य सागर तलक क भुइँया तोहार
इलाके क अन्दर तलक होइ। 5मइँ मूसा क संग रहेउँ अउर
मइँ उहइ तरह तोहरे संग रहब। तोहरे पूरी जिन्नगी मँ, तू
पचन्क कउनो भी मनई तोस स खिलाफ करइ मँ समरथ
नाहीं होइ। मइँ तू पचन्क छोड़ब नाहीं। मइँ कबहु तू पचन्क
दूर नाहीं होब।

6“यहोसू, तू पचन्क मजबूत अउ हिम्मती होइ चाही।
तोहका, इ मनइयन क अगुआ होइ चाही उ जइसे पचे
आपन भुइँया लइ सकइँ। इ उहइ भुइँया बाटइ जेका मइँ
ओनका देइ क ओनके पुरखन क वचन दिहे रहेउँ। 7मुला तू
पचन्क मजबूत अउ हिम्मती रहइ क होइ। तू पचन्क ओन
आदेसन क मानब निहचय क संग करइ चाही, जेनका मोर
सेवक मूसा तू पचन्क दिहस ह। दाहिने या बाए कइती मत
मुड़ा, तउ तू जउन कछू करब्या ओहमाँ सफल होब्या।
8व्यवस्था क इ किताब हमेसा तोहरे दिमाग मँ होइ चाही। इ
किताब क सावधानी स दिन-रात पढ़ब, ताकि तू हर उ कछू
जउन एहमाँ लिखा भवा अहइ कइ सकब्या। अगर तू इ
करब्या, तउ तू बुदिधमान बनब्या अउर जउन कछू करब्या
ओहमाँ सफल होब्या। 9याद राखा, कि मइँ तोहका मजबूत
अउ हिम्मती बना रहइ क हुकुम दिहे रहेउँ। एँह बरे कबहुँ
जिन डेराअ, काहेकि तोहार परमेस्सर यहोवा तोहरे संग सबहिं
जगह रही, जहाँ कहूँ तू जाब्या।”

यहोसू क कार्य निर्वहण

10एँह बरे यहोसू लोगन क प्रमुखन क आदेस दिहस। उ
कहेस 11“डेरा स होइके जा अउर लोगन क तइयार होइ क
कहा। लोगन स कहा, ‘कछू खइया क तइयार कइ लेइँ।
अबहिं स तीन दिना पाछे, हम पचे यरदन नदी पार करब।
हम पचे जाब अउ उ भुइँया क आपन कब्जा मँ लेब जेका
परमेस्सर यहोवा तोहका दइ देत ह।’”

12तब यहोसू रूबेन अउ गाद क परिवार समूहन स, अउ
मनस्से क आधे परिवार समूह स बतियान। यहोसू कहेस,
13“ओका याद राखा, जउन यहोवा क सेवक मूसा तू सबन
स कहे रहा। उ कहे रहा कि परमेस्सर, तोहार यहोवा तू
पचन्क आराम अउर सांति क ठउर देइ। उ इ भुइँया क तू
पचन्क देइ। तोहार पचन्क पत्नियन, तोहार पचन्क गदेलन
अउ तोहार पचन्क जनावरन इ भुइँया मँ रहि सकत हीं।
14मुला तोहार पचन्क जोधा लोग तोहरे पचन्क भइयन क
संग यरदन नदी क जरुर पार करिहीं। तू पचन्क जुद्ध बरे
तइयार रहइ चाही अउ आपन भुइँया लेइ मँ आपन भइयन
क मदद करइ चाही। 15यहोवा तू पचन्क आराम देइ क एक
जगह दिहेस बाटइ, अउर उ तोहरे पचन्क भइयन बरे वइसा
ही करी। मुला तू पचन्क आपन भइयन क मदद बरे तब
तलक करइ चाही जब तलक उ पचे उ भुइँया क नाहीं लइ
लेतेन जेका यहोवा, तोहार परमेस्सर ओनका दइ देत अहइ।
तब तू पचे यरदन नदी क पूरब आपन भुइँया मँ लउटि
सकत ह। उहइ उ भुइँया अहइ जेका यहोवा क सेवक मूसा
तू पचन्क दिहे रहा।”

16तब मनइयन यहोसू क जवाब दिहेन, “जउन भी करइ
बरे तू हुकुम देब्या, हम पचे करब। जउने जगह पइ तू
पठउब्या, हम पचे जाब! 17हम पचे पूरी तरह मूसा क हुकुम
माना ह। उहइ तरह हम पचे सब मानब जउन तू कहब्या।
हम पचे यहोवा स सिरिफ एक बात चाहित ह। हम पचे
परमेस्सर यहोवा स इहइ माँग करित ह कि उ तोहरे संग
वइसा ही रहइ जइसेन ही उ मूसा क संग रहा। 18तब,
कउनो व्यक्ति तोहार हुकुम मानइ स इन्कार करत ह या
कउनो मनई तोहरे खिलाफ खड़ा होत ह, तब उ मारी डावा
जाइ। सिरिफ मजबूत अउ हिम्मती रहा!”

यरीहो मँ गुप्तचर

2 नून क पूत यहोसू अउ सब मनइयन सित्तीम मँ डेरा
डाए रहेन। यहोसू दुइ ठु गुप्तचरन क पठएस। कउनो
दूसर मनई क पता नाहीं लाग कि यहोसू इ मनइयन क
पठए रहा। यहोसू इ मनइयन स कहेए, “जा अउ भुइँया क
जाँच करा, यरीहो सहर क होसियारी स लखा।”

एँह बरे उ पचे यरीहो गएन। उ पचे एक ठु रंडी क घर
गएन अउर हुआँ ठहरेन। इ मेहरारू क नाउँ राहाब रहा।

2कउनो यरीहो क राजा स कहेस, “इस्राएल क कछू
लोग आजु रात हमरी धरती पइ गुप्तचरी करइ आवा
अहइँ।”

3एँह बरे यरीहो क राजा राहाब क हिआँ इ खबर
पउएस: “ओन मनइयन क छिपावा नही जउन आइके तोहार

हिआँ ठहरा अहइँ। ओनका बाहेर लिआवा। उ पचे मेदलेइ
आपन देस मँ आवा अहइँ।"
4मेहरारु दुइनउँ मनई क छिपाइ रही। मुला मेहरारु कहेस,
"उ पचे दुइनउँ मनई आए तउ रहेन, मुला मइँ नाहीं जानत
हउँ कि उ पचे कहाँ स आए रहेन। 5सहर दुआर बन्द होइ
क समइ उ पचे मनई साँझ क चला गएन। मइँ नाहीं जानत
हउँ कि उ पचे कहाँ गएन। मुला अगर तू हाली जाब्या, तउ
साइद तू पचे ओनका धइ लेब्या।" 6(राहाब उ सबइ स
कहेस, मुला असिल मँ मेहरारु ओनका छते पइ पहोंचाइ दिहे
रही, अउर ओनका उ चारा मँ छिपाइ दिहे रही, जेकर ढेर उ
ऊपर लगाए रही।)
7एँह बरे इस्राएल क दुइ ठु मनइयन क खोज मँ राजा क
मनई चला गएन। राजा क मनइयन क जरिये सहर छोड़ देइ
क तुरन्त पाछे सहर क दुआर बन्द कइ दीन्ह गएन। उ पचे
ओन ठउरन पइ गएन जहाँ स लोग यरदन नदी क पार
करत रहेन।
8दुइनउँ मनई रात मँ सोवइ क तइयारी मँ रहेन। मुला
मेहरारु छते पइ गइ अउ उ ओनसे बात किहस। 9राहाब
कहेस, "मइँ जानत हउँ कि इ भुइँया यहोवा तोहरे लोगन क
दिहेस ह। तु पचे हम लोग क डेरावत अहा। इ देस मँ
रहइवाले सबहिं लोगन तू स बहोत डेरान अहइँ। 10हम पचे
डेरान अही काहेकि हम पचे सुनि चुका अही कि यहोवा तू
लोगन क मदद कइसे किहस ह। हम सुने अही कि तू पचे
मिस्र स बाहेर आवा अहा तउ यहोवा लाल सागर क पानी
क सोखाइ दिहस। हम पचे इ भी सुने अही कि तू लोग दुइ
ठु एमोरी राजा लोग, सीहोन अउ ओग क संग का किह्या।
हम पचे सुने अही कि तू लोग यरदन नदी क पूरब मँ
रहइवाले ओन दुइ राजा लोगन क कइसे पूरी तरह स हरा
दिहेस। 11हम पचे ओन सबइ घटना क सुने अही अउर
बहोत जियादा डेराइ ग अही अउर अब हम मँ स कउनो
मनई एँतना हिम्मती नाहीं कि तू लोगन स लड़ि सकइ।
काहेकि तोहार परमेस्सर यहोवा ऊपर सरग अउ तरखाले
भुइँया पइ हुकूमत करत ह। 12तउ अब, मइँ चाहत हउँ कि
तू पचे मोका वचन द्या। मइँ तोहार पचन्क मदद किहेउँ ह
अउ तू पचन्पइ दाया किहेउँ ह। एँह बरे यहोवा क समन्वा
वचन द्या कि तू पचे हमरे परिवारे पइ दाया करब्या। कृपा
कइके मोका कछू निसान द्या कि तू पचे अइसा करब्या।
13मोसे तू पचे इ कहा कि तू पचे मोरे परिवार क जिअत
रहइ देब्या जेहमाँ मोरे पिता, भाई, बहिनियन अउर ओनके
परिवार होइहीं। तू पचे प्रण करा कि तू पचे हमका मउत स
बचउब्या।"
14ओ मनइयन ओका मान लिहन। उ पचे कहेन, "हम
तोहरी जिन्नगी बरे अपनी जिन्नगी क बाजी लगाइ देब।
कउनो मनई स न बतावा कि हम पचे का करत अही। तब
जब यहोवा हम लोगन क हमार देस देइ, तब हम पचे तोहे
पइ दाया करब। तू हम पचन्पइ बिस्सास कइ सकत ह।"
15उ मेहरारू क घर सहर क देवारे मँ देवारे क एक ठु
हींसा क रूप मँ बना रहा। एँह बरे उ मेहरारू सहर क देवारे
क अन्दर अउर बाहेर क हींसा मँ रहर रहेन। एँह बरे उ
महरारू लसुरी क उपयोग कइ क ओनका आपन खिड़की
स नीचे (सहर क बाहेर भुइँया प) उतारहेस। 16तब उ
मेहरारु ओनसे कहेस, "पच्छिम क पहाड़ियन मँ जा, जेहसे
राजा क सिपाही तू पचन्क एकाएक न घर पकड़इँ। हुआँ
तीन दिन छुपा रहा। राजा क मनई जब लउटि आवइँ तब तू
पचे आपन राहे पइ जाइ सकत ह।"
17मनइयन ओसे कहेन, "हम पचे तोहका वचन दिहे
अही। मुला तोहका एक ठु काम करइ क होइ, नाहीं तउ
हम पचे आपन वचन बरे जिम्मेदार नाहीं होब। 18तू इ लाल
लसुरी क उपयोग हम पचन्क बचिके पराइ जाइ बरे करति
अहा। हम पचे इहइ ठउर मँ लउटब। उ समइ तोहका इ
लाल लसुरी क आपन खिड़की स जरुर बाँधइ क होइ।
तोहका आपन पिता, आपन महतारी, आपन भाई अउर आपन
पूरा परिवार क आपन संग इ घरे मँ रखइ क होइ। 19हम
पचे हर एक मनई क सुरिच्छत रखब जउन इ घरे मँ होइ।
अगर तोहरे घरे क भीतर कउनो क चोट पहोंचत ह, तउ
ओकरे बरे हम जिम्मेदार होब। अगर तोहरे घरे स कउनो
मनई बाहेर जाइ, तउ उ मार डावा जाइ सकत ह। उ मनई
बरे हम जिम्मेदार नाहीं होब। इ ओकर आपन दोख होइ।
20हम पचे इ वाचा तोहरे संग करत अही। मुला अगर तू
कउनो क बतउबिउ कि हम पचे क करत अही, तउ हम
पचे आपन इ वचन स अजाद होब।"
21मेहरारु जवाब दिहस, "मइँ एँका अंगीकार करत हउँ।"
मेहरारु नमस्कार किहस अउर मनइयन ओकर घर छोड़
दिहन। मेहरारु खिड़की मँ लाल लसुरी बाँधिस।
22उ पचे ओकरे घरे क तजिके पहाड़ियन मँ चला गएन
जहाँ उ पचे तीन दिन रुकेन। राजा क मनइयन पूरी सड़किया
पइ ओनकर खोजबीन किहस। तीन दिन पाछे राजा क
मनइयन खोज बन्द कइ दिहन। उ पचे ओनका नाहीं हरे
पाएन, सो उ पचे सहर मँ लउटि आएन। 23तब दुइनउँ
मनइयन यहोसू क लगे लउटि आएन। मनइयन पहाड़ियन क
तजेन अउर नदी पार किहन। उ पचे नून क पूत यहोसू क
लगे गएन अउर जउन कछू ओनके संग भए रहेन, उ सबइ
यहोसू क बताएन। 24उ पचे यहोसू स कहेन, "यहोवा फुरइ
सारा भुइँया हम लोगन क दइ दिहस ह। उ देस क सबहिं
लोग हम पचन्स डेरान अहइँ।"

यरदन नदी पइ अचरजे क काम

3 दूसर दिन भिन्सारे यहोसू अउ इस्राएल क सबहिं लोग
उठेन अउ उ पचे सित्तीम क छोड़ि दिहेन। उ पचे
यरदन नदी तलक जात्रा किहन। उ पचे पार करइ स पहिले
यरदन नदी पइ डेरा डाएन। 2तीन दिन पाछे सेनापति डेरा क
बीच स होइके निकरेन। 3उ पचे लोगन क हुकुम दिहेन। उ
पचे कहेन, "तू लोग याजक अउ लेवी परिवार समूह क
आपन परमेस्सर यहोवा क करार क सन्दूख लइ जात भए
लखब्या। उ समइ तू पचे जहाँ ह्वा, ओका तजि देब्या अउ
ओनके पाछे चलब्या। 4मुला ओनके बहोत निअरे जिन रहा।
लगभग एक हजार गज दूर ओनके पाछे रहा। तू पचे यह
सासता क जात्रा कबहुँ नाहीं किह्या ह। एँह बरे अगर तू
पचे ओनके पाछे चलब्या, तउ तू पचे जान लेब्या कि तू
पचन्क कहाँ जाइ क अहइ।"

5तब यहोसू लोगन स कहेस, "आपन क पवित्तर करा,
काहेकि काल्ह भियान यहोवा तू लोगन क बीच मँ चमत्कार
देखाइ।"

6तब यहोसू याजकन स कहेस, "करार क सन्दूख क
उठावा अउर लोगन क समन्वा स नदी क पार चला।" ऍंह
बरे याजक लोग सन्दूख क उठाएन अउर ओका लोगन क
समन्वा लइ गएन।

7तब यहोवा यहोसू स कहेस, "आजु मइँ इस्राएल क
लोगन क निगाह मँ तू पचन्क महान मनई बनाउब सुरु
करब। तब लोग जनिहीं कि मइँ तोहरे सबन क संग वइसेन
ही अहउँ जइसेन मँ मूसा क संग रहेउँ। 8याजक लोग करार
क सन्दूख लइ चलिहीं। याजक लोगन स इ कहा, 'यरदन
नदी क किनारे तलक जा अउर यरदन नदी मँ रुकि जा।'"

9तब यहोसू इस्राएल क लोगन स कहेस, "आवा अउर
आपन परमेस्सर यहोवा क हुकुम सुना। 10इ इ बात क
प्रमाण अहइ कि यहोवा तू लोगन क संग अहइ अउर उ
तोहरे पचन क सत्रु कनान क लोगन हित्तियन, हिव्वियन,
परिज्जियन, गिर्गासियन, एमोरी लोगन अउर यबूसी लोगन
क हराइ अउर ओनका उ देस तजइ क विवस करी।
11प्रमाण हिआँ अहइ। सारा संसार क सुआमी क करार क
सन्दूख उ समइ तोहरे पचन्क अगवा चली जब तू पचे
यरदन नदी पार करब्या। 12आपन बीच स बारह मनइयन क
चुना। इस्राएल क बारह परिवार समूहन मँ स हर एक स
एक मनई चुना। 13याजक लोग समूचे संसार क सुआमी,
यहोवा क करार क सन्दूख क लइके चलिहीं। उ पचे उ
सन्दूख क तोहरे समन्वा यरदन नदी मँ लइ जइहीं। जब उ
पचे पानी मँ घुसिहीं, तउ यरदन क पानी क बहब रुकि
जाइ। पानी रुकि जाइ अउर उ जगह क पाछे ढेर मँ ठाढ़
होइ जाइ।"

14याजक मनइयन क समन्वा करार क सन्दूख लइके
चलेन अउर मनइयन यरदन नदी पार करइ बरे डेरा क तजि
दिहन। 15(फसिल कटइ क समइ यरदन नदी आपन किनारन
स ऊपर बहत ह। ऍंह बरे नदी पूरी तरह भरी भई रही।)
सन्दूख लइ चलइवालन याजक लोग नदी क किनारे
पहोंचेन। उ पचे पानी मँ गोड़ धरेन। 16अउर फौरन उहइ
समइ पानी क बहब बन्द होइ गवा। पानी नदी क ऊपर ढेर
मँ खड़ा होइ गवा। पानी नदी क चढ़व कइँती लम्बी दूरी
तलक लगातार आदाम तलक (सारतान क निअरे एक ठु
सहर) ठाढ़ होत चला गवा। मनइयन यरीहो क लगे नदी क
पार किहन। 17याजक लोग यहोवा क करार क सन्दूखे क
नदी क बीच लइ जाइके खड़ा होइ गएन अउर हुवाँ भुइँया
झुरान होइ गएन जब तलक इस्राएल क लोग यरदन नदी क
झुरान भुइँया स होत भए चलिके पार नाहीं करइ लइ, तब
तलक याजक हुआँ ओनका जोहत रहेन।

मनइयन क सुमिरन करावइ बरे सिलन

4 जब सबहिं लोग यरदन नदी क पार कइ लिहन तब
यहोवा यहोसू स कहेस। 2"मनइयन मँ स बारह ठु
मनई चुना। हर एक ठु परिवार समूह स एक ठु मनई चुना।
3मनइयन क हुकुम द्या कि उ पचे हुआँ नदी क बीच मँ स
सिलन क बटोरा जहाँ याजक लोग खड़ा अहइ। ओन बारह
सिलन क आपन संग लइ जा। ओन बारह सिलन क उ
जगह पइ धरा जहाँ तू पचे आजु रात ठहरा।"

4ऍंह बरे यहोसू हर एक परिवार समूह स एक ठु मनई
चुनेस तब उ बारह मनइयन क एक संग बोलाएस। 5यहोसू
ओनसे कहेस, "नदी मँ हुआँ तलक जा जहाँ पवित्तर सन्दूख
अहइ जेहमाँ तोहार परमेस्सर यहोवा क वाचा अहइ। तू पचन
मँ स हर एक क एक सिला क खोज करइ चाही। इस्राएल
क बारह परिवार समूहन मँ स हर एक बरे एक ठु सिला
होइ। उ सिला क आपन काँधे पर ढोवा। 6इ सबइ सिलन
याद रखइ बरे तोहरे पचन्क बीच चीन्हा होइहीं। भविस्स मँ
तोहर पचन्क गदेलन इ पुछिहीं, 'इ सबइ सिलन क का
महत्व अहइ?' 7गदेलन स कहा कि यहोवा यरदन नदी मँ
पानी क बहब बन्द कइ दिहे रहा। जब यहोवा क करार क
सन्दूख नदी क पार किहस तब पानी क बहब बन्द होइ ग
रहा। इ सिलन इस्राएल क लोगन बरे इ घटना सदा ही
यादगारी होब्या।"

8ऍंह बरे इस्राएल क मनइयन यहोसू क हुकुम मानेन। उ
पचे यरदन नदी क बीच स बारह सिलन लइ गएन। इस्राएल
क बारह परिवार समूहन मँ स हर एक बरे एक ठु सिला
रही। उ पचे उ वइसेन ही किहन जइसा यहोवा यहोसू क
आदेस दिहे रहा। उ पचे मनई सिलन क आपन संग लइ
गएन। तब उ पचे ओन सिलन क हुआँ रखेन जहाँ उ पचे
आपन डेरा डाएन। 9(यहोसू क भी यहोवा क पवित्तर सन्दूखे
क ढोवइवाला याजकन जहाँ खड़ा रहेन, हुअँई यरदन नदी क
बीच मँ बारह सिलन रखइ क रहेन। उ सबइ सिलन आजु
भी उ जगह पइ अहइँ।)

10यहोवा यहोसू क आदेस दिहे रहा कि उ लोगन स
कहइ कि ओनका का करइ चाही। उ सबइ उहइ बातन
रहिन, जेनका जरुर करइ बरे मूसा यहोसू स कहे रहा। ऍंह
बरे पवित्तर सन्दूख क ढोवइवाला याजकन नदी क बीच मँ
तब तलक खड़ा ही रहेन, जब तलक इ सबइ सबहिं काम
पूरा नाहीं होइ गएन। मनइयन हाली किहन अउ नदी पार
कइ गएन। 11जब लोग नदी क पार कइ लिहेन, तब याजक
यहोवा क सन्दूख लइके मनइयन क समन्वा आएन।

12रूबेन अउर गादी क परिवार समूह, अउ मनस्से क
आधा परिवार समूह, मूसा ओनका जउन करइ क कहे रहा,
किहस। इ मनइयन दूसर लोगन क समन्वा नदी क पार
किहेन। इ सबइ लोग जुद्ध बरे तइयार रहेन। इ सबइ लोग
इस्राएल क दूसर लोगन क उ देस क लेइ मँ मदद करइ
जात रहेन, जेका यहोवा ओनका देइ क वचन दिहे रहा।
13लगभग चालीस हजार फउजी, जउन जुद्ध बरे तइयार
रहेन, यहोवा क समन्वा स गुजरेन। उ पचे यरीहो क मइदान
कइँती बढ़त रहेन।

14उ दिन यहोवा इस्राएल क सबहिं लोगन क निगाह मँ
यहोसू क एक महान मनई बनाइ दिहस। उ समइ स अगवा
लोग यहोसू क सम्मान करइ लागेन। उ पचे यहोसू क
सम्मान जिन्नगी भइ वइसेन ही करइ लागेन जइसेन मूसा क
करत रहेन।

15जउने समइ सन्दूख लइ ढोवइवाला याजकन अबहिं नदी मँ खड़ा ही रहेन, यहोवा यहोसू स कहेस। 16“याजकन क नदी स बाहेर आवइ क हुकुम द्या।”

17एँह बरे यहोसू याजक लोगन क आदेस दिहस। उ कहेस, “यरदन नदी क बाहेर आवा।”

18याजक लोग यहोसू क आग्या मानेन। उ पचे सन्दूखे क लइके नदी स बाहेर आएन। जब याजक लोगन क गोड़ नदी क दूसरे कइँती भुइँया क छुएन, तब नदी क पानी फुन बहइ लाग। पानी फुन किनारन क ऊपर स वसाइ बहत लाग जइसे इ सबइ लोगन क नदी पार करइ क पहिले रहा।

19मनइयन यरदन नदी क पहिले महीना क दसएँ दिन पार किहन। मनइयन यरीहो क पूरब गीलगाल मँ डेरा डाएन। 20मनइयन ओन बारह सिलन क आपन संग लइ चलत रहेन जेनका उ पचे यरदन नदी स निकारे रहेन अउर यहोसू ओन सिलन क गीलगाल मँ कायम किहे रहा। 21तब यहोसू लोगन स कहेस “भविस्स मँ तोहार गदेलन आपन महतारी अउर बाप स पूछिहीं, ‘इ सबइ सिलन क का महत्व अहइ?’ 22तू पचे गदेलन क बतउब्या, ‘इ सबइ सिलन हम लोगन क इ सुमिरन करावइ मँ मदद करत हीं कि इस्राएल क लोग कउने तरह झुरान भुइँया पइ स यरदन नदी क पार किहन। 23तोहार परमेस्सर यहोवा नदी क पानी बहब रोक दिहस। नदी तब तलक झुरान रही जब तल इस्राएल क लोग नदी क पार नाहीं कइ किहन। यहोवा यरदन नदी पइ लोगन बरे उहइ किहस, जउन उ पचे लोगन बरे लाल सागर पइ किहे रहेन। याद करा कि यहोवा लाल सागर पइ पानी क बहब एँह बरे रोके रहा कि लोग ओका पार कइ सकइँ।’ 24यहोवा इ एँह बरे किहस कि इ देस क सबहिं लोग जान लेइँ कि तोहार परमेस्सर यहोवा महान सक्ती धरत ह जेहसे लोग सदा ही यहोवा तोहरे परमेस्सर स डेरात रहइँ।”

5 इ तरह, यहोवा यरदन नदी क तब तलक झुरान राखेस जब तलक इस्राएल क लोग ओका पार नाहीं कइ लिहन। यरदन नदी क पच्छिम मँ बसइयन एमोरी राजा लोग अउर भूमध्य सागर क किनारे पइ बसइयन कनानी राजा लोग एकरे बारे मँ सुनेन अउर उ पचे बहोत जियादा डेराइ ग रहेन। ओकरे पाछे उ पचे मँ इस्राएल क लोगन क विरुद्ध जुद्ध करइ क हिम्मत नाहीं रहि गएन।

इस्राएलियन क खतना

2उ समइ, यहोवा यहोसू स कहेस, “चकमक पाथर क छूरी बनावा अउर इस्राएल क लोगन क खतना फुन करा।”

3एँह बरे यहोसू चकमक पाथर क छुरी बनाएस। तब उ इस्राएल क लोगन क खतना क रीति गिबआत हाअरलोत मँ पूरा किहस।

4-7इहइ कारण अहइ कि यहोसू ओन सबहिं मनइयन क खतना किहस, जउन इस्राएल क लोगन क जरिये मिस्र छोड़ देइ क पाछे फउज मँ रहइ क उम्र क होइ ग रहेन। रेगिस्तान मँ रहइ क समझ ओन फउजियन मँ स कई लोगन यहोवा क बात नाहीं मानेन। एँह बरे यहोवा ओन मनइयन क अभिसाप दिहे रहा कि उ पचे “दूध अउ सहद क नदियन वाले भुइँया” क नाहीं लखि पाइँही। यहोवा हमरे पुरखन क उ भुइँया देइ क वचन दिहे रहा, मुला इ सबइ मनइयन क कारण लोगन क चालीस बरिस तलक रेगिस्ताने मँ भटकइ क पड़ा अउर इ तरह उ सबइ फउजी मरि गएन अउर ओनकर जगहिया ओनकइ बेटवन लइ लिहन। मुला मिस्र स होइवाली जात्रा मँ जेतने गदेलन रेगिस्ताने मँ पइदा भ रहेन, ओनमाँ स कउनो क खतना नाहीं होइ सका। एँह बरे यहोसू ओनकइ खतना किहस।

8यहोसू सबहिं मनइयन क खतना पूरा किहस। उ पचे तब तलक डेरा मँ रहेन, जब तलक तन्दुरुस्त नाहीं भएन।

कनान मँ पहला फसह पर्व

9उ समइ यहोवा यहोसू स कहेस, “जब तू मिस्र मँ गुलाम रह्या तब तोहका गुलामी क लज्जा रह्या। मुला आजु मइँ तोहार लज्जा दूर किहेउँ ह।” एँह बरे यहोसू उ जगह क नाउँ गिलगाल धरेस अउर उ जगह आजु भी गिलगाल कही जात ह।

10जउने समइ इस्राएल क लोग यरीहो क मइदान मँ, गिलगाल क जगह डेरा डाए रहेन, उ पचे फसह पर्व मनावत रहेन। इ महीना क चउदहवाँ दिन क साँझ क रहा। 11फसह पर्व क पाछे, अगला दिन मनइयन अनाज क उ खइया क खाएन जउन भुइँया पइ उगि रहा। उ पचे बेखमीरे क रोटी अउर भूँजा अनाज खाएन। 12उ दिना जब मनइयन भोजन कइ लिहन, ओकरे पाछे सरग स खास भोजन क आउब बन्द होइ ग। ओकरे पाछे, इस्राएल क लोग सरग स बिसेख भोजन नाहीं पाएन। ओकरे पाछे उ पचे उहइ भोजन खाएन जउन कनान मँ पइदा होइ रहा।

13जब यहोसू यरीहो क निअरे रहा तब उ ऊपर आँखी उठाएस अउर उ आपन समन्वा एक ठु मनई क लखेस। उ मनई क हाथे मँ एक ठु तरवार रही। यहोसू उ मनई क लगे गवा अउ ओहसे पूछेस, “का तू हमरे मीतन मँ स कउनो एक अहा या हमार दुस्मनन मँ स?”

14उ मनई जवाब दिहस, “मइँ दुस्मन नाहीं हउँ। मइँ यहोवा क फउज क सेनापति अहउँ। मइँ अबहुँ-अबहुँ तोहरे लगे आवा हउँ।”

तब यहोसू आपन मूँड़ भुइँया तलक आपन सम्मान परगट करइ बरे निहुराएन। उ पूछेस, “का मोरे सुआमी क मोर बरे कउनो हुकुम अहइ? मइँ तोहार सेवक अहउँ।”

15यहोवा क फउज क सेनापति जवाब दिहस, “आपन पनही उतारा। जउन जगह पइ तू खड़ा अहा उ ठउर पवित्तर अहइ।” एँह बरे यहोसू ओकर हुकुम मानेस।

यरीहो पइ कब्जा

6 यरीहो सहर क दुआर बन्द रहेन। उ सहर क लोग डेरान रहेन काहेकि इस्राएल क लोग निअरे रहेन। कउनो सहर मँ नाहीं जात रहा अउर कउनो सहर स बाहेर नाहीं आवत रहा।

2तब यहोसू यहोवा स कहा, “लखा, मइँ यरीहो सहर क तोहरे अधिकार मँ दइ दिहेउँ ह। एँकर राजा अउर एकर सारे

सिपाही तोहरे मातहत अहइँ। 3छ: दिना तलक हर एक दिन
आपन फउज क संग सहर क चारिहुँ कइँती गस्त करा।
4भेड़ क सींगन क तुरहियन क लइके सात याजकन क
चलइ द्या। याजकन स कहा कि उ पचे पवित्तर सन्दूखन क
समन्वा चलइँ। सतएँ दिन सहर क चारिहुँ कइँती सात फेरा
करा। सतएँ दिन याजक लोगन स कहा कि उ पचे चलइ क
समइ तुरही बजावइँ। 5याजक लोग तुरहियन स खूब जोर क
अवाज करिहीं। जब तू उ अवाज सुना तउ तू सब लोगन स
चिचियाब सुरु करइ कहा। जब तू अइसा करब्या तउ सहर
क देवारन भहराइ जइहीं। तब तोहार लोग सीधा सहर मँ
जइहीं।"

6इ तरह नून क पूत यहोसू याजकन क बटोरेस। यहोसू
ओनसे कहेस, "यहोवा क पवित्तर सन्दूख क लइ चला। सात
याजकन क भी तुरही लइ चलइ बरे ल्या। ओन याजकन क
सन्दूखे क समन्वा चलइ चाही।"

7तब यहोसू लोगन क हुकुम दिहस, "जा अउर सहर क
चारिहुँ कइँती ताकत क परिक्रमा करा। अस्त्र-सस्त्र वाले
फउजी यहोवा क पवित्तर सन्दूखे क अगवा चलइँ।"

8जब यहोसू लोगन स बोलब पूरा किहस तउ यहोवा क
समन्वा सात याजक लोग चलब सुरु किहेन। उ पचे तुरहियन
लिए भए रहेन। चलत समइ उ पचे तुरहियन बजावत रहेन।
यहोवा क सन्दूख क लइके चलइवालन याजक लोग ओनके
पाछे चलन रहेन। 9अस्त्र-सस्त्र धारण करइवाले फउजी
याजक लोगन क अगवा चलत रहेन। याजक तुरही बजावत
रहेन। बचा भवा मनई तुरही बजावत भए पवित्तर सन्दूख क
पाछे चलत रहेन। 10मुला यहोसू ओनका आवाज न लगइ
बरे हुकुम दिहेस। उ कहेस, "जिन बोला अउ नाहीं आवाज
करा जब तलक कि मइँ हुकुम न दइ। मोरे कहइ क समइ
तू पचे ललकार सकत ह।"

11एँह बरे यहोसू याजक लोगन क यहोवा क पवित्तर
सन्दूख क संग सहर क चारिहुँ कइँती लइ चलइ क हुकुम
दिहस। तब उ पचे आपन डेरा मँ लउटि गएन अउर रात भइ
हुवँइ ठहरेन।

12दूसर दिन, भिन्सारे यहोसू उठा। याजक फिन यहोवा क
पवित्तर सन्दूख क लइके चलेन। 13अउर सातउँ याजक लोग
सात तुरही लइके यहोवा क पवित्तर सन्दूख क समन्वा
बजावत भएन चलेन। उ पचे कदम स कदम मिलावत रहेन।
ओनके समन्वा अस्त्र-सस्त्र धारणकरइवालन फउजी चलत
रहेन। अस्त्र-सस्त्र धारणकरइवालन फउजी जउन याजक
लोग तुरहियन बचावत रहेन क संग यहोवा क सन्दूख क
पाछे चलत रहेन। 14एँह बरे दूसर दिन, ओन सबइ लोग एक
दाईं सहर क चारिहुँ कइँती चक्कर लगाएन अउर तब उ पचे
आपन डेरन मँ लउटि गएन। उ पचे लगातार छ: दिन तलक
इ किहेन।

15सतएँ दिन उ पचे भोर मँ उठेन अउर उ पचे सहर क
चारिहुँ कइँती सात चक्कर लगाएन। उ पचे उहइ तरह सहर
क चक्कर लगाएन जउने तरह उ पचे ओकरे पहिले लगाइ
चुका रहेन, मुला उ दिन उ पचे सात चक्कर लगाएन।
16जब उ पचे सतइँ दाईं सहर क चक्कर लगाएन तउ
याजक लोग आपन तुरही बजाएन। उ समइ यहोसू आदेस
दिहस, "अब तू जोर स आवाज लगा। यहोवा इ नगर तू
पचन्क देत अहइ। 17सहर अउ एहमाँ क हर एक चीज
यहोवा क अहइ।* सिरिफ पतुरिया राहाब अउ ओकरे घरे मँ
रहइवाले लोग ही जिअत रइहीं। इ सबइ मारा नाहीं जाइ
चाही काहेकि राहाब ओन दुइनउँ गुप्तचरन क मदद किहे
रही। 18इहउ सुमिरा कि हम क एँकरे अलावा दूसर
चिजियन्क बरबाद करइ क अहइ। ओन चिजियन्क जिन
ल्या। अगर तू पचे ओन चिजियन्क लेत अहा अउर आपन
डेरन मँ लिआवत अहा तउ तू पचे खुद बरबाद होइजाब्या
अउर तू पचे आपन सबहिं इस्राएली लोगन पइ भी मुसीबत
लिअउब्या 19सबहिं चाँदी, सोना अउर लोहा क बनी चिजियन
यहोवा क अहइँ। इ सबइ चिजियन यहोवा क खजाने मँ ही
धरी जाइ चाही।"

20याजक लोग तुरही बजाएन। मनइयन तुरहियन क
अवाज सुनेन अउर आवाज लगावत सुरु किहेन। देवारन
भहरानिन अउर लोग सीधे सहर मँ धावइ लागेन। इ तरह
इस्राएल क लोग सहर क हराएन। 21मनइयन सहर क हर
एक चीज बरबाद किहेन। उ पचे हुआँ क हर एक जिअत
परानी क बरबाद किहन। उ पचे नउजवान, बुढ़वन, जवान
मेहररुअन, बुढ़ियन, भेड़िन अउर गदहन क मार डाएन।

22यहोसू दुइनउँ गुप्तचरन स बतियान। उ कहेस, "पतुरिया
क घरे जा। ओका बाहेर लइ आवा। सबइ मनइयन क बाहेर
लइ आवा अउर ओन लोगन क भी बाहेर लइ आवा जउन
ओकरे संग अहइँ। इ तू पचे एँह बरे करा कि तू पचे ओका
वचन दिहे अहा।"

23दुइनउँ मनई घर मँ गएन अउर राहाब क बाहेर
लिआएन। उ पचे ओकर पिता, महतारी, भाइयन अउ ओकर
समूचइ परिवार अउ ओकरे साथे क दूसर सबहिं क बाहेर
निकारेन। उ पचे इस्राएल क डेरा क बाहेर इ सबहिं लोगन
क सुरच्छित रखेन।

24तब इस्राएल क लोग सारा सहर जराए दिहन। उ पचे
सोना, चाँदी, काँसा, अउर लोहा स बनी चिजियन क अलावा
सबहिं चिजियन क जराए दिहन। इ सबइ चिजियन यहोवा क
खजाने बरे बचाइ लीन्ह गइन। 25यहोसू राहाब, ओकर
परिवार अउ ओकरे रिस्तेदारन क बचाइ लिहस। यहोसू
ओनका जिअत रहइ दिहस काहेकि राहाब ओन लोगन क
मदद किहे रही, जेनका उ यरीहो मँ जासूसी करइ बरे पठए
रहा। राहाब आज भी इस्राएल क लोगन मँ आपन सन्ताने क
रुप मँ रहति ह।

26उ समइ, यहोसू किरिया खाएस। उ कहेस:

"कउनो मनई जउन यरीहो सहर क फिन निर्माण क जतन
करी यहोवा कइँती स अभिसापित होब्या। जउन मनई सहर
क नींव रखी, आपन पहिलउटी बटवा क खोइ। जउन मनई
फाटक लगाइ उ आपन सबन त लहुरा बटवा क खोई।"

27एह बरे यहोवा, यहोसू क संग रहा अउर इ तरह यहोसू
पूरे भुइँया मँ प्रसिद्ध होइ गवा।

हर एक चीज यहोवा क अहइ एँकर अक्सर इ अरथ होत रहा कि सबइ चीजन मन्दिर क कोसागार मँ जमा होत रहिन या बरबाद कइ दिन्ह जात रहिन ताकि दूसर लोग ओनकर प्रयोग न कइ सकइँ।

आकान क पाप

7 मुला इस्राएल क लोग परमेस्सर क आग्या नाहीं
मानेन। यहूदा परिवार समूह क एक मनई आकान
कर्म्मी क पूत जउन जब्दी क पूत रहा। आपन संग कछू
वर्जित चिजियन धइ लिहेस जेनका बरबाद करइ क रहा। एँह
बरे यहोवा इस्राएल क लोगन पइ कोहाइ गवा। 2जब उ
पचे यरीहो क हराइ चुकेन तब यहोसू कछू लोगन क
पठएस। ऐ, बेतेल क पूरब बेतावेन क लगे रहा। यहोसू
ओनसे कहेस, "ऐ जा अउर उ छेत्र क कमजोरियन क
लखा।" एँह बरे लोग उ देस मँ जासूसी करइ गएन।
3पाछे उ मनईयन यहोसू क लगे लउटिके आएन। उ पचे
कहेन, "ऐ कमजोर छेत्र अहइ। हम लोगन क ओनका
हरावइ बरे आपन सबहिं लोगन क जरुरत नाहीं पड़ी। हुआँ
लड़इ बरे दुइ हजार या तीन हजार मनइयन क पठवा। आपन
सबहिं फउजन क हुआँ उपयोग करइ क जरुरत नाहीं
अहइ। हुआँ पइ थोड़ा मनई हम लोगन क खलाफ
लड़इवाला अहइँ।"
4-5एँह बरे लगभग तीन हजार मनईयन ऐ क खिलाफ
गएन। मुला ऐ क लोग लगभग छत्तीस इस्राएल क
मनइयन क जंग मँ मार गिराएन अउ बचा भवा इस्राएल क
लोग पराइ गएन। ऐ क लोग सहर-दुआर स लगातार पाथर
क खदानन तलक पाछा किहन। इ तरह ऐ क लोग ओनका
ढलवान पइ बुरी तरह हराएन।
जब इस्राएल क लोग इ लखेन तउ उ पचे बहोत डेराइ
गएन अउर आपन हिम्मत हार गएन। 6जबहिं यहोसू एकरे
बारे मँ सुनेस तउ उ आपन ओढ़ना फाड़ि डाएस। उ पवित्तर
सन्दूखे क समन्वा भुइँया पइ ओलरा। यहोसू हुआँ साँझ
तलक पड़ा रहा। इस्राएल क नेता लोग इहइ किहन। उ पचे
आपन मूँड़ि पइ धूरि डाएन।
7तब यहोसू कहेस, "यहोवा, मोर सुआमी। तू हमरे लोगन
क यरदन नदी क पार लिआया। मुला तू हमका एँतनी दूर
काहे लिआया, का सिरिफ एमोरी लोगन क जरिये स हम
लोगन क बरबाद करइ बरे लिआया? हम लोग यरदन नदी
क दूसरे किनारे पइ ठहरा होइत अउर सन्तुट्ठ रहित। 8मोरे
मालिक, मइँ आपन जिन्नगी क कसम खाइके कहत हउँ
कि मइँ तोहस का कहइ सकत हउँ। इस्राएल आपन दुस्मनन
क पास स भाग गहेस ह। 9कनानी अउ इ देस क सबहिं
लोग इ सुनिहीं जउन भवा, तब उ पचे हम लोगन क
खिलाफ अइहीं अउर हम सबन क मारि डइहीं। तब इ तू
आपन महान नाउँ क रच्छा बरे का करब्या?"
10यहोवा यहोसू स कहेस, "खड़ा होइ जा। तू आपन मुँहे
क बल काहे गिरा अहा? 11इस्राएल क लोग मोरे खिलाफ
पाप किहन। उ पचे मोरी उ करार क तोड़ेन, जेका मइँ
ओनका संग किहेस रहेउँ। उ पचे उ चिजियन मँ स कछू
चिजियन लिहन जेनका बरबाद करइ क हुकुम मइँ दिहेउँ ह।
उ पचे मोर चोरी किहेन ह। उ पचे लबार बात कहेन ह। उ
पचे उ सबइ चिजियन आपन लगे धरेन ह। 12इहइ कारण
अहइ कि इस्राएल क फउज आपन दुसमनन क नाहीं हराइ
सकेस। उ पचे पलटेन अउर आपन दुस्समन स पराइ गएन
काहेकि कउनो मनई ओन चिजियन क लिहेन जेका बरबाद
करइ चाहत रहा। मइँ तब तलक तोहार मदद नाहीं करब
जब तलक तू उ चिजियन क बरबाद नाहीं करब्या जेका मइँ
तू पचन्क क बरबाद कइ करइ क हुकुम दिहे रहा।
13"अब तू जा अउर लोगन क पवित्तर करा। लोगन स
कहा, 'उ पचे आपन क पवित्तर करइँ। भियान बरे तइयार
होइ जा। इस्राएल क परमेस्सर यहोवा कहत ह कि कछू
लोग उ सबइ चिजियन आपन लगे धरे अहइँ, जेनका मइँ
बरबाद करइ क हुकुम दिहे रहेउँ। तू तब तलक आपन
दुस्मनन क हरावइ क जोग्गा नाहीं होब्या, जब तलक तू
ओन चिजियन क खतम नाहीं कइ देब्या।
14"'भियान भिन्सारे तू सबन्क यहोवा क समन्वा खड़ा होइ
क होइ। सबहिं परिवार समूह यहोवा क समन्वा पेस होइहीं।
दूसर परिवार समूह मँ स यहोवा एक परिवार समूह क चुनी।
तब सिरिफ उहइ परिवार समूह यहोवा क समन्वा खड़ा होइ।
तब बस उहइ परिवार समूह स यहोव एक कबीला क चुनी।
तब सिरिफ उहइ कबीला यहोवा क समन्वा खड़ा होइ। तब
यहोवा उ कबीला क प्रत्येक परिवार क परखी अउर उ मँ
स एक क चुनी। तब उ परिवार अकेले यहोवा क समन्वा
खड़ा होइ जउन कि उ परिवार स एक एक क चुनी। 15उ
मनई जउन इ चिजियन क संग पावा जाइ जेनका मइँ बरबाद
करइ क हुकुम दिहे रहेउँ, धइ लीन्ह जाइ। तब उ मनई क
अउर ओकरे संग ओकर हर एक चीज आगी मँ झोंकिके
जरि दीन्ह जाइ। उ मनई यहोवा क करार क तोड़ेस ह। उ
इस्राएल क लोगन क बीच मँ बहोत ही सरमनाक काम
किहेस ह।'"
16दूसरे भिन्सारे यहोसू इस्राएल क सबहिं लोगन क
यहोवा क समन्वा लइ गवा। सारा परिवार समूह यहोवा क
समन्वा खड़ा होइ गवा। यहोवा यहूदा परिवार-समूह क चुनेस।
17तब यहूदा क सारा परिवार समूह यहोवा क समन्वा खड़ा
भएन। यहोवा ओन मँ स जेरह कबीला क चुनेस। तब जेरह
कबीला क सबहिं परिवार यहोवा क समन्वा खड़ा भएन।
एँनमाँ स जब्दी क परिवार चुना गवा। 18तब यहोसू इ परिवार
क सबहिं मनसेधुअन क यहोवा क समन्वा आवइ क कहेस।
यहोवा कर्मी क पूत आकान क चुनेस। (कर्मी जब्दी क पूत
अउर जब्दी जेरह क पूत रहेन।)
19तब यहोसू आकान स कहेस, "पूत, तोहका आपन
पराथना कहइ चाही। इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क सम्मान
करइ चाही अउर ओहसे तोहका पापन्क कबूलइ चाही।
मोका बतावा कि तू क किह्या? मोहसे कछू छुपावइ क
कोसिस जिन करा!"
20आकान जवाब दिहस, "इ फुरइ अहइ! मइँ इस्राएल क
यहोवा परमेस्सर क खिलाफ पाप किहेउँ ह। मइँ जउन किहे
हउँ उ इ अहइ:
21"हम लोग यरीहो सहर क एँकर सबहिं चिजियन क
संग आपन कब्जे मँ लीन्ह। ओन चिजियन मँ मइँ सिनार क
एक सुन्नर आढ़ना अउर लगभग पाँच पौण्ड चाँदी अउर
एक पौण्ड सोना लखा। मोर एँन चिजियन क अपने बरे धरइ
क बहोतइ इच्छा रही। एँह बरे मइँ ओनका लइ लिहेउँ। तू
ओन चिजियन क मोरे तम्बू क खाले जमीन मँ गड़ा भवा
पउब्या। चाँदी ओढ़ना क खाले अहइ।"

22एँह बरे यहोसू कछू मनइयन क तम्बू मँ पठएस। उ
पचे धावत धावत पहोंचेन अउर ओन चिजियन क तम्बू मँ
छुपा पाएन। चाँदी ओढ़ना क नीचे रही। 23उ पचे ओन
चिजियन क तम्बू स बाहेर लिआएन। उ पचे ओन चिजियन
क यहोसू अउ इस्राएल क सबहिं लोगन क लगे लइ
गएन। उ पचे ओका यहोवा क समन्वा जमीने पइ लिआइके
पटक दिहेन।

24तब यहोसू अउर सबहिं लोग जेरह क पूत आकान क
घाटी मँ लइ गएन। उ पचे चाँदी, ओढ़ना, सोना, आकान क
बिटियन-बेटवन, ओकर गोरुअन, ओकर गदहन, भेड़िन,
तम्बू अउर सबहिं चिजियन क भी लिहन। एँन सबहिं
चिजियन क उ पचे आकान क संग आकोर क घाटी मँ लइ
गएन। 25तब यहोसू कहेस, "तू हमरे बरे इ सबइ मुसीबतन
काहे किह्या? अब यहोवा तोह पइ मुसीबत लिआइ।" तब
सबहिं लोगन आकान अउर ओकर परिवार पइ तब तलक
पाथर लोकाएन जब तलक उ पचे मरि नाहीं गएन। उ पचे
ओकरे परिवार क मार डाएन। तब मनइयन ओनका अउ
ओकर सबहिं चिजियन क बारि दिहेन। 26आकान क बारि
देइ क पाछे ओकरे तने पइ उ पचे कईउ सिलन क धरेन।
इ सबइ सिलन आजु भी हुआँ अहइँ। इ तरह यहोवा आकान
पइ विपद ढाएस। इहइ कारण अहइ कि ठउर ओकोर घाटी
कही जात ह। एँकरे पाछे, यहोवा लोगन स नाखुस नाहीं रहा।

ऐ बरबाद भवा

8 तब यहोवा यहोसू स कहेस, "डेराअ जिन। हिम्मत न
छोड़ा आपन सबहिं सिपाहियन क ऐ लइ जा। मइँ ऐ
क राजा क हरावइ मँ तोहार मदद करब। मइँ ओकर
नागरिक क, ओकरे सहर क अउर ओकर भुइँया क तोहका
दइ देत अहँउ। 2तू ऐ अउर ओकरे राजा क संग उहइ
करब्या, जउन तू यरीहो अउ ओकरे राजा क संग किह्या
ह। इ दाईं तू सिरिफ इ सहर क सारी सम्पत्ति अउ पसु-धन
लेब्या अउर आपन लगे धरब्या अउर आपन लगे धरब्या।
फुन तू आपन लोगन क बीच मँ ओकर बँटवारा करब्या।
अब तू आपन कछू सिपाहियन क सहर क पाछे छुपइ क
हुकुम देब्या।"

3एँह बरे यहोसू आपन पूरी फउज ऐ कइँती लइ गवा।
तब यहोसू तीस हजार ताकतवर लराकन आपन फउज मँ स
चुनेस। उ एँनका राति क बाहेर पठइ दिहस। 4यहोसू ओनका
इ हुकुम दिहसः "मइँ जउन कहत हउँ, ओका होसियारी स
सुना। तू पचन्क सहर क पाछे क धेत्र मँ छुपा रहइ चाही।
हमला क समइ क बाट जोहा। सहर स बहोत दूर जिन जा।
होसियारी स लखत रहा अउ तइयार रहा। 5मइँ फउजियन क
आपन संग सहर कइँती हमला बरे लइ जाबउँ। हम लोगन
क खिलाफ लड़इ बरे सहर क लोग बाहेर अइहीं। हम
लोग मुड़ि जाब अउर पहिले क तरह पराइ जाब। 6उ पचे
हम लोगन क तब तलक पाछा करिहीं जब तलक हम लोग
ओनका सहर स दूर न लइ जाब। काहेकि उ पचे इ आपन
आप मँ सोचिहीं कि उ पचे हम पचन स पहिले क तरह
परात अही। एँह बरे हम लोग ओन लोगन स पराइ जाब।
7तब तू पचे आपन लुकाइ क जगहिया स अउब्या अउ सहर
पइ कब्जा कइ लेब्या। तोहार परमेस्सर यहोवा तू पचन्क
जीत जाइ क सक्ती देइ।

8"एँह बरे तू पचे जब सहर पइ कब्जा कइ लया तब
ओका बारि द्या। जइसा कि यहोवा तू पचे स कहेस ह।
लखा मइँ तू पचन्क इ करइ क हुकुम देत अहउँ।"

9तब यहोसू ओन सिपाहियन क ओनके लुकाइ क
जगहिया पइ पठइ दिहेस अउ जोहइ लाग। उ पचे बेतेल
अउर ऐ क बीच क जगह गएन। इ जगह ऐ क पच्छिम मँ
रही। मुला यहोसू आपन लोगन क संग रात भइ हुअँई रुका
रहा।

10अगले भिन्सारे यहोसू लोगन क बटोरेस। तब यहोसू
अउर इस्राएल क बुजुर्गन सिपाहियन क ऐ लइ गएन।
11यहोसू क सबहिं सिपाहियन ऐ पइ हमला किहन। उ पचे
सहर क दुआर क समन्वा रुकेन। फउज आपन डेरा सहर क
उत्तर दिसा मँ डाएस। फउज अउर ऐ क बीच मँ एक ठु
घाटी रही।

12यहोसू लगभग पाँच हजार फउजियन क चुनेस। यहोसू
एँनका सहर क पच्छिम मँ छिपइ बरे उ जगह पठएस, जउन
बेतेल अउर ऐ क बीच मँ रही। 13मुख्य डेरा सहर क उत्तर
दिसा मँ रहा। दूसर सिपाहियन पच्छिम मँ लुकान रहेन। उ रात
यहोसू घाटी मँ बिताएस।

14पाछे, ऐ क राजा इस्राएल क फउज क लखेस। राजा
अउर ओकर लोग लखेन अउ हाली स इस्राएल क फउज
स लड़इ बरे अगवा बढ़ेन। ऐ क राजा सहर क पूरब यरदन
घाटी कइँती बाहेर गवा। एँह बरे उ इ न जान सका कि
सहर क पाछे फउजी लुकान रहेन।

15यहोसू अउ इस्राएल क सबहिं सिपाहियन ऐ क फउज
क जरिये आपन क पाछे ढकेलइ दिहन। यहोसू अउ ओकरे
फउजियन पूरब मँ रेगिस्तान कइँती धाउब सूरु किहन।
16सहर क लोग सोर मचाइ अउर यहोसू क खदेरइ सुरु
किहन। अउर ओकरे सिपाहियन सहर तजइ सुरु किहन। 17ऐ
अउर बेतेल क सबहिं लोग इस्राएल क फउज क पाछा
फिहन। सहर खुला छोड़ दीन्ह गवा रहा, कउनो भी सहर क
रच्छा बरे नाहीं रहा।

18यहोवा यहोसू स कहेस, "आपन भाला क ऐ सहर
कइँती किए रहा। मइँ इ सहर तोहका देबउँ।" एँह बरे यहोसू
आपन भाला क ऐ सहर कइँती किहस। 19इस्राएल क
लुकान फउजियन एँका लखेन। उ पचे हाली स आपन लुकाइ
क जगहियन स निकरेन अउर सहर कइँती तेजी स चल
पड़ेन। उ पचे सहर मँ घुस गएन अउर ओह पइ कब्जा कइ
लिहन। तब फउजियन सहर क बारइ बरे आगी लगाउब सुरु
किहन।

20ऐ क लोग मुड़िके लखेन अउ आपन सहर क जरत
पाएन। उ पचे धुआँ अकासे मँ उठत निहारेन। एँह बरे उ पचे
आपन ताकत अउ हिम्मत खोइ दिहन। उ पचे इस्राएल क
लोगन क पाछा करब छोड़ेन। इस्राएल क लोगन पराब बन्द
किहन। उ पचे मुड़ि गएन अउ ऐ क लोगन स लड़इ चल
पड़ेन। ऐ क लोगन बरे पराइ क कउनो सुरच्छित जगह नाहीं
रही। 21यहोसू अउ ओकर फउजियन लखेन कि ओकर
फउज सहर पइ कब्जा कइ लिहस। उ पचे सहर स धुआँ

भी उठत निहारेन। इ तब उ पचे पराब बन्द किहन अउर ऐ
क लोगन स जुद्ध करइ सुरु किहन। 22तब उ सबइ
फउजियन जउन लुकान रहेन, जुद्ध मँ मदद बरे सहर स
बाहेर निकरि आएन। ऐ क फउजियन क दुइनउँ कइँती
इस्राएल क फउजी रहेन, ऐ क फउजी जाल मँ फँस ग
रहेन। इस्राएल ओनका हराइ दिहस। उ पचे तब तलक लड़त
रहेन जब तलक ऐ क कउनो भी मनसेधू जिअत न रहा,
ओनमाँ स कउनो पराइ नाहीं सका। 23मुला ऐ क राजा
जिअत छोड़ दीन्ह गवा। यहोसू क फउजी ओका ओकरे
लगे लिआएन।

जुद्ध क विवरण

24जुद्ध क समइ, इस्राएल क फउज ऐ क फउजियन क
मइदानन अउर रेगिस्ताने मँ ढकेल दिहन अउर इ तरह
इस्राएल क फउज ऐ स सबहिं फउजियन क मारइ क काम
मइदानन अउर रेगिस्ताने मँ पूरा किहस। तब इस्राएल क
सबहिं फउजी ऐ क लउटेन। तब उ पचे ओन लोगन क
जउन सहर मँ जिअत रहेन, मारि डाएन। 25उ दिन ऐ क
सबहिं लोग मारा गएन। हुआँ बारह हजार मनसेधू अउ
मेहरारु रहेन। 26यहोसू आपन भाला क, ऐ कइँती आपन
लोगन क सहर बरबाद करइ क संकेत क बनाए राखेस
अउर यहोसू संकेत देब तब तलक बन्द नाहीं किहस जब
तलक सहर क पुरी आबादी बरबाद नाहीं होइ गएन।
27इस्राएल लोग गोरुअन अउ सहर क चीजन्क अपने लगे
धरेन। इ उहइ बात रही कि जेका करइ क यहोवा यहोसू क
हुकुम देत समइ, कहे रहा।

28तब यहोसू ऐ सहर क बार दिहस। उ सहर सूनी
चट्टानन क ढेर बन गवा। इ आजु भी वइसा ही अहइ।
29यहोसू ऐ क राजा क एक बृच्छ पइ फाँसी दइके टाँग
दिहस। उ ओका साँझ तलक बृच्छ पइ टँगा रहइ दिहस।
सूरज डूबे पइ यहोसू राजा क ल्हास क बृच्छ स उतारइ क
हुकुम दिहस। उ पचे ओका सरीर क सहर क दुआर पइ
लोकाइ दिहन अउर इका सिलन स ढाँकि दिहन। सिलन क
उ ढेर आजु तलक हुअँइ अहइ।

आसीर्बादन अउ अभिसापन क पढ़ा जाब

30तब यहोसू इस्राएल क परमेस्सर यहोवा बरे एक वेदी
बनाएस। उ इ वेदी एबाल पर्वत पइ बनाएस। 31यहोवा क
सेवक मूसा इस्राएल क लोगन क बताए रहा कि वेदियन
कइसे बनई जाइँ। एँह बरे यहोसू वेदी क वइसे ही बनाएस
जइसे मूसा क व्यवस्था क किताबे मँ समुझावा ग रहा। वेदी
बगैर कटे भए पाथरन स बनी रही। ओन पाथरन पइ कबहुँ
कउनो औजारे क उपयोग नाहीं भवा रहा। उ पचे उ वेदी
पइ यहोवा क होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाएन।

32उ ठउर पइ यहोसू मूसा क व्यसस्था क एक नकल
क पाथरन पइ लिखेस। उ इ इस्राएल क सबहिं लोगन क
लखइ बरे किहस। 33सबइ अगुआ नेता लोग, अफसरन,
निआव क अफसरन अउ इस्राएल क सबहिं लोग पवित्तर
सन्दूखे क चारिहुँ कइँती खड़ा रहेन। उ पचे ओन लेवी
कबीला क याजकन क समन्वा खड़ा रहेन, जउन यहोवा क
करार क पवित्तर सन्दूखे क लइ चलत रहेन। इस्राएली अउर
बिदेसी प्रवासियन सबहिं लोग हुआँ खड़ा रहेन। आधा लोग
एबाल पर्वत क समन्वा खड़ा रहेन अउर दूसर आधा लोग
गिरिज्जीम पर्वत क समन्वा खड़ा रहेन। यहोवा क सेवक
मूसा ओनसे अइसा करइ क कहेस रहा। मूसा ओनसे अइसा
करइ क इ आसीर्बाद बरे कहे रहा।

34तब यहोसू व्यवस्था क सब वचनन क बाँचेस। यहोसू
आसीर्बाद अउ अभिसाप बँचेस। उ सबहिं कछू उ तरह
बाँचेस, जउने तरह उ व्यवस्था क किताबे मँ लिखा रहा।
35इस्राएल क सबहिं लोग हुआँ बटुरा रहेन। सबहिं मेहररुअन,
गदेलन अउ इस्राएल क लोगन क संग रहइवाला सबहिं
विदेसियन हुआँ बटुरा रहेन अउ यहोसू मूसा क जरिये दीन्ह
गएन हर एक आदेस क बाँचेस।

गिबोनियन क जरिये यहोसू क छला जाब

9 यरदन नदी क पच्छिम क सब राजा लोग इ सबइ
घटना क बारे मँ सुनेन। इ सबइ हित्ती, एमोरी,
कनानी, परिज्जी, हिव्वी, यबूसी लोगन क राजा लोग रहेन।
उ पचे पहाड़ी भुइँयन अउर मइदानन मँ रहत रहेन। उ पचे
लबानोन तलक भूमध्य सागर क किनारन क लगे भी रहत
रहेन। 2उ पचे सबहिं राजा लोग बटुरेन। उ पचे यहोसू अउ
इस्राएल क लोगन क संग जुद्ध क योजना बनाएन।

3गिबोन क लोग उ तरीका क बारे मँ सुनेन, जेहसे
यहोसू यरीहो अउ ऐ क हराए रहा। 4एँह बरे उ पचे इस्राएल
क लोगन क धोखा देइ क ठान लिहन। ओनकर इ योजना
रही: उ पचे चाम क पुराना बोरियन क आपन गोरुअन पइ
लादेस। उ पचे आपन गोरुअन क ऊपर दाखरस क चाम क
पुराना मसक क भी डाएन, जेहसे उ पचे अइसा देखाँइ पड़इँ
मान ल्या कि उ पचे बहोतइ दूरी क जात्रा कइके आवा
अहइँ।

5मनइयन पुरान पनहियन पहिर लिहन। उ पचे पुरान
ओढ़ना भी पहिर लिहेन। उ मनइयन कछू बासी, रुखी,
खराब रोटियन भी लइ लिहन। इ तरह उ सबइ मनसेधुअन
अइसा लगत रहेन मान ल्या उ पचे बहोतइ दूरी क देस स
जात्र किहे होइँ। 6तब इ सबइ मनसेधुअन इस्राएल क लोगन
क डेरन क लगे गएन। इ डेरा गिलगाल क लगे रहा।

उ सबइ मनसेधुअन यहोसू क लगे गएन अउर उ पचे
ओसे कहेन, “हम लोग एक बहोतइ दूर क देस स आवा
अही। हम लोग तोहरे संग सान्ति क सन्धि करइ चाहित
ह।”

7इस्राएल क लोग इ हिव्वी लोगन स कहेन, “होइ
सकत ह तू लोग हम पचन्क धोखा दइ देत ह्वा। होइ
सकत ह तू हमरे निचके क रहइवाला ह्वा। हम तब तलक
सान्ति क संधि नाहीं कइ सकित जब तलक हम इ नाहीं
जान लेइत कि तू पचे कहाँ स आवा अहा।”

8हिव्वी लोग यहोसू स कहेन, “हम पचे आप क सेवक
अही।”

मुला यहोसू पूछेस, “तू पचे कउन अहा? तू पचे कहाँ स
आवा अहा?”

9मनसेधुअन जवाब दिहन, "हम लोग आप क सेवक
अही। हम पचे एक बहोलइ दूरी क देस स आवा अही। हम
ऍह बरे आर कि हम पचे तोहरे परमेस्सर यहोवा क महान
सक्ती क बारे मँ सुना ह। हम लोग उ भी सुने अही, जउन
उ किहस। हम लोग उ सब कछू सुना ह, जउन उ मिस्र मँ
किहस। 10अउर हम लोग इ भी सुना कि उ यरदन नदी क
पूरब दुइ ठु एमोरी लोगन क राजा लोगन क हराएस।
हेस्बोन क राजा सीहोन अउर असतारोत क देस मँ बासान क
राजा ओग रहेन। 11ऍह बरे हमरे अगुआ अउर हमरे लोग
हमसे कहेन, 'आपन जात्रा बरे जियादा भोजन लइ ल्या। जा
अउ इस्राएल क लोगन स बात करा। ओनसे कहा, "हम
आप क सेवक अही। हम लोगन क संग सान्ति क सन्धि
करा।"'

12"हमरी रोटियन क लखा। जब हम लोग घर छोड़ा तब
इ सबइ गर्मागरम अउ ताजी रहिन। मुला अब आप लखत
हीं कि इ सबइ झुरान अउ बासी अहइँ। 13हम लोगन क
दाखरस क मसकन क निहारा। जब हम लोग घर तजा तउ
इ सबइ नई अउ दाखरस स भरी रहिन। आप लखि सकत
हीं कि इ सबइ फाट अउ फुरान अहइँ। हमार ओढ़नन अउ
चप्पलन क लखा। आप लखि सकत हीं कि लम्बी जात्रा
हमरी चिजियन क खराब कइ दिहे अहइ।"

14इस्राएल क लोग जाना चाहत रहेन कि इ सबइ मनई
का फुरइ बोलत अहइँ। ऍह बरे उ पचे रोटियन क चखेन,
मुला उ पचे यहोवा स नाहीं पूछेन कि ओनका क करइ
चाही।

15यहोसू ओनके संग सान्ति-सन्धि करइ बरे तइयार होइ
गवा। उ ओनका जिअत छोड़इ बरे तइयार होइ गवा।
इस्राएल क प्रमुखन यहोसू क वचन क समर्थन कइ दिहन।

16तीन दिना पाछे, इस्राएल क लोगन क पता चला कि
उ सबइ लोग ओनके डेरा क बहोत निचके रहत हीं। 17ऍह
बरे इस्राएल क लोग हुआँ गएन, जहाँ उ सबइ लोग रहत
रहेन। तीसरे दिन, इस्राएल क लोग गिबोन, कपीरा, बेरोत
अउर किर्यत्यारीम सहरन क आएन। 18मुला इस्राएल क
फउज इ सहरन क खिलाफ लड़इ क जतन नाहीं किहस। उ
पचे ओन लोगन क संग सान्ति संधि कइ चुका रहेन। उ
पचे ओन लोगन क संग इस्राएल क परमेस्सर यहोवा क
समन्वा प्रण किहे रहेन।

सबहिं लोग ओन प्रमुखन क खिलाफ सिकाइत करत
रहेन, जउन सन्धि किहे रहेन। 19मुला प्रमुख लोगन जवाब
दिहन, "हम पचे प्रण किहे अही। हम लोग इस्राएल क
परमेस्सर यहोवा क समन्वा प्रण किहे अही। हम ओनके
खिलाफ अब लड़ नाहीं सकित। 20हम लोगन क सिरिफ
ऍतना ही करइ चाही। हम ओनका जरुर जिअत रहइ देब।
हम ओनका चोट नाहीं पहोंचाइ सकित काहेकि ओनके संग
कीन्ह गवा प्रण क तोड़ देइ पइ यहोवा क किरोध हम
लोगन क खिलाफ होइ। 21ऍह बरे ऍनका जिअत रहइ द्या।
इ सबइ हमार सेवक होइहीं। उ पचे हमरे बरे लकड़ी
कटिहीं अउर हमरे मनइयन बरे पानी ढोइहीं।" इ तरह
प्रमुखन इ सबइ लोगन क संग कीन्ह गइ आपन सान्ति-सन्धि
क नाहीं तोड़ेन।

22यहोसू गिबोनी लोगन क बोलाएस। उ कहेस, "तू
लोग हम स झूठ काहे बोल्या? तोहार भुइँया हम लोगन क
डेरा क लगे रहा। मुला तू लोग कह्या कि हम लोग बहोत
दूरी क देस क अही। 23अब तोहरे लोगन क बहोत कस्ट
होइ। तोहार सबहिं लोग दास होइहीं। ओनका परमेस्सर क
निवास* बरे लकड़ी काटब अउर पानी भरइ क पड़ी।"

24गिबोनी लोग जवाब दिहन, "हम लोग आप स झूठ
बोले काहेकि हम लोगन क डर रहा कि आप कहूँ हम
लोगन क मारि न डावइँ। हम लोग सुना ह कि परमेस्सर
आपन सेवक मूसा क इ आदेस दिहे रहा कि उ पचे तोहका
इ सारा भुइँया दइ देइँ अउर परमेस्सर तोहसे उ भुइँया मँ
रहइवालन सबहिं लोगन क मारि डावइ बरे कहेस। इहइ
कारण अहइ कि हम लोग आप स झूठ बोले। 25अब हम
आप क सेवक अही। आप हमार उपयोग जइसा ठीक
समुझइँ, कइ सकत हीं।"

26इ तरह गिबोन क लोग दास होइ गएन। मुला यहोसू
ओनकर जिन्नगी बचाएस। यहोसू इस्राएल क लोगन क
ओनका मारइ नाहीं दिहस। 27यहोसू गिबोन क लोगन क
इस्राएल क लोगन क दास बनइ दिहस। उ पचे इस्राएल क
लोगन अउ यहोवा क चुने भए जउनो भी ठउर क वेदी बरे
लकड़ी काटत अउ पानी भरत रहेन। उ सबइ लोग अब
तलक दास अहइँ।

उ दिन जब सूरज स्थिर रहा

10 इ समइ अदोनीसेदेक यरूसलेम क राजा रहा। इ
राजा सुनेस कि यहोसू ऐ क जीतेस ह अउर एका
पूरी तरह बरबाद कइ दिहस ह। राजा क इ पता लाग कि
यहोसू यरीहो अउ ओकरे राजा क संग भी इहइ किहस ह।
राजा क इ भी जानकारी मिली कि गिबोनी लोग इस्राएल क
संग सान्ति-सन्धि कइ लिहस ह अउर उ सबइ लोग
यरूसलेम क बहोत निचके रहत रहेन। 2ऍह बरे अदोनीसेदेक
अउ ओकर लोग इ सबइ घटना क कारण बहोत डेरान
रहेन। गिबोन ऐ क तरह नान्ह सहर नाहीं रहा। गिबोन एक
ठु बहोत बड़ा सहर* रहा जेहमाँ राजा रहे रहा। अउर सहर
क सबहिं मनसेधू अच्छा जोधा रहेन। 3यरूसलेम क राजा
अदोनीसेदेक हेब्रोन क राजा होहाम स बातन किहेस। उ यर्मूत
क राजा पिराम, लाकीस क राजा यापी, एगलोन क राजा
दबीर स भी बातचीत किहस। यरूसलेम क राजा इ मनइयन
स पराथना किहस, 4"मोरे संग आवइँ अउर गिबोन प हमला
करइ मँ मोर मदद करइँ। गिबोन यहोसू अउ इस्राएल क
लोगन क संग सान्ति-सन्धि कइ लिहस ह।"

5इ तरह पाँच एमोरी राजा लोग फउजन क मिलाएन। (इ
सबइ पाँचउ यरूसलेम क राजा, हेब्रोन क राजा, यर्मूत क
राजा, लाकीस क राजा, अउर एग्लोन क राजा रहेन।) उ

परमेस्सर क निवास ऍकर अरथ "परमेस्सर क परिवार" (इस्राएल) या "पवित्तर तम्बू" या "मन्दिर" होइ सकत ह।

बड़ा सहर मजबूत अउ अच्छी तरह सुरच्छित सहर जउन निचके क नान्ह सहरन पइ हुकूमत करत रहेन।

सबइ फउजन गिबोन गइन। फउजन सहर क घेरि लिहन
अउ एकरे खिलाफ जुद्ध करब सुरु किहन।
6गिबोन सहर मँ बसइयन मनइयन गिलगाल क डेरा मँ
यहोसू क खबर भेजेन: "हम पचे तोहर सेवक अही। हम
लोगन क अकेल्ले मँ जिन तजा। आवा अउर हमार रच्छा
करा। हाली करा। हम पचन्क बचावा। पहाड़ी देसन क सबहिं
एमोरी राजा आपन आपन फउजन क एकउट कइ चुका
बाटेन अउर हम पचन पइ हमला किहेस।"
7एँह बरे यहोसू गिलगाल स आपन पूरी फउज क संग
जुद्ध बरे चला। यहोसू क उत्तिम जोधा ओकरे संग रहेन।
8यहोवा यहोसू स कहेस, "ओन फउजन स जिन डेराअ। मइँ
तू पचन क ओनका हरावइ देब। ओन फउजन मँ स कउनो
भी तू पचन क हरावइ मँ समर्थ नाहीं होइ।"
9यहोसू अउ ओकर फउज रात भइ गिबोन कइँती बढ़त
रही। दुस्मन क पता नाहीं रहा कि यहोसू आवत अहइ। एँह
बरे जब उ हमला किहस तउ उ पचे चौंक पड़ेन।
10यहोवा ओन फउजन क इस्राएल क फउजन क जरिये
हमाला क समइ का करइ या न करइ चाही सोच मँ डाइ
दिहस। यह बरे इस्राएलियन ओनका हराइके बहोत बड़ी जीत
पाइ लिहन। इस्राएलियन पाछा कइके ओनका गिबोन स
खदेर दिहन। उ पचे बेथोरोन तलक जाइवाली सड़क तलक
ओनकर खदेर दिहन। इस्राएल क फउज अजेका अउ
मक्केदा तलक क समूचइ राहे मँ मनसेधुअन क मारेस।
11इस्राएल क फउज बेथ-हरोन क जाइवाली सड़क तलक
दुस्मनन क खदेर दिहस। जबहिं उ पचे दुस्मनन क खदेरत
रहेन तउ यहोवा भारी ओला क बर्खा अजेका तलक अकासे
स किहस। बहोत स दुस्मन एँन भारी ओला क बर्खा स मरि
गएन। इ सबइ ओला स ओहसे जियादा दुस्मन मारा गएन
जेतना इस्त्रलियन क तरवारन स मरि ग रहेन।
12उ दिना यहोवा इस्राएलियन क जरिये एमोरी लोगन हार
जाइ दिहन अउ उ दिन यहोसू इस्राएल क सबहिं क समन्वा
खड़ा भवा अउ उ यहोवा स कहेस:

"हे सूरज, गिबोन क अकासे मँ खड़ा रहा अउ
हट्या जिन। हे चन्द्र, तू अय्यालोन क घाटी क ऊपर
अकासे मँ ठाड़ रहा अउ जिन हटा।"

13सूरज स्थिर होइ गवा अउ चन्दा भी तबहिं तलक
चलब तजि दिहस जब तलक मनइयन आपन दुस्मनन क
हराइ नाहीं दिहन। इ फूरे भवा, इ कथा यासार क किताबे मँ
लिखी अहइ। सूरज असमान क बीच रुका। इ पूरा दिन हुआँ
स नाहीं हटा। 14अइसा उ दिन क पहिले कउनो भी समइ
कबहुँ नाहीं भवा रहा अउर तब स अब तलक कबहुँ नाहीं
भवा बाटइ। उहर दिन रहा, जब यहोवा मनई क बिनती
सुनेस। असल मँ यहोवा इस्राएलियन बरे जुद्ध करत रहा।
15एकरे पाछे, यहोवा अउ ओकर फउज गिलगाल क
डेरा मँ वापस भइ। 16जुद्ध क समइ पाँचहु राजा पराइ गएन।
उ पचे मक्केदा क निअरे गुफा मँ लुकाइ गएन। 17मुला
कछु मनइयन ओनका गुफा मँ लुका भवा पाएस। यहोसू क
एकरे बारे मँ पता चला। 18एँह बरे उ कहेस, "गुफा क
जाइवाला दुआरे क बड़वार सिलन स ढाँपि द्या। कछू
मनसेधुअन क गुफा क रखवारी बरे हुआँ रखा। 19मुला हुआँ
खुद न रहा। दुस्मन क पाछा करत रहा। ओन पइ पाछे स
हमला करत रहा। दुस्मनन क आपन सहर तलक सुरच्छित
जिन पहोंचइ द्या काहेकि तोहार परमेस्सर यहोवा तू पचन्क
ओन पइ विजय दिहेस ह।"
20इ तरह यहोसू अउ इस्राएल क मनइयन दुस्मनन क मर
डाएन। मुला दुस्मनन मँ स कछू आपन सहरन मँ जाइ सकेन
अउ लुकाइ गएन। उ सबइ मनइयन नाहीं मारा गएन।
21जुद्ध क पाछे, यहोसू क फउजी मक्केदा मँ ओनके लगे
आएन। उ प्रदेस मँ कउनो मँ कउनो भी जाति क लोगन मँ
स कउनो भी एँतना हिम्मती नाहीं रहा कि उ लोगन क
खिलाफ कछू कहि सकइ।
22यहोसू कहेस, "गुफा क दुआर क रोकइवाली सिलन
क हटावा। ओन पाँचउ राजा लोगन क मोरे लगे लिआवा।"
23एँह बरे यहोसू क लोग पाँचउ राजा लोगन क गुफा स
बाहेर लिआएन। इ सबइ पाँचउ यरूसलेम, हेब्रोन, यमूर्त,
लाकीस अउ एग्लोन क राजा लोग रहेन। 24एँह बरे उ
सबइ ओन पाँचउ राजा लोगन क यहोसू क लगे लिआएन।
यहोसू आपन सबहिं लोगन क हुआँ आवइ बरे कहेस।
यहोसू फउज क अफसरन स कहेस, "हिआँ आवा। एँन राजा
लोगन क गले पइ आपन गोड़ धरा।" एँह बरे यहोसू क
फउज क अफसर लोग निचके आएन। उ पचे राजा लोगन
क गले पइ आपन गोड़ धरेन।
25तब यहोसू आपन फउजियन स कहेस, "मजबूत अउ
हिम्मती बना। डेराअ जिन। मइँ देखाउब कि यहोवा ओन
दुस्मनन क संग का करी, जेनसे तू पचे भविस्स मँ जुद्ध
करब्या।"
26तब यहोसू पाँचउ राजा लोगन क मार डाएस। उ
ओनकर ल्हास पाँच ठु बृच्छन पइ लटकाइ दिहस। यहोसू
ओनका सूरज बूड़इ तलक हुअँइ लटकत छोड़े रखा। 27सूरज
बूड़े पइ यहोसू आपन लोगन स ल्हासन क बृच्छन स उतारइ
क कहेस। तब उ पचे ओन ल्हासन क उ गुफा मँ बहाइ
दिहस, जेहमाँ उ पचे लुकान रहेन। उ पचे गुफा क दुआर
क बड़वार पाथर क सिलन स ढाँकि दिहन, जउन आजु
तलक हुअँइ अहइँ।
28उ दिन यहोसू मक्केदा क हराएस। यहोसू राजा अउ उ
सहर क लोगन क मार डाएस। हुआँ कउनो मनई जिअत
नाहीं छोड़ा गवा। यहोसू मक्केदा क राजा क संग उहइ
किहस जउन उ यरीहो क राजा क संग किहे रहा।

दक्खिनी सहरन क लीन्ह जाब

29तब यहोसू ऊउ इस्राएल क सबहिं लोग मक्केदा स
जात्रा किहन। उ पचे लिब्ना गएन अउर उ सहर पइ हमला
किहन। 30यहोवा इस्राएल क लोगन क उ सहर अउ ओकरे
राजा क हार जाइ दिहस। इस्राएल क लोग उ सहर क हर
मनई क मार डाएन। कउनो मनई जिअत नाहीं छोड़ा गवा।
यहोसू लिब्नाह क राजा क संग उहइ किहेस जइसा उ पचे
यरीहो क राजा क संग किहे रहेन।
31तब यहोसू अउ इस्राएल क सबहिं लोग लिब्ना क
तजि दिहन अउर उ पचे लाकीस तलक क जात्रा किहन।
यहोसू अउ ओकर फउज लिब्ना क चारिहुँ कइँती डेरा डाएस

अउर तब उ पचे सहर पइ हमला किहन। 32यहोवा इस्राएल क मनइयन क जरीये लाकीस सहर क हार जाइ दिहस। दुसरे दिना उ पचे सहर क हराएन। इस्राएल क मनइयन इ सहर क हर एक मनई क मार डाएन। इ वइस ही रहा जइसा उ लिब्ना मँ किहे रहा। 33इहइ समइ गेजेर क राजा होरोम लाकीस क मदद करइ आवा। मुला यहोसू ओका अउ ओकरी फउज क भी हराएस। कउनो मनई जिअत नाहीं छोड़ा गवा।

34तब यहोसू अठर इस्राएल क सबहिं लोग लाकीस स एग्लोन गएन। उ पचे एग्लोन क चारिहुँ कइँती डेरा डाएन अउर ओह पइ हमला किहन। 35उहइ दिन उ पचे सहर पइ कब्जा किहन अउर सहर क सबहिं लोगन क मार डाएन। इ वइसा ही किहन जइसा उ पचे लाकीस मँ किहे रहेन। उ पचे सहर क बरबाद किहन अउ ओकरे सबहिं मनइयन क मार डाएन।

36तब यहोसू अउ इस्राएल क सबहिं लोग एग्लोन स हेब्रोन क जात्रा किहन। उ पचे हेब्रोन पइ हमला किहन। 37उ पचे सहर अउ हेब्रोन क निअरे क सबहिं नान्ह कस्बन पइ कब्जा कइ लिहन। इस्राएल क लोग सहर क हर एक मनई क मार डाएन। हुआँ कउनो भी जिअत नाहीं छोड़ा गवा। इ वइसा ही रहा जइसा उ पचे एग्लोन मँ किहे रहेन। उ पचे सहर क बरबाद किहन अउ ओकर सबहिं मनइयन क मार डाएन।

38तब यहोसू अउ इस्राएल क सबहिं लोग दबीर क गाएन अउर उ सहर पइ हमला किहन। 39उ पचे उ सहर, ओकर राजा अउ दबीर क निअरे क सबहिं कस्बन क जीत लिहन। उ पचे उ सहर क सबहिं लोगन क मार डाएन। हुआँ कउनो जिअत नाहीं छोड़ा गवा। इस्राएल का मनइयन दबीर अउ ओकरे राजा क संग उहइ किहन जउन उ पचे हेब्रोन अउ ओकरे राजा क संग किहे रहेन। इ वइसा ही रहा जइसा उ पचे लिब्ना अउ ओकरे राजा क संग किहे रहेन।

40इ तरह यहोसू पहाड़ी देस नेगेव पच्छिमी अउ पूर्वी पहाड़ियन क तराई क सहरन क राजा लोगन क हराएन। इस्राएल क परमेस्सर यहोवा यहोसू स सबहिं लोगन क मारि डावइ क हुकुम दिहे रहा। एँह बरे यहोसू ओन जगहियन पइ कउनो क जिअत नाहीं छोड़ेस।

41यहोसू कादेसबर्ने स अज्जा तलक क सबहिं सहरन पइ कब्जा कइ लिहस। उ गोसेन क भुइँया स लइके गिबोन तलक क सबहिं सहरन पइ कब्जा कइ लिहस। 42यहोसू एक अभियान मँ ओन सहरन अउ ओनके राजा लोगन क जीत लिहस। यहोसू इ एँह बरे किहस कि इस्राएल क परमेस्सर यहोवा इस्राएल बरे लड़त रहा। 43तब यहोसू अउ इस्राएल क सबहिं लोग गिलगाल क आपन डेरा मँ लउटि आएन।

उत्तरी सहरन क हराउब

11 हासेर क राजा, याबीन जउन कछू भवा ओकरे बारे मँ सुनेस। एँह बरे उ कइउ राजा लोगन क फउजन क एक संग बोलावइ क निर्णय लिहस। याबीन मादोन क राजा योबाब, सिम्रोन क राजा, अच्छाप क राजा अउर 2उत्तर क पहाड़ी देस क अउ रेगिस्ताने क सबहिं सासकन लोगन क लगे संदेसा पठएस। याबीन किन्नेरेत क दक्खिन क राजा लोगन, नेगेव अउ पच्छिम निची पहाड़ियन क राजा लोगन क आपन सँदेसा पठएस। उ पच्छिम मँ नफोथ दारे क राजा क भी सँदेसा पठएस। 3याबीन पूरब अउ पच्छिम क कनानी लोगन क राजा लोगन क लगे सँदेसा पठएस। उ पहाड़ी प्रदेसन मँ बसइयन एमोरी, हित्तियन, परिज्जियन अउ यबूसियन क लगे सँदेसा पठएस। उ मिस्पा पहँटा क हेर्मोन पहाड़ क नीचे बसइयन हिव्वी लोगन क भी सँदेसा पठएस। 4एँह बरे ऍन सबहिं राजा लोगन क फउजन एक संग आइन। हुआँ अनेक जोधा, घोड़न अउ रथ रहेन। उ बहोत बड़वार फउज रही, उ अइसी देखाइ पड़त रही, मान ल्या ओहमाँ ऍतना फउजी रहेन जेतना समुद्दर क किनारे बालू क कण।

5इ सबइ राजा छोटकी नदी मेरोम क निअरे बटुर गएन। उ पचे आपन फउजन क एक डेरा मँ बटोरेन। उ पचे इस्राएल क खिलाफ जुद्ध करइ क योजना बनाएन।

6तब यहोवा यहोसू स कहेस, "उ फउज स जिन डेराअ। भियान इहइ समइ, मइँ तू पचन्क ओनका हरावइ देब। तू पचे ओन सबहिं क मार डउब्या। तू पचे ओनकइ घोड़न क लगड़ा लूला करइ देब्या। अउ ओनकर सबहिं रथन क बार डउब्या।"

7यहोसू अउ ओकर पूरी फउज एकाएक हमला कइके ओनका चौंकाइ दिहस। उ पचे मेरोम नदी पइ दुस्मनन पइ हमला किहन। 8यहोवा इस्राएलियन क ओनका हरावइ दिहस। इस्राएल क फउज ओनका हराएस अउर ओनकर पूरब मँ वृहत्तर सीदोन, मिस्रपोत-मैम अउ मिस्पा क घाटी तलक पाछा किहस। इस्राएल क फउज ओनसे तब तलक जुद्ध करत रही जब तलक दुस्मनन मँ स कउनो भी मनई जिअत न बचा। 9यहोसू उहइ किहस जउन यहोवा कहे रहा कि उ करी यानी यहोसू ओनकइ घोड़न क टँगियन काटेस अउ ओनकर रथन क बारेस।

10तब यहोसू लउटा अउ हासोर सहर पइ कब्जा किहस। यहोसू हासोर क राजा क मार डाएस। (हासोर ओन सबहिं राज्यन मँ प्रमुख रहा जउन इस्राएल क खिलाफ लड़ा रहेन।) 11इस्राएल क फउज उ सहर क हर एक क मार डाएस। उ पचे सब लोगन क पूरी तरह बरबाद कइ दिहन। हुआँ कछू भी जिअत नाहीं रहइ दीन्ह गवा। तब उ पचे सहर क जराइ दिहन।

12यहोसू इ सबइ सहरन पइ कब्जा किहस। उ ओनके सबहिं राजा लोगन क मार डाएस। यहोसू इ सबइ सहरन क हर एक चीज क पूरी तरह बरबाद कइ दिहस। उ इ यहोवा क सेवक मूसा जइसा हुकुम दिहे रहा वइसा ही किहस। 13मुला इस्राएल क फउज कउने भी अइसे सहर क नाहीं जराएस जउन पहाड़ी पइ बना रहा। उ पचे पहाड़ी पइ बने सिरिफ एक ठु हासोर सहर क जराएस। इ उ सहर रहा, जेका यहोसू बारेस। 14इस्राएल क मनइयन उ सबइ चिजियन क आपन लगे धरेन, जउन ओनका उ सहरन मँ स मिलिन। उ पचे ओन जनावरन क अपन लगे धरेन, जउन ओनका सहर मँ मिलेन। मुला उ पचे हुआँ क सबहिं मनइयन क मार डाएन। उ पचे कउनो मनई क जिअत नाहीं छोड़ेन।

15यहोवा बहोत पहिले आपन सेवक मूसा क इ करइ क
हुकुम दिहे रहा। तब मूसा यहोवा क इ करइ क हुकुम दिहे
रहा। इ तरह यहोसू यहोवा क आग्या पूरा किहस।

16काहेकि उ ओन चिजियन मँ स कछु भी नाहीं लिहस
जउन का यहोवा लइ क हुकुम नाहीं दिहे रहा। इ तरह
यहोसू इ पूरे देस क सबहिं लोगन क हराइ दिहस। पहाड़ी
प्रदेस, नेगेव-छेत्र, सारा गोसोन-छेत्र, पच्छिमी निची पहाड़ियन
क प्रदेस, यरदन घाटी, इस्राएल क पहाड़ अउ ओनकर
निचके क पहाड़ियन पइ ओकर अधिकार होइ गवा रहा।
17यहोसू क अधिकार सेईर क निअरे हालाक पहाड़े स लइके
हेर्मोन पहाड़े क खाले लबानोन क घाटी मँ बालगाद तलक
क प्रवेस पइ होइ ग रहा। उ राजा लोगन क गिरफतार कइ
क मरि दिहे रहा। 18यहोसू ओन राजा लोगन स कइउ बरिस
लड़ा। 19उ पूरा देस मँ सिरिफ एक सहर इस्राएल क संग
सान्ति-संधि किहेस। उ हिब्बी लोगन क सहर गिबोन रहा।
दूसर सबहीं सहर जुद्ध मँ हार गएन। 20यहोवा चाहत रहा
कि उ सबइ लोग सोचइँ कि उ पचे सक्तीसाली रहेन। तब
उ पचे इस्राएल क खिलाफ लड़िहीं। इ तरह उ पचे बगैर
दाया क ओनका बरबाद कइ सकत रहेन, जउने तरह यहोवा
मूसा क करइ क हुकुम दिहे रहा।

21अनाकी लोग हेब्रोन, दबीर, अनाब अउ यहूदा अउर
इस्राएल क छेत्रन क पहाड़ी प्रदेस मँ रहत रहेन। यहोसू इ
सबइ अनाकी लोगन क खिलाफ लड़ा। यहोसू इ लोगन
अउ इ सबन्क सहरन क पूरी तरह बरबाद कइ दिहस।
22हुआँ कउनो भी अनाकी मनई इस्राएल मँ जिअत न छोड़ा
गवा। जउन अनाकी लोग छोड़ दीन्ह ग रहेन, उ सबइ
अज्जा, गत अउर असदोद मँ रहेन। 23यहोसू पूरा इस्राएल
प्रदेस पइ कब्जा कइ लिहस। इ बात क यहोवा मूसा स
बहोत पहिले ही कहि दिहस। यहोवा उ इ देस इस्राएल क
ऍह बरे देहस काहेकि उ ऍनकइ बरे वचन दिहे रहा। तब
यहोसू इस्राएल क परिवार समूहन मँ उ प्रदेस क बाँट दिहस
तब जुद्ध बन्द भवा अउ अखिरी रुप मँ सान्ति कायम होइ
गइ।

इस्राएल क जरिये राजा लोग हरावा गएन

12 इस्राएल क लोग यरदन नदी क पूरब क भुइँया
पइ कब्जा कइ लिहन। ओनकइ अधिकार मँ अब
अर्नोन क संकरी घाटी स हेर्मोन पहाड़े तलक क भुइँया अउ
यरदन घाटी क पूरब क सारा प्रदेस रहा। इ देस क लेइ बरे
इस्राएल क लोग जउन राजा लोग क हराएन ओनकइ इ
सूची अहइ:

2हेसबोन सहर मँ बसइयन एमोरी लोगन क राजा सीहोन
अर्नोन क सँकरी घाटी पइ अरोएर स लइके यब्बोक नदी
तलक क प्रदेस पइ सासन करत रहा। ओकर प्रदेस उ दर्रा
क बीच स सुरु होत रहा। अम्मोनी लोगन क संग इ
ओनकर चउहद्दी रही। सीहोन गिलाद क आधा प्रदेस पइ
हुकूमत करत रहा। 3उ गिलगाल स मृत सागर (खारा
सागर) तलक यरदन क पूरब क प्रदेस पइ भी सासन करत
रहा अउ बेत्यसीमोत स दक्खिन पिसगा क पहाड़ियन तलक
सासन करत रहा।

4बासान क राजा ओग रपाई लोगन संतान रहा। ओग
असतारोत अउ एद्रेई मँ सासन करत रहा। 5ओग हेर्मोन
पहाड़, सलका सहर, अउ बासान क समूचइ छेत्र पइ सासन
करत रहा। ओकरे प्रदेस क चउहद्दी हुआँ तलक जात रही
जहाँ गसूर अउ माका लोग रहत रहेन। ओग गिलाद क
आधा भाग पइ सासन करत रहा। इ प्रदेस क सीमा क
आखीर हेसबोन क राजा सीहोन क प्रदेस पइ होत रहा।

6यहोवा क सेवक मूसा अउ इस्राएल क लोग इ सबहिं
राजा लोगन क हराएन अउ मूसा उ प्रदेस क रूबेन क
परिवार समूह, गाद क परिवार समूह अउ मनस्से क परिवार
समूह क आधा लोगन क दिहस। मूसा इ प्रदेस ओनका
आपन कब्जा मँ रखइ बरे दिहस।

7इस्राएल क लोग उ प्रदेस क राजा लोगन क भी
हराएन, जउन यरदन नदी क पच्छिम मँ रहा। यहोसू लोगन
क इ प्रदेस मँ लइ गवा। यहोसू लोगन क इ पहँटा दिहस
अउर एका साढ़े नौ परिवार समूहन मँ बाटेस। इ उ देस रहा
जेका ओनका देइ बरे यहोवा वचन दिहे रहा। इ प्रदेस
लबानोन क घाटी मँ बालगात अउ सेईर क निअरे हालाक
पहाड़े क बीच रहा। 8एहमाँ पहाड़ी देस, पच्छिम क तराई क
प्रदेस, यरदन घाटी, पूर्बी पहाड़ियन, रेगिस्तन अउ नेगेव
सामिल रहेन। इ उ प्रदेस रहा जेहमाँ हित्ती, एमोरी, परिज्जी,
कनानी, अब्बी अउर यबूसी लोग रहत रहेन। जउन लोगन
क इस्राएल क लोग हराएन ओनकर सूची इ बाटइ:

9यरीहो क राजा	1
ऐ क राजा बेतेल क निअरे	1
10यरूसलेम क राजा	1
हेब्रोन क राजा	1
11यर्मूत क राजा	1
लाकीस क राजा	1
12एग्लोन क राजा	1
गेजेर क राजा	1
13दबीर क राजा	1
गेदेर क राजा	1
14होर्मा क राजा	1
अराद क राजा	1
15लिब्ना क राजा	1
अदुल्लाम क राजा	1
16मक्केदा क राजा	1
बेतेल क राजा	1
17तप्पूह क राजा	1
हेपेर क राजा	1
18अपेक क राजा	1
लरसारोन क राजा	1
19मादोन क राजा	1
हासोर क राजा	1
20सिम्रोन मरोन क राजा	1
अच्छाप क राजा	1
21तानाक क राजा	1
मगिद्दो क राजा	1

22केदेस क राजा	1
कर्मेल मँ योकनाम क राजा	1
23दोर क पर्वत मँ दोर क राजा	1
गिलगाल मँ गोयीम क राजा	1
24तिर्सा क राजा	1
सब मिलाइके राजा लोगन क संख्याँ रहेन	31

प्रदेस जउन अबहिं तलक नाहीं लीन्ह गएन

13 जब यहोसू बहोतइ बुढ़वा होइ गवा तउ यहोवा
ओहसे कहेस, "यहोसू तू बुढ़वा होइ ग अहा, मुला
अबहिं तोहका बहोत स भुइँया पइ कब्जा करइ क बाटइ।
2तू अबहिं तलक गसूर लोगन क भुइँया अउर पलिस्तियन
क भुइँया नाहीं लिह्या ह। 3तू मिस्र क चउहद्दी पइ सिहोर
नदी स लइके उत्तर मँ एक्रोन चउहद्दी तलक क छेत्र नहीं
लिह्या ह। उ उबहिं तलक कनानी लोगन क अहइ। तू
पचन्क अज्जा, असदोद, असकलोन, गत अउ एक्रोन पाँचहूँ
पलिस्ती क प्रमुख्य सहरन क हराउब अहइ। तू पचन्क ओन
अब्बी लोगन्क हरावइ चाही, 4जउन कनान क सारे भुइँया
क दक्खिन मँ अउर मिराह मँ जउन कि सिदोनी लोगन,
अफेक क अधिकार मँ अहइ अउर अमोरी लोगन सरहद
तलक क भुइँया मँ रहत हीं। 5तू अभी तलक गबाली
लोगन्क छेत्र क नाहीं हराया ह अउर बालगाद क पूरब अउ
हेर्मोन पहाड़े क घाटी हमाथ क प्रवेस दुआर तलक क बीच
क अलबानोन क छेत्र भी अभी तलक हराइ क बचा भवा
अहइ।

6"सिदोन क लोग लबानोन स मिस्रपोतमैम तलक पहाड़ी
प्रदेस मँ रहत अहइँ। मुला मइँ इस्राएल क लोगन बरे इ
सबहिं क दबाइके निकारि बाहेर करब। जब तू इस्राएल क
लोगन मँ भुइँया बाँट्या, तु इ प्रदेस क निहचय ही सुमिर
लिह्या। एँका वइसेन ही करा जइसेन मइँ कहेउँ ह। 7अब,
तू भुइँया क नौ परिवार समूह अउ मनस्से क आधा परिवार
समूह क मँ बाटा।"

प्रदेसन क बँटवारा

8मइँ मनस्से क आधा परिवार समूह क लोगन क पहिले
ही भुइँया दइ दीन्ह ह। मइँ रूबेन क परिवार समूह अउ गाद
क परिवार समूह क भी पहिले ही भुइँया दइ दीन्ह ह।
यहोवा क सेवक मूसा यरदन नदी क पूरब क प्रदेस ओनका
दिहस। 9मूसा अउन भुइँया यरदन नदी क पूरब मँ ओनका
दिहे रहा, उ इ अहइः इ भुइँया क भीतर दीबोन स मेदबा
तलक क पूरा मइदान आवत ह। इ भुइँया अर्नान सँकरी
घाटी स सुरु होत ह। इ भुइँया घाटी क बीच सहर तलक
लगातार फइली अहइ। 10एमोरी लोगन क राजा सीहोन
जउने सहरन पइ सासन करत रहा, उ पचे इ भुइँया मँ रहेन।
उ राजा हेसबोन सहर मँ सासन करत रहा। उ भुइँया लगातार
उ छेत्र तलक रही जेहमाँ एमोरी लोग रहत रहेन। 11गिलाद
सहर भी अहइ भुइँया मँ रहा। गसूर अउ माका लोग जउने
छेत्र मँ रहत रहेन उ उहइ भुइँया मँ रहा। सारा हेर्मोन पहाड़
अउर सल्का तलक सारा बासान उ भुइँया मँ रहा। 12राजा
ओग क सारा राज्ज उहइ भुइँया मँ रहा। राजा ओग बासान
मँ सासन करत रहा। पहिले उ आसतरोत अउ एद्रेई मँ सासन
करत रहा। ओग रपाइ लोगन मँ स रहा। मूसा ओन लोगन
क हराए रहा अउर ओनका प्रदेस लइ लिहे रहा। 13इस्राएल
क लोग गसूर अउर माका लोगन क जबरदस्ती निकारिके
बाहेर नाहीं कइ सकेन। उ सबइ लोग अब तलक आजु भी
इस्राएल क लोगन क संग रहत रहेन।

14सिरिफ लेवी क परिवार समूह ही अइसा रहा जेका
कउनो भुइँया नाहीं मिली। ओकरे बदले आनेका उ सबइ
भेंटन मिलिन जेका इस्राएल क परमेस्सर यहोवा क चढ़ाई
जात रहिन। यहोवा लेवी परिवाार समूह क सन्तानन क इ
वचन दिहे रहा।

15मूसा रूबेन क परिवार समूह स हर एक परिवार समूह
क कछू भूइँया दिहस। इ भुइँया अहइ जेका उ पचे पाएन
16अर्नोन क सँकरी घाटी क निअरे अरोएर स लइके मेदबा
सहर तलक क भुइँया। एहमाँ सारा मइदान अउ दर्राक बीचक
सहर सामिल रहा।

17इ भुइँया हेसबोन तलक लगातर फइली रही। इ भुइँया
मँ मइदान क सबहिं सहर रहेन। इ सबइ सहर दीबोन,
बोमोतबाल, बेतबालमोन, 18यहसा, कदेमोत, मेपात, 19किर्यातैम,
सिबमा, इ मँ घाटी क सहरन सेरेध-साहार, 20बेतपोर, पिसगा
क पहाड़ियन अउ बेत्यसीमोत सामिल रहेन। 21इ भुइँया मँ
मइदान क सबहिं सहर अउ एमोरी लोगन क राजा सीहोन
जउने छेत्रन पइ सासन किहे रहा उ सबइ छेत्र रहा। उ राजा
हेसबोन पइ सासन किहे रहा। मुला मूसा ओका अउर
मिद्यानी लोगन क हराए रहा। उ सबइ लोग एवी, रेकेम,
सूर, हूर अउर रेबा रहेन। इ सबइ नेतन जउन उ देस मँ रहत
रहेन सीहोन क संग जुद्ध करत रहेन। 22इस्राएल क लोग
बारे क पूत बिलाम क मारेन। बिलाम भविस्सबाणी बरे जादू
क उपयोग करइ क जतन किहस। इस्राएल क लोग जुद्ध
मँ अनेक लोगन क मारेन। 23जउन पहँटा रूबेन क दीन्ह ग
रहा, ओकर अन्त यरदन नदी क किनारे पइ होत रहा। एँह
बरे इ भुइँया रूबेन क परिवार समूहन क दइ दीन्ह गइ,
एहमाँ इ सबइ सहर अउ सूची मँ लिखे भए सबहिं खेत
सामिल रहेन।

24मूसा गाद क परिवार समह क भुइँया क गाद कबिलन
क बीच मँ बाँटे दिहस।

25गाद क प्रदेस याजेर क पहाँटा अउ गिलाद क सबहिं
नगर मँ रहेन। मूसा ओनका अम्मोनी लोगन क भुइँया का
आधा हींसा रब्बा क निअरे अरोएर तलक भी दिहे रहा। 26इ
प्रदेस मँ हेसबोन रामतमिस्पे अउ बेतोनीम क छेत्र सामिल
रहेन। इ प्रदेस मँ महनैम स दबीर तलक क छेत्र सामिल
रहेन। 27एहमाँ बेथारम क घाटी, बेत्रिम्रा, सुक्कोत अउर
सापोन सामिल रहेन। बाकी क उ समूचा हींसा जेह पइ
हेसबोन क राजा सीहोन सासन किहे रहा, एहमाँ सामिल रहा।
इ भुइँया यरदन नदी क पूरब कइँती अहइ। इ भुइँया लगातार
गलील झिलिया क आखीर तलक फइली अहइ। 28इ सारा
पहँटा उ अहइ जेका मूसा गाद क परिवार समूह क दिहे
रहा। इ भुइँया मँ इ सबइ देस रहेन जउन सूची मँ अहइँ।
मूसा उ भुइँया हर एक कबिलन क बांटे दिहस।

29मूसा मनस्से क आधा परिवार समूह क कबिलन क
बीच मँ भी भुइँया बांटे रहा। मनस्से क परिवार समूह क
कबिलना इ भुइँया पाएन:
30भुइँया महनैम स सुरु भइ। एहमाँ उ पूरा बासान यानी
जउन सारा प्रदेस पइ बासान क राजा ओग सासन करत रहा
अउर बासान मँ याइर क सबहिं सहर सामिल रहेन। (सब
मिलाइके साठ सहर रहेन।) 31इ भुइँया मँ आधा गिलाद,
अस्तारोत अउ एद्रेई सामिल रहेन। (गिलाद, अस्तारोत अउ
एद्रेई उ सबइ सहर रहेन जेहमाँ ओग रहत रहा।) इ सारा
प्रदेस मनस्से क पूत माकीर क परिवार क दीन्ह गएन। एँन
आधा पूतन इ पहँटा क पाएन।
32मूसा मोआब क मइदान मँ इ सबइ परिवार समूह क इ
पूरी भुइँया दिहस। इ यरीहो क पूरब मँ यरदन नदी क पार
रही। 33मुला मूसा लेवी परिवार समूह क कउनो भुइँया नाहीं
दिहस। इस्राएल क परमेस्सर यहोवा इ वचन दिहस कि उ
खुद लेवी क परिवार समूह क भेंट क रुप मँ होइ।
14 याजक एलीआज़ार, नून क पूत यहोसू अउ इस्राएल
क परिवार समूह क प्रमुख लोग निहचय किहन
कि उ पचे कउने भुइँया क कउन लोगन क दिहन। इ सारी
भुइँया यरदन नदी क पच्छिम कइँती कनान मँ रहेन। 2यहोवा
उ ढंग मूसा क बहोत पहिले बताइ दिहे, जउने ढंग स उ
चाहत रहा कि लोग आपन भुइँया चुनइँ। साढ़े नौ परिवार
समूह क लोग कउन स भुइँया उ पचे पइहीं एँकर निहचय
करइ बरे गोट डाएन। 3मूसा अढ़ाई परिवार समूहन क
ओनकर भुइँया ओनका यरदन नदी क पूरब मँ दइ दिहे रहा।
मुला लेवी क परिवार समूह क दूसर लोगन क तरह कउनो
भी भुइँया नाहीं मिली। 4बारह परिवार समूहन क आपन खुद
क भुइँया दइ दीन्ह गइ। यूसुफ क पूत दुइ परिवार-समूहन-मनस्से
अउ एप्रैम मँ बँट ग रहेन अउर हर एक परिवार समूह कछु
भुइँया पाइ लिहस। मुला लेवी क परिवार समूह क कबिलन
क कउनो भुइँया नाहीं दीन्ह गइ। ओनका रहइ बरे कछू
सहर दीन्ह ग रहेन अउर इ सबइ सहर हर एक परिवार-समूह
क भुइँया मँ रहेन। ओनका जनावरन बरे खेत भी दीन्ह ग
रहेन। 5यहोवा मूसा क बताइ दिहे रहा कि उ कउने ढंग स
इस्राएल क परिवार समूहन क भुइँया देइ। इस्राएल क लोग
उहइ ढंग स भुइँया क बाँटेन, जउने ढंग स बाँटइ बरे
यहोवा क हुकुम रहा।

कालेब क ओकर प्रदेस मिलत ह

6एक दिन यहूदा परिवार समूह क लोग गिलगाल मँ
यहोसू क लगे गएन। ओन लोगन मँ कनजी यपुन्ने क पूत
कालेब रहा। कालेब यहोसू स कहेस, "कादेसबर्ने मँ यहोवा
जउन बातन कहे रहा। तोहका याद अहइ। यहोवा आपन
सेवक* बातन करत रहा। यहोवा तोहरे अउ मोरे बारे मँ बात
करता रहा। 7यहोवा क सेवक मूसा मोका उ भुइँया क
जासूसी करइ बरे पठएस जहाँ हम पचे जात रहे। उ समइया
मइँ चालीस बरिस क रहेउँ। जब मइँ लउटेउँ तउ मूसा क
मइँ उ बताएउँ, जउन मइँ उ भुइँया क बारे मँ अनुभव
राखत रहेउँ। 8मुला जउन दूसर मनई मोरे संग गए रहेन उ
पचे ओनसे अइसी बातन किहन जेहसे लोग डेराइ गएन।
मुला मइँ यहोवा क हुकुमन क वफादारी स पालन किहस।
9एँह बरे मूसा वचन दिहसा, 'जउने देस मँ तू गए रह्या उ
तोहार होइ। उ देस सदा तोहरे गदेलन क होइ। मइँ उ छेत्र
तोहका देब, काहेकि तू यहोवा मोरे परमेस्सर पइ पूरा भरोसा
किह्या ह।'
10"अब, सोचा कि उ समइ स यहोवा जइसा कहे रहा
उहइ तरह मोका पैंतालीस बरिस तलक जिअत रखेस ह। उ
समइ हम सब रेगिस्तान मँ भटकत रहेन। अब, मइँ पचासी
बरिस क होइ गवा हउँ। 11मइँ अबहुँ भी ओतना ही
सक्तीसाली हउँ जेतना सक्तीसाली मइँ उ समइ रहेउँ, जब
मूसा मोका पठए रहा। मइँ ओन दिनन क तरह अब भी
जुद्ध करइ क तइयार अहउँ। 12एँह बरे उ पहाड़ी देस मोका
दइ द्या जेका यहोवा बहोत पहिले उ दिन मोका देइ क
वचन दिहे रहा। उ समइ तोहका पता लाग रहा कि सहर
बहोत बड़ा अउर किलेदार रहेन अउ ओन दिनन सक्तीसाली
अनाकी लोग ओन सहरन पइ सासन करत रहेन। मुला अब
यहोवा मोरे संग अहइ अउर मइँ उ प्रदेस क वइसेन ही लइ
लेब जइसा यहोवा कहेस ह।"
13यहोसू यपुन्ने क पूत कालेब क आसीर्बाद दिहस। यहोसू
हेब्रोन सहर क ओकरे अधिकार मँ दइ दिहस। 14अउर उ
सहर अब भी कनजी यपुन्ने क पूत कालेब क परिवार क
अहइ। उ प्रदेस अब तलक ओकरे लोगन क अहइ
काहेकि, उ इस्राएल क परमेस्सर यहोवा क आग्या मानेस
अउर ओह पइ पूरा बिस्सास किहस। 15पहिले इ सहर क
नाउँ किर्यतर्बा रहा। सहर क नाउँ अनाकी लोगन क सब त
महान अर्बा नाउँ क मनई क नाउँ पइ रखा गवा रहा।
एकरे पाछे, उ देस मँ सान्ति रही।

यहूदा बरे प्रदेस

15 यहूदा क जउन प्रदेस दीन्ह गवा उ ओकरे सारे
कबिलन क बीच मँ बँटा। उ प्रदेस एदोम क छेत्र
तलक अउर सीन क रेगिस्तान मँ एँका सबइ त दक्खिन
छेत्र तलक फइला रहा। 2यहूदा क प्रदेस क दक्खिनी सीमा
मृत सागर क दक्खिनी छोर स सुरु होत रही। 3इ सीमा
बिच्छू दर्रा क दक्खिन तलक जात रही अउर सीन तलक
बढ़ी भइ रही। तब इ सीमा कादेसबर्ने क दक्खिन तलक
लगातार गइ रही। इ सीमा हेस्रोन क आगे अद्दार तलक
चलत चली गइ रही। अद्दार स चउहद्दी मुड़त रही अउर
कर्काआ तलक गइ रही। 4इ सीमा अम्मोन स होत भइ
मिस्र क नहर तलक लगातार चलिके अन्त मँ भूमध्य सागर
तलक पहोंचत रही। उ प्रदेस, प्रदेस क दक्खिनी सीमा
बनावत रही।
5उ प्रदेस क पूर्बी सीमा मृत सागर (खारा समुद्दर) क
किनारे स सुरू होत रही जहाँ पइ यरदन नदी समुद्र मँ गिरत
रही।
उत्तरी सीमा उ छेत्र स सुरू होत रही जहाँ यरदन नदी
मृत सागर मँ गिरत रही। 6तब उत्तरी सीमा बेथोग्ला स होत

आपन सेवक सब्द क अरथ "परमेस्सर क मनई।"

भइ गएन अउर बोहन चट्टान (बोहन रूबेन क पूत रहा।)
होत भइ उत्तरी बेतराबा तलक चली गइ रही। 7तब उत्तरी
सीमा आकोर क घाटी स होइके दबीर तलक गइ रही। हुआँ
सीमा उत्तर क मुड़ि जात रही अउर गिलगाल तलक जात
रही। गिलगाल उ सड़क क पार अहइ जउन अदुम्मीम
पहाड़े स होइके जात ह जउन कि घाटी क दक्खिन कइँती
अहइ। इ सीमा एनसेमेस पानी क बहाव क संग लगातार
गइ रही। एन रोगेल पइ सीमा खतम रही। 8तब इ सीमा
यबूसी सहर क दक्खिन कइँती स बेन हिन्नोम घाटी स
होइके गइ रही। उ यबूसी सहर क यरूसलेम कहा जात
रहा। (उ जगह पइ सीमा हिन्नोम घाटी क उलरी छोर प
रही।) 9तब सीमा पहाड़ क चोटी पइ स नेप्तोह क पानी क
झील तलक जात रही। ओकरे पाछे सीमा एप्रोन पहाड़े क
निचके क सहरन तलक जात रही। उ जगह पइ सीमा मुड़त
रही अउर बाला क जात रही जो कि किर्यत-यारीम अहइ।
10बाला स सीमा पच्छिम कइँती मुड़ी अउर सेईर क पहाड़ी
देस क गइ। यारीम पहाड़े क उत्तर क छोर तलक सीमा
चलत रही (एका कासालोन भी कहा जात ह) अउर
बेतसमेस तलक गइ। हुआँ स सीमा तिम्ना क पार गइ।
11तब इकरोन क उत्तरी छोर मँ क गइ। तब उ जगह स
सीमा सिक्करोन क मुड़ी अउर बाला पर्वत क पार गइ। इ
सीमा लगातार यब्नेल तलक गइ अउर भूमध्य सागर पइ
खतम भइ। 12भूमध्य सागर यहूदा प्रदेस क पच्छिमी सीमा
पइ रहा। इ सबइ यहूदा क प्रदेस सीमा रहेन। यहूदा क
परिवार समूह इ प्रदेस मँ रहत रहा।

13यहोवा यहोसू क आदेस दिहे रहा कि उ यपुन्ने क पूत
कालेब क यहूदा क भुइँया मँ स हींसा देइ। एँह बरे यहोसू
कालेब क उ प्रदेस दिहस जेकरे बरे परमेस्सर आदेस दिहे
रहा। यहोसू ओका किर्यत-अर्बा क सहर दिहस (जउन हेब्रोन
भी कहा जात रहा)। (अर्बा अनाक क बाप रहा।) 14कालेब
तीन अनाक परिवारन क हेब्रोन, जहाँ उ पचे रहत रहेन, छोड़
देइ क मजबूर किहस। उ सबइ परिवार रहेन: सेसाइ,
अहीमन अउ तल्मै। उ सबइ अनाक क परिवार क रहेन।
15कालेब दबीर मँ रहइवाले लोगन स लड़ा। (पुराने जमाना मँ
दबीर भी किर्यत्सेपेर कहा जात रहा।) 16कालेब कहेस,
"कउनो मनई जउन किर्यत्सेपेर पइ हमला करी अउर उ
सहर क जीत लइ, उहइ मोर बिटिया अकास स बियाह कइ
सकी। इ ओकरे बरे एक भेंट होब्य।"

17कालेब क भाई कनजी क पूत ओत्नीएल उ सहर क
हराएस। एँह बरे कालेब आपन बिटिया अकसा क ओका
आपन पत्नी होइ बरे कन्यादान दिहस। 18ओत्नीएल अकसा
स कहेस कि उ आपन बाप स कछू जियादा भुइँया माँगइ।
अकसा आपन बाप क लगे गइ। जब उ आपन गदहा स
उतरी तउ ओकर बाप ओहसे पूछेस, "तू का चाहति अहा?"

19अकसा जवाब दिहस, "मइँ आपन एक ठु आसीर्बाद
पावइ चाहत हउँ। मइँ पानीवाली भुइँया चाहत हउँ जउन
भुइँया आप मोका जेगेब मँ दिहा ह, उ बहोत झुरान अहइ,
एँह बरे मोका अइसी भुइँया द्या जेहमाँ पानी क सोता होइँ।"
एँह बरे कालेब ओका भुइँया क ऊपरी अउ खाले क हींसा
मँ सोतन क साथ भुइँया दिहस।

20यहूदा क परिवार समूह उ भुइँया पाएस जेका परमेस्सर
ओका देइ क वचन दिहे रहा। हर एक कबीला समूह भुइँया
क हींसा पाएस। 21यहूदा क कबीला दक्खिन मँ सबइ सहरन
क पाएस। इ सबइ सहर एदोम क प्रदेस क निचके रहेन। इ
सबइ रहेन:

कबसेल, एदेर, यागूर, 22कीना, दीमोना, अदादा, 23केदेस,
हासोर, यित्नान, 24जीप, तेलेम, बालोत, 25हासोर्हदत्ता, करिय्योत-
हेस्रोन (हासोर भी कहा जात रहा।), 26अमाम, समा, मोलादा,
27हसर्गद्दा, हेसमोन, बेत्पालेत, 28 हसर्सूआल, बेर्सेबा, बिज्योत्या,
29बाला, इय्यीम, एसेम, 30एलतोलद, कसील, होर्मा, 31सिकलग,
मदमन्ना, सनसन्ना, 32लबाओत, सिल्हीम ऐन अउ रिम्मोन।
सब मिलाइके उन्तीस सहर अउर ओनके सबहिं खेत रहेन।

33पच्छिमी पहाड़ियन क तलहटी क सहरन: एसताओल,
सोरा, असना, 34जानोह, एनगान्नीम, तप्पूह, एनाम, 35यर्मूत,
अदुल्लाम, सोको, अजेका, 36सारैम, अदीतैम अउ गदेरा
(गदेरोतैम भी कहा जात रहा)। सब मिलाइके हुआँ चोचह
सहर अउ ओनकर सारे खेत रहेन।

37सनान, हदासा, मिगदलगाद, 38दिलान, मिस्पे, योक्तेल,
39लाकीस, बोस्कत, एग्लोन, 40कब्बोन, लहमास, कितलीस,
41गेदेरोत, बेतदागोन, नामा, अउर मक्केदा, सब मिलाइके
हुआँ सोलह सहर अउर ओनकर सारा खेत रहेन।

42लिब्ना, ऐतेर, आसान, 43यिप्ताह, असना, नसीब, 44कीला,
अकजीब अउ मारेसा। सब मिलाइके इ सबइ नौ सहर अउर
ओनकर सारा खेत रहेन।

45एक्रोन अउर एँकर चारिहुँ कइँती क गाँव, अउर
खेतन। सहर अउ निचके क नान्ह सहर सारा खेतन क संग
पाएन। 46एक्रोन क पच्छिम क छेत्र, सारा खेत अउर
असदोद क निअरे क सहरन। 47असदोद क चारिहुँ कइँती
क छेत्र अउर हुआँ क नान्ह नगर जउन कि यहूदा प्रदेस क
हींसा रहेन, एँकर संग चारिहुँ ओर क खेतन अउर सहरन
समेत। गाजा क सबइ कइँती क छेत्र ओनकर प्रदेस मिस्र
क नदी अउर आगे लगातार भूमध्य सागर क किनारे तलक
फइला रहा।

48पहाड़ी देस सहरनः सामीर, यत्तीर, सोको, 49दन्ना,
किर्यत्सन्ना (एका दबीर भी कहत रहेन), 50अनाब, एसतमो,
आनीम, 51गोसेन, होलोन अउर गीलो सब मिलाइके ग्यारह
सहर अउर ओनकर खेत रहेन।

52अराब, दूमा, एसान, 53यानीम, बेत्तप्पूह, अपेका, 54हुमता,
किर्यतर्बा (हेब्रोन) अउर सीओर इ सबइ नौ सहर अउर
एनकर सारा खेत रहेन।

55माओन, कर्मेल, जीप, यूता, 56यिज्रेल, योकदाम, जानोह,
57कैन, गिबा अउर तिम्ना। इ सबहिं दस सहर अउर
ओनकर सारा खेत रहेन।

58हलहूल, बेतसूर, गदोर, 59मरात, बेतनोत अउर एलतकोन
सबहिं छः सहर अउ ओनकर सारा खेत रहेन।

60रब्बा अउर किर्यत-बाल, जेका किर्यत-यारीम भी कहा
जात रहा। 61यहूदा क लोगन क रेगस्तिान मँ सहर दीन्ह ग
रहेन। ओन सहरन क सूची इ अहइ। बेतराबा, मिद्दीन,
सकाका, 62निबसान, लवण सहर अउर एनगदी। सब मिलाइके
छः सहर अउ ओनकर सारा खेत रहेन।

63यहूदा क फउज यरूसलेम मँ बसइयन यबूसी लोगन क जबरदस्ती बाहेर करइ मँ समरथ नाहीं भइ। एँह बरे अब तलक यबूसी लोग यरुसलेम मँ यहूदा लोगन क बचि रहत हीं।

एप्रैम अउ मनस्से बरे प्रदेस

16 इ उ प्रदेस अहइ जेका यूसुफ क परिवार पाएस। इ प्रदेस यरीहो क लगे यरदन नदी स सुरु भवा अउ आगे पूरब मँ यरीहो पानी तलक रहा। तउ इ प्रदेस यरीहो स बेतेल क रेगिस्तानी पहाड़ी तलक चली गइ। **2**सीमा लगातार बेतेल स लूज तलक अउर फुन अतारोत पइ एरेकी सीमा तलक चली गइ रही। **3**तब इ चउहद्दी पच्छिम मँ यपलेती लोगन क चउहद्दी तलक चली गइ। इ चउहद्दी लगातार खाले बेथोरोन तलक चली गइ रही। इ चउहद्दी गेजेर तलक गइ अउर समुद्दर तलक चलतइ चलत गइ।

4इ तरह मनसे अउर एप्रैम आपन प्रदेस पाएस। (मनस्से अउ एप्रैम यूसुफ क पूत रहेन।)

5इ उ प्रदेस अहइ जेका एप्रैम क कबिलन क दीन्ह गवा: ओनकर पूरबी चउहद्दी ऊपरी बेथोरोन क निअरे अत्रोतदार पइ सुरु भइ। **6**अउर इ हुआँ स सागर तलक जात रही। चउहद्दी उत्तर मँ मिकमतात क छोड़ कर तानतसीलो क मुड़ी अउ लगातार पूरब कइँती यानोह तलक चली गइ रही। **7**तब चउहद्दी यानोह स अतारोथ अउ नारा तलक चली गइ। इ चउहद्दी लगातार चलत भइ यरीहो छुअत ह अउर यरदन नदी पइ खतम होइ जात ह। **8**इ चउहद्दी तप्पूह स होत भइ पच्छिम कइँती कानाह नाला क जात ह अउर सागर पइ खतम होइ जात ह। इ उ प्रदेस अहइ जउन एप्रैम क लोगन क ओकरे परिवार समूह क अनुसार दीन्ह गवा रहा। **9**एप्रैम क बहोत स चउहद्दी क सहर असल मँ मनस्से क चउहद्दी मँ रहेन मुला एप्रैम क लोगन ओन सहरन अउर आपन खेतन क पाएन। **10**मुला एप्रैम लोग कनानी लोगन क गेजेर सहर छोड़इ क मजबूर करइ मँ समर्थ नाहीं होइ सकेन। एँह बरे कनानी लोग अब तलक एप्रैमी लोगन क बीच रहत हीं। मुला कनानी लोग एप्रैमी लोगन क दास क रूप मँ रहत रहेन।*

17 तब मनस्से क परिवार समूह क भुइँया दीन्ह गइ। मनस्से यूसुफ क पहिला पूत रहा। मनस्से क पहिला पूत माकीर रहा जउन गिलाद क बाप* रहा। माकीर महान जोधा रहा, एँह बरे गिलाद अउ बासान माकीर क परिवार क दीन्ह गएन। **2**मनस्से क परिवार समूह क दूसर कबिलन क भी भुइँया दइ दीन्ह गइ। उ सबइ कबिलन अबीएजेर, हेलेक, अस्त्रीएल, सेकेम, हेपेर अउ समीदा रहेन। इ सबहिं मनस्से क दूसर पूत रहेन, जउन यूसुफ क पूत रहा।

3सलोफाद हेपेर क पूत रहा। हेपेर गिलाद क पूत रहा। गिलाद माकीर क पूत रहा अउर माकीर मनस्से क पूत रहा। मुला सलोफाद क कउनो पूत नाहीं रहा। ओकर पाँच बिटियन रहिन। बिटियन क नाउँ महला, नोआ, होग्ला, मिल्का अउर तिर्सा रहेन। **4**बिटियन याजक एलीआज़ार अउर नून क पूत यहोसू क इलावा सबहिं प्रमुखन क लगे गइन। बिटियन कहेन, "यहोवा मूसा स निर्देस दिहस कि उ हमका वइसेन ही भुइँया देइँ जइसेन हमार भाईयन क दीन्ह जात हीं।" एँह बरे एलीआज़ार, यहोवा क हुकुम मानत भए एन बिटियन क वाइसेन ही भुइँया दिहेस जइसेन ओनके चाचा लोगन क मिली रही।

5इ तरह मनस्से क परिवार क लगे यरदन नदी क पच्छिम मँ भुइँया क दस छेत्र रहेन अउर यरदन नदी क दुसरी कइँती दुइ ठु दूसर छेत्र गिलाद अउ बासान रहेन। **6**मनस्से क पोतियन क वइसेन ही भुइँया दीन्ह गइ जइसेन मनस्से क दूसर बेटवन सन्तानन क दीन्ह गइ रही। गिलाद प्रदेस मनस्से क सेस परिवार क दीन्ह गवा।

7मनस्से क भुइँया आसेर अउ मिकमतात क छेत्र क बीच रही। इ सकेम क निअरे अहइ। एकर चउहद्दी एनतप्पूह स दक्खिन तलक जात रही। **8**तप्पूह क भुइँया मनस्से क रही मुला तप्पूह सहर ओकर नाहीं रहा। तप्पूह सहर जउन कि मनस्से क प्रदेस क चउहद्दी पइ रहा उ एप्रैम क बेटवन स आबाद रहा। **9**मनस्से क चउहद्दी काना नाले क दक्खिन मँ रही। मनस्से क इ छेत्र क सहर एप्रैम क रहेन। मनस्से क चउहद्दी नदी क उत्तर मँ रही अउर इ पच्छिम मँ लगातार भूमध्य सागर तलक चली गइ रही। **10**दक्खिन क भुइँया एप्रैम क रही अउर उत्तर क भुइँया मनस्से क रही। भूमध्य सागर पच्छिम क चउहद्दी बनावत रहा। इ चउहद्दी उत्तर मँ आसेर क प्रदेस क छुअत रही अउ पूरब मँ इस्साकार क प्रदेस क।

11इस्साकार अउ आसेर क छेत्र क बेतसान अउ एकर चारिहुँ कइँती क गाँव उ यिबलाम अउ एकर चारिहुँ कइँती क गांव मनस्से क रहेन। मनस्से क कब्जा मँ दोर अउ एकर चारिहुँ कइँती क गाँव अउ एनदोर अउर एकर चारिहुँ कइँती क गाँव भी रहेन। नापात क तीन ठु सहरन समेत तानाक अउर ओकर चारिहुँ कइँती क गाँव भी मनस्से क कब्जा मँ रहा। **12**मनस्से क लोग ओन सहरन क नाहीं हराइ सका रहेन। एँह बरे कनानी लोग हुआँ रहत रहेन। **13**मुला इस्राएल क लोग सक्तीसाली भएन। जबहिं अइसा भवा तउ उ पचे कनान क लोगन क गुलामी मँ जाइ बरे मनबूर किहेन। मुला उ पचे कनानी लोगन क उ भुइँया तजि देइ बरे मजबूर नाहीं किहेस।

14यूसुफ क परिवार समूहन यहोसू स बातन किहेन अउर कहेन, "तू भुइँया क हमका एक हींसा दिह्या ह। मुला हम बहोत स लोग अहइँ। तू हम लोगन क उ देस क एक हींसा ही काहे दिह्या जबकि यहोवा हम लोगन क आसीर्बाद दिहस?"

15अउर यहोसू ओनका जवाब दिहस, "अगर तू लोग गनती मँ जियादा ह्वा तउ पहाड़ी प्रदेस क जंगलन मँ ऊपर चढ़ा अउर हुआँ रहइ बरे अपन जगह बनावा। इ प्रदेस परिज्जन अउ रपाई लोगन क अहइ। अगर एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस तू लोगन क जरुरत स छोटवार अहइ तउ उ भुइँया क लइ ल्या।"

कनानी लोग … रहत हीं यानी जब यहोसू सर्ग लिखा गवा, कनानी लोग गेजेर मँ तब तलक रहत रहेन।

गिलाद क बाप "या गिलाद छेत्र क प्रमुख।"

16यूसुफ क लोग कहेन, “इ फुरइ अहइ कि एप्रैम क
पहाड़ी प्रदेस हम लोगन बरे काफी नाहीं अहइ। मुला इ प्रदेस
जहाँ कनानी लोग रहत हीं खतरनाक बाटइ। उ सबइ कुसल
जोधा अउ ओनके लगे लोहा क रथ अहइँ। अउर उ सबइ
यिज्रेल क घाटी अउर एकर चारिहुँ कइँती क गाँव क
इलावा बेतसान क छेत्र पइ दबदबा रखत हीं।”

17तब यहोसू यूसुफ, एप्रैम अउर मनस्से क लोगन स
कहेस, “मुला तू लोगन क गनती बहोतइ जियादा अहइ।
अउर तू लोग बड़की ताकत धरत ह। तू लोगन क जियादा
भुइँया मिलइ चाही। 18तू लोगन क पहाड़ी प्रदेस लेइ क
होइ। इ जंगल अहइ, मुला तू लोग बृच्छन क काटि सकत
ह अउर रहइ जोग्ग नीक जगह बनाइ सकत ह। इ सारा
पचन्क होइ। तू लोग कनानी लोगन क उ प्रदेस क तीज
देइ बरे मजबूर करब्या। तू लोग ओनका सक्तीसाली रथ क
होत भए भी जउन ओनका सक्ती प्रदान करत ह हराइ
देब्या।”

बचे भए प्रदेस क बँटवारा

18 इस्राएल क सबहिं लोग सीलो नाउँ क ठउर पइ
बटुर गएन। उ ठउरे पइ उ पचे मिलापवाला तम्बू
खड़ा किहेन। इस्राएल क लोग उ प्रदेस क सबहिं दुस्मन क
हराए रहेन अउर उ प्रदेस ओनके अधिकार मँ रहेन। 2मुला
उ समइ भी इस्राएल क सात परिवार समूह अइसेन रहेन,
जेनका परमेस्सर क जरिये वचन दीन्ह जाइ पइ भी ओनका
दीन्ह गइ भुइँया नाहीं मिली रही।

3एँह बरे यहोसू इस्राएल क लोगन स कहेस, “तू लोग
आपन प्रदेस लेइ मँ एँतनी देर काहे जोहत अहा? यहोवा, तू
पचन्क परमेस्सर इ प्रदेस तू पचन्क दिहे अहइ। 4एँह बरे
तोहरे सबन्क हर एक परिवार समूह क तीन मनई चुनइ
चाही? मइँ ओन मनइयान क ओन प्रदेसन क जाँच बरे
पठउब। उ सबइ उ पूरे प्रदेस स होइ क जाब अउर उ
प्रदेस क विवरन तइयार करिहीं तब उ सबइ मोरे लगे
लउटिहीं। 5उ पचे देस क सात ठु हींसा मँ बाँटि देइहीं।
यहूदा क लोग आपन प्रदेस दक्खिन मँ रखिहीं। यूसुफ क
लोग आपन प्रदेस उत्तर मँ रखिहीं। 6मुला तू लोगन क
भुइँया क उल्लेख करत भवा विवरण तइयार करइ चाही
अउ प्रदेस क सात ठु हींसन मँ बाँटि देइ चाही। विवरण मोरे
लगे लिआवा। अउर मइँ हिआँ यहोवा हमार परमेस्सर क
मौजूदगी मँ तोहार बरे पाँसा (लोटरी) डालब। 7मुला लेवी
परिवार समूह एँन प्रदेसन क कउनो हींसा नाहीं पइहीं। उ
सबइ याजक अहइँ अउर ओनकर कारज यहोवा क सेवा
करब अहइ। गाद अउर रूबेन क परिवार समूह अउ मनस्से
क आधा क परिवार समूहन क लोग पहले वचन क
अनुसार दीन्ह गवा आपन प्रदेस पाइ चुका अहइँ। इ सबइ
प्रदेस यरदन नदी क पूरब मँ अहइँ। यहोवा क सेवक मूसा
उ प्रदेस क पहिले ही दइ दिहे रहा।”

8एँह बरे चुने भए मनई उ भुइँया क लखइ अउ ओकर
नक्सा बनावइ बरे चला गएन। यहोसू ओनसे कहेस, “जा,
अउर उ प्रदेस क जाँच करा अउर ओकर नक्सा तइयार
करा। तब मोरे लगे लउटि आवा। उ समइ मइँ यहोवा स
कहबउँ कि जउन देस तू पचन्क मिली ओका चुनइ मँ उ
पचे मोर मदद करइँ।”

9एँह बरे ओन मनसेधुअन उ जगह तजेन अउर उ देस मँ
उ पचे चला गएन। उ पचे देस क जाँच किहेन अउर यहोसू
बरे नक्सा तइयार किहेन। उ पचे हर सहर क जाँच किहेन
अउर पाएन कि प्रदेस क सात ठु हींसा अहइँ। उ पचे आपन
नकसा क तइयार किहन अउर यहोसू क लगे गएन। यहोसू
तबहुँ सीलो क डेरा मँ रहा। 10उ समइ यहोसू यहोवा स
मदद माँगेस। यहोसू हर एक परिवार समूह क देइ बरे एक
ठु प्रदेस चुनेस। यहोसू प्रदेस क बाँटेस अउर हर एक परिवार
समूह क ओकरे हींसा क प्रदेस दिहस।

बिन्यामीन बरे प्रदेस

11तब बिन्यामीन क परिवार समूह अउर ओनकइ कबीलन
बरे पाँसा डावा गवा रहा अउर पाँसा यहोदा अउर यूसुफ क
परिवार समूहन क भुइँया क बीच पड़ेन। 12एँकर उत्तरी
चउहद्दी यरदन नदी स सुरु भइ। इ चउहद्दी यरीहो क
उत्तरी छोरे स गइ रही। तब इ चउहद्दी पच्छिम क पहाड़ी
प्रदेस मँ गइ रही। इ चउहद्दी लगातार बेतावेन क ठीक
पूरबी ढलान तलक रही। 13तब इ चउहद्दी लूज़ (यानी
बेतेल) क दक्खिनी ढलान तलक गइ। फिन इ चउहद्दी
अत्रोद्दार तलक खाले गइ। अत्रोतद्दार खाले बेथोरोन क
दक्खिनी पहाड़ी क ढलान पइ अहइ। 14चउहद्दी दक्खिन
कइँती मड़ी अउर बैथ-हेरोन क लगे उ पहाड़ी क पच्छिमी
कइँती क निचके स गइ। इ चउहद्दी आगे किर्यत बाल
जउन किर्यत-यारीम भी कहलावत ह तलक गएन। इ एक
सहर रही जहाँ यहूदा क लोग रहत रहेन। इ पच्छिमी
चउहद्दी रही।

15दक्खिन क चउहद्दी किर्यत्यारीम स सुरु भइ अउर
नेप्तोह क पानी क चसमा तलक गइ। 16तब चउहद्दी
हिन्नोम क घाटी क निचके पहाड़ी क तलहटी मँ गइ। इ
रपाईम घाटी क उत्तरी छोर रहा। इ चउहद्दी यबूसी सहर
क ठीक दक्खिन हिन्नोम घाटी मँ चलत भइ चली गइ। तब
चउहद्दी एनरोगेल तलक चली गइ। 17हुआँ, चउहद्दी
उत्तर कइँती मुड़ी अउर एन सेमेस क गइ। इ चउहद्दी
लगातार गलीलोत तलक जात ह। (गलीलोत, पहाड़न मँ
अदुम्मीम दर्रे क निअरे अहइ।) इ चउहद्दी उ बड़की
चट्टान तलक गइ जेकर नाउँ रूबेन क पूत, बोहन बरे धरा
गवा रहा। 18इ चउहद्दी बेतअरबा क उत्तरी भाग तलक
लगातार चली गइ। 19तब इ बेथोग्ला क उत्तरी भाग क
जाइके, लवण सागर क उत्तरी तट पइ खतम भइ। इ उहइ
जगह अहइ जहाँ यरदन नदी समुद्र मँ गिरत ह। इ दक्खिनी
चउहद्दी रही।

20पूरब कइँती यरदन नदी क चउहद्दी रही। इ तरह इ
भुइँया रही जउन बिन्यामीन क परिवार समूह क दीन्ह गइ।
इ सबइ चारिहुँ कइँती क चउहद्दी रहीन। 21बिन्यामीन क
हर एक परिवार समूह क, इ तरह, इ भुइँया मिली। ओनके
कब्जा मँ इ सबइ सहर रहेन। यरीहो, बेथोग्ला, एमेक्कसीस,
22बेतराबा, समारैम, बेतेल, 23अव्वीम, पारा, ओप्रा, 24कपरम्मोनी,

ओप्नी अउ गेबा। इ सबइ बारहु सहर, उस छोटके छेत्र मँ,
ओनके आसपास खेतन क साथे रहेन।
25बिन्यामीन क परिवार समूह क लगे गिबोन, रामाबेरोत,
26मिस्पा, कपीरा, मोसा, 27रेकेम, यिर्पेल, तरला, 28सेला,
एलेप, यबूस सहर (यरुसलेम), गिबत अउर किर्यत-यरीम
सहर भी रहेन। इ सबइ चउदह सहर, उ छोटके छेत्र मँ
ओनके आसपास क खेतन क साथे रहेन। इ सबइ पहाँटा
बिन्यामीन क परिवार समूह पाए रहा।

सिमोन बरे प्रदेस

19 सिमोन क परिवार बरे दूसर पाँसा डावा गवा रहा।
जउन ओनका मिली, यहूदा क अधिकार-छेत्र क
भीतर रही। 2इ उ भुइँया क विवरण रही जउन ओनका
मिली: बेर्सेबा जउन सेबा भी कहलावत ह। मोलादा,
3हसर्सूआल, बाला, एसेम, 4एलन्तोलद, बतूल, होर्मा, 5सिक्लग,
बेत्मर्काबोत, हसर्सूसा, 6बेतलबाओत अउ सारुहने, इ सबइ
तेरह सहर अउर ओनकर सारा खेत सिमोन क रहेन।
7ओनका ऐन, रिम्मोन, एतेर अउ आसान सहर भी एकर
खेतन क साथ पाए रहेन। 8उ पचे उ सबइ सारा खेत सहरन
क साथे पाएन जउन बालत्बेर तलक फइला रहेन। (इ नेगव
छेत्र मँ रामा ही अहइ।) इ तरह इ उ प्रदेस रहा, जउन
सिमोनी लोगन क परिवार समूह क दीन्ह गवा। हर एक इ
भुइँया क पाएस। 9सिमोनी लोगन क भुइँया यहूदा क प्रदेस
क भाग स लीन्ह गइ रही। यहूदा क लगे ओनँ लोगन क
जरुरत स जियादा भुइँया रही। एँह बरे सिमोनी लोगन क
ओनकी भुइँया क हींसा मिला।

जबूलूनी बरे प्रदेस

10जबूलून क परिवार समूह अउर ओकरे कबीलन बरे
तीसर पाँसा डावा गवा रहा। जबूलून क प्रदेस सारीद तलक
जात रही। 11फिन उ पच्छिम मँ दब्बेसेत स होत भइ मरला
क छेत्र क निचके तलक पहोंचत रहा। तब इ चउहद्दी
संकरी घाटी स होत भए योकनाम क छेत्र तलक जात रही।
12तब इ चउहद्दी पूरब कइँती मुड़ी रही। इ सारीद स
किसलोत्ताबोर क छेत्र तलक पहोंचत रही। तब इ चउहद्दी
दाबरत अउ यापी तलक चलत गइ रही। 13तब चउहद्दी
पूरब मँ गथेपेर अउर इत्कासीन तलक लगातार रही। इ
चउहद्दी रिम्मोन पइ खतम भइ। तब चउहद्दी मुड़ी अउर
नेआ तलक गइ। 14नेआ पइ फिन चउहद्दी मुड़ी अउ उत्तर
कइँती गइ। इ चउहद्दी हन्नातोन तलक पहोंची अउर
लगातार यिप्तहेल क घाटी तलक गइ। 15इ चउहद्दी क
भीतर कत्तात, नहलाल, सिम्रोन यिदला अउर बेतलेहेम सहर
रहेन। सब मिलाइके इ सबइ बारह सहर आपन खेतन क
साथे रहेन।
16एँह बरे इ सबइ सहर अउ छेत्र अहइँ जउन जबूलून क
कबीलन क दीन्ह गएन।

इस्साकार बरे प्रदेस

17चउथा पाँसा इस्साकार क परिवार समूह क कबिलन
बरे डावा गवा रहा। 18उ परिवार समूह क जउन भुइँया दीन्ह
गइ रही उ इ अहइ: यिज्रेल, कसुल्लोत, सूनेम 19हपारैम,
सीओन, अनाहरत, 20रब्बीत, किस्योन, एबेस, 21रेमेत,
एनगन्नीम, एन हद्दा अउर बेतपस्सेस।
22ओनकर प्रदेस क चउहद्दी ताबोरसहसूसा अउर बेतसेमेस
क छुअत रही। इ चउहद्दी यरदन छेत्र पइ खतम होत रही।
सब मिलाइके सोहाह सहर अउर ओनकर खेत रहेन। 23इ
सबइ सहर अउर कस्बा इस्साकार परिवार समूह अउर
ओनकइ कबीलन क दीन्ह गएन प्रदेस क हींस रहेन।

आसेर बरे प्रदेस

24पाँचवाँ पाँसा आसेर क परिवार समूह अउर ओनकइ
कबीलन बरे डावा गवा रहेन। 25उ परिवार समूह क जउन
भुइँया दीन्ह गइ उ इ अहइ: हेल्कत, हली, बेतेन, अच्छाप,
26अलाम्मेल्लेक, अमाद अउ मिसाल।
पच्छिमी चउहद्दी लगातार कर्म्मेल पहाड़ अउ सीहोलिब्नात
तलक रही। 27तब चउहद्दी पूरब कइँती मुड़ी। इ चउहद्दी
बेतदागोन तलक गइ। इ चउहद्दी जबूलून अउ यिप्तहेल क
घाटी क छुअत रही। तब इ चउहद्दी बेतेमेक अउ नीएल क
उत्तर क गइ। इ चउहद्दी काबुल क उत्तर स गइ रही।
28तब इ चउहद्दी एब्रोन, रहोब अउर हम्मोन होत भइ काना
तलक गइ रही। इ प्रदेस लगातार एक सक्तीसाली सहर
सिदोन तलक गइ रही। 29इ चउहद्दी रामा कइँती मुड़ी
अउर फुन किलाबन्द सहर सूर तलक गइ। तब फुन मुड़ी
अउर होसा तलक गइ। इ चउहद्दी अकज़ीब, 30उम्मा,
अपेक अउर रहोब क छेत्र मँ समुद्दर पइ खतम होत रही।
सब मिलाइके हुआँ बाईस सहर अउ ओनकर खेत रहेन।
31इ सबइ सहर अउ ओनके खेत आसेर परिवार समूह क
दीन्ह गए भुइँया क हींसा रहेन। उ परिवार समूह क हर एक
कबिला इ भुइँया क कछू हींसा पाएस।

नप्ताली बरे प्रदेस

32छठा पाँसा नप्ताली क परिवार समूह अउर ओनकर
कबीलन बरे डावा गवा रहेन। 33ओनकर प्रदेस क चउहद्दी
सानन्नीम क छेत्र मँ बिसाल बृच्छ स सुरू भइ। इ हेलेप क
निअरे रहा। तब इ चउहद्दी अदानीमेकेब अउ यब्नेल स
होइके गइ। इ चउहद्दी लक्कूम पइ खतम भइ। 34तब इ
चउहद्दी पच्छिम क अजनोत्ताबोर होइके गइ। इ चउहद्दी
हुक्कोक पइ खतम भइ। इ चउहद्दी दक्खिन क जबूलून
छेत्र तलक गइ। इ चउहद्दी पच्छिम मँ आसेर क छेत्र
तलक पहोंचत रही। इ चउहद्दी पूरब मँ यरदन नदी पइ
यहूदा क जात रही। 35इ चउहद्दी क भीतर कछू बहोत
सक्तीसाली सहर रहेन। इ सबइ सहर सिद्दीम, सेर, हम्मत,
रक्कत, किन्नेरेत, 36अदामा, रामा, हासोर, 37केदेस, एद्रेइ,
अन्हासेर, 38यिरोन, मिगदलेल, होरेम, बेतनात अउ बेतसेमेस
रहेन, सब मिलाइके हुआँ उन्नीस सहर अउर ओनकर खेत
रहेन।
39इ सबइ सहर अउर ओनकर चारिहुँ कइँती क कस्बन
उ प्रदेस क हींसा रहेन, जउन नप्ताली क परिवार समूह क
ओनकइ कबीलन क अनुसार दीन्ह ग रहेन।

दान बरे प्रदेस

40तब सताएँ पाँसा दान क परिवार समूह अउर ओनकर
कबीलन बरे डावा गवा रहेन। 41ओनका जउन कछू प्रदेस
दीन्ह गवा उ इ अहइ: सोरा, एस्ताओल, ईरसेमेस, 42सालब्बीन,
अय्यालोन, यितला, 43एलोन, तिम्ना, एक्रोन, 44एलतके,
गिब्बतोन, बालात, 45यहूद, बेनेबराक, गत्रिम्मोन, 46मेयर्कोन,
रक्कोन अउ यापो क निचके क छेत्र। 47मुला दान क
लोगन क आपन प्रदेस लेइ मँ परेसानी उठावइ क पड़ी।
हुआँ सक्तीवाला दुस्मन रहेन अउर दान क लोग ओनका
आसानी स हराइ नाहीं सकत रहेन। एँह बरे दान क लोग
गएन अउर लेसेम क खिलाफ लड़ेन। उ पचे लेसेम क
हराएन अउ जउन लोग हुआँ रहत रहेन, ओनका मार डाएन।
एँह बरे दान क लोग लेसेम सहर मँ रहेन। उ पचे ओकर
नाउँ बदलिके दान कइ दिहन काहेकि इ नाउँ ओनके परिवार
समूह क पुरखा क रहा। 48इ सबइ सबहिं सहरन अउर खेत
उ भुइँया मँ रहेन जउन दान क परिवार समूह क ओनकर
कबीलन क अनुसार दीन्ह ग रहेन।

यहोसू बरे प्रदेस

49इ तरह प्रदेसन क बँटवारा करब अउर अलग अलग
परिवार समूहन क ओनका देब पूरा किहन। तब इस्राएल क
सब लोग नून क पूत यहोसू क भी कछू प्रदेस देइ क
निहचय किहन। 50यहोवा हुकुम दिहस कि ओका उ भुइँया
मिलइ। एँह बरे उ पचे एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस मँ यहोसू क
तिम्नत्सेरह सहर दिहन। इहइ उ सहर रहा, जेकरे बरे यहोसू
कहे रहा कि मइँ ओका चाहत हउँ। यहोसू उ सहर क फुन:
बनाएस अउर उ ओहमाँ रहइ लाग।

51इ तरह इ सबइ प्रदेस इस्राएल क अलग अलग
परिवार समूहन क दीन्ह गएन। याजक एलीआजार, नून क
पूत यहोसू अउ हर एक परिवार समूह क नेता लोग सिलोह
मँ मिलापवाला तम्बू क दुआर पइ यहोवा क मौजूदगी मँ
बटुरा रहेन। इ तरह उ पचे प्रदेस क बँटवारा पूरा कइ
लिहन।

सुरच्छा क सहर

20 तब यहोवा यहोसू स कहेस: 2"मइँ मूसा क
उपयोग तू लोगन क हुकुम देइ बरे किहेउँ ह।
मूसा तू लोगन स सुरच्छा क विसेस सहर बनवइ बरे कहे
रहा। तउ सुरच्छा बरे ओन सहरन क चुनाव करा। 3अगर
कउनो मनई कउनो मनई क मार डावत ह, मुला अइसा
संजोग क कारण होत ह अउर ओकर इरादा ओका मार
डावइ क नाहीं होत तउ उ मरे मनई क ओन रिस्तेदारन स
जउन बदला लेइ बरे ओका मारि डावइ चाहत हीं, आत्मरच्छा
बरे सुरच्छा नगर मँ सरण लइ सकत ह।

4"उ मरा मनई क इ करइ चाही। जब उ पराइ अउर
ओन सहरन मँ कउनो एक मँ पहोंचइ तउ ओकर सहर
दुआर पइ रुकइ चाही। ओका सहर दुआरे पइ खड़ा रहइ
चाही अउर नगर प्रमुखन क बतावइ चाही कि का घटा
अहइ। तब नगर प्रमुख ओका सहर मँ प्रवेस करइ दइ
सकत हीं। उ सबइ ओका आपन बीच मँ रहइ क जगहिया
देइहीं। 5मुला उ मनई जउन ओकर पाछा करत अहइ उ
सहर तलक ओकर पाछा कइ सकत ह। अगर अइसा होत
ह तउ नगर प्रमुखन क ओका यो ही नाहीं तजि देइ चाही,
बल्कि ओनका उ मनई क रच्छा करइ चाही जउन ओनके
लगे सुरच्छा बरे आवा अहइ। उ सबइ उ मनई क रच्छा
एँह बरे करिहीं कि उ जेका मार डाएस ह, ओका मारि डावइ
क ओकर इरादा नाहीं रहा। इ संजोग क कारण होइ गवा।
उ कोहान नाहीं रहा अउर उ मनई क मारइ क निहचय नाहीं
किहे रहा। इ कछू अइसा रहा, जउन होइ ही गवा। 6उ
मनई क तब तलक सहर मँ रहइ चाही जब तलक उ सहर
क निआव क कचहरी क जरिये ओकरे मोकदमा क निर्णय
नाहीं होइ जात अउर ओका तब तलक उहइ सहर मँ रहइ
चाही जब तलक महा याजक नाहीं मर जात। तब उ आपन
घर मँ उ सहर मँ लउटि सकत ह, जहाँ स उ भागत भवा
आवा रहा।"

7एँह बरे इस्राएल क लोग "सुरच्छा सहर" नाउँ क सहरन
क चुनेन। उ सबइ सहर इ सबइ सहर रहेन:

नप्ताली क पहाड़ी प्रदेस मँ गलील क केदेस; एप्रैम
क पहाड़ी प्रदेस मँ सकेम; किर्य्यतर्बा जउन यहूदा क
पहाड़ी प्रदेस मँ रहा।

8रूबेन क प्रदेस क रेगिस्तान मँ, यरीहो क निअरे
यरदन नदी क पूरब मँ बेसेर; गाद क प्रदेस मँ गिलाद
मँ रमोत; मनस्से क प्रदेस मँ बासान मँ गोलान।

9कउनो इस्राएली मनई या ओनके बीच रहइवाला कउनो
भी विदेसी, अगर कउनो क मार डावत ह, मुला इ संजोग
क कारण होइ जात ह, तउ उ ओन सुरच्छा नगरन मँ स
कउनो एक मँ सुरच्छा बरे पराइके जाइ सकत रहा। तब उ
मनई हुआँ सुरच्छित होइ सकत रहा अउर पाछा करइवाला
कउनो क जरिये मारा नाहीं जाइ सकत रहा। उ सहर मँ उ
मनई क मोकदमा क निबटारा उ सहर क निआव क
कचहरी क जरिये होइ।

याजकन अउ लेवी बंसियन क सहर

21 लेवी परिवार समूह क सासक लोग याजक एलीआज़ार,
नून क पूत यहोसू अउ इस्राएल क दूसर परिवार
समूहन क सासक लोगन स बात किहेस। 2इ कनान देसा मँ
सीलो सहर मँ भवा। लेवी परिवार समूह क सासक लोग
ओनसे कहेन, "यहोवा मूसा क आदेस दिहे रहा कि तू हम
लोगन क रहइ बरे सहर देब्या अउर तू हम लोगन क
मइदान देब्या जेहमाँ हमार जनावर चरि सकिहीं।" 3एँह बरे उ
पचे यहोवा क आदेस क माना। उ पचे लेवी परिवार समूह
क इ सबइ सहर अउर ओनके गोरुअन बरे खेत दिहेन:

4पहिला पाँसा कोहात कबीला बरे जउन लेवी परिवार
समूह स रहा। कछू कोहात कबिलन क एक हींसा स तेरह
सहर दीन्ह ग रहेन। इ सबइ सहर उ प्रदेस मँ रहेन जउन
यहूदा, सिमोन अउ बिन्यामीन क होत रहा। इ सबइ सहर
ओन कोहातियन क दीन्ह ग रहेन जउन महा याजक हारून
क संतान रहिन।

5कोहात कबीला क दूसर सारे सदस्य क दस सहर दीन्ह ग रहेन। इ सबइ दस सहर एप्रैम, दान अउर मनस्से क आधा परिवार क समूहन क प्रदेसा मँ स रहेन।

6गेर्सोन कबीला क तेरह सहर दीन्ह ग रहेन। इ सबइ सहर उ प्रदेस मँ रहेन जउन इस्साकार, आसेर, नप्ताली अउर बासान मँ मनस्से क आधा परिवार समूह क भुइँया मँ रहेन। 7मरारी कबीला क बारह सहर दीन्ह ग रहेन। इ सबइ सहर ओन प्रदेसन मँ रहेन जउन रूबेन, गाद अउ जबूलून क रहेन।

8इ तरह इस्राएल क लोग लेवी परिवार समूह क इ सबइ सहर अउर ओनके चारिहुँ ओर क खेत दिहन। उ पचे इ मूसा क आदेस क अनुसार यहोवा क हुकुम क मानइ बरे किहन।

9यहूदा अउ सिमोन परिवार समूहन क प्रदेस क सहरन जेका कि लेवी परिवार समूह क दीन्ह ग रहेन इ सबइ रहेन। 10इ सहरन कोहात कबीला क सदस्य क रहेन जउन कि लेवी परिवार समूह स हारून क संतानन रहेन। 11उ पचे ओनका किर्यत-अर्बा जेका नाउँ अनाक क पिता अरबा क नाउँ पाइ धरा गवा रहेन, एकर चारिहुँ कइँती क खेतन क संग दिहेस। इ कसबा क यहुदा क पहाड़ी देस मँ हेब्रोन स भी जाना जात ह। 12मुला खेत अउर किर्यत-अर्बा सहर क चारिहुँ कइँती क छोटकन सहर यपुन्ने क पूत कालेब क रहेन।

13इ तरह उ पचे हेब्रोन सहर क हारून क संतानन क सुरच्छा क सहर क रूप मँ अउ लिब्ना अउर ऍकर चारिहुँ कइँती क घास क मइदान दइ दिहस। 14उ पचे यत्तीर, एसतमो अउर ओनकर घास क मइदान, 15होलोन, दबीर, 16ऐन, युत्ता अउर बेतसेमेस भी ओनकइ चारिहुँ कइँती क घास क मइदान समेत पाएन। ऍन दुइनउँ समूहन क यहूदा अउ सिम्मोन क जरिये नौ सहर दीन्ह गएन।

17उ पचे हारून क संतानन क उ सबइ सहर भी दिहन जउन बिन्यामीन परिवार समूह क रहेन। इ सबइ सहर गिबोन, गेबा अउर ओनकर घास क मइदान, 18अनातोत अउ अल्मोन रहेन। उ पचे इ सबइ चार सहर अउर ऍनकइ चारिहुँ कइँती क सब खेत दिहन। 19इ तरह इ सबइ सहर याजकन क दीन्ह गएन। (इ सबइ याजक, याजक लोग हारून क संतान रहेन।) सब मिलाइके तेरह सहर अउ ओनकइ सब खेत ओनके जनावरन क दीन्ह गएन।

20कोहाती कबीला क दूसर लोगन क इ सहर दीन्ह गएन, जउन कि एप्रैम परिवार समूह क रहेन: 21उ पचे ओनका एप्रैम क पहाड़ी मुल्क मँ सेकेम सहर जउन कि सुरच्छा क सहर रहा एकर चारिहुँ कइँती क घास क मइदान क संग दिहन। उ पचे गेजरे, 22किबसैम अउर, बेथोहरोन भी ओनका दिहन। सब मिलाइके उ पचे चार सहर अउ ओनकर चारिहुँ कइँती क सारा खेत ओनका दिहन।

23दान क परिवार समूह ओनका एलतके, गिब्बतोन, 24अय्यालोन अउ गत्रिम्मोन दिहन। सब मिलाइके इ सबइ चार सहर अउ ओनकर सारा खेत ओनके जनावरन क बरे रहेन।

25मनस्से क आधा परिवार समूह ओनका तानाक अउ गत्रिम्मोन दिहन। ओनका उ सबइ सारा खेत भी दीन्ह गएन जउन ऍन दुइनउँ सहरन क चारिहुँ ओर रहेन।

26इ तरह इ सबइ दस जियादा सहर अउ ऍन सहरन क चारिहुँ कइँती क भुइँया ओनकर जनावरन बरे कोहाती समूह क दिन्ह गइ रही।

27लेवी परिवार समूह क गेर्सोनी कबीला क इ सबइ सहर दीन्ह ग रहेन।

मनस्से परिवार समूह क आधा परिवार ओनका बासान मँ गोलान दिहस। (गोलान एक सुरच्छा सहर रहा।) मनस्से ओनका बे-एसतरा भी दिहस। उ पचे इ दुइनउँ सहरन क चारिहुँ ओर क घास क मइदान भी पाएन।

28इस्साकार क परिवार समूह ओनका किस्योन, दाबरत, 29यरमूत अउ एनगन्नीम अउर ओनकर घास क मइदान दिहेस। कुल मिलाइके चार सहर।

30आसेर क परिवार समूह ओनका मिसाल, अब्दोन, 31हेल्कात अउ रहोब दिहस। एन चारिहुँ सहरन क चारिहुँ कइँती क भुइँया भी ओनका ओनकर जनावरन बरे दीन्ह गइ।

32नप्ताली क परिवार समूह ओनका गलील मँ केदेस क सुरच्छा क सहर क रूप मँ दिहस। नप्ताली क परिवार समूह ओनका हम्मोतदोर अउ कर्तान भी दिहस। ओनकर घास क मइदान क संग तीन सहर।

33सब मिलाइके गेर्सोनी कबीला तेरह सहर अउ ओनकर चारिहुँ ओर क खेतन पाएस।

34दूसर लेवी कबीला मरारी कबीला रहा। मरारी लोगन क इ सहर दीन्ह ग रहेन: जबूलून क परिवार समूह ओनका योक्नाम, कर्ताह, अउर ओनकर घास क मइदान, 35दिम्ना अउ नहलाल अउर ओनकर घास क मइदान - चार सहर दिहेन।

36रूबेन क परिवार समूह ओनका यरदन क पूरब मँ बेसेर, यहसा, 37केदमोत अउ मेपात सहर दिहन। सारी भुइँया, जउन ऍन चारिहुँ सहरन क चारिहुँ कइँती रही, मरारी लोगन क ओनकर जनावरन बरे दीन्ह गइ।

38गाद क परिवार समूह ओनका गिलाद मँ सुरच्छा क सहर रामोत अउर एकर घास क मइदान दिहस। उ पचे ओनका महनैम अउर एकर घास क मइदान, 39हेस्बोन अउ याजेर भी दिहन। गाद ऍन चारिहुँ सहरन क चारिहुँ कइँती क सारी भुइँया भी ओनकर जनावरन बरे दिहन।

40सब मिलाइके मरारी कबीला जउन कि आखिरी लेवी कबीला रहा क बारह सहर दीन्ह गएन।

41सब मिलाइके लेवी परिवार समूह अड़तालीस सहर अउर ओकर संग ऍन सहरन क चारिहुँ कइँती क खेत पाएन। इ सबइ सहर उ प्रदेसन मँ रहेन, जउन इस्राएल क दूसर परिवार समूह क लोगन क कबजा मँ रहेन। 42हर एक सहर क साथ ओनकइ चारिहुँ कइँती क अइसी भुइँया अउर खेत रहेन। जेन पइ जनावरन जिन्नगी बिताइ सकत रहेन। इहइ बात हर सहर क साथे रही।

43इ तरह यहोवा इस्राएल क लोगन क जउन वचन दिहे रहा, ओका पूरा किहस। उ ओनका सारा प्रदेसन दइ दिहस जेका देइ क उ ओनकर पुरखन क वचन दिहे रहा। लोग उ

प्रदेसन क लिहन अउर ओहमाँ रहइ लागेन। **44**अउर यहोवा
ओनकर प्रदेस क चारिहुँ कइँती सान्ति स्थापित होइ दिहस
काहेकि उ ओनकइ संतानन स वचन दइ रहा। ओनकर
कउनो दुस्मन ओनका नाहीं हराएन। यहोवा इस्राएल क
लोगन क हर एक दुस्मन क हरावइ दिहस। **45**यहोवा
इस्राएलियन क दीन्ह गए आपन सबहीं वचनन क पूरा
किहस। कउनो अइसा वचन नाहीं रहा, जउन पूरा न भवा
होइ। हर एक वचन पूरा भवा।

तीन परिवार समूह घरे लउटत हीं

22 तब यहोसू रूबेन, गाद क परिवार समूह अउ
मनस्से क आधा परिवार समूह क सबहिं लोगन
क एक सभा किहस। **2**यहोसू ओनसे कहेस, “तू पचे यहोवा
क सेवक मूसा क दीन्ह गए सबहिं हुकुमन क मान्या ह।
अउर तू पचे मोरे सबाहिं हुकुमन क भी मन्या ह। **3**अउर इ
पूरा समइ मँ तू लोग इस्राएल क दूसर लोगन क मदद
किह्या ह। तू लोग यहोवा क ओन सबहिं हुकुमन क बहोत
ही होसियार स मानइ रह्या, जेनका तोहार परमेस्सर यहोवा तू
पचन्क दिहे रहा। **4**तोहार परमेस्सर यहोवा इस्राएल क लोगन
क सान्ति देइ क वचन दिहे रहा। एँह बरे अब यहोवा आपन
वचन पूरा कइ लिहस ह। इ समइ तू लोग आपन घरे
लउटि सकत ह। तू लोग, आपन उ प्रदेस मँ जाइ सकत ह
जउन तू पचन्क दीन्ह ग अहइ। इ प्रदेस यरदन नदी क पूरब
मँ अहइ। इ उहइ प्रदेस अहइ जेका यहोवा क सेवक मूसा
तू पचन्क दिहे रहा। **5**मुला याद राखा कि जउन व्यवस्था
मूसा तू पचन्क दिहे अहइ, ओनका माना जात रहइ। तू
पचन्क आपन परमेस्सर यहोवा स पिरेम करब अउ ओकरे
हुकुमन क मानइ क अहइ। तू पचन्क ओनके पाछे चलइ
चाही, अउर पूरी आस्था क साथ ओनकर सेवा करा।”

6तब यहोसू ओनका आसीर्बाद दिहस अउर उ पचे बिदाइ
लिहन। उ पचे आपन घरे लउटि गएन। **7**मूसा आधा मनस्से
परिवार समूह क बासान प्रदेस दिहे रहा। यहोसू दूसर आधा
मनस्से परिवार समूह क यरदन नदी क पच्छिम मँ प्रदेस
दिहस। यहोसू ओनका आपन घरे पठएसा यहोसू ओनका
आसीर्बाद दिहस। **8**उ कहेस, “तू पचे बहोत सम्पन्न अहा।
तोहरे पचन्क लगे चाँदी, सोना अउर दूसर बहुमूल्य जेवरन
क संग बहोत स जनावर अहइँ। तू लोगन क लगे अनेक
सुन्नर वस्त्र अहइँ। तू पचे आपन दुस्मनन स बहोत स
चिजियन लिह्या ह। एँन चिजियन क तू पचन्क आपुस मँ
बाँट लेइ चाही। अब आपन आपन घरे जा।”

9एँह बरे रूबेन अउ गाद क परिवार समूह अउर मनस्से
क आधा परिवार समूह इस्राएल क दूसर लोगन स बिदाइ
लिहेन। उ पचे कनान मँ सीलो मँ रहेन। उ पचे उ जगह क
तजेन अउर उ पचे गिलाद क लउटेन। इ ओनकर आपन
प्रदेस रहा। मूसा ओनका इ प्रदेस दिहे रहा, काहेकि यहोवा
ओका अइसा करइ क आदेस दिहे रहा।

10रूबेन, गाद अउ मनस्से क अधा परिवार समूह क
लोग गेलिलोथ नाउँ क जगह क जात्रा किहन। इ यरदन
नदी क किनारे कनान देस मँ रहा। उ जगह पइ उ पचे एक
ठु सुन्नर वेदी बनाएन। **11**मुला इस्राएल क लोगन क दूसर
समूहन, जउन तब तलक सीलो मँ रहेन, उ वेदी क बारे मँ
सुनेन जउन एँन तीनहुँ परिवार समूह बनाए रहेन। उ पचे इ
सुनेन कि इ वेदी कनान क सीमा पइ गोत्र नाउँ क जगह
पइ रही। इ यरदन नदी क किनारे इस्राएल कइँती रही।
12इस्राएल क सबहिं परिवार समूह एँन तीनउँ परिवार समूहन
पइ बहोत कोहाइ गएन। उ पचे बटुर गएन अउर उ पचे
ओनकइ खिलाफ जुद्ध करइ क निहचय किहन।

13एँह बरे इस्राएल क मनइयन कछू लोगन क रूबेन
अउर गाद क परिवार समूह अउ मनस्से क आधा परिवार
समूह क लोगन स बातन करइ बरे पठएन। इस्राएल क
लोग प्रमुख याजक जउन कि एलीआज़र क पूत पीनहास रहा
क बात पइ चर्चा करइ बरे पठाएस। **14**उ पचे हुआँ क
परिवार समूहन क दस नेतान क पठएन। उ पचे सीलो मँ
ठहरेन। इस्राएल क परिवार समूहन मँ हर एक परिवार समूह
स एक मनई रहा।

15इ तरह इ सबइ गियारह मनई गिलाद गएन। उ पचे
रूबेन, गाद अउ मनस्से क लोगन स बातन करइ गएन।
गियारह मनइयन ओनसे कहेन: **16**“इस्राएल क सबहिं लोग
तू पचन्स पूछत हीं: तू पचे इस्राएल क परमेस्सर क
खिलाफ इ काहे किह्या ह? तू पचे यहोवा क खिलाफ
कइसे होइ गया? तू लोग आपन बरे वेदी काहे बनाया? तू
पचे जानत अहा कि इ परमेस्सर क सिच्छा क खिलाफ
अहइ। **17**पोर नाउँ क जगह क याद करा।* हम लोग पाप
क कारण अबहुँ कस्ट सहित ह। इ बड़के पाप बरे परमेस्सर
इस्राएल क बहोत स लोगन क बुरी तरह बीमार कइ दिहे
रहा अउर हम लोग अबहुँ उ बेरामी क कारण कस्ट सहत
अही। **18**अउर अब तू पचे उहइ करत अहा। तउ पचे
यहोवा क विरुद्ध जात बाट्या। का तू पचे यहोवा क हुकुम
क मानइ स मना करब्या? अगर तू पचे जउन करत अहा,
बन्द नाहीं करत्या तउ यहोवा इस्राएल क हर मनई प कोहाइ
जाइ।

19“अगर तोहार पचन्क प्रदेस उपासना बरे ठीक नाहीं
अहइ तउ हमरे प्रदेस मँ आवा। यहोवा क तम्बू हमरे प्रदेसन
मँ अहइ। तू पचे हमार कछू पहँटा लइ सकत ह अउर
ओहमाँ बसि सकत ह। मुला यहोवा क खिलाफ जिन ह्वा।
दूसर वेदी जिन बनावा। हम लोगन क संग पहिले स ही
आपन परमेस्सर यहोवा क वेदी यहोवा क संग मलइ बरे
खास तम्बू मँ अहइ।

20“जेरह क पूत आकान क सुमिरा। आकान आपन पाप
क कारण मरा। उ ओन चीजन क बारे मँ हुकुम क मानइ
स इन्कार किहस, जेनका नस्ट कीन्ह जाब रहा। उ एक
मनई परमेस्सर क नेम क तोड़ेस, मुला इस्राएल क सबहिं
लोगन क दण्ड मिला। आकान आपन पाप क कारण मरा।
मुला बहोत स दूसर लोग भी मरेन।”

21रूबेन अउ गाद क परिवार समूह क लोग अउर
मनस्से क आधा परिवार समूह क लोग इस्राएल क कबीला
क प्रमुखन क जवाब दिहन। उ पचे इ कहेन, **22**“हमार
परमेस्सर यहोवा अहइ। हम लोग फुन दोहरावत अही कि

पोर … करा लखइँ गनती 25:1-18

हमार परमेस्सर यहोवा अहइ* अउर परमेस्सर जानत ह कि
तू लोग भी इ जाना। तू लोग ओकर फइसला कइ सकत
अहा जउन हम लोग किहे अही। अगर तू लोगन क इ
बिस्सास अहइ कि हम लोगा पाप किहे अही तउ तू लोग
हम पचन्क अबहिं मार सकत ह। 23अगर हम पचे परमेस्सर
क नेम तोड़े अही तु हम कहब कि यहोवा खुद हमका सजा
देइ। का तू लोग इ सोचत अहा कि हम लोग इ वेदी क
होमबलि चढ़ावइ अउर अन्नबलि अउर मेलबलि चटावइ बरे
बनावा ह? 24नाहीं। हम लोग एँका इ उछेस्य स नाहीं बनावा
ह। हम लोग इ वेदी काहे बनावा ह? हम पचन्क डर रहा
कि भक्स्सि मँ तोहार सबन्क लोग हम पचन्क आपन रास्ट्र
क एक ठु हींसा नाहीं समुझिहीं। तब तोहरे लोग इ कहिहीं,
तू लोग इस्राएल क परमेस्सर यहोवा क उपासना नाहीं कइ
सकत्या। 25परमेस्सर हम लोगान्क यरदन नदी क दूसर कइँती
प्रदेस दिहे अहइ। एकर अरथ इ भवा कि यरदन नदी क
सीमा बनावा ह। हमका डर अहइ कि जब तोहरे पचन्क
गदेलन बड़ा होइके इ प्रदेस पइ सासन करिहीं तब उ पचे
हमका बिसरि जइहीं, कि हम भी तोहार लोग अही। उ पचे
हमसे कहिहीं, 'हे रूबेन अउर गाद क परिवार समूह, तू पचे
इस्राएल क हींसा नाहीं अहा!' तब तोहार संतानन हमरे
संतानन क यहोवा क उपासना करइ स रोकिहीं।

26“एँह बरे हम लोग इ वेदी क बनावा। मुला हम लोग
इ योजना नाहीं बनावत अही कि यह पइ होमबलि चढ़ाउब
अउर बलियन क देब। 27हम पचे जउने सच्चे उद्धेस्य बरे
वेदी बनाए रहे, उ आपन लोगन क सिरिफ देखाउब रहा कि
हम पचे उ परमेस्सर क उपासना करित ह जेकर तू लोग
उपासना करत अहा। इ वेदी तोहरे पचन बरे, हम लोगन बरे
अउर भपिस्स मँ हम लोगन क गदेलन बरे इ बात क
प्रमाण होइ कि हम लोग परमेस्सर क उपासना करित ह।
हम लोग यहोवा क बलियन, अन्नबलि अउ मेलबलि
चड़इत ह। हम पचे चाहत रहे कि तोहार गदेलन बड़इँ अउर
जान लेइँ कि हम लोग भी तोहरी तरह इस्राएल क मनई
अही। 28भविस्स मँ अगर अइसा होत ह कि तोहार गदेलन
कहइँ, 'हम लोग इस्राएल स सम्बंध नाहीं रखित तउ हमार
गदेलन तब कहि सकिहीं कि होसियारी स धियान देइँ कि
हमार पुरखन, जउन हम पचन स पहिले रहेन, एक ठु वेदी
बनाइ रहेन। इ वेदी ठीक वइसे ही अहइ जइसी पवित्तर तम्बू
क समन्वा यहोवा क वेदी अहइ। हम लोग इ वेदी क
उपयोग बलि देइ बरे नाहीं करत। मुला इ बाने क संकेत
करत ह कि हम लोग इस्राएल क एक हींसा अही।”

29“फुरे तउ इ अहइ कि हम लोग यहोवा क खिलाफ
नाहीं होइ चाहित। हम लोग अब ओकर अनुसरण करब
तजि देइ नाहीं चाहित। हम लोग जानत अही कि एक मात्र
सच्ची वेदी उहइ अहइ जउन पवित्तर तम्बू क समन्वा अहइ।
उ वेदी, हमरे परमेस्सर यहोवा क अहइ।”

30याजक पीनहास अउर दस नेतन रूबेन अउर गाद क
परिवार समूह अउ मनस्से क आधा परिवार समूह क लोगन
क कही गइ बात सुनेन। उ पचे ओनकइ बात स संतुट्ठ
रहेन। 31एँह बरे एलीआजार क पूत याजक पीनहास कहेस,
“अब हम लोग समुझत अही कि यहोवा हमरे संग अहइ
अउर हम लोग जानत अही कि तू पचन मँ स कउनो भी
ओकरे खिलाफ नाहीं गवा अहा। हम लोग खुस अही कि
इस्राएल क लोगन क यहोवा स सजा नाहीं मिली।”

32तब पीनहास अउ नेतन उ जगह क तजेन अउर उ पचे
आपन घरे चला गएन। उ पचे रूबेन अउर गाद क लोगन
क गिलाद प्रदेस मँ तजेन अउर कनान क लउटि गएन। उ
पचे लउटिके इस्राएल क लोगन क लगे गएन अउर जउन
कछू भवा रहा, ओनसे कहेस। 33इस्राएल क लोग भी
सन्तुट्ठ होइ गएन। उ पचे खुस रहेन अउर उ पचे परमेस्सर
क धन्यवाद दिहन। उ पचे निर्णय लिहन कि उ पचे रूबेन,
गाद अउ मनस्से क आधा परिवार समूह क लोगन क
खिलाफ जाइके नाहीं लड़िहीं। उ पचे ओन प्रदेसन क नस्ट
न करइ क निर्णय किहन।

34अउर रूबेन अउर गाद क लोग कहेन, “इ वेदी सबहिं
मनइयन क इ बतावत ह कि हम पचन्क इ बिस्सास बाटइ
कि यहोवा परमेस्सर अहइ अउर एँह बरे उ पचे वेदी क
नाँउ ‘प्रमाण’ धरेन।”

यहोसू लोगन क उत्साह बढ़ावत ह

23 यहोवा इस्राएल क ओकरे चारिहुँ कइँती क ओनके
दुस्मनन स सान्ति प्रदान किहस। यहोवा इस्राएल क
सुरच्छित बनाएस। बरिस बीत गएन अउर यहोसू बहोत बूढ़ा
होइ गवा। 2इ समइ यहोसू इस्राएलियन अउर ओनका
बुजुर्गन, नेतन, निआवधीसन अउर फउज क अफसरन क
बइठक बोलाएस। यहोसू ओन लोगन स कहेस, “मइँ बहोत
बूढ़ा होइ गवा अहउँ। 3तू पचे उ लख्या जउन यहोवा हमरे
दुस्मनन क संग किहस। उ इ हमरी मदद बरे किहस। तोहार
पचन्क परमेस्सर यहोवा तोहरे सबन बरे जुद्ध किहस।
4लखा, मइँ ओन रास्ट्रन क सबहीं भुइँया क बाँट दिहस ह
जेका इस्राएल क परिवार समूह स निकाला नाहीं गएस। इ
भुइँया यरदन नदी अउ पच्छिम क भुमध्य समुद्दर क बीच
अहइ, अउर ओन रास्ट्रन क सामिल कइ लिहस जेका मइँ
हरइ रहा। 5उ तोहार पचन्क परमेस्सर यहोवा लोगन क उ
जगह क तजि देइ बरे मजबूर करी। जइस ही पचे उ प्रदेस
मँ घुसब्या यहोवा ओन लोगन क उ प्रदेस तजइ बरे मजबूर
करी। तोहार परमेस्सर यहोवा तू पचन्क इ वचन दिहस ह।

6“तू पचन्क ओन सबइ हुकुमन क मानइ मँ सावधान
रहइ चाही जउन यहोवा हमका दिहे अहइ। उ हर नियमन
अउर विधियन क पालन करा जउन मूसा क व्यवस्था क
किताबे मँ लिखा अहइ। उ व्यवस्था क खिलाफ जिन जा।
7इ करा ताकि गैर इस्राएली लोग जउन कि तोहका आपन
दोस्त बनाइ बरे नाही ललचाइ। ओनकइ देवतन क पूजा
नाही करा अउर ना ही ओकर देवतन क नाउँ ल्या। किरिया
खाइ बरे ओन देवतन क नाउँ क प्रयोग जिन करा। अउर
ओन देवतन क पूजा अउ सेवा जिन करा। 8तू पचन्क सदा
आपन परमेस्सर यहोवा क अनुसरण करइ चाही। तू पचे इ

हमार … परमेस्सर यहोवा अहइ या “यहोवा फुरइ परमेस्सर अहइ! यहोवा फुरइ परमेस्सर अहइ!” सब्द क अरथ “अल इलाहिम यहोवा, अल इलाहिम यहोवा।”

बीते जमाने मँ किह्या ह अउर तू पचन्क इ करत रहइ
चाही।
9"यहोवा अनेक सक्तीवाला रास्ट्रन क हरावइ मँ तोहार
मदद किहेस ह। यहोवा ओन लेगन क आपन देस तजइ बरे
मजबूर किहस ह। कउनो भी रास्ट्र तू पचन्क हरावइ मँ
समरथ नाहीं होइ सका। 10यहोवा क मदद स इस्राएल क
एक मनई एक हजार मनइयन क हराइ सकत ह। ऍकर
कारण इ अहइ कि तोहार परमेस्सर यहोवा तोहरे बरे जुद्ध
करत ह। यहोवा इ करइ क वचन दिहेस ह। 11ऍह बरे तू
पचन्क आपन परमेस्सर यहोवा क भक्ति करत रहइ चाही।
आपन पूरी आतिमा स ओहसे पिरेम करा।
12"यहोवा क रस्ता स कबहुँ दूर जिन जा। ओन दूसर
लोगन स दोस्ती न करा जउन अबहिं तलक तोहरे पचन्क
बीच तउ अहइँ मुला जउन इस्राएल क अंग नाहीं अहइँ।
ओनमाँ स कउनो क संग बियाह जिन करा। मुला अगर तू
पचे ऍन लोगन क मीत बनब्या, 13तब तोहार परमेस्सर
यहोवा तोहरे दुस्मनन क हरावइ मँ तोहार मदद नाहीं करी। इ
तरह इ सबइ लोग तोहरे बरे एक जाल बन जइहीं। मुला उ
पचे तोहरे पचन्क पिठिआ बरे कोड़न अउ तोहरी सबन्क
आँखिन बरे काँटा बन जइहीं। उ पचे पलट जइहीं अउर
नफरत करिहीं जब तलक कि तू पचे इ नीक भुइँया स बिदा
न होइ जाब्या जेका तोहार परमेस्सर यहोवा तू पचन्क दिहे
बाटइ। मुला अगर तू पचे इ हुकुम क नाहीं मनब्या तउ तू
पचे नीक भुइँया क खोइ देब्या। 14इ करीब-करीब मोरे मरइ
क समइ बा। तू पचे जानत अहा अउर फुरइ बिस्सास करत
अहा कि यहोवा तोहरे पचन्क बरे बहोतइ बड़के काम किहेस
ह। तू सबइ जानत अहा कि उ आपन दीन्ह भए वचनन मँ
स कउनो क पूरा करइ मँ असफल नाहीं रहा अहइ। यहोवा
ओन सबहिं वचनन क पूरा किहेस ह, जउन उ हमका दिहस
ह। 15जे तरह उ सबहिं आसीर्बाद जउन तोहार परमेस्सर
यहोवा दिहस ह, पूरी तरह सच भएन, उहइ तरह सबहिं
विपत्तियन क घटइ क यहोवा कारण होब्या, जब तलक कि
उ तोहका इ नीक भुइँया क स जउन यहोवा तोहार परमेस्सर
तोहका दिहस ह नास नाहीं कइ देइ। 16इ घटि जाइ, अगर
तू पचे आपन परमेस्सर यहोवा क संग कीन्ह गइ समझौता
क मानइ स इंकार करब्या। अगर तू पचे दूसर देवतन क
लगे जाब्या अउर ओकर आराधना करब्या तउ तू पचे इ
भुइँया क खोइ देब्या। अगर तू पचे अइसा करब्या तउ
यहोवा तू पचन पइ बहोत गुस्साइ जाइ। तब तू पचे इ धरती
स हाली गायब होइ जाब्या जेका उ तू पचन्क दिहस ह।"

यहोसू अलविदा कहत ह

24 तब इस्राएल क सबहिं परिवार समूह सकेम मँ
बटुर गएन। यहोसू ओन सबहिं क हुआँ एक संग
बोलाएस। तब यहोसू इस्राएल क बुजुर्गन, ओनकइ नेतन,
ओनकइ निआवधीसन अउर ओनकइ फउज क अफसरन क
बोलाएस। इ सबइ मनई परमेस्सर क समन्वा खड़ा भएन।
2तब यहोसू सबहिं लोगन स बात किहस। उ कहेस, "मइँ
उ कहत हउँ जउन यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर तू पचन्स
कहत अहइः

बहोत समइ पहिले तोहरे पचन्क पुरखन परात नदी
क दुसरी कइँती रहत रहेन। मइँ ओन मनइयन क बारे
मँ बात करत अहउँ, जउन इब्राहीम अउर नाहोर क
पिता तेरह क तरह रहेन। ओन दिनन तोहार पचन्क
पुरखन दूसर देवतन क पूजा करत रहेन। 3मुला मइँ,
यहोवा तोहरे पचन्क पुरखन इब्राहीम क नदी क दूसर
कइँती क भुइँयाा स बाहेर लिआएउँ। मइँ ओका
कनान क भुइँया स होइके लइ गाएउँ अउर ओका
अनेक सन्तानन दीन्ह। मइँ इब्राहीम क इसहाक नाउँ
क पूत दिहेउँ। 4मइँ इसहाक क याकूब अउर एसाव
नाउँ क दुइ पूत दिहेउँ। मइँ साईर पहाड़े क चारिहुँ
कइँती क प्रदेस एसाव क दिहेउँ। मुला याकूब अउर
ओकर सन्तानन हुआँ नाहीं रहिन। मिस्र चले गाएन।
5तब मइँ मूसा अउ हारून क मिस्र पठएउँ। मइँ
मिस्र क लोगन पइ भयंकर विपत्तियन पड़इ दिहेउँ।
तब मइँ तू सबइ पचन्क मिस्र स बाहेर लिआएउँ। 6इ
तरह मइँ तोहरे पचन्क पुरखन क मिस्र स बाहेर
लिआएउँ। उ पचे लाल सागर तलक आएन अउर
मिस्र क लोग ओनकर पाछा करत रहेन। ओनके संग
रथ अउ घुड़सवार रहेन। 7ऍह बरे मनइयन मोसे यानी
यहोवा स मदद माँगेन अउर मइँ मिस्र क लोगन पइ
बहोत बड़की विपत्ति आवइ दीन्ह। मइँ यानी यहोवा
समुद्दर मँ ओनका बोर दिहेउँ। तू लोग खुद ही
लख्या कि मइँ मिस्र क फउज क संग का किहेउँ।
ओकरे पाछे तू पचे रेगिस्तान मँ लम्बे समइ तलक
रह्या। 8तबइ मइँ तू पचन्क एमोरी लोगन क धरती मँ
लिआएउँ। इ यरदन नदी क पूरब मँ रहा। उ सबइ
लोग तोहरे पचन्क खिलाफ लड़ेन, मुला मइँ तू
पचन्क ओनका हरावइ दिहेउँ। मइँ तू पचन्क ओन
लोगन्क नस्ट करइ बरे सक्ती दिहेउँ। तब तू पचे उ
धरती पइ अधिकार किह्या।
9तब सिप्पोर क पूत मोआब क राजा बालाक
इस्राएल क लोगन क खिलाफ लड़इ क तइयारी
किहस। राजा बोर क पूत बिलाम क बोलाएस। उ
बिलाम स तू पचन क सराप देइ क कहेस। 10मुला
मइँ यहोवा बिलाम क एक न सुनेउँ। ऍह बरे बिलाम
आपन चाहत क खिलाफ तू लोगन बरे नीक चीज
होइ क याचना किहस। उ तू पचन्क खुले मन स
आसीर्बाद दिहस। इ तरह मइँ तू पचन्क बिलाम स
बचाएउँ।
11तब तू पचे यरदन नदी क पार तलक जात्रा
किह्या। तू लोग यरीहो प्रदेस मँ आया। यरीहो सहर मँ
बसइयन तोहर पचन्क खिलाफ लड़ेन। एमोरी, परिज्जी,
कनानी, हित्ती, गिर्गासी, हिव्वी अउर यबूसी लोग भी
तोहरे पचन्क खिलाफ लड़ेन। मुला मइँ तू पचन्क
ओन सबका हरावइ दिहेउँ। 12जब तोहार पचन्क
फउज अगवा बढ़ी तउ तोहार दुस्मन पराइ गाएन जइसे
मइँ ओनका अउर अमोरी राजा क खिलाफ भोंड़ा
पठाइ रहा। ऍह बरे तू लोग आपन धनुस या तरवार
क प्रयोग किए बिना ही ओन पइ कब्जा कइ लिहा।

13इ मइँ, ही रहेउँ, जउन तू पचन्क उ धरती दिहेउँ। मइँ तू पचन्क उ धरती दिहेउँ जहाँ तू पचन्क कउनो काम नाहीं करइ क पड़ा। मइँ तू पचन्क सहर दिहेउँ जेनका तू पचन्क बनाउब नाहीं भवा। अब तू पचे उ धरती अउर ओन सहरन मँ रहत अहा। तोहरे सबन्क लगे अंगूरे क लता अउ जइतून क बाग अहइँ, मुला ओन बागन क तू पचे नाहीं लगाया।"

14तब यहोसू लोगन स कहेस, "अब तू लोग यहोवा क कहब सुनि लिह्या ह। एँह बरे तू पचन्क यहोवा क सम्मान करइ चाही अउ ओकर सच्ची सेवा करइ चाही। ओन लबार देवतन क बहाइ द्या जेनका तोहार पचन क पुरखन पूजत रहेन। इ सब कछू बहोत समइ क पहिले फरात नदी क दूसर कइँती, मिस्र मँ भी भवा रहा। अब तू पचन्क यहोवा क सेवा करइ चाही।

15"मुला होइ सकत ह कि तू पचे यहोवा क उपासना नाहीं करइ चहत्या। तू पचन्क खुद आज ही इ चुन लेइ चाही। तू पचन्क आजु तय कइ लेइ चाही कि तू पचे केकर उपासना करब्या। तू पचे ओन देवतन क उपासना करब्या जेनकर उपासना तोहरे पचन्क पुरखन उ समइ करत रहेन जब उ पचे नदी क दूसर कइँती रहत रहेन? या तू पचे ओन एमोरी लोगन क देवतन क उपासना करइ चाहत अहा जउन हिआँ रहत रहेन? जहाँ तलक मोरी अउ मोरे परिवार क बात अहइ, हम यहोवा क उपासना करब।"

16तब मनइयन जवाब दिहन, "नाहीं, हम यहोवा क अनुसरण करब कबहुँ न तजब। नाहीं, हम लोग कबहुँ दूसर देवतन क सेवा नाहीं करब। 17हम जानित ह कि उ परमेस्सर यहोवा रहा जउन हमरे लोगन क मिस्र स लिआवा। हम लोग उ देस मँ दास रहे। मुला यहोवा हम लोगन बरे हुआँ बड़कन-बड़कन काम किहस। उ उ देस स हम लोगन क बाहेर लिआवा अउर उ समइ तलक हमार रच्छा करत रहा जब तलक हम लोग दूसर देसन स होइके जात्रा कीन्ह। 18तब यहोवा ओन एमोरी लोगन क हरावइ मँ हमार मदद किहस जउन उ प्रदेस मँ रहत रहेन जेहमाँ अज हम पचे रहित ह। एँह बरे हम लोग यहोवा क सेवा करतइ रहब। काहेकि उ हमार परमेस्सर अहइ।"

19तब यहोसू कहेस, "तू पचे यहोवा क काफी सेवा अच्छी तरह स नाहीं कइ सकब्या। यहोवा, पवित्तर परमेस्सर अहइ अउर परमेस्सर आपन लोगन क जरिये दूसर देवतन क पूजा स घिना करत ह। अगर तू पचे उ तरह परमेस्सर क खिलाफ जाब्या तउ परमेस्सर तू पचन्क छिमा नाहीं करी। 20तू पचे यहोवा क तजि देब्या अउर दूसर देवतन क सेवा करब्या तब यहोवा तू पचन पइ भयंकर विपत्तियन क लिआइ। यहोवा तू पचन्क बरबाद करी। यहोवा तोहरे पचन्क बरे अच्छा रहा ह, मुला अगर तू पचे ओकरे विरूद्ध चलत अहा तउ उ तू पचन्क नास कइ देइ।"

21मुला मनइयन यहोसू स कहेन, "नाहीं। हम पचे यहोवा क सेवा करब।"

22तब यहोसू कहेस, "खुद आपन अउर आपन संग क लोगन क चारिहुँ कइँती निहारा। का तू पचे जानत अहा अउर अंगीकार करत अहा कि तू पचे यहोवा क सेवा करब चुन्या ह? का तू सब एकर गवाह अहा?"

मनइयन जवाब दिहन, "हाँ, इ फुरइ अहइ। हम लोग धियान रखब कि हम लोग यहोवा क सेवा करब चुना ह।"

23तब यहोसू कहेस, "एँह बरे आपन बीच मँ जउन बीच मँ जउन लबार देवतन रखत अहा ओनक जरइ द्या। आपन पूरा हिरदइ स इस्राएल क परमेस्सर यहोवा स पिरेम करा।"

24तब मनइयन यहोसू स कहेन, "हम लोग यहोवा, आपन परमेस्सर क सेवा करब। हम लोग ओकर आग्या क पालन करब।"

25एँह बरे यहोसू लोगन बरे उ दिन एक वाचा किहस। यहोसू इ वाचा क ओन लोगन क जरिये मानइ बरे एक ठु नेम बनाइ दिहस। इ सकेम नाउँ क सहर मँ भवा। 26यहोसू इ सबइ बातन क परमेस्सर क व्यवस्था क किताबे मँ लिखेस। तब यहोसू एक ठु बड़की सिला लिआवा। इ सिला इ करारा क प्रमाग रही। उ इ सिला क यहोवा क पवित्तर तम्बू क निअरे बलूत बृच्छ क खाले धरेस।

27तब यहोसू सबहिं लोगन स कहेस, "इ सिला तू पचन्क ओका याद दिआवइ मँ सहायक होइ जउन कछू हम पचे आजु कहे अही। इ सिला तब हिआँ रही जब परमेस्सर हम लोगन स बतियात रहा। एँह बरे इ सिला कछू अइसी रही जउन तू पचन्क याद दिआवइ मँ मदद करी कि आजु क दिन का भवा रहा। इ सिला तोहरे बरे एक गवाह बनी रही। इ तू पचन्क तोहर परमेस्सर यहोवा क खिलाफ जाइ स रोकी।"

28तब यहोसू लोगन स आपन घरे लउटि जाइ क कहेस तउ तउ हर एक मनई आपन प्रदेस क लउटि गवा।

यहोसू क मउत

29ओकरे पाछे नून क पूत यहोसू मर गवा। उ एक सौ दस बरिस क रहा। 30यहोसू आपन भुइँया तिम्नत्सेरह मँ दफनावा गवा इ रास पहाड़ क उत्तर मँ एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस मँ रहा। 31इस्राएल क लोगन यहोसू क जिन्नगी क समइ मँ यहोवा क उपासना किहन अउर यहोसू क मरइ क पाछे भी, लोग यहोवा क उपासना करत रहेन। इस्राएल क लोग तब भी यहोवा क उपासना करत रहेन जब तलक सबहिं बुजुर्गन जउन कि यहोसू क पाछे जिअत रहेन। इ सबइ उ सब नेता रहेन, जउन उ पचे उ सब कछू लखे रहेन जउन यहोवा इस्राएल बरे किहे रहा।

यूसुफ दफनावा गवा

32जब इस्राएल क लोगन मिस्र तजि दिहेन तब उ पचे यूसुफ क तने क हाड़ आपन संग लइ आएन रहेन। एँह बरे लोग यूसुफ क हाड़ सकेम मँ दफनाएन। उ पचे हाड़न क उ भुइँया मँ दफनाएन जेका याकूब सकेम क बाप हमोर क पूतन स बेसहे रहा। याकूब उ भुइँया क चाँदी क सौ सिक्कन स बेसहे रहा। इ प्रदेस यूसुफ क सन्तानन क रहा।

33हारून क पूत एलीआजार मर गवा। उ गिबा मँ दफनावा गवा। गिबा एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस मँ एक ठु सहर रहा। उ सहर एलीआजार क पूत पीनहास क दीन्ह गवा रहा।

व्यवस्था विवरण

मूसा इस्राएल क मनइयन स बतियात ह

1 मूसा क जरिये इस्राएल क मनइयन क दीन्ह गवा सँदेसा
इ अहइ। उ ओनका इ सँदेसा तबहिं दिहे रहा जब उ
पचे यरदन नदि क पूरब क रेगिस्तान मँ रहेन। इ सूफ क
निकट रहा जउन कि पारान रेगिस्तान अउ तोपेल, लाबान,
हसेरोत अउ दीजाहाब सहरन क बीच मँ रहा।

2होरेब अरथात सिनाई पहाड़े स सेईर पहाड़ स होइके
कादेसबर्ने क जात्रा सिरिफ गियारा दिना क रही। 3मुला जब
मूसा इस्राएल क मनइयन क इ ठउरे प संदेसा दिहस तब
इस्राएल क मनइयन क मिस्र तजे भए चालीस बरिस होइ
गवा रहेन। इ चालिस बरिस क गियारहवें महीना क पहिला
दिन रहा, जब मूसा इस्राएल क मनइयन स बातन किहेस। उ
ओनसे उहइ सबहिं बातन कहेस जउन यहोवा ओका कहइ
क हुकुम दिहे रहा। 4इ तब भवा जब मूसा एमोरियन क
राजा सीहोन जउन हिब्रोन मँ रहत रहेन अउर बासान क
राजा ओग क जउन एद्रेई क असतारोत मँ रहत रहेन।
5उहइ समइ उ पचे यरदन नदी क पूरब कइँती मोआब क
पहँटा मँ रहेन अउर मूसा परमेस्सर क हुकुमन क अरथ
बनावत रहा। मूसा कहेस:

6"यहोवा, हमार परमेस्सर होरब पहाड़े पइ हम स कहेस।
उ कहेस, 'तू पचे बहोत समइ स इ पहाड़े प ठहर चुका
बाट्या। 7एमोरी लोगन क पहाड़ी देस अउर चारिहुँ कइँती क
पहँटा मँ जा। यरदन घाटी, पहाड़ी प्रदेस, पच्छिमी नीची
भुइँया, दक्खिन क रेगिस्तान मँ अउ समुद्र तट मँ जा।
कनानी लोगन क देस मँ अउर लबानोन मँ बड़की नदी परात
तलक जा। 8लखा, मइँ इ समूचइ देस तोहका दिए अहउँ।
भितरे जा अउ ओह पइ कब्जा करा। इ उहइ देस बाटइ
जेका देइ क बचन मइँ तोहरे पुरखन इब्राहीम, इसहाक अउ
याकूब क दिहे रहेउँ। मइँ इ प्रदेस ओन लोगन क अउ
ओन लोगन क सन्ताने क देइ बरे बचन दिहे रहेउँ।'"

मूसा प्रमुखन क नियुक्ति करत ह

9मूसा कहेस, "ओह समइ जब मइँ तू पचन स बात किहे
रहेउँ तबहिं कहे रहेउँ, मइँ अकेल्ले तू लोगन्क अगुअइ
करइ अउ देखरेख करइ मँ समरथ नाहीं अहउँ। 10यहोवा तू
पचन्क परमेस्सर क्रम स मनइयन क एँतना बढ़ाएस ह कि तू
पचे अब ओतॅना होइ ग अहा जेतॅना अकासे मँ तारा बाटेन!
11होइ सकत ह यहोवा, तोहरे पुरखन क परमेस्सर, आज तू
पचे जेतना अहा, ओहसे हजार गुना जियादा करइ। होइ
सकत ह उ तू पचन क आसीर्बाद देइ जउन उ तोहका
सबन्क देइ क बचन दिहेस ह। 12का मइँ अकेल्ले तोहार
देखरेख अउर तोहरी सबइ समस्या अउ वाद-विवाद क हल
कइसे कइ सकत हउँ? नाही! 13एह बरे: 'हर एक परिवार
समूह स कछू सम्मानित मनइयन क चुना। मइँ ओनका तोहार
नेता बनाउब। ओन बुद्धिमान मनइयन क चुना जउन समझदार
अउ तजरबेकार अहइँ।

14"अउर तू पचे कह्या, 'अइसा करब नीक अहइ।'

15"एँह बरे, मइँ बुद्धिमान अउर सम्मानित मनइयन क
लीन्ह जउन तोहार जरिया चुना भवा अहइ अउ ओनका
तोहार प्रमुखन बनाएउँ। मइँ ओनमाँ स कछू क हजार क,
कछू क सौ क, कछू क पचास क अउ कछू क दस क
प्रमुख बनाएउँ ह। मइँ तोहरे परिवार समूहे बरे अधिकारियन
क भी नियुक्त किहेउँ ह।

16"ओह समइ, मइँ तोहरे इ सबइ प्रमुखन क तोहार
निआवाधीस बनाए रहेउँ। मइँ ओनसे कहे रहेउँ, 'आपन
मनइयन क बीचउ बीच वाद-प्रतिवाद क सुना। हर एक
मोकदमा क फैसला सही सही करा। एकर कउनो महत्व
नाहीं कि मोकदमा दुइ ठु इस्राएली मनइयन क बीच बाटइ
या इस्राएली अउर बिदेसी क बीच। तू पचन्क हर एक
मोकदमा क फैसला सही करइ चाही। 17जब तू फैसला करा
तब इ जिन सोचा कि कउनो मनई दूसर क बराबरी मँ
जियादा महत्व क बाटइ। तोहका पचन्क हर एक मनई क
फैसला एक तरह समुझिके करइ चाही। कउनो स जिन
डेराअ काहेकि तोहार फैसला परमेस्सर स आवा अहइ। मुला
अगर कउनो मोकदमा एँतना जटिल होइ चुका होइ कि तू
पचे फैसला न कइ सका तउ ओका मोरे लगे लिआवा। मइँ
एकर मोकदमा क फैसला करब।' 18उहइ समइ, मइ उ
सबइ बातन क बताए रहेउँ जेका तू पचन्क करइ चाही।

जासूस कनान देस मँ जात अहइँ

19"तब हम पचे उहइ कीन्ह जेका यहोवा हमार परमेस्सर
हम पचन्क हुकुम दिहे रहा। हम पचे होरेब पहाड़े क तजा
अउर एमोरी लोगन्क पहाड़े क जात्रा कीन्ह। हम पचे ओन
बड़की अउ सबइ भयंकर भुइँया स होइके गएन जेका तू
पचे भी लखे रह्या। हम पचे कादेसबर्ने पहोंच गएन। 20तब
मइँ तू पचन्स कहे रहेउँ, 'तू पचे एमोरी लोगन्क पहाड़ी प्रदेस
मँ आइ चुका अहा। यहोवा हमार परमेस्सर इ देस हमका
देई। 21लखा, यहोवा तोहार परमेस्सर उ देस क तोहार
समन्वा कइ दिहेस। अगवा बढ़ा अउ भुइयाँ क आपन बनाइ
ल्या। तोहरे पुरखन क यहोवा परमेस्सर तू पचन्क अइसा
करइ क आदेस दिहे अहइ। एह बरे जिन डेराअ, कउनो
तरह क चिन्ता जिन करा!'

22"तब तू सबहिं मोरे लगे आया अउ बोल्या, 'पहिले उ
देस क लखइ क बरे कछू मनइयन क पठवा। उ सबइ क

हुआँ क देस क धियान स लखि द्या। उ सबइ तब वापस आइ सकत हीं अउ हम लोगन्क उ रस्ता बताइ सकत हीं जेनसे हम सबन्क जाइ क बाटइ अउर ओन सहरन क बताइ सकत हीं जेनके ताईं हम पचन्क पहुँचइ क अहइ।'

23"मइँ सोचेउँ कि इ नीक बिचार अहइ। एह बरे मइँ तू मनइयन मँ स हर परिवार समूह बरे एक ठु मनई क हिसाब स बारह मनइयन क चुनेस। 24तबहिं उ सबई मनइयन हम पचन्क पीछे तजिके पहाड़ी पहँटा मँ गएन। उ पचे एसकोल क घाटी मँ गएन। उ पचे भुइँया क विभिन्न जगह क छान-बीन किहेन। 25उ पचे उहइ पहँटा क कछू फल लिहन अउ ओनका हमरे लगे लिआएन। उ पचे हम लोगन्क विवरण दिहन अउ कहेन, 'इ नीक देस अहइ जेका यहोवा हमार परमेस्सर हमका दइ देत अहइ।'

26"मुला तू पचे ओहमाँ जाइसे इन्कार कइ दिहा। तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क हुकुम क मानइ स इन्कार कइ दिहा। 27तू पचे आपन सिबिर मँ सिकाइत किहा। तू पचे कह्या, 'यहोवा हमसे घिना करत अहइ। उ हम पचन्क मिस्र स बाहेर एमोरी मनइयन क देइ बरे लइ आवा जेहसे उ पचे हमका नस्ट कइ सकइँ। 28अब हम पचे कहाँ जाई? हमार भाई हम पचन्क डेराएन। उ पचे कहेन, 'हुआँ क लोग हम पचन्स बड़वार अउ लम्बा अहइँ, उ सहर बड़ा अहइँ अउ ओनकइ देवार आसमान क छुअत हीं। अउ हम पचे देत्य* क सन्तानन क हुआँ लखा।'

29"तब मइँ तू पचन्स कहेउँ, 'घबराअ जिन! ओन लोगन्स डेराअ नाहीं! 30यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे समन्वा जाइ अउ तोहरे बरे लड़ी। उ उहइ करी जे तू ओका मिस्र मँ देखावत रहा। 31तू पचे हुआँ आपन समन्वा ओका रेगिस्तान मँ जात भवा लख्या ह। तू पचे लख्या कि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका पचन्क वइसेन ही लइ आवा जइसे कउनो मनई आपन पूत क लिआवत ह। यहोवा पूरा रस्ता भइ तू पचन्क रच्छा करत भवा तोहका सबन्क हिआँ पहोंचाएस ह।'

32"मुला तबहुँ तू पचे आपन परमेस्सर पई नाहीं पतियाना। 33जब तू पचे जात्रा करत रह्या तब उ तोहरे आगे तोहार डेरा डावइ बरे जगहिया हेरइ गवा। तोहका सबन्क इ बतावइ बरे कि तू पचन्क कउने राहे प जाइ क अहइ उ राति क आगी मँ अउ दिन मँ बदरी मँ चला।

मनइयन क कनान जाइ प मनाही

34"यहोवा तोहार कहब सुनेस, उ कोहाइ गवा। उ प्रण किहस। उ कहेस, 35'तू सबइ लोगन जउन अबहुँ जिअत रहेन सबहिं पापी अहइँ। उ लोगन स कउनो भी मनई नीक देसे मँ न जाई, जेका देइ क बचन मइँ तोहरे पुरखन क दिहे अहउँ। 36यपुन्ने क पूत कालेब ही सिरिफ उ देस क लखी। मइँ कालेब क उ देस देब जेह पइ उ चला ह अउर मइँ उ देस क कालेब क सन्तानन क देब। काहेकि कालेब उ सबइ किहेस जउन मोर हुकुम रहा।'

37"यहोवा तू लोगन क कारण मोसे भी नाखुस रहा। उ मोसे कहेस, 'तू भी उ देस मँ नाहीं जाइ सकत्या। 38मुला तोहार सहायक, नून क बेटवा यहोसू उ देस मँ जाइ। यहोसू क हौसला बढ़ावा, काहेकि उहइ इस्राएल क लोगन्क भुइँया पइ आपन कब्जा जमावइ बरे लइ जाई। 39"यहोवा हम पचन्स कहेस, 'तू पचे कह्या, कि तोहरे नान्ह-नान्ह गदेलन दुस्मन क जरिये लइ लीन्ह जइहीं। मुला उ सबइ उ देस मँ जाई। मइँ तोहरी गल्तियन बरे तोहरे गदेलन क दोखी नाहीं मानत हउँ। काहेकि उ पचे अबहिं एँतना नान्ह-नान्ह बाटेन कि उ पचे इ जान नाहीं सकतेन कि का सही बाटइ अउ का गलत। उ पचे हुवाँ जाब अउर मइँ उ पचन्क उ धरती ओकर देस क रुप मँ देब। 40मुला तू पचन क लाल सागर जाइवाला मार्ग स रेगिस्तान क सफर करइ चाही।'

41"तबहिं तू पचे कह्या, 'मूसा, हम पचे यहोवा क खिलाफ किहे अही। मुला अब हम पचे आगे बढ़ब अउ जइसे पहिले यहोवा हमार परमेस्सर हुकुम दिहे रहा वइसेन ही लड़ब।'

"तब तू पचन मँ स हर एक जुद्ध बरे औजार धारण किहस। तू पचे पहाड़ी-देस तलक जाई क तैयारी किहस। 42"मुला यहोवा मोसे कहेस, 'मनइयन स कहा कि उ पचे हुआँ न जाइँ अउर न लड़इँ। काहेकि मइँ ओनकर संग न देब अउ ओनकर दुस्मन ओनका हराइ देइहीं।'

43"एह बरे, मइँ तू लोगन स बात किहेउँ, मुला तू पचे मोर एक न सुन्या। तू पचे यहोवा क हुकुम मानइ स इन्कार कइ दिहा। तू पचे घमण्ड स बेउहार किहेस अउर तू पचे पहाड़ी-देस तलक चलि गवा। 44तबहिं एमोरी लोग जउन उहइ पहाड़ी पहँटा मँ रहत ही तोहरे खिलाफ होइ गएन। उ पचे तोहार पीछा उहइ तरह किहेन जइसे मधुमक्खी तोहार पीछा करत ह। उ पचे तोहार सेईर स लइके होर्मा तलक पूरा रास्ता मँ बुरी तरह हराएन। 45तू पचे लउट्या अउ यहोवा क समन्वा रोया-चिचियाया। मुला यहोवा तोहार बात कछू नाहीं सनेस। उ तोहार बात सुनइ स इन्कार कइ दिहस। 46एह बरे तू सबइ कादेस मँ बहोत समइ तलक रुका रह्या।

इस्राएल क लोग रेगिस्तान मँ भटकत हीं

2 "तब हम पचे घूमि गए अउ लाल सागर क सड़क होइके रेगिस्तान क जात्रा किहेस इ उहइ अहइ जइसा यहोवा मोका आदेस दिहे रहेन। हम पचे सेईर क पहाड़ी पहँटा क चारिहुँ कइँती अनेक दिना तलक चलत रहेन। 2तब यहोवा मोसे कहेस, 3'तू पचे इ पहाड़ी क चारिहुँ कइँती बहोत जियादा भटक चुका बाट्या। अब उत्तर कइँती घूमा। 4उ मोसे तोसे इ कहइ क कहेस, तू पचे सेईर प्रदेस स होइके जाब्या। इ प्रदेस तू लोगन्क रिस्तेदारन एसाव क सन्तानन क अहइ। उ पचे तोहसे डेराइ जइहीं। बहोत सावधान रहा। 5ओनसे जुद्ध जिन करा। मइँ ओकर एक फुट भुइँया तलक तोहका नाहीं देबउँ। काहेकि मइँ एसाव क सेईर क पहाड़ी प्रदेस ओनके कब्जे मँ दइ दीन्हेउँ। 6तू पचन्क एसाव क लोगन्क हुआँ पइ भोजन करइ या पानी पिअइ क मूल्य चुकावइ चाही। 7इ याद राखा कि यहोवा तोहार परमेस्सर, तोहका तू सबइ जउन कछू भी किह्या ओन

देत्य अरथात् अनाकी लोग, अनाक लोगन क सन्तानन, अइसा परिवार जउन कि आपन लम्बाई अउर सक्तीसाली लड़ाइ बरे प्रसिद्ध रहेन।

सबहिं बरे आसीर्बाद दिहस। उ इ लम्बे चौड़े रेगिस्ताने स
तोहार जात्रा जानत ह। यहोवा तोहार परमेस्सर इ सबइ
चालीस बरिसन मँ तोहरे संग रहा ह। तू पचन्क कउनो भी
चीजन क कमी नाहीं रही।'
8"एह बरे, हम लोग सेईर मँ रहइवालन आपन रिस्तेदारन
क लगे स अगवा बढ़ गए। हम पचे यरदन घाटी स एलत
अउ एस्योनगेबेर सहरन क जाइवालिन सड़क क पाछे तजि
दिहेन। तब हम पचे उ सड़क पइ घूमि गए जउन मोआब क
रेगिस्तान कइँती जात अहइ।

आर प्रदेस मँ इस्राएल

9"यहोवा मोसे कहेस, 'मोआब क लोगन्क परेसान जिन
करा। ओनके खिलाफ जंग जिन छेड़ा। मइँ ओनकइ कउनो
भी भुइँया तू पचन्क नाहीं देब। उ पचे लूत क सन्तानन*
अहइँ, अउर मइँ ओनका आर प्रदेस दिहे अहउँ।'"
10(पहिले, आर मँ एमी लोग रहत रहेन। उ पचे
सक्तीसाली मनई रहेन अउर हुआँ ओनमाँ बहोत स रहेन। उ
पचे अनाकी लोगन क तरह बहोत लम्बा रहेन। 11अनाकी
लोगन क तरह, एमी रपाई लोगन क एक ठु हींसा समुझा
जात रहेन। मुला मोआबी लोग ओनका एमी कहत रहेन।
12पहिले होरी लोग भी सेईर मँ रहत रहेन। मुला एसाव क
सन्तानन ओनकर भुइँया लइ लिहन। एसाव क सन्तानन होरी
लोगन क नास कइ दिहन। तब एसाव क सन्तानन हुआँ रहइ
लागेन। इ वइसा ही किहेन जइसा इस्राएल उ भुइँया क
कब्जा करइ मँ किहेन जउन यहोवा ओनका दिहे रहेन।)
13"यहोवा मोसे कहेस, 'अब तइयार होइ जा अउर जेरेद
घाटी क पार जा।' एह बरे हम जेरेद घाटी क पार किहेन।
14कादेसबर्ने क तजइ अउ जेरेद घाटी क पार करइ मँ
अड़तीस बरिस क समइ बीता रहा। उ पीढ़ी क सबहिं जोधा
मरि चुका रहेन। यहोवा सपथ लिहेस कि अइसा ही होई।
15यहोवा ओन लोगन क खिलाफ तब तलक करत रहेन
जब तलक उ सबइ सिबिर स न नस्ट होइ गएन।
16"जब सबहिं जोधन मरि गए रहेन अउर चला गए
रहेन। 17तब यहोवा मोसे कहेस, 18'आजु तू पचन्क आर
सहर क सीमा क पार कइके मोआब क इलाका मँ लइ
जाबइ। 19जब तू लोग ओकर भुइँया स होइके गुजरब्या तउ
ओनका तंग जिन कर्‌या। ओनसे जिन लड़्या काहेकि मइँ तू
पचन्क ओनकर भुइँया न देब। काहेकि मइँ उ भुइँया लूत क
संतानन क नियन्त्रण करइ बरे दिहेउँ ह।'"
20(उ प्रदेस रपाइ लोगन्क देस भी कहा जात ह। उ सबइ
ही मनइयन पहिले हुआँ रहत रहेन। अम्मोनी क लोग
ओनका "जमजुम्मी लोग" कहत रहेन। 21जमजुम्मी लोग
बहोत सक्तीसाली रहेन अउर ओनमाँ स बहोत स हुआँ रहेन।
उ पचे अनाकी लोगन क नाईं लम्बा रहेन। मुला यहोवा
जमजुम्मी लोगन क अम्मोनी लोगन बरे नास कइ दिहस।
अम्मोनी लोग जमजुम्मी लोगन्क प्रदेस छीन लिहन अउ
अब उ पचे हुआँ रहत रहेन। 22परमेस्सर इहइ काम एसाव
क सन्तानन बरे किहस जउन सेईर मँ रहत रहेन। उ पचे
हुआँ रहइवालन होरी लोगन्क नास कइ दिहन। अब एसाव
क सन्तानन हुआँ रहत अहइँ जहाँ पहिले होरी लोग रहत
रहेन। 23अव्वियन गाँवन मँ गाजा तलक रहत रहेन। मुला
कछू लोगन कप्तोरी स आएन अउर ओका नस्ट कइ दिहेन।
अबहिं कप्तोरियन ओकर जगह मँ रहत अहइँ।)

एमोरी लोगन क खिलाफ जुद्ध करइ क हुकुम

24"यहोवा मोसे कहेस, 'जात्रा बरे तइयार होइ जा। अर्नोन
नदी क घाटी से होइके जा। मइँ तू पचन्क हेसबोन क राजा
सीहोन पइ विजय पावइ क सक्ती देत हउँ। मइँ तोहका
सबन्क उ देस जीतइ क सक्ती देत हउँ। एह बरे ओकरे
खिलाफ लड़ा अउ ओकरे देस पइ कब्जा करब सुरु करा।
25आजु मइँ तू पचन्क समूचइ संसार क लोगन क
डेरावइवाला बनाउब सुरु करत अहउँ। उ पचे तोहरे बारे मँ
खबर पइहीं अउ उ पचे भय स काँप उठीहीं। जब उ पचे
तोहरे बारे मँ सोचिहीं तब उ पचे घबराइ जइहीं।'
26"कदेमोत क रेगिस्तान स मइँ हेसबोन क राजा सीहोन
क लगे दूतन क पठएउँ। दूतन सीहोन क समन्वा सान्ति-सन्धि
राखेस। उ पचे कहेन, 27'आपन देस स होइके हम पचन्क
जाइ द्‌या। हम लोग सड़क पइ ठहरब। हम पचे सड़किया
क दाहिन या बाएँ कइँती न मुड़ि जाब। 28हम पचे जउन
खइया क खाब या जउन पानी पिअब ओकर बरे पैसा
चुकाउब। हम पचे सिरिफ तोहरे देस स पइदल जात्रा करइ
क अनुमति चाहित ह। 29आपन देस स होइके तू पचे हम
पचन्क यरदन नदी क पार कइके ओह देस मँ पहोंच तलक
जाई जेका यहोवा हमार परमेस्सर हमका दइ देत बाटइ।
एसाव क सन्तानन अउर आर मँ बसइया मोआबी लोग
आपन देस स हमका जाइ अनुमति दइ दिहन ह।'
30"मुला हेसबोन क राजा सीहोन, आपन देस स हमका
जाइ नाहीं दिहस। यहोवा, तोहार परमेस्सर, ओका बहोत
जिद्‌दी बनाइ दिहस। यहोवा इ एह बरे किहस कि उ सीहोन
क तोहरे कब्जा मँ दइ सकइ अउ उ अब इ कइ दिहेस ह।
31"यहोवा मोसे कहेस, 'मइँ राजा सीहोन अउ ओकरे देस
क तोहका सबन्क देत अहउँ। भुइँया लेब सुरु करा। इ तब
तोहार होई।'
32"तब राजा सिहोन अउ ओकर सब लोग हम पचन्स
यहस मँ जुद्ध करइ बाहेर निकरेन। 33मुला यहोवा हमार
परमेस्सर ओका हमका दइ दिहस। हम पचे ओका, ओकरे
बेटवन क, अउ ओकरे सब लोगन क हराएन। 34हम पचे
ओन सबइ सहरन पइ कब्जा कइ लीन्ह। तउ हम पचे सहर
क सबइ मनइयन, मेहरारु अउ गदेलन क पूरी तरह नास
कइ दीन्ह। हम पचे कउनो क जिअत नाहीं तजा। 35हम पचे
जउन सहरन क जीत लीन्ह ओनमाँ स सिरिफ जनावॅरन अउ
कीमती चीजन्क लइ लीन्ह। 36हम पचे अरोएर सहर क
जउन अर्नोन क घाटी मँ बाटइ अउ उ घाटी क बीच दूसर
सहर क भी हरावा। यहोवा हमार परमेस्सर हमका अर्नोन
घाटी अउ गिलाद क बीच क सबहिं सहरन क हार जाइ
दीन्ह। कउनो सहर हम लोग बरे एतनाँ जियादा मज़बूत
नाहीं रहेन। 37मुला उ प्रदेस क निचके नाहीं गए, जउन
अम्मोनी लोगन्क रहा। तू पचे यब्बोक नदी क किनारे या
पहाड़ी प्रदेसन क सहरन क निअरे नाहीं गया। तू पचे अइसे

लूत क संतान लूत क पूत मोआब अउ अम्मोन रहेन।

कउनो ठउरे क निअरे नाहीं गया जेका यहोवा हमार परमेस्सर तोहका आदेस दिहस रहा।

बासान क लोगन क संग जुद्ध

3 "हम पचे घूमि गए अउ बासान क जाइवाली सड़क
पइ चलतइ रहेन। बासान क राजा ओग अउ ओकर
सबहिं लोग एद्रेइ मँ हम लोगन स लड़इ बरे आएन।
2यहोवा मोसे कहेस, 'ओग स जिन डेराअ, जेका मइँ तोहरे
हाथे मँ देइ दिहेस ह। मइँ एकरे सबहिं लोगन अउ भुइँया
क तोहका सबन्क दइ देब। तू पचे एँका वइसे ही हरउब्या
जइसे तू पचे हेसबोन क सासक एमोरी राजा सीहोन क
हराया।'
3"इ तरह यहोवा हमार परमेस्सर बासान क राजा ओग
अउ ओकर सबहिं लोगान्क हमरे हाथे मँ दिह्या। हम पचे
ओका लोगन पइ तब तलक हमला किहेस जब तलक हर
कछू खतम नाहीं होइ गएन। 4तब हम पचे उ समइ उ सबइ
सहरन पइ कब्जा कीन्ह रहेन। एक भी अइसा सहर नाहीं
बचा जेका हम पचे नाहीं लिहेन। हम पचे ओन लोगन स
बासान मँ ओग क राज्ज अर्गोब प्रदेस क सबइ साठ सहरन
क लीन्ह। 5इ सबहिं सहरन ऊँची देवारन अउ दुआरन मँ
मजबूत छड़न क संग बहोत मजबूत रहेन। अनेक दूसर
सहरन बे देवारे क रहेन। 6हम पचे ओनका वइसे बरबाद
कीन्ह जइसे हेसबोन क राजा सीहोन क नगरन क बरबाद
किहे रहे। हम पचे हर एक सहर क ओनके मनइयन क
संग, मेहररुअन अउ गदेलन क भी बरबाद कीन्ह। 7मुला
हम पचे सबहिं गइयन अउ कीमती चीजन्क अपने लगे
राखा।
8"उहइ समइ मँ हम पचे एमोरी लोगन्क दुइ ठु राजा स
भुइँया लीन्ह। इ भुइँया यरदन नदी क दूसरी कइँती पूरब
तरफ अहइ। इ भुइँया अर्नोन घाटी स लइके हर्मोन पहाड़े
तलक अहइ। 9(सिदोनी हेर्मोन पहाड़े क "सिर्योन" कहत हीं,
मुला एमोरी एँका "सनीर" कहत हीं।) 10हम पचे समूचइ
समथर मइदान क सहर, समूचइ गिलाद, अउ समूचइ बासान
मँ सल्का अउ एद्रेई तलक अधिपत्य कायम कीन्ह। उ सबइ
सहर बासान मँ ओग क समराज्ज क सहरन रहेन।"
11(बासान क राजा ओग एक रपाई मनई रहा जउन
अबहिं तलक जिअत रहा। ओग क पलंग लोहे क बनी
रही। इ करीब नौ हाथ लम्बी अउ चार हाथ चौड़ी रही।
रब्बा सहर मँ इ अबहिं तलक अम्मोनी लोगन क संग
बाटइ।)

यरदन नदी क पूरब क भुइँया

12"उ समइ उ भुइँया क हम पचे जीत लिहे रहे अउर
मइँ एका रूबेन परिवार समूह क अउ गादी परिवार समूह क
अर्नोन घाटी क अरोएर स लइके गिलाद क आधा पहाड़ी
भाग तलक ओकरे सहरन क संग दिहेउँ ह। 13मनस्से क
आधा परिवार समूह क मइँ गिलाद क दूसर आधा हींसा अउ
समूचइ बासान दिहेउँ यानी अर्गोब क पूरा छेत्र बासान ओग
क राज्ज रहा।"
(बासान क छेत्र रपाइयन क प्रदेस कहा जात रहा।
14याईर, मनस्से क सन्तानन मँ स एक, अर्गोब क समूचा
छेत्र जेका बासान कहा जात रहा, कब्जा कइ लिहेन। उ
प्रदेस गसूरी अउर माका लोगन क इलाका तलक फइल
गएन। याईर पाछे इ प्रदेस क नाउँ आपन नाउँ पइ राखेस।
इहइ स आजु भी याईर प्रदेस क नाउँ स सुमिरइ जात ह।)
15"मइँ गिलाद माकीर क दिहेउँ। 16अउर रूबेन परिवार
समूह क अउ गाद परिवार समूह क मइँ उ प्रदेस दिहेउँ
जउन अर्नोन घाटी स यब्बोक नदी तलक जात ह। घाटी क
बीच एक चउहद्दी बाटइ। यब्बोक नदी अम्मोनी लोगन क
चउहद्दी अहइ। 17यरदन घाटी मँ यरदन नदी पच्छिम
चउहद्दी बनावत ह। इ छेत्र क उत्तर मँ किन्नेरेत झील अउर
दक्खिन मँ अराबा समुद्दर बाटइ अरथात जेका लवण सागर
कहत हीं। इ पूरब मँ पिसगा क चोटी क तलहटी मँ बना
अहइ।
18"ओह समइया, मइँ तोहका आदेस दिहे रहेउँ: 'यहोवा,
तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे यरदन नदी क इ कइँती
क प्रदेस दिहेउँ ह। मुला अब तोहरे पचन्क जोधन बरे आपन
औजार उठावइ चाही। तोहका दूसर इस्राएली परिवार समूहन
क भी नदी क पार होइ क अगुवाइ करइ चाही। 19तोहार
मेहररुअन, गदेलन अउर तोहार गोरुअन हिआँ ओन सहरन
मँ रइहीं जेनका मइँ तू पचन्क दिहेउँ ह। मइँ जानत हउँ कि
तोहरे लगे बहोत स गोरुअन अहइँ। 20मुला तोहे पचन्क
आपन इस्राएली रिस्तेदारन क मदद यरदन नदी क दूसर
किनारे उ प्रदेस क पाइ लेतेन तलक करइ चाही जउन
यहोवा तोहार परमेस्सर दिहेस ह। ओनकइ मदद तब तलक
करा जब तलक यहोवा ओनकइ जीवन मँ सान्ति न देइ
जइसा तू पचे हिआँ पाइ लिहा ह। तब तू पचे हिआँ आपन
देस मँ लउटि सकत ह जेका मइँ तू पचन्क दिहेउँ ह।'
21"तब मइँ यहोसू स कहेउँ, 'तू पचे उ सबइ लख्या ह
जउन यहोवा तोहार परमेस्सर इ दुइ राजा लोगन क संग
किहेस ह। यहोवा अइसा ही ओन सबहिं राज्जन क संग
करब जउन जगह तू जात रहा। 22इ सबइ देसन क राजा
लोगन स जिन डेराअ, काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर, तोहरे
बरे लड़ी।'

मूसा क कनान मँ प्रवेस करइ स मनाही

23"मइँ उ समइ यहोवा स विसेख कृपा क पराथना
किहेउँ। 24'यहोवा मोर सुआमी, 'मइँ तोहार सेवक अहउँ। तू
मोका आपन महानत सक्ती देखाइ सुरू किहस ह। सरग या
भुइँया पइ कउनो अइसा दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ, जउन तू
किह्या ह तोहरे तरह महान अउ सक्तीसाली काम कइ
सकइ। 25मइँ तोहसे विनती करत हउँ कि तू मोका उ पार
जाइ द्या अउ यरदन नदी क दूसर कइँती क नीक प्रदेस,
सुन्नर पहाड़ी पहँटा अउर लबानोन क लखइ द्या।'
26"मुला यहोवा तोहरे कारण मोह पइ नाखुस रहा। उ मोर
बात सुनइ स इन्कार कइ दिहा। उ मोसे कहेस, 'बस करा!
एकरे बारे मँ मोका दूसर सब्द जिन कहा। 27पिसगा पहाड़े
क चोटी पइ जा। पच्छिउँ कइँती, उत्तर कइँती, दक्खिन
कइँती, पूरब कइँती लखा। ओनका तू आपन आँखिन स

लखा काहेकि तू पचे यरदन नदी क पार नाहीं कइ पउब्या।
28तू पचन क यहोसू क निर्देस देइ चाही। ओका मजबूत अउ
हिम्मती बनावा। काहेकि यहोसू लोगन क यरदन नदी क पार
लइ जाइ। यहोसू ओन भुइँया क जउन तू लखत रहा ओका
कब्जा करइ मँ तोहार मदद करी ओहमाँ तोहका रहइ क
देइ।'

29"एँह बरे हम पचे बेत-पोर क दूसर कइँती घाटी मँ
रुकि गए।"

मूसा लोगन क परमेस्सर क नेमन पइ धियान देइ बरे चिताउनी देत ह

4 "इस्राएल, अब ओन नेमन अउ सबइ आदेस क सुना
जेनकइ उपदेस मइँ देत अहउँ। ओनका माना। तब तू
पचे जिअत रहब्या। तू जाइ सकब्या अउर उ प्रदेस क लइ
लेइ सकब्या जेका यहोवा तोहरे पचन्क क पुरखन क
परमेस्सर तोहका दइ देत अहइ। **2**जउन मइँ हुकुम देत अहउँ
ओहमाँ अउर कछू जोरब नाहीं अहइ। तू पचन्क ओहमाँ स
कछू घटावइ नाहीं चाही। तू पचन्क आपन यहोवा परमेस्सर
क ओन सबइ आदेस क मानइ चाही जेनका मइँ तू पचन्क
दिहेउँ ह।

3"तू पचे लख्या ह कि बाल पोर मँ यहोवा का किहेस।
यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे ओन सबहिं मनइयन क नास
कइ दिहेस जउन बाल पोर क मानत रहेन। **4**मुला तू लोग
सबइ जउन यहोवा आपन परमेस्सर क संग रहेन, आजु
जिअत अहा।

5"धियान द्या, यहोवा मोर परमेस्सर जउन मोका हुकुम
दिहेस ह, ओनहीं नेमन अउ हुकुमत क मइँ तू पचन्क
सिच्छा देत अहउँ। तोहका उ नेमन क उ भुइँया मँ जरूर
मानइ चाही जहाँ तू पचे रहइ बरे जात रहा। **6**एँन नेमन क
होसियारी स पालन करा। इ दूसर रास्ट्रन क सूचित करी कि
तू पचे बुद्धि अउ समझ राखत अहा। जब ओन देसन क
लोग इ नेमन क बारे मँ सुनिहीं तउ उ सबइ सच्चाइ क
साथ स्वीकार करिहीं कि 'फुरइ, इस्राएल रास्ट्र क लोग
बुद्धिमान अउ समुझदार अहइँ।'

7"कउनो रास्ट्र क कउनो देवता ओनके संग ओतना
निचके नाहीं रहत जउने तरह यहोवा हमार परमेस्सर जउन
हम लोगन क लगे रहत ह, जब हम ओका पुकारित ह,
8कउनो दूसर रास्ट्र एँतना महान नाहीं कि ओकरे लगे उ पचे
न्यायसंगत नेमन अउ हुकुमन होइँ जेनकर उपदेस मइँ आजु
करत अहउँ। **9**मुला तू पचन्क होसियार रहइ। निहचय कइ
ल्या कि जब तलक तू पचे जिअत रहब्या, तब तलक तू
पचे देखी भइ चिजियन क न बिसरब्या या एकॉ आपन
हिरदइ स जाइ न देब्या। तू पचन्क इ सबइ सिच्छा क
आपन पूत अउ पोतन क देइ चाही। **10**उ दिन क याद राखा
जब तू पचे होरेब पहाड़े पइ आपन यहोवा परमेस्सर क
समन्वा ठाढ़ रह्या। यहोवा मोसे कहेस, 'मइँ जउन कहत
हउँ, ओका सुनइ बरे लोगन क बटोरा। तब उ पचे मोर स
भयभीत होइही जब तलक उ पचे उ भुइँया पइ रइहीं अउर
उ पचे इ सब उपदेस आपन गदेलन क भी देइहीं।' **11**तू पचे
निचके आया अउ पहाड़े क तरखाले खड़ा होइ गया। पहाड़े
मँ आग लग गइ अउ उ अकास क छुअइ लाग। घना
करिआ बादर अउ अँधियारा गमका। **12**तबहिं यहोवा आगी
क बीच मँ स तू पचन्स बतियान। तू पचे अवाज सुनया मुला
तू पचे ओका कउनो सकल नाहीं निहार सक्या। सिरिफ
अवाज सुनाई पड़त रही। **13**उ तू पचन क आपन करार क
बताएस। उ दस आदेसन क दिहस अउ तोहका ओका मानइ
क आदेस दिहस। उ ओनका दुइ ठू पाथर क सिला पइ
लिखेस। **14**ओह समइ यहोवा मोका हुकुम दिहस कि मइँ तू
पचन्क इ सबइ विधि अउ नेमन क उपदेस देउँ। इ सबइ
उहइ सब नेमन अउ विधि अहइँ जेनका मानब तू पचन्क उ
देस मँ करइ चाही जेका तू पचे लेइ अउ बसइ बरे तू पचे
जात अहा।

15"उ दिना यहोवा होरेब पहाड़े क आगी स तोहे सबन्स
बात किहस। तू पचे ओका तने क रुप मँ नाहीं लख्या। एँह
बरे होसियार रहा। **16**आपन जिन्नगी क जिन बरबाद करा।
आपन बरे कउनो मूरति क रूप जिन बनावा। अइसी मूर्त्ति
जिन बनावा जउन कउनो मनसेधू अउ मेहरारु क नाईं होइ।
17अइसी मूरत जिन बनावा जउन भुइँया क कउनो जनावर या
अकासे क पंछी क नाईं देखाँइ देत होइ। **18**अउर अइसी
मूरत जिन बनावा जउन भुइँया पइ रेंगइवाला या समुद्दर क
मछरी क नाईं देखाँइ देत ह। **19**जब तू पचे अकासे कइँती
निगाह करा अउर सूरज, चँदा, तारन अउ बहोत कछू
चिजियन तू अकासे मँ लखा, ओनका प्रति सेवा अउ पूजा
बरे आकर्सित जिन भवा। यहोवा तू पचन्क परमेस्सर एँन
सबइ चिजियन क संसारे क दूसर मनइयन क दिहस ह।
20मुला यहोवा तोहका पचन्क मिस्र स बाहेर लिआवा ह
जउन तोहरे पचन बरे लोहा क भट्ठी रही। उ तू सबन्क
एह बरे लिआएस ह कि तू पचे ओकर आपन लोग बन
सका जइसे तू पचे अबहुँ अहा।

21"यहोवा तोहरे पचन्क कारण मोसे कोहाइ ग रहा। उ
किरया खाएस कि मइँ यरदन नदी क ओह पार नाहीं जाइ
सकत हउँ। उ कहेस कि मइँ उ सुन्नर प्रदेस मँ घुस नाहीं
सकत हउँ जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका मिरास क
रूप मँ देत अहइँ। **22**एँह बरे मोका इहइ प्रदेस मँ मरइ
चाही। मइँ यरदन नदी क पार नाहीं जाइ सकत हउँ। मुला तू
पचे ओकरे पार होइ जाब्या अउ अच्छा भुइँया पाउब्या।
23तोहका सबन्क होसियार रहइ चाही कि तू पचे उ करार क
जिन बिसरि जा, जेका यहोवा तोहरे पचन्क परमेस्सर तोहे
सबन्स किहे अहइ। तू पचन्क कउने किसिम क मूरति नाहीं
बनवइ चाही काहेकि यहोवा तोहरे पचन्क परमेस्सर तोहे
सबन्क न बनावइ क आग्या दिहे अहइ। **24**काहेकि तोहार
परमेस्सर, ईर्स्यालु परमेस्सर अहइ। उ भस्म करइ बरे आगी
क नाइँ अहइ।

25"जब तू पचे उ भुइँया मँ बहोत समइ तलक अच्छी
तरह स रहि लेब्या अउ तोहार सबन्क पूतन अउ पोतवन
होइहीं, अगर तू भ्रस्ट होइ जाब्या अउ तू सबइ प्रकार क
मूर्ति बनाउब्या, तउ यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर इ क बुरा
चीज मँ सामिल करिहीं। एहसे उ कोहाइ जाइ। **26**अगर तू
पचे उ बुराई क करब्या, तउ अकास अउ धरती तू पचन्क
खिलाफ गवाह होई। मइँ तोहका कहत हउँ इ होई। तू पचे

हाली ही बरबाद होइ जाब्या। तू पचे यरदन नदी क उ देस
क लेइ बरे पार करत बाट्या, मुला तू पचे हुवाँ बहोत समइ
तलक नाहीं रहब्या। तू सबहिं पूर्णरूप स नस्ट होइ जाब्या।
27यहोवा तोहे पचन्क दूसर रास्ट्रन मँ तितराइ बितराइ देइ अउ
तू पचन मँ स उ देस मँ कछू ही जिअत रइहीं जेनमाँ यहोवा
तू पचन्क पठइ। 28तू पचे हुवाँ मनइयन क बनवा देवतन क
पूजब्या, ओन जिजियन क जउन काठे अउ पाथर क होइहीं
जउन न लखि, न सुनि, न खाइ या न सूँघ सकत हीं।
29मुला एँन दूसर देसन मँ तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क
हेरब्या। अगर तू पचे आपन पूरी तन अउ मन स ओका
हेरब्या तउ ओका पउब्या। 30जब तू पचे विपत्ति मँ पड़ि
जाब्या अउर उ सबइ बातन तू पचन पइ घटिहीं तउ तू पचे
उ दिनन मँ यहोवा आपन परमेस्सर क लगे लउटब्या अउ
ओकरी आग्या क मनब्या। 31यहोवा तोहार परमेससर कृपालु
अहइ उ तू पचन्क न तजी। उ तू पचन्क नस्ट नाहीं करी।
उ उ वाचा क न बिसरी जउन उ तोहरे पुरखन क बचन क
रुप मँ दिहस।

ओन महान करमन क बारे मँ सोचा जउन यहोवा तोहरे पचन्क बारे मँ किहस

32"का एँतनी महान बात पाछे कबहुँ भइ रही? पाछे के
उ दिनन क बारे मँ सोचा जब परमेस्सर धरती पइ मनई क
बनाएस। ओन सबहिं बातन क बारे मँ सोचा जउन संसार मँ
कहूँ भी घटि भइ अहइँ। का इ महान घटना जइसी कउनो
कबहुँ पहिले सुनेस ह? नाहीं। 33तू पचे परमेस्सर क तू
पचन्स आगी मँ स बोलत सुन्या ह अउर तू पचे अबहुँ भी
जिअत अहा। का अइसी घटना कउनो क संग घटी भइ
अहइ? नाहीं। 34का कउनो दूसर देवता कबहुँ आपन लोगन
क दूसरे रास्ट्रन क भीतर खुद हुआँ स बाहेर लिआवइ क
जतन किहस ह? नाहीं। मुला तू पचे खुद लख्या ह कि
परमेस्सर इ सबइ काम तोहार बरे करत ह। उ तोहका मिस्र
स परीच्छा, चमत्कार, अचरज, जुद्ध, महान सक्ती, ताकत
अउ भयानक कामन क जरिया बाहर लिआएस। 35उ तू
पचन्क इ सब देखाएस ह जेका तू पचे जान ल्या कि यहोवा
ही परमेस्सर अहइ। ओकरे अतिरिक्त कउनो दूसर परमेस्सर
नाहीं अहइ। 36यहोवा सरग स आपन बातन क, तोहका
सिच्छा देइ बरे सुनइ देत रहा। उ धरती पइ आपन महान
आगी देखाएस अउ उ ओहमाँ स बोलेस।

37"यहोवा तोहरे पुरखन स पिआर करत रहा। इहइ कारण
रहा कि उ ओनके पुरखन यानी तू पचन्क चुनेस अउ इहइ
कारण अहइ कि यहोवा तोहका मिस्र बाहेर लिआएस। उ
तोहरे संग रहा अउ आपन बड़की सक्ती स तू पचन्क बाहेर
लिआएस। 38जबहिं तू पचे आगवा बढ़्या तउ यहोवा तोहरे
समन्वा स रास्ट्रन क बाहेर जाइ बरे मजबूर किहस। इ सबइ
रास्ट्र तू पचन्स बड़का अउ जियादा बरिआर रहेन। मुला
यहोवा तू पचन्क ओनके देस मँ लइ आवा। उ ओनकइ देस
तू पचन्क बसइ बरे दिहस अउ इ देस आजु भी तोहार
अहइ।

39"एह बरे आजु तू पचन्क जानइ अउ सुमिरइ चाही कि
यहोवा परमेस्सर अहइ। उ आकासे क ऊपर अउ धरती क
नीचे तलक क परमेस्सर अहइ। कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं
अहइ। 40तू पचन्क ओकरे ओन नेमन अउ हुकुमन क
जरूर मानइ चाही जेनका मइँ आजु तू पचन्क देत अहउँ।
अगर तू करब तब हर एक बात तोहरे पचन्क अउ तोहरे
ओन गदेलन बरे नीक रही जउन तोहरे सबन्क बाद होइहीं।
तू पचे लम्बे समइ तलक उ देस मँ रहब्या जेका यहोवा
तोहार परमेस्सर तू पचन्क हमेसा बरे दइ देत अहइ।"

मूसा सुरच्छा क नगरन क चुनत ह

41तब मूसा तीनउ सहरन क यरदन नदी क पूरब कइँती
चुनेस। 42जदि कउनो मनई कउनो क संजोग स मारि डावइ
तउ उ इ सहरन मँ स कउनो मँ पराइके जाइ सकत ह अउ
बचा रहि सकत ह। अगर उ मारा भए मनई स घिना नाहीं
करत रहा अउर ओका मार डावइ क इरादा नाहीं रखत रहत
तउ उ ओन सहरन मँ स कउनो एक मँ जाइ सकत ह।
43मूसा जउने सहरन क चुनेस, उ सबइ इ सब रहेनः रूबेनी
लोगन बरे रेगिस्तान क मैदानी भुइँया मँ बेसेर; गादी लोगन
बरे गिलाद मँ रामोत अउ मनस्से लोगन बरे बासान मँ
गोलान।

मूसा क नेमन क परिचय

44इस्राएली मनइयन बरे जउन नेम मूसा दिहस उ इ
बाटइ। 45मूसा इ सबइ उपदेसन, नेमन अउ हुकुमन इस्राएल
क लोगन बरे तब दिहस जब उ सबइ मिस्र स बाहेर
आएन। 46मूसा इ सबइ नेमन क तब दिहस जब लोग यरदन
नदी क पूरबी किनारे पइ बेत-पोर क पार घाटी मँ रहेन। उ
पचे एमोरी राजा सीहोन क देस मँ रहेन, जउन हेसबोन मँ
रहत रहा। मूसा अउ इस्राएल क लोग सीहोन क तब हराएन
जब उ पचे आए रहेन। 47उ पचे सीहोन क भुइँया अउ
बासन राजा क ओग क भुइँया क अपने लगे रखइ बरे
कब्जा कइ लिहे रहेन। दुइनउँ एमोरी राजा यरदन नदी क
पूरब मँ रहत रहेन। 48इ पहँटा अर्नोन घाटी क सिरे पइ
टिका भवा अरोएर स लइके सिओन अरथात हेर्मोन पहाड़े
तलक फइला रहा। 49यरदन नदी क पूरब क पूरा पहँटा उस
प्रदेस मँ मिला रहा। इ पूरब मँ पिसगा पहाड़े क चरण
तलक अराबा समुद्दर तलक फइलत भवा रहा।

दस आग्यन

5 मूसा इस्राएल क सब मनइयन क एक संग बोलॉएस
अउ ओनसे कहेस, "इस्राएल क मनइयो! आजु जउने
नेमन अउ कानूनन क मइँ बतावत अहउँ, ओनका सुना। इ
सबइ नेमन क सीखा अउ सक्ती स ओनका माना। 2यहोवा,
हम पचन्क परमेस्सर होरब पहाड़े पइ हम पचन्क संग वाचा
किहे रहा। 3यहोवा इ वाचा हम पचन्क पुरखन क संग नाहीं
किहे रहा, मुला हम पचन्क हमार संग जउन कउनो आजु
जिअत अहइँ। 4यहोवा पहाड़े पइ तू पचन्स आमने सामने बात
किहस। उ तू पचन्स आगी मँ स बतियान। 5ओह समइ तू
पचन्क इ बतावइ बरे कि यहोवा का किहस ह, मइँ तू
लोगन अउ यहोवा क बीच खड़ा रहेउँ। काहेकि तू पचे

आगी से डेराइ गया अउर तू पचे पहाड़े पइ जाइ स इन्कार किह्या। यहोवा कहेस:

6"मइँ यहोवा तोहार उ परमेस्सर हउँ जउन तू पचन्क मिस्र स बाहेर लइ आएउँ ह जहाँ तू पचे दास क नाईं रहत रह्या।

7"मोरे अलावा कउनो दूसर देवता क पूजा जिन करा।

8"कउनो भी मूरतियन या कउनो क तस्बीर जउन आकास क ऊपर मँ, भुइँया पइ या समुद्दर क नीचे मँ होइ, जिन बनावा। 9ओका निहुरिके दण्डवत या पूजा जिन करा। काहेकि मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर ईर्स्यालु अहउँ। मइँ आपन लोगन क जरिये कउनो दूसर देवता क पूजा स घिना करत हउँ। अइसे लोग जउन मोरे खिलाफ पाप करत हीं, मोर दुस्मन होइ जात हीं। मइँ ओन लोगन्क सजा देब अउर मइँ ओनके पूतन, पोतन अउ परपोतन क सजा देब। 10मुला मइँ ओन लोगन पइ बहोत दयालु रहब जउन मोसे पिरेम करत हीं अउर मोरे आदेसन क मानत हीं। मइँ ओनकइ हजार पीढ़ियन तलक दयालु रहब।

11"यहोवा, आपन परमेस्सर क नाउँ क उपयोग गलत तरिके स जिन करा। अगर कउनो मनई ओकरे नाउँ क उपयोग गलत तरीके स करत होइ तउ उ दोखी अहइ अउर यहोवा ओका निर्दोख न बनाई।

12"सबित क दिना क खास महत्व देइ बरे साबित खास दिन क रूप मँ माना। यहोवा तोहार परमेस्सर हुकुम दिहस ह कि तू पचे सबित क दिन क हफ्ता क दूसर दिनन स अलगाइ द्या। 13पिछले छ: दिन तोहरे पचन्क काम करइ बरे अहइँ। 14मुला सतवाँ दिन यहोवा तोहरे परमेस्सर क सम्मान मँ आराम करइ क दिन अहइ। एह बरे सबित क दिन कउनो मनई काम न करइ चाही। यानी तू पचे, तोहार पूतन, बिटियन, मनइयन अउ मेहरारु नउकरन, गइयन, बर्धन, गदहन, अउर तोहरे पचन्क सहरन मँ रहइवाला बिदेसी, कउनो भी काम न करइ चाही। तोहरे पचन्क दास क भी तोहार जइसा आराम मिलइ चाही। 15तोहका इ जरूर याद रखइ चाही कि तू मिस्र मँ दास रहा। यहोवा, तोहार परमेस्सर महान सक्ती स तू पचन्क मिस्र स बाहेर लिआवा। उ तू पचन्क अजाद किहस। इहइ कारण अहइ कि यहोवा तोहार परमेस्सर हुकुम देत ह कि तू पचे सबित क दिन माना।

16"आपन महतारी अउर बाप क सम्मान करा। यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका इ करइ क हुकुम दिहस ह। अगर तू पचे इ हुकुम क मानत ह तउ तोहार उमिर लम्बी होइ अउर उ देस मँ जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ इ तोहार बरे अच्छा होइ।

17"कउनो क हत्या जिन करा।

18"बिभिचार क पाप जिन करा।

19"कउनो चीज जिन चोरावा।

20"दूसर जउन कछू किहे अहइँ ओकरे बारे मँ झूठ जिन बोला।

21"तू पचे दूसर लोगन क धन-सम्पति या दूसर कउनो चिजियन जे दूसर क अहइ क आपन बनावइ क इच्छा जिन करा। दूसर मनई क पात्नी, घर, खेत, मनसेधू या मेहरारु नौकर, गइयन अउ गदहन लइ लेइ क इच्छा तू पचन मँ न होइ चाही।"

मनइयन क परमेस्सर स डर

22मूसा कहेस, "यहोवा इ सबइ हुकुम तू सबहिं क दिहस जब तू पचे एक संग पहाड़े प रह्या। यहोवा साफ साफ सब्दन मँ बानत किहस अउर ओकर तेज आवाज आगी, बादर अउ घना अँधियारा स सुनाई देत रहा। जब उ इ आदेस दइ दिहस तब अउर कछू नाहीं कहेस। उ आपन सब्दन क दुइ ठु पाथरे क सिला पइ लिखेस अउ ओनका मोका दइ दिहस।

23"तू पचे आवाज क तब सुन्या जब पहाड़ आगी स बरत रहा। तब तू पचे मोरे लगे आया, तोहरे परिवार समूह क सबहिं नेता लोग अउ तोहार सबहिं पुरनियन। 24उ पचे कहेन, 'यहोवा हमार परमेस्सर आपन गौरव अउ बड़कइ देखॉएस ह। हम पचे ओका आगी मँ स बोलत सुना ह। आजु हम पचे लखि लीन्ह ह कि कउनो मनई क परमेस्सर स बात करइ क बाद भी जिअत रहि सकब, होइ सकत ह। 25मुला अगर हम पचे यहोवा आपन परमेस्सर क दुसरी दाईं बात करत सुना तउ हम पचे जरूर मरि जाब। उ खउफनाक आगी हमार नास कइ देइ। मुला हम पचे मरब नाहीं चाहित। 26कउनो अइसा मनई नाहीं जउन हम लोगन क नाईं कबहुँ जिअत परमेस्सर क आगी मँ स बतियात सुने होइ अउ जिअत होइ। 27मूसा, तू निअरे जा अउ यहोवा हम लोगन्क परमेस्सर, जउन कहत बाटइ सुना। तब उ सब बातन हमका बतावा जउन यहोवा तू पचन्स कहत ह, अउर हम लोग तोहार सुनब अउर ओकर पालन करब।'

यहोवा मूसा स बतियात ह

28"यहोवा उ सबइ बातन सुनेस जउन तू मोसे कह्या। तब यहोवा मोसे कहेस, 'मइँ उ सबइ बातन सुनेउँ ह जउन हम पचे कहेन ह। जउन उ पचे कहेन बढ़िया अहइ। 29मइँ इच्छा करत हउँ कि उ पचे हिरदय स मोर सम्मान करइ अउर मोरे आदेसन क हमेसा मानइ सिखिहीं। तब इ ओनके अउ ओनके सन्तानन बरे सदा ही नीक रही।

30"'जा अउ मनइयन स कहा कि आपन आपन तम्बूअन मँ लउटि जाइँ। 31मुला मूसा, तू मोरे निअरे ठाढ़ रहा। मइँ तोहका सारा हुकुम, कानून अउ नेम हेरब जेकर सिच्छा तू ओनका देब्या। ओनका इ सबइ उ देस मँ करइ चाही जेका मइँ ओनका रहइ बरे दइ देत हउँ।'

32"एह बरे, तू सब मनइयन क उ सब कछू करइ बरे होसियार रहइ चाही जेकरे बरे यहोवा तोहका हुकुम दिहेस बाटइ। तोहका न दाहिन हाथे कइँती घूमइ चाही अउर न ही बाएँ हाथे कइँती। 33तोहका उहइ तरह रहइ चाही, जउने तरह रहइ क हुकुम यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका दिहे अहइ। तब तू सदा जिअत रहि सकत ह अउर हर चीज

तोहरे बरे नीक होइ। उ देस मँ, जउन तोहार होइ, तोहार
उमिर लम्बी होइ जाइ।

सदा परमेस्सर स पिरेम करा अउर आग्या माना

6 “जउन आदेसन, नेमन अउ हुकुमन क यहोवा, तोहार
परमेस्सर तोहका सिखावइ क मोका आदेस दिहस ह,
उ सबइ इ सब अहइँ। एँनका उ देस मँ मानया जेहमाँ रहइ
बरे तू प्रवेस करत अहा। 2तू अउर तोहार गदेलन अउ
पतोहून जब तलक जिअत रहा यहोवा आपन परमेस्सर क
सम्मान करइ चाही। तोहका ओनके ओन सबइ नेमन अउ
हुकुमन क पालन करइ चाही जेनका मइँ तोहका दइ देत
हउँ। अगर तू अइसा करब्या तउ लम्बी उमिर पउब्या।
3इस्राएल क मनइयो, एका धियान स सुना अउ इ सबइ
नेमन क माना। तब इ तोहारे बरे नीक होइ अउर तू पचे
तेजी स बढ़ब्या। यहोवा तोहरे पुरखन क परमेस्सर, इ सबन
बरे बचन दिहे अहइ कि तू पचे दूध अउर सहद स बहत
भवा धरती पाउब्या।

4“इस्राएल क मनइयो, धियान स सुना। यहोवा हमार
परमेस्सर अहइ, यहोवा एक अहइ। 5अउर तू पचन्क यहोवा
आपन परमेस्सर स आपन क पूरा हिरदय, आतिमा अउ
सक्ती स पिरेम करइ चाही। 6इ सबइ हुकुमन क सदा आपन
दिल मँ रखा जेनका मइँ आजु तू पचन्क दइ देत हउँ।
7एनकइ सिच्छा आपन लरिकन क देइ बरे होसियार रहा। इ
सबइ हुकुमन क बारे मँ तू पचे जब तू आपन घरन मँ बइठे
भए, सड़किया पइ टहरत भए, जब तू ओलरा अउ जब
जागा तब एकरे बारे मँ बात करा। 8एँका स्मरण पत्र नाईं
आपन हाथे पइ बाँधा अउ ललाट पइ धारण करा। 9एँका
आपन घरन क दरवाजन पइ, अउ सहर फाटक पइ लिख
ल्या।

10“यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देस मँ लइ जाइ
जेकरे बरे उ तोहरे पुरखन-इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क
देइ क बचन दिहे रहा। तब उ तू पचन्क बड़के अउ अमीर
सहर देइ जेनका तू नाहीं बनाया। 11यहोवा तू पचन्क अच्छी
चीजन्स भरा भवा घर देइ जेनका तू पचे हुवाँ नाहीं राख्या ह।
यहोवा तू पचन्क कुआँ देइ जेनका तू पचे नाहीं खन्या ह।
यहोवा तू पचन्क अंगूरन अउ जइतून क बाग देइ जेनका तू
पचे नाहीं लगाया ह। तू पचन्क ओका खाब्या अउ संतुट्ठ
होब्या।

12“मुला होसियार रहा। यहोवा क जिन बिसरा जउन तू
पचन्क मिस्र स लिआएस, जहाँ तू पचे दास रह्या। 13यहोवा
आपन परमेस्सर क सम्मान करा अउर सिरिफ उहइ क सेवा
करा। बचन देइ बरे तू पचे सिरिफ उहइ क नाउँ क उपयोग
करा। 14तू पचन्क दूसर देवतन क अनुसरण नाहीं करइ
चाही। तू पचन्क आपन चारिहुँ कइँती रहइवाला लोगन क
देवतन क अनुसरण नाहीं करइ चाही। 15काहेकि यहोवा
तोहार परमेस्सर जउन तोहार बीच अहइ ईर्स्यालु परमेस्सर
अहइ। अगर तू पचे दूसर देवतन क पाछे रहब्या, तउ उ तू
पचन पइ कोहाइ जाइ अउ उ धरती पइ स तू पचन क
खतमइ कइ देइ।

16“तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क जाँच उहइ तरह
नाहीं करइ चाही जउने तरह तू पचे मस्सा मँ जाँचत किह्या
ह। 17तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क हुकुमन क मानइ
बरे पक्का निहचय रखइ चाही। तू पचन्क ओकर सबहिं
ओन उपदेसन अउ नेमन क मानइ चाही जेनका उ तू पचन्क
दिहे अहइ। 18तू पचन्क उ सबइ उचित अउ नीक काम
करइ चाही जउन यहोवा क खुस करइ तब तोहरे बरे इ
ठीक होइ अउर तू पचे उ देस मँ जाइ सकत ह जेकरे बरे
यहोवा तोहरे पचन्क पुरखन क बचन दिहे अहइ। 19अउर तू
पचे आपन सबहिं दुस्मनन क सक्ती स निकार सकब्या,
जइसा यहोवा कहेस ह।

आपन गदेलन क परमेस्सर क कारज क सिच्छा द्या

20“भविस्स मँ, तोहार पचन्क पूत तोहसे सबन्स इ पूछ
सकत ह कि ‘यहोवा हमार परमेस्सर हमका जउन उपदेस,
कानून अउ नेम दिहस ह, ओकर अरथ का अहइ?’ 21तब
तू पचे आपन पूतन स कहब्या, ‘हम पचे मिस्र मँ फ़िरौन क
गुलाम रहेन, मुला यहोवा हम पचन्क बड़की सक्ती स बाहेर
लिआवा ह। 22यहोवा हमका माहन, खउफनाक चीन्हा अउ
चमत्कार देखॉएस। हम पचे ओनके जरिये इ सबइ घटना क
मिस्र क मनइयन, फिरौन अउ फिरौन क महल क संग
होत भए लखा ह। 23अउर यहोवा हम लोगन क मिस्र स
एह बरे लिआवा कि उ-उ देस हमका दइ सकइ जेकरे बरे
उ हमरे पुरखन क बचन दिहे रहा। 24यहोवा हमका इ सबहिं
उपदेसन क मानइ क हुकुम दिहस। इ तरह हम लोग यहोवा
आपन परमेस्सर क सम्मान करत अही। तब यहोवा सदा हम
लोगन क जिअत राखी अउ हम पचे बढ़िया जिन्नगी
बिताउब जइसा इ समइ अहइ। 25अगर हम इ सबइ आदेसन
क मानब जेका यहोवा हमार परमेस्सर हमका आदेस देत ह
तउ हम पचे नीक होब्या।

इस्राएल, परमेस्सर क खास लोग

7 “यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क उ देस मँ लइ जाब,
जेका कब्जा करइ बरे तू पचे ओहमाँ जात अहा।
परमेस्सर तोहरे बरे हित्ती, गिर्गासी, एमोरी, कनानी, परिज्जी,
हिब्बी अउ यबूसी क बाहरे हाँकि देइ। उ सात रास्ट्र तोहसे
जियाद बरियार अउ जियादा तादद मँ अहइ। 2यहोवा तोहार
परमेस्सर इ रास्ट्रन क तू पचन्क अधीन करी अउर तू पचे
ओनका हरउब्या। तू पचन्क ओनका पूरी तरह नस्ट कइ देइ
चाही। ओनके संग कउनो सन्धि जिन करा। ओन पइ दाया
जिन करा। 3ओन लोगन मँ स कउनो क संग बियाह जिन
करा, अउर उ रास्ट्रन क कउनो मनई क संग आपन पूत
अउ बिटियन क बियाह न करा। 4काहेकि उ पचे तोहारे
गदेलन क परमेस्सर क दूर लइ जइहीं। एह बरे तोहरे
गदेलन दूसर देवतन क सेवा करिहीं। तब यहोवा तोहे सबन
पइ कोहाइ जाइ। उ हाली ही तोहार नास कइ देइ।

बनावटी देवतन क नास करइ क हुकुम

5“तू पचन्क इ सबइ रास्ट्र क संग इ करइ चाही। तू
पचन्क ओनकर वेदियन क बरबाद कइ देइ चाही। स्मृति

पाथरन क टूकन मँ तोड़ि डावइ चाही। ओनकर असेरा खम्भन क काटि डावा अउ ओनकइ मूरतिन क बार डावा।
6काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क अलग कीन्ह भवा मनई अहा। तू पचे यहोवा क आपन सम्पत्ति अहा। संसार क सबहिं मनइयन मँ स यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क बिसेख अइसे लोग जउन ओकर आपन अहइँ, चुना।
7यहोवा तू पचन्स काहे पिरेम करत ह अउ तू पचन्क उ काहे चुनेस? एह बरे नाहीं कि दूसर लोगन क बराबरी मँ तोहार गिनती बहोतइ जियादा अहइ। तू पचे सबहिं लोगन मँ स सबसे कम रह्या।
8मुला यहोवा तू पचन्क आपन बड़की सक्ती क जरिये मिस्र क बाहेर लिआवा, काहेकि उ तोसे पिरेम करत ह। उ मिस्र क सम्राट फिरौन क गुलामी स तू पचन क तोहरे पुरखन क दीन्ह भए बचन क पूरा करइ बरे, अजाद कराएस।

9"एह बरे याद राखा कि यहोवा तोहार परमेस्सर ही सिरिफ परमेस्सर अहइ। उ बिसासी परमेस्सर अहइ। उ आपन वाचा क पूरा करत ह। उ ओन सबहिं लोगन स पिरेम करत अउ ओन पइ दाया करत ह जउन ओकरे हुकुमन क मानत हीं। उ हजारन पीढ़ियन तलक पिरेम करत रहत ह।
10जउन ओहसे घिना करत ह उ खुद ओसे ही सजा पाइहीं। उ ओनका बरबाद कइ देइ। जउन ओसे घिना करत ह उ बिना देरी भए खुद ओसे ही सजा पाइहीं।
11एह बरे तू पचे इ आदेसन, नेमन अउ हुकुमन क मानइ मँ जरूर होसियार रहा, जेनका मइँ आजु तू पचन्क दइ देत हउँ।

12"अगर तू पचे मोरे इ सबइ नेमन पइ धियान देब्या अउ ओनका मानइ मँ होसियार रहब्या तउ यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्स पिरेम क वाचा क पूरा करी। उ इ बचन तोहरे पुरखन क दिहे रहा।
13उ तू पचन्स पिरेम करी अउ तू पचन क आसीर्बाद देइ। तोहरे रास्ट्रे मँ लोग लगातार बढ़त जइहीं। उ तोहे पचन्क गदेलन क आसीर्बाद देइ। उ तोहरे पचन्क खेतन मँ अच्छी फसल क आसीर्बाद देइ। उ तू पचन्क अन्न, दाखरस अउ तेल क आसीर्बाद देइ। उ तोहारी गइयन क बछवन अउ तोहरी भेड़िन क बच्चा पइदा करइ क आसीर्बाद देइ। तू पचे उ सबइ आसीर्बाद उ देसे मँ पउब्या जेका तू पचे देइ क बचन यहोवा तोहरे पुरखन क दिहे रहा।

14"तू पचे दूसर लोगन्स जियादा आसीर्बाद पउब्या। हर एक पति-पत्नी बच्चे पइदा करइ क काबिल होइहीं। तोहार गोरु बछवा पइदा करइ काबिल होइहीं।
15अउर यहोवा तू पचन्स सबहिं बेरमियन क दूर करी। यहोवा तू पचन्क उ खउफनाक बेरमियन स बचाइ जउन तू मिस्र मँ जानत रहेन अउ ओन खउफनाक बेरमियन क ओन सबहिं लोगन क देइ जउन तू पचन्स घिना करत हीं।
16तू पचन्क ओन सबहिं लोगन्क नास जरूर करइ चाही जेनका हरावइ मँ यहोवा तोहार मदद करत ह। ओन पइ दाया न करा। ओनके देवतन क सेवा न करा। उ तोहार बरे फंदा अहइ।

यहोवा आपन लोगन क सहायता क बचन देत ह

17"आपन मन मँ इ न सोचा, 'इ सबइ रासट्र हम लोगन्स जियादा बरिआर अहइँ। हम पचे ओनका दबाव डाइके कइसे भगाइ सकित ह?'
18तू पचन्क ओनसे डेराइ नाहीं चाही। तू पचन्क सुमिरइ चाही जउन यहोवा तोहार परमेस्सर फिरौन अउर मिस्र क लोगन्क संग किहस।
19जउन बड़की बिपदन उ दिहस तू पचे ओनका लख्या। तू पचे ओकरे किए भए चमत्कार अउ अचरजन क लख्या। तू पचे यहोवा क बड़की सक्ती अउ मजबूती क, तू पचन्क बाहेर लिआवइ मँ उपयोग करत देख्या। यहोवा, तोहार परमेस्सर उहइ सक्ती क उपयोग ओन लोगन्क खिलाफ करी जेनसे तू पचे डेरात अहा।
20"यहोवा तोहार परमेस्सर, ओकर खिलाफ बर्रो* क भेजब जउन बचा भवा अहइ अउ आपन क तोहस छुपाए अहइ। यहोवा ओन सबहिं मनइयन क नास करी।
21तू पचे ओनसे जिन डेराअ, काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे संग अहइ। उ महान अउ आस्चर्यजनक परमेस्सर अहइ।
22यहोवा तोहार परमेस्सर ओन रास्ट्रन क तोहार देस थोड़ा-थोड़ा कइके तज देइ क मजबूर करी। तू पचे ओनका हाली मँ सबहिं क नास नाहीं कइ पउब्या। अगर तू पचे अइसा करब्या तउ जगंली जनावरन क तादाद तोहर बरे बहोत जियादा होइ जाइ।
23मुला यहोवा तोहार परमेस्सर ओन रास्ट्रन क तू पचन्क दइ देइ। उ ओनका बरबाद होइ तलक बड़ा उलझन मँ डाइ के परेसान करब्या।
24यहोवा तू पचन्क ओनके राजा लोगन क हरावइ मँ मदद करी। तू पचे ओनका मारि डाउब्या अउर उ बिसारि जाब। कउनो भी तू पचन्क रोक नाहीं सकी। तू पचे ओन सबहिं क बरबाद करब्या।

25"तू पचन्क ओनके देवतन क मूरतियन क बारि डावइ चाही। तू पचन्क ओन मूरतियन पइ मढ़ा भवा सोना या चाँदी क लेइ क इच्छा नाहीं करइ चाही। तू पचन्क उ सोना क अउ चाँदी क अपने खातिर नाहीं लेइ चाही। इ तोहका फंसा लेइहीं काहेकि उ सबइ मूरती यहोवा तोहार परमेस्सर बरे नफ़रत-अंगेज अहइ।
26इ सबइ मूरतियन क बर्बाद कीन्ह जाब्या। तू पचन्क ओन प्रकार क मूरतियन क आपन घरे मँ नाहीं लावइ चाही। एह बरे तू पचन्क ओनकर संग बर्बाद नाहीं कीन्ह जाब्या। तू पचन ओका अस्वीकार करइ चाही अउर ओन से घिना करइ चाही।

यहोवा क सुमिरा

8 "तू पचन्क आजु मइँ जउन सबइ कानून क देत ह ओका मानइ मँ होसियार रहइ चाही। काहेकि तब तू पचे जिअत रहब्या। तोहार गनती जियादा स जियादा होत जाइ। तू पचे उ देस मँ जाब्या अउर ओहमाँ रहब्या जेका यहोवा तोहरे पुरखन क देइ क बचन दिहे अहइ।
2अउर तू पचन्क उ लम्बी जात्रा क याद रखइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर रेगिस्ताने मँ चालीस बरिस तलक कराएस ह। यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका परिपूर्ण बनाएस ह। उ तू पचन्क बिनम्र बनवइ चाहत रहा। अउर तोहार परीच्छा लइ चाहत रहा। उ पचे तोहार हिरदय क बारे मँ जानइ क चाहत रहा कि तू पचे ओकरे हुकुमन क पालन करब्या या नाहीं।
3यहोवा तू पचन्क बिनम्र बनाएस अउ तू पचन्क भूखा रहइ दिहस। तब उ तू पचन्क मन्ना खियाएस जेका तू पचे पहिले

बर्रो इ एक प्रकार क डंक मारइ क कीड़ा अहइ। इ बड़का भिड़ या मधुमक्खि क नाइँ अहइ। हीआँ एकाँ अरथ अहइ परमेस्सर क सरगदूत या ओकरे महानसक्ती।

स नाहीं जानत रह्या, यहाँ तक कि ओका तोहार पुरखन भी
कबहुँ नाहीं लखे रहेन। यहोवा इ काहे किहस? काहेकि उ
चाहत रहा कि तू पचे जान ल्या कि मनइयन सिरिफ रोटी प
ही जिअत नाहीं रहत ह किन्तु यहोवा क मुहँ स निकरा भवा
हर एक बातन पइ टिका रहत ह। **4**इ सबइ पिछले चालीस
बरिसन मँ तोहार ओढ़ना नाहीं निकलेन। तोहरे गोड़वन मँ
चोट नाहीं लागेन काहेकि यहोवा तोहार रच्छा किहेन। **5**एह
बरे तोहका पचन्क जानइ चाही कि यहोवा तोहार परमेस्सर तू
पचन्क सिच्छा देइ अउ सुधारइ बरे उ सब वइसेन ही किहस
जइसे कउनो पिता अपने बेटा क सिच्छा बरे करत ह।

6"तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क आदेसन क मानइ
चाही। ओकरे बताए भए राहे पइ जीवन बितावा अउ ओकर
मान करा। **7**यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क एक ठु नीक
देसे मँ लइ जात अहइ, अइसे देस मँ जेहमाँ नदियन,
फव्वारन अउ झरणा घाटियन अउ पहाड़ियन मँ बहत ह। **8**इ
अइसा देस अहइ जेहमाँ गोहूँ, जउ, अंगूरे क सबइ बेल,
अंजीरे क बृच्छ अउ अनार होत हीं। इ अइसा देस अहइ
जेहमाँ जइतून क तेल अउ मधु होत ह। **9**हुआँ तू पचन्क
बहोत जियादा भोजन मिली। तू पचन्क हुआँ कउनो चीज क
कमी नाहीं होइ। इ अइसा देस अहइ जहाँ लोहा क चट्टान
अहइँ। तू पचे पहाड़ियन स ताँबा खन सकत ह। **10**तोहरे
पचन्क खाइ बरे खूब जियादा होइ अउर तू पचे संतुट्ठ
होब्या। तब तू पचे आपन परमेस्सर क तारीफ करब्या कि उ
तू पचन्क अइसा बढ़िया देस दिहस।

यहोवा क कारजन क जिन बिसरा

11"होसियार रहा, यहोवा आपन परमेस्सर क जिन बिसरा।
होसियार रहा कि आज मइँ जउने हुकुमन क, कानूनन अउ
नेमन क दइ देत हउँ ओनका माना। **12**तू पचे खाब्या अउ
संतट्ठ रहब्या। तू पचे बढ़िया मकान बनउब्या अउर ओनमाँ
रहब्या। **13**तोहार लगे गोरुअन अउर भेड़िन क बहोत बड़का
झुण्ड होइहीं, तू पचे जियादा स जियादा सोना अउ चाँदी
पउब्या। तोहरे लगे बहोत स चिजियन होइहीं। **14**जब अइसा
होइ तउ तू पचन्क होसियार रहइ चाही कि तू पचन्क घमण्ड
न होइ। तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क नाहीं बिसरइ
चाही। उ तू पचन्क मिस्र स बाहर लाएस ह, जहाँ तू पचे
गुलाम रह्या। **15**यहोवा तू पचन्क बहोतइ बड़का अउ
खउफनाक रेगिस्ताने स लिआवा। हुवाँ जहरिला साँप अउ
बीछू उ रेगिस्ताने मँ रहेन। जमीन झुरान रही अउ कतहूँ पानी
नाहीं रहा। मुला यहोवा तोहका कठोर चट्टान स पानी बाहेर
निकारि के दिहेस। **16**रेगिस्ताने मँ यहोवा तू पचन्क मन्ना
खिआएस, अइसी चीज जेका तोहार पुरखन कबहुँ नाहीं जान
पाएन। यहोवा तोहार परीच्छा लिहस। काहेकि यहोवा तू
पचन्क बिनम्र बनवइ चाहत रहा। उ चाहत रहा कि आखीर
मँ तोहार सबन्क भला होइ। **17**आपन मने मँ कबहुँ अइसा
जिन सोचा कि, 'मइँ इ सारी सम्पति आपन सक्ती अउ
जोग्गता स पाएउँ ह।' **18**यहोवा आपन परमेस्सर क सुमिरा।
उहइ एक बाटइ जउन तू पचन्क सम्पत्ति प्राप्त करइ क
सक्ती देत ह। यहोवा अइसा काहे करत ह? काहेकि उ तोहरे
पुरखन क संग कीन्ह गइ वाचा क पूरा करइ क चाहत ह।
उ आजु उहइ करत ह जउन उ वाचा किहे रहा।

19"यहोवा आपन परमेस्सर क जिन बिसरा। कउनो दूसर
देवता क पाछा जिन करा। ओकर पूजा या सेवा जिन करा।
अगर तू पचे अइसा करब्या तउ मइँ तू पचन्क आज
चितउनी देत हउँ कि तू पचे निस्चय ही नस्ट कइ दीन्ह
जाब्या। **20**यहोवा तोहरे बरे दूसर रास्ट्रन क नास करत अहइ।
तू पचे भी ओनहीं रास्ट्रन क नाईं बरबाद होइ जाब्या जेनका
यहोवा तोहरे समन्वा नास करत अहइ। इ होइ काहेकि तू
पचे यहोवा आपन परमेस्सर क आग्या क मान्या नाहीं।

यहोवा इस्राएल क मनइयन क साथ देइ

9 "धियान द्या, इस्राएल क मनइयो! आजु तू पचे यरदन
नदी क पार करब्या। तू पचे उ देस मँ अपने स बड़का
अउ सक्तीवाला क दबाव डाइके हटावइ बरे जाब्या। ओनकइ
सहर बड़वार अउ अकासे क छुअत ऊँची दीवार स
किलेबन्द अहइ। **2**उ देस क मनई लम्बा अउ बरिआर
अहइँ। उ पचे अनाकी लोग अहइँ। तू सबइ इ सबइ लोगन
क बाबत जानत अहा। इ कहत भवा सुनेस, 'कउनो मनई
अनाकी लोगन क मुकाबिला नाहीं कइ सकत ह।' **3**मुला तू
पचे जान सकत ह कि यहोवा तोहार परमेस्सर भसम
करइवाली आगी क नाईं तोहरे आगे नदी क पार जात
अहइ। यहोवा ओन रास्ट्रन क बरबाद कइ देइ। उ ओनका
तोहरे समन्वा हराइ देइ। तू सबइ ओनँ क बाहर खदेर देब्या
अउ हाली ही ओका बारबाद कइ देब्या जइसन ही यहोवा
तोहका कहिहीं।

4"यहोवा तोहार परमेस्सर जब ओन रास्ट्रन क दबाव
डाइके तू पचन्स दूर हटाइ देइ। तउ अपने मने मँ इ न
सोच्या कि, 'यहोवा हम लोगन्क इ देस मँ रहइ बरे, एह बरे
लिआएस कि हम लोगन्क रहइ क तरीका ठीक अहइ।'
यहोवा ओन रास्ट्रन क तू लोगन्स दूर दबाव डाइके काहे
हटाएस? काहेकि उ पचे दुस्टपूर्ण तरीका स रहत रह्या। **5**तू
सबइ ओनकइ देस कब्जा बरे जात अहा, मुला एह बरे नाहीं
कि तू पचे नीक अहा अउ उचित तरीका स रहत अहा।
यहोवा तोहार परमेस्सर उ रास्ट्रन क ओकर आपन दुस्टता क
कारण तोहका हुवाँ जाई स पहिले ओका उ रास्ट्र स खदेर
देब अउर तू ओकर देस पइ कब्जा कइ लेब्या काहेकि उ
चाहत रहा कि जउन बचन उ तोहरे पुरखन इब्राहीम, इसहाक
अउ याकूब क दिहस उ पूरा होइ। **6**यहोवा तोहार परमेस्सर
उ बढ़िया देस क तू सबन्क रहइ बरे देत अहइ, मुला तू
सबन्क इ जानइ चाही कि अइसा तोहरी जिन्नगी क ठीक
तरीका क होइ क कारण नाहीं होत अहइ। सच्चाइ इहइ
अहइ कि तू सबइ अड़ियल लोग अहा।

यहोवा क किरोध याद रखा

7"याद रखा अउ इ जिन बिसरा कि तू पचे यहोवा आपन
परमेस्सर क रेगिस्ताने मँ कोहाइ दिहा। तू सबइ उहइ दिना
स जउने दिन स मिस्र स बाहेर निकइया अउर इ जगह पइ
आवइ क दिन तलक यहोवा क हुकुम क मानइ स इन्कार
कइ दिह्या ह। **8**तू पचे यहोवा क होरेब पहाड़े पइ भी

कोहाइ दिह्या। यहोवा तू पचन्क बरबाद कइ देइ क हद
तलक कोहाइ ग रहा। 9मइँ पाथरे क सिलन क लेइ बरे
पहाड़े क ऊपर गएउँ। जउन वाचा यहोवा तोहरे संग किहेस,
ओन सिलन पइ तरासा भवा रहेन। मइँ हुआँ पहाड़े पइ
चालीस दिन अउ चालीस रात ठहरेउँ। न तउ मइँ रोटी
खाएउँ, अउर न ही पानी पिएउँ। 10तब यहोवा मोका दुई
पाथर क सिलन दिहस। यहोवा ओन सिलन पइ खुद आपन
अगुंरियन स लिखेस ह, उ हर उ एक बात क लिखेस ह
जेनका उ आगी मँ स कहे रहा, जब तू पचे पहाड़ी क
चारिहुँ कइँती बटुरा रह्या।

11"एह बरे, चालीस दिन अउ चालीस रात क आखीर मँ
यहोवा मोका वाचा क दुइ ठु पाथर क सिलन दिहस।
12तब यहोवा मोसे कहेस, 'उठा अउ जल्दी स हिआँ स
खाले जा। जउन मनइयन क तू पचे मिस्र स बाहेर लिआया
ह उ मनइयन खुद क पाछे ही बरबाद कइ लिहेस ह। उ
पचे ओन बातन स पराइ ग अहइँ, जेनके बरे मइँ हुकुम
दिहे अहउँ। उ पचे एक ठु धातू क मूर्ति बनाइ लिहे
अहइँ।'

13"यहोवा मोसे इ भी कहेस, 'मइँ इ लोगन पइ आपन
निगाह रखेउँ ह। उ पचे बहोतइ अड़ियल अहइँ। 14मोका
अकेला रहइ द्या। मइँ इ मनइयन क पूरी तरह बरबाद करइ
क चाहत अहउँ। ताकि कउनो मनई ओनकइ नाउँ कबहुँ
याद नाहीं करी। तब मइँ तू पचन्स रास्ट्र बनाउबउँ जउन
ओनके रास्ट्र स बड़का अउ जियादा सक्तीवाला होइ।'

सोने क बछवा

15"तब मइँ मुड़ेउँ अउ पहाड़े स खाले आएउँ। पहाड़
आगी स बरत रहा। वाचा क दुइनउँ पाथर मोर दुइनउँ हाथे
मँ रहीं। 16जब मइँ नजर डालेउँ, तउ लखेउँ कि तू पचे
यहोवा आपन परमेस्सर क खिलाफ पाप किहे रहा। तू पचे
अपने बरे धातू एक ठु बछवा बनाया ह। यहोवा जउन हुकुम
दिहे अहइ ओसे तू पचे दूर पराइ ग अहा। 17एह बरे मइँ
दुइनउँ सिलन क लिहेउँ अउ ओनका नीचे फेंकि दहेउँ।
हुआँ तोहरी आँखियन क समन्वा सिलन क टूका होइ गएन।
18तब मइँ यहोवा क समन्वा निहुरेउँ अउ आपन चेहरा क
जमीन पइ कइके चालीस दिन अउ चालीस रात वइसे ही
बिताउँ। मइँ न तउ रोटी खाएउँ, अउ न ही पानी पिएउँ। मइँ
इ एह बरे किहेउँ, कि तू पचे एँतना बुरा पाप किह्या ह। तू
पचे यहोवा बरे बुरा किहा अउर ओका कोहाइ दिह्या। 19मइँ
यहोवा क खउफनाक किरोध स डेराइ ग रहेउँ। उ तोहरे
पचन्क खिलाफ एँतना कोहाइ ग रहा कि तू पचन्क नास
कइ देत। मुला यहोवा मोर बात फुन सुनेस। 20यहोवा हारून
पइ बहोत कोहान रहा। उ काफी किरोधित रहा अउ ओका
बरबाद करइ चाहत रहा। एह बरे उ समइ मइँ हारून बरे भी
पराथना किहे रहा। 21मइँ उ पापे स भरा भए तोहार बनवा
सोना क बछवा क लिहेउँ अउ ओका आगी मँ बारि दिहेउँ।
मइँ ओका नान्ह नान्ह टूकन मँ तोड़ेउँ अउ मइँ बछवा क
टूकन क तब तलक कुचर दिहेउँ जब तलक उ सबइ धूरि
नाहीं बन गएन अउर तब मइँ उ धूरि क पहाड़े स खाले
बहइवाली नदी मँ फेकेउँ।

मूसा परमेसस्र स छिमा माँगत ह

22"मस्सा, तबेरा अउ किब्रोत-हतावा पइ तू पचे फिन
यहोवा क किरोधी कइ दिहा। 23अउर जब यहोवा तू पचन्स
कादेसबर्ने तजइ क कहेस तब तू पचे ओकरी आग्या क
नाहीं मान्या। उ कहेस, 'अगवा बढ़ा अउ उ देस मँ रहा
जेका मइँ तोहका पचन्क दिहेउँ ह।' मुला तू पचे ओह पइ
बिस्सास नाहीं किह्या। तू पचे ओकरे आदेस क अनसुनी
किह्या। 24पूरा समइ जबहिं स मइँ तू पचन्क जानत हउँ तू
लोगो यहोवा क आग्या क मानइ स इन्कार किहा ह।

25"एह बरे मइँ चालीस दिन अउ चालीस रात यहोवा क
समन्वा निहुरा रहा। काहेकि यहोवा कहेस कि उ तू पचन्क
नास करी देब्या। 26मइँ यहोवा स पराथना किहेउँ। मइँ
कहेउँ: यहोवा, मोर सुआमी, आपन लोग, आपन मीरास क
बरबाद जिन करा। तू आपन बड़की ताकत अउ सक्ती स
ओनका अजाद किहा अउ मिस्र स लिआया। 27तू आपन
सेवकन इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क याद करा। कृपा
कइके तू इ लोगन क हठीलापन क भूल जा। 28अगर तू
आपन लोगन क सजा देब्या तउ मिस्री कहि सकत हीं,
'यहोवा आपन लोगन क लइ जाइ मँ समर्थ नाहीं रहा, जेहमाँ
लइ जाइ क बचन दिहे रहा। उ ओनसे घिना किहेस। एह
बरे उ ओनका मारइ बरे रेगिस्तान मँ लइ गवा।' 29मुला उ
सबइ तोहार लोगन अहइँ। यहोवा उ तोहार सम्बंधित अहइँ।
तू आपन बड़की ताकत अउ मजबूती स ओनका मिस्र स
बाहेर लिआया।

नवा पाथर क सिलन

10 "ओह समइ, यहोवा मोसे कहेस, 'तू पहिली सिलन
क नाईं पाथर फारिके दुइ सिला बनावा। तब तू पचे
मोरे लगे पहाड़े पइ आवा। अपने बरे एक काठे क संदूख
भी बनावा। 2मइँ पाथरे क सिलन पइ उ सबइ सब्द लिखब
जउन पहिंली सिलन पइ लिखे रहेन। तू पहिली सिलन क
तोड़ी दिहेन। तब तू पचन्क इ नवी सिलन क सन्दूखे मँ
रखइ चाही।'

3"एह बरे मइँ बबूल क एक ठु सन्दूख बनाएउँ। मइँ
पहिली सिलन क तरह पाथर फारिके दुइ सिलन बनाएउँ।
तब मइँ पहाड़े पइ गएउँ। मोरे हथवा मँ दुइ सिलन रहिन
4अउर यहोवा ओनही सबदन क लिखेस जेनका उ तब लिखे
रहा जब दस हकुमन क उ आगी मँ स तू पचन्क दिहे रहा
अउर तू पचे पहाड़े क चारिहुँ कइँती बटुरा रह्या। तब यहोवा
पाथर क सिलन मोका दिहस। 5मइँ घूमेउँ अउर पहाड़े क
खाले आएउँ। मइँ आपन बनाए भए सन्दूखे मँ सिलन क
रखेउँ। यहोवा मोका एन सिलन क ओहमाँ धरइ क आदेस
दिहेस।"

6(इस्राएल क लोग याकान क लोगन क कुआँ स मोसेरा
क जात्रा किहेन। हुआँ हारुन मरा अउ दफनाव गवा। हारुन
क पूत एलीआज़ार हारून क जगह पइ याजक क रुप मँ
सेवा सुरु किहस। 7तब इस्राएल क लोग मोसेरा स गुदगोदा
गएन अउर उ पचे गुदगोदा स नदियन क पहँटा योतबाता
गएन। 8ओह समइ यहोवा लेवी क परिवार समूह क आपन
खास काम बरे दूसर परिवार समूहन स अलगाइ दिहेस।

ओनका यहोवा क करार क सन्दूखे क लइ जाइ क काम, यहोवा क समन्वा खड़ा होइके अउर ओकर सेवा करइ क काम रहा। उ यहोवा क नाउँ पइ उ पचे लोगन क आसीर्बाद देइ क काम भी करत रहेन। उ पचे अब भी इ खास काम करत हीं। 9इहइ कारण अहइ कि लेवी बंस क मनइयन क भुइँया क कउनो हींसा दूसर परिवार समूहन क नाईं नाहीं मिल पावा। लेवी बंसियन क हींसे मँ यहोवा पड़ा। यहोवा तोहार परमेस्सर ओकर संग इ वाचा किहेस।)

10"मइँ पहाड़े पइ पहिली दाईं क तरह चालीस दिन अउ चालीस रात रुका रह। यहोवा ओह समइ भी मोर बातन क सुनेस। यहोवा तू पचन्क नास न करइ क निहचय किहेस। 11यहोवा मोसे कहेस, 'जा अउर मनइयन क जात्रा पइ लइ जा। उ पचे उ देस मँ जइहीं अउ ओहमाँ रइहीं जेका मइँ ओनके पुरखन क देइ क बचन दिहे अहउँ।'

यहोवा असलियत मँ का चाहत ह

12"इस्राएल क लोगो, अब सुना! यहोवा, तोहार परमेस्सर जउन चाहत ह उ इ बाटइ: उ चाहत ह कि तू ओकर सम्मान करा अउ ओकर रास्ता प रहा। उ चाहत ह परमेस्सर स पिरेम अउर ओकर अराधना आपन पूरा हिरदइ अउर पूरा आतिमा स करा। 13यहोवा क नेमन अउ आदेसन क पालन करा। मइँ इ सबइ आदेसन तोहका आपन भलाई बरे देत अहइँ।

14"हर एक चीज, यहोवा तोहरे परमेस्सर क अहइ। सरग, सबन त ऊँचा उहइ क अहइ। भुइयाँ अउ ओह पइ क सारी चिजियन यहोवा तोहरे परमेस्सर क अहइँ। 15यहोवा तोहरे पुरखन स बहोत पिरेम करत रहा। उ ओनसे एतना पिरेम करत रहा कि ओनके सन्तान, तू पचन्क, उ आपन लोग बनाएस। उ कउनो दूसर रास्ट्र क जगह पइ तू पचन्क चुनेस अउ आजु भी तू पचे ओकर चुना भवा लोग अहा।

इस्राएलियन क यहोवा क याद रखइ चाही

16"तू पचन क आपन हिरदय क खतना करइ चाही।* तू पचन्क अड़ियल होब तजि देइ चाही। 17काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर अहइ। उ देवतन क परमेस्सर, अउ देवतन क यहोवा अहइ। उ महान परमेस्सर अहइ। उ अरज करइवाला अउ सक्तीवाला जोद्धा अहइ। यहोवा क निगाहे मँ सबहिं मनई बराबर अहइँ। यहोवा आपन इरादा बदलइ बरे धन नाहीं लेत। 18उ अनाथ क अउ राँड़ क निआउ करत ह। उ हमरे देस मँ रहइवाला प्रवासी स पिरेम करत ह। उ ओनका खइया क अउ ओढ़ना देत ह। 19एह बरे तू पचन्क भी इ अजनबियन स पिरेम करइ चाही। काहेकि तू पचे खुद भी मिस्र मँ अजनबी रह्या। 20"तोहका यहोवा आपन परमेस्सर क मान करइ चाही अउ सिरिफ उहइ क उपासना करइ चाही। ओका कबहुँ न तजा। जब तू पचे बचन द्या तउ सिरिफ ओकरे नाउँ क उपयोग करा। 21तू पचन्क ओका बड़कई करइ चाही। उ तोहार परमेस्सर अहइ। उ तोहरे बरे महान अउ अचरजे स भरा भवा काम किहेस ह। इ सबइ कारजन क तू पचे आपन आँखिन स लख्या ह। 23जब तोहार पुरखन मिस्र ग रहेन तउ सिरिफ सत्तर रहेन। अब यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क बहोतइ जियादा मनइयन क रुप मँ बढ़ाइ दिहे अहइ जेतॅना अकासे मँ तारा बाटेन।

यहोवा क सुमिरा

11 "एह बरे तू पचन्क आपन परमेस्सर यहोवा स पिआर करइ चाही। तू पचन्क उहइ करइ चाही जउन उ करइ बरे तू सबन्स कहत ह। तू पचन्क ओकरे नेमन, हुकुमन अउ आदेसन क हमेसा ही मानइ चाही। 2याद रखा सिरिफ तोहार गदेलन उ एक नाहीं अहइ जेका उ लख्या ह अउर जउन यहोवा तोहार परमेस्सर बरे महान काम करइ मँ तजुरबा राखत अहइ। उ सबइ तू लोग रह्या तोहरे सबन्क जउन उ लखेन अउर तू पचे लख्या ह कि यहोवा केतॅना महान, मज़बूत अउ केतॅना सक्तीसाली अहइ। 3तू पचे ओकरे चमत्कारन क लख्या ह। तू पचे उ सबइ लख्या ह जउन उ मिस्र क राजा फिरौन अउ ओकरे पूरे देस क संग किहस। 4तू पचे मिस्र क फउज, ओनकइ घोड़न अउ रथन क संग यहोवा जउन किहस, लख्या ह। उ सबइ तू सबन्क पाछा करत रहेन, मुला तू पचे लख्या ह, यहोवा ओनका लालसागरे क जले मँ बोर दिहस। तू पचे लख्या ह कि यहोवा ओनका पूरी तरह बरबाद कइ दिहस। 5तू पचे उ सबइ चिजियन क लख्या ह जउन यहोवा तोहार परमेस्सर उ रेगिस्तान मँ तू पचन्क इ जगह मँ आवइ तलक किहेस ह। 6तू पचे लख्या ह कि यहोवा रूबेन क परिवार क एलिआब क दूइ पूतन दातान अउ अबीराम क संग का किहेस। इस्राएल क सबहिं मनइयन लख्या ह कि भुइँया मुँहे क नाईं खुलत भवा ह अउ ओन मनइयन, ओनके परिवारे, खेमन, सबहिं नउकरन अउ ओनकर सबहिं जनावरन क निगल लिहस। 7तू पचे यहोवा क जरिये कीन्ह गएन महान कारनामा क लख्या ह।

8"एह बरे आजु जउन आदेस मइँ देत अहउँ, तू पचन क ओन सबन क जरूर मानइ चाही। तबहिं तू पचे सक्तीसाली बनब्या। अउर तू पचे नदी क पार करइ लायक बनब्या अउर उ देस पइ कब्जा करब्या जेहमाँ प्रवेस करइ बरे तू पचे तइयार अहा। 9उ देस मँ तोहार उमिर लम्बी होई। इ उहइ देस अहइ जेका यहोवा तोहरे पुरखन स ओनके अउ ओनके सन्तानन क देइ क बचन दिहे रहा। इ देस मँ दूध अउर सहद बहत ह। 10जउने देस क तू पचे पउब्या उ मिस्र क नाईं नाहीं अहइ जहाँ से तू पचे आया ह। मिस्र मँ तू पचे बिआ बोअत रह्या अउर पौधन क गोड़न क जरिये नहर स पानी निकाल कइ सबजियन क बगियन क नाईं सींचत रहा। 11मुला जउन पहँटा तू पचे हाली ही पउब्या उ मँ पहाड़न अउ घाटियन अहइँ। इ भुइँया बरखा स पानी अकासे स पावत ह। 12यहोवा तोहार परमेस्सर उ देस क देख-भला करत ह। यहोवा तोहार परमेस्सर बरिस क सुरू स आखिर तलक ओकर देख-भाल लगातार करत रहत ह।

13"'तू पचन्क जउन आदेसन मइँ आजु देत अहउँ, ओका तोहका होसियारी स जरूर सुनइ चाही। तू पचन क यहोवा तोहार परमेस्सर स पिरेम अउ ओकर सेवा पूरा हिरदय अउ

तू पचन … चाही इ प्रमाण अहइ कि तू परमेस्सर क अहइ। हम पचन्क आकर आदेसन क पालन करत ह।

आतिमा स जरूर करइ चाही। अगर तू पचे अइसेन करब्या,
14तउ मइँ ठीक समइ पइ तोहरी भुइँया बरे बरखा पठउब।
मइँ पतझर अउ बसन्त क समइ क भी बरखा दुआरा
तोहका आसीर्बाद देब। तू पचे आपन अन्न, नवा दाखरस
अउ तेल बटोरब्या। 15अउर मइँ तोहरे खेतन मँ तोहरे
पचन्क गोरुअन बरे घास जमाउब। तोहरे पचन्क भोजन बरे
बहोत जिआदा होइ।'

16"मुला होसियार रहा कि ललचाया नाहीं जा। दूसर
देवतन क पूजा अउ सेवा करइ बरे जिन घूमा। 17अगर तू
पचे अइसा करब्या तउ यहोवा तू पचन पइ बहोतइ कोहाइ
जाइ। उ अकासे क बन्द कइ देइ अउ बरखा नाहीं होइ।
भुइँया स फसल नाहीं जमी अउर तू पचे उ नीक देस मँ
हाली ही मरि जाब्या जेका यहोवा तू पचन्क देत अहइ।

18"इ सब्दन क आपन दिमाग अउर हिरदइ मँ रखा।
ऍंका आपन कमर अउ कपाल पइ यादगार क रूप मँ
रखा। 19ऍंन नेमन क सिच्छा आपन गदेलन क द्या। ऍंनके
बारे मँ जउन तू आपन घरे मँ बइठा, जउन तू सड़किया पइ
टहरत रहा, जउन तू लोटत रहा अउ जउन जागत भए रहा,
बतावा करा। 20ऍंन आदेसन क आपन घरे क दुआरे क
चौखट अउ फाटकन पइ लिखा। 21तबहिं तू पचे अउ तोहार
गदेलन उ देस मँ लम्बे समइ तलक रइहीं। इ उहइ भुइँया
अहइ जेका यहोवा तोहरे पुरखन क देइ क बचन दिहे रहा।
तू पचे तब तलक रहब्या जब तलक धरती क ऊपर अकास
रही।

22"होसियार रहा कि तू पचे उ हर एक आदेस क मानत
रहा जेका मानइ बरे मइँ तू पचन्स कहेउँ ह। आपन परमेस्सर
यहोवा स पिरेम करा। ओकर बताए भए सबहिं राहे प चला।
ओहसे लगा रहा। 23यहोवा ओन सबहिं रास्ट्रन क ताकत
लगाइके बाहर करब। तू पचे ओन रास्ट्रन स भुइँया लेब्या
जउन तोहसे पचन्स लम्बा अउ मजबूत अहइँ। 24उ सारा
प्रदेस जेह पइ तू पचे चलब्या, उ तोहार होइ। तोहार देस
दक्खिन मँ रेगिस्ताने स लइके लगातार उत्तर मँ लबानोन
तलक होइ। इ पूरब मँ फरात नदी स लइके पस्चिमी सागर
तलक होइ। 25कउनो मनई तोहरे पचन्क खिलाफ ठाड़ न
होइ। यहोवा तोहार परमेस्सर ओन लोगन्क तू पचन्स डेरवाइ
देइ जहाँ कहूँ तू पचे उ देस मँ जाब्या। इ उहइ जेकरे बरे
यहोवा पहिले तोहका पचन्क बचन दिहे रहा।

इस्राएलियन बरे चुनावः आसीर्बाद या अभिसाप

26"आजु मइँ तू पचन्क आसीर्बाद या अभिसाप मँ स एक
क चुनइ क बचन देत अहउँ। 27तू सबइ बरदान पउब्या,
अगर तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क आदेसन क पालन
करब्या। मइँ आजु इ आदेसन क तोहका देत अहउँ। 28मुला
तू पचे ओह समइ अभिसाप पउब्या जब तू पचे यहोवा
आपन परमेस्सर क आदेसन क मानइ स इन्कार करब्या। ऍंह
बरे जउने राहे पइ चलइ क आदेस मइँ आजु तू पचन्क दइ
देत अहउँ, ओहसे घूमब्या अउ ओन दूसर देवतन क पाछा
करब्या जेनका तू पचे जानत्या नाहीं।

29"जब यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क उ देस मँ
लावत ह जहाँ तू पचे रहब्या, तब तू पचन्क गरीज्जीम पहाड़े
क चोटी पइ जाइ चाही अउ हुआँ स आसीर्बादन क लोगन
क सुनावइ चाही। तब तू पचन्क एबाल पहाड़े क चोटी पइ
भी जाइ चाही अउ हुआँ स अभिसापन क लोगन क सुनावइ
चाही। 30इ सबइ यरदन नदी क दूसर कइँती कनानी लोगन्क
प्रदेस मँ अहइँ जउन यरदन घाटी मँ रहत हीं। इ सबइ पहाड़
गिलगाल सहर क निचके मोरे क बांज क बृच्छन क निअरे
पच्छिम कइँती अहइँ। 31तू पचे यरदन नदी क पार कइके
जाब्या। तू पचे उ पहँटा क लेब्या जेका यहोवा तोहार
परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ। इ देस तोहार होइ। जब
तू पचे इ देस मँ रहइ लगब्या तउ 32तोहका ओन सबहिं
हुकुमन अउ नेमन क मानब होसियारी स करी चाही जेनका
आजु मइँ तू पचन्क दइ देत अहउँ।

परमेस्सर क उपासना क ठउर

12 "इ सबइ नेम अउर हुकुम अहइ जेका तोहका
आपन नवा भुइँया मँ होसीयारी क साथ जरूर
पालन करइ चाही। यहोवा तोहार पुरखन क परमेस्सर तोहका
इ भुइँया दइ दिहा ह जब तलक तू पचन्क इ धरती पइ रही
तोहका आपन अधिकार मँ रखइ बरे दिहेस ह। 2तू पचे उ
पहँटा क ओन रास्ट्रन स लेब्या जउन अब हुआँ रहत अहइँ।
तू पचन्क ओन सबहिं ठउरन क पूरी तरह नास कइ देइ
चाही जहाँ इ सबइ रास्ट्र आपन देवतन क पूजत हीं। इ सबइ
ठउर ऊँचे पहाड़न, पहाड़ियन अउ सबइ हरिअर बृच्छन क
खाले अहइँ। 3तू पचन्क ओनकर वेदियन क बरबाद करइ
चाही अउ ओनके स्मृति पाथरन क टूका-टूका कइ देइ
चाही। तू पचन्क ओनके पवित्तर खम्भन क बार देइ चाही।
ओनके देवतन क मूरतियन क काट डावइ चाही अउ
ओनकर नाउँ हुआँ स मेट देइ चाही।

4"मुला तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क उपासना उ
तरह नाहीं करइ चाही जउने तरह उ सबइ लोग आपन
देवतन क पूजन हीं। 5यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे परिवार
समूहे स खास ठउर चुनब। उ हुआँ आपन नाउँ क थापना
करी। अउ हुआँ निवास करी तू पचन्क ओकर उपासना
करइ बरे उ ठउर प जाइ चाही। 6हुआँ तू पचन्क आपन
होमबलि, आपन सबइ बली, दसवाँ हींसा, आपन खास भेंट,
यहोवा क बचन दीन्ह गइ भेंट, आपन क इच्छा स भेंट
अउर झुण्ड अउ रेवड़ क पहिला पइदा भवा बच्चन क
लियावइ चाही। 7तू अउर तोहार परिवार हुआँ यहोवा तोहार
परमेस्सर क मौजूदगी मँ भोजन करिहीं। जउने अच्छी
चिजियन बरे तू पचे काम किह्या ह आपन परमेस्सर क
कारन स तू आनन्द पाउब्या। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर
तोहका आसीर्बाद दिहेस ह।

8"उ उहइ तरह उपासना करत नाहीं रहइ चाही जउने तरह
हम उपासना करत आवत अही। अबहिं तलक हम माँ स हर
एक जइसा चाहे परमेस्सर क उपासना करत रहा। 9काहे
अबहिं तलक हम उ सान्त देस मँ नाहीं पहुँचे रहेन जेका
यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। 10मुला तू पचे
यरदन नदी क पार करब्या अउ उ देस मँ रहब्या जेका
यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। हुआँ यहोवा तू
पचन्क सबहिं दुस्मनन स चैन स रहइ देइ अउ तू सुरच्छित

रहब्या। 11तब यहोवा आपन बरे खास ठउर चुनी उ हुआँ
आपन नाउँ क थापना करी अउर तू पचे ओन सबहिं
चीजन्क हुअँइ लइ अउब्या जेनके बरे मइँ आदेस देत हउँ।
हुअँइ तू पचे आपन क सबइ होम बलियन, आपन बलियन,
दसवाँ हींसा*, आपन इच्छा क भेंट, आपन खास भेंट, अउ
आपन क स्वतंत्र इच्छा क भेंट, जउन तू यहोवा क देइ क
बचन दिहस ह। 12उ ठउरे पइ तू पचे आपन सबहिं लोग,
आपन बेटवन अउ बेटियन, मरद अउ मेहरारु नउकरन,
अउर आपन सहर मँ बसइया सबहिं लेवीबंसियन क संग
बटुर जा। (इ सबइ लेवीबंसी आपन बरे भुइँया क कउनो
हींसा न पइहीं।) यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी मँ हुआँ
आनंद मनावा। 13होसियारी बरता कि तू पचे आपन होम
बलियन क जहाँ लखा हुआँ जिन चढ़ावा। 14तोहरे परिवार
समूहे मँ स कउनो एक क इलाका मँ यहोवा आपन खास
ठउर चुनी। हुआँ आपन होमबलि चढ़ावा अउ तू पचन्क
बतावा गवा सबहिं आदेसन क हुअँइ करा।

15"जउने कउने जगह तू पचे रहा तू कउनो जनावर क
मारिके खाइ सकत ह। तू हरिण या नील गाय क साथ
ठीक वइसा ही करा। तू पचे ओतना माँस खाइ सकत ह
जेतना तू चाहा, जेतना यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देइ।
कउनो भी मनई इ गोस क खाइ सकत ह, चाहे उ पवितर
होइ या अपवितर होइ। 16मुला तू पचन्क रकत नाहीं खाइ
चाही। तू पचन्क खून क पानी क तरह जमीन प बहाइ देइ
चाही।

17"कछू अइसी चिजियन अहइँ जेनका तू पचन्क ओन
ठउरन पइ नाहीं खाइ चाही जहाँ तू पचे रहत अहा। इ सबइ
अहइँः आपन अनाज क, दाखरस क, अउ तेल क दसवाँ
हींसा। तोहार भेड़ अउ गोरुअन क पहिला पइदा भवा
बच्चा, परमेस्सर क वचन दीन्ह गइ भेंट, कउनो आपन
इच्छा भेंट या कउनो भी परमेस्सर क दूसर भेंट। 18तू
पचन्क ओन भेंटन क सिरिफ यहोवा तोहार परमेस्सर क
मौजूदगी मँ खाइ चाही यानी यहोवा तोहार परमेस्सर जउने
ठउरे क चुनइ। तू पचन्क हुअँइ जाइ चाही अउर आपन
पूतन, बिटियन, सबहिं मरद अउ मेहरारु नउकरन अउर
तोहरे सहरन मँ बसइयन लेवी बंसियन क संग मिलिके खाइ
चाही। यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी मँ आनन्द मनावा।
जउने चिजियन बरे काम किहा ह ओनकर आनन्द ल्या।
19धियान रखा कि इ भोजनन क लेवी बंसियन क संग
बाँटिके खा। इ तब तलक करा जब तलक आपन देस मँ
रहा।

20-21"यहोवा तोहार परमेस्सर इ बचन दिहे अहइ कि उ
तोहरे देस क सीमा क अउर बढ़ाई। जब यहोवा अइसा करी
तउ उ ओकरे चुने भए खास निवास स दूर रहि सकत ह
अउर तोहे पचन्क गोस क भूख अहइ तउ तू पचे कउनो
भी तरह क गोस क, जउन तोहरे लगे अहइ खाइ सकत
ह। तू पचे यहोवा क दीन्ह झुण्ड अउ समूह मँ स कउनो
भी जनावर क मारि सकत ह। इ वइसे ही करा जइसा करइ
क हुकुम मइँ दिहे अहउँ। इ गोस, तू पचे जबहिं चाहा जहाँ
भी रह्या, खाइ सकत ह। 22तू पचे इ गोस क वइसे ही
खाइ सकत ह जइसे नीलगाय अउर हिरन क गोस खात ह।
कउनो भी मनई इ कइ सकत ह चाहे उ सबइ पवित्तर होइँ
या अपवित्तर। 23मुला निहचय ही खून जिन खा। काहेकि
खून मँ जिन्नगी अहइ अउर तू पचन्क उ गोस नाहीं खाइ
चाही जेहमाँ अबहिं जिन्नगी होइ। 24खून जिन खा। तू
पचन्क खून क पानी क नाईं भुइँया पइ डाइ देइ चाही। 25तू
पचन्क उ सब कछू करइ चाही जेका परमेस्सर उचित
समझत ह। एह बरे खून जिन खा। तब तोहार अउ तोहरे
सन्तानन क भला होइ।

26"कउनो भी तरह तोहका आपन पवित्तर बलिदान क
अउर वचन क उपहारन क उ जगह पइ लावइ चाही जेका
यहोवा चुनी। 27तू पचन्क आपन होमबलि हुअँइ चढ़ावइ
चाही। आपन होमबलि क गोस अउ रकत यहोवा आपन
परमेसस्र क वेदी पइ चढ़ावा। रकत क बाहर निकाला। तब
तू पचे गोस खाइ सकत ह। 28जउन आदेस मइँ देत अहउँ
ओनका मानइ मँ होसियार रहा। जब तू पचे उ सब कछू
करत अहा जउन यहोवा तोहार परमेस्सर बाटइ अउ ठीक
अउ अच्छा अहइ, तब हर चीज तोहरे बरे अउ तोहरे सन्ताने
बरे भविस्य मँ सदा भला रही।

29"जब यहोवा तोहार परमेस्सर उ रास्ट्रन क बरबाद
करब्या अउ तो ओकर भुइँया पइ कब्जा करब्या। तू पचे
हुआँ जाब्या अउ ओनसे भुइँया लेब्या। तू पचे ओनकइ
भुइँया पइ रहब्या। 30किन्तु ओकर पाछे होसियार रहा
काहेकि उ तोहार समन्वा बरबाद भवा। ओकरे कैद मँ जिन
फँसा जेहसा उ देवतन क पूजा करत अहइ। इ सीखइ क
कोसिस न करा कि उ सबइ आपन देवतन क पूजा कइसे
करत हीं। 'उ सबइ जइसे पूजा करत ही वइसेन पूजा करइ
क बारे मँ जिन सोचा।' 31तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क
वइसेन उपासना नाहीं करब्या जइसे उ पचे आपन देवतन क
करत हीं। काहेकि उ पचे आपन पूजा मँ सब किसिम क
बुरी चीजन करत हीं जेनसे यहोवा घिना करत ह। उ पचे
आपन देवतन क बलि बरे आपन गदेलन क भी बार देत
हीं।

32"तू पचन्क ओन सबहिं काम क करइ बरे होसियार
रहइ चाही जेनके बरे मइँ आदेस देत हउँ। जउन मइँ तू
पचन्स कहत हउँ ओहमाँ न तउ कछू जोरा, न ही ओहमाँ स
कछू कमती करा।

झूठे नबियन

13 "कउनो नबी या सपन क फले क जानइवाला तोहरे
लगे आइ सकत ह। उ इ कहि सकत ह कि उ
कछू दैवी चीन्हा या अचरजवाला काम देखाइ। 2उ दैवी
चीन्हा या अचरजवाला काम, जेकरे बारे मँ उ तू पचन्क
बताएस ह, उ सही होइ सकत ह। तब उ तू पचन्स कहि
सकत ह कि तू पचे दूसर देवतन क माना (जेनका तू पचे
नाहीं जानत अहा।) उ तू पचन्स कहि सकत ह, 'आवा हम
ओन देवतन क सेवा करी।' 3उ नबी या सपन काल क

दसवाँ हींसा मनई क लाभ क दसवाँ हींसा परमेस्सर क उपहार क रूप मँ दइ जात रहा। कबहुँ इ सबइ दोस्तन अउर पड़ोसियन क बीच मेल बाले क रूप मँ बाँट लइ जात रहा, कबहुँ इ विधावा अउ अनाथ क जात रहा, अउर कबहु इ मन्दिर क जात रहा।

बातन क जिन सुना। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहार परीच्छा लेत अहइ। उ इ जानइ चाहत ह कि तू पचे पूरे हिरदय अउ आतिमा स पिरेम करत अहा कि नाहीं। 4तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क अनुसरण करइ चाही। तू पचन्क ओकर सम्मान करइ चाही। यहोवा क आदेसन क माना अउर उ करा जउन उ कहत ह। यहोवा क सेवा करा अउ ओका कबहुँ जिन तजा। 5उ नबी या सपन फले क जानइवाला मार दीन्ह जाइ चाही। काहेकि उ ही न तू पचन्स यहोवा तोहरे परमेस्सर क रास्तन स भटकत ह। यहोवा तू पचन्क मिस्र स बाहेर लिआवा। यहोवा तू पचन्क हुआँ क दासता क जिन्नगी स अजाद किहेस। उ ही अहइ जउन तोहका रोकइ क कोसिस करत अहइ कि तू पचे यहोवा आपन आदेस क मुताबिक जिन्नगी जिन बितावा। एह बरे आपन लोगन स बुरा मानुस क जरुर बरबाद करइ चाही।

6"तोहार आपन भाइ, बेट्वा, बिटिया, तोहार पियारी मेहरारु या तोहार पियारा दोस्त छुपाइ के कहि सकत है, 'आवा चली, दूसर देवतन क सेवा करी।' (इ सबई वइसेन देवतन अहइँ जेनका तू पचे अउ तोहार पुरखन कबहुँ नाहीं जानेन। 7उ सबइ ओन लोगन क देवता अहइँ जउन तोहरे चारिहुँ कइँती दूसर देसन मँ रहत हीं, कछू निचके अउ कछू दूर।) 8तू पचन्क उ मनई क संग राजी नाहीं होइ चाही। ओकर बात जिन सुना। ओह पइ दया न देखावा। ओका आजादी स जिन जाइ द्या। ओकर रच्छा जिन करा। 9-10तू पचन्क ओका मारि डावइ चाही। पाथर उठावइ वालन मँ स तू पचन्क पहिला होइ चाही अउर ओका मारइ चाही। तब सबहिं मनइयन क ओका मारि देइ क बरे ओह पइ पाथर लोकावइ चाही। काहेकि उ मनई तू पचन्क यहोवा तोहरे परमेस्सर स दूर हटावइ क कोसिस किहस। यहोवा सिरिफ एक अहइ जउन तोहे सबन्क मिस्र स लिआवा, जहाँ तू पचे दास रह्या। 11तब इस्राएल क सबहिं लोग सुनिहीं अउ डेराइ जइहीं अउर उ सबइ तोहरे पचन्क बीच अउर जियादा इ तरह क बुरा काम फुरइ स करिहीं।

नगर जेनका बार दीन्ह जाइ चाही

12"यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे सहरन दिहे अहइ। कबहुँ-कबहुँ तू पचे सहरन मँ स कउनो क बारे मँ बुरी खबर सुन सकत ह। तू सबइ सुनि सकत ह कि 13तोहारे पचन्क आपन रास्ट्र मँ ही कछू बुरे लोग आपन सहर क लोगन्क बुरी बातन बरे तइयार करत अहइ। उ पचे आपन सहर क लोगन स कहि सकत हीं, 'आवा चली, दूसर देवतन क सेवा करी।' (इ सबइ अइसे देवता होइहीं जेनका तू पचे पहिले नाहीं जान्या ह।) 14तब तोहका सबइ चिजियन क पूरी तरह निरिच्छिन करइ चाही। अगर तू पावत ह कि इ सही अहइ, तउ तू साबित कइ सकत ह कि सचमुच अइसा भयंकर बात भइ, 15तब तू पचन्क उ सहर क लोगन्क निहचय ही स जरूर मारिइ चाही। उ सहर अउ ओकर सबइ चिजियन क, गिरुअन सहित बरबाद करइ चाही। 16तब तू पचन्क सबहिं कीमती चीजन्क बटोरइ चाही अउर ओका सहर क बीच लइ जाइ चाही अउर सब चिजियन क सहर क संग बारि देइ चाही। इ तोहरे परमेस्स यहोवा बरे होमबलि होइ। सहर क सदा बरे राख क ढेर होइ जाइ चाही। इ कबहुँ दोबारा नाहीं बनावा जाइ चाही। 17एह बरे तू पचन्क कउनो चीज आपन बरे नाहीं राखइ चाही। अगर तू पचे इ हुकुम क मानत अहा तउ यहोवा तू पचन्पइ कोहाइ स रोकि देइ। यहोवा तोहे पचन्पइ दाया करी अउ तरस खाइ। उ तोहरे पचन्क रास्ट्र क वइसा बड़का बनाइ जइसा उ तोहरे पुरखन क बचन दिहे रहा। 18इ तब होइ जब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क बात सुनब्या यानी अगर तू पचे ओन हुकुमन क मनब्या जेनका मइँ तू पचन्क आजु दइ देत अहउँ। अउर तू पचन्क उहइ करइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर उचित बतावत ह।

इस्राएली, यहोवा क खास लोग

14 "तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क गदेलन अहा। अगर कउनो मरइ तउ तू पचन्क आपन दुखे मँ पड़ा भवा देखावइ बरे खुद क नाहीं काटइ चाही। तु पचन्क आपन मूँड़े क अगवा क हींसा क बार नाहीं कटवावइ चाही।* 2काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क खास लोग अहा। उ संसार क सब मनइयन मँ स, तू पचन्क आपन खास लोगन्क रुप मँ चुना ह।

इस्राएलियन क भोजन जेका खाइ क अनुमति रही

3"अइसी कउनो चीज जिन खा, यहोवा जेहसे घिना करत ह। 4तू पचे ऍन जनावरन क खाइ सकत हः गाय, भेड़, बोकरी, 5हिरन, नीलगाय, मृग, जंगली भेड़, जंगली बोकरी, चीतल अउ पहाड़ी भेड़। 6तू पचे अइसे कउनो भी जनावरे क खाइ सकत ह जेकर खुर दुइ हींसा मँ बँटा होइँ अउर जउन जुगाली करत होइँ। 7उ सबइ जनावर जउन जुगाली करत हीं या जेकर खुर दुई भाग मँ फाट भवा नाहीं होतेन तू पचन क सिरिफ एका नाहीं खाई चाही। ऊँट चट्टानी बिच्छु अउर खरहा क जिन खावा। इ सबइ जनावर जुगाली करत हीं किन्तु एकर खुर फटा भवा नाहीं होतेन। एह बरे इ तू पचन्क बरे असुद्ध अहइँ। 8तू पचन्क सुअर नाहीं खाइ चाही। ओनकइ खुर फाट होत हीं, मुला उ सबइ जुगाली नाहीं करतेन। एह बरे सुअर तोहरे बरे असुद्ध अहइ। सुअर क कउनो गोस जिन खा अउर न ही मरे भए सुअर क छुआ।

9"तू पचे अइसी मछरी खाइ सकत ह जेकरे पर अउ सेहरा होइँ। 10मुला अइसी मछरी क न खा जेकरे पर अउ सेहरा दुइनाउँ न होइँ। इ सबइ तोहरे बरे असुद्ध भोजन अहइँ। 11तू पचे कउनो सुद्ध चिरई क खाइ सकत ह। 12मुला इ चिरइयन मँ स कउनो क जिन खा गरुड़, गीद्ध, बुर्ज्द, 13लाल चील, बाझ, कउनो तरह क चील, 14कउनो तरह क काला कौआ 15सुतुरमुर्ग, उल्लू, घुग्घू, कउनो तरह क बहोर, 16नान्ह उल्लू बड़वार उल्लू, उज्जर उल्लू, 17रेगिस्तानी उल्लू, मच्छरी क सिकार करइवाला बड़ा पंछी, जल कौआ, 18चमरघेंच, कउनो तरह क बगुला, नौवा या चमगादड़।

बार नाहीं कटवाइ चाही जइसा मूसा क समइ मँ कउनो क मरे पइ दुःख परगट करइ बरे आपन बार क कटवाइ लेत रहेन या आपन मूँड़ै क बार छोलवाइ लेत रहेन।

19"पंखवाला किरउनन तोहरे बरे असुद्ध भोजन अहइँ। तू पचन्क ओनका नाहीं खाइ चाही। 20मुला तू पचे कउनो सुद्ध चिरइया क खाइ सकत ह।

21"खुद मरे भएन जनावरन क जिन खा। तू पचे मरे भए जनावरन क तोहार बीच रहइवाला कउनो प्रावासी क दइ सकत ह या ओका कउनो बिदेसी क हाथे बेंच सकत ह। मुला तू यहोवा तोहार परमेस्सर क खास लोग अहा।

"बोकरी क बच्चा क ओकरी महतारी क दूधे मँ जिन पकावा।

मंदिर क दीन्ह जाइवाला दसवाँ हींसा

22"तू पचन्क हर बरिस आपन खेतन मँ उगी भइ फसिल क दसवाँ हींसा निहचय ही बचावइ चाही। 23तब तू पचन्क उ ठउर पइ जाइ चाही जेका यहोवा आपन नाउँ बरे चुनत ह। हुआँ यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी मँ आपन फसिल क दसवाँ हींसा, अनाजे क तोहरे नवा दाखरस, तोहार तेल क दसवाँ हींसा, झुण्ड अउ समूह मँ पइदा पहिला बच्चा, खाइ चाही। तब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क जीवन भर डर करब सिखब्या। 24मुला उ ठउर एँतना दूर होइ सकत ह कि तू पचे हुआँ तलक क जात्रा नाहीं कइ सकत ह। इ होइ सकत ह कि यहोवा जउन फसिल क बरदान दिहे अहइ ओकर दसवाँ हींसा तू पचे हुआँ न पहोंचाइ सका। अगर अइसा होत ह तउ इ करा: 25आपन फसिल क उ हींसा बेचं द्या। तब उ धने क लइके यहोवा तोहार परमेस्सर क जरिये चुने भएन खास ठउरे पइ जा। 26उ धने क उपयोग जउन कछू तू पचे चहा ओकरे बेसहइ मँ करा। गाय, भेड़ी, दाखरस या दूसर उबला भवा पेय या कउनो दूसर चीज जउन तू पचे चाहत अहा। तब तू पचन्क तोहरे परिवार क संग खइया खाइ चाही अउर यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी मँ हुआँ उ ठउरे पइ आनन्द मनावइ चाही। 27मुला आपन सहर मँ बसइया लेवी बंसी लोगन क जिन बिसिरा काहेकि ओनके लगे तोहरी तरह भुइँया क हींसा नाहीं अहइ।

28"हर तीन बरिस क आखीर मँ आपन उ बरिस क पइदा भवा फसिल क दसवाँ हींसा बटोरब्या। इ भोजन क आपन सहर मँ रखा। 29इ भोजन लेवी बंसी लोगन क बरे अहइ, काहेकि ओनके लगे आपन कउनो भुइँया नाहीं अहइ। इ भोजन तोहरे सहर मँ ओन लोगन बरे अहइ जेनका एकर जरुरत अहइ जइसे तोहार बीच रहइवाला प्रवासी, अनाथ अउर राँड़ मेहररुअन उ पचे खाब्या अउ संतुट्ठ होब्या। अगर तू पचे इ करत अहा तउ यहोवा तोहार परमेस्सर सबहिं काम तू पचे जउन कछू करब्या ओकरे बरे आसीर्बाद देइ।

कर्ज क खत्म करइ क खास त्यौहार

15 "हर सात बरिस क आखीर मँ, तू पचन्क कर्ज खतम कइ देइ चाही। 2कर्ज क तू पचन्क इ तरह खत्म करइ चाही: हर एक मनई जउन कउनो इस्राएलियन क कर्ज दिहे अहइ आपन कर्ज खत्म कइ दे। ओका आपन भाई (इस्राएली) स कर्ज अदा करइ क नाहीं कहइ चाही। काहेकि यहोवा कहेस ह कि उ बरिस कर्ज खत्म कइ दीन्ह जात हँ। 3तू पचे बिदेसी स आपन कर्ज वापस लइ सकत ह। मुला उ कर्ज क खत्म कइ देब्या जउन कउनो दूसर इस्राएली पइ अहइ। 4मुला तोहरे पचन्क बीच कउनो गरीब मनई नाहीं रहइ चाही। काहेकि यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर तू पचन्क उ भुइँया क बरदान देइ। जेका तू कब्जा करिहीं। 5इहइ होइ, अगर तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क बातन क पूरी तरह मानब्या। तू पचन्क उ हर एक कानूनन क मानइ मँ सावधान रहइ चाही जेका मइँ तू पचन्क दिहे हउँ। 6यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क आसीर्बाद देइ, जइसा कि उ बचन दिहे अहइ अउर तोहरे पचे बहोत स रास्ट्रन क कर्ज देइ बरे काफी धन होइ। मुला तू पचन्क कउनो स कर्ज लेइ क जरुरत नाहीं होइ। तू पचे बहोत स रास्ट्रन पइ सासन करब्या। मुला ओन रास्ट्रन मँ स कउनो रास्ट्र तोह पइ सासन नाहीं करब्या।

7"जब तू पचे ओह देसे मँ रहब्या जेका यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ तब तोहरे लोगन मँ स एक गरीब होइ सकत ह। तू पचन्क स्वार्थी नाहीं होइ चाही। तू पचन्क उ गरीब मनई क मदद देइ स इन्कार नाहीं करइ चाही। 8तू पचन्क ओका हाथ बटावइ क इच्छा रखइ चाही। तू पचन्क उ मनई क जेतने कर्ज क जरुरत होइ, तोहका प्रचूरता स देइ चाही।

9"कउनो क मदद देइ स एह बरे इन्कार जिन करा, काहेकि कर्ज क सतवाँ बरिस निजके अहइ। इ तरह क बुरा विचार अपने मन मँ जिन आवइ द्या। तू पचन्क उ मनई क बरे बुरा विचार नाहीं रखइ चाही जेका मदद क जरुरत बाटइ। तू पचन्क ओकर मदद करइ स इन्कार नाहीं करइ चाही। अगर तू पचे उ गरीब मनई क कछू नाहीं देत्या तउ उ यहोवा स तोहरे खिलाफ सिकाइत करी अउर यहोवा तू पचन्क पाप क उत्तरदायी पाइ।

10"गरीब क तू पचे प्रचूरता स द्या अउर ओका देइ क बुरा न माना। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर इ नीक काम बरे तू पचन्क आसीस देइ। उ तोहरे पचन्क सबहिं काम अउर जउन कछू तू पचे करब्या ओहमाँ तोहार मदद करी। 11देस मँ सदा गरीब लोग भी होइहीं। इहइ कारण अहइ कि मइँ तू पचन्क आदेस देत अहउँ कि तू पचे आपन लोगन, जउन लोग तोहरे देस मँ गरीब अउर सहायता चाहत हीं, ओनका सहायता देइ बरे तइयार रहा।

सतएँ बरिस मँ दासन क अजाद करइ क नेम

12"अगर तोहरे लोगन मँ स कउनो, हिब्रू मेहरारू या मनसेधू, तोहरे हाथे बेचा जाइ तउ उ मनई क तोहार सेवा छ: बरिस करइ चाही। तब सतएँ बरिस तू पचन्क ओका आपन स अजाद कइ देइ चाही। 13मुला जब तू पचे आपन दास क अजाद करा तउ ओसे बगैर कछू लिए भए जिन जाइ द्या। 14तू पचन्क दास क आपन झुण्ड स, अनाज स, अउ आपन दाखरस स, प्रचूरता स देइ चाही। यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क बहोतइ नीक चीजन क पाए पइ आसीर्बाद दिहेस ह। उहइ तरह तू पचन्क भी आपन दास क बहोत सारी चीजन क देइ चाही। 15तू पचन्क याद रखइ

चाही कि तू पचे मिस्र मँ दास रह्या। यहोवा तोहार परमेस्सर
तोहका पचन्क अजाद किहेस ह। इहइ कारण अहइ कि मइँ
तू पचन्स आजु इ करइ क कहत हउँ।

16“मुला तोहरे दासन मँ स कउनो कहि सकत ह, ‘मइँ
आप क नहीं तजब।’ उ अइसा एह बरे कहि सकत ह कि
उ तू पचन्स, तोहरे परिवारे स पिरेम करत ह अउर उ तोहरे
संग बढ़िया जिन्नगी बिताएस ह। 17इ सेवक क आपन दुआरे
स कान लगावइ द्या अउर एक ठु सूए क उपयोग ओकरे
काने मँ छेद करइ बरे करा। तब उ सदा बरे तोहार दास होइ
जाइ। तू पचे दासियन बरे भी इहइ करा जउन तोहरे हिआँ
रहइ चाहत ह।

18“तू सबइ आपन दास क अजाद करत समइ दु:खे क
अनुभव जिन करा। याद रखा, उ छ: बरिस तलक तोहार
सेवा, सामान्य मजदूर क दुई गुणा सेवा करइ कइ किहेस
ह। यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचे जउन करब्या ओकरे बरे
असीस देइ।

पहिला पइदा भवा जनावर क बाबत नेम

19“तू पचे आपन झुण्ड अउ समूह मँ सबइ पहिला पइदा
भवा जनावरन क यहोवा तोहार परमेस्सर क खास जनावर
बनाइ द्या। ओनमाँ स कउनो बधँन क उपयोग आपन काम
बरे जिन करा। इ भेड़न मँ स कउनो क ऊन जिन काटा।
20हर साल तोहका गोरुअन क झुण्ड मँ पहिला पइदा भवा
जनावर क बच्चा क उ ठउरे पइ लइ आवइ चाही जेका
यहोवा चुनइ। हुआँ तू पचे अउ तोहरे परिवारे क लोगन क
यहोवा तोहार परमेस्सर क मौजूदगी मँ ओन जनावरन क
खइहीं।

21“मुला अगर जनावरन मँ कउनो दोख होइ, या लंगड़ा,
आँधर होइ या एहमाँ कउनो दोख होइ, तउ तू पचन्क ओका
यहोवा आपन परमेस्सर क भेंट नाहीं चढ़ावइ चाही। 22मुला
तू पचे ओकर गोस आपन सहरन मँ खाइ सकत ह। एँका
कउनो मनई खाइ सकत ह, चाहे उ सुद्ध होइ चाहे असुद्ध।
नीलगाय या हिरन क गोस खाइ पइ इहइ नेम लागू करा
जउन इ गोस पइ लागू होत ह। 23मुला तू पचन्क जनावरन
क रकत नाहीं खाइ चाही। तू पचन्क खून क पानी क तरह
भुइँया पइ बहाइ देइ चाही।

फसह क त्यौहार

16 “यहोवा आपन परमेस्सर क फसह क त्यौहार
आबीब क महीना मँ मनावा। काहेकि आबीब क
महीना मँ तोहार परमेस्सर तू पचन्क रात मँ मिस्र स बाहेर
लिआवा रहा। 2तू पचन्क उ ठउरे पइ जाइ चाही जेका
यहोवा आपन नाउँ क हुआँ रखइ बरे चुनब्या। हुआँ तू
पचन्क यहोवा क सम्मान मँ फसह भेंट मँ भेंड़ अउर गोरु
चढ़ावइ चाही। 3इ भेंट क संग खमीर वाली रोटी जिन खा।
तू पचन्क सात दिना तलक बेखमीरे क रोटी खाइ चाही। इ
रोटी क ‘विपत्तियन क रोटी’ कहत हीं। सुमिर ल्या कि
केतनी हाली हाली तू पचन्क मिस्र तजि देइ क पड़ा। तू
पचन्क उ देस स आपन प्रस्थान क तब तलक सुमिरइ चाही
जब तलक तू पचे जिअत रहा। 4सात दिना तलक देस मँ
कउनो क घरे मँ कहूँ खमीर नाहीं होइ चाही। फसह भेंट
जउन गोस क पहिले दिन क साँझ क भेंट मँ चढ़ावा ओका
भिन्सार होइ क पहिले खाइ लेइ चाही।

5“तू पचन्क फसह क जनावरन क बलि ओन सहरन मँ
स कउनो मँ नाहीं चढ़ावइ चाही जेनका यहोवा तोहार
परमेस्सर तू पचन्क दिहे अहइ। 6तू पचन्क फसह क त्यौहार
क जनावर क बलि सिरिफ उ ठउरे पइ चढ़ावइ चाही जेका
यहोवा तोहार परमेस्सर आपन बरे खास निवास क रुप मँ
चुनइ। हुआँ तू पचे फसह क त्यौहार क जनावर क जब
सूरज बूड़इ तब साँझ क बलि चढ़ावइ चाही। तू पचे एका
बरिस क उहइ समइ मँ करब्या जउने समइ तू पचे मिस्र स
बाहेर निकरा रह्या। 7अउर तू पचन्क फसह क त्यौहार क
गोस यहोवा तोहार परमेस्सर जउने ठउर क चुनी हुअँइ
पकउब्या अउर खाब्या। तब भिन्सारे तू पचन्क आपन खेमन
मँ चला जाइ चाही। 8तू पचन्क बेखमीरी क रोटीं छ: दिना
तलक खाइ चाही। सतएँ दिन तू पचन्क कउनो भी काम
नाहीं करइ चाही। उ दिन यहोवा आपन परमेस्सर बरे खास
सभा मँ भी सबहिं एकट्ठा होइहीं।

हफ्तन क त्यौहार (पिन्तेकुस्त)

9“जब तू पचे दोबारा फसल काटब सुरु करा तबहिं स तू
पचन्क सात हफ्ता गनइ चाही। 10तब यहोवा आपन परमेस्सर
बरे हफ्तन क त्यौहार करा। एँका एक स्वच्छ बलि ओका
लिआइके करा। तू पचन्क केतॅना देब अहइ, एकर निहचय
इ बिचारिके करा कि यहोवा तोहार परमेस्सर केतॅना तू
पचन्क आसीर्बाद दिहे अहइ। 11उ ठउरे पइ जा जेका यहोवा
आपन नाउँ स हुवाँ बसइ बरे चुनी। हुआँ तू पचे अउर तोहार
लोग, यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी मँ आनन्द क
समइ बितइहीं। आपन सबहिं लोगन, आपन पूतन, आपन
बिटियन अउर आपन सबहिं मनसेधू अउ मेहरारु दासन क
हुआँ लइ जा अउर आपन सहर मँ बसइयन लेवी लेवीबंसियन,
प्रवासियन, अनाथन अउर राँड़ मेहररुअन क भी संग लइ
जा। 12सुमिरा कि तू पचे मिस्र मँ दास रह्या। तू पचन्क
निहचय करइ चाही कि तू पचे इ नेमन क मनब्या।

खेमन क त्यौहार

13“जब तू पचे आपन खरिहान स फसिल अउ दाखरससाला
स दाखरस बटोर लेब्या तब कुटीर क त्यौहार सात दिना
तलक मनवा। 14तू पचे, तोहार पूतन, तोहार बिटियन, तोहार
सबहिं मरद अउ मेहरारु दासन, तोहरे सहर मँ बसइयन
लेवीबंसियन, प्रावासियन, अनाथ अउ राँड़ मेहररुअन सबइ इ
दावत मँ आनन्द मानवइँ। 15तू पचन्क इ दावत क सात दिना
तलक उ खास ठउरे पइ मनावइ चाही जेका यहोवा चुनी। इ
तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान मँ करा। आनन्द
मनावा! काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क तोहरी
फसिल बरे अउर तू पचे जउन कछू भी किहा ह ओकरे बरे
आसीस दिहेस ह।

16“तोहार पचन्क सबहिं मनइयन बरिस मँ तीन दाईं यहोवा
आपन परमेस्सर स मिलइ बरे उ खास ठउरे पइ अइहीं जेका
उ चुनी। इ बे खमीरे क रोटी क त्यौहार क समइ, हफ्तन

क त्यौहार क समइ अउ कटीर क त्यौहार क समइ होइ। कउनो मनई क बिना भेंट लइ यहोवा स नाहीं मिलइ जाइ चाहीं। 17हर एक मनई ओतना देइ जेतना उ दइ सकी। केतना देब अहइ, ओकर निहचय उ इ सोचिके करी कि ओका यहोवा केतना दिहे अहइ।

लोगन बरे निआवधीस अउ अफसर

18“यहोवा तोहार परमेस्सर जउन सहरन क तू पचन्क दइ देत अहइ ओनमाँ स हर एक सहर मँ तू पचन्क आपन परिवार समूह बरे निआव क निआवाधीस अउ अफसर बनवइ चाही। इ निआव क निआवाधीसन अउर अफसरन क जनता क संग सही अउ ठीक निआव करइ चाही। 19तू पचन्क ठीक निआव क बदलइ नाहीं चाही। तू पचन्क पच्छपाती नाही हाइँ चाही। तू पचन्क कउनो क सम्बन्ध मँ आपन इरादा क बदल देइ बरे धन नाहीं लेइ चाही। धन बुद्धिमान मनइयन क आँधर करत ह। इ सच्चा मनई क सब्दन क बदल देतह। 20तू पचन्क हर समइ बिना पच्छ लिए अउ निआवा स ठीक होइ क पूरी कोसिस करइ चाही। तब तू पचे जिअत रहब्या अउर तू पचे उ देस क पउब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ अउर तू पचे ओहमाँ रहब्या।

परमेस्सर मूरतियन स घिना करत ह

21“आसेर देवी क सम्मान बरे उ वेदी बगल मँ काठ क खम्भन जिन लगावा जेका तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर बरे बनाउब्या। 22अउर तू पचन्क खास पाथर लबार देवतन क पूजा बरे नाहीं खड़ा करइ चाही। यहोवा तोहार परमेस्सर एनसे घिना करत ह।

बलियन बरे गोरु निर्दोख होइ चाही

17 “तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क कउनो एक अइसी गाय या भेड़, बलि मँ नाहीं चढ़ावइ चाही जेहमाँ कउनो दोख या कमी होइ। काहेकि यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर एहसे घिना करत ह।

मूरति क पुजवइया क सज़ा

2“तू पचे ओन सहरन मँ स कउनो बुरी बात होइ क सूचना पाइ सकत ह जेनका यहोवा परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। तू पचे इ सुनि सकत ह 3कि तू पचन मँ स कउनो मेहरारु या मनसेधू यहोवा क खिलाफ पाप किहस ह। तू पचे इ सुनि सकत ह कि उ पचे यहोवा स करार तोड़ेत ह यानी उ पचे दूसर देवतन क पूजा किहेन ह। या इ होइ सकत ह कि उ पचे सूरज, चन्द्रमा या तारन क पूजा किहे होइँ। इ यहोवा क आदेस क खिलाफ अहइ जेका मइँ तोहे सबन्क दिहे अहउँ। 4अगर तू पचे अइसी बुरी खबर सुनत ह तउ तू सबन्क ओकर जाँच होसियारी स करइ चाही। तू पचन्क इ जान लेइ चाही कि का इ फुरइ अहइ कि इ खौफनाक काम इस्राएल मँ होइ चुका अहइ। अगर तू पचे एँका साबित कइ सकत ह कि इ फुरइ अहइ, 5तब तू पचन्क उ मनसेधू या मेहरारु क जरूर सजा देइ चाही जउन इ बुरा काम किहे अहइ। तू पचन्क उ मनसेधू या मेहरारु क सहर क दुआरे क लगे लइ जाइ चाही अउर ओका पाथरन स मारि डावइ चाही। 6मुला अगर एक ही गवाह इ कहत ह कि उ बुरा काम किहस ह तउ ओका मउत क सजा नाहीं दीन्ह जाइ। अगर दुइ या तीन गवाह इ कहत हीं कि इ फुरइ अहइ तउ उ मनई क फाँसी पइ चढ़ाइ देइ चाही। 7गवाह क पहिला पाथर उ मनई क मारि डावइ बरे लोकावइ चाही। तबहिं दूसर लोगन क ओकर मउत पूरी करइ बरे पाथरन क लोकावइ चाही। इ तरह तू पचन्क उ बुराई क आपन बीच स दूर करइ चाही।

जटिल मुकदमा

8“कबहुँ अइसी समस्या आइ सकत ह कि जउन तोहरे अदालत बरे फइसला देइ मँ एतना कठिन होइ कि फइसला ही न देइ सकइँ। इ दूसर तरह खून-खराबा क मुकदमा, कउनो प्रकार क आक्रमण, कउनो दावा क पूरा होवइ सकत ह। जब इ मुकदमन पइ तोहरे सहरन मँ बहस होत ह तउ तोहार निआव क जज होइ सकत ह, फइसला न कइ सकइँ कि ठीक का अहइ? तब तू पचन्क उ खास ठउरे पइ जाइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर क जरिये चुना ग होइ। 9तू पचन्क लेवी परिवार समूह क याजकन अउ उ समइ क निआव क जज क लगे जाइ चाही। तउ मुकदमा क ओनका देइ चाही। अउर उ मुकदमन क फइसला प्रस्तुत करब्या। 10यहोवा क खास ठउरे पइ उ पचे आपन फइसला तू पचन्क सुनइहीं। जउन भी उ पचे कहइँ ओका तू पचन्क करइ चाही। तू पचन्क ओनकर फइसला स्वीकारइ चाही अउर ओनकर निर्देस क ठीक ठीक मानइ चाही। 11तोहका ओकर निर्देसन अउ फइसलन क सही-सही मानइ चाही। तू पचन्क ओनसे अलग कछू भी नाहीं करइ चाही जउन उ सबइ तू पचन्क करइ क कहत हीं।

12“तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क सेवा क करइया उ समइ क याजक अउ निआव क निआधीसन क आग्या मानइ स इन्कार करइवाला क जउन अभिमान पूर्वक कार्य करइ, सजा देइ चाही। उ मनई क मरइ चाही। इही प्रकार तू इस्राएल स बुराई क हटाउब्या। 13सबहिं लोग इ सजा क बारे मँ सुनिहीं अउर अहंकारी कार्य करइ बरे डेरइहीं।

राजा कइसे चुनइँ

14“तू पचे उ प्रदेस मँ जाब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ। तू पचे उ देस पइ कब्जा करब्या अउर ओहमाँ रहब्या। तब तू पचे कहब्या, ‘हम लोग अपने ऊपर एक ठु राजा वइसेन ही रखब जइसेन हमरे चारिहुँ कइँती क रास्ट्रन मँ अहइ।’ 15जब अइसा होइ तब तू पचन्क इ पक्का निहचय होइ चाही कि तू पचे ओका ही राजा चुन्या ह जेका यहोवा तोहार परमेस्सर चुनत ह। तोहार राजा तू पचन्क आपन लोगन मँ स होइ चाही। तू पचन्क बिदेसियन क आपन राजा नाहीं बनावइ चाही। 16राजा क बहोत जियादा घोड़न क अपने बरे नाहीं राखइ चाही अउर ओका लोगन क जियादा घोड़न क लियावइ बरे मिस्र नाहीं पठवइ चाही। काहेकि तू पचन्स यहोवा कहेस ह, ‘तू पचन्क

उ राहे पइ कबहुँ नाहीं लउटब अहइ।’ 17राजा क बहोत पत्नियन क भी नाहीं राखइ चाही। काहेकि इ काम ओका यहोवा स दूर हटाइ अउर राजा क सोना, चाँदी स आपन क मालामाल नाही बनावइ चाही।

18“जब राजा हुकूमत सुरु करइ लागइ, तउ ओका एक किताबे मँ आपन बरे नेमन क नकल कइ लेइ चाही। ओका याजकन अउ लेवी बंसियन क समन्वा नकल कइ चाही 19राजा क उ किताबे क आपन संग रखइ चाही। ओका उ किताबे क जिन्नगी भइ पढ़इ चाही। काहेकि तब राजा यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान करब सीखी अउर उ नेम क हुकुमन क पूरा पालन करइ सीखी। 20तब राजा इ न सोची कि उ आपन लोगन मँ कउनो स भी जियादा नीक बाटइ। उ नेम क खिलाफ न जाइ बल्कि ठीक तरह स मानी। तब उ राजा अउर ओकर संतानन इस्राएल क राज्ज पइ लम्बा समइ तलक हुकूमत करी।

याजकन अउ लेवी बंसियन क मदद

18 “लेवी परिवार समूह क याजकन क इस्राएल मँ कउनो भुइँया क हींसा नाहीं पाइ। उ पचे आपन जीवन यापन उ भेंट क खाइके करिहीं जउन आगी पइ पाकी अउ यहोवा क चढ़ाई जाइ। उ ओकरे मीरास क हींसा अहइ। 2उ सबइ याजक लोग भुइँया क कउनो हींसा दूसर परिवार समूहन क तरह नाहीं पइहीं। लेवी बंसियन क हींसा मँ खुद यहोवा अहइ। यहोवा ऍकरे बरे ओनका बचन दिहे अहइ।

3“जब तू पचे कउनो बर्धा, या भेड़ी बलि बरे मारा तउ तू पचन्क इ सबइ हिंस्सन दइ देइ चाही: कंधा, दुइनउ गाल अउर पेट। 4तू पचन्क याजकन क आपन पहली फसल क अनाज, नई दाखरस अउर आपन नई फसल क तेल देइ चाही। तू पचन्क याजकन क अपनी भेड़ी क पहिला काटा ऊन देइ चाही। 5काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे सबहिं परिवारे समूहन स ओनका सदा यहोवा बरे खड़ा होइ अउर सेवा करइ बरे चुनेस ह।

6“लेवी बंसी जउन समूचइ इस्राएल मँ तोहरे सहरन मँ स कउनो मँ रहत ह, कउनो समइ मँ आपन घर तजि सकत ह अउर यहोवा क खास ठउर पइ जाइ सकत ह। 7तब इ लेवी बंसी यहोवा आपन परमेसस्र क नाउँ पइ सेवा कइ सकत ह। ओका परमेस्सर क खास ठउर मँ वइसेन ही सेवा करइ चाही जइसे ओकर भाई दूसर लेवी बंसी करत हीं। 8उ लेवी बंसी, आपन अधिकार क मिलइवाला हींसा क अलावा दूसर लेवी बंसियन क संग बराबर क हींसादार होइ।

इस्राएलियन क दूसर रास्ट्रन क नकल नाहीं करइ चाही

9“जब तू पचे उ भुइँया मँ घुसब्या, जउन यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ, तब उ रास्ट्रे क लोग जउन खउफनाक काम हुआँ करत होइँ ओनका जिन सीखा। 10आपन बेटवन अउ बिटियन क बलि आपन वेदी पइ आगी मँ जिन द्या। कउनो जोतिसी स बात कइके या कउनो जादूगर, डाइन या बाजीगर क लगे जाइके इ जिन सीखा कि भविस्स मँ का होइ? 11कउनो भी मनई क जादू-टोना चलावइ क कोसिस न करइ द्या अउर तू पचन मँ स कउनो मनई ओझा या भूतसिद्धक नाहीं बनी। अउर कउनो मनई कउनो अइसे मनई स बात करइ क कोसिस न करी जउन मर चुका होइ। 12यहोवा तोहार परमेस्सर ओन लोगन स घिना करत ह जउन अइसा करत हीं। इहइ कारण अहइ कि उ तोहरे समन्वा इ लोगन्क देस तजि देइ क मजबूर करी। 13तोहे सबन्क यहोवा तोहार परमेस्सर पइ पूरा निस्ठावान जरूर होइ चाही।

यहोवा क खास नबी

14“तू पचन्क उ रास्ट्रन क लोगन्क बल क जरिये आपन देस स हटाइ देइ चाहीं। उ रास्ट्रन क लोग जोतिसियन अउर जादूगरन क बात मानत हीं। मुला यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क वइसा नाहीं करइ देइ। 15यहोवा तोहार परमेस्सर तोहारे लगे आपन नबी पठई। इ नबी तोहरे आपन लोगन मँ स आइ। उ मोरी नाईं होइ। तू पचन्क इ नबी क बात मानइ चाही। 16यहोवा तोहरे लगे इ नबी क पठइ काहेकि तू पचे अइसा करइ क बरे ओहसे कह्या ह। उ समइ जब तू पचे होरेब पहाड़े क चारिहुँ कइँती बटुरा रह्या, तू पचे यहोवा क अवाज अउ पहाड़े पइ खउफनाक आगी क लखिके डेरान रह्या। एह बरे तू पचे कहे रह्या, ‘हम लोग यहोवा आपन परमेस्सर क अवाज फुनि न सुनी। हम लोग उ खउफनाक आगी क फुनि न लखी। हम मरि जाब।’

17“यहोवा मोसे कहेस, ‘उ पचे जउन चाहत हीं, उ ठीक बाटइ। 18मइँ तोहरी नाईं क एक ठु नबी ओनके बरे पठइ देब। इ नबी ओन लोगन मँ स कउनो एक होइ। मइँ ओकर मुख मँ आपन बात डालब। उ लोगन स उहइ कही जउन मोर हुकुम मानी। 19इ नबी मोरे नाउँ पइ बोली अउर जब उ कछू कही तब अगर कउनो मनई मोरे हुकुमन क सुनइ स इन्कार करी, तउ मइँ खुद उ मनई क जिम्मेदार होब।’

लबार नबियन क कइसे पहिचाना जाइ?

20“मुला कउनो नबी कछू अइसा कहि सकत ह जेका करइ क बरे मइँ ओसे नाहीं कहेउँ ह अउर उ लोगन स कहि सकत ह कि उ मोरे जगह पइ बोलत अहइ। अगर अइसा होत ह तउ उ नबी क मारि डावइ चाही या कउनो अइसा नबी होइ सकत ह जउन दूसर देवतन क नाउँ पइ बोलत ह। उ नबी क भी मारि डावइ चाही। 21तू पचे सोच सकत ह, ‘हम कइसे पहिचान सकित ह कि नबी क कहब, यहोवा क नाहीं अहइ?’ 22अगर कउनो नबी कहत ह कि उ यहोवा कइँती स कछू कहत बाटइ, मुला ओकर कहब फुर साबित नाहीं होत, तउ तू पचन्क पहिचान लेइ चाही कि यहोवा वइसा नाहीं कहेस। तू पचे समुझ जाब्या कि इ नबी अभिमान पूर्वक बात करत रहा। तू पचन्क ओसे डेराइ क जरुरत नाहीं।

सुरच्छा बरे तीन ठु सहर

19 “यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क उ देस देत अहइ जउन दूसर रास्ट्रन क अहइ। यहोवा ओन रास्ट्रन

क बरबाद करी। तू पचे हुआँ रहब्या जहाँ उ सबइ लोग
रहत हीं। तू पचे ओनकइ सहरन अउर घरन क लइ लेब्या।
जब अइसा होइ, 2-3तब तू पचन्क भुइँया क तीन हींसा मँ
बाँटइ चाही। तब तू पचन्क हर एक हींसा मँ सबहिं लोगन्क
निअरे परइवाला सहर उ छेत्र मँ चुनइ चाही अउर तू पचन्क
उ सहरन तलक सड़कन बनावइ चाही तब कउनो भी मनई
जउन कउनो दूसर मनई क मारत ह हुआँ पराइके जाइ सकत
ह।

4"जउन मनई कउनो क मारत ह उ सुरच्छा बरे इ तीन
सहरन मँ स कउनो मँ भी पराइके पहोंच सकत ह। उ
सुरच्छा पा सकत ह। जदि उ बिना इरादा क साथ कउनो
मनई क मारि डावइ अउर उ ओसे पहिले स घिना नाहीं
करत रहेन। 5एक ठु उदाहरण बा: कउनो मनई कउनो मनई
क संग जंगल मँ लकड़ी काटइ जात ह। ओनमाँ स एक
मनई लकड़ी काटइ बरे कुल्हरी क एक ठु बृच्छ पइ
चलावत ह, मुला कुल्हरी हाथे स छूट जात ह। कुल्हरी क
धार दूसर मनई पइ लग जात ह अउर ओका मार डावत ह।
उ मनई जउन कुल्हरी चलाएस, ओन नगरन मँ पराइ सकत
ह अउर आपन क सुरच्छित कइ सकत ह। 6मुला अगर
सहर बहोत दूर होइ, तउ उ आवस्यकतानुसार तेज नाहीं पराइ
सकी। मारा भवा मनई क कउनो नजदीक क रिस्तेदार*
ओकर पाछा कइ सकत ह अउर सहर मँ ओकरे पहोंचइ स
पहिले ही ओका धरि सकत ह। रिस्तेदार आपन किरोध मँ उ
मनई क कतल कइ सकत ह। मुला उ मनई क मउत क
सजा उचित नाहीं अहइ। उ उ मनई स पहिले घिना नाहीं
करत रहा जेका उ मारेस ह। 7एह बरे मइँ आदेस देत हउँ
कि तीन खास सहरन क चुना।

8"यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे पुरखन क इ बचन दिहस
कि मइँ तू पचन्क चउहद्दी क विस्तार करब। उ तू लोगन
क सारा देस देइ जेका देइ क बचन उ तोहरे पुरखन क
दिहस। 9उ इ करी, अगर तू ओन नेमन क पालन पूरी तरह
करब्या जेनका मइँ तू पचन्क आजु दइ देत हउँ यानी अगर
तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर स पिरेम करब्या अउर ओकरे
राहे पइ चलत रहब्या। अगर यहोवा तोहरे देस क बड़ावत ह
तउ तू पचन्क तीन दूसर नगर सुरच्छा बरे चुनइ चाही। उ
सबइ सुरच्छा बरे पहिले तीन सहरन क इलावा होइ चाही।
10तबहिं निर्दोख लोग उ देस मँ नाहीं मारा जइहीं जेका
यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क आपन बनावइ बरे देत
बाटइ अउर तू पचे कउनो भी मउत बरे अपराधी नाहीं
होब्या।

11"किन्तु एक मनई कउनो मनई स घिना कइ सकत ह।
उ मनई क मारइ बरे इन्तजार मँ लुका रहि सकत ह जेहसे
उ घिना करत ह। उ उ मनई प हमला कइ सकत ह अउ
ओका पीटइ अउर मारि सकत ह। ओकर पाछे सुरच्छा बरे
चुने इ सहरन मँ पहोंच सकत ह। 12अगर अइसा होत ह,
तउ उ मनई क सहर क मुखिया क, कउनो क ओका धरइ
क अउर सुरच्छत क सहर स ओका बाहेर लिआवइ बरे
पठइ चाही। सहर क मुखिया ओका मरे भए क नजिक क
रिस्तेदारे क दइ चाहीं। हत्तियारा जरुर मारा जाइ चाही।
13ओकरे बरे तू पचन्क दुःखी नाहीं होइ चाही। तू पचन्क
निर्दोख मनई क मारइ क अपराध क इस्राएल स हटावइ
चाही। तब इ तोहरे बरे नीक रही।

जायदाद क चीन्हा

14"तू पचन्क पड़ोसी क जायदाद क चीन्हा क नाहीं
हटावइ चाही। उ चउहद्दी उ समइ मँ स्थापित कीन्ह जात
रहा जउन तू उ भुइँया मँ कब्जा कीन्ह रहा। यहोवा तोहार
परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे देइ अउर जउन तोहार होई।

गवाह

15"अगर कउनो मनई कछु अन्याय या पाप क दोखी
ठहरावइ जात ह जेका अपराध उ किहेस ह, तउ एक गवाह
एक साबित करइ बरे काफी नाहीं होइ कि उ दोखी अहइ।
उ सिद्ध करइ बरे दुइ या तीन गवाह जरुर होइ चाही।
16"कउनो झुठी गवाह कउनो मनई प झुठी मत क
अपराध ठहरइ सकत ह। 17अगर अइसा होत ह तउ
तहत्तुक करइवाले दुइनउँ मनई क यहोवा क मौजूदगी मँ
खड़ा होइ चाही अउर ओनके मोकद्दमन क फइसला
याजकन अउ उ समइ क मुख्य निआवाधीसन क जरिये होइ
चाही। 18निआवाधीसन क होसियारी स पूछ-ताछ करइ चाही।
उ पचे पता लगाइ सकत हीं कि गवाह दूसर मनई क
खिलाफ झूठ बोलेस ह। अगर गवाह झूठ बोलेस ह तउ,
19तू पचन्क ओका सजा देइ चाही। तू पचन्क ओका उहइ
हानि पहोंचावइ चाही जउन उ दूसर मनई क पहोंचावइ चाहत
रहा। इ तरह तू पचे आपन बीच स कउनो भी बुरी बात
निकारिके बाहेर कइ सकत ह। 20दूसर सबहिं लोग एँका
सुनिहीं अउर डेराइ जइहीं, अउर तोहमाँ स कउनो भी फुन
वइसी बुरी बात नाहीं करी।
21"तू पचे ओह पइ दाया-दृस्टि जिन कर्‍या जेका बुराई
बरे तू पचे ओका सजा देत अहा। जिन्नगी बरे जिन्नगी,
आँखी बरे आँखी, दाँत बरे दाँत, हाथ बरे हाथ अउर गोड़वा
बरे गोड़ लीन्ह जाइ चाही।

जुद्ध बरे नेम

20 "जब तू पचे आपन दुस्मनन क खिलाफ जुद्ध मँ
जा, अउर आपन फउज स जियादा घोड़न, रथ,
मनइयन क लखा, तउ तू पचन्क डेराइ नाहीं चाही। काहेकि
यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे संग अहइ अउर उहइ एक
अहइ जउन तू पचन्क मिस्र स बाहेर निकारि लिआवा।
2"जब तू पचे जुद्ध क निचके आवा, तब याजक क
लोगन क लगे जाइ चाही अउर ओनसे बात करइ चाही।
3याजक कही, 'इस्राएल क लोगो, मोरी बात सुना। आजु तू
लोग आपन दुस्मनन क खिलाफ जुद्ध मँ जात अहा। आपन
हिम्मत जिन तजा। जिन डरा। आतंकित जिन ह्वा। दुस्मनन
स जिन डेराअ! 4काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर दुस्मनन क
खिलाफ लड़इ बरे तोहरे संग जात अहइ। यहोवा तोहार
परमेस्सर तोहार रच्छा करी।'

मारा भवा ... रिस्तेदार सब्द क अरथ "खून क बदला लेइवाला"।
जब कउनो मनई मारा जात रहा तब ओकरे निचके क रिस्तेदारन क
इ कर्त्तव्य होत रहा कि उ माराइवाला मनई क उ पचे सजा देइँ।

5“उ पचे अफसरन फउजियन स इ कइहीं, ‘का हिआँ
कउनो अइसा मनई अहइ जउन नवा घर बनाइ लिहे अहइ,
मुला अब तलक ओका अर्पण नाहीं किहे अहइ? उ मनई
क आपन घरे लउट जाइ चाही। उ जुद्ध मँ मारा जाइ सकत
ह अउर तब दूसर मनई ओकरे घरे क अर्पित करी। 6का
कउनो मनई हिआँ अइसा अहइ जउन अंगूरे क बगिया
लगाए अहइ, मुला अबहिं तलक ओसे कउनो अंगूर नाहीं
पाएस ह? उ मनई क घर लउटि जाइ चाही। अगर उ मनई
जुद्ध मँ मारा जात ह तउ दूसर मनई ओकरे बगिया क फले
क भोग करी। 7का हिआँ कउनो अइसा मनई अहइ जेकरे
बियाहे क क बात पक्की होइ चुकी अहइ। मुला उ लड़की
क नाहीं बियाहेस ह? उ मनई क घरे लउटि जाइ चाही।
अगर उ जुद्ध मँ मारा जात ह तउ दूसर मनई उ मेहरारु स
बियाह करी जेकरे संग ओकरे बियाहे क बात पक्की होइ
चुकी बाटइ।’
8“अफसरन क लोगन स इ पूछइ चाही, ‘का हिआँ
कउनो अइसा मनई अहइ जउन हिम्मत हरि चुका अहइ
अउर डेरान अहइ। ओका घर लउटि जाइ चाही। तब उ दूसर
फउजियन क हिम्मत हार जाइ मँ सहायक न होइ।’ 9जब
अफसर फउजियन स बात करब खतम कइ लेइ तब उ पचे
लोगन क अगवाइ बरे सैनिक क सेनापतियन चुनइँ।
10“जब तू पचे सहर पइ हमला करइ जा तउ हुआँ क
लोगन क समन्वा सान्ति क प्रस्ताव रखा। 11अगर उ पचे
तोहार प्रस्ताव अंगिकार कइ लेत हीं अउर आपन फाटक
खोलि देत हीं तब उ सहर मँ बसइयन सब लोग तोहार दास
होइ जइहीं अउर तोहार काम करइ बरे मजबूर कीन्ह जइहीं।
12मुला अगर सहर सान्ति प्रस्ताव अंगीकार करइ स इन्कार
करत ह अउर तू सबन्स लड़त ह तउ तू सबन्क सहर घेरि
लेइ चाही। 13अउर जब यहोवा तोहार परमेस्सर सहर पइ
तोहार कब्जा करावत ह तब तू पचन्क सबहिं मनसेधुअन क
मारि डावइ चाही। 14तू पचे आपन बरे मेहररुअन, गदेलन,
गोरुअन अउर सहर क कउनो भी चीज लइ सकत ह। तू
पचे इ सबइ चीजन्क बइपर सकत ह। यहोवा तोहार
परमेस्सर इ सबइ चीजन तू पचन्क दिहे अहइ। 15जउन सहर
तोहरे प्रदेस मँ नाहीं अहइ अउर बहोत दूर अहइँ, ओन
सबन्क संग तू पचे अइस बेउहार करब्या।
16“मुला जब तू पचे उ सहर उ प्रदेस मँ लेत ह जेका
यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ तब तू
पचन्क हर एक क मारि डावइ चाही। 17तू पचन्क हित्ती,
एमोरी कनानी, परिज्जी, हिब्बी अउर यबूसी सबहिं लोगन्क
पूरी तरह बरबाद कइ देइ चाही। यहोवा तोहार परमेस्सर, इ
करइ क तू पचन्क आदेस दिहे अहइ। 18एह बरे तब उ पचे
तू सबन्क यहोवा तोहारे परमेस्सर क खिलाफ घृणित कार्य
क सिच्छा तू पचन्क नाहीं दइ सकत जउन उ पचे आपन
देवतन क पूजा क समइ करत हीं।
19“जब तू पचे कउनो सहर क खिलाफ जुद्ध करत
रहब्या तउ तू पचे लम्बा समइ तलक ओकर घेरा डाए रहि
सकत ह। तू पचन्क सहर क चारिहुँ कइँती क फलदार
बृच्छन क नाहीं काटइ चाही। तू पचन्क एनसे फल खाइ
चाही मुला काटिके भहरावइ नाहीं चाही। इ सबइ बृच्छ
दुस्मन नाहीं अहइँ। एह बरे ओनके खिलाफ जुद्ध जिन
लड़ा। 20मुला ओन बृच्छन क काटि सकत ह जेनका तू पचे
जानत अहा कि इ सबइ फलदार नाहीं अहइँ। तू पचे एनकइ
उपयोग उ सहर क खिलाफ घेराबंदी मँ कइ सकत ह, जब
तलक ओकर पतन न होइ जाइ।”

अगर कउनो मनई मरा भवा पावा जाइ

21 “उ देस मँ जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क
रहइ बरे देत अहइ, कउनो मनई मइदान मँ हत्तिया
कीन्ह भवा लास पाइ जाइ सकत ह। मुला कउनो क इ पता
नाहीं चल सकत कि ओका कउन मारेस। 2तब तोहार पचन्क
मुखियन अउर निआवाधीसन मारे भए मनई क चारिहुँ कइँती
स सहरन क दूरी क नाप-जोख करइ चाही। 3जब तू पचे इ
जानि जाब कि मरे भए मनई क सबन त निचके क कउन
सा सहर अहइ। तब उ सहर क मुखियन आपन झुण्डन मँ
स एक गइया लेइहीं। जेकर उपयोग कबहुँ भी कउनो कामे
मँ न कीन्ह गवा होइ। या उ प कबहुँ जुआ न रखा गवा
ह। 4उ सहर क मुखियन उ गइया क बहता भवा पानीवाली
घाटी मँ लइहीं। इ अइसी घाटी होइ चाही जेका कबहुँ जोता
न गवा होइ अउर न ओहमाँ पेड़-पौधा रोपा गवा होइँ। तब
मुखियन क उ घाटी मँ हुअँइ उ गइया क गर्दन तोड़ देइ
चाही। 5लेवी बंसी याजकन क हुआँ जाइ चाही। (यहोवा
तोहार परमेस्सर इ याजकन क आपन सेवा बरे अउर आपन
नाउँ पइ आसीर्बाद देइ बरे चुनेस ह। याजक सबहिं वाद-विवाद
अउ नोस्कान क मुकद्दमा क निहचय करिहीं।) 6मारे भए
मनई क सबन त निचके क सहर क सबई मुखियन आपन
हाथन क उ गइया क ऊपर धरिहीं जेकर गर्दन घाटी मँ तोड़
दीन्ह गवा रहा। 7इ सबइ मुखिया स जरूर कइहीं, ‘हम इ
मनई क नाहीं मारा अउर हम पचे एकर मारा जाब नाहीं
देखा। 8यहोवा, इस्राएल क लोगन क छिमा कर, जेनकइ तू
उद्धार किहा ह। आपन लोगन मँ स कउनो निर्दोख मनई क
दोखी न ठहरावइ द्या।’ तब उ पचे कतल बरे दोखी नाहीं
ठहरावा जइहीं। 9इ सबइ मामलन मँ उ करब ही तोहरे
पचन्क बरे नीक अहइ। अइसा कइके तू पचे कउनो निर्दोख
क हत्या करइके दोखी नाहीं रहब्या।

जुद्ध मँ मिली मेहररुअन

10“तू पचे आपन दुस्मनन स जुद्ध करउब्या अउर यहोवा
तोहार पचन्क परमेस्सर ओनका तू पचन्स हरवाइ देइ। तब तू
पचे दुस्मनन क बन्दी क रुप मँ लिअउब्या। 11अउर तू पचे
जुद्ध मँ बन्दी कउनो सुन्नर मेहरारु क लख सकत ह। तू
पचे ओका पाउब चाह सकत ह अउर आपन मेहरारु क रुप
मँ रखइ क इच्छा कइ सकत ह। 12तू पचन्क ओका आपन
परिवार मँ आपन घरे लिआवइ चाही। ओका आपन बार
छोलवावइ चाही अउर आपन नह कटवावइ चाही। 13ओका
आपन बन्दी भए ओढ़नन क उतारइ चाही। ओका तोहरे घरे
मँ रहइ चाही अउर एक महीना तलक आपन महतारी अउर
बाप बरे रोवइ चाही। ओकरे बाद तू ओकरे संग यौन
सम्बन्ध कायम कइ सकत ह अउर ओकर भतार होइ सकत
ह्या। अउर उ तोहार पत्नी बन जाइ। 14मुला अगर तू पचे

ओसे खुस नाहीं होत्या तउ तू पचे ओका जहाँ उ जाइ चाही जाइ देइ। मुला तू ओका वास्तविक रूप मँ बेच नाहीं सकत्या। तू ओकरे बरे दासी क तरह बेउहार नाहीं कइ सकत्या। काहेकि तोहार ओकरे संग यौन सम्बन्ध रहा।

एक ठु मनई क दुइ पत्नियन क गदेलन

15“एक ठु मनई क दुइ पत्नियन होइ सकत हीं अउर उ एक पत्नी स दूसर पत्नी क अपेच्छा जियादा पिरेम कइ सकत ह। दुइनउँ पत्नियन स ओकरे गदेलन होइ सकत हीं अउर पहिला गदेला उ पत्नी क होइ सकत ह जेहसे उ जियादा पिरेम न करत होइ। **16**जब उ आपन सम्पत्ति आपन गदेलन मँ बाँटी तउ उ इ घोसणा नाहीं करइ सकत ह कि जे पत्नी क उ जियादा पिरेम करत ह ओका गदेला पहिलौटी अहइ अउर जेका उ पिरेम नाहीं करत ही ओका गदेला नाहीं। **17**उ मनई क दुतकारी पत्नी क गदेला क ही पहिलौटी क गदेला अंगीकार करइ चाही। उ मनई क आपन चीजन क दुइ हींसा पहिलौटी पूत क देइ चाही। काहेकि उ बड़का गदेला अहइ। अउ पहिलौटी क अधिकार रखत अहइ।

आग्या न मानइवाला पूत

18“कउनो मनई क अइसा पूत होइ सकत ह जउन जिद्दी अउर आग्या क न मानइवाला होइ। इ पूत आपन महतारी अउर बाप क आग्या न मानी। महतारी अउर बाप ओका दण्ड देत हीं मुला पूत फुन भी ओनकइ कछू नाहीं सुनत। **19**ओकरे महतारी अउर बाप क ओका सहर क फाटक पइ सहर क मुखियन क लगे लइ जाइ चाही। **20**ओनका सहर क मुखियन स कहइ चाही: ‘हमार पूत जिद्दी अहइ अउर आग्या नाहीं मानत। उ कउनो काम नाहीं करत जेका हम करइ बरे कहित ह। उ जरुरत स जियादा खात अउ मद पिअत ह।’ **21**तब सहर क लोगन क उ पूत क पाथरन स मारि डावइ चाही। अइसा कइके तू पचे आपन मँ स बुराई क हटाइ देइहीं। इस्राएल क सबहिं लोग एँका सुनिहीं अउ डेराइ जइहीं।

अपराधियन मारा जात अउ लटकावा जात हीं

22“कउनो मनई अइसा पाप करइ क अपराधी होइ सकत ह जेका मउत क सजा दीन्ह जाइ। जब उ मारि डावा जाइ तब ओकर देह पेड़े पइ लटकावा जाइ सकत ह। **23**जब अइसा होत ह तउ ओकरे देह क रात भइ पेड़े पइ नाहीं रहइ चाही। तू पचन्क ओका उहइ दिन निहचय ही दफनाइ देइ चाही। काहेकि जउन मनई पेड़े पइ लटकावा जात ह उ परमेस्सर स अभिसाप पावा होत ह। तू पचन्क उ देस क बे पवित्तर नाहीं करइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे देत ह।

दूसर नेमन

22 “अगर तू पचे लखा कि तोहरे पड़ोसी क गइया या भेड़ी खुली बाटइ, तउ तू पचन्क एहसे लापरवाह नाहीं होइ चाही। तू पचन्क निहचय ही एँका मालिक क लगे पहोंचाइ देइ चाही। **2**अगर एँकर मालिक तोहरे लगे न रहत होइ या तू ओका नाहीं जानत ह्वा कि उ कउन अहइ तउ तू उ गइया या भेड़ी क आपन घरे लइ जाइ चाही अउर तू एँका तब तलक रखा जब तलक मालिक एँका हेरत भवा तोहार लगे न आवइ। तब तू पचन्क ओका ओकरे बरे लउटाइ देइ चाही। **3**तू पचन्क इहइ तब भी जरूर करइ चाही जब तू पचन्क पड़ोसी क गदहा मिलइ, ओकर ओढ़नन मिलइँ या कउनो चीज पड़ोसी खोइ देत ह। अगर तू पावत ह, तउ तोहका नज़रअन्दाज नाहीं रहइ चाही।

4“अगर तोहरे पड़ोसी क गदहा या ओकर गइया सड़क पइ पड़ी होइ तउ ओहसे आँखी नाहीं फेरि लेइ चाही। तू पचन्क ओका फुनि उठावइ मँ ओकर मदद करइ चाही।

5“कउनो मेहरारु क कउनो मनई क ओढ़ना नाहीं पहिरइ चाही अउर कउनो मनसेधू क कउनो मेहरारु क ओढ़ना नाहीं पहिरइ चाही। यहोवा तोहार परमेस्सर ओहसे घिना करत ह जउन अइसा करत ह।

6“कउनो राहे स टहरत समइ तु पचे बृच्छ पइ या भुइँया पइ चिरइयन क घोंसला पाइ सकत ह। अगर मादा चिरई आपन बच्चन क संग बइठी होइ या आपन अण्डन पइ बइठी होइ तउ तू पचन्क मादा चिरई क बच्चन क संग नाही पकड़इ चाही। **7**तू पचे बच्चन क आपन बरे लइ सकत ह। मुला तू पचन्क महतारी क तजि देइ चाही। अगर तू पचे इ नेमन क मानत ह तउ तोहरे बरे सब कछू नीक होइ अउर तू लम्बे समइ तलक जिअत रहब्या।

8“जब तू पचे कउनो नवा घर बनावा तउ तू पचन्क आपन छते क चारिहुँ कइँती देवार खड़ी करइ चाही। तब तू पचे कउनो मनई क अपराधी नाहीं होब्या अगर उ छते पइ स भहरात ह।

कछू चीजन जेनका एक संग नाहीं रखइ चाही

9“तू पचन्क आपन अंगूरे क बगिया मँ अनाजे क बिअन क नाहीं बोवइ चाही। काहेकि अनाज या अंगूर जउन बोवइ भवा बिअन स उगिहीं ओनका अलग रखइ क होइ।

10“तू पचन्क बर्धा अउ गदहा क एक संगे हर जोतइ मँ नाहीं लगावइ चाही।

11“तू पचन्क उ ओढ़नन क नाहीं पहिरइ चाही जेका अन अउ सूते स एक संग बुना भवा होइ। **12**“तू पचन्क आपन पहिरा जाइवाला चोगा क चारिहुँ कोनन पइ फुंदनन जरूर लगावइ चाही।

बियाह क नेमन

13“अगर एक मनई कउनो लड़की स बियाह करइ अउर ओसे तने स सम्बन्ध करइ। तब होइ सकत ह। उ फइसला करत ह कि उ ओका पसन्द नाहीं अहइ। **14**उ झूठ बोलि सकत ह अउर कह सकत ह, ‘मइँ उ मेहरारु स बियाहेउँ, मुला जब हम पचे तने स सम्बन्ध किहेउँ तब मालूम भवा कि उ कुआँरी नाहीं अहइ।’ ओकरे खिलाफ अइसा सरमनाक बात कहइ पइ लोग उ मेहरारु क सम्बंध मँ बुरा विचार रख सकत हीं। **15**अगर अइसा होत ह तउ बिटिया क महतारी अउर बाप क इ बात क सबूत सहर क फाटक जगह पइ नगर-प्रमुखन क लगे लिआवइ चाही कि बिटिया कुआँरी

रही। 16लड़की क बाप क नगर-प्रमुखन स कहइ चाही,
'मइँ आपन बिटिया क उ मनई क पत्नी होइ बरे दिहेउँ,
मुला अब उ ओका नाहीं चाहत।' 17इ मनई मोरी बिटिया क
खिलाफ झूठ बोलेस ह। उ कहेस, "मइँ तोहार बिटिया क
कुआँरी नाहीं पावइ ह। मुला इ मोर बिटियन क कुआँरिपन
क सबूत अहइ। तब उ पचे उ ओढ़ना* क नगर-प्रमुखन
क देखइहीं।'" 18तब नगर-प्रमुख उ मनई क लेइहीं अउर
ओका सजा देइहीं। 19उ पचे ओह पइ सौ चाँदी क सेकेल
क जुर्माना करिहीं। उ पचे उ रुपिया क लड़की क पिता क
देइहीं काहेकि ओकर भतार एक इस्राएली बिटिया पइ
कलंक लगाएस ह अउर बिटिया उ मनई क पत्नी बनी
रही। उ आपन पूरी जिन्नगी ओका तलाक नाहीं दइ सकत।
20"मुला जउन बातन भतार आपन पत्नी क बारे मँ कहेस
उ सबइ फुर होइ सकत हीं। पत्नी क महतारी-बाप क लगे
इ सबूत नाहीं होइ सकत कि बिटिया कुआँरी रही। 21अगर
अइसा होत ह तउ नगर-प्रमुख उ बिटिया क ओकरे बाप क
दुआरे पइ लइ अइहीं तब नगर क मनई ओका पाथर स
मार डइहीं। काहेकि उ इस्राएल मँ लज्जावाली बात किहस।
उ आपन बाप क घरे मँ रंडी जइस बेउहार किहस ह। तू
पचन्क आप लोगन मँ स हर बुराई क दूर करइ चाही।

जिनाखोरी क पाप

22"अगर कउनो मनई कउने दूसरे क पत्नी क संग तने
क सम्बन्ध करत भवा पावा जात ह तउ दुइनउँ मारा जाब्या,
उ मेहरारू अउ उ मनसेधु जउन ओकर संग तने क
सम्बन्ध किहेस ह। तू पचन्क इस्राएल स इ बुराई दूर करइ
चाही। 23"कउनो मनई कउनो उ कुआँरी बिटिया स मिल
सकत ह जेकर दूसरे स पक्का होइ चुका अहइ। उ ओकरे
संग तने क सम्बन्ध भी कइ सकत ह। अगर सहर मँ
अइसा होत ह तउ 24तू पचन्क ओन दुइनउँ क उ सहर क
बाहेर फाटक पइ लावइ चाही अउर तू पचन्क ओन दुइनउँ
क पाथरन स मारि डावइ चाही। तू पचन्क मनई क एह बरे
मारि डावइ चाही कि उ दूसर क पत्नी क संग तने क
सम्बन्ध किहस अउर तू पचन्क बिटिया क एह बरे मारि
डावइ चाही कि उ सहर मँ रही अउर उ मदद बरे पुकार
नाहीं किहस। तू पचन्क आपन लोगन मँ स इ बुराई भी दूर
करइ चाही।
25"मुला कउनो मनई मैदानन मँ, बियाह क सगाई पक्की
भइ बिटिया क पकड़ लेत ह अउर ओसे बल लगाइके तने
क सम्बन्ध करत ह तउ अकेला उ जरूर मनई क मारि
डावइ चाही। 26तू पचन्क बिटिया क संग कछू भी नाहीं
करइ चाही काहेकि उ अइसा कछू भी अपराध नाहीं किहस
जउन ओका मउत क सजा क काबिल बनावत ह। इ मामला
वइसा ही अहइ जइसा कउनो मनई क निर्दोख मनई पइ
आक्रमण अउ ओकर कतल करतह। 27उ मनई बियाह क
सगाई पक्की कीन्ह भइ बिटिया क मैदान मँ धरेस। बिटिया
मदद बरे गोहार लगाएस, मुला कउनो ओकर मदद करइवाला
नाहीं रहा।
28"कउनो मनई कउनो कुआँरी बिटिया जेकर बरिच्छा
नाहीं भइ अहइ, क धइ लेत ह अउर ओका आपन संग
बल स तने क सम्बन्ध करइ क मजबूर कइ सकत ह।
अगर उ परगट होइ जात ह, 29तउ ओका बिटिया क बाप
क पचास सेकेल चाँदी देइ चाही अउर बिटिया ओकर पत्नी
होइ जाइ। काहेकि उ ओकरे संग तने क सम्बन्ध किहस।
उ ओका पूरी जिन्नगी तलाक नाहीं दइ सकत।
30"कउनो मनई क आपन सौतेली महतारी क संग सादी
कइके आपन बाप पइ कलंक नाहीं लगावइ चाही।"

उ सबइ लोग उपासना मँ सामिल होइ सकत हीं

23 "इ सबइ लोग इस्राएल क लोगन क संग यहोवा
क उपासना करइ बरे नाहीं आइ सकतेनः उ मनई
जउन आपन क बधिया कराइ लिहस ह, उ मनई जउन
आपन जनन अंग कटवाइ लिहस ह 2या उ मनई जउन बिना
बियाहे भए महतारी-बाप क सन्तान होइ। इ मनई क परिवार
क कउनो मनई दसईं पीढ़ी तलक भी यहोवा क लोगन मँ
यहोवा क उपासना करइ बरे नाहीं गना जाइ सकत।
3"कउनो अम्मोनी या मोआबी यहोवा क लोगन स सम्बंध
रखत भवा नाहीं होइ सकत अउर दस पीढ़ियन तलक
ओनकर कउनो सन्तान भी यहोवा क लोगन क हींसा यहोवा
क उपासना करइ बरे नाहीं बन सकत। 4काहेकि अम्मोनी
अउर मोआबी लोग मिस्र स बाहेर आवइ क जात्रा क समइ
तू लोगन क रोटी अउ पानी देइ स इन्कार किहे रहेन। उ
सबइ यहोवा क लोगन क हींसा एह बरे भी नाहीं होइ
सकतेन काहेकि उ पचे बिलाम क तू पचन्क अभिसाप देइ
बरे मुकर्रर किहे रहेन। (बिलाम अरम्नहरैम मँ पतोर सहर क
बोर क पूत रह।) 5मुला यहोवा परमेस्सर बिलाम क एक
नाहीं सुनेस। यहोवा अभिसाप क तोहरे बरे बरदान मँ बदल
दिहस। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्स पिरेम करत
ह। 6तू पचन्क अम्मोनी अउ मोआबी लोगन्क संग सान्ति
रखइ क कोसिस कबहुँ नाहीं रखइ चाही। जब तलक तू
लोग रहा, ओनसे मिताई जिन राखा।

इ सबइ जेनका इस्राएलियन क अपने मँ मिलावइ चाही

7"तू पचन्क एदोमी स घिना नाहीं करइ चाही। काहेकि उ
तोहार सम्बंधी अहइ। तू पचन्क कउनो मिस्री स घिना नाहीं
करइ चाही। काहेकि ओनके देस मँ तू पचे अजनबी रह्या।
8एदोमी अउर मिस्री लोगन स पइदा तीसरी पीढ़ी क गदेलन
यहोवा क लोगन क हींसा बन सकत हीं।

फउज क छाउनी क स्वच्छ रखब

9"जब तोहार फउज दूस्मन क खिलाफ जाइ, तब तू पचे
ओन सबहिं चीजन स दूर रहा जउन तू पचन्क बे पवित्तर
बनावत हीं। 10अगर कउनो अइसा मनई अहइ जउन इ
कारण पवित्तर नाहीं अहइ कि रात मँ सपनदोस होइ गवा
बाटइ तउ ओका छाउनी क बाहेर चला जाइ चाही। ओका

ओढ़ना अक्सर मेहरारू क संग पहिले तने क सम्बंध क समइ मँ भितरे क झिल्ली फटि जाइसे तनिक रकत आवत ह। दुलहिन अपने बियाहे क रात क बिछउना क ओढ़ना क इ सिद्ध करइ बरे राखत रही कि उ बियाहे क समइ कुआँरी रही।

छाउनी स दूर रहइ चाही। 11मुला जब साँझ होइ तब उ
मनई क पानी स नहाइ चाही अउर जब सूरज बूड़इ तब
ओका छाउनी मँ आवइ चाही।
12“तू पचन्क छाउनी क बाहेर दिसा फरागत बरे जगह
बनवइ चाही। 13अउर तू पचन्क आपन हथियार क संग
खनइ बरे एक ठु खन्ती रखइ चाही। एह बरे जब तू पचे
फरागत करब्या तब तू एक ठु गड़हा खना अउर ओका
ढाँकि द्या चाही। 14काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे
डेरन मँ दुस्मनन क हरावइ मँ तोहार मदद करइ बरे तोहरे
संग अहइ। एह बरे डेरा पवित्तर रहइ चाही। तब यहोवा तू
पचन मँ कछू भी अनुचित न लखी अउर तोहे सबन्स आँखी
न फेरी।

दूसर नेमन

15“अगर कउनो दास आपन मालिक क हिआँ स पराइके
तोहरे लगे आवत ह तउ तू पचन्क उ दास क ओकरे
मालिक क नाहीं लउटावइ चाही। 16इ दास तोहरे संग जहाँ
चाहे हुआँ रहि सकत ह। उ जउने भी सहर क चुन लेइ
ओहमाँ रहि सकत ह। तू पचन्क ओका परेसान नाहीं करइ
चाही।
17“कउनो इस्राएली मेहरारु या मनसेधू क कबहुँ देवदासी
या देवदास नाहीं बनइ चाही। 18देवदास या देवदासी क कमावा
भवा धन तोहरे परमेस्सर क मन्दिर मँ नाहीं लिआवा जाइ
चाही। कउनो मनई दीन्ह भए बचन क कारण यहोवा क
दीन्ह जाइवाली चीज क बरे इ धने क उपयोग नाहीं कइ
सकत। यहोवा तोहार परमेस्सर सबहिं मन्दिरन क देवदास-
देवदासियन स घिना करत ह।
19“अउर तू पचे कउनो इस्राएली क उधार द्या तउ तू
पचे ओह पइ बियाज जिन ल्या। तू पचे उधार मँ लीन्ह गवा
सिक्कन, भोजन या कउनो अइसी चीज पइ बियाज मँ न
ल्या। 20तू पचे बिदेसियन स बियाज लइ सकत ह। मुला तू
पचन्क दूसर इस्राएली स बियाज नाहीं लेइ चाही। अगर तू
पचे इ नेमन क मनब्या तउ यहोवा तोहार परमेस्सर उ देस
मँ, जहाँ तू पचे रहइ जात अहा, जउन कछू तू पचे करब्या
ओहमाँ आसीस देइ।
21“जब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क बचन द्या, तउ
जउन तू पचे देइ क कहा ओन सब क देइ मँ ढीला जिन
ह्वा। अगर तू बचन दीन्ह गइ चीजन क नाहीं देब्या तउ
पाप क अपराध करब्या। यहोवा तोहार परमेस्सर चाहत ह कि
तू निहचय ही आपन वचन क जरूर पूरा करा। 22अगर तू
बचन नाहीं देब्या तउ तू पचे पाप नाहीं करत अहा। 23मुला
तू पचन्क उ चीजन क करइ चाही जेका करइ बरे तू पचे
कह्या ह कि तू करब्या। जब तू पचे अजादी स यहोवा
आपन परमेस्सर क बचन द्या तउ, तू पचन्क बचन दीन्ह
गइ बात क पूरी करइ चाही।
24“अगर तू दूसर मनई स अंगूर क बगिया स होइके
जात अहा, तउ तू जेतना चाहा ओतना अंगूर खाइ सकत ह।
मुला तू कउनो अंगूर आपन टोकरी मँ नाहीं रख सकब्या।
25जब तू दूसर क पका भवा अनाज क फसल क खेते स
होइके जात अहा तउ तू आपन हाथे स जेतना उजारा, खाइ
सकत ह। मुला तू हँसिया क उपयोग दूसर क अनाज क
काटइ अउर लेइ बरे नाहीं कइ सकत्या।

24 “जदि कउनो मनई कउनो मेहरारु स बियाह करत
ह, अउर उ मेहरारू ओका खूस नाहीं करत ह,
काहेकि उ मनई उ मेहरारू मँ कछू असलीलता पावत ह,
तउ उ ओक तलाक पत्र दइ सकत ह अउर ओका आपन
घरे स पठइ देइ सकत ह। 2जब उ ओकर घर तज दिहेस ह
तउ उ दूसर मनई क लगे जाइके ओकर पत्नी होइ सकत
ह। 3-4मुला मान ल्या कि नवा भतार भी ओका पसन्द नाहीं
करत अउर ओका बिदा कइ देत ह। अगर उ मनई ओका
तलाक देत ह तउ भी पहला भतार ओका फुन स पत्नी क
रुप मँ नाहीं राखि सकत या अगर नवा भतार मरि जात ह
तउ भी पहिला भतार ओका फुन पत्नी क रुप मँ नाहीं रख
सकत ह। उ दूसित होइ चुकी बाटइ। अगर उ ओसे बियाह
करत ह तउ उ अइसा काम करी जेहसे यहोवा घिना करत
ह। तू पचन्क उ देस मँ अइसा पाप नाहीं लावइ चाही जेका
यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे दइ देत अहइ।
5“नवा बियाहा क फउज मँ नाहीं पठवइ चाही अउर
ओका कउनो दूसर खास काम भी नाहीं देइ चाही। काहेकि
एक बरिस तलक ओका घरे पइ रहइ क अजाद होइ चाही
अउर आपन नई पत्नी क सुखी बनावइ चाही।
6“अगर कउनो मनई क तू कर्ज द्या तउ गिरवी क रुप
मँ ओकर आटा पीसइ क जाँत क कउनो पाट न रखा।
काहेकि अइसा करब ओका खइया करइ के तू ओकर
जिन्नगी क जरिया लइ लेब्या।
7“अगर कउनो इस्राएली मनई दूसर इस्राएली मनई क
अपहरण करत ह जउन ओकरे देस क अहइ अउर ओकरे
संग दूरव्यवहार करत ह या ओका बेच लेत ह तउ अपहरण
करइवाला जरुर मारा जाइ चाही। इ तरह तू आपन बीच स इ
बुराई क दूर करब्या।
8“अगर तू पचन्क कोढ़ होइ जाइ तउ तू पचन्क लेवी
बंसी याजकन क दीन्ह गइ सारी सिच्छा अंगीकार करइ मँ
होसियार रहइ चाही। तू पचन्क होसियारी स ओन सबइ
आदेसन क मानइ चाही जेनका देइ बरे मइँ याजकन स कहेउँ
ह। 9इ याद राखा कि यहोवा तोहार परमेस्सर मिरियम क
संग का किहेस जब तू पचे मिस्र स बाहेर निकरइ क जात्रा
पइ रह्या।
10“जब तू पचे कउनो मनई क कउनो तरह क कर्ज द्या
तउ ओकरे घरे मँ ओकर घरेलू सामान क, गिरवी रखी
चीज लेइ बरे जिन जा। 11तू पचन्क बाहेर ही खड़ा रहइ
चाही। तब उ मनई, जेका तू पचे कर्ज दिहा ह, तोहारे लगे
गिरवी रखी गइ चीज लिआइ। 12अगर उ गरीब अहइ तउ
उ आपन वस्त्रन क दइ देइ, जेहसे उ आपन क गरम रख
सकत ह। तू पचन्क ओकर गिरवी रखी चीज रात क नाहीं
रखइ चाही। 13तू पचन्क हर एक साँझ क ओकर गिरवी
धरी चीज क लउटाइ देइ चाही। तब उ आपन ओढ़नन मँ स
सोइ सकी। उ तोहार एहसानमंद रही अउर यहोवा तोहार
परमेस्सर इ लखी कि तू इ अच्छा काम किह्या ह।
14“तू पचन्क कउनो गरीब अउ जरुरतवाला मजूर पइ
अत्याचार नाही करइ चाही। एकर कउनो महत्व नाहीं कि उ

तोहार साथी इस्राएली बाटइ या उ कउनो बिदेसी अहइ जउन तोहरे सहरन मँ स कउनो एक मँ उ रहत बाटइ। 15सूरज बूड़इ स पहिले हर रोज ओकर मजूरी दइ द्या। काहेकि उ गरीब अहइ अउर उहइ धने पइ ओका सहारा अहइ। अगर तू ओकर भुगतान नाहीं करत्या तउ उ यहोवा स तोहरे खिलाफ सिकाइत करी अउर तू पचे पाप करइ क अपराधी होब्या। 16“गदेलन क जरिये कीन्ह गए कउनो अपराध बरे बाप क मउत क सजा नाहीं दीन्ह जाइ सकत। अउर गदेला क बाप क जरिये कीन्ह गए अपराध बरे मउत क सजा नाहीं दीन्ह जाइ सकत। कउनो मनई क ओकरे खुद क अपराध बरे ही मउत क सजा दीन्ह जाइ सकत ह।

17“तू पचन्क प्रवासी अउ अनाथन क संग गलत फइसला नाहीं करइ चाही। तू पचन्क राँड़ मेहररु स ओकर ओढ़ना कबहुँ भी गिरवी रखइ क बरे नाहीं लेइ चाही। 18तू पचन्क सदा सुमिरइ चाही कि तू पचे मिस्र मँ दास रह्या। इ जिन बिसस कि यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क हुआँ स बाहेर लिआवा। इहइ कारण अहइ कि मइँ तू पचन्क इहइ करइ क आदेस देत अहउँ।

19“तू पचे आपन खेत क फसल बटोरत रहि सकत ह अउर तू पचे तनिक भूलचूक स हुआँ छोड़ि सकत ह। तू पचन्क ओका लेइ नाहीं चाही। इ प्रवासियन, अनाथन अउर राँड़ मेहररुअन बरे होइ। अगर तू पचे ओनके बरे कछू अन्न छोड़त ह तउ यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क ओन सबहिं कामन मँ असीसी जउन तू पचे करब्या। 20जब तू पचे आपन जइतून क बृच्छन स फली झरब्या तउ तू पचन्क डारन क फुन जाँच करइ नाहीं जाइ चाही। जउन जइतून तू पचे ओहमाँ तज देब्या उ बिदेसियन, अनाथन अउर राँड़ मेहररुअन बरे होइ। 21जब तू पचे आपन अंगूरे क बगियन स अंगूर बटोरब्या तब तू पचन्क ओन अंगूर क लेइ नाहीं जाइ चाही जेनका तू पचे तजि दिहे अहा। उ सबइ अंगूर बिदेसियन, अनाथन अउर राँड़ मेहररुअन बरे होइहीं। 22याद राखा कि तू पचे मिस्र मँ दास रह्या। इहइ कारण अहइ कि तू पचन्क इ करइ क आदेस देत अहउँ।

25 “अगर दुइ मनइयन मँ झगड़ा होइ तउ ओनका अदालत मँ जाइ चाही। निआवाधीस ओनके मोकदमा क फइसला करिही। ओनका निर्दोख क रिहा अउ दोसी क सजा देइ चाही। 2अगर अपराधी मनई पीटा जाइ जोग्ग अहइ तउ निआवाधीस ओका मुँहे क बल ओलारी। ओका निआवाधीस क समन्वा ओकरे अपराध क अनुसार ओतनी दाईं पीटा जाई चाही जेतना दाईं उचित होइ। 3कउनो मनई क चालीस दाईं तलक पीटा जाइ सकत ह, मुला ओसे जियादा नाहीं। अगर उ ओहसे जियादा बार पीटा जात ह तउ एहसे पता चली कि उ मनई क जिन्नगी तोहरे बरे महत्वपूर्ण नाहीं।

4“जब तू पचे अन्न क अलगावइ बरे गोरुअन क उपयोग करा तब ओनका खाइ स रोकइ बरे ओनके थूथुन क जिन बाँधा।

5“अगर दुइ भाई एक संग रहत होइँ अउर ओनमाँ स एक ठुलाऔलाद मरि जाइ तउ मरे भए भाई क पत्नी क बियाह परिवार क बाहेर कउनो अजनबी स नाहीं होइ चाही। ओकरे भतारे क भाई क ओका पत्नी क रूप मँ लइ चाही अउर ओकर लगे जाइ चाही अउर ओकरे बरे भतार क भाई क कर्तव्य पूरा करइ चाही। 6तब जउन पहिलौटी पूत ओसे पइदा होइ उ मनई क मरे भाई क जगह लेइ। तब मरे भाई क नाउँ इस्राएल स बाहेर नाहीं कीन्ह जाइ। 7अगर उ मनई आपन भाई क पत्नी क अंगीकार करइ नाहीं चाहत, तब भाई क पत्नी क बइठकवाली जगह पइ नगर-प्रमुखन क लगे जाइ चाही। ओकरे भाई क पत्नी क नगर प्रमुखन स कहइ चाही, ‘मोरे भतार क भाई इस्राएल मँ आपन भाई क नाउँ बनाए रखइ स इन्कार करत ह। उ मोरे बरे आपन भाई क कर्तव्य क पूरा नाहीं करी।’ 8तब नगर-प्रमुखन क उ मनई क बोलावइ चाही अउ ओसे बात करइ चाही। अगर उ मनई जिद्दी अहइ अउर कहत बाटइ, ‘मइँ ओका अंगीकार करइ नाहीं चाहत हउँ।’ 9तब ओकरे भाई क पत्नी नगर प्रमुखन क समन्वा ओकरे लगे आवइ। उ ओकरे गोड़ स पनही उतारि लेइ अउर ओकरे मुँहे पइ थूकइ। ओका कहइ चाही, ‘इ उ मनई क कीन्ह जात इ कारज अहइ कि उ आपन भाई क परिवार न बसाइ।’ 10तब उ भाई क परिवार, बुलावा जाब्या, ‘उ मनई क परिवार जउन आपन जूता पनही, उतार दिहस।’

11“दुइ मनई आपुस मँ झगड़ सकत हीं। ओनमाँ एक क पत्नी आपन भतारे क मदद करइ आइ सकत ह। मुला ओका दूसर मनई क गुप्त अंगन क नाहीं धरइ चाही। 12अगर उ अइसा करत ह तउ ओकर हाथ काट डावा, ओकरे बरे दुःखी जिन ह्वा।

13“लोगन क धोखा देइ बरे जाली बटखरा जिन रखा। ओन बटखरन क उपयोग जिन करा जउन असली वजन स कमती या जियादा होइँ। 14आपन घरे मँ ओन नाप जोख क न रखा जउन सही नाप जोख स बहोत बड़ा या बहोत नान्ह न होइँ। 15तू पचन्क ओन बटखरन अउ नाप-जोख क बइपरइ चाही जउन सही अउर ईमानदारी क परिचायक अहइ। तू पचे उ देस मँ लम्बी उमिरवाला होब्या जेका यहोवा, तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। 16यहोवा तोहार परमेस्सर ओनसे घिना करत ह जउन जाली बटखरा अउर नाप जोख बइपरिके धोखा देत बाटेन। हाँ, उ सबइ ओन सबहिं लोगन स घिना करत ह जउन बेईमानी करत हीं।

अमालेक क लोगन्क नस्ट कइ देइ चाही

17“तू पचन क याद करइ चाही कि जब तू पचे मिस्र छोड़ेस तब अमालेक क लोग तोहरे संग का किहेन। 18अमालेक क लोग परमेस्सर क सम्मान नाहीं किहन। उ पचे तू पचन्क पइ पाछे स तब हमला किहन जब तू पचे थका भवा अउर कमजोर रह्या। उ पचे तोहरे ओन सब लोगन्क मार डाएन जउन सुस्त होइके पीछे चलत रहेन। 19एह बरे तू लोगन्क अमालेक क लोगन्क याद क संसारे स मेट देइ चाही। इ तू लोग तब करब्या जब उ देस मँ जाब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। हुआँ उ पचे तू सबन्क चारिहुँ कइँती क दुस्मनन स छुटकारा दिअइहीं। मुला अमालेकियन क नास करब जिन बिसरा।

पहिली फसिल क बारे मँ नेम

26 "तू पचे हाली ही उ देस मँ घुसब्या जेका यहोवा
तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे देत अहइ। जब
तू पचे हुआँ क भुइँया पइ कब्जा कइ ल्या अउ ओह पइ
रहइ लाग्या, 2तब तू पचन्क आपन क तनिक फसिल लेइ
चाही अउर ओका एक टोकरी मँ धरइ चाही। उ पहिली
फसिल होइ जेका तू पचे उ देस स पउब्या जेका यहोवा
तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ। तनिक पहिली
फसिल वाला टोकरी क ल्या अउर उ ठउर पइ जा जेका
यहोवा तोहार परमेस्सर चुनी। 3उ समइ सेवा करइवाला
याजक क लगे तू पचन्क जाई चाही अउर ओहसे कहइ
चाही, 'आजु मइँ यहोवा आपन परमेस्सर क लगे इ एलान
करत हउँ कि हम पचे उ देस मँ आवा अही जेका यहोवा
हम लोगन क देइ बरे हमरे पुरखन क बचन दिहे रहा।'
4"तब याजक टोकरी क तोहरे हाथे स लेइ। उ एका
यहोवा तोहरे परमेस्सर क वेदी क समन्वा रखी। 5तब तू पचे
यहोवा आपन परमेस्सर क समन्वा इ कहब्या: 'मोर पुरखा
घुमक्कड़ अरामी रहा।* उ मिस्र पहोंचा अउर हुआँ रहा।
जब उ हुआँ गवा तब ओकरे परिवार मँ बहोत कम लोग
रहेन। मुला मिस्र मँ उ एक सक्तीवाला बहोत स मनइयन
वाला महान रास्ट्र बन गवा। 6मिस्रियन हम लोगन क संग
बहोतइ बुरा बेउहार किहन। उ हम लोगन क मुसीबत मँ
डाइ दिहेन अउ कठिन कारज करइ बरे निस्चित किहेन।
7तब हम पचे यहोवा आपन पुरखन क परमेस्सर स पराथना
कीन्ह अउर ओनका गोहार लगाएन यहोवा हमरउ सुनेस
अउर उ हम लोगन्क परेसानियन, हमरे कठोर काम अउ
अत्याचार क लखेस। 8तब यहोवा हम लोगन्क आपन प्रबल
सक्ती अउ मजबूती स मिस्र स बाहेर लइ गवा। उ डरावना
बातन, महान चमत्कारन अउ अचरजन कर्म किहस। 9इ तरह
हम लोगन्क इ ठउरे पइ लिआवा। उ दूध अउर सहद बहत
भवा देस हम पचन्क दिहस। 10यहोवा, अब मइँ उ देस क
पहिली फसिल तोहरे लगे लिआएउँ ह जेका तू मोका दिह्या
ह।'

"तब तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क समन्वा रखइ
चाही अउर तू पचन्क ओका निहुर करइ चाही। 11तब तू
पचे ओन सब नीक चीजन्क क आनन्द स भोग कइ सकत
ह जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क अउर तोहरे परिवार
क दिहस ह। लेवी बंसी अउर उ सबइ प्रवासी जउन तोहरे
बीच रहत हीं तोहरे संग इ चीजन्क आनन्द लइ सकत हीं।

12"जब तू पचे दसवाँ हींसा जउन तीसरे बरिस (दसवाँ
हींसा क बरिस) तोहरी फसिल क दीन्ह जाइ क अहइ, दइ
चुका तब तू पचन्क लेवी बंसियन, बिदेसियन, अनाथन अउर
राँड़ मेहररुअन क एका दइ देइ चाही। तब हर एक सहर मँ
उ पचे खाइ सकत हीं अउर सन्तुट्ठ कीन्ह जाइ सकत हीं।
13तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर स कहब्या, 'मइँ आपन घरे
स आपन फसिल क पवित्तर हींसा दसवाँ हींसा बाहेर निकारि
दिहेउँ ह। मइँ एका ओन सबहिं लेवी बंसियन, बिदेसियन,
अनाथन अउर राँड़ मेहररुअन क दइ दिहेउँ ह। जइसा तू
मोका आदेस दिहेस रहा मइँ एका ओन सबहिं अदेसन क
मानइ स इन्कार नाहीं किहेउँ ह। मइँ ओनका बिसरेउँ नाहीं।
14मइँ इ भोजन तब नाहीं किहेउँ जब मइँ सोक मनावत
रहेउँ। मइँ इ अनाज क तब अलग नाहीं किहेउँ जब मइँ
असुद्ध रहेउँ। मइँ इ अनाजे मँ स कउनो हींसा मरे मनई बरे
नाहीं दिहेउँ ह। मइँ यहोवा हमार परमेस्सर क आग्या क
मानेउँ ह। मइँ उ सब कछू किहेउँ ह जेकरे बरे तू आग्या
दिह्या ह। 15तू आपन पवित्तर आवास सरग स खाले निगाह
डावा अउर आपन लोगन, इस्राएलियन क आसीर्बाद द्या
जेका तू हम लोगन्क वइसा ही दिह्या ह जइसा तू हमरे
पुरखन क बढ़िया चीजन्स भरा-पूरा देस देइ ल बचन दिह्या
रह्या।

यहोवा क हुकुमन पइ चला

16"आजु यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क आदेस देत
अहइ कि तू पचे इ सबइ बिधियन अउ नेमन क माना।
आपन पूरा हिरदय अउर आपन पूरी आतिमा स एनका मानइ
बरे होसियार रहा। 17आजु तू पचे इ कह्या ह कि यहोवा
तोहार परमेस्सर अहइ। तू लोग बचन दिहा ह कि तू पचे
ओकरे राहे पइ चलब्या, ओकरे हुकुमन, आदेसन अउर नेमन
क मनब्या। तू पचे कह्या ह कि तू पचे उ सब कछू करब्या
जेका करइ बरे उ कहत ह। 18आजु यहोवा तू पचन्क आपन
लोग क रूप स्वीकार किहेस। अउर तोहका आपन मूल्यवान
सम्पत्ति बनाइ बरे बचन दिहस ह। अउर तू पचन्क ओकरे
सब आदेसन क मानइ चाही। 19यहोवा तू पचन्क ओन सबहिं
रास्ट्रन स महान बनाई जेनका उ बनाएस ह। उ तू पचन्क
तारीफ, जस अउर गौरव देइ अउर तू पचे ओकर खास
लोग होब्या, जइसा उ बचन दिहेस ह।"

नेमन पाथरन पइ लिखा जाइ चाही

27 मूसा अउर इस्राएल क प्रमुखन मनइयन क आदेस
दिहस। उ कहेस, "ओन सबहिं आदेसन क माना
जेनका मइँ आजु देत हउँ। 2जउने दिन तू यरदन नदी पार
कइके उ देस मँ घुसा जेका जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू
पचन्क देत अहइ उ दिन, आपन बरे बहोत बड़की सिलन
क तइयार करा। इ सबइ सिला क पलसतर स ढँकि द्या।
3तब इ उपदेस क सब बातन इ पाथरन पइ लिखी द्या। तू
पचन्क इ तब करइ चाही जब तू पचे यरदन नदी क पार
पहोंच जा। तब उ देस मँ जाइ सकब्या जउन मँ दूध अउर
सहद बहत अहइ जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत
अहइँ। यहोवा तोहरे पुरखन क परमेस्सर एँका दइके आपन
बचन क पूरा किहस ह।

4"यरदन नदी क पार जाइके पाछे तू पचन्क इ सिलन क
एबाल पहाड़े पइ आजु क मोरे आदेस क मुताबिक स्थापना
करइ चाही। तू पचन्क इ पाथरन क चूना क लेप स ढाँकि
देइ चाही। 5हुआँ पइ यहोवा आपन परमेस्सर क वेदी बनावइ
बरे भी कछू सिला क उपयोग करा। पाथरन क काटइ बरे
लोहा क अउजारन क उपयोग जिन करा। 6तू पचन्क यहोवा
आपन परमेस्सर क वेदी पूरा पाथरन स बनावा अउर तब
यहोवा आपन परमेस्सर बरे एह पइ होमबलि चढ़ावा।

मोर … अरामी रहा हिआँ इ सबइ इब्राहीम, इसहाक या साइद याकूब होइ सकत ह।

7तोहका मेलबलि चढ़ावइ चाही अउर ओनका खाइ चाही।
खा अउर यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी मँ खुसी क
समइ बितावा। 8तू पचन्क इ सबइ उपदेसन क पाथर क
सिलन पइ साफ साफ लिखि देइ चाही।"

नेम क अभिसाप

9मूसा अउर लेवी बंसी याजकन इस्राएल क सबहिं लोगन
स बात किहस। उ कहेस, "इस्राएलियो, सान्त रहा अउ सुना!
आजु तू लोग, यहोवा आपन परमेस्सर क लोग होइ गवा।
10एह बरे तू पचन्क उ सब कछू जरूर करइ चाही जउन
यहोवा तोहार परमेस्सर कहत ह। तू पचन्क ओकरे ओन
आदेसन अउ नेमन क जरूर मानइ चाही जेनका मइँ आजु तू
पचन्क दइ देत हउँ।"

11उहइ दिन, मूसा लोगन क आदेस दिहेस, 12"जब तू
पचे यरदन नदी क पार जाब्या ओकरे पाछे इ सबइ परिवार
समूह गिरिज्जीम पहाड़े पइ खड़ा होइ के लोगन्क आसीर्बाद
देइहीं: सिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, यूसुफ अउ बिन्यामीन।
13अउर इ सबइ परिवार समूह एबाल पहाड़े पइ अभिसाप
बाँचिहीं: रूबेन, गाद, आसेर, जबूलून, दान अउर नप्ताली।

14"अउर लेवी बंसी इस्राएल क सबहिं लोगन स ऊँची
अवाजे मँ कइहीं: 15'उ मनई अभिसाप स दबा बा जउन
लबार देवता बनावत ह अउर ओका गुप्त ठउरे मँ धरत ह।
लबार देवतन सिरिफ उ सबइ मूरतियन अहइँ जेका कउनो
कारीगर काठ, पाथर या धातु क बनावत ह। यहोवा ओन
चीजन स घिना करत ह!'

"तब सबहिं लोग जवाब देइहीं, 'आमीन!'

16"लेवी बंसी कइहीं, 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
आपन महतारी अउर बाप क बेज्जत करत ह।'

"सबहिं लोग जवाब देइहीं, 'आमीन!'

17"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
आपन पड़ोसी क चउहद्दी-चीन्हा क खिसकावत ह।'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन!'

18"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
आँधर क कुमार्ग पर चलावत ह।'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन!'

19"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
बिदेसियन, अनाथन अउर राँड़ मेहररुअन क संग निआव
नाहीं करत।'

"तब सब लोग कइहीं, 'आमीन!'

20"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
आपन बाप क पत्नी क संग तने क सम्बंध रखत ह
काहेकि उ आपन बाप क नंगा क तरह करत ह।'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन!'

21"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
कउनो तरह क जनावर क संग तने क सम्बंध रखत ह।'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन!'

22"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
आपन महतारी क बिटिया या आपन बाप क बिटिया, आपन
बहिन क संग तने क सम्बंध रखत ह।'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन!'

23"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित बाटइ जउन
आपन सास क संग तने क सम्बंध रखत ह।'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन।'

24"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
दूसर मनई क लुकाई क कतल करत ह!'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन!'

25"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
निर्दोख क कतल बरे धन वसूलत ह!'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन!'

26"लेवी बंसी कइहीं: 'उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन
इ उपदेसन क समर्थन नाहीं करत अउर ओका पालन नाहीं
करत।'

"तब सबहिं लोग कइहीं, 'आमीन!'"

आसीर्बाद

28 "अगर तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क इ सबइ
कानून क मानइ मँ होसियार रहब्या अउर ओका
सावधानी स पालन करब्या जेनका मइँ आजु बतावत हउँ तउ
यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क धरती क सब रास्ट्रन क
ऊपर स्रेस्ठ करी। 2अगर तू यहोवा आपन परमेस्सर क
आदेसन क मनब्या तउ इ सबइ वरदान तोहरे लगे अइहीं
अउर तोहार होइहीं:

3"तोहरे सहरन अउ खेतन क असीसी कीन्ह जाब्या।

4तोहरे गदेलन क आसीर्बाद दीन्ह जाई। उ तोहरी भुइँया
क बढ़िया फसिल क वरदान देइ अउर तोहरे गोरुअन क
बच्चन देइ क वरदान देइ। तोहरे लगे बहोत स मवेसी अउर
भेड़ होइहीं।

5यहोवा तू पचन्क बढ़िया अनाज क फसिल अउर बहोत
जियादा भोजन पावइ क असीसी।

6तू पचन्क आसीर्बाद दीन्ह जाई जब तू पचन्क आवई
अउर जावई।

7"यहोवा तू पचन्क ओन दुस्मनन पइ विजयी बनाई जउन
तोहरे खिलाफ होइहीं। तोहार दुस्मन तोहरे खिलाफ एक रस्ता
स अइहीं मुला उ पचे तोहरे समन्वा सात ठु राहे मँ पराइ
जइहीं।

8"यहोवा तू पचन्क खरिहान क आसीर्बाद देइ। तू पचे
जउन कछू तू करब्या उ ओकरे बरे आसीर्बाद देइ। उ पचे
तोहका उ भुइँया पइ आसीर्बाद देइ जेका यहोवा तोहार
परमेस्सर तोहाका दिहेस ह। 9यहोवा तू पचन्क आपन खास
लोग बनाई। यहोवा तू पचन्क इ वचन दिहे अहइ मुला सर्त
इ बाटइ कि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क हुकुमन क
माना अउ ओनकइ राहे पइ चला। 10तब धरती क सबहिं
लोग इ लखिहीं कि तू पचे यहोवा क नाउँ स जाना जात
अहा अउर उ पचे तोहसे सबन्स डेराइ जइहीं।

11"अउर यहोवा तू पचन्क बहोत स बढ़िया चीज देइ। उ
तू पचन्क बहोत स गदेलन देइ। उ तू पचन्क बहोत स गोरु
अउ बछवन क देइ। उ उ देस मँ बहोत-स बढ़िया फसिल
देइ जेका उ पचे तोहरे पुरखन क देइ क वचन दिहे रहेन।
12यहोवा सरग मँ आपन भण्डार खोलि देइ। उ आपन
वरदान स तोहरी भुइँया बरे ठीक समइ पइ बर्खा देइ। यहोवा

जउन कछू तू पचे करब्या ओकरे बरे आसीर्बाद देइ अउर बहोत स रास्ट्रन क कर्ज देइ बरे तोहरे पचन्क लगे धन होइ। मुला तू पचन्क ओन से कछू उधार लेइ क जरुरत नाहीं होइ। **13**यहोवा तू पचन्क मूँड़ बनाई, पूँछ नाहीं। तू पचे चोटी पइ होब्या, तलहटी पइ नाहीं। इ तब होइ जब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क ओन आदेसन पइ धियान देब्या जेनका मइँ आजु तू पचन्क देत अहउँ। **14**तू पचन्क ओन सिच्छन मँ स कउनो क उपेच्छा नाहीं करइ चाही जेनका मइँ आजु तू पचन्क देत हउँ। तू पचन्क एँनसे दाईं या बाईं कइँती नाहीं जाइ चाही। तू पचन्क उपासना बरे दूसर देवतन क पाछे नाहीं चलइ चाही।

अभिसाप

15"अगर तू यहोवा आपन परमेस्सर क जरिये कही गइ बातन पइ धियान नाहीं देत्या अउर आजु मइँ जउने आदेसन अउ नेमन क बतावत अहउँ, होसियारी स पालन नाहीं करत्या तउ इ सबइ अभिसाप तू पचन्प अइहीं।

16"तोहका तोहरे सहरन अउर मइदानन मँ अभिसापित कीन्ह जाइ।

17यहोवा तोहरी टोकरियन अउ बर्तनन क अभिसापित करी। अउ तू पचन्क काफी भोजन नाहीं मिली।

18तू पचन्क गदेलन अभिसाप पइहीं। तोहरी धरती क फसलन तोहरे गोरुअन क बछवन अउ तोहरे झुण्डे क बच्चन अभिसाप पइहीं।

19तू आपन आवइ अउर जावइ पइ अभिसापित कीन्ह जाब्या।

20"अगर तू पचे बुरा काम करब्या अउर आपन यहोवा स मुँह फेर लेब्या, तउ तू पचे अभिसाप पउब्या। तू पचे जउन कछू करब्या ओहमाँ तू पचन्क क अव्यवस्था अउ फटकार क सामना करइ क होइ। उ इ तब तलक करी जब तलक तू पचे हाली स अउ पूरी तरह स बरबाद नाहीं होइ जात्या। **21**अगर तू पचे यहोवा क हुकुम नाहीं मनत्या तउ उ तू पचन्क तब तलक महामारी स दुखी करत रही जब तलक तू उ देस मँ पूरी तरह बरबाद नाहीं होइ जात्या जेहमाँ तू पचे रहइ बरे प्रवेस करत अहा। **22**यहोवा तू पचन्क रोग स दुखी अउ दुर्बल होइ क दण्ड देइ। तू पचन्क बोखार अउ सूजन होइ। यहोवा तोहरे लगे भयंकर गर्मी पठइ अउर तोहरे हिआँ बर्खा नाहीं होइ। तोहार फसलन गर्मी अउ रोग* स बरबाद होइ जइहीं। तू पचन्प इ सबइ मुसीबतन तब तलक अइहीं जब तलक तू पचे मर नाहीं जात्या। **23**अकासे मँ कउनो बादल नाहीं रही अउर आकास काँसा सरीखा होइ जाइ। अउर तोहरे पचन्क खाले धरती लोहा क सरीखा होइ। **24**बर्खा क बदले यहोवा तोहरे पास अकासे स रेत अउ धूरि पठइ। इ तोहे सबन पइ तब तलक आइ जब तलक तू पचे बरबाद नाहीं होइ जात्या।

दुस्मनन स हार जाइ क अभिसाप

25"यहोवा तोहरे पचन्क दुस्मनन क जरिये तू पचन्क हराइ। तू पचे आपन दुस्मनन क खिलाफ एक राहे स जाब्या अउर ओनके समन्वा स सात ठु राहे स पराइ जाब्या। तोहरे सबन क ऊपर जउन मुसीबतन अइहीं उ सबइ सारी धरती क लोगन क डेरवाइ देइहीं। **26**तोहार पचन्क क ल्हासियन क सबइ जंगली जनावर अउ पंछियन क चारा बनिहीं। कउनो मनई ओनका डेराइके तोहरी ल्हासियन स पराइवाला न होइ।

दूसर रोगन क अभिसाप

27"अगर तू यहोवा क हुकुम क नाहीं मनत्या तउ उ तू पचन्क वइसेन फोड़ा होइ क सजा देइ जइसे फोड़न क उ मिस्री लोगन पइ पठए रहा। उ तू पचन्क ला-इलाज सूजन, पीड़ा युक्त फोड़न अउ खजुरी स दु:खी करी। **28**यहोवा तू पचन्क पागल बनाइके सजा देइ। उ तू पचन्क आँधर बनाइ अउ उलझन मँ डाइ देइ। **29**तू पचन्क दिन क प्रकास मँ आँधर क नाईं आपन राह टटोलइ क होइ। तू पचे जउन कछू करब्या ओहमाँ तू पचे असफल रहब्या। लोग तू पचन्प बार बार प्रहार करिहीं अउर तोहार चिजियन क चोरइहीं। तू पचन्क बचावइवाला हुआँ कउनो भी न होइ।

चीज हेराइ क अभिसाप

30"तोहार बियाह कउनो मेहरारु क संग पक्का होइ सकत ह, मुला कउनो दूसर मनई ओकरे संग बलत्कार करी। तू पचे कउनो घर बनाइ सकत ह, मुला तू पचे ओहमाँ रहब्या नाहीं। तू पचे अंगूरे क बगिया लगाइ सकत ह, मुला एहसे कछू भी बटोर नाहीं सकत्या। **31**तोहार बर्धा तोहरी आँखिन क समन्वा मारा जाइ मुला ओकर कछू भी गोस नाहीं खाइ सकत्या। तोहार पचन्क गदहा तू पचन्स जबरदस्ती हरिके लइ जावा जाइ इ तू पचन्क लउटा नाहीं जाइ। तोहार पचन्क भेड़ तोहरे दुस्मनन क दइ दीन्ह जइहीं। तोहार पचन्क क रच्छक कउनो भी मनई न होइ।

32"तोहार पचन्क पूतन अउ बिटियन दूसर जाति क मनइयन क दइ दीन्ह जइहीं। तोहार अखियन गदेलन क निहारइ बरे सारे दिन टकटकी लगाए रइहीं काहेकि तू पचे गदेलन क लखइ चहब्या। मुला तू पचे जोहत जोहत कमजोर होइ जाब्या, तू पचे असहाय होइ जाब्या।

दूसर अभिसाप

33"उ रास्ट्र जेका तू पचे नाहीं जनत्या, तोहरे पसीना क कमाई क फसिल खाब्या अउ आनन्दित होब्या। तोहार संग सदा दुरव्यवहार अउ दुरुपयोग कीन्ह जाब्या। **34**जउन चिजियन क तू लखब तोहका दीवाना बनाइ देब। **35**यहोवा तू पचन्क दर्दवाला फोड़न क सजा देइ। इ सबइ फोड़न तोहरे घुटनन अउ गोड़न पइ होइहीं। उ सबइ तोहरे पचन्क क तलवा स लइके मूड़े क ऊपर तलक फइल जइहीं अउर तोहार पचन्क इ फोड़न भरिहीं जाहीं।

36"यहोवा तू पचन्क अउ तोहरे राजा जेका तू आपन बरे चुनेस ह, क उ रास्ट्र म पठइ जेका तू पचे नाहीं जानत होब्या। तू पचे अउ तोहार पुरखन उ रास्ट्र क कबहुँ नाहीं लखे होइहीं। हुआँ तू पचे काठ अउ पाथर क बने भए दूसर

रोग इ हरदा रोग होइ सकत ह जेहसे फसलन क बाल पिअर पड़ जात हीं अउर ओनमाँ दाना आउब रुकि जात ह।

देवतन क पूजब्या। **37**जउने देसन मँ यहोवा तू पचन्क पठइ ओन देसन क लोग तू लोगन पइ आइ भइ मुसीबतन क सुनिके हक्का बक्का रहि जइहीं। उ पचे तोहार हंसी उड़इहीं अउर तोहार निन्दा करिहीं।

विफल होइ क अभिसाप

38"तू पचे आपन खेतन मँ बोवइ बरे जरुरत स जियादा बहोत जियादा बिआ लइ जाब्या। मुला तोहार उपज कमती होइ। काहेकि टिड्डियन तोहार फसिल चाट जइहीं। **39**तू पचे अंगूरे क बगिआ लगउब्या अउ ओहमाँ कठिन मेहनत करब्या। मुला तू पचे ओहमाँ स अंगूर बटोरब्या नाहीं अउ न ही ओनसे दाखरस पीब्या। काहेकि ओनका किरवन खाइ लेइहीं। **40**तोहरी सारी भुइँआ मँ जइतून क बृच्छ होइहीं। मुला तू पचे ओकरे कछू भी तेले क उपयोग नाहीं कइ सकब्या। काहेकि तोहरे जइतून क बृच्छ आपन फलन क बरबाद होइ बरे गिराइ देइहीं। **41**तोहरे पचन्क पूतन अउ बिटियन होइहीं, मुला तू पचे ओनका आपन लगे नाहीं रख सकब्या। काहेकि उ पचे धरिके दूर लइ जावा जइहीं। **42**टिड्डियन तोहरे सबहिं खेतन अउ फलन क नास कइ देइहीं। **43**तोहरे बीच रहइवाले विदेसी जियादा स जियादा सक्ती बढ़ावत जइहीं अउर तू पचन मँ जउन भी सक्ती बाटइ ओका खोवत जाब्या। **44**उ पचे तोहका उधार देइ, मुला तू पचन्क ओका उधार देइ क जोग्ग धन नाहीं होइ। उ पचे मूँड़ क नाईं होइ। तू पचे पूँछे क नाईं बन जाब्या।

अभिसाप इस्राएलियन क बरबाद करिहीं

45"इ सबइ अभिसाप तू पचन्प पड़िहीं। उ पचे तोहार पाछा तब तलक करत रइहीं अउर तू पचन्क गहियाइके धरे रइहीं जब तलक तू पचे बरबाद नाहीं होइ जात्या। काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क कही भइ बातन क परवाह नाहीं किह्या। तू पचे ओकरे ओन आदेसन अउ नेमन क नाहीं मान्या जेका उ तू पचन्क दिहस। **46**इ सबइ अभिसाप मनइयन क बतइहीं कि परमेस्सर तू अउर तोहरे पचन्क संतानन क संग सदा ही निआव किहस ह।

47"यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क बहोत स बरदान दिहस मुला तू पचे ओकर सेवा खुसी स अउ उल्लास स भरे भए हिरदय स नाहीं किह्या। **48**एह बरे तू पचे आपन ओन दुस्मनन क सेवा करब्या जेनका यहोवा, तोहरे पचन्क खिलाफ पठइ। तू पचे भूखा, पिआसा अउर नंगा रहब्या। तोहरे लगे कछू भी न होइ। यहोवा तोहरी गर्दन पइ एक ठु लोहे क जुवा तब तलक धरी जब तलक तू पचन्क बरबाद नाहीं होइ जाइ।

दुस्मन रास्ट्र क अभिसाप

49"यहोवा तोहरे खिलाफ बहोत दूर स एक रास्ट्र क लिआइ। इ रास्ट्र पृथ्वी क दूसर कइँती स आइ। इ रास्ट्र तोहरे ऊपर अकासे स उतरत उकाब पंछी क नाईं हाली स हमला करी। तू पचे इ रास्ट्र क भाखा नाहीं समुझ पउब्या। **50**इ रास्ट्र क मनइयन क चेहरा कठोर होइहीं। उ पचे बुढ़वा लोगन क परवाह न करिहीं। उ पचे नान्ह नान्ह गदेलन पइ भी दयालु नाहीं होइहीं। **51**उ पचे तोहरे गोरुअन क बछवन अउ तोहरी धरती क फसिल तू पचे बरबाद होइ तलक खाइ। उ पचे तोहरे बरे अनाज, नई दाखरस, तेल, तोहरे गोरुअन क बछवन या तोहरे झुण्ड क भेड़ी क बच्चन क नाहीं छोड़िहीं। उ पचे इ तब तलक करत रइहीं जब तलक तू पचे नस्ट नाहीं होइ जात्या।

52"इ रास्ट्र तोहरे सबहिं सहरन क घेरि लेइ। तू पचे आपन सहरन क चारिहुँ कइँती ऊँची अउ मजबूत देवारे पइ भरोसा रखत अहा। मुला तोहरे देस मँ इ सबइ देवारन हर जगह भहराइ जइहीं। हाँ, उ रास्ट्र तोहरे उ देस क सबहिं सहरन पइ हमला करी जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। **53**जब तलक तोहार दुस्मन तोहरे सहर क घेरा डाए रही तब तलक तोहार बड़का नोस्कान होत रही। तू पचे एँतना भूखा रहब्या कि आपन गदेलन क भी खाइ जाब्या। तू पचे आपन पूतन अउ बिटियन क गोस खाब्या जेनका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दिहे बाटइ।

54"तोहार बहोत विनम्र सज्जन मनई भी आपन गदेलन, भाइयन, आपन पियारि पत्नी अउ बचे भए गदेलन क संग निर्दयी होइके बेउहार करी। **55**ओकरे लगे आपन सहरन पइ दुस्मन क हमला अउ घेराबन्दी क कारण कछू भी खाइ क नाहीं होइ। एह बरे उ आपन गदेलन क खाइ। मुला उ आपन परिवार क बचे भए सदस्सन क कछू नाहीं देइ!

56"तोहरे पचन्क बीच सब त जियादा विनम्र अउ सुकुमार मेहरारु भी उहइ करी। अइसी धन्नासेठ अउ सुकुमार मेहरारु भी जउन कहूँ जाइ बरे भुइँया पइ गोड़ भी न रखे होइ। उ आपन पियारा भतार या गदेलन क संग हींसा बँटावइ क विरोध करी। **57**उ जनम क बाद आपन ही गरभ क खेड़ी क खाइ अउ उ गदेला क भी जेका उ जन्मी। उ ओका छिपा रुप स खाइ। काहेकि हुआँ कछू भी खइया क नाहीं बचा बाटइ। इ तब होइ जब तोहार दुस्मन तोहरे सहरन क खिलाफ घेरा डाली अउर बहोत जियादा कस्ट पहोंचाइ।

58"इ किताबे मँ जेतना सब्दन अउ नेम लिखा बाटेन ओन सबन्क तू पचन्क मानइ चाही। तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मानित अउर महिमामय नाउँ क सम्मान करइ चाही। अगर तू पचे एँनका नाहीं मनत्या **59**तउ यहोवा तू पचन्क खउफनाक मुसीबत मँ डाइ देइ अउर तोहार सन्तानन खउफनाक मुसीबत उठइहीं अउर ओनका भयंकर रोग होइ जइहीं जउन लम्बे समइ तलक रइहीं **60**यहोवा मिस्र स सबहिं बेरमियन क लिआइ जेनसे तू पचे डेरात अहा। इ सबइ बेरमियन तू लोगन मँ रइहीं। **61**यहोवा ओन बेरमियन अउ अउ परेसानियन क तोहरे बीच लिआइ जउन इ व्यवस्था क किताब मँ नाहीं लिखी गइ अहइँ। उ इ तब तलक करत रही जब तलक तू पचे नस्ट नाहीं होइ जात्या। **62**तू पचे एँतना जियादा होइ सकत ह जेतना अकासे मँ तारा अहइँ। मुला तू पचन मँ कछू ही बचा रइहीं। तू पचन्क संग इ काहे होइ? काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क बात नाहीं मान्या।

63"पहिले यहोवा तोहार भलाइ करइ अउ तोहरे रास्ट्र क बढ़ावइ मँ खुस रहा। उहइ तरह यहोवा तू पचन्क नस्ट अउ बरबाद करइ मँ खुस होइ। तू पचे उ देस स बाहेर लइ जावा

जाब्या जेका तू पचे आपन बनावइ बरे ओहमाँ प्रवेस करत
अहा। **64**यहोवा तू पचन्क पृथ्वी क एक छोरे स दूसर छोर
तलक संसार क सबहिं लोगन मँ बिखेर देइ। हुआँ तू पचे
दूसर काठ अउ पाथर क देवतन क पूजब्या जेनका तू पचे
अउ तोहार पुरखन कबहुँ नाहीं पूजेन।

65"तू पचन्क एँन रास्ट्रन क बीच तनिकउ भी सान्ति नाहीं
मिली। तू पचन्क आराम क कउनो जगह नाहीं मिली।
यहोवा तू पचन्क दिमागन्क सबइ चिन्ता स भरि देइ। तोहार
सबन्क आँखिन पथराइ जइहीं। तू पचे आपन क उखड़ा भवा
महसूस करब्या। **66**तू पचे संकट मँ रहब्या। तू पचे दिन-रात
डेरान रहब्या। सदा ह सन्देह मँ घिरा रहब्या। तू पचे आपन
जिन्नगी मँ कबहुँ सुरच्छित नाहीं रहब्या। **67**भिन्सारे तू पचे
कहब्या, 'अच्छा होत, इ साँझ होत।' साँझ क तू पचे
कहब्या, 'अच्छा होत, इ भिन्सार होत!' काहेकि उ भय क
कारण अउर ओकरे कारण जउन तू पचे लखब्या। **68**यहोवा
तू पचन्क जहाजन मँ मिस्र वापस पठइ। मइँ इ कहेउँ कि तू
पचे उ जगह पइ दुबारा कबहुँ नाहीं जाब्या। मुला यहोवा तू
पचन्क हुआँ पठइ। अउर हुआँ तू पचे आपन क आपन
दुस्मनन क हाथे मनसेधु अउ मेहरारू दास क रुप मँ बेचंइ
क कोसिस करब्या, मुला कउनो मनई तू पचन्क बेसही
नाहीं।"

मोआब मँ वाचा

29 इ सबइ बातन उ वाचा क अंग अहइ जउन वाचा
क यहोवा मोआब प्रदेस मँ इस्राएल क लोगन क
संग मूसा स करइ क कहेस। यहोवा इ वाचा क उ बचन स
अलवा किहस जेका उ इस्राएल क लोगन क संग होरेब
पहाड़े पइ किहे रहा।

2मूसा सबहिं इस्राएली मनइयन क बटोरिके बोलाएस। उ
ओनसे कहेस, "तू पचे उ सब कछू लख्या ह जउन यहोवा
मिस्र देस मँ किहस। तू पचे उ सब भी लख्या जउन फिरौन,
फिरौन क प्रमुखन अउ ओकरे पूरे देस क संग किहस। **3**तू
पचे ओन बड़की मुसीबतन क लख्या ह जउन उ ओनका
दिहस। तू पचे ओकरे ओन चमत्कारन अउ बड़के अचरजन
क लख्या ह जउन उ किहेस।

4"मुला आजु भी तू पचे नाहीं समझत्या कि का भवा।
यहोवा सचमुच तू पचन्क नाहीं समझाएस जउन तू पचे लख्या
अउ सुन्या ह। **5**मइँ तू पचन्क चालीस बरिस तलक रेगिस्ताने
स होइके लइ जात रहा अउर उ लम्बे समइ क बीच तोहार
पचन्क ओढ़ना अउ पनही फाटिके खतम नाहीं भएन। **6**तोहरे
लगे कछू भी भोजन नाहीं रहा। तोहरे पचन्क लगे कछू भी
दाखरस या कउनो उत्तेजित करइवाला पिअइ क चीज नाहीं
रही। किन्तु यहोवा तोहार देख-रेख किहस। उ इ एह बरे
किहस कि तू पचे समुझ पउब्या कि उ यहोवा तोहार सबन्क
परमेस्सर अहइ।

7"जब तू पचे इ ठउरे पइ आया तबहिं हेसबोन क राजा
सीहोन अउ बासान क राजा ओग हम लोगन क खिलाफ
लड़इ आएन। मुला हम पचे ओनका हरावा। **8**तब हम लोग
इ सबइ पहँटा रूबेनियन, गादियन अउ मनस्से क आधे
लोगन क ओनकइ कब्जा मँ दइ दीन्ह। **9**एह बरे, इ वाचा
क आदेसन क पूरी तरह माना। तब जउन कछू तू पचे
करब्या ओहमाँ सफल होब्या।

10"आजु तू पचे सबहिं यहोवा आपन परमेस्सर क समन्वा
ठाड़ अहा। तोहरे पचन्क प्रमुखन, तोहार परिवार समूहन,
तोहार पचन्क अफसरन, तोहार पचन्क बुजुर्गन (प्रमुखन)
अउर सबहिं दूसर लोग हिआँ अहइँ। **11**तोहार पचन्क
पत्नियन अउ गदेलन हिआँ अहइँ अउर उ सबइ विदेसी भी
हिआँ अहइँ जउन तोहरे बीच रहत हीं अउ तोहार लकड़िन
क काटत अउर पानी भरत हीं। **12**तू पचे सबहिं हिआँ यहोवा
आपन परमेसस्र क संग एक ठु वाचा करइवाला अहा।
यहोवा तू लोगन क संग इ वाचा आजु करत अहइ। **13**इ
वाचा क जरिये यहोवा तू पचन्क आपन खास लोग बनावत
अहइ अउर उ खुद तोहार परमेस्सर होइ। उ तोहरे पुरखन
इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क इ वचन दिहे रहा। **14**यहोवा
आपन वचन दइके सिरिफ तू लोगन क संग ही वाचा नाहीं
करत अहइ। **15**उ इ वाचा हम सबहिं क संग करत अहइ
जउन हिआँ यहोवा आपन परमेस्सर क समन्वा ठाड़ अहइँ।
मुला इ वाचा हमरे ओन संतानन क बरे भी अहइ जउन
हिआँ आजु हम लोगन क संग नाहीं अहइँ। **16**तू पचन्क
याद अहइ कि हम मिस्र मँ कइसे रहत रहेन अउ कइसे
सारा रास्ट्रन क जात्रा कीन्ह ह जउन हिआँ तलक हमरे राहे
पइ रहेन। **17**तू पचे ओनकइ घिनौनी चिजियन यानी काठ,
पाथर, चाँदी अउ सोना क बनी देवमूरतियन लखेन। **18**ठान
ल्या कि आजु हिआँ हम लोगन मँ कउनो अइसा मनसेधू,
मेहरारु, परिवार या परिवार समूह नाहीं अहइ जउन यहोवा,
आपन परमेसस्र क खिलाफ जात होइ। कउनो भी मनई
ओन रास्ट्रन क देवतन क सेवा करइ नाहीं जाइ चाही। जउन
लोग अइसा करत हीं उ पचे उ पौधन क नाई अहइँ जउन
करुआ, जहरीला फल पइदा करत होइ।

19"कउनो मनई इ अभिसापन क सुन सकत ह अउर
आपन क संतोख देत भवा कहि सकत ह, 'मइँ जउन चाहत
हउँ करत रहब। मोर कछू भी बुरा भी नाहीं होइ।' उ मनई
आपन ऊपर ही मुसीबत नाहीं बोलाइ मुला उ सबन क
ऊपर, अच्छे लोगन प भी बोलाइ।* **20-21**यहोवा उ मनई
क छिमा नाहीं करी। नाहीं, यहोवा उ मनई पइ कोहाइ जाइ
अउर ओका सजा देइ। इ किताबे मँ लिखे भए सबहिं
अभिसापन ओह पइ पड़िहीं। यहोवा ओका इस्राएल क सबहिं
परिवार समूहन स निकारिके बाहेर करी। यहोवा ओका पूरी
तरह बरबाद करी। सबहिं आपत्तियन जउन इ किताबे मँ
लिखी गइ अहइँ, ओह पइ अइहीं। उ सबइ सबहिं बातन उ
वाचा क हींसा अहइँ जउन व्यवस्था क किताब मँ लिखी
गइ अहइँ।

22"भविस्स मँ, तोहार सन्तानन अउ बहोत दूर क देसन स
आवइवाले विदेसी लोग लखिहीं कि देस कइसे बरबाद होइ
गवा अहइ। उ पचे ओन बेमारियन क लखिहीं जेनका यहोवा
ओन लोगन मँ लिआइ। **23**सारा देस बरत भए गन्धक अउ
जोन स ढका भवा बेकार होइ जाइ। भुइँया मँ कछू भी बोवा
भवा नाहीं रही। कछू भी, हिआँ तलक खर-पतवार भी हिआँ

उ मनई … बोलाइ सब्द क अरथ "ओकरे जरिये तृप्त अउर
पिआसा दुइनउँ बरबाद कीन्ह जइहीं।

नाहीं उगिहीं। इ देस ओन नगरन-सदोम, अमोरा, अदमा अउर सबोयीम क तरह बरबाद कइ दीन्ह जाइ। जेनका यहोवा, तब बरबाद किहे रहा, जब उ बहोत कोहान रहा।

24“सबहिं दूसर रास्ट्र पूछिहीं, ‘यहोवा इ देस क संग अइसा काहे किहस? उ एँतना कोहान काहे रहा?’ **25**उ इ जबाब देइ, ‘इस्राएली लोग उ करार क सम्मान नाहीं किहेस जेका यहोवा ओकर बापन स किहेस अहइ। उ पचे उ वाचा क मानब बन्द कइ दिहेन जेका यहोवा ओनके संग तब किहे रहा जब उ ओनका मिस्र देस स बाहेर लिआए रहा। **26**इस्राएल क लोग अइसे दूसर देवतन क पूजा, सेवा अउ मानवइ सुरु किहेन जेनकर पूजा क गियान ओनका पहिले कबहुँ नाहीं रहा। यहोवा आपन लोगन स ओन देवतन क पूजा करब मना किहे रहा। **27**इहइ कारण अहइ कि यहोवा इ लोगन क खिलाफ बहोत कोहाइ ग रहा। एह बरे उ इ किताब मँ लिखे भए सबहिं अभिसापन क एँन पइ लागू किहस। **28**यहोवा ओन पइ बहोत कोहाइ गवा अउर ओन पइ बउखलाइ उठा। एह बरे ओनके देस स ओनका बाहेर किहस। उ ओनका दूसर देस मँ पठएस जहाँ उ पचे आजु अहइँ।’

29“कछू अइसी बातन अहइँ जेनका यहोवा हमार परमेस्सर छुपाए रखेस ह। ओन बातन क सिरिफ उ ही जानत ह। मुला यहोवा हमका आपन नेमन क जानकारी दइ दिहस ह! इ व्यवस्था हमरे बरे अउ हमरे संताने बरे अहइ। हम पचन्क एँका सदा मानइ चाही।

इस्राएलियन क वापसी क बचन

30 “जउन मइँ कहेउँ ह तू पचन पइ होइके रही। तू पचे आसीर्बाद स बढ़िया चीजन पउब्या अउ अभिसाप स बुरी चीजन पउब्या। यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दूसर रास्ट्रन मँ पठई। तब तू पचे एकरे बारे मँ सोचब्या। **2**उ समइ तू पचे अउर तोहार संतानन यहोवा, आपन परमेस्सर क लगे लौटिहीं। तू पचे पूरा तन-मन स ओन आदेसन क मनब्या जउन आजु हम पचे दीन्ह ह। **3**तबहिं यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर तू पचन्पइ दयालु होइ। यहोवा तू पचन्क फुन अजाद करी। उ ओन रास्ट्रन स तू पचन्क लउटाई जहाँ उ तू पचन्क पठए रहा। **4**चाहे तू पचे पृथ्वी क सब त दूर जगह पइ पठइ दीन्ह गवा होइ, यहोवा तोहार परमेस्स तू पचन्क बटोरी अउर तू पचन्क हुआँ स वापस लिआइ। **5**यहोवा तू पचन्क उ देस मँ लिआइ जउन तोहरे पुरखन क रहा अउर उ देस तोहार होइ। यहोवा तोहार भला करी अउर तोहरे लगे ओसे जियादा होइ, जेतँना तोहरे पुरखन क लगे रहा अउर तोहरे रास्ट्र मँ ओसे जियादा लोग जेतना ओनके लगे कबहुँ रहेन। **6**यहोवा तोहार परमेस्सर, तू पचन्क अउ तोहरे संतानन क हिरदय क खतना करी* कि उ सबइ ओकरी अग्या मानइ चइहीं। ‘तब तू पचे यहोवा क आपन सम्पूर्ण हिरदय अउ आतिमा स पिरेम करब्या अउर तू पचे जिअत रहब्या!

7“अउर यहोवा तोहार परमेस्सर इ सबइ अभिसापन क तोहरे ओन दुस्मनन पइ उतारी जउन तोहसे घिना करत हीं अउर तू पचन्क परेसान करत हीं **8**अउर तू फुन यहोवा क आग्या क मनब्या। तू पचे ओन सबहिं आदेसन क मनब्या जेनका मइँ आजु तू पचन्क दिहेउँ ह। **9**यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क ओन सब मँ सफल बनाई जउन तू पचे करब्या। उ तू पचन्क बहोत स गदेलन बरे, तोहरे गोरुअन क बहोत बछवन अउर तोहरे खेतन क नीक फसल होइ क वरदान देइ। यहोवा तोहरे बरे भला होइ। यहोवा तोहार भला करइ मँ वइसेन ही खुस होइ जइसेन खुस उ तोहरे पुरखन क भला करइ मँ होत रहा। **10**मुला तू पचन्क उ सब कछू जरूर करइ चाही जउन यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्स करइ बरे कहत ह। तू पचन्क ओकरे अउ हुकुमन जउन व्यवस्था क इ किताबे मँ लिखे भए क जरूर मानइ चाही। तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर कइँती आपन पूरा हिरदय अउर आतिमा स अर्पित होइ जाइ चाही।

जिअब या मरब

11“आजु जउन आदेसन क मइँ तू पचन्क देत हउँ, उ तोहरे बरे बहोत कठिन नाहीं बा। इ तोहरी पहोंच क बाहेर नाहीं अहइ। **12**इ आदेस सरग मँ नाहीं अहइ जेहसे तू पचन्क कहइ क पड़इ ‘हम लोगन बरे सरगे मँ कउन जाइ अउ ओका हम लोगन क लगे लिआइ जेहसे हम पचे ओका सुनि सकी अउर ओकर पालन करइ सकी?’ **13**इ आदेस समुद्दर क दूसरे पार नाहीं अहइ जेहसे तू पचे इ कहा कि ‘हमरे बरे समुद्दर कउन पार करी अउर एँका लिआइ जेहसे हम पचे एँका सुनि सकी अउर कइ सकी?’ **14**नाहीं, यहोवा क बचन तोहरे लगे अहइ। इ तोहरे मुँह अउर तोहरे हिरदय मँ अहइ जेहसे तू पचे एँका कइ सका।

15“मइँ आजु तोहरे पचन्क समन्वा जिन्नगी अउ मउत, समृद्धि अउ विनास धइ दिहेउँ ह। **16**मइँ आजु तू पचन्क आदेस देत अहउँ कि यहोवा आपन परमेसर स पिरेम करा, ओकरे राहे पइ चला अउ ओकरे आदेसन, नेमन अउ हुकुमन क माना। तब तू पचे जिअत रहब्या अउ तोहार रास्ट्र जियादा तादाद मँ होइ। अउर यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क उ देस मँ आसीर्बाद देइ जेका आपन बनावइ बरे तू पचे हुआँ जात अहा। **17**मुला अगर तू पचे यहोवा स मुँह फेरत अहा अउ ओकर नाफरमानी करत अहा अउर दूसर देवतन क सेवा अउ पूजा मँ बहकावा जात अहा। **18**तब तू पचे पूरी तरह बरबाद कइ दीन्ह जाब्या। मइँ चिताउनी देत अहउँ, तू पचे यरदन नदी क पार क उ देस मँ लम्बे समइ तलक नाहीं रहब्या जेहमाँ आवइ बरे तू पचे तइयार अहा अउर जेका तू पचे आपन बनउब्या।

19“आजु मइँ तू पचन्क दुइ राहन क चुनइ क छूट देत हउँ। मइँ धरती अउ अकास क तोहरे साच्छी बरे बुलाए हउँ। तू पचे जिन्नगी क चुन सकत ह, या तू पचे मउत क चुन सकत ह। जिन्नगी क चुनब वरदान लिआइ अउर मउत क चुनब अभिशाप। एह बरे जिन्नगी क चुना। तबहिं सिरिफ तू पचे अउर तोहार गदेलन जिअत रहहीं। **20**तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर स पिरेम करइ चाही अउ ओकर आग्या मानइ चाही। ओसे अउर ओसे चिपक जा। काहेकि यहोवा तोहार जिन्नगी अहइ, अउर यहोवा तू पचन्क उ देस

हिरदय क खतना लखा व्यवस्था विवरण 10:16

मँ लम्बा जीवन देइ जेका उ तोहरे पुरखन इब्राहीम, इसहाक
अउ याकूब क देइ क बचन दिहे रहा।"

यहोसू नवा नेता होइ

31 तब मूसा अगवा बढ़ा अउ इस्राएलियन स इ सबइ
बातन कहेस। 2मूसा ओनसे कहेस, "अब मइँ एक
सौ बीस बरिस क अहउँ। मइँ अब आगे तोहार नेता क
अगुवाइ नाहीं कइ सकत हउँ। यहोवा मोसे कहेस हः 'तू
पचे यरदन नदी क पार नाहीं जाब्या।' 3यहोवा तोहार
परमेस्सर तोहरे आगे चली। उ इ सबइ रास्ट्रन क तोहरे
पचन्क बरे बरबाद करी। तू पचे ओनकर देस ओसे हर
लेब्या। यहोसू ओह पार तू लोगन क अगवा चली। यहोवा
इ कहेस ह।

4"यहोवा इ रास्ट्रन क लोगन क संग उहइ करी जउन उ
एमोरियन क राजा लोगन सीहोन अउ ओग क संग किहस।
ओन राजा लोगन क देस क संग उ जउन किहस उहइ
हिआँ करी। यहोवा ओनकर प्रदेसन क बरबाद किहस।
5अउर यहोवा तू पचन्क ओन रास्ट्रन क हरावइ देइ अउर तू
पचे ओनके संग उ सब करब्या जेका करइ बरे मइँ कहेउँ
ह। 6मजबूत अउ हिम्मती बना। इ सबइ रास्ट्रन स डेराअ
जिन। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे संग जात अहइ।
उ तू पचन्क न छोड़ी अउ तजी।"

7तब मूसा यहोसू क बोलाएस। जउने समइ मूसा यहोसू स
बातन करत रहा ओह समइ इस्राएल क सबहिं लोग लखत
रहेन। जब मूसा यहोसू स कहेस, "मजबूत अउ हिम्मती बना।
तू इ सबइ लोगन क उ देस मँ लइ जाब्या जेका यहोवा
एँनकइ पुरखन क देइ क बचन दिहे रहा। तू इस्राएल क
लोगन क मदद उ देस क लेइ अउ आपन बनावइ मँ
करब्या। 8यहोवा आगे चली। उ खुद तोहरे संग अहइ। उ तू
पचन्क न मदद देब बन्द करी, न ही तू पचन्क छोड़ी। तू न
ही डेरान अउ फिकिर मँ रहब्या।"

मूसा व्यवस्था लिखत ह

9तब मूसा इ कानून क लिखेस अउ लेवी क सन्तान
याजक क अउर इस्राएल क सबइ बुजुर्गन क दइ दिहस।
ओनकर काम यहोवा क करार क सन्दूखे क लइ चलब
रहा। 10मूसा ओनका आदेस दिहस, "हर सात बरिस पाछे,
कुटीर क त्यौहार मँ इ सबइ नेमन क बाँचा। 11उ समइ
इस्राएल क सबहिं लोग यहोवा, आपन परमेस्सर स मिलइ
बरे उ खास ठउरे पइ अइहीं जेका उ पचे चुनिहीं। तब तू
लोगन मँ इ सबइ कानून क अइसे बाँचब जेहसे उ पचे सुनि
सकइँ। 12सबहिं लोगन, मनसेधुअन, मेहररुअन, नान्ह गदेलन
अउ आपन नगरन मँ रहइवाले सबहिं प्रवासियन क बटोरा।
उ पचे नेमन क सुनिहीं, अउर उ पचे यहोवा तोहरे परमेस्सर
क आदर करब सिखिहीं अउर उ पचे इ नेमन क सब्दन क
मानइ मँ होसियार रइहीं 13अउर तब ओनकी संतानन जउन
नेमन नाहीं जानत ह, एँका सुनिहीं अउर उ पचे यहोवा तोहरे
परमेस्सर क सम्मान करब सिखिहीं। उ पचे तब तलक
सम्मान करिहीं जब तलक तू पचे उ देस मँ रहब्या जेका तू
पचे यरदन नदी क ओह पार लेइ बरे तइयार अहा।"

यहोवा मूसा अउ यहोसू क बोलावत ह

14यहोवा मूसा स कहेस, "अब तोहरे मरइ क समइ
निचके आइ ग अहइ। यहोसू क ल्या अउ मिलापवाला तम्बू
मँ जा। मइँ यहोसू क बताउब कि उ का करइ।" एह बरे
मूसा अउ यहोसू मिलापवाला तम्बू मँ गएन अउर आपन क
उपस्थित किहेस।

15यहोवा बदरन क एक ठु खम्भा क रुप मँ परगट
भवा। बदरे क खम्भा तम्बू क दुआरे पइ ठाड़ रहा। 16यहोवा
मूसा स कहेस, "तू हाली ही मरब्या अउर जब तू आपन
पुरखन क संग चला जाब्या तउ इ सबइ लोग मोह पइ
बिस्सास नाहीं करब्या। उ पचे उ वाचा क तोड़ देइहीं जउन
मइँ एँनकइ संग किहे अहउँ। उ पचे मोका छोड़ देइहीं।
अउर दूसर देवतन क पूजा करब सुरु करिहीं, ओन प्रदेसन
क बनावटी देवतन क जेनमाँ उ पचे जइहीं। 17उ समइ, मइँ
एँन पइ बहोत कोहाइ जाब अउर एँनका छोड़ देब। मइँ
ओनकी मदद करब बन्द करब अउर उ पचे बरबाद होइ
जइहीं। ओनके संग भयंकर सबइ घटना होइहीं अउर उ पचे
विपत्ति मँ पड़िहीं। तब उ पचे कइहीं, 'इ सबइ बुरी सबइ
घटना हम पचन्क संग एह बरे होति अहइँ कि हमार
परमेस्सर हमरे संग नाहीं अहइ।' 18तब मइँ आपन चेहरा
ओन लोगन स छुपाइहीं काहेकि उ पचे बुरा कार्य करिहीं
अउर दूसर देवतन क पूजा करिहीं।

19"एह बरे इ गीत क लिखा अउर इस्राएली लोगन क
सिखावा। ओनका इ गाइ द्या। इ इस्राएल क लोगन क
खिलाफ मोरे बरे साच्छी रही। 20मइँ ओनका उ देस मँ जउन
मँ दूध अउर सहद बहत ह अउ जेका देइ क वचन मइँ
ओनके पुरखन क दिहेउँ ह लइ जाब अउर उ पचे संतुट्ठ
होइ तलक खाब्या। उ पचे अमीरी स भरी जिन्नगी बितइहीं।
मुला एँकर बाद उ पचे दूसर देवतन क पूजा अउर ओनकर
सेवा करिहीं। उ पचे मोसे मुँहना फेरि लेइहीं अउर मोर वाचा
क तोड़िहीं, 21तब ओन पइ भयंकर आपदा अइहीं अउर उ
पचे बड़ी मुसीबत मँ होइहीं। उ समइ ओनके लोग इ गीत
क तब भी जनिहीं अउर इ ओनका बताइ कि उ पचे केतँनी
भूल पइ अहइँ। मइँ अभी तलक ओनका उ देस मँ नाहीं
पहोंचाएउ हउँ जेका ओनका देइ क बचन मइँ दिहेउँ ह।
मुला मइँ पहिले स ही जानत हउँ कि उ पचे हुआँ का
करइवाला अहइँ, काहेकि मइँ ओनकी आदत स परिचित
अहउँ।"

22एह बरे मूसा उहइ दिन गीत लिखेस अउ उ गीत क
इस्राएल क लोगन क सिखाएउँ।

23तब यहोवा नून क पूत यहोसू स बातन किहस। यहोवा
कहेस, "मजबूत अउ हिम्मती बना। तू इस्राएल क लोगन क
उ देस मँ लइ चलब्या जेका ओनका देइ क वचन मइँ दिहेउँ
ह अउर मइँ तोहरे संग रहब।"

मूसा इस्राएल क लोगन क चिताउनी देत ह

24मूसा इ सारे नेमन क सब्दन क एक ठु किताबे मँ
लिखेस। जब उ एँका पूरा कइ लिहस तब 25उ लेवीबंसियन
क आदेस दिहस (सबइ लोग यहोवा क करार क सन्दूखे क
देख-रेख करत रहेन।) मूसा कहेस, 26"इ व्यवस्था क

किताबे क ल्या अउर यहोवा, आपन परमेस्सर क करार क
सन्दूखे क बगल मँ धरा। तब इ हुआँ तोहरे खिलाफ साच्छी
होइ। 27मइँ जानत हउँ कि तू बहोतइ अड़ियल अहा। मइँ
जानत हउँ तू मनमानी करइ चाहत अहा। धियान द्या, आजु
जब मइँ तोहरे संग हउँ तब भी तू यहोवा क आग्या मानइ
स मना किह्या ह। मोरे मरइ क पाछे तू यहोवा क आग्या
मानइ स अउर जियादा इन्कार करब्या। 28आपन सबहिं
परिवार समूहन क प्रमुखन अउ अफसरन क एक संग
बोलावा। मइँ ओनका इ सब कछू बताउब अउर मइँ पृथ्वी
अउ अकास क ओनके खिलाफ साच्छी होइ बरे बोलाउब।
29मइँ जानत हउँ कि मोर मउत क पाछे तू सबइ लोग पूरी
तरह भ्रस्ट होइ जाब्या। तू पचे उ राहे स बगद जाब्या जेह
पइ चलइ क आदेस मइँ दिहेउँ ह। तब भविस्स मँ तोहे
सबन पइ आपदा अइहीं। काहेकि तू पचे उ करइ चाहत
अहा जेका यहोवा बुरा बतावत ह। तोहार बुरा काम करइ क
कारण उ पचे तोहस कोहाइ जाब्या।"

मूसा क गीत

30तब मूसा इस्राएल क सबहिं लोगन क गीत सुनाएस।
उ तब तलक नाहीं रुका जब तलक उ एँका पूरा नाहीं कइ
लिहस।

32 "हे गगन, सुन ल्या मइँ बोलिहउँ, पृथ्वी मोरे
मुँहना स बात सुनी।
2मोरे उपदेस बरसिहइँ बर्खा क नाईं, ओस समान बही
पृथ्वी पइ मोरी वाणी, नरम घासन पइ बर्खा क मन्द झरी
सी, हरिअर पौधन पइ बर्खा सी।
3मोर वाणी परमेस्सर क नाउँ सुनाई महँ कहब, स्तुति
कर, परमेस्सर महान अहइ।
4"उ (यहोवा) हमार चट्टान अहइ ओकर सबहिं काम
पूर्ण अहइँ! काहेकि ओकर सबहिं राह उचित अहइँ! उ
विस्सास अउ निस्पाप परमेस्सर अहइ करत जउन उचित अउ
सही अहइ।
5तू लोगन ओकर संग दुर्वेउहार किह्या तू ओकर संग
भ्रस्ट तौर पइ बरताव किहेस। तोहार दोस एह बरे नाहीं कितू
पचे ओकर गदेलन अहइ। तू एक दुट्ठ अउ पतित पीढ़ी
अहा।
6का इही बेउहार अहइ जेका तू यहोवा स करइ चाही?
नाही! तू मूरख अउ जड़बुद्धि जन अहा। यहोवा परम पिता
तोहार अहइ, उ तू पचन्क बनाएस, उ आपन जन क मजबूत
बनाएस तू पचन्क।
7"याद करा बीता भवा दिन क सोचा बीती भइ पीढ़ियन
क बरिसन क, बुढ़वा पिता स पूछा, उहइ कइहीं आपन
प्रमुखन स पूछा; उहइ कइहीं।
8सर्वोच्च परमेस्सर आपन रास्ट्रन क आपन देसन क
दिहस, उ मानव जाति उ विभाजित किहेस उ रास्ट्रन मँ
इस्राएली क सम्बंध क बीच सरहद बनाएस।
9यहोवा क विरासत अहइ ओकर लोग; याकूब यहोवा क
आपन अहइ।
10"यहोवा याकूब क रेगिस्तान मँ पाएस, सुनसान अउ
साँय साँय करइवाली मरु भुइँया मँ। यहोवा याकूब क रच्छा
बरे ओका चारिहुँ कइँती घेर लिहस उ ओका आँखिन क
पुतरी क नाइँ रच्छा किहेस।
11यहोवा उकाब क नाईं इस्राएल क रच्छा किहस, जइसे
उकाब घोंसला स उठावत ह बच्चन क ओनका उड़इ बरे
सिखावत ह। उ बच्चन क लइके रच्छा करत उड़ति ह उ
आपन पखना फइलावत ह जब उ पचे ओका पकड़त हीं। उ
ओनका पखना पइ लइके उड़ति ह अउ सुरच्छित जहग पइ।
परमेस्सर वइसेन अहइ।
12"अकेल्ले यहोवा याकूब क मारग दरसन किहस,
कउनो देवता विदेसी ओकरे लगे न रहेन।
13यहोवा याकूब क पृथ्वी क ऊँच जगहन पइ चढ़ाएस,
याकूब खेतन क फसल खाएस, यहोवा याकूब क पुट्ठ
चट्टानन क सहद स किहस; जइतून-तेल ओका वज्र-चट्टाने
स दिहस,
14माखन खरका स दिहस, दूध झुण्ड स दिहस, गोस
भेड़ी अउ बोकरन क, भेड़ा अउ बासान जाति क बोकरन स
दिहस- बढ़िया स बढ़िया गोहूँ, लाल अंगूरे क दाखरस
दिहस।
15"मुला यसूरुन मोटा भवा, साँड़े क नाई लात मारत, उ
बाढ़ा अउ उ भारी भी रहा। उ ऊँच जाति अउ खूब पाला
पोसा गवा उ आपन कर्ता क नकारेस अउर चट्टान बरे
ओका अपमान किहेस, जउन उद्धारकर्त्ता रहा।
16जलोटा यहोवा क, दूसर देवन क पूजिके बनाएस!
ओकर जन; कोहाइ दिहन परमेस्सर क आपन मुरतियन स
जउन घिनौनी परमेस्सर क रहिन,
17उ पचे दानवन क बलि दिहन जउन फुरइ देवतन नाहीं
रहेन ओन देवतन क बलि दिहन जेकर ओनका गियान नाहीं
रहा। देवतन उ सबइ जेनका न पूजेन कबहुँ तोहार पुरखन नए
रहेन।
18तू पचे चट्टान क तजि दिहा, तू पचे आपन परमेस्सर
क बिसराया जउन जिन्नगी दिहस।
19"यहोवा लखेस इ जन क आपन कहइ स इन्कार
किहस, ओका ओकर बेटवन अउ बिटियन कोहाइ दिहन।
20तब यहोवा कहेस, 'मइँ एँनसे मुँह मोड़बउँ! मइँ लखि
सकउँ - ओनका अन्त होइ। काहेकि भ्रस्ट सबहिं ओनकी
पीढ़ियन अहइँ। उ सबइ अहइँ अइसा सन्तान जेनका विस्सास
नाहीं अहइ!
21उ पचे मोका मूरतियन स ईर्स्यालु बनएन जउन परमेस्सर
नाहीं अहइ। उ पचे मोका आपन निरर्थक मूरतियन स नाराज
किहेन। एह बरे मइँ ओन लोगन स जउन इस्राएलियन नाहीं
अहइ ईर्स्यालु बनाइ देब। मइँ ओन लोगन क मूरख रास्ट्र
स नाराज करइ देब।
22मोर किरोध आगी क नाईं सुलगत अहइ। मोर किरोध
मोत क ठउर क नाईं गहिर तलक, मोरे किरोध भुइँया नस्ट
करत ह। अउ फसल क, अउ पहाड़े क नेंव मँ आगी
लगावत ह।
23"'मइँ इस्राएलियन प विपत्ति ढाउब, मइँ आपन बाण
ओन पइ चलाउब।
24उ पचे भूखन क मारे दूबर स दूबर होइहीं। भयंकर
महारोग ओनकर विनास करिहीं। मइँ जंगली जनावर क

ओनके खिलाफ पठउब जहरीला साँपन अउ रेंगइ वाला जहरीला जंतुअन क ओनका डसइ पठउब।

25बाहेर सड़कन पइ तरवारे स मारा जइहीं, अउ घरे क भीतर भय अउ डर स। सिपाही मारि डइहीं जवान मनसेधू अउ मेहररुअन। उ पचे मारि डइहीं नान्ह गदेलन अउ बुढ़वन क।

26मइँ कहत हउँ, मइँ ओका तितर-बितर कइ देब। इस्राएलियन क लोगन स बिसरि जाइ द्या।

27मुला मइँ दुस्मन क कोहाइ क आसंका दूर करब, जउन होइ सकत ह दुस्मन गलत समुझत हीं। उ पचे सेखी बघरिहीं अउर कइहीं, "हम पचे जीत लीन्ह ह आपन ताकत स, यहोवा नाहीं किहस इ काम क।'"

28"उ मूरख रास्ट्र अहइँ उ पचे कछू भी समुझ नाहीं पातन अहइँ।

29अगर उ समझदार होतेन तउ एँका समुझ पउतेन अउर लख लेतेन आपन भविस्स।

30कइसे एक ठु हजारन क पीछा करत? कइसे दस हजार क दुइ ठु भगाइ देतेन? इ तबइ होत जब सैल यहोवा देत ओनका, अउर ओनका गुलाम बनाइ देत।

31तोहार 'चट्टान' हमार चट्टान क नाइँ नाहीं। हमार दुस्मन इ सच्चाई क खुद लखि सकत हीं।

32ओनकर अंगूरे क लता सदोम क लता स अउ अमोर क खेत स अहइ। ओनकर अंगूर बिखैला होत हीं ओनकर अंगूरन क गुच्छन करुआन।

33ओनकर दाखरस साँपन क बिख जइसी अहइँ अउ नागिन क जहर क नाइँ।

34"पर्भू कहत बा 'मइँ उ सजा क सुरच्छित रखेउँ ह। मइँ एँका आपन बस्तू-भण्डारे मँ बन्द किहेउँ ह।

35सिरिफ मइँ ही देइवाला दण्ड अहउँ मइँ ही लोगन क अपराधन क बदला देत हउँ, जब अपराधन मँ ओनकइ गोड़वा फिसल जाइ, काहेकि विपत्तिकाल ओनके निअरे अहइ अउर दण्ड समइ ओनका दौड़ि आइ।'

36"यहोवा आपन जन क निआव करि। उ पचे ओकर सेवक अहइँ, उ दयालु होइ। उ ओकरे बल क मिटाइ लखिहीं तउ उ ओन सबहिं अजाद अउ दासन क होत लखी असहाय।

37उ तब पूछी, 'लोगन क लबार देवतन कहाँ अहइँ? उ 'चट्टान' कहाँ अहइ, उ पचे जेकर सरण गएन?

38मनइयन क इ सबइ देव, बलि क चर्बी खात रहेन, अउर दारु, दारु क भेंट की पिअत रहेन। एह बरे उठइँ इ सबइ देव, मदद तोहार करइँ तोहरी इ सबइ रच्छा करइँ!

39"लखा अब मइँ तोहार परमेस्सर अहउँ! नाहीं दूसर कउनो भी परमेस्सर मइँ ही निहचय करब लोगन क जिअत राखउँ या मारउँ। मइँ लोगन क दइ सकत हउ चोट अउर ठीक भी रख सकत हउँ। अउर न बचाइ सकत केउ कउनो क मोरी सक्ति क बाहेर।

40आकास कइँती हाथ उठाइके मइँ वचन देत हउँ। अगर इ फुरइ अहइ कि मइँ सास्वत हउँ।

41मइँ आपन बिजरी क तरवार क उपयोग करब। मइँ निआव पइ रहब। मइँ एका आपन दुस्मन पइ प्रयोग करब। मइ ओका जवाब देब जउन मोहस घिना करत ह।

42मोर दुस्मनन मारा जइहीं अउर बन्दी होइहीं। हमार बाण ओनके रकत स रंग जइहीं। मोर तरवार दुस्मन क मूँड़ क काटि देइ।'

43"सब संसार परमेस्सर क मनइयन स खुस होइ। काहेकि उ ओनकी मदद करत ह आपन सेवकन क हत्तियारन क उ सजा देत रहत ह। उ आपन दुस्मनन स बदला लेत ह अउर आपन देस अउर आपन लोगन बरे प्रायस्चित करत ह।"

मूसा लोगन क आपन गीत सिखावत ह

44मूसा आवा अउ इस्राएल क सबहिं लोगन क सुनइ बरे
उ गीत पूरा सुनाएस। नून क पूत यहोसू मूसा क संग रहा।
45जब मूसा लोगन क इ उपदेस देब खतम किहस 46तब उ
ओनसे कहेस, "तू पचन्क निहचय करइ चाही कि तू ओन
सबहिं आदेसन क सुमिरिब्या जेका मइँ आजु तू पचन्क
बतावत जरूर हउँ अउर तू पचन्क आपन गदेलन क इ
जरूर बतावइ चाही कि एँन व्यवस्था क सबइ नेमन क
होसियारी स उ पचे पूरी तरह मानइँ। 47इ जिन समुझा कि इ
सबइ उपदेस महत्व क नाहीं अहइँ। इ सबइ तोहार जिन्नगी
अहइँ। एँन उपदेसन क जरिया तू पचे उ यरदन नदी क पार
क देस मँ लम्बे समइ तक रहब्या जेका लेइ बरे तू पचे
तइयार अहा।"

मूसा नबो पहाड़े पइ

48यहोवा उहइ दिन मूसा स बतियान। यहोवा कहेस,
49"अबारीम पहाड़े पइ जा। यरीहो सहर स पार होइके मोआब
पहँटा मँ नबो पहाड़े पइ जा। तब तू उ कनान प्रदेस क लखि
सकत ह जेका मइँ इस्राएल क लोगन क रहइ बरे दइ देत
हउँ। 50तू उ पर्वत पइ मरब्या। तू वइसेन ही ओन लोगन स
मिलब्या जउन मरि गए अहइँ जइसे तोहार भाई हारुन होर
पहाड़े पइ मरा अउ आपन लोगन स मिला। 51काहेकि जब
तू सीन क रेगिस्तान मँ कादेस क निअरे मरीबा क जलासयन
क लगे रह्या तब मोरे खिलाफ पाप किहे रह्या अउ
इस्राएल क लोग ओका हुआँ लखे रहेन। तू मोर सम्मान
नाहीं किह्या अउर तू इ लोगन क नाहीं देखाया कि मइँ
पवित्तर अहउँ। 52एह बरे अब तू आपन समन्वा उ देस क
लखि सकत ह किन्तु तू उ देस मँ जाइ नाहीं सकत्या जेका
मइँ इस्राएल क लोगन क देत अहँउ।"

मूसा इस्राएल क लोगन क आसीर्बाद देत ह

33 मरइ क पहिले परमेस्सर क मनई मूसा इस्राएल क लोगन क इ वरदान दिहस:

2मूसा कहेस, 'यहोवा सिनाइ स आवा। यहोवा सेईर क भिन्सारे क रोसनी क नाईं चमका। उ पारान पहाड़े स फूटइ वाला प्रकास क नाईं रहा। यहोवा दस हजार पवित्तर लोगन क संग आवा। ओकरी दाहिन कइँती बलवान सिपाही रहेन।

3हाँ, यहोवा पिरेम करत ह मनइयन स सबहिं पवित्तर मनइयन ओकरे हथवन मँ अहइँ अउर चलत हीं उ ओकरे पद चीन्हन पइ हर एक मनई अंगीकार करता ओकर उपदेस।

4मूसा दिहस नेमन हम पचन्क उ सबइ-जउन अहइँ
याकूब क सबहिं लोगन क। 5उहइ समइया, इस्राएल क
लोग अउ नेता लोग मिलेन अउ यहोवा भवा यसूरुन क
राजा।

रूबेन क आसीर्बाद

6"रूबेन जिअत रहइ, उ न मरइ होइ सकत ह रूबेन
जिअत रहा उ न मरइ, मुला ओकर बंस मँ मनइयन अधिक
न होब।।"

यहूदा क आसीर्बाद

7मूसा यहूदा क परिवार समूह बरे इ सबइ बातन कहेसः
"यहोवा, सुन लेइ यहूदा क प्रमुख क जब उ माँगइ मदद
लिआवइ ओका आपन लोगन मँ सक्तीसाली बनावइ ओका,
करइ मदद ओकर दुस्मन क हरावइ मँ!"

लेवी क आसीर्बाद

8मूसा लेवी क बारे मँ कहेसः "तोहार मनवइयन सच्चा
लेवी धारण करत ऊरीम-तुम्मीम, मस्सा पइ तू लेवी क
परीच्छा लिहा, तोहार बिसेख मनई राखत रहा ओनका। लड़ा
तू रह्या ओकरे बरे मरीबा क जलासयन पइ।
9लेवी बताएस आपन महतारी-बाप क बारे मँः मइँ न
करब ओनकइ परवाइ, मानेस नाहीं उ आपन भाई, क या
जानेस आपन गदेलन क; लेवीबंसियन पालेन आदेस तोहार,
अउर निभाएन वाचा तोहसे जउन।
10उ पचे सिखइहीं याकूब क नेम तोहार अउर इस्राएल
क व्यवस्था जउन तोहार। उ पचे सुलगइहीं सुगन्धि तोहार
आगे अउ तोहार सारी होमबलि वेदी क जगह पइ।
11यहोवा, ओकर धन क आसीर्बाद द्या अउर ओकर
काम क अंगीकार किहेस। उ ओका नास कइ द्या जउन उ
पइ हमला किहेस अउ ओका हराइ द्या जउन ओहस घृना
किहेस इस प्रकार उ फुन हमला नाहीं कइ सकत।"

बिन्यामीन क आसीर्बाद

12बिन्यामीन क बारे मँ मूसा कहेसः "यहोवा क पिआरा
ओकरे संग सुरच्छित होइ। यहोवा आपन पिआरा क रच्छा
करत सारा दिन, अउर बिन्यामीन क भुइँया पइ रहत यहोवा।"

यूसुफ क आसीर्बाद

13मूसा युसुफ क बारे मँ कहेसः "यहोवा द्या आसीर्बाद
ओकरे देस क सरग क उन्तिम बर्खा जहाँ होइँ; अउ धरती
क तले स पानी अउ ओस मिलइ।
14सूरज क दीन्ह उत्तिम फल होइँ ओकर अउर हर
महीना मँ सब स बढ़िया फल होइँ। 15पहाड़ियन अउ पुरान
पहाड़न सब स बढ़िया फल उपजावइँ।
16धरती देइ सब स बढ़िया फल यूसुफ बरे उ जउन
भाइयन स अलगाइ दीन्ह ग रहा। तउ परमेस्सर जउन बरत
भइ झाड़ी मँ रहत ह स सब स बढ़िया बरदान देइ यूसुफ
क।
17यूसुफ आपन गोरु क पहिला पइदा भवा क गौरव
पाइ। ओकर दुइनउँ बेटवन बर्धा क सींगे क तरह अहइँ। उ
पचे रास्ट्रन क धरती क आखिरी छोर तलक छेद देब। ओन
मँ स हजारन क हजार मनस्सप स अहइ अउर ओन मँ स
दसन हजार एप्रैम स ह।"

जबूलून क आसीर्बाद

18जबूलून क बारे मँ मूसा कहेसः "जबूलून, खुस रहा जा
जब बाहेर अउर इस्साकार, खुस रहइ आपन सिबिर पइ।
19उ पचे लोगन क न्यौतिहीं आपन पहाड़े पइ हुआँ
करिहीं भेंट सबहिं सच्ची बलि काहेकि उ पचे लोग सागर
स निकारत हीं धन अउर पइहीं बालू मँ छिपा भवा जउन धन
अहइ।"

गाद क आसीर्बाद

20मूसा गाद क बारे मँ कहेसः "स्तुति करा परमेस्सर क
जउन गाद क बढ़ावत ह। गाद ओलरा रहत अउ जोहत सिंह
क नाईं, उ फड़ि देत ह बाजु अउ मूँड़े क टूकन मँ।
21आपन खातिर चुनत ह उ, सब स खास हींसा राजा बरे
सुरच्छित रहब। मनइयन क नेतन आवत हीं ओकरे लगे। उ
करत ह उहइ जउन परमेस्सर क इच्छा बा। अउर यहोवा बरे
इस्राएलियन क संग निआव करत ह।"

दान क आसीर्बाद

22दान क बारे मँ मूसा कहेसः "दान सेरे क बच्चा अहइ
जउन बासान स उछरा करत ह।"

नप्ताली क आसीर्बाद

23नप्ताली क बारे मँ मूसा कहेसः "नप्ताली, तू बहोतइ
बढ़िया चीजन क रखब्या। यहोवा क आसीर्बाद तोहरे बारे
भरपूर अहइ, लइ ल्या पच्छिम अउ दक्खिन क प्रदेस।"

आसेर क आसीर्बाद

24मूसा आसेर क बारे मँ कहेसः "आसेर क पूतन मँ सब
स जियादा अहइ आसीर्बाद, ओका आपन भाई लोगन मँ सब
स पियारा होइ द्या अउ ओका आपन गोड़ तेल स धोवइ
द्या।
25तोहरे फाटकन क ताला होइहीं लोहा अउ काँसा क तू
जिन्नगी भइ सक्ती स भरपूर रहब्या।"

मूसा परमेस्सर क स्तुति करत ह

26"यसूरुन, परमेस्सर क नाईं नाहीं अहइ अउर कउनो
परमेस्सर आपन महिमा मँ चलत ह चढ़िके बदरा पइ,
अकासे स होइके आवत ह मदद करइ तू पचन्क।
27परमेस्सर सास्वत अहइ तोहार सरण सुरच्छित अहइ।
परमेस्सर क सक्ती सास्वत अहइ उ तोहार सुरच्छा करत ह
अउर बल स हटावत ह दुस्मनन क, कहत ह उ 'नास करा
दुस्मनन क।'

28तउ इस्राएल सुरच्छित रही सदा याकूब क जलस्रोत
सुरच्छित अहइ धरती मँ। अन्न अउ नइ दाखरस क पइहीं
सुन्नर धरती मँ अउ उ भुइँया सूबइ पाइ।

29इस्राएलियो, तू पचे आसीस पाए अहा तोहार जइसा
कउनो रास्ट्र नाहीं। तू यहोवा क दुआरा सुरच्छा पाउब्या। उ
तोहार सुरच्छा ढाल अहइ। यहोवा अहइ विजय तरवार तोहार
करइ वाली। तोहार दुस्मनन तोहसे डेरइहीं, अउर तू रउँद
देब्या ओनकइ लबार देवतन क ठउरन क।"

मूसा क मउत

34 मूसा मोआब क समतल पहँटा स नबो पहाड़े पइ
गवा जउन यरीहो क पार पिसगा क चोटी पइ
रहा। यहोवा ओका गिलाद स दान तलक सारा प्रदेस
देखाएस। 2यहोवा ओका सारा नप्ताली, जउन एप्रैम अउ
मनस्से क रहा, देखाएस। उ पस्चिमी सागर तलक यहूदा क
प्रदेस देखाएस। 3यहोवा मूसा क खजूरे क बृच्छन क सहर
सोअर स यरीहो तलक फइली घाटी अउर नेगेव देखाएस।
4यहोवा मूसा स कहेस, "इ उ देस अहइ जेका मइँ इब्राहीम,
इसहाक, अउर याकूब क बचन दिहे रहेउँ कि, 'मइँ इ देस
क तोहरे सन्तानन क देब।' मइँ तू पचन्क इ देस देखाउब।
मुला तू पचे हुआँ जाइ नाहीं सकत्या।'" 5तब यहोवा क
सेवक मूसा मोआब देस मँ उहइँ मरा। यहोवा मूसा स कहे
रहा कि अइसा होइ। 6यहोवा बेतपोर क पार मोआब प्रदेस
क घाटी मँ मूसा क दफनाएस। मुला आजु भी कउनो नाहीं
जानत कि मूसा क कब्र कहाँ बाटइ। 7मूसा जब मरा उ एक
सौ बीस बरिस क रहा। ओकर आँखिन कमजोर नाहीं रहिन।
उ तब भी बलवान रहा। 8इस्राएल क लोग मूसा बरे मोआब
क खाले प्रदेस मँ तीस दिना तलक रोवत पीटत रहेन। इ
सोक मनावइ क पूरा समइ रहा।

यहोसू मूसा क जगह लेत ह

9तब नून क पूत यहोसू बुद्धिमत्ता क आतिमा स भरपूर
रहा काहेकि मूसा ओह पइ आपन हाथ धइ दिहे रहा।
इस्राएल क मनइयन यहोसू क बातन मानेन। उ पचे वइसा
ही किहन जइसा यहोवा मूसा आदेस दिहे रहा। 10मुला उ
समइ क पाछे, मूसा क नाईं कउनो नबी नाहीं भवा। यहोवा
परमेस्सर मूसा क प्रत्यक्ष जानत रहा। 11कउनो दूसर नबी उ
सारे चमत्कार अउ अचरज भरा काम नाहीं देखाएन जेनका
करइ बरे यहोवा मूसा क मिस्र क भुइँया मँ पठए रहा। उ
पचे चमत्कार अउ अचरज, फिरौन, ओकर सबइ सेवकन
अउ मिस्र क सबहिं वस्तुअन बरे करइ ग रहेन। 12कउनो
दूसर नबी कबहुँ ओतना सक्तीसाली अउ अचरज भरा
चमत्कार नाहीं किहस जउन मूसा किहस अउर जेनका
इस्राएल क सबहिं लोग लखेन।

गनती

मूसा इस्राएल क मनईयन क गनत ह

1 यहोवा मूसा क संग मिलापवाला तम्बू मँ बात किहस।
इ बात सीनै रेगिस्तान मँ भइ। इस्राएल क मनइयन जब
मिस्र तजि दिहन ओकरे पाछे इ बात दूसर बरिस क दूसर
महीना क पहिले दिन क रही। यहोवा मूसा स कहेस,
2“इस्राएल क सब मनइयन क गना। हर मनई क सूची
ओकर परिवार अउ ओकर परिवार-समूह क संग बनावा। 3तू
अउ हारून इस्राएल क सबहिं मनइयन क गनब्या। ओन
मनसेधुअन क गना जउन बीस बरिस या ओसे जिआदा उमर
क अहइँ। इ सबइ उ पचे अहइँ जउन इस्राएल क फउज
मँ सेवा करत हीं। एनकइ सूची ऍनके समूह प बनी तइयार
करा। 4हर परिवार दल स एक मनई तोहार मदद करी। उ
मनई आपन परिवार दल क अगुआ होइ। 5तोहरे साथे रहइ
अउ तोहार मदद करइ वाला मनइयन क नाउँ इ अहइँ:

रूबेन क परिवार समूह मँ स सदेऊर क पूत एलीसूर;
6सिमोन परिवार समूह स सूरीसद्दै क पूत सलूमीएल;
7यहूदा क परिवार समूह स अम्मीनादाब क पूत
नहसोन;
8इस्साकार क समूह मँ स सूआर क पूत नतनेल;
9जबूलून क परिवार समूह स हेलोन क पूत एलीआब;
10यूसुफ क सन्तानन स, एप्रैम क परिवार समूह स
अम्मीहूद क पूत एलीसामा अउ मनस्से क परिवार
समूह स पदासूर क पूत गमलिएल;
11बिन्यामीन क परिवार समूह स गिदोनी क पूत
अबीदान;
12दान क समूह मँ स अम्मीसद्दै क पूत अहीएजेर;
13आसेर क परिवार समूह स आक्रोन क पूत
पगीएल;
14गाद क परिवार समूह स दूएल क पूत एल्यासाप;
15नप्ताली क परिवार समूह स एनाम क पूत अहीरा
दल क।”

16इ सब मनइयन आपन लोगन क जरिए आपन परिवार
समूह क अगुआ चुना गएन। इ पचे आपन मनइयन क
जरिए परिवार समूह क नेता चुना गएन। इ सबइ आपन
परिवार समूह क नेता अहइँ। 17-18इसलिए मूसा अउर हारून
उ मनइयन क लिहस जे नाउँ दुआरा चुना गएस अउ एह
बरे दूसर महीना क पहिले दिन रहा। मूसा अउ हारून इ
मनइयन अउ इस्राएल क लोगन क एक संग बोलाएस। तब
मनइयन क सूची ओन कई परिवार अउ परिवार समूह क
मुताबिक बनी। बीस बरिस या ओसे जिआदा उमर क सबहिं
मनइयन क सूची बनी। 19मूसा ठीक वइसा ही किहेस जइसा
यहोवा क हुकुम रहा। मूसा मनइयन क तब गनेस जब उ
पचे सीनै क रेगिस्तान मँ रहेन।

20रूबेन क परिवार समूह क गना गवा। रूबेन इस्राएल
क पहिलौटी पूत रहा। ओन सबहिं मनइयन क जउन फउज
मँ सेवा करइ क जोग्ग अहइ सूची बनी जेकर उमिर बीस
बरिस या ओसे जिआदा रहेन। ओनकइ सूची ओनके परिवार
अउ ओनकइ परिवार समूह क संग बनी। 21रूबेन क
परिवार समूह स गना भए मनसेधुअन क गनती 46,500
रही।

22सिमोन क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस या
ओसे जिआदा उमर अउर फउज मँ सेवा करइ क जोग्ग
सबहिं मनसेधुअन क सूची बनी। ओनकइ सूची ओनके
परिवार अउ ओनकइ परिवार समूहन क संग बनी। 23सिमोन
क परिवार समूह क गने प सारे मनसेधुअन क गनती
59,300 रही।

24उ पचे गाद क परिवार समूह क गनेन। बीस बरिस या
ओसे जिआदा उमर क सबइ मनइयन जउन कि फउज मँ
सेवा करइ जोग्ग सबहिं मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी।
ओनकइ सूची ओनके परिवार समूहन क संग बनी। 25गाद
क परिवार समूह क गने प मनसेधुअन क सब गिनती
45,650 रही।

26यहूदा क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस या
ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ क जोग्ग
मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी। ओनकइ सूची ओनकइ
परिवार अउ ओनके परिवार समूहन क संग बनी। 27यहूदा
क परिवार समूह क गने प सब क गनती 74,600 रही।

28इस्साकार क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस
या ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ क जोग्ग
सबहिं मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी। ओनकइ सूची
ओनके परिवार अउ ओनकइ परिवार समूहन क संग बनी।
29इस्साकार क परिवार समूह क गने प मनसेधुअन क
गनती 54,400 रही।

30जबूलून क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस या
ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ जोग्ग सबहिं
मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी। ओनकइ सूची ओनके
परिवार अउ ओनके परिवार समूहन क संग बनी। 31जबूलून
क परिवार समूह क गने प मनसेधुअन क सब गनती
57,400 रही।

32यूसुफ क पूतन स एप्रैम क परिवार समूह क गना
गवा। बीस बरिस या ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा
करइ जोग्ग सबहिं मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी।

ओनकइ सूची ओनके परिवार अउर परिवार समूहन क संग
बनी। **33**एप्रैम क परिवार समूह क गने प सब गनती
40,500 रही।

34मनस्से क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस या
ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ जोग्ग सबहिं
मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी। ओनकइ सूची ओनके
परिवार समूहन क संग बनी। **35**मनस्से क परिवार समूह क
गने प मनसेधुअन क सब गनती 32,200 रही।

36बिन्यामीन क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस
या ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ जोग्ग
सबहिं मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी। ओनकी सूची
ओनके परिवार अउ ओनके परिवार समूहन क संग बनी।
37बिन्यामीन क परिवार समूह क गने प मनसेधुअन क सब
गनती 35,400 रही।

38दान क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस या
ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ जोग्ग सबहिं
मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी। ओनकी सूची ओनके
परिवार अउ परिवार समूहन क संग बनी। **39**दान क परिवार
अउ ओनका परिवार समूहन क गने प सब गनती 62,700
रही।

40आसेर क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस या
ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ जोग्ग सबहिं
मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी। ओनकी सूची ओनके
परिवार अउ परिवार समूहन क संग बनी। **41**आसेर क
परिवार समूह क गने प मनसेधुअन क सब गनती 41,500
रही। **42**नप्ताली क परिवार समूह क गना गवा। बीस बरिस
या ओसे जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ जोग्ग
सबहिं मनसेधुअन क नाउँ क सूची बनी। ओनकी सूची
ओनके परिवार अउ ओनके परिवार समूहन क संग बनी।
43नप्ताली क परिवार समूह क गने प मनसेधुअन क सब
गनती 53,400 रही।

44मूसा, हारून अउ इस्राएल क बारह नेता लोग इ सब
मनसेधुअन क गनेन। हर परिवार समूह स एक ठु नेता रहा।
45इस्राएल क हर एक मनसेधू जउन बीस बरिस या ओसे
जिआदा उमर अउ फउज मँ सेवा करइ जोग्ग रहा, गना
गवा। इ मनसेधुअन क सूची ओनके परिवार क संग बनी।
46मनसेधुअन क सब गनती 6,03,550 रही।

47लेवी क परिवार समूह स परिवारे क सूची इस्राएल क
दूसर मनसेधुअन क संग नाहीं बनी। **48**यहोवा मूसा स कहे
रहा: **49**"लेवी क परिवार समूह क मनइयन क जिन गना। उ
क गन्ती इस्राएल क बचा भवा लोगन क संग जिन करा।
50लेवी क मनइयन स कहा कि उ पचे करार क पवित्तर
तम्बू क जिम्मेदार अहइँ। उ पचे ओकर अउर ओहमाँ स
जउन चीजन अहइँ, ओनका देखा-भाला। उ पचे पवित्तर तम्बू
मँ अउ ओकर सबहिं चीजन लइके चलिहीं। उ पचे आपन
सिबिर ओकरे चारिहुँ कइँती डइहीं अउ ओकर देख भाल
करिहीं। **51**जब कबहुँ भी पवित्तर तम्बू क जात्रा पइ लइ
जावइ जाइ तउ लेवी क मनइयन क ही तम्बू क निचे
उतारइ चाही। जब कबहुँ पवित्तर तम्बू कउनो ठउरे प लगाइ
जाइ तउ लेवी क मनसेधुअन क ही तम्बू क लगाइ चाही।
उ पचे अइसा ही लोगन अहइँ जउन पवित्तर तम्बू क
देख-रेख करत हीं। जदि कउनो अइसा दूसर मनई जउन कि
लेवी नाहीं अहइ, पवित्तर तम्बू क निअरे ओका देख-रेख
करइ बरे आवत ह तउ उ मारि डावा जाइ चाही। **52**इस्राएल
क मनइयन आपन तम्बू आपन समूहन क अनुसार लगइहीं।
हर एक मनई क अनुसार आपन सिबिर आपन परिवार समूह
क झण्डा क लगे लगावइ चाही। **53**मुला लेवी क मनइयन
क आपन सिबिर पवित्तर तम्बू क चारिहुँ कइँती डावइ चाही।
लेवी क मनई करार क पवित्तर तम्बू क रच्छा करिहीं। उ
पचे पवित्तर तम्बू क रच्छा करिहीं उ पचे पवित्तर तम्बू क
रच्छा करिहीं जेसे इस्राएल क मनइयन क कछू बुरा न
होइ।"

54एह बरे इस्राएल क मनइयन ओन सबहिं बातन क
किहेन जेकर हुकुम यहोवा मूसा क दिहन।

सिबिर क सरंजाम

2 यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, **2**"इस्राएल क
मनइयन क मिलापवाला तम्बू क चारिहु कइँती आपन
तम्बू लगावइ चाही। हरेक दल क आपन झण्डा होइ अउ
हरेक मनई क आपन समूह क झण्डा क लगे आपन तम्बू
लगावइ चाही।

3"यहूदा क सिबिर झण्डा क पूरब मँ होइ जेहर सूरज
निकरत ह। यहूदा क मनई हुवँइ सिबिर लगइहीं। यहूदा क
मनइयन क अगुआ अम्मीनादाब क पूत नहसोन अहइ। **4**इ
दल मँ 74,600 मनसेधू रहेन।

5"इस्साकार क परिवार समूह यहूदा क मनइयन क ठीक
पाछे होइ। इस्साकार क मनइयन क नेता सूआर क पूत
नतनेल अहइ। **6**इ दल मँ 54,400 मनसेधू रहेन।

7"जबूलून क परिवार समूह भी यहूदा क परिवार समूह स
ठीक आगे आपन सिबिर लगाइ। जबूलून क मनइयन क
नेता हेलोन क पूत एलीआब अहइ। **8**इ दल मँ 57,400
मनसेधू रहेन।

9"यहूदा क सिबिर मँ 1,86,400 मनसेधू रहेन। इ सबइ
आपन अलग-अलग परिवार समूहन मँ बँटा भवा रहेन।
यहूदा पहिला समूह होइ जउन उ टेमँ अगवा चली। जब
लोग एक ठउर स दूसर ठउर क जात्रा करिहीं।

10"रूबेन क झण्डा पवित्तर तम्बू क दक्खिन मँ होइ।
हरके समूह आपन झण्डा क लगे आपन सिबिर लगाइ।
रूबेन क लोगन क प्रधान सदेऊर क पूत एलीसूर बाटइ।
11इ दले मँ 46,500 मनसेधू रहेन।

12"सिमोन क परिवार समूह क रूबेन क परिवार समूह
क ठीक पाछे आपन सिबिर लगाइ। साइमन क मनइयन क
अगुआ सूरीसद्दल क पूत सलूमीएल अहइ। **13**इ दले मँ
59,300 मनसेधू रहेन।

14"गद क परिवार समूह भी रूबेन क मनइयन क ठीक
पाछे आपन सिबिर लगाइ। गाद क लोगन क प्रधान रूएल
क पूत एल्यासाप अहइ। **15**इ दले मँ 45,650 लोगन रहेन।

16"रूबेन क सिबिर मँ सब दलन क 1,51,450 मनसेधू
रहेन। रूबेन क सिबिर दूसर समूह होइ जउन उ समइ चली।
जब मनई एक ठउर स दूसर ठउर क जात्रा करिहीं।

17“जब मनई जात्रा करिहीं तउ लेवी क सिबिर ठीक
ओकरे, पाछे चली। मिलापवाला तम्बू दूसर सिबिरन क
बीचउ बीच ओनके संग रही। मनइयन आपन सिबिर उहइ
सिलसिला मँ लगइहीं जउने क्रम मँ उ पचे चलिहीं। हरेक
मनई आपन परिवार क झण्डा क संग रही।
18“एप्रैम क झण्डा पच्छिम कइँती रही। एप्रैम क
परिवार-दलन हुवँइ सिबिर लगइहीं। एप्रैम क लोगन क
प्रधान अम्मीहूद क पूत एलीसामा अहइ। 19इ दल मँ
40,500 लोगन रहेन।
20“मनस्से क परिवार समूह एप्रैम क परिवार क ठीक
पाछे आपन सिबिर लगाइ। मनस्से क मनइयन क नेता
पदासूर क पूत गम्लीएल अहइ। 21इ दल मँ 32,200
मनसेधू रहेन।
22“बिन्यामीन क परिवार समूह भी एप्रैम क परिवार क
ठीक आगे आपन सिबिर लगाइ। बिन्यामीन क लोगन क
नेता गिदोनी क पूत अबीदान अहइ। 23इ दले मँ 35,400
मनसेधू रहेन।
24“एप्रैम क सिबिर मँ 1,08,100 मनसेधू रहेन। इ तीसर
परिवार होइ जउन तब चली जब मनई एक ठउर स दूसर
ठउर क जात्रा करिहीं।
25“दान क सिबिर क निसान उत्तर कइँती होइ। दान क
परिवार दलन हुवँइ सिबिर जमाई। दान क मनइयन क प्रधान
अम्मीसद्दै क पूत अहीएजेर अहइ। 26इ दले मँ 62,700
मनसेधू रहेन।
27“आसेर क परिवार समूह दान क परिवार समूह क
ठीक पाछे आपन सिबिर डाइ। आसेर क मनइयन क नेता
ओक्रान क पूत पगीएल बाटइ। 28इ दले मँ 41,500 मनसेधू
रहेन।
29“नप्ताली क परिवार समूह दान क परिवार समूह क
ठीक पाछे आपन सिबिर लगाइ। नप्ताली क मनइयन क
प्रधान एनान क पूत अहीरा अहइ। 30इ दले मँ 53,400
मनसेधू रहेन।
31“दान क सिबिर मँ 1,57,600 मनसेधू रहेन। जब
मनइयन एक ठउर स दूसर ठउर क जात्रा करिहीं तउ इ
काफिला आखिरी परिवार समूह होइ। हर एक मनई आपन
झण्डा क अनुसार आपन परिवार क संग होइ।”
32सबहिं डेरन मँ अलग अलग दलन क सब परिवारन
क मनसेधुअन क समूचइ गिनती रही 6,03,550 । 33मूसा
इस्राएल क दूसर मनइयन मँ लेवी क मनइयन क नाहीं
गनेस। इ यहोवा क हुकुम रहा। 34यहोवा मूसा क जउन
कछू करइ क कहेस उ सब क इस्राएलियन मान लिहेन।
इस्सर क कहइ क मुताबिक इस्राएल क मनइयन आपन
झण्डा तरे आपन सिबिर लगाएन। यहोवा क कहे क
मुताबिक इस्राएल क मनइयन जात्रा किहन। हरेक मनई
आपन परिवार अउ आपन परिवार समूह क संग रहा।

हारून क याजकन परिवार

3 जउन समइ यहोवा सीनै पहाड़े प मूसा स बात किहस
उहइ समइ क हारून अउ मूसा क परिवार क इतिहास
इहइ अहइ।
2हारून क चार पूत रहेन। नादाब पहिलौटा पूत रहा।
ओकरे पाछे अबिहू, एलीआज़ार अउ ईतामार रहेन। 3इ सबइ
अभिसेक करा भवा याजकन रहेन।
एनका याजकन क रूप मँ यहोवा क सेवा क खास काम
सउँपा गवा रहा। 4मुला नादाब अउ अबीहू यहोवा क सेवा
करत टेमॅ प पाप करइ क कारण मर गएन। उ पचे यहोवा
क भेंट चढ़ाएन, मुला उ पचे उ आगी क बइपरेन जेकरे बरे
यहोवा हुकुम नाहीं दिहे रहेन। इ सीनै क रेगिस्तान मँ भवा।
इ तरह नादाब अउ अबिहू हुवाँ मरि गएन। ओनके पूत नाहीं
रहेन। एह बरे एलीआज़ार अउ ईतामार याजक बनेन अउर
यहोवा क सेवा करइ लागेन। उ पचे उ टेमॅ करत रहेन जब
ओनकइ बाप जिअत रहा।

लेवी बंस क याजकन क सहायक

5यहोवा मूसा स कहेस, 6“लेवी क परिवार समूह क
सबहिं मनइयन क याजक हारून क अगवा लिआवा। उ पचे
ओनका सेवा करइ हीं। 7लेवी बंस क हारून क उ समइ
मदद करिहीं जब उ मिलापवाला तम्बू मँ सेवा करी अउर
लेवी बंसे क इस्राएल क सब मनइयन क उ टेमॅ मदद
करिहीं जउने टेमॅ उ पचे पवित्तर तम्बू मँ आराधना करइ
अइहीं। 8इस्राएल क मनइयन मिलापवाला पवित्तर तम्बू क
हर एक चीज क रच्छा करिहीं, इ ओनकइ कर्तव्य अहइ।
मुला इ चीजन क देख-भाल कइके ही लेवी बंस क लोग
इस्राएल क मनइयन क सेवा करिहीं। पवित्तर तम्बू मँ
आराधना करइ क ओनका इहइ तरीका होइ।
9“इस्राएल क सब मनइयन मँ स लेवी बंसे क मनई चुना
गएन। इ पचे लेवी बंस क हारून अउ ओकरे पूतन क
मदद बरे चुना ग रहेन।
10“तू हारून अउ ओकरे पूतन क याजकन तइनात
करब्या। उ पचे आपन फरज पूरा करिहीं अउ याजकन क
रूप मँ सेवा करिहीं। कउनो दूसर मनई जउन निअरे आवइ
क कोसिस करत ह मारि दीन्ह जाइ चाही।*”
11यहोवा मूसा स इहइ कहेस, 12“मइँ तोसे कहेउँ कि
इस्राएल क हरेक परिवार आपन पहिलौटी क जन्मा पूत
मोका देइ-मुला अब मइँ लेवी बंस क आपन सेवा बरे चुनत
हउँ। उ पचे मोर होइहीं। एह बरे इस्राएल क सब मनइयन
क दूसर सबहिं लोगन क आपन पहिलौटी क पूत मोका
नाहीं देइ क होइ।
13“जब तू मिस्र मँ रह्या, मइँ मिस्र क पहिलौटी क
पइदा भवा लरिकन क मार डाए रहा। उ समइ मइँ इस्राएल
क सबहिं पहिलौटी क गदेलन क अपने बरे लीन्ह। सबहिं
पहिलौटी क पइदा भवा गदेलन अउ सबहिं पहिलौटी क
जन्मा गोरु मोर अहइँ। मुला अब मइँ तोहरे पहिलौटी क
जन्मा गदेलन क तोहका वापस करत अहउँ अउर लेवी बंसे
क आपन बनावत हउँ। मइँ यहोवा अहउँ।”
14यहोवा फुन सीनै क रेगिस्तान मँ मूसा स बात किहेस।
यहोवा कहेस, 15“लेवी बंस क सबहिं परिवार समूहन अउ
परिवार समूह क गना। हरेक मनसेधू या गदेलन जउन एक
महीना या ओसे जिआदा क होइँ ओनका गना।”

कउनो … चाही याजक क रूप मँ सेवा करइँ चाहत ह।

16एह बरे मूसा यहोवा क आग्या मानसे। उ ओन सबहिं
क गनेस।
17लेवी क तीन पूत रहेन। ओनकइ नाउँ रहेन: गेर्सोन,
कहात अउ मरारी। 18हरेक पूत परिवार समूहन क प्रधान
रहा।

गेर्सोन क परिवार समूहन रहेन लिब्नी अउ सिमी।
19कहात क परिवार समूहन रहेन: अम्राम, यिसहार,
हेब्रोन, उज्जीएल।
20मरारी क परिवार समूहन रहेन: महली अउ मूसी।

उ सबइ उ कुल परिवार रहेन जउन लेवी क परिवार
समूहन स जुड़ा रहेन।
21लिब्नी अउ सिमियन क परिवार गेर्सोन क परिवार स
जुड़ा रहेन। उ सबइ गेर्सोन बंस क परिवार समूहन क रहेन।
22इ दुइनउँ परिवार समूहन मँ स एक महीना स जिआदा उमर
क लरिकन या मनसेधू 7,500 रहेन। 23गेर्सोन बंस क
परिवार समूहन क पच्छिउँ मँ सिबिर डावइ क कहा गवा। उ
पचे पवित्तर तम्बू* क पाछे आपन सिबिर लगाएन। 24गेर्सोन
बंस क परिवार समूहन क प्रधान लाएल क पूत एल्यासाप
रहा। 25मिलापवाला तम्बू मँ गेर्सोन बंस क लोग पवित्तर
तम्बू, बाहरी तम्बू अउ पर्दन क देख-रेख क जिम्मेदार रहेन।
उ पचे मिलापवाला तम्बू क प्रवेस दुआर क पर्दा क
देख-भाल करत रहेन। 26उ पचे आँगन क पर्दा क देख-रेख
करत रहेन। इ पर्दा जउन पवित्तर तम्बू अउ वेदी क चारिहुँ
कइँती फइला रहा। उ पचे रस्सी अउ पर्दा बरे काम मँ
बइपरइ वाली हर एक चिजियन क देख-रेख करत रहेन।
27अम्रामियन, यिसहारियन, हेब्रोनियन अउ उज्जीएल क
परिवार कोहात क परिवार स जुड़ा रहेन। उ पचे कोहात बंसी
परिवार समूहन क रहेन। 28इ परिवार समूह मँ एक महीना या
ओसे जिआदा उमर क गदेलन अउ मनसेधू 8,600 रहेन।
कोहात बंस क मनइयन क पवित्तर ठउर क देख-रेख क
काम सउँपा गवा। 29कोहात बंस क परिवार समूहन क
"पवित्तर तम्बू" क दक्खिन पहँटा दीन्ह गवा। इ उ पहँटा रहा
जहाँ उ पचे सिबिर लगाएन। 30कोहात बंस क परिवार
समूहन क प्रधान उज्जीएल क पूत एलीसापान रहा। 31ओनकइ
काम पवित्तर सन्दूख, मेज, डीबट, वेदी अउ पवित्तर ठउर क
कामे मँ आवइवाला सामान क देख-रेख करब रहा। उ पचे
पर्दा अउ ओनके संग प्रयोग मँ आवइवाली सबहिं चीजन क
देख-रेख करत रहेन।
32लेवी बंस क नेता लोगन क मुखिया एलीआज़ार रहा।
उ याजक हारून क पूत रहा। एलीआज़ार पवित्तर चीजन क
देख-रेख करइवालन सबहिं मनइयन क कोतवाल रहा।
33-34महली अउ मुसी परिवार समूहन मरारी परिवारे स
जुड़ा रहा। एक महीना या ओसे जिआदा उमर क लरिकन
अउ मनसेधू परिवार समूह मँ 6,200 रहेन। 35मरारी समूह क
नेता अबीहैल क पूत सूरीएल रहा। इ परिवार समूह क
पवित्तर तम्बू क उत्तर क पहँटा दीन्ह ग रहा। इ उहइ पहँटा
अहइ जहाँ उ पचे सिबिर लगाए रहेन। 36मरारी लोगन क
पवित्तर तम्बू क ढाँचा क देखभाल क काम सौंपं दीन्ह गवा।
उ पचे सबहिं छड़न, खंभन अउ आधार अउ पवित्तर तम्बू
क ढाँचा मँ जउन कछू लगा रहा उ सब कछू क देख-भाल
करत रहेन। 37पवित्तर तम्बू क चारिहुँ कइँती आंगन क
सबहिं खंभन क देखरेख करत रहेन। एहमाँ सबइ आधार,
तम्बू क खूँटी अउ रस्सियन जुड़ी रहिन।
38मूसा, हारून अउ ओकर लरिकन मिलापवाला तम्बू क
समन्वा पवित्तर तम्बू क पूरब कइँती सिबिर लगाएन। उ
पचन क पवित्तर ठउर क देख-भाल क काम दीन्ह गवा। उ
पचे इस्राएल क सबहिं मनइयन बरे इ किहन। कउनो दूसर
मनई जउन पवित्तर ठउर क निचके आवत, मार दीन्ह जाइ
क रहा। 39यहोवा लेवी परिवार समूह क एक महीना या
ओसे जियादा उमर क गदेलन अउ मनसेधुअन क गनइ क
हुकुम दिहस। सब गिनती 22,000 रही।

लेवी बंसी पहिलौउटी क लरिकन क जगह लेत हीं

40यहोवा मूसा स कहेस, "इस्राएल मँ सब एक महीना या
ओसे जियादा उमर क पहिला पइदा भवा लरिकन अउ
मनसेधुअन क गना। ओनके नाउँ क एक अनुसार सूची
बनावा। 41अब मइँ इस्राएल क सबहिं पहिलौटी क पइदा
भवा लरिकन अउ मनसेधुअन क नाहीं लेबा अब मइँ यानी
यहोवा लेवी बंसियन क ही लेब। इस्राएल क दूसर सबहिं
मनइयन क पहिलौटी क पइदा भवा जनावरन क लेइ क
ठउर प अब मइँ लेवी बंस क मनइयन क पहिलौटी क
जनावरन क ही लेब।"
42इ तरह मूसा उ किहस जउन यहोवा हुकुम दिहस। मूसा
इस्राएल क पहिलौटी क सतान क गनेस। 43मूसा सबहिं
पहिलौटी क पइदा भवा एक महीना या ओसे जियादा उमर
क लरिकन अउ मनसेधुअन क सूची बनाएस। उ सूची मँ
22,273 नाउँ रहेन।
44यहोवा मूसा स इ भी कहेस, 45"मइँ यानी यहोवा इ
हुकुम देत हउँ: 'इस्राएल क दूसर परिवारन क पहिलौटी क
पइदा भवा मनसेधुअन क जगह प लेवी बंस क मनइयन क
ल्या। अउर मइँ दूसर मनइयन क जनावरन क ठउर प
लेवी-बंस क जनावरन क लेब। लेवी बंसी मोरउ अहइँ।
46लेवी-बंस क मनई 22,000 अहइँ अउर दूसर परिवारन क
22,273 पहिलौटी क पइदा भवा पूत अहइँ। इ तरह सिरिफ
273 पहिलौटी क पइदा पूत लेवी बंस क मनइयन स
जियादा बाटेन। 47दूइ सौ तेहत्तर पहिलौटी मनइयन मँ स हर
एक बरे पाँच सेकेल चाँदी जमा करा। (पवित्तर स्थान क
सेकेल क अनुसार एक सेकेल बीस गेरा होत ह) 48उ चाँदी
हारून अउ ओकरे पूतन क द्या। इ इस्राएल क 273
मनइयन बरे भुगतान अहइ।'"
49मूसा 273 जियादा मनइयन बरे रूपिया बटोरेस। इ सबइ
उ पचे 273 मनई अहइँ जेनकइ जगह लेवी बंस परिवार
समूह नाहीं लइ सका। 50मूसा इस्राएल क पहिलौटी क
पइदा भवा मनइयन स चाँदी बटोरेस। उ 1,365 सेकेल चाँदी
पवित्तर स्थान क सेकेल क अनुसार बटोरेस। 51मूसा यहोवा
क आग्या मानेस। मूसा यहोवा क आग्या क मुताबिक उ
चाँदी हारून अउ ओकरे पूतन क दिहस।

पवित्तर तम्बू या "टाबरनाकेल" तम्बू परमेस्सर आपन मनइयन क बीच रहइ आवा रहा।

कोहात परिवार क सेवा करब

4 यहोवा मूसा अउ हारून स कहेसः 2“कोहात परिवार समूह क मनसेधुअन क गना। (कोहात परिवार समूह लेवी परिवार समूह क एक हींसा अहइ।) 3तीस स पचास बरिस क उमर वाले मनइयन क गना जउन फउज मँ सेवा करइ सकत ह। इ मनइयन मिलापवाला तम्बू मँ कामकाज करिहीं।

4“ओनकइ कामकाज सबन त जियादा पवित्तर ठउर क देखभाल करब अहइ।

5“जब सिबिर नवा ठउर क जात्रा करइँ। हारून अउ ओनके पूतन क चाही कि उ पचे मिलापवाला तम्बू मँ जरूर जाइँ अउ पर्दा उतारइँ अउ करार क पवित्तर सन्दूखे क ढाँपइँ। 6तब उ पचे इ सबन्क बढ़िया चाम स बना भवा ढकना स ढाँपि देइँ। तब उ पचे पवित्तर सन्दूखे प बिछा भवा खाल प एक ठु नीला ओढ़ना फइलइहीं अउ पवित्तर सन्दूखे प लगा भवा कड़ा मँ डंडा डइहीं।

7“तब उ पचे एक ठु नीला ओढ़ना पवित्तर मेजी प फइलइहीं। तब उ सबइ ओह पइ थाली, चम्मच, खोरा अउ पयेबलि बरे गगरी धरिहीं। उ पचे खास रोटी ओकर ऊपर धरइ सकत ह। 8तब तू पचे इ सबहिं चीजन प एक ठु लाल ओढ़ना डउब्या। तब हर एक चीज क बढ़िया चाम स ढाँपि द्या। तब मेज क छल्ला मँ डंडा डावा।

9“तब डीबट अउ दिया क नीला ओढ़ना स ढकि द्या अउ साथ ही साथ दिया क गुल काटइवाला कैंची, गुल रखइवाला थाली अउर दिया बरे प्रयोग मँ आवइवाला तेल क मेटिया क ढकि द्या। 10तब सबहिं चीजन क नीक चाम मँ लपटावा अउ एँनका ढोवइ बरे प्रयोग मँ आवइवाला डंडन प एँनका धरा।

11“सुनहरी वेदी प एक नीला कपड़ा फइलावा। ओका नीक चाम स ढका। तब वेदी क ढोवइ बरे ओहमाँ लगा भवा छल्लन मँ डंडा डावा।

12“पवित्तर ठउर मँ आराधना क प्रयोग मँ आवइवाली खास चीजन क एक साथे बटोरा। एँनका एक संग बटोस अउ एँनका नीला ओढ़ना मँ बटोरा। तब एँका बढ़िया चाम स ढका। इ चीजन क लइ जाइ बरे एँनका एक ढाँचा प धरा जिस प इ लइ जाइ।

13“काँसावाली वेदी स राख क झार द्या अउ एँकरे ऊपर एक बैगनी रंग क ओढ़ना फइलावा। 14तब वेदी प आराधना बरे प्रयोग मँ आवइवाली आगी क गोस्सी, काँटा, बेल्चा अउ खोरा आदी सब चीजन क बटोरा। इ चीजन्क काँसा क वेदी प धरा। तब वेदी क ऊपर नीक चाम क ओढ़ना फइलावा। वेदी मँ लगा कड़न मँ एँका लइ जाइवाला डंडा डावा।

15“जब हारून अउ ओकर पूत पवित्तर ठउर क सबहिं पवित्तर चीजन्क ढकना पूरा करि लेइँ तब कोहात परिवार क मनई अन्दर आइ सकत हीं अउर उ चीजन्क लइ जाब सुरु कइ सकत हीं। इ तरह उ पचे पवित्तर चीजन्क छुइहीं नाहीं। तउ उ पचे मरिहीं नाहीं।

16“याजक हारून क पूत एलीआज़ार पवित्तर तम्बू बरे जिम्मेदार होइ। उ पवित्तर ठउर अउ एँकर हर चीज बरे जिम्मेदार होइ। उ डीबट क तेल, महकउआ सुगन्धिवाली* अगरबत्ती अउ हमेसा दीन्ह जाइवाली भेंट।*”

17यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 18“होसियार रहा, इ कोहात बंसी मनइयन क लेवी मनसेधुअन क बीच स बरबाद जिन होइ द्या। 19तोहका इ एह बरे करइ चाही कि कोहात बंसी महा पवित्तर ठउर ताईं जाइँ अउ मरइँ नाहीं। हारून अउ ओकरे पूतन क अन्दर जाइ चाही अउ हरेक कोहात बंसी क बतावइ चाही कि उ का करइ। ओन पचन क हर एक मनई क चीज देइ चाही जउन ओका लइ जाइ क अहइ। 20जदि तू अइसा नाहीं करत्या तउ कोहात बंसी अन्दर जाइ सकत हीं अउ पवित्तर चीजन क लखि सकत हीं। जदि उ पचे एक छिन बरे भी ओन पवित्तर चीजन कइँती निहारत हीं तउ ओनका मरइ क होइ।”

गेर्सोन परिवार क सेवा

21यहोवा मूसा स कहेस, 22“गेर्सोन परिवार क सबहिं मनइयन क गना। ओनकइ सूची परिवार अउ परिवार समूह क मुताबिक बनावा। 23आपन सेवा क कर्तव्य कइ चुकइवालन तीस बरिस स पचास बरिस तक क मनसेधुअन जउन सबइ सेवा करइ बरे जाइ सकत ह क गना। इ सबइ लोग मिलापवाला तम्बू क देख-भाल करिहीं।

24“गेर्सोनी परिवार क इहइ करइ चाही अउ इ चीजन क लइ चलइ चाही। 25एँनका पवित्तर तम्बू क पर्दा, मिलापवाला तम्बू, एकर ओढ़ावन अउ नीक चाम स बना ओढ़ावन लइ चलइ चाही। ओनका मिलापवाला तम्बू क दुआर क पर्दा भी लइ चलइ चाही। 26ओनका अंगने क ओन पर्दन क भी जउन पवित्तर तम्बू अउ वेदी क चारिहुँ ओर लगा बाटेन, लइ चलइ चाही। ओनका आंगन क प्रवेस दुआर क पर्दा भी लइ चलइ चाही। ओनका सब लसुरी अउ पर्दा क संग प्रयोग मँ आवइवाली सबहिं चीजन क लइ चलइ चाही। गरसान बंस क मनई उ कउनो भी चीज बरे जिम्मेदार होइहीं जउन इ चीजन स कीन्ह जात हीं। 27हारून अउ ओकर पूत इ सबहिं कामन क निगरानी करिहीं। गेर्सोनी बंस क मनई जउन कछू लइ जइहीं अउ जउन दूसर काम करिहीं ओकर पइ हारून अउ ओकर पूत नज़र राखिहीं। तोहका ओन लोगन क उ सबइ चीज सोंप देइ चाही जेनका ढोवइ बरे उ पचे जिम्मेदार होइहीं। 28इहइ काम अहइ जेका गेर्सोन बंस क परिवार समूह क लोगन क मिलापवाला तम्बू बरे करइ क अहइ। हारून क पूत ईतामार याजक ओनके काम बरे जिम्मेदार होइ।”

मरारी परिवार क सेवा

29“मरारी परिवार समूह क परिवार अउ परिवार समूहन क मनसेधुअन क गना। 30तीस स पचास बरिस क सबहिं

महकउआ सुगन्धिवाली यहोवा क भेंट क रूप मँ पवित्तर ठउर मँ हर दिन दीन्ह जाइवाली भेंट अउ अभिसेक बरे तेल क जिम्मेदार होई।

हमेसा दीन्ह जाइवाली भेंट जइतून क तेल जउन याजक, देवपुरूस या राजा क मूँड़े प डावा जात रहा। इ बतावत रहा कि यहोवा क जरिये आपन खास काम बरे चुना ग रहेन।

मनसेधुअन क जउन सेवा करइ बरे जाइ सकत ह क गना। उ पचे मनइयन मिलापवाला तम्बू बरे खास काम करिहीं। **31**जब तू जात्रा करब्या तब ओनकइ इ काम अहइ कि मिलापवाला तम्बू क फरेम (ढाँचा) लइ चला। ओनका पट्टी, खम्भा अउ आधार क लइ चलइ चाही। ओनका ओन तम्बू क खुँटियन क लइ चाही **32**अउर ओका आँगन क चारिहुँ कइँती क खम्भा, ओका खूँटियन क साथ, आधार अउ रस्सी क लइ चाही। सब नाउँ क सूची बनावा अउ हरेक मनई क बतावा कि ओका का का चीज लइ जाइ क अहइ। **33**इहइ बात अहइँ जेका मरारी बंस क लोग मिलापवाला तम्बू क कामे मँ सेवा बरे करिहीं। हारून क पूत ईतामार याजक ऍनके बरे जिम्मेदार होइ।"

लेवी बंस परिवार

34मूसा, हारून अउ इस्राएल क मनइयन क अगुआ लोग कोहती-बंस क मनइयन क गनेन। उ पचे ऍनका परिवार अउ परिवार समूहन क मुताबिक गनेन। **35**उ पचे तीस स पचास बरिस क उमर क मनइयन क जउन सेवा करइ बरे जाइ सकत ह गनेन। इ पचन क मिलापवाला तम्बू बरे खास काम करइ बरे दीन्ह गएन।

36कहात परिवार समूह मँ जउन इ काम करइ क जोग्गता रखत रहेन, 2,750 मनसेधू रहेन। **37**इ तरह कोहात परिवार क इ मनइयन क मिलापवाला तम्बू क खास काम करइ बरे जिम्मेदारी दीन्ह गएन। मूसा अउ हारून ऍका वइसा ही किहेन जइसा यहोवा मूसा स करइ क कहे रहा।

38गेर्सोनी परिवार समूह क भी ओकर परिवारन अउ ओकर परिवार समूहन क अनुसार गना गवा। **39**तीस स पचास बरिस क उमर क सबहिं मनइयन क जउन सेवा करइ बरे जाइ सकतेन क गना गएन। इ मनइयन क मिलापवाला तम्बू मँ खास काम करइ क सेवा-काम दीन्ह गवा। **40**गेर्सोन परिवार समूह क परिवारन मँ जउन जोग्ग रहेन उ पचे 2,630 मनसेधू रहेन। **41**इ तरह इ मनसेधुअन क जउन गेर्सोन परिवार समूह क रहेन, मिलापवाला तम्बू मँ खास काम करइ क सेवा-काम सौंपा गवा। मूसा अउ हारून ऍका वइसा ही किहेन जइसा यहोवा मूसा क करइ क कहे रहा।

42मरारी परिवार क परिवार अउ परिवार समूहन क भी गना गवा। **43**तीस स पचास बरिस क उमर क सबहिं मनसेधू जउन सेवा करइ बरे जाइ सकतेन क गना गएन। इ मनइयन क मिलापवाला तम्बू बरे खास काम करइ क सेवा-काम दीन्ह गवा। **44**मरारी परिवार समूह क परिवारन मँ जउन लोग जोग्ग रहेन, उ पचे 3,200 मनई रहेन। **45**इ तरह मरारी परिवार समूह क इ मनइयन क खास काम दीन्ह गवा। मूसा अउ हारून ऍका वइसा ही किहेन जइसा यहोवा मूसा स करइ क कहे रहा।

46मूसा, हारून अउ इस्राएल क मनइयन क नेता लोग लेवी-बंस क सबहिं निअम्बर क गनेन। उ पचे हर एक परिवार अउ हर एक परिवार समूह क गनेन। **47**सब मनइयन जउन आपन सेवा कर्तव्य क निभाइ चुका रहेन अउर जउन तीस बरिस स पचास बरिस उमर क रहेन, गना गएन। इ मनइयन क मिलापवाला तम्बू बरे खास काम करइ क सेवा-काम दीन्ह गवा। उ पचे मिलापवाला तम्बू क चलइ क काम तब किहेन जब उ पचे जात्रा किहेन। **48**मनसेधुअन क सारी संख्या 8,580 रही।

49यहोवा इ आदेस मूसा क दिहेन। हर एक मनई क आपन काम दीन्ह ग रहा। अउ हरेक मनसेधू स कहा गवा रहा कि ओका का का लइ चलइ चाही। एह बरे यहोवा जउन हुकुम दिहे रहा उ चीजन क पूरा कीन्ह गवा। सबहिं मनइयन क गना गवा।

सफाई क बारे मँ नेम

5 यहोवा मूसा स कहेस, **2**"इस्राएल क मनइयन क हुकुम द्या कि उ हर एक व्यक्ति क चाहे उ मनसेधु या मेहरारू जउन चाम रोग स पीड़ित ह या जेकर सरीर स पीप बहत ह या जउन कि कउनो ल्हासे क छुअइ क करण असुद्ध होइ गवा अहइ छाउनी स दूर भेज द्या। **3**उ पचन्क छाउनी स बाहेर भेज दीन्ह जाइ चाही ताकि उ छाउनी क जउन कि मोरे निवास अहइ क उ पचन्क असुद्ध नाहीं कइ देइँ। मइँ तोहरे छाउनी मँ तू लोगन क बीच रहत हउँ।"

4एह बरे इस्राएल क मनइयन परमेस्सर क हुकुम मानेन। उ पचे ओन मनइयन क सिबिर क बाहेर पठइ दिहन। उ पचे अइसा एह बरे किहन काहे की यहोवा मूसा क हुकुम दिहस।

अपराध बरे जुर्माना

5यहोवा मूसा स कहेस, **6**"इस्राएल क लोगन क इ बतावा, अगर कउनो मनई अउ मेहरारू कउनो अइसा पाप करत ह जेका लोग करत, (कउनो पाप जेका दूसर क खिलाफ कीन्ह गवा ह तउ उ असल मँ परमेस्सर क खिलाफ पाप अहइ) तउ उ तरह क मनसेधू या मेहरारू अपराधी अहइ। **7**एह बरे उ मनई लोगन क खिलाफ आपन कीन्ह पाप क कबूलइ। तब उ मनई ओका जरूर सुधार करइ चाही जेका उ किहस ह उ भुगतान मँ पाँचवाँ हींसा जोरइ अउ ओकर भुगतान ओका करइ जेकर बुरा उ किहस ह। **8**मुला जउन मनई क उ बुरा किहा ह जदि उ मनई मरि जात ह अउर ओकर कउनो निचके क नातेदार भुगतान लेइ बरे न होइ तउ इ हाल मँ, बुरा करइ वाला मनई यहोवा क भुगतान करी। उ मनई पूरा भुगतान याजक क करी। भुगतान क बरे ओका एक ठू भेंड़ा क बलि अभिसेक क रूप मँ जरूर देइ चाही। याजक ओका बलि ओका अभिसेक करइ बरे देब्या। मुला याजक बचा भुगतान क आपन लगे रख सकत ह।

9"जदि इस्राएल क कउनो मनई परमेस्सर क खास भेंट चढ़ावत ह तउ उ याजक जउन ओका अंगीकार कइ सकत ह ओका अपने लगे रख सकत ह। इ ओकर बाटइ। **10**एक मनइ क पवित्तर चीज ओका अपना अहइ (उ ओका दइ सकत ह या ओका आपन बरे रखइ सकत ह।) मुला जदि उ ओनका देत ह तउ उ याजक क होइ जाइ।"

सक्की भतार लोग

11तब यहोवा मूसा स कहेस, 12“इस्राएल क लोगन स इ
कहा कउनो मनई क मेहरारु पतिव्रता नाहीं भी होइ सकत।
13उ दूसर मनइयन क संग सोइ सकत ह अउ ऍका आपन
भतारे स छुपाइ सकत ह। ओकर भतार ओका कबहुँ जान
भी नाहीं सकत जउन बुराई उ किहेस ह होइ सकत ह कि
कउनो गवाह भी नाहीं अहइ अगर उ आपन हरकत स
नाहीं पकड़ा जाइ। अउर उ मेहरारु भी आपन भतार स
आपन पाप क बारे मँ नाहीं कही। 14मुला भतार संका करब
सुरु कइ सकत ह कि ओकर मेहरारु ओकरे विरुद्ध पाप
किहेस ह। उ ओकरे बरे जलन रख सकत ह, चाहे उ
कउनो बुरा काम नाहीं किहेस ह जेकर कारण उ अविस्वासी
होइ जाइ। 15जदि अइसा होत ह तउ उ आपन मेहरारु क
याजक क लगे लइ जाइ। भतार एक भेंट भी लइ जाइ। इ
भेंट एपा क दसवाँ भाग जौ क आटा होइ। ओका जौ क
आटे प तेल या सुगन्धि नाहीं डावइ चाही। इ जौ क आटा
यहोवा क अन्न भेंट अहइ। इ एह बरे दीन्ह जात कि भतार
ईर्ष्यालु अहइ। इ भेंट इ संकेत करी कि ओका बिस्सास
अहइ कि ओकर मेहरारु पतिव्रता नाहीं अहइ।

16“याजक मेहरारु क यहोवा क समन्वा लइ जाइ अउ
मेहरारु यहोवा क समन्वा खड़ी होइ। 17तब याजक कछू
खास पानी लेइ अउ ओका माटी क कूँड़ा मँ डाई। याजक
पवित्तर तम्बू क फर्स स कछू माटी पानी मँ नाई। 18याजक
मेहरारु क यहोवा क समन्वा खड़ी रहइ बरे मजबूर करी।
तब उ ओकर बार उघारी अउ ओकरे हाथे मँ अन्नबलि
देइ। इ जौ क आटा होइ जउन जेका भतार जलन क कारण
ओका दिहे रहा। उहइ टेमॅ याजक उ खास करुआ पानीवाला
माटी क कूँड़ा धरे रही। इ जल ही अहइ जउन मेहरारु क
परेसानी पइदा करत ह (सिरिफ अगर उ पाप किहेस ह।)

19“तब याजक मेहरारु क हिदायत देइ कि ओका झूठ
नाहीं बोलइ चाही। ओका फुरइ बोलइ क बचन देइ चाही।
याजक ओसे कही: ‘जदि तू दूसर मनई क संग नाहीं सोई
अहा अउर तू आपन भतार क खिलाफ पाप नाहीं किहे
अहा, जबकि तोहार बियाह ओकरे संग हुआ अहइ, तउ इ
सराप जल तोहका नोस्कान न पहुँचाइ। 20मुला जदि तू आपन
भतार क खिलाफ पाप किहा ह, जदि तू कउनो दूसर मनई
क संग सोई अहा तउ तू सुद्ध नाहीं अहा। काहे? काहेकि
जउन तोहरे संग सोवा इ बरे अहइ तोहार भतार नाहीं अहइ
अउर उ तोहका असुद्ध बनाएन ह। 21एह बरे जब तू इ
खास जल क पिउबू तउ तोहका बहोत परेसानी होइ। तोहार
पेट फूलि* आइ अउर तू कउनो लरिका पइदा नाहीं कइ
सकबिउ। जदि तू गोड़वा स भारी होबिउ तउ तोहार लरिका
मरि जाइ। तब तोहार लोग तोहका तजि देइहीं अउर उ पचे
तोहरे बारे मँ बुरी बात करिहीं।’

“तब याजक क मेहरारु स यहोवा क विसेस बचन देइ
बरे कहइ चाही। मेहरारु क अंगीकार करइ चाही कि इ
सबइ बुरी बातन ओका होइहीं, जदि उ झूठ बोली। 22याजक
क कहइ चाही, ‘तू इ जले क लेबिउ जउन तोहरे तन मँ
परेसानी पइदा करी। जदि तू पाप किहा ह तउ तू लरिका क
जनम नाहीं दइ सकबिउ अउर जदि तोहार कउनो लरिका
गरभ मँ अहइ तउ उ जन्मइ स पहिले मरि जाइ।’ तब
मेहरारु क कहइ चाही: ‘मइँ उ अंगीकार करत हउँ जउन
आप कहत हीं।’

23“याजक क इ चिताउनियन क चाम-पत्र प लिखइ
चाही। फुन ओका इ लिखावट क पानी मँ धोवइ चाही।
24तब मेहरारु उ पानी क पिई जउन परेसानी पइदा करत ह।
उ पानी ओहमा जाइ अउर जदि उ अपराधी अहइ तउ ओका
बहोत परेसानी पइदा करी।

25“तब याजक उ अन्नबलि जउन जलन बरे भेंट अहइ
क ओहसे लेइ। उ ओका यहोवा क समन्वा उठाई अउर
ओका वेदी तलक लइ जाइ। 26तब याजक आपन अंजुरी मँ
अन्न भरी अउ ओका वेदी प धरी। तब उ ओका बारी।
ओकरे पाछे उ मेहरारु स पानी पिअइ क कही। 27जदि
मेहरारु भतार क खिलाफ पाप किहे होई तउ पानी ओका
परेसान करी। पानी ओकरे सरीर मँ जाई अउर ओका बहोत
कस्ट होइ। अउर कउनो बच्चा जउन ओकरे गरभ मँ होइ,
पइदा होइ स पहिले मरि जाई अउर उ कबहुँ बच्चा क जन्म
नाहीं दइ सकी। उ आपन लोगन क बीच अभिसाप होइ
जाब्या। 28मुला जदि मेहरारु पति क खिलाफ पाप नाहीं किहे
अहइ तउ उ पवित्तर अहइ। फुन याजक घोसणा करी कि उ
अपराधी नाहीं अहइ। अउर लरिकन क जन्म देइ बरे जोग्ग
होइ जाई।

29“इ तरह इ ईर्सा क बारे मँ कानून अहइ। तोहका इहइ
करइ चाही जदि कउनो बीही मेहरारु आपन पति क खिलाफ
पाप करत ह। 30या जदि कउनो मनई जलन करत ह अउ
आपन मेहरारु क बारे मँ संका करत ह कि उ ओकरे
खिलाफ पाप किहे अहइ तउ मनई क इहइ करइ चाही।
याजक क कहइ चाही कि उ मेहरारु यहोवा क समन्वा
खड़ी होइ। तब याजक इ सबहिं काम क करी। इहइ कनून
बा। 31भतार कउनो बुरा करइ क अपराधी नाहीं होइ। मुला
मेहरारु कस्ट उठाइ, जदि उ पाप किहे अहइ।”

नाज़ीरी बंस

6 यहोवा मूसा स कहेस, 2“इ बातन इस्राएल क मनइयन
स कहा: कउनो मनसेधू या मेहरारु कछू निस्चित समइ
बरे आपन आप क परमेस्सर क अर्पण कइ क कसम खाइ
सकत ह। उ मनई नाज़ीरी कहा जाई। 3उ टेम मँ मनई क
कउनो दाखरस या कउनो जियादा नसीली चीज नाहीं पिअइ
चाही। मनई क सिरका जउन दाखरस स बना होइ या कउनो
जियादा नसीला पिअनी नाहीं पिअइ चाही। उ मनई क अंगूरे
क रस नाहीं पिअइ चाही अउर न ही अंगूर या किसमिस
खाइ चाही। 4उ पवित्रीकरण क काल मँ उ मनई क अंगूर
स बना कउनो चीज नाहीं खाइ चाही। उ मनई क अंगूरे क
बिया या बोबला भी नाहीं खाइ चाही।

5“पवित्रीकरण क काल मँ उ मनई क आपन बार नाहीं
काटइ चाही। उ मनइ क उ टेमॅ तलक सुद्ध रहइ चाही
जब तलक पवित्रीकरण क काल खतम न होइ। ओका
आपन बार क लम्बा होइ देइ चाही। उ मनई क बार
परमेस्सर क दीन्ह गवा पवित्रीकरण क बचन क एक खास

पेट फूलि तोहार गरभ गिरि जाइ अउ पेट फूलि आई।

हींसा अहइ। उ ओन बारन क परमेस्सर क भेंट क रूप मँ
देई। एह बरे उ मनई आपन बारन क तब तलक लम्बा होइ
देइ जब तलक अलग होइ क टेमॅ खतम होई।

6"इ पवित्रीकरण क काल मँ इ कउनो नाज़ीर क कउनो
ल्हासे क लगे नाहीं जाइ चाही। काहेकि उ मनई आपन
क पूरी तरह स यहोवा क अर्पित कइ दिहे अहइ। **7**जदि
ओकर आपन बाप, आपन महतारी, आपन भाई या आपन
बहिन भी मरि जाइँ तउ भी ओका ओनका छुवइ न चाही। इ
ओका अपवित्तर करी। ओका इ देखावइ चाही कि ओका
अलग कीन्ह ग अहइ अउर आपन क पूरी तरह परमेस्सर
क अर्पित कइ चुका अहइ। **8**जउन पूरा टेमॅ मँ उ अलग
कीन्ह गवा उ पूरी तरह आपने यहोवा क अर्पित किहे रहा
अहइ।

9"इ होइ सकत ह कि नाज़ीर कउनो दूसर मनई क संग
होइ अउ दूसर मनई एकाएक मरि जाइ। जदि नाज़ीरी मरे
भए मनई क छुई तउ उ अपवित्तर होइ जाइ। जदि अइसा
होत ह तउ नाज़ीरी क मूँड़ स बार कटवावइ चाही। इ सबइ
बार ओकरे खास दीन्ह गए बचन क हींसा रहेन। ओका
आपन बारन क सतएँ दिन काटइ चाही काहे की उ दिन उ
पवित्तर कीन्ह जात ह। **10**तब अठवें दिन ओका दुइ फाखता
या कबूतरी क दुइ बच्चा याजक क लगे लइ आवइ चाही।
ओका याजक बरे ओनका मिलापवाला तम्बू क दुआरे देइ
चाही। **11**तब याजक एक क कबूतरी पापबलि क रूप मँ
भेंट करी। उ दूसरे कबूतरी क होमबलि क रूप मँ भेंट
करी। अउर याजक उ मनई क ओकरे पाप बरे प्रायस्चित
करब्या। (उ पाप किहेस काहे की उ ल्हास क लगे रहा।)
उ समइ उ मनई फुन बचन देइ कि मूँड़ क बारन क यहोवा
बरे भेंट करी। **12**एँकर इ अरथ भवा कि उ मनई क फुन
पवित्रीकरण क काल मँ दूसर समइ बरे आपन आप क
यहोवा क अर्पित कइ देइ चाही। उ मनई क एक बरिस क
नर मेमना लावइ चाही। उ एँका दोखबलि क रूप मँ देइ।
ओकरे पवित्रीकरण क सब दिन बिसराइ दीन्ह जात अहइँ।
उ मनई क नवा अलग होइके टेमॅ सुरु करइ क होइ। इ
जरुर कीन्ह जाइ काहे की उ पवित्रीकरण पहिले काल मँ
एक ल्हास क छुए रहा।

13"जब मनई क अलग होइ क टेमॅ पूरा होइ जाइ तउ
ओका इ जरुर करइ चाही। ओका मिलापवाला तम्बू क
दुआर प जाइ चाही। **14**हुवाँ उ आपन भेंट यहोवा क देइ।
ओकर भेंट होइ चाही:

होमबलि बरे बिन दोखे क एक बरिस क नर मेमना
पापबलि क भेंट खातिर बिन दोखे क एक बरिस क मादा
मेमना। मेलबलि बरे बिन दोखे क एक नर भेड़ा।

15बे खमीरे क बनी भइ रोटिन-नीक आटा मँ साना भवा
तेले स बना केक-एँनके ऊपर लावइ चाही। अउर दूसर
अन्नबलि अउ पयेबलि जउन इ भेंटन क एक हींसा अहइ।

16"तब याजक इ चीजन क यहोवा क देइ। याजक
पापबलि अउ होमबलि चढ़ाई। **17**याजक बे खमीरे क रोटी
क टोकरी यहोवा क देइ। तब उ यहोवा क मेलबलि क
रूप मँ भेड़ा क मारी। उ यहोवा क अन्नबलि अउ पयेबलि
क संग एँका देइ।

18"नाज़ीर क मिलापवाला तम्बू क दुआर प जाइ चाही।
हुवाँ ओका आपन बार कटवावइ चाही जेका उ यहोवा बरे
बढ़ाए रहा। ओन बारन क मेलबलि क नीचे आगी क ऊपर
रखई चाही।

19"जब नाज़ीर आपन बारन क काटि चुकी तउ याजक
ओका भेड़ा क एक ठु उसना भवा काँध अउ टोकरी स एक
ठु बड़वार अउ एक ठु नान्ह क केक देइ। इ दुइनउँ केक
बे खमीरे क बना होइहीं। **20**तब याजक इ चीजन क यहोवा
क अगवा हलाई। इ एक ठु उत्तोलनबलि अहइ। इ चीजन
पवित्तर अहइँ अउ याजक क अहइँ। भेड़ा क छाती अउ
जाँघ भी यहोवा क समन्वा हलावा जइहीं। इ चीजन भी
याजक क बाटिन। एँकरे पाछे नाज़ीरी दाखरस पी सकत ह।

21"जदि कउनो मनई नाज़ीर होइ चाहत ह तउ ओका
यहोवा क इ सबहिं भेंट देइ चाही। इ नेमॅ ओन मनइयन बरे
अहइँ जउन नाज़ीर होइ क बचन लेत हीं। जदि कउनो मनई
जियादा देइ क बचन देत ह तउ ओका आपन बचन क
निभावइ बरे नाज़ीर क नेमॅ क मुताबिक करइ चाही।"

याजक क आसीर्बाद

22यहोवा मूसा स कहेस, **23**"हारून अउ ओकरे पूतन स
कहा। इस्राएल क लोगन क आसीर्बाद देइ क तरीका इहइ
अहइ, ओनसे कहा:

24यहोवा तोहका आसीस देइ अउ तोहार रच्छा करइँ।

25यहोवा क कृपा-दृस्टि तोहे प उजागर होइ। उ तोहसे
पिरेम करइ।

26यहोवा क दृस्टि तोह प होइ। उ तोह पइ दाया करी उ
तोहका सान्ति क साथ आसीर्बाद देइ।"

27तब यहोवा कहेस, "इ तरह हारून अउ ओकर पूत
इस्राएल क मनइयन क समन्वा मोर नाउँ लेइहीं अउ मइँ
ओनका आसीर्बाद देब।"

पवित्तर तम्बू क समर्पण

7 जउने दिन मूसा पवित्तर तम्बू क लगाउब समापन
किहेस, उ एँका यहोवा क अर्पण किहस। मूसा तम्बू
अउ एहमाँ प्रयोग मँ आवइवाली चीजन, अउर वेदी अउ
एहमाँ प्रयोग आवइवाली चीजन अउर वेदी अउ एहमाँ प्रयोग
आवइवाली चिजियन प खास तेल डाएस इ ओन सबइ
चीजन क पवित्तर किहेस।

2तब इस्राएल क नेता लोग भेंट चढ़ाएन। इ पचे आपन
आपन परिवारे क मुखिया रहे रहेन जउन आपन परिवार
समूहन क नेता रहेन। इ नेता लोग मनइयन क गनेन। **3**इ
सबइ नेता यहोवा बरे भेंट लइ आएन। उ पचे चारिहुँ ओर स
ढँकी छ: ठु गाड़ी अउ बारह ठु बर्धा क लइ आएन। (हर
एक नेता क जरिये एक ठु बर्धा दीन्ह गइ रही। अउर दुइ
नेता क जरिये एक ठू गाड़ी दीन्ह गइ रही) नेता लोग
पवित्तर तम्बू मँ यहोवा क इ चीजन क दिहेन।

4यहोवा मूसा स कहेस, **5**"नेता लोग क इ चीजन क
अंगीकार करा। इ चीजन क लेवि-बंस क मनइयन क द्या।
इ ओनका मिलापवाला तम्बू प काम करइ मँ सहायक
होइ।"

6एह बरे मूसा चारिहुँ कइँती स ढकी भइ गाड़ियन अउ गइयन क लिहस। उ इ चीजन क लेवी-बंस क लोगन क दिहस। 7उ दुइ गाड़ी अउ चार ठु गाइ गेर्सोन बंसी लोगन क दिहेस। ओनका आपन काम बरे ओन गाड़ियन अउ गइयन क जरुरत रही। 8तब मूसा चार ठु गाड़ी अउ आठ ठु गइया मरारी बंस क मनइयन क दिहस। ओनका आपन काम बरे गाड़ी अउ गइयन क जरूरत रही। याजक हारून क पूत ईतामार इ सबहिं मनइयन क काम बरे जिम्मेदार रहा। 9मूसा कोहात बंसी मनइयन क कउनो गाइ या कउनो गाड़ी नाहीं दिहस। इ मनइयन क पवित्तर चीजन आपन काँधे प ढोउब रहा इहइ कारज ओनका करइ बरे सौंपा ग रहा।

10जउन दिन मूसा वेदी प तेल डाएस, उहइ दिन नेता लोग वेदी क अर्पण बरे आपन भेंट चढ़ावइ बरे लइ आएन। उ पचे आपन भेंट वेदी क समन्वा यहोवा क भेंट किहन। 11यहोवा पहिले स ही मूसा स कहे रहा, "हर दिन एक एक नेता वेदी प भेंट चढ़ावइ लइ जाइ।"

12-83*बारहु-नेतन मँ स हर एक नेता आपन आपन भेंट लइ आवा।

उ सबइ भेंट इ अहइँ: हर एक नेता चाँदी क एक ठु थाली लइ आवा जेकर वजन एक सौ तीस सेकेल अउर एक चाँदी क खोरा जेकर वजन सत्तर सेकेल रहा। इ दुइनउँ उपहार क पवित्तर स्थान क सेकेल क अनुसार भवा बटखरा स तउला गवा रहा। हर खोरा अउ हर थाली मँ तेल महीन आटा भरा रहा। इ अन्नबलि क रूप मँ प्रयोग मँ लइ जात रहा। हर नेता सोना क एक बड़का कलछुला भी लइ आवा जेकर वजन दस सेकेल रहा। इ कलछुला मँ धूप भरी रही।

हर नेता एक ठु बछवा, एक भेड़ा अउ एक बरिस क नर मेमना भी लइ आवा। इ गोरुअन होमबलि बरे रहेन। हर नेता पापबलि क रूप मँ बइपरइ बरे एक बोकरा भी लावा। हर नेता दुइ गाइ, पाँच भेड़ा, पाँच बोकरा अउ एक एक बरिस क पाँच मेमना लिआवा। इ सबन क एक मलेबलि बरे बलि दीन्ह गइ।

पहिले दिन अम्मीनादाब क पूत नहसोन, जउन यहूदा क परिवार समूह स रहा, आपन भेंट लिआवा।

दूसर दिन सूआर क बेटवा नतनेल जउन इस्साकार क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

तीसरे दिन हेलोन क बेटवा एलीआब जउन जबूलून क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

चउथे दिन सदेऊर क पूत एलीसूर जउन रूबेनियन क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

पँचए दिन सूरीसद्दै क पूत सलूमीएल जउन सिमोनियन क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

छठएँ दिन दूएल क बेटा एल्यासाप जउन गादियन क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

सतएँ दिन अम्मीहूद क बेटवा एलीसामा जउन एप्रैम क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

अठएँ दिन पदासूर क पूत गम्लीएल जउन मनस्से क मनइयन क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

नवें दिन गिदोनी क पूत अबीदान जउन बिन्यामीन क मनइयन क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

दसएँ दिन अम्मीसद्दै क बेटवा अहीयाजर जउन दान क लोगन क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

ग्यारहवें दिन ओक्रान क बेटवा पजीएल जउन आसेर क लोगन क नेता रहा, आपन भेंट लिआवा।

अउर फिन बारहवें दिन एनान क बेटवा अहीरा जउन नप्ताली मनइयन क नेता रहा, आपन भेंट लइके आवा।

84इ तरह इ सबहिं चीजन इस्राएली मनइयन क नेता लोगन क भेंट रही। इ चीजन तब लाइ गइन जब मूसा खास तेल वेदी प एका अर्पण बरे डाएस। उ पचे बारह चाँदी क तस्तरी, बारह चाँदी क खोरा अउ बारह सोना क चम्मच लाएन। 85चाँदी क हर तस्तरी क वजन लग भग एक सौ सेकेल रहा। अउर हरेक खोरा क चाँदी क वजन लगभग सत्तर सेकेल रहा। चाँदी क तस्तरियन अउ चाँदी क खोरन क कुल माना गवा वजन* दुइ हजार चार सौ सेकेल रहा। 86धूप स लबालब सोना क चम्मच मँ स हर एक क माना गवा वजन चार औंसं रहा। बारह सोने क चम्मचन क कुल वजन करीब करीब उ पौंड रहा।

87होमबलि बरे गोरुअन क कुल गनती बारह बर्धा, बारह भेड़ा अउ बारह एक बरिस क भेड़ी क नर बच्चा रहेन। हुवाँ अन्नबलि भी रहा। यहोवा क पापबलि क रूप मँ प्रयोग मँ आवइ वाला कुल बारह बोकरा भी रहेन। 88नेता लोग मेलबलि क रूप मँ प्रयोग अउ मारा जाइ बरे गोरुअन क दिहन। इ सबइ गोरुअन क एक साथ गनती चौबीस बर्धा, साठ भेड़ा, साठ बोकरा अउ साठ एक बरिस क भेड़ी क नर बच्चा भी रहेन। इ तरह उ पचे वेदी क इ चीजन अर्पण कई बरे भेंट किहेन। इ मूसा वेदी प खास तेल डाइ क पाछे भवा।

89मूसा मिलापवाला तम्बू मँ यहोवा स बात करइ गवा। उ टेमँ उ आपन स बात करत भइ यहोवा क वाणी सुनेस। उ वाणी करार क सन्दूखे क ऊपर क बिसेख ढकना क दुइनउँ करूब सरगदूतन क बगल स आवत रही। इ तरह परमेस्सर मूसा स बात किहस।

डीबट

8 यहोवा मूसा स कहेस, 2"हारून स बात करा अउ ओसे कहा, "उ ठउरन प सात दिया धरा जेका मइँ तोहका देखँाएउँ ह। उ सबइ दियन डीबट क समन्वा क डेबरा क रोसन करिहीं।"

3हारून इ किहेस। हारून ओनँ दियन क ठीक ठउर प धरेस अउ ओनकइ मुँह अइसा कइ दिहस कि ओसे डीबट क समन्वा क पहँटा उजियर होइ सकइ। उ मूसा क दीन्ह गवा यहोवा क हुकुम क मानेस। 4डीबट सोने क पाटी स बना रहा। सोना क उपयोग पावा स लइ क उपर डीबट क

पद 12-83 मूल पाठ मँ हर एक नेता क सूची अलग-अलग दीन्ह गइ अहइ। मुला हर एक भेंट क लिखा भवा पाठ एक समान अहइ। यह बरे सुविधा क धियान देत भए पद-गनती 12 से 83 ताईं हिआँ एक साथेन दिआइके अनुसार कीन्ह ग रहा।

माना गवा वजान "पवित्तर सेकेल।" एक ठु पौड़े मँ चालीस सेकेल होत रहेन। पवित्तर तम्बू अउ मन्दिर मँ तउल क काम मँ आवइ वाला माना भवा बटखरा।

सोना क फूल तलक कीन्ह गवा रहा। इ सब उहइ तरह
बना रहा जइसा यहोवा मूसा क देखाँए रहा।

लेवी बंस क मनइयन क समर्पण

5यहोवा मूसा स कहेस, 6"लेवी बंस क मनइयन क
इस्राएल क दूसर मनइयन स अलग लइ जा। ओनँ लेवी
बंसी मनइयन क सुद्ध करा। 7इ तोहका सुद्ध बनावइ बरे
करइ क होइ। पापबलि स खास पानी* ओन प छिरका। इ
पानी ओनका सुद्ध करी। तब उ पचे पूरा सरीर स बार
उस्तरा स कटवइहीं अउ आपन ओढ़ना क धोइहीं। इ
ओनके सरीर क सुद्ध करी।
8"तब उ पचे एक नवा बर्धा अउ ओकरे संग प्रयोग मँ
आवइवाली अन्नबलि लेइहीं। इ अन्नबलि तेले स साना भवा
आटा होइ। तब दूसर बर्धा क पाप बरे भेंट क रूप मँ ल्या।
9लेवी बंस क मनइयन क मिलापवाला तम्बू क समन्वा
पहँटा मँ लिआवा। तब इस्राएल क सबहिं मनइयन क चारिहुँ
कइँती स बटोरा। 10तब तोहका लेवी बंस क मनइयन क
यहोवा क समन्वा लइ आवा। अउ इस्राएल क लोग आपन
हाथ ओन प धरीहीं। 11तब हारून लेवी बंस क लोगन क
यहोवा क समन्वा लाइ। उ पचे यहोवा बरे उत्तोलनबलि क
रूप मँ होइहीं। इ ढंग स लेवी बंस क लोग यहोवा क
विसेस काम करइ बरे तइयार होइहीं।
12"लेवी बंस क लोगन स कहा कि उ पचे आपन हाथ
बर्धा क मूँड़े प धरिहीं। एक बर्धा यहोवा क पापबलि क रूप
मँ होइ। दूसर बर्धा यहोवा क होमबलि क रूप मँ काम
आइ। इ भेंट लेवी-बंस क मनइयन क पाप बरे प्रायस्चित
करी। 13लवि बंस क मनइयन स कहा कि उ पचे हारून
अउ ओकरे पूतन क अगवा खड़ा होइ। तब यहोवा क
समन्वा लेवी बंस क मनइयन क उत्तोनबलि क रूप मँ
अर्पण करा। 14इ तरीका स लेवी बंस क लोग खास
होइहीं। उ पचे इस्राएल क दूसर मनइयन स अलग होइहीं।
अउर लेवी बंस क लोग हमार होइहीं।
15"एह बरे लेवी बंस क मनइयन क सुद्ध करा। अउर
ओनका यहोवा क समन्वा उत्तोलन बलि क रूप मँ हाजिर
करा। जब इ पूरा हो जाइ तब उ पचे आइ सकत हीं अउर
मिलापवाला तम्बू मँ आपन काम कइ सकत हीं। 16इ सबइ
लेवी बंसी इस्राएल क लोग अहीं जउन मोका दीन्ह ग
अहइँ। मइँ ओनका आपन लोग क रूप मँ अंगीकार
किएउँ ह। बीते भए जमाना मँ हर एक इस्राएली परिवार मँ
पहिलौटी क पइदा लरिका मोका दीन्ह जात रहा मुला मइँ
लेवी बंस क मनइयन क इस्राएल क दूसर परिवारन क
पहिलौटी क बेटवन क जगह प अंगीकार किहेउँ ह।
17इस्राएल क हर मनई जउन हर एक परिवार मँ पहिले
पइदा भवा ह, मोर अहइ। जदि उ मनई या गोरु अहइ तउ
भी मोर अहइ। मइँ मिस्र मँ सबहिं पहिला पइदा गदेलन
अउ जनावर क मारि डाएउँ रहा। एह बरे मइँ पहिला पइदा
पूतन क अलग किहेउँ जेहँसे उ पचे मोर होइ सकइँ।
18अब मइँ लेवी बंस क मनइयन क लइ लिहेउँ ह। मइँ
इस्राएल क दूसर लोगन क परिवारन मँ पहिला पइदा भएन
गदेलन क ठउर प एँनका अंगीकार किहेउँ ह। 19मइँ
इस्राएल क सबहिं लोगन स लेवी बंस क मनइयन क चुनेउँ
ह। मइँ ओनका हारून अउ ओकरे पूतन क एँनका उपहार
क रूप मँ दिहेउँ ह। मइँ चाहत हउँ कि उ पचे मिलापवाला
तम्बू मँ काम करइँ। उ पचे इस्राएल क सबहिं मनइयन बरे
सेवा करिहीं। अउर उ पचे ओन बलिदानन क देइ मँ मदद
करिहीं जउन इस्राएल क लोगन क पापन क प्रायस्चित
करिहीं। तब कउनो बड़ा रोग या कष्ट इस्राएल क लोगन
क नाहीं होइ जब उ पचे पवित्तर ठउर क लगे अइहीं।"
20एह बरे मूसा, हारून अउ इस्राएल क सबहिं लोगन
यहोवा क हुकुम मानेन। उ पचे लेवी बंस क खातिर वइसा
ही किहेन, जइसा यहोवा ओनके बरे मूसा क हुकुम दिहे
रहा। 21लेवी लोग आपन क फर्छा किहेन अउ आपन
ओढ़ना क धोएन। तब हारून ओनका यहोवा क समन्वा
उत्तोलन बलि क रूप मँ हाजिर किहेस। हारून उ भेंटन क
भी चढ़ाएस जेका ओनकर पापन क प्रायस्चित करइ बरे
चढ़ावा गवा रहा जउन ओनका पवित्तर कइ दिहे रहा।।
22ओकरे पाछे लेवी बंस क लोग आपन काम करइ बरे
मिलापवाला तम्बू क आएन। हारून अउ ओकर पूतन
ओनकइ देखरेख किहेन। उ पचे लेवी बंस क मनइयन क
काम बरे जिम्मेदार रहेन। हारून अउ ओकर पूतन ओन
आदेसन क मानेन जेका यहोवा मूसा क दिहे रहेन।
23यहोवा मूसा स कहेस, 24"लेवी बंस क मनइयन बरे इ
विसेस आदेस अहइः हर एक लेवी बंस क मनसेधू क,
जउन पचीस बरिस या ओसे जिआदा उमर क अहइ, जरुर
आवइ चाही अउ मिलापवाला तम्बू मँ क काम मँ हाथ
बटावइ चाही। 25जब कउनो मनई पचास साल क होइ जाइ
तउ ओका रोजाना क कामे स छुट्टी लेइ चाही। ओका फुन
काम करइ क जरुरत नाहीं अहइ। 26पचास साल या ओसे
जियादा उमर क लोग मिलापवाला तम्बू मँ आपन भाइयन
क ओनके काम मँ मदद दइ सकत हीं। मुला उ पचे खुद
काम नाहीं करिहीं। तोहका इ सब करइ चाही जब तू लेवि
मनइयन क ओनका काम करइ क द्या।"

फसह त्यौहार

9 यहोवा मूसा स सीनै रेगिस्तान मँ कहेस। उ टेमँ दूसर
बरिस क पहिला महीना रहा। जब इस्राएल क
मनइयन मिस्र स निकरा रहेन। यहोवा मूसा स कहेस,
2"लोगन क तय कीन्ह गवा टेमँ पइ फसह क दावत जरूर
मनावइ चाही। 3उ तय कीन्ह गवा समइ इ महीना क
चउदहवाँ दिन अहइ। ओनका गोधूरि क टेमँ फसह क
भोजन खाइ चाही। ओका इ सबइ कानून अउ नेम क पालन
करइ चाही जेका त्यौहार मँ कीन्ह जात ह।"
4एह बरे मोसा इस्राएल क लोगन क फसह क त्यौहार
मनावई बरे कहेस। 5अउर लोग पहिला महीन क चउदहवाँ
दिन वइसा ही किहेन। इस्राएल क मनइयन हर एक काम
वइसन किहेन जइसा यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहेन।
6मुला कछू लोग फसह त्यौहार क भोज उ दिन नाहीं
खाइ सकेन। उ पचे एक ल्हास क कारण सुद्ध नाहीं रहेन।

पापबलि स खास पानी इ पानी मँ लाल गइयन क राख रही जेका
पाप बरे भेंट क रूप मँ वेदी प जरावा ग रहा।

एह बरे उ दिन उ पचे मूसा अउ हारून क लगे गएन। 7उ पचे मूसा स कहेन, "हम पचे एक ल्हासे क छुअइ क कारण असुद्ध भवा अहेन। याजकन लोग तय कीन्ह ग टेमॅ प हमेका यहोवा क चढ़ावा देइ स रोक दिहस। तउ हम पचे इस्राएल क दूसर मनइयन क संग फसह त्यौहार नाहीं मनाइ सकित। हमका का करइ चाही?"

8मूसा ओनसे कहेस, "मइँ यहोवा स पूछब कि उ एकरे बारे मँ का कहत ह।"

9तब यहोवा मूसा स कहेस, 10"इस्राएल क लोगन स इ बातन कहा: इ विधि तोहार अउर तोहारे सन्तानन बरे होब्या। इ होइ सकत ह कि तू ठीक टेमॅ प फसह त्यौहार न मनाइ सका काहे की तू या तोहरे सन्तानन क कउनो मनई ल्हास क छुइ जाइ क कारण असुद्ध होइ या होइ सकत ह कि उ कउनो लम्बी जात्रा प गवा भवा अहा।" 11उ फसह त्यौहार दूसर महीना क चउदहवाँ दिन गोधूरि क समइ मनावइ। उ मेमना, बे खमीरे क रोटी अउ करुआ सागपात खाइ। 12दूसर दिन क भिन्सारे तलक ओका ओहमाँ स कउनो भी भोजन नाहीं तजइ चाही। ओका भेड़ी क कउनो हाड़ क भी नाहीं तोड़इ चाही। उ मनई क फसह क नेमॅ क मानइ चाही। 13कउनो भी व्यक्ति जउन पवित्तर अहइ अउर लम्बी जात्रा पइ नाहीं अहइ तउ फसह त्यौहार ठीक समइ पइ ही मनावइ चाही। जदि उ मनई फसह त्यौहार ठीक समइ पइ नाहीं मनावत ह तउ ओका आपन मनइयन स अलगाइ पठइ दीन्ह जाइ। उ अपराधी बा काहे की उ यहोवा क ठीक टेमॅ प भेंट नाहीं चढ़ाएस। तउ ओका जरुर सजा दीन्ह जाइ चाही।

14"तू सबइ क बीच बसइया गेर इस्राएली फसह त्यौहार मँ आवइ चाहइ तउ तोहरे संग हींसा लइ सकत ह। इ कनून मँ अहइ मुला उ मनई क फसह क सब नेमॅ मानइ चाही। उहइ नेमॅ सब बरे अहइँ।"

बादर अउ आगी

15जउने दिन पवित्तर तम्बू अउ करार क तम्बू लगावा गवा। यहोवा क बादर एॅका घेरि लिहस। रात मँ, उ बादर आगी क नाईं देखाइ देत रहा। 16बादर पवित्तर तम्बू प बराबर थमा रहा। अउर राति मँ बादर आगी क तरह देखाँत रहा। 17जब बादर पवित्तर तम्बू प आपन ठउर स तम्बू प ठहरत रहा, इस्राएलियन एॅकर पाछा करत रहेन। जब बादर थमि जात्रा रहा तब इस्राएल क लोग हुवँइ सिबिर डावत रहेन। 18इहइ ढर्रा रहा कि यहोवा मनइयन क देखाएस कि कब जात्रा करइँ, कब रुकि जाइँ अउ कब सिबिर डावइँ। अउ जबहिं तबहिं बादर पवित्तर तम्बू क ऊपर ठहरि जात, लोग उहइ ठउर प सिबिर दसाए रहतेन। 19कबहुँ कबहुँ बादर बहोत दिन तलक पवित्तर तम्बू प जमा रहत। इस्राएलियन यहोवा क हुकुम मनतेन अउ जात्रा नाहीं करत रहेन। 20कबहुँ कबहुँ बादर पवित्तर तम्बू प कछू दिन बरे ठहरत रहत रहा यहोवा क हुकुम क अनुसार उ ठहरत अउ यहोवा क हुकुम क अनुसार उ चलत। 21कबहुँ कबहुँ बादर रात मँ ठहरि जात अउ दूसर दिन भिन्सारे चलि पड़त। तउ मनइयन आपन चीजन क बटोरतेन अउ एॅकर पाछा करतेन। या अगर बादर एक दिन अउ एक रात ठहरत अउर तब इ चलि सुरू करत तउ मनइयन ओकर साथ चलि रहत। 22जदि बादर तम्बू क ऊपर दुइ दिन, या एक महीना या एक बरिस ठउरत तउ लोग यहोवा क हुकुम मनतेन। उ पचे उहइ सिबिर मँ ठउरतेन अउ तब ताईं न चलतेन जब तलक बादर न चलत। जब बादर आपन ठउर स उठत अउ चलत रहत तबहिं लोग चलतेन। 23इ तरह लोग यहोवा क हुकुम क मनतेन। उ पचे हुवइँ सिबिर जमउतेन जहाँ यहोवा बतावत। उ पचे तब चलतेन जब यहोवा ओनका अइसा बतावत। लोग धियान स निहरतेन अउ यहोवा क हुकुम मूसा क जरिए मनतेन।

चाँदी क तुरहियन

10 यहोवा मूसा स कहेस, 2"तुरहियन बनवइ बरे चाँदी क प्रयोग करा। चाँदी क पतरी बनाइके ओसे दुइ तुरहियन बनावा। इ सबइ तुरहियन क उपयोग मनइयन क एक संग बोलावइ अउ इ बतावइ बरे कि सिबिर क लइक कब चलइ चाही। 3जब तू इ तुरहियन क बजउब्या, तउ सबहिं मनइयन क मिलापवाला तम्बू क प्रवेस दुआर प बटुर जाइ चाही। 4अगर तू एक ही तुरही दर तलक बजउब्या तब सिरिफ नेता लोग अइहीं। (इस्राएल क बारहु परिवारे क मुखिया तोहरे समन्वा बटुर जइहीं।)

5"जब तू तुरहियन क चेताउनी क रूप मँ बजाउब इ मनइयन क सिबिर क लेकइ चलइ चाही। जब तू पहिली दाईं तू तुरहियन क चेताउनी क रूप मँ बजउब्या, तउ मिलापवाला तम्बू क पूरब कइँती क परिवार दलन क चलब सुरू करइ चाही। 6दूसरी दाईं जब तू तुरहियन क चेताउनी क रूप मँ बजउब्या, मिलापवाला तम्बू क ढक्खिन कइँती क परिवार दलन क सिबिर जमाए भए मनइयन क आगे चलब सुरू करइ क होइ। 7जब तू कउनो खास सभा बरे मनइयन क बटोरइ चाहा, तउ तुरहियन क दूसरे ढंग स लम्बी थिरान अवाजे मँ बजावा। 8सिरिफ हारून क याजक बेटवन ही तुरहियन बजाइ सकत हीं। इ तू सब पचन बरे नेमॅ अहइ जउन हमेसा अगवा क पीढ़ी दर पीढ़ी चलत रही।

9"जदि तू आपन देस मँ दुस्मन स लड़त रहा हवा तउ ओनसे लड़इ स पहिले तुरहियन क चेताउनी क रूप म बजावा। तब यहोवा तोहार परमेस्सर तोहार बात सुनी अउ तू सबन क दुस्मनन स बचाइ। 10तू सबन क आपन खास बइठक, नवा चन्द्रमा क दिना पइ अउ खुसी क टेमॅ प तुरहियन बजावइ चाही। जब तू पचे होमबलि अउ मेलबलि द्या, तउ तुरहियन बजावा। इ यहोवा तोहार परमेस्सर बरे तोहका याद रखइ बरे खास तरीका होइ।"

इस्राएल क लोग सिबिर लइ जात हीं

11जब इस्राएल क मनइयन मिस्र छोड़ी दिहेन ओकरे पाछे दूसर बरिस क दूसर महीना क बीसवाँ दिन करार क तम्बू क ऊपर स बादर उठा। 12एह बरे इस्राएल क मनइयन आपन जात्रा सुरु किहेन। उ सबइ सीनै क रेगिस्तान तजि दिहेन अउ तब तलक जात्रा करत रहेन जब ताईं बादर पारान क रेगिस्तान मँ नाहीं थमा। 13इ पहिली दाईं रही जब मनइयन सिबिर लइ गएन। जइसा यहोवा मूसा क हुकुम दिहेस वइसा सिबिर क चलाएन।

14सबसे पहिले यहूदा क सिबिर स तीन दल गएन। उ
पचे झण्डा लइके जात्रा किहेन। पहिला समूह यहूदा क
परिवार समूह क रहा। अम्मीनादाब क पूत नहसोन उ दल
क नेता रहा। 15ओकरे पाछे इस्साकार क परिवार समूह
आवा। सूआर क पूत नतनेल उ समूह क नेता रहा। 16अउर
तब जबूलून क परिवार समूह आवा। हेलोन क पूत एलीआब
उ समूह क नेता रहा।

17तब पवित्तर तम्बू उतारा गवा। गेर्सोन अउ मरारी परिवार
क मनइयन पवित्तर तम्बू क लइके चलेन। एह बरे इ परिवारे
क लोग कतार मँ ठीक पाछे रहेन।

18तब रूबेन क सिबिर स तीन दल आएन। उ पचे आपन
निसान लइके जात्र किहेन। पहिला समूह रूबेन परिवार क
रहा। सदेऊर क पूत एलीआज़ार इ समूह क नेता रहा।
19ओकरे पाछे सिमोन क परिवार समूह आवा। सूरीसद्दै क
पूत सलूमीएल उ समूह क नेता रहा। 20अउर तब गाद क
परिवार समूह आवा। दूएल क पूत एलिअसफ इ समूह क
नेता रहा। 21तब कोहात परिवार क लोग आएन। उ पचे
ओन परित्र चीजन क ढोएन जउन पवित्तर ठउर मँ धरी
रहिन। अब पवित्तर तम्बू क इ समूहन क नवा सिबिर मँ
पहुँचइ क पहिले लगाइ द्या।

22एँकरे पाछे एप्रैम क सिबिर क तीन समूह आएन। उ
पचे आपन झण्डा लइके जात्रा किहेन। पहिला समूह एप्रैम क
परिवार समूह रहा। अम्मीहूद क पूत एलीसामा उ समूह क
नेता रहा। 23ओकरे पाछे मनस्से क परिवार समूह आवा।
पदासूर क पूत गम्लीएल उ दले क नेता रहा। 24तब
बिन्यामीन क परिवार समूह आवा। गिदौनी क पूत अबीदान
उ दले क नेता रहा।

25कतार मँ आखिरी तीन ठु परिवार समूह दूसर सबहिं
परिवार समूह बरे पीछ रच्छक रहेन। इ सब समूह दान क
सिबिर स रहेन। उ पचे आपन निसान क संग जात्रा किहन।
पहिला समूह दान क परिवार समूह क रहा। अम्मीसद्दै क
पूत अहीएजेर उ समूह क नेता रहा।

26ओकरे ठीक पाछे आसेर क परिवार समूह आवा।
ओक्रान क पूत पजीएल उ समूह क नेता रहा। 27तब
नप्ताली क परिवार समूह आवा। एनान क पूत अहीरा उ
समूहे क नेता रहा। 28इहइ तरह इस्राएल एक जगह स दूसर
जगह पइ आपन समूहन क साथ, जब कबहुँ भी उ सिबिर
लइ जाइ जात्रा करत रहेन।

29रुएल क पूत होबाब मिद्यानी रहा। (रुएल मूसा क
ससुर रहा।) मूसा होबाब स कहेस, "हम पचे उ देस क
जात्रा करत अही जेका यहोवा हम पचन क देइ क बचन
दिहे अहइ। एह बरे हम लोगन क संग आवा। हम पचे
तोहरे संग नीक बेउहार करब। यहोवा इस्राएल बरे नीक
चीज देइ क बचन दिहे अहइ।"

30मुला होबाब जवाब दिहेस, "नाही; मइँ तोहरे संग न
जाब। मइँ आपन देस अउ मनइयन क लगे जाब।"

31तब मूसा कहेस, "मेहरबानी कइके हमका जिन तजा। तू
जानत अहा कि रेगिस्तान मँ हम पचन्क कइसा सिबिर
लगाइ क होइ। तू हमार राह क देखइया होब्या। 32अगर तू
हमरे संग आवत ह्या तउ यहोवा जउन कछू नीक चीज
देइहीं, हम तोहर संग हींसा बाँटब।" 33उ सबइ यहोवा क
पहाड़े स जात्रा सुरू किहेन। याजक लोग करार क सन्दूख
लिहन अउ मनइयन क अगवा चलेन। उ पचे सिबिर डावइ
बरे उचित ठउर क निहारत निहारत तीन दिना तलक लोगन
क आगे-आगे सन्दूख लइ चलत रहेन। 34यहोवा क
बदरा ओनके ऊपर मँड़रात रहा। अउर हर एक भिन्सारे जब
उ पचे आपन सिबिर क तजि देत रहेन तउ ओनका राह
देखाँवइ बरे बदरा हुवाँ रहत रहा।

35जब पवित्तर सन्दूख सिबिर स बाहर कइ जात रहा।
मूसा हमेसा कहत रहा:

"परमेस्सर! उठा तोहार दुस्मनन छितराइ जाइँ तोहार दुस्मन
तोहरे समन्वा स पराइ जाइँ।"

36अउर जब पवित्तर सन्दूख आपन ठउर प धरा जात रहा,
तब मूसा सदा कहत रहा,

"हे परमेस्सर इस्राएल क दसिहुँ हजार बंस क लगे
लउटि आवा।"

लोग फुन सिकाइत करत हीं

11 मनइयन आपन कस्ट क सिकाइत करब सुरु
किहेन। यहोवा ओनकइ सिकाइत सुनेस। जब यहोवा
इ बातन सुनेस तउ कोहाइ गवा। यहोवा क तरफ स आगी
लोगन क बीच लग गइ। आगी सिबिर क कोना क कछू
बाहरी भाग क भस्म कइ दिहस। 2एह बरे लोग मूसा क
मदद बरे पुकारेन। मूसा यहोवा स बिनती किहेस अउ आगी
क बरब बन्द होइग। 3एह बरे उ ठउर क नाउँ तबेरा पड़ि
गवा। मनइयन उ ठउर क इहइ नाम दिहन काहे की यहोवा
ओनके बीच आगी बारे रहा।

सत्तर पुरनिया नेतन

4गरीब लोगन क भीड़ अउर इस्राएलियन क बीच आम
जन-समूह दूसर खाइ बरे इच्छा जाहिर किहेन। हाली ही
इस्राएल क मनइयन फुन सिकाइत करब सुरु किहेन।
मनइयन कहेन, "हम पचे गोस खाइ चाहित ह। 5हम पचे
मछरी क याद करित ह जउन हम मिस्र मँ खावा ह। उ
मछरियन क कउनो दाम नाहीं देइ क पड़त रहा। हम पचन
क लगे ढेर क भाजी रहिन जइसे ककरियन, खरबूजा, चीव
(एक किसिम क पियाज), पियाज अउ लहसुन। 6मुला अब
हम ताकत खोइ चुका अही। इ मन्ना क छोड़िके खाइ बरे
हम कछू नाहीं लखइ सकत ह।" 7(मन्ना धन्ना बिया क नाईं
रहा अउ पेड़ क गोदं क नाईं देखात रहा। 8लोग एँका
बटोरत रहेन अउ तब एक पीसिके आटा बनवत रहेन। या उ
पचे एँका खूँदइ बरे चक्की बइपरतेन, एँका बासन मँ
पकउतेन या एँकर केक बनावत रहेन। "केक" क स्वाद
जैतून क तेल स पकी भइ रोटी क तरह रहा। 9हर रात क
भुइँया ओस स गीली होइ जात तउ मन्ना जमीने प टपकत
रहा।

10मूसा हर एक परिवार क मनइयन क आपन आपन तम्बू
क दुआरे प खड़ा भएन सिकाइत करत सुनेस। यहोवा बहोत
कोहाइ गवा। एँहसे मूसा बहोत हलाकान भवा। 11मूसा यहोवा
स पूछेस, "यहोवा! आप आपन सेवक लोगन प इ मुसीबत

काहे डाया ह। मइँ का गलती किहेउँ ह? मइँ तोहका नाखुस
करइ का किहे उँ ह? तू मोहे प इ सबहिं मनइयन क
जिम्मेदारी काहे ओढ़ाया ह? 12तू जानत ह कि मइँ इ सबहिं
मनइयन क बाप नाहीं अहउँ। तू जानत ह कि मइँ एँनका
नाहीं पइदा किहेउँ ह। मुला मोका एँनकइ फिकिर करइ चाही
जइसे धाई गदेला क कोरा मँ लइ चलत ह। तू हमका
अइसा करइ क काहे मजबूर करत ह? तू मोका काहे
जबरियावत ह कि मइँ एँनका उ देस क लइ चलउँ जेका देइ
क बचन ओनके पुरखन क तू दिहा ह। 13मोरे लगे इ
मनइयन बरे जियादा गोस नाहीं अहइ। मुला उ पचे लगातार
मोसे सिकाइत करत अहइँ। उ सबइ कहत हीं, 'हमका
खाइके गोस द्या।' 14मइँ अकेल्ला इ सब मनइयन क
देख-भाल नाहीं कइ सक्ति। इ मोरे बरे भारी बोझा अहइ।
15जदि आप ओनके कस्ट क मोका देइ क काम चलावत
रहइ चाहत हीं तउ आप मोका अबहिं मारि डावइँ। जदि आप
मोका सेवक मानत हीं तउ अबहिं मोका मरि जाइ देइँ। तब
मोर सबहिं कस्ट खतम होइ जइहीं।"

16यहोवा मूसा स कहेस, "मोरे लगे इस्राएल क सत्तर
बुजुर्गन लइ आवा जउन मनइयन क अफसर अउ पुरनिया
होइँ। एँनका मिलापवाला तम्बू मँ लिआवा। हुवाँ ओनाका
आपन संग खड़ा करा। 17तब मइँ आउब अउ तोहसे बात
करब। अब तोह प आतिमा आइ बा। मुला मइँ ओनका भी
उ आतिमा देब। तब उ पचे मनइयन क देख भाल करइ मँ
मदद करिहीं। इ तरह तोहका इ मनइयन बरे अकेले बोझा
नाहीं उठाइ क होइ।

18"मनइयन स कहा, "भियान खातिर आपन क तइयार
करा। भियान तू पचे गोस खाब्या। यहोवा सुनेस ह जबहिं तू
सबइ रोया अउ चीख्या ह। यहोवा तू पचन क बातन सुनेस
ह जब तू मनइयन स कह्या, 'हमका खाइ बरे गोस द्या।
हम पचन क इ मिस्र मँ नीक रहा।' तउ यहोवा अब तू
पचन क गोस देइ। अउर तू पचे ओका खाब्या। 19तू पचे
सिरिफ ओका एक दिन नाहीं, दुइ, पाँच, दस या बीस दिन
भी खाइ सकब्या। 20तू पचे उ माँस महीना भर खाब्या। तू
पचे उ गोस तब तलक खाब्या जब तलक ओसे ऊब न
जाब्या। इ होइ, काहे की तू पचे यहोवा क खिलाफ
सिकाइत किहा ह। यहोवा तू मनइयन मँ घूमत ह अउ तोहार
जरुरत क समझत ह। मुला तू पचे ओकरे अगवा रोया,
चिचियाया अउ ओराहना दिहा। तू मनइयन स कहा, 'हम पचे
आखिर मिस्र काहे छोड़ि दीन्ह?'"

21मूसा कहेस, "यहोवा! हिआँ 6,00,000 मनसेधू साथ
चलत अहइँ। अउर तू कहत ह, मइँ ओनका पूरा महीना भइ
खाइके गोस देब।' 22जदि हमका सबहिं भेड़ी अउ गोरु
मारइ क होइ तउ भी एँतने बड़े तादाद मँ मनइयन क महीना
भर खाइके भरपूर न होइ। अउर जदि हम समुद्दर क सारी
मछरियन क धइ लेइ तउ भी ओनके बरे पूर्ति न होइ।"
23मुला यहोवा मूसा स कहेस, "यहोवा क सक्ती क जिन
समेटा। तू देखब्या कि जदि मइँ कहत हउँ कि मइँ कछू
करब तउ मइँ ओका कइ सकत हउँ।"

24एह बरे मूसा मनइयन स बतियाइ बाहेर गवा। मूसा
ओनका उहइ बताएस जउन यहोवा कहे रहा। तब मूसा
सत्तर बुजुर्ग क बटोरेस। मूसा ओनसे पवित्तर तम्बू क चारिहुँ
कइँती खड़ा होइके कहेस। 25तब यहोवा एक बादर मँ उतरा
अउ उ मूसा स बात किहेस। आतिमा मूसा प सवार रही।
यहोवा उहइ आतिमा क सत्तर बुजुर्गन लोगन प डाल दिहस।
जब ओन सबन मँ आतिमा आइ तउ उ पचे भविस्सबाणी
करइ लागेन। मुला ओकर बाद उ पचे अइसा अउर कभी
नाहीं किहस।

26सत्तर बुजुर्गन मँ स दुइ ठु, एल्दाद अउ मेदाद तम्बू मँ
स बाहेर नाहीं गएन। ओनकइ नाउँ बुजुर्गन क सूची मँ रहा
मुला उ पचे सिबिर मँ रहेन। मुला परम आतिमा ओन पइ
भी आइ अउ उ पचे सिबिर मँ भविस्सबानी करइ लागेन।
27एक ठु जवान दउड़ा अउ मूसा क सूचना दिहस। उ मनई
कहेस, "एल्दाद अउ मेदाद सिबिर मँ भविस्सबाणी करत
अहइँ।"

28नून क पूत यहोसू मूसा स कहेस, "मूसा, तोहका
ओनका रोकइ चाही।" (यहोसू मूसा क सहायक तब स रहा
जब उ किसोर रहा।)

29मुला मूसा जवाब दिहस, "का तू मोह बरे जलन करत
अहइ? मइँ चाहत हउँ कि यहोवा क सब लोग भविस्सबाणी
करइ क जोग्ग होइ जाइँ। मइँ चाहत हउँ कि यहोवा आपन
आतिमा ओन सबहिं प पठवइ।" 30तब मूसा अउ इस्राएल
क नेता सिबिर मँ लउटि गएन।

बटेरेन् आइन

31तबहिं यहोवा समुद्दर कइँती स आँधी चलाएस। आँधी
उ पहँटा मँ बटेरन क पठाएस। बटेरन सिबिर क चारिहुँ
कइँती उड़इ लागिन। हुआँ एँतना बटेरन रहिन कि भुइँया
ढँकि गइ। भुइँया प बटेरन क तीन फुट गहरी परत जमा
होइ गइ। कउनो मनई एक दिन मँ ओतनी दूर जाइ सकत
रहा जेतती दूर तलक चारिहुँ कइँती बटेर रहिन। 32मनई
अहदंकेन अउ बाहेर आएन। उ पचे सारा दिन अउ सारी रात
बटेरन क बटोरेन। अउर फिन अगला दिन भी उ सबइ
बटेरन क बटोरेन। हर मिला कम स कम साठ बुसल या
ओसे जियादा बटेरन बटोरेस। तब मनइयन बटेरन क आपन
सिबिर क चारिहुँ कइँती धूप मँ फइलाएन।

33मनइयन गोस खाब सुरु किहन, मुला यहोवा कोहाइ
गवा। जब गोस ओनके मुँहना मँ रहा अउ एँकरे पहिले कि
मनइयन लील लेइँ यहोवा ओनका बहोत बेराम कइ दिहस।
ढेर लोगन हुवँई मरि बिलाइ गएन अउर ओनका माटी दइ
दीन्ह गइ। 34एह बरे मनइयन उ ठउरे क नाउँ किब्रोथ-हत्तावा
राखेन। उ पचे उ ठउर क उहइ नाउँ दिहेन। इ उहइ जगह
बाटइ जहाँ उ पचे मनइयन क माटी दिहेन जउ स्वाद क
भोजन क गहरी इच्छा धरत रहेन।

35मनइयन किब्रोथ-हत्तावा स हंसेरोत क जात्रा किहेनन
अउ हुवइँ ठहरि गएन।

मिरियम अउ हारून मूसा क सिकाइत करत हीं

12 मरियम अउ हारून मूसा क खिलाफ बकइ लागीं।
उ पचे ओकर अंगुस्तनुमाइ किहेन काहे की ओकर
मेहरारु इथियोपिया क रही। उ पचे बिचारेन कि मूसा क इ

नीक नाहीं कि इथियोपिया क मेहरारु स बियाह करइ। 2उ
पचे आपुस मँ कहेन, "यहोवा मनइयन स बात करइ मूसा क
बीच मँ डाए बा। मुला सिरिफ मूसा ही नाहीं। यहोवा हम
पचन क जरिये भी कहेस ह।" यहोवा एका अनकेस। 3(मूसा
एक बहोतइ विनम्र मनई रहा। उ न तु डींग हाँकत रहा अउर
न सेखी बघारत रहा। उ धरती पइ के कउनो मनइयन स
जियादा विनम्र रहा। 4एह बरे यहोवा एकाएक आवा अउ
मूसा, हारून अउ मिरियम स बोला। यहोवा कहेस, "तू तीनहुँ
अब मिलापवाला तम्बू मँ आवा!"

एह बरे मूसा, हारून अउ मिरियम तम्बू मँ गएन। 5यहोवा
तम्बू क दुआर प खड़ा भवा। यहोवा हारून अउ मरियन क
आपन लगे आवइ क कहेस। जब दुइनउँ ओनके निअरे
आएन तउ 6परमेस्सर कहेस, "मोरउ सुना! अगर तोहरे बीच
एक नबी अहइ, तउ मइँ, परमेस्सर खुद ओह पइ परगट
होब या ओकर संग सपना मँ बात करब्या। 7मुला मूसा दूसर
तरह क अहइ। मूसा मोर बिस्सासी दास अहइ। ओका मोरे
पूरा घराना क जिम्मेदारी सोंपा गवा ह। 8जब मइँ ओसे बात
करत हउँ तउ मइँ ओकरे अमन्वा समन्वा बतियात हउँ। मइँ
छिपा भवा अरथ क कहतूत क ओकरे संग नाहीं बइपरत।
मइँ ओका सफ साफ बातन क बतावत हउँ जउन मइँ ओसे
जानइ चाहत हउँ। अउ मूसा यहोवा क सरूप क साफ साफ
निहारि सकत ह। तउ काहे तू पचे मोर दास मूसा क
खिलाफ बोलइ क हिम्मत किहा ह?"

9यहोवा ओन पइ कोहाइ गवा। यहोवा ओनका तजि
दिहस। 10बादर तम्बू स उठा। हारून पाछे घूमा अउ मिरियम
क लखेस। ओकर बदन क चाम कोढ़, सफेद बरफ क नाईं
होइ गइ। ओका भयानक चर्म रोग होइ गवा!

11तबहिं हारून मूसा स कहेस, "महोदय! कृपा कइके
छिमा करा जउन मूरखपना क पाप हम पचे किहे अही।"
12ओकरी चमड़ी क रंग उ तरह न उड़ि जाइ देइँ जइसे मरा
भवा लरिका क होत ह। (कबहुँ कबहुँ इ तरह क गदेला
अधगला चमड़ी क साथ पइदा होइ जात ह।)

13एह बरे मूसा यहोवा स परार्थना किहेस, "परमेस्सर
मेहरबानी कइके इ बीमारी स ओका नीक करा।" 14यहोवा
मूसा क उत्तर दिहेस, "जदि ओकर बाप ओकरे चेहरा प
थूक देइ तउ उ सात दिना तलक लजाई रही। एह बरे ओका
सात दिना तलक सिबिर स बाहेर राखा। उ टेमॅ क पाछे इ
वापस लउट सकत ह।"

15एह बरे उ पचे मिरियम क सात दिना तलक बरे बाहेर
लइ गएन। तब तलक लोगन हुवाँ स नाहीं चलेन जब
तलक उ फुन वापस नाहीं लाइ गइ। 16ओकरे पाछे मनइयन
हसेरथ क तजेन अउ उ सबइ पारान रेगिस्तान क जात्रा
किहन। मनइयन उ रेगिस्तान मँ सिबिर डाएन।

खुफिया कनान क गएन

13 यहोवा मूसा स कहेस, 2"कछू मनइयन क कनान
देस क बारे मँ गहराइ स जानइ बरे पठवा। इ उहइ
देस अहइ जेका मइँ इस्राएल क मनइयन क देब। हर एक
बारहु परिवार समूहन स एक नेता पठवा।"

3एह बरे मूसा यहोवा क हुकुम मानेस। उ पारान क
रेगिस्तान स नेता लोगन क पठाएस। 4इ सबइ ओनकइ नाउँ
अहइँ:

जककूर क पूत सम्मू-रूबेन परिवार समूह स।

5होरी क पूत सापात - सिमोन क परिवार समूह स।

6योपुन्ने क पूत कालेब - यहूदा क परिवार समूह स।

7योसेप क पूत यिगास - इस्साकार क परिवार समूह स।

8नून क पूत होसे - एप्रैम क परिवार समूह स।

9रापू क पूत पलती - बिन्यामीन क परिवार समूह स।

10सोदी क पूत गद्दीएल - जबूलून क परिवार समूह स।

11सूसी क पूत गद्दी - यूसुफ क (जउन मनस्से स) परिवार समूह स।

12गमल्ली क पूत अम्मीएल - दान क परिवार समूह स।

13मीकाएल क पूत सतूर - आसेर क परिवार समूह स।

14वोप्सी क पूत नहूबी - नप्ताली परिवार समूह स।

15माकी क पूत गूएल - गाद क परिवार समूह स।

16उ नाउँ ओन मनइयन क अहइँ जेनका मूसा पहँटा क
लखइ अउ जाँच करइ बरे पठाएस। (मूसा नून क पूत होसे
क दूसर नाउँ स पुकारेस। मूसा ओका यहोसू कहेस।)

17मूसा जब ओनका कनान क खोज-बीन बरे पठावत
रहा, तब उ कहेस, "नेगेव स होइके जा तब पहाड़ी देस मँ
जाब्या 18इ लखा कि भूइयाँ कइसा अहइ अउर तब तू उ
मनइ क बारे जानकारी ल्या जउन हुमाँ रहत हीं। उ पचे
सक्तीवाला अहइँ या कमजोर बाटेन। उ पचे तनिक अहइँ या
जियादा तदाद मँ बाटेन? 19उ पहँटा क बारे मँ जानकारी ल्या
जेहमाँ उ पचे रहत हीं। का उ नीक प्रदेस अहइ या बुरा?
कउने तरह क सहर मँ उ पचे रहत हीं? का उ नगरन क
चहरदेवार बाटेन? क एन गाँव क देवारन नाहीं अहइ?
20प्रदेस क बारे मँ अउर जानकारी ल्या। का भुइयाँ उपज बरे
नीक बाटइ या बंजर जमीन अहइ? का धरती प बृच्छ उगा
बाटेन? साहसी बना अउ उ धरती स कछू फल लइ आवा।"
(इ अंगूर क पहली फसल क टेम होइ।)

21तब उ पचे पहँटा क छान-बीन किहेन। उ पचे जिन
नाउँ क रेगिस्तान स रहोब अउ लेबो हमात तलक गएन।
22उ पचे नेगव स होइके तब तलक जात्रा करत रहेन जब
तलक उ पचे हेब्रोन नगर पहोंच गएन। (हेब्रोन मिस्र मँ
सोअन नगर क बसइ क सात बरिस पहिले बना रहा।)
अहीमन, सेसै अउ तल्मै हुवाँ रहत रहेन। इ सबइ अनाक क
सन्तानन रहेन। 23तब उ पचे एस्कोल क घाटी मँ गएन। उ
सबइ हुवाँ अंगूरे क बेल काटेन। उ साखा मँ अंगूर क

गुच्छा रहा। मनइयन मँ स दुइ मनई आपन बीच एक डंडा प धइके ओका लइ आएन। उ पचे कछू अनार अउ अंजीर भी लइ आएन। **24**उ ठउरे क नाउँ एस्कोल क घाटी रहा। काहेकी इ उहइ ठउर अहइ जहाँ इस्राएल क मनइयन अंगूरे क गुच्छा काटेन।

25उ मनइयन उ पहँटा क छानबीन चालीस दिन तलक किहेन। तब उ पचे सिबिर क लउटेन। **26**उ पचे मूसा, हारून अउ दूसर इस्राएल क लोगन क लगे कादेस मँ लउटि गएन। इ पारान रेगिस्तान मँ रहा। तब उ पचे मूसा, हारून अउ सबहिं मनइयन क, जउन कछू लखेन, सब कछू सुनाएन। अउर उ पचे ओनका उ प्रदेस क फल क देखाएन। **27**उ पचे मूसा स इ कहेन, "हम पचे उ पहँटा मँ गए जहाँ आप हमका पठएन। उ प्रदेस बहोत नीक बाटइहिआँ दूध अउ मधु क नदी बहत हीं। इ सबइ उ कछू फल अहइँ जेका हम पचे हुआँ पावा ह। **28**मुला हुवाँ जउन मनइयन रहत हीं उ पचे बहोतइ सक्तीवाला अउ मजबूत बाटेन। ओनकइ सहर क मजबूती स रच्छा कीन्ह ग अहइ। हम पचे हुवाँ अनाक बंसी मनइयन क लखा। **29**अमालेकी लोग नेगेव मँ रहत हीं। हित्ती, यबूसी अउ एमोरी पहाड़ी प्रदेस मँ रहत हीं। कनानी लोग समुद्दर क किनारे अउ यरदन नदिया क तीरे रहत हीं।"

30तब कालेब मूसा क नचिके मनइयन क सान्त होइके कहेस। कालेब कहेस, "हम पचन क हुवाँ जाइ चाही अउ उ प्रदेस क आपन बरे लेइ चाही। हम पचे उ प्रदेस क आसानी स लइ सकित ही।"

31मुला जउन मनई ओकरे संग गवा उ बोला, "हम पचे उ मनइयन क खिलाफ नाहीं लड़ि सकित। उ पचे हम लोगन स जियादा सक्तीसाली अहइँ।" **32**अउर उ मनइयन सबहिं इस्राएली लोगन स कहेन कि उ पहँटा क लोगन क हरावइ बरे उ पचे जियादा ताकतवर नाहीं रहेन। उ पचे कहेन, "जउने पहँटा क हम पचे लखा उ ताकतवर मनइयन स भरा बाटइ। उ पचे एँतना जियादा सक्तीवाला अहइँ कि जउन कउनो मनई हुवाँ जाइ ओका आसनी स हराइ सकत हीं। **33**हम सबइ हुवाँ देत्य नेपीलियन लोगन क लखा। (अनाक सन्तानन नपीली लोगन मँ स अहइ।) उ पचे हम पचन क लखेन जइसे हम पचे टिड्डा रहेन। हाँ हम पचे झींगुर क नाईं ओनकइ बरे रहे।"

लोग फुन सिकाइत करत हीं

14 उ रात सिबिर क सब मनइयन जोर स रोउब सुरु किहन। **2**इस्राएल क सबहिं लोग हारून अउ मूसा क खिलाफ फुन सिकाइत किहन। सब मनइयन एक संग आएन अउ मूसा अउ हारून स कहेन, "हम पचन क मिस्र या रेगिस्तान मँ मरि जाइ चाही रहा। आपन इ नवा देस मँ तरिवारि स मरि जाइ क बजाय इ बहोतइ नीक भवा होत। **3**का यहोवा हम पनच क इ नवा प्रदेस मँ मरइ बरे लइ आएन? हमरी मेहररुअन अउ हमरे गदेलन क हम पचन स छीन लइ लीन्ह जाइ अउ हम तरिवारे स मारि डावा जाब। इ हम पचन बरे नीक होइ कि हम पचे मिस्र क लउटि जाइ।"

4तब मनइयन एक दूसर स कहेन, "हम पचन क दूसर नेता चुनइ चाही अउ मिस्र लउटि चलइ चाही।"

5मूसा अउ हारून हुवाँ बटुरा भवा सारे इस्राएली मनइयन क समन्वा भुइयाँ प गिरि गएन। **6**अउर उ दुइनउँ मनई जउन नवा पहँटा का छानबीन करइ बरे गए रहेन आपन ओढ़ना क सोक परगट करइ बरे फाड़ दिहस। (उ पचे दुइनउँ नून क पूत यहोसू अउ यपुन्ने क पूत कालेब रहेन।) **7**इ दुइनउँ हुवाँ बटुरा भए इस्राएलियन स कहेन, "जउने पहँटा क हम पचे लखे अही, उ बहोतइ नीक बाटइ। **8**अउर जदि यहोवा हम पचन स खुस अहइ तउ उ हम पचन क उ पहँटा मँ लइ चली। उ पहँटा नीक अउ उपजाउ अहइ, अइसा बाटइ जइसन हुवाँ दूध अउ मधु क नदी बहत होइँ। अउर यहोवा उ पहँटा क हम पचन क देइ बरे आपन सक्ती क बइपरी। **9**मुला हम पचन क यहोवा क खिलाफ नाहीं जाइ चाही। हम पचन क उ पहँटा क लोगन स नाहीं सिबिरइ चाही। हम पचे ओनका आसानी स हराइ देब। ओनके लगे कछू सुरच्छा नाहीं अहइ, ओनका सुरच्छित राखइ बरे ओनके लगे कछू नाहीं अहइ। मुला हम पचन क संग यहोवा अहइ। एह बरे इ मनइयन स जिन सिबिरअ।"

10तब इस्राएल क सबहिं लोग यहोसू अउ कालेब क पाथर मारि देइ क बात करइ लागेन। मुला यहोवा क तेज मिलापवाला तम्बू प आवा। इस्राएल क सबहिं लोग एँका लखि सकत रहेन। **11**यहोवा मूसा स कहेस, "इ पचे इ तरह मोका घिना स लखत रइहीं? उ पचे परगट करत रहेन कि उ पचे मोह पइ बिस्सास नाहीं करतेन। उ सबइ परगट करत हीं कि ओनकइ मोहे प बिस्सास नाहीं अहइ अउर उ पचे देखॉवत हीं कि उ पचे मोरी सक्ती प बिस्सास नाहीं करतेन। उ सबइ मोहे प बिस्सास करइ स तब भी मना कइ देत हीं जबहि मइँ ओनका बहोत स सक्तिसाली संकेत दिहेउँ ह। मइँ ओनके बीच कइ बड़की चीजन किहेउँ ह। **12**मइँ ओनका नास एक महामारी स करब अउ मइँ ओका बेदखल कइ देब, अउ तोहार प्रयोग दूसर रास्ट्र बनवइ बरे करब। अउर तोहार रास्ट्र इ सब लोग स बड़ा अउ जियादा ताकतवर होइ।"

13तब मूसा यहोवा स कहेस, "जदि आप अइसा करत हीं तउ मिस्र मँ लोग इ सुनिहीं कि आपन सबहिं मनइयन क मारि डाएन। आप आपन बड़की सक्ती स प्रयोग ओन मनइयन क मिस्र स बाहेर लइ आवइ मँ किहन। **14**अउर मिस्र क लोग इ भूइँया (कनान) मँ रहइवालन स तोहार महान सक्ती क बारे मँ कइहीं। हे यहोवा! उ पचे पहिले स सुनि लिहेन कि। तू एँन लोगन (इस्राएलियन) क परमेस्सर अहइ। उ पचे सबइ जानत ह कि तू प्रत्येच्छ रूप स आपन लोगन क समन्वा परगट भवा। उ पचे तोहरे बादर क बारे मँ जानत ह जउन उ पचन्क ऊपर ठहरत ह। तू उ बादर क प्रयोग दिन मँ ओन लोगन क राह दिखावइ बरे किहा अउर राति मँ उ बादर लोगन क राह दिखावइ बरे आगी मँ बदल जात रहा। **15**एह बरे आप क अब मनइयन क मारइ नाहीं चाही। जदि आप ओनका मारत हीं तउ सबहिं रास्ट्र, जउन आपक सक्ती क बारे मँ सुनि चुका अहइँ, कइहीं, **16**'यहोवा इ मनइयन क उ पहँटा मँ लइ जाइ मँ समर्थ नाहीं रहेन

जउने पहँटा क उ पचे ओनका देइ क बचन दिहे रहेन। एह बरे यहोवा ओनका मरु भूमि मँ मारि दिहन।’

17“एह बरे सुआमी आपन सामर्थ देखावा! देखावा वइसा ही जइसा देखॉवइ क कहे रह्या! 18तू कहे रहा, ‘यहोवा कोहाइ मँ धीरा करत हीं। यहोवा पिरेम स भरपूर अहइँ। यहोवा पाप क छिमा करत हीं अउर ओन मनइयन क छिमा करत हीं जउन ओनके खिलाफ भी होइ जात हीं। मुला यहोवा ओन मनइयन क जरुर सजा देइहीं जउन अपराधी अहइँ। यहोवा पूत, पूतन अउ ओकर पूतहू क भी सजा देत हीं।’ 19एह बरे इ मनइयन क आपन बड़का पिरेम देखावा। ओनके पाप क छिमा करा। ओनका उहइ तरह छिमा करा जइसा तू मिस्र छोड़इ क टेमॅ स अब तलक छिमा करत आवत ह।”

20यहोवा उत्तर दिहस, “मइँ मनइयन क तोहरे कहे क मुताबिक छिमा कइ दीन्ह ह। 21मुला मइँ तोहसे फुरइ कहत हउँ काहे की मइँ जब तलक रहबूँ अउ मोर महिमा इ धरती प फइली अहइ। एह बरे मइँ तोहका इ बचन देत हउँ। 22उ मनइयन मँ स कउनो भी मनई जेका मइँ मिस्र स बाहेर लइ आएउँ, उ पचे कनान क भूइँया क कबहुँ नाहीं क लखिहीं। उ मनइयन मिस्र मँ मोर तेज अउ मोर संकेत क लखेन ह। अउर उ मनइयन उ महान कारज क निहारेन ह जउन मइँ रेगिस्तान मँ कीन्ह ह। मुला उ पचे मोर आग्या क नाहीं मानेन अउर दसहु बार मोर परीच्छा किहेन ह। 23मइँ ओनके पुरखन क बचन दिहेउँ ह। मइँ प्रण किहेउँ रहा कि ओनका एक बड़का देस देब। मुला ओहमा स कउनो मनई जउन मोरे खिलाफ होइ चुका ह उ देस मँ घुस न पाइ। 24मुला मोर सेवक कालेब एनॅ स अलग रहा। उ पूरी तरह मोर बात मानत रहा। एह बरे मइँ ओका उ देस मँ लइ जब जेका उ पहिले लखेस ह। अउ ओकर सन्तानन भी उ पहँटा क उत्तराधिकार होइ जाब। 25अमालेकियन अउ कनानी लोग घाटी मँ रहत अहइँ। भियान इ जगहिया क तज़ा अउ रेगिस्तान कइँती लउटि जा। लाल सागर स होइके जा।”

यहोवा मनइयन क सजा देत हीं

26यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 27“इ पचे कब तलक मोरे खिलाफ सिकाइत करत रइहीं? मइँ इ मनइयन क ओराहना अउ पीरा क सुन चुकेउँ ह। 28एह बरे एनसे कहा, ‘यहोवा कहत ह उ फुरइ ही सबहि काम करी जेकरे बारे मँ तू पचे सिकाइत किहा ह। 29तू मनइयन क इ सब होइ। तू मनइयन क देह इ रेगिस्तान मँ मरा भवा गिरिहीं। हर एक मनई जउन बीस बरिस या जियादा उमर क रहा। हमार मनइयन क निअंबर क रूप मँ गना गवा। अउर तू पचन मँ स हर कउनो मोरे यानी परमेस्सर क खिलाफ सिकाइत किहस। एह बरे तू मनइयन मँ स हर एक रेगिस्तान मँ मरी। 30तू पचन मँ स कउनो भी कबहुँ उ देस मँ नाहीं घुसी जेका मइँ तोहका देइ क बचन दिहेउँ ह। सिरिफ युपुन्ने क पूत कालेब अउ नून क पूत यहोसू उ देस मँ प्रवेस करिहीं। 31तू पचे सिबिरइ गए रह्या अउ तू पचे ओराहना दिहा कि उ नवा देस मँ तोहार दुस्मनन तोहरे गदेलन क तोहसे छिनि लेइहीं। मुला मइँ तोहसे कहत हउँ कि मइँ ओन गदेलन क देस मँ लइ जाब। उ पचे उ चीजन क भोग करिहीं जेनकइ भोग तू अंगीकार नाहीं किहा। 32जहाँ तलक तू पचन क बात बा, तू पचे इ रेगिस्ताने मँ मरि बिलाइ जाब्या।

33“‘तोहार बेटवन हिआँ रेगिस्तान मँ चालीस बरिस तलक गड़ेरिया क रूप मँ आपन जिन्नगी बिताइ। उ पचे तोहार अबिस्सासी क कारण कस्ट झेलब। उ पचे इ रेगिस्तान मँ तब तलक कस्ट झेलिहीं जब तलक तू सबहिं मरि नाहीं जाब्या। 34तू पचे आपन पाप बरे चालीस बरिस तलक कस्ट झेलब्या। (तू पचे इ देस क छानबीन मँ चालीस दिन लगाया। ओकरे हर दिन बरे एक बरिस होइ।) तू पचे जनब्या कि हमार तू पचन क खिलाफ होब केतँना खतरनाक अहइ।

35“‘मइँ यहोवा अहउँ अउर मइँ इ घोसना करत हउँ। अउर मइँ बचन देत हउँ कि मइँ इ सबहिं बुरे मनइयन बरे इ करब। इ पचे मोरे खिलाफ एक संग आएन। एह बरे उ सबइ इ रेगिस्तान मँ मरिहीं।’”

36जउन मनइयन क मूसा नवा प्रदेस क छान-बीन करइ पठाएस ह उ पचे अइसा रहेन जउन लउटि आएन अउर सबहिं इस्राएलियन मँ सिकाइत करत भए सँचर गएन। उ मनइयन कहेन कि मनई उ प्रदेस मँ प्रवेस करइ खातिर जियादा बरिआर नाहीं रहेन। 37उ मनइयन उ भूइयाँ क बारे मँ बुरी खबर लइहीं। एह बरे यहोवा एक बेरामी पइदा कइके ओन सबहिं क मरि बिलाइ जाइ दिहस। 38मुला नून क पूत यहोसू अउ युपुन्ने क पूत कालेब ओन मनइयन मँ रहेन जेनका देस क छानबीन करइ पठवा गवा रहा। अउर यहोवा ओन दुइनउँ मनइयन क बचाएस। ओनका उ बेरामी नाहीं भइ जउन दूसर मनइयन क मारि डाएस।

मनइयन कनान मँ जाइके जतन करत हीं।

39मूसा इ सबइ बातन इस्राएल क मनइयन स कहेस। लोग बहोत जियादा दुखी भएन। 40दूसर दिन बहोतइ तड़के मनइयन ऊँचा पहाड़ी पहँटा कइँती बढ़ब सुरु किहेन। मनइयन कहेन, “हम पचे पाप किहे अहेन। हम पचन क दु:ख अहइ कि हम पचे यहोवा प बिस्सास नाहीं किहेन ह। हम पचे उ ठउरे प जाब जेका यहोवा देइ क बचन दिहे अहइ।”

41मुला मूसा कहेस, “तू पचे यहोवा क हुकुम क काहे नाहीं मानत अहा? तू पचे कामयाब न होइ सकब्या। 42उ देस मँ जिन जा। यहोवा तू पचन क संग नाहीं अहइ। तू पचे आसनी स आपन दुस्मनन स हारि जाब्या। 43अमालेकी अउ कनानी लोग हुवाँ तोहरे खिलाफ लड़ीहीं। तू पचे यहोवा स खिलाफत किहा ह। एह बरे उ तोहरे संग न होइ जब तू पचे ओनसे लड़ब्या। अउर तू सबहिं लड़ाइ मँ मारा जाब्या।”

44मुला मनइयन मूसा प बिस्सास नाहीं किहेन। उ पचे ऊँची पहाड़ी कइँती गएन। मुला मूसा अउ यहोवा क करार क सन्दूख मनइयन क संग नाहीं गएन। 45तब अमालेकी अउ कनानी लोग जउन पहाड़ी देस मँ रहत रहेन, आएन अउ उ पचे इस्राएलियन प हमला बोलि दिहन। अमालेकी अउ कनानी लोग ओनका आसानी स हराइ दिहन अउ होर्मा तलक ओनका खदेरेन।

बलि क नेमॅ

15 यहोवा मूसा स कहेस, 2“इस्राएल क मनइयन स
बात करा अउ ओनसे कहा: मइँ तू पचन क इ
धरती घर क रूप मँ देत अहउँ। जब तू उ देस मँ घुसब्या,
3जब तू परमेस्सर क होमबलि चाहे उ गइयन, भेड़िन अउ
बोकरियन होइ क होमबलि क रूप मँ बलि क रूप मँ,
मनौती भेंट क रूप मँ, बचनबलि क रूप मँ, मेलबलि क
रूप मँ या खास पवित्तर क रूप मँ चढ़ाउब्या तउ इ
परमेस्सर बरे एक सुहावना सुगन्धित अहइ।

4“अउर उ टेमॅ जउन आपन भेंट लइ आइ ओका यहोवा
क अन्नबलि देइ क होइ। इ अन्नबलि एक चौथाई हीन
जइतून क तेले मँ सनी भइ एपा क दसवाँ हींसा बढ़िया
आटा क होइ। 5हर दाईं जब तू एक ठु मेमना होमबलि क
रूप मँ या बलिदान क रूप मँ द्या तउ तोहका एक चौथाई
हीन दाखरस पयेबलि क रूप मँ तइयार करइ चाही।

6“हर समइ जब तू भेड़ा क भेंट करइहीं तउ तोहका
अन्नबलि क रूप मँ एक तिहाई हीन जइतून क तेले मँ सनी
भइ एपा क दुइ दसवाँ हींसा बढ़िया आटा क जरूर भेंट
करइ चाही। 7अउर तोहका एक तिहाई हीन पेयबलि जरूर
चढ़ावइ चाही। एनका परमेस्सर क भेंट करा। इ परमेस्सर
बरे सुहावना सुगन्ध अहइ।

8“होमबलि, मेलबलि या कउनो मन्नत बरे यहोवा क एक
भेंट क रूप मँ एक बछवा तइयार कइ सकत ह। 9एह बरे
तोहका बर्धा क संग अन्नबलि भी लइ आवइ चाही।
अन्नबलि आधा हीन जइतून क तेले स सनी भइ एपा क
तीन दसवाँ हींसा बढ़िया आटा क होइ चाही। 10आधा हीन
दाखरस भी पयेबलि क रूप मँ लइ आवा। आगी मँ बारी
गइ इ भेंट परमेस्सर बरे महकउआ सुगन्ध अहइ। 11हर
एक बछवा या भेड़ा या मेमना या बोकरी क बच्चा, जेका तू
यहोवा क भेंट करा, उहइ तरह तइयार करइ चाही।
12जनावरन क गनती क अनुसार तू परमेस्सर क भेंट करा,
हर एक एकहीं तरीका स तइयार करा।

13“एह बरे इ तरीका स हर एक इस्राएली क होमबलि
देइ चाही जेकर गंध परमेस्सर क प्रसन्न करी। 14तोहरे बीच
बिदेसी रहब। अगर उ पचे होमबलि देइ चाहत हीं तउ
ओनका वइसे ही देइ चाही जइसे तू करत ह। ताकि इ
परमेस्सर बरे सुहावना सुगन्ध होइ। 15उहइ नेमॅ हर एक
इस्राएली बरे होइ चाही अउ तोहरे बीच बसइया बिदेसी बरे
भी होइ। इ नेमॅ हमेसा लागू रही। तू अउ तोहरे बीच बसइया
मनइयन यहोवा क समन्वा बराबर होइहीं। 16एँकर अरथ
अहइ कि तू सबन क एक ही कनून अउ नेमॅ क मानइ
चाही। उ सबइ कनून अउ नेमॅ इस्राएल क परिवार मँ पइदा
भए तोहरे अउ जउन तोहरे बीच रहत ही, ओनके बरे
अहइ।”

17यहोवा मूसा स कहेस, 18“इस्राएल क लोगन स इ
कहा: मइँ तोहका दूसर देस मँ लइ जात हउँ। 19जब तू उ
भोजन करब्या जउन उ पहँटा मँ पइदा होइ तउ भोजन क
कछू हींसा यहोवा क भेंट क रूप मँ द्या। 20तू अनाजे क
बटोरब्या अउ एँका आटा क रूप मँ पिसब्या। तू आटा क
रोटी बनवइ बरे गुँधब्या। तू पहिला गुँधा भाव आटा स बना
रोटी परमेस्सर क अर्पित करब्या। उ अइसा अन्नबलि होइ
जउन खरिहान स आवत ह। 21इ नेमॅ सदा बरे बा। एकर
अरथ अहइ कि जउन अन्न क तू आटा क रूप मँ गूँधत ह
ओकर पहिली रोटी यहोवा क देइ चाही।

22“अगर तू यहोवा क जरिये मूसा की दीन्ह गवा आदेस
मँ स कउनो क मानव भूलि जा तउ तू का करब्या? मूसा क
जरिये दीन्ह गए यहोवा क इ हुकुम अहइँ। 23इ आदेस
उहइ दिन स सुरु होइ ग रहेन जउने दिन यहोवा एँनका
तोहका दिहेस ह। अउर इ आदेस भविस्स मँ भी लागू रइहीं।
24जदि समूदाय अनजाने मँ कि उ पचे पाप करत हीं तउ
सब जने मिलिके एक होमबलि बर्धा क परमेस्सर क
चढ़ावइँ। इ परमेस्सर बरे सुहावना सुगन्धि अहइ। बर्धा क
बलि क संग परमेस्सर क हिदायत क अनुसार अन्नबलि
अउर पयेबलि चढ़ा। तोहका एक ठु बोकरा भी पापबलि क
रूप मँ देइ चाही।

25“याजक क लोगन क पाप स सुद्धि बरे ओकर
प्रायस्चित करइ चाही। उ इस्राएल क सब लोगन बरे अइसा
करी। लोगन इ नाहीं जाने रहेन कि उ सबइ पाप करत
बाटेन। मुला जब उ पचे इ जानेन तब उ पचे होमबलि अउ
पापबलि लेइ बरे आएन। इ तरह मनइयन ओकर गलती बरे
छिमा पाइ हीं। 26इस्राएल क सब मनइयन अउ ओनके बीच
रहइवाला सब लोग छिमा कइ दीन्ह जइहीं। उ पचे एह बरे
छिमा कइ दीन्ह जइहीं कि उ सबइ नाहीं जानतेन कि उ पचे
बुरा करत बाटेन।

27“मुला एक ठू मनई बिना इरादे स पाप करत ह तउ
ओका एक बरिस एक ठु मादा बोकरी पापबलि क रूप मँ
आपन पाप बरे लावइ चाही। 28याजक यहोवा क समन्वा
पाप बरे जउन उ मनइ गलती स किहेस ह प्रायस्चित करी
अउ उ मनई छिमा पाइँ। 29इ हर मनई बरे कनून अहइ
जउन पाप करत ह, मुला जानत नाहीं कि बुरा किहेस ह।
इहइ कनून इस्राएल क परिवार मँ पइदा भए मनइयन बरे
अहइ या दूसर मनइयन बरे जउन तोहरे बीच रहत हीं।

30“मुला कउनो मनई जउन पाप करत ह अउ जानत ह
कि उ बुरा करत ह। उ मनई क आपन लोगन स अलग
पठइ देइ चाही। इ इस्राएल क परिवार मँ जन्मा मनई अउ
कउनो भी दूसर मनई बरे, जउन तोहरे बीच रहत ह, एक
समान बाटइ। 31उ मनई यहोवा क हुकुम क खिलाफ गवा
अहइ। उ यहोवा क हुकुम क तिस्सकार करइ। उ मनई क
तोहरे दले स अलगाइ दीन्ह जाइ चाही। उ मनई अपराधी ही
रही अउ सजा भोगी।”

एक ठु मनई अराम क दिन काम करत ह।

32इ टेमॅ इस्राएल क मनई अबहिं रेगिस्तान मँ रहेन।
अइसा भवा कि एक मनई क बारइ बरे कछू काठ मिला।
एह बरे उ मनई लकड़ी बटोरत रहा मुला उ सबित क दिन
रहा। कछू दूसर मनई ओका इ करत लखेन। 33जउन मनई
ओका लकड़ी बटोरत करत देखेन। उ पचे ओका मूसा अउ
हारून क लगे लइ आएन। अउर सबहिं लोग चारिहुँ कइँती
बठुर गएन। 34उ पचे उ मनई क हुवाँ राखेन काहे की उ
पचे नाहीं जानत रहेन कि ओकर संग का करइ चाहीं।

35तब यहोवा मूसा स कहेस, “इ मनई क मरि जाइ
चाही। पूरा धार्मिक सभा क ओका सिबिर स बाहेर लइ जाइ
चाही अउर ओका पाथर स मार डावइ चाही।” 36एह बरे
सबइ लोगन ओका सिबिर स बाहेर लइ गएन। उ ओका
तब तलक पाथर मारेन जब तलक उ मरि नाहीं गवा। उ
पचे इ वइसा ही किहेन जइसा मूसा क यहोवा हुकुम दिहे
रहा।

परमेस्सर नेमें क सुमिरइ मँ मनइयन क मदद करत ह

37यहोवा मूसा स कहेस, 38“इस्राएल क लोगन स
बतियाअ अउ ओनसे इ कहा, “मइँ तू सबन क आपन
हुकुम क सुमिरइ क देब। धागा क कइउ खण्ड क एक
साथ बाँधा अउ ओनका आपन बस्तर क कोना प धइ द्या।
एक ठु नीला रंग क डोरा हर एक अइसे गुच्छा मँ नावा।
अब एँका तू पहिरब्या अउ भविस्स क सबहिं दिनन मँ
पहिरब्या। 39तू पचे इ गुच्छन क लखत रहब्या अउ यहोवा
जउन हुकुम तोहका दिहे अहइ ओका सुमरत रहब्या। तब तू
हुकुम क मनब्या। तू पचे हुकुम क न बिसरब्या। अउर
आपन आँखिन अउ जरुरत स बस मँ आइके कउनो पाप न
करब्या। 40तू हमरे सब हुकुम मानइ क सुमिरब्या। अउर
तोहका तोहार परमेस्सर क अपर्ण कीन्ह जाइहीं। 41मइँ
तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ। उ मइँ अहउँ जउन तोहका
मिस्र स बाहेर लइ आएउँ ह। मइँ इ किहेउँ ह। एह बरे मइँ
तोहार परमेस्सर रहब। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ।”

कोरह, दातान अउ अबीराम मूसा क खिलाफ होइ जात हीं

16 कोरह, दातान, अबीराम अउ ओनँ मूसा क खिलाफ
होइ गएन। (कोरह यिसहार क पूत रहा। यिसहार
कहात क पूत रहा। कहात लेवी क पूत रहा। एलीआब क
पूत दातान अउ अबीराम भाई रहेन। अउर ओनँ पेलेत क
पूत रहा। दातान, अबीराम अउ ओन रूबेन क सन्तानन
रहेन।) 2इ चार मनइयन इस्राएल क 250 मनइयन क एक
संग बटोरेन अउर इ पचे मूसा क खिलाफ आएन। इ पचे
नेता रहेन अउ जउन इस्राएलियन क जरिये चुना ग रहेन।
सब मनइयन ओनका जानत रहेन। 3उ पचे एक ठु गुट क
रूप मँ मूसा अउ हारून क खिलाफ बात करइ बरे आएन।
इ मनइयन मूसा अउ हारून स कहेन, “हम लोगन क काबू
करइ बन्द करा। इस्राएल क सब मनई पवित्तर अहइँ।
यहोवा ओनके संग अहइ। तू सबइ अपने आप क काहे
परमेस्सर क (दूसर) मनइयन स जियादा महत्वपूर्ण मानत
बाट्या?”

4जइसेन मूसा इ बात सुनेस तउ उ मुँहे क बले गिर
गवा। 5तब मूसा कोरह अउ ओकरे मनवइयन स कहेस,
“काल्ह भिन्सारे यहोवा देखँइहीं कि कउन मनई फुरइ ओकर
बाटइ। यहोवा देखइहीं कि कउन मनई फुरइ पवित्तर अहइ।
अउर यहोवा ओका आपन निअरे लइ जइहीं। यहोवा उ मनई
क चुनी अउ ओका आपन निचके लइ जाइ। 6एह बरे
कोरह, तोहका अउ तोहरे सबहिं मनवइयन क इ करइ
चाही। 7भियान कउनो खास अगियारी क गोरसी मँ आगी
अउ धूप धरा अउ उ गोरसी क यहोवा क अगवा लिआंवा।
यहोवा उहइ मनई क चुनिहीं जउन फुरइ पवित्तर होइ। लेवी
क पूतन रूका! तू का करइ क कोसिस करत अहा।”

8मूसा कोरह स इ भी कहेस, “लेवी बंसी लोगो! मोरहु
सुना। 9तू पचन क खुस होइ चाही कि इस्राएल क परमेस्सर
तोहका चुनेस ह अउ खास बनएस ह। तू पचे बाकी
इस्राएलियन स अलग अहा। यहोवा तोहका आपन लगे
बोलाएस ह कि तू यहोवा क आराधना मँ इस्राएल क
मनइयन क खास मदद बरे यहोवा क पवित्तर तम्बू मँ खास
काम कइ सका। का इ तोहका बरे काफी नाहीं बा?
10यहोवा तोहका अउ लेवी बंस क मनइयन क आपन
निचके लइ आवा ह। मुला अब तू याजकन बनइ चाहत
बाट्या। 11तू अउ तोहार मनवइयन एक अउट ग अहा अउ
यहोवा क खिलाफ आवा अहा! का हारून कउनो बुरा किहे
अहइ? नाही! तउ ओकरे खिलाफ काहे ओराहना देत अहा?”

12तब मूसा एलीआब क पूत दातान अउ अबीराम क
बोलाएस। मुला दुइनउँ मनइयन कहेन, “हम पचे न आउब।
13तू हमका उ देस स निकारि लिआया ह जउन धनवाद रहा।
जहाँ दूध अउ सहद क धारा बहत रहिन। तू हम पचन क
हिआँ रेगिस्तान मँ मारइ बरे लिआया ह। का अब तू अपने
आप क हम पइ राजकुमार बनबू चाहत अहइ? 14हम पचे
तोहार पाछा काहे करी? तू हम पचन क नवा देस मँ नाहीं
लइ आया ह- जउन भरपूर अहइ- जहाँ दूध अउ सहद की
नदी बहत रहत हीं। तू हम पचन क उ देस नहीं दिए रहा
जेका देइ क परमेस्सर बचन दिहे रहा। तू हम पचन क खेत
या अंगूर क बगिया नाहीं दिहे रहा। का तू इ लोगन क
आँखन क अंधा करब्या? नाहीं, हम पचे तोहार लगे न
आउब।”

15एह बरे मूसा बहोतइ कोहाइ गवा। उ यहोवा स कहेस,
“एँनकइ भेंट जिन ल्या। मइँ एँनसे कछू नाहीं लीन्ह-एक
गदहा तलक नाहीं। मइँ इ मनइयन मँ स कउनो क बुरा
नाहीं कीन्ह।”

16तब मूसा कोरह स कहेस, “तोहका अउ तोहरे मनवइयन
क भियान यहोवा क समन्वा खड़ा होइ चाही। अउर हारून
तोहरे संग यहोवा क समन्वा खड़ा होइ। 17तू सबन मँ स हर
कउनो क एक ठु आग-दान रखइ चाही अउर ओहमा
आगी अउ धूप होइ चाही अउर एका यहोवा क समन्वा
चढ़ावइ चाही। इ सारी आगी क गोरसी 250 नेता लोगन क
होइ चाही। तोहका अउर हारून क आपन गोरसी क संग
हुवाँ रहइ चाही।”

18तउ हर एक मनई एक एक ठु आगी क गोरसी
लिहेस अउ ओहमाँ सुलगन धूप धरेस। तब उ पचे
मिलापवाला तम्बू क दुआरे खड़ा भएन। मूसा अउ हारून भी
हुवाँ खड़ा भएन। 19कोरह आपन सबहिं लोगन क एक संग
मिलापवाला तम्बू क दुआरे बटोरेस। तब यहोवा मोजूदगी
सबइ जमा लोगन क दुआरा लखइ जाइ।

20यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 21“इ मनइयन स दूर
हटा। मइँ अब ओनकर नास करइ चाहत हउँ।”

22मुला मूसा अउ हारून भुइयाँ प निहुरेन अउ चिचियानेन,
“परमेस्सर! तू जानत ह कि मनइयन क सोचत हीं। तू सब
प्राणी क आतिमा क परमेस्सर। का एक मनई क पाप क

कारण सारा किरोध मण्डली प होइ। एक मनई फुरइ पाप किहे अहइ।”

23तब यहोवा मूसा स कहेस, 24“मनइयन स कहा कि उ पचे कोरह, दातान अउ अबीराम क सिबिर स दूर हटि जाइँ।”

25मूसा खड़ा भवा अउ दातान अउर अबीराम क लगे गवा। इस्राएल क सबहिं बुजुर्गन ओकरे पाछे चलेन। 26मूसा धार्मिक सभा स कहेस, “इ बुरा लोगन तम्बू स दूरि हटि जा। एँनकइ चीज क जिन छुआ। जदि तू पचे छूब्या तउ एँनके पापन क कारण बिलाइ जाब्या।”

27एह बरे मनइयन कोरह, दातान अउ अबीराम क तम्बू स दूर परानेन। दातान अउ अबीराम आपन तम्बू क बाहेर आपन मेहरारु, लरिकन अउ गदेलन क संग खड़ा रहेन।

28तब मूसा कहेस, “मइँ तोहका परमान देब कि यहोवा मोका ओन चीजन क करइ क पठए बाटइ जउन मइँ तोहका केहउँ ह। मइँ देखाउब कि उ सबइ मोर बिचार नाहीं रहेन। 29इ मनइयन हिआँ मरिहीं। मुला इ पचे साधारन रीति स मरत ह जउने तरह आदमी हमेसा मरत ह तउ इ परगट होइ कि यहोवा फुरे मोका नाहीं पठाएस। 30मुला जदि यहोवा एँनका दूसर रीति स मरइ देत ह तउ तू पचे जनब्या कि इ मनइयन सचमुच यहोवा क खिलाफ पाप किहे अहइँ। इहइ प्रमाण बाटइः भुइयाँ फाटि जाइ अउ इ मनइयन क डकार जाइ। उ सबइ आपन कब्रन मँ जिअत जइहीं। अउर एँनकइ हर चीज एँनके संग जाइ।”

31तब मूसा इ बातन क कहब खतम किहेस। मनइयन क गोड़े क तरे जमीन फाटि गइ। 32इ अइसा रहा कि मान ल्या धरती आपन मुँह बाएस अउ एँनका खाइ लिहस अउ ओनके सारा परिवार अउ कोरह क सबहिं मनइयन अउ ओनकइ सब चीजन धरती मँ चली गइन। 33उ पचे जिअत भ कब्र मँ चला गएन। ओनकइ हर एक चीज ओनके संग गइ। तब धरती ओनके ऊपर बन्द होइ गइ। उ पचे मर बिलाइ गएन अउ उ सबइ सभा स लोप हो गएन।

34इस्राएल क मनइयन नास कीन्ह जात मनइयन क रोउब चिचियाब सुनेन। एह बरे उ सबइ चारिहुँ कइँती दौड़ेन अउ कहइ लागेन, “धरती हम लोगन क लील जाइ।”

35तब्बइ यहोवा स आगी आइ अउ 250 मनइयन क, जउन धूप भेंट करत रहेन, माटी मँ मिलाइ दिहस।

36यहोवा मूसा स कहेस, 37-38“याजक हारून क पूत एलीआज़ार स कहा कि उ आगी क गोरसी क बटोरइ। सिबिर स दूर क पहँटा मँ ओस कोइला अउ राखी क छितरावइ क कहा। इ मनइयन मोरे खिलाफ पाप किहेन ह अउर ओनकइ पाप क दाम जिन्नगी खतम होइ गइ। मुला धूप क गोरसी अबहुँ पवित्तर बाटइ। इ गोरसियन पवित्तर अहइँ काहे की उ पचे यहोवा क दिहन ह। धूप गोरसी क पीटि पीटि के पत्तर मँ बदलि द्या। तब इ धातु क पत्तर क उपयोग वेदी क ढाँपि बरे करा। इ पत्तरन इस्राएल क लोगन बरे चिताउनी क रूप मँ रहइ द्या।”

39तब याजक एलीआज़ार काँसा क उ सबइ तसला बटोरेस जेनका उ पचे लइ आए रहेन। उ सबइ मनई जरि गएन, मुला बासन तब भी हुवाँ रहेन। तब एलीआज़ार कछू मनइयन क बासन क धातु क चपटी पीटइ क कहेस। तब उ धातु क चपटी चादर क वेदी प धरेस। 40उ एँका वइसेन ही किहेस जइसा यहोवा मूसा क जरिये हुकुम दीन्ह ग रहा। इ चीन्हा रहा कि जेकाँ इस्राएल क लोग सुमिर सकइँ कि सिरिफ हारून क परिवार क मनई क यहोवा क समन्वा सुगन्धि देइ क अधिकार बाटइ। जदि कउनो दूसर मनई परमेस्सर क समन्वा सुगन्धि बारत ह तउ उ मनई कोरह अउ ओकर मनवइयन क तरह होइ जाइ।

हारून मनइयन क रच्छा करत ह

41अगले दिन इस्राएल क मनइयन मूसा अउ हारून क खिलाफ ओराहना दिहेन। उ पचे कहेन, “तू सबइ यहोवा क मनइयन क मारि डाया ह।”

42मूसा अउ हारून मिलापवाला तम्बू क दुआर प ठाड़ रहेन। मनई उ ठउर प मूसा अउ हारून क खिलाफ सिकाइत बरे बटुर गएन। मुला जब उ पचे मिलापवाला तम्बू क लखेन कि बदरा ओका ढाँकि लिहेस, अउर यहोवा हुआँ परगट भवा। 43तब मूसा अउ हारून मिलापवाला तम्बू क समन्वा गएन।

44तब यहोवा मूसा स कहेस, 45“उ मनइयन स दूरि हटि जा जेका अब मइँ नास करब।” मूसा अउ हारून भुइँया प भहराइ पड़ेन।

46तब मूसा हारून स कहेस, “वेदी क आगी आपन काँसा क बासन मँ ल्या। तब एहमाँ सुगन्धि नावा। लोगन क भीड़ मँ ओनके पापन क प्रायस्चित करइ बरे हाली जा। यहोवा ओन पइ कोहान बा। महामारी ओन लोगन क बीच मँ फैलइ सुरू होइ गवा अहइ।”

47-48तउ हारून वइसे किहस जइसेन मूसा कहे रहा। धूप अउ आगी लइ लिहे क पाछे उ मनइयन क बीच दौड़िके पहोंचा। मुला मनइयन मँ बेरामी पहिले ही सुरु होइ चुकी रही। तब हारून मुर्दा मनइयन क बीच अउ जउन जिअत रहेन खड़ा भवा। हारून लोगन क प्रायस्चित बरे सुगन्धि सुलगाइ दिहस। अउर तब बेरामी रुकि गइ। 49मुला हारून क पापे स प्रायस्चित स पहिले 14,700 लोग उ महामारी स मरि गए रहेन। उ कोरह क कारण मरे भवा लोगन क अतिरिक्त अहइ। 50तब हारून मिलापवाला तम्बू क दुआर प मूसा क लगे लउटा। मनइयन मँ भयंकर महामरगी रोक थाम दीन्ह गइ।

यहोवा परमान देत हीं कि हारून महा याजक अहइ

17 यहोवा मूसा स कहेस, 2“इस्राएल क मनइयन स कहा। आपन लोगन स बारह लकड़ी क कुबरी लइ लेइँ। बारहु परिवार समूहन मँ स हर एक नेता स एक कुबरी ल्या। हर एक मनई क कुबरी प नाउँ लिखि द्या। 3अउ लेवी क कुबरी प हारून क नाउँ लिखि द्या। बारह परिवार समूहन क हर एक मुखिया क कुबरी होइ चाही। 4इ टहरइ वाली कुबरियन क मिलापवाला तम्बू मँ करार क सन्दूख क अगवा धइ द्या। इ उहइ ठउर अहइ जहाँ मइ तोहसे भेंटत अहउँ। 5मइँ एक मनई क सच्चा होइवाला याजक चुनब। तू

जानि लेब्या कि कउने मनई क मइँ चुनेउँ ह। काहे की उ कुबरी मँ नई पाती निकरब सुरु होइ। इ तरह मइँ मनइयन क आपन अउ तोहरे खिलाफ सदा ओराहना देइ स रोकब।"

6तउ मूसा इस्राएली मनइयन स बात किहस। प्रधान मँ स हर एक ओका एक ठु कुबरी दिहस। सब कुबरियन क गनती बारह रही। हर ए परिवार दल क नेता क एक कुबरी ओहमाँ रही। हारून क कुबरी ओहमाँ रही। 7मूसा करार क मिलापवाला तम्बू मँ यहोवा क समन्वा कुबरियन क धइ दिहस।

8अगला दिन मूसा तम्बू मँ घुसा। उ लखेस कि हारून क उ कुबरी, जउन लेवी बंस क रही, सिरिफ एक अइसी रही कि जेहसे नई पाती निकरब सुरु भई रहिन। उ कुबरी मँ डारि फूटि आइन अउ ओहमा बदाम लग गए रहेन। 9एह बरे मूसा यहोवा क ठउर स सबहिं कुबरियन क लइ आवा। मूसा इस्राएल क मनइयन क कुबरियन देखाँएस अउ हर एक मनई आपन कुबरी वापिस लइ लिहस।

10तब यहोवा मूसा स कहेस, "हारून क कुबरी क करार वाला सन्दूखे क समन्वा रख द्या। इ ओनँ मनइयन क चिताउनी होइ जउन हमेसा मोरे खिलाफ जात हीं। इ ओनकइ मोरे खिलाफ सिकाइत क रोकी। इ तरह उ पचे मरिहीं नाहीं।" 11तउ मूसा ओन हुकुमन क मानेस जउन यहोवा दिहे रहा।

12इस्राएल क मनइयन मूसा स कहेस, "हम पचे जानित ह कि हम सबइ मरि जाब। हम विनास होइ गए। हम सबहिं विनास होइ गवा। 13कउनो मनई जउन यहोवा क पवित्तर ठउर क निअरे आवत ह मरि जाइ। का इ फुरइ बा कि हम सबइ मरि गएन?"

याजकन अउ लेवी बंसी लोगन क कारज

18 यहोवा हारून स कहेस, "तू, तोहार पूतन, अउ तोहरे पिता क परिवारे क सब मनई कउनो पाप जउन पवित्तर ठउरे क सम्बंधित कीन्ह ग अहइ क जिम्मेदार अहइँ। तू अउ तोहार पूत याजकिये स सम्बन्धि कउनो भी बरे जिम्मेदार होइहीं।* 2दूसर लेवी मनइयन क आपन साथ देइ बरे आपन परिवार समूह स लइ आवा। उ सबइ तोहार अउ तोहरे पूतन क मदद साच्छी क तम्बू क काम करइ मँ करिहीं। 3लेवी परिवार क उ सबइ मनई तोहरे मातहत अहइँ। उ पचे उ सबहिं कामे क करिहीं जेनका तम्बू मँ किया जाब अहइ। मुला उ पचेन क वेदी या पवित्तर ठउर क बर्तनन क लगे न जाइ चाही। जदि उ पचे अइसा करिहीं तउ उ सबइ मरि जइहीं अउ तू भी मरि जाब्या। 4उ पचे तोहरे संग होइहीं अउ तोहरे संग काम करिहीं। उ पचे मिलापवाला तम्बू क देखइ रेखइ क जिम्मेदार होइहीं। सब कारज, जेका तम्बू मँ कीन्ह जाइ चाही, उ पचे करिहीं। दूसर कउनो भी उ ठउर क नगिचे न आइ जहाँ तू अहा।

5"पवित्तर ठउर अउ वेदी क देख-रेख करइ क जिम्मेदार तू अहा। मइँ इस्राएल क मनइयन प फुन कोहाइ नाहीं चाहत हउँ। 6मइँ खुद तोहरे मनइयन यानी लेवी बंस क लोगन क खुद इस्राएल क सबहिं मनइयन मँ स चुनेउँ ह। उ पचे यहोवा क दीन्ह गवा उपहार अहइ अउर उ पचन्क परमेस्सर क सेवा करइ अउर मिलापवाला तम्बू क काम करइ बरे आर्पित कीन्ह गवा अहइ। 7मुला सिरिफ तू अउ तोहार पूत याजकन क रूप मँ सेवा कइ सकत हीं। अकेले तू ही वेदी क लगे जाइ सकत ह। तू अकेले महापवित्तर ठउर क पर्दा क भितरे जाइ सकत ह। याजक क रूप मँ तोहार सेवा एक ठु उपहार जेका मइँ तोहका देत हउँ। कउनो भी दूसर, जउन पवित्तर ठउर क लगे आइ, मारि डावा जाइ।"

8तब यहोवा हारून स कहेस, "मइँ खुद तोहका मनइयन जउन खास भेंट चढ़ाएन ह जिम्मेदारी दिहेउँ ह। इस्राएल क लोग जउन सारी भेंट मोका देइहीं उ मइँ तोहका देत अहउँ। तू अउ तोहार पूत इ पवित्तर भेंटन क आपुस मँ बाटि सकत ह। इ हमेसा तोहार होइ। 9इ ओन सबहिं पवित्तर भेंटन मँ इ तोहार आपन हींसा होइ जेका जलावा नाहीं गवा ह। हरेक भेंटन, हरेक अन्नबलि, हरेक पापबलि अउ हरेक दोखबलि जउन उ मोरे लगे लइ आवत हीं, इ सबइ तोहर अउ तोहरे पूतन बरे बहोत पवित्तर भेंटन होइ हीं। 10उ सबन चीजन क महापवित्तर ठउरे मँ खा। तोहरे परिवार क हर मरद मनसेधू ऍका खाइ सकत ह मुला तोहका सुमिरइ चाही कि उ सबइ भेंट पवित्तर अहइँ।

11"अउर उ सबहिं चीजिन जेका इस्राएली उत्तोलन बलि क रूप मँ देइहीं, तोहरइ होइहीं। मइँ ऍका तोहका, तोहार पूतन अउ तोहार बिटियन क देत हउँ। इ तोहार हींसा अहइ। तोहरे परिवार क हर एक मनई जउन सुद्ध होई, ऍका खाइ सकी।

12"अउर मइँ सारा बढ़िया जइतून क तेल अउ सबन त बढ़िया नीक नई दाखरस अउ अनाज तोहका देत अहउँ। इ सबइ उहइ चीजन बाटिन जेका इस्राएल क लोग मोका यानी आपन यहोवा क देत हीं। इ सबइ उ चीजियन बाटिन जेका उ पचे आपन फसिल पाक जाए प बटोरत हीं। 13सबइ चीज जउन तोहार भूइँया स आवत ही क पहिला फल परमेस्सर क अहइ। एह बरे इ चीजन क मइँ तोहका देब। अउर हर एक मनई जउन परिवार मँ सुद्ध होई ऍका खाइ सकी।

14"अउर हर एक इस्राएल मँ जउन यहोवा क दीन्ह जात हीं, तोहार बा।

15"कउनो भी परिवारे मँ पहिलौटी क पूत या गोरु परमेस्सर क भेंट होइ। उ तोहार होइ। मुला तोहका हर एक पहिलौटी लरिका अउ पहिला पइदा भवा असुद्ध गोरु क फुन स वापिस लइ लेइ चाही। तब पहिला पइदा बच्चा फुन उ परिवार क होइ जाइ। 16जब लरिका बच्चा एक महीना क होइ जाइँ तब्बइ तोहका ओकर बरे दाम लइ लेइ चाही। ओका मुक्त करावइ क मूल्य पाँच सेकेल चाँदी पवित्तर स्थान क अधिकारिक माप अनुसार होइ चाहीं। एक सेकेल बीस गेरा क बराबर होत ह।

17"मुला तोहका पहिलौटी क गइया या भेड़ी या बोकरा क दाम नाहीं लेइ चाही। उ सबइ गोरु तउ पवित्तर बाटेन। ओनकइ रकत वेदी प छिछकारा अउर ओनकइ चर्बी बारा। इ भेंट आगी क जरिए दीन्ह जात ह। इ भेंट क महकब मोरे बरे यानी यहोवा बरे सोहइवाली गंध होइ। 18मुला इ

तू ... होइहीं जदि अचानक कउनो अनफिट याजक पवित्तर स्थान, मँ दाखिल होत ह या बलि चढ़ावत ह।

गोरुअन क गोस तोहार होइ जइसे कि उत्तोलन बलि क छाती तोहार होइ अउर भेंटन क दहिनी जाँघन तोहार होइ। **19**कउनो भी चीज, जेका लोग पवित्तर भेंट क रूप मँ मोका चढ़ावत ही, मइँ यहोवा ओका तोहका देत हउँ। इ तोहार हींसा अहइ। मइँ ऍका तोहका, तोहार बेटहनन अउ तोहार बिटिहिनियन क देत अहउँ। इ यहोवा क संग किया गवा करार अहइ जउन हमेसा बना रही। मइँ इ बचन तोहका अउ तोहरे सन्तानन क देत अहउँ।"

20यहोवा हारून स इ भी कहेस, "तू कउनो भी भुइयाँ न पउब्या। अउर अइसी कउनो भी चीज नाहीं रखब्या जइसी दूसर लोग राखत हीं। मइँ तोहार अंस अउ मइँ इस्राएल क लोगन क बीच तोहार उत्तरधिकार अहइ।

21"इस्राएल क लोग जउन कछू ओनके लगे होइ ओकर दसवाँ हीसां देइहीं। इ तरह मइँ लेवी बंस क सन्तानन क दसवाँ हीसां देत अहउँ। इ ओनके उ काम क मजूरी अहइ जउन उ पचे मिलापवाला तम्बू मँ सेवा करत भए करत रहत हीं। **22**मूला इस्राएल क दूसर लोगन क मिलापवाला तम्बू क निअरे कबहुँ नाहीं जाइ चाही। जदि उ पचे अइसा करत हीं तउ ओनका अपने आप मरइ क होइ। **23**जउन लेवी बंसी मिलापवाला तम्बू मँ काम करत अहइँ उ पचे ऍकरे खिलाफ पाप क जिम्मेदार होइहीं। इ कनून हमेसा बरे होइ। लेवीबंसी उ भुइँया क न लेइहीं जेका मइँ इस्राएल क दूसर लोगन क बचन दिहेउँ ह। **24**मुला इस्राएल क लोगन क लगे जउन कछू होइ ओकर दसवाँ हीसां मोका देइहीं। इ तरह मइँ लेवी बंसी मनइयन क दसवाँ हींसा देब। इहइ कारण अहइ कि मइँ लेवीबंसी मनइयन बरे कहेउँ ह: "उ पचे उ भुइँया क न पइहीं जेका मइँ इस्राएल क मनइयन क देइ क वचन दिहेउँ ह।"

25यहोवा मूसा स कहेस, **26**"लेवी बंसी मनइयन स बात करा अउ ओनसे कहा, "इस्राएल क लोग हर एक चीज क दसवाँ हींसा यहोवा क देइहीं। उ दसवाँ हींसा लेवी बंसी मनइयन क होइ। मुला ओकर दसवाँ हींसा यहोवा क ओनकी भेंट क रूप मँ देइ चाही। **27**अउर उ दसवाँ हींसा क इ समुझा जाब कि तू खरिहान स अनाज या दाखरस क कोलहू स दाखरस भेंट किहे रहा। **28**इ तरह तू यहोवा क वइसेन ही भेंट देब्या जइसे इस्राएल क दूसर लोग देत हीं। तू इस्राएल क मनइयन क दीन्ह गवा दसवाँ हीसां पउब्या। अउर तू ओकर दसवाँ हीसां याजक हारून क देब्या। **29**जब इस्राएल क लोग आपन हर एक चीज क दसवाँ हींसा देइँ तउ तोहका ओहमाँ स सबन त जियादा पवित्तर हींसा चुनइ चाही। उहइ दसवाँ हींसा अहइ जेका तोहका यहोवा क देइ चाही।

30"मूसा, लेवी लोगन स इ कहा, "लोग जउन कछू तोहका देत ह ओका सबन त अच्छा हींसा जब तू भेंट करब। तउ इ अइसा होइ जइसा तू एका खरिहान स आनाज या दाखरस क कोलहू स दाखरस भेंट किहे रहा। **31**जउन बाकी बची ओका तू अउ तोहार परिवार ऍका कउनो जगह खाइ सकत ह। इ तू मनइयन क उ काम बरे मजूरी अहइ जउन तू पचे मिलापवाला तम्बू मँ करत बाट्या। **32**अउर अगर तू ऍकर सब स बढ़िया हीसां यहोवा क देत रहब्या तउ तू कबहुँ दोखी न होब्या। तू इस्राएल क मनइयन क पवित्तर भेंट क बरे दूसित न करब्या अउर तू मरब्या नाहीं।"

लाल गइया क राखी

19 यहोवा मूसा अउ हारून स बात किहेस अउ कहेस, **2**"इ सबइ कनून अउर नेमॅ अहइँ जेका यहोवा इस्राएल क मनइयन क दिहे अहइ। ओनका बिना दोखे क एक लाल गइया तोहार लगे लिआवइ। उ गइया क कउनो खोचा भी नाही लागी रहइ चाही। अउर न ही कबहुँ ओका काँधे पइ कउनो जुआ धर दीन्ह गवा ह। **3**इ गइया क याजक एलीआज़ार क द्या। एलीआज़ार गइया क सिबिर स बाहेर लइ जाइ अउ हुवाँ गइया क मारी। **4**तब याजक एलीआज़ार ऍकर कछू रकत आपन अँगुरी प लगाइ। तब ओका कछू रकत पवित्तर तम्बू क ओर छिछकारइ चाही। ओका इ सात दाईं करइ चाही। **5**तब पूरी गइया क उ समइ जलाइ चाही जब उ लखत ह। चाम गोस, रकत अउ गोबर सबन क फूँकि देइ चाही। **6**तब याजक एक ठु देवदारु क लकड़ी, हिस्सप क डार अउ एक लाल ताँत लेइ चाही। याजक क इ चीजन क उ आगी मँ नावइ चाही जेहमाँ गइया बरत होइ। **7**तब याजक क अपने क अउ अपने ओढ़ना क धोवइ चाही। तब ओका सिबिर मँ लउटइ चाही। याजक साँझ तलक असुद्ध रही। **8**जउन मनई गइया क फूँकि ओका आपन क आपन ओढ़ना क पानी स धोवइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही।

9"तब एक मनई जउन सुद्ध होइ, गइया क राखी बटोरी। उ इ राखी क सिबिर क बाहेर एक सुद्ध ठउरे प राखी। इ राख ओनका असुद्धता क सुद्धीकरण क उपयोग क लइ इस्राएलियन दुआरा रखइ जाब्या।

10"उ मनई जउन गइया क राखी बटोरेस, आपन ओढ़ना धोइ। उ साँझ तलक असुद्ध रही।

"इ नेमॅ सदा चलतइ रही। इ नेमॅ इस्राएल क नागरिक लोगन बरे अहइ अउर ओन बिदेसी मनइयन बरे भी बाटइ जउन तोहरे बीच रहत हीं। **11**जदि एक मनई कउनो मरे मनई क छुअत ह तउ उ सात दिन बरे असुद्ध होइ जाइ। **12**ओका आपन क तीसरे दिन अउ फुन सतएँ दिन पानी स धोवइ चाही। जदि उ अइसा नाहीं करत तउ उ सुद्ध नाहीं होइ। **13**जदि कउनो मनई ल्हास क छुअत ह तउ उ मनई जउन असुद्ध अहइ। जदि उ मनई जउन असुद्ध अहइ पवित्तर तम्बू क जात ह तउ पवित्तर तम्बू अपवित्तर होइ जात ह। एह बरे उ मनई क इस्राएलियन स निकारइ दीन्ह जाइ। जदि सुद्धीकरण क जल उ असुद्ध मनई प नाहीं छिरकइ जात ह, उ असुद्ध ही रहब्या।

14"इ नेमॅ ओन लोगन स जुड़ा बाटइ जउन तम्बू मँ मरि जात हीं। जदि कउनो व्यक्ति तम्बू मँ मरि जात ह तउ तम्बू क हर एक मनई अउर हर एक चीज असुद्ध होइ जाइ। उ सबइ सात दिना तलक असुद्ध रइहीं। **15**अउर हर बे ढकना क कूँड़ा या बासन असुद्ध होइ जात ह। **16**जदि कउनो ल्हास क छुअत ह तउ उ मनई सात दिना तलक असुद्ध रही। इ तब भी लागू होइ जब ल्हास खुला मैदान मँ या जुद्ध क

मइदान मँ मरा होइ। जदि कउनो मनई मरा भवा मनई क
हाड़ या कबर क छुअत ह तउ उ मनई सात दिना तलक
असुद्ध रहब्या।
17“एह बरे तोहका बारी भइ गइया क राखी क प्रयोग उ
मनई क फुन सदुध करइ बरे करइ चाही। बहता भवा जल
गगरी मँ धरी राखी प डावा। **18**सुद्ध मनई क एक हिस्सप
डार लेइ चाही अउ ऍका पानी मँ बोरइ चाही। तब ओका
तम्बू, घारी अउ तम्बू मँ जउन मनइयन होइँ ओन पइ इ
पानी छिरकइ चाही। तोहका ओन मनइयन क संग इहइ
करइ चाही जउन ल्हासे क छुअइँ। तोहका इ ओकरे संग
भी करइ चाही जउन लराइ मँ मारे मनइयन क ल्हासे क
छुअत ह। या उ कउनो क संग भी जउन कउनो मरे मनई
क हाड़े क या कबर क छुअत ह।
19“तउ कउनो सुद्ध मनई इ जल क असुद्ध मनई प
तीसरे दिन अउ फुन सतएँ दिन छिरकइ। सतएँ दिन उ मनई
सुद्ध होइ जात ह। ओका आपन ओढ़ना क पानी मँ धोवइ
चाही। उ साँझ तलक पवित्तर होइ जात ह।”
20“जदि कउनो मनई असुद्ध होइ जात ह अउ सुद्ध नाहीं
होत तउ ओका इस्राएल क मनइयन स निकारइ दीन्ह जाइ।
उ मनई प सुद्धीकरण क जल नाहीं छिरका गवा। उ सुद्ध
नाहीं भवा। एह बरे उ पवित्तर तम्बू क असुद्ध कइ सकत
ह। **21**इ नेमॅ तोहरे बरे सदा होइ। जउन मनई इ सुद्धीकरण
क जल क छिरकत ह ओका भी आपन ओढ़ना जरुर धोइ
लेइ चाही। जउन मनई इ सुद्धीकरण क जल क छुइ उ
साँझ तलक असुद्ध रही। **22**जदि कउनो असुद्ध मनई कउनो
दूसर क छुअइ तउ भी असुद्ध होइ जाइ। उ मनई साँझ
तलक असुद्ध रही।”

मिरियन मरत ह

20 इस्राएल क मनई ‘सीन’ रेगिस्तान मँ पहिले महीना
मँ पहोंचेन। लोग कादेस मँ रुकि गएन। मिरियम
क मउत भइ अउ उ हुवाँ दफनाई गइ।

मूसा क गलती

2उ जगह प मनइयन बरे पानी जियादा नाहीं रहा। एह बरे
लोग मूसा अउ हारून क खिलाफ सिकाइत करइ बटुर
गएन। **3**मनइयन मूसा स बहस किहेन। उ सबइ केहन, “इ
नीक होत कि हम आपन भइयन क तरह यहोवा क समन्वा
मर गए होतेन। **4**तू यहोवा क मनइयन क इ रेगिस्तान मँ
काहे लियाया? का तू चाहत ह कि हम अउ हमार गोरु
हिआँ मरि जाइँ? **5**तू हम पचन क मिस्र स काहे लिआया?
तू हम पचन क बुरे ठउर प काहे लिआया ह? हिआँ कउनो
अनाज नाहीं अहइ, कउनो अंजीर, अंगूर या अनार नाही
अहइ। अउर हिआँ पिअइ बरे पानी नाहीं अहइ।”
6एह बरे मूसा अउ हारून उ मनइयन क तजि दिहन अउ
उ पचे मिलापवाला तम्बू क दुआरे पहोंचेन। उ पचे हुआँ
पैलगी किहेन। यहोवा क मोजूदगी क तेज ओन पइ परगट
भवा।
7यहोवा मूसा स बात किहेस। उ कहेस, **8**“आपन भाई
हारून अउ मनइयन क भीड़ क संग ल्या अउ उ चट्टान
तलक जा। आपन टहरइ वाली कुबरी क ल्या। मनइयन क
समन्वा चट्टान स बात करा। तबहिं चट्टान स पानी बही।
अउर तू उ पानी आपन मनइयन अउ जानवरन क दइ सकत
ह।”
9टहरइ वाली कुबरी यहोवा क समन्वा पवित्तर तम्बू मँ
रही। जइसा यहोवा कहे रहा, मूसा टहरइवाली कुबरी लिहस।
10मूसा अउ हारून मनइयन स चट्टाने क समन्वा मिलइ क
कहेन। तब मूसा कहेस, “तू लोग सदा बिद्रोह करत ह। अब
मोरउ सुना। का हम इ चट्टाने स पानी बहाउब?” **11**मूसा
आपन भुजा उठाएस अउ दुइ दाईं चट्टानें प चोट किहेस।
चट्टान स पानी बहइ लाग। मनइयन अउ गोरुअन पानी
पिएन।
12मुला यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, “इस्राएल क
सबहिं मनइयन चारिहुँ कइँती बटुरा रहेन। मुला तू पचे मोका
उ लोगन क समन्वा पवित्तर नाहीं ठहराया। तू पचे मनइयन
क नाहीं बताएस कि मइँ चट्टान स पानी कइसा बहाएस ह।
तू सबइ मनइयन क नाहीं बताया कि तू सबइ मोहे प
पतियाना ह। मइँ ओन मनइयन क उ देस देब जेका देइ क
मइँ बचन दिहेउँ ह। मुला तू सबइ उ देस मँ ओनका
पहोंचावइ वाला न रहब्या।”
13इ ठउर क नाउँ मरीबा क पानी कहा जात रहा। इ
उहइ ठउर अहइ जहाँ इस्राएल क मनइयन यहोवा स
वाद-विवाद किहन। अउर इ उहइ ठउर रहा जहाँ यहोवा इ
देखाँए रहा कि उ पवित्तर रहा।

एदोम इस्राएल क पार नाहीं होइ दिहस

14जब मूसा कादेस मँ रहा, उ कउनो मनइयन क एदोम
क राजा क लगे एक संदेसा क संग पठएस। संदेसा इ रहा:
“तोहरे भाई लोग तोहसे इ कहत हीं: तू जानत ह कि हम
पचे केतॅनी तकलीफ उठावा ह। **15**बहोत बहोतइ बरिस
पहिले हमार पुरखन मिस्र चला ग रहेन। अउर हम पचे हुवाँ
देर बरिस रहेन। मिस्र क मनई हम सबन बरे निर्दयी रहेन।
16मुला हम पचे यहोवा क मदद क बिनती कीन्ह। “अउर उ
हम सबन क मदद बरे एक सरगदूत पठाएस। यहोवा हम
पचन क मिस्र स बाहेर लइ आएन ह।
“अब हम पचे कादेस मँ अही जहाँ स तोहार पहँटा सुरु
होत ह। **17**कृपा कइके आपन देस स हम पचन क जात्रा
करइ देइँ। हम पचे कउनो खेत या अंगूरे क बाग स जात्रा
नाहीं करब। हम पचे तोहरे कउनो इनारा स पानी नाहीं
पिअब। हम पचे सिरिफ राजपथ स जात्रा करब। हम पचे
राजपथ क तनिके दाहिन बाएँ नाहीं बढ़ब। हम पचे तब
तलक राजपथ प ठहरब जब तलक तोहरे धरती क पार
नाहीं कइ जाइत।”
18मुला एदोम क राजा उत्तर दिहस, “तू हमरे देस स
होइके जात्रा नाहीं कइ सकत्या। जदि तू हमरे देस स जात्रा
करइ क कोसिस करत ह तउ हम पचे आउब अउ तोहसे
तरवारे स लड़ब।”
19इस्राएल क मनइयन जवाब दिहन, “हम पचे बड़की
सड़क स जात्रा करब। जदि हम या हमार गोरु तोहार कछू

पानी पीहीं तउ हम पचे ओकरे दाम क भुगतान करब। हम
सबइ तोहरे देस स सिरिफ चलिके पार जाइ चाहित ह। हम
सबइ एँका आपन बरे लेइ नाहीं चाहित।"
20मुला एदोम फिन जवाब दिहस, "हम पचे आपन देस स
होइके तोहका जाइ नाहीं देब।"
तब एदोम क राजा एक ठु बहोत बड़वार अउ ताकतवर
फउज बटोरेस अउ इस्राएल क मनइयन स लड़इ बरे निकर
पड़ा। 21एदोम क राजा इस्राएल क मनइयन क अपने देस स
जात्रा करइ बरे मना कइ दिहस। अउर इस्राएल क लोग मुड़
गए अउर दूसरे राहे स चल पड़ेन।

हारून मरि जात ह

22इस्राएल क सब मनइयन कादेस स होर पहाड़े तलक
जात्रा किहन। 23होर पहाड़ एदोम क चौहद्दी प रहा। यहोवा
मूसा अउ हारून स कहेस, 24"अब हारून क मरि क समइ
अउर आपन पुरखन क लगे जा मिलइ क समइ आ गवा
ह। इ उ पहँटा मँ न जाइ जेका देइ क मइँ इस्राएल क
मनइयन क बचन दिहेउँ ह। मूसा, मइँ इ तोहसे कहत हउँ
काहेकि मरीबा क पानी क बारे मँ तू अउ हारून मोरे दीन्ह
ग हुकुम क खिलाफ बिद्रोह किहस।
25"हारून अउ ओकरे पूत एलीआज़ार क हॉर पहाड़े प
लिआवा। 26हारून क खास ओढ़ना क ओसे ल्या अउ ओन
ओढ़नन क ओकर पूत एलीआज़ार क पहिरावा। हारून हुवाँ
पहाड़े प मरी। अउर उ आपन पुरखन क संग होइ जाइ।"
27मूसा यहोवा क हुकुम क मानेस। मूसा, हारून अउ
एलीआज़ार हॉर पहाड़े प गएन। इस्राएल क सब मनइयन
ओका जात लखेन। 28मूसा हारून क ओढ़ना उतार लिहस
अउ ओन ओढ़ना क हारून क पूत एलीआज़ार क
पहिराएस। तब हारून पहाड़े क चोटी प मरि गवा। मूसा अउ
एलीआज़ार पहाड़े स उतरि आएन। 29तबहिं इस्राएल क सब
मनइयन जान लिहन कि हारून गुजर गवा। एह बरे इस्राएल
क हर मनई तीस दिना तलक हारून बरे गमी मनाएस।

कनानीयन स जुद्ध

21 एक कनानी अराद क राजा रहा। उ नेगेव रेगिस्तान
मँ रहत रहा। अराद क राजा सुनेस कि इस्राएल क
मनइयन अथारीम कइँती जाइवाली सड़क स आवत अहइँ।
एह बरे राजा बाहेर निकरा अउ इस्राएल क मनइयन प
हमला किहस। उ ओहमाँ स कछू क धइ लिहस अउ
ओनका बंदी बनाएस। 2तब इस्राएल क मनइयन यहोवा क
इ बचन दिहन, "हे यहोवा! इ मनइयन क हरावइ मँ हमार
मदद करा। एँनका हमरे मातहत कइ द्या। जदि तू अइसा
करब्या तउ हम पचे ओनके सहरन क पूरी तरह बरबाद कइ
देब।"
3यहोवा इस्राएल क मनइयन क बिनती सुनेस। अउर
यहोवा इस्राएल क लोगन स कनानी मनइयन क हरवाइ
दिहस। इस्राएल क मनइयन कनानी लोगन अउ ओनके
सहरन क पूरी तरह नास कइ दिहन। एह बरे उ ठउरे क
नाउँ होरगा पड़ा।

काँसा क साँप

4इस्राएल क मनइयन होर पहाड़े क तजेन अउ लाल
सागर क जाइवाली सड़क स जात्रा प गएन। उ पचे अइसा
एदोम क देस क चारिहुँ कइँती जाइ बरे किहेन। मुला
मनइयन क धीरा नाहीं रहा। 5उ सबइ परमेस्सर अउ मूसा क
खिलाफ ओराहना सुरु किहन। मनइयन कहेन, "तू हम सबन
क मिस्र स बाहेर काहे लिआया ह? हम पचे हिआँ रेगिस्तान
मँ मरि जाब! हिआँ रोटी नाहीं मिलत! हिआँ पानी नाहीं!
अउर हम पचे इ सड़ाइंध खइया स घिना करित ह।"
6एह बरे यहोवा मनइयन क बीच बिखैला साँपन पठाएस।
साँपन ओन मनइयन क डस लिहस अउ बहोत स लोग मरि
गएन। 7लोग मूसा क लगे आएन अउ ओसे कहेन, "हम
पचे जानित ह कि जब हम पचे यहोवा अउ तोहरे खिलाफ
बोलइ क पाप किहे अहउँ। यहोवा स पराथना करा अउ
ओसे कहा कि इ साँपन क दूर करइ।" एह बरे मूसा लोगन
बरे पराथना किहस।
8यहोवा मूसा स कहेस, "एक ठु काँसा क साँप बनावा
अउ ओका एक ठु खम्बा प धरा। अगर कउनो मनई क
साँप डसइ तउ उ मनई क खम्बा क ऊपर काँसा क साँप
लखइ चाही। तब इ तरह उ मनई मरी नाहीं।" 9एह बरे मूसा
यहोवा क हुकुम मानेस अउ एक काँसा क साँप बनाएस
अउ ओका एक खम्बा प धरेस। तब जब कबहुँ कउनो
मनई क साँप डसत रहा तउ ओका खम्बा पइ काँसा क
साँप क लखइ क होइ रहा। अउ जिअत रहत रहा।

होर पहाड़े स मोआब क घाटी तलक क जात्रा

10इस्राएल क लोग उ जगह क तजि दिहेन अउ ओबोत
नाउँ क जहग प सिबिर डाएन। 11तब मनइयन ओबोत स
इये अबारीम तलक क जात्रा किहन। अउर हुआँ सिबिर
डाएन। इ मोअब क पूरब रेगिस्तान मँ रहा। 12तब मनइयन
उ ठउर क छोड़ दिहन अउर जेरेद घाटी क जात्रा किहन। उ
पचे हुवाँ सिबिर डाएन। 13तब उ पचे चलेन अउ रेगिस्तान
क अर्नोन नदी क ओह पार सिबिर डाएन। इ नदी एमोरियन
क चउहद्दी स सुरु होत रही। घाटी मोआब क चउहद्दी
अउ एमोरी क बीचउ बीच रही। 14इहइ कारन अहइ कि
'यहोवा क जुद्ध" किताबे मँ नीचे लिखा भवा हाल मिलत
ह।"

"...अउर सूपा मँ बाहेब, अर्नोन क घाटी। 15अउर
अर क बस्ती तलक पहोंचावइ वाली घाटी क किनारे
क पहाड़ी। इ ठउर मोआब क चउहद्दी प अहइँ।"

16इस्राएल क मनइयन उ ठउर क तजेन अउर उ पचे
बीर क जात्रा किहन। इ ठउर प एक ठु इनार रहा। यहोवा
मूसा स कहेस, "हिआँ सबहिं मनइयन क बटोरा अउर मइँ
ओनका पानी देब।" 17तब इस्राएल क मनइयन गीत गाएन:
"ए इनारा! उमड़िके पानी बहाउ। एकर गीत गावा।
18महा पुरखन इ इनारा क खोदेन। सज्जन लोग इ इनारा
क खोदेन। उ पचे आपन राज-दण्डियन अउर लाठियन स
एँका खोदेन। इ रेगिस्तान मँ एक ठु भेंट अहइ।"

तउ मनइयन ऍंका "मत्ताना" नाउँ क इनारा कहेन। 19तब मनइयन मत्ताना स नहलीएल क जात्रा किहेन। फुन उ पचे नहलीएल स बामोत क जात्रा किहन। 20मनइयन बामोत स मोआब मँ घाटी तलक क जात्रा किहन। इ ठउरे प पिसगा पहड़ क चोटी रेगिस्तान क ऊपर देखाँइ पड़त ह।

सिहोन अउ ओगे

21इस्राएल क मनइयन कछू मनइयन क एमोरी लोगन क राजा सीहोन क लगे पठाएस। इ मनइयन राजा स कहेन, 22"आपन देस स होइ के हमका जात्रा करइ द्या। हम पचे कउनो खेत या अंगूरे क बगिया स होइके न जाब। हम पचे तोहरे कउनो इनारा क पानी न पिअब। हम सबइ सिरिफ राज-पथ स होइके जात्रा करब। हम सबइ तब तलक उ सड़क प ठहरब जब तलक हम पचे तोहरे देसे स होइके जात्रा पूरी नाहीं कइ लेइत।"

23मुला राजा सीहोन इस्राएल क लोगन क आपन देस स होइके जात्रा करइ क रजामन्दी नाहीं दिहस। राजा आपन फउज बटोरेस अउ रेगिस्ताने कइँती चल पड़ा। उ इस्राएल क खिलाफ हमला करत रहा। यहज नाउँ क एक ठउरे प राजा क फउज इस्राएल क लोगन क संग लड़ाई लड़ेस।

24मुला इस्राएल क लोगन राजा क मारि डाएन। तब उ पचे अर्नोन घाटी स लइके यब्बाक इलाका तलक ओकरे पहँटा प कब्जा कइ लिहेन। इस्राएल क मनइयन अम्मोनी लोगन क हद तक क पहँटा प कब्जा किहन। उ पचे अउर जियादा इलाका प कब्जा नाहीं किहन काहे की उ हद अम्मोनी लोगन क जरिए सुरच्छित रही। 25मुला इस्राएल अम्मोनी लोगन क सबहिं सहरन प कब्जा कइ लिहन। उ पचे हेसबोन नगर तलक अउ ओकरे चारिहुँ कइँती क छोटके सहरन क भी हराइ दिहन। 26हेसबोन उ सहर रहा जेहमा राजा सीहोन रहत रहा। ऍंकरे पहिले सीहोन मोआब क राजा क हराए रहा अउ सीहोन अर्नोन घाटी ताईं सब पहँटन प कब्जा कइ लिहे रहा। 27इहइ कारण अहइ कि गवइया इ गीत गावत हीं:

आवा हेसबोन क ऍंका फुन स बसावइ क बाटइ। सीहोन क सहरन क फुन स बनइ द्या।

28काहेकि आगी हेसबोन सहर स बाहेर चले गएस अउर सोला सीहोन सहर स बाहेर चला गवा। आगी मोआब मँ आर क नस्ट कइ दिहस। इ अर्नोन नदी क ऊपरी पहाड़ियन क सासकन क बार दिहस।

29हे मोआब! इ तोहरे बरे बुरा बाटइ, कामोस क मनई बरबाद कइ दीन्ह ग बाटेन। ओकर पूतन भाग पराइ गएन। ओकर बिटियन बन्दी बनाइ गइन। अमानीत लोगन क राजा सीहोन क जरिये।

30मुला हम पचे ओनॅ एमोरियन क हरावा, हम सबइ ओनका हेसबोन स दिबान तलक सहरन क, नसिम स नोपह तलक जउन मेदाब क निचके अहइ मिटाइ द्या।"

31एह बरे इस्राएल क मनइयन एमोरियन लोगन क देस मँ रहेन।

32मूसा कछू खुफिया लोगन क याजेर प नजर धरइ बरे पठाएस। मूसा क अइसा करइ क पाछे इस्राएल क मनइयन उ सहर प कब्जा कइ लिहन। उ पचे ओकरे चारिहुँ कइँती क छोटके सहरन प भी कब्जा कइ लिहन। इस्राएल क मनइयन उ ठउरे प बसइया एमोरी लोगन क उ ठउर तजि देइ क मजबूर किहन।

33तब इस्राएल क लोग बासान कइँती जाइवाली सड़क प जात्रा किहन। बासान क राजा ओग आपन फउज लिहस अउ इस्राएल क लोगन क मुकाबाला करइ निकरा। उ एद्रेइ नाउँ क पहँटा मँ ओनके खिलाफ लड़ा।

34मुला यहोवा मूसा स कहेस, "उ राजा स जिन सिबिरअ। मइँ तोहका ओका हरावइ देब। तू ओकर पूरी फउज अउ पहॅटा क पउब्या। तू ओकरे संग उहइ करा जउन तू एमोरी लोगन क राजा सिहोन क संग किहा ह।"

35एह बरे इस्राएल क लोगन ओग अउ ओकर फउज क हराया। उ सबइ ओका, ओकर बेटवन अउ ओकर सारी फउज क हराएन। तब इस्राएल क मनइयन ओकरे पूरे देस क कउनो क बिना जिउत छोड़इ क कब्जा कइ लिहन।"

बिलाम अउ मोअब क राजा

22 तब इस्राएल क मनइयन मोआब क समतल स होइ के यरदन नदी क पार यरीहो तलक जात्रा किहेन। 2-3सिप्पोर क पूत बालाक उ सब लखेस जेका इस्राएल क मनइयन एमोरी मनइयन क संग किहे रहेन। मोआब बहोतइ जियादा डेराइ ग रहा काहे की हुवाँ इस्राएल क बहोत मनई रहेन। मोआब इस्राएल क लोगन स बहोत ससान रहा।

4मोआब क राजा मिद्यान क नेता लोगन स कहेस, "मनइयन क इ बड़का झुण्ड हमरे चारिहुँ कइँती क सब चीज क वइसे ही बरबाद कइ देइ जइसे कउनो गइया खेते क घास चरि जात ह।"

इ टेमॅ सिप्पार क पूत बालाक मोआब क राजा रहा। 5उ कछू मनइयन क बोर क पूत बिलाम क बोलावइ बरे पठाएस। बिलाम फरात नदी क निअरे पतोर नाउँ क पहँटा मँ रहा। बालाक कहेस, "मनइयन क एक नवा रास्ट्र मिस्र स आवा ह। उ पचे ऍंतना जियादा अहइँ कि समूचइ प्रदेस मँ संचर सकत हीं। उ पचे ठीक हमरे निअरे सिबिर डाए अहइँ। 6आवा अउ इ मनइयन क संग भिड़इ मँ मोर मदद करा। उ पचे मोर ताकत स जियादा बरिआर ताकत वाला अहइँ। इ होइ सकत ह कि तब मइँ ऍंनका हराइ सकउँ। तब मइँ ओनका आपन देस छोड़इ क मजबूर कइ सकउँ। मइँ जानत अहउँ कि तू बड़की ताकत धरत ह। अगर तू कउनो मनई क आसीबिद देइ तउ उ आसीसित होइ, अगर तू कउनो मनई क सराप देइ तउ उ मनई सापित होइ।* एह बरे आवा अउ इ मनइयन क सराप देइ।"

7मोआब अउ मिद्यान क नेतन बालाम स मिलइ बरे गएन अउर आपन संग जादूइ सेवा क फीस भी लइ गएन। तब उ पचे, बालाक जउन कछू कहे रहा, ओसे कहेन।

अगर तू ... होइ इ उ वाचा क कइँती इसारा करत ह जउन परमेस्सर इब्राहीम क संग उत्पत्ति 12:3 मँ किहेस ह "मइँ ओका आसिस देब जउन तोहका आसिस देत ह, मइँ ओका सराप देब जउन तोहका सराप देत ह।"

8बिलाम ओनसे कहेस, "हिआँ रात भइ ठहरा। मइँ यहोवा
स बात करब अउर जउन जवाब, उ पचे मोका देइहीं, उ
तोहसे कहब।" एह बरे उ रात मोआबियन क नेता ओनके
संग ठहरेन।
9परमेस्सर बिलाम क लगे आवा अउ उ पूछेस, "तोहरे
संग इ सबइ कउन लोग अहइँ?"
10बिलाम परमेस्सर स कहेस, "मोआब क राजा सिप्पोर
क पूत बालाक एक संदेसा मोका देइ बरे ओनका पठए
अहइ।" 11सँदेसा इ अहइः मनइयन क एक ठु नवा रास्ट्र
मिस्र स आवा अहइ। उ पचे एँतना जियादा अहइँ कि
समूचइ देस मँ फइलि सकत हीं। एह बरे आवा अउ इ
मनइयन क खिलाफ कछू कहा। इ होइ सकत ह ओनसे
लड़इ मँ मइँ समर्थ होइ सकउँ अउ आपन देस तजि देइ क
ओनका मजबूर कइ सकउँ।"
12मुला परमेस्सर बिलाम स कहेस, "ओनके संग जिन
जा। तू ओनका सराप नाहीं देइ चाही, काहेकि उ आसीर्बाद
पाएस ह।"
13दूसर दिन बिलाम उठा अउ बालाक क नेता स कहेस,
"अपने देस क लउटि जा। यहोवा मोका तोहरे संग नाहीं
जाइ देइहीं।"
14एह बरे मोआबी नेता बालाक क लगे लउटि गएन
अउ ओसे इ बात किहेन। उ पचे कहेन, "बिलाम हम सबन
क संग आवइ स मना कइ दिहे अहइ।"
15एह बरे बालाक दूसर नेता लोगन क बिलाम क लगे
पठाएस। इ दाईं उ पहिली दाईं क अपेच्छा बहोत ढेर क
मनई पठाएस। अउर इ नेता लोग पहिली दाईं क अपेच्छा
जियादा सम्मान्न रहेन। 16उ सबइ बिलाम क निअरे गएन
अउ कहेनः "जिप्पार क पूत बालाक तोहसे कहत हः कृपा
कइके आपन क हिआँ आवइ स कउनो क रोकइ जिन
द्या। 17जउन मइँ तोहसे माँगत अहउँ जदि तू उ करब्या तउ
मइँ तोहका बहोत जियादा भुगतान करब। आवा अउ इ
मनइयन क खिलाफ मोरे बरे कछू कहा।"
18मुला बिलाम उ मनइयन क जवाब दिहस। उ कहेस,
"मोका यहोवा मोरे परमेस्सर क आग्या मानइ चाही। मइँ
ओकरे हुकुम क खिलाफ कछू नाहीं कइ सकत हउँ। मइँ
बड़का-छोटका कछू भी तब तलक नाहीं कइ सकत जब
तलक परमेस्सर नाहीं कहत कि मइँ ओका कइ सकत हउँ।
अगर राजा बालाक आपन सोना चाँदी भी सुन्दर घर क भी
दइ देइ तउ भी मइँ आपन परमेस्सर यहोवा क हुकुम क
खिलाफ कछू नाहीं करब। 19मुला तू भी ओन दूसर लोगन
क तरह आज क रात हिआँ ठहर सकत ह। अउ रात मँ मइँ
जान जाब कि यहोवा मोहसे क कहवावइ चाहत ह।"
20उ रात परमेस्सर बिलाम क लगे आवा। परमेस्सर
कहेस, "इ लोग अपने संग लइ जाइ बरे कहइ खातिर फुन
आवा अहइँ। एह बरे तू ओनके संग जाइ सकत ह मुला
सिरिफ उहइ करा जउन मइँ तोहसे करइ क कहउँ।"

बिलाम अउ ओकर गदहा

21दूसरे भिन्सारे बिलाम उठा अउ अपने गदहा प काठी
धरेस। तब उ भी मोआबी नेता लोगन क संग गवा।
22बिलाम आपन गदहा प सवार रहा। ओकरे नउकरन मँ स
दुइ ठु ओकर संग रहेन। जब बिलाम जात्रा करत रहा तउ
परमेस्सर ओन प कोहाइ गवा। एह बरे यहोवा क सरगदूत
बिलाम क समन्वा सड़के प खड़ा होइ गवा। सरगदूत बिलाम
क रोकइ जात रहा।"
23बिलाम क गदहा यहोवा क सरगदूत क सड़क प खड़ा
देखेस। सरगदूत क हाथ मँ एक तरवार रही। एह बरे सड़क
स मुड़ा अउ खेत मँ चला गवा। बिलाम सरगदूत क नाहीं
लख सकत रहा। एह बरे उ गदहा प बहोत कोहान। उ
गदहा क पीटेस अउ ओका सड़क प लउटइ क मजबूर
किहस।
24पाछे यहोवा क सरगदूत अइसी जगह प खड़ा भवा
जहाँ सड़क संकरी होइ गइ रही। इ दुइ अंगूर क बगियन
क बीच क ठउर रहा। हुवाँ सड़क क दुइनउँ ओर देवार
रहिन। 25गदहा यहोवा क सरगदूत क फुन निहारेस। एह बरे
गदहा एक देवारे स चिपकिके निकरा। एँहसे बिलाम क गोड़
देवारे स पिचक गवा। एह बरे आपन गदहा क फुन स
पीटेस। 26एँकरे पाछे यहोवा क सरगदूत दूसर ठउर प खड़ा
भवा। इ दूसर जहग रही जहाँ सड़क सँकराइ ग रही। हुवाँ
कउनो अइसी जगह नाहीं रही जहाँ गदहा मुड़ सकइ।
27गदहा यहोवा क सरगदूत क लखेस। एह बरे गदहा
बिलाम क आपन पीठ प लइके जमिन प बइठि गवा।
बिलाम गदहा पर बहोतइ कोहान रहा। एह बरे उ ओका
लाठी स पीटि डाएस।
28तब यहोवा गदहा क बोलइवाला बनाएस। गदहा बिलाम
स कहेस, "तू मोहे प काहे कोहान अहा। मइँ तोहरे संग
का किहउँ ह? तू मोका तीन दाईं मार्‍या ह।"
29बिलाम गदहा क उत्तर दिहस, "तू मोर मज़ाक उड़ाएस
ह, तू मोका गलत ठहराएस ह। जदि मोरे हाथे मँ अबहिं
सिरिफ एक तरवार होत तउ मइँ अबहिं तोहका मारि डाइत।"
30मुला गदहा बिलाम स कहेस, "मइँ तोहार आपन गदहा
अहउँ, जेह प तू आपन सारा जिन्नगी सवार भवा ह। अउर
तू जानत ह कि मइँ अइसा एँकरे पहिले कबहुँ नाहीं किहेउँ
ह।"
"इ सही अहइ।" बिलाम कहेस।
31तब यहोवा बिलाम क सड़क प खड़ा सरगदूत क
लखइ दिहस। बिलाम सरगदूत अउ ओकर तरवारि निहारेस।
तब बिलाम निहुरिके पैलगी किहस।
32तब यहोवा क सरगदूत बिलाम स पूछेस, "तू आपन
गदहा क तीन दाईं काहे मार्‍या ह? मइँ तोहका रोकइ बरे
हिआँ आवा अहउँ। काहेकि तोहार जात्रा मोर आदेस क
खिलाफ अहइ। 33गधा मोका लखेस। अगर गदहा न मुड़ा
होत तउ मइँ तोहका मारि डाए होतेउँ। मुला मोका तोहरे
गदहा क नाहीं मारइ क रहा।"
34तब बिलाम यहोवा क सरगदूते स कहेस, "मइँ पाप
किहेउँ ह। मइँ इ नाहीं जानत रहेउँ कि तू सड़क प खड़ा
अहा। अगर मइँ बुरा करत अहउँ तउ मइँ घर लउटि जाब।"
35यहोवा क सरगदूत बिलाम स कहेस, "नाहीं, तू इ
मनइयन क संग जाइ सकत ह। मुला होसियार रहा। सिरिफ
उ बातन क कहा जउन मइँ तोहसे कहइ बरे कहुब।" एह

बरे बिलाम बालाक क जरिये पठए गए नेता लोगन क संग
गवा।
36बालाक सुनेस कि बिलाम आवत अहइ। एह बरे
बालाक ओसे मिलइ बरे अर्नोन नदी क निअरे मोआबी सहर
गवा। इ ओकरे देस क उत्तरी छोरे प रहा। **37**जब बालाक
बिलाम क लखेस तउ उ बिलाम स कहेस, "मइँ एकरे
पहिले आप स आवइ क कहेउँ रहा अउर इ भी बताएउँ
रहा कि इ बहोत जियादा महत्व स भरा बाटइ। आप हमरे
लगे काहे नाहीं आएन? का मइँ तोहका धन देइ क जोग्य
नाहीं अहइ?"
38मुला बिलाम उत्तर दिहस, "मइँ अब तोहरे लगे आवा
अहउँ।" मुला मइँ, जउन तू करइ क कहे रहा ओहमाँ स,
साइद, कछू भी न कइ सकउँ। मइँ सिरिफ उहइ बातन
तोहसे कइ सकत हउँ जउन यहोवा परमेस्सर मोसे कहइ क
बताएस ह।"
39तब बिलाम बालाक क किर्यथूसोत गवा। **40**बालाक
कछू गोरु अउ कछू भेड़िन ओकरे भेंट क रूप मँ मारेस।
उ कछू गोस बिलाम अउ कछू ओकरे संग क नेता लोगन
क दिहस।
41दूसरे भिन्सारे बालाक बिलाम क बमोत बाल नगर लइ
गवा। उ सहर स उ पचे इस्राएली मनइयन क कछू सिबिर
क लखि सकत रहेन।

बिलाम क पहिली भविस्सबाणी

23 बिलाम कहेस, "हिआँ सात ठु वेदी बनावा। अउ
मोरे बरे सात ठु बर्धा अउ सात भेड़ा तइयार करा।"
2बालाक उ सब किहस जउन बिलाम कहेस। तब बिलाम
अउ बालाक हर एक वेदी प एक ठु बर्धा अउ एक भेड़ा
मारेस।
3तब बिलाम बालाक स कहेस, "इ वेदी क लगे ठहरा।
मइँ दूसर जगह जाब। तब साइद यहोवा मोरे लगे अइहीं
अउर बतइहीं कि मइँ का कहउँ।" तब बिलाम एक ऊँचा
जगह प गवा।
4परमेस्सर उ ठउर प बिलाम क लगे आवा। अउर
बिलाम कहेस, "मइँ सात ठु वेदी तइयार किहेउँ ह। अउर
मइँ हर एक वेदी प एक ठु बर्धा अउ एक भेड़ा मारेउँ ह।"
5तब यहोवा बिलाम क इ बताएस जउन ओका कहइ
चाही। तब यहोवा कहेस, "बालाक क लगे जा अउ इ
बातन क कहा जउन मइँ कहइ बरे बताएउँ ह।"
6एह बरे बिलाम बालाक क लगे लउटा। बालाक तब
तलक वेदी क निचके खड़ा रहा। अउर मोआब क सबहिं
नेता लोग ओकरे संग खड़ा रहेन। **7**तब बिलाम इ सब बातन
क कहेस:
मोआब क राजा बालाक मोका अरम स बोलाएस पूरबिया
पहाड़न स। बालाक मोसे कहेस: "आवा अउ मोरे बरे याकूब
क खिलाफ कहा, आवा अउ इस्राएलक क लोगन क
खिलाफ कहा।"
8परमेस्सर ओन मनइयन क खिलाफ नाहीं अहइ, एह बरे
मइँ भी ओनके खिलाफ नाहीं कहि सकत हउँ। यहोवा
ओनका बुरा होइ बरे नाहीं कहेस ह। एह बरे मइँ भी वइसा
नाहीं कइ सकत हउँ।
9मइँ ओन सबन क पहाड़े स लखत हउँ। मइँ अइसे
मनइयन क लखत हउँ जउन अकेले रहत हीं। इ मनइयन
कउनो दूसरे रास्ट्र क अंग नाहीं अहइँ।
10कउन याकूब क मनइयन क गन सकत ह? उ सबइ
बालू क कणे क तरह ढेर क बाटेन। इस्राएल क मनइयन
क एक चउथाई क भी कउनो गन नाहीं सकत। मोका एक
ठु नीक मनई क तरह मरइ द्या, मोका ओन मनइयन क
तरह मरइ द्या।
11बालाक बिलाम स कहेस, "तू हमरे बरे का किहा ह?
मइँ तोहका आपन दुस्मनन प सारप देइ बरे बोलाएउँ रहा। तू
आपन सबन क आसीर्बाद दिहा ह।"
12मुला बिलाम जवाब दिहस, "यहोवा मोहसे जउन कहइ
क चाहत ह ओका मोका जरुर कहइ चाही।"
13तब बालाक ओसे कहेस, "तउ मोरे संग कउनो दूसर
ठउर प आवा। जहाँ तू ओन लोगन क लखि सकत ह।
मुला तू ओनके एक हिंसा क लखि सकत ह, सबहिं क
नाहीं लखि सकत ह। अउर उ ठउर स मोरे बरे ओनका
सराप दइ सकत ह।" **14**एह बरे बालाक बिलाम क जोफिम
क मइदान* मँ लइ गवा। इ पिसगा पहाड़े क चोटी प रहा।
बालाक उ ठउर प सात वेदी बनाएस। तब बालाक हर एक
वेदी प बलि क रूप मँ एक ठु बर्धा अउ एक भेड़ा मारेस।
15एह बरे बिलाम बालाक स कहेस, "इ वेदी प खड़ा
रहा। मइँ उ ठउरे प परमेस्सर स भेंटइ जाब।"
16तउ यहोवा बिलाम क लगे आवा अउ उ बिलाम क
बताएस कि उ का कहइ। तब यहोवा बिलाम क बालाक क
लगे लउटि आवइ अउ ओन बातन क कहइ बरे कहेस।
17एह बरे बिलाम बालाक क लगे गवा। बालाक तब वेदी
क लगे खड़ा रहा। मोॲब क नेता ओकरे संग रहेन।
बालाक बिलाम क आवत भवा लखेस अउ ओसे पूछेस,
"यहोवा का कहेस ह?"

बिलाम क दूसर भविस्सबाणी

18तब बिलाम इ बातन क कहेस: "खड़ा ह्वा अउ मोर
बात सुना। सिप्पार क पूत बालाक! मोरउ सुना।
19परमेस्सर मनई नाहीं; उ लबार न बोली। परमेस्सर मनई
स पइदा पूत नाहीं, ओकर फइसला बदली नाहीं। अगर
यहोवा कहत ह कि उ कछू करी तउ उ ओका जरूर करी।
जदि यहोवा बचन देत ह तउ आपन बचन क जरूर पूरा
करी।
20यहोवा मोका ओनका आसीर्बाद देइ क हुकुम दिहेस ह।
यहोवा ओनका आसीर्बद दिहेस ह, एह बरे मइँ ओका नाहीं
बदल सकित।
21परमेस्सर याकूब क मनइयन मँ कउनो दोख नाहीं
पाएस। इस्राएल क लोगन मँ कउनो पाप नाहीं रहा। यहोवा
ओनकइ परमेस्सर अहइ अउ ओनके संग बाटइ। महाराजा
क पुकार ओनके संग अहइ।

जोफिम क मइदान पहाड़ा पइ उ जगह जहाँ स चोकीदार दूर क चिजियन क लख सकत ह।

22परमेस्सर ओनका मिस्र स बाहेर लिआवा। इस्राएल क
उ सबइ लोग जंगली साँड़े क तरह बलवान अहइँ।
23कउनो ताकत नाहीं जउन याकूब क लोगन क हराइ
सकइ। कउनो जादू इस्राएल क लोगन क नाहीं रोकइ
सकत ह। याकूब क बारे मँ अउ इस्राएल क लोगन क
बारे मँ भी मनइयन इ बात कहब्या, 'परमेस्सर जउन महान
काम किहे अहइ ओन पइ धियान द्या।'
24मनई सेर क नाईं सक्तीवाला होइहीं। उ सबइ सेर जइसे
लड़िहीं। अउर इ सेर कबहुँ नाहीं आराम करी, जब तलक उ
सिकार क खाइ नाहीं लेअत। जब तलक उ ओनकइ खून
नाहीं पिअत जउन जुद्ध मइँ मारा गवा ह।"

25तब बालाक बिलाम स कहेस, "तू नाहीं ओका सराप
द्या अउर नाहीं ओका आसीर्बाद।"
26बिलाम जवाब दिहस, "मइँ पहिले तोहसे कहि दिहेउँ ह
कि मइँ सिरिफ उहइ करब जउन यहोवा मोका करइ बरे
कहत ह।"
27तब बालाक बिलाम स कहेस, "एह बरे तू मोर संग
दूसर ठउर प चला। साइद कि ओनका उ जगह स सराप
देइ स परमेस्सर खुस होइ।" 28एह बरे बालाक बिलाम क
पेऑर पहाड़े प लइ गवा। इ पहाड़ रेगिस्तान मँ दिखाँइ देत
रहा।
29बिलाम कहेस, "हिआँ सात वेदी बनावा। तब सात ठु
साँड़ अउ सात भेड़ा क वेदी प बलि बरे तइयार करा।"
30बालाक उहइ किहस जउन बिलाम कहेस। बालाक बलि
क रूप मँ हरेक वेदी प एक ठु साँड़ अउ एक भेड़ा भारेस।

बिलाम क तीसरी भविस्सबाणी

24 बिलाम क मालूम भवा कि यहोवा इस्राएल क
आसीर्बाद देइ चाहत हीं। एह बरे बिलाम कउनो
किस्म क जादू टोना क प्रयोग कइके ओका बदलइ नाहीं
चाहेस। मुला बिलाम मुड़ा अउ उ रेगिस्तान कइँती लखेस।
2बिलाम रेगिस्तान क पार तलक लखेस अउ इस्राएल क
सबहिं लोगन क लखेस। उ पचे आपन अलग-अलग
परिवार समूहन क पहँटा मँ सिबिर डाए भए रहेन। तब
परमेस्सर क आतिमा बिलाम प उतरी। 3अउर बिलाम इ
शब्दन क बोला:

"बोर क पूत बिलाम क सँदेसा अहइ जउन मइँ
साफ-साफ निहारत हउँ उहइ क बारे मँ बोलत हउँ
4"मइँ इ सँदेसा क परमेस्सर स सुनेउँ ह। मइँ लखेउ हँ
जउन सर्वसक्तीमान परमेस्सर मोका देखॉएस ह। मइँ मूँड़ि
निहुराइके बतावत हउँ जउन मइँ साफ-साफ देखॅत हउँ।
5"याकूब क मनइयो! तोहार तम्बू बहोतइ सुन्नर अहइँ!
इस्राएल क मनइयो! तोहार घर बहोतइ सुन्नर अहइँ!
6"तोहार तम्बू बगिया क नाईं अहइँ जउन नदी क आगे
लगावा गवा ह। तोहार घर उ बगिया क नाईं बाटेन जउन
नदी क किनारे बाढ़त रहत ह। तोहार घर मीठी महकउआ
झाड़ी क नाईं अहइँ जेका यहोवा उगाए बाटइ। तोहार घर
सुन्नर बिरवा क नाईं अहइँ जउन पानी स बाढ़त रहत हीं।
7"तोहका पिअइ क पानी हमेसा मिलत रही। तोहका खूब
इफरात पानी बिआ क बाढ़इ बरे मिली। तोहार सबन क राजा
अगग स बड़ा होइ। तोहरे राज्ज क बड़की महिमा होइ।
8"परमेस्सर ओन लोगन क मिस्र स बाहेर लिआवा। उ
एँतना बरिआर सक्तीवाला अहइ जेतँना एक ठु अनेर साँड़। उ
पचे आपन सबहिं दुस्मनन क नास कइ देब। उ ओकर
हड्डियन क तोड़ देब अउ आपन तीरन स ओनका भेद देब।
9"उ सबइ सेर क नाईं अहइँ जउन गुटुर-मुटुर बइठा
अहइ अउर सोअत अहइ। कउनो मनई ओका जगावइ नाहीं
चाहत। कउनो मनई जउन तोहका आसीर्बाद देइ, असीस
पाइ। अउर कउनो मनई जउन तोहका सराप देइ उ पचे
सराप पाइ।"

10तब बिलाम प बालाक बहोत कोहान। बालाक बिलाम
स कहेस, "मइँ तोहका आपन दुस्मनन पइ सराप देइ बरे
हिआँ बोलाएउँ रहा। मुला तू ओनका आसीर्बाद दिहे अहा। तू
ओनका तीन दाईं आसीर्बाद दिहे अहा। 11अब बिदा ह्वा अउ
घरे जा। मइँ कहेउँ रहा कि मइँ तोहका बहोत जियादा अमीर
बनाउब। मुला यहोवा तोहका इनाम पावइ स रोक रखे
बाटइ।"
12बिलाम बालाक स कहेस, "का मइँ ओन संदेसवाहकन
क जेनका तू मोरे लगे पठाएस रहा नाहीं कहेस रहा:
13'बालाक आपन सोना चाँदी स भरा आपन घर मोका दइ
सकत ह। मुला मइँ तब भी सिरिफ उहइ बात कहि सकत
हउँ जेका कहइ बरे यहोवा हुकुम दिहे अहइ। मइँ नीक या
बुरा खुद कछू नाहीं कइ सकत हउँ। मोका उहइ करइ चाही
जउन यहोवा क हुकुम होइ।' का तोहका याद नाहीं कि मइँ
इ बातन तोहरे मनइयन स कहेउँ। 14अब मइँ आपने लोगन
क बीच जात अहउँ; मुला मइँ तोहका एक चिताउनी देब।
मइँ तोहसे कहब कि भविस्स मँ इस्राएल क इ लोग तोहरे
संग अउ तोहरे लोगन क संग का करिहीं।"

बिलाम क आखिरी भविस्सबाणी

15तब बिलाम इ बातन क कहेस:
"बोर क पूत बिलाम क इ सब्द अहइँ: इ सबइ सब्द उ
मनई क अहइँ जउन चीजन क साफ साफ लखि सकत ह।
16मइँ परमेस्सर स इ सँदेसा सुनेउँ ह। मइँ गियान पाएउँ
ह जउन सर्वोच्य परमेस्सर दिहेस ह जेका सर्वसक्तीमान
परमेस्सर दिहेस ह। मइँ उ निहारेउँ ह। मइँ दण्डवत कइके
कहत हउँ जउन मइँ निहारेउँ ह।
17"मइँ लखत अहउँ कि यहोवा आवत बा, मुला अबहिं
नाहीं। मइँ ओकर अवाई लखत हउँ, मुला हाली नाहीं।
याकूब क परिवार स एक तारा आई। इस्राएल क मनइयन मँ
स एक नवा राजा आई। उ राजा मोआबी मनइयन क मूँड़
खूँद देइ। उ सेथ क सबहिं पूतन क मूँड़न क चकना-चूर
कइ देइ।
18इस्राएल ताकतवर होइ! उ एदोम क राज्ज पाई। उ
आपन दुस्मन सेइर क राज्ज पाई।
19"उ याकूब क परिवार स सासन करब। सहर मँ उ
सबन लोगन क नास करी जउन जिअत बचा भवा बाटेन।"

20तब बिलाम आपन अमालेकी मनइयन क लखेस अउ इ बातन क कहेस:

“सब रास्ट्रन मँ स अमालेकी सबन त जियादा बरिआर रहा। मुला अमालेकी भी बरबाद कइ दीन्ह जाइ!”

21तब बिलाम केनित मनइयन क लखेस अउ ओसे इ सब बात किहेस:

“तू सबइ पतियात ह कि तोहार देस उहइ तरह सुरच्छित बा, जइसे कउनो ऊँचे पहाड़े प एक चिरइया क झोंझ।

22“मुला तू कनित लोगो नस्ट होइ जाब्या जइसे यहोवा केन क नास किहेस ह। अससूर तोहका बन्दी बनाइ लेइ।”

23तब बिलाम इ बतिया कहेस:

“कउनो मनई नाहीं जी सकत जब परमेस्सर अइसा करत ह।

24कित्तियन क घाट स जहाज अइहीं। उ सबइ अससूर अउ एबर क हरइहीं। मुला तब सब जहाज नस्ट कइ दीन्ह जइहीं।”

25तब बिलाम उठा अउ आपन घर लउटि गवा अउ बालाक भी आपन राहे चला गवा।”

पेऑर मँ इस्राएल

25 इस्राएल क लोग अबहिं सित्तीम क इलाका मँ सिबिर डाए रहेन। उ समई इस्राएली मनसेधूअन मोआबी मेहररुअन क संग वेस्यावृत्ति करइ लागेन। 2-3मोआबी मेहररुअन मनसेधुअन क आवइ अउ आपन मिथ्य देवतन क भेंट चढ़ावइ मँ मदद करइ क न्यौतेन। इस्राएली लोगन हुवाँ भोजन किहन अउ देवतन क पूजन। उ ठउरे प इस्राएल क लोग इ तरह लबार देवता-पोर क बाल क पूजा सुरु किहन। यहोवा इ लोगन प किरोध किहेस।

4यहोवा मूसा स कहेस, “इ मनइयन क नेता लोगन क लिआवा। ओनका धूप मँ यहोवा क समन्वा लट्काइ द्या। तब यहोवा इस्राएल क मनइयन प न कोहाइ।”

5तउ मूसा इस्राएल क जजन स कहेस, “तू पचन मँ स हर एक क आपन परिवार समूह मँ ओन लोगन क हेरिके निकारब अहइ जउन मनइयन क पेऑर क लबार देवता बाँल क आराधना खातिर अगुअइ किहन ह। तब तोहका उ मनइयन क जरुर मारि डावइ चाही।”

6उ समइ मूसा अउ सबहिं इस्राएल क नेतन मिलापवाला तम्बू क दुआरे प एक संग बटुरा रहेन। एक इस्राएली मनई एक मिद्यानी मेहरारु क आपन परिवारे मँ आपन घरे लिआवा। उ इ हुवाँ किहेस जहाँ ओका मूसा अउ सारे देवता लखि सकत रहेन। मूसा अउ नेतन मिलापवाला तम्बू क समन्वा रोवत रहेन। 7याजक हारून क पोता अउ एलीआज़ार क पूत पीनहास ऍका लखेन। एह बरे बइठक क तजि दिहस अउ आपन भाला उठाएस। 8उ इस्राएली मनई क पाछे पाछे ओकरे तम्बू मँ गवा। तब उ इस्राएली मनसेधू अउ मिद्यानी मेहरारु क आपन भाला स मारि डाएस। उ तम्बू मँ आपन भाला क दुइनउँ क बदन स भोंकि के पार कइ दिहस। उ टेमॅ इस्राएल क लोगन मँ एक बड़की बेरामी सँचरी रही। मुला जब पीनाहास इ दुइनउँ मनइयन क मारि डाएस तउ बेरामी रुकि गइ। 9इ बेरामी स 24,000 मनई मरि गवा रहेन।

10यहोवा मूसा स कहेस, 11“याजक हारून क पोता अउ एलीआज़ार क पूत फिनहस इस्राएल क लोगन क मोरे किरोध स बचाइ लिहस। उ लोगन क बीच मँ मोर बरे व्यग्रसील रहा। एह बरे मइँ लोगन क आपन व्यग्रता मँ नाहीं मारब्या। 12एह बरे फिनहम स कहा कि मइँ ओकरे संग एक सान्ति क करार करइ चाहत हउँ। 13उ अउ ओकरे पाछे बंसे मँ जन्मा मोरे संग एक करार करिहीं। उ पचे सदा याजकन रइहीं। काहे की उ आपन परमेस्सर क सम्मान बरे व्यग्रसील रहा उ इस्राएल क लोगन क पाप बरे प्रायस्चित किहेस।”

14जउन इस्राएली मनई मिद्यानी मेहरारु क संग मारा गवा रहा ओकर नाउँ ज़िम्रि रहा। उ साल क पूत रहा। उ सिमोन क परिवार समूह क नेता रहा। 15अउर मिद्यानी मेहरारु क मारी गइ रही ओकर नाउँ कोजबी रहा। उ जूर क बिटिया रही। उ अपने परिवार क मुखिया रहा। अउर उ मिद्यानी परिवार समूह क नेता रहा।

16यहोवा मूसा स कहेस, 17“मिद्यानी लोग तोहार दुस्मन अहइँ। तोहका ओनका मारि डावइ चाही। 18उ पचे पहिले ही तोहका आपन दुस्मन बनाइ लिहे अहइँ। उ पचे तोहका ललचाएस अउ तू आपन लबार देवतन क पोर मँ पूजवाया। उ पचे तोहमाँ स एक मनई क कोजबी क संग वेस्यावृत्ति क अपराध करइ बरे बहकाएस। उ मिद्यानी नेता क बिटिया रही। मुला इहइ मेहरारु तब मारी गइ जब इस्राएली लोगन मँ महामारी फइली। इ महामारी एह बरे सँचर गइ काहेकि लोगन क संग लबार देवता बाल-पेऑर क आराधना करइ बरे छल कीन्ह ग रहा।”

दूसर जन-गणना

26 बड़की बेरामी क पाछे, यहोवा मूसा अउ हारून क पूत याजक एलीआज़ार स बात किहस। 2उ कहेस, “सबहिं इस्राएली लोगन क गनती करा। हर एक परिवार क लखा अउ बीस बरिस या ओसे जियादा उमर क हर एक मनसेधू क गना जउन इस्राएल क फउज मँ सेवा करइ जोग्ग अहइँ।”

3इ टेमॅ लोग मोआब क मइदानन मँ सिबिर डाए रहेन। इ जारिको स लइके यरदन नदी क उस पार तलक बसा भवा रहा। एह बरे मूसा अउ याजक एलीआज़ार मनइयन स बात किहन। उ पचे कहेन, 4“तोहका बीस बरिस या ओसे जियादा उमर क हर एक मनसेधू क गनइ चाही। इहइ उ हुकुम रहा जउन यहोवा मूसा क मानइ बरे दिए रहा।” हिआँ ओन इस्राएल क लोगन क सूची बाटइ जउन मिस्र स आए रहेन:

5इ सबइ रूबेन परिवार क लोग रहेन। (रूबेन इस्राएल क पहिलौटी क पूत रहा) इ सबइ परिवार रहेन:

हनोक - हनोकी परिवार
पल्लू - पल्लियत परिवार
6हेस्रोन - हेस्रोनी परिवार।
कर्मी - कर्मी परिवार।

7रूबेन क परिवार समूह मँ उ सबइ परिवार रहेन। जोड़ मँ सब 43,730 मनसेधू रहेन।

8पल्लू क पूत एलीआब रहा। **9**एलीआब क तीन पुत्र रहेन-नमूएल, दातान अउ अबीराम। इ याद राखा कि दातान अउ अबीराम दुइ नेता रहेन जउन मूसा अउ हारून क खिलाफ होइ गएन। उ पचे कोरह क मनवइया रहेन अउ कोरा यहोवा क बिरोधी होइ गवा। **10**उहइ टेमॅ रहा जब धरती फाटि गइ अउ कोरह अउर ओकरे सबहिं मनवइयन क धरती लील लिहेस। सब 250 मनसेधू मरि गएन। इ इस्राएल क सब मनइयन बरे एक संकेत अउ चिताउनी रही। **11**मुला कोरह क परिवार क दूसर लोग नाहीं मरेन।

12सिमोन क परिवार समूह क इ परिवार रहेन।

नमूएल - नमूएल परिवार
यामीन - यामीन परिवार
याकीन - याकीन परिवार
13जेरह - जेराही परिवार
साऊल - साऊल परिवार।

14सिमोन क परिवार समूहन मँ उ सबइ परिवार रहेन। एहमाँ कुल 22,200 मनसेधू रहेन।

15गाद क परिवार दलन मँ इ सबइ परिवार रहेनः

सपोन - सपोन परिवार
हाग्गी - हाग्गी परिवार
सुनी - सुनी परिवार
16ओजनी - ओजनी परिवार
एरी - एरी परिवार
17अरोद - अरोद परिवार
अरेली - अरेली परिवार

18गाद परिवार समूह क उ सबइ परिवार रहेन। एहमाँ कुल 40,500 मनसेधू रहेन।

19-20यहूदा परिवार समूह क इ सबइ परिवार रहेनः

सेला - सेलनी परिवार
पेरेस - पेरेस परिवार
जेरह - जेरह परिवार यहूदा क दुइ पूत एर अउ ओनान-कनान मँ मर गए रहेन।
21पेरेस क इ सबइ परिवार रहेनः
हेस्रोन - हेस्रोनी परिवार
हामूल - हामूल परिवार

22यहूदा क परिवार समूह क उ सबइ परिवार रहेन। ऍनके कुल मनसेधुअन क गनती 76,500 रही।

23इस्साकर क परिवार समूह क इ सबइ परिवार रहेनः
तोला - तोला परिवार
पुव्वा - पुव्वा परिवार
24यासूब - यासूब परिवार
सिम्रोन - सिम्रोन परिवार

25इस्साकार परिवार समूह क इ सबइ परिवार रहेन। एहमाँ कुल मनसेधुअन क गनती 64,300 रही।

26जबूलून क परिवार समूह क इ सबइ परिवार रहेनः
सेरेद - सेरेद परिवार
एलोन - एलोन परिवार
यहलेल - यहलेल परिवार

27जबूलून क परिवार समूह क उ सबइ परिवार रहेन। एहमाँ कुल मनसेधुअन क गनती 60,500 रही।

28यूसुफ क दुइ पूत मनस्से अउ एप्रैम रहेन। हर एक पूत आपन परिवार क संग परिवार समूह बन गवा। **29**मनस्से क परिवार मँ इ सबइ रहेनः

माकीर - माकीर परिवार। (माकीर गिलाद क बाप रहा।)
गिलाद - गिलाद परिवार
30गिलाद क परिवार क इ सबइ रहेनः
ईएजेर - ईएजेर परिवार
हेलेक - हेलेकी परिवार
31अस्रीएल - अस्रीएली परिवार
सेकेम - सेकेमी परिवार
32समीदा - समीदा परिवार
हेपेर - हेपेरी परिवार
33हेपेर क पूत सलोफाद रहा। मुला ओकर कउनो पूत नाहीं रहा। सिरिफ बिटिया रही। ओकरी बिटियन क नाउँ महला, नोआ, होग्ला, मिल्का अउ तिर्सा रहेन।

34मनस्से परिवार समूह क इ सबइ परिवार रहेन। एहमाँ कुल मनसेधुअन 52,700 रहेन।

35एप्रैम क परिवार समूह क इ सबइ परिवार रहेनः
सूतेलह - सूतेलही परिवार
बेकरे - बेकरी परिवार
तहन - तहनी परिवार

36एरान सुतेलह परिवार क रहा। ओकर परिवार एरनी रहा।

37एप्रैम क परिवार समूह मँ उ सबइ परिवार रहेन। कुल मनसेधुअन क गनती 32,500 रही। उ पचे अइसे सब लोग रहेन जउन जौसेफ क परिवार समूह क रहेन। **38**बिन्यामीन क परिवार समूह क परिवार इ सबइ रहेनः

बेला - बेला परिवार
असबेल - असबेली परिवार
अहीरम - अहीरमी परिवार
39सपूपाम - सपूपाम परिवार
हूपाम - हुपामी परिवार
40बेला क परिवार मँ इ सबइ रहेनः
अर्द - अर्दा परिवार
नामान - नामानी परिवार

41बिन्यामीन क परिवार समूह क इ सबइ परिवार रहेन।
एहमाँ मनइयन क कुल गनती 45,600 रही। 42दान क
परिवार समूह मँ इ सबइ परिवार रहेन:

सूहाम - सूहामी परिवार समूह।

दान क परिवार समूह स उ परिवार समूह रहा। 43सुहमीत
परिवार-दल मँ बहोत स परिवार रहेन। एहमाँ मनसेधुअन क
गनती 64,400 रही। 44आसेर क परिवार समूह क इ सबइ
परिवार रहेन:

यिम्ना -यिम्नी परिवार
यिस्त्र - यस्त्री परिवार बरीआ-बरीआ परिवार।
45बरीआ क इ सबइ परिवार अहइँ:
हेबेर - हेबेरी परिवार
मल्कीएल - मल्कीएली परिवार।

46(आसेर क एक बिटिया सेरा नाउँ क रही।) 47आसेर
क परिवार समूहँ मँ उ सबइ परिवार रहेन। एहमाँ मनसेधुअन
क गनती 53,400 रही।

48नेपताली क परिवार समूह क इ सबइ परिवार रहेन:
यहसेल - यहसेली परिवार
गूनी - गुनी परिवार
49येसेर - येसेरी परिवार
सिल्लेम - सिल्लेमी परिवार

50नपताली क परिवार समूह क उ सबइ परिवार रहेन।
एहमाँ मनसेधुअन क कुल गनती 45,400 रही। 51इ तरह
इस्राएल क कुल मनसेधुअन क गनती 6,01,730 रही।
52यहोवा मूसा स कहेस, 53“हर एक परिवार क धरती
दीन्ह जाइ। इ उहइ प्रदेस अहइ जेकरे बरे मइँ बचन दिहेउँ
ह। हर एक परिवार समूह ओन मनइयन बरे ढेर क धरती
पाइ जइहीं जेनका गना गवा। 54बड़कवा परिवार समूह
जियादा भुइयाँ पाई अउ छोटा परिवार समूह कमती भुइयाँ
पाई। मुला हर एक परिवार समूह क भुइयाँ मिली, जेकरे बरे
मइँ बचन दिहेउँ ह। अउर जउन भुइयाँ क उ पचे पइहीं। उ
ओनके गनी भइ गनती क बराबर होइ। 55हर एक परिवार
समूह क पाँसा डाइ के आधार प तय कइके धरती दीन्ह
जाइ। अउर उ पहँटा क उहइ नाउँ होइ जउन उ परिवार
समूह क होइ। 56उ पहँटा जेका मइँ लोगन क देइ क बचन
दिहेउँ ह, ओकरे बपोती मँ होइ। इ बड़के अउ छोटके
परिवार समूह क दीन्ह जाइ। तय करइ बरे तोहका पाँसा
फेंकइ क होइ।”
57लेवी क परिवार समूह भी गना गवा। लेवी क परिवार
समूह क इ परिवार अहइँ:

गेर्सोन - गेर्सोन परिवार
कहात - कहात परिवार
मरारी - मरारी परिवार

58लेवी क परिवार समूह स इ भी परिवार रहेन:
लिब्नी परिवार
हेब्रानी परिवार
महली परिवार
मुसी परिवार कहात परिवार

अम्राम कहात क परिवार समूह क रहा। 59अम्राम क
मेहरारु क नाउँ योकेबेद रहा। उ भी लेवी क परिवार समूह
क रही। ओकर जन्म मिस्र मँ भवा रहा। अम्रान अउ
याकेबेद क पूत हारून अउ मूसा रहेन। ओनकइ एक बिटिया
मिरियम भी रही।
60हारून नादाब, अबीहू, एलीआज़ार अउ इतामार क बाप
रहा। 61मुला नादाब अउ अबीहू मर गएन। काहे की उ पचे
यहोवा क उ आगी स भेंट चढ़ाएन जउन ओनके बरे
ओनकइ अधिकार नाहीं रहा।
62लेवी परिवार समूह क सबहिं मनइयन क गनती
23,000 रही। मुला इ सबइ इस्राएल क दूसर लोगन क
संग नाहीं गना गएन उ धरती नाहीं पाइ सकेन जेका दूसर
लोगन क देइ क बचन यहोवा दिहे रहा।
63मूसा अउ याजक एलीआज़ार इ सबहिं मनइयन क
गनेन। उ पचे इस्राएल क लोगन क मोआब क मइदान मँ
गनेन। इ यरीहो स यर्दन नदी क पार रहा। 64बहोत टेमॅ
पहिले मूसा अउ याजक हारून इस्राएल क मनइयन क
रेगिस्तान, मँ गने रहेन। मुला उ सबइ लोग मरि गवा रहेन।
मोआब क मइदान मँ मूसा जउन लोगन क गनेन। उ पचे
पहिले गना गए भए मनइयन स अलग रहेन। 65इ एह बरे
भवा कि यहोवा इस्राएल क लोगन स इ कहे रहा कि उ
सबइ रेगिस्तान मँ मरिहीं। ओकर मारइ क पाछे जउन
सिरिफ दुइ बचा रहेन उ यपुन्ने क पूत कालेब अउ नून क
पूत यहोसू रहेन।

सलोफाद क बिटियन

27 सलोफाद हेपेर क पूत रहा। हेपेर गिलाद क पूत
रहा। गिलाद माकीर क पूत रहा। माकीर मनस्से
यूसुफ क पूत रहा। सलोफाद क पाँच बिटियन रहिन।
ओनकइ नाउँ महला, नोवा, होग्ला, मिल्का अउ तिर्सा रहा।
2इ पाँचउ मेहररुअन मिलापवाला तम्बू मँ गइन अउ मूसा
याजक एलीआज़ार, नेता लोग अउ एक संग बटुरे मनइयन
ओनका लखेन।
पाँचउ बिटियन कहेन, 3“हमार बाप उ सबइ मरि गएन
जब हम पचे रेगिस्तान मँ जात्रा करत रहिन। ओकर मउत
ओकर पाप बरे भइ। उ ओन मनइयन मँ नाहीं रहा जउन
कोरह क दल मँ मिलि गवा। (कोरह उहइ रहा जउन
यहोवा क खिलाफ होइ गवा रहा।) हमरे बाप क कउनो
बेटवा नाहीं रहा। 4एॅकर इ अरथ भवा कि हमरे बाप क नाउँ
न चली। इ ठीक नाहीं कि हमरे पिता क नाउँ नाहीं चलइ।
ओकर नाउँ मेट जाइ काहे की ओकरे कउनो पूत नाहीं
अहइ। एह बरे हम पचे माँग करित ह कि हमका कछू
भुइयाँ उ भूइँया क अलवा दीन्ह जाइ जेका हमरे पिता क
भाई लोग उत्तराधिकार क रूप मँ पइहीं।”

5एह बरे मूसा यहोवा स पूछेस कि उ का करइ। 6यहोवा
ओसे कहेस, 7"सलोफाद क बिटियन फुरे कहत हीं। तोहका
ओनके चाचा क संग संग ओनका भी धरती क हींसा देइ
चाही, जउन तू ओनके बाप क देत्या।
8"एह बरे इस्राएल क मनइयन बरे ऍका कनून बनइ द्या।
'जदि कउनो मनई क पूत न होइ अउर उ मरि जात ह तउ
हर एक चीज ओकर बाटइ ओकरे बिटिया क होइ। 9जदि
ओका कउनो बिटिया न होइ तउ जउन कछू भी होइ ओकरे
भइयन क दीन्ह जाइ। 10जदि ओकर कउनो भाई न होइ तउ
जउन कछू ओकर होइ ओकरे पिता क भाइयन क दीन्ह
जाइ। 11अगर ओकरे बाप क कउनो भाई न होइ तउ जउन
कछू ओकर होइ ओकरे परिवार क सबन न निचेक क
नातेदाद क दीन्ह जाइ। इस्राएल क लोगन मँ इ कनून होइ
चाही। यहोवा मूसा क इ हुकुम देत ह।'"

यहोसू नवा नेता अहइ

12तब यहोवा मूसा स कहेस, "उ पहाड़न क कतारन मँ
एक क ऊपर चढ़ा जउन यरदन नदी क पूरब रेगिस्ताने मँ
बा। तु उ धरती क निहरब्या जेका मइँ इस्राएल क मनइयन
क देत अही। 13जब तू इ पहँटा क लखि लेब्या तब तू
आपन भाई हारून क तरह मरि जाब्या। 14उ बात क सुमिरा
जब लोग सीन क रेगिस्तान मँ पानी बरे कोहान रहेन। तू
अउ हारून दुइनउँ मोर हुकुमबदूली किहा ह। तू पचे मोर
मान नाहीं किहा अउ मनइयन क अगवा पवित्तर नाहीं बनाया
रहा।" (इ पानी जिन क रेगिस्तान मँ कादेस क भीतर मरीबा
मँ रहा।)
15मूसा यहोवा स कहेस, 16"यहोवा परमेस्सर अहइ। उहइ
जानत ह कि लोग का सोचत अहइँ। यहोवा मोर बिनती
अहइ कि तू इ मनइयन बरे एक नेता चुना। 17मइँ बिनती
करत हउँ कि यहोवा एक अइसा नेता चुनी जउन ओनका इ
प्रदेस स बाहेर लइ जाइ अउर ओनका नवा पहँटा मँ
पहोंचाई। तब यहोवा क लोग बे गड़रिया क भेड़ी क नाईं न
होइहीं।"
18एह बरे यहोवा मूसा स कहेस, "नून क पूत यहोसू नेता
होइ। यहोसू बहोत बुद्धिमान अहइ। ओवा नवा नेता बनावा।
19ओसे याजक एलीआज़ार अउ पूरा धार्मिक मण्डली क
समन्वा खड़ा होइ क कहा। तब ओका सबहिं लोगन क
समन्वा नवा नेता बनावा।
20"मनइयन क इ देखॅावा कि तू ओका नेता बनावत अहा,
तब सबहिं ओकर हुकुम मनिहीं। 21जदि यहोसू कउनो खास
निर्णम लेइ चाही तउ ओका याजक एलीआज़ार क लगे
जाइ क होइ। एलीआज़ार उरिम क प्रयोग यहोवा क जवाब
जानइ बरे करी। तब यहोसू अउ इस्राएल क सब लोग उ
करिहीं जउन परमेस्सर कइहीं। जदि परमेस्सर कहत ह 'बाहर
जा।' तब उ पचे ओनका बाहर लइ जाइ, अउर अगर उ
कहत ह, 'घरे प अराम करा।' तउ उ पचे घर मँ आराम
करिहीं।"
22मूसा यहोवा क आग्या मानेस। मूसा यहोसू याजक
एलीआज़ार अउ इस्राएल क सब लोगन क समन्वा खड़ा
होइके कहेस। 23तब मूसा आपन हाथे क ओकरे मूँड़े प
देखॅावइ बरे धरेस कि उ नवा नेता अहइ। उ वइसे ही किहेस
जइसा यहोवा कहे रहा।

रोज क भेंट

28 तब यहोवा मूसा स बात किहेस। उ कहेस,
2"इस्राएल क मनइयन क इ हुकुम द्या। ओनसे
कहा कि उ पचे मोर बलिदानन अउर अन्नबलि क भोजन
जेकर सुगन्ध मोका प्रसन्न करत हीं क भेंट बारी गइ भेंट
दुआरा चढ़ावइँ। इ निहिचित करा कि ओका उचित समइ मँ
भेंट करइ चाही। 3इ होमबलि क ओनका यहोवा बरे चढ़ावइ
चाही। ओनका दोख क बिना एक बरिस का दुइ ठु मेमना
रोज भेंट क रूप मँ चढ़ावइ चाही। 4मेमनन मँ स एक क
भिन्सारे चढ़ावा अउ दूसर मेमना क सर्यास्त क टेमॅ। 5ऍकरे
अलावा एपा क दसवाँ हींसा अन्नबलि हीन क चौथाई जइतून
क तेल क संग मिला भवा आटा क द्या।" 6इ रोज क होम
बलि अहइ जउन सीनै पहाड़ प प्रथम दाईं सरू किहे गवा
रहेन। इ बारी गइ भेंट रही जउन यहोवा बरे सुहावना सुगन्ध
अहइ। 7मनइयन क बारी गइ भेंट क संग पयेबलि करइ
चाही। ओनका हर एक भेड़ क संग हीन क एक चौथाई
दाखरस देइ चाही। उ पयेबलि क पवित्तर ठउरे मँ वेदी प
डावा। इ यहोवा क भेंट अहइ। 8दूसरे भेड़ा क भेंट गोधूरि
क टेमॅ चढ़ावा। ऍका भिन्सारे क भेंट क तरह चढ़ावा।
अन्नबलि अउ दाखरस क एक ही तरीका स भेंट करिहीं। इ
बारी गइ भेंट रही जउन यहोवा बरे सुहावना सुगन्ध अहइ।"

सबित भेंट

9"सबित क दिन एक बरिस क बेदोखे क दुइ मेमना
जइतून क तेल क संग मिला एपा क दुइ दसवाँ हींसा
बढ़िया आटा क अन्नबलि अउ पयेबलि अउ दाखरस भी
चढ़ावा। 10इ हरेक सबित क दिन क खास भेंट अहइ। इ
भेंट रोजाना राजे क भेंट अउ दाखरस क भेंट क अलावा
अहइ।"

नवा चन्द्रिमा क भेंट

11"हर एक महीना क पहिले दिन तू यहोवा क होमबलि
चढ़उब्या। इ भेंट बेदोखे क दुइ बर्धा, एक भेड़ा अउ एक
बरिस क सात मेमना होइ। 12हर एक बर्धा क संग जइतून
क तेल क संग जेहमा एपा क तीन दसवाँ हींसा बढ़िया
आटा क भेंट भी चढ़ावा। हर एक भेड़ा क संग जइतून क
तेल क संग मिला एपा क दुइ दसवाँ हींसा बढ़िया आटा क
भेंट भी चढ़ावा। 13हर एक भेड़ क बच्चा क संग जइतून
क तेल क संग मिला भवा एपा क दसवाँ हींसा बढ़िया
आटा क भेंट भी चढ़ावा। इ होमबलि अहइ जे आगी मँ
तइयार भवा अहइ इ यहोवा बरे सुहावना सुगन्ध अहइ।
14पयेबलि मँ आधा हीन दाखरस हर एक बर्धा क संग,
तिहाई हीन दाखरस हर एक भेड़ा क संग अउ चौथाई हीन
दाखरस हर एक मेमना क संग होइ चाही। इ होमबलि
अहइ जउन बरिस क हर एक महीना चढ़ावइ जाइ चाही।
15हमेसा रोजाना क होमबलि अउ पयेबलि क अलावा तोहका
यहोवा क एक बोकरा देइ चाही। उ बोकरा पापबलि होइ।

फसह त्यौहार

16"पहले महीना नीसान क चउदहवाँ दिन यहोवा क
सम्मान मँ फसह पर्व होइ। 17उ महीना क पन्द्रहवाँ दिन बे
खमीरे क रोटी क दावत सुरु होत ह। इ पवित्तर जलसा सात
दिनाँ तलक रहत ह। तू सिरिफ उहइ रोटी खाइ जउन बे
खमीरे क होइ। 18इ पवित्तर जलसा क पहिले दिन तोहका
खास बइठक बोलावइ चाही। उ दिन तोहका कउनो काम
नाहीं करइ चाही। 19तू यहोवा क होमबलि देब्या। इ होमबलि
दोख क बिना दुइ बर्धा, एक ठु भेड़ा अउ एक बरिस क
सात ठु मेमना होइ। 20-21हर एक बर्धा क साथ जइतून क
तेल क साथ साना भवा एपा क तीन दसवाँ हींसा बढ़िया
आटा, भेड़ा क संग जइतून क तेल क संग साना भवा एपा
क दुइ दसवाँ हींसा बढ़िया आटा अउर हर एक मेमना क
संग एपा क दसवाँ हींसा जइतून क तेल क संग साना भवा
बढ़िया आटा क अन्नबलि भी होइ। 22तोहका एक बोकरा भी
देइ चाही। उ बोकरा तोहरे बरे पापबलि होइ। इ तोहरे पाप
क ढाँपि देइ। 23तू पचन क ओन भेंटन क अलवा देइ चाही
जउन तू हर एक भिन्सारे होमबलि क रूप मँ देत रहत ह।
24"उहइ तरह तोहका सात दिनाँ तलक बलि भेंट देइ
चाही। इ आगी क दुआरा होमबलि क रूप मँ अन्न भेंटन
होइ। इ यहोवा बरे सुहावना सुगन्ध अहइ। तू नेमॅ स
होमबलि अउ ऍकर दाखरस भेंट चढ़उब्या। ऍकरे अलावा तू
भोजन चढ़उब्या। होमबलि क अलावा इ भेंट क तोहका देइ
चाही जउन तू रोज देत ह।
25"तब फसह क सतएँ दिन तू एक पवित्तर सभा
बुलाउब्या, अउर उ दिन तू कउनो काम नाहीं करब्या।

हफ्ता क त्यौहार (पिन्तेकुस्त)

26"पहिले फल क उत्सव क अवसर पइ तोहका यहोवा
क एक नवा अनाज क भेंट जरूर देइ चाहीं। उ टेमॅ प
तोहका एक खास बइठक बोलावइ चाही। तू उ दिन कउनो
काम नाहीं करब्या। 27तू पचे होमबलि चढ़उब्या। उ बलि
यहोवा बरे सुहावानी सुगन्ध होइ। तू सबइ बे दोखे क दुइ
साँड़, एक-एक बरिस क भेड़ा अउ सात मेमना क भेंट
चढ़उब्या। 28तू हर एक साँड़ क संग जइतून क तेल क
संग साना भवा एपा क तीन दसवाँ हींसा बढ़िया आटा, हर
एक भेड़ा क संग एपा क दुइ दसवाँ हींसा 29अउ हर एक
मेमना क संग एपा क दसवाँ हींसा आटा क भेंट चढ़उब्या।
30तोहका आपन पापे क ढाँपइ बरे एक ठु बोकरा क बलि
चढ़ावइ चाही। 31तोहका इ भेंट रोजाना क दग्ध-भेंट अउ
ऍकर अन्नबलि क अलावा चढ़ावइ चाही। ठान ल्या कि
गोरुअन मँ कउनो दोख नाहीं हो। अउर इ निहचय करि ल्या
कि पयेबलि ठीक बाटइ।

तुरहियन क त्यौहार

29 "सातवाँ महीना क पहिले दिन एक खास बइठक
होइ। तू सबइ उ दिन कउनो काम नाहीं करब्या। उ
तुरही बजावइ क दिन अहइ। 2तू पचे होमबलि चढ़उब्या। इ
भेंटन यहोवा बरे सुहावनी सुगन्ध होइ। तू बेदोखे क एक
साँड़ एक भेड़ा अउ एक-एक बरिस क सात मेमना चढ़उब्या।
3तू पचे एपा क तीन दसवाँ हींसा तेल स सना भवा नीक
आटा हरेक बर्धा क संग, अउ एपा क दुइ दसवाँ हींसा भेंड़ा
क संग चढ़ाउब्या। 4सात मेमना मँ स हरेक क संग एपा क
दसवाँ हींसा आटा क भेंट चढ़उब्या। 5एकरे अलावा पापबलि
बरे एक बोकरा भी चढ़उब्या। इ तोहरे पापे क ढाँपी। 6इ
भेंटन नवा चन्द्रिमा भेंट अउ ओकरे अन्नबलि क अलावा
होइ। अउर इ रोज क भेंट, एकर अन्नबलि अउ पयेबलि क
अलावा होइहीं। इ नेम क मुताबिक कीन्ह जाइ चाही। एनका
आगी बारइ चाही। इ यहोवा क बरे सुहावनी सुगन्ध होइ।

प्रायस्चित क दिन

7"सतएँ महीना क दसवाँ दिन एक खास बइठक होइ। उ
दिन तू उपवास रखब्या अउर तू कउनो काम नाहीं करब्या।
8तू होमबलि भेंट करब्या। इ यहोवा बरे सुहावनी गन्ध होइ।
तू बे दोखे क एक ठू साँड़ एक ठु भेड़ा अउ एक बरिस क
सात मेमना भेंट चढ़उब्या। 9हर एक बर्धा क संग जइतून क
तेले स साना भवा एपा क तीन दसवाँ हींसा आटा, भेड़न क
संग एपा क दुइ दसवाँ हींसा आटा। 10अउ हर एक सातहु
मेमना क संग एपा क दसवाँ हींसा आटा क भेंट चढ़उब्या।
11तू एक बोकरा भी पापबलि क अलावा भेंट करब्या। इ
पाप बरे प्रायस्चित क अतिरिक्त होइ। इ रोजाना क बलि,
अन्नबलि अउ पयेबलि क अलावा भी होइ।

कुटीर क त्यौहार

12"सतएँ महीना क पन्द्रहवाँ दिन एक खास बइठक होइ।
इ कुटीर क त्यौहार होइ। तू उ दिना कउनो काम नाहीं
करब्या। तू यहोवा बरे खास छुट्टी सात दिना तलक
मनउब्या। 13तू होमबलि चढ़उब्या। इ यहोवा बरे सुहावनी
सुगन्ध होइ। तू तेरह बर्धा, दुइ भेड़ा अउ एक बरिस क
चउदह मेमना चढ़उब्या। 14तू तेरह बर्धा मँ स हर एक बरे
जइतून क तेल क संग साना भवा एपा क तीन दसवाँ हींसा
आटा, दुइनउँ भेड़न मँ स हर एक बरे एपा क दुइ दसवाँ
हींसा 15अउ चउदह भेड़न मँ स हर एक बरे एपा क दसवाँ
हींसा आटा क भेंट चढ़उब्या। 16तोहका एक ठु बोकरा भी
पाप भेंट क रूप मँ अर्पित करइ चाही। इ रोजाना क भेंट
अउ एकर अनाज अउ दाखरस भेंट क अलावा होइ।
17"इ पवित्तर दिन क दूसरे दिन तोहका बारह बर्धा, दुइ
भेड़ा अउ चउदह ऍक बरिस क मेमना चढ़ावइ चाही। इ
सबइ बिना दोख क होइ चाही। 18तोहका साँड़, भेड़ा अउ
मेमना क संग गनती क मुताबिक तउले मँ अन्नबलि अउ
पयेबलि भी चढ़ावइ चाही। 19तोहका पापबलि क रूप मँ
एक ठु बोकरा क भी भेंट चढ़ावइ चाही। इ रोजाना क भेंट
अउ अन्न अउ पयेबलि क अलावा भेंट होइ।
20"इ पवित्तर दिन क तीसर दिन तोहका बे दोखे क
गियारह साँड़, दुइ भेड़ा अउ एक एक बरिस क मेमना क
भेंट चढ़ावइ चाही। 21तोहका बर्धा, भेड़ा अउ मेमना क ठीक
गनती क मुताबिक अन्न अउ पयेबलि चढ़ावइ चाही।
22तोहका पापबलि क रूप मँ एक बोकरा क भी देइ चाही।
इ रोजाना क भेंट अउ अन्नबलि अउ पयेबलि क अलावा
भेंट होइ।

23“इ पवित्तर दिन क चउथा दिन तोहका बे दोखि क दस साँड़, दुइ भेड़ा अउ एक-एक बरिस क चउदह मेमना भेंट चढ़ावइ चाही। इ सबइ बेदोख होइ चाही। 24तोहका बर्धा, भेड़ा अउ मेमना क ठीक सख्याँ क मुताबिक अन्न अउ पयेबलि चढ़ावइ चाही। 25तोहका पापबलि क रूप मँ एक बोकरा क भी चढ़ावइ चाही। इ रोजाना क भेंट अउ अन्नबलि अउ पेयबलि क अलावा होइ चाही।

26“इ पवित्तर दिन क पँचए दिन तोहका बेदोख क नौ साँड़, दुइ भेड़ा अउ एक-एक बरिस क चउदह मेमना भेंट चढ़ावइ चाही। इ सबइ बेदोख होइ चाही। 27तोहका बर्धा, भेड़ा अउ मेमना क ठीक सख्याँ क मुताबिक अन्न अउ पयेबलि चढ़ावइ चाही। 28तोहका पापबलि क रूप मँ एक बोकरा क भी भेंट चढ़ावइ चाही। इ रोजाना क भेंट अउ अन्नबलि अउ पेयबलि क अलावा होइ चाही।

29“इ पवित्तर दिन क छठएँ दिन तोहका बे दोखे क चउदह साँड़, दुइ भेड़ा अउ एक-एक बरिस क चउदह मेमना क भेंट चढ़ावइ चाही। 30तोहका बर्धा, भेड़ा अउ मेमना क संग जेतँना होइ चाही उ मात्रा मँ अन्न अउ पयेबलि चढ़ावइ चाही। 31तोहका पापबलि क रूप मँ एक बोकराँ क भी भेंट देइ चाही। इ रोजाना क भेंट अउ अन्नबलि अउर पयेबलि क अलावा भेंट होइ।

32“इ पवित्तर दिन क सतएँ दिन तोहका बेदोख क सात साँड़, दुइ भेड़ा, अउ एक एक बरिस क चउदह मेमना क भेंट चढ़ावइ चाही। 33तोहका बर्धा, भेड़ा अउ मेमना क संग गनी भइ गनती मँ अन्न अउ पयेबलि चढ़ावइ चाही। 34तोहका पापबलि क रूप मँ एक बोकरा क भी भेंट देइ चाही। इ रोजाना क भेंट अउ अन्नबलि तथा पयेबलि क अलावा भेंट होइ।

35“इ पवित्तर दिन क अठवाँ दिन तोहका एक समापन बइठक करइ चाहीं। तोहका उ दिन कउनो काम नाहीं करइ चाही। 36तू होमबलि अउ आगी क भेंट चढ़ावा। इ यहोवा बरे सुहावनी सुगंध होइ। तोहका बेदोखे क एक साँड़, एक भेड़ा अउ एक एक बरिस क सात मेमना भेंट मँ चढ़ावइ चाही। 37तोहका साँड़, भेड़ा अउ भेड़ी क बच्चा बरे गनी भइ मात्रा मँ अन्न अउ पयेबलि देइ चाही। 38तोहका पापबलि क रूप मँ एक बोकरा क भी भेंट देइ चाही। इ रोजाना क भेंट अउ अन्नबलि अउ पयेबलि क अलावा भेंट होइ चाही।

39“उ सबइ तोहार खास दिन यहोवा क सम्मान बरे अहइ। तोहकाएपा क दसवाँ हींसाओन बचन भेंट, आपन स्वेच्छा भेंट, होमबलि, अन्नबलि, पयेबलि अउ मेलबलि क अलावा इ पत्तिर दिनन म मानइ चाहीं।”

40मूसा इस्राएल क लोगन स ओन सबहिं बातन क कहेस जउन यहोवा ओका हुकुम दिहे रहा।

दीन्ह गवा खास बचन

30 मूसा सबहिं इस्राएली परिवार समूहन क नेता लोगन स बात किहेस। मूसा यहोवा क इ आदेस क बारे मँ ओनसे कहेस।

2“अगर कउनो मनई परमेस्सर क खास बचन देइ चाहत ह या जदि उ मनई परमेस्सर क कछू खास न्यौछावर करइ क बचन देत ह तउ ओका वइसे ही करइ द्या। मुला ओन मनई क ठीक वइसेन ही करइ चाही जइसा उ बचन दिहे अहइ।

3“होइ सकत ही कि कउनो जवान मेहरारु आपन पिता क घर रहत होइ जउन जवान अहइ। अउर उ मेहरारु यहोवा क कछू चढ़ावइ क बचन देत होइ। 4अउर ओकर बाप इ बचन क बारे मँ सुनत ह अउर ओकर बरे (बचन क रद्द करइ बरे) कछू नाहीं कहत ह तउ उ जवान मेहरारू क बचन तउ जरुर पूरा कइ देइ चाही जेका करइ क उ बचन दिहे अहइ। 5मुला अगर ओकर बाप ओकर दीन्ह गवा बचन क बारे मँ सुनिके ओका पूरा करइ स मना करत ह तउ उ मेहरारु क उ बचन पूरा नाहीं करइ चाही जेका उ बचन लिहेस ह। काहेकि ओकर बाप ओका रोकेस। एह बरे यहोवा ओका छिमा करिहीं।

6“होइ सकत ह कि कउनो मेहरारु बात ही बातन मँ बे सोचे बिचारे कउनो किरिया खाइ लेत ह अउ पाछे ओकर बियाह होइ जात ह। 7अउर भतार दीन्ह गवा बचन क बारे मँ सुनत ह अउ अउर ओकर (बचन क रद्द करइ) बरे कछू नाहीं कहत ह। तउ उ मेहरारु क आपन दीन्ह गवा बचन क मुताबिक काम क पूरा कइ लेइ चाही। 8मुला जदि भतार दीन्ह गवा बचन क बारे मँ सुनत ह अउ ओका अंगीकार नाहीं करत ह तउ मेहरारु क दीन्ह गवा बचन क पूरा नाहीं करइ क पड़ी। ओकर भतार ओकर बचन रोकि दिहन-उ ओका कही गइ बात क पूरा नाहीं करइ दिहस। एह बरे यहोवा ओका छिमा करिहीं।

9“कउनो राँड़ या तलाक दीन्ह गइ मेहरारु खास बचन दइ सकत ह। अगर उ अइसा करत ह तउ ओका आपन ठीक बचन क मुताबिक करइ चाही। 10एक बियाही मेहरारु यहोवा क कछू चढ़ावइ क बचन, या कछू स अपने आप क बचाइ क बचन दइ सकत ह। 11अदि ओकर भतार दीन्ह गए बचन क बारे मँ सुनत ह अउ ओका आपन बचन क पूरा करइ देत ह तउ ओका ठीक आपन दीन्ह गए बचनन क मुताबिक ही उ काम करइ चाही। 12मुला अगर ओकर भतार ओकर दीन्ह गए बचन क सुनत ह अउर ओका बचन पूरा करइ स मना कइ देत ह तउ ओका आपन दीन्ह गए बचन क मुताबिक उ काम पूरा नाहीं करइ क होइ। एँकर कउनो महत्व न होइ काहे की उ का बचन दिहे रहा, ओकर भतार उ बचन क भगं कइ सकत ह। अगर ओकर भतार उ बचन क तोड़ देत ह तउ यहोवा ओका छिमा करिहीं।

13“एक बियाही मेहरारु यहोवा या परमेस्सर क कउनो खास बचन दइ सकत ह। भतार ओकरे बचन मँ स कउनो क रोक सकत ह या भतार उ बचन मँ स कउनो क पूरा करइ देइ सकत ह। 14भतार आपन मेहरारु क कइसे बचन पूरा करइ देइ? अगर उ दीन्ह ग बचन क बारे मँ सुनत ह अउ ओनका रोकत नाहीं तउ मेहरारु क आपन दीन्ह ग बचन क मुताबिक काम क पूरा करइ चाही। 15अगर भतार दीन्ह ग बचन क बारे मँ सुनत ह अउ ओकर पाछे ओका

बचन पूरा करइ स रोकत ह तउ ओकर बचन तोड़इ क
जिम्मेदारी भतार प होइ।"
16इ सबइ हुकुम अहइ जेनका परमेस्सर मूसा क दिहेस।
इ सब आदेस एक मनई अउ ओकरे मेहरारु क बारे मँ
अहइँ अउ बाप अउ ओकरे बिटिया क बारे मँ अहइ जउन
उ जवान मेहरारू रहइ अउ अपने बाप क घरे मँ रहत होइ।

इस्राएल मिदियनन क खिलाफ फुन हमला किहेस

31 यहोवा मूसा स बात किहेस। उ कहेस, 2"मइँ
इस्राएल क लोगन क संग मिद्यानी लोग जउन
किहे बाटइँ, ओकरे बरे मइँ सजा देब। ओकरे पाछे मूसा तू
मरि जाब्या।"
3एह बरे मूसा मनइयन स बात किहेस। उ कहेस, "आपन
कछू मनइयन क जुद्ध बरे तइयार करा। यहोवा ओन
मनइयन क प्रयोग मिदियानी लोगन क सजा देइ मँ करिहीं।
4अइसे 1,000 मनइयन क इस्राएल क परिवार समूहन स
चुना। 5इस्राएल क सबहिं परिवार समूहन स 12,000 सिपाही
होइहीं।"
6मूसा ओन 12,000 मनइयन क जुद्ध बरे पठाएस। उ
याजक एलीआज़ार क पूत पनीहास क ओनके संग पठाएस।
पनीहास आपन संग पवित्तर चीजन, सीगं अउ तुरहियन लइ
लिहेस। 7इस्राएल क लोग मिदियानी लोगन क नरसिंग
वइसेन ही लड़ेन जइसा यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहा। उ
पचे सबहिं मिद्यानी मनइयन क मारि डाएन। 8जउन मनइयन
क उ पचे मारि डाएन ओहमाँ एवी, रकैम, सूर, हूर अउ रेबा
इ सबइ पाँच मिद्यानी राजा रहेन। उ पचे बेओँर क पूत
बिलाम क भी तरवारे स मारि डाएस।
9इस्राएल क लोग मिद्यानी मेहररुअन अउ गदेलन,
ओनकइ सब भेड़ी, गइयन अउ सब चीजन क बन्दी बनाइ
लिहन। 10तब उ पचे ओनके सब डेरन मँ अउ सहरन मँ
आगी लगाइ दिहन जहाँ उ पचे रहत रहेन। 11उ पचे सब
मनइयन अउ गोरुअन क लइ लिहन, 12अउर ओनका मूसा,
याजक एलीआज़ार अउ इस्राएल क सब लोगन क लगे
लइ गएन। उ पचे ओन सबहिं इस्राएल क सिबिर मँ लाएन
जेनका उ पचे हुवाँ पाइ लिहन। इस्राएल क लोग मोआब
क समतल मँ बसा यरदन घाटी मँ सिबिर डाए रहेन। इ
यरीहो क निचके यरदन नदी क पूरब कइँती रहा। 13तब
मूसा, याजक एलीआज़ार अउ मनइयन क नेता, सिपाहियन स
मिलइ बरे डेरन स बाहेर गएन।
14मूसा सेनापति लोगन प बहोत कोहान रहा। उ ओन
1,000 क फउज क संचालक लोगन अउ एक सौ क
फउज क संचालक लोगन प कोहान रहा जउन जुद्ध स
लौटिके आए रहेन। 15मूसा ओनसे कहेस, "तू आदमी लोग
मेहररुअन क काहे जिअत रहइ दिहा? 16लखा इ अउरत ही
रही जेकरे वजह स बिलाम क घरना मँ इस्राएलियन बरे
समस्या पइदा भइन अउ पेओर मँ यहोवा क खिलाफ होइ
गएन जेहसे इस्राएल क मनइयन क महामारी भोगइ क
पड़ी। 17तउ अब मिद्यानी नर गदेलन क मारि डावा। अउर
ओन सबहिं मिद्यानी मेहररुअन क मारि डावा जउन कउनो
मनई क संग रही होइँ। ओन सब मेहररुअन क मारि डावा
जेकर कउनो मनई क संग सारीरिक सम्बंध होइ। 18तू
सिरिफ ओन सबहिं बिटियन क जिअइ द्या जेकर कउनो
मनई क संग सारीरिक सम्बंध नाहीं भइ। 19तब एकर बाद
तू सबइ सिपाहियन क जउन लोगन क मारेस या ल्हास क
छुएस सात दिना तलक सिबिर क बाहर रहइ क पड़ी। तीसरे
अउ सताएँ दिनन तू अउर तोहार बन्दी सुद्ध होब्या।
20तोहका उहइ काम सातवें दिन फिर करइ क होइ। तोहका
आपन सबहिं ओढ़ना धोवइ चाही। तोहका चाम क बनी हर
चीज ऊनी अउ काठे क बनी चीजन क भी धोवइ चाही।
तोहका सुद्ध होइ जाइ चाही।"
21तब याजक एलीआज़ार सिपाहियन स कहेस कउन
जुद्ध क लउटेस ह। उ कहेस, "इ उहइ नेम बाटेन जेका
यहोवा मूसा क दिहे रहा। 22-23मुला जउन चीजन आगी मँ
डाइ जाइ सकत हीं ओकरे बारे मँ अलग अलग नेमँ अहइँ।
तोहका सोना, चाँदी, काँसा, लोहा, टिन या सीसा क आगी मँ
डावइ चाही। जब तू ओनका सुद्धीकरण बरे लाल गाय क
राख मिला भवा पानी स धोवा उ सबइ सुद्ध होइ जइहीं।
जदि चीजन आगी मँ न नाई जाइ सकइँ तउ तोहका ओनका
पानी स धोवइ चाही। 24सताएँ दिन तोहका आपन सारा ओढ़ना
धोवइ चाही। जब तू सुद्ध होइ जाब्या। ओकरे बाद तू पचे
सिबिर मँ आइ सकत ह।"
25तब यहोवा मूसा स कहेस, 26"मूसा तोहका याजक
एलीआज़ार अउ सबहिं नेता लोगन क चाही कि तू पचे
ओन बन्दियन, गोरुअन अउ सबहिं चीजन क गना जेनका
फउजी लोग जुद्ध स लाए होइँ। 27तब ओन सबहिं चिजियन
क जुद्ध मँ भाग लेइ वालन आधा फउजी लोगन अउ
बाकी आधा इस्राएल क मनइयन मँ बाँटि देइ चाही। 28जउन
सिपाही जुद्ध मँ भाग लेइ ग रहेन ओनसे ओन चीजन क
कर ल्या। उ हींसा यहोवा क होइ। हर एक पाँच सौ चीजन
मँ स एक यहोवा क हींसा होइ। एहमाँ मनई, गाय, गदहन
अउ भेड़ी सामिल अहइँ। 29जउन फउजी जुद्ध मँ जउन
चीजन क पाएन ह, ओनका आधी हींसा कर क रूप मँ
ल्या। तब ओन चीजन क (प्रति एक पाँच सौ मँ स एक)
याजक एलीआज़ार क द्या। तब हींसा यहोवा क होइ।
30अउर तब बाकी लोगन क आधा मँ स हर एक पचास
चीजन मँ स एक चीज ल्या। एहमाँ मनई, गाय, गदहन,
भेड़ी या दूसर जनावर सामिल बाटेन। इ हींसा लेवी बंसी
मनइयन क द्या। काहे? काहेकी लेवी बंसी यहोवा क
पवित्तर तम्बू क देखत रेखत हीं।"
31इ तरह मूसा अउ एलीआज़ार उहइ किहन जउन मूसा
क यहोवा क हुकुम रहा। 32फउजी सिपाही 6,75,000
भेड़ीन, 33बहत्तर हजार गोरु, 34इक्सठ हजार गदहन,
35बत्तीस हजार मेहररुअन लूटे रहेन। इ सबइ अइसी
मेहररुअन रहिन जेनकइ कउनो मनई क संग सारीरिक
सम्बंध नाहीं रहा। 36जउन सिपाही जुद्ध मँ गए रहेन उ
सबइ आपन हींसा क 3,37,500 भेड़िन क पाइ लिहन।
37फउजियन स लीन्ह ग यहोवा क कर 675 भेंड़ रहा।
38फउजियन क 36,000 गाइयन मिलि गएन। उ पचे बहत्तर
यहोवा क दिहेन। 39फउजी 30,500 गदहा पाइ गएन। उ
पचे यहोवा क इकसठ दिहेन। 40फउजियन क 16,000

मेहरारु मिलिन। उ सबइ यहोवा क बत्तीस दिहेन। 41यहोवा
क हुकुम क मुताबिक मूसा यहोवा बरे दीन्ह गइ ओन सारी
भेंटन क याजक एलीआज़ार क दिहस।

42तब मूसा मनइयन स मिला भवा आधा हींसा क गनेस।
इ उ हींसा रहा जेका मूसा जुद्ध मँ जाइवालन फउजियन स
लिहे रहा। 43मनइयन 3,37,500 भेड़ी, 44छत्तीस हजार गाइयन,
45तीस हजार पाँच सौ गदहा 46अउ 16,000 मेहरारु पाएन।
47मूसा हर एक पचास चीजन प एक चीज यहोवा बरे
लिहस। एहमा गोरु अउ मनई दुइनऊ सामिल रहेन। तब
ओन चीजन क उ लेवी बंसी लोगन क दिहेस। काहेकि उ
यहोवा क पवित्तर तम्बू क देखत रेखत रहेन। मूसा इ यहोवा
क हुकुम क मुताबिक किहेस।

48तब सेना क संचालक 1,000 सिपाहियन क सेनापति
अउ एक सौ सिपाहियन क सेनापति मूसा क निअरे गएन।
49उ पचे मूसा स कहेन, "हम पचे आपन फउजियन क गना
ह। हम पचन मँ स कउनो भी कम नाहीं अहइ। 50एह बरे
हम लोग हर एक ठु सिपाही स यहोवा क भेंट लइ आवत
अही। हम पचे सोना क चीज बाजूबन्द, कड़ा, मुँदरी, बाली
अउ हबेल लइ आवत अही। इ सब भेंट यहोवा क समन्वा
हमार पाप बरे प्रायस्चित बरे होइ।"

51एह बरे मूसा उ सबइ सोना क चीज लिहस अउ
याजक एलीआज़ार क ओन चीजन्क दिहस। 52एक हजार
फउजियन क सेनापतियन अउ एक सौ मनइ क सेनापातियन
जउन सोना बटोरेन ओकर वजन 16,750 सेकेल रहा। 53हर
एक फउजी लड़ाई मँ मिली भइ बाकी चीजन क हींसा अपने
लगे रख लिहस। 54मूसा अउ याजक एलीआज़ार एक हजार
फउजियन क सेनापतियन अउर एक सौ मनइयन क
सेनापातियन स सोना अंगीकार किहस। तब उ पचे सोना क
मिलापवाला तम्बू मँ धरेस। इ भेंट एक यादगार क रूप मँ
इस्राएल क लोगन बरे यहोवा क समन्वा रहिन।

यरदन नदी क पूरब क परिवार समूहन

32 रूबेन अउ गाद परिवार समूहन क लगे ढेर तदाद
मँ मवेसियन रहेन। ओनँ मनइयन याजेर अउ
गिलाद क निचके क धरती लखेन। उ पचे बिचारेन कि उ
धरती ओनके गोरु बरे ठीक अहइ। 2एह बरे रूबेन अउ
गद परिवार समूहन क लोग मूसा क निअरे आएन। उ पचे
मूसा, याजक एलीआज़ार अउ मनइयन क नेता लोगन स
बात किहेन। 3-4उ पचे कहेन, "आपक सेवक हम सबन क
लगे भारी तदाद मँ गोरु अहइँ। अउर उ भुइयाँ जेका
परमेस्सर हम लोगन क जीतइ अउर कब्जा करइ क दिहस,
गोरूअन बरे एक ठू बाढ़ियाँ चरागाह अहइ। इ पहँटा मँ
अतारोत, दीबोन, याजेर, हेसबोन, एलाले सबाम, नबो, बोन
सामिल अहइँ। 5अगर आप लोगन क रजामन्दी होइ तउ
हम पचे चाहब कि इ पहँटा हम पचन क दीन्ह जाइ। हम
लोगन क यरदन नदी क दूसर कइँती न लइ जाइँ।"

6मूसा रूबेन अउ गाद क परिवार समूहन स पूछेस, "का
तू पचे हिआँ बसब्या अउ आपन भाइयन क हिआँ स जाइ
अउ जुद्ध करइ देब्या? 7तू पचे इस्राएल क लोगन क
उत्साह काहे भंग करइ चाहत बाट्या? होइ सकत ह उ पचे
यरदन नदी क पार जउन पहँटा यहोवा ओनका दिसह ह
नाहीं लेइ चाहीं। 8तोहार बाप अउ दादा मोरे संग अइसा ही
किहन। जब मइँ कादेसबर्ने स जासूसन क प्रदेस क
छान-बीन करइ पठएउँ रहेउँ। 9उ पचे एँस्कोल घाटी तलक
गएन। उ सबइ प्रदेस क लखेन। अउर उ सबइ इस्राएल क
लोगन क उ धरती प जाइ क उत्साह भंग कइ दिहस। उ
पचे इस्राएल क लोगन क उ पहँटा मँ जाइ क इच्छा नाहीं
करइ दिहन जेहसे यहोवा ओनका दइ दिहे रहा। 10यहोवा
मनइयन प बहोतइ कोहान। यहोवा इ कठोर निसेध अग्या क
बनाएस: 11'मिस्र स आवइ वालन लोगन अउ बीस बरिस या
जियादा उमर क कउनो भी मनई क उ भूइँया क जेकरे बरे
मइँ इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क बचन दिहेउँ रहा।
लखइ क आग्यिा नाहीं होब्या। मइँ इ भूइँया क लोगन क
देइ क बचन दिहेउँ रहा। मुला उ पचे मोर ठीक तरह नाहीं
मानेन। एह बरे उ पचे इ भूइँया क न पइहीं। 12सिरिफ
कनजी यपुन्ने क पूत कालेब अउर नून क पूत यहोसू यहोवा
क पूरी तरह मानेस।'

13"यहोवा इस्राएल क लोगन क खिलाफ बहोतइ कोहान
रहा। एह बरे यहोवा मनइयन क 40बरिस तलक रेगिस्तान मँ
रोके रहा। यहोवा ओनका तब तलक रोके रहा, जब ताईं उ
पचे यहोवा क खिलाफ पाप किहे रहेन, मर नाहीं गएन।
14अउर अब तू पचे उहइ करत अहा जउन तोहार पुरखन
किहन ह। अरे पापियो! का तू चाहत ह कि यहोवा इस्राएल
क लोग क खिलाफ अउ जियादा कोहाइ जाइ? 15अगर तू
पचे ओकर पाछा करइ स मुड़ि जाब्या तउ यहोवा इस्राएल
क अउर जियादा समइ तलक रेगिस्ताने मँ ठहराइ देइ। तब
तू इ सब मनइयन क नास कइ देब्या।"

16मुला रूबेन अउ गाद परिवार समूहन क लोग मूसा क
लोगे गएन। उ सबइ कहेन, "हिआँ हम पचे आपन गदेलन
बरे सहर अउ आपन गोरुअन बरे बाड़ा बनउबइ। 17तब
हमार गदेलन दूसर लोगन स सुरच्छित रइहीं जउन इ प्रदेस
मँ रहत हीं। मुला ह पचे खुसी स अगवा बढ़िके इस्राएल
क लोगन क मदद करब। हम लोग ओनका ओनके देस
मँ लइ जाब। 18हम पचे तब तलक घर नाहीं लउटब जब
तलक हर एक मनई इस्राएल मँ आपन धरती क हींसा पाइ
जात। 19हम लोग यरदन नदी क पच्छिम मँ कउनो धरती
नाहीं लेब, हम सबन क धरती क हींसा यरदन नदी क पूरब
ही बाटइ।"

20तउ मूसा ओनसे कहेस, "जदि तू पचे इ सब करब्या
तउ इ रेगिस्तान तू पचन क होइ। मुला तोहरे फउजियन क
यहोवा क समन्वा जुद्ध मँ जाइ चाही। 21तोहरे सिपाहियन क
यरदन नदिया पार करइ चाही अउ दुस्मनन क उ देस तजि
देइ बरे मजबूर करइ चाही। 22जब हम सबन क धरती पावइ
मँ यहोवा मदद कइ चुकइँ तब तू सबइ घर जाइ सकत ह।
तब यहोवा अउ इस्राएल तोहका अपराधी नाहीं मनिहीं। तब
यहोवा तू पचन क इ पहँटा लइ लेइ देइहीं। 23मुला अगर
तू सबइ इ बातन पूरी नाहीं करत्या तउ तू लोग यहोवा क
खिलाफ पाप करब्या। अउर उ गाँठ बाँधा कि तू आपन पाप
खातिर सजा पउब्या। 24आपन गदेलन बरे सहर अउ गोरुअन

बरे बाड़ा बनावा। मुला ओकरे पाछे ओका पूरा करा जेका
करइ क तू पचे बचन दिहे अहा।"
25तब गाद अउ रूबेन परिवार समूहन क लोग मूसा स
कहेन, "हम पचे आप क सेवक अही। आप हमार सुआमी
अहइँ। एह बरे हम लोग उहइ करब जउन आप कहत हीं।
26हमार मेहरारु, गदेलन अउ हमार गोरुअन गिलाद नगर मँ
रइहीं। 27मुला आपक सेवक हम यरदन नदी क पार करब।
मुला हम पचे यहोवा क समन्वा आपन सुआमी क कहे क
मुताबिक जुद्ध मँ कूदि पड़ब।"
28मूसा याजक एलीआज़ार, नून क पूत यहोसू अउ
इस्राएल क परिवार समूहन क सबहिं नेतागणन क ओकरे
बारे मँ हुकुम दिहस। 29मूसा ओनसे कहेस, "गाद अउ रूबेन
क मनई यरदन नदी क पार करिहीं। उ पचे यहोवा क
अगवा जुद्ध मँ धावा बोलिहीं। उ सबइ देस जीतइ मँ तोहार
मदद करिहीं। अउर तू पचे गिलाद क प्रदेस ओनके हींसा क
रूप मँ ओनका दोब्या। 30मुला जदि उ पचे आपन सिपाहियन
क तोहार संग पार नाहीं भेजइ तउ होइ सकत ह कि उ
कनान प्रदेस मँ तोहार लोगन क बीच सिरिफ पैतृक सम्पत्ति
ही पाइ।"
31गाद अउ रूबेन क लोग जवाब दिहन, "हम पचे उहइ
करइ क बचन देत अही जउन यहोवा क हुकुम अहइ।
32हम पचे यरदन नदी पार करब अउ कनान देस प यहोवा
क समन्वा धावा बोलब। अउ हमरे देस क हींसा यरदन नदी
क पूरब क धरती होइ।"
33इ तरह मूसा उ प्रदेस क कछू भाग गाद क लोगन,
रूबेन क लोगन अउ मनस्से परिवार समूहन क आधे लोगन
क दिहस। (मनस्से यूसुफ क पूत रहा।) उ प्रदेस मँ
एमोरियन क राजा सिहोन क राज्ज अउ बसान क राजा ओग
क राज्ज मिला रहा। उ प्रदेस मँ उ इलाका क चारहों कइँती
क सहर भी मिला रहेन।
34गाद क मनइयन दीबोन, अतारोत, अरोएर, 35अत्रौत,
सोपान, याजेर, योगबहा, 36बेतनिम्रा अउ बेथारान सहरन क
बनाएन। उ पचे मजबूत चहर-देवार क संग सहरन क
बनाएस अउ आपन गोरुअन क बाड़ा बनाएन।
37रूबेन क मनइयन हसबोन, एलाले, कियतैन, 38नबो,
बालमोन अउर तित्पा सहर। उ दूसर सहरन क नाउँ दिहस
जेका उ बनाए। मुला नेबो अउ बाल मिऑन क नवा नाम स
पुकारेस। 39मनस्से परिवार समूह क सन्तान माकीर स जन्मा
लोग गिलाद क गएन। उ पचे सहर क हराएन। उ पचे
ओन एमोरी क हराएन जउन हुवाँ रहत रहेन। 40एह बरे
मनस्से क परिवार समूह क माकीर बरे मूसा गिलाद दिहस।
एह बरे ओकर परिवार हुवाँ बस गवा। 41मनस्से क परिवार
समूह क यैर नान्ह-नान्ह सहरन जेका हेवोल याईर कहा जात
ह क जीत लिहस ह। 42तउ नोबह कनात अउ ओकरे लगे
क नान्ह-नान्ह सहरन क हराएस। तब उ उ ठउर क नाउँ
आपन नाउँ प नोबह धरेस।

मिस्र स इस्राएलियन क जात्रा

33 इ सबइ इस्राएली लोगन क जात्रा अहइ जउन उ
मूसा अउ हारून क अगवाइ मँ आपन परिवार
समूहन क संग मिस्र स बाहर आएन। 2मूसा ओनँ जात्रन क
बारे मँ लिखे अहइ जेनका यहोवा हुकुम दिहेस रहा। उ सबइ
जात्रा हिआँ दर्ज अहइँ।
3पहिले महीना क पन्द्रहवाँ दिन उ पचे रामसेस तजेन।
फसह क पाछे भिन्सारे इस्राएल क मनइयन बिजयी क संग
मिस्र स बाहेर गएन। मिस्र क सब मनइयन लखेन। 4मिस्र
क लोग आपन पहिलौठा पूतन क दफनावत रहेन जेका
परमेस्सर मार डाए रहेन। परमेस्सर मिस्र क देवता लोगन क
खिलाफ आपन निर्णय देखाए रहा।
5इस्राएल क लोग रामसेस क तजि दिहेन अउ सुक्कोत
मँ सिबिर डाएन। 6सुक्कोत स उ पचे एताम क जात्रा किहेन।
हुवाँ प लोगन रेगिस्तान क छोर प सिबिर डाएन। 7उ सबइ
एताम क तजेन अउ पीहहीरोत क गएन। इ बालसपोन क
लगे रहा। उ सबइ मिगदोल क लगे सिबिर डाएन।
8लोगन पीहीरोत तजि दिहेन अउ समुद्दर क बीच स
चलेन। तब उ पचे तीन दिन तलक एथम रेगिस्तान स होइके
चलेन। लोगन मरा मँ सिबिर डाएन।
9लोगन मरा क तजि दिहेन अउ एलीम मँ सिबिर डाएन।
हुवाँ प बारह पानी क झरना रहेन अउ 70 खजूर क बृच्छ
रहेन।

10लोग एलीम तजेन अउ लाल-सागर क लगे सिबिर डाएन।

11लोग लाल-सागर तजेन अउ सीन रेगिस्तान मँ सिबिर डाएन।

12लोग सीन रेगिस्तान क तजेन अउ दोपका मँ सिबिर डाएन।

13लोग दोपका तजेन अउ आलूस मँ सिबिर डाएन।

14लोग आलुस तजेन अउ रपीदीम मँ सिबिर डाएन। हुवाँ लोग क पानी पिअइ बरे नाहीं रहा।

15लोग रपीदीम तजेन अउ सिनाइ रेगिस्तान मँ सिबिर डाएन।

16लोग सिनाइ रेगिस्तान तजेन अउ किब्रोथत्ताबा मँ सिबिर डाएन।

17लोग किब्रोत्तावा तजेन अउ हसेरोत मँ सिबिर डाएन।

18लोग हसेरोत क तजेन अउ रित्मा मँ सिबिर डाएन।

19लोग रित्मा क तजेन अउ रिम्मोनपेरेस मँ सिबिर डाएन।

20लोग रिम्मोनपेरेस क तजेन अउ लिब्ना मँ सिबिर डाएन।

21लोग लिब्ना तजेन अउ रिस्सा मँ सिबिर डाएन।

22लोग रिस्सा तजेन अउ कहेलाता मँ सिबिर डाएन।

23लोग कहेलाता तजेन अउ सेपेर पहाड़े प सिबिर डाएन।

24लोग सेपेर पहाड़ तजेन अउ हरादा मँ सिबिर डाएन।

25लोग हरादा तजेन अउ मखेलोत मँ सिबिर डाएन।

26लोग मखेलोत तजेन अउ तहत मँ सिबिर डाएन।

27लोग तहत तजेन अउ तेरह मँ सिबिर डाएन।

28लोग तेरह तजेन अउ मित्का मँ सिबिर डाएन।

29लोग मित्का तजेन अउ हसमोना मँ सिबिर डाएन।

30लोग हसमोना तजेन अउ मोसेरोत मँ सिबिर डाएन।

31लोग मोसेरोत तजेन अउ बने-याकन मँ सिबिर डाएन।

32लोग बने-याकन तजेन अउ हाँर होर्हग्गिदगाद मँ
सिबिर डाएन।
33लोग होर्हग्गिदगाद तजेन अउ योताबात मँ सिबिर
डाएन।
34लोग योतबात तजेन अउ अब्रोना मँ सिबिर डाएन।
35लोग अब्रोना तजेन अउ एस्योनगेबेर मँ सिबिर डाएन।
36लोग एस्योनगेबेर तजेन अउ सीने रेगिस्तान मँ कादेस
मँ सिबिर डाएन।
37लोग कादेस तजेन अउ होर मँ सिबिर डाएन। इ एदोम
देस क सिवाने प एक पहाड़ रहा। 38याजक हारून यहोवा क
आग्या मानेस अउ उ हॉर पहाड़े प चढ़ा। हारून पाँचवाँ
महीना क पहिले दिन मरा। उ मिस्र क इस्राएल क लोगन
क जरिया तजि देइ क चालिसवाँ बरिस रहा। 39हारून जब
होर पहाड़े प मरा तब उ 123 बरिस क रहा।
40अरात कनान क नेगेव प्रदेस मँ रहा। कनानी राजा हुवाँ
सुनेस कि इस्राएली लोगन आवत अहइँ। 41लोग हॉर पहाड़े
क तजेन अउ सलमोना मँ सिबिर डाएन।
42लोग सलमोना क तजेन अउ पूनोन मँ सिबिर डाएन।
43लोग पूनोन तजेन अउ ओबोस मँ सिबिर डाएन।
44लोग ओबोस तजेन अउ इये अबारीम मँ सिबिर डाएन।
इ मोआब देस क चउहद्दी प रहा।
45लोग इयीन (इये अबारीम) क तजेन अउ दिबोन-गाद
मँ सिबिर डाएन।
46लोग दिबोन-गाद तजेन अउ अल्मोनदिबलातैम मँ
सिबिर डाएन।
47लोग अल्मोनदिबलातैम तजेन अउ नबो क लगे
अबीराम पहाड़न प सिबिर डाएन।
48लोग अबीराम पहाड़न क तजेन अउ यरदन नदी क
लगे मोआब क प्रदेस मँ सिबिर डाएन। इ जेरिको क निअरे
रहा। 49उ पचे मोआब मँ यरदन घाटी मँ यरदन नदी क
निअरे सिबिर डाएन। ओनकइ डेरन बेत्यसीमोत स अबेलसित्तीम
चरागाह तलक फइला रहेन।
50उ ठउरे प यहोवा मूसा स बात किहेस, 51"इस्राएल क
लोगन स कहा। ओनसे इ बातन क बतावाः तू सबइ यरदन
नदी पार करब्या। तू पचे कनान देस मँ जाब्या। 52तू पचे
ओनँ लोगन स भुइयाँ लइ लेब्या जउन हुवाँ रहत ह तू पचन
क ओनकइ खोदी भइ मूरत अउ प्रतिमा क नस्ट कइ देइ
चाही। तोहका ओनके सबहिं ऊँच ठउरे क नास कइ देइ
चाही। 53तू पचे उ देस लेब्या अउ हुवाँ बसि जाब्या। काहे?
काहे की इ देस मइँ तू सबन क देत अहउँ। इ तोहरे परिवारे
क होइ। 54तोहार हर एक परिवार भुइयाँ क हींसा पाई। तू
पचे इ बात बरे गोटी दुउब्या कि देस क कउन सा हीसां
कउन परिवारे क मिलत ह। बड़का परिवार भुइयाँ क बड़का
हिसां पाइ। नान्ह परिवार देस क नान्ह नान्ह हींसा पाइ। भुइयाँ
ओनॅ लोगन क दीन्ह जाइ जेकर नाउँ गोटी तय करी। हर
एक परिवार समूह आपन भुइयाँ पाइ।
55"तू पचन क दूसर लोगन स देस खाली कराइ लेइ
चाही। अगर तू पचे ओनँ लोगन क आपन देस मँ ठहरइ
देब्या तउ उ पचे तोहरे बरे बहोतइ परेसानी पइदा करिहीं। उ
पचे तोहरी आँखी क पिन या तोहरी कखरी क काँटा क
तरह होइहीं। उ पचे तोहका परेसानी देइहीं जहाँ तू रहब्या।
56अगर अइसा ह तउ इ होइ सकत ह मुझे तू लोगन क
संग भी उहइ करइ क होइ जउन जोजना मइँ ओन लोगन
संग करइ बरे किहउँ।"

कनान क चउहद्दी

34 यहोवा मूसा स बात किहस। उ कहेस, 2"इस्राएल
क लोगन क इ हुकुम द्याः तू पचे कनान देस मँ
आवत अहा। तू लोग इ देस क हरउब्या। तू पचे पूरा कनान
देस लइ लेब्या। 3दक्खिनी अउ तू लोग एदोम क निअरे
सीन रेगिस्तान क हींसा पाइ लेब्या। दक्खिनी सिवान मृत-सागर
क दक्खिनी छोर स सुरु होइ। 4इ बिच्छूदर्रे क दक्खिन
कइँती स गुजरी। इ सीन रेगिस्तान स होइके कादेसबर्ने
तलक जाइ, अउर तब हसरद्दार तथा तब इ अस्मोन स
होइके चली। 5अस्मोन स सिवान मिस्र नदी तलक जाइ अउ
एकर आखिर भूमध्य सागर प होइ। 6तोहार पच्छिउ क
सिवान भूमध्य सागर होइ। 7तोहार उत्तरी सीमा भूमध्य सागर
प सुरु होइ अउ होर पहाड़े तलक जाइ। लबानोन मँ 8इ
लबानोन मँ हँर पहाड़े स लबोहामात तलक जाइ क प्रवेस
दुआर अहइ। एकर बाद इ सदद तक जाइ। 9तब इ
चउहद्दी जिप्रोन क जाइ अउर इ हसेरनान प खतम होइ। इ
तरह इ तोहार उत्तरी चउहद्दी होइ। 10तोहार पुर्बिहा चउहद्दी
एनान प सुरु होइ अउर इ सपान तक जाइ। 11सपान स
चउहद्दी ऐन क पूरब रिबला तलक जाइ। किन्नरेत समुद्दर
गलील क सागर क संग क पहाड़ियन क संग सिवान
चलत रही। 12तब सिवान यरदन नदी क संग संग चली।
एँकर अन्त मृत-सागर प होइ। तोहरे देस क चारिहुँ कइँती
क चउहद्दी हिअँइ बा।"
13मूसा इसाइल क लोगन क हुकुम दिहस, "इहइ उ देस
अहइ जेका तू पउब्या। तू लोग नौ परिवार समूहन अउ
मनस्से परिवार समूह क आधा मनइयन बरे धरती बाँटइ
खातिर ओनके नाउँ क गोटी डउब्या। 14रूबेन, गाद अउ क
परिवार समूहन मनस्से क आधा परिवार समूह क मनइयन
पहिलेन ही आपन प्रदेस लइ लिहे अहइँ। 15उ अढ़ाई परिवार
समूहन यरीहो क निचके यरदन नदी क पूरब आपन पहँटा
लइ लिहे अहइ।"
16तब यहोवा मूसा स बात किहेस। उ कहेस, 17"इ सबइ
उहइ लोग अहइँ जउन भुइँया बाँटइ मँ तोहार मदद करिहीं:
याजक एलीआज़ार, नून क पूत यहोसू, 18अउ हर एक
परिवार समूहन स तू पचे एक ठु नेता चुनब्या। इ लोग
भुइँया क बँटवारा करिहीं। 19नेता लोगन क नाउँ इ अहइँ:

यहूदा क परिवार समूह स युपुन्ने क पूत कालेब।
20सिमोन क परिवार समूह स, अम्मीहूद क पूत
समूएल।
21बिन्यामीन क परिवार समूह स, किसलेस क पूत
एलीहदद।
22दान क परिवार समूह स, योगिल क पूत बुक्की।
23मनस्से (यूसुफ क पूते) क परिवार समूह स, एपोद
क पूत हन्नीएल।

24एप्रैम (यूसुफ क पूते) क परिवार समूह स, सिप्तानी
क पूत कमूएल।
25जबूलून क परिवार समूह स, पर्नाक क पूत
एलीसापान।
26इस्साकार क परिवार समूह स, अज्ज़ान क पूत
पलतीएल।
27आसर क परिवार समूह स, सलोमी क पूत
अहीदूद।
28नपताली क परिवार समूह स, अम्मीहूद क पूत
पदहेल।”

29यहोवा इ मनइयन क इस्राएल क लोगन मँ कनान क
भुइँया बाँटइ बरे चुनेस।

लेवी बंस क सहर

35 यहोवा मूसा स बात किहस। इ यरीहो क पार
मोआब मँ यरदन घाटी मँ यरदन नदी क निचके
रहा। यहोवा कहेस, 2“इस्राएल क लोगन स कहा कि
ओनका आपन हींसा क देस मँ कछू सहर लेवी-बंस क
लोगन क देइ चाही। इस्राएल क लोगन क सहर अउ
ओकरे चारिहुँ कइँती क चरागाह लेवी-बंस क देइ चाही।
3लेवी बंसी लोग ओन सहरन म रइहीं। अउ सब गोरुअन,
अउ दूसर जनावर, जउन लेवी बंसी मनइयन क होइहीं, सहर
क चारिहुँ कइँती क चरागाह मँ चरि सकिहीं। 4तू पचे केतँनी
भुइयाँ लेवी बंसी मनइयन क देब्या? सहर क देवॉर स
1,500 फुट बाहेर सहर क पूरब मँ नापत जा 5अउ सहर क
दक्खिन मँ 3,000 फुट अउर सहर क पच्छिउँ मँ 3,000
फुट, पूर्व 3,000 फुट अउ उत्तर मँ 3,000 फुट- उ सारी
भुइयाँ लेवी बंसियन क होइ। उ भुइयाँ क बीच सहर होइ।
6ओन सहरन मँ छ: सहर सरण क सहर होइहीं। जदि
कउनो मनई कउनो क कतल कइ डावत ह तउ उ सुरच्छा
बरे ओन सहरन मँ पराइ सकत ह। ओन छ: सहरन क
अलावा तू लेवी बंसियन क बियालीस दूसर सहर देब्या। 7इ
तरह तू पचे कुल अरचालीस सहर लेवी बंसी लोगन क
देब्या। तू पचे ओन सहरन क चारिहुँ कइँती भुइँया भी देब्या।
8इस्राएल क बड़का परिवारन क भुइँया क बड़का भाग
देइहीं। इस्राएल क नान्ह परिवारन क भुइँया क छोटा भाग
देइहीं। सबहिं परिवार समूहन लेवी बंसी मनइयन क आपन
सहरन मँ स कछू सहर देइहीं।”
9तब यहोवा मूसा स बात किहेस। उ कहेस, 10“मनइयन
स इ कहा: तू पचे यरदन नदी क पार करब्या अउ कनान
देस मँ जाब्या। 11तोहका “सरण-सहर” बनावइ बरे सहरन क
चुनइ चाही। जदि कउनो मनई सँजोग स कउनो क मारि
डावत ह तउ इ सुरच्छा बरे इ सहरन मँ स कउनो मँ
पराइके जाइ सकत ह। 12उ ओ कउनो मनई स बचा रही
जउन मरे परिवार क होइ अउ ओका धरइ चाहत होइ। उ
तब तलक सुरच्छित रही जब तलक अदालन मँ ओकरे बारे
मँ फइसला नाहीं होइ जात। 13अउ छ: सहर जेका तू चुनिहीं
उ तोहार “सरण-नगर” होइहीं। 14ओन सहर मँ स तीन सहर
यरदन नदी क पूरब मँ होइहीं। अउर तीन दूसर सहर कनान
प्रदेस मँ यरदन नदी क पच्छिउँ मँ होइहीं। 15उ सबइ
सहर नागरिक लोगन, स्थाई निवासियन अउ अस्थाई
निवासियन बरे सरण-ठउर होइहीं। कउनो भी मनई संजोग
स कउनो क मारि डावत ह, इ कउनो एक सहर मँ पराइके
जाइ सकत ह।
16“जदि कउनो मनई कउनो क मारइ बरे लोहा क
हथियार बइपरत ह तउ मनई क मरि जाइ चाही। 17अउर
जदि कउनो मनई एक पाथर उठावत ह अउ कउनो क मारि
डावत ह तउ ओका भी मरइ चाही। पाथर उ आकार क होइ
चाही जेका मनइयन क मारइ बरे अवसर बइपरा जात ह।
18अगर कउनो मनई कउनो लकड़ी का प्रयोग करत ह अउ
कउनो क मारि डावत ह तउ ओका मरइ चाही। लकड़ी एक
हथियार क सेकेल मँ होइ चाही जेकर प्रयोग अक्सर लोग
मनइयन क मारि डावइ बरे करत हीं। 19मरे भए मनई क
परिवार क निअम्बर उ हत्यारा क पाछा कइ सकत ह अउ
ओका मार सकत ह।
20-21“कउनो मनई कउनो प हाथ स हमला कइ सकत
ह अउ ओका मारि डाइ सकत ह। या कउनो मनई कउनो
क धकियाइ सकत ह अउ ओका मारि डाइ सकत ह। या
कउनो मनई कउनो प कछू बहाइ सकत ह अउ ओका मारि
सकत ह। अगर उ मरवइया घिना स अइसा किहस तउ उ
हत्यारा अहइ। उ मनई क मारि डावइ चाही। मरे भए परिवार
क कउनो मनई उ हत्यारा क पाछा कइ सकत ह अउ
ओका मार सकत ह।
22“मुला जदि कउनो मनई संजोग स कउनो क मारि
सकत ह। उ मनई उ मनई स घिना नाहीं करत रहा, उ होनी
संजोग स होइ गइ। या कउनो मनई कछू लोकाइ सकत ह
अउ संजोग स कउनो क मार सकत ह, उ मारइ क इरादा
नाहीं किहे रहा। 23या कउनो मनई कउनो बड़वार पाथर बहाइ
सकत ह। अउ उ पाथर कउनो अइसे मनई प भहराइ पड़इ
जउन ओका न लखत होइ अउ उ ओका मारि डावइ। उ
मनई कउनो क मारि डावइ क इरादा नाहीं किहे रहा। उ
मृतक मनई बरे घिना नाहीं राखत रहा। इ सिरिफ संजोग स
भवा रहा। 24जदि अइसा होइ तउ बिरादरी फइसला करी कि
का कीन्ह जाइ। जाति बिरादर क अदालत इ फइसला देइ
कि मृतक मनई क परिवार क निअँम्बर ओका मारि डाइ
सकत ह। 25अगर अदालत क इ फइसला देइ क होइ कि
उ जिअत रहइ तउ ओका आपन “सरन्ण-सहर” मइँ जाइ
चाही। ओका हुवाँ तब तलक रहइ चाही जब तलक महा
याजक मरि जाइ। इ महा याजक उहइ होइ चाही जेकर
अभिसेक पवित्तर तेल स भवा होइ।
26-27“उ मनई क आपन “सरण-सहर” क चउहद्दी स
कबहुँ बाहेर नाहीं जाइ चाही। अगर उ सिमान पार करत ह
अउ मृतक मनई क परिवार क निअम्बर ओका धरत ह अउ
ओका मारि डावत ह तउ उ मनई हत्या क अपराधी नाहीं
होत। 28उ मनई क जेका, जउन संजोग स कउनो क मारि
डाएस ह, “सरण-सहर” मँ महा याजक क मरि तलक रहइ
सकत ह। महा याजक क मरइ क पाछे उ मनई आपन
भूइँया क लउटि सकत ह। 29तू जउन कहुँ भी रहा इ नेमॅ
तोहार आवइ वाले नसलन बरे कानून क तरह होइ जाब।

30“हत्तियारा क तबहिं मउत-सजा दीन्ह जाइ सकत ह। जब ओकरे बिरोध मँ एक स जियादा गवाही होइहीं। जदि एक ठु ही गवाह होइ तउ कउनो मनई क मउत क सजा नाहीं दीन्ह जाइ।

31“जदि कउनो मनई हत्तियारा अहइ तउ ओका मारि डावइ चाही। धन क बदले ओका नाहीं छोड़ दीन्ह जाइ चाही। उ हत्तियारे क मार दीन्ह जाइ चाही।

32“अगर कउनो मनई कउनो क मारेस अउ उ पराइके कउनो “सरण-सहर” मँ गवा तउ घर लउटइ बरे ओसे धन जिन ल्या। उ मनई क उ नगर मँ तब तलक रहइ क पड़ी जब तलक महायाजक न मरइ।

33“भोले मनइयन क खून स आपन देस क जिन दुसित करा। जदि कउनो मनई कउनो क मारि डावत ह तउ इ अपराध क बदला इहइ अहइ कि उ मनई क मार दीन्ह जाइ। दूसर कउनो अइसा बदला उ जुर्म बरे नाहीं बा कि हत्तियारा क जान स मारि डावा जाइ। दूसर कउनो चारा नाहीं कि उ देस क अजाद कइ सकइ। 34मइँ यहोवा हउँ! मइँ इस्राएल क लोग क बीच तोहरे देस मँ सदा रहत रहबइ। मइँ उ देस मँ रहत रहब। एह बरे बे अपराधी मनइयन क खून स उ देस क दुसित जिन करा।”

सलोफाद क बिटियन क देस

36 मनस्से यूसुफ क पूत रहा। माकीर मनस्से क पूत रहा। गिलाद माकीर क पूत रहा। गिलाद परिवार क नेता मूसा अउ इस्राएल क परिवार समूहन क नेता लोगन स बात करइ गएन। 2उ पचे कहेन, “महोदय, यहोवा हमलोगन क लौटरी क आधार पइ भूइँया बाटइँ क हुकम दिहस ह। अउर महोदय, यहोवा हुकुम दिहस कि सलोफाद क भुइयाँ ओकरी बिटियन क मिलइ। सलोफाद हम लोगन क भाई रहा। 3इ होइ सकत ह कि कउनो दूसर परिवार समूह क मनई सलोफाद क कउनो बिटिया स बियाह करइ। का उ भुइँया हमरे परिवारे स निकरि जाइ? का उ दूसरे परिवार समूह क मनई उ भुइँया क पाइ लेइहीं? का हम लोग उ भुइँया क खोइ देब जेका हम लोग लौटरी क आधार प पावा ह। 4लोग आपन भुइँया बेचं-बिकिन सकत हीं। मुला जुबली क बरिस मँ सारी धरती उ परिवार समूह क लउटी जात ह जउन एकर असली मालिक होत ह। उ टेमँ सलोफाद क बिटियन क भुइयाँ कउन पाई? अगर वइसा होत ह तउ हमार परिवार उ भुइयाँ क सदा न पाइ सकी।”

5मूसा इस्राएल क लोगन क इ हुकुम दिहस। इ हुकुम यहोवा क रहन “युसूफ क परिवार समूह क इ सबइ मनई ठीक कहत हीं। 6सलोफाद क बिटियन बरे इ हुकुम अहइः जदि तू कउनो स बियाह करइ चाहति हउ तउ तोहका आपन परिवार समूह क कउनो मनई क संग बियाह करइ चाही। 7इ तरह इस्राएल क लोगन मँ भुइयाँ एक परिवार समूह स दूसर परिवार समूह मँ नाहीं जाइ। हर एक इस्राएली आपन पुरखन क भुइँया क ही आपन लगे रखी। 8अउर जदि कउनो बिटिया बाप क भुइँया पाइ जात ह तउ ओका आपन परिवार समूह मँ स ही कउनो क संग बियाह करइ चाही। इ तरह हर एक मनई उहइ भुइयाँ अपने लगे रखी जउन ओकरे पुरखन क रही। 9इ तरह इस्राएल क लोगन मँ एक परिवार समूह स दूसर परिवार समूह मँ न जाइ। हर एक इस्राएली उ भुइँया रखी जउन ओकरे आपन पुरखन क रही।”

10सलोफाद क बिटियन, मूसा दुआरा प्राप्त भवा यहोवा क हुकुम क पालन किहेस। 11एह बरे सलोफाद क बिटियन महला, तिर्सा, होग्ला, मिल्का अउ नोआ आपन चचेरा भाइयन क संग बियाह किहन। 12ओनकइ भतार मनस्से क परिवार समूह क रहेन। एह बरे ओनकइ भुइँया ओनके बाप क परिवार अउ परिवार समूह क बनी रही।

13इ तरह उ सब कनून अउ हुकुम यरीहो क पार स यरदन नदी क किनारे मोआब इलाका मँ यहोवा मूसा क दिहे रहा। मूसा यहोवा क ओन कनूनन क अउ हुकुमन क इस्राएल क लोगन क दिहस।

लैव्यव्यवस्था

होमबलि क नेम

1 यहोवा परमेस्सर मूसा क मिलापवाला तम्बू स बोलाएस
अउ ओसे कहेस। यहोवा कहेस, 2“इस्राएल क मनइयन
क निर्देस द्या कि जब तू लोगन मँ स कउनो मनई यहोवा
बरे भेंट लइ आवइ तउ उ ओकर झुण्ड या खरका स होइ
चाही।
3“अगर कउनो मनई आपन झुण्ड मँ स कउनो क
होमबलि देइ तउ उ नर होइ चाही अउ गोरु मँ कउनो
दोख नाहीं होइ चाही। उ मनई क चाही कि गोरु क
मिलापवाला तम्बू क दुआरे प लइ जाइ। तब यहोवा भेंट क
अंगीकार करी। 4इ मनई क आपन हाथ क गोरु क मूँड़ि प
धरइ चाही। जब एकॉ बलि दीन्ह जाइ क होइ। यहोवा
होमबलि क ओकर पाप बरे प्रायस्चित क खातिर अंगीकार
करी।
5“मनई क चाही कि बछवा क यहोवा क समन्वा मारइ।
तब हारून क याजक बेटवन क बछवा क रकत मिलापवाला
तम्बू क दुआरे प वेदी क चारिहुँ कइँती बहावइ चाही।
6याजक उ गोरु क चाम हटाइ देइ अउ ओका टूका मँ
काटी। 7हारून क याजक बेटहनन क वेदी प काठ अउ
आगी धरइ चाही। 8हारून क याजक बेटहनन क उ सबइ
टूकन, (मूँड़ि अउ चर्बी) क काठे प धरइ चाही। उ काठ
वेदी प आगी क ऊपर होत ह।
9“याजक क गोरू क भितरे क हींसा अउ गोड़ी क पानी
स धोवइ चाही। तब याजक क गोरू क इ सबइ हींसा क
वेदी प बारइ चाही। इहइ होमबलि अहइ यानी एक ठु
उपहार, यहोवा क खुस करइ बरे एक ठु सुगन्ध।
10“अगर कउनो मनई भेड़ी या बोकरी क होमबलि
चढ़ावइ तउ उ एक अइसा नर गोरु क भेंट देइ जेहमाँ
कउनो दोख न होइ। 11उ मनई क वेदी क उत्तर कइँती
यहोवा क समन्वा गोरु क मारइ चाही। हारून क याजक
बेटवन वेदी क चारिहुँ कइँती रकत छिड़कइ चाही। 12तब
याजक क चाही कि उ गोरु क टूकन मँ काटइ। गोरु क
मूँड़ी अउ चर्बी काठे क ऊपर सिलसिला स धरइ चाही।
काठ वेदी प आगी क ऊपर रहत ह। 13याजक क गोरु क
भीतर क हींसन क अउ ओकरे गोड़े क पानी स धोवइ
चाही। तब याजक क चाही कि उ गोरु क इ सबहिं हींसन
क वेदी प बारइ। इ होमबलि अहइ यानी एक ठु उपहार
यहोवा क खुस करइ बरे एक ठु सुगन्ध।
14“अगर कउनो व्यक्ति यहोवा क एक ठु पंछी होमबलि
क रूप चढ़ावत ह तउ इ पंछी फाख्ता या नान्ह कबूतर होइ
चाही। 15याजक भेंट क वेदी प लिआइ। याजक पंछी क
मूँड़ि क काट देइ। तब उ पंछी क वेदी प बारी। पंछी क
खून वेदी कइँती बहइ चाही। 16याजक क पंछी क गटइ क
थइली अउ ओकरे पखना क वेदी क पूरब कइँती लोकइ
देइ चाही। इ उहइ जगह अहइ जहाँ उ पचे वेदी स
निकारिके राखी रखई जात हीं।
17“तब याजक क पखना क लगे पंछी क जरूर काटइ
चाही, मुला पंछी क दुइ हींसा मँ नाहीं बाँटइ चाही। याजक
क वेदी क ऊपर आगी प धरी काठे क ऊपर पंछी क
जरूर बारइ चाही। इ होमबालि अहइ यानी एक ठु उपहार,
यहोवा क खुस करइ बरे एक ठु सुगन्ध।

अन्नबलि क नेम

2 “जब कउनो मनई यहोवा क अन्न बलि चढ़ावइ तउ
ओकर भेंट पातर आटा क होइ चाही। उ मनई उ
आटे प तेल नावइ अउ ओह प लोहबान धरइ। 2तब उ
ऍका हारून क याजक बेटवन क लगे जरूर लिआवइ
चाही। तब याजक तेल अउ लोहबान स मिला भवा एक
मूठी आटा लेइ अउर एकॉ वेदी प स्मृति भेंट क रुप मँ
बारइ देइ। इ यहोवा बरे एक भेंट एक सुहावना सुगन्ध होइ।
3बची भई अन्नबलि हारून अउ ओकरे पूतन बरे होइ। इ
भेटं यहोवा क दीन्ह जाइवाली भेंटन मँ स सब त परमपवित्तर
होइ।

चूल्हा मँ पकी अन्नबलि क नेम

4“जबहिं तू चूल्हा मँ पकी भइ अन्नबलि क भेंट
लिआवा तउ इ बे खमीरे तेल मिला भवा बढ़िया आटा क
फुलका या ऊपर स तेल डावा भवा बिना खमीरा क पतला
केक होइ चाही। 5अगर तू भूँजइ वाली कड़ाही स अन्नबलि
लिआवत ह तउ इ तेल स मिला भवा बे खमीरे क गेहूँ क
बढ़ियाँ आटा क केक होइ चाही। 6तोहका ऍका टूका कइके
कइउ हींसा मँ तोड़इ चाही अउ ऍन प तेल चुपरइ चाही। इ
अन्नबलि अहइ। 7अगर तू अन्नबलि क भूँजइ वाली कड़ाही
स लिआवत ह तउ इ तेल स मिला भवा गेहूँ क बढ़ियाँ
आटा क होइ चाही।
8“तू इ चीजन स बनी अन्नबलि यहोवा खातिर लइ
अउब्या। तू इ चीजन क याजक क लगे लइ अउब्या अउ
उ ओनका वेदी प धरी। 9फिन याजक उ अन्नबलि मँ स
ऍकर कछू हींसा लइके ओका स्मृति भेंट क रुप मँ वेदी प
बारि देइ। अउर इ एक ठु उपहार, यहोवा क खुस करइ बरे
एक ठु सुगन्ध होइ। 10बची भइ अन्नबलि हारून अउ
ओकरे बेटवन बरे होइ। इ भेंट यहोवा बरे चढ़ाई जाइवाली
भेंटन मँ स परमपवित्तर होइ।

11“तोहका यहोवा क खमीर स या मधु स बना भवा
अन्नबलि क भेंट क रूप मँ नाहीं चढ़ावइ चाही। 12तू
पहिली फसल क खमीर स बना भवा अन्न भेंट यहोवा बरे
भेंट क रूप मँ लाइ सकत ह, मुला एका खुस करइ बरे
सुगन्ध क रुप मँ वेदी प बारइ नाहीं चाही। 13तोहका आपन
लिआइ भइ हर एक अन्नबलि प नोन भी जरूर धरइ चाही।
यहोवा स तोहरे करार क मुताबिक नोन क जरूरत क
अनुसार अन्नबलि मँ धरइ स तोहका नाहीं रोकइ चाही।
तोहका आपन सबहिं भेंटन प नोन धरइ चाही।

पहली पकी फसल स अन्नबलि क नेम

14“अगर तू पहिली पकी फसल स अन्नबलि लिआवत
ह तउ तोहका भूँजी भइ ताजा अनाज लिआवइ चाही। इ
अनाजे क दरिके नान्ह नान्ह टूकन मँ तोरा जाइ चाही। इ
भेंट तोहार पहिली पकी फसल क जइसा अन्नबलि होइ।
15तोहका एँह प तेल नावइ अउ लोहबान जरूर धरइ चाही।
इ अन्नबलि अहइ। 16अउर याजक क चाही कि उ स्मृति
भेंट क रुप मँ दरा भवा अनाजे क कछू हींसा, तेल अउ
एँह पइ धरा पूरा लोहबान क बारइ। इ यहोवा बरे उपहार
होइ।

मेलबलि क नेम

3 “अगर कउनो मनई आपन झुण्ड मँ स एक ठु नर या
मादा जनावर यहोवा क समन्वा मेलबलि क रूप मँ
भेंट चढ़ावत ह तउ ओहमाँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही। 2इ
मनई क आपन हाथ गोरु क मूँड़ि प जरूर धरइ चाही।
मिलापवाला तम्बू क दुआरे प उ मनई क जरिये उ गोरु क
जरूर मारि डावइ चाही। तब हारून क याजक पूतन क वेदी
क चारिहुँ कइँती रकत बहावइ चाही। 3मेल बलि मँ स
यहोवा क उपहार क रूप मँ भीतरी हींसन क ढाँपइ वाली
अउ भितरे क हींसा मँ रहइवाली चर्बी क भेंट जरूर चढ़ावइ
चाही। 4ओका दुइनउँ गुर्दन अउर ओका ढाँकइ वाला चर्बी
क अउर पुट्ठा के चर्बी क भी भेंट चढ़ावइ चाही। तउ उ
झिल्ली जउन करेजा स चिपका भवा ह ओका भी गुर्दन क
संग निकारि लेइ चाही। 5तब हारून क बेटवन चर्बी क वेदी
प बरिहीं। उ पचे चर्बी क आगी प धरी भइ लकड़ी प
राखी। इ एक उपहार अहइ। एकर सुगन्धि यहोवा क खुस
रखत ह।

6“अगर एक मनई यहोवा बरे आपन झुण्ड मँ स मेलबलि
क रुप मँ नर अउर मादा गोरु लिआवत ह तब ओका
सिरिफ उ गोरु क भेंट देइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न
होइ। 7अगर उ आपन बलि क रूप मँ एक ठु मेमना
लिआवत ह तउ ओका यहोवा क समन्वा बलि देइ चाही।
8ओका आपन हाथ गोरु क मूँड़े प धरइ चाही अउ
मिलापवाला तम्बू क समन्वा ओका मारइ चाही। तब हारून
क बेटवन वेदी प चारिहुँ कइँती गोरु क रकत बहावइ
चाही। 9इ मनई क चर्बी स भरी पूरी पूँछ गोरु क पिछली
हड्डी क आखरी हींसा स कटा भवा चर्बी, अउ उ चर्बी
जउन भीतरी हींसा क ढाँपि रहत ह अउ उ सबइ चर्बी जउन
भितरे मँ अहइ क यहोवा क उपहार क रूप मँ भेंट चढ़ावइ
चाही। 10ओका दुइनउँ गुर्दन अउर ओनका ढाँपइ वाला चर्बी
क अउर पुट्ठा क चर्बी क भी भेंट चढ़ावइ चाही। उ
झिल्ली जउन करेजा स चिपका भवा ह ओका भी निकारि
लेइ चाही अउर गुर्दन क संग चढ़ावई चाही। 11तब याजक
वेदी प एँका जरूर बारी। इ खइया अहइ, इ यहोवा बरे एक
ठु उपहार होइ।

मेलबलि क रुप मँ बोकरा क बलि क नेम

12“अगर ओकर बली एक ठु बोकरा अहइ तउ उ
ओका यहोवा क समन्वा जरूर भेंट देइ। 13उ व्यक्ति क
बोकरा क मूँड़ी प हाथ धरइ चाही। ओका मिलापवाला तम्बू
क समन्वा एकॉ मारइ चाही। तब्बइ हारून क बेटवन बोकरा
क रकत वेदी प चारिहुँ कइँती बहाइहीं। 14तब उ व्यक्ति क
बोकरा क एक हींसा यहोवा बरे उपहार क रुप मँ चढ़ावइ
बरे लिआवइ चाही। इ मनई क भीतरी हींसा क अउ ओकरे
चारिहुँ कइँती क चर्बी क भेंट जरूर चढ़ावइ चाही। 15ओका
दुइनउँ गुर्दन अउर ओनका ढाँपइ वाला चर्बी क अउर
पुट्ठा के चर्बी क भी भेंट चढ़ावइ चाही। उ झिल्ली जउन
करेजा स चिपका भवा ह ओका भी निकारि लेइ चाही
अउर गुर्दन क संग चढ़ावी चाही। 16याजक क वेदी प
बोकरा क हींसा क जरूर बारइ चाही। इ खइया अहइ,
यहोवा बरे एक ठु उपहार। सबहिं चर्बी यहोवा क अहइ।
17इ नेमॅ तोहार सबहिं अगुवा पीढ़ियन मँ हमेसा चलत रही।
तू जहाँ कहूँ भी रहा, तोहका खून या चर्बी नाहीं जरूर खाइ
चाही।”

संजोग स भवा पाप बरे पापबलि क नेम

4 यहोवा मूसा स कहेस, 2“इस्राएल क मनइयन स कहा:
अगर कउनो व्यक्ति स संजोग क कारण कउनो
अइसा पाप होइ जाइ जेका यहोवा न करइ क हुकुम दिहे
अहइ तउ उ व्यक्ति क नीचे लिखी भई बात करइ चाही:
3“अगर अभिसिक्त याजक स कउनो पाप भवा होइ अउ
इ लोगन क बुरा बनावत हीं तउ ओका आपन कीन्ह गए
पाप बरे यहोवा क बलि चढ़ावइ चाही। ओका एक बछवा
यहोवा क भेंट मँ जरूर देइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न
होइ। ओका यहोवा क बछवा पापबलि क रुप मँ जरूर
चढ़ावइ चाही। 4अभिसिक्त याजक क उ बछवा क यहोवा
क समन्वा मिलापवाला तम्बू क दुआरे प जरूर लावइ चाही।
ओका आपन हाथ उ बछवा क मूँड़े प जरूर धरइ चाही अउ
यहोवा क समन्वा ओका मारि देइ चाही। 5तब अभिसिक्त
याजक क बछवा क कछू रकत जरूर लेइ चाही अउ
मिलापवाला तम्बू क अन्दर लइ जाइ चाही। 6याजक क
आप अँगुरी खून मँ डावइ चाही अउ महा पवित्तर ठउर क
पर्दा क समन्वा खून क सात दाईं परमेस्सर क समन्वा
छिछकारइ चाही। 7याजक क कछू खून महकउआ धूप क
वेदी क सींगन प जरूर लगावइ चाही। इ वेदी यहोवा क
समन्वा मिलापवाला तम्बू क अन्दर अहइ। याजक क बछवा
क सारा खून होमबलि क वेदी क आधार प जरूर उड़ेरइ
चाही। इ वेदी मिलापवाला तम्बू क दुआर प अहइ। 8अउर
ओका पापबलि कीन्ह गइ बछवा क सारी चर्बी जरूर

निकारि लेइ चाही। ओका भितरे क हींसा क ढाँपि भइ चर्बी
अउ ओकरे चारिहुँ कइँती क चर्बी क निकारि लेइ चाही।
9ओका दुइनउँ गुर्दन अउर ओनका ढाँपइ वाला चर्बी अउ
पुट्ठा प क चर्बी क भी भेंट चढ़ाई चाही। ओका उ झिल्ली
जउन करेजा स चिपका भवा ह ओका भी निकारि लेइ
चाही अउर गुर्दन क संग चढ़ावइ चाही। 10याजक क इ
सबइ चीजन ठीक उहइ तरह लेइ चाही जउने तरह उ इ
सबइ चीजन मेलबलि क बछवा स लिहे रहा। याजक क
होमबलि क वेदी प गोरु क भितरे क हींसन क जरूर बारि
देइ चाही। 11मुला याजक क बछवा क चाम, मूँड़, गोड़,
भीतर क हींसन अउ तने क बेकार हींसा जरूर निकारि देइ
चाही। 12याजक क डेरा क बाहेर खास ठउरे इ हींसन जउन
बछवा क सरीर क बचा भवा हींसा अहइ क हुँआ लइ
जाइ चाही जहाँ राखी डारी जात ह। याजक क हुआँ काठ क
आगी पइ जहाँ राखी क डारी दीन्ह गवा ह इन हींसन क
जरूर बारइ चाही।

13"अइसा होइ सकत ह कि समूचइ इस्राएल रास्ट्र स बे
जाने भए कउनो अइसा पाप होइ जाइ जेका न करइ बरे
परमेस्सर हुकुम दिहे होइ। मुला अइसा होइ जात ह तउ उ
सबइ दोखी होइहीं। 14जदि ओनका इ पापे क पता लगि
जात ह तउ समूचइ रास्ट्र बरे एक ठु बछवा पापबलि खातिर
चढ़ावा जाइ चाही। ओनका बछवा क मिलापवाला तम्बू क
समन्वा लइ आवइ चाही। 15बुर्जुगन क बछवा क मूँड़े प
आपन हाथ धरइ चाही। बछवा क यहोवा क अगवा मारइ
चाही। 16तबहिं अभिसिक्त याजक क बछवा क तनिक खून
मिलापवाला तम्बू मँ लइ आवइ चाही। 17याजक क आपन
अँगुरियन रकत मँ जरूर बोरइ चाही अउ पर्दा क समन्वा
सात दाईं रकत क छिछकारइ चाही। इ यहोवा क अहइ।
18तब याजक क कछू रकत वेदी क सिंगियन प डावइ
चाही। उ वेदी मिलापवाला तम्बू मँ यहोवा क समन्वा बा।
याजक क सारा रकत होमबलि क वेदी क नींव प डावइ
चाही। उ वेदी मिलापवाला तम्बू क दुआरे प बा। 19तब
याजक क गोरु क सारी चर्बी निकारि लेइ चाही अउ ओका
वेदी प बारइ चाही। 20उ बछवा क संग जरूर वइसा ही
करी जइसा उ पापबलि क रूप मँ चढ़ावा भवा बछवा क
संग किहे रहा। इ तरह याजक मनइयन क पाप क पछतावा
करत ह एहसे लोग छिमा पाइहीं। 21याजक डेरा क बाहेर
बछवा क लइ जाइ अउर ओका हुआँ बारि देइ। इ पहिले
क तरह होइ। इ पूरे समाज बरे पापबलि होइ।

22"जब कउनो सासक यहोवा आपन परमेस्सर क हुकुम
तोड़इ क पाप अनजाने मँ करत ह, तउ उ दोखी समुझा
जाई। 23अगर सासक क इ पाप क पता लागत ह तब
ओका एक अइसा बोकरा जरूर लावइ चाही जेहमाँ कउनो
दोख न होइ। इहइ ओकर भेंट होइ। 24सासक क बोकरा
क मूँड़ि प हाथ जरूर धरइ चाही अउ ओका उ ठउरे प
मारइ चाही जहाँ उ पचे होमबलि क यहोवा क समन्वा मारत
हीं। इ एक पापबलि अहइ। 25याजक क पापबलि क कछू
रकत आपन अँगुरियन प जरूर लेइ चाही। याजक क
होमबलि क वेदी क सिंगियन प रकत जरूर छिछकारइ
चाही। याजक क बचा भवा रकत होमबलि क वेदी क
आधार प जरूर डावइ चाही। 26अउ याजक क बोकरा क
सारी चर्बी वेदी प जरूर बारइ चाही। ओका एका उहइ तरह
बारइ चाही जउने तरह उ मेलबलि क चर्बी बारत ह। इ तरह
याजक सासक क पाप क पछतावा करत ह अउ सासक
छिमा पाइहीं।

27"अइसा होइ सकत ह कि साधारण जनता मँ स कउनो
मनई स संजोग स कउनो अइसा पाप होइ जाइ जेका यहोवा
न करइ क हुकुम दिहेस ह। 28अगर उ व्यक्ति क आपन
पाप क पता लगि जाइ तउ उ एक ठु मादा बोकरी जरूर
लियावइ जेहमाँ कउनो दोख न होइ। इ उ व्यक्ति क
पापबलि होइ। उ इ बोकरी क उ पाप खातिर लियावइ जउन
उ किहस ह। 29ओका आपन हाथ गोरु क मूँड़ी प धरइ
चाही अउ होमबलि क ठउरे प ओका बाँधइ चाही।
30याजक क उ बोकरी क कछू रकत आपन अँगुरियन प
जरूर लेइ चाही अउ याजक क होमबलि क वेदी क
सिंगियन प रकत जरूर छिड़कइ चाही। याजक क बचा
भवा रकत होमबलि क आधार प जरूर डावइ चाही। 31तब
याजक क बोकरी क सारी चर्बी उहइ तरह निकारइ चाही
जउने तरह मेलबलि स चर्बी निकारी जात रहा। याजक क
एँका यहोवा बरे सुहावना सुगंध क रूप मँ धूप क वेदी प
बारइ चाही। इ तरह याजक उ मनई क पापे क पछतावा
कइ देइ अउ व्यक्ति छिमा पाइही।

32"अगर उ मनई पापबलि क रुप मँ एक ठु भेड़ी क
बच्चा लिआवत ह तउ ओका एक मादा भेड़ी क बच्चा लइ
आवइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न होइ। 33मनई क ओकरे
मूँड़ी प हाथ धरइ चाही अउ ओका उ ठउरे प पापबलि क
रुप मँ मारइ चाही जहाँ उ पचे होमबलि क गोरु क मारत
हीं। 34याजक क उ बोकरी क कछू रकत आपन अँगुरियन
प जरूर लेइ चाही अउ याजक क होमबलि क वेदी क
सिंगियन प रकत जरूर छिड़करइ चाही। याजक क बचा
भवा रकत होमबलि क आधार प जरूर डावइ चाही।
35याजक क मेमना क सारी चर्बी उहइ तरह लेइ चाही जउने
तरह मेलबलि क चर्बी लीन्ह जात ह। याजक क मेमना क
सारी चर्बी क यहोवा क उपहार क रूप मँ जरूर बारइ
चाही। इ तरह याजक उ व्यक्ति क पापे क पछतावा करी
अउ उ व्यक्ति छिमा पाइही।

एक मनई दुआरा अनजाने मँ कीन्ह गवा पाप

5 "जदि कउनो मनई अदालत मँ गवाही देइ बरे बोलावा
जात ह अउ जउन कछू उ लखेस ह या अनकेस ह,
ओका नाहीं बतावत तउ उ पाप करत ह। ओका ओकरे
अपराध बरे जरुर ही सजा भोगइ क होइ। 2जदि कउनो
व्यक्ति कउनो असुद्ध चिजियन क जइसे जंगली जनावर या
घरेलू जनावर या रेंगइवाला कउनो जनावर क ल्हास क
अनजाने मँ छुवत ह तउ उ व्यक्ति, जदि ओका एँकर पता
नाहीं भी लागत तउ भी उ दोखी होइ। 3एक व्यक्ति अलग
अलग चिजियन स असुद्ध होइ सकत ह। अगर कउनो
प्रकार क मानव अनजाने मँ किसी असुद्ध मनई क छुअत
ह, तउ जे टेम मँ ओका इ पता चली उ दोखी होइ। 4अगर
एक व्यक्ति कउनो व्यक्ति स कछू नीक या खोट करइ

क बचन करत ह अउ ओका बिसरि जात ह, जब उ आपन बचन क सुमिरइ तब उ दोखी होइ। 5एह बरे, अगर उ एनमाँ स कउनो चिजियन क दोखी बाटइ तउ ओका आपन बुराई जेका उ किहेस ह क कबूल लेइ चाही। 6ओका आपन झुण्ड मँ स एक ठु मादा मेमना या एक ठु बोकरी पापबलि बरे लावइ चाही। इ उ यहोवा बरे आपन दोख बरे किहेस ह। तब याजक उ व्यक्ति क पापे क पछतावा करी।

7"अगर कउनो मनई भेड़ी क बच्चा भेंट करइ मँ समरथ नाहीं अहइ तउ ओका दुइ फाक्ता या कबूतरे क दुइ बच्चा यहोवा क भेंटे मँ देइ चाही। इ ओकरे पाप बरे दोखबलि होइ। एक ठु पंछी दोखबलि बरे होइ चाही अउ दूसर होमबलि बरे होइ चाही। 8उ मनई क चाही कि उ ओन पंछियन क याजक क लगे लइ जाइ। पहिले याजक क दोखबलि क रुप मँ एक पंछी चढ़ावइ चाही। याजक पंछी क गटई क मरोड़ देइ। मुला याजक पंछी क दुइ हींसा मँ न बाँटी। 9तब याजक क पापबलि क कछू रकत क वेदी क सिरन कइँती प जरूर डावइ चाही। तब याजक क बचा भवा रकत क वेदी क आधार प जरूर डावइ चाही। इ एक दोखबलि अहइ। 10तब याजक क नेम क मुताबिक होमबलि क रुप मँ यहोवा क दूसर पंछी क भेंट चढ़ावइ चाही। इ तरह याजक उ व्यक्ति क पापे क पछतावा करी अउ उ व्यक्ति छिमा पाइहीं।

11"अगर कउनो व्यक्ति दुइ फाख़्ता या दुइ कबूतर क भेंट चढ़ावइ मँ समरथ न होइ तउ ओका एपा* क दसवाँ हींसा महीन आटा जरूर भेंट चाही। इ ओकर पापबलि होइ। उ मनई क आटा प तेल नाहीं डावइ चाही। ओका एँह प लोहबान नाहीं डावइ चाही काहेकि इ पापबलि बाटइ। 12मनई क आटा याजक क लगे जरूर लावइ चाही। याजक एहमाँ स मुट्ठी भइ आटा निकारी। इ स्मृति भेंट होइ। याजक यहोवा क उपहार क रूप मँ वेदी क ऊपर आटा क बारी। इ पापबलि अहइ। 13इ तरह याजक उ व्यक्ति क पाप क अपराध बरे पछतावा करी अउ उ छिमा पाइहीं। बची भइ आटा याजक बरे अन्नबलि क जइसा ही होइ।"

14यहोवा मूसा स कहेस, 15"एक व्यक्ति गलती स यहोवा क पवित्तर चीजन मँ स एक ठु चीज लइ सकत ह। अइसा हालत मँ उ व्यक्ति क एक ठु बिना दोख क भेड़ा लइ आवइ चाही। इ भेड़ा यहोवा बरे ओकर दोखबलि होइ। तोहका उ भेड़ा क कीमत तय करइ बरे पवित्तर स्थान क सेकेल क अनुसार बइपरइ चाही। 16उ व्यक्ति क पवित्तर चीजन बरे भुगतान जरुर करइ चाही अउर जउने चीजन क उ लिहस ह। ओका कीमत मँ पाँचवाँ हींसा जोरि देइ चाही अउर ओका इ धन याजक क देइ चाही। इ तरह याजक दोखबलि क भेड़ा क जरिये उ मनई क पाप क पछतावा करी अउ उ व्यक्ति छिमा पाइहीं।

17"अगर कउनो व्यक्ति पाप करत ह अउ जउन चीजन क न करइ क हुकुम यहोवा दिहे अहइ, ओनका करत ह तउ इ बात क कउनो महत्व नाहीं कि उ एकाॅ नाहीं जानत। उ मनई अपराधी अहइ अउर आपन पाप क जिम्मेदार होइ। 18उ व्यक्ति क एक ठु उचित कीमत क निर्दोख भेड़ा आपन झुण्ड स याजक क लगे लइ आवइ चाही। भेड़ा दोखबलि होइ। इ तरह याजक उ व्यक्ति क उ पाप बरे पछतावा करी जेका उ अनजाने मँ किहेस ह अउ उ छिमा पाइहीं। 19मनई अपराधी अहइ चाहे उ इ न जानत होइ कि उ पाप करत बा। एह बरे ओका यहोवा क दोखबलि देइ क होइ।"

एपा लगभग दुइ लीटर क बराबर या दुइ क्वार्ट।

दूसर पाप बरे दोखबलि

6 यहोवा मूसा स कहेस, 2"एक मनई यहोवा क समन्वा दोखी समुझा जाइ अगर उ एनमाँ स कउनो कार्य करत ह: उ एक पड़ोसी क उ सामान जउन ओका देखरेख करइ बरे दीन्ह ग अहइ क बरे छल कइ सकत ह, या उ वस्तु क आपन खुद क लइ ले सकत ह, या उ कछू चोराइ सकत ह, या आपन पड़ोसी क ठग सकत ह, 3या ओका कउनो क हेरान चीज मिलइ अउर तब उ ओकरे बारे मँ लबार बोल सकत ह या कउनो मनई कछू करइ क झूठा बचन दइ सकत ह या उ कउनो अइसा अपराध कइ सकत ह जउन दूसर लोग करत ह। 4अगर कउनो मनई अइसा पाप ओनमाँ स करत ह अउ उ दोखी होत ह, ओका उ जरूर वापिस करइ चाही जउन उ चुराएस ह, या उ लाभ जउन उ ठगी स प्राप्त किहेस ह, या उ सामान जउन देखरेख बरे लिहस ह, या उ खोया भवा सामान जउन उ पाएस ह, क जरूर वापिस करइ चाही। 5या जउन कउनो क बारे मँ झूठ बचन दीन्ह ग होइ, उ ओका ओन वस्तुअन क पूरा दाम चुकावइ चाही अउर तब ओका चीज क दाम क पाँचवाँ हींसा अलावा देइ चाही। ओका असली मालिक क धन जरूर देइ चाही। ओका इ उहइ दिन करइ चाही जउने दिन उ दोखबलि लिआवइ।

6"उ व्यक्ति क दोखबलि याजक क लगे जरूर लिआवइ चाही। इ जरूर झुण्ड स एक भेड़ा होइ चाही। भेड़ा मँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही। इ जरूर उहइ दाम क होइ चाही जउन याजक कहइ। इ यहोवा बरे दोखबलि होइ। 7तब याजक यहोवा क समन्वा उ मनई क ओन पापन क पछतावा करी अउ उ व्यक्ति सभी चीजन बरे छिमा पाइ जेनका उ किहेस अउ उ दोखी होइ गवा।"

होमबलि

8यहोवा मूसा स कहेस, 9"हारून अउ ओकरे पूतन क इ हुकुम द्या: होमबलि क वेदी क अगी कुण्ड मँ पूरी रात भिन्सार होइ तलक जरूर राखइ चाही। वेदी क आगी क वेदी प जरूर बरत रहइ चाही। 10याजक क सन क उत्तिम रेसा क बना भवा चोगा जरूर पहिरइ चाही। ओका आपन तन स चिपका जाँघिया पहिरइ चाही। तब याजक क होमबलि प पूरी तरह स जरि जाइ क पाछे वेदी स बची भइ राखी क उठावइ चाही। याजक क वेदी क बगल मँ राखी जरूर राखइ चाही। 11तब याजक क आप ओढ़ना क उतारइ चाही अउ दूसर ओढ़ना पहिरइ चाही। तब ओका डेरा स बाहेर साफ ठउर प राखी लइ जाइ चाही। 12मुला वेदी प आगी क जरूर बरत रहइ चाही। एका बुझइ नाहीं देइ चाही। याजक क रोज भिन्सारे वेदी प काठ जरूर बारइ चाही।

ओका वेदी प होमबलि जरूर रखइ चाही। ओका मेलबलि क चर्बी जरूर बारइ चाही। 13वेदी प आगी लगातर बरत रहइ चाही। एका बुझइ नाहीं चाही।

अन्नबलि

14"अन्नबलि क इ नेम अहइ कि हारून क पूतन क वेदी क समन्वा यहोवा बरे अन्नबलि जरूर लावइ चाही। 15याजक क अन्नबलि मँ स मूठी भइ उत्तिम ऐंकर आटा, ऐंकर तेल अउ ऐंकर लोहबान लेइ चाही अउ ऐंका वेदी पइ बारइ चाही। इ यहोवा बरे एक खुसबूदार अउर स्मृति भेंट होइ।

16"हारून अउ ओकरे बेटहनन क बची भइ अन्नबलि क खाइ चाही। अन्नबलि एक तरह क अखमीरी रोटी क भेंट अहइ। याजक लोगन क इ रोटी पवित्तर ठउर मँ खाइ चाही। ओनका मिलापवाला तम्बू क आँगन मँ अन्नबलि खाइ चाही। 17अन्नबलि खमीर क मिलइके जरूर नाहीं पकावइ चाही। मइँ इ ओनका आपन उपहार मँ स ओकर हींसा दिहेस ह। इ पापबलि अउ दोखबलि क नाईं बहोतइ पवित्तर बाटइ। 18हारून क पूतन मँ स हर एक यहोवा क चढ़ाइ भइ भेंट स खाइ सकत ह। इ तोहरी पीढ़ियन बरे सदा नेम बाटइ। जउन कउनो ऐंका छुअब उ जरूर पवित्तर होइ चाही।"*

याजक लोगन क अन्नबलि

19यहोवा मूसा स कहेस, 20"हारून अउ ओकरे बेटवन क जउन अन्नबलि लइ आवइ चाही उ इ अहइ। ओनका इ उ दिना ही करइ चाही जउने दिन हारून क अभिसेक भवा रहा। ओनका हमेसा एपा क दसवाँ हींसा महीन आटा अन्नबलि बरे जरूर लेइ चाही। ओनका ऐंकर आधा भिन्सारे अउ आधा साँझ मँ लइ आवइ चाही। 21उत्तिम महीन आटे मँ तेल जरूर डावइ चाही अउ ओका कड़ाही मँ जरूर भूँजइ चाही। जब इ भुँज जाइ तब ऐंका जरूर भीतर लिआवइ चाही। भेंट पूर्ण रूप स जरूर टूकन मँ तोड़वइ चाही। तू पचन क यहोवा क चूरमा क भेंट जरूर चढ़ावइ चाही ऐंकर सुगन्धि यहोवा क खुस करी।

22"हारून क सन्तानन मँ स, जउन हारून क जगह पइ अभिसिक्त अहइ, क इ अन्नबलि यहोवा बरे चढ़ावइ चाही। इ नेंम हमेसा बरे अहइ। अन्नबलि यहोवा बरे पूर्ण रूप स जरूर जरावइ चाही। 23याजक क हर एक अन्नबलि पूरी तरह जरावइ चाही। एका खाई नाहीं चाही।"

पापबलि क नेम

24यहोवा मूसा स कहेस, 25"हारून अउ ओकरे पूतन स कहा: पापबलि बरे इ नेम अहइ कि पापबलि क हुवँइ मारा जाइ चाही जहाँ यहोवा क समन्वा होमबलि क मारा जात ह। इ बहोतइ पवित्तर बाटइ। 26उ याजक क ऐंका खाइ चाही, जउन पापबलि चढ़ावत ह। ओका पवित्तर ठउरे प मिलापवाला तम्बू क आँगन मँ एका खाइ चाही। 27कउनो मनई जउन पापबलि क गोस क छुअत ह ओका पवित्तर होइ चाही। अगर छिछकारा भवा रकत कउनो मनई क ओढ़ना प पड़त ह तउ ओन ओढ़नन क जरूर धोइ चाही। तू पचन क ओन ओढ़नन क सिरिफ एक पवित्तर ठउरे मँ ही धोवइ चाही। 28अगर पापबलि कउनो माटी क बासन मँ उबाली जाइ, तउ उ बासन क जरूर फोड़ देइ चाही। अगर पापबलि क काँसा क बासन मँ उबाला जाइ, तउ बासन क जरूर माँजा जाइ अउ पानी स धोवा जाइ।

29"याजक परिवारे क कउनो मनई पापबलि क खाइ सकत ह। इ सबन्त पवित्तर बाटइ। 30मुला अगर पापबलि क रकत पवित्तर ठउर प पछतावा करइ बरे मिलापवाला तम्बू मँ लइ जाइ। तउ पापबलि क आगी मँ बारि देइ चाही। याजकन क उ पापबलि जरूर नाहीं खाइ चाही।

दोखबलि

7 "दोखबलि खातिर इ नेम बाटइ। इ सबइ स पवित्तर अहइ। 2याजक क दोखबलि क उहइ ठउरे पइ मारइ चाही जउने प उ सबइ होमबलि क मारत ह अउ ओका ऐंकर रकत क वेदी क चारिहुँ कइँती जरूर डावइ चाही।

3"याजक क दोखबलि क सारी चर्बी चढ़ावइ चाही। ओका चर्बी भरी पूँछ, भीतरी भाग क ढकइवाली चर्बी, 4दुइनउँ गुर्दन अउ ओकरे ऊपर क चर्बी, पुट्ठन क चर्बी जरूर भेंट करइ चाही। अउ करेजा क संग क झिल्ली जउन ओकर संग चिपकी भइ चर्बी अहइ गुर्दन क संग जरूर हटावइ चाही। 5याजक क वेदी प ओन सबहिं चीजन क जरूर बारइ चाही। इ यहोवा बरे उपहार भेंट होइ। इ दोखबलि अहइ।

6"याजक परिवार स हर एक मरद दोखबलि खाइ सकत ह। एकाँ बहोतइ पवित्तर ठउर पइ खाइ चाही इ बहोतइ पवित्तर बाट्इ। 7दोखबलि क सबइ नेम पापबलि क नेम क जइसा अहइँ। इ भेंट उ याजक क होइ जउन ऐसे ओकर बरे पछतावा करी। 8उ याजक, जउन बलि चढ़ावत ह, चमड़ा भी होमबलि स लइ सकत ह। 9हर एक अन्नबलि चढ़ावइवाला याजक क होत ह। याजक ओन सबइ अन्नबलि क लइ लेइ जउन चूल्हा मँ पकाई गइ होइँ, या कड़ाही मँ पकाइ गइ होइँ या तावा प पकी होइँ। 10अन्नबलि हारून क बेटवन क होइ। ओसे कउनो फर्क नाहीं पड़ी कि उ सबइ झुरान या तेल स सनी भइ अहइँ। हारून क बेटवन याजक क नाईं भागीदार होइहीं।

मेलबलि

11"इ सबइ मेलबलि क नेम अहइँ, जेका कउनो मनई यहोवा क चढ़ावत ह: 12कउनो व्यक्ति मेलबलि आपन एहसान परगट करइ बरे लई आइ सकत ह। अगर एक व्यक्ति एहसान परगट करइ बरे बलि लिआवत ह तउ ओका तेल स सना भवा अखमीरी फुलका, अखमीरी केक अउ तेल स सना भवा उत्तिम आटा क फुलका भी लिआवइ चाही। 13उ व्यक्ति क आपन मेलबलि बरे खमीरी रोटियन क साथ आपन बलि जरूर लइ आवइ चाही। इ मेलबलि

जउन ... चाही एकर अनुवाद इ तरह कीन्ह जाइ सकत ह: ऐंनका जउन कउनो छुअइ ओका पहिले पवित्तर (सुद्ध) होइ लेइ चाही।

अहइ जेका एक व्यक्ति यहोवा बरे एहसान देखावइ बरे
लिआवत ह। 14ओन रोटियन मँ स एक ठु उ याजक क
दुआरा लइ जाइ जउन मेलबलि क रकत क छिड़कारत ह।
15इ मेलबलि क गोस उहइ दिन खावा जाइ चाही जउने दिन
उ चढ़ावा जाइ। एक व्यक्ति परमेस्सर बरे एहसान परगट
करइ बरे इ भेंट चढ़ावत ह। मुला तनिकउ भी गोस दुसर
भिन्सारे बरे जरूर नाहीं बचइ चाही।

16“एक व्यक्ति मेलबलि यहोवा क उपहार देइ क इरादे
स लइ आइ सकत ह या उ वादा क पूरा करइ बरे जेका उ
पिहले परमेस्सर स किहस ह। अगर इ सच अहइ तउ बलि
उहइ दिन खाई जाइ चाही जउने दिन उ ऍंका चढ़ावइ। जदि
कछू बच जाइ तउ अगले दिना जरूर खाइ लेइ चाही।
17मुला अगर इ बलि क कछू गोस फिन भी तीसरे दिन बरे
बचि जाइ तउ ओका आगी मँ बारि देइ चाही। 18अगर
कउनो मनई मेलबलि क गोस तीसरे दिन भी खात ह, तउ
यहोवा उ मनई स खुस नाहीं होइ। यहोवा उ बलि बरे
कउनो सम्मान नाहीं देई। इ बलि एक असुद्ध वस्तु बन
जाई। अगर कउनो उ बलि क खात ह तउ उ आपन पाप
बरे उत्तरदायी होइ।

19“लोगन क अइसा गोस भी नाहीं खाइ चाही जेका
कउनो असुद्ध वस्तु छुइ लेइ। ओनका इ गोस क आगी मँ
बारि देइ चाही। उ पचे सबहिं मनइयन जउन सुद्ध होइँ इ
मेलबलि क गोस खाइ सकत हीं। 20मुला अगर एक व्यक्ति
अपवित्तर अहइ अउ यहोवा क मेलबलि मँ स कछू गोस
खाइ लेइ, तउ उ व्यक्ति क ओकरे लोगन स निकाल दीन्ह
जाहीं।

21“अगर एक व्यक्ति मानव जाति क असुद्ध चीज क
या एक असुद्ध जनावरन क या कउनो असुद्ध घृणित वस्तु
क छुअत ह अउ अगर उ यहोवा बरे मेलबलि क कछू
गोस खाइ लेत ह तउ उ व्यक्ति क ओकरे लोगन मँ स
जरूर निकाल कइ दीन्ह जाइ।”

22यहोवा मूसा स कहेस, 23“इस्राएल क मनइयन क
सलाह देइ कि तू लोगन क गाइ, भेड़ी अउ बोकरी क चर्बी
नाहीं खाइ चाही। 24तू पचे उ पसु क चर्बी क प्रयोग कइ
सकत ह जउन खुद ही मरा होइ या दूसर जनावरन क जरिये
मार दीन्ह ग होइ। मुला तू उ पसु क चर्बी कबहुँ नाहीं
खाया। 25जदि कउनो मनई अइसा पसु क चर्बी खात ह
जउन यहोवा क उपहार क रूप चढ़ावा ग होइ, तउ उ
लोग क ओकरे मनइयन स निकाल दीन्ह जाइ।

26“तू पचे चाहे जहाँ कहुउँ भी रहा, तू पचन क कउनो
पंछी या पसु क रकत कबहुँ नाहीं खाइ चाही। 27अगर
कउनो व्यक्ति कछू रकत खात ह, तउ उ व्यक्ति क ओकर
लोगन स निकाल दीन्ह जाइ।”

उत्तोलन बलि क नेम

28यहोवा मूसा स कहेस, 29“इस्राएल क लोगन स कहा:
अगर कउनो व्यक्ति यहोवा बरे मेलबलि लइ आवइ, तउ उ
मनई क उ भेंट क एक हींसा यहोवा क जरूर देइ चाही।
30ओका उ भेंट क उ हींसा आपन हाथे मँ यहोवा बरे
लइके चलइ चाही। ओका पसु क चर्बी अउ छाती याजक
बरे लइके चलइ चाही। छाती क यहोवा क समन्वा ऊपर
हिलावा जाइ चाही। इ उत्तोलन बलि होइ। 31तब याजक क
वेदी पइ चर्बी बारइ चाही। मुला पसु क छाती हारून अउ
ओकर पूतन क होइ। 32मेलबलि स दाहिन जाँघ हारून क
पूतन मँ स याजक क जरूर देइ चाही। 33मेलबलि मँ स
दाहिन जाँघ उ याजक क होइ जउन मेलबलि क चर्बी अउ
रकत मेलबलि बरे चढ़ावत ह। 34मइँ (यहोवा) उत्तोलन बलि
क छाती अउ मेलबलि क दाहिन जाँघ इस्राएल क मनइयन
स अंगीकार किहे हउँ अउ मइँ ओन चीजन क हारून अउ
ओकरे बेटवन क देत अहउँ। इस्राएल क लोगन क जरिये
इ नेम क सदा-सदा पालन कीन्ह जाइ चाही।”

35यहोवा बरे दीन्ह गइ उपहार हारून अउ ओकरे पूतन
क अहइ, जब कबहुँ हारून अउ ओकरे पूतन यहोवा क
याजक क रुप मँ सेवा करत हीं तब उ पचे बलि क उ
हींसा पावत हीं। 36जउने समइ यहोवा याजकन क अभिसेक
किहेस उहइ समइ उ पचे इस्राएल क लोगन क उ सबइ
हींसा याजकन क देइ क हुकुम दिहेस। उ सबइ हींसा हमेसा
याजकन क ओकर भाग क रूप मँ दीन्ह जाइ क अहइँ।

37इ सबइ होमबलि, अन्नबलि, पापबलि, दोखबलि,
याजकन क नियुक्ति, अउ मेलबलि क नेम अहइँ। 38यहोवा
सिनाई पहाड़े पइ इ सबइ नेम मूसा क दिहस। यहोवा इ
सबइ नेम ओह दिन दिहस जउने दिन उ इस्राएल क मनइयन
क सिनाई रेगिस्तान मँ यहोवा बरे आपन भेंट लिआवइ क
हुकुम दिहे रहा।

मूसा हारून अउ ओकरे पूतन क सेवा करइ बरे अभिसेक करत ह

8 यहोवा मूसा स कहेस, 2“हारून अउ ओकर पूतन
ओकरे वस्त्रन, अभिसेक क तेल, पापबलि बरे बर्धा,
दुइ भेड़ी अउ अखमीरी रोटी क डलिया क संग लइ आवा
3अउर सबहिं लोगन क मिलापवाला तम्बू क दुआरे प जमा
करा।”

4मूसा उहइ किहस जउन यहोवा ओका हुकुम दिहस।
मनइयन मिलापवाला तम्बू क दुआरे प एक संग मिलेन।
5तब मूसा लोगन स कहेस, “इ उहइ बाटइ जेका करइ क
यहोवा हुकुम दिहे अहइ।”

6तब मूसा हारून अउ ओकरे पूतन क लइ आवा। उ
ओनका पानी स धोएस। 7तब मूसा हारून क कमीज
पहिराएस। मूसा हारून क चारिहुँ कइँती एक ठु पेटी बाँधेस।
तब मूसा हारून क चोगा पहिराएस। तब ओह पइ एपोद*
पहिराएस। उ ओह पइ सुन्दर बुना भवा पेटी बाँधेस। 8तब
मूसा हरून क निआव क थइला पहिराएस। तब मूसा निआव
क थइला मँ ऊरीम अउ तुम्मीम धरेस। 9मूसा हारून क मूँड़े
पइ पगड़ी भी बाँधेस। मूसा पगड़ी क अगले भाग पइ सोना
क पवित्तर पत्तर क मुकुट बाँधेस। मूसा इ यहोवा क आदेस
क मुताबिक किहस।

10तब मूसा अभिसेक क तेल लिहस अउ पवित्तर तम्बू
अउ एहमाँ क सबहिं चीजन प छिड़कारेस। इ तरह मूसा
ओनका पवित्तर किहस। 11मूसा अभिसेक क कछू तेल वेदी

एपोद एक खास अंगरख जेका महा याजक पहिरत रहा।

पइ सात दाईं छिछकारेस। मूसा वेदी, ओकरे उपकरण अउ तस्तरियन क अभिसेक किहस। मूसा खोरा अउ ओकरे आधार पइ भी तेल छिछकारेस। इ तरह मूसा ओनका पवित्तर किहस। **12**तब मूसा अभिसेक क कछू तेल क हारून क मूँड़े प डाएस। इ तरह उ हारून क पवित्तर किहस। **13**तब मूसा हारून क बेटवन क लिआएस अउ ओनका कमीज पहिराएस। उ ओन पइ पेटियन क बाँधेस। तब उ ओनके मूँड़े पइ पगड़ियन क बाँधेस। मूसा इ सबइ सब वइसेन ही किहस जइसे यहोवा हुकुम दिहे रहा।

14तब मूसा पापबलि क बर्धा लिआएस। हारून अउ ओकर पूतन आपन हाथे क पापबलि क बर्धा क मूँड़े प धरेन। **15**तब मूसा बर्धा क मारेस अउ रकत जमा किहेस। मूसा आपन अँगुरियन स तनिक रकत लिहेस अउ वेदी क सबहिं सिंगियन पइ छिछकारेस। इ तरह मूसा वेदी क बलि बरे सुद्ध किहेस। तब मूसा वेदी क आधार पइ रकत क उड़ेरेस। इ तरह मूसा वेदी क सुद्ध किहेस अउ एकाॅ पापन क प्रायस्चित करइ बरे तइयार किहस। **16**मूसा बर्धा क भितरी भाग स सबइ चर्बी लिहस। मूसा दुइनउँ गुर्दा अउ ओनकइ ऊपर क चर्बी क संग करेजा स चिपकइ वाली चर्बी लिहस। तब उ ओनका वेदी प बारेस। **17**मुला मूसा बर्धा क चाम, ओकर गोस अउ बदन क बेकार भितरी भाग क डेरा क बाहेर लइ गवा। मूसा डेरा क बाहेर आगी मँ ओन चीजन क जराएस। मूसा इ सबइ वइसा ही किहस जइसा यहोवा हुकुम दिहे रहा।

18मूसा होमबलि क भेड़ा क लइ आवा। हारून अउ ओकर बेटवन आपन हाथ भेड़ा क मूँड़े प धरेन। **19**तब मूसा भेड़ा क मारेस। उ वेदी क चारिहुँ कइँती रकत छिछकारेस। **20**मूसा एकाॅ टूका मँ काटेस। तब मूसा ओकर मूँड़, टूका अउ चर्बी क जराएस। **21**मूसा भितरी भागन अउ गोड़े क पानी स धोएस। तब मूसा समूचइ भेड़ा क वेदी पइ जराएस। इ होमबलि रही। इ यहोवा क बरे एक ठु सुगन्धि उपहार रही। मूसा यहोवा क हुकुम क मुताबिक उ सबइ काम किहस।

22तब मूसा दूसर भेड़ा क लइ आवा। इ भेड़ा क उपयोग हारून अउ ओकरे बेटवन क याजक नियुक्त करइ बरे कीन्ह गवा। हारून अउ ओकर बेटवन आपन आपन हाथन क भेड़ा मूँड़े प धरेन। **23**तब मूसा भेड़ा क मारेस। उ भेंड़ा क तनिक रकत हारून क काने क निचले सिरे, दाहिन हाथे क अंगूठा अउ ओकर दाहिन गोड़े क अंगूठा पइ लगाएस। **24**तब मूसा हारून क बेटवन क वेदी क निचके लिआवा। मूसा तनिक रकत ओनके दाहिन कान क निचले सिरे, दाहिन हाथ क अंगूठा, अउ ओनके दाहिन गोड़े क बड़का अंगुरि पइ लगाएस। तब मूसा वेदी क चारिहुँ कइँती रकत उड़ेरेस। **25**मूसा चर्बी, चर्बी भरी पूँछ, भितरी भाग क सारी चर्बी, करेजा स चिपकइवाली चर्बी, दुइनउँ गुर्दन अउ ओनकइ चर्बी अउ दाहिन जाँघ क लिहस। **26**अखमीरी रोटी क एक ठु टोकरी हर रोज यहोवा क अगवा धरा जात रहेन। मूसा टोकरी मँ स एक ठु तेल स सनी रोटी, अउर एक अखमीरी फुल्का लिहस। मूसा ओन टूकन क चर्बी अउ भेड़ा क दाहिन जाँघे प धरेस। **27**तब मूसा ओन सबहिं क हारून अउ ओकरे बेटवन क हाथे मँ धरेस। मूसा ओन टूकन क यहोवा क आगे उत्तोलन बलि क रुप मँ हाथन क ऊपर उठवाएस। **28**तब मूसा ओन चीजन क हारून अउ ओकरे बेटवन क हाथन स लिहस। मूसा ओनका वेदी प होमबलि क ऊपर जराएस। इ तरह उ बलि हारून अउ ओकरे पूतन क याजकन नियुक्त करइ बरे रही। इ यहोवा क खुस करइ बरे एक ठु सुगन्धि उपहार रही। **29**तब मूसा उ भेड़ा क छाती लिहस अउ यहोवा क समन्वा उत्तोलनबलि बरे हिलाएस। याजकन क नियुक्त करइ बरे भेड़ा मँ स मूसा क हींसा रहा। इ ठीक वइसा ही रहा जइसा यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहा।

30मूसा अभिसेक क कछू तेल अउ वेदी पइ क कछू रकत लिहस। मूसा ओहमा स कछू हारून अउ ओकरे ओढ़नन पइ छिछकारेस अउ कछू हारून क ओन पूतन प जउन ओकरे संग रहेन अउ कछू ओनकइ ओढ़नन प छिछकारेस। इ तरह मूसा हारून, ओकरे वस्त्रन, ओकरे पूतन अउ ओनकइ ओढ़नन क पवित्तर बनाएस।

31तब मूसा हारून अउ ओकरे बेटवन स कहेस, "का तू पचन क मोर आदेस* याद अहइ? मइँ कहे रहेउँ, 'हारून अउ ओकर पूत इ सबइ चीजन क खइहीं।' एह बरे याजकन नियुक्ति संस्कार क याजक स रोटी अउ गोस ल्या। मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ उ गोस क पकावा। तू पचे उ गोस अउ उ रोटी क उहइ ठउर प खाब्या। **32**अगर कछू गोस या रोटी बचि जाइ तउ ओका जराइ द्या। **33**याजक नियुक्ति संस्कार सात दिना तलक चली। तू पचे मिलापवाला तम्बू स तब तक नाहीं जाब्या जब तक तोहार याजक नियुक्ति संस्कार क समइ पूरा नाहीं होइ जात। **34**यहोवा ओन काम क करइ क आदेस दिहे रहा जउन आज कीन्ह गए। उ तू पचन क आपन क प्रायस्चित करइ बरे इ आदेस दिहे रहा। **35**तू पचन क मिलापवाले तम्बू क दुआर प सात दिना तलक लगातार दिन अउ रात जरूर रहइ चाही। अउर तू पचे यहोवा क आदेस क पालन करब्या एँह बरे तू नाहीं मरिब्या। यहोवा मोका इ आदेस दिहे रहा।"

36एँह बरे हारून अउ ओकरे पूतन उ सब कछू किहन जेका करइ क आदेस यहोवा मूसा क दिहे रहा।

परमेस्सर क जरिये याजकन क स्वीकृति

9 अठवें दिन, मूसा हारून अउ ओकरे पूतन क बोलाएस। उ इस्राएल क बुजुर्गन (नेता लोगन) क भी बोलाएस। **2**मूसा हारून स कहेस, "आपन झुण्ड मँ स एक ठु बछवा अउ एक ठु भेड़ा ल्या। ओन मँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही। बछवा पापबलि बरे होइ अउ भेड़ा होमबलि बरे होइ। इ सबइ गोरुअन क यहोवा क समन्वा बलि द्या। **3**इस्राएल क लोगन स कहा, 'पापबलि बरे एक ठु बकरा ल्या। एक बछवा अउ एक मेमना होमबलि बरे ल्या दुइनउँ एक बरिस क होइ चाही। इ सबइ जनावरन मँ कउनो दोख

मोर आदेस हिआँ मोर आदेस स मतलब अहइ मोरे जरिये दीन्ह गवा यहोवा क आदेस मूसा क बचन, यहोवा क बचन अहइ काहेकि उ यहोवा क प्रवक्ता अहइ। एह बरे हिआँ मूसा यहोवा क आदेस क मोर आदेस कहेस ह।

नाहीं होइ चाही। 4एक साँड़ अउ एक भेड़ा मेलबलि बरे ल्या। ओन जनावरन क अउर तेल स मिली भइ अन्नबलि ल्या अउ ओनका यहोवा क भेंट चढ़ावा। काहेकि आजु यहोवा क महिमा तोहरे समन्वा परगट होइ।'"

5एह बरे सबहिं लोग मिलापवाला तम्बू मँ आएन अउर उ पचे ओन सबहिं चीजन क लियाएन जेनके बरे मूसा आदेस दिहे रहा। सबहिं लोग यहोवा क आगे ठाड़ भएन। 6मूसा कहेस, "तू पचे उहइ किह्या ह जेका यहोवा हुकुम दिहस। तू लोग यहोवा क महिमा देखब्या।"

7तब मूसा हारून स कहेस, "जा अउर उ करा जेकरे बरे यहोवा हुकुम दिहे रहा। वेदी क निअरे जा अउर पापबलि अउ होमबलि चढ़ावा। इ सबइ आपन अउर लोगन क पापन क प्रायस्चित बरे करा। तू लोगन क लाई भइ बलि ल्या अउर ओका यहोवा क अर्पित करा। इ ओनके पापन बरे प्रायस्चित होइ।"

8एह बरे हारून वेदी क लगे गवा। उ बछवा क पापबलि बरे मारेस। इ पापबलि खुद ओकरे अपने बरे रही। 9तब हारून क पूतन हारून क लगे रकत लिआएन। हारून आपन अंगुरियन क रकत मँ डाएस अउ वेदी क सींगन पइ ऍका लगाएस। तब हारून वेदी क आधार पइ रकत उड़ेरेस। 10हारून पापबलि स चर्बी, गुर्दन अउ करेजा क संग चिपका भवा झिल्ली जमा किहेस। उ ओन सब क वेदी प जराएस। उ उहइ प्रकार किहस जउने तरह यहोवा मूसा क आदेस दिहे रहा। 11तब हारून डेरा क बाहर गोस अउ चाम क बारेस।

12ऍकरे पाछे, हारून होमबलि बरे जनावरन क मारेस। हारून क पूत रकत क हारून क लगे लिआएन अउ हारून वेदी क चारिहुँ कइँती रकत डाएस। 13हारून क बेटवन ओन टूकन अउ होमबलि क मूँड़ हारून क दिहस। तब हारून ओन सबन क वेदी पइ बारेस। 14हारून होमबलि क भितरी भागन क अउ गोड़े क धोएस अउ उ ओनका वेदी प बारेस।

15तब हारून लोगन क बलि लावा। उ लोगन क बरे पापबलि वाला बोकॅरा क मारेस। उ बोकरा क पहिले क नाईं पापबलि बरे चढ़ाएस। 16हारून होमबलि लावा अउ उ उ बलि चढ़ाएस। वइसेन ही जइसे यहोवा आदेस दिहेस। 17हारून अन्नबलि क वेदी क लगे लिआवा। उ मूठी भइ अनाज लिहस। अउ भिन्सारे क नित्य बलि क संग उ वेदी प धरेस।

18हारून लोगन बरे मेलबलि क साँड़ अउ भेड़ा क मारेस। हारून क बेटवन रकत क हारून क लगे लिआएन। हारून इ रकत क वेदी क चारिहुँ कइँती उड़ेरेस। 19हारून क बेटवन साँड़ अउ भेड़ा क चर्बी भी लाएन। उ पचे साथ ही साथ चर्बी भरी पूँछ, भितरी भाग क ढकइवाली चर्बी, गुर्दन अउ करेजन स चिपका भवा झिल्ली भी लिआएन। 20हारून क बेटवन चर्बी क इ सबइ भागन क साँड़ अउ भेड़ा क छाती प धरेस। हारून चर्बी क भागन क लइके ओका वेदी पइ बारेस। 21मूसा क आदेस क मुताबिक हारून छातियन अउ दाईं जाँघ क उत्तोलन भेंट बरे यहोवा क समन्वा हाथन मँ ऊपर उठाएस।

22तब हारून आपन हाथ लोगन कइँती उठाएस अउ ओनका आसीर्बाद दिहस। हारून पापबलि, होमबलि अउ मेलबलि क चढ़ावइ क पाछे वेदी स तरखाले उतरि आवा।

23मूसा अउ हारून मिलापवाला तम्बू मँ गएन। ओकर पाछे हुआँ स बाहेर आइके उ पचे लोगन क आसीर्बाद दिहन। अउर यहोवा क तेज सबहिं लोगन क समन्वा परगट भवा। 24यहोवा स आगी परगट भइ अउ उ वेदी पइ होमबलि अउ चर्बी क जराएस। सबहिं लोगन जब इ लखेन तउ उ पचे चिल्लानेन अउ उ पचे धरती पइ भहराइके प्रणाम किहेन।

परमेस्सर क ज्वाला क जरिये बिनास

10 फिन तब हारून क बेटवन नादाब अउ अबीहू धूप जरावइ बरे तस्तरियन क लिहन, ओह मँ आग लगाएन अउ धूप क आगी पइ धरेन। तउ उ पचे एक ठु अनोखी आगी* क उपयोग यहोवा क समन्वा किहन जेकरे प्रयोग क हुकुम उ ओनका नाहीं दिहे रहा। 2एह बरे यहोवा स ज्वाला परगट भइ अउ उ नादाब अउ अबीहू क बरबाद कइ दिहस।

3तब मूसा हारून स कहेस, "यहोवा कहत ह, 'जउन मोरे लगे आवइ ओनका मोर संग जरूर पवित्तरता क बर्ताव करइ चाही। अउ सबहिं लोगन क मोका सम्मान देइ चाही।'" हारून खामोस रहा।

4हारून क चाचा उज्जीएल क दुइ पूत रहेन। उ पचे मीसाएल अउ एलसाफान रहेन। मूसा ओन बेटवन स कहेस, "पवित्तर ठउर क समन्वा जा। आपन चचेरा भाइयन क ल्हासे क उठावा अउ ओनका डेरा क बाहेर लइ जा।"

5ऍह बरे मीसाएल अउ एलसाफान मूसा क आदेस मानेन। उ पचे नादाब अउ अबीहू क ल्हासन क बाहेर लइ आएन। नादाब अउ अबीहू तब तलक आपन खास अंगरखा पहिरे रहेन।

6तब मूसा हारून अउ ओकरे दूसर पूतन एलीआजार अउ ईतामार स बात किहस। मूसा ओनसे कहेस, "कउनो सोक परगट जिन करा। आपन ओढ़ना जिन फाड़ा या आपन बारन क जिन बिखरावा। तू मरब्या नाहीं अउ यहोवा क गुस्सा तोहार समूचइ धर्मिक सभा क भंग नाहीं करी। इस्राएल क समूचा रास्ट्र तोहार सम्बंधी अहइ। उ पचे यहोवा क जरिये नादाब अउ अबीहू क बारइ क बारे मँ रोइ सकत हीं। 7मुला तू लोगन क मिलापवाला तम्बू नाहीं तजइ चाही। अगर तू पचे बाहेर जाब्या तउ मर जाब्या। काहेकि यहोवा क अभिसेक क तेल तू पचन पइ अहइ।" तउ हारून, एलीआज़ार अउ ईतामार मूसा क आग्या मानेन।

8तब यहोवा हारून स कहेस, 9"तोहका अउ तोहरे पूतन दाखरस या सराब* उ समइ नाहीं पिअइ चाही जब तू पचे मिलापवाला तम्बू मँ आवा। अगर तू पचे अइसा करब्या तउ

अनोखी आगी सम्भवत: एकर अरथ इ होइ सकत ह कि उ पचे उ आगी मन्दिर क बाहेर लाएस रहा वेदी क आगी क उपयोग करइ क बजाए। बलि क नेम क अनुसार।

सराब एक ठू पेय जेका आनाज क खमीर स बनावा जात ह। इ प्राचीन मिस्र आम रहा।

मर जाब्या। इ नेम तोहरी सारी पीढ़ियन मँ हमेसा चलत रही।
10तू पचन क, पवित्तर अउ अपवित्तर तथा सुद्ध अउ
असुद्ध चिजियन मँ फरक करइ चाही। 11यहोवा मूसा क
आपन नेम दिहस अउ मूसा ओन नेमन क लोगन बरे दिहस।
हारून, तोहका ओन सबहिं नेमन क सिच्छा लोगन क देइ
चाही।"

12मूसा हारून अउ ओकरे बचा भवा दुई पूतन एलीआज़ार
अउर ईतामार स बात किहस। मूसा कहेस, "कछू अन्नबलि
यहोवा क उपहार मँ अबहुँ तलक बची भइ अहइ। तू लोग
अन्नबलि क उ हींसा खाइ सकत ह। मुला तू लोगन क
एकाँ बिना खमीर मिलाए खाइ चाही। एकाँ वेदी क लगे
खा। काहेकि उ भेंट बहोतइ पवित्तर बाटइ। 13उ उ भेंटन क
हींसा अहइ, जउन यहोवा बरे उपहार क रूप मँ भेंट चढ़ाइ
ग रहेन। जउन नेम मइँ तोहका बताएउँ ह, उ सिखावत ह
कि उ हींसा तू अउर तोहार पूतन क बाटइ। मुला तोहका
एकाँ पवित्तर ठउरे प खाइ चाही।

14"तू, तोहार बेटवन अउ बिटियन भी उत्तोलन बलि स
छाती क अउ मेलबलि स जाँघे क खाइ सकिहीं। इ सबइ
क तोहका जरूर पवित्तर ठउरे पइ खाइ चाही। मुला तोहका
इ सबइ क सुद्ध जगह पइ खाइ चाही। काहेकि इ सबइ
मेलबलि मँ स मिली अहइ। इस्राएल क लोग इ बलि
यहोवा क देत हीं। ओन जनावरन क कछू भाग क लोग
खात हीं मुला छाती अउ जाँघ तोहार हींसा अहइ। 15लोगन
क आपन चर्बी क भेंट जरूर लिआवइ चाही। ओनका
मेलबलि क जाँघ अउ उत्तोलन बलि क छाती जरूर
लिआवइ चाही। ओका यहोवा क समन्वा जरूर उत्तोलन
करइ चाही। इ बलि तोहार हींसा होइ। इ तोहार अउ तोहार
गदेलन क होइ। यहोवा क आदेस क मुताबिक बलि क उ
भाग हमेसा तोहार होइ।"

16मूसा पापबलि क बोकरा क बारे मँ पूछेस। मुला ओका
पहिले ही बारि दीन्ह गवा रहा। मूसा हारून क बाकी बेटवन
अलावा एलीआज़ार अउ ईतामार पइ बहोतइ कोहाइ गवा।
मूसा कहेस, 17"तू लोगन क इ बोकरा पवित्तर ठउरे पइ
खाइ क रहा। इ बहोतइ पवित्तर बाटइ। तू लोगन एँका
यहोवा क समन्वा काहे नाहीं खाया? यहोवा इ तोहका धार्मिक
सभा क पापन क छिमा बरे ओकर प्रायस्चित करइ बरे
दिहस। 18देखा! तू उ बोकरे क रकत पवित्तर जगह क
भीतर नाहीं लिआया। तू पचन क इ बोकरा पवित्तर ठउरे प
खाइ क रहा जइसा कि मइँ आदेस दिहेउँ ह।"

19मुला हारून मूसा स कहेस, "लखा आज उ पचे आपन
पापबलि अउ होमबलि यहोवा क समन्वा लाएन। मुला तू
जानत अहा कि आजु मोरे संग का भवा ह! का तू इ
समझत अहा कि अगर मइँ पापबलि क आज खाब तउ खुस
होइ नाहीं"* 20जब मूसा इ सुनेस तउ सहमत होइ गवा।

माँस भोजन क नेम

11 यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 2"इस्राएल क
लोगन स कहा: इ सबइ पसु अहइँ जेनका तू खाइ
सकत ह: 3अगर पसु क खुर दुइ हिस्सा मँ बँटा होइ अउ
उ पसु जुगाली करत होइ तउ तू उ पसु क गोस खाइ
सकत ह।

अइसे पसु जेनकइ गोस नाहीं खाइ चाही

4-6"कछू पसु जुगाली* करत हीं, मुला ओनकइ खुर
नाहीं फाट होतेन। तउ अइसे पसु क जिन खा। ऊँट, सापान
अउ खरहा वइसेन दर्जा क अहइँ। एह बरे उ सबइ तोहरे
बरे असुद्ध अहइँ। 7दुसर पसु दुइ हिस्सा मँ बँटा भवा
खुरवाला अहइँ, मुला उ पचे जुगाली नाहीं करतेन। ओन
पसुअन क जिन खा। सुअर वाइसेन ही अहइँ, एह बरे उ
सबइ असुद्ध अहइँ। 8ओन पुसुअन क गोस जिन खा।
ओनके ल्हासे क जिन छुआ। उ सबइ तोहरे बरे असुद्ध
अहइँ।

समुद्री भोजन क नेम

9"अगर कउनो जनावर समुद्दर या नदी मँ बसत ह अउ
ओकरे पखना अउ परत होत हीं तउ तू उ जनावर क खाइ
सकत ह। 10-11मुला जदि जनवार समुद्दर या नदी मँ बसत
ह अउ ओकरे पखना अउ परत नाहीं होतिन तउ उ जनावर
क तोहका नाहीं खाइ चाही। तोहका उ तरह जनावरन क
घिनौना समुझइ चाही। उ तरह क पसु क गोस जिन खा।
इहाँ तक कि ओकर ल्हासे क जिन छुआ। 12तोहका पानी
क हर एक पसु क जेकरे पखना अउ परत नाहीं होतिन
असुद्ध जनावर मँ समझइ चाही। तोहका उ तरह क समुद्दर
क जनावरन क घिनौना चिजियन मँ स समुझइ चाही।

अभोज्य पंछिन

13"तोहका नीचे लिखे भए पंछिन क भी घिनौना पंछी
समझइ चाही। इन पंछिन मँ स कउनो क जिन खा: उकाब,
गीध, सिकारी पंछी, 14चील, सबहिं तरह क बाज नाउँ क
पंछी, 15सब तरह क काला पंछी, 16सुतुर्मुर्ग, सीगंवाला
कुचकुचवा, समुद्री जलमुर्गा, सबहिं प्रकार क बाज,
17कुचकुचवा, समुद्री कौआ, बड़का कुचकुचवा, 18जलमुर्गी,
मछरी खाइवाला पेलिकन नाउँ क खेत जल पंछी, समुद्री
गीध, 19हंस, सब तरह क सारस, कठफोड़वा अउ चमगादड़।

कीड़ा पतंगा खाइ क नेम

20"अउ सबहिं अइसे उड़इवाला कीड़ा पतंग जउन चार
गोड़े प चलत इ सबइ तोहार लइ घिनौना अहइ। 21मुला
अगर उड़इवाला कीड़ा पतंगा क पखना होत हीं अउ चार
गोड़े प चलत ह अगर ओकरे गोड़े क ऊपर टांगन मँ
अइसे जोड़ अहइँ कि उ जमीन प उछरि सकइ तउ तू ओन
पतंगन क खाइ सकत ह। 22इ सबइ बाटेन जेनका तू खाइ
सकत ह: हर किसिम क टिड्यिन, हर किसिम क उड़इवाला

का तू ... नाहीं हारून आपन दुइ पूतन क मउत स एँतना जियादा परेसान रहा कि पापबलि क नाहीं खाइ सका रहा।

जुगाली कछू पसु गाइ क तरह एक स जियादा पेट वाला होत हीं। पहिले पेट मँ चारा लील लीन्ह जात ह अउ ओकर कछू हिस्सा बचि जात ह। पाछे उ हिस्सा पसु आपन मुँहे मँ लिआवत ह अउ फुन चबात ह। इ चारा क चबाब जुगाली कहा जात ह।

टिड्डियन, हर तरह क झींगुर, हर तरह क घास चट कइ देइवाला टिड्डन।

23"मुला दूसर उ सबहिं उड़इवाला कीड़ा पतंगन जउन चार गोड़े प चलि सकत हीं, तोहरे बरे घिनौना प्राणी अहइ। 24उ सबइ कीड़ा पतंगन तोहका सबन क असुद्ध करिहीं। कउनो मनई जउन मरे भए कीड़ा पतंगन क छुई, साँझ तलक असुद्ध रही। 25अगर कउनो मनई ओन मरे भए किरवन मँ स कउनो क उठावत ह तउ उ मनई क आपन ओढ़ना धोइ लेइ चाही। उ मनई साँझ तलक असुद्ध रही।

घिनौना पसुअन क विसय मँ अन्य नेम

26-27"कछू जनावरन क खुर होत ह मुला उ खुर दुइ भाग मँ फटि नाहीं होतेन। कछू जनावर जुगाली नाहीं करतेन। कछू जनावरन क खुर नाहीं होतेन, उ आपन पंजे पइ चलतहीं। इ सबइ प्रकार क जनावरन असुद्ध अहइँ। अगर एक व्यक्ति ओकर ल्हासे क छुअत ह तउ उ व्यक्ति साँझ तलक असुद्ध रहीं। 28अगर एक व्यक्ति ओकर ल्हासे क उठावत ह तउ उ व्यक्ति क आपन ओढ़ना क जरूर धोवइ चाही। उ व्यक्ति साँझ तलक असुद्ध रहीं। उ सबइ जनावरन तू पचन्क बरे असुद्ध अहइ।

रेगंइवालन पसुअन क बारे मँ नेम

29"इ सबइ रेगंइवालन पसु तू पचन बरे असुद्ध अहइँः छछून्दर, चूहा, सबहिं तरह क गिरगिट, 30छिपकली, मगरमच्छ, गिरगिट, रेगिस्तानी गोहेर, अउ रंग बदलत गिरगिट। 31इ सबइ रेगंइवाला पसु तोहरे बरे असुद्ध अहइँ। कउनो मनई जउन ओन मरे भएन क छुई साँझ तलक असुद्ध रही।

घिनौना पसुअन क बारे मँ नेम

32"अगर कउनो असुद्ध पसुअन मँ स एक मरा भवा पसु कउनो चीज प गिर पड़इ तउ उ चीज असुद्ध होइ जाइ। इ काठ, चाम, कपड़ा, सोक ओढ़ना या कउनो भी औजार होइ सकत ह। जउन कछू भी उ होइ ओका पानी स धोवइ चाही। इ साँझ तलक असुद्ध रही। तबहिं इ फुन सुद्ध होइ जाइ। 33अगर कउनो असुद्ध पसुअन मँ स एक मरा भवा माटी क कटोरा मँ गिर जाइ तउ कटोरा क कउनो भी चीज असुद्ध होइ जाइ। तू पचन क कटोरा जरुर तोड़ देइ चाही। 34अगर असुद्ध माटी क कटोरा क पानी कउनो खइया या पेय खोरा पइ पड़इ तउ उ असुद्ध होइ जाइ। 35अगर कउनो मरे भए घिनौने पसु क कउनो हिस्सा कउनो चीजे पइ आइ पड़इ तउ उ चीज सुद्ध नाहीं रही। एका टूका टूका कइ देइ चाही। चाहे उ चूल्हा होइ या कड़ाही। उ सबइ तू पचन क बरे हमेसा असुद्ध रइहीं।

36"कउनो सोता या कुआँ, जेहमाँ पानी रहत ह, सद्ध बना रही। मुला कउनो व्यक्ति जउन कउनो मरे भए असुद्ध जनवार क छुइ उ असुद्ध होइ जाइ। 37अगर ओन घिनौने मरे पसुअन क कउनो हिस्खा बोवा जाइवाला बिआ पइ आइ पड़इ तउ भी उ सुद्ध ही रही। 38मुला बोवइ बरे तू पचे कउनो बिआ प पानी डावत ह अउ तब अगर मरे असुद्ध पसु क कउनो हिस्सा ओन बिअन पइ आइ पड़इ तउ उ सबइ बिआ तोहरे बरे असुद्ध अहइँ।

39"अउर भी, अगर भोजन बरे कउनो पसु जेका तू बइपरत ह अपने आप मरि जाइ तउ जउन मनई उसके मरे सरीर क छुअइ, साँझ तलक असुद्ध रही। 40जउन व्यक्ति मरे भए पसु क गोस खाइ, ओका आपन ओढ़ना जरूर धोवइ चाही। उ मनई साँझ तलक असुद्ध रही। जउन व्यक्ति मरे पसु क सरीर उठावइ ओका भी आपन ओढ़ना जरूर धोवइ चाही। इ व्यक्ति साँझ तलक असुद्ध रही।

41"हर एक अइसा पसु जउन धरती प रेंगत ह, उ ओन पसुअन मँ स एक बाटइ, जेका यहोवा खाइ क मना किहे अहइ। 42तू पचन क अइसे कउनो रेगंइवाले पसुअन क जरूर खाइ नाहीं चाही जउन पेटे क बल रेगंत ह या चारउँ गोड़न प चलत ह, या जेकरे बहोत स गोड़ अहइँ। उ पचे तोहरे बरे असुद्ध पसु अहइँ। 43ओन पसुअन स आपन क गन्दा जिन बनावा अउ ओनके बरे आपन क असुद्ध जिन बनावा। 44काहेकि मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ। मइँ पवित्तर अहउँ। एह बरे तू पचन क आपन क पवित्तर राखइ चाही। ओन घिनौने रेगंइवाला पसुअन स आपन क घिनौना जिन बनावा। 45मइँ तू लोगन क मिस्त्र स लइ आवा अहउँ। मइँ इ एह बरे किहेउँ कि तू लोग मोर खास जन बना रहि सका। मइँ इ एह बरे किहेउँ कि मइँ तोहार परमेस्सर बन सकउँ। मइँ पवित्तर अहउँ, एह बरे तोहे सबन क पवित्तर रहब अहइ।"

46उ सबइ नेम सबहिं गोरुअन, पंछियन अउ भुइँया क दूसर पसुअन बरे अहइ। उ सबइ नेम समुद्दर मँ रहइवालन सबहिं पसुअन अउ भुइँया पइ रेगंइवालन सब पसुअन बरे अहइँ। 47उ सबइ उपदेस एह बरे अहइँ कि लोग सुद्ध अउ असुद्ध पसुअन मँ अन्तर कइ सकइँ। इ तरह लोग जनिहीं कि उ पचे कउन सा पसु खाइ सकत हीं अउर कउन सा नाहीं खाइ सकत हीं।"

नई महतारिन बरे नेम

12 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स इ नेमन क कहाः अगर कउनो स्त्री एक ठु लरिका क जन्मत ह तउ उ स्त्री सात दिना तलक असुद्ध रही। इ ओकरे मासिक धर्म क समइ असुद्ध होइ क तरह होइ। 3अठएँ दिन लरिका क खतना होइ चाही। 4उ आपन सुद्धीकरण क टेमॅ क लइके तैंतीस दिना पाछे तलक असुद्ध रहीं। उ स्त्री क उ समइ मँ कछू नाहीं छुअइ चाही जउन पवित्तर अहइ। ओका पवित्तर ठउरे मँ तब तलक नाहीं जाइ चाही जब तलक ओकरे सुद्धीकरण क समइ पूरा न होइ जाइ। 5मुला अगर स्त्री लरिकी क जन्मत ह तउ महतारी क मासिक धर्म क समइ क तरह उ दुइ हफ्ता तलक असुद्ध रही। उ आपन सुद्धीकरण क टेंम स लइके छहसठ दिना पाछे असुद्ध रही।

6"नई महतारी जउन अबहिं बच्चा जनम दिहे अहइ, चाहे उ बच्चा लरिका होय या लरिकी तउ अइसी महतारी क सुद्धीकरण क समइ पूरा होइ क पाछे ओका मिलापवाला तम्बू मँ खास भेंटन लइ आवइ चाही। ओका ओन भेंटन क

मिलापवाला तम्बू क दुआर पइ याजक क जरूर देइ चाही।
ओका एक बरिस क मेमना होमबलि बरे अउ एक ठु
फाख्ता या कबूतर क बच्चा पापबलि बरे लइ आवइ चाही।
7-8अगर स्त्री मेमन देइ मँ असमर्थ होइ तउ उ दुइ फाख्ता
या दुइ कबूतरे क बच्चा लिआइ सकत ह। एक ठु पंछी
होमबलि बरे अउ एक ठु पापबलि बरे होइ। याजक यहोवा
क सामने ओनका भेंट करी। इ तरह उ ओकरे पाप बरे
प्रायस्चित करी। तब उ आपन रकत क हानि स सुद्ध होइ।
इ सबइ नेम ओन स्त्रियन बरे अहइँ जउन एक ठु लरिका
या लरिकी क जन्मत ह।"

गंभीर चर्मरोग क बारे मँ नेम

13 यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 2"कउनो व्यक्ति
क चाम पइ भयंकर सूजन या खजुरी या सफेद दाग
होइ सकत हीं। अगर घाव चर्मरोग क नाईं देखाइ पड़इँ तउ
उ मनई क याजक हारून या ओकरे कउनो याजक पूतन क
लगे लिआवा जाइ चाही। 3याजक लोगन क मनई क चर्म
क घाव क देखइ चाही। अगर घाव क बार सफेद होइ गवा
होइँ अउर घाव मनई क चाम स जियादा गहिर मालूम होइ
तउ इ भयंकर चर्मरोग बाटइ। जब याजक मनई क जाँच
खतम करइ तउ ओका एलान करइ चाही कि मनई असुद्ध
अहइ।

4"कबहुँ कबहुँ कउनो मनई क चाम पइ कउनो सफेद
दाग होइ जात ह मुला दाग चाम स गहिर नाहीं मालूम होत।
अगर उ सच होइ तउ याजक उ मनई क सात दिना बरे
दूसर लोगन स अलग करी। 5सतएँ दिन याजक क उ मनई
क फुन स जरूर जाँच करइ चाही। अगर घाव मँ कउनो
बदलाव नाहीं आएस ह। अउर चाम पइ नाहीं फइलेस ह।
तउ याजक क दूसर सात दिना बरे उ व्यक्ति क दूसर
लोगन स जरूर अलगाइ देइ चाही। 6तब याजक क उ
व्यक्ति क सात दिना पाछे जरूर जाँच करइ चाही। जदि दाग
गहिर होइ गवा ह अउ चाम पइ न फइला होइ तब याजक
क जरूर एलान करइ चाही कि उ व्यक्ति सुद्ध अहइ। इ
सिरिफ खुरंड अहइ। तब उ व्यक्ति क आपन ओढ़ना धोवइ
चाही अउ उ फुन स सुद्ध होइ चाही।

7"मुला अगर मनई याजक क फिन अपने आप क सुद्ध
बनावइ बरे देखाइ लिहे होइ अउ ओकरे पाछे चर्मरोग चमड़ी
पइ फइलइ लागइ तउ उ मनई क फुन याजक क लगे
आवइ चाही। 8याजक क जाँच कइके देखइ चाही। अगर
घाव चाम पइ फइला होइ तउ याजक क एलान करइ चाही
कि उ मनई असुद्ध अहइ अर्थातू ओका कउनो भयानक
रोग अहइ।

9"अगर मनई क भयानक चर्मरोग भवा होइ तउ ओका
याजक क लगे लइ आवा जाइ चाही। 10याजक क उ मनई
क जाँच कइके देखइ चाही। अगर चाम पइ सफेद दाग होइ
अउ ओहमाँ सूजन होइ, उ जगह क बार सफेद होइ ग होइँ
अउर अगर हुआँ घाव कच्चा होइ। 11तउ इ कउनो भयानक
चर्मरोग अहइ जउन उ मनई क बहोत समइ स अहइ। एँह
बरे याजक क उ मनई क असुद्ध घोसित कइ देइ चाही।
याजक उ मनई क सिरिफ तनिक समइ क बरे ही दूसर
मनइयन स न अलगाई। काहेकि उ जानत ह कि उ मनई
असुद्ध अहइ।

12"अगर कबहुँ चर्मरोग मनई क समूचइ सरीर मँ फइल
जाइ, उ चर्मरोग उ मनई क मूँड़े स गोड़े तलक ढक लेइ,
13अउर याजक लखइ कि चर्मरोग समूचइ सरीर पइ इ तरह
ढके अहइ कि उ मनई क पूरा सरीर ही सफेद होइ ग
अहइ तउ याजक क ओका सुद्ध घोसित कइ देइ चाही।
14मुला अगर मनई क चर्म घाव जइसा कच्चा होइ तउ उ
सुद्ध नाहीं अहइ। 15जब याजक कच्चा चाम लखइ, तब
ओका घोसित कइ देइ चाही कि मनई असुद्ध अहइ। कच्चा
चाम सुद्ध नाहीं अहइ। इ भयानक चर्मरोग अहइ।

16"अगर कच्चा चाम फुन सफेद होइ तउ उ मनई क
याजक क लगे आवइ चाही। 17याजक क उ मनई क जरूर
जाँच करइ चाही। अगर व्याधि सफेद होइ गवा अहइ तउ
याजक क घोसित करइ चाही कि रोग ग्रस्त व्यक्ति सुद्ध
अहइ। तउ उ मनई सुद्ध अहइ।

18"होइ सकत ह कि कउनो व्यक्ति क सरीर क चाम
पइ कउनो फोड़ा होइ जउन कि ठीक होइ ग रहा।19अउर
उ जगह पइ सफेद सूजन, या लाली लिए भए सफेद दाग
जाहिर हो जात ह अउ तब एका याजक क जरूर देखावइ
चाही। 20याजक क ओका निहारइ चाही। अगर सूजन चमड़ी
स गहिर बाटइ अउ एह पइ क बार सफेद होइ ग अहइँ
तउ याजक क एलान करइ चाही कि उ मनई असुद्ध
बाटइ। उ दाग भयानक चर्मरोग अहइ। इ फोड़ा क भितरे स
फूट पड़ा बाटइ। 21मुला अगर याजक उ जगह क लखत ह
अउ ओह पइ सफेद बार नाहीं अहइँ अउर दाग चमड़ी स
गहिर नाहीं अहइ, मुला धुँधला बाटइ तउ याजक क उ मनई
क सात दिन बरे अलग कइ देइ चाही। 22अगर दाग क
जियादा हिस्सा चमड़ी पइ फइलत ह तब याजक क एलान
करइ चाही कि मनई असुद्ध अहइ। इ छूत रोग अहइ।
23मुला अगर सफेद दाग अपनी जगह बना रहत ह, फइलत
नाहीं तउ उ पुराना फोड़ा क सिरिफ घान अहइ। याजक क
एलान करइ चाही कि मनई सुद्ध अहइ।

24-25"कउनो व्यक्ति क चाम जरि सकत ह। अगर
कच्चा चाम सफेद या लाली लिए भए सफेद दाग मँ बदल
जाइ, तउ याजक क एँका जाँच करइ चाही। अगर उ दाग
चमड़ी स गहिर मालूम होइ अउ उ जगह क बार सफेद
होइ जाइँ तउ इ अत्यधिक व्याधिक चर्मरोग अहइ। जउन
जरा भवा मँ स फूट पड़ा अहइ। तउ याजक क उ व्यक्ति
क असुद्ध घोसित करइ चाही। इ भयंकर चर्म रोग अहइ।
26मुला याजक इ जगह क लखत ह अउर सफेद दाग मँ
सफेद बार नाहीं अहइँ अउ दाग चमड़ी स गहिर नाहीं अहइ,
मुला हल्का बा तउ याजक क ओका सात दिना बरे अलग
करइ चाही। 27सतएँ दिन याजक क उ मनई क फुन देखइ
चाही। अगर दाग चमड़ी पइ फइलइ तउ याजक क एलान
करइ चाही कि मनई असुद्ध अहइ। इ भयंकर चर्मरोग
अहइ। 28मुला अलग सफेद दाग चमड़ी पइ न फइलइ,
मुला धुँधला होइ तउ इ जरइ स पइदा भइ सूजन अहइ।
याजक क उ मनई क सुद्ध घोसित करइ चाही। इ सिरिफ
बर जाइ क चीन्हा अहइ।

29“कउनो मनई या मेहरारू क मूँड़ि या दाढ़ी क चाम पइ
कउनो छूत रोग होइ सकत ह। 30याजक क उ छूत क रोग
(व्याधि) क जरूर लखइ चाही। अगर छूत क रोग चमड़ी
स गहिर मालूम होइ अउ एकरे चारिहुँ कइँती क बार पियार
अउर पतला अहा तउ याजक क एलान करइ चाही कि उ
व्यक्ति असुद्ध अहइ। इ मूँड़ि या दाढ़ी क बुरा चर्मरोग
अहइ। 31अगर रोग चमड़ी स गहिर न मालूम होइ, अउर
एहमाँ कउनो करिया बार न होइ तउ याजक क ओका सात
दिन बरे अलग कइ देइ चाही।

32“सतएँ दिन याजक क छूत क रोगी क फुन जाँच
करइ चाही। अगर रोग फइला नाहीं बाटइ अउर बार पिअर
नाहीं होइ अउ जदि रोग चमड़ी स गहिर नाहीं अहइ, 33तउ
उ मनई क बार जरूर काट देइ चाही। मुला ओका रोगवाले
जगह क बार नाहीं कटवइ चाही। याजक क रोग लखइ
बरे उ व्यक्ति क अउर सात दिना बरे अलगाइ देइ चाही।
34सतएँ दिन याजक क रोगी क निहारइ चाही। अगर रोग
चमड़ी मँ फइला नाहीं अहइ अउर इ चमड़ी स गहिर नाहीं
मालूम होत ह तउ याजक क एलान करइ चाही कि मनई
सुद्ध अहइ। मनई क आपन ओढ़ना धोवइ चाही अउ सुद्ध
होइ जाइ चाही।

35“मुला अगर मनई क सुद्ध होइके जाइके पाछे चमड़ी
मँ रोग फइलत ह। 36तउ याजक क फिन मनई क लखइ
चाही। अगर रोग चमड़ी मँ फइलत ह तउ याजक क पिअर
बाल लखइ क जरुरत नाहीं मनई असुद्ध अहइ। 37मुला
अगर याजक इ समुझत ह कि रोग क बढ़ब रुकि गवा
बाटइ अउ एहमाँ करिया बार जमत अहइँ तउ रोग नीक होइ
गवा अहइ। मनई सुद्ध अहइ। याजक क एलान करइ चाही
कि मनई सुद्ध अहइ।

38“जदि कउनो मनई या मेहरारू क चाम पइ सफेद दाग
होइँ, 39तउ याजक क ओन दागन क लखइ चाही। अगर
मनई क चमड़ी क दाग धुँधला होइँ, तउ रोग सिरिफ हानि
न पहुँचावइवाली फोड़िया अहइ। उ मनई सुद्ध अहइ।

40“कउनो मनई आपन मूँड़े क बार क झरते हुए लख
सकत हीं। उ सुद्ध अहइ। इ सिरिफ गंजापन बाटइ।
41कउनो मनई क मूँड़े क बार झरि सकत हीं। उ सुद्ध
अहइ। इ दूसर तरह क गंजापन अहइ। 42मुला ओकरे मूँड़े
क चमड़ी पइ लाल सफेद फोड़िया बाटिन तउ इ भयानक
चर्मरोग अहइ। 43याजक क अइसे व्यक्ति क जाँच करइ
चाही। अगर चमड़ी क व्याधि सरीर पइ उ चाम रोग की
नाईं ललछौंड़ सफेद अहइ।' 44तउ उ मनई क मूँड़े क
चमड़ी पइ भयानक चर्मरोग अहइ। मनई असुद्ध अहइ,
याजक क एलान करइ चाही।

45“अगर कउनो मनई क भयानक चर्मरोग होइ तउ उ
मनई क दूसर लोगन क होसियार करइ चाही। उ मनई क
जोर से “असुद्ध! असुद्ध!” कहइ चाही, उ मनई क
ओढ़नन क, सिलाइ स फाड़ देइ चाही। उ मनई क आपन
बारन क सँवारइ नाहीं चाही अउ उ मनई क आपन मुँह
ढाँकइ चाही। 46जउन मनई असुद्ध होइ ओहमाँ छूत क रोग
हमेसा रही। उ मनई असुद्ध अहइ। ओका अकेल्ले रहइ
चाही। ओकरे निवास डेरा स बाहेर होइ चाही।

47-48“कछू ओढ़नन पइ फफूँदी* लागि सकत ह।
ओढ़ना सन या ऊनी होइ सकत ह। ओढ़ना बुना भवा या
कढ़ा भवा होइ सकत ह। फफूँदी कउनो चमड़ा या चमड़ा स
बना भवा कउनो चीज पइ होइ सकत ह। 49अगर फफूँदी
हरिअर या लाल होइ तउ ओका याजक क देखाँवइ चाही।
50याजक क फफूँदी लखइ चाही। ओका उ चीज क सात
दिना तलक अलग जगह पइ धरइ चाही। 51-52सतएँ दिन,
याजक क फफूँदी लखइ चाही। इ महत्वपूर्ण नाहीं बा कि
ओढ़ना क ताना बाना मँ फफूँदी अहइ या नाहीं इ महत्वपूर्ण
नाहीं बा कि चमड़ा क प्रयोग काहे बरे कीन्ह गवा रहा।
अगर फफूँदी फइलत ह तउ उ कपड़ा या चाम असुद्ध
बाटइ। उ फफूँदी असुद्ध अहइ। याजक क उ कपड़ा या
चमड़ा क बारि देइ चाही।

53“अगर याजक देखइ कि फफूँदी फइली नाहीं तउ तउ
उ कपड़ा या चाम धोवा जाइ चाही। इ महत्वपूर्ण नाहीं कि इ
चाम अहइ या कपड़ा या कपड़ा क ताना बाना मँ फफूँदी
अहइ या नाहीं। एँका धोवइ चाही। 54याजक क मनइयन क
इ हुकुम देइ चाही कि उ पचे चाम या कपड़ा क टूका क
धोवइँ, तबहिं याजक ओढ़नन क अउर सात दिना बरे अलग
करइ। 55उ समइ क पाछे याजक क फुन देखइ चाही।
अगर फफूँदी ठीक वइसेन ही देखाइ देत ह तउ उ ओढ़ना
असुद्ध अहइ। इ महत्वपूर्ण नाहीं अहइ कि छूत फइली नाहीं
अहइ। तू पचन क उ कपड़ा या चमड़ा बारि देइ चाही।

56“मुला अगर याजक उ चाम या कपड़ा क लखत ह
कि फफूँदी मुरझान बा तउ याजक क चमड़ा या कपड़ा क
फफूँदी स लाग दाग क चमड़ा या कपड़ा स फाड़ि देइ चाही।
इ महत्वपूर्ण नाहीं कि कपड़ा क ताना बाना मँ फफूँदी
अहइ या नाहीं। 57मुला फफूँदी उ चमड़ा या कपड़ा पइ
लौटि सकत ह। अगर अइसा होत ह तउ फफूँदी बढ़ति
अहइ। उ चमड़ा या कपड़ा क बारि देइ चाही। 58मुला अगर
धोवइ क पाछे फफूँदी न लउटइ, तउ उ चाम या कपड़ा
सुद्ध अहइ। एकर कउनो महत्व नाहीं कि कपड़ा क ताना
बाना मँ फफूँदी अहइ या नाहीं। उ कपड़ा फुन धोइव चाही
अउर उ सुद्ध होइ।”

59चाम या कपड़ा पइ फफूँदी क बारे मँ फइसला करइ
बरे इ सबइ नेम अहइ कि उ सुद्ध अहइ या असुद्ध। एँकर
कउनो महत्व नाहीं कि कपड़ा क ताना बाना मँ फफूँदी
अहइ या नाहीं।

भयानक चर्मरोगी क सुद्ध करइ क नेम

14 यहोवा मूसा स कहेस, 2“इ सबइ ओन लोगन बरे
नेम अहइँ जेनका भयानक चर्मरोग रहा अउर जउन
नीक होइ गएन। इ सबइ नेम उ मनई क सुद्ध बनावइ बरे
अहइँ।

“याजक क उ मनई क लखइ चाही जेका भयानक
चर्मरोग अहइ। 3याजक क उ मनई क लगे डेरा क बाहेर
जाइ चाही। याजक क इ लखइ क कोसिस करइ चाही कि

फफूँदी एक तरह क काई जउन गर्मी अउ नमीवाली जगह पइ ओढ़नन, चमड़न या काठ मँ लग जात ह। हिब्रू सब्द क अरथ “कोढ़” या “भयानक चर्मरोग” भी बाटइ।

उ चर्म रोग नीक होइ ग अहइ। 4अगर व्यक्ति स्वस्थ
अहइ तउ याजक ओका इ करइ क कही। ओका दुइ
जिअत सुद्ध पंछी, एक देवदारु क लकड़ी, लाल कपड़ा क
एक ठु टूका अउर एक ठु जूफ़ा* क पौधा जरूर लइ
आवइ चाही। 5याजक क बहत भए पानी क ऊपर माटी क
एक ठु खोरा मँ एक ठु पंछी क मारइ क हुकुम देइ चाही।
6तब याजक दूसर जिअत पंछी, देवदारु क लकड़ी, लाल
कपड़ा क टूकन अउ जूफ़ा क पउधा स्वीकार करी। याजक
क जिअत पंछी अउ दूसर चीजन क बहत भए पानी क
ऊपर मारा गवा पंछी क रकत मँ बोरइ चाही। 7याजक उ
व्यक्ति प भयानक चर्मरोग स उपचार करइ बरे सात दाईं
रकत छिरकी। तब याजक क जरूर घोसित करइ चाही कि
उ मनई सुद्ध अहइ। तब याजक क खुला मैदान मँ जाइ
चाही अउ जिअत पंछी क अजाद करइ देइ चाही।

8"एँकरे पाछे उ व्यक्ति क आपन ओढ़ना जरूर धोवइ
चाही। ओका आपन सब बार क मूंडन करावइ चाही अउ
पानी स नहाइ चाही। उ पवित्तर होइ जाइ। तब उ व्यक्ति
सिबर मँ जाइ सकी। मुला ओका आपन खेमा क बाहेर सात
दिना तलक रहइ चाही। 9सतएँ दिन ओका आपन सारा बार
काट डावइ चाही। ओका आपन मूँड़, डाढ़ी, भौंहन क सबहिं
बार कटवाइ लेइ चाही। तब ओका आपन कपड़ा धोवइ चाही
अउ पानी स नहाइ चाही। तब उ मनई सुद्ध होइ।

10"अठएँ दिन उ व्यक्ति क दुइ भेड़ी क नर बच्चन लेइ
चाही जेहमाँ कउनो दोख न होइ। ओका एक बरिस क एक
ठु मादा मेमना भी लेइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न होइ।
ओका एपा क तीन दसवाँ हींसा तेल मिला भवा उत्तिम आटा
लेइ चाही। इ आटा अन्नबलि बरे अहइ। उ व्यक्ति क दुइ
तिहाइ पिण्ट* जैतून क तेल भी लेइ चाही। 11याजक क
एलान करइ चाही कि उ मनई सुद्ध अहइ। याजक क उ
मनई अउ ओकरी बलि क मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ
यहोवा क समन्वा लइ आवइ चाही। 12याजक मेमनन मँ स
एक क दोखबलि क रुप मँ चढ़ाई। उ मेमना क अउर उ
तेल क यहोवा क समन्वा उत्तोलन बलि क रुप मँ चढ़ाई।
13तब याजक नर मेमना क उहइ पवित्तर ठउर पइ मारी जहाँ
उ पचे पापबलि अउ होमबलि क मारत हीं। दोखबलि,
पापबलि क समान अहइ। इ याजक क बाटइ। इ बहोतइ
पवित्तर अहइ।

14"याजक दोखबलि क कछू रकत सुद्ध कीन्ह जाइवाला
व्यक्ति क दाहिने काने क लौ मँ कछू रकत दाहिने हाथ क
अंगूठा अउ दाहिन गोड़े क अंगूठा पइ लगाइ। 15याजक
कछू तेल भी लेइ अउ आपन बाईं हथेली पइ डाई। 16तब
याजक आपन दाहिन हाथे क अँगुरियन अपन बाएँ हाथे क
हथेली मँ धरे भए तेल मँ बोरी। उ आपन अँगुरी क प्रयोग
कछू तेल यहोवा क समन्वा सात दाईं छिरकइ बरे करी।
17याजक आपन हथेली स कछू तेल सुद्ध कीन्ह जाइवाला
मनई क दाहिन काने क लौ पइ लगाई। याजक कछू तेल उ
मनई क दाहिन हाथे क अंगूठे अउ दाहिन गोड़ क अंगूठे
पइ लगाइ। याजक कछू तेल दोखबलि क रकत पइ लगाई।
18याजक आपन हथेली मँ बचा भवा तेल सुद्ध कीन्ह
जाइवाला मनई क मूँड़े प लगाइ। इ तरह याजक उ मनई क
पाप क यहोवा क समन्वा प्रायस्चित करी।

19"ओकरे पाछे याजक पापबलि चढ़ाई अउ मनई क
पापन्क प्रायस्चित करी। जेहसे उ सुद्ध होइ जाई। एकरे पाछे
याजक होमबलि बरे पसु क मारी। 20एँह बरे याजक होमबलि
अउ अन्नबलि क वेदी पइ चढ़ाई। इ तरह याजक उ मनई
क पापन्क प्रायस्चित करी अउ उ मनई सुद्ध होइ जाई।

21"अगर व्यक्ति गरीब अहइ अउ ओन बलियन क देइ
मँ असमर्थ बाटइ तउ ओका एक ठु नर मेमना दोखबलि क
रुप मँ लेइ चाही। इ उत्तोलन बलि उ व्यक्ति क पापन क
प्रायस्चिय करइ बरे होइ। ओका एपा क दसवाँ हींसा तेल स
मिला भवा उत्तिम महीन आटा लेइ चाही। इ आटा
अन्नबलि क रुप मँ उपयोग मँ आई। मनई क दुइ तिहाई
पिण्ट जैतून क तेल। 22अउर दुइ फाख़्ता या दुइ ठु कबूतरे
क बच्चा लेइ चाही। इ सबइ चिजियन क देइ मँ गरीब
लोग समर्थ होइहीं। एक पंछी पापबलि बरे होई अउ दूसर
होमबलि बरे होई।

23"अठएँ दिन, उ मनई ओन चिजियन क याजक क
लगे मिलापवाला तम्बू क दुआर पइ लिआई। उ सबई
चिजियन यहोवा क समन्वा बलि चढ़ाई जइहीं जेहसे मनई
सुद्ध होइ जाई। 24याजक, दोखबलि क मेमना अउर तेल
भी लेई अउर ओनका यहोवा क समन्वा उत्तोलन बलि क
रुप मँ चढ़ाई। 25तब याजक दोखबलि क मेमना मारी।
याजक दोखबलि क कछू रकत लेई। याजक एहमाँ स कछू
रकत सुद्ध कीन्ह जाइवाला व्यक्ति क दाहिन कान क लौ
पइ कछू रकत इ व्यक्ति क दाहिन हाथे क अंगूठा पइ
अउर कछू रकत दाएँ गोड़ क अंगूठा पइ लगाई। 26याजक
इ तेल मँ स कछू आपन बाईं हथेली मँ भी डाई। 27याजक
आपन दाहिन हाथे क अंगुरी क उपयोग आपन हथेली क
तेल क यहोवा क समन्वा सात दाईं छिरकइ बरे करी। 28तब
याजक आपन हथेली स कछू तेल उहइ जगह पइ लगाइ
जहाँ उ पहिले लगाए रहा। उ आपन हथेली स कछू तेल
सुद्ध कीन्ह जाइवाला व्यक्ति क दाहिन काने क लौ पइ
लगाई। याजक इ तेल मँ स कछू तेल मनई क दाहिन हाथे
क अंगूठा अउ ओकरे दाहिन गोड़े क अगूंठा पइ लगाई।
याजक दोखबलि क रकत लगा ठउरे पइ एहमाँ स कछू
तेल लगाई। 29याजक क आपन हथेली क बचा भवा तेल
क सुद्ध कीन्ह जाइवाला मनई क मूँड़े पइ डावइ चाही। इ
तरह याजक यहोवा क समन्वा उ मनई क पापन क
प्रायस्चित करी।

30"तब मनई फ़खतन या कबूतरे क बच्चन मँ स एक
क बलि चढ़ाई। ओका उहइ चढ़ाइ चाही जेका गरीब
व्यक्ति देइ मँ समर्थ होइ। 31ओका दुइनउँ पंछियन मँ स
एक क पापबलि क रुप मँ चढ़ावइ चाही अउ दूसर पंछी क
होमबलि क रुप मँ ओका ओनकइ अन्नबलि क संग भेंट
चढ़ावइ चाही। इ तरह याजक यहोवा क समन्वा उ मनई क
पाप क प्रायस्चित करी। उ मनई सुद्ध होइ जाई।"

जूफ़ा कटिंजर क पौधा एँकर नरम पाती अउ साखन क प्रयोग सुद्ध करइ क प्रक्रिया मँ खून या पानी छिछकारइ मँ कीन्ह जात रहा।

दुइ तिहाइ पिण्ट "एक लोजा।"

32इ सबइ भयानक चर्मरोग क नीक होइ क पाछे कउनो
एक मनई क सुद्ध करइ क नेम अहइँ। इ सबइ नेम ओन
मनइयन बरे अहइँ जउन सुद्ध होइ बरे साधारिन बलियन क
खर्चा नाहीं उठाइ सकतेन।

घरे मँ लाग फफूँदी क नेम

33यहोवा मूसा अउ हारून स इ भी कहेस, 34"मइँ तोहरे
लोगन क कनान देस देत अहउँ। तोहरे लोग इ भुइँया पइ
जइहीं। उ समइ मँ होइ सकत ह, कछू लोगन क घरन मँ
फफूँदी लगी होइ। 35तउ उ घर क मालिक क याजक क
लगे आइके कहइ चाही, 'मइँ आपन घरे मँ फफूँदी जइसी
कउनो चीज देखेउँ ह।'

36"तब याजक क आदेस जरूर देइ चाही कि घर क
खाली कइ दीन्ह जाइ। लोगन क याजक क फफूँदी लखइ
जाइके पहिले ही इ जरूर करी। इ तरह घरे क सबहिं
चिजियन क याजक क असुद्ध नाहीं कहइ पड़ी। लोगन क
घर क खाली कइ दीन्ह जाइ क पाछे याजक घरे क अन्दर
जाइ अउर देखइ। 37याजक फफूँदी क लखी। अगर फफूँदी
घरे क दीवारे पइ हरिअर या लाल रंग क चकत्ता बनाइ
दिहे अहइँ अउर इ दीवारन क सतह स गहिरा मालूम पड़त
अहइ, 38तउ याजक क घरे स बाहेर निकरि आवइ चाही।
अउ सात दिना तलक घर जरूर बन्द कइ देइ चाही।

39"सतएँ दिन, याजक क हुआँ लौटइ चाही अउर घरे क
जाँच करइ चाही। अगर घरे क दीवार पइ फफूँदी फइलि
गइ होइ 40तउ याजक क लोगन क हुकुम देइ चाही कि उ
पचे फफूँदी क सात पाथरन क उखाड़ि देइँ अउर ओनका दूर
बहाइ देइँ। ओनका ओन पाथरन क सहर स बाहेर विसेस
असुद्ध जगह पइ लोकावइ चाही। 41तब याजक क पूरे घर
क भितरे से खुरचवावइ चाही। लोगन क उ लेप क जेका
उ पचे खुरचेन ह, लोकाइ देइ चाही। ओनका उ लेप सहर
क बाहेर खास असुद्ध जगह पइ डावइ चाही। 42तबहिं उ
मनई क नवा पाथर दीवारे मँ लगावइ चाही अउ ओका ओन
दीवारन क नवा लेप स ढाँकि देइ चाही।

43"होइ सकत ह कउनो मनई पुरान पाथरन अउ लेप क
निकारिके नवा पाथरन अउ लेप क लगावइ अउ होइ सकत
ह उ फफूँदी उ घरे मँ फिन परगट होइ। 44तब याजक क
आइके उ घरे क जाँच जरूर करइ चाही। अगर फफूँदी घरे
क अन्दर मँ फइलि गइ अहइ, तउ इ रोग अहइ जउन
दूसरी जगहन मँ जल्दी स फइलत ह। एह बरे घर असुद्ध
अहइ। 45उ मनई क उ घर गिराइ देइ चाही। ओनका सारा
पाथर, लेप अउ दूसर लकड़ी क टूकन क सहर स बाहेर
असुद्ध जगह पइ लइ जाइ चाही। 46कउनो मनई जउन
ओहमाँ जात ह, साँझ तलक असुद्ध रही। 47अगर कउनो
मनई ओहमाँ खाना खात ह या ओहमाँ सोवत ह तउ उ मनई
क आपन ओढ़ना धोवइ चाही।

48"घरे मँ नवा पाथर अउ लेप लगाए क पाछे याजक क
घरे क जाँच करइ चाही। अगर फफूँदी घरे मँ नाहीं फइली
अहइ तउ याजक एलान करी कि घर सुद्ध अहइ। काहेकि
फफूँदी खतम होइ ग अहइ।

49"तब घरे क सुद्ध करइ बरे याजक क दुइ ठु पंछी,
एक देवदारू क लकड़ी, एक लाल कपड़ा क टूका अउ
जूफा क पउधा लेइ चाही। 50याजक बहत भए पानी क
ऊपर माटी क एक ठु खोरा मँ एक पंछी मारी। 51तब
याजक देवदारु क लकड़ी, जूफा क पउधा, लाल कपड़ा क
टूका अउ जिअत पंछी क लेई। याजक बहत पानी क ऊपर
मारा भए पंछी क रकत मँ ओन चीजन क बोरी। तब याजक
उ रकत क उ घरे पइ सात दाईं छिरकी। 52इ तरह याजक
ओन चीजन क उपयोग घर क सुद्ध करइ बरे करी।
53याजक खुला मैदान मँ सहर क बाहेर जाई अउर पंछी क
उड़ाइ देई। इ तरह याजक घरे बरे प्रायस्चित करी। घर सुद्ध
होइ जाइ।"

54उ सबइ नेम भयानक चर्मरोग क, 55घर या कपड़ा क
टूकन पइ क फफूँदी क बारे मँ अहइँ। 56उ सबइ नेम
सूजन, फुंसियन या चर्मरोग पइ सफेद दाग सम्बंध रखत हीं।
57उ सबइ नेम सिखावत हीं कि चीजन कब असुद्ध अहइँ
अउ कब सुद्ध अहइँ। उ सबइ नेम उ तरह क बेरामी स
सम्बंध रखत हीं।

सरीर स बहइवाला स्राव क नेम

15 यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 2"इस्राएल क
लोगन स कहा: जब कउनो मनई क सरीर स धात
क स्राव होत ह तब उ व्यक्ति असुद्ध होत ह। 3उ धात
सरीर स खुला बहत ह या सरीर ओका बहइ स रोक देत ह
ऍंकर कउनो महत्व नाहीं।

4"अगर धात तजइवाला बिछउना पइ सोवत रहत ह तउ
उ बिस्तर असुद्ध होइ जाइ। जउने जगह प उ बइठत ह उ
असुद्ध होइ जाइ। 5अगर कउनो मनई ओकरे बिछउना क
छुअत ह तउ ओका आपन ओढ़नन क धोवइ चाही अउ
पानी स नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही। 6अगर
कउनो मनई उ चीज प बइठत ह जउने पइ धात तजइवाला
मनई बइठा होइ तउ ओका आपन ओढ़ना धोवइ चाही अउर
बहत पानी मँ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही।
7अगर कउनो मनई उ मनई क छुअत ह जउन धात क तजे
बाटइ तउ ओका आपन ओढ़नन क धोवइ चाही अउ बहत
पानी मँ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही।

8"अगर धात तजइवाला मनई कउनो सुद्ध मनई पइ
छूवत ह तउ सुद्ध मनई क आपन ओढ़ना धोवइ चाही अउ
नहाइ चाही। उ मनई साँझ तलक असुद्ध रही। 9पसु पइ
बइठइ क काठी जउने प धात तजइवाला मनई बइठा होइ
तउ उ असुद्ध होइ जाइ। 10एह बरे कउनो मनई जउन धात
तजइवाला मनई क नीचे रहइवाली कउनो चीजे क छुअत ह
तउ उ साँझ तलक असुद्ध रही। जउन मनई धात तजइवाला
मनई रहइवाली कउनो नीचे क चीजन क लइ जात ह तउ
ओका आपन ओढ़नन क धोवइ चाही अउ पानी मँ नहाइ
चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही।

11"सम्भव अहइ कि धात तजइवाला मनई पानी मँ बिना
हाथ धोइके कउनो दूसर मनई क छुअइ। तब दूसर मनई
आपन ओढ़नन क धोवइ चाही अउ पानी मँ नहाइ। उ साँझ
तलक असुद्ध रही।

12"धात तजइवाला मनई अगर माटी क खोरा छुअइ तउ उ खोरा जरूर फोड़ देइ चाही। अगर धात तजइवाला मनई कउनो काठे क खोरा छुअइ तउ उ खोरा क बहत पानी मँ अच्छी तरह धोवइ चाही।

13"जब धात तजइवाला कउनो मनई आपन धात तजे स सुद्ध कीन्ह जात ह तउ ओका आपन सुद्धि बरे उ दिना स सात दिन गनइ चाही। तब ओका आपन ओढ़ना धोवइ चाही अउ बहत पानी मँ नहाइ चाही। उ सुद्ध होइ जाइ। 14अठएँ दिन उ मनई क दुइ फ़ाखता या दुइ कबूतरे क बच्चा लेइ चाही। ओका मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ यहोवा क समन्वा आवइ चाही। उ मनई दुइ पंछी याजक क देइ। 15याजक पंछियन क बलि चढ़ाई। एक क पापबलि बरे अउ दूसर क होमबलि बरे। इ तरह याजक इ मनई क यहोवा क समन्वा ओकरे धात तजइ बरे प्रायस्चित करी।

मनसेधुअन बरे नेम

16"अगर मनसेधू क वीर्य निकरि जात ह तउ ओका बहत पानी मँ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही। 17अगर वीर्य कउनो ओढ़ना या चाम पइ गिरइ तउ उ ओढ़ना या चाम पानी मँ धोवइ चाही। इ साँझ तलक असुद्ध रही। 18अगर कउनो मनसेधू कउनो स्त्री क संग सोवत ह अउ वीर्य निकरत ह तउ स्त्री अउ मनसेधू दुइनउँ क बहत पानी मँ नहाइ चाही। उ पचे साँझ तलक असुद्ध रइहीं।

स्त्रियन बरे नेम

19"अगर कउनो स्त्री मासिक रकत स्राव क समइ मासिक धर्म स बाटइ तउ उ सात दिना तलक असुद्ध रही। अगर कउनो मनई ओका छुअत ह तउ उ मनई साँझ तलक असुद्ध रही। 20आपन मासिक धर्म क समइ स्त्री जउन कउनो चीज पइ ओलरी, उ भी असुद्ध रही अउ उ समइ मँ जउने चीजे प उ बइठी, उ भी असुद्ध होइ। 21अगर कउनो मनई उ स्त्री क बिछउना क छुअत ह तउ ओका आपन ओढ़नन क बहत पानी मँ धोवइ अउ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही। 22अगर कउनो मनई उ चीज क छुअत ह जेह पइ उ स्त्री बइठी होइ तउ उ मनई क आपन ओढ़ना बहत पानी मँ धोवइ चाही अउ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही। 23उ मनई स्त्री क बिछउना क छुअत ह या उ चीज क छुअत ह जेह पइ उ बइठी होइ, तउ उ मनई साँझ तलक असुद्ध रही।

24"अगर कउनो मनई कउनो स्त्री क संग मासिक धर्म क समइ मँ यौन सम्बंध रखत ह तउ उ मनई सात दिना तलक असुद्ध रही। हर उ बिछउना जउने प उ सोवत ह असुद्ध होइ।

25"अगर कउनो स्त्री क कइउ दिना तलक रकत स्राव रहत ह जउन ओकरे मासिक धर्म क समइ नाहीं होत, या निस्चित समइ क पाछे मासिक धर्म होत ह तउ उ उहइ तरह असुद्ध होइ जेह तरह मासिक धर्म क समइ अउ तब तलक असुद्ध रही जब तलक रही। 26पूरा रकत स्राव क समइ उ स्त्री जेह बिछउना पइ ओलरी, उ वइसा ही होइ जइसा मासिक धर्म क समइ। जउन कउनो चीजे पइ उ स्त्री बइठी, उ वइसे ही असुद्ध होइ जइसेन उ मासिक धर्म स असुद्ध होत ह। 27अगर कउनो मनई ओन चिजियन क छुअत ह तउ उ असुद्ध होइ। इ मनई क बहत पानी स आपन (कपड़ा) धोवइ चाही अउ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही। 28ओकरे पाछे जब उ स्त्री मासिक धर्म स असुद्ध होइ जात ह तब स ओका सात दिन जरूर गनइ चाही एकरे पाछे उ सुद्ध होइ। 29फिन अठएँ दिन ओका दुइ फाखता अउ दुइ कबूतरे क बच्चा लेइ चाही। ओका ओनका मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ याजक क लगे जरूर लावइ चाही। 30तब याजक क एक पंछी पापबलि क रुप मँ अउ दूसर क होमबलि क रुप मँ चढ़ावइ चाही। इ तरह उ याजक ओका यहोवा क समन्वा ओकरे स्राव बरे प्रायस्चित करी।

31"एह बरे तू इस्राएल क लोगन क उपदेस द्या कि उ पचन्क अपने आप क अलग करइ चाही जउन उ असुद्ध अहइ। इ तरह उ मोर पवित्तर तम्बू क दूसित नाहीं करब्या जउन ओकर बीच बाटइ। अगर उ पचे एँका दूसित करत हीं तउ आपन असुद्धी क कारण जरूर मरइ क होइ।"

32इ सबइ नेम तजइवाले लोगन क बरे अहइँ। इ सबइ नेम ओन मनइयन बरे अहइँ जउन वीर्य क सरीर स बाहेर निकरइ स असुद्ध होत हीं। 33अउर इ सबइ नेम ओन स्त्रियन बरे अहइँ जउन आपन मासिक धर्म क रकत स्राव क समइ असुद्ध होह हीं अउर उ सबइ नेम ओन मनसेधुअन बरे अहइँ जउन असुद्ध स्त्रियन क संग सोवइ स असुद्ध होत हीं।

प्रायस्चित क दिन

16 हारून क दुइ पूत यहोवा क सुगन्ध भेंट चढ़ावइ क जतन करइ क समइ मर ग रहेन।* 2एकरे पाछे यहोवा मूसा स कहेस, "आपन भाई हारून स कहा कि उ महा पवित्तर ठउर मँ पर्दा क पाछे कउनो टेम जाइ चाहत ह तउ नाहीं जाइ सकत ह। उ पर्दा क पाछे जउन कमरा बाटइ ओहमाँ पवित्तर सन्दूख रखा भवा अहइ। पवित्तर सन्दूख क ऊपर ओकर बिसेस ढकना* लाग अहइ। बिसेस ढकना क ऊपर एक ठु बदरे मँ मइँ परगट होब। अगर हारून उ कमरा मँ जात ह तउ उ मरि जाइ।

3"प्रायस्चित क दिन पवित्तर ठउर मँ जाइके पहिले हारून क पापबलि क बरे एक ठु बछवा अउ होमबलि बरे एक ठु भेड़ा क महा पवित्तर ठउर क दुआरे क अगवा जरूर भेंट करइ चाही। 4हारून आपन पूरा सरीर क पानी डाइके धोइ। तब हारून इ सबइ ओढ़नन क पहिरी। सन क नीचे क ओढ़ना सरीर स सटा होइहीं। उ सन स बना भवा कमर बन्द बान्ध लेइहीं। तउ हारून सन क पगड़ी बाँधी। इ सबइ पवित्तर ओढ़ना अहइँ।

हारून क दुइ पूत ... रहेन लखइँ लैव्यव्यवस्था 10:1-2

बिसेस ढकना इ "द्या क सीट" भी कहलावत ह। इब्रानी सब्द क अरथ "ढकना" ढाकइ क ओढ़ना" या "उ ठउर जहाँ पाप क छिमा कीन्ह जात ह।"

5“हारून क इस्राएल क लोगन स दुइ ठु बोकरा
पापबलि क रूप मँ अउ एक ठु भेड़ा होमबलि क रूप मँ
जरूर लेइ चाही। 6तब हारून बछवा क पापबलि क रूप मँ
चढ़ाइ। इ बलि ओकरे अपने बरे अहइ। तब हारून उ अउ
ओकर परिवार बरे प्रायस्चित करी।

7“एकरे पाछे हारून दुइ बोकरा लेइ अउ मिलापवाला
तम्बू क दुआरे पइ यहोवा क समन्वा लिआइ। 8हारून दुइनउँ
बोकरन बरे चिट्ठी डाइ। एक चिट्ठी यहोवा बरे होइ। दूसरी
चिट्ठी अजाजेल बरे होइ।

9“तब हारून चिट्ठी डाइके यहोवा खातिर चुना गवा
बोकरा क भेंट चढ़ाइ। हारून क इ बोकरा क पापबलि बरे
चढ़ावइ चाही। 10मुला चिट्ठी डाइके अजाजेल बरे चुना गवा
बोकरा यहोवा क समन्वा जरूर जिअत लइ आवा जाइ चाही।
याजक ऐसे ओकर पाप बरे प्रायस्चित करी। तब इ बोकरा
मरूभूमि मँ अजाजेल क लगे पठवा जाइ।

11“तब हारून आपन बरे बछवा क पापबलि रूप मँ
चढ़ाइ। हारून अपने अउ आपन परिवार बरे प्रायस्चित करी।
हारून बछवा क अपने बरे पापबलि क रूप मँ मारी। 12तब
ओका वेदी स आगी क एक ठु तसला अंगारा स भरा भवा
यहोवा क समन्वा लइ आवइ चाही। हारून दुई मुट्ठी भइ
उ महकइवाली सुगन्धित धूप लेइ जउन महीन पीसी गइ
अहइ। हारून क पर्दा क पाछे कमरा मँ उ सुगन्धि क
लिआवइ चाही। 13हारून क यहोवा क समन्वा सुगन्धि क
आगी मँ जरूर डावइ चाही। तबहिं सुगन्धि स भरी धूप
क धुआँ क बदर साच्छीपत्र क ऊपर क बिसेस ढकना
क ढाँकि लेइ। इ तरह हारून नाहीं मरी। 14साथ ही साथ
हारून क बछवा क कछू रकत अपनी अँगुरियन पइ लइ
चाही अउ ओका बिसेस ढकना क पूरब कइँती छिछकारइ
चाही। एकरे समन्वा उ सात दाईं जरूर अंगुरी स रकत
छिछकारी।

15“एकरे पाछे हारून क लोगन बरे पापबलि क रुप मँ
बोकरा क मारइ चाही। हारून क बोकरा क रकत पर्दा क
पाछे कमरा मँ जरूर लावइ चाही। हारून क बोकरा क
रकत क प्रयोग वइसा ही करइ चाही जइसा बछवा क रकत
क किहस। हारून क उ ढकना पइ अउर ढकना क समन्वा
बोकरा क खून जरूर छिछकारइ चाही। 16अउर ओका
इस्राएल क लोगन क असुद्धता स, अउ ओकर अपराधन
अउर पापन स महा पवित्तर ठउर क सुद्ध करइ बरे
प्रायस्चित करी चाही। हारून क इ इहइ मिलापवाला तम्बू
बरे करइ चाही जउन असुद्ध लोगन क बीच मँ बाटइ।
17जउने समइ हारून महा पवित्तर ठउर सुद्ध करइ, उ समइ
कउनो मनई मिलापवाला तम्बू मँ नाहीं होइ चाही। कउनो
मनई क ओकरे भीतर तब तलक नाहीं जाइ चाही जब
तलक हारून बाहेर न आइ जाइ। इ तरह, हारून आपन क,
आपन परिवार क अउर इस्राएल क सबहिं लोगन बरे
प्रायस्चित करी। 18तब हारून उ वेदी पइ जाइ जउन यहोवा
क समन्वा बाटइ। हारून वेदी बरे प्रायस्चित करी। हारून
बछवा अउ बोकरा क कछू रकत लइके वेदी क चारिहुँ
कइँती अउ कोना पइ लगाइ। 19तब हारून कछू रकत
आपन अँगुरियन स वेदी पइ सात दाईं छिरकी। इ तरह
हारून इस्राएल क लोगन क सबहिं पापन स वेदी क सुद्ध
अउ पवित्तर करी।

20“हारून महा पवित्तर स्थान, मिलापवाला तम्बू अउ वेदी
बरे प्रायस्चित करी। इ सबइ काम क पाछे हारून यहोवा क
लगे जिअत बोकरा क लिआई। 21हारून आपन दुइनउँ
हाथन क जिअत बोकरा क मूँड़े पइ धरी। तब हारून बोकरा
क ऊपर इस्राएल क लोगन क अपराध अउ पाप क
कबूली। इ तरह हारून लोगन क पापन क बोकरा क मूँड़े
पइ डाइ। तब उ बोकरा क दूर रेगिस्तान मँ पठइ। एक मनई
बगल मँ बोकरा क लइ जाइके बरे खड़ा होइ। 22इ तरह
बोकरा सबहिं लोगन क पाप अपने ऊपर सूना रेगिस्तान मँ
लइ जाइ। जउन मनई बोकरा क लइ जाइ उ रेगिस्तान मँ
ओका खुला छोड़ि देइ।

23“तब हारून मिलापवाला तम्बू मँ जाई। उ सन क ओन
उत्तिम ओढ़नन क पहिरिही जेनका उ महा पवित्तर स्थान मँ
जात समइ पहिरे रहा। ओका ओन ओढ़नन क हुअँइ तजइ
चाही। 24उ आपन पूरा सरीर क एक पवित्तर जगह मँ पानी
स धोई। तब उ आपन दूसर खास ओढ़नन क पहिरी। उ
बाहेर आइ अउर आपन होमबलि अउर लोगन क होमबलि
चढ़ाइ। उ आपन क अउ लोगन क पाप बरे प्रायस्चित
करी। 25तब उ वेदी पइ पापबलि क चर्बी क चढ़ाइ।

26“जउन मनई बोकरा क अजाजेल क लगे लइ जाइ, उ
आपन ओढ़ना अउ आपन पूरा सरीर क पानी स धोवइ चाही।
ओकरे पाछे उ मनई सिबिर मँ वापिस आइ सकत ह।

27“पापबलि क बछवा अउर बोकरा क सिबिर स जरूर
बाहेर लइ जाइ चाही। (उ पसुअन क रकत पवित्तर ठउरे मँ
पवित्तर चीजन बरे प्रायस्चित करइ बरे लिआवा ग रहा।)
याजक ओन पसुअन क चाम, सरीर अउ सरीरे क मल
आगी मँ बारी। 28तब ओन चीजन क बारइवाला मनई क
आपन ओढ़ना अउ पूरा सरीर क पानी डाइके धोवइ चाही।
ओकरे पाछे उ मनई डेरा मँ आइ सकत ह।

29“इ नेम तोहरे बरे सदा रही। सतएँ महीना क दसवें दिन
तू पचन क जरूर उपवास करइ चाही। तू पचन क कउनो
काम नाहीं करइ चाही। तोहरे संग रहइवाला नागरिक या
बिदेसी भी कउनो काम नाहीं कइ सकिहीं। 30काहेकि उ दिन
याजक तोहका सुद्ध किहेस ह अउ तोहरे पापन्क बरे
प्रायस्चित किहेस ह। तब तू पचे यहोवा बरे सुद्ध होब्या।
31इ दिन तोहरे बरे आराम करइ क बिसेस दिन अहइ।
तोहका सबन क इ दिन उपवास करइ चाही। इ नेम सदा बरे
होइ। 32तउ उ मनई जउन महा याजक बनइ बरे अभिसेक
किहेस ह इ चीजन सुद्ध करइ बरे प्रायस्चित करी। इ उहइ
मनई अहइ जेका ओकरे पिता क मउत क पाछे महा याजक
क रुप मँ सेवा बरे तय कीन्ह ग अहइ। उ याजक क सन
क पवित्तर ओढ़ना धारण करइ चाही। 33ओका पवित्तर स्थान,
मिलापवाला तम्बू अउ वेदी क सुद्ध करइ चाही अउ ओका
याजक अउ इस्राएल क सबहिं लोगन क सुद्ध करइ चाही।
34इस्राएल क लोगन क प्रायस्चित करइ क इ नेम सदा ही
रही। तोहका इ सबइ बरिस मँ एक दाईं जरूर करइ चाही।”

एह बरे उ पचे उहइ किहेन जउन करइ क यहोवा मूसा
क आदेस दिहे रहा।

जनावरन क मारइ अउ खाइ क नेम

17 यहोवा मूसा स कहेस, 2"हारून, ओकरे पूतन अउ इस्राएल क सबहिं मनइयन स कहा। ओनका कहा कि यहोवा इ हुकुम दिहे अहइ: 3कउनो इस्राएली मनई कउनो बर्धा या भेड़ी क बच्चा या बोकरा क डेरा मँ या डेरा क बाहेर मारि सकत ह। 4उ व्यक्ति उ जनावरे क मिलापवाले तम्बू क दुआरे पइ लिआइ। ओका उ जनावर क एक हींसा यहोवा क भेंट क रुप मँ देइ चाही। उ व्यक्ति रकत बहाएस ह। उ मारे बाटइ एह बरे ओका यहोवा क पवित्तर तम्बू मँ भेंट लइ जाइ चाही। अगर उ जनावर क हींसा यहोवा क लगे नाहीं लइ जात तउ ओका आपन लोगन स अलग कइ देइ चाही। 5इ नेम एह बरे अहइ कि लोग मेलबलि यहोवा क अर्पण करइँ। इस्राएल क लोगन क ओन जनावरन क जरूर लावइ चाही जेनका उ पचे मैदान मँ मारत ह। ओनका ओन जनावरन क मिलापवाला तम्बू क दुआर पइ लावइ चाही। ओनका ओन जनावरन क याजक क लगे लिआवइ चाही। 6तब याजक ओन जनावरन क रकत मिलापवाला तम्बू क दुआरे क लगे यहोवा क वेदी तलक फेंकइ। याजक ओन जनावरन क चर्बी क वेदी पइ बारी। इ यहोवा बरे महकउआ सुगन्ध होइ। 7ओनका कउनो भेंट 'बोकरन क मूर्तियन' क अगवा नाहीं चढ़ावइ चाही, जउन उ पचन क वेस्यावृति क नाईं बदलत हीं। इ सबइ नेम हमेसा रइहइँ।

8"लोगन स कहा: इस्राएल क कउनो नागरिक या कउनो बिदेसी जउन तू पचन क बीच बसत ह मँ स कउनो जउन मेलबलि अउ होमबलि चढ़ावत ह 9ओका आपन बलि क मिलापवाला तम्बू क दुआर पइ लइ चाही अउ ओका यहोवा क चढ़ावइ चाही। अगर उ मनई अइसा नाहीं करत तउ ओका आपन लोगन स अलग कइ देइ चाही।

10"मइँ हर अइसे मनई क खिलाफ होब जउन रकत खात ह। चाहे उ इस्राएल क नागरिक होइ या उ तोहरे बीच रहइवाला कउनो विदेसी होइ। मइँ ओका ओकरे लोगन स अलग कइ देब। 11काहेकि प्राणी क जीवन रकत मँ बाटइ। मइँ तू पचन क उ रकत वेदी पइ डावइ क नेम दिहेउँ ह। इ तोहार आपन प्रायस्चित करइ बरे अहइ। कहेकि रकत मँ जान बाटइ, इ तोहार प्रायस्चित करी। 12एह बरे मइँ इस्राएल क लोगन स कहत हउँ: तू पचन मँ स कउनो अउर न ही तू पचन क बीच रहइवाला कउनो बिदेसी रकत खाइ सकत ह। 13अगर कउनो मनई कउनो जंगली जनावर या पंछी क धरत ह जेका खावा जाइ सकइ तउ उ मनई क रकत भुइँया पइ जरूर बहाइ देइ चाही अउ माटी स ओका मूँद देइ चाही। चाहे उ मनई इस्राएल क नागरिक होइ या तू पचन क बीच रहइवाला बिदेसी ओका इ जरूर करइ चाही। 14तू पचन क इ काहे करइ चाही? काहेकि अगर रकत गोसे मँ बाटइ तउ उ जनावर क प्राण भी गोसे मँ बाटइ। एह बरे मइँ इस्राएल क लोगन क हुकुम देत अहउँ: उ गोस क जिन खा जेहमाँ रकत होइ। कउनो भी मनई जउन रकत खात ह आपन लोगन स अलगाइ दीन्ह जाइ।

15"अगर कउनो मनई खुद स मरा भवा जनावर या कउनो दूसर जनावर क जरिये मारा भवा जनावर क खात ह। उ साँझ तलक असुद्ध रही। तउ उ मनई क आपन ओढ़ना अउ आपन पूरा सरीर पानी स धोवइ चाही। चाहे उ मनई इस्राएल क नागरिक हो या तू पचन क बीच रहइवाल बिदेसी। ओका इ जरूर करइ चाही। 16अगर उ मनई आपन ओढ़नन क नाहीं धोवत अउ न ही नहात ह तउ उ पाप करइ क अपराधी होइ।"

यौन सम्बंध क बारे मँ नेम

18 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स कहा: मइँ यहोवा तू पचन क परमेस्सर अहउँ। 3हिआँ आवइ क पहिले तू लोग मिस्र मँ रह्या। तू पचन क उ नाहीं करइ चाही जउन हुआँ होत भवा रहा। मइँ तू लोगन क कनान लइ जात अहउँ। तू लोगन क उ नाहीं करब अहइ जउन उ देस मँ कीन्ह जात ह। 4तू पचन क मोरे नेमन क जरूर पालन करइ चाही। इ नेमन क पालन मँ होसियार रहा। काहेकि मइँ यहोवा तू पचन क परमेस्सर अहउँ। 5एह बरे तू पचन क मोरे सबइ नेमन अउ कानून क पालन जरूर करइ चाही। अगर कउनो मनई मोर सबइ नेमन अउ हुकुमन क पालन करत ह तउ उ जिअत रही। मइँ यहोवा अहउँ।

6"तोहका सबन्क निचके क रिस्तेदारन स कबहुँ यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ!

7"तू पचन्क आपन पिता क अपमान नाहीं करइ चाही अरथ अहइ तू पचन्क आपन महतारी क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। 8तू पचन्क आपन बाप क मेहरारु स भी यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही चाहे उ तोहार महतारी भले ही न होइ। पिता क स्त्री स यौन सम्बंध सिरिफ तोहरे पिता बरे अहइ।

9"तू पचन्क आपन पिता या महतारी क बिटिया अर्थात आपन बहिन स यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। एहसे फरक नाहीं पड़त कि तोहरी उ बहिन क पालन पोसण तोहरे घरे मँ भवा या कउनो दूसर जगह।

10"तोहका सबन्क आपन नाती पोतन स यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। उ पचे तोहार अंग* अहइँ।

11"अगर तोहरे पिता अउ ओकर पत्नी* क कउनो बिटिया अहइ तउ तोहरा बहिन अहइ। तू सबन्क ओनकइ संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही।

12"आपन पिता क बहिन क संग तोहार यौन सम्बंध नाहीं होइ चाही। उ तोहरे पिता क गोत क अहइ। 13तू पचन्क आपन महतारी क बहिन क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। उ तोहरे महतारी क गोत क अहइ। 14तू पचन्क आपन पिता क भाई क पत्नी क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। तू पचन्क आपन चाचा क पत्नी क निअरे तलक नाहीं जाइ चाही। उ तोहार काकी अहइ।

15"तोहका पचन्क आपन पतोहू क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। उ तोहरे बेटवा क पत्नी अहइ। तोहका ओकरे संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही।

तोहार अंग ओनकर नंगा होब तोहार नंगा होब अहइ।

ओकर पत्नी साइद एकर अरथ "तोहार सौतेली महतारी।"

16"तू पचन्क आपन भाई क पत्नी क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। इ आपन भाई क संग यौन सम्बंध राखब जइसा होइ। सिरिफ तोहार भाई आपन पत्नी क संग यौन सम्बंध रख सकत ह।*

17"तोहका सबन्क कउनो महतारी अउ ओकरी बिटिया स यौन सम्बंध नाहीं रखइ चाही अउ तोहका इ स्त्री क नातिन स यौन सम्बंध नाहीं रखइ चाही। एहसे इ फरक नाहीं पड़त कि उ नातिन उ स्त्री क पूत या बिटिया क बिटिया बाटइ। ओकर पोतिन ओकरे नजदिकी गोत क बाटिन। ओनकइ संग यौन सम्बंध करब गलत अहइ।

18"जब ताईं तोहार स्त्री जिअत बाटइ, तू सबन्क ओकरी बहिन क दूसर स्त्री नाहीं बनावइ चाही। इ बहिनियन क आपसी दुस्मन बनाइ देइ। तोहका सबन्क आपन स्त्री क बहिन स यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही।

19"तोहका सबन्क कउनो स्त्री क लगे ओकरे मासिक धर्म क समइ यौन सम्बंध बरे नाहीं जाइ चाही। उ इ समइ असुद्ध अहइ।

20"तोहे सबन्क आपन पड़ोसी क स्त्री स यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। इ तू सबन्क असुद्ध बनाइ।

21"तू सबन्क आपन कउनो गदेला क आगी क जरिये मोलेक क भेंट नाहीं चढ़ावइ चाही। अगर तू पचे अइसा करत अहा तउ तू पचे आपन यहोवा क नाउँ क अपमान किहस ह। मइँ यहोवा अहउँ।

22"तू सबन्क कउनो मनसेधू क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही जइसा कउनो स्त्री क साथ कीन्ह जात ह। इ भयंकर पाप अहइ।

23"कउनो जनावर क संग तोहार यौन सम्बंध नाहीं होइ चाही। इ सिरिफ तोहका घिनौना बनाइ देइ। स्त्री क भी कउनो जनावर क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। इ प्रकृति क खिलाफ अहइ।

24"इ सबइ अनुचित कामन स आपन क असुद्ध जिन करा। मइँ ओन रास्ट्रन क ओकर देस स बाहेर करत हउँ अउर मइँ ओनकी धरती तू सबन्क देत अहउँ। काहेकि उ पचे लोग वइसेन भयंकर पाप करत हीं। 25एह बरे उ देस असुद्ध होइ ग बाटइ। एह बरे मइँ ओन लोगन स ओनकइ पापन बरे भरपाई कराउब। उ देस आपन निवासियन बाहेर अलगइ देत ह।

26"एह बरे तू पचे मोरे सबइ नेमन अउ कानूनन क पालन जरूर करब्या। तू पचन्क ओनमाँ स कउनो भयंकर पाप नाहीं करइ चाही। इ सबइ नेमन इस्राएल क सबहिं नागरिक अउर तोहरे बीच रहइवाला सबहिं बिदेसियन बरे बाटइ। 27जउन लोग तू सबन्स पहिले हुआँ रहेन उ पचे उ सबइ भयंकर पापन किहेन। जेहसे उ धरती असुद्ध होइ गवा। 28अगर तू पचे भी उहइ काम करब्या तउ तू पचे इ धरती क गन्दा बनउब्या। इ तू लोगन्क वइसेन ही बाहेर निकारि देइ, जइसेन तू पचेन स पहिले बसइवाली जातियन क संग कीन्ह गवा रहा। 29अगर कउनो मनई ओन भयंकर पापन मँ कउनो पाप करत ह, तउ उ आपन लोगन स अलग कइ दीन्ह जाइ। 30दूसर लोग उ ओन भयंकर पापन क किहेन ह। मुला मोरे नेमन क पालन करइ चाही। तोहका पचन्क ओन भयंकर पापन मँ स कउनो भी नाहीं करइ चाही। ओन भयंकर पापन स आपन क असुद्ध जिन बनावा। मइँ तोहार सबन्क परमेस्सर यहोवा अहउँ।"

इस्राएल परमेस्सर क अहइ

19 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क सबहिं लोगन स कहा: कि मइँ तोहार परमेस्सर अहउँ मइँ पवित्तर हउँ! एह बरे तू सबन्क पवित्तर होइ चाही!

3"तू पचन मँ स हर एक मनई क आपन महतारी बाप क सम्मान करइ चाही अउ मोर बिस्राम क खास दिनन क मनावइ चाही। मइँ तोहार पवित्तर परमेस्सर अहउँ!

4"मूतिर्यन क उपासना जिन करा। आपन बरे देवतन क मूतिर्यन क धातु गलाइके जिन बनावा। मइँ तू लोगन क परमेस्सर यहोवा अहउँ।

5"जबहिं तू यहोवा क मेलबलि चढ़ावा तउ तू पचे ओका अइसे ठीक तरीका स चढ़ावा कि यहोवा तोहार बलि क स्वीकार कइ लेइ। 6जउने दिन चढ़उब्या तू ऍका खाइ सकब्या अउ दूसरे दिना भी। मुला अगर बलि क कछू हींसा तीसर दिन भी बचि जाइ तउ ओका तू पचन क आगी मँ बारि देइ चाही। 7कउनो भी बलि क तीसर दिन नाहीं खाइ चाही। इ असुद्ध बाटइ। इ अंगीकार नाहीं होइ। 8अगर कउनो मनई अइसा कामन करत ह तउ उ दोखी होइ। काहेकि उ यहोवा क पवित्तर चीजन क दूसित किहेस। उ मनई क ओकर लोगन स अलग कइ दीन्ह जाई।

9"जबहिं तू कटनी क समइ आपन फसल काट्या तउ तू पचे सब कइँती स खेत क कोनन ताईं जिन काट्या अउर अगर अन्न जमीन पइ गिरि जात ह तउ तू पचन्क ओका बटोरइ नाहीं चाही। 10आपन अंगूरे क बगिया क सारा अंगूर जिन तोड़्या। जउन अंगूर भुइँया पइ गिरि जाइँ ओनका जिन उठावा। काहेकि तू पचन्क उ सबइ चीजन गरीब लोगन अउर जउन तोहार बीच रहइवाला बिदेसियन बाटइ ओनके बरे छोड़इ चाही। मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ!

11"तू पचन्क चोरी नाहीं करइ चाही। तू पचन्क लोगन्क ठगी नाहीं करइ चाही। तू पचन्क आपुस मँ झूठ नाहीं बोलइ चाही। 12तू पचन्क मोरे नाउँ पइ झूठा बचन नाहीं देइ चाही। अगर तू पचे अइसा करत ह्या तउ तू पचे आपन परमेस्सर क नाउँ क अपमान करत ह। मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ!

13"तू पचन्क आपन पड़ोसी क धोखा नाहीं देइ चाही। तू पचन्क ओकर चोरी नाहीं करइ चाही। तू पचन्क मजदूर क मजदूरी पूरी रात, भिन्सारे तलक नाहीं रोकइ चाही।*

14"तू पचन्क कउनो बहिरे मनई क सरापइ नाहीं चाही। तू पचन्क कउनो आँधर क भहरावइ बरे ओकरे अगवा कउनो चीज नाहीं रखइ चाही। मुला तू पचन्क आपन परमेस्सर यहोवा क सम्मान करइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ!

सिरिफ … सकत ह "उ तोहरे भाई क नंगापन अहइ।"

तू पचन्क … रोकइ चाही एहसे इ पता लागत ह कि मजदूरी पइ धरा गए मजदूर क उहइ दिन कीन्ह गए कामे क मजदूरी उहइ दिन दीन्ह जात रही। लखइँ मत्ती 20:1-16

15“तू पचन्क क निआव करइ मँ ईमानदार होइ चाही। न तउ तू पचन्क गरीबन क संग खास पच्छपात करइ चाही अउ न ही बड़कन अउ धनी मनइयन बरे कउनो आदर देखावइ चाही। तू पचन्क आपन पड़ोसी क संग निआव करत समइ ईमानदार होइ चाही। 16तू पचन्क दूसर लोगन्क खिलाफ चारिहुँ कइँती अफवाह सँचरावत भए नाहीं चलइ चाही। अइसा कछू जिन करा जउन तू पचन्क पड़ोसी क खतरा मँ डाइ देइ। मइँ यहोवा अहउँ!

17“तू पचन्क आपन हिरदइ मँ आपन भाइयन स घिना नाहीं करइ चाही। अगर तोहार पड़ोसी कछू बुरा करत ह तउ एकरे बारे मँ ओका समझावा। मुला ओका छिमा करा! 18लोग, जउन तोहार बुरा करइँ, ओका बिसरि जा। ओसे बदला लेइ क कोसिस जिन करा। आपन पड़ोसी स वइसेन ही पिरेम करा जइसे अपने आप स करत ह्या। मइँ यहोवा अहउँ!

19“तू पचन्क मोरे नेमन क पालन जरूर करा। दुइ जाति क जनावरन क प्रजनन बरे आपुस मँ जिन मिलावा। तू पचन क खेते मँ दुइ तरह क बिआ नाहीं मिलावइ चाही। तू पचन्क दुइ तरह क मिलावट स बना ओढ़ना क नाहीं पहिरइ चाही।

20“इ होइ सकत ह कि कउनो दूसर मनई क दासी स कउनो मनई क यौन संबंध होइ। अगर इ दासी न तउ खरीदी गइ अहइ अउर न ही अजाद कराई गइ अहइ तउ ओनका जरूर दण्ड दीन्ह जाइ चाही। मुला उ पचे मउत न पइहीं। काहेकि स्त्री अजाद नाहीं रही। 21उ मनई क आपन अपराध बरे मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ यहोवा बरे जरूर दोखबलि चढ़ावइ चाही। मनई क एक ठु भेड़ा दोखबलि क रूप मँ लावइ चाही।

22“याजक उ मनई बरे जउन पाप किहेस ह क प्रायस्चित करी। याजक यहोवा क दोखबलि क रुप मँ भेड़ा क चढ़ाइ। इ मनई क कीन्ह गए पापन बरे भेंट होइ। तब मनई आपन कीन्ह गए पापन बरे छिमा पाइहीं।

23“भविस्स मँ तू पचे आपन प्रदेस मँ प्रवेस करब्या। उ समइ भोजन बरे तू पचे किसिम किसिम क बृच्छ लगउब्या। पौधा लगावइ क पाछे बृच्छ क कउनो फले क प्रयोग करइ बरे तोहका तीन बरिस तलक जोहइ चाही। तू पचन क ओसे पहिले क फल क प्रयोग नाहीं करइ चाही।

24“चउथे बरिस उ बृच्छ क फले यहोवा क होइहीं। इ यहोवा क स्तुति बरे पवित्तर भेंट होइ। 25तब, पँचवें बरिस तू सब उ बृच्छ क फल चखि सकत ह अउ बृच्छ तोहरे बरे जियादा स जियादा फल पइदा करी। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ।

26“तू सबन्क क कउनो गोस जेहमा रकत बाटइ नाहीं खाइ चाही। तू पचन्क भविस्सबाणी करइ बरे जादू या कउनो दूसर चीजियन क प्रयोग नाहीं करइ चाही।

27“तू पचन्क आपन मूँड़े क बगल क बाढ़ भवा बार कटवावइ नाहीं चाही या तोहका आपन दाढ़ी क छटवावइ नाही चाही। 28कउनो मरे मनई क सुमिरन बनए रहइ बरे आपन तन क काटइ नाहीं चाही। तू पचन्क आपन सरीर प गोदना गोदवावइ नाहीं चाही। मइँ यहोवा अहउँ!

29“तू पचे आपन बिटिया क बेस्या जिन बनइ द्या। एहसे सिरिफ इ पता लागत ह कि तू ओकर इज्जत नाहीं करत ह्या। तू पचे आपन देस मँ स्त्रियन क बेस्या जिन बनइ द्या। तू पचे आपन देस क इ तरह क पापन स जिन भर जाइ द्या।

30“तू पचन्क मोरे बिस्राम क बिसेस दिनन मँ काम नाहीं करइ चाही। तू पचन्क मोरे पवित्तर ठउर क सम्मान जरूर करइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ!

31“ओझा लोगन अउ भूत सिद्ध लोगन लगे सलाह बरे जिन जा। उ पचे सिरिफ तोहका असुद्ध बनइहीं। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ।

32“बुढ़वा मनइयन क सम्मान करा। जब उ पचे कमरा मँ आवइँ तउ खड़ा होइ जा। आपन परमेस्सर क सम्मान करा। मइँ यहोवा अहउँ।

33“आपन देस मँ बिदेसी लोगन क संग बुरा बेउहार जिन करा! 34तू पचन्क बिदेसी लोगन क संग वइसा ही बेउहार ही करइ चाही जइसा तू पचे आपन नागरिकन क संग करत ह्या। तू बिदेसियन स वइसेन पियार करा जइसा आपन स करत ह्या। काहेकि तू पचे भी एक समइ मिस्र मँ बिदेसी रह्या। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ!

35“तू पचन्क निआव करत समइ लोगन बरे ईमानदार होइ चाही। तू पचन्क चीजन क जोखइ अउ तउलइ मँ ईमानदार होइ चाही। 36तोहार झउअन ठीक नाप क होइ चाही। तोहरे नाप करइ क बासन मँ द्रव क ठीक मात्रा आवइ चाही। तोहरे तराजू अउ बटखरा चीजन्क ठीक तउलइवाला होइ चाही। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ। मइँ तू पचन्क मिस्र देस स बाहेर लिआएउँ!

37“तोहका पचन्क सबहिं नेम अउ निर्णयन क सुमिरिके रखइ चाही अउ तू सबन्क ओनका पालन करइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ!”

मूर्ति पूजा क खिलाफ चिताउनी

20 यहोवा मूसा स कहेस, 2“तोहका इस्राएल क लोगन स इ भी कहइ चाही: तोहरे देस मँ कउनो मनई आपन गदेलन मँ स कउनो क लबार देवता मोलेक क दइ सकत ह। उ मनई क जरूर मार डावइ चाही। एहसे फरक नाहीं पड़त कि उ इस्राएल क नागरिक अहइ या इस्राएल मँ बसइया कउनो बिदेसी। तू पचन क ओका पाथर लोकाइ लोकाइके मारि डावइ चाही। 3मइँ उ मनई क खिलाफ होब। मइँ ओका ओकरे लोगन स अलग कइ देब। काहेकि उ आपन गदेलन क मोलेक क दिहस। उ मोरे पवित्तर नाउँ क अपमान किहेस। उ मोरे पवित्तर ठउरे क असुद्ध किहस। 4होइ सकत ह कि साधारिन लोग उ मनई क उपेच्छा करइ। होइ सकत ह कि उ मनई क न मारइ जउन गदेलन क मोलेक क दिहस ह। 5मुला मइँ उ व्यक्ति अउ ओकरे परिवार क खिलाफ होब। मइँ ओका ओकरे लोगन स अलग करब। मइँ कउनो भी अइसे व्यक्ति क ओकरे लोगन स अलग करब, जउन मोलेक क पाछे वेस्या क तरह करत ह।

6“मइँ उ मनई क खिलाफ होब जउन कउनो ओझा या भूतसिद्ध क लगे सलाह लेइ बरे जात ह। अइसा करइके उ मोहे स अबिस्सासी होइ जात ह। एह बरे मइँ उ मनई क ओकरे लोगन स अलग करब।

7“बिसेस बना। आपन क पवित्तर बनावा। काहेकि मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ। 8मोर सबइ आग्या क पालन करा अउ ओनका सुमिरा। मइँ यहोवा अहउँ अउर मइँ तू लोगन क आपन बिसेस लोग बनाएउँ ह।

9“अगर कउनो मनई आपन महतारी-बाप क सराप देत ह तउ उ मनई क मारि डावइ चाही। उ आपन पिता या महतारी क सराप देत ह, एह बरे उ आपन मउत क खुद जिम्मेदार होइ।

यौन पापन्क दण्ड

10“अगर कउनो मनई आपन पड़ोसी क पत्नी क संग यौन सम्बंध रखत ह तउ स्त्री अउ मनसेधू दुइनउँ व्यभिचारी क अपराधी अहइँ। एह बरे दुइनउँ क जरूर मारि डावइ चाही। 11अगर कउनो मनई आपन सौतेली महतारी स यौन सम्बंध करत ह तउ उ मनई क मारि डावइ चाही। उ मनई क अउ ओकर सौतेली महतारी दुइनउँ क मार डावइ चाही।* उ मनई आपन पिता क खिलाफ खुद पाप किहेस ह।

12“अगर कउनो मनई आपन पतोहू क संग यौन सम्बंध करत ह तउ दुइनउँ क मारि डावइ चाही। उ पचे बहोत बुरा यौन पाप किहेन ह। ओनका दण्ड जरुर मिलइ चाही।

13“अगर कउनो मनई कउनो मनई क संग मेहरारु जइसा यौन सम्बंध करत ह तउ दुइनउँ क मारि डावइ चाही। उ पचे बहोत बुरा पाप किहन ह। ओनका दण्ड जरुर मिलइ चाही।

14“अगर कउनो मनई कउनो मेहरारु अउ ओकरी महतारी क संग यौन सम्बंध करत ह तउ इ यौन पाप अहइ। लोगन्क उ मनई अउ दुइनउँ मेहररुअन क आगी मँ बारि देइ चाही। इ यौन पाप क आपन लोगन मँ जिन होइ द्या।

15“अगर कउनो मनई कउनो गोरु स यौन सम्बंध करइ तउ उ मनई क मारि डावइ चाही अउ तोहका उ गोरु क मारि डावइ चाही। 16अगर कउनो मेहरारु कउनो गोरु स यौन सम्बंध करत ह तउ तू पचन क उ मेहरारु अउ उ गोरु क मारि डावइ चाही। ओनका जरुर मारि डावइ चाही।

17“इ एक भाई अउ ओकरी बहिन या सोतेली बहिन बरे लज्जा क बात अहइ कि उ पचे आपुस मँ यौन सम्बंध करइँ। ओनका समाज कइँती स दण्ड मिलइ चाही। उ पचन क आपन लोगन स अलगाइ देइ चाही। उ मनई जउन आपन बहिन क संग यौन सम्बंध किहस ह, आपन पाप बरे जरूर दण्ड पाई।

18“अगर कउनो मनई कउनो मेहरारु क संग मासिक धर्म क रकत बहइ क समइ यौन सम्बंध करी, तउ दुइनउँ क आपन लोगन स अलगाइ देइ जाई। उ पचे पाप किहन क काहेकि उ पचे रकत क स्रोत क उघारेन ह।

19“तू सबन्क आपन महतारी क बहिन या पिता क बहिन क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। इ आपन नगीचे क रिस्तेदार क नंगापन क उघारेन ह। एँह बरे दुइनउँ क ओनके पाप बरे जरूर दण्ड मिली चाही।

20“कउनो मनई क आपन चाचा-मामा क पत्नी क संग नाहीं सोवइ चाही। इ मनई अउ ओकर चाची अउ मामी क ओनके पापन बरे दण्ड मिली। उ पचे बगैर कउनो सन्तान क मरिहीं। 21कउनो मनई क बरे इ बुरा अहइ कि उ आपन भाई क स्त्री क संग यौन सम्बंध करइ। उ मनई आपन भाई क खिलाफ पाप किहे बाटइ। ओकर कउनो सन्तान नाहीं होइ।

22“तू पचन क मोर सारे नेम अउ निर्णय क सुमिरइ चाही अउ तोहका ओनकर पालन जरुर करइ चाही। मइँ तू पचन क तोहरे प्रदेस लइ जात अहउँ। तू लोग उ प्रदेस मँ रहब्या। अगर तू लोग मोर नेमन अउ सबइ निर्णय क मानत रहब्या तउ उ प्रदेस तू लोगन क निकारिके बाहेर न करी। 23मइँ दूसर लोगन क उ प्रदेस क तजइ क मजबूर करत हउँ। काहेकि ओन लोगन उ सबइ पाप किहेन। मइँ ओन पापन स घिना करत हउँ। एह बरे तू पचन्क ओकरे जीवन-सैली क नकल नाहीं करइ चाही।

24“मइँ कहेउँ ह कि तू पचे ओनकर प्रदेस पउब्या। मइँ ओनकर प्रदेस तू पचन क देबउँ। उ तोहार प्रदेस होइ। उ प्रदेस दूध अउ सहद क नदियन बहत हीं। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ!

“मइँ तू पचन्क खास बनाएउँ ह। मइँ तोहरे संग दूसर रास्ट्रन स अलग बेउहार किहेउँ ह। 25एह बरे तू पचन क सुद्ध जनावरन क संग असुद्ध जनावरन स जरूर अलग बेउहार करइ चाही। तू पचन क सुद्ध पंछियन क संग असुद्ध पंछियन स जरूर अलग बेउहार करइ चाही। ओनमाँ स कउनो भी असुद्ध पंछी, जनावरन अउ कीड़ा-पतंगा क जिन खा जउन भुइयाँ प रेंगत हीं। मइँ ओन चीजन क असुद्ध बनएउँ ह। 26तू पचन क मोरे बरे पवित्तर होइ चाही। काहेकि मइँ यहोवा अहउँ अउ मइँ पवित्तर हउँ। मइँ तोहका दूसर रास्ट्रन स अलग कइ दिहे हउँ तोहका बिसेस लोग बनावई बरे जउन कि मोर अहइ।

27“अगर कउनो मनसेधू या मेहरारु ओझा होइ या कउनो जादूगर होइ, ओनका निहचय ही मार दीन्ह जाइ। लोगन क चाही कि उ पचे पाथर मारि मारिके मार देइँ। उ आपन मउत क खुद ही कसूरवार होइ।”

याजकन बरे नेम

21 यहोवा मूसा स कहेस, “इ सबइ बातन हारून क
याजक पूतन स कहा: कउनो मरे भए मनई क
छुइके याजक आपन क असुद्ध न करइ। 2मुला अगर मरा
भवा मनई ओकरे निजके रिस्तेदारन मँ स कउनो अहइ तउ
उ मरे भए क ल्हास क छुइ सकत ह। याजक आपन क
असुद्ध कइ सकत ह अगर मरा मनई ओकर महतारी, बाप,
ओकर पूत, या बिटिया, ओकर भाई, 3ओकर बिन बियाही
बहिन अहइ। (इ बहन ओकर निचके क रिस्तेदार अहइ
काहेकि ओकर भतार नाहीं अहइ।) एह बरे याजक आपन क
असुद्ध कइ सकत ह, अगर उ मरत ह। 4मुला याजक

उ मनई … डावइ चाही सब्द क अरथ “आपन मउत उ पचे खुद बोलाएन ह।”

आपन क असुद्ध नाहीं करइ चाही, अगर मरा भवा व्यक्ति
बियाहे क कारण ओकर रिस्तेदार होइ।*

5"याजकन क आपन मूँड़े क मूड़न नाहीं करावइ चाही।
याजकन क आपन दाढ़ी क सिरा नाहीं कटवावइ चाही।
याजकन क आपन चाम पइ कहूँ भी काटइ नाहीं चाही।
6याजकन क आपन परमेस्सर बरे पवित्तर होइ चाही। उ पचे
आपन परमेस्सर क नाउँ क दूसित नाहीं करइ चाही। काहेकि
उ पचे आपन भोजन अउ भेंट यहोवा क चढ़ावत ह एह बरे
ओनका पवित्तर होइ चाही।

7"याजक परमेस्सर बरे पवित्तर अहइ। एह बरे याजक क
अइसी मेहरारु स बियाह नाहीं करइ चाही जउन कउनो क
संग यौन सम्बंध किहे होइ। याजक क कउनो पतुरिया, या
तलाक दीन्ह गइ मेहरारु स बियाह नाहीं करइ चाही।
8याजक परमेस्सर बरे पवित्तर अहइ। एह बरे तू पचन क
ओकरे साथे खास तरह स बेउहार करइ चाही। काहेकि उ
पवित्तर चीजन क लइ चलत बाटइ। उ पवित्तर रोटी परमेस्सर
क चढ़ावत ह अउर मइँ पवित्तर अहउँ। मइँ यहोवा अहउँ,
अउर मइँ तू पचन क पवित्तर बनावत अहँउ।

9"अगर याजक क बिटिया पतुरिया बन जात ह तउ उ
आपन इज्जत बरबाद करत ह अउ अपने भतारे पइ कलंक
लगावत ह। एह बरे ओका बारि देइ चाही।

10"महा याजक आपन भाइयन मँ स चुना जात रहा।
अभिसेक क तेल ओकरे मूँड़े पइ नावा जात रहा। इ तरह उ
महा याजक क बिसेस कर्तव्य बरे तैनात कीन्ह जात रहा।
ओका महा याजक क खास ओढ़ना पहिरइ बरे चुना जात
रहा। ओका आपन बार जंगली ढंग स नाहीं बिखेरइ चाही।
ओका आपन ओढ़ना बढ़ाइ देइ नाही चाही। 11ओका मुर्दा क
छुइके आपन क असुद्ध नाहीं बनावइ चाही। ओका कउनो
मुर्दा क लगे नाहीं जाइ चाही। चाहे उ ओकर महतारी-बाप
का ही काहे न होइ। 12महा याजक क परमेस्सर क पवित्तर
ठउर क बाहेर नाहीं जाइ चाही। अगर उ अइसा किहस तउ
उ असुद्ध होइ जाइ अउ उ परमेस्सर क पवित्तर ठउर क
भी अपमान कइ देइ। अभिसेक क तेल महा याजक क मूँड़े
पइ नावइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ।

13"महा याजक क सिरिफ ओकर संग बियाह करइ चाही
जउन कुवाँरी होइ। 14महा याजक क अइसी मेहरारु स
बियाह नाहीं करइ चाही जउन कउनो दूसर मनई क संग यौन
सम्बंध रख चुकी होइ। महा याजक क कउनो रण्डी, तलाक
दीन्ह गइ मेहरारु या राँड़ मेहरारु स बियाह नाहीं करइ चाही।
महा याजक क आपन लोगन मँ स एक कुवाँरी स बियाह
करइ चाही। 15ओका आपन गदेलन क अपवित्तर नाहीं करइ
चाही। मइँ, यहोवा, याजक क ओकरे खास कामे बरे पवित्तर
बनाएउँ ह।"

16यहोवा मूसा स कहेस, 17"हारून स कहा: अगर तोहरे
बंस मँ जन्मइवालन क सन्तानन मँ स कउनो आपन मँ
कउनो दोख पावइ तउ ओनका खास रोटी परमेस्सर तलक
नाहीं लइ जाइ चाही। 18कउनो मनई, जेहमाँ कउनो दोख
होइ, याजकन क काम न कइ सकत ह। उ मोरे लगे भेंट
नाहीं लिआइ सकत ह। इ सबइ लोग याजक क रुप मँ
सेवा नाहीं कइ सकतेन।

आँधर मनई, लँगड़ा मनई, भयंकर चेहरा वाला मनई,
बहोत जियादा लम्बी बाँह अउर टाँगवाला मनई।

19टूटा गोड़ या हाथवाला मनई,

20कुबड़ा मनई, बौना, आँखी मँ दोखवाला मनई, खजुरी
अउ चरम रोग क मनई, बधिया कीन्ह गवा मनई।

21अगर हारून क कउनो बंसे मँ कछु दोख अहइ।
अहइ तउ उ यहोवा क होमबलि नाहीं चढ़ाइ सकत अउर उ
खास रोटी परमेस्सर क लगे नाहीं लइ जाइ सकत ह।
22बहरहाल उ पवित्तर रोटी खाइ सकत ह। उ सबन त
पवित्तर रोटी भी खाइ सकत ह। 23मुला उ सबन त जियादा
पवित्तर ठउरे मँ पर्दा स होइके नाहीं जाइ सकत अउर न ही
उ वेदी क लगे जाइ सकत ह। काहेकि ओहमाँ कछू दोख
अहइ। ओका मोरे पवित्तर ठउर क अपवित्तर नाहीं बनावइ
चाही। मइँ यहोवा ओन ठउरन क पवित्तर बनवत हउँ।"

24एह बरे मूसा इ सबइ बातन हारून स, हारून क पूतन
अउ इस्राएल क सबहिं लोगन स कहेस।

22 यहोवा परमेस्सर मूसा स कहेस, 2"हारून अउ
ओकरे पूतन स कहा: इस्राएल क लोग जउन
चिजियन मोका देइहीं, उ सबइ पवित्तर होइ जइहीं। उ सबइ
मोर अहइँ। एह बरे तू सबइ याजकन क उ सबइ चीजन
नाहीं लेइ चाही। तोहका उ सबइ पवित्तर चिजियन क नाहीं
लेइ चाही। एँह बरे तू मोर नाउँ क अपमान नाही करब्या।
मइँ यहोवा अहउँ। 3अगर तोहरे बंसे मँ जन्मइवालन मँ स
कउनो व्यक्ति जउन असुद्ध अहइ। ओन चीजन क छुई।
तउ उ व्यक्ति क मोसे अलग कइ दीन्ह जाइ। इस्राएल क
लोग उ सबइ चीजन क मोका दिहन। मइँ यहोवा अहउँ!

4"अगर हारुन क कउनो बंसे जन्मइ वालन मँ क बुरा
चरम रोगन मँ स कउनो रोग होइ या ओका धात स्राव होइ
तउ ओका तबहिं तलक कउनो पवित्तर खाना नाहीं खाइ
चाही जब तलक उ सुद्ध न होइ जाइ। इ नेम उ सबइ
याजक क बरे अहइ जउन असुद्ध होइ। उ याजक कउनो
ल्हासे क छुइके या आपन वीर्य क गिरइ स असुद्ध होइ
सकत ह। 5उ तब असुद्ध होइ सकत ह। जब उ कउनो
रेगंइवाला जनावर क छुअइ। उ तब असुद्ध होइ सकत ह
जब उ कउनो असुद्ध मनई क छुअइ। एकर कउनो महत्व
नाहीं कि उ मनई क कउन चीज असुद्ध किहे अहइ।
6अगर कउनो मनई ओन चीजन क छुई तउ उ साँझ तलक
असुद्ध रही। उ मनई क पवित्तर भोजन मँ स कछु भी नाहीं
खाइ चाही! पानी डाइके बगैर नहाए भए उ पवित्तर भोजन
नाहीं कइ सकत ह। 7उ सूरज क बूड़इ प इ सुद्ध होइ।
तबहुँ उ पवित्तर भोजन कइ सकत ह। काहेकि भोजन ओकर
अहइ।

8"अगर याजक क कउनो अइसा जनावर मिलत ह जउन
खुद मरि गवा होइ या कउनो जनावर क जरिये मारि दीन्ह
ग होइ तउ ओका मरे भए जनावर क नाहीं खाइ चाही।
अगर उ मनई जनावर क खाइ लेत ह तउ उ असुद्ध होइ।
मइँ यहोवा अहउँ!

मुला याजक … रिस्तेदार होइ सब्द क अरथ "मुला सुआमी क आपन लोगन बरे असुद्ध नाहीं होइ चाही।"

9“याजक लोगन क उ काम करइ बरे सावधान होइ
चाही जउन मइँ ओका दिहेस ह। ओनका सावधान रहइ क
होइ कि उ पचे पवित्तर चिजियन क अपवित्तर न बनावइ।
अगर उ पचे सावधान रइहीं तउ मरिहीं नाहीं। मइँ यहोवा
ओनका इ खास काम बरे दूसर लोगन स अलगाएउँ ह।
10सिरिफ याजक लोगन क परिवार क मनई ही पवित्तर
भोजन खाइ सकत हीं। याजक क संग ठहरइवाला अतिथि
या मज़दूर पवित्तर भोजन मँ स कछू भी नाहीं खाइ। 11मुला
अगर याजक आपन धन स कउनो दास क बेसहत ह तउ उ
पवित्तर चीजन मँ स कछू क खाइ सकत ह अउ याजक क
घरे मँ पइदा भवा दास भी उ पवित्तर भोजन मँ स कछू खाइ
सकत ह। 12कउनो याजक क बिटिया अइसे मनई स बियाह
कइ सकत ह जउन याजक न होइ। अगर उ अइसा करत ह
तउ पवित्तर भेंट मँ स कछू नाहीं खाइ सकत। 13कउनो
याजक क बिटिया विधवा होइ सकत ह, या ओका तलाक
दीन्ह जाइ सकत ह। अगर ओकरे भरण पोसण बरे ओकरे
लरिकन नाहीं बाटेन अउर उ आपन पिता क हिआँ लउटत
ह, जहाँ उ बचपन मँ रही ह तउ उ पिता क भोज़न मँ स
कछू खाइ सकत ह। मुला सिरिफ याजक क परिवार क
मनइयन ही इ भोजन क खाइ सकत हीं।

14“कउनो मनई भूलिके कछू पवित्तर भोजन खाइ सकत
ह। उ मनई क उ पवित्तर भोजन याजक क देइ चाही अउ
ओकरे अलावा उ भोजन क दाम क पाँचवाँ हींसा ओका
अउर देइ क होइ। 15इस्राएल क लोग यहोवा क भेंट
चढ़इहीं। उ सबइ भेंटन पवित्तर होइ जात हीं। एह बरे याजक
क ओन पवित्तर चीजन क अपवित्तर नाहीं बनावइ चाही।
16अगर याजक ओन चीजन क अपवित्तर समझत हीं तउ उ
पचे तबहिं आपन पाप क बढ़इहीं जब पवित्तर भोजन क
खइहीं। मइँ, यहोवा, ओनका पवित्तर बनावत हउँ।”

17यहोवा परमेस्सर मूसा स कहेस, 18“हारून अउ ओकरे
पूतन, अउर इस्राएल क सबहिं लोगन स कहा: होइ सकत
ह कि इस्राएल क कउनो नागरिक या कउनो बिदेसी कउनो
भेंट लावइ चाहइ। होइ सकत ह उ कउनो बिसेस बचन दिहे
होइ, अउ इ ओकरे बरे होइ। या होइ सकत ह इ उ बिसेस
भेंट होइ जेका उ व्यक्ति अर्पित करइ चाहइ। 19-20इ सबइ
अइसी भेंटन अहइँ जेनका लोग एह बरे लिआवत हीं कि उ
पचे यहोवा क भेंट चढ़ावइ चाहत हीं। तोहका सबन्क अइसी
भेंट नाहीं कबूल करइ चाही जेहमाँ कउनो दोख होइ। मइँ उ
भेंट स खुस नाहीं होब। अगर भेंट एक ठु साँड़ अहइ, या
एक ठु भेड़ी अहइ, या एक बोकरा अहइ तउ उ नर होइ
चाही अउ एहमाँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही।

21“कउनो मनई यहोवा क मेलबलि चढ़ाइ सकत ह। उ
मेलबलि उ व्यक्ति क जरिये दीन्ह गए बचन बरे होइ सकत
ह या इ कउनो खुद प्रेरित भेंट होइ सकत ह। इ बर्धा या
भेड़ी होइ सकत ह। मुला ओका तन्दुरुस्त अउ दोख रहित
होइ चाही। 22तोहका यहोवा क अइसा कउनो गोरु भेंट नाहीं
करइ चाही जउन आँधर होइ या जेकर हाड़ टूटा होइ, या
जउन लंगड़ा होइ, या जेकर घाव बहत होइ, या चरम रोग
वाला होइ। तोहका यहोवा बरे वेदी प कउनो बीमार गोरु क
भेंट नाहीं चढ़ावइ चाही।

23“कबहुँ कबहुँ कउनो बर्धा या मेमना क गोड़ बहोत
जियादा लम्बा होइ सकत हीं या अइसेन गोड़ होइ सकत हीं
जेनकर विकास ठीक स न भवा होइ। अगर कउनो मनई
अइसे गोरु क यहोवा क खास भेंट क रुप मँ चढ़ावत ह
तउ उ स्वीकार कीन्ह जाइ। मुला एका कउनो व्यक्ति क
जरिये दीन्ह गए बचन बरे स्वीकार नाहीं कीन्ह जाइ।

24“अगर कउनो गोरु क अण्ड कोस जख्मी, घाउवाला,
फाड़ा भवा या कटा भवा होइँ तउ तोहका उ गोरु क भेंट
यहोवा क नाहीं चढ़ावइ चाही। तोहका अइसा गोरुअन आपन
भुइँया पइ बलि नाहीं देइ चाही।

25“तोहका बिदेसियन स बलि बरे अइसे गोरुअन क नाहीं
लेइ चाही। काहेकि इ सबइ गोरु कउनो तरह चोट खाए
अहइँ। ओनमाँ कछू दोख अहइ। इ सबइ स्वीकार नाहीं
कीन्ह जइहीं!”

26यहोवा मूसा स कहेस, 27“जब कउनो बछवा, या भेड़ी,
या बोकरी जउन नवा पइदा होइ तउ आपन महतारी क संग
ओका सात दिन रहइ देइ चाही। तब अठएँ दिन अउ ओकरे
पाछे इ यहोवा क दीन्ह जाइवाली बलि क रुप मँ स्वीकार
कीन्ह जइहीं। 28मुला तोहका सबन्क उही दिन उ गोरु अउ
ओकरी बच्चन क नाहीं मारइ चाही। इहइ नेम गइया अउ
भेड़न बरे अहइ।

29“अगर तू पचन्क यहोवा बरे कउनो खास कृतग्यता
बलि चढ़ावइ क होइ तउ तू पचे उ भेंट क चढ़ावइ मँ
अजाद अहा। मुला इ इ तरह करा कि परमेस्सर क खुस
करा। 30तू पचन्क पूरा गोरु उहइ दिन खाइ लेइ चाही। तू
पचन्क अगले भिन्सारे बरे कछू भी गोस नाहीं छोड़इ चाही।
मइँ यहोवा अहउँ!

31“मोरे आदेसन क याद राखा अउ ओनकइ पालन करा।
मइँ यहोवा अहउँ। 32मोरे पवित्तर नाउँ क अपमान जिन करा।
मोका इस्राएल क लोगन बरे बहोत खास होइ चाही। मइँ,
यहोवा तू पचन्क आपन बिसेस लोग बनाएउँ ह। 33मइँ तू
पचन्क मिस्र स लाएउँ। मइँ तोहार परमेस्सर बनेउँ। मइँ
यहोवा अहउँ!”

खास पवित्तर दिन

23 यहोवा मूसा स कहेस, 2“इस्राएल क लोगन स
कहा: तू पचे यहोवा क निहचित पर्वन क पवित्तर
एलान करा। इ सबइ मोर पवित्तर दिन अहइँ:

सबित

3“छ: दिन काम करा। मुला सतवाँ दिन, आराम क एक
खास दिन या पवित्तर मिलन क दिन होइ। उ दिन तू पचन
क कउनो काम नाहीं करइ चाही। इ तोहरे सबहिं घरन मँ
यहोवा क सबित अहइ।

फसह त्यौहार

4“इ सबइ यहोवा क चुने भए पवित्तर दिन अहइँ। ओनके
बरे निहचित समइ पइ तू पचे पवित्तर सभा क घोसणा
करब्या। 5यहोवा क फ़सह त्यौहार पहिले महीना क चउदह
तारीख क साँझ बेला मँ अहइ।

अखमीरी रोटी क त्यौहार

6"उहइ महीना क पन्द्रह तारीख क बे खमीरी मैदा क
फुलकन क त्यौहार होइ। तू पचे सात दिना तलक बे खमीरी
मैदा क फुलकन खाब्या। 7इ त्यौहार क पहिले दिन तू पचे
एक पवित्तर सभा करब्या। उ दिन तोहका कउनो काम नाहीं
करइ चाही। 8सात दिन तलक तू पचे यहोवा बरे भेंट
चढ़उब्या। सतएँ दिन एक पवित्तर सभा होइ। उ दिन तू पचन
क कउनो काम नाहीं करइ चाही।"

पहिली फसल क त्यौहार

9यहोवा मूसा स कहेस, 10"इस्राएल क लोगन स कहा:
तू पचे उ धरती पइ जाब्या जेका मइँ तोहका देब। तू पचे उ
समइ ओकर फसल कटब्या। उ समइ तू पचन क आपन
फसल क पहिली पूली याजक क लगे लइ आवइ चाही।
11याजक पूली क यहोवा क समन्वा लहराइ। तब उ तोहरे
पचन्क बरे स्वीकार कइ लीन्ह जाइ। याजक पूली क रविवार
क भिन्सारे लहराइ।

12"जउने दिन तू पचे पूली क लहरउब्या, उ दिन तू पचे
एक बरिस क एक ठु नर भेड़ी क बच्चा बलि चढ़उब्या। उ
भेड़ी क बच्चा मँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही। इ भेड़ी क
बच्चा यहोवा क होमबलि होइ। 13तू पचन क एपा क दुइ
दसवाँ हींसा जइतून क तेल स सना आटा क अन्नबलि देइ
चाही। तू पचन क हीन क चौथाई हींसा दाखरस भी देइ
चाही। इ भेंट यहोवा क खुस करइवाली सुगन्धि होइ। 14जब
तलक तू पचे आपन परमेस्सर क भेंट नहीं चढ़उत्या, तब
तलक तू पचे कउनो नवा अनाज, या फल या नवा अनाज स
बनी भइ रोटी नाहीं खाइ चाही। इ नेम तू पचे जहाँ भी
रहब्या, तोहरी पीढ़ी दर पीढ़ी चलत रही।

हफ्तन क त्यौहार

15"उ रविवार क भिन्सोर स ही उ दिन जब तू पचे पूली
उत्तोलन बलि बरे लिआवत ह, सात हफ्ता गिना। 16सतएँ
हफ्ता क पाछे रविवार क (अर्थात पचास दिन क पाछे) तू
पचे यहोवा बरे नवा अन्नबलि लउब्या। 17उ दिन तू पचे
आपन निवास स्थान स दुइ-दुइ रोटी लिआवा। इ सबइ
उत्तोलन भेंट होइ। खमीर क प्रयोग करा अउ चार क्वार्ट
आटा क रोटी बनावा। उ तोहरी पहली फसल स यहोवा क
भेंट होइ।

18"लोगन स अन्नबलि क साथ मँ एक ठु बछवा, दुइ
भेड़ा अउर एक-एक बरिस क सात नर मेमना भेंट कीन्ह
जइहीं। इ गोरुअन मँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही। इ सबइ
भेंट क रूप मँ यहोवा क खुस करइ बरे सुगन्धित होमबलि
होइहीं। 19तू पचे भी पापबलि क रुप मँ एक ठु नर बोकरा
अउ एक बरिस क दुइ भेड़ी क बच्चन मेलबलि क रुप मँ
चढ़उब्या।

20"याजक यहोवा क समन्वा उत्तोलन बलि क रूप मँ दुइ
भेड़ी क बच्चन क पहिली फसल क रोटी क संग
लहरउब्या। उ सबइ यहोवा बरे पवित्तर अहइँ। इ सबइ
याजक क होइहीं। 21उहइ दिन, तू पचे एक ठु पवित्तर सभा
बोलउब्या। तू पचे कउनो काम नाहीं करब्या। इ नेम तोहरे
सबहिं घरन मँ हमेसा ही चली।

22"जब तू पचे आपन खेतन क फसल कटब्या तउ खेतन
क कोनन सारी फसल जिन काट्या। जउन अन्न भुइँया पइ
गिरइ, ओका जिन उठावा। ओका तू पचे गरीब लोगन क
अउ तोहरे सबन्क देस मँ जात्रा करइवाले बिदेसियन बरे छोड़
द्या। मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ।"

तुरहियन क त्यौहार

23यहोवा मूसा स फिन कहेस, 24"इस्राएल क लोगन स
कहा: सतएँ महीना क पहिले दिन तोहका पचन्क आराम क
खास दिन मानइ चाही। उ दिन एक पवित्तर सभा होइ। इ
दिना (यहोवा क) याद रखइ अउर तुरही क बजावइ बरे
अहइ। 25तोहका कउनो काम नाहीं करइ चाही। तू पचे
यहोवा क भेंट चढ़ावइ बरे बलि ले अउब्या।"

प्रायस्चित क दिन

26यहोवा मूसा स कहेस, 27"सतएँ महीना क दसवें दिन
प्रायस्चित क दिन* होइ। उ दिन क पवित्तर सभा होइ। तू
पचे भोजन नाहीं करब्या । अउर तू पचे यहोवा क भेंट
चढ़उब्या। 28तू पचे ओह दिन कउनो काम नाहीं करब्या।
काहेकि इ प्रायस्चित क दिन अहइ। उ दिन याजकन यहोवा
क समन्वा जाइ अउ उ तोहार बरे प्रायस्चित करइहीं।

29"अगर कउनो मनई उपवास करइ स मना करत ह तउ
ओका आपन लोगन स अलगाइ दीन्ह जाइ। 30अगर कउनो
मनई उ दिन काम करी तउ मइँ ओका ओकरे लोगन मँ स
बारबाद करइ देब। 31तोहका कउनो भी काम नाहीं करइ
चाही। इ नेम तू पचे जहाँ कहूँ भी रहब्या, सदा ही रही। 32इ
तोहरे सबन्क आराम क खास दिन होइ। तू पचन क भोजन
नाहीं करइ चाही। तू पचे आराम क इ खास दिन क महीना
क नवाँ दिन साँझ* स सुरु करब्या। इ आराम क खास दिन
उ साँझ स सुरु कइके अगली साँझ तलक रहत ह।"

कटीर क त्यौहार

33यहोवा मूसा स फुन कहेस, 34"इस्राएल क लोगन स
कहा: सतएँ महीना क पन्द्रहवें दिन कटीर क त्यौहार होइ।
यहोवा बरे इ पवित्तर त्यौहार सात दिन तक चली। 35पहिले
दिन एक धरम सभा होइ। तू पचन्क तब कउनो काम नाहीं
करइ चाही। 36तू पचे सात दिना तलक यहोवा बरे भेंट
चढ़उब्या। अठएँ दिन तू पचे दूसर धरम सभा करब्या। तू पचे
यहोवा क भेंट चढ़उब्या। इ एक भेंट सभा होइ। तू पचन्क
तब कउनो काम नाहीं करइ चाही।

प्रायस्चित क दिन ऍंका "युम कुप्पुर" भी कहा गवा बाटइ। इ यहूदियन क एक बहोत महत्व क पवित्तर दिन अहइ। इ दिन महा याजक परमपवित्तर ठउर मँ जात रहा अउ ओन कामे क करत रहा जेहसे लोगन क पापन क प्रायस्चित होत रहा।

नवाँ दिन साँझ यहूदी लोगन क दिन क आरम्भ साँझ स होत रहा।

37“इ सबइ यहोवा क खास पवित्तर दिन अहइँ। ओन दिन
पवित्तर सभा होइ। तू पचे यहोवा क होम बलि, अन्नबलि,
जनावरन क बलि पेयबलि भेंट क रूप मँ चढ़उब्या। तू पचे
उ सबइ भेंटन क ठीक समइ पइ लइ अउब्या। 38तू पचे
यहोवा क सबित दिनन क सुमिरइ क अलावा ओन पवित्तर
दिनन क त्यौहार मनउब्या। तू पचे ओन बलियन क यहोवा
क आपन अन्नबलि क अलावा देब्या। तू पचे बिसेस दीन्ह
गए बचन क पूरा करइ क रुप मँ दीन्ह गइ कउनो भेंट क
अलावा ओन चिजियन क देब्या। उ सबइ ओन बिसेस भेंटन
क अलावा होइहीं जेनका तू पचे यहोवा क देइ चाहत अहा।
39“सतएँ महीना क पन्द्रहवें दिन, जब तू पचे आपन खेतन
स फसल लिआइ चुकब्या, सात दिन तलक यहोवा क
त्यौहार मनउब्या। पहिले अउ अठएँ दिन भी आराम क खास
दिन होइ चाही। 40पहिले दिन तू पचे फलदार पेड़न स नीक
फल लिअउब्या अउ तू पचे खजूर क बृच्छ क डारी, चीड़
अउ बेंते क बृच्छन स डारि लिअउब्या। तू पचे आपन
परमेस्सर यहोवा क समन्वा सात दिना तलक त्यौहार मनउब्या।
41तू पचे इ पवित्तर दिन क हर साल यहोवा बरे सात दिना
तलक मनउब्या। इ नेम सदा ही रही। तू पचे इ पवित्तर दिन
क सतएँ महीना मँ मनउब्या। 42तू पचे सात दिना तलक
अस्थायी आस्रयन मँ रहब्या। इस्राएल मँ पइदा भए सबहिं
लोग ओन आस्रयन मँ रइहीं। 43काहे? एहसे तोहरे सब
बंसज इ जनिहीं कि मइँ इस्राएल क लोगन क अस्थायी
आस्रयन मँ रहइवाला ओह समइ बनाएउँ जउने समइ मइँ
ओनका मिस्र स लिआएउँ। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा
अहउँ।”

44इ तरह मूसा इस्राएल क लोगन क यहोवा क खास
पवित्तर दिनन क बारे मँ बताएस।

डीबट अउ पवित्तर रोटी

24 यहोवा मूसा स कहेस, 2“इस्राएल क लोगन क
कुचला भवा जइतून स जइतून क तेल अपने लगे
लिआवइ क आदेस द्या। उ तेल दीपकन बरे अहइँ। इ
सबइ दीपक बेबुझे भए लगातार बरत रहइ चाही। 3हारून
यहोवा क मिलापवाला तम्बू मँ करार क सन्दूख क पर्दा क
आगे साँझ बेला स भिन्सारे तलक दीपकन क बारे राखी। इ
नेम सदा बरे अहइ।

4“हारून क सोना क डीबट पइ यहोवा क समन्वा
दीपकन क सदा बरत भवा रखइ चाही।

5“नीक महीन आटा ल्या अउ ओकर बारह रोटी बनावा।
हर एक रोटी बरे एपा क दुइ दसवाँ हींसा आटा क प्रयोग
करा। 6ओनका दुइ लाइन मँ सुनहरी मेजे पइ यहोवा क
समन्वा धरा। हर एक लाइन मँ छ: रोटी होइहीं। 7हर एक
लाइन पइ सुद्ध लोहबान धरा। इ यहोवा बरे भेंट, भोजन क
स्मृति हींसा होइ। 8हर एक सबित दिवस क उ रोटियन क
यहोवा क समन्वा एक करार क रूप मँ क्रम मँ इस्राएल क
लोगन क संग हमेसा बरे राखि। 9उ रोटी हारून अउ
ओकरे पूतन क होइ। उ पचे रोटियन क पवित्तर ठउर मँ
खइहीं। काहेकि उ रोटी यहोवा क चढ़ाई गइ भेंटन मँ स
एक अहइ। उ रोटी सदा हारून का हींसा होइ।”

उ मनई जउन यहोवा क सराप दिहेस

10एक इस्राएली स्त्री क पूत रहा। ओकर बाप मिस्री रहा।
इस्राएली स्त्री क इ पूत इस्राएली रहा। उ इस्राएली लोगन
क बीच मँ घूमत रहा अउ उ डेरा मँ लड़ब सुरु किहस।
11इस्राएली मेहरारु क लरिका यहोवा क नाउँ क सरापेस ह।
एह बरे लोग उ लरिका क मूसा क समन्वा लिआएन।
(लरिका क महतारी क नाउँ सलोमीत रहा जउन दान क
परिवार समूह स दिब्री क बिटिया रही।) 12लोग लरिका क
कैदी क तरह धरे रहेन अउ तब तलक जोहत रहेन, जब
तलक यहोवा क हुकुम ओनका साफ़ तरीका स मालूम नाहीं
होइ गवा।

13तब यहोवा मूसा स कहेस, 14“उ मनई क डेरा स बाहेर
एक ठउरे पइ लिआवा, जउन सराप दिहस ह। तब ओन
सबहिं लोगन क एक संग बोलावा जउन ओका सराप देत
सुनेन ह। उ पचे लोग आपन हाथ ओकरे मूँड़े प धरिहीं।*
अउर तब सब लोग ओह पइ पाथर स मरिहीं अउ ओका
मार डइहीं। 15तोहका पचन्क इस्राएल क लोगन स कहइ
चाही: अगर कउनो मनई आपन परमेस्सर क सरापत ह तउ
उ मनई क सजा मिलइ चाही। 16कउनो मनई, जउन यहोवा
क नाउँ क सरापत ह, जरुर मार दीन्ह जाइ चाही। सब
लोगन क ओका पाथर स मारइ चाही। बिदेसी क वइसे भी
ही सजा मिलइ चाही जइसे इस्राएल मँ जन्म लेइवाला मनई
क मिलत ह। अगर कउनो मनई यहोवा क नाउँ क सरापत
ह तउ ओका जरुर मार देइ चाही।

17“अउर अगर कउनो मनई कउनो दूसर क मार डावत
ह तउ ओका जरुर मार डावइ चाही। 18अगर कउनो मनई
कउनो मनई क गोरु क मार डावत ह तउ ओकरे बदले मँ
ओका दूसर गोरु देइ चाही।*

19“अगर कउनो मनई अपने पड़ोस मँ कउनो क चोट
पहुँचावत ह तउ उ मनई क उहइ तरह क चोट उ मनई क
पहुँचावइ चाही।* 20एक टूटी हड्डी बरे एक टूटी हड्डी,
एक आँखी बरे एक ठु आँखी, अउर एक दाँत बरे एक ठु
दाँत। उहइ तरह क चोट उ मनई क पहुँचावइ चाही, जइसा
उ दूसर क पहुँचाएस ह। 21एह बरे जउन मनई कउनो दूसर
मनई क गोरु क मारइ तउ एकरे बदले मँ ओका दूसर गोरु
देइ चाही। मुला जउन मनई कउनो दूसर मनई क मार डावत
ह उ जरुर मार डावा जाइ चाही।

22“इहइ नेम तू सबइ लोगन बरे लागू होइ: इ तोहार
बीच मँ रहइवालन बिदेसी अउ तोहरे आपन देसबासियन बरे
समान होइ। काहेकि मइँ तोहर परमेस्सर अहउँ!”

23तब मूसा इस्राएल क लोगन स बात किहस अउर उ
पचे उ मनई क डेरा क बाहेर एक ठउर पर लिआएन, जउन
सराप दिहे रहा। तब उ पचे ओका पाथर स मार डाएन। इ

हाथ ओकरे मूँड़े प धरिहीं एहसे पता चलत ह कि उ पचे सब लोग लरिका क सजा देइ मँ हाथ बटावत रहेन।

दूसर गोरु देइ चाही सब्द क अरथ एकरे बरे भुगतान करा “जीवन बरे जीवन।”

अगर ... चाही इ नेम समाज बरे अपराधन क निहचित करइ बरे एक दिसा निर्देस अहइ। निजी तरीका स बदला लेइ क बजाय अपराध क मुताबिक सजा समाज क निहचित करब अहइ।

तरह इस्राएल क लोग उहइ किहन जउन यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहा।

भुइयाँ बरे आराम क समइ

25 यहोवा मूसा स सिनाई पहाड़े प कहेस। यहोवा कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स कहा: तू लोग उ भुइँया प जाब्या जेका मइँ तू पचन्क देत अहउँ। उ समइ तू पचन्क भुइँया क आराम क समइ जरूर देइ चाही। इ यहोवा क सम्मान देइ बरे भुइँया क आराम क खास समइ होइ। 3तू पचे छ: बरिस तलक आपने खेतन मँ बिआ बोउब्या। तू पचे आपन अंगूर क बागन मँ छ: बरिस तलक कटनी करब्या अउ ओकर फल स खूब आनन्द लेउब्या। 4मुला सतएँ बरिस तू पचे उ भुइँया क आराम करइ देब्या। इ यहोवा क सम्मान देइ बरे आराम क खास समइ होइ। तोहका पचन्क आपन खेतन मँ बिआ नाहीं बोवइ चाही अउ अंगूर क बागन मँ बेलन क कटनी नाहीं करइ चाही। 5तू पचन्क ओन फसलन क कटनी नाहीं करइ चाही जउन फसल कटइ क पाछे अपने आप उगत ह। तू पचन्क आपन ओन अंगूर क बेलन स अंगूर नाहीं उतारइ चाही जेनकइ तू पचे कटनी नाहीं किहे अहा। इ भुइँया क आराम क खास समइ होइ।

6"इ (जउन चीज सतएँ बरिस मँ अपने आप उगत ह) तोहरे बरे भोजन होइ। तोहार मनसेधू अउ मेहरारू दास लोगन बरे मजदूरी प रखा गएन तोहरे मजदूर अउ तोहरे देस मँ रहइवाले बिदेसियन बरे प्रयाप्त भोजन होइ। भोजन रही। 7तोहरे गोरुअन अउ दूसर जनावरन क खाइ बरे ढेर चारा होइ।

जुबली मुक्ति बरिस

8"तू पचे सात बरिस तलक सात समूहन क गनब्या। इ सबइ उन्नचास बरिस होइहीं। इ समइ क भितरे भुइँया बरे सात बरिस आराम क होइहीं। 9प्रायस्चित क दिन तू सबन्क भेड़ा क सींग बजावइ चाही। उ सतएँ महीना क दसवाँ दिन होइ। तू सबन्क पूरा देस मँ भेड़ा क सींग बजावइ चाही। 10तू पचे पचासवें बरिस क बिसेस त्यौहार मनउब्या। तू पचे आपन देस मँ रहइवाले सबहिं लोगन क स्वतंत्र घोषित करब्या। इ समइ क "जुबली" कहा जाइ। तू पचन मँ स हर एक आपन भुइँया मँ लउटि जाइ। अउर तू पचन मँ स हर एक आपन परिवार मँ लउटि जाइ। 11पचासवाँ बरिस तोहरे पचन्क बरे खास उत्सव क बरिस होइ। उ बरिस तू पचे बिआ जिन बोआ। अपने आप उगी भइ फसल क जिन काटा। अंगूरे क ओन बेलन स अंगूर जिन ल्या। 12उ जुबली बरिस अहइ। इ तोहरे पचन बरे पवित्तर बरिस होइ। तू पचे उ पैदावार क खाब्या जउन तोहरे खेतन स आवति अहइ। 13जुबली बरिस मँ हर एक मनई क ओकर धरती वापस होइ जाइ।

14"दूसर मनई क आपन भुइँया बेंचइ या खरीदइ मँ जिन ठगा। 15अगर तू पचे कउनो क भुइँया बेसहइ चाह्या तउ पिछले जुबली स काल क गिना करा अउ उ गणना क प्रयोग धरती क ठीक दाम तय करइ बरे करा। अगर तू पचे भुइँया क बेंचत ह, तउ फसलन क कटनी क सबइ बरिस क गना अउ बरिसन क गणना क उपयोग ठीक दाम तय करे बरे करा। 16अगर जियादा बरिस अहइँ तउ दाम ऊँच होइ। अगर थोड़ा बरिस अहइँ तउ दाम कमती करा। काहेकि उ मनई तू पचन्क सचमुच कुछ बरिस क फसल बेंचत अहइ। अगली जुबली पइ भुइँया ओकरे परिवार क होइ जाइ। 17तू सबन्क एक दूसर क ठगइ नाहीं चाही। तू सबन्क आपन परमेस्सर क सम्मान करइ चाही। मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ।

18"मोरे नेमन अउ निर्णयन क सुमिरा। ओनकइ पालन करा। तबहिं तू पचे अपने देस मँ सुरच्छित रहब्या। 19भुइँया तोहरे बरे उत्तिम फसल पइदा करी। तब तोहरे लगे बहोत जियादा भोजन होइ अउर तू पचे आपन देस मँ सुरच्छित रहब्या।

20"मुला साइद तू पचे इ कहा, 'अगर हम बिआ न बोई या आपन फसल न बटोरी तउ सतएँ बरिस हम लोगन बरे कछु खाइ क तनिकउ भी न रही।' 21चिन्ता जिन करा। मइँ छठवें बरिस मँ आपन आसीस क तोहरे सबन्क लगे आवइ क हुकुम देब। भुइयाँ तीन बरिस तलक फसल पइदा करत रही। 22जब अठएँ बरिस तू पचे बोउब्या तब तलक फसल पइदा करत रही। तू पचे पुरान पैदावार क नवएँ बरिस तलक खात रहब्या जब अठएँ बरिस मँ बोइ भइ फसल घरन मँ आइ जाइ।

सम्पत्ति क नेम

23"असल मँ भुइँया मोरि अहइ। एह बरे तू पचे एँका स्थायी रुप मँ नाहीं बेंच सकत्या। तू पचे मोरे संग मोर भुइँया पइ सिरिफ बिदेसी अउ निवासी क रुप मँ रहत बाट्या। 24कउनो मनई आपन भुइँया बेंच सकत ह, मुला ओकर परिवार हमेसा ही आपन भुइँया वापस पाइ। 25कउनो मनई तोहरे देस मँ बहोत गरीब होइ सकत ह। उ एँतना गरीब होइ सकता ह कि ओका आपन सम्पत्ति बेंचइ क पड़इ। अइसी हालत मँ ओकरे निचके क रिस्तेदारन क आगे आवइ चाही अउ आपन रिस्तेदार बरे उ उ सम्पत्ति वापस बेसहइ चाही। 26कउनो मनई क कउनो अइसा नजदीकी रिस्तेदार नाहीं। भी होइ सकत ह जउन ओकरे बरे सम्पत्ति वापस खरीदइ। मुला होइ सकत ह उ खुद भुइँया क वापस बेसहइ बरे ढेर क धन पाइ लेइ। 27तउ ओका जब स भुइँया बिकी रही तब स बरिसन क गनइ चाही। ओका उ गणना क उपयोग, भुइँया क दाम निहचित करइ बरे करइ चाही। तब ओका भुइँया क वापस बेसहइ चाही। तब भुइँया फुन ओकर होइ जाइ। 28मुला अगर उ मनई आपन बरे भुइँया क वापस बेसहइ बरे ढेर क धन नाहीं जुटाइ पावत तउ जउन कछू उ बेंचेस ह उ उ मनई क हाथे मँ जउन ओका बेसहेस ह, जुबली क त्यौहार क आवइ तलक रही। तब उ खास उत्सव क समइ भुइँया पहिले भू स्वामी क परिवार क होइ जाइ। इ तरह सम्पत्ति फुन मूल आधिकारी परिवार क ही होइ जाइ।

29"अगर कउनो मनई नगर परकोटा क भीतर आपन बेंचत ह तउ घरे क बेंचा जाइ क पाछे एक बरिस तलक ओका वापस लेइ क अधिकार होइ। घर क वापस लेइ क

ओकर अधिकार एक बरिस तलक रही। 30मुला अगर घरे
क मालिक एक पूरा बरिस बीत जाइ क पहिले आपन घर
वापस नाहीं बेसहत तउ नगर परकोटा क भीतर क घर जउन
मनई बेसहत ह ओकर अउ ओकरे बसजन क होइ जात ह।
जुबली क समइ पहिल गृह स्वामी क वापस नाहीं होइ।
31बगैर परकोटा वाला नगर खुला मैदान माना जइहीं। एह
बरे ओन छोटे नगरन मँ बने भए घर जुबली क त्यौहार क
समइ पहिले गृह स्वामी क वापस होइहीं।

32"मुला लेवियन क नगर क बारे मँः जउर सहरन
लेवियन क आपन अहइँ, ओनमाँ उ सबइ आपन घरन क
कउनो भी समइ वापस खरीद सकत हीं। 33अगर कउनो
मनई लेवी स कउनो घर खरीदइ तउ लेवियन क उ घर
फुन जुबली क अवसर मँ लउटइ जाइ। काहेकि उ घर उ
लेवियन क अउ ओकरे परिवारे क अहइ जउन इस्राएली
लोगन क बीच रहत ह। 34लेवी नगरन क चारिहुँ कइँती क
खेत अउर चरागाह बेंचा नाहीं जाइ सकतेन। उ सबइ खेत
सदा लेवियन क अहइँ।

दासन क सुआमियन क नेम

35"साइद तोहरे देस क मनई एँतना गरीब होइ जाइ कि
आपन भरण पोषण न कइ सकइ। तू पचे ओका कउनो
दूसर नागरिक या बिदेसी निवासी क तरह तोहारे संग जरूर
रहइ देइ चाही। 36ओका दीन्ह गए आपन कर्जा पइ कउनो
सूद जिन ल्या। आपन परमेस्सर क सम्मान करा अउ आपन
भाई क अपने साथे रहइ द्या। 37ओका सूद पइ पइसा उधार
जिन द्या। जउन भोजन उ करइ, ओह पइ कउनो फायदा
लेइ क कोसिस जिन करा। 38मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा
अहउँ। मइँ तू पचन्क मिस्र देस स कनान प्रदेस देइ अउ
तोहार परमेस्सर बनइ बरे बाहेर लाएउँ।

39"इ होइ सकत ह कि तोहार कउनो भाई एँतना गरीब
होइ जाइ कि उ दास क रुप मँ तू पचन्क अपने क बेंच
देइ। तोहका ओसे दास क तरह काम नाहीं लेइ चाही। 40उ
जुबली बरिस तलक मजदूर अउ एक अतिथि क तरह तोहरे
संग रही। 41तब उ तू सबन्क छोड़ सकत ह। उ आपन
बच्चन क अपने संग लइ जाइ सकत ह अउ आपन परिवार
मँ लउट सकत ह। उ आपन पुरखन क सम्पत्ति क लउटाइ
सकत ह। 42काहेकि उ पचे मोर सेवक अहइँ। मइँ ओनका
मिस्र क गुलामी स अजाद किहेउँ ह। ओनका फुन स दास
नाहीं होइ चाही। 43तोहका सबन्क अइसे लोगन पइ क्रूर
होइके सासन नाहीं करइ चाही। तोहका पचन्क अपने
परमेस्सर क सम्मान जरूर करइ चाही।

44"तोहरे दास दासियन क बारे मँः तू पचे आपन चारिहुँ
कइँती क रास्ट्रन स दास अउ दासियन क लइ सकत ह।
45अगर तोहरे देस मँ रहइवाले बिदेसियन क परिवारन क
बच्चन तोहरे लगे आवत हीं तउ तू पचे ओनका भी दास
रख सकत ह। उ सबइ बच्चन तोहार दास होइहीं। 46तू सबइ
इ बिदेसी दासन क आपन बच्चन क भी दइ सकत ह जउन
तोहरे मरइ क पाछे तोहरे बच्चन क होइहीं। उ पचे सदा
तोहार दास रइहीं। तू पचे इ बिदेसियन क गुलाम बनाइ
सकत ह। मुला तू पचन्क आपन भाइयन, इस्राएल क लोगन
पइ क्रूर होइके सासन नाहीं करइ चाही।

47"होइ सकत ह कि कउनो बिदेसी या अस्थाई निवासी
तोहरे बीच धनी होइ जाइ। सम्भव अहइ कि तोहरे देस क
कउनो मनई एँतना गरीब होइ जाइ कि उ आपन क तोहरे
बीच रहइवाले धनी बिदेसी क हाथ या बिदेसी परिवार क
कउनो सदस्य क हाथ दास क रूप मँ बेंचइ। 48उ मनई
वापस खरीदा जाइ अउ अजाद होइ क अधिकारी होइ।
ओकरे भाइयन मँ स कउनो भी ओका वापस बेसहि सकत
ह 49या ओकर चाचा, मामा व चचेरा, ममेरा भाई ओका
वापस बेसहि सकत हीं या ओकरे निचके क रिस्तेदारन मँ स
ओका कउनो खरीद सकत ह या अगर मनई ढेर क धन
पावत ह तउ खुद धन दइके उ फुन अजाद होइ सकत ह।

50"तू पचे ओकर दाम कइसे निहचित करब्या? तू पचे
बिदेसी क लगे जब स उ अपने क बेंचेस ह तब स अगली
जुबली तलक क बरिसन क गनब्या, उ आपन क जुबली
क बरिस तलक बेचेस ह। उ गणना क उपयोग दाम तय
करइ मँ प्रयोग करा। काहेकि असल मँ उ मनई कछू
बरिसन बरे ओका मजदूरी पइ राखेस। 51अगर जुबली क
बरिस क पहिले कइउ बरिस होइ जाइँ तउ मनई क दाम क
बड़का हींसा लउटावइ चाही। इ ओन बरिसन क गनती पइ
टिका बाटइ। 52अगर जुबली क बरिस तलक कछू ही
बरिस बाकी होइँ तउ मनई मूल कीमत क थोड़ा सा हींसा
लउटावइ चाही। 53मुला उ मनई हर बरिस बिदेसी क हिआँ
मजदूर क तरह रही, बिदेसी क उ मनई पइ क्रूर होइके
सासन न करइ द्या।

54"उ मनई कउनो क जरिये वापस न बेसहा जाइ पइ भी
अजाद होइ। जुबली क बरिस उ अउ ओकरे बच्चन अजाद
होइ जइहीं। 55काहेकि इस्राएल क लोग मोर सेवक अहइँ।
उ पचे मोर सेवक अहइँ जउन क मइँ मिस्र क गुलमी स
अजाद किहेउँ। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ।

परमेस्सर क आग्या मानइ क पुरस्कार

26 "अपने बरे मूर्तियन जिन बनावा। मूर्तियन या यादगार
क पाथर क स्थापना जिन करा। आपन देस मँ
उपासना करइ बरे पाथर क मूर्तियन क स्थापना जिन करा।
काहेकि मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ।

2"मोरे आराम क खास दिनन क याद रखा अउ मोरे
पवित्तर स्थान क सम्मान करा। मइँ यहोवा अहउँ!

3"मोर नेमन अउ आदेसन क याद राखा अउ ओनकर
पालन करा। 4अगर तू पचे अइसा करब्या तउ मइँ जउने
समइ बर्खा आवइ चाही, उहइ समइया मँ बर्खा कराउब।
भुइँया फसलन क पइदा करिहीं अउर बृच्छ आपन फल
देइहीं। 5तोहार अनाज निकारइ क काम तब तलक चली जब
तलक अंगूर एकट्ठा करइ क समइ आइ अउ अंगूरे क
बटोरब तब तलक चली जब तलक बोवाइ क समइ आइ
जाइ। तब तोहरे लगे खाइ क बहोत होइ, अउर तू पचे
आपन पहँटा मँ सुरच्छित रहब्या। 6मइँ तोहरे देस क सान्ति
देब। तू पचे सान्ति स सोइ सकब्या। कउनो मनई डरवावइ

नाहीं आइ। मइँ बिनास करइवाले जनावरन क तोहरे देस स
बाहेर रखब। अउर फउज भी तोहरे देस स न गुजरिहीं।
7"तू पचे आपन दुस्मनन क पाछा कइके भगाउब्या अउर
ओनका हरउब्या। तू पचे ओनका आपन तरवार स मारि
डउब्या। 8तोहरे पाँच मनई सौ मनईयन क पाछा कइके भगाइ
देइहीं अउर सौ मनई दस हजार मनईयन क पाछा कइके
भगाइ देइहीं। तू पचे आपन दुस्मनन क हरउब्या अउ
ओनका तरवारे स मार डउब्या।
9"तब मइँ तोहरी कइँती मुड़बउँ। मइँ तू पचन्क बहोत स
बच्चावाला बनउबउँ। मइँ तोहरे संग आपन वाचा क पालन
करबउँ। 10तोहरे लगे एक बरिस स जियादा चलइवाली ढेर
क पइदावार होइ। तू पचे नई फसल कटब्या। मुला तब
तोहका पुरान पइदावार नई पइदावार बरे जगह बनवइ खातिर
फेंक देइ क पड़ी। 11तू पचन क बीच मँ मइँ आपन पवित्तर
तम्बू लगाउब। मइँ तू लोगन क नाहीं तजिबय। 12मइँ तोहरे
संग चलब अउर तोहार परमेस्सर रहब। तू पचे मोर आपन
लोग रहब्या। 13मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ। तू पचे
मिस्र मँ दास रह्या। मुला मइँ तू पचन्क बाहेर लिआएउँ। तू
लोग दास क रुप मँ भारी बोझा ढोवइ स निहुरा भए रह्या
मुला मइँ तोहरे काँधि क जुए क तोड़ फेंकेउँ। मइँ तू पचन्क
फुन गरब स चलइवाला बनाएँउ।

यहोवा क आग्या पालन न करइ बरे सजा

14"मुला अगर तू मोर आग्या क पालन नाहीं करब्या
अउर मोर इ सबइ आदेस क नाहीं मनब्या तउ इ सबइ बुरी
बात होइहीं। 15अगर तू मोर नेम अउ आदेसन क रद्द
करब्या अउर ओनका पालन करइ मँ फेल होब्या। तउ तू
पचे मोर करार क भंग कइ देब। 16अगर तू पचे अइसा
करत अहा तउ मइँ अइसा करबउँ कि तोहार सबन्क भयंकर
अनिस्ट होइ। मइँ तू पचन्क लाइलाज रोग अउ तेज बोखार
लगाउब। उ सबइ तोहरी अँखियन क नस्ट करिहीं अउ
तोहार जिन्नगी लइ लेइहीं। जब तू पचे आपन बिआ बोउब्या
तउ तू पचन्क कामयाबी न मिली। तोहार पइदावार क तोहार
दुस्मन लोग खइहीं। 17मइँ तोहरे खिलाफ होब, तोहार दुस्मन
तोहका हरइहीं। उ सबइ दुस्मन तोहसे घिना करिहीं अउ
तोहरे ऊपर सासन करिहीं। तू पचे तब भी पराइ जाब्या, जब
तोहार पाछा कउनो न करत रहा होइ।
18"अगर एँकरे पाछे भी तू पचे मोर आग्या क नाहीं
मानत अहा तउ मइँ तोहरे पापन बरे सात गुना जियादा सजा
देब। 19मइँ ओन बड़के सहरन क भी नस्ट करब जउन
तोहका घमण्डी बनावत हीं। आकास बर्खा न देइ अउ धरती
पइदावार नाहीं उपजाइ।* 20तू पचे कठिन परिस्रम करब्या,
मुला एहसे कछू भी न होइ। तोहरी भुइँया मँ कउनो पइदावार
न होइ अउर तोहरे बृच्छन प फल नाहीं अइहीं।
21"अगर तब भी तू पचे मोरे खिलाफ जात ह्या अउर
मोरी आग्या क मानब स्वीकार नाहीं करत ह्या तउ मइँ सात
गुना कठोर होइके मारब। जेतँना जियादा पाप करब्या ओतना
जियादा सजा पउब्या। 22मइँ तोहरे सबन्क खिलाफ जंगली
जनावर पठउब। उ सबइ तोहरे गदेलन क तोहसे छोर लइ
जइहीं। उ पचे तोहरे गोरुअन क नास कइ देइहीं। उ पचे
तोहार मनइयन क गनती बहोत कम कइ देइहीं। लोग जात्रा
करइ स डेराइ जइहीं, सड़क खाली होइ जइहीं।
23"अगर ओन चीजन क होइ प तू पचन्क सिच्छा नाहीं
मिलत अउर तू पचे मोरे बिरुद्ध होइ जात ह्या, 24तउ मइँ
तोहरे विरुद्ध होब। मइँ, हाँ, मइँ (यहोवा) तोहरे पापन बरे
सात गुना सजा देब। 25तू पचे मोर वाचा तोड़या ह, एह बरे
मइँ तू सबन क दण्ड देब। मइँ तोहरे खिलाफ फउज क
पठउब। तू पचे सुरच्छा बरे आपन सहरन मँ जाब्या। मुला
मइँ अइसा करब कि तू लोगन मँ बेरामी सँचरइँ। तब तोहार
दुस्मन तोहका हराइ देइहीं। 26मइँ उ सहर मँ छोड़े गए अन्न
क एक हींसा तोहका देब। मुला खाइ बरे बहोत कम अनाज
रही। दस मेहररुअन आपन सबहिं रोटियन एक चूल्हा मँ
सेकं सकिहीं। उ पचे रोटी क हर एक टूका क नपिहीं। तू
पचे खाब्या, मुला फुन भी भूखा रहब्या।
27"अगर तू पचे खतना पइ भी मोर बातन क सुनब
अंगीकार नाहीं करत ह्या, अउर मोरे बिरुद्ध रहत ह, 28तउ
मइँ असलियत मँ आपन किरोध परगट करब। मइँ, हाँ, मइँ
(यहोवा), तू पचन्क तोहरे पापन बरे सात गुना दण्ड देब।
29तू पचे आपन पूत, बिटियन क तने क खाब्या। 30मइँ
तोहरे ऊँचे ठउरन* क नस्ट करब। मइँ तोहार सुगन्धि
वाली वेदियन क काट डाउब। मइँ तोहरे ल्हासन क तोहरे
निर्जीव मूर्तियन क ल्हासन पइ डाउब। तू पचे मोका बहोत
जियादा घिनौना लगब्या। 31मइँ तोहरे सहरन क नस्ट करब।
मइँ तोहार पवित्तर ठउर क खाली कइ देब। मइँ तोहार
महकउआ सुगन्धित भेंटन क अंगीकार नाहीं करब। 32मइँ
तोहरे देस क एतना खाली कइ देब कि तोहरे दुस्मन तलक
जउन एहमाँ रहइ अइहीं, उ पचे एँह पइ चकित होइ जइहीं।
33अउर मइँ तू पचन क अलग अलग पहँटन मँ बिखराउब।
मइँ आपन तरवार हींचब अउ तू सबन्क नास करब। तोहार
भुइँया खाली होइ जाइ अउ तोहार नगर उजाड़ होइ जइहीं।
34"तू पचे आपन सत्रु क देसन मँ लइ जावा जाब्या। जब
तोहार धरती क खाली कइ देइ जाइ उ समइ इ आपन
सबित क बिस्राम मनाइ। 35जेका तू पचे ओका तब नाहीं
दिहे रह्या जब तू पचे ओह पइ रहत रह्या। 36उत्तरजीवी
आपन दुस्मनन क देस मँ हिम्मत खोइ देइहीं। उ हर चीज स
डेरात होइहीं। उ पचे हवा क जरिये हिलइवाला पाती क
आवाज़ स भी डेराइ जाइ अउर ओकरे कारण उ सबइ
अइसेन पराइहीं मान ल्या कउनो तरवार लिए भए ओनकर
पाछा करत होइ। बिना केहू क पाछा कइ भए भी उ पचन्क
गिरि जाब। 37उ पचे एक दूसरे पइ तब भी गिरिहीं, जब
कउनो भी ओनकर पाछा नाहीं करत रहा होइ।
"तू पचे एँतना सक्तीसाली नाहीं रहब्या कि आपन दुस्मनन
क मुकाबला मँ खड़ा होइ सका। 38तू दूसर लोगन मँ बिलाइ
जाब्या। तू पचे आपन दुस्मनन क देस मँ लुप्त होइ जाब्या।
39इ तरह तोहार सन्तानन तोहरे दुस्मनन क देस मँ आपन

आकास … उपजाइ सब्द क अरथ, "तोहरे बरे आकास लोहा स होइ अउर भुइँया काँसे जइसी।"

ऊँचे ठउरन परमेस्सर या झूठे देवतन क उपासना क ठउर। इ सबइ ठउर अक्सर पहाड़ी अउ पर्वत प बनावा जात रहेन।

पापन मँ सड़िहीं। उ पचे आपन पापन मँ वइसे ही सड़िहीं जइसे ओनके पुरखन सड़ा रहेन।

आसा हमेसा रहत ह

40"इ होइ सकत ह कि लोग आपन पापन्क कबूल लेइँ अउर उ पचे आपन पुरखन क पापन्क स्वीकार करिहीं। होइ सकत ह कि उ पचे कबूलइँ कि उ पचे मोरे खिलाफ भएन ह। इ होइ सकत ह उ पचे इ कबूल लेइँ कि उ पचे मोरे खिलाफ पाप किहे अहइँ। 41इ होइ सकत ह कि उ पचे स्वीकार करइँ कि मइँ ओनके खिलाफ भएउँ अउ ओनका ओनके दुस्मनन क देस मँ लाएउँ। अगर उ पचे विनम्र होइ जाइँ अउ आपन पापन बरे सजा क कबूल लेइँ। 42तउ मइँ याकूब क संग क आपन वाचा क सुमिरब। इसहाक क संग क आपन वाचा क सुमिरब। इब्राहीम क संग कीन्ह गए वाचा क सुमिरब अउर मइँ उ भुइँया क सुमिरब।

43"भुइँया खाली रही। भुइँया आराम क समइ क आनन्द लेइ। तब तोहरे बचे भए लोग आपन पाप बरे सजा क कबूल लेइहीं। उ पचे सिखिहीं कि ओनका एह बरे सजा मिली कि उ पचे मोर व्यवस्था स घिना किहेन अउ नेमन क पालन करब स्वीकार नाहीं किहेन। 44उ पचे फुरे पाप किहेन। मुला अगर उ पचे मोरे लगे मदद बरे आवत हीं तउ मइँ ओनसे दूर नाहीं रहब। मइँ ओनकइ बातन तब भी सुनब जब उ पचे आपन दुस्मनन क देस मँ भी होइहीं। मइँ ओनका पूरी तरह नस्ट नाहीं करब। मइँ ओनके संग आपन वाचा क भंग न करब। काहेकि मइँ यहोवा ओनकर परमेस्सर अहउँ। 45मइँ ओनके पुरखन क संग कीन्ह गइ वाचा क याद रखब। मइँ ओनके पुरखन क मिस्र स बाहेर लिआएउँ कि मइँ ओनकर परमेस्सर होइ सकउँ। दूसर सबइ रास्ट्रन ओन बातन क लखेन। मइँ यहोवा अहउँ!"

46इ सबइ उ सबइ नेमन, कानून अउर उपदेस अहइँ जेनका यहोवा इस्राएल क लोगन क दिहस। उ सबइ कानून इस्राएल क लोगन अउ यहोवा क बीच करार अहइ। यहोवा ओन कानून क सिनाई पहाड़े प दिहे रहा। उ मूसा क नेम दिहस अउ मूसा ओनका लोगन क दिहस।

बचन क महत्व बाटइ

27 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स कहा: कउनो मनई यहोवा क खास बचन दइ सकत ह। उ मनई यहोवा क कउनो मनई क अर्पित करइ क बचन दइ सकत ह। उ मनई यहोवा क सेवा खास तरीका स करी। याजक उ मनई बरे बिसेस दाम निहचित करी। अगर लोग ओका यहोवा स वापस बेसहइ चाहत हीं तउ उ पचे दाम देइहीं। 3बीस स साठ बरिस उमिर तलक क मनसेधू क दाम पचास सेकेल चाँदी होइ। तू पचन क चाँदी क तौलइ बरे पवित्तर ठउर क सेकेल क अनुसार उपयोग करइ चाही। 4बीस स साठ बरिस उमिर तलक क मेहरारु क दाम तीस सेकेल होइ। 5पाँच स बीस बरिस उमिर तलक क मनसेधू क दाम बीस सेकेल होइ। पाँच स बीस बरिस उमिर तलक क मेहरारु क दाम दस सेकेल होइ। 6एक महीना स पाँच बरिस क उमिर तलक क बालक क दाम पाँच सेकेल होइ। एक लरिकी क दाम तीन सेकेल होइ। 7साठ या साठ स जियादा अवस्था क मनसेधू क दाम पन्द्रह सेकेल होइ। एक मेहरारु क दाम दस सेकेल होइ।

8"अगर मनई एँतना गरीब अहइ कि दाम देइ मँ समर्थ नाहीं अहइ तउ उ मनई क याजक समन्वा लिआवा। याजक इ निहचित करी कि उ मनई केतँना दाम भुगतान मँ दइ सकत ह।

यहोवा क भेंट

9"कछू गोरुअन क उपयोग यहोवा क बलि क रुप मँ कीन्ह जाइ सकत ह। अगर कउनो मनई ओन गोरुअन मँ स कउनो क लिआवत ह तउ उ गोरु पवित्तर होइ जाइ। 10उ मनई यहोवा क उ गोरु क देइ क बचन देत ह। एह बरे उ मनई क उ गोरु क जगह पइ दूसर गोरु रखइ क कोसिस नाहीं करइ चाही। ओका नीक गोरु क बुरे गोरु स नाहीं बदलइ चाही। ओका बुरे गोरु क नीक गोरु स नाहीं बदलइ चाही। अगर उ मनई दुइनउँ गोरुअन क बदलइ चाहत ह तउ दुइनउँ, उ गोरु अउ बदलइ भइ गोरु पवित्तर होइ जइहीं।

11"कछू गोरुअन यहोवा क बलि क रुप मँ नाहीं भेंट कीन्ह जाइ सकतेन। अगर कउनो मनई ओन असुद्ध गोरुअन मँ स कउनो क यहोवा बरे लिआवत ह तउ उ गोरु याजक क समन्वा लिआवा जाइ चाही। 12याजक उ गोरु क दाम उ नीक या बुरे अहइ क अनुसार निहचित करी। जउन दाम याजक निहचित करत ह उहइ मकान क दाम अहइ। 13अगर मनई गोरु क वापस बेसहइ चाहत ह* तउ ओका दाम मँ पाँचवाँ हींसा अउर जोड़इ चाही।

यहोवा क भेंट कीन्ह गए मकान क दाम

14"अगर कउनो मनई आपन मकान क पवित्तर मकान क रुप मँ यहोवा क आर्पित करत ह, तउ याजक क एकर दाम नीक या बुरा अहइ क अनुसार निहचित करी। जउन दाम याजक निहचित करत ह उहइ मकान क दाम अहइ। 15मुला उ मनई जउन मकान अर्पित करत ह अगर ओका वापस खरीदइ चाहत ह तउ ओका दाम मँ पाँचवाँ हींसा जोड़इ चाही। तब घर उ मनई क होइ जाइ।

सम्पत्ति क दाम

16"अगर कउनो मनई अपने खेते क कउनो हींसा यहोवा क अर्पित करत ह तउ ओन खेतन क दाम ओनका बोवइ बरे जरुरी बिआ पइ टिका होइ। एक होमेर* जौ क बिआ क कीमत चाँदी क पचास सेकेल होइ। 17अगर मनई जुबली क बरिस खेत क दान करत ह तब दाम उ होइ जउन

वापस बेसहइ चाहत ह पहिलौठा बच्चा या गोरु यहोवा क दीन्ह जात रहेन। मुला गधन क तरह बच्चन क बलि नाहीं दीन्ह जात रही। इ तरह मनई पहिला पइदा भए क याजक क देत रहा। याजक दाम निहचित करत रहा, अउर मनई पहिले पइदा भए क धन या बलि चढ़ावइ जोग्ग गोरु स वापस बेसहत रहा।

एक होमेर माप वाली झुरान बिअन क तउल। इ लगभग छ: बुसल।

याजक निहचित करी। **18**मुला मनई अगर जुबली क पाछे
खेत क दान करत ह तउ याजक क असली दाम तय करइ
चाही। ओका अगले जुबली बरिस तलक क बरिसन क
गनइ चाही। तब उ गणना उपयोग दाम निहचित करइ बरे
करी। **19**अगर खेत क दानी मनई खेत क वापस बेसहा
चाहउ तउ ओकरे दाम मँ पाँचवाँ हींसा अउर जोड़ा जाइ।
20अगर उ मनई खेत क वापस नाहीं बेसहत ह तउ खेत
सदा याजकन क होइ। अगर खेत कउनो दूसर क बेचा जात
ह तउ पहिला मनई ओका वापस नाहीं बेसहि सकत।
21अगर उ मनई खेत क वापस नाहीं बेसहत ह तउ जुबली
क बरिस खेत सिरिफ यहोवा बरे पवित्तर रही। इ सदा ही
याजकन क रही। इ उ भूँइ क तरह होइ जउन पूरी तरह
यहोवा क दइ दीन्ह गइ होइ।

22"अगर कउनो आपन खेते क यहोवा क अर्पित करत
ह जउन ओकरी निजी सम्पत्ति क हींसा नाहीं अहइ। **23**तब
याजक क जुबली क बरिस तलक बरिसन क जरूर गनइ
चाही। अउ ओका खेत क दाम भी जरूर निहचित करइ
चाही। तब उ खेत यहोवा क होइ। **24**जुबिली क बरिस उ
खेत मूल भू सुआमी क पास चला जाइ। उ ओह परिवार क
जाइ जउन ओकर सुआमी अहइ।

25"तोहका पवित्तर स्थान क सेकेल क अनुसार उपयोग
ओन दाम क अदा करइ बरे करइ चाही। पवित्तर ठउर क
प्रमाण क सेकेल क तउल बीस गेरा* अहइ।

गोरुअन क दाम

26"लोग गोरुअन अउ भेड़न क यहोवा क दान दइ
सकत हीं, मुला अगर गोरु पहिला पइदा भवा अहइ तउ उ
गोरु जन्म स ही यहोवा क अहइ। एह बरे लोग पहिला
पइदा भवा गोरु क दान नाहीं दइ सकतेन। **27**लोगन क
पहिला पइदा भवा गोरु यहोवा क जरूर देइ चाही। मुला
अगर पहिला पइदा भवा गोरु असुद्ध अहइ, तउ मनई क
उ गोरु क वापस जरूर बेसहइ चाही। याजक उ गोरु क
दाम निहचित करी अउर मनई क उ दाम क पाँचवाँ हींसा
ओहमाँ जोरि देइ। अगर मनई गोरु क वापस नाहीं खरीदत
तउ याजक क आपन निहचित कीन्ह गए दाम पइ ओका
जरूर बेंच देइ चाही।

बिसेस भेंटन

28"एक ठु बिसेस तरह क भेंट* अहइ जेका लोग
यहोवा क चढ़ावत हीं। उ भेंट न वापस खरीदी जाइ सकत
ह न तउ बेची जाइ सकत ह। उ भेंट यहोवा क अहइ। इ
बहोत पवित्तर अहइ। उ तरह क भेंटन अइसे लोग, गोरु
अउर खेत अहइँ, जउन परिवारे क सम्पत्ति अहइ।

29"अगर उ बिसेस प्रकार क यहोवा क भेंट कउनो मनई
अहइ तउ ओका वापस बेसहा नाहीं जाइ सकत। ओका जरुर
मार दीन्ह जाइ चाही।

30"सबहिं पइदावारन क दसवाँ हींसा यहोवा क अहइ।
एहमाँ खेतन, फसलन अउ बृच्छन क फल सामिल अहइँ।
उ दसवाँ हींसा यहोवा क अहइ। **31**एह बरे कउनो मनई
आपन दसवाँ हींसा वापस लेइ चाहत ह तउ ओकरे दाम क
पाँचवाँ हींसा ओहमाँ जोड़इ चाही अउ वापस खरीदइ चाही।

32"याजक मनइयन क गोरुअन अउ भेड़िन मँ स हर
दसवाँ जनावर लेइ। हर दसवाँ जनावर यहोवा क होइ।
33मालिक क इ चिन्ता नाहीं करइ चाही कि उ जनावर नीक
अहइ या बुरा। ओका जनावर क दूसर जनावर स नाहीं
बदलइ चाही। अगर उ बदलइ क निहचय करत ह तउ
दुइनउँ जनावर यहोवा क होइहीं। उ जनावर वापस नाहीं
बेसहा जाइ सकत।" **34**इ सबइ उ आदेसन अहइँ जेनका
यहोवा सिनाइ पहाड़ पइ मूसा क दिहस। इ सबइ आदेस
इस्राएल क लोगन बरे अहइँ।

गेरा अरथात एक गेरा 1/50 ओंस।

बिसेस तरह क भेंट इ सबइ अक्सर उ सबइ चीजन अहइँ जउन जुद्ध मँ लीन्ह जात रहिन। उ सबइ भेंट पूरी तरह पर्भू क अहइँ। एह बरे दूसर कउनो काम बरे ओनकइ उपयोग नाहीं होइ सकत। अगर जुद्ध मँ धरा गवा मनई भेंट कीन्ह गवा रहा तउ उ मनई मार दीन्ह जात रहा।

निर्गमन

1 याकूब आपन बेटवन क संग मिस्र क जात्रा प गवा। अउर हर एक पूत आपन परिवार क संग लिहेस। इस्राएल क बेटवन क नाउँ अहइँ: 2रूबेन, सिमोन, लेवी, यहूदा, 3इस्साकर, जबूलुन, बिन्यामीन 4दान, नप्ताली, गाद, आसेर 5याकूब क आपन सन्तानन मँ सत्तर लोग रहेन। (ओकरे बारह बेटवन मँ स यूसुफ पहिलेन स मिस्र मँ रहा।)

6पाछे यूसुफ, ओकर भइयन अउ ओकरे पीढ़ी क सबइ परानी मर बिलाइ गएन। 7मुला इस्राएल क मनइयन क ढेर गदेलन रहेन, अउर ओनकइ संख्या बाढ़त गइ। उ पचे बरिआर होइ गएन अउ ओन लोगन स भुइँया भरि गई रही रहेन।

इस्राएल क मनइयन क कस्ट

8तबइ एक नवा राजा मिस्र प हुकूमत करइ लाग। उ राजा यूसुफ क नाहीं जानत रहा। 9इ राजा लोगन स कहेस, "इस्राएल क मनइयन क लखा। एनकइ तादाद जिआदा बा। अउ उ पचे हमसे जिआदा बरिआर अहइँ। 10हम पचन क अइसी चाल चलइ क चाही कि इस्राएलियन क बरिआर होइसे रोकइ चाही। जदि जुद्ध होत ह, तउ इस्राएलियन हमरे दुस्मनन क साथ देइहीं। तबहिं उ सबइ हम पचन क हराइ सकित ह अउ हमरे हाथे स निकरि सकित ह।"

11मिस्र क लोगन इस्राएलियन क जिन्नगी क दूभर बनवइ निस्चय किहे रहेन। एह बरे उ पचे इस्राएल क काम करइ वालन प दास सुआमी तइनात कइ दिहन। उ सुआमी लोगन फिरौन बरे भण्डार सहरन पितोम अउर रामसेस क बनावइ बरे इस्राएलियन क मजबूर कइ दिहन।

12मिस्र क मनइयन इस्राएलियन क कठोर स कठोर काम करइ क मजबूर किहेन। मुला जेतँना जिआदा इस्राएलियन क काम करइ बरे मजबूर कीन्ह गवा ओनकइ तादाद बाढ़त गइ। अउर मिस्र क मनइयन इस्राएलियन स जिआदा स जिआदा डेराइ लागेन। 13एँह बरे मिस्र क मनइयन इस्राएलियन क अउर भी जिआदा कठोर काम करइ क मजबूर किहेन।

14मिस्र क मनइयन इस्राएलियन क जिन्नगी दूभर कइ दिहन। उ पचे इस्राएलियन क ईंट अउ गारा बनावइ क बहोत कर्रा काम करइ बरे मजबूर किहेन। उ पचे ओनका खेत मँ बहोत कर्रा काम करवावइ क मजबूर किहेन। उ पचे ओनका गुलाम क नाईं दूसर सबहिं कार्य करइ बरे मजबूर किहेन।

यहोवा क पाछे चलइवाली दाइयन

15हुवाँ सिप्रा अउ पूआ नाउँ क दुइ हिब्रू दाइयन रहिन। मिस्र क राजा इ दाइयन स बतियान। 16राजा कहेस, "जब तू हिब्रू मेहररूअन क लरिका पइदा करइ मँ मदद करा। जदि लरिकी पइदा होइ तउ ओका तू जिअइ दिहा। मुला अगर लरिका पइदा होइ तउ तू पचे ओका मारि डाया।"

17मुला दाइयन परमेस्सर स डेरात रहिन। एँह बरे उ पचे मिस्र के राजा क आदेस क पालन न किहेन। उ पचे सारे लरिका क जीवित रहइ दिहिन।

18मिस्र क राजा दइयन क बोलाएस अउ कहेस, "तू पचे अइसा काहे किहा? तू पचे बेटहनन क काहे जिअइ दिहा?"

19दइयन फिरौन स कहेन, "हिब्रू* मेहररूअन मिस्री मेहररूअन स जिआदा ताकतवर बाटिन। हमरे पहुँचइ स मदद बरे उ पचे पहिलेन बेटहनन क जन्मत हीं।" 20-21परमेस्सर उ दाइयन प कृपालु रहा। काहेकि उ पचे परमेस्सर स डेरात रहिन। एँह बरे परमेस्सर ओनका नीक रहा अउ ओनका आपन परिवार चलावइ दिहेस। अउर हिब्र लोग जिआदा लरिका पइदा करत रहेन। अउ उ पचे जिआदा ताकतवर होइ गएन।

22एँह बरे फिरौन आपन सबहिं लोगन क हुकूम दिहेस, "जब कबहुँ लरिका पइदा होइ तब तू सबइ जरूर ओका नील नदी मँ नाइ द्या मुला सबहिं लरिकियन क जिअइ द्या।"

बचवा मूसा

2 लेवी क परिवार क एक मनई हुवाँ रहा। उ लेवी क परिवार क एक ठु अउरत स आपन बियाह किहेस। 2उ मेहरारू गोड़े स भारी भइ अउ उ एक बेटवा क जन्म दिहेस। महतारी निहारेस कि बेटवा बहोत सुन्नर बा अउर उ ओका तीन महीना ताईं छुपाएस। 3मुला तीन महीना क पाछे महतारी डेराइ गइ कि बचवा हेरि लीन्ह जाई तब उ मारि डावा जाई, काहेकि उ बेटवा अहइ। एँह बरे उ एक ठु डलिया बनाएस अउ ओह प तारकोल लेपि दिहेस जेसे उ तैर पावइ। उ बचवा क डलिया मँ धइ दिहस। तब उ नदी क बीच लंबी घासे मँ धइ दिहस। 4बचवा क बहिन हुवाँ रूकी रही अउ ओकर रखवारी करत रही। उ देखइ चाहत रही कि बचवा क संग का घटी।

5उहइ समइया फिरौन क बिटिया नदी मँ नहावन बरे गइ। उ ऊँच की घासे मँ एक ठु डलिया लखेस। ओकर नउकरन नदी क किनारे टहरत रहेन। तउ उ मेहरारू नउकरन मँ स एक क ओकर टोकरी लावइ बरे हुकुम दिहेस। 6राजा क बिटिया डलिया क खोलेस अउ बेटवा क लखेस। बचवा

हिब्रू या "इस्राएलियन" इ नाउँ क आरथ अहइ, "एबर चला बंस" या "फरात नदी क पच्छिम क मनई।"

रोवत रहा अउ ओका ओह प दाया आइ गइ। उ कहेस, "इ हिब्रू बचवन मँ एक अहइ।"

7बचवा क बहिन लुकी छिपी रही। तब उ ठाड़ भइ अउ फिरौन क बिटिया स बोली, "का आप चाहत बाटिन कि मइँ बचवा क देख-रेख करइ बरे एक ठू हिब्रू दाइयन क हेरि लिआवउँ?"

8फिरौन क बिटिया कहेस, "हाँ, जरूर।"

तउ बिटिया गइ अउ बचवा क महतारी क हेरिके लइ आइ।

9फिरौन क बिटिया कहेस, "इ बचवा क लइ जा अउ मोरे खातिर एका पाला। इ बचवा क आपन दूध पिआवा। मइँ तोहका पगार देब।"

तब उ मेहरारू आपन बचवा क लइ लिहस अउ ओका पालेस पोसेस। 10जब बचवा बाढ़ गवा तउ कछू टेम पाछे अउरत राजा क बचवा दइ दिहस। राजा क बिटिया उ बचवा क आपन पूत क रूप मँ स्वीकार किहेस। उ ओकर नाउँ मूसा धरेस काहेकि उ ओका पानी स उबारेस।

मूसा आपन मनइयन क मदद करत ह

11मूसा बाढ़ि गवा अउ जवान होइ गवा। उ परखेस कि उ ओकर आपन लोग अहइ हिब्रू मनई ओनका जियादा कठोर काम करइ बरे मजबूर करत हीं। एक दिना मूसा लखेस कि एक मिस्री हिब्रू मनई क पीटत रहा। 12मूसा चारिहु कइँती निहारेस अउ देखेस कि कउनो नाहीं ताड़त बा। तबहिं मूसा मिस्री मनई क मारि डाएस अउ ओहका रेत मँ दाब दिहेस।

13पाछे क दिन मँ मूसा दुइ हिब्रू मनइयन क लड़त भिड़त लखेस। मूसा निहारेस कि एक मनई क गलती रही। मूसा उ मनई स कहेस, "तू आपन पड़ोसी क काहे मारत बाट्या?"

14उ मनई जवाब दिहेस, "का कउनो मनई तोहका हमार हाकिम अउ निआवधीस, नियुक्त किहेस ह? नाहीं! मोका बतावा कि का तू मोका भी उहइ तरह मारि डउब्या जउने तरह तू बीता भवा काल्ह मिस्री क मारि डाया। तब मूसा डेराइ गवा।"

मूसा मन मँ बिचारेस, "अब हरेक मनई जानत ह कि मइँ का किहेउँ ह।"

15फिरौन सुनेस कि मूसा का किहेस, तउ उ मूसा क मारि डावइ क पक्का बिचार बनाएस। मुला मूसा फिरौन क कुचाल स भाग गवा। फिन मूसा मिदियन देस मँ चला गवा।

मूसा मिदियान देस मँ

मूसा मिदियन देस मँ कुआँ क लगे रूकि गवा। 16हुवाँ एक ठु याजक मिदियन मँ रहा जेकरे सात बिटिया रहिन। उ पचे आपन बाप क भेड़िन बरे कुआँ स पानी निकालइ बरे गएन। उ पचे पानी स कठौते क भरइ क कोसिस करत रहिन। 17मुला कछू गड़रियन उ बिटियन क भगाइ दिहन अउ पानी नाहीं भरइ दिहन। तब मूसा बिटियन क मदद किहेस अउ ओनके जनावर क पानी दिहस।

18तब उ पचे आपन बाप रूएल क लगे गइन। ओनकइ बाप ओनसे पूछेस, "आज तू पचे काहे हाली घरे आइ गइउ?"

19बिटियन जवाब दिहेन, "हाँ, पिता जी। गड़रिया लोग हमका खदेरइ क कोसिस किहेन, मुला एक मिस्री मनई हमार मदद करेस। उ हमका बरे इनारा स पानी निकारेस अउ हमरे जनावर क पानी दिहेस।"

20एँह बरे रूएल आपन बिटियन स कहेस, "इ मनई कहाँ बाटइ? तू पचे ओका काहे छाँड़ि दिहा? ओका हिआँ बोलावा इ तरह हम पचन क संग खाइ सकत ह।"

21मूसा उ मनई क संग टिक जाइ स खुस भवा। याजक रूएल आपन बिटिया सिप्पोरा क मूसा क बसही क तरह दिहेस। 22सिप्पोरा एक बेटवा क जन्मेस। मूसा आपन बेटवा क नाउँ गेर्सोम राखेस। मूसा आपन बेटवा क इ नाउँ इ कहत भए दिहस: "मइँ एक अजनबी देस मँ अजनबी होई गवा।"

यहोवा इस्राएल क मदद बरे मन मँ ठानेस

23बहोत समइ बीते प मिस्र क राजा मरि गवा। काहेकि इस्राएलियन क कठिन काम करइ बरे मजबूर कीन्ह जात रहेन। एँह बरे उ पचे मदद बरे परमेस्सर क गोहराएन अउर यहोवा ओनका पराथना सुनि लिहेस। 24यहोवा ओनकइ पराथना सुनेस अउ उ करार क याद किहेस जउन उ इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क संग किहेस। 25यहोवा इस्राएलियन क कस्ट निहारेस अउ उ सोचेस कि उ ओनकइ मदद तुरंतहि करी।

जरत भइ झाड़ी

3 मूसा क ससुर क नाउँ यित्रो रहा। यित्रो मिदियन क याजक रहा। मूसा यित्रो क भेड़ क देख-रेख करत रहा। मूसा एक दिना भेड़न क रेगिस्तान क पच्छिम कइँती लइ गवा। मूसा यहोवा क पहाड़ प जउन होरेब अर्थात् सीनै पहाड़ कहलावत ह प गवा। 2यहोवा क सरगदूत मूसा क समन्वा बरत भइ झाड़ी मँ उ पहाड़ प परगट भवा। उ इ तरह भवा। मूसा झाड़ी क बे भसम भवा बरत देखेस। 3एँह बरे मूसा झाड़ी क निचके इ चमत्कार क देखइ बरे गवा कि झाड़ी बे भस्म भए कइसे लगातार बरति अहइ।

4यहोवा लखेस कि मूसा झाड़ी क लखइ आवत बा। एँह बरे परमेस्सर झाड़ी स मूसा क पुकारेस अउ कहेस, "मूसा, मूसा।"

अउ मूसा कहेस, "मइँ हिआँ हउँ!"

5तब्बइ यहोवा कहेस, "अउर निचके जिन आवा। आपन पनही उतारि द्या। तू पवित्तर भुइयाँ प ठाड़ बाट्या। 6मइँ तोहरे पुरखन क परमेस्सर हउँ। मइँ इब्राहीम क परमेस्सर, इसहाक क परमेस्सर अउ याकूब क परमेस्सर हउँ।"

मूसा आपन मुँहना क ढाँकि लिहेस काहेकि उ परमेस्सर क लखइ स डेरात रहा।

7तब यहोवा कहेस, "मइँ उ सबन दुःखन क लखेउँ ह जउन हमार लोगन मिस्र मँ सहेन ह। मइ ओनकइ चीखब सुनेउँ ह जब मिस्र क क्रूर मनइयन ओनका चोट पहुँचाएन ह। मइँ ओनकइ दुःखन क जानत हउँ।

8मइँ अब जाब अउ मिस्री मनइयन स आपन लोगन क
बचाउब। मइँ ओनका मिस्र स बाहेर निकारब अउ ओनका
एक नीक अउ विसाल भुँइया मँ लइ जाब। उ भुँइया जहाँ
दूध अउर सहद क नदी बहत रहत ह।* हुवाँ कइउ जाति
क लोग जइसे कनानी, हित्ती, एमोरी, परिज्जी, हिब्बी, अउ
यबूसी रहत ही। 9मइँ इस्राएल क मनइयन क गोहार सुनेउँ
ह। मइँ मिस्री मनइयन क अत्याचार क लखेउ जउन ओन
लोगन प किहेन। 10एँह बरे अब मइँ तोहका फिरौन क लगे
पठवत हउँ। जा अउर मोर लोगन, इस्राएलियन क मिस्र स
बाहर लइ आवा।"

11मुला मूसा परमेस्सर स कहेस, "मइँ कउनो बड़का मनई
नाहीं। मइँ कइसे उ मनई होइ सकत हउँ जउन फिरौन क
लगे जाउँ अउ इस्राएलियन क मिस्र स बाहेर निकारि के
लइ चलउँ।"

12परमेस्सर कहेस, "तू कइ सकत ह्या काहेकि मइँ तोहरे
संग हउँ। इ सबूत रही कि मइँ तोहका पठवत हउँ। जब तू
लोगन क मिस्र स बाहेर निकारि लइ अउब्या, तब तू इ
पहाड़े प हमार आराधना करब्या।"

13तबहिं मूसा परमेस्सर स कहेस, "'किंतु जदि मइँ
इस्राएलियन क नगिचे जात हउँ, अउ कहत हउँ, 'तोहरे
पुरखन क यहोवा मोका तोहरे लगे पठएस ह,' तब मनई
पुछिहीं, 'ओकर नाउँ का अहइ?' मइँ ओनसे का कहब?"

14तब यहोवा मूसा स कहेस, "मइँ हउँ जउन मइँ
हउँ।'*, जबहिं तू इस्राएलियन क लगे जाब्या, तब ओनका
बताइ दिहा, 'मइँ हउँ, जउन मोका तोहरे लगे पठएस ह।'"

15परमेस्सर मूसा स इ भी कहेस, "इस्राएली मनइयन स
जउन तू कहब्या, उ इ अहइः 'यहोवा तोहरे पुरखन क
परमेस्सर, इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब क परमेस्सर
अहइ। होइ सकत ह इहइ नाम मँ अगवा पीढ़ी दर पीढ़ी
मोका जनिहीं।।' लोगन क बतावा, "यहोवा मोका तोहरे लगे
पठएस ह।'"

16यहोवा इ भी कहेस, 'जा अउ इस्राएल क बुजर्गन क
बटोरा अउ ओनसे कहा, 'यहोवा, तोहरे पुरखन क परमेस्सर
मोरे समन्वा परगट भवा रहा। इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब
क परमेस्सर मोसे बात किहेस। उ कहेस, "मइँ तोहरे बारे मँ
अउ ओन सब क बाबत मँ जउन तू पचन क संग मिस्र मँ
भवा अहइ खियाल रखे अहइ। 17मइँ मने मँ ठान लिहे हउँ
कि मिस्र मँ जउन दुःख अउ मुसीबत सहत बाट्या ओहसे
मइँ तोहका बाहेर निकारि लेबइ। मइँ तू पचन क उ देसे मँ
लइ जाब जउन ढेर लोगन जइसे कनानी, हित्ती, एमोरी,
परिज्जी, हिब्बी, अउ यबूसी क बाटइ। मइँ तू पचन क एक
नीक देसे मँ लइ जाब जहाँ दूध अउर सहद क नदी बहत
अहइ।'

18बुजर्गन तोहार बातन्क मनिहीं। अउर तब तू अउर
बुजर्गन मिस्र क राजा क लगे जाब्या। तू पचे ओसे कहब्या,
'यहोवा हिब्रू मनइयन क परमेस्सर हम पचन्क लगे आएन
अउ उ पचे हम पचन्स तीन दिना ताईं रेगिस्तान मँ जात्रा
करइ क कहेन ह। हुवाँ हम पचे आपन परमेस्सर, यहोवा क
बलि चढ़ाउब।'

19"मुला मइँ जानत हउँ कि मिस्र क राजा तू पचन्क जाइ
नाहीं देई। सिरिफ एक ठु बड़वार सक्ती ही तू पचन्क जाइ
देइ बरे मजबूर करी। 20एँह बरे मइँ आपन बड़की सक्ती क
प्रयोग मिस्र क खिलाफ करबइ। मइँ मिस्र क आपन
चमत्कार स तबाह कइ देब। जबहिं मइँ अइसा करिहउँ तउ
उ तू पचन्क जाइ देइ। 21अउर मइँ मिस्री मनइयन क
इस्राएलियन बरे कृपालु बनवाउब। तब उ पचे इस्राएलियन क
जब उ सबइ मिस्र छोड़िहीं तब ओन लोगन क बहोत सारा
उपहार देइहीं

22"हर एक हिब्रू अउरत आपन मिस्री पड़ोसिन स अउर
मिस्री अउरत स आपन घरे मँ रहइ बरे अनुरोध किहेस
अउर उ पचे ओका उपहार देइहीं। तोहार लोग उपहार मँ
चाँदी, सोना अउ सुन्नर ओढ़ना पइहीं। जबहिं तू पचे मिस्र क
छाँड़ि देब्या, तू पचे उ उपहार क आपन गदेलन क
पहिरउब्या। इ तरह तू पचे मिस्री मनइयन क धन लइ
अउब्या।"

मूसा बरे प्रमाण

4 तब मूसा क जवाब दिहेस, "मुला इस्राएलियन मोहे
पइ बिस्सास न करिहीं। उ पचे कइहीं, 'यहोवा तोह
पइ परगट नाहीं भवा।'"

2मुला यहोवा मूसा स कहेस, "तू आपन हथवा मँ का
धइके राखे बाट्या?"

मूसा जवाब दिहेस, "इ मोर टहरइ क लाठी अहइ।"

3यहोवा कहेस, "आपन टहरइवाली लाठी जमीन प फेंकि
द्या।"

तउ मूसा आपन टहरइ क लाठी क जमीन प फेंक
दिहेस। अउ लाठी साँप बन गवा। मूसा डेरान अउ एँसे
परान। 4मुला यहोवा मूसा स कहेस, "अगवा बढ़ा अउ पूँछ
धइके साँप क पकड़ि ल्या।"

एँह बरे मूसा अगवा कइँती बढ़ा अउ साँप क पूँछ धइ
लिहस। जइसेन मूसा अइसा किहेस, साँप फुनि लाठी होइ
गवा। 5तब यहोवा कहेस "आपन छड़ी क इ तरह बइपरा
अउ मनई बिस्सास करइँ, कि यहोवा ओकर पुरखन क
परमेस्सर, इब्राहीम क परमेस्सर, इसहाक क परमेस्सर अउ
याकूब क परमेस्सर तोहार समन्वा परगट भवा रहा।"

6तब यहोवा मूसा स कहेस, "मइँ तोहका दूसर परमान
देब। आपन हाथ क लबादा क नीचे धरा।"

तउ मूसा आपन हाथ क आपन लबादा क भीतर किहेस।
तब मूसा आपन हाथ क लबादा स बाहेर निकारेस अउ उ
बदरि गवा। ओकर हाथ बर्फ क नाईं उज्जर दागे स भरि
गवा रहा।

7तब यहोवा कहेस, "अब तू आपन हाथ लबादा क भीतर
धरा।" एँह बरे आपन हाथ फुन आपन लबादा क भितरे धइ
द्या। तब मूसा आपन हाथ बाहेर निकारेस अउ टेँम भी
ओकर हाथ बदरि गएन। अब ओकर हाथ पहिले क नाईं
होइ गवा रहा।

जहाँ दूध अउर सहद क नदी बहत रहत ह इ का अरथ इ भुँइया अच्छी चिजियन स भरा पड़ा अहइ।

मइँ हउँ जउन मइँ हउँ हिब्रू सब्द याह्वे या "परमेस्सर"।

8तब यहोवा कहेस, “जदि मनई तोहार बिस्सास छड़ी
बइपरे प न करइँ तउ उ पचे तोह प बिस्सास तबहिं करिहिं
जबहिं तू इ दूसर चीन्हा क देखउब्या। 9जदि तोहरे दुइनउँ
चीन्हा देखाएँ क पाछे तोहार बिस्सास न करिहिँ तउ तू नील
नदी स कछू पानी लइ लिहा। पानी क जमीन प गिराउब
सुरू कइ दिहा अउ जइसे ही इ जमीन क छुई, रकत बनि
जाई।”

10मुला मूसा यहोवा स कहेस, “हे यहोवा, मइँ फुरे कहत
हउँ, मइँ कुसल बोलवइया नाहीं हउँ। मइँ कबहूँ मनइयन स
नीक तौर स बतियाइ काबिल नाहीं भएउँ। अउ आपसे
बतियाए क पाछे भी नीक बोलवइया नाहीं हउँ। आप जानत
हीं कि मइँ धीमे धीमे बोलत हउँ अउ उत्तिम सब्दन क
बइपरत नाहीं हउँ।”

11तब यहोवा ओसे कहेस, “कउन मनई क मुँहना क
बनाएस? अउर कउन मनई क गूँगा या न बोलइ क लाइक
बनइ सकत ह? कउन मनई क आँधर बनइ सकत ह? कउन
मनई क लखइ क लाइक बनइ सकत ह? मइँ ही हउँ
जउन इ सब कइ सकत हउँ, मइँ अहउँ यहोवा। 12एँह बरे
अब जा। जबहिं तू बोलब्या, मइँ तोहरे साथे रहब। मइँ
बोलइ बरे तोहका सब्दन देब।”

13मुला मूसा कहेस, “मोर यहोवा। मइँ तोहसे बिनती करत
हउँ कि दुसरे मनई क पठवा, मोका नाहीं।”

14तब्बइ यहोवा मूसा प कोहान। यहोवा कहेस, “नीक
अहइ। मइँ तोहका अउर कउनो क मदद बरे देब। मइँ तोहरे
भइया हारून जउन लेवी परिवार स अहइ, क बइपरब। उ
एक कुसल बोलवइया अहइ। हारून तोह स मिलइ बरे तोहरे
लगे आवत आहइ। उ तोहका निहारिके खुस होइ। 15उ
तोहरे संग फिरौन क लगे जाइ। तोहका का कहइ का बा,
मइँ बताउब। तब तू हारून क बतउब्या। जउन हारून फिरौन
स बात करइ बरे नीक सब्दन बइपरी। 16हारून तोहरे बरे
मनइयन स बात करी। तू ओकरे बरे एक बड़का राजा क
रूप मँ रहब्या अउर उ तोहरे कइँती स बोलवइया होइ।
17अब जा। आपन छड़ी साथे लइ जा। आपन छड़ी क
चमत्कार अउ दूसर चमत्कार मनइयन क समन्वा प्रदर्सित
कर्‍या।”

मूसा मिस्र लउटत ह

18तब मूसा आपन ससुर यित्रो क लगे लौटि आवा। मूसा
यित्रो स कहेस, “मेहरबानी कइ क मोका मिस्र जाइ द्‍या।
मइँ मिस्र मँ आपन लोगन क लखइ चाहत हउँ कि मोर
लोगन अबहुँ जिअत अहइँ।”

यित्रो मूसा स कहेस, “तू सान्ति स जा। इ ठीक अहइ।”

19उ समइया जब मूसा मिदियन मँ ही रहा, यहोवा ओसे
कहेस, “अब मिस्र वापिस जाइ क तोहारे बरे सुरच्छित टेम
अहइ। जउन मनइयन तोहका मारइ चाहत रहेन, उ पचे मरि
गएन।”

20एँह बरे मूसा आपन मेहरारू अउ आपन बेटवन क
लइके गदहा प बइठाएस। अउ मिस्र क वापसी प लौटि
गवा। मूसा उ टहरइवाली छड़ी क संग लिहेस जेहमाँ यहोवा
क सक्ती रही।

21जउन टेमँ मूसा मिस्र क लउटत रहा, परमेस्सर ओसे
कहेस। “जबहिं तू फिरौन स बतियाबा तउ उ सबहिं चमत्कारे
क देखावा जेका देखावइ क सक्ती मइँ तोहका दिहेउँ ह।
मुला मइँ फिरौन क बहोत जिद्दी बनाउब। उ लोगन क
जाइ न देइ। 22तब तू फिरौन स कह्या: 23यहोवा कहत ह,
‘इस्राएल मोर पहिलौटी क बेटवा अहइ। मोरे बेटवा क जाइ
द्‍या अउर मोर आराधना करइ द्‍या। जदि तू इस्राएल क जाइ
स मना करत बाट्या तउ मइँ तोहार पहिलौटी क पूत मारि
डाउब।’”

मूसा क पूत क खतना

24जउन टेँम मूसा मिस्र क जात्रा प जात भवा रहा रात
काटइ बरे सराय मँ रूका। यहोवा इ जगह प मूसा स भेंटा
अउ ओका मारि डावइ क जतन किहेस। 25मुला जिप्पोरा
चकमक पाथर क तेज छूरी लिहेस अउ आपन बेटवा क
खतना किहेस। उ आपन बेटवा क बाहरी चाम लिहेस अउ
ओकर गोड़वा छुएस। तब उ मूसा स कहेस, “तू मोरे लहू
क भतार अहा। 26जिप्पोरा इ किहेस काहेकि ओका आपन
बेटवा क खतना करइ पड़ा रहा। एँह बरे यहोवा मूसा क
माफ़ कइ दिहेस अउ ओका नाहीं मारेस।*

यहोवा क समन्वा मूसा अउ हारून

27यहोवा हारून स कहेस। यहोवा ओनका बताएस,
“रेगिस्तान मँ जा अउ मूसा स मिला।” तउ हारून गवा अउ
यहोवा क पहाड़े प मूसा स मिला। जब हारून मूसा क
लखेस, उ ओका चूमेस। 28मूसा हारून क सब कछू बताएस
जउन यहोवा कहे रहा। मूसा हारून क यहोवा क जरिए
पठवइ क कारण बताएस। मूसा हारून क उ चमत्कारन अउ
उ चीन्हा क समझाएस बुझाएस जेका परमान क वास्ते
देखँवइ क रहा।

29इ तरह मूसा अउ हारून गएन अउ उ पचे इस्राएल क
मनइयन मँ स सबहिं बुजुर्गन क बटोरेन। 30तबहिं हारून
मनइयन स कहेस। उ मनइयन क सारी बातन क बताएस
जउन यहोवा मूसा स कहेस। तबहिं मूसा सब मनइयन क
देखइ बरे सब परमानन क सामने कइके देखाँएस। 31एँह बरे
लोग मूसा पइ बिस्सासेन कि परमेस्सर ओका पठएस ह।
इस्राएलियन समझेन कि यहोवा लोगन का मुसिबतन क
लखइ क पाछे ओनके मदद बरे आवा रहेन अहइ। तउ उ
पचे निहुरि गएन अउ आराधना किहेस।

मूसा अउ हारून अहइँ फिरौन क समन्वा

5 लोगन स बात किहे क पाछे मूसा अउ हारून फिरौन
क लगे गएन। उ पचे कहेन, “यहोवा इस्राएल क
परमेस्सर कहत हीं, “मोरे लोगन क रेगिस्तान मँ जाइ द्‍या,
जेसे उ पचे मोरे सम्मान बरे जलसा करइँ।’”

2मुला फिरौन कहेस, “यहोवा कउन अहइ? मइँ ओकर
हुकुम काहे मानी? मइँ यहोवा क नाहीं जानित। एँह बरे मइँ
इस्राएल क लोगन क जाइ देइ स मना करत हउँ।”

पद 26 या “उ चिकित्सा किहेस। उ कहेस, ‘इ खतना क
वजह से तू पचे रकत क भतार अहा।’”

3तब हारून अउ मूसा कहेन, “हिब्रू मनइयन क परमेस्सर हम पचन क दरसन दिहेस ह। एँह बरे हम आपसे पराथना करत अही कि आप हम पचन्क रेगिस्तान मँ तीन दिना तलक जात्रा करइ देईं। हुवाँ हम पचे आपन परमेस्सर यहोवा क बलि चढ़ाउब। जदि हम अइसा नाहीं करित, उ हमसे कोहाइ जाइ अउ हमका बरबाद कइ देइ। उ हम पचन्क बेमारी स या तरवारि स मारि डाइ।”

4मुला मिस्र क राजा ओनसे कहेस, “मूसा अउ हारून, तू पचे लोगन क काम करइ स बगदावद अहा। ओन मजदूरन क आपन काम करइ द्या। जहाँ तलक तू दुइनउँ क बात ब जा अउर आपन काम करा। 5हिआँ बहोत स मजदूर अहइँ, तू पचे ओनका काम स रोकत बाट्या।”

फिरौन मनइयन क सजा दिहेस

6ठीक उहइ दिना फिरौन इस्राएलियन क काम करइ क अउर जिआदा कर्रा हुकुम पालन करइ बरे कहेस। फिरौन गुलामन क मालिक अउ हिब्रू सरदारन स कहेस, 7“तू मनइयन क हमेसा पुआल दिहा ह जेका उ ईटां बनवइ मँ बइपरत हीं। मुला अब ओनसे कहा कि उ पचे ईंटा बनवइ खातिर पुआल खुद बटोरइँ। 8मुला अब उ पचे ओतनी तदाद मँ ओतनी ईंट बनइहीं जेतना उ पचे पहिले बनवत रहेन। उ पचे अहदी होइ ग अहइँ। इहइ कारण अहइ कि उ पचे मोसे बाहेर जाइ बरे कहत बाटेन। ओनके लगे करइ खातिर काम नाहीं बा। एँह बरे उ पचे मोसे माँगत बाटेन ताकि उ पचे आपन परमेस्सर क बलि अउ चढ़ावा देइ। 9एँह बरे इ दास स जिआदा कर्रा काम करावा। एँनका कामे मँ लगाइ राखा। तबहिं ओनके लगे एँतना टेम नाहीं रही कि उ पचे मूसा क झूठी बातन क सुनइँ।”

10एँह बरे मिस्री गुलामन क मालिक अउ हिब्रू काम क इस्राएलियन क लगे गएन अउ उ पचे कहेन, “फिरौन फइसला किहे अहइ कि उ तू पचन्क तोहरे ईंटा बरे तोहका पुआल न देइ। 11तू पचन्क खुद जाइ क होइ अउ आपन बरे पुआल खुद बटोरइ क होइ। एँह बरे जा अउ पुआल बटोरा। मुला तू ओतना ईंटा बनवा जेतँना तू पचे पहिले बनवत रह्या।”

12तउ इ तरह हर मनई मिस्र मँ पुआल हेरइ बरे चारिहुं कइँती गवा। 13गुलामन क मालिक जिआदा कर्रा काम करइ बरे मजबूर करत रहेन। उ पचे मनइयन क ओतँना ही ईंटा गढ़इ बरे मजबूर करत रहेन जेतना उ पचे पहिले बनावत रहेन। 14मिस्र क गुलामन क मालिक हिब्रू काम क मेठ चुनि लिहे रहेन। उ पचे लोगन क कामे क जिम्मेदार रहेन। मिस्री गुलाम क मालिक उन हिब्रू काम क मेठन क पीटत रहेन अउ ओनसे कहत रहेन, “तू पचे ओतँनी ईंटन क काहे नाहीं बनउत्या जउन पहिले बनावत रह्या।”

15तब हिब्रू काम क मेठ फिरौन क लगे गवा। उ पचे सिकाइत किहेन अउ कहेन, “हम पचे आप क सेवक अही आप हम पचन्क संग अइसा बर्ताव काहे करत अहइँ? 16आप हम पचन्क पुआल नाहीं दिहेन। मुला हम पचन्क हुकुम दिहेन कि ओतँना ही ईंटा बनावइँ जेतँना पहिले बनत रहिन। अउर अब हम पचन्क मालिक हमका पीटत हीं। अइसा करइ स आप लोगन क गलती अहइ।”

17फिरौन उत्तर दिहेस, “तू पचे अहदी अहा। तू पचे काम नाहीं करइ चहत्या। इहइ कारण अहइ कि तू पचे माँगत बाट्या कि मइँ तू सबन क निकरइ देउँ। अउर इहइ कारण अहइ कि तू पचे इ ठउर क तजि देइ चाहत बाट्या अउर यहोवा क बलि चढ़ावा चाहत अहा। 18अब कामे प लउट जा, हम तू पचन क कछू पुआल न देब। मुला तू पचे ओतना ही ईंटा बनवा जेतना पहिले बनवत रह्या ह।

19हिब्रू काम क मेठ बूझ गएन कि उ पचे मुस्किल मँ पड़ि गएन। तब उ पचे कहेन, “तू पचन्क हर दिना क तय किया भवा ईट स कम ईट नाहीं बनाइ चाही।”

20जब उ पचे फिरौन क संग बइठे क पाछे जात रहेन, उ पचे मूसा अउ हारून क लगे स निकरेन। मूसा अउ हारून ओनकइ इंतजार करत रहेन। 21एँह बरे उ सबइ मूसा अउ हारून स कहेन, “तू पचे सचमुच फिरौन स इ आग्रह करइ क कि हम पचन्क जाइ देइ क गलती किहा। यहोवा तोहँका सजा देइ काहेकि तू पचे फिरौन अउ ओकरे अफसरन मँ हमरे बरे घिन पइदा कर्या ह। तू पचे ओनका एक बहाना हमका मारि डावइ क-दिहा ह।”

मूसा क परमेस्सर स सिकाइत

22तबहिं मूसा यहोवा स पराथना किहेस अउ कहेस, “हे यहोवा! आप आपन लोगन बरे इ भयानक काम काहे किहा ह? आप हमका हिआँ काहे पठया ह? 23मइँ फिरौन क लगे गएउँ अउ जउन आप कहइ क बोल्या ह ओका मइँ ओसे कहेउँ ह। मुला उ समइया स उ मनइयन बरे जिआदा अत्याचार होइ गवा अहइ। मुला आप ओनके बचावइ बरे काहे कछू नाहीं किहा ह।”

6 तबहिं यहोवा मूसा स कहेस, “अब तू लखब्या कि मइँ फिरौन बरे का करत हउँ। उ ओनका छोड़इ बरे एँतना हलबुली करी कि उ खुद ओनका जाइ बरे मजबूर करी।”

2तब परमेस्सर मूसा स कहेस, 3“मइँ यहोवा हउँ। मइँ इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क समन्वा परगट भएउँ ह। उ पचे मोका “एल सद्दइ”(सर्व-सक्तीमान परमेस्सर) कहेन। मइँ ओनका इ नाहीं जाहिर करिउँ कि मोर नाउँ यहोवा अहइ। 4मइँ ओनके संग एक करार बनयो हउँ। मइँ उ पचन्क कनान क भुइँया देइ क बचन दिहउँ ह। उ सबइ उ देस मँ रहत रहेन, मुला उ सबइ हुवाँ अजनबी क जेसे रहत रहेन। 5अब मइँ इस्राएलियन क चीख-पुकार जउन मिस्री लोगन क अत्याचार अउर कठिन काम करइ बरे मजबूर कीन्ह जाइ क कारण रहेन क सुना। अउर मइँ आपन करार क याद किया। 6एँह बरे इस्राएलियन स कहा कि मइँ ओन लोगन स कहत हउँ, ‘मइँ यहोवा हउँ। मइँ तू पचन्क मिस्र क बधवा मजदूरी स दूर लइ जाउब अउर मइँ तू पचन्क का ओन लोगन क गुलामी से बचाउब। अउर मइँ आपन महान सक्ती क प्रयोग कइ क अउर निअउ क महान काम अंजाम दइ क तू पचन्क अजाद करब। 7तू पचे हमार मनई होब्या अउ मइँ तू पचन्क परमेस्सर। तू पचे जान जइब्या कि मइँ परमेस्सर, यहोवा हउँ अउर कि मइँ तू सबन्क मिस्र क

गुलामी स अजाद किहउँ ह। 8मइँ इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब स बड़ा वाचा किहेउँ रहा। मइँ ओनका एक खास पहँटा देइ क वाचा किहेउँ रहा। एँह बरे मइँ तू सबन क उ पहँटा ताईं लइ जाब। मइँ उ पहँटा तू पचन्क देब। इ तू पचन्क होइ। मइँ यहोवा हउँ।'"

9एँह बरे मूसा इ बात इस्राएलियन क बताएस। मुला मनइयन आपन कर्रा मेहनत अउर निरासा क कारण मूसा क बात नाहीं सुनेन।

10तब यहोवा मूसा स कहेस, 11"जा अउ मिस्र क राजा फिरौन स कहा कि उ इस्राएल क लोगन क इ देसे स जाइ देइ।" 12मुला मूसा जवाब दिहेस, "इस्राएल क मनइयन मोर बात सुनइ नाहीं चाहतेन। एँह बरे सचमुच फिरौन भी सुनइ न चाही। अउर मइँ माहिर बोलिवइया नहीं हउँ।"*

13मुला यहोवा मूसा अउ हारून स बतियान। यहोवा ओनका जाइ अउ इस्राएलियन स बतियाइके हुकुम दिहेस अउ इ भी हुकुम दिहेस कि उ पचे जाइँ अउर फिरौन स बतियाइँ। यहोवा हुकुम दिहेस कि उ पचे इस्राएलियन क मिस्र क बाहेर लइ जाइँ।

इस्राएल क कछू परिवार

14इस्राएल क घराने क नेता क नाउँ अहइँ: इस्राएल क पहिलौटी क बेटवा रूबेन क चार बेटवन रहेन। उ पचे रहेन: हनोक, पल्लू हेस्रोन अउ कर्म्मी। 15सिमोन क बेटहनन रहेन: यमूएल, यामीन, ओहद, याकीन, सोहर, अउर साउल। (साउल एक कनानी अउरत क पूत रहा।) 16लेवी एक सौ सैतीस बरिस जिन्दा रहा। लेवी क बेटहनन रहेन: गेर्सोन, कहात अउ मरारी। 17गेर्सोन क दुइ पूत रहेन-लिबनी अउ सिमी। 18कहात एक सौ तैंतीस बरिस जिआ। कहात क बेटहनन रहेन: अम्राम, यिसहार, हेब्रोन अउ उज्जीएल। 19मरारी क पूत रहेन: महली अउ मूसी। इ सबहिं परिवार इस्राएल क पूत लेवी क रहेन।

20अम्राम एक सौ सैतीस बरिस जिआ। अम्राम आपन बाप क बहिन योकेबेद स बियाह करेस। अम्राम अउ योकेबेद स हारून अउर मूसा पइदा भएन। 21यिसहार क बेटवन रहेन: कोरह, नेपग, अउ जिक्री। 22उज्जीएल क बेटहनन रहेन: मीसाएल एलसापान, अउ सित्री।

23हारून ऐलीसेबा स बियाह किहेस। (ऐलीसेबा बिटिया रही अम्मीनादाब क, अउ नहसोन क बहिन रही।) हारून अउ ऐलीसेबा स नादाब, अबीहू, ऐलाजार अउ ईतामार क जन्मेन। 24कोरह क पूत, अर्थात कोरही रहेन: अस्सीर, एलकाना अउ अबीआसाप रहेन। 25हारून क बेटवा ऐलाजार पूतीएल क बिटिया स बियाह किहेस। अउ उ पचे पीनहास क जन्मेन। इ सबहिं इस्राएल क बेटवा लेवी स रहेन।

26इ तरह हारून अउ मूसा उहइ परिवार समूह स रहेन। अउर उ पचे उहइँ मनइयन रहेन जउन स यहोवा बतियान अउ कहेस, "मोर लोग इस्राएलिन क दल* मँ मिस्र स निकारा। 27हारून अउ मूसा-मनईं अहइँ जउन मिस्र क राजा फिरौन स बतियानेन। उ पचे फिरौन स कहेन कि उ इस्राएल क मनइयन क मिस्र स निकरइ देइ।

यहोवा मूसा क फुन बोलावत ह

28यहोवा मिस्र देस मँ मूसा स कहेस। 29उ कहेस, "मइँ यहोवा हउँ। मिस्र क राजा स उ सारी बातन्क कहि द्या जउन मइँ तोहसे कहत अही।"

30मुला मूसा जवाब दिहेस, "मइँ नीक बोलवइया नाहीं अहउँ। राजा मोर बतिया सुनी नाहीं।"

7 यहोवा मूसा स कहेस, "मइँ तोहरे संग रहब। फिरौन बरे तू एक बड़वार राजा* क तरह रहब्या। अउर हारून तोहार हकदार बोलवइया* होइ। 2जउन हुकुम मइँ देत हउँ उ सब हारून स कहा। तबहिं उ उ बतियन क जउन मइँ कहत हउँ, फिरौन स कही। अउर फिरौन इस्राएल क मनइयन इ देसे स जाइ देइ। 3मुला मइँ फिरौन क जिद्दी बनउब। उ तोहार मांग क न मानी। तबहिं मइँ मिस्र मँ बहोत स चमत्कारन, चिन्ह अउर आस्चर्य जनक काम करिबेउँ। 4मुला उ तउ भी तोहार नाहीं सुनी। एँह बरे मइँ मिस्र क बुरी तरह स सजा देब। अउ मइँ आपन लोगन, इस्राएलियन क मिस्र देस स बाहेर लइ जाब। 5तब मिस्र क मनइयन जनिहीं कि मइँ यहोवा अहउँ। जब मइँ ओन पचन्क खिलाफ होब अउर आपन लोग एस्राएलियन क ओनके देस स बाहेर लइ जाब।"

6मूसा अउ हारून उन बातन क मान लिहेन जेका यहोवा कहे रहा। 7तउ मूसा अस्सी बरिस क रहा अउ हारून तिरासी बरिस क।

मूसा क टहरइ क छड़ी साँप होइ जात ह

8यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 9"फिरौन तोहसे तोहार सक्ती क सिद्ध करइ बरे कही। उ तोहसे चमत्कार करइ बरे कही। उ समइया तू हारून स कह्या कि भुइँया प टहरइ क छड़ी बहाइ द्या। जउन समइया फिरौन देखत रहत होइ, छड़ी साँप बन जाई।"

10तउ मूसा अउ हारून फिरौन क लगे गएन अउ यहोवा क हुकुम क मानेन। हारून आपन छड़ी खाले बहाइ दिहस। फिरौन अउ ओनके अफसरन क लखत लखत तबहीं छड़ी साँप बनि गइ।

11एँह बरे फिरौन आपन बुद्धिमान अउ जादूगरन क बोलाएस। इ पचे जन्तर मन्तर किहेन अउ हारून की नाईं चमत्कार किहेन। 12उ पचे आपन टहरइवाली छड़ी क भुइँया प बहाएन अउ उ सबन साँप बनि गइन। मुला तबहिं हारून क छड़ी उ छड़िन क खाइ लिहस। 13फिरौन तउ भी इस्राएली दास क जाइ स मना किहस। इ वइसा ही भवा जइसा यहोवा कहेस। फिरौन मूसा अउ हारून क बात सुनइ स मना कइ दिहस।

अउर … हउँ "मोर ओठन क खतना नाहीं भवा ह।"

दल फौज क टुकड़ी इ सब्द फौज क अहइ अउ एहसे पता लागत ह कि मनइयन "यहोवा क सेना" की तरह एकउटा रहेन।

बड़वार राजा अरथात "परमेस्सर।"

हकदार बोलवइया अरथात "नबी।"

पानी क रकत बन जाब

14तब यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, "फिरौन हठ धरे
बा। फिरौन मनइयन क जाइ स मना करत ह। 15भिन्सारे
फिरौन नदी क किनारे जाइ। ओकरे संग भेंट करइ बरे नील
नदी क किनारे जा। तू अपने साथे उ छड़ी क लइ जाया
जउन साँप होइ ग रही। 16ओका इ कह्या: 'परमेस्सर, हिब्रू
लोगन क यहोवा, मोका तोहरे लगे पठएस ह। यहोवा मोसे
इस कहइ क बोलेस ह, "मोरे लोगन क मोर आराधना
करइ बरे रेगिस्तान मँ जाइ द्या। अबहुँ तलक तू यहोवा क
कहब नाहीं मान्या। 17एँह बरे यहोवा कहत ह कि उ तोहका
लखावइ बरे कछू करी कि उ यहोवा अहइ। मइँ आपन हाथे
मँ छड़ी लइके पानी प मारब अउ नील नदी रकत मँ बदल
जाइ। 18तब नील नदी क मछरियन मरि जइहीं अउ नदी
बसाइ लागी। तब मिस्त्री मनइयन नदी क पानी न पी
पइहीं।"'

19यहोवा मूसा क इ हुकुम दिहेस, "हारून स कहा कि उ
नदियन, नहरन, झीलियन अउ उ सबहिं ठउरन प जहाँ मिस्र
क मनइयन पानी भरत हीं-हुवाँ आपन छड़ी क पसारइ।
जबहिं उ अइसा करी तउ सारा पानी रकत मँ बदलि जाइ।
सारा क सारा पानी हिआँ तलक कि काठे अउ पाथर क
बासन मँ धरा पानी रकत मँ बदलि जाई।"

20एँह बरे मूसा अउ हारून वइसा किहेन जइसा यहोवा
कहेस। हारून छड़ी क उठाएस अउ नील नदी क पनिया प
पटकेस। उ इ फिरौन अउ ओकरे अफसरन क समन्वा
किहेस। फिन नदी क सारा पानी रकत मँ बदलि गवा।
21मछरियन नील नदी मँ मरि गइन अउ नदी बसाइ लागी।
एँह बरे मिस्त्री मनइयन नदी क पानी नाहीं पिउ सकत रहेन।
मिस्र मँ सब कइँती रकत रहा।

22फिरौन क जादूगरन आपन जन्तर मन्तर देखाएन अउ उ
पचे वइसा ही किहेन। एँह बरे फिरौन मूसा अउ हारून क
सुनइ स इन्कार कइ दिहेस। इ ठीक वइसे भवा जइसे यहोवा
कहे रहा। 23जउन मूसा अउ हारून किहे रहेन ओका फिरौन
नाहीं मानेस। उ घूमा अउ घरे चला गवा।

24मिस्त्री मनइयन नदी स पानी नाहीं पिउ सकत रहेन। एँह
बरे पानी पिअइ बरे नदी क चारिहुँ कइँती कुअँन क खोदेन।

मेघा

25यहोवा क जरिए नील नदी क पानी क रकत मँ बदलइ
क पाछे सात दिन बीति गएन।

8 तब यहोवा मूसा स कहेस, "फिरौन क लगे जा अउ
ओसे कहा कि यहोवा इ कहत ह, 'मोरे मनइयन क
मोरी आराधना करइ बरे जाइ द्या। 2मुला जदि फिरौन
ओनका जाइ स रोकत ह तउ मइँ, यहोवा सारे मिस्र क
मेघन स भरि देब। 3नील नदी मेघन स भरि जाइ। उ पचे
नदी स निकरिहीं अउ तोहरे घरे मँ घुसिहीं। उ सबइ तोहरे
सोवइ क खोलि मँ अउ तोहरे बिछउना मँ होइहीं। मेघन
तोहरे अफसरन क घरे मँ होइहीं अउ तोहरे तन्दूरे मँ अउ
पानी क घइली मँ होइहीं। 4मेघन पूरि तरह तोहरे ऊपर,
तोहरे मनइयन क ऊपर अउ तोहरे अफसरन क ऊपर
होइहीं।"'

5तबहिं यहोवा मूसा स कहेस, "हारून स कहा कि उ
आपन छड़ी क नहरन, नदियन अउ झीलियन क ऊपर
पसारइ। अउर मेघन बाहेर निकरिके सारे मिस्र देस मँ भरि
जइहीं।"

6तब हारून परमेस्सर क हुकम स मिस्र देस मँ जहाँ कहूँ
पानी रहा ओकर ऊपर हथवा उठाएस अउ मेघा पानी स
बाहेर आउब सुरू कइ दिहन अउ पूरे मिस्र प छाइ गएन।
7जादूगर भी वइसा किहेन। उ पचे भी मिस्र देस मँ मेघा
लइ आएन।

8फिरौन मूसा अउ हारून क बोलाएस। फिरौन कहेस,
"यहोवा स आराधना करइ कि उ हम लोगन क मेघन स
आजाद करइ देइ। तबहिं मइँ मनइयन क यहोवा बरे बलि
भेंट चढ़ावइ बरे जाइ देइहउँ।"

9मूसा फिरौन स कहेस, "मोका इ बतावा कि आप कब
चाहत हीं कि मेघन निकरि जाइँ। मइँ आप बरे, आप क
मनइयन बरे अउ आप क अफसर बरे पराथना करिहउँ।
तबहिं मेघन आप क अउ आप क घरन्क, अउ आप क
अफसन्क अउ आप क मनइयन क तजि देइहीं। मेघन
सिरिफ नदिया मँ रहि जइहीं। तू कब चाहत बाट्या कि मेघन
तोहका तजि देइँ?"

10फिरौन कहेस, "भियान।"

मूसा कहेस, "जइसा आप कहत हीं वइसा ही होइ। इ
तरह आप जानि जइहीं कि यहोवा हमार परमेस्सर क नाईं
अउर कउनो देवता नाहीं बा। 11मेघन आप क, आप क घरे
क, आप क अफसरन्क अउ आप क लोगन क तजि
देइहीं। मेघन सिरिफ नदी मँ रहि जइहीं।"

12मूसा अउ हारून फिरौन स बिदा भएन। मूसा ओन मेघन
खातिर यहोवा क पराथना किहेस, जउने मेघन क यहोवा
फिरौन क खिलाफ पठए रहा। 13अउ यहोवा उहइ किहेस
जउन मूसा कहेस। सब मेघा घरन मँ, घरन क अंगने मँ
अउ खेतन मँ मरि गएन। 14मिस्री मुरदा मेघन क ढेर मँ
जमा कहेस तउ समूचा देस मँ भयंकर बदबू होइ लाग।
15जब फिरौन निहारेस कि उ पचे मेघन स बरी होइ गएन उ
फुन जिद्दियाइ गवा। फिरौन वइसा नाहीं किहेस जइसा मूसा
अउ हारून ओसे करइ बरे कहे रहेन। इ ठीक वइसा ही
भवा जइसा यहोवा कहेस।

जुआँ

16तब यहोवा मूसा स कहेस, "हारून स कहा कि उ
आपन छड़ी उठावइ अउ भुइयाँ क धूरि प पटकइ। मिस्र मँ
सब कइँती धूरि जुअँन होइ जाइ।"

17उ पचे इ किहेन। हारून छड़ी क उठाएस अउ भुइयाँ
क धूरि प दइ मारेस। मिस्र मँ सब कइँती धूरि जुअँन मँ
बदल गइ। जुअँन जानवरन अउ लोगन प छाइ गइन।

18जादूगरन आपन जादू मारेन अउ वइसे करइ चाहेन।
मुला जादूगरन धूरि स जुअँन नाहीं बनाइ सकेन। जुअँन
जानवरन अउ मनइयन प छाइ गएन। 19तउ जादूगरन फिरौन
स कहेन, 'इ परमेस्सर क सक्ती अहइ?' मुला फिरौन
ओनपइ बिसवास करइ स इन्कार कइ दिहेस। उ जिद्दी होइ
गवा। इ ठीक अइसा ही भवा जइसा यहोवा कहे रहा।

माखिन

20यहोवा मूसा स कहेस, "भिन्सारे उठा अउ फिरौन क लगे जा। फिरौन नदी क लगे जाइ। ओन से कहा, 'मोरे लोगन क मोर आराधना बरे जाइ द्या। 21जदि तू मोर लोगन क नाहीं जाइ देब्या तउ तोहरे घरन मँ माखी अइहीं। माखी तोहरे अउ तोहरे अफसरन प छाइ जइहीं। मिस्र क घरन माखिन स भरि जइहीं। माखिन पूरी भुइयाँ प छाइ जइहीं। 22मुला मइँ इस्राएल क लोगन क संग वइसा बर्ताव न करब जइसा मिस्री लोगन क संग करिब। जहाँ गोसेन मँ मोर लोगन रहत हीं हुवाँ कउनो माखी नाहीं होइ। इ तरह तू जनब्या कि मइँ यहोवा, इ देसे मँ हउँ। 23एँह बरे मइँ काल्ह भियान स तोहरे लोगन क संग आपन लोगन स अलग बर्ताव करिहउँ।'"

24एँह बरे यहोवा उहइ किहेस, "जउन उ कहेस। माखिन झुण्ड क झुण्ड मँ आइ गइन। माखिन फिरौन क घर अउ ओकर सबहिं अफसरन क घरे मँ भरी रहिन। माखिन पूरे मिस्र देस मँ भरि गइन। माखी देस क नासत रहिन। 25एँह बरे फिरौन मूसा अउ हारून क बोलाएस। फिरौन कहेस, "तू पचे यहोवा तोहार परमेस्सर क इहइ देस मँ बलि भेंट कइ द्या।"

26मुला मूसा कहेस, "वइसा करब नीक नाहीं होइ। मिस्री मनइयन सोचत हीं कि परमेस्सर बरे हम लोगन क बलि देब एक खउफनाक बात अहइ। एँह बरे जदि हम पचे अइसा करित तउ उ पचे हमका देखिहीं अउ हम पइ पाथर बहइहीं अउर हमका मारि डइहीं। 27हम पचन्क तीन दिना तलक रेगिस्तान मँ जाइ द्या अउर हमका आपन यहोवा परमेस्सर क ओकर हुकम क अनुसार बलि चढ़ावइ द्या।"

28एँह बरे फिरौन कहेस, "मइँ तोह सबन क मरूभूमि मँ जाइ क देब अउ तोह सबन क यहोवा तोहार परमेस्सर क भेंट चढ़ाई क देब। मुला तोहका बहोत दूर नाहीं जाई क चाही। अब जा अउर मोरे बरे पराथना कर।"

29मूसा कहेस, "लखा, मइँ जाब अउ यहोवा स पराथना करब कि काल्ह भियान आप स, आपक लोगन स अउ आपक अफसरन्स माखिन क हड़ाइ देइँ। मुला आप लोगन क यहोवा क बलि चढ़ावइ स जिन रोका।"

30एँह बरे मूसा फिरौन क लगे स गवा अउ यहोवा स पराथना किहेस। 31अउर यहोवा इ किहेस जउन बरे मूसा पराथना किहेस। यहोवा माखिन क फिरौन स, ओकरे अफसरन्स ओकरे लोगन स हड़ाइ लिहेस। कउनो माखी नाहीं टिक पाइ। 32मुला फिरौन फुन जिद्दी होइ गवा अउर उ लोगन क जाइ नाही दिहेस।

खेते क गोरूअन क बेरामी

9 तब परमेस्सर मूसा स कहेस, फिरौन क लगे जा अउर ओका कहा, "हिब्रू मनइयन क यहोवा परमेस्सर कहत बा, 'मोरे लोगन क मोरे आराधना बरे जाइ द्या। 2जदि आप ओनकइ लगातार रोकत रहब्या अउ ओनकइ जाइ स लगातार मना करत रहब्या, 3तउ यहोवा आपन सक्ती क प्रयोग तोहरे खेतन क गोरूअन क खिलाफ करी। परमेस्सर तोहरे सबहिं घोड़न, गदहन, ऊँट, गइया बोकरी अउ भेड़िन क भयानक बेरामी दइ देइ। 4यहोवा इस्राएल क गोरूअन क संग मिस्र क गोरूअन स अलग बर्ताव करी। इस्राएलियन क मनइयन क कउनो गोरू न मरी। 5यहोवा एका घटित होइ जाइ क टेम तइ कइ दिहे अहइ। भियान यहोवा इहइ देस मँ घटइ देइ।'"

6अगली भियान मिस्र क खेत क सबहीं जनावर मर गएन। मुला इस्राएल क कउनो भी जनावर नाहीं मरा। 7फिरौन मनयइन क यह देखे इस्राएल भेजा कि का इस्राएल क कउनो जनावर मरा। अउ इस्राएल क कउनो जनावर नाहीं मरा। फिरौन हठी रहा उ कउनो मनयइन क नाहीं जाई दया।

फोड़ा फुंसी

8यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, "मुट्ठी भर भट्ठी क राखी ल्या। मूसा तू फिरौन क समन्वा राखी क हवा मँ उछारा। 9इ धूरि होइ जाइ अउ समूचइ मिस्र देस मँ संचरि जाइ। जबहुँ इ धूरि मनई क छुइ या गोरू प गिरी, खाली प फोड़ा (गलका) फुंसी फुटिहीं।"

10एँह बरे मूसा अउ हारून भट्ठी स राखी लिहेस। तबहिं उ पचे गएन अउ फिरौन क समन्वा ठाड़ भएन। मूसा राखी क हवा मँ उछारेन अउर मनइयन अउ गोरूअन क बदन मँ फोड़ा फुंसी होइ लागेन। 11जादूगार मूसा क अइसा करइ स थाम नाहीं पाएन, काहे कि जादूगरन क फोड़ा होइ गएन। इ समूचइ मिस्र मँ अइसा ही भवा। 12मुला यहोवा फिरौन क जिद्दी बनइ दिहे रहा। एँह बरे फिरौन मूसा अउ हारून क सुनइ स मना कइ दिहेस। इ वइसा ही भवा जइसा यहोवा कहे रहा।

ओला

13तब यहोवा मूसा स कहेस, "भिन्सारे उठा अउ फिरौन क समन्वा आपन आप क पेस करा। अउर ओसे कहा कि परमेस्सर, हिब्रू मनइयन क यहोवा तोहसे कहत ह, 'मोर लोगन क मोर आराधना बरे जाइ द्या। 14जदि तू इ नाहीं करब्या तउ मइँ तोहारे अफसरन अउ तोहरे मनइयन क खिलाफ आपन पूरी ताकत क प्रयोग करब। तब तू जनब्या कि मोरे तरह दुनिया मँ दूसर कउनो देवता नाहीं अहइ। 15मइँ आपन सक्ती क प्रयोग कइ सकत हउँ अउ अइसी बीमारी फइलाइ सकत हउँ जउन तोहका अउ तोहरे मनइयन क भुइयाँ प नास कइ डाइ। 16मुला मइँ तू सबन्क कउनो खास कारण स हिआँ धरे अहउँ। मइँ तू पचन्क हियाँ एँह बरे धरे अहउँ कि मइँ तू पचन्क आपन सक्ती देखाउब। तब सारी दुनिया क मनइयन मोरे बारे मँ बात करिहीं। 17तू पचे अबहुँ मोरे लोगन क खिलाफ अहा। तू ओनका जाइ नाहीं देत अहा। 18एँह बरे भियान मइँ इहइ टेम काफी जोरदार ओला बरसाउब। जब ते मिस्र देस बना ह आजु तक कबहुँ अइसे ओला नाहीं बरसा ह। 19तू आपन गोरूअन क सुरच्छित ठउरे मँ राख्या। जउन कछू तोहार खेते मँ होइ ओका ओंटे मँ छिपाइ जरूर लिहा। काहेकी कउनो भी लोग या गोरू जउन खेते मँ होइ उ मरि जाइ। हर एक चीजन अउ हर

एक मनइयन प जउन घरे क बाहेर होइ ओन सब प ओला
बरसिहीं।"'
20फिरौन क कछू अफसरन यहोवा क संदेसे प धियान
दिहेस। उ पचे हाली हाली आपन गोरूअन अउ गुलामन क
घरे मँ हाँक लिहेन। 21मुला दूसर मनइयन यहोवा क सँदेसा
प धियान नाहीं दिहेन। ओ पचन्क गुलाम अउ गोरू जउन
बाहेर खेतन मँ रहेन सब तबाह हो गएन।
22यहोवा मूसा स कहेस, "आपन हाथ हवा मँ उठावा अउ
मिस्र प ओला गिरब सुरू होइ जइहीं। इ ओला मिस्र क
सबहुँ खेतन प, लोगन प, गोरूअन प अउर बृच्छ अउ
पौधा प गिरिहीं।"
23एँह बरे आपन छड़ी क हवा मँ उठाएस अउ यहोवा
बिजुरी अउ ओला क भुइँया प गिराएन। ओला समूचइ मिस्र
प गिरेन। 24ओला पड़त रहेन अउ बिजुरी चमकत रही।
जबहिं ते मिस्र एक ठु रास्ट्र बना तबहिं स अब तलक इ
सबते जिआदा नोसकान करइवाली ओला बरसत रही। 25मिस्र
क खेत मँ जउन कछू रहा आँधी ओका नसाइ दिहेस।
ओला मिस्र मँ मनइयन, गोरूअन अउ बृच्छ पउधन क नास
कइ डाएस। ओला खेतन मँ सबन बृच्छन क ओखाड़ अउ
तोड़ि दिहस। 26गोसेन पहँटा मँ जहाँ इस्राएल क मनइ रहत
रहेन हुवाँ ओला नाहीं गिरेन।
27फिरौन मूसा अउ हारून क बोलाएस। फिरौन ओनसे
कहेस, "इ समइ मँ मइँ पाप किहउँ ह। यहोवा सही अहइ।
अउर मइँ अउ मोर लोग गलत अहइँ। 28परमेस्सर क ओर
स ओला क आवाज अउ गर्जत अवाज बहोत जिआदा बा।
यहोवा स आँधी थामइ क परार्थना करा। मइँ तू सबइ
पचन्क जाइ देब। तू सबइ पचन्क हिआँ नाहीं रहइ क पड़ी।"
29मूसा फिरौन स कहेस, "जब मइँ सहर क तजि देब,
तबहिं मइँ पराथना मँ आपन बाँही क यहोवा क समन्वा
पसराउब। गर्जब अउ ओला क गिरब थमि जाइ। तबहिं
आप सबन जनिहीं कि इ भुँइया यहोवा क अहइ। 30मुला
मइँ जानत हउँ कि आप अउ आपक अफसरन अबहुँ नाहीं
यहोवा स डेरातेन अउर नाही यहोवा क इज्जत देत हीं।"
31सनई मँ दाना पड़ि गवा रहा अउ बारली मँ फूल
निकरि आवा रहा। मुला इ सब पउधन नसाइ गएन। 32गोहूँ
अउ कठियान गोहूँ जउन दूसर अनाजे क पाछे पाकत हीं,
एँह बरे एनकइ फसल नसान नाहीं।
33मूसा फिरौन क तजि दिहेस अउ सहर क बाहेर आवा।
उ यहोवा क समन्वा आपन बाँह पसारेस अउ गर्जब अउ
ओला क गिरब पटान। बर्खउ धरती प गिरब पटाइ गइ।
34जब फिरौन लखेस, कि बर्खा, ओला अउ गर्जब पटाइ
गएन। उ फुन स पाप किहेस। उ अउ ओकर अफसरन फुन
जिद धरे रहेन। 35फिरौन फुन जिद्दी होइ गएन। उ इस्राएल
क मनइयन क अजादी स जाइके मना कइ दिहस। इ ठीक
उहइ तरह भवा जइसे यहोवा मूसा स कहे रहा।

टिड्डियन

10 यहोवा मूसा स कहेस, "फिरौन क हिआँ जा। मइँ
ओका अउ ओकरे अफसरन्क जिद्दी बनइ दिहेउँ
ह। मइँ यह आपन बरियारे क चमत्कार ओनका अउर
ओकर लोगन क समन्वा देखाइ बरे किहेउँ ह। 2मइँ एँका
एँह बरे किहेउँ ह कि तू आपन पूत-बिटिया तथा नाती-नतिनी
क ओन अजूबा काम क अउ दूसर चीन्ह क बताइ सका
जउन मइँ मिस्री लोगन क खिलाफ मँ किहेउँ ह। तबहिं तू
पचे जान लेब्या कि मइँ यहोवा हउँ।"
3एँह बरे मूसा अउ हारून फिरौन क लगे गएन। उ पचे
ओसे कहेन, "हिब्रू लोगन क यहोवा परमेस्सर कहत हीं, 'तू
मोरे हुकुम क मानइ स कब ताईं इन्कार करब्या? मोरे
लोगन क मोर आराधना करइ बरे जाइ द्या। 4जदि तू मोर
लोगन क जाइ स मना करत ह तउ मइँ भियान तोहरे देस मँ
टिड्डियन क लइ आउब। 5टिड्डियन पूरी भुइँया क ढाँपि
लेइहीं। ओ एँतना ढेरि क होइहीं कि तू भुइयाँ नाहीं लखइ
पउब्या। सबहिं पउधन अउ जउन कछू चीज ओला भरी
आँधी स बचि गइ बाटिन ओका टिड्डियन चट कइ जइहीं।
टिड्डियन मइदान क सब पातिन्क चट कइ डइहीं। 6टिड्डियन
सबहिं घरन, तोहरे अफसरन्क सबहुँ घरन अउ मिस्र क
सबहुँ घरन मँ भरि जइहीं। जेतॅना टिड्डियन तोहार बाप दादा
कबहुँ न देखे होइहीं ओसे भी जिआदा टिड्डियन हिआँ
होइहीं। जब ते मनइयन मिस्र मँ रहइ लागेन, तब ते जब
कबहुँ टिड्डियन भइ होइहीं ओसे भी जिआदा टिड्डियन
होइहीं।'" तबहिं मूसा घूमि गवा अउ फिरौन क तजि दिहस।
7फिरौन क अफसरन ओसे पूछेन, "हम पचे कब तलक
इ लोगन क जालि मँ फँसा रहब। मनइयन क यहोवा आपन
परमेस्सर क आराधना करइ जाइ द्या। जदि आप ओनका
नाहीं जाइ देब्या तउ आपक जानइ स पहिले मिस्र बरबाद
होइ जाइ।"
8एँह बरे फिरौन आपन अफसरन्स कहेस कि मूसा अउ
हारून क ओकरे लगे लिआवा। उ ओनसे कहेस, "जा अउ
यहोवा आपन परमेस्सर क आराधना करा। मुला मोका बतावा
फुरे कि कउन कउन जात अहइँ?"
9मूसा जवाब दिहेस, "हमार मनई जवान अउ बुढ़वा मनई
जइहीं। अउ हम पचे आपन बेटहनन अउ बिटिहनियन,
आपन भेड़िन अउ गोरूअन क आपन संग लइ जाब। हम
सब एक अउट जाब काहे कि परमेस्सर क भोज हम सबइ
बरे अहइ।"
10फिरौन ओनसे कहेस, "जदि मइँ कभी तू पचन्क अउ
तोहरे बचवन क जाइ देइ तउ परमेस्सर क सचमुच तोहरे
साथे होइ चाही। लखा, तू पचे कछू बुरा जोजना करत
बाट्या? 11सिरिफ मनइयन ही जाइ सकत हीं अउ यहोवा क
आराधना कइ सकत हीं। तू पचे इहइ सुरू से ही माँग्या ह।
मुला तोहार सारे लोगन क साथें जाइ क आग्या नाही बा।"
तब फिरौन मूसा अउ हारून क पठएस।
12यहोवा मूसा स कहेस, "मिस्र क धरती प बँहिया
उठावा अउ टिड्डियन आइ जइहीं। टिड्डियन मिस्र क सारी
भुइयाँ प संचर जइहीं। टिड्डियन ओला स बचा भवा पेड़
पउधा क चट कइ जइहीं।"
13मूसा आपन छड़ी क मिस्र कइँती उठाएस अउ यहोवा
पूरब स जोर क आँधी चलाइ दिहेस। आँधी उ सारे दिन भइ
अउ रात मँ चलत रही। जब भिन्सार भवा, आँधी मिस्र देस
मँ टिड्डियन क लइ आइ दिहस। 14टिड्डियन मिस्र देस स

उड़िके आइन अउ भुइयाँ प बैठि गइन। मिस्र मँ एँतनी
जिआदा टिड्डियन कबहुँ नाहीं भइन जेतनी इ दाईं रहिन।
15टिड्डियन पूरी भुइँया क ढाँपि लेइहीं। एँह बरे पूरे देस मँ
जमीन प अँधियारा छाइ गवा। टिड्डन ओन सबहिं पउधन क
अउ बृच्छ क हरिअर फल क, जउन ओला गिरे स नसान
नाहीं रहेन, चट कइ डाइन। मिस्र मँ कतहुँ कउनो पेड़ या
पउधन प कउनो पाती नाहीं रहि पाइ।

16फिरौन मूसा अउ हारून क हाली बोलावाएस। फिरौन
कहेस, "मइँ तोहरे अउ यहोवा तोहरे परमेस्सर क खिलाफ
पाप किहेउँ ह। 17इ टेम प मोरे पाप क अब छिमा कइ
द्या। यहोवा आपन स पराथना करा कि इ 'मउत' (टिड्डियन)
क मोसे दूर करा।"

18मूसा फिरौन स अलग भवा अउ उ यहोवा स पराथना
किहेस। 19एँह बरे यहोवा हवा क बहब बदलि दिहस।
यहोवा पच्छिउँ स तेज आँधी उठाएस अउ उ टिड्डियन क
लाल सागरे* मँ हटाइ दिहस। एक ठु भी टिड्डी मिस्र मँ
नाहीं बचि पाएस। 20मुला यहोवा फिरौन क जिद्दी बनएस।
अउर फिरौन इस्राएल क मनइयन क जाइ नाहीं दिहेस।

अँधियारा

21तब यहोवा मूसा स कहेस, "आपन बाँही क हवा मँ
ऊपर उठावा अउ अँधियारा मिस्र क ओढ़ि लेइ। इ अँधियारा
एतना गहिर अउ मोट होइ कि तू एँका महसूस कइ सकित
ह।"

22तउ मूसा आपन हथवा हवा मँ उठाएस अउ मिस्र मँ
टोवइवाला अँधियर छाइ गवा। इ अँधियारा तीन दिना तलक
मिस्र मँ रहा। 23मनइयन मँ स कउनो क चोंधरात नाहीं रहा
अउ तीन दिन कउनो कतहूँ नाहीं जाइ पावा। मुला हुवाँ
उजिआरा उ ठउरन प रहा जहाँ कतहूँ इस्राएल क मनई
रहेन।

24फिरौन मूसा क फुन बोलाएस। फिरौन कहेस, "जा अउ
यहोवा क आराधना करा। तू पचे आपन संग बचवन क लइ
जाइ सकत ह। सिरिफ आपन भेड़िन अउ गोरून क हिआँ
तजि द्या।"

25मूसा कहेस, "न सिरिफ हम पचे आपन भेड़ अउ गोरू
क लइ जाब मुला जब हम पचे जाब, आप हम सबन्क भेंट
अउ बलि भी देब्या। हम पचे इ सब बलिन क आपन
परमेस्सर यहोवा क आराधना बरे बइपरब। 26हम पचे आपन
पसु क संग संग परमेस्सर क आराधना बरे लइ जाब। हमरे
पाछे एक ठु खुर भी न छूटि पाइ। हम पचे ठीक तरह
अबहिं नाहीं जानित अही कि परमेस्सर क आराधना बरे हम
क का चाही। हम पचे तब ओका जानि पाउब जब हम
सबइ उ ठउरे क पहुँचि जाब जहाँ हम पचे जात अही।"

27यहोवा फुन फिरौन क जिद्दी बनाएस। एँह बरे फिरौन
ओन सब क जाइ स मना कइ दिहेस। 28तब फिरौन मूसा स
कहेस, "मोसे दूर होइ जा। मइँ नाहीं चाहित कि तू हिआँ
फुन आवा। एकरे पाछे जदि तू हम से भेंटइ अउब्या तउ
मारि डावा जाब्या।"

29तबहिं मूसा फिरौन स कहेस, "आप जउन कहत हीं,
ठीक बा। मइँ फुन आप स भेंटइ कबहुँ न आउब।"

पहिलौटी क मउत

11 तब यहोवा मूसा स कहेस, "मइँ फिरौन अउ मिस्र
क खिलाफ एक ठु अउर बिपत लइ आउब। एकरे
पाछे उ तू सबन्क मिस्र स पठइ देइ। असिल मँ उ तू
पचन्क इ देस तजि देइ क मजबूर करी। 2तू इस्राएलियन क
इ संदेसा जरूर दिहाः 'तू आपन पड़ोसियन मनसेधू अउ
मेहरारूअन स सोना अउ चाँदी क बनी चीज माँग्या।
3परमेस्सर मिस्र क मनइयन क तू सबन प कृपालु बनइहीं।
मिस्री मनइयन, हिआँ तलक फिरौन क अफसरन भी पहिलेन
स मूसा क बड़का मनइ मानत हीं।'"

4मूसा लोगन स कहेस, "यहोवा कहत हींः 'आज आधी
रात क मइँ मिस्र स होइके जाब, 5अउ मिस्र क सबइ
पहिलौटी पूतन अउ मिस्र क राजा फिरौन क पहिलौटी बेटवा
स लइके जाँत चलावइवाली नौकरानी तलक क पहिलौटी पूत
मरि जाइ। पहिलौटी क पइदा भवा नर गोरू भी मरिहीं।
6मिस्र क समूचइ धरती पइ रोउब पीटब होइहीं। उ रोउब
पीटब मिस्र मँ पुराने जमाने मँ कबहुँ भए रहेन कउनो भी
रोउब पीटब स या आवइ वाल समइ मँ कबहुँ होइवाला
रोउब पीटब से जियादा बुरा होइहीं। 7मुला इस्राएल क
कउनो भी मनइ क चोट न पहुँच पाइ। हिआँ तलक कि
ओन लोगन प कउनो कुत्ता भी नाहीं भूँकी। न कउनो
इस्राएली मनइ क अउ न ही कउनो गोरूअन क चोट
लागी। इ तरह स तू जनब्या कि मइँ इस्राएल क मिस्र स
अलगाउज क बियूहार कीन्ह ह। 8तबहिं तोहार सब मिस्री
अधिकारियन मोर समन्वा निहुरिहीं अउ मोर पूजा करइही। उ
पचे कइहीं, 'जा, अउ आपन सबहिं लोगन क आपन संग
लइ आवा।" तबहिं मइँ फिरौन क कोहाइ क देब।'"

9तबहिं यहोवा मूसा स कहेस, "फिरौन तोहार बात सुनेस
नाहीं। काहे? एँह बरे कि मइँ आपन बड़की सक्ती क मिस्र
मँ देखाइ सकउँ।" 10इहइ कारण रहा कि मूसा अउ हारून
फिरौन क समन्वा बड़का बड़का चमत्कार देखाएन। अउर
इहइ कारण अहइ कि यहोवा फिरौन क एँतना हट्टी बनाएस
कि उ इस्राएल क मनइयन क आपन देस तजइ नाहीं दिहेस।

फसह

12 मूसा अउ हारून जब मिस्र मँ रहेन, यहोवा ओनसे
कहेस। यहोवा कहेस, 2"इ महीना तोहार बरे बरिस
क पहिल महीना होइ। 3इ हुकुम इस्राएल क पूरी जाति बरे
अहइः इ महीना क दसवाँ दिन हर मनइ आपन परिवारे बरे
एक ठु मेनना जरूर राखी। 4जदि हुवाँ जिआदा मनइयन
अेकरे घरे मँ मेमना क खाइ बरे न होइँ, तउ ओका आपन
पड़ोसियन क भोज खाइ बरे बोलावइ चाही। हर मनइ क
खाइ बरे मेमना क पर्याप्त गोस होइ चाही।

5एक बरिस क नर मेमना बे दोखे तगड़ा होइ क चाही।
इ पसु या तउ भेड़ क बच्चा या बोकरी क बच्चा होइ
सकत ह। 6तोहका इ मेमना क महीना क चौदहवीं तारीख
ताईं रखइ चाही। उ दिन इस्राएल बिरादरी क सबहिं लोग

लाल सागर सब्द क नरकट क समुद्दर।

गोधरी क समइ मँ इ मेमनन क जरूर मारिहीं। 7इ जानवरन
क खून तोहका बटोरइ क चाही। कछू खून घरे क दरवाजे
क चौखट क ऊपर सिरा अउ दुइनउँ पाटी प लगावइ चाही,
जउन घरन मँ मनइयन खइया क खाइँ।

8“इ रात क तू मेमना क भूँजि ल्या अउ ओकर सबइ
गोस खाइ ल्या। तू जरूर कड़वान जरी-बूटी अउ बे खमीरे
क रोटी भी खाइ लिहा। 9तोहका मेमना क बच्चा नाहीं खाइ
चाही तोहका मेमना क पानी मँ बोलकावइ नाहीं चाहीं तोहका
समूचइ मेमना क आगी प भूँजइ चाही। इ हालत मँ भी
मेमना क मूँड़, जोड़ अउ ओकरे भीतर क हींसा ठीक ठाक
होइ क चाही। 10उहइ राति क तोहका सब गोस खाइ लेइ
चाही। जदि तनिक गोस भिन्सारे ताईं बचि खुचि जाइ तउ
ओका आगी मँ जराइ देइ चाही।

11“जब तू खइया क खाया तउ अइसे ओढ़ना क पहिर्‍या
जइसे तू पचे जात्रा प जात ह्वा। तू पचन्क लबादा तोहरे पेटी
मँ कसा होइ चाही। तू पचे आपन पनही पहिरे रह्या अउ
आपन जात्रा करइ क लाठी आपन हाथे मँ थामे रह्या। तू
पचन्क हालि खइया क खाइ लिहा। काहेकि इ यहोवा क
फसह अहइ- उ टेम जब यहोवा ओकरे मनइयन क बचाएस
अउ मिस्र स ओनका हाली बाहेर किहेस।”

12“आजु राति मँ मइँ मिस्र स होइक जाब अउ मिस्र मँ
सबइ पहिलौटी पूत क मारि डाउब। मइँ सबहिं पहिलौटी का
पइदा भवा मनइ क बेटवा, अउ जानवर क बच्चा क मारि
डाउब। इ तरह मइ मिस्र क सबहिं देवतन क परखब अउ
देखाउब कि मइँ यहोवा हउँ। 13मुला तू मनइयन* क घरेन
प लाग खून क चीन्हा एक खास चीन्हा होइ। जब मइँ खून
क चीन्हा क लखब, तउ मइँ तू पचन क घरन क सुरच्छित
तजइ भवा चला जाब। मइँ मिस्र क मनइयन क मारब, मुला
ओन जानलेवा माहमारी स तू पचन्क कउनो भी नसकान न
पहुचाउब।

14“तउ तू पचे आजु इ रात क हमेसा याद करब्या। तू
पचन बरे एक खास पवित्तर क दिन होइ। तोहार सन्तानन
हमेसा इ पवित्तर दिन क मनाइ क जरिया यहोवा क सम्मान
देइहीं 15इ पवित्तर दिन प तू पचे बेखमीर क आटा क रोटी
सात दिन ताई खउब्या। इ पवित्तर दिन क अवाई स पहिले
तू पचे आपन घरे स खमीर क निकारिके बाहेर बहाइ द्या।
इ पवित्तर दिन क सात दिन ताईं तू पचे मँ स कउनो क भी
खमीर नाहीं खाइ चाही। जदि तू पचे मँ स कउनो भी मनइ
खमीर खाई तउ ओका इस्राएल क दूसर मनइयन स निकारइ
दइ जाब्या। 16इ पवित्तर दिन क पहिले दिन अउ सातवाँ
दिन मँ तोहका पवित्तर बइठक करइ चाही। इ दिनन तोहका
कउनो काम नाहीं करइ क होइ। इ दिनन सिरिफ एक काम
जेका करइ क अग्गिया अहइ आपन भोज क तइयार
करब। 17तू लोगन क बेखमीरे क पवित्तर त्यौहार क जरूर
याद राखे चाही। काहेकि इहइ दिन ही मइँ तोहरे लोगन क
समूहन मँ मिस्र स बाहेर लइ आवा। एँह बरे तू लोगन क
अउर तोहार सबहिं सन्तानन क इ दिन याद राखइ क होइ।
इ नेम अहइ अउ इ सदा रही। 18एँह बरे पहिले महीना
निसन क चौदहवाँ दिन क साँझ स तू पचे बेखमीरे क रोटी
खाब सुरू करब्या। उहइ महीना क इक्कीसवाँ दिन क सांझ
तलक तू अइसी रोटी खाब्या। 19सात दिना ताईं तू सबन्क
घरन मँ कउनो खमीर क रोटी नाहीं होइ चाही। कउनो भी
मनइ चाहे उ आपन देस मँ पैदा भवा ह या विदेसी होइ
जउन इ खमीर क खाई दूसर इस्राएलियन स अलगाइ दीन्ह
जाइ। 20इ पवित्तर दिन क तू पचन्क खमीर नाहीं खााई
चाही। तू जहाँ कतहुँ रहा बेखमीरे क रोटी खाया।”

21एँह बरे मूसा सबहीं बुजुर्गन क एक ठउरे प बोलाएस।
मूसा ओन पचन्सा कहेस, “आपन परिवारे बरे मेमनन लइ
ल्या। फसह त्यौहारे बरे मेमनन क मारि द्या। 22हिसाप* क
गुच्छा क लइ ल्या। खोरा मँ ओनका डुबावा अउर दुइनउँ
चौखटन क दुइनउँ कइँती अउ सिरन प खून क लगावा। तू
पचन मँ स कउनो भी भियान तईं आपन घर नाहीं छोरइ
चाही। 23जब यहोवा पहिलौटी क मारइ बरे मिस्र स होइके
जाइ तउ यहोवा उ घरे क रच्छा करिहीं जउने घर क
चौखटन क दुइनउँ कइँती अउ सिरन प खून लखिहीं।
यहोवा नास करइवालन क तोहरे घरे क भीतर ना भेजहीं। उ
तू पचन्क चोट न पहुँचइहीं। 24तू पचन क इ हुकुम जरूर
याद राखइ चाही। इ नेम तू पचन अउ तू पचन क सन्तानन
बरे हमेसा अहइ। 25तू सबन्क इ जसन क तबहुँ याद रखइ
क होइ जब तू पचे उ देस मँ पहुँचब्या जउन यहोवा तू
सबन्क आपन वाचा क अनुसार देइहीं। 26जब तोहार गदेलन
तोहसे पूछिहीं, ‘इ त्यौहार क का मतलब अहइ?’ 27तउ तू
पचे कहब्या, ‘इ फसह त्यौहार यहोवा क सम्मान बरे अहइ।
काहेकि जब हम पचे मिस्र मँ रहेन तब यहोवा इस्राएल क
घरवा स होइके गएन। यहोवा मिस्र क मनइयन क मारि
डाएन मुला हम सबन्क हमार घरे मँ बचाइ लिहन। तबहिं
लोग यहोवा क निहुरेन अउ आराधना किहेन।’”

28यहोवा इ हुकुम मूसा अउ हारून क दिहे रहा। एँह बरे
इस्राएल क मनइयन उहइ किहेन जउन यहोवा क हुकुम
रहा।

29आधी रात क यहोवा मिस्र क सबहिं पइदा भए पूतन,
फिरौन क पहिलौटी क पूत जउन मिस्र क राजा रहा-स
लइके जेल मँ बइठेन कैदी क पूत तलक सबहिं क मारि
डाएन। पहिलौटी क पइदा जानवर भी मरि गएन। 30मिस्र मँ
उ राति क कउनो न कउनो मरि गवा। फिरौन, ओकर
अफसरन अउ मिस्र क सबहिं मनइयन ज़ोर स रोवइ
चिचिआइ लागेन।

इस्राएलियन मिस्र क तजि देत हीं

31एँह बरे उ रात फिरौन मूसा अउ हारून क बोलाएस।
फिरौन ओसे कहेस, “तइयार होइ जा अउ हमरे लोगन क
तजिके चला जा। तू अउ तोहार लोगन वइसा हीं करि सकत
हीं जइसा तू कह्या ह। जा अउ आपन यहोवा क आराधना
करा। 32अउ तू पचे जइसा तू कह्या ह कि तू चाहत बाट्या,

मनइयन मनइ काम करइ या लम्बा रस्ता प जाइ बरे आपन टाँग क बीचोबीच हींच लेत रहेन अउ पेटी स दबाइ लेत रहेन “कूदब”, “रच्छा करब” अहइ। यहोवा आपन मनइयन क रच्छा किहेस अउ ओनका बाहेर लइ गवा।

हिसाप तीन फुट ऊँच तने क पौधा। एँकर पाती अउ डार बारे क नाईं होत हीं। ओका कूँची क तरह बइपरत हीं।

आपन भेड़िन अउ गोरूअन क आपन संग लइ जाइ सकत ह, जा अउ मोका भी आसीर्बाद द्या।" 33मिस्र क मनइयन भी ओनका हालि जाइके कहेन। काहेकि उ पचे कहेन, "जदि तू पचे हालि नाहीं जात बाट्या हम सबहिं मरि जाब।"

34इस्राएलियन क लगे एँतना टेमॅ न रहा कि उ पचे आपन रोटी मँ खमीर नावइँ। उ पचे गूँधा भवा आटा क परातन क कपड़ा मँ लपेटिके अउ ओका आपन काँधे प धइके ढोएन। 35तबहिं इस्राएलियन उहइ किहेन जउन मूसा करइ क कहेस।" उ पचे आपन मिस्री पड़ोसियन क लगे गएन अउ ओनसे ओढ़ना अउर चाँदी सोना स बनी चीजन्क माँगेस। 36यहोवा मिस्री लोगन क इस्राएल क लोगन बरे दयालु बनइ दिहन। एँह बरे मिस्र क लोग आपन धन दौलत इस्राएलियन क दइ दिहन।

37इस्राएल क मनइयन रमसिज स सुक्काथ गएन। उ सबइ छः लाख मनइ* रहेन। एँहमा गदेलन मिलाइ क नाहीं अहइँ। 38ओनके संग ढेर भेड़न, गइयन, बोकरियन अउ दूसर गोरुअन रहा। ओनके संग दूसर मनइ भी जात्रा करत रहेन। जउन इस्राएलियन नाहीं रहेन, मुला उ पचे ओनके संग गएन। 39मुला मनइयन क गूँधा भवा आँटा क फुलइ दइ क टेमॅ नाहीं मिला। अउ उ पचे आपन जात्रा बरे कउनो खास खइया के नाहीं बनाएन। एँह बरे ओनका बेखमीर क रोटी बनवइ क पड़ी।

40इस्राएल क लोग मिस्र* मँ चार सौ तीस बरिस ताईं जिअत रहेन। 41चार सौ तीस बारिस पाछे, ठीक उहइ दिन, यहोवा क सबइ मनइयन मिस्र क तजि दिहेन। 42उ खास रात अहइ जब लोग याद करत हीं कि यहोवा ओनका मिस्र स बाहेर लइ आएन। इस्राएल क सबहिं मनइयन उ रात क हमेसा याद रखिहीं।

43यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, "इ सबइ फसह त्यौहार क नेम अहइँ: कउनो बिदेसी फसह त्यौहार क पवित्तर भोजन नाहीं खाइ। 44मुला जदि कउनो मनइ गुलाम क खरीदी अउ जदि ओकर खतना करी तउ उ गुलाम उ प्रसाद क खाइ सकत ह। 45मुला जदि कउनो मनइ सिरिफ तू पचन्क देस मँ रहत ह या कउनो मनइ तोहरे बरे मजूरी प रखा गवा अहइ तउ उ मनइ क प्रसाद खाइ क न चाही। उ प्रसाद सिरिफ इस्राएल क मनइयन बरे अहइ।

46हर परिवारे क घरवा क भीतर ही खइया क खाइ चाही। कउनो क भी खइया क घरे क बाहर नाहीं लइ जाइ चाही। भेड़ क बच्चा क कउनो हाड़ जिन तोड़ा। 47समूचइ इस्राएलियन जाति इ त्यौहार क जरूर मनावइ। 48जदि कउनो प्रवासी जउन तोहरे संग रहत ह अउर उ यहोवा क फसह मँ हिस्सा लेइ चाहत ह, तउ ओकर खतना जरूर होइ चाही। तउ उ इस्राएल क नागरिक क तरह होइ, अउर उ खइया मँ हिस्सा लइ सकी। मुला जदि उ मनइ क खतना नाहीं भवा होइ तउ उ इ पसह क त्यौहार क खइया क नाहीं खाइ सकत। 49इ सबहिं नेम हर एक प लागू होइहीं। नेम लागू भए मँ इ बात क कउनो फर्क नाहीं परिहीं चाहे उ आपन देस मँ पइदा भवा रहा या कउनो तोहरे बीच मँ रहइवाला बिदेसी अहइ।"

50एँह बरे इस्राएल क सबहीं मनइयन ओन हुकुमन क तामील किहेन जेनका यहोवा मूसा अउ हारून क दिहेन। 51उहइ दिन यहोवा इस्राएल क सबहिं लोगन क मिस्र स बाहेर लइ गएन। लोग झुण्डे मँ गएन।

पहिले पइदा भए अउलाद क अर्पण

13 तब यहोवा मूसा स कहेस, 2"हर पहिला पइदा भवा इस्राएली लरिका मोका अर्पण कइ दिहा। हर अउरत क पहिला पइदा बचवा मोर ही होइ। तू पचे पहिला पइदा हर एक नर पसु क मोका अर्पण कइ दिहा।"

3मूसा मनइयन स कहेस, "इ दिन क याद राखा। तू पचे मिस्र मँ गुलाम रह्या। मुला इ दिन यहोवा आपन बड़की सक्ती क बइपरेस अउ तू पचन्क अजाद कराएस। तू पचे खमीरे क संग जिन खाया। 4आजु आबीब क महीना मँ, तू पचे मिस्र स जात रह्या। 5यहोवा तू पचन्क पुरखन स खास वाचा किहे रहेन। यहोवा तू पचन्क कनानी, हित्ती, एमोरी, परिज्जी, हिब्बी, अउ यबूसी मनइयन क धरती देइ क वाचा किहेस। जब यहोवा तू पचन्क उ बढ़िया देस मँ ले जाइ जहाँ दूध अउर सहद क नदी बहत रहत ह तब तू इ दिन क जरूर याद राख्या। तू पचे हर बार बरिस क पहिले महीना मँ इ दिन क खास आराधना क दिन क रूप मँ मनावा।

6"सात दिन तलक तू पचे उहइ रोटी खाया जेहँमा खमीर न होइ। सातवें दिन एक ठु बड़की दावत होइ। इ दावत यहोवा क मान करइ क निसानी होइ। 7एँह बरे सात दिना ताईं खमीर स बनई रोटी नाहीं खाइ चाही। तोहरे पहँटा मँ कउनो जगह खमीर क रोटी नाहीं होइ चाही। 8इ दिन तू सबन्क आपन गदेलन स कहइ चाही, 'हम पचे इ दावत एँह बरे करत अही कि यहोवा हमका मिस्र स बाहेर निकारेस।'

9"इ छुट्टी क दिन तू पचन्क याद करइ मँ मदद करी यानी इ तू पचन्क कलाई प बाँधा धागा* क नाईं होइ। इ दिन तोहार आँख क आगवा एक चीन्ह क नाईं होइ। इ छुट्टी क दिन तोहका यहोवा क उपदेस क याद राखइ मँ मदद करी। इ छुट्टी क दिन तू पचन्क ई याद राखइ मँ मदद करी कि यहोवा तू पचन्क क आपन महान सक्ती क प्रयोग कइके तोहका मिस्र स बाहेर निकारेस ह। 10एँह बरे हर बरिस इ छुट्टी क दिन क ठीक टेम प मनावइ क याद राखा।

11"यहोवा तू मनइयन क उ देस मँ लइ चलिहीं जेका तू पचन्क देइ बरे वाचा किहेस रहा। इ समइया हुवाँ कनानी मनइ रहत हीं। मुला यहोवा तोहार पुरखन स इ वाचा किहे रहा कि इ धरती तू पचन्क दइ देइ। यहोवा इ भुइँया तोहका देइहीं। 12ओकरे पाछे तू सबइ आपन हर एक पहिलौटी लरिका क ओका अर्पण करइके याद राखा अउ हर एक

छः लाख मनई परिवार ज झुण्ड-हिब्रू सब्द "हजार" उ हिब्रू सब्द क तरइ अहइ जेकर अरथ परिवार क समूह होत ह।

मिस्र पुरान ग्रीक अउ समरीती अनुवाद मँ "मिस्र अउ कनान" अहइ। एहसे पता लागत ह कि उ पचे इब्राहीम क टेंम स बरिस क गनत रहत रहेन, यूसुफ क टेमॅ स नाही।

बाँधा धागा तोहरे हथवा प चीन्हा अउ माथे प निसानी। इ उ खास चीज क इसारा करत ह जेका यहूदी आपन बाँहि प अउ माथे प यहोवा क नेम क याद दियावइ बरे बाँधत हीं।

पहिला पइदा भवा नर पसु क जरूर यहोवा बरे अर्पण कइ
दिहा। 13हर एक पहिला पइदा भवा गदहा यहोवा स वापस
बेसहि लिहा। तू पचे ओकरे बदले मँ भेड़ क बच्चा क दइ
दिहा अउ गदहा क वापस लइ सकत ह। जदि तू यहोवा स
गदहा नाहीं बेसहा चहत्या तउ एका मारि डावा। इ एक बलि
होइ। तू ओकर गरदन जरूर तोड़ि द्या। हर एक पहिलौटी
लरिका यहोवा स फुन जरूर बेसहि लीन्ह जाइ।
14"अगवा तोहार गदेलन पूछिहीं तू इ काहे करत ह। उ
पचे कइहीं, 'इ सब का का मतलब अहइ?' अउर तू जवाब
देब्या, 'यहोवा हम सबन्क मिस्र स बचावइ बरे बड़की सक्ती
बइपरेस ह। हम पचे हुवाँ गुलाम रहेन। मुला यहोवा हम
पचन्क बाहेर निकारेस अउ उ पचे हिआँ लइ आएन। 15मिस्र
मँ फिरौन हठी होइ गवा। उ हम पचन क जाइ नाहीं दिहस।
एँह बरे यहोवा उ देस क सबहिं पहिलौटी नर अउलादे क
मारि डाएस। (यहोवा पहिलौटी नर पसु अउ पहिलौटी बेटवन
क मारि डाएस।) एँह बरे हम पचे पहिले पइदा भए हर एक
नर पसु क यहोवा बरे अर्पण करत अही। अउर इहइ कारण
अहइ कि हम पचे पहिलौटी भए बेटवन क यहोवा स
बेसहित ह।' 16इ तोहरे कलाई प बाँधा भवा धगा क नाईं
अहइ। अउ इ तोहरे आँखिन क समन्वा बँधा भवा चीन्हा क
तरह अइइ। इ एका याद दियावइ मँ मदद करी कि यहोवा
आपन बड़की ताकत स हम पचन्क मिस्र स बाहेर लइ
आएन।"

मिस्र स बाहेर जात्रा

17फिरौन लोगन क मिस्र तजि देइ क मजबूर किहेस।
यहोवा लोगन क उ सड़क प नाहीं जाइ दिहस जउन
फिलीस्तीन कइँती जात रही। उ सड़क समुद्र स होइ क
सबते छोटी राह रही मुला यहोवा कहेस, "जदि लोगन उ राहे
स जात हीं, उ पचन्क जुद्ध करइ क होइ। तउ उ पचे
आपन इरादा बदलि सकत हीं अउ मिस्र क लौटि सकत
हीं।" 18एँह बरे यहोवा ओनका दूसर राहे स लइ गवा। उ
ओन पचेन्क लाल समुद्र क रेगिस्ताने स लइ गवा। इस्राएल
क मनइयन जुद्ध क कपड़ा पहिरे रहेन जब उ पचे मिस्र क
तजि दिहन।

यूसुफ घर जात ह

19मूसा यूसुफ क हाड़े क आपन संग लइ गवा। मरइ क
पहिले यूसुफ इस्राएल क अउलादे स वाचा किहेस कि उ
पचे इ करिहीं। मरइ स पहिले यूसुफ कहेस, "परमेस्सर तू
पचन्क बचावइ, तू आपन संग मोर हाड़े क मिस्र स बाहेर
लइ जाइ क याद राखा।"

यहोवा आपन लोगन क अगुवाई करत ह

20इस्राएल क मनइयन सुक्कोत नगर तजेन अउ एताम मँ
डेरा डाएन। एताम रेगिस्ताने क छोरे प रहा। 21यहोवा रस्ता
देखाँएन। दिन मँ यहोवा एक लम्बा बदरे क प्रयोग मनइयन
क लइ जाइ बरे किहस अउ राति मँ यहोवा ओनका रस्ता
देखावइ बरे एक लम्बा आगी क खम्भा क बइपरेस। इ
आगी ओनका उजिआरा देत रही। इ कारण उ पचे राति मँ
जात्रा कइ सकत रहेन। 22एक ऊँच खम्भा क रूप मँ बादर
हमेसा ओनके संग दिन मँ रहा अउ राति क आगी क
खम्भा सदा ओनके संग रहा।

14 यहोवा मूसा स कहेस, 2"लोगन स कहा कि
पीहाहीरोत क पाछे होइ के जात्रा करइँ। मिगदोल
अउ लाल समुद्दर क बीच राति मँ ओनसे ठहरइ बरे कहा।
इ बाल सपोन क निगचे बा। 3फिरौन सोची कि इस्राएल क
मनइयन रेगिस्तान मँ भटक गएन अहँइ अउर उ नाहीं जानत
कि कउन दिसा जाइ। 4मइँ फिरौन क हिम्मती बनउब जेसे
उ तू पचन्क पाछा करइ। मुला मइँ फिरौन अउ ओकर
फउज क हराइ देब। एहसे हमार महिमा बाढ़ी। तब मिस्र क
मनइयन जनिहीं कि मइँ यहोवा हउँ।" इस्राएल क मनइयन
यहोवा क हुकुम मानेन यानी उ पचे उहइ किहेन जउन उ
कहे रहा।

फिरौन इस्राएलियन क खदेरत ह

5जब फिरौन क इ खबर मिली कि इस्राएलियन परात
अहइँ तउ उ अउ ओकर अफसरन ओनका हुवाँ स चला
जाइ क जउन बचन दिहे रहेन, ओकरे बरे आपन इरादा
बदल दिहेन। फिरौन कहेस, "हम इस्राएल क मनइयन क
काहे जाइ दीन्ह? हम ओनका काहे पराइ दीन्ह? अब हमार
गुलाम हमरे हाथे स निकरि चुका अहइँ।"
6एँह बरे फिरौन आपन जुद्ध क रथे क तइयार किहेस
अउ आपन फउज क संग लइ लिहस। 7फिरौन आपन
मनइयन मँ स छः सौ सबन ते बढ़िया मनइयन अउ आपन
सबहीं रथे क संग लिहस। हर एक रथ मँ एक एक
अधिकारी रहेन। 8इस्राएल क मनइयन जीत क खुसी मँ
आपन औजारन क ऊपर कइँती उठावत जात रहेन मुला
यहोवा मिस्र क राजा फिरौन क हिम्मती बनएस। अउर
फिरौन इस्राएल क मनइयन क खदेरइ लाग।
9मिस्र क फउजे क लगे घोड़सवार सिपाहीयन अउ रथन
रहेन। उ पचे इस्राएल क मनइयन क पीछा किहेस अउ उ
टेमॅ प जब उ पचे लाल समुद्दर क निकट बाल सपोन क
पूरब पीहाहीरोत मँ डेरा डाए रहेन, ओनका धइ लिहन।
10इस्राएल क मनइयन फिरौन अउ ओकरी फउज क
अपनी कइँती आवत लखेन तउ उ पचे बुरी तरह डेराइ
गएन। उ पचे मदद बरे यहोवा क गोहार लगाएन। 11उ पचे
मूसा स कहेन, "का मिस्र मँ पर्याप्त कबर नाहीं रहिन? तू
हम पचन्क मिस्र स बाहेर काहे लिआया? तू हम पचन्क
मरइ बरे इ रेगिस्ताने मँ काहे लिआया? 12हम पचे तोहसे
कहे रहेन कि अइसा ही होइ। मिस्र मँ हम पचे कहे रहेन,
'कृपा कइके हम पचन्क कस्ट जिन द्या। हम पचन्क मूसा
हियँइ ठहरइ बरे अउ मिस्री मनइयन क सेवा करइ द्या'
हिआँ आइके रेगिस्तान मँ मरइ स नीक इ होत कि हम पचे
हुवँइ मिस्री मनइयन क गुलाम बनिके रहित।"
13मुला मूसा जवाब दिहेस, "डेराअ जिन। पराअ जिन,
अबहिं रूकि जा अउ लखा कि आज तू पचन्क यहोवा
कइसे बचावत हीं। आज क पाछे तू पचे इन मिस्री मनइयन
क कबहुँ नाहीं निहरब्या। 14तू पचन्क सान्त रहइ के अलावा

अउर कछू नाहीं करइ क अहइ। यहोवा तोहरे बरे लड़तइ
रइहीं।"
15तबहिं यहोवा मूसा स कहेस, "तू पचे अब भी मोरे
लगे काहे चीखत ह! इस्राएल क मनइयन क अगवा बढ़इ
क हुकुम द्या। 16आपन छड़ी क लाल सागरे क ऊपर
उठावा अउ लाल सागर फाटि जाइ। तब इस्राएली मनइयन
झुरान भुइयाँ स समुद्दर क पार कइ सकिहीं। 17मइँ मिस्री
मनइयन क जिद्दी बनायउँ ह। इ बरे उ सबइ तोहार पीछा
करहीं। मुला मइँ देखाउब कि मइँ फिरौन, ओकर सबहिं
घोड़ सवार अउ रथन स जिआदा बरिआर हउँ। 18तब्बइ
मिस्री बूझि जइहीं कि मइँ यहोवा हउँ। जब मइँ फिरौन,
ओकर घोड़सवार अउ रथे क हराउब तउ मोर महिमा क
परगट कीन्ह जाब्या।"

यहोवा मिस्री फउज क हरावत ह

19उहइ समइया यहोवा क सरगदूत इस्राएली मनइयन क
पाछे गवा। यहोवा क सरगदूत अक्सर लोगन क अगवा रहा
अउ ओनका अगुआइ करत रहा। एँह बरे लम्बा बदरे क
खंभा लोगन क अगवा स टरि गवा अउ पाछे आइ गवा।
20इ तरह बादर मिस्री मनइयन अउ इस्राएलियन क बीच
आइ क खड़ा होइ गवा। इस्राएलियन बरे इ उँजिअर रहा
मुला मिस्री मनइयन बरे अँधियार। एँह बरे मिस्र क मनइयन
उ राति मँ इस्राएलियन क नगिचे नाहीं आइ सकेन।
21मूसा आपन बाँह लाल सागर प उठाएस। अउ यहोवा
पूरब स बहोत तेज हवा चलाइ दिहस। हवा राति भइ चलत
रही। समुद्दर फाटि पड़ा अउ हवा समुद्दर क झुरान भुँइया
मँ बदल दिहस। 22इस्राएल क मनइयन सूखी धरती प
चलिके समुद्दर पार किहेन। ओनके दाँई अउ बाईं कइँती
पानी दिवारे क नाईं ठाड़ रहा। 23तबहिं फिरौन क सब रथन
अउ घोड़सवार समुद्दर मँ ओनका पीछा किहेस। 24बहोतइ
भिन्सारे यहोवा लम्बा बादर अउ आगी क खम्भा मँ स मिस्र
क फउज क लखेस। अउर यहोवा ओन प हमला कइ
दिहस अउ ओन पचन्क हराइ दिहस।
25रथे क पहिया भुइयाँ मँ घुसुर गएन। रथ क सम्भारब
मुस्किल होइ गवा। मिस्री मनइयन चिचियानेन, "हम पचे
हिआँ स निकरि चली। यहोवा हम पचन्क खिलाफ जूझत
अहइँ। यहोवा इस्राएलियन बरे लड़त बाटेन।"
26तबहिं यहोवा मूसा स कहेस, "आपन हाथ क समुद्दर
प उठावा। फिन समुद्दर क पानी मिस्री रथन अउ
घोड़सवारन प गिरी अउर उ पचन्क बोरि देइ।"
27एँह बरे दिन निकरइ स ठीक पहिले मूसा आपन हाथ
समुद्दर प उठाएस अउ पानी आपन ठीक तह प वापिस
चला गवा। मिस्री मनइयन पराइ क जतन करत रहेन। मुला
यहोवा मिस्री मनइयन क समुद्दर मँ बहाइके बोर दिहस।
28पानी आपन ठीक तह ताईं लौटि आवा अउ रथन अउ
घोड़सवारन क ओढ़ लिहस। फिरौन क समूचइ फउज जउन
इस्राएलियन मनइयन क पाछा करत रहिन, बूड़िके नसाय
गइन। ओनमाँ स कउनो नाहीं जिअत रहा।
29मुला इस्राएल क मनइयन झुरान भुइयाँ प चलिके
समुद्दर पार किहेन। ओनके दाहिन अउ बाएँ कइँती पानी
दिवारे क नाईं ठाड़ रहा। 30एँह बरे उ दिना यहोवा इस्राएल
क मनइयन क मिस्री मनइयन स बचाइ लिहस। बाद मँ
इस्राएलियन मिस्री मनइयन क ल्हासे क लाल सागर क
किनारे निहारेन 31इस्राएलियन यहोवा क बड़की सक्ती क
लखेन जब उ मिस्री मनइयन क हराइ दिहन। एँह बरे लोगन
यहोवा क मान किहेन। अउर उ पचे यहोवा अउ ओनके
सेवक मूसा प पतियानेन।

मूसा क गीत

15 तब मूसा अउ इस्राएल क मनइयन यहोवा बरे इ
गीत गावइ लागेन:
"मइँ यहोवा बरे गीत गाउब काहेकि उ बड़का कारनामा
किहेस ह। उ घोड़ा अउ सवारन क सगरे मँ बहाइ दिहेस ह।
2यहोवा ही मोर सक्ती अहइ। उ मोका बचावत ह अउर
मइँ गावत हउँ गीत ओनकी बड़कई क।* मोर परमेस्सर
यहोवा अहइ अउ मइँ ओनकइ बड़कई करत हउँ। यहोवा
मोरे पुरखन क परमेस्सर अहइ अउर मइँ ओनकइ मान
करत हउँ।
3यहोवा बड़का जोधा अहइ ओकर नाउँ यहोवा अहइ।
4यहोवा फिरौन क रथ अउ फउजिअन क सगरे मँ बहाइ
दिहस। फिरौन क उत्तिम अफसरन लाल सगरे मँ बूड़ि
गएन।
5गहिर पानी ओनका ढाँकि लिहस। उ पचे चट्टाने क
नाईं गहिर पानी मँ डूबेन।
6आप क दाहिन बाँह गजब क सक्ती स भरी अहइ।
यहोवा आप क दाहिन बाँह दुस्मनन क छिटकाइ बिटकाइ
दिहस।
7आप आपन सक्ती अउ बड़की परताप म नसाइ दिहा
ओन पचेन क जउन खिलाफ खड़ा होइ गएन। आपक
किरोध ओनका उ तरह नास कइ दिहस जइसे आगी तिनका
क बारि डावत ह।
8आप आपन किरोध मँ जउन तेज हवा क चलाया उ
जले क उँचके उछारि दिहेस। उ जोर स बहत पानी पोढ़
दिवार बनि गवा। समुद्दर आपन गहिर स गहिर तले तक
ठोस होइ गवा।
9"दुस्मन कहेस, 'मइँ ओनका खदेरब अउ धइ लेब। मइँ
ओनकइ धन दौलत लइ लेब। मइँ आपन तरवारि क भांजब
अउ ओनकइ हर एक चीज छीन लेब। मइँ आपन खातिर
सब कछू लइ लेब।'
10मुला आप ओनपइ फूँकि दिहन अउ सगरे स ओन
पचन्क ढाँकि दिहा उ पचे गहिर सागर मँ सीसा क नाईं बूड़ि
गएन।
11"का कउनो देवता यहोवा क समान अहइ? नाहीं, आप
क बराबरी क कउनो देवता नाहीं, तू आपन पवित्तर होइ मँ
अजूबा अहा तोहरे मँ अचरजवाली सक्ती बाटइ आप अजूबा
चमत्कार करत हीं।
12आप आपन दाहिन हाथ क पसारेस अउर धरती ओनका
निगल लिहेस।

यहोवा … बडकई क सब्द क अरथ अहइ: "इ मोर सक्ती अउ अस्तुति अउर उ मोर मुक्ति बनत हीं।"

13आप मेहरबानी कइके लोगन क लइ चलइँ जेका आप बचाइन ह। आप आपन सक्ती स इन लोगन क आपन पवित्तर अउ सुहावना भुइँया मँ लइ जाइँ।

14"दूसर देस जब इ कथा क सुनिहीं अउर उ सबइ डेराइ जइहीं। पलिस्तीन क मनई डर स कँपिहीं।

15तबहिं एदोम क नेतन डर स कँपिहीं मोआब क नेतन डर स कँपिहीं, कनान क मनई आपन हिम्मत छोड़ि देइहीं।

16ओनमाँ डर समाइ जाइ जबहिं उ पचे तोहार सक्ती देखिहीं। इ सबइ चट्टाने क नाईं सान्त रइहीं जब तलक यहोवा क लोग निकरि न जाइँ, जब तलक उ लोग निकरि न जाइँ जेका आप बनाइन ह।

17यहोवा तू आपन पहाड़े ताईं आपन लोगन क लइ जा। ओनका उ जगहिया मँ रहइ द्या जेका तू आपन सिंहासन बरे बनाएस ह, तोहार आपन यहोवा क मन्दिर क बगलमँ, जेका तू आपन हथवा स बनाएस ह।

18यहोवा हमेसा हमेसा राज्ज करत रइहीं।"

19हाँ इ फुरे अइसा भवा। फिरौन क घोड़ा, सवार अउ रथ समुद्दर मँ चला गएन। यहोवा ओनके ऊपर समुद्दर क पानी लइ आइ दिहस। मुला इस्राएल क मनइयन झुरान धरती प चलिके समुद्दर पार कइ लिहन।

20तब्बइ हारून क बहिन नबिया मिरियम एक ठु ढपली लिहस। मिरियम अउ दूसर मेहररूअन नाचइ गावइ लागीं। मिरियम क गवनिया क बोल रहा:

21"यहोवा बरे गावा। काहेकी उ बड़वार काम किहेस ह। उठाइके बहाइ दिहस घोड़ा अउ सवारे क सगरे क बीच मँ..."

22मूसा इस्राएल क मनइयन क लाल सागर स सूर रेगिस्तान लइ जात रहा। लोग तीन दिना तलक रेगिस्तान मँ जात्रा करत रहेन। उ पचे तनिकउ पानी नाहीं पाइ सकेन। 23तीन दिना क पाछे मनइयन मारा आएन। मारा मँ पानी रहा। पानी एँतना करूआ रहा कि लोग पिउ नाहीं सकत रहेन। (इहइ कारण रहा कि ठउरे क नाउँ मारा पड़ि गवा।)

24मनइयन मूसा क ओराहना दिहन। मनइयन कहि बइठेन, "अब हम पचे का पिई?"

25मूसा यहोवा क दोहाई दिहस। एँह बरे यहोवा ओका एक बृच्छ देखाएस। मूसा बृच्छे क पानी मँ नाएस। जब उ अइसा किहस, पानी बढ़िया पिअइ क जोग्ग होइ गवा।

उ ठउरे प यहोवा लोगन क परखेन अउ ओनका एक नेमॅ दिहन। यहोवा लोगन क बिस्सास क भी जाँच किहस। 26यहोवा कहेस, "तू पचन्क आपन परमेस्सर यहोवा क हुकुम जरूर मानइ चाही। तू सबन्क उहइ करइ चाही जेकॉ उ नीक कहत हीं। जदि तू पचे यहोवा क हुकुम अउ नेमॅ क मनब्या तउ तू पचे मिस्री मनइयन क नाईं बेमार जिन होब्या। मइँ तोहार यहोवा तू पचन्क कउनो अइसी बेरामी नाहीं देब जइसे मइँ मिस्री मनइयन क दीन्ह ह। मइँ यहोवा हउँ, मइँ उहइ हउँ जउन तोहका बेमारी स नीक बनवत हउँ।"

27तबहिं लोगन एलिम तलक क जात्रा किहेन। एलीम मँ पानी क बारह झरना रहेन अउ हुवाँ सत्तर खजूरे क पेड़ रहेन। एँह बरे लोगन हुवाँ पानी क नगिचे डेरा डाइ लिहेन।

इस्राएली परमेस्सर स मन्ना अउ गोस पावत ह

16 तबहिं लोगन एलीम स चलेन अउ सीनै रेगिस्तान मँ पहुँचि गएन। इ ठउर एलीम अउ सीनै क बीच रहा। उ पचे इ ठउर प दुसरे महीना क पद्रहवाँ दिन मिस्र छोड़ दिहे क पाछे पहुँचेन। 2तब इस्राएल क मनइयन फिन ओरहना देब सुरू किहेन। उ सबइ मूसा अउ हारून स रेगिस्तान मँ ओराहना दिहेन। 3मनइयन मूसा अउ हारून स कहेन, "इ हमरे बरे नीक होतेन कि यहोवा हम पचन्क मिस्र मँ मारि डाए होत। मिस्र मँ हम पचन्क लगे खइया क बहोत रहा। हम पचन क लगे उ सब खइया क रहा जेकर हमका जरूरत रही। मुला अब तू हम सबन्क रेगिस्तान मँ लइ आया ह। हम सब हिआँ भुखिया स मरि जाब।"

4तब यहोवा मूसा स कहेस, "मइँ अकासे स खइया क गिराउब। इ भोजन तोहरे बरे खाइ क होइ। हर एक दिन लोग बाहेर जाइँ अउ उ दिन खाइ क जरूरत बरे भोजन बटोरि लेइँ। मइँ एँह बरे करब कि मइँ लखिहउँ कि का लोग उहइ करिहीं जउन मइँ करइ क कहब। 5हर एक दिन लोग बरे ढेर क खइया क बटोरि लेइँ। मुला सुकुरवार क जब खइया तइयार करइ लागइँ तउ लखइँ कि उ पचे दुइ दिन क भोजन रखि लेइँ। 6एँह बरे मूसा अउ हारून इस्राएल क मनइयन स कहेन, "आज ही रात तू पचे यहोवा क सक्ती लखब्या। तू पचे जानब्या कि इ उहइ यहोवा अहइ जउन तू पचन्क मिस्र देस स बचाइके बाहेर निकारेस। 7भिन्सारे तू पचे यहोवा क महिमा निहरब्या। तू पचे यहोवा स सिकाइत किहा ह। उ तोहार बात सुनेस ह। तू पचे हम सबन्क ओराहना देत अहा। इ होइ सकत ह कि हम पचे अब कछू अराम कइ सकित ह।"

8अउर मूसा कहेस, "तू पचे सिकाइत किहा ह अउर यहोवा तू पचन्क सिकाइत सुनि लिहेन ह। एँह बरे रात क यहोवा तू पचन्क गोस देइहीं। अउ हर भिन्सारे तू पचे उ सारा रोटी पउब्या, जेका तोहका जरूरत बा। तू पचे मोसे अउ हारून स ओराहना करत रहत बाट्या। मुला अब हम पचे तनिक अराम करब। याद राखा तू पचे मोरे अउ हारून क खिलाफ सिकाइत नाहीं करत बाट्या। तू पचे यहोवा क खिलाफ सिकायत करत बाट्या।"

9तबहिं मूसा हारून स कहेस, "इसाएल क मनइयन क बोलावा अउ ओनसे कहा, 'यहोवा क समन्वा जमा होइ जा काहेकि उ तोहार ओराहना सुनेस ह।'"

10हारून इस्राएल क सबहीं मनइयन स बात किहेस। उ पचे एक ठउरे प जमा भइ रहेन। जबहिं हारून बतियात रहा तबहिं लोग घूमि गएन अउ रेगिस्ताने कइँती लखेन। अउर उ पचे यहोवा क महिमा क मँ बदरे मँ परगट होत निहारेन।

11यहोवा मूसा स कहेस, 12"मइँ इस्राएल क मनइयन क ओराहना सुनेउँ ह। एँह बरे ओनसे मोर बतियन क कहि द्या, 'आजु गउ धूरि मँ तू पचे गोस खाब्या। अउ भियान भोर होत ही तू पचे पेटवा भरिके रोटी खाब्या। तबहिं तू पचे जनब्या कि मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर हउँ।'"

13उ रात बटेर चिरइया डेरा क चारिहुँ कइँती आइ गइन। बटेरन डेरा क ठाँक लिहस। भोर मँ डेरा क नगिचे ओस गिरी रही। 14सूरज क निकरि आए प ओस टेघॅरत रही।

मुला पाला क तहे क नाईं भुइयाँ प कछू रहि जात रहा।
15इस्राएल क मनइयन एका लखेन अउ आपुस मँ करइ
लागेन, "इ का बा?"* उ पचे इ सवाल एँह बरे पूछेन कि
उ पचे इ नाहीं जानत रहेन इ कउन चीजि अहइ। एँह बरे
मूसा ओनसे कहेस, "इ खइया क अहइ जेका यहोवा तोहका
खाइके देत अहइँ। 16यहोवा कहत अहइँ, 'हर व्यक्ति ओतॅना
बटोरइ जेतना ओका जरूरत होइ। तू लोगन मँ स आपन
परिवारे क हर एक सदस्य क खातिर एक ओमेर बटोरि
लेइ।'"

17तउ इस्राएल क मनइयन अइसा ही किहेन। हर मनई
खइया क बटोरेस। कछू मिला दूसर मनइयन स जिआदा
बटोरि लिहन। 18उ मनइयन आपन आपन परिवारे क खइया
क दिहन। जब खइया क नाप जोख भवा तउ हर मनई बरे
हमेसा ढेर क रहा, मुला कबहूँ भी जरूरत स जिआदा नाहीं
भवा। हम मनई ठीक अपने खातिर अउ आपन परिवारे बरे
ढेर क बटोरेस।

19मूसा ओन पचेन स कहेस, "अगवा दिन बरे खइया क
जिन बचावा।" 20मुला कछू लोग मूसा क बतिया नाहीं
मानेन। कछू लोग आपन खइया क बचाइ लिहन जेका उ
सबे अगवा दिन खाइ सकेन। मुला जउन खइया क बचाइ
लिहन ओहमाँ किरवा पड़ि गएन अउर उ बसाइ होइ गएन।
मूसा उ लोगन प कोहाइ गएन जउन इ किहे रहेन।

21हर भिन्सारे लोगन खइया क बटोरत रहेन। हर मनई
ओतॅना ही बटोरत रहा जेतॅना उ खाइ सकत रहा। किन्तु जब
धुपिया तेज होत रही तउ खइया गलि जात रहा।

22सुकुरवारे क मनइयन दुगुना खइया क बटेरेन। उ पचे
दुई ओमेर हर मनई बरे बटोरेन। एँह बरे लोगन क मुखिया
आएन अउर उ सबइ इ बात मूसा स कहेन।

23मूसा ओनसे कहेस, "इ वइसेन भवा जइसा यहोवा कहे
रहेन। काहेकि भियान यहोवा क परम अराम क पवित्तर दिन
परमेस्सर क मान देइ बरे अहइ। तू पचे आजु बरे जेतॅना
खइया क तोहका चाही तू बनइ सकत ह। मुला बाकी खइया
क काल्ह भियान बरे भी बचावा।"

24एँह बरे लोगन अगवा दिन बरे बाकी खइया क बचाइ
लिहन। अउर कउनो खइया किरवा पड़ि क खराब नाहीं
भवा। अउर ओहमाँ स बसाइ भी नाहीं आवत रहा।

25सनीचरे क मूसा मनइयन स कहेस, "जउन कछू तू बिते
क दिन मँ बटोरा रहेन तोहका उहइ आज खाइ चाही। आज
आराम का दिन सबत यहोवा क सम्मान दइ बरे अहइ।
आज खेत मँ खइया पाइ नाहीं चाहीं। 26तू पचन क हफ्ता
क छ: दिना मँ ही खइया बटोर इ चाही। मुला सतवाँ दिन
अराम क दिन अहइ एँह बरे भुइयाँ प कउनो खास खइया
नाही होइ।"

27सनीचरे क कछू मिला तनिक खइया बटोरइ बरे गएन,
मुला उ पचे हुवाँ रचिकउ खइया क नाहीं पाइ सकेन।
28तबहिं यहोवा मूसा स कहेस, "तोहार लोग मोर आदेसन
अउर उपदेसन क मानइ स कबहुँ तलक इनकार करत
रहब। 29लखा यहोवा सबत क दिन तोहरे अराम खातिर
बनएस ह। एँह बरे सुकुरवार क यहोवा दुइ दिना बरे ढेर क
खइया के तोहका देइहीं। एँह बरे सबत क दिना क हर
कउनो क अराम करइ चाही। तू आपन जगह प रूकि रहा
कउनो जगह बाहर नाहीं जा।" 30एँह बरे लोग सबत क
दिन अराम किहेन।

31इस्राएली लोग इ खास खइया क "मन्ना" कहब सुरू
दिहेन। मन्ना नान्हक उज्जर धनिया क बिआ क नाईं रहा
अउ एकर स्वाद सहद स बनवा पपड़े क तरह रहा। 32तबहिं
मूसा कहेस, "यहोवा हुकुम दिहेस ह: 'इ खइया क एक
ओमेर अपने सन्तानन बरे बचावा। तब्बइ उ पचे खइया क
लखि सकिहीं जेका मइँ तू पचन क रेगिस्ताने मँ तबहिं दिहे
रहेउँ जबहिं मइँ तू पचन क मिस्र स निकारे रहेउँ।'"

33एँह बरे मूसा हारून स कहेस, "एक घँड़ा लइ आवा
अउ एका एक ओमेर मन्ना स भरि द्या। अउ इ मन्ना क
भरि के यहोवा क अगवा धइ द्या अउ आपन सन्तानन बरे
बचावा।" 34(यहोवा क हुकुम क अनुसार हारून मन्ना क
कूँड़ा क सुरच्छा बरे करार क समन्वा धरेस।) 35इस्राएल क
लोगन चालीस बरिस तलक मन्ना खाएन। उ पचे मन्ना तब
तलक मन्ना खात रहेन जब तलक उ पचे उ भुइँया मँ नाहीं
आइ गएन जहाँ ओनका बसइ क रहा। उ पचे ओका तब
तलक खात रहेन जब ताईं उ पचे कनान देस क चौहद्दी
तक नाहीं पहुँचेन। 36(उ पचे मन्ना क नापइ बरे जउन तउल
क बइपरत रहेन, उ आँमर रहा जउन लगभग एक ओमेर
क बराबर रहा।)

चट्टान मँ पानी

17 इस्राएल क सबहिं मनइयन मिस्र क सीन रेगिस्तान
स साथ-साथ जात्रा किहन। उ पचे जइसा यहोवा
हुकुम देत रहेन वइसा एक ठउर स दूसर ठउरे ताईं जात्रा
करत रहेन। मनइयन रपीदीम क जात्रा किहेन अउ हुवँइ डेरा
डाएन। हुवाँ ओनका पिअइ बरे पानी न रहा। 2एँह बरे उ पचे
मूसा क खिलाफ होइ गएन अउ ओसे तहत्तुक करइ
लागेन। उ पचे माँगेन, "हमका पिअइ क पानी द्या।"

मुला मूसा ओनसे कहेस, "तू पचे मोरे खिलाफ काहे होत
बाट्या? तू पचे यहोवा क परीच्छा काहे लेत बाट्या?"

3मुला लोग पिआसा रहेन अउ पानी चाहत रहेन। एँह बरे
उ पचे मूसा स ओराहना बार बार करत रहेन। लोग कहेन,
"हम पचन क मिस्र स बाहेर काहे लइ आया? का तू हमका
एँह बरे लइ आया ह कि हम हमार गदेलन अउ गोरूअन बे
पानी क मरि जाइँ?"

4एँह बरे मूसा यहोवा क गोहार लगाएस, "मइँ इन लोगन
बरे का करउँ? इ पचे मोका मार डावइ क तइयार अहइँ?"

5यहोवा मूसा स कहेस, "लोगन क लगे जा। अउ
इस्राएल क कछू नेतन क आपन संग मँ लइ ल्या। आपन
छड़ी क आपन साथे लइ जा। इ उहइ लाठी अहइ जेका तू
तबहिं बइपरे रह्या जबहि नील नदी प एका पटके रह्या।
6मइँ तोहरे अगवा होरेब अर्थात् सीनै पर्वत प एक चट्टाने प
ठाड़ रहब। लाठी क चट्टाने प पटका अउ एहसे पानी बाहेर
आइ जाइ। तबहिं लोग पी सकत हीं।"

इ का बा? हिब्रू भाखा मँ इ सवाल "मन्ना" क तरह बोला जात ह।

मूसा उहइ किहेस अउ इस्राएल क नेतेन लखेन। 7मूसा इ
ठउरे क नाउँ मरीवा अउ मस्सा रखेस काहेकि इ उहइ
जगहिया अहइ जहाँ इस्राएल क मनइयन ओनके खिलाफ
होइ गएन अउ यहोवा क परीच्छा लिहेन इ कहत भवा,
"का यहोवा हम लोगन का संग अहइ या नाहीं?"
8अमालेकी लोगन रपीदीम आएन अउ इस्राएल क
लोगन क खिलाफ लड़ेन। 9एँह बरे मूसा यहोसू स कहेस,
"कछू मनइयन क चुना अउ भियान अमालेकियन स जाइ के
लड़ा। मइँ पर्वते क चोटी प ठाड़ होइके तू पचन क
निहारब। मइँ परमेस्सर क छड़ी क धरे रहब जउन उ मोका
दिहन ह।"
10यहोसू मूसा क हुकुम मानेस अउ भियान भए प
अमालेकियन स लड़इ गवा। उ टेमॅ प मूसा, हारून अउ हुर
पहाड़े क चोटी प गएन। 11जब कबहूँ मूसा आपन हथवा क
हवा मँ उठावत तउ इस्राएल क मनइयन जुद्ध जीत जातेन।
मुला जबहिं मूसा आपन हथवा क नीचे कइँती करेस तउ
इस्राएल क मनइयन हारइ लागेन।
12कछू समइया क पाछे मूसा क बाँह थक गइन। उ पचे
मूसा क जतन क आसान करइ बरे एक ठू रास्ता निकारेन
जब उ आपन बाँह ऊपर उठाइके राखे रहा। एँह बरे उ पचे
एक बड़की चट्टाने मूसा क तरखाले बइठइ बरे धरेन।
हारून अउ हुर मूसा क बाँही क हवा मँ धरे राखेन। हारून
मूसा क एक कइँती रहा अउर हूर दुसरी कइँती। उ पचे
ओकरे हथवा क ऊपर सूरज डूबई तलक धरे रहेन। 13एँह
बरे यहोसू अउ ओकर फउजी सिपाही अमालेकियन क जुद्ध
मँ हराइ दिहन।
14तब यहोवा मूसा स कहेस, "इ जुद्ध क बारे मँ लिखा।
इ जुद्ध क घटना क एक ठु किताबे मँ लिखा। ताकि लोग
याद करइँ कि हिआँ का भवा ह। अउर यहोसू क यकीन
दिला कि मइँ अमालेकियन क संसार स समूचइ नास कइ
देब।"
15तबहिं मूसा एक ठु वेदी बनएस। मूसा वेदी क नाउँ,
"यहोवा मोर झण्डा बा" धरेस। 16मूसा कहेस, "मइँ यहोवा
क सिंहासने कइँती आपन हाथ फइलावा ह। एँह बरे यहोवा
अमालेकि मनइयन स लड़ा ह, जइसा उ हमेसा किहेस ह।"

यित्रो मूसा क नगिचे आवत ह।

18 मूसा क ससुर यित्रो मिदियन मँ याजक रहा। यहोवा
मूसा अउ इस्राएल क मनइयन क अनेक तरह स
जउन मदद किहे रहा ओकरे बारे मँ यित्रो सुनेस। यित्रो
इस्राएल क मनइयन क यहोवा क जरिए बाहेर लइ जाइ क
बारे मँ सुने रहा। 2एँह बरे यित्रो मूसा क लगे उ समइ गवा,
जब उ परमेस्सर क पर्वत क नगिचे डेरा डाए रहा। उ मूसा
क पत्नी बसही सिप्पोरा क आपन संग लइ आवा। सिप्पोरा
मूसा क संग नाहीं रही काहेकी मूसा ओका आपन बाप क
घरे मँ पठए रहा। 3यित्रो मूसा क दुइनउँ बेटवन क भी
आपन संग लइ आवा। पहिलौटी बेटहना क नाउँ गेर्सोन राखे
रहा, काहेकि जब उ पइदा भवा, मूसा कहेस, "मइँ बिदेस मँ
अजनबी हउँ।" 4दुसरे बेटहना क नाउँ एलिएजेर राखेस
काहेकि जब उ पइदा भवा तउ मूसा कहेस, "मोरे बाप क
परमेस्सर मोर मदद किहेस ह अउ मिस्र क राजा क तरवार
स मोका बचाएस ह।" 5एँह बरे यित्रो मूसा क लगे तब गवा
जब उ परमेस्सर क पर्वत सीनै पर्वते क निअरे रेगिस्ताने मँ
डेरा डाए रहा। मूसा क मेहरारू अउ ओकर दुइ बेटवा यित्रो
क लगे रहेन।
6यित्रो मूसा क सँदेसा पठएस। यित्रो कहेस, "मइँ तोहार
ससुर यित्रो अहउँ। अउर मइँ तोहार मेहरारू अउ ओकरे
दुइनउँ बेटवन क तोहरे लगे लइ आवत हउँ।"
7एँह बरे अपने ससुर स मिलइ गवा। मूसा ओकरे
समन्वा निहुरा अउ ओका चूमेस। दुइनउँ मनइयन एक दुसरे
स हाल चाल पूछेन। तब उ पचे खेमा मँ गएन। 8मूसा
आपन ससुर यित्रो क हर बात बताएस जउन यहोवा इस्राएल
क मनइयन बरे किहे रहा। मूसा ओन सारी चीजन क बारे मँ
बताएस जउन यहोवा फिरौन अउर मिस्र क लोगन क
खिलाफ किहे रहा। अउर मूसा आपन ससुर क बताइ दिहस
कि कउने तरह यहोवा इस्राएलियन क बचाएस जब उ पचे
कस्ट मँ रहेन।
9यित्रो उ समइया बहोत खुस भवा जब उ यहोवा क
जरिए इस्राएल क मनइयन बरे सबहिं नीक बातन क सुनेस।
यित्रो एँह बरे खुस रहा कि यहोवा इस्राएल क मनइयन क
मिस्री मनइयन स अजाद कइ दिहेस। 10यित्रो कहेस:
"यहोवा क गुन गावा! उ तोहका मिस्र क मनइयन क
अजाद कराएस। यहोवा तू पचन क फिरौन स बचाएस ह।
11अब मइँ जानत हउँ कि यहोवा सबहिं देवतन स बड़वार
अहइ। उ पचे बिचारेन उ सबइ नियन्तरण मँ अहइँ मुला
निहारा यहोवा का किहेस ह।"
12तबहिं यित्रो होम बलि अउर दूसर बलि परमेस्सर क
मान दइ बरे भेंट किहस। तबहिं हारून अउ इस्राएल क
सबहिं नेतन परमेस्सर क समन्वा मूसा क ससुर यित्रो क संग
खइया क खाएस।
13दुसरे दिना मूसा लोगन क परखइ बरे बइठा। हुँवा
लोगन क गिनती जियादा रही। इ कारण लोगन मूसा क
समन्वा दिन भइ ठाड़ रहेन।
14यित्रो मूसा क लोगन क परखते भए लखेस। उ पूछेस,
"तू इ काहे करत बाट्या? का सिरिफ तू ही एक कानून क
निआवधीस अहा? अउर मनइयन सिरिफ तोहरे लगे ही सारे
दिन भइ काहे आवत हीं?"
15तबहिं मूसा आपन ससुर स कहेस, "मनइयन मोरे लगे
आवत हीं अउर आपन समस्या क बारे मँ मोसे यहोवा क
निर्णय क बारे मँ पूछत हीं। 16जदि ओन पचन मँ कउनो
वाद-विवाद होत ह तउ उ पचे मोरे लगे आवत हीं। मइँ
निर्णय देत हउँ कि कउन निआव प अहइ। इ तरह मइँ
यहोवा क नेमन अउ ओकरे उपदेसन क बारे मँ मनइयन क
बतावत हउँ।"
17मुला मूसा क ससुर ओसे कहेस, "इ नीक तरीका काम
करइ क नाहीं अहइ। 18तोहरे अकेल्ले बरे इ काम बहोत
जिआदा अहइ। एहसे तू थक जात ह अउर इ सबइ लोग
भी थक जात ही। तू इ काम क खुद नाहीं कइ सकत्या।
19अब मोरउ सुना। मइँ तोहका कछू सुझाव देत हउँ। मइँ
तोहका बताउब कि तोहका का करइ चाही।

मोर पराथना बा कि परमेस्सर तोहार साथ देइ हीं। तोहका
लोगन क वाद-विवाद सुनब जारी रखइ चाही। तोहका इ
तहत्तुकन अउ समस्या क परमेस्सर क समन्वा रखइ चाही।
20तोहका परमेस्सर क नेमन अउ विधि का उपदेसन लोगन
क देइ चाही। लोगन क चिताउनी द्या कि उ पचे परमेस्सर
क नेम न तोड़इँ। लोगन क जानकार बना उ पचन्क कइसे
जिअइ चाही। ओनका बतावा कि उ पचे का करइँ। **21**मुला
तोहका लोगन मँ स कछू क जज अउ नेता क चुनइ चाही।
"उ नीक मनइयन क चुना जेहँ प तू पतिआत ह। उ
मनइयन जउन यहोवा क मान करत हीं। उ मनइयन क चुना
जउन धने खातिर आपन फइसला न बदल देइँ। इन चुने
मनइयन क लोगन क प्रधान बनवा। एक हजार मनइयन, एक
सौ मनइयन, पचास मनइयन, अउर दस मनइयन प भी एक
प्रधान होइ क चाही। **22**इन ही सासक लोगन्क क मनइयन
क निआव करइ द्या। अगर जिआदा कउनो गंभीर मामला
होइ तउ प्रधान लोग तोहरे लगे आइ सकत हीं। अउ उ पचे
दूसर मुकदमा क फैसला खुद कइ सकत हीं। इ तरह उ पचे
तोहरे काम मँ मदद करिहीं अउ इ तोहरे बरे जिआदा सहल
होइ जाइ। **23**जदि तू परमेस्सर क इच्छा स अइसा करत ह
तबहिं तू आपन काम करइ बरे जोग्ग रहब्या। अउ एँकरे
संग संग सब मनइयन आपन समस्या क पूरी होइ जाए स
सांत होइके घरवा जाइ सकिहीं।"
24एँह बरे मूसा उहइ किहेस जइसा यित्रो कहे रहा।
25मूसा इस्राएल क मनइयन मँ स नीक मनइयन क चुनेस।
मूसा ओन मिला क मनइयन क अगुवा बनएस। हुवाँ एक
हजार मनइयन, एक सौ मनइयन, पचास मनइयन, अउर दस
मनइयन भी प्रधान रहेन। **26**इ प्रधान मनइयन क जज रहेन।
मनइयन आपन आपन समस्या क एनके लगे हमेसा लइ
आवत रहेन। अउर मूसा क सिरिफ गंभीर मामला निपटावइ
क पड़त रहा। **27**तनिक समइया पाछे मूसा आपन ससुर यित्रो
क बिदा किहेस अउ यित्रो अपने घरे लौटि गवा।

इस्राएल क संग परमेस्सर क करार

19 मिस्र स आपन जात्रा करइ क तीसरे महीना मँ
इस्राएल क मनइयन सीनै रेगिस्तान मँ पहुँचेन। **2**उ
पचे रपीदीन स चलिके सीनै रेगिस्तान मँ आएन। इस्राएल क
मनइयन रेगिस्ताने मँ पर्वत क नगिचे डेरा डाएन। **3**तबहिं मूसा
पहाड़े प परमेस्सर क लगे गवा। यहोवा ओसे पर्वत प
कहेस, "इ बातन क इस्राएल क मनइयन यानी याकूब क
बड़का परिवार स कहा। **4**'तू पचे निहार्‍या ह कि मइँ आपन
दुस्मनन क का कइ सकत हउँ। तू पचे लख्या ह कि मइँ
मिस्र क मनइयन क संग का किहेउँ ह अउ इस्राएल क
लोगन क संग का किहेउँ ह। तू सबइ देख्या ह कि मइँ तू
सबन्क मिस्र स बाहेर एक उकाब क नाईं निकारा ह अउर
हिआँ आपन निचके लइ आवा ह। **5**एँह बरे जदि तू मोरे
कथन का माना अउर मोरे आदेसन क पालन करा तउ तू
पचे मोरे खास लोग होब्या। समूचइ धरती मोर अहइ। मुला
मइँ तोहका आपन खास लोग चुनत अहउँ। **6**तू पचे मोरे
एक खास रास्ट्र-याजक क समराज होब्या।' मूसा, जउन
बतियन क मइँ तोहका बताएउँ ह ओनका इस्राएल क
मनइयन क जरूर कहि दिहा।"
7एँह बरे मूसा पहाड़े स तरखाले उतरा अउ लोगन क
सासकन क बोलाएस। मूसा लोगन क सासकन स इ कहेस
जउन कहइ क यहोवा ओका हुकुम दिहे रहेन। **8**फुन सबहिं
लोग उहइ समइ एक साथ बोलेन, "हम पचे यहोवा क हर
आदेसन क मानब जउन यहोवा कहत ह।"
तबहिं मूसा यहोवा क लगे पहाड़े प लौटि आवा। मूसा
परमेस्सर स कहेस कि मनइयन ओनके हुकुम क पालन
करिहीं। **9**अउर यहोवा मूसा स कहेस, "मइँ घनघोर घटा मँ
तोहरे लगे आउब। मइँ तोहसे बात करब। सबइ लोग मोका
तोहसे बात करत सुनिहीं। मइँ इ एँह बरे करब जेहसे लोग
ओन बातन मँ सदा पतियइहीं जउन तू ओनसे कहत अहा।"
तब मूसा यहोवा क उ सब बातन क बताएस जउन
लोगन ओसे कहेन।
10यहोवा मूसा स कहेस, "आज अउ भियान तू लोगन क
खास सभा बरे जरूर तइयार करा। लोगन क आपन ओढ़ना
धोइ लेइ चाही। **11**अउ तीसरे दिन मोरे बरे तइयार रहइ
चाही। तीसरे दिना यहोवा सीनै पहाड़े प आइ, अउर सबहीं
लोग यहोवा क निहरिहीं। **12-13**मुला लोगन स तू जरूर
कहि दिहा कि उ पचे पहाड़े स दूर ठहरइँ। एक ठु रेखा
खइँच द्या अउ ओनका उ रेखा क पार न होइ द्या। जदि
कउनो मनई या गोरू पहाड़े क छुइ तउ ओका जरूर मारि
दीन्ह चाही। ओका पथरे या तीर स जरूर मारि डावा जाइ।
मुला कउनो क ओका छुअइ नाहीं दीन्ह जाइ। लोगन क
बिगुल स लम्बी आवाज निकलइ तलक जोहइ क पड़ी।
उहइ समइया ओनका पहाड़े प जाइ दीन्ह जाइ।"
14तउ मूसा पहाड़े स खाले उतरि आवा। उ लोगन क
नगिचे गवा अउर ओनका खास बइठक बरे तइयार किहेस।
मनइयन आपन ओढ़ना धोएन।
15तब मूसा लोगन स कहेस, "परमेस्सर स मिलइ खातिर
तीन दिना मँ तइयार होइ जा। उ टेम तलक कउनो मनई
अउरत क संग सोवइ न चाही।"
16तीसरे दिना क भिन्सारे घनघोर घटा पर्वत प आइ।
बिजुरी क कड़कब अउ बदरे क गरजब भवा। इ समइया
बिगुल क बाजब ऊँची अवाज मँ भवा। डेरा क सबहिं लोग
ससाइ गएन। **17**तब मूसा लोगन क डेरा स बाहेर पहाड़े क
तलहटी प परमेस्सर स भेंटइ बरे गवा। **18**सीनै पहाड़ धुआँ
स ढँकि गवा। पहाड़े स धुआँ अइसा निकरा जइसे भट्ठी स
निकरत होइ। इ एँह बरे भवा कि यहोवा आगी मँ पहाड़े प
उतरेन। अउर साथ ही समूचा पहाड़ थरथर काँपइ लाग।
19बिगुल क अवाज जोर स जिआदा जोरदार होत गइ। जबहुँ
मूसा परमेस्सर स बात किहेस, परमेस्सर बदरे क गरज क
नाईं ऊँची अवाज मँ ओका जवाब दिहस।
20इ तरह यहोवा सीनै पहाड़े प उतरा। तबहिं यहोवा मूसा
क आपन लगे पहाड़े क चोटी प आवइ बरे कहेस। एँह बरे
मूसा पहाड़े प चढ़ि गवा।
21यहोवा मूसा स कहेस, "जा अउर लोगन क चेताउनी
दइ द्या कि उ पचे मोका निहारइ बरे मोरे लगे न आवइँ।
जदि उ पचे अइसा करिहीं तउ उ पचे मरि जइहीं। अउर इ

तरह ढेर लोगन क मउत होइ जाइ। 22ओन याजकन स भी
कहा जउन मोरे लगे आवा चाहत हीं कि उ पचे इ खास
मिलन बरे खुद क तइयार करइँ। जदि उ पचे अइसा नाहीं
करतेन तउ मइँ ओनका सजा देब।"

23मूसा यहोवा स कहेस, "मुला लोग पर्वत प नाहीं आइ
सकत हीं। आप खुद ही हम का एक रेखा खइँचके पहाड़े
क पवित्तर समुझइ अउ ओका पार न करइ बरे मोसे कहे
रह्या।"

24यहोवा ओसे कहेस, "लोगन क लगे जा अउ हारून
क लइ आवा। ओका आपन संग वापस लइ आवा। मुला
याजकन अउ लोगन क मोरे लगे जिन आवइ द्या। जदि उ
पचे भी मोरे जिआदा नगिचे अइहीं तउ मइँ ओनका सजा
देब।"

25एँह बरे मूसा लोगन क लगे गवा अउ ओनका इ सब
बातन बताएस।

दस आग्यन

20 तबहिं परमेस्सर कहेस, 2"मइँ तोहार परमेस्सर
यहोवा हउँ। मइँ तोहका मिस्र देस स बाहेर लइ
आएउँ। मइँ तोहका गुलामी स अजाद करावा। एँह बरे
तोहका सचमुच इन आदेसन क मानइ चाही।

3"तोहार लगे मोर अलावा अउर कउनो देवतन नाहीं
होइ चाही।"

4"तोहका कउनो भी मूर्ति या कउनो भी चीज क
कउनो तस्वीर जिन बनवा जउन ऊपर अकासे मँ या
खाले भुइयाँ प या धरती क तरखाले पानी मँ होइ। 5
कउनो भी तरह क मूर्ति क आराधना जिन करा, अउर
न ही ओकर सेवा करा। काहेकी मइँ तोहार यहोवा
परमेस्सर हउँ। मइँ ईस्यालु परमेस्सर हउँ। जउन मनई
मोरे खिलाफ पाप करत ह तउ उ हमार दुस्मन होइ जात
ह। मइँ उ मनइयन क सजा देब। अउर मइँ ओनके
गदेलन, ओनके नातिन पोतन अउ ओनके पर-नतिन
पोतन क भी सजा देब। 6मुला मइँ ओन लोगन प कृपा
करब जउन मोसे पिरेम करिहीं अउ मोरे हुकुमन क
मनिहीं। मइँ ओनके परिवारे बरे हजारन पीढ़ी तलक कृपा
करब।

7"तोहरे परमेस्सर यहोवा क नाउँ क बइपरब तोहका
गलत ढंग स नाहीं करइ चाही। जदि कउनो मनई
यहोवा क नाउँ क प्रयोग गलत ढंग स करत ह तउ उ
अपराध करत ह अउ यहोवा ओका बे अपराधे क न
मनिहीं। 8"तोहका सबित क दिन क एक खास दिन क
रूप मँ मनावइ क याद रखइ चाही। 9हफ्ता मँ तू छ
दिन तलक काम कइ सकत ह। 10मुला सातवाँ दिन,
सबित क दिन यहोवा तोहरे परमेस्सर क मान देइ बरे
अराम क दिन अहइ। एँह बरे उ दिन कउनो व्यक्ति-तू,
तोहार बेटवा अउ बिटिया तोहरे नउकर अउ नउकरानी,
गोरू अउर तोहरे सहर मँ रहइवाला बिदेसी क काम न
करिहीं चाही। 11काहेकी यहोवा छ: दिना तलक काम
किहेस अउ अकास, धरती, सागर अउ ओनके बरे हर
चीज बनएस। अउ सातवाँ दिन यहोवा अराम किहेस। इ
तरह यहोवा सबित क दिन क बरदान दिहेस कि ओका
अराम क पवित्तर दिन क रूप मँ मनावा जाइ। यहोवा
ओका बहोत ही खास दिन बनएस।

12"आपन बाप अउ महतारी क इज्जत करा। इ करा
ताकि तू उ धरती प जउन धरती क परमेस्सर तोहका देत
अहइ, लम्बी जिन्नगी बिताइ सका। 13"तोहका कउनो
व्यक्ति क कतल नाहीं करइ चाही।

14"तोहका जिनाखोरी क पाप न करइ चाही।

15"तोहका चोरी न करइ चाही।

16"तोहका आपन पड़ोसी क खिलाफ झूठी गवाही न
देइ चाही।

17"तोहका पड़ोसी क घर हथियावइ क इच्छा न
करइ चाही। तू आपन पड़ोसी क मेहरारू, ओकर नउकर
अउ नउकरानी, ओकर गोरू अउ ओकरे गदहा क
हथियावइ क इच्छा नाहीं करइ क चाही। तोहका दूसर
व्यक्ति क चीजन्क लेइ क इच्छा न करइ चाही।"

लोगन यहोवा स डेरानेन

18घाटी मँ लोग बदरे क गर्जब अउ पहाड़े प बिजुरी क
चमकब निहारेन। उ पचे बिगुल क अवाज सुनेन अउ पहाड़े
स धुआँ उठब लखेन। मनइयन डेरानेन अउ भय स काँपि
गएन। उ पचे पर्वत स दूर ठाड़ रहेन अउ निहारत रहेन।
19तब लोगन मूसा स कहेन, "जदि तू हम पचन स कछू
कहइ चहब्या तउ हम पचे सुनब। मुला परमेस्सर क हम
पचन स बात जिन करइ द्या। जदि इ होइ तउ हम पचे मरि
जाब।"

20तब मूसा लोगन स कहेस, "जिन डेराअ। यहोवा तोहार
परिच्छा लइ बरे आएस ह। उ चाहत ह कि तू पचे ओका
मान द्या जेहसे तू पचे पाप जिन कइ सका।"

21लोग उ समइ उठिके पर्वत स दूर चला गएन जबहिं
मूसा उ घना बदरे मँ गवा जहाँ यहोवा रहेन। 22तबहिं यहोवा
मूसा स इस्राएलियन क कहइ बरे इ बातन क कहेस: "तू
पचे निहार्या ह कि मइँ तोहसे अकास स बात कीन्ह ह।
23एँह बरे तू पचे मोरी बराबरी करइ बरे सोना अउ चाँदी क
मूर्ति जिन बनवा। तोहका झूठे देवतन क मूर्तियन न बनवइ
चाही।

24"मोरे बरे एक खास वेदी बनवा। इ वेदी बनवइ बरे
मिट्टी बइपरा। इ वेदी प मोका बलि क रूप मँ होम बलि
अउ सान्ति भेंट चढ़ाइ द्या। इ काम बरे आपन भेड़ अउ
गोरू क इस्तेमाल करा। एँका उ सबहिं ठउरे प करा जहाँ
मइँ आपन क याद करइ बरे कहउँ। तबहिं मइँ आउब अउ
तोहका आसीर्बाद देब। 25जदि तू लोग वेदि क बनवइ बरे
चट्टान क बइपरत ह तउ उ पाथर क न बइपरइँ जउने
पाथर क लोह क औजार स काटा गवा ह। जदि तू अइसा
करत ह तउ मइँ उ वेदी क अगींकार न करब। 26तू पचे
वेदी प पहुँचइ बरे सीढ़ी जिन बनया। जदि सीढ़ी होइ तउ
लोग ऊपर वेदी क लखिहीं तउ उ पचे तोहरे ओढ़ना क
नीचे स तोहका निहरिहीं।"

दूसर कानून अउ हुकुम

21 तब परमेस्सर मूसा स कहेस, “इ सबइ नेम अहइँ
जेकाँ तू लोगन क देब्या:

2“जदि तू एक हिब्रू गुलाम खरीदत ह तउ उ तोहार सेवा
सिरिफ छ बरिस करी। छ बरिस बाद उ अजाद होइ अउर
ओका आजाद होइ बरे कछू नाहीं देइ क होइ। 3जदि उ
मनई क बियाह तोहरे गुलामी स पहिले नाहीं भवा अहइ,
तब जब उ अजाद होइ क टेमॅ मँ अकेले ही चला जाइ।
मुला जदि उ तोहार गुलाम होइ स पहिले बियाहा होइ तउ उ
आपन पत्नी क आपन संग लइ जाइ। 4जदि गुलाम बियाहा
नाहीं होत तउ ओकर मालिक ओका मेहरारू दियाँइ सकत
ह। जदि उ पत्नी, बेटवा अउर बिटिया क जन्मी, तउ उ
पत्नी अउर ओकर बेटवा अउ बिटिया ओकर मालिक क
होइहीं। आपन सेवा क समइ काटे क पाछे उ गुलाम अजाद
कीन्ह जाइ।

5“मुला इ होइ सकत ह कि गुलाम इ निहचय करइ कि
उ आपन मालिक क संग रहइ चाहत ह। तब ओका इ
कहइ क पड़ी, ‘मइँ आपन सुआमी स पिरेम करत हउँ। मइँ
आपन पत्नी अउर आपन बचवन स पिरेम करत हउँ। मइँ
अजाद नाहीं होब। मइँ हिअँइ रहब।’ 6जदि अइसा होइ तउ
गुलाम क सुआमी ओका निआवाधीसन* क लगे लिआइ।
उ ओका दरवाजा तलक लइ जाइ अउर उ कउनो तेज
अउजार स गुलाम क कान छेदी। तब उ दास जिन्नगी भइ
मालिक क सेवा करी।

7“कउनो भी मनई आपन बिटिया क दासी क तरह बेचइ
बरे ठान लेत ह। जदि अइसा होत ह तउ ओका अजाद करइ
क कानून उ गुलाम मनई क आजाद करइ क कानून स
अलग होइ।। 8जदि गुलाम क मालिक उ मेहरारू स संतुट्ठ
न होइ तउ उ ओकरे बाप क बेच सकत ह। मुला जदि
दासी क मालिक उ मेहरारू स बीहइ क बचन देइ तउ उ
दूसर मनई क बेचइ क हक ओका नाहीं।” 9जदि दासी क
सुआमी उ दासी स आपन बेटवा बीहइ क बचन देइ तउ
ओसे दासी जइसा बेवहार नाहीं कीन्ह जाइ। ओकरे साथ
बिटिया जइसा बेवहार करइ चाही।

10“जदि दासी क सुआमी कउनो दूसर मेहरारू स अपने
क बियाहत ह तउ ओका चाही कि उ पहली मेहरारू क
कमती खइया के अउ ओढ़ना न देइ अउर न ही ओकर
बियाहे क हक मँ कमती करइ। अउर ओका चाही कि उ
सब चीजन्क बराबर देत रहइ चाही जेका पावइ क हक
ओका बियाहे मँ मिला रहा। 11उ मनई क ई तीन ठु चीज
ओकरे बरे करइ चाही। जदि उ करत नाहीं तउ उ मेहरारू
अजाद कीन्ह जाइ अउ एकरे बरे ओका कछू भी नाहीं देइ
क पड़ी। ओका उ मनई बरे कउनो धने क देनदार न होइ
क पड़ी।

12“अगर कउनो मनई दूसर क मारत ह अउर ओका
मारि डावत ह तउ मरवइया भी मारि डावा जाइ। 13मुला
कउनो संजोग होइ जात ह कि कउनो बे पहिले क जोजना
बनाए कउनो क मारि डावत ह, तउ अइसा परमेस्सर क
मर्जी स ही भवा होइ। मइँ कछू खास ठउरे क चुनब जहाँ
मनई सुरच्छा बरे भागिके जाइ सकत हीं। इ तरह उ
हत्तियारा भागिके एहमाँ स कउने भी ठउरे प जाइ सकत ह।
14मुला जदि कउनो मनई कउनो मनई बरे किरोध या घिन
धरे क कारण ओका जान बूझ क मारि डावइ क चाल
चलत ह तउ उ हत्तियारा क जरूर सजा मिलइ चाही। उ
मनई क मोरी वेदी स भी दूर लइ जाइ चाही अउर ओका
मारि डावा चाही।

15“कउनो मनई जउन महतारी बाप क मारइ तउ ओका
जरूर मारि डावा जाइ।

16“अगर कउनो मनई कउनो क गुलाम क तरह बिक्री
करइ या आपन गुलाम बनवइ बरे अपहरण करइ तउ ओका
जरूर मारि देइ चाही।

17“कउनो मनई जउन अपने बाप या आपन महतारी क
सरापत ह ओका जरूर मारि देइ चाही।

18“दुइ मनई तहत्तुक करइँ अउ एक दुसरे क पथरे स
या मूका स मारि सकत ह। उ मनई क तोहका कइसे सजा
देइ चाही। जदि मार खावा मनई मरत नाहीं तउ मरवइया क
न मारि डावइ चाही। 19मुला जदि मार खावा मनई कछू समइ
तलक खटिया प पड़ा रहइ तउ मरवइया क ओका हर्जाना
देइ चाही। मरवइया ओकरे टेम क बर्बादी क धन स पूरा
करइ। उ मनई तबहिं ताईं ओका हर्जाना देइ जब तलक उ
पूरी तरह स चंगा न होइ जाइ।

20“कबहुँ-कबहुँ मनई आपन दास अउ दासी क पीट देत
हीं। जदि पीटे-पाटे क पाछे उ दास मरि जात ह तउ
हत्तियारा क जरूर सजा देइ चाही। 21मुला दास अगर मरत
नाहीं अउ कछू दिनाँ पाछे उ नीक होइ जात ह तउ उ मनई
क सजा न दीन्ह जाइ। काहेकि दास क मालिक दास बरे धन
दिहे रहा अउ उ दास ओकर अहइ।

22“दुइ मनइ आपस मँ लड़इँ-भिड़इ अउ कउनो गर्भवाली
अउरत क धक्का दइ देत हीं। जदि उ मेहरारू अपने लरिका
क जन्मत ह, अउर महतारी बुरी तरह घायल नाहीं बा तउ
धक्का देवइया क जरूर धन देइ चाही। उ मेहरारू क भतार
इ तय करी कि उ मनई केतना धन देइ। जज उ मनई क इ
तय करइ मँ मदद देइहीं कि उ धन केतना होइ। 23जदि
अउरत बुरी तरह घायल होइ तउ उ मनई क जउन ओका
चोट पहुँचाएस ह जरूर सजा देइ चाही। जदि एक मनइ मारि
डावा जात ह तउ हत्तियारा जरूर मारि डावा जाइ। तू एक
जिउ क बदले दूसर जिउ लइ चाही। 24तू आँखी क सन्ती
आँखी, दाँत क सन्ती दाँत, हाथे क सन्ती हाथ, गोड़ क
सन्ती गोड़। 25जरइ क सन्ती जरावा, खोंचे क सन्ती खोंचा
अउ घाउ क सन्ती घाउ होइ।

26“अगर कउनो मनई गुलाम क आँखी क खोंचइ अउर
अगर गुलाम उ आँखी स आँधर होइ जाइ तउ उ गुलाम
अजाद कइ दीन्ह जाइ। ओकर आँखी ओकरी अजादी क
कीमत अहइ। इ नेम मरद अउ मादा बरे दुइनउँ गुलाम एक
ही तरह अहइ। 27अगर दास क मालिक दास क मुँहना प
मारइ अउ दास क कउनो दाँत टूटि जाइ तउ दास अजाद
कइ दीन्ह जाइ। दाँस क दँतवा ओकरे अजादी क कीमत
अहइ। इ दास अउ दासी दुइनउँ बरे एक तरह अहइ।

निआवाधीसन कबहुँ परमेस्सर क अरथ निआवाधीस भी होत ह।

28“अगर कउनो मनई क साँड़ कउनो मेहरारू या मनई क मार देत ह तउ तू पाथर क बइपरा अउ साँड़ क मारि डावा। तू उ साँड़े क खाइ नाहीं चाही। मुला साँड़े क मालिक अपराधी नाहीं बा। 29मुला जदि साँड़ पहिले स मरकहा अहइ अउ साँड़े क सुआमी क ओराहना दइ दीन्ह गइ अहइ तउ उ सुआमी दोखी अहइ। काहेकि इ साँड़े क बाँधा या बाड़ा मँ बंद कइके नाहीं रखा गवा। तउ जदि साँड़ अनेरे छोरि दीन्ह ग होइ अउ कउनो क जान स मार देत ह। तउ सुआमी दोखी अहइ। तू पचन्क साँड़े क पाथरे स मारि देइ चाही अउर सुआमी क भी हत्तिया कइ देइ चाही। 30मुला अगर मउत पावइवाला परिवार क मनई कसूरवार मनई स छुड़ौती क धन स्वीकार करत हीं, तउ छुड़ौती क धन निआवधीस क तय करइ चाही अउर साँड़े क मालिक क मारइ न चाही।

31“इहइ नेम लागू करइ चाही जदि साँड़ कउनो मनई क बेटवा या बिटिया क मारि डावत ह। 32मुला साँड़ जदि गुलाम क जान स मार देइ तउ साँड़ क मालिक दास क सुआमी क चाँदी क तीस सिक्का* देइ। अउ साँड़ भी पथरे स मारि डावा जाइ। इ नेम दास अउ दासी बरे एक तरह लागू होइ।

33“जदि कउनो मनई एक खुला गड़हा या कुइयाँ खनइ अउ ओका मूँदइ नाहीं अउर कउनो मनई क जनावर आवइ अउ ओहमा गिरि पड़इ तउ गड़हा क मालिक दोखी बा। 34गड़हा क मालिक जनावर बरे हर्जाना देइ मुला जनावर क हर्जाना दिए जाए प ओका उ जनावर क ल्हास लेइ दीन्ह जाइ।

35“जदि कउनो क साँड़ कउनो दूसर मनई क साँड़े क मारि डावइ तउ उ साँड़ क जउन जिअत अहइ ओका बेंचइ दइ चाही। अउ एहसे मिले भए धन क आधा आधा हींसा दुइनउँ मनइयन क मिली। अउ मरे साँड़े का अधियाइ क दुइनउँ क जरूर बाँटि दीन्ह जाइ। 36मुला उ मनई क साँड़ पहिले कउनो जनावरे क मारे अहइ तउ साँड़े क मालिक आपन साँड़ बरे जिम्मेदार अहइ। जदि ओकर साँड़ दूसर साँड़ क मारि डावत ह तउ उ अपराधी बा काहेकि उ साँड़े क अजाद छोड़ेस। उ मनई साँड़ क बदले साँड़ देइ। उ मरे भए साँड़ हरजाने मँ आपन साँड़ जरूर देइ।

22 “तू उ मनई क सजा कइसे देब्या जउन एक बर्धा या भेड़ी क चुरावत ह? जदि उ मनई जनावर क मारि डावइ या बेंच डावइ तउ उ ओका लउटाइ तउ सकत नाहीं। एँह बरे उ चोराए बर्धा क बदले मँ पाँच बर्धा देइ। या एक ठु चोराइ भई भेड़ी क बदले चार भेड़ी देइ। एँह बरे उ आपन चोरी क अपराध बरे हरजाना भी देइ। 2-4जदि उ कंगाल बा, तउ ओका गुलाम क रूप मँ बेचा जाइ। अगर ओकरे लगे चोराइ क भवा जनावर अहइ तू ओका खोजा जात ह तउ उ मालिक क एक ठु जनावर चोरी खातिर दुइ ठु जनावर देइ। एहसे कउनो दरकार नाहीं कि कि उ जनावर गदहा, बर्धा या भेड़ी रही।

“अगर कउनो चोर राति सेंध लगावत धइ जात ह अउ ओका कउनो मनई मारि डाएस तउ जउन ओका मारी डाएस उ मरइ क कउनो दोखी न होइ। मुला अगर इ दिन मँ घटि जात ह तउ जउन हत्तियारा क हत्तिया क दोख लागी।

5“अगर कउनो मनई आपन खेत या अंगूरे क बगिया मँ आपन जनावरन क धरइ देइ अउर उ जनावर पडोसी क खेत या अंगूरे क बगिया मँ चलि जाइ अउ ओकर अनाज क बरबाद करइ देत ह तउ उ आपन सबत बढ़िया फसिल क आपन पड़ोसी क नोकसान बरे भरइ।

6“अगर कउनो मनई आपन खेतवा क कँटहरी झाड़ी मँ आगी लगावइ अउ आगी बढ़त बढ़त पड़ोसी क फसिल या पड़ोसी क खेते क दाना क बारि देइ, तउ मनई जउन आगी बारेस ह ओका ओकरे बरे हर्जाना देइ क होइ जउन बारेस ह।

7“कउनो मनई आपन पड़ोसी स ओकर घरे मँ कछू धन या कछू दूसर चीज धरइ बरे कहइ अउर जदि उ धन या उ सबइ चीजन पड़ोसी क घरे स चोरी चली जाइँ तउ तू का करब्या? तोहका चोरे क पता लगावइ क जतन करइ चाही। जदि तू चोरे क धइ लिहा ह तउ उ चीजे क दाम दुइ गुना देइ। 8मुला जदि तू चोर क पता न लगाइ सका तब निआवाधीसन तय करिहीं कि उ अपराधी अहइ कि नाहीं। घरे क मलिक क निआवाधीसन क समन्वा जाइ चाही तउ निआवाधीसन तय करइहीं अगर उ आपन पड़ोसी क चिजियन क चुराएस ह।

9“जदि दुइ मनई कउनो हेरान बर्धा, गदहा, भेड़ी, ओढ़ना या कउनो दूसर चीज क बारे मँ तकरार करइँ तउ तू का करब्या? एक मनइ कहत ह, ‘इ मोर अहइ।’ अउर दूसर कहत ह, ‘नाहीं इ मोर अहइ।’ दुइनउँ मनई परमेस्सर क लगे जाइँ। परमेस्सर तय करिहीं कि अपराधी कउन अहइ। जउन मनई गलती क दोखी होइ उ उ चीजे क दुइ गुना दाम भरी।

10“कउनो आपन पड़ोसी स कछू टेम बरे आपन जनावर क देखइ भालइ क कहइ। उ जनावर एक गदहा, बर्धा या भेड़ी होइ सकत ह। तबहिं तू का करब्या जदि उ जनावर मरि जाइ या चोट खाइ जाइ या कउनो मनई उ जनावरे क चोराइके लइ जाइ जब कउनो मनई ओका लखत न होइ। 11उ पड़ोसी सफाई देइ कि उ जनावर क चोराएस नाहीं ह। अगर इ सच होइ तब पड़ोसी यहोवा क किरिया खाइ कि उ ओका नाहीं चोराएस ह। जनावर क मालिक इ किरिया क जरूर मानइ। पड़ोसी क हेरान जनावर क मालिक क हर्जाना नाहीं देइ क होइ।

12“मुला जदि पड़ोसी क चोराएस ह तउ उ मालिक क जनावर बरे भुगतान जरूर करइ। 13जदि जंगली जनावर जनावर क मारि डाए होइ तउ सबूत बरे ओकरे सरीर क पड़ोसी लइ आवइ। पड़ोसी मारा भवा जनावर क मालिक क हर्जाना न देइ।

14“अगर कउनो मनई आपन पड़ोसी स कउनो चीजन उधार प लेइ तउ ओकरे बरे उ मनई क जिम्मेदार होइ चाही। जदि उ आपन पड़ोसी स कउनो जानवर उधार प लइ जाइ जदि उ जनावरे क चोट लगि जाइ या उ मरि जाइ तउ पड़ोसी मालिक क हर्जाना देइ। पड़ोसी एँह बरे जिम्मेदार अहइ काहेकि ओकर मालिक हुवाँ खुद नाहीं रहा। 15मुला जदि मालिक जनावर क संग हुवाँ होइ तब पड़ोसी क भुगतान नाहीं करइ क होइ। या जदि पड़ोसी काम लेइ बरे

चाँदी क तीस सिक्का एक नवा गुलाम क कीमत।

भाड़ा क भुगतान करत होइ तउ जनावर क मरइ या चोट
खाइ प ओका कछू भी नाहीं देइ क होइ। जनावर क
बइपरइ बरे दीन्ह गवा भाड़ा ही खूब होइ।
16“अगर कउनो मनई कउनो बिन बियाही कुवँरी कन्या
क गुमराह करत ह अउ ओकर संग सारीरिक सम्बंध
बनावत ह तउ ओका ओसे बियाह करइ चाही। ओकरे बाप
क पूरा पूरा दहेज देइ। 17अगर बाप उ बिटिया क ओसे
बीहइ क मना करत ह तउ भी उ मनई क धन देइ क होइ।
उ ओका दहेज क भरपूर धन देइ।
18“तू कउनो अउरत क जादू टोना जिन करइ द्या। जदि
उ अइसा करइ तउ तू ओका जिअइ जिन द्या।
19“तू कउनो मनई क कउनो जनावर क संग जिनाखोरी
जिन करइ द्या। जदि अइसा होइ तउ उ मनई जरूर मारि
डावा जाइ।
20“जदि कउनो मनई झूठे देवता क बलि चढ़ावत ह तउ
उ मनई जरूर बर्बाद कइ द्या। सिरिफ यहोवा ही अइसा
अहइँ जेहका तू पचन्क बलि चढ़ावइ चाही।
21“याद राखा पहिले तू पचे मिस्र देस मँ बिदेसी रह्या।
एँह बरे तू पचे उ मनई क जिन ठगा न ओका चोट
पहुँचावा जउन तोहरे देस मँ बिदेसी होइ।
22“तू पचे अइसी अउरत क कबहुँ नोस्कान नाहीं करइ
चाही जेकर भतार मरि गवा होइ या कउनो अनाथ बचवन
होइँ। 23जदि तू पचे ओन राँड़ या अनाथ बचवन क कछू
बुरा करिब्या तउ उ पचे मोरे अगवा रोइहीं अउर मइँ ओनके
गोहार क सुनब।
24“अउर मोका जिआदा किरोध आइ। मइँ तोहका तरवारि
स मारि डाउब। तबहिं तोहार पत्नी राँड़ होइहीं। अउर तोहार
गदेलन अनाथ होइ जइहीं।
25“जदि मोरे लोगन मँ स कउनो गरीब होइ अउर तू
ओका कर्ज द्या तउ उ धन पइ तोहका बिआज नाहीं लेइ
चाही। 26कउनो मनई उधारे पर लीन्ह धन बरे आपन कोट
क रेहन धरत ह तउ सूरज बूड़इ स पहिले ओका कोट
लउटाइ द्या। 27जदि उ आपन कोट नाहीं पावत तउ ओकरे
लगे तन ढाकइ क कछू भी नाहीं होइ। जब उ सोइ तउ
ओका सर्दी लागी। जदि उ मोका रोइ क पुकारी तउ मइँ
ओकर सुनब। मइँ ओकर बात सुनब काहेकि मइँ कृपालु
हउँ।
28“तू परमेस्सर या आपन लोगन क नेतन क सरापइ नाहीं
चाही।
29“फसिल काटइ क टेमॅ प तोहका आपन पहिला अनाज
अउर पहिला फले क रस मोका देइ क चाही। बरिस क
आखिर तलक प्रतिच्छा जिन करा।
“आपन पहिलौटी पइदा भवा बेटवन क मोका दइ द्या।
30आपन पहिला गोरू अउ भेड़ी क बच्चा मोका द्या।
पहिलौटी बच्चा क सात दिना तक जनावरे क महतारी क
संग रहइ द्या। आठवें दिन मोका इ सब द्या।
31“तू पचे क मोर बरे पवित्तर लोग होइ चाही। एँह बरे
कउनो अइसे जनावरे क गोस जिन खा जेका कउनो जंगली
जनावर मारि डाए होइ। उ मरे भए जनावरन क कुकुरन क
खाइ द्या।

निआव अउर कूपा क नेम

23 “दूसर मनइयन क खिलाफ लबार जिन बोला।
जदि तू अदालत मँ गवाह ह्वा तउ बुरा मनई बरे
लबार जिन बोला।
2“कुछ अइसा जिन करा सिरिफ एह बरे हर मनई वइसा
करत बा। अगर मनई क समूह गलत करत बा तउ
ओनकइ साथ जिन द्या। तू ओन मनइयन क अपने क
गलत काम बरे बहकावइ जिन द्या। तू उहइ करा जउन
ठीक अउ निआव क बात होइ।
3“अगर एक ठु गरीब मनई क अदालत मँ जाँच होत
भइ, तउ कबहुँ कबहुँ लोग ओकर साथ देत हीं काहेकि उ
पचे अफसोस महसूस करत ह। त उ जिन करा। जदि उ
निआउ प होइ तउ ओकर साथ द्या।
4“जदि तू कउनो हेरान बर्धा या गदहा पावा तउ तोहका
ओका मालिक क लौटाए देइ चाही। चाहे उ तोहार दुस्मन
काहे न होइ।
5“जदि उ लखा कि जनावर एँह बरे नाहीं चल पावत
अहइ कि ओको ऊपर ढेर क बोझ लदा अहइ तउ तोहका
ओका रोकइ चाही अउ उ जनावर क मदद करइ चाही।
तोहका उ जनावर क मदद तबहुँ भी करइ चाही जब उ
जनावर तोहरे दुस्मनन मँ स कउनो क होइ।
6“तोहका गरीबन क संग अदालत मँ अनिआव न होइ
देइ चाही। ओनके संग दूसर लोगन क तरह निआव होइ
चाही।
7“बहोत होसियार रहा कि तू कउनो बात बरे कउनो क
अपराधी कहा। कउनो बेकसूर मनई क खिलाफ अपराध जिन
लगावा। कउनो निर्दोखी मनई क अपराध क सजा क जरिए
जान स जिन मारा जाइ द्या काहेकि उ अपराध नाहीं किहेस।
अगर कउनो मनई निर्दोखी क हत्तिया करइ तउ उ दुट्ठ
अहइ। अउर मइँ उ दुट्ठ मनई क दोख मुक्त न करब।
8“अगर कउनो मनई गलत होए प आपन बात अंगीकार
करावइ बरे तोहका घूस देइ तउ जिन ल्या। अइसा घूस जज
क भी आँधर कइ देइ जेसे उ फुर बात क न लखि
सकिहीं। इ तरह क घूस नीक मनइयन क लबार होइ क
सिखाइ।
9“तू कउनो बिदेसी क संग जउन तोहार भुइँया मँ रहत ह
जुलम जिन करा। याद राखा जब तू मिस्र देस मँ बसत रह्या
तबहिं तू बिदेसी रह्या।

खास छुट्टियन

10“छ: बरिस ताईं बिआ बोवा। आपन फसिल काटा अउ
खेत क तइयार करा। 11मुला सातवें बरिस आपन खेत क
जिन जोता। सातवाँ बरिस खेते क खास अराम करइ क होइ।
आपन खेते मँ कछू जिन बोआ। अगर कउनो फसिल सातवें
बरिस मँ आपन आप होइ जात ह तउ ओका गरीबन क
खाइ द्या। जउन खइया क दाना बच खुच जाइ ओका बनैला
पसु क भकोसइ द्या। इहइ बात तोहका अंगूर अउ जइतून
क बृच्छ क बारे मँ करइ चाही।
12“छ: दिना तलक काम करा। तब सातवाँ दिन अराम
करा। एहसे तोहरे गुलामन, मजूरन अउ बिदेसियन क जउन

कि तोहार बरे काम करत हीं तनिक समइ बरे अराम अउर
सुस्ताइ क टेम मिली। अउर तोहार बर्धा अउ गदहा भी
अराम करइ क टेम पइहीं।
13“इ नेमन क मनाइ बरे होसयारी बरता। झूठ देवतन क
पूजा जिन करा। तू सबन्क ओनकइ नाउँ भी नाहीं लेइ चाही।
14“हर बरिस तोहार तीन खास छुट्टी क दिन होइहीं। इ
दिना तू पचे मोर आराधना बरे मोर खास जगह प आया।
15पहिल छुट्टी क दौरान बेखमीरे क रोटी क दावत होइ। इ
वइसा ही होइ, जइसा मइँ हुकुम दिहे हउँ। इ दिन तू अइसी
रोटी खाब्या जेहमा खमीर न होइ। इ सात दिना ताईं चली। तू
पचे ऍका आबीब क महीना मँ करब्या। काहेकि इ उहइ
टेम अहइ जब तू पचे मिस्र स आए रह्या। इ दिना कउनो
भी मनई मोरे समन्वा खाली हाथ जिन आया।
16“दूसर छुट्टी का दिन फसल काट्इ क, तोहार मिहनत
क पहिला फल क परब होइ।”
“तीसर छुट्टी क दिन फसल जमा करइ क परब होइ।
इ पतझड़ मँ तब मनावा जाइ जब तू खेत मँ आपन सारी
फसल क काटब्या।
17“इ तरह हर बरिस तीन दाईं सबहिं मनई यहोवा आपन
सुआमी क समन्वा हाजिर होइहीं।
18“जब तू कउनो जनावर क मारा अउ एकरे खूने क
बलि क रूप मँ जब चढ़ावा तउ अइसी रोटी भेंट मँ जिन
चढ़ावा जेहमाँ खमीर होइ। अउर जब तू इ बलि क खा तउ
एकहि दिन मँ सब गोस खाइ जा। दूसर दिन बरे गोस जिन
बचावा।
19“जबहिं तू फसिल काटइ क टेम आपन फसिल बटोरा
तबहिं आपन काटइ भइ फसिल क पहिली उपज आपन
यहोवा क मन्दिर मँ लावा।
“तोहका नान्ह बोकरी क मांस नाहीं खाइ क चाही जउन
आपन महतारी क दूधे मँ पका भवा होइ।

परमेस्सर इस्राएल क ओकर मँ भूमि लेइ क मदद करी

20परमेस्स्सर कहेस, “मइँ तोहरे समन्वा तोहार अगुआयी
बरे एक ठु सरगदूत पठवत हउँ। इ सरगदूत तोहका उ ठउरे
प लइ जाइ जेका मइँ तोहरे बरे तइयार किहेउँ ह। इ
सरगदूत तोहार रच्छा करी। 21सरगदूत क हुकुम माना अउ
ओकरे पाछे चला। ओकरे खिलाफ कउनो बुरा काम जिन
करा। उ सरगदूत तोहरे जर्म क छिमा न करी जउन तू
ओकरे बरे करब्या। ओहमाँ मोर सक्ती अहइ। 22तोहका उ
बात मानइ चाही जउन उ कहत ह। तोहका हर एक काम
करइ चाही जउन मइँ तोहका कहत हउँ। जदि तू इ करब्या
तउ मइँ तोहरे संग रहब। मइँ तोहरे सबहिं दुस्मनन क
खिलाफ होइ जाब। अउर मइँ उ हर लोग क दुस्मन होब
जउन तोहरे खिलाफ होइ।”
23यहोवा कहेस, “मोर सरगदूत तोहका इ देस स होइके
जाइ मँ तोहार अगुवायी करिहीं। उ तोहका कइउ अलग
अलग लोगन एमोरी, हित्ती, परिज्जी, कनानी, हिब्बी अउ
यबूसी क खिलाफ तोहार अगुवायी करिहीं। मुला मइँ ओन
सबहिं क नास कइ देब।”
24“ओनकइ देवदत क जिन पूजा करा। ओन देवतन क
निहुरिके पइलगी जिन करा। तू उ तरीका स जिन रहा जउने
तरीका स उ पचे रहत हीं तोहका ओनकइ मूरत क नास
कइ देइ चाही। तोहका ओनकइ स्मृति क पाथर क तोड़ देइ
चाही जउन ओनकइ देवतन क सुमिरइ मँ उ पचन्क मदद
करत ह। 25तोहका यहोवा आपन परमेस्सर क सेवा करइ
चाही। जदि तू इ करब्या, तउ मइँ तोहका भरपूर रोटी अउ
पानी क बरदान देब। मइँ तोहार सारी बेरामी क दूर कइ देब।
26तोहार सब पचन्क मेहररूअन बच्चन क जन्मिहीं। जन्म क
टेम प ओनकइ कउनो बच्चा नाहीं मरी। अउर मइँ तू
पचन्क भरपूर लम्बी जिन्नगी देब।
27“जब तू आपन दुस्मनन स लड़ब्या, मइँ आपन प्रबल
सक्ती तोहसे पहिले हुवाँ पठइ देब। मइँ तोहरे सबहिं दुस्मनन
क हरावइ मँ तोहार मदद करब। उ पचे जउन तोहरे खिलाफ
होइहीं, उ पचे जुद्ध मँ घबराइ क पराइ जइहीं। 28मइँ तोहरे
अगवा अगवा बर्रे पठउब। उ तोहरे दुस्मनन क भगाइ देइ
मँ मजबूर करी। हिब्बी, कनानी अउ हित्ती लोग तोहार देस
तजिके पराइ जइहीं। 29मुला मइँ ओन लोगन क तोहरे देस
स बाहेर हाली हाली जाइके मजबूर न करब। मइँ इ सिरिफ
एक बरिस मँ न करब। जदि मइँ लोगन क बहोत हाली
जाइके मजबूर करब तउ देस ही निर्जन होइ जाइ। तब सबहिं
तरह क जंगली जानवर बढ़िहीं अउर धरती प कब्जा कइ
लइहीं। अउ उ पचे तोहरे बरे बहोत कस्ट देइवाला होइहीं।
30मइँ ओनका धीमे धीमे तोहरी भुइयाँ स उ टेमॅ तलक बाहेर
खदेरत रहब जब तलक तू उ भुइयाँ प न छाइ जा। अउ
जहाँ कहूँ तू जाब्या मइँ दूसर लोगन क उ भुइयाँ तजि देइ
बरे मजबूर करब।
31“मइँ तू पचन्क लाल सागर स फरात नदी तलक सारा
भुइँया देब। पच्छिउँ चौहद्दी पलिस्ती सागर (भूमध्य सागर)
होइ अउ पूर्बी चौहद्दी अरब क रेगिस्तान होइ। मइँ तू
पचन्क हुवाँ बसइ सबहि लोगन क हराइ क देब। अउर तू
पचे इ सबहिं मनइयन क हुवाँ स पराइ बरे मजबूर करब्या।
32“तू पचे हुवाँ क लोगन मँ स कउनो क संग या
ओनकइ देवतन क संग कउनो समझौता जरूर न करइ
चाही। 33ओन पचन्क आपन देस मँ जिन रहइ द्या। जदि तू
ओनका रहइ देब्या तउ ओनकइ चाल-चपेट मँ फँसि जाब्या।
उ पचे तोहसे मोरे खिलाफ पाप करवइहीं। अउर तू पचे
ओनकइ देवतन क सेवकइ सुरू कइ देब्या।”

यहोवा अउ इस्राएल क बीच करार

24 परमेस्स्सर मूसा स कहेस, “तू हारून, नादाब,
अबीहू अउ इस्राएल क सत्तर पुरनिया नेता पहाड़े
प आवा अउ कछू दूर होइ के मोर आराधना करा। 2तबहिं
तू अकेले ही मोर निअरे आवइँ। दूसर कउनो लोग यहोवा
क निचके न आवइँ अउ बाकी बचा भवा लोग पहाड़े क
निअरे न आवइँ।”
3इ तरह मूसा यहोवा क सबहिं नेम अउ आग्या क
लोगन क बताएस। तब सबहिं मनइयन कहेन, “यहोवा जउन
सबहिं आग्या क दिहेस ओका हम सब मानब।”

4एँह बरे मूसा यहोवा क सबहिं आग्या क चाम पत्तर प
लिखेस। भियान भिन्सारे मूसा उठा अउ पहाड़े क तलहटी क
निचके एक वेदी बनाएस। अउर उ बारह पाथर इस्राएल क
बारहु परिवार समूह बरे खड़ा किहेस। 5तब मूसा इस्राएल क
जवानन क बलिदान दइ बरे पठएस। उ पचे यहोवा बरे
होमबलि अउ सान्ति क भेंट बरे बर्धा क बलि दिहेन।
6मूसा ओन जनावरन क खून बटोरेस। मूसा आधा खून
खोरा मँ धरेस। अउर दूसर आधा खून वेदी प उड़ेरेस।*
7मूसा चाम पत्तर प लिखा भवा करार क पढ़ेस। मूसा
करार क एँह बरे पढ़ेस कि सब लोग ओका सुन सकइँ।
अउ लोग कहेन, "हम लोग ओन नेम क सुन लिहेन ह
जेका यहोवा हम पचन्क दिहेस ह। अउर हम सब मनइयन
ओनका मानइ क बचन देत अही।"
8तब मूसा खून स भरा खोरा बलि स लिहेस अउ ओका
लोगन प छिछकेस। उ कहेस, "इ खून बतावत ह कि
यहोवा तोहरे संग अउ ओन सबइ बातन क लगइ क जउन
हम पचन्क कहेन।"
9तबहिं मूसा, हारून, नदब, अबिहु अउ इस्राएल क
सत्तर पुरनियन नेता लोग पहाड़े प चढ़ेन।
10इ मनइयन इस्राएल क यहोवा क पहाड़े प ठाड़ भवा
लखेन। यहोवा कउनो अइसे अधार प ठाड़ रहेन जउन
नीलमणि जइसा देखात रहा। अइसा निर्मल जइसा अकास।
11इस्राएल क सबहिं नेता लोग यहोवा क लखेन, मुला
यहोवा ओनका बर्बाद नाहीं किहेन।* उ पचे साथ खाएन
अउ पिएन।

मूसा परमेस्सर क नेम पावइ जात ह

12यहोवा मूसा स कहेस, "मोरे लगे पहाड़े प आवा। मइँ
आपन उपदेसन अउ आदेसन क दुइ ठु समथर पाथरे क
पाटी प लिखे अही। इ आदेसन मनई बरे अहइँ। मइँ इ
पाथर क समथर पाटी क तोहका देइहउँ।"
13एँह बरे मूसा अउ ओकर मददगार यहोसू यहोवा क
पहाड़े ताईं गएन। 14मूसा चुने भए नेतन स कहेस, "हम
दुइनउँ क हिअँइ जोहा। हम तोहरे लगे लउटब। जब तलक
मइँ गैर हाजिर रहब, हारून अउ हूर तोहार सासकन रइहीं।
ओनके लगे जा जदि कउनो क समस्या होइ।"

मूसा क यहोवा स मिलन

15तब मूसा पहाड़े प चढ़ा। अउर बादर पहाड़ क ढाँपि
लिहेस। 16परमेस्सर क महिमा सीनै पहाड़े प उतरी। बादर
छः दिना तलक पहाड़े क मूँदे रहा। सतएँ दिन यहोवा, बादर
मँ, स मूसा स बोला। 17इस्राएल क लोग यहोवा क महिमा
क लख सकत रहेन। इ पहाड़े क चोटी प भरभराइ क बरत
आगी क नाईं रहा।
18तबहिं मूसा बदरे मँ थोड़ा ऊपर पहाड़े प चढ़ा। मूसा
पहाड़े पर चालीस दिन अउ चालीस रात रहा।

पवित्तर वस्तु बरे भेंट

25 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स
मोरे बरे भेंट लइ आवइ क कहा। हर मनई अपने
मनवा मँ इ ठान लेइ चाही जउन उ मोका देइ चाहत ह। इ
भेंटन क मोरे बरे मंजूर कइ ल्या। 3इ चीजन्क पत्री इ अहइ
जेनँका तू मनइयन स अंगीकार करब्या: सोना, चाँदी, काँसा
4नीला बैंगनी अउ लाल धागा, सुन्नर रेसमी कपड़ा, बोकरी
क बार, 5भेड़ी क लाल रंगे क खाल, नरम खाल, बबुरे क
काठ, 6दिया मँ बारइ क तेल: अभिसेक क तेले, धूपे बरे
महकउआ मसाला, भीनी सुगन्धे बरे मसाला। 7सुलेमानी
पाथर अउ दूसर कीमती रतन जउन याजक क एपोद मँ जड़
दीन्ह जाइँ अउ निआव क थइला।"

पवित्तर तम्बू

8यहोवा इहउ कहेस, "मनई मोरे बरे एक पवित्तर स्थल
बनइहीं। तबहिं मइँ ओनके संग रहि सकब। 9मइ तोहका
देखाउब कि पवित्तर तम्बू कइसा देखाइ देइ चाही। जइसा मइँ
देखाएउँ ह हर एक चीज ठीक वइसा ही होइ चाही।

करार क संदूख

10"बबुरे क काठ बइपरा अउ एक खास संदूख बनावा। इ
पवित्तर संदूख क ढाई हाथ लम्बा डेढ़ हाथ चौड़ा अउ डेढ़
हाथ ऊँचा होइ चाही। 11संदूखे क भीतर अउ बाहर पत्तर
चढ़ावइ बरे सुद्ध सोना लगावा। संदूखे क कोना क सोना स
मढ़ा। 12संदूखे क उठावइ बरे सोना क चार कड़ा बनवा।
सोने क कड़ा क चारिहुँ कोना प लगावा। दुइनउँ कइँती दुइ
दुइ कड़ा होइँ। 13तब संदूखे क ढोवइ बरे खम्भा बनावा। इ
खम्भन बबुरे क काठे क होइ अउ सोना स जरूर जड़ी होइँ
चाही। 14संदूखे क बगल क कोन प लगा भवा कड़ा मँ इ
खम्भन क घुसेड़ द्या। इ खम्भन क बइपरब संदूखे क
ढोवइ बरे करा। 15इ खम्भा संदूखे क कड़न मँ सदा छुई
रहइ चाही। खम्भन क बाहेर जिन खइँचा।
16यहोवा कहेस, "मइँ तोहका करार देत अही।" एँका
करार क संदूखे मँ धरा। 17तब एक ढकना* बनावा। एका
सुद्ध सोने क बनावा। एका ढाइ हाथ लम्बा अउ डेढ़ हाथ
चौड़ा बनावा। 18"तब दुइ करूब सरगदूतन क बनावा अउ
ओनका ढकना क दुइनउँ सिरा प लगावा। इ सरगदूत क
बनवइ बरे सोना क पत्तर बइपरा। 19एक करूब क ढकना
क सिरे प लगावा अउ दूसर क दुसरे सिरे प। एक टूकड़ा
बनावइ बरे करूब सरगदूत क ढकना क संग जोड़ द्या।
20करूब क पाखा ढकना प उपर की ओर पसरा होइ होइ
चाही। करूब क मुँहना ढकना कँइती लखत होइ करूब
एक दूसरे क आमना सामना होइ चाही।

मूसा … उड़ेरेस खून यहोवा अउ मनइयन क बीच करार क पक्का करइ बरे बइपरत रहेन। खून वेदी पर इ देखावइ बरे उड़ेरा जात रहा कि यहोवा करार मँ साथे बा।

यहोवा क … किहेन बाइबिल कहत ह कि मनई परमेस्सर क नाहीं लख सकलेन। उ निराकार अहइ। मुला यहोवा चाहत रहा कि इ नेता ओका कउनो खास तरह स लखि सकइँ। तउ यहोवा ओनका आपन दरसन करइ दिहस।

एक ढक्ना एका "छिमा क पीढ़ा" कहा जात ह। हिब्रू सब्द क अरथ होइ सकत ह। "उ ठउर जहाँ पाप माफ कीन्ह जात हीं।"

21“मइँ तोहका करार देब। उ करार क संदूखे मँ धरा अउ खास ढकना स संदूखे क बंद करा। 22जब मइँ तू पचन स भेंटब तबहिं मइँ करूब सरगदूतन क बीच स बात करब, जउन करार क संदूख खास ढकना प अहइ। मइँ आपन सबहिं आदेसन क इस्राएल क मनइयन क उहइ ठउरे स देब।

खास रोटी क मेज

23“बबुरे क काठे क एक ठु मेज बनावा। मेज दुइ हाथ लम्बा, एक हाथ चौड़ा अउ डेढ़ हाथ ऊँचा होइ चाही। 24मेज क निखालिस सोना स मढ़ द्या अउ ओकरे चारिहुँ कइँती सोना क झालर लगावा। 25तब चार अँगली चौड़ी सोना क पट्टी मेज क चारिहुँ कइँती ठोंक द्या। अउ पट्टी क चारिहुँ कइँती सोना क झालर लगावा। 26तब सोना क चार कड़ा बनावा अउ मेज क चारिहुँ कोने प ओकर पावा प लगावा। 27कड़ा पट्टा क लगे होइ चाही। इ कड़न मँ मेज क ढोवइ बरे खम्भन फँसाइ दीन्ह जइहीं। 28खम्भन बनवइ बरे बबुरे क काठ बइपरा अउ ओका सोना स मढ़ि द्या। खम्भन मेज क ढोवइ बरे अहइँ। 29हर परात, चम्मच, सुराही अउ खोराइ सब चीज निखालिस सोना क बनावा। सुराही अउ खोरा पिअइ क भेंट उड़ेलइ बरे बइपरा जइहीं। 30खास रोटी मोरे समन्वा मेज प धरा। इ सदा मोरे समन्वा हुवाँ रहइ चाही।

डीबट

31तब तोहका एक डीबट बनवावइ चाही। सुद्ध सोना बइपरा। एकर पेंदी अउ चपटी नोंक बनावइ बरे निखालिस सोना क पत्तर बइपरा। एकर फूल, कली अउर पंखड़ी निखालिस सोना क बनी होइ चाही। अउ इ सबहिं चीज़ डीबट मँ एक ठुकड़ा मँ होइ चाही।

32“डीबट क छ: ठु डार होइ चाही। तीन डार एक कइँती अउ तीन डार दूसर कइँती होइ चाही। 33हर डारे प तीन ठु फूल होइ चाही। इ फूलन क बदाम क फूल क नाईं कली अउ पंखड़ी जोरिके बनावा। 34डीबट बरे चार ठु फूल बनवा। इ फूलन क बदामे क कली अउ पंखुड़ी क नाईं बनावइ चाही। 35डीबटे प छ: ठु डार होइ चाही-दुइ हींसा मँ दुइनउँ कइँती तीन तीन डार होइ चाही। तीनउँ जगहिया क नीचे जहाँ डार मिलत ह कली अउ पंखुड़ी क संग एक ठू फूल बनवा।

36“फूल अउ पंखुड़ी क संग समूचा डीबट निखालिस सोना स बनवई चाही। इ सबहिं डार अउ कली एक एकाई मँ निखालिस सोना क होइ चाही। 37तबहि 7दिया डीबट प धरइ बरे बनावा। इ दिया डीबट क समन्वा क ठउरे प रोसनी देइहीं। 38दिया क झालर अउ थाली सबहिं निखालिस सोना क होइ चाही। 39पचहत्तर पौंड* सुद्ध सोना क प्रयोग डीबट अउ एकरे साथे क सब चीज बनवइ मँ करा। 40धियान दइ क हर चीज ठीक-ठीक उहइ तरह स बनइ जाइ जइसा मइँ पहाड़े प तोहका देखावा ह।”

पवित्तर तम्बू

26 परमेस्सर मूसा स कहेस, “पवित्तर तम्बू क दस पर्दा स बनावा। इ परदन क बढ़िया सनीवाला अउ नीला, लाल अउर बैंगनी कपरा स बनावा। कउनो कुसल कारीगर क चाही कि उ करूब सरगदूत क पखना क संग पर्दन प कढ़ाई करइ। 2हर एक पर्दा अट्ठाइस हाथ लम्बा अउ चार हाथ चौड़ा होइ चाही। अउर हर कनात क नाप बराबर होइ चाही। 3सब पर्दन क दुइ समूह मँ सिआ। पहिले हींसा मँ पाँच पर्दन क एक संग अउ दूसर हींसा मँ पँच पर्दन क एक संग सी द्या। 4आखिरी क पर्दा क सिरे क नीचे फन्दा बनावा। इ फन्दन क बनवइ बरे नीला कपरा लगावा। दुसरे समूह क पर्दन क आखरी पर्दा मँ भी उहइ काम करा। 5पहिले अउ दुसरे समूह क पर्दन क आखिरी पर्दे मँ पचास फन्दा बनवा। फन्दा एक दुसरे फन्दा क आमने सामने होइ चाही। 6तब पचास सोना क हुक पर्दन क एक संग मिलवइ बरे बनावा। इ पर्दन क एक दुसरे क संग हुक स इ तरह जोरिहीं कि पुरा पवित्तर तम्बू एक ही होइ जाइ।

7“तब तू दूसर तम्बू बनउब्या जउन पवित्तर तम्बू क ढाकि लेइ। इ तम्बू बरे ग्यारह पर्दन बइपरा। इ परदन क बोकरी क बारे स बनावा। 8इ सबहिं पर्दा नाप मँ एक बराबर होइ चाही। उ सबहिं तीस हाथ लंबा चार हाथ चौड़ा होइ चाही। 9पाँच ठु पर्दे क एक समूह मँ जुड़वावा अउ फुन दुसर छ: पर्दे क एक दुसर समूह मँ जुड़वावा। छठे पर्दे क आधे हींसा क तम्बू क समन्वा ऊपर मोड़ि द्या। 10एक समूह क आखिरी पर्दा क छोर प पचास फन्दा बनवा अइसा ही दूसरे समूह क आखिरी पर्दा क छोरा प भी पचास फन्दा बनावा। 11तब काँसे क पचास फन्दा बनवा। इ काँसे क फन्दा क प्रयोग तम्बू क परदन क एक साथे जोरइ बरे करा। इ सबइ तम्बू क एक संग जोरइ क एक एकाई क रूप मँ बनिहीं। 12तम्बू क आखरी पर्दे क आधा हींसा तम्बू क पीछे क किनारे लटका रही। 13तम्बू क किनारन मँ इ तम्बू क पर्दा पवित्तर तम्बू क पेंदी स एक हाथ नीचे लटकत रही। तउ इ तम्बू पवित्तर तम्बू क पूरी तरह ढाँकि लेइ। 14बाहेर क तम्बू क ढाकइ बरे दुइ पर्दा बनवा। एक पर्दा लाल रंग स रंगी भइ भेड़ा क खाल स बनइ चाही अउ दूसर पर्दा उत्तम खाल सुइसों क बनी होइ चाही।

15“पवित्तर तम्बू क सहारा देइ बरे बबुरे क काठ क तखता क प्रयोग करा। 16तखता दस हाथ ऊँचा अउ डेढ़ हाथ चौड़ा होइ चाही। 17हर तखता क तले मँ ओनका जोड़इ बरे एक दूसरे प धरइ बरे दुइ खूँटी होइ चाही। पवित्तर तम्बू क हर एक तखता बरे इहइ करा। 18पवित्तर तम्बू क दक्खिन कइँती बीस तखता क प्रयोग करा। 19बीस तखता बरे चाँदी क चालीस आधार बनावा। हर एक ढाँचा नीचे चाँदी क दुइ आधार एका दुइ खम्भा बरे होइ चाही। 20पवित्तर तम्बू क उत्तरी हीसां बरे बीस तखता अउर ल्या। 21इ तखता बरे चालीस कुर्सियन क बनवावा हर एक तखता क नीच बरे दुइ आधार होई चाही। 22तोहका पवित्तर तम्बू क पच्छिउँ छे बरे छ: अउर तखता लइ चाही। 23पवित्तर तम्बू क पाछे कोना बरे दुइ तखता ल्या। 24कोने क दुइनउँ तखता क नीचे एक साथ जोरि द्या। ऊपरी छल्ला दुइनउँ

पचहत्तर पौण्ड लगभग 34 किलोग्राम या एक किक्कार।

तखतन क एक कइके जोड़ी। दुइनउ कोन बरे उहइ करा। 25इ तरह सब मिलिके आठ ठु तखता पवित्तर तम्बू के पच्छिउँ छोर बरे होइहीं। हर तखता क नीचे दुइ कुर्सी होइस चाँदी क सोलह कुर्सी होइहीं।

26“बबुरे क काठ बइपरा अउ पवित्तर तम्बू क तखता बरे बेंड़ा बनवा। पवित्तर तम्बू क एक कइँती क हींसा क तखता बरे पाँच बेड़ां बनवा। 27अउ पवित्तर तम्बू क दूसर हींसा क तखता बरे पाँच अउर बेंड़ा होइहीं। अउर पवित्तर तम्बू क पाछे क तखता बरे पाँच बेड़ा होइहीं 28बीच क बेंड़ा फरेम एक सिरा स दूसर सिरा तलक पहोंचइ चाही।

29“तखतन क सोने स मढ़ा। अउ तखतन क बेड़न क फँसावइ बरे छल्ला बनवा। इ छल्ला भी सोने क होइ चाही। बेड़े क सोने स मढ़ा। 30पवित्तर तम्बू क तू अहइ तरह क बनवा जइसा मइँ तोहका पहाड़े प देखाए रहेउँ।

पवित्तर तम्बू क भीतर

31“बढ़िया सनी क बइपरा अउ पवित्तर तम्बू क भीतर भाग बरे एक खास पर्दा बनावा। इ पर्दा क नीला, बैंगनी अउ लाल ओढ़ना स बनवा। करूब सरगदूत क तस्बीर कपरा मँ काढ़ा। 32बबुरे क लकड़ी क चार खंभा बनावा। खम्भन क सोने स मढ़ द्या। चारिहुँ खम्भन प सोने स बना हुकन लगावा। खम्भन की नीचे चाँदी क चार आधार लगावा। तउ सोने क हुक मँ पर्दा टाँगा। 33पर्दा क सोने क हुक क नीचे टाँगा, अउ करार क संदूखे क पर्दा क पाछे धरा। इ पर्दा पवित्तर ठउर क सब ते जिआदा पवित्तर ठउर क अलगाइ देइ। 34सबते जिआदा पवित्तर ठउर मँ करार क संदूखे प ढकना राखा।

35“पवित्तर ठउर मँ पर्दा क दुरसे कइँती खास मेज क धरा। मेज पवित्तर तम्बू क उत्तर मँ होइ चाही। तब डीबट क पवित्तर तम्बू क दखिन मँ राखा। डीबट मेज क ठीक समन्वा होइ।

पवित्तर तम्बू क बड़का दुआर

36“तब पवित्तर तम्बू क दुआर बरे एक पर्दा बनावा। इ पर्दा क बनवइ बरे नीला, बैगंनी, लाल उत्तिम सन क कपरा क बइपरा। अउर कपरा मँ तस्बीर क बुन द्या। 37दुआरे क पर्दा बरे सोना क हुक बनवा। सोना स मढ़ा बबुरे क काठे क पाँच खम्भा बनवा। अउ पाँचउ खम्भा बरे काँसे क पाँचे कुर्सी ढलवाइ ल्या।”

होम बलि बरे वेदी

27 यहोवा मूसा स कहेस, “बबुरे क काठ बइपरा अउ एक वेदी बनावा। इ वेदी चउकोर होइ चाही। इ पाँच हाथ लम्बी अउ पाँच हाथ चउड़ी अउर तीन हाथ ऊँच होइ चाही। 2वेदी क चारिहुँ कोने प सींग बनावा। हर एक सींग क एकरे कोने स अइसा जोड़ा कि सबहिं कुछू एक होइ जाइँ। तबहिं वेदी क काँसे स मढ़ि द्या।

3“वेदी प काम आवइवाला सबहिं औजार अउ डेकची क काँसा स बनावा। काँसे क बासन, फरूही, खोरा, काँटा अउ तसला बनावा। इ मँ स कुछू वेदी स राखी बहावइ मँ बइपरी जइहीं। 4“वेदी बरे एक झंझरी बनावा। इ काँसा झंझरी जाल क नाईं बनई जाइ। झंझरी क चारिहुँ कोने प काँसे क छल्ला बनावा। 5झंझरी क वेदी क तले कंगनी क नीचे धरा। झंझरी नीचे से वेदी क आधा हींसा मँ बीच तलक होइ चाही।

6“वेदी बरे बबुरे क काठ क बल्ला बनावा अउ ओनका काँसा स मढ़ा। 7वेदी क दुइनउँ ओर लगा भवा छल्ला मँ इ खम्भन क नाइ द्या। इ खम्भन क वेदी ढोवइ बरे बइपरा। 8वेदी क भितरे स फोप्फल संदूख क नाईं बनवा अउ एकर अगली बगली लकड़ी क पट्टा स बनावा। वेदी वइसइ ही बनावा जइसा मइँ तोहका पहाड़े प देखाएउँ ह।

पवित्तर तम्बू क चारिहुँ कइँती आँगन

9“पवित्तर तम्बू बरे एक आँगन बनावा। परदन क दक्खिन कइँती एक सौ हाथ लम्बी होइ चाही। इ परदन क उत्तिम सनी क रेसा क होइ चाही। 10बीस खम्भा अउ बीस काँसे क कुर्सी क बनावा। खम्भन क हुक अउ पर्दा क छड़ चाँदी क बनइ चाही। 11उत्तर कइँती पर्दन क दीवार एक सौ हाथ लम्बी होइ चाही। एहमाँ बीस ठु खम्भा अउर बीस काँसे क आधार होइ चाही। खम्भा क फन्दा अउ पर्दन क छड़ चाँदी क बनवइ चाही।

12“आँगन क पच्छिउँ कइँती पर्दन क दीवार होइ चाही जउन पचास हाथ लम्बी होइ चाही। हुवाँ उ दीवारे क दस खम्भा अउ दस आधार चाँदी क बना होइ चाहिए। 13आँगन क पूरब कइँती पचास हाथ लम्बाई होइ चाही। 14-15इ पूरब क सिरा अंगने मँ घुसइ क दुआर होइ। प्रवेस दुआर क एक सिरा क पर्दा पन्द्रह हाथ लम्बी होइ चाही। उ कइँती तीन खम्भा अउर तीन ठु आधार होइ चाही।

16“एक पर्दा बीस हाथ लम्बे आंगन क प्रवेस दुआर ढाकइ बरे बनावा। इ पर्दा क सनी क उत्तिम रेस अउ नीला, लाल अउ बैगंनी कपरा स बनावा। इ पर्दे प नकसा क काढ़ि द्या। उ पर्दा बरे चार खम्भा अउ चार आधार होइ चाही। 17अंगने क चारिहुँ कइँती क सबहिं खम्भन चाँदी क छड़े स जोरी जाइ चाही। खम्भन क हुक चाँदी क चाँदी स बनवइ चाही अउ खम्भा क आधार काँसा क होइ चाही। 18आंगन एक सौ हाथ लम्बा अउ पचास हाथ चौड़ा होइ चाही। अंगने क चारिहुँ कइँती क पर्दन क दीवार पाँच हाथ ऊँच होइ चाही। पर्दा सनी क उत्तिम रेसा क बनवा होइ चाही। सबहिं खम्भन क तले आधार काँसा क होइ चाही। 19सबहिं औजार पवित्तर तम्बू क खूँटिन, अउ पवित्तर तम्बू मँ लाग भइ हर एक चीज काँसा क ही बनइ चाही। अउर अंगने क चारिहुँ कंइँती क पर्दा बरे खूँटिन काँसा क ही बनई होइ चाही।

दिया बरे तेल

20“इस्राएल क मनइयन क सब ते बढ़िया तेल लइ आवइ क हुकुम द्या। इ तेले क बइपरब हर साँझे क जरइवाला दिया बरे करा। 21हारून अउ ओकर बेटवा दिया क रोसन करइ क काम संभरिहीं अउर एकर धियान रखिहीं कि इ ठउरे प यहोवा क समन्वा दिया साँझ स भिन्सारे

तलक बराबर जरत रइहीं। उ पचे बइठका वाली तम्बू क पहिले कमरा मँ जइहीं। इ कमरा करार क संदूखे बाला कमरा क बाहेर अहइ जउन उ पर्दा क पीछे अहइ जउन दुइनउँ कमरन क अलगावत ह। इस्राएल क मनइयन अउ ओनकइ औलाद इ नेम क हमेसा मानत रइहीं।”

याजकन क वस्त्र

28 यहोवा मूसा स कहेस, “आपन भाई हारून अउ ओकर बेटवन नादाब, अबीहू, एलिआजार अउ ईतामार क इस्राएल क मनइयन मँ स अपने लगे आवइ क कहा। इ मनइयन मोर सेवा याजकन क रूप मँ करिहीं।

2“आपन भाई हारून बरे खास वस्त्र बनावा। इ वस्त्र ओका मान अउ सम्मान अउर सान बरे अहइ। **3**लोगन मँ अइसे कुसल कारीगर अहइँ जउन इ वस्त्र बनइ सकत हीं। मइँ इन मनइयन क खास बुद्धि दीन्ह ह। ओन मनइयन स हारून बरे वस्त्र बनवइ क कहा। इ वस्त्र बतइहीं कि उ मोर सेवा खास रूप स करत अहइँ। उ मोर सेवा याजक क रूप मँ करत अहइ। **4**इ उहइ वस्त्र अहइँ जेका कारीगरन क बनवइः “निआव क थइला”, एपोद, एक नीला रंग क लबादा एक सफेद बुना भवा चोगा, एक पगड़ी अउ एक कमर बंद “कुसल मनइयन क इ खास वस्त्र तोहार भाई हारून अउ ओकरे बेटवन बरे जरूर बनवइ चाही। तबहिं हारून अउ ओकर बेटवा मोर सेवा याजकन क रूप मँ कइ सकत हीं। **5**मनइयन स कहा कि उ पचे सनी क उत्तिम रेसा अउ नीला, लाल अउ बैगनी कपरा क बइपरइँ।

एपोद अउ कमरबंद

6“एपोद बनवइ बरे सुनहरी धागा, सनी क उत्तिम रेसा अउ नीला, लाल अउ बैगनी कपरा पहिरा। इ खास एपोद क माहिर कारीगर बनइहीं। **7**एपोद क हर एक काँधे प पट्टी लाग होइ। काँधे क इ पट्टियन एपोद क दुइनउँ कोने प बंधी होइहीं।

8“कारीगर बड़ी, हुसियारी स एपोद बरे एक कमरबंद बुनिहीं। इ उहइ रूप स बनवाइ चाही जउन रूप मँ एफोद। सुनहरा, नीला, बैगनी अउ लाल धागा अउर उत्तम सनी बइपरा।

9“तोहका दुइ गोमेद लेइ चाही। इन नगन प इस्राएल क बारहु बेटवन क नाउँ खोदा। **10**छः नाउँ एक नग प अउ छः नाउँ दूसर नग प खोदइ चाही। नाउँ क सब ते बड़का अउ सब ते छोटका बेटवा क हिंसाब स लिखा। **11**इस्राएल क बेटवन क नाउँ इ नगन प खोदवावा। इ उहइ तरह करा जउने तरह उ कुसल दस्तकार मनई जउन मोहर बनावत ह, **12**तब एपोद क दुइ काँधे क पट्टी प इ दुइ नगन क लगावा। हारून यहोवा क समन्वा जब ठाड़ होइ, उ इ खास एपोद क जउन पइ इस्राएल क बेटवन क नाउँवाला दुइनउँ नग यादगारी क तौर पइ पहिरी। **13**बढ़िया सोना ही नगन क एपोद प लागइ बरे बइपरा। **14**गुँथा भवा धागा क तरह निखालिस सोना क जंजीर बटि द्या। सोना क अइसी दुइ जंजीर बनावा अउर सोना क जड़ान क संग एनका बाँधि द्या।

निआव क थइला

15“बड़का याजक बरे निआव क थइला बनावा। कुसल कारीगर इ निआव क थइला क वइसा इ बनावइँ जइसा एपोद बनए रहेन। उ पचे सोने क तार, सनी क उत्तिम रेसा अउ नीला, लाल अउ बैगनी कपड़ा क बइपरा। **16**एका चौकोर बनवइ बरे दोहर देइ चाही। निआव क थैला एक बीत्ता लम्बा अउ एक बीत्ता चौड़ा होइ चाही। **17**निआव क थइला प सुन्नर रतन क चार पाँति जड़ा। रतन क पहली पाँति मँ रूबी, पुखराज अउ मरकत मणि होइ चाही। **18**दूसर पाँति मँ फीरोज, नीलम अउ हीरा होइ चाही। **19**तीसर पाँति मँ सूर्यकान्त, अकीक अउ याकूत लगइ चाही। **20**चउथी पाँति मँ लहसुनिया, गोमेदक अउ कपिस मणि लगावइ चाही। निआव क थैला प एनका लगावइ बरे सोना मँ जड़ द्या। **21**निआव क थइला प बारह रतन होइहीं। इस्राएल क बारहु बेटवन क नाउँ उ प नुमाइंदी होइ चाही। एक एक नगे प इस्राएल क बेटवन मँ स एक एक नाउँ लिखा। हर एक नगे प एनकइ नाउँ उहइ तरह लिखा जइसे माहिर कारीगर एक मुहर बनावत ह।

22“निआवा क थइला बरे निखालिस सोना क जंजीर बनावा। इ जंजीरियन बरी भइ लसुरी क नाईं होइहीं। **23**दुइ सोना क छल्ला बनावा अउ एनका निआव क थइला प दुइनउँ कोने प लगावा। **24**दुइनउँ सोना क जंजीरियन क निआब क थइला मँ दुइनउँ कोने मँ लगावा। **25**सोने क जंजीर क दुइ सिरा क दुइनउँ खाना मँ जड़वाइ द्या इ एपोद क काँधे क दुइनउँ टुकरन क समन्वा मँ कसा रहइँ। **26**दुइ ठु अउर सोना क छल्ला बनावा अउ ओनका निआव क थइला क दुइनउँ कोने प लगावा। इ निआव क थइला क भीतर क हींसा एपोद क नगिचे होइ। **27**दुइ अउर सोना क छल्ला बनावा अउ ओका काँधे क पाटी क तले एपोद क समन्वा लगावा। सोना क छल्ला क एपोद क बुना भवा पाटी क ऊपर लगावा। **28**निआव क थइला क छल्ला क एपोद क छल्लन स जोड़ा बरे नीला फीता बाँधा। इ तरह निआव क थइला बुना भवा पाटी क लगे लगा होइ अउर एपोद स अलग न होइ।

29“हारून जब पवित्तर ठउर मँ घुसरत ह, ओका निआव क थइला पहिरे रहइ चाही। इ तरह इस्राएल क बारहु बेटवन क नाउँ ओकरे हिरदय प रइहीं अउर इ हमेसा यहोवा क ओन लोगन क याद दियाई जात रही। **30**ऊरीम अउ तुम्मीम क निआव क थइले मँ रखा। जब हारून यहोवा क समन्वा जाइ तब उ सबइ ओका याद होइहीं। एँह बरे हारून जब यहोवा क समन्वा होइ तउ उ इस्राएल क मनइयन क निआव करइ क साधन हमेसा अपने साथ राखी।

याजकन क दूसर वस्त्र

31“एपोद क नीचे पहिरइ क एक नीला एपोद बनावा। **32**मूँड़ डावइ बरे इ चोगा क बीचोबीच एक छेद बनावा। इ छेदे क चारिहुँ कइँती गोटा लगावा। इ गोटा कॉलर क नाईं होइ अउ फाटइ स रोकी। **33**नीला, लाल अउ बैगनी कपरा क अनार बनावा। इ अनार क चोगा क नीचे क सिरा क चारिहुँ कइँती लटकावा। अउ अनार क बीचोबीच सोना क

घंटी लगवावा। 34इ तरह चोगा क नीचे सिरन मँ चारिहुँ
कइँती सोना क घंटी अउ अनार होइहीं जउन इहइ तरह होइ
कि दुइ अनार क बीचोबीच एक सोना क घंटी होइ।
35हारून इ चोगा क पहिरी जब उ याजक क रूप मँ यहोवा
क सेवा करी अउ यहोवा क समन्वा पवित्तर ठउर मँ जाइ,
तब इ घंटिन बाजै लगिहीं। जब उ पवित्तर ठउर तजि देइ
तब इ घंटिन बाजै लगिहीं। इ तरह हारून न मरी।

36"निखालिस सोना क धारी बनावा। सोना प उहइ तरह
सब्द खोदा जइसे मनइयन मुहर बनावत हीं। इ सब्दन क
लिखा, "यहोवा बरे पवित्तर"। 37सोना क इ धारी क नीला
फीता स कस द्या। पगड़ी क चारिहुँ कइँती नीला फीता
बाँधा। सोना क धारी क पगड़ी क समन्वा होइ चाही।
38हारून आपन कपार प इ का बाँधी। हारून जब जब
यहोवा क समन्वा जाइ हमेसा इ पहिरे रही जेहसे यहोवा
मनइयन क भेंटे क कबूल कइ लेइ। इ तरह स हारून
इस्राएल क लोगन क अपराध क सहन करिहीं जदि उ पचे
परमेस्सर क गलत रूप मँ भेंट दिहे अहइँ या ओकर भेंट मँ
कउनो खराबी रही अहइ।

39"सफेद लबादा बुना बरे उत्तिम सनी क बइपरा अउ
पगड़ी बरे उत्तिम सनी क बइपरा। बुना भवा पाटी पइ मँ
नकसा काढ़ा भवा होइ चाही। 40हारून क बेटवन बरे कोट,
कमरबंद अउ पगड़ी बनावा। इ ओनका मान सम्मान देइहीं।
41इ पोसाक आपन भाई हारून अउ ओकर बेटवन क
पहिरावा। ओकरे पाछे जइतून क तेल ओनके मूँड़े प इ
देखाँवइ बरे नावा कि उ पचे याजकन अहइँ। इ ओनका
पवित्तर बनई। तबहिं उ पचे मोर सेवा याजकन क रूप मँ
करिहीं।

42"सनी क उत्तिम रेसा क जाँघिया वगैरह बनवावा। इ
नीचे क पहिरइ क कपरा करिहाउँ स जाँघ तलक ढाँकिहीं।
43हारून अउ ओकर बेटवन क इ कपरन क पहिरइ चाही
जब कबहुँ उ पचे बइठका क तम्बू मँ जाइँ। ओनका इहइ
कपरन क पहिरइ चाही जब कबहुँ उ पचे पवित्तर ठउर मँ
याजक क तरह सेवा खातिर वेदी क नगिचे आवइँ। उ पचे
इ कपरन क जरूर पहिर चाही ताकि उ पचे अपराधी नाहीं
होइ अउर नाहीं मरइ। इ अइसा नेम होइ चाही जउन हारून
अउ ओकरे पाछे ओकरे बंस क मनइयन बरे हमेसा बना
रही।"

याजकन क तइनात करइ क संस्कार

29 तब यहोवा मूसा स कहेस, "अब मइँ तोहका
बताउब कि इ देखावइ बरे तोहका का करइ चाही
कि हारून अउ ओकर बेटवा पवित्तर याजकन क नाईं खास
तरह स मोर सेवा करत हीं। एक बे दोखे क बछवा अउ
दुइ बे दोख क बच्चा भेड़ा लइ आवा। 2जेहमाँ खमीर न
होइ उ बारीक गोहूँ क आटा ल्या अउ रोटी बनवा। अउर
इस तेले से सनी केकन अउ तेले स लगा हुवा छोटा पातर
केकन भी बनावा। 3इ रोटिन्क अउ केकन क एक डलिया
मँ धरा अउ फिन इ डलिया क हारून अउ ओकरे बेटवन
क द्या। ओनका बैल अउ दुइनउँ भेड़ा भी द्या।

4"तब हारून अउ ओकर बेटवन क बइठकावालातम्बू क
दुआर क समन्वा लइ आवा। तब ओनका पानी स नहवावा।
5हारून क खास पोसाक: जैसे कि सफेद चोगा, नीला चोगा
जउन कि एपोद क संग पहिरावा जात ह पहिरावा। फिन
ओह प निआव क थइला अउ एपोद बाँधा। एपोद क सजा
भवा अउ बुना भवा पाटी क संग बाँध दया। 6सर प साफा
बाँधा अउ साफा क चारिहुँ कइँती मुकुट क धइ द्या।
7अउर जइतून क तेल ल्या अउ हारून क मूँड़ प नाइ के
अभिसेक करा। इ बताई कि हारून इ काम बरे चुना ग
अहइ।

8"तब हारून क बेटवा क उ ठउरे प लइ आवा। अउर
ओका सफेद बुना भवा लबादा पहिरावा। 9तब ओनके
करिहाउँ क चारिहुँ कइँती कमरबंद बाँधा। ओनका मूँड़े प
धरइ क खास टोपी द्या। उ समइ उ पचे याजकन क रूप
मँ बहाल होइहीं। उ पचे उ नेम क माफिक याजक होइहीं
जउन हमेसा होइहीं। इहइ ढंग अहइ कि जेहसे तू पचे हारून
अउ ओकरे बेटवन क याजक बनउब्या।

10"तब बइठकावाली तम्बू क समन्वा ठउरे प बछवा क
लावा। हारून अउ ओकरे बेटवन क चाही कि उ पचे बछवा
क मूँड़े प हथवा धरइँ। 11तब उ बछवा क बइठकवाली
तम्बू क दुआरे प यहोवा क समन्वा एका मारि डावा। यहोवा
एका लखी। 12तब बछवा क कछू खून ल्या अउ वेदी ताईं
जा। आपन अंगुरी स वेदी क सींगे प कछू खून लगावा।
बचा भवा सारा खून नीचे वेदी क पेंदी प डावा। 13तब बछवा
क करेजा क चर्बी, दुइनउँ गुर्दे क चर्बी अउ ओकरे चारिहुँ
कइँती चर्बी निकार ल्या। इ चर्बी क वेदी प जरावा। 14तब
बछवा क गोस, ओकर खाल अउ ओकर दूसर अंगे क
लइके आपन डेरा स बाहेर जा। इ सब चीजन्क डेरा क बाहेर
जरावा। इ भेंट अहइ जउन याजकन क पाप दूर करइ बरे
चढ़ाई जात ह।

15"तब हारून अउ ओकरे बेटवन स भेड़ा क मूँड़ प हाथ
धरइ क कहा। 16तब उ भेड़ा क मारि डावा अउ ओकर खून
ल्या। खूने क वेदी क चारिहुँ कइँती छिरका। 17ओकर पाछे
भेड़ा क कइउ हींसा मँ काटि डावा। भेड़ा क भितरे क सब
अंगे क अउ गोड़ धोवा। इ चीजन्क क दूसर टूका क संग
अउ भेड़ा क मूँड़ क संग राखा। 18तब वेदी प इ सबन्क
बारा। इ यहोवा बरे होम बलि अहइ अउर इ यहोवा बरे
सोहाइ गंध, एक भेंट अहइ।

19"हारून अउ ओकरे बेटवन क दूसर भेड़ा प हाथ धरइ
क कहा। 20उ भेड़वा क मारि डावा अउ ओकर खून ल्या।
उ खून क हारून अउ ओकरे बेटवन क दाहिन काने क
सिरा मँ लगवा। ओनकइ दाहिन हाथे क अगूठा पर भी
कछू खून लगावा। अउ कछू खून ओनके दाहिन गोड़वा क
बड़का अंगूठा प लगावा। तब वेदी क चारिहुँ कइँती खून
बहाइ द्या।

21"तब वेदी प स कछू खून ल्या। इ खून क अभिसेक
क तेले मँ मिलइ द्या अउर हारून अउ ओकरे ओढ़ना प,
अउर ओकरे पूतन अउ ओनके ओढ़ना प छिरक्या। इ इ
बताई कि हारून अउ ओकर पूत मोर सेवा खास तरह स
करइ बरे पवित्तर किए गएन ह। अउर इ भी बताई कि

ओनकइ वस्त्र खास समइया प बइपरइ जात बरे पवित्तर कीन्ह गवा ह।

22"तब उ भेड़ा स चर्बी ल्या। (इ उहइ भेड़ा बा जेका हारून क महा याजक बनवइ बरे मँ पवित्तर करइ क समारोह मँ होइ।) पूँछे क चारिहुँ कइँती क चर्बी अउर उ चर्बी क ल्या जउन बदन क भीतरी हींसा क ढाँकत ह। करेजा क ढकइवाली चर्बी क ल्या। दुइनउँ गुर्दे अउ ओह पइ क चर्बी अउर दाहिन जाँघ क ल्या। 23तब उ रोटी क डलिया ल्या जेहमाँ तू बे खमीरे क बनई रोटी धरे रह्या। इहइ डलिया बा जेका तोहका यहोवा क समन्वा राखइ क अहइ। एक रोटी सादी, एक तेले स बनी केक अउर तेले लगा भवा एक छोटा पातर केक क बाहेर निकारा।। 24तब एनका हारून अउ ओकरे बेटवन क द्या: फुन ओनसे कहा कि यहोवा क समन्वा एनका उठावइँ। इ यहोवा क खास भेंट होइ।

25"तब इ चीजन क हारून अउ ओकरे बेटवन स ल्या अउ ओनका वेदी प भेड़ा क साथे धरा। तब हर चीजे क वेदि प जरावा। इ होमबलि बा। इ भेंट यहोवा बरे भेंट अहइ। अउर इ यहोवा बरे सोहाइ क गंध अहइ।

26"तब भेड़ा स छाती क निकारा। (इहइ भेड़ा अहइ जेका हारून क खास महा याजक बनवइ बरे पवित्तर कर क समारोह मँ बइपरा जाइ।) भेड़ा क छाती क लहराइ क भेंट क रूप मँ यहोवा क समन्वा लहराया। जनावरे क इ हींसा तोहार होइ। 27तब भेड़ा क छाती अउ जाँघ ल्या जउन हारून क महा याजक बनवइ बरे काम म आइ रहन। इ हींसा पवित्तर बनावा अउ एका हारून अउर ओकरे बेटवन क द्या। इ भेंट क खास हींसा होइ। 28इस्राएल क मनइयन इ अंगन क हारून अउ ओकरे बेटवन क सदा देइहीं। जब कबहुँ इस्राएल क मनइयन यहोवा बरे भेंट चढ़इहीं तउ इ हींसा हमेसा याजक लोगन क होइहीं। ओन लोगन क मेलबलि जउन कि यहोवा बरे अहइ, मँ स इ हींसा याजक लोगन क होई।

29"ओन खास वस्त्रन क बचाइके राखा जउन हारून बरे सिया रहेन। इ वस्त्रन ओकरे बेटा, पोता बरे होइहीं। उ पचे उ वस्त्रन क तन पहिरहीं जब याजकन चुना जइहीं। 30हारून क बेटवा ओकरे पाछे अगवा महा याजक होइ। उ सात दिनाँ ताईं उ वस्त्रन क पहिरे रही जबहिं उ बइठकावाली तम्बू क पवित्तर ठउरे मँ सेवा करइ आइ।

31"उ भेड़ा क गोस पकावा जउन हारून क महा याजक बहाल करइ बरे प्रयोग मँ आवा रहा। उ गोस क पवित्तर ठउरे मँ पकावा। 32तब हारून अउ ओकर बेटवा बइठकावाली तम्बू क दुआरे प गोस खइहीं। अउर उ पचे डलिया क रोटी भी खइहीं। 33इ भेंट प्रायस्चितिकरण बरे तब भवा रहा जब उ पचन्क याजकन क रूप मँ सेवा करइ बरे पवित्रीकरण कइ जात रहेन। इ भेंट क ओनहीं क खाइ चाही। कउनो बिदेसी क इ पवित्तर भेंट क नाहीं खाइ चाही। 34अगर उ भेड़ा क गोस या रोटी भियान ताईं काफी मात्रा मँ बचि जाइ तउ ओका जरइ देइ चाही। तोहका उ बचि भवा रोटी या गोस नाहीं खाइ चाही काहेकि इ पवित्तर अहइ।

35"वइसा ही करा जइसा मइँ तोहका हारून अउ ओकरे बेटवन बरे करइ क हुकुम दिहउँ ह। ओनका याजकन बहाल करइ बरे इ त्यौहार सात दिना तलक चली। 36सात दिनाँ तलक हर रोज एक साँड़ मारा। इ हारून अउ ओकरे बेटवन बरे पाप भेंट होइ। इ बलिदान क प्रयोग वेदी क सुद्ध करइ बरे किहा। अउर वेदी क पवित्तर बनावइ बरे जइतूने क तेल स एकर अभिसेक करा। 37तू सात दिना तलक वेदी क सुद्ध अउर पवित्तर रख्या। उ समइया वेदी सब ते जिआदा पवित्तर होइ। जउन चीज वेदी क छुइ उ पवित्तर होइ जाइ।

38"हर रोज वेदी प तोहका एक भेंट चढ़ावइ चाही। तोहका एक एक बरिस क दुइ भेड़ी क बचवन क भेंट चढ़ावइ चाही। 39एक भेड़ी क बच्चा भिंसारे अउ दूसर सांझ क चढ़ावा। 40-41पहिला भेड़ी क साथ हीन क चउथाई दाखरस क पिअइ क भेंट क संग एपा क दसवाँ हींसा गेंहू क महीन आटा जउन कि हीन क चउथाई तेल स मिला भवा अहइ चढ़ावा। 41अउर गोधरी क समइ मँ दूसर भेड़ी क बिहान क चढ़ावा क नाईं एकर पिअइ क भेंट क संग चढ़ावा। इ यहोवा बरे एक भेंट एक सुहावना सुगंध अहइ।

42"तोहका इ चीजन्क यहोवा क भेंटे मँ रोज जरावइ चाही। इ यहोवा क समन्वा, बइठकावाली तम्बू क दुआरे करा। इ हमेसा करतइ रह्या। जब तू भेंट चढ़उब्या तब मइँ यहोवा, हुवाँ तोहसे मिलब अउ तोहसे बात करब। 43मइँ इस्राएल क मनइयन स उ ठउरे प मिलब। उ ठउर मोर महिमा स पवित्तर बन जाइ।

44"इ तरह मइँ बइठकावाली तम्बू क पवित्तर बनउव। अउर मइँ वेदी क पवित्तर बनउब। अउर मइँ हारून अउ ओकरे बेटवन क पवित्तर बनउब, जेहसे उ पचे मोर सेवा याजकन क तरह करि सकइँ। 45मइँ इस्राएल क मनइयन क संग रहब। मइँ ओनकइ परमेस्सर होब। 46मनइयन इ जनिहीं कि मइँ ओनकइ परमेस्सर यहोवा हउँ। उ पचे जनिहीं कि मइँ उहइ परमेस्सर अहउँ जउन ओनका मिस्र स बाहेर लाएउँ ह तउ कि मइँ ओनके संग रहि सकत हउँ। मइँ ओनकइ परमेस्सर, यहोवा अहउँ।"

धूप जरावइ क वेदी

30 यहोवा मूसा स कहेस, "बबुरे क लकड़ी क एक वेदी बनावा। तू इ वेदी धूप बारइ बरे करब्या। 2तोहका वेदी क चौकोर एक हाथ लम्बा अउ एक हाथ चौड़ा बनवइ चाही। एकर ऊँचाइ दुइ हाथ होइ चाही। चारिहुँ कोने प सींग होइ चाही। इ सींगन क वेदी क साथ एक टुकड़ा बनइ देइ चाही। 3वेदी क ऊपर क सिरा अउ ओकर सबहिं कइँती निखालिस सोना मढ़ा। वेदी क चारिहुँ कइँती सोना क पाटी लगावा। 4इ पाटी क तले सोना क दुइ छल्ला होइ चाही। वेदी क दूसर कइँती सोना क दुइ छल्ला भी होइ चाही। इ छल्ला वेदी क ढोवइ मँ खम्भन फँसावइ खातिर होइहीं। छल्लन क वेदी क विपरीत कइँती लगावा। 5खम्भन क भी बबुरे क काठे क बनावा। खम्भन क सोना स मढ़ा। 6वेदी क खास पर्दा क समन्वा धरा। करार क संदूख उ पर्दा

क दूसर कइँती अहइ। उ संदूखा क ढकइवाला ढकना क समन्वा वेदी होइ। इ उठइ ठउर अहइ जहाँ मइँ तोहसे मिलब।

7"हारून हर भिंसारे महकउआ धूप बत्ती वेदी प बारी। इ उ तब करी जब दियन क देखइ भालइ आइ। 8ओका संझा क देखइ भालइ आइ तब फुन धूप बत्ती बारइ चाही। जेहसे यहोवा क समन्वा हर रोज भिंसारे अउ साँझ क धूप बत्ती बरत रहइ। 9इ वेदी क प्रयोग कउनो दूसर तरह क धूप या जरी भइ बलि बरे जिन किहा। इ वेदी क प्रयोग अन्न भेंट या पेय भेंट बरे जिन किहा।

10"बरिस मँ एक दाईं हारून यहोवा क खास भेंट चढ़ाइ। हारून पाप भेंट क खून क प्रयोग मनइयन क पापन्क प्रायस्चित करइ बरे करी। हारून इ वेदी क सींगन प करी। इ दिन प्रायस्चित क दिन कहा जाइ। इ तोहार पीढ़ी दर पीढ़ी लागू होइं इ यहोवा बरे बहोत ही खास दिन होइ।"

मंदिर क कर

11यहोवा मूसा स कहेस, 12"इस्राएल क मनइयन क गना करा जेहसे तू जनब्या कि हुवाँ केतवा लोग अहइँ। जब कबहूँ इ कीन्ह जाइ हर एक मनई आपन जिन्नगी बरे यहोवा क धन देइ। जदि हर मनई उ करी तउ मनइयन क संग कउनो भी डराउन घटना न होइ। 13हर मनई जेका गना जाए उ आधा सेकेल चाँदी जरूर देइ। (पवित्तर ठउर क सेकेल क अनुसार आधा सेकेल अहइ।) एक सेकेल क वजन बीस गेरा होत ह। इ आधा सेकेल यहोवा बरे भेंट होइ। 14बीस बरिस या ओसे जिआदा जउन मनई होइ ओका गना जाइ। हर मनई जउन गना जाइ, यहोवा क भेंट देइ। 15धनी मनई आधा सेकेल स जिआदा न देइहीं। अउ गरीब मनई आधा सेकेल स कमती नाहीं देइहीं। सबहिं मनइयन यहोवा क बराबर बराबर भेंट देइहीं। इ तोहरे जिन्नगी क कीमत होइ। 16इस्राएल क लोगन स इ धन बटोरा। बइठकावाले तम्बू मँ सेवकाइ करइ बरे इ धन क बइपरा। इ यहोवा क समन्वा आपन मनइयन क याद करइ, तोहार रूहन क प्रास्चित करइ बरे एक यादगार होइ।"

हाथ गोड़ धोवइ क हउद

17यहोवा मूसा स कहेस, 18"एक ठु काँसा क सिलफची ल्या अउ एका काँसे क गोड़े प धरा। तू पचे एका धोवइ बरे बइपरा। सिलफची क बइठकावाली तम्बू अउ वेदी क बीच धरा। सिलफची मँ पानी भरा। 19हारून अउ ओकर बेटवन इ हउद क पानी स आपन गोड़ हाथ धोवइँ। 20हर दाईं जब उ पचे बइठकावाले तम्बू मँ आवइँ तउ पानी स गोड़ हाथ जारूर धोवइँ। जब उ पचे वेदी क निअरे वेदी क नगिचे यहोवा क सेवा करइ अउ धूप बारइ आवइँ। 21उ पचे आपन गोड़ हाथ जरूर धोवइ ताकि उ पचे मरिहीं नाहीं। इ अइसा कनून होइ जउन हारून अउ ओकरे लोगन बरे हमेसा बना रही। इ कनून हारून अउ ओन सबहिं लोगन बरे बना रही जउन भविस्स मँ होइ।"

अभिसेक क तेल

22तब यहोवा मूसा स कहेस, 23"बहोत बढ़िया मसाला लिआवा। बारह पौंड गीला लोहबान लिआवा अउ इ तउल क आधा (छ: पौण्ड) महकउआ दालचीनी अउर बारह पौंड अगर, 24अउ बारह पौण्ड तेजपत्ता ल्या। एनका नापइ जोखइ बरे दफ्तर क नाप क प्रयोग करा। एक गैलन जइतून क तेल भी लिआवा।

25"गमकइवाला अभिसेक क तेल बनवइ बरे इ सबहिँ चीजन्क जरूर मिलावइ चाही। 26बइठकावाले तम्बू अउ करार क संदूखे प इ तेल क छिरका। 27मेज अउ मेजे प धरी सबहिं तस्तरिन प तेल छिरका। इ तेल क सबहिं दिया अउर सब औजारे प छिरका। इ तेले क धूप वेदी प डारि द्या। 28जरि क भेंट क वेदी अउ दूसर सबही बरतन प यहोवा बरे तेल नावा। खोरा अउ ओका आधार प तेल नावा अउ वेदी क पावा प तेल नावा। 29तू इ सब चीजन्क पवित्तर बनउब्या। उ सबइ चिजियन यहोवा बरे खास होइहीं। कउनो भी चीज जउन एनका छुइ उ भी पवित्तर होइ जइ।

30"हारून अउ ओनके पूतन प तेल छिरका। मोर खास तरह स सेवा करइ बरे इ ओनकइ पवित्तर करिहीं। तबहिं इ सबइ मोरे सेवा याजकन क तरह करत हीं। 31"इस्राएल क मनइयन स कहा कि अभिसेक क तेल मोरे बरे हमेसा बहोत पवित्तर अउ खास होइ। इ हमेसा तोहार सबही पीढ़ियन बरे सिरफ मोर सेवा बरे होइ चाही। 32मामूली सुगन्धि क तरह कउनो भी मनई इ तेल क न बइपरी। उ तरह कउनो सुगन्धि बनावा जउन तरह इ खास तेल बनाएस ह। इ खास अभिसेक क तेल पवित्तर अहइ अउर इ तोहरे बरे बहोत खास अउ पवित्तर होइ चाही। 33जदि कउनो इ पवित्रर तेल क नाईं सुगन्धि बनवइ अउर ओका कउनो विदेसी क देइ जउन कि याजक नाहीं ह तउ उ मनई क आपन लोगन स जरूर अलगाइ देइ चाही।"

धूप

34तब यहोवा मूसा स कहेस, "इ महकउआ हवन सामग्री क ल्या: रसगंधा, कस्तूरी गंधिका, बिरोजा अउ निखालिस लोहबान। धियान राखा कि तोहरे लगे सामग्री क वजन बराबर होइ। 35सामग्री क महकउआ धूप बनावइ बरे आपुस मँ मिलावा। एँका उहइ तरह करा जइसा सुगन्धि बनवइया करत ह। इ धूप मँ नोन भी मिलावा। इ एका सुद्ध अउ पवित्तर बनइ। 36कछू धूप क तब तलक पीसा जब ताईं ओकर बुकनी न होइ जाइ। बइठकावाले तम्बू मँ करार क संदूखे क समन्वा इ बुकनी क धरा। इ उहइ ठउर अहइ जहाँ मइँ तोहसे मिलब। 37तू पचन्क इ धूपे क चूरन क सिरिफ खास अवसर मँ ही बइपरइ चाही। तू पचन्क इ धूपे क चूरन क बइपरइ बरे सिरिफ खास तरह स यहोवा खातिर जराइ चाही। इ खास तरह स धूप बनावइ बरे दूसर धूपे बरे जिन कर्या। 38कउनो मनई आपन खातिर कछू अइसा धूप बनावा चाहत ह जेहसे उ इ सुगन्धि क मजा लइ सकइ। मुला अगर उ अइसा करत ह तउ ओका अपने मनइयन स अलग कइ दीन्ह जाइ।"

बसलेल अउ ओहोलीआब

31 तबहिं यहोवा मूसा स कहेस, 2“मइँ यहूदा क
परिवार समूह स ऊर क बेटवा बसलेल क चुनेउँ
ह। उरि हुर क बेटवा रहा। 3मइँ बसलेल क परमेस्सर क
आतिमा स भरि दिहस ह। मइँ ओका हर दस्तकारी क काम
मँ माहिर बनावत हउँ अउ गियान देत हउँ। 4बसलेल एक
बहोत बढ़िया सिल्पकार बा अउ उ सोना, चाँदी अउ काँसा
क चीज बनइ सकत ह। 5बसलेल सुन्नर रतन क काटि
अउर जड़ सकत ह। उ लकड़ी क भी काम कइ सकत ह।
बसलेल हर किसिम क काम कइ सकत ह। 6मइँ
ओहोलीआब क भी ओकरे संग काम करइ क चुनेउँ ह।
ओहोलीआब दन कबीले क आहोसामाक क बेटवा अहइ।
मइँ दूसर मजूरन क माहिर बनाएउँ ह ताकि उ पचे उ सबहिं
चीजन्क बनइ सकिहीं जेका मइँ तोहका करइ क हुकुम
दिहेउँ ह।

7बइठकावाला तम्बू, करार क संदूख, संदूखे क
ढकना।

8मेज अउर ओह पइ सारी चीजन निखालिस सोना क
डीबट अउर एकर सबहिं बर्तन, धूप बारइ क वेदी।

9भेंटे क जरावइ बरे वेदी अउ वेदी प बइपरइ क
चीज, कटोरा अउ एकर नीचे क चीज।

10याजक हारून क खास वस्तर अउ ओकरे बेटवन
बरे खास वस्तर, जबहिं उ पचे याजक क नाईं सेवा
करत पहिरहीं।

11अभिसेक क महकउआ तेल, अउर पवित्तर ठउर
बरे महकत धूप।

इ कारीगरन्क इ सब चीजन्क वइसी बनवइ चाही
जइसा मइँ तोहका हुकुम-दिहेउँ ह।”

सबित

12तबहिं यहोवा मूसा स कहेस, 13“इस्राएल क लोगन स
इ कहाः ‘तू पचे मोरे खास अरामे क दिन बरे नेम क मानाई
चाही। तू पचन्क इ जरूर करइ क चाही, काहेकि इ सब
मोरे अउ तोहरे बीच सबहिं पीढ़ी बरे चीन्हा क रूप मँ
रइहीं। एहसे तोहका पता लागी कि मइँ, यहोवा तोहका
आपन खास मनई बनए अही।

14“‘सबित क दिन क खास दिन बनावा। यदि कउनो एका
दुसित करत ह तउ उ व्यक्ति क जरूर मार डावइ चाही।
अगर कउनो सबित क दिन काम करत ह, तउ उ व्यक्ति क
आपन लोगन मँ स जरूर अलग कइ दीन्ह जाइ। 15हफ्ता
मँ दूसर छः दिन काम करइ बरे अहइँ। एकर मतलब खास
दिन अराम करइ बरे अउर यहोवा क मान देइ बरे अहइ।
अगर कउनो सबित क दिन काम करी उ जरूर ही मार
दीन्ह जाइ। 16इस्राएल क लोगन सबित क दिना क खास
दिन क रूप मँ जरूर याद रखिइ चाही। उ एका हमेसा
हमेसा मनावत रइहीं। इ मोरे अउ ओनके बीच करार अहइ
जउन सदा बना रही। 17सबित क दिन मोरे अउ इस्राएल क
बीच सदा चीन्हा क रूप मँ बना रही। यहोवा छः दिन काम
किहेस अउ अकास अउ धरती क बनएस अउ सतएँ दिन उ
आपन क अराम दिहेस अउ सुस्तान।’”

18जउने समइ परमेस्सर मूसा स सीनै पहाड़े प बात करब
बंद किहस, उ ओका करार लिखित भवा दुइ समथर पाथर
दिहस। परमेस्सर आपन अंगुरियन क काम मँ लगाएस अउ
पथरे प लिखेस।

सोने क बछवा

32 लोगन निहारेन कि टेमँ बीति गवा अहइ जब
तलक मूसा पहाड़े प नाहीं गवा अउर हुआँ स
वापिस नाहीं भवा। एँह बरे लोगन हारून क चारिहुँ कइँती
एक्टठा भएन। उ पचे ओसे कहेन, “लखा। मूसा हम पचन्क
मिस्र देस बाहेर निकारेस। मुला हम पचे इ नाहीं जानित कि
ओकरे साथ का होइ गवा अहइ। एँह बरे कछू देवतन क
हमरे अगवा चलइ अउ हमका अगवा लइ चलइवाला
बनावा।”

2हारून मनइयन स कहेस, “आपन आपन मेहररूअन,
बेटवन अउ बिटियन्के सोना क बाली मोरे लगे लइ आवा।”

3एँह बरे सब मनइयन कनवा क बालिन्क बटोरेन अउ उ
सबइ ओनका हारून क लगे लइ आएन। 4हारून मनइयन स
सोना लिहेस अउ बछवा क एक मूरति बनवइ बरे बइपरेस।
हारून मूरति क तरासइ बरे एक छोनी क बइपरेस। तबहिं इ
मूरति क सोना स ढाँक दिहेस।

तब लोगन स कहेस, “इस्राएल, तू पचन्क हिआँ उहइ
देवता अहइँ जउन तू सबन्क मिस्र स बाहेर लइ आएन ह।”

5हारून इ चीजन्क लखेस। एँह बरे उ बछवा क समन्वा
एक वेदी बनएस। तब हारून एलान किहेस, “भियान यहोवा
क मान देइ बरे एक खास भोज होइ।”

6भियान भिन्सारे मनइयन हाली उठि गएन। उ पचे पसु
क मारि डाएन अउ ओकर होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाएन।
मनइयन खाइ अउ पिअइ बरे बइठेन। तब उ पचे ठाड़ भएन
अउ असभ्य भोज किहेन।

7उहइ समइया यहोवा मूसा स कहेस, “इ पहाड़े स पाले
उतरा। तोहार लोगन यानी उ पचे, जेका तू मिस्र स लइ
आया ह, भयंकर पाप किहे बाटेन। 8उ पचे जल्दी ही उ
चीजन क करइ स मुकर गएन जेनका करइ क हुकुम मइँ
ओनका दिहउँ ह। उ पचे टेघरा भवा सोना स आपन बरे
एक बछवा बनएन। उ सबइ उ बछवा क निहुरत अहइँ अउ
ओका बलि चढ़ावत अहइँ। लोगन कहेन ह, ‘इस्राएल, इ
सबइ तोहार देवता अहइँ, जउन तोहका मिस्र स बाहेर लइ
आएन ह।’”

9यहोवा मूसा स कहेस, “मइँ इ लोगन क लखेउँ ह,
“मइँ जानत अहउँ कि इ पचे बहोत हठी अहइँ। 10एँह बरे
अब मोका ओन लोगन क बरबाद करइ द्या। तब मइँ तोहरे
बरे एक बड़का रास्ट्र बनउब।”

11मुला मूसा यहोवा आपन परमेस्सर स पराथना किहेस
अउ ओसे भीख माँगेस। मूसा कहेस, “हे यहोवा, तोहका
आपन लोग पइ काहे किरोध करइ चाही। आप आपन
अपार सक्ती अउ आपन बल स इ पचन्क मिस्र स बाहेर
लइ आया ह। 12मुला अगर आप आपन लोगन क नस्ट
करब्या तब मिस्र क मनइ कहि सकत हीं ‘यहोवा आपन
लोगन क संग बुरा करइ क चाल चलेन ह। इहइ कारण

अहइ कि एनका मिस्र स बाहेर निकार्‍या ह। उ ओनका
पहाड़े प मारि डावा चाहत रहा। उ आपन लोगन क धरती स
मेटाइ देइ चाहत ह।' एँह बरे आपन लोगन किरोध करइ
बन्द करा। ओन लोगन क बर्बाद करइ क जोजना छोड़
द्या। 13आप आपन सेवा करइवालन इब्राहीम, इसहाक अउ
याकूब क याद राखा। आप आपन नाउँ क उ पचन्क प्रतिग्या
करइ बरे बइपर्‍या तू कह्या: 'मइँ तोहार लोगन क ओतना
अनगिनत बनउब जेतना अकासे मँ तारा अहइँ। मइँ तोहरे
लोगन क इ समूची भुइँया देब जेका मइँ ओनका बचन
दिहउँ ह। इ भुइँया हमेसा ओनकइ होइ।'"

14एँह बरे यहोवा अफसोस किहेन। यहोवा उ नाहीं किहेन
जउन उ कहे रहेन। उ लोगन क बरिबाद नाहीं किहेन।

15तब मूसा पहाड़े स खाले उतरा। मूसा क लगे अगवा
अउ पाछे लिखा भवा करार वाला दुइ समथर पाथर रहेन।
16परमेस्सर खुद ओनँ पाथरन क बनएस। परमेस्सर खुद उ
आग्यन क पाथरे प खोदेस ह।

17पहाड़े स तरखाले उतरत यहोसू मनइयन क हल्लागुल्ला
सुनेस। यहोसू मूसा स कहेस, "खाले पड़ाव मँ लड़ाई क
अवाज सुनाइ पड़त अहइ।"

18मूसा जवाब दिहेस, "इ फउजे क जीत क सोर न बाटइ
अउर न ही हार जाए प चिचिआइ क सोर। मइँ जउन
अवाज अनकत अहउँ उ गाने का अवाज अहइ।"

19जब मूसा डेरा क निअरे आवा तउ उ सोना क बछवा
अउ लोगन क गावत अउ नाचत भवा निहारेस। मूसा बहोत
कोहाइ गवा अउ उ समथर पथरन क भुइँया प गिराइ दिहस
अउ ओनका तोड़ दिहस। पहाड़े क तलहटी मँ उ ओनका
रेजा रेजा कइ दिहस। 20तबहिं मूसा लोगन क बनवा भवा
बछवा क तोड़ फोड़ डाएस। उ सोना क आगी मँ टेघराएस।
उ सोना क एँतना पीसेस कि उ चूरन होइ गवा। उ सोना क
चूरन क पानी मँ बहाइ दिहस। तबहिं उ इस्राएल क मनइयन
क पानी पिअइ बरे मजबूर किहस।

21मूसा हारून स कहेस, "इ मनइयन तोहरे संग का
किहेन? कि तू ओनका अइसे बुरा पाप करइ क लिआया?"

22हारून जवाब दिहस, "महासय। जिन कोहाअ। आप
जानत बाटेन कि लोगन हमेसा गलत काम करइ क तइयार
रहत हीं। 23लोग मोसे कहेस, 'मूसा हम पचन्क मिस्र स
बाहेर लइ आया। मुला हम पचे नाहीं जानित कि ओकरे संग
का भवा बाटइ। एँह बरे हम सब मनइयन क राह देखावइ
वाला कउनो देवतन क बनावा।'

24एँह बरे मइँ मनइयन स कहेस, 'जदि तोहरे लगे सोना
क अंगूठियन होइ तउ ओनका मोका दइ द्या।' मनइयन
मोका आपन सोना दिहेन ह। मइ इ सोना क आगी मँ झोंका
अउ इ बछवा आगी स बाहेर आएस।"

25मूसा लखेस कि लोग नियंत्रण स बाहेर होइ गएन,
काहेकि हारून ओह पइ नरम होइ गएन ह। मनई मूरख क
नाईं इ तरह क ब्योहार करत बाटेन। ओनकइ सब दुस्मन
लखि सकइँ। 26एँह बरे मूसा डेरा क दरवाजे प ठाड़ भवा।
मूसा कहेस, "कउने मनई जउन यहोवा क पाछा करइ चाहत
ह मोरे लगे आवइ।" तब लेवी क परिवारे क सबइ मनइयन
परात परात मूसा क लगे आएन।

27तबहिं मूसा ओनसे कहेस, "इ तरह इस्राएल क
परमेस्सर यहोवा क कहात ह: 'हर मनई आपन तरवार उठाइ
लेइ अउ डेरा क एक निकास स दूसर निकास ताईं जाइ। तू
पचे उ लोगन क जरूर मारइ चाही चाहे उ तोहार आपन
भाई, दोस्त अउ पड़ोसी ही क्यों न हो।'"

28लेवी क परिवारे क मनई मूसा क हुकुम मानेन। उ
दिना इस्राएल क करिब तीन हजार मनई मर गएन। 29तब
मूसा कहेस, "आज यहोवा क सेवा करइ बरे अपने आपक
तइयार कर ल्या। काहेकि यहोवा आज तोहका आसीर्बाद
देइहीं! अगर चाहे कि कउनो आदमी आपन पूत या रिस्तेदार
क खोइ देत ह।"

30दूसर दिन भिंन्सारे मूसा मनइयन स कहेस, "तू पचे
खउफनाक पाप किहा ह। मुला अब मइँ यहोवा क लगे
ऊपर जाब। सायद कि मइँ तोहार पाप बरे प्रायस्चित कइ
सकत हउँ।" 31तउ मूसा लौटिके यहोवा क लगे गवा अउ
कहेस, "कृपा कइके सुना। इ लोग बहोत बुरा पाप किहेन ह
अउ सोना क एक देवता बनएन ह। 32अबहिं ओनका पाप
खातिर छिमा कइ द्या। जदि आप छिमा न करब्या तउ मोर
नाउँ "जिन्नगी क किताबे* स मेट द्या जेका आप लिखे
अहा।"

33मुला यहोवा मूसा स कहेस, "जउन मोरे खिलाफ पाप
करत हीं, सिरिफ अइसा ही मनई बाटेन जेकर नाउँ मइँ
आपन किताबे स मेटत हउँ। 34एँह बरे जा अउ मनइयन क
हुवाँ लइ जा, जहाँ मइँ कहत हउँ। मोर सरगदूत तोहरे
अगवा अगवा चली अउ तोहका राह देखाइ। जब उ मनइयन
क सजा देइ क टेमॅ आइ, तउ जउन पाप किहे बाटेन तब
ओनका सजा दीन्ह जाइ।" 35एँह बरे यहोवा मनइयन मँ एक
भयंकर बेरामी पइदा किहेन ह। उ एँह बरे अइसा किहेन ह
कि उ पचे हारून स सोना क बछवा बनवइ क कहे रहेन।

"मइँ तोहरे संग न जाब"

33 तब यहोवा मूसा स कहेस, "तू अउ तोहार उ
लोग जेनका तू मिस्र स हिआँ लइ आया ह इ
ठउर क जरूर तजि द्या। अउर उ भुइँया मँ जा जेका मइँ
इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क देइ क बचन दिहउँ ह। मइँ
ओनका बचन दिहउँ ह। मइँ वाचा किहेउँ, "मइँ उ भुइँया क
तोहरे सन्तानन क देब। 2मइँ एक सरगदूत तोहरे अगवा
अगवा पठउब। अउर मइँ कनानी, हित्ती, एमोरी, परिज्जी,
हिब्बी, अउ यबूसी मनइयन क बाहर हाँक देब। मइँ उ
लोगन क तोहार पहँटा तजि देइ क मजबूर करब। 3एँह बरे
उ भुँइया पइ जा जउन दूध अउर सहद स भरपूर होइ। मुला
मइँ तोहरे संग न जाब। तू पचे बहोत जिद्दी अहा। जदि मइँ
तोहरे संग जाब तउ तोहार नास करब।"

4मनइयन इ बुरी खबर सुनेन अउ बहोत दुःखी भएन। एँह
बरे लोग आपन गहना उतार लिहेन। 5उ काहेकि यहोवा
मूसा स कहेन, "इस्राएल क मनइयन स कहा, 'तू पचे हठी
लोग अहा। जदि मइँ तोहरे संग सिरिफ थोड़ी बरे होबउँ,
होइ सकत ह मइँ तू पचन्क नास कइ देब। एँह बरे सबइ

"जिन्नगी क किताब" कइँती इसारा करत ह कि यहोवा
किताब राखत ह, जेहमाँ सब मनइयन क नाउं लिखा रहत ह।

आपन गहना उतारि देइँ। तब मइँ इ निहचय करब कि तोहरे
संग का करी।'" 6एँह बरे इस्राएल क लोग होरेब अर्थात्
सीनै पहाड़े स अगवा आपन गहना उतारे रहेन।

बइठकावाला तत्कालिक तम्बू

7मूसा बइठकावाला तम्बू क डेरा स कछू दूर लइ गवा।
हुवाँ उ ओका लगाएस अउ ओकर नाउँ "बइठकावाला
तम्बू" राखेस। कउनो व्यक्ति जउन यहोवा स कछू जानइ
चाहत रहा, ओका डेरा क बाहेर बइठकावाला तम्बू ताईं जाइ
क पड़त रहा। 8जब कबहुँ मूसा बाहेर बइठकावाला तम्बू मँ
जात तउ मनइयन ओका निहारत रहतेन। लोगन आपन तम्बू
क दुआरे ठाड़ रहतेन अउ मूसा क तबहिं ताईं लखत रहतेन
जबहिं ताईं मूसा बइठका वाला तम्बू मँ न चला जात। 9जब
मूसा बइठकावाला तम्बू मँ घुसरत एक लम्बा बादर क
खम्भा खाले उतर जात अउ उ बादर बइठकावाला तम्बू क
दुआरे ठहरत। इ तरह यहोवा मूसा स बात करत रहत।
10जब लोगन बइठकावाला तम्बू क दुआर बादर क लखतेन
उ निहुरेस अउ परमेस्सर क आराधना किहेस। हर मनई
आपन तम्बू क दुआरे ओकर आराधना करत रहा।

11इ तरह यहोवा मूसा स आमने-सामने बात करत रहा।
यहोवा मूसा स इ तरह बात करत रहा जइसे कउनो मनई
आपन मीत स बतियात होइ। यहोवा स बात करइ क पाछे
मूसा हमेसा डेरा मँ वापस लौटत रहा। नून क पूत यहोसू मूसा
क सहायक रहा। यहोसू हमेसा तम्बू मँ रहत रहा। जब मूसा
ओका छोड़त रहा।

मूसा यहोवा क महिमा लखत ह

12मूसा यहोवा स कहेस, "आप मोका इ पचन्क क
अगुवाइ करइ क कह्या ह। मुला आप इ नाहीं बताएन कि
आप मोरे संग केका पठइहीं। आप मोसे कहेन, 'मइँ तोहका
अच्छी तरह जानत हउँ अउ मइँ तोहसे खुस अहउँ।' 13जदि
मइँ तोहका फुरे फुरे खुस किहेउँ ह, मोका तोहार निर्णय क
बारे मँ जानइ द्या अउर तू मोका आपन तरह सिखावा। तब
मइँ आपक लगातार खुस राखि सकत हउँ। याद राखा कि इ
आप क लोग अहइँ।"

14यहोवा कहेस, "मइँ खुद तोहरे संग चलब। मइँ तोहका
राह देखाउब।"

15तबहिं मूसा यहोवा स कहेस, "जदि तू हम पचन्क संग
न चलब्या तउ तू इ ठउर स हम पचन्क जिन दूर पठवा।
16हम पचे इ भी कइसे जान लेब कि तू मोसे अउर इ
लोगन स खुस अहा? जदि तू संग चलब्या तउ हम पचे
निहचय इ जानब। तोहका हमरे संग होइ क पाछे इ देखाउब
कि मइँ अउर तोहार लोगन इ धरती क दूसर लोगन स
कइसे अलग होइ जाब।"

17तब यहोवा मूसा स कहेस, "मइँ उहइ करब जउन तू
कहत बाट्या। मइँ इ करब काहेकि मइँ तोहसे खुस अहउँ।
मइँ तोहका अच्छी तरह स जानत हउँ।"

18तब मूसा कहेस, "अब किरपा कइके मोका महिमा
देखावा।"

19परमेस्सर कहेस, "मइँ आपन उचित भलाई क तोहार
आगे स गुजारउब। मइँ यहोवा अहउँ अउर मइँ आपन नाउँ
क घोषणा करब जेसे तू ओका सुनि सका। मइँ कउनो भी
व्यक्ति प कृपा अउ पिरेम देखाउब जेनका मइँ चाहउब।
20मुला तू मोर मुँह नाहीं निहार सकत्या। कउनो भी मनई
मोका लख नाहीं सकत अउर जदि लखि लेत ह तउ उ
जिन्दा नाहीं रहि सकत।

21"मोरे लगे नगिचे एक ठु चट्टान बाटइ। तू उ चट्टाने
प ठाड़ होइ सकत ह। 22मोर महिमा उ ठउर स होइके
जाइ। मइँ तोहका उ चट्टाने क बड़की दरार मँ राखब अउ
तोहका आपन हथवा स ढाँकब जे समइ मइँ गुजरब।
23तबहिं मइँ आपन हाथ हटाइ लेब अउर तू मोर पीठ भइ
देखब्या। मुला तू मोर मुँह नाहीं देख पउब्या।"

पाथर क नई पाटी

34 तब यहोवा मूसा स कहेस, "दुइ अउर समथर
पाथरन ठीक वइसे ही बनावा जइसे पहिले दुइ रहीं
जेका तू तोग दिहे रहा। मइँ एह प ओनही सब्दन क लिखब
जउन पहिले दुइनउँ पाथर क पाटी प लिखा रहेन। 2भियान
भिन्सारे तइयार रह्या अउ सीनै पहाड़े प आवा। हुवाँ मोरे
समन्वा पहाड़े क चोटी प ठाड़ रह्या। 3कउनो मनई क तोहरे
संग नाहीं आवइ दीन्ह जाइ। हिआँ तलक कि तोहरे गोरू
अउ भेड़ी क झुण्ड क भी पहाड़े क उ पार घास नाहीं चरइ
चाही।"

4एँह बरे मूसा पहिले पाथर क तरह पाथर क दुइ समथर
पाटी बनएस। तब दूसर दिन भिन्सारे उ सीनै पहाड़े प गवा।
मूसा उहइ किहेस जइसा यहोवा ओका हुकुम दिहे रहेन। मूसा
आपन संग पाथर क दुइ पाटी लइ गवा। 5मूसा क पहाड़े प
पहोंच जाइ क पाछे यहोवा ओकरे लगे बादर मँ खाले पहाड़े
प आवा। यहोवा हुवाँ मूसा क लगे ठाड़ रहा। उ यहोवा क
नाउँ लिहेस।

6यहोवा मूसा क समन्वा स गवा अउ उ कहेस, "यहोवा,
दयालु यहोवा, अउ कृपालु परमेस्सर अहइ। यहोवा कोहाइ मँ
धीरे करत ह। यहोवा महान पिरेम स सराबोर बा। यहोवा
बिस्सास क जोग्ग बा। 7यहोवा हजारन पीढ़िन प कृपा करत
ह। यहोवा लोगन क जउन उ पचे पापन्क करत हीं, छिमा
करत ह। मुला यहोवा अपराधी क सजा देइ मँ चूकत नाहीं।
यहोवा सिरिफ अपराधी क सजा नाहीं देइ मुला ओनके
बेटवन, नाती, पंती अउ संती क भी बुरी बात क सजा देइ
जउन उ पचे किहे रहेन।

8तब तुरन्तइ मूसा धरती प निहुरा अउ यहोवा क पूजेस।
मूसा कहेस, 9"सुआमी। जदि आप मोसे खुस अहइँ तउ
हमार साथे चलइँ। मइँ जानत हउँ कि उ पचे हठी लोग
अहइँ। मुला हम पचन्क ओन पापन्क अउ अपराधन्क छिमा
कइ द्या, जउन हम पचे किहेन ह।"

10तब यहोवा कहेस, "मइँ तोहरे सबहिं लोगन क संग इ
करार करत हउँ। मइँ अइसा अचरज कार्य करब जइसे इ
धरती प कउनो भी दूसर रास्ट्र क खातिर पहिले कबहुँ नाहीं
कीन्ह गवा रहा। तोहरे संग सबहिं लोगन उ अचम्भा क
निहरिहीं जउन मइँ तोहरे बरे करब।" 11आज मइँ जउन

हुकुम देत हउँ ओका माना। मइँ कनानी, हित्ती, एमोरी,
परिज्जी, हिब्बी, अउ यबूसी क बाहेर निकरि जाइ क मजबूर
करब। 12होसियार रहा। उ लोगन क संग कउनो समझौता
जिन करा जउन उ पहँटा मँ रहत अहइँ जहाँ तू जात अहा।
जदि तू ओनकइ संग समझौता करब्या तउ तू ओहमाँ फँस
जाब्या। 13ओनके वेदी क नास कइ डावा उ पाथरन क तोड़ि
डावा जेका उ पचे पूजत बाटेन। ओनकइ मूरत* क काटिके
बहाइ द्या। 14कउनो दूसर देवता क आराधना जिन करा। मइँ
“यहोवा कना - ईर्स्यालु यहोवा” अहउँ। इ मोर नाउँ अहइ।
मइँ “एलकना ईर्स्यालु परमेस्सर हउँ।”

15“जउन लोग उ पहँटा मँ रहत हीं ओनसे कउनो
समझौता जिन करा। जदि तू इ करब्या तउ जब उ सबइ
आपन देवतन क पूजिहीं तब तू ओनके साथे होइ सकब्या।
उ पचे तोहका सामिल होइ बरे न्यौतिहीं अउर तू ओनकइ
भेंट क खाब्या। 16तू आपन बेटवन क पत्नी बनवइ बरे
ओनकइ कछू बिटियन क चुन सकत ह। उ पचे बिटियन
झूठ देवतन क पूजा करत रहत हीं। उ पचे तोहरे बेटवन स
उहइ करवाइ सकत हीं।

17“मूरत जिन बनाया।

18“बे खमीरे क रोटी क दावत क त्यौहार मनावा। मोरे
हुकुम बरे सात दिना तलक बेखमीरे क रोटी खाया। एका
उहइ महीना मँ करा जेका मइ चुनेउँ ह जउन कि अबीब क
महीना अहइ। काहेकि उहइ महीना अहइ जब तू मिस्र स
बाहेर आए रह्या।

19“कउनो भी मेहरारू क पहिलौटी बेटवा मोर बा।
पहिला जनावर भी जउन तोहार गाय-बोकरी अउ भेड़ी स
पइदा होइ, मोर अहइ। 20जदि तू पहिले पइदा भए गदहा क
आपन बरे राखइ चाहत बाट्या तउ तू एका भेड़ी क बच्चा स
बेसहि सकत ह। मुला अगर तू उ गदहा क भेड़ी क बच्चा
स नाहीं वेसहत्या तउ तोहका उ गदधा क गरदन जरूर तोड़
दइ चाही। तोहका आपन पहिलौटी सब पूतन बरे मोसे
बेसहइ क होइ। कउनो व्यक्ति बे भेंटे क मोरे समन्वा न
आइ।

21“तू छ: दिन काम करा। मुला सातँवा दिन अराम करा।।
पौध रोपइ अउ फसिल काटइ क समइया भी तोहका सबित
क दिन क धियान रखइ चाही।

22“हफ्तन क त्यौहार मनावा। फसल कटाइ क त्यौहार क
मनावा। आखीर मँ फसल काटइ क दावत करा।

23“हर साल तोहार सब मनई तीन दाईं आपन सुआमी,
यहोवा इस्राएल क परमेस्सर क लगे जइहीं।

24“जबहिं तू आपन भुइँया मँ पहुँचब्या मइँ तोहरे दुस्मनन
क उ भुइँया स बाहेर जाइके मजबूर करब। मइँ तोहरे चौहद्दी
क बढ़ाउब अउर तू जिआदा स जिआदा धरती पउब्या।
तोहका आपन परमेस्सर यहोवा क समन्वा बरिस मँ तीन दाईं
जाइ चाही। अउर तोहसे उ टेमॅ तोहर देस लेइ क कउनो
जतन न करी।

25“जब तू बलि स खून भेंट करा तउ उहइ समइया
खमीर जिन भेंट करा।

“अउर फसह त्यौहार क कछू भी गोस दूसर भिन्सारे
तलक नाहीं राखइ चाही।

26“यहोवा क आपन पहली काटी भइ फसल द्या। उ
चीजन्क यहोवा आपन परमेस्सर क घरे लइ आवा।

“बोकरी क बच्चा क ओकर महतारी क दूध मँ जिन
पकावा।”

27तब यहोवा मूसा स कहेस, “जउन बातन क मइँ
बतायउँ ह ओनका लिखि ल्या। इ आदेस क अनुसार मइँ
तोहार अउर आपन बीच करार किहउँ ह।”

28मूसा हुवाँ यहोवा क संग चालीस दिना अउ चालीस रात
रहा। उ पूरे टेम तलक न खइया क खाएस अउर न पानी
पिएस। अउर मूसा क करार क सब्दन क दस-आग्यन क
दुइ समथर पाथरन प लिखेस।

मूसा क चमचमात मुँह

29तब मूसा सीनै पहाड़े स तरखाले उतरा। इ यहोवा क
दुइनउँ पाथरे क समथर पाटी क संग लइ आवा। मूसा क
मुँह चमकत रहा। काहेकि उ यहोवा स बात किहेस। मुला
मूसा इ बरे नाहीं जानत रहा। 30हारून अउ इस्राएल क सब
लोगन लखेन कि मूसा क मुँह चमकत रहा। एँह बरे उ पचे
ओकरे पास जाइ स डेरानेन।

31मुला मूसा ओनका बोलाएस। एँह बरे हारून अउ सबहिं
अगुवा लोग मूसा क लगे गएन। मूसा ओनसे बतियान।
32ओनके पाछे इस्राएल क सबहिं लोग मूसा क लगे
आएन। अउर मूसा ओनका उ आदेस दिहेस जउन यहोवा
सीनै पहाड़े प दिहे रहा।

33जब मूसा बात करब खतम किहेस तउ उ आपन मुँह
क एक ओढ़ना स ढाँकि लिहस। 34जब कबहुँ मूसा यहोवा
क समन्वा बात करइ जात तउ ओढ़ना क हटाइ लेत। तब
मूसा बाहेर आवत अउ इस्राएल क लोगन क इ बतावत
जउन यहोवा क हुकुम होत रहा। 35इस्राएल क मनइयन
देखत रहेन कि मूसा क मुँह तेज स चमकत रहा। एँह बरे
मूसा आपन मुँह फुन ढाँकि लेत। मूसा आपन मुँहना क तब
तलक ढाँके रखत रहा जब तलक उ यहोवा क संग बात
करइ अगली दाईं नाहीं जात रहा।

सबित क नेम

35 मूसा इस्राएल क सबहिं मनइयन क बटोरेस। मूसा
ओनसे कहेस, “मइँ उ सब आदेसन क बताउब
जउन यहोवा तू पचन्क करइ क आदेस दिहस ह।

2“काम करइ क छ: दिन अहइँ। मुला सातवाँ दिन तू
पचन्क अराम क दिन खास दिन होइ। उ खास दिन अराम
कइके तू पचे यहोवा क स्रद्धा देब्या। जदि कउनो सातवाँ
दिन काम करी तउ ओका जरूर मारि डावा जाइ। 3सबित क
दिना तू सबन्क कउने ठउर प आगी तलक नाहीं बारइ चाही
जहाँ कहूँ तू पचे रहत बाट्या।”

उ पाथरन … मूरत “स्मारक क असेरा स्तम्भ” इ पाथर क प्रतीक अउ लकड़ी क खम्भा रहेन जेका मनई झूठ देवता बरे याद रखइ अउ स्रद्धा बरे खड़ा करत रहेन।

पवित्तर तम्बू क सामान

4मूसा इस्राएल क सबहिं मनइयन स कहेस, “इहइ बा जउन यहोवा हुकुम दिहे अहइ। **5**यहोवा बरे खास भेंट बटोरा। तोहका आपन मन मँ ठान लेइ चाही कि तू पचे का भेंट मँ देब्या। अउर तब तू उ भेंट यहोवा क लगे लइ आवा। सोना, चाँदी, काँसा, **6**नीला बैगनी अउ लाल कपड़ा, उत्तिम सन अउ बोकरी क बार, **7**भेड़ी क लाल रंगी खाल, उत्तिम चाम, बबुरे क लकड़ी, **8**दिया बरे जइतूने क तेल, अभिसेक क तेल बरे मसाले सुगन्धि धूप बरे मसाला, **9**गोमेद रतन अउ दूसर रतन एपोद अउर निआव क थइला प लगावा जइहीं।

10आप सबहिं कुसल कारीगर क चाही कि यहोवा जउन चीजन्क हुकुम दिहे अहइँ ओनका बनावा। इ सबइ उ चीज अहइँ जेनके बरे यहोवा हुकुम दिहे अहइँ। **11**पवित्तर तम्बू, ऍकरे बाहेर क तम्बू, अउ एकर ढकना, हुक, तखता, पाटी, खम्भा अउ आधार। **12**पवित्तर संदूख, अउ एकर खम्भन अउ संदूखे क ढकना, अउ दरवाजे क रास्ता क ढाँपइ बरे पर्दा। **13**मेज अउ एकर खम्भन, मेजे प धरी जाइवाली सब चीज, अउ मेजे प धरी जाइवाली खास रोटी, **14**रोसनी क बइपरइ बरे डीबट, अउर ऍकर सबइ बासन, ऍकर दिया, अउ रोसनी बरे तेल, **15**धूप बारइ बरे वेदी अउ ऍकर खम्भन, अभिसेक क तेल अउ महकउआ धूप, बइठकावाला तम्बू क प्रवेस दुआर क ढाकइ वाली कनात, **16**होमबलि क बारइ बरे वेदी, एकर काँसा क झंझरी, खम्भन अउ वेदी प बइपरइ बरे सबहिं चिजियन, काँसा क खोरा अउ आधार, **17**आँगन क चारिहुँ कइँती पर्दा, अउर खम्भा अउ एकर आधार, अउर आँगन क प्रवेस दुआर क ढकइवाला कनात, **18**तम्बू क थामइ बरे बइपरइ खातिर खूँटी अउर आँगन क घेरइवाला पर्दा क दिवार, खूँटी स बाँधइवाली लसुरी। **19**अउ खास बुना भवा ओढ़ना जेका याजक पवित्तर ठउरे प पहिरहीं। इ खास ओढ़ना हारून अउ ओकरे बेटवन क पहिरइ बरे अहइँ। उ पचे इ ओढ़ना क तब पहिरहीं जब उ पचे याजक क रूप मँ सेवा करिहीं।”

लोगन क बड़का भेंट

20तब इस्राएल क सबहिं मनई मूसा क लगे स चलेन। **21**सबहिं मनइयन जउन भेंट चढ़ावइ चाहत रहेन आएन अउर यहोवा बरे भेंट लिआएन। इ भेंट बइठकावाला तम्बू क बनावइ, तम्बू क सब चीजन अउ खास ओढ़ना बनावइ क काम मँ लाइ गइन। **22**सबहिं मेहरारू-मनसेधू, जउन चढ़ावा देइ चाहत रहेन, किसिम किसिम क आपन आपन सोना क गहना लइ आएन। उ सबइ पिन, कान क बाली, मुंदरी, दूसर गहना लइ आएन। उ पचे आपन सबहिं गहना क चढ़ाएन। इ यहोवा क खास भेंट रही।

23हर मनई जेकरे लगे नीला, बैगंनी अउ लाल कपड़ा अउर सन क उत्तिम रेसा रहा, उ इ सबन्क यहोवा क लगे लइ आवा। उ मनई जेकरे लगे बोकरी क बार, लाल रंग क भेड़ी क खाल, उत्तिम चमड़ा रहा, ओका उ यहोवा क लगे लइ आवा। **24**हर मनई जउन चाँदी, काँसा चढ़ावइ चाहत रहा यहोवा क भेंट क रूप मँ ओका लियाएस। हर मनई जेकरे लगे बबुरे क लकड़ी रही, आवा अउ ओका यहोवा क चढ़ाएस। **25**हर माहिर मेहरारू सन क उत्तिम रेसावाला नीला, बैगनी अउ लाल ओढ़ना बनाएस। **26**उ सबहिं मेहरारू जउन माहिर रहीं अउ इ काम बरे ओकर मदद करइ सकत हीं उ पचे बोकरी क बारे स ओढ़ना बनाएन।

27नेतन सुलेमानी पाथर तथा दूसर रतन लइ आएन। इ सब नग अउ रतन याजक क एपोद अउ निआउ क थइली मँ लगाए रहेन। **28**लोग मसाला अउ जइतून क तेल भी लइ आएन। इ चीजन महकउआ धूप, अभिसेक क तेल अउ दिया क तेल बरे बइपरी गइन।

29इस्राएल क सबहिं मनइयन जउन मदद करइ चाहत रहेन यहोवा बरे भेंट लइ आएन। मनइयन इ सबहीं भेंट दिल खोलिके जेतन उ पचे चाहेस दिहेन। इ भेंट उ सबइ चीजन्क बनवइ बरे काम मँ आइन जेका यहोवा मूसा अउ लोगन क बनाइ क हुकुम दिहे रहेन।

बसलेल अउ ओहोलीअब

30तब मूसा इस्राएल क मनइयन स कहेस, “लखा यहोवा बसलेल, उरि क बेटवा (उरि हूर क बेटवा रहा) जउन यहूदा क परिवार गोत्र स रहा क चुनेस। **31**अउर उ बसलेल क परमेस्सर क आतिमा स भरि दिहस। इसलिए उ बुद्धि स परिपूर्ण अहइ अउर उ हर प्रकार क सिल्पकारी कार्य क करइ मँ होसियार अउ माहिर अहइ। **32**उ सोना, चाँदी अउ काँसा क चीजन्क नमूना बनाइ सकत ह। **33**उ नग अउर रतन क काट अउ जड़ सकत ह। बसलेल लकड़ी क काम कइ सकत ह अउर सबहिं तरह की चीजन क बनइ सकत ह। **34**यहोवा बसलेल अउ ओहोलीआब क दूसर लोगन क सिखवइ क जोग्यता दइ दिहस ह। ओहोलीआब दन क परिवार गोत्र स अहीसामाक क पूत रहा। **35**यहोवा इ दुइनउँ मनइयन क सब तरह क काम कइ क कुसलता दइ दिहस। ह। उ पचे बढ़ई अउ लोहार क काम करइ क जोग्यता रखत हीं। उ सबइ नीला, बैगनी अउ लाल ओढ़ना अउ सन क उत्तिम रेसा वाला कपड़ा स तस्बीर क काढ़िके ओनका बुन सकत हीं। अउर उ पचे ऊन स भी चीजन्क बुन सकत हीं। उ सबइ प्रकार क काम करइ सकत ह अउर सबइ प्रकार क डिज़ाइन बनाइ सकत ह।

36 “ऍह बरे बसलेल, ओहोलीआब अउ सब चतुर मनई उ काम करिहीं जेनका यहोवा हुकुम दिहे अहइ। यहोवा इ मनइयन क ओन सबहिं काम करइ क बुद्धि अउ समझ दइ दिहे अहइ जेकर जरूरत इ पवित्तर ठउर क सेवा करइ बरे अहइ।”

2तब मूसा बसलेल, ओहोलीआब अउ सबहिं दूसर मनइयन क बोलाएस जेनका यहोवा खास चतुराई दिहे रहा। अउर इ पचे आएन काहेकि इ काम मँ मदद करइ चाहत रहेन। **3**मूसा इस्राएल क उ कुसल मनइयन क उ सबहिं चीजन्क दिहेन जेनका इस्राएल क लोग उपहार क रूप मँ लइ आए रहेन। अउर उ पचे पवित्तर ठउर क बनवइ मँ उ चीजन्क बइपरेन। मनइयन रोज भिन्सारे भेंट लइ आवत रहेन। **4**तब सबहिं कुसल मनइयन पवित्तर ठउर क काम क

अनजाम देइ बरे क जगह जमा भएन। अउर उ पचे मूसा स बात करइ गएन। उ पचे कहेन, 5"लोग बहोत सारे चिजन लाए अहइँ, अउर हम पचन्क लगे ओसे बहोत जिआदा सामान अहइ जेतना कि उ काम क पूरा करइ बरे चाही जेका करइ क हूकुम यहोवा दिहस ह।"

6तबहिं मूसा सिबिर मँ खबर क प्रचार कराएस: 'कउनो मनसेधू या मेहरारू क अब कउनो भेंट पवित्तर तम्बू मँ न चढ़ाई चाही।" 7इ तरह लोगन जेतना चाही ओसे जियादा देइ क बन्द कइ दिहेन।"

पवित्तर तम्बू

8तब कुसल कारीगरन तम्बू बनउब सुरू किहेन। उ पचे नीला, बैगनी अउ लाल ओढ़ना अउ सन क उत्तिम रेसा स दस पर्दा बनाएन। अउर उ पचे करूब सरगदूतन क तस्वीरन क पर्दन प काढ़ेन। 9हर एक पर्दा बराकर नाप क रही। इ अट्ठाइस हाथ लम्बी अउर चार हाथ चौड़ी रही। 10कारीगरन पर्दन क दुइ भाग मँ बाँटि दिहेन। उ पचे पाँच ठु पर्दन क एक हीसा मँ जोड़ के पहिला समूह बनाएन। दूसर समूह क भी उ पचे पाँच ठू पर्दन क एक हींसा मँ जोड़के बनाएन। 11पहली समूह क आखरी पर्दा क सिरा क संग फंदा बनइ बरे नीला कपड़ा प्रयोग भवा रहा। उ पचे दूसर समूह क आखरी पर्दा क संग भी उहइ काम करइ रहेन। 12पहिले समूह क आखरी पर्दा क सिरा मँ पचास फंदा रहेन अउ दूसरे समूह क आखरी पर्दा क सिरा मँ भी पचास फंदा रहेन। फंदा एक दूसर क आमने सामने रहेन। 13तब उ पचे पचास सोने क छल्ला बनाएन। उ पचे इ फलियन क दुइनउँ कनात क जोड़इ बरे लगाएन। इ तरह पवित्तर तम्बू क जोड़के एक हींसा बनाइ गएन।

14तब कारीगरन दूसर तम्बू पवित्तर तम्बू क ढाँकइ बरे बनाएन। उ ग्यारह पर्दने बनावइ बरे बोकरी क बारन क प्रयोग किहेन। 15सबहिं ग्यारह पर्दन एक ही नाप जोख क रहिन। उ सबइ तीस हाथ लम्बी अउ चार हाथ चैड़ी रहिन। 16कारीगरन पाँच पर्दन क एक मँ सिएस अउ छ पर्दनन क दूसर मँ सिएस। 17उ पचे पहिली समूह क आखिरी पर्दा क सिरा स जोड़इ बरे पचास फंदा बनाएन। अउ दूसर कनाते क समूह क आखरी कनाते क सिरा मँ भी पचास फली बनाएन। 18कारीगरन पर्दन क दुई समूह क जोड़इ बरे पचास काँसा क छल्ला बनाएन अउर एक तम्बू बनाएस। 19तबहिं उ पचे पवित्तर तम्बू क दुइ अउर ढकना बनाएन। एक ढकना भेड़ा क लाल रंग क खाल स बनाएन। दूसर ढकना उत्तिम खाले क बनाएन।

20तब उ बबूर क लकड़ी क तखता पवित्तर तम्बू क सहारा देइ बरे लिहेस। 21हर एक तखता दस हाथ लम्बा अउ डेढ़ हाथ चौड़ा बनाएन। 22हर एक तखता क बगल मँ दुइ खूँटी एक दुसर स जुरइ रहिन। पवित्तर तम्बू क सबहिं तखता एक ही तरह क बना रहेन। 23बेसलेल पवित्तर तम्बू क दक्खिनी हींसा बरे बीस ढाँचा बनाएस। 24तब उ ढाँचा बरे चालीस चाँदी क आधार बनाएस। हर ढाँचा बरे दुइ आधार रहिन। एक आधार एक बगल क खम्भा बरे रहेन। 25उ बीस तखता पवित्तर तम्बू क उत्तर कइँती भी बनाएस। उ चालीस चाँदी क आधार बनाएस अउ हर तखतन बरे दुइ ठु बनाएस। 26उ हर ढाँचा क तले दुइ लगइवाला चाँदी क चालीस कुर्सी बनाएस। 27उ पवित्तर तम्बू क पिछला हींसा (तम्बू क पस्चिमी भाग) कइँती छ: ठु तखता ल्या। 28उ पवित्तर तम्बू क पिछला भाग क कोना बरे दुइ तखता ल्या। 29इ सबइ तखता तरखाले एक दूसर स जोड़ा गवा रहेन। ऊपर मँ छल्ला तखता क कोना को साथ मँ जोड़त रहेन। दुइनउँ कोना बरे भी अइसा ही कीन्ह ग रहेन। 30इ तरह हुवाँ पवित्तर तम्बू क पस्चिम भाग क बरे आठ तखता रहेन। हर एक ढाँचा क बरे दुइ आधार क हिसाब स सोलह चाँदी क आधार रहेन।

31तब कारीगरन बबुरे क लकड़ी स ढाँचा क छड़ बनाएन। पवित्तर तम्बू क पहली कइँती बरे पाँच छड़ बनाएन। 32अउर पाँच छड़ दूसर कइँती, पाँच छड़ पिछली भाग (पस्चिमी कइँती) बरे बनाएन। 33उ पचे ओहमाँ बीच क छड़ अइसी तरह स बनाएन जउन ढाँचा मँ स एक छोर स दूसर छोर तलक गुजरत रहिन। 34उ पचे इ तखतन क सोना स मढ़ेन। उ पचे छड़ क धरइ बरे सोना क छल्ला बनएन उ पचे कड़ियन क भी सोना स मढ़ेन।

35उ सबइ सब ते जिआदा पवित्तर ठउर क दुआर बरे पर्दा बनाएन। उ पचे सन क उत्तिम रेस अउ नीला लाल अउ बैगनी कपड़ा बइपरेन। उ पर्दा मँ करूब सरगदूत क तस्वीर काढ़ेन। 36उ पचे बबुरे क लकड़ी क चार खम्भा बनाएन अउ ओनका सोना स मढेन। उ पचे खम्भा बरे सोना क हुक बनाएन अउर खम्भा बरे चार चाँदी क आधार बनाएन। 37तब उ पवित्तर तम्बू क दुआर बरे पर्दा बनाएन। उ पचे नीला, बैगनी अउ लाल कपड़ा अउर सन क उत्तिम रेसा बइपरेन। पर्दा कढ़ाइ क सामग्री स बनाए गए रहेन। 38तब उ सबइ इ पर्दा बरे पाँच खम्भा अउ ओकर बरे हुक बनाएन। उ सबइ खम्भन क चोटी अउ पर्दन क छड़न क सोना स मढ़ेन। अउर उ पचे काँसा क पाँच आधार खम्भा बरे बनाएन।

करार क सन्दूख

37 बसलेल बबुरे क लकड़ी स पवित्तर सन्दूख बनाएस। सन्द्रख ढाई हाथ लम्बा, डेढ़ हाथ चौड़ा अउ डेढ़ हाथ ऊँचा रहा। 2उ सन्दूखे क भितरे अउ बाहेर दिवार क निखालिस सोना स मढ़ि दिहस। तब उ सोना क झालर सन्दूखे क चारिहुँ कइँती लगाएस। 3फुन उ सोना क चार छल्ला बनाएस अउ ओनका चारिहुँ कोने प लगाएस। इ छल्लन क संदूख ढोवइ बरे बइपरा जात रहा। दुइनउँ कइँती दुइ दुइ छल्ला रहेन। 4तब उ सन्दूखे क ढोवइ बरे लकरी क खम्भन क लगाएस। खम्भा बरे उ बबुरे क लकड़ी लगाएस, अउ खम्भन क सोना स मढ़ि दिहस। 5उ संदूखे क हर सिरन प बना भवा छल्लन मँ खम्भन क डाइ दिहस। 6तब उ निखालिस सोना स ढकना बनाएस इ ढाई हाथ लम्बा अउ डेढ़ हाथ चौड़ा रहा। 7तब बसलेल सोना क पीट पीटके दुइ करूब बनाएस। उ ढकना क दुइनउँ छोर प करूब लगाएस। 8उ एक करूब क एक अउ दूसर क दूसर कइँती लगाएस। करूब सरगदूतन क ढकना स एक बनावइ

बरे जोड़ दीन्ह गवा। 9सरगदूतन क पखना अकासे कइँती ऊपर उठाइ दीन्ह गएन। सरगदूतन आपन पखना स सन्दूखे क ढाँकि लिहन। सरगदूतन एक दूसर क समन्वा ढकना क लखत रहेन।

खास मेज

10तब बसलेल बबुर क लकड़ी क मेज बनाएस। मेज दुइ हाथ लम्बी, एक हाथ चौड़ी अउ डेढ़ हाथ ऊँची रही। 11उ मेज क निखालिस सोना स मढ़ेस। उ सोना क झालर मेज क चारिहुँ कइँती किहस। 12तब उ मेज क चारिहुँ कइँती एक पट्टी बनाएस। इ पट्टी करीब चार अंगुल चौड़ा रहा। उ पट्टी प सोना क झालर बनाएस। 13तब उ मेज बरे चार सोना क छल्ला बनाएस। उ मेज क चारिहुँ कोना प सोना क छल्ला लगाएस जहाँ चार ठु पाया रहेन। 14छल्ला पट्टी क नगिचे लगा रहेन। छल्ला खम्भा मँ लगा रहेन जउन मेज क लइ जाइ मँ काम करत रहीं। 15तब उ मेजे क ढोवइ बरे खम्भा बनाएस। इ खम्भा बबुरे क लकड़ी क रहिन। अउर ओन प निखालिस सोना मेढ़ भवा रहेन। 16तब उ ओन चीजन्क बनाएस जउन मेज प काम आवत रहीं। उ थारी, चम्मच, परात, अउ घड़ा बनाएस। इ सब निखालिस सोना स बनवा भवा रहेन। खोरा अउ घड़ा क पेयबलि क देइ बरे बइपरा जात रहेन।

डीबट

17तब उ डीबट बनाएस। एकरे बरे उ सुद्ध सोना बइपरेस उ सोना क पीट पीट के आधार अउ डण्डा बनाएस। तब उ फूल, कली अउ पंखड़ी बनाएस। उ इ सब चीजन्क एक टुकड़ा मँ जोरि दिहस। 18डीबट मँ छ: डारन रहिन। एक कइँती तीन डार अउ दूसर कइँती तीन डार रहेन। 19हर डारे प तीन फूल रहेन। इ फूल बदाम क फूल क सकल क बना रहेन। अउर ओहमाँ कली अउ पंखुड़ी रहिन। 20डीबट क डंडा प चार फूल रहेन। इ सबइ कली अउ पंखुड़ी क संग बदाम फूल क सकल क बनवा रहेन। 21हुवाँ छ: डार रहेन-डण्डा क दुइनउँ किनारा स तीन-तीन डार निकलत रहेन। हुआँ एक फूल कली अउ पंखड़ी क संग उ तीनउँ जगह क नीचे जहाँ डार जुड़त रहा, रहेन। 22इ सबहिं कली अउ डार अउ डीबट निखालिस सोना क बनी रहिन। इ समूचइ सोना क पटिके एक ही मँ जोड़ दीन्ह ग रहा। 23उ इ डीबट क बरे सात दिया बनाएस तब उ तस्तरी अउ चिमटा बनाएस। हर चीजन्क क निखालिस सोना स बनाएस। 24उ लगभग पचहत्तर पौण्ड निखालिस सोना डीबट अउ ओकर संग प्रयोग मँ आवइवाली चीजन क बनावइ बरे प्रयोग किहेस।

धूप बारइ क वेदी

25तब उ धूप क जलाइ बरे वेदी बनाएस। उ एका बबुरे क काठे क बनाएस। इ वेदी चउकोर रही। इ एक हाथ लम्बी, एक हाथ चौड़ी अउर दुइ हाथ ऊँची रही। वेदी प चार सीगं रहेन। हर एक कोना प एक ठु सीगं लगा भवा रहेन। इ सीगंन्क वेदी क संग एक इकाई बनवइ बरे जोड़ दीन्ह ग रहा। 26चोटी, सबहिं बगल अउ सीगन्क निखालिस सोना स मढ़ेस। तब उ वेदी क चारिहुँ कइँती सोना क झालर बनाएस। 27उ सोना क दुइ छल्ला वेदी बरे बनाएस। उ सोना क छल्लन वेदी क हर कइँती झालर क तरे राखेस। इ छल्लन मँ वेदी ढोवइ बरे डण्डा डाई जात रहीं। 28तब उ बबुरे क काठे क खम्भन बनाएस अउ ओनकइ सोना स मढ़ेस।

29तब उ अभिसेक क पवित्तर तेल बनाएस। उ निखालिस महकउआ धूप भी बनाएस। इ चीजन्क उहइ तरह बनावा गवा जउने तरह कउनो कुसल महकाउआ बनवइया बनावत ह।

भेंट बारइ क वेदी

38 तब बसलेल बबुरे क काठ वेदी बनवई बरे बइपरेस। इ वेदी भेंट क बारइ बरे काम मँ आवत रही। इ चउकोर रही। इ पाँच हाथ लम्बी, पाँच हाथ चौड़ी अउ तीन हाथ ऊँच रही। 2उ हर एक कोना प एक सीग बनाएस। उ सीगन क वेदी क संग जोड़ दिहस। तब उ हर चीज क काँसा स ढाँकि दिहस। 3तब उ वेदी प बइपरइ वाला सबहिं अउजार बनाएस। उ बर्तनन, बेलचन, खोरन, माँस खाइ बरे काँटन अउ कड़ाहियन बनाएस। उ इ चीजन्क क काँसा स बनाएस। 4तब उ वेदी बरे एक ठू काँसा क जाली बनएस। इ जाली जाल क तरह रही। इ ओका वेदी क पायदाने क नीचे लगाएस। इ वेदी क पेंदी स वेदी क आधा ऊँचाइ तक रहा। 5तब उ काँसे क छल्ला बनाएस अउर एँका जाली क चारिहुँ कोना मँ लगाइ दिहस। इ छल्ला वेदी क ढोवइ बरे खम्भन क फँसावइ क काम आवत रहेन। 6तब उ बबुरे क काठे क खम्भन बनाएस अउ ओनका काँसा स मढ़ेस। 7खम्भन वेदी क बगल मँ लाग भवा छल्लन मँ स लगइके वेदी क ढोवइ क काम बरे लगाएस। उ वेदी क किनारा बनावइ बरे तखता बइपरेस। वेदी भीतर स खोखल खाली संदूखे क तरह रही।

8जउन मेहररूअन पवित्तर बइठकावाला तम्बू क प्रवेस दुआर प जमा भवा रहिन आपन काँसा क दरपन दइ दिहन। बसलेल इ दरपन क काँसा स हाथ धावइ क पात्र अउ एकर आधार बनाएस।

पवित्तर तम्बू क चारिहुँ ओर क आँगन

9तब उ आँगन क चारिहुँ कइँती पर्दा क दीवार बनएस। दक्खिन कइँती पर्दा क दीवार एक सौ हाथ लम्बी रही। इ पर्दा सन क उत्तिम रेसा क बना रहा। 10दक्खिनी कइँती क पर्दन बीस खम्भन क सहारे प टिका रहेन। इ खम्भन काँसा क बीस आधारन प टिका रहेन। खम्भन अउ पर्दा क छड़ा बरे हुक चाँदी क बनी रहेन। 11आँगन क उत्तर कइँती पर्दा क दीवार एक सौ हाथ लम्बी रही। बीस खम्भन अउ काँसा क बीस आधारन भी बनई गइन। खम्भन अउ पर्दा क छड़ा बरे हुक चाँदी क रहिन।

12आँगन क पस्चिमी कइँती पर्दा क दीवार पचास हाथ लम्बी रही। हुवाँ दस खम्भन अउ दस आधारन रहिन। खम्भन बरे हुक अउ पर्दा क छड़ा चाँदी क बनावा ग रहेन।

13अँगने क पूर्वी किनारा पचास हाथ चौड़ी रही। अँगने
क प्रवेस दुआर इहइ तरफ रहा। 14प्रवेस दुआर क एक
कइँती पर्दा क दीवार पन्द्रह हाथ लम्बी रही। इस तरफ तीन
खम्भन अउ तीन आधार रहीं। 15प्रवेस दुआर क दूसर कइँती
क पर्दा पन्द्रह हाथ लम्बी रहेन। उस तरक भी तीन खम्भन
अउ तीन आधारन रहेन। 16आँगन क चारिहुँ कइँती क पर्दा
सन क उत्तिम रेसा क बनी रहीं। 17खम्भन क आधार
काँसा क बनी रही। हुक अउ कनात क छड़ा चाँदी क बना
रहा। खम्भन क चोटी भी चाँदी स मढ़ा रहा। आँगन क
सबहिं खम्भन चाँदी स बना भवा छड़ा क संग रहेन।

18आँगन क प्रवेस दुआर क पर्दा सन क उत्तिम रेसा अउ
नीला लाल अउ बैंगनी कपड़ा क बना रहा। एह प कढ़ाई
कीन्ह गइ रही। कनात बीस हाथ लम्बा अउ पाँच हाथ
ऊँच रही। इ उहइ उँचाई क रही जउने उँचाई क आँगन क
चारिहुँ कइँती क कनात रहीं। 19कनात चार खम्भन अउ चार
काँसा क आधारन प खड़ी रही। खम्भा क हुक चाँदी क
बनी रही। खम्भा क सिरा चाँदी स मढ़ा रहा अउ पर्दा क
छड़ भी चाँदी स मढ़ा रहा। 20पवित्तर तम्बू अउ आंगन क
चारिहुँ कइँती क खूँटी काँसा क बनी रहीं।

21मूसा सबहिं लेवी मनइयन क हुकुम दिहेस कि उ पचे
पवित्तर तम्बू करार क तम्बू क बनवइ मँ काम आवइ वाली
चीजन्क क लिखि ल्या। हारून क पूत ईतामार इ सूची
रखइ क अधिकारी रहा।

22यहूदा क परिवार समूह स हुर क बेटवा उरी क बेटवा
बसलेल सबहिं चीजन्क बनाएस जेनके बरे यहोवा मूसा क
हुकुम दिहे रहेन। 23दान क परिवार समूह स अहीसामाक क
पूत ओहोलीआब भी ओकर सहायता किहेस। ओहोलीआब
एक कुसल सिल्पकार अउ ड़िजाइनर रहेन। उ सन क उत्तिम
रेसा अउ नीला, बैगंती अउ लाल कपड़ा बुनइ मँ बहोत
कुसल रहा।

24दुइ टन स जिआदा सोना पवित्तर ठउर बनवइ बरे
यहोवा क भेंट कीन्ह ग रहा। (इ मंदिर क मान्नता स तौला
ग रहा।)

25कुल मनई जउन गना ग रहेन, पौने चार टन स
जिआदा चाँदी दिहन। (इ मन्दिर क मान्नता स तौला ग रहा)
26सबइ मनइयन जउन बीस बरिस या ओसे जिआदा उमिर क
रहेन, उ पचे गना गएन। एनकइ संख्या 6,03,550 रहेन।
अउ हर एक मनई क एक बेका चाँदी कर क रूप देइ क
भवा। (पवित्तर क अनुसार एक बेका आधा सेकेल क
बराबर रहा।) 27उ सबइ पौने चार टन चाँदी क प्रयोग
पवित्तर तम्बू क एक सौ आधार बनवइ बरे अउ कनात
बनवइ बरे किहन। उ पचे पचहत्तर पौण्ड चाँदी हर एक
आधार मँ लगाएन। 28दूसर पचास पौण्ड चाँदी क प्रयोग
हुक कनाते क छड़ा अउ खम्भन क सिरा क ढाँकइ बनवइ
बरे किहेन।

29साढ़े छब्बीस टन स जिआदा काँसा यहोवा क भेंट
चढ़ावइ बरे भवा। 30उ काँसा क प्रयोग बइठकावाला तम्बू
क प्रवेस दुआर क आधार बनवइ मँ भवा। उ पचे काँसा क
प्रयोग वेदी अउ काँसा क जाली बनवइ मँ भी किहेन। अउर
उ काँसा सब अउजार अउ वेदी क बतर्नन क बनवइ क
काम मँ आवा। 31एकर प्रयोग चारिहुँ कइँती कनाते क
आधार अउ आँगन क चारिहुँ कइँती प्रवेस दुआर क
आधारन क पर्दन बनवइ बरे भवा। अउर बचा भवा काँसा
क प्रयोग पवित्तर तम्बू क खूँटियन अउर आँगन क चारिहुँ
कइँती क पर्दन क बनवइ बरे भवा।

याजक क खास ओढ़ना

39 कारीगरन नीला, लाल अउ बैगनी ओढ़ना क
खास बस्त्र याजक बरे बनाएन जेनका उ पचे
पवित्तर ठउर मँ सेवा क समइ पहिरहीं। उ पचे हारून बरे
वइसा ही खास बस्त्र बनाएन जइसा यहोवा मूसा क हुकुम
दिहेन।

एपोद

2उ पचे याजक क एपोद सोना क तार, सन क उत्तिम
रेसा अउ नीला, लाल अउर बैंगनी कपड़ा स बनाएस। 3(उ
पचे सोना क पातर पत्तर क तरह पीटेन अउर तब उ पचे
ओका लम्बा धागा क रूप मँ काटेन। उ पचे सोना क
नीला, बैंगनी, लाल कपड़ा अउ सन क उत्तिम रेसा मँ
बुनेन। इ काम क कुसल कारीगरन क तरह किहेन।) 4उ
पचे एपोद बरे काँधे क पट्टी बनएन। उ पचे एपोद क काँधे
क कपड़ा क दुइनउँ कोना स मिलाइके सिएन। 5उ पचे
कमर क पेटी बुनेन अउ एकाँ एपोद स जोड़ेन। एकाँ एपोद
क बनावट क तरह बनाएन। उ सोनहरा धागा, बढ़िया सन
क रेसा अउ नीला, बैंगंनी अउर लाल धागा जइसा यहोवा
मूसा क हुकुम दिहे रहेन वइसा ही कपड़ा बनाएन। 6कारीगरन
सोने क पत्तर मँ गोमेद मणि एपोद बरे जोड़ेन। उ पचे इ
रत्न प इस्राएल क बेटवन क नाउँ लिखेन। 7तब उ पचे
रत्नन क एपोद क काँधे प लगाएन। इ रत्न इस्राएल क
लोगन बरे यादगारी क रत्न रहेन। इ उहइ कीन्ह ग रहेन
जइसा यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहेन।

निआव क थइला

8तब उ पचे निआव क थइला उहइ कुसल कारीगर क
दुआर बनावा ग रहा जउन एपोद बनाएस रहा। इ सोना क
तार, सन क उत्तिम रेसा अउ नीला, लाल अउ बैगनी
कपड़ा क बनावा ग रहा। 9निआव क थइला चउकोर
दोहराइके तह कीन्ह भवा रहा। एक बित्ता लम्बा अउ एक
बित्ता चौड़ा रहा। 10कारीगरन एह प सुन्नर रत्नन क चार
लाइन जड़ेन। पहली लाइन मँ एक लाल, एक पुखराज अउ
एक मर्कतमणि रही। 11दूसर लाइन मँ एक फिरोज, एक
नीलम अउ एक पन्ना रहा। 12तीसरी लाइन मँ एक गोमेद,
एक अकीक अउ एक आकूत रहा। 13चौथी लाइन मँ एक
लहसुनिया, एक सेसमणि अउ एक कपिस मणि रही। इ
सबहिं रत्न सोना मँ जड़ा रहेन। 14निआव क थइला मँ बारह
रत्न रहेन। इ बारह रत्न प इस्राएल क बेटवन क नाउँ उहइ
तरह लिखा ग रहेन जइसा एक कारीगर मोहर प खोदत ह।
हर एक रत्न प इस्राएल क बारहु बेटवन मँ स एक क नाउँ
रहेन। 15निआव क थइला बरे निखालिस सोना क जंजीर
बनावइ गएन। इ लसुरी क नाई बटी गइ रहिन। 16कारीगरन

सोना क दुइ छल्ला बनाएस अउ उ पचे दुइनउँ छल्ला क
निआउ क थइला क दुइनउँ कोना प लगाएन। उ पचे काँधा
क पट्टा बरे दुइ दू सोना क सेट भी बनाएस। **17**तब उ पचे
दुइ सोना क जंजीरन क निआव क थइला क कोना क
दुइनउँ छल्लन मँ बाँधेस। **18**उ पचे सोना क जंजीरन क दूसर
सिरन क काँधा क दुइनउँ पट्टियन स बाँधने। तब उ पचे
ऍका एपोद क समन्वा जोड़ेस। **19**तब उ पचे दुइ अउर सोना
क छल्ला बनाएन अउर निआउ क थइला क दूसर कोने प
ओनका लगाएस। इ एपोद क निअरे निआव क थइला क
अन्दरोनी किनारा मँ रहेन। **20**उ पचे एपोद क समन्वा कइँती
काँधे क पट्टी क तले दुइ छल्ला लगाएन। इ छल्लन क
जोड़न क नगिचे ठीक कमर पेटी क ऊपर रहेन। **21**तब उ
पचे एक ठु नीली पट्टी बइपरेन अउ निआउ क थाइला स
छल्लन क एपोद क छल्लन स बाँधेन। इ तरह निआव क
थइला पेटी क नगिचे लाग रहा अउ इ गिर नाहीं सकत। उ
पचे इ सब चीजन्क यहोवा क हुकुम क मुताबिक किहेन।

याजकन क दूसर बस्त्रन

22तब उ पचे एपोद बरे नीला कपड़ा स चोगा बनाएन। इ
एक कुसल व्यक्ति दुआरा बुना गएन। **23**चोगा क बीचउ
बीच एक छेद रहा। इ छेद क चारिहुँ कइँती कपड़ा क
टुकड़ा लाग रही। इ कपड़ा छेद क फाटइ स बचावत रही।
24तब उ पचे सन क उत्तिम रेसा, नीला, लाल अउ
बैगंनी कपड़ा स अनार बनाएन। उ पचे ओनका क चोगा क
खाले कोना प चारिहुँ कइँती लटकाएन। **25**तब उ पचे
निखालिस सोना क घण्टी बनाएन। उ पचे अनारन क बीच
मँ चोगा क खाले सिरा क चारिहुँ कइँती घण्टी क बाँधेन।
26चोगा क सिरा क चारिहुँ कइँती घण्टी अउ अनार रहेन।
हर दुइ अनारे क बीच एक घण्टी रही। याजक उ चोगा क
तब पहिरत रहा जब उ यहोवा क सेवा करत रहा, जइसा
यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहेन।
27कुसल कारीगर हारून अउ ओकरे बेटवन बरे कमीज
बनाएन। इ कमीज सन क उत्तिम रेसा स बना रहेन।
28कारीगर लोग उत्तिम सन क रेसन स पगड़ी बनएन। उ
पचे सिर क पगड़ी अउ भीतर पहिरइवाला कपड़ा भी सन
क उत्तिम रेसा स बनाएस। **29**तब उ पचे कमरबन्द क सन
क उत्तिम रेसा, नीला, बैगंनी अउ लाल कपड़ा स बनाएन।
कपड़ा मँ कढ़ाई कीन्ह ग रहेन। इ चीजन क वइसे ही बनाइ
गइन जइसे यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहेन।
30तब उ पचे पवित्तर मुकुट बरे सोना क पत्तर बनाएन।
उ पचे सोना प इ सब्द लिखेन: "यहोवा बरे पवित्तर"। **31**तब
उ पचे पतरा स एक नीली पट्टी बाँधेन अउ पट्टी क
पगड़ी चारिहूँ कइँती इ तरह बाँधेन जइसा यहोवा मूसा हुकुम
दिहे रहेन।

मूसा पवित्तर तम्बू क निरिच्छन किहेस

32इ तरह "बइठकावाला पवित्तर तम्बू" क सारा काम पूरा
होइ गवा। इस्राएल क मनइयन हर चीज ठीक वइसे ही
बनाएन जइसा यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहेन। **33**तब उ
पचे "बइठकावाला तम्बू" मूसा क देखाएन। उ पचे ओका
तम्बू अउर ओहमाँ क सब चीजन्क देखाएन। उ पचे ओका
तखता, ढाँचन, छड़न, खम्भन अउर आधारन क देखाएन।
34उ पचे ओका बइठकावाला तम्बू क ढकना देखाएन जउन
लाल रंगी भइ भेड़ा क खाल क बना रहा। अउर उ पचे उ
ढकना देखॉएन जउन नरम खाल क बना रहा। अउर उ पचे
उ कनात देखॉएन जउन सब स जिआदा पवित्तर ठउर क
प्रवेस दुआर क ढकत रही।
35उ पचे मूसा क करार क सन्दूख देखाएन। उ पचे
सन्दूखे क ढोवइवाली खम्भन अउ सन्दूखे क ढकइवाला
ढकना क देखाएन। **36**उ पचे खास रोटी क अउ मेज प
रखइवाली सबहिं चीजन्क देखाएन। **37**उ सबइ निखालिस
सोना क डीबट अउ ओहँ प धरा भवा सब दिया क
देखाएन। उ पचे तेल अउ दूसर सब चीजन्क देखाएँन, अउ
दूसर सबहिं चीजन्क जउन दिया क संग बइपरी जात रहीं।
38उ पचे मूसा क सोना क वेदी, अभिसेक क तेल
महकउआ धूप, अउ बइठकावाला तम्बू क प्रेवस दुआर क
ढकइवाली कनात क देखाएँन। **39**उ पचे काँसा क वेदी
अउर काँसा क जाली क देखाएन। उ पचे वेदी क ढोवइ
बरे बनी भइ खम्भन क मूसा क देखाएन। अउर उ सबइ
ओका उ सबहिं चीजन्क देखाएन जउन वेदी प काम मँ
आवत रहीं। उ पचे ओका हाथ धोवइवाला पात्र अउ एकर
आधार क देखाएन।
40उ पचे मूसा क आँगने क चारिहुँ कइँती क कनाते क
खम्भा अउर आधार क देखाएन। उ पचे ओका उ कनात क
देखाएन जउन आँगन क प्रवेस दुआर क ढाँके रही। उ पचे
ओका लसुरी अउ बइठकावाला तम्बू क खूँटी देखाएन। उ
पचे पवित्तर तम्बू मँ ओका सबहिं चीजन्क देखाएन।
41तबहिं उ पचे मूसा क पवित्तर ठउर मँ सेवा करइवालन
याजकन बरे बना ओढ़ना क देखाएन। उ पचे ओका हारून
अउ ओकर पूतन बरे बना भवा खास बस्त्र देखाएन। उ पचे
उ वस्त्र क तब पहिरत रहेन जब उ पचे याजकन क रूप मँ
सेवा करत रहेन।
42यहोवा मूसा क जइसा हुकुम दिहेस, इस्राएल क
मनइयन ठीक सब काम उहइ तरह किहेन। **43**मूसा सब कामे
क धियान स लेखस। मूसा लखेस कि सब काम ठीक उहइ
तरह भवा जइसा यहोवा हुकुम दिहे रहेन। ऍह बरे मूसा
ओनका आसीर्बाद दिहेस।

मूसा पवित्तर तम्बू क नींव धरत ह

40 तब यहोवा मूसा स कहेस, **2**"पहिले महीना क
पहिला दिन बइठकावाला पवित्तर तम्बू क खड़ा
करा। **3**करार क सन्दूख क पवित्तर तम्बू मँ धरा। सन्दूख क
समन्वा पर्दा क रखा **4**तब खास मेज क भीतर लइ आवा।
जउन सामान मेज प होइ चाही ओनकइ ओह प धरा। तब
डीबट क बइठकावाला तम्बू मँ धरा। दिया क डीबट मँ रख
एका कइ उचित जगहन पइ धरा। **5**सोना क वेदी क धूप क
भेंट बरे बइठकावाला तम्बू मँ धरा। वेदी क करार क
सन्दूखे क समन्वा धरा। तब कनात क पवित्तर बइठकावाला
तम्बू क प्रवेस दुआर प लगावा।

6"बरी भई भेंट क वेदी क पवित्तर तम्बू क प्रवेस दुआर प धरा। 7काँसा क हउदा क बइठकावाला तम्बू अउ वेदी क बीच धरा। हउदा क पानी स भरि द्या। 8अंगना क चारिहुँ कइँती कनात लगावा। तबहि आंगन क प्रवेस दुआर प कनात लगावा।

9"अभिसेक क तेल स पवित्तर तम्बू अउ एँकर हर एक चीज क अभिसेक करा। जबहिं तू इ चीजन प तेल नउब्या इ पवित्तर होइ जाब। 10होमबलि बरे वेदी क अभिसेक करा। वेदी क हर एक चीज क अभिसेक करा। तू वेदी क पवित्तर करब्या। इ सबन त जियादा पवित्तर होइ जाब। 11तब खोरा अउ एँकर आधार क अभिसेक करा। अइसा उ चीजन्क पवित्तर करइ बरे करा।

12"हारून अउ ओकरे पूतन क बइठकावाला तम्बू क प्रवेस दुआर प लावा। ओनका पानी स नहवावा। 13तब हारून क खास पोसाक पहिरावा। तेल स ओकर अभिसेक करा अउर ओका पवित्तर करा। तबहिं उ याजक क रूप मँ मोर सेवा कइ सकत ह।

14तउ ओकर पूतन क पोसाक पहिरावा। 15पूतन क अभिसेक वइसा ही करा जइसे ओकरे बाप क अभिसेक किहा ह। तबहिं उ पचे याजकन क रूप मँ मोर सेवा कइ सकत हीं। जब तू ओनका अभिसेक करिब्या, उ पचे याजकन होइ जइहीं। उ परिवार भविस्स मँ हमेसा याजकन रहइ ही।" 16मूसा यहोवा क हुकुम मानेस। उ इ सब किहस जेका यहोवा हुकुम दिहे रहेन।

17इ तरह पवित्तर तम्बू दूसर बरिस क पहिले महीना क पहिले दिन बनइ दीन्ह गवा जउन टेमॅ उ पचे मिस्र क तजि दिहे रहेन। 18मूसा पवित्तर तम्बू क यहोवा क हुकुम क मुताबिक खड़ा किहेस। पहिले उ आधारन क नीचे धरेस। तउ उ तखता क आधारन प धरेस। उ छड़न क लगाएस अउर खम्भन क खड़ा किहेस। 19ओकरे पाछे मोसा बाहरी तम्बू क पवित्तर तम्बू क ऊपर फइलाएस। एकरे पाछे उ बाहरी तम्बू प दूसर ढकना धरेस। उ इ यहोवा क हुकुम क मुताबिक किहेस।

20मूसा करार लिखा भवा उ दुइ पाथरन क पाटी क लिहेस अउ ओनका सन्दूखे मँ धरेस। मूसा खम्भन क सन्दूखे मँ लगाएस। तबहिं उ सन्दूखे प ढकना धरेस। 21तब्बइ मूसा सन्दूखे क पवित्तर तम्बू मँ धरेस। उ पर्दा क नीक ठउरे प आड़ करइ बरे लगाएस। इसी प्रकार यहोवा क हुकुम क मुताबिक उ करार क सन्दूख क पर्दा क पीछे कइके आड़ मँ कइ दिहेस। 22तब मूसा खास रोटी क मेज क बइठकावाला तम्बू मँ धरेस। उ एँका पवित्तर तम्बू क उत्तर कइँती रखेस। उ इ पर्दा क समन्वा रखेस। 23तबहिं उ यहोवा क समन्वा रोटी मेज प धरेस। इ उ वइसा ही किहेस जइसा यहोवा हुकुम दिहे रहेन। 24तब मूसा डीबट क बइठकावाला तम्बू मँ धरेस। उ डीबट क तम्बू क दक्खिन मँ मेज क पार धरेस। 25तब मूसा यहोवा क समन्वा डीबटे प दिया रखेस। उ इ यहोवा क हुकुम क मुताबिक किहेस।

26तबहिं मूसा सोना क वेदी क बइठकावाला तम्बू मँ धरेस। उ सोना क वेदी क पर्दा क समन्वा धरेस। 27तब उ सोना क वेदी प महकउआ धूप बारेस। उ वइसा ही किहेस जइसा यहोवा ओका हुकुम दिए रहेन। 28तब मूसा पवित्तर तम्बू क दुआरे कनात लगाएस।

29मूसा बची भइ भेंट क वेदी क पवित्तर तम्बू क प्रवेस दुआर प धरेस। तबहिं मूसा एक होमबलि भेंट उ वेदी प चढ़ाएस। उ अन्नबलि भी यहोवा क चढ़ाएस। उ इ सब चीजन्क यहोवा क हुकुम क मुताबिक किहेस।

30तब मूसा बइठकावाला तम्बू अउ वेदी क बीच काँसा क खोरा धरेस। उ खोरा मँ पानी धोबइ बरे धरेस। 31मूसा, हारून अउ हारून क बेटवन आपन हाथ पैर धोवइ बरे इ खोरा क बइपरेन।

32उ पचे हर दाईं जब बइठकावाला तम्बू मँ प्रवेस करतेन तउ आपन हाथ पैर धोवतेन। जब उ पचे वेदी क नगिचे जातेन तब भी हाथ पैर धोवतेन। उ पचे एँका वइसा ही करतेन जइसा यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहेन। 33तब मूसा पवित्तर बइठकावाला तम्बू क आँगन क चारिहुं कइँती कनात खड़ी किहेस। मूसा वेदी क आँगन मँ धरेस। तब उ अँगने क प्रवेस दुआर प कनात लगाएस। इ तरह मूसा उ सबहिं काम क पूरा किहेस जेका करइ क यहोवा हुकुम दिहे रहेन।

यहोवा क महिमा

34तब बादर बइठकावाला तम्बू क ढाँकि लिहस। अउर यहोवा क महिमा पवित्तर तम्बू क भरि द्या। 35मूसा बइठकावाला तम्बू मँ एँह बरे नाहीं घुसि सका काहेकि बादर एँह पइ उतरि आए रहेन अउ यहोवा क महिमा स पवित्तर तम्बू भरि ग रहेस।

36इ उहइ बादर रहा जउन मनइयन क इसारा किहेस कि कब चलइ क अहइ। जब बादर पवित्तर तम्बू स उठत तब इस्राएल क मनइयन चलब सुरू कइ देतेन। 37मुला जब बादर पवित्तर तम्बू प ठहर जात तउ मनइयन चलइ क कोसिस नाहीं करत रहेन। लोगन उहइ जगह पइ तब तलक रहतेन जब तलक बादर तम्बू मँ रहतेन। 38एँह बरे दिन भइ बादर पवित्तर तम्बू मँ रहतेन। अउर राति मँ बादर आगी क नाई परगट होतेन। एँह बरे इस्राएल क सबहिं मनइयन आपन पूरा जात्रा मँ बादर क लखि सकतेन।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html